सचित्र श्रर्ध-मागधी कोष

AN ILLUSTRATED. ARDHA-MAGADHI DICTIONARY

अर्ध-मागधी कोष

संस्कृत, गुजराती, हिन्दी एव इंगनिश पर्यायों, सन्दर्भी तथा उद्धरणों सहित

भाग २

शतावधानी जैनमुनि श्री रत्नचन्द्रजी महाराज

पूज्यपाद श्री स्वामी गुलावनन्द्रशी महास्तर (नीम्बरी सम्प्रदाय) में हिएय

> भूमिकाकार ए० सी० वूल्नर

मोतीलाल बनारसीवास

दिल्ली वाराणसी पटना वंगलीर मद्रास

AN ILLUSTRATED ARDHA-MAGADHL DICTIONARY

with Sanskrit, Gujarati, Hindi and English Equivalents, References to the Texts and Copious Quotations

VOLUME 2

SHATAVADHANI JAIN MUNI SHRI RATNACHANDRAJI MAHARAJ

Disciple of Swami Shri Gulabchandraji (Limbdi)

WITH AN INTRODUCTION BY A. C. WOOLNER

MOTILAL BANARSIDASS

Delhi Varanasi Patna Bangalore Madras

First Edition, Infore, 1923 Reprint Debit, 1988

MOTILAL BANARSIDASS Bungalow Read, Jawahar Nagar, Delhi 110 007

Browler
Chowk, Varance 221 001
Ashok Reporth, Patea 800 001
24 Race Course Road, Bangalore \$60 001
120 Royapettah High Poad, Mylapore, Madea 600 001

ISBN: 81-205-0595-2 (15t) III ISBN: 81-205-0597-0 (8-t)

PRINTED IN INDIA

BY JAINFNDRA PRAKASH JAIN AT SHRI JAINFNDRA PRESS, A-45 NARAINA INDUSTRIAL AREA, PHASE I, NEW DELHI 110 028 AND PUBLISHED BY NARENDRA PRAKASH JAIN FOR MOTILAL BANARSIDASS, DELHI 110 007.

चित्र सूचि.

:0:							
	नाम					पृष्ठ सख्या.	
Ą	आवलिकार्यंघ विम	न	•••	•••	•••	हह	
ર	श्रासन	•••	•••	•••	•••	१०४	
ą	उर्घ्वलोक	•••	•••	•••	•••	२०१	
ય	उपशमश्रेणी	•••	•••	•••	•••	२६४	
X	कनकावली	•••	•••	•••	***	३६०	
દ્	कृष्यराजी	•••	•••	•••	•••	३६६	
૭	कालचक्र	•••	•••	•••		४६१	
2	चपकश्रेणी	•••	•••		•••	xx=	
3	घनरज्जु	•••	•••	•••	•••	६६०	
१०	घनोद्धि	•••	•••	•••	•••	६६२	
११	चउदह रत्न	•••	•••	•••	•••	६७≈	
१२	चंद्रमग्डल (•••	•••	•••	•••	হ্নধ	
१३	चंद्रसूर्यमालिका	•••	•••	***	•••	६६०	
ર ુ	जंबुद्वीप	•••	•••	•••	•••	७७३	
१ऽ	र नच्चत्र	•••	•••	•••	•••	X03	
११	र नच्चत्रमण्डल	•••	•••	•••	•••	Łoż	



र्ल नमोऽस्तु महावीराय. २००

* सचित्र *

॥ अद्मागधी-कोष॥

-000

ऋा]

आं.

স্পাত্

श्रा. श्र० (श्रा) भर्याहा; ६६, सीभा सीमा; सर्यादा. Limit. "श्रामरखंत" परहरू २, २; क० नं०२,२०; क० प०१, १४; पन्न०३६; (२) धाऽधालं आर. वाक्यालंकार धाः expletive. नाया०२; (३) सन्भुण. सन्मुख; सामने in front of. राय०(४) थाउं; ध्यत्; जराऽ. थोहा; ईषत्, कम. धः little. पन्न०२३;

आत्र पुं॰ (श्राय) क्षाल; प्राप्ति त्ताम, प्राप्ति.
Gain, acquisition. (२) कैनाथी
ज्ञान व्यादिनी प्राप्ति थाय ते, व्यध्ययन,
प्रधरेण जिससे ज्ञान श्रादि की प्राप्ति हो वह;
श्राभ्ययन; प्रकरण. means of gaining knowledge etc; chapter;
section विशे॰ ६६१; १२२६; क॰
ग॰१, २३;.

एइ-ति विशे० ४३१; दसा०७, १; पिं० नि० २०८, प्रव० ६०६;

एंति. विशे० ११८६;

एउ. श्रा० विशे० १३६;

एहि. श्रा० विवा० १, नाया० २; ६; भग० १४, १; दस० ७, ४७; एह. सु॰ च॰ २, १६४, उवा॰ १, ६१;
एही भ॰ सु॰ च० १, २६३;
एस्संति स्य० १, १, १, २७;
एउं सं॰ छ॰ उत्त० ४, १०;
एतए. हे॰ छ॰ वेय० १, ४६; दसा० ७, १;
वव॰ ६, १;
एजंत. व॰ छ॰ उत्त० १२, ४, उवा॰ ७,
२१४,
एजमार्ग. व॰ छ॰ भग० ४, ४, १२, १, १४,
६; नाया॰ १; २; ३; ४; ४, ६;

१४; १६; श्रत० ६, ३; विवा० १; श्राइ पुं० (श्रादि) आदि; प्रथम; शरूआत. श्रादि; प्रथम, प्रारंभ Beginning क० गं० १, १४, २१; २८, श्रोव० २७, श्रयाुको० १२८; नाया० १; ५; ७, १०; १४; भग० २, १; ४, १; ४०, १; पक्ष० ११, जं० प० २, १६, (२) नासीनी नीयेनी साग नामी के नाचेका भाग-हिस्सा the part below the navel टा० ६; (३) छत्यादि, वगेरे; वगैरा वगैरह; इत्यादि. et cetora भग० ६, ७, नाया० १४; १५; १६; दस० ७, ७; (४) संसार. संसार the world; worldly existence स्य० १,७,२२; —गर. पुं० (-कर) (श्रादो प्रथमतः श्रुत

धर्माचारादि प्रन्थात्मकं कर्म करोति तद्र्थ प्रखायकरवेन प्रणयतीरयवंशीलः) आहि શરુઆપતમાં આચારાંગ આદિ શ્રત ધર્મના रचियत, तीर्थकर the first author of Achārānga etc.; a Tirthankara "ते सन्वे पायाउचा श्राहगरा धम्मा-ण" सूग० २, २, ४१, कप्प० २, १४, नाया० ध० भग० १, १; नाया० १, १६; सम० १; —तित्थयर पुं॰ (-तीर्थंकर) ऋपलदेव स्वाभी ऋषभदेव स्वामी, Risabhadeva Swāmī " भगवधो उस्तह सामिस्स श्राइतित्थयरस्स " नंदी - दुग, न॰ (-द्विक) अपार्थाप्त सृक्ष्म अने लाहर એ डेंद्रिय-रूप भे प्रकृति. अपर्याप्त सुद्दम और वादर एकेन्द्रियरूप दो प्रकृतियां. the two Karmic natures (Prakritis) viz Aparyāpta Sūkshma Bādara Ekendriya. क॰ प॰ १, १५: -मड त्रि॰ (-मृदु) आरंशभा डेाभस. प्रारंभ में कोमल. soft in the beginning. श्रगुजी० १२८;-- मुहुत्त. (-मुहूर्त) પ્રથમ મુહુર્વ, સૂર્ય ઉગ્યા પછી બે धरी सुधीने। सभय. प्रथम मुहूर्त; सूर्योदय के बाद का दो घडी का समय. the first Muhūrta; the first period of 48 minutes after sunrise. Muhūrta=48 minutes=2 Ghadis. " श्रविंभतरश्रो श्राइ मुहूत्ते छुएण उइ श्रगुलच्छाए परागते "सम०-मोक्ख पु॰ (-मोच - भादिः संसारस्तस्मान्मोचः श्रादि मोचः) આદિ-સંસારથી છુટકારા થવા તે. ससार से छुटकारा-मुक्त होना. emancipation from worldly existence. " इत्थित्रो जेग सेवंति श्राइ मोक्लाहिते-

जया " म्य० १, १, २२;--राय पुं• (–राज) ઋપલાદેવ પ્રભુ કે જેણે સાંથી પહેલાં રાજ્યની સ્થાપના કરી અસિ, મસિ, કૃષિ આદિ કર્મભૂમિપાશું પ્રવર્તાવ્યું ऋषभ-देव, जिन्होंने सब से पहिले राज्यकी स्थापना का और श्रसि. मसि. सचि श्रादि वाणिज्य रूप कर्म-भूमिपन का प्रारंग किया. Lord Risabhadeva who first started the institution of a kingdom (government) and established the military, the literary and the agricultural departments. य ६:-लेसतिग. न॰ (-लेखांत्रिक) શરુઆતની ત્રણ લેશ્યા; કૃષ્ણ નીલ અને धेरात लेश्याः प्रारम्भ का तीन लेश्याएं; कृप्ण, नाल और कापोत. the first three Leśyńs, i e. thought and matter tints viz black, blue and grey. क॰ गं॰ ३,२२; —संघयण. न॰ (-संहनन) प्रथ मनुं संध्यणः प्रजू, अपल, नाराय संध्यश्. प्रथम का संहननः वज्र, ऋषभ, नाराच the first or primitive physical constitution called Vajra Risabha Nārācha Sanghayana (i. e. adamantine character of the bones etc.) क॰ गं० २. २१:

श्राइश्रांतियमरण. न० (श्रात्यन्तिकमरण)
देश अने छव अन्यत लुध पडे ते; सृत्यु.
जांव श्रोर शरीर का सर्वथा प्रयक्त होना; सृत्यु.
Death; total separation of soul
from body. भग० १२, ६; प्रव० १०२३;
श्राइं. श्र० (श्राइं) वाक्यालंकार.

An expletive. भग० १४, १; आइंग्किणी स्ती० (आ चत्त्रणा) ५७ पिशा- श्रिश विद्या, के जेने ये। सामा भाष्यनी
अप्त वात काषी शक्षायः कर्णा पिशाचिका
विद्या, जिसक बल से दूसरे के मन की ग्रस
बात जानी जा सकती है. An art known
as Karnapiśūchikā Vidyā by
which other persons' secrets
can be fathomed and known.
प्रव॰ ११३;

√ श्राइक्ख़. घा• I-II (श्रा+चस्) કહेવु; आभ्यान करना; अधावणी हेवी. कहना; आर् स्यान करना; वधाई देना. To tell, to describe; to inform about some good events.

श्राह्रक्खह. भग० ३, १; ७, ६; श्रोव० २७; ३४; सूय० २, ६; १; नाया० १; १; ६; १३; १६; जं• प० ७, १७६; दस० ६, ३; सम० ३४; दसा० १०, ११; निर० १, १; श्राह्रक्खंति. भग० १, ६; २, ५; ५, २, नाया० १; २; ६; १६; श्राया० १, ६, ४, १६०;

त्राहक्लेमि. सूय०२, १, ११; बाहक्लामि. भग० १, ६; १०; २, ५; ३, १; ७, ६; १६, ५;

भाइक्ले. दस०८, ४१, स्य॰२, १, ४७; श्राया०१, ६, ४, १६४;

माइक्खिजा. दस० ८, १४; माइक्खेजा. दसा० १०, ३; माइक्खाहि. भग० २, १; माइक्खाहे. नाया० १, भग० १४, १; माइक्खे. स० कृ० पि० नि० ३२४; माइक्खित्ते वेय० ३ २०; नाया० ८; भग० ९, ३३;

भाइक्खमाणः नाया० १२; भग० ३, १, ६,

३३; ११, १२; स्राया० १, ६, ५, १६५; स्रोव० ३५;

श्राइक्खग त्रि॰ (श्राख्यायक) शुलाशुल क्षेतार शुभाशुभ कहने वाला A messenger or teller of good or evil. ज॰ प॰ श्रोव॰ त्रागुजो ५२;

श्राइक्खिय जि॰ (श्र्ष्ट्राचित्त - श्राख्यात) ३६ेतुं; ३थन ३२ेल कहा हुश्रा. Told; related. भग॰ २, १; नाया॰ १;

श्राइक्खियट्व त्रि॰ (श्राख्यातच्य) ४ हैन। क्षाय ३, ६ ५६श ४२वा लोग कहने लायक; उपदेश करने योग्य. Worth being told; worth being advised. स्य॰ २, ७, १५;

श्राइश्च. पुं॰ (श्रादित्य) सर्थ; सुरक सूर्य. The sun. " सेकेण्ड्रेणं भंते एवं बुचइ स्रे श्राइन्हे गोयमा स्रा दियाणं समयाइ वा आवात्तियाह्वा "भग० १२, ६; १४, १; उत्त॰ २६, म; श्रगुजो॰ १४७; दस॰ म, २=; विशे० १५६=; श्राव० २, ७, सू० प० २०; प्रव० (२) કુધ્ણરાજીના આંતરામાં રહેલ અર્ચિમાલી નામના વિમાન ના વાસી લાકાં-ति हेवता. कृष्णराजी प्रदेश क अतर में रहा हुआ अर्चिमाली नामक विमान वासी लोकान्तिक देव. the Lokantika gods residing in the Archimali celestial abode in the interior part of Krisnaiājī. नाया॰ = भग॰ ६, ५; (૩) શ્રેવેયક વિમાન વિશેષ અને તેના દેવ. मैवेयक विमान विशेष श्रीर उसका निवासी देव the celestial abode of Graiveyaka and its resident gods. प्रव॰ १४६२; (४) सर्यभास; સાડાત્રીસ દિવસ પ્રમાણ આદિત્ય માસ. सौरमास, साढे तीस दिन प्रमाण मास.

a solar month i. e. 304 days सम० ३१ प्र॰ व॰ ६०४; - मास વું (– मास) સર્વ માસ, ૩ ા દિવસને भास. सौरमास; ३०॥ दिन का माह. ॥ solar month, a month of 301 days प्रवः ६०४; —संवद्यस् पुं॰ (संबत्सर) सुर्थ पहुंकेथी छेत्रे मांउते જઇ કરી પહેલે માડલે આવે ત્યાં સુધીના સમય, ત્રણુસાે છાસડે દિવસ પ્રમાણ સાર વર્ષ सूर्य के पहिले मंडल से आन्तिम मगडल मे जाने और वहा से लोट कर फिर पाहले मंडल में आने तक जितना समय लगे उतना समय, तीनसी छासठ दिन प्रमाण वर्ष. the solar year, an year consisting of 366 days, the time taken by the apparent revolution of the sun round the earth र्ज॰प॰ सू० प० २,

श्राइचजसः पुं० (श्रावित्ययशस्) भरत यक्ष्यतींना आदित्ययश नामे पुत्र, के के राज्य भागती अते दीक्षा लाग्न सक्ष्य कर्म क्ष्य करी भाक्ष गया भरत चक्रवर्ती का श्रादिरय-यशा नामक पुत्र, जिसने राज्य भोगकर श्रंत में दीचा जो श्रीर कर्म चयकर मोच्च में गया Adityayaéā, the son of the emperor Bharata, he ruled for some time but at last took Diksā and after having destroyed all Karmas attained to salvation. ठा० =, १;

आइचा स्तं॰ (ऋादित्या) सूर्यनी धीछ अध मिट्टिपी सूर्य का दूसरी पहरानी. The second principal queen of the sun भग०१० ४;

प्रहण करने योग्य. Worth being accepted or taken. नाया॰ १२; जं॰ प॰ कप्प॰ ३, ३६; क॰ गं॰ १, २६, ५१; २, २३; ६, ७३; (२) लेतुं वयन प्राह्म—प्रद्रश् ६२वा येाग्य होय ते. वह च्याक्रे, जिम का वचन प्राह्म हो. (one) whose words are worthy of acceptance. गहल्ला॰ ६४;

आहृष्ट न० (आदिष्ट) प्रेरेश्या करनी; आहेश करने। ते प्रेरेशा करना; आदेश करना. Instruction; suggestion. स्य॰ १, ४, १, १६; विशे॰ ४८६;

श्राइह. त्रि॰ (श्राविष्ट) आवेशवाणी. श्रावेश नाला. Possessed by; inspired by. "जनला एमेणी श्राइहे समाणी" भग॰ १८, ७,ठा० ५; दसा० ६, १५; श्रोघ० ति० ४६७; श्राइहि स्रो॰ (श्रादिष्टि) धारणा, धारणा; विचार. Intention; idea; fixed thought ठा० ७;

श्राइड्डि. स्नी॰ (श्रात्मिट्डि) श्रात्मक्षीः; श्रात्मशित श्रात्मा की शक्ति. Soulforce; soul-growth; soul-power. भग॰ १, ३; ३, ५; २॰, १०;

आदाइँढयः त्रि॰ (श्रात्सर्द्धिक-श्रात्मन एव श्राह्यवेस्य) आत्मश्रद्धि वाली; आत्म-शित-लिन्ध वाली. श्रात्मर्श्चिद्ध वाला; श्रात्म-शिक्तयाला Possessed of soul-power or soul-wealth. "श्राहाँद्ध एए। भेते! वेवे जात्र चतारी एच देवावासं तरादं" भग० १०, १;

न्त्राह्णा. न० (त्राजिन) यर्भ, याभर्डुः चमदाः Skin, leather. राय० ६७; निसी० १७, १२, क० ग० १, २१; —पाचारः न० (-प्राचार) यर्भवस्त्र, यामडाना ४५डांः चमड़े का चन्न. a skin or leather garment निसी॰ ७, ११;

श्राइराएा. ति॰ (श्राचीर्ष) आता ६रेश. श्राज्ञा पाया हुत्रा. Advised; commanded '' श्राइराएा जं पुण श्रागुरारायं'' श्राया॰ नि॰ १, १, ९, ७;

श्राइएए। त्रि॰ (श्र कीर्या) ज्या^{ने}त; सडीर्थं, भी थे। भीथ **अरेश** ख़चाख़ मरा हुआ Pervaded by; thickly scattered over with श्रोव॰ श्रोघ॰ नि॰ द६, नाया॰ ६: भग॰ १, १: २, ४, ર, ૧; ૫, (૨) ત્રિ જાતિ આદિથી શુદ્ધ ગુણવાન ધાડા. जाति आदि से शुद्ध गुणवान घोडा. a horse of good breed. " कसंवद्टठु माइएए। पावगं पडिवज्जपु " उत्त॰ १, १२; पर्रह॰ १, ४, जीवा॰ ३, ४, " श्राइएए। वरतुरय मुसंपउत्ते " भग० ७, ८; नाया॰ १७, (३) वितयवान पुरुष विनय-बान पुरुष a reverent, respectful person ठा०४, १, (४) आ १ र्थ जात ના ધાેડાના દ્રષ્ટાતવાળું નાતાસૂત્રનું ૧૭ મું य्य ध्ययन. श्राकीर्ण जाति के घोडे का जिसमें वर्णन है वह ज्ञाता सूत्र का १७ वा ग्राध्याय the 17th chapter of Jñātā Sutra dealing with a horse of Akīrna breed. नाया॰ १; सम॰ १६: - णाय उभायणः न॰ (जाताध्ययन) रातासुत्रनुं १७ भुं अध्ययन ज्ञाता सूत्र का १७वा श्रद्याय. the 17th chapter of Jñātā Sūtra सम॰ नाया॰ १७; —हय पुं• (-हय) જાતવાનુ ધોડા जाति-वान् घोड़ा. a horse of noble breed. जीत्रा० ३:

श्राहरागतर त्रि॰ (श्राकीर्णंतर) वधारे व्यासः अति भीया भीय बहुत उग्रादह

न्याप्त. Densely or thickly pervaded by; dense; thick. भग॰ १३; ४,

श्राहतब्ब. त्रि॰ (श्रादातब्य) अक्ष्ण ६२९। थे।२५ श्रहण करने योग्य Worthy of acceptance, worth being taken. नेय॰ ४, २५:

श्राइत्तः त्रि॰ (श्रादीस) दे। प्रे प्रधाशित. कुछ प्रकाशित. Faintly gleaming.

श्राइत्तार त्रि॰ (श्रादामु) क्षेतार लेने वाला. Acceptor; one who takes ठा॰ ७;

आइड ति (धादिग्ध) व्याप्त व्याप्त भरा हुआ. Pervaded by, filled with. नाया॰ १;

श्राइम ति. (श्राकीर्ष) लुओ। "श्राइएए '' शम्ह देखी "श्राइएए '' शब्द Vide "श्राइएए '' उत्तर १, १२, २१ १ पएह॰ १, ४; जीवा॰ १; नदी॰ ठा० ४, ३

आइन्न त्रि॰ (आर्चाग्ये) व्याय देल व्यवहार में जाया हुआ Practised. performed पिं॰ नि॰ ३२६; ५७१; प्रव॰ १०१३;

आइम. त्रि॰ (आदिम) प्रथमनुं. पहेलु पहिले का, पहिला First, foremost श्रीघ॰ नि॰ ६६०, क॰ गं॰ ३, १६, प्रव॰ ४, ६५६; —गणहर पु॰ (नगणघर) प्रथम गण्धर. प्रथम गणघर. the first Ganadhara प्रव॰ ६५६;

श्चाइमय नि॰ (श्रादिमक) पहेलुं; अथमानु. पहिला; प्रथम First, foremost. विसे॰ १०४०;

স্তাহয় নি॰ (স্থাহিক) আহি স্থাই গ্রন্থ. Beginning, first of a series. নাযা. १, कप्प॰ ४, ६१–८६; श्राइय. ति॰ (श्राहत) आहर, ५ भेक्ष श्रादर पाया हुन्ना. Hououred; respected.

श्चाइय । प्रः (श्चाचित) ०५१ प्त. ब्याप्त. Filled with. नाया = =;

श्चाइयण न॰ (श्रादान) अक्ष्य धरवुं ते. ग्रहण करना Taking; acceptance. पग्रह• १, ३:

म्त्राइयब्द्ध. त्रि॰ (स्नादातब्य) स्वीकारवा थे। व्य स्वीकार करने योग्य Worthy of acceptance. वद्द रुप;

आइल्ल. त्रि॰ (ग्रादिम) पहेलुं; आहिनुं; प्रथ भनं. पहिला, शुरूका. First; foremost. पञ्च० ४, १७, राय० २३६; नंदी० ४६; प्रव॰ २२२; श्रणुजो १; —चंदः पुं॰ (-चन्द्र) उत्तरे। उत्तर द्वीपनी अपेताओ भूर्व भूर्व द्वीपने। यन्द्र. उत्तरोत्तर द्वीप की श्रपेचा पूर्व पूर्व हीप का चंद्र the moon of the preceding continent in a series of continents. " श्राइह्सचंद् स्रोहता प्राणंतराणतंर खेते" सु० प० १९; —स्टूर. पु॰ (-सूर) ६त्तरे।त्तर <u>ध्री</u>पनी अपेक्षाओ पूर्वपूर द्वीपना सुर्य उत्तरीत्तर द्वीप की अपेन्ना से पूर्व पूर्व दिशा के सूर्थ. the sun of each preceding continent in a series of continents स्० प० १६;

आईगा न० (आदीन) अत्यन्त गरीम बहुत गरात्र. (one) who is very poor. स्य॰ १. १०, ६; — भोइ. त्रि० (-भोजिन्) १४ी दीधेले। भेश्रिक भाग्रार. फेंका हुआ भोजन खाने वाला. (One) who eats food thrown away (by others). "आदीगा-भोई विकरित पार्व मंताउ प्रांत समा- हिमाहु " स्य० १, १०, ६; — विसि. पुं० (-वृत्ति त्रा समन्तादीना करुवास्पदा वृतिरनुष्ठानं यस्य) अत्यन्त दीन भिखारी. (one) who is indigent; e.g.a beggar. " त्रादाण वित्तीव करेति पावं " स्य० १, १०,६;

श्राई ग्रा. न॰ (भ्राजिनक) यर्भभ्य-याभ्यानुं वस्त्र विशेष के क्ष्मानीने व्यति सुंक्षांतुं करें वस्त्र विशेष के क्षित्र के वस्त्र विशेष के कि कमाकर बहुत नरम किया हुआ हो A garment of cured or tanned leather. "श्राई ग्रा रूप बूर खवणी बतूस फासे" सू० प० २०; कप्प० ३, ३२; श्रोव० आया० २, ४, १, १४५; नामा० १; जीवा॰ ३; भग० ११, १९; (२) पुं० अनाभने। ओक दीप तथा ओक सभुद्र. एक द्वीप श्रीर एक समुद्र का नाम. an ocean of that name; also a continent of the name जीवा॰ ३;

आईए।भइ. पुं॰ (आजिनभद्ध) आि०न द्रीपने। अधिपति देवता. आजिन द्वीप का अधिपति देव. The presiding deity of the Ajina-Dvīpa. जीवा॰ ३;

आईरामहाभद्दः पुं॰ (आजिनमहाभद्द) आिलन दीपने। अधिष्ठाता देवताः आजिन द्वीप का अधिष्ठाता देवः The presiding deity of the Ajina Dvīpa. जीवा॰ ३;

आईएामहाचर एं॰ (आजिनमहावर)
आि॰ सभुद्र तथा आि॰ नवर सभुद्रते।
अिथ्रित देवता आजिन और अजिनवर समुद्र
का आविपति देव. The presiding
deity of the Ajina and Ajinavara oceans. जीवा॰ ३;

श्चाई एवर. पुं॰ (प्राजिनवर) ओ नाभनी
ओड़ द्वीप तथा ओड़ सभुद्र इस नाम का एक
द्वाप तथा समुद्र An ocean as well as
a continent of that name. (२)
आजिन सभुद्रनी तथा आछनवर सभुद्रनी
अधिपति देवता. श्वाजिन और श्वाजिनवर
समुद्र का श्रधिपति देव. The presiding
deity of the oceans named
Ajina and Ajinavara. जीवा॰ ३;
श्चाई एवर समुद्र पुं॰ (ध्वाजिनवर मद्द्र) आजिनवर द्वीपनी अधिपति देवता. श्चाजिनवर
द्वीप का श्रविपति देव. The presiding
deity of Ajinavara Dvīpa.
जीवा॰ ३;

श्चाईराचरमहाभद्द पुं॰ (श्वाजिनवरमहाभद्र)
आिलनवर द्वीपना अधिपति देवता.
श्राजिनवर द्वीप का श्राधिपति देव. The
presiding deity of Ajinavara
Dvīpa. जीवा॰ ३;

श्चाई ग्वरोभास पुं॰ (श्वाजिनवरावभास)
ओ नाभने। ओड द्वीप तथा सभुद्र इस नाम
ना एक द्वीप श्रीर एक समुद्र. Name of a
continent, also, that of an
ocean. जीवा॰ ३;

श्चाई एवरो आसभद्दः पु॰ (श्वाजिनवरावभास-भद्र) आलिनवरालास द्वीपना देवता श्चाजि-नवरोभास नामक द्वीपका देव. The deity of Ajinavarobhāsa Dvīpa जीवा. ३;

श्राई एवरोभास महाभइ. पु. (श्राजनवराव-भास महाभइ) आजिनवरी लास द्वीपनी अधिपति देववा श्राजिनवरी भास द्वीप का श्राधिपति देवता. The presiding deity of Ājinavarobhāsa Dvīpa जीवा. ३;

श्राईण्वरोभासमहावरः पुं॰ (श्राजिनवराब-

भासमहावर) आजिनवरी लास समुद्रनी अधिपति देवता आजिनवरीभास समुद्र का आधिपति देवता आजिनवरीभास समुद्र का आधिपति देव. The presiding deity of the Ajinavarobhāsa ocean. जीवा. ३;

श्राईण्वरोभासवर पुं॰ (श्राजिनवरावभास वर) व्याजिनवरेशभास समुद्रने। व्यविपति देवता. श्राजिनवरेशभास समुद्र का श्रिषिष्ठाता देव. The presiding deity of Ajinavaiobhasa ocean जीवा ३;

आई शियः त्रि॰ (श्रादीनिक-श्रासमन्तादीन-मादीन तिद्वचते यश्मिन्सः) अत्यन्त दीनता वाणुं अत्यन्त दीनता वाला Indigent; penurious. "ब्राईशियं दुक्कडियं पुरस्था" स्य॰ १, ४, १, २,

भाईयद्ठ त्रि० (श्रातीतार्थ-श्रासमन्तादतीव इता जाताः परिच्छिन्ना जीवादयोऽथीयेनसः यद्वाऽऽसामस्त्येनातीतानि प्रयोजनानि यस्य स तथा) ६२ ४थी छे सभरत प्रयोजनी लेखे; शात व्यवहार वाला. (One) who has risen above all worldly purposes; calm and tranquil. श्राया० १, ७, ६, २२२;

श्राइरणः त्रि॰ (श्राजीरण-श्राजिः संग्रामस्तमी रयति प्रेरयति चिपति जयतीति यावत्) स्टाप्त छतनार युद्ध जीतने वाला (One) who conquers in a battle; victorious in battle. संथा॰

न्नाईसारा. न॰ (ग्राईशान) धरान देवले। पर्यतः ईशान देवलेक पर्यत Up to, as far as Isana heavenly world. प्रव॰ ११६२;

आउ. त्र॰ (अथना) અथना. त्रथना; या. Or स्य॰ २, ७, ६; श्चाउः न॰ (श्रायुष्-प्रतिसमयंभोग्यत्वे नायातीस्यायुः पुति गच्छस्यमेनगत्यन्तर्गि-स्यायुः) જેના ઉદયધી જીવ જીન્દગી ભાગવે છે તે; આયુષ્ય કર્મ, અઠ કર્મ भानं पायम अर्भ वह कर्म जिस के उदय से श्रायु प्राप्त करता है, श्रायुष्य-कर्म; श्राठ कर्मी-मेंसे पाचवा कर्म. The Karma by the rise of which a soul has to finish a life period; the fifth of the eight kinds of Karma. दसा० ६, २, पन्न० ३६; भग० ३, १; ४, १; ७, १, ६; १५, १; नाया० २; जं० प० उत्त[,] ३, १७; १०, ३; ३४, २; क० प० २, ५४, पिं॰ नि॰ भा० २६, क॰ गं० १, ३; ४, ४, — श्रज्ञभवसाराः पुं॰ (- श्रध्य-वसान) अ युष्यक्षे निष्पादक अध्यवसाय िशे। श्रायुष्य कर्म उपादान करने वाला श्रध्यवसाय विशेष. a certain sort of thought-activity giving rise to Ayusya Karma भग॰ २४, १, — उचकाम पुं॰ (-उपक्रम) भेताना હાથથીજ આઉખું પુરું કરવું તે જેમ શ્રીખિક રાજ્યે કાષ્ટ્ર પિજરમાં હીરા ચુસી આઉખુ પુરુ કર્યું તેમ. भ्रापने हाथ से ही श्रपनी श्रायु का पूरा करना, जैसे कि राज। श्रीणिक ने काष्टके पींजरे में हारा चूसकर अपनी श्रायु पूर्ण की भग० २०, १०; putting n period to one's own existence; e. g. in the case of Srenika the king, who sucked a diamond in a wooden न० (-कर्मन् एति याति वेखा युस्तक्रि-भु आयुष्य धर्म. आठ कर्मों मे से पाचवाँ श्रायु कर्म. Ayusya Karma, the fifth of the 8 Karmas. उत्त. ३३, २; ४, —काल पुं॰ (-काल) भृत्युशवः भरखने। अवसर मृत्यु समय; मरणकाल. time of death. श्राया॰ १, ८, ८, ११, - फ्खय पुं० (- त्त्य) आयुष्य धर्भने। क्षय; आयुष्य ५र्भनी निर्जरता. श्रायुकर्म का त्त्य; श्रायुकर्म की निर्जरा. "सेणे जह यड्डयं हरे एवमायुक्खयम्मि तुहती" the destruction of Ayusya Karma. स्य० १, २; १, १; सु० च० ४, ११६; नाया॰ १; =, १४,१६; भग० २, १; १, ६; ६, ३३; २५, ≈; पराह १, १; कप्प० १, २; निरं० ३, १; - क्खेम. न. (- जेम) આયુષ્ય-જીન્દગીનું સ્વાસ્થ્ય-આત્રાદી. श्रायुष्य-जीवन का स्वास्थ्य the peace and safety of life. " जं किंचि व करमं, जागे श्राउक्लेमस्समप्पणो तस्सेव श्रंतरद्धाए खिप्पं सिक्खेज पंडिए " श्राया० १, ८, ८, ६; स्य० १, ८, १५; -निवात्तिः र्खा॰ (-निर्वृत्ति) आयुष्यनी निष्पत्ति. श्रायुष्य की निष्पत्ति. acquisition of life भग ६, ४, — पज्जव पुं॰ (-पर्यव) आयुष्यता पर्याय प्रायुष्य का पर्याय-मर्यादा. variation of life. ज॰ प॰ २, २६; -परिगाम पुं॰ (-परिगाम) आयुप्य **५**र्भने। २५ लाव श्रायुष्य परिणाभ - स्वभाव, श्रायुष्य कर्म का स्वभाव nature of Ayusya Karma. " नव विहे श्राउ परिणामे परणते तजहा गइ परिणामे " गइ बधरा प॰ ठिइप॰ ठिइबंधरा प॰ भग ६, ४, जं॰ प॰ ७, १७६, — पहीरा. (- प्रहीन) क्षील थयेल आઉभुं. चीएा त्रायु. woin out life, worn out life-period भग० 99,

-भेय पुं॰ (-भेद-म्रायुष्यस्य जीवितस्य भेद उपक्रम आयुर्भेद) अ।युष्यनी अप ग्रातः आयुष्यकर्मनु लेहावु -नुटवुं ते. श्रायुकर्म का ह्टना; आयु में भेद होजाना breaking down of Ayuşya; the destruction of Ayusya-Karma. " सत्तविहे श्राउभेद प॰ तंजहा श्रज्भवमाण निमित्ते श्राहारे वेयगा। पराघाए फासे श्रागा-पारा सत्तविहं भिज्ञए श्राङ " ठा० ७; **धाउ** स्री॰ (श्रप्) पाछी जल Water. भग०५, ६, ६, ४; पि० नि० भा० ६, स्य० १, १, ५, ७, प्रव० ४८८: (२) स्त्री॰ અપકાય--પાણીના છવ; અપકાય. श्रपकाय-जल के जीव. an aquatic sentient being. जं॰ प॰ ७, सृ॰ प॰ १०, उत्त० २६, ३०, क० गं० १, २६; u, २, ६; ४, ३, भग० ६, ५, ८, (३) पूर्वायादा नक्षत्रना देवता पूर्वाषाढा नक्तत्र का देव the deity of the Purvāṣādhā constellation. "पुज्वासादा श्राड देवयाए" सू॰ प॰ १०, श्रागुजो• १३१; ठा० २, ३; — काश्र-य (-काय-श्रापः कायो यस्यति) अप्रधायः पाण्यीना छव अपकाय के जीव. aquatic lives. सम०६; उत्त० ३०, ६; दस० ६, ३०; भग० २, ६, ७, १०; १६, ३, आया॰ १, ६, १, १२; —काइय. पुं॰ (-कायिक-श्रापो द्वास्ताएव कायः शरीरं यस्येति) अप-पाशी डाय-शरीर छ केनं ते, पाशीना छप. ऐसे जीव जिनका शरीर जल है aquatic lives भग० १, ४; १७, ८; १८, ६; ३३. १; जीवा० १; पञ्च० १; दस० ४. —काश्र—य पु॰ (-काय) અ**प**કाय; पाणी. व्यकायः जल water; water considered as a sentient mass. v. 11 /2.

बत्त० १०, ६, पिं० नि० भा० १६; श्राया० नि० १, १, ३, ११३; पन्न० १; पंचा० ४, २६; १०, २४; १४, ७. — काइय ५० (-कायिक) প্রুએ। " श्राडकाइय " શખ્દ. देखो " आउकाइय शब्द " vide '' श्राउकाइय '' '' सेकिंते श्राउकाइया ? श्राउकाइया दुविहा पजता " पज १; भग० २६, १. —क्कायविहिंसगः त्रि॰ (-कायांबाहसक) पाशीना প্রবনী ভি सा **४२**ना२ जलकाय-जीव की हिसा करने नाला (one) who kills aquatic sentient beings गल्डा. १०: — जीव. पु॰ (-জीव) প্রপ্রপ্র; মাণ্ডু না छव जलजीव, पानी के जीव aquatic lives " द्विहा श्राउजीवाश्री सुद्मा यायरा तहा " उत्त० ३६, ६६; =४; =४, स्य•१, ११, ७, मग० ५, २, —बहुल त्रि॰ (-बहुल) જેમાં પાણી ઘણુ હાય તે. जिस में पानी बहुत हो ऐसः that which is full of water. जं॰ प॰ २, ३६; -वहलकोड न॰ (-वहलकागढ)ध्या જલવાલા રત્નપ્રભા પૃથ્તીના ત્રીજો કારડ बहुत जल वाला रत्नप्रभा पृथ्वी का तीसरा कारड-भाग. the third section of the Ratnaprabhā-world abounding in water. " श्राउयहुले कडे श्रसीइ जीवग्सहस्साइं बाह्लेगं " पु॰ (-काय) ---यायः પાણીના છવ; અપકાય पानी के जीव. aquatic creatures; water considered as a living mass मग॰ १६, ३; -सोग्र न० (-शोच) लक्ष्रे शै।य–पवित्रता जलद्वारा शुद्धि, purification, cleaning by means of water. ठा० ४, ३;

न्नाउंचराः न॰ (श्राकुछन) अवषव संधियवा ते अवयवाँ को संकुचित करना. Contraction of limbs. सम॰

√ आउंट भा॰ I. (*आकुच-म्रा + कृ)

३२१वथु कराना To cause to do. (२)

सेर्डायवु. संकुचित करना. to contract.

प्राउंटण् श्रोघ॰ नि॰ २२६;

प्राउटेज्जा. वि॰ भग॰ १४, १;

प्राउटेहि. श्रा॰ नाया॰ ६;

श्राउटेहि. श्रा॰ नाया॰ ६;

श्राउटोहीत. प्रे॰ भग॰ १६, ६;

श्राउटावेति. प्रे॰ भग॰ १६, ६;

श्राउटावेति प्रे॰ है॰ हु॰ भग॰ १६, ३; ६,

श्राउटावेताण प्रे॰ व॰ हु॰ भग॰ १६, ६;

आउंटावेमाण प्रे॰ व॰ हु॰ भग॰ १६, ६;

आउंटण न॰ (श्राकुञ्चन) सर्डायन संकोचन.

- पसारण, न॰ (-प्रसारण) संक्रायवुं अने विश्तारवुं ते; संक्रेश्चयुं अने पसारवुं ते. संक्रोचना श्रीर विस्तार करना contraction and expansion भग. १६, ८,

पंचा •

90.

Contract on

श्राउंटिय त्रि॰ (श्राकृश्वित) संधियेधं सकुचित किया हुआ. Contracted, folded. भग०१४, १,

श्राउग पुं॰ (श्रायुष्क) आउँ भुं: १ अपनः भाषुष्यः श्रायुष्यः, जीवन Life, भगे॰ ६, १, —ितिमः नः (-ित्रिकः नरः । सुः, तिर्धेयायु अने भनुष्यायुः, अ आयुष्यती त्रश् प्रशृति नम्कायुः, तिर्धेयायु और मनुष्यायु यह श्रायुष्य की तीन प्रकृतियाः the three Prakritis (Karmic natures) of Ayuşya i. e life-period viz of hellish beings. subhuman beings and human heings कः ग॰ ५, ४३, —चःज न॰ (-वःके) आयुष्य सिवाय श्रायुष्यके विना

excepting, with the exception of, Ayuşya, (i. e. life). % 9, 42;

श्राउच्छणा. सी॰ (श्रापृच्छना) लुओ।
" श्रापुच्छणा " शण्दः देखो ' श्रापुच्छणा"
शब्द. Vide "श्रापुच्छणा"पंचा॰ १२, २६;
श्राउचा पुं॰ (श्रावर्ज-श्रावर्जनमावर्जः श्रावक्यंतेऽभिमुखीकियते मोद्धोऽनेनेत्यावर्जः)
भन पथन अने अपाने शुल व्यापार, शुल
प्रशितः भाक्षेते अनुदूध ५ तिया मन, वचन,
श्रीर काया का शुभ प्रवृद्धि, मोद्ध के श्रवुक्त
कर्त्तन्य. The good activities of
mind, speech and body (२)
त्रि॰ भन पथन अने अपाने शुल व्यापार
अस्तार. मन, वचन श्रीर काया का शुभ
व्यापार करने वाला. (one) who has
good activities of mind, speech
and body, पंच॰ ३४;

आउज्ज ति॰ (श्रायोज्य) ग्रीक भील साथे क्रोडेस एक दूसरे के साथ जोडा हुआ। Interlinked विशे॰ १४;

श्राउजा पुं॰ (श्रातेष) नीधा आहि वाछ त्र वीणा श्रादि वाछ. A musical instrument like a lute etc. " एवमाइयाणं एगे।पवण श्राउज विहालाई विउव्वति" राय॰ ठा॰ २,३, पणह॰ २,४; —सह. पुं॰ (-शब्द) नीखा आहि वाजों की श्रावाज. the sound of a musical instrument such as a lute etc. " श्राउजसहें दुविहे परणित तंजहा ततेचेव वितत्तेचेव" ठा॰ २;

श्राउज्जग न॰ (श्रावर्जन) भन, पथन अने क्षयाना शुक्ष व्यापार मन, वचन श्रोर काया का शुभ व्यापार Salutary activity of mind, speech and body परण॰ ४३६;

आउडिजय पु॰(श्रायोगिक) उपयोग पूर्वेक वर्तनार नानी उपयोग पूर्वेक—सावधान पूर्वेक व्यवहार करनेवाला, ज्ञानी One acting attentively, one possessed of knowledge. भग॰ २, ५;

श्चाउ ज्ञियकरण न० (श्वायो जिकाकरण-श्राव जितस्यकरणमाव जितकरणम्) डेन्थ-सम्द्धातनी पूर्वे डराते। शुभ व्यापार-येग्य. केवल-समुद्धात के पहिले किये जानेवाला श्वभ-व्यापार-योग Salutary thought -activity at the time of Kevala-Samudghāta पन्न०३६;

श्राङ्जियाकरणः न॰ (श्रायोजिका-करगा-श्राड् पर्यादया केवितद्या योजनं शुभानां योगानां व्यापारणम्-भावे बुज् तस्य करणमिति) डेवल समुद्धातनी पहेलां કરવામા અવતા શુમ મન, વચન, કાયાના વ્યાપાર-કિયા, એક અંતર્મુહુર્તસુધી કર્મ-પુદ્દગલને ઉદયાવલિકામા નાખવારૂપ ઉદ્દીરણા विशेष कैवालेसमुद्धात के पहिले की जाने वाली मन वचन श्रीर काया की शुभ किया, एक श्रन्तर्भुहते तक कम पहल को उदयाविका में डालने रूप उदीरणा विशेष. Salutary activity of mind, body and speech at the time of Kevala-Samudghāta, causing an outflow of Karmic atoms for one Antara-Muhūrta প্রত ३६:

श्राउद्धीकरण न (श्रायोजिकाकरण) भन. वयन ने अयाना शुक्ष व्यापार सन वचन श्रीर काया का शुभ व्यापार. Salutary activity of thought, speech and body. पन १६, √ श्राउद्घ धा. I-II (श्रा+कुट्ट) हि सा ५२वी हिसा करना. To kill; to injure. (२) ५२वुं करना to do (३) शुक्षावयु मुलाना to make one forget. (४) भभयु भग्नना, भटकना to wander. (५) सं५६५ ५२वे।: ५२:हे। ५२वे। सकल्प करना. इरादा करना. to resolve, to intend

श्राउद्दर्भग० ७, १; श्राउद्देर ,, ,, श्राउद्दामा श्राया० १, १, ३, १५; श्राउद्दिगा. श्राया० १, २, २, ०२; श्राउद्दे. श्राया० २, १३, १७३; श्राउद्देजा.

श्राउद्दित्तपु. कप्प॰ ६, ४६;

न्नाउट्ट त्रि॰ (न्नावृत्त) परक्ष पणेल उस न्नोर मुका हुन्ना Turned to that side पन्ना. १६, २१, पि॰ नि॰ २६७. (२) व्यवस्थित थयेल व्यवस्थित arrang-

(२) व्यविश्यत थ्येस व्यवस्थित arranged; settled आया १, ७, ४, २१४, आउट्ट पु॰ (श्राकुट-आकुटनमाकुट्ट) प्रापीता

व्यवयवे। छेहपा ते; हिंसा करवी. भारवुं ते. प्राणी के श्रवयव छेदना; हिंसा करना. Cutting off limbs of animals; killing, injuring. सूय॰ १ १;

श्राउद्देश न॰ (श्रावर्तन) भासुं देश्ववु ते. करवट पलटना. Turning from one side to the other श्राव॰ ४, ४,

श्राउद्देशया स्त्री (श्रावर्तनता-ग्रावर्ततेर्डाभ मुस्तीभूय वर्तते येन स तथा तद्भावस्तत्ता) भतितानने। भेद के 'अवाय' तेनु अभर नाभ मतिज्ञानेक श्रवाय नामक भेद का क्सरा नाग Another name for Avaya which is a variety of Matijñana नंदी॰ ३२ आउट्टि. की. (आउट्टि) हिसा हिसा.
Killing, injuring beating समन्
—कय त्रि॰ (-इत) हिसा प्रवेड धरवामा
भावेल हिमा प्रवेत किया हुआ done
after having first performed
an act of killing or injury.
आया॰ १, ४, ४, १४८,

श्राउद्दिः स्त्रीः (श्रावृत्ति) स-भुभ थधने रहेवुं ते. सन्मुख होकर रहना. Standing with the face turned towards. नदीं (२) ६२। ६२। अप्यास ६२वे। ते. वारवार स्वाध्याय-आवृत्ति ४२वी ते वार-वार त्रम्यास करना-पाठ करना repeated study. e. g of Sāstras (3) સુર્વ તથા ચંદ્રનું અન્દરના માડવેથી બહાર જવું અને બહારના માડલેથી અન્દર આવવું તે; એક યુગમા-પાચ વર્ષમાં સૂર્યની ૧૦ ચ્યને ચદ્રની ૧૩૪ આવૃતિ થાય છે તેમાંની शभे ते ओ । सूर्य तथा चंद्र का भीतर के मंडल में से वाहिर श्रीर वाहिर के मडल में से भीतर श्राने को किया- एक युग (पाच वर्ष)में सूर्य की १० श्रीर चद्र की १३४ श्रावृत्तिया होता हैं उन मे से कोइ भाएक recurrence of the sun and the moon to the same point or place. In five years the sun has got ten and the moon 134 recurrences. सु॰ प॰ १२:

श्चाउद्धि ति॰ (श्राकृद्दिन्) अधीखुनी हि सा क्षरनार, ध्रेशहा पूर्वक प्राधित छेटन लेटन क्षरनार. जानवूमकर हिंसा करनेवाला सकल्प पूर्वक प्राणीको छदनभेदन करनेवाला. (One) who kills or injures animals purposely. स्य॰ १, १, २, २४, श्चाउद्धिया स्त्री॰ (श्चाकुर्दा) अधी थुजीने-

धेराध पूर्वक करवुं ते. जानवूसकर करना.

Doing anything intentionally सम॰ २१; पंचा॰ १४, १८, —दंड पु
(-दगड) लाणी खुश्रीते हंप्युं ते सम म
बूमकर पापसे अपने की दगडना-पापार्जन
करना दगड देना incurring sin,
consciously and intentionally.
'श्राउद्धिय दंड खंडियय श्रीवा'' भत्त० २०
श्राउद्ध धा॰ II. (श्रा+जुद्) ध्र्यु परे
धृटपु, टीपपु, भारपु धन से कूटना, मारना
To hammer; to beat; to pound
श्राउद्ध भग० ३, २:
श्राउद्धेता भग० ३, २:
श्राउद्धेता भग० ३, २:

श्राउाडम्म त्रि॰ (म्राजुाडित) न्यक्षर है।तरी नाभ पाउँल म्रज्जर खोदकर लिखा हुम्मा नाम. (Name) carred in letters. म्रुगुजो॰ १४=;

श्राउडावेड विवा॰ ६;

श्रार्डाडजमाण. त्रि॰ (श्राजेडियमान) सभ्भ-ध्युक्त थतु; लेडातु जुदता हश्रा. Being linked or united. " छड-मत्थेण भते मण्से श्राडडिजमाणाई सहाई सुणह् " भग० ४, ४;

न्नाउत्त ति॰ (न्नायुक्त) ६५थे। १५५६,६५-थे। सिंदी, सावयेत. उपयोग प्र्वंक; सावधानी से. Carefully, attentively " न्नाउत्त गमण न्नाउत्त ठाणं न्नाउत्तं णिसीयणं " भग॰ ३,३,६,५,७,७; २५,७, संत्था॰ ६४; सूय॰ २,२,२३; पन्न॰ ११; न्नोध॰ नि॰ ४४४, (२) २ धार्ड ने तैयार थयेंस रधाकर तैयार ready after being cooked, cooked and ready for use कप्प॰ ६;३३;

श्राउत्त त्रि॰ (श्रागुप्त) श्रुप्तिथी ने। पवेस; रक्षण धरेस. रच्चण किया हुआ. Protected carefully (२) न॰ सयत-साधुनी गित येष्टा पगेरे. संयत साधु की गति-चेष्टा वगेरह. the movements, actions etc. of a Sādhu मग॰ २५, ७,

आउत्तयाः ह्ना॰ (श्रायुक्त) ઉपयोगः. साथ-धानीः उपयोगः, सावधानीः Attentiveness; carefulness " श्राउत्तया जस्स-य नार्थि काइ" उत्त॰ २०, ४०;

श्राउधागार. पुं० (श्रायुघागार) आयुध-शाक्षा; ७िथआरे। राभवागी जन्मा. श्रायुब-शाला, शस्त्रास्त्र रखने को जगह. An armoury स्रोव०

श्राउय—श्र. न॰ (त्रायुष्क) आयुष्य, આઉખુ; છવન, છદગી આયુષ્યકર્મ श्रायुष्यः जीवन, जिदगी, श्रायुकमे Life; Ayusya-Karma सम॰ १; नाया॰ १; ८, श्रोव०२०;३८,४१, ऋणुओ० १२७, क॰ गं॰ २, ५; सूय॰ २, ७, ११, श्राया॰ १, २, १, ६२; उत्त० ४, ३७, २६, २२; भग० १, १.७; ६, ४, ३, ६, ६, ३; ७, १, ¤, ६; **१**९, १; ९≈, ५; २४, ९; २५ ३ ६; पन्न० ६२; दसा० ४, ४०; क० प० १, २६; -- कम्म न॰ (-कर्मन्) क्युओ। " श्राउकम्म " शभ्धः देखो " श्राउकम्म " शब्द vide " श्राउकम्म" भग । २६, १; ३५, २; --परिहाशि. स्री॰ (परिहानि) આયુષ્યના પ્રતિક્ષણે થતા ક્ષય, આઉખાના धंटाडी. श्रायु का प्रतिच्च होता हुआ च्चय, श्रायुष्य की हीनता. destruction of life going on every moment पंचा॰ १, ४=;—बंध. पुं (-बन्ध) आयुष्य-क्रभेनी अन्ध आयुक्तमं का वध the bondage of Ayusya-Karma "कइवि-हेगा भंते? श्राडय वधेपरागते? गोयमा! छ्विहे श्राउय बधे परागते " भग० ६, ८; श्चाउर. त्रि॰ (श्वातुर) आतुर, आधुस

વ્યાકુલ: તલ્પી રહેલ, વિહવલ श्रातुर; व्याकुल, तडफताहुआ, विह्वल Eager; distracted, longing "तत्थ तत्थ पुढा पास भातुरा परितावित " श्राया० १, ६, २, १८१; उत्त॰ २, ५; ३२, २४, वेय • ४, २६, नाया • ३, जीवा • ३, १, भग • રમ, ૭, (ર) રાગી, પીડિત દુખી, માદા. रोगी; बीमार diseased, afflicted; troubled भग॰ २४, ७, दस॰ ३, ६; नाया० १४; ठा० ४, ४; विशे० ६६१; विवा॰ ७, -सरम् न॰ (-स्मरम्) क्षुधा આદિથી આતુર થઇને પહેલાં ખાઘેલા ખારાકનુ સ્મરણ કરવુ તે, આતુરપણે સ્મરણ **५२**9 ते. नुधादि से आतुर होकर पहिले किये हुए भोजन का स्मरण करना. wistful recollection of food formerly taken (by one oppressed with hunger). " तत्ता विन्वुड भोइत श्राउर सरणाणिय '' दस० ३ ६;

श्राउरपचक्खाण न॰ (श्रातुरप्रस्याख्यान)
रे ७ (१६) बिड सूत्रभातु २८ सु सूत्र, २५। ७२५२२१ भाष् नामे औड ५६ ते. २६ उत्कालिक
स्त्रों में से २८ वॉ सूत्र, श्राउर-पचक्खाण
नामक एक पद्द्या. The 28th of the
29 Utkālika Sūtras, a Painnā
of the name of Aura-pachchakhāṇa नदां ४३;

आउरिश्र त्रि (श्वातुरित) स ह्वाडीओ; आतुर थथेल बाँमार, श्रातुरतावाला Diseased, sick, eager. राय० २४=;

श्राउलः त्रि॰ (श्राकुल) व्यापुल व्यापुल श्राकुल व्याकुल. Distracted. नाया० १; ६, भग० १, १०; नंदी० १६; विशे० ६००, श्राव० ४,४; श्रोघ० नि० ४१४, २) व्याप्त; सरेल; भराहुश्रा full of; filled with. नंदी० १६, श्रोव० ३१; (३) सभ् समृह a collection a group श्राणजो ॰ ४७ — श्रर पुं॰ (-गृह) छ्वी-थी लरेल ६२ a house full of rentient beings. जीवो से भराहुआ घर नाया ॰ ६.

श्राउलतर त्रि॰ (भाकुत्ततर) अतिशय आहुल: बहुत ज्यादह श्राकुत्त Highly distracted: greatly troubled in mind " गो श्राउत्ततराचेव" भग॰ १२, ४;

श्चाउलत्त न॰ (श्राकुलत्व) आधुसत्न-प्याप्तपा State of being filled with or pervaded by. प्रव॰ १८६;

द्याउलियः त्रि॰ (श्राकुलित) ०या५ुस थ्येसः व्याकुलः Perturbed, distracted सु॰ च॰ २, ३२४;

श्राउलीकरण न॰ (श्राकुलीकरण) प्रश्नुरी કરલ્ — धणु કरवुं — वधारनु ते; स सरने वधारवे। ते, बहुत कुछ बढाना; ससार श्रमण की शृद्धि करना. Extending, moreasing; moreasing worldly existence भगा॰ १, ६;

द्याउच्चेय. पुं॰ (श्रायुर्वेद-श्रायुर्जीवित तहि-दिन्त रचितुमनुभवन्ति चोपक्रमरक्षणेन विद्यान्ति वा लभते यथा काल येन यस्माद्य स्मिन् वेत्यायुर्वेद) थिडित्सा शास्त्र, वैदिड-श स्त्र चिकित्सा शास्त्र; श्रायुर्वेद शास्त्र: वैद्यक Science of medicine "श्रद्ठिवेहे श्राउच्वेष परागते, तं जहा—कुमारभिच्चे —कायितिनिच्छा सालाइसल्लह्ता जगोली भूयविजा खारतत रसायणे" ठा० ६; √श्राउस था० І-ІІ. (शा+कृश्) आक्षेत्र.

४२वे।, १५४। २५।५वे।. श्राक्रोश करना; उला-

हना देना. To cry out, to reproach,

to rebuke.

श्राउसइ भग० १४, १, नाया० १८; श्राउसिहित भ०भग० १४, १; नाया० १८; श्राउसित्तए हे० कु० राय० २६६, श्राउसहत्ताः सं० कु० भग० १४, १,

आउसः न॰ (श्रायुष्य) आयुष्यः आवरदाः श्रायुष्यः, श्रायुष्य-काल Life; lifeperiod सृ॰ प॰ दः

आउस. पु॰ (श्राक्रोश) आहेश श्रेस वयन. ६५६१ना वयन. उत्ताहना भरा बचन. Words of reproach or rebuke. राय॰ २६६:

श्राउस त्रि॰ (श्रायुष्यमतः) दीर्धायुः थिरं-छ्यी दीर्बायुः चिरजीमीः लंबी श्रायु वालाः Long-lived श्राया॰ १, १,१, १; सम॰ १: नाया॰ १४, पत्त॰ २;

भाउसो, स ए० व० जीवा १; भग० ८, ६; १४, १; १०, ३, २०, ८, श्रोव० ३४;

श्राउसंत ति॰ (श्रायुप्मत्) हीधीयुः थिरे-९ श्री दीषीयु, लबा उम्र वाला Longlived "सुयं मे श्राउसंतेण" सूय॰ २, ३, ४३; २, ७, ४; ठा॰ १; श्रादा० १, १, ३, १४, १, ७, २, २०२; २, ३, ३, १२६. निसी॰ ६, ४;

श्राउसणाः स्त्री॰ (श्राक्रोशमा) आहे।श ४२वे। ते चिल्लामा, बुरा भला कहना, शोर करनाः Crying out; 10proaching. भग॰ 14, 9;

श्राउस्त. पु॰ (श्राक्तोश) आहे।श—६६श वसन. कठोर वचन. Harsh words of rebuke. स्य ॰ १, ३, ३, १८;

आउह न (आयुध) आयुध; शस्त्र, ६थी-यार. शस्त्र, हिययार A weapon. नायाः २; १६, १०; भग २, १०; ७, ६; ६, ३३; सु॰ च॰ १०, ४४; ज० प० ३, ४३; —घर न॰ (-गृह) आयुध धर; आयुध- शाला; ७थीयार राभवानुं स्थान शक्रागार; हथियार रखने की जगह. an armoury. जं॰ प॰ ३, ४३; — घरसालाः स्नी (-गृहशालाः) लुओ। ७५९ी। शण्टः देखो कपरका शह. vide, " ग्राउहघर" ज॰ प॰ ३, ४३; — घरिन्रा, पुं॰ (-गृहिक) व्य युधशाल ने। ७५१— व्यष्ट्रिय प्रायुधशाला का न्राथ्यत्त a superintendent of an armoury "तएक से न्नाउहघ रिए" जं॰ प॰ ३, ४३;

भाऊणय त्रि॰ (* श्राऊनक-ईपद्नक) કंधक ओछु, উত্মু. ক্তন্ত कम. Somewhat less. भग० २५, ৬;

आऊसिय नि॰ (*) प्रवेश धरैस प्रविष्ठ
Entered. " श्राडसियवयणगडदेस "
नाया॰ मः (२) स धृथित सकुचित
contracted. " श्राडसिय श्रवखचम्म
उद्दर्शंडदेम" नाया मः

श्चाएजा त्रि॰ (श्रादेय) अहुण करने योग्य; नानने योग्य.

Worth being accepted or
taken. जं॰ प॰ क॰ प॰ ७, ६;

— वयगा न॰ (-वचन) भाननीय वयन
मानने योग्य वचन words worth
accepting उत्त॰ ३६. ६;

श्चाएसः त्रि॰ (*श्चा+इप्यत्-एष्यत्) आवर्तुः आववानुं श्चाता हुश्चाः Coming "श्चाएसा विभवति सुन्वया" सूय॰ १, २, ३, १६;

श्राएसः पुं॰ (श्रादेश-श्रादिश्यते श्राज्ञाच्यते सम्भ्रमेण परिजनो यस्मिन्नागते तदातिथे यायतदाशनदानादिय्यापारे स श्रादेशः) પાહુણા; પરાણા, મિજમાન ર્જ્યાતથિ; વાદુના. A guest. " श्राएमाए समीहिए " उत्त॰ ७, १, ४; स्रोघ० नि० १४८, ६६१; श्रोघ॰ नि॰भा॰ १४७, निर्सा॰ १०, १२, वव॰ ६, १, (२) अधर, लेट. प्रकार, भेद mode; kind भग =, २; नदी = ३६, पराण = 9; प्रव॰ ५१६; विश॰ ४०३: (३) विशेष; व्यक्ति रूप. विशेष, व्यक्तिरूप particular, individual. उत्त॰ ३६, ६; (४) सूत्र, आगमः शास्त्र सूत्र, श्रागमः शास्त्र a Sutra or scripture. विशे॰ ४०५; (प्र) उत्पाह व्यय अने ब्राव्य એ ત્રિપદી કે જે ગણધરને પ્રથમ સભલાવ-वाभा आवेछे उत्पाद, व्यय भ्रीर घ्रीव्य ये त्रिपदी जो कि गए। धर का पहले कही जाती है. the three condi tions that are first taught to a Ganadhara, viz birth. decay and steady existence विशे. ४५%; (६) ०४ ५६ेश, ०५ १ ७।२. व्यपदेश; व्यवहार. denomination; nomenclature. स्य॰ १, ६, ३; (७) હુકમ; आहाा. हक्म; आज्ञा. command. सु॰ च॰ २, ४५६, पि०नि० १८४; पंचा० ५, ४५; जीवा० १, (८) भतः मतः an opinion. '' बीम्रोविय स्नाएसी '' प्रव० ८५५: — सद्यय पुं॰ (-सर्व-श्रादेशनमादेश उपचारोब्यवहारस्तेन सर्वमादेशसर्वम्) ७५ ચારધી સર્વ; પ્રસુર અથવા પ્રધાન વસ્તુમાં सर्वना अपयार करवे। ते केम भाकतमा धी વધારે હોય તેા આજ તા એકલ ધીજ ખાધ.

[े] डार्श करणाओं भूस शण्हिने संगते। संस्कृत पर्याय संस्कृत -डेाषभां न छाय तेवे स्थले संस्कृत करणा भासी राभ्याभां आत्री छे जहां मूलशभ्द का पर्यायवाचि संस्कृत शब्द कां जगह खाला रचने मे आई है Blank space left in brackets indicates that no satisfactory तद्भव or तसम Sanskrit equivalent is available.

आभां धीनी प्रध ननाने दीवे घी शितायनी वस्तुभा पख् घीना उपयार ध्र्यां. एक का आवकता से उसका सब में उपचार करना, जैसे कि भोजन में घी आविक होने पर यह कहना कि आज तो घी ही घी खाया इस में घी की प्रधानता से भोजन की अन्यवस्तुओं में भी घी का उपचार किया denominating a thing by giving the whole of it the name of a part which is prominently found there.

श्राएसणः न॰ (श्रादेशन) लुटार वगेरे शि केड--कारणानुं लुहार वगेरह का कारखाना, A workshop of a blacksmith etc. दमा १०, १; श्राया॰ २, २, २, ६०; श्राणसिय न॰ (श्रादेशिक) स धुने देना भाटे क्रियो राणस अद्धाराहि, आद्धारनी ओक देन साधु को देने की इच्छा से रखा हुश्रा श्राहार वगेरह, श्राहार का एक दोष Food etc. pre-determined to be given to a Sādhu, a kind of sin ielating to food विं॰ नि॰ २२६;

श्रास्रोग पुं० (श्रायोग) १००५ संपादन ६० वाने। उपाय: धंधी-०थापार वगेरे द्रव्य उपार्जन करने का उपाय, धदा व्यापार श्रादिः Business; trade, means of earning. भग०२, ५; स्य०२,७,२; (२) पैसानी आवध, अभेषे। त्रख्येषे। त्रख्येषे। त्रख्येषे। त्रख्येषे। त्रख्येषे। धन की श्रामदनी, दुगना तिगना बटाव income, double or treble profit of exchange श्रोव० जं० प०३, ५६,—पश्रोग पु० (-प्रयोग श्रायोग-स्नार्थलाभस्म प्रयोगा उपाया) ६०थ संपादन धरवानी उपाय, ६०थवधिमाटे

धीरधार धरवी ते द्रव्य संपादन करने का उपाय बृद्धि के लिये देन लेन करना. earning wealth; business of lending etc जं॰ प॰ ३.५६; - पञ्चोग-संपउत्त त्रि॰ (-प्रयोगमंप्रयुक्त) ५०५ ઉપાર્જન કરવના ઉપાયમા પ્રવૃત થયેલ. द्रव्योपार्जन के उपाय में प्रवत्त-तत्पर. (one) engaged in moneymaking concerns. जं॰ प॰ ३, ४६; श्राश्रोजियाः स्त्री० (श्रायोजिका) तीव પરિણામથી કરવામાં આવતી કિયા કે જેનાથા संसार साथेना संजध वधे छे तीव परिणाम में की जाने वाली किया, जिससे कि संसार सम्बन्ध बढता है. An action done with keen thought-activity increasing one's worldly attachment पन्न २२.

স্মান্সীত্রন ন॰ (স্মানীয়) থাহা; থাপি স.
াতা; বাহা A. kind of musical instrument. স্মান॰ ३०;

श्राश्रोज्जा ति॰ (श्रायोज्य) भर्याहा पूर्वक लोध्या ये। य मर्यादा पूर्वक जोड़ने योग्य. Worth being united within limits. विशे॰ २३;

√ श्राश्रोस धा॰ I, II. (श्रा+कृश्) तिर-२४१२ ४२वे ; ४५४। देवे। तिरस्कार करना; उलाहना देना To upbraid; to reproach

श्रात्रासेसि. उवा० ७, २००;

श्रात्रोसेजासे. उवा० ७, २००;

श्राश्चोसेजा. विवि॰ उवा॰ ७, २००; श्राश्चासः पुं॰ (§) ५३।ढिंडी, सूर्वे।६४ ५६ेडानी थे धडी संवेरा; प्रात्त काल.

[§] अुओ। पृष्ठ नम्भ १५ नी प्रुटनेट * . देखो पृष्ठ नबर १५ का फूटनोट * . Vide footnote * of the 15th page.

Dawn, " श्रात्रासे संगारो धर्मुई वैलाए निग्गए ठाणं " पिं० नि॰ भा॰ ६१;

श्रांताइ. ति॰ (श्रान्तादिन्-श्रान्तेभवमान्तं मुक्तावशेषं तदान्त्तमत्ती वेवंशील श्रान्तादी) भाता पीता आडी रहेल आडार लेनार, (साधु). श्रोरों के खाते धचे हुए श्रहार को खाने वाला, (साधु). (An ascetic) who eats the remnants of food taken by others. पंचा॰ १८, ३६, श्रांदोलिर. (* श्रान्दोलिन्) डम्पनशीस. कंपनशिल; कांग्नेवाला. Trembling; of a quaking nature. सु॰ च॰ २.६५४; ✓ श्राकंख. धा॰ І (श्रा+कांच्) धम्छवुं; आडांक्षाराणवी इच्छाकरना; श्राकाचा रखना. To wish; to desire. श्राकंखी. वि॰ "निज्युडे कालमाकंखी" सूय॰ १, ११ ३८; श्राकंखर. ति॰ (* श्रा कांचिन्) आडांक्षा डर-

श्राकेखिर. त्रि॰ (+ श्र कात्तिन्) आश्रंक्षा ३२-नार; आशंक्षणुशीक्ष. श्राकांचा करने वाला One who wishes or desires. सु॰ च॰ २, ३०=:

√ आकंप. था॰ I (आ+कम्प्) आराधना ६२थी. आराधना करना. To adore; to worship (२) सन्भुभ रहेवुं. सन्मुख रहना. to remain face to face; to remain in one's presence. आकंपहता. सं॰ कु॰ भग॰ २५, ७;

श्चाकह जि॰ (श्राकृष्ट) सामे भे नेश. सामने की श्रोर सीचा हुआ. Drawn towards परह॰ १, १;

श्राक इंढ. ति॰ (श्राकर्ष) साभे भेंथवं ते. सन्मुख खाँचना. Drawn towards. भग॰ ३, १; — विकहि. छा॰ (- विकृष्टि) आभतेभ भेंथवं ते; भेंथाभेंथ ५२वी ते इधर उधर साचना. pulling in different directions: भग॰ ३, १; १४, १; श्राकारिण ता सं॰ कृ॰ श्र॰ (श्राक्यर्थ)

v. 11/3.

सालगीने. सुनकर, Having heard. नाया॰ १६;

√ श्राकसः धा॰ I. (श्रा+कर्ष्) सासक्षत्रुं. सुनना. To hear.

श्रायश्रद्ध. सु॰ च॰ १४, ४६.

श्रायस्नत. व॰ कृ॰ सु॰ च॰ २, ११७; श्रायस्निश्च. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ २. ७१;

श्रायित्रक्ष. सं० कृ० सु० च० ७, १६३:

श्राकह्मियः त्रि॰ (श्राकस्मिक—श्रकस्माद्यः द्वित तदाकस्मिकम्) आश्रिभशः अद्वेतु; श्राद्य प्रथतं श्राकस्मिकः श्राचानकः विना कारणके Accidental, without any assignable cause. " वन्म निमिन्ताभावा जंभवनाकान्द्रिय" विशे॰ ३४४१;

श्राकार. पुं० (श्राकार) आकृति; यहेरी; आकार, बेहरा; डील डील. Iform; shape; figure; face. सू० प० २०; श्रोव० निसी० ७, ३=: उवा० २, ६०; ६४;

श्राकासफलोवमा. श्री॰ (श्राकाशफले।पमा)
भाद-भादानी ओक भहार्थ खानेका एक
पदार्थ An entable substance; a
substance used as food ज॰ पं॰
१,११;

श्राकासिश्रा स्त्री॰ (श्राकाशिका) भाद्य विशेष; भावाने। ओक पदार्थ. खानेका एक पदार्थ. A. kind of food; a substance used as food. जं॰ पं॰ १, ११;

आकिइ. ह्यां • (श्राकृति) आधार; आधृति हेणाव श्राकृति; रुपरग; दश्य. Form; shape; appearance. सम•

श्राकिंचण. न॰ (श्राकिंचन्य-श्राकि॰ चनस्यभाव श्राकिंचम्यम्) परिश्रह रहिन पखुं; सुवर्ष् आहि परिश्रहने। अलाव. परिश्रह राहेततः; परिश्रह का श्रमाव. Absence of worldly possessions like gold etc. पंचा॰ ११; १६; सु॰ च॰ ३, ४७,

स्नाकिति ह्री॰ (ब्राकृति) आधार; देणाव. स्नाकृति; रुपरग. Form; appearance; shape. जीवा॰ ३, ४;

आफोलवास. पु॰ (शाकीहाबास) भैतिम-दीपना रहेता अवज्ञ-समुद्रना अधिपति सुरिथं हेवताना क्षेण्यास गाँतम द्वीप में ग्हेन वाले, लवण ममुद्र श्रिषपति सुस्तिक देवका फीडा चित्र. The pleasureabode of the god Susthika, the presiding deity of the Lavana ocean, residing in the Gautama Dvipa. जीवा॰ ३, ४.

आकुंचिंगा. न॰ (श्राकुंचन) सेहे। यवुं ते. संकोचना. Contraction. विशे॰ २४६२ — पद्भा. न॰ (-पद्दक) पताधी है ६भ२ भाष्यानुं वस्त्र. कमर बान्यने का बस्त. व cloth used to the waist. वेग॰ ४.३१;

श्राकुंचिय, त्रि॰ (श्राकुष्टिचत) संधियेस. संकुचित, सिकोडा हुश्रा. Contracted.

आसुट्ट. त्रि॰ (त्राक्रुट) की आहेश भरेस चयन संस्थापन मां आपे ते. जिसे कर्कश धयन सुनाये जाने नह. (One) who is upbraided, reproached. श्राया॰ १, ६,२,१=३;

द्याकुल ति॰ (श्राकुन) लुओ। "श्राडन " शण्द देखां "द्याडन " शब्द. Vide "श्राडन" स्य॰ १, १, १, २६;

श्चाक्त. न० (श्चाक्त) अशिधेत पश्तु. चाही हुई वस्तु; इन्छित वस्तु Desired object. विशे० २५४%;

श्राकृष. पुं॰ (श्राकृत) अलिप्र य; आशय. श्रामत्राय, मन्सा. Opinion; intended meaning. (२) न॰ अलिप्रेत-प्रन्थित १२७. चारी हुई वस्तु: इीन्छत वस्तु. a desired thing. विशे ॰ ६२६;

√ आ-यन्ता घा॰ I, II. (आ+स्या) धरेथुं; ध्यन धर्यु कहना; कथन करना To tell; to narrate.

श्राधवेह भग० =, २; १६, ६; श्राधवेज. वि० भग० ६, ३१; श्राधवेत्तए नाया० १; श्राधवेत्तए. नाया० =; भग० ९, ३३; श्राधवेत्ता. ठा० ३, १; श्राधवेत्ता. ठा० ३, १; श्राधवेत्ता. ठा० ३, १; श्राधवेत्ता. ठा० ३, १; श्राधिज्ञह. य० वा० स्थ० २, १, २०; शाहिज्जीते. क० वा० भग० १६, ३; कप्प० ४. १०३:

श्चाघविङ्जान्ति. क॰ वा॰ नंदी॰ ४४; सम॰ प॰ १७०:

आक्षेत्रवणः न॰ (आक्षेपण) आक्षेप करने। ते. श्राक्षेप करना Blaming for a fault; charging with a fault नाया॰ ७; √ आखोड. धा॰ I (आ+ खड्) ६१८वं; दंत वर्डे करका करना. दातों से दकके र

करना To tear into pieces by means of teeth.

श्रासंह की । सागित) आगमनः परलयभांथी आ लयभां आयनुं ते श्रागमनः परभवसे
इस भव में श्राना Coming; coming
to this birth from the previous
birth भग॰ ६,३, श्राया॰ १,३,३,११६ः
जं॰ प॰ २,३१.वव॰ ६,२०; राय॰ २६३;
कप्प॰ ४, १२०: प्रय॰ ४४; पंचा॰
२,२४;(२) ઉत्पत्ति जन्मः उत्पत्ति. birth;
creation. " एमा श्रागई " टा॰ १;
—गइ. क्रा॰ (-गति) आयनु कर्यु ते, गमनागभनः गत्यानि. श्राना जानाः गमनागमन.

coming and going, passing and rej assing. पंचा २, २५; -- गइचि-रागाणा. न० (गतिविजान) ४४ थे आ०थे ते है।। अवं ते।। निर्श्य इन्वे ते भूत मविष्य के जन्म का निर्णं य करना. knowledge of the past and the future births etc. knowledge of whence and whither. " श्रागइगइविएणाण इमस्त तह पुःह पाप्ण " पवा० २, २५, —गर्वित्रायः त्रि॰ (-गतिविज्ञात) આવવા જવ થી, હાલવા ચ લવાથી છવરુપે જણાયેલ તડક માધી છાયામાં અને છાયામાં-થી તડકમા જાવ આવ કરવા થી જીવ **૩**પે જરાયેલ ત્રસજીવ— ખેર્દ્રિય આદિ ९ १. स्रावा मन रूप किया से जीवत्व का बाध होना जैस कि किसा के हलन चलन या श्रान जाने स यह जानना कि इस में जीव है known to be living by to and fro motion; e. g a tiny insect etc. दस•४.

श्रागइमित्तः न॰ (श्राकृतिमात्र) आश्रार भ त्र श्राकार मात्र Only the shape. विवा॰ १:

श्रागतगार. न० (* श्रागन्तागार-श्रागन्तुक गृह) भुक्षा६२ धपि पगेरेने छ १२वानु स्थान. श्रमागा श्रादि क उतान का स्थान, सराय; धर्मशाला श्रादिथ शाना Caravansary; a house for travellers "श्रागमगारे श्रासमगार सम्भेण उमात्रण उनेतिनासं" सृ १० २, ६ १४:

न्नागंतव्व न० (श्रामन्तन्य) आवयु. श्राना. Coming सु० च० १, १५३,

त्रागंतार ति॰ (ग्रागन्त) आवनार श्राने-वाला (One) who comes a comer. ''श्रागतारी मह≅भवं'' सूय॰ १, २, १, १६; १, २, १, ६, १ ११, ३१; आगंतार. पुं॰ न॰ (श्रागन्त्रगार) आगन्तु ५० कुस इरे। ने जित्रवानी धर्भशाक्षा. धमेशाला; सराय A house for travellers; a caravansary. श्राया॰ २, १, ६, ४४; निसी॰ ३. १;

श्रागंत त्रि॰ (श्रागन्तु) अतिथि, भुसाइर. श्रानेवाला, मुसाफिर. A traveller: a guest. स्य॰ १, १, ३, १; २, २, =१; कष्प० २, =७, — छेय. पुं० (—च्छ्रेद) ભવિષ્યમા પ્રાપ્ત થવાનુ હાૈય तेन तलवार वगेरेजी च्छेहन करवं ते. भविष्य में प्राप्त हं।ने वाले का तलवार श्रादि च्छेदन करना destruction of that which is to come; e. g. with a sword etc स्य० २, २, ६१; —भेय. दु॰ (- भेद) लविष्यमां प्राप्तथवानुं હાેય તેતુ ભાલા વગેરેથી ભેદન કરવું તે. भविष्यमे आनवाल का भाला वगैरह से भेदन करना piercing e g with a lance etc. of that which is to come or to be encountered in the future. सूय॰ २, २, =9;

आगंतुगः ति० (आगन्तुक) अतिथि, भुसाइरआपंति वभेरे आतिथि, मुसाफिरः (One)
who arrives; e. g. a traveller
etc औव० नि० २१६; (२) आववाने।
७ पसर्भ भावा उपसर्ग-भय the future
trouble " आगतुगोय पीलाकरो य जो
में उत्रसंगो " पंचा० १६, ६; स्य० नि०
१, ३, १, ४४;

न्नागंतुयः त्रि॰ (स्नागन्तुक) लुओ ઉપલે । शण्ड देखो " स्नागंतुग " शब्द. Vide, " स्नागतुग " स्नोध० ान० २१६;

√ आगच्छ धा॰ I (म्र +गम्) अ यवुं; आपी पेश्यवुं. म्राना; म्रा पहुंचना. To come; to arrive. श्रागच्छइ. नाया० २; १४; १६; भग० १, ६; ७; २, १; जं० प० ७, १३३; श्रागच्छंति नाया० =; भग० १, =; श्रागच्छंत्ना. वि० श्रष्टाजो० १३४; भग० ६, ५; १३, ६; वेय० ४, १०; जं० प० २,१६; श्रोव० १२;

भागच्छे. वि॰ दसा० ७, १; क॰ गं॰ २, ६; धागच्छइ. आ॰ सु॰ च॰ २, ४६६; धागच्छिस्सइ. ग॰ उवा॰ ७, १८६; धागच्छित्सए हे॰ सं॰ छ॰ राय॰ २४८; भग॰

१८, ७; ठा० ३, ३; श्रागच्छमाया. व० छ० भग० १२, ६;

श्चागीत. स्त्री॰ (श्वाकृति) व्य कृति. श्वाकृति; श्वाकार; प्रकार. Form; appearance. विया॰ १;

थागितिः स्री॰ (श्रागिति) लुओ " श्रागइ " शण्दः देखी " श्रागइ " शब्दः Vide " श्रागइ". ठा० १, १;

√ आगच्छ, घा॰ II. (आ + गम्) मेलवतुं; ૫, भतुं, प्राप्त करना; पाना. To gain. (२) लाखुं जानना. to know. (३) आवतुं आना. to arrive at. आगमंह विवा॰ ६; धागन्तुं. सं॰ कु॰ राय॰ २४५; धागम्म. सं० कु॰ आया॰ १, ६; १, ३; भग० १, ६; ज॰ प॰ ५, १२०; नाया॰ १४;

ध्यागमिता. सं० छ० ध्रोव० २२; उत्त० १, २२; १४, ३; दसा० ७, १; स्म० २,७,३६; ध्याया० १, ४, १, १४४;

श्चागम्तुं हे॰ छ॰ सूय॰ १, १, २, ३१; श्चागमित्तप्, हे॰ छ॰ भग॰ १६, ४; श्चागमिय, सं॰ छ॰ क॰ प॰ ७, ४३; श्चागममाञ्च, व॰ छ॰ श्वाया॰ १,६,३, **आगम. पुं॰(प्रागम)** आगभ; सिद्धांत; सत्र. शास्त्र; सिद्धान्त. सूत्र; श्रागम. Scripture; principle; motto. भग॰ ४, ४; श्रयाुजो॰ ४२; पगह०२,२;ठा०४, ३; दस॰ ६, १; (२) व्यामम प्रमाशः भारत वर्ध्यथी थतुं ज्ञान. श्रागम प्रमाणः भामवाक्य से होने वाला ज्ञान. authority of Sutra. श्रयाजी॰ १४७; विशे॰ ४७०; १४४२; (३) आगम व्यवहार द्यागम व्यवहार. terms of scripture. टा॰ प्र, २; (४) व्याहाश. आकाश. the sky. भग॰ २०, २; (४) आगभन; आयवु ते श्राना. arrival; coming. इस॰ ७, ११; (६) (न्त्रा-श्राभिविधिना सर्योदया वा गम्यन्ते परिच्छिद्यन्तेऽर्थाःयेन स श्रागमः) કેવલ મનપર્યવ અને અવધિ ज्ञान, केंबल मनपर्यंव श्रीर श्रद्धि ज्ञान. the three kinds of knowledge viz Kevala Manaparyava & Avadhijiāna. भग० =, =; वव० १० ३: पंचा० ६, १; (૭) નવમાં પૂર્વથી ચાદ-પૂર્વ સુધી નોવેં पूर्वसे चादहवे पूर्व तक. the Purras from the 9th to the 14th Purva. क॰ प॰ ७, १८; —पह. पुं॰ (-पथ) साल भाग. लामका मार्ग. n benefieial or profitable path. ठा॰ ४; - बाह्यर. पुं॰ (-बाह्यक) आगम ज्ञानभां अक्षवानः, डेवक्षीप्रभृति श्रागम ज्ञान से बलवान; केवली प्रमृति. (one) strong in the knowledge of the Šāstras, e.g. Kevalī etc. " आगम बिलया समगा गिरमंथा ' भगः म, म; वव॰ १०, ३: — बहुमारा पुं० (-यहुमान) शास्त्रनुं पहुमान करवुं ते. शास्त्र का अधिक मान. paying high reverence to scriptures.

३२१; -- चबहारः पुं• (- ब्यवहार) नव-પૂર્વથી ચાદપૂર્વસુધી જાણનાર તથા કેવલી-ના વ્યવહાર—પ્રાયશ્ચિત્ત દાનાદિ વિધિ नी पूर्व से चौदह पूर्व तक जाननंवाला तथा फेवली का व्यवहार-प्रायश्वित दानादि विश्वि the Vyavahāra i. e. the work of a Kevali as also of one who knows the Purvas from the 9th to the 14th Purv e g administering expirtion etc. प्रवः =६१; —ववहारि. पुं॰ (- ब्यवहारिन्) प्रत्यक्ष ज्ञानी; नवपूर्वी ઉપરાંત કેવલી સુધી. प्रत्यक्त शानी, नवपूर्व के शानी से लगाकर केवल ज्ञानी तक (one) having direct visual knowledge; any one from one knowing nine Purves to a Kevah. जीवा॰ ३; —सत्य. न॰ (-शास्त्र) आगभ श २त्रः श्रुतज्ञानः श्रागम शास्त्र; श्रुतज्ञान scripture; Sūtras. " शागमसध्यगहणं जं खुद्धि गुरोहिं श्रहेहिं विविद्धं " मंदी - सुद्ध. त्रि (- गुद्द) आगम सूत्र अनुसार निर्देश-शुद्ध त्रागम के चनुसार शुद्ध. faultless, sinless as judged by the code of Sūtras. "धंवंबिहिमागमसुदं सपरेसिम खुग्गह द्वाए " पंचा॰ ६, १:

भागमन्त्री. त्र॰ (आगमतः) अभ्भ शस्त्रिने आश्रीने, सूत्रने अवसंभीने शास का आभव लेकर. Abiding by the principles of scriptures; with the authority of scriptures, अगुजेर॰ १२; विशे॰ २६;

श्चागमण्. न० (क्षागमन) आगभ्तः आवर्तुं ते. क्षागमन, श्राना. Arrival; coming. भग० ६, ३३; ११, ११; १३, ४; नाया० ३; १६; श्रोव० २६; सव० ६; पि० नि० दश्: वेय० १, ३६; उवा० १, ४८; पचा० १, १६: —गाहिय विशिष्ट छ्या प्रि॰ (-गृहांत विनिश्चय) आवयाने निश्चय हरेल आने का निश्चय किया हुआ one determined to come. भग० ६, ३३; —गिह. न० (-गृह-पिथकादीनामागमनेनोपेतं तद्र्ये वा गृहमागमनगृहम्) धर्भशाणाः भुसाइर-पानु. घर्मशालाः सराय. क house for travellers to lodge "आगमकांगहं-सिवा" वेय० २, १०; —पह. न० (-पथ) आवयाना भार्म. आने का मार्गः रास्ता. क way to come in. निसी० ४, ३०; — पश्चोयगा. न० (-प्रयोजन) न्यावयानुं अथे ०न. आने का प्रयोजन. cause of arrival. विवा० १, ६;

श्रागमणागमण्यविभक्ति. न. (श्रागमना-गमन बाद्य मिन्ति) की मा बेंद्र आदिनुं आगभन गभन दशापवाभा अ वे ते गुणत्रीश अक्षारना नाटक्ष्मांनुं आत्मु नाटक चंद्र श्रादिका श्रावा-गमन प्रकट करने वाजा बत्तास प्रकार के नाटकों म मे सातनाँ नाटक the seventh of the 32 kinds of drama exhibiting the appearance and disappearance of the moon "श्रागमणाग ण-पविभित णामं दिन्तं गट्ट विहि उनदंभिति" राय॰ ६२;

श्रागिमस्त. त्रि॰ (श्रागिमण्यत्) किविष्यभां थनारः आवतुं. भविष्य म हाने बाला. Future स्य० १, ६, २१: २, २, २३: श्राड॰ २६: दसा॰ ६, १: १०, ३, नाया॰ १६: श्राया॰ १, ४, १, १२६: ज० प० २, ३६: —िएमित्त. न॰ (-निमित्त) अविष्य-नुं निभित्त. भविष्य का निमित्त. a sign or omen of the future. निसो॰ १३, १४: जं॰ प॰ २, ३६:

ऋ।गमेसिः (श्रागमिष्यत्) अविष्यमां धवातुं;

भाविष्य में होनेवाला; श्रानेवाला. Coming in future, future. जं॰ प॰ २, ३१; श्रोव॰ ३४; —भइ. ति॰ (-भद्र) ओड लव डरी जेने भेक्षि जव नुं छे ते एक भव कर जिस माच जाना है वह. (one) destined to obtain salvation after one birth सम्बद्धार कियाण future welfare जं॰प॰ २,३१; "समणस्य णं भगवश्रे। महावी स्स भट्ट खपाणुत्तरीववाड्याण गइ कल्लाणाण जाव खागमसि भहाणु उद्दो सेया "कष्प॰ ६.

श्चागभेस्स त्रि॰ (श्राणाभिष्यत्) आपते। ।स; सिविष्यतुं. भविष्य काल; भविष्यका The future (time); future; belonging to the future. श्रत॰ ४, १; भग.०२०, ≈;

आगय. त्रि • (अगत) आवेत; प्राध्त थयेत भाया हुजा; प्राप्त. Come; obtained खवा० १, ६६: ६६; २, ११३; ११४, ११८; नाया॰ १: द: १६: १८: पिं ० नि० १६८; सम० ११ ३०; स्य० १, १, १, १६; उत्त० ४. ६; १०, ३४, भग० १, ७; २, १; ३, १, २, ४, ४; ६, ३३, १६, ४; १८, २; दसा० ६, १५, दस० ५, १, ८८; राय० २३२; श्राया० १, १, १, २; --गंश्र वि॰ (-गंब) कैंभा सगन्ध अत्पन्न थयेत छे ते. जिसमे सुगन्ध उपन हुई ह वह. (that) in which fragrance is born. नाया॰ ७: -- परासा त्रि॰ (-प्रज्ञ-म्रागता उसना प्रदा यस्या लावागत प्रज्ञ) करे प्रज्ञा (१८५-न श्च के ते, अगत णुष्टि । दे। जिसमें प्रज्ञा उपन हुई है वह: युद्धिवाला. wise; cautious "अग्रिम समितीषु गुत्तीसुय श्रागय-पर्यो " सूय० १, १४, ४: --प्रह्या. स्री० (-मज्ञवा-स्रागतः मभवो यस्याः सा)

के ने पुत्र रे ७ थी पाना यड़े ये। छे ते. पुत्रके स्नेह से जिस स्त्री के स्तन में दृथ बढजाता है वह. (a woman) in whose breasts there is a flow of milk through maternal affection. "तप्रां सा देवाणदा भाहणी च गय प्रहया" भग॰ ९, ३३: --समग्र. त्रि० (-समग्र) निक इमां केने अवभूर आवेल छे ते जिसका समय पास आया हो वह. (that) for which the time is ripe. नाया॰ ६; श्रागर. पुं॰ (श्राकर) से नु रुपुं वरेरीनी भाख. सोने, चादी की खदान A. mine (of gold, silveretc) जं प ३ ४२: ज॰ प॰ ठा॰ २, ४, भग॰ १, १; ७, ६; नाया. १: =, १४; १६, राय० २७३; जीवा० ३, ९. श्रोव० नि० भा० =: श्रोव० ३२: उत्त॰ ३०, १६; सम० ३ वेय० १, ७: सी० ४७; श्राया० १ ७, ६. २२२; २. १ २, १२; उवा० १, २०; १००; (२) भीरता अगर. नमक का खदान, a salt-pit. a field from which salt is obtained. आया॰ १, ७, ६, २२२; २, १ २, १२. उत्त० ३०, १६, श्रोव० ४, ३२;

স্থানি স্থিত বি প্রাক্তিক) খ খুনী।
খুড়ী হায়ন হা নালিক Anowner of
a mine স্থান নি শাত হ:

न्नागरिस. पु॰ (न्नाकर्ष) आ क्षं श्र. भे अ वुं ते. न्नाकर्षण; खां बना. Attraction प्रव॰ २८, पन्न॰ ६, (२) ६ शिधी अक्ष्णु करने ते फिर से महण करना. प्रध-कट्ट क्षित्र प्रव॰ ८४३, विशे॰ १४८४; (३) तेथी री।। (भेथवाना) अयन्नथी क्रमेप्ट् केनु अक्ष्णु करना. attracting पदाला का न्नाकर्षण करना. attracting Karmio atoma. सम॰ पन्न॰ ६; (४) आसि, यारिननी आस न्नासि, चारिन की प्राप्ति gain; gaining of right conduct प्रवृत्तागस्सर्ण भंते एग भय-शाहिणिया केवड्या श्रागिष्मा पर्णाता "भाग २५ ६;

द्यागाढ. त्रि॰ (ग्रागाढ) ४ ईश, ४६थः; आ ५३ं. काठन, कठोर. Harsh; hard निर्सा• १०, १, २, ३; १३, १९; (२) आढु ११८७ः प्रेयस ११२७ ब बवान कारण powerful cause; cogent reason. गच्छा॰ ११६: (३) अति अशक्त. श्रास्तं श्राह्म. very weak. श्रोघ॰ नि॰ ७८.

आगाइ जोग. पुं॰ (आगाइ योग) शिथे श आथार्थे थे श वहन इरवुं ते गणियान, जिसे आचार्य वहन करता है. Head preceptorship श्रोध॰ नि॰ ४४=;

श्चागामि. ति॰ (श्वागामिन्) सिविष्यभां भस नारः प्राप्तध्यानुं भविष्य मे प्राप्त होने वाला Coming, future. ठा॰ २, ४. —पद्द पु॰ (-पथ) स्विष्यभा भस्यानी यस्तुने भागे भविष्य मे मिलनेवाला वस्तु का मार्ग. the way leading to a thing which is to be got in the future ठा २, ४;

आगाभियः त्रि० (आग्रामिक) गाभ-शहर पगरतुं. प्राम रहित. Devoid of a city or a village श्रद्धेगद्द्या शिगांधा य शिगाधीओय एगमहं श्राग मियं छित्रावायं दीहमस् मणपविद्राः "नाया॰ १८;

आगार. पु॰ (श्राकार) आधृति, संहेखि, श्राकृति; सस्थान. Configuration; form. " सिंगारागार चारूबेसाए " राय० भग० ५, ४; पण० १७; नाया० १; २; विरो० २६; गच्छा० १२१. प्रव० १४६६. पचा० ५, ४; उवा० १, १२; (२) अ धाः; सिक्ष्स, भेदेरे. श्राकार; रुपरंग. face; appearance; form पच० ३०; (३) भेद, प्रधर; तरें. भेद, प्रकार kind; variety. पन्न॰ ૧૩. ૨૧: (૪) સ્વરૂપ; વિશેષ લક્ષણ. स्वरूप: विशेष लच्चण. specific shape or form; special quality. " স্থা-गारे। उ विसेसो '' जीवा॰ (४) (म्राकियते माकल्यतेर्शभप्रेतं मनाविकल्पितं वस्वनेने-स्याकारः) पाछ येष्टः आंतरिक असिप्राय સૂચક આંખ, મુગ, હાન વગેરેની ચેષ્ટા. प्रातरिक श्राभेत्रायसूचक बाह्य चेष्टा. movements of eye etc, indicative of inward mind. उत्त. १, २; विशे. ૨૧૧૪: (६) કાઉસગ્ગના અપવાદ-છુટ. कायोत्सर्ग का अपवाद. exceptions to the rules of Kausagga. " एव माइएहिं धागारेहिं भभगो धविराहिन्नां " স্মার॰ १, ४; (৬) પશ્ચખાણના અપવાદ છુટ; પ^રચઆણમાં મુકેલ આગાર. पचक्खाया का श्रापाद. exception to the rules of Pachchakhāna. प्रव ६५; — ग्रभावश्री. य॰ (- ग्रभावतम्) આકારના અભાવધી. श्राकार के श्रमाव से. due to the absence of shape. विशे॰ ६४; -- दरिसण. न॰ (-दर्शन) आक्षारनुं है भावुं ते भाकार का दश्य. sight of a form or shape. विशेष ६६; - भाव पं (-भाव-प्राकारस्या कृतेर्भावाः पूर्यायात्राकार भावाः) આકૃતિરूપ પર્ધાય; વસ્તુનું સ્વરूપ पर्याय: त्राकृतीरूप स्वरूप विशय. a particular modification of the shape of a thing. भग० ७, ६; — भावपडेायार. १० (-भावप्रतावतार श्राकारस्य श्राकृतेभीयाः पर्योगस्तेषां प्रत्यवताराऽवतरग्रमाविभाव प्रत्यावतार.) आक्षारता श्राकारभाव પર્યાયના આવિબાવ કરવા તે; આકૃતિરૂપ

પર્યાયનું અવતરણ દેવું તે; વસ્તુનું સ્વરૂપ विशेष. श्राकार की पर्यायका श्राविनीव करना; वस्त का स्वरूप विशेष. manifesting showing the particular modification of the shape of a thing. "किमागार भाव पडीयाराणं भंते दीवासमुद्दापराखता " जीग० नाया० =; भग० ६, ७; ७, ६; — विगार, पुं॰ (-वि-कार) व्याकृति-वेद्धरा अपर धयेल विकार-क्षेत्रिधारिकन्य देश्वार. मुखपर होनेवाला विकार, को वादि जन्य फेरफार. a change on the countenance (produced by anger etc) " गड्विड्भममाइएहिं श्चागार विगारं तह पत्रासंति'' गच्छा० १२१ — आगार. पु॰ (-श्रामार) धर; स्थान. घर: जगह a house; au abode. राय० ११३; सूय० १, १, १, १६; नाया० १, पन्न ० २०: भग० २, १; ६, ३१; दसा० ८, १३ स्राव ० १, ४; ज॰ प॰ २, ३०; —श्रावास पु॰ (-श्रावास) १५-સ્થાવાસ: ઘરસંસારમાં લપટાઈ રહેવ ते गृहस्य वास, घर आदी मे आसक होना absorption in worldly or household matters. नाया॰ =, —वरित्तबम्म पुं॰ (-च रित्रवर्ष -श्रमारं गृहं तयोग दागारा गृहिणस्तेवां चारित्रवर्मस्तया) यारित्र धर्भने ओक लेढ પ્રકાર, સમકેત પૂર્વક ભારત્રારૂપ ગૃદ્દસ્થતે य रिश्र धर्भ चारित्र धर्म का एक सद, सम्यक्त पूर्वक बारह वत रूर गृहस्य का चारित्र. धमे. a variety of the rules of right conduct; a householder's duties in connection with right-conduct consisting in twelve vows accompanied right faith. witn ठा ०

—धम्मः पुं॰ (-धर्म) शृद्धधर्भः गृहस्थ धर्मः the duty of a house-holder भग॰ १६, ६; — चासः पुं॰ (-वास) शृद्धाः शृद्धश्यक्षभः गृहस्थाश्रमः the stage or condition of life of a householder. "सेमो खागारवाः सोति" उत्त॰ २, २६; जं॰ प॰ ३, ७०; नाया॰ घ॰ —विणयः पुं॰ (-बिनय) शृद्धश्यने। वितयरूप धर्मः शृद्धश्यमं गृहस्य का विनयस्प धर्मः the duty of reverence on the part of a house-holder. नाया॰ ५;

श्चागारमय. ति॰ (श्राकारमय) आः कृतिभयः न्याकृतिरूप श्चाकृतिरूप. Having a form or shape विशे॰ ६४;

द्यागारि पुं॰ (श्वागारिन्) २५२थ. एहस्थ. A householder, a layman. पिं॰ नि॰ २४०;

श्रागाल पुं॰ (श्रागाल) धर्मनी जील रियतिमाथी धर्मन हित्याने उदीरखा प्रयोगे ज्याने बेह्यमा नाज्या ते; उदीरखानु अपर-नाम. कर्म की दूसरी स्थिति मेंसे कर्म के बीजो को उदीरणा के द्वारा खीवकर उदय मे लाना; उदीरणा का नामान्तर. Forcing up into muturity Karma which is yet in the 2nd stage, this is also called Udirana. क॰ ४० ४, १०;

म्रागास पु॰ न॰ (श्राकाश-सर्वभावावकाश-नादाकाशम्) आटाय, लेक्षिके व्यापी अनंत प्रदेशत्मक छ द्रव्यमानुं ओक अभूर्ष द्रव्य; धभ स्निकाय आक्रिशः पांय द्रव्यना आवारभून द्रव्यः श्राकाशः लोकालोक व्याप्त श्रानंत प्रदेशात्मक छः द्रव्यों में का एक श्रमूर्त द्रव्य, धर्मास्तिकाय श्रादि पाच द्रव्योका श्राधा-रमृत द्रव्य. The sky; one of the six substances pervading the

Loka and Aloka (all the worlds and non-worlds). पत्र॰ १: ऋगाजी - १४३; ठा० २, १; श्रोव० १०; स्० प० १; नाया० १, ८; भग० १, १; ६; २, १०: ५, ६; २०, २, सूय० १, १, १, ७, उत्तर ह, ४८, २६, ७; ३६, २; ६; उवा• २, १३८; १४०; १८१; भत्त∙ ६१: जं• प०३, ४६; — श्रातिवाइ- पुं• (- श्रतिपातिन् - श्राकाशं च्योमातिपतन्तय-तिकामन्ति ते तथा) आधारामां अधी आधारा-માંથી સુવર્ણ વૃષ્ટિ =માદિ કરી દિવ્ય પ્રભાવ दर्शावनीर. आकाश में उड्कर, आकाश से स्वर्णं वृष्टि आदि के द्वारा प्रभाव प्रगट करने बाला. (one) soaring in the sky; (one) showing heavenly power by showering gold etc. from the sky. " अप्पेगइया...चारणा विजाहरा आगासाति वाइगो " श्रोव० १६; -गय. त्रि॰ (-गत) आधाशवितः आधा-शभां अधर रहेलं. चाकारावर्ति; ब्राकारा में अधर रहा हुआ hanging in the sky. " भागासगर्व चकं. भागासगर्व इतं " सम• ३४; (२) અति ७ थुं; आ । । शतक २५थीं. बहुत ऊँचा; गगनस्पर्शा. sky-kissing; very lofty. भग॰ ६, ३३; १६, ५; -गामि. त्रि॰ (,-गामिन्) आशशभां **६२ना२ प्राधी; पक्षी वगेरे. त्राकाश में उडने-**याला प्राची. a bird etc. " ब्रामास-गामियो पायापाया किलसंति " श्राया॰ १, ६, १, १७७; —तल. न॰ (-तल) आधारानुं तसीयुं, भाकारा का नल. the bottom of the sky. नाया॰ १४; (२) गगनतव २५र्शी-७विं भहेल. गगन-स्पर्गो-बहुत दंबा महल. palaces touching the sky i. e. very lofty जीवा॰ ३, ३; नाया॰ v 11/4.

—तसग. न॰ (-तसड़) अगासी; अ३भेा. मारोसा. a terrace. नाया • १६; विवा • ६; —थिगाल. न. (∻-धिगाल) शरदंअतुन् સ્વચ્છ આકાશ; વાદલથી છુટું થતું આકારાખંડ કે જે અતિ સ્થામ દેખાય છે. ચિગડારુપ આકાશ. शरदऋतु का स्वच्छ आकाश. the clear blue sky of the autumn as it goes on being cloudless. " श्रागास थिगाते ग्रंभंते ! किएका फुडे कहिंदा काएहिं फुदे " पन्न १४; -पइड्रिय, त्रि (-प्रति-ष्ठित) आशराने अवसंशीने रहेस. श्राकाश का अवलंबन कर रहने वाला: आकाशावलंबी. supported by the sky; hanging by the sky; " आगास पहाहिए वाए" भग ॰ १, १; — पंचम. पुं ॰ (-पन्नम) આકાશ જેમાં પાંચમું છે તે-પાચ મહા ભૂત પૃથ્વી, પાણી, અગ્નિ, વાયુ અને આકાશ. जिसमे आकाश पंचम है वह पच महाभूत (पृथ्वी, जल, श्राप्ति, बायू, श्राकाश). the five elements of which other is the fifth (e. g. the earth water, fire, wind and ether). " पुदवी माज वाज तेजवा, म्रागासपंचमा " सृय० १, १, १, ७; — पय. न० (-पद) દર્ષ્ટ્રિવાદાતર્ગત સિદ્ધશ્રેણિ પરિકર્મના ચોથા भेर. दश्चाद के श्रन्तर्गत सिद्धश्रेणि परि-कर्म का चोधा भेद. the fourth part of Siddha Śreni Parikaıma in Dristivada. सम० १२; -- प्रात्स, पुं• (-प्रदेश) आधाराने। र्भावशालय अंश. श्राकारा का श्रविभाज्य श्रेश. an indivisible part of the sky. अगु. २५, ४; विशे० ४८६; -फलिक्सीरसः त्रि॰ (-स्फटिकसंस्य) अत्यन्तः स्वय्धः स्वरः पुर्वः 'श्रेत्वन्ते स्वच्छ, स्पार्टक मुल्य. close and transparent like crystal. श्रोव॰
—फिलिया मय त्रि॰ (-स्फाटकमय) अति२व२७; १६८५भय. श्रातिस्वच्छ; स्फाटिक मय.
very clear; crystal-like. " श्रागास
फिलियामयं सपायपीढ सीहासणं" सम॰राय॰
—फिलिह. पुं॰ (-स्फाटिक-श्राकाशिक
यद्द्यंतमच्छं स्फाटिकमकाशस्फाटिकम्) अति
२व२७ २६८५; निभेक्ष २६८५. श्रत्यंत
स्वच्छ स्फाटिक. very clear crystal.
" श्रागास फिलिहामप्ण सपायपीढेण सीहासर्थेण " जं॰ प॰

आगासग. त्रि (श्राकाशक) अधाशक. प्रकाश करनेवाला. (That) which gives light. सम ।

श्रागास्तिथाय. पुं० (श्राकाशास्तिकाय-श्रस्तयः प्रदेशा तेषां कावः समूहः श्रस्ति-काय.) ६रे५ वस्तुने अवश्रश आपनार ६०५; ७ ६०४भांनुं त्रीलुं ६०५. प्रत्येक वस्तु को श्रवकाश देनेवाला इच्यः छः द्रव्यों मे का तीसरा द्रव्य. A substance in which all things exist or reside; the third of the six substances "श्रागासिश्यकायस्स ग्रं पुच्छा गोयमा श्रग्रेगा श्रभिवयणा" उत्त० २, २०; श्रग्राजो० ६६, १३१, सम० ६; राय० २७०; भग० २,

श्चागास फाल श्रोवमा स्नी॰ (श्राकाश स्काटकोपमा) आंधाश अने २६८३ना केनी निर्भक्ष ओंध क्यतनी भीक्ष रस वाखी आंध्र वस्तु श्राकाश श्रीर स्फाटकिके समान निर्मल ऐसी मीठेरस वाली एक प्रकारकी खाद्य वस्तु A substance as pure and transparent as crystal used as foodstuff. पञ्च० १७, जं० प० २, २२;

श्चागासिउं हे॰ कृ॰ श्च॰ (श्चाकुण्डुम्) आक्ष-र्षणु क्ष्मीने, सभीप क्षाचीने, श्चाकवण करके; पास लाकर. Having drawn near; having attracted. विशेष २२२;

आगासिय. त्रि॰ (आकार्षत) आडपें शु डरेंस; ७पारेस. आकषित; आकर्षण किया हुआ. Attracted; drawn; lifted up. ओव॰

श्रागासियः त्रि॰ (श्राकाशित — श्राकाश-मम्बर मितः श्राप्तः) आश्राशवर्तिः आश्राशमां रहेवः श्राकाशवर्तिः Situated in the sky, "श्रागासियाहि सेय चामराहिं" श्रोव॰

आगाहइता. सं॰ कृ॰ अ॰ (भागाझ)
अपन्यादीने. अनगाहन करके. Having entered; having resorted to.

" श्रागाहरता चलहता" दस॰ ४, १, ३१;

श्रागिइ. पुं॰ (आकृति) आकृति; आक्षर; संक्ष्यान. Form; configuration; shape. विशे॰ २०६२; ७०७; नाया॰ १; इ० गं॰ ४, ६१; —ितिगं न॰ (-ित्रक) आकृति-सक्षेणु ६ सध्येणु ७ अने ब्नित पांच, ओ नामनी १७ प्रकृतिनी समुदाय आकृति-सस्थान ६ संहनन ६ श्रार पाच जाति इस प्रकार नामकी १७ प्रकृतियो का समुदाय. the collection of the 17 Prakritis made up of six Samsthānas, six Sanghayanas and five Jātis. इ० गं॰ ४, ६;

आगिति. स्त्री॰ (बाह्यति) अथे। "आगिइ" शण्ट. देखो "आगिइ " शब्द. Vide "आगिइ" जीवा॰ ३, ४, राय॰ १८८;

√श्रागिल. घा॰ I. (अग्रा+कल्=िज) छत्वं; ज्यभाभवं. जीतना; जय प्राप्त करना. To conquer; to get victory. श्रागिलंति. भग०३, २;

√ श्रा-क्झा. था॰ I (श्रा+झा) सुगंध લेवी; सुंधवुं; वास લेवी. सुनंध लेना; सूंघना; To smell; to scent. श्राम्यायइ. ठा॰ २, २; श्चाग्वायह. नाया • १; श्चाग्वायमाया व ॰ कृ ॰ नाया ॰ ६;

आधं. ति (आल्यातवत्) अहेनारः अथन **કરનાર: આખ્યાન કરનાર. कहनेवाला:** श्राख्यान करने वाला. (One) who tells or lectures or preaches. स्व॰ १, १०, १; — अङ्भवस् न॰ (श्राख्यातवद्ध्ययन) स्यगडाग स्त्रना पहेला શ્રુતસ્ટંધના ૧૦ માં સમાધિ અધ્યયનનું अपर नाम. सूत्र हतीग के पहिले श्रुतस्कंध के १० वें समावि श्रध्ययन का दुसरा दाम another name of the 10th Samādhi chapter of the first Śruta-skandha of the Sūyagadānga Sūtra स्य॰ नि॰ १, १०,१०३, आधंस त्रि॰ (श्राघर्ष) पाएं। साथै धसीने **पीवा थै। २४ वैशायधि वर्गरे. पानी के साथ** घिसकर पीने योग्य श्रापिध वगैरह. Medicine which can be taken after it has been rubbed with water on a hard substance. पि॰ नि॰ ५०२. आंघीसत्ताः सं॰ कृ॰ ऋ (ग्रापृष्य) धर्सीने. धिसकर. Having rubbed. श्राया .

र, ४, १, १४६; आध्वइत्तार. त्रि (क्ष्राख्यातृ) आभ्यान धरनार; ध्या धरनार. आख्वान करने वाला, कथा वाचक (One) who relates or describes; narrator;

ठा० ४. ४:

श्राधवणः न० (श्राख्यान) व्याप्यान; सामान्य ध्यतः व्याख्यान, सामान्य कथन Telling; lecturing. नाया० १, १६; श्राधवणाः स्त्रा० (शाख्यान) आप्यान, सामान्य ध्यतः श्राख्यान, व्याख्यान Telling; lecturing; 'बहुद्धि श्राधवणा-दिय" उता० २, १११ भग्० ६, २२, श्राघिय ति (श्राल्यात) शहेलं. कहाहुत्रा. Told; related " भगवया महावीरेण श्राघविए " उत्त २६, ७४; पगह० २, १; (२) स्वीश्रदेश. स्वीकृत. accepted. श्रगुजी ० १५;

√ आधस था॰ II. (आ+ गृष्) थे। ई धसपु थोड़ा घसना. To rub slightly. आधसेज वि॰ निसी॰ ३, ५;

श्राघाश्य—य. पुं॰ (श्राघात-श्राह्म्यन्ते श्रयनयन्ति विनाश्यंते प्राणिनां दश प्रकार र श्रापे प्राणायस्मिन् स श्राघातः) भरणुः भृत्यु सरण सृत्यु Death निसी॰ १२, २४; दस॰ ६, ३४; स्य॰ १, ६, ४; — मंडल न॰ (—मण्डल) वधस्थान— भाउतीः वधस्थान, हत्यागृहः नूचङ स्नानाः a slaughter-house; a place of killing. नाया॰ ६;

त्राघातः त्रि॰ (श्राख्यात) क्षेत्र कहाहुश्राः
Told; related स्य॰ १, ४, १, ११, १,
१३, २;

श्राघायः त्रि॰ (श्राख्यात) જુએ। " স্থাঘান " शঙ্হ देखो " শ্বাঘাत " शब्द Vide " শ্বাঘান " स्य॰ १, १, २, १;

श्राघायसाः न० (श्राधातन) वधस्थान; क्रांसी देवानी कथाः वधस्थान; फाँसी देने की जगहः A place of killing; a place where men are hanged नियी ॰ १२, २४;

श्राधायाय व॰ छ० त्रि॰ (श्राधातयन्) विनाश अरते ; धान अरती. विनाश करताहुया, धात करता हुया Killing, destroying. " श्राधायाय समु स्यं ' उत्त॰ ४, ३२;

√ श्राचर धा॰ I. (श्रा+चर्) आयर्वु; अनुप्रान कर्ना, श्रुतुण्णान करना. To practise; to perform. श्रायरति दस॰ ६, १६; श्रायग्ति है॰ कृ॰ मु॰ च॰ १, २४०, स्रायित्तए. हे • कृ • नाया • १४; स्रायरत. व • कृ • उत्त • १, ४२; प्र • १२१; स्रायरमाण व • कृ • दसा • ६, १, विशे • ३१६०;

त्राचरण न॰ (ग्राचरण) आयार; अनुप्रानः त्राचार. Practice; performance; conduct प्रव॰ ४७७;

आचारमास्रो. थ॰ (आचरमात्) छेऽ। पर्यन्त छोर तक Up to the end; till the end क॰ प० ४, ११;

श्राचेलकः ति॰ (श्रामेलक्य-न विद्यते चेलं वस्तं यम्म सम्भवेलकस्तस्य भाव श्रामेकन्यम्) परिभाण उपरात वस्त्र न राभवा ते, पडेता अने छेक्ता तीर्वेष्ठरना साधुओने भाटे लाधेली ओड भर्यादा. परिमाण से श्राधिक वस्त्र न रखना, पहेले श्रीर श्रीतम तीर्वेष्ठर के साधुओं के लिये नियत की हुई एक मर्यादा. Having no garments beyond the prescribed limit; a fixed limit in the matter of garments of the Sādhus of the 1st and last Tirthankaras " श्राचेलको धरमो प्रस्मिन्तय प्रिकृमस्स्य जिल्हमं" प्रचा० १७, ६;

आंबलुक न॰ (आंबलनय) पडेला अने छेल्ला तीर्थं इर्ता का चालुं आंना इल्प, भान-परिणुष्म सिंडत सिंह रगन क अल्प भूल्य-पला वस्त्र धारण इरवा ते पहिले और अन्तिम नीर्थं कर के सावुआं का कल्प, अल्प मूल्य वाले परिमित सुफेद वस्त्रों कोही धारण करना. The religious practice (in the matter of wearing clothes)

of the Sādhus of the first and last Tirthankaras; viz putting on white, scanty and cheap garments. 970 52=;

श्राच्छायण न॰ (श्राच्छादन) ओश्राड. श्राच्छादन; चादरा. A bed-cover; a covering. श्राया॰ ॰, २, १, ६२. कण• ४, ६४;

√ श्राचिछदः धा॰ I. (श्रा+िछद) छेदन ५२तुं; थेाऽुं छेदतुं. छेदन करना; कुछ छेदना. To cut; to cut a little.

श्राधिखदेज. वि० निसी० ३, ३४;

षाच्छिदिहिति. भग० १४, १; ठा० ४;

श्राच्छिदिता. निसी॰ ३,३६;

श्राव्छिदिय सं० क्र॰ प्रव० १४६; भार्व्छिदमाणा. व० क्र० भग० ८, ३;

याछिदित्तार. त्रि॰ (श्राच्छेत्) ભંગાણ पाउलार भंग करनेत्राला. (One) who breaks up or disperses by creating alarm. सम॰ ३३;

√ ऋा-छुंट. था॰ I, II (था + छंट) पाछी. छांटवुं. चल छिटकना To sprinkle water.

श्रच्लोडेड्. नाया॰ १८;

श्राजम्म अ॰ (श्राजन्मन्) छं श्री ५५ँत. श्राजन्मः जीवन पर्यत. Infe-long. ''वासेज तत्थ श्राजम्मगीयमा संजण सुणी'' गच्छा॰ ७: पंचा॰ १७, २८,

श्राजाइ. स्री॰ (श्रायाति) आवर्षु ते. पूर्व क्षयभाथी आवतु ते श्राना; पूर्वभव से श्राना. Coming, arrival; coming from the previous birth ठा॰ १०;

श्राजाइ स्त्री॰ (श्राजाति-श्राजायन्ते तस्या-मित्याजाति,) जन्मधुं ते, जन्म; ७८५ित. जन्म, उप्तत्ति. Birth; creation. भग॰ ४, ३, ठा० १०; —हारा न० (-स्थान)

જन्भ-७त्पत्तिनुं स्थान-संसारः जन्म-उत्पत्ति का स्थान-संसार the place of birth **ટા ૧૦, (૨) આ**જાઈદ્વાણનામે દશાશ્રુત-२ इंघनं ६शमं अध्ययन दशाश्रुतस्कंघ का श्राजाइहारा नाम का दसवीं अध्ययन. the 10th chapter named Ajāitthāņa of Dashāsrutaskandha. ठा. १०, —द्वाराङ्भायरा न॰ (—स्थानाध्ययन) દશાશ્રતસ્કંધનુ અપર નામ; આચારદશા स्त्रनुं १० भुं अध्ययन. दशाश्रुतस्त्रंय का दू-सरा नाम, श्राचारदशा सूत्र का १० वाँ अभ्ययन another name of Dasaśruta-Skandha, 10th chapter of Achāradaśā Sūtra তা॰ ৭০: श्राजीव पु॰ (श्राजीव - श्राजीवनमाजीव.) આછવિકા; વૃત્તિ, રેાછ. श्राजीविका, वृत्तिः धन्दा. Livelthood प्रव॰ ११४, (२) આછિવિકા પુરતા દ્રબ્ય સચય. श्राजीविका के योग्य द्वव्य का संचय. wealth suffi cient for livelihood. स्य॰ १, १३, ૧૫; (૩) ઉપાયણના ૧૬ દેાયમાના ચોથા है। प, न्नति वगेरे न्यां वीने आहाराहि सेवा ते उपायण के १६ दोषों में का चोबा दोष श्रर्थात् जाति वंगरह बनाकर श्राहारादि लेनाः the 4th out of 16 Upāyana faults; accepting food after making one's caste etc known, the fourth of the 16 faults known as Upayana. पि॰ नि॰ ૪૦=; (૪) ગાેશાલાના મતનું નામ. गोशाला के मत का नाम name of the creed of Gosala सग =, 9,

(४) गेशाशाना भतना साध. गोशाला के मत का साध. an ascetic

of the creed of Gosala HT.

⊼, ४; पि॰ नि॰ ४४५; प्रव॰ ७३८;

—भय. पुं॰ (-भय) आछिवेशनुं लय. आजीविका का भय. fear of maintenance. सम॰ १; प्रव॰ १३३४, —िचित्तया. स्त्रा॰ (-चृत्तिता-जाति कुल गुण कर्म शिल्पा-नामाजीवनमाजीवनमाजीवन्तेन वृत्तिस्तद्द भाव श्राजीव वृत्तिता) ज्यति, ५६, आहि हर्शावीने आहार केवे। ते, छपायणा ने। थे। थे। हे। जाति, कुल, श्रादि प्रकट कर के श्राहारादि लेना, उपायणा का चोथा दोष acceptance of food after making known one's caste, family etc; the fourth fault of Upā-yaṇa. दस॰ ३, ६;

श्राजीवग ए॰ (त्राजीवक) गेशसक्षानी साधु गोशाला का साधु. An ascetic of Gossila creed. प्रव॰ ७३=;

श्राजीव्गः पुं॰ (श्राजीवग-श्रासमन्ताज्जीवं॰ त्यनेनेत्याजीवीऽर्थीनचयस्तंगच्छत्याश्रयत्य-सावा जीवगः) पैसानी भटः धन का मदः Pride of wealth " श्राजीवग चेव चडस्थमाहु से पंडिए उत्तम पोग्गले से " स्य॰ १, १३, १४,

त्राजीवसा. स्री॰ (श्राजीवना) आછિ थि।. त्राजीविका, रुजगार. Lavelihood. पि॰ नि॰ ४३७,

श्राजीचि (श्राजीचिन्) गेशाक्षानी शिष्य; गेशप्ताना भतेना अनुयायी गोशाला का शिष्य, गोशाला के मत का अनुयायी. A follower of the tenets of Gosala; a disciple of Gosala चन ७, ३; (२) के साधु पातानी जाति, धुत, शिल्प, तप वगेरेनी प्रशंसाप्तरी आहार ल्ये ते, पेटलरी साधु, श्रपनी जाति, कृल, शिल्प तप थादि की प्रशंसा कर श्राहार मागनेवाला; पेटपरा साधु. an ascetio who in order to get food praises

his own community, family, conduct, austerity etc. प्रव-

आजीविक पुं. (श्राजीविक) लुओ ७५ते। शफ्ट. देखों " श्राजीवि " शब्द. Vide above, श्रोव ४१;

श्राजीवियः पुं॰ (श्राजीविक-श्रविवेकिकोकतो लव्धिपुजाएयाच्यादिभिःस्तपश्चरणा दीन्या-जीवतीत्यांऽजीविकः) शिशासानी ગાશાલાના મતના અનુયાયી. गोशाला का साधु; गाशालाका त्रान्याया. An ascetic of the creed of Gosala. सम॰ ३२: निसी० १३, ६३; पन्न० २०; भग० १, २; १४, १; उवा॰ ७, १८१; २१४;-उच(सग. पुं. (-उपासक) गाशाक्षाना गोशाला के मन का a Śrāvaka of the faith of Gośālā. "तत्थ खलु इमेद्द्रशतस आ-र्जावियोत्रासगा भवति'' भग. ६, ५; -उवा-सय. घर विर (-उपायक) गेशासाना भवने। आवर् नोशाला के मत का श्रावक a Śrāvaka of the faith of Gośālā. ভবা ৩, ৭= 9: —समय. पुं॰ (-समय) गाशासानी સિંહાન્ત; ગાેશાલાના મતતું શાસ્ત્ર. गोशाला का प्रदेवित किया हुआ सिद्धान्त; गोशाला के मत का शास्त्र. a scripture of the creed of Gosala. " m-जीविय समयसर्ग अवसट्टे प्रवाते " भग० ८१, १४, १; —सुत्त. पुं॰ (-सूत्र) ગાશાલાનું પરું પેલ સત્ર. गोशाला का प्रकृतित स्त्र. a Sutra of Gosala's creed. सम •

आडंबर पुं॰ (ब्राह्म्बर) भे। टुं नगाई. बड़ा नगाड़ा. A big kettledrum. श्रगुजा॰ १२६; √ आडह था॰ I. (श्रा+दह) लाअनुं. अलाना. To burn. 'आडहति.' म्य॰ १ ५, १, ३; " धूलं वियायं सुहे श्राडहीते " श्राह्मा श्री॰ (श्राटा) पार्श्वीमा तरनार श्रीक्ष ब्यातनु पक्षी; पक्षी विशेष. पानी से नरने-वाला पन्नी; पन्नी विशेष. A. kind of

bird that can swim in water.

पञ्च १; पग्ह ० १, १;

श्राहोलिया. स्रां० (श्राहोलिया) नाना भावित्राने २भवानुं ओड २भडडूं. होटे बानकी के खेलनेका एक खिलाना. A toy for young children. " एवं बहुए झाढोलि-यात्री तेंदुसए पोत्तहरू साढोहरू......श्रव-इरति. " नाया० १८;

√ आहे(ब. धा॰ II. (आ+टोष्) विस्तारीने भरतुं, विस्तार करके भरता. To fill by expanding.

आहोवेत्ता भग० १, ६;

श्राहोब. पुं• (श्राटोप) विस्तार. विस्तार. Expansion. नाया॰ १; टवा॰ २, १०७; कप्प॰ ३, ३५;

आदश्र—य. पुं॰ (ऋादक) यार अरथ अभाष्णे धान्य भाष विशेष. धान्य नावने का माप विशेष. A. kind of measure of com. श्रोव॰ ३=; राय॰ २७२; प्रव॰ १३६५;

आदर्र. खा॰ (बादकी) पुषरनं आध. त्र का माइ. A kind of plant bearing corn called Tuvar. पन्न॰ १;

आहम. पुं॰ (भादक) यार आदक प्रभाष्ट्रे धान्य भाप विशेष धान्य का माप विशेष. A certain kind of measure of corn तंडु॰ प॰ १४३ श्राणुजो॰ १३२;

आदसः ति॰ (न्यारब्प) अर्रे भें शुं. यारंभ किया हुता. Begun; com-

menced. पिं॰ नि॰ ४६२; इ॰ प॰ ७, ४७: भग॰ ६, हः, सु॰ च॰ २, ४, ७:

आदत्तं. सं ॰ कृ॰ भ्र॰ (भ्रारम्य.) आरं लीने. भारंभ करके. Having begun. पराण ॰ ९७;

√ श्रादाः भा॰ I. (श्रा+१) स्थादर करना. To honour; to respect श्रादाइ-ति. भग० ३, १; १,३३; निना॰ ६; नाया॰ १; ४; १६; १६; १६; राय॰ ७६, २२७; सूय० २७३७, उना० ७, २१५; निर० १, १;

श्राढंति नाया० २; १६; भग० ३, १; श्राढायंति. नाया० १; १४; भग० ३, २; श्राढाएजा. वेय० १, ३३; श्राढाहि. नाया० १४; श्राढाह. नाया० ६, भग० ३, १; श्राढायसाग. व० कृ० श्राया० १, ७, १,

त्राण. पुं॰ (त्राण) धासीन्ध्वास श्रासी-च्छ्वास Respiration. अग• ४, १; स्० प० =; (२) स प्यात आविधा પ્રમાણ કાલના એક વિભાગ, તન્દુરસ્ત માણુસના એક ઉ~છ્વાસ પ્રમાણના કાલ संख्यात-संख्यायुक्त आवालिका प्रमाण काल का एक विभाग, निरोग मनुष्य के एक श्वास-प्रमास काल. a division of time equal to one breath of a healthy man. अगुजो॰ ११५; -- गाह्या न॰ (- प्रहरा) प्राण्यायु (उच्छ्वास नि स्वास) ने ये। २४ पुरुगक्षन् अहल् ५२वं ते प्राणवाय (श्वासोच्छ्वास) के योग्य पुद्रल का प्रहत्त करना taking in matter fit for respiration. " समयं श्राणस्महणं " पञ्च १:

आगाम्र. पुं॰ (ब्रानत) મવમાં દેવલાકનુ

नाभ, नीवें देवलोक का नाम. Name of the 9th Devaloka. श्रणजो • १०४; श्चारांत्तर. त्रि॰ (श्रानन्तर-श्रनन्तरे भव श्रानन्तरः) अन्तर निह ते-निशंतर श्रन्तर न होना; श्रनन्तर-इतरेतर. Without interval; coming after immediately. श्राया॰ नि• १, १, १, २१; आरंगद. पुं॰ (आनन्द) आनन्द; हर्श. श्रानन्द; हर्ष; प्रमोद. Delight, joy. झाया॰ १, ३, ३, ११७; नाया० १, २; भग० ११, १९; उवा॰ २, ६१; (२) એક અહાેરાત્રિના ત્રીશ મુદ્દૈર્તમાના ૧૬માં મુહ્તૈનું નામ; સમવાયંગ ની ગણત્રી પ્રમાણે ૧૧ મું મુદ્રતે. एक श्रहोन रात्रिके तीस मुहुतींमें से १६ वे मुहुर्त का नामः समवायंग कौ गिन्ती के अनुसार ११वां सहते the name of the 16th out of 30 Muhūrtas of one day and night; the 11th Muhūrta according to the calculation of Samavayanga. स्॰प॰ १०: जं॰ प॰ ७, १४२; सम॰ ३०; (३) આવતી ચોવીસીના છટ્ઠા બલદેવનું નામ. श्रागामी चोवीसी के छुट्टे बलदेवका नाम. the name of the 6th Baladeva of the coming Chovisi. सम॰ प॰२४२: (😮) શીતલનાથ સ્વામીના પહેલા ગણધર. शीतलनाथ स्त्रामी के पहिले गणधर. the first Ganadhara of Śītalanātha Svāmī. सम॰ प॰ २३३: (૫) ભગવાનુ મહાવીર સ્વામીના અન્તે-वासी ओ शिष्य महावीर स्वामीका समीपवर्ति एक शिष्य. a disciple of Mahāvīra Syami. "समण्डल भगवश्रो महावीरस्स श्रंतेवासी आणंद नामं थेरे " मग० १४, १, (ફ) આણંદ નામે ગૃહપતિ કે જેને ઘેર ભગવાનુ મહાવીર સ્વામીએ બીજા માસ-

भभख्नुं भारखुं ५र्युं ६तुं आनंद नामक एक गृहस्य जिसके यहा महीवार स्वामी ने दूसरे मासखमण का पारना किया था. a householder named Ananda at whose house Mahāvīra had broken his fast of second भग १ १, १, (७) गन्धभाहन नाभना વખારાપર્વતના વસનાર દેવ. गन्धमादन नामक वखारा पर्वत पर रहने वाला देव a deity residing on Gandhamādana Vakhārā mountain. जं॰ प॰ (८) भरतक्षेत्रना ચાલુ ચાવીસીના છટ્ઠા બલદેવનુ નામ भरत चंत्रकी वर्त्तमान चौवीसाके छट्टे बलदेवका नाम name of the 6th Baladeva of Bharata Ksetra in the present Chovisi (i e cycle) प्रवर १२२४, (૯) વાણીજ નગરના નિવાસી આચંદછ શ્રાવક; ઉપાસક સૂત્રના દશ શ્રાવક પૈકી પ્રથમ શ્રાવક, કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે વત આદર્યા, શ્રાવકની ૧૧ પડિમા અંગીકાર કરી શ્રાવકપણામાંજ અવધિનાન પ્રાપ્ત કર્યુ, એક માસના સંથારા કર્યો-વિસ્તાર ઉવા ના પ્રથમ અધ્યયતમાં છે त्यांथी लोही क्षेत्रा. वाणिज नगर का एक भ्रानंदजी नामक शावक; उपासक सूत्र में वर्शित दस श्रावकों में का पहिला श्रावक जिसने महाबीर स्वामी से वत प्रहण किया था, श्रावक की ११ प्रतिमा श्रंगीकार करके श्रावक श्रवस्थामें ही भवधिज्ञान प्राप्त करके एक मास का संथारा किया, इसका विस्तृत वर्णन उवा॰ के प्रथम श्रध्याय में है name of a Śrāvaka of Vānij city, who practised vows by the preaching of Mahavira and accepted the

vows of a householder; he obtained Avadhijñāna while still a Śrāvaka and practised Santharo for a month. उना॰ १. १०; संस्था० (१०) ઉપાસકદશા સૃત્રના **प**हेला अध्ययननुं नाभ. उपासकदशा सूत्र के पहिले अध्ययनका नाम. the name of the 1st chap!er of Upāsakadaśa Sutra. डवा॰ १, २; (११) अध्यत्तारी-વવાઇ સૂત્રના ७ માં અધ્યયનનું નામ. श्रगाु-त्तरोववाइ सूत्र के ७ वे अध्यापका नाम. the name of the 7th chapter of Anuttarovavāi Sütia. च्रगुत्त• ७; (१२) ધરણેન્દ્રના રથની સેનાના अधिपति. धरखंन्द्रकी रथसेना का श्राधिपति -नायक. commander of Dharanendra's army consisting of chariots ठा॰ ४, १, — श्रद्भयण. न (-श्रध्ययन) ઉવાસગદસા સૂત્રના **પ**હેલા अध्ययननु नाभ. उवासग दसा सूत्रके पाहिले अध्याय का नाम. the name of the first chapter of Uvāsagadasā Sūtra डवा॰ १, (२) अध्यत्तरे।ववाधी सत्रना ७ मा अध्ययननुं नामः श्रकुत्तरो-ववाइ सूत्रके ७ वें अध्याय का नाम. the name of the 7th chapter of Anuttarovavāi Sūtra श्रगुत्तः ७; (૩) નિરયાવલિકા સત્રના ૨૦૧૧ વર્ગના नवभां अध्ययनतं नाम निरयावलिका स्त्र के दूसरे वर्ग के नौवें श्रभ्याय का नाम. the name of the 9th chapter of the second section of Nirayāvalikā Sūtra. निर० २ --कूड. न० (-कुट-म्रानन्द नाम्नो देवस्य कूटमानन्द कुटम्) शन्धभादन नाभे वाभारा पर्वतनु सातभुं शिभर, गम्नमादन नामक

वखारा पर्वत का सातवाँ शिखर. the 7th summit named Gandhamādana of Vakhārā mountain. जं॰ प॰
— क्य त्रि॰ (-रूप) आन-दरूप; आन-द्रमय. full of delight. नाया. ६;

श्चारणंद् जीच पुं॰ (श्वान्न्द जीव) व्यावती ઉत्सिपिंशीमां थनार पेदाल नामना ८ मां नीर्थं इरनं पूर्व लवनं नाम; व्यानन्द ने। व्यातमाः श्वामामी उत्सपिंशीके व वें तीर्थं कर का पूर्व मव का नाम, श्वानंद की श्वानमाः The name of the previous birth of the would-be 8th Tirthankara named Pedhāl of the coming Utsarpiņī; the soul of Ānanda शव० ४६७;

आणंदरिक्क यः पुं• (भानन्द राक्षत) शे नाभना भारश्वनाथना ओह विवर सधु (स्थित्). पार्श्वनाथ स्त्रामांके एक (स्थितिर) साधु का नाम Name of an asoetic of Pārsvanātha, "तत्थयां भागांद-रिक्षण नामं थेरे" भग० २, ५;

आर्ख्दा. क्री॰ (आनन्दा) पूर्व दिशाना रूथक पर्वत उपर वसनारी आहमांनी त्रीक दिशां-कुमारिक्षा पूर्वाद्दशा के रुवक पर्वतपर बसने-बाली आठ दिशा कुमारियों में से तांसरी दिशाकुमारी. The third of the 8 Disākumārikās residing on the Rūchaka mountain of the East जं॰ प॰ ४, ११४; (२) सवध्-द्वीपना पूर्वना अकनक पर्वत उपन जोकन उद्धी क्रिन ६० ब्लेकन उपांच अकनक नामक पर्वत पर की पूर्व दिशा के अकनक नामक पर्वत पर की पूर्व दिशा के अकनक नामक पर्वत पर की पूर्व दिशा के अकनक नामक पर्वत पर की पूर्व वावदी का नाम जो एक लाख योजन लंबी खोडी और १० योजन उद्धी है. ४, 11/5, the name of a well one lac Yojanas long and broad and ten Yojanas deep on the Anjanaka mountain to the east of the Lavana-Dvipa. 970 1883; 210 4, 3; जावा 3, 4;

श्चागंदिश्च-य त्रि॰ (श्रानन्दित) आनंह पाभेक्ष; आनन्द युक्त. श्रानद पाया हुआ; श्चानंदयुक्त. Joyous; delighted, "हड्ड नुट्ठ चित्तमाणादिए" श्रोप॰ १९; नाया॰ घ॰ भग॰ २, १, सु॰ च॰ ३, १२४; कष्प॰ १, ४;

त्र्राग्यक्खेउं. स॰ कृ॰ श्र॰ (४परीच्य) परीक्षा क्रीने; तपास क्रीने. परीक्षा करके; जाच करक. Having examined. श्रोय॰ नि॰ ३६;

द्यागुहाकिइ. ति॰ (स्राज्ञार्थाकृति- स्राज्ञाऽऽ-गमोऽर्थ शब्दस्य हेतु वचनस्याचि दर्शनाद्यों हेनुरस्याः सा तथा विधाकृतिरर्थान्मुनि वेपा-स्मिकायस्य स स्राज्ञार्थाकृति) भुनि वेपना हेणाय वाली। मुनि वेपका दिखाव वाला。 (One) appearing like, looking like, an ascetic ''स्राग्यहाकिइ पन्धए'' उत्त॰ १८, ५०:

श्रागागा. न॰ (भ्रानन) भुभः भेाढुं मुख. A. face; a mouth. 'कुइल उज्जोद्दयायायो" कं॰ प॰ जीवा॰ ३, ४, पद्म० २; नाया॰ १; कष्प॰ २, ८४, ३, ३६;

आरायखहु. न॰ (धान्पनार्थ) सायानेमारे. लाने की In order to bring पचा॰ ७,३६;

क्राणतः पुं॰ (श्रानत) नवभां देवले। हेनुं नाभः नीव देवलोक का नाम Name of the 9th Devaloka. जीवा॰ २;

त्रागुत्त. त्रि॰ (आज्ञप्त) स्थाता आपेस; आहेश करेस, धुक्त करेस. आकापितः त्रादेशित; हुक्म किया हुन्ना. Ordered; commanded. पण्ड॰ १, १; प्र॰ च॰ २, ६, १३; विशे ॰ १०६४, नाया॰ ६; १६; भग॰ ४, ६;

न्त्राग्यसः न॰ (भन्यस्व) परश्पर लेह-सिभ पर्धु, लुहार्धः परस्पर भेदः भिश्वताः जुवाईः Mutual separation: separation. राय• २६०: पस॰ १४: भग• १८, ३;

श्राणितिः हीं (याक्यप्ति) आताः धुःभः भादेशः श्राचाः हुत्मः सादेशः Orderः command. "श्राणित्तम पश्चिष्णद्द" स॰ प॰ ३, ४४ः नागः भः — किंकरः पुं॰ (-किङ्कर) आतापालः ने।३२ श्राचागतक नौकरः an obedient servant. कं॰ प॰ ३, ४४ः

आणितिश्राया की॰ (काक्षणिका) आगाः कुश्मः शादेश आज्ञाः हुक्स. Order; command. विवा॰ १: भग॰ ७, ६: ६. ३३: नाया॰ १: ६: १४: १६: नाया॰ य॰ स्रोव॰ २६: राय॰ २८: उवा॰ २, १०६: जं॰ प॰ ३, ४४:

द्याग्रापाण पुं॰ (भानप्राण) अह श्वासीन स्थास प्रमाण हाल. एक खासोच्छ्वास में जितना समय लगे उतना समय. Time required for a single breath. जीवा॰ ३, ४; —भारता. स्वी॰ (-भाषा) श्वासीन्द्र्यास अति लापा ओ ले प्रविधि. खामोच्छ्वास स्वीर भाषा ये वे पर्याप्ति. the development of the two faculties viz that of respiration and that of speech. क॰ प॰ ४, १४;

न्नागाप्य. त्रि॰ (श्राज्ञाप्य) केने आहा-धुडम ६१ राडाय ने, आहा दिश्वनार. जिमे न्नाजा दी जासके; ब्याहानुसार चलनेवाला. (One) carrying out an order: (one) who can be ordered. " भागापा इवति दासावा " स्य• १, ४, २, १४;

भाषामंतिः सम- १; भग- १, १;२,१; १,३३-३४;पत्त- ४;

कायममायः भग• ६, ३३;

√ श्राणय. धा• I. (का+नो) सायपुं; सध आयपुं. ताना. To bring; to fetch.
 कावपह. क• गं• ३, १२;

आगाय. पुं• (बानत) नवने। देवले। नौर्वो देवलांक The ninth Devaloka. (२) नवभां देवसे। इत्रं विभानः नीवे देवलोक का विमान. a heavenly abode of the ninth Devaloka. भ्रोव॰ २६; सम॰ १६: पश्च १: ठा • २, ३: उत्त० ३६, २०६: नाया॰ १; भग० ३, १; ८, १; १८, ७; विशे • ६६६; -- देच. पुं • (-देव) नवभा રેવલાકના દેવતા કે જેની ૧૯ સાગરાપમની રિયાન છે-એાગણીસ હવ્તર વર્ષે આહારની ઇ-ડા અને ૧૯ પખવાડિયે જે ધાસા-છવાસ स्ये छे. नौवें देवलोक के देव जिनकी श्राप् १६ सागरोपम हैं और उन्होंस हजार वर्षवाद जिन्हें त्राहार की इच्छा होती है तथा १६ पच (१। माह) बाद श्वामीच्छवास सेते हैं. the deities of the ninth Devaloka who live for 19 Sāgaropamas, take food once in 19 thousand years and breathe once in 19 fortnights. भग॰ 24, 29;

श्रारायण न॰ (श्रानयन) लढारथी साववुं ते. बाहर से लाना Bringing from outside. प्रव॰ २०४, पदा॰ १, २०; — ध्ययोग. पु॰ (-प्रयोग) णाधेली ढहनी
ण्ढारथी ४४ परतु भ गावधी ते, श्रावडना
दशभा प्रतने। प्रथम व्यतियार नियत की
हुई मर्यादा के बाहिर से वस्तु मंगाना श्रावक
के दशवें बत का प्रथम श्रानिचार the
first of the partial violations
of the 10th vow of a Śrāvaka.
पना॰ १, २०, प्रव॰ २०४,

द्यारावरा न॰ (ग्राज्ञापन) आहेश; अति-शेधन; अवर्तन द्यादेश, प्रवर्तन. Order; command. उवा॰ १, ४४;

आणविणया. स्री॰ (आज्ञापनिका) पापनी आहेश-६ु६म ६२वाधी ६र्भणंध थाय ते; २५ हियामांनी ओई. पाप के आदेश से कर्मवध होना, २४ किया मे से एक. Incurring Karma by ordering some evil action ठा॰ २, ९;

आग्रवणी. स्नी॰ (आज्ञापनी) आज्ञा आप-पानी भाषा, ०थपहार भाषाना ओह प्रहार. आज्ञा करने की भाषा; ब्यवहार भाषा का एक भेद. A sort of language viz that of command. पन्न॰ १९; भग० १०, ३; प्रव० ६०९;

आणा. स्त्री॰ (श्राज्ञा) आहा; आहेश, धुक्त, तीर्थंकर, अधुधर, गुक्त, वडीस, वगेरे तु क्रमात स्त्राज्ञा, हुकम, स्त्रादेश, तीर्थंकर, गणधर, गुक्क, माता-पिता स्त्रादि की श्राज्ञा. Order; command. गग॰ १, ३; २, १, ४; ३, १, ७, ७, ६, ८, ६, १८, १८, २, नाया० १, ६, ६, १६; १८; श्राया० १, १, ३, २१; १, ६, २, १८, १; श्राया० १, १, ३, २१; १, ६, २, १८, १; श्राया० १०, ३०; ३२; ३४; उत्त० २, २, २६, १; श्रयाजो० २१; ४२, राय० ३०; दस० १०, १, १; पिं० नि० ६०; १६३, पि० नि० भा० २६, प्रव० १००, काप० २, १३, गच्छा० ३६, ज॰ पं० ४, १९५; वव० ४, १६, ६, ३७, १०, ३,

स्य० २, ६, ४४, (२) आप्तेना अपहेश. श्राप्तका उपदेश. the teaching or advice of an authoritative person पत्रा॰ २,३२; (3) भे।धि, सभ्यक्त्व गम्यक्त right knowledge. पष ।; (४) भारा ०५५७१२. श्राज्ञा व्यवहार. Ajñāvyavahāra. ডা. খ, ২; মব॰ =६१, —श्रसुग. त्रि॰ (-श्रनुग) भागाने अनुसरनार. आजा के अनुसार चलनेवाला. (one) who obeys, carries out, order. अगुजो॰ ४२; (२) आगभानुसारी आगम के अनुसार चलनेवाला. (one) who acts according to the orders (of scriptures). पंचा॰ १६, २६; -- अगुगामि. त्रि॰ (-अनु-गामिन्) आशा ने अनुसरनार, श्राज्ञा के अनुसार वसनेवाला. (one) obeying, carrying out, an order. अगुजो॰ २१, - इस्सारियः न० (- ऐश्वर्य) आहा **५**२वाभा. शैश्वर्थ-महत्ता. श्राज्ञा करने में पेथवं-महता power of ordering; power of command " श्राणा इस्त-रियंच मे " उत्त॰ २०, १४; --ईसर. पुं॰ (-ईथर-बाज्ञाया ईश्वर बाज्ञेश्वर) ६६२ ६२तार; भागा ६२तार श्राज्ञा करने-पाला one having the power to command. सम॰ १=; ज॰ प॰ ३, ६६: -कंखि ति॰ (-काचिन्- ब्राज्ञामां-कांचितुं शालमस्पेत्याज्ञाकांची) सर्पना ७ ५६श प्रभाशे अनुशत ४२तार. सर्वज्ञ के उप-देश का श्रनुष्टान करनेवाला (one) abiding by the teachings of the omniscient "इह आया क्ली पंडिए" श्राया॰ १, ४, ३, १३५, —कारि त्रि॰ (-कारिन) सर्वतनी आज्ञा प्रभाणे वतेनार. सर्वज्ञ की आबानुसार दलनेवाला. (one)

acting according to the orders of the omniscient. " प्यस्य फलं भणियं हुय धाणाकाियां उसदूस्य " पंचा॰ ए, ४४, -- मारि त्रि० (-कारिन्) धुर्वा-**६ि** इनी आज्ञा अभाषे वर्तनार. श्राज्ञाकाराः धाजा को मानने गुरू की (one) whosets according to the order of a preceptor etc. पंचा॰ =, ११; - शिहेस. पुं॰ (-निर्देश) विधिनिषेध नुं अतिपादन अर्थ ते विधिनिषेष का प्रतिपादन करना explanation of things commanded and things prohibited. (१) आतानी २ शिक्षार. आज्ञा का स्वीकार. acceptance of an order. " काणा णिदेस करे " उत्त॰ १, २; — शिहे सपर. पुं॰ (-निहेश-कर) આગ્રાના આરાધક, આગા સ્વીકારનાર याज्ञा मानने वाला. one who obeys, pays homage to, an order " श्राणा गिहेस करे " उत्त॰ १, २: -परतंत्तात्रि० (-परतंत्र) तीर्थं ५२नी आहा ने आधीन तीर्थंकर की आजा के आधीन. obedient to the order of a Tirthankara. पंचा॰ १६, १६; —पार्वित्ति म्नां॰ (-प्रशृत्ति) सर्वजनी आज्ञाने आधीन थध प्रवर्तन धर्वं. श्राज्ञा के श्रतुमार चलना. acting according to the order of a Tirthankara. " आणाप्पविश्वक्रोधिय सुद्धे। एसीया श्रव्यहायियमा ' पंचा = =, १२; -ध्रम् श्रि॰ (-बाह्म) सर्वश्रतीः भाजानी पहार: भाजा रहित सर्वज्ञ की त्राज्ञा के बाहिर, not commanded by the omniscient; outside the pale of things ordered by the omniscient, "समिति पनिति सम्बा थागा वामारि भवनदा वेष " पवा॰ ८,१३: -प्रताभियोग. पुं - (-पक्षाभियोग-प्राज्ञा-पनमाजा भवतदं कार्यमव तदकुर्वती बसा-रकार यां बला। अयोगस्तत आज्ञया सह बलाभि-योगा भाजाबदामियोगः) हु अभ अने पक्षा-तः रने। ७५थे। भ ४२वे। तेः हक्य बार बलाकार का उपयोग करना. command accompanied with physical force. " बाह्याबनाभियोगी शिमाधार्थ य कपते कार्ज " पंचा० १२, ≈,—भ्रंग. पुं∙ (−भक्क) सर्वतनी अज्ञाने। भंग सर्वज्ञकी स्वामा का भंग. breach of un order of the omniscient. पंचा॰ थ. ४४: -- इ.इ. स्रीव (-मिंच) सर्वशना वयन-કરમાન**ર્ધા** ઉત્પન્ન થયેલી રુચિ; સમકિતના श्री अधार सर्वेश के बचन से उत्पन्न रुचिः सस्यक्तव का एक भेद. liking produced by the order, teaching, of the omniscient; a variety of night faith based on liking. श्रोव॰ इत्त• १=, १४; २० ४, १; पंचा॰ ११, १२; प्रव० ६६ १; (२) जि॰ तेवी रुथियाली; सम-िनना दश अधारभाने। क्षेष्ठ बसा रचिवालाः सम्यदत्व के दश प्रकार में से एक (0118) possessed of the above kind of liking भग २४, ७; उत्त १=, १४; --लीख्र पुं॰ (क्लाप) व्य ज्ञाना क्षेत्र क्षेत्र. भाजा का भंग. violation of an order. पि॰ नि॰ भा॰ २४; - चवहार-पुं (- इयबहार) शीतार्थं भे आथायें। लुहे જાદે રથલે રહ્યા હાય; અવસ્થાને લીધે એક **ખીજાની પાસે જઇ શકે એવી સ્થિતિમાં નથી** ત્યારે અગીતાર્થ પણ મનિ ધારણમાં કુશલ એવા ક્રાઇ શિષ્ય તે ગુપ્ત અર્થમાં અતિચારા ક્રહી ખીજાની પાસે માકલે: ખીજા આચાર્ય તે શિષ્યની મારકૃત પ્રથમ આચાર્યની ગ્રુપ્ત શબ્દોમાં કરમાવેલ આત્રા પ્રમાણે પ્રાથમિત

यगेरे स्थे ते आता व्यवदार. शास्त्रवेत्ता दो श्राचार्य भिन्न २ स्थानीपर रहते हो; पर श्रवस्था के कारण एक दूसरे के पास न जा सकते हो श्रीर इसालिये एक श्राचार्य श्रगीतार्थी (शास्त्र को न जाननेवाला) परन्तु मति धारण मे कुशन शिष्य को गुप्त अर्थ मे आतिचार बतला-कर दूसरे के पास भेजे तब वह दूसरा श्राचार्य शिष्य द्वारा भेजी हुई प्रथम काचार्य की गुप्त श्राज्ञा के अनुसार जो प्रायाधित से बह श्राज्ञा क्यबहार. when two Acharyas well-versed in Śāstras, residing in different places cannot see each other on account of old age and one of them informs the other of his (other's) violations of right conduct in rather abstruse terms, through a d sciple, faithful though not well-versed in Sastras, and the other after receiving the message from the disciple performs the expiations ordered by the first the whole affair is called Ajñā Vyavahāra. प्रवर्द १. —विजयः पु॰ (विचय) अग्रापनी **આ**ત્ર ના નિર્ણય કરવા તે; ધર્મ ખાનના प्रथम लेह भगवान की श्वाज्ञा का निर्धाय करना; धर्म ध्यान का प्रथम भेंद. contemplation of the authority of the teachings of scriptures; the first variety of religious meditation. अग • २४,७;—विराह्णाः क्रो॰ (-विराधमा) सर्वज्ञनी आज्ञानी विरा-धना ७२पी ते. सर्वज्ञ की आज्ञा का संग करना. offending against the order of the omniscient. qचार

१६, २८; —शिराह्याखुग. त्रि॰ (-बिरा-धनानुग) आज्ञानी विश्वाधना धरनार. आजा भंग करनेवाला (one) who violates, offends against, an order. " भागाबिराहकाकुगमेय पिय होति दट्टवं ' पंचा । १६, २८: - शिवरीय. त्रि॰ (-विपर्शत) र र्वरनी भाराथी विधरीत सर्वज्ञ की आजा से विपरात. against the order of the omni scient. " आषा दिवरीयमेव य किचि" पंचा ६, ६: - सार. त्रि (-सार) आप्त वयनने अधान भाननार, श्राप्त बदन को प्रधान माननवाला. (one) believing the words of an authoritative person to be above all things else. " आणासारं सुरोपध्यं " पंचा० ११, ८;

द्याणात्रो. अ॰ (घाज्ञातः) आशायी. श्राज्ञा से By order, by the command of पचा॰ ४, १३;

श्रासाहिश्चः न० (श्रनाधिक) निरयाविधः।
सत्रना त्रीन्न लागरूप पुष्पिः। सूत्रनुं नाभः
निरयावार्त्वना सूत्र के तांसरे भाग स्वकृष पुष्पिका सूत्र का नामः Name of the Puspikā Sūtra forming the third part of the Nirayāvalikā Sūtra. निर० ३, १;

 tory power; power of breathing भग• ३, १; ६, ४;

आणापासुः पुं॰ (म्रानप्रास्त) लुओ। 'म्रास्तापास्त '' शण्टः देखो '' म्रास्तापास्त '' सन्दः Vide '' म्रास्तापास्त '' मन॰ २४, ४; ठा० २, ४; जीवा॰ १; — पोग्गल परियदः पुं॰ (-पुद्गल परिवर्त) क्षेत्रनी अद्देश अद्देश अद्देश अप्तमं क्ष्य श्रेश अदेश व अत्रमं क्ष्य श्रेश तेरक्षा व अत्रमं क्ष्य अपे भुद्देश व अत्रमं क्ष्य अपे भुद्देश व अत्रमं क्ष्य स्तान क्ष्य स्तान क्ष्य से नितने समय में प्रद्र्ण कर खोड़ा जाय जतना समयः the time taken for inhaling and exhaling in different births all the Pudgalas in the world भग॰ १२, ४,

श्चागापाणु--त्त. न॰ (श्चानप्राग्यत्व) श्वासी-२७्यास पण्ं श्वासीच्छ्त्रासपन. State. condition of, respiration. भग• २४, २;

आखापायुत्ताः ब्री॰ (श्रानप्रायता) न्युओ। ઉपने। शण्टः देखो जपस्का शब्दः Vide above. भग॰ १२, ४; २४, ३;

आणम. (*आणाम) ६२७्वास उच्छ्वास. Breath; breathing in. " एएगिया श्राणामं पाणामं वा उस्तासवा निस्तासंवा" भग० २, १;

आणामियः त्रि॰ (श्रानामित्त) थे। ुं नभा-वेक्ष-वां हु धरेकुं कुछ नमायाहुश्राः Somewhat bent or inclined. श्रोव॰ १०; खवा॰ २, १०१;

श्राणामेत्त न॰ (श्राज्ञामात्र) आहा भात्र श्राज्ञा मात्र. Mere order. "श्राणमेत्तामे सन्बहाउतो. " पंचा॰ १४, २८; श्रागाय. रां॰ छ॰ श्र॰ (श्राद्याय) लाणीते; सभळते. नानकर; ममककर Having known; having understood उत्त॰ २,१७;

त्राणित्र—यः त्रि॰ (श्रानीत) आणेबुं; सावेस ताया हुत्रा. Brought. भग• ३, ३३; मु० च॰ ४, ८२, नाया॰ १;

आर्गील ति॰ (भानीत) आणेलुं. तायाहुत्रा.

Carried; brought प्रव॰ २७७, ६२०;
आर्गीश्च. पुं॰ (आनील-भ्रा-इवाझील भानील:) थेले नीलेल्या, इं४५ नील-भ्याभ.

कुछ नीला रंग Blue tinge, faint blue colour " भागीलंच यथ्यं स्या-वेहि" स्य॰ १, ४, २, ६;

श्रायकंषियः त्रि॰ (भानुकाम्पिक-भनुकन्पया चरत्तीत्यानुकन्पिकः) अनुर्धेषा धरनारः; दयाक्षु. द्यावान , दयालु Compassionate. भग• ३, १, १४, १ः

श्रासुगामियः त्रि॰ (चानुगामिक—गरह्रन्तं पुरुषमासमन्ताद्वुगच्छुग्येय शीनः श्रनुगामी-श्रनुगाम्येवाऽनुगामिकं) आंभनी पेरे સ્વામિની સાથે સાથે જનાર અવધિતાન; ઉત્પન્ન થયું હાય ત્યાંજ ન અટકી રહેતા સાથે સાથે જઇ ખાધ કરાવનાર અવધિજ્ઞાનના એક प्रकार श्रांख के समान साथ २ रहने वाला भव-धिज्ञान; जहां उत्पन्न हुदा हां गहीं न रहकर साप साथ जाने और जान कराने वाला श्रवधिशान का एक भेद. A sort of Avadhijñāna i e visual knowledge so-called because it accompanies the possessor like his eyes. ' সান্ত-गामित्रोणुगच्छड् गच्छनं ' नंदां० ६; '' से किंत त्राणुगासियं श्रोहिनाण दुविहं प॰ त॰ श्रंनगय मक्तगपंच ' नदी० १; विशे० ४००; (ર) ઉપાર્જિત પાપપુરવનું જીવની સાથે आववुं ते. उपार्जित पापपुराय का जांव के

साय आना. the soul's being accompanied with its good and bad Karma. आया १, ५, ४, २१५;
— भाव. पुं॰ (-भाव) पछवाडे यालनारने। भाव-अनुधूसता अनुगामी का भाव, अनुयायी का भाव the attitude of (reverence) of a man who is a follower सूय ० २, २, २६;

आगुगामी श्र-व-ता. ब्रां (श्रनुगामिकता) भवे। भवे। साथे आवे तेषुं सुण. अवोमव -प्रत्येक भव- में साथ रहने नाला सुस्त. Happiness which accompunies a man in all his births. भग • ६; ३३, श्रोव • २७; राव • ७१; दसा • ४, ६०, आगुगामित्त. ब्रां • (श्रानुगामित्त) जुओ। ઉपसी। शण्ट. देस्रो ऊपरका शब्द.

Vide above. नाया॰ १, भग॰ ३, १; आगुत्तग् न॰ (भानत्व) धासो-थ्यास-पणु. श्वासो-छ्वासपना. Respiration; breathing in and out क॰ प॰ १, १७,

आसापुनिया. त्रि॰ (आनुपूर्वीग-अनुपूर्वी कमस्तंगच्छतीत्यानुपूर्वीगः) ६भसर. ६भ-पार. कमशः कमानुसार. In proper order. " आसुपुन्विग मार्ग्सो पन्यजासुस भत्य करसांच " आया॰ १, ६; १, १७६; आसुपुन्वी. स्री॰ (आनुपूर्वी पूर्वस्य पश्चादनु पूर्व तस्य भाव श्रानुपूर्वी) अनुहेभ. परिपारी; पैार्वापर्य भाव श्रानुकमः, क्रमशः Proper order; proper succession of one thing to another. (२) विषिष्ट २ थनाः विशेष प्रकारका रचनाः a particular kind of arrangement. " श्रागुपुब्विय संखाए " श्राया॰ नि॰ १, १, १, ६, १, ६, ६; भग॰ १, ६; २, १, ६, ३; ७, १, १४, १; २४, २; इस • ६, १; उत्त २, ७; पि । नि ॰ ७६; नंदी॰ ३६; श्रयाुजो. ७%; राय॰ ज॰ प॰ स्य० १, ४, १, ६; प्रव० ६६६; मन४; નામકર્મની એક પ્રકૃતિ (વધુ વિવેચન માટે अथे। " ब्रागुपुव्विणाम " शण्इ) नामकर्म की एक प्रकृति (विशेष वर्णन देखने के लिये देखो 'त्राशुपुन्वियाम' राज्द) (vide also 'श्रागुपुञ्चिगाम') a division of Nāma Karma. क॰ गं॰ ६, ६; पन्न॰ २३; -गंठिय. त्रि॰ (-प्रधित) अनुभ्मे शुधेस. भनुकम पूर्वक गुंथा हुआ. knit in proper order. " ऋाजुपुद्धि गंडिया " भग • ४, २; — गाम. न० (-नामन्) नाभक्ष्मी એક પ્રકૃતિ, કે જે ખલદને નાયની પેઠે છવ-ને જે ગતિનું આયુષ્ય ઉદયમાં આવ્યું હાય તેજ ગતિમાં લઇજાય: બીજી ગતિમાં જવા ન આપે તેવી નામકર્મની એક પ્રકૃતિ. नाम-कमें का एक प्रकृति जो कि बैल के नाथ के समान नीव की जिसगातिका उदय होवे उसी गति में ले जाब. a variety of Nāma. karma which perforce carries a man to that condition of existence to which his matured Ayuşya has entitled him. प्रव॰ २८३; — त्रिहारि. एं॰ (-बिहारिन्) प्रव्रव्या अलने अनुसरी भेषभनी ते ते भिया **५२नार प्रव**ज्या-दीन्हा

काल के श्रांतुसार संयम की कियाएँ करने बाला. one performing the necessary ascetic practices enjoined after taking Diksa. श्राया वि १, ७,१,३७३;

आणुलोभिन्ना न॰ (शानुलोभिक) भधुर पथन; अनुरूप पथन, भीठे वचन; मनाहर चचन; श्रानुकून वचन. Pleasing and charming speech " बहुज बुद्देहिणमाणुलोभियं" दश्र॰ ७, ४६;

आंग्रयन्य. त्रि॰ (आंनतस्य) क्षापवाने ये भ्य. ताने के योग्य. Worthy of being brought. मु॰ च॰ =, ३०७ जं॰ प॰ २, ३३;

स्राणोह. पुं॰ (ब्राज्ञीय-श्राज्ञाया क्रासोपदेश-स्योघः सामान्यम्) सभ्यग् हरीन रहित भाग्ना भात्र. सम्यग्दर्शन रहित ब्राज्ञा सात्र. Words of the omniscient not accompanied with right faith. "ब्राणोहे कार्णता मुख्य गेवेजगेसु-द सरीरा" पंचा॰ १४, ४८;

स्रात. पुं॰ (श्रात्मन्) आत्मा. श्रात्मा. Soul "कह विहाणं भंते श्राता प॰ त॰ गोयमा श्राविहा......दिवयाता कसायाता जोगा-याता उवश्रोगाता" भग० १२, १६; १५. १; २०, ३; दस० ४; टा० १;

आतंक. ५० (श्रातष्ट-श्रा-सामस्येन तद्दुः यन्ति इन्द्रजीवितमातमानं कुर्वन्तीत्यातद्वाः) छवसेशु रेश, शक्ष जेरीताव वशेरे प्राणा हारि रोग. A fatal disease. भग० ६, ३३, श्रोव० ६९; (२) रेशनी परीषद्ध. रोगका परीपद्द. trouble given or caused by disease. उत्त० १०, २७; — दंसि. ५० (-दर्शिन्) शारीन्डिया भानस्डि ६: भं कोनार (क्य-पार). शारीस्क या मानसिक दु:ख जाननेवाला. (one) having knowledge of physical or mental pain. श्रायाः १, ३, २, ४; — मंदपश्रोगः पुं॰ (-यमयोग) रेशिनी संपन्ध रोग का सम्बन्धः connection of disease. — मंद्पश्रोगसंपउत्त. पुं॰ (-यमयोग संप्रयुक्त) रेशिना संपध्यी कोडावुं ते; आर्तिश्वानी ३ को भेद रोग के सम्बन्ध से संयुक्त रोना, श्रात्तेन्यान का तायरा भेदः meditating upon disease. श्रीय॰

√ श्रातंचः धा॰ I. (श्रा+तण्चू) थे।४८वुः भसलयु. चिपदना, मसलना. To rub: to apply.

द्यायचर्. टवा॰ ३, १३०; श्रापंचामि. टवा॰ ३, १२=:

श्रातंब. त्रि॰ (त्राताम्र) थे डे। लाक्ष; करी शतुं. इन्छ नलास वाना. Reddish. श्रोब॰

स्नातवरुक्तयण न० (भाताम्राध्ययन) नाता-धर्मकथाना शील श्रुतरुक्त्वा ७ भां धर्मना शील अध्ययननुं नाम के लेभां ख्रुनी अध्य-भांद्वधीना धिरतार भूषंक देवाल छे. ज्ञाता धर्म कथा के दूसरे श्रुतरुकंघ के ७ वे वर्ग के दूसरे श्रव्याय का नाम, जिसमे कि सूर्य की पहराणी का विस्तृत वर्णन है. The name of the 2nd chapter of the 7th part of the 2nd Sruta-Skandha of Jñātā—Dharma—Kathā, in which is related the account of the principal queen of the sun. नाया॰ घ॰ २; ७: २;

भाततः न० (चान्त) संलाधः लंगाई. Length. न० प०

त्रातपः पुं॰ (ञ्चातप) नाम धर्मनी એક प्रधृति के जेना ६६४थी छ्यने स्वरूपथी गरम नांद्व होवा छना ६५अना अने प्रधारा आप-नार शरीर भक्षे केम सूर्यमंद्रशन पृथ्वि-धार्यिक छनः नाम कर्मकी एक प्रकृति जिसके उदय से प्रकाश देनेवाला शरीर मिलता है जैसे की सूर्यमंडलगत पृथ्वीकाय के जीव. A kind of Nāma Karma by the rise of which the soul which is not hot by nature gets a body which gives light and heat, e.g. a soul having earth-body in the sun पश ० २३,

श्चातपत्त न॰ (श्चातपत्र) ७३; ७३ी. छतरी An umbrella जं॰ प॰.

√ श्रानच. था॰ II (श्रा+तप्) आतापना क्षेत्री. श्रातापना लेना. To practise austerity by enduring cold, heat etc.

श्रायावयति. दसा० ३, १२; श्रायाविज्ञा वि० दस० ४; श्रायाविह. श्रा० दस० २, ४, श्रायावितए हे० छ० श्राया० १, ७, ३;

११०; वेय० ४, २२; ध्यातावित्तए हे० छ० कप्प. ८; ध्यायावेत्तए हे० छ० नाया० १६, कप्प० ६, ४२;

द्यायावेमाण. व० क्त० नाया० १; १६; भग० २, १;३,१,६,३१,१४,१; १६,३; द्यातावेमाण. व० क्त० श्रोव० ४०,

श्चातव पु॰ (श्चातप) भेशश, तेडी. प्रकाश; उजेला. Light, sunshine. ठा० २, ४; विशे ० २२४२, (१) એ नामनुं ओड अहीरा त्रिनु २४ में मुहुर्नका नाम. name of the 24th Muhurta of the period of a day and a night. सम॰ ३०; — गाम. न॰ (-नामन्) जुओ। " श्चातप " शण्ट. देखी " श्चातप " शब्द vide " श्चातप ". प्रव॰ १२७८; क० गं॰ ४, ६६; — शिवाय पुं॰ (-निपात-श्चातपस्य – धर्मस्य नितरांपाती ४. 11/6

नियातः) गरभी थवी; लक्ष्री थवी। गर्मी होना. coming of heat, " प्रायवस्स निवाएगां अउता हवह वेयणा " उत्त॰ २.३५;

श्रातववंत. पुं॰ (श्रातपवत्) એ नाभनु अहीरात्रनं २४ मुं मुद्रे श्रहोरात्रि के २४ वें मुहूर्त का नाम Name of the 24th Muhūrta of the period making up a day and a night. जं॰ प॰

श्चातचा जी॰ (श्चातपा) सूर्येनी अश्च भहिषी-तुं नाम. सूर्ये की श्चम पृष्टरानी का नाम The name of the principal queen of the san सू॰ प॰ १८;

श्चातवाभाः श्ली॰ (श्चातपाभा) প্রঞী।
"श्चातवा" शण्द देखा 'श्चातवा " शब्द
Vide. "श्चातवा." जीवा॰ २,

आतावग. पुं॰ (धातापक-धातापयस्याताप-नां शीतातपादिसहनरूपां करोतीत्यातापकः) आतपना सहन धरनार; स्र्यंनी आतापना लेनार. घातापना सहन करनेवाला. One who practises the austerity of bearing the intense heat of the sun. ठा॰ ४:

श्चाताचण. न॰ (श्वातापन) आतापना क्षेत्रीते.
शीत, उण्णता श्चादि से शरीर को कष्ठ देना
Practice of austerity by enduring intense heat, cold etc. ठा॰
३; दस॰ ४; — श्रुमि श्ली॰ (—शूमि)
आतापना क्षेत्रानी जञ्या. श्चातापना लेनेका
स्थान. a place for practising austerity by enduring heat, cold etc. निर॰ ३, ३;

স্থানাৰ খ্যান প্লী (স্থানা দলনা) প্রথী।
" স্থানাৰ খ ' থে ধে ই ই ই বিলা ' স্থানাৰ খ '
शब्द Vide ' স্থানাৰ খ ' ঠা০ ३,

भ्राताचि. पुं॰ (भ्रातापिन्-ग्रात्तपयित भ्राता पनां शीतातपादिसहनरुगां करोतीत्यातापी) ताप, शीताहि सहन करनेवाला (One) who endures heat and cold. ठा॰ ४; कप्प॰ =,

श्रात्तिरूग्. त्रि॰ (घास्तीर्था) पाथरेक्ष, भिछा-वेक्षं, तिद्याया हुआ. Spread. मग०१,१; श्रातीय. त्रि॰ (श्रातीत-श्रासमन्तादतीवइ-तो ज्ञात प्राज्ञीत.) सर्वत्र स्पत्यंत क्रश्रास्पेस. सर्वत्र प्रास्यन-श्रतीवरूप प्रतीत होता हुआ। Felt excessive everywhere. (२) (शासामस्येगातीतोऽतिकान्तः थ्रासीतः) समन्त પણ ઉલ્લંઘી ગયેલ. सम्पूर्णतया उलांघा हुआ. wholly, completely, crossed. श्राया॰ १. ८, માજીવ માદિ સર્વ પદાર્થ જાણ્યા છે તે. जीव प्राजीव शादि मवे पदार्थी को जाननेवाला. (one) who has known fully sentient as well as insentient things. (२) तभाभ व्यापारथी निवृत्त थ्येश. समस्त न्यापारसे निवृत्तः (one) retired from all activities. श्राया० १, ६, ७, २२६,

श्रातुर त्रि॰ (श्रातुर) व्याप्तुस; तीत्रालिक्षाधी.
व्याकुल, तड्फड़ाता हुत्रा. Afflicted;
intensely longing. श्राया॰ १, १,
६, ४१; भग॰ १६, ४; नाया॰ ४, (२)
विषय ४षाय आहि हेष्युक्त. विषय,
कषाय श्रादि दोषों सहित. full of
faults such as passions etc.
श्राया॰ १, १, २, १४,

श्रातोडिज्जमार्गः त्रि॰ (श्रातोधमान) वगाऽ-वाभा आवतु. वजाया जानेवाला. Being played upon स्य॰ २, ४, ११;

ष्ट्रातोद्द. पुं॰ (ष्ट्रातोष) वार्छत्र. बाजा. A musical instrument. जीवा॰

श्रात्त. पुं॰ (धारमन्) आत्मा; ७५. श्रात्मा; Soul. स्य॰ १, २, २, ३०; (२) शरीर, देख. शरीर; देह. body. जीवा॰ ३; (३) स्वयं; पेति. सुद; स्वयं. oneself. स्य॰ १, १३, ३; - उव-क्तम. पुं॰ (-उपक्रम-भ्रप्राप्तकालस्यायुपो निर्जरणं, आरमनास्वयमेवायुप उपक्रम थात्मोपक्रमः, श्रात्मन उपक्रमोत्रा) पेतातुं ઉપક્રમ-અપ્રાપ્તકાલ આઉખાનું નિર્જર્શ. श्रात्माका उपक्रम-असामयिक आयुष्य का निर्जरण. Nirjarā of one's own unfinished life period. भग॰ २०, १०; — भाव. पुं॰ (-भाव) સ્વાલિપ્રાય; સ્વછંદપણું. સ્વેચ્છાचાर; स्व-च्छंदता. wilfulness; self-will. "जे श्रात्ताभावेगा वियागरेजा'' स्य॰ १, १३, ३, --रक्खग्र. पुं० (-रक्क) भेाताना સ્વામિના શરીરનું રક્ષણ કરનાર દેવતાની એક न्ततः, भात्म-रक्षक देवता. श्रपने स्वामी की रचा करने वाले देवो को एक जाति: आतम-रचक देव. a kind of deities who protect the body of their lord. जीवा० ३, ४; — हिन्ना न० (-हित) भारभेश्रय, भारभ-५६४। श्रात्मकल्याण. welfare of the soul. " आत्तिहयं ख बुहेरा लब्भइ " सूय० १, २, २, ३०;

आतीकयः त्रि॰ (आत्मीकृत) भीरनीरनी भेढे आत्मानी साथे ओडमेड डरेक्ष. भात्म- सातिकया हुआ; दूध श्रीर पानी के समान श्रात्मा के साथ एकता की हुई. Made one with the soul like milk and water विशे॰ १;

স্থাदंस. पुं॰ প্লা॰ (ম্বাহর্ম) એક જાતની

िष्पी. एक प्रकारको लिपि. A. particular kind of script; (२) अरिसे।. दर्पण, शीशा. व mirror. पञ्च , — धर. न (-गृह) अरीसाने। धर. शीश-महज्. a house of mirrors or looking-glasses. जं॰ प॰ ३, ७०;

श्चादंसगः पुं (श्चादंशक — प्रासमन्तात् इश्यते भारमा यस्मिन् स भादर्शः सएव धा-दर्शकः) अरीसे। दर्पणः A mirror. "भादंसगर्च पयच्छाहि" स्य० १, ४, २, १ १; श्चादंसिश्चाः स्त्री० (श्चादर्शिका) भाद्य विशेषः

એક જાતના ખાવાનાપદાર્થ खाने का एक पदार्थ विशेष. An eatable substance; a kind of food. जं॰ प॰ पक्ष १७;

√ श्रादद. घा॰ I. (श्रा+दर्) अ७७ ६२वुं; क्षेतुं; आधान ४२वुं. प्रहण करना; लेना. To take; to accept.

म्राययइ. उत्त० ३२, २६;

श्राययंति. श्राया॰ १, ७, १, १६६; विशे॰ १२२८; उत्त० ३, ७;

१२२६; ७५० ३, ७

श्चाययमाण. पिं० नि० १०७;

न्नादर. पुं॰ (श्रादर) आहर सत्कार. आदर-सत्कार. Hospitality. ठा॰ ६;

आदर्ण न॰ (आदर्ण) स्वीक्षर. स्वीकार. Acceptance भग॰ १२, ४;

श्रादिरस पुं॰ (श्रादश) लुओ। "श्रादंस" शण्ट. देखों "श्रादंस" शब्द. Vide. "श्रादंस". श्रोव॰ १७; जं॰ प॰ २, ३१;

श्रादस्स लिवि स्री॰ (श्रादशीलिपि) अक्षाद सिपिभांनी ओक श्राठारह लियीओं में से एक. One of the 18 scripts. सम॰ १६;

√ श्रादह. घा. I. (श्रा+घा) धारण करवुं; भक्ष्यतुं. घारण करना; पकडना. To put on; to hold; to catch, श्राडहरू. श्रोव० ३०; श्राडहित्ता. श्रोव० ३०;

√ आदा. था. I. (आ+दा) श्रेष्णु धर्बु श्रह्मा करना. To accept; to take. आदियइ उवा॰ २, १२१; स्य॰ २, २,

भाइयइ बेय० ४, २५; निसी० १६, २४, २६; ध्राइयंति. स्य० २, १, १६; भ्रादिए. वि० उत्त० २४, १४; भ्रादियन्त. व० कृ० स्य० २, २, २३; भाइतु. सं० कृ० श्राया० १, ४, १, १२६; भादियायेन्ति. पुं० स्य० २, २, २३; भ्राइयावेन्ति. पुं० स्य० २, २, १३;

श्रादारा न० (श्रदहरा) आध्य श्राधन.
Boiling water "श्रादारा मरियंसि
कढाह्यंसि" उना० ३, १२६: — भरियश्रि० (-शृत) आंधरेश थी भरेश गरम
जल से भरा हुआ. filled with boiling water. "श्रादारा भरियंसि कढाइयंसि श्रद्देमि" उना० ३, १२६;

श्रादागु. न॰ (श्रादान) क्षेत्रं, अढ्छ ५२वं लेनाः प्रहण करना. To take; to accept. स्य ० १, १६, ३; उवा० १, ४१; श्रोव० १०; १७; भग० २०, २; उत्त० २४, २; प्रव॰ १०७८, (२) કર્મનું ઉપાદાન કારણ. कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma. "धृणादाणाई क्षोगंसित्तंविकं परिजािया " सूय० १, ६, १०; —फॉलिह प्तं० (-पारेघ द्यादी-यते द्वारस्थगनार्थे गृद्यत इत्यादानः स चासौ परिचश्चादानपरिघः) भारला अंध **५२वानी भागस द्वार बंद करने का आडा**. चटकन. a bolt of a door. जीवा॰ ४, पगह० १, ४; — भंडमत्तनिक्खे-वणा समिइ. स्रो॰ (-भाएडमायनिके-पर्णासमिति) ७५गराज् आहि युत्तर- પૂર્વક લેવાં મુકવાં તે; સાધુની પાંચ સમિતિ-भानी याथी समिति यत्नाचार पूर्वक उपकर्ण श्रादि का उठाना रखना, साधु की पांच समिति में से चोथी समिति. fulness in taking up and laying down implements or articles of use; the 4th out of 5 Samitis of ascetics. 310 %. सम० ४: --भंडमत्तनिक्खेवणा समिय त्रि॰ (-भागडमात्रनिचेपणासमित) लंड ઉપગરણ વસ્ત્રપાત્રાદિ જતનાથી લેનાર <u>મુક્તાર; પાંચમાંની ચાૈયા સમિતિ પાલનાર</u> साधु. उपकरण श्रादि को यत्नाचार पूर्वक उठाने रखनेवाला साधु; पांच में से चोथी समिति पालने नाला साधु (one) who is careful in handling clothes vessels etc: a Sādhu who observes the 4th of the 5 Samitis (carefulness) স্তা ৬; सम० ४, भग० २, १,

श्रादाणयाः त्री॰ (श्रादान-स्वाधेताप्रत्ययः) अहण करनाः Acceptance. ठा॰ २,

श्चादाणिज्ञान्मयण न० (श्वादानीयाध्ययन)
स्वग्धांग सूत्र ना अथम श्रुत २ इंधना १५
मां अध्ययनतुं नाम. स्यगडांग सूत्र के
पहिले स्कंध के १५ वें श्रध्याय का नाम
Name of the 15th chapter
of the first Srutaskandha of
the Süyagadanga Sütra. सूय०
१, १६;

ष्ट्रादाणीय. त्रि॰ (श्रादानीय) आहेपवयन, के वयन सर्वभान्य थाय ते. श्रादिय वचन; सर्वभान्य वचन. Speech which is acceptable to all. सम॰ १६; काप॰ ६, १४;

श्रादाय. सं॰ कृ॰ श्र॰ (श्रादाय) १४ने; अक्षण् ४२ने. लेकर, महण करके. Having taken. दसा॰ ४, ४१; भग॰ १४, १; स्य॰ १, ४, १, १०;

न्नादाया. पुं॰ (धादातृ) अक्ष्णु धरनारः स्वीधारनार. ग्रहण करनेवाला (One) who accepts. विशे॰ १५६०;

म्रादि स्ती॰ (म्रादि) क्रुओ। "म्राह " शण्ट. देखो " माई " शब्द. Vide " म्राह ". दसा॰ ७; १: सू॰ प॰ १;

आदिकर. पुं० (आदिकर) लुओ। "आइगर" शण्ट. देखो " आहगर" शब्द. Vide " आहगर" स्य० २, २, ४१;

श्रादिगर. पुं० (श्रादिकर) ळुओ। "श्राइगर" शण्ट. देखी " श्राइगर" शब्द Vide "श्राइगर". नाया॰ १६, भग० १, १, ७, ६; १८; २; राय॰ २२;

न्नादिजा ति॰ (श्रदिय) लुओ। "श्राहजा" शण्द देखो "श्राहज्ज" शज्द. Vide "श्राहज्ज" पग्ह० १, ४;

न्त्रादिष्ठ पुं॰ (श्रादिष्ट) लुओ। 'श्राइड' १,०६. देखो " श्राइड " शब्द. Vide " श्राइड " भग॰ १२, १०;

स्रादिय पु० (स्रादिक) लुओ। 'स्राइ' शण्टा देखो 'स्राइ' एाज्द. Vide "स्राइ' भग० १३, ४, १८, १०; २८, १; उवा ०१, २६; स्रादिस नि० (स्रादिम) लुओ। "स्राइस" शण्ट देखो "स्राइस " राज्द. Vide. "स्राइस "भग० ७, २; १०, १; १३, ४; १५, ८; २४, १; १२; २६, ११;

স্পাदिल्लञ्ज त्रि॰ (স্পাदिमिक) প্রঐ।
" স্পাइल्ल " शण्ट देखी " স্পাइल्ल " शब्द.
Vide "ग्राइल्ल" भग० ४, १,

च्रादिसगः त्रि. (च्रादिमक) लुओः "घ्राइन्न'' शण्ट देखों " घ्राइक्ष " शब्द Vide " घ्राहन्न' भग० २४, १; श्रादी. स्त्री॰ (श्रादी) गगामा भवती ओड नही. गंगामे मिलती हुई एक नदी. Name of a river which flows into the Ganges. ठा॰ ४, ३;

श्रादिशा. ति॰ (श्रादीन) लुओ। " श्राईशा " शिक्ट देखो " श्राईशा " शब्द. Vide " श्राईशा " —िवित्ति ति॰ (-वृत्ति) लुओ। " श्राईशा वित्ति" शक्ट देखो " श्राईशा वित्ति" शब्द Vide " श्राईशा वित्ति" सब्द Vide " श्राईशा वित्ति" " श्रादीशा पित्ती वकरेति पावं " सूर्य० १, १०; ६;

स्रादेजा. पुं॰ (श्रादेय) लुओ। " श्राएउज-णाम " शण्ट. देखों " श्राएउजणाम " शब्द. Vide. " श्राएजणाम " पन्नः २३; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ — चक्क. पुं॰ (-वाक्य) लेना वश्न श्राह्म छे ते जिसका वयन श्राह्म हो वह. one whose words are worth accepting. सूय॰ १. १४, २७;

श्रादेयवयण न० (श्रादेयवचन) अ७७ ५२वा थे। २५ वस्थन. प्रहण करने के योग्य वचन. Words worthy of accept-गारम दसा॰ ४, २७;

श्रादेस पुं० (श्रादेश) लुओ। " श्राएम " शण्ट देखों " श्राएस " शब्द Vido " श्राएस " पि० नि० भा० १८; पन्न० १८; भग० १४, ४;

श्राधा. स्री॰ (श्राधा) भास साधुनेमारे
अक्षाराहि भनाववा ते स्रास साधु के लिये
श्रहारादि का बनाना. Preparing food
etc. specially for Sādhus. ठा॰ ३;
—कम्म. न॰ (-कमन-श्राधानमाधा
साधानिमित्तं चेतसःप्रशिधानं तस्या. कर्म
पाकादिकिया श्राधाकमें तथोगाज्ञकाद्यप्याधाकम) साधुनेमारे आक्षार आहि ५२वां तै;

णास साधुनेभारे यनावेल आहाराहि क्षेवाथी साधुने कागते। ओड होष. साधु के लिये आहारादि बनाना; साधु के लिये बनाये हुए आहार आदि लेनेस साधु को लगनेवाला एक देाप. a sin incurred by a Sādhu by taking food specially prepared for him. ठा. ३;

न्नाधार. पुं॰ (न्नाधार) आधार-आश्रय; देशे. न्नाश्रय; न्नावार; देता. Means of supporting; support. भग॰ २०, २; पि॰ नि॰ ५७; उना॰ १, ६६;

श्राधारिणिज्ञ त्रि॰ (श्राधारणीय) धारेख् धरवाने थे। २५. धारण करने के योग्य. Worthy of being put on or accepted. नाया॰ १६:

√ श्राधाव मा॰ I (श्रा+भाव्) हे।ऽवुं. दौडना To run. श्राधावंति भग॰ ३, १;

श्राधावात. मगण् ३, ३; श्राधावमार्गः, मायाण् १:

न्नाचि. पुं॰ (न्नाचि) भानसिक पीडा. मानसिक पीड़ा. Mental pain; agony of mind. भग॰ १, १;

श्राधुािख्य. पुं॰ (श्राधुनिक) अक्ष्यासी अक्ष-भानी पांचभे। भक्षाअक्ष. प्रव में से पांचवां महाग्रह. The fifth great constellation of the 88 constellations. सु॰ प॰ २०;

श्राधोधिय. पुं॰ (श्राधावधिक) अभु अभु अभ्यान्त्रेश रहे अपुं अवधिज्ञान; अवधिज्ञानेना अक्षेत्र प्रकार किसी नियत स्थानपरही रहनेवाला श्रवधिज्ञान; श्रवधिज्ञान का एक भेद. A variety of Avadhijñāna remaining confined to a certain place. भग० ७, ७; १४, ७; १०; सम० ३६;

ग्रानंद પું• (श्रानन्द) આનન્દ-જ ંશુદ્વીપના

लरतक्षेत्रभांथनार आहमां तीर्पेंडरना पूर्व स्वनुं नाम. जंबू द्वीपके भरत चेत्र में होने वाले श्राटवें तीर्थंकर के पूर्व भव का नाम. Name of the previous birth of the would-be eighth Tirthankara in the Bharataksetra of Jambudvīpa. सन० पं० २४१:

√ श्रानम. धा॰ I. (श्रा + नम्) नभ्नुं; भर्यादाधी पगे पऽवुं; ताणे यतुं; नमना; नम्रोभूत होना; मर्यादापूर्वक पैरों पदना; श्राधीन होना. To bow before; to submit to.

ष्यानमीत उत्त० ६, ३२;

√ श्राने. चा॰ II. (श्रा+नी) आण्वुं. लाना. To bring.

ध्वागोमि. पिं० नि० ४६६;

म्राणेह. था. भग० ६, ३३;

आरयोहिः आ॰ श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ४१; नाया॰ ९७:

द्माणाहि. श्रा॰ स्य॰ १, ४, २, ११;

भागिज्जप क॰ वा॰ व॰ प्र॰ ए॰ पिं॰ नि॰ ४०७, विशे॰ २, ३६;

भागिकंत. क॰ वा॰ व॰ कु॰ सु॰ च॰ १४, ४; प्रव॰ म१६;

√श्राञ्चव. धा॰ I, II. (थ्रा+ज्ञा-शिच्) अवृत्ति क्ष्राविशः धुक्ष्म क्ष्रवे। प्रवृत्ति करनाः श्रादेश करनाः To order; to command.

भागवह. सु॰ च० २, ३०६:

मायवेइ. विवा॰ ४, ६; राय॰ ४७; सु०

च॰ २, १६०; दसा॰ १०, १; नाया॰

म, १६; जं० पर ४, ११४;

भाषावयंति. स्य० १, ४, १, ७; भाषावेह. श्रा० नाया० =;

षाणवेता, सं० कृ० नाया० १६;

श्रागावेमागा. व० छ० सूत्र० २, २, ३२; ५६; दसा० १०, ३;

श्रागाविजाइ. क॰ वा॰ राय॰ २६५;

√ श्रापज्ज. घा॰ I. (श्रा+पव्) भाभनुं; भेणवनुं. पाना; प्राप्तकरना. To got; to obtain; to acquire.

श्चापज्जञ्च. उत्त० ३२, १०३;

श्रापणः पुं॰ (श्रापणः) हुआनः छाटः A shop. भग॰ ४, ७; नाया॰ १; (२) शेरीः गलीः अधिकतः जीवा॰ ३;

√ आपा. घा॰ II (था+पा) भीतुं. पीना. To drink.

थाविश्रह. दस॰ १, २; श्राविष्. ग्रा॰ उत्त॰ १०, २६;

√ श्रापीलः धा. I. (श्रापीट्) भसक्षतुं; पीऽतुं; २गऽयुं; मसलना; दुःखदेना; रगदना. To press; to oppress; to rub.

भ्राघीलह. भग० १५, १;

श्रावीलए श्राया॰ १, ४, १, १३७;

चावीलिउना दस० ४;

श्रावीत्तियाग. सं० छ० श्राया• २, **१,**

न, ४३;

√ श्रापुच्छ. धा॰ I. (श्रा + पृच्छ्) पुछतु; प्रश्न करना. To ask; to question.

थ्रापुच्छ्रह नाया॰ ४; =; १४; १६; भग॰ ११, ६; १२, १; उवा॰ १, ६६;

आपुच्छामि. नाया० १; २; ४; १२; १**३**;

भग० ६, ३३; १८, २; नाया० घ०

चापुच्छामो. नाया० १६:

थ्रापुच्छ**ठ. उवा० १, ६**८:

श्रापुच्छेह. भग० १८, २;

श्राप्रिच्छित्ता. नाया० १; ४; म; १३; १६;

उवा० १, ६६; दसा० १, २२;

भग० ३, १; विवा० ७;

श्रापुच्छेता. नाया॰ ८; भग० १८; २;

श्चापुच्छेत्ता नाया० २; म; भग० १म, २; श्चापुच्छह्त्ता. भग० ११, ६, १२, १; १५, १; नाया० ५; १५; १६; १म; श्चापुच्छित्रक्षा श्चोघ० नि० भा० १३, म; सु० च० ४, ३६; श्चापुच्छितं. कप्प० ६, ४६;

आपुच्छुगा. न॰ (आप्रच्छनं) पुछवं ते; अश्र ध्रेवे। ते पूछना; प्रश्नकरना. Questioning. नाया॰ ६;

श्रापुच्छुगा. स्नी॰ (श्राप्रच्छना) पुछत्तं ते, प्रश्नस्त्वा. Questioning. भग॰ २४, ७; नाया॰ १२; श्रग्नस्त १, १; पंचा॰ १२, २; (२) वितथपूर्वेक गुरु से श्राह्मा मागना; दस सामाचारी में का ३रा भेद. Respectfully asking the command of a preceptor; the 3rd of the ten Sāmāchāris. "श्रापुच्छुगाय तह्या चडरथी पिंड पुच्छुगा" प्रवृ॰ ७७३; उत्त॰ २६, २;

आपुच्छागिजा ति॰ (आपच्छनीय) पुछ्या थाव्य. पूछने योग्य Worthy of being asked or questioned. नाया॰ १, ७; उना॰ १, ४;

आपुराण. ति॰ (आपूर्ण) भु३ लरेल पूर्ण भरा हुआ. Full to the brim; filled completely. पन्न० ३६.

श्चापूरमाण. व॰ छ॰ त्रि॰ (श्रापूर्यमाण) पाली वगेरेथी पूर्ण अशतुं. पानी वगेरह से पूर्ण भरा हुआ. Being completely filled with water etc. भग० १, ६; ३, ३;

आपूरिय. त्रि॰ (आपूरित) भर्यादा पूर्वेक पूर्ण भरायें संमान पूर्वेक पूर्ण भरा हुआ Filled to the brim. " जाहेसं वंजणमाप्रियं होइ " विशे॰ २५०;

त्रापूरेमाण. व॰ कृ॰ त्रि॰ (श्रापूरवस्) पूर्ध ५२ते। पूरा करता हुआ. Filling; completing. "सदेणं तप्पएसे सञ्बद्धो समता श्रापूरेमाणे " राय॰ जीवा॰ ३; भग॰ ३, ३; जं॰ प॰ ४, ११६;

श्रापूचियः त्रि॰ (श्रापूपिक) पूरी हे भास पैक्षा थनावनारः पूड़ी या मालपुत्रा वनाने वाला. (One) who prepares buns. नदी॰

श्चाफालिसार. ति॰ (श्चास्फालायेतृ) वगाउ-नार. बजानेवाला. (One) who plays upon a musical instrument. सूय॰ २, २, ४४;

न्नावाहाः स्त्री॰ (आवाधा) भीताः पीदाः Affliction; pain; trouble. भग॰ ४,४; १४,१; जीवा॰ ३,३; वव॰ ४,१४; विवा॰ ६; जं॰ प॰ २,२४; माया॰ ४;५;

न्नाभंकर. पुं॰ (न्नाभङ्कर) भेनाभाने। ८८ अह भाने। ६८ भे। अह. == प्रहों में से ६= वें प्रहका नाम. Name of the 68th constellation out of 88. सू॰ प॰ र०; ठा॰ २, ३; (२) श्रील्य देवलाइना એક विभाननुंनाभः तीसरे देव लोक के विमान का नाम. name of the heavenly abode of the 3rd Devaloka. सम॰ ३;

आभनसाग्. न॰ (श्रम्याख्यान) भेाटे। आक्षेप भुडवेा; डबंड यदाववुं. फ्रुंठा आरोप करना; कलंक लगाना. False accusation; falsely charging a person with guilt. चना॰ १, ४६;

স্থামন্ত রি॰ (স্থামাদির) পারাবির.

बुत्ताया हुन्ना. Called; spoken to. विशे १६०६; सु॰ च० ६, ४४;

श्राभरणः न॰ (घाभरण) धरेखाः; असंधरः આબૃપણ गहना; श्रलंकार; आभूषण. An ornament; an embellishment पराह० १, ३; भाया० २, ५, १, १४५; श्रगुत्रो० १०३; निसी० ७, ११; सम० १, २३१, सू॰ प॰ १; उत्त॰ १३, १६; श्रोव॰ ११; जीवा० ३३; नाया॰ ३: २: ५; १८; भग० ३, २; ३, ७; १६, ४: पञ्च० २, उवा० १. ३१; कप ४, ६२; (२) पु० ओ નામના એક દ્વાપ અને એક સમુદ્ર एक द्वीप श्रीर एक समुद्र का नाम. name of an island; also that of an ocean. जंकप०३, ४५; पन्न०१५; जीवा०३. ४: अधाजी० १०३; — प्रालंकार. पुं॰ (-प्रालं-कार) धरेखागांका पहेरवा ते. गहना का पहिनना putting on ornaments ठा. ४, ४; भग० ६, ३३; — ऋ लंकिय शि॰ (- খলাকুর) আপুণট্। **પ**હेरेस; આબૂપણાથી અલંકૃત. श्रामृपणो से श्रलंकृत, सुशोभित. adorned; ornamented नाया । १२; मग । २, ४, नाया । ध । (२) आलूपध्यी शध्यारेल हें , श्रामु सो सं सिनगारा हुआ शरीर. body adorned with ornaments. भग॰ ६, ३३: — वित्तः त्रि॰ (चित्र) लुधी २ लातना આભરશ. વિચિત્ર પ્રકારના આભરશ, निज निज प्रकार के आभूषण. various kinds of ornaments. जीवा॰ ३: —धारि त्रि॰ (-धारिन्) आलरख पहिरनेवाला (one) who puts on ornaments. नाया॰ =; —वास. स्री॰ (- वर्षा) મુદ્રિકાદિ આભૃષણોની વૃષ્ટિ, श्राभूपणो की वर्ष a shower of

ornaments.कष्ण , ६७; — विचित्त. त्रि॰ (--विचित्र) लुहा लुहा प्रधारना धरेखां. मिल २ प्रकार के गहने. various kinds of ornaments. " आम-रणाणिवा श्राभरणविचित्ताणिवा " श्राया० २, ४, १, १४४, निसी० १, ७, ११; १७, १२; — विहि. पु॰ (विधि) धरेखां थनाववानी तथा पहेरवानी विधि. गहने यनाने और पहिनने की विधि. art of making and putting on oina-" श्राभरणविद्यि परिमाणं ments. करेइ " वा॰ १, ३१; नाया॰ १; श्रोव॰ ४०; श्राभवं-श्रः (श्राभवम्) अव पर्यतः છન્દગી પર્યેત. जीवन पर्यंत. Life-long. पंचा० ४, ३४;

श्राभा स्त्री॰ (धाभा) श्रान्ति, तेज; प्रसा. कान्ति, तेज. Lustre; light. जीवा॰ ३, ४; राय॰ ७८; भग० १२, ४; (२) व्याश्रर; छणी. श्राकार, छवि. form; picture. पन्न॰ २; जीवा॰ ४;

श्राभाकर. पुं॰ (श्राभाकर) એ नामनुं त्रीका देव क्षीडनुं ओड विभान तिसरे देवक्षाक के विमान का नाम Name of a heavenly abode of the third Devaloka. सम॰ ३;

आभाग. पु (श्राभाग) ५८६५७५ व्याप्त । अ५२ ताभ पाडिलेहन का दूसरा नाम. A synonym of Padilehana i. e. proper examination of clothes etc. श्रोघ॰ नि॰ ६३;

श्राभागि त्रि॰ (श्राभागिन्) लागीहार; हिस्सेदार. दिस्सेदार. A sharer, a partner पिं॰ नि॰ २, १; नाया॰ १=;

श्राभासियः पुं॰ (श्राभाषिक) से नामना ५६ संनद्धीप भाना से छे इस नाम का ४६ श्रन्तरद्वाप में से एक Name of one

of the 56 Antaradvipas. (२) त्रि॰ ते व्यन्तर द्वीपमां रहेनार भतुष्य. आभाषिक नासक अंतरद्वीप में रहने-धाला मनुष्य. (a person) residing in the Antaradvipa called Abhāsika; ठा॰ ४; जीवा॰ १, ३; ३; (३) पुं॰ એ नाभने। એક देश. इस नाम का एक देश a country of this name (४) त्रि॰ ते देशमां रखेनार भन्धः भ्रेन्छनी स्रेड ज्यतः श्रामापिक देश में रहने वाला मनुष्य, एक म्लेच्छ जाति. (a person) residing in the country called Abhāsika; a kind of Mlechchhas. पत्र॰ १, पग्ह॰ १, १; —दीव. पुं॰ (-द्वीप) લવણસમુદ્રમા ચૂલહિયવંત પર્વતની ડાઢા ઉपर ने। अ नामने। ओड द्वीप. लवण समुद्र में के चूलाहिमवंत पर्वत के अन्तरीय पर बसा हुआ द्वीप. name of an island on the Chula Himayanta mountain in the Lavana ocean. " कहिएां भंते दाहिणिहाणं श्राभासिय मगायाणं श्राभासिय दीवे नामंदीवे "जीवा० ३, ठा० ४, २, पञ्च० १:

आभासी ली॰ (श्राभाषी) आलाषिक द्वीप नी रहेवासी स्त्री श्राभाषिक द्वीप में रहने नाली ली. A female inhabitant of the Abhāsika island जीना॰ ३:

श्राभिश्रोग पुं॰ (श्राभिगोग्य-श्रासमन्ताद्
युउपन्ते प्रेष्यकर्मार्था व्यापार्थ्यन्ते इस्यापियोग्याः) ने १५२ देवताः आक्षिये शिक्ष कातना
देवता नोकर देव, श्राभियोगिक जाति के देव
A kind of subordinate gods acting as servants; gods of the
Abhiyogika kind. परह० १, २;
भग० १६, २; १८, २; ७० १० १,

१२: नाया० ५; (२) (प्रक्रियोग साज्ञा प्रदामसुचारिह्यास्तीत्याभियोगी माभियोग्यम्) ने। ५२५७ हं सेव ५ साव रावकः पनाः सेवकत्व. servitude दस० ६, २, ५; जं॰ प॰ ४, ११२; ११४, —परासात्तिः स्री॰ (-प्रज्ञित) विद्याधरनी रंगे । विद्या विद्याधर की एक विद्या. an art or a branch of learning possessed by Vidyādharas. " संकामाची श्रामिश्रांग प्राचीत गमणियंभणिस्य घरमस्य विज्ञाहरीस् विज्ञास् विस्स्यजसे " नाया॰ १६; — सेढि स्री॰ (- श्रेशि) वैताक्ष पर्वत उपर विद्याद ना શ્રેણિયી ૧૦ જોજન ઊંચે અલિયાગી દેવતા-ने रहे अभी कराया वैताह्य पर्वत के छापर विद्यावर श्रेणी से १० योजन ऊचा श्रीभयोगी देवों का रहने का स्थान. an abode of Abhıyogi deities on the Vartadhya mount ten Yojanas in height from the Vidyadhara Śreni. जं॰ प॰ १, १२;

आभिन्नोगा स्ती (श्राभियोगा) विद्याधरती ओ विद्या विद्याधर की एक विद्या A. branch of knowledge or an art possessed by Vidyadhaias. नाया १६:

charms, incantations etc. निवा॰ २: जीवाः ३: सग० १, २: पष्ठ० २०: जं० प० ४, १५२; -- सस्त्रय, पुं० (- धय--प्रयोजनमस्येत्याभियोगिकम् ध्वभियोग. प्रतंत्रता पतं तस्य प्रयो विनाश धामियोः गिकचयः) अलिये। १ - ५२तन्त्रना आपनार धर्भते। नाश. परतंत्रता देनेवाले कर्मी का नाग. destruction of Karmas which bring on dependence as their fruit. जं० प० ४, ११२, ११४; पंचा० १२, ७; --- देव. पुं० (-देव) અલિયાગજાતિના નીંચા દેવતા. શ્રમિયોમ जाति के इसके देव. a subordinate kind of deities styled Abhiyogika. नाया॰ ध॰

स्रामिगाहियः त्रि॰ (प्रामिमाहिक-ज्रभिगृद्यत इस्याभेत्रहस्तेन निर्वृत्त श्राभिम्नद्विकः) अभि ગ્રહ્થી કાયાત્સર્ગાદિ કરનાર: અભિગ્રહ ધારણ हरीने हाउसका वजेरे हरवा ते. व्यभिमह धारण करके कायोत्सर्गादि करनेवाला. (One) who practises Kāusagga after taking cortain vows. पंचा॰ ४, इ; आभिषियोहिय. न• (अगभिनिनोधिक-प्रधी-भिमुखी बोध चाभिनियोधः सएवाभिनियो-धिकम्) भतिसानः भन अने धिरियथी थतं જ્ઞાન; જ્ઞાનના પાંચ પ્રકારમાં કે પહેલા अधार. मतिनानः मन श्रीर इद्रियसे होनवाला शान; शान के ४ भेदों में से पाहिला भेद. Matijñāna; knowledge derived through the five senses and the mind; the first of the 5 varieties of knowledge. "सेड़ितं झाभि-णिवेष्टियणाणं भाभि० दुविहं प० तं० सुय निस्सियं शसुयानिस्सियं च " नंदी० श्रोव० १६; त्रागुजी॰ १२७; उत्त० २८, ४; ३३, ४; ठा० २, १; विशेष =० पत्र० १, -- लाहि

स्री॰ (-लिंघ) भतिज्ञाननी सिष्ध-प्राप्ति. मितज्ञानकी प्राप्ति. attainment of Matijñāna. भग॰ ८, २;

श्वाभागिवोद्यियगाग्. वं॰ (श्वाभिनिवोधिफ-ज्ञान) लुओ। " श्राभिगिदोषिय " राण्ह. देखी " श्वाभिणियोहिय " शब्द. Vide " आभिषिवेष्टिय " ठा॰ २, १; श्रगानी॰ १; भग० १, ५; २, १०; , ६ ४; ८, २; नंदी॰ १, विशे॰ ७६; श्रोष॰ सम॰ २८; —पडजवः पुं॰ (-पर्यंव) भतिज्ञानना पर्याय मतिज्ञानका पर्याय. modifications of Matijuana. भग॰ ६, २; २४, ४: —हाद्धिया. खो॰ (-लान्धिका) भनि-ज्ञाननी क्षिधः मतिज्ञान की प्राप्तिः acquirement of Matijñana. भग =, ३; —ह्यावरणः न॰ (-भावरण) भतिशाना-મતિત્રાનને દળાવનાર કર્મ. વરણીય: मित्रानावरणीयः मित्रान को ढंकनेवाला Karma which obscures Matijnana. सम॰ १७: - आवराखिल. न॰ (-प्रावरणीय) भनिज्ञानावरणीय ५र्भः भतिज्ञानने अटडावनार ज्ञानावरखीय डर्मनी એક પ્રકૃति. मतिज्ञानावरगीय कर्म; मतिज्ञान को न होने बेनेवालो शानावरणी कर्म की एक ਸ਼ਣਰਿ. a variety of knowledgeobscuring Karma, preventing Matijñāna. भग॰ ६, ३१; — विणय. पुं॰ (-विनय) मतिशानने। विनयः मति-ज्ञान का निनय. Vinaya or austerity of Matijnana. मग॰ २४,७; —सागारीयश्रोगः पुं॰ (-साकारी-पयोग-अर्थाभिमुखो नियतः प्रतिस्वरूप को बोघो बोघदिशेषोऽभिनिबोघोऽभिनि. बोध एवाभिनियोधिकं तब तज्ज्ञानद्य तदेव साकारोपयोगः तथा) भतिज्ञान३५ साधारीन भेषाग-विशेष ६ पथाग मतिज्ञानरूप विशेष उपयोग. definite, particular knowledge in the form of or through Matijñāna. पश्च २८;

आभिगियोहियगागि पुं॰ (आभिनियोधिक ज्ञानिन्) आलिनियोधिक भतितानवाला. श्राभिनियोधिक मतिज्ञान नाला. (One) possessed of Abhinibodhika Matijñāna. भग॰ ६, ३; ८, २; १८, १; २४, १;

श्राभिष्पाद्दश्च. त्रि॰ (झाभिप्रायिक) अक्षिप्रायदाक्षुं; अक्षिप्राय युक्त. श्रामिप्राय वात्ता. Having a definite aim or purpose. श्रशुजो॰ १३१;

आभियोग. पुं॰ (आभियोग) कुः भाभियोग ' शब्द. श्रोग " शब्द. देवी " श्राभियोग " शब्द. Vide. " श्राभियोग " ठा० ४, ४; भग॰ ३, ५;

जिसका श्रमिषक किया जाता है वह. (One) to be crowned king, (one) to be made king with proper ceremony. " माभिसेकं हत्थिरयणं पढि कत्पह" जं० प० श्रोव० २६; राय० १९६; आभीरी. हो। (श्राभीरी) आહिर खु.

श्रहीरनी; श्रहीर जाति की स्री. An Abhīra female. नंदी ॰ ४४;

√ श्राभोत्र. था॰ II. (*श्रा+भाग=श्रा+भुज्)

कोवुं हेभवुं देखना. To see. (२) कार्थ्युं. जानना. to know.

आभोहणु. कप्प० ४, १०६;

श्राभोण्ड्. राय० २६४; दमा० १०, ११; उना० ६, २४४; नाया० ६; ६; भग० ४, १; १६, ४; र्ज० प० ४,

आभोएति. जं॰ प॰ ४, ११२; आहोयंति. भग॰ ३, १; आभोएमि. भग॰ ३, २; नाया॰ ८; आभोएहिति. भग॰ १५, १; आभोएता सं॰ कृ॰ नाया॰ ९; आभोहत्ता. सं॰ कृ॰ नाया॰ ६, भग॰ ३, २;

भाभाइता. स० कृ० नाया० ८, मग० १, २; १४, १; दम० ४, १, ८६; स्राभोएमाग्र. व० कृ० नाया० २; ८; १३;

श्राभाष्मायाः व० कृ० नाया॰ २; ६; १३; भग० १६, १; नाया॰ ४० श्राभोश्य-यः पुं॰ (श्राभोग) धान; समलखुः

ज्ञान; समज. Knowledge; understanding. दस॰ ४, १, ८६; विवा॰ १;

श्राभोग. पुं॰ (श्रामेश-श्राभोजनसामोगः) ઉपयाग विशेष. उपयोग विशेष. A particular kind of attentiveness or carefulness. प्रव॰ ११९८, (२) ग्रान; सभक: भणर. ज्ञान: समज. knowledge, information. भग॰ ७, ६: पच १४; पि० नि० ५७७; ठा० ४. १: १०; (१) नाणी सुजीने धरेल प्रवृत्ति. जानवूमकर की हुई प्रशत्ति. activity consciously performed. ११६८; (४) पिरतार विस्तार. extent नाया॰ १; — उभाग. न॰ (-ध्यान श्राभागा ज्ञानपूर्वको व्यापारस्तस्य ध्यानम्) द्यानपूर्वे अध्यापारनुं ध्यान. ज्ञान पूर्वक क्यापार का ध्यान. contemplation of conscious activity. आउ॰ — शिट्य त्तिय. त्रि॰ (निर्वितित) जांधी भुरीने

अरें जानवृक्तकर किया हुया. performed consciously or purposely.
भग॰ १. १, (२) पैशानिक देवताने। क्रेषि
पिशेष, क्रेषित परिश्वाम न्मश्र्वा छतां पश्रु
भरेल क्रेषि. पैशानिक देवों का क्षोध विशेष,
क्रोध का परिणाम जानते हुए मी किया हुया
कोच anger of heavenly deities
1. e anger inspite of a knowledge of its results. ठा॰ ४३
— बउस्म पु॰ (--धकुश) आले।भ-न्मश्रीने
देप लगाव्श्वार साधु जान ब्रक्कर दोष
लगाने पाला साधु an ascetic consciously incurring sin ठा॰ ४, ३;
भग॰ २४, ६,

श्राभोगण. न॰ (* श्रामोग) विश्वारथा। विवारणा, विचार. Thought; reflection नंदी॰ ३१;

श्चाभोगग्या. स्त्री॰ (याभोगम) हिं।; विश्वारक्षा. ईहा; विचारणा Thought; reflection. नंदी॰ ३१;

श्राम त्रि॰ (श्राम) अप्रध्यः ध्रयुः श्रयकः कचा Raw, unripe. वेय॰ १, १; सु॰ च॰ ७, १८३; पिं॰ नि॰ १७; पग्ह॰ १,३, (२) सहीष आहार. दोष सहित चाहार. food involving sin. आया॰ १, २, ४, ८७; — श्रभिमूय. त्रि॰ (- र्थाभभूत) अपरिपडव रसथी परासव पाभेक्ष त्रिना पके हुए रससे पराभव पाया हुआ. overpowered by raw essence. विवा॰ ७; -गंघ. पुं॰ (-गन्व) आधाउमें आहि દેાવ. भाषाकर्मे व्यावि दोष a fault such as Adhā Karma etc. " सन्दाम-गंधं परियाय (यरामगंधी परिष्त्रपु" आया० १, २, ५, ०७; --- खारा न० (~डाग) કાર્ચું પાંદડું; અર્ધું પાક્યુ

અર્ધું કાર્ય તાંજંલજા વગેરેનું પાંદર कचा पता. a raw, unripe leaf. " संजं प्रण जागेजा धामरागं घा " श्राया• =, ४६; — महाग. (-मझक) અપકવ-કાચા શરાવલા. कचा भिद्यान प्याचा a raw earthen bowl नाया॰ ६; - महागरूव. त्रि॰ (-महकरूव) અપક્રવ શરાવલા જેવું; કાચા શરાવલાની भेंडे तरत पुटी जाय तेवुं. कचे प्याने के समान जल्दी फूट जानेवाला. fragile like a raw earthen how! नायाः हः नंदः - महर, त्रि॰ (- मध्र) हायुं छतां स्वाहमां भधुर कया होनंपर भी स्वाद में मिए. raw yet sweet (e. g. fruit). " आमे णामं पूरो आममक्तरे " ठा॰ ४, १;

ख्यामख पुं॰ (खामय) रे। रोग, भीमारी. Disease. पिं० नि० ४४६:

श्रामश्र त्रि॰ (श्रामक) स्थित पश्तुः अथी-छ्ययासी पश्तु सचित्तवस्तुः मर्जाय-वस्तु. Raw; (a thing) having life in it दस० ३, ७;

√ आ-मंत. था॰ II (धा+मंश्+ाण) संथी। धन अरी भे। बाववुं, आभंत्रधु करवुं, ने तरं आपवुं. संवोधनपूर्वक मुलाना; आमंत्रण करना, नोता देना. To call out to; to invite,

भामंतेष्ट. श्रोव० २६; विया० ३; नाया॰ १; ७; १८; सग० ११, ८; १४, १; भामंतेमि. नाया० १२:

भामंतिता. नाया० ७; भग० ३, १, १४ ७; १४, १; निर० ३, ३; दसा० ४, ६। उना० २, ११६। दसा० १, १; ठा० ३, २; उना॰ ६, १, ७४; खामंतिता. नाया० १४, १४, मग० ११, ६, १४, १; श्रामंतेजया नाया० १५; श्रामंतिय सं० कृ० स्य० १, ४, १, ६; श्रामंतेमाया व० कृ० श्राया० २, ४, १,

श्चामंत्रण. न॰ (श्चामन्त्रण) सणे।धन. संगोधन. Vocative address; calling out to. ठा॰ =, १; (२) आमंत्रण, ने। १३ निमत्रण; ने।ता. invitation. सु॰ च॰ ३, ११३,

आमंतणी स्त्री॰ (प्रामन्त्रणी) हे देवहत्त !

धत्यादि संभोधनरूप साथा; व्यवहार साथाने।

ओह प्रहार. संबोधनरूप माथा Language

of address in the vocative

case; a variety of conventional

speech. प्रव॰ ६०९; भग॰ ९०३; पञ्च॰
१९; प्रणुजो॰ १२६; (२) संभोधन

व्यर्थभां वपराती (प्रथमा) विलक्षित. संबोधन के व्यर्थ में काम आने वाली (प्रथमा)

(विमक्ति). the nominative used in the sense of the vocative

" श्रामतणे भवे षद्धमीय जह हे जुवाणित "

ठा॰ ६;

श्रामंत्रिश्र-य ति॰ (श्रामन्त्रित) पुछेक्षः, क्षामंत्रिश्र-य ति॰ (श्रामन्त्रित) पुछेक्षः, क्षामंत्रिश्र किया हुआ Asked; addressed; invited " गच्छामिरायं धामंतिष्ठोसि " उत्त० १३, ३३; " साभिक्लू वा २ इंत्यिश्रामंतेमाणे धामंतिए " श्राया॰ २, ४, १, १३४; श्रामगः ति॰ (धामक) धार्युः व्यपरिपध्य कचाः स्थिल (२) स्थित साचित्त स्जीवः having life or lives in. दस॰ ४, २, १६; म, १०, भग० १४, १; तंडु॰

√ श्रामज्ज. घा• I, II. (शा+मृज्) वासतुं, सा६ ६२वुं; बुंँ-छतुं. साफ करना, पोंछना. To cleanse, to wipe; to sweep. श्रामिक्किक विधि० श्राया० २. १३, १७२; श्रामक्केज विधि० निसी० ४, ७१; ३, १६; २२;

श्रामञ्जमाया वकु॰ श्राया॰ २, १, ६,

३६;

श्रामयकरणी स्त्री (धामयकरणी) विद्या विशेष, रेश उत्पन्न ६२नार ओड विद्या. रोग उत्पन्न करनेवाली एक विद्या. An art of producing or causing diseases. स्य० २, २, ३०,

श्रामरणं. श्र॰ (श्रामरणम्) भरध्यपर्यन्त. मरने तक. Up to death; till death. पंचा॰ ७, ४६;

आमरणंत. अ॰ (आमरणान्त) भरखु
पर्यत. मरण पर्यन्त. Till death.
ठा॰ ४, १, — दोस्न. पुं. (- दोष) भरखु
पर्यन्त पखु अवस्तिमा असाईनी पेठे
पापनुं पश्चताप न थाय श्रेवा अमरने। होषः
रीद्रभ्याननुं श्रेम क्षाई के समान पाप का
पश्चाताप न हो ऐसा दोषः रीह्रध्यान का
एक लक्ष्ण. sin without repentance till death as in the
case of the butcher Kalasūria;
a mark of Raudra Dhyāna.
ठा॰ ४; भग० २४, ७; श्रोव॰ २०;

श्रामरिस. पुं. (श्रामरों) संअंध; २५शे. सम्बन्ध, स्पर्श, Connection; contact विशे ११०६;

श्चामल. पुं (धामल) अहु भीज्यातुं दक्षः आभवातुं पृक्ष. बहु धीजवाला दृष्णः श्चावले का दृत्त. A hog-plum tree; a kind of tree with many seeds. जीवा॰ १; श्चाया॰ टी॰ १, १, ४, १२६; —कप्पास. न॰ (-कार्पास) स्पामनाते। ५पास कपास की एक जाति. a variety or species of cotton. " आमककप्पासाम्रोवा बसीकरणं करेह् " निर्सा ३, ७२,

भामलकः न॰ (श्रामलकः) आभलानुं ६ल. भावलाः A fruit of the hog-plum tree. "शामलपाण्यं वा " सूय॰ १, २, १, १६;

आमलकप्पा. श्री० (आमलकल्पा) ओ नाभनी ओक नगरी एक नगरी का नाम. Name of a city. " इहेव जंबूदीवे भा रहेवासे आमलकप्पा नामं नगरी होस्या" राय० २: नाया० थ०

आमलग. पुं॰ (आमरक) भारी; भरडी. चारो तरफ केली हुई बीमारी. Plague infecting all quarters. ठा० १०; (२) न० भरडी संअंधी अधिशारवाध विपाश-सूत्रका मरी (वीमारी) के सम्बन्ध का हवां अध्ययन. 'The 9th chapter of Vipāka Sūtra dealing with the subject of plague. ठा० १०;

श्रामलगः पुं॰ (श्रामलक) आभक्षानुं अ। श्रामलगः पुं॰ (श्रामलक) आभक्षानुं अ। श्रामलक विका वृत्त A hog-plum tree. पत्र॰ १; स्० १०; स्० १०; स्० १०; स्० १०; स्० १०; स्व० १, ४, २, १०; श्राणुजो॰ १४३, १४०; मग० २२, ३, जीवा॰ १, ठा॰ ४, ३; —महुर. त्रि॰ (—मधुर) आंगवाना ६व नेपुं स्वाहिष्ट. का सकावले के फल के समान स्वाहिष्ट. का सकाविष्टा का सक

श्रामलयः पुं॰ (श्रामलक) প্রতী। 'श्रामलग' शण्दः देखो ' श्रामलग ' शब्दः Vide. ' श्रामलग ' राय॰ २६ ६; ভবা॰ १, २४.

आमिश्रा. ली॰ (श्रामिका) डायी ६सी पगेरा. कच्की फली वगैरह. A raw seed-pod etc. "आमिश्रं भिक्षमं सहं" दस॰ ४, १, २०;

आमिस. न॰ (श्रामिय) भांस. मांस. Flesh स्य॰ १, १, ३, ३; उत्त॰ ३२, ६३; नाया० ४; ठा० ४; पंचा० ४, २६; (२) धन धान्याहि लाञ्य पहार्थ, धनधान्यादि भोग्य पदार्थ any thing which can be eaten or enjoyed. " आकि-चणा उज्जुकहा निरामिसा " उत्त॰ १४, ४१: 'श्रामिसं कुललं दिस्स यज्जमाणं निरामिसं श्रामिसं सम्य मुक्तिता विहरिस्ता मो निरामिसा" उत्त॰ १४; ४४; — आवत्त. पुं • (- म्रावर्त) भांसार्थी समसी वगेरे के આકાશમાં આવર્ત્તન કરે તે, આવર્ત્તના એક **પ્રકાર. मांस की इच्छा से आकाश में उडने** की किया; आवर्तनका एक प्रकार. act of wheeling in the sky done by kites etc. for flesh. হা॰ খ, খ; —श्राहार. पुं० (-श्राहार) भांसाहार. मांसाहार. flesh food. (२) त्रि॰ भांसाढारी. मांस खानेवाला. carnivorous; flesh-eating; नाया॰ ४; —तामिच्छ. त्रि॰ (-तिच्चिप्स) भासना गृद्धि-सेत्सपी. मांस का लोलुपी. greedy of flesh. नाया॰ २: —िष्ययः त्रि॰ (-िप्रय) भांस ખાવામાં ત્રીતિ વાલા. मांस खाने में प्राति रखने वाला. fond of flesh-eating. नाया॰ ४; --भिक्ख. त्रि॰ (-भित्तन्) માંસાહારી, માંસ ભક્ષણ કરતાર. मासाहारी. carnivorous; flesh-eating. नाया. रः — लोल त्रि॰ (- घोल) भांसती।

क्षेत्रभी; भांस सम्पट मांस का लाेलुपी. greedy of flesh. नाया॰ ४;

श्रामिसित्थः त्रि॰ (श्रामिषार्थेन्) भांस नी ४२७१-प्रार्थेना करनेवालाः (One) desiring flesh. नाया॰ ४;

√श्रा-मुस. धा॰ I. (श्रा+मृश्) धसवुं;
भईत करवुं; भरऽीते निश्रेशववुं. धिसना;
मईन करना; मरोडकर नियोना. To rub;
to expel water from a wet
cloth by twisting it.
धामुसिजा. वि॰ दस० ४;

श्रामुसंत ठा० १; दस० ४; श्रामुसमाण्. व० कृ० भग० ८, ३;

आ-मुहुत्तंतो. अ॰ (श्रामुहूर्तान्तस्) अंत-भ्रेंधूर्त पर्थ-त श्रन्तम्रहूर्त तक. Up to the limit of an Antaramuhurta. क॰ प॰ २, ५२:

श्रामेल. पुं॰ (क) भरतं अलूष्णु; भुगट उपरती धूंसती भाक्षा. मस्तक भूषण; सुकट उपरकी पुष्प की माला. A. flower garland of a crown. "वण्माला मेल सडल कंडल सच्छंद विडन्थिया भरण" पन्न॰ २, श्रोव॰ २४; राय॰ ६६; नाया॰ १६; जीवा॰ ३;

श्रामेक्षश्र-य. पुं॰ () लुओ। ઉपदी। शण्ट. देखो जगरका शब्द. Vide above. भग॰ ६, ३३; श्रोव॰ ३०;

श्रामेलग. पुं०() जुन्ने। "श्रामेल" शण्ट. देखे। "श्रामेल "शब्द. Vide. "श्रामेल" "श्रामेलग जमल जुगल वद्धिय" भग० ६, ३३; नाया० १;२, राय० १११; श्रामेलग. न० (श्रामोलक) स्तन्ते। अग्र- लाग;-डीटडी-डीटुं. स्तनका श्रमभाग. The nipple of the breast; a teat. जं॰ प॰ जीवा॰ ३,३; (२) परस्पर थीडा संअंध वाला. having limited inter-relation. नाया॰ १; १४;

श्रामोक्ख पुं० (श्रामोस-श्रामुन्यतेऽस्मिक्तिया मोक्षणं वाडडमोक्षः) आ-सभंतात-भारे तर्भथी मेक्षि-छुट्डाराः, डभंथी सर्वथा छुट्डाराः संपूर्णतया मोक्चः कमेसे सर्वथा छुटकाराः Perfect salvation; perfect emancipation from Karma. "श्राह्यखाडडजाह श्रामोक्खा" श्राया० नि० १, १, १, १, सूय० १; १, ४,

आमोडण. न॰ (आमोटन) था-थाडुं भर-डवुं-भांगवुं ते. क्रम्न मरोग्रना. A little twisting. परह. १, १;

आमोडिजन्त. व॰ कृ॰ ति॰ (आमोड्यमान) थे। डुं भरऽवाभां भावतुं. जो धोडा मरोहा जाता है वह. Being twisted a little. राय॰ ==;

आमोयः न॰ (आमोक) ध्यरानी दगदीः। ६६१दे। कचरेका देर. A heap of refuse. " आमोयाियावा " आया॰ २, १०, १६६;

श्रामोयमाण व॰ छ॰ त्रि॰ (श्रामोदमान) भुशी थता; आल्क्षाद पाभता; प्रसन्न होता हुश्रा; खुश. Rejoicing. "श्रामोयमाणा गच्छंति" उत्त॰ १४, ४४;

^{*} अंभे। पृष्ठ नम्पर १५ नी पुरने। (*), देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

नि॰ भा॰ १६४; पग्ह॰ २, १; प्रव॰ १५०६ श्राव॰ ४, ४:

श्रामोस पुं० (श्रामोप) ये।तरध्थी ये।री धरनार. चारों श्रोर से बोरी करने वाला.
One who steals from all quarters ''श्रामोसे लोमहारेय'' उत्तर् ६, रूः; श्रामोसग. पुं० (श्रामोषक) ये।र, तरधर. चोर. A thief. श्रायार २, ३, ३, १३०; ठा० ५, २,

भामोलिहि स्री॰ (सामशौंपिन-सामशोहि-हस्तादिना स्पर्शः सप्चौपधिरामर्शीपधिः) હાથના સ્પર્શમાત્રથી સર્વ દર્દે મટી જાય એવી જાતની મેલવેલી શક્તિ: ર= લબ્ધિ भांती की के, हाथ के स्पर्श मात्र से सर्व व्यावि मिट जावे ऐसी प्राप्त की हुई शक्ति, २५ लाविध-शोंमें की एक लिध. Power to cure diseases by mere touch of the hand etc. one of the 24 Labdhis. श्रोव॰ १६; (२) स्रेवि सिध्ध वाली साधु उक्त लिथवाला साध. an ascetic possessed of the above mentioned power. विशेष ७७६, — पत्त त्रि॰ (-प्राप्त) હાય માત્ર લગાડવાથી બધી પીડા મટી જાાય तेवी बिश्वि ने पामेब हाथ के स्पर्श मात्र से संपूर्ण पीडा मिट जाय ऐसी लाञ्चि पाया हुवा possessed of the power of curing maladies by merely touching with the hand. परह , 9,

श्चायः न॰ (श्राज) लडरीनां आबनुं लनेश वस्त्रः यक्षीं के याल का बना हुत्रा वहाः Cloth made of the hair of a she-goat. श्चाया॰ २, ५, १, १४५;

श्राय. पुं॰ (छाय) क्षाल, धनाहिक्ष्मी आप्ति; आवक्षः, क्ष्माण्डी. लामः, श्राय, श्रामदनी. Gain; earning; income. " श्रायं न कृम्मा इह मीवियत्थी " सूर्यं॰ १,१९,३, १, ११, २१; २, ६, १६; नाया॰ १; वि॰ नि॰ ३१६; अगुजो॰ १३; (२) अभैनी आवड; आअव. कमें का आअव-आवक. inflow of Karma स्य॰ १, १०;, ३; (२) अभ्ययन तथा उद्देशादि. श्रंग सूत्र के अभ्याय वगरह. chapters, sections etc. "नागस्स दंसगस्सीय चरणस्सय जेगे आगमो होइ याव श्राओ श्रायो लाहोचि एगहा" दस॰ दी॰ १; (४) डे।सानी ओड लान; वनस्पति विशेष कोलाकी एक जाति; वनस्पति विशेष. a kind of vegetation of the gourd kind. " सेकितं कुह्या कुह्या श्रयोगविहा प॰ सं॰ श्राए काए कुह्यो " पन्न॰ १;

श्राय पुं॰ (घारमन्) आत्मा; छव. घारमा; जीव. Soul; life. " श्रायगुरोजिइंदिए " नाया॰ ८; सम॰ १; पत्त० १४; २८; श्चाया॰ १, १, १, ३; सूय॰ १, ११, १६; उत्त० २, १४; ८, १६; १४, १०; भग० १, ४; ६; २, १; ३, ४; ६, १०; २०,२, ४१, १; राय० ७०, नंदी० ४५; ठा० ७, १; विशे० ३०; ६२; ३५३६; — श्रंगुल. યું (- શ્રંगुल) આત્માંગુલ, શાસ્ત્રાકત પ્રમા-ણાપેત ઉચાઇવાલા ઉત્તમ પુરૂષના શરીરતી ઉચાઈ તાે ૧૦૦ માે ભાગ; આત્માંગુલ કહેન વાય છે આ અંગુલથી કુવા, નદી, ઘર, ક્ષેત્ર. भाडी वगेरे पहार्थे। नुं भाष थाय छे. श्रात्नां • गुल; शास्त्रानुसार उत्तम पुरुष के शरीर की उंचाई का १०८ वां हिस्सा; आत्मांगुत्त कहलाता है, इस से फुमा, नदी, घर, बाड़ी श्रादि का माप होता है. a measure of height or length, 108th part of the full height of a man as settled by the authority of scriptures; it is used to measure the depth of wells etc.

विशं ० ३४०; घणुजी ० १३४, प्रव ० ५६, -, १४०३; —श्रंतकर. पुं. (-श्रन्तकर-भारमनो श्रन्तमवसानं भवस्य करोतीत्या-त्मान्तकरः) आत्भानी छवनने। आंत ५२-का श्रंत करनेवाला one who destroys life; one who destroys the soul, ठा॰ ४, २; —श्रजसः न॰ (-श्रयसम्) आत्भानी अयश-अशुक्ष नाम धर्मनी ओं अधृति. श्रात्मा का श्रपयश -श्रशुभ नामकम की एक प्रकृति. infamy, disrepute of the soul; a variety of evil Nāma Karma. भग० ४९, ^१; —श्रगुकंपय त्रि॰ (-श्रनुकम्पक---श्रातमानमेवानर्थपरिहारद्वारेगानुकम्पते शुभा-गुष्टानेन सद्गतिगामिनं विधत्त इत्यात्मानु-**थु**६ व्यथवा जिन्हिस्पी श्चात्महित करने मे प्रवृत्त, प्रत्येकबुद्ध श्रथवा जिनकल्पी. one devoted to the welfare of the soul. " श्रायाणुकंपए सामयेगे सो परासु-कंपष् " ठा० ४. ४; स्य० २, २, ८४; —श्रभिणिवेस. पुं॰ (-श्रभिनिवेश) भाता-પેણાનો આગ્રહ, મમત્વ ભાવ. श्रहंभाव; ममत्व भाव. self-love, attachment to one's selfish interests. नंदी॰ —अहिगरणवित्तयः त्रि॰ (-श्राधिकरण प्रत्यय – श्रात्मनोऽधिकरणानि श्रात्नाधि-करणानि तान्येव प्रत्ययः कारणं यत्र क्रिया कर्ये तदात्माधिकरणप्रत्ययम्) क्रेमा આત્માના અધિકરણ કારણરૂપ છે તે. जिसमे श्रात्मा का श्राधिकरण कारण रूप है यह. (that) in which relation with the soul is the active Cause. " श्रायाहिगरणवातियं चर्ण तस्त मो इरियावहिया किरिया कज्जइ संयv. 11/8.

राह्या किरिया कज्जह " भग० ७, १; — श्राहिगरिण, पु॰ (-श्रधिकरिणन्-श्रधिः करणानि हत्तराकटादीनि कपायाश्रयभूतानि यस्य सन्तिसोऽधिकर्णी श्रात्मनोऽधिकर्णी श्रात्माधिकरणी) व्यार लाहिङना साधन, वगरे जेनी. पसे छे ते आत्मा; પાતાની જાતે આરભ સમારભના અધિ-^{કર⊍} मेेशयनार. श्रारंगादिक के साधन; हल श्रादि जिसके पास है वह श्रात्मा; स्वयं आरंभ समारंभ के सावनों को एक-त्रिन करने नाला. a soul possess ed of implements of killing etc., such as a plough etc. by his own efforts " श्रायाहिगरकी भवह "भग० ७, १; १६, १; —श्रारंस. ति॰ (-म्रारम्भ) पेताने हाथे छवनी धात **४२**ना२. श्रपने हाथ से जीव की घात करने वासा (one) who kills a life with his own hands. भगः १, १; —उवक्रम पुं॰ (-उपक्रम) धातानी लते આઉખાના ઉપક્રમ કરવા, આઉખું ટુંકું **४२**३ ते श्रपने हाथसे श्रायुप्य को कम करना. shortening one's own २० २; १०; — कम्म न० (कर्मन्) आत्माओं કरली क्रमें. शातमा का किया हुआ कर्म. Karmas done by one's self or soul भग० ३, ४; २०, १०; २४, ८; —गय. त्रि॰ (-गत-शास्मान गतमात्मगतम्) आत्मामां २६ेस, आत्मः संणधी. यात्मा संबंधी. relating to soul. पंचा॰ ३, ३७, -गवे-सय. त्रि॰ (-गवेपक) श्रात्मान कमं भलापहारेख शुद्धं गवेषयतीत्यातमगवेषकः) આત્માના ખરા સ્વરુપને રોત્ધનાર. श्रात्मा के सचे स्वरूप को खोजनेवाला. (one) who investigates into the

real nature of the " साहिए भाषगवेसए स भिक्सू " १४, ४; -गृतः (-गुप्त-असयमस्थानेभ्यो मनोवाक्षीयरा-हता गुतो यहा स ग्रान्मगुतः) भन વયન અને કાવાયે કરી આત્માને પાપ. थी जापवनारः आत्मरक्षाः मन, वचन चोर काया से ह्यात्मा की रचा करने वाला (one) who guards the soul against sms of thought, word and deed. "सन्ततं गागु जागांति श्रायगुत्ता जिड्दिया " सूय० २, २, ६५; श्राया॰ १, २, ७, २०४, १, ३, १, १०६; उत्तर १४. ३; सूयर १, ११, १६; -- छुट्ट. पुं० (-पष्ठ) आत्मा केमां **७है। छे अैवां पाय भ्**त. द्यात्मा जिस में छठा है ऐसे पंचभूत the soul along with the five elements. " श्रायसहो पुणो प्राहु " सूय० १.१, १, १५; - छ्ट्टबाइ. पुं० (-पष्टवादिन्) ५ थ-ભૂત ઉપરાત ૭ઠા આત્માને માનનાર સાંખ્ય परे रे. पंचभूत के सिवाय श्रात्मा को छठा मानने वाले साख्य वनैरह one who admits the existence of the soul in addition to the five elements. e. g. a Sănkhya etc. स्य॰ टी॰ १, १, १, १४, -जस. न॰ (-यशस्) व्यात्माना यशक्ष्य स्थम प्रात्मा का यशहप सबम the glory of the soul viz self-restraint " जीवा कि श्रायजसेण उवयज्जति "भग॰ ४१, १ — जोग त्रि॰ (-योग) आत्मा તરફની પ્રવૃત્તિ વાલા, કુશલ મનની પ્રવૃત્તિ श्रात्मा संबंधी प्रबृत्ति वाना, कुशल सन की प्रवृत्ति (one) busy with what concerns the soul; salutary

activity of the mind. स्य॰ २, २, ८४; -- जोगि. पुं॰ (-योगिन्-श्रासमी योगः कुराजमनः प्रवृत्तिरूप श्रात्मयोगः स यस्यास्ति) सहा धर्भ ध्यानमां निभन्त. सदा धर्म ध्यानमें निसम. always engaged in religious meditation. दसा॰ ४, २१; —ह. पुं• (- ષ્ટાર્થ) આત્માનું અર્થ - પ્રયોજન; भे!क्ष चाःमा का प्रयोजन; मोच्च. the aim of the soul; salvation. श्राया॰ टी॰ १, २, १,६२; — ब्रि॰ पुं॰ (- प्रार्थिन् - चारमनो छर्च चा-स्मार्थः स विश्वते यस्य स तथा) व्यात्भांतं द्वित अस्तारः मे क्षार्थी व्यात्मा का हित करने वाला; मोद्धार्थी. one who accomplishes the well-being of the soul; one aiming at salvation. सूय॰ २, २, ८५; —िद्धि. पुं॰ (-क्छित्) આત્માની મહિ-શક्તि वादी। श्रात्मा की ऋदि-सक्तिवाला. one possessed of soul power. भग॰ 2, · 8; E, 9; 20, 2; 24, #; —तिगिच्छित्र. त्रि॰ (-चिक्तिसक) પે.તે પાતાની દવા કરનાર, જ્ઞવના જ્ઞાપ श्रीपधि करने वाला. (one) who is his own doctor. 210 v, v; —तुलाः स्त्री॰ (-तुना) अ'त्भानीतुशा-सभानता-छिपभाः श्रात्मा की उपमाः selfcomparison; e. g. comparison of the lives of others with one's own life. " श्रायतलं पारेगीहं संजए '' सूत्र० २, २, ३, १२; —दंड. पुं॰ (-दंड-श्रात्मानं दंडयतीत्या रमदंडः) आत्भाने ६'उनारः आत्भाने हानि-पहे। यारनार. क्रात्मा को दंडनेवाला; श्रात्मा को हानि पहुचाने वाला one who

destroys or ruins his own soul. " एतेण काएण य श्रायदंदें " सूय॰ १, ७,२; —दंडसमायार (-दराइसमाचार) आत्माना अहितनुं કરતાર; આત્મા દંડ ય તેવુ અતુપ્રાત आयरणु ४२नार. श्रात्मा के श्राहित का कार्य करनेवाला. one acting in a way to injure his own soul सूय० १, २, ३, ९; —निष्फेडय पु॰ (-निस्कोटक) सभ्यव्हर्शन आहि अनुष्ठान વડે આત્માને સસારરૂપ કેદખાનામાંથી णहार आढनार. सम्यग्दर्शनादि के अगुष्ठान के द्वारा श्रात्मा को संसाररूपी जेल से निकालने वाला. one who releases the soul from the cage of worldly existence by right faith etc. सूय० २, २, ६५; —पइ-द्दिश्र-य त्रि॰ (-प्रतिष्टित) पेश्ताने ચ્યાત્રી ઉત્પન્ન થયેલઃ બહાર નિમિત્તવિના अंदरना निभित्तथीय धपेल स्वभावतः उत्पन्न: वाहिर के निमित्त विना श्रंदरके निमित से ही उत्पन्न spontaneously produced without the operation of any outside agency. ठा॰ २, ४; ४, १; —पश्चक्ख. न॰ (-प्रत्यच) आत्मसाक्षी. श्रात्म साची. with one's self or soul as witness; in one's own presence. भत्तः ४५; --परक्तमः त्रिः (-पराक्रम) ગાત્મસાધક–સંયમ અનુષ્ઠાનવ લાે. श्रात्म सावक-संयम श्रनुष्टान वाला. (one) accomplishing the interest of the soul; practising asceticism. स्य० २, २, ६५; दसा० ४, २४; —व्यश्रीगः पुं॰ (-प्रयोग) शात्मानी व्यापार, श्रात्मा का प्यापार activity of the soul.

सग० ३, ४; ५; २०, १०; २३, ६; ३०, १, --प्पश्रोग निञ्चत्तियः त्रि॰ (-प्रयोग निर्वार्तत-ग्रारमनः प्रयोगण मनः प्रभृति व्यापारेण निर्वर्तितं निष्पादितम्) आत्भा-ना व्यापारथी निपन्नेल. ब्रात्मा के व्यापार से उत्पन्न. produced by activity of the soul. भग॰ १६ १; -- प्रमास्। त्रि॰ (-प्रमास) आत्मा हैsj साधत्रण हाथ प्रभाणे प्रभाणु. श्रात्मा-देह का साटेतीन हाथ का प्रमाण measure of the body equal to three and a half times the length of the प्रव॰ १२६: -- प्पद्मायः न॰ (-प्रवाद--श्रात्माम जीवमनेकथा नयम-तभेदेन यरप्रवदति तदासमप्रवादम्) ये नामनी ओक पूर्व-श्रन विशेष; बोहपूर्व भांने। ओक्ट. चौदह प्रकार के पूर्वों में से एक पूर्व. name of a scripture; one of the 14 Purvas. नंदी॰ ५६: 98: प्रव • ७२०: --- चल. पुं॰ (-वल - भारमना वलं शक्त्युपचय श्चात्मबलम्) व्यात्मानी शिक्षत त्रात्माकी शिक्त. power of the soul आया॰ १, २, २, ७५; — भाव. पुं॰ (-भाव) મિથ્યાત્વ વિષય ગૃદ્ધિપણું વગેરે. मिट्यात्व विषय में लोलुपता. greediness after sensual pleasures, heretical belief etc. " विगाइजाश्रो सन्वह श्राय-भावं " सूय० १, १३, २१, (२) २५-पेतानी અભિગ્રાય- भत. श्रपना सत one's own view or opinion. " सचेयां एस श्रद्रे नो चेवएां श्राय भाव वत्तवयाए "भग० २, ५; १०; विशे० ६८; सूय० १, १३. ३; -भाववंकणयाः स्री॰ (-माववंकनता) પાૈતાની અંદરના અપ્રશસ્ત ભાવ ખાટા વિચારને સારા રુમાં દેખાડવા તે. જાવને

श्रप्रशस्तभाव-खराब विचार को श्रच्छे हप में प्रगट करना. white-washing, varnishing one's own wicked internal thoughts or motives. ठा० २, १; --रद्भस्त्र. पुं० (-रच) अंग-२क्ष५; आ(भ२क्ष५ श्रंगरत्तक, श्रात्मरत्तक. a body-guard; one who guards the soul 'तथो धायरक्खा पन्नता संजदा धारेमचाए पहिचोयणाए ' ठा० ३, १; पञ्च० २; जं० प० ४, ११२; राय० ७१. स्य० २, २, ५६, भग० ३, १; १६, ६; १७, ४; कप्प० २, १३; र्ज० प० ४, ७३,४, ११६: --रक्खदेव. पुं॰ (-रचदेव) आत्म-२क्ष ६ देवता. श्रात्मरज्ञक देव. a deity protecting the body or guarding the soul. नाया॰ =; नाया॰ ध॰ भग० ३, ६, ९०, ६; ९४, ६; जं० प० ४, ७३; -रिक्खिय त्रि॰ (-रिचत) लेखे કુગતિથી આત્માનું રક્ષણ કરેલ છે તે; કુન-तिसे श्रात्मा को बचानेवाला (one) who has guarded the soul against an evil condition of existence. " ष्रायपरक्रम श्रायरवादिए " स्य० २, २, **८५**; श्ररइं पिट्यो किचा विरए श्रायर-क्खिए " उत्त॰ २, ११; —चिसोद्दिः त्रि॰ (-विशुद्धि) पापनु प्रायित ५रीने आत्मा-नी विशुद्धि धरवी त. पापका प्रायधित करके श्रात्माकी विशुद्धि करना. purification of the soul by expiation for Bin नदी॰ ४३; —वेयाचचकर. त्रि॰ (- वैयावृत्यकर) आदशु धालमा. idle, lazy (ર) વિસંભાગિક-સાધુસમુદાયથી ि।श्र विसंभोगिक-साधुसमुदाय से भिषा. apart from the assemblage of monks. "श्रायवेयावचकरे नाममेगे ग्री पर-षेया वस्चकरे' ठा०४, —संचेयिणिज्ज पुं॰

(-मंदतनाय-श्रात्मना संचेत्यन्ते क्रियंतद्या-रमसचेतनीयाः) ऋशे। "श्रायमंवेर्याणज्ञ" शण्द. देखो " श्रायसंत्रेयीणज्ज " शब्द. Vide. "श्रायसंत्रंगीयान्त" "श्रायसंचिय णिज्जा उवसमा चडव्विहा प॰ तं॰ घर्णया पवडवाया धंभवायया केंसवाया" ठा० ४, ४: —संवेयलीय पुं॰ (-संवदनीय) ४०४ ઉપસર્ગને એક પ્રકાર; પાતાનાજ કારણથી શરીર કે સંયમની ઉપદાત-પીડા ચાય તે. द्रव्य उपसर्ग का एक भेदः ध्वननेही कारण से श्रपने शरीर श्रयना संयम का उप-घात होना disturbance to the body or to self-restraint by causes connected with one's self: a variety of material disturbance, " चडव्यिहा उबसगा। प॰ तं॰ दिव्या माणुम्सा तिरिवल जोगिया धायसं वेयशिवजा " ठा० ४, ४; —सर्गट्ट. न॰ (-स्मरणार्थ) पैताना आत्माने संભारवासाटे. श्रपनी श्रान्साका करने के लिये. in order remember or keep in remembrance one's own soul. क॰ गं॰ ४. १००: —सरीर श्रणवकंखवत्तियाः स्री॰ (-शरीरानवकांत्राप्रत्यया) अश्व-કેખવત્તિયા દિયાના એક બેદ: પાતાના શરીરનાે નાશ થાય તેવા કર્મ કરવાધી क्षागती क्रिया. श्राग्वकंखवात्तिया किया का एक मेंदः अपने शरीर का नाश हो ऐसे कर्म करने से लगनेवाली किया. Karma incurred by doing acts which destroy one's own body. তাত ২, ১; —सात. न॰ (-सात) आत्मशुण थात्मसुल. one's own happiness; self-happiness. " मूताई जे हिंसति त्रायस्रोत " स्यर १, ७, ४; — सायाग-

गामि. पुं॰ (सातानुगामिन्) आत्म सुभ भेलपपा ६२७नार. आतम सुख प्राप्त करने-की इच्छावाला. one desirous of getting one's own happiness. " हंता छेता पगविभत्ता श्राय सायासाखु-गामियो " सूप० १, १३, ५; —सुह्व. न॰ (-सुख) शरीर सुध. शरीर सुख. physical happiness. " जे छिदती श्रावसुइं पहुच " सूम० १, ७, —सोहि. खी॰ (-शोबि) आत्मशुिष्ध; डर्भने। क्षये, पश्चम डे क्षय ब्राहमग्राद्धः; कर्म का च्योपशम श्रयवा च्य. soul purification; destruction or attenuation of Karma. ' श्राय पजोगमाय-सोहीए " थाया॰ १, १, ४, १६; दसा० ५, ४२, -- हम्म. त्रि० (- वास्य) आत्भानी धात धरनार. श्रात्माकी घात करने वाला soul-destroying; self-destroying पिं नि ६५, —हित न (-हित) स्वित, पातानुं अलुं. स्वहित, श्रपना भला self-good, self benefit " ज्ञायहिन थायगुत्ते शायजोगे " सूय० २, २, ६५, दसा॰ ४, २१; —हेउ. एं॰ (-हेतु) न्यात्मानिभित्ततेः पातामाटे. त्रात्मा के लियेः श्रपने लिये for one's own sake; for one's own self "केइ पुरिसे भायहेउं वा साइहेउं वा " स्य०२, २, २२; भायश्र ति॰ (अायत) लांशुं. लंबा Long राय० १०२, विशे० ७०४:

श्रायइ स्त्री॰ (श्रायित) सिविष्य अस मिवष्य काल. The future. पंचा॰ १६, २८, प्रव॰ १५६१, — जाएगा. ।त्र॰ (-जनक) सिविष्यमां ५४ ६स स्थापनार. भविष्य में इष्ट फल देनेवाला. giving the desired fruit in the future. "श्रायह जगमोसी" पचा॰ १६, २८: प्रत्र १५६१: --फल न० (-फक) **परलयनु ४८ ६** परमव का इष्ट फल. desired fluit of the next or future birth " श्रायतिफलमद्धवः साहगां च निउगां मुगोयन्त्रं " पंचा० १२, ४०; —संपगासणः न० (-सम्प्रकाशन-थायत्याः सम्प्रकाशनमायतिसम्प्रकाशनम्) ભવિષ્યની સારી આશા વતાવનાર; સામના थ्रेक लेह. भविष्य के सम्बन्ध में श्रद्धी श्राशा वतानेवाला; साम का एक भेद showing good hopes for the tutuce; promising well for the future, हा॰ ३:

त्रायं श्र० (श्रायम्) वाध्यालं धार. वाक्यान् लंकार. An expletive. नाया० २; प्रायंक. पुं० (श्रातङ्क) ॐो। "श्रातंक" १०६. देखो 'श्रातंक' शब्द Vide, "श्रातंक" "श्रायंकदंसी न करेइ पावं श्राया० १, ३,२,४; "श्रारइ गडं विस्इया श्रायंका विविहा फुसंतिते" उत्त० १०,२७,३, १०; श्राया० १,१,१,५३; १,५,२, १४७; १,३,२,१११; ।५० नि० ६६६; जांवा० ३,१; महा० प०३५; राय० ३२, स०च० १०,१३१; नाया० १; ५; भग० २,१,१६,२; १०,१०,२५,७; जवा० ४,१५१; गच्छा० ७६, संत्या० ३२;

त्रायंचिंगिपाउद्यः न॰ (*) ५ मारना वास-णुभा रहेतुं भाटीवाक्षुं पाणी. कुम्हार के वर्तन में रहा हुआ मिटीवाला पानी. Water in a potter's vesse । e earthen

^{*} लुओ। पृष्ठ-नम्पर १५ नी पुटने। (+), देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*), Vide foot-note (*) p 15th,

vessel and so muddy. भगः १५,१;

श्चायंत. त्रि॰ (श्वाचान्त) यक्षु इरेक्ष; पाणी-थी छाथ भेरि साई इरेक्ष. चुल्लू किया हुआ; पानी से हाथ मुद्द साफ किया हुआ With the hands and face washed with water नाया॰ १; १६: भग० ३, १; ६; ३३; ११, ६; जीवा॰ ३, ४; श्रोव॰ १२; राय॰ १७३; कप्प॰ ४; १०३;

श्चायंतमः त्रि॰ (श्चारमतम-श्चारमानं तमयति खेदयत्तास्यात्मतमः) संयभ यगेरेथी व्यात्मान ने स्भवारः संयमादि के द्वारा श्रात्मदमन करनेवाला. One who subdues the self by self-restraint etc. ठा॰ ४, २; (२) (श्वात्मैव तमोऽज्ञान कांधोवा यस्य स श्चारमतमाः) व्यवावी; होधी श्वज्ञानी; कांबी. (one) who is ignorant; (one) given to angor. "श्चातं-तमेणाममेगे नं। परतमे" ठा॰ ४, २;

श्चायंता. छी॰ (*) आयारांग सूत्रना गांचमां अध्ययन हो नाम. श्वाचाराग सूत्र के पाचने अध्ययन का नाम. Name of the 5th chapter of Acharanga. सम॰ ६:

श्रायंतिय मरणः (श्रात्यंतिकमरण) ओक्ष वार भरीभवा पछी ६री पीछत्रार ते गिननुं भरख न थाय ते. एकवार मग्जाने के बाद किर दूनरों बार उस गति का मरण न होना Final death in a particular condition of existence i. e. there will be no birth again in that condition of existence. सम॰ १७;

श्रायंद्म. त्रि॰ (श्रात्मद्म-श्रात्मानं द्मयति शमवन्तं करोति शिच्यतीत्यात्मद्मः) श्रात्माने ६भनार. श्रात्मद्मन करनेवाला. One who subdues the self. ठा॰ ४, २;

४, २; स्मायंच ति॰ (श्राताम्न) आ-४५त—थे।ऽी २ताशवाध्र. कुछ ललासावाला. Reddish. श्रोव॰ १०; प्रव॰ १४६४;

आयंविर त्रि॰ (श्राताम्र) क्ष:क्षरंगनु. ताल रंग का. Red; of red colour. सु॰ च॰ १, ७५; ६ १२४;

ग्रायंत्रिल. न॰ (ग्राचारत) केमां सात વગરે લુવખુ અનાજ એક વખત ખવાય ते । व्यापाणिस नाभनं ओक तथ ' श्रायं-विल ' नामक एक तप विशेष जिस में लूखा भात या अन्य कोई धान्य केवल एकही वार खाया जाता है. A kind of austerity in which a person takes rice, pulse etc. only once without adding Ghee to it. श्रंत॰ म, १; नाया॰ मः १६; भग॰ ३, १; ४२, १; श्रोव १६; प्रव० २०३; श्राव० ६, ६; —पञ्चक्खारा. न० (-प्रत्याख्यान) शांभेक्ष પ્રયાખ્યાન-પચ્ચખાશ લેવા તે કરવાના धार्यीवल करने का प्रत्याखान लेना a vow to perform the austerity of Ayambila (g. v.) नाया॰ १६; —पाउगा. त्रि॰ (-प्रायोग्य) आंगेल-च्याय णिलभां वापरवा ये। व्यावेत-श्रायंविल में काम लाने योग्य. fit to be

^{*} जुओ पृष्ठ नम्भंद १४ नी पुर्रनीर (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की छूटनाट (*) Vide foot-note (*) on page 15th.

- बहुमाण न॰ (-वर्द्धमान) थो६ परस ત્રણ માસ અને ૨૦ દિવસે થતુ એક તપ કે જેમાં એક આય વિલને પારણે; એક હપવાસ કરી. બે આવંળિલ કરવામા આવે છે: વલી એક ઉપવાસ કરી ત્રણ આયળિલ; એમ એકેક આર્યાબલ વધા-રતાં ૧૦૦ આયંખિલ સુધી ચઢાય चौदह वर्ष, तीन मास श्रीर २० दिनतक होनेवाला तप जिसमें कि एक आयाविल के पारणा के बाद एक उपवास करके उसके बाद दो आयंबिल किये जाते हैं. फिर एक उपवास तीन आयांविल, इस प्रकार बढाते बढाते १०० श्रायाविल नक किये जाते हैं। पारणा के बाद एक उपवास होता है इस रीति से चौदह वर्ष ३ मास २० दिन में यह तप पूर्ण होता है. an austerity extending over 14 years three months and 20 days; here one performs one Ayambila followed by a fast, then two, followed by a fast, then three, followed by a fast and so on up to 100 Āyambilas. श्रंत॰ म, १०, श्रोव० १६:

आयंबिल अ-य पुं॰ (श्राचाम्लिक) आधेस-तुं तेप ६२तार. श्रावेल-श्रादंविल का ता करनेवाला. One who performs the austerity known as Ayambila. परह॰ २, १; ठा॰ ५, १;

श्रायंभर त्रि॰ (श्रात्मम्भर-श्रात्मानं विभातं पुरणातीत्यात्मम्भर') स्वार्थी; पेतानुंबर पेत्राक्ष्य करनेवालाः Selfish. "श्रायंभरेणाम-मेगे णो परंभरे " ठा० ४, ३;

श्रायंस. पुं॰ (श्रादरी-श्रासमन्ताद्दरयते यरिमन् स श्रादरीः) अरीसे।, दर्गणु दर्गेग; श्रायना; काव. A mirror; a looking-glass ज॰ प॰ ४, १२०; रायः ४८, ११८: -- घर. न० (- गृह) अरिसा भुवन, डायनुं धर काचका घर; शीश महत्त a house made of glass or mirrors. जं॰ प॰ ३, ७०० - घरना. पुं॰ (-गृहक) लुओ ઉपदी शण्ट. देखो ऊपर का शब्द. vide above राय॰ १३६; — तला. न॰ (-तन) अरिसानं तथीं दर्गण का पेंदा. the suiface of a mirror, श्रोव॰ —तलडचम त्रि॰ (-तलउपम--- प्रादशों दर्पणस्तस्य तलं तेन समतयापमा यश्य प्रादर्शतलापमः) અરીસાના તલીઆ જેવું સિધ્ધુ-સપાટ. दर्गण के पेंदे के समान समतल. level like the suiface of a mirror. राय॰ - मंडल न॰ (-मग्डल--म्रा-दश इव मण्डलमस्य तदादर्गमण्डलम्) અરીસાને આકારે મડલ-ગુજકો વાલનાર सर्पनी ओक जात दर्शि के आकार का मडल करनेवाला एक जात का सर्प. & kind of serpent forming itself into the shape of a murior circular in form (3) (श्राद्रों मण्डलिवाद्यमण्डलम्) भऽधा-धारे गे।६वेत अरीक्षा मडलाकार सजाये हुए दर्श a cucle formed of mirrors. '' ग्रायसमहल इवा '' ज॰ प॰ पन्ह॰ १, ४; - लिपि स्ती॰ (- किपि) १८ ज्नतनी क्षिपिभानी ओड क्षिपि १ = प्रकार की लिपियों में से एक लिपि. one of the 18 kinds of script. पञ ॰ १;

श्चारंसम पु॰ (श्रदरोंक) श्वहनी डे।इनुं क्षेष्ठ श्राभरण बेल के गर्दन का एक गहना. A neck-ornament of an ox-श्चानुनं(॰ ६६; आपंसमुद्द. पुं॰ (आदर्शमुख) अवश् अभुक्ष भां अभिनेशुश्रा तर्द्ध रहें आप अभुष्य नाभना ओड अन्तरद्वीप. लवण समुद्र के अभिनेकीण में रहा हुआ आयंगमुख नाम का अन्तरद्वीप. An island of the name of Ayamsamukha in the Lavana ocean. (२) ते द्वीपमां रहेनार. इसमें रहनेवाले. an inhabitant of the same. ठा॰ ४, २; पन्न॰ १, जीवा॰ ३, ३;

आयंसय. पुं॰ (ब्रादर्शक) गरीसे।; आयने।. दर्गण. A. mirror; a looking-glass. श्रोव॰

आयकाय. पुं॰ (श्र्यायकाय) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. भग॰ २३, ३;

द्यायग. न॰ (भाजक) लक्ष्मीनां लासनुं लनावेश वश्चः वक्षरी के वाल से बनाया हुआ वक्ष. A cloth made of the hair of a she-goat. आया॰ २, ४, १,१४५;

श्चायचरित्त. त्रि॰ (श्वायचरित्र-श्राय भूतं निरतिचारतया चारित्रं यस्य स श्राय चरित्रः) ६४ थारित्र. दढ चारित्र (One) having a firm character or right-conduct संस्था॰

श्रायछत्त. न॰ (श्रातपत्र) छत्री; छत्र. ह्यां, छत्र. An umbrella. "एगे पुरिसे पिट्टग्रो श्रायच्छ्रंत घरेड् " नाया॰ १६. श्रायम्हिटय. सं॰ कु॰ श्र॰ (श्राकृष्य) ખેંચીને, आकर्षीते. खोंचकर; श्राकर्षण करके. Having drawn; having attracted. सु॰ च० ७, १५१; ११, ९६; श्रायण. पुं॰ (श्राजीण) क्रमानेस यामधुं; यामक्रानं वस्त्र. कमाया हुश्रा चमयाः

चमदे का यख. Tanned leather; a garment of leather. "जे भिनस् माउगामस्म मेहुण्यदियाप् श्राय-णाणिया श्राइणपावाराणि या" निसी॰ ७, ११;

थ्यायत. त्रि॰ (श्रायत) क्षांभुं; हीर्ब. हंबा: दीर्घ. Long; protracted जं प प्राच १; भग० १८, ३; जीवा० ३, ३; सूय० १, २, ३, १५; (२) भेशक्षः भुन्तिः मोन्नः absolution. sulvation. " भायपरे परमायतिहते " सूय० १, २,३, १४; (३) भेंथेब, खीचाह्या. diawn. भग० १, =; (४) पुं ० दीर्घांशर संस्थात. दीर्घाकार संस्थान. configuration in its length. भग॰ २५, ३: —करासा-ययः त्रि॰ (-कर्णायत) अतिशय अयत्नधी **કા**ન સુધી ખેંચેલ. बडे प्रयत्न सं कान तक खीचा हथा. drawn with great effort as far as the ear. "आयप कर्णाययं उसं श्रायामेता चिट्टह् " भग॰ १, =; ६; जं० प० ३, ६२; — चक्छ्र. त्रि॰ (-चतुप्-श्रायतं दीर्घमहिका सुप्मिका-पायदर्शिचकुर्ज्ञानं यस्य स चतुः) दीर्ध दर्शी. दीर्घ दर्शी. (one) able to take a comprehensive view of things temporal and spiritual. याया॰ १, २, ५, ६३: - चरित्तः न० (-चरित्र) भे।क्ष भाग साधक यरित्र. मोत्त मार्ग साधक चरित्र. right conduct leading to salvation. " श्रादाणि यंमि श्रायत चरित '' श्राया॰ टी॰ १, १, ७, ६१; —ह go (-म्रर्थ) भेक्ष, श्रुत्तिः. सोचः स्ति. absolution; final emancipation. सूय॰ १, ६, १६; —िहिश्र. पुं॰ (- স্মৰ্থিক) લાળા વખત થી માહ્યની

અભિલાવાલો. बहुत समय से मोच्न की श्वभिलापा वाला. one desirous of salvation from a long time; one longing after salvation from a long time. "श्रायपरे परमाय-सिंद्रिए " सूय० १, २, ३, १४; —फल त्रि॰ (-फल) भेक्षिरूप ६५ व्यापनार. मोच्चरूप फल देनेवाला. giving salvation as fruit or result. पंचा॰ १२, ४०: --संठारा न० (-संस्थान) દીર્ઘાકાર: લાકડીની પેંકે લંળાઇવાલા આકાર-संठाल; पांय संठाल भानुं क्षेत्र. दीर्घाकार; लकडा के समान लंबाईवाला खाकार-संस्थान; पाच संस्थानों में से एक. long configuration like that of a stick; one of the five configurations. भग॰ म, १; १६, ६; ठा० १; पश्च —संठाण परिणयः त्रि॰ (-संस्थानपरि-श्वत) આયત સંકાશ રूપे પરિશન પામેલ. श्रायत संध्यान रूप से परिणाम पाया हुआ। (one) who has been developed into, changed into, a long configuration. पत्त :

श्वायतस्य न॰ (श्रायतन) स्थान; न अ। श्रयः निवास स्थान स्थान श्राश्रयः निवास स्थान स्थान स्थान निवास स्थान स्थान कर्म स्थान कर्म स्थान कर्म स्थान क्षा स्थान स्था

३, १५; (५) प्रगट करना, प्रश्न का स्पष्टीकरण करना. solution of a question; manifestation. स्य॰ १, ६, १६; (६) वधस्थान वधस्थान a place of execution; a place for killing. नाया॰ ६;

श्रायति स्नी॰ (श्रायति) लुले। "श्रायह्" शण्ट. देग्वा "श्रायह्" शब्द. vide "श्रायह्" पंचा॰ १२, ४०; —फल् श्रि॰ (-फल् श्रायता फलमस्य हित) आवताक्षवभां ६६ आपनार. श्रामामा भव में फल देनेवाला giving or ripening into fluit in the next or coming birth. प्चा॰ १२, ४०;

आयत्त. त्रि॰ (श्रायत्त) भिश्रित हरेतु; એક્ડું કरेतुं. मिश्रित किया हुआ; इक्ट्रा किया हुआ. Got together, collected together; mixed together. पिं॰ नि॰ २३८;

श्रायत्ताः ख्रां॰ (श्रायता) व्याय-वनन्धित विशेष ने। क्षाव, व्याय वनस्पति पर्धे श्राय-वनस्पति विशेष का भावः श्राय-वनस्पति पन. State of being an Aya (a kind of vegetation). स्य॰ २,३,१५;

श्चायञ्चल न॰ (श्वाकर्णन) श्रवण करना; सुनना. Hearing. सू॰ च॰ १४, ३७;

√ श्रायम. घा॰ I. (श्रा+चम्) यक्ष ध्रवं; अशुथिक्षेप शक्षवें; आयभन क्षेत्रं श्राचमन करना; चुल्लू करना. To remove impurity with water after answering a call of nature. ष्प्रायमञ्ज. निसी० ४, १४; दसा० ३, ११; स्रायमाणाः ठा० ४;

श्रायमण, न॰ (श्राचमन) भक्ष त्याग धर्या पछी जन्नथी शुद्धि धर्मी ते; क्षेप रिद्धत पछं, मल त्याग करने के बाद जल से शुद्धि करना; लेप रिद्धतता. Removal of impurity with water after answering a call of nature. प्रव॰ १३३; पि॰ नि॰ भा॰ २३;

श्चायमिणी. स्नी॰ (श्वायमिनी) विधा विशेष. विद्या विशेष. A particular branch of knowledge. " श्राय-मिणी प्रवमाद्द्याची विज्ञाची श्वसस्त हेउं पर्ड जंति " स्य॰ २, २, ३०;

श्रायय. त्रि॰ (श्रायत) लुओ। "श्रायत " शण्ह. देती " श्रायत " शब्द. Vide " श्रायत " नाया॰ ५; स्य॰ १, ६, १५; उत्त० ३६, २१, भ्रागुतो० १४१; जीवा० ३१; दस० ६, ४, २, ३; पिं० नि० ३६५; श्रोध॰ नि॰ १२३; भग॰ ४, ६; ७, ६, १४, ७६ पंचा० ११, ४२; प्रव० ४२१; —कराणायय. त्रि॰ (- कर्णायत) প্রথী। " त्रायत कर्यायय" शण्ह देखा " श्रायत करणायय " राज्द. vide " श्रायत कर्णायय 'भग० १, ८; --गृत पचा-गया स्त्री॰ (-गत्वा पश्चाद्गता) है। धी સાધુ એક લત્તા-રોરીમાં સિદ્ધા આગલ જઇ પાછા વલતાં ગાયરી કરે તેઃ ભિક્ષાના को ४ प्रशर ने। अलिश्रह, गली में सीधे श्राम जाकर पीछे लोटते तुए भिन्ना करना; साधुश्रों की भिन्ना का एक प्रकार का श्राभित्रह a particular mode of begging food practised by Jaina monks viz going straight to the opposite end of a street and begging food while returning.

उत्त॰ ३०, १६; — चयम्बुः त्रि॰ (-चनुष्) ब्युर्वेश ' द्यायत चत्रमु' श्रूप्ट. देखी ' श्रायत चर्या ' शब्द, vide " श्रायत चरस " श्राया० १, २, ४, ६३;—हि. पुं॰ (-श्रधिन) लुओ। " सायतद्वित्र " शण्ट. देखी " त्रायर तिहिष " शब्द. vido " ग्रायतिहश्र " दग॰ ५, २, ३४; —िहिश्र. पुं॰ (-श्रधिक) लुओ। " आयनहिष " शण्ह. देसी ' क्रायर्ताह्य ' शब्द. vide 'श्राय-नाट्टिय "दग॰ ६, ४, २, ३; —मगाः पुं० (-मार्ग) भेक्ष भाग, मोन्न मार्ग, the path of salvation. पंचा॰ ११, ४२; -- संठाग्। न॰ (-संस्थान) सार्धीना જેવા લાંગા આકાર-સંદાશ, लकड़ा के रामान लंबा श्राकार-गंह्यान. long shape, configuration, like that of a stick. भग॰ =, १०; —संडाण परिणामः न॰ (-संस्थान परिणाम) દીર્ઘાકાર પરિણામ; આયત સંકાણરુપે **५रिए।भ. दीर्घाकार परिणाम; भायत संस्थान-**ह्य परिकास. modification into a long shape or configuration. भग० ८, १०;

श्राययण. न॰ (सायतन) लुओ। ' श्रायनण ' शण्दः देसो 'श्रायतण ' शब्दः vide
" श्रायतण " नाया॰ ६; श्रोघ॰ नि॰ २;
उत्त॰ ३२, ६; श्राया॰ १, ४, २, १४८;
कृष्ण॰ ६, ४२; प्रव॰ ६४६; — सेचणाः
व्रा॰ (-सेचन) साधु प्रभृतिनी सेपना
५२पी ते; सभितनुं त्रीलुं भूषण्. सम्यक्व
का तीसरा भूषणः साधु प्रभृति की नेवा
करना act of rendering service
to monks ecc; the third commendable quality or merit of
Samakita (i. e. right faith).
प्रव॰ ६४६;

श्चायर. पुं० (श्चादर) लुओ 'श्चादर 'शण्ट. देखो 'श्चादर 'शब्द Vide "श्चादर " पिं० नि० १२०; २०३, पग्ह० १, ४, जीवा• ३, ४, भत्त० ९०;

श्रायरण, न॰ (श्राचरण) अनुष्ठान ६२वं ते. श्रनुष्ठान करना. Practice; perform ance. ठा॰ =;

श्रायरण. नं॰ (श्रादरण) पस्तुने। स्वीधार वस्तु का स्वीकार. Acceptance of a thing. भग० १२, ५;

सायर ज्या हो । (श्रादर ज्या) भाया-५५८ विशेषधी दे। ५५७ वस्तुने। स्वी ६१२ ६२वे। ते छल कपट से किसा वस्तु का प्रहण करना. Acceptance of anything with some deceitful intention भग • १२, ६;

आयरियः त्रि॰ (श्राचार्य) आयर्वा थे। व्याचार्य) आयर्वा थे। व्याचार्य) आयर्वा थे। व्याचार्य) आयर्वा थे। व्याचार्य अयर्वे। याप्य भी व्याचार्य भी व्याचार्य । व्याचार्य भी व्याचार्य । व्याचार्य भी व्याचार्य । व्याच्याय । व्

श्रायरियः पुं॰ (श्राचारिक) आयार संभिधी तत्त्व. श्राचार संबंधी तत्त्व. Principles of right-conduct, truth about right-conduct. " श्रायरियं विदित्ताण सब्ब दुकला विमुचह " उत्त॰ ६, ६,

श्रायरिय. त्रि॰ (श्राचरित) अ थरें लुं श्राचरण किया हुत्रा Performed; practised. " धम्मज्जियं च ववहारे बुढे-हायरियं सया " उत्त० १, ४२; राय० २६; उवा० १, ४३, भत्त० २२; प्रव० ७७०, पंचा० १, २३,

आयरिश्र-य. पुं॰ (ग्राचार्य) व्याथार्थ समुभ्यता नायक श्राचार्य, समुदायके नायक The head of an assemblage of monks (२) तीर्थं ६२ तीर्थं कर. Tirthankara (३) गुरू, साधु गुरू; साधु.

preceptor कप्प॰ १, १, श्राव॰ १, २; भत्त० ४३; ७०; पचा० ४, ४०; १४, १६; पन्न० १६; नाया० १: २; ३, १०; १६; उत्त॰ १, २०. ४०, सम० ३०: वेय० १, ३७: ४, १४: श्रायाः १, ७, १, २००: २, १, १०, ५६; पिं० ति० भा० २७; सु० च० १०, २०६; श्रोव० २०; वव० १, २६, २७, ३५; ३, १०; ११; १०, १२; उवार १, ७३, विशे॰ ५; भग० १, १; ५, ६, १, ६; २४, ७; दस० ४, २, ४०; ८, ३३; दसा० १, १; ४, ६१; ६२, —उवज्साय-श्र-पुं॰ (-डपाध्याय) आयार्थ ઉપाध्याय, આચાર્ય સહિત ઉપાધ્ય ૫. જ્રાચાર્ય હવાધ્યાય. श्राचार्य सहित उपाध्याय an $\overline{\mathbf{A}}$ chārya who is also an Upādhyāya; a head of an order of monks who is also a preceptor, निर्स • १६, २४, बेय० ४, २६, वव० ३, ५, १०; ११; १२, ४, २, ६७; ७, ४, २; ६, ७; ७, ४. द्सा० ६, २०; दस० ६, २, १२, -पडिणीय पुं (-प्रत्यनीक) आयार्थ-ते। शत्र प्रतिपक्षी. ब्राचार्यं का शत्र-प्रतिपक्षा an opponent of an Achārya भग० १, ३३, १४, —पाय पु० (-पाइ) आयार्थना थरण ५भस. आचार्य के चरण-कमल. the feet of an Acharya. दस॰ =, १, ४, — वेयावच न॰ (-वेया नृत्य) आयार्थनी वैयाव²य-ભક્તિ-से ।। ५२वी ते श्राचार्य की मेत्रा-भक्ति करना service to an Acharya श्रोव॰ ठा॰ ४, १, वन ० १०, ३६, भग०२५, ७; — समग्रः न॰ (-सम्मत) आयार्थने भान्य सम्भत श्राचार्य को संम्मत. liked by, acceptable to, an Achārya दस॰ ८, ५१, श्रायरिया त्रि॰ (श्रार्घ्य) पूल्यः पवित्रः पूज्य, पवित्र, श्रेष्ठ Ho f, levered

श्रायाः १, ६, १, २००; वेगः १, ४६; (२) नः तत्त्य तत्त्व. truth: essence. उत्तः ६, ६; (३) व्यार्थ व्यक्ति पाप नहीं इरतार भनुष्य श्रार्यजाति; पाप न करनेवाली जाति. the Arya race; a person who does not commit sin. जीवाः ३, ४; पद्मः १: भगः ५, ७; ३, १; — खेल नः (-देत्र) आर्थ क्षेत्र श्रार्यच्ति नः (-देत्र) आर्थ क्षेत्र श्रार्यच्ति नः (क्षेत्र) अर्थ क्षेत्र श्रार्यच्ति नः (वः १, ५, ६६;

ष्ट्रायारियत्त न॰ (श्राचार्यत्व) भागार्थेपछ्ं, श्राचार्ये पन.. Preceptorhood; status of a preceptor. वव॰ ७, १६; प्रव॰ ५०३;

श्चायरियत्ता. स्री (श्वाचार्यता) आशार्थपांशुः आशार्षे पद्यी. श्वाचार्यत्वः श्वाचार्य पद. State of being an Acharya; Acharyahood यव ३, ७; ठा० ३, ३; निसी ० ७, ३१;

श्चायरियभासियः नः (भाचायंभापित)
प्रश्न ०पाइरण् स्त्रन्ं चेायुं अध्ययन. प्रश्न
व्याकरण स्त्र का चीया श्रध्ययन. The
fourth chapter of Prasnavyākaiaņa Sūtra. ठाः १०;

श्रायिष विष्पहिचात्त स्त्रां (धाचार्य विद्रातिपत्ति) लंधदशासूत्रतु पांचम् अध्याय The under autania का पांचमा श्रध्याय The fifth chapter of Bandha Dasā Sūtra " चघदमासं दम श्राप्तमयणा प॰ तं॰ यंधे मुक्लेय देवड्डी दमारमंडले इय श्रायिष्य विष्पहिचात्ते" ठा० १०;

श्रायरियद्यः त्रि॰ (श्रावारेत्तद्य) आयरवा याग्यः श्राचरण करने योग्य Worthy of being performed or practised. सम॰ २=; आयरिस. पुं॰ (श्रादशं) अशीसा, ६५ंणुः आधनाः दर्पण श्रायनाः A mirror; a looking-glass. सु॰ च॰ २, ११२;

श्रायवः पुं॰ (म्रातव) जुन्ने। " ग्रातव " सण्टः देखो " श्रातव " शन्दः vide. " श्रातव ". श्रोव॰ ३८; उत्त॰ २, ३४; जीवा॰ ३, ३; पिं॰ नि॰ भा॰ ३४; भग॰ १, ६; डवा॰ ७, १६५; जं॰ प॰ ४, १५२;

श्रायवालोय पुं॰ (धातपालोक) अभिना तापनुं दर्शन. श्रायन के ताप का दर्शन. Sight of the flames of fire, "श्रातवालोय महंततुंबदय परास करसो" नाया॰ १; — दुग. न॰ (– द्विक) आतप अने बिधान नाम. धातप श्रार द्योग नाम. the group of the two viz Atapa and Udyota (i. e. heat and light) क॰ गं॰ २, २६;

श्रायचंता ति॰ (श्रात्मवत्-श्रात्मज्ञानादिकम स्यास्तीत्यात्मवान्) आत्मनानवादी। श्रात्म-ज्ञानवाता. (One) Possessed of self-knowledge or knowledge of the soul. 'से श्रायत्रं नाणवं वेयवं ध्रमवं वसषं पद्माणोहं परिथाणइ खोयं' श्राया॰ १: २, १, १०१;

द्यायवत्त. न० (धातपत्र) ७त्र, ७त्री. छत्र, छतरी. Umbrella. थ्रोव० ३१; नाग्रा९ १, जीवा० ३, ४, ग्रु० च० २, ४६८; भग० ६, ३३; जं० प० ४, ११७;

श्रायस्थंत न० (धातपयत्) अहै।रात्रना २४भां भुढ्नंनुं नाभ. श्रहोरात्रिके २४वे मुहूर्त का नाम. Name of the 24th Muhūrta of a period consisting of a day and a night. स्० प० १०; जं० प०

भायवाः स्रं (भातपा) आतपा नाभनी स्थैनी ओड अग्र मिडिपी सूर्य की श्रातपा नामक एक पहरानी One of the principal queens of the sun, so named नाया । घ० ७,

श्चायिक त्रि॰ (श्वात्मवित्) आत्मनानी आन्माको जाननेवाला; श्रात्मज्ञानी (One) having the knowledge of the soul. श्राया॰ १, ३, १, १०७,

म्रायसः त्रि॰ (म्रायस) क्षेत्रिभयः क्षेत्रा-सर्णधी. लोहमय, लोहे संबंधि. Pertaining to iron; made of iron. भग॰ ७, ६, --भंड. पुं॰ (-भागड) **આત્મારુપા ભાંડ, ભાજન વિશેષ. घ्रात्मा-**रूपी पात्र the soul considered as a vessel or a receptacle. नायाँ । १; -वादि. त्रि॰ (-वादन् श्रात्मानं वदितुं शीलमस्येत्यारमचादी) आत्भाना यथार्थ २५२५ भने स्वीक्षारनारः व्यास्तिकः श्रात्माके यथार्थ स्वरूपको माननेवालाः श्रास्तिक. (one) who accepts the real nature of the soul; orthodox. " से श्रायादादी लोयावादी कप्पावादी किरियावादी " श्राया० १, १, १, ५; —बायः पुं॰ (-बाद) आत्भवाह, પાતાના સિહાતના વાદ, સ્વસિહાંત સ્થાપન श्चारमवाद: निज सिद्धान्त स्थापन. Atmavāda; establishing one's own tenets or doctrines. স্থাৰত ৭%: —सुप्पाणिहिश्च त्रि॰ (-सुप्रिणिहित) જેણે આત્માને શુભયાયમાં પ્રવર્તાવ્યા છે તે श्वारम।को शुभ योग मे प्रवर्ताने वाला. (one) who contemplates upon things beneficial to the soul, (one) who has directed his soul into salutary activities दसा० ४, ६६. श्चायाश्च. त्रि॰ (श्वायात) आवेर्यु श्चायाहुवा Come, arrived. इत्त. ६, ११,

श्रायास. न॰ (श्रादाम) लेवु; अदुख् ४२वु; स्वीधार वं ते. लेना; प्रहण करना; स्वीकार करना Taking; acceptance. प्रव॰ ५२२, श्रोव० १०; ११, भग० २, १; २, २, जीवा० ३, ३; उत्त० १२, २, १५० नि० २५४, ३८६; श्रो० नि० ७७, विशे० १८४; ૪૮૩; (૧) ભાગલ રાખવાનું સ્થાન. थाडा (किवाइ श्रटकानेका डंडा) रखनेकी जगह the place where a doorbolt is kept श्रोव॰ १०; (३) व ४५. वाक्य. sentence. स्य॰ १, १६, ३; (४) परिभ्रह परिषद्द. worldly possessions. " श्रायाणं नरयं दिस्स नायहज तरता तरतामपि " सूय० १, १५, २; ठा० उत्त॰ ६, ⊨, (५) ઉપયેગપૂર્વક વસ્તુનું લેવું મુકલું, આયાઅભંડમત્તનિખેવણાસમિતિ; પાંચ સમિતિમાંની ચાથી સમિત હવયોય-पूर्वक वस्त का अहुण करनाः पांच समितियों मे से चौथी समिति. the 4th of the Samitis viz carefully taking up and laying down things. ভল০ ২४, ২; (६) કર્મનું ઉપાદાન કારણ. कर्म का उपा-दान कारण, the efficient cause of Karma. स्य॰ १, १, २, २६: २, १, ५३; दसा॰ ७, १; (७) (घादीयते सावद्यानुष्टाने स्वीक्रियते इत्यादानम्) आहे પ્રકારના કર્મ; જ્ઞાનાવરણીયાદિ કર્મ. જ્ઞાના-वर्णीयादि आठ प्रकार के कर्म. the eight varieties of Karma e g. knowledge-obscuring Karma etc स्य॰ १, १३, ४; (=) (आशीयने ाश्चिष्यतेऽष्ट्र**प्रकारं** श्चारमञ्जदेश: सह कर्म येन तदादानम्) अदार पापस्थानः हिसाहि आश्रवस्थान पाप के श्रठारह स्थान; हिमादि श्राश्रवस्थान. eighteen sour-

ces of siu; a source of inflow of Karma e. g. killing etc. " धायायां सगढिजे " श्राया॰ १, ३, ४; १२१; (६) (ग्रादीयते स्वीक्रियते प्राप्यते मोचो येन तदाशनम्) सभ्यग्ज्ञान, दर्शन भने थारित्र. सम्यग् ज्ञान, दर्शन, श्रीर चारित्र right knowledge, faith and conduct. " बुद्द य विगयगेही ष्ट्रायार्णं सरक्खए " सूय० १, १, ४, ११; 🐧 ६, २०; (१०) (श्रादीयत इत्यादानम्) भेक्ष. मोन absolution; salvation. " श्रायाणमहं खलु वंचइत्ता " स्य॰ १, १३, ४; (११) (श्रमणोपासकेनादीयत इरयादानं प्रथमव्रतब्रहणं) आवर्रनुं अथभ शत अહु ३२ वुं ते. श्रावक के प्रथम बत का प्रह्या करना. adoption of the first vow of a layman. " जावजीवाए जेहिं समग्रेवासगस्स श्रायागं सो श्रामरगं-ताए दंडे निक्लिते " सूय । २, ७; (१२) (श्रादीयन्ते गृह्यन्ते शब्दादयोऽर्था एभिरि-स्यादानामीन्द्रियाचि) धिर्यः श्रीत्र आहि भाय धिदिये। हाँदियः श्रोत्र आदि पांच हदियाः an organ of sense e. g. an ear etc. 5 in number. " केवसीएं श्रायायोहिं न जायह न पासह भग० ५, ४, ६, १०; सूय० २, २, ४४; (१३) २भध्रियः, २२4. रमणीयः, मनोहर. charming; pleasant. परह॰ १, ४; (१४) संयम. सयम. asceticism. भाया॰ १, २, ४, ६५; — स्राहि पुं॰ (- घार्धन) सभ्य ध्तान आहिना प्रये।-જન વાલા, भाक्षार्थी सम्यक्ज्ञान आदि के प्रयोजन वाला, मोत्तार्था one desirous of Moksa; one desirous of right knowledge etc. " त्रायाण-श्रही वेदाणमोणं " सूय० १, १४, १७;

-- पय. न० (-पद-श्रादीयते गृह्यते प्रथममादी यत्तदादानं भ्रादानछ तत्पदं च सुचन्तं तिङन्तं घा तदादानपदम्) २५५५४न કે શ્રુતસ્કંધનું આદિ પદ—શરુ આતનું વાક્ષ-જેમ ' ધમ્માે મંગલં ' જ્રાધ્યાય अथवा श्रुतस्कंध का प्रथम वाक्य, जैस 'धम्मो मंगलं.' the commencing words of a scriptural chapter etc; e g. "धम्मो मंगलं" (religion is a blessing) " सेकिते श्रायाणपदेणं "धम्मो मंगलं " चूलिश्रा चाउरंगि जं श्रसंखयं शावंती " श्रगुजो • १३१; - भश्र-यः (–भय) આદાન-દ્રવ્ય સંબંધી ભય; સાત **ભયમાનું** એક. द्रव्य संबन्धी भय; सात में से एक भय. fear connected with wealth; one of the seven kinds of fear. सम॰ ७; ठा॰ ७, १; प्रव॰ १३३४; —भंडमत्ति खेवणासिमइ. स्री॰ (-भाग्डमात्रनिषेपणासमिति) लुन्धे। " त्रादाणभंडमत्तर्णिखेवणासिमइ " श॰६. देखो " श्रादाणभंडमत्तिणिखेवणासामेइ " शब्द. nide. " श्रादाणभंडमत्तीणखेवणा-समिइ '' सम॰ ५; — भंडमत्ति वेवणाः समियः त्रि॰ (-भाग्डमात्रनिचेपणा-समित) लुओ। " श्रादानभडमत्तनिखेवणा-सामिय " शण्ट. देखो " श्रादानभंडमत्त-निखेवणाममिय "शब्द. vide. " श्रादान-भंडमत्तनिखवणासमिय " सूय० २, **L**; दसा० ¥., २६: नाया० -सोय न॰ (-स्रोतस्-प्रादीयते कर्मा-नेनेत्यादानं दुप्त्रशिहिनमिन्द्रियं तच्चतत्-स्रोतश्रादानस्रोतः) ६४ ६ ६ ५ ५ से।तन કર્મ આવવાનું દ્વાર, ઇન્દ્રિયના દુષ્ટ ઉપયાગ-भ्य आश्रव. दुष्ट इंन्द्रियरूप स्रोत-कर्म श्रानेका द्वार; इन्द्रियोका दुष्ट उपयोगरूप

श्राश्रव. the door for the inflow of Karma; sources of sin due to the ill activities of sense-organs. " आर्यणसोय-मह्वायसोय-जो-गच सन्वसो णचा " आया॰ १, ६, १, १६; आयाण्या- श्री॰ (श्रादान) लुओ। " आदा-ण्या " शण्द देखो " श्रादाण्या " शब्द. Vide " श्रादाण्या " ठा॰ २१;

श्रायाण्वंत. त्रि॰ (श्रादानवत्) आधान-त्रान ६र्शन अने य रित्र्य वाक्षी धर्भ, साधु वंगेरे. ज्ञान, दर्शन और चारित्र वाला धर्म साधु वंगेरह (A religion, an ascetic etc.) possessed of right-knowledge, faith, and conduct "श्रायाण्वंतं समुदाहरेजा" स्य॰ २, ६, ५४;

श्रायाणसो. य॰ (श्रादानशस्) अहण क्ष्यं होने तबसे लेकर. From the time of acceptunce. स्य॰ २, ७, १६;

श्रायाणिज्ञः त्रि॰ (श्रादानीय-त्रादीयत उपा दीयत इत्यादानीयः) श्रह्ण ५२वा ये। २४ प्रहण करने योग्य. Worthy of being taken or accepted; acceptable. श्रायाणिजे विवाहिए " श्राया ० १, ४, ३, १३७, ठा० ६, सम० ७०; (२) (श्रादीयंते गृह्यन्ते सर्वभावा श्रनेनेत्यादानीयम्) कृत; शास्त्र भुत; शास्त्र scripture श्राया॰ १, २,३,८०; (३) (श्रादीयन इत्यादानीयम्) ६भी. कर्म. Karma " थायाणिजं झादाय तंभिठाणेण चिट्टइं" श्राया॰ १, ६, २; १८४; (४) संयभ; संयभानुष्ठान. संयम; संयमानुष्ठान. asceticism. (५) भेक्ष. मोच. salvation श्चायाणीय त्रि॰ (श्वादानीय) अद्ध्यु ५२वा थे।२५; श्राह्म, ब्रह्म करने योग्य ब्राह्म

Worthy of being accepted; acceptable. आया॰ १, १, २, १६;

√ आ-याम. था॰ II. (आ+यम्) જ भाऽवृं; जिमाना. To feed (२) लांशु ४२ वृं. लंबा करना. to stretch, to make long.

श्रायामेइ. " माहरेश श्रायामेइ श्रायामेइत्ता. श्रायामेइत्ता. सउत्तरोहं मुड करेइ '' भग० १४, १;

श्चायामः पुं॰ (श्राचाम्ल) आयंभिक्ष तथ. श्रायंवित नाम का तप. The austerity called Ayambila. उत्तः ३६, २५१; पंचा॰ १६, ३०; प्रव॰ ६६३; (२) ६७०. काक्षी. Konjee. निसी॰ १७, ३०; विशे॰ १९७४;

श्रायाम. न॰ (श्राचाम) श्रीसामण् मांड़. Water removed after boiling rice, pulse etc. and after being flavoured served as a separate article of food. তা॰ ২; স্মাযা৽ ২, ৭, ७, ४१,विं० नि० ३७; ३६४; श्रोव० १६: पि॰ नि॰ भा॰ ३६ —सित्थभोइः त्रि॰ (-सिक्थमोजिन्) श्रीसामशुमां के डंध અનાજની સિથ આવે તેટલું માત્ર ખાનાર. माडमे जो थोडा बहुत श्रन्न का श्रंश श्रावे उतनेही को खानेवाला. one taking just as much solid food as escapes with Ayama. (g. v.) श्रोव• श्रायाम न॰ (श्रायाम) લંબાઇ; લાંસુપહે. लंबाई, लंबापन. Length. विशे॰ ५८६; श्रोध॰ नि॰ ७०७, सृ॰ प॰ १; सम॰ १; श्रोव॰ जं॰ प॰ १, ११, ठा॰ २, ३; नाया॰ प्र; १६; भग० २, १, ४; ३, ७; ६, ३; १०, ६; १३, ४; १४, १; जीवा० ३१; प्रव० ५४५, - विक्खंभ. पुं॰ न॰ (-विष्कंभ) પહાલાઇ. ત્તંચાઈ चોટાઈ. લંખાઇ

length and breadth. नाया॰ ६; जंद प० १, ३; ७, १४७;

द्यायामञ्च. न॰ (श्राचामक) श्रीसाभणु. मांड. Water removed after boiling rice, pulse etc. ठा॰ ३, ३; ध्यायामग. न॰ (द्याचामक) श्रीसाभणु. माइ; टाल का पानी Vide " ध्यासामंद्र " " घ्रायामगंचेव जवीद्गच " उत्त॰ १४,

आयामेत्ताः नं॰ छ॰ घ्र॰ (धायम्य) लाजी धरीने लंबा करके. Having lengthened, elongated. भग॰ १, ८;

श्रायाय. सं० कृ० थ० (श्रादाय) लुओ।
" श्रादाय " शफ्ट. देखो " श्रादाय " शब्द
Vido " श्रादाय " भग० ५, ४; ६, ५०;
१३, ६; ९४, १; नाया० ५, ६; ६५ १४;
उत्त० २, ४३; ४, ३०; श्राया० १, २, ३,
८०; १, ६, २, १६३; २, १, १, १;

श्रायारः पुं॰ (श्राचार) ज्ञानाहि आथारः ज्ञानादिक धाचार. Knowledge etc. सम० प० १६८; सम० २८; नाया० १; भग० २, १, २४, ३; विशे० ३१६०; श्रोघ० नि० १=३; पंचा० ४, ४; (२) व्यवहार; विधि-भार्भ. व्यवहार; विधिमार्ग. practice; prescribed rules. दसा॰ ६, ४३: ६, ४, २३; (३) वर्तनः यारित्रः चारित्रः वृत्तिः conduct; character. पिं नि॰ २०६; दम॰ ६, २; (४) स्थायाराग सत्र; १२ शंगभांतं पहेलं शंग सूत्र श्राचारांग सूत्र; १२ श्रंगोंमें से परिला श्रंगसूत्र. the first of the twelve Angasūtres; the Achārānga Sūtra. हम॰ १, १५; व्यमुजो० ४२; श्रोव० २१; भग० १६, ६; २०, ८; २५, ३; नंदी० ४४; — श्रंग. न० (-되류-) ૧૨ અંગસ્ત્રમાંનું પ્રથમ અંગ-श्च वारह अंगसूत्रोमें मे पहिला अंगसूत्र.

the first of the 12 Angasūtras. राम॰ —श्रेमचूलाः स्रा॰ (-श्रह्मचूडा) આચારાંગ સૂત્રના ળીજા શુતરકંઘના પાછલા **भाग. श्राचारांग सृत्र के द्सेर श्रुतस्कंघ** का पिछला हिस्सा. the latter part of Śruta Skandha of the 2nd Achārāṅga Sūtra, श्रायाः २, १, १, १: -- उचगयः त्रि॰ (-उपगत) १४ મા યાગ સંત્રહ; આચાર વિશિષ્ટ પાલવા તે १४ वाँ योग संप्रहः श्राचार विशेष का पालन करना. the 14th Yogasangraha; observance of a particular kind of conduct. सम॰ ३२; —कुसल. त्रि॰ (-कुशल) आयारमां धुशक्ष. ग्राचार में कुशल. (one) proficient in ascetic conduct. वन॰ -फ्लेवगी खी॰ (-म्रांचपगी) सांस-લનારને આચાર-અનુકાન તરક ખેંચનારી श्राचार की थोर श्राकर्षित करने वाली कथा: कथा का एक भेद. a story inclining the hearer to practise or perform what he hears. 310 %, 3; —गुत्त. त्रि॰ (-गुप्त) शुप्ताथारी; केने। शुप्त आयार छे ते गुप्ताचारी; गुप्त श्राचार वाला. (one) whose religious performances are well protected or carried on in privacy. दसा॰ ६, ३१-३२; —गोयर (नोचर) आयार विषयः; आयार संपंधी. श्राचार संबंधी. pertaining to Achāra. भग॰ २, १; दस॰ ६, २, ठा॰ =; दसा० ४, १०४; श्राया० १,६,४, १६०; —चृला. स्री॰ (-चृला) બીજા શુતરકંધની આચારાંગ સત્રના श्रुलिश. श्रानारांग मृत्र के दूसरे श्रुतम्बंध

की चूलिका the latter part (the Chulika) of the 2nd Sinta. skandha of Achāranga Sūtra श्राया॰ २, १, १, १; — चृत्तिया स्री॰ (-चृतिका) आयाराग सूत्रनी यूक्षिडा. श्राचाराग सत्र की चूलिका, the latter part (the Chulika) of Acharānga Sūtra. " श्रायारस्सगं भगवन्नो सच्ित्रपागत्त पंचासीइ उदेसण काला " सम॰ ६६. " गांगिकिडगार्ग प्रायार चुलिया चडुाण सत्तावनं भाग्भयणा ' सम् ५ ५७; — णिउनु ति ब्री॰ (निर्युक्ति) आयारंग सूत्रनी निर्थेकित आवारंग स्त्र की निर्येकिः the commentary on the Achārānga Sūtra. सम॰ १, श्राया॰ नि॰ १, १, १, १; — त्तेण. त्रि॰ (- स्तेन) આચારતા ચાર. અણાયારી છતાં પાતાને આચારી કહેવડાવનાર श्राचार ध्यनाचारी होते हुए भी श्रपने को सदाचारी फहलाने वाला. (one) who pretends to be of right conduct etc. though in reality he is not दस॰ ४, १, २; --पग्णित्ति स्री॰ (-प्रज्ञिति) ચ્યાચારાંગ અને પર્જાત્તા-જખ્ડ્રીય પદ્મતિ ચન્દ-पन्नित सूर्य पन्नित वर्गरे सत्रे। ब्राचारांग श्रीर पन्नति-प्रजित जव्हीप प्रज्ञित, चंद्र मज्ञाति, सूर्म प्रजाति आदि सूत्र. the Achāianga and Pannati Sutia e g Jambūdvīpa Pannati, Chandra Pannatı, Sürya Pannatı etc. दम॰ ८, ५०, —पग्ण्तियर. पु॰ (-प्रज्ञांतिधर) आशारंग सूत्र अने प्रज्ञांति સ્ત્ર-જમ્બૂદ્દીપ પન્નતિ ચન્દપન્નતિ સ્ર્વ પન્નતિ पगेरेना धरनार-लखनार श्राचाराम सूत्र श्रोर प्रज्ञित सूत्र का जाननेवाला one who knows the Acharanga and v. 11/10.

Panuati Sütras like Jambüdvīpa Pannati etc " श्रायसप-एसातिधर दिद्विवायमहिजागं " दस॰ ८, ४०; —पत्त. त्रि॰ (-प्राप्त) ध्रभ्द्वयर्पनत आहि आयारवादे। महाचर्य मत चादि का श्राचरण करनेवाला. (one) who practises continence. "द्सण श्रायार पत्तार्थ " तंड् - भंडग पु॰ (-भाडफ) પાત્રાં પાટ રજોહરણ આદિ ઉપગરણ, पात्र, रजोहरण श्रादि उपकर्ण an ascetic's implements such as alms-bowl, soft brush etc. नाया॰ - भंडसेवि पुं॰ (--भागडसंविद्-श्राचार शालाविहितो ध्यवहारस्तेन भागाइमुपक-रणमाचारभागडम् तत्सेवितु शीलं यस्य स श्राचारमागड सेवी) शास्त्र विधिने अनुसरी **ઉ**पगरे सेवनार शास्त्रविधि के श्रनसार उपकरण का सेवन करनेवाला an asce tic who uses his implements as prescribed by scriptures. স্থাত্তত — মাৰ পুত (– মাৰ) আমাৰ साय-भायारतं स्वरूप. श्राचार the true nature of Achara 1 e knowledge, faith, conduct etc. दस॰ ७, १३, --भावत्तेण पुं॰ (-राव-स्तेन) उत्तम आशार वगरनी, उत्तम-आयारेने। थे।र. उत्तम श्राचार रहितः सटा-चार चोर devoid of a high quality Achāra i e knowledge, faith, conduct etc दस० ४. २, ४६ -भावदोसग्ण त्रि॰ (-भावदोपज्ञ —श्राचारमावस्य दाष जानातीत्वाचारभाव दोषज्ञ.) आयारलाव-साध् सभायारीना है।पने काशुनार, श्राचार माव श्रर्थात् साधु समाचारी के दोष को जाननेवाला (one) who knows the faults connect.

ed with knowledge, faith, conduct etc. of Sadhus or ascetics. ष्यायार भाव दौसच्च न तं शासिज पन्नवं " दस॰ ७, १३: -- मह. त्रि॰ (- ग्रर्थ) त्तानाहि आयारने अर्थे-निभित्ते. ज्ञानादि श्राचार के लिये. for the sake of Achāra i. e knowledge, faith, conduct etc. " श्रायारमहाविण्यं परंजे '' दम॰ ६, ३, २; — विगाय. पुं॰ (-विनय-ग्राचारोवतिनां समाचार स एव विनीयते श्रवनीयते कर्माऽनेनेति विनय भ्राचारविनयः) विनय पूर्वेक स्थायार पासवे। ते, विनयने। ओड अडार, विनय पूर्वक श्राचार का पालन करना; विनय का एक भेद. practice of ascetic right conduct with reverence and austerity; a mode of Vinaya. " सेर्कि ते आयार विराए २ चडविहे पन्नते-तंजहा संजमसमायारी यावि भवति " प्रव॰ ५५४; द्सा० ४, ६७; —संपया. स्री० (-संपत्-श्राचरखमाचारोऽनुष्टानं तद्विपया स एव या संपाद्वभृतिस्तस्य वा सम्पत् सम्पत्तिः प्राप्तिराचारसम्पत्) व्यायारनी संपत्तिः ६ ये। आयार आचार की संपत्ति, उच द्याचार high kind of Achara i e. religious practices enjoined by right knowledge, faith etc. " श्रायार संपदा चडविहा पन्नता तंजहा संजम घुवजोग जुत्ते "ठा० म, १; ४, ५०६; —समाहि पुं॰ (-समावि) આચારરूप સમાધિ; સમાધિનे। थे। प्रश्रास याचाररूप समावि, समाधि का एक भेद. ineditation in the form of Achāra i. e ascetic life with knowledge, faith etc. "चड-विद्वा खलु श्रायार समाही भवद् नंजहा '

दस॰ ६, ४, ५; — समिहिसं हुड ति॰ (-समिधिसं वृत) आधाररूप समिधितका; आश्रवने रे। इनार श्राचार हुप समिधितका; श्राश्रव को रोकने वाला (one) having meditation in the form of Achāra; (one) who stops the inflow of Karma. दस॰ ६, ४, २, ३; श्रायार. पुं॰ (श्राकार) आहृति; आहार. श्राकृति, श्राकार. Form; configuration. जं॰ प॰ नाया॰ १; — भावपडोयार. पुं॰ (-भावप्रत्यवतार) लुओ। "श्रागार-भावपडोयार " शण्ट. देखे। "श्रागार-भावपडोयार " शण्ट. देखे। "श्रागार-भावपडोयार " शण्ट. पं० भ ११;

श्रायार कष्ण. न० (श्राचारकरूप) निसीय
स्त्रनं अपर नाम. निसीय स्त्र का दूपरा
नाम. Another name of Nisītha
Sūtra. प्रव० ३,१०; प्रव० =६४: —श्रर.
त्रि० (-धर) निसीय स्त्रना अर्थना धरेना धरनार निसीय स्त्र के श्रर्य का ज्ञाताः
(one) who knows the meaning of Nisītha Sūtra व्रव० ३, ८;
श्रायारक्ख. पुं० (श्रात्मर्च) जुओ।
"श्रायारक्ख "श्रण्ट. देखा "श्रायारक्ख "
शब्द. Vide. "श्रायारक्ख " ज० प० ४,
==;

आयारद्सा. क्री॰ (आचारदशा-श्राचारप्रति-पादनपरा दशा श्राचारदशा) आयारदशा नाभनुं सूत्र आचारदशा नामक सूत्र The Sutra named Achara Daśā. " श्रायारदसाणं दस श्रवस्त्रणा पर्णता तंत्रहा" ठा॰ १०;

श्रायारपकष्प पुं॰ (श्राचारप्रकल्प) निसी-थना त्रश् अध्ययन सिंदत आयारंग स्त्रना २५ अध्ययन. निसीय सूत्र के तीन श्रम्यायोंमहित श्राचाराग सूत्र के २५ श्रध्याय. The 25 chapters of Acharanga plus three chapters of Nisitha. "श्रहावीसिवही श्रायारपकप नामीयं" परह ०२, ५, वन० १०, २०;

श्रायारपिणिह पुं॰ (श्राचारप्राणिध) आयार
प्रतिपादन करनार दशपैक्षालिक सूत्रनुं ८ मुं
अध्ययन श्राचार का श्रतिपादन करनेवाले
दशवैकालिक सूत्र का श्राठवा अध्याय
The eighth chapter of Dasavaikālika explaining Achāra
i e. right knowledge, faith
etc. " श्रायारपणिहि लाखुं जहा कायव्व
भिनसुणा" दस॰ ६, १; ६४.

श्रायारमंत. त्रि॰ (श्राचारवत्) शुद्ध आयार वाली. शुद्ध श्राचरण वाला. Pure in knowledge, conduct, faith etc. दस॰ ६, १, ३;

श्रायारवंत ति॰ (श्राचारवत्) ज्ञान, हर्शन, व्यारित्र, तप अने वीर्थ क्षे पाय आयारवादे।. ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप श्रीर वीर्य इन पांच श्राचारवाला (One) possessed of the five Achāras viz knowledge, faith, conduct, austerity and heroism ठा॰ ६, १; भग॰ २४, ७; दसा॰ ९, ३१; ३२;

श्रायारवत्थु न॰ (श्राचारवस्तु) नवभा पूर्व ना त्रीका प्रक्षरखुतुं नाम. नीवे पूर्व के तीसरे प्रकरण का नाम. Name of the third chapter of the 9th Purva. मन॰ २४, ७;

आयाव. पुं० (भ्राताप) लुओ। " भ्राताव " शण्द. रेखो " भ्राताव " शब्द. Vide. " भ्राताव " भग० १, ४; कप्प० २, ४४, ४, ३३;

त्रायाचत्रा. त्रि॰ (श्रातापक) आतापना

देनार; स्थिनी सामे दिष्ट राणी स्थिनी ताप सहिनार प्रातापना लेनेवाला. सूर्य के सामने दिष्ट लगाकर सूर्य के ताप को सहने वाला. (One) who practises austerity by steadily looking at the sun. श्रोव॰ १६; पएइ० २, १; ठा॰ ४, १;

স্থাথাহন রি॰ (প্নানাদক) প্রতী। " স্নানা-ঘন " शদ্হ. देखो " স্নানাবন " शब्द. Vide. " স্থানাঘন " বিঁ০ বি০ ३१५;

श्रायाचर्याः न॰ (श्रातापन) आतापना शीन ताहिक्ष्तं सहनः Practice of enduring heat, cold, etc नाया॰ १६; — ठार्याः न॰ (न्थान) शीताहि सहन करने का स्थानः शिताहिक सहन करने का स्थानः का place where cold etc are to be endured. पचा॰ १८, ४८; — भूमिः श्री० (-भूमि) आतापना केनिको जगहः क place for practising the austerity of enduring cold, heat etc. भग० २, १; ३, १; ६, ३१; ११, ६; १४, १; नाया॰ १६;

श्रायाचराभूमियः न॰ (श्रातापनभृमिक) लुओ ६ ५९। १०६. देखे जनरका शब्दः Vide above. नायाः १;

म्रायावण्याः स्री॰ (*प्रातापनता) कुओ। "म्रातावण्या" शल्ह देखां "म्राता-वण्या" शब्द Vide "म्रातावण्या" ठा॰ ३, ३;

श्रायावणाः स्त्री॰ (धातापना) आतापना क्षेती श्रातापना लेना. Endurance of heat, cold, etc. as austerities. श्रोव॰ ३८; वय॰ ४, २२, निर॰ ३, ३; भग॰ ११, ६; श्रायास पुं॰ (श्रायास) थित्तते। भेद. चित्त का खेद. Mental grief; sorrow of the mind परह ० १, ६; (२) १ = क्षिपिमांनी १५भी क्षिपि. १= लिपियों मे से १५ वीं सिपि. the 15th of the 18 soripts. पत्र भ; — लिबि. सी॰ (- लिपि) १ = લિપિમાંની ૧૫ મા લિપિ. १८ लिपियोमे से १५ वी लिपि. the 15th of the 18 scripts. पन्न० १; भ्रायाहिएं। य॰ (यादिस्यम्) ६ (स्थ तर६थी भाडी; कमाजी तर६थी शरू ५रीने दिच्च बाजुसे, टाहिना श्रोर से प्रारंभ करके. Commencing with, starting from, the right side (as opposed to the left) श्रोव॰ २२; नाया॰ १, १३; १६; सग० १, १; २, १, ३, १; ४१, २; राय० २६, उवा० १, १०, जं० प० **ধ, ૧૧**૨;

आयाहिणपयाहिणाः स्ना॰ (आदिन्णप्रदः चिणा-आदिन्यात् – दिन्णागर्थादारम्य प्रदान्तिणः परितो आग्यतो दिन्णि एवा-दिन्णप्रदिन्यः) अभिश्वा त्रश्थी शर् धरीने धरी अभिश्वा से आवर्तन कर फिर दीहिनी श्रोर तक-(प्रदिन्णाः) Starting from the right and coming round again to the right (as opposed to the left.) " समणं मगवं भहावीरं तिखुनी आयाहिणप्याहिणं करेह" भग० ५, १, ६, ३३, विवा॰ १, राय॰ श्रोव॰ नाया॰ १६;

श्रायु न० (श्रायुष) आयुष्य श्रायुष्य; उमर.
ोर्जात. क० प० ५, ६३. —क्स्त्रय. पुं॰
(-चय) आयुष्यनी क्षय-अंत. श्रायुष्य का
स्य-श्रद्त. decay or end of life.
कै॰ प० ५, ६३.

श्रायोग पुं॰ (श्रायोग) धननी आवड. धन की श्रामदनी. Income of wealth. राय॰ २६६;

श्चार. न० (श्चार-इह भवसारम्) आक्षीः यह लोक. This world. " ग्वाहिसि श्चारे कश्चोपरं " स्य० १, २, १, ६, १, ६, २८. (२) संसारः छ्विधः. ससारः मर्त्य-लोक. world; worldly existence. स्य० १, २, १, ६; (३) गृहस्थपछं. गृहस्थपनः गाईस्थ्य. householdership. स्य० १, २, १, ६; (४) ये।थी नरक्षेत्र प्रक-नरकावासा. क certain division of the 4th hell-region. स्य० ठा० ६, १;

श्चारश्रो. श्व॰ (श्चारतस्) आक्षीक यह लोक (From) this world. " स्मरश्रो परश्रो वावि " स्य॰ १, ८, ६; (२) पहेला; अर्थाग, आपार. पहिले; श्रवीण; इस पार. before (in time or place) being on this side. पिं॰ नि॰ २३४; २४१;

√ आरंभ. I. घा० (ग्रा+रम्म्) आ रंभ सभारंभ करवीः; ि सा-पापनी व्यापार करवे। हिंसा का व्यापार-हिसक कार्य करनाः; आरंभ समारंभ करना. To do a sinful action like killing etc.

श्रारंभइ. सग० ३, ३;

शारंभे. वि॰ दस॰ ६, ३५;

ष्ट्रारंभमाण, भग० ३, ३;

श्रारंभ पुं॰ (श्रारम्भ) हिंसा; કृषि आहि
पाप क्षारी व्यापार; आरंश समारंश हिंसी;
कृषि श्रादि पापपूर्ण व्यापार; श्रारंग समारंभ.
Destructive operation; e. g.
killing, in agriculture etc दसा॰
६, २: भग० ३. ३; ८, ९; श्रोव॰ ३५;

उवा॰ ६, १७७; सूय॰ १, १, १, १०; ५, १, २, ११, उत्त॰ २४, २१; ३४, २४; विशे॰ ३; पंचा॰ १, ५; प्रव॰ १०७४; (२) त्रि॰ केने। आरंस थाय तेता छव. जिसका श्रारंभ-वन हो ऐसा जाम a victim of killing प्रव॰ १०७४, — उवरय त्रि॰ (- उपरंत) आरं अथी निवृत्त थयेत धारंभ से निवृत्ति पायाहुआ fiee from sinful operations of killing etc " जेय पर्यमाण्यमंतो पहुद्धा धारंभोवस्या सम्ममंयीत पासह " श्राया॰ १, ४, ५, १६०; —करण. न० (-करण) ७ शयना छवने दृष्या ते छ कार्य के जांवो की हिंसा करना. destruction of lives of any of the six elements viz earth, water, fire etc. ठा॰ ३, १; परह॰ १, ३; —कहा स्त्री॰ (-कथा) भीळनाहिक्षमां થતા આરંભ સમારંભનાં વખાણ કરવા તે. भोजनादि में होतें हुए आरंभ समारंभ को सराहना praise of sinful operations taking place in the preparation of food etc. তা॰ ४, ২: —र्जावि ति॰ (-जीविन्) आरंश-सावध ક્રિયાથી આજવકા ચલાવનાર (ગૃહસ્ય) श्रारंभ-सावद्य-किया से श्राजीविका करने-वाला (गृहस्य) (a householder) earning livelihood by operations involving killing etc थ्याया० १, ३, २, १११, — उभागः न० (-ध्यान) हिंश्व ध्यान, आर्त्ध्यान हिसक भ्यान, श्रातिभ्यान, meditation of destruction of sentient beings श्राउ॰ -- हाग्। न॰ (-रथान) व्यारम्ल सभारमेल धरवाना है। शा-भेतर-416ी वरेरि. शारंभ समारंभ करने का स्थान जैसे रोती वाड़ी आदि. a place of sinful operations; e g. a field, a garden etc. " श्रारंभ हार्ये प्राण्ता प्वा से व महा पउमेवि " ठा०: ६ — हि. त्रि. (- प्रिधिन्) आरम्भने। अर्थी; पापना ०यापारने धेन्छनार, श्रारंभ का श्रर्थी, पाप व्यापार को चाहनेवाला desirous of sinful operations. " घारंभट्टी प्रग्रुवय-मांचे हण्माचे घायमाचे "श्राया॰ १, ६, ४, १६२; - शिस्सियः त्रि॰ (-निश्रित-घारम्भे हिंसादिके सावचानुहानरूपे निश्च-येलाश्रिताः सम्बद्धा अभ्युपपत्ता घारम्भ-निश्चिताः) आरम्भभां तत्पर थयेश. श्चारम्भ में तरपर. plunged in sinful operations ' संदा आरम्भ (णिस्मिया " सूय • १, १, १, १०-१४, १, ६; २; —परित्रायाय. त्रिं॰ (-परिज्ञात) श्रावक्ती व्याक्ष्मी पिर्धमा આદરનાર શ્રાવક કે જે આઠ મહીના સુધી पाते अरम्भ सभारम्भ धरे निर्धः श्रावक की आठवी प्रतिमा के अनुसार चलनेवाला श्रावक जो कि श्राठ मास तक स्वयं कोई श्रारम्भ समारम्भ नहीं करता a householder practising the eighth vow i. e. not doing sinful operations for eight months. सम॰ ११; — चज्जय त्रि॰ (-वर्जक) આરમ્લ-પાપના વ્યાપારના ત્યાંગ કરનાર; श्रीवक्षती व्याहमी परिभा सेवनार श्रारम्ब्र-पाप व्यापारका त्याग करने वालाः श्रावक की श्राठवी प्रतिमा का पालन करनेवाला. (one) observing the house. holder's 8th vow viz avoidance of killing etc for eight months. परह ० २, ४, —संभिय. त्रि ० (-सम्मृत) આરમ્ભધી ભરેલુ-આરમ્ભધી पुष्ट जारम्भ से भराहुआ, आरम्भ से चुक्क,

full of sinful operations. "त्रारंभ-संभियाकामा "स्य० १, ६, ३; - एतचा त्रि॰ (-सत्य-धारंभो जीवोपघातस्नद्विपयं-सत्यमारंभसत्यम्) भारभ्क विषयः सत्य. श्वारम्भ सम्बन्धी सत्य. truthfulness in the matter of sinful operations of killing etc. भग॰ =, 9; —सन्धमणप्रश्लोगः प्तं (-सन्यमनः प्रयोग) आरम्अविषय सत्य भनते। अथे। १-- १ थारम्भ सम्बन्धा सत्य सन का प्रयोग. right thought-process in the matter of sinful operations of killing etc. भग॰ =, 9; --सत्तः त्रि॰ (-सक्त) आ२२लमां सागेस, व्यारभ्लाधी लेडायेल. श्रारम्भ संलग्न, श्रारम्भसयुक्त engaged in sinful operations of killing etc. " यारं-भसत्तापकरंतिसंगं " श्राया॰ १, १, ७, ६०; —समारंभः पं॰ (-समारंभ--श्रारम्भः कृष्यादिष्यापारस्तन समारमभो जीवोपमईः-ब्रारभ्ससमारम्भः) व्यारम्ल समारम्लः પાપના વ્યાપારથી છવતી ધાત કરવી તે श्रारम्भ समारम्भः पापरूप व्यापार-कृत्य से जीव की घात करना performance of operations involving destruction of life etc. दसा॰ ६, ४; परह॰ 9, 9;

श्रारभग ति॰ (श्रारम्भक) आरश धरनार श्रारंभ करनेवाला. (One) who performs actions involving killing etc. श्राया॰ नि॰ १, ४, १, २३६;

आरंभज त्रि॰ (श्रारम्भज) सावध द्वियाना अनुभ्रानथी जित्पन्न थेथेल सावद्य किया के अनुष्टान से उत्पन्न. Born of sinful oporations श्राया॰ १, ३, १, १०००; आरंभय त्रि॰ (श्रारम्भज) लुगे। उपदे। शण्६. देखो ऊपरका शन्द. Vide above. श्राया॰ १, ३, १, १०=;

श्चारंभि त्रि॰ (श्वारम्भिन्) पापने। आरंश ५२नार पाप का श्वारंभ करनेवाला (One) performing sinful operations. सूय॰ १, ६, ६;

स्य॰ १, ६, ६; आरंभिया. स्री॰ (श्रारंभिकी) पापना व्या-भारथी लागती द्विया. पाप व्यापार से होने वाला कर्मवंध. Karma arising from sinful operations of killing etc. " श्रारंभिया किरिया दुविहा पएगात्ता तं-सहा जीव थां भिया चेव " ठा० २, १; ४, ४; भग० १, २; ५, ६; पन्ने० १७, २२; ष्ट्रारवख. gं॰ (ग्रारच) राज्यना आत्मरक्षड. राजा के श्रात्मरचक. A body-guard of a king. ठा॰ ३; (२) अत्रवंश अने ते वंशभां ७८५न थयेस. उन्नवंश खीर उस वंश में उरपन्न उग्रवंशी. the Ugra family, a person born it ठा॰ ६; श्चारक्खग. पुं॰ (श्चारत्तक) २क्षण् ५२ना२न है। देवाक्ष रचा करनेवाला कोतवाल. (One) who guards or protects, e.g. a police constable कप॰ ५, ६६; श्रारिक्खंय. पुं॰ (ग्रारिक) है। ८२। अ. कोतवाल: नगर रक्तक. A constable; one who guards a city. दस॰ १, १. १६. श्रोघ० नि० २२२;

द्यारग. पुं॰ (चारक) यहने। आरे।; पैडीने। आरे। चक्र का चारा, पर्डेय का चारा.

A spoke of a wheel पगह॰ २, ४;
च्यारगय जि॰ (चारगत) छिद्रिये।नी सभीप आवेन, छिद्रियेगे।यर धनेत . इन्द्रियगेचंग, इन्द्रियों के समीप चावा हुचा. Within the reach of senses; near the senses. " चारगयाइं सहाइ सुगंइ गो पारगयारं" भग॰ ४, ४:

श्रारिटयसद् पुं॰ (श्रारिटतरान्द) आई--६-। शण्ट चिल्लाने का शब्द Bawling Bound; loud sound. विना॰ ६;

श्चारण. पुं॰ (श्चारण) ११भे। हेन्न्से। अव्यार-ह्राँ देवलोक. The 11th heavenly world (२) ते हेन्न्से। अना निनासी हेन्ता. उस देवलोक के निवासो देव. a deity of that world. विशे॰ ६६३; पण १; भग० १=, ७, जीवा॰ २; नाया॰ १, सम॰ १४०; ठा॰ २, ३; श्चोव॰ उत्त॰ ३६, २०६; (३) शुभ भाउनी ते; आन्उनु ते. चिक्काना; वोम मारना. shouting. श्लोघ॰ नि॰ १६४;

आरणाग. पुं॰ (श्रारणक) १२भे। देवक्षीक ग्यारहवाँ दवलोक. The 11th heavenly world. भग॰ २४, २१;

श्चारिष्यः त्रि॰ (श्रारत्यक) अर्थ्य-वन् मां ल्युं ते, बान्ध्रस्थः वन में जाना; बान-प्रस्थः (One) resorting to a forest; abandoning the world " से जे इमे॰ श्चारियाया श्चाविस्याया गाम-गियति वा " दसा॰ १०, ७;

श्चारएग्रा. ति॰ (न्नारण्यक) अ२९४-वनभा ०४ वसनार; वानअस्थ. वन में जाकर रहने वाला, वानअस्थ. (One) renouncing the world and resorting to a forest. " न्नारण्या होह मुगी पसत्था" उत्त॰ १४, ६:

श्रारएण्यः ति॰ (श्रारएयक) जुओ। ७५६। शण्द देखां कपरका शब्द. Vide above निसी॰ १६, ७;

श्रारिएएय त्रि॰ (श्रारिएयक) वनमां वसी ६६५६ इंदना आक्षार इरनार तापस वगेरे वनमे रहकर फल, फूल, कंद का श्राहार करनेवाले तामसी वगैरह. An ascetic etc. who stays in the forest and lives upon roots, fruit etc. स्य० २, २, २१; २७;

श्रारत त्रि॰ (श्रारत) निवृत्ति पामेक्ष; ઉपरत-विराभ पामेक्ष. निवृत्ति प्राप्त; विराम पाया-हुआ. (One) who has ceased. स्य॰ १, ४, १, १;

श्रारत्त नि॰ (श्रारक्त) धे हुं रंगेक्षं; रंगीन वस्त्रादि पर्श्नाहि. कुछ रंगाहुश्रा; रंगीन वस्नादि Lightly coloured, e. g. a cloth etc श्राया॰ १, २, ३, १६;

ह्यारद्ध. त्रि॰ (श्रारब्ध) व्यारम्स क्रेस. श्रारम्भ कियाहुत्रा. Begun; commenced. सु० च० १, ६०; भग० ३, १; ४२, १; विशे० ४२२; ६४४; श्रोघ० नि० मा० २४६; क० प० ४, ६४;

न्नारित्रय त्रि॰ (न्नार्ययक) लुओ '' न्नार्-रियाय '' १,७६. देखो '' न्नार्गियय '' शब्द. Vide. " न्नार्गियय '' सूय॰ २, २,२९;२७;

श्चारच. पुं॰ (क्ष्मारच=श्चर्ब) उत्तर अरतभांनी आरण नामे देश, अर्थंत्थान. उत्तर भरत ज्ञेत्र में का श्चारच नामक देश; श्चर्वस्थान. Arabia; name of a country in Uttara Bharata. (२) अरणस्तानना रहेवासी भनुष्थ, आरण श्चर्वस्थान वासी मन्त्रय. an Arab. पराह० १, १; जं० प० श्चारचग. पु॰ (श्चार्चक) आरण, आरणहेशनी रहेवासी. श्चर्यस्थान का रहनेवाला. An Arab, a resident of Arabia.

श्रारवी स्त्री॰ (*श्रारधी =श्रार्बी) अर्णस्थात मां जन्मीहुई सासी. An Arab servant-maid. मग॰ ६, ३३, श्रोव॰ ३३, जं॰ प॰ पगह॰ १, १, नाया॰ १;

जं॰ प॰

श्चारच्या स० कृ० श्र० (श्चारभ्य) आरम्भी-ते; आरम्भ करके. Having begun. पत्त० १७; पिं० नि० २३३; भग० ८, ७;

√ आरभ. धा ॰ I. (आ-रभ) आरम्भनृं. शाउथात इरतुं. आरम्भ करना. To begin, to commence.

खारभह. प्रव० १४६; ८२८; खारभंत. व० कृ० पि० नि० ५७५; श्रयाुजी० १२८:

श्रारमंड न॰ (श्रारभट) ३२ ना८६भांनुं २८ मु ना८६. ३२ नाटकों में से २८ वा नाटक. 28th of the 32 dramas. जीवा॰ ३, ४, राय॰ ६४; ठा॰ ४, ४, जं॰ प॰ ४, १२९;

श्रारमडमसोल. न० (श्रारभटभसोल) ३२ नाटक्ष्मांनुं ३० मुं नाटक. ३२ प्रकार के नाटकों में से ३० यां नाटक. 30th of the 32 dramas. जीवा० ३, ४; राय० ६४,

श्रारमडा स्ति॰ (क्ष्यारमटी) पिडिलेहण् करती वणते वस्त्र हिनावले क्षेतां मुक्तां-के कीतां क्षां वाले वस्त्र हिनावले क्षेतां मुक्तां-के कीतां क्षांगते। व्यक्त हिनावले क्षेत्र वाले का विद्या करते समय शीव्रता से वस्त्र उठाने रखने या देखने में जो दीप लगता है वहः पिडिलेहण का एक दीप A fault connected with the examination of clothes viz hastily handling them or hastily inspecting them. उत्त॰ २६, २६; शोष विश्व मा॰ १६२; ठा॰ ६, १;

द्यारभियः न॰ (श्रारमित) नाटयनी विधिने। ओ ४ अशरः नाट्यांनिये का एक भेद A mode of dramatic acting, स्व॰ श्वारयः त्रि॰ (श्वारत) निवृत्ति पाभेशः निवृत्ति पायाहुत्राः (One) who has

ceased, freed from स्व: 1, 8,

(२) गरेव; ह्र थरेव. गयाहुया; द्र होचुका हुया. departed; gone away. स्य॰ १, १४, ११; — मेहुण्. जि॰ (-भेथुन-धारतमुपरतं मेथुनकामाभिलापो यस्यासावारतेमथुनः) धामती अलिव पाथी तिवृत्त थरेव. काम की द्याभलापा से निवृत्त होचुका हुआ. fiee from sexual desire. स्प॰ १, १४, ११;

श्चारव. पुं॰ (श्वाराव) शण्द; व्यवाल शब्द; श्रावान, र्घ्वान. Sound; noise. जं॰ प॰

√ आरस भा॰ I, II. (था + रस्) २८वुं; विक्षाप ४२वे।. रोनाः विलाप करनाः To weep; to lament.

श्रारसंति नाया॰ १६; श्रारसंत नाया॰ ६; उत्त॰ १६, ६६;

ग्रारसिय-अ. ति॰ (त्रारांसत) भराऽ।
भारेश, आरेश. चिक्काया हुत्रा Bawling
out; (any thing) bawled out
or piteously cried out. " विद्युटे
विमरे श्रारसिए तएग एयस्स दारगस्स"
विवा॰ २; --सद्द पुं॰ (-शब्द) २६पाने। अवाल-शण्ट. रोने की श्रावाजः
wailing sound नाया॰ १६;

श्रारा. स्त्रीं (श्रारा) अप्रा-गाडी वगेरेना पैडांना मध्य लागमा के लाइडां गिरिवेशं है। ये के ते. श्रारा-गाडी वगरह के चाकों के वीच में जो लकडी के डंडे लगेहुं होते हैं ने. A spoke of a wheel, मु॰ च॰ १२, ४६; पि॰ नि॰ ३३३; (२) आ२; प्यद्विन भारवानी क्षेडानी अखी वासी लाइडी; हथीआर विशेष श्रार; वैल के शरीर में टाचने की लकडी जिसमें लोहे की खांल लगी रहती है. a stick with an iron point to drive oxen etc; a goad. मु॰ च॰ १२, ४१; मूय० १, ४, २, १४;

श्रारा. श्र॰ (प्रारात्) पासे, नछ । पाम; सगीप Near, in the vicinity पंचा॰ ४ ३५,

श्चाराभाग. पुं॰ (श्वाराभाग) पृथिनी लाग, पासेनी लाग. पूर्व का माग; ममीपवर्ती भाग. The adjoining part. विशेष १७३६; श्वाराम पु॰ (श्वाराम) ઉपवन, जाग, स्त्री-पु३भीने आराम सेवानी मडप उपवन; वाग, स्त्री पुइभी के विश्वाम करनेका मंडप. A garden; a pleasure garden. श्वोव॰ नाया॰ १, २; ४, पएह॰ १, १; ठा॰ २, ४; राय॰ २०१; २३४, श्रागुजी॰ १६, १३४; उत्त॰ २, १४, १६, १४; भग॰ ४, ५; १८, १०, २५, ७, जांवा॰ ३; कष्प॰ ४, ८८; (२) त्रि॰ (श्वारामयित सुक्ष-यतीरवाराम:) आराम धरनार-आपनार श्वाराम देनेवाला. refreshing; conducive to rest श्वाया॰ १, ४, ४,

" भारामगार " शब्द. vide " भाराम-गार " निसी० ३, १, — गय. ति० (-गत) भाराभ भागभां आवी पहेन्थेल बागीचे में भाया हुआ arrived at a pleasuregarden ठा० ५; — गार. न० (-गृह) हिद्यानगृह, उद्यानगृह, a house in a

१५६, राग० ३३; -- आगार. न० (-ग्रा-

गार) लुओ। " श्रारायगार " शण्ह देखो

galden. " आगंतागारे आरामगारे " स्य० २, ६, १८; —गिह. न० (-गृह)

कुओ। विपन्नी शण्टः देखों जगरका शब्द vide above. उसाव ७, १;

श्रारामिय त्रि॰ (श्रारामिक) आराम-भाग-तुं रक्षण ४२नार; भाली. बागांचे की देख-रेल करनेवाला; माली. A gardener ठा० ४;

श्राराह. था॰ I, II (ग्रा+रान्) आराधना ४२वी, सेवना ६२वी श्राराधना करना, सेना ४. ॥/11. करना. To worship; to resort to धाराहें इ. दस० ५, १, ३६; मग० ९, ६; २, १;

शाराहड् उवा० १, ७०, ७५, ब्राशहयड् उस० ६, ३, १; श्राराहण् वि० भग० २, ५; दस० ७, ५७;

ह, १, १६, उत्तः १२, १२;

त्राराह्र्इस्सामि भ०भत्त० १४८; श्राराहित्त्वणः मं०कृ० मु० च० ११, १८; द्याराह्र्इसाः स० कृ० उत्त० २६, १; दम०

٤, ٩, ٩७;

धाराहेता सं० हर नाया ० =; १६, भग०

9, 9; 9; 9, 4, 90, 8, 33,

भाराहिना सं० कृ० कप्प० ६, ६३; नाया० दः श्रोव० ४०;

श्राराहिउं. हे० क्व० स्य० १, १४, १४,

स्राराह्स्य. पुं॰ (श्राराधक—श्राराधयित सम्यक् पालयति योधिमित्याराधकः) आश-धक्षः संयम आहिना पालनाः पालन करने वालाः सेवन करनेवालाः संयम श्रादि की श्राराधना करनेवालाः (One) who worships or devotes himself to asceticism. श्रोव॰ ३४, भग॰ १, ३;३,९; ८,८, राय॰ ७६; भत्त॰ ११, पण॰ ११, नाया॰ १;३; ५:१९;

श्राराह्म. पुं॰ (भाराधक) तानाहिश्ती आ-राधक ज्ञानादिक का ज्ञाराधक One who devotes himself to right knowledge etc, " ज्ञाराहमो य जीवो सन्धट्टे भवेडिं पावती । श्वियमा " पना० ७, ३१; नाया० १०; भग० ३, १, स्प० १, १, २, २०;

श्राराहरण. न॰ (श्राराघन) आराधन; सेवन. श्राराधना, सेवा. Worship; service; devotion to. संत्था॰ श्राव॰ ४, ८; अत्त॰ ६; आराहख्य. पुं॰ (भाराधनक) संधारे। चंबारा; मृत्यु श्रानतक श्रन्न जल का त्याग करना. Giving up food and water till death comes. संन्या॰

श्चाराह्ण्याः स्त्री॰ (श्वाराधना) संधारे। संवारा. Giving up food and water till death comes (२) श्रुत-शान्तनुं सम्यक् प्रश्ति से श्राराधन-आसेन् धन-श्रात्रवात्र का सम्यक् राति से श्राराधन-श्रातेनन. devoted observance of scriptural injunctions. संस्था॰ स्त्र॰ २६, २;

झाराह्या. स्री॰ (त्राराधना) भेक्ष भार्गरूप નાન આદિની સેવા; વીતરાગના વચનનું पाधन, योच मार्ग रूप ज्ञान श्रादि की सेवाः वीतराग के वचनों का पालन. Devoted adherence to the precepts of the omniscient, leading to final bliss. " दुविहा श्राराह्णा प० तं० धम्म बाराह्याचेव " स्रोव० ३४; उवा० १, ५७; ठा० २: ४: ३, ४: पंचा० ६, ४: सम० ३२: श्रयाको० २८: प्रव० १००; वेय० १, ३३; श्राउ० १४; नाया० १९; भग० ३, ४, ४, ६: म, १; ९०; २४,६; ऋष० ६, ४६; — उवउत्त. त्रि॰ (-टपयुक्त) आराधना सदित. श्रासंत्रना सहित. full worship or devotion. आद॰ १५; द्याराहर्गी सी॰ (*ग्राराधनी) केनाथी માેક માર્ગની આરાધના કરાય એવી ભાષા; इच्य कापाना ओह अहार जिस भाषा से मोत्त सार्ग की श्राराथना की जासके ऐसी भाषा: इस्य भाषा का एक भेद. Speech fitted to secure final bliss, a variety of ordinary speech; पन्न० ११:

झाराहिय त्रि॰ (ग्रासचित) थाराधना

डरेंस. श्राराधना कियाहुश्रा. Worshipped; adored; resorted to. परह ० २, १; उस० ८, १६; नाया० ८; भग• ८, ६, १०, २; प्रव० २१३; — सं तम. ति॰ (-संयम) भराभर रीते लेखे संलभनी आराधना सेवना डरी छे ते. पूर्णतया जिसने संयम—साधुत्व को श्राराधना को है वह. (one) who has fully observed asceticism. सम॰

आरिष्ट . पुं॰ (भारिष्ट , भंऽप गात्रनी शाणा. मंडप गोत्र की एक शाखा. A branch of the Mandapa family. (२) ते शाणाभांना पुरूप. उस शाखा का पुरुप. a person belonging to the above branch ठा॰ ७, १;

श्चारियः पं॰ (भाषे) हानी-तीर्थे ५२. ज्ञानी--तार्थकर. An omniscient: a Tirthankara. आया० १, २, २, १६; १, ર, ષ્ર, વ્રું, (ર્) પવિત્ર; વિશુદ્ધ; શ્રેષ્ઠ; निष्पापः पवित्रः, विशुद्धः, श्रेष्ठः, पापरहितः निष्पाप. sinless; holy; pure. उत्त॰ २, ३७; ठा० ३, १; पन्न० १; भग० ६, ३३; श्रोव० २७; (३) આર્ય દેશમાં ઉત્પન્ન थयेक्षः श्रेष्ठ भनुष्यः आर्य देशोत्पनः श्रेष्ठ मन्द्य. born in an Arya country; high in civilisation. स्य॰ २, १, १३; सम० ३४; श्रोव० ३४; भग ॰ १४, १; (४) पुं॰ भेक्ष भार्भ. मोच मार्ग. path of salvation स्य॰ १, ८, १३; (x) આર્ય દેશ. જ્રાર્ચ देश. the Arya (i. e. civilised) country. प्रद ६४; —इंसि. एं॰ (-दर्शिन् —म्रार्थं प्रगुर्ण न्यायोपपद्मं पश्यति सच्छाल्धेस्यार्यदर्शी) ન્યાયદૃષ્ટિ વાલા; ન્યાય દૃષ્ટિએ જોનાર. न्याय दृष्टि वाला; न्याय दृष्टि से देखने वाला (one) who is just and impartial " म्रारिए म्रारियपण्णे म्रारिय संसि' भ्राया॰ १, २, ४. ५७, — धम्म पु॰ न॰ (– धम्) आर्थ धर्म, आहिसा धर्म, सदाचारहप धर्म मिरुक religion i e one high in motals and mercy " वेहज णिजरायही म्रारिय धम्मसणुत्तरं" उत्त॰ २, ३७; — एमः नि॰ (– प्रजः) प्रशंसनीय खुद्धिवाला, शास्त्रीय ज्ञान सहित. highly talented, well-versed in Sastras. म्राया॰ १, २, ४, ६७; म्रारियत्तण न॰ (म्रायंत्व) आर्थ देशमां

Grun धतु ते; আর্থ पणु. আर्थ देश में उत्पन्न होना; आर्थत्व. State of being born in an Arya country; state of being an Arya. ভল্লত ৭০, ৭६,

श्राहरग. न० (श्रारोग्य) निराणी पणुं, स्वारथ्य. निराणीपन, स्वारथ्य. Health, freedom from disease. गणि॰ ६; स्म॰ =, ३४, श्राव॰ २, ६, भत्त॰ ६४, —वोहिलाभ. पुं॰ (-कोधिलाभ-श्रारोग्ययोधिलाभ.) स्वारथ्य योधिलाभ श्रारोग्ययोधिलाभ.) स्वारथ्य योधिलाभ श्रारोग्ययोधिलाभ.) स्वारथ्यनेभाटे अरिढंत प्रशीत धर्भनी प्राप्ति; भोक्ष भाणना धर्मनी प्राप्ति स्वारथ्य के हेतु श्रारहत प्रणात धर्म की प्राप्ति; सोक्ष-मार्ग रूप धर्म की प्राप्ति. acquisition of the religion taught by Tirthan karas i. e one leading to final bliss श्रांव॰ २, ६;

श्रारुसिय ति॰ (आरुष्ट) है। धी थेथेल. कोधित; कुद्ध. Angry, enraged नाया• २;

भारुस्त. सं॰ कु॰ (श्रारूष) रे। ५ ६ रीने कोध करके. Being angry, having become angry. स्य॰ १, ४, २, ३,

आ+रुह. धा॰ I, II (आ+रुह्) यही श्रारोहरा करना To mount on or upon to ascend. नाया॰ १, १४; भ्राच १४, १; १७, १, ५० ५० ४,६३, श्रारुहद् उत्त॰ १७, ७; ग्रारोहइ. दसा॰ १०, १, भारहेइ भग० १४, १; नाया० १३; साहभेड भग० २, १. आहमह भग० १७, १, भारहेत्ति जं०प० २, ३३. श्राहमे वि० वव० ६, ४१, श्रारुहेत्ता. भग० १४, १; 90, 4; ताया० १४: क्राहभेत्रा भग० १८, १, श्रारुहित्ता स्य० २, ६, २८,

श्रारुहिता स्य० २, ६, २८, श्रारुहिता स्य० २, ६, २८, श्रारुहिता. सग १४, १; नाया० १; १३; श्रारुहिय. भत्त० १८; श्रारोविता. सग० २, १; श्रारोवित. सु० च० ४, २८६; श्रारोविजाइ. उवा० ७, १६७; श्रारोविजानित. भत्त० २६;

श्रारुह्ण, न० (श्रारोहण) २५।२ थर्बु; २४.५ु. सवार होना; चढना. Mounting; ascending; riding. जं० प० छ० च० १, ३४१; जीवा० ३, ३; राय० १८६. बाया० ६; प्रव० १०१७;

श्रारुहियन्त्र. त्रि॰ (श्रारोहितस्य) अद्या साय : अपरेष्ठिष्, क्ष्या, येप्य चहने योग्य. श्रारोहण करने योग्य. Worthy to be mounted upon. fit for riding स्व॰ १ १६, २० निर्मा॰ २०, १०,

आरूढ त्रि॰ (श्रारूढ) ઉપર ચડેલ; આश्रिते रहेल चढा हुआ. ऊपर चढाहुआ, आश्रय से रहा हुआ. Mounted, climbed. resting upon पि॰ नि॰ ३३४; ५७२; (२) प्राप्त थयेक्ष; उत्पन्न थयेक्ष; उनेक्ष. उत्पन्न; उमाहुत्रा got; grown; produced. पि॰ नि॰ =३; —श्रस्ता-रोह, पुं॰ (-श्रक्षारोह) स्वार थडवाछे जेना उपर जेना -(धाडा); स्वार यहा हो पेता घोडा; सवार सहित घोडा क horseman; क horse with its rider. दिवा॰ २; —हत्यारोहः पुं॰ (-हस्त्या-रोह—धाक्छा हस्त्यारोहा महामान्ना येषु तं तथा) जेना उपर भावत स्वार शेव छे थेवा, जिसके ऊपर महात्रत सवार हो ऐसा हाथी. का elephant with its driver riding it. विवा॰ २;

श्रारेगा. था (श्राराम्) नश्रः, पासे. नज-दीकः; समीपः पास. Before (in time or place); near. श्रीय - नि- १६३; भि नि ३४४; (२) आतरह. आडा है इस श्रीरः; इम किनारे पर. on this side. र(य - २, ७, २७;

श्रारोग्ग, न॰ (भारोग्य) निरेशिपर्धः; तंह्रित. नीरोगताः तन्दुरस्ती. Health; freedom from disease. श्रीय॰ नि॰ इट ७; कृष्प० ७, २०६; जब प० ३, ४४, (२) त्रि॰ रेश २७ति, निरेशी. रोग रहित: निरोगी healthy. नाया॰ १; भग० ११, ११; १४, १; क्रप्प॰ १, ४; ६, १७: - ग्रारोग्ग, त्रि॰ (- श्रारोग्य) **जाधा भीडा र**ित. बाधा-पाँडा से गरित free from pain or affliction. नाया = , -फल न । (-फल) केत् इस आराज्य छे ते. जिसका फल आरोग्यता है ऐसा कोई भा पदार्थ anything conducive to health. पचा॰ १४, ४४: -वीहिलाभ. पुं॰ (-वोधिलाभ) व्यारीव्य असी थे।धि-सन्मार्ग तेती शास श्रारोग्य श्रीर बोनि (सन्मार्ग) का लाभ. acquisition of health and right path of knowledge. पंचा १६, ४३;

श्चारोप्प. पुं॰ (श्वारोप्य) धुद्ध शास्त्रभां अधेव भेक्ष देवतानी न्दतः कीद्ध शास्त्रां से एहीं हुई देवों दो एक जाति. A species of gods mentioned in Buddhist scriptures. स्य॰ २, ६, २६;

आरोवगा. हो॰ (श्रागेपमा) आरे।५७।-એક અપરાધનું પ્રાયત્રિત્ત કરતા પ્રનઃ તેજ અપરાધ ખીજી વાર કર્યો તેતું પ્રાયક્ષિત્ત પ્રથમ आविश्वत्तमां अभेरव्-श्यारेत्पत्रं ते. एक अपराध का प्रायाधिल करते हुए फिर वही भासध दूसरी बार करने गर उसका प्रायिक्त पहिने प्रायिश्वत में गामित करना श्रयवा पहिले प्रायिश्वत में उसका श्रारीपण करना. When a person performs expiution for a sin and in the act of that expiation commits the same kind of sin again; he adds another course of expiation to the former one. This is known as Aropanā or adding expiation to expiation. ठा० ४; निर्सा० २०, ११, कप्प॰ ६, ४७; सम॰ २८; —पायाच्छत्तः न० (-प्राय-श्चिम) कुणा अपना सप्द देखा जपरका शब्द. vide above ठा॰ ४, १;

श्रारोधियव्यः त्रि॰ (श्रारोपितव्य) आरी-भन्ना थे। था. श्रारोपण करने योग्य. Worthy of being added to; worthy of being charged with. निसंग् २०, ३७,

न्नारास्त पुं॰ (न्नारोप) स्थे नाभने। स्थे हेश इस नाम का एक देश. Name of a country. (२) ते देशवासी स्थेन्छनी

भेड़ कात. आरोप देशवासी म्लेच्छ की एक जाति. a race of barbatians inhabiting the country of Alosa. परह १, १,

ग्रारोह. पुं॰ (ग्रारोह) शरीरनी **ઉ**ચिन हीर्धता शारीर की यथार्थ उंचाई. Proper length of a body. दसा० ४, २०, -परियाह. पं॰ (-परियाह) शरीरनी **ઉ**ચાઈ જેટલી એ ભુજાની પહેાલાઈ હેાય તે -आरे। ६५रिखाद. जितनी शरीर की उंचाई हो उतनीही यदि दोनों मुजाओं की चो-हाई हो तो उसे आरोहपीरणाह कहते हैं. aggregate breadth of outstretched arms equal to the height of the body. 370 %; —परिणाहजुत्तना स्नं॰ (-परिणाह-चुक्रता) શરીરની ઉચાઇ જેટલી સુજાની पहे। सार्धित शरीर की उचाई के समान भुजाका बौडाई सहित. having the aggregate length of outstretch ed arms equal to the height of the body. ठा॰ ४, —परिवाह संपर्या. न्नि॰ (-परिकाइसंपन्न) आरे। ६ ५ विला छ. શરીરની ઉ ચાઇ જેટલી બે ભૂજાની પહેલાઇ वाक्षे। शरीर की ऊंचाइ के समान दो सजाओ की चोडाई वाला. (one) whose extended aims are equal to the measure of his bodily height दमा० ४, २०;

श्चारोहम पुं॰ (श्वारोहक) हाथीनी न्यारी हरनार, भावत हाथी की मचारी करनेवाला; महावत One who mounts upon an elephant, an elephant-driver श्लोव॰ ३१,

श्मालग्र-य. त्रि॰ (ग्रालय) २हेवानुं स्थानः धरे, धरः, स्थानः A house; a place. विशं १८७१, ठा० ३, २: ई० प० २, ३१; पंचा० ११, ४६, प्रव० ४४२; पन० २; —सामि. पुं० (-स्वामिन्) छपाअवनी। धर्णी. उपाअन का स्वामी-मालिक the load of a Jaina monastery. पचा० १७, १८;

श्रालह्य. त्रि॰ (श्रावित) यथा ये। य स्थाने पहेरेस. यथा योग्य स्थान पर पहिना हुआ Put on properly. जीवा॰ ४३ कप्प० २, १३; पज॰ २, — आल्डमड़ः त्रि॰ (-मालसुकुट.) के श्रे भासा ने भुगट पहेर्या के ते जिसने माला श्रीर मुक्ट पहिना हैं वह garlanded and diademed. जीवा॰ ४३ भग॰ ३, २;

आतंकारिय ति॰ (भालक्कारिक) ल्यां अवंधार धरेखा पढ़ेरवा उतारवामा आवे ते स्थान वह स्थान जहां अलंकार-आमरण पहिरे और उतारे जाते हो A toilette chamber in which ornaments are put on and put off. ठा॰ ५; — सभा सी॰ (—सभा) यमर्थया राजधानीनी अवंधार पहेरवानी ओड सका. चमरचवा नामक राजधानी की अलंकार पहिन्ते की एक सभा a council-hall of a capital city named Chamarachañchā; it was used as a toilette chamber for putting on ornaments ठा॰ ५;

श्रालंद पुं॰ (क्ष्रालन्द-कालभेदः) पाण्यि भीने-त्यीदी हाथ सुभाग तेटवा वाभत्यी भांडी १ रात दिवस सुभीने। अल काल का एक भेदः पाना से भागा हुआ हाथ जितने समर्थ में मुखे उतने नमय से लेकर १ दिन रात्र तकका समय A period of time ranging between that taken by a wet hand to get dry and that making up five days and nights. 970 ६२१;

श्चालंब. पुं॰ (श्रालम्ब) आधार, आसम्पन आधार; श्रालम्बन; सहारा. Support; basis. नाया॰ ४, १६; नग॰ १८, २; श्चालंत्रण. न॰ (श्रालम्बन) आधार, आश्चय, टेडे। श्राधार, श्चाश्चय; सहारा. Support. श्चणुजो॰ २४, राय॰ ४५; २९०; नाया॰ ७, ८; भग॰ २४, ७; उत्त॰ २४, ४; उवा॰ १, ४॰ फ॰ प॰ १, ४, गच्छा॰ ६; जं॰ प॰ ४, ७४; (२) धर्मासमितिनु आसंपन-ज्ञान ६र्शन अने यारित्र. ईर्यां समिति का श्चालवन-ज्ञान

and conduct श्रणुजो॰ २४; श्रातंत्रणभूय. त्रि॰ (श्रातम्बनभूत) आधार भूत; आधार केवुं. श्राधार भृत; श्राधार जैसा. Supporting; forming a support. नाया॰ १;

दर्शन और चारित्र. basis of Irya

Samiti viz knowledge, faith,

श्रालवणा. स्त्री॰ (श्रालम्बना) ळाळी।
" श्रालंबण ' श्र॰ देखी " श्रालंबण '
शब्द Vide " श्राखवण ' श्रोव॰ २०;
प्रव॰ ७८४;

आलंभिया स्ती० (आलम्भिका) आर्थिश नामनी ओड नगरी एक नगरी का नाम Name of a town. "तेणं कालेगं तेण समएणं आलभिया गामं गण्मी होत्था" भग० ११, १९, ११, १२, कप्प० ४, १२१, उवा० ४, १४५;

त्र्यालक्क पु॰ (श्रलकें) ६८५१थे। ५तरे।. वावला कुत्ता, A mad dog भत्त॰ १२५;

√ झालंब था॰ I, II. (श्रा-फ्रप्) आ-साप ४२वे।, भे.सवुं झालाप करना, बोत्तना To speak, to talk आजयइ नाया॰ १. सम॰ ३३; श्रालवेंसि, नाया॰ ३; श्रालविज दस० ७, १७; श्रालवे. दस० ७, १६; २१; ८०; ३; १२; १३; उत्त० १, १०: श्रालवित. प्रव० १३४; श्रालवंत. उत्त० १, २१; श्रागुजी० १३१; सासवंत. उत्त० १, २१; श्रागुजी० १३१; सासव्याग. ठा० ४, २; नाया० १४; श्रालवमाण. ठा० ४, २; नाया० १४;

श्चालवर्ण न• (श्चालपन) भेक्षवुं; दात-यित ३२वी. वार्तालाप करना. Speaking; conversation. प्रव॰ १२६;

न्नालस्त. न॰ (श्रावस्य) आक्षतः प्रभाह. आलस्य. Laziness; carelessness. उत्त॰ ११, ३; गच्छा॰ ३६;

श्रालस्समाणः व॰ छ० त्रि॰ (श्रालस्यत्) अ। अस ४२ते। श्रालस्य करता हुत्राः Remaining lazy: भग० १२, २;

श्रालाव पु॰ (श्रालाप) थे। ुं भे। अवुं ते; आसाप अरवे। ते. थोड़ा बोलना, श्रालाप करना Talking, whispering भग करना Talking, whispering भग क्, १, ६, ४, पिं॰ नि॰ ३०=; विरो॰ ६६४; ठा॰ ७, १; — बाग्यमा न॰ (-गयान) आसावा सरभे सरभा वाध्यसमूद्ध की गिनती करना, counting of groups of uniformly constructed sentences. प्रव॰ २६२,

द्यालावन्त्र पुं॰ (ग्राजापक) लुओ।" प्राजा॰ वग " शण्६ देखी " ग्राजावग " शब्द. Vide. " ग्राजावग " जीवा॰ ३;

श्रालावगः पु॰ (श्रालापक) आक्षावा, ओक्ष संगन्धवादा वाक्ष्येती सभूदः एक सम्यन्ध-वाले वाक्ष्योका समूहः A group of connected sentences. भग• '३, १; ३, ४; ४, ४; ६, ३२; आया॰ २, १, १, ६; २, १, ६; १४२; ठा॰ २, ३, उवा॰ ३, ११८, सू॰ प॰ ६;

श्रासाचरा, न० (श्राकापन) परस्पर थे वस्त भक्षावाधी थते। यन्ध. दो बस्तुओं के परस्पर मिलाने से जो बंध होता है वह. Connection of two things joined together, भग॰ =, ६; — वंधा पुं॰ (- *षंध-म्रालाप्येत चालीनं क्रियते एभि-रिति आलापमानि रज्वादीनितैर्बन्धस्त्रगादी-नामिति) परस्पर भे वस्त भेगोयवाधी थने। **મંત્ર-જેમ ખડની ભારી અને દારડું** એ ખેતા **थन्ध. परस्पर दो वस्तुश्रों के एकचित्त** होने से जो बंध हो घड जैसे घांस भीर रस्ती. connection of two things joined together e, g. a rope and a bundle of grass. " & किते भाजावण बंधे २ जगणं तथा आहा-यावा " भग० ८, ६;

श्रालि मुं० (श्रालि) એક જાતની વનસ્પતિ.
एक जातिको वनस्पति. A kind of vegetation जीवा॰ ३, ४; नाया ३;
—घर न० (-गृह) आक्षि नामनी वन-स्पिति विशेषनुं जनावेश धर-मंडप. श्रालि नामक बनस्पति विशेष के द्वारा बनाया हुआ घर-मंडप. a bower made up of a kind of vegetation named Ali. जीवा॰ ३, ४; नाया॰ ३; —घरगः न० (-गृहक) जुओ। ७५६। २०६. देखो ऊपर का शब्द. vide above, राय० १३, ✓ श्रालिंग. धा॰ रि. (श्रा+िकागे) आक्षिणन

४२तुं. ऋतियन करना. To embrace. श्रावियषु सु० च० ८, १८७; श्रावियोदा. वि० निसी ७, ३१;

श्रालिंग पुं॰ (श्रालिङ्ग) वार्णत्र विशेष

भुरल-भाइस नामनुं पाळंत्र. वाद्य विशेष;
एक विशेष तरह का बाजा; सुरज-मदंग नाम
का बाजा. A kind of drum or tabor.
जं० प० १. १६; जीवा० ३, १, ३; राय०४=;
(२) आसिंश-साधुनी वेप. साधु का वेप्र.
dress of an ascetic. नाया० ७;
—पुक्खर. न० (-पुष्कर—मुरजमुस्मम्)
भुरल-भाइस पाळंत्रनुं भेद्धं मृदंग नामक
बाजे का मुँह. the face of a drum
or tabor. भग० २, =, ६; ७, जीवा०
३, ३; जं० प० १, १९; राय०

श्चालिंगग्। न॰ (श्वाजिङ्गन) व्यादिंगन; धोडे। २५शे ४२वे। ते ब्यादिंगन; धोडा स्परी करना. Embrace; slight touch, प्रव॰ १०७७, सू॰ प॰ २०; भत्त॰ १२०;

श्रालिंगण्यहि न॰ (श्रालिक्सनवर्तिन्) शरीर अथाणे बांधुं स्थारीहुं. शरीर के श्रनुसार लंबा तकिया. A pillow measuring the length of the body. "सारि समंसि सयाण्डिंससाद्विगन वृष्टिए" सू॰ प॰ २०, जीवा॰ ३; भग॰ ११, ११; नाया॰ १; राय॰

आर्लिगिण्याः जी॰ (बािक्तिनिका) शरीर अभाषे बांश्रं श्रेशिश्रं शरीर के प्रमाण लंबा तिकया. A pillow measuring the length of the body जीवा॰ १;

श्रानिगिगी श्री॰ (श्रानिगिनी) शुंडा अने डेग्शीनीये राभवानी याध्वी घुटनों श्रीर इन्हर्ना के नीचे रक्षने का तकिया. A pillow to rest knees & elbows upon प्रव॰ ६८४;

√ श्रालिप. था॰ I. (था + क्षिम्प्) शरीरे विक्षेपन करर्नुं. शरीर पर लेप करना. To smear the body.

म्रासियइ नाया॰ ५; ६;

श्रात्तिपिज्ञ वि॰ भाया॰ २, १३, ११२;

श्राक्षिपेक विश्व निर्माण ३, ३७: १३, ३८; श्राक्षित्तर, हेण कृष्येयण ४, ३६; श्राक्षित्त, त्रिण (प्याक्षित्त) नावाने खडावण्यानां द्वेसा, नाव की चलाने का चाह. An our श्रापाण २, ३, १, ११६; श्राक्षित्त, त्रिण (श्रादीस) सर्व तन्ध्यी

स्त्रालिक । त्रि॰ (यादास) सत्र तन्ध्र्या क्रिंबल-एक्षी रहेल गत्र तस्क्र से जनग ह्रया Burning, on fire, from all sides. नाया॰ १, ८; १४; १६; भग॰ २, १; ६, ३३; १८, २; नाया॰ भ॰

श्रालिस ति॰ (धारिक्य) लानेस; ब्लेटेन. लगा हुआ, सिलाहुआ. Attached; joined. " सर्थगड्या पुरुवीकाइया द्या-लिखा" भग॰ १६, ३; प्रव॰ ५४३;

श्चालिसंदग पुं॰ (१ श्वालियन्द्रकः) धान्य विशेष; थोला. धान्य विशेष, चोता नामक धान्य. A kind of com. ठा० ४, ३; जं॰ प॰ भग॰ ६, ७; (२) अलसि धानसी. linseed स्म॰ २, २, ६३;

श्रातिसिंदग पुं॰ (* श्रातिसिटक) लुओ। ७ पक्षे। शण्दः देखा कपर का शब्द Vide above. भग॰ २१, २; दमा॰ ६, ४;

√ आलिइ. धा॰ I. (था+ितल्) आक्षेणतुं, श्रीतरतुं. श्रालेखन करनाः, चितरना To draw a picture.

श्राचिह्रइ. जीवा० ३४, राय० १८६; जं० प० ५. १२२;

श्रासिहति, ज॰ प॰ ३, ४३; श्राजिहित भग॰ १४, १; श्राजिहित ज॰ प॰ ३, ४३; श्राजिहिजा. वि॰ दस॰ ४, श्राजिहिह. श्रा॰ नाया॰ ८, श्राजिहिता. स॰ छ॰ भग॰ १, २; ३, १; २; १४, १;

श्रातिहसाया. भग० ८, ३, ७० प• ३, ४४, श्रातिहित्समाया. क॰ वा० स० कृ० ज० प० श्रालीण. ति॰ (श्रालीक) छेडिय नियहरूप मंगीरा में नवनीन. (One) restrained in sonses. श्रामा॰ १, ३, ३, १९०, (२) व्याप्तित. श्राधित. 1 esting on. नाया॰ १; (३) थेछुं लागेल नवशंक. थांडा नगा हुश्रा-निगटा हुणा. attached a little; clinging a little. जं॰ प॰ —गुत्तः ति॰ (-गुत्त-श्राजंतनश्रासंगुप्तश्रवानिगुतः) लेखुं छित्रेयोगे निश्रद हरी गापयीगणी छे ते. जियने डांद्रयो वा निम्नह कर उन्हें श्रायाम कर निया है, वह. (one) having restraint over senses. "श्रावीयगुत्ता परिष्यए" श्राया॰ १, रे. ३, १३७;

श्रालीयग. त्रि॰ (श्राद्यंपक) व्याग संगाउनार; व्याजन संस्थापनार श्राण लगानेवाला, श्रामन गिलगाने वाला. (One) who kinde les fite " श्राक्षीयगतित्थमेयलद्वृह्म्थ-संपर्जन " नाया॰ २;

आलीचक. त्रि॰ (आदांपक) भाग सगाउ-नार; साथ सम्भावनार. श्राम लगानेवाला. (One) who sets fire to परह॰ १, ३; नाया॰ २,

श्चालीवरा न॰ (श्वादीपन) रे।शनी क्रवी ते. रोपनी का करना Illumination on a festive occasion. विवा॰ १३

श्चालीचित त्रि॰ (श्चादीस) अभिनभां भाषेक्ष. श्चारिन में जलाया हुश्चा. Fire-burnt, विवा॰ ६;

त्रालु. पुं॰ (घालु) प्यायः मालूः कन्द विशयः A potato प्रव॰ २४२;

आसुई. की॰ (आलुकी) એક જાતનी वेस. एक जाति की वेल A kind of creeper. आया॰ नि॰ १, १, १, १२६; √ ष्ट्रालिप. धा॰ I (श्रा+लम्प्) क्षेष करवे।; श्रीरवें; गांध छोडी क्षेष्टिनी वस्तु अपाडी क्षेत्री. लोप करना ; श्रोरना; गांठ खोलकर किसीकां बस्तु निकाल लेना. To deprive of; to steal, to remove. श्रालंपति नाया॰ ४;

श्चालुपप्, स्रा॰ स्राया॰ १, २, ७, २०४; स्रालुंपह, स्रा॰ स्य॰ २, १,१७;

श्चालुंप. त्रि॰ (श्चालुम्प) यारे लालुथी

अशुल क्षियाने। क्षरनार, हिंसा, ये। दी हारी धर्मरे अकृत्य सेवनार. चारो श्रीर से श्राम्य किया करनेवाला; हिसा, चोरी, व्यभिचार श्रादि श्रकृत्य करनेवाला. (One) given to evil deeds like killing, theft, and all sorts of wicked practices. श्राया॰ १, २, १, ६२;

श्रालुग पुं॰ (श्रालुक) आश्र-डं६ विशेष;
थटाटा श्रालू; कंद विशेष. A. kind of
bulbous root; a potato. " साहारखसरीरा श्रयोगहा ते पाकितिया श्रालुए
मूलए चेव" उत्त॰ ३६: भग॰ ७, २; पक्ष॰
१०; जीवा॰ १, श्राणुत्त॰ ३, १;
श्रालुयः पुं॰ (श्रालुक) साधारण् वनस्पति

िशेष. साधारण वनस्पति विशेष. A kind of bulbous root. जीवा॰ १; उत्त॰ ३६, ६६; भग॰ ७, ३; ६, ३; २३, ६; —वग्ग पुं॰ (-वर्ग) आशु-णयाया संलंधी लगवनी सत्रना २३ भां शतको। जीले वर्ग. भगतनी सूत्र के तेवीसवें शतक का श्राल्सम्बन्धी दूसरा वर्ग. the second section of the 23rd Sataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the subject of potatoes.

त्रालेवण. न॰ (श्राबेपन) थे। ुं क्षेपन. थोडा लेप. A slight smearing. v. 11/12.

भग० २३, २;

निर्मा० १२, ४४; — जाय. न० (-जात) थेपना प्रकार. लेपका मेद valueties of ointments. निर्मा० ३, ३६,६,१३; १२, ४४;

श्रालोइश्र-य. त्रि॰ (श्रालोकित) निरीक्षण् ५२ेथ. देखाहुश्रा; निरीक्षण किया हुश्राः Observed. " श्रालोइयं इंगियमेवनचा" दस॰ ६, ३, १;

श्चालोइन्न-यः त्रि॰ (श्चालोचित) आंक्षे।यम हरेक्ष; निवेदन हरेक्ष. श्वालाचन किया हुन्या; निवेदन किया हुन्ना. Confessed; informed. पि॰ नि॰ ११६; नाया॰ १; १४; १६; सु॰ च० १, ३८३; भग॰ २, १; ३, १; ४; ४, ६; ७, ६; १४, १; २०, ६; घव॰ १, ६; विशे॰ ३३६८; —पंडिकंतः त्रि॰ (-प्रतिक्रान्ते) आंक्षे।यीने प्रतिक्ष्मण् हरेक्ष.; पेताना द्देष प्रकाशित कर उन दोषों से हरा हुन्ना. (one) who has con-

१०, २, विवा॰ १; — भोइं । त्रि॰ (-भोजिन्)
गु३नी पासे आक्षेत्रयन ६२ी पठा आहार
६२ना२ – (भुनि). गुरु के समीप श्रालोचन
करके फिर श्राहार करनेवाला, (मुनि).

fessed his faults and vowed to

refrain from them. भग॰ २. १:

(an ascetic) taking food after confessing his sins to a Guru (preceptor). আব ানি খংগ;

श्रालेडितार. त्रि॰ (श्रालोकितृ) लेनार; अन्येशक्ष करनार. देखनेवाला; श्रवलोकन

करनेवाता. (One) who sees or observes. सम॰ ६; उत्त॰ १६, ४; आलोएयञ्च. त्रि॰ (श्रालोचितन्य) अधाशवा

सायक्षः, निवेदन करना थे। २४. प्रकाश करने योग्य, प्रगट करने योग्य, निवेदन करने योग्य. Fit to be laid bare; deserving to be communicated. पंचा॰ १५, २२;

श्रालोक पुं॰ (श्रालोक) रूपी पहार्थे. रूपवाला-दृश्य पदार्थः A visible object. (२) अशास. उजयाला, प्रकाश light श्राया॰ १, ३, ३, १२०;

म्रालाग पु॰ (म्राकाक) कुँगा ઉपसी शण्ट. देखां ऊपर का शब्द Vide above. भ्रोघ० नि॰ १३, जं० प० ३, ४४;

श्राले(डिऊण् सं॰ क्र॰ श्र॰ (श्राले।ड्य) वंदीवीने; भथीने मथ करके. Having churned सु॰ च॰ २, ४०७;

√ आलोय. घा॰ I,II. (श्रा+लोच्) आदी-अन કरबु, पेताना होप तपासी गुइपासे कहेंचा, पेतानी भूत ज्ञान्यी. आलोचन करना; अपने दोप इंडकर गुइ से कहना, भूल प्रगट करना To observe one's own faults and confess them to a Guiu (preceptor).

श्रालोएइ सम ३३; भग० २, ४; सूय० २, २, २०; उवा० १, ००,

श्रालोग्रह् गच्छा० ११८; श्रालोएमि भग० ८, ६;

श्राकोएजा वव० १०, १, वेय० ४, २४, निसी० ४, १; २०, १०; ११, श्राया० १, ७, ४, २१६; २, १, २, १२;

श्रालोइजा वि॰ श्राया॰ २, ६, १, १५२; श्रालोए. वि॰ प्रव॰ १२६; दस॰ ४,१,६०, श्रालोएह उवा॰ १, ४⊏,

श्रालोएहि नाया॰ १६, उवा॰ १, ८४; नाया॰ ध॰

श्रालोइत्ता. सं० कृ० श्रायाः २, १४, १७० नायाः १६;

त्रालाएकण्. पचा॰ १४, ५०;

श्रासीइउर्ग सु० च० २, ४३२ श्रासीइउर पंचा० ३, ४६;

श्रालोइत्तए हे॰ कृ॰ वव॰ १, ३७; ४, १९; निसी॰ ५, ३६, ठा॰ २, २, श्रालोएउं हे॰ कृ॰ पि॰ नि॰ ४१८;

श्रालोएउं हे० क्र० वि॰ नि॰ ५१८; श्रालोएमास. व० क्र॰ वव० १, १, निसी॰ २०, १०;

श्रालोहज्ञह. क॰ वा॰ उवा॰ १, ६४; नाया॰ १७;

श्रालोग्रंत व०कृ० जं०प०३,६७; √श्रालोग्र था० I. (श्रा+लोक्) हेेेेेेें भुं; अपक्षेक्ष्म ५२वुं देखना. To see; to observe

श्रालोगुउ हे॰ कृ॰ पि॰ नि॰ ५१८; श्रालोगमाण व॰ कृ॰ भग॰ १०, १;

श्रालीय-त्रा. पुं॰ (त्रालीक) अवसीधन; निरीक्षण्: हरीन; हेण्यु ते प्रवलोकन; देखना, निरीच्चण. Seeing; observation. जं० प० ४, ११७; श्रोव॰ ३१; दस० दस॰ ४, १, १४; कप्प॰ २, २७; श्रोघ॰ नि० ६२, २५७, राय० ६५; विशे० २०६; नागा० १, २; ५; १६; श्राया० २, १, ६, ३२, (२) दीवाने। अक्षाश. दीपक का प्रकाश. light of a lamp. उत्त॰ ३२, २४; -दिरसिंगिजा त्रि॰ (-दर्शनीय-मालांकं दृष्टिगीचर यावद् दृश्यते ऽत्युचत्वेन यः स श्रालोकदर्शनीय) ले द्रष्टि गायर थतां शियामां शियु देणाय ते. जो दृष्टिगत होतही ऊचे से ऊंचा दिखे वह. the tallest (object) appearing within one's laudscape " दंसण्रस्य श्राली-श्र दरिसागिजा '' श्रोव० नाया० १; भग० ६, ३३; -- भायगा. न० (-भाजन) लेभां प्रકाश पडे कीतुं लाजन प्रकाश पात्र, जिसमं प्रकाश पडे वह (anything) receiving light परहर, १, दस॰ ४, १, ९६;

श्चालोयगा न० (श्रालोकन) ६र्शन दर्शन Sight, seeing दस॰ ४; भग॰ ६, ३३, श्रालायण न॰ (श्रालोचन) शि^०थे <u>ગ</u>ુરૂ પાસે પાતાના દાષનં આલાચન કરવું–નિવેદન **३२**५ ते शिष्य का गुरु के समीप श्रापने दोष की ग्रालीचना करना-दोष प्रगट करना. Confession of a fault by a disciple to his preceptor. सम? ३२, पग्ह० २, १; प्रव० २६, पंचा० १, ३६; आलोपणया स्रो॰ (श्रालोचना) गुरु पास भाताना दे।पन निवेदन **५२**वं ते गुरू के सन्मुख अपने दोष निवेदन करना Confession of one's own sins to a Guru भग॰ १७, ३, उत्त॰ २६, २, आलोयगा स्त्री॰ (स्रालोक्ना) क्षांगेक्षा है। पनु ગુરુ આગલ નિવેદન કરવું; ગુરૂ સમીપે દોષનું प्रधाशवं. लगे हुए दोष का गुरु के आगे निवे-दन करना, दोष प्रकट करना Confession of sins to a Guru भग॰ २४, ७, संत्था० ३३, श्रोव० २०; प्रव० ७५७, उत्त० ३०, ३० वृत्र 9, 34, विशे० ३३६५; — ऋरिह. न ० (- श्रह) સુરૂ પાસે નિવેદન કરવાથી જે પાપની શુદ્ધિ-**તિવાર**ણ થાય તે, આક્ષાચનાયાગ્ય પાપ. गर के सामने निवेदन करने से पाप का जो शुद्धि हो वह: श्रालीचना के योग्य पाप freedom from sin, caused by confession to a Guru, a sin deserving confession. भग० २४, ७; (२) आक्षेत्यना थे। २५ अ। यश्चित स्त्राली सना के योग्य प्रायधित. expiation deserving confession ठा॰ ६; — स्य पुं॰ (-नय) गुरुपासे आक्षेत्यना करवानी रीति गुरु के समीप श्रालोचना करने की सित mode of confession of sins to a Guru. विशे० ३३६६;

श्र्मले(विय त्रि॰ (श्रालोपित) आन्छाहन-क्ष्रेस. हॉकाहुआ Covered; concealed under नाया॰ १;

श्चावइ. स्री० (श्रापत्) आपत्ति-हु.भः; विपत्ति. श्रापत्ति, दुःखः; विपत्ति. Adversity; misery. " श्चाउरे श्रावईसु य " ठा० १०; " श्चावईसु दृढधम्मया " सम० ३२; " दुहश्रो गद्द बालस्स श्चावई वह मृत्तिया " उत्तर ७, १७, नाया० ६, श्चोव० ३६; मग० २५, ७,

श्रावहयः न॰ (श्रापत्तिक) ५४, दुः भ कष्टः; दुःसः Misery; adversity नाया॰ ९ः; श्रावंति श्रद्धभ्ययम् । अध्यादायना अध्य श्रुत्तरः धेना पायमा अध्ययन ने नाम श्रुत्तरः के पाचवें श्राप्यम का नाम Name of the fifth chapter of the first Sruta-skandha of Achārānga Sūtra. श्रुत्तां १३१; श्राया॰ नि॰ १, ५, १३६, ठा॰ ६, मम॰

श्रावंती पुं॰ (यावत्) केटसा जितना As many as. "श्रावंती के यावंती लोयसि " श्रायः १, ४, २, १३३,

आवकहं. अ॰ (यावत्कथम्) ब्लवश्यस्थी; গুन्हभी पर्यन्त यावजीवनः जिन्हमी पर्यन्त. As long as life endures; till death. "आवकह भगवं समित्तासि" आया॰ १, १, ४, १५;

श्रावकहा. स्री० (यावत्कथा) लयां सुधी नाभ अथन २ छे त्यां सुधी; ९ - हशी पर्यन्त. जब तक नाम घारण करके रहे वहातक; जीवनपर्यन्त (Patiod of time) till life endures; till death "श्रावहहाण् गुरु कुल वासं णं सुचित " पंचा० ११, १६, सूग० १, २, २, ४, श्राया० १, ६, १, २; ठा० ४, श्रावकहियः ति॰ (यावत्कधिक) यावज्ञ्य सुधीनुं; ढमेशनुः ध्रुषावणतनुं. यावज्ञावन तककाः हमेशहकाः बहुत समय का. Lasting till death; permanent; old. श्रग्रुजो॰ ११, १४६; पन्न॰ १; भग० २५, ७: श्रोव॰ १६; विशे॰ १२६३; पंचा॰ १, ३६: ५, १७; १२, ४३;

श्चावगा स्नां (श्रापता) तही नदी. A river. "वरमस्माणि तित्थाणि श्चावगाण वियागरे " दस्र ७, ३६;

श्चावजाग त्रि॰ (श्चावजिक) असन्न करने वाला. Causing charm; delightful. पि॰ नि॰ ४३=;

श्रावजाण न० (श्रावजंन) डेन्द्सीने। उपये। अन्मानिक्षेड व्यापार; शेप रहेद्या क्रिने।
इद्याविक्षित्रमा अद्येप करवाने। व्यापार: बाकी
बचे हुए कर्म का उदयाविका में अन्नेपण
करने की किया The thought-activity of a Kevali that he is to
perform Kevala Samudghāta;
the process on the part of
a Kevali to force up into maturity the remnants of his
Karmas. विशे ३०४१;

श्रावजीकरण न० (श्रावजींकरण) लुओ।
"श्रावजाण "शण्हा देखो "श्रावजाण "
शब्द. Vido "श्रावजाण " श्रोव० द्रः;
श्रावह. पुं० (श्रावज्जाण श्रावज्जाण श्रोव० द्रः;
श्रावह. पुं० (श्रावज्जाण श्रावज्जाण श्रोवण द्रावज्जाण व्याचित्रं) समुद्राहि भाग विद्यावर्त) समुद्राहि भाग वे. समुद्राहि में चक के श्राकार से घूमता हुआ जो पानी दिखे वह. An eddy in an ocean etc राम० ४६, ज० प० श्राया० १, २, ३, ६३ नाया० १, ठा० ४; उत्त० ३, ५;
(२) (श्रावर्तनमावर्त) २णऽपु, परिक्ष-

भणु ४२वुं ते. भटकना; परिश्रमण करना. wandering; going round and round नाया॰ १; (३) भेाद्धपाशः भूध-वशी. मोह पाश; भुजौनी, भूल भुजैया. an infatuation: a maze. ठा० ४; स्य॰ १, ३, २, १४; (४) (श्रावर्तन्ते परि-अमन्ति प्राणिनो यत्र स मावर्तः) संसार. संसार. the worldly existence. " भावहेसोए संगमभिजायति" श्रायाः ૧, ૧, ૫, ૪૦; (૫) સંસારના કારણ રૂપ विषयना शण्हादि शुख, संसार के कारण रूप-विषय के शब्दादि गुरा. objects of senses e, g. sound etc. which lead to worldly existence. " जे गुर्णे से भावहे जे भावहे से गुर्णे " श्राया० १, १, ४, ४०; (६) ७८५८ માહના ઉદ્દયથી વિષયની પ્રાર્થના કરવી તે. उस्कट मोह के उदय से विषय की प्रार्थना करना. yearning after sensual pleasures through strong infatuation. " श्रह से संति श्रावहा कास-वेगा पवेइया बुद्धा जत्थ वसप्पंति सियंति भवुहा जाहें "स्य० १, ३, २, १४; १, ૧૦, ૫; (૭) ક્રી કરીને ઉત્પન્ન થવું તે. बार बार उत्पन्न होना. rising or being born again and again. " दुक्लाणमेव , श्रावष्टं श्रणुपरियष्ट्रह् " =9; (=) 9. ٦, ३, મહાધાષ નામે થણિત કુમારના ઇંદ્રના क्षेाडपाइनं नाम. महाघोष नामक र्थाणत् कुमार के इन्द्र के लोकपाल का नाम name of the Lokapala of the Indra styled Thanitakumāras, Mahāghosa. ठा॰ ४, भग॰ ३, ५; (દ) જંબુદ્રીયમાના એક દીર્ધ વૈતાહ્ય પર્વત. जंबद्दीपमे का एक वडा वैताब्य पर्वत name

of a long Vaitādhya mountain in Jambū Dvīpa. তা॰ ই; (૧૦) એક ખરીવાલા સ્થલચર તિર્યચ भंथे दियनी ओं इ जात. एक खुरवाले निर्मंच पंचेन्द्रिय की एक जाति. a kind of five-sensed, one-hoofed animals living on land. पন্ত (૧૧) અહારાત્રના ૨૫મા મુદ્ધર્તનું घहोरात्रि के २५ वे मुहूर्त का नाम. name of the 25th Muhūrta of the period of a day and a night. सम॰ ३४; (१२) आवर्त नाभनुं એક विभान. आवर्त नामक एक विसान. name of a heavenly abode. सम॰ १६; (१३) लंभूदीयना भेइनी पूर्व સીતા મહાનદીની ઉત્તરે આવર્ત નામની એક विजय जंब्हीप के मेह के पूर्व की श्रोर सीता महानदी की उत्तर दिशा का भावती नामक एक विजय, name of a Vijava in the north of the river Sītā in the east of the Meru of Jambū Dvīpa. "दो श्रावत्ता" ठा० २, ६; जं । प० (१४) आवर्त नाभे ३२ नाटडभांनुं ओड नाटड. ३२ प्रकार के नाटकों में से श्रावर्त नामक एक नाटक. one of the 32 kinds of drama. सव —कुड. न॰ (-कूट) भटाविदे**७**भांना નલિનકૂટ નામે વખારા પર્વતનું એ નામનું ग्रें शिभर महाविदेहके नालन कट नामक वखारा पर्वत के एक शिखर का नाम name of a summit of a Vakhārā mountain, named Nalinakūta, in Mahāvideha. ज॰ प॰ ষ্মাचड. पुं॰ (श्रापात) કિરાત દેશના ભિલ્લની येश अत किरात देश के भील की एक जाति. A race of Bhils in the country of Kirāta. जं॰ प॰ ४, ११, ६; जीवा० ३, ४;

आवड्ण. न॰ (आपतन) ભાંગવું; કકડા કરવા. तोडना, फोडना; दुकडे करना. Breaking to pieces. श्रोघ॰ नि॰ २२४; ३१२;

श्चाचित्र. त्रि॰ (श्चापितत) थारे तर्श्थी आवी पडेक्ष ; बागेक्षं चारों श्चोर से श्चाया हुश्चा. Come from all sides. "दोवि श्चावहिया कुट्ठे " उत्त॰ २४, ४०; जं॰ प॰ ४, ११४;

श्रावण पुं॰ (अश्रापण) द्वाट; हुआन हाट; दुकान A shop श्रोव॰ १४; रहः जं॰ प॰ वेय॰ १, १२; विशे० २०६५; दस० ४, १, ७१; भग० ५, ७;८, ६; श्राणुजो० १३४; पि॰ नि॰ १६६; उवा॰ ७, १८४; जीवा॰ ३, ३; (२) भळार बाजार क market. पि॰ नि० ३७७; जीवा॰ ३, ४; कप्प॰ ४, ६८; —शिह न॰ (-गृह) भळार वथ्येनुं धर बाजार के बीच का घर क house in a market वेय॰ १, १२; —बीहि स्ति॰ (-बीधि) भअरनी शेरी; भअरनी भागे. बाजार का रास्ता क market road. जीवा॰ ३; राय॰

श्चावरणः त्रि॰ (श्चापत्र) आप्त थयेक्षः व्याश्चिने रहेक्षः प्राप्तः श्चाश्चय करके रहा हुत्राः Got to; come to. "श्चावरणा दीह-मद्धाणं संसारम्मि श्चणंतए" उत्त॰६, १३; (२) ६ ५४ थयेक्षः उत्पन्नः produced; born. नाया॰ ५; — सत्ताः श्ची॰ (-सत्त्वा) शर्भवतीः स्थाभां श्ची गर्भवातीं श्ची; गर्भवतीः a pregnant woman. नाया॰ २; १६; विवा॰ २;

 $\sqrt{$ श्रावत्त. घा॰ $I,\,II.\,($ श्रा+वृत $\,\,)$ संसार-भां २७५वुं अभवुं ससार् में भटकनाः $\,$ wander in worldly existence. (२) ६रीने आववुं फिरसे ब्राना to return, to come back.

श्रावद्दति स्य० १, १०, ५; श्रावद्दमाण दसा० ७, १; श्रावत्तयन्त. भग० ११, ११;

श्रावत्त पुं० (श्रावते) लुओ। 'श्रावह' शण्ट. देखों " श्रावह " शब्द Vide " श्रावह " सम० १६; ३०, जीवा० ३, ३, ४; राय० २८, ८१, पण्ट० १, १, उत्त० २५, ३८; ठा० ४, १; श्रोव० १०; २१, मु० च० ६, २६; ज० प० ४, ६५, पन्न० १; नाया० १; ६, भग० ३, ८, कप्प० २, १४; — कुड. पुं० (-कुट) निधने हुट नीने पणारा पर्यतन्ता थार हूटमानु श्रीलुं हूट-शिभर वस्तारा पर्वत के चार कूटों में से निश्ने कृट नामक तीमरा कूट-शिखर. the third of the four summits of the Vakhārā mountain named Nalinakūta. जं० प० ४, ६४,

श्रावत्तग न० (श्रावत्तन) उधाऽ गुं वासवुं बोलना व वंद करना. Opening and shutting a door. पि॰ नि॰ ३४५; — पेढिया स्रो॰ (-पीठिका) केमां भे। भव २६ ते स्थान. जिस में किनाडों का स्राडा या चटकनी रहे वह स्थान the receptacle of the bolt of a door जीवा॰ ३; राय॰ १०६; ज० प०

श्रावत्ता स्त्रो॰ (श्रावर्ता) આવર્તા નામની એક વिજય श्रावर्ता नामक एक विजय. Name of a Vijaya ठा॰ २, ३,

श्रावत्तायंत त्रि॰ (श्रावर्तायमान) प्रदक्षि-धा हेतु. अभनु प्रदक्षिण करता हुआ. Revolving; circumainbulating कृष्प॰ ३, ३४; श्रावित. स्रो॰ (श्रापति) अति प्राप्ति Acquisition; getting, प्रव॰ ७६; (२) ઉत्पत्ति उत्पत्ति, birth; rise; creation विशे॰ ६६;

स्रावस ति॰ (स्रापत्र) प्राप्त थयेल. प्राप्त. Got; got to. विशे १६७; सु॰ च॰ १, १२६: उत्त॰ ४, ४; प्रव॰ १३३३;

श्रावयमाणः त्रि॰ (श्रापतत) ५६ते। गिरता हुत्रा Falling; falling down. नाया॰ =,

आवयमाणः त्रि॰ (श्रावजत्) आवितीः श्राता हुत्रा Coming; arriving. भग॰३,२;

श्रावयाः स्रो॰ (श्रापद्) आइत-आपितः; संध्य श्रापतिः; श्राफत, सकट Calamity; adversity. राय॰

√ श्रावर, घा॰ II. (श्रा+वृ) स्थापरयुं; ढाक्ष्युः डाकना. To cover; to, hide. श्राविरत्ता. सं० कृ० राय० २३६; श्राविरय सं० कृ० दसा० ६, १, २; श्रावरेता. सं० कृ० भग० ६, ५; १२, ६;

श्रावरेमाणः भग० १२, ६; श्रावरयंत. प्रत० १४१४; श्रावरिजाइ. क० वा० भग० ६, ३३; श्रावरिजांति. क० वा० प्रव० १२६८; श्रावरिजामाणः भग० १५, १;

भ्रावर त्रि॰ (अपर) थीलुं. दूसरा. Another सम॰ १२;

श्चाचरण न० (श्रावरण-श्रा-मर्थादया वृगो-तीत्यावरणम्) ६०२, ५५५०२ कवच; बक्तर. An armour जीवा०३,४, जं० प० राय० १३०; नाया० =; श्रोव० ३०; सूय० नि० १, =, ६२; ६३, (२) ढाल. ढाल a shield श्रोव० श्राया० नि० १, १, ४, १४६, (३) ढाडवुंते, ढांडणु ढाकना; दक्षन. covering; a cover पन ० २३; राय॰ ६२; विशे॰ १०४, सम० क ० प० १, २४, (४) मेलिंड आहि ५२४. मंत्रीह श्रादि द्रव्य. a substance such as Indian madder etc. जं॰ (૧) સર્વવિરતિ અથવા દેશવિરતિરૂપ પચ્ચખાણને અટકાવનાર ક્ષય, માહનીય **५भेनी प्रकृति सर्वविराति** श्रयवा देशविरतिरूप प्रत्याख्यान को राकनवाला कपाय, मोह-नीय कर्म की एक प्रकृति a valiety of deluding Karma obstructing the vow of partial or complete abstention from sense-pleasules. विशे० १२३४, (६) ज्ञान आहि શક્તિને આવરનાર દાંકનાર જ્ઞાનાવરણીયાદિ क्रमें, जान आहि शक्ति को ढंकने वाला जाना-चरणी्यादि कर्म. Karma obscuring knowledge and other powers of the soul. श्राजी १२७, विशेष ११५; क∘ गं० १ ३–६, ६, ६६; --- श्रवगमः पुं॰ (-श्रपगम) शानावर-शादिक्षते। अपगम-दूर थवु ते. ज्ञानावरणा-दिक कर्मी का दूर होना. exit, passing away, of knowledge-obscuring Karma etc पंचा॰ २, ४०; —दुग. न॰ (-द्विक) ज्ञानावरण अने दर्शनावरण, भे भे प्रकृति. ज्ञानावरण और दर्शनावरण ये दे। प्रकृतियां. the two Prakritis (Karmic natures) viz knowledge-obscuring and faithobscuring Karma. क॰ गं॰ १. **४४:** —श्रावरणावरगपविभक्ति (- स्रावरणावरणप्रविभक्ति) ३२ अक्षरना नाटक्यांनं क्षेत्रः वत्तीस प्रकार के नाटका मे से एक one of the 32 kinds of drama. " चंद्रावरण्पविभात्तच सुरावरण्

पविभात्तेच श्रावरणा धरणपविभात्त गाम दिन्वं गृष्टविहं उवदंशेहि '' राय० ६२;

आवरणिज्ञ न० (आवरणीय) आत्भानी हानादिशिक्तिने आवरनार; हानावर्शीयादि क्षेत्र को ढंकनेवाला जानावरणीयादि कर्म Karma obscuring the qualities of the soul such as knowledge etc. नंदी० =; आव० ४०, उत्त० ३३, २०; अणुजो० १२०; उवर० १, ७४,

श्रावरणी र्ला॰ (श्रावरणी) आवग्ण्डारी विद्या. त्रावरणकारा दकनेवाली विद्या Att of veiling or eclipsing things. नाया॰ १६;

√ श्रावरस (श्रा+नृष्) परसत् पाणी छांटतुं. बरसना; पानी छिश्कना. To shower water; to sprinkle water, to rain.

श्रावरसेजा. राय० ३४;

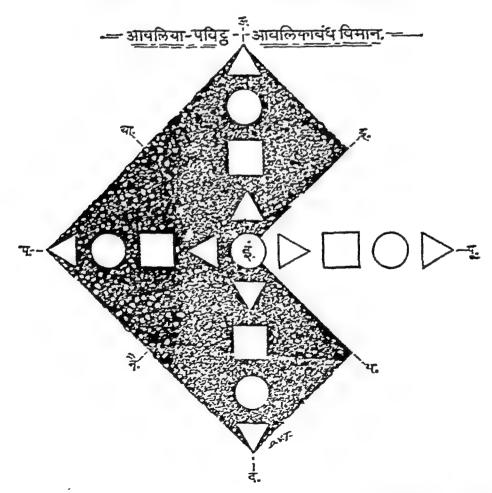
न्नाचरिय त्रि॰ (श्रावृत) ढां हेक्ष; आन्छादन धरेक्ष; ढाकाहुत्रा. Covered; hidden. भग॰ १४, १;

श्राविरसण न॰ (श्रावर्षण-सुगान्धितवारि-सिञ्चनम्) सुगंधि पाणीिना छंटशय धरवा. सुगंधित जलका छिटकाव करना. Sprinkling of cold water. श्रणुजां० २०; राय॰

श्रालवण न॰ (श्रावलन) अंग भन्धवुं ते. श्रंग मरोडना. Twisting of the body पण्ह० १, १;

प्रावित स्रं (प्रावित) द्वारः पितः द्वाधन श्रेगीं, पेक्ति. A line; a series. स् प १ १०, राय० ४४, ४८, ६१; श्रोध० नि० २०२, नाया० १; क० प० १, ३८; श्रावितय पविभक्ति न० (श्रावितका प्रविभक्ति) नाट्य निधि निरोध नाटक की विधि विशेष. A mode of dramatic performance. " आयोज्यपविभातिं यामं दिव्यं एड विहं उच्यंसेड् " राय॰ आयोज्या-या. श्री॰ (श्राविज्ञा) असं- भ्यात सभय प्रभाषे ओड डास विलाग; ओड खासीब्ध्यास्ती संभ्यातीम लाग. एक खा- चोच्छ्यास का संस्थातमाँ माग. A period of time consisting of innumerable Samayas or instants. विशे॰ ४३९; ६०६; श्रायुजी॰ १९४, १३८; जं॰ प॰ २, १८; नंदी॰ १२; मग॰ ४, १;

पंक्ति. line; row. जीवा॰ ३, १; सृ॰ प॰ १०; तंदु॰ —िण्वाय. पुं॰ (-िनपात) ४भथी भथतुं ते. क्रमशः मिलना. coming or getting of anything one after another in order. "ता जोगेति वत्युस्स श्रावाबिया णिवाते श्राहिन्तेनि चदेख्ता ताइति " मृ० प॰ १०; —पिचट ति॰ (-प्रविट) श्रेष्टीभां १९४३; भ्रेष्टीभां प्रवेश ४२४; पंटितणन्धः नरधान्यासना संक्षण के पंटितणन्धः स्थित अधी हिशाओभां श्रेष्टीभां—स्थेड क्षाधनमां शिक्ष,



४, ७; ६, १; २४, ४; पञ्च० १२; ठा० २, ४; श्रोव० १७; (२) श्रेशु; पंडित. श्रेगी;

तिहास अने बारस आधारना छे. श्रेगी में रहे हुए; श्रेगी में प्रवेश किये हुए; पंक्तिबंध; नरकावासके संस्थानं (आकार) जो पंक्तिवंध यान चारी दिशाश्रों में एक लाइन से गोल, त्रिकोण श्रोर चीरस श्राकार के है. in a line or row; in a graded order; e. g. the hellish abodes arranged in a line as differentiated from others situated promiscuously. The shapes of the former are either round, triangular or square, (see diagram) " श्रावालिय पविद्वाय श्रावलिय बाहिराय " जांवा॰ ३. ४; —वाहिर त्रि॰ (-बाह्य) हार पहार; बाह्यनपध नही; क्रेमतेम. श्रेणा बद्ध न होना; श्रव्यव-स्थित. not in a line: disordered जावा॰ ४: -समय परिमासः त्रि॰ (-समयपरिमाण) એક आवितना सभय जेटला एक **आवर्लि (आंख मिचकना)** के समय के समान of the measure of time equal to one Avali (twinkling of an eye) क॰ गं॰ ٧, =9;

√श्रावसः धा॰ I. (श्रा+वस्) वसवुं रहेवुं. रहना, वसना. To dwell, to stay.

श्रावसः विधि० श्राया० १, १, ६, ४४; श्रावसित्तणः हे० कु० नाया० १;

श्रावसंत. स्य॰ १, १, १, १६, श्राया॰ १, ४, ६, १५५; ठा० १; उवा॰ १, ६३; श्रावसद्द न॰ (श्रावस्य) मुझन; धर, रहे-क्षावसद्द न॰ (श्रावस्य) मुझन; धर, रहे-क्षालु रहने का मकान. A residence; a house. जं॰ प॰ ३, ४६, विवा॰ ३; ६, उत्त॰ १२, १३; स्य॰ १, ४, २, १४: (२) तापसनी आश्रम; मुझ्न तपस्वी का श्राग्रम, साधुका मुझन क ग्राग्रम, साधुका मुझन क ग्राग्रम, साधुका मुझन क्षाल्यम,

स्राया॰ १, ७, २, २०२, पग्ह २,३,

v. 11/13.

भग० २, १; — भवण. म० (-भवन)
निवासभुवन. निवासभवन. a place of
residence; a house. जं॰ प॰ ३, ४७;
श्रावसहियः त्रि॰ (श्रावसधिक) व्यात्रभअंपडीमां २ हेनार पत्ताका कापडा में रहने
वाला (One) living a monastery or in hut of leaves etc.
स्य॰ २, २, २१; दसा॰ १०, ७;

श्रावस्तश्र-यः न० (श्रावश्यक) साधु अने શ્રાવકને ળે વખત અવસ્ય કરવાની ક્રિયા, अतिक्ष्मश् साय श्रार धावक को प्रतिदिन दां बार अवश्य करने योग्य किया, प्रतिक्रमणः Pratikramana; a religious practice to be performed twice every day, without fail, by both ascetics and laymen. नाया " =. ठा० २, १, विशे० १; (२) તે ક્રિયા પ્રતિપાદક આવશ્યક નામનું સુત્ર. उक्त किया-प्रतिकमण-प्रतिपादक श्रवण्यक नामका सूत्र name of a Sutra explanning the above religious practice. टा॰ २, १, १०, नदी॰ ४३; प्रव॰ २३७, — झसुद्रीग पु॰ (- श्रनुयोग) भावस्य**५ सत्रनुं प्याण्यान** श्रावस्यक सृत्र का न्याख्यान. exposition of Avasyaka Sútra. प्रव॰ २३७, --करण. न॰ (-करण.) डेवस समुद्धात ध्या પહેલાં કેવલીને અવસ્ય કરવા યાક્ય વ્યાપાર. केवलममुद्धात करने के पहले केवली की श्रवस्य करने योग्य व्यापार, a kind of thought-activity necessary to be performed by a Kevali before Kevala Samudghāta पद्माः १६, ३१; -वहरित्त न० (-व्यतिरिक्त) આવસ્પક સિરાયના કાલિક અને ઉત્કાલિક स्त्रः आत्रस्यक सूच के मिनाय

श्रीर उत्कालिक मूत्र. the Kālika and Utkālika Sūtras excepting Avasyaka Sūtra তা॰ २; নর্বা॰ ४३; — सुयक्षंध न॰ (-श्रुतस्कध) એ নামনু প্রি ধুন एक सूत्र का नाम name of a Sūtia বিशे॰ १,

श्रावस्सगः न० (ग्रावश्यक) लुओ। " ग्राव-स्यग्न " ११७६. देखो " श्रावस्सग्न " शब्द Vide. " ग्रावस्स्य " पि० नि० ६७०; श्रामुजो० ५; भग० १८, १०, गच्छा० ५३, प्रव० १०७,

आवस्सया स्त्री॰ (ग्रावश्यकी) साधुओ स-वश्य डाम पड्ये णहार छती वर्णते ' आ-વસ્સહિ '' શળદ ખેબલવા તે, સામાચારીના थे।थे, प्रधार साधुको त्रावश्यक कार्य्य के लिये वाहिर जातं समय 'त्रावस्मिहि' शब्द बोलना. सामाचारी का चौथा प्रकार. The fourth variety of Samachari (ascetic night conduct); viz uttering the word " Avassahi " at the tune of moving out on some unavoidable business प्रव० ७६७, श्रावस्तिया स्त्रा॰ (श्रावश्यकी - श्रप्रमत्त्वे-नावस्यककर्तन्यन्यापोर सवाऽऽवस्यकी) સાધુને જરુરનું કામ પડયે, ઉપાશ્રય બહાર જવું પંડ, ત્યારે તે પ્રસંગ આવશ્યક છે તેનુ રમરણ કરવાને મોડેથી 'આવસ્સિયા ' શળ્દ કહેવા તે સામાચારીના પ્રથમ પ્રકાર साबु को किया जरूरी कामके लिये उपाश्रय के वाहिर जाना पड़े तब उस श्रावस्थक प्रसग की यात्रव्यकता स्मरण करने के लिये मुँह से ' ऋत्वास्पया' शब्द का कहना; सामाचारी का प्रथम भेद. The first variety of Sāmāchārī; viz utterance of the word "Avassiyā" in a loud tone by a monk at the time

of leaving monastery for some pressing work. "पढमा श्रावास्त्रया णामं" उत्त॰ २६, २; ठा॰ १०; प्रव॰ ७७२, पंचा॰ १२, २;

श्रावास पुं॰ (श्रापाक) निंकाटेर. कुम्हार का भद्रा; श्रावा. A potter's kiln. नंदी॰ ३५;

श्रावाद्ध पुं॰ (श्रापात) उत्तर लरतभांना दिशत नामे लिखनी अह जात. उत्तर-भरत के भीलांकी किरात नामक एक जाति. A tace of Bhils called Kirāta in Uttara Bharata. "उत्तरदुभरहे वामे वहवे श्रावाद्य गाम चिलाता परिव-संति" इं॰ प॰ ३, ४८;

স্থাবায়, पुं॰ (স্থাদার) আবন্ধব; মাজুমীনু गभनागभन. श्राना जाना; मनुष्यों का श्रावा-गमन. Coming and going of men; coming and going. ' तस्त भोयणस्स श्रावाषु भद्दपु भवद् " भग० ७, १०; उत्त० ४, २; २४, १६; श्रोव० ३६; श्रोघ॰ नि॰ २६६; —भद्दयः पुं॰ (-भद्रक) **પ્રથમ મેલાપમા છાલવા ચાલવા વિગેરમાં** सुभ आपनार पहली भेंट में वातचीत वर्ग-रह में सुख देनेवाला. (one) pleasing at first sight or meeting. " MI-वायभद्दए गाममेगे गो संवासभद्दए " ठा० ४; श्रावाश्र-य. पुं॰ (श्रापाक-समन्तात्पारवेप्टा-पच्यतेऽत्र) नि लाडे। भद्य; श्रावा. A kiln; a potter's kiln " कुभकारावाए इवा कवेल्लुयावाए इवा रहावाए इ वा" ठा० =; आवावकहा स्रं। (श्रावापकथा) लेलिन संभधी ४था ४२४१ ते. भोजन सम्बन्ध की कथा करना. Talk about food. ठा० ४, २;

श्रावास पुं॰ (श्रावास—श्रावसन्ति येपु ते श्रावासाः) आवास; भहेदा, हवेदी, निवा- स्रान, रहेश्ल. रहनेकी जगह; हवेली, घर; महत. A palace; a mansion; a residence राय॰ २२७; नाया॰ =; १६; जं० प० ५, ११४; ११५; जीवा० ३;४, उत्तर ६, २६: भग० ६, ४; १३, ६, १८, u: १६; ७; ब्रांव० सम० ८, (२) शरीर शरीर. the body. सम॰ (३) आवास नाभना એક દ્રીપ અને એક સમુદ્ર आवाम नाम का एक हीप और एक ममुद्र. name of an island, also that of an ocean. जीवा॰ ३: ४, पन्न॰ १४, (४) नरधावास. नरकावास abode of hell. प्रव० ४१; —पटचय पुं० (-पर्वत) नाग राजित। आवास पर्नतः नागराजा का श्रावास पर्वत name of a mountain-residence of Nagaraja. " गोधुमस्य यं ष्यावासपन्वयस्स '' सम० भग० २, ८;

श्रावासग पुं॰ (श्रावासक) निवासस्थान; रहेवानुं स्थान निवास स्थान, रहने का स्थान. Habitation, place of residence. सूर्य॰ १, १४, २,

श्रावासय-ग्रा. पुं॰ (श्रावासक) पक्षितु धन्-भानीः पत्ती का घर, घोंमला. A. bird's nest सूय॰ १, १४, २;

श्रावासय. न० (श्रावश्यक) आवश्यक क्रेन्थ श्रावश्यक कर्नन्य. A thing which must be done. श्रोघ० नि० २२०,

√श्राचाह घा॰ II. (श्रा+बह्) देवादिअनुं आवाहन अरतुं, प से भोसायवुः श्राबाहन करना, नजदांक बुलाना To call, to invite; to invoke.

त्रावाहेड् ''तालुग्वाडिणिविजं स्रावाहेड् '' नाया॰ १८,

श्राचाह पुं० (स्रावाह) विवाद पहेलां तांण्यल देवाने जित्सव. विवाह के पहले पान देनेका उत्सव The festivity of giving betel-leaves before the celebration of marriage. जीवा॰ ३३; जं॰ प॰ २, २४; (१) त्य भरागृत वहुवरने प्रथम धेर लावना ते. नव विवाहित वध्वर को पहिले पहिल घर लाना bringing home a newly married couple for the first time. पग्ह० ३, ४:

श्राचाहणः न० (श्राहान) आमंत्रण देवुं; भेरावाववुं. श्रामंत्रण देना, बुलाना Invitation; calling. विशे० १८८३,

आवि. अ॰ (श्रिष) संक्षावना, सभुव्ययपत्तु. संभावना, समुचय; परंतु (An indeclinable meaning), possibly; also. श्राया॰ १, १, ५, ४१, क॰ गं॰ १, २६;

श्रावि. अ॰ (श्राविर्) अगट; लाहेर प्रगट;

जाहिरं Publicly; openly " श्राची वा जहवा रहस्ते' उत्तर १, १७, — कम्म. नरु (कर्मन्) भुश्का-अगर कार्य, जाहिर काम an action openly or publicly done. श्राचार २, १४, १७६, रायर २१३, ठार ६, कप्पर्थ, १२०; श्राविई खीर (श्राविची-श्राविचदेशोन्नवा) व्यवीय देशमां उत्पन्न की A woman born in the country of Avicha रायर श्राविद्व त्रिर (श्राविद्य) युक्त थ्येस. त्रीया श्राविद्व त्रिर (श्राविद्य) युक्त थ्येस. त्रीया

united with सम॰ ३०, (२) अधि-थित अविधित. presided over by; possessed by, ठा॰ ४,

प्राविद्ध त्रि॰ (ग्राविद्ध) पहेरेशुं, धारख

करेश पहिना हुआ, धारण किया हुआ Put on. नाया १, ५: ज॰ ५० ३. ५:७;

परह० १, ३; जीवा० ३, ४; स्त्रीव० २७; राय० ६१; (२) વીટેલું, યથે।ચિત બાંધેલુ लेपटाहुन्ना; यथोचिन राति से बांबा हुन्ना. wiapped; properly tied ज. प. प्र, १२१; कष्प॰ ४, ६२; —गुडिश्र-न॰ (-गुडिन) व्याविह-पदेशवेद छे શુડિય-પાખર-મોતા રૂપાના પ્રુલની ળતાવેલ अुअ. पहिनाई हुई मोने चादी के फूलो की बनी मृत्त. an ornamental cloth of gold and flowers placed on the back; (e.g of an elephant etc). विवा॰ २; --मिण सुवग्ण त्रि॰ (-मिण-ચુवर्ण) પહેર્યાં છે મણિ અને સુવર્ણનાં धरेखां रुखे ते जियने रत्न जडित सुवर्ण के आभूषण पहिरे हो वह. (one) who has put on ornaments studded with jewels दमा०१०, १, —मिंग्ऋसुत्तगः त्रि॰ (-माणिक्य-स्त्रक) केंछे भाषेक्ष क्यिन स्त्रक्र-हारे। भे धेरेक्ष छे ते जियन माणक से जडा हुआ मृत्रक-दोरा पहिना हो वह (one) who has put on a necklace studded with jewels जं प र, ४%; —बीरवलय त्रि॰ (-बीरवलय -श्रावि-द्धानि वीस्वलयानिवीरत्व गर्वम् वकानि बलवानि चेन) वीर धु३षे।ने पढ़ेरक्षानुं भाभूपण केले पढेर्युं छे ने बीर पुरुयों के पहिरने का त्राभूपण जिसने पहिना है वह. (one) who has put on an ornament worn by heroes. नाया० ५;

श्राविद्भाव. पुं॰ (श्राविर्भाव) प्रगट थर्नु; प्राहुर्भाष थरी. प्रगट होना; प्राहुर्भाव होना. Manifestation. विशे॰ ६७; √ श्राविरभव वा॰ II. (श्राविर्+भू) व्याविर्लोव थवे।; प्रगट थर्नु. त्राविर्नाव होना; प्रगट करना. To be or become manifest.

श्रानिब्भावेमि. प्रे॰ स्य॰ २, ५, १९;

श्राचिल ति॰ (श्राविल) आहुत. श्राकृत.

Distracted मम० ३०; (२) ह्युपित;

डें। केलुपित; गंदला. turbid. ''श्रतृष्टिदोसेण दुही परस्स लेभाविले श्रायवई श्रदनं''
उत्तः ३२, २६; जीवा० ३; — पा. पुं०
(-श्रामन्) अ'हुत आत्मा श्राकृत
श्रासा. a troubled soul. '' श्रमशंकरेभिवल् श्रणाविलप्पा''स्य० १, ७, २१;
√ श्राविस. था० I. (श्रा + विश्) सेववुं;
ले।अववुं. सेवन करना; भीगना. To
endure; to experience; to resort to.
श्राविसामे. विशे० ३२४६;

स्नावीइमरण. न॰ (स्नावीचिमरण) सभ्ये सभ्ये आयुष्यता हसती। अपयय-धाय ते; अपयुष्य सभ्ये सभ्ये ओछुं थाय ते. समय समय पर त्रायुष्य के दल का स्नावय होना; सनय समय पर स्नायुष्य का ज्ञय होना. Diminution of life every in-

stant. सम॰ १७; श्रावीइसारिएयः न॰ (श्रावीचिमीज्ञन) अविश्विताभनुं भरख्. श्रावीचि नाम का मरण. A variety of death named Avichi. प्रव॰ १०२०;

ऋाविकिम्मः न० (श्राविकिम्मं) लुओ। " श्राविकिम्म " शण्ट वेखो " श्राविकिम्म " शब्दः Vide " श्राविकिम्म " जं० प० २,३1;

त्राविधिय मरणः न• (त्राविधिकमरण) लुओ " त्राविइमरण " शण्टः देखो " त्रावीइमरण " शब्दः Vide " क्रावी-इमरण " भग० १३, ७; श्रावुत्तः त्रि॰ (श्रब्युक्तः) नं हि डीधेल; पगर डीधेल. बिना कहा हुआ. Not said; not spoken. स्य॰ २, २, ५६;

√ त्रावेढः था॰ I (श्रा + वेष्ट्) वीटवुं लपेटना. To wrap round, to encircle.

श्रावेढइ दमा० ६, ६;

श्चाचेढियः त्रि॰ (श्रावेष्टित) वि टेस लेपटा-हुआ. Wrapped round; encircled. ठा॰ १०; भग० =, १०; १६, ६; निस्तं० १६, ४०-४१; नाया० १६,

श्वावेदियः सं ॰ क्र॰ (ग्रावेद्य) ३६ीने कहकर. Having said or told. पंचा॰ १४, ४४;

√श्रास. धा॰ I, II. (श्रास्) भेसवुं. बैठना To sit.

ऋासइ व० प्र० ए० नाया० घ० श्रासे. वि० दस० ४, द; श्रास श्रा० दस० ७, ४७; द, १३; श्रासइस्सामो. भवि० भग० १०, ३;

श्चासहत्तप् भग० ७, १०; १३, ४; १७,२;

म्रासइतुः दस० ६, ५४; म्रासमाणः " श्रजयं श्रासमाणोय " दस० ४,३,राय०३,६;

श्चासः न० (श्वारा-श्वशनमाशो भोजनम्) शेलिनः भोजनः Food. " सामासाए पायरासाए" सूय० २, १, १५; नाया० ५,

श्चास्त न॰ (श्चास्य) भुभ, भों भुख, मुंह.
Mouth; face. पिं० नि० ३४०; नाया॰
म; ९; दस॰ ५, १, मध; दसा॰ ७, १;

श्वास. पुं० { श्रश्च-श्रश्तुते द्याप्नोति मार्ग-मित्यश्वः) थे। डे।; २५%. श्रश्वः घोडा A horse. सम० १४; उत्त० ४, ६; ६, ५, ११, १६ श्रशुजी० ६३, १३१: ठा० २, ३. विशे० १४१६, नाया० १७, भग० ३, ४,

७, ६; ६, ३४; ११, ११; श्रोव० ३१; ३८; दसा॰ ६, ४: १०. ३; विवा॰ ६ जीवा॰ ३, १; श्राया॰ २, १, ४, २७; जं० प० ७, ૧૫૭; (૨) અધિની નક્ષત્રનાે અધિષ્ટાતા हैवता अधिनी नजन का अधिष्टाता देव. the presiding deity of the constellation Asvinī. जं॰ प॰ ७, १४७; सू॰ प॰ २०; (३) અશ્વદેવતાથી ઉપલક્ષિત અશ્વિની નક્ષત્ર. श्रश्व देवना से उपलक्षित श्रश्विनी नक्षत्र. the constellation Asvinī preside I over by the diety Asva. चं० प० २०; -- कर्ल. न० (-कर्ल) ધાેડાને કલા સીખવવાની જગ્યા घांडे को कला सिखाने की जगह a place for training horses निमी॰ १२, २६; -किसोर पुं॰ (-किशोर) जात्रात धे अने भन्यः व अंधे आतिवान् घोडे का बचा. a young one of a noble horse, a colt नाया॰ १३: - किसोरी. स्रो॰ (-किशोरी) व्यतवान धाडी, वब्छेरा. जातिवान घोडी, बहेरी, a maie noble breed; a filly नाया॰ -क्लंघ. पुं॰ (~स्कंघ) धे।ऽ।नी डे।३-ખાંધ घोडे का कंघा. the neck shoulder of a house. আ০ ২: नाया० १२: १०, जे० प० ७, १५६: —क्खंध वरगय त्रि॰ (-स्कंधवरगत) धे। । ५२ थटेश घोड पर चढा हुन्ना. mounted on a horse, नाया॰ १२; १४, - जुद्ध न॰ (- युद्ध) धे। अनं युद्धः मोडों का युद्ध house-fight. निसी॰ **१**२, ३०; —धर त्रि॰ (-घर) धें।। वावी; साहागर घोडावाला, घोडो का सोदा-गर (one) who has a horse or horses: a horse-merchant.

ठा० २; जं० प० ३, ६७; — पोसय त्रि० (-पोपक) ધાડાના પાયનાગ; સાદાગર घोडे को पालने वाला. (one) who breeds up horses, a horse-merchaut. निसी॰ ६, २३; --- प्पमह्य. (-प्रमर्दक) धेराने इक्षा शीणवनार. घोडे को कला मिलाने वाला (one) who trains horses नाया॰ १७; ---मच्छियाः स्री॰ (-मचिका) धे।ऽ।नी भाष, था। घोडो के शरीर में लगने वाली मक्खी, बग a horse-fly. पिं० नि॰ भा॰ ४६; — मट्ट, पुं॰ (-मृष्ट) धाराना सभारताराः घांडे का सधारने वाला. चातुक श्रसवार a horse-breaker निर्सा॰ ६, २३; -- मद्दश्च त्रि॰ (- मर्दक) धे। अने भर्दन करनार, घोडो की माजिश करने वाला (one) who subs the body of a horse. iनसी॰ ६, ३३: नाया १७, - मद्दग त्रि॰ (-मईक) धे। धाने भईन ४२न। २. घोडा की मालिश करने वाला (one) who rubs the body of a horse. नाया॰ १७; —रयगा. न॰ (-रहन) अश्वरतनः अक्षय-र्तिना चे।६२तनभानु को ३ २तन श्रश्वरस्न चकवर्ती के चौदह रत्नो से का एक रत्न. an excellent horse, one of the 14 gems of a Chaktavarti " भरतस्य कमलामेलं गामेगं श्रासस्यग्रेन-णावईक्रमेण समीभरूढे " जं० प० ठा० ७, पन्न॰ १६, २०; --रह पु॰ (-रथ) ધાડા ગાડી, જેમાં ધેડા જોડાય એવા રથ. घोटा गाडी, जिसमें घोडे जुने ऐसा रथ a harse carriage. नाया॰ ३; ६, १६, १६, भग० ७, ६; ६, ३३, राय० २५६, ज॰ प॰ --राय पु॰ (-राजन्) ^{२५१५}राज-प्रधान-ઉत्तम धे।डे। स्रक्षसज,

प्रधान घोडा-उत्तम घोडा. an excellent horse. ডা॰ ५; — ভ্ৰব. বুঁ০ (-হৰ) धे। अनु रूप घोडे का रूप the shape, beauty, of a horse. नाया॰ ६; भग॰ ३, ४, —रोह पुं॰ (-रोह) धे। ३ स्वार. घोड सवार. a horseman. निर्सा॰ ६. २३; -वर. पुं॰ (-वर) उत्तम जातिने। धे। डे. उत्तम जाति का घोडा. a horse of noble breed. दमा॰ १०, ३; ६, ३३; श्रोव . — बाहा स्थित र्ह्मा (-बाहानिका) बेाडानी स्वारी; अध श्रीडा. घोडे की सवारी; श्रध कीटा horseriding; play on horse-back. विवाक ६; नायाक १२; १४; —सहस्म. न॰ (-सहस्र) हुजार घोडे. a thousand horses निर॰ १, १; आसंदिया. छो॰ (आमन्दिका) भांशी; ખાટલી, खाट, a small wooden frame (seat or cot) strung up with cotton or hemp strings. स्य० १, ४, २, १५; श्चासंदी स्नी॰ (ग्नास्यन्ती) थेरे जातनुं

न्नासंदी. स्नी॰ (न्नास्यन्दी) भें श्रे श्रान्तुं भासनः स्नारः व्यादनः साथी. एक प्रकारका न्नासनः स्नारः a kind of seat. a wooden frame strung up with thread and used as a seat 'न्नासंदी पालियंकेय '' पि॰ नि॰ ३६१; स्य॰ १, ६, २१; दस॰ ३, ५; ६, ५४, (२) धटडीनु भायडुं. बांस की न्नार्थाः a bamboo frame to carry a corpe. स्य॰ २, १, १४; न्नारंससइय ति॰ (न्नासंशयित) नि सश्यः

आसंसन्य श्रोगः पुं॰ (आशंसाप्रयोग— आशंसनमाशंसाऽभित्तापः तस्या प्रयोगोः

ble स्य॰ २, २, १६;

संशय रिहत, केमां संहेह नधी तेवं नि संदह;

संदेह राहेत. Doubtless; indubita-

ज्यापारणम् करणमाशंसाप्रयोग) आशंसा अभिक्षाधा करवी ते. श्रमिलाषा करना. Hoping, desiring; wishing. प्रव० २६६, ठा० १०;

श्रासंसा. स्री॰ (ग्राशंसा) क्षाम लीग मेस-प्यानी धन्छा; असिसाधा. काम मोग प्राप्त करने की इच्छा Desire or wish for sensual pleasures स्य॰ २, १, ४०, खवा॰ १, ४७, प्रव॰ २६६; ६२३,

श्रासंसार श्र॰ (श्रासंसारम्) संसार छे
त्यासुधी. ससार है तवतक So long as
or as far as the world exists
or worldly life exists. प्रव॰ ६३७;
श्रासकाएए. पुं॰ (श्रश्वकर्ण) अव्यक्ष समुद्रभांना पर अंतर दीपभाने। अश्वक्ष्य नामने।
ओड अंतर दीप लवण समुद्र के ४६ श्रन्तर
हीप में का श्रश्वकर्ण नामक एक श्रन्तर हीपName of one of the 56 Antara
Dvīpas (islands) in Lavana
Sumudra. (२) त्रि॰ ते दीपना २६पासी उक्त श्रन्तर हीप के निवासी। मनुष्यa native of the above island.
ठा० ४, २, जीवा॰ ३, ३, पन्न॰ १;

श्रासग. न० (श्रास्पक) भे। दुं; भुभ. मुख, मुह Mouth; face. भग० १४, १; नाया० १२; १४, सूय० २, २, ४६, दसा० १, ३,

आसग पुं॰ (आस्यग) ही शु फेन. Foam; froth पत्र॰ २,

श्चासरगीचः पुं॰ (श्वश्वयीव) लरतक्षेत्रना याञ्च अन्तस पेंखीना पढेंबा अतिवासुदेवनुं नाभ भरत चेत्र की वर्तमान श्रवसर्पिणी के प्रथम प्रतिवासुदेव का नाम. The first Prativasudeva of the current Avasarpini (descending cycle) of Bharatakṣetra. प्रव॰ १२२७,

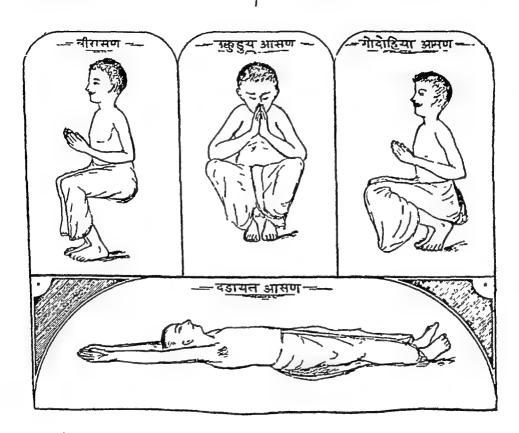
श्रासजा. न॰ (त्रासजा) क्षिया विशेष क्रिया विशेष. A particular kind of action. श्रोघ॰ नि॰ २२६;

श्रासज्जः. सं॰ कः (श्रासाद्य) प्राप्त करीते; भेववीते. प्राप्त करके; पाकर. Having got to, having acquired. विशेष प्ररण; श्राया॰ १, ३, २, १११; पिं० वि॰ १ ४८, प्रव॰ ६६६,

श्रासणः न॰ (श्रासन) आसनः भैठेडः સિ હાસન; ભદ્રાસન, મયુરાસન વગેરે, તપ માટે આસન લગાડવા તે જેમ વીરાસણ, ઉક્કડિયાસણ, દંડાયત આસણ ઇત્યાદિ. श्रासन, बैठक, सिंहासन; तपश्चर्या मे साधको लगाने के श्रासन जैसे वीरासन, दडायत प्रास.न इत्यादि (देखो चित्र) an unnatural bodily seat. posture, e. g Mayūrāsana etc. adopted by a Sādhu while practising penance (see diagram). उत्तर १, २१; ३०; ७, ५; उवा॰ २, ११३, राय॰ २३३; २८६; दस॰ ४, २, २८; ८, ४, १७; सू० प० २०; श्रोव० नाया० १; २; ४, ८, १३, १४, १६: सम० ६, भग० २, ४, ४, ७, १७, ३; २५, ७६ सु० च० ३, ४४; जं० प० २, ३३: स्य० १, १, ४, ११, १, ४, १, ४, श्राया० १, દ, રે, ૧૨; ૨, ૪, ૨, ૧૨૦; (૨) આસ-न वाली थेसवं ते. श्रासन लगाकर बैठना. sitting in a particular bodily posture. प्रव॰ १५८१; — ऋगुष्पदागा. न॰ (- श्रनुप्रज्ञान) सत्कार करवाने आस-श्रासन का श्रामत्रण करना honouring any one by inviting him to a sent भग० १४, ३; ठा० ७, — श्रिभ-गाह पु॰ (- ग्राभिग्रह) आसन सणधी

અભિત્રહ धारण કरवा ते. श्रासन संबंधा श्रभिग्रह धारण करना. taking a vow in connection with seat. भग॰

neighbouring; near. भग॰ १, ६; श्रोघ॰ नि॰ १०; दसा॰ २, ३; ४; ५; --सिद्धिय वि॰ (-सिद्धिक) तरतभां



१४, ३, सम॰ ६१, स्रोव॰ २०, -- स्थ. प्रि॰ (-स्थ) ઉલડક ગાદાહ વગેરે આસન वालीने रहेनार उक्कट गोदोह श्रादि श्रासन लगाकर वैठाहुआ. (one) sitting or 10 maining in a particular bodily posture; e g like that of one milking a cow. श्राया॰ १, ६; ४, १४, प्रच० १२५,

श्रासग्यः पुं॰ (श्राप्तनक-श्राप्तनमेव श्राप्तनकः) आसन. श्रासन. A seat; a bodily posture. वेय॰ ४, ३२;

श्रासग्ण त्रि॰ (श्रासन्त) નજીકનું; પાસેનું नजदीक काः समीपका Adjacent, श्रासत्तमं श्र॰ (श्रायसमम्) सात पेढी

સિદ્ધ થાય એવા; થાડા વખતમાં સિદ્ધિ पामनार तुरंत सिद्ध होनेवाला, थोडे समय मे सिद्धि प्राप्त करने वाला. (one) who is to acquire perfection immediately. पंचा॰ ११, १५;

श्रासत्त पुं॰ (श्रासक्त) भूभिभां क्षानेत्र; ઉપરથી નીચેના ભાગ સાથે લાગેલ. મૃૃૃં મ मे जुडा हुआ; ऊपर से नीचे के भाग के साथ संयुक्त. Clung to the earth; attached to the upper as well as the lower part राय॰ ४६; पत्र॰ २; श्रोव० काप० ३, ४१;

पर्यत. सात पीडी तक. Up to the 7th generation. नाया॰ १; १६; भग॰ ११, २०;

श्रासत्ति. स्री॰ (श्रामिक) परिश्रह आहिभा शृद्धि परिश्रह श्रादि में श्रासीक Attachment to worldly possessions etc पराह॰ १, ४,

श्रासत्तोसत्त ति० (श्रासक्तोत्सक) ७५-२ना लागथी नीचेना लागने वागेवा ऊपर कं भाग से नीने के भाग तक लगा हुआ. Attached from the upper part to the lower part कष्प० ३, ४१; श्रासत्था ति० (श्राश्वस्त) व्याराभ लीधेल श्रासा पाया हुआ, विश्रान्त Soothed; comforted; refreshed श्रोव० नि० भा० ४४, नाया० १; २, ३, ६, ६; १६,

१८, भग० ११, ११; १५, १, काप० १, ४,

विता ३, ६:

आसत्थ. पुं ० न० (घश्वःथ) भीभक्षी भीपल.

The holy fig--tree. सम० प० २३३,

—पत्त. न० (-पत्र) भीभक्षाना भान
भीपल का पत्ता. a leaf of the holy
fig-tree निर्सा० १८, १६; —वश्व. पुं०
(-वर्चस्) भीभक्षाना भाइण, ६८ना इथराना
देगक्षा. पीपल के पत्ते और फल के कथर
का देर a heap of the rofuse of
the leaves and fruits of the
holy fig-tree निर्सा० ३, ७=;

√त्रासदः धा॰ I. (न्ना+शद्) णाधा करवी, पीडा करवी. वाचा करना, पीडा करना. To give pain; to afflict; to trouble.

श्रासादए दस० १, ६, १, ४, निर्सा० १३, १२,

ग्रासाइजा त्राया॰ १, ४. ६, १६५ ठा॰ ४. उवा॰ ८, १४० १४४,

V. 11/14.

श्रासन- न॰ (श्रासन) लुओ " श्रासण " शुभ्दः देखो " ग्रामग् " शब्द. Vide '' त्रासण् '' पन्न० ११; इस० ७, २६; श्रीसन्न. त्रि॰ (त्रासन) ल्रेगा " श्रामगण " शण्ह. देखां " ब्रासराग " शब्द. Vide " त्रामएण " विशे० ६२६; श्रोघ० नि० २६; पिं० नि० २०६; २४६, प्रन० १३२; पचा॰ ३, ४७, सम॰ ३३, --भव्य पुं॰ (- भन्य) तेक अने अथवा धीके त्रीके ભવે માક્ષ જનાર જીવ, નજીક વખતમા भेक्ष ज्या ये। भ्य सप्यक्षव उना ही भव मे या दुमरे तीसरे भव में मोच्च जानेवाला जांत. a soul which is to attain final bliss in very near future i e in the same birth or the

न्नासपुरा. स्नी॰ (अश्वपुरा) पद्मा विजयनी भुभ्य नगरी पद्मा विजय की मुन्य नगरी. The capital-city of Padma Vijaya. ठा॰ २, ३, ८,

2nd or 3rd. प्रव० १२६०:

ग्रासम. पुं॰ (ग्राथ्रम) आश्रम, तापस લોકાને રહેવાની જગ્યા. श्राश्रम, तपस्वी लोगा के रहने की जगह A hermitage. (ર) ચાર આશ્રમ પૈકી એક આશ્રમ. चार श्राश्रमों में से एक आश्रम one of the four stages of life. मु॰ च॰ ७, १८०, ठा० २, ४; उत॰ ६, ४२; ३०, १७, त्र्राया० १, ७, ६, २२२; सूय० २, २, १३, भग० ७, ७; ३, ७, ७, ६, पगह० २, १; वेय० १, ६; पंचा० ७, १४, -- पय-न० (-पद्) તાપસ લાેકાના આશ્રમને નામે ઓલખાતુ સ્થાન. नापसी लोगों के आश्रम के नाम से प्रसिद्ध स्थान. a heimitage; a place of abode of a hermit कप्प॰ ६, ११६, —भेय पुं॰ (-મેद) વ્રહ્મયર્વ, ગૃહરથ વગેરે આક્ષમના

মাঃ এরাবর্য, गृहस्य আदि আগ্রমন্ধ भेद. the four different stages of life distinguished as student's life, householder's life etc. প্ৰাণ ৭০, ৭০;

श्रासमपय न० (आकामपद) से नाभनुं स्थेड थान. एक बाग का नाम. Name of a garden. काप० ६, १४६;

आसामित्त पुं॰ (शक्षिमत्र) अश्विभित्रायार्थं नामना याथा निन्हव हे केले हरेड पहार्थ क्षले क्षले नाश पाने छे सेम स्थापन डर्डुं॰ अश्विभित्राचार्यं नामक चोथा निन्हव जिसने कि प्रत्येक पदार्थ प्रतिच्चण नाश पाता है, ऐसा मिद्धान्त स्थापन किया Name of the fourth Nunhava who established the doctrine that every thing perishes every moment. डा॰ ७, ५;

आसमुह. पुं॰ (अक्षमुख) अवण समुद्रभां
ऽ। ६ १२ जता विदिशामां २ ६ अव्धमुण
नामने। अने अन्तर-द्वीप लवण समुद्र में
विद्विशा में स्थित अक्षमुख नामक अतर द्वीप
Name of an Antara Dvīpa
(island) in a cardinal direction of Lavana Samudra ठा०४,
२; (२) वि॰ ते द्वीपमां २ ६ नार मनुष्य
छक्त द्वाप में रहनेवाला मनुष्य a person
living in the above island.
वीवा० ३, ३, पत्र० १:

द्यासय, न० (आस्यक) भेग्दुं; भुभ मुख, मुह Mouth; face. वव० ६, ४५; आया० २, २, १, १०६; जीवा० २, १;

श्रासय पुं॰ (श्राध्रय) आसमः स्थान, भडान श्रात्तय, स्थान, मकान. A house, an abode, a place ठा॰ ३; (२) सेनवा याण्य सेनन करने याण्य. a pro-

per resort; (anything) fit to be resorted to. नाया॰ १०; (३) आश्रय; आधार. ध्याश्रय; आधार. support. उत्त॰ २८, ६; पएह॰ १, १; विशं॰ १०४४;

श्रासय पुं॰ (श्राशय) थितवृत्तिः; परिश्रामः वित्तग्रीतः; श्राशयः A state of mind; inclination of mind. पंचा॰ ७, २४ः १६, २४ः —िविचित्तया स्त्री॰ (-िविचित्रताः) परिश्रामनुं विश्वित्रपश्चं, अिभ्यायनुं विविधपश्चं परिश्राम की विचित्रताः श्रामिश्राय की विवित्रताः प्रकां परिश्राम की विचित्रताः श्रामिश्राय की विवित्रताः प्रकां पर्वां १६ परिश्राम श्री (-मृद्धि) परिश्राम वृद्धि परिश्राम श्री increase in thought-activity, increase in sense-perceptions and their objects. पचा॰ ७, २४:

श्रासयमाण, व॰ कृ॰ त्रि॰ (ऋष्राशायमान-ष्याशयत्) आशा ६२तो. श्राशा करता हुत्रा. (One) entertaining & hope. विवा॰ १;

√ म्रासर था॰ II (म्रा+पृ) सर ६ पुं; भसपु; ढां अर्थुं. सरकना; हलना. To move.

श्रासारेइ प्रे॰ नाया॰ ३;

आसस्ह. पुं॰ (श्रश्वरूह) धे। देशार घोडा सवार. A. horseman. जं॰ प॰ ३, ४४,

ग्रासल त्रि॰ (आशत) स्वाह क्षेता येग्यः; भाषा येग्य स्वाद लेने योग्यः Worth being relished or tasted. जोवा॰ ३, ४, पत्र॰ १७;

त्रासन पुं॰ (ब्रामन) हारू; भहीरा; भद्य; शराण दारू; मार्दरा; शरान. Wine; intoxicating liquor. पिं॰ नि॰ १४. १३६, राय॰ १३३; २२४; पन्न॰ १७; उत्त॰ ७, ३४, १४; श्रोव॰ जीवा॰ ३, ३०४; —(वो) उद्गा. छी॰ (-उद्का —ग्रास-व इव चंद्रहासादिपरं उदकम् यासा ताः श्रासवोद्काः) भीक्षा पाष्पीनी पात्र. मीठे पानी की बावड़ी a well of fresh water. जीवा॰ ३, राय॰

श्रासव, पुं॰ (श्राध्रत्र) छपरूप तक्षायमां કર્મરૂપ પાણીને આવવાનું ગરતાલું, કર્મ આવવાનું દ્વાર; મિથ્યાત્વ અવિરતિ પ્રમાદ કષાય અને અશુભયાગ એ પાંચમાન शभे ते थे। औब-हार तलाव में कर्म--रूप पानी आने का रास्ता---हारः कर्म श्राने का द्वार; मिथ्यास्त्र, श्राविरति प्रमाद, कषाय और श्रशुभयोग इन पांचों मे का कोईमी एक. A. door, a sluice for the inflow of Karma; any of the five viz. Mithyatva, Avirati, Pramāda, Kasāya and Asubhayoga श्रोव॰ १०, ३४; उत्त॰ १८, ५; २८, १४; ३४, २१, सम० १; नाया० ६, भग० २, ५; ४, ६, आयार १, ४, २, १३०; १, ८, ७, १०, ठा० १, २, २, १ पि० नि०६३ पंचा० ४, ४७, क० गं० १, १४, स्य० २, ४, १२, —िंगिरोहभाव पुं० (-निरोधभाव) આશ્રવના નિરાધ કરવા તે, કર્મના દ્વારને **અ**/ કाવવા ते आश्रव का निराव करनाः कर्म के द्वार को रोकना. stopping the inflow of Karma, stopping the door of the inflow of Karma पंचा० ५, ४७; --दार. न० (-द्वार) આશ્રવ-પાપ આવવાના દ્વાર, દરવાજા श्राभव-पाप श्रानेका-द्वार. a gate through which Karma enters. " पंच त्रासव दारा प॰ तं॰ । मच्छतं त्रवि-रइ पमाया कसाया जोगा "ठा० ५, २; सम॰ ५, भग॰ १, ६; ३, ३, —सन्ति। त्रि॰ (-सिन्तिन्-न्राभवा हिंसादयस्तेषु सक्तासंग त्रास्त्रवमक्तं तद्विद्यते यस्य स ग्राभवमक्ती) आश्रपते। सग इरतारः ग्राभव का संग करने वाला (one) attached to practices like killing etc which cause an inflow of Karma. न्नाया॰ १, ५, ११४५,

आसवतर. पुं॰ (आश्रवतर) अतिशय आश्रव; डमेनी धर्छी आवड. अतिशय आश्रव; कमें का बहुत आना Excessive inflow of Karma. भग॰ १३, ४;

श्रम्भासत्वर पु॰ (श्रश्ववार) अश्यार, थे। डेश्यार. सवार. A. horseman. " मह श्रासा श्रासवरा उमग्रोपासि खागा" भग॰ ६, ३३;

श्रासवार. पुं॰ (श्रववार-श्रव वारयतीति) अस्त्रार, अश्वारीखी; घोडे को गेकने वाला, घुडसवार. A. horseman. सु॰ च॰ १०, ४३;

श्चाससाः स्त्री॰ (श्राशमा) ध्रेटण-आशक्षाः;

એ शा श्राकाद्धाः, श्राशां, चाहः. Desire;
hope, wish "तहेव णिवेसुय श्रासंसाण् " उत्त॰ १२, १२, विशे॰ १४१६;

श्चाससेण् पु॰ (श्रश्च ने) शशींना राज्यं,
नाम काशीं के राजा का नाम. Name of
a king of Benāres कप्प॰ ६, १४०;
(२) आं अवस पेंशीना चेंग्या चहवर्षीं
ना पिता वर्तमान श्चरतार्पणीं काल के चोंये
चकवर्तीं का पिता. name of the
father of the fourth Chakravarii of the present Avasarpini. सम॰ प॰ २३४, (३) २३ मा तीर्थ५२ पार्श्वनाथना पितानुं नामः २३ हे

नीर्थंकर पार्श्वनाथ के विता का नाम. name of the father of Parsvanatha the 23rd Tirthankara. सम. प॰ २३०;

श्रासा स्ती॰ (श्राणा) आशा: ध्रय्णाः अभिन्तापाः श्रामिन्तापाः श्रामिन्तापाः श्रामां मिope; desire, wish. निर्मा॰ ११, २८ ज॰ प॰ २, २२, तंहु॰ श्रोव॰ २१, उज॰ १२, ७; ३२, २७, मम॰ ६; हम॰ ६, ३, ६, (२) लेशिनी आशंक्षा. भोग का श्रामाचाः desire of enjoyments. श्राया॰ १, २, ४, ५४;

श्रासाश्च-च पु॰ (श्रास्वाद) २वा६, २स. स्वाद, रस. Taste; relish जीवा॰ ३, ३, जं॰ प॰ २, २२; त्राया॰ १, ४, ३, १४४, नाया॰ ७, १७, पत्र॰ १७, दस॰ ४, १, ७८,

श्रासाइय त्रि॰ (श्रामादिन) प्राप्त थयेश प्राप्त Got, acquired. नाया॰ १२, उना॰ ३, १४०;

आ्रामाढ. पुं॰ (श्रापाड) અષાડ મહિના त्रापाढ माम The month of Asadha, " त्रापाढ पुलिमाण्ग उक्रासपण् " भग० ११, ११; १८, १०, श्रोघ० नि० २८३, उत्त॰ २६, १३, सम॰ १८, २६; जं॰ प॰ २, ३०, ७, १११, पंचा॰ ६, ३४; (२) तृष् विशेष. तृगा विशेष & kind of grass भग० २१, ६, (३) आपा-હાચાર્ય નામના ત્રીજા નિન્દલ કે જેણે દરેક વસ્તુ અગ્યક્ત સંદિગ્ધ છે, કાેનામાં સાધુતા છે અને કાનામાં નહિ તેના નિશ્વય આપણે કરી શકીએ નહિ માટે કાઇને પગે લાગવુ न्ति अभ स्यापन ५५ श्राषाटाचार्य नासक एक निन्हव जिन्होंने यह मत स्थापित किया कि प्रत्येक वस्तु श्रव्यक्त-संदिग्ध है, जैसे किसमें साधुता है स्रोर किसमें नहीं इसका

निश्वय मनुष्य नहा कर सकता श्वन. किभीकी साधु सममकर प्रणामादि नहीं करना. name of a religious preceptor who was the 3rd Ninhava and who established the uncertainty of our knowledge and the consequent futility of saluting an ascetic. সা০ ৬, ৭; বিসা০ ২২০৭; (दा)—श्रायरिय पुं॰ (-ग्राचार्य) આષાદ નામના ત્રિજા નિન્હવ આચાર્ય. श्रापाढ नागक तीसरे निन्हव श्राचार्य. the third Ninhava preceptor so named. श्रोव॰ —पाडिवयाः स्री॰ (-प्रांतपत्) शास्त्रीय आवश् वह ६ ५५वे।. रास्त्रीय धावण कृष्ण प्रतिप्दा. the first day of the dark half of the month of Śrāvana according to scriptures ठा॰ ४; —पुरिएमा. स्री॰ (-पूर्शिमा) અપાઢ સુદિ પુનમ; અસાડ મહिनानी पूर्णि भा श्रापाड मान की पूर्णिमा. the full-moon-day of the bright half of the month of Asadha. भग॰ ११, ११; —बहुल पु॰ (-वहुल) आषाढ भासने। ५० शपक्ष. ग्रापाड मास का कृष्ण पत्त the dark-half of the month of Asadha ७, २०६; —सुद्ध- पुं० (-शुक्र) आपाढ भासने। शुक्ष पक्ष. श्रापाड मास का शुक्र पत्त. the bught-half of the month of Asadha. कप्प॰ १, २; श्रासाहभूइ. पु॰ (श्रापाहभूति) लुओ। " श्रसाडभूइ " शण्धः देखो "श्रमाडभूइ " शब्द Vide " श्रसाडभूइ " पि॰ नि॰

श्रासाद्धाः स्त्री॰ (श्रापाद्धा) એ नाभनुं नक्षत्र; पूर्व षाढा अने ઉत्तराषाढाः इस नाम् का

898.

नक्तत्रः पूर्वापाढा श्रोर उत्तरापाढा. Name of the constellations Pūrvāṣādhā and Uttarāsādhā. " दो श्रासाढा " ठा० २; जं० प० ७, १४१;

श्रासाही स्रो॰ (श्रापाही) आधा भासनी
पृष्णिमा. श्रापाह मास की पृष्णिमा. The
full-moon-day of the month of
Asādha. ज॰ प॰ ७, १६१, —पाडिचग्र. पुं॰ (-प्रतिपत्) शास्त्रीय श्रावणु
पः ओक्ष्म अने सीक्षिक आधाद पर ओक्ष्म
शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा श्रीर लीकिक
स्नापाह कृष्ण प्रतिपदा श्रीर लीकिक
स्नापाह कृष्ण प्रतिपदा the first day
of the dark half of Stāvana
according to scriptures and
the first day of the dark half of
Asāḍha according to mere
calculation. निसी॰ १६, ३३,

श्रासादण न॰ (श्रासादन) भेस५वुं; अटल् धरवुं. प्राप्त करना, प्रहण करना Getting, obtaining; taking नाया॰ ६;

आसाद्ग्ता. स्रो॰ (श्राशातना) अविनय. अश्रातना अविनय; अपमान. Irreverence; immodesty. भग॰ १८, ७;

आसादिय ति॰ (श्रासादित) आप ६रेश प्राप्त किया हुआ. Got or acquired " इमे वण्यक्षेड श्रामादिए ' भग० १५, १,

आसायण न॰ (श्रास्त्राहन) आस्त्राहन, रस लेवा ते. श्रास्त्रादन; रस लना; चलना. Tasting; relishing. " थोवमासायण- हाए हत्यामि-हलाहिमे "दस० ४, १, ७६;

आसायण न॰ (श्रामादन) १६७० १२५, भेलववुं प्रहण करना, प्राप्त करना. Getting; acquring. नाया • ६,

भ्रासायगाः स्री० (भ्राशातना) व्याशातनाः, विनय विनय भर्यादानुं उद्वंधनः श्राशातनाः विनय सर्यादा का उद्वंबनः गुरु के प्रति किया जाने योग्य विनय में न्यूनता करना Irreverence to a preceptor etc. श्राड॰ २६; दमा॰ २, २; ३ ३४, निर्मा॰ १३, १२; दम॰ ६, १, २; ६; इम॰ ३१, २०; मम॰ ३३; श्राव॰ ३, १; पंचा॰ ६, ४८, प्रव॰ ८: —परिहार पुं॰ (-परिहार) आश्वान-नाने परिहार त्याग. giving up or abandonment of Asatana प्रव॰ ६४५;

श्रासायणिज ति० (श्रास्तादनीय) २९१६ सेना थे। २५; याभा । थे। २५ स्त्राद लेने योग्य; चलने योग्य. Worth being tasted or relished. जं० ए० एक० १७; नाया० १२;

आसालय. न॰ (श्राशालक) कीना छपर सुध्शक्षय है भेसीने आराम सर्धि शक्षय तेषु औड आसन ऐमा ग्रामन जिसपर मो सके या बैंडकर श्राराम किया जासके A seat on which one can sleep or sit comfortably. " श्रामंदी पिल-यंकेम्" " मंचमामालएसु वा " दम॰ ६, ५४॰

श्रासालिया ब्री॰ (श्राशालिका) से जातने।
सेन सर्भ के के पंदर क्रम्लूमिमा यक्ष्वित्ती सेना नीय पृथीमां समुर्छिमपण्णे अन्वन्धिकृति आडणे उत्पन्न थाय छे, तेना श्री-र्ना उत्कृति या के लेजना खाय छे, वेना श्री-र्ना उत्कृति सेनाना विनाश थवाना देाय थाने। देाय त्यारेज तेनी उत्पत्ति थाय छे अने आणी सेनाना तेथी आंतर्भुं दूर्नमा नाश थाय छे. अंदेसे ते सर्भ माटी णांध क्या सेना हटण् पटल् थंछ नाश पाने छे. इस जाति का एक सर्व जोकि पंद्रह कर्मभूमि में चक्रवर्ति की सेना के नीचे पृथ्वी में समुर्तिष्ठम रूप में (श्र यट सीते से) श्रावनमुद्देन की श्रायुष्य

धारण कर उत्पन्न होता है. इसके शरीर की उत्कृष्ट अवगाहना १२ योजन की होती है. जब चक्रवर्ती की सेना का विनाश होने वाला होता है तभी इसकी उत्पत्ति होती है और इसके कारण सम्पूर्ण सेना का अन्तमुहूर्त में नाश हो जाता है. क्यों कि वह १२ योजन मिट्टी खा जाता है जिससे उतनी भृमि में बहुत बडा खड्डा पड जाता है जिसमें सेना गिरपटकर नाश को प्राप्त होजाती है. A kind of serpent born in the 15 Karma Bhūmis It is born underground and has a life of one Antarmuhūrta. Its bulk extends over 12 Yojanas or 96 miles. It is born under the ground occupied by the aimy of a Chakravarti of the above Karma Bhūmis, when that army is fated to perish. devous the earth filling the area of 96 miles and the army is swallowed up by the pit thus caused and is destroyed " सेकितं श्रासातिया ? कहिएं। भंते ! धासालिया समुहंति " जीवा० पञ्च० १:

श्रासाविणी ही॰ (श्राश्नाविणी) छिऽवासी नावा; केभा पाछि आवे सेवी नाव. छिद्र-वाली नांवा; जिसमें पानी श्रावे ऐसी नाव. A boat or a ship with a leak in it. " जहां श्रामाविणि नावं जाह श्रंधी दुरूहिया "स्य० १, ११, ३०,

न्नामास पुं॰ (श्राश्वाम) आश्वासन. त्राश्वासन Taking rest removal of fatigue. त्रोघ॰ नि॰ ७३, पगह॰ २, १, (२) विश्वामना स्थान; थां क्षेतानी ॰/२५। विश्राम का स्थान. a resting-place. ठा० ४, ३;

श्रासासण पुं॰ (श्रथासन) अधासन नाम ने। अह श्रथासन नामक मह. A planet so named. ठा॰ २, ३;

ष्ट्रासासग्रयाः न्नी॰ (श्राक्षामना) आशार्षाः. श्राशीर्वादः Blessing; words of blessings भग॰ १२, ५;

श्रासासिय. त्रि॰ (ज्ञाक्षसित) आश्वासन आभेल. विश्वाम लीवा हुआ. (One) who has rested himself, (one) who has removed his fatigue. नाया॰ १; भग॰ ६, ३३;

श्रासि स्त्री॰ (श्राशिस्) ६१८ दाड. A. jaw. पत्र॰ १; प्रव॰ १४१४;

श्रासि-सी. र्गि॰ (श्रासीत्) अस धातुना भूत असनं के भूतकाल का रप. था-थी-थे. He-she-it was सु॰ च॰ १, १२४; ३, १३४; विशे॰ १२६१; पि० नि॰ १६१: नाया॰ ६; ११: १४; भग॰ २, १, ३, १; स्य॰ १, ६, २; २, ६; ६, उना॰ ६, १६७; पंचा॰ १६, १०;

द्यासित्त त्रि॰ (त्रासिक्त) ये। ईं ६ १०। 2ेलं, ७८ ६१० ६ २ेल थोडा मीचा हुत्रा. छिटकाव किया हुणा Sprinkled slightly. पर्रह० २, ३, नाया॰ १, जीवा० ३, ४; स्रोव० २६;

श्रासितिश्रा स्रो॰ (श्रासिक्तिका) એક ખાદ્ય પદાર્થ, एक खाद्य पदार्थ, Name or an article of food "विसाहाहि श्रामि-नियाथो भोचा कज साधेति" सू॰ प॰ १०; श्रासिद्धि श्र॰ (श्रामिद्धि) सिद्धिपर्यन्त. सिद्धि पर्यन्त. Up to, as far as Siddhahood, up to the attainment of final goal 470 99;

च्चासियः त्रि॰ (चाश्रित) आश्रय पामेस. आश्रय प्राप्त. Resorted to, resting on; dependent on ठा॰ ६,

श्चासिय ति॰ (श्वासिक) क्रिओ "श्वासित" शण्द देखो "श्वासित " शब्द. Vide. "श्वासित" दसा॰ १०, १: राय॰ १८०; नाया॰ ३, ८; १६, भग॰ ६, ३३;

श्रासियावाय पुं॰ (श्राशीर्वाद) आशीर्थाः, आशीष् वयनः श्राशीर्वादः श्राशीर्वचनः Blessings; words of blessings. सूय॰ १, १४, १६;

म्रासिल, पुं॰ (ग्रासील) એ नामना એક અન્ય तीर्थी प्रायीन ऋषि इस नाम के एक ग्रन्य धर्मानुगायी ऋषि. Name of a non-Jaina ascetic. सुय॰ १, ३, ४; ३:

श्चासी. लो॰ (श्राशी-श्राशिस्) सर्पनी हाढ सर्प की दाउ A jaw of a serpent; a serpent's fang. 37 8; —विस पुं॰ (-विष) केनी हाढमां अर २ हे शु छे तेवे। सर्भ जिसकी दाङ मे विष है षह सर्व a serpent (with venom in the fangs) विशे ० ७८०; भग ० =, १, दस॰ ६, १, ५; परह॰ २, १, उत्त॰ ६, ६३; तद्व॰ दसा॰ ६, ३२ जीवा॰ १, (२) सीताहा नहींने पश्चिम डिनारे शंभ विजय-ની પશ્ચિમ સરહદ પરના વખારા પર્વત सीतोदा नदी के पश्चिम किनारे शंख विजय की पश्चिम सीमा प्रान्त पर का वखारा पर्वत. name of a Vakhārā mountain on the western boundary of Śańkha Vijaya on the western bank of the river Sitoda 510 प, १, ज॰ प॰

श्रासीण ति॰ (ग्रासीन) गेहिल; आश्रय करेत. वेठा हुत्रा. श्राश्रय किया हुत्रा. Sat; seated, resorted to. श्राया॰ १, ८, ७, १७, परह॰ २, १;

श्रासीविसत्तः न॰ (श्राशीविषत्व) ४५ अनिष्ठ करने अनिष्ठ करने का सामर्थ्यः Power of bringing about good or evil भग॰ १४, १; ठा॰ ४;

श्रासीविसत्ताः स्त्री॰ (श्राशिविंपता) आशीर्विषपणुं; अति अरी सर्पता लाव. श्राशीर्विपता, श्राति जहरीले सर्प का भाव. State of being a highly venomous serpent भग० १६, १;

श्रासीविसभावणा. स्री॰ (स्राशीविप भावना) આસો વિષત્વ ઇષ્ટાનિષ્ટ કરવાના સામર્થ્થ સંગંધી હકીકત જેમાં ખતાવેલ છે તેનું અંગળાહ્ય એક કાલિક સ્ત્ર-કે જે ચાદ-वर्ष ७ परां १ ती हीक्षा-अवल्यावासाने वाय-વા દેવાના અવિકાર છે. તે સત્ર હમણા વિદ્યમાન નથી. વિચ્છેદ થઇ ગયેલ છે. जिस में आशी विपत्व-इष्टानिष्ट करने के सामर्थ्व का वर्णन है, ऐसा एक श्रंगों से पृथक कालिक सूत्र, जिसे कि चौदह वर्ष से अधिक समय के दीचित साध को पढने का अधिकार है. यह सूत्र वर्तमान में विद्य-मान नहीं है. इसका विच्छेद हो गया है. Name of an Anga Bāhya Kālıka Sūtra dealing with the power of bringing about good or evil (by austerities) It is permitted to be read after 14 years of asceticism. The Sūtra is lost and not extant in these days. 99, ३३, ३६,

श्रासीविसा ह्री॰ (त्राशीविषा) सीते। हा
भढ़ानहींने जभछे हाई आवेडी आशीविषा
नाभनी नगरी. सीतीदा महानदी के दाहिने
किनारे पर की श्राशीविषा नाम की नगरी.
Name of a town on the right
bank of the great river Sitoda
ठा॰ २, ३;

श्रासु ग्र० (श्राद्य) जन्ही; शीध्र: अधिक्ष शाद्य; तुर्रत, जल्दा Quickly; at once. स्य० १, ४, १, २७, दस० ८, ४८,

श्रासुकार ति॰ (श्राशुकार-करणं-कार - श्रीचत्ताकरणं, श्राशु-शीघंकार श्राशुकार) लेथी तत्कास भरण निभले ते; भरणुनी अवसर सावनार सर्भदंश विस्विश्वा वजेरे शीघ-तत्काल-मार डालने वाला; सर्पदंश, विश्विका श्रादि. Producing, causing death quickly or instantaneously, e g serpent-bite श्राड॰ ६;

श्रासुचर नि॰ (श्राशुचर) शीध्र थासनार जल्दी जल्दी चलने वाला. Walking fast, moving fast. विशे० २४२८;

श्रासुपन्न नि॰ (श्राशुप्रज्ञ-श्राशु शीवं कार्या-कार्येषु प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपा प्रज्ञा मितिर्यस्य स श्राशुप्रज्ञ) तीव भुद्धिवाला, उत्पातकी भुद्धि-भान् तीव बुद्धिवाला; उत्पातकी बुद्धिमान् Quick-witted, sbaip-witted श्राया॰ १, ७, १, २००, सूय॰ १, १४, ४

श्रासुर. न॰ (श्रासुर) आसुरी लावनाः

केथी अभुरथेानिभा थवा थे। य अभे लंधाय
तेनी लावना श्रामुर्रा भावनाः ऐसी भावना
जिससे श्रामुर योनि मे उत्पन्न होना पडे
ऐसे कर्मी का बधन हो Meditation
which causes birth among
demons or as a demon. ठा॰ ४,
४. (२) असुर संलंधी, लवनपति अने
न्यतर संलंधी. श्रसुरसवर्धाः भवनपति श्रीर

ब्यन्तर सर्वधी pertaining to gods of the infernal world, like Bhavanapatis and Vyantara gods. स्य॰ १, १, ३, १६; उत्त॰ ३, ३; ६, ५४; प्रव॰ ६४६:

श्रासुरता. स्री॰ (श्रामुरता) आश्वर पर्छु. श्रामुरी भाव; श्रमुराई. State of being a demon; devilry. ठा॰ ४;

श्रासुरत्त त्रि॰ (श्राशुरक्त) है।ध्यी काल-ये।क्ष थ्येक्ष जो कीय से लाल हो गया हो वह Red-hot with anger. निर॰ १, १. नाया० १, ७, ८; ६; १६; दस० ८, २५; उवा॰ २, ६५;

श्रासुरत्त. न॰ (श्रासुरत्व) आसुरी लायना; अभुरहेयताभां उत्पन्न थर्यु पडे तेयी लायना. श्रामुरी भावना; श्रमुरदेवों में जिस भावना से उत्पन्न होना पढे वह भावना. A meditation which causes birth among infernal gods; devilish meditation. उत्त॰ ३६, २५४;

श्रासुरा स्त्री॰ (श्रासुरी—श्रमुरा भवनपति-देवविशेषास्तेषामियमासुरी) केनाथी असुर थे।निभां ઉत्पन्न थवाय कोवी लावना. जिससे श्रमुर योनि में उत्पन्न होना पढ़ ऐसी भावना. A meditation which causes birth among infernal beings. " चडिं डास्पेहि श्रासुरत्ताए कम्में पकरेती " ठा० ४;

श्रासुरियः त्रि॰ (श्रासुरिक) असुरसम्भन्धी.
श्रमुरसवन्वीः Pertaining to infernal beings. "श्रासुरियं दिसं बाला
गच्छित श्रवसातमं" उत्त॰ ७, १०; दमा॰
१०, ७; (२) (श्रमुराणा चरडकोपेन
चरतीति श्रासुरिक) पूर्वभवभां तीत्र
क्रिश करवाथी असुरपणे उत्पन्न थनारः
पूर्वभव मे तीव कोध करने से श्रमुर रूपसे

उत्पन्न होनेवाला. born as an infernal being on account of habit of sharp anger in previous birth. आउ॰

आसुरियः न० (आनुर्य) अभुरपायुं. असुर पन, असुराई. State of heing a denizen of the infernal world, devilry. दसा॰ १०, ७;

श्रासुरी. ह्वी॰ (श्रासुरी) अभुरपणे उपल्या येत्रय लावना; साधु थर्धने इक्तआ इरे, सडाम तप इरे, निभित्त प्रडाशे, निर्न्थपणु इरे तेत् जियसे श्रमुर योनी में उत्पन्न होना पड़े ऐसी भावना, साधु होकर कगड़ा करना, सकाम तप करना, निमित्त प्रकाशित करना, श्रोर निर्देयता रखना श्रादि. Meditation or activity which causes birth as a devil; e. g- quarrelling, practising austerity with desire of fruit, acting cruelly, interpreting omens etc. प्रव॰ ६४६;

आसुरुत. ति॰ (आयुरुट—आयु शीघं रुष्टः क्रोधेन विमाहितो य स.) ९८६ी हे।धायभान धनार शीव्रता से क्रीधित हानेवाला. (One) getting quickly exasperated विवा॰ ४, ६; भग॰ ३, १; २; ७ ६; १५, १; नाया॰ २, १६; जं॰ प॰ ३, ४५;

श्रासुह्रमा. न॰ (श्रासोधम्में) सै। धर्म हेन थे। सुधी सोधमें देन लोक तक. Up to, as far as, the heavenly world called Studharma. क॰ गं॰ ५, ७२:

आसुदुम न॰ (श्रास्दम) आसद्दम संपराय —भि²पात्त्व-ग्रजुडीजुाशी मांडीने दशमा सद्दम संपराय ग्रजुडीजा सुधी श्रास्दमसंप- राय-मिध्यात्व गुणस्थान से लेकर दमवें सूच्मसंपराय गुणस्थानतक. State beginning with the Gunasthana named Mithyatva (1.e. first) and ending with that named Suksmasamparaya (i.e. 10th). क॰ गं॰ ४, ६३,

न्नास्ति, न॰ (श्राश्रानि) धृतपानाहिक प्यतिष्ठ औषध-के जेथी भाषास प्यतान् थायः इत पानादिक वलकारी श्रीपांच जिससे कि मनुष्य वलवान् हां A tonic remedy e.g. taking ghee etc by which one becomes strong, स्य॰ १,

३, १५;

आस्य न॰ (*) डाध देवने भानता
भानवाभा अपविछे ते किसी देव की मानता
मानना. Vowing to propitiate a
god in case a certain desired
thing comes to pass. पि॰नि॰४०५;

√आसेव. था॰ I. (आ+सेव्) सेवन
६२व. सेवन करना. To practise; to

अरपु. स्वन करना. 10 practise, to adopt; to take to आसेविजं हे॰ कृ॰ नाया॰ १७; श्रासेवित्ता. सं॰ कृ॰ श्राया॰ १, ३, २,

श्रासेवमाण व० कृ० नाया १७;

आसंवण. न॰ (श्रासेवन) सेवधु ते सेवन करना. Resorting to, taking to; waiting upon. पंचा॰ ७, ३१;

त्रासेवलाः स्वा॰ (श्रासेवना) संयभभां -अतियार-देाप सगाउपा ते समम मं द्यनि-चार-दोप लगानाः Partial violation of ascetic vows. प्रव॰ ७३२; (२)

[ં] જીઓ પૃષ્ઠ નમ્ભર ૧૫ ની પુટનાટ (*). देखो पृष्ठ नंबर ૧૫ की फूटनोट (*). Vide foot-note (-) page 15th.

v. 11/15.

सूत्रनं अनुष्ठान करवं ते स्त्र का श्रनुष्ठान करना. studying, following the precepts of, Sūtras स्य॰ नि॰ १, १४, १३१, (३) आरे। पण् करवा कर्तना कर्तना श्रारेष करना कर्तना व्यारोप करना कर्तना क्रान्ति एं॰ (-कुर्णान्त) सष्मभा अतियार लगाने से जो कुर्णान्त हुद्या हो यह one who has become lacking in right conduct on account of partial violation of ascetic restraint, प्रय॰ ३३२.

श्रासेवालोय-ग्र. पुं॰ (न्नांसवालोचक) पुन, पुन पापक्ष्मी आयश्चित्त क्षेनार (साधु) बारबार पाप कर के प्रायश्चित्त लेनेवाला साधु. (An ascetic) frequently incurring sin and frequently performing expiation, विगे॰ ६६६;

श्रासेवियः त्रि॰ (श्रामेवित) आ-धाई सेवित-सेवेल. थाँडे। स्वाद लीधेल-थाणेल. कुद्र स्वाद लिया हुआ-चला हुआ; कुछ त्रेवन किया हुआ. Slightly resorted to; slightly tasted. श्राया॰ १, १, १६, नाया॰ ६,

श्रासीश्र पुं॰ (श्रश्वयुज्) आसी। भास. श्राश्विन मास. The month of Asvina सम॰ ३६; र्ज॰ प॰ श्रीय॰ नि॰ २=३, भग॰ ११, ११, १८, १०; कष्प॰ २, ३०; ६, १८४;

श्रागोर्ड सी॰ (श्राययुक्ती—श्रययुगिश्वनी-तस्या भवाऽरवयुक्ती) आसी। सुद्दि पुनभ श्राधित सुदी १४ पृश्चिमाः The fullmoon-day of the month of Asvina जं॰ प० ७, १६१,

श्चासीम. पुं न । (श्चामाक-श्रशोकम्वेदमा-

गांकम्) अशाेेेेे १६१तुं पुत श्रशाेक वृत्त का फूल. A flower of the Asoka tree नाया॰ मः

द्यास्नोहह. पुं॰ (श्रक्षत्थ) पीपक्षी; पीपक्षानुं आइ. पीपल का काह. The holy figtree श्राया॰ २, १, ६, ४५,

श्चामोत्था पुं॰ (अधन्य) लुग्गा ७५दी। शण्ह. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पत्र॰ १,

√ श्रा-हसय. घा॰ I. (श्रानिश्च) व्याक्षय ६२वे।. श्राध्य करना. To test upon; to resort to.

श्चामयड दसा० ६, २७; श्चासयित भग० १३, ६; श्चासयित, नाया० १७, जं० ५० १, ६: १२; श्चामयाहि नाया० २० श्चासयह, राय० २५७; श्चासयत विशे० ३२२;

√ त्रा-स्सयः था॰ I. (श्रा+म्बद्) २वाह लेवा. स्वाद लेना. To taste; to relish (२) अलिलाया ३२वी. श्रामलापा करना. to desire.

श्रासयह्. सम० ३०;

√ त्रा-स्लम. था॰ II (त्रा+धन) थाड ઉतारवाने विश्वाति क्षेत्री यज्ञावट उतारने के लिये विश्वाति लेना. To take rest in order to remove fatigue. ज्ञासासेइ-नाया॰ १६,

श्रासासंति नाया ६;

श्रासासि. भू॰ '' एवमामासि श्रापास '' उत्त॰ २. ४९;

√ त्र्या-समादः था॰ I.II. (श्राम्म्बदः) अ स्थाध्य अर्थु स्वाद लेना, चलना. To taste. -to relish. (२) २७।पुं; धिरुषुं चाहना इच्छा करना to wish, to desire. (३) प्राप्त अर्थुः नाप्त करना. to acquire: to gain.

श्रासापृति. उत्त० २६, ३३; ठा० २, २;

नाया० ६: १२, १६, १८, विवा० ७,

श्रस्माणृति पन्न० १५;

श्रासादेइ. नाया० १२;

श्रासादेन्ति भग० १६, १;

श्रासायन्ति पन्न० २८,

श्रासापृमी नाया० ६;

श्रासापृमी नाया० १८, १,

श्रासापृहि. श्राया० १, ६, ३, १५६;

श्रासादेस्तामो भग० १५, १;

श्रासादेस्तामो भग० १५, १;

श्रासादेसा सं० कृ० ठा० ७,

श्रासादेसा श्राया० २, १, ३, १६;

श्चास्तादिय त्रि॰ (श्वातादित) ळुओ।
"श्वातादिय" शण्ट. देखी "श्वातादिय"
शब्द. Vide "श्वातादिय" भग॰ १५, ९,
श्चास्तायाणिज्ञ त्रि॰ (श्वास्त्राटनीय) स्वाट थेवा थे। २४. स्वाद लेने योग्य. Worth being tasted. दसा॰ १०, ५;

श्रामाएमारा नायाः १:

श्रास्ताविणी. स्री॰ (श्राम्नाविणी) जलने। संग्रह धरनार; जेमा पाणी याल्य जाने ते (नावा) जिस में पानी त्राता हो वह नाव, जल का संप्रह करनेवाली. (A. ship) hiving a leak in it. उत्त॰ २३, ७०,

श्चाह्य अ० (त्राहत्य) ४६१२४; ४६१ि५० कदाचित् Perhaps उत्त० १, ११: " त्राहच सवर्ण लर्द्धुं' ३, ६, वेग्र० ४, ११; त्राया० ४, १, ४, ३७, २, १, १, १; भग० ४, २ ७, ६, १०, ७, ६; १८, ७, वर्र० २, २३; ४, १०, ११;

अभद्दच त्र॰ (म्राहत्य) લાવીને, આણીને.

लाकर Having brought. आया॰ १, ७, २, २०४. २, १, १, १;

न्नाहड अ॰ (त्राहत) आणेल, क्षावेलं लाया हुआ. Brought, carried दस॰ ५, १, ११ ६, ४६; श्रोव॰ नि॰ भा॰ २३६; राय॰ २७४, पगह॰ २, ४, पचा॰ १, १४,

आहडिया खा॰ (श्वाहतिका) पहारथी भावेती वाष्ट्री वाहिरसे ब्राई हुई नाहिन, परोसना, Food received from outside as a present, वेय॰ १, ४४; २, १६;

न्नाहत. त्रि॰ (म्राहत) એક કેકાણથી બીજે દેકાણે આણેલું एक स्थान से दूमरे स्थान में लाया हुन्या. Brought or carried from one place to another. प्रव॰ ८५६,

श्राहत्तिश्र. न० (याधातथ्य) याधातथ्य; लें छंगे तेवुं जैसे का तैसा; जैसा चाहिये वैसा Real, actual condition. सम० २३, (२) यथार्थ अपेहेशनु २५२०५; सत्य, वास्तिविक स्वरूप यथार्थ उपदेश का स्वरूप; मत्य, वास्तिविक. स्वरूप truth; real nature, e g. of religious teaching स्य० १, १३, १, (३) स्यग्डांगना १३ मा अध्ययनन् नाम हे लेगा यथार्थ अपेहेशनु २५२०५ अताल्यं छे स्यग्डांग के १३ वे श्रध्याय का नाम जिस में कि यथार्थ उपदेश के स्वरूप का वर्णन है. the 13th chapter of

Sūyagadānga in which the real nature of religious teaching is shown. स्य॰ १, १३, २३; श्चाहमन. व॰ कृ॰ त्रि॰ (श्राधमन्) धभने।; धमश् धमते। धोंकता हुआ; बम्मन धोकता हुआ. Blowing, blowing a fuinace with bellows राय॰ =, =: श्चाहिम अपय. न॰ (श्रधामिकपद) अधा-भिंड पह, धर्भ विद्रुद्ध पर अवामिक पदः धर्म विरुद्ध पद. An irreligious step. दस० ८, ३1;

श्राहय ति॰ (ग्राहत) ६७ वं मारा हुन्ना Killed (૧) વગાડેલું; વલ્લવેલું. પાટા ह्या; बजाया हुआ. played upon, heaten e.g a musical instrument. श्रोव० ३२; पन्न० २, पराह० १, ३; उत्रा० ७, २००; विवा० १; ऋष० ३, ४०; ४३; (३) टेाब. होल. a drum. श्राया॰ २, ११, १७, (३) प्रेरेखा धरेल प्रारंत. inspired; hinted at, moved राय॰

आहया. स्री॰ (त्राहता) हुहुक्षि. दुंदुभी. A kind of large kettle-drum; य drum भग० १४, १;

 $\sqrt{$ श्राहर. घा॰ $m I, II}$ (न्ना+ह) भावुं. २वे. ब्रह्ण करना to take; to accept. (३) आधुवु, क्षाववु, लाना. to bring थाहारंड-ति प्रेर्शनसा० ४, १७, ठा० २,

२; नाया० २, ८; ६, १५; १६; १८, भग० १, ७, ३, २, ७, १; श्रंत० ३, ८, राय० २४०;

श्राहरेड्. श्रोव० ४०,

षाहारं-रें-नि. सगः ६, १०; ७, ३; ८, ५; १४, ६; १४, ६; १८, ३. १६, ३; नाया० ४; पञ्च० १५;

श्राहारेमि. नाया० १६; श्राहारेमि. १४० ११: व्याहारमी. नाया० १८: थाहारिजा वि॰ उन॰ २, ३१; त्राहारेज-जा. स्य० १, १, २, २८; भगव ٤, ٤; ٦٥, ٤;

चाहारे. दम० ४, १, २७;

√श्रा-हर. था॰ I,II. (श्रा+ह) शेधुं ३२५: इक्ट्रा करना. To collect.

श्राहित्य. सं० कृ० नाया • ६; जं० प० ३, ५५; राय० २६;

श्राहार. श्राज्ञा० निसी० ९, ५; थाहारेहि. श्राज्ञा० नाया० १६: थाहराहि. उत्त॰ २. ३१; सग॰ १४, १; सूय० ९, ४, २, ४;

षाहारेह. श्राज्ञा० नोया० १४; १६; १८; ष्ट्राहारेतापु. है० कु० नाया १६; थाहारित्तए. श्रोव॰ ३८; वेय० १, १६; कप्प० ६, ४३; भग० १, ७, ३, १; नाया०

98;

श्राहरिचए नाया॰ १८; श्राहारेह्ता. मं० कृ० नाथा० ४; ६; १६; थ्राहारिता. भग० २०, ६; श्राहारेमाणः व० फू० नाया० १६ मग० ११,

११; २४, ७, वेव० ४, ६; दसा० ३, १६; १६;

श्राहारमाण. क॰ वा॰ व॰ कु॰ श्रोव॰ १६; भग० ७, १;

श्राहांत दस॰ ४, १, २८,

त्राहारिजमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ० भग॰ १, १; ठा० १०;

श्राहरिज्जमाण. ठा० १;

आभूषण. An ornament ग्रांव० २४; सु० च० १, ३१८; प्रव॰ १२३४, — त्रिहिः पुं॰ (- विधि)

धरेला भनाववा तथा प्हेरवानी विधि-रीति. श्राभरण बनाने तथा पहनने की विधि the art or process of making or fashioning ornaments and also of putting them on. प्रव॰ १२३४,

श्राहरण. न० (उटाहरण—उदाहियने प्राव स्थेन गृह्यतेऽनेनटाष्ट्रंग्निकोऽथे इत्युदाहररूपम) दशंन, उदाहरण. द्रष्टात, उदाहरण.
An illustration. पि० नि० ६२६,
ठा०४, ३; —तद्देस. पुं० (-तद्देश)
ओहरेशी दशंत. एकदेशी दृष्टान्त-एक ग्रंश
मे घटित होनेवाला दृष्टान्त. a onesided illustration i. e. one not fully applicable. ठा० ४, ३,
—तद्दोस. पुं० (-तद्दोप) सहाप दृशंत सदोष दृष्टान्त. faulty illustration.
"श्राहरणत्त्वोसे चडिनहे पर्णित तंजहा श्रथम्म जुते" ठा०४, ३;

श्चरहवर्ण. पुं॰ (श्राह्वान) भे। क्षापत्रं वुलाना Calling, inviting सु॰ च॰ ३, ११४, पंचा॰ २, १२,

श्राहब्ब नि॰ (आभाग्य) क्षेत्र, शिष्य, सात, पाणी, पस्त्र, पात्र वगेरे चेत्र, शिष्य, भात, पानी, वल, पात्र आदि Such things as, a field, food, water, clothes, vessels etc, also a disciple etc. पंत्रा० ११, २६;

श्राहब्बर्गी. सीं (श्राथर्वेगी) तात्काविक श्रमर्थ अनर्थ करनेवाली एक विद्या. An art (enabling a person) to work instantaneous disaster or mischief स्य॰ २, २, २७;

श्राहब्बाय. न॰ (यथावाद) विन्छेट गरेस णारमां दिष्टिनाह अंगना जीन्न विसाग सन्न-ने। १० मे। लेट विन्छेद हो जुके हुए वार-हवे दिष्टिवाद ग्रंग के दूसरे विभाग-सून का १० वॉ भद. The 10th section of the 2nd part of the lost 12th Dristivada Anga नंदो॰ ५६,

श्राहाकड ति॰ (श्राधाकृत) भास साधुने भारे निपन्नवेस आहराहि. खास साधुके लिये बनाया हुआ आहारादि. (Food etc.) prepared specially for a Sādhu. सूय॰ १ १०, ६. परह० २, ३;

आहाकरम न॰ (आधाकर्मन्) आधाऽर्भ-आहार वगेरे आधाकर्म आहार वगेरह. Food etc. specially prepared for an ascetic उत्त॰ ३, ३, पि॰ नि॰ ६२, १०७, सम॰ २१ भग॰ १, ६, ५, ६; ७, ८, पंचा॰ १३, ४, प्रव॰ ५७१; दसा॰ २, ४, ५; ६, निसी॰ १०, ६;

श्राहाक∓म न० (ः) पेताना केवा अभे हीय ते प्रभाषे, स्वकृत अभीनुसार श्रपने किये हुए कर्म के श्रनुसार In accordance with one's own Karma. उत्त० ४, १३.

श्राहाकिम्मियः त्रि॰ (श्राधाकिमक) साधुना भाटे भनावेश आक्षार साधु के लिये तैयार किया हुआ आहार Food prepared specially for an ascetic. नाया॰ १, भग॰ ६, ३३, श्रोव॰

श्राहाच्छ्रदः त्रि॰ (यथाच्छ्रंद) पेतानी भरळ मुज्य्भ वर्तनारः स्वेय्धायारी. श्रपनी इच्छा श्रानुमार बर्ताव करनेवालाः स्वच्छंदी. Selfwilled निर॰ ३, ४,

[्] लुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनेट (१). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट () Vide foot-note (*) p 15th.

श्राहातच न॰ (याथातथ्य) के परतु केपी है। पे तेरीक अहेपी ते, यथार्थ, सत्य जो वस्तु जैसी चाहिये वैसी ही होना, उचित-ठांक ठींकपना Reality, truth दसा॰ ५, २०,

आहातहि अ न० (याथानथ्य) याथाति थ हेन सत्य पान के भा अनिपादन हनी छे ते सूय-गडाग सत्रना १३ मा अष्ययन का नाम स्यगढांग मृत्र के १३वे अप्ययन का नाम जिसमे यथार्थ बात का प्रतिगादन किया है Name of the 13th chapter of Suyagadanga in which absolute truth is explained सम० १६०;

श्राहाय. सं॰ कृ॰ श्र॰ (श्राधाय) भुरीने, इरीने छोडकर, करके Having done, having placed पि॰ नि॰ १७४, १६०, श्राहार पुं॰ (श्राधार) आधार, आश्रय, अवलम्बन, सहारा. Support, anything which supports. "डोग्हं ग्रह्मत्थाणं श्राहारे पं॰ तं॰ मणुस्ताणं चेत्र" ठा० २, विशे॰ ७१६, १४०६, राय॰ २१०, नाया॰ १,४,७,१२, १४, भग० १८,२, अगुजो॰ १२६; उवा० १, ६;

श्राहार. पुं॰ (श्राहार) आदार-भाराः भीन जन, भानपान श्राहार; भोजन. Food; eating, eating and drinking. पज्ञ० १, ३, २८, ३६, श्रोव० १६; ३८, विगे० ८, नाया० १, ४, ४, ७, १६, १८, दम० ६, ४७; निर्मा० १०, ५; ५,१, जीवा० १. उत्त० ३०, १३, सम० १, ५,०; २, १; ७, १; १६, ३, २५, ७, मम० १. उता० १, ५१, जं० प० २, २०, प्रव० ६३८, पंचा० १, २६, रूष्प० ४, ६५, ऊ० गं० २, १३, १, ४, — श्रंपज्ञातिः ति० (-ग्रपयांसि) આહારની અપવાપ્તિ. આહાર લેવાની શક્તિ पुरी न थाय ते ब्याहारकी व्यपर्याप्ति, ब्याहार लेनेको पूरी शक्ति का अभाव. imperfeetly developed power of assimulating food भग॰ ६, ४: —श्रवः कंति. स्त्री॰ (-ग्रपकांति) व्याहारनी त्याग श्राहार का त्याग. giving up, abuidonment, of food. ऋष॰ १, २; -- उविचय विश्व (-उपचित) आहारथी ઉપચિત–પુષ્ટ. ब्राहार से पुष्ट plump with food. भग॰ १६, २; ८. -- कं-खिय, त्रि॰ (-कांचिक) આહારની ઇચ્છા કાંક્ષા વાલી. श्राहार की इच्छा वाला. (one) desirous of food. वव॰ -गम. पुं॰ (-गम) आहारते। गमा-આહાર સંબંધી હકીકત બતાવનાર સૂત્ર-પાઠ. श्राहार संबन्धी वर्णन करनेवाला सूत्र-पाठ. a Sūtra-text dealing with instructions about food भग॰ २, १: —गुत्तः त्रि॰ (-गुप्त) थे। आ आ ८।२ ४२-નાર: આહાર પરત્વે મન વચન વ્યને કાયાને पापथी गापवी राजनार किचित ब्राहार करनेवाला, त्राहार के सम्बन्ध से मन, वनन श्रीर कायको पाप से पृथक रखनेवाला. (one) taking limited amount of food; self-restrained in the matter of food प्रव० ६४६, —गोयर पुं० (-गोचर) आढारनी विषय-पश्तु श्राहारकी वस्तु an article of food पंचा ॰ ४,३ --छ्गा. न० (-षट्क) આહારક શરીર, આ દારક અ ગાપાંગ, દેવ-तान आयुष्य, नरम्नी यति, नरमन् आयुष्य अने नरधानुपूर्वी ओ ७ प्रकृति आहारक शरीर, आहारक अगोपाग, देवताका आयुष्य, नरक की गीत, नरक का आयुष्य और नरका-गुपूर्वी ये छ प्रकृतिया the six Prakritis, (Karmic natures) viz Ahāraka Śarīra, Ahāraka Angopāṅga, Devatāyus, Narakagati, Narakāyus, and Narakānupūrvī. क॰ गं॰ ३, १५; —जाइ. इंं।॰ (-जाति) व्यादा-રના પ્રકાર; જાદી જાદી જાતના ખારા-हता ०/2था- ब्राहार के भेद, भिन्न भिन्न प्रकार के भाजन का समृह varieties of food, collection of foods of various kinds. पचा॰ ५, २१, — जाय न॰ (-जात) जुओ। ઉपसे। शण्ट देखो ऊपर का शब्द. vide above पंचा॰ १, २६; — जुगलः न॰ (-युगत) आहारः શરીર અને આહારક અંગાપાત્ર એ બે प्रकृति. श्राहारक शरीर श्रीर श्राहारक श्रंगी-पाग ये दो प्रकृतिया the two Prakritis viz Ānāraka Šarīra and Ahāraka Angopānga क॰ ग॰ २, १७, —(s)हि त्रि॰ (-म्रिधिन्) भाग्यनी। અर्था. भोजन का अर्था. (one) desirous of, asking for, food भग । १, —ितित्थयर पुं॰ (-तीर्थंकर) आहा રક શરીર અને તીર્થંકરનામ એ બે પ્રકૃતિ श्राहारक शरीर श्रीर तीर्थकरनाम ये दो प्रकृतिया. the two Prakritis viz Ahāraka Sarīra and Tirthankaranama " उक्कोसा संखेजा-गुण्हीण भाहारातित्थयरे''क॰प॰ १, ७८,—(ऽ)त्थि त्रि॰ (- प्राथिन्) અહारने। અર્था - याह-नार, श्राहारका श्रथी, श्राहार चाहने वाला (one) who desires, wants, food. नाया० ४, -- दृब्ववग्गणा स्त्री० (-द्रब्य-वर्गेखा) અહારક શરીરમાં ઉપયાગી થાય तेवा पुर्वासने। समुद्ध आहारक शरीरमें उप-योगी होमके ऐसे पुदलों का समुह. the material molecules which go to build up the Ahāraka body. भग० १, १; —दु. न० (-द्वि) लुः थे। '' श्राहार-जुगल '' शण्ट देखो '' श्राहार जुगल " शब्द. vide " श्राहार-जुगल " क॰ गं॰ ३, ३; — दुग. न॰ (- द्विक) जुओ। '' श्राहार-जुगल " शण्ह. देखां " ग्राहार-जुगल " शब्द. vide " ग्राहार-जुगल "क॰ प० १, ७३; क॰ गं॰ २, ३, ३, १६; —पञ्चक्खाणः न० (-प्रत्याख्यान) આહાર–ખાન પાનના ત્યાગ. ઉપવાસ સથારા वर्शरे. श्राहार-सान पान का त्यागः उपवास. संधारा खादि giving up food, drink etc : a fast " श्राहारपचक्लाग्रेण भते जीवे कि जणयइ " उत्त० २६, ३४, --- पज्जात्ति · र्ला ॰ (-पर्याप्ति) के शित्यी આહાર લઇ ને શરીર રૂપે પરિણામ પમાડી शशय ते शिकतनी पूर्णताः जिस शिक्त से श्राहार ब्रहण कर उसका शरीर रूप परिणास उत्पन्न किया जा सके उस शांककी पूर्णता. the perfect development of the power of assimilating food into the physical body. भग० ३, १, ६, ४; प्रव० १३३१; — पो-सह. पुं॰ (-पोपध) એક અહોરાત્ર સુધી यारे आहारना त्याग धरवा ते एक ब्रहोरात्र तक चारो प्रकार के भ्राहार का त्याग करना. giving up food of every kind for the space of a day and a night. पंचा॰ १०, १४, —(s) इभवहार. पुं॰ (-श्रभ्यवहार) आढ़ा२ (लालन) **કરવા; ખા**વુ ते. ब्राहार (भोजन) करना; खाना taking food; eating, विशे॰ २२१, -भाव पुं॰ (-भाव) આહારતા साव. श्राहार का भाव state of being food. भग॰ १८, १; - माइय. ति॰

(- ग्रादिक) यार ज्याना आहार; आहार म्माहि. चार प्रकार का बाहार. food etc.; food of four kinds viz solid. liquid etc. दम॰ =, २=; - चक्कंति. ह्मं। (-च्युत्काति) आटारने छाडी देवा-तन्त्रवे। ते श्राहार का त्याग करना. giving up food नाया॰ =; —संपन्तगाः न॰ (-संपत्ति) आढारनी संपत् -रसने उत्पन्न **કરતાર; भी**ं; स्वर्ण. श्राहार के रस की **उत्पन्न करनेवालाः नमक**. salt, (so called because it imparts taste to food). " श्राहार संपरजण वज्ज्येगं" स्य॰ १, ७, १२; —सग्गा, स्त्री॰ (-संज्ञा) આહાર લેતાની સંત્રા - ઈચ્છા. श्राहार लेनेकी संजा-इच्छा. desire of taking food. " चढिंह ठाणेहिं म्राहारसग्णा समुप्पज्जह्" ठा० ४,४; पन्न० =; भग० ७, =; १२, ५: २०, ७; २४, १; —सत्त्र्णोवउत्त त्रि॰ (-संज्ञोपयुक्त) आहारनी संज्ञावासा श्राहारकी संज्ञावाला. (one) having desire of taking food. भग० ११ १; १३, १; २६, १; —सन्ना र्छा॰ (-सज्ञा) यार संतामांनी ओक्ष; भावानी वासनाः चार संज्ञात्रो में से एकः खाने की वासना. one of the four Sañjñās or animate feelings; viz desire for food श्राव॰ ४, ७, —समुग्धाय पुं॰ (-समुद्धात) आहार**ः** શરીર "યનાવવાની વ ખતે છવપ્રદેશનું ઉદારિક સરીરથી ખ્હાર નીકાલવું અને, પ્રકૃત પ્રકૃતિનું थनाते समय जीव प्रदेशी का श्रीदारिक शरीर से वाहिर निकालना श्रीर प्रकृत कर्म प्रकृतियों का उपभोग करके फिर उसकी निर्जरा करना. emanation of soul particles from the physical body at the time of the creation of the Ahāraka body, and the decay of Karmic matter after its results have been endured by the soul. नम॰ ६;

त्राहारइत्तार त्रि॰ (श्राहर्त) आहार हर-नारः भानार. श्राहार करनेवाना; यानेवाला. (One) who eats. सम॰ ६;

श्राहारश्रो. य॰ (श्राहारतम) भाराह आ-श्रीन भोजन का श्राश्रय करके. From food, on account of food. "श्राहा-रश्रो पंचकवज्ञेण " स्य॰ १, ७, १२;

ब्राहारगः न॰ (श्राहारक-चतुर्दशपूर्वविदाऽऽ-न्हियते गृह्यते इत्याहारकम्) आहारक शरीर પાચ શરીરમાંનું ત્રીજું શરીર. श्राहारक शरीर: पांच शरीर में का तोसरा शरीर. The 3rd of the 5 kinds of body; प्रव० ६४; ७००; क्व० गं० १, ३३; भग० म, ६; (२) ब्रि॰ आह्यार अरनारः भान भान वर्शेरे धरनार. श्राहार करनेवाला; खान-पान करनेवाला. (one) who eats. श्राया॰ १, १, ४, ४६; भग० ६, ४; ८, २; (૩) આહારક શરીરની લબ્ધિવાલા સાધુ. श्राहारक शरीर की लिब्धवाला साधु धा ascetic who has got the power of evolving the Ahāraka Sarīra. प्रव॰ =१७; (४) आहारक समु-હાતઃ આહારક શરીરમાં આત્માના પ્રદેશ विस्तारवा ते. श्राहारक समुद्धात-अर्थात् श्राहारक शरीर में श्रात्मा के प्रदेशों का विस्तार करना. Ahāraka Samudghāta i. e. emanation of soulparticles into the tiny body known as Ahāraka Šarīra. प्रव॰ १३२६; —श्रेगोपांगलाम. न॰ (-श्रद्वोपाज्ञनाम) नाभः भेनी येट प्रधृति

કે જેના ઉત્યથી આહારક શરીરના અંગે પાંચ प्राप्त थाय नाम कर्म को एक प्रकृति कि जिसके उदय में आहारक श्रीर के श्रेगोपांग प्राप्त ğı. a varıety of Nāmakarına by the maturing of which the Ahāraka body develops limbs and sub-limbs क० ग० १. ३४, -- जगल. न॰ (-युगल) आहार । शरीर અને આહારક અગાપાગ એ ળે નામકર્મની भृतिनो लेऽ श्राहारक शरीर श्रीर श्राहारक श्रंगोपाग, ये नाम कर्म की दो प्रक्रतियों का जाहा. the pair of the two varieties of Nāmakarma by the rise of which one gets Ahāraka Sarīra and Ahāraka Angopānga. क० गं० ३, ३४. — ए।म न० (-नामन्) केना अध्यथी आहारक शरीर મલે એવી નામ કર્મના એક પ્રકૃતિ जिसक उद्य मे आहारक शरीर प्राप्त हो ऐसी नाम-कर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāmskarma by the rise of which one gets the Aharaka र्Sarīra क॰ गं॰ ४, ५८: —दुग न॰ (-हिक) लुणे। 'श्राहारम जुगल '' शण्६ देखे। " श्राहारम जुगल " शब्द. vide " ब्राहारम जुगत " क॰ मं० ४, ४८; -मीसग. पुं॰ (-मिश्रक) लुओ। " त्राहारगर्मासा "शण्ट. देगो " स्राहारग-मासा " शब्द vide " त्राहारगमीमा " भग० २४. १ -- मीसा स्त्री० (-- र्ममश्रा= મિશ્ર) આહારક મિશ્રયોગ આહારક શરીર ભનાવતી વખતે કે છેહની વખતે ઉદારિક આદિ શરીરનો સાથે મિશ્રન થાય ને વળત-ने। ये।ग-शारीविक्त ज्यापारः त्र्याहारक मिश्र∙ योग, त्राहारक शरीर बनाने या छोडते समय श्रीदारिक स्नाद गरीर के साथ मिश्रण हो। Y 11/16

उस समय का योग-शारीरिक व्यापार. the process of the Aharaka body being mixed with the physical hody at the time of the formation of the former hody or its dispersion. भग॰ =, १: २४, १; —लद्धिः स्त्री॰ (-लिधि) આહારક શરીર બનાવવાની લબ્ધિ-શક્તિ. त्राहारक शरीर बनाने की लव्धि-शक्ति the power of making Ahāraka body प्रव॰ —व्यमशा स्त्री॰ (-वर्मगाः.) আહা? ১ શરીરની રચનામાં ઉપયોગી થાય તેવા પ્રદેગલ ने। ल्या. ब्राहारक शरीर की रचना मे उपयोगी हो ऐसे पुद्गलीं का समृह, the molecules of matter which go to build up the Aharaka body कः ग॰ १, १६ —विज्ञिय त्रि॰ (-वर्जित) आहारक समुद्धान शिपायनु-याहारक समुद्धात के व्यतिरिक्त excepting on excluding Ahāraka Samudghāta. प्रव० १३२६; —समुग्याय पुं० (-ममुद्रवात) आदार्ध शरीर णनाववा માટે આત્માના પ્રદેશ શરીરથી ળહાર કાઢ-या ते. आहारक शरीर बनान के लिये आत्मा के प्रदेश शरीर में बाहिर निकालना, emanation of the soul-particles from the body in order to create the Ahāraka body, zie ७. भग० १३, ह

श्राहारमसरीरः न॰ (श्राहारकशरीर)

ग्राहारमसरीरः त० (श्राहारकशरीर)

ग्राहारक शरीरः ति hürnka body: नग॰ ६, ४: ८, १:

--कायप्पश्रीम पु॰ (-कायप्रयोग)

ग्राहारकशरीर स्थीने ने शरीरथी प्रवृत्ति

हेंग्री ने. आहारक शरीर्नी व्यापार श्राहा

रक शरीर की रचना करके उसी शरीर से प्रश्नात्त करना; श्राहारक शरीर का न्यापार creating an Ahāraka body and acting with it भग॰ म, १; —सरीरि ति॰ (-शरीरिन्) आहारक शरीरवाली ति॰ (अव). श्राहारक शरीरवाली जीव (a soul) with an Ahāraka body. ठा॰ ६, १, जीवा॰ १०; —रपश्लोगवंध पुं॰ (-प्रयोगवन्ध) अधारक शरीर की रचना करना. creating an Ahāraka. body भग॰ म, ६;

स्राहारगसरीरत्ता स्त्री० (श्राहारकशरी-रता) व्याद्धा२४ शरी२५७ ह्याहारक शरीर पन. State of being an Ahāraka body. भग० २४, २,

श्राहारण न० (उदाहरण) ६९। त दणन An illustration विभेन २३४; १०३७ श्राहारत्ता. स्त्री० (श्राहारता) आढारती भाव श्राहार का भाव State of being food भग० १८ ७,

श्राहारपरिग्णा खाँ॰ (श्राहारपरिजा)
भूयगडाग स्त्रता जीन्त श्रुतरहंधना त्रीन्त
अध्ययनतुं नाम हे न्रेमां सर्व छवाती
छित्पत्ति हेवी रीते थाय अने आहार हेवी
हीते हेथेछे तेनुं वर्णन छे स्यगडांग स्त्र क
दूसरे-श्रुतस्तंध के तीमरे अध्याय का नाम
जिममे कि मर्व जीवां की उत्पत्ति किम प्रकार
होती है और वे किम प्रकार श्राहार प्रहण
करते है उपका वर्णन है Name of the
third chapter of the second
Srutaskandha of Suyagadāṅga
Sūtra dealing with the creation of sentient beings and
their modes of taking food
स्य० २ ३, ३० सम० २३ ठा० ७,

श्राहारभ्यः त्रि॰ (श्राधारभूत) आधार भूत श्राधार भृतः Forming a support नाया॰ १;

श्राहारय. न॰ (श्राहारक) ५ शरीश्मान् એક શરીર કે જે ૧૪ પૂર્વધારી લબ્ધિન વાલા સાધુ વનાવી શકે કાઇ વાતના સંદેહત્ નિવારણ કરવાને તે સાધુ એક આહારક શરીરનું પુતલુ ળનાવી મહાવિદેહમાં કેવલી પાસે માેકલે છે ને પાછું આવતાં તેને સંકેલી थेछे ते. पांच शरीरों में का एक शरीर जिसे कि नौदह पूर्व धारी लब्धियाला साधु, बना सकता है उक्त शक्ति संपन्न साध को जब कोई मंदेह उत्पन्न होता है तब उस मंदेह का निवारण करने के लिये इस शरीर की वह रचना करता है और उसे महाविदेह मे केवली के पास भेजता है श्रीर उसके पीछे श्राजाने पर किर श्रापने शरीर से सिला लेता है. One of the five hodies which can be created by a saint read in 14 Pūrvas With this body which is tmy, he can go to Mahavideha and get his doubts solved by Kevalis. It can afterwards be dispersed. पञ्च० १२; भग० १, ७ ६,३;७, ५; १८, १. २५. १: ६. विशे ० ३७४ मम ० प० २१६ का गा १.३७:

श्राहारचंत पु॰ (श्रवधारणायत्) के धारे ते १६ तेवे। जा भारे चंही कहे ऐसा One who says what he has retained in mind or remembered ठा॰ = १ भग॰ २४. ७,

स्राहारित जि॰ (म्राहारित) आहार अटल् ५रेल स्राहार महण किया हमा. (One) who has taken food तंडु॰

श्राहारितार त्रि॰ (ब्राहारियत्) आढार

श्राहारिम. त्रि॰ (श्राहार्य) पाशी साथे ઉतारवा ये। यः, भाद्य-र्आषध-यूर्श वगेरे पाना के साथ खाने योग्यः, श्रीपिष, चूर्ण वगरह. (anything e. g. food, medicine, powder etc.) to be swallowed with water. पि॰ नि॰ ४०२:

स्राहारिय. त्रि० (स्राहारित) लाओ " स्राहारित " शण्ड देखें। " स्राहारित " शब्द. Vide. " स्राहारित " नायाण २: ४. १६: १८: १६: भग० १४, १: स्यण्ण ६. ३४:

श्राहारियं. श्र॰ (यथाऽऽयंम्) आर्थने घटे तेवी रीते: क्रेथी आर्थ पाउं प्राप्त थाय तेनी रीते जिससे श्रार्थत्व प्राप्त हो, इस प्रकार In a manner worthy of a civilised person. श्राया॰ २, ३, १, ११६;

श्राहारिस्समाण ।त्रि॰ (न्त्राहारिष्यमाण-श्राहरिष्यत्) भिष्ण अस्मां आस्मार अस्मार करने वाला. (One) who is to take food in future; going to take food in future. अस्मार १, १;

आहारुद्देसम्र पुं॰ (स्नाहारोद्देशक)
" पत्रविधा " सूत्रना प्रथम हिरेशानुं नाम
' पत्तविषा " सूत्र के प्रथम हिरेश का नाम.
Name of the first chapter of
Pannavana Sutra भग॰ १ १:
आहारितार ति॰ (स्नाहर्तुं) आहार हरनार.
प्राहार वरनेवाला (One) who takes

food, नम॰ ३०.

श्राहारेयव्य. त्रि॰ (श्राहर्तव्य) आहार १२वा सायः. श्राहार करने लायक Worthy of being eaten ठा॰ ३: श्राहालंदिश्र पु॰ (यथालन्दिक) ઉत्१९ आयारी ओड प्रशरना कैन साधु. उत्कृष्ट श्राचार पालनेवाला एक प्रकार का जैन माधु A class of Jama saints with excellent ascetic conduct. चड॰ ३३,

স্মাहাবাদা স্থান (স্থামাবনা) ધારણা સંકલ્પ; উदेश. धारणा; मंकलप; उद्देश्य. Thought, keeping, retention, of things in the mind पि॰ नि॰ ३६१,

स्राहासियः पुं॰ (श्राभासिक) स्ने नामने।
स्ने अन्तर्भाष इस नाम का एक स्नन्तर्भाष
Name of an Antara Dvipa
(island). (२) त्रि॰ तेमां तसनार
भनुष्य. उक्त द्वीप में बसनेताला मनुष्य
an inhabitant of the above
island पन्न० १;

म्राहिम्न. त्रि॰ (म्राहृत) आदरथी अहल् करेल. त्रादर मे प्रहण किया हुआ Respectfully accepted. जं॰ प॰ २, १८, विशे॰ ३६३.

न्नाहिन्निग ए॰ (न्नाहिताग्नि) अभिनेते भ्यापन १२नार धाभ्द्रश्; अभिनेद्रीत्री ग्रिमिकी स्थापना करनेवाला त्राम्हण, न्नामिन होत्री A Brāhmana consecrating or preserving the sacred domestic fire. दम॰ ६, ३, १, ११;

√श्राहिंड. था॰ I (श्रा+हिएड्) ६२५ं; लभलं, मुसाइरी ६२६ंश ल८६वं. फिरना, भटकना; यात्रा करना To walk, to 10am; to travel श्राहिडड्. नाया- १: श्चाहिंदसि. नाया० ६; श्चाहिंदह. नाया० ६, १७; श्चाहिंदेहि. श्चा० नाया० ६, श्चाहिंदेह. नाया० १४; श्चाहिंदिऊण. सथा० ७६; श्चाहिंद्यमाण नाया० १, विवा० ३:

श्राहिंडग्र. पु॰ (श्राहिग्डक) भ्रमण्शीस, भृसा६२ श्रमणशील, मुसाफिर. (One) who wanders, a traveller. श्रोघ॰ नि॰ ११५,

त्राहिंडग पुं॰ (ब्राहिगडक) लुओ ઉपदे। १०६ देखां ऊपरका शब्द Vide above " उवएम श्रापुवएमा दुविहा श्राहिटगा ममासेण् " श्रोव॰ वव॰

स्राहिडिस्र त्रि॰ (.स्राहिषिडत) भे। अधेक्ष भेजा हुस्रा Sent, despatched र्प॰ नि॰ ४२७,

স্মাहिक न॰ (স্মাধিক্য) অধিক্ষণ্ড্, বিধীণ পণ্ডু স্মবিকলা বিশ্বদা Excess, state of being more বিধীণ ২০০৩:

स्राहिगराणिया स्रां० (स्राधिकराणिकी)
८व, ६ भक्ष, भड़्य, वंगरे अधिकरण्
मेवववाथी लागनी क्रिया हल, उत्त्वल
यहग स्रादि से होना हुई किया, ऐसा
स्राधिकरण निममे स्रात्मा दुगीन मे जाय
()perations of agricultural
tools which lead a soul to spiritual degradation ठा०२, १

न्नाहित्ता स० क्र॰ त्रा॰ (न्नाधाय) सक्षमा सन्ना जन में नेकर. Having paid attention to having taken into consideration पि॰ नि॰ ६७

স্মাहिय त्रि॰ (স্থান্থান) કહેલુ, પ્રતિપાદન ક³લુ कहा हुम्रा प्रातेपादन किया हुन्या Told, said, described उत्त॰ २४. १: २¤, ४; ३३; ३०, १३; २४; स्य० १, १, १; ७; इं० प० २. १=;

त्र्राहरा

श्राहिय त्रि॰ (श्राहत) धरेक्ष; आगक्ष भृष्टेक्ष. रसा हुश्रा; श्रामे रसा हुश्राः Kept; placed before. स्य॰ नि॰ १, १०, १०६,

श्चाहिय विसेसत्त. न॰ (श्वाहितविशेषम्य)
सत्य वयनने। शेष्ट अतीश्चय-अद्भुत शक्तिः
मन्य वचनका एक श्वतिशय-श्रद्भुत शक्तिः
A super-natural manifestation
of truthfulness in speech. सम॰

श्राहुस्र-य. त्रि॰ (श्राहृत) भेक्षावेक्ष बुनाया हुत्रा. Called, invoked, सु॰ च॰ १,

श्राहुइ. ली॰ (श्राहुति) अिनभां घी, तथ, जय पंगेरे है।भया ते श्रीप्त में घी, तिल, जय वंगरह का होम करना Offering oblation consisting of ghee, harley etc to fire पि॰ नि॰ ४४०;

√ श्रा-हुरा धा॰ I (श्रा+ध्र) १ ४५ं. हिलना. कपना. To shake

त्राहुश्चिज्जमाण. क॰ या॰ व॰ कृ॰ नाया॰ ६; त्र्याहुश्चिज्ज त्रि॰ (त्र्याह्नानीय) आल्डान ५२वा थे। या. डाभवा थे। या हवन करने योग्य. Worthy of hemy invoked or offered as oblation. त्रोव॰नाया॰ १.

श्राहुशिय पु॰ (श्राधुनिक) ८८ अटभानी पुनी अट दूद ग्रही में का पूर्वा ग्रहः 'The 5th of the 88 planets '' दो श्राहुशिश्रा'' ठा० २,३: ज० प० ३. ५४: मु० प० २०;

आहेउ. हे॰ क़॰ भ्र० (श्राधातुम्) धार्य ४२वाने भारण करने के लिये. In order to place or retain स्य॰ १, ६, ४.

च्राहेगा न॰ (च्राहान) विवाહ थाय पछी वरनेत्या क्रयाने तेडुं क्षरी क्रमाडे ते. विवाह होजाने के पश्चान् वर के यहाँ कन्या को वृना-कर जिमाना-भोजन कराना An invitation to the bride to dine at the bridegioom's house after marriage आया॰ २, १, ४, २२,

त्राहेय. त्रि॰ (ग्राधेय) आधारमा रहेवा याज्य वस्तु. त्राधार में रहने योग्य वस्तु (Anything) contained or fit to be contained in another thing. विशे • १४. १४०२.

श्राहेरी स्त्री॰ (श्राभीरी) आहिरखु; सरपा-ડखु; भेषाक्ष श्रद्दीरनी; ग्वातिनी An Ahīra or shepherd's woman विमे॰ १४४४;

भ्राहेवच. न॰ (श्राधिपस्य) अधिपतिपात्रं, नायअपांकं, स्वाभीपांकं आधिपतिस्वः नायक-पन स्वामिस्व. Ownership; lordship: leadership. श्रोव॰ ३२: सम॰ ७८. निर० ४, १, विवा० ७: नाया० १ ३: ४; १८: नाया० घ० पञ्च० २, जीवा० ३, ४ भग० ३, ८ १३, ६, १८, २, ३०, ज० प० ४, ११४. ठा० ६: क्र.प० २, १३.

आहेवणा न॰ (आजेपण) शहेरते धेरी धा-अवी-धापी भारवी ते नगर पर आक्रमण कर घेरा डालना. Besieging a town; invading a town पणह० १, २:

आहोइआ ति॰ (आभोगिक) तानते। ओक प्रकार जान का प्रकार A variety of knowledge. ' आहोइएएं गाग-उंम-णेग अप्पणोणिक्षमण कालंग्राभोएइ, आ-भोइना '' कप्प॰ ५ १०६;

आहोहिय-आ पुं॰ (आघोऽवधिक) नियमित लेत्रमा २ हेनाइ अवधिज्ञान निर्यामत जेन्न मे रहनेवाला अवधिज्ञान Avadhijñāna lunited to a particular area. मग॰ १ ४.७ ७: १८, १८,

इ.

√ इ. धा॰ I (इस्) अतुं, अति ध्र्यी जानाः, गति करनाः To go, to move इति सु॰ च॰ ३, १२; इतु पि॰ नि॰ ४४७. इत्तर् हे॰ कु० कप्प॰ ९, २८; इत. व॰ कु० सग॰ १४, ३, पि॰ नि॰ २६० इज्ञतः व॰ कु॰ दम॰ ६, २, ४.

इ प्र॰ (इ) पात्पुरण् पाक्ष्याल कार पाद-पूरण, वाक्यालकार An expletive; a word marking the close of a nemark or sentence (२) सभाभि इति के प्रथं में समाप्ति में thus m this way पन्न १७, नाया० १, इ. १४ वय० १, ५;

इन्स्र ति॰ (इतं) प्राप्त थयेक्ष. स्थित २ हेक्ष. प्राप्त. स्थित Acquired, got, 1emaining steady. विशे॰ ३५१, इसा॰ ६, ३१: (२) गयेक्ष गया हुआ. gone. departed "समिय उदाहु" स्य॰ १, ६,४,

इञ्चर त्रि॰ (इतर) शीलुं; अपर द्मरा, अन्य Another else क॰ ग॰ १, ३७ ४,३; — तुज्ञ त्रि॰ (-तुल्य) भील केंपु: अन्य सरभुं. श्रीरोकामा like another; resembling another.

इन्नरहा. न॰ (इतरथा) अन्यथा. श्रन्यथा. In another way; otherwise. क॰ गं॰ १, ६०;

इइ. श्र० (इति) अभ; ओवी रीते. इस प्रकार; इस तरह. In that way or manner. उत्त० २, २६; सम० ३३; दस० ६, २; (२) रूप प्रदर्शन; डंध निर्देश डरी अना-पत्तुं. कुछ निर्देश करके बताना, रूप प्रदर्शन. a word used to point out anything. भग० १, १; १, ७; श्रोव० नाया० १; क० प० ५, १९; पंचा० ६, ६;

इडहास पुं॰ (इतिहाम—हातिह पारम्पर्थोः पदेश श्रास्तेऽस्मिन) पुराख; अतिहास. पुराख, इतिहाम. History; narration of past events. श्रांच॰ (२) पुरप्ती ७२ इसामांती ओह इसा. पुरुष की ७२ कलाश्रोमें की एक कला. one of the 72 accomplishments of a man. २ए० १, ६: श्रोव॰

इन्नो. य० (इतः) अधिभी; आजन्भथी यहां मेः इस जम्म में From this place; from this birth or state of existence 'इन्नो चृतेषु दुहमह-दुमां' स्य० १, १०, श्राया० १, १, १, ३; श्रोव० ३ = विवा० ४० पमह० १, १; पि० नि० २२३, नाया० १ ७ = १७० मग० १४, १. २०, ६,

इंखिशिया स्त्री॰ () निन्हा निदा Censure or slander " श्रदुइंग्वि-शिया उपाविया " स्य॰ १. २, २, २. दंखिशी स्त्री॰ (इग्विशी) निन्हा निन्हा. Censure; slander " ऋह मेयकरी अनेमि डांबिणी " म्य ० १, २, २, १;

इंगाल. पुं॰ (श्रहार) अंगारी; हाससी; धुंवाडा इदित अनित. श्रमारा; धुंश्रा रहित श्रामि. A hurning charcoal; fire free from smoke. श्रांव॰ ३६: उत्त॰ ३६: १०६; ठा० ४, ३; स्य० १; ४, १, ७: जं० प० ७, १७०; दम० ४, १: ५; ८, प्तः श्रम्पत्तक ३, ९; पि० नि० ४४६: जीवा० १; ३; पछ० १: नाया० १: भग० ३. २: ४, २: १०, ४ १४, १: श्रायात २, १०, १६६; उवा० १, ८१: पंचा० १३, ४८: (ર) કાયલાની માકક સંયમને કાલા કરુ नार એક પ્રકારના આતારના દાપ, कोयले के समान संयम की काला करनेवाना एक प्रकार का आहार का दोप a fault connected with food, tarnishing self-restraint or asceticism like coal. વિં નિ ૧; (ર) અંગાર નામના એક अ&. यंगार नाम का एक प्रह. a planet of this name. भग॰ १०. ४. -- उवय. त्रि॰ (-डपम) अंगारी केवा: देवता केवा. श्रंगारे के समान ज्वलंत; श्रगार के सदश देवित्यमान होने मे देव समान. anything) like burning charcoal: red-hot. 310 8 —कांद्रिणी संा॰ (-कपंणीं) देश्यक्षाने ભढ़िभाधी काढवाना से।ढाना ससीक्या कोयले का भट्टो से से निकालने का लोहे का सारिया an iron rod to take out coal from an oven or kiln. भग । १६. १: - कम्म. न॰ (-कर्मन्) हे।यला धनाववा काते वैधवानी व्यापार कांग्रला बनाने स्रोर

^{&#}x27;जुओं। पृष्ट नम्भर १४नी पुरनेति (*), देखो पृष्ट नंबर १४की फूटनीट (-). Vide foot-note (-) page 15th

वेचने का न्यापार. business of pieparing and trading in coal भग०८, ५; उवा०१,५१, -कारियाः स्री॰ (कारिका-श्रंगारान् करोतीतंक्ष्मर-कारिका) सगडी सिगडी. a portable grate or fire-basket. " इंगालका-रिएए भंते श्रगणिकाए केवइयं काल संचि-द्रह " भग० १६, १; -दाह (-दाह-श्रङ्गारान् दहतीत्यङ्गार दाहः) शंगारा पाऽवानी क्रांगा ग्रंगारा करने की जगह. a place where fuel is converted into coal निसी॰ ३, ७४: —सगडियाः स्री॰ (-शकटिका) यंगारा पाउपानी सगरी श्रमारा दहकाने की सिगड़ी. a portable grate in which fuel is converted into burning charcoal. भग० २, १; —सोहिलय त्रि॰ (-श्रूल्य) अंगारा अपर पहावेशु. श्रंगारों पर पकाया हुआ cooked, baked upon burning charcoal " इंगालमोहिलय मिव कंद्सोहिलयमिव " भग० ११. ६:

इंगालग्र पु॰ (ग्रङ्गारक) स्थे नाभना शिक्ष अक्ष. भंगल इस नाम का एक ग्रहः मङ्गल. The planet Mars. स्य॰ २०; भग०३, ७:

हंगालगः पुं॰ (श्रहारक) भंगस श्रह मंगल नाम का ग्रह The planet Mars. छा॰ २, ३;

इंगालभूय ति० (श्रहारभूत) क्षेत्रथा-अंगान्यती सभान अगारे के सामान. (Anything) like a burning charcoal.

सग० ३, १ ५ ६ ३, ६; ज० प० २.
३६.

हंगालचार्डिमय पुं॰ (श्रद्वारावतंसक) अगारक्ष नाभे अहना विभाननु नाभ. ग्रंगा-

रक नाम के ग्रह्का विमान. Name of the heavenly abode of a planet named Angäraka भग॰ १०, ४; इंगिश्र-य. न॰ (इहित) भने। लावः क्रा-વવાની નિશાની: ઇસારા: આંખ વગેરેની सालिशाय येष्टा मनो भावः संकेतः इपारा. Internal thought; significant gesture of the eye etc " इंगिया गार संपन्ने " उत्त० १, २: ३२, १४, श्रोव० ३३; दस० ६, ३,१ पि० नि० ४७८. विशेष ६, ३३: भग० ६, ३३; नाया० १: ज॰ प॰ ३, ५३, — श्रागारः पु॰ (- ग्राकार) भने। साव જ शाववानी निशानी. मनाभाव प्रगट करने का चिन्ह, इशारा. internal thought: a significant gesture उत्त॰ १, ३: — श्रागारसंपरागः त्रि॰ (श्राकारसंपज) **ઇંગિત અને આકાર જાણવાની સંપત્તિવાલા** इंगित और आकार जानने की संपत्तिवाला. one who has the power of knowing internal thoughts and out-ward gestures indicating them " इंगियागारसंपरणों से वि. गीपृति बुचइ 'उत्त॰ १, २; — सर्ग पुं॰ न॰ (-मरण) लुञ्मे। " इंगिरणी मरण " शण्द. देखी " इगिणी मरण " शब्ह. vide : इंगिगी मरगा '' सम o इंगिगा. स्त्री॰ (#इंगिनी-श्रुतविहितकिया-विशेष. इंग्यते प्रतिनियतदेश एव चेष्टयते-Sस्यामनशनकियायामितीक्विनी) शास्त्रभा કહેલ હૃદમા રહી વેયાવચ્ચ કરાવ્યા વિના संथारे। धरवे। ते शास्त्र में कही हुई हदमे रहकर चैयावृत्य कराये विना संथारा करना Performing Santharo confining oneself within the limits of space prescribed by Śāstras

and not receiving any service from others. भत्ति ६; प्रवः १०३१; सम० १७; -- सरण. न० (-मरण) સંથારા કરી વૈયાવચ્ચ કરાવ્યા વિના ઇંગિત-नियमित प्रदेशनी एहमां रही समाधि भरख इरव ते. संथारा करके वैयात्रत्य विना कराये नियमित प्रदेश की हद में रहकर समाधि मरण करना. death in a state of meditation by the practice of Santharo in a defined area of space fixed by Sastras and without receiving any service सम० १७, प्रव० १०३१; ठा० २; संधा० इंद पु॰ (इन्द्र-इन्द्रनीति इन्द्र.) श्रेष्ट श्रेष्ठ. One who rescellent to To Zo; (२) धंद्र, देवतानी शक्त, पुरन्द्रश हन्द्र, देवी का राजा the god Indra. the king of gods. To fas 133, नं०प० ३,४५: सग० ३, १. ७, ६. विशे० ३२५. नाया० ६; नाया० घ०३ नदी० २२, श्रोव० सम० १९, पन० २ श्राणुजी ० २० ठा० ४, दस० ६, १, १४० पंचा० ४, ८८. (૩) જ્યેષ્ટા નક્ષત્રના અધિયનિ हैवता ज्येष्ठा नत्तत्र का अधिपति देव the presiding deity of the Ayestha constellation अणुजी: १३१, स०प० १, ठा० २, ३: (४) એ નામના એક દ્વીપ અને એક સમદ્ર इस नाम का एक हीप और एक समुद्र an island of that name, also an ocean of that name. जीवा॰ 3. र. पन्न॰ १५. —श्रभिसेय ge (- प्रभिषक) अर्थाल देवने। राज्याभिषेड स्यान देव का राज्यानिषक the coronation ceremony of the Süryabha god गय॰ १ १६ — श्राहिट्टिय

त्रि॰ (-श्रधिष्ठित) धंदने व्यधिष्ठत. इन्द्राधिष्टितः इन्द्र के श्राधिष्टितः presided over by Indra. " इंदाहिद्विया " भग० ३, १; ठा० १०; -- श्रहीरा. त्रि॰ (-श्रधीन) धंदने वशः धंदने आधीन. इन्द्र के आधीन dependent upon Indra, under the power of Indra. भग॰ ३, १; — श्रही एक जा. न० (- श्रधीनकार्य) धन्द्राधीन धार्य-धाम. इन्द्र के आधीन कार्य, a work under the control of Indra भग० ३. 3: — ग्राउह. पु॰ (-श्रायुघ) धेरतु आयुधः पण. इन्द्र का शस्त्र-वज्र. the weapon of Indra: Indra's thunderbolt. नाया १ १ - केउ पं० (- केतु) धन्द्र યષ્ટિ, ઇન્દ્રમહાત્સવમાં ખનાવેલ સ્થંભ इन्द्र यष्टिः इन्द्रमहात्सव में बनाया हुआ स्तम a post erected in the celebration of Indra's festival. पगह ा, ४; -- बाह्र, पुं (- प्रह्) વ્યન્તર દેવના ઉપદ્રવથી થતા રાગ; વલગાડ ब्यंतर देव के उपद्रव में होता हुआ रोग a disease caused by the evil influence of hell-gods, being possessed by hell-gods भग॰ ३, ७, जांबा० ३. ३, (२) अह विशेष ग्रह विशेष. name of a planet. जीवा॰ ३, 3, —इस्तयः पुं॰ (-ध्वज -शेपध्वजापे-त्त्रयाऽनिमहत्वादिग्द्रश्चामा ध्वनश्चेन्द्रध्वजः) ઇન્ડ ધ્વજ, ખીછ ધ્વજાની અપેક્ષાએ માેડી ध्यका इन्द्र ध्वजाः दूसरी ध्वजा की श्रपेत्ता में बड़ा बजा a banner taller than all the other banners 'इदब्सन्त्रो. पुरश्रो गच्छड् ' सम० ३४, प्रव० ४५९. --हारा न० (-स्थान) धन्ध्रंस. धन्ध्र-इन्द्र म्तेभ इन्द्रध्वज a post

erected in honour of Indra; a flag greater than all the rest श्रंत० ६, १४, (२) ध्रृतृ निवास २थान. इन्द्र का निवास स्थान residence of Indra " इंदट्राणे-गुं भते केंचितय कालं त्रिरहिते " ठा० ६, भग० ८, ८, जीवा० ३; सू० प० १६; —धरा. न॰ (-धनुष) धं धनुष्य, કાચणी. इन्द्र धनुम a rambow. प० श्रामाजी० १६७: भग० ---पाडिचया स्री॰ (-प्रतिपत्) साहरवा सदी १५ ५७िने। ५५वे। भादपद सुद्धि पूर्णिमा के बाद की विदिएकम the first day of the dark half of the month of Bhādrapada ठा॰ ४, --मह. पु॰ (- मह) लाइवा भासनी पुनभे थते। धन्द्रभाष्ट्रीतस्य. भादपद मास की पूर्णिमा को होने वाला इन्द्र का उत्सव महात्सव a festival in honour of Indra on the full-moon day of Bhādra-)शार्त राय० २१७; विवा० १; निसी० १६, १२; श्राया० २, १, २, १२; भग० ६, ३३, नाया॰ १: —लट्टि. स्त्री॰ (-यष्टि) धन्द्र भंदे।त्सत्रमां के स्तंल रापवामां आवे ते इन्द्र महोत्तव में जो स्तंभ गाडा जाता है वह a post fixed at the time of the celebration of Indra's festival " निव्यत्तमहेव इंदलट्टी विमुक्त संधि यंधणा " नाया० १; भग० ६, ३३:

इदकंत. पुं॰ (इन्द्रकान्त) धन्द्रशन्त नामें शेष्ठ विभान हे जेना हेवता श्रानी स्थिति १७ सागरापमती छे शे हेवता साधा नय मिदिने श्वामान्ध्र्यास क्षे छे, अने १७ दन्तर वर्षे क्षुधा क्षांशे छे. इन्द्रकान्त नामक एक विमान जिसके निवासी देवों की स्थिति ४ 11/17.

१६ सागरोपम की है. ये देव साडे नो मान् वाद श्वामाद्यवाम लेते है श्रीर १६ हजार वर्षायाद इन्हें जुधा गलती है. Name of a heavenly abode, the gods here live for 19 Sagaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. सम॰ १६; दंदकाइय. पुं॰ (इन्द्रकायिक) अध् धिर्य वादी ओड छन, धन्द्रभाप. तीन इन्द्रियोवाला एक जीव. इन्द्रगोप A kind of insect of red colour, a kind of three-sensed living being

इंदर्कील पु॰ (इन्द्रकील—गोपुरावयव विशेषः) नगरना हरवालानी ओह अवयव, लेने आधारे हरवालाना भे हमाड लह रही शक्ते ते. नगर के दरवाले का एक अवयव, जिसके आधार से दरवाले के दो किवाट वंब रहमके वह. A portion of a city -gate; a door-bolt fastening the two doors of a gate "गोमे-उक्तमया एंदकीला" राय॰ १०६ भग० ३, ३, ओव॰ ठा॰ २,

इंदर्कुंगः पुं॰ (इन्द्रकुम्भ—कुम्भानामिन्द्र इन्द्रकुम्भ) इलशः भढ़ेटि। धडेा, लालिञ्री। कलशः वटा घटा A big pot. राय॰ १०६ः जं० प० १ः (२) पीतशाः। नग-रीना धशान भुणानु ओड उद्यान वातशोका नगरी का ईशान कोन का एक उद्यान name of a garden in the north-east of the town of Vitasokā. " तोसेण वियासोगाए राय हाणीए उत्तरपुरन्छिम दिसिभाए इंदर्कुंभ णामं उज्जाणे ' नाया॰ ६ः (३) नेभनाध-ना अथभ शिष्य. नेमनाथ का प्रथम शिष्य. name of the first disciple of Nemanātha. सम० २४. (४) २० मा भुनिभुत्रत तीर्थं इरना प्रथम गण्धस्तु नाम. २० वें तीर्थं कर मुनिसुत्रत के प्रथम गण्धर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 20th Tirthairkara, Mum Suvrata मम० प० २३३,

इंदर्फ़ील पुं॰ (इन्झ्कील) जुओ। 'इंदर्काल' शण्द देखों 'इंद्कील शब्द Vide इंदर्कील ' जीवा॰ ३, ४,

इंद्रा पुं॰ (इन्द्रक) तेष्टिय छव विशेष. तान इन्द्रियोंनाला जीन निशेष. A threesensed living being, a kind of insect उत्त॰ ३६; १३७;

इंदगोव पु॰ (इद्दगोप) ध्रशोप, भेभभेकि।;
परसाह थया पछी हेणाता ओड सास छपड़ी;
प्रख् धिन्द्रय पाली ओड छप इन्द्रगोप,
इन्द्रवहूटी वर्षा ऋतु में उत्पन्न होनेवाला
एक लाल रंग का जन्तु A kind of
insect of red colour springing
up in monsoon a three-sensed
living being उत्त॰ ३६, १३=.
ऋणुजो॰ १२१ पन्न॰ १;

इंदगीत्र अ-य पुं॰ (इन्द्रगोपक) जुर्गे। उपेक्षी शण्ह देखो उपर का शब्द. Vide above जीवा॰ ३, ४, गय॰ ६३ नाया॰ ३.

इंदगोवग प्० (इन्द्रगोपक) क्युओ। 'इन्गोव'शण्ड देखी इदगोव' शब्द. Vide 'इन्गोब' नाया १ १

इंद्गि पु॰ (इन्द्राग्नि) विशाला नक्षत्रनेत अधिश्राता देवता विशाला सक्तत्र का अविग्राता देव The presiding deity of the constellation Visākhā अशुक्रो॰ १३१ स्०प०१० ठा०२,३, (२) ३७ भा अ&तुं नाभ. ३० वं प्रहका नाम. name of the 37th constellation. जं॰ प० ५; ठा॰ २, ३: मृ० प॰ २०;

इंद्जसा. श्री॰ (इन्द्रयशस्) भाशाय देशना अभ्दर्शकानी राष्ट्री. पांचाल देश के ब्रह्म राजा की राणी. Name of the queen of Brahmarājā of the country of Pāñchāla "इंद्वसु १ इंद्रजसा २ इट्सिरि ३ चुल्ला देवीय" उत्त॰ टा॰ १३;

इंद्जालि नि॰ (इन्डजालिन्) विविध २२४न। इरी निरुभय पभाउनारः छन्द्रिश्त्तवीथे। विविध रचना करके विस्मित करनेवालाः इन्डजालिया, जादूगर A magician. ठा॰ ४:

इंद्जालिश्च-यः त्रि॰ (इन्द्रजालिक) धिन्ध-लक्ष धरनारः गे।ऽविद्या स्तायनारः इन्द्र-जाल करनेवालाः गोट विद्या बतानेवाला (One) who displays magical tricks विशे॰ १६०७;

इंद्रनील. पुं॰ (इन्द्रनील) धन्द्रनीक्ष भाग्।;
नीक्षभ इन्द्रनील मणिः नीलम A gem
so named; a sapphire. श्रीव॰ राय॰
इंद्रन. न॰ (इन्द्रत्व) धन्द्रनुं स्वरूपः धन्द्रपार्थ. इन्द्र का स्वरूपः, इन्द्रपन Power
and dignity of Indra; state
of being Indra; kingship.
उत्त॰ ६. ४४; भग० ३, २,

इंद्**ता.** स्त्री॰ (इन्द्रता) धन्द्रपश्: इन्द्रपन. State of being Indra; power and dignity of Indra: kingship. नग॰ २४, ६.

इंद्रद्त्त पुं॰ (इन्द्रदत्त) धन्द्रदत्तः शिथा तीर्थध्येने प्रथम लिक्षा आपनारः इन्द्रदत्तः चोथे तीर्थंकर को पहिले पहिल भिचा देने वाला Name of the man who first gave alms to the fourth Tirthankara. सम॰ २४, (२) १२ मा वासुपुज्य १२ वे तिथंकर के तीसरे पूर्वभव का नाम name of the 3rd previous birth of the 12th Vāsupujya Swāmī सम॰ २४:

इंद्दिएए पुं॰ (इन्द्र्य) એ नाभना हिटिड-ग॰छना એક आयार्थ. कोटिकगच्छ के एक स्राचार्य का नाम Name of a preceptor of the Kotika order of saints कप्प॰ =;

इंदनील. पुं॰ (इन्द्रनील) क्युओ। 'इंद्रणील ' शण्द्र, देखों ' इन्द्रणील 'शब्द. Vide 'इन्द्रणील 'उत्त॰ ३६, १४ पत्र॰ १;

इंद्रपुर न० (इन्द्रपुर) એ नाभनं એક नगर एक नगर का नाम. Name of a city. "इहेव जंबूदीवे भारहेवामें इंद्रपुर णाम नगरे" विवा० १०, (१) એ नाभना ओह साधु है की भण्डीपुर नाभना गाभमा नागहत्त गाधापित ओहार पाण्डी विदेशव्यां हता. इन्द्रपुर नामक एक साधु जिन्हें मण्डिपुर नामक प्राम के नागदत्त गाधापित साहार पानी दिया था. Name of a monk who was given food and water in a village named Manipura by the Gāthāpati named Nāgadatta 'इद्रपुर श्रण्यारे पिडेलाभिते जाविसदे " विवा० २, ०,

हंदपुरग. पुं॰ (हन्द्रपुरग) वेसवाधियाण्थी नीक्षेत्र को नाभनुं इस. वंगवाडियाण् से निक्रले हुए कुल का नाम Name of a family which was an offshoot of Vesavadiya Gana. कुष्ण॰ =; हंदभृद्द. पुं॰ (हन्द्रभृति) मदावीर स्वाभीना प्रथम गण्धरः गाँतम स्नाभी महावीर स्वामी के प्रथम गण्वर, गाँतम स्वामी. The first Ganadhara of Mahā vīra Swāmī भग० १, १: २, ५: श्रोव० ३६; नाया० ६; जं० प० नंदी० २०; सम० १२; २४; डवा० १, ७६; प्रव० ३०८. कप्प० ५, १३३;

इंदभूति. पुं॰ (इन्द्रभूति) लुग्गे। ઉपसे। शण्द देखो जगर का शब्द Vide above. सम॰ ६२; मृ० प॰ १;

इंदमुद्धाभिसित्त पुं॰ (इन्द्रमूर्घाभिषिक्त)
पणवाडीव्याना सातभा दिवसनुं (सातभनु) नाम पखवाडे के सातर्वे दिन (मप्तमी)
का नाम. The 7th day of a fortnight. "इंदमुद्धाभिसित्तेय" यू० प०
१०; जं॰प॰

दंदय पु॰ (इन्द्रक) लुओ 'इंटम' शफ्ट. देखो 'इंद्रम' शब्द Vide 'इंद्रम' ठा॰ ६;

इंद्यािंग्स. पुं॰ (इन्द्रक्तिस्य) साथी मारे। नरक्षातांभाः सबये वडा नरकावासाः. The greatest hell. ठा॰ ६,

इंद्याल न॰ (इन्डजाल) એ नामनी એક निधा. इन्द्रजाल विद्या Juggling, a kind of lore, magic. सु॰ च॰ ४, १६६;

इंदयालि पुं॰ (इन्द्रजालिन्) धन्द्रव्यक्ष विद्याने व्यथनार इन्द्रजाल विद्या को जानने वाला. A magician; a juggler. सु॰ च॰ १३, ४०,

इंदिसिरी स्त्री॰ (इन्द्रस्त्री) पांचाल देशनी क्षांपित्य नगरना व्यन्द्धस्त राज्यनी ओक्ट राष्ट्री. पाचाल देश के कापिल्य नगर के ब्रह्मदत्त राजा की रानी Name of a queen of Brahmadatta, the king of the city of Kāmpilya in the country of Pāñchāla. उन॰ दी॰ १३;

दंदसेगा स्त्री॰ (इन्द्रसेना) धन्त्रसेना नामनी ओड नही डे के भेड़ने उत्तरे रडतवती नहीमां भक्षे छे. इन्द्रसेना नामक एक नदी जो कि मेर के उत्तर दिशा में रक्तवती नदी में मिलती हैं. Name of a river which flows into the river Raktavatī in the north of Meru ठा० ४, ३; ९०:

इंद्रा स्त्री॰ (इन्द्रा) धन्ता नामनी नही है ले भेड्नी उत्तरे रक्षावतीने भन्ने छे. इन्द्रा नामक नदी जो कि मेह की उत्तर दिशा में रक्षवती नदी में मिलती है. Name of a river which flows into the river Raktavatī in the north of Meiu. ठा॰ ४, ३; (२) धन्हा नामनी એક हेथी. एक देवी का नाम. Name of a goddess नामा॰ घ॰ ३; (३) धर्षे इनी पांचवी स्त्र महिषी का नाम. name of the 5th principal queen of Dhaianendra. भग॰ १०, ४;

इंदा. स्त्री॰ (ऐन्द्री) पूर्व दिशा पूर्व दिशा. The eastern direction सग० ह, १; ठा० १०; तं० प० ४, १३८;

इंदाणी. स्री० (इग्झाची) धन्द्राणी; धन्द्रनी अश्रमिद्धी. इन्द्राणी; उन्द्रकी पहरानी. The crowned queen of Indra जा० ४:

डंग्देय न॰ (इंद्रिय) आभ, क्षान, नाक, छल, भने त्वया के पाय छन्द्रिय ब्रॉख, कान, नक्ष, जिल्हा ब्रोर त्वचा ये पांच इंद्रियाँ. The five senses viz eye, ear, nose, tongue and skin. विशे

६१; पन्न० १५; नाया० १; ४; उत्त० E, ३६; श्रोव॰ १६; दस॰ ४, १, १३; भग० २, १; ४; ६, १; २४ १२; नंदी० ३; सम० ६; क० गं० १, २०; पचा० १४, ३; (૨) પત્નવણા સુત્રના ૧૫માં પદનું નામ. पन्नवणा के पंद्रहवें पद का नाम. name of the 15th Pada of Pannavanā. पञ्च० १५; (३) પત્રવણાના ત્રીજા પદના त्रील दारनुं नाभः पन्नवणा के तीसरे पद के तीसरे हार का नाम. name of the 3rd Dwāra of the 3rd Pada of Pannavanā. पन ० ३; — अन्थ. पुं॰ (-म्रर्थ) शण्द, रूप, रस, अध व्यति સ્પર્શ એ પાચ ઇન્દ્રિયના અર્ધ-વિષય. शस्द, रूप, रस, गंध श्रीर स्पर्श ये पाच इन्द्रियों के अर्थ-विषय. any of the five objects of the senses viz sound, form, taste, smell, and touch. " पंच इंदियत्था पग्राता तजहा " ठा० ५; उत्त० २४; ८; ३१, ७: — ऋत्थकोवण न॰ (- ऋषेकोपन) धाम-વિકાર; ઇન્દ્રિયના વિષયના કાપ થવા તે. कामविकर: डांद्रेय के विषय का कांपित होना. desire for the enjoyment of the objects of the senses. 270 =; —ग्रपङजात्तिः सी॰ (-ग्रपर्याप्ति) धन्द्र-યતી અપૂર્ણતાઃ ઇન્દ્રિય પર્યાપ્તિ ળાંધીને પુરી न ५२१ दे।य ने इंडियकी श्रमम्पूर्णनाः इडिय पर्याप्ति को बांबकर उसे पूर्ण न करना. imperfect development of the senses. भग॰ ६, ४; —उवउत्तः त्रि॰ (–उपचुक्त) ઇન્ડિયના - ઉપયોગસહિત. इंद्रियों के उपयोग सहित. (one) care. fully controlling the senses. पन्न॰ ३; — डबचय पुं॰ (-उपचय) धन्द्रियते। अभयय-वृद्धि इंद्रियो की बृद्धिः

the growth of the senses ''कइविहेगा भते इंदियउवचय '' पत्र ० १५: भग० २०, ४; —ग्गाम. पु॰ (-प्राम) धन्द्रियोती सभुदाय. डाइयो का समुदाय the group of the senses. श्राया॰ टा॰ १, ५, ४, १५६- - चडक. न० (-च-तुष्क) મન અને ચક્ષુ શિવાયની ચાર ઇન્દ્રિયા: કાન, નાક, ધ્રાણ અને સ્પર્શ ઇંદ્રિય चार इन्द्रिया; कान, नाक घ्रागा ख्रीर स्पर्श the group of the four senses, viz the senses of hearing smell, taste, and touch क॰गं॰ १, ४, —चल्एा. स्त्री० (- ५चलना) धन्द्रियनं थासव इन्द्रियों का चलना. the motion of the senses भग॰ १७, ३: —जन्नागाजा नि॰ (-यापनीय) पांशे धन्द्रियोते वश क्षरवी ते. पाचों इान्द्रियो को वश करना controlling all the five senses. भग० १८, १०, नाया० ५; —जायः न॰ (-जात) धन्द्रियनी जान -प्रधार डान्द्रियो की जाति-भेद variety of the senses. बेमा प्र १३; —हारा न० (-स्थान) धन्द्रियना स्थान-उपानन क्षार्श-आक्षाराहि, इद्वियों के स्थान उपादान कारण-ग्राकाशादि, the efficient causes of the senses such ns space etc. स्या नि १, १, १, ३३: - शिवत्तशा स्त्री० (-निर्वर्तना) धन्द्रियोने निभन्तव री ते इंदियों को उत्पन्न ऋरना the creating of the senses " कतिविदेश भंते इंदिय शिज्यत्तगा" पन्न॰ १४; -निराहि नि० (निरोधिन्) મન્દ્રિયની લાલસાના નિરાધ કરનાર. इन्द्रिय की लालसा का निरोध करनेवाला (one) who checks the cravings of the senses प्रवर ५७०; -पजानित स्त्री॰ (-पर्याप्ति) प्रनिदेशनी સ પૂર્ણતા, દુન્દ્રિય પર્યા ળાંધીને પૂરી કરવી इन्द्रियों की संप्रीता, full velopment of the senses भगः ६, ४; -पडिसंलीसता स्रो॰ (-प्रार्तस लीनता) धन्द्रियाने वश क्ष्यी ते. डान्द्रयांका वश करना conquest, control over the senses भग० २५, ७. -परि-ग्राम न॰ (-परिग्राम) धन्द्रिय रूपे প্রবৃ ধরিজাম । इन्द्रिय मण मे जीव का the modification the soul into the form of the senses पन्न०१४: — यता न० (-यता) धन्द्रियनी शक्ति इन्द्रियों का शांकि the power of the sensey जीवा॰ ३ —मणोणिमित्तः न॰ (-मनोनिमित्त) ચક્ષ વગેરે પાંચ ઇન્ડિય અને મન છે નિમિત્ત केभा भेवं ज्ञान, भतिश्रुत ज्ञान. चत्तु वगरह पांच डान्ड्रयो छोर मन के निमित्त में होनेवाला जानः मतिश्रुत ज्ञान Matiśruta Jñāna: sensitive knowledge, acquired by the five senses and the mind, विशेष ६३: -- मणोभव न० (-मनोभव) धन्द्रिय अने भन्थी अत्पन्न थतुं ज्ञानः इन्द्रिय श्रीर मन मे उत्पन्न होनेवाला knowledge born of the senses and the mind विशे हर: —लार्स म्रो॰ (-लांच्य) पाय **धं**द्रियनी प्राप्ति. पाच डन्द्रियो की प्राप्ति. 'the attainment of the five senses. भग० ८, २; पन्न० १४: —लद्धिया. स्री० (-লহ্খিका) প্রুঞা ও পরী શঙ্ক. देखो जपर का शब्द vide above. भग॰ न, २; —वसट्ट. त्रि॰ (-वशार्त्त) धंदियने वश थवाथी थयेश हु भी. इन्द्रिय के वश

होने के कारण से दुः खित. (one) miserable on account of lack of control over the senses, भग॰ १२, २; —विजय पु॰ (-विजय) ઇ/६४ने કાलुभां રાખવી તે; ઇન્દ્રિયાપર જય મેલવવા તે; तप विशेष इन्द्रियों को वश करना, इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करनाः तप विशेषः control over the senses. a kind of austerity. पचा० १६, ३६; — विभात्ते. त्री॰ (-विभक्ति) धन्द्रियना विसाग, ओ हेन्द्रिय, भेधिद्रिय वर्गरे इन्द्रियों के विभाग; एकेन्द्रिय चेइन्द्रिय श्रादि, the classification of the senses; e.g. one sense, two senses etc. स्य॰ नि॰ १, ४, १, ६६, — विसय पुं० (-विषय) धिदियोनी विषय शिक्तः इन्द्रियों की विषय शाकि the power of enjoyment senses. भग॰ ३, ८. —वीरिय न॰ (-वीर्वा) श्रीत्र आहि ઇદિયાનુ પાત પાતાના વિષયને શ્રહણ श्रोत्र आदि इन्द्रियों કરવાનું સામૃથ્ધ का स्व स्व विषय महरा करने का सामर्थ. the power of the senses e g ear etc. to comprehend then objects सूय ानि १, म, ६६;

इंदियडदेस पु॰ (इन्द्रियोद्देश) पत्रवण्। स्त्रना पत्रभा पत्ना प्रथम उद्देशनु नाम. पत्रवणा म्त्र के पद्रद्वे पद के प्रथम उद्देश का नाम. Name of the first Uddesa of the 15th Pada of Pannavana Sūtra. भग• २, ३.

इंदियउदेसय पुं॰ (इन्द्रियोदेशक) जुओ। ७५९। राष्ट्र देखो जगर का शब्द. Vide above. भग॰ १८, ३, २, ४, इंदिय पय न॰ (इन्द्रियपद) पन्नवणा सूत्र पुं १५ मु पह पन्नवणा का १५वा पद The 15th Pada of Pannavana Sutra. भग० २, ४; पत्र० १५;

हंदु. पुं॰ (इन्हु) यन्द्र; यन्द्रभाः चन्द्र; चन्द्रमाः The moon. नायाह १; १६, भग॰ ६, ३३;

इंदुत्तरविंसग. पुं॰ (इन्द्रोत्तरावतंसक)

ओ नाभनुं ओक विभान, ओनी श्थित
ओगण्डीस सागरीपभनी छे. ओ देवना साडा
नव भिंदने श्वासे। श्वास से छे, ओगण्डीस
ढ़कर वर्षे क्षुधा सागे छे. इम नाम का
विमान, जिसमे रहनेवाले देवों की १६ सागरीपम आयु है. ये देव साढ़े नौ महीने वाद
धास लेते हैं और इन्हें १६००० वर्ष वाद
भूख लगती है. Name of a heavenly abode; the gods here live
for 19 Sagaropamas and they
breathe once in 9½ months
and feel hungry once in 19
thousand years. सम॰ १६;

इंदुरय. न० (: इन्दुरक) भाटा भु उली. वडा टोपला. A large basket. राय० २००; इंधण न० (इन्यन) ध्रीयणु, श्वलत्य, छाणा लाइडा नगेरे इन्यन, जलाने की लकड़ी, कडा वगैरह. If uel consisting of cowdung cakes, wood etc उत्त० १४, १०; ३२, ११, पि० नि० भा०

१२: भग० ७, १;

इक्क त्रि॰ (एक) એક-स ખ્યાવાચક: एक-संख्यावाचक. The numeral, one. (२) એક્લા: એકારી; અદ્વિતીય श्रकेला; एकाकी, श्रद्धितीय one, alone; matchless श्रद्धाजी० १३१; नंदी० ३४: श्राया० १, ५, २, १४८, भग० २, ५; नाया० १५; स० च० ४, ९२४; जं० प० १, १२, इक्क श्र त्रि॰ (एकक) એક્લા• એકારી प्रकेलाः एकाकी Alone; solitary. उत्तर १, १०; ३४, ६;

इक्कड. न० (' इक्कट) ४५५५- यटाई-साइडी णनापतानुं हे। भल धास; ६६६ सहश नृष् विशेष. चटाई बनाने का कोमल धास; तृष विशेष. A kind of soft grass of which a mattress is made प्राया २, २, ३, १००, २, ७, २, १६१. सूय० २, २, ७, भग० २१, ५; पगह० २, ३, ४५६५८नी णनावेशी यटाई उक्क धास का बनाई हुई चटाई a mattress made of the above grass आया० २, २, ३, १००, (३) यानाभनु पर्वण जात का भाड़ a kind of tree पन्न० १;

इक्किमिक्क ति॰ (एकेक) ओक्षेत्र. परस्पर.
Taken singly; (२) परस्पर; ओक्ष्रथीलुं, अ-था-य. अन्योन्य, एक द्सरा
mutual. उत्त ० १३, ३; सु० च० २, ८१:

इक्कवीस स्रो॰ (एकविंशित) २२. એકવાં स. वीस अने એક इकवीय; २१ Twentyone 21 उत्तर ३१. १५. कप्पर १,२;

इझसीइ स्री॰ (एकामीति) એકાશી, ८१. इक्यामी Eighty-one: 81. उत्त० ३४,२०,

इक्कार वि॰ (एकादशन्) अभीयार, ११. ग्यारह. ११ Eleven; 11 क० ग०६, २०;

इक्कारसः ति० (एकादशन्) अभीआर. हसने ओं अवारह, ११ Eleven, 11. सम० ११, दसा० ६, १, २; उत्त० २८, २३; उवा० १०, २७७, क० गं० ६, २०; ज०प० २, ३१; —श्रंग पुं० (-श्रंग) आयारंगादि ११ अभूत्र श्राचारंगादि ग्यारह श्रंगप्त the 11 Añga

Sūtras e. g. Achārāṅga etc.

इक्कार्सग ति॰ (एकाटणक) अभीवार. ग्यारह Elven, ।। क॰ ग॰ १, ४२:

इक्कारसम. त्रि॰ (एकादशम) ११ भी; अशीआ२भी ग्यारहवा. Eleventh,

इक्कारसी स्त्री० (एकादशी) अभीआ २स पणवाडी आनी ११ में। दीवस ग्यारस, पत्त का ग्यारहवां दिन The 11th day of a fortnight. विशेष २०६३. प्रवण्

इक्किक्क. त्रि॰ (एकैक) એક એક एक एक. Taken singly. उत्त॰ २८, ८, क॰ गं॰ ४, ७७; — उद्य पुं॰ (-उदय) એક કે પ્રકृतिने। ઉદય. एकेक प्रकृति का उदय the rise or maturity of each Prakiiti (Karmic nature) singly. क॰ ग॰ ६, १६;

इक्खाग न० (इच्चाकु) ऋपलहेव स्वाभीने। ऋपभदेव स्वावी का वंश; इच्चाक् कृल The Iksvāku family; the line of descent of Risabhadeva Swāmī. आया ?. १, २, ११; पत्र० १, भग० ६. ३३, २०, ⊏, त्र्यगुजी० १३१. ठा० ७, १. ६०, उत्त० १८, ३६, श्रोव॰ राय॰ २१८, —कुल. पु॰ (-कुल) जुओ। 'इक्लाग शण्ह देखो 'इक्खाग' शब्द vide 'इक्खाग' स्रोव ॰ -- भूमि छो॰ (- भूमि) ४६वा५ वंश જ્યાં ઉત્પન્ન થયા તે ભૂમિ, અયાધ્યા. इच्त्राकु वंश जहाँ उत्पन्न हुत्रा वह भुमि; अयोध्या. the land of the birth of the Iksvāku family; Oudh. कष्प० ७, २०६; --राय पु० (-राजन्) **ध**र्वाक कुला अन्तेत राज्य इन्त्राक कल

में जन्मा हुआ राजा. a king of the Ikṣvāku line. "पिंडबुद्धि इक्खागराया" ठा॰ ७; नाया॰ ६; — वंस. पुं॰ (-वंश) अरपल देव स्वामीनी। वंश. ऋषभ देव स्वामी का वंश. the line of descent of Risabhadeva Swāmī. पि॰ नि॰ ४७६;

इक्खागुकुलः न॰ (इस्वाकुकुल) ५६२१५ नाभनुं ५५ इस्वाकु नामक वंशः A family by name Ikşvāku. कप्प॰ १,२:

इक्खु. पुं॰ (इनु) ४५७; शेरडी माटा Sugar-cane भग॰ २१, ५; श्रोव॰ पन्न॰ १, पंचा॰ ६, २३; -रस. पु॰ (-रम) शेरडीने। रस साटे का रम sugar-cane juice प्रव॰ २३३; पंचा॰ १६, १०; - च्या. न० (-वन) शेर्डीतुं पन गने का खेत. a forest of sugarcanes निर्सा• ३, १६. - बाह पुं• (-वाट) शेरडीने। णाड; ज्या शेरडी पीक्षाय ते स्थान. गन्ने की बाड; गन्ने पेन्नने की जगह a place where sugarcanes are crushed to get out juice; a field where sugar-canes are grown, राय॰ २०६. -वाडिया. स्त्री॰ (-त्राटिका) धक्षु-शेरडी ना वाडवाडी गने की वार्डा-स्तन a field where sugai canes are grown. पञ्च ॰ १: भग० २१ ५;

इस्ग्वुचर पुं॰ (इज्ञुचर) ओ नासनी और द्वीप अने ओड सभुद्र इस नाम का एक डाप और एक समुद्र. Name of an island also the name of an ocean. जीवा॰ ३, ४,

इग त्रि॰ (एक) એકની સંખ્યા; १ एक की सक्या १ The number one, 1.

क गं १, ५; ३३: २, १४ ४, १२; —चतुसय. न० (-चतुःशत) गेक्ष्से। ने એ કતાલીસ. १४१ एकमा एकतालीस, १४१. one hundred forty-one; 141. क्र॰ गं॰ २, २७; - नवह. स्त्री॰ (-नवति) એકાણું; હત. एकानवें; eq. ninety-one; 91. क॰ गं॰ ३, ७, —याल स्ना॰ (-चत्वारिंशन्) એકતાલીશ; ४१. एकता-लीस; ४१. forty-one; 41 प्रव• ४१६; क० गं० ६, ६६; — वन्न. स्री० (-पञ्चा-সন্) એકાવન; ૫૧. एकावनः; ५٩. fifty-one; 51. प्रव॰ ३६०: —ब्रीसः स्त्रां॰ (-विशति) २१ नी संभ्या; व्येड-पीश. इकवायवा संख्या. twenty-one; 21. उवा॰ १०, २७७; —सन्न्य. न० (-शत) એક્સો ने એક; १०१. एक सी एक; ३०१ one hundred and one; 101. क॰ ग॰ ३, ४, —मोह सी॰ (-पष्टि) એક્સર્ક ६१. डकसठ; ६१. पंxtyone: 61. सम॰ ६१; —सी. स्रो॰ (-ग्रज्ञीति) એકાશી ८१. इकामी; =१eighty-one; 81. क्र॰ ग॰ २, १७: इगहिय-श्र-सयः न॰ (एकाधिकगत) ओडे અધિક મા: એક્સોનેએક, ૧૦૧ एक मा-एक, १०१ One hundred and one;

अधि आः अध्सानअध, १०१ एक मान्सान एक, १०१ One hundred and one; 101 क॰ ग॰ २, ४: इसार जि॰ (एकादशन्) अभीयार, ११. ग्यारा;

त्रार् त्रि० (एकादशन्) अशीयार, ११. ग्यारा; ११ Eleven: 11. क० ग० ६, ६२;

इगारसमः त्रि॰ (एकादशमः) ११भे।; अभ्यारभे। ग्यारवा; ११ वाँ Eleventh; 11th विवा॰ १; क० गं० २, १४;

इगिदिय त्रि॰ (एकेन्द्रिय) केने એક छिदय है।य ने; पृथ्वी आहि स्थावर छाव. एकेन्द्रिय बाना, पृथ्वी ख्रादि स्थावर जीव. Onesensed: e. g earth etc. द्र॰ गं॰ ३, ११; ४, १८: हार्गिदियत्ता स्त्री॰ (एकेन्द्रियता) ओर्डिन्डिय-पांधु एकेन्द्रियपन. State of being one-sensed भग०३४,१; ह्रगुण, त्रि॰ (एकोन) ओड ओर्डु. एक कम

गुण. त्रि॰ (एकान) - अंध आछु. एक कम Tiesq by one. क॰ प॰ २, १२ —-श्रसि. स्रो॰ (-श्रशीनि) એinણાએસી

— प्रसि. स्री॰ (-प्रशीति) आगणागसा ७५. उनगमी; ७६. seventy-nine.

79. प्रव॰ ३६७: — न उड स्त्री॰ (-न विति) न थाशी; ८६ नेवासी, ६६. eighty-nine; 89 क॰प॰ २, २३; — चोस. स्त्री॰ (-विशति) शाश्लीश; १८ उजीस;

— सिंडि ब्री॰ (-पष्टि) भेगिण्याहेः पट्ट. उनसाठ ५६ fifty-nine, 59 क० गं० ६, ७४;

१६. nineteen; 19. क॰ प॰ २, १२.

इंग्ग त्रि॰ (एक) એકની સંખ્યા, एक की संख्या. The number, one क॰ गं॰४, ४०;

इच्चत्थ पुं॰ (इस्वर्ध) आ प्रश्नरते। अर्थ इस प्रकार का स्त्रर्थ This sort of meaning आया॰ १, १, २, १६;

इद्या मं॰ कृ॰ श्र॰ (इत्वा) જાણીને जानकर. Having known. श्राया॰ १, १,३,२१,

रचाइ ति॰ (इत्यादि) भे; आहि; शत्याहि । द्र्यादि . Et cetera, क॰ गं॰ १, २६;

इचाइया ति॰ (इस्यादिक) पगेरे बगैरह वगै। रह Et cetern काप० ६, २०१;

इसेवं अ० (इत्येवं) आ प्रधारे: એવી રીતે. इस प्रकार से, इस तरह. In this way; in that way. दस० २, ४; पन्न० ११;

 $\sqrt{$ इच्छु. धा॰ I. (इप्) \forall ७७ धुं; \forall २००। १२०१. इच्छा करना. To wish; to desire.

v 11/18

इच्छइ सय० १, १, २,३१; श्रयुजी० १४; नाया० १. ५; १३· १६; गग० १५, ४:

इच्छंनि दम० ६, ११. नाया० ६, १२; भग० ८, ४:

टच्छाम विशेष २०१;

इच्छामि नाया० १; २; ४; =: १२; भग० १, ६: २, १; ४: ३, २; ४, ६; ७.१०:

इच्छामो नाया० १; ३; ६; भग० ११, १९; इच्छे. वि० उत्त० १, १२; ३२, ४; दसा० ३, १६; १६; वय० १, २२; २६;

इच्छिजा. वि॰ ऋष्प॰ ६, ४=: दस॰ ४,९, ६६; ६, ४=;

इच्छेजा वि० उत्त० ९, २६: दस॰ ५,

इच्छ्रेज. वि० वेय० ४, **१**४: इच्छ्रह० पि० नि० ३०१. ४६५: उत्त० १२.२८:

इच्छ्य. विशे० व० कृ० ३२९८;

उच्छंत नाया॰ १६; विशे० १६०: द्म॰ =, ३७: उत्त० १, ६:

दञ्छमासा पंचा० ४, ५०; इच्छिजह गच्छा० ७८;

इच्छावेइ. प्रे॰ व॰ प्र॰ ए॰ विशे॰ १०८४; इच्छं उसारा. न॰ (इच्छा॰यान) क्षासनी

ઇંગ્રુપ્લનાણા ને (ફચ્છાત્યાન) લાહતા ઇંગ્રેઝાનું ધ્યાન. लाम की इच्छा का प्यान. Meditation upon some desire

of profit or gain. श्राउ॰ इच्छुकार. त्रि॰ (इच्छाकार-एषणमिच्छा स्वा-भिप्रायस्तया करणं तन्कार्यनिवेत्तनमिच्छा-

कारः) ઇગ્છાપૂર્વક ગુરૂની આના ઉઠાવવી અનુષ્ઠાન કરવું તે; દશ સામાચારીમાંની એક.

इच्छा पूर्वक गुरू की श्राज्ञा मानना; दश मामाचारियों में की एक मामाचारी Willingly carrying out the orders of a preceptor; one of the 10 points of ascetic good conduct उ. १०; पंचा॰ १२, ४;

इच्छा. स्री॰ (इच्छा) धण्छाः अभिक्षापा इच्छा: श्रीभेलापा. Desire; longing. त्रोव॰ ३=; ग्राया॰ १, ४, २, १३१; परह॰ १, ४; पिं० नि० २१६, स्० प० १०, सम० ४२; ठा० १०; उवा० १, १७, प्रव० ६६; पंचा० १, ७; १२, २; भग० १२, ५; २५, ७; वेय॰ १,३३;(२) ५ भवाडी आनी પંદર રાત્રિઓમાંની અગ્યારવી રાત્રી पत्त की पंदह रात्रियों में की ग्यारहवी रात्रिः the 11th night of a fortnight जं॰ प॰० ७, १५२; — ऋणुलोम. त्रि॰ (-श्रनुलोम) धन्छाने अनुध्व इच्छा के थातुकूल. propitious to one's desires भग० १, ३; पन्न० —(s) श्रयुलोमिय त्रि॰ (-श्रानुलो-मिक) धेर्याने अनुरुक्ष भावनार इच्छा के श्रनुकूल बोलनेवाला. (one) who speaks agreeably to one's desire. श्राया० नि०१, ८, १, २१८, **—काम. पुं॰ (** -काम) अधाभ वश्तुनी આકાક્ષા यशाम वस्तु का याकाचा desire of an unattained object उत्त॰ ३६, ३; —छुंद पु॰ (-छन्द) २२^२ ୬ન્દ્રપાગુ, ઇચ્છામુજળ વર્તતું ते स्वर्द्धः दता. स्त्रेच्य्राचारत्व wilful, wanton. action or behaviour प्रव० १२१, -पणीय त्रि॰ (-प्रणीत-इद्धियमनी-विषयानुक्ला प्रवृत्तिरिहेच्छा तया विषयाभि-मुखमभिकर्मवन्धनसंसाराभिसुम्वं वा प्रकर्पेण नीत इच्छाप्रणीतः -) संसार वधे तेवी વિષયાનુકુવ પ્રવૃત્તિના પ્રવાહમાં ઘસડાયેલ. समार वढानेवाली विषयानुकल प्रशति के प्रवाह में पड़ा हुआ. (one) drawn by activities favourable to sensual gratifications which prolong worldly existence. आया॰ १, ४, २, १२१; -परिमाण न॰ (-परिमाण) ઇચ્છાનુ પરિમા**ણ-મ**ર્યાંદા ભાધવી તે, પાંચમું અહ્યુત્રત. इच्छा का परिमाण-मर्यादा करना; पांचवा श्रगुवत. limitation of desires, the 5th partial vow. 310 प्रः; —मुत्ति• स्री॰ (-मुक्ति) ध्रव्छा-भुद्धित; ४२%।ने। त्यांग इच्छा का स्याग. giving up, abandonment, of desires. भत्त॰ २०, —लोभ ५० (-कोम—इच्छा ग्रभितापः साचामा लोभश्र इच्छानोभः) ४२७।३५ से।स लोभ. avarice in the form of desire " इच्छा लोमोउ उवहिमडरे गोत्ति" ठा० ६; श्राया० १, ८, ८, २३; —लोभियः ति॰ (-बोभिक-इच्छा लोभो यस्यास्ति स इच्छा लंगमकः) महेश्यावादीाः શ્રણી ઉપધીવાલા महेच्छावाला, उपियाना. highly ambitious or avaricions. ठा॰ ५: —लोल. पु॰ (-लोल) ઇચ્છામાંપણ લાેભ, અત્યંત आल श्रत्यत लोभ Excessive avarice. वय० ६,१६.

इच्छाकार पु॰ (इच्छाकार) लुओ। 'इच्छ कार' शण्ट देखा 'इच्छकार' शब्दः Vide 'इच्छकार' उत्तर २६, दे, स्रोवर ११, उवार १, ८१.

इन्छाकार पु॰ (इच्छाकार) लुओ 'इच्छकार' देखो 'इच्छकार' शब्द Vide 'इच्छकार' प्रत्र॰ ७६९;

इच्छा।मेत्तः न० (इच्छामात्र) ४२%। भात्रः युक्ति विना ४६५ना भात्र इच्छा मात्रः युक्ति विना कल्पना मात्र Mere desire (without a plan to carry it out) सूय॰ १, ७, १६;

इच्छिय. ति॰ (इष्ट) धन्छेक्षं, धष्टः, वांछित. इच्छितः इष्ट. Desired, wished for. पिं० नि० ३४२ः ओव० १८, ३२ः उत्त० ३०, १०. जं० प० स० च० १२, १९, विशे ० २६४३ः नाया० १ः ४ः १२ः नाया० ध० भग० १, १ः २, १. ६, ३३, ११, ११ः ४१, १; उवा० १, १२ः काप० १, १२ः —काम कामि. ति० (—कामकामिन्) भनगभता लीग लीगवनार मन चाहे भोग भोगनवाना. (one) enjoying all the pleasures that one desires. जं० प०२ः

इच्छियच्य त्रि॰ (इप्रव्य) ध्रश्थं, इच्छा करना. Desiring, जं॰ प॰ ३, ४२;

इन्हुरस. पुं॰ (इत्तुरस) शेन्धांना २२४. साठेका रस. Sugar-cane juice. क॰ गं॰ ५, ६४;

इज्जमार्ग. त्रि॰ (गुज्यमान) शंपायभान कंपायमान. Trembling, राय॰ ६४:

दज्जा स्त्री॰ (इन्या) याग; हेन पून्त. याग; देन पूजा. Worship of gods, a sacrifice श्रयुजी॰ २६, उत्त॰ १२, २,

इंडिजसः त्रि॰ (इंड्येष—इंड्यां पूजां इंड्छांत एपयित वा य. स इंड्येपः) पूजानी अिल-लाषायादी. पूजा की श्राभेलापा वाला. (One) desirous of worshipping gods. भग॰ ९, ३३;

इज्भमाण ति॰ (इध्यमान) ती यभान दीप्यमान. Being kindled or lighted. "मंदायं मंदा इमे इज्ममाणा" राय॰ इट्टगा. स्त्री॰ (इप्टका) धंट. ईट. A brick. श्रंत॰ ३, ६; विशे॰ १०६२; (२) सेप, भाध पिशेष. सेव: खाद्य विशेष. a particular variety of food, macanom. पि॰ नि॰ ४६६;

इष्ट्या. स्त्री॰ (इष्टका) धट. ईट A brick जीवा॰ ३, १,

इहा. स्त्री॰ (इष्टा) धंट. ईट. A. brick ठा॰ ८, —वाग. पुं॰ (-पाक) धंट पटा-ववानुं स्थान ईंट पकाने का स्थान क place where bricks are heated, a kiln "इहा बाएइवा" ठा॰ ८,

इहाल पुं॰ () धंट. ईंट. A brick. " होजकट्टं सिल वावि इहालं वावि एगया " दस॰ ५, १, ६२; पि॰ नि॰ भा॰ ४६, इट्ट त्रि॰ (इष्ट) પ્રિય; વ્હાલું; भन शभतुं. प्यारा; प्रिय; मनचाहा, Beloved dear, desired. जं॰ प॰ २, ३० पन॰ १७, २३, ठा० २, ३, श्रोव० ३२; ३६. गाया॰ १: ६; १, १४; १५; १६ विशे० २३ ६८, १६१; राय० ५१; उत्त० २२, २; जीवा॰ १; स्य॰ २०; भग० १, १, २, १, १४, ५; ९; १४, १; १६, ३; पंचा० १२; खवा॰ १, ६; कप्प॰ ३, ४=; ६, १५५: निर० ३, ४, क० ग० १, ५०; -- श्रासिट्ट. त्रि॰ (-म्रानिष्ट) धष्ट अने अनिष्ट. इप्र श्रीर श्रानिष्ट. good and evil; desuable and undesirable. প্ৰত ১২%; —(हा)म्रानिष्ट. (-म्रानिष्ट) डंઈ by अने કંઈક અનિષ્ટ, સાર નગ્સું. મला चूरा; कुछ इष्ट श्रीर कुछ श्रानिष्ट good and evil mixed up together. विशे॰ ४१५; — खगइ. स्रो॰ (-खगीत)शुभवि-હાયાગित; यासवानी गति इप्ट गति. de-

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरने।र (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फ्रनोट (*) Vide foot-note (*) page 15th.

sirable capacity of moving in space. क॰ प॰ ४, १४; —गंघ. त्रि॰ (–તાંઘ) સુગંધ; સુગંધિ – પદાર્થ. सुगंघ; सुगंवित पदार्थ. a fragrant substance. श्रोब॰ —त्था पुं॰ (-श्र्यं) ઇ²છેલા અર્થ; કર્મ. इच्छित desired object or end; desired Karma. पंचा० १६, ४७; -फल. न० (-फल) धिश्यत ६स. इच्छित फल. desired fruit पंचा॰ ४, ३१; -फलजः ग्रग. न॰ (-फलजनक) अलिभतार्थ-६स साधः इच्छित फल देनेवाला (anything) yielding desired fruit; accomplishing desired object. पंचा॰ ३, ४७; —फलसाहग. त्रि॰ (-फल-साधक) धिकित ५ सने साधनार. इच्छित फल की साधना करने वाला. (anything) accomplishing a desired object or result, पंचा॰ ४, ३३: -फलसिद्धिः स्री० (-फलः सिद्धि) धिश्वत ६ शनी सिद्धि. इच्छित फल की सिद्धि. accomplishment of a desired result. पंचा॰ ४, ३३; -- ह्व. नि॰ (-हप) ध्रि छे रूप केनुं ते इष्ट हम बाला. of a beloved, chaiming appearance. " सुवाह कुमारे इट्टे इहरूते " विवा॰ २, १: -सह. पुं॰ (-शब्द) प्रिय शण्दः वीष्य वजेरेने। शण्द प्रिय शब्द: वीएा वैगरह का शब्द. sweet sound, e. g. that of a musical instrument. प्त्र॰ २३; —सर. पुं॰ (-स्वर) भधुरा- वारी स्वर. मधुर स्वर. uweet, pleasing, sound. क॰ प॰

४, १४; — सिद्धिः स्री॰ (-सिद्धि) ध्रिध्रिश्त वस्तुनी सिद्धिः इच्छित वस्तु की
सिद्धिः accomplishment of a
desired object. पंचा॰ ४, ३१;
—स्यः पुं॰ (-सृत) प्रिथ पुत्र वि छेर्थ पुत्र
a beloved son पंचा॰ ७, ३६:
—स्सरः पुं॰ (-स्तर) प्रिथ २५२: प्रिय
स्तरः a pleasant sound. पन्न॰ २३;
इहतरः त्रि॰ (इष्टतर) वधारे प्रिय; व्यतिश्य ध्रष्टः बहुत प्रिय; बहुत इष्टः Extremely beloved; more pleasant. राय॰ तं॰ प॰ २, २२;

इहयर. त्रि॰ (इष्टयर) वधारे प्रिथ. बहुत प्रिय. Highly beloved; very pleasant. जीवा॰ ३, ३;

√इड्डर. न॰ (*) गाडा है गाडी. गाडा या गाटी. A small or big cart. श्रोघ॰ नि॰ ४७६;

इहिंद. स्ती॰ (ऋदि) समृद्धि; नैसन. समृद्धिः नैसन. Prosperity, wealth. (२) आभर्श-औषि आदि लिध्ध आमर्श- आषि आदि लिध्य अग्रामंश- अग्रेषि आदि लिध्य अग्रामंधि ग्रामंश- उत्त० २, ४४; २७, ६; दस० ६, २, ६; १०, १, १०; स्रोव० ३८, सम० ६, ३०; विशे० ४६६; निर० १, १; श्रोघ० नि० ४६८, नंदां० ४०; राय० ४१; नाया० १; २; ८, १६; पन्न० २; सु० च० १४, ६७; भग० १, २; ३, ६; ८, १; ६; पंचा० ६, १८; दमा० ६, २८; — गारव. पुं० (-गोरव) नरेन्द्राहिडनी तथा आयार्थनी

[्] लुओ पृथ नम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनीट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

ઋદ્ધિવડે અભિમાન કરી આત્માને ભારે **४२** थी ते. नरेन्द्रादिक की तथा श्राचार्य की ऋदि के कारण श्राभमान करके कर्म बंध करना burdening the soul with the pride of the spiritual power of a preceptor or of the temporal power of a king etc. তা॰ ३: सम॰ ३; श्राव॰ ४, ७; —गारवज्याणः न॰ (-गौरवध्यान) ऋदिना भदनुं ध्यानः हुध्यानिने। अक्षेत्र अक्षार. ऋदि के मद का भ्यान; दुभ्यान का एक भेद meditation upon the power of prosperity; a bad kind of meditation आउ॰ **--पत्त** पुं॰ (-प्राप्त) ऋदि-आभर्ष व्याहि गापिधनी प्राप्ति थयेस. ऋदि, त्रामर्श चादि त्रीपधियों की प्राप्त. one who has attained to spiritual or temporal prosperity. पन्न १; भग० १४, ६; -पत्ताखुत्रोग. पुं॰ (-प्राप्त्यनुयोग) આમર્શ ઔષધિ આદિની લખ્ધિ પ્રાપ્તિનું ०५१७५१त. त्रामर्श त्रादि त्रौषधियों की प्राप्ति का व्याख्यान. a discourse on the attainment of such spiritual prosperity or power as Amosahi etc विशे॰ ४६९; -पत्ताः रियः पुं॰ (-प्राप्तार्य) ऋदिने प्राप्त थयेक्ष આર્ય-અરિડ્ત, ચક્રવર્તી, બલદેવ, વાસુદેવ, ચારણ મુનિ અને વિદ્યાધર. ऋष्दि प्राप्त श्रार्य श्रर्थात् श्रारेहंत, चक्रवतीं, बलदेव, वासुरेव, चारण मुनि, विद्याधर ऋादि. an Arya who has attained to spiritual prosperity; Arihanta, Chakravartī etc. " से किंत इड्डि-पत्तारिया छविहा परायात्ता तंत्रहा " पन्न॰ १, —सकारसमुद्रश्र पुं॰ (-सःकार समुद्रय —ऋद्या-तन्त्र मुवर्गादिसम्पदा सत्कारः

पूजाविशेषस्तस्य समुदायस्तथा) अहि इरीने सत्धारना समुदाय. ऋदि से वस्ना-भरणादि द्वारा सत्कार का समुदाय. presents of clothes ornaments ete. as a mark of honour विवा॰ ३;

इंडिमंत. ति॰ (श्वादिमत्) ऋदिवाली; सभृ-दिवान. ऋदिवाला; समृदिवान्. Prosperous; wealthy. ठा॰ ४, २;

इरामेच थ्र॰ (इदमेच) એહિજ. वही. The same. भग० २, १; ६, ५; १४, ७; २०, ६;

इंगामेव , श्र॰ (इंदमेव) लुओ (७५८) शम्ह देखो जगरका शब्द. Vide Above. पन्न॰ ३६;

इिंगेह. अ॰ (इदानीं) હમણાં; અહુણા. अभी; श्वब. Now सूय॰ २, ६, १; उत्त॰ १२, ३२; पिं० नि० ६३४; सु० च० ३, ११३; विशे० १६=; नाया॰ =;

इत्तल. पुं॰ (इतल) तृष्यु विशेष. तृषा विशेष. A. kind of grass. भग० २१,६;

इति. श्र० (इति) लुओ "इइ " शफ्ट. देखो "इइ " शब्द. Vide "इइ " दस० १, ४; नाया० ३; १६; भग० १; ४; ७, २; १४, १; १६, ३; २४, ७; वन० १, ३७; ७, १७; दसा० ३, २२, २६; निसी० ४, ६६, १४, १२; क० गं० १, २४;

इतिहास पुं॰ (इतिहास) प्रायीन क्षांत्रनी इंडीयत हशायनार छतिहास शास्त्र. प्राचीन काल का वर्णन करनेवाला इतिहास शास्त्र. History; narration of past events. भग॰ २, १; स्रोव॰ ३८;

इतो. अ॰ (इतः) अढींथी. यहां से. Hence; from this place. स्य॰ १, १, १, १२; उत्त० ४, १७; ३४, १४; श्रोव० ३६; राय० ४, २; सु० च० १, १०४; भग० १, १; १४, ७; १४, १; विशं० ८७; पन्न० १७; क० प० १, १२; क० गं० ४, २१;

इत्तर. त्रि॰ (इत्वर) अस्प धासनुं; अस्प अक्ष; श्रल्प समय का; किचित् काल. Of a short duration. स्य॰ १, २, ३, म; विशे० २६, ठा० ६; पंचा० १, ६; —परिग्गहा. स्त्री० (-परिग्रहा—इत्वा-मल्पमल्पकालं वा परिप्रहा यस्याः इत्वरपरिम्रहा) थे। । यभतने भाटे अद्ध **४रेक्ष, वेश्यादि.** थोडं सयय के लिये ब्रह्ण की हुई; वेश्यादि. a woman accepted for a short time; a harlot etc प्रव॰ २७, म, —परिमाहियागमण, न॰ (-परिगृहीतागमन) नाना अभरनी પરણેલ સ્ત્રી સાથે ગમન કરવુ; મથુત સેવવુ ते, श्रावडना ये। या वतने प्रथम अतियार छोटी उमर की विवाहित स्त्री के साथ गमन करना-मेथुन सेवन करना, श्रावक के चौथे वत का प्रथम श्रातिचार sexual intercourse with a girl-wife; the first Atichara of the 4th yow of a Jaina layman. पंचा॰ १, १६; —परिगहिया ह्ना॰ (-परिगृहीता) નાની ઉમરની પરણેલ સ્ત્રી छोटा उमस्की विवाहित स्त्रा a girl wife प्रव० २७८: —वास. go (-वाम) धांडा निवास. थोटा निवास. short stay or residence स्य० १, २, ३, ८,

इत्तरियः त्रि॰ (इत्वरिक) थेणा तणतन्; थेणा समयन् ; अस्य असीनः श्रल्य कालीनः थोडं समय काः Lasting for a short time, short-lived पंचा॰ १०, ११: श्रोव॰ १९; श्राणुजो॰ ११, पच० १, १७; उत्त॰ ३०, ६; भग० २४, ७ वव० २, २४; ६, २०; निर्मा॰ २, ४६; १०, ४०; उवा॰ १, ४८; (२) पाद्दीपश्मन भरखनी अपेक्षाओ थेडा वणतनुं धिशत भरख करवुं ते. पाद्दीपगमन मरण की अपेन्ना से थोडे समय का डांगत मरण करना. accepting the Ingita kind of death which is speedier than the Padopagamana kind of death. आया॰ १, ७, ६, २२२; ०८ना वालुं; शमनशील. गमनशील having the nature to go or move or pass away. उत्त॰ १०, ३;

इत्तरी. स्नि॰ (इत्वरी) थे। अ यभतना भारे राभेश-वेश्या आहि. थोडे समय के लिय रची हुई वेश्या खादि. A woman temporarily kept e.g. a harlot etc पंचा॰ १, १६;

इति अ॰ (इति) એવું; એવીરીતે; આ પ્રકારે. इस प्रकार का; इस तरह. Thus; in this way; in that way. आया॰ १ १, १, १३, अधुजो॰ १०;

इन्ति श्र-यः त्रि॰ (एतावत्) એટલુ એટલા પ્રમાણુનું; અમુક-નિયમિત પ્રમાણુનુ इतनाः इतने प्रमाण का; श्रमुक्त निर्यामन प्रमाण का. That much: this much;

इत्य ग्र॰ (ग्रन्न) अदि आ: आहि; आ हेशां वहां; इस स्थानपर. Here; in this place इस० ६, ४, १: प्राया॰ १, २, ६, १८३; वेय० ३, २५: पिं० नि॰ भा० २३; भग० १४, १. नाया॰ ६: १७: जं० प० वन० ४, १०;

इत्थं. श्र॰ (इन्थम्) એવી दीते; आ प्रशते. इस प्रकार मे. In this way; thus. नाया॰ १. ७: ६; १४; पन्न॰ २; इत्थंत्था त्रि॰ (इत्थम्थ) से। अप्रिस्ट आशि रहेस; से। शिक्ष संस्थानपातुं, लोकप्रिस्ट प्राकार में रहा हुन्ना. लोकिक संस्थानवाता. Remaining in a common shape; possessed of ordinary configuration of body "इत्थत्थं च चयह सन्वसो सिद्धे वा हवह सामण्" दस॰ ६, ४; २, ३;

इत्थि स्री॰ (स्री) स्त्री नारी स्त्री. नारी. A woman उत्त॰ १. १६ नाया॰ ४. द: भग० ३, ४<mark>; १</mark>५, १, क० गं० १, २२; २, ३० — श्राग्रमणी स्त्री॰ (-म्राज्ञापनी) स्त्रीने आहेश धरवानी भाषापयानी लाया खाँको खादेश करने की वलाने की भाषा a form of address to a woman to call her. पत्र ३. -- कम्म न॰ (-कर्मन्) श्रीने पश धर-वार्च आभ. स्त्री की वश करने का काम the work of bringing a woman under control. स्य० १, ^દ, ૧૧ (૨) હસ્યકર્મ વગેરે સાવદા व्यनुष्ठानः इस्तकमं स्नादि पाप पूर्णे कार्य a sinful action like self-abuse etc स्य॰ १, १, १३: — कला. स्त्री॰ (-कला) स्त्रीनी ये।सर्ठ ४८।. स्त्री की कला. ६४ प्रकार का स्त्रा-कला any of the 64 accompli-hments of a woman र्ज प॰ ३; - कलेवर. न॰ (-कलेवर) श्लीनुं शरीर स्त्रों का शरीर the body of a woman. ' इत्थि कळेवराण ताब्वरणुसु च बहुमाणो " पचा० १,४६: — कहा स्त्रीं (-कथा) स्त्री સંબધી કથા; ચાર વિકથામાંની એક स्त्रो सम्बन्धी कथा, चार विकथाश्रो में का एक क्या talk about women; one of the four irreligious kinds of

talk. " इत्थि कहा चउविहा परणता तंजहा 'ठा०४,२, सम०४. —काम पु॰ (-काम) स्त्रीनी अभना स्त्रीसंलधी क्षाम भी श स्त्री की कामना, स्त्री सम्मन्त्री काम भीग enjoyment of women, desue for sexual pleasures. ' एवमेव ते इत्थिकामेहि मुच्छिया" स्य०२, २, ३५ दस॰ १०, ७: - कामभोग पु० (-काममोग) स्त्री संलन्धी धामलाग. स्त्री सम्बन्धी कामभाग sexual enjoyment enjoyment of women. '' एवमेव ते इत्थिकामभौगोहि मुच्छिया गिद्धा ' मय० टां० २ १, १०, दसा० ६, १: ---क्रुल्राध्य न० (-कुलस्थ) કુલમા રહેલ કુલીન સ્ત્રી: માતાદિ कुर्लान ह्यो. मातादि a noble woman. a mother etc नाया॰ ४, भग॰ १=, १०, - गगा न० (-गगा) स्त्रीनेशनी समू कथ्ये। स्त्रियो का समृहः a group of women; a clowd of women. " नो इत्थिगणाण सेवित्ता भवडु " ठा० ६; -गद्भ पु॰ (-गर्भ) स्त्री भंभंधी गर्भ-स्थि पुरुष्य पिन्ड, स्त्रोसम्बन्धा गर्भ-सर्जीव पहल पिड fætus, embryo. भग॰ u, ४· —ग्रम न० (-गुल्म) स्त्रीभीनी। समू क्षियों का ममूह. a bevy of ladies " इत्थिग्रमपरिट्युड" दसा० १०: - चोर. पुं॰ (-चोर) स्त्रीना रूपने। थे।२: परस्त्री अंपर स्त्री के रूप का चोरः परश्री लपट. one enamoured of the beauty of the wives of others. पन्ह॰ १, ३; —हासा. न॰ (-स्थान) स्त्री જયા ખેસે, ઉઠે ते स्थान. स्त्रां जहां उठे बेठे वह स्थान. त place frequented by women. " नो इत्थिद्वार्ण सेवित्ता भवड " ठा०

६; — गाम. न॰ (-नामन्) केथी स्त्री રુપે જન્મ લેવા પડે તેવી નામકર્મની એક अकृति, नामकम की एक प्रकृति जिसके कारण स्री रूप जन्म लेना पडे. a variety of Nāmakarma causing birth as a woman. नाया॰ द: — गाम गोय कम्म न० (-नामगोत्रकर्मन्) स्त्रीना ગાત્રમાં-જાતિમાં જન્મ લેવા પડે તેવું કર્મ. ऐसा कर्म जिससे स्त्री जाति में जन्म हो. a Karma by which one has to take birth as a female, नाया॰ =: —तित्थ न॰ (-तीर्थ) स्त्रीरूपे जन्मेस મલ્લીનાથ તીર્થંકરનું તીર્થન્શાસન. ह्रोरूप से जन्मे हुए मह्नीनाथ तीर्यंकर का शासन. the canon of Mallinatha Tirthankara who was born as a female. ठा॰ १०; —दोस. पु॰ (-दोष) स्त्रीना देश-अवशुख, स्त्री के दोष श्रवगुण. the faults of a woman; the defects of a woman; " इतिथ-डोसं संकिशो होति "स्य० १, ४, १, १५: —पच्छाकडः त्रि॰ (-पश्चात्कृत) लेशे સ્ત્રીપણું પાછલ કરયું છે-ટાલ્યુ છે તે. जिसने स्री रूप जन्म दूर कर दिया है वह (one) who has banished temale birth भग० =, =; — परारावराशि श्री॰ (-प्रज्ञा-भे। ७०० न ४ लाषा स्त्रांके लक्त्रण का प्रतिपादन करनेवाली मोहजनक भाषा. fascinating, captivating language describing characteristics of women. पन्न॰ ११; -परिसह. पुं॰ (-परिपह) સ્ત્રી સબધીના પરિષદ: કાઇ સ્ત્રી સયમથી ચલાવવા હાવ ભાવ કરે તાે પણ ચલિત ન थवं ते: २२ परिषद्धभानी रेंगेक स्त्री संबवी परीषह; कोई स्त्री, सयम ने विचलित करने के लिये हाव भाव कर तो भी विचलिन न होनाः २२ परीपहों में का एक परीपह. 1'esisting erotic enticements offered by a woman; one of the 22 Parisahas. भग० =, =, उत्त॰ २, ५; --परिसह विजय. पुं॰ (-परिपहविजय) એકાન્તવાસમાં અમુક ઘણી રૂપાલી સ્ત્રી આવી, અનેક પ્રકારના હાવભાવ કટાક્ષ વગેરેથી પરિષદ આપે છતાં પણ મન ન ડગા-वीने परिपद्धपर विक्य भेक्षववे। ते. एकान्त-वास में कोई बहुत रुपवान स्त्रों के श्राने श्रीर हाव, भाव, कटाच करनेपर भी - भन की चलित न होने देना श्रीर परिपह विजय प्राप्त करना. maintaining one's control over the mind in spite of the amorous glances etc. of a fair woman in a private place भग० =, ८; —पोसय. पु॰ (-पोधक— स्त्रियं पोपयन्तीति स्त्रीपोपकाः) स्त्रीनं भरू पेष्प् **५२**०।२ पुर्ष स्त्री का भरण पोषण करनेवाला पुरुष a person who maintains a woman. स्य॰ १, ४, १, २०; —भाव पुं॰ न॰ (-भाव) इटाक्ष संदर्शन वजेरे स्त्रीना छाव साव. कटाक्त, संदर्शन स्त्रादि स्त्रा के हाव, भाव. amorous movements, glances etc. " मोहुम्मायजण्णाई सिंगारिwoman याई इत्थिभावाई उवदंसेमाखी '' उना॰ ८, २४६; —रज्ञ. न॰ (-राडग) स्त्रीनुं राजयः स्त्री क्यां स्दत त्रपछे वर्ने छेते स्त्रीका राज्य, जहां स्त्री स्वतंत्रता से व्यवहार करती है वह. petticoat government ' म्राजा प्रवारियात्रो इत्थिरजं न तं गच्छ '' गच्छा० १. ६४, --रयग् न० (-रत्न) ચક્રવાર્તિની મુખ્ય પટ્ટરાણી; ચક્રવર્તિના ૧૪ रत्नभांनुं ओक्ष रत्न. चक्रवर्ति की मुख्य

Chakravarti: one of the 14 gems of a Chakravarti. जं० प० ३, ६८; पश्च० ४, ४, ठा० ७, --- ह्रच. न० (-ह्रप) स्त्री રારુપ, સ્ત્રીનાે આકાર. સ્ત્રાં स्व€પ, સ્ત્રાં दा आहार. the form of a woman: the shape of a woman. तंड्॰ —लक्स्वण. न० (-लक्स्ण) सामुद्रि**ध** તાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ સ્ત્રીનાં લક્ષણ, ૭૨ કલામાંની अक्षेत्र अक्षेत्र सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्री के लक्षाः ७२ कलाश्रों में से एक कला the marks of a woman as related in the science of palmistry; one of the 72 arts or accomplishments. नाया॰ ३; स्रोव॰ ४०; (२) भेनुं प्रतिपादन करनार पाप. इस का प्रति-पादन करने से लगने वाजा पाप. the sin arising from explaining the above; (३) શ્રુતનુ એક અધ્યયન. धृतका एक श्रध्ययन name chapter of scriptures सूय० २, २, ३०; —लिंग. न० (-बिङ्ग-स्त्रियो लिङ्ग चीति म) स्त्रीक्षिण, स्त्रीनुं शरीर. स्त्रीत्व, श्री जाति. womanhood. पन्न १, —िलिंगिसिद्ध. पुं॰ (-बिङ्गसिद्ध) स्त्रींपंछे સિંદ્ધ થવું તે, સ્ત્રી ભવમાં માેક્ષ જવું તે. स्त्रीरूप में सिद्ध होना; स्त्री पर्याय से मोच जाना. attainment of salvation in the condition of womanhood. पन्न॰ ५; —वड. स्री॰ (-वाच्) સ્ત્રીલિંગ પ્રતિપાદક વચન; માલા શાલા ઇત્યાદિ નારી જાતિના રાખ્દ स्रीतिगी वचन--शब्द; माला, शाबा श्रादि र्स्नालिगी शब्द, a word in the feminine V 11/10

पदृराणीः चक्रवर्ति के १४ रत्नों में से एक

रल. the principal queen of

gender; feminine gender. पन. ११; --वयग्. न॰ (-वचन) स्त्रीक्षिंग વચન—નારી જાતિના શખ્દ; વીણા, કન્યા आहि. स्त्रीलिंगी शब्द. feminine gender: a word in the feminine gender श्राया० २, ४, १, १३२; पन - चसः पुं० (-वश) स्त्रीने पशः સ્ત્રીના કળજામાં ગયેલ છ્યા के वश. છી के श्राधीन, a hen-pecked man; one who is under the control of a woman, " इत्थि वसंगया बाला" स्य॰ १, ३, ४, ६. —विग्गहः पुं॰ (-विग्रह) स्त्रीतुं शरीर, स्त्री का शरीर. the body of a woman. आया॰ २, १, ३, १४; दस॰ =, ४४; — विराखवणाः स्त्री॰ (-विज्ञापना) युवतिने **ले**।गमाटे प्रार्थना अरेक करवी ते युवति से भोग के लिये प्रार्थना करना courting the affection of a young woman for enjoyment. सूय॰ १, ३, ४, १०, ११, १२; —विष्पजह (-विप्रजह) स्त्रीना त्यांगी; स्त्रीना त्यांग <u> ५२ना२</u> स्त्री का त्यामी, स्त्री का त्याग करनेवाला. one who abandons the company of a woman. "नारीसु नोविर्गाज्या इत्थि विष्यजहे श्रणगारे ' उत्त॰ ६, १६; —विष्परियासिय न॰ (-विषर्घांसित) સ્વ^{પ્}નમાં સ્ત્રી સાથે બાેગ ्रो भागव्या है।य ते. स्वप्न में स्त्री के साथ भोग भोगा हो वह. enjoyment of a woman in a dream. স্পাৰত ४, ४. —विसह गेहिश्र. त्रि॰ (-विषय गृद्ध) સ્ત્રીના વિષય સુખમાં ગૃહ થયેલ. स्री के विषय-सुख में गृद्ध. (one) greedy of sensual enjoyments with women दसा॰ ६, ११, १२;

—वेद. go (-वेद) स्त्रीवेह; भेादनीयडर्भ-ની એક પ્રકૃતિ, સ્ત્રીને વિકાર થાય તે. स्त्रीवेद; मोहनीयकर्म की एक प्रकृति स्त्रां को जो विकार होता है वह. desire or feeling particular to a woman; a variety of Mohanīya-karma. सम० २१, जीवा० १; उत्त० ३२, १०२; चेदगः पुं॰ (-वेदक) स्त्रीवेहना **९६**४वादी। छव. स्री वेद का उदयवाला जीव. a soul with feminine feeling or inclination. भग० २, २, २६, १; —वेदय पुं॰ (-वेदक) अग्रेग <u>छिप</u>सी शफ्ट. देखो उपर का शब्द. above. भग॰ ६, ३१; —चेय पुं॰ (-वेद) स्त्री वेह, स्त्रीने पुरुष साथै लीग ભાગવવાની ઇચ્છા થાય તે. र्ह्मा वेद; स्त्री को पुरुष के साथ भोग भोगने की इच्छा होना. desire on the part of a woman for sexual pleasure, क॰ प॰ ७, २६; जीवा॰ ३; भग॰ २, ५; उत्त॰ રેર, ૧૦૨; (૨) જેના ઉદયથી સ્ત્રીવેદ પ્રાપ્ત થાય એવી નાેક્ષાય માહનીયની એક પ્રકૃતિ. नोकपाय मोहनीय की एक प्रकृति जिसके उदय से स्रीवेद प्राप्त हो. a variety of the 9 minor deluding faults entailing feminine inclination. पन्न॰ २३, (३) સ્ત્રી બોગ સળ'ધી વિષયનું પ્રતિપાદન કરનાર શાસ્ત્ર; शास्त्र स्त्री भोग सन्वन्धी विषय का प्रति-पादन करनेवाला शास्त्र; काम शास्त्र. sexual science. स्य॰ १, ४, १, २३; —वेयग. पु॰ (-वेदक) अओ 'इत्थि-वेदग' शण्टा देखां 'इतिथ वेदग' शब्दा vide 'इत्यिवेदगं' भग॰ ६, ३; ४; ठा० ४, ४, -वियग्ण पुं॰ (-वेदक्ष) स्त्री वेह-ત્ત્રી ચરિત્રમાં નિપુણ; સ્ત્રીવેદ–કામશાસ્ત્રને

ण्यात्र. स्रोवेद-स्रोचरित्र में निपुण; काम शास्त्र जाननेवाला. one expert in sexual science; one who knows the characteristics of women. स्य० १, ४, १, २०; —संकिलिङ्घ त्रि० (-संक्रिष्ट) स्त्रीने लीधे इसेश पामेस, ह्यों के कारण कष्ट पाया हुन्ना (one) troubled on account of a woman. 970930; —संगः पुं॰ (न्सङ्ग) स्त्रीने। संभ; स्त्रीनी सीयत स्त्री की संगति. company of a woman. स्य॰ दो० २, २, २८; संपक्क पुं॰ (-सम्पर्क) स्त्री साथे संसर्ग **इरवे। ते. स्त्रीसंशंध ह्या के साथ मंसर्ग** करना सो; खीसमागम, companionship, contact, with a woman. स्य॰ टी॰ , ४, १, १३; —संवास. पु॰ (-संवास) स्त्री साथ लाग जानवा ते. बांक साथ मोग भोगना. eujoyment of pleasures with a woman. स्य॰ टी॰ १, ४, १, १०: --संसगा पुं॰ (-संसंग) स्त्रीने। सेसर्ग. ब्रोका संसर्ग contact with a woman. दस• =, ५७; —संसत्त. त्रि॰ (-संसक्त) स्त्री साथे संगत धरेल. स्री का संग किया हुआ (one) attached to or in love with a woman ठा० १०; —सङ्गा स्रें (-श्रद्धा) સ્त्रीमां श्रद्धा-विश्वास राणवे: ते. स्री में श्रदा-विश्वास-रखना confidence or trust in a woman. सूय॰ टी॰ 9, 8, 9; 38; --सहाव पुं० (-स्वभाव) स्त्रीने। स्वभाव, स्रोका स्वभाव. woman-nature. स्॰ च॰ ४, १६७, स्य० टी० १, ४, १, २०; —सागा-रियः त्रि॰ (-सागारिक) केंभा स्त्री रहेती है। यते स्थान. जिसमे स्रा रहतां हो वह स्थान. an apartment for women.

" नो कप्पइ निगाथाणं इस्थिसागरिए उव-स्सए बत्थए'' वेय० १, २५, २६, २७, २८, इस्थिकाः स्त्री॰ (स्रीका) स्त्री. स्रो. A woman. दसा॰ १०, ४; इत्थित्त. न॰ (स्त्रीत्व) स्त्री पर्ध स्त्री पना; स्रोत्व Womanhood. दसा॰ १०, ४, इत्थिपरिराणा, स्त्री॰ (स्त्रीपरिज्ञा) એ नामनुं स्यगडाग सूत्रनुं ये।यु अध्ययन, इस नाम का नूयगडाग सूत्र का चोथा अभ्याय. The 4th chapter of Sūyagadānga सम० २३. इत्थियलक्खणः न० (स्रीकलत्तण) छात्र लाव आदि स्त्रीना सक्षण, स्त्री के हाव, भाव श्रादि लच्चा A characteristic mark of a woman; e. g glances, sportive gestures etc नाया॰ १. इत्थिया स्त्रो॰ (स्त्रीका) स्त्री, भैरी स्त्री; पत्नी, A. woman, a wife. ठा० ४, ३; प्रवण्यहरू; भगर १५, १, दसार १०, ३; इत्थी. स्री० (स्त्री) स्त्री: नारी स्त्री: परनी, श्रीरत. A woman; a wife क॰ ग॰ ४, २६, क० प० २ = ४, = ४, ४, ४४, "से कितं इत्थीन्रो २ तिविहान्रो परणत न्त्रो " नाया॰ =; सम॰ ६, जीवा॰ १; श्रणुजी॰ १२८, श्रोव १६; ठा० ३, १, दसा० ७, १, श्राया० १, ६,२, द, उत्त ३०,२२, ३६, ४६; ५२; निसी० ७, २१, ६, ६, पञ्च० १, सु० च० ४, १४४, दम० ५, २, २६, ६, ४६. पिं० नि० १६२, भग० २, ४, ५, ४, ६, ३, १६, ६, १८, ४. —कलेवर न॰ (-कलेंबर) स्त्रीन शरीर. स्त्री का शरीर. female body पंचा॰ १, ४६, ---कहा. स्त्री॰ (-कथा) यार विक्रथाभानी अधे. स्रोकथा चार विकथा में की एक one of the four Vikathās; talk about women. স্থাৰ॰ ४, ৩; — কাম.

पुं• (-काम) स्त्री संशंधी धाभ लीग स्त्री सम्बन्धा काम भोग. sexual enjoyment. प्रव॰ ६४०; —गुत्त. न॰ (-गोत्र) स्त्री गे।त्र; स्त्री लिति स्त्री गोत्र, स्री जाति womankind दस॰ ७, १७; ---पच्छाकड. ति॰ (-पश्चात्कृत) लुओ। '' इतिथ पच्छाकड '' शण्ट देखो '' इतिथ -पच्छाकड " शब्द. vide " इत्थि पच्छा-कड " भग॰ ८, ५; -पारिबुड त्रि॰ (-परिवृत) स्त्रीधी विटायेस स्त्री से विरा हुआ surrounded by women निसी॰ ८, १८, -मड्मगश्र त्रि॰ (-मध्यगत) लुओ। " इतिथ मज्भगयं" शफ्ट देखी "इत्थि मज्मगय" शब्द vide " इत्थि मञ्झगय " निसी० =, १०. -रयग न॰ (-रत्न) अुशे। " इतिथ रयण " शफ्ट. देखो " इत्थि रयण " शब्द vide " इस्थि स्यरा " जं॰ प॰ पन्न॰ १ — स्व. पु॰ (-रूप) लुओ। " इहिथ रूव " शण्ड देखो " इतिथ रूव " शब्द. vide " इत्थि रूव " वेय० ५, १, भग० ३, ४; — वड स्त्री॰ (-वाक) लुओ। " इत्थि वड " शण्ह. देखो " इत्थि वड " शब्द. vide " इत्थि वड " पन्न० ११, —वेद्य-य. पुं॰ (-वेद) स्त्रीने थती પુરૂપ સમાગમની અભિલાય। स्त्रो का होती हुइ पुरुष समागम की श्राभिलाषा the desire of sexual intercourse on the part of a woman zio E. १, पन्न० २३; उत्त० २६, ५: —चेद पुं० (- वेद) જુએ। ઉપલે શબ્દ ऊपर का शब्द. vide above भग॰ २०, अ. — वेदग. पुंo (-वेदक) लुओ। "इत्थि वेदग " शण्ड देखां "इत्थि वेद्ग " शन्द. vide " इतिथ वेद्ग " भग० ६, ३१ ११, १. २४, १; २४, ६:

३४, १; — संसत्त. त्रि॰ (-संसक्त) स्त्रीमां भासका. स्त्रीसं श्रासक्त. attached to a woman; in love with a woman. निसी॰ ६,१०; — सहाव. पुं॰ (-स्त्रभाव) लुओ " इत्थि सहाव" शण्ट. देखा " इत्थि सहाव" शण्ट. देखा " इत्थि सहाव" श्राब्द vide ' इत्थि सहाव " सु॰ च॰ ४,१६७;

इत्थीतितथ न॰ (स्नीतिथं) १६ मा मस्वीनाथ स्त्री रूपे हतां छनां तीर्थ प्रवर्तां वृं ते;
६श अछेरामांनु त्रीलुं अछेर्ड् स्त्री तीर्थकर; १६वे तीर्थंकर मल्लीनाथ; १० श्रेड्रंर्र् (श्राश्चर्यंजनक वात) में से एक the 3rd of the 10 Achherās (i.e. wonderful events); रांट्र the founding of a Tirtha (religious community) by the 19th Tirthankara Mallinātha who was a woman प्रव० ६६२;

इत्थीपरिन्ना स्त्री॰ (स्त्रीपरिज्ञा) सूयगडांग સ્ત્રના ચાથા અખ્યયનનું નામ કે જેમા સ્ત્રી-એ સાધુએને કેની રીતે કસાવી દુઃખી કરે છે તથા સાધુયે તેનાથી ક્રમ બચવું તે વિષેના ઉપદેશ તથા સમજ આપવામાં आवी छे. स्यगडांग सूत्र के चौथे अध्ययन का नाम जिसमें यह वर्णन है कि ब्रियां सन्ध-श्रों को किस प्रकार फंसाकर दुःखी करती हैं श्रीर साध्यों को उनसे किस प्रकार वचना चाहिये. Name of the 4th chapter of Süyagadānga dealing with thre ways in which women entice and entrap Sadhus and also pointing out the ways in which a Sādhu can avoid and escape them. स्य॰ १, ४; २, २२; सम० १६.

इदाणि श्र॰ (इरानीं) ८भणां: अहुणाः

श्रभी. Now at this time. भग० ३, १; ११, ११; १४, ६; नाया० २; मू० प० १६; उवा० १, ६६;

इदुर. न॰ (इदुर) संउक्षे। बडी टोपली.
A large basket. श्रागुजी॰ १३२:
(२) भेटी पाट. बड़ा पाट-लकडी का
वेटने का पाट. a large wooden seat

इन्हि. अ॰ (इदानीम्) अधुनाः, ६वे. प्रवः, इस समय. Now; at this time. प्रव॰ ३४६;

इच्म. ५० (इम्य) જેટલા દવ્યથી અંખાડી સહિત હાથી ઢંકાય તેટલા દ્રવ્યવાલા ગૃહરથ इतने द्रव्यवाला गृहस्य कि जिसके द्रव्य से श्रंवाडी सहित हाथी हक जाय. A man possessed of wealth, enough to drown an elephant bearing an ornamental seat upon its back पन्न॰ १: १६; श्रोव॰ १४, २७; ठा॰ ६; भग॰ ६, ३३; श्रगुजां॰ १६, ३१; राय० २५३; जीवा० ३, ३; जं०प० नावा॰ ५; —कुल न॰ (-कुल) साधु-धारनु क्ष साह्कार का कुल. a wealthy family. नाया॰ ४; - जाइ. स्त्री॰ (-जाति) आर्थ जाति श्रार्य जाति. the Ārya or civilised 1ace " हरिया चंचुणा चेव छुट्भेया इब्भजाइस्रो " टा॰ ६: —सिंहि पुं॰ (-श्रेष्टिन्) नगर शेठ नगर सेठ; नगरभर का मुखिया सेठ. the chief merchant-prince of a town नाया० ४, १६;

इस. पुं॰ (इस) हाथी हस्ती; हाथी. An elephant जं॰ प० २; काप॰ ३, २३; इस त्रि॰ (-इदस्) आ, ओ; प्रत्यक्ष यह: प्रत्यत्त. This; that. स्रोव॰ ३१; वव॰ २, २२; २३; २६: ७. ४: १८: दमा० १, ३, ४, १, २, ३; १६; निसी० ६, ४; विशे० २६८, सु० प० १; ६४; ३, १३८: भग० ४, १; ८; ६; पञ्च० १५;

इमंचिंगा. न्नां (१इमञ्चन) अेटलाभां; ते ६२भ्यान; ओ वणतभां; इतने में; इतने समय में During that time; mean-while. न्नंतर ३, ६, नाया ० १; ५, १३, १४; १६;

इमेयारूव. त्रि॰ (एतद्रूप) आप्रधारनं, आप्रभाशे. इस प्रकार, इस तरह In this way, thus नाया॰ ३; ७; ८; १२; १३; १४: १६; विवा॰ ७, दसा॰ १०, ३; वव॰ २, २३: उवा॰ १, ६६, ३, १३८; ४, १५१, कप्प॰ ४, १०३; भग॰ २, १;

इसेरिस त्रि॰ (ईटश) आ केंद्रु; आप्रश्नारनुं. इस प्रकार का, इसके समान. Of this sort, of this nature. " इमेरिस मण्णायारं भ्रावजह श्रबेशहयं " दस॰ ६, ४७;

इस प्रकार मे; इस तरह से Thus; in that way. नाया 9; दम ६, २१. पि० नि० २०१, मु० च० १, ६४; विशेष ४ ३६०२; प्राया 9, २, ३, ७७, १, ६, २, १८३. उचा ०७, २१६: पच ० २: पंचा ०४, ३२. क० गं० १. ४, २६, ३०. ६१; (२) सभाप्ति समाप्ति a word marking conclusion. दम ०६, ४६. नाया ०६ पि० नि० २७६. क० गं० १, २५, ३,४;

इयरिंह. अ॰ (इदानीं) ६भए। अभी
Now, at this time ठा०३,३;
इयर. त्रि॰ (इतर) भीलुं, अन्य. लिल
दूनरा; अन्य; भिन्न Another; different; other. पन्न॰ २१, विशे॰ २६,
९४; श्राया॰ १, ६, २ १६४: नाया॰ ४;

११; स॰ प॰ ११; पि॰ नि॰ भा॰ ७; मु॰ च॰ १, १, कप्प॰ १, ३; क॰ ग० १, ८; पंचा॰ १, ६, —कुल. न॰ (-कुल) अन्त आत्र कुल. another family; different family "इयरेहिं कुलेहिं" आया॰ १, ६, २, १८४. —भेश्र पुं॰ (-भेद) अन्य भेद; दूसरा भेद another difference; another variety. निशे॰ ६७,

इयरत्थः प्र॰ (इतरत्र) भीके स्थले दूसरे स्थान पर. In another place; elsewhere विशेष १२=

इयरिवह त्रि॰ (इतरिवध) धतर-धील प्रशरतुं. श्रन्य प्रकार का Of another sort; different. क॰ ग॰ १, ५;

इयरहा अ॰ (इतरथा) अन्यथा, निह्न ती. अन्यथा. In another way; otherwise भत्त॰ ३६; प्रव॰ १४८१,

इयारिंग. अ० (इदानीम्) ८ मधुं।; अधुंना. अभी.
Now; at this time. श्रोव० ३६:
नाया० १. ५; १३; १४; १६; १४; भग०
१, ४,६; ७, ६; १४,२; राय० २५२:
आया० १,१,४,३४. जं० प० ७,१४१:
कर्प० ४,६३.

इयाल. स्त्री॰ (एकचत्वारिशन्) ओक्ताशीसः ४१-ी संभ्या इकतालीसर्वा संख्या. Forty-one, 41 " चडक पंचम संजीगेखं इयालं भंगसयं भवति" भग० २०, ४;

√ इर था॰ II. (इर्) प्रेरेखा करना. To impel, to incite. (२) गभन करने. गमन करना to go. इरेइ निशे॰ १०६०;

इरिय त्रि॰ (इरित) प्रेरेश्। धरेक प्रेरित गति कराया हुआ। Made to go prompted. विशे॰ ३१४४:

इरियज्ञसयसः न० (ईर्याध्ययन) आधारंग सूत्रनी प्रथम चूलिकानुं त्रींलां अध्ययन. आचारांग सूत्र की प्रथम चूलिका का तीसरा अध्याय. The third chapter of the first Chulikā of Achārāṅga Sūtra आया॰ २, ३, १, ३०५;

इरियह. त्रि॰ (ईच्यार्थ) धर्म-विशुद्धि अर्थ ईया अर्थात् विशुद्धि के लिये. Aiming at purity or carefulness in walking. ठा॰ ६;

इरिश्रा-या. स्त्री॰ (ईर्या) गभन क्रिया; ઉપયાગપૂર્વક ચાલવું તે; સમિતિના એક प्रधार. गमन क्रिया; उपयोगपूर्वक चलनाः सामिति का एक भेद. Carefulness in walking; a variety of Samiti or carefulness. श्रोव० १७: भग० २, १; ३, ३; पिं० नि० ६६२; उत्त० २४. २: ४: उवा॰ १, ७८, — घसमिति ह्याँ। (-श्रसमिति) धर्यासभितिना अलाव ईयांसमिति का श्रभाव lack of curefulness in walking. भग॰ २०, २; -वह. पुं॰ (-पथ) गमन भाग जाने का मार्गे. a way or road to go by. भग० ३, ३; ११, १०; ठा॰ —वह किरिया स्त्री॰ (-पथ किया) गमन क्रिया विशेष. गमन की किया विशेष. a kind of Karma arising from walking ठा॰ ५; -विहेश्र. त्रि॰ (-पथिक) तेरभु हिया स्थानहः, सिमिति શુપ્તિ યુક્ત યત્નાવત સાધુને હાલતાં ચાલનાં આંખની પાંપણ હલાવતાં યાગ નિમિત્તે ક્રિયા **क्षाणे ते. तेरहवां किया स्थानक, समिति, गृप्ति** यक यत्नावान् साधु को हलन चलन करने या श्रांख के पलकों की हलाने पर योग के श्रर्थीत् मन वचन, काय के कर्म के निमित से जो कर्म वंध हो वह. the 13th source of Karma (Kriya-sthanaka), a Karma incurred by a careful and well-restrained Sadhu by the thought and action of movement, by twinkling the eye etc. सम॰ १३; स्य॰ २, २, १६. २३; - चिह्य वंध. न॰ (-पथिकषन्ध) गभनिस्या थी लागते। इनै शंध, गमन की किया से होता हुआ कर्म बंध. Karmic bondage incurred by walking. भग॰ द, द, —समिद्दः ली॰ (-समिति) ચાલવામાં યત્ના રાખવી તે; પાંચ સમિતિ-भांगी पेशी समिति. चलने मे यत्नाचार रखनाः इस प्रकार ध्यान पूर्वक चलना जिसस जोवों को बाधा न हो: पांच समिति में की पहिलो समिति. carefulness in walking; the first of the 5 Samitis. ठा० ५, ३: ⊏; कष्प० ५, ११६; ─ समिय∙ त्रि॰ (- समित) यत्ना पूर्वक यासनार; धर्या सभिति थुक्तः यत्नाचार पूर्वक चलने · वालाः इर्या समिति का पालन करनेवाला. (one) walking with care and attention, नाया॰ १; ४, १४; १६. भग० २, १: १२, १, १८, २; २०, २; दमा० ५, ६.

इरियाचाहिन्ना. स्त्रीं (ईर्यापथिकी) श्रिया-वही क्षिया: १९-१२-अने १३ में शृष्कि शृष्कि अप्रांतिभोद के क्षिण्मीहियाला साधुने क्ष्यले थाग निभिते सातावेहनीय क्ष्में रूपे क्ष्में अप्रेम थाग ते. इरियावहीं किया; ११, १२ म्ह्रीं भी हें वे सुणस्थान में उपशांत मोह या जीए मोहवाल साधु को केवल योग के निमित्त में साता वेदनीय कमें रूप जो वंध हो वह. Iriyāvahī . Kriyā; i. e. Karmie bondage incurred by an ascetic in the 11th, 12th and 13th spiritual stages (Guṇa Sthāna) arising from Kevala yoga (thought-activity) in the shape of feeling as a knower, (such an ascetic is free from delusion which has either subsided or perished.) ठा०२, १, श्राव०४, ३: प्रव०७=; भग०१, ६०:३,३,६,३; =, =; १=, =; नाया०१६, वेग०२, १६; दस० ५, १, ==; —िकिरिया ली०(-िकिया) लुओ। ઉપલે શण्द. देखो जवर का सच्द. vide above भग०७, १,७;

इला. स्रा॰ (इला) लंभद्रीपमान ओह क्षेत्र जंबूदीप से का एक जेत्र Name of a region in Jambū Dvipa. जं॰ प॰ ટા**૦ ૪, (૨)** ઇલાવર્ધન નગરની એક देवी. इलावर्वन नगर की एक देवी name of a goddess of the town of Ilāvardhana. જં૦ ૧૦ (રૂ) પશ્ચિમ રૂચક પર્વત ઉપર રહેનાની એક દિશાક भारी पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली एक दिशाकुमारी name of a Disakumārī residing the western Ruchaka mountain. जं॰ प॰ —क्रुड न॰ (-कूट) यूस हिमपंत पर्वत अपर ध्या-દેતીના વાસવાળું ચાેશું શિખર चुल हिम-वत पर्वत का चौथा शिखर जहा इलादेवी का निवास है. the fourth summit of Chūla Himavanta mountain where the goddess Ila resides ठा० ४; जं० प० (२) शिખरी पर्वतना ११ इटमांतुं नवभू इट-शिभर शिखरी पर्वत के ११ शिखरें। मे से नौवा शिखर. the ninth of the 11 summits of the Śikharī mountain टा॰ ४. चं॰ प॰

इला देवी स्त्री॰ (इला देवी) पश्चिम ३४६
पर्वत पर रहेनारी आहे दिशा हुमारिशमानी
पहेली पश्चिम दिशा के रचक पर्वत पर रहनेवाली आठ दिशा कुमारिकाओं में ने पहिली
दिशाकुमारी. The first of the eight
Disakumans residing on the
western Ruchaka mountain.
निर० ४, १; ज० प० ५, ११४; — कूडः
न० (-क्ट) जुन्मा "इलाकूड" शण्ड देखो 'इलाकूड 'शब्द. vide 'इलाकूड'
ज० प० ४, ११४,

इलापुत्तः ए॰ (इलापुत्र) ध्रुलावर्धन नगरना
रहेवाशी ओह शेहेनी पुत्र-ओक्षाची हुमार हे
के ओह नटडीमां लुग्ध थही हुझ क्यानिथी
अप्र थ्ये। इता पण् पाल्क्षथी भाव पाभी हिला सीधी इता पण् पाल्क्षथी भाव पाभी हिला पर लुड्व होकर कुल जाति से श्रष्ट हो गया था और पीछे से बोध के पाकर दीजित हुआ Elachi Kumara a son of a merchant of Ilavardhana town, he was enamoured of an actiess and had become degraded but later on he got right knowledge and became a monk जं॰ प॰

इलाचइ पुं॰ (इलापित) अक्षापत्य भात्रने। प्रधाशक्ष आहि पुरुषः एलापत्य नामक गोत्र का त्रादि पुरुषः The progenitor of the family called Elapatya. नंदी॰

इलायद्धणः न॰ (इलायर्डन) ४क्षायी पुत्रनुं निपास स्थानः धिक्षावर्धन नगरः इलार्चा पुत्र का निवास स्थानः इलावर्धन नगर The residence of Ilachipatra viz the town called Ilavardhana जिंदि

इलिया-म्ना स्त्री॰ (इलिका) ध्रयक्ष; श्रीक्ष; श्रीक्ष; श्रीक्ष प्रती श्रीक्ष क्षीक्ष प्रती श्रीक्ष क्षीक्ष स्वामल वगेरह धान्यों में होनेवाला एक कींडा A worm found in rice and other grains. विशे॰ ४३०;

इली. स्त्री॰ (इली) क्षरणाक्ष; थे धारपाली तक्षपार दो धारवाली तरवार. A double edged sword, परणा॰ १, ३;

इब. अ० (हव) थेडे; भरे; लेवुं, साइड. तुल्य, सदश्य. Like. धव. सम० ३०, दसा० ६, १, न'या० १, ३, ८; १४, १६, १८, दम० ६, ६६, ६, २, १२; भग० ८, ३३; १४, १, २५, ७; श्राया० १, ४, १, १४२; ऑव० १७, उवा० २, १०२; क० ग० १, ३६, ५०.

इसणा स्नी॰ (इचणा) अन्वेषशा, र्रष्ट वस्तु-मां प्रवृत्ति अने अनिष्ठ वस्तुमा त्यागणुदि. इष्ट वस्तु में प्रेम और अनिष्ट वस्तु में त्याग बुद्धि Search after what is right and good accompanied with the desire of leaving off what is evil and false. आया॰ १. ४, १,

इसि पुं० (ऋषि) अःषि, जाननंत साधु भुनि. ऋषिः ज्ञाननात् साधु, मुनि. A. sage; a saint. an ascetic " इसीया सेट्ठे तह चद्धमाया " स्य० १, ६, २२; २, १, ६०. जं० प० ३, ४७, पन्न० २, अोव०३६, दम०६, ४७, भग०६, ३४, १६, ३, ऋणुजो० १२८, ठा० २, ३, उत्त० १२, १६; २८, ३६; राग०२६६ जं०प०३, ४७; — परिसा

स्त्रा॰ (परिषद्) अनिशय ज्ञानयाशा ऋषिणानी परीपर् सभ . श्रातिशय महान् ज्ञानवाले माबुओं की मभा an assembly of highly enlightened saints. भग० ६, ३३, दसा० १०, १ — त्रंस. पुं॰ (-त्रंश) ગણધર સિરાયના તીર્ધકરના शिष्येती वंश. गणधर के सिवाय तीर्थंकरों के शिप्पों का वंश the lineage of the disciples of Tirthankaras, excepting the Ganadharas. () ने वंशनं अनिपदा करन र श रें सभ । यंग वर्गरे उक्र वंश का प्रतिपादन करनेवाना शास्त्र समदायांग बगेरह scripture e. g. Samavāyānga etc. dealing with the above सम० २:

इसिनारोष्याः स्त्रीः (ऋषिनियका) अ नामना अनार्थ देशमां જन्मेल हासी. इस नाम के अनार्य देश में जन्मी हुई दाया A. female servant born in a non Arya country of the name जं॰प॰ भग॰ ६, ३३, श्रोव• ३३: इसिगुत्त. पु॰ (ऋषिगुप्त) वशिष्ठ शित्रना सहस्तिन अ यार्थना ओ । थिवर शिष्प वशिष्ठ गोत्र के सुहस्तिन् श्राचार्य के एक धित्र शिष्य. Name of a Thivara disciple of the preceptor Suhastin, of the Vasistha family (ર) એ નામતુ માગ્યગગ્યનુ પ્રથમ इस इस नाम का माणवगण का प्रथम कुलname of the first family of Manavagana. " थेरेहितोणं इसि-गुत्तेहितो वासिद्रसगाति हिं " कप् ० ५; इसिगुत्तिः न० (ऋषिगुष्ति) ये नाभनु

इसिगुत्तिः न० (ऋषिगुष्तिः) व्ये नाभनु भाष्युगण्यी नोक्ष्येस इस माणवगण से निकले हए कुत्र का नाम Name of a family-offshoot derived from Manava Gana. 4770 5;

इसिए. पुं॰ (इसिन) એ नामते। એક अनार्थ देश एक अनार्थ देश का नाम A non-Arya (uncivilised) country of this name. नाया॰ १,

इसिंगिया स्त्री॰ (इसिनिका) ५सिख नामक अनार्थ देश की स्त्री. इसिण नामक अनार्थ देश की स्त्री. A woman of a non-Arya country (uncivilised country) named Isina पन्न॰ १ नाया॰ १;

इसिर्त्तियः पुं॰ (ऋषिदत्तक) रिसिश्वभ थिपरथी भाष्पगण्तु नीव्रसस भीन्तुं दुसः ऋषिगुन्त स्थितिर से निकला हुत्र्या मानवगण् का दूसरा कुल. The 2nd Manavagana lineage starting with the saint Risigupta. कप्प॰ =;

इसिदास पु॰ (ऋषिदास) अध्यत्तरीयवाध अवना विका वर्गना विका अध्ययननं नामः श्रशासरीववाड सत्र क तीसरे वर्ग के तीसरे श्रध्याय का नाम Name of the third chapter of the third section of Anuttarovavāi Sutra. (२) आईटी नगरी निसर्सा ભદાસાર્થવાહીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઈ ૧૧ અંગ ભણી છકુ છકુના પાચ્છાની પ્રતિના લઇ ઘણા વરસની પ્રત્રજ્યા પાલી એક માસના સંથારા કરી સર્વાર્થસિદ વિમાનમા ઉત્પન્ન થયા. ત્યાર્થી એક અતતાર કરી भेक्षि पाभरी, काकदी नगरी निवासी भद्रामार्थ-वाही का पुत्र, जिसने कि दीचा लेकर ११ श्रंग पढे, श्रीर प्रत्येक छट्ट २ (दो २ श्रनशन) का पारणा करनेकी प्रतिज्ञा ली श्रीर बहुत वर्षी तक प्रवजा का पालन कर अन्त में एक मास का सधारा किया । मृत्यु होनेपर सर्वार्थिसिद्धि

विमान में उत्पन्न हुआ और अब वहां ने एक भव और धारण कर मोच जावेगा name of a son of the merchant Bhadiāsārthavāhī of the city of Kākandī He took Diksā, studied 11 Angas, took a vow to take food after every two fasts, practised asceticism for many years and after a Santhārā (giving up food and water) for one month was born in the heavenly abode called Sarvärtha Siddha whence after one birth he will get salvation श्रगुत्तो॰ ३, ३; — उभायगा. न॰ (- श्रध्ययन) અહ્યુત્તરાપપાતિક સુત્રના ત્રીજા વર્ગના त्रील अध्यानुं नाभ त्रयुत्तरोपपातिक सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अभ्याय का नाम. name of the third chapter of the third section of the Anuttaropapātika Sūtra. ठा० १०:

इसिदिएण पु॰ (ऋषिटत) लंगूद्रीपना कीरवतक्षेत्रना थालु अवसार्पेण्नीना पाथमा तीर्थंडर. सुमितनाथ प्रलुना समझलीना अवसार्पेण्नी के ऐरावत केत्र के वर्तमान अवसार्पेण्नी काल मम्बन्धी पाचवें तीर्थंकर, सुमितनाथ स्वामा के समकालीन The 5th Tirthankara (contemporary of Lord Sumatinatha) of the present Avasarpini in the Airavataksetra of Jambūdvīpa सम॰ प॰ २४०, (२) डाटीड- डाडन्टडायार्थना थिवर शिष्य. कोटिक काकन्दकाचार्य का स्यविर शिष्य. пате об а

Sthavira disciple of the preceptor Kākandaka of the Kotika descent. 270 =;

इसिपालः पुं॰ (ऋषिपाल) पांथभा वाभुदेवना श्रीम्त पूर्वभवनुं नाम पांचवे वागुदेव के तामरे पूर्वभव का नाम Name of the third preceding birth of the 5th Vasudeva नग॰ प॰ २३६; (२) धिस्रवाय म्तिना २५त२ देवना धंद्र ट्राम्बाय जाति के व्यतर देवों का इन्ह India of the Vyantara gods of the class known as Isivaya हा॰ २;

इसिमदपुत्त पुं॰ (ऋषिभद्दपुत्र) आर्त्तिका नगरीना भुभ्य आवश्च आर्लामका नगरी का मुख्य आवक The principal Jaina layman of the town of Alambhikā, भग॰ ११, १२.

इसिभासिय न० (ऋषिभाषिन) अधि-ભાષિત નામનું એક કાલિક શ્રુત કે જેમા તીર્થંકર આદિની સ્તુનિ કરેલ છે. હાલ તેના विश्लेह थर्छ अथे। छे ऋषिमापित नाम का क्यालिक श्रुत विशेष, जिस से कि नार्थिकर आदि की स्तुति की गई है वर्तमानमें इस्थत का विच्छेट होगया है. Name of a Kālika Śruta (not extant) scripture containing the praises of Tuthankaras etc नव॰ ४४, विशेष १०७४; नंदी० ४३; (२) त्रि० ઋષિ મૃતિએ કહેલ ઉત્તરાધ્યયન વગેરેના અધ્યયના ऋषि-मुनि-हारा कहा हुया उत्तराध्ययन वर्गग्ह का श्रध्याय chapters of Uttaradhyavana etc narrated by ascetics विशेष २२६%.

इस्तिमासियङभयण् न॰ (ऋषिभाषिता-ध्ययन) प्रश्नव्यादरशहरातुं द्रकुं अध्ययन प्रश्रव्याक्ररण्डण का नीमरा श्रन्याय. The third chapter of Prasnavyā-karana Dasā. ठा० ५०;

इसियाः हीं (ईपिका) धासनी सदी. चांनकी मलाई A blade of grass. "केट पुरिषे मुंजाको ट्रिष्यं क्रिभिण-चहिता" मुग्र २, १, १६;

इसिबाइ. पुं॰ (ऋषिवादिन्) वाण्यंतरती १९ व्यतभाती १२ भी व्यत वाणव्यंतर वी. मोलह जातियों में वी १२ वी जाति. The 11th of the 16 classes of Vānavyantara hell-gods, पत्र॰ २; श्रोव॰

इसिवाइयः पुं॰ (ऋषिवादिक) क्रुशे। ७५के। राण्ड देगी ऊपर का शब्दः Vide above, थोव॰ २४; पगह॰ १, ८:

इस्मिचालः पु॰ (ऋर्षपातः) शुओः 'इसिपान' शण्दः देखों 'इसिपान' गब्दः Vide 'इसिपान'' पञ्च० २, ठा० २, ३;

टिस्सचालिय. पुं॰ (महिप्मालित) ध्रिस्ताय व्याति के व्यंतर देशों का इन्द्र. The Indra of the Isivāya Vyantara kind of hell-gods स्रोत्य॰ (२) भाइस्स भागा व्यावसानितंसित स्थाप स्थाप शिष्य मारम गोत्र के श्रायशानितंमित के स्थाप गिरम गिरम प्रायशानित मारम गोत्र के श्रायशानित मारम गिरम गिरम गोत्र के गोत्र पर में निक्ली हुई शासा. a lineal branch from the above. " धेरोहितो श्रवत्र हिम्बालिया माहा गिरमया " कप्प॰ =,

इस्तीपत्रमाराः स्त्रो॰ (ईपन्त्राग्मारा) लुले। 'इतिपत्रमारा' शण्टः देखो 'हामिपन्मारा' शब्द Vide " इसिपटभारा " पन्न० २; श्रोव० ४३,

इस्स. पुं॰ (ऐष्यत्) अधिष्य अस भविष्य कालः आगामी कालः The future time विशे ५०८.

इस्सर पुं॰ (ईश्वर) हक्षिण्ना स्तवाही જાતના વ્યન્તરદેવતાના ઇંદ્ર टानिए। के भूतवादी जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Bhūtavādī kind of Vyantara gods of the south. पन्न. २: (२) માલિક; સરદાર; સામાન્ય शुक्र मालिकः सरदारः सामान्य राजा owner a lord: a king जीवा॰ 3 ३, निर॰ १, १: दसा॰ ६, १३; १४; -वाइ. पं॰ (वादिन्) धंश्वर ज्यान्डर्ता छे, ओवे। वाह **५२ना२** ईश्वर जगत् कर्ता है, इस प्रकार बाद करने वाला one who holds that God is the creator of the universe. स्य॰ टी॰ १, १. 2, 4;

इस्सरिय न॰ (ऐथर्य) अंश्वर्य, महोटाछ समृद्धिः वडपान. ऐश्वर्य: Power. wealth; greatness पञ्च० श्रगुजो॰ १३१, उत्त० १८, ३६, प्रव० १०७०; विशे० १०४८; — मग्र-य. पुं० (-मद) ॐर्थ्यनी।-२६।श स पत्ति वर्गरेनी भद्र. ऐश्वर्य-समृद्धि वगैरह का मद. pride, intoxication, of power, wealth etc सम॰ द: ठा॰ द,--मद. पु॰ (-मद) ळाओ। ७ भंदी। शणहा देखी जगर का शब्द vide above भग॰ =, १, —सिद्धि पुं (-सिन्धि) अविर्यनी सिद्ध-प्राप्ति ऐथर्य की प्राप्ति acquisition of power and wealth. स्य १, १, ३, १५;

इस्सरीकय त्रि॰ (ईश्वरीकृत) धनादय

नथी तेने धनादय यनावेस. जो धनाट्य न हो उसे धनाट्य बनाया हुआ (One) raised to power and wealth सम॰ २६; इसा॰ ६, १३;

इस्सा स्रो॰ (ईप्यां) अहेणार्ध स्रदेखाई; ईपां; दूसरे का वैभव, मान स्रादि सहन न होना Envy; jealousy उत्त०३४,२३:

इह. अ० (डह) अहि आ; आ देशिशा.

यहा, इस लोक में. Here, in this

wold राय० २३; नंदी० ४५, नाया० १,
३, ६; ७; ८, ६, १५; १६; भग० १, ६,
२, १; ३, २, ५, ३; ५, ४, ७,६, ५; ८, ८;
१८, ५, ६, १, १, १, १, १, १, १, १,
१३, २५, ६, १, १५, दसा० १, १,
१३, २५, निर्सा० ६, १२; क० ग० १,
३–२१; २. १७; जै० प•७, १३३, — गय.

कि० (-गत) अहिआ रहेदी। यहां रहा हुआ।

standing here; remaining here.

नाया० ४० भग• २, १; ६, ६, ७, ६ ६;
ज० प० २, १३३;

इह्रइ अ० (इह) आही यहा Here सु० च०१४,३०;

इहं थ्र० (इह्) आदि, ईटा. यहां. Here. श्राया० १, १, १, १, नाया० १, २, ५: ६. १४, १६; १२: पि० नि० २१६,

इहत्था नि॰ (इहार्थ-इहेंच जन्मन्यर्थ: प्रयोजन यस्य) आक्षीक्ष्मा अर्थ सुभिना अभिक्षापी, इस लोक सम्बन्धी सुख का चाहनेवाला. (One) desirous of the happiness of this world, ठा॰ ४, ३:

इह्सव. पुं॰ (इहसव) आ (स्व, आ अन्भ. भनुष्य अन्भ यह भव, यह जन्म, मनुष्य जन्म This life; this world; human birth नाया॰ ४; ७, ६: १३; १५; १८ भग॰ २, ५; TRAFFIC SINGLESS OF MICHAEL STATES OF THE ST

實際的 The graph process and a formation of the state of t

क्ष्यतीस्था १०० व होहर्ज किस १००० ००० २ भी तम १० साइवार्ड हे १००० ००० १ भी जा १० से १०० ००० व्याप्त होता १००० ००० २ ६ १, १६, ६०० ००० व्याप्त होता १०० १ पास्त्रीकिश १ वर्ष १००० १००० १००० १० सिर्देश १ वर्षी वर्षा होता १००० १० सिर्देश १ वर्षी वर्षा होता १०००

पहाँगात पुँच (इसलोक) अन्त ने र अन्त करणा. अनुभित्तार सह जोक, स्मूल्याक, सुनीयक जन्म. Time neadd अभित क्रिक्ट human bieth द्वार्यक्र करणा. कर्य. भ), जनार ५, ४० — ज्यान्वेस्टरप्रजीम

The state of the s and the second second شيو سي لا څ پي ساسيني ير ده وي ام يې يک 意 " 有一个一个一个人的一个 * * agrandad by the many of the 2 8 8 7 4 7 8 8 2 e , see e esw t En the the state of the state o Commence of the second an annumera e 14 m 表記記 化乳 计对数数据数据 化二甲基乙二甲基 y w to the war was to a 3-+ 1 *r + 1 The Property of the Control of the C er of or for the second second A Commence of the commence of plant of balt with the thirty of 香叶种生物 歌音 电对比 有人对象 五 with at many to the south of the property of a the fit a read to the exact राक्ष्य । न्याराष्ट्रीहका १४० (५१०) Terror by mil write it to 额主属主题产生出籍的 美心网络物 e, Man et the most beet better Pert Stell Floor and 一號數

पु॰ (-भय) મનુષ્ય તિર્યયાદિકથી ઉત્પન્न थतुं लय, सात लयभांनु ओ प्रशासीयां-मनुष्य तिर्यचादिकों से उत्पन्न भय-टर fear ausing from the beings (men, animals, etc.,) of this world सम० ७, ठा० ७, १; - वंयरा पुं॰ (-वेदन) आ क्षीडना सुभनी अनु-लय. इस लोक के सुख का अनुभव experience of the happiness of this world. श्राया - १, ४, ४, १४= —वयग्रवेज्ञ त्रि॰ (-वेदनवेद्य) आ अव-માંજ વેદવાયા વેદાઇ જાય તેવુ કર્મ, પ્રમત્ત સંયતિએ ઇન્છાવિના માત્ર કાય પાગથી णाधिस ५ भी. इस भव में हा वेदने से--भोगने से भोगा जाय - ऐसा कम, प्रमत्त सयति का भी विना इच्छा के केवल काया के योग से बांबा हुआ कर्म. (Karma) the result of which can be exhausted (borne) in this world. (Karma) incurred by an eriing ascetic without special desire, merely by the weakness of the flesh, श्राया । ३. ४. ४. १५८, —वेयण वेज्ञा वहिय. त्रि॰ (-वेदन वेद्यापतित-इहास्मिन् लोके जन्मनि वेदनमनुभवनामिहलोकवेदन तेन वेद्यमनु-भवनीयमिहलोकवेदन वेद्य तत्रापतितामह-लोकवेटन वेद्यापतिनम्) आ अपभावर

ભાગવાઇ જાય એવું કર્મ, ઇચ્છા વિના માત્ર કાયયાગથી કર્મ ળંધાય ते. इस भव में ही भुगता जाय, ऐसा कमें; विना इच्छा के केवल काया के योग से जिस कमें का बंधन हा बह. (Karma) the result of which is exhausted (borne) in this very birth incurred without volition, through weakness of the flesh आया॰ १, ४,४,१५=,—संवेगिणी स्ना॰(-संवेगिनां) આ સસારનું સ્વરૂપ જાણીને વૈરાગ્ય પમાય तेनी ध्या. ऐसी कथा जिससे संसार स्वरूप जान कर वैराग्य प्राप्त हो. a story creating disgust towards this world by showing its worthlessness ठा० ४;

इहलोय. पुं॰ (इहलोक) लुओ 'इहलोग' शण्द. ऐide "इहलोग' निसी॰ १२, ३४, नाया॰ २. ५, १७; १८, गु॰ च०४, ६७, —भय न॰ (-भय) आ ले। इनुं-तिर्थेय भनुष्य वगेरेथी थत लय. इस लोक का भय. fright caused by beings in this world e.g by men, brutes, etc प्रव॰ १३३४.

इहेच. अ॰ (इहेच) अदिञ. यहां ही Ifere: in this very place. नाया॰ १: ८, १ १४, १९

ई.

র্ময় না (র্নি) ও ৭ রেব ত বরর; বিল Disturbance, obstruction, স্মান । র্ম্বর সৌ (র্নি) স্পনিবৃত্তি স্পনাবৃত্তি স্পানি ও্যথে আনির্তি অনার্তি আহি ত্রাই ত্রহন A calamity such as excess of rain, drought etc স্বৰ সহতঃ ईति. पुं॰ (इंति) १ स्वयहलयः २ ५२यह-ભવ, ૩ અતિવૃષ્ટિ, ૪ અનાવૃષ્ટિ, ૫ ઊંદર, ६ तीड अने ७ शुङ को सात छीन हरेवाग छे. सात प्रकार की ईति (भय). १ स्तनक भय, २ परचक भय, ३ श्रतिरृष्टि, ४ श्रना-मृष्टि, ५ ऊंदरा, ६ दिईा, और ७ जुक गह सात प्रकार के भय हैं. A calamity; a disturbance: it is sevenfold: (1) from friends (2) from enemies (3) from excessive rain (4) from drought (5) from locusts (6) from parrots and (7) from ints जं प॰ १.१०: नम॰३४; - यहल त्रि॰ (-बहुल) केमां २वयक्ष भय आहि धीत ध्रशी है। य ते. जिसमें स्वचक भय श्रादि भग बहुत हो. that which is full of calamity, disturbance, from friends etc. সং দং ৭, ১০: √ ईर. घा॰ I, II (हैर्) प्रेरामा हरती. प्रेरणा करना To prompt; to direct. "ईरन्ति" दम० ६, ३६; र्द्वरियः त्रि॰ (ईरिन) भ्रेग्णा ३रेव; दाँ३व: स्थावेश प्रेरणा किया हुआ; हलाया हुया. हाका हुआ. Prompted; directed "समीरिया कोहवाँल करिंति " न्य॰ १, પ્ર; ર, ૧૬; (ર) કહેલ; પ્રતિયાદન કરેલ. कहा हुआ, प्रतिपादन किया हुआ told, explained. श्राया० १, ६, ४, १६२; ईरिया- स्री॰ (ईचर्या) लुशे। " इरिया ' शण्ट. देखेा " इरिया" शब्द Vide "इरिया " श्रोघ० नि० ७४८; श्रोव० ४१; —समिइ. स्री॰ (-समिति) लुओ "इरियासामिइ " शफ्ट. देखा "इरियासामेइ." शब्द vide " इरियाममिद्द " सम॰ ५; ठा॰ ६, १: ईस. पुं॰ (ईश) धिश्वर; ईश्वर. God; lord पञ्च० २:

ईसम्पा ति (रंगाएय-हंग हंगर ह्याएया प्राविद्यंपां) ४ १२-नाय नरीं हेनी प्रतिहि है। ये ते. ईशर-नायक-स्मामी के नीर पर जिसकी प्रतिह ही यह (One) famous as a leader, or commander, जीया = 3:

ईसिणियाः कां. (ईगानिका) ध्यान देशमां उत्पन्न थपेत्र द्वासी ईगान देश में उत्पन्न दायाः A maid servant born in the country of Isanc नाया : 1;

ईस्तत्थः न० (हत्यस) धनुर्विधाः ये।धनं धनुं अने पणानु ये।६ं लग्हर लनाववानी ७२ इलाभांनी क्रिक्त इला. धनुर्विधाः युद्ध संबंधा शायः धोडा नेना का बहुन खार यहन सेना के धीडा यननानेनाली ०२ कनाखी में का एक कना. Science of archery; one of the 72 arts viz. that of causing a large army to appear small and vice versa. नावा १: पगण० १, ४. जं० प० २: मम० धोव० ४०:

ईसर. पुं॰ (उँमर) धृथरः परभेथर दंगरः परमेशर. God. श्राना॰ २. २, ३, ८६ः पना॰ १७, २१: (२) भाविधः धृणीः नायधः मानिक. यरदारः स्त्रामाः नायधः lord: master: commander. १९५० २, ६३: निर॰ ३, ४, जं॰ ५०३, ४३: नाया॰ ४: ७; १४: श्राया॰ २, ७, १, १४४: (३) धुत्रराजः युवराजः an heir-apparent. नाया॰ १: श्राणुजो॰ १६: (४) सामान्य मांडनिक राजाः a king; a chief श्राणुजो॰ १६: (४) अभात्यः भ्रधान मंत्रां. प्रधानः कारभाराः क minister. chief minister. श्राणुजो॰ १६; (६) शीभंतः रोधः श्रीमानः धर्माः मेठ a wealthy person:

lord of wealth विशे ० १४४१: सम॰ ३०: (७) લવણ સમુદ્રની મધ્યમાં ઉત્તર દિશાએ ઇશ્વર નામના મહાપાતાલ કલશા लवण समुद्र के बीच में का उत्तर दिशा का इंश्वर नामक महापाताल कलश. an infernal pot-like structure, so named, in the centre of Lavana ucean in the north. जीवा॰ ३.४. डा• ४, २; सम० ५२, (२) भूतवाहि जातना व्यंतर देवने। धन्द्र. भतवादी जाति के व्यंतर देव का इन्द्र. Indra of the Vyantara gods of the class known as Bhūtavādı. ठा॰ २, ३: (દ) અશિમાદિ ઋ(ધ્ધવાલા; સમર્થ. श्रणिमादि ऋदिवाला, समर्थ powerful; possessed of Yogic powers ચારા તીર્ધકરના યક્ષ દેવતાનું નામ ચોર્ય तीर्थकर के यन का नाम name of the Yaksa deity of the fourth Tirthankard, प्रव. ३७४, -कार-शिम्रा त्रि॰ (-कारशिक) धिवरते જગતનું કારણ માનનાર વર્ગ, જગતકર્તત્વ-वाही. ईश्वर की जगत का कारण मानने वाला वर्ग, जगत्कर्तृत्व वादी. (one) who holds that God is the creator of the universe. स्थ॰ २. १, २५; —पभिद्र त्रि॰ (-प्रमृति) र्धश्वर प्रभृति आहि **ई**श्वर प्रभृति-ग्रादि God etc जं ग ३, ४२;

ईसारिश्च-यः न० (ऐश्वर्य) ॐश्वर्थ भे। ।।।।; संपति ऐश्वर्य, बङ्घ्पन; सपत्ति Great ness; wealth; power श्रशाजीव १३१; — मदः पुं० (- मदः) जुओ। 'इस्स-रियमश्च 'शण्ड देखों 'इस्सारियमश्च 'शब्दः vide '' इस्सारियमश्च ' ठा० हः, १; ईसरी कन्न नि० (इंश्वरीकृत) ध्रिश-धनादय निष्ठ तेने धनादय अरवाभां आवेल. जो धनाट्य नहीं हो उसे धनाट्य बनाया हो ऐश्वर्य युक्त किया गया हो वह. (One) raised to greatness and wealth सम० ३०;

ईसा स्रो॰ (ईप्याँ) अहेणाध श्रदेखाई; ईर्षा, दूसरे का वैभव श्रादि सहन न होना Jealousy; envy. सु॰ च॰ १४, ६७; ईसा. स्रा॰ (ईशा) धन्द्राखीनी अन्दरनी सक्षा. इन्द्रानी की भीतरी सभा The private or inner council of Indrani. ठा॰ ३, २; (२) पाधु- व्यंतर धन्द्रनी अक्यन्तर सक्षा वाण्व्यंतर इन्द्र की श्रन्तरंग सभा the inner council of the Indra of Vanavyantara gods जीवा॰ ३, ४;

ईसारा पुं॰ (ईशार्न) धशान नाभे श्रीकी देव-थे। इशान नामक दूसरा देवलोक The 2nd heavenly world so named र्जावा० १, श्रोव० २६; ठा० २, ३, सम० १, नाया० घ० १८, श्रयाजो० १०४. भग० २, १, १≈, ७, नागा० ३; विशे० ६६५, जंग्या ४, ११६; ७, १४२, (२) थे દૈવલાકના નિવાસી દેવતા ईशान देव लोकवामी देव a god residing in the above would कप्प॰ २. ६४ पन १, क ग । ४, ४३; (३) ध्रात देवले। इने। ध्रेप्र ईशान देवलोक का इन्द्र. Indra of the Devaloka called $ar{ ext{I}}$ ś $ar{ ext{a}}$ na. नाया॰ घ॰ ६, पन्न॰ २, सम॰ ३२: ठा०२, ३; भग० ३, १; १७, ४; (૪) ઇશાન નામે ૧૬મું મુહ્ર્ન इંશાન नामक १६वा मुहूर्त. name of the 16th Muhūrta (a period of time) सम • ३ •; (१) એક અહે।-

રાત્રિના ૨૮ મુહૃર્તમાંનું ૧૧મું મુહૃર્ત. एक श्रहोरात्रि के २४ सुहूर्तों में से ११ वां मुहुर्त. the 11th of the 24 Muhūrtas of a day and a night. स्० प० १० जं० प० २, ३; ३७, १४२; (१) धिशान द्वाण्-भुष्याः ईशान कोण the north-east. ग्रोघ॰ नि॰ भा॰ २७६; — इंद. पुं॰ (-इन्द्र) ध्रशान हेव- क्षे। अन्त्र. ईशान नामक स्वर्ग का इन्द्र. Indra of the heaven named र्वितंतव. भग० ३, १; —देव. पुं॰ (-रेव) **जीन्त धिशान देवले।** इसरे स्वर्ग के देव. a god of the 2nd heavenly world, named Iśāna भग० २४ १२; **ईसा**ण कप्प. पुं॰ (ईसानकल्प) भीन्ते हेवले। इत्सरा स्वर्ग--देवलोक The 2nd

heavenly world नाया॰ १६; नाया॰ थ० १०; जीवा० १; निर० २, २;

ईसाण्य. ए॰ (ईंगानक) भीक छी।।न हेवले। इंशान नामक दूसरे देवलोकवासी देव. A god residing in the 2nd Devaloka styled Išāna. उत्त॰ ३६, २०८, जं० प० ४, ११८;

ईसाणवर्डिसय एं॰ (ईशानावतंसक) धीशान દેવલેહમાનું સાથી માટું વિમાન, ઇશાનેન न्द्रनुं भध्यनुं विभान, ईशान स्त्रगं का सब से बडा विमान; ईशानेंद्र का मध्यवर्ती विमान. The largest abode of the heavenly world called Isana; the middle or central abode of र्देश endra भग० ३, १; ४, १; १७, ४; र्देसाणिश्रा-या स्त्री॰ (ईशानिका) धंशान डे। थ्, धशान भुशे।. ईशान को**गा**; ईशान

The north-east

नामक विदिशा.

q uarter. भग० १०, १;

ईसादोष. पुं॰ (ईर्व्यादोष) ४५५१ रू.५ हे।५. ईर्घ्या स्पा दोप. The fault of jealousy or malice. दसा॰ ६, ९४; **ईसा**लु, त्रि॰ (ईर्घालु) ५^५र्थ। वाक्षे।. ईर्घालु; ईपी वाला. Jenlous; mulicious. प्रव० ६००:

र्इसि २४० (ईपत्) थे। हुं; २५६५; ४२।. थोडाः कुछ; जरा; किचिन् A little. नाया॰ २; ११; मु० च० १२, ४०; ठा० =, १, पन्न० २; ३६: र्शसे. थ० (इंपन्) जुओ। ઉपक्षे। शण्ट, देखो

ऊपर का शब्द. Vide above. जीवा॰३, ४; विशे॰ १२४६; श्रोघ॰ नि॰ ७२७; भग० ३, १; ५, २; पन्न० २; १७; सम० ३४; श्रोव० नाया० ६; ८, १६; ठा० ३, १; राय० ६३; दसा० ७; १; पंचा० १२, ह; कप्प० २, १४, जे० प० ४,११२; ११४; —ऋोठवलंथिः त्रि॰ (-श्रोष्टावलाभ्यन्) थार्डुंड ढीइने अवसम्यन धरनार, श्रॉठ को थोहासा श्रवतंत्रन करने वाला touching, resting on, the lips a little. পদাত १७, —तंबिचिकुकरणीः स्री॰(-ताम्रान्ति-करणी) થાડીક લાલ આંખ કરનાર (स्त्री). कुछ लाल श्रास करनेवाली (स्त्री). (a woman) making the eyes a little red. पत्त- १७; —तुंग. त्रि॰ (-तुङ्ग) इंधेक अधुं. सुद्ध कंबा. n little high; somewhat high. जं॰ प॰ ६; -दंत. go (-दन्त) थे।s। हांत वाले।. थोड़े दांता वाला. (one) having a few teeth or having scanty teeth. ग्रोव॰ -दंत. त्रि॰ (-दान्त) થાડી શિક્ષા પાંમેલ હાયી. થોલી શિન્ના પાયા हुआ हाथी (an elephant) scantily trained जं॰ प॰ ३; -पब्सार. पुं॰ (-प्राग्भार) थेएं इंग्ल धवुं-नमवुं ते.

कुछ नमना: कुछ नम्रीभूत होना. bending a little. पंचा॰ १८, १६; -पटभार-गय. त्रि॰ (प्रायभारगत) थे। हुं कुण्ल-नभेल कुछ नमा हुआ. bent a little; somewhat bent. पंचा॰ १८, १६; -परेवात. पुं॰ (-पुरोवात) જરાક પૂર્વનा पाय, जरासा पूर्व का वाय wind which is a little in front. नाया॰ ११;-प्रेवाय पुं० (-प्रावात) थे।डे। पूर्व દિશાના વાયું. कुछ पूर्व दिशा की हवा a lettle eastern wind नाया॰ ११: भग॰ ४, १; —मत्त त्रि॰ (-मत्त) યાેવનની શરૂઆતવાલા થેષ્ડા ઉન્મત્ત–હાથી **यगेरे.** यौवन की प्रारंभिक श्रवस्था वाले थोडे उन्मत्त हाथी वगैरह. (an elephant etc.) somewhat intoxicated on account of the budding of youth. जं॰ प॰ ३; श्रोव॰ - रहस्से (-हस्व) थे। ५ ५६२० असर-अ-५ ७१४. अ कुछ न्हस्य श्राच्या श्रा**न्ह**-उ ऋ ल वगरह. any of the five short vowels-श्र इ-उ-ऋ-लृ. '' ईसिरहस्तपंचक्लर उचारण द्वारा " श्रोव॰ --चोछेदकडुइ स्त्री॰ (-ब्यवच्छेदकटुका) 'पीधां पछी थै।डेक' वभते-तन्तक इत्याश आपनारी पाने के थोड़ी ही देर वाद-त्रंत ही कद लगने वाली anything that tastes bitter immediately after it is drunk. पञ्च० १७:

ईसिपटभारा. स्त्री॰ (ईपत्प्राग्भारा ईपत्प्रा-ग्भारो महरवं रत्नप्रभाषपेचया यस्याः सा) सिद्ध शिक्षाः मुक्ति शिक्षा, सिद्ध शिला, मोच शिला. The place of abode of perfected souls or Siddhas; Siddha - Sila. श्रमुजो॰ १०४; ठा० ४, ८, १; श्रोव॰ ४३; पन्न० २; भग० ६, ७; ८, ३; १२, ५; १४, १०; १६, ६; २०, ५;

इंसिप्पभा. स्रो॰ (इंपत्प्रभा) सिद्ध शिक्षा; भुक्षित शिक्षा सिद्ध शिला; मोन्न शिला; मोन्न स्थान. The place of abode of perfected or liberated souls; Siddha-Silā. भग॰ ३, १;

ईसिय. त्रि॰ (ईपत्क) थे। हु; अ९५. थोडा; अल्प; कुछ. A little; scanty. नाया॰ ११,

इसी स्री॰ (ईपत्) सिद्ध शिक्षानुं એક नाम. सिद्ध शिला का एक नाम. One of the names of Siddha-Silā or the abode of perfected souls स्रोव॰ ४३:

ईसीपटमारा स्त्री॰ (ईपत्मागभारा) लुओ। 'ईसिपटभारा'शफ्ट. देखो 'ईसिपटभारा' शब्द. Vide "ईसिपटभारा" सम॰ १२; उत्त॰ ३६, ४७, प्रव॰ ६०६;

√ ईह. धा॰ I. (ईह्) धम्थवुं; न्दु।वुं. इच्छा करना; चाहना. To wish; to desire.

ईहरू-ति उत्ति ७, ४; सु० च० =, ४४; ईहिउगा. सं० कृ० विशे० २४७; ईहिश्र. स० कृ० विशे० २४८; ईह्मागा. व० कृ० उत्त० २६, ३३; ईहिजह. क० वा० विशे० २६६,

ईहा. स्री॰ (ईहा) वियारणा; आक्षीयता, अवश्रद्ध यथा पछी ते आम छे हे तेम अवी विशेष वियारणा क्रवी ते; मितज्ञाननी। शिलो भेदः विचारणा, श्रालोचना; श्रवश्रद्ध होने के बाद जिसका श्रवश्रद्ध हुश्रा हो उस वस्तु विशेषकी विचारणा करना ईहा कहलाता है; मितज्ञान का दूसरा भेदः Dealing with perception to arrive at judgment; the 2nd

variety of Matijñāna; reflection upon what one has perceived. दसा॰ ४, ४५; श्रोव॰ ४०; विशे॰ १७६; ३६६; पत्त॰ १४; श्रोघ॰ वि॰ ६२; नाया॰ १; ६, भग॰ ६, २; ६, ३१; ११, ११; १२, ५; १७, २; राय॰ १०६; नंदी॰ २६; सम॰ ५; २८, कप्प॰ १, ७, क॰ गं॰ १४; (२) भूग विशेष एक प्रकार का मृगः a kind of deer नाया॰ १; ६;

ईद्वापोद्द. पुं० (इंहाब्यूह) ઉદ્યાપાद; तर्ध वितर्ध कहापोद्द; तर्क वितर्क; शंका समा-धान. Full consideration of the pros and cons (२) संश्राम-युद्ध-नीति, ओड ज्यानी व्युद्ध रथना. युद्ध नीति, एक तरह को व्यूद्ध रचना science of war; a kind of military array. नाया॰ १; जं० प० ३, ७०;

ईहामइ. क्री॰ (ईहामाते) धटारूप भित-वियारणाः भित्रानिते। योध भेट हेहारूप मितज्ञान. मितज्ञान का एक भेट One of the varieties of Matijñāna: stage next to perception i. e reflection to arrive at judgment. ठा॰ ४, ४; ६, १; — संपया. स्तां॰ (-सम्पत्) अपत्रह पष्टी विश्वारण्य करवी ते रूप भिताननी संपत्ति. श्रवप्रह के बाद जिस बस्तु का श्रवप्रह हुश्रा हो उस बस्तु के संवध में विचारणा करना वह रूप मितज्ञान की सर्पात्त the power of Mutijñána consisting in reflection. upon what is perceived, to form a judgment. दमा॰ ४, ३५;

ईहामिग. पु॰ (ईहामृग) ५२. भेडिया. A wolf. जं॰ प॰ २,३३; कप्प॰३, ४४;

र्डहामिय पुं॰ (इंहामृग) परुः नाट्य. एक प्रकार का पशुः भेडियाः नहार. A wolf: a tiger स्रोव॰ राय॰ ४२: ११, ११; जीवा॰ ३, ४. जै॰ प॰ ४, ११४;

ईहिय ति॰ (ईहित) येष्टा धरेश; ियारेश जिसकी चेष्टा की गई वह; विचारा हुआ Acted; thought of; reflected upon "सद्वीमागतुमीहियं" स्य॰ १, १,३,१;

उ.

उ. श्र॰ (तु) नः श्री, निश्रथ. निश्रय, गिस्संदेह. Positively; surely; दस॰ ६, २८; ९, १; १; पज॰ १४, स्य॰ १, १, १, ४; (२) वितर्भ वितर्क. an indeclinable showing doubt or uncertainty. दस॰ ६, १३, नाया॰ ९, १६; विशे॰ ११०;

उन्नर. पुं॰ (उदर) भेटः ७६२ पेट Belly: stomach. दस॰ ८, २६; — मल न॰ (-मल) भेटना भेश पेट का मल

dirt or filth in the stomach. ਸਰ॰ ४०;

उथ्रार. पु॰ (उचार) ઉચ્ચાર કરવા ते भाेेेें भाें भाें के उचारण, बोलना. Act of speaking or uttering words. श्रोव॰ २४;

उद्ग्रा. ति॰ (श्रवतीर्ध) स्मिपर पंडी गथेल भूमिपर गिरपडा हुआ. Fallen on the ground निर॰ १, १.

उद्दर्ग त्रि (उदीर्ग) ६६५ पामेतः धर्भता

ઉદયથી प्राप्त थयेश. उदय पाया हुआ; कर्म के उदय से प्राप्त Got by the maturing of Karma. उत्त॰ १८, १. विशे॰ ५३०: ठा० ५; पन्न० १६; (२) उदीरणा **કरी ઉદયમા લાવેલ उदारणा करके उदय में** लाया हुआ. caused to be matured. भग० १, १: -- क्रम्म त्रि॰ (-कर्भेन - उदीर्णमुदयप्राप्तं कद्विपाकं कर्म येषां ते तथा) ७१४ आवेश अर्भवाक्षा. उदय में आये हुए कर्मवाला. (one) whose Karma has matured. '' उदिग्णकम्मागाउदिग्णकम्मा पुगो पुगो ते सरह दुहेति " स्य० १, ४, १, १८. --वलवाहण त्रि॰ (-बलवाहन--उदीर्ण सुद्यप्राप्तं बल चतुरङ्ग शरीरसामर्थ्यं वा वाहनं शिविकादि यस्य सः तथा) कीने શભના ઉદયથી ખલ વાદન વગેરે પ્રાપ્ત थया छेते. जिसे शुभ के उदय मे बल, वाहन श्रादि प्राप्त हुए हो वह. (one) who gets strength, vehicles etc. by the rise of good Karma. " कंपिके नयरे राया उद्दर्शावलवाहशे " उत्त० १८, १;

उद्दर ति॰ (उदित) ४६६ वहा हुआ
Said; told विशे॰ २३३: (२) ७१४
आवेश. उदयागत, उदय में आया हुआ।
risen; matured. नाया॰ १ सु॰
च॰ १,३६६; पचा॰ १६, १२, —गुण्
ति॰ (-गुण्) लेता गुण् ४६वामां आव्या
छेते. जियका गुण् कहने में आया हो वह.
(that) of which the attributes or properties have been described पचा॰ ३,३६. —गुण्जुत्त
ति॰ (-गुण्युक्त) ७६५ पामेशा गुण्युक्त।
उदय पाये हुए गुण् से युक्त. possessed of qualities which have come

to rise or maturity. पंचार् १०,

उर्द्रगा. पुं॰ (उदीचीन) उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश: उत्तर दिशा का चेत्र. Northern region. ठा० ४: भग० —पाईगा. पुं० (-प्राचीन) पूर्वोत्तरिशा. धशाल्युला पूर्व उत्तर दिशात्रों के बीच का कोना; ईशान दिशा. the north-east quarter भग॰ ४, १: - वाय पुं॰ (-वात) उत्तर हिशानी वास उत्तर दिशा का हवा the northern wind. पन्न ।; √ उईर. धा॰ I. (उत्+ईर्) ઉદीरिश्। કरपी. उदीरणा करना. To utter: to cause to rise or move. उईरांति क० ग० ४, ६४: उईरइत्ता स्य० १, ६, १६

उईरेत ठा॰ ७; उईरण. न॰ (उदारेग) प्रेरेशा ४२वी प्रेरणा करना. Act of prompting. ठा॰ ४; उईरणा स्ना॰ (उदीरणा) ळाळे। "उदी-रणा" शण्ट देखों "उदीरणा" शब्द.

Vide " उतीरणा " ठा० २; स्रोव० उद्देशिया त्रि० (उदीरित) अधिरेशा ६ देस; प्रश्ला ६ देस उदीरणा किया हुस्रा, प्रेरित, कहा हुस्रा Told; said; caused to rise or move पन्न० २३, भग० १, १;

कहा हुआ Told; said; caused to rise or move पन २३, भग०१, १; उउ. पु० (ऋतु) अतु, भे भास प्रभाख्नी ओड डाझ विलाग, हेमत, शिशिर आहि अअतु ऋतु; दो मास प्रमाण एक काल, हेमत, शिशिर, वर्षा आदि ऋतु. Any of the six seasons of the year, e. g. Hemanta, Sisira etc "दो मासा उक" भग०३, ७; ४, १६, ७; ६, ३३; २४, ४; जं० प०२, ३१०, १४१; स्० प०८; नाया०१; ३; ६; सम०३४, ४६; दस०६, ६६ श्रणुजो?

उंट A camel. निर्सा॰ ७, ११; — लेस्स न॰ (-ंलश्य) ઉटनुं याभरुं. ऊंटका चमदा. leather of a camel. निर्सा॰ १, ११;

उंडग. पुं० (उन्दक) भूत्र पात्र; भात्रु धर-वानुं क्षेत्र. मूत्र करनेका वरतन. A vessel for making water into. दस० ४; (२) पीपिक्षेः; क्षेत्र्या. पिंड. a lump; a mass " यालाइमंसउंडग मञ्जाराइ विराहेज्जा" श्रोघ० नि० भा० २४६;

उंडी. र्झा॰ (उएडी) पिएडी; पेशी. छोटा पिंड. A small lump नाया॰ ३;

उंड्रय. न० (उन्दुक) भीलन धरवानुं स्थान. भोजन करनेका स्थान. A dining-room. " सपिंड पायमागम्म उंद्धग्रं पढिलेहिम्रा" दस० १, १, ८०,

उंडेरीय. न॰ (१०) रेवडी; भावानी એક स्वाहिभ वस्तु. रेवड़ी; साने की एक स्वादिष्ट वस्तु. A kind of sweet-meat ठा॰ ४:

उंद्रुपागिश्च न॰ (*) ઉંદું पाष्ट्री. उंडा पानी. Deep water. निसी॰ १३, ३४: उंदर. पुं॰ (उन्दर) ઉंदर चूहा, उन्द्रा. A rat, a mouse. पग्ह॰ १, १;

उंदिर पुं॰ (उन्हर) ७-६२. चूहा. A mouse.

उंदुर. पु॰ (उन्दुर) लुओ। ઉपेथे। श्रण्ह. देखें। उपर का शब्द. Vide above उवा॰ २, हपः; — माला. श्री॰ (-माला) छ-हरती भाषा. चूहों की श्रेणी; चूहों की पिक्त. a line, a series, of rats " उंदुरमाला परिणद्ध सुकय चिएह " उवा॰ २, हपः;

उंदुरुक्क. न॰ (<) ઉ-हु = भुण. २६५ = १५०॥ि शण्ट, हेनतापुलन वणते भे। १थी णक्षद्दना केवा शण्ट ५२वे। ते. दंवता के पूजन के समय मुख से विज श्रादि के समान शब्द करना; उद्द श्रर्थात् मुख श्रीर रुक्त श्रयांत् प्रूपम—वैज श्रादि के समान शब्द. Imitating the sound of a bullock at the time of worshipping a deity. श्रयाुजो० २६; गच्छा० २;

उंवर. पुं॰ (उहुम्बर) अभ्यानुं आऽ; शुश्करनुं आऽ गुप्तर का भाड; उदुम्बर का बृत्त. A kind of tree: ficus glomerata. जीवा॰ १; विवा॰ १; भग॰ ६, ३३; श्राया० २, १, ८, ४४; पन्न० १; (ર) લીજજીકુમાર દેવતાનુ ચૈત્ય વૃક્ષ. विद्युतकुमार देव का चैत्य युज्ञ. & tree growing in the garden of the deity, Vijjnkumāra. তা• ৭০, ৭; 🗕 पुरुष्तः न० (-पुष्प) शुक्सरनुं ५ुल; व्या પુલ ગુલ્લરના વૃક્ષમાં કવચિત્ દેખાતું હશે: જે વસ્તુ અનિ મુશ્કેલીથી પ્રાપ્ત થઇ હાય છે તેને ખાટના દીકરાને આની ઉપમા અપાય छे. गुल्लर का फूल; यह फूल गुलर के यूज् पर क्रचित् ही लगा हुआ दिखता है, जो वस्त श्रात कांठनता से प्राप्त होती है उसे इस पुष्पकी उपमा दीजानी है n flower of the Udumbara tree. (It is rately seen on the tree and so is metaphorically used to express a ratity.) "उंबर पुष्कभिव दुह्रभे" राय॰ २४५; नाया० १; २; -- न्यंश पु० (-वर्षस्) शुक्षरना ६६थी लरेख. गुह्मर के फल filled with से भग हुआ

[&]quot; लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १६ की फूटनोट (*) Vide foot note (*) p. 15th.

fruit of Udumbara tree. निसी॰ ३, ७=:

उंबर दत्त. पुं॰ (उदुम्बरदत्त) ओ नाभने। यक्ष. इस नाम का यत्त. Name of a Yaksa (a kind of demi-god). विवा॰ ७,

उचरि स्ना॰ (💠) वनस्पति विशेष चन-स्पति विशेष A kind of vegetation. भग॰ २२, २; पंचा॰ १, २१;

उंचिगा. स्री॰ (उंविका) धड, જવ, योणा वगेरेनी अभ्भडी-भंजरी. गेहूं, जब, चावल स्रादि की मञ्जरी. Blossoms growing on the plants of wheat, barley, rice etc पंचा॰ १०, २३;

उंबेभरिया. स्त्री॰ (क) એ नामनुं એક ભાતનુ अडिर इस नाम का एक प्रकारका युच A kind of tree. पच॰ १;

र्जामसावेत्तप. हे॰ इ॰ अ॰ (उन्मेषियतुम्) आभ भींययाने; आंभना प्रकारी भार-याने आख मॉचने के तिये. In order to twinkle the eye. भग॰ १६, ४,

उंमुय. पु॰ (उल्मुक) એ नाभना એક જहव કुभार. इस नाम का एक यादेव कुमार Name of a Jādava (Yādava) Kumāra. पएह॰ १, ४,

उकसमाग् न॰ क॰ त्रि॰ (भ्रवकसमाग्) त्थाता. तनातां हुआ. Being tightened. वेय॰ ६, म;

उकु जिय. सं॰ कु॰ श्र॰ (बस्कुव्जय) ઉચेथी ५ अंधा थर्धने-शरीर नभाधीने. कुवटा होकर-शरीर नमा कर. Bending the body. " उकुदियाणिउ उकुजिय णिकुजिय दिज-माणं पाडिग्गहेति" निसी० १७, २२;

उकुरुडिया. स्त्री (क्) ઉકરડી; ઉકરડे।. घूरा. A dung-hill. निर॰ १, १;

उक्कंचराः न॰ (उत्कन्नन-उत् कर्ध्व श्रुवाः द्यारोपणार्थे कञ्चनंतत्तथा) श्र्वीओ यदायवाने **ઉચે ઉચકલુ ते. किसी को श्र्**ली पर चढाने के लिये ऊचा उचकना. Lifting up a person in order to impale him. स्य॰ २, २, ६२; (२) अुश् વગરના માણુસના ખાટા વખાણ કરવાં તે. भुशाभत. गुणरहित मनुष्य की प्रसंशा करना, ख़शामत. praising an unworthy person to flatter him. नाया॰ २; (३) गरीयने। वधारे ६८ ५२वे। ते गरीव को बहुन दंड देना. mulcting the poor more heavily. भग॰ ૧૧, ૧૧; (૨) કાઇને છેતરવામાં પાસે ઉબેલા ડાહ્યા માણસ જાણી જશે એમ જાણી वातियत अध राभवी ते. किसी को ठगने के समय-धोका देते समय पास में खंडे हुए समभारार मनुष्य को देख कर इस लिये वात चीत बद करना कि वह समभ जावेगा. stopping deceitful conversation lest a wise by-stander might hear it. श्रोव॰ ३४; राय॰ बाय; ३१वतः रिश्वत; घूंसः bribe; bribery. नाया॰ २, दसा॰ ६, ४; राय॰ २०७; - दीव. पुं० (-दीप) भशास. मशाल. a torch. भग० ११, ११;

उक्कंचण्या स्त्री० (* उत्कंचन) भुभ्ध लनने छेतरवा ढेांग क्षरवी-छल क्षरवे। ते. कम समक्ष मनुष्य को ठगने के लिये ढोंग वनाना-

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (*). देखो पृष्ठ नंदर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

ञ्ज करना. Putting on false appearances to deceive a simpleton. श्रोव॰ ३४;

उक्कंडियः त्रि॰ (उत्किष्ठित) ઉत्हं है। वादी।; उत्सुक्त अभेदः उत्कर्मग्रह्मः; उत्सुक Anxious; eagerly longing. नाया॰ १४; सु॰ च॰ २; ४४०;

√ उक्कंत घा॰ II. (उत्त+कृत्) भांस अने यामडीनु उपाडनुं--उतारनुं ते मांस और चमड़ी का निकालना To flay; to cut out skin and flesh.

उक्ते स्य० १, ४, १, २१; उक्तंत सु० च० १०, ७७:

√ उत्-कंप-प्रे॰ धा॰ II (उत्+कन्प्+िण्) य पानवु, ध्याववुं, दवानाः; To cause to be massaged or shampooed उकंपावेद्द, निवा॰ ६.

उकंचिन्न. त्रि॰ (उत्कम्वित) वांसनी धामडी थी भांत्रेस बास की किमडी से बाधा हुआ Fastened with strips of bamboo आया॰ २, २, १, ६४

उक्किन्छ्या स्री॰ (श्रीपकित्तकी-कत्ताया समीपमुकत्ता तदान्द्यादिकीपकित्तिकी नेव तथा) साध्यीना २५ अपकर्णभानुं भेक अध्या) साध्यीना २५ अपकर्णभानुं भेक अध्या अपकर्ण भारती आतीयी कांण सुधी सीन्या पगर धारल करवानुं पत्त के ले अधी लायना नेवारस कर है। है। ये छे. साध्यी के २५ उपकरणों में से एक उपकरण; दाहिनी तरफ की छाती से काख तक विना सिला हुआ वस्त्र जोकि श्रदाई हाथ का एक चौरस दुकड़ा होता है. One of the 25 articles of use permitted to a nun; a kind of bodice (unsewn) covering the breast, being 2½ arms in length and breadth. श्रोघ॰ नि॰ ६७७,

उक्किट्ट श्र॰ (डत्कृष्टि) धत्ध्रं उत्कर्पता. Rise; intensity, सू॰ प॰ ११;

उक्कड. त्रि॰ (उत्कड्क) पृथ्वी ७५२ शरीर राणीने पिनता पडे भेडेल. पृथ्वी पर शरीर रख कर पिनता से बेठा हुआ. Seated on the ground with pure mind and body. पंचा॰ १=, १६, (२) भिड्ड आसत. उकडुक् आयन. a seat in a particular bodily posture. प्रव॰ ४६२;

उक्कड वि॰ (उक्कर) प्रकृष्ट; उन्नत; ध्युं. प्रकृष्ट; ऊंचा; उनत High, raised; intense. उवा॰ २, १०७; पराह॰ १, १, नाया० १; (२) पसरेस. फैला हुआ spread, extened. कप्प॰ ३, ४३; (३) अधिकः यधारे. ज्यादहः बहुत more: additional, भग॰ १४, १; ાંવ નિ ૪૧૬, (૪) કલુધિત; ડેાલું कलापितः, गंदला. turbid; muddy. strong; powerful. नाया॰ ६; - गं-ध्रविलिस. त्रि॰ (-गन्धविलिप्त) अति दुर्गंध्यी व्याप्त. बहुत दुर्पेघ से व्याप्त highly stinking. नंदी॰ - जांगि त्रि॰ (-योगिन्) ઉत्कृष्ट्येशे वर्ताताः उत्कृष्ट योगी. (one) practising the highest kind of contemplation. क० गं० ४, ६६:

उक्कड्डय. न॰ (उत्कट्ठ) ઉંકેકુ અ सन, ઉભડક પગે ખેમનું ते. उक्कड्ड आसन; घूंटों के वल वैठना. A kind of bodily posture; squatting दसा॰ ७, ६: नाया॰ १, पंचा॰ ४, ११६;

√उत्-ऋड धा॰ I (उत्+कृष्) आणाः यतु आवाद होना. To flourish; to prosper. उकडूइ. क० प० ३, १०;

उक्कड्रग पु॰ (श्रपकर्षक) ये।रने भे। कार्य ये।री धरनार चोर को बुला कर चोर्रा करने वाला. One who calls a thief and steals पग्ह॰ १, ३;

उक्कित्तिऊगा. सं॰ कृ॰ श्र॰ (उत्कृत्य) अपीने काट कर. Having cut off. स॰ च॰ १९, ६४;

उक्कत्थण. न॰ (उत्कत्थन) भास ઉतारवी, यामडी उतारवी ते. चमडा उतारना निका-लना Flaying; cutting off the skin. पण्ह॰ १, १;

उक्कम. पुं॰ (उत्कम) पहें देथी न गख्ता छे देशे थे। गख्नु ते; पश्चानुपूर्वी; उन्ने हे । हम. शुरू मे न गिन कर श्रांखिर मे गिनना; उन्नटा कम Counting from the end instead of the heginning; 1e-versed order विशे॰ २०१: प्रव॰ १०६१;

उक्कामित ति॰ (उपक्र न्त) आरम्ध्योगे आप्त थ्येश प्रारब्धयोग से प्राप्त. Got through fate " ग्रहवा उद्यामित भवंतिए" स्य॰ १, २, ३, १७,

उक्कर. पु॰ (उक्कर) समृद्ध; स धात समृद्ध, जमधट A. collection; a group कप्प॰ ३, ४२; (२) ३२ रदित. कर रहित (one) having no arm नाया॰ १, भग॰ ११, १२' जं॰ ७० कप्प॰ ४, १०१;

उक्किरियाभेय. पुं॰ (उत्करिका भेद) એરएડणील के अुकेल भगक्षी वगेरेते। तक्ष तक्ष करते। थते। लेह-लेहन; अपंटी के बीज अथवा मूखी हुई मूंगफला वगैरह का तइतइ करता हुआ जो आवाज हो वह. Breaking of dry ground-nuts and other seeds with a cracking sound. ' अणताई दब्बाई उक्करि-या भेण्णभिज्ञमाणाई" भग० ५, ४; पज ११;

उक्करिस. पुं॰ (उत्कपं) ७८६६६; अतिशय; उत्कपं; बहुत ज्यादह; उच दशा Intensity; abundance; excess ' श्रत-समुकरिसत्थं' सूय॰ नि॰ १, २, २, ४३; विशे॰ १४=३;

उक्करुडिया स्त्री॰ (*) ઉ:२३।; भक्षीन वन्तुने। संथ्रह, कचरा, मलीन वस्तु का मंग्रह A dung hill, नाया॰ २;

उक्कल. ति (उन्कल) यड़नी इक्षायाक्षी;
वृद्धि पामनार चहतां कना वाना; वृद्धि
पाने वाना. Rising; increasing.
"पंच उक्कला पर्ण्यता तंजहा दंडुक्कले
रज्जुकले का प्रमुख्या तंजहा दंडुक्कले
रज्जुकले का प्रमुख्या वाना जांव विशेष
अस्ति विशेष तान झन्द्रयों वाना जांव विशेष
अस्ति of three sensed living
being. उत्तर ३६; १३६;

उक्कं लिख्रा-या. श्ली० (उक्कालिका) वधारे
नानी सभुत्य वहुत हांटा मुमुयाय A
smaller group श्रोव० २७; (२)
तेधिंद्रिय छविविशेष, इरीक्षिश्री तीन इन्द्रियों
वाला जीव विशेष ता kind of threesensed living being कृष्ण० ६, ४५.
(२) बहेर, तर श लहर ६ अढve. ठा०४,
(३) वायुनी भाइड यह इर्यु ते वायु के
ममान चक्र काटना whirling like
wind. जीवा० ३, ४, — श्रंड पुं०
(-श्रग्ड) इरीकीयानु धडायु. मकही का

[॰] लुओ पृष्ट नभ्भर १५ नी पुरने। ८ (०) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (०) Vide foot-note (*) p 15th.

यगहा. a spider's eggs. कप॰ ९,४४;
— वायः पुं॰ (न्वात) येशी येशी वारते
य्यन्तरे वाते। य्येड प्रधारते। वायु. एक प्रकार
की हवा जो योडे २ समय के बाद चलती है
a kind of wind blowing at small
intervals of time. पन्न॰ १; याया॰
नि॰ १, १, ७, १६६; उत्त॰ ३६, ११६;
जीवा॰ १;

उक्कत्तिका. स्रं ॰ (उत्कितिका) उपरा ७५२ी ९८५ं आवतुं ते. बार बार जाना स्राना Coming and going in quick succession. राय॰ १=३:

उक्कलिय. ति॰ (डरकिलिक) એક પ્રકારનे। अध्यक्ष शध्द. एक तरह का ख्रव्यक्त शब्द. A sort of indistinct sound. मग॰ २, १;

उक्कस पुं॰ (उन्कर्प-डल्कृष्यते श्रान्मा दर्पा ध्मातो विधीयतेऽनेनेस्युन्कर्पः) भानः १५६-११२. मानः घमंडः Pride; conceit. "उक्कसं जलणं एमं मज्मत्यं चित्र गिचय" म्य॰ १, १, ४, १२: (१) वधारेभां १४११. श्रिवकार्श्यायकः maximum; highest limit. क॰गं॰ ४, ७४;

उद्धन्त. पुं॰ (टल्क्षं) भान; अदंशर मान: घमंट. Pride; conceit. म्य. १. १, ४, १२;

उकस्त. ति॰ (रत्कपंतत्) भदवातुः, अलि-भानी. घमन्दीः, मदोन्मनः, द्याममानी Proud; conceited. मृय • १, १, ४, १२;

उद्धस्तमान ति॰ (श्रपकर्षन) टुंडुं इरती. छोटा करता हुश्रा. Cutting short. (२) पाछुं भेंथती. पीछे खेचता हुश्रा. Pulling backward. "पणगंसि वा टरगंमि वा टइस्ममार्थि " ठा॰ ४;

उद्धा स्त्री॰ (उल्का) भूत अभिन्धी छुटा पेटेल आगना ननभा मूल स्रक्षि में स्नलग

हो चुका हुआ अप्रिका तिनगा. Spaiks of fire श्रोध० नि० भा०३१०: नंदा. १०: द्स. ४: उत्त. ३६. ११०: जीवा, ३, १: ठा॰ =; हिंगु हाहु दिग्दाहु: दिशा की जनास preternatural redness of the horizon. इत्तः ३६, ११०; आशश्यमां व्यंतराहिकृत अञ्जि हेणाय ते. ब्राकाश में व्यंतरादिकृतं अग्नि का दस्य. a fiery appearance in the sky-the work of Vyantara etc. इस० ४; पन्न० १; (४) तेजनी जवावा. तेज की ज्वाला. fire; flame of light. श्रोय ानि **२१०; ઉલ્કાપાન; તારાનું ખ લું. उल्हापात**; नारे का इंटना. falling of a meteor. मग० ३, २; - पाय. पुं॰ (-पात) ઉલ્કાપાત; આકાશમાંથી તારાએાનું પડવું. टकापातः श्राकाश से तारा का ट्रटना. falling of meteors from the sky. भग० ३, ७; —चाय. पुं० (-पात-डल्का श्राकाराजातस्याः पातः) लुओ। "उक्कापाय" शुक्ट. देखों " टक्कापाय " शब्द. vide " टक्कापाय " श्रण्जी० १२०; ठा० १०, १: भग॰ ३, ६:—सहस्स. न॰ (-सहस्र) अर्जीता दुव्तरे। पिष्ड तन भा. श्रीप्र की हजारों चिनगरियां. thousands of sparks of fire. তা॰ 🤫

उक्कापाया. श्रंा॰ (डल्कापाता) ઉલ્हापात-तारा भरे तेतुं शुक्षाशुक्ष व्याध्यानी विद्या. उल्कापात के भने द्वेर फल जानने की विद्या. Science of interpreting the good or evil effects of the full of meteors. स्य॰ २, २, २७;

उक्कामुहः पुं० (उल्कामुख) धवल समुद्रभां आक्ष्मी याजन ६५२ आवेश ६१३१मुण नामना ओक्ष्म आंतर द्वीप. लवण समुद्र में ग्राटना याजन की दूरी पर स्थिन उस्कामुख नामक एक श्रंतर होप. Name of an Antara Dvīpa (island) in Lavaņa Samudia at a distance of 800 Yojanas ठा०४, २; (२) तेमां रहेनार मनुष्य उक्क होप के श्रदर रहने वाला मनुष्य a native of the above island जीवा॰ ३, ३; पन्न॰ १, (३) गणा नहीनी अधिष्ठात्री हेति। नियास पर्षेत गंगा नदी की श्राविष्ठात्री देवी के रहने का पर्वत the mountain-abode of the presiding goddess of the tiver (Langā ठा० ६, ३;

उक्कालिश्र-य. न॰ (• उत्कालिक — उत्अध्वें कालात्परम्यतेतत्तथा) थार अध्यक्ष सि
वाय थारे पहेर लिखाय तेषुं सनः उपवाधे
आदि उत्धिक्षिक्ष सूत्र चार श्रकालों के
सिवाय दूसरे तीसरे प्रहरों में पढे जाने योग्य
—चारों प्रहरों में पढे जाने योग्य सूत्र; उववाइ
श्रादि उत्कालिक सूत्र Utkālika Sūtras viz Uvavāi etc. which can
be studied during all the four
Praharas, excepting the 4
Akālas ''सेकिंत उक्कालिश्रं उक्कालिश्र
श्रोग विहा पर्याता'' नंदा॰ ४३: श्रयाजो
४, ठा॰ २, ३;

उक्कास पुं॰ (उक्कपं) अिलभानशी भाता-ती सभृद्धिता वणाल् ध्रवा ते. भेादतीय धर्मती ओड प्रकृति अभिमान से अपनी समृद्धिका वर्णन करना, मोहिनाय कर्म की एक प्रकृति A variety of deluding Karma; praising one's own prosperity through pride. भग॰ १२, ५;

उक्तिक हि (उत्कृष्ट) ७८५७, सवें-त्रिभः अष्ठ उत्कृष्ट, उच्चतम, सब से श्रेष्ट Excellent: surpassing. best नाया॰ १; ६, ६; १७, निर्सा॰ १७, ३२. राय० २६: पिं० नि० ५३०; दम० १, १; ४, १६; जीवा०३,१,भग० ३,१; २, ६, ५; कप्प०२, २७, (२) કલિ गऽ। ભીંડા વગેરેને મારીને તુપડા जी**ए। ३३**ऽ। तरवृज, त्वंबर्डा, मिडी त्रादि कों कार कर किये हुए छोटे टुकडे 'slices of vegetables, like watermelons.gouids etc "उक्किट्टममंसहे" दस॰ ४, १, ३४; (३) ४२०/ वगेरे अभुक्ष वणत भारे भागवुं नहीं ते कर्ज क्यारह का श्रमुक समय के लिये नहीं मांगना. not asking for money lent etc. for a specified time " उस्युक्तं उक्करं उक्किट्ट श्रदिजं श्रमिजं " भग० ११, ११; कप्प० ४, १०१; — चरास्या. (- वर्णक) স্থান - ওत्तभ - থ হন उत्तम -मर्व श्रेष्ट-चंदन. excellent sandalwood ' उविकट्ट करणगोपरि " पंचा॰ २ १७: —संकिलेस पुं॰ (-संक्लेश) ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિય ઘ જનક અધ્યવસાય સ્થાન. હલકામા હલકું અધ્યવસાય સ્થાન કે જેથી અશુभ ઉત્કૃષ્ટ સ્થિતિ વધાય. उत्कृष्ट स्थिति वय करने वाला श्रम्यवसाय स्थान: नीच से नीच अध्यवसाय-कृत्य जिस् से कि अशुभ कार्यों की उत्कृष्ट स्थिति चंबे. impuie thought-activity causing increased duration of evil Karma क॰ ग॰ -सरीर त्रि॰ (- शरीर). ⁹८५४-भेरा शरीरवाक्ष वडे शरीर वाला having a big, bulky body. "डक्किट्ठे उक्किट्टसरीरे भविस्मह" विवा॰ ४; ७: नाया॰ ५; १४; १६, —सीहसाय. पु॰ (-सिंहनाद) भ्ढे। टे। अवाकः उत्रृष्ट सिंद्वाह बड़ा श्रावाज, जोर का श्रावाज; उत्कृष्ट सिंहनाद thundering sound:

roaring sound of a lion. जं॰ प॰ ३, ४५; नाया॰ १८:

उक्तिहा ब्रां॰ (उत्कृष्टा) એક પ્રકारनी देवतानी वेगवाबी गति; भने। द्वर गति. एक प्रकार की देवता की शीव गतिन मनोहर गति. A kind of quick gast of gods; charming gait "उक्तिहाए तुरियाए चंढाए" राय॰ जीवा ३; आया॰ २, १५, १७६, नावा॰ ४; ८;

उक्तिकृष्टि. स्त्री॰ (उत्कृष्टि) आनंहलनङ ध्विनः ६र्पने। अवाल. ग्रानंदजनक शब्दः, हर्पयुक्त शब्द A voice of joy श्रोव॰ २७,

उक्तिकरण नि॰ (उक्तीर्ण) अभेडेबुं; भारी शिरेबुं, खुदा हुआ. Dug out ओष॰ नि॰ २६१; (२) अत्यन्त अगर; भुक्तुं अच्छां तरह से जाहिर; खुला हुआ. open; quite manifest पन्न॰ २; (३) है।तरेस खोदा हुआ. carved मन॰ प॰ २०६: (४) भिश्रित मिश्रित; मिला हुआ. mixed. परह॰ १, १; — श्रेतर नि॰ (-अन्तर) अनि २५६त अन्तर अच्छो तरह से प्रगट अंतर. having the inner side quite manifest or laid open. also, having the difference quite manifest. सम॰

डिकिस्त वि॰ (उन्ह्रेस) अभेडेक्ष उसाझ हुआ Scratched out; dug out उस॰ १६,६३;

उक्तिस्तण, न० (उत्कीर्तन) युविसत्येः;
भेविस तिर्धेश्वरती स्तृति, संस्तवन, गुण
कार्तन; चोवीस तीर्धकरों की स्तृति.

Praise: praise of the glory of
the 24 Tirthankaras. अगुलो॰
प्रः; चड० ५; विशे॰ २०२: प्रव० ६५;
—अगुपुन्वी. स्रो॰ (-अनुपूर्वी) ઉत्तीर्तन
युष्प्राभ; स्तृत्य पुर्योती अनुष्भे स्तृति

इस्ती ते. गुणवान-प्रशंसनीय पुरुषों की अनुक्रम से स्तुति करना. praising in due order the merits of worthy persons अयुजो॰ ७१;

उद्गिकत्तित. त्रि॰ (उत्कीतित) शीर्तन ६रेस. कीर्तन किया हुआ. Praised; described. स्० प॰ २०;

उक्कुित्य. सं॰ कृ॰ अ॰ (उत्कृब्स्य) अथे-थी शरीर नभाषीने; कुल्डा थप्तने. ऊंचे से शर्गर को नमाकर. Having bent down the body. श्राया॰ २, १, ७, ३७;

उक्कुट. न॰ (उत्कृष्ट) सीक्षा भानना लुझो. हरे पत्तों का श्रोबली में किया हुआ चूरा. Powdered green leaves श्राया॰ २, १, ६, ३३;

उक्कुट्ट. त्रि॰ (उत्कृष्ट) ७.१५५ नाहः आनंद भ्यति. उत्कृष्ट नादः श्रेष्ट शब्दः य्यानंद ध्वनि. Excellent, pleasant (sound) पराह॰ १,३;

उक्कृहुग्र न० (उरकृदुक) १५६५ अ.सनः ઉભખણીયે ખેસવાનું આસનઃ ઉભડક આસન उकड़ आसन, घूंटों के वल वैठने रूप आसन. A squatting bodily posture: sitting on heels etc आया॰ १, ६, ४, ४; २, ७,२, १६१; उत्त० १, २२; श्रोध॰ नि॰ भा॰ १४६; श्रोव॰ १६; भग० ७, ६; —ग्रासगा. न० (-श्रासन) ઉકુડુ આસન; ઉભડક પગે ખેસવું તે. श्रासन विशेष; घुंटों के चल बठने के रूप श्रासन squatting bodily posture; sitting on heels etc भग॰ २५, ७; —ग्रासिएश्र त्रि॰ (-म्रासिनिक) ઉભડક પગે ખેસનાર; ઉકુકુ આસને ખેસ-नार. उकड़ आमन से बैठने वाला; घूंटो के वल वेठने वाला (one) in a squatting bodily posture. তা০ ৫, ৭; মান ২২, ৬;

उक्क हुग. न० (उत्कुट्ठक) ल्राभी " उक्क हुग्र" शण्द देखो " उक्क हुग्रा" शब्द. Vide " उक्कु टुग्रा" जं० प० नाया० १, त्राया० २, २, ३ १०१;

उक्कुड्या. स्त्री॰ (उत्कुड्का) ઉભડક भेसतृं ते; पांच प्रधारती निपद्या-भेड़काती ओड घूंटों के बल बैठना; पांच प्रकार की बैठकों में से एक प्रकार की बैठक. One of the five sitting postures viz squatting on heels etc "पंच निसिज्ञान्नों पं० तं० उक्कुड्या गोदोहिया समपायपुया" ठा॰ ४, १;

उक्कुकड. पुं॰ (🌼) ६३२३। घूरा A. dung-hill. स्त्रोध॰ नि॰ ४६६,

उक्कुरुडश्चर, पुं॰ (क) ઉકરડે। घूरा.
A dnng-hill (२) એ नामने। डार्ध
भाष्युस. इस नाम का कोई मनुष्य name
of a person. श्रशुको॰ १३९;

उक्कुक्तडिश्रा-या. स्री० (÷) ७ ४२ रे। घूरा. A dung-hill विवा० १;

उक्कूइय त्रि॰ (उत्कृजिन) भढ़ान् अ०५५त ध्विन वड़ी भारी अप्रगट भ्विन. Loud indistinct sound पएह॰ १, १;

उक्कूलं ति॰ (उत्कूल) सन्भाग व्ययवा न्या-यता ६स-तदथी ६२ ६२तार सन्मार्ग प्रयवा न्याय की सीमा से तट में दूर करनेवाला Leading away from the path of justice पगह॰ १,२,

उकेर पुं॰ (उत्कर) राशि, सम्ह, दासी हेर. A. heap. श्रोव॰ नि॰ २६०; (२) वृद्धि; ઉद्दर्भनः ६र्भनी स्थिति वगेरेमा नवारे। क्ष्रेति ते. त्राद्धः; बढती, कर्मकी स्थिति वर्गेरह में बढती करना. increase; increase in the duration of Karma. विशे॰ २४१४;

उक्कोडा. स्रो॰ (उत्कोटा) क्षाय; ३१वत. रिश्वत, घूंस Bribe; bribery. "उक्कोडाहिय पराभवेहिय दिजेहिय" विवा॰ १, पगह॰ १, ३,

उक्कोडिय नि॰ (श्रांकोटिक-उत्कोटा लन्चा तया ये व्यवहरन्ति ते तथा) ३१वत भानार; सांथ सेनार, सांथीओः रिश्वत स्तोर; घूंस लेनेवाला (One) who takes bribes श्रोव॰ नग॰ १, १;

उक्कोया स्त्री॰ (उत्कोचा) क्षाय. रिश्वत Bribe; bribery नाया॰ १८;

उक्कोस्स पुं॰ (उत्क्रोश) ઉચું भे। हुं करी शण्ट क्ष्यार पश्ची; यातक; पपेंथे। ऊँचा मुँह करके शब्द करनेवाला पत्ती, चातक, पपेंथा. A bird that screams with its mouth raised up; e g Chātaka etc. परह १, १٠

⁴ शुओ। पृष्ट नभ्यर १४ नी प्रुरनीट (३) देखी पृष्ट नंबर १४ की फूटनीट (५) Vidh foot-note (४) p. 15th.

pride. स्य॰ १, २, २, २६; सम॰ ५२; (३) उत्तम. श्रेष्ठ; प्राच्छा excellent; best पिं नि॰ भा० भग० १२, ५; —फ़ाल पुं॰ (-काल) ઉत्५प्ट-ध्रशामां ध्रशे। आस. ज्यादह से ज्या-दह समय; उत्कृष्ट समय. the longest time, भग॰ २४, १; —कालाहिइ स्नो॰ (-कालास्थिति) উন্ধৃष्ट अञ्जनी स्थिति. उत्कृष्ट काल की स्थिति duration of the longest time भग १४, १; -हिइ. स्त्रं।• (- स्थिति) ध्रष्टामा धर्णी स्थिति ज्यादह से ज्यादह—ग्राधिका-धिक स्भिति longest duration निर॰ २, २; —द्विइय. पु॰ (-स्थितिक) ઉત્દૃષ્ટિ- ધણામાં ધણી સ્થિતિ વાલા उत्क्रष्ट-ज्यादह से ज्यादह स्थितिवाला one that has the longest duration. 310 9, १. --पप्सिय त्रि॰ (-प्रदेशिक) ध्यामा ध्रा भेदेश वाली ज्यादह में ज्यादह प्रदेश वाला (one) having the greatest number of molecules ठा॰ १; -पद न॰ (-पद) ७८५ूष्ट ५६; Gr্বৃষ্ট্রণ ভূর্ন । বক্তেছ । বর্ স্বিষ্ট্র पद; उत्कृष्टता. excellent status; highest state " उक्षीसपदे श्रष्ट श्रारिहता " ठा० मः; —पयः न॰ (-पद) जुओ। ઉपक्षे। शण्ह. देखी ऊपर का शब्द vide above. भग॰ ११, १०; -मयपत्त. त्रि॰ (-सद प्राप्त - उत्कर्षेण मदं प्राप्त उत्कर्षमद्प्राप्तः) ઉत्कृष्ट भदवाली उत्कृष्ट मदवाला highly intoxicated with pride. जीवा है; पन्न १७; —सुयन्नाणि न्नि॰ (-सून्र ज्ञानिन्) ७८५४ श्रुतशानवाक्षेः. उत्कृष्ट श्रुत ज्ञानवाला. (one) highly learned in the scriptures. विरा० ४४२, उद्योमग्रः पुं॰ (उत्कर्षक) भेद्वारामा भेद्वारा

वहे से वडा. One that is highest or biggest श्रमुजो. १३२; उक्कोसश्रो अ॰ (उक्कपंतस्) पधारेभां पधारे; त्ઉકૃष्टपण्णे. उत्कृष्टतासे At the maximum limit; at the highest. प्रव॰ ७६४:

उक्कोसंतः ति॰ (उत्क्रोशत्) आक्ष्टन करता हुआ; विक्वाता हुआ। Screaming; crying aloud. परह॰ १ १;

उक्कोसग पुं॰ (उत्कर्षक) ६१६४; १६१८१भां १६१८१. उत्कृष्ट; श्रेष्ठ, बडं से बडा One that is highest, biggest or hest "ततागा च उत्तम कह पते उक्कोसप् श्रहारस्स सुहुत्ते" चं॰ प० १; भग॰ २४, ६; उक्कोस्निश्रय त्रि॰ (उत्कृष्ट) ६१६४; पधारेभां पधारे उत्कृष्ट; ज्यादह से ज्यादहः Highest; highest in amount. जं॰ प० ७, १३४; उत्त॰ ३३, १६; भग॰ ४, १. ८,१०; ११, १९; १८, ७, १६, ३; वव॰ १, १७; नाया॰ ६; भत्त॰ ३७; पंचा॰ ६, २६;

उद्घेशिसय. पुं॰ (उत्कीशिक) शे तामता शेल त्रता प्रवर्तक अधि इस नाम के गोत्र के चलानेवाले ऋषि. (A saint) the progenitor of a family of that name. " थेरस्सण अज्जवहरसेणस्स उको-सिय गोत्तस्स " कष्प॰ =;

उक्त पुं॰ (उन्न) संशंध. सम्बन्ध Connection; relation नदी?

उक्सभः पुं॰ (उत्तम्भ) लेश्थी राष्ट्रं ते. जोर से रोकना Stopping checking forcibly. संत्या॰

उक्तंभिय. त्रि॰ (उत्तम्भिक) श्रेरथी रे।४नारः अट४।यनार वत पूर्वक रोकने वाला (One) who stops or checks forcibly. संस्था॰

उक्खरारा. न॰ (उत्खनन) ६ भेऽवुं ते. उखाडना. Digging out; scratching out पराह॰ १, १;

उक्खिणिय त्रि॰ (उत्स्तिनत) ६ भेडी नाभेक्ष उलादा हुत्रा Dug out, rooted out. पिं॰ नि॰ २४६;

उक्खय त्रि॰ (उत्खात) ७ भेडेस, भेडिस उसाडा हुम्रा; सोदा हुम्रा Rooted out स॰ च॰ ४, ५६; नाया॰ ७;

उक्खल पुं॰ (उदूखल) ઉખલ; ખાંડણી. श्रोखली. A mortar परहू॰ १, १;

उक्खलग पुं॰ (उद्खलक) ખાંડવાની ખાંડબી कुटने की श्रोखली. A mortar used for pounding. "को सयमा चमेहाए सुप्युक्खलगं च खारगालण च" स्य॰ १, ४, २, १२,

उक्खलुंदिय. सं॰ इ॰ अ॰ (॰) भेकोशीने खुजाकर. Having scratched or rub bed with the nails of the hand to remove itching sensation, having tickled. आया॰ २, १, ६ ३२;

उक्खा श्री॰ (उला) थाली, तेालडी; हांडली थाली, हडी, भरतिया A metal on earthen pot or pan "एगाओ उक्लातो परिए सिजमार्ग पहाए" श्राया॰ २, १. २, १०;

डिक्सिएए जि॰ (+) भरधिय खर-डाया हुआ; लिग्त. Bespattered; smeared पएह॰ १, ३;

उक्कित वि (उक्ति) सियेव; विधेषन

अरेल सीचा हुन्नाः लेप किया हुन्ना Smeared; bespattered "चंदगोा-क्लितगाय सरारे" स्य०२, २, ५५;

उक्लिन त्रि० (उत्तिस) ઉथु ५रेल; ७५।डेल ઉઠावेल. ऊंचा किया हुआ; उलाडा हुआ उठाया हुआ. Raised up, lifted up. पिं नि २८४: नाया १: ३: ८, भग - =. ६; १६, ४; वय० २, १; श्राव० ६, ६; (ર) ત્રાતાધર્મ કથા સૂત્રના પહેલા અધ્ય-यननं नाभ ज्ञाता धर्म कथा सूत्र के पहले श्रध्यायका नाग. name of the 1st chapter of the Sūtra named Jnatadharmakatha. नाया॰ २; (३) गानना यार प्रधारमांनी औह प्रधार, गाने के चार भेदों में का एक भेद. one of the four kinds of music राय॰ ६४, जं० प० ५, ૧૨૧, (४) આકર્ષણ કરેલ, भेंथेब. श्राकार्षित, खीचा हुत्रा. attracted, drawn, नाया० १६; - कराणनास त्रि॰ (-कर्णनास) लेना धान अने नाध **७ भेडी ना**ण्या छे ते जिसके कान श्रार नाक उसाड डाले हो वह (one) whose nose and ears have been rooted out (eut out) विवा॰ २, ६; —चरम्र त्रि॰ (- चरक) રાધવાના વાસણમાથી ખાવાના વાસણમા ગૃહસ્થે પાતાને ખાવા કાઢેલું હાય તેજ લવું એવા અભિગ્રહ ધારી ગાયરી કરતાર, सिमान के वर्तनमें से खाने के वर्तन में अपने खाने के लिये प्रहम्थद्वारा निकालकर रखा हुन्ना भोजनहीं लेने की प्रतिज्ञा करके भिचा मागने वाला (one) who begs alms with a determination to take

[ः] खुओ। पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरनीट (+). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फुटनोट (-) Vide foot-note (-) p. 15th

only that food which has been served out into the dining vessel of a householder, from a cooking vessel. श्रोव॰ १९, ठा॰ ४, १, पग्ह० ३, १; — र . पुं० (-चरक) जुञ्मा ९५क्षे। शम्हः देखो ऊपरका शब्द. vide above. ठा॰ ४, योव॰ — गिकिवतचरश्र पुं॰ (-ानीचि-सचरक-पाकभाजनाद्धिच्य निचित्तं तत्रवा अन्यत्र च स्थाने यत्तचरतीति तथा) રાધવાના વાસ્રામાંથી ખાવાના વાસણમા કાટેલ હેત્ય તેને બીજા વાસણમા નાખે તે લેન नार; अिल अद्धारी भूनि सिकाने के वरतन में से खाने के वरतनमें निकाल हुए भोजनको दूसरे वरतन में डाले फिर उस भोजनको लेना ऐसी प्रतिज्ञावाला साधु. an ascetic with a vow to take that food only which is first served out into the dining vessel from the cooking vessel and which is then again put into another vessel श्रोव॰ —पसिरावागरण न॰ (-प्रश्नव्याकरण--उत्तिप्तानिसंत्रिप्तानि प्रश्नोत्तराण्युत्तिप्तप्रश्नन्याकरणानि) सक्षिप्त प्रश्नव्याहरण-सवास जवाण सन्तिप्त प्रश्न-च्याकरणः संजेप में सवाल जवाब brief catechism. भग॰ १६, ४; —पुन्ववसिंह पुं॰ (-प्रवंबसात) आय-સતિ–મકાનમા રહેા એમ કહી સાધુને પહેલ पहेंदी। अतावेद इतारी। साधुको, इस वसांत घरमें रहा यह कहकर पहले पहल बतलाया ह्या उतरने का स्थान a lodge first pointed out to an ascetic with the words "live in this house." श्राया॰ २, २,३; ५७; — यालि. न॰ (-वित्त) ७ भर ६ हे अ थि शान, थि शान

उक्कियत्त श्र-यः त्रि॰ (उन्तिष्तक) शीननी।
ओ अधारः शङ्भातथी यढने स्वरे शाधु ते.
गीतका एक भेदः प्रारंभ में उच स्वर से
गाना Λ pitch of music; singing with a high pitch. ठा॰
४, ४; जीवा॰ ३, ४; राय॰ १३९;

उक्कित्तरणात्र न॰ (डांक्सज्ञात) लेखे सस्ताने उगारना पण उमे। राज्ये। ते उत्तिक्त-भेधश्वभार, तेतुं हाना लेभा आपवामा आव्यं छे ते अध्ययन; ज्ञाता-स्त्रनुं प्रथम अध्ययन खरगांश को बचाने के लिये पर उचा रखनेवाले उत्तिप्त मेघ कुमार का हच्टान्त जिममें दिया गया है वह अध्याय; ज्ञातासूत्र का प्रथम अध्ययन. The first chapter of Jñātā Sūtra in which is illustrated the story of Meghakumāra who kept his leg lifted up to save a hare. नाया॰ सम॰ १६,

उक्तिखत्तय न॰ (उत्तिप्तक) शीतने। अथभ अक्षार गीत का प्रथम प्रकार The first of the varieties of music जं॰ प॰ राय॰ १२३, उक्खुलंपिय सं॰ कृ॰ श्र॰ (*) भ ले-श्रीने खुजाकर. Scratching; rubbing with the nails of the hand, to remove an itching sensation 'नो गाहाबद्द श्रमुलियाए उक्खुलंपिय (उक्खलुंदिय) जाइजा ' श्राया॰ २, १, ६ ३२;

उक्खेंच. पुं॰ (उत्सेष) अ्थे उपाऽयुं, उथे धेंध्यु. जंचा उठाना; जचा फेंकना. Lifting up; tossing up जीवा॰ ३. ४;
पि॰ नि॰ २२७, (२) अ१२२० वाध्य
प्रारंभ का वाक्य, गुरू का वाक्य commencing sentence or words.
उवा॰ ३, १२६, ४, १४४; निर॰ ३, ३;
(३) अधिधार, अक्षिथेय प्राविकार,
प्रामियेय. subject-matter. विवा॰ ३;
(४) पुं॰ उपोद्धात उपोद्धात; प्रारंभिक वक्तन्य. introduction, preface.
उवा॰ ३, १२६, ४, १४४;

उक्खेबग्र-य पुं॰ (उत्तेषक) प्रस्तावनाः, हिभाद्धात प्रस्तावनाः, प्रारंभिक वक्तव्यः; हिभाद्धात Introduction, preface. भग॰ २४, १, (१) त्रि॰ आक्षावे।, व्यथ्यायः श्रम्यायः विभागः परिच्छेदः a chapterः नाया॰ घ॰ ५; ६, (३) प्रयन नाभवाने। वासने। पंभा हवा करने का वास का पखा क विशः भग॰ ६, ३३; नावा॰ १, (४) त्रि॰ देंक्तार फेंकनेवाला one who throws or flings. भग॰ ६, ३३.

उक्खेवण, न॰ (उत्तेवण) अथे ईंडवुं, न्यायर्शन संभत पाय डर्भ पैडी प्रथम डर्भ-डिया, जचा फेकना, न्यायदर्शन सम्मत पांच कर्मों मे से प्रथम कर्म. Throwing up; one of the five actions recognized in the Nyāya philosophy. विशे॰ ३४६२; ग्रोघ॰ वि॰ २०३;

उगा. पु॰ (उम्र) ऋषलदेव प्रभुओ रक्षध तरी है नीमेलं ५७, ७ अवंश ऋपभदेव भगव न्को रक्तक के रूपमें नियत किया हुआ कुल, उप्रवश. The family pointed as a guardian family by lord Risabhadeva; Ugra family. श्रोव॰ १३; २३२, नाया० १; ५, भग० ६, ३३, पन्न० १: उवा॰ २, १०७: ज॰ प॰ २, ३०: (२) त्रि॰ ওখেরু মনা ও ে এখ খথ ও ব্যক্ত मे उत्पन्न one, born in the Ugia family. प्रव॰ ३=६, श्राणुजो॰ १३१, उत्त॰ १६. १, श्रोव॰ १३, २७; ठा॰ १; (३) त्रि॰ ઉয়, ৸৸৸, ৸ড়ৢ-लारे उत्र, नीत्र, प्रधान; बहुत भारी austere, chief; severe १; भग० १०, ४; २०, ८, नाया० ८; (૪) ત્રિ૦ ઉત્કટ; આકરૂ, દુખે આચરી शन्। यते व उत्कट; कठिए strong, austere; severe उत्त॰ ३०, २७, सु० च० १, ३८४; नदी० ५६; (५) त्रि० ઉधम सहित उद्यम सहित; उद्योग सहित industrious; active. नाया॰ १९: — कुल पु॰ (-कुल) उग्रद्धः, ले द्ध-ને ઋપભદેવે રક્ષક તરીકે સ્થાપ્યુ તે કલ उप्रकुल; जिस कुल को ऋपभदेव स्वामीने रचक रूप से स्थापित किया वह कुल. the Ugra family appointed by Risabhadeva as a guar-

[÷] शुओ पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरने। २ (+). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (+) Vide foot-note (') p. 15th

v 11/23.

dian family. श्राया॰ २, १, २, ११; कप्प॰ २, १७; —तव. न॰ (-तपस्) ઉત્રતય; અદમાદિક તપ, ઘણી કદિણ तपश्चर्याः उत्रतमः श्रहमादिक तपः बहुत कठोर तपस्या. austere penance. ठा० ४, २; भग० १, १; उवा० १, ७६; (२) त्रि॰ ७३तभ ४२नार. उत्रतप करने-वाला; कठोर तप करनेवाला. (one) performing austere penance. उत्त॰ १२, ३२; —तेयः त्रि॰ (-तेजम्) ઉત્ર પ્રભાવવાલા उन्न-तेज-प्रभाववाला powerful; (one) of powerful lastre. (१) न० तीय छेर. तीय जहर. deadly poison. ' श्रासीविसा उगा-तेयकप्पा '' परह० २, १; —पञ्चइसः पुं॰ (-प्रवितित) ७ अयंशमां ७८५स थमने हिक्षा शीधेल. उप्रवंश में उत्पन्न होकर दिचा तिया हुआ। one born in the Ugra family, who has taken Diksā. श्रोव॰ —पुत्तः पुं॰ (-पुत्र) ©श्रवंशमां ७८५न थयेत पुत्र-दुमार. उग्र-वंश में उत्पन्न पुत्र-कुमार. a male member (a son) of the Ugra family. श्रोव॰ २७, दसा॰ १०, ३; राय० २९=; —विसः न० (-विष) ઉત્કટ વિધ. प्रधान विपः तीव विष. deadly poison. भग० १४, १, नाया॰ ६; (२) आक्ष्रा विषवाक्षी सर्व. वहुत तीत्र विपताला सर्प a serpent with deadly poison. उना० २, १०७; —विहार. पुं॰ (-विहार) ७३ विदार उत्र विहार; कठिंगा विहार. साधु का एक प्राम से अन्य प्राम जाना. austere wandering from place to place e g. on the part of a monk. भग॰ १०, ४. — विहारि. त्रि॰ (विहारिन्)

अथिरिति संयम पालनार, उच राति ने मंगम पालन करनेवाला माधुः (one) who strictly observes ascetic rules. भग॰ १०, ४;

उगम. पुं॰ (उद्गम) साधुने अर्थ आदासाह નિયમ્તવતાં ગૃહસ્થયી આધાકનાદિ લાગતા ૧૬ દેવા, ૧ આહાકમ્મ; ૧ ઉદ્દેશીય, ૨ પ્રાનંકમ્મ, ૪ મીસન્તયએ, ૫ કવણા, ક પાહુડીયા, **૭ પાઉયર, ૮ ક્રીય, ૯ પામિ**ચ્ચ, ૧૦ પરીષદિ, ૧૧ ઉછિભન્ને, ૧૨ અભિ-હકે, ૧૨ માલાહકે, ૧૪ અચ્છિલજે, ૧૫ અજ ઝાયરે, ૧૬ અણીસિક્ટે, એ સાલમાંના अभे ते ओंड. साधुके लिये ब्राहारादि बनाने में गृहस्य को लगनेवाले श्रा गकर्माद १६ दोष, १ श्राहाकम्म. २ उद्देसिय. ३ पृह्कस्म ४ मीसजायण् ५ ठवणा ६ पाहृद्विया. ७ पाउयर. = कीय. ६ पामिश्व. १० परि-यहि, ११ उन्मिने १२ श्रामिहरे १६ मालोहेंड १४ अचिख्ने १५ अन्मोयरे १६ अणिमिट्टे, इन सोलद दोपोमे से कोई भी एक. Any of the 16 faults connected with the preparation of food by a house-holder for an ascetic: thev are -(1) Ahākamma (2) Uddesiya (3) Püikamma (4) Mīsajāyae (5) Thavanā etc. (vide Guj explanation) पग्ह॰ २, १; दस॰ ४, १, ४६; ठा० ३, ४; उत्त० २४, १२; सम० प० १६८, पि० नि० १, ३०; सू॰ प॰ २; भग० ७, १; प्रव॰ ५७१; - उवघायः पुं॰ (- उपघात) आधार्धाः આદિ ઉદ્ભમન દાપથી ચારિત્રની વિગધના **५२** ते. श्राधा कर्मन् श्रादि उद्गमन दोष से चारित्र की विराघना करना damaging one's right conduct by an Udgamana fault e. g by taking Adhākarma food etc. তা॰ ३; १०, -कोटि. स्री० (-कोटि) उद्गम પક્ષ; આધાકર્મ અને ઉદ્દેશિકના ત્રણ ત્રણ બેદ-એકંદર છ બેદ ઉદ્ભમ કારી તરીકે ग्रोंस छे. उद्गम पत्त, श्राधाकर्म श्रीर उद्दोशिक के तार्न तीन भेद जुमला छः भेद उद्गम कोटि के रूप में गिने गये हैं a group containing six varieties of faults viz three of Adhākaıma and three of Uddesika. नि॰ ४०१; -दोस पुं॰ (-दोप) १६ ६६भन हे.५, जुणे। " उमाम " शण्ह. १६ उद्गम दोप; देखो " उग्गम " शन्द any of the 16 Udgamana faults; vide " उग्गम." " सोलस उगाम दोसे गिहिलो सुमुट्टिपे "पिं० नि० ४०१; पंचा० १३, २; -विसोहि स्री० (-विशोधि) १६ इद्रभनना द्वापना व्यक्ताय १६ प्रकार के दोषों का अभाव. absence of, fieedom, from the 16 Udgamana faults. ठा० ४. २:

उगमर्गा. न॰ (उद्गमन) ७१५ ते; सूर्यती। ७१५. ऊगना; उदय होना, सूर्य का उदय सिंगा, सूर्य का उदय सिंगाल up, rising, e g. of the sun जं॰ प॰ ७, १३६; —मुहुत्त न॰ (-मुहूर्त) सूर्योदय धवानु भुद्ध्त स्योदय होने का मुहूर्त time of sunrise भग॰ =, =;

उग्गय-स्त्र. त्रि॰ (उद्गत) लहार नीक्ष्णती लाग.
वाहिर निकलता हुत्रा भाग. (A portion)
jutting out न या॰ १; राय॰ (२)
६८५६ थरेल उत्पन्न; पैदा हो चुका हुत्राः
boin; produced. श्रयाजो॰ १२८,
परह॰ १, ४, विशे॰ १०६६; श्राव॰ ६१;
प्रव॰ ५६६, कप्प॰ ४, ६३; (३) ६गेस,
६६४ भाभेल जगा हुत्रा; उदय प्राप्तः

1isen, come out भग० ७, १; नाया० १, श्रोघ० नि० १७४, जीवा० ३, ३; — वित्तिश्च त्रि० (-वृत्तिक-उदगते श्चादित्ये वृत्तिजीवनोपायो यस्यासी) दिवस ६०४। ५४० कोने दृत्ति-भाराक भेसववानुं छे ते. दिन उदय होने के पीछे जिसे श्चाहार लाना हो वह (one) who has to acquire his food after sunrise. "भिक्ख्य उगाय वित्तिए श्चरारथिय" वैय० ४, ४;

उगगवई-ती. हो॰ (उप्रवती) पडवे।, ७१ અને અગ્યારમ એ રાત્રિની ત્રણ તિથિનું नाभ प्रतिपदा, छठ श्रीर ग्यारम की रात्रि. The nights of the 1st, 6th and 11th days of a fortnight. प० ७, १५२, सू० प० १०; उगमेग पुं॰ (उद्यमन) इसना पिता ७४-સેન રાજા; કૃષ્ણ તાસુદેવના તાળાના સાળ ७०१२ राज्यभाभां अधिसर उत्रसेन राजाः कृष्ण के अवीनस्थ सोलह हजार राजाश्रों में मुख्य राजा; कंस का पिता King Ugrasena, father of Kamsa and the foremost of the 16000 kings under the suzerainty of Krisna Vāsudeva শ্বন ৭, ৭; नाया० ५, १६, निर० ५, १;

उग्गह. पुं॰ (श्रवग्रह) भन अने छिन्द्रियानी साथ वस्तुना सभ्यन्ध थनां प्रथम सामान्य भाष थाय ते; भिनज्ञानना यार प्रधारमाना पहेली प्रधार. मन और इन्द्रियों के साथ वस्तु का सम्बन्ध होने पर पहिले पहल जो सामान्य ज्ञान हो वह; मितज्ञान के चार भेदों में का एक भेद General knowledge derived from the first perception of an object, the first of the 4 varieties of Matijñāna

or sensitive perception. विशे• १७८; भग० ८, २; १२, ४; १७, २०; नदी॰ २६; कत्प॰ ६, ६; (२) ઉપકાર; आश्रय. उपकार; श्राश्रय. favour, support. भग॰ १७, १; (३) व्याज्ञाः, २००१; संभितः, हुक्म, श्राज्ञाः; राय, मम्मात्त. order; permission; assent. वव॰ ४, २२; २३; ७, १७; दसा॰ १०, १; श्रोव० १२; वेय० १, ३७; राग्र० २७; २१६; पराह० २,३; नाया० १;२,१६; दस० ४, १, १९; भग० २, ४; ६, ३३; १४, १; १६, १; ऋाया० २, १, ४, २=; २, ७, २, १६२; कप्प०१, ॥; (४) अित्रह, नियम, अभिमहः, नियम; प्रतिज्ञा. a vow; a rule of conduct श्रंत॰ ६, ३; (५) परिश्रह. परिग्रह. worldly possessions. स्य॰ १, ६, १०, दम॰ ६, १८; उत्त० ३१; ६; (१) आवास; निवास स्थान श्रावास; निवासस्थान. an adode; a residence. निर ૧, ૧; (૭) અન્તર; આંતરુ interval; anything that intervenes or forms an interval "उक्तिहें सिंहहत्युगाहें " प्रव॰ ७७; — ऋणुणवणाः स्त्री॰ (-श्रनुः ज्ञापना) अप्रथ्रह-३५।अपनी २०० अवग्रह-उपाश्रय की श्राजा, श्रथवा मंज्री. permission to have an abode in monastery. सम॰ २४; —पडिमाः स्री॰ (-प्रतिमा श्रवप्रद्यत इत्यवप्रहोवस्रात स्तत्यतिमा अभिग्रहः अवग्रहप्रतिमा) નિવાસ કરવામાં નિયમ અભિગ્રન્ટ ધારવા તે **ઉપાश्रयनी प्रित्म**'−અिसश्रुढ निवास करने में नियम का धारण करना; उपाश्रय की प्रतिमा-प्रभिग्रह. a vow in connection with abode in a particular

place; e. g. in a monastery. ''जावोग्गहपढिसा पढमा'' श्राया॰नि॰२, १, १, १६; ठा० ७, १; पि० नि० ६१; — प्यवेस. पुं॰ (-प्रवेश) भधानमां अवेश કरवे। ते. मकान में प्रवेश. entering a house etc. पंचा॰ १२, २२; --- मइ. स्त्री॰ (-मित) ઇડिય अने अर्थ-ના સમ્યન્ધ થાય તેઃ મતિગ્રાનના એક બેદ. इन्द्रिय श्रीर श्रर्थ का संबंध होनाः मतिज्ञान का एक भेद. contact of an object with a sense of perception; a variety of Matijñāna 210 %, %: ६, १; - मइसंपया. स्त्री॰ (-मतिसम्पद) મતિસંપદાના એક પ્રકાર; સામાન્યપણે वस्तुन् अद्ध्य धरतुं ते मतिज्ञान रूप संपदा का एक भेदः सामान्य रूप से वस्तु का प्रहरा करना. a variety of the power of perception; general knowledge of a thing through perception. दसा॰ ४, ३५;

उग्महरण. न॰ (श्रवप्रहर्ण) साभाग्य अंशनुं अदृष्णु ६२वुं-वियारवुं. सामान्य श्रंश का प्रहरण करना विचारना. General perception; perception of broad outlines. विशे० १७६; (२) स्थाननी आजा. स्थान की श्राज्ञा. permission to lodge. श्राया० १, २, ४, ८६;

उग्गहरांतग. न॰ (श्रवप्रहानन्तक) नायाने आधारे आध्यीनुं ओह पर्श्व हे कोनी शृद्ध अदेश ढांडवामां अध्योग थायछे; साध्यीना २५ अध्याद्धानां ओह. साध्यो के गुप्ताङ्क टकने का एक वस्तः, २५ उपकरणो में का एक उपकरणा. One of the 25 articles of use for a nun; viz a boatshaped lower garment put on to protect the private parts.

प्रव॰ ४३६; श्रोघ॰ नि॰ सा॰ ३१३; वेय॰ ३, ११, —पट्टग. न॰ (-पट्टक) साध्वीनुं ओड उपगरणुः साध्वी का एक उपकरणः one of the articles used by a nun. वेय॰ ३, ११;

उगाहिय. न॰ (श्रवप्रहिक) पारीआरा ઉपगरण; अभु । व अत सुनी वापतीत पाछा घणी ने सापता थे। व्यापतीत श्रमुक समय तक काम में लेकर—पां छे उसके मालिक को सोंप देने सोग्य उपकरण An article of use (for a monk) to be used for a time and then to be returned to its owner ठा॰ १०;

उग्गहिय ति॰ (अवप्रहीत) पीरसवाभाटे ६पाडेक्ष परोसने के लिये बठाया हुआ Taken up to be served as food ठा॰ १०;

उग्गहिया. स्री॰ (स्रवगृहीता) गृहरथते थानी वर्गरेमां पीरसेन्न लीजन साधुर्भे यत्नापूर्वक लेवुं ते, पिन्डेपखानी पांचमी प्रधार. गृहस्थ द्वारा थाली वर्गरह में परीमा हुन्ना मोजन साधुको यत्नाचारपूर्वक महण करना; पिटेपणा का पानवाँ मेद Careful taking up (by a Sadhu) of food served to a householder in a utensil, the 5th mode of begging food ठा॰ ७; प्रव॰ ७४६,

उग्गाद्य. सं॰ कु॰ (उद्ग म) भान क्रीने गाता हुत्रा. Singing, having sung. श्रोप॰ नि॰ ६६:

उगात पु॰ (उद्गार) ओऽक्षरती साथे अताल के पाणी पेटमाथी मेढामां आवे ते डकार के साथ श्रव या पानी का पेट में से मुंह में श्राना Coming up of water or food into the mouth along with eructation वेय॰ ४, १०;

उग्गाह्णाः स्त्री॰ (श्रवगाहना) शरीरती ઉथाधः शरीरका कंचाई The height of the body. भग॰ १६, ३; २२, ६: उग्गाहिमः त्रि॰ (श्रवगाह्य) घी आदिभा तथेबी वस्तुः घो वगैरह में तली हुई वस्तु

Food fried in ghee etc. पर्ण॰

उग्गाहिय-म्र त्रि॰ (उद्ग्राहित) द्वाथमा वीवेश; उपाउंश. हाव में लिया हुम्रा; उठाया हुम्रा. Taken up; lifted up म्रोघ॰ नि॰ १६७;

ર, પ્ર:

उग्गाहियडर्व. त्रि॰ (उद्ग्राहितन्य) तथास ४२१ नपास करना, जांच करना. Examining; inquiring. वत्र॰ २, २२;

उगिग्ण, त्रि॰ (उद्गीर्ण) ओहिस; यभेस वमन किया हुआ. Vomited. नाया॰ १; उग्गिलित्ता. सं कु॰ ऋ॰ (उद्गीर्य) ओशा-सीने उगाल कर. Having brought (food already eaten) again from stomach into the mouth; e g. like cows etc. वेत० ४, १०;

उगोात्रणा स्त्रा॰ (उद्गोपना) शाध्युं; श्रेष्णा करनी शोपना; खोजना; एपणा करना. To search; being in search of. पि॰ नि॰ ७३;

उम्मोविय ति॰ (उर्गोपित) मुंजार्घ गरेस स्त्रने ६६ सेस; गुंच काढेस. श्ररपष्ट या कठिन स्त्र का संशोवन किया हुआ. Deciphered; e. g a difficult Sūtra. मग॰ १६, ६;

उग्धाइस्र -यः त्रि॰ (उद्घातित) सधु आय-श्रित. छोटा प्रायश्रिन. Minor expiation. ठा॰ ४. निती॰ १०, १४; वेय० ४, ११; १२; (२) नाश पामेश्व. नाश पाया हुआ; नष्ट. destroyed; ruined. ठा॰ १०; —संकल्प. पुं॰ (न्संकल्प) क्ष्यु प्राथिश्वती। विचार. लघुप्रायित्त का विचार. thought about minor expiation. निसी॰ १०, २६;

उग्घाइम न॰ (उद्घातिम-उद्घातोभाग पात-स्तेन निर्वृत्तमुग्घातिमम्) अधु आयश्चित्त. लघु प्रायश्चित्त. Minor expintion. ठा॰ ३,

उग्घाडः त्रि॰ (उद्घाट) थे। धुं ढां हेक्षुं-पासेक्षुं; बै। ડું ખુલું; ભાગલ ન દીધેલ. कुछ ढका हुआ थ्रार कुछ खुला हुआ. Partially elosed, not bolted. श्राव॰ ४, ४, —कवाड त्रि॰ (-कपाट) अर्धु **दी**धेस क्ष्मां अधा वन्द किवाइ a partially closed door, a door not bolted श्रोव॰ श्राव॰ ४, ५; —कवाडउग्घाडणाः स्त्री॰ (-कगटोद्घाटना) अध ઉषाडुं ४माड પુરં ઉધાડવું તે; સાધુના ગાયરીના એક व्यतियार त्र्याधा खुला हुन्ना किवाइ पूरा उघाडना, साधु का गोचरी का एक श्रातिचार opening a partially closed door, a fault in alms-begging by a Sadhu " पडिक्कमामि गोयरग चरियाए उग्घाडकवाडउग्घाडण।ए" श्राव॰ 8, 4,

उग्झाडरा न॰ (उद्घाटन) ઉधाउनुं, भेासवुं. उघाडना; खोलना Opening, opening a door पि॰ नि॰ ४०७, श्रोघ॰ नि॰ ४७६, श्राव॰ ४, ४,

उग्बाडपोरिसी स्री॰ (उद्वादपोरूपी) पहेरिनी पाछली भाग; पेछी पहेर प्रहर का पिछला हिस्सा The latter part of a Prahara (a period of time equal to about three hours;) three-fourth of a Prahara. 44. 4.5;

उग्घाडिश्च-य. त्रि॰ (उद्घाटित) ६४।८५; भु६ंदुं ६रेस. उपाटा हुन्ना. खोला हुन्ना. Opened. नंदी० ४२; पिं० नि॰ ३५२; क॰ प० ५, ६४;

उग्धाडियग्ण ति॰ (उद्घाटितज्ञ-उद्घाटितं प्रकाशितं जानतीति) ४९४ भात्र काल्यान्ति । १९४ भात्र काल्यान्ति । स्टेश भात्र काल्यान्ति । स्टेश जानने वाला. (One) who knows anything exactly as it is explained or said to him. नंदी।

उग्धाय. पुं॰ (उद्घात) क्षष्ठ प्रापश्चित. त्रष्ठ प्रायश्चित. Minor expistion ठा॰ ३;

उग्घायस. न॰ (उद्घातन) क्षय-नाश करना. चय करना, नाश करना; Destruction. श्राया॰ १, २, ६, १०२:

उग्धुटु. त्रि॰ (उद्घुष्ट) धे।पए। धरेस. घोषित; घोषणा की गई हो वह. Proclaimed. स॰ च॰ २, ४०१;

उभ्योसणा. स्त्रीः (उद्योपणा) अर्थे।पणा-ढंढेरा. उद्घोपणा, प्रसिद्धि. Proclamation; declaration नायाः ५ १५;

उग्घोसिय. ति॰ (उद्घुष्ट) धसेनः भांकेल धिया हुया; मांजा हुआ. Rubbed; cleansed " उग्घोसियसुणिम्मलंव श्रायंसमंडलतलं" पग्ह० २ ४;

उचिश्र-य त्रि॰ (उचित) थे।२४; क्षायकः योग्यः, उचितः, लायकः Fit; proper; suitable. नाया॰ १; राय॰ ४४; पि॰ नि॰ ६४१, करप॰ ४, ६२, (२) लोडेक्षः भन्नेष जोड़ा हुत्र्या, मिला हुत्र्या. united; joined. पंचा॰ १, ४३; —श्रसुद्वास्य. न० (-श्रनुष्ठान) ઉथित-थे।२४ अनुष्ठान. जवित श्रनुष्ठान, योग्य कार्य proper

performance " उचित श्रणुहाणग्रो विचित्त जइ जोगतुल्ला मोएमं" पंचा॰ ६,१६; —करिएका नि॰ (-करणीय) थे।२५ ६५ ६५ ६५ ५५ थे। योग्य कर्तव्य वाला. acting properly. पचा॰ १,४३; — जाग. पु॰ (-योग — उचित स्वभूमिकायोग्यो योगो ह्यापार:) थे।तानी भूमिका ने योग्य व्यापार. action proper or appropriate to the status one occupies. पंचा॰ ५,४६; --हिइ. ल्लो॰ (-स्थित) ६थित-थे।२५ रिथित योग्य स्थित. proper condition. पंचा॰ ३,४;

उचिश्र (य) त्त. न॰ (उचितत्त्र) थे। भ्यता, सायक्षता. योग्यता, ल्याकत Propriety, fitness. पंचा॰ ६, ४०;

उच्च त्रि॰ (उच्च) उच्च; उत्तभ, पूज्य. उच, उत्तम; थेष्ट, पूजनाय. High, excellent; 1 oble. " उचावयाहिं सिजाहिं उत्त॰ २, २२, भग० २, ५: ३, १; (२) ©या शरीर तथा औंया ५ वा वा के च शरीर तथा उच कुल वाला. possessed of a noble body and born in a noble family. নাযাত ৭६; তাত ४, ३ (ર) નામ કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેથી ७२२ गोत्र प्राप्त थाय, उच्च गोत्र प्राप्त कराने वाली नामकर्म की एक प्रकृति name of a variety of Nāmakarma by the rise of which a man is born in a high family. क॰ गं॰ १, ३०--५२; ५, ३०; -- श्रासणाः न० (-ग्रासन) ઉथु आसन उच्च ग्रासन a high seat सम॰ ३३; दसा॰ ३, ३४; - गोय. न॰ (-गोत्र) ઉथ गेत्र नामे ગાત્રકર્કની શુભ પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથો છવ **७**थ भे। प्र पःभे उच्च गोत्र नामक गोत्र कर्म का एक प्रकृति कि जिसेक उदय से जीव उच्च गोत्र पाता है. a valiety of Gotra-karma by which a soul is born in a noble family. হন॰ ३३, १४; — द्वारा न (-स्थान) ઉચ स्थान कचा स्थान. high place, high position. " उच्चट्टाणगण्सुगाह " नाया॰ ८.—फत्त त्रि० (-फत्त) क्षाया વખત સુધિ જેનુ કુલ રહે છે તે; ચિરકાલના ७५५।रि. लंब समय तक जिसका फल रहता हे वह; विस्काल का उपकारी. having or bearing lasting good fruit. " उच्च फला श्रह खुड्डा सर्उणित्था " वव॰ १, ३; —सद् पु॰ (-शब्द) १६।।। शफ्ट. वहा रान्द: उच रान्द loud sound. वव॰ २, ७;

उच्चंत. पुं॰ (-) हांतना रंग; हंतराग दांत का रम. Colour of the teeth; tooth colour. राय॰ ४२,

उच्चंतग पुं॰ (*) इन्तनी रंग; इन्तराग. दांत का रंग Colour of the teeth; tooth-colour. जीवा॰ ३, ४;

उन्नंतय. पु॰ (उच्चन्तक) लुओः ६५थे। शण्ट. देखा ऊपर का शब्द. Vide above. राय॰ पन्न॰ १७;

उच्चंपिय त्रि॰ (॰) ले२थी ६६थे। ३रेश. जोर से किया हुआ हज्जा. Violently attacked. "सीसं उच्चंपियं कवं धम्मिय" तंडु॰

उच्चतः न॰ (उच्चत्व) अथ्यप्थु . उच्चताः

^{*} જુઓ પૃક્ષ નમ્ખર ૧૫ ની પુરનાટ (*). देखो पृष्ठ नंबर ૧૫ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

उच्चागोश्र-य न॰ (उच्चगोत्र) ઉंथुं गे।त्रः गात्र अर्भनी अन्य प्रकृति उच गोत्र; गोत्र-कर्म की उच प्रकृति. Noble family, a kind of Gotra Kaıma which causes birth in a noble family "से ग्रसइं उचागोए ग्रसइं नीत्रागोए" श्राया॰ १, २, ३, ७७; ठा० २, ४; श्रमाजीक १२७; समक १७, कर पर ७, ४३: प्रव० १२६७: ---कस्म (-कर्मन्) ઉચ્ચ ગાત્ર કર્મ; ગાત્ર કર્મની अ अश्वति. उच्च गोत्र कर्म, गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a variety of Gotra Karma giving birth in a high family. भग० ८, ६; — शिवंधे पुं॰ (-निबन्ध) ઉચ્ચ ગાત્ર કર્મ બાંધવું ते उच गोत्र कर्म बोधना. performing the nobler kinds of Karma which determine birth in a high or noble family. " उचागोयि विषे सासगा वमगो य लोगगमि " पंचा॰ १२, ७; उच्चागोत्त. न० (उच्चगोत्र) लुशे। '' उच्चागोत्र '' शंभ्ह देखों '' उच्चागोत्र '' शब्द. Vide 'उच्चागोत्रा' उत्त॰ ३, १, =, उच्चानागरी. श्री॰ (उच्चानागरी) એ नाभनी કાડિયગણથી નીકલેલી ૃશાખા; આર્ય સંતિસે-शिप्ती शाभा क्रोडिय गणसे निकला हुई शाखा का नाम. Name of a family off-shoot derived from Kodiya Gana; the offshoot of Arva Santisenika कप्प॰ मः

उच्चार. पुं॰ (उच्चार) वडी नीत, अडि।; विष्टा. विद्या-मल, टर्ग्ग, Excrements. वि० नि॰ भा॰ १५; पि॰ नि॰ १६७; ५३६; वेय॰ १, ६०; श्रोव॰ उत्त॰ २४, १५; सूय॰ १, ६, १६; सम॰ ४, श्राया॰ २, १, ५, २, ६, नाया॰ १; २, ५; पन्न॰ १; ४ 11/24

दस० ८, १८; भग० १, ७; २, २; ६, ३३, १२, ७; २०; २; प्रव० ४३=; (२) वडी નીત કરવી, સલત્વાગ કરવા શાત્ર जाना; मल त्याग करना. answering the call of nature; getting rid of fæces " सेमि॰ उच्चार पासवण किरियाए" श्राया॰ ર, ૧૦, ૧૬₹; (३) ઉપયોગ અને યત્ના-પૂર્વક પરહવવં; પોચમી પરિઠાવિણયા સમિતિ. उपयोग और यत्नापूर्वंक वस्तुम्रों का निचेप -त्याग करनाः पाचवा परिठावशिया समिनि. getting rid of, laying down, excreta etc. carefully. उत्त॰ २४, २; -कर्गा. न० (-कर्गा) हिशाओं ज्यं मलमूत्रका त्याग करना. easing oneself, answering call of \mathbf{a} nature. प्रव॰ २४, —िशारीह. पु॰ (-निरोध) કાડानी निरोध अटडाव કरवे। ते मल निरोध, दस्त रोकना stopping, checking, of stools " उच्चारिय रोहेण पासवणािशहेणं '' ठा. ६, १: ~पडिक्रमण. न॰ (-प्रतिक्रमण) ઉચ્ચાર-વિષ્ટા પરક્વીને ઇરિયા વહિયા પડિ-**५**भशी ते मल त्याग करके हरिया वाहिया रूप प्रतिक्रमण करना. performing Iriyā Vahiyā Pratikramana (thinking over sins committed in walking) after answering a call of nature. ठा॰ ६; —पासवण. न॰ (-प्रस्नवण) आडे। अने पेशाय मल मत्र fæces or solid exciements and urine. दसा० ७, १; निसी० ४, ६६, (२) आयारंगना भीज श्रुतरक्षना त्रीजा अध्ययननुं नाभ. श्राचारांग के दूसरे श्रुत-स्कंषके तीसरे अध्यायका नाम. name of the third chapter of the second Srutaskandha of

Acharanga आया॰ २, २, ३, १०६;
—पास्तवण भूमि स्रो॰ (-प्रस्रवणभूमि)
अहे। अने पेशाय परहेवरानी कभ्या. मल
मूत्र त्यागने की जगह. a place for
getting rid of solid excrements
and urine. नाया॰ १, भग॰ २, १;
—भूमि स्री॰ (-भूमि) कभ्रास कथानं
कभ्या शांच जाने का स्थान a place for
answering a call of nature
दस॰ ८, १७; —मत्तम्र. पु॰ (-यमत्रक)
स्थिति कथाने भाटे लाक्नन पेशाव
करनेका पान. a vessel in which
urine, solid excrements ete
are got rid of कप्प॰ ६, ३६,

उच्चारण. पु॰ (उच्चारण) शेक्षयुं ते. बोलना. Utterance, speaking पन्न॰ ३६. पंचा॰ ६, ३६;

उच्चारत्तः न० (उच्चारत्व) विष्टापणुं विष्टापन, मलत्व State of solid excrements भग०२०, ४

उच्चार पासवण खेलजन्न सिंग्राण पारिहावणिया सिमय त्रि॰ (उच्चार प्रमवणिका मलिया निकार प्रमिय क्षेत्र (उच्चार प्रमवणिका मलिया सिमया क्षेत्र । प्रशित मिला मिला प्राप्ति । प्रशित । प्रशि

उच्चारिय. त्रि॰ (उच्चारित) ઉચ્ચारेक्ष; ઉચ્ચાર કરેલ. कहा हुआ; उचार किया हुआ. Said; uttered. पन्न॰ १७, सु॰ च॰ १, ३६३; पिँ० नि॰ ६७,

उच्चारियव्यः त्रि॰ (उच्चारित्व्य) अभ्यार

કરવા યાગ્ય उच्चार करने योग्य. Worth saying or uttering. भग० ६, ६, १६, ४;

उच्चारेयव्य ति (उच्चारतव्य) लुओ। ६५६। शण्द देगो उपर का शब्द. Vide above. भग० १, ४, ४, १; १, २, १; जं॰ प॰ ७, १६२,

उच्चालह्या ति॰ (टब्बालियक) हर ६२-त २. 'गरेडनार दूर करंग वाला धमाटने वाला (One) who removes or causes to move ' जंबालिका दब्बा-लक्ष्येतं जाणिजा द्रालहरं '' श्राया॰ ३, ३,३,३१२=;

उच्चालियः त्रि॰ (उच्चालित) उशुं धरेलुं, ६ पारेलुं, जंबा किया हुत्रा; उठाया हुन्ना Lifted up; raised up. " उच्चालिय मिषपण् इरिया समियस्य संकमहाण्" श्रोध॰ नि॰ ७४०;

उच्चावश्र-य. त्रि॰ (उच्चावच-उदक्चावाक् उच्चावचं) उथ-नीय; उत्तमाधमः अनेक प्रकार ना Of various kinds; high and low. न्य॰ १, १, १, २०, उत्त॰ २, २२; नाया॰ १; १६, १६, भग० ०, ६; १४, १, श्रोव॰ ४०; पत्त॰ ३४, राय॰ २६६; दमा॰ १, ३; (२) अनुकृक्ष प्रतिकृत श्रावकृत प्रतिकृत्त. favourable as well as adverse भग० १, ६;

उच्चावय ति॰ (उच्चवत-उच्चानि महान्ति त्रतानि येपां ते) भढ़ात्रत धारी; ઉथा तत याली. महा त्रत धारन करेने वाला, ऊंचे त्रतगला (One) observing high or full vows. '' उच्चावयाइं मुिंग्गों चरंति '' उत्त॰ १२, १५; उच्चावइत्ता सं० कृ० थ्र० (उच्चे कृत्वा) ઉधु धरीने जचा करके Having lifted up. पन्न ० १७,

उच्चिय सं कृ प्र (उच्चे कृत्वा) (३५) धरीने ऊंचा करके Having lifted or raised up पन्न० १७,

उचिचइश्रानिः (उचैस्क) ७ थुं ऊचा High; elevated जांबा॰ ३, ३.

उच्चूल न॰ (उच्चूल = अर्ध्व चूला यथा स्पा त्तथा उच्चलम्) ७२१ ये।८४१ थाय तेवी रीते ७ थु । रेश भाधुं जिस तरह से गोटी ऊंची हो उस तरह से श्रोबा-नीवा किया हुत्रा माथा. (Head) topsy-turvied so that the tuft of hair becomes erect. विवा॰ ६:

उच्चूल. पुं॰ (श्रवचूल) हाधीना गलानी भे **ળાજીએ ઝુમણા જેવું લટકતું પુમ**ર્ક हाथी के गल के दोनां श्रोर भूमके के समान लटकता हुआ भूगका An ornamental pendant (of the shape of a flower) on both the sides of the neck of an elephant श्रोव॰ ₹0,

उच्चूलग. ९० (भ्रवचूलक) लुओ। ઉपसे। शण्द देखो जपर का शब्द. Vide above. ग्रोव॰ ३१;

उच्चोदश्र पु॰ (उच्चोदक) धसहत्त यक्षवर्तिना श्रीक महेलन नाभ ब्रह्मदत्त चकवर्ती के एक म ल का नाम. Name of a palace of the Chakravartī Brahmadatta उत्त १३. १३:

उच्छंग. पुं॰ (उत्संग) गेहि; भेहि। गोदी. A lap श्रंत० ३, =, श्रोव० ३१, सु० च० २, २४४; नाया० २; १६, त्रिवा० ७; प्रव० १६०,

उच्छएण त्रि॰ (उन्छ्व) ढां हेथ ढाका उच्छाइय. त्रि॰ (श्रवच्छादित) আম্છাধন

हुआ Covered, hidden श्रोव॰ पन्न॰ २३, ज० प० २, १६.

उच्छत्तः न० (अपच्छत्र- अपशब्द विरूपं छत्रं स्वदोषाणा परगुणानाचावरणमपच्छत्रम्) પાતાના દાપ અને ખીજાના ગુણાને છુપાવમા ते, असत्यने। ओड अडार व्यवने देाप ब्योर दूसरे के गुण को छुपाना Hiding one's own demerits as well as another's merity पगहर १, २,

उच्छुद्ध. त्रि॰ (उत्स्तन्ध) २५ ६२ ७५ ६ तरेस श्रदर उतरा हुया, उडे में उतरा हुया Gone deep into the interior. श्रगुत्त॰ ३, १,

उच्छन्न त्रि॰ (उच्छन्न) लुंगे। ' उच्छरण ' शण्ह देखो ' उच्छुएस ' शब्द Vide ' उच्छएण ' जं० प०

चच्छारंतः त्रि॰ (उत्स्तृएवत्) आ^२७।६० ् ४२तुं, ८१४तु । श्राच्छाद्न करता हुत्रा, ढकना हुआ. Covering "चक्ख्पह्मुच्छ्रन्त-कच्छइ गभीर .. " पगह० १, ३,

उच्छलणा स्रो॰ (उच्छलना) ७२७४१ ते उन्नलना Leaping up, throwing up पगह॰ १, ३,

उच्छा**लिय** त्रिः (उच्छलित) ^{११२}%ेेेेेेेेेेेेेे उद्धला हुआ (One) that has leapt up पग्ह॰ १, ३;

उच्छव पु॰ (उत्सव) । ४६ १८ १५ । । त्थव इन्द्रोत्मवादि, महोत्सव, वटा जल्गा A festival, e. g one in honour of Indra नाया॰ १; भग॰ ६, ३३,

उच्छहंत त्रि॰ (उत्सहत्) ઉत्साह राभते। उत्साहवाला. Ardent; zealous, enthusiastic " श्रश्रोमया उन्छह्या नरेखं " इस॰ ९, ३, ६

धरेक्ष, क्षाडेक्ष. ढाका हुवा Covered; hidden नाया १;

उच्छादग्याः स्त्री॰ (उच्छादन) उन्छेहन ४२५ ते उच्छेदन करना, उदाहनाः Rooting out, cutting out. " स्रमाणं संभुतराणं घाताए बाहाए उच्छदग्याए " भग॰ १५, १,

उच्छाय पु॰ (उच्छाय) ३४॥॥. ऊचाई. Height ठा॰ ७,

उच्छायगा स्त्री॰ (उच्छादना) २४५२छे:२४।११ति ४२६ी जातिका विच्छेदन करनानारा करना. Cutting off, debatring नाया॰ =;

उच्छाह. पु॰ (उत्माह) अत्साद; अतंति. उत्माह; उत्कठा Zeal; enthusiasm; enger longing स्॰ प॰ २•; नम॰ ६. उच्छिद्म न॰ (उच्छेदन) अिश्रनुं-अधारुं क्षेत्र ते उवार लेना. Borrowing, taking on credit पि॰ नि॰ ११६,

उच्छिपग पुं॰ (उत्होरक) शेरि विशेषः भीषा, भीस वगेरे शेरिनी ज्ञान चोर विशेषः मीणा, भीन वगेरह चोरका जाति. A particular class or tribe of thieves; e. g Minā, Bhila etc पग्ह॰ १, ३,

उच्छिट्ट. त्रि॰ (उच्छिष्ट) भातां भाता वधेक्षं; भेडुं, लाडुं उच्छिष्टः भ्यूटन् (Food) remaining after one has eaten a portion of it प्रव॰ ११६;

उच्छिएए। त्रि॰ (उच्छिन्न) ६२छेह ५रेक्ष; नाश पामेक्ष. नाश पाया हुआ; नष्ट. Destroyed; ruined ठा० ४, मग०

3, ७; कप्प० ८, ८८: — सामि . पं॰ (-स्वामिक—उच्छितां निःयत्तीनृत. स्वामी यस्य नत्तथा) केनी स्वाभी भ वेड नाश पाभेल है। है ने जिसका स्वामी नष्ट हो गया हो वह (one) whose moster has been mined, "डाइछ्युण् मामि-याद वा उच्छिग्ग् सेड पाह "भग०३ ७: उच्छियः त्रि॰ (डच्यूत) इथुं ६रेस ऊंचा किया हुया. Raised elevated श्रोव॰ २६; ३१: नंदा॰ ६; उच्छु, पुं॰ (इनु) शेरडी साटा, गन्ना. Sugar-cane, भग॰ १, १; श्राया॰ २, ७, ३, ४६०: श्रीव० पि० नि० २८०; स० च० २, २४; — स्बंड. पुं० (- स्वग्ड) शेरडीने। इटरे। -डानक्षी गन्नेम इकडा. a piece of sugar-cane. इस॰ ३, ७. ४, २, ३=; दगा० १०, ४; -गंडिया. स्त्री॰ (-गिग्डिका) शेर्धीना सिंदित इन्डा. गनेका गाठ महित दकडा. a piece of sugar-cane with joints श्राया॰ २, १, १०, ४.८. -मेरग न० (-मेरक) शे॰डीनी गडेरी; छाता उतारेक्ष शेर्यीना ४८४। गडेरी; गन्नेक विना छिलके के छोटे दुकड़े. small pieces of sugar-cane with the peel chopped off आया॰ २, ३, =, ४७. - बगा न॰ (-वन) शेरडीनु वन गन्ने का वन a forest of sugar-canes श्रगुजी॰ १३१; —वाड पुं॰ (-वाट) शे॰-डीनी वाट गनेको वाड a field of sugarcane where they are pressed to extract juice. श्रांघ॰ नि॰ ७७१:

*** उच्छुड़** त्रि॰ (*) ७५२ आवेस ऊपर

^{*} लुओ पृष्ठ नभ्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide tont-note (*) p 15th.

त्राया हुत्रा. Come up, come to the surface. विशे॰ ११४७;

उच्छुड़ त्रि॰ (विक्तिप्त) वेशथेस; विभेरेस विखरा हुआ Scattered, dispersed ओष॰ नि॰ भा॰ २२१,

उच्छुढ त्रि॰ (.) थे।राओंस चुराया हुत्रा Stolen जीवा॰ ३, ३, (२) त्यक्रेस. त्यागाह्या abandoned य्रोव॰ ३८ मंत्या । (३) પાતાના સ્થાતથી દ્ર કરેલ, पाटार धरेल अपने स्थानसे द्र किया हुआ, बाहिर किया हुआ removed evpelled from one's place "त्रायाण फलिय उच्छुह दीह बाहु" तदु० ग्रोव० १०, —सरीर. पुं॰ (-शरीर) केशे शरीर સસ્કારને તજી દીધા છે એવા મુની एसे मुनि जिन्होने शरीर संस्कार का त्याग कर दिया है an ascetic who has given up all physical needs or ceased to attend to them "घोरतयसी घोर वभयारी उच्छढ सरीरे "विवा १, भग० १, १. नाया० १,

उच्छेद पु॰ (उच्छेद) नश नाश Destruction; annihilation नदी॰ ३६, उच्छेद पु॰ (उच्छेद) ळाओ। उपकी शण्ट देखों कपर का शब्द Vide adove नदी॰ ३६, —कर त्रि॰ (-कर) नारा करने वाला (one) who destroys नदी॰ ३६,

उच्छेयण न॰ (उच्छेदन) निर्म्स ४२वुं, उच्छेदन ४२सु निर्मृत करना; उच्छेद करना Uprooting; annihilating, eradicating राय॰ २०=,

उच्छोभ त्रि॰ (उरनीम) क्षील रहित

चोभ रहिन Fiee from agitation. स्रोघ॰ नि० ४३३.

उच्छोल्णां न॰ (उच्छोलन) अल्पतनाये टाय पग धावा ने विना गरनाचार के हाथ पैर बोना Careless washing of hands and feet स्य॰ १ ६, १८: -(गा)पहोत्रा-य त्रि॰ (-प्रधौत -उच्चोलनेन प्रभूतजलकालनिक्रयगा धौता धौतगात्रा ये ते तथा) 'अशा पाशीथी ज्याता वगर शरीर वगेरे धानार विना यत्नाचार के बहुत से पानी से शरीर वगैरह धोनेवाला (one) who carelessly washes his body (needlessly) with too much water दस॰ ४, २६, —(णा)पहोइ त्रि॰ (-प्र-धाविन् — उच्छोलनगादक यतनया प्रकर्षेण धावतिपदादिशुद्धि करोति यः स तथा) જतन। वगर पाह प्रक्षांशन करनार विना गरनाचार के पैर धोनेवाला (one) who washed feet without proper care दस॰ ४

उच्छोलित्तार. त्रि० (उस्तालितृ) ७२७। सनार छीटनेवाला (One) who washes or sprinkles. स्य०२,२,१= उज्जम पुं० (उद्यम) ७६भ, धन्धे।, अपृत्ति उद्यम, त्रंथा, व्यापार प्रवृत्ति, कर्तव्य तत्परता Industry, activity, business स्रोव० २१, सु० च० १, २४. नाया० ५, गच्छा० ४;

उज्जयः त्रि॰ (उद्यत) तत्पर, तैयारः तत्पर, उद्यम, तैयारः Ready; ready to do, prepared परह॰ १, ३. श्रोघ॰ नि॰ भा० ४१, सु॰ च॰ १, ३०३. पचा॰

[।] लुओ। पृष्ठ नभ्भर १४ नी पुरते। ८ (२). देखो पृष्ठ नंतर १४ की फूटनोट (-) Vide foot-note (-) p. 15th

न, ४, —विद्वार त्रि॰ (-विद्वार) विद्वारमां उद्यत-उल्माल. विद्वार में उद्यत. enthusiastic or zealous about peregrination (Vihāra). पंचा॰ १, ४६,

उज्जयंतः पुं॰ (उज्जयत्) गिरनार पर्वत. The Giranara पर्वत. mountain. प्रव॰ ३६४, —सेल. पुं॰ (-शेल) गिरनार पर्नत गिरनार पर्वत the Giranara mountain नाया॰ १६: उज्जल ।त्रे॰ (उज्बल) निर्भेक्ष; ২৭²७; चे। ४ भुं; शुद्ध, ४ दं ४ रिद्धत. निर्मतः, स्वच्छः; माफ; निष्कलंक Clear; pure; stuinless. कप्प॰ ३, ४१, ४६; नाया॰ १; जीवा० ३, १; राय० श्रीव॰ भग० ६, ३३; १४, १, गच्छा० १०२; (२) ઉत्हट; तीत्र उत्कट, तीत्र. sharp; severe नाया॰ १, ४; १६; १९, स्य० २,२, ६७, राय० २८३; विवा० १; जं० प० ७. १६६; दसा॰ ६, १, — गोवत्था पुं॰ (-नेपध्य) निर्भक्ष वेष. निर्मल वेषः स्वच्छ पोशाक clean, spotless, वेप्टनंड भग० ७, ८,

उज्जितियः त्रि॰ (उज्ज्विति-उद्गता ज्वाला यस्य सः) अधाशितः हेही प्यमानः प्रका शित, प्रकाशवानः देदी प्यमानः Shining, sparkling नायाः १; जीवाः ३;

उज्जल्ल. ति॰ (उज्जल्ल – उद्गतो जल्ल: शुष्क-स्त्रेदो यस्य सः) शुश पिसताना अभेल भेशशुक्त, भशीत मूखे पर्साने के जमे हुए मेल महित Dirty with a sediment of dried up perspiration. "सुदा कडूनियाटुंगा उज्जल्ला असमाहिता" स्यु॰ १, ३, ९, १०;

उज्जहिता सं॰ कृ॰ (उद्धाय) तछते; छाडीने तजकर, छोडकर. Having abandoned; having left "उज्ज-दित्ता पलायह्" उत्त॰ २७, ७;

उज्जाग्. न॰ (उद्यान-वस्त्राभरणादियमलं-कृतविष्रहाः मित्रहितामनाद्याहारा मदनी-रमवादिषु क्रीडार्थ लोका उचन्ति यत्र तथ म्पकादितरुख्यद्यमारिदतमुद्यानम्) કુલ વાલા ઝાડાેથી વ્યાપ્ત બાગ: સાધારહા જનાને એાચ્ઝવ ઉજાહ્યું કરવાનુ સ્થાન; युगिया. फूल फल वाल कादों में न्याप्त र्यागीचाः साधारण जना का उत्पव करने का स्थान; बागीचा. A. garden with fruittiees and flowering plants; a place where common people go for celebrating a festivity. 4400 ४, ४, ८८; ११३, ७, २११; श्रग्रजी० १६; १३४; ठा० २, ४; सम० ६; दम० ६, १; ७; २६; राय० २०, ३३, २३४; नर्दा० ५०, पि॰ ति॰ २१२; सु० च॰ १, ६६; दमा॰ ६, ३: विया० प्र: भ्रोव० १६; नाया० १, २, ३; ४; ⊏; १४; १६: भग० ३, २; ४, ७, १४, १, १८, १; २४, ७, जं॰ प० २, ३०; ३१; निसी० ८, २; (२) ઉચી लभीनः टेक्ट्री ऊंची जमीनः टेक्ट्रा. n high ground; a hill. " ভলায়াঁ सिव दुवला " सूय० १, ३, २, २०; —गिह. न० (-गृह) ઉद्यानमां भाषिस भशन उद्यान गृह, बगीचे वाला घर. ४ house in a garden. তা॰ ২, ४, निसी॰ ६, २, -- जत्ता स्त्री॰ (-यात्रा) ઉદ્યાનમાં જવું ते, ઉદ્યાનની યાત્રા, बागी चे मं जाना. going to a garden. नाया॰ १: -पाल त्रि॰ (-पाल) ઉद्याननी २क्ष५-भाक्षी उद्यान का रखवाला; माली. १ gardener; (one) in charge of a gaiden. पिं॰ नि॰ २१४, —पालग्रः त्रि॰ (-पाचक) जुओ। ઉपसे। शम्ह

देखो ऊपर का शब्द vide above राय॰ २३०; —साहिय. ति॰ (-संस्थित) उद्याननी आधृति वाक्ष, उद्यानने आधारे रहेल. उद्यान की आकृति वाला, उद्यान के आकार वाला. having the form of a garden; of the appearance of a garden "उज्ञागपित्ताण ताव क्लेते" चं॰ प॰ २, —साला स्त्री॰ (-शाला) उद्यान शाला; वाणीचा. a park, a garden निर्मा॰ २, २, —सिरि. स्त्री॰ (-श्री) उद्यान विन्नी॰ वन्नी सहसी-शाला. उद्यान की लक्सी, वन की शोमा. beauty of a garden or of a wood नाया॰ १६;

उड़जायण पुं॰ (उद्यायन) पुष्य नक्षत्रज् भेषत्र पुष्य नजन्न का गोत्र The familyline of the constellation Pusya. सु॰ प॰ ९०,

उज्जालम्भ त्रि॰ (उज्ज्ञवालक) अञ्नि सक्ष-गायनार. ऋषिन जलाने वाला-सिलगाने वालों (One) who kindles fire म्य. १, ७, ६;

उज्जालए न० (उज्ज्वालन) सक्षणायनु ते जलाना, सिलगाना Kundling, setting fire to, causing to burn गच्छा॰ ४६,

उज्जालिय. त्रि॰ (उज्ज्वालित) सवगावेव. मिलगाया हुमा Kindled जीवा॰ ३, ३, उजित पुं॰ (उज्जयत्) सेारे देशमां क्युना-गढ पासे आवेव गिरनार पर्वत गिरनार पर्वत The mountain Girnāra in Junāgaḍha. पचा १६, १७; कप्प॰ ६, १७४,

उन्ज त्रि॰ (ऋजु-श्रर्जयित गुणानिति) सरव. अव६, अ६८ सरल; सीधा, टेर्डाई रहित, विना कुटिलता का Straight; straight-forward श्रोव॰ १०, टा॰ ४, १; श्राया० १, ३, १, १०७, पि० नि० २८६, ३६४, जं० प० २; जीवा० ३, ३. (२) भाषा-४५८ रिहत, संयभधारी मात्रा रहित, छल कपट रहित, संयम बाला free deceit, self-restrained fi om ठा॰ ३, -- स्त्रायता क्षा॰ (-श्रायता) सरण अने लांभी श्रेशी सरत श्रौर लंबी श्रेणी a long and straight line भग० २४, ३, ६४, १. — श्रायया स्त्री० (-श्रायता) जुओ। ३५के। शण्ह देखो ऊपर का शब्द: vide above भग० २५, ३, —कड त्रि॰ (-कृत) सर्ण, भाषारदिव ४रेक्ष सरल-माया रहित किया हुआ made straight-forward or free from decert. " श्रकिच्या उज्ज्ञकडा निरामिसा ! परिगाहारभ नियत्त रोसा " उत॰ १४, ४१, श्राया॰ १, १, **২, ৭**≈, —जड র্সি৹ (-जड) સરণা અને જડ, સીધાપણ જડતા વાલા सरल श्रोर जड़, सीधा किन्तु मद बुद्धि straight-forward but dull and and stupid " पुरिमा उज्ज्ञजाडाणो वक जद्वाय पच्छिमा '' उत्त० २३, २६; पचा० १७, ४३, —दंसि. त्रि० (-दार्शेन्-ऋजु मोच प्रति ऋजुत्वान् संयमस्त पश्यन्त्यु-पारेयतयेति ऋजुदशिनः) ऋलु भाव-માેલ સાધક સંવમને જોનાર, સંવમાભિલાધી ऋजु भाव-मोच की सिद्धि करने वाले सयम का श्रामेलापो. (one) desirous of

asceticism which leads to salvation दस॰ ३;११;—पन्न. त्रि॰ (-प्रज्ञ) सरण अने समजु. सरल श्रीर सममदार straight-forward and intelligent. दस॰ ४, १, ६०; उत्त॰ ६, २३, २६; पचा० १७, ४३,--भाव पुं०(-भाव) अं भाव, सरवता. सरव straight-forwardness; सरलता. self-restraint "उउजुभावं च जग्यम्" उत॰ २६, ४, -- मइ, स्त्री॰ (-मति-मननं मतिः ऋज्वी सामान्यब्राहिणी मतिः ऋजु-मति.) भन ४४ व सानना ओक लेह; સામાન્યથી મનના પર્યવે ને જણાવનાર शान, मन पर्यव ज्ञान का एक भेद, सामान्य से मन के पर्यवों को जानने वाला जान a variety of Manaparyava Jñāna; simple mental knowledge. श्रोव॰ १६, दम॰ ४, २७, ठा॰ २, १. नंदी० १८, भग० ८, २; तिशे० oue, (२) યુંં કંઇક ન્યૂન (અદી અંગુલ ન્યુન), અઢીદીપના સંત્તી પ્રાણિ– એોના મનાભાવને જાણનાર સાધુ. શ્રહાદ્દે द्वीप के संज्ञी प्राणियों के मना भावों को जानने वाला साधु (an ascetic) able to know the thoughts of conscious living beings of $2\frac{1}{2}$ Dvīpas i. e. continents; a little less (by the breadth of $2\frac{1}{2}$ fingers) श्रोव॰ १४; —यार. त्रि॰ (-कार) ઋजु-सयम-सरसताना क्रार-કરનાર, સંયમધારી; સંવમ પાલનાર. संयम का पालन करने वाला. (one) who observes rules of ascetieism. सूय॰ १, १३, ७, —सुत्त. पुं॰ (–सूत्र) वर्त्तभान वस्तुनेळ भाननार नय, सात नयभाने। थे किन्य वर्तमान वस्तु को

ही मानने वाला नय, सात नय में से एक नय the theory which admits the present condition things only, one of the 7 logienl stand-points. ठा॰ ७; —सुय. पुं॰ (-ध्रत) अतीत अनागत अस रूप વકતા વિના માત્ર વર્તમાન કાલવર્તિ वस्तुनेक के हेणा है, भारशी वस्त् निष्प्रयो-જનહાઇને અસત્ સમાન માને, લિ'ગ વચન ભિન્ન છતાં એકજ પદાર્થ માતે, નિસેપા-ચાર સ્વીકારે તે: સાન નયમાંના ચોથા નય. सात नय में का चौथा नय, जो श्रतीत श्रना-गत काल रूपी चकता को छोड कर केवल वर्तमान काल रुपा वस्त को दी दिखलाता है, पर वस्तु को श्रसत् के समान मानता है. लित वचनों को भिन्न होने पर भी एकही पदार्थ वतलाता है श्रीर चार निचेप स्वीकार करता है, the fourth of the seven logical standpoints; viz the actual point of view referring to the present condition of things, regarding as non-existent or false all other things because they serve no purpose, and regarding substance as one although it may differ in gender and number. श्रापुनी॰ १४; १४८, सम० ८८; पन्न० १६; विशे० ४०; २२२२; प्रव॰ ८४४; (२) वि२छेह गरेल **ળારમા દૃષ્ટિવાદ અંગના ખીજા વિભાગ સ્ત્ર**ન ने। अथभ भेंद्र जिसका विच्छेद होगया है भऐसे वारहवें दृष्टिवाद श्रंगके दूसरे विभाग सूत्र का प्रथम भेद. the first division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th non-extant Dristivāda Anga - सिंडि. स्री॰ (-श्रेगी) सरक्ष

श्रेष्डी-आश्रश प्रदेशपंकित सरल श्रेणी-श्राकाश प्रदेशों की सरज पंक्ति. a straight line of spatial units " विष्पजहिता उज्जुसेटिपत्ते" उत्त २६, ७३,

उज्जुश्न. पुं॰ (ऋजुक) ઉદર सर्प पगेरेना हर-राइरे। जदरे श्रीर सापों की बाबी A hole of a snake, a rat etc. कप्प॰ ६, ४४;

उज्जुग पुं॰ (ऋजुक) दृष्टिवाहना ८ स्त्रभानुं पहेल स्त्र दृष्टिवाद के = सृष्टों में का पहला सूत्र The first of the 8 Sutras of Dristivada. सम॰ (२) निष्क्षपटी, सरल कपटराहित, सरल one free from fraud जीवा॰ ३,

उज्जुगइ. ली॰ (भ्राजुगित) साधु भाताना स्थानथी निक्षी सिध्धेसिध्धु गृद्धितिन्ये क्षां व्हारे, वसता न व्हारे ते, गायरीना व्याद प्रकार में का एक प्रकार, जिस में साधु अपने स्थान से निकल सीधा गृहसमूहों में जाकर वहारता-भिन्ना लेता है श्रीर लीटत हुए नहीं वहारता. The first of the eight modes of begging alms; viz proceeding to beg from one's own abode in a straight line (of houses) and not begging while returning प्रव॰ ७४३,

उज्जुगसूय. त्रि॰ (ऋजृकसूत) सरस भूत-थयेश. सरलीभूत; सरल हो चुका हुआ (One) that has become straight or straight-forward. ''सोहि उज्जुगस्यस्य धम्मो सुद्धस्य चिट्ठह' उत्त॰ ३, १२,

उज्जुगया. स्रो॰ (ऋजुकता) स्वरक्षता सर-त्रता; सोधां साधा पन Straightness, straight-forwardness हा॰ ३; v 11/25 उज्जुत्त. त्रि॰ (उद्युक्त) ६६म पाथी; ६६मी उद्यमी. उद्यम करने में तत्पर. Industrious; busy. पंचा॰ १७, ५२; नंदी॰ २६; (२) सावधान. साववान. सचेत. attentive, careful. श्राउ॰

उज्जुभूय. त्रि॰ (ऋजूभूत) सरस थयेस; सिद्धा-सरस ६६यने।. सरलीभृत; सरल इदयवाला, (One) who has become straight-forward in mind, straight-forward. उत्त॰ ३, १२,

उज्जुय. ति॰ (ऋजुक) सर्थ; सीधी; निष्ध-पटी सीधा साधा; कपट प्रपंचराहत. Free from decent; guileless श्राया॰ २, ३, १, ११४; मग॰ १८, ४ दसा॰ ६, २; श्रोव॰ नि॰ ८००; कप्प॰ ३, ३६; (२) पुं॰ लभाषे। हाथ सीवा हाथ; दाहिना हाथ. the right hand श्रोष॰ नि॰ ४१०;

उज्जुयया स्रो॰ (ऋजुकता) सरसता. सर-लता, सोधा सादायन. Preedom from guile; straightforwardness उत्त॰ २६, ४८,

उज्ज्ञवालिया स्त्री॰ (ऋजुवालुका) ०० लिया श्रामनी यहार वहेती अंड नहीं, हे केने डांडे महावीरस्वामीने हेवलज्ञान उत्पन्न थयुं. जिमया श्राम के बाहिर बहती हुई एक नदीं, जिसके तीर पर महावीरस्वामी को केवलज्ञान उत्पन्न हुन्ना Name of a tiver outside the village called Jambhiyā on the bank of which Mahāvira Swāmī got omniscience "जंभिय गामस्स नगरस्म बहिया नईए उज्ज्ववालियाए उत्तरकृते " श्राया॰ २, १४, १७६; कप्प॰ ४, ११६;

उज्जेणो स्री॰ (उज्जीयनी) भासय हेशनी એક নগरीनुं नाम मालव देशका एक नगरी का नाम, उज्ञायेनी, उज्जैन Ujjain; name of a city in Mālava. " उज्जेगी श्रद्धगे खलु" श्राव॰ ४; संत्या॰ ६४; सु॰ च॰ ११८; विशे॰ १०८२; श्रोध॰ नि॰ मा॰ २६;

उन्जोत्र-य. पुं॰ (उद्योत) तेल-प्रशस ઉद्योत, अજवाक्ष प्रकाश, उजेला, उद्योत, Light, brightness "देखनोयं करेंति" उत्त० २३, ७५, 국도, 92: पत्र॰ २, श्राया॰ २, १४, १७६, मग्र॰ २, प्तः ४, ६, प्रव० १२७८; मत**०** १६८; (२) नाम धर्भनी ओड अड़ित के केना ઉદયથી ઉપ્લ-ગરમ નહી છતાં પ્રકાસ કર-नार शरीर प्राप्त थाय-क्रेम चंद्र नक्षत्र रत्न वगेरेनां शरीर नामकर्मका एक प्रकृति, जिसके उदयसे गर्म न होते हुए भी प्रकाशवान शरीर प्राप्त हो जैस कि चद्र, नच्चत्र, रतन त्रादि का शरीर a variety of Nāmakaima by which one gets a body which is bright and shining without being hot, e g that of the moon etc पन ०२३; क० गं० १, २५-४६; २, ५; — श्रायव पुं॰ (- श्रातप) ઉद्योत अने आत्र नाभ ५५. उद्योत श्रीर श्रातप नामकर्भ the two Nāmakarmas viz Udyota and Atapa. क गं0 ४, ३, जं॰ प॰ ३, ४४, -गर त्रि॰ (-कर) उद्योत - प्रधाश - ज्ञानहर्शन रूपी अक्षाशना ४२नार उद्योत-प्रकाश करनेवालाः ज्ञानदर्शनरूपी प्रकाशका करनेवाला (one) who enlightens in right knowledge and faith. पएह॰ २, २, सम॰ श्राव॰ २, १; --च उ. (-चतुष्क) उद्ये।-તાદિ ચ.ર પ્રકૃતિ; ઉદ્યોતનામ, નિર્યંય ગતિ; તિર્યંયનું આયુષ્ય અને નિર્યંચ અનુપૂર્વી, ओ थार प्रभृति उद्योतादि चार प्रकृति; उद्योतनाम, तिर्थंचगित, तिर्थंचका त्रायुग्य, श्रार तिर्थंच श्रनुपूर्वी ये चार प्रकृति. The four Prakritis (Karmic natures), viz Udyota Nāma, Tiryañeha Gati, Tiryañeha Anupūrvī. क॰ गं॰ ३, १२; २३: — णामः न॰ (-नामन्) नाम क्षेती ओक प्रकृति. नामकमेकी एक प्रकृति. A variety of Nāmakarma. क॰ गं॰ १, २५;

उज्जोइय. त्रि॰ (उद्योतित) प्रशक्षित; अग-अग्रुं प्रकाशित; प्रकाशवाद: चिलकता हुया। Shining, sparkling, सम॰ प॰ २३७; नाया॰ १: श्रोव॰ १०; गच्छा॰ १; छ॰ च॰ २, २६७, कप्प॰ ४, ६२; प्रव॰ म॰;

उज्जोस पुं॰ (उद्योग) प्रयत्न; परिश्रम प्रयत्नः परिश्रम; महिनत. Effort; work; labour सु॰ च॰ १, ६६;

उज्ञोयगः ति॰ (उद्योतक) ઉद्योत करनार. उद्योत करने वाला. (One) that gives light "सम्य जगुज्जोयगस्स" नंदी १ ३;

उज्जायगा. न॰ (उद्योजन) क्लेड्यु; तैयारी इर्यी जोडना, तैयारी करना. Uniting; joining; preparing श्रोय॰ नि॰ भा॰ ६०;

उज्जोविया त्रि॰ (उद्योगित) २८० आहिथी प्रशिश्त रत्न त्रादिसे प्रकाशित Shining with jewels etc. " सडजो विएहिं " राय॰ ४६; नाया॰ १;

√उज्म. धा॰ I (उज्म्) तष्ट देवुं त्याग-देना; छोड़ देना. To abandon; to leave off

उउमाइ. भचः १०३.

उज्मसि. विवा १;

उज्माहि. श्रा० विवा० १; उज्मसु श्रा० भत० ४६; उज्मितं स० कृ० सूय० २,२,६; नाया०६, उज्मित्रण पएह० १,४, उज्मित्रण नाया॰ ८; उवा० २,६४, उज्मेत. व० कृ० श्रणुजो० १२८, उज्मावेइ. प्रे० विवा० २;

उज्भन्न. त्रि॰ (उज्भक) सत्विवेक वगरनी. सिंद्वेक से रिहत Devoid of a sense of decorum or decency " तित्ता तिथा भितावेणं उज्भन्या-श्रसमाहिश्रा " सूय॰ १, ३, ३, १३,

उउभाग न॰ (उउभान) लाहार सध लयु बाहिर लेजाना. Taking or carrying out विशे॰ २४७७, (२) त्याग. त्याग, abandoning; giving up श्रोव॰

उउमर पुं॰(भवभर) पर्वतभाधी पडता पाणीती अरी, शिरिनिर्कर पर्वत में से गिरता हुआ पानीका मरना, गिरिनिर्भर. A mountain torient, a mountain stream नंदी॰ १४, ज॰ प॰ १, १०,--रब. पु॰ (-रव) अराती भवभव अ ॥०४ भरने की भ्वनि. habbling sound of a stream. नाया॰ ६:

उजिसम्भ-य पुं॰ (उजिसत) छिन्निन्त नामे विजयभित्र सार्थवाइने। पुत्र हे कोने। अधिकार विपाद सत्रना भील अध्ययनमां छे डार्जिसत नामक विजयमित्र सार्थवाह का पुत्र, जिसका वर्णन विपाक स्त्र के दूसरे अध्याय में है Name of a son of the merchant Vijayamıtra whose account is given in the 2nd chapter of Vipāka Sūtra विवा॰ १, २, अणुजो॰ १३१; (२) विपादस्त्रना अथम अनुतरहन्धना भील अध्ययननुनाम. विपाक सत्र के प्रथम श्रुतस्कंप के दूसरे अध्याय का नाम name

of the 2nd chapter of the first Srutaskandha of Vipāka Sūtra. विवा॰ १; (3) त्रि॰ तर्लेस; त्याग त्यागा हुन्ना. abandoned, કરેલ given up विवा १, पि नि १६६; —नियाणसञ्च त्रि॰ (-निदानशस्य) निया-खारू प शहयने। त्याग ५ रेस छे के छे ते नियाणा रूपी शल्य को त्याग देने वाला (one) who has got himself rid of the thorn in the shape of Niyānā (1 e. desire for future sensepleasure). भत्तः १४०, —धम्मियः त्रि॰ (-धार्मिक) नाभी देवा थे। व्य निरुपथे। यो फेंक देने योग्य; निरुपयोगी. worth being thrown useless अगुत्त॰ ३, १,

उजिस्त्यम. पुं॰ (उजिस्तक) विજयभित्र सार्थवाद्धनी लार्या सुलद्राथी उत्पन्न थ्रयेल पुत्र विजयमित्र सार्ग्या की स्त्री सुभद्रा से परपन्न पुत्र का नाम A son of the merchant Vijayamitra born of his wife Subhadrā विवा॰ २.

उिमयधम्मा. स्नी॰ (उदिभतधमां) ले वस्तु नाभी हैवा थे। ये छे। ये, लेने डे। छे लेवा न ध्रश्छे तेवी वस्तु ब्छे। स्वी ते, अध्याना सान प्रश्रास्थाने। श्री इ. जो वस्तु नेने यो। ये न हो, उम का बहे। स्ना-लेना, एपणा के सात प्रकारों में का एक प्रकार Receiving as alma a thing which is worth being thrown away and which nobody would cure to take; one of the seven varieties of receiving alma प्रव अप्र अर अर अर

उिक्तिया स्त्री॰ (उिक्तिका) धन्ना सार्थ-वादना पुत्र धनपात्र सार्थ वाद तेनी स्त्री धन्ना नामक सार्थवाह के पुत्र धनपाल की स्त्रीः Wife of the merchant Dhanapāla, the son of the merchant Dhannā. नाया॰ ः

उट्ट. पुं॰ स्त्री॰ (उष्ट्र) साढीओ; बीट. ऊंट;
A camel " श्रहमंते उट्टे गोणे यरे
घोडए" पन्न॰ १; "भारवहावहतिउटावा"
स्य॰ १, ४, २, १६; २, २, ४५; श्रोव॰
३६; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ उवा॰ २, ६४;
क॰ गं॰ ६, ४३,

उद्दियः त्रिः (श्रोप्ट्रिक-उप्ट्रायामिदमीप्ट्रिकम्)
जीटना वाक्षनं भनेलं सूत्र ढाणली वर्गरे.
ऊंट के वालों से बना हुआ वल्ल, धावल वर्गरह. A blanket etc. made of the hair of a camel श्रोपः निः ७०६; वेयः २, २३, श्रायाजोः ३७;
उद्दिया स्तिः (उप्ट्रिका उप्ट्रस्याकारः प्रष्टाव-यव इवाकारोऽस्याः) जीटना आधारनं साला आधारनालं वास्त् श्रिरोधः ऊट के श्राकार का लम्बा गर्दन वाला वर्तन A pot with a long neek like that of a camel. उनाः १, २७; २, ६४; ७, १८४, विवाः ७;

उद्दियासमण पुं॰ (उप्टिक्नाश्रमण-उप्टिक्ना महान्मः मयोभाजन विशेषस्तत्र प्रविष्टायेश्राम्यन्ति तपस्यन्तीत्युष्ट्रिकाश्रमणाः) भे।८। भाटीना पासण्यमा भेसी तपश्रयो करनारः, शेशाक्षाना साधुनी ओक जनत मिही के वहे यस्तन में बैठ कर तपश्रयो करने वाला, गोशाला के साधु की एक जाति One who sits in a large earthen vessel and practises penance, one of the sects of the followers of Gośālā श्रोव॰ ४१:

उद्दी. स्रो॰ (उण्ट्री) डॉट्डी, सांदणी ऊंटनी, सादनी A she camel श्रमुजो॰ १३१; प्रव॰ २१=, उद्दीवाल. पुं॰ (उप्ट्रपाल) धि राणनार. कंट की पालने वाला. A keoper of camels. श्रमुकी॰ १३१;

उद्घ पुं॰ (उष्ड़) भेश न्यतनुं व्यस्थर प्राणी. एक प्रकार का जलचर प्राणी. A kind of aquatic animal. "मग्यूय उद्घा-दगरक्तायाय" सप्र॰ १, १, १४;

उह. पुं० (श्रोष्ठ) ओहि; हैहि. श्रांष्ठ. A lip. कप॰ ३, ३५; नाया॰ २; श्रोव॰ ३८; भग॰ १३, १३; सम॰ १३; गु० च० १०, ४३; श्रोव॰ नि॰ भा० २६६; उवा॰ २, ६४; विशे॰ ८५७; निर्मा॰ ३, ५३; ५, ३८; दसा॰ ६, ४; (२) वास्त्युनी इति। बरतन की कीर. the brim or border of a vessel. श्रीघ॰ नि॰ ६६०; —चिञ्चन्न. त्रि॰ (–िरञ्ज)हैहि इते। हैहि इति। किस का श्रीठ कटा ही वह; श्रोठ कटा. (one) whose lip is cut. श्राया॰ २, ४, २, १३६; —पुड. पुं॰ (–पुट) हैहि पुट. श्रोष्ठ पुट. the cavity formed by hollowing the lips. प्रव॰ २६३;

उद्देभिया सं॰ छ॰ अ॰ (श्रवष्टभ्य) रे।४।ने; रतंशन करीने रोक कर; स्तमन करके; यांम कर. Having stopped, having checked श्राया॰ १, ६, ३, ११; उद्घा स्ती॰ (उन्था) शरीरने अधुं करतुं, अला थतु. शरीर को ऊंचा करना, खहे होना. To raise the body; to stand. श्रोव॰ ३५; उवा॰ ७, १६३;

उद्घारण न० (उत्थान) अला थनु-विध्वुं ते; ओड प्रधारनी येष्टा. खड़े होना; उठना, Standing up; getting up. जं०प० २, ३४; उवा० १, ७३; ठा० १, १; भग० १, ३; ८; ७, ७; १२, ५; १७, २; नाया० १; स्०प० १३; पन्न० २३,(२) सांसस्याने

गुरु पासे लप्तुं ते. सुनने के लिये गुरु के पास जाना going up to a preceptor to hear चं प० २०: (३) उद्यभ-पत्त उद्यम; प्रयत्न. effort; industry भग० २, १, (४) छत्पत्तिः उत्पत्ति, पैदाrise, birth, production नायाः १४; -कम्म नः (-कर्मन्) ७६५- शरीर थेष्ट रूप ६भी उठनेरूप शारा-रिक कमें. the act of standing up नायाः १ जं १ प०२, ३४: -परियाणियः न॰ (-परियानिक-परियानं विविधन्याते-करपरिगमन नदेव परियानिकञ्चरितमृत्थाना-जन्मत श्रारभ्य परियानिकमुत्थानपरियानि-क) જન્મથી માડી છંદગીના છેડા સુધીમા બનેલ દરેક બનાવાના અહેવાલ, જીવન थरित्र जीवनी, जीवन चरित्र, जनम से मरण तक की प्रत्येक घटना का वर्णन a biography from birth to death "गोसालम्य मंचलिपुत्तस्य उद्वागुपरियाणि-यं पार्किहिय" मग० १५, १, नाया० १४: 90,

उहारासुय ए० (उत्थानश्रुत) ७२ अधि अ स्त्रभांतु श्रीक ७२ कालिक स्त्राने का एक One of the 72 Kalıka Sütras. वव० ९०, २६, नदी० ४३,

उद्घायण न॰ (उत्स्थापन) ઉઠाइयु ते: छत्था-पना अरवी उठना, उत्यापना करना Causing to stand up, rise, or get up वेय॰ ४, २६,

उद्दावरा न० (उरस्थापन) सामायिक यारिशन भाथी छेहोपस्थापनीय यारिश्रनुं आरोपपु ते सामायिक चारिश्र से छेदोपस्थापनीय चारिश्रका खारोपए करना Re-establishment of equalimity after a temporary lapse भत्त० २५; ठा०४, ३. — ग्रंते-वासि त्रि॰(-श्रन्तेवासिन) पांस महामतनी Sपस्थापना इ.ी इरेस शिष्यः पंचमहात्रत की उपास्थापना करके बनाया हुआ शिष्ट्यः a disciple accepted after the establishment (in him) of the five ascetic vows ठा० ४, ३;

उद्दिश्र-यः त्रि॰ (उत्थित) ७३६; ७ले। थ्येबः तैयार थ्येब उठा हुन्ना, तत्परः उदात. Got up; ready. "उद्वियपि सुरे " त्रागुजो० १६; कप्प० ४, ६०; दस० ५, १, ४, वव० ३, १३; ठा० ३, ३, श्रोव० १३; नाया०१, भग० २, २, पिं० नि० ४१७, (२) ९६५ पामेल; ७गेल. उदय पाया हुन्ना; ऊगा हम्रा. risen (३) धर्भायरण याटे तैयार थयेल, प्रवल्या से गर्ने तैयार थयेल. यमीचरणके लिये तैयार, दीचा लेने को उचत. ready, prepared to take Diksā " श्रहपास विवेगमुद्धिए अवित्तिन्नेइह भासह "स्या १, २,१ ८, श्राया०१, ४, १, १२=, (२) ७००४, परित पगरत ऊजड: वस्तिरहित स्यान desolate; untenanted श्रोघ॰ ति॰ न ६;

उड पु॰ (पुट) ६८ीओ। दोना A cup made of leaves श्रोव॰ २२; उना॰ २. १९३.

उड्ड पु॰ (पुटक) लुओ। ઉपલे। शफ्ट. देखो उगर का शब्द Vide above. विवा॰ ४,

उडय पु॰ (उटज) तापयनी न्याश्रम-श्रुपडुं तापसी का ज्ञाश्रम-क्रॉपडा A hermitage; a cottage of a hermit मग॰ ११,९,

उडव पु॰ (उटज) लुओ। ઉपसे। शण्ह देखो ऊपर का शब्द Vide above. जीवा॰ 3, 9,

उहु पुं॰ (उहु) नक्षत्र. नज्ञत्र. A constellation जं॰ प॰ ३, ६७; सू॰ प॰ ५;

— चइ. पुं॰ (-पति) नक्षत्रने। स्वाभी; यं अंत्र नचत्रका स्वामी, चद्र. the lord of the constellations; the moon. " जहासे उडुवइ चंद्रे नक्खत्त्रयपरिवारिए" उत्त॰ ११, २४, श्रोव॰ १०, जीवा॰ ३, ३; — चर. पु॰ (-चर) स्वर्थः स्वर्थः the qun. " तिरिण सहस्से सगजे छच सण उड्दरो इरह" तंडु॰

उड़ पु॰ (ऋतु) वसन्त श्रीभ्म आहि ह ऋतुः वसन्त, योष्म श्रादि छह ऋतु Any of the six seasons viz spring, summer etc श्रोध॰ नि॰ भा॰ ३११; श्रोध॰ नि॰ २६; -- पद्धी-सविद्य न॰ (-पर्युपित) ऋतु ल्रह्म । योभासा भिवायना वणतभा २हेब-निवास **५रेश.** ऋतु बद्धकाल में निवास किया हुथा, चोगासे सिवाय दूसरे समय में रहा हुआ one that has stayed or remained during the Ritubaddha time i, e time of the year excepting the rainv ५७.180n वव॰ ८, १; —वद्ध, पु॰ (-बह्र) जुओ। 'उउबड़' शणः. देखा ' उउबद ' राष्ट्र. vide " उउबद " श्रोघ० नि० २५, निसी० १४, ३२; ३३: ३४, -बद्धिय त्रि॰ (-बद्ध) शीत અને ઉષ્ણ કાલમાં સાધુઓના માસ કલ્પ विदार शोत और उप्ण काल में सायुकी का मास करन विहार. the monthly peregrinations of an ascetic during the winter and summer seasons श्राया॰ २, २, २, ७ ::

उड करलागिश्रा श्री॰ (ऋतुकस्यागिका)
यहवर्तीनी ३२००० राष्ट्री. चकवर्ती की
३२००० राष्ट्री. The 32000 queens
of a Chakravartī. जं॰ प॰

उद्युप न॰ (उद्युप) है। है। नांवः टोगी. A boat. पि॰ नि॰ ३३०:

उद्धयः पुं॰ न॰ (उद्दुप) नांपः हेाडीः हेाडीने आक्षरे शनावेले। त्रापे। नायः दोंगाः डोंगा के श्राकार का यनाया हुश्रा वेदाः A boat; a raft विशे॰ १०२७ः

उद्धवाडियगणः पुं॰ (ऋतुपाटकगणः)
लाद्रयशस्यिवस्थी निक्ष्मेत्र स्थावरः में निकला हुन्ना एक गणः. Name
of a Gana (i. e order of
monks) derived from the
Sthavira Bhadrayasa. कप्प॰ ८;

उद्दिमाण पुं॰ (उद्घिमान) सै। धर्म देवते। न्या पढ़ेला पाथडामानुं ओड विमान इ लेनी ल लाछ पढ़ेलाछ ४५ लाभ न्येनतनी छे. सौबर्म नामक स्वर्ग के पहले पाथडे में का एक विमान जिसकी लवाई नीडाई ४५ लाख योजन की है Name of an abode in the lirst stratum of the Saudharma heaven, having an area of 45 square lacs of Yojanas " उद्दुविमाणे णं विमाणे पण्यासीसं जोयण " ठा० ४, ३; सम० ४५;

उडुकल. पुं॰ (उड़्कल) ६५६; भांध्एी श्रोसली. A mortar used for pounding. पि॰ नि॰ ३६१;

उहु. पुं॰ (उहु) ઉડ नाभना ओई अनार्थ हैश कोने दाल उड़ीसा कहें छे. उहु नामक एक श्रनार्थ देश: उदोसा Name of an Anarya (uncivilized) country; Orissa प्रव॰ १५६७; (२) शि॰ ते देशना २हेनासी उहु नामक श्रनार्थ देश के रहने-वाले a native of the above country. परह॰ १, १; उडुंचग पुं॰ (*) કલકલाट. कत्तकलाहट Bustle; noise श्रोघ॰ नि॰ २२१;

उड्डावर्ण. न॰ (उड्डायन) आडर्पण् त्राकर्पण. Attraction: drawing towards oneself. " हिय उड्डावर्णे का उड्डावर्णहेड" नाया॰ १४;

उड्डाह. पुं॰ (उहाह) अपधात. नाश नाश. Destruction "गेलणं ादि उद्घाहो" श्रोव॰ (२) ६ ६ ६ १ ६ १ ६ १ वि वि होलना करना disregard of scriptures पिं॰ नि॰ ४६; वेय॰ १, ३, (३) छेतना; भीत्रणा श्रवहेलना; निदा. disrespect पि॰ नि॰ ३६१, (४) हानि, न्युनता हानि, नुक्तानी, कमी, न्यूनता loss, diminution पि॰ नि॰ ३०००, —कर. त्रि॰ (-कर) हानि करनेवाला productive of, generating, loss. गच्छा॰ ४४,

उड्डींग त्रि॰ (उड्डीन) आકाशभां ઉડेल उडा हुआ. Flying, flowing in the aky. नाया॰ १;

उड्ड्अडग पुं॰ (उड्डम्हतक) ७५०८४ हेश.
उड्डमडक देश. The country so
named (२) त्रि॰ तेना रहेवासी.
उनके रहनेवाले the inhabitants of
the above, पन्न॰ १:

उड्डुय न० (*) शिष्ठार डकार Eructation. " जंमाइएण उड्दुएण वायणिसगोणं" श्राय० १, ५;

उहुँत ति॰ (उद्घीयमान) आधाशमां ७ऽता. श्राकाश में उद्देशा हुन्ना. Flying, soaring in the sky. राय॰ उद्घ ति॰ (उर्ध्व) ७२२; ७२२; १२०१-२।

ऊंचा, उपर High, upwards. जीवा? १: राय० १०३; नाया० १; ५; ६, १६; भग० १, १: ६: २, =: ३, १; २, ४, ४; ६; २०, ६; २५, ३, पन्न० २, २८; निर० २, १, उत्त॰ ३, १३; २६, २३, श्रोव॰ २१, ३८, आया० १, १, ५, ४१; ठा० १, १; सूय॰ १, ३, ४, २०; स**म**॰ ७; ऋगुजो १०३; जं॰ प० १, ४; पि० नि॰ ३६३, (२) ६५वंक्षीः स्वर्गलोकः ऊर्वलोक heavenly world सूय॰ १, ३, ४, २०; उत्त० ३६, ५०, (३) ^ઉ^६र्न-हिशाः अभि हिशा उर्घ्वं दिशाः ऊंची दिशाः the topmost direction दस॰ ६, ३४, श्राया॰ १, १, १.२; — श्रिभिमुहः त्रि॰ (-श्रमिसुख) ઉચી દિશામાં મુખ **५रे**स. ऊपर की श्रोर जिसने मुख किया हो वह (one) with the face turned up भग० ११, १०; — उवव-एगाग. त्रि॰ (-उपपन्नक) ७५१ थे। ४ भां भार देवले। अन्यश्रीविक्षाहिमां अत्पन्न थनार-हैव हैवी ऊर्ध्व लोक के बारह देवलोक श्रीर नवश्रैवेयकादि में उत्पन्न होनेवाले-देव देवी. (a god or a goddess) born in the twelve Devalokas, Nava Graiveyakas etc. of the upper region. "जे देवा उड्डो ववरणगा ते दुविहा पस्तता " ठा० २; भग० ८, ८; -कंड्रयग. त्रि॰ (-करद्वयक) नालिनी ઉપર ખ જોલનાર: તાપસના એક પ્રકાર. नाभि के ऊपर के भाग में खुजानेवाला. तापसी का एक भेद (a class of hermits) who scratch (to remove itching sensation)

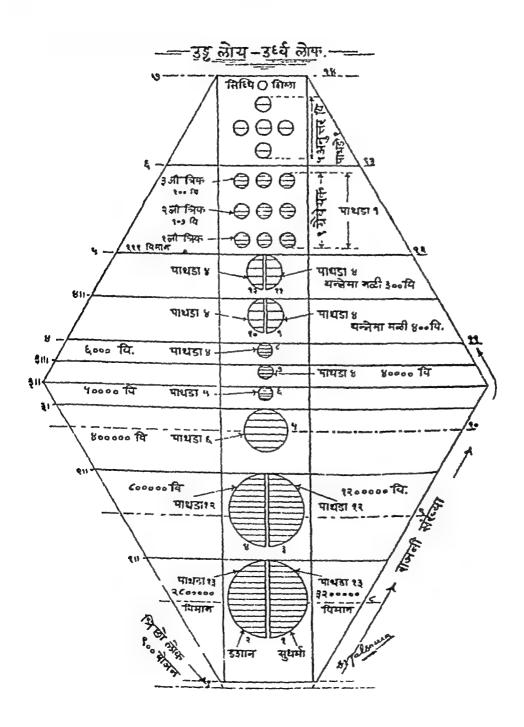
^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरनीट (१). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

only the part above the navel. मग॰ ११, ६; --गइ. ह्ना॰ (-गति) ઉચી ગતિ. ऊर्घ गति; ऊंचा गति. upward motion; birth in a higher state of existence गा॰ ३, १; --गारव परिणाम. पुं॰ (-गारव परिगाम-चेन श्रायुः स्वमावेन जीवस्य अर्घः दिशि गमनशक्तिलचगुपरिगामा भवति स ऊर्ध्वगारवपरिगामः) आयुष्य ५(२-હ્યામના એક પ્રકાર કે જેનાથી છવ ઉ**ષ્**ર્ધ∽ ७२। गिन्मां जाप श्रायुग्य पाँग्साम का एक मेद जिससे कि जीन ऊनी गति मे जाता है. a nature of Ayusya Parinama by which the soul has an upward motion. 310 90; —चर वि॰ (-चर) ७२ ७:नार-गांध आदि जचे उडनेवाले-गांघ श्रादि. flying, soaring high, e. g. a vulture etc. श्रावा॰ १, ६, ७, ६; —जागुः वि॰ (-जानु-कर्ष्वं जानुनी यस्यासावूर्ध्वजानु.) ० धा शंथी रहे तेवे આસને બેસનાર एमे श्रामन से बैठने वाला जिन में जंघा ऊंची रहे. (one) in a posture in which the thighs are raised up " उद्घं जागु श्रहो सिरे काण कोट्टो वगए " नाया॰ १; मग॰ १, १; ज॰ प॰ श्रोव॰ —िदिसि पमाणा-इक्सम. gं॰ (-दिक्प्रमाणातिकम) ७५। हिशिवतने। प्रथम व्यतियार छठे दिग्वत का प्रथम श्रातिचार. the first Atichāra of (the 6th) Disivrata (limitation of movement to a fixed area) उवा॰ १, ४०; —पाम्र-पुं॰ (-पाड) जिया राण्याछे पग केता ते जिसके पेर ऊंचे रखे हो वह. one with his legs thrown up, lifted

up " गंदेनी मंद्र कंमीम उद्रपायी ष्रहोमिरो^{ं १} उत्तर १६: ४०: —बद्धः त्रि॰ (-यद्भ) शिंब-१क्षती अली आहिंगे णांधेश कचा-युद्ध की जानी भादिम-यांधा हुआ. fastened upwards; e. g. to the branch of a tree. " रयंता कंदुकंभीमु उद्देवदी श्रवंवती " १६; ४२; —बाहा. त्रि॰ (-बाहु) किया हाथ केंग्रे राज्या छ ते. की हायवाना; जिसने हाथ ऊंचा रना हो वह. (one) with arms raised up. fage 2, 2: मग॰ १४, १: -भागि हि-(-भागिन्) भाशसमां २६५ बाकागमें रहा हुत्रा. remaining in the अky. " उद्ववा एसु उद्गमागी--भवति " मूय० २, ३, ३०; —मुइंग. gं॰ (-मृटंग) Gया भेाडा-पालें। टांब जन गुंहवाना टोल. a tabor or drum with its mouth upwards, भग० ११, १०, -- मुझंगाकार. त्रि॰ (-मृदंगाकार) ઉथा गृह गुना आक्षरे. ऊँन मृद्ग के श्राकारम of the shape of a tabor with its mouth upwaids. भग० १३, १०; - मुइंगाकार संिठयः त्रि॰ (-मृदंगाकारमंहियत-अर्धन मृध्वं मुदो यो मृदक्षस्तदाकारेख सस्थितो यः म तथा) ઉચા भाटात्राक्षा देखना आधारे २६ेव. ऊंचे मुंह याले डोल के आफार in the shape of a से स्थित. tabor with upward mouth. भग० ११, १०; —मुद्द. त्रि॰ (-मुख) ઉथा भेाटावाली. ऊंचे सह वाला. (one) with face turned up. ज॰ प॰ -रेगु. पु॰ ह्वी॰ (-रेगु-जालप्रभाभि व्यक्तय.स्वतः परतो वा अध्वीधास्तिर्यक्चलन धरमारेगुरूर्घ्वरेगु) आह सन्द सन्दिणा-રજકણ ભેગાયવાથી ખતેલ માટા રજકણ



सिवत्र अर्ध लागधी कोष ———



કે જે આકાશમાં પાતાની મેલે અથવા પરના આશ્રયથી ઉચે નીચે ઉદે છે ને; २०४५७. श्राठ सन्ह सन्हिश्रा-रजकरा एक त्रित होकर बना हुआ वड़ा रजकरा जो कि आकाशमें स्वत अथवा दूसरे के आश्रय से ऊपर नाचे उड़ता है a particle of dust made up of eight smaller particles which can move up and down in the air of its own accord or when moved by another agency अगुजो॰ १३४: ज० प० भग० ६, ७, —लोश्र-य पुं॰ (- लोक) ७ 'ध्रें से। इं; સ્વર્ગલાક; લાકના પરના ભાગ; ત્રિચ્છા લાકના ઉપરના છેડાથી તે લાકના અત્રભાગ सुधीने। प्रदेश उर्ध्व लोक: स्वर्गलोक: लोक कं ऊपर का हिस्सा: त्रिच्छालोक के ऊपर के छोर से उस लांक के अप्र भाग नक का प्रदेश the upper world; the heaven-world श्रामान १०३, १४८; पन्न॰ २, भग॰ २, १०; ११, १०; **—लोग्र-य-खेत्तणालीः** श्री॰ (-लोक चेत्रनाडी) ६५व क्षेत्र-स्वर्ग क्षेत्रनी नाडी -अभुड विभाग. उद्धं लोक-स्वर्ग लोक की नार्डा-विभाग a particular portion of the upper world or heavenworld. भग० ३४, १, --लोग. पुं॰ (-लोक) लुओ। " उद्दुलाग्र " शण्ह देखो "उद्दुलोग्र" शब्द. vide "उद्दुलोग्र" ठा॰ ३, २; - लोयवत्थव्यः त्रि॰ (-लोक वास्तव्य) ७५५ दी ४-२५ मेदी ५ ना वासी-पसनार. उर्ध्वलोक में वसने वाले (one) residing in the upper would or heaven-world. "उड्ड न्रोगवत्थ-व्वाश्री श्रह दिसा कुमारी श्रो " नाया = =; —वाय-श्र पुं॰ (-बात -अर्ध्वमुद्v. 11/26

गध्छन् यो वाति वातः स उद्धेवातः) ६६५६ दिशाने। पायु उद्धे दिशा में वहने वाली हवा. wind moving in the upward direction. जीवा॰ १, ठा॰ ७, १, पश्च॰ १;

उद्गकाय पुं॰ न० (ऊर्ध्वकाय) क्षाण्डी. कीत्रा A crow. "ते उद्गकाणीई पजक्खमाणा स्रवरेहिं" स्य॰ १, ४, २, ७;

उद्धता स्त्री॰ (अर्ध्वता) शिथापणुं ऊवापन State of being high or upwards, height. "म्रहत्ताए नोउद्धताए" भग॰ ६, ३,

उद्गवाइयः पु॰ (ऊर्ध्ववातिक) ઉધ્ધ वातिक नामना महापीर स्वामीना नव गल्माना पायमा गल् ऊर्ध्ववातिक नामक महावार स्थामी के नौ गला मे का पाचवा गला. The 5th of the 9 Ganas (groups of saints) of Mahāvīra Swāmī, so named. "उद्भवाइयगले विस्सवाइ गले" ठा॰ ६, १,

उड्डवाइयगण ५० (ऊर्ध्ववातिकगण) लुओ। ७५थे। शण्ट देखो ऊपर का शब्द Vide above. ठा० १, १,

उगा. श्र॰ (प्रनर्) ६रीथी; ६री फिर से, पुन Again, once more. विशेष १४४; पगहर २, २, सुरु चर् १, २२७, पंचार २, ३४.

उरा न॰ (ऊन) वन्हनाना पारना अक्षरी, पर वगेरे आछा अहेवा ते; वंहनाने। २८ भी हेष वन्दना के पाठ के अन्तर, पद वगेरह को कम कहना; वंदना का रू वां दोष The 28th fault connected with salutation, viz omitting some of the words which must be recited at the time of salutation प्रव० १४३,

उराश्च त्रि॰ (श्रवनत) नीशुं नमेल. नीचे की श्रोर नमा हुश्चा Bent down; bent low विशे० १४४३;

उराग ति॰ (जनक) न्यून, ओछुं. कम; न्यून. Less; diminished; falling short by. जीवा॰ १; वव॰ ८, १४,

उराइंडमाग. पुं॰ (ऊनाईंभाग) अर्ड लागे विश्री-शिक्षी जिस का श्राधा हिस्सा कम हो. Less by a half. निसी॰ २, ३६,

उरायालीस. स्री॰ (एकोनचरवारिशत्) ३८; भेगिष्याबीस. ३६; उन्चालीस. 39; Thirty-nine. भग॰ ३, ७;

उर्णिहिया त्रि॰ (ऊनाधिक) शिछुं वर्त्तः; न्यु-नाधिक कमज्यादहः; न्यूनाधिक. More or less. निशे॰ १४३,

उग्रुण. न० (उनोन) ओाधुं ओाधुं, छन-जनतर छीनतर-धियादि रीते ओाधुं. ऊन-ऊनतर इत्यादिक रीति से न्यून. Progressively decreasing क० प० २, ६२; उग्रोचिरिश्चा स्त्री० (ऊनोदरिका.) न्यून-ओाधा आखार इरवा ते; भाराइ छपधि वजेरे क्षेष्ठ ते इरतां ओाछा देवा ते. कम श्राहार करना; श्रावश्यकता से कम भोजन करना या उपाधि श्रादि कम लेना. Eating less than one's fill. सम० ६;

उरागाइ. स्त्री॰ (उन्नति) धन्नति. उन्नति; स्रम्युदय Rise; prosperity. पंचा॰ ६, ४७; —िगिमित्तः न॰ (ानिमित्त) अलावने। हेतु. प्रभाव का हेतु. cause of power or prosperity पंचा॰ ६,४७; उग्गाइय. त्रि॰ (उन्नत) ઉन्नतः, शिंयुं कंचा; उन्नतः Raised; elevated. भग॰ १३, ६, उरागकप्पासः पुं॰ (ऊर्गकाप्पीस) थेटाना पास; जिना. ऊन; भेद के बाल. Wool. निसी॰ ३, ७२;

उराणतासणा. न॰ (उन्नतासन) अश्रुं व्यासन. ऊंचा ध्यासन. A. raised seat; an elevated seat भग॰ ११, ११;

उराणुयः त्रि॰ (उस्रत) ઉथुं; ઉत्रतः भाषाह कंचा; उमत; श्रव्ही दशामें. High; elevated; prosperous. कण० ३; ३६; श्रोव० १०; इस० ७, ४२; नाया० १, स० प० २०; भग० ११, ११; १२, ४; (२) नीक्षतुं; २५तुं निकलता हुन्ना; बढिया. prominent; superior श्रोव॰ १०; (३) શુણવાન virtuous; meritorious, "डज जय-चरियदारगोपुर तोरग्एउग्गाय सुविमसराय मग्गा" नाया॰ १; ठा० ग्रोव॰ (४) अलिभानरूप भेग्द्रनीय धर्भ, आभिमानहर मोहनी कर्म deluding Karma in the form of conceit. भग॰ १३, ५; मम॰ — आवट्ट पुं॰ (-आवर्त — उन्नत उच्छितः स चासावावर्तेश्रीत उन्ननावर्तः) ઉચું આવર્તન કરતું તે; આવર્તનના એક **५५:२. ऊपर** श्रादर्तन करनाः श्रावर्तन का एक भेद. moving round in the upward direction তা॰ ४; —ग्रासण, न० (-यासन) उभार-उर्थु भासन. ऊंचा श्रासन; उन्नत श्रासन high, elevated, seat राय० १३६; जं० प॰ —मण्. त्रि॰ (-मनस्) उन्तत-ઉદાર भन वाली। उदार मन वाला; ऊंच मन वाला high-minded, ठा० ४, ४; --मार्गः त्रि॰ (-मान--उन्नतो मानो यस्येखुकतमानः) હું ઉચे। धुं अभ भाननार; शर्विष्ठ. श्रपने श्रापको उत्तत माननेवालाः ग(वेंब्र, श्राममानी proud, conceited.

"उग्ग्यमाण्य नरे महया मोहेग् मुज्यासि" श्राया॰ १, ४, ४, १५७,

उर्एएययर त्रि॰ (उन्नततर) प्रधारे दिया. बहुत उंचा. More elevated, higher. भग॰ ३, १,

उर्ग्णा. झी॰ (कर्गा) शन ऊन Wool. भग॰ =. ६; १४, १; — लोम पु॰ (-रोमन्) शनना रे।भ-रेसा. ऊन के बाल. hair in the form of wool. भग॰ =, ६; १४, १,

उग्णाम पु॰ (उन्नाम) गर्वः व्यव्धाः भः गर्वः, श्रदंकारः घमडः, मद Pride, intoxication (२) भःदत्ता परिष्णाभ-धी अंधातु भेदितीय ५भे. मद रूप परि-णाममे वंधनेवाला मोहनीय कर्म deluding Karma incurred by pride भग॰ १२, ४;

उिराणुश्र-य त्रि॰ (श्रांशिक) उतनुं. कन का, फनका बना हुआ Made of wool; woollen. वंय॰ २, २३; श्राणुजो॰ ३७, श्रोघ॰ नि॰ भा॰ =६; श्रोघ॰ नि॰ ००६: (२) उतनां यतेस रलोहरणादि कन के बने हुए रजोहरणादि. a kind of brush etc made of wool. ठा॰ ४٠

उग्ह त्रि॰ (उप्ण — उपित दइति जन्तू निरयुष्ण) गरभः छनु, छण्णु गर्म, उच्णा मिं पंचा॰ १७, ४६, क॰ गं॰ १, ४१, सू॰ प॰ १०; उत्त॰ ३६, २०; श्राया॰ १, ४, ६, १७०, दसा॰ ७ १: पि॰ नि॰ भा॰ १३; नाया॰ १; ४; ६; भग॰ २, १; ४, १०, ७, १; (२) पुं० गरभी, छण्णताः तापः तः । गर्मः उप्प heat; sun shine राय॰ ७३६; नाया॰ १, श्रोव॰ ३६; उत्त॰ २, ६; पि॰

नि॰ २००, - अभितत्त त्रि॰ (-ग्रिभ-सप्त) ગરમીથી અત્યન્ત પીડિત-દુ:ખી थयेल गर्मी से ऋत्यन्त दुःखी. troubled by excessive heat. ''उग्हाभिसतो मेहावी" उत्त॰ २, ६, —श्रीभहय त्रि॰ (- श्राभिहत) सूर्यनी गरभीथी અભિભૂત થયેલ-પીડિત. सूर्य की गर्मी से पीडित overpowered, oppressed, by excessive heat. "उपहाभिहए त्तरहाभिहए ' जीवा० ३: भग० १६, ४: — उदम्म न॰ (-उदक) अनुं पाणी गरम जल. hot water. कप्प॰ ४, ६२; -- गाहिय त्रि॰ (-प्राहित) गरभी आपेस उप्णता दिया हुआ; जिसे गर्मी दी गई हो वह heated; made hot नाया॰ ५: — दिख्य त्रि॰ (-दत्त) गरभी दीधेस; तऽहै नाभेस. धूप मे डाला हुआ; जिसे गर्मी दी हो वह heated, put in the sunshine भग॰ २, १; —परियावः प्रं॰ (-परिताप) अतिशय गरभीने। परिपड्. वहत गर्मी का परिषद् great affliction caused by heat उत्तः २. १०: - बाय पुं॰ (-वात) शिनी वायु; शरभ पवन गर्भ हवा hot wind नाया॰ १: - सह न॰ (-एह) गरभीन सहन हरवुं ते गर्मा का सहन करना endurance of heat भग १४, १.

उग्रहवाग न॰ (उष्णापन) अनु ४२वुं ते. गर्म करना Heating पिं॰ नि॰ २४०; उत्त त्रि॰ (उक्त) ४६ेल कहा हुत्रा Sand; expressed दस॰ ६, ४६; विशे॰ १०५, उत्त॰ १,६; क॰ ग॰ ४,८३;

उत्त. त्रि॰ (उप्त) वावेश. वोया हुत्रा. Sown. (२) अनावेश. बनाया हुत्रा made. "देवउत्ते श्रयलोए" स्य॰ १, १, १, ४, पि॰ नि॰ १७२, उत्तमा, न॰ (उत्तमा-उद्गामानि प्रार्श्मानि कृणानि यशेति) केयां पास प्रिये के तेः प्रत्यस्थित कृण्यातुं, जिसमे पास प्रमा हुणा हो नहा, पिरान्ष्यु व्यस्तित अन्य उत्तस्थ १४० (उत्तमन) अवस्थत, पास पास हुत्रा, प्रान्युह्न, Terrified संग्रंति १ ३; भग० ३, १;

उत्तमः वि॰ (उत्तम) (त्रभः स्टेंक्ट्र अधान गर्नेहरूक, ध्रेक, प्रधानः प्राप्ता Best, excellent नामार भ प्रसार १०, ११, जो १० १०, शहर २३; दशर द, ६९, ४, २, २८, नगर २, १, ३, ३; v, c, e, 33, 32, 3, 770 3, 32, — कट्टपत्त नि॰ (काहाप्राप्त) दिन्ध અવસ્યાએ પહેરોયાં: ઊંચી સ્થિતિને પ્રાપ્ત थरेत, उत्तम प्राप्त्या के पहुंचा हुन्ना, उत्त मिन्नियां प्राप्त (one) in an excellent condition " द्वस्थ्यम-समाण् उत्तमस्ट्रवलाण् " स्० प० १; " उत्तमकद्वताण् भरहस्यवायस्य " भगः ७, ६; जन पन २, २६, ७, १३४, —ऋहा सी॰ (-काष्टा) अनुष्ट अपवश्याः **ઉत्तम रिथति, प्रकृष्ट शयरणाः उसम हि गीत.** best condition. To To To - TIM पु॰ (- गुण्) प्रधान श्रेष्ट यन्त् प्रधान भेग गुण excellent, highest quality. पचा० ४, ४८; — गुराबह्माग पुं॰ (-गुगाबहुमान) ७त्तम शृज्ती पक्ष-भत उत्तम गुगा का पदापात honour paid to excellent or highest quality. " उत्तम ग्ण्यहुमालो " पंतान ४, ४८, —चरिया न॰ (-चरित) सत्पुर्प येष्टित-यरित्र गरपुर्प नेष्टित-चरित्र high or noble conduct. पंचा॰ २, ३१; -- जत्ताः स्त्री॰ (-यात्रा) श्रेष्ट्रपात्रा (लन्ना) श्रेष्ट यात्रा highest, land, pilprimager for i, er: —जोगिया नः (वर्गातमः) स्थापी व्यक्तमारू र वर्षक द वे आवीर्ता क्रवरसम्ब an are depresent Kama (Superior) by recording of all vibratory ortivity of the · oul. हारू पः चन्हील नः (च्याहरू) ing one my cur, advation; absolution " चंदि चाम्यक्टांमी मध्यद्भ उत्तमद्रामं " शाउ॰ — मिद्रमगः सद (जिल्हाने) प्राच दर्शन असरम् धेव प्रदारमा सून्य स्थाः सम् ११४edlort illustration, was a con - घरमपरियक्तिः स्री॰ (-पर्मर्वानीयः) ઉત્તન પર્વે (કેટન પર્વે) ની પ્રનિદિ अस्य प्रत्येत (विचयते) की क्षिति the coldnets of the last religion (Jains religion) " जनम यस्य परिति प्राप् जिल परिकार पंचाल ४, ०८. --पुरिम पुंत (-प्राप) नीर्यंदर अक्षाति, स्पदाहेर, पासदेव आहि उनम पुरप नार्पसर, बरपार्व, बरदेगावि and det. on excellent becsou: e. g. Tirthankara, Chakravarti. Biladeva, Vagudeva etc. मगा० पण २३६; समा० ४४, प्रमण १, हार ३: नागा० ३६: —पोग्गल. पु॰ (-प्रद्गल) आत्मा, उत्तम पुद्रव शहमा, उत्तम पृद्रव. the best substance; the soul. "मे पहिए उत्तम पोगाले में " स्म॰ 1, ९३, ९५; - वल विरियमत्तजुत्तः वि॰ (-चलर्चार्गमध्ययुक्त) ७५५ णस वीर्य सन्ययान्, उत्तम वन वीर्यवालाः (one) possessed of the highest strongth and might भग॰ ६, ३३; –रिष्टि पुं॰ (-ग्राहि) प्रधान

पैलव श्रेष्ठ संपात्त, प्रधान वैभव. highest glory or prosperity. "सेया य उत्तमाखलु उत्तमिरिट्टिए कायन्वा " पंचा॰ ६, ४४: -- विउद्ये त्रि॰ (-विकुर्विन्) उत्तमं विकुर्वन्तीत्येवं शीला) उत्तभ प्रधा-रनं वैक्षिय करनार. उत्तम प्रकार की विकिया-रूपान्तर करनेवाला (one) able to effect the best transformation e.g, of body जीवा॰ ४, --सधय(गी. पुं॰ (-सहननिन्) **ઉ**था सध्यश वासे। उच्च संहननवालाः one possessed of a high order of physical or bony constitution. क. प. ४, १०; —सुयचरिग्य त्रि॰ (-श्रतवर्णित) प्रधान व्यागमभा क्षेत्र, प्रधान भ्रागम मे कहा हन्ना. mentioned in the highest scripture पंचा॰ ६, ४४; उत्तमंग न० (उत्तमाङ्ग) भरतक, भाशुं मस्तक, शिर. The head " लोग विरल उत्तमंग " पिं० नि० २६२: ज० प० स्रोव० १०; जीवा० ३, ३, स्य० १, ४, १, १५, दसा० ६, ४, नाया० १=, प्रव० २५४. पवा० ३, १८,

उत्तमह. पुं॰ (उत्तमार्थ—उत्तमश्चासावर्थ-श्चोत्तमार्थः) उत्ताम पदार्थ, भेक्ष उत्तम पदार्थः श्रेष्ठ श्चर्य मोत्त. The highest or best category viz salvation उत्त॰ २४, ६; श्चाउ॰ १९; (२) उपवासी रहेचु ते. उपासे रहना fasting श्चोघ॰ नि॰ ७; —गवेस्तय नि॰ (-गवे-पक) भेक्षिनी अक्षियापी मोत्त का श्चमि-लापा desirous of salvation "नविरहो निच तुहो, उत्तम्ह गवेसश्चो" उत्त॰ २४, ६; —पत्त त्रि॰ (-प्राप्त) उत्त॰ २४, ६; —पत्त त्रि॰ (-प्राप्त)

श्रवस्था को पहुंचा हुआ (one) who has reached the highest condition or salvation. " ससमाप समाप् उत्तमद्रपताप् भरहस्स'' भग॰ ६, ७; उत्तमा. ली॰ (उत्तमा) यक्षना ध्रि पूर्श्लाइनी त्रीक पट्टराधी यत्त के इन्द्र पूर्णभद्र की तीसरी प्रसनी. The third crowned queen of Pūrnabhadra the Indra of Yaksas. 510 8, 9; नाया० घ० ५; भग० १, ५; (२) ५७-વાડીયાની પન્દર રાત્રિમાંની પહેલી રાત્રિ पखनाडे की पंद्रह शित्रयों में की पहली रात्रि the 1st of the 15 nights of a fortnight. जं॰ प॰ सू॰ प॰ १०; उत्तर त्रि॰ (उत्तर) श्रेष्ठ, प्रधान, उत्तम. प्रधान, मुख्य, श्रेष्ट, श्रच्छा. Best, highest; prominent. भग॰ ३, १, ७, २, उत्त॰ ४, २०; २६, नाया॰ १; ८, उवा॰ १, ६६; घोघ० नि० ४३२, (२) धी शुं; धतर, अ-य. दूसरा, भ्रव्य. another; next. कः गः १, २, समः =, पनः ३४; जं॰ प॰ ५, ११२; दस॰ २,३; (3) रि ्ध् गत द्वार को प्राप्त. increasod "कइपप्सुत्तरा" भग॰ १३, ४, (४) ઐરવતક્ષેત્રમા આવતી ઉત્સર્પિણીમા થનાર २२ भा तीर्थं ५२ ऐगवतक्षेत्र में आगामी उत्सर्पिणी में होने वाले २२ वें तीर्थंकर the future 22nd Tirthankara of Airavata-ksetra in the coming Utsarpinī सम ० प० २४३; (५) ઉतरण. उतरवृते उत्तरना, descending. (६) अधिक, अधिक, ज्यादह more, additional. पष्क २, सूय० १, २, २, ૨૪; (૭) મુખ્ય નહિ, પેટાભાગ; મૂલની शाणा. गौरा, उपविभाग, मृल की शाखा a branch of the main stock a

sub division. उत्त॰ ३३, १६; (८) **७त्तर हिशा; ७त्तर अदेश उत्तर दिशा;** उत्तर प्रदेश. the north; the north region राय० ४; ६३; जं० प० १, ११; जीवा॰ ३, १; नाया॰ ३, ६; भग॰ ३, ७; ४, ४; सम० ६; नेय० १, ४९; दस॰ ६, ३४; (७) ७५२. ऊपर. nbove; upwaids, भग॰ २४, १२; —श्चंग. न० (-श्रंग) दश्याग ઉपर આડું લાકડું સ્થાપવામાં આવે છે તે. हार पर जो आई। लक्डी लगाई जाती है वह. a horizontal piece of wood placed on a gate जीवा ३, ४; राय॰ १०६; धव॰ ६६०; — स्रभिमुद्दः ति॰ (-प्राभिमुख) ઉत्तर दिशानी सन्भुण उत्तर दिशा के सन्भुय. turned towards the north. दमा॰ ७, १; भग०११,१०; सम०४७;—श्रवक्रमण् न० (-श्रपक्रमण) उत्तर हिशाभा ज्युं ते. उत्तर दिशा में जाना. going towards the north, भग॰ ६, ३३, १३, ६, नायाः १; =; -(रिं) इंद. पुं॰ (-इन्द्र) **७ तः हिशानी। ध्र उत्तर दिशा का इन्द्र** the Indra of the north, अव. 1, थ, —(रु)उट्ट. पुं॰ (-श्रोष्ठ) ઉपला हाई. ऊपर का श्रोंठ the upper lip "भमुहा श्रहरुट्टा श्रह पुण एवं जागिजा" कप॰ ६, ४३; ज॰ पं॰ २, २०, निर्सा॰ ३, ५६; —उत्तर. पु॰ (-उत्तर) उत्तरीत्तर; गें। भीलथी श्रेष्ट उत्तरोत्तर; क्रमशः एक दूमरे से अष्ट; in ascending order; superior "जक्खाउत्तरउत्तरा" उत्त. ३, १४, — उल त्रि॰ (- कुल) अपरने अंडे वसनारः तापस जगर के तट पर वसनेवाले तापम. (an ascetic) residing on the upper part of the bank निर॰

३, ३; —(रो)श्रोह. go (- मोह) ઉपसे। रेहि. करर का श्रीठ the apper lip. नियां ॰ ३, ४४; — फुंचुइउज. त्रि॰ (-कप्चियक) उपर अधानर पहेरनार. जपर बग्नर पहनेने वाला (one) putting on armour appearing out side; armoured विवा २; - कंचु-य. पुं॰ (-कण्चक) अपने। यणतर, जपर दा वष्तर, the outer armour विवा॰ २; —कट्टोचगय. त्रि॰ (-काष्टापगत) उत्तर दिशामां प्राप्त थरेव उत्तर दिशा तक पहुंचा हुया (one) that has reached the northern direction, सम्ब —कारता. न० (-करता) शस्त्राहिने પત્ધર સાથે ઘસી ધારવાળું તથા સાક કરલુ ते पन्धर पर शम्नीद को पिय कर धाः करना या उन्हें साफ करना. sharponing of wenpons etc on a stone; "जे भिक्ष् सूचीप उत्तरकरणं खण उध्यिएण वा गारत्थण्ण वा करेदकरंतं वा साजह " निर्मा०१,१५;१६;—िकिरियाः न०(-क्रिया) पैक्रिय स**ंगरदारा शमन धर**तृं ते वैक्रिय विचित्र शरीर मे गमन करना act of going in the Vaikriya body (physical body of a fluid nature). भग॰ ४, १; —कृलग. ५० (-क्लग) अे જાતના વાનપ્રસ્થ તાપસ કે જે ગંગા नदीना ७त्तर धारे रहेता दता. एक प्रकार के वानप्रस्थ तापसी जोकि गंगा नदी के उत्तर किनारे पर रहते थे one of a kind of forest ascetics residing on the northern bank of the Ganges भग० ११, ६; श्रोव॰ —गमिन्त्र. त्रि॰ (-गामिक) ઉत्तर दिशामां गमन ४२-नार. उत्तर दिशा में गमन करने वाला going towards the north. दसा॰ ६,

२; —गिह न॰ (-गृह) ७५२नं भीलुं थर. दूसरा घर; भिन्न घर a separate upper house, another upper house निया॰ .3 — उभाय पुं॰ (-ग्र॰याय-उत्तरा प्रधाना ग्रध्याया ग्रध्ययनानि । उत्तराश्चते ग्रध्यायाश्च वा उत्तराध्यायाः) उत्तराध्ययन सूत्रना विन-याहि छत्रीस व्यध्ययन, उत्तराभ्ययन सत्र के विनयादि छत्तीस अध्याय the 36 chapters viz Vinaya etc of Uttaradhyayana Sütra "इत्तीय उत्तर-उमाए भविमाद्विय " उत्तर ३६, २७२; ---दारियण्यखत्त न॰ (-द्वारिकनत्त्र) ઉત્તર દિશા તરફ મુખ રાખનાર નક્ષત્ર. स्वाति आहि सात नक्षत्र, उत्तर दिशा की श्रोर मुख रखने वाला नक्त्र, स्वाति श्रादि मात नज्ञ. a constellation facing the north, any of the seven constellations viz Swäti etc. ''साइयाण सत्त ग्वन्खत्ता उत्तरदारिया परागत्ता " ठा० ७: - दाहिरा पु॰ (-दत्तिस) उत्तर अने हक्षिण हिशा उत्तर श्रीर दक्षिण दिशा the north and the south. भग॰ ४, १, - दा-हिणाययः त्रि॰ (-दिच्णायत्त) उत्त-हिंदी आधुं उत्तर दिल्ला लंबा extended lengthwise in the north and the south. " उत्तरदाहिणायण् पाईषा पडीषा वित्थिएषा '' जं० प० —दिसा स्त्रां (-दिशा) उत्तर दिशा उत्तर दिशा the north ओघ॰ नि॰ ६६२, -पगर् स्री॰ (- प्रकृति) जाना-વરણીય આદિ મૂલ આદે કર્મના અવાન્તર भेट धर्भनी प्रकृति ज्ञानावरखीय चादि मूल श्राठ कर्मों के श्रवान्तर भेद, कर्म की उत्तर प्रकृति any of the subdivisions

of the eight main divisions of Karma viz knowledge-obscur ing etc. आया वि०१ २, १, क० प० २, ४४; क० गं० १, २; —पगाडि. स्री० (–प्रकृति) કर्भनी ওत्तर প্রচূনি–भेटा भाग नी अक्षति कर्म की उत्तर प्रकृति. a subvariety of Karma प्रव० १२=६; --पगडिवंब. पुं॰ (-प्रकृतिवन्ध) ४भी-ની ઉત્તર પ્રકૃતિના ખન્ધ. कर्म की उत्तर प्रकृतियों का बंच bondage caused by any of the sub-divisons of the main eight divisions of Karma, भग० १८, २,—पच्चिच्छिम पुरु (-पश्चिम) वायव्य भुशोः । उत्तर अन पश्चिम वस्येते। प्रदेश वायव्य कोन, उत्तर थौर पश्चिम के बीच का प्रदेश. the north-west मग॰ ४, १, --- पञ्चिन्छ-मिल्ला. पुं० (-पश्चिम) वायव्य हेाए। उत्तर अने पश्चिम वश्येने। प्रदेश, वायव्य कोन, उत्तर श्रीर पश्चिम के वाच का प्रदेश the northwest quarter. ज॰ प॰४, १०४, —पञ्चितिथम पु॰ (-पश्चिम) જુએ। "उत्तर पचचिखम" शण्ह देखो ' उत्तर पचिच्छम " शब्द. vide ' उत्तर पचिच्छम ' जं० प० ४, १०४, — पचरिथमिल्ल. पुं ० (-पश्चिमक) लुओ। "उत्तरपचाच्छिमिल्ल" शफ्द देखे। " उत्तरपचाच्छिमिल्ल " शब्द vide " उत्तर्पचाच्छामिल्ल " ज० प० ४. १०४, —पद्द पु॰ (-पट्ट) ડાભડાં કે કામ-**લાની પ**થારી ઉપર પાથરવાનુ વસ્ત્ર. घाम या कम्बल के विद्योंने के ऊपर विद्याने का वस्र a covering for a bed of straw or of a blanket श्रीघ॰ नि॰ १२३, प्रव॰ ५२३; -पडिउत्तर. न॰ (-प्रत्युत्तर) छत्तर अत्युत्तर, सवास **ज्याय उत्तर प्रस्युत्तरः सवाल जवा**य

question and answer गच्छा० १२६; —पर्याड.स्रा॰ (-प्रकृति) लुओ। "उत्तर-पगाडि " शणह देखां "उत्तरपगाढि " मन्द्र. " उत्तरपर्गांड " प्रव॰ ४६, -पुरच्छिम पु॰ ग्री॰ (-पीरस्य) र्धशान भुष्णा. ईशान कान the northeast " तोसेणं मिहिलाए उत्तरपुरिच्छमे दिसि भाष् " स्०प० ५; दमा० ५, ९: विवा॰ १; निर॰ ४, १; नाया॰ ५; २: ४; ४; ८; १२; १३; १४, १६; भग० 🛂 ६; ६, ४,६, ३;१०;१,१७,१;सु० च० २, २२१; —पुरिच्छिमलः पुं॰ (-पारस्य) व्युक्ती अपह देखी जगरका शब्दvide above भग॰ ६, ३; —पुरन्थिम. पु॰ (-पारस्य) उत्तर अने पूर्व हिशानी वन्येने। प्रदेश; धंशान डेाए। उत्तर छीर पृषे दिशाके वीचका प्रदेश; ईशान कीन. the north-east. श्रोव॰ भग॰ १, १; २, ७; ३, १; गय० ६४; १४०; स्य० २, १, ४; जं० प० ५, ११७; कृप० २, २६; —पोट्टवया. बी॰ (-प्रीष्टपदा) उत्तरा-लाइपह नक्षत्र. उत्तरा भाइपद नज्**त्र. tl**18 constellation Uttarā-Bhādrapada स्॰ प॰ ४; —फग्गुणी स्रां॰ (-फाल्गुनी) उत्तराधाक्युनी नक्षत्र; १८ भृं नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी नचत्रः १६वा नचत्रः the 19th constellation Uttarā-fālgunī " उत्तर फगुर्खा-गक्खते दुतांरपग्गाता'' ठा० २**; ─्वा**हिर. त्रि॰ (-बहिर्) उत्तर तरक्ष्मा थदारनुं उत्तर दिशांक चाहिर. outside the northern quarter. भग॰ ५; ६, —(s) ब्मंतर. न॰ (-श्रस्यन्तर)

Gत्तर त्रभ्ना अन्दरत्, उत्तर दिशाके गीतर, within the northern quartor. भग॰ ६, ५; —भेय पुं॰ (-भेट) भूवती अभेक्षाये ६त्तर अक्षर मृत्यां व्यवेचा स उत्तर भेद further development or stage as compared with the original stage. To 7, 30; —वास्र य पुं॰ (-वाद) छत्हृष्ट वाह. उत्कृष्ट बाद. the highest tenet or doctrine, " श्राय्हाण् मायग धरमं एस उत्तर वाण् " श्राया॰ १, ६, २, १८४: —वडिच्यः त्रि॰ (* જન્મપછી ગમે તે વખતે વૈદિય શક્તિથી वैधिय शरीर अनायनार जन्म के बाद चाहे जब वैकिय शाहिस विकिय शरीर बनानेवाला. (one) who is able to evolve Vaiktiya body by Vaikriya power at any time after birth. जं॰ प॰ ४, ११२; —चेउव्यय - ध्र. । प्र॰ (🖈) व्यन्भपछी देशभूषा वर्णने ધારણાપ્રમાણે ન્હાનુ માટે શરીર ળનાવી શકાય તેવી-વૈક્ષિય શક્તિ અને તે શક્તિથી शरीर रयना ४२वी ते. जन्म के पद्मात् किसी भी समय धारणाके श्रनुसार-इच्छा-तुसार छांटा वडा शरांर वना मकने योध्य विभिय शक्ति और उम शक्ति में शरीर रचना करना. the Vaikriya power i c. the power of contracting or expanding the body at any time after birth to any size one wishes; making the body large or small by the use of this power. ' उत्तरवेउन्विय रूवं विज-

^{*} लुओ। पृष्ठ तम्भर १६ नी प्रुटनीट (*). देखी पृष्ठ नंबर १६ की फूटनोट (*) Vide foot-note (.) p. 15th.

व्यइ " राय॰ २६: प्रवं १०६४; कष्प ेर, २; श्रग्जो॰ १३४, नाया॰ मः जं॰ प॰ प्र, १३७; भग० १, ४; ३, १; २४, १२, पन्न॰ १५; —वेउव्विया स्त्री॰ (👶) મૂલ શરીરથી ન્હાનું યા મ્હેાટું રૂપ ખનાવવાથી પ્રાપ્ત થયેલ શરીરની અવ-गाहना. मल शरीरसे छोटा या वडा रूप बनाने से प्राप्त हुई शरीरकी श्रवगाहना-शरीरका कद. occupation of space by a body contracted or expanded by the Vaikriyaka power. जीवा॰ १; —सात (-शाला) એક જાતનું ધર; भेसवानुं स्थान-भंऽप वशेरे एक प्रकार का घर, बेठ-नेका मंडप आदि स्थान, a kind of house; a 100m used for sitting. " उत्तर साला गिहा वत्तव्वा " निसी॰ E, 95;

उत्तरश्रा. श्र० (उत्तरतः) ६त्तरे।त्तरथी. उत्तरोत्तर से From one birth or generation etc to another क० प०७, ४७; ज०५० १४४;

उत्तरकुरा. पुं॰ ल्ला॰ (उत्तरकुरू) मेळ्थी उत्तरे महाविदेहान्तर्गत लुगिल्या के उत्तरकी क्षेत्र महाविद्दान्तर्गत जुगिलिया का एक चेत्र A region of Jugaliyās (a Karma Bhūmi) in Mahāvideha to the north of Meru. "किहण मंते! महाविदेहे वासे उत्तरकुराणामंकुरा परण्यता गोयमा?" ज॰ प॰ ४; (२) २२ मा तीर्थं अर्थन्या पालमीका नाम. २२ वे तीर्थं करकी दीचा पालमीका नाम. name of the

palankeen of the 22nd Tīrthankara at the time of Dīksā. सम॰ प॰ २३१; कप्प॰ ६, १७३;

उत्तरकुरु, पुं॰ (उत्तरकुरु) लुओ। ઉपले। शण्ट. देखो ऊपरका शब्द Vide above. जं॰ प॰ जीवा॰ १; सम॰ ४६, पन्न॰ १; १६; भग० २, ८, नाया० ४; १२; १३; १७; (२) ते क्षेत्रना भनुष्यः उत्तर कुरु चेत्रके मनुष्य, a native of the above said region श्रणुजो • १३१, (३.) ते क्षेत्रना अधिष्ठाता देवनुं नाम. उक्त जेत्रके श्रविष्ठाता देवका नाम name of the presiding deity of the above said region. जं॰ प॰ ५, १२०; (४) **ઉत्तर**५३ नाभने। अधे ५७ उत्तरकुरु नामक एक इह name of a lake जीवा॰ ३४, ज॰ प॰ — उउजारा न॰ (-उद्यान) ऄ નામન સાકેતપુર નગરની ખહારનુ એક **3ध न साकंतपर नगर के बाहिर के एक** उद्यानका नाम name of a garden outside the city or Saketapura नाया० घ० ६; विवा० १०; —कूड. पु॰ (-कूट) भास्यवन्त नाभे व भारा पर्वतन् उसु शिभरः माल्यवंत नामक वखारा पर्वतका ऊचा शिखर. the high summit Malyavanta of the Vakhārā mount. ठा॰ ६; (२) મહાવિદેહના ગન્વમાદન પર્વતના ચોથા शिभरनं नाम महाविदेह क गन्धमादन पर्वत के चोथे शिखरका नाम name of the 4th summit of the Gandha mādana mount in Mahāvideha. ठा० १०; जं० प० -- दह. मुं० (-दह)

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरनीट (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (*). Vide foot-note (;) p. 15th.

v. 11/27.

उत्तर कुर नामने। ३ को छूर-द्रछ. उत्तर-कुर नामक तांसरा इह. the 3rd lake bearing the name of Uttarakuru. ठा. ६, — बत्तव्वया स्त्री॰ (-वक्त-व्यता) उत्तर कुरु का वर्णन the subject-matter or topic dealing with Uttarakuru भग॰ ६, ७;

उत्तरकुरुश्च. त्रि॰ (उत्तरकुरुक) उत्तरकुरु क्षेत्रभा अन्भेत्र, उत्तरकुरुक्षेत्रवासी. उत्तर-कुरु चेत्र में पैदा हुआ; उत्तरकुरु चेत्र में निवास करनेवाला. Born in Uttain-Kuru Ksetra श्रणुजो॰ १३१;

उत्तर कुरुग. पुं॰ (उत्तरकुरुक) लुओ। "उत्तर कुरुश्र" शण्ट देखो " उत्तर कुरुश्र" शब्द Vide "उत्तर कुरुश्र" भग॰ ६, ७,

उत्तर कोाडे. स्त्री॰ (उत्तरकोाट) आन्ध्रवें आभनी ७भी भूर्य्छना. गान्धर्वे प्राम की ७वीं मूर्व्छना. The 7th note of the musical scale ठा०७,

उत्तर गंधारा स्त्री॰ (उत्तरगान्धारा) गांधार आभनी पांथभी भूर्य्छना गान्धार श्राम की पाचवी मूर्व्छना The 5th note of the musical scale. ठा॰ ७, १; श्रगुजो॰ १२=;

उत्तर गुरा पुं॰ (उत्तरगुरा) भूझ गुल्नी अभेक्षाये उत्तर गुल्, स्वाध्याय भिष्ठ विशुद्धि आहि, हश अश्वरता भन्यभाल्। मूल गुरा की अपेचा से उत्तर गुरा, स्वाध्याय, विग्रा विशुद्धि आदि, दश प्रकार के पच्च क्खारा. A secondary quality; study of scriptures, purity of food etc.; 10 kinds of Pachchakhānas (vows). पंचा॰ १, ७; प्रव॰

७३६; उत्त॰ २६, १७; भग० २५, ६: --- पश-क्खाए. पुं॰ (-प्रत्याख्यान) उत्तरगुश्-રુપ પચ્ચખાણ; પચ્ચખાણના એક પ્રકાર. उत्तर गुण रूप पच्चक्खाणः, पच्चक्याण का एक भेद. u kind of Pachehakhāna in the form of the practice or observance Uttaragunas. "उत्तरगुण पचक्वाणेणं कइ विहे पराराते " भग० ७, २; —लद्धि. स्री॰ (-कचिंघ) उत्तर गुल्-पिएऽ वि-शुद्धि आहि तपनी अिध. उत्तर गुण प्रयोन् पिएड विश्रद्धि स्त्रादि तप की प्राप्ति. attainment of Uttura Gunas e g purity of food, study of scriptures etc regarded as nusterities. "उत्तरगुण लाई खय-माणस्स '' भग० २०, ६; पत्र० ११; — सङ्घा. स्त्री॰ (-श्रद्धा) अधानतर-शिथा <u> ગુણની અભિલાષા. प्रयानतर-उच गुणो</u> की श्रद्धा-त्राभिनापा-चाह. desire to acquire higher qualities. पंचा॰ 9. 30;

उत्तर चूल. पुं॰ (उत्तरचूड) वहना करीने पछी 'भत्थे अंशुं वहाभि' के हेवुं तेः वहनानी। १६ भे। हेा वंदना करने के पथात 'मत्थएणं वंदामि' कहना, वंदना का १६ वा दोष. The 19th fault of salutation; viz uttering the words "I bow with my head" after salutation (instead of before it). प्रव॰ १४३:

उत्तर चूिलिया. स्त्री॰ (उत्तरचूिलका) य ६न ५रीने पांधी ' भरत है ५री नांधुं धुं ' એभ ६ हेवुं ते. चंदना करके पींछे ' मस्तक से नमन करता हूं ' इस प्रकार कहना. uttering the words " I bow with my head "after salutation (instead of before it) 970 943,

उत्तरङ्ग. न॰ (उत्तराई) ६त्तराधः; वैता-હ્યથી કે મેરૂથી ઉત્તર બાળુના પ્રદેશ. उत्तराई: वैताट्य या मेरपर्वत से उत्तर की The northern श्रोर का प्रदेश. half, viz the region north of Vaitadhya or Meru. सम॰ ३६; श्रमाजी० १४८, जं० प० भग० ३, १; ५, १; -भरत. प्र॰ (-भरत) वैताक्ष पर्वतथी उत्तरने। अरत प्रदेश वैतास्त्र पर्वत से उत्तर की श्रोर का भरत प्रदेश. the Bharata region to the north of Vaitadhya mountain. ज॰ प॰ -भरह कुड पुं॰ (-भरतकृट) જ યુદ્રીપના વૈતાક્ષ્ય પર્વતનું ૮ મું શિખર जंबद्वीप के बैताट्य पर्वत का = वा शिखर the 8th summit of the Vaitadhya mountain of Jambudvīpa. (२) તેના અધિષ્ટાતા દેવતા. उक्त शिखर का अविष्याता देव. the presiding deity of the above जं॰ प॰ १, १२,

 sya Ksetra. " उत्तरदृमाणुस्तखेत्ताणं छावट्टिं चंदा पभासिसु " सम॰

उत्तरण. न॰ (उत्तरण) तरी व्यवं: भार ६तरवं तिरजाना; पार उतरना. Crossing; going to the opposite shore or end "उत्तरणं चंदसूराण" नाया॰ ६; सम॰ ७; ठा॰ ४; १०;

उत्तरणपात्र ति॰ (उत्तरणप्राय) पार @तरवा लेवुं पार उत्तरने योग्य. Worthy of, capable of being crossed. " श्रमुहतरंडुत्तरणप्पाश्रा " पंचा॰ ६, २१;

उत्तरपुट्या. पुं॰ (उत्तरपूर्वा) धीरान भुष्णे उत्तर अने पूर्व वस्येनी विहिशा. उत्तर श्रीर पूर्व के बीच की विदिशा ईशान कोन. The north-east, प्रव॰ ७३०:

उत्तर विलयः पुं० (उत्तग्वितय) उत्तर णिक्षय नाभे थ्येक्ष भाषा, उत्तर विलय नामक एक गण्य. Name of a Gana. " गोदासगणे उत्तरविलयस्सयगणे उद्देह-गणे " ठा० ६, १;

उत्तरवालसह. पुं॰ (उत्तरविक्सह) उत्तर मिंदिस्स प्रें श्वित्थी निक्षेत्र स्थित्थी निक्षेत्र से निक्ला हुश्चा इस जाति का एक गए. Name of an order of monks (Gana) derived from the Sthvira named Uttarabalissaha. कप्प॰

उत्तरचित्तस्सह पुं॰ (उत्तरचित्तस्सह)
भक्षािगिरे विथपरना प्रथम शिष्य अने तेना
थी निक्ष्में अण् महािगिरे नामक स्थिनर
का प्रथम शिष्य और उससे निकला हुआ
गण The first disciple of the
saint Mahāgiri and the order
established by him "धेरोहेंतोणं

उत्तरविक्सिहेहितो तत्थण उत्तर विकस्सिहे" ठा० ६, १;

उत्तरभद्दया. स्नी० (उत्तराभाद्रपदा) अभिनित वगेरे नक्षत्रभांनुं ६ हुं नक्षत्र; उत्तराक्षाद्रपद नक्षत्र, आभिनित वगेरह नक्षत्रों में का झठवा नक्षत्र; उत्तरा भाद्रपद. The constellation Uttarā Bhādrapadā i e. the 6th of the constellations viz Abhijita etc. ''उत्तर भद्दया एक्षत्रेत दुत्तारे पर्णाता '' ठा० ६, १,

उत्तरमंदाः स्त्री० (उत्तरमन्दा) गन्धार स्वर अन्तर्गत ओड मूर्छनाः भण्यभ आभनी पहेली मूर्छनाः, गंधार स्वर के अन्तर्गत एक मूर्छनाः मध्यम आम की पहिली मूर्छना कोट One of the 7 notes of the Indian gamut; the 1st note of the Madhyama scale. राय० १३०, ठा० ७, १; जीवा० ३, ४,

उत्तर वांडसग न॰ (उत्तरावतसक) ओ नाभनुं ओक विभान. इस नाम का एक विमान. Name of a celestial ahode. जीवा॰ ३, ६;

उत्तर समा. स्नी० (उत्तरसमा) भध्यभ श्राभनी येथी भूर्छना. मध्यम प्राम की चीथी मूर्छना: चाथा कोट. The 4th note of the Madhyama musical scale ठा० ७, १;

उत्तरा स्री." (उत्तरा) उत्तराषाढा आहि नक्षत्र उत्तराषाढा आहि नज्ञत्र. The constellation Uttarāsāḍhā. असुजो० १३१; (२) मध्यम श्रामनी पहेली अने त्रीला मूर्छना मध्यम प्रामकी पहिली और तीसरी मूर्छना. the third note of the Madhyama inusical scale. ठा० ७, १; असुजो० १२=, १३=; (३) उत्तर दिशा. उत्तर दिशा. the north. 'उत्तरा श्रो वा दिसाश्रां श्रामश्रो श्रदमंसि'' प्रव॰ ७६०; क॰ प० ४, २; भग॰ १०, १: २४, ३; श्राया॰ १, १, १, २; — श्रासादा. श्ली॰ (-श्रापादा) उत्तराधाटा नक्षत्र. the constellation called Uttaräsädhä जं, प०२, ३१; ७, १४४; सम॰ ४; ठा॰ २, ३;

उत्तरा कोडि श्री॰ (उत्तराकाटि) अ नाभनी गधार श्राभनी सातभी भूर्छना. इस नामकी गंधार श्रामकी सातनी मूर्छना. Name of a certain musical note in the Indian gamut ठा॰ ७, १;

उत्तराष्भ्रयण, न॰ (उत्तराष्ट्रयम) अ नामनुं ओ भू सूत्र; छत्रीश अष्य्यमना सभू इस् च्या च्या

उत्तरायगा. पुं॰ (उत्तरायग) सूर्य हशिख हिशा-मांथी उत्तर हिशामां ज्यथ ते सूर्य का दक्तिग दिशा से उत्तर दिशामें जाना The northward apparent motion of the sun. सम॰ २४; ठा॰ ३; —गय. पुं॰ (-गत) ५६ संद्वांतिना हियस; उत्तरायखुमां प्रवेश ५२ता सूर्य कर्क संकांतीवा दिन; उत्तरायण में प्रवेश करता हुआ सूर्य the day of the progress of the sun to the north; the sun commencing its northward progress सम॰ —िण्यह. पु॰ (-िनवृत्त) सूर्य उत्तरने भाउदेथी दक्षिण्ने भाउदे ज्वय ते. सूर्य का उत्तरायण से दिन्यायन होना the returning of the sun towards the south from the north. ''उत्तरायण िण्यहें सूरिए '' ठा॰ १; सम॰ २४,

उत्तरायया स्त्री॰ (उत्तरायता) गधार श्राभती सातभी भूर्छना गंधार द्याम की सातवी मूर्जुना Name of a certain musical note in the Indian gamut त्रशुजो॰ १२८,

उत्तरावग पुं॰ (उत्तरापथक) उत्तरापथ देश देशना ३पाना ओड सिडेडा. उत्तरापथ देश का चादीका एक सिक्षा Name of a silver coin current in the country of Uttarapath प्रय० ८०५,

उत्तरावह पुं॰ (उत्तरापथ) उत्तर तग्धनी श्रीक्ष देश उत्तर की ख्रोरका एक देश Name of a country in the north प्रव॰ ६०४;

उत्तरासंग. पुं॰ (उत्तरासङ्ग) भुभ ६ ५२ ६ ५१ ते अपार्थतेन ६२ तुं ते अत्तरासण् ६२ तुं ते अत्तरासण् ६२ तुं ते उत्तरासण् ६२ तुं ते उत्तरासन करना Wrapping of scarf round the face. कप्प॰ २, १४; जं० प० ४, ११४, भग० २, ४, ६, ३३, १४, १, श्रोव॰ १२; नाया॰ १, १६, विषा॰ १; राय॰ २३, —करण् न॰ (-करण्) अञ्जो उपेशी शण्ट देखी ऊपर का शब्द vide above "एग साहिष्ण उत्तरासङ्ग करणेणं" नाया॰ १;

उत्तरासमा स्ना॰ (उत्तरसमा) भध्यः

प्राभनी येथि। मध्य प्राप्त की चौर्था मूर्जुना The fourth note in one of the seven primary notes of Indian music. श्रामुजी • १२=;

उत्तराष्ट्रत्तः त्रि॰ (उत्तराभिमुख) उत्तर तर्ः; उत्तरने सन्भुभ उत्तरकी श्रोर, उत्तर दिशा के यन्मुख. Towards the north; facing the north " थोवावसोसियाए सज्भाए ठाइ उत्तराहुतो" श्रोघ॰ नि॰ ६५०,

उत्तरिङ्ज न॰ (डत्तरीय) भ ला ७५२ राभवानु वस्त्र-हुप्रृटे। कन्नेपर रखने का बस्त्र-हुपद्य A scarf, an upper garment "उत्तरिज विकडूमाणी " उमा॰ ६, १६६ श्रोव॰ ३१, दसा॰ १०, १, नाया॰ १, ६, १२, १४, भग॰ ६, ३३; ज॰ प॰ कप्प॰ ४, ६२,

उत्तरिज्जग. न॰ (उत्तरीयक) लुओ। ७५थे। श्रृष्ट देखो ऊपरका शब्द. Vide above. उवा॰ ६ १६४,

उत्तरिङ्जय न॰ (उत्तरीयक) ळुळी। ઉपसी। शण्द देखो ऊपरका शब्द. Vide above. डवा॰ ६, १६४;

उत्तरिय पु॰ (उत्तरिक) उत्तर शुणुसिभिति वगेरे उत्तर गुण्-सिमिति वगैरह.
Samithete (i. e. care in walking, enting etc) विशे॰ १२४५;
(२) ति॰ प्रधान; श्रेष्ठ प्रधान; मुख्य;
श्रेष्ठ; उत्तम principal, highest,
best. नाया॰ =; वेय॰ ४, १=: ठा० १०;
(३) हु४८८१; भिभे राभ्यानं यस्त्र दुपद्या,
कवेपर रखनेका वस्त्र a scarf. an
upper garment. नाया॰ २;

उत्तरिह्म त्रि॰ (योत्तर) छत्तर दिशाभानं, छत्तर दिशासंभ थी उत्तर दिशा में का; उत्तर दिशा सम्बन्धा. Northern; pertaining to the north. नाया॰ च॰ ४, उत्थरंत. व॰ कृ॰ त्रि॰ (उतस्तृण्वत्)
आव्धादन करता हुन्ना;
डांकता हुन्ना. Covering; hiding.
'' श्राणि एहिं उत्थरंता श्रीभभूय हरंति परधणाइ '' पगह॰ १, ३;

उत्थल न० (उत्स्थल—उन्नतानि ध्ल्युच्छ्य रूपाणि स्थलानि=उत्स्थलानि) धूसना टेडरा. धूल के टेकडे. A sund-hill; n sandy down भग० ७, ६,

उत्थारा न॰ (उत्थान) ७६वुः ७सा थपु. उटना, खंड होना. Rising up; getting up विशे॰ २८२६,

उत्थियः त्रि॰ (श्रवस्तृत) आ^२७१६न ६रेस. दंभिल. ढाका हुन्ना, श्राच्छादित. Covered; concealed from view. उवा॰ १, ४६, उदम्र-य. पुं॰ न॰ (उदक) જस, पाणी. जल; Water श्राया॰ १, ६, १, १७७, उत्त० ७, २३; २८, २२, नाया० १; ५; ८; १४, १८, भग० ३. ३; राय० २७; श्रोव > ३९.दसा० ६, १; ६, २, स्०प० १०; विशे० ૧૪૪૮, ૧૫૦ ાંન૦ = ३; (૨) પાણીમાંની अधे वनस्पति. जल मे की एक वनस्पति a kind of aquatic plant पन १; (३) પર્વગ જાતની વનસ્પતિ; એક भतन् वृक्ष पर्वम जाति को वनस्पति; एक प्रकारका वृत्त. a kind of ree पन १; (૪) ૬૦ એ નામના એક અન્યતીર્થિ વિદ્વાન इस नामके एक अन्य धर्मी विद्वान्. name of a learned non-Jaina भग॰ ७, દઃ (૫) ગાેશાલાના એક મુખ્ય શ્રાવકન્ नाभ. गोशाला क एक मुख्य श्रावकका नाम name of one of the principal lay-followers of Gosala भग॰

r, ષ્ર; (૬) ઉદક નામે (અપર નામ પેઢાલ પુત્ર) એક પત્ર્ધનાથના સંતાનીયા નિચન્થ કે જેના ગાતમસ્વામી સાથે સંવાદ भेषा हता. उदक्र (श्रपरनाम पेढान पुत्र) नामका एक पार्श्वनाथका श्रमुयायी साधु कि जिसका गीतम स्वामी के साथ संवाद हुआ था. name of an ascetic follower of Parsvanatha, who had held discussion with Gautuma Swami; he is also named Pedhālputra. स्य॰ २, ७, —उप्पीलाः स्रो॰ (ः) पाणी वगेरेंना प²थे।-सभु८ जल वर्गरह का समृह• ध volume of water etc. भग॰ ३, ७; —तल न॰ (-तल) पार्धीनुं तक्षीयुं. जल का तन the bottom of water. दसा॰ ६, १; —परिफोसिया स्रो॰ (-पिरप्रपत्) પાણીનાઝીણા છાંટा; કુવાડ पाणी के छोटे छोटे छोटे; फुबारे अрилу of water नाया॰ दः

उद्द त्रि॰ (उद्यिन्) अध्य पाभनार उद्य पाने वाला. Rising; coming to rise. '' उद्द्रणो प्रणुद्द ठराहं '' भग॰ ११, १: ३४, १:

उदह्य पुं० (श्रीदियक) धर्भनी उदय कर्म का उदय Maturity of Kaima; state of maturity. (२) धर्मना उदय से निष्पन्न-उप्तत धापु- भांनी ओंध उदय से निष्पन्न-उप्तत धापु- thing resulting from maturity of Karma. श्रमाजी ८८. भग० १७, १; २५, ६; क० ग० ४, ७२; — श्राह. जि० (-श्रादि) उदय साव जेमां आदि

^{*} जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटनेत्र (). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

उद्जल त्रि॰ (उदकाद) पार्थीथी भीनुं थयेस पाणी से मींजा हुआ Wet with water, " उदउत्त वीयसंसत्तं" दस॰ ६, २४, ४, ४, १, २३; ६, ७, श्राया॰ २, १, ६, २३३; निसी॰ ४, ४०; कप्प॰ ६, ४३; प्रव॰ ६१६; — काय पुं॰ (-काय) पार्थीथी भीनु शरीर पानी से गींला शरीर body wet with water. दस॰ ४; — चत्था. न॰ (-वस्त) पार्थीथी भीनुं वस्त्र पानी से गींला वस्त्र. cloth wet with water दस॰ ४,

उद्एचर. त्रि॰ (उद्कवर) ज्याया जल-चर; जल में रहने वाले प्राणी. Aquatic. ''उद्एचरा श्रामास गामिणो '' श्राया॰ १, ६, १, १७७,

उदश्रोदर पुं॰ (उदकोदर) क्लेस्टर रे।ग जलोदर रोग Dropsy ज ॰ प ॰ २,

उद्कः न ० (उदक) पानी जल, पानी Water. जीवा० ३, ३, — भायरा पुं० (-भाजन) पार्शीनुं वासणु पानी का वर्तन. A vessel for keeping water in. निसी० १८, १७,

उद्ग. न॰ (उदक) पाण्डी; श्रव. जल, पानी ४. 11 /28

Water. पंचा॰ २, ११; प्रव॰ १४६२; कप्प० ४, ५६; जं॰प० ५,१२०, निसी० १८, १८; नाया० ६; ८; १८, भग० १, ६; ८; ५, ४; ७,१; १४, १, पञ्च० १; नदी० ३४; दस॰ ४, ४. १, ७४; उवा॰ १, २७; ४१, -(गा) आवत्त पुं॰ (-श्रावर्त्त) पाशीनुं य छ र - लभरी - यभल पाणी का भौर. an eddy; a whirlpool of water. श्रमुलो॰ १३४; भग॰ ४, ७, -गब्भ. पुं॰ (-गर्न) पाणीना गर्भ-पाणी रूपे थनार प्रद्रस परिछाय पानीका गर्भ; पानी रूप होने वाले पुरुत परिनाय. particles of matter transforming themselves into the element of water. "चतारि उदग गठभा परायाता तं जहा " भग० २, ५: - जोिखाय. पु० (-योनिक-उदकं योनिरुत्पतिस्थानं येपां ते) पाधीभां अत्पन्न थनार छव पाणी में उत्पन्न होने वाला जाव an aquatic sentient being "इहे गत्तिया सत्ता उद्ग जोगिया उदग संभवा" सूय० २, ३, १७; —दोगी. स्त्री॰ (-द्रोगी) पाशी भैंयवानी डेास पानी भरनेका डोल. a bucket for drawing out water 'मलं उदगदोणीगं'' दस॰ ૭, २७; (૧) ન્હાની હાેડી, મછવા જોદોસી टोंगी; डोंगा a small boat. श्राया॰ ७, ૪, ૨, ૧३૦; (३) લેાહારની પાણીની કૂડી કે केमा तपेंबुं क्षीढ़ हारवामा आवे छे लुहार की पानी की कुंडी जिसमें कि तपाया हुआ लोहा बुकाया जाता है a bucket of water in which heated iron is dipped and cooled. "उदग दोगां खिवत्तिए" भग० १६, १;—धारा स्री० (-धारा) पाशीनी धारा जलधारा. a stream of water; a down pour

y

-परिख्यः त्रि॰ (-परिखत) पार्व क्रे परिष्याभ पानेत. जल मय में परिणाम पाना हुया transformed into water. ठा॰ ३,३; -पोगाल. पुं॰ (-पुत्रक) पाणीना पुरुष ने। समुद्रः चाहतं, जल रच पुहल का समृद्ध बादल, मंप. a collection of watery particles; a cloud "त्रथ समुद्धियं उद्ग पौगालं परिण्यंवा." ठा॰ ३, ३; — ध्यसूयः त्रि॰ (-प्रम्त) જલમાં ઉત્પન્न थयेल अन्द्र साहि जल मे उत्पन्न हुए कन्द्र श्रादि (a bulbous root etc.) produced in water "उदग पम्याभी कटाणि वा मुलाणि वा पत्ताणि वा '' प्रायाः २, २, १, ६४: —फोसियाः जा० (-प्रयद्) पाण्नीना शि ह जल विन्दु Spray of water; small drops of water, नागा॰ =; —शिदु पुं॰ (- बिन्हु) भाष्ट्रीनुं टीपुं पाना शिबिन्दु, जल का छीटा. a drop of water. भग० ४, ७; ६, १; यंना० ४, ४७, — मच्छ पुं॰ (-मतस्य) छड धनुःचना ६८५१. इन्द्र धनुष्य के दुकछे. bite of rainbow. भग० ३, ७; श्रमुजी० १२७, जीवा० ३, ३; —माल. पु॰ स्री॰ (-माला) ઉपश ઉपर રહેલ પાણીની શિખા; દગમાલા. एक पर एक स्थित पानी की शिया. crests of water piled one upon another ''लवणस्तर्णं समुदस्य के महालए उद्यमाने पर्याते" जीवा॰ ३, ४; ठा॰ १०; - रयसा. पु॰ (-रत्न) શુદ્ધ પાણી, રત્ન સમાન પાણી. शुद्ध पानी. pure water; crystal water. "उद्वे उदगरवर्ण श्रस्तादिए" भग० १४, १; नाया० १२; —रस. (-ग्स) पुं० पाछीते। रस पानी का रस. water in the fluid form. "तथा समुद्दा पगईप उदगरसेण पराणता" जं प १: - राई

ह्मी - (-राजि) पर्लानी सीटी, पानी ही in a line of water, &- 9- 4, 42; — लेब पुंच (-स्तप) नापा थाने तरवा પાબિમાં સાવવં-નદી ઉતરવી તે. જિન્ન વાર્તા में नार बने इतने पानी से में नदी पार होना. fording a river atc, at a place where a bost can sail "wait गायम्य गर्या दालेवे की गांत प्रका" मग० २३: हमा० २, ५०: ५३: (६) पण्याने क्षेपः पाण्यायी निज्यतं ते. जनका नेप: पानी में भित्राना, getting wet with water, wan 2, 3, 33, 88: -वित्यः पुंच श्लीच (-विन्ति) पार्जीती भभक्ष, याना की महाह n lenther bug for holding water in, "इदगरीयं परामुसह " नागा॰ १८: —संभाराणुज्जः त्रि॰ (नमस्मारकांग) पार्जाने शुद्द इत्यानी परत् पाना की हाट करने का वस्तुः आए to purify substance hopu water. " इह तुहै चहुदि उश्मसंमारिक-जेहि " नागा० ३२:--स्वत्थः पुँ० (-शब-उद्कविवमधंतत्त्राया) पाधीना छवनी नाश **३**२ना२ शरेब: व्यक्ति आर पंगेरे. जल के जीवों का नाहा करने याना शहाः प्राप्तः चार नगरह a weapon which destroys sentient beings living in water e.g. fire, poisonous salts etc. थाया १, १, ३, २३: —साला मां (-काला) पाधीनुं पर्व (परव). पानी की पो a place where water iq supplied to travellers etc. (out of charity). न्य॰२, ७, ४; -सिद्दाः स्रा॰ (-शिखा) हरीयानी वेक्ष; पाणीनी **ભરતી એ**। ८. पानी की चढतो श्रीर पटती. and tide of the sen ठा० १०:

उद्गणाय. पुं॰ (उद्कज्ञात) भाष्ट्रीना द्रष्टातवार्ड्ड ज्ञातासूत्र १२ मुं अष्ययन खाइं के जल के दृष्टान्त वाला ज्ञातासूत्र का १२ वा अध्ययन Name of the 12th chapter of Jñātā Sūtra containing an illustration of ditch water सम॰ १६, नाया॰ १;

उद्गत्त. न॰ (उदकत्व) पाछ्रीपछुं जलपना; जलस्व State of being water. "या बहवे उदगजोिर्णया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताय वक्कमित "ठा० ३, मग०२,४, उदगसीमय. पु॰ (उदकसीमक) એ नामनी એક वेલंधर नागराज के निवास करने के एक पर्वत का नाम Name of a mountain-abode of Velandhara Nagaraja जीवा० ३;

उद्गा ति॰ (उद्ग) ६८३८, न्नतः, ६तरे।
तर पृक्षियक्षि उत्कट, तीत्र, उन्नतः, उत्तरोत्तर
वृद्धि वाला Fierce, intense, tall,
lofty, mighty; increasing
"उद्गो दुष्पहंसए" उत्त॰ ११, २०; भग॰
२, १; नाया॰ १; ४; —न्नारित्ततव. पु॰
व्र्षां० (-चारित्रतवस्-उद्ग प्रधान चारित्र
तपश्च यस्य स तथा) ध्रधान थारित्र तथ् प क्षां० प्रधान चारित्र-तथ वाला one of
austere right conduct and
penance उत्त॰ १३, ३४,

उदत्त त्रि॰ (उदात्त) उत्तत्त, प्रधान, श्रेष्ठ
 उदात्त, प्रधान, मुख्य; श्रेष्ठ, उदार High,
 lofty, prominent उत्त॰ १३, ३४,
 मग॰ २, १, ३, १. ६, ३३, (२) व्यक्षः
 र'हि स्वरने। ओड प्रधार अकारादि स्वर का
 एक प्रकार. a particular variety
 (accent) of vowel-sound प्रव॰
 प्रभ॰;

उदत्ताभः पुं॰ (उदात्ताभ) गैतिभ भेतिनी भेड शाणा अने तेने। पुरुषः गाँतम गोत्र की एक शाखा श्रीर उस शाखा का पुरुषः Name of a branch of Gautama family-stock, a person belonging to this branch "ते उदत्ताभा" ठा॰ ७, १;

उद्धि पुं॰ (उदाधि) सभुद्र समुद्र; दर्या. The ocean, the sea सू॰ प॰ १६: जीवा॰ ३, १;

उदय पुं॰ (उदय) ઉપત્રું, પ્રગટ थतु; ઉદય थवु ते ऊगना, प्रगट हाना, उदय होना Rising; coming to view, appealance. ठा० २, १. पराह० २, ४; सू॰ प॰ १, नाया॰ ३; श्रोव॰ ११, (२) અભ્યુદ્ધ, ચડતી. श्रम्युद्य, बढती; चढती. use, prosperity सूय०२, ६, १६; पि॰ नि॰ ४१४, (३) अपक्षुं, अत्पत्ति पैदा होना: उत्पत्ति buth, creation; pioduction सम॰ ३२; (४) जंधुद्रीपना ભરત ખડમાં થનાર સાતમા તીર્ધકરતૃ નામ जबद्वीपके भरतखड में होने वाले सातवें तीर्थ-कर का नाम the name of the 7th would-be Tithankara of Bhaiatakhanda in Jambudvipa લેત્રમા થતાર ત્રીજા તીર્થકરના પૂ**વં**ભવનુ नाभ जंबुद्वीप के भरतखड मे होने वाले तीसरे तीर्थंकर का पूर्व भव का नाम the name in the past birth of the third would-be Tirthankara of Bha ratakhanda in Jambudvīpa सम॰ प॰ २४१, (६) डर्भन विपाडा लि-મુખ થવુ તે, ક્ષાનાવરણીયાદિ કર્મના ઉદય. कर्म का विपाक (फल देने) के सन्मुख होना; ज्ञानावरकायादि कर्मी का उदय maturi-

ty of Karma; e.g. of knowledge-obstructing Karma etc. भग० १, ६; २, ५; ५, ४; ८, ६: १४, २, २०, ३; ४०, १४; पिं० नि० १०२; (७) ઉદય ભાવ: ७ ભાવમાના પ્રથમ ભાવ उदय भाव; छह भावों में का प्रथम भाव. state of rising or coming to birth: the first of the 6 Bhāvas. भग॰ १४,१;--श्रंतः पुं० (-भ्रन्त) नही आहिना પાણીની સીમા; જ્યાં નદી પુરી થાય તે अदेश नदी आदि के जल की सीमा, वर प्रदेश बहां नदी प्री हा. the place where the water of a river ends or terminates. भग॰ १, ६; —श्रंस. पुं॰ (-श्रंश) उदयना स्थानक उदयके स्थानक any of the portions that have come to rise or maturity. कु॰ गं० ६, १८; —गय. त्रि॰ (-गत) अध्याना २थानने प्राप्त थयेश. उदयस्यान को प्राप्त. come to rise, riseu. क॰ ग॰ ६, ४०; — शिफ्फरास. त्रि॰ (- निष्पन्त) धर्भना **ઉदयथी निष्पन थयेत. कर्म के उदय सं** निप्पन्न-उप्तम. produced on account of the maturity of Karma; resulting from the maturity of Karma, भगः १७, १, २४, ४; —त्थमणः त्रि॰ (-चस्तमान) स्य^दना ६६४ अथवाने। सभय सूर्यके उदय श्रस्त का समय. the time of sunrise and sunset. कण॰ ३,३६; —पत्त. त्रि॰ (-प्राप्त) ६६५ भाभेक्ष. उदय पाया हुआ. matured; come to rise. भग॰ २४, ७: पराह० २, ४; —विद्वि. पुं० (–विधि) ઉદયના પ્રકાર. उदयका সন্থাব. mode or method of coming to rise. क॰ ग॰ ६, ३०; — संटिइ

स्री॰ (-संस्थिति) सूर्यं ना ઉद्दयनी रिथिति.
सूर्यं के उदय की स्थिति. the condition of the sun at the time of lising. मृ० प॰ ६; —संत. स्री॰ (-सत्ता) उदय अने सत्ता स्वरूप उदय श्रार सत्ता स्वरूप. the existence and rise i. e. maturity (of Karma).
क॰ प॰ ७, ५३; ४४,

उत्यक्तिण पुं (उत्यक्तिन) आवती येविशीना सातमा तीर्थं इर हे के ओह वणत महावीर स्वाभीना आवह शे प्रक्ष हता आगामी चौवीसी के सातवें तीर्थं कर जो एक समय महावार स्वामीके शंखर्जा नामक आवक थे. The 7th Tirthankara of the coming Chovîsī i. e cycle who was once a Śrāvaka (by name Śańkhajī) of Mahāvīra Śwāmī प्रव॰ ४६७;

उद्यग्सत त्रि॰ (उदयनसत्व) उध्य भाभते। छे सत्य केने। ते. जिसका सत्व उदय को प्राप्त हो रहा है वह. (One) whose spirit or might is on the rise ठा॰ ४, ३:

उद्यक्षीम पुं॰ (उदक्कीमन्) लवण समुद्रभां उत्तर हिशाओ आवेशी ओड आवास पर्वत लवण समुद्रके उत्तर दिशामे स्थित एक श्रावास पर्वत Name of a mountain abode in Lavana Samudra in the north. सम॰ ४३;

उद्यसेगा. पु॰ (उद्यक्षेन) भीरसेन ने श्र-सेनने। पिता. वारसेन चीर श्र्रिक्षेन के पिता का नाम. Name of the father of Virasena and Sunasena स्राया॰ नि॰ १, ४, १, १;

उद्यायल पुं॰ (उद्याचल) उध्यायस भर्वत उद्याचल पर्वत The eastern mountain named Udayāchala behind which the sun rises सु॰ च॰ ३, ७६;

उद्र. न॰ (उद्र) ०४६२, पेट. जठर, पेट
The belly, the stomach सूय॰
१, ५, २, २, २, १, ४२; दस० ४, जीवा॰
३, ३: श्रोव॰ १०, निसी॰ ७, १४; श्रामुजो॰
१३१; नाया॰ १३; श्राया॰ १, १, २, १६;
उवा॰ २, १०१,

उद्रयलीः स्री॰ (उदरावाले) अथलुः अथेलु कलेजा. The heart. निर॰ १, १, —मंस. न॰ (-मांस) अथलानु भास. कलेजेका मास the flesh of the heart. निर॰ १, १.

उद्दि नि॰ (उद्दिन्) पेटनी रेग्गी, ज्येहर रेग्ग्यादी पट का रोगी, जलोदर रोगवाला (One) suffering from a dominal affections like dropsy etc. याया॰ १, ६, १, १७२.

उदिरिकः त्रि॰ (चौदिरिक) क्षेतिहरना रेश पाली जलोदर रोगवालाः (One) suffering from dropsy पग्ह॰ २, ४,

उदिरियः न० (श्रीदिरिक) अश्रीः "उदिरिक" शण्ड देखों " उदिरिक " शब्द Vide " उदिरिक " विवा १, ७,

उद्वाह पु॰ (उद्वाह) প्रथती ताती प्रयाद्ध, जलका छोटासा प्रवाह A small current of water "उद्वाहाइ वा प्रवाहाइ वा भग०३, ७,

उद्हि पुं० (उद्धि) सभुद्र. हरीथे। समुद्र, उद्धि, दर्या The ocean; the sea ठा०२ ४ उत्त० ११, ३०; भग० १, ६, ६. विशे० १३३२; पि० नि० भा० १७, प्रव० १४६३, क० प० १, ७०, जं०प० २, ३३, ४, ११६, (२) ६६ धिकुमार नामे लपन ।ति हेवतानी स्थेक गत उद्धिकुमार नामक भवनपति

देवों की एक जाति a class of Bhavanapati gods named Udadhikumāra उत्त. ३६, २०४; परहर १, ४, सम० ७६; श्रोव० (३) धने।६धि. घनोद्धि. the ocean named Ghanodadhi. भग० १, ७, (४) समुद्र-सागरे। पभ; डालविलाग विशेष सागरोपम, कालविभाग विशेष a Sāgaropama; a particular division of time कः गं० ५, २६; — पद्दहिय त्रिः (-प्रातिष्टित) धने।हिध समुद्रने आधारे रहें अ. धनोद्धि समुद्र के आवार स रहा हम्रा supported on, resting on Ghanodadhi ocean. पहाट्टिया पुढवी " भग० १, ७; — पुहुत्त न॰ (-पृथक्तव) भेथी भाडीने नवसागरे।-पभ सुधी. दो स नोसागरोपम ranging from two to Sagaropamas of time. কণ্ড १, ६३; मंगल पु॰ (-मज्जल) सभुद्र विष्नको दूर करनेवाला मगल unything that averts or destroys the obstacles or misfortunes connected with the sea पंचा =. ३७: —सरिस त्रि॰ (-सदश) सभुद्र-સાગર સરખું, સાગરાેપમ, દસ કાેડા કાેડી પલ્યાપમ પ્રમાણ કાલ વિભાગ समुद्र के समान, सागरोपम: दस कांडा कोडी पल्यो-पम के प्रमाण काल विभाग similar to an ocean, a division of time equal to 10 croie x 10 ciole Palyopama. उत्तः ३३, १६:

उद्दिक्कमार. पुं॰ (उधिकुमार) ७१६ ५भारनाभे अपन्यति देवतानी येथे अलत भवनपतिदेवों को उद्यि कुमार नामक जाति. उद्दिकुमारी खो॰ (उद्धिकुमारी) उद्धि इभार कातना अवनपतिनी देवी उद्धि कुमार जाति के भवनपति देवों को देवां A female deity of the Udadhikumara Bhavanapati class of gods भग॰ ३, ७.

उदाइ ५० (उनाचिन्) हु डिहायन शात्रमां જન્મેલ ઉદાયી નામના એક માણસ કે જે ગાશાલા ના છકા પ્રૌહપરિહાર कुंडिकायन गोत्र में जन्मा हुआ नामक एक मनुष्य जो कि गोशाला का छठवाँ शौढ परिद्वार था Name of a person born in the Kundikāyana family who was the sixth Praudha Parthara of Gosala भग० १५, १. (२) डेा शिंड राज्यते। अहाथि नाभे એક क्षांधी कोशिक राजा का उदायि नामक हाथी name of an elephant of a king named Konika भग॰ ७, ६; १६, १; (३) કેાણિકના એક પુત્ર કે જેણે કાેેેશિકના અવસાન પછી પાટલિપુત્ર નગર વસાવી ત્યા પાતાની રાજ-પાની સ્થાપી: જેને ઉદાયી નામના અભવ્યે પાષામા મારી નાખ્યા હતા; જે તીર્થકર નામકર્મ ઉપાર્જન કરી આવતી ચાવીસીમા सपार्थानामे त्रीका तीर्थं इर यशे कोशिक का एक पुत्र जिसने कि कांग्रिक की मृत्य के बाद पार्टालपुत्र नगर बसाया श्रीर वहां अपनी राजधानी स्थापित कीः जिसे उदायी नामक श्वभव्यने पोपध-उपवास की श्रवस्या में मारडाला: जिसने तथिकर-नामकर्म का उपार्जन किया और श्रागामा नोवीसी में नामक तीसरा तीथंकर होगा. name of a son of Konika. Konika's death he After founded the city of Pātalıputra and made it his capital. He was killed by an Abhavya (one not capable of being liberated) during the continuance of Pausadha (fastingwill earn etc). He thankara Nāmkarmu and the third Tithankara named Supārśva in the coming Chovīsī (cycle) ঠা॰ ১

उदायजीव पु॰ (उद्यिजीव) है। शिक्षता पुत्र-ઉદાયિગગ્નનાે છવ કે જે આવતી ચાેવી-સીમા ત્રીજા સુપાર્ધાનામના તીર્થકર થશે काँगिक का पुत्र उदायि राजाका जीव जो भावी चौवीसी में सुपार्श्व नामके तीर्थकर होंगे The soul of king Uday! (the son of Konika) who will be the 3rd Tirthankara by name Supārśva in the coming Chovīśī (। e. cycle) प्रव॰ ४६५; उदायरा पु॰ (उदायन) सिंधुसाणीर देशना વીવિભય નગરના રાજ્ય કે જેણે દીકરાને રાજ્ય ન આપતાં ક્રેશી નામના ભાણેજને રાજ્ય આપી મહાવીર સ્વામિ પાસે દીક્ષા લીધી. सिधुसोबार देश के वीतिभय नगर का राजा जिसने कि पुत्र को राज्य न देकर श्रपने केशी नामक भान्जे को राज्य दिया श्रीर महावीर स्वामीसे दीचा ली Name of a king of the city of Vitibhaya of the country of Sindhusauvīra. He, unstead of giving his kingdom to his son, gave it to his nephew named Keśi and took Dikśā from Mahāvīra Swāmī. उत्त॰ १८, ४८; भग० १३, ६. (२) डेशिशाणी नगरीना राज्य शतानीक्रने। पुत्र, कौशांवा गगरी के राजा शतानीक का पत्र name of the son of Satānīka, king of the city of Kośambi. " तस्सण शयाणीगस्स पुत्त मियादेवीए श्रत्तप् उरायणे गाम कुमारे हेात्था " भग० १२, २, विवा० १, ४,

उदायि पुं॰ (उदायिन्) डेािश्डि भहा-राजना हाथीनु नाम कोियाक महाराजा के हाथा का नाम Name of the elephant of king Konika भग॰ १७, १;

उदार. त्रि॰ (उदार) ઉદार, प्रधान, श्रेष्ठ.
 उदार, प्रधान; मुख्य, श्रेष्ठ Generous,
 high; excellent; prominent
 भग॰ २, १, ५, — मण त्रि॰ (-मनस्)
 ઉદાર चित्तवासी उदार चित्त वाला
 magnanimous, generous भन्त॰
३०,

उदारत न॰ (उदारत) श्रीरपणु, सत्य-वयनी २२ मे। अतिशय उदारता, सत्य-वचन का २२ वा अतिशय Generosity, nobility, the 22nd super natural manifestation of truth tulness of speech सम॰ टां॰ ३५, उदारय त्रि॰ (उदारक) श्रीरता याक्ष (१५५) उदारता पूर्ण (तपकर्म) High, noble (ascetic Karma) नाया॰ १;

उदासीण त्रि॰ (उदासीन) राग द्वेपरिंत; शान्त; शान्त, मध्यस्थ; तटस्थ Free from passion and hatred; dispassionate neutral. श्राया॰ १, ६, ३, १६१ स्य॰ १, ४, १, १५,

उदाहड त्रि॰ (उदाहत) ४६९, ६शांवेस कथित, कहा हुआ; दिखाया हुआ Soud; pointed out; explained. सूय॰ २, ६, ६१;

उदाहरण न॰ (उदाहरण=उदाहियते गृह्यते दार्शन्तिकोऽथांऽनेनेति) ઉદाहरणु, दाभिले। उदाहरण, दृष्टान्त An illustration, an example पिं० नि॰ १९३, नाया॰ ३, पंचा॰ ७, १४,

उदाहरिय त्रि॰ (उदाहत) धाणसा साथे अंदेश उदाहरण सहित कहा हुआ Explained, narrated with illustration नाया॰ ८,

उदाहिय त्रि॰ (उदाहत) स्थल धरेस, व्याप्त्यान धरेस कथन किया हुआ, कथिन, व्याख्यान किया हुआ. Told, narrated, illustrated "जामा तिरिण उदाहिया" आया॰ १, ७, १, २००;

उदाहु. श्र॰ (उताहो) वि५१५, २५४व। विकल्प, श्रथवा; या. Or, an alternative conjunction. भग॰ १, १; २, ५, ५, ७, ८, ८, १०, १५, १; १८, ८, नाया॰ ३. ७; १६, पन्न॰ १०; विवा॰ ३,

 जैसे कि भरत महाराज. Prosperous; rising both in this world and the next; e g. king Bharata. ठा॰ ४, ३, विवा॰ ३;

उदिराण त्रि॰ (उदीर्ण) ७६५ पाभेत उदय पाया हुआ Come to rise; risen; matured, पत्र २०; २३; नाया० १: भग० १, २; ३, ४, ७, २, ४; प, ४; १०, १. नदी० ८, —कम्म, त्रिल (-कर्मन्) अध्यभा आवेस छे धर्म केना ते जिसके कमें उदयमे आये हुए हैं वह (one) whose Karma has matured ठा॰ ४, १; —कामजाश्र-त्रि॰ (-कामजात) लेने अभने देशप्रभु પ્રકાર-વિકાર ઉદયમાં આવ્યા છે તે. जिसके उदय में काम का कोई भी प्रकार-विकार-उदय श्राया है वह (one) whose passion has दसा॰ १०, ३, -मोह नि॰ (-माह) ઉत्हट भेष्टना अन्यवादीत तांत्र मोह का उदय वाला. (one) whose infatuation or delusion has acutely risen. " श्रणुक्तरीयबाद्याण् भंते देवा किं उदिग्णमोहा " भग० ४, ४; उदित । त्रि॰ (उदित) ७६४ थथेल; भदार

उदित त्रि॰ (उदित) ઉદય થયેલ; শदार आवेस उदित, उदय प्राप्त Rison; come to view नाया॰ 1;

उदिन्न न०त्रि० (उदीर्ग) लुओ "उदिग्गा" राण्ट देखो " उदिग्गा " शब्द. Vide " उदिग्गा " क० प० १, ३२;

उदियः पु॰ (उदित) ઉદય पामेल; उगेल. ऊगा हुत्रा सूर्यः The sun in its rise, the sun risen above the horizon नाया॰ १,

उद्गिची स्त्री॰ (उदीची) उत्तर दिशा उत्तर दिशा The north भग॰ ४, १.

उदीशा. पुं॰ न॰ (उदीचीन) उत्तर हिशा;

उत्तर विलाग. उत्तर दिशा; उत्तर विभाग.

The north; the northern region. स॰ प॰ ५. जं॰ प॰ ४, ७२:

४, १४०: ७, १४०; सग॰ ३०२; नागा॰

१: —ग्रमिमुद्द ति॰ (-ग्रमिमुप)

उत्तर दिशाने सन्भुभ. उत्तर दिशाके मन्मुम. किलालू the north. यग॰ १, ३७;

—वाश्र-य पुं॰ (-वात) उत्तर दिशाने। वायु. उत्तर दिशाने। पायु. उत्तर दिशाने। पायु. उत्तर दिशाने। पायु. उत्तर दिशाने।

उदीणाः ग्री॰ (उदीचीना) उत्तर रिशा. उत्तर दिया. The north. ' दो दिभाष्ट्रों कष्पड पाइणं चेत्र उदीणं चेत्र " ठा॰ २: राय॰ श्राया॰ १, ६, ४, १६४, जं॰ प॰

उदीरमा त्रि॰ (उदारक) त्रिनिश्वा हरतार.

उदारमा करनेवाला. (One) who
forces up (Karma) into maturity भग॰ १, १; ३४, १; क॰ प॰४, ४;

उदीरमा न॰ (उदीरमा) अतिश्वा हर्यो ते.

उदारमा करना; गत बात को प्रगट करना.
Telling or exposing the past.

उदीरण्या स्री० (उदीरणा) अशि।
"उदीरण" शण्ह. देगी "उदीरण"
शब्द Vide. "उदीरण" क० गं० २, १;
उदीरणा. स्री० (उदीरणा) अशि। 'उर्हरणा'
शण्ह. देखी " उर्हरणा" शब्द Vide.
"उर्हरणा" ज० प० भग० ३, १; ७, ६; क०
गं० २, २४, ४, ४; क० प० ४, १; ४,
४०; प्रव० ४६;

श्रीवर १६: कर गं० २, १३;

उदीरय. त्रि॰ (उदीरक) लुओ। " उदीरम " शण्ट. देखी "उदीरम" शब्द Vide 'उदी-रग " भग॰ २४, ६;

उदीरिय. त्रि॰ (उदीरित) लुओ। "उईरिय" शफ्र देखो " उईरिय " शब्द. Vido

"उईरिय" थ्राया० १, ६, ३, १६२; पष्न० २३; राय० १२८; सग० १, १; ३, ३; उत्त० २६, ७१;

उदीरि(रे)तार. त्रि॰ (उदीरियतृ) ६६२नारः प्रेरणा करनेवालाः One who prompts or forces

Une who prompts or forces up (e. g. Karma) into maturity सम॰ २०; इसा॰ १, १४;

उदु. पुं॰ (ऋतु) अतु; भे।सभ. ऋतु; मोसम. A season नाया॰ १;

उदुंचर. न॰ (उदुम्बर) એ नाभनुं विपाध स्त्रनं आहेम अध्ययन. इस नामका विपाक स्त्रका आठवाँ अध्ययन. Name of the 8th chapter of Vipāka Sūtra. ठा॰ १०, १;

उदुव्मेय पुं॰ (उदकोद्भेद) गीरी-पर्वत तर आिरमांथी पाणीत निक्षतु. पर्वत, तर श्रादिसे जलका निकलना. A spring of water from a mountain etc. भग॰ ३, ७;

उदुहल पुं॰ (उद्घुयल) ખાંડણી; ઉખલ श्रोखली. A mortar. श्राया॰ २, १, ७, ३७; विशे॰ १०३०;

√ उद्-श्रय वा॰ I (उत्+श्रय्) ઉદય थवे।; ७१९ं. उदय होना, ऊगना. To rise; to come to rise.

उदयति नाया॰ ४; उदयंत. व॰ कृ० भग० १, ४; ६;

 $\sqrt{3}$ द्-श्रा-हर. धा॰ I (3त् +श्रा + हः) કહેવુ; प्रतिपादन करवुं; द्राभक्षा सिंदत वर्ध्न करवुं. कहना; प्रतिपादन करना; v. II /29 उदाहरण सहित वर्णन करना To tell; to explain; to illustrate.

उयाहरे. वि॰ उत्त॰ ११, ४; उदाहरे. वि॰ उत्त॰ ४, १; स्य॰ १, २, २, १३;

उदाहरिस्सामि. भवि॰ उत्त॰ २, १; दस॰ =, १;

उदाहु. उत्त॰ ६, १८; नाया॰ ८;

√ उद्-इ. धा॰ II (उत्+इ) ઉદય થવे।; ઉगर्वु. उदय होना; ऊगना. To rise; to come to rise.

उदेइ. जीवा॰ ३, २;

उदीरह राय॰ २६७; भग० ३, ३; क॰ प० ४, ४४;

उदीरेह उत्त॰ १७, १२; भग० ७, १; २४, १; ६; ७; ठा० २, ४, निसी० ४,

उदीरंति भग० ५, २, पञ्च० १४, गच्छा० ६८;

उदीरेंति. भग० १८, १०; नाया० ४; उदीरेंस्ति. पन० १४; उदीरेंसु भू० का० पल० १४; उदीरेंस्ता. वि० भत्त० १४६; उदीरित्ता. हे० कृ० वेय० ६, १; उदीरेंसाण. भग० २४, ६; श्रंत० ३, ८; उदीरिज्ञमाण क० वा० व० कृ० भग० १,

 $\sqrt{$ उद्-कस. था॰ I. (उन्+कृप्) ६वे भेंथवुं. ऊंचा रेत्वना. To draw up. (२) बित्धर्प धरवा. उत्कर्ण करना. to flourish; to prosper. उद्गामह. मू॰ प॰ १; उक्तिस्पामि. श्राया॰ १, ६; ३, १८४; उक्तमाचेइ प्रे॰ निर्मा० १८, ६; ७; =; $\sqrt{$ उद्-कीर. घा॰ I. (उन + 7्) है।तस्युं; छ।अवुं. कुतरना. इंनिना. To carve; to scratch off. टघोरइ. क० प० २, ६२; उद्यीरसि, श्रगुजी० १८६; उक्षीरमाखः ''तच केड् उद्धीरमाखं पार्मित्ता'' श्रणुजां० १४८: दरीरिज्ञमासा ऋ० वा॰ व॰ कृ॰ जं॰ प॰ राय॰ ४६; जीवा॰ ३, ४; √उद्-कुद्द्धा॰ I (डन्+सृद्धे) कृत्युं. कृदना. To leap; to jump. उक्कुद्दइ. उत्त॰ २७, ४; ७ भेऽतुं. खोदना. उखाटना. To dig; to

√ उद्-स्वर्ण. घा॰ I (.उत्+सन्) भेहितुं: ७ भेऽतुं. खोदना. उसादना. To dig; to dig out; to excavate. उक्सणइ. मु॰ च॰ १२, ४८; √ उद्-किस्त्रच. घा॰ I, II. (उत्+िष्) ७था १४तुं. ऊंचा फेंकना To throw

high; to toss.

डिक्खिप्प. मं० कृ० श्रादा० २, २, २;

डिक्खिवित्तु सं० कृ० " डिक्खिवित्तु न

निवित्त्ववे " दम० ४, १, ८४;

डिक्खिवमाण्. व० कृ० भग० १६, १,

डिक्खिप्पमाण्. क० ना० व० कृ० भग० ८, ६;

√ उद्-गच्छ. था० І. (उद्+गम्) ६६४

पाभर्युः ७११युं कगनाः टटय होनाः To rise. उमारछंति, स्०प० ६; टमाच्छं. सं० मृत भग० ४, ३; √ उद्-गम. धा॰ I॰ (टन +गम्) ५अर्युः अपनि। ७१४ थवे। जगना, सूर्य छ। उदम होना. To rise. उमामंत. २० मृत सृत सत् २, १०४। टमाममामा, २० हु० पस् १: √ डद्-गलच्छु. था॰ II.(🤌)दाइखुं ઉधायतुं दयन सुनवाना. To get a lid or cover opened टग्गलच्छावेमि. प्रे॰ राप्त० २१४; √ उद् गाइ. धा∘ I, II. (छव⊹गाह्) અવગાદવં: પ્રવેશ કરવા: અત્રર જતું. श्चनगाइन करना; प्रवेश करना; भीतर जाना; श्रंदर जाना. To enter; to penetrate; to pervade. उसाहेट. भग० २, ४; ११, १; १६, ६: नाया॰ १: विवा॰ ७: टगगाहरू, मृ० ५० ३; उग्गाहिति नाया॰ २: उग्गाहेज्जा. वि० भग० ३, ३; ४, ७; उग्गाहेह. था॰ नाया॰ =; ६; डगाहिता. सं० हु॰ भग० २, =; ४, ४; E, X; E, 3; 93, X; 94, 8; 9=, 3; 20, 2; उगाहेता. मं० कृ० भग० ११, ६; उग्गाहित्तणु. है० कृ० नाया० है: उगाहेमाण, व॰ कृ॰ भग॰ १६, ६; √उद् गिएह. धा॰ I,II. (श्रव+प्रद्) आजा देवी: २०० मागवी. ब्राजा लेना;

ह्यश्ची मांगना. To ask permission.

^{*} जुओ पृष्ट नम्भर-१५ नी प्रुटनेट (+). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

(२) अद्धेषु ४२वुं; धारी राभवुं. ग्रहरण करना; धार रखना. To take in; to retain.

उग्गिगहह नाया० १; दसा० ४, ४१; उग्गिगहामि. भग० १५, १; उग्गिगिहत्ता नाया० १; २; ५; १३; १४; भग० २, ५; स्रोव० २७;

उग्गिगिहत्तए. दसा० ७, १; ८, वव० ८, १०; नाया० घ० दसा० ४, ६०; वेय० ३, ३१;

√ उद्-गीर. घा॰ I. (उद्+गृ) ओगासवुं; पागेसियुं. उगल जाना; जुंगाली करना. To chew and mix with saliva as cows etc. do उग्गीरासि मु॰ च॰ १४, ३६;

√ उद्-गोव. घा॰ I, II. (उद्+गूप्) ६३-લવું: શુંચ કહાડ્યી. सुल-काना; उकेलना. To decipher.

उग्गोवेई भग० १६, ६; उग्गोवेमास भग० १६; ६;

√ उद्घात. था॰ I,II. (उत्+हन्+िण) ढण्वु; क्षय करवे।; नाश करवे।; भभाववुं; ढुंकुं करवे. मारना; हनन करना; नाश करना; स्रय करना. To kill; to destroy. उक्धाश्रह उत्त॰ २१, ६.

√ उद्-घोस- धा॰ II. (उद्+घुष्) छह्धे। पण्। धरपी उद्घोषणा करना; प्रगट करना. To proclaim. (२) भांजपुं; साक्ष् धरपुं. मांजना; साफ करना. to rub; to cleanse.

उग्घे सेह. नाया॰ १६; उग्घोसेत्ता. विवा॰ १; उग्घोसेमार्य नायाः १; ४; १३; १४; १६; १८; विवा॰ १; जं॰ पं॰ ४, १२३;

राय० ३७; भग० ३, १; १५, १; उग्धोसमार्ग भग० ३, १; १४, १; उग्वोसावेह. प्रे॰ सु॰ च॰ २, ३०८; उग्वोसिज्जंत. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ विवा॰ ८; उग्वोसिज्जमाण. विवा॰ २;

√ उद्-चर∙ धा॰ I. (उत्+चर्) ઉ²था२ કरवेा; भेासवुं. उचारण करना; बोलना. To pronounce; to utter.

उचारेइ. प्रे॰ नाया॰ १;

उचारेमार्गः नाया० १; भग० ११, ११:

√ उद्-चल. था॰ I, II. (उत्+चल्-णिच्) थालना करना; पानी को उद्घालना. To cause to move; to throw up water.

उचालेंतिः प्रे॰ नाया॰ ४; उद्-चिराः धा॰ I. (उत्+चि) विश्वु; भेगा ४२वुं वीनना; एकत्रिन करनाः To pick up; to collect.

उच्चिणह्य श्रोघ० नि० मा० २६६. उच्चिणाउं सं० क्र०सु० च० ७, ११; उच्चिता वव० ६, ४४;

√ उद्-च्छ्रलः था॰ II (उत्+छल्) ७२७-स्वं. उछ्रलगः. To lenp; to jump. उच्छ्रलेतिः जीवा॰ ३, ४; उच्छ्रलेउं. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ ६, २६; उच्छ्रलेत व॰ कृ॰ श्रोव॰ २१; क॰ प॰ ३, ४३;

√ उद्•िं छुद्. धा॰ I, II. (उत्+ि छुन्द्) नाश ४२वे।. नाश करना To destroy. उच्छिदसु आ॰ सु॰ च॰ २, ६०७; उच्छिदिं . पंना॰ १३, १२;

√ उद्-छुभ धा॰ I. (उत्+त्तुम्) क्षेाल पभाऽवाः स्रोम पानाः To become distracted or agitated उच्छुभइ. राय॰ २७६; उच्छाभिताः नाया॰ १;

√ उद्-च्छील. धा॰ II. (उत्+चल्) पाणी-थी थादु: पाणी ७२७। वं पानी से घोना;

पानी च्छालना. To wash with water; to throw up water. टच्छीलंति. वि॰ राय॰ १८३, मग॰ ३, २; टच्छालेज्ज. श्राया॰ २, १, ६, ३३; निर्मा॰ 9, 0; 2, 29; टच्छोलिता. सं० कृ० ग्र॰ ग्राया० २, ४, १, १४६; भग० ३, २; रच्छोबित्तपु. हे० छ० दसा० ७, १: उच्छोलंन, य॰ क्व॰ निर्मा० १, ७; टच्छोतित. गच्छा० १२२; $\sqrt{$ इद्-जम. धा॰ $\mathrm{I,II.}$ (इन्+यम्) ७६म **३२वे।**; प्रयन्त **३२वे।**. उद्यम करना; प्रयत्न करना. To work; to be industrious; to make an effort. टङ्जमंनि. नाया॰ १; टज्जमेट. या० मु० च० १, २८०; टउनमंतु. मृ० च० १, ६८; रज्जिमिस्सं, प्रव० ७८६; टज्जमंत. व० कु० पगह० १, ३; उज्जममार्गा. व० इ० स्य० नि० १, १३, १२६: \sqrt उद्-जा. था॰ I. (टन+या) ७५२ lphaवुं. छरर जाना. To go up; to mount टहाहु. भग० ३, ३; टदाइंत. नाया० १; √ उद्-जोय. धा॰ I, II. (टत्+चुत्) अक्षा अस्वे।; Gair अस्वाः प्रकाश करनाः; च्यांन करना. To light up; to brighten. टजीणुह, प्रे॰ भग॰ १, ६; टजीबेह, प्रे॰ स्व॰ १२०; रखेंबिति. भग० ७, ९०; ६, ६; ५० प॰ ७, १४१; ७, १३७;

टज्ञेबिमाग्. भग० २, ४; ३, ९; २;

टजाएसाया. जांवा॰ ३; ठा॰ ५; श्रोव॰

श्रीव॰ २२; टवा॰ २, १५२;

टजोयंत. मु० च० २, २; ३, ५=६; नाया० १: $\sqrt{$ उद्-ज्ञल. वा॰ I. (टर्+न्वल्) इंडड्युं; अंडडाट इरवे। मालकना; चित-कना. To shine; to sparkle. टजलह. भग० १६, १; टउजलंत. राय० =०; टजालेह. प्रे॰ भग॰ ७, १०: १५, ६; रज्ञानिति. जं० प॰ २, ३०: दज्ञालेग्जा, दग० ४: रज्जाबेह था० जं॰ प० २, ३३; उज्ञालावेजा. शि• दस॰ ४; टजाबेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६; टजालिया. सं० कु० दस० ४, १, ६३; दजावित्तपु, है॰ कृ॰ श्राया॰ १, ५, 2, २90; √ उद्-हा. था॰ I, II. (टत्+रा) ७२। थ्युं, ઉ:वुं. खड़े होना; टठना. To get up; to stand. उद्वेह्नते. नाया० १; ४; ६; १६; मग० १, १,३, १;१४;१; स्व ७५; रवा० ७, १६३; उट्टेनि. भग० =, ५; टट्टेमो. स्य० २, ७, १६; उद्दिहिते. भ॰ मृ॰ च॰ ६, ५५; टट्टिहिसि. म० पि० नि॰ मा० ३६; टड़िचा. सं॰ कृ॰ उत्त॰ २, २१; मग॰ १, १; नाया० १; ठा० ३, ३; उट्टेता. नाया० १; १६; भग० ३, १; ६, ३३; १०, ४; १४, १; टाट्रेडण. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ २, ४३; उट्टाणु. सं॰ कृ॰ वव॰ ३, २; नाया॰ १; १; १६; १६; सग० १, 9; 2, 9; 3, 9; &, 32; 9x, १; श्राया० १, ८, ६, २२५; स्य॰ १, १०, ७;

उद्वंत. व० कृ० पि० नि० ४६६; उद्भित. व॰ कृ॰ प्रव॰ १५८; उद्दियमागा. भत्त॰ ५४; उद्रावित्तए. प्रे॰ हे॰ कृ॰ वव॰ ७, ६; √ उद्-द्रुह. धा॰ I (उत्+ष्टिव्) शुं ध्वं युंडनी पियडारी नाभवी थूकना; थूक की पिचकारी डालना. To spit; to eject saliva from the mouth. उट्डुहंति. भग० ३, १, उट्ठुहित्ता. भग० १४, १; √उद्-डा. घा॰ I. (उत्+द्रा) पाश २थवं. पाप-जाल-रचना. To make a net or a snare; to prepare a snare. उड्डाह. १, ८; ઉતરવું; પાર ઉતરીને સામે કાર્કે જવુ. पार उतरना; पार होकर पहली पार जाना. To cross, to go to the opposite shore उत्तरइ नाया॰ १३, उत्तरेइ, नाया० ६; उत्तरिति. नाया० ४, १६; १७; उत्तरेह, श्रा० नाया० १६: उत्तरह. श्रा० नाया० १६; उत्तरिता. उत्त० ३२, १८; नाया० १३; उत्तरित्तपु. हे॰ फू॰ ठा॰ ४, २, श्रोव॰ ४०; वेय० ४, २८, नाया० १६; उत्तरिउं-तु. सु० च० १, १७३; जं० प० गाया० १६; उत्तरंत्त. व० कृ० संत्था० ५६; उत्तारेत्ता. प्रे॰ नायाः १७; उत्तारेमाण. प्रे॰ व॰ कृ॰ ठा॰ ५;

उत्तारेह. प्रे॰ नाया॰ २, १७;

√ उद्-दाल. था॰ II. (उत्+दाल)

प्रकार भारता. प्रहार गारना. To strike

blows. (२) याभडी उतारवी. चमडी उता-रमा to flay. (३) नीचे पाउवु नीचे गिराना to throw down. उद्दालित्ता. सं॰ कु॰ सूय॰ २, २, १८; दसा॰ ६, ४; उदाबोर्ड. सं० कृ० मृ० च० १४, ४५; √ उद-दिसा. धा॰ I. (उत्+दिश्) અમુક અધ્યયનનું પાઠ કર એવી રીતે શિષ્યતે ગુરૂતા આદેશ થવાે. ' घ्रमुक घ्रध्ययन का पाठ कर ' प्रकार शिष्यको श्रादेश होना. To order a disciple to study a particular scriptural chapter. उद्दिसइ. निसी० ४, ६, उद्दिसामि विशे० ३४१२: उद्दिसित्तए वव॰ २, १४, ३, ३४, ७, ૮: ઠાં૦ ર, ૧: उहिस्स सं० कु० निसी० १४, ५; ९न० १६; श्राया० २, २, २, ="; उहिसिय स॰ कु॰ निसी॰ १४, ४; उदेह सं० कु० विशे० १४८६ उद्दिसिजांति क॰ वा॰ भग॰ ४२, १, श्रगुजा॰ २: उद्दिसावित्ता. प्रे० सं० कृ० वव० ३, १०; ११; वेय० ४. २१; √ उद्-ह्च था॰ I, II. (उत्+ृष्टु) ७५६५ કरवे।; भारतु . उपद्मव करना; मारमा. To attack; to beat; to trouble. उद्वणु श्राया० १, १, २, १६; उद्दंति पन्न॰ ३६; उद्देशह. १८, ८, उद्देशहित भग० १४, १; उद्दवेत्ता. सृय० २, २, ६; भग० ६, ५; उद्दवित्तपु, जं० प०

उद्देमाणः भग० १८, ८,

उद्दविज्ञमाण. क० वा० व० क्ट० मूय० २, १, ४८; २, ४, ११;

√ उद्-द्दा. धा॰ I. (उत्+द्रा) भर्तुं. मरना. To die.

उद्दाइ. भग० १, १; २, १, विवा० १; उद्दायित. श्राया० १, १,४, ३७;

उटाइता. स॰ कृ॰ भग॰ २, १, १४, १; जं॰ प॰ ६, १२४; ठा॰ १०;

उद्याय. यं॰ कृ॰ भग॰ ४, २; जीवा॰ २; उद्यावेत्ता प्रे॰ सं॰ कृ॰ राय॰ २=२:

√ उद्-द्धंस. था॰ II. (उत्+ध्वंस्)
विभारी विभारी निरस्धार धरवे। किनाकी
नुच्छता वतला बतला कर निरस्कार
करना. To displaise a person
and show contempt towards
him.

उदंसेइ भग० १४, १; नाया॰ १८; उदंसेति. नाया० १६; उदंसेता. भग० १४, १; उदंसित्तपु हे० कु० राय० २६६.

√ उद्-नम. धा॰ I. (उत्+नम्) ६का थन्नं, भरतः अंत्युं ४२तुं. खंडे होनाः, मस्तक ऊंचा करना. To stand up; to raise the head.

उष्णमति. राय० =६; डग्णमिय. सं० कृ० श्राया० २, १, ४, ३२;

√उद्-नि-क्सिन. था॰ I, II. (उत्+िन+ चिष्) डॉये भेंथी क्षेत्रं, डिभेड्नं, उखाडना; ऊपर खेच लेना. To root out; to draw up; to pull out.

उन्निक्सिसामि. स्य॰ २, १, ६;

√ उद्-पद्धा. था॰ I. (उत्+पद्) ७८५१ थतुं; पेहा थतुं. उसन होना; पैदा होना.

To be born; to be produced.

उप्पज्जह उत्त० १७, २; विशे० ७०; ४१४;

उप्पज्जण. मूय०१,१,१,१६; उवजन्ति. सूय०१,१,३,१६; उप्पज्जति नाया०१६, मग०४,६; उप्पज्जन्तु. पगह०१,२; उप्पज्जिस्संति. म०भग०४,६; नाया०१६; उप्पज्जिस्सं. भ०म० व०१,२२३०; उप्पज्जिसं. भ०म० व०१,२२३०; उप्पज्जिता. सं०कृ०भग०४,६; उप्पज्जता. सं०कृ०भग०४,६;

√ उद्–ज्जः. घा॰ I. (उत्+पट्+िण्म्) उत्पन्न धरतुं; पेटा धरतुं. उत्पन्न करना; पैदा करना. To create; to produce.

उप्पायइ. भग॰ ८, ३;

उप्पाए-इ-ति. प्रे॰ नाया॰ ५; भग॰ १४,

ः; निसी० ४, २२; ६, १०; उपायॅति. जं॰ प० २, २४; भग० ११,१०;

उप्पाएजा. विधि॰ भग॰ ५, ४;

उपापुत्ता. जीवा० १:

उप्पाण्त्तप्. नाया० ४; भग० १४, १;

उप्पाइता. ठा० ४, ७;

उप्पाइय. क॰ प॰ २, २६;

उप्पायंत. व॰ कृ॰ निसी॰ ४, २२;

√ उद्-पद्घ. घा॰ I. (उत्+पत्) धिये धुःतुं. ऊंचा कृदना. To jump. (२) धिये छितुं. ऊचा उडना. to jump high.

उप्पन्नह. भग० २, २; १४, १; नाया० ६; उप्पयह. भग० २, २; १४, १; नॉयां० ६; उप्पयन्ति. जीवा० ३; भग० २, १; राम०

१८३, जं० प० ४, १२१;

उप्पण्जा. वि॰ सग॰ ३, ४; १३, ६; उप्पणिह. ग्रा॰ म्य॰ २, १, १०;

डप्पहत्ता. सं॰ कृ॰ पन्न॰ २; नाया॰ १; ६;

हः, भग० ३, २; ६, ४; जं० प०

9, 93;

उपार्डं सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ २, ३१५;

उप्पयन्त. व० कृ० आया० २, १५. १७६; कृष्ण ५. ६६;

उप्पयमाण्. व० कृ० नाया० १, ६; क^{ष्प}० २, २६,

उप्पाडिन्त. प्रे॰ श्रोव॰ ४१; सु॰ च॰ २, ५६६;

उप्पार्डे (डिं) ति. प्रे॰ कप्प॰ ४, ११४; उप्पार्डेजा वि॰ ठा॰ २, १; भग॰ ६, ३१; पन्न॰ २०;

उप्पाडेसा सं० कृ० पन्न० २८;

√ उद्-पिल. धा॰ I. (उत्+ष्लु+िल्) ६५ अववुं. उठवाना. To cause to lift up उप्पिलावेइ. प्रे॰ निसी॰ १८, ६; उप्पिलावए " वियडेणुप्पिलावए" दस॰ ६, ६२;

√ उद्-पाड. धा॰ II. (उत्+पट्+िण) ७४१८९ं. उठाना. उठालेना To take up; to lift up.

उप्पाढेइ. नाया० ५. भग० १४, १: १६, ३; उप्पाढे श्रा० पगह० १, १; उप्पाढेत्ता. सं० हा० नाया० ४; भग० १४, १; उप्पाढिउं. हे० कृ० सु० च०२, ६६४; उप्पाढेमागा भग० १६, ६,

√ उद्-फर्स. धा॰ I. (उत्+फस्) ઉ६-७्वु. उफनना To whisk. उफ्तिंससु आया॰ २, १, ६, ३४.

√ उद्-िफिड धा॰ I (उत्+स्फुट्) हेऽ-शनी थाले यालवु, धृदश भारवा मेंडक की चालसे चलना, उछल कर चलना. To bound or leap; to move bounding like a frog. उष्फिडइ. उत्त॰ २७, ५; उष्फिडिश मं॰ कु॰ सु॰ च॰ ५, १०६; उद्-वाह था॰ I. (उत्+बाध्) अभक्ष पीऽ। ३२वी. प्रवत्त पीड़ा करना. To give great trouble; to cause intense affliction.

उन्बाहित. श्राया० १, ७, ३, २१०; उन्बाहित्वा. विधि० दसा० ७, १; उन्बोहे. वि० दस ० ७, १: उन्बोहित्था. भू० नाया० २; उन्बोहित्था. क० वा० व० क० नाया०

२ श्राया० १, ६, ४, १५६; √उद्-भम. धा० II. (उत्+श्रम्) सटक्वं; समयुं. भटक्वा To wander; to roam.

उट्ममंति नाया॰ १७; उन्ममे. विधि॰ श्राया॰ १; ८, ७, १०:

उद्गिदमार्गः श्राया० २,१,७,३८;

√उद्-मा धा॰ I. (उत्+मा) ઉन्भान क्रयु, तील्युं तीलना; मापना. To weigh; to measure.

उम्मिणिजइ क० वा॰ श्रगुजो॰ १३३;

√ उद्-मिस्र धा॰ I (उत्+भिष्) आंभ ६धाऽपी. श्राख खोलना To open the eyes

उम्मिसज्जा वि० भग० १४, १; १०,

√ उद्-मुंच. धा॰ I, II. (उत्+मुच्) छोऽदुं; तल्दुं: भुःदु. छोडना, त्यागना. To abandon, to release; to give up.

उम्मुयइ भग० ६, ३३: १४, १; १६, ४:

उम्मुंच. श्रा० श्राया० १, ३, २, १९१; • उम्मुह्त्ता. नाया० ४० क० भग० ६, ३३; ९४, ९; १६, ५;

√ उद्-मूल. धा॰ II. (उत्+मूल्) જડ-મૂલમાંથી ઉખડેવું. जड मूल से उखाइना. To root out; to eradicate. उम्मूलेइ. भग० १६, ६; उम्मूलेमाण. भग० १६, ६;

√ उद्-लंघ. घा॰ I. (उत्+लंघ्) ओसंधतुं; ६६वुं. उलॉघना; कूदना. To cross; to leap across.

उन्नंघिज्ज. वि॰ पन्न॰ ३६; उन्नंघिश्रा सं॰ कृ॰ दस॰ ४, १, २२; उन्नंघित्तए. हे॰ कृ॰ भग॰ ३, ४; १४, ५;

√ उद्-लंच्छ. धा॰ I. (उत्+लञ्छ्)
भेशित्वुं; शिश्व तेर्ध्युं. खोलना;
उधाइना; मोहर तोडना. To open; to
uncover; to break the seal.
उद्गेच्छ्य. नाया॰ २;
उद्गेच्छ्या. नाया॰ २;

√ उद्-लल. धा॰ I. (उत्+लल्) ७७-क्षतुं; उद्धलना. To toss; to throw up. उज्ञाबेद. प्रे॰ जं॰ प॰ ४, ११४;

उज्ञालेमास प्रे० जं० प० ५, ११५ श्रंत० ६, ३: राय० ३७:

√ उद्-लव. घा० I, II. (उत्+लव्) अक्षाप ६२वे।; शमेतेम शेलवुं; असंश्रध्य शेलवुं; प्रलाप करना; असंबद्ध बोलना; मर्यादा रहित बोलना. To prattle; to speak irrelevantly. उल्लवह. उत्त० ११, २; उज्जवंति. गच्छा॰ ६२; उज्जवह. श्रा॰ सु॰ च॰ २,४४४;

√ उद-लिंच. घा॰ I (*) ६ थेथुं. उतीचना. To empty a vessel etc. of the water contained in it; to take out water in small quantities until a vessel is empty. उशिचइ. पि॰ नि॰ ३६६;

√ उद्-लोल. घा॰ II. (उत्+लोल्) लुं²-७वुं; ઉ-भर्दन ४२वुं पोंछना; मतना. To wipe; to rub; to knead. उक्षोतेह. श्राया॰ २, १४, १७६; उक्षोतेउत्त. वि॰ निसी॰ ३, १६; उक्षोतेउतं. श्राया॰ २, १,३,१७२;

√ उद्-वक्त. घा॰ I, II. (उत्+चृत्) उद्-तीन अरवुं, अवाधी का वाडीओ सहीन अरवुं. उत्तरे रुष् की ओरसे मर्दन करना. To rub the body against the grain. (२) अध्यवसाय विशेषथी अभीनी दुंशी स्थितीने लांणी अरवी. अध्यवसाय विशेषसे कर्मकी अल्प स्थिति को लंबी करना. to lengthen the duration of Karma by means of sinful meditation. (३) नरआहि गतिमांथी निअली जीळ गतिमां अर्चु नरकादि गति से निकलकर अन्य गति में जाना. to take birth in another life after finishing the life-period in hell.

उन्बतेइ. नाया॰ २; प्रव॰ १४६; उन्बद्देइ. निसी॰ १, ६; नाया॰ ४; उन्बद्देति.

उन्बहंति भग० १, १; १३, १; २०, १०; ३२, १;

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १४ नी प्रुरनीट (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

उद्यत्तिः, प्रव० ६३८; उच्चट्टेज. निसी० ३, १६; उच्चहिस्संति. भग० १; १; उन्तद्दिसु. भू॰ भग॰ १, १; उन्बद्दिता, सं० कृ० ठा० ३, १; नाया० २; १६; १६; उत्त० ८, १४; भग० ७, ९; ११, १; १२, ६; १४, ૧; ૧૬, ૨; ૨૨, ૧; ध० विवा० १; ७; उच्चद्देता. सं० कृ० जीवा॰ १; उच्चत्तंत. व० कृ० पि० नि० ५७६; उष्बद्दन्त. व॰ कु॰ निसी॰ १, १६, प्रव॰ 9956; उच्चट्टमाण. व० कृ० भग० १,७; उष्वत्तमाण. व० कृ० श्राया० २, १; ६, ३५; उन्बद्दावेड्. प्रे॰ विवा॰ ६; उष्त्रतिज्ञमाण्. क० वा० व०क० नाया० ३; √उद-वम. धा॰ I. (उत्+वम्) ७अटी કરવી. उलटी करना, के करना. To vomit. उन्वमइ. सु० च० २, ५३६; $\sqrt{$ उद्-वल. धा॰ I. (उत्+वल्) ७४ $\it I$ । रूंवाडीओ पीडी बेाणवी ते. उत्तरे हँकी श्रीरसे पीठी मसलना To rub a perfumed ointment on the body against the grain. उव्वत्तिजाः विधि॰ श्राया॰ २, ११३, १७२; उन्वलमाण. क॰ प॰ ७, ४०; $\sqrt{$ उद्-वह धा॰ $I,\;II.\;($ उत्+वह्)निर्वाह करवे।, आणाह थवुं निर्वाह करना; खुश हाल होना; श्रावाद होना. To sustain, to support; to prosper उच्वहइ. सम० ३०; दसा० ६, १३, सु॰ च॰ १, ३०; उन्बहेंति. जं॰ प॰ ४, ११४; उच्चहंत. सु० च० १, १६३; √ उद्-वेढ. था॰ II. (उत्+वेप्ट्) वींटा-

v. 11/30

णवं. लपेटना. The act of enclosing or enwrapping. उन्वेढिज. श्राया० २, २, २, १२१; $\sqrt{$ उद्-िव्यह. धा॰ m I. (उत्+िवध्) क्ष-६५ अंथे ६ं४वुं. ध्यान पूर्वक ऊंचा फॅकना. To throw up or toss up carefully. उव्विहरू-ति. नाया० ६, भग० ५, ६; १८, ३; उवा० २, १०५; उव्विहाति भग० १६, १; उव्विहामिः नाया॰ मः उवा॰ २, १०१; उद्यिहिता. सं० कृ० भग० १८, ३; उदिवहिय स॰ कु॰ पन्न० १६; भग॰ उब्विहमाण. भग० १४, १; $\sqrt{3}$ द्र–सक्क. था॰ $\mathrm{I,II.}$ (उत्+ध्वय्क्)આગલ વધવું. श्रागे वढना. To proceed; elevate. उस्सक्दइ. पन्न० १७; उस्सिक्तिता सं० कृ० ठा० ६, १; उस्सिक्किया स॰ कृ॰ दस॰ ४, १,६३; उद्-सप्प. धा॰ र. (उत्+सृष्) वृध्धि पाभपी बृद्धि पाना; बढना. To grow; to prosper. उस्सप्पंति. वेय० १, ४६; $\sqrt{$ उद्-सव \cdot धा॰ $\mathrm{I,\,II.}\,($ उत्+स्तु) ९१थुं है इवुं; ७ य इवुं; ७ ये इरवु; ऊचा फॅकना; उचकना; ऊंचा करना. To lift up; to toss up. **ऊसवेइ. भग० ३, २**; **ऊस्सवेह.** कप्प॰ ६; **ऊसवेह. भग० ११, ११**; उसवेता. सं० कृ० भग० ३, २; ११, ११; कसविय सं०कृ० सूय० २, २, ८;

उस्सवित्ता. दस० ४, १, ६७,

√ उद्-सिंच. धा॰ II (उत्+सिंच्) ६ ६ थवुं; पाणी अक्षार क्षांउवं. उत्तेचनाः पानी वाहर निकालना. To draw out water; to take out water.

उस्सिचइ. निसी० १८, ८; उस्सिचेजा. भग० ३, ३; उस्सिचिया. दस० ४, १, ६७, उस्सिचमाण. श्राया० २, १, ६, ३६;

√ उद्-स्सस. धा॰ I. (उत्+श्रस्) श्वास देवेा. श्वास तेना. To breathe; to take breath.

ऊससित. पन्न० ७; भग० ६, ३४; ऊससमाण भग० ६, ३४;

उद्द. पुं॰ (उद्द) सिंध देशमां थती उद्दा लात-नी भाजसीना यामडीनी लनावटनुं वस्त्र. सिंध देश में होने वाली उद्दा जाति की मछली के चमड़े की बनावट का क्झ. A cloth made of the skin of a kind of fish produced in Sindh आया॰ २, ५, १, १४४;

उद्दंडक पुं॰ (उद्दर्डक) अथे। ६९३ इरी याथे ते; तापसनी ये इ ब्यत. दंड को अचा करके चलने वाला; तापसियों की एक जाति. One of a class of ascetics walking with a stick raised up. श्रोव॰ ३=; उद्दंडग. पुं॰ (उद्दरक) लुओ। " उद्दरक " शण्दः देखो " उद्दंडक " शष्दः Vide " उद्दंडक " निर॰ ३, ३; भग॰ ११, ६;

उद्देखपुर पुं॰ (उद्दर्खपुर) छहं ५ पुर नाभनुं ओक नगर. उद्देखपुर नामक एक नगर. Name of a city. भग॰ १४, १;

उद्दंसः पु॰ (उद्दंश) ઉद्धाध; ओंड क्यती।
तिधिदिय छवः दीमकः एक प्रकार का तेइन्द्रिय
जीवः A kind of three-sensed
living being; a moth. (२) भाडःऽः
खटमलः a bug. "कंश्विपिपिल उद्दंसा"
उत्त॰ ३६, १३६; कप्प॰ ६, ४६; —श्रंडः
पुं॰ (-श्रग्ड) भधभाभ अथवा भाडःऽनुं
धेऽार्लुः मधुमक्त्वी या खटमल का श्रंडाः an
egg of a bee or a bug. कप्प॰ ६,
४६;

उद्दंसगा. स्रो॰ (उद्दंशका) लुओ। "उद्दंस" शण्ट. देखो "उद्दंस" शब्द. Vide "उद्दंस" पत्र १;

उद्दुः पुः (उद्दश्ध) रत्तभ्रक्षा पृथ्वीता सीभन्तभ्रक्ष नामे पूर्व तरक्ष्ता व्यावलीक्षाणंध नरक्षावासाथी २० मा नरक्षावासानुं नामः रत्नप्रमा पृथ्वी के सीमन्तकप्रम नामक पूर्व की क्षोर के ब्यावलिकावन्य नरकावास से २० वें नरकावास का नामः Name of the 20th hell-abode in a series of such in the east (styled Simantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabhā earth ठा० ५; ६, १;

उद्दुमाजिसम पुं॰ (उद्ग्यमध्यम) २८०१-अला पृथ्वीना सीमन्तक्ष्यल नामे उत्तर आविविकालंध नरकावासाथी २० मा नरका-वासानुं नाम रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ नामक श्रावालिकाबन्व नरकावास मे २० वें नरकावास का नाम. Name of the 20th hell-abode in the northern series of such (styled Sīmantaka Prabha) belonging to the Ratna-Prabhā earth.

उद्दुश्वत्त. पु॰ (उद्दुग्धावर्त्त) रत्ने अला भृथ्वीना सीभन्तक आवर्त्त नामे पश्चिम आविकाणंध नरकावासाथी २० मे। नरका-वासी. रत्नप्रभा पृथ्वाके सीमन्तक आवर्ते नामक पश्चिम की ओर के आवित्तवाबन्ध नरका-वास से २० वें नरकावास का नाम. The 20th hell-abode in a series of such (styled Simantaka Avarta) in the west belonging to Ratna-Prabhā earth. ठा॰ ६, १;

उद्दुश्वासट्ट. पुं॰ (उद्दुश्वावशिष्ट) रत्नभ्रभा
भृथ्वीना सीभन्तकावर्त नाभे पश्चिम आवसिक्षाणंध नरकावासाथी २० मे। नरकावासी
रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम
की ओर के आवितकावन्ध नरकावास मे २०
व नरकावास का नाम. The 20th hell—
abode in a series of such in
the west (styled Simantaka
Avarta) belonging to Ratna—
Prabhā eaith. ठा॰ ६, १,

उद्दिश्यः ति॰ (उद्देस) क्ष्में क्ष्मी शत्रुने छत्याने भगरुर थयेल कर्मे क्ष्में शत्रु को जातने के लिये श्रीभमान करने वाला (One) proud to conquer the enemy in the form of Karma. नदी॰ १४;

उद्दवण न॰ (उपद्रवण) भारतुं, धात करती, ઉपद्रव; भरणांत कष्ट मारना; घात करना, उपद्रव; मरणात कष्ट. Beating; killing, trouble; life-long misery. " उद्दवशं पुरा जासासु श्रद्दवाय विविध्वयं पीडं " पि॰ नि॰ ६७; त्रोव॰ २०; जं॰ प॰ पराह॰ १, १;

उद्वणाः स्री॰ (ःउपद्रवणा=उपद्रवण्) अपद्रव अरवे। ते. उपद्रव करनाः Giving trouble or annoyance to. पग्ह॰ १, १;

उद्दिताः ति॰ (उपदावित्) ७५४व ४२नार; ६९भ आभनार उपद्रव करने वाला, दु ल देने वाला. (One) who troubles or annoys, (one) who beats or kills. आया॰ १, २, १, ६६;

उद्दियः त्रि० (उपदुत्त) उश्वेस, ६ देश भागेस. उद्देश पाया हुआ; डराया हुआ. Frightened, troubled; distracted आव० ४, ३;

उद्दिया स्त्री॰ (उपद्रविका) भरडी रोग; वीमारी: Plague. भग॰ १६, ३,

उद्देयच्यः त्रि॰ (उपद्राविषतन्य) ६ ५६५५ ६२६१ थे।२५, ६१६६ ६२६१ थे।२५ उपद्रव करने योग्य, घात करने योग्य (One) deserving to be troubled, beaten or destroyed. "श्रहणां उद्देयच्या श्रणां उद्देयच्या" सूय॰ २, १, ४८, श्राया॰ १, ४, १, १२६;

उद्दहक. पुं॰ (उद्दाहक) અઠવી વગેरेनी। ६१६ ६२नार. बन वंगरह को जलाने वाला One setting fire to, one causing forest conflagration etc. पगह॰ १, ३;

उद्दाइ. ग्र॰ (उताहो) અथवा श्रथना, या. Or; an alternative conjunction.

उद्दाम त्रि॰ (उहाम) ઉદ્ધત, स्वय्छन्टी, उद्धत, स्वच्छदः Insolent; selfwilled. परह॰ १, ३; असुजो॰ २१; उद्दामियघंट. थि॰ (उद्दामितघंट) पंटाधी युक्त घटाने युक्त. Furnished with, united with a bell. निग॰ ३: उदाल. पुं॰ (धवदात) ओ नाभनं ओ! व्यतनं आध. इस नाम का एक वालि का THE Name of a kind of tree. जं॰ प॰ भग॰ ६, ७; (२) रैनी पंगेरेने। પાૈચા-હિલાે થર કે જેના ઉપર પગ મુક્તાં भग नीचे लय ते. रेता गर्गरह का टाना धर जिसार कि पर रखने से पर शुस जाय. a soft heap or layer of sand etc. which gives way as soon as it is trodden by foot गत्र॰ े १६२; नाया॰ १; भग॰ 33, 33, जीया॰ ३, ४; पप्प॰ ३, ३२;

उद्दालक. पुं• (उद्यालक) ओंध ब्यावनुं 7स. एक जाति का प्रज्ञ. A kind of tree जीवा• ३, ३;

उद्दावण्याः मी॰ (उदावण्ता) ७५६० ६२वे।: श्रास आपवे। उत्तदव करना; न्नाम देना. Harassing; troubling; terrifying. भग॰ ३, ३; ६;

उद्दाह. पुं॰ (उद्दाह) भीटी हाद. पटा गारी दाह. Great conflagration ठा॰ १०; उद्दिष्ठ नि॰ (उद्दिष्ट) सामान्यपेषे उद्देश हेश (उद्दिष्ट) सामान्यपेषि होश प्रतिपादन किया हुमा प्रतिपाद है। विशे॰ १०६; निसी॰ ६. २०; पंचा॰ १०, ३: प्रव॰ १४६६; (२) साधुने उद्देशी जनावेश आहार वंगरह (food etc.) specially propared for an ascetic पर्रह॰ २, ५; पिं० नि॰ २०८, (३) अभावास्याः मावन, प्रमावस्याः the

15th day of the dark-half of a month, दमा- ६,२; भग- २, ४; ३, ३; नाया॰ २; —शहः वि॰ न॰ (-इन) सापु अनिने उन्हेरीने हरेत. मापु धर्मद के उद्देश में किया हुआ, (food etc.) specially prepared for a mont: " टिट्टिकडमणं विवस्ती विसुत्रेम समारंभे " पंता १०, ---रायः वि॰ (- ष्टन) उद्देशीने हरे ५ उदेशक किया हुआ, propared apacially for. An 1 - at. - un. g. (-मक्त) अधने उद्देशीने अनावेय भेक्त. मापु के उद्देश में बनाया हुआ भीजन. food prepared specially for an ascotic. मूब• २, ६, ३३; इमा० ६, २: —भत्तपरिग्धात्र-यः (-महारिकात) हरामी परिमा स्थाहर-નાર વ્યાવક કે જે દસ માસ સુધી ઉદ્દિષ્ટ ભક્ત પાત ગેટલે પાતાને ઉદરેશી કરેલ ભાત પાણીના ત્યાંગ કરે. प्रतिमा प्रदेश करनेवाना आवक जो कि दम भाग तक धार्य शिय बनाये हुए भीजन वर्षरह प्रहण न करने की प्रतिका करता r (a Jaina layman) practising the 10th vow of a Śrāvaka i. e. not taking food and water specially meant for him सन॰ ११; उद्दिष्टा, मी॰ (उद्दिश) अभावास्य; अभास. श्रमावमः श्रामावस्या The 15th day of the dark-half of a month. राय० २१४; जीवा० ३, ४; नाया० ६;

उद्देस पुं॰ (उद्देश) सामान्य आदेश; सामान्य ध्यनः सामान्य आदेश, सामान्य कथन General mention; (२) भाध; शिभामणु शिज्ञा, उपदेश. advice; expostulation. असुजो॰ २; आया॰ १, २, ३, ६१; भग० २, २; ५; पंचा० ४, ३१; (३) क्षेत्र अक्ष विकाग. चेत्र काल का एक विभाग. a division of space or time. चेय० ३, १५; (४) अभ्ययन के शतकती अेड पेटा विकाग. अच्याय अथवा शतक का एक उप विभाग. a sub-division of a chapter or of a Sataka. उत्त० ३१, १७, विशे० ६७५;

उद्देसश्च-य. पुं॰ (उद्देशक) अध्यय श्रेष्यत है शतको। ओक विभाग. श्रध्याय श्रयवा शतक का एक विभाग A sub-division of or a portion of a chapter or of a Sataka. भग॰ ३, =; ७, =; ६, ३; निसी॰ ६, १२;

उद्देसग पुं० (उद्देशक) लुओ। ઉपक्षी शण्ट देखो जपर का शब्द. Vide above. श्रयाजो॰ १४६; भग० २१, ४; २३, ४; ३१, ६;

उद्देसरा. न॰ (उद्देसन) अंगसूत्र आहिनुं **५६न ५२**वं ते. श्रंगसूत्र श्रादि का पठन करना. The study of Anga Sūtra, etc. ठा० ३; श्राव॰ ४, ७; —श्रांतेवासिः त्रि॰ (-श्रन्तेवासिन्) केने सूत्र भूसपारे लाला-ववामां व्याच्या है।य ते शिष्यः जिसे मूल सूत्र पढाये गये हों वह शिष्य. a disciple who is instructed in the original texts of the Sūtras ठा०४, ३; वव०१०, १५;--श्रायरिय. पुं० (- શ્રાचાર્ય) આચારંગાદિ સત્ર, મુલ પાડે **ल्लायनार, व्याचारांग त्रादि सूत्रो का मूल** पाठ पढाने वाला one who teaches Anga and other Sūtras in the original. वन १०, १३; १४; ठा॰ ४, ३; --काल. पुं॰ (-काल) वर्ग અध्ययन हे शतहती એક विभाग; उद्देशा वर्ग, अध्याय अथदा शतक का एक विभाग; उद्देशा a sub-division or a portion of a section, a chapter or a Sataka. नंदी॰ ४५; सम॰ ३७; पएह॰ २, ५; सम॰ प॰ १६६;

उद्देखिय. न॰ (उद्देशिक) એક साधुने ઉદ્દદેશી ખનાવેલ આહારાદિ ખીજાઓને પણ ન ખપે એવા પહેલા અને છેલ્લા તીર્ધકરના साध्योती ४६५. एक साध को उद्देश कर वनाया हुआ आहारादि दूसरे साधु को नहीं खपता-चलता ऐसा प्रथम श्रौर श्रन्तिम तीर्थंकर के साधुओं का व्यवहार-श्राचार. The tenet of the Sādhus of the first and the Tirthankaras that the food specially prepared for one Sādhu is not acceptable even to other Sadhus. प्रव० ६४६; (२) અમુક સાધુને ઉદ્દદેશીને નિપજાવેલું આહાર પાણી; ઉદ્દદેશ દાેષ વાલું. व्यक्तिगत साधू के लिये किया हुआ अन जल, उद्देश दीप युक्त. (food, water etc.) specally prepared for a particular Sādhu. सम॰ २१; वेय० २, १९; दस॰ ३, २; ६, ४६; पि॰ नि॰ ६२; २२६; भग॰ ६, २३; निसी॰ ४, ६३; श्रोव॰ ४०, प्रव॰ ४७१; नाया० १; उत्त॰ २०, ४७:

उद्देहगण. ५० (उद्देहगण) એ नाभने।
भद्रावीर स्वाभीने। એક गण्ड; नव गण्डमांने।
ओक महावीर स्वामी के एक गण का नाम;
नौ गणों में का एक गण. Name of an
order of saints instituted by
Mahāvīra Swāmī; one of the
nine such orders "उद्देहगण चारण
गणे" ठा० ६, १; कप० ८;

उद्देदिश्चा-या. स्री॰ (उद्दोहका) ઉधार्धः त्रश् धिरियवादी। अव विशेषः दीमकः तीन इन्द्रियाँ वाला एक जीव विशेषः A moth; a kind of three-sensed living being पत्र॰ १; उत्त॰ ३६, १३६; श्रोष॰ नि॰ ३२६,

उद्देहिगा स्त्री॰ (उद्देहिका) ઉधार्धः दीमक.

उद्ध त्रि॰ (ऊर्ध्व) धियुं. ऊंचा. High; lofty; tall. भग० १, १; ६; ६, ६; ७, १; स्० प० ४; जं०प० ४, ११३; २, ३१; ७, १३६; — घण्मचण्. न० (-- घनभवन) अया अने आंतरा वगरना जो अन्ते । २६९३ थर. श्रंतर राहेत-परस्पर में मिले हुए ऊंचे घर lofty houses close to each other without any interval of space. भग॰ ६, ३३; —चल्लायंत्र. पु॰ (-चरण बन्ध) अबे पग गांधवा रूप शरीर ६९५. पैरो को जपर करके बांध देने रूप शरीर दराड a bodily austerity consisting in remaining with the head downwards and with the feet tied to something above पगह० १. ३; —हिश्च. त्रि॰ (-स्थित) ઉपर भेरेक. ऊपर बैठा हुआ. remain ing, sitting above स॰ च॰ ३, ३०; -पूरित-य त्रि॰ (-पूरित) ७ ५र् लागः નાભિની ઊપરના ધાસથી ભરેલા ભાગ कर्म भाग, नाभि से कपर का श्वास से भरा हुआ भाग. the part above the navel which is filled with air in respiration परह॰ १, ३: —मुह न॰ (-मुख) अर्थु भेादुं ऊंचा मुद्द face turned upwards- नाया = =; जं प ७ ७, १६२; --रेगु. ह्यो (-रेगु)

लुओ। "उद्घ-रेणु" शण्ह. देको "उद्घ-रेणु" शब्द. vido "उद्घ-रेणु" जं॰ प॰ २, १६; उद्धंसगा. ली॰ (+उध्धंसना) तिरस्धरी पथत. तिरस्कार युक्त वचन. Contemptuous words. "उच्चावयाद्दि उद्धंसणाहिं उद्धंसद्द" नाया॰ १६; भग॰ १४, १; राय॰ २६६; (२) निन्हा. निन्दा; युराई. blame; consure. श्रोप॰ नि॰ भा॰ ३८;

उद्धर्दु. गं॰ फ़॰ थ्र० (उद्ध्य) अथुं धरीते. उंचा करके. Having raised aloft. "पादुद्धर्दु मुद्धि पहाण ति" स्य॰ १, ४; २, २; दसा॰ ६, २; वव॰ २, २७;

उद्धडा. छां॰ (उन्ता) शृद्ध भेषाना भाटे शंधवाना वासण्माधी भीन्न वासण्माधी भीन्न वासण्माधी भीन्न वासण्माधी ध्रिश्र ते जिक्षा क्षेत्री ते; त्रीष्ट पिष्टेष्णा. गृहस्यने श्रवने लिये, रसीर्घ बनाने के बर्तनमें से दूसरे बर्तन में निकाल कर जो श्रव रखा हो उसकी भिन्ना लेना; तिसरी विग्रंडेषणा. Begging of that food only which a householder has served for himself, in a dish from the cooking vessel; the third way of receiving or begging food; viz Pindaisana.

उद्धत ति॰ (उद्धत) ઉथु; ७८६८. ऊंचा; उत्कट, तीत्र High, lofty; strong नाया॰ १, जं॰ प॰ २, ३०; (२) ७६८; २वेण्णायारी उद्धत; स्वेच्छाचारी insolent; wanton; self-willed कप्प॰ ७, ३६; —तमंघकार. पुं॰ (-तमोन्धकार) अतिशय गार्ड अन्धाई. आतेशय प्रन्धकार. dense darkness. पण्ह॰ १, ३;

उद्भुत्तुं सं॰ कृ॰ थ्र॰ (उद्भूत्य) ७२१ ६२१ने.

ऊंचा करके. Having raised aloft. सूय० १, ४, १, ३;

उद्धमाण. न॰ (उद्ध्मान) शंभ आहि वगाउते। शंखादिको मुंह से वजाता हुआ। Sounding or blowing of a conch etc. by the mouth. राय॰ ==,

उद्धम्ममाणः ति॰ (श्रद्धन्यमान-उत्पाद्य-मान) ઉत्पाद्यभानः उत्पन्न थताः उत्पन्न होता हुन्नाः Being produced; heing created. '' बाउवेग उद्धम्म-माण्यासा पिवास पाया ' पण्ह० १, ३;

उद्धयाः स्त्री॰ (उद्धता) देवतानी गति विशेषः देवो की गति विशेष A particular kind of gait possessed by gods राय॰ २६; भग॰ ५, ४; ११,

उद्धरणः न० (उद्धरणः) भेंशी आर्ध्युं, थाक्षार अर्थुः, खेंचकर निकालना, बाहिर निकालना To draw out; to uproot. श्रोघ० नि० ७६२; प्रव० ७६८;

उद्धरियः त्रि॰ (उद्धृत) ७ भेडेल, भूलथी धाढी नाभेल. उखाडा हुआ; जडसे निकाल टाला हुआ. Rooted out; eradicated. "फलेइ विसमक्षिणं साम्रो उद्ध-रिया कहं" उत्त॰ २३, ४५; प्रव॰ २२७; ४४=, (२) धारल धरेल. धारण किया हुआ. put on. दसा॰ १०, ३, क॰ गं॰ ४, ७६, —ससं. त्रि॰ (-शल्य) लेखे शह्य डाढी नाभेस छे ते जिसने शल्य निकाल डाला है वह (one) who has rooted out the feeling of enmity. नाया॰ १; —सेय-छत्त. न॰ (-श्वेतळ्त्र) शर्यु छे लेना ६५२ थेखुं छत्र ते. जिस के ऊपर श्वेतळ्त्र लगा हुआ है वह. one with a white umbrella held upon दसा॰ १०, ३;

उद्धायमाणः त्रि॰ (उद्धावत्) हे।ऽतुं; कुहतुं. दौडता हुत्रा; कूदता हुत्रा. Running; leaping. स्रोव॰ २१, नाया॰ १;

उद्धायमाग्गगः त्रि॰ (उद्घावत्+क) लुओ। ६ पक्षे। शण्ह देखो जनरका शब्द. Vide केbove पग्रह० १, २.

उद्धारः पु॰ (उद्धार्) भेशिक्षाना भतने अनुसार शक्षप्रभाष्ट्रिविषः गोशाला के मत के अनुसार कालप्रमाण विशेष A particular measure of time according to the tenet of Gośālā. भग॰ १४, १; क॰ गं॰ २, २७, —पलिश्रोचम पु॰ (-पल्योपम) शक्ष प्रभाष्ट्र विशेष, ओंश सागरे।५भने। दश है।ऽ।हिभी लाग कालप्रमाण विशेष; एक सागरोपमका दस कोडाकोडियाँ हिस्सा a particular measure of time;

10xcrorexcrore of one Sa-garopama " से किंत उदार पित्रोवमे र दुविहे पन्नते " श्रणुजी १३६. — पन्न

न॰ (-पल्प) એક જોજનના ક્વામાં દીંસીને ભરેલ ખાલાગ્રમાંથી સમયે સમયે એકેક **ળાલાય્ર અપદગ્તાં જેટલા વખતમાં કવા** भाषी थाय तेटवे। वभत, एक योजन के कुएने ठांग ठांग कर भरे हुए बानम में ने यमय यमयमे एक एक बालाव निकालने पर जितने काल में कुश्रा साली हो उतना काल a well one 'Yojana' i e. 8 miles square is to be filled with thin points of hair and at every Samaya (i. e. unit of time) one hair point is to be taken out; the time taken to empty the the well is Uddhārapalya. 37. १०३४; —पल्लग. न॰ (पल्यक) छुन्। " उदारपद्म" शण्ट. देगी "उदारपत्न" शब्द. vide " उद्धारपक्ष" प्रव० १०३=; —समय. पुं॰ (-ममय) अही सागरे।-પમના સમયના સમૃહ_ં અદી સાગરાપમમાં જેટલા સમય ધાષ તેટલા સમયના જય્યાની ઉદ્ઘાર મંત્રા છે, ઉદ્ઘાર સમય જેટલા ત્રિચ્છા લાકના દ્રીપ અને छे. श्रटाई मागरीपम काल प्रमाण मे जितने समय है उन ममयों के समृह का नाम ' उद्धार 'हैं; इद्धार में जितने समय हैं उतने ही त्रिच्छालों के के द्वीप खीर समुद्र g. the number of Samayas (time units) contained in 21 Sagaropamas; the number of continents and oceans of Trichhā Loka is equal to the number of Samayas in 21 Sāgaropamas. (Samaya = an instant) भग० ६, ६; श्रणुजी० १३६; —सागरोवय. पुं॰ (-सागरोपम-उदार विषयंतन्त्रधानं स सागरोपम उद्धारसागरोः पमः) इश है। है। एथे। एम प्रमाण हाल विहेत. दश को दाके दी पत्ने पत्ने प्रमाण फान विहेप. a division of time equal to 10 xero rexerore Palyopuna अ भ भ चनुने। भ भ भ भ

रहित बा॰ (उदि) आधानी दिया गार्ध यो जुरी, A particular part of a carriage (the part which rests on the axles), मृत्य पर १०३

उद्भियः द्रि॰ (उद्भुत) ઉभेडी नाभेवः हेध शदार १रेव, हराहा हुआ; देश बाहर दिया हुद्या. Rooted out; banished from the country, श्रीप॰ महा॰ प॰ ३४; जं• प० ३, ६६; — फेटय. त्रि॰ (-फ्एटक--इतपृक्षा स्वदेशस्योगन जीवित-रयाजनेन या कण्टका यत्र तद्यत कएटकम्) દેશ ભાદર કરેવ છે પ્રતિસ્પર્ધી જેગે ते जिसने प्रतिसानी यो देश किया एँ यह (one) who has banished or deported his enemies. राय॰ भोव॰ --पय (-पद्) ७६।२ ५२स ५६-शण्ट, उदार हिया हुन्ना पद-शब्द. an extracted or quoted-word. त्रा॰ =६४; —मुह. त्रि॰ (-मुग) ઉद्धं धरेप छे भेद्धं केंज़े. जिमेन ऊंचा सुम्ब किया है बहु, (one) who has raised his face upwards. नं० प॰ ४; -सत्तु. पुं० (-शत्रु--उद्पृताः रात्रवस्तदुद्धृतशत्रुः) देश निश्नास हरेस शायक वैशी. देशसे निकाला हुआ गोत्रच राष्ट्र. an enemy who has been banished or deport ed. श्रोव॰ राय॰

उद्धी. सी. (उद्धी) એ પગના આગલા કૃણા પાસે પાસે રાખી પેનીને વિસ્તારી પહેલી રાખી કાઉસગ્ગ કરવા તે; કાઉ- स्राभा १८ देशिशांनी। ओई. कायोत्सर्गके १६ दोषोंमे का १ दोष जिसमे दोनों पैर के पंजों को पास पास रख श्रीर एडीयो को विस्तृत रख कायोत्सर्ग किया जावे Practising Kāusagga by keeping the two toes nearer together and keeping the heels far apart, one of the 19 faults connected with Kāusagga. प्रव॰ १५७;

उद्धीमुह. त्रि॰ (कर्ष्वंमुख) अंथु भेा ढुं छे जेनुं ते, अंथा भेाढावा छं, कचे मुंह बाला. (One) with the face turned upwards. " उद्धीमुहकल बु-ता पुष्फग संठाण संठिया " चं० प० ४; ज० प० ७, १३४;

उद्धुमाय. त्रि॰ (*) परिपूर्ण; अरेख. परिपूर्ण; भरा हुआ. Full; filled to the brim. नंदीस्थ॰ गा॰ १३;

उद्धुय. त्रि॰ (उद्धृत) अभे देसायेस; अभे द्रेश. ऊंचा फेलाया हुन्ना Tossed up; flung up. "वाउद्ध्य विजय वेजयती" श्रोव॰ जीवा॰ ३, १; पन्न॰ २; (२) अत्दर्धः प्रकृष्ट. strong; powerful. सम॰ प॰ २१०; नाया॰ २; (३) अत्पन्न थ्येस; अदेस. उत्पन्न; उठा हुन्ना. produced; risen up; got up श्रोव॰ सू॰ प॰ २०; कष्प॰ ३, ३२;

उद्धुया स्त्री॰ (उद्धृता) आक्षशभां ઉડती धूलना केनी त्यरित गति. स्त्राकाश में उडती हुई भूल के समान शीघ्र गति. Speedy gait like the motion of dustclouds in the sky. राय॰ उद्भुक्तमारा नि॰ (उद्भृयमान) विलात . पंखा किया हुआ. Being fanned जं॰ प॰ नाया॰ १६; भग॰ ७, ६; ६, ३३, श्रोव॰ २१;

उद्धुस्सित. ति॰ (ऊर्ध्वांच्छ्त) ७२ ियस्तृत. ऊंचाई में विस्तृत. Having a great expanse above or upwards " से जोयशे खनखनतिसहस्ते उद्धुस्सितो हेठसहस्समेगं "सूय॰ १, ३, १०;

उद्ध्य त्रि॰ (उद्ध्त) हाथे हुः ४ पेक्ष. हता हुआ; कंपा हुआ Shaken; trembled श्रोव॰ ३१; जं॰ प॰ राय॰ ६६; पञ्च॰ २; कप॰ २, २७;

उन्नम्र. ात्रे॰ (उन्नत) ७२८तः भानक्षाय स्थान्य स्थान्य स्थायः पर्यायः Lofty; high; a synonym for the moral filth called conceit. सम॰ ४२, श्रोघ॰ नि॰ ४८६; श्राया॰ १, ४, ४, ९४७; कष्प॰ ३, ६२,

उन्नइय. त्रि॰ (उन्नतिक) छन्नतियाधं. उन्नति वाला Lofty; high. जोवा॰ ३, १;

उन्नमंत त्रि॰ (उन्नमत्) तर्णा है लाइ-डानां लारा उपाडते। घांस या लकड़ी का भारा उडाता हुआ (One) who carries bundles of sticks or grass स्य॰ २, २, ४४,

उन्नयावत्त पुं॰ (उन्नतावर्त) ७२ २८९ थावर्त-व टाबीओ ऊंचाई में चढा हुन्ना धूल का वक्कर A whirlwind; a winding. (२) पर्वत ७५२ जते। ६२ते। भार्गः पर्वत पर जाने का चक्करदार मार्गः a circuitous road on a mountain. ठा॰ ४, ४;

⁺ जुओ। पृष्ठ नम्यर १४ नी पुरने। हेसो पृष्ठ नंबर १४ की फूटनोट (*) Vide foot-note (·) p. 15th.

v. 11/31.

उन्नाम. पुं॰ (उन्नाम) भान क्ष्पायने।
भर्याय. मान कषाय की पर्याय. A
synonym for the moral impurity called conceit सम॰ ५२;

उन्नामित्र त्रि॰ (उन्नामित) અમુક નામથી પ્રસિદ્ધિ पामेक्ष श्रमुक नामसे प्रसिद्धि पाया हुआ Famed by a certain name; known by a particular name. श्रागुजो॰ १३१;

उन्निक्खमञ्च. त्रि॰ (उन्निष्कामत्) दीक्षाने। त्याग करता हुन्त्रा. (One) abandoning Dīkśā i. e. asceticism विशे॰ १२६१;

उन्नियः त्रि॰ (স্মীর্যিক) গুননু দনিও্ৰ; ভাশনী বসই. গুনী বহনু ১২শন আহি. Woollen; made of wool. সৰ় ৬ ১১

उन्द्रिपितः त्रि॰ (*) લીલું થયેલ; ભીનું; भींजा हुन्ना Wet; damp. पग्ह॰ १, ३;

उपरसः पुं॰ (उपदेश) ६५६श उपदेश. Advice; exhortation. पचा॰ ५, ३६;

उपञ्चोग. पुं॰ (उपयोग) ६५२थे। १० ६५८। उपयोग; ध्यान. Carefulness; attentiveness. नाया॰ १६:

उपदृ. पुं॰ (उत्पष्ट) श्राश्चना वस्त्र वश्चनार; पटाशीया सन के वस्त्र बनाने वाला. A weaver of jute cloth. अगुना॰ १३१:

उपराय पुं॰ (उपनय) ઉદાહરણ आપी साध्य अने साधनना संगंध मेसववे। ते उदाहररा देकर साध्य श्रोर साधनका संबंध मिलाना Establishing a logical conclusion by giving an apt illustration नाया ६:

उपरोहत्ता. सं॰ कृ॰ श्र॰ (उपनीय) पासे अध अधिने समीप में लेजाकर. Having taken or carried in the vicinity of. नाया॰ ४:

उपदंसद्वता. सं॰ कृ॰ श्र॰ (उपदर्श) हेभा-धीने. दिखलाकर. Having shown or pointed out भग॰ १६, ५;

उपप्पुश्नः त्रि॰ (उपप्तुत) लीनु थयेस; पससी गयेस. भींजा हुआ. Wet; damp; soaked. अगुजो॰ १३०; जीवा॰ ३, १:

उपयुक्त. त्रि॰ (उपयुक्त) ઉપયુક્ત; ઉપયાગ સહિત. उपयुक्त; उपयोग सहित. Careful, attentive; (one) possessed of carefulness. नाया॰ १६;

√उप-लभ धा॰ I (उप+लभ्) ओसंभे। देवे।. उलाहना देना. To taunt; to blame.

उपलंभासि. भग॰ १४, १;

उपलब्भः मं० क्व० श्राया० १, ६, ३, १८८;

√उप-लिंप. धा॰ I, II. (उप+लिप्)
भेाढुं णध ३२ी ७५२ थेप भारवे।. मुह बंद
करके ऊपर लेप लगान . To close the
mouth and smear it up with
a semi-liquid substance.

उपन्तिवंति नाया॰ ७;

उपिचंह त्रि॰ (उपिचंष्ट) भेहेस. बैठा हुआ Sat; seated क॰ गं॰ १, ११;

√ उप-विस था॰ I. (उप+विश्) भेसतुं. वेठना To sit.

[×] ભુઓ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની પુટનાટ (*). देखो पृष्ठ नंदर १५ की फूटनोट (*). Vioe foot-note (*) p 15th.

उपविसइ. सु॰ न॰ ३, २२२; उपविसिय. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ १, २४७;

उपसंकामित्त सं॰ क्र॰ श्र॰ (उपसंक्रम्य)
पासे अधिने समीप जाकर. Having
approached. "उपसंकामित्तु बूया-श्राउसम समसा " श्राया॰ २, १, ३, १४;

उपसंत. पुं॰ (उपशान्त) धरवत क्षेत्रन।
वर्तमान ये।वीसीना २५ मा तीर्थं धरनुं नाम
इरवत चेत्र के वर्तमान चोवीसी के १५ वे तीर्थंकर का नाम. Name of the 15th
Tirthankara of Iravataksetra
in the present Chovisi (i e.
cycle) प्रव॰ २६६;

उपसंपया. ल्ली॰ (उपसंपत्) रात्नाहिङने भाटे भीका शुर्ने। आश्रय क्षेत्रे। ते ज्ञानादिक के लिये दुसरे गुरु का आश्रय लेना Resorting to, going to another preceptor in order to acquire knowledge etc पना॰ १२, ३:

√उपहस घा॰ I. (उप+हस्) ઉપહાસ ६२९: ६सर्वुं उपहास करना, हसना. To laugh at; to mock at; to ridicule.

उपमेज विधि० दसा० ६, ७,

उपहारा, न॰ (उपधान) तथ विशेष एक प्रकार का तप A particular kind of austerity. टा॰ २, ३; — पिडमा स्त्री॰ (प्रतिमा) उपधान तथनी परिमा- प्रतिहा; जार लिशुनी अने अजीवार श्रावक्री परिमा उपधान तपकी प्रतिमा, नाधु की वारह स्रोर श्रावक की ग्यारह प्रतिमा the vow of the austerity known as Upadhāna e g. 12 vows of an ascetic and 11 of a layman. ठा॰ २, ३;

उपाय पु॰ (उपाय) विभागः क्षाराणु उपाय,

कारण Cause; means; remedy.

उपायत्रो. अ॰ (उपायतस्) धुन्तिथी, छभाय-थी. युक्ति से, उपाय से. Skilfully; by some means. उत्त॰ २३, ४१;

उपालद्ध. त्रि॰ (उपालव्ध) ६५६। અपायेस. उपालंभ दिया हुआ. Blamed; rebuked, reproached पिं॰ नि॰ १२५;

√ उ-पील. था॰ II (श्रव+पीड्) भीऽ। इरवी, भीऽवु, दुःख देना; भीडा करना To give pain to, to afflict. उत्रीकेति जी॰ ३, ४; उबीलेमाण. नाया॰ १८.

उपेहा. स्नी॰ (उपेक्स) शुक्त थे।गनी अपृत्ति
अने अशुक्त थे।गनी निवृत्तिमां भेदरक्षर
रहेवुं ते. शुभ योगकी प्रवृत्ति श्रौर
श्रशुभ योग की निवृत्ति में वेपर्वाह रहनाः
Negligence in doing what
is good and in omitting to
do what is bad; negligence.
सम्॰ १७

उप्पद्दश्य-य. त्रि॰ (उत्पतित) संयम लेती व भते । संछनी परे छडेल; संयमने छिने स्थानं व बेल-कुट्टी भारेल. तंयम लेते समय सिंह के समान उठा हुआ, संयम के ऊंचे स्थान पर चढा हुआ. (One) who has ascended like a lion to the high pedestal of asceticism आया॰ १, ६; ३, १९३, (२) छपर आवेश, छपलेल. उत्पन्न, born; produced. उत्त॰ २, ३२, (३) छींचे छळलेल; छडेल उचा उञ्जलता हुआ; उटा हुआ. leapt up; flown up. नाया॰ १६; मग० ३, २; उचा॰ ३, १३६:

उपद्या. स्ती॰ (श्रोत्पातिकी) लेथी अणुहीं अणुसांसहयुं तर्ध्यी सुछ आवे
तेवी सुद्धिः तर्ध सुद्धः हालरललाणी—
बित्पातरी सुद्धः यार सुद्धिमांनी ओह.
ऐसी बुद्धि जिससे विना देखा सुना केवल
तर्क से ही समक्त में श्राजायः तर्क बुद्धिः चार
बुद्धियों में से एक प्रकार की बुद्धिः One of
the four kinds of intellect;
ready-wittedness; quickness of
perception ठा॰ ४, ४;

उप्पक्तडाः स्री॰ (उत्प्रकटा = उत्प्रावस्येन प्रकटा प्रस्तुतावेति) यालु ४थाः चालू कथाः The narrative which forms the actual, present subjectmatter. भग० १८, ७;

उप्पड पुं॰ (उत्पट) तेष्ठद्रिय छ्व-विशेष तेद्देदिय जीव विशेष A kind of three-sensed living being पन्न॰ १:

उप्पर्ण त्रि॰ (उत्पन्न) अत्पन्न थ्येस; উপক্র ত্রেন Boin; produced श्रगुजो० ४२; श्रोव० ३८; पन्न० १९, दस० ४, १, ६६, भग० १, ४; १३, ६, नाया॰ १; दसा॰ ७, १; जं॰ प॰ ३, ४४; ४, ११२; ३, ६७; ४, ११४, —कोउद्दल त्रि॰ (-कुतुद्दल) लेखे ઉત્સુકપણું ઉત્પન્ન થયેલ છે ते. जिस मे उत्सुकता उत्पन्न हुई है वह (one) in whom curiosity is engendered. सू॰ प॰ १; — णाणदं सण्धर. त्रि॰ (-ज्ञानदर्शनधर) ઉत्पन्न थयेश द्यान ६श नवाला जिस में ज्ञानदर्शन उत्पन्न हुए हैं वह (one) in whom right knowledge and right faith have been engendered. समग्रे भगवं महावीरे उपारणागाग्दंसग्- घरे "भग०१,१;८,२;—पक्त. पु० (-पच) ઉत्पन्न पक्ष; उत्पाद-उत्पत्ति पक्ष उत्पन्न पच्च. coming into existence. भग०१,१;—संसयः त्रि० (-संशय) उत्पन्न थ्येश छे सथय केने ते. जिसे संशय उत्पन्न हुत्रा ह वहः (one) in whom doubt is engendered. स्० प० गय०

उप्पतिश्र ति (उत्पतिन) ઉंथे थडेक्ष; आक्षाश तरक्ष शति करेक्ष. ऊंचा चढा हुश्रा, श्राकाशकी श्रोर गमन किया हुश्रा. Risen up; flown up; gone upwards. उत्त० ६, ६०;

उप्पत्ति स्री॰ (उत्पत्ति) ९ त्पत्ति; आवि-र्लाय; प्रगटी १२७. उत्पत्ति; प्रगट होना; स्राविभाव. Creation; production; manifestation स्रोव॰ ४३; नाया॰ १, विशे॰ ११८५, पि॰ नि॰ ४०६; स्रयुजी॰ १३०; भत्त० १५; प्रय॰ ४१,

उप्पत्तिया-भ्राः स्रं (श्रौन्पित्तकी) तर्ध शुद्धि. तर्कः; बुद्धि Power of imagination; intellect capable of high imagination. " उप्पत्तिया वेणद्या कश्मिया परिणामिया " राय० २०६; नंदी० २६; नाया० १; =; भग० १२, ५; १७; २; निर० १, १, विवा० १०;

उप्पतित्ता. सं॰ कृ॰ श्र॰ (उत्पत्य) ६५٠ डीने; अभे थडीने ऊंचा चढ कर. Having mounted up; having flown up; जं॰ प॰

उप्पन्न त्रि० (उत्पन्न) लुओ ''उप्परण " शफ्ट देखो '' उप्परण " शब्द Vide '' उप्परण " भग० २, १; ४, ६; छ० च०२, २६६; उवा० ६, १८७; प्रद० १११४; —कोउहस्र त्रि० (-कुतुहल) लुओ '' उपपरण कोउह्त " शफ्ट देखो "उप्पर्ण कोउइल" शब्द. vide "उप्पर्ण कोइउल" नाया० १; — संस्थ पुं० (- संशय) जुओ। "उप्पर्ण संसय" शण्ट. देखों " उप्पर्ण संसय" शब्द. vide " उप्पर्ण संसय" नाया० १; — सङ्घ. त्रि० (- अद्ध) छित्पन्न थर्र छे श्रद्ध। जेते जिसे श्रद्धा उत्पन्न हुई है वह. (one) in whom faith is engendered or begotten नाया० १; भग० १, १;

उष्तय. पुं॰ (उत्पात) ७२ कुहवुं ते; नीयेथी ७५२ कुहिं। भारवे। ते. नीचेसे उपर कुहना उछात्त मारना. Leaping up; jumping. ज॰ प॰ राय॰ ६४; निशे॰ ६६४; —िराच्य. पुं॰ (-िमपात) २८ ६त२ करवी; ओक ज्यतनुं॰ नाटक. चढना उत्तरना; एक प्रकार का नाटक. ascending and descending; a kind of drama. "उप्यशिष्वय पसत्त संकुचिय" राय॰

उपयम् न० (उत्पतन) उसे क्युं ते. ऊँचाईनर जाना. Going up; flying up; mounting high. ठा० १०; भग० ३, २; —काल. पुं० (-काल) उसे सक्याना अल पणत. ऊँचा चढने का समय. the time for going up, flying up भग० ३, २,

उप्यिशिया. स्री० (उत्पातिनिका) ६२ यःपानी विद्या. ऊँचाईपर चढनेकी विद्या. The art of flying up or mounting up नाया॰ १६;

उप्पयणी. स्री॰ (उत्पत्तनी) नीयेथी अये यद्यानी विद्या. नीचेसे उत्पर चढनेकी विद्या The art of flying up in the air. स्य॰ २, २, २७; — चिज्जा. स्री॰ (-विद्या) लुओं उपसे शम्द देखों उत्पर का शब्द. vide above. नात्रा॰ १६;

उप्पल. न॰ (उत्पक्त) सूर्व विभाशी अभवः नीसअभसः सूर्य को देखकर विकसित होने वाला कमल: नील कमल. A blue lotus: a sun lotus. श्रोव॰ १०; १३; श्रग्रुजो॰ १=; सूय० २, ३, १०; निसी० १२, २१; नाया॰ १; २; ४; १३; दस॰ ५, २, १८; भग० ११, १; २४, ४; र्ज० प० १, १७; जीवा० ३, १; पञ्च० विशे॰ २६३; श्रोघ० नि॰ ६८६; उवा॰ २, ११६; कप्प॰ ३, ३७; (२) शंधद्रव्य॰ विशेष. सुगंधित द्रव्य विशेष. a particular scented thing. "पउमुप्पल गंधिए" सम॰ तंडु॰ जं॰ प॰ ४, १२०; (ર) દશમા કલ્પનું ઉત્પલ નામનું એક विभान है केनी स्थित वीस सागरापभनी છે, એ દેવતા દશમે મહિને શ્રાસાચ્છવાસ લે છે. અને વીસ હજાર વર્ષે ક્ષધા ઉપજે છે दसवें कल्पका उत्पल नामका एक विमान जिसकी स्थिति वीस सागरोपम की है. इसके देवता दसवें मास श्वासोछवास लेते हैं श्रीर इन्हें बीस हजार वर्षमें क्रथा लगता name of a heavenly abode of the 10th Kalpa. Life there lasts for 20 Sagaropamas. The gods living there breathe once in ten months and feel hungry once in thousand years. समः २०; (४) ૮૪ લાખ ઉત્પલાંગપ્રમાણ કાલ વિભાગ; **५४ लाख उत्पलागप्रमाण काल विभाग** a division of time measuring 84 lacs of Utpalāngas. भग० ४. १; ६, ७, ठा॰ २, ४; ऋगुजो० ११५; जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ ५, १२०: (૫) એ નામના એક દ્વીપ તથા એક सभुद्र इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक

समुद्र. name of a continent; also that of an ocean. १४; जीवा॰ ३, ४; —श्रंग. पुं॰ (–श्रङ्ग) ८४ લાખ લુલુપ્રમાણ એક **धां विभाग ५४ लाख हुहुप्रमाण एक** काल विभाग, a division of time measuring 84 lacs of Huhus. ष्राणुजो २ ११५; ठा० २, ४; भग० १; २४, ५; जं० प० जीवा० ३, ॰ -- उद्देसय. पुं॰ (- उद्देशक) ४ भवनां અધિકારવાલા ભગવતીના ૨૧ મા શત-**डेनी ओंड ઉर्**हेरी। भगवती सृत्र के २१वें रातक का कमल के अधिकार वाला एक उद्देश name of a subdivision of the 21st Sataka of Bhagavatī Sūtra with the subjectmatter of a lotus. भग॰ २१, २: -कंद. पं॰ (-कन्द) अत्पत्त-धमती। s' हे. कमल का कन्द, कमलकी जड, the bulbous root of a lotus, भग. ११. १, - कंदत्ता की॰ (-कन्दता) ध्रभक्त **ક**न्द्रप**ं**. कमल का कन्द्रपन, of being the bulbous root of a lotus. भग॰ ११, १: -कांग्लयसाः स्री॰ (-कर्णिकता) इमसने। धीलक्वाप-**५७ं. कमल का वीजकीपपना** of being a seed-vessel of a lotus. भग॰ ११, १; -केसरत्ता स्री (- केशरता) अभवतुं पंडेसर है स्त्रीकेस२५७ कमल की पुंकेसर श्रथवा स्रोकेयरता state of being a filament of a lotus. भग॰ ११, १; — गाल न० (-नाल) ५भसनी नासी-ડાંડી; જેના ઉપર કમલ રહે છે તે कमल की दाड़ी जिस पर कि कमल का भूल रहता है. a lotus stalk. भग॰

११, १; — गालत्ता. म्री॰ (-नालता) **५भ**अनी नाक्षिपछुं, कमलका नाली पना. state of being a lotus-stalk. भग॰ ११. १; — थिभुगत्ताः स्रं।॰ (-। धिभुगता) क्रेभांथी पांदश पुटे शेवा **५भ**दाना એક ભાગના ભાવ. जिस में में पत्ते फ्टे ऐसे कमल के एक भागका भाव. state of being a part of a lotus, from which leaves sprout forth. भग॰ ११, १; -नालिश्राः स्री॰ (-नालिका) લીલા કમલની नाલी-ડાંડી, नाल कमलका दांडा, stalk of a blue lotus, दस॰ ४, २, १८; —पत्त. न० (-पत्र) ध्मक्षना पांदश कमल का पना a leaf of a lotus भग॰ ११, १; -- मूलत्ता स्रो॰ (-मूलता) ७,५४४-५४४ नुं भूध-पशं. कमलका मृलपना. state of being a root of a lotus भग । ११, १; उपलगुम्मा स्री॰ (उत्पचगुरमा) वरं थू-વૃક્ષના અગ્તિખુણાના વનખરડમાં પચાસ कोकन ७५२ आवेस ओई वावडी. जंबू-यसके अप्रिकोन के वनखएड में पचास योजन दुरीपर स्थित एक वावडी. Name of a well in forest situated to the southeast of Jambū Viiksa. The well is at a distance of 50 Yojanas i. e. 400 miles in the forest. जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ४;

उप्पलवेंटिय प्रं॰ (उत्पलवृन्तिक) अभवना विंटडानी लिक्षा वेनार भारतवाना भनने। अनुयायी कमल के गद्य-पुर्तदा की भिचा लेने वाला गोशाला का एक श्रनुयायी. A follower of Gosala's tenet, accepting a lotus-stalk as alms श्रोव॰ ४१: उपालहत्था. पुं॰ (उत्पलहस्तक) अभक्ष इक्ष विशेष. कमल फूल विशेष. A particular kind of lotus-flower. राय॰ उपला. स्री॰ (.उत्पला) सावर्थी नगरीना રહેવાશી શખ નામના શ્રાવકની સ્ત્રી मावर्थी नगरीका निवासी शेख नामक भावक की स्त्री का नाम. Name of the wife of a Jaina layman named Sankha residing in the town Savarthi "तस्त्रणं संखस्य समणो वासगस्य व उप्पताणामं भारिया होत्था " भग॰ १२, १; (२) पिशायना धंद्र, डासनी त्रीक अग्रमिष्धि. पिशाच के इन्द्र, काल की तीसरी श्रग्रमहिपी the third of the principal queens of Kāla, the Indra of Piśāchas स् ४, १, नाया० घ० क० ५: भग० १०, ५: (३) જંબ્રવૃક્ષના અગ્તિ ખુણામાંના વનખંડની એક ખાવડીનું નામ जंबूगृत्त के श्राप्तिकोन के वनखड की एक वावडी का नाम name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Viiska जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ४; (४) હસ્તિન પુર નિવાસી ભીમ નામના કસાઇની स्त्री. हस्तिनापुर निवासी भीम नामक कमाई की की name of the wife of a hutcher named Bhīma Hastinapura विवा॰ २:

उप्पत्तिणीकद् न॰ (उत्पत्तिनीकन्द) ओक्ष्र अतनी पाणीनी वनस्पति एक प्रकार की जल में होने वाली वनस्पति. A kind of aquatic plant. " पउमुप्पत्तिणीकेंद्र धंतरकेंद्र तहेविकस्तिय" पन्न॰ १;

उप्पत्तुक्तलाः स्री० (उत्पत्तोक्ज्वला) कभ्धु पृक्षना व्यग्निभुणाना वनभएऽनी ओक्ष पायडी. जंयू वृत्त्व के श्राप्ति कोन के वनखड की एक वावडी का नाम. Name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vrikṣa. जं॰ प॰ जीवा॰ ३. ४:

उत्पह्न. पुं॰ (उत्पथ) ઉन्भार्ग; ઉલટા भार्ग. उन्मार्ग; विरुद्ध मार्ग Wrong path; perverse path ''श्रावजे उप्पहं जंतु'' स्य॰ १, १, २, १६; उत्त॰ २४, ५; २७, ४,—जाइ पुं॰ न॰ (-यायिन्) उत्तेट भार्गे अनार. विरुद्ध मार्ग से जाने वाला. one who takes to a wrong path. ठा॰ ३,

उप्पिलण नं॰ (उत्प्लावन) शरीर ७५२ पाणी रेऽवुं. शरीर पर पानी ढोलना. Pouring of water on the body. ांप॰ नि॰ ४२२;

उप्पाइत्तार त्रि॰ (उत्पादियतः) कित्याद्देशः कित्यन धरनारः उत्पन्न करने वालाः (One) who produces or creates. ठा० ४, ४; दसा॰ १; १३, ४, ६१;

उप्पाइय त्रि॰ (श्रीत्पातिक) सहज, स्वालाविक्ष. सहज; स्वा-मानिक. Natural.
श्रोत्र॰ ३०; (२) ६८५१त क्ष्रेनार व्यनिष्ठ
स्थक्ष यनाव; ६९६१५१ताहि ६५६व. श्रानिष्ट
स्वक चिन्ह; उल्कापाताहि उपहव a portentous event, e g the fall of
a meteor etc. जं॰ प॰ ३, ५६ नाया॰
६; ६; १७, सम॰ ३४, —पच्चय. पु॰
(-पर्वत) व्यस्यालाविक्ष-कृतिम पर्वत.
कृतिम-बनावटी पर्वत. an artificial
mountain 'उप्पाइयपच्चयं च चंकमंत्तं
सक्ख मत्त गुलुगुलुंतं '' श्रोव॰

उप्पाडण न॰ (उत्पादन) ७ भेडी नाभवुं; भू श्री ७ भेडवुं उखाड डालना; जड से उखाडना. Uprooting; eradicating; tearing out श्रोव॰ ३८; उप्पाडित. त्रि॰ (उत्पाटित) ઉપाडेस. टराया हुन्ना; उत्पादा हुन्ना. Lifted up; rooted out. भग॰ १६, ६;

उप्पाडिय. त्रि॰ (उत्पाटित) ६ भेरेस. उसाडा हुम्रा. Erndicated; rooted out. दसा॰ ६, ४:

उप्पाडियग. त्रि॰ (उत्पाटिनक) ઉपार्रेक्षुं: भांस कार्टेक्षुं उठाया हुत्रा; मांम निकाला हुत्रा. Lifted; (that) from which flesh is torn out. श्रोव॰३८; उप्पातिया. श्ली॰ (उत्पातिका) ब्लुओ। ''उप्पाइया'' शण्कः. देखो 'उप्पाइया'' शब्द. Vide ''उप्पाइया'' नाया॰ १;

उप्पाय-ग्र पुं॰ (उत्पात) ७७वं अथे કुद्धं उदना. Flying up. भग॰ २०, ६; प्रव॰ ६०६; (२) अ५तिने। वि५।२-३धि२ वृष्ट्रमाहिः प्रकृति का विकार; रुधिर दृष्टि श्रादि. any unusual phenomenon in nature, e.g. a shower of blood etc. प्रव० १४२१: पग्ह० २. १: ठा० ८, १; श्रयुजो० १४७; (३) आधा-શમાંથી લાહી વગેરેની વર્ણિ થાય છે તેવા લક્ષણ સ્થક–શાસ્ત્ર. ૧૬ પાપ સ્ત્રમાંનું એક. श्राकाश से जो रक्त वर्गरह की बृधि होती है उसके जन्नण वतलाने वाला शाम्नः २६ प्रकार के पाप स्त्रों में से एक. a scripture dealing with explaining unusual phenomena in nature which portend evil; one of the 29 Pāpa Sūtras. स्य॰ ६, २, २६; सम० २६:

उप्पाय-म्र पुं॰ (उत्पाद) वृद्धि; वधारे। थवे।. वृद्धि; बढती. Increase; increasing. विशे॰ ७५०; (२) उत्पत्ति. उत्पत्ति creation; production; birth. विशे॰ ६६; ४२४; ठा॰ १, १; (३)

ઉત્પાદ દેાપ: સાધને પાનાથી લાગતા आहारना धात्री आहि १६ हाप. साध को अपने हारा नगते हुए श्राहार के भात्री श्रादि १६ दोष. any of the 16 sins such as Dhatri etc. incurred by a Sädhu himself in connection with his food, सम॰ (४) व्राह-પૂર્વમાંનું પ્રથમ ઉત્પાદ નામે પૂર્વ–શાસ્ત્ર. चीदहर्म्य में का पहिला उत्पाद नाम का पूर्व-शास name of the 1st of the 14 Pūrvas (i. o. scriptures). 370 ७१८; - रुश्चेयमा न० (-रछेदन-उत्पादे। देवत्वादिषस्यायान्तरस्यछेदस्तेन जीवादि विभागः उत्पादच्छेदनम्) शेक्ष पर्यायनी ઉત્પત્તિથી ખીજા પર્યાયના છેદ-વિભાગ થાય ने-क्रेम हेवत्व पर्यायना अत्पाहथी छवाहि ६०१ने। विलाग थाय **छे. एक पर्याय** की उताति से दूसरी पर्याय का विमाग होना जिसे कि देवत्व पर्याय के उत्पन्न होते से जीवा दि द्रव्य का विभाग होना. the classifications of a substance or rather its subdivisions caused by the modifications of that substance; sub division caused by modal transformation; e. g. the substance soul is sub-divided into gods etc. on account of its modification. তা০ ২, 3: —पञ्चय. पुं॰ (-पर्वत) सूर्याभिविभान-ના વનખરડમાંના એક પર્વત કે જયાં સર્યાંભવિમાનવાસી દેવતા ક્રીડા નિમિત્તે वैद्विय शरीर णनावे छे. सूर्याभविमान के वनखंटों में का एक पर्वत जहां कि सूर्याभ-विमानवासी देव कीड़ा के धर्थ वैकियिक शरीर बनाते हैं. name of a mountain in a forest region of the Surya-

bha heavenly abode. Here the gods of this abode create for themselves a Vaikriyika body for pleasure or sport. राय० १३%; जीवा० ३ ४; (२) यभरे-न्द्रने ७५२ आववाना पर्वत चमरेन्द्र के ऊपर श्राने का पर्वत. name of a mountain for Chamarendra to come up or ascend भग. १३, ६; १६, ६; —-पुब्ब एं॰ (-पूर्व) દ્રવ્ય પર્યાયના ઉત્પાદના જેમાં વર્શન છે તે ઉત્પાદ નામે १४ पूर्व भांते। अथस पूर्व –शास्त्र द्रव्य पर्याय के उत्पाद का जिसमें वर्णन है वह उत्पाद नामक १४ पूर्वी में का प्रथम पूर्व-शास्त्र. the first of the 14 Purvas dealing with the rise of modifications of substances "उप्पायप्रव्यस्मणं दसव-त्थु परायत्तो " ठा० १०; सम० १४, नंदी० ४६; - व्वयध्वधम्म. पुं॰ (-व्ययध्व-धरमंत्) ७८५ति २५४ (नाश) ध्रत-रिधति वाली उक्षति, व्यय (नाश) श्रीर ध्रुव-स्थिति वाला. one possessed of or subject to the three predicaments of birth, permanence or stay and death, विशे॰ ४४३:

उप्पायकः त्रि॰ (उत्पादक) उत्पन्त अरतार उत्पन्न करने वाला (One) who creates or produces, परह॰ १, ५; उप्पायमः त्रि॰ (उत्पादक) कुन्या उपदे। शण्टः देखों ऊपर का सब्द Vide above. उत्त॰ ३६, २६०;

उप्पायण. न॰ (उत्पादन) ઉत्पन्त इरवुं; भेहा इरवुं. उत्पन्न करना. Producing; creating. पत्तह॰ १, २; ३; उत्त॰ ३२, २८; (२) ઉખ્યાયણના કું તેમ उप्पायण के १६ दोष. any 16 sins

known as Uppāyaņa sins. वि॰ नि॰ १; ७६; परह॰ २, १; —(गो) उचचाय पुं॰ (-उपचात) ७त्पाहनाहि देशिनी (३५४।त-नाश ४२वे। ते उत्पादनादि दोप का नाश करना. destruction of the faults or sins known as Utpādana sins. ठा॰ १०; —विसी-हि. स्री॰ (- विशोधि) अत्पादनना १६ है।पने। अलाव, उत्पादन के १६ दोपों का अभाव, absence of the 16 Utpādana faults or sins. হা॰ ছ, ২; उपायसाः स्रो॰ (उत्पादना) अत्पन्त ४२वुं; **भे**दा ४२व. उत्पन्न करना; पैदा करना Creating; producing. वि॰ नि॰ ૩૦९; પંચા ૧૨, ૨; (૨) આહારના દાેષના એક પ્રકાર: ધાત્રી આદિ આહારના ૧૬ દાેવ કે જે સાધુને પાતા આશ્રિ લાગે છે. श्राहार की गवेपणा के दांप का एक भेद: धात्री स्नादि स्नाहार के १६ दोष जो कि साधु को अपने ही कारण से लगते हैं. ध variety of sin connected with the taking of food; the 16 faults connected with foodtaking committed by an ascetic in his own person. These are Dhātrī etc. प्रव० ४७१; भत्त० २४, १२. भग० ७. १:

उप्पाया. स्रो॰ (उत्पाता) त्रश् ५७४ वासा छवनी य्येक्ष जात. तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष A three-sensed living being. पत्त॰ १;

उर्िंप श्र॰ (उपिर) भिपर; भिये. कपर; कंचाई पर Above; upon; on. "तेसि भोमार्ग उप्पिउज्जीया" जीवा॰ ३; ठा॰ ३, ४; राय॰ ४७; १०३; वेय॰ ४, २६: विवा॰ ३; ६; पत्र॰ २; ज॰

प॰ १, ४; ३, ४=; नाया॰ १; ६; =; ीर; १६; सग० १, ६; २, ६; ३, १, 7; y, E; E, Y; E, 33; 12, V; —पासाय. पुं॰ (-प्रामाद) अथे। भदेश. जना महत्त a high or lofty palace. निर॰ २, १; - स्वलिलपड-हाए। त्रि॰ (-मिललप्रतिष्टान) पाणी ७५२ लेनु अतिशन-रदेशम् छ ते. जन पर जिस का निवास स्थान है वह. (one) whose residence or abode is on water. भग॰ ७, १: उपित्रजल त्रि॰ (रुग्तिजन) क्षाभ व्यवध স্মাকুলনা जनक. (Anything) which causes agitation to the mind. " दिप्तिनमृष् कह कह भृषु " राय॰ हर; र्जीपजलगभुद्यः ति॰ (टिविश्वबकभूत) आहुत ब्याहद श्रवेत. ब्रायन काउत Troubled; distracted in mind. कण० ४, १२६:

डॉप्पच्छु. न० (*टपिच्छ) अधर धासे लक्षदीधी भाई ते; भायनना भेक्ष देव. श्रधरथात ने गाना; गायनका एक दोव. Singing far too rapidly; a fault in singing. श्रणुजो० १२=; भत्त० ११६;

उपियमाण, त्रि॰ (उत्प्ताव्यमान) भाषी ७५२ ७४ अति। चलके कपर टहलता हुत्रा. Leaping on water; rising and falling on water. " बुदुमाणे णितुदुमाणे दिपयमाणे" ट्वा॰ ७, २१=; उप्पीतिय. त्रि॰ (दन्पीदित) ६८ ४१%;

भेंचीने लांधेतुं; तंश धरेख. हद किया हुआ; विचकर बांचा हुआ. Tightly fastened; bound fact. उर्पाविष विधार गहिया उरपहरणा ' भग॰ ७, १: नाया० २: श्रीय॰ ३०: विवा॰ २: सय॰ =१: गीया० ३, ४: पगह॰ १, ३: तं० प०३, ४२: ३, ४६: —फन्छ, ५० (-फच्छ) भाधीछ: ५२छेटि। केथे. जिमने बछोटा मारा है यह. one who has tightly tucked up the hom of his loin-cloth after carrying it to the back part of his waist विवा॰ २:

उष्पुयः न० (उष्सुन) भाषतने। भेक्षेत्र हेषः. गायन का एक दोष A kind of fault in singing नायाः १४; (२) ति॰ लपशीनः भयभीतः; उस हुन्नाः terrified: alarmed. नायाः मः

उप्पूर. पुं॰ (उत्प्रत) पाणीने। अये। अवाद. प्रचंड प्रवाह. A big current or flood of water. पग्ड॰ १, ४: (२) धर्मः ज्येलं बहुतः ज्यादह. much: excessive. पग्ह॰ १ ३:

उप्पतालगः त्रि॰ (*) नक्षत्रं भेष्यनारः निन्दा धरनार द्युग योनने वाला, निदकः (One) who censures or slanders उत्त॰ ३४, २६;

रिफाइंत पुं॰ (*) ती. दिशी. A locust: a grass-hopper. प्रव॰ १६७: उप्पुत्त. त्रि॰ (उत्कृत) विश्वित. विक-मित. प्रकृतित. Full-blown; blooming. " उप्कृतं नवि निम्मण् " दस॰

४, १, २३;

उप्मेगाउप्मेगियः त्रि॰ (उत्मेनीरमेनित) ह्यता ७५। शुनी भेरे ७ ६थेस-है। धाय-

^{*} लुओ। भूष नभ्भर १५ नी प्रुट्नेट (*). देखो मृष्ट नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

भान थेथेस. द्धके उफान के समान क्रोधायमान. Boiling with anger; with anger rising like boiling milk. "उप्फेणउप्केणियं सीहसेणं राय एवं वयासी" विवार ६;

उप्पेस पुं॰ न॰ (*) भुगुट; ताल. मुकुट; ताज A crown; a diadem स्रोव॰ १२; ठा॰ ४, १, श्राया॰ २, ३, २, १२१; पत्र॰ २;

उद्यंधरा. न० (उद्दन्धन) अये शाभादि-क्ष्मां क्ष्यक्षी भरवुं ते. ऊंचाई पर शाखादिक में लटक कर मरना. Committing suicide or dying by hanging on the branch of a tree etc. प्रव० १०३०;

उच्चद्ध्य. पु॰ (उद्बद्धक) विद्या, भंत्र, यंत्र यगेरेमां ब्हेभायकी है कीने हिक्षा आप यानी मना हरेश छे. विद्या मंत्र तंत्र आदि में शंकायुक्क कि जिसे दीचा देने की मनाई की गई है. A person full of superstition in the matter of charms, incantations etc. Such a person is thought unfit to be given Diksā to. ठा॰ ३;

चन्मह. त्रि॰ (×) भागेक्ष, यायेक्षुं, मांगा हुन्ना. Prayed for; solicited; begged. पिं॰ नि॰ २८१;

उच्भड. ति॰ (उद्गट) भु६वुं: ७४॥६ुं खुला हुआ: उघाड़ा. Open; manifest. "उच्भडघडमुहा" भग० ७, ६; अगुत्त॰ ३, १; (२) विश्राक्ष; अगंश्र. भगंकर; दरावना. terrible; fierce. भत्त॰

१०६; जं॰ प॰ श्रगुत्त॰ ३, १; सु॰ च॰ २, २१२;

उच्मवः पुं॰ (उद्भव) ७८५ति. पैदाइश; उत्पत्ति Birth; production; rise. नाया॰ २;

उट्मसुक नि॰ (१) आऽमांने आऽमां ७ला ७ला सुआध गयेल. इस में ही खटे खडे सूख गया हुआ. Dried up in the very tree, in an erect posture. प्रोच॰ नि॰ ७३४:

उद्भाम. पुं॰ (उद्घाम) लिक्षायरी; लिक्षाने वास्ते अभण करना. One who wanders to beg alms; wandering in order to beg alms. हा॰ ४;

उद्भामश्च. पुं॰ (उद्घामक) लार; व्यक्तियारी. जार; व्यभिचारी. A person who commits illicit sexual intercourse. पिं॰ नि॰ ४९०

उच्मामग. पुं॰ (उद्घामक) लुओ। ઉपते। शण्ट. देखो ऊपर का शब्द. Vide Above. " श्रद्धाण णियागाई उच्मामग स्वमग श्रक्खरे रिक्झा" श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ६०; (२) એક જતના વાયુ एक प्रकार का वायु a kind of wind. पन्न॰ १;

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ८ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot note (*) p 15th.

उध्मिल, पि॰ (उतिज) कभीन लेही धनुभा-રુપે ળહાર આવનાર મેથી વર્ગરે ભાજપાલા. जर्मान फोइयर पाटिर निकलनेवानी मेधी वंगरह की भाजी. Vegetation which pierces the soil and aproute forth (१० ति० ६२४; (२) जंदरतम स्थाहि छप, संजनक स्वाहि जीप, त species of living beings, such तप a wag-tail etc. पगह । १, ४; उद्मिज्जमाण, भि॰ (उद्मिल्यान) प्रपार्था માં આવતું: ખુલ્લું થતું. શુવના દુષ્ટા. Being opened; becoming manifest. "केतद्रपुटाणवा प्राणुपायंवि उध्भिजमायाया वा "भग• १६, ६; जं• प॰ १, राय० जीवा० ३, ४: उध्भिन्न, न० (उद्गिन-मध्युतुपादे, स्विभिनं मुखं माधूनां तैलघृतादिदानार्थमुद्रिय तैलादि माधुम्या दीयने तदीयमानं तलादि पिहि-तोजिन्नम्) साधने भी भाहि वहागववा માટે કમાર ઉધારીને કે ડાટા ઉખેરી આપવા યો લાગતા દાપ. ૧૬ ઉદ્ધમનમાંના ૧૨ મા है। प. साधुको घी आदि गदोराने के लिये किवॉड उपाटकर अथवा बर्तन का टाट निकाल कर भिद्धा देने से लगने वाला दोप: उद्रमन के १६ दोषों में भे १२ वां दोप. The 12th of the 16 Ud. gamana faults viz. opening a jar or a door in order to give ghee etc. to an ascetic for outing. पिं० नि० ६३, ३४७; पंचा॰ ૧૩, ૬; (૨) બેદીને ળહાર નીકલેલ-फोदकर बाहिर निकला हुआ. sprouted forth or shot out after piercing something. " तेण समप्रां उव्मिन्ने मकरी पोयणु " नाया॰ ३; सु॰ च॰ २, ३६५;

उध्मियः ति (उद्गिर्) भेरीने नीःसः-वरनीयः भंबरनीर देश्हा यभेने फोक्सर निक्ती हुए जन्मे हुए; शंजगंद, मेहक बादि. Come out, shot out after piereing something; a wagtail, a frog etc. 270 5, 1, 5; इस० ४: अ४० १२४०; — लोग. न० (-मयम) हरिया भागे भाग भागीयी ઉત્પન્ન થતું. વવબા દરિયાઇ મીઠું, મમુદ્ર કે पाम कारे अन में दलक हैं।नेपाना निमंद: दर्शाई निमस् ५० १.५० रि. आया २. १. 4, 34; Atile 51, xe; उधिभययः वि (इक्तिमक) पृथ्वीतं भेरीतं તીકલેલ પ્રાણી-તીક-પતંત્ર વગેરે. વૃષ્ટી દો फोटार नियने एए प्राणी-पर्तेग सादि-(An insect) coming out by piercing the land, e. g. a locust etc. wrate 1, 1, 5, x=; उच्भार्याः थाः (योद्भूतिका) નામની કૃ'ણ વાસુદેવની એરી; કંઈ પણ લ્યા શર્ય પ્રસંગે લોકોને જણાવવા માટે કે અમુક વખતે અમુક થવાનું છે તેટવા માટે वभाऽवानी शेरी. कृष्ण यामुदेग की भेरी का नाम: किसी धाधर्यजनक प्रमंग पर लोगी को जागृत करने के लिये अथवा अमुक्त समय में श्रमुक होगा यह प्रगट फरने के लिय बजाई जाने वाली भेगे Name of the kettle-drum of Krişpa Vāsu leva; a kettle-drum sounded to proclaim some unusual event to people विशेष १४७६; उदमेरम. न॰ (उन्नेदिम) समुद्र आहिमां ઉत्पन्न **थतुं स्वय्यः भी**ई. समुद्र क्यादि में उलम होता हुआ निमक. Salt pro-

duced in the sea etc.; common

salt, दम० ६, १८;

उभन्नो. श्र॰ (उभयतस्) भे लाक्तुओ; भे तरक्ष् दो तर्फ सं; दोनों श्रोर. On both sides. (२) भे; २. दो; २ two; २. जं॰ प॰ ४, १२७; नाया॰ १, भग॰ २४, २२; उत्त॰ ११, १७; श्रोव॰ ३१; क॰ गं॰ १, ३६, कप्प॰ ३, ३२; क॰ प॰ १, १३; —काल. पुं॰ (-काल) भन्ते २५त. दोनों समयboth times दसा॰ १०, ३; वव॰ ६, २०; —पार्सि. श्र (पार्श्व) भे ५५भे; भे थालु दोनों तर्फ on both sides. सम॰ ३४.

उभय, त्रि॰ (उभय) भे दो. Two; both भग॰ ६, ३३; १२, १०; विशे॰ ११८: ४७०; श्रीव० १६, ३६; श्रगुाजी० म; २१; दसा० १०, ३[,] दस० ४, ११, प्र. २, १२; नाया० ११, १, पिं० नि० सा० ३; पि० नि० २१५; ५८०; उत्त० 9. '२३; कु० गं० i, २२; —(या)-भ्रानुपस्सि त्रि॰ (-श्रनुदर्शिन्) आक्षेत्र અને પરલાક બન્નેના સખને ચાહનાર. इस लोक श्रोर परलोक-दोनो लोकांके मुख को चाहने वाला (one) who wishes the happiness of both this world and the next world श्राया॰ १, ३, २, १११; —(या)श्रभाव पुं॰ (- ग्रभाव) ઉભયના यन्नेना असाव दोनोंका श्रमाव absence of both विशे॰ १३३; — अरिह. न॰ (-ग्रई) ઉભય-આલાયના અને પ્રતિક્રમણ भे अन्तेने थे। य आती चना और प्रतिक्रमण इन दोनोंके योग्य; deserving both Alochana (confession) and Pratikramana (repentance for faults); (२) हश अधारना प्राविश्वत्तमानं स्थे दश प्रकार के प्राय-श्रितों में का ग्क one of the ten

kinds of expiation जीवा॰ ३; - पइद्विश्र. त्रि॰ (-प्रतिष्टित) भेरते याने पर यन्ने आश्री रहेस ऋपने श्रीर दूसरे के आश्रय से प्रतिष्ठा पाया हुआ in relation to oneself and for others, i. e. applicable to both. ठा॰ ४, १, — भाग. पुं॰ (-भाग) यंद्रने थे ५५% रહी लेग जोउनार नक्षत्र. चंद्रकी दोनो श्रोर रह कर योग जोडने वाला नक्तत्र. a constellation on both sides of the moon's path. चंदस्स जोइसिंदस्स जोइसरको छ णक्खता उभवभागा उत्तरा तिरिण विसाहा पुणव्वसू रोहिणी "ठा० ६; -लोगहिय न० (-स्रोकहित) थन्ने **क्षेप्रनं हित-**४६थाश दोनें। लोकों का कल्याण, beneficial both for this world and the next world " कल्लाणभायणत्तेण उभय लोगहियं " पचा॰ ११, ३६, —वाय पुं॰ (-चान •) थन्ने तर६ने। वायु दोनो श्रोर का बायु wind blowing from both sides नाया० -वायजोग पु॰ (-वातयोग) भन्ते तरधना वाधुने। क्लेश, दोना तर्फ की वायुका योग coming together of winds from both sides i. e opposite sides. नाया॰ —विसुद्ध त्रि॰ (-विशुद्ध) भे प्रधारे शुद्ध. दांना तरह शुद्ध. pure or purified both ways पंचा॰ १, २०; — विद्वा त्रि॰ (-विद्दीन) ઉભय **બ્રષ્ટ, ખન્નેથી રહિત उभय भ्रुष्ट, दोनों से** रहित. devoid of both, destitute of both पंचा॰ ३, ४०; —सुय पुं॰ (-श्रुत) ४०५ अने लाव

श्रुत. इच्य और भाग भत. scripture of both kinds viz Dravya and Bhava. (पंगे १२१;

उभयतो. ७० (उभयतम्) ल्युः। " उभयो " १००० देगी " उभयो " श्रव्ह. ऐगी " उभयो " भग० २४, २८;

उभयहा श्र॰ (उभयथा) भे श्रहारे; यन्ते रीते. दो प्रतार में; दोनी गितियोंमें. Both ways; in both ways विशे॰ १५०:

उमा. स्वं (उमा) शीका वासुरेवनी भावानुं नाभ. दूसरे वासुरेवनी माताना नाम Name of the mother of the 2nd Vasudova, समक पर २३%.

उमाग् न॰ (शपमान) अभभानः अना-इ२, नि२२५१२, त्रपमानः श्रनादर Insult: distenspect श्रामा॰ १, १, १, १९,

उम्मस्या. त्रि॰ (उन्सम्य) पाण्डीभांथी ६पर आवेस जल में से ऊपर ज्यागा हुश्रा Emorged out of water. पग्ह॰ १; ३; जं० प० ३, ४४;

उस्सन्तः पुं॰ (उन्मागं) उने आववाने।
भागी; कुणधी भारीने "दार निक्ष्यवाने। भागी. उत्तर त्याने का मार्गः दुवकी मारकर वाहिर निक्रलने का मार्गः दुवकी मारकर वाहिर निक्रलने का मार्गः.
The way to come up, the emergence out of water after dipping oneself into it. " पच्छम्म
पलासे उम्मगां नीलहह मुजगाह्य "
श्राया॰ १, ६, १, १७२: पंचा॰ ११, ३६:
क॰ गं॰ १, ४६; (२) अथे। भागी.
उत्तरा मार्गः, विरुद्ध मार्ग wrong path;
contrary path. (३) अन्भागीदशीकः
विरुद्ध मार्ग-शाम्नः, विरुद्ध मार्ग-दिखानेवालाः
one who leads astray श्रामुजी॰

१४१; (४) व्यव्या ६२ हे ते. शाहाये हरता. taking to a wrong path; doing a wrong deed. " उपलाबराज सम दोर्मायस्य " धायाः नि १, ४, १, २ ८६: - द्रिया अ. (- स्थित) दिन्सा-भौभां भीत. उन्हार्व गाम्।, (one) who has taken to a wrong or prohibited path. " दसमादिय सुध निविद्य विभागं प्रमानि " गुण्डा । १, २८, -देस्मायाः भं५ (-देशमाः उन्मार्गस्य भवत्तीसाद्धीत्रवेषत् देशना वध-नमन्मार्गडेनाना) उन्धार्ग-अपया भागे-नी देशना-उपहेश. उच्मागै-समय-मार्ग का स्परेग, unwholosome, pernicious advice, i. e. one leading astray हार ४, ४, —देखाए। धीर (-देशना) ઉત્માર્ગની देशना-ઉपरेश हैरी। ते. उन्मार्ग का देशना-गोहा उपरेश देना giving a false advice, giving advice leading to a wrong path. प्रव॰ ६६३: -पड्डिय, ग्रां• (–प्रतिष्टित) અવલે માર્ગ ચહેલ; ઉત્માર્ગ अनिश पामेल उन्मार्ग में प्रतिष्ठा पाया हुआ (one) gone astray; misguided. " भयवं कांह विगेति उम्मग पद्दीद्वयं वियाणिजा" गच्या॰ २: -पद्दिय ति॰ (-प्रस्थित) लुओ "उम्मण पह-द्विय " शल्द्रः देखो 'उम्मम्म पह्दिय' शब्द vide " उम्मम पहिंदूय " गचला॰ ६: --पाँडवरागाः त्रि॰ (-प्रातिपत्त) दन्भार्शने ण शिशर धरेक्ष. जन्मार्ग को स्त्रीकार किया हुआ. (one) who has accepted a wrong or pernicious path or course of action उवा ० ५, २१८; -प्यट्ट. त्रि॰ (-प्रवृत्त) उन्मार्गे प्रवृत्त थ्येल. उन्मार्ग में प्रमृत gone astray;

started on a wrong path. सु॰ च॰ ४, ११५;

उम्मग्ग जलाः स्री॰ (उन्मग्न जला - उन्म जित शिलादिक मस्मादिति, उन्मग्नं उन्मग्नं जलं यस्यां सा) तिभिक्ष शुश्ने भध्यक्षाणे श्रे नाभनी श्रेश्व नदी है किमां है। ध्रे यस्तु पड़े तेने उश्लिति क्यार हें श्री है तिमिस्र गुफा के मध्य भाग में स्थित एक नदीका नाम जो कि किसी वस्तु के प्रतनेपर उद्यालकर याहिर फेंक देती है. Name of a river in the centre of a cave named Timisma. Its water violently throws out anything that falls into it " जग्मं उम्मग्ग जलाए महा-गईए" जं॰ प॰ ३;

√ उस्मक्तः था॰ I. (उत्+ मृज्) भंत्र वगेरेथी सर्थ आहिन जेर इतारवुं मंत्रादिसे सर्पादि का जहर उतारना. To remove the effects of serpent-bite etc by incantations etc.

उम्मजेजा 'तं इत्थी पुरितस्य उम्मजेजा'' वव॰ ५, २१;

उम्मज्ज. पुं॰ (उन्मज्जन) पाणीनी अंदरथी
सपारी उपर आवनु ते जल के भीतर से जनरी
भाग पर आना. Emerging on the
surface of water from below
it. (२) संसारनी सपारी-भेक्ष उपर
सम् करनार-अद्धा, संयम. पीर्थ पगेरे मोन्न
लेजाने वाले अद्धा, मंयम, यीर्थ आदि
faith, asceticism, heroism etc,
by which a person emerges
to the surface of the worldly
ocean and gets salvation
" उम्मजलद्धं इह माणवेह " आया॰
१, ३, २, १९४; — णिम्मज्जियाः
सी॰ (-ानेमाज्जिका) पाणीभांथी अर

आपवुं अने नीये कवुं ते; रूणश आपी ते. जन में डुवकी मारना. alternately to emerge out of water and to submerge under it. "ब्रहेउम्मज णिमीनवं करेमाणे देमं पुढवीण चेनेजा" ठा॰ ३;

उम्मज्जक पुं॰ (उन्मार्जक) श्नान अश्वाने ओक्ष्यार पाणीमां पेशी तरत लढ़ार निक्षेत्रे तेवे। तापस; तापसनी ओक्ष ज्यत. स्नान करने के लिये एक बार जल में प्रवेश कर दूरंत्त बाहिर निकल ने बाला तापम्; तापसी की एक जात. A class of ascetic an ascetic who dips himself once in water for his bath and immediately comes out. योव॰ ३८;

उम्मद्धाग पुं॰ (उन्मार्जक) लुओ। ७५दी। शण्ट. देखो उपरका शब्द. Vide above. भग० ११, ६; श्रोव॰ निर॰ ३, ३;

उम्मज्जा स्त्री॰ (उन्मजा) पाणीमां नीयेथी ઉपर व्याववुं ते. पानी में नीचे स ऊपर श्राना. Emerging out from the bottom उत्त॰ ७, १७;

उम्मिक्चियः सं॰ कृ॰ श्र॰ (उन्मक्क्य) ध्रयाने धुनादीने शरीरकी दुबाकर. Having dipped or submerged the body. भग॰ १३, ६.

उम्मत्तः त्रि॰ (उन्मत्त) शाउँ।; उद्दतः पागल, उद्दुद्धः उद्धतः Mad, insolent. प्रव॰ ७६७; विशे॰ ३२६०; (२) शर्विष्टः भूत वगेरेना यसभाः वासुं. गर्विष्टः घमटी; जिसे भूत वगैरह लगे हो वहः proud, conceited; possessed by a ghost etc. प्रव॰ ७६७; पि॰ नि॰ ४७२,

 यित्त हेशाणे नधी कानी, उन्मत्तः पागाः मदिरा पान में जिनका जिन मुकानपर न हो पह. Maddened; intoxicated with drink हा - ४, ३;

उम्मत्तजला. ला॰ (उन्मयजला) रम्भक्ष विद्रशनी पश्चिम सदर्ह अपूर्नी नदी: भदाविदेदनी भार भन्तर नदीमानी केंग्रक रम्पक विजय की पश्चिम नट पर की नदी Namo of a river on the west orn border of Rampaka Vijaya; one of the 12 Antara Nadia (rivers) of Mahavideha, " रममण विजय उम्मयजला महागाई " जं॰ प॰ ठा॰ २, ३:

उस्मद्द्या न॰ (उन्मर्टन) ७४८१ ईपाडीके भर्दन ६२५ ते. उनंद माँ का खोर से मर्टन करना. Rubbing (i. o. oil) on the body against the grain. प्य॰ २, २, ६२; नाया॰ १३;

उम्महिया. स्ना॰ (उन्महिंका) उत्तरी द्वाडीओ भईन क्र्यार हाभी. उत्तरे ग्वेंकी तरफ मे गर्दन क्र्यानाती यामी A maidservant who rubs oil etc. on the body against the grain. भग॰ ११, ११;

उम्माण. न॰ (उन्मान-उन्मीयते तादित्यु-न्मानम्) ते। क्षी परिभाणु थाप ते: शेर, भणु, धर्ष, भारी। कोरे. तोन, गजन का परिमाण; नर, मण, तोन्ना, मासा श्रादि. A measure of weight o. g. a seer, a mound otc. सम॰ प॰ २३६; जं॰ प॰ ठा॰ २, ४; नाया॰ १; (२) केने ते। क्षता अर्धकार अभाजु थाय तेवे। पुरुष उन्माने। पेत धरेवाय. जो तोन्ने पर श्रद्धेभार श्रमाण हो वह पुरुष उन्माने। पेत कहनाता है। क person who is Ardhabhara in weight instyled as Unminopota. " संबंध डम्मांग २ जण्णे
उम्मिण्टिड " संबंध २०, मण्ड १, ६;
(१) शामा आस्त्रामा उतेष ताणी
पम्ती क्षेण्यी तेत्रार्थित, सम्बद्ध के एक
प्राह्में पीड क्षाप्त्र हमें प्रवाह से क्ष्युक्ष संस्था, weighing a thing
against a measure of weight
in the scales of a balance, ठा॰
१; प्राणुपेट १३२;

उम्माद, पुं॰ (उन्माद) भारपण्: भित વિશ્વમ, પાણા પણ *વિર્ણાપુરા*મ, Madintoxication: mental abouration, and ax, a; sens a, १२: विशेष १४१४; (२) व्यत्यन्त धाम-थी बिन्मत्त. धायाना नाम से उन्मत. maddened with love or lust. "कह जिहेगां भंगे उम्मादे पगणने गायमा दुविहं उम्माद पणमृते" भग॰ १४, २: (३) पक्षाहिना आवेश नद्यांद का प्रावेश. being possessed by a Yaksa otc. ठा॰ २, १; —पमायः (-प्रमाद--- उनमादः संप्रहत्वं स एव प्रमादः भगत्तत्वमाभाग शून्यतान्माद्रमादः) यक्षा-દિના આવેશથી ઉપયોગ શન્યપણ यत्तादि के शरीरमें अनेला होने से उपयोगलून्य होना. listlessness or inattentiveness due to one's being possessed by a Yak-a etc. 310 5;

उम्माद्या न॰ (उन्मादन) धाभनुं उदी-पन थाम ते. प्रयत्त काम का उदीपन होना. Rise of strong passion or lust. श्रमुजो॰ १३०,

उम्माय. पुं॰ (उन्माद) कुन्मे। " उम्माद " शण्ट. देशो " उम्माद " शब्द. Vido " उम्माद " भग॰ १४, २; दसा॰ ७, २१; विशे ० १४१४; उवा ० ६, २४६; प्रव ० १०००; — एत. प्रि ० (-प्राप्त = उन्मादमुन्मत्ततां प्राप्त उन्मादप्राप्त.) भे दिनीय
क्रमें के उदय से जो पागलपन हुआ हो वह.
mental aberration caused by
the maturity of Mohaniya
Kaima (i. e. Karma which
deludes as regards light be
lief etc.) वव ० २, १०; १६;

उक्तिम. पुं॰ (उमिं) तरंग; भीलां; सहेर.
तरंग, लहर. A wave कृपं० ३, ४३:
नाया॰ मः परह० १, ३; (२) भीलाने
आक्षारे जनसभुद्दाय. लहरों के ख्राकार
के समान जन समुद्दाय a crowd of
people resembling a series of
waves. भग० २, १, — वीचि पुं॰
(-वीचि) सभुद्रना भेडे। दरंग अने
न्हाना तरंग समुद्र की वही २ ख्रीर छोटी
छोटी जहरें. waves and ripples of
the ocean. भग० १६, ६;

उम्मिमालिए क्रिं॰ (किम्मालिनी) भेई
पवतनी पश्चिमे अने शीते। भटा नदीनी
६त्तरे सुवध विकयनी पूर्व सरहद ६परनी
अन्तर नदी मेर पर्वत के पश्चिमकी और,
सीतोदा नदी के उत्तर की श्चोर श्चोर सुवध
विजय की पूर्वसीमापर की एक श्चन्तर नदी.
Name of niver on the eastern
border of Suvapra Vijaya to
the North of the great river
Sitodā and in the west of Meru
mountain "सुवष्ये विजय जयेति रायहासी उम्मिमालिसी एहं "ठा० २, ३;
जं०प० ४;

उम्मिलित. त्रि॰ (उन्मीलित) लुओ। ६५६। शम्म. देखो उपरका सन्द. Vide above v. 11./33 श्रोव० १३;

उम्मिलिय-ग्र ति॰ (उन्मीतित) विश्वित; भीक्षेत्र; ७४८ेदः फूला हुन्त्रा; खिला हुन्त्रा; विकमित. Full-blown; opened; blooming. राय॰ २३८; श्रगुजो॰ १६; यम॰ प॰ २१३; नाया॰ १; जीवा॰ ४;

उम्मिलिर त्रि॰ (उन्मीलनशील) भीवनार. खिलने वाला. Having the nature or characteristic to bloom or open. सु॰ च॰ ३, ४४;

डिम्मिसियः त्रि॰ (डिन्मिपित) प्रक्षाशित Bright; shining, opened.
भग॰ १४, १; (२) पुं॰ आण विंथाधने ६६६ तेटले काल आख मीचकर
खोलनेमें लगनेवाला समय, समय परिमाण
a measure of time required for the twinkling of an eye. "डाम्मिसियाणामिसियंतरणे" जीवा॰ ३, १,

उम्मिस्स न॰ (उन्मिश्र) लेससेसपाड़ी; शें हुं थ्येस; शें प्राणानी ७ में। हे। मिश्रित; एकत्रित; एपणा समिति का ० वा दोप. Food etc. of different kinds mixed up together, the 7th fault in connection with foodbegging. श्राया॰ २, १, १, १; प्रव॰ ५७६, ग्र॰ ४;

उम्मीलिय त्रि॰ (उन्मीलित) भी थेथ. विला हुया Full-blown; opened. पत्र॰ २; विवा॰ १, ७;

उम्मीस. न॰ (उन्मिश्र) अपश्वाना दश दीपमांना ७ भे। दीप एपणा के दश दोपों में का ७ वां दोप. The 7th of the ten faults connected with foodbegging. दस॰ १, १, १७; पि॰ नि॰ ४२०; पंचा॰ १३, २८; उम्मुक त्रि॰ (उन्मुक्त) अथे दें हे कुं कंचाई पर फेंका हुआ. Thrown up; tossed up શ્રોव॰ (२) સર્વથા ત્યાગ કરેલ; છેાડેલ. सर्वथा छोडा हुआ, त्यागा हुआ. abandoned; renounced for ever. कृद्प॰ ५, १०३; विशे० २७५०; उत्त० ३६, ६२; नाया० १, ३; १५; पिं नि० ६३२; भग० ११, ११; १२, १; —कमाक्वय. पुं॰ (-कर्मकवच) सक्स क्रभेर्प क्वयती ત્યાગ કરેલ છે જેણે એવા સિદ્ધ ભગવાન્ सकल कमेरिप कवच का जिन्होंने त्याग किया है ऐसे सिद्ध भगवान a liberated soul i. e a Siddha who has removed the fetters in the form of Karma. श्रोव॰ —वालभाव. पुं॰ म्नी॰ (–बालभाव) শास ।છું છાડી દીધેલ वालमाव को जिसने लाग दिया है वह adolescent; one who has passed from childhood to boyhood or manhood भग॰ १४, १; विवा॰ ५; नाया० १; ८, १३, १४, दसा० १०, ३, कप्प० १. ६;

उम्मूलणा स्त्री॰ (उन्मूलना) भूसथी ઉभेऽवुं, युंटी महार क्षाद्वं जडसे उखाडना. Uprooting; eradication. "उम्मु-लणा सरीरा श्रो" पग्द॰ १, १;

उम्मूलिय. ति॰ (उन्मूलित) ज्याम् थी ६ जेडे स जह मूल से उखाडा हुआ. Up rooted; eradicated भग॰ १६, ६; उम्मेस पुं॰ (उन्मेप) आंभ वीयवी ६ धाऽवी ते; आंभता पश्चारा. श्रॉख खोलना, मींचना, श्राँखकी पलक. A glance; twinkling of eyes. भग॰ १३, ४;

उम्ह. पुं॰ (जप्मन्) ઉષ્ણुता; गरभी. उष्णता, गर्मा Heat श्रोघ॰ नि॰ ४८४, उय पुं॰ (ऋतु) वसंत आहि ऋतु. वसंत आदि ऋतु A season; e g. spring etc. नाया॰ १, ४; भग॰ ६, ३३;

उय. अ॰ (उत) अथवा श्रथवा; या. Or, an alternative conjunction. विशे॰ १६१०;

उयंसि. त्रि॰ (श्रोजस्तिन्) श्रीश्रस्ती; अधिक भनी। असे पादी। श्रोजस्ती; श्रोज गुण वाता; श्रिषक मनोवल वाले Powerful: possessed of strong will-power राय॰ २१४, समे॰ प॰ २३४,

उयद्व त्रि॰ (श्रपवर्त्त) क्ष्मेनी क्षांणी रिथतिने ढुंडी करवी ते. क्ष्में की दीर्घ स्थिति की अला करना (One) who has weakened the power of Karma. भग॰ १, १; उयद्वर्ण न॰ (श्रपवर्त्तन) लुओ। "उयद्व"

शण्ड देखो "उयह" शब्द. Vide "उयह" भग० १, १;

उयर पुं॰ (उदर) भेट; क्रहेर उदर; पेट
The belly, the stomach उत॰
७, २ पिं॰ नि॰ भा॰ ४४, दसा॰ १०, ४;
मु॰ च॰ १, ३०४, क॰ गं॰ १, ३४;

उयरियः त्रि॰ (उद्दिक) જ थे ६२ रे। गया थे।. जलोदर रोग वाला. (One) suffering from dropsy. विवा॰ ७.

उर पुं॰ (उरस्) पक्षस्थल, छाती छाती;
वत्तस्यत The breast. पन्न॰ १;
ग्राणुजो॰ १२८; ग्राया॰ १, १, १, १६,
राय॰ ३२; ८६; परह० १, ३; ठा० ७;
उवा॰ २, १०८; क॰ ग॰ १, ३४;
उरिस स॰ ए० व॰ प्रव॰ ६७;
(२) सुंहर सुंदर; ख्यस्रत beautiful,
charming ठा॰ ४; —क्खय. पुं॰
(-ज्ञत) હृध्येना धा. हृदय का घाव. क
wound in the heart; a heart—
sore. विशे॰ २१६, —तच. पुं॰

(-तपस) गेशाक्षाना अधासकन स्थेक व्यतनं तथ. गोशालाके उपासक का एक प्रकार का तप. a kind of austerity practised by the followers of Gośālā ठा० ४; -परिसप्प. पं॰ (-परिसर्प) छातीथी यासनार प्राणी -सर्प यगेरे. छाती के बल चलनेवाले -सर्पादि प्राणी a reptile moving or creeping upon the belly; e.g aseipent etc. उत्त॰ ३६, १८०; भग० ८, १; —परिसद्य विहासः न॰ (परिसर्प-विघान) सर्पनी लाति. सर्प की जाति the serpent kind, भग, १५, - परिसप्पिणी स्रं। (-परिसपिंगी) नागणः सर्पनी श्री नागिन. a female serpent: a female snake. " से र्कित उरगपरिसपिष्णी २ " जीवा॰ २: **—सुत्तिया** स्रो॰ (-स्त्रिका) ७.तीमां पहेरवानु आसुष्ण छाती का एक श्राभूषण an ornament of breast wo vo

उरंडरेंग्. श्र॰ (*) श्राती साथे श्रह्ण ५२वं ते; श्राती सरसी. द्वाती से लगाना, द्वाती से द्वाती मिलाना Embracingly; closing in embrace " च उरं गिया पि उरंडरे गिरिहत्तवु" विश्वा• ३:

उरग पुं॰ ली॰ (उरग) भेटे याधना-सर्भ.
पेटके वल चलने वाला सर्थ. A snake; a
serpent. उत० १४, ४७, नाया० १६; १७;
भग० =, १; प्रव० १९०६; —परिसप्प
समुन्तिल्लम पुं॰ (-परिसर्पसमुन्तिल्लम)
छाती द्वारा याधनार समुन्तिल्लम संग् काला
के बल चलने वाला समून्त्लन जीव-सर्प. a
reptile moving on the belly, e.

g. a serpent जीवा॰ १; —परिसप्पी न्त्री॰ (-परिसप्पी) नाग्ण; छातीये यासना सर्भनी स्त्री. नागिन; छातीके वल चलने वाली साँपिन a female serpent; a female snake. जीवा॰ १; —वर. पुं॰ (-वर) उत्तम नाग; उंथी जाति का सर्प. a serpent of a high breed; a noble serpent नाया॰ १६; जं॰ प॰ ३, ४५; —वीहि. स्त्री॰ (-वीधि) शुक्रनी उरगनामक गति विशेष. प्रक्रकी उरगनामक गति विशेष. name of a particular kind of motion of the planet Venus ठा॰ ६, १;

उरत्थ न॰ (उर. स्थ) छातीमा पहेरवानु आसरण जाती में पहरने का गहना. An ornament to be worn on the breast जीवा॰ ३,३; मग॰ ६,३३; काप॰ ३,३६;

उरहभ पुं॰ स्नी॰ (उरस्र) भेढुं, धेटुं मेंडा;
भेड; वकरा. A sheep; a lamb
पन्न॰ १७, स्य॰ २, ६, ३७; जीवा॰ ३,
४, राय॰ ४६; पराह॰ १, १; नाया॰ १, उवा॰
२, ६४; उत्त॰ ७, ४: —पुड सिरिएाभ त्रि॰
(-पुटसान्निम) घेटाना नाइ के समान resembling the nose of
a sheep. "उरहभपुडसीरएयाभा से नासा"
उवा॰ २, ६४; —रुहिर. पुं॰ (-रुधिर)
घेटानुं थे।ढी. वकरेका रक्त. blood of a
sheep. जीवा॰ ३;

उरिंगम्रा-यः पुं॰ (ग्रीरभिकः) धेटा-लक्ष्म राने पासनार-सरवाऽ; रलारी वकरे की पालकर फिर कसाई की वेचनेवाला. A

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरने। (+). देखो पृष्ट नंबर १४ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

shepherd who herds sheep, goats etc. and sells them to a butcher. स्य० २. २. २८;

उरन्मिय. न॰ (उरश्रीय) उत्तराध्ययन सूत्रनं सातमु अध्ययन. उत्तराध्ययन सूत्रका ०वां श्रध्याय. The 7th chapter of Uttarādhyayana Sūtra. उत्त॰ ७; उरय-श्रः पुं॰ (उरज) ओड जातने। गुरुशे। एक प्रकार का गुरुञ्जा. A kind of hunch or cluster. पन्न॰ १; २;

उरल. पुं॰ (उदारिक) विधारिक शरीर. श्रीदारिक शरीर. The Udarika i. e. physical body. क॰ गं॰ १, ३४; २, ६; २१; प्रव० १११३; जं० प० २, ३०; उरल. न० (ग्रीदारिक) औदारिक थे। श. ग्रीदा-रिक योग. Activity or vibrations of the Udarika i.e. physical body. क॰ गं॰ ४, ५; — श्रंग. पुं॰ (-श्रङ्ग) **ઉ**દારિક શરીર. श्रीदारिक देह. the Udārika i e. physical body क。 गं० १, ३६; प्रव० १३२६; — द्रुग. न० (-द्विक) उद्दारिक अने उद्दारिक भिश्र ये भे प्रकृति श्रोदारिक श्रोर श्रोदारिक मिश्र ये दो प्रकृतियां. the two Prakritis (Karmic natures) viz Udārika and Udārikamiśra. क॰ गं॰ २, ६; ३, ३;

उरसः त्रि॰ (श्रांरस) पाताना पुत्र निजका पुत्र, श्रोरस पुत्र One's own son ठा॰ १०;

उरसप्त. पुं॰ (उरः सर्प) छातीये यासनार तिथेय सर्प प्राचनी छातीके वस चलने वाले तिथेच. A win tile walking or moving on e g a serpent etc. पन्) ६६; उरसी स्रो॰ (उरसी) એક જાતના शब्धे, एक प्रकार का गुच्छा. A kind of bunch or cluster. पत्र १; उरस्य. न॰ (उरस्य-उरिम भवमरस्यं) छातीनुं. छाती का. Being in the breast; anything pertaining to the breast. राय॰ ३२; —चल. न॰ (-चल) ६६४णस. हृदयवल. power of the heart; will-power; strength of the heart. "उरस्सयल-समणा जए" राय॰ ३२;

उराल. त्रि॰ (उदार) समर्थः, शक्तियुक्त. प्रवल शक्तियुक्त. Powerful. (२) ઉन्नत स्वलाव पाली. उन्नत स्वभाववाला. nspiring. जीवा॰ ५; राय॰ जं॰ प॰ (३) ७६।२. उदार. magnanimous. (૪) પ્રધાન; શ્રેષ્ટ उदार; श्रेष्ट. chief; prominent. श्रोव॰ ३८; सम० ६; नाया० १;५; ८; १२; १४; १६; भग० १, १; ३, १; ६, ४: ११, ११, १४, १; निर० १, १; पञ्च० ३४; जीवा० ३,४, राय० ५६; =१; सू० प० २०; कप्पं० १, ५; (५) अति अध्भूत बहुत श्राश्चर्यजनक very wonderful, सू॰ प॰ १; चं॰ प॰ २०: भग० २, १; जं० प० थ्रोव० (६) विशास. विस्तारवार्धु विस्तृत. extensive श्राया० ૧, ૨; ૧, ૧૦; ૪૦ ૫; (૭) ન૦ એક જાતનું शरीर: ઉદારિક શરીર. एक प्रकार का शरीर; श्रौदारिक शरीर. a kind of body; Udarika Śarīra; external physical body.क॰ गं॰ १, ३७; पंचा॰ १, १५; (=) त्रि॰ ઉદારિક शरीर संशंधी. श्रोदारिक शरीर संबंधी pertaining to the Udarika body. राय॰ २५२; (७) स्थूब; असिद्ध स्यूल, मोटा; प्रसिद्ध. gross; not fine; manifest. सूय॰ १, १, ४, ६; (१०) प्रधान त्रप. प्रधान तप, मुख्य तप. principal or prominent austerity. नाया॰ १;

भग॰ २, १; (११) ओ नाभनी सीसी वनरपित एक प्रकार की हारे वनरपति का नाम.
name of a green plant पञ्च॰ १;
—तस्त. प्रं॰ (-न्नस) स्थूस असळव.
श्रोदारिक न्नसजीव. a many sensed
living being possessed of an
external physical body; a
mobile sentient being with
physical body. जीवा॰ १; — मिस्स.
पुं॰ (-मिश्र) উद्दारिक भिश्र थे।ग.
उद्दारिक मिश्रयोग vibratory activity
of Udarikamiéra i e. physical
mixed with Karmic body. प्रव॰
१३२६;

उरालिश्र-यः त्रि॰ (श्रीदारिक) हाउ-માંસ ને રુધિરવાલુ શરીર; મતુષ્ય અને तिर्थयनु स्थूल शरीर, हाड मास श्रीर रुधिर वाला शरीर; मनुष्य श्रोर तिर्यंचका प्राकृतिक शरîर Exteral physical body haying flesh, blood and bone. ठा० २, १; सम० १३; जीवा० १; नाया० ⊏; भग०२, १; ६, १; दसा० ४, ४०: सम॰ प॰ २७६; --सरीर. न॰ (-शरीर) लुओ। ઉपेे शण्द. देखों ऊ र का शब्द vide above नाया॰ १=; —सरीरि. पुं॰ (-शरीरिन्) उदारिक शरीर वादी। छव श्रीदारिक शरीर वाला जीव a sentient being with Udārika or external physical body ठा॰ ६, १, जीवा॰ १०; उरु. न० (उरु = विस्तीर्थ) विस्तीर्थ; विशास. विस्तृत, फैला हुआ. Extensive vast. भग॰ ११, ११, --घंटा स्रो॰ (-घररा) પિશાલ ધંટ; મ્હેાટી ધંટા. वहा भारी घटा. a large bell विवा॰ ३;

— गायग पुं॰ (-नायक) भहे। दे। नायक
मोटा नायक a great leader, a
great guide कप्प॰ ३, ३६;—पीवर॰
पुं॰ (-पीवर) धहे। भु५. वहा स्थूल॰
very fat; corpulent, कप्प॰ ३, ३६;
उरुगागः पुं॰ (+) यनस्पतिने। पूर;
ओड सुंवादी। पहार्थ वनस्पति का एक कोमल
पदार्थ A kind of soft substance.
जीवा॰ ३, ३;

उरुतुंश्रगा. स्री॰ (उरुतुम्बका) त्रण् धिदिय वाक्षी छप. तीन इन्द्रियों वाला जीव A three-sensed living being. पन्न॰ १;

उरोरुह पुं॰ (उरोरुह) न्तन. स्तन. The female breast. भ्रोघ॰नि॰ भा॰ ३१७; प्रव॰ ४४३;

उरोविसुद्ध न॰ (उरोविश्चद्ध-उरिस भूमिका-नुसारेण स्वरो विश्वद्धो भवति इति) गायत-ती शुद्धिते। श्रीक्ष प्रकार गायन की शुद्धि का एक भेद. A particular variety of clearness of voice in singing. राय॰

उलिउसमाण ति॰ (स्रवलिप्यमान) यटा छुः भित्रातुं चाटने में स्राता हुआ; खाने में श्राता हुआ; खाने में श्राता हुआ, खिले हिंचातु licked or sipped; being eaten. कप्प॰ ३, ४२; उलुग्ग. ति॰ (श्रवहृग्ग) न्थान थेथेथ. उदास. Faded; withered, fatigued; wearied. नाया॰ १; — सरीर न॰ (-शरीर) हुभैक्ष शरीर. निर्वल शरीर an enfeebled body; a weak and emaciated body नाया॰ १;

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

उल्लाश्च. पुं॰ (उल्लाक) धुः उल्लाः An owl. (२) वैशेषिः दर्शनना नेता क्णाद मुनि Saint Kaṇāda the founder of the Vaisesika school of philosophy. विशेष २१६५;

उल्ग पुं० (उल्क) ध्वाः धाः उल्लू An owl. स्य०२, २, १६; सम० विशे०११०७; — पत्त. न० (-पत्र) ध्वाःनी पांभ उल्लू के पंखा a wing of an owl. मग० १८, ६;

उल्गी. स्री॰ (उल्को) એક પ્રકारनी विद्या. एक प्रकार की विद्या. Name of an art (२) धुवडनी भादा उल्क स्री. a female owl. विशे॰ २४४४;

उस्स. ति० (*) ली शुं; ली गुं. त्रार्द्र; गीला Wet; damp दस० ४, १, ६६; जं० प० ३, ६२; राय० २ ४१; पि० नि० भा० १२; पि० नि० ३६७; ४३३; भग० ४, ७; १६, ४; नाया० २; ६; १६; उत्त० २४, ४०; — चम्म. न० (—चर्मम्) ली शुं आपुं. गीला चमडा, कचा चमड़ा. wet skin or leather विवा० ६; — द्रम पुं० (—दर्म) ली शुं हाल-हाल है।; ओड ज्यातुं भड़ हिता दर्म. wet ie. green Darbha grass. विवा० ६; — पडसाडिया. स्त्री० (—पटशाटिका) ली श्री आडी. हरी मार्जी. wet i. e. green thicket of trees. विवा० ७;

उल्लंगच्छ. न॰ (+) ६दे गण्थी नीड-देल એ नाभनुं એક કुल उद्देह गण से निकले हुए कुल का नाम. Name of a family which was an off-shoot from Uddehagana. काप॰ =; (२) आस्था भात्रथी नीअलेल ३ को भणु, कारयप गोत्र से उत्पन्न ३ रा गण the third Gana (order of saints) descending from Kāṣyapa family origin. कप्प॰ =;

उस्नंघण. न॰ (उल्लख्तन) ઉલ્લંધવું; કુદી જવુ ते उलांघना; कूदना Crossing; leaping across. उत्त॰ २४, २४; श्रोव॰ २०; भग्॰ २४, ७; (२) त्रि॰ विनय-भर्याहा ઉલ્લंधनार. विनय-मर्योदा का उल्लंघन करने वाला. (one) who violates the rules of modest or reverential conduct. उत्त॰ १७, ६;

उत्संबर्गः न० (उन्नम्बन) आऽती अविभे सटक्ष्मां पांध्यु; उन्ने सटकायुं. माड की डाजी से लटकता हुआ गंधना; ऊंचाई पर लटकाना. Suspending or hanging anything on something above; e. g. on a branch of a tree. सम० ११; परह० १, १; नाया० २;

उन्नंबियं सं॰ कृ॰ श्र॰ (उत्तम्स्य) उने बरशनीने. ऊंचाई पर त्रदका कर Having suspended or hung on something above भग॰ १३, ६;

उद्धांबिय. त्रि॰ (उल्बन्धित) अरुभां लट्डा-वेश. काड पर लटकाया हुआ. Hnng or kept suspended on a tree दसा॰ ६, ४;

उल्लग. ति॰ (श्रद्धिक) आर्द्रे; शीतुं. गीला; भी ग हुआ. Wet; damp. श्रंन॰ ३, ६;

^{*} अ्थे। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरतार (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

- हत्थ. पुं॰ (- हस्त) भीनं क्षाय. गोला हाथ. a wet hand. भग० १४, १; उल्लग् न० (*) ओसामण प्सामण. Water in which pulse, rice etc are boiled and which is afterwards spiced and served as a separate article of food. गिं॰ नि॰ ६२४; (२) भीनं शरीर संध्यु ते गोले शरीर का पेंछना to wipe off a wet body with a towel etc. ट्वा॰ १०, २७७;

उज्ञिणिया. ब्री॰ (१०) ण अस्पूष्ण पर्त्रः, भीता शरीरने क्षण्यानु पर्त्रः, गीले शरीर को पोछने का वक्षः, श्रंगोछा. A piece of cloth to wipe off a wet body. ज्वा॰ १, २२: —िविहि पुं॰ (-िविधि) पाष्णुिथी सीता शरीरने क्षण्याना वस्त्रती विधि. गीले शरीर को पोंछने के वस्त्र की विवि. a process to be followed in connection with a cloth used to wipe off a wet body "त्याणंतरं चणं गाणे उल्लिखपाविहि परिमाणं करेह" उवा॰ १, २२,

उत्सय त्रि० (श्रार्द्धक) क्षीक्षः भीनु गाँचाः श्रार्द्ध Wet; damp सु० च०२, ४९३; भग० १४, १;

उत्लिवियः नं॰ (उत्लिपित) धामहैष सम्मान्धी पात्यीत धर्मी ते; धामध्याः कामकथा; काम सर्वर्गा वात चोत Amorous talk; love talk. 'श्रंग पर्चग-सहाणं चारुव्लिविय पेहियं" उत्त॰ १६, ४०; उत्लिसियः त्रि॰ (उच्लिसित) उद्षास-स्थानन्ह पामेकः उद्षासित; प्रकृद्धित, श्रानन्द प्राप्त. Delighted; joyful सु॰ च॰ ३, ३६८; प्रष० १४१३; कप्प॰ ३, ४०;

उल्लाइय. ति॰ (ः) भाटी छाणाहिथी बीपेब गोवर मिट्टा श्रादि से लिया हुआ। (Wall etc.) smeared or bedrubed with cowdung, earth etc. राय॰ ४६;

उल्लाय पु॰ (उल्लात) प्रकार, सात. प्रहार; नात. A kick; a violent stroke तंद्र॰

उल्लालियः त्रि॰ (ऊरलालित) ताऽन ४रेक्ष; ७ छावेश उछाला हुआ; ताडितः Struck; beaten; tossed or flung up जं॰ प॰ ५, ११४: राय॰

उज्ञाव पुं० (उज्ञाप) यातियत; क्षांतु प्यत भेशवतुं ते. बात चीत. Indirect talk; conversation ॉपं० नि० ४२५; ४६४; ऋणुजो० १४६; ठा० ७, १; नाया० १; सु० च० २, ५७२, श्रोध० नि० भा० ५६, विशे० १४११; (२) अत्युत्तर; ज्यांत्र, जवाब. १ reply, a response. "तत्थ्रगस्रो सुणह देह उज्जावं" प्रव० १४३;

उज्ञास पुं॰ (उज्ञास) भगट धर्यु ते. प्रकट करना. Act of manifesting or bringing to light. प्रच॰ १३३५; —संज्ञण्या. त्रि॰ (-संज्ञनन) भगट धरनार. प्रकट करने बाला. (one) who manifests or brings to light. प्रच॰ १३३४,

उह्मिपमार्ग त्रि॰ (उन्निपत्) ७५२ क्षेप ५२तो. ऊपर लेप करता हुआ. Sinearing or be-daubing the surface of anything. आया॰ २, १, ७, ३८,

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। १ (). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट () Vide foot-note (*) p 15th.

उज्ञिह्या, न० (उज्लेखन) ६१६ भ ४२वे। ते; ६ भपुं ते. उज्लेख करना; लिखना. Writing. सु० च० २, २३७;

उत्तिहिय. त्रि॰ (उग्निस्ति) धसायेक्ष; ઉઝरण पाडेक्ष. श्रीकत; धिसा हुश्रा; रगडाया हुश्रा. Scarred; worn out; bearing marks of being worn out. नाया॰ २, श्रीव॰ उत्त॰ १६, ६५;

उन्नीस त्रि॰ (उन्नीन) गुप्त रहेव; એકांतभां रहेव. सुप्त रहा हुआ; श्रप्रसट रहा हुआ; एकान्त में रहा हुआ. Hidden; solitary. श्राया॰ २, २, ३, ६७;

उत्तुंचियः त्रि॰ (उल्लंचित) ७ भेडेक्ष; युंटेक्ष उखाड़ा हुआ; चूँटा हुआ. Rooted out; plucked out मु॰ च॰ २, ६७६;

उल्लुगा. स्त्री॰ (उल्लुका) એ नामनी એક नदी एक नदी का नाम. Name of a river. विशे॰ २४२६;

उल्लुगातीर न० (उल्लुकातीर) उल्लुगा नाभने। नदीना आठे आवेलुं ओई नगर है केभां गंगायार्थ नाभना निन्छव थया. उल्लुगा नामक नदी के तट पर स्थित एक नगर जिसमें कि गंगावार्थ नामक निन्हव हुए थे. Name of a town on a bank of the river Ullugā It was the native place of the Ninhava Gangāchārya टा॰ ७,9;

उल्लुयातीर न॰ (उल्लुकातीर) लुओ। ઉपक्षे। शण्हः देखो ऊपर का शब्दः Vide above. "तेणं कालेणं तेणं समण्णं उल्लु-यातीरेणामं समरे होत्था" भग॰ १६, ३;

उत्लेडियाः सं॰ कु॰ श्र॰ (श्रार्टीकृत्य) शीनुं ५री ने. गीला-श्रार्द्र करके Having made wet विशे॰ १४४४; उस्लोइय-थ्रा. न॰ (उस्लोचित) भडी भाडी यगेरेथी भींत यगेरेतु लेपन इर्यु ते. मिंहा वंगरह ते दांवाल वंगरह का पोतना. Besmearing or bedaubing a wall etc. with earth cowdung etc. "लाइ उस्लोइय महियं" नाया॰ १; वं॰ प॰ पक्ष॰ २; भग १२, ६; सम॰ थ्रोव॰ (२) यन्द्रवे। भाषेक्ष; ६६ देथथी शखुगा-रेस. जहां चन्द्रवा वाधा है वह स्थान. having a cloth-ceiling fastened above श्रोव॰ २६, जीवा॰ ३, ४;

उल्लोच पुं॰ (उल्लोच) ७तः ७०१थ. छत. A cloth-ceiling, मृ॰ प॰ २०:

उल्लोय. पुं॰ (उल्लोच) ७त; यंदरवे।; ७१क्षीय. छतः चंदरना. A cloth-ceiling. राय॰ ६, १०७; जीवा० ३; भग० ११, ११, १४, ६: कप्प॰ ३, ३२; जीवा॰ १, राय॰ जं॰ प० ४, ६६; भग० १३, १९; (२) त्रि॰ कोवा याभ्य; दर्शनीय. देखने लायक. (त sight) worth being seen. नाया॰ १; ५; भग॰ ११, ११; १४, ६; —तल. पं॰ (-तल) धरने। **७**५१ने। भग घर का ऊपरी भाग the upper part of a house नाया॰ १; -- भूमि स्री॰ (- भूमि) प्रासाह-महेंसर्न उपरनी भूभि. महल के ऊपर की भूमि. The upper part or upper floor of a palace. भग॰ २, =; - चग्लग. वं॰ (-वर्णक) भहेलना अपरना लागना वर्शन महल के ऊपरी भाग का वर्णन. a description of the upper part of a palace. भग॰ २, =;

उज्ञोयमेत्तः न॰ (उज्ञोकमात्र) कीतांवेत; निभेषभात्र निमेष मात्र. At a mere glance; a mere glance. भग० उव. त्र॰ (उप) सभीप-पासेना व्यर्थमां.
नजदीक के अर्थ मे. Near; in the vicinity "उवदंसिया भगवया परण वणा" पण्ण १; २; (३) सभरतपर्धः; सभअपर्धः समस्तपनः संपूर्णता. an indec. used to show "entirety." राय॰ √उव-म्रति-ने. धा॰ II (उप+म्रति+नी) अद्धश्च धर्यः स्वीधारवे। म्रहण करनाः मंजूर करनाः To accept; to take. (२) भ्रवेश धरवे। प्रवेश करना to enter. (३) ०थतीत थपं. व्यतीत होना. to elapse; to be spent उवाहिणात्र हे॰ कृ॰ ठा॰ ३, ४; विवा॰

६; दसा० ७; १; उवाइशिता. श्राया० २, २, २, ७=; उवाइशावेद्द निसी० २, ५०; १२, ३६; उवायगावेति. निसी० १०, ४६; वेय० ३, ३०;

उवाय-इ-णावित्तपु. हे॰ कृ॰ वेय॰ ३, ३०; ४, १९; १२, इसा॰ ७, ९; न!या॰ १२; कप्प॰ १, ४७; ६४; उवायणावित्ता. सं॰ कृ॰ भग॰ ७. १; उवाइणावंत वं॰ कृ॰ वेय॰ ३, ३०;

- √ उत्त-श्रय. घा॰ I. (उप+श्रय्) याथनुं, भान्यता ४२वी प्रार्थना करना, मांगना To beg; to pray for; to solicit उताइत्तर्. हे॰ कृ॰ नाया॰ २;
- √ उच-झागच्छु धा॰ I (उप + खा + गम्) पासे आववुः सन्भुण अवुं समीप श्रानाः सन्मुख जानाः To go near; to approach.

उवागच्छुइ. श्रोव० ११; राय० ३६, ६७; भग० १, १; ६; २, १, नाया० १; १२; १६, उवा० १, ५६; ७८; ६६, उवागच्छुंति. भग० २, ५; ५, ४; ७, ६, रू० १०२, ३३; १, ११२; ५, ११३; उवागच्छामि भग०३,२; १४,१,नाया०६; उवागच्छामो. नाया० १६; उवागच्छेजा. इसा० ७, १; उवागच्छिता. सं० छ० भग०१,१; ६, ७, श्रोव० २७, जं० प० ४,११४; ५,११७; नाया०१; २, ४; ८; ६;

१२; १४, १६: भग० २, १; ५; ३, १; ७, ६; ६, ४;

√ उव-म्रा-लभ था॰ I. (उप + म्रा+लम्) ६५६। देवे।. ठपका देना, उपालंभ देना; उलाहना देना. To rebuke; to re proach.

डवार्जंभति. नाया॰ १६;

उवालभित्ताः सं० कु० राय० १६७:

√ उव-आस घा॰ I, II. (उप+आस्) ઉપાસના કરવી; सेवा કરવી. उपामना करना; सेवा करना. To worship, to serve, to wait upon.

उवासेजा. सूय० १, १, ३३;

√ उच-इ धा॰ I. (उप+इण्) भाभ करनुं; भेसवनुं, प्राप्त करना, To get; to obtain; to acquire

उवेद्. उत्त॰ ३२, ११: श्रोव०४०; श्राणुजो॰ १४६; भग॰ ६, ३३; १३, ६; नाया॰ १६: स्य॰ २, ६. १६; दस॰ १०, १, २१; विशे० १४६;

उर्वेति नाया॰ २; भग॰ १३, ६; १४, ८; विशे॰ १४६:

उविति. श्रोव० ३४, सूय० १, २, २, १६; उविति. दस० ६, ६६, विशे० १२७६; उविहे. नाया० १६,

उबेह उत्त॰ १२, २८;

उबेत्ता. सं० कृ० भग० ६, ३३;

उर्वित व० कृ० सूय० १, ४, १, ६;

√ उच-इक्ख़ घा॰ I,II. (उप+ईंख्) ७ पेक्षा ४२वी, भेन्२क्षरी राभवी. उपेचा करना; परवाह न करना; To neglect,

उवेहइ. दसा॰ ४, ४२; स्य॰ १, ३, ३, २; स्राया॰ १, ६, ३, १६३;

उवेहे वि॰ उत्त॰ १, ११;

उवेहसारा. श्राया० १, ३, १, १०६, १, ४, ४, १४०, भग० ३, १,

उवहरू. त्रि॰ (उपादेष्ट) ७ ५६ शेंबुं, भे। घेंबुं. उपदेशित, बोध दिया हुआ. Preached; taught; advised उत्त॰ २८, १८; विशे॰ ३२१७; खोष॰ नि॰ ४८३; क॰ प॰ ४, २४, प्रव॰ ६६६;

उबइय. त्रि॰ (उपचित) युक्त सहित Possessed of; united with. राय॰ ४६; (२) ६ अन उजत. rais ed; exalted. श्रोव॰ (३) भांसल, पुष्ट मांसयुक्त, पुष्ट. fleshy. परह॰ १, ४; (४) पु॰ એક જાતના तेग्रिय જીવ हे जे अभीनमा धर हरी रहे छे. एक प्रकार का तेइंद्रिय जीव जो कि जमीन में घर करके रहता है a kind of three-sensed living being nestling in burrows जीवा॰ १ पश्च० १;

√ उचडंज धा॰ I (उप+युज्) ઉપયોગ કरवा. उपयोग करना. To make use of; to be attentive.

तवउजाइ विशेष ४८१, उवउंजिऊष संष्ठ कृष्ट भगण ८, १; २४, १; १२; २०;

उत्रउत्त. त्रि॰ (उपसुक्त) ઉपयोग सहित उपयोग सहित. Attentive. (२) सायधान; साय्येत सचेत, ध्यानपूर्वक. cateful; cautious. कष्प॰ ६; प्रव॰ ७०६; पंचा॰ १, २; १६, ४; भत्त॰ ६०; राय॰ ४०; उत्त॰ २४, ७; पन्न॰ २; नंदी॰

४७, ऋणुजो० २३; पि० नि० २२२; श्रोघ० नि॰ ५१५; भग० ५१४; ६, २; १८, ३; उवउत्तया. ली॰ (उपयुक्तता) ઉપયોગ; सा-वयेती. उपयोग. सावधानी Cautiousness; attentiveness. उत्त॰ २४, ६, उवएस. पुं॰ (उपदेश) ७५६ेश; भे।धः; शिभाभणः उपदेशः ज्ञानः हित की शिचाः Advice; teaching; श्रोव॰ २०; ३०; ४०; श्रगाजी० ४२; पिं० नि० भा० ५१; सु० च० ४, १०; नाया० १; ७; भग० २, १; ७, ६६, उवा० ७, २१६; पंचा० १,२३; भत्तः ४४; प्रवः १; गच्छाः १३३; — रुट्ट पुं॰ (- रुचि) शु३ने। ७५६ेश સાંભલી જાગૃત્ત થયેલ તત્વરૂચિ; રૂચિ–સમ-**डितने। ओ**ड प्रडार गुरु का उपदेश सुनकर जो तत्वशचि जागृत हुई हो वह; रुचि सम्य-कृत्व का एक भेद liking for right knowledge etc. excited by hearing the sermon of a Guru; a variety of liking for Samakita " छुउमस्थेण जिलेण च उचपुस रुइति नायन्ता '' प्रव॰ १६४; उत्त० २८, १६; ठा० १०; (२) त्रि० तेवी ३थि-पाक्षे। वैसि रुचि वाला. a person possessed of the above kind of liking. उत्त॰ २८, १६: - लद्ध. त्रि॰ (-लव्च) अपहेश पामेल उपदेश पाया हुआ. (one) who has received and accepted religious instructions " इय उवएसलदा इयाविएणाणं पत्ता" उवा० ७, २१९,

उवएसग. त्रि॰ (उपदेशक) ६५६१-भे।५-५२नार उपदेश करने वाला. A religious instructor; a religious preacher; an adviser. स्य॰ १, १, ४, १; उवएसणः न॰ (उपदेशन) ६५६शः भे।५ उपदेश; ज्ञान; वोध. Advice; teaching "तिह्याणं तु भावाणं संभावे उवए-सणं" उत्त॰ २८, १५; (२) ६५६श. आपवे। ते, जीव्यते देश डार्थभां प्रवर्ताववुं ते उपदेश देना, दूसरे को किसी कार्य में प्रवृत्त करना. teaching; advising; exhorting. " विद्या उवण्यसेण" ठा० ७, अणुजो० १२६;

उवएसय. पुं॰ (उपदेशक) ७५६श ४२नार उपदेश करने वाला. An adviser, a preacher. पंचा॰ १, १२;

उवश्रोगः पुं॰ (उपयोग=उपयोजनसुपयोगः, उपयुज्यते वस्तुपरिच्छेदं प्रतिव्यापार्यते जीवो-डनेनेत्यपयोगः) वस्त परिन्छेह *५*२नार છવતા જ્ઞાન દર્શનમય વ્યાપાર: ચૈતન્ય शक्ति. वस्तु परिच्छेद करने वाला जीवका ज्ञान दर्शन मय व्यापार; चैतन्य शक्ति The power of consciousness used by the soul in dealing with an object भग० १, ४; २, ३; ६, ३; ७, ४; १३, ४; १६, ६; २४, १; पत्र० २८; जीवा॰ १; विशे॰ ४४७: ८८०; पि॰ नि॰ ११४; प्रव० ५१; क० गं० ४, २; पंचा० ૪, ૧૬: (૨) સાવધાનપણું; સાવચેતો साववानी attentiveness, cautiouscarefulness. ग्रोव० ness: (ર) પત્રવણા સ્ત્રના ૧૬ માં પદનુ નામ. पन्नवणा सूत्र के १६ वे पदका नाम. name of the 19th Pada of Pannavanā Stitra पन्न॰ १; (४) पन्नप्शा स्त्रना त्रीन्त पहना १३ मा द्वारनं नाम पञ्चवणा सूत्र के तीसरे पद के 1३ वें द्वार का नाम name of the 13th Dwara of the 3rd Pada of Pannavanā Sūtra. पत्र॰ ३; (५) श्यदुः, साल फायदा, लाभ gain; advantage. सु॰

च॰ ४, १६३; — ऋातः पुं॰ (-श्रात्मन्) **९५थे।** १३५५ थात्मा. उपयोगहप ग्रात्मा soul in its aspect of consciousness भग० १२, १०; — ग्रुग पुं० (-गुण-- उपयोगः साकारानाकार चैतन्यं गुणो धर्मों यस्य स तथा) यैत-यधर्भ वाले। ७१. चैतन्य धर्मवाला जीव. soul possessed of the power of consciousness "जीवे सासए गुण्यो उवयोग गुणे" ठा॰५; -- जुय ।त्रि॰ (-युत) ઉपये।गवासे।. उपयोग वाला. possessed of attentiveness or carefulness. " तं प्रखं संविग्गेणं उवयोग जुएणं तिव्व सद्घाएं " पंचा॰ १६, —हुया. स्त्री॰ (-श्रर्घता) ઉપયોગની અપેક્ષા, उपयोग की श्रपेत्ता. desire or wish for attentiveness or carefulness, नाया॰ — शिब्बात्ति स्री॰ (- निर्वृत्ति) ઉपये।गनी Eत्पत्ति. उपयोगकी उत्पत्ति birth or rise of attentiveness or power of consciousness. भग॰ -पद न॰ (-पद) पत्रवशा-प्रतापना-स्त्रता २५ मा पहतृ नाम प्रजापना सूत्र के २६वें पदका नाम. name of the 29th Pada of Pannavanā Sütia भग० १६, ७, -परिणाम पुं० (-परिणाम -उपयोग एव परिणाम उपयोगपरिणामः) **अवपरिष्यामनी शेक्ष प्रक्षार जीवके परिणाम** का एक भेद a variety or mode of the development of a soul. ৭ল॰ १२; ठा० १०, -- लक्खरा न० (-लन्स) **છ**वास्ति आयुर्ने ७५थे। अक्षणः जीवास्तिकाय का लक्तरण (उपयोग) the characteristic mark of consciousness or rather power of consciousness possessed by a soul भग॰ १३, ४:

उवंग. न॰ (उपाइं) शरीरना अवयवना અવયવ; મુખ્ય અવયવના અવયવ;; ઉપાંગ. शरीर के अवयव का अवयव (उपांग). A sub-limb of a body जं प॰ श्रयाुजो० १२७; पन्न० २३; क० गं० १, ३४; २, ६; ५, ६२; क प प ४, ४१; १, પદ; (ર) અંગ સુત્રની પાસેના ઉપાંગ સુત્ર; ઉવવાઇ आहि **लार**े ઉપાંગ. श्रंगसूत्र के उंव-वाई श्रादि बारह उपांग. any of the 12 Upānga Sūtras viz. Uvavāi etc. जं॰ प॰ १; राय॰ निर॰ १, १; ३; कप्प॰ १, ६; —तिग. न॰ (-त्रिक) ઉદારિક શરીરના અંગાપાંગ, વેક્રિય શરીરના અંગાપાંગ અને આહારક શરીરના ગંગા-भांग व्ये त्रश्नो समूढ, श्रीदारिक, वैकियक श्रीर श्राहारक इन तीनी शरीरों के श्रंगोपांग. the limbs and sub-limbs of the three kinds of bodies, viz Udārika Vaikreya and Ahā raka. क॰ गं॰ २, २३;

उवंज्ञण. न॰ पुं॰ (उपाञ्जन) गाडीना पैडाने जिगल् देवुं-शीक्ष्णा पदार्थ लगाडवा ते. गाडी के चाक में तैल देना. Lubricating a wheel of a carriage etc. " अक्लो-वंज्ञणं वरणाणु लेवणं" स्थ॰ २, १, ४६; पन्न॰ २, १;

√ उव-कप्प. धा॰ I. (उप+कल्प्) निष-व्यव्यं; तथ्यार धरबं उत्यन्न करना; तैयार करना. To produce; to prepare. उवकप्पंति स्य॰ १, ११, १६;

√ उत-कस. धा॰ I. (उप+कप्) पामवुं; भेक्षववुं. प्राप्त करना; पाना To get; to obtain.

उवकसंति. सुय० १, ४, १, २०; उवकसंत. व० कृ० दसा० ६, ११; √ उव-कर. घा० II. (उप+कृ) ઉપકાર इरवे। उपकार करना. To do a good turn; to do an act of benevolence.

उचकरेड. उवा॰ १, ६=;

√ उच-कर. धा॰ II. (उप+कृ) रांधवुं;
रसे। अश्वी. सिम्माना; रसोई करना. To
cook; to cook food.
उवक्खडेइ. नाया॰ २; १३; १६;
उवक्खडित नाया॰ द;
उवक्खडेड. शा॰ नाया॰ २, १, ६, ६०;
उवक्खडेड. शा॰ नाया॰ ३;
उवक्खडेड. उना॰ १, ६८;
उवक्खडेड. नाया॰ १६;
उवक्खडेता. नाया॰ १६;
उकक्खडेता. स्य॰ २, ६, ३०;
उकक्खडेइ. प्रे॰ नाया॰ २; १६; भग॰

उनक्खडायेइ - ति. प्रे॰ नाया॰ १; ७; ६; १६; भग॰ ३, १; निना॰ ३; उनक्खडाविति. प्रे॰ नाया॰ १४; उनक्खडावेति. प्रे॰ भग॰ ११, ६; १२, १; उनक्खडावेहि. श्रा॰ प्रे॰ नाया॰ १४; उनक्खडावेहि. श्रा॰ प्रे॰ भग॰ १२, १; १६,

₹;

उवक्लडाविय. सं० कृ० गग० १२, १; उवक्लडावेइत्ता. सं० कृ० नाया० १; १६;

भग० ३, १; १६, ४; उवक्खडावेचा. सं० क्र० नाया० २; ३; ७; भग० ३, १;

उवकरण, न॰ (उपकरण) ७५५२णु; पश्च आहि परिश्रद्ध, उपकरणा; वस्न वगेरह परि-श्रह. An article of possession, such as a cloth, a vessel etc. पग्रह॰ १, ५; भग॰ ६५, १; — श्रोमो-यरिया स्त्री॰ (-श्रवमोदरिका) ७५-५२णुनी ७णे।६री. उपकरण की उनोदरी. limitation, narrowing down, of articles to be possessed.
তা ২, ২;

उत्रकासियः न० (🎋) शरीरना व्यवस्यः गात्र शरीर के श्रवयनः Any of the limbs of the body. पराह० २, ४;

√ उय-की. था॰ III. (उप+कॄ) बीभी नांभवुं. विखेरना To scatter; to disperse.

उवकीरेइ निसी० ७, २७;

उचकुल. पुं॰ (उपकुल) धुंसनक्षत्रनी पासेना नक्षत्रे।, क्रेमडे अध्यनी धुंस तो सर्शी उपधुंस; धृतिश धुंस तो रे। दिशी उपधुंस कुलनक्षत्र के समीपवर्ती नक्षत्र जैसे कि अधिनी नक्षत्र कुल नक्षत्र हैं और इस के समीप भरणी नक्षत्र उपकुल हैं, कृतिका कुल नक्षत्र का रे। हिणी उपकुल हैं. The asterisms in the vicinity of a constellation; e. g. Bhaianī in the vicinity of Aśvinī; Rohiņī in the vicinity of Kṛittikā कं॰ प॰ ७, १६१;

√ उच-कम था॰ I, II. (उप+क्रम्) हेश्व-वतुं; भेऽतुं; वाववाने थे। व्य हरवुं. जमीन हत्तना. To cultivate; to till. उनक्रिमज्जह. क॰ वा॰ विशे॰ २०३६; उनक्रिमज्जिति. क॰ वा॰ श्रमाञी॰ ६७;

उवक्कम. पुं॰ (उपक्रम) हूर रहेस वस्तुने प्रिन्भाहनशैसीथी निलंड सावीने निक्षेप ये। व्य इरवी; अनुये। गश्म्हिनवेयननु प्रथम द्वारे दूरवर्ता वस्तु की प्रतिपादनशैली के हारा समीप लाकर निक्षेप करना; श्रनुयोग शब्द विवेचन का प्रथम हार An introduction; introductory remarks. ત્ર્રણુનો • ૫દ; ૨૧૧; (૨) જેથી છંદગી-ના અંત આવે-આયુખ્ય તૂટી જાય તે. जिससे जीवन का श्रंत हो जाय. श्रायुष्य हट जाय-वह. that which puts an end to life. सूच॰ १, =, १४; श्राड॰ दः प्रव० १०१७; (३) अनुहित **अ**भी ७६४मां **क्षाववा ते. अनुदित कर्म को उदय** में जाना. causing unmatured Karma to mature. ठा० ४, २; (४) **ण-धने। आरम्ल-श**३आत. वंध का प्रारंभ. commencement of bondage; commencement. ठा॰ ३, ३; ४, २; (५) डिपाय; धंक्षाक. उपाय. means to accomplish an object; an expedient; a remedy. " निविहे उवस्मेपराण्ते तंजहा धिम्मएउवस्मे शह-म्मिए उवक्से "ठा०३; सूय०१,२,३, १४; श्राया॰ १, ८, ७, ६; भग॰ १, ४; — काल. पुं० (−काल) हुर २ऐंश पञ्तुने પ્રતિપાદનશૈલીથી નજિક લાવવાના વખત. दूरवर्ता वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा समीप लाने का समय. time for making introductory remarks or preliminary observations. " स-किलोवक्रमकालो किरियापरिखास भरते " विशेष ६१७;

उपक्रमण न॰ (उपक्रमण) ६५६भ ६२वी; विशेषता ६२वी. उपक्रम करना; विशेषता करनो. Commencement; particularisation; making preliminary observations श्रणुकां॰ ६८; उवक्रीमया. स्त्री॰ (श्रीपक्रमिकी) रेशाहिश

^{*} लुओ। पृष्ट न भ्यर १४ नी पुरने। (*). देखो पृष्ट नंबर १४ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

दसा० ४, ६१; विशे० १६४२; श्रगुजो० १३४: पिं० नि० २४६; सग० १, मः ३, १; प्र, ४: दस > ४, --- इंदियः न ० (-इन्द्रिय) શળદાદિને જાણવામાં હેતુરુપ શક્તિ વિશેષ शब्दादि को जानने में हेत रूप शक्ति विशेष a faculty of sense causing perception or knowledge of sound etc विशे॰ १६४. —उपादस्या- श्रां॰ (-*उत्पादनता) ઉपगर्ण योडंश डरवा ते -आशी आपवा ते उपकरणों को इकट्टे करना. collecting & bringing together articles of use, such as clothes, vessels etc " सोकतं उवगरण उप्पा-दख्या चडिंबहा पर्याता " दसा० ४, ६६, -- जाश्र न॰ (-जाब) अपधरेशनी जात, ઉपकरिश्वना अक्षार. उपकरिश के भेद, उप-करण की जाति varieties of articles of use, such as clothes, utensils, etc. वय॰ २, २०, ४, २४, दस॰ ४, वव० ७, १७, म, ११, निसी० ४, ३०, ३५: --दब्वामोयरिया (-द्रव्यावमोद्रिका) साधुने राभवाकीध्रेशे તેના કરતા પણ એાછા ઉપકરણ રાખવાં તે, प्रवय खिशाहरीते। योड प्रधार साध् के रखने योख उपकरणां से भा कम उपकरण रखना. द्रव्य उनोदशं का एक भेद limitation of implements of use such as clothes etc., beyond that prescribed for even a monk. भग॰ २५, ७, -पिहास न॰ (-प्रसिधान) લાૈકિક ઉપકરણ-ગૃહાદિ, અને લાે**કાત્ત**ર ઉપકરણ-વસ્ત્રપાત્રાદિ, તેનું પ્રણિધાન-ઉपलीग-प्रवर्तन लाकिक उपकरण-गृहादि-श्रीर लाकांत्रर उपकरण-बस्नपात्रादि का उप-भोग. use of such worldly possessions as a house etc: also that

of such implements as clothes utensils etc , by monks তা০ ৮,৭; -संजम. पु॰ (-सयम) महाभूक्यवाला વધ્વના ત્યાગ કરી સાધા ઘાલા વસ્ત્ર પહેરવાં ते. संयभते। ओड प्रडार. मल्यवान् वस्त्रा का लाग कर सादे सफेद बल्लोका पहिननाः सयम का एक भेद a variety ascetic conduct, giving up costly and gaudy clothes and putting on white and simple garments. ठा॰ ४; —संवर. पु॰ (-सवर) स परना ओड प्रडारा साधुये પ્રમાણ ઉપરાત તથા અકલ્પનીય ઉપકરણ न क्षेत्र। ते सबर का एक भेद, साधुका प्रमाण सं ऋधिक तथा श्रकल्पनीय उपकरण न लेना a mode of the stoppage of Karma, non-acceptance by a monk of materials or articles of use beyond permitted limit ठा॰ 90.

उचगासित्ता स॰ कृ॰ श्र॰ (उपकस्य) सभी भे भाषीने ममाप श्राकर. having approached, "मण बध माणेहिं गोगेहि कलुण विगीयसुवगिसत्ताण" सूय॰ १, ४, ९,७,

उचगाइज्जमाण ति॰ (उपगीयमान) भ्यातु. गाया जाता हुन्नाः Being sing 'उचरण चिज्ञममाणे उचगाइजमाणे उचलालिज्ञमाणे साथे '' राय॰ २८६,

उचगार पु (उपकार) ७५३१२ उपकार.
A good tuin; a benevolent deed, benevolence, kindness. नदी॰ —(रा) ग्रभाच पुं॰ (-ग्रभाव) ७५५१२२१ अलाव, अपकार absence of benevolence or kindness; un-

kindness. " उदगराभावस्मिवि पूत्रार्ग पूजगस्त उवगारो " पंचा॰ ४, ४४;

उचगारण. न॰ (उपकारणः) ७५५१२ ६२वे। ६२१२वे। ते. उपकार करना कराना. Showing kindness or causing others to show it to those in distress.
" उचयारणपारणासु विषाधो परिज्ञियक्वो"
पगह॰ १, ३;

उवगारि. त्रि॰ (उपकारिन्) ७५४१२ ४२नार उपकार करनेवालाः उपकारा Benevolent, kind; helpful-पंचा॰ ४, ४१;

उचगारियलेगा. न॰ (उपकारिकालयन)
प्रासादमा दाभक्ष थवाने अपशरकथाय वेदी
थेतिरेत वजेरे; प्रासादधीरे. प्रासाद में जानेके
समय चढने का श्रोटला; प्रामादपीठ. A
small platform to ascend the
palace. भग॰ ३, ७; १३, ६;

उचगाहित्तए. सं ० छ० अ० (श्ववगाहितुं) अवगाहन करने के लिये. In order to enter or pervade. नाया॰ =;

उचिगिक्समाण. त्रि॰ (उपगीयमान) शातुं। गाता हुत्रा. Singing; being sung. नाया॰ १; १६; भग॰ १, ३३; राय॰ २७५; जं॰ प॰ ३, ५२; ३, ६७;

√ उचिगिराह∙ घा॰ I. II. (उप + प्रह्) अट्य करना. To take, to accept.

उविग्रहह भग० ४, ४; उविग्रहमाण्. थग० ५, ६;

उचर्गीयमाण् त्रि॰ (उपगीयमान) गातीः गाता हुआ. Singing. विवा॰ ६

उचगृढ त्रि॰ (उपगृढ) सं२५ृष्ट; अ८९३. छुत्रा हुन्ना; स्पर्श किया हुन्ना. Touched by; in contact with. सूय॰ १, ४, १,२७; नाया॰ १=; (२) युक्त. युक्त; साहित. joined with; possessed of.
" गुंजाबक कुहरीवगृदं" राय॰ (३) धुभार्ध
रहेवुं; सरार्ध रहेव. छुग कर रहा हुआ.
remaining hidden or concealed;
hiding; lurking. राय॰ ६६;

उचगृह्रण. न॰ (उपगृहन) आर्थिंगन श्रालिंगन; भेंट; मिलाप Embrace; pressing to the bosom with affection. " श्रारुह्णएट्येहिं बालय-उचगृह्णोहें " तंदु॰

उचग्हिंद्य. त्रि॰ (उपगृहित) आदिशन १रेक्ष व्यालिंगन किया हुद्या. Embraced. तंदु॰ गय॰ नाया॰ ६;

उवसूहिज्जमाणः त्रि॰ (उपगृद्धमान) आर्थि-शत क्ष्यतः मिलाप कराता हुत्राः Embracing. " उवलात्तिज्ञमाणे उवसूहिज्ञमाणे " नाया॰ १: राय॰ २०६:

उचरन. अ॰ (उपाप्र) सभीपभां; निकड़ नजदीक; समीप. Near; in the vicinity. विशे॰ ३०१४;

उचग्गह. पुं॰ (उपप्रह) छपाधि; लेथी अव वधे ते. उगावि; कर्मदंध का कारण. Any possession which prolongs one's stay in the cycle of births and deaths. श्रोंव॰ पत्त॰ ३६; (२) અવષ્ટમા; ટેકા. टेका: श्राधार. support, गच्छा॰ १४; श्रोव॰ पि॰ नि॰ ६६; भग० ४, ६; (३) भारा। श्राज्ञा; हक्म. order; command. नाया॰ १३; १४; नाया० घ० - कम्म. न० (-कमन्) ભવાપત્રાહી કમ્મ'; વેદનીય, આયુષ્ય, નામ, अने गात्र से यारमानं गमे ते से भवोषवाही कर्म; वेदनीय, श्रायुष्य, नाम श्रोर गोत्र इन चार कर्मों से से कोई भी एक इमें.Karma which is helpful in prolonging worldly existence;

any of the four kinds of Karma viz Ayusya, Nāma, Gotra and Vedanīya. पन ३६, —कुसल नि॰ (—कुशल) अनुअद इरवामां इशल. अनुअद -उपकार-करने में कुशल (one) proficient in showing favour, kindness etc. वन॰ ३, ३; —हया स्रो॰ (—प्रयेता) अनुअदनी अपेसा प्रवन्त के स्रोचा। a desire or wish for Avagraha i e. favour, help etc. ठा॰ ४, ३.

उचरगाहेय. त्रि॰ (श्रीणग्राहक) पाधिवाइ. साधुओ थे। डे। वेभत राभी पाछुं धेषुनि साधी देवाथाव्य वस्तु—उपाधि. ऐसा वस्तु जो कि साधु थोडे समय के वास्ते लेकर उसे वापस मालिक को दे देता हैं; वापिस देने योग्य वस्तु. (Anything) borrowed from the owner for temporary uso. भग॰ ६, ३१; श्रोघ॰ नि॰ ७२६;

उचग्गहिया ति॰ (उपगृहीत) उपस्थापन धरेश उपस्थापित Freshly admitted after expulsion from the order पत्र २३:

उवग्घाय पुं॰ (उपोद्धात) प्रस्ताय; अधे। ६थात उपोद्धातः प्रस्ताय An introduction; a preface घ्राणुजो॰ १४४, विशे॰ ६७२;

उच्छास्त्र-य. पुं॰ (उपपात) विनाश, भरण; संक्षार. विनाश; मरण, संहार Death, destruction, annihilation क॰ गं॰ १, २५-४८ ५, ७-७०; क॰ प॰ १. १८, प्रव॰ १२०७, १३८८; पिं॰ नि॰ भा॰ २४, स्रोव॰ पज॰ ११. २३, पर्रह० १, १, (२) आधान-भात्राहि छिद्रियोने वाळंत्र वजेरेना शण्ट्यी ध्रिका लागे ते. श्रोत्रादि इन्द्रियों को वाद्य स्त्रादि के शब्दादिके अन्स

वगैरह से जो धका लगे वह an impact given by sound etc to the sense-organs e. g ears etc. विशेष २०४, (३) पिए शय्या पर्शेरेनु અકલ્પૃનિકપણું. જેયી સાધુને આહાર, શય્યા यगेरे इस्पे निद्ध तेवा हाय. पिराड शय्या धादिकी अकल्पनीकता. food, bed etc used by an ascetic against the rules of scriptures 510 3. 8. -कम्म न॰ (-कर्मन्) भीजनी धात थाय तेथी किया. दूसरे का घान जिस से हो ऐसी किया au act which involves destruction of other living beings " ग्रास्णि मनिखराग च गिद्धुसुवघायं कम्मगं " सूय० १, ६, १५, ---कम्मग न० (-कमक) लुओ। **७५**के। शण्ह देखो उपरका शब्द. vide above स्ग० १, ६, १४, -- लाम न० (-नामन्) नाभ क्षभे नी ओ के प्रकृति नाम-कर्मकी एक प्रकृतिः a variety of Nāmakarma. सम॰ २=, — शि€सय. न० (-निश्वित) दशभु भूषा-बुंह दशनी संहुः; श्रमत्य का दशवा भेद the 10th variety of falsehood or lie प्रव॰ ८६६, ठा॰ १०, —वस्त (-वर्षे) उपधान नाभ धर्मनी प्रधृति शिवाः यन उपघात नामकर्म की प्रकृति के श्रितिरिक्त with the exception of the variety of Nāma Karma known as Upaghāta क॰ प॰ ४, ३,

उवधाइ त्रि॰ (उपचातिन्) धात धरतार; भारतार, घात करने वाला, मारने वाला A destroyer, a slaughterer उत्त॰ १, ४०,

उवधाइश्र. त्रि॰ (उपघातिक) ७५४।त-नाश ४२नार दूमरेको घात करने वाला. (One) that kills or destroys another, दग॰ = 29:

उनधाइया. चां (उपपानिकी) आपित्रन ने। छें इ अहार; लारे आपित्रनभांथी वेहंत पणन लाह हरी तथु आपित्रन व्यापद्र ने. प्रायिक्त या एक प्रकार, भारी प्रायिक्त में में घोरा नमय कम करके निषु प्रायिक्त देना. A mode of expiation; making an expiation lighter by curtailing the time required for its due performance and then prescribing it to a sinner. (२) २८ आयारअहरपभांनुं छोड. २० आनारप्रकार में से एक one of the 28 Achara Prakalpa. " उपचाह्या धारावत्वा घणुषाह्या धारो-यया " मम॰ २०;

√ उबिख्य धा॰ I. (उप+च्यु) व्यवपुं; नाश थपेत च्युत होना; नाश पाना To destroy; to ruin.

उवचयंति भग० २, ४.;

उद्यचय. पुं॰ (उपचप) पुष्टिः, वधारेः। वृद्धि.
ग्राद्धः चढताः, पुष्टिः. Increase; growth.
भग॰ २०, ६ः पि॰ नि॰ २ः १००३ः मु॰ च॰
१, ३१४ः राय॰ २१०ः (२) छिद्य थे।२५
पुद्रस्ते। संश्रद्ध इरी छिद्रिय पर्याप्ति आंधरी
ते. इन्द्रिय योग्य पुर्गल का गंग्रह करके
इन्द्रिय पर्याप्ति को वावना. development or growth of organs of
the body by sufficient storage
of proper molecules पष्त॰ १४ः
प्रह० १, ४ः

√ उव-चर. घा॰ I. (उप+चर्) पासे आयी ઉपसर्ग आपवी-अध्र आपर्यु. सपीप स्नाकर उपमर्ग करना-कष्ट देना. To trouble or annoy by approaching. रमचरंति. याया० १, १, २, ७;

उधनम्ब्र-य. पुं॰ (उपचरक) सेवाने भिषे शीःतने उतारी पाःचानी तक देतेनार. मेवा के बहान दमरे के चनन मा मीबा टाइने माना. One who watches for an opportunity to bring another into disgrace while pretending to serve him. म्य॰ २, ३, ३=;

उयचरिद्धाः त्रि॰ (उपचरित) २५थार ६१४. उपचार किया हुव्याः Worshipped. पंना॰ ६, १०:

उववार. पुं॰ (उपचार) पून्त सामग्री. पूजा सामग्री Materials of worship पग्द॰ १, ३.

उन्नचिश्र-यः त्रि॰ (टपचिन) ५५ थर्नेनं; વૃદ્ધિ પામેલું: છવના પ્રદેશથી વ્યાપ્ત થયોલુ पुष्ट; पृद्धि प्राप्तः, जीव के प्रदेश के व्याप्त. Grown; developed; increased " इवधियतयपत्तरवालं कृर पुष्क समुद्दू " जं॰ प० २, ३८; पिरो॰ ८६४; दस॰ ७, २२, नाया॰ १; ४; पछ॰ २; श्रीवः १०; भग० ६, १; ६; २, १; दमा० १०, १, उवा० २, ६४; कप्प० २, १४; ३, ३२-३४; (२) सदिन गहित, युक्त. accompanied with. अणुजी॰ ४३; जीवा॰ ३, १; (३) स्थापेत्र; शेर्धवेल-स्यापित, जमाया हुआ. established; settled; arranged. (४) संलादेखुं; **५भावेतुं. सम्हाला हुआ; कमाया हुआ**. mended; tanned; cured (leathor). राय० १६२;

√ उच-चिद्ध. धा॰ I, II. (उप+एा) सभीप अर्थु; पासे रिथति धरवी. समीप में स्थिति करना. To stand in front of; to go to.

उविषद्धहुः नाया॰ १; मु॰ च॰ ३, २४१;

उवचिद्वात भग० ७, २; उवचिट्टे वि॰ उत्त॰ १, ३०; उवचिट्रिजा बि॰ उत्त॰ १, ३०; उवचिद्रहजा. वि॰ दस॰ ६ ११; √उस-चिंगा. धा॰ II (उप+चि) ७५२४ **५२वे**।: १६६ ५२वी. उपचय करना, ग्राँद करना To increase; to grow; to develop उवचिखइ. भग॰ १, १; १, ७; ६; उत्त॰ २६, २२: उवचिणिति ठा० ४. १: उवचिणिस्सति. ठा० ४; १; उविचिशिसु. भू० ठा० ४, १; उवाचिजह क० वा० भग० १, १०; उवचिज्ञन्ति. भग० ६, ३; २५, २; √ उच-जा. था॰ I (उप+या) पासे लयुः; भक्षत्रं पास जानाः मिलाना To go to or near, to meet. उवयाह. भत्त० ७२: √उय-जीव धा॰ I (उप+जीव्) ୬०१९; निर्याद अरेवे। जीना, निर्वाह करना, To live; to maintain livelthood उवजीवइ भग० २, १; वव० ६, ६; सूय० २, ५, ३१; उवजीवंति. भग० ४१, १; उवर्जीवि त्रि॰ (उपजीविन्) আগুવিধ থধা-पनार श्राजीविका चलाने वाला (One) who maintains livelihood; (one) who supports life पि॰ नि॰ २६६; उवजंजिङ्गण सं • कु • अ • (उपयुक्त्य) छ १ थे। ग ध्रीने उपयोग करके. Having used; having made use of भग =, १, उच्जूत्त. त्रि॰ (उपयुक्त) ६५थे। सिंहत उपयोग सहित Full of carefulness or attentiveness. সবত ६=;

उवजोइय. पु॰ (उपज्योतिष्क = ज्योतिषः

ि उव−पज्ज समीपे तिष्टन्तीर्त उपज्योतिपस्तएवोपज्या-तिष्का) અગ્નિ પાસે રહેનાર: રસાઇએ।. आर्गन के समीप रहने वाला, रसे इया. One who remains near fire: a cook. (२) अञ्चिति । श्राविनहोत्री. one who consecrates and maintains the sacred fire उत्त. १२, १=; $\sqrt{3a}$ -पड़त था॰ I. (उप+पद्+य) Gava थयं उत्पन्न होना To be boin; to be produced. उववज्जांति दसा ७ ७, ७; उववाजित्तरण् हे० कृ० भग० ७, ६, ३४, १ $\sqrt{$ বন-দত্তন. খা \circ II (उप+पद) ওি \circ જવુ, ઉત્પન थवुं पैदा होना; उत्पन्न होना. To be born or produced. उनवजाइ मग० १, ७, ३, ४; ५; ४, ६; =, १०, नाया० १६; उचवर्जाते श्रोव० ३८, उत्त० ८, १४; सूट प० १६, भग० २, ५; ७, ३, १०, ४; 99, 9; 92, 8; 92, 9; 98, 3, 20, 9 ; २३, ४, २४, 9; १२; २४, =; ३२, १, ३४, ४; ४०, १, ४१, १; उववक्तेऽजा अग० १, ७; १२, ६, १७, **६, २०, ६; २४, 9; ३४, 9,** उववाजिजहिति. भग० २, १, ७, ६, ११, 99, 93, 4: 98, =, 94, 9, नाया० ध० उत्रा० १, ६२, ६०: २ १२५: श्रोव० उवविजिहिति, नाया० १, १४, भग० ३, १,

७, ६; विवा० १, ज० प० २, ३६,

E, K, G, E; 0; 92, E, 96, E;

७; १८, ४; ५, २०, ६; २४, १;

उदविजाहिसि उदा० ६, २५४, २५६,

उचवज्ञित्तए हे॰ कु॰ मग॰ ३, ४; ५, ३;

२१. ३४, १, पन्न० १६;

उववारेजस्सह भग० ३, १,

उवयविजसा, सं० ह० भग० ११,६: २०,६: उत्तवज्ञेत्ता. सं० कृष्ट भग० ६, ४: उचविज्ञासम्। मं ॰ मः । पस ॰ १६; उववजनमाण, भग० १, २; ६; ७; १२, ८; PY, 9; 7, 20; 28, 5; 38, 9, उवामप्, प्रेम विच उत्तर १, ४३: वम-

उचडजोइ. वि॰ (उपन्यांतिय) क्यानि-અચ્તિ અમીષવર્તી, કર્યાત-જાંઘ મમાંપસ્પ, (One) who remains near the fire; remaining near the fire स्य० १, ४, १, २६;

उच्छक्तायः पुं॰ (उपाध्याय-उपसमीपमागायः शशीयते स्वते। जिनवाचनं वेम्यस्त उपा-ध्यायाः) ३५।ध्या"; शास्त्रतं व्यध्ययन इसन वनारः उपाध्याय, शास्त्र का प्रध्ययन कराने दाला An Upādhyāya or preceptor; a teacher of scriptures. दमा० १. १; नेय० ४, १४; नाया० २: २०: भग० १, ३; ४, ६, ८, ८, ८; २४, ७, श्रोव॰ २०; ४१; उत्त० १७, ४; गम० ४०, श्राया० २, १, १०, ४६: सय० १; पत्त० १६; वव० १, २६; २६: श्राव० १, २; भत्त॰ ४८; कप्प॰ १, १; —पडिणीयः पुं॰ (-प्रत्यनीक) उपाध्यायनी शत्र. उपाध्याय का राञ्च. an enemy of an Upadhyāya or preceptor. भग॰ ६, ३३; १४, १; - वेयावद्यः न॰ (-वेया-वृत्य) ઉपाध्यावनी सेवा इरवी ते. उपाध्याय की सेवा. rendering of service to an Upādhyāya or teacher of scriptures. भग॰ २४, ७; ठा॰ ४, १; वव० १०, २७:

उवक्सायत्त न॰ (उपाध्यायत्व) ઉપાધ્યાય पर्धे उपाध्याय पना. State of being an Upadhyaya or teacher of scriptures; preceptorhood, ite-४, १६: १७; गर् ० ७, १६;

उवक्राय-ता. मी॰ (उपाध्यायता) उपाध्याय नी पह है, जनान्यायकी पहली. Degree or title of an Upadhyaya or preceptor, 210 3, 4; 470 3, 8; 0;

उच्दठभ. पं॰ (उपशम्म) देश. देशा. A support 97- 13-1;

√उव-इव. पा॰ I, II (उप+म्या) ગે કવર્ષ, તૈયારી કરવી; મહાવતનું આરોપણ ६२५ तेयारी करना; मेल मिलाना; जमाना; यजाना, महात्रवका धारापण करना. To make preparations or arrangements; to administer the great vows.

उयहुचेद्वा नाया॰ १; ४: ८; १२; १३; दमा० १०, १:

उच्हेंबेति. नागा० =: भग० ७, ६, उबद्वेमि, नागा० १२;

उयद्वेय. दुसा० १०, १:

उबहुबेह. श्रा॰ नाया॰ १; ४; ६; १२; १६; अग० ७, ६; १, ३३; स्रोव० २६; ३०; राय० २२६: उवा० ७, २०६: जं० प० ४, १२०;

उक्टबेता. भग० ६, ३३; निमी० १४, ४८; नाया॰ १; १३;

उवहवरााः स्रा॰ (उपस्पापना) भदामतन् आरे। पश करवं ते महावत का आरोपण करना. Investing with full vows (i. e. ascetic vows). पंचा० १७, ३१; √ उव-द्रा धा॰ I,II. (उप + स्पा+िण) **७५२िथत २७ेवुं**; तैयार २<u>७ेवुं</u> तैयार रहना; उपस्थित रहना; हाजिर रहना; To keep (oneself) ready or prepared. उबद्राह. जं॰ प॰

उवहंति. श्रणुजे१० २१;

उवहाइंसु. भग० १४, १;

उबहाबः भाग 1, 11. (उप+स्था+िष)
यारित्रभां स्थापतुं; महावतनुं अरे। पणु करनुं
महावत का श्रारोपण करना To establish (a. fresh disciple) in right conduct; to administer the great vows to a disciple.
उबहाबिहा. नाया० =; निसी० ११, ३४: उबहाबिही. नाया० =;

उवहावित्तए हे० क्र॰ ठा० २, १. स्य० २, ७, १५; बव० २, १६, ६, २०; १०, १८, उवहावेत्तए ठा० ३, ४;

उवट्रावेह, श्रा० भग० ७. ६;

उवहारा न॰ (उवस्थाम) भेर्ः स्रभाः मं८५. वैठक, सभा, मंदप. A seat; a meeting-place; a half of assembly. कप्प०४, ==; भग०१, ३; ३, ७, नाया॰ २, (२) संयभ अनुष्ठान संयम का श्रवहान. observance of asceticism. सूय०१, १, ३, १४, —साता श्री॰ (-शाला) राजसला; भे£ड. राज-सभा: बेठक. a seat; a hall of audience; a royal council hall नाया० १; ५; १६, जं० प० ३, ४३, भग० ७, ६; ६, ३३; ११, ११, १नेर० १, १, नाया॰ थ॰ दसा॰ १०, १, "बाहिरिवाए उब्हाग्रसालाए पडिएक पडिएकाइ जत्ताभि मुहाई जुत्ताई जायाह उवटुवेह " श्रोव॰ ११, २६, कप्प० ४, ४५;

उवहािग हा न॰ (उपस्थानिक) भेट; णक्षीस; नजराणे। मेंट, इनाम पारिताेषक. नजराना A gift, a present म॰ प० ३,६४;३,४५;

उवट्टाणिया श्री॰ (उपस्थानिका) पासे

णेसनारी हासी समीपमे-पास में वेठनेवाली दासी An attendant female servant, a waiting maid servant. मग० ११, ११;

उवहावगाः न॰ (उपस्थापन) दीक्षा सीधा પછી સાત દિવસે ચાર મહહિને કે છ મહિને મહાવતનું આરાેપણ કરવું–મ્હાેટી દીક્ષા આપવી તેઃ છેદાપસ્થાપનીય ચારિત્ર આરા-**५** थे. दीचा लेने के बाद सात दिन, चार मास या छ मास के नंतर महावृत का श्रारी-पण करना; वडी दीचा देना, छेदीपस्थापनीय चारित्र का आरोपण. Fresh admission after expulsion from the order of monks वय॰ १०, १२; १३; ठा॰ ४, २; — भ्रंतेवासी पुं॰ (श्रन्तेवासिन्) જેને છેદાપસ્થાપનીય ચારિત્ર આપ્યું હાય તેવા शिष्यः जिसे छेदोपस्थापनीय चारित्र दिया हो वर शिष्य. a disciple freshly admitted in the order of monks after a temporary expulsion. वव॰ १०, १३;१४; (गा) — आधारित्र ५० (-क्राचार्य) માટી દીક્ષા આપનાર આચાર્ય, भु३ बडी दोन्ना दैनेवाले श्राचार्य. a preceptor entitled to re-admit a disciple into the order of monks after a temporary expulsion ठा॰ ४, ३; — श्रारिश्र पुं॰ (–ग्राचार्य) ઉપસ્થાપના છેદાપસ્થાપ-नीय थारित्र व्यापनार गुरु छेदोपस्थापनीय चारित्र देनेवाले गुरु. a preceptor readmitting a disciple into the order of monks after a temporary expulsion वव० १०, १२;

उवाहिश्र-य त्रि॰-(उपस्थित = उप सामीणोन स्थितः उपस्थितः) भासे आवेशः हालर थेशेश समीप में श्राया हुश्रा. हाजिर रहा हुश्रा. Come near; approached; present. " उचिट्यामे श्रायरिया वि- जामंत तिगिन्छमा " उत्तर् २०, २२; नायार ६; दमर ४; ६, २, ४. ममर ३०; प्रवर १२५; श्रायार १, ४, १, १२६ भगर १, ६. ७, ६; म्यर १, १, २, ४; उत्तर २५, ५; श्रोघर निरु ५१;

उवडिह्या-र. त्रि॰ (उपरम्यू) थाणनार. जलाने वाला. (One) who burns or sets fire to म्य॰ २, २, ९=:

√ उच-होय था॰ II (उप+होक्) भानता. यदावरी. धरेषु मानता करना. मानता चढाना. To offer for acceptance e.g before a deity; to present as an offering उदहोहति मु० च० २, ३३६;

उवणिधि जमाण पु॰ (उपनृत्यमान) नायती नायता हुआ; नृत्य करता हुआ One who is dancing. भग॰ ६, ३३; जं॰ प॰ ३, ६७, ३ ४२,

उवणत्था ति० (उपन्यस्त) तैयार करेल तैयार किया हुआ. Made ready; prepared इस० ५, १, ३९;

उच्छाद्ध. ब्री० (उपनद्द) धधुं बहुत Much, more, in a great quantity, भग० ६, ३३;

उन्नण्य. पु॰ (उपनय) प्रकृत पश्तुनी साथे हिन्दुर्श्वनी धटना करनी ते प्रकृत वस्तु के साथ उदाहरणकी घटना करना. The fourth member of the five-membered Indian syllogism (in logic); the application of the Udaharaṇa or illustration to the special case in question. श्रोघ॰ नि॰ सा॰ ४४; निरो॰ ३१४२; (२) भेट्यु; अक्षीय. डाली. इनाम; पारितीपक.

a gift; a present. राय॰ २३७; (३) राज्ञी तारीक, प्रशसा. प्रशंमा praise or appreciation of merits or virtues. प्रय॰ ६०३; — चयम्, न॰ (-चचन) प्रशसा वयन क्षेम अभुक्ष भ्यन् प्रति अने स्थीत छे ते. प्रशंमाक चचन words of praise or admination. प्रय॰ ६०३;

उच्चायता. न० (उपनयन) इक्षायार्थ पासे णाक्ष्मने इक्षा शिभवधी ते कला के आचार्य ने बालक को बना गिस्रवाना. Getting a child instructed in arts by a preceptor. भग० ११, ११: पग्ह० १,२: राय० २८८;

उचिणिक्सित्त. त्रि॰ (उपनिसित्त) भुडेश रखा हुन्या Placed: deposited. वेय॰ २, ४; उचिणिक्सिययव्य. त्रि॰ (उपनिसित्तव्य) पाछुं भुडवुं. फिरमे रखना. Placing or depo-

siting again. वेय० ४, २४, उचिंग्गय. त्रि० (उपनिर्गत) नीक्ष्मिः, अक्षार आवेश निकला हुद्याः, नाहिर निकला हुद्य Come out; got out; emerged. श्रोव०

√ उचिण्मितः था॰ II. (उप+िन+मंत्र्)
निभंत्रणु ४२वुं: नीतई हेतुं. निमंत्रण करनाः
न्योता करना. To invite; to give
an invitation.

उविणिमेतेइ. नाया॰ १; ६; १४; १६:

भग० १२, १; सम० ३३;

उविधानंतेजा. भग० ८, ६; वेय० १, ३७; उविधानंतेहि. नाया० १४,

उदण्मतेह. नाया० १;

उविश्मितेहिति. श्रोव॰ ४०:

उवािणविद्व. त्रि॰ (उपनिविष्ट) सभी थे २ हे अ. समीप में रहा हुआ Placed near; remaining near; situated near. राय० ४६, जं॰ प॰ ४, ७४;

उविशिक्षित्रा. स्री० (श्रीपनिधिकी) लारी लुंदी अनेड वस्तुओना पैर्वापर्यक्षाप-अनु क्षेमनी येर्राला; आनुपूर्वी-अनुक्ष्मने। ओड प्रधार. भिष्ठ र श्रनेक वस्तुश्लोंका पूर्वापर माव् -श्रनुक्रम की योजना; श्रनुक्रमका एक मेद. Arrangement of different things in order or succession. श्रशुजो • ७२;

उचणीश्र-य. त्रि॰ (उपनीत) पासे आवेद: प्राप्त थय्येदा. समीपगत; प्राप्त Come near; brought near; obtained. उत्त॰ ४, १; सु॰ च॰ १,३१६, श्राया॰ १, ३, १, १०८; १, ७, १, ६०; पिं० नि॰ ११३; नाया० १४; १६, राय० २३७; विवा॰ ६; पंचा॰ ७, १७; (२) **णक्षीस आपेव: समर्पेश ५रेब. समर्पित:** श्रिपतः पारितोषक में दिया हुश्रा-दी हुई. (one) who has been presented with. श्रीव० १६. भग० ५, ६, पग्ह॰ २, १; (३) अशंसा; तारी५; भिक्षा. प्रशंसा; स्तृति praise; glorification. आया॰ २, ४, १, १३२; पन ११; (४) संयुक्तः संयुक्तः मिला हुआ. joined with; accompanied with. મग ૧૧, ૧૧; (પ્) પ્રસ્તાવના ઉपसंदार वर्गेरथी युक्त प्रस्तावना, उप-संहार श्रादि सहित. accompanied with a preface, a conclusion etc. त्रणुजो॰ १२=; (६) येाजना करेल योजित; योजना किया हुआ-की हुई. planned; arranged. विशे १५४: —चरश्च. ति॰ (-चरक) **५**यां ५थी આણેલ હાેય કે બક્ષીસ આવી હાેય તેની भवेषण्। धरनार. कहीं से लाई हुई या पारि-तोपक मे प्राप्त वस्तु की गवेषणा करनेवाला.

(one) who seeks only that which is brought from out side or got as a present. श्रोव॰ १६; — चयणा. व॰ (-वचन) अशंसा रूप वयन क्रेम हे आ स्त्री रूपाणी छे. प्रशंसायुक वचन ज़ैसे श्रमुक क्षी रूपवान है words of praise; commendation; e. g. of the beauty of a woman श्राया॰ २, ४, १, १३२;

उवर्णीय. त्रि॰ (उपनीततर) हानाहिक में जो व्यतिशय भग्न थयोल ज्ञानाहिक में जो व्यतिशय मन हो वह. (One) deeply absorbed in right knowledge etc स्य॰ १, २, २, १७,

उविश्वितराग. त्रि॰ (उपनीततर) अति नश्चितु. श्रितिशय समीपस्थ; बहुत पास का Very close to; very near to. स्य॰ २, १, ३६;

उवराज्ययणी स्नी॰ (श्रवपातीत्पतनी) आक्षाशभा अथ्या ઉतरवानी विद्याः श्राकाश में चढने उतरने की विद्याः Art of ascending and descending in the sky. नाया॰ १६,

उवरणिसंडं सं॰ कृ॰ अ॰ (उपन्यस्य) ७५-न्यास धरीने स्थापनं धरी ते. उपन्यास करके स्थापन की हुई. Having placed; having deposited; having established. विशे॰ १२४५;

उवत्थादः त्रि॰ (उपस्तृत) आसपास ८ धा-थेर्बुं. त्र्यासपास ढंका हुन्ना. Covered on all sides. "त्रातिएणा वितिएणा उवत्थडा संथडा" भग॰ १, १, राय॰ २७३;

उवत्थाणिश्रः न॰ (उपस्थानिक) लुओः 'उवहाणिश्र'शंधः. देखो 'उवहाणिश्र' शब्द Vide 'उवहाणिश्र' जं॰ प॰ उवत्थाणिया. श्री॰ (उपस्थानिका) लुओः (२५०)

' उत्रहाशिया' शण्ट. देगी 'उ ग्रहाशिया' शब्द. Vide उत्रहाशिया' भग० ११; १९, उचित्यश्र-य त्रि॰ (उपस्थित) पासे रहेश; तथार रहेश, तथार रहेश. समीप में रहा हुया-हुंद; तथार. Situated near; in a state of readiness; standing near. "इसिवहास्त्रणा उत्रभोगत्ताण् उत्रस्थिया" मम॰ १०; नाया० १६; इसा॰ ६, १७; २३; २४; √ उच-दंस धा॰ I, II. (उप-ट्यू) हेणाऽनुं. दिसाना. To show; to munifest.

उवदंसेष्ट्. ति० भग० २, १०; ३, २; १२, ६; १६, ४; ६; विवा० १; कष्प० ६, ६४;

उवदंसंति भग० ३, १; उवद्सॅति जं० प० ५, १२१; उवदंसेमि. मु० च० १४, ११३; मृग० २, १, ११;

उवदंसिजा. वि॰ भग० ११, १०; दसा० ३, १४; १४;

उवटंमेला. वि॰ भग॰ १४, म; उवटंसिता. वि॰ भग॰ ३, २;

उवदंसेत्ता. सं० कृ० भग० ३, १:

उवशंसित्तए हे॰ कृ॰ भग॰ ६, १०; ४, ६; राय॰ ७, ८; २६८;

उव रंमेत्तप्. हे कृ० भग० ४, ४; १४, ८; उवदंमेमाया. राय० ७१; भग० १२, ६; नाया० ६; जं० प० ४, ११७; उवा० ६, २४६;

उवदंसिजमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ नाया॰ १३; उचदंस्तण पुं॰ (उपदर्शन) नीक्षवन्त पर्वत ७५२नुं नवभुं शिभ्दः नीलवत पर्वत पर का नवमां शिखर. Name of the 9th summit of Nilavanta mount ठा॰ २, ३; जं॰ प० (२) देभाऽनुं; भतावनुं दिखाना; बताना. Act of showing or pointing out. प्रव॰ १३६; — क्रूड. पुं॰ (-क्ट) लुओ। 'डवदंसण ' शन्ह. देनो " डवदंसण " शब्द. Vide " डवदंसण " जं॰ पर

उन्नदंसण्या. स्रं (उपदर्गन) नाभनी अर्थ साथे याजना हरी वश्तुनुं निदर्शन हर्दृते नामक्ष स्र्यं के साथ योजना करके वस्तु का निदर्शन करना. Pointing out a thing by naming it and explaining the connection between the name and its meaning. भ्रामुजी ७ ७२;

उचदंखिय. त्रि॰ (उपदर्शित) दर्शविक्षं; यानाविक्षं प्रदर्शित; बताया हुम्रा. Shown; pointed out श्रमुजो॰ १६; ऊत्त॰ २४, ३४;

उबिद्धः त्रि॰ (उपिद्धः) ७५६शेतुं; दसिद्वें उपदेशितः बतलाया हुत्रा. Taught; instructed; pointed out. भग॰ ६, ३३; श्रमुजो॰ ३७, श्रोव॰ २३; पन्न॰ ९४,

√ उद्यद्भिमः धा॰ I. (उप+दिश्) ७५६॥ ३२९। उपदेश करना. To teach; to advise; to preach.

उवादिसह. ऋष्ये० ७, २१०; जं॰ प॰ २, ३०; उवादिसीत. नाया॰ ५; पगह० १, २;

उवदिसित्तपु. हे० कृ० नाया० १४;

उचदेस. पुं॰ (उपदेश) ७५६श; धर्मनाभाध. उपदेश; धर्म का बोध-ज्ञान. Religious teaching; instruction; sermon. भग॰ ६, ३१; ३३; १८, २; नाया॰ १६; पन्न॰ १;

उचरेसरा न॰ (उपदेशन) लुओ 'उवदेस' शल्द. देखो 'उवदेस' शब्द. Vide "उवदेस" ठा॰ न, १ः

√ उच-इच. था॰ I, II. (उप+द्वु) ७५६व

કरवे।; हु.भ देवुं, भारवुं. उपद्रव करना; दुःख देना; मारना. To harass; to give pain or trouble; to kill.

. उवहवेमो. भग० ८, ७; उवहवेह ८, ७; उवहवेमाण भग० ८, ७.

उवह्व. पुं॰ (उपद्रव) भक्षाक्ष्य, व्याक्ष्त महान् कष्ट, श्राफत; संकट. Great trouble; calamity. भग० ६,३३; नाया० १, जं॰ प॰ २, २४; जीवा० ३, ३; —रिक्ख्य. त्रि॰ (-रिच्च) उपद्रवभांथी रक्षणु धरनार. उपद्रवसे रज्ञा करनेवाज्ञा. (one) who saves from, protects against troubles, dangers etc. प्रव॰ ६४१;

उवधारणयाः ज्ञा० (*उपधारण) अर्थाव-अंदनुं ओं । नाभ. अर्थावप्रह का एक नाम Apprehension of an object; a synonym for Arthāvagraha नंदी० ३०;

उवधारियः त्रि॰ (उपधारित) धारणु क्षेत्रेस धारण किया हुआ-की हुई. Retained in the mind; put on. भग॰ १, ६,

उवनम था॰ I. (उप+नम्) नभरकार करना, प्रणाम करना. To salute, to bow to

उवणमंति. तडु॰ स्य॰ १, २, १, १, उवणमंतु भग॰ ३, २,

उथनंदराभद्द पुं॰ (उपनन्दनभद्द) आर्थ संभूतिकियाना व्ये नामना व्येट शिष्य व्यार्थसंभूत विजय के एक शिष्य का नाम Name of a disciple of Alya Sambhūta Vijaya कष्प॰ =, Vol 11/36. उवनचिमाण. त्रि॰ (उपनृत्यमान) नाथ ५२ते।. नृत्य करता हुआ. Dancing राय॰ २७५; २८६,

उचिनिद्दिन्न. त्रि॰ (श्रीपनिधिक) गृह्रस्थ भेड़े। ह्रीय तेनी निष्ठुक्षमां के अहाराहि ह्रीय तेनी गवेपछ्या करवाना अिक्स क्ष्मिय धरनार गृहस्य वेठा हो श्रीर उसके समीप श्राहारादि हो उसकी गवेषणा करने का श्रामित्रह धारण करनेवाला. (One) who has taken a vow to seek only that food which is actually lying by the side of householders ठा॰ ५, १, पएह॰ २, १,

√ उय-ने ना॰ I (उप+नी) सम्भव्यं, हारवं. लेजाना To lead, to carry, (२) शेर आपनी मेंट देना to give as a gift; to give a present (३) सापनु मांपना to hand over; to give under the charge of उचलेंड्-ति. नाया॰ १, २, ३; ४, ८; ६;

१२, १४, १६, १७, १८, ज० प० राय० २६०; सु० च० २; ३०८, पिं० नि० ४२३;

उवर्णिति सु॰ च॰ २, ३५३; उवर्णेति नाया॰ १, ३, ४, ८; ६, उवा॰ ू८, २४३,

उवखेमो नाया० ८; दसा० १०, ३,

उनसेहि नाया॰ २; १२; १६; उनसेहि. नाया॰ १३; म; १६; उनसेहिति. श्रोव॰ ४०; उनसेता. स॰ इ० स्य० २; ६; १; उनसित्तपु. हे॰ इ० वन॰ १, २३; उनसित्तपु. के० वा॰ उत्त० १३, २६;

उवन्नासोव खन्ना पुं॰ (उपन्यासोपनय) वाहिने जितवाने अत्युत्तर शापवा ते. वादी को जीतने के लिये प्रत्युत्तर देना. replying an adversary with a view to refute his argument. ठा॰ ४, ३,

उवण्याण. न० (उपप्रदान) राजनीतिनी जीकी अक्षार; पहेंसा अक्षारथीं हुस्मन वश्च न थाय तो पछी कंग्रेक आपी खस्त्राची तेने वश करवानी नीति. राजनीति के चार भेदों में से दूसरा भेद; पहले प्रकार से शत्रु के घश न होनेपर उसे कुछ लाखच देकर वश करने की नीति. (In politics) the 2nd mode of bringing an enemy under subjection viz enticing him to submit by offering some gift. विवा० ३; नाया० १; राय० २०६;

उववृह. पुं॰ (उपवृंह) समानधिभियाना सह्-शृज्नी प्रशंसा हरी तेमना मनने उत्सादित हरवा ते. समयमियोंके सद्गुणकी प्रशंसा करके उनके मनको उत्साहित करना Encouraging; cheering up; cheering up comrades in a common profession by praising their virtues. पन्न॰ १; पंचा॰ १४, २४; प्रव॰ २६६;

उववृह्ण. न॰ (उपमृंहण) निलाव; २क्ष्ण; वृद्धि; भेष्ण निमाव; रज्ञा; वृद्धि. Eucouraging; nourishing; protecting. पंचा॰ २, २६; पण्ह॰ २, १; ४; उपबृह्णिय. त्रि॰ (उपबृह्णिक) वृद्धि-पृष्टि

अरु. पुष्टि करने वाला. Nourisher of the body. निसी॰ ६ ११;

उचतृहा. क्षं॰ (उपतृंहा) शृष्णुलनीता शृष्ती अतांसा करवी; समक्तिता आहे आयारमांनी पांथभी आयार गृणांजनों के गुणकी प्रशंसा करना; सम्यक्त के ब्राठ ब्राचारोंमेसे पांचवा ब्राचार. Praising, glorifying the merits of the meritorious; the 6th of the eight Acharas of right belief or Samakita. उत्त॰ २८, ३१;

उपनृहिऊणं. छ॰ (उपवृंद्य) ३६ ३६ आयाल ध्रीते. इह इह शब्द करके. Having made a noise resembling "Kuha, Kuha;" cooing. सु॰ च॰ १, १६३;

उचन्दितः त्रि॰ (उपवृंहतः) अशंसा करता हुत्रा. Praising; applauding; गच्छा॰ ३४;

√ उव-भुंज. वा॰ I. (उप+मृज्) भावुं. खाना. To eat; to dine.

उबमुंजइ. नाया० ७;

उबभुंजासि. मु॰ च० १, २१३;

उचसुत्त. त्रि॰ (डपमुक्त) भेशवेंस. मोगा हुन्ना. Enjoyed मत्त॰ ३६;

उत्यमेशि. पुं॰ (उपभोग) ઉपभोगनी वस्तुः केनी वारंवार उपभोग थे। शहे तेवा स्त्री वस्त्र भूषणु वगेरे. उपयोगकी वस्तुः जिस का वारंवार उपभोग हो सके ऐसी वस्तु-स्त्री वस्त्र, भूषण आदि. An object of enjoyment which is not consumed by being used once, e. g. clothes, ornaments etc. कप्प॰ ३, ४४; प्रव॰ २८२; क॰ गं॰ १, ५२; पच॰ २३; उवा॰ १, २२; ५२; पंचा॰ १, २४; -- श्रंतराय. न० (-श्रन्तराय) अन्तराय કર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી વસ્ત્ર આભપણ વગેરેના ઉપભાગ થઇ શકે નહીં. श्रन्तराय कमें की एक प्रकृति जिस के उदय से वस्न, श्राभूषण त्यादि का उपभाग नही हो सकता. A variety of Antaraya (i. e. obstructing) Karma by the rise of which a person cannot enjoy clothes, ornaments etc उत्त॰ ३३, १५; सम॰ १७; भग॰ द, १; — ह न० (- प्रर्थ) यस्त्र आहिना ६ प्रभाग भाटे. वस्त्र स्नादि के उपभाग के लिये. for the sake of the enjoyment of clothes etc. दम॰ ६. २, १३: -परिभोगपरिमाखः न॰ (-परि-मोगपरिमाण) गृहरथे।ना सातमा प्रतनुं નામ કે જેમાં એકવાર કે વાર વાર બાગવાય તેવી વસ્તુએાનું પરિમાણ બાંધવામાં આવે छे. गृहस्थके सात वें व्रतका नाम जिसमें कि उपभोग्य-वारंवार भोग में श्रानेवाली-वस्त श्रों के परिमाण की प्रतिज्ञा की जाती है. the 7th vow of a householder in which a limit is fixed as to the possession of objects of enjoyment of both kinds, viz. those consumed by one use and those not so consumed भग॰ ७, २; —लध्धि स्रो॰ (सब्धि) ઉपभाग-वस्त्राहिक्ती आप्ति. उपभाग-वस्त्र श्रादिकी प्राप्ति. acquisition of objects of enjoyment such as clothes etc. भग० =, २;

उवभोगत्त न० (उपभोगत्व) वस्तुने। उप-भोग; उपयोग उपमोग; उपयोग Use, enjoyment. सम॰ १०; उवमा श्ला॰ (उपमा) भुक्षणकी; सरभा- मध्यीः अपभा तुलनाः उपमा Comparison "श्रमहा परिश्वे ससे उनमा न निजाए" उत्त० ७, १४ः ३६, ६४ः पन्न० २, ३०ः ओव० निशे० ४७०ः राय० २४६ः श्राया० १, ४, ६, १७०ः उता० १, ६२ः ३, १४४ः क० गं० १, १६ः पन्ना० १६,१०ः (२) धारधाः भान्यता. behef. supposition. उत्त० ४. ६.

उविभिन्न-य. त्रि॰ (उपिनत) ઉપમાયુક્ત. उपमा सहित (That which is) compaied ॰ जंप॰ भग॰ १८, १, विशे॰ ६८५;

उवामियः त्रि॰ (श्रौपमिक—उपमयानिवृत्त मीपीमकं उपसामन्तरेण यत्कालप्रमाणम-नतिशायिना प्रहीतुं न शक्यने तदौपमि-कम्) જેનું કાલપ્રમાણ ઉપમા વિના ખીજાથી વ્નણી ન શકાય માત્ર ઉપમાયીજ જાણી શકાય તેઃ પલ્પાેપમઃ સાગરાેપમ વગેરે. जिसका काल प्रमाण विना उपमाक नही जाना जा सके वह; पल्योपम; सागरीपम त्रादि. (Anything) the measure of which can be understood or grasped only by a simile and not otherwise; e. g Palyopama; Sāgaropama etc. भग॰ ६, ७; उवयरियः त्रि॰ (उपंचरित) ७५थार ५रेल उपचार किया हुआ. Worshipped. विशे० २८३:

उचयार. पुं॰ (उपचार) पूर्वसामग्री. पूजा-सामग्री. Articles of worship. त्रोब॰ पन्न॰ २, सू॰ प॰ १०; राय॰ ६०: जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १; ३; ऋगुओ॰ १३०; मग॰ ६, ३३; ११, ११; कप्प॰ ३, ३२; ४, ४८; पचा॰ २, ३६; जं॰ प॰ ४; ६२; सु॰ च॰ १, ३७; (२) धारधुमां धार्यती अने क्षार्यमां धारखुता आरोप श्रारोप-जैसे कि कारण में कार्य का श्रार कार्य में कारण का श्रारेप. attributing the nature or properties of one thing to another; e. g. identification of cause with effect and vice versa. विरो १६०; (३) सभू६; ६गसे. समृह; हर. a group; a collection. सम॰ ३४; (४) औड विषयथी जीक विषय का प्रहण करना. विषय से दूसरे विषय का प्रहण करना. figurative or metaphorical use, secondary application. विरो १२; (५) लेडिन्यवहार. लोक व्यवहार conventional practice. श्रोव॰ २०; राय॰ २६९; श्रोध॰ नि॰ ७४०;

उवयार पुं॰ (उपकार) ७५।२; भन्द; भेट. उपकार; भेंट; सहायता. Obligation; help; a gift; a present. सु॰ च॰ १, १४; श्रोघ॰ नि॰ १८३; पि॰ नि॰ २५१; भत्त॰ ११८;

उवयारिश्र. पुं॰ (श्रोपचारिक-उपचारो लोक ब्यवहार: पूजा वा प्रयोजनमस्येति) आप-यारिक विनय; विनयनी। ओक अक्षार श्रोप-चारिक विनय; विनय का एक प्रकार A way of showing respect; observing proper forms of respect. पंचा॰ ६, ३७;

उवयारियलयणः पुं॰ (उपकारिकलयन) सूर्यांक्षना वनभाष्डाभांना भाष्य क्षागनु ओक धर-क्षवन के के ओक क्षाभ के कननुं बांधुं पढ़ांणु छे. सूर्याभ के वनखड के भाष्य भाग स्थित एक भवन जो कि एक लाख योजन

लंबा चौड़ा है. Name of a mansion in the centre of the Vanakhanda (forest-region) of Sūryābha, which is one lac of Yojanas in length and breadth. जं॰प॰४, ==; उचयालि. पुं॰ (उपजालि) अंत्रश्र स्त्रना चेाथा वर्गना त्रीन्त अध्ययननं नाभ श्रंतगढ़ स्त्र के चाथे वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the fourth section of Antagada Sūtia. (२) वसुदेवरालनी धारणी राणीता पुत्र है के तेमनाथ प्रभु પત્સે દીલા લઇ ળાર અંગનાે અભ્યાસ કરી સાળ વરસની પ્રવજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસના સંથારા કરી પરમ પદ પામ્યા वसुरेव राजा की घारगी नामक रानी का पुत्र जिमने कि नेमिनाथ प्रभु से दीचा ली थी श्रीर बारह श्रंग का श्रभ्याम किया था तथा सोलह वर्ष तक तप कर श्रंत में शब्ंजय पर एक मास का संथरा किया और मोच पाया. name of a son of Dharani the queeen of king Vasudeva. He took Dīksā from Lord Neminātha, studied 12 Angas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) Satruñjaya got emancipation. श्रंत॰ ४, ३; (3) अध्यंत्तरे।ववाधना प्रथम वर्जना त्रीका अध्य-यननं नाम. असुत्तरोववाई के प्रथम वर्ग के तीमरे अध्याय का नाम. name of the third chapter of the first section of Anuttaiovavai. (8) મ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ કરી સાળ વરસની

પ્રવજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર એક માસના સંથારા કરી જયંત નામના અનુત્તર વિમાન-માં ૩૨ સાગર ને આઉખે ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક અવતાર કરી માેક્ષે જશે. श्रेगिक राजा की धारणी रानी के प्रत्न का नाम जिस ने कि दोचा प्रहण कर गुण्रयण नामक तप किया श्रीर सोलह वर्ष तक प्रवज्या का पालन कर विपुल पर्वत पर श्रत में एक मास का संथारा करके जयंत नामक अनुत्तर विमान में ३२ सागर का आयुष्य प्राप्त कर उत्पन्न हुआ, वहाँ एक अवतार करके मोच जांयगे, name of a son of Dhāranī queen of Śreinka. He took Dīkṣā, practised the Gunarayana austerity, observed asceticism for 16 years and after a month's Santhara (giving up food and water) on Vipula mount, was born in the celesabode named Jayanta tial with a life of 32 Sagars After one more birth he will get salvation. श्रम्त॰ १, ३;

उवयोग. पुं॰ (उपयोग) पीताना विषयने ल्लाबाने ते तरइ क्षक्ष आपयुं ते, शण्दाहि विषय तरइ छिदियनी अवृत्ति-व्यापार. अपने विषयको समक्तनेके लिम उस तरफ लच्च देना; शब्दादि विषयों की और शब्दयों का कुकाव—व्यापार. Operation of the senses in cognising their objects; e.g. of the ear in relation to sound; straining of the senses towards their objects विशेष २०६८; (२) पाय ज्ञान त्रश् अज्ञान अने यार दर्शन इन

में से कोई भी एक. any one of the group of the twelve, viz. 5 kinds of knowledge (Jñāna), 3 kinds of ignorance (Ajñāna) and 4 kinds of belief (Darśana) उत्तः २८, १०; विशे॰ ३३०६; - ह्या. ह्या॰ (-श्र्यंता) ઉપયોગપણ, ઉપયોગની अपेक्षा उपयोग लगाने की श्र्यंत्रा; उपयोग पन; उपयोगिता. state of being Upayoga; desire for Upayoga. (q v) भग० ८, ५:

√ उच-रम. घा॰ I. (उप+रम्) नियर्त्युः; अथ्रेड्युं. दूर होना, रुक्तना. To cease; to stop, to desist from.

उवरमह. भग० १, ६; नाया० १६,

उसरम. पुं॰ (उपरम — उपरमण्युपरमः) अ-क्षाय; निपृत्ति श्रमाव, निश्चति. Absence; cessation, desisting from. विशे॰ ६२;

उवरय ति॰ (उपस्त) पापथी निश्ति पामेश पाप से हटा हुआ; छुटकारा पाया हुआ (One) who has desisted from sin. आया॰ १, ३, ४, १२१; १, ४, १, १२६, दस॰ ६, १२; उत्त॰ ६, ७; नाया॰ १; ६, भग॰ ६, १०; सूय॰ २, १, ५६, वव॰ ३, १३, कप्प॰ ४, ६२; क॰ गं॰ ६, १०; (२) वैश्लाय विनानीः वैरभाव रहित. free from feelings of hostility. "न ६ सेपपार्थियोपायो, भयवेराड उवरए" उत्त॰ ६, ७, आया॰ १, ३, १, १०६;

उवराग पु॰ (उपराग) अहु प्रहण; खप्रास. An eclipse. जीवा॰ ३, ३; उवार. श्र॰ (उपरि) अपर; उन्ने जपर, जना, जर्म्व भाग मे. Above; upon; upwards. " मदरचूनियाण उपरि चत्तार जोयणाइ" ठा०४; उत्त॰ ३६, ४५; विशे॰ ४३०; नाया० १; २: ४; हः छं० प०१, ३, भग०२, ह, ६, ७; १४, ६; १६, ६; पिं० नि० भा० ३०; क० गं० १, ४०; क० प० ४, ४४;

उन्निरं. श्र॰ (उपिरे) ७५२ कपर. Upon; above; over. स॰ प० १, ६७. जं॰ प॰ ५, ११६,

उविरेचर ति॰ (उपरिचर) आशशभां अधर रहेनार. ऊपर श्राकाश में-श्रंतराल में रहेने याला Remaining, situated up in the sky. जीवा॰ ३, १;

उसरितलः त्रि॰ (उपरित्तल) ७ परनुं तलीनुं जनर का नगट नाग. The above plat surface. भग०१,६; जं०४, =६;

उविरिषुं छुणी। ली॰ (उपरिषुञ्छिनी) साहडी-नी अत उपर अीक्षा तरक्षानुं भक्शुत आर्थाहन, चटाई की छन पर वारीक घाम का पका आच्छादन, A strong covering (made of straws) upon a mattress ceiling, राम॰ १०=;

mattress ceiling. राम॰ १०६; उचरिमा त्रि॰ (उपरिस) ७५२नुं; ७५नुं ऊपर का; ऊंचा. Situated, remaining above or upwards. निसील १६, १७; भग० १, ५; ६, १०; ९, ३२; १२, १०; नंदी० १८; पछ० १, उत्त० ३६, ६१; ठा० १, १; पि॰ नि॰ १५०; प्रव॰ ६, ६; — गेवेजागः पुं॰ (-प्रैवेयक) श्रेवेयकता नव विभानभांना ७५२ना त्रख विभान. ग्रेवैयक के नी विसानों से से ऊपर के तीन विसान the three topmost of the nine Graiveyaka heavenly abodes. (२) ७५२नी त्रिक्ता हेवता. जपर की त्रिक के देवता. a deity of any of the three above mentioned heavenly abodes भग॰ १८, ७; --गेबेज्जगकणातीय. न॰ (-प्रेवेयक कल्पातीत) अभरना श्रेवेयकना ६६५ तीत देवता. जपर के प्रेवेयक के कल्पानीत देवता. n Kulpātīta deity of the upper Graiveyaka heavenly abode भग॰ =, १,

—गेवेद्धय पुं॰ (प्रेयेयक) न्तुओ। "उव-रियगेवेद्धम " शल्ट. देसी " उविश्य-गेवे द्धम " शब्द. vide " उविश्यमेवेज्जम " भग॰ १, २: —तल. पुं॰ (-तल) ઉप-२नुं ले।य-तणीशुं द्धपर की छत; द्धपरकी फर्श. the upper floor. " जेव्ह्रीयप्प-माणा उविश्यक्तेण "भग॰ २, दः

उचरिमगः त्रि॰ (उपरिमक-उपरिमा एवे।परि-मकाः) अपर अपर रहेनारः जपरद्दां जपर रहनेवालाः, Situated one upon another; remaining one above another. त्रिशे॰ ६६८;

उचारिमय ति॰ (उपरिमक्) लुओ। " उप-रिमग " श॰६ देखो " उपरिमग " शब्द. Vide " उपरिमग " विशे० ७७;

उचरिमा न्यं॰ (उपरिमा) नवधैवेशक्षी अध् तिक्षमांनी उपरती तिक्ष-तिक्ष विभान नवधैवेन्यक की तीन त्रिको में से सबसे ऊपरकी त्रिक-तीन विमान. The topmost three of the 9 Graiveyaka heavenly aboden उत्त॰ ३६, २१२; — उचरिमः पुं॰ (-उपरिम) उपिक्ष तिक्षमां उपर-नवभां अवेशक्षमां रहेनार हेन्ता. ऊपर की त्रिक में ऊपरके देवता—नवें भैवेयक के (the deities) of the ninth and topmost Graiveyaka heavenly abode. उत्त॰ ३६, २१३; — मजिम्हम. पुं॰ (-मध्यम) उपती तिक्षमां भध्यम-आहमा श्रेवेयक्षना हेन्ता. ऊपर की त्रिक में मध्यम - शाठवें भैवेयक के देवता. (the deities) of the eighth (middle of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode उत्तः ३६, २१२; —हिहिम. पु॰ (*) ६५६६ तिक्रमा अभरतन-सातमां भैवेयकता देवता. उत्तर की त्रिक में कीचे के देव-सातमें भैषेयक के देवता. (the deities) of the 7th (the lowest of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode. उत्तः ३६, २१२;

उद्यरिल्ल त्रि॰ (उपरितन) ७५२नं, ७५९ं. कपरका Situatad above; upward; upper. "उवरिल्ले तारारूवे चारं चरित" ठा॰ ६; विशे॰ ६६७, पक्ष॰ २, १६; श्रगुजो॰ १३४, सम॰ ६, नाया॰ द्र; जीवा॰ ३, १, पि॰ चि॰ १४०; भग॰ १, ६; २, द्र; १०; ३, १; ६, ३; ४; ६; १४, १; १६, द्र, २२, १; २४,७; ३०, १, जं॰प॰२, ३३; ७, १६४,

उचरिसिज्जमाणा ति॰ (उद्बृष्यमान) परसाह-थी लिळातु वरसात में भागता हुआ. Getting wet with rain निसी २, ४२; उवरहः न॰ (उपरोद्ध) नारशीना व्योगाग

तोडी दुःभ हे ते छपरीदः, परभाधाभीनी छुडी लात. नारकीयों के ख्रंगापांग छेदकर दुःख देने वाले उपरीद्र देवः परमाधामी देवताओं की छुटी जात. The 6th class of Paramā-

dhāmīs (deities) who tear off the limbs and sub-limbs of hellbeings and torture them. भग०३,७;

उचरुविर. य॰ (उपर्यंपुरि) ओं शीलानी ६५२. एक दूसरे के ऊपर. One upon another, one above another "उवस्वारेतरंगदृरिय श्रासिवेगचक्क्स पर- मोच्छरंत "पएह० १, ३; निसी० १८, १८; उचरोह पु० (उपरोध) हु: भ; लाधा हु: ख; तक्क्षीफ Pain; trouble (२) आश्रद्ध आग्रह. restraint. सु० च० २, ४८२; (३) अऽऽ।व; रे। ३। छु. अटकाव; रोक. obstruction; impediment. पएह०२, २,—कारक. त्रि० (-कारक) ७५२।५ ३२-।।२, अ८३।वन।२. रोकनेवाला, वाधा पहुं-चानेवाला. impeding. obstructing; troubling पग्ह०२, २,

उचल. पुं॰ (उपल) ५,थ२; ५।छो. पत्थर, A stone. सु॰ च॰ १२, ४६; पिँ० नि॰ भा० ७, उत्त० ३६, ७३; भग० ४, २; विशे॰ द४४; पन्न० १;

उचलंभः पु॰ (उपलम्भ) धिरियसानः साक्षाः रधार इंदिय ज्ञान, साक्षाःकारः Direct perception (by the senses) पंचा॰ ३, २३; ६, १॰; १३, ३८, विश्व॰ ३५; १८६३; (२) सभूडः समूहः क group; a collection सु॰ च॰ २, ८१; उचलंभगाः स्रो॰ (३ उपलम्भनाः) ध्पधानु वयनः ६४ भोः उपालंभः स्रोलम्भा Words

उचलंभमाण. पुं॰ (उपलंभमान) ६५%। हेते।. उपालंभ देता हुन्ना Rebuking; 1eproaching नाया॰ १=;

of rebuke or reproach. नाया॰ १=,

उयलक्खण न॰ (उपलच्छ) परिज्ञान-धंधाण;
भुज्य वस्तुनु ज्ञान थवाथी जालुवस्तुनु ज्ञान
नेथी थाय ते. वह ज्ञान जिससे मुख्य वस्तु
का ज्ञान होने से गोण वस्तु का ज्ञान होजाय
A mark; a characteristic or distinctive feature, implying
something that has not been

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट (*). Vide toot-note (*) p 15th.

actually expressed. सु॰ प॰ ३, १८६. विशे॰ ६३२;

उवलद्धः त्रि॰ (उपलब्ध) काशुयाभा आवेत; प्राप्त थेंगेल समग्ता हुआ; प्राप्त. Known; understood, gained; obtained. ' श्रहणं सहोइ उवलस्रो, तोपेसंति तहाभूएहिं श्रन्ना उच्छेदंपहेहि " स्य० १, ४, २, ४, प्रव० ६७०; नाया० १२; १६; भग० २, ५; ६, ३३; विशे०६२; - पुट्य. न॰ (- पूर्व) पहें सेथी अ आ थ्येथ. पहिले से ही मिला हुआ. gained; obtained before-hand. नाया॰ १४; उवलद्धार स्त्री॰ (उपलब्धृ) वस्तुनी सा-क्षात् क्षात् क्षात् क्षात् क्षात् क्षात् वस्तु को देखने वाला; वस्तु को जानने वाला One who knows or perceives an object; direct perceiver of an object "उपलब्धा वस्तूनां बोध्या" विशे० ९२; १८६३;

उचलाँ स्त्री॰ (उपलब्धि) तानः साक्षात्धारः ज्ञानः साचात्कारः Knowledge; perception, observation. विशे॰ ६१ः —सम त्रि॰ (-सम) साक्षात्धार लेखे साचारकार सरीखा. similar to or equal to direct perception विशे॰ १२५ः

√ उच-लभ था॰ I (उप + लम्) प्राप्त करना, मिलाना. To get; to obtain; to acquire.

उवलब्भइ क॰ वा॰ श्रगुजो॰ १२८; उवलब्भे वि॰ दसा॰ ६, १;

उवलब्भंते नाया० १२;

उचललिय. न० (उपलित) એક જાતનी કામ ચેષ્ટા एक तरह की काम-चेष्टा. A kind of amorous gesture in a woman; a kind of voluptuous gesture. नाया॰ ६;

उवलालिज्जमाणः त्रि॰ (उपलाल्यमान) धमधीय धरताः धम्थानुसार सीसा धरताः

कामचेष्टा करता हुआ; इच्छानुसार कीटा करता हुआ Sporting at will; do-

ing amorous sport. " उवगाइजमा-गे उवलालिजमाणे " राय॰ २८८; जं॰ प॰

३, ६७, नाया०१; भग० ६, ३३; राय०२७५;

उवलिंपए. गच्छा० १६;

उवर्लिप्पड् क॰ वा॰ उत्त॰ २५, २६;

श्रोव० ४०;

उविज्ञतः त्रि॰ (उपिलस) छाण्यरे सिपेस. गोबर से जिपा हुआ. Bedauhed or smeared with cowdung; cowdunged. दसा॰ १०, १; नाया॰ १; ३; १६; जीवा॰ ३, ४, कप्प० ४, ५८; ५, ६६: (२) ५र्भथी सिप्त थ्येश्स. कर्मों से लिपटा

हुन्ना smeared with Karma, स्यः २, १, ६:

उचलेच पुं॰ (उपलेप) ४ भीने। क्षेप कर्मका लेप. Assemblage, gathering toge-

ther of Karma उत्त॰२१,२२;२४,३६;

उचलेचगा न॰ (उपलेपन) छाछा प्रशेरेथी क्षिपतुं ते गोवर ग्रादि से पोतना; विलेपन.

Besmearing or anointing with cowdung etc "उपलेवण सम्मजणं करेइ" भग॰ ११, ६; श्रगुजो॰ २०; निर॰

३, ३; राय० २७७,

उच-स्तियः घा॰ I. (उप+ली) निवास क्रवे। ठहरना To reside; to have an abode. (२) वर्धा ऋतु पसार इरवी. चातुर्मास व्यतीत करना. to spend the rainy season, to stay till the expiry of the rainy season.

उविश्वह्याः श्राया॰ २, ३, १, १११;

उचवज्भ त्रि॰ (श्रीपवाद्य-उपवाद्यानां राजा दिवसभानामेते कर्मकरा इत्यीपवाद्याः) सेनापति, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य सेनाध्यक्त, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य Worthy of being mounted by (e. g. a seat etc.) by a king, a minister, a general etc. दस॰ ६, २, ५;

उववण. न० (उपवम) नानु वन, वननी पासेनुं वन. लघु बन; जंगलके पासका जंगल. A small forest; a garden; a park. नाया० १; पंचा० ७, १७;

उववरण. ति॰ (उपपन्न-उत्पन्न) छत्पन थयेत;
पेहा थयेत. उत्पन्न हुआ; पैदा हुआ. Born;
produced. "उववरणो माणुस्तम्मि लोगम्मि " उत्त० ६, १; " दोशं पुढवीए नारगा
उववना " निर्सा० च० ११; नाया० १; २;
ह; ६; १४; १६; भग० २, १; ३; ३, २;
७, ६; ७; ६; ६, ३३; ११, १; १२, ७,
१८, ४, २४, १; २०; जीवा० ३, १; उत्त०
६, १;१३, १, पंचा० ४, ४६; — पुठव. पुं०
(– पूर्व) अगां ०४०भेश. पहिले पेदा हुआ
one born before or previously
भग० ६, ४; २१, १; ३४, १;

उववर्ण्ग. पुं॰ (उपपन्नक) ઉत्पन्न थनार; पेहा थ्येस. उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला. One who is born; one that takes birth. भग॰ ५, ४; ८, १; २४, १; √ उवबत्त. धा॰ I. (उप+वृत्) निश्वधुः नरश्चित अप पुरेश्चरी ण्ढार आवधुं. निक-जना; नरकादि भव पूर्ण कर बाहर आना. To come out; to emerge; to come out after finishing one's life in hell etc.

उववहइ. पन्न० १७;

उववत्तार. ति० (*उपपतृ) ६ ५४ थनार. उत्पन्न होनेवाला (One) who is to born; (one) who takes birth. "देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति" श्रोव० ३४; दसा० १०, ३; भग० १, १; २, ५; ५, ६, ८, ६, ६, ३३; २०, ६;

उचवासि. स्रो॰ (उपपासि) अत्यित्तः; अपलवुं ते पैदायशः उत्पत्ति. Birth; creation; pioduction; being produced उत्त॰ २६, १४; ३४, ४८; नंदी॰ ४३; भग॰ ४०, १;

उववित्तमेन्तः न० (उपपात्तमात्र) क्षार्थाः नी धटना मात्रः कारण कार्य की घटना मात्रः A mere fitting association established between cause and effect. विशे ० १०७७;

उवचन्न. त्रि॰ (उपपञ्च) ळुओ। "उववरण् " शम्द देखो " उववरण् " शब्द. Vide " उववरण् " प्रव० ११०७,

उववाश्र-य. पुं॰ (उपपात) ઉत्पन्न थ्यू; ઉत्पत्ति. उत्पन्न होगा; उत्पत्ति. Birth; creation; production; being born or produced. " द्यायोववाय वययाणिदे सेचिट्ठंति " भग० ३, ३; " एगे उववाप् " ठा० १०; भग० १, १०; २, ७; ७, ४; ६, ६; ११, १; १२, ६; १४, १;

^{*} लुओ पृष्ठं नम्भर १५ नी पुटने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

Vol. 11/37.

१; ४१, १; राय० २१३; श्रोव० ३=; नाया० ध० ३; ४; पन्न० २; जं० प० ४, ६०; जीवा॰ १; उवा॰ ६, २७१; प्रव० ४२; पंचा॰ ૧૪, ४८; (૨) ઉત્પત્તિ–દેવતા અને નારકીના ०४-भ थाय ते उत्पत्ति-देवता और नारको का जन्म-पैदा होना. birth of heavenly aud infernal beings. अव॰ ११०६; भ्राया० १, ३, २, ११४ १, ७, ३; २०७; सू० प० १; ठा० १, १; (३) विजय देवतानी सलानु नाम. विजय देवता की सभा का नाम. name of the council of the Vijaya gods. जीवा॰ १. (૪) ભગવતી સૂત્રના એકત્રિશમાં શતકનું नाभ. भगवती सूत्र के एकतीसर्वे शतक का नाम name of the 31st Sataka of Bhagavatī Sūtra. भग• ३२, २; (५) ७५।५; अरुश्. उपाय-कारण. a means; an expedient. भग. ३, ७; चव० ४, १८; (१) सेवा; लिक्ति. सेवा; মরি. service; reverent attendance upon. नाया॰ १; भग॰ ३, १; (૭) સમીપે-નજીકમા રિથતિ કરવી, પાસે भेसपु. पास-नजदीक में स्थित होना; पास बैहना sitting near; remaining in the vicinity of. so 40 9, 05; उत्त॰ १, २; -कारि । त्रि॰ (-कारिन्) આચાર્યાદિની પાસે નિવાસ કરી તેમના આદેશ Gध्यनार. श्राचार्यादि के पास रहकर उनकी श्राज्ञा सिरोधार्य करने वाला. (one) who remains or stays with a preceptor and carries out his orders. "उक्वाय कारीय हरीमग्रेय" स्य० १, १३, ६; -- क्र केशा छी० (-कारिका) ચરણ सेवनारेश्शिसी. चरगा सेविका-दासी. an attendant female

98, 3; 4; 28, 92; 20; 28, 8,; 38,

हिन्सि समा. A place of birth for heavenly beings. भग० ३, ५; ६, ६१ समा० १३; समा० १३;

उववाइश्र-य. त्रि॰ (भौष्पतिक) એક लय-માંથી ખીજા ભવમાં જનાર; એક શરીર छे।डी **भी**ळं शरीर अहुण **ક**रनार**. एक** भव से दूसरे भव में जानेवाला; एक शरीर त्याग दसरा शरीर प्राप्त करने वाला. Passing from one birth into another; passing from one body into another. इस॰ ४; उत्त॰ ४, १३; भग॰ १७. ६; ७; श्राया० १, १, १, ३; सूय० १, १, १, ११; प्रव० १२५०; (२) देवता अने नारधी के सेक्क अने इंलीमां उपके छे. देवता स्रोर नारकी जो कि शय्या व कुंभी से उताब होते हैं (heavenly and hell-beings) who born in Sejjä and Kumbhī. **त्र्याया॰ १, १, ६, ४**८; (३) એ।ગણત્રીશ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું પાંચમું; ઉવવાઇ (એાપ-પાતિક) નામે પ્રથમ ઉપાંગ સૂત્ર. **उ**न्तीस उत्कालिक सूत्रोंमें से पांचवाँ सूत्र; उनवाइ (श्रीपवातिक) नामका प्रथम उपांग सुत्र. the 5th of the 29 Utkālika

Sūtras; the first Upānga Sūtra so named नंदी॰ ४३; भग॰ ७, ६; १४, १; २४, ७; —गम. न॰ (-गम) व्याप्रपातिक सूत्रमां दश्विक्षं छे ते अभाष्रे उचवाइ सूत्र में दिखाये श्रनुसार in accordance with what is pointed out or explained in Aupapātika Sūtra. दसा॰ १०, १;

Sūtra. दसा० १०, १; उववातेयव्व. पुं॰ (उत्पाद्यितव्य) अत्पन्न थवाने ये। २४. उत्पन्न होने लायक One fit to take birth; one fit to be born or produced. मग० १२, ६, 94, 4; 20, 6; 28, 20; 39, 9; 38,9; उववायव्व. पुं॰ (उपपादियतन्य) अत्पन्न थना थे। २५. उत्पन्न होने योग्य. One fit to be horn or produced. भग०१७, ६; उववास. पुं॰ (उपवास=उपेति सह उपावृत्त दोपस्य सतो गुणैराहारपरिहारादिरूपैर्वा-वास उपवासः) आणा शेक्ष दिवस अन पाशीना विधिपूर्वक त्याग करवा. पृरा एक दिन श्रम्भजल का विधिपूर्वक त्याग करना A. fast; giving up food and water according to prescribed rules for 24 hours between one sun-

√ उव-विस. था॰ I. (उप+विश्) शेसवु वैदना. To sit.

rise and the next राय० २२६.

नंदी० ४१; ठा० ३, १; पन्न० २०; उवा० १,

उवविसामि, राय० २४ ;

४५: २, ६४,

उचवीयमाग्र. श्र॰ (उपवीजमान) २भरीथी भवन नाभती. चंबरी से पवन उडात्ता हुआ. Fanning with a chowri. नाया॰ १६; उववेश्व-या हिल (उपेत) युक्त; सिंदत युक्त; सिंदत Accompanied with, possessed of. श्रीव॰ पण॰ १७; नाया॰

१; ४, ८; १२; नंदी० ४३, भग०२, १; ६, ३३; उवा० ७, २०६, कप्प०१, ८; जं० प०२, २२;

उव-सं-क्रम. था॰ II (उप+सम् + क्रम्) पासे જवुं, सभीप जवुं समीप जाना, पास जाना. To go to; to approach.

उवमंकमंति. ठा० ३, २;

उवसंकमेजा. स्य० २, ७, १५;

उवसंकमित्तु. सं० कृ० श्राया० १, ७, २,

२०२; २, ३, ३, १३१;

उवसंकिमित्ता नाया॰ २; ठा॰ ३, २; जं॰ प॰ ७, १३४; ७, १३१;

उवसंकमंत सं० कृ० दस० ४, २, १०; उवसकममाण्, ज० प० ७, १३२;

उवसंधिन्न. त्रि॰ (उपसंहत) स्वीक्षार करेल स्वीकृत. Accepted; adopted. विशे॰ १०११.

उवसंत पु॰ (उपशान्त) शांत वृत्तिवाणाः; ઉપરામ ભાવ વાળા, જેના કવાયાદિક ઉપશ भ्या है।य ते शात प्रकृति वंग्लाः उपशात भाव वाला, जिस के कपायादिक सात हो वह One whose passions (e g. anger etc) have subsided; calm; peaceful पन १, १४; वव॰ ३, १३; भग० १, ४, ६; ८; ५, ४; १५, १, १८, १०, २७, ७; दसव ६, ६५; १०, १, १०: जं० प० सु० च० २, २०३; राय० २७; नात्रा० १; ५; उत्त० ६, १, २, १५; ठा०२, १; श्रगुजो० १२७; श्रोव० ३८, श्राया० १, ३, २, १२१; १, ६, ३, १८६; सम > १४. प्रव० १२४; १३१३; क० प० ४, ७०; ४, ४७; (२) आधुसता रहित. घव-राइट रहित. one free from distraction of mind श्रोघ० नि॰ ५१५: (३) क्षभावान. चमावंत. one possessed of forgiveness जीवा॰ ३, ३;

(૪) નાંદર્ય નિરીક્ષણ વગરે પિકારથી નિ वृत्ति पानेक्ष. गाँदर्य दंगने प्रादि विकार से निरुति पाया हुआ; गेंडियांदि देगने से मन का भाव दशया द्या. one not excited by seeing beautiful objects etc. अमुत्रो० १३०; (प) ઉદયમાં આ-वैक्ष निर्दाः हणायेक्ष. उच्य न आये हों: द्ये. not come to rise; dormant (E) જમ્મુકીયમાં એરવત ક્ષેત્રના ચાલુ અવસ-पिंगीना पन्हरमा तार्थंडर, जम्ब्रहाप के ऐर यन चेत्र की यर्नमान अवस्थिमी के पन्द्रहवे तिथैकर name of the 15th Tirthankara of the current Avasarpini of the Airavata region of Jambüdvipa, नम॰ प॰ ६८०; --- ख्रिहिगरमा. न० (-ख्रिविकरमा) अपशांत ઉપગ્રમી ગયેલ કેલેશ, જ્ઞાન્ત દુવ્યા વર્લળ. trouble that has subsided. 220 -कसाइ पुं (कपायित्) रोता है।ध क्ष्पाय वर्शिरे नाश पास्या छे ते. जिस के फार्चाद कवाय सांत हो. one whose moral impurities (e.g. anger, greed etc.) have subsided or have been destroyed भग. १, ३१; २५, ६; —कसायबीयगाग. पुं॰ (-कपायर्वानराग) केना ध्याय शान्त थया છે તે; ૧૧મા ગુખુસ્થાતવર્તી. जिन के राग हैप णात हो गए ही वे; ११ वें गुणस्था-नवर्ति. one whose passion and hatred have been completely assuaged; one in the 11th spiritual stage. भग०२४, ६; — गुग, न० (~गुगा) ઉપશાંત भेादगुण नाभे ११भं २थानु . उपशांत मोठगुण नामक ११वां म्यानक, the 11th Sthanaka named Upašāntamohaguņa. 本。 前。 3,]

१६; —जीवि. पुं॰ (- जाविन्) ४५।४॥१ द्यावनार क्यायादि की दयाने वाला, one who subdues his evil passions like anger, greed etc. पणह० ३, १: सग० ६, ३३; —ज्ञा. स्त्रं। ० (-ग्रदा) ઉપરાંત માહ નામના ૧૧ મા ગુણશ્યાનકના क्षत्र, उपशांत मोह नामके ११ वे गुणम्यानक का समय, the time of the 11th Gunasthanaka named Upśantamohaguna क० प॰ ४, ४६; — ब-दय पुं॰ (-वेटक) केना वेह-धामविधार शान्त पाभ्ये। छे ते. जिस का वेद-काम वि-कार गांत है। गया है। one whose lust i e. sexual passion has been subdued or calmed. भग॰ £, 39; 34, 5;

डच-मं-पद्धाः घा॰ II. (डपंभ्यम्भपद्) आश्रय ६२वे।; २वी६।२ ६२वे। स्योकार करना; ब्रहण करना. To resort to; to accept; to get.

उयमंपलह् भग० २५, ६; ७;

डचमंपज्ञामि. ठा० ४, २;

उबसपजे. वि॰ स्य॰ १, ८, १३;

उचमंपजिता. मं० कृ० भग०१, ६; २, १;३, २; ५, १; १, ३३; १०; २; ११, १; १३,६: १४, १; १८,१०; २४,७;६; नाया० १; ४; ६; १२; १३; १४; १६; १८; तं० प०७, १४१, यव०१, २६; ४, ११; १२; नाया० प० वेंय० ४, १४; राय० २२३, स्रोव० १८, स्वा० १, ६६, ६६;

उचसंपनमागाः पन्न॰ १६;

उचसंपञ्जण. न॰ (टपमंपादन) पदनीने। २वीशर. पदवी का स्वीकार. Acceptance of a degree or title, वव॰ ४., १९;—(गा)श्चरिष्ट. ति॰ (-ग्रहें) पदनी आपदा थे। त्य पदवी देने योग्य deserving to be inverted with a degree or title. वव०४, ११; १२:४, ११:

उवसंपजाणावत्त न॰ (उपसंपदावत्तं) ७५-संप्रकाशिक्षा परिक्रमेने। यहिमो लेह उपसम्पादन श्रेणि परिकर्म का चौदहवां भेद The 14th division of Upasampajanaseniā Parikarma नंदी॰ ५६,

उवसंपद्धसोणिया स्त्री॰ (उपसंपादनश्रीणिका)

ઉपसंपादन श्रणी गण्ना दिश्वादातर्गत परि
क्षेती थेक विकाश उपसम्पादक श्रेणीगण

के दृष्टिवादातर्गत परिकर्म का एक विभाग.

Name of a section of the

Parikarma forming a portion

of Dristivāda सम॰ १२;—परिकम्म
पु॰ (परिकर्मन्) दृष्टिगाना परिकर्मनी श्रथे।

भेद दृष्टिवाद के पारकर्म का चौथा भद्द the

fourth division of the Parikar
ma of Dristivāda नंदी॰ ५६;

उपसंपाक्षियट्य पुं॰ (उनसंपादियतस्य) पदवी देवी. पदवी देना Investing with a degree or a title वन०४,११,१२;

उपसंपन्न ति॰ (उपसंपन्न) ६ इत थ्येश प्रस्तुत; तैयार. Ready, prepared (to do some action). "उवसंपन्नो जकारणंतु त कारणं श्रपृत्ति " व॰ स॰ ३, स्य॰ २, ७, ६;

उवसंपया श्री॰ (उपसम्पद) ज्ञानाहि संपत्ति भाटे आयार्थाहिक्षनी निश्रा स्वीकारवी ते, ढु तभारील छु अनीरीते स्वीकार करवे। ते, सभायारीनी हशभी या छेल्ली प्रकार, ज्ञानादि मम्पत्ति में श्राचार्यादि की नेधाय स्वीकार करना, में श्रापकाही हु ऐसा स्वीकार करना, समाचारी का दशवों या श्रांतिम भेद The 10th and last mode of Samāchārī; submitting oneself wholly to a preceptor etc in order to acquire knowledge etc " श्रत्थणे उवसंपया" उत्तः २६, ४; ठा० ३, ३; भग० २५, ७, प्रवः ७७५,

उचसंहार. (उपसंहार) सभेटी क्षेत्र. एकत्रित करना Summing up. (२) रे। क्ष्युः निरेश्घ करना, जौटा जैना. winding up; withdrawing, withholding. सम॰ ३२;

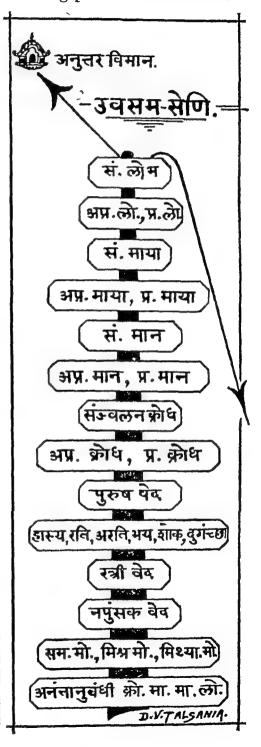
उवसागा. पु॰ (उपसर्ग- उपसुज्यनेत भातु समीपे युज्यन्ते इति उपसर्गाः) ५, ५२ि, પ્રતિ, નિ. આ, સમ, ઇત્યાદિ ધાતુની આદિમા २६ना२ शण्ड समूद्ध प्र, पारे, उप, प्रति, नि, श्रा, सम, इत्यादि वातु के श्रादि में रहनेवाला शब्द समूह a preposition prefixed to roots, e. g प्र, परि, उप, etc पराह॰ २, २, (२) छपद्रव, કष्ट, परिषद्ध, उपद्रव, कष्टः परिषद्व trouble, affliction annoyance श्रोष॰ नि॰ भा० २६३; राय० २२८, नाया० १; ८, ६, ज॰ प० उत्त॰ २ं, २१, ३१, ४; नवी॰ ५; श्रंत० ६, ३; दसा० ७, १: वव० १०. १; मत्त० ४; ४४, प्रब० ५८४ (३) देवताओ **५रे**भ ७५६व. देवतात्रों का किया हुत्रा उपdisturbance or trouble caused by gods भग॰ १, ६, २, १; पिं० नि॰ ६६६; राय॰ २६५; सम० ७; थोव॰ ३६ श्राया॰ १, ८, ७, २२, उवा॰ २, ११६; ३, १४१, ४, १५३, (४) તીર્થંકર વિચરે ત્યાં સવાસા જોજનમાં માર મરકી ન હોય છતા મહાવીર સ્વામિના સમવસરણમાં ગાેશાલાએ ખે સાધુઓના ઉપર તેજુલેશ્યા મુડી ઉપસર્ગ આપ્યા તે. दश अछेराभानं पहेलं अछेर तार्थंकर विच-

रते हैं वहां सवा सौ योजन में रोग चाला नहीं होता श्रीर भहावीर स्वामी के समवरण में गोशाला ने दो सायुत्रों पर तेजोलेश्या टाल कर उपसर्ग किया सो दस श्राधर्य जनक बनार्श्रा में ने पहिला बनाव. the first of the 10 Achheras (wonderful events), viz. the trouble given by Gosala to two of the monks of Mahāvīraswāmī in the Samavasarana by inflicting Tejoleśyā upon them, although it is an undeniable fact that within 125 Yojanas of the place where a Tîrhankara abides, there can be no fear of any violence, plague etc. प्रव॰ ६६२; —पत्तः त्रि॰ (-प्राप्त) उपद्रव पामेस. उपद्रव प्राप्त. annoyed; afflicted; harassed. ठा० ५, २; वव० २, २०, १०, १८; —सहरा न॰ (-सहन) देवादिङना ७५सर्ग सदन ४२वा ते. देवादि का उपसर्ग सहन करना, endurance of the troubles, disturbance etc. caused by heavenly beings etc अव॰ १३६६; उचसग्गपरिएसा. श्लां॰ (उपसर्गपरिज्ञा) સ્યગડાંગ સ્ત્રના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ કે જેમા ઉપસર્ગ-પરિષહો કેમ સહન કરવા તેની समक आपवामां आवी छे. सुत्र सुयगडाग के तीसरे अध्ययन का नाम, कि जिस में उप-मर्ग-परिषह कैसे सहन करना चाहिये जिस की शिचा दी है. Name of the 3rd chapter of Süyagadānga dealing with the way in which afflictions are to be endured. सम० १६; २३; सूय० १, ३, ४, २२: उवसक्कारा न॰ (उपमर्जन) ७५२५५.

Gusa. उपसर्ग; उपद्रव Disturbance; trouble; annoyance विशे॰ ३००५; (२) अप्रधानभूत-गाशुरूपः गौगहपः; श्रवचान. secondary; subsidiary; subordinate. विशे ० २२६२: उचस-त्त-त्ति. (उपसक्त) गाढ आसिक्षितवादी. नाड श्रासीक्रवाला. Deeply attached; grossly attached. उत्त॰३२, २६; $\sqrt{$ उवसम \cdot था॰ $\mathrm{I,II.}$ (उप+शम्) शांत થવું; પ્રકૃતિને ઉપશમાવવી. શાતहોના; प्रकृतिको उपशांत करना To become calm; to calm down passions. उयसमइ. वेय० १, ३३; नाया० १६; कप्प० :34,3 उवसामेइ प्रे॰ भग॰ १, ३; उवसमीत सम०३४; उवसमेंति राय० ३४: उवसमेजाः वेम० १, ३३; उवसमित्तप्, हे॰ छ॰ नाया॰ १३: उवसामित्तप्. प्रे॰ हे॰ कु॰ नाया॰ १३; विवा॰ १: उवसम पुं॰ (उपशम) क्षभा; शांनि. चमा, सांति Forgiveness; calmness; peace. दम॰ =, ३६; वेय॰ १, ३३; (ર) ૫ખવાડીયાના પંદરમા દિવસનું નામ. पत्त के पन्द्रहवे दिन का नाम name of the 15th day of a fortnight. जं० प० स्० प० १०; (३) अहे।रात्रना ત્રીશ મુહૂર્તમાંના પંદરમા અથવા વીશમા भुक्तेनुं नाभ अहो रात्रि के तीस मुहूर्ती में से पंद्रहवे, अथवा बीसवें मुहूर्त का नाम. name of the 15th as also of the 20th Muhūrta of a day and night (containing 30 such). ज॰ प॰ सृ॰ प॰ १०; सम॰ ३૦; (૪) માહનીયની ઉદયમાં આવેલી

પ્રકૃતિના ક્ષય કરવા અને ઉદયમાં આવવાની હાય તેને દુખાવી દેવી-ઉદયમાં આવવા ન देवी ते मोहनीय कर्म की उदयम आई हुई प्रकृति का चय करना श्रीर उदय मे श्राने वाली प्रकृति की दवा देना-उदयम न श्रानेdestruction of that देना. Mohaniya Karma which has matured and the assuaging of that which is dormant क॰ गं॰ २,२;४, १६, ६७, प्रव० ३४, ६४०; ६४५; उत्त० ३२, ११; श्राया० १, ६, ४, १६४; भत्ते ६६, श्रोव ० ३४; श्रगुजो ० १२७; —निष्फरारा, पुं० (-निष्पन) के प्रकृतिना ઉપશમ કરવામાં આવ્યા છે–ઉપશમની निष्पत्ति थध युडी छे ते जिस प्रकृति को उपशांत कर दिया है-उपशम का निष्पति होगई है वह calmness which has been born as result a. assuaging the passions. अणुजी॰ १२७, —सार. त्रि० (-सार) अपशम-પ્રકૃતિઓના તિરાભાવ છે સાર-સત્વ જેનું उपराम-प्रकृतियों का तिरोभाव सार-संत्व जिसका ऐसा. (anything) having for its essence subsidence of Karmic kritis. " उवसमसारं खुमामसं" काप० ६, ५६, — सेशि स्त्री० (-श्रेशि) अनंता-તુળંધિ આદિ પ્રકૃતિએાને શસ્ત્રમાં કહેલ ક્રમ પ્રમાણે ઉપશમાવનાં ગુલુર્ક્ષાણથી ઉપર ચડવુ તે; આ શ્રેહ્યિથી અગીયારમા ગુલ્કાણાપર્યત **જવાય छे. शास्त्रमें** कहे हुए कमानुसार श्रनन्तानुबेधि श्रादि प्रकृतियों का शमन करते करते गुणश्रंशिपर चढना उपशम श्रेणि से स्यारहवे गुणस्थान पर्यन्त पहुंचा जा सकता है. the ladder of spiritual advancement leading

up to the 11th Gunasthānaka by a gradual subsidence of deluding passions etc. মৰ০ ৩৬६,



उचसमञ्च. पुं॰ (उपशमक) ७५शभ्लाव વાળા મુનિ; ઉપશમ શ્રેભિયે ચડનાર. उपशम भाव वाले मुनि; उपशम श्रेणिपर चढनवाले. An ascetic with passions calmed down; one trying to curb and assuage his passions भग० २४, ७; उवसमग. पुं॰ (उपशमक) लुओ। "उप-समग्र" शण्ध. देखो "उपसमग्र" शब्द. Vide. "उपसमझ" भग॰ રપ્ર. उवसमगा. स्री०(उपशमना) लुओ। ''उवसम-गया" शम्ह. देखो 'उवसमग्रय।" शब्द. Vide. "उवसमण्या" क॰ प॰ ४, १; उवसमि त्रि॰ (उपशामिन्) औ। पशिमिक ઉપशभ समक्तिवादी। उपशम सम्यक्तववाला. One possessed of Upaśama Samyaktva (i. e. subsidential right belief). क॰ गं॰ ४, २५; उवसमिय. पुं॰ (श्रोपशमिक) भे। हुनी थ-**५भेनी प्रकृतिने। उपशम. मोहनीय कर्म** की प्रकृति का उपराम. Subsidence of Mohaniya Karma. (ર) ઉપશમ निष्पन्न-श्रीपशभिक्ष लाव. उपशम निष्पन्न भाव. calmness of mind born of that subsidence. श्रगुजी॰ ==; १२७: भग० १४, ७; १७, १; २४, ६; (३) त्रि॰ शांत शांत. free from passions; calm. स्॰ न॰ १, ३४४; उवसमियव्व त्रि॰ (उपशमितम्य) ७५११भ।-ववुं ते. उपशम करना. Assuaging, causing to subside. वेय॰ १, ३३; कप्प॰ ६,` ५,६; उवसामद्रा पुं॰ (उपशामक) भे। हतीयती

ર= પ્રકૃતિને ઉપસમાવી ૧૧મે ગુણસ્થાને

वर्त्तभान छव मोहनीय कर्म की २८ प्रकृ-

तियों को शमन कर ग्यारहवें गुणस्थान मे

विचरता हुआ जीव. A soul in the

11th Gunasthana with all the varieties of Mohanīya Karma subsided. सम॰ १४: उवसामग. पुं॰ (उपशामक) भे।दनीयनी પ્રકૃતિઓને સર્વથા ઉપરામાવનાર. मोहर्नाय की प्रकृतियों का सर्वथा उपराम करने वाला. One who causes right-conductdeluding Karma to subside completely. क॰ गं॰ ४,७३; प्रव॰७३३; उवसामणाः स्री॰ (उपरामना) लुओ। "उपशम" शण्ह देखो " उपशम '' शब्द. Vide. "उपराम" क॰ प॰ ४, ६५; उवसामग्याः स्री॰ (उपशमन) शान्ति ७५-शभवति, शांति: उपराम भाव Ascetic renunciation: calmness; freedom from passions. भग॰ ३, ३; उवसामगोवक्रमः पुं॰ (उपशमनोपक्रम) કર્મને ઉપશમાવવાના ઉપક્રમ–આરંભ. कर्म को उपशम करने का उपकम-श्रारभ Commencement of effort to assuage Karma. তা০ ४, ২; उवसामियञ्च. ।त्रे॰ (उपरामियतन्य) ७५११भ કराववे।. उपशम कराना. Causing subsidence of Karma कप०६,४६; उवसेवण. न॰ (उपसेवन) सेवा ४२वी. सेवा करना Attending upon; rendering service to. সৰ০ ২৬४; उवसोभमाण पुं॰ (उपशोभमान) शासाय-भानः शोभायमानः Beautiful; charming. नाया॰ १३; भग॰ २, १; ७, ३; उवसोभिग्र-य त्रि॰ (उपशोभिन) शे। लितुं थ्येक्षुं शोभनीय बना हुआ. शोभित. Beautified; adorned; made beautiful " कविसीसपुहि उवसोभिए " राय० " हारद्धार उवसोभिए " राय० जं० प० १, ११; नाया॰ १;

उवसोभेमाण पु॰ (उपशोभमान) शासता. सुंदर; सुशोभित, शोभायमान; ख्वस्रत Beautiful; appearing beautiful नाया॰ १; ११; १४; अग॰ २, १, १४, १, ज॰ प॰ २, १६;

उवसोहिय. त्रि॰ (उपशोभित) शालावार्थुं सुंदर; शोभामान् Beautiful; lustrous; handsome. नाया॰ १; ६, सु॰ च॰ १, ४१; जं॰ प॰ ७, १६६;

उचसोद्दियः त्रि॰ (उपशोधित) निर्भक्ष क्रेरेस, शिधिक शाधाहुत्रा. Purifed. नाया॰ १;

√ उच-स्सय. धा॰ I (उप + श्रा+िश्र) पेशवुं. घुसना To enter, to resort to. उवस्सए. निर॰ ३, ४;

उवस्तम्र-य पुं॰ (उपाश्रय = उपाश्रीयतेसेव्यते संयमपालनाय शीतादिम्राणार्थं वा यः
स तथा.) साधु साध्वीने रहेवानुं स्थानः
हिपाश्रय A Jaina monastery
श्राया॰ १, १, ३; १४; २, १, १, १, १, १, ४,
२, १३८, नाया॰ १४, १६, नाया॰ ध॰राय॰
२३४, निर॰ ३, ४; उत्त॰ २, २३, ३४,
४, परह॰ २, ३; श्रोघ॰ नि॰ मा॰ १७,
दस॰ ७, २६; वेय॰ १, १४, वव॰ ६, ७;
८, ४; दसा॰ ७, १, निसा॰ ८, १२;
कप्प॰ ६, २४; प्रव॰ ४४४, गच्छा॰ १४;
उवहश्र-य. त्रि॰ (उपहत) कीडामां

पराक्षत्र पत्मेश-नाशपामेल. लोगों में पराक्षत पत्मेश-नाशपामेल. लोगों में पराक्षत पायाहुआ; नाश प्राप्त-विनष्ट. Destroyed; disgraced amongst people सु॰ च॰ १, २७; भग॰ ३, २; विशे॰ ११६; आया॰ १, २, ३, ७६;

उवहड पुं॰ (उपहत) यासणुभां आदेश है। तेल ०हे।रवुं ओवे। अभीअह विशेष. वर्तन में निकाल कर रखे हुए कोही भोजन Vol. 11/38.

रूपसे ग्रहण करनेका श्राभिग्रह-नियम विशेष. A kind of vow to eat only that food which is placed in a dish वव॰ ६, ४४; ४५; (२) पास्थामां अदिशुं-पीरसें वरतन में निकाला हुश्रा-परोसाहुश्रा. served in a dish. ठा॰ ३, ३;

√ उवहरा था॰ I. (उप+हन् क॰ वा॰) नाश पाभदु नाश पाना. To perish, to be destroyed.

उवहम्माइ. क॰ वा॰ पिँ ॰ नि॰ ६२२, दश॰ ७, १३;

उवहम्मंति. भत्त० १३५;

उवहति स्रो॰ (उपहति) ०थाधात--अंतर श्रन्तर; फर्क; Destruction; break of continuity निशे॰ २०१५; √ उवहस्त. धा॰ II. (उप + हस्) ७ सथु; भरुद्धी द्रश्वी. हसना, विद्यागी करना; मजाक करना. To laugh at to joke. उवहसे दस॰ द, ४०; उषहसंति उत्त॰ १२, ४;

उषहसंति उत्त० १२, ४; उषहसिद्धिति भग० १४, १:

उन्नहसिक्ष. त्रि॰ (उपहासित) હंसी કહाડेल हमा हुका Laughed at, ridiculed तड़॰

उचहारा. न॰ (उपधान = उप समीपे धायते कियते सूत्रादिकं येन तपसा तदुपधानम्) अनशन आहि भार अक्षारना तप वारह प्रकार के तप. Austerity of 12 kinds. श्रोघ॰ नि॰ मा॰ १६६, नंदी॰ ५०; उत्त॰ २, ४३; ठा॰ २, ३, सम॰ ३२; पंचा॰ ६, ७, १५, २३; (२) करवु ते, विधान. करना; विधान. performance, doing श्रोव॰ १८, (३) ओसिक्षं तिकया a small pillow for the head. सु॰ च॰ १, ४४. श्रोघ॰ नि॰

૨૦૫: (૪) સ્ત્રની વાચના ઉપર તપ **५२** ते मृत्र वांचने का तप करना. ausferity performed after reading Sütras. प्रवः २६=; -पिडमा स्री॰ (-प्रतिमा) ઉपधान-तप विशेषनी प्राभिप्रह करना, नियम करना. a vow to perform the austerity known as Upadhāna. ठा॰ २; ४, १; श्रोव॰ ---सुय. न० (-श्रुत=महावीरसेवितस्योपधा-नस्य तपसः प्रतिपादकं श्रुतं गन्धः उपधान-श्रुतम्) ઉપધાન श्रुत नाभनुं आચારંગનું ૮મુ अध्ययन. उपधान सूत्र नाम का श्राचारंग का श्राटवां श्राध्याय. the 8th chapter of the Achārānga Sūtra, styled Upadhāna Sūtra. ठा० ५; सम० ४; उवहागाग. न॰ (उपधानक) भेशिशं. तिकया.

A pillow. प्रव॰ ६८४;
उचहाराचंत. पुं॰ (उपधानवत् = उपधायतेउपप्टम्यते श्रुतमनेनेति उपधानतपस्तद्धिचते यस्याऽसी उपधानवान्) ३५६११-२॥२३वांथन निभित्ते तपिशिष, तेनु ६२नारः
शास्त्रवाचन के लिये किये जानेवाले तप विशेषको करने वाला. One who practises
the austerity known as Upadhana with a view to study the
scriptures. "वसे गुरु कुलारीच जोगवं
उवहारावं" उत्त॰ ११, १४; ३४, २७;
स्य॰ १, २, १, १५;

उवहार पु॰ (उपहार) भेट; लक्षीस. भेंट; पारितापक; इनाम A gift; a present ' पहासमुदन्ने।वहारेहिं सन्वन्ने। क्षेया '' कप्प॰ ३, ३४; पगह॰ १, २;

उविहि. पुं॰ (उपि = उपधीयते संगृह्यते इत्युपांघ) वश्च,धरेणा धरणार वगेरे ઉपिधः; ७५५२णः, सामग्री. वस्न, श्रामुषण, घरवार

श्रादि उपाधि; परिग्रह; उपकरण. Worldly possessions, such as clothes, ornaments, house etc; material possessions; implements. भग॰ १२, ४: १७, ३; १८, ७; निर्मा० २. ४६; १२, ४७; १६, २४; पिं० नि० भा० २६; २६; र्षि० नि० ६=; दस० ६, २, १=; १०, १, १६; श्राया० २, ३, २, १२१; सम० १२; उत्त॰ १२, ४; १६, ८६; २४, ११; श्रोव० २०; प्रव० ४६=; (२) भाया; इपट. माया; कपट. fraud; deceit. परहर १, २; -धोन्त्रगा. न० (-धावन) ७५६-वस्त्राहि धावा ते. बल्लादिकका धोनाः washing, cleansing of clothes ३०: —पश्चक्खाण प्रव० (प्रत्याख्यान = उपधिरुपकरणं तस्य रजो-हरणमु खर्वास्त्रकाच्यातारिकस्य प्रत्याख्यान न मयाऽसा गृहीतच्य इत्येवं रूपा निवृत्ति-रुपधिप्रत्याख्यानम्) ७५४-वस्त्रपात्र आहि ©भ**ृश्यु–तेने**त त्यत्य-परिद्धार वस्त्र, पात्र र्थााद उपकरणों का त्याग-परिहार. ahandonment of material possessions such as clothes, vessels etc. उत्त॰ २६, २ः — विउस्सगाः पुं॰ (-ब्युत्सर्ग) वस्त्र पात्र व्याहि ઉपधिने। परित्याश बस्न, पात्र आदि उपावि का परि· न्याग, abandonment of queh material possessions as clothes, vessels etc. भग० २४, ७; स्रोव०

डांकने वाला. One who deceitfully

hides his sin. नाया॰ २: उचाइक्कंत. त्रि॰ (उपातिक्रान्त) व्यतीत थयेत; पसार थर्ध गयेत. गया हुआ; व्यतीत Past, gone. श्रायाः १, ७, ४, २१२, उवाइकम्म स॰ कृ॰ घ्र॰ (उपातिक्रम्य) ઉલ્લ धन કरीने; ओण घीने उल्लाघ करके. Having crossed or transgressed आया॰ १, ७, १, २००, २, ६, १६३; (२) परिदार क्रीने, त्याग क्रीने त्याग करके छोड करके having abandoned, having given up. श्राया॰२,२,३,१००, उवाइयः त्रि॰ (उपायित) यायेक्ष, धर्छेकुं मागा हुआ, इच्छित. Begged; solı cited; desired "उवाइयं उववाइत्तए" नाया० २; विवा० ७; (२) देवनी आश-धनाथी प्राप्त थयेल. देवकी आराधना करने से प्राप्त got by propitiating a deity. ठा॰ १०, १; —सेस. त्रि॰ (-शेष) भाता वधेंंं, भाता भाता शेष २७ेशु खाते खाते बचाहुन्ना (the portion of food) which has remained in the dish after one has taken his fill. श्रायाः १, २, १, ६७,

उवाइय पु॰ (~) त्रख् धिरियवाणा छ्व. तीन इन्द्रिया बाजा जीव A threesensed living being पत्र॰ १,

उवागद्य-य ति० (उरागत) प्राप्त थ्रेस. भेगवेस पाया हुन्ना, प्राप्त. Got: acquired, obtained. ज॰ प॰ त्रोव॰ १०, नाया॰ १. ६; १४; १६; भग॰ १५, १; उवाचियः ति० (उपाचित) भरेस, व्याप्त. भरा हुन्ना; व्याप्त filled; full; pervaded by नाया॰ १२, उवाग्रह. पुं॰ (उपानह) भगरणा; जोडां जूती का जोडा. A shoe; a pair of shoes " तिर्गिच्छुमाण्हावाए, समारभ च जोइग्रो "दस॰ ३, ४; पग्रह॰ २, ४, स्य॰ १, ४, २, ६, प्रव॰ ४३८,

उचादारा. न० (उपादान) भुण्य क्षारण्य पहला कारण्य मूल कारण्य. Primary or material cause. विशे १२२६; उचादेय त्रि० (उपादेय) उपादेय-म्बार्य करने योग्य Acceptable, worthy of being accepted पचा० ४, २०;

उवाय-त्र पुं॰ (उपाय) अपाय; साधनः अतीक्षर, उपाय, साधनः तरीका. A means: a remedy; an expedient "विण्यं पिजो उवाएएं चोइश्रो कृष्पइनरा '' दस॰ ६, २, ४; " एगं च दोस चतेहेव मोह, उद्भुकामेण समृत जाता। जे जे उवाया पडिविजायच्वा, ते कित्तइस्सामि श्रहाणु पुष्टिंव '' उत्त० ३२, ६, विशे० ५४७; स्रोव० ठा० ४, ३, नाया०१; ६; ६;६, १२; सूय०१, ४, १, २, दस० = २१, पन्न० ३६; (२) युक्ति a scheme, a plan. स्॰ प॰ १; -- इक्ताय. पुं॰ (- श्रध्यायक) પાતાના અને પારકા હિતના ઉપાય ાર્ચેતવ-नार त्रापने त्रीर दुसरे के हितका उपाय सोचने वाला one who reflects upon the means of securing his own well-being as well as that of others विशे॰ ३१६६, **—पद्वज्जा** स्त्री० (-प्रवज्या) गुइनी सेवा **इरी हीक्षा क्षेत्री ते गुरुकी सेवा कर दीचा** takıng of Diksā after

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी ५८ने।८ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

rendering service to a preceptor. 30-3, 3;

उवाय-अ. पुं॰ (भवपात) आशार्यनी निर्देश-आहाा. श्राचार्यकी चाज्ञा. The order of a preceptor. म्य॰ १, १४, १; (२) भाडा. महा; गहा. a pit; a ditch. श्राया॰ २, १, ४, २७; जीवा॰ ३, ३; पग्द॰ १, १;

उचायण. न॰ (उपायन) भेट. भेट; पारि-तोपक. A gift; a present. सु॰च॰=, ४६; (२) यायना करनी; भागणी करती. मांगना; याचना करना.praying for; asking for; solicitation. विरो॰ १=७=; उचायमाण. ति॰ (उपायमान) पुत्र आदिनी यायना करती न्ती-ती-तुं. पुत्र या पुत्रीकी याचना करता हुत्रा वा करती हुई Praying for, begging for a son or a daughter.

उचालंभ. पुं॰ (उपालम्ब = उपःलन्भनमुगा-लम्भ.) ६५६। आपने। ते; ओक्ष भा. उपका देना; उलाहना. A rebuke; a reproach, a reprimand. पि॰ नि॰ भा॰ ४५, विशे॰ २४८; ठा॰ ४, ३;

नाया॰ २: १७.

उवास. पुं॰ (श्रवकाश) अपश्वाश; आश्वाश श्रवकाश; श्राकाश, राली जगह Vacant space; sky. भग॰ १, ६; वव॰ ७, १८; (२) अपश्य, निवास स्थान. व प्राथ्य; जैन माधुश्रोंका टहरनेका स्थान. a Jain monastery निसी॰ १७,२०; — अंतर. न॰ (-श्रन्तर) धनवा तनवा वगरेनी वश्येनु आश्वाश, आंतरारूप आश्वाश घन वात विलय श्रोर तनवात विलयके वीच का स्थाना. intervening void space. एएसुणं सत्तसु उवासंतरेसु सत्ततणुवाया पह्हिया "ठा० ७, २, ४; निसी० ६, १२; वव० ६, १; पन्न० १४; सीवा०३, १; भग०

9, ६; १, २, १०; ६, १; १२, ४; १३, ४; २०, २;

उवासश्च-य. ति० (उपामक = उपामते सेवन्ते माभ्निरयुपामका.) ७५१सना ८२ना२; सेव३. उपामना करनेवाला; मेवा करने वाला; मेवक. (One) who worships or sorves or waits upon. निशा० =, १२: पि० नि० १४=; ४६४;

उचासगः पुं॰ (उपामक = उपासने सेवन्ते

साध्नित्युपामकाः) साधुनी अपासना धरनारः श्रावक, साधुकी उपासना करनेवाला; श्रावक, One who renders service to an ascetic; a Jaina-layman. उवा॰ १, ७०; २, १२३; उस०३१, ११; सम०११; (૨) ધમ^દ સાંભળવાની અભિલાપાવાળા. धर्मेषिदेश गुननेकी इच्छा वाला. 0110 desirous of learning religious truths from a Guru भग॰ ४, ४; - पंडिमाः ग्री॰ (-प्रतिमा = उपासका-आवकास्तेषां प्रतिमाः प्रतिज्ञा स्रभिप्रद्वविशेषाः उपासक प्रातिमाः) उपासक्रती-श्रावक्षती ११ पश्चिमाः श्रावकरी ग्यारह प्रतिमाएं. the 11 vows of a Jaina-layman. पंचा १०; १; द्याव० ४, ७; नाया० ४; दसा० ६,१; २; उवासगद्साः स्रं (उपासकद्शा = उपा-श्रावकास्तद्गताणुवतादिक्रियाकलाप-प्रतिवद्धा दशा श्रध्ययनानि उपासकदशाः) ઉપાસક શ્રાવકના અધિકારના દશ અધ્યયન જેમાં છે એવા સાતમા અંગસત્રનું નામ: ઉपासक्ष्या सूत्र. उपासक-श्रावक के व्यधि-कारके जिसमें दश श्रध्याय हैं उस सातवें श्रंगरूपका नाम; उपासगदशा सृत्र. Name of the 7th Anga Sutra dealing with the duties of a Jaina layman in 10 chapters. उवा०१०,२१५; त्र्राणुजो० ४२; नंदी० ४४; ५१; सम०१; ७;

उवासिया. स्री० (उपासिका) सिद्धांत सांभ-णवानी धंन्छावाली स्त्री, श्राविधा सिद्धान्त सुनने की इच्छ, रखने वाली स्त्री, श्राविका A woman desirous of learning religious truths from a preceptor; a Jaina-laywoman. भग० १, ४; १४, १,

उचाहरण पुं॰ (उपानह्) भगरणुं; भासधुं. जूता. A shoe; a pair of shoes. ''झत्तो वाहरण संजुत्ते, धाउरस्तवत्थ पारीहिए'' भग॰ २, १; भ्राणुत्त॰ ३, १,

डचाहि. पु॰ (डपाधि) ઉપाधि, विशेषणु डपाधि, खिताब; विषेशण; पदवी. Worldly fetters: attachment to worldly objects; a title; an epithet. श्राया॰ १, ३, १, १०६,

उविकस्रश्च. त्रि॰ (उपेचक) ६ पेक्षा ४२ना२; भे६२४१२ उपेचा करने वाला. Neglectful, indifferent. गच्छा० २८;

उचिक्ला क्री॰ (उपेक्षा) ६ भेक्षा. उपेचा Neglect, indifference, contempt पंचा॰ १८, ३४:

उविच्च. श्र॰ (उपत्य) प्राप्त ५रीने, भेणवीने. प्राप्त करके; पा करके Having got or obtained. उत्त े १३, ३१,

उचीला स्री॰ (श्रवपीडा = श्रवपीडनं परेषा भित्यवपीडा) परने पीडा ઉपभ्यवपी ते. दूसरे का दुःख देना. Giving pain or trouble to others विवा॰ ६; पग्रह॰ १, ३;

उवेद्र त्रि॰ (उपेत) युक्तः संयुक्तः, सहित संयुक्तः महितः साथ. Accompanied with, joined with; possessed of "पत्त पुष्क फलावेप्" उत्त॰ ६, ६, उवेहालियः पुं॰ (*) अनंत क्षाय पिशेषः; कंद भूक्षनी ओक्ष जात कंद मूल की एक जातिः; अनंत कायरूप वनस्पति विशेषः A kind of bulbous root.भग॰२३,३;

उवेहिम्र त्रि॰ (उपेन्ति) ६पेक्षा ६रेस. उपेन्ना किया हुम्रा; जिसकी पर्नाह नहीं की वह. Neglected. सु॰ च॰ ४, १००;

*उच्चिक्किं श्र॰ (उद्गोर्य) भागाशीने उगार करके Having reduced to a semifluid condition by masticating etc. यु॰ च॰ ६, ५४;

उच्चट्ट. पु॰ (उद्वर्ष) नारशी अने हेवतानी लाव पुरे। करी जीछ शितमां अपुं ते. नारकी श्रीर देव भव को प्रा करके दूसरी गति में जाना. Passing into another state of existence after completing one's term of existence as a celestial or hell being. विशेष हर करना, (२) पीठीवडे चीकाश हर करनी ते; ઉपटाणुं करवु ते पिठा के हारा चिकनाहट दूर करना, जबटन करना. 1 ubbing the body with perfumes; 1 emoving oiliness by kneading with a fragrant substance विशेष २६६४,

√ उचट्टगा न० (उद्वर्त्तन) क्ष्मेनी ढुंधी-रिथतिने अध्यवसायिवशेषथी बांणी करवी ते कमं की श्रल्प स्थिति को श्रध्यवसायाविशेष से दीर्घ काल की करना. Lengthening the duration of Karmas by meditation विशे० २५१४; (२) छबटी ॐवाडीओ भईन करवुं ते उत्तटे ठऍ की श्रोर

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। ८ (१). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

ग मर्दन करना. act of massaging or rubbing (anything) against the grain. दम० ३, ४; उचा० १, २६; १०, २०७; गच्छा० ११३, (३) ५६% हे२५ ते. करवट बदलना. turning from one side to another (in a lying posture). स्थान० ४, ४;

उच्चट्टणा. स्रां० (उद्वर्तना) देवता अने નાગ્કી ના ભવ પુરા કરી ળહાર નીકલવું તે देव श्रीर नारकी के भवकी परा कर बाहर निक-लना Coming out, emerging after completing one's term of existence as a heavenly or hellish being अव० ११३६; (२) ઉગटाया, भर्मन विशेष उवटनाः मलनाः मालिश करना. anomting; smearing; rubbing नाया॰ १३; विवा॰ १, भग० ११, १, १६, ३; २१, १, ३५, २; -- आलिगा स्त्री॰ (- प्रावितका) धर्मनी ટંકા સ્થિતિની લાંબી સ્થિતિ કરવી તે ઉદ્વર્તના તેની આવલિકા–સમયવિશેષ. कमें की छोटी प्रकृति की लंबी स्थिति करना, उद्वर्तना-उसकी ब्यावलिका-समय विशेष the particular moment of prolonging the duration Karına 3. 9. 2. 3.

उच्चह्रणावयः त्रि॰ (उद्वर्त्तनाकारक)
भीक्षे अग्रानार उवटना. उवटन कराने वाला.
(One) who gets smeared or
rubbed the body with a kind of
fragrant unguent. निर्मा॰ ६, २४;
उच्चह्रावेयच्च त्रि॰ (उद्धर्तितच्य) नरकारिक
का भवपूर्ण करके निकलना Finishing

one's term of life in hell etc.

and taking another birth. भग॰ १३, १;

उच्चिष्टिता. मं॰ क्ट॰ श्र॰ (उद्घन्य) नरहाहि-भाषी कहार निहन्नीने; नरहाहि अन भुरे। हरीने नरकादि में में बाहिर निकल कर; नरकादि भव पुरा करके. Having finished one's term of life in hell etc. i. e. having come out of it भग• १४, ९;

उच्चिष्टिय त्रि॰ (उद्घार्तत) नरह आहिने। भय भुरे। इरा भ्दार नीहलेख, नरकादि गतिसम्बन्धी भव प्रा करके चाहिर निकला हुआ.
(One) who has come out of hell etc. after finishing the term of life there. "श्राडक्खण्ण उच्चीहवा समाणा" प्रव॰ ११०३, पग्ह॰ १, १; ३; क॰ प॰ २, २६; (२) ७ १८१९ं ६२४; भीडी बोलेख उच्चन किया हुआ पीठा चिपटा हुआ. rubbed with a perfumed substance; kneaded with a perfumed substance. (३) भन्म थेखे. पदच्युन; पदम्रष्ट deposed; dethroned, degraded. पि॰नि॰ ४२०;

उच्चण भोग पुं॰ (उत्त्वण भोग) ६८४८ भाग उक्तरभाग. Keen enjoyment. पंचा॰ २. ३:

उच्चत्तः पुं॰ (उद्वर्त्त) रागी गिलान हे संधारा हरनार साधुनी वेपावन्त्र हरनार नियांभह साधुनी क्षेडवर्ग हे को रागीन जिद्वर्त्तना-पासुं हेरवर्तुं वगेरे रूपे शुश्रुपा हरे. रागी, ग्लान या संधारा करने वाले मांधु की वेयावच करने वाला निर्यामक साधु का एक वर्ग, जो रोगी को उद्वर्तना-करवट लिवाना मालिश करना ध्यादि शुश्रुपा करता है A class of ascetics who

attend upon and render ser vices to other Sādhus who are sick, troubled etc. or who are performing Santhārā; e. g. by helping a sick Sādhu to turn oevr from one side to another. 930 535,

उद्योरियः त्रि॰ (उर्वरित) आह्यारेने। ओह देप, ब्राहार का एक दोप. A fault connected with food. पं॰ नि॰ २२७; पचा॰ १३, ८, (२) शुट्टुं हादेश. जुटा किया हुआ. set apart; separated. पचा॰ १३, ८,

उच्चलरा न॰ (उद्गलन) ६ सटी ३ वाडीथे भर्टन ४२५; भर्टन ४री भस ६ तारवुं.
उलटे ६ एँ की थोर से मर्दन करना Rubbing a perfumed unguent
on the body against the grain;
rubbing and cleaning the
body with perfumes etc. थे। वन् ३१, नाया॰ १३. क॰ प॰ २, ४६,
कप्प॰ ४,६१,

उच्चलगा स्रो॰ (- उद्दलना=उद्दर्शन) अभे-सर्युं. खानना Act of unfolding or unwinding ऋ॰ प॰ २, ६१,

उिच्यम त्रि॰ (डाह्रेग्न) ६६ वेग पामेक्ष, भशान थपेक्ष यशात, उद्देगयुक्त. Vexed, troubled; agitated "जम्म मच्चु भडाविग्गा दुक्खस्संत्रगेतिगो" ज॰ प॰ ३ ४८, श्रोव॰ २१, नाया॰ १, ३, ४, ६; १६, १७; पगह॰ १, १, जीवा॰ ३, १; भग॰ ३, १; ६, ३३; १२, १: १८, २; पत्र॰ २, नाया॰ य॰ गु॰ च॰ १, २२६; उत्त॰ १४, ४२, —मगा त्रि॰ (मनस्) उद्देश- ४५० भनवाली उद्देगयुक्त मन वाला वितित

मन बाला. troubled or agitated in mind. नाया॰ १७,

उच्चिद्ध. त्रि॰ (उद्धिध्ध) ७५ं. उंडा, गहरा. Deep. श्रोव॰ नागा॰ १; तं॰ प॰ १, ११५, (२) ७२००, ७५ं. ऊंचा. lofty, raised; high. सम॰ प॰ २३६: गग॰ ६, ३३; पएह॰ १, ४;

उदिवह. पुं॰ (उद्घिष) भाशाक्षाता भुण्य श्रायक्ष्मं ताम गोशाला के मुख्य श्रवक का नाम. Name of the principal layman of Gosala. भग॰ ८, ५; उदिवहियः त्रि॰ (उद्घिद) ६ थे ११४. ऊंचा फंका हुआ Thrown up; tossed up

भग॰ ५, ६,
उच्चीढ. ति॰ (उद्धिढ) उन्धुं लाल् इंदेशु.
ऊंचा फॅका हुआ Thrown up. tossed
up; shot up. भग॰ १८, ३,
उच्चीलश्र—य पुं॰ (अपबीडक=लज्जगा
प्रतिचारान् गोपायन्तसुपटेशाविशेपेरप
बीडपति—विगतलज्जंकरोतीति अपबीडकः)
आक्षीयल्ना क्षेनारने क्षळ्ला थनी है। य ते
सभज्जती हर हरनार यालोचना करनेत्राले
को यद लज्जा लगना हो तो गमगाकर उमे
दर करनेवाला One who reasons
with and removes the souse
of shame felt by n person
confessing his sins भग॰ २५, ७,
ठा॰ ८, ३;

उट्वीलेमाण ति॰ (अवगीडयन्) भीऽते।.

पीडादेता हुआ Troubling, afflicting "पथ कोट्टोहिय उवीलेमाणे २ विहिसे
माण २ विहरह" ठा० = विवा० १,

उच्चुज्समाण ति॰ (उपोद्यमान) पाटीया उपर भेसी तरते। पटिये पर चेठकर तिरता हुया. Swimming upon a wooden board "ततेण ग्रह उच्चुज्समाणे स्यण दांवं नेरीं मंबुहे" नावां है;

उद्येत्रमाह. पुं॰ (उद्देगप्रह) उद्देश उत्पन्न थाप केदी रेश जिसमें उद्देश उत्पन्न हो ऐसा रोग. A disease or an ailment giving rise to auxiety and alarm. जांग॰ ३, ३;

उच्चेग. पुं॰ (इडेग) ६ देवः; भेड. इडेगः लेडः विता. Mental affliction; mental agitation. मग॰ ३, ३:ठा॰ ३; उच्चेयः पुं॰ (इडेग) व्याहुशताः हिंशः व्याकृतताः विन्ताः ववडाह्दः इडेगः. Agitation; perturbation; mental distress नाया॰ ५;

उच्चेयगञ्च. ति॰ (उद्वेजनक) ३६२ ६२५१२. च्हेग करने दाला. Causing distress or misery: giving rise to pain and sorrow. पगद्द १, १:

उन्नेयगकरि. त्रि॰ (स्ट्रेजनकरिन्) इदेश ६२५७. स्ट्रेग करने बाना. (One) becoming angry; (one) causing distress or pain of mind. भग॰ ६, ३३:

उच्चेयग्ग. ति॰ (उद्वेजनक) १८००। "उच्चे-यग्ध्र " शक्ट. देखों " उच्चेयग्ध्र " शब्द. Vide " उच्चेयग्ध्र. " मग॰ ६, ३३: एगह० १, १;

उन्देयिगिय. दि॰ (इहेनक) हिदेशहारी. इहेंग करने वाला. Distressing; painful; full of misery. 'श्वमुईए द्य्वेयिगयाण सीमाण गन्भव महीण वासि यह्वं सविस्मह " ठा॰ ३, ३;

उच्चेह. ५० (टहेच) જમीतमां इंडाइ, इंडाइ याई, महराई, इंडाई, Depth. मन० २, =: १४, १: सयक १४४; जीता० ३, ४; जैक पर १, १२: २, १४४; अगुजीर १३४; ठाकर, ३;

उच्चहिल्या. मां॰ (=) श्रेक्ष व्यवसी वनस्पति. उच्चेहणिया नामक एक वनस्पति. A kind of vegetable growth. स्टब्द २.३.१६:

उपनम्, पुं॰ (श्रवसक्ष) संयभ्धी थ हेद. संय-मन पद्म हुद्या. Fatigued, exhausted on account of ascetic practices: tired of ascetic penance. निर्मा ४, ३४; ३६:

उसतम्, य॰ (=) भ्देष्टे भागे; प्राथे. बहुया; प्रायः: Mostly; to a great extent. एस॰ =, भग॰ ७, ६; स्रोद॰ २०: वद॰ १, ३४;

उमराहसागिएश्रा शि॰ (दन्ह्च्एस्ट्रिका)
कनना व्यद्धीर परभाख नेशाधवाधी
भनेदा न्द्रान भी न्द्राना रहंधनी संगा; उध्यरेष्ट्राने ६० में भाग श्रानंत व्यवहारिक परपागुओं के एकवित होनेंग बने हुए होटेमें
होटो स्वेचकी संज्ञा A name given
to the smallest molecule made
up of innumerable atoms;
1,64th part of an Urdhwa
Renu. मा॰ ६, ७;

उसगदसगि्हग्रा श्री॰ (टन्स्ट्रच्यस्टारीका) बुक्षे ७५वे: २०५. देखो टपरका शब्द Vide above, त्रसुको० १३४;

उसन्तः हि॰ (टन्सक्र) ३५२ श्रांबेश. उपर बांधा हुन्ना. Bound or attached to the top. क्रांब॰ पत्त॰ २; राय०५६: उसन्नः ४० (*) श्रद्धता; आये.

^{*} लुन्ने। ५४ नम्भर १४ नी पुरने। (=). देखी पूर नस्वर १४ की फुरनोट (=). Vide foot-note (*) p. 15th.

वहुलता, श्राविकता, प्रचुरता. Mostly; to a great extent. ठा॰ ४, १, — तस्सपाण्घाति त्रि॰ (- त्रसप्राण्घाति त्रि॰ (- त्रसप्राण्घाति त्रि॰ (- त्रसप्राण्घाति त्रि॰ (- त्रसप्राण्घाति त्रि॰ प्राणिकी धातने। इरनार. श्राविकतर त्रम प्राणीकी धात करने वाला mostly destroying or killing mobile living beings दसा॰ ६, १; — संभारकड त्रि॰ (- सम्भारकत) प्राथे इनेना लारथी प्रेरायेक्ष, लारे इमीप्णाथी प्रेरायेक्ष प्रायः कर्मके भार से दवा हुआ; कर्म के भार से प्रारा mostly urged by a heavy load of Kaima दसा॰ ६, १,

उसम पु॰ (वृषम) शाश्वती ओई जिन अतिभानु नाभ शाश्वत-निरंतर रहने वाली एक जिन प्रतिमा का नाम A permanent idol of a Tirthankara. जीवा॰ ३, ४; कष्प॰ ३, ४४;

उसभ पु॰ (ऋषम--ऋपीत गच्छुति परमपद-मिति ऋषभः) प्रथम तीर्थं ५२; ऋष्शंदेव स्याभी पहले तीर्थंकर श्री ऋषभदेव स्वामी The first Tirthankara; Risabhadeva Swāmī श्राव॰ २, ४; भग० २०, ८, सम० २३, २४, ज० प० ५, ११४, श्रगुजी । ११६, पचा॰ १६, ८, सम॰ प॰ २३४ (२) त्रि॰ ઉत्तभः, श्रेष्ठ उत्तम, सर्व श्रेष्ठ highest, excellent ठा०४,२, (३) पु० પન્કરમા કુલગરનુ નામ पद्रहर्वे कुलकर-नेताका नाम name of the 15th Kulagara ı e a great leader of men ज॰ प॰ (४) लणह, भेंस वैत्त. an ox भग० ११, ११, १६, इ. श्रु लुजो० ४७; स्रोव० जं० प० राय० ४३, नाया० १; (૫) અગીયારમા ભારમા દેવલાકના ઇંદ્રનુ थिन्द. ग्यारहवे, बारहवे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह. the emblem of the In-Vol 11/39.

dra of the 11 th and 12 th Devalokas स्रोव॰ २६: (६) वणहना चित्र वा<u>क्ष</u> वस्त्र अथवा आक्षरण ऐसा वस्त्र या आभरण जिस पर वैल का चित्र हो त cloth or an ornament bearing a picture of an ox जीवा॰ ३, ३; (७) थाभडाने। पाटे। चमडेका पट्टा ก leathern belt ज॰ प॰ सम॰ प॰ २२६, पञ्च० २३, —श्रासण्, न० पु॰ वल के आकार का आसन. an ox-shaped seat जीवा॰ ३, —कंठ (-कराठ) એક જાતનુ રતન. एक प्रकार का रत्न. a kind of gem. राय॰ १२१; —कंठग पु॰ (-कराठक) ओंध कातनु रत एक जात का रत्न a kind of gem ''उसभकंठगण्**श्र**हसम '' जीवा० ३, ४, — कूड पुं॰ (-कूट) એક પર્યતનું નામ एक पर्वत का नाम. name of a mountain જં•૫•૧,૧७, ૬, ૧૨૫, (૨) સિન્ધુ-કુષ્કની પૂર્વે ગગાકુષ્કની પશ્ચિમે નીલવન્ત પર્વ તના દક્ષિણ કાંડે ઉત્તરાહ્લ[ે] કચ્છવિજયમા-ના આડ યાજનના ઊંચા એક ક્ર્ટ-શિખર सिन्धुकुंड के पूर्व की स्रोर गगा कुंड़ की पश्चिम दिशा में नीलवंत पर्वत के दित्तण कि नोरे पर उत्तराई कच्छविजय मे का घ्राठ योजन ऊचा एक शिखर. name of a lofty peak eight Yojanas in height in the northern half of Kachehha Vijaya, to the south of Nilavanta mountain, to the west of Gangā Kunda and to the east of Sindhu Kunda ज॰प॰ १, १७, --नाराय पुं॰ (-नाराच) **लु**ग्रे। " उसभनारायसंघयण '' शम्र्ट देखो ''उसभनारायसंघयण '' शब्द. vide '' उ-

सभनारायसंघयण " भग० २४, १; ठा० ६, १; -नारायसंघयणः न० (-नाराचसंह-नन) જેમા હાડકાના સાંધા પાટા જેવા પદાર્થથી વિંટાયેલ અને મર્કટ વ્યંધથી ળ ધાયેલ હાય તે સંઘયાન, છ સંઘ-यश्मानं भीलं भंधयश जिस मे शरीर की हदियों के जोड़ पट्टेक समान वस्तु से लिपटे हुए थ्रोर मर्कट वंधन से वंधे हुए हों वह संहनन; छह संहनना में से दूसरा संहनन. a physical constitution which the bones are wrapped round by sinews as haid as stone and fastened together tightly by Marakata Bandha; the 2nd of the six kinds of Sanghayana (physical struc ture). जांबा॰ १; -एंचि. ख्री॰ (-पंक्ति) भगहोनी पंक्ति. वैलोकी पंक्ति a series or line of oxen. भग॰ १६, ६; —ललियविक्रन्त. त्रि॰ पाणा. वंत के समान सुंदर गति वाला. possessed of a gait beautiful like that of an ox. राय॰ ६२; —संठिय त्रि॰ (-संस्थित) अणहना आधारतु वैल के याकारका ox-shaped. भग॰ ६, २; उसमद्त्त. पुं॰ (ऋपभदत्त) अधिलहत्तनाभे એક બ્રાહ્મણ ક જેના ધરમાં મહાવીર २वाभी प्रथम आव्या दता. ऋषभदत्त नामक एक बाह्यण कि जिसके घर महाबीर स्वामी प्रथम गंग थे Name of a Biāhmana to whose Mahāvīra Swāmī had visited first. भग॰ ६. ३३; कष्प॰ १, २; (२) ઉસુયાર નગર નિવાસી એક ગાथापीत. उमुग्रार नगर निवासी एक गायापनि. a merchant-prince of

Usuyārnagara. " उसुयारण्यरे उसभद्ते गाहावइ " विवा॰ ४;

उसभपुर. न॰ (ऋषभपुर) व्ये नाभनुं नगर डे क्रेमां तिष्यग्रेप्त नाभे व्येड निन्द्व थया. एक नगरका नाम जिसमें तिष्यग्रेप्त नामक एक निन्हव हुए थे. Name of a town which was the native place of a Ninhava named Tisyagupta. ठा॰ ७, १; विवा॰ २;

उसमसेगा. पृं० (ऋपमसेन) ऋपसहैय-સ્વામીના ચાેરાસી હજ્તર સાધુઓમાના भुभ्य साधु ऋषभदेवस्वामीके चौरासी हजार साधुयों में के मुख्य साधु The chief of the 84 thousand Sādhus of Rīsabhadeva Swāmī. सम॰ प॰ २३३: जं० प० कप्प० ७, २१३; (२) ૨૦મા તીર્થ કરતે પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ગૃહસ્થ वास वें ताथकर को प्रथम भिन्ना देनेवाला गृहस्य name of a householder who first of all gave alms to the 20th Tirthankara. सम॰ प॰ २३३: उसमा. स्रा॰ (ऋपभा) शाश्वती यार प्रति-માંઓ પૈકી પહેલી પ્રતિમાનું નામ શાક્ષતી चार प्रतिमात्रा में की पहली प्रतिमा का नाम. Name of the first of the four permanent Pratimās. राय॰ १५४; —लांद्ध ब्रो॰ (-लांच्य) ⁸थासनी भाषि दशासकी प्राप्ति, the attainment of (the power of) inhaling air. क॰ गं॰ १, ४४;

उसह. पुं॰ (ऋषम = ऋषति गच्छति परम-पद्मिति ऋषमः) आहि तीर्थं ५२: भहें आ तीर्थं ५२नुं नाम. पहले तीर्थं करका नाम. Name of the first Tirthankara. जं॰ प॰ नंदीं ॰ ४३; प्रन॰ ४; उसह- पुं॰ (कृषम) भक्षह. वेल. An ox; a bull नाया॰ =;

उसहकूड. पुं॰ (वृषभक्ट) अे नाभने। ओक પર્વાત ગંગાકૃટ અને સિન્ધુકૂટની વચ્ચે युલिभवत पर्वतने दक्षिण तटे છે. इस नाम का एक पर्वत गगाकृट और भिधु कृटके वीच में श्रोर चूल हिमवत पर्वतके दाचिए। की श्रोर है. Name of a mountain between Gangākūta and Sindhukūta, to the south of Chula Himavanta mountain, so yo उसहसेगा. पुं॰ (ऋपभसंन) लुओ। " उमभ सेंग " शण्ह, देखो " उसभ-सेंग " शब्द Vide " उसभसेण " प्रव० स्री॰ (उपा-भ्रवश्याय) है। ३, आक्षण श्रोस Fog, dew (२) प्रसान प्रात:काल. dawn. " तेज: परिहामिरुपा. भानोरच्छोद्यं यावत् '' जीवा० १.

उसिए. पुं॰ न॰ (उप्ण-उपित दहित जन्तूनिल्युप्णम्) ७०० २५र्श. ७०० ता गर्मा, उष्ण
स्पर्श Hent, hot touch (२) ति॰
७ नु. गरभ गर्म hot आया०१, १६, ३३, पन्न॰ १; ३५; भग० २, २, ५, ६,६;७,८,१०,
१ १८, ६; २०, ६, दस० ६, ६३, पि॰
ति॰ ४५२; जीवा॰ ३, १, उत्त॰ २, ८; ठा॰
४, ४: नाया॰ १६ प्रव॰ ३१, (३) पु॰
७०० ५। ता इब्देश परमी की मौसम sum
mer, hot season प्रव॰ ८०५

— उद्ग न० (- उदक) उनुपाणी; गरम पाणी गर्म पाना उप्ण जल hot water " उसिणोदगंत तफासुय पाडिगाहेज संजए" दश० ८, ६, प्रव० ८८; पन्न० १, वेय० २, ५, पि० नि० भा० १८; नाया० १६: — उद्गविश्व. अ० (- उदकविश्वत) विश्त-अयेत थयेस उनुं पाणी आचित पानी, जीवजतु रहित उष्ण जल hot water rendered lifeless निसी॰

१, ७; दसा॰ ६, ४; —उसिगा त्रि॰ (- उप्ण) ७५७नं गर्म, उप्ण, ताजा. hot निसी० १७, २९; — जोिगिय पु० (-योनिक-उप्णमव योनिर्वेपान्ते उप्रायोगिकाः) ওিভা থানিবাধ। গুব ভদ্যা ग्रोनिवाला जीव a living being (female) with hot generative organ or womb. भग० ७, ३, —तेयलेस्सा श्रा॰ (-तेजो-न्नेश्या) ७०० तेले क्षेत्रमः गरभ अग्तिरूप લેસ્યા–તપના પ્રભાવથી ઉત્પન્ન થયેલ એક લબ્ધિક જેથી ગીજાને ખાલી શકે तेजो लेश्याः अप्रिकं समान लेश्याः तप के प्रभाव से उत्पन्न होनेवाली एक लब्बि जो दूसरे को जला सके hot and bright Leśyā, a spiritual attainment (by which a person can burn another to ashes) got by austerity. भग॰ १५, १. -परिसह. पुं (-परिपह) ताप-गरभीना परिसद गर्मी का परीषह, उष्णता सहन करने रूप तप bearing affliction caused by heat मम० २२, उत्त० २, व, भग० व, =. —फास पुं० (-स्पर्श) ઉખ્श २५श[°] ગરમી, આઠ સ્પર્શમાના એક गर्मा, श्राठ प्रकार के स्पर्शों में सं एक स्पर्श. heat. hot touch, one of the 8 kinds of touch क॰ ग॰ १ ४४; -भोयण-जात्र न॰ (-भोजनजात) उना भेाक्ननी कात-प्रधार गर्भ भोजन उष्ण भोजन का एक जाति a variety of food serv ed hot. वेय० ४, १२, - विकट न० (-विकट) ઉકાલેલું ઉનુ પાણી; ઉનુ અચित्त पाली. उकाला हुन्ना गरम जलः ग्राचित्त जल boiled water, life-उसिग्भूय त्रि॰ (उष्णभूत)

गर्गः; उप्णः Become hot; made hot. "उसिर्णे उसिर्णभूए यावि होत्या" भग• ३, २;

उसिय. त्रि॰ (उपित) निवास धरेव; रहेव. निवासित; रहा हुआ; निवास किया हुआ. Dwelt; inhabited. आया॰ १, ६, ३, १८७;

उसीर. पुं॰ (उशीर) वाला; ओड सुगंधि ६०५; वीरुक्षुना भूझ. खस; एक मुगंधित द्रव्य, खस की जड. The fragrant root of the plant Andropogon Muricatus. राय॰ १६; जीवा॰ ३, ४; परह॰ २, १; स्य॰ १, ४, २ ८; —पुड पुं॰ (-पुट) वासानी। भडेा. खस का पुडा. a bundle of roots of a fragrant plant named Andropogon Muricatus. नाया॰ १७;

उसु. पुं॰ (इपु) पाणः तीरः अभर्ः वाणः तीरः An arrow. "श्रहेणं से उसू" भग॰ १, मः, ४, ६; ७, ६; १=; १; १=, ३; जं॰ प॰ ४, ४४; श्रंत॰ ४, १; राय॰ २४७; विशे॰ ३१४१; म्य॰ १, ४, १, =;

उसुकारिज्ञ न॰ (इपुकारीय) उत्तराध्ययन ना श्रीहमा अध्ययनतु नाम, जेमां धपुडार राज्य डमझावती राष्ट्री लगु पुरेदित अने तेनी श्री तथा पुत्रानी अधिडार छे. उत्तरा ध्ययन के चौदहवें अध्याय का नाम जिसे में इपुनार राजा, कमलावती रानी, मगु पुरोहित श्रीर उसकी स्त्री तथा पुत्रों का वर्णन है. Name of the 14th chapter of Uttaradhyayana dealing with the king Işukāra, the queen Kamalāvatī, the preceptor Bhagu etc. श्रायुनो॰ १३१;

उसुगार. पुं॰ (इपुकार) धातशे णंडमां दक्षिण अने उत्तर दिशाने। विलाग श्रनार अंश पर्यत. धातकी खंडमें दिल्ला और उत्तर दिशा का विमाग करनेवाला एक पर्वत. Nama of a mountain in Dhātakī Khaṇda, situated between and separating the north and the south. ठा० २. ३; उसुआ पुं॰ (इपुक) व्याण के आकार का बालक का एक गहना A kind of ornament for a child. "उसुपाइप्हें मंडोंहें नावणं अहवणं विभूसेभि " पि॰ नि॰ ४२३;

उसुयार पुं॰ (इपुकार) भे नाभनुं ४५६१२ राजनुं नगर. इपुकार राजा के नगर का नाम Name of a town belonging to king Işukāta. विना॰ ३; उत्त॰ १४, १; (२) धेपुशर नगरीनी राजा. इपुकार नगरी के राजा का नाम. the name of the king of Işukāra town. " उसुगारेणं खपरेउसभदते गाहावई" विना॰ १, १; उत्त॰ १४, ३;

उसुयाल. न॰ (+) ઉभस. ऊखल. A. wooden mortar used for cleansing grain from chaff etc निर्सा॰ १३, ४; श्राया॰ २, ४, १ १४=;

उसोचणी स्त्रीं (श्रवस्वापिनी) साम।
माणसने गाढ निडा स्थायी ज्यय तेवी विद्या.
ऐमी विद्या जिसके कारण सामनेवाले मनुष्य
को गाढ निडा श्राजाय. Art of hypnotising. स्य॰ २, २, २७;

उस्स. पुं॰ (चवश्याय) श्रीस; हार; आहण.

^{*} लुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनीट (≠). देखो पृष्ट नम्बर १६ की फुटनोट (+). Vide foot-note (*) p. 15th.

श्रोस. Dew; fog: hoar-frost "श्रप्तहरिष्सु श्रप्पुस्तेसु" वेय०४,१; भग० १४,१; उत्त०३६, म्४; विशे०२४७६; ठा०४,४, उस्सन्त्र पुं० (उद्घ्य) लावनी ઉन्नति. भाव की उन्नति; विचार की उन्नति Sublimity of thought. परह० २, १, उस्सक्तरण. न० (उत्स्वक्तरण स्वयोगप्रवृत्त

कालावधेरू हेर्च पुरतः प्वप्कणमारम्भकरण-मुत्व्वप्कणम्) केने भाटे के डाझ निर्भाष्ट्र डरेस छे तेने इसंधीने ते डार्थ डरवुं ते जिस कार्य के लिये जो समय नियत है उस समय के निकल जाने पर वह कार्य करनाः Doing an action after the time fixed for it has elapsed. पिं॰ नि॰ २८५, (२) इये दुन्तुः ऊचे कूदनाः leaping up; high jump प्रव॰

उस्सग्ग. पुं॰ (उत्सर्ग) अधिस्म अध्याना व्यापार का त्याग. Kāusagga; contemplation upon the soul giving up all thoughts about the body. उत्तर ६. श्रीघ॰ नि॰ ५१, प्रव॰ ७५, (२) भवभूत्र दिने। त्याग मलमृत्रादि का त्याग getting iid of uiine, solid exciements i e. feces etc. पंचा॰ ३, २० पिं॰ नि॰ भा॰ १५, श्रीघ॰ नि॰ भा॰ १५, श्रीघ॰ नि॰ भा॰ ३१, भत्त॰ ४४:

१५७, पंचा० १३, १०:

उस्सिगि वि॰ (उत्पर्धिन) उत्सर्भभार्थ तथा अपवादभार्थने अश्वनार, शास्त्रीय पारीक्ष नियभाने समजनार. उत्सर्ग और अपवाद मार्ग को जाननेवाला; शास्त्रीय सूचम नियमों को समक्षते वाला (One) who has knowledge of general rules and exceptions; (one) who knows the minute rules of Sastras 97, 220;

उस्सग्ण. न॰ (*) णहुसता, धृष्टेलागे; प्राये.

वहुलता; वहुत श्राधिक. प्राय. mostly;

to a great extent. "उस्सग्णमं
साहारा" भग००, ७, "उस्सग्ण लक्खण

संज्या" निसी०३; जीवा०१; भग०७, ६;

१५, १; —दोस. पुं० (-दोप-उत्सन्नमनु

परतं बाहुल्येन प्रवर्तत इत्युरमन्नदोप.)

दि साहिभा धृष्टी प्रवृतिवादी. हिंसादि मे

वहुत प्रशृत्ति रखनेवाला one who is too

much given to the sin of kill
ing etc. भग०२५, ७,

उस्सरहसारिह आ. स्री॰ (उच्छ्लू स्रणश्लिषण-का) अनत व्यवहारि परमाण लेगा थपा थी अनेस २०६नी संज्ञा अनंत व्यवहारी परमाणुओं के एकत्र होनेसे बने हुए स्कंध की संज्ञा Name given to a molecule made up of innumerable atoms, जं॰ प॰ २, १६;

उस्सन्नं (~) लुओ। " उस्सगण " शण्ट. देखो 'उस्सगण' शब्द. Vide "उस्सगण" पग्ह० १, १; सूय० २, २, ६४,

उस्सिप्पिणी स्री॰ (उत्सिप्णी-उत्सर्पन्ति श्रुभाभावा श्रस्याभित्युत्सिप्णी.) यदता छ स्थारा पुरा श्राय तेटली डाझ; हश है।दा है।दी सागरीपम अभाखती यदती डाझ उत्सिप्णी काल; प्रगतिशील स्नुह कालों के समृह का नाम; दश कोडा कोडी सागरीपम वह काल जिसमें सदा उन्नति होती रहती है The æon of increase, the up-

^{*} जुओ। पृष्ठ नभ्भर १५ नी प्रुटनेट (+). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide font-note (*) p 15th.

ward revolution of the wheel of time consisting of six periods (Aras); the era of increase equal to 10 x erore x erore of Sagaropamas. नग॰ ३, १; ४, १; ४, ६; १४, १; २०, ८; उत्तर ३४, ३३; अगुला॰ १९५; १८४; सम० २०: ठा० १, १९२, ४; स्वयन हः पश्चन १२: जें० प० ७, १४०; नदीन १६: ऋष० २, १८: —काल. पुं० (-काल) १श કાડા કાડી સાગરાયમ પ્રમાણ ચડતા કાલ उत्सिपिंगी काल: दश कीजा कीजी सामग्रेषम प्रगतिशाल काल the ora of increase or of apward revolution of the wheel of time equal to 10 x crore x crore of Sagaro pamas जं० प० २, १=; भग० २४,६; —ह्या स्त्री॰ (-ग्रर्धता) **ઉ**रसिपाणीती अभेक्षाच्यः उत्पर्धिकी की ग्रायसायः भग० ११, ११,

उस्सयगुल. न॰ (उच्छ्यांगुल) त्रल् अक्षर ना अश्व पेडी शान्तु छत्सेघांनुदाः केनाथी अशाधनी वस्तुनी सभाध परेम्बाध वमेरेने। भाष थाय अथवा शरीरनी अवभादना भणाय ते अश्वत. तीन प्रकार के श्रंगुलों में में दूसरा उत्मेव श्रगुलः जिसमे श्रानित्यवस्तुश्रों की लंबाई नोटाई वमेरह की नाप होती है श्रधवा शरीर की श्रवमाहना नापी जाती है वह श्रगुल. The 2nd of the three kinds of fingers called Utsedha Angula; small finger in its breadth used to measure the length and breadth of destructible objects, विशेष ३४१: उस्मयण, पुंष (उन्ह्याय) शान: अवंशर गान: वर्गण, श्रहंकार. Pride; conceit. '' बंदिलुस्मयणाणिय '' मयण १, १, १६; उस्मय. पुंष (उन्यय) १६ आहिनी भहेत्स्थ. इंग्र श्रांद का महोत्मय. A festival; e. g. of Indra etc. नायाण १; २; पगहण १, ३; २, ४;

उस्सवसायाः पुं॰ (२उग्सवल) धिनुं ४२वं ते. कंना करनाः Lifting up; raising up. भग॰ १, =;

उम्मिचिया मं॰ फ़॰ छ॰ (विकास्य) विश्वा-सभां पार्टीने विशास में टालकर Having inspired with trust or confidence स्य॰ १, ४, १, ६;

उस्तसगा. न॰ (उच्छ्याम) अधास उमांस. Inhaling of air; breathing in of air. र॰ गं॰ १, ४४;

उस्सिखा न॰ (उच्छात्रसित) उने। श्रास. जना भाग. Inhalation of breath. नदा॰ ३८; श्राव॰ १, ४:

उस्ता. त्ये॰ (श्रवश्याय) आहत. श्रोस. Frost; dew; mist कप्प॰ ६, ४५;

उस्सास पुं॰ (उच्छ्वाम—कर्द्ध प्रवलःश्वास; उच्छ्वामः) प्रमापनाना सातमा पहनु नाम केमां नारडी छप डेटले यभते श्वास ले छे तेना अगानु परिभाष्ट्र आपेल छे. प्रमापना के ० वें पद का नाम, जिसमें " नारकों जीव कितने समय के वाद श्वास लेते हैं " इसका वर्णन है. Name of the 7th Pada of Prajñāpanā in which is given the period of time during which a hell-being takes one

^{*} लुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटने। (). देखो पुष्ट नंबर १५ की फूटने।ट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

breath. पन्न ॰ १. (२) ઉંચાે ધાસ લેવા ते. ऊंचा श्वास लेना inhalation of breath. पन्न० २३; दसा० १०, ७; भग० १, ६; २, १; सम० ३४; जं० प० २, १५; (ર) નામકર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉત્યથી છવ શ્વાસોવ્છ્વાસ લઇ શકે છે. नामकर्म की एक प्रकृति का नाम जिसके कि उदय से जीव श्वासोच्छवास लेते हैं. १ variety of Nāmakarma by the rise of which a soul can inhale and exhale breath. क॰ ग॰ १, २४; ५, ६०; पन्न० २३; — नीसास. पुं० (-निःश्वास) श्वासे।श्वास क्षेत्रा ते, ७२थी નીચે તે નીચેથી ઉંચે શાસ લેવા તે. શ્વાસો-च्छ्वास लेना: ऊपर से नीचे श्रीर नीचे से जगर श्वास लेना respiration. पन ॰ १; च्या पुं∘ (-पद) ७२७्वास प६-अज्ञा• पना सूत्रना सातमां पहनुं नाम. उच्छ्वास पदः प्रज्ञापना सूत्र के सातवें पद का नाम. name of the 7th Pada of Prajnapana Sutra भग॰ १, १; —विस. go (-विष) कीना श्वासमां એર છે એવી જાતિના એક સર્પ. जिसके श्वास में जहर है ऐसी जाति का एक सर्प त serpent with venomous breath पञ्च० १:

उस्तासग. पुं॰ (उच्छृवासक-उच्छ्वसम्ता-ग्युच्छ्वासका॰) श्वासीन्थ्वास क्षेतार. श्वासो-च्छ्वाम त्तंने वाला. One who breathes. नाया॰ १; ठा० २, २:

उस्सासय. पुं॰ (उच्छ्वासक) लुओ। 'उस्सान् मग " शम्ह. देखो " उस्सामग " शहद Vide " उस्सासग " भग॰ ११, १,

उस्सिद्धाः त्रि॰ (उच्छित्त) ઉर्थु १रेस, उथे ६ पाडेसः ऊंचा उठाया हुत्रा Raised up, lifted up विवा २ र राय ०७०, श्रोव ० ११, जं॰ प॰ २, २१; —(ऋो)उद्श्र-य. ति॰ (-उदक) पथेंधुं पाणी; ઉद्यं यहेंस पाणी. वहा हुआ पानी; चहा हुआ पानी. water risen high or increased in volume. " जवेंगणं समुद्दे डास्सियोंदए" भग॰ ६, ६; —ध्या. स्री॰ (-ध्वजा) उथी हरी छे ध्वल लेंग्जे ते (स्त्री) जिसने ध्वजा ऊंची की वह (स्त्री). (a woman) who has raised up a flag or banner विवा॰ २;

उस्सिचणा. श्री॰ (उत्सेचन = ऊद्धंसेचनमुत्से-चनम्) तणावाहिनुं पाणी इसेशी म्हार अद्येतं तत्ताव वगैरह का पानी उत्तीच कर बाहिर निकालना. Taking out or drawing out water from a tank etc. उत्त॰ ३०, ४; भग॰ ३, ३,

उस्सिचितार. त्रि॰ (उत्सेक्तृ) पाण्री उसेयनार पाणा उनीचने वाना. (One) that draws out or takes out water. दसा॰ ६, ४.

उस्सित त्रि॰ (उत्सृत) ६२ ४ १ १ हेचा करा हुन्या. Raised up, lifted up. जीवा॰ ३, ४;

उस्सित्तः न॰ (उत्सिक्त) ઉधु धीयेथुं उचा किया हुन्रा Lifted up. raised up, exalted (२) गर्विष्ट, उद्धत गर्विष्ट; घमेडी; उद्धत. proud; vain. भग॰ ३,३;

उस्तिय. त्रि॰ (उत्सृत) ईसायेस पसरेस. फैलाया हुआ, पमारा हुआ. Spread extended. (२) ઉચું કरेस. उचा किया हुआ lifted up; raised up सम॰ प॰ २१२, राय॰ ६६.

उस्मीस. न॰ (उच्छीर्ष) श्रीशी हुं तिकया A small pillow for the head श्रोघ॰ नि॰ २३२; — मूल न॰ (-मूल) श्रीसी धानुं भुण; श्रीसी धानी नीये तिक येके नीचे का भाग. the under-portion of a pillow for the head. निर्ता० १, ७६; नाया० १;

उस्सुश्र. न• (श्रोत्सुक्य) ઉછांछवापणुं. उत्सुकता; चंचलता. Excessive eagernese of curiosity; busy inquisitiveness श्रोव• १६;

उस्सुक्त. त्रि॰ (उच्छुल्क) ५२ २६त; जगात २६त, नि.ग्रुल्क; कर रहित; विना फीस का; जगात रहित. Free from customs duties, free from taxes. " उस्सुकं वियरह" कप्प॰ ४, १०१; नाया॰ १; ८; १४; १७; विवा॰ ३;

उस्सुग. त्रि॰ (उत्सुक) ઉत्कंदित; उत्साद-युक्ता. उत्कंठित; तीव चाह वाला; उत्साह सहित. Eager; zealous; enthusiastic. श्रोव॰ २६;

उस्सुगत्त. न॰ (उत्सुकत्व) उत्सुक्ष्यणुं; आक्षुत्रता. उत्सुकता; उत्कंटा; तीत्र इच्छा, भाकुत्तता. Eagerness; confusion of mind caused by excessive eagerness. महा॰ प॰ ५;

उस्सुगत्तग्. न० (उत्सुकत्त्व) ઉत्सुक्ष्ता; व्यादुक्षता. उत्सुकता. उत्संठा; तात्र चाहः श्राकुलता. Eagerness; perturbation of mind १ग्ट० २, ३;

उस्सुत्तः न० (उत्सूत्र) भन, वयन, अने धाराओ धरी स्त्रथी विइद्ध आयरेख धर्म ते मन, वचन, श्रीर काया से स्त्र से विरुद्ध श्राचरण करना. Violating the precepts of the Sutras (scriptures) in thought, word and deed. श्राव०१, ४, मग० ७, १; १०, १; प्रव० १२१; पंचा० १४, १८;

उस्सुय. ति॰ (उत्मुक) ઉत्दर्शत; उत्साद-पाले। उत्कंठित; तीत्र इच्छावाला; उत्साह वाला. Eager; zealous; enthusinatic. (२) पुं॰ उत्सुक्त नाभना क्षेत्र क्ष्मार. उत्सुक नामक एक ग्रुमार. name of a Kumāra (a boy) नाया॰ १६;

उस्सुयः न॰ (श्रांत्सुक्य) अत्सुक्ष्य ह्युं उत्सुकता; उत्सुक्षपनाः Eagerness; curiosity: नायाः १; — करः त्रि॰ (-कर) अत्थेश अपल्यनारः उत्कंश पदा करने वालाः Exciting eagerness or curiosity: नायाः १;

उस्सयभूत्र. ति० (उत्सुकीभूत) ७८५-६१-वाणा; व्यातुर यनेक्ष. उत्कंठा वाला; त्यातुर; उत्सुक. Made eager or auxious; eager; made curious. " उस्मुयम्भू-एखं श्रष्पाणेख " त्याया० २, १, ३, १४.

√ उस्सु-याय. ना॰ धा॰ I. (उरसुकं करो-तीति-उत्सुकायते) विषय तरे ६ ६ स्थुडता इर्थी-आतुरता इर्थी विषयों की श्रोर उत्सुकता करना; विषयों में उत्सुक होना. To be full of eagerness for sensual enjoyment.

उत्सुयायंति. भग० ४, ४,

उस्सुयाएज. भग० ५, ४,

उस्सुयमाण भग० ५, ४;

उस्सूलग्र. पुं॰ (*) हुश्भनना अश्वर्शन पाउपा भाटे ढाडेकी छुपी भाउ; એક જાતની भार्छ. खाई; शत्रु की सेना की गिराने के लिये ढाकी हुई खाई. A ditch; a trench; a hidden trench to destroy a hostile army. उत्त॰ ६,१८;

^{*} जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंत्रर १५ की फूटने। (*) Vide toot-note (*) p 15th.

उस्सद्भ. न॰ (उत्स्वेदिम) क्षीटनुं घीवणुः डांगर वगेरेनी क्षीट श्रीसाववामां स्थावे ते क्षीट वाणुं पाणी. श्राटं का घोवन. Water in which rice-flour etc. have been socked. डा॰३,३;श्रीया॰२,९,७,४९; उस्सेयण. न॰ (उत्स्वेदन) श्रीसामण्नु पाणी. मांड; चामल वगैरह सिमाने के वाद निकला हुश्रा पाना. Water taken out after rice etc have been boiled in it निसी॰ १७,३०;

उस्सेह. पुं॰ (उत्सेघ) ઉंथाई; अवगादना, कंचाई; श्रवगाहना Height; measure of height. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ २६३: राय॰ ३६; जं॰ प॰ २, १६, ४, १२२; श्रोव॰ १०; ३८; उत्त॰ ३६, ६३; उवा॰ १, ७६; (२) शिभर शिखर, चोटी summit; peak जीवा॰ ३, ४; —श्रंगुल पुं॰ (-श्रंगुल) ઉत्सेधांगुब; आहेळच मध्य-प्रमाण એક ભરપ; आ अंगुबधी नारडी ति-र्यंय वगेरे सर्व छवाना शरीरनी अवगाह-

ના–ઉંચાઇતું પ્રમાણ ગણવામાં આવ્યું છે. उत्सेघांगुल; नारकी, तिर्यंच वर्गरह जीवा के शरीर की ऊंचाई का प्रमाण निससे किया जाय वह श्रेगुल. a measure equal in breadth to eight barley seeds and used to calculate the height of hell-beings etc. प्रव० ४.५; १४०६; श्रागुजो० १३४; — प्य-मार्ग न० (-प्रमार्ग) शरीराहिनी उथा-धेन अभाश. शरीरादि की ऊंचाई का प्रमागा. height of the body etc. राय०१५४; उस्सेह पुं॰ (उच्छाय) भाद-भेडीनी थिणरः ऊपर की मजिल की चोटी. The top of the upper floor. राय० १०७; उहासण्भिक्खा श्री॰ (श्रवभासण् भिचा) પાતાની ઓલખાણ આપીને ભિક્ષા લેવી તે पहचान देकर ली हुई भिन्ना. Begging alms after introducing oneself i. e. disclosing one's name etc. त्राव० ४, ५;

ड.

ऊष त्रि॰ (ऊन) ઉણું; ओाछुं; न्यून. न्यून; कम; श्रोह्या; उषा. Wanting, lacking; falling short श्रमुजो॰ ६७; श्रोव॰ १६; स्य॰ २, ६, १४. उत्त॰ ३०, २१; नाया॰ ६; पज० २; स्० प॰ १; क॰ गं॰ ३, २२, पंचा॰ ३, २०: जं॰ प० ७, १३४; क॰ प॰ १, १३; —ऊषा. त्रि॰ (-ऊन) ઊણું ઊણું; ઓાછું ઓાછું. कम कम. less and less. क॰ गं॰ ४, १६; ऊषामा त्रि॰ (ऊनक) ઓાછું न्यून; कम. Less; falling short. भग० ७, १; ऊषात्त. न० (ऊनव्व) ओाछा पाणुं. कमी भोद्यापन. State of being less; Vol 11/40.

paucity; defect. पंचा १४, २४. ऊराय त्रि (जनक) लुओ। "ऊराग" शम्ह देखी "ऊराग" शब्द. Vide. 'ऊराग' पि नि ६५०;

ऊणाइरित्तामेच्छांद्सणः न० (ऊनातिरिक्षः मिध्याद्शंन) शरीरना प्रभाख्यी छवने न्हानी अथवा म्हाने भानवे। ते; भिध्यान्दानी अक्षेत्र प्रश्ने आकार परमे जीवको छोटा या वटा मानना; मिध्यात्वका एक भेद. Measuring the size of the soul by the size of the body; a mode of false belief. " ऊणाइरिक्तिमच्छादंसण वासिया चेव " टा॰ २, १.

ऊिण्या त्रि० (* ऊन) न्य्त न्यून; कम Less; falling short; lacking. " वायालीसं वासाइं ऊिण्याए " जं० प० २, १६; २, ३५; २, ४०; भग० ६, ७; २५, ७; कप० १, २;

उरणोयरिया. श्ली॰ (जनोदिरका = जनमुद्र-मुनोदरं तस्य करणं भावे-बुञ्-जनोदिरका) ६भेशना भाराइ इरतां इष्टंड ओछुं भावुं ते; भीतिहरी तथ. राज के प्रमाण से कुछ कम भोजन करना; भूख से कुछ कम खाना. Eating less than one's fill; this is called Unodarī austerity. श्लोव॰ १६; उत्त॰ ३०, ८; भग० २४, ७; प्रव॰ २७१; पंचा॰ १६, २;

ऊरणी. स्त्री॰ (*) गाउर. भेड; गाडर. A female sheep; a ewe; a sheep. श्रखजो॰ १३१;

ऊरणीञ्च. पुं॰(द्योग्णिक) गाउर पासनार; रूपारी गडरिया. A shepherd. त्रणुजो॰ १३९;

गडारया. A shepherd. श्रणुजा॰ १३१; ऊरु. पुं॰ (ऊरु) साथण जांघ. A thigh.

" कखगामया ऊरु " राय॰ १६४;

" वाहामें ऊरु में " स्य॰ २, १,४२; भग॰
५; ४; १६, ६; दश॰ ४; ६; ४६; जं॰ प॰
श्रोव॰ १०; उत्त० १, १८; श्राया॰ १, १,
२, १६; जीवा॰ ३१, ३; निसं।॰ ७, १४;
उवा॰ २, ६४; — ग्रंटा ह्री॰ (–घएटा)
साथण जिपर सटक्रनी धटडी. जांघ के ऊपर लटकने वाली घंटी. १ small bell
hanging upon १ thigh. नाया॰ १८;
— ग्रंटिया. ह्री॰ (घिएटका) साथण जिपर
सटक्री घंटडी. जंघाके ऊपर लटकने वाली
घंटी. १ small bell hanging upon
१ thigh नाया॰ १८;

उत्सः पुं॰ (ऊप) भारी; स्वर्णिभिश्र रेती; भारी भारी. नोन मिली हुई रेती; खार; खारी मिट्टी. Salt earth; sand mixed with salt पत्र॰ १; निसी॰ ४, ४०; दस॰ ५, १, ३३; पि॰ नि॰ भा॰ १३; उत्त॰ २६, ७३; आया॰ २, १, ६, ३३;

उत्सड । त्रि॰ (क्ष्यस्त) अथुं ४रेक्ष. कंचा. किया हुआ. Elevated; made high. जीवा॰ ३, ४; राय॰ १३४;

उत्सढ. ति० (उत्सृष्ट) तले क्षें; नाभी हैवानं. श्रोडा हुआ; फॅक देने योग्य. Abandoned; thrown away; to be thrown away. निसी० =, १६; — पिंड न० (-िष्एड) नाभी हेवानं भिष्ठ-लेलिन. फेक देने योग्य भोजन. food, to be thrown away or cast away. निसी० =, १६;

उसह. ति॰ (उत्पृत) ऋ दि संपद्दा नेगेरेथी हिंगुं. ऋ दि, संपत्ति आदि से वड़ा. Evalted, high by leason of wealth, prosperity. " उसहं नाभि धारण्" दस॰ ४, १, २५; सम॰ ३३; (२) साई रसहार भुगन्धि भीजन पंटी and sweet-smelling food. " रसिय रसियं उसहं उसहं मण्णुण्णं मण्णुण्णं " सम॰ आया०२, १,४, २६; २, ४, २, १३०; दसा॰ ३, १६; (३) ६७२१ने भ्हें। १४८ व्यावेश (छे।ऽवा यगेरे). फलफूल कर जो वटा हो गया वह, (इस्त वगेरह). grown up (plants, crops etc)- धिरा उसहाविय " दस॰ ७, ३५;

ऊसिपऊण्. सं० कृ० श्र॰ (उत्मर्प्य) अ।भ

[&]quot; लुओ। पृष्ठ नम्थर १५ नी पुटनीट (०). देखो प्रष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (०). Vide foot-note (∗) p. 15th.

क्ष्रीने. पा करके, प्राप्त करके Having got or obtained. सु॰ च॰ ५, ६७; ऊसर. न॰ (ऊपर) भारी जभीत नमकीन जमीन Salt land or soil सु॰ च॰ २, २५; भत्त॰ ७३;

उत्सरण न॰ (उत्सरण) ७५२ थऽनुं ऊपर चढना. Rising up, mounting up. 'थागूसरणंतथ्रो समुप्पगण' विशे॰ १२०६;

उत्सव. पु॰ (उत्सव) ७त्सव; भहोत्सव. उत्सव, महोत्सव A festival; a festive occasion. पि॰ नि॰ २२४,

ऊसविय. ति० (उत्पृत) ઉथुं ४रेक्ष ऊंचा किया हुन्ना Elevated; made high नाया० १; ५; भग० ६, ३३; ११, ११; जीवा० ३ ३;

ऊसवियः श्र॰ (उत्सत्य) એક १ ६ १ नि; अया ६ १ नि. एक न कर के, ऊचा कर के. Having collected or gathered or joined together; having raised up. भग॰ १, =;

ऊसस. प्रं॰ (उच्छ्वास) ઉચे। श्वाम ऊदं श्वाम; उच्छ्वास Inhalation of breath भग॰ १, १,

उससिस्र -य न० (उच्छ्यसित) 32। धास क्षेत्रा. जवा श्राम लेना Inhaling of breath विशे०५०१,सु०च०१३,४०, — रोमक्त् क्वा क्षित्र (-रोमक्ष्) केना ३ वाडां ६५६थी उथा था। छे ते उच्छ्यसिन रोमक्ष (जिम के रोम हर्ष रो ऊंचे होते हैं) रोमाज्ञिन होने वाला (one) horripilated with joy कप्प०२, १४,

कसारिय. पुं॰ (उस्सारित) पसारेक्ष; विश्ता-रेक्ष प्रसरित; फैलाया हुआ पमारा हुआ-Spread; extended. नाया॰ १८. भग॰ ६, ३२: ऊसास पु॰ (उच्छ्वास ≈ उत्ऊद्धश्वास उच्छ्-वास.) श्वास ७२१। क्षेत्रा ते ऊचा श्वास लेना; Inhaling of breath जीवा॰ ३, १,जं०प०२,१८, नाया०१,८:१३,१,६, ग्रोव० ३६, भग० २, १; ६, ७; स० च० २, ४१६; (૨) ગાયનનું એક ચરણ ખાલતા જેટલા વખત લાગે તેટલા વખત પ્રમાણના કાળ વિભાગ. गायन का एक चरण वोलाने में जितना समय लगे ऊतने समयका काल a period of time taken up in singing one part of a musical composition. श्रणुजो॰ १२८, —गुस्तिस पु॰ (नि:श्वास = उक्चासेनसह निश्वास) श्वासे २००१ स. श्वामा इवाम, उपर नीचे श्वास लेना respiration भग० ७, १, ज० प० २, १८, —द्धाः स्त्री॰ (- श्रध्वम्) ३२७२।स प्रभाश क्षत्र उच्छवास प्रमाण काल a period of time taken up in singing one part of a musical composition भग०६, ७;

उत्सासग पुं० (उच्छ्वासक = उच्छ्वासितीत्युच्छ्वासक) श्वास क्षेतार श्वास लेनेवाला
One who breathes, भग० ३४, १,
उत्सासनाम न० (उश्वासनाम) नाम
४भीनी ओड प्रशृति डे कोना उद्दर्थी छ।
श्वासेश्वास क्षष्ठ नाम कर्म की एक
प्रकृति कि जिस के उद्यसे जीव श्वामेच्छ्वास
ले सकता है. A variety of Namakarma by the rise of which a
soul gets the power of respi1ation क ग० १, ४४, प्रव० १२७७;

उत्सिय त्रि॰ (उच्छित) अंथु धरेक्ष ऊचा किया हुआ Raised high, litted up. ओव॰ २१, पन्न० १४, जं॰ प॰ ३, ४६॰ ५३; ४७; ७, १६६; भग॰ ३, ४, ११, ११; नाया॰ १, ८, ६: सुय० २, १, ३;

जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३३; प्रव० १४६०, ऊस्तियः त्रि॰ (उत्सृत) शिथुं ५रेक्ष; शिथुं भुदेश. ऊंचा किया हुआ. Raised up; placed high. राय० २२५; जीवा० ३, ४; नाया० ६; ग्रोव० ४०; (२) ઉन्नत उन्नत, ऊंचा उठा हुग्रा. lofty; high. श्रोव० ४०; जं० प० ७, १६२; ७, १६६; — जभया स्त्री॰ (ध्वजा) अंथी **धरे**सी भ्यन्त. जची उठाई हुई ध्वजा. raised up banner or flag विवा ०१, २, नाया ०३; --फालिहः पुं॰ (स्फाटिक-उच्छित्मुनतं स्फटिकमिव स्फटिकं चित्त येषां ते उच्छित-स्फटिका मौनीन्द्रप्रवचनावाष्यापरितृष्टमान सा इत्यर्थः। यद्वा उच्छितोऽर्गलास्थानादपनी-योर्द्धीकृतोतिरश्चीताः कपाटपश्चाद्वागादपनीतः परिघोर्गजायेपां ते उच्छिन परिघाः। श्रथवा उच्छितोगृहद्वारापगत परिघोयेपां ते उच्छि-श्रोदार्यातिशयादतिशयदानदा-यित्वेन भिज्ञुकाणा गृहप्रवेशार्थमनगीलत गृहद्वारा इत्यर्थः) २६८ ३ २८न केव् निर्मल थित्तवासी स्फटिक समान निर्मल चित्तवाला. a person with a mind as pure and transparent as crystal (૨) જેણે ભાગલ ઊંચે ચઢાવી દ્વાર ઉધાડા भुष्या छे ते जियने श्रपने द्वार सदा खुले रखे हैं वह. one who has raised up a door-bolt and opened the doors " असियफिलहे श्रवंगयदवारे चियत्ततेउर परघरप्वेसे " भग॰ २, ५; नाया॰ ५; -- लगूल न॰ (जांग्ज) अंथी પુંછડીવાળું. ऊंची पूंछवाला one with the tail lifted up नाया॰ १;

श्रदीने, आगण वधीने. उत्तरोत्तर चढकर; श्रगाडी वढकर. Progressing; rising step by step उत्त० १०, ३४; अस्तियारी. श्री० (३) भीलाडी विह्यी. A cat. श्राया० १, ६, ४, ११;

ऊसिया सं॰ कृ॰ श्र॰ (उत्युत्य) उत्तरीतर

उसीस. न॰ (उच्छीर्ष) श्रीसिट्टं. तिकया.
A small pillow for the head or for resting the cheeks on. नाया॰ ७; —मूल. न॰ (-मूल) श्रीक्षीडानी पासे-नीर्थ. तिकया के पास; तिकया के नीचे. near u pillow; under a pillow. "उसीसामूले ठावेइ" नाया॰ ७; उसीसग न॰ (उच्छीर्षक) श्रीक्षीट्टं; तडीथे। तिकया; उसीसा. A small pillow.

ताकया; उसासा. A. small pillow. भग॰ ६, ३३; — मूल न॰ (-मूल) थे। सीडा-तडीयानुं भूस तिकये की नीचे की श्रोर. the bottom or underpart of a pillow भग॰ ६, ३३.

ऊह. पुं॰ (श्रोघ) स्थान-सामान्य संज्ञा, स्थान हार, स्था मैथुन स्थान परिश्रद विषय संज्ञा- श्रोघः श्राहार, भय श्रादि संज्ञाएं. Proposition of the subject: inclination towards food, fear, sex and worldly possessions विशे॰ ५२१; — सग्णा श्रा॰ (-संज्ञा) कुले। 'ऊह' शण्ट. देखों 'ऊह' शब्द Vide "ऊह" विशे॰ ५२३;

ऊह न॰ (ऊधस्) गाय, लेंस पगेरेती अडि. गाय मेंस वगेरे का अड. An udder of a cow etc. विवा॰ २,

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (१). देखी पृष्ठ नंबर १५ की फूटनीट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

Ų.

प. प्र॰ (ए) संभे।धन. संबोधन. A vocative interjection. जं॰ प॰

ए. थ्र॰ (एवं) आप्रभाषे इस प्रकार; इस तरह. Thus, in this way. भग० ५, ४; पन्न० ३६;

एइय. त्रि॰ (एजित) क्षांधिक के पेक्षं. धूर्णेक्षं. कुछ कंपा हुआ; कुछ धूज गया हुआ. A. little trembled; quaked. जीवा॰ ३, ४; राय॰ १२८;

एक. त्रि॰ (एक) એક, એકલુं; એકજ. एक; श्रकेला; एकही. One; alone; single; only. नाया० १; सम० १; —(का)श्रहः र्ह्मा॰ (-- **श्रशांति**) ८२; એક્યાશી. इक्यासी. 81, eighty one. वव॰६, ३६; —(का) म्रह. न॰ (-म्रहस्) એક हिवस. एक दिन. one day. भग॰ ६, ४, —चत्तालीसा ब्री॰ (-चत्वारिंशत्) એકતાલીસ. इकतालीस. 41; fortyone. सम॰ ४९; --- हुआ त्रि॰ (-अर्थक) એક અর্থবার্গ্র; ধর্যাধবামার, एक ऋर्यवाला synonymous अणुजी॰ २८; — तीसा स्त्री॰ (-न्निशत्) गेक्तिसः ३१ इकतीम. 31, thirty-one पन्न॰ ४; -पासिय त्रि॰ (-पार्श्विक) शेष्ठ ५५ भे भुतार एक करवट से सोनेवाला (one) who lies or sleeps on one side only वेय॰ ४, २; ३; -- गइ. स्त्री॰ (-राम्नि) थेरे रात एक रामि one night वव॰ ६, १०; -राय. न॰ (-रात्र) जुञेश " एकराइ " शण्दः देखो " एकराइ " शब्द. vide " एकराइ " दमा॰ ७, १, --वीसाः स्रा॰ (-विंशति) गेंध्वीस, २१. एकवीस. 21; twentyone गाया॰ ३; १६; क॰ प॰ २, १३;

पकंचगं. य० (एकश्रन) कैंड; डेार्ध केंड. एक; कोई एक. One; some one. नाया० ६: एकजिंड. पुं० (एकजिंडन्) कोंड क्टा-पत्थी-पुळडीवाथी। अद; ८८ अदमानी केंड. एक जटावाला-पूंछवाला ग्रह; वव ग्रहों में से एक. One of the 88 planets; a planet with a tail. ठा० २, ३;

एक राइया लो॰ (एक रात्रिका) એક रात्रि-नी पारभी लिक्ष्म पश्चिमा एक रात्रि की बारहवां भिज्ञ की पडिमा. The twelveth austerity of a Jaina-layman which takes one whole night. बव॰ १, २४;

एकल-ल्ल-विहार. पुं॰ (एकाकिविहार) साधुये गें। इला वियरतुं ते. साधु का अकेला विचरना. Lonely peregrination on the part of an ascetic. वन॰ १, २६; दसा॰ ४, ११; --पडिमा. स्री॰ (-प्रतिमा) એકાકી-એકલા વિચરવાની प्रतिज्ञा ५२५ ते एकाकी-श्रकेल विचरने की प्रतिज्ञा लेना a vow (by an ascetic) of lonely peregrination वव॰ १, २६, —सामायारी. स्री॰ (-समाचारी) એકલા વિચરવાની સમાચારી-આચાર भया श अकेले घूमने की मर्शादा; विचरने की समाचारी (श्राचार मर्यादा) a Sadhu's Samāchārī (a point of prescribed conduct) consisting in lonely peregrination दसा॰४,११; एकाणुउइ स्री० (एकनवति) એકाएं इक्यानवे 91; ninety-one. नम॰ ६१; एकाशिय. त्रि॰ (एकाकिन्) એકલુ. सहाय पगर-तं श्रकेला, सहाय रहित. Alone; help-

less: unaccompanied, वेय॰ १, ४६:

सभास; सभासते। ओड अडार. एकशेष नामक समास; समासका एक भेद. A variety of compound expression known in grammar as Ekasesa compound अणुजो॰ १३१; एककाईनाम न॰ (इकाइनामन्) ओडाध नामना राठोड (ठाकूर). A person named Ekkāi of Rajpūta caste. विवा १;

एककारसः त्रि॰ (एकादशन्) अशीयारः, ११. ११; ग्यारह 11; eleven. भग०२, १; ३, २; ७, १०; =, =; १४, ६, १४, १; २०, ४; २६, १; ३१, १; ३४, ३; उवा० १, **८६; २, १२४, पन्न० ४; श्रोव० १४; तु०** च० १, ३२७; २, ३५३; विशे० १०६२; -- श्रंग. न॰ (-श्रंग) आयारांशाहि ११ अंगशास्त्र. त्राचारांगादि ग्यारह त्रंगशास्त्र the 11 Angasāstras e. Achārāṅga etc भग॰ २, १; ६,३३; नाया० १; ५; म, ६; १६; — श्रंगि. पुं० (- श्रंगिन्) આચારાંગ આદિ ૧૧ અંગના जानने वाला one proficient in, familiar with the 11 Angas viz. Achārāṅga etc चड॰ ३३; नाया॰ १६; —(सु) उत्तर. त्रि॰ (- उतर) कीना उत्तरपहमां ११ छे ते. जिस के उत्तर पदमें ग्यारह हैं वह (a compound expression) having " eleven " as its latter part. भग० १, ४; -भाश्र. पुं॰ (-भाग) અગીगर लाग. ग्यारह भाग-हिस्से 11 parts निर. १,१; पकारसम त्रि॰ (एकादश) अगीयारभा. ग्यारहवां. 11th; eleventh उवा॰ ७१; य० ६, १; भग० २, १;

पक्कारसय. त्रि॰ (एकादशक) अभीधार;११.
ग्यारह. 11; eleven. भग० २०, १०;
एक्कारसी. स्नी॰ (एकादशी) એકાદશીतिथि;
अभीधारस. ग्यारस; एकादशी (तिथि).
The 11th day of every fortnight नाया॰ ६; जं॰ प॰ ७, १५३;
एकावएणा स्नी॰ (एकपञ्चाशत्) એકावश;
५१. इंक्यावन 51; fifty one. भग॰
६, ३; सम॰ ५१;
एकावादि पुं॰ (एकवादिन्) એકજ आत्मा
छ अभ भाननार એક वादी एकही श्रात्मा

है, इसप्रकार, मानने वाला एक वादी. One

who holds that there is only

one soul without a second ठा॰ ५, १;

एकिकः ति॰ (एकैकः) ओई ओई; प्रत्येकः Each taken singly; every one. भग॰ १, १; क॰ प॰ १, ६६; — पडिग्गह्म ति॰ (-पतद्महक) ओई ओई भात्र राभनार. एक एक पात्र रखने वालाः (One) keeping & single vessel at a time. प्रव॰ ६३२; एकियाः स्त्री॰ (एकाकिनी) ओईसी (स्त्री). प्रकेली (स्त्री). A lonely, solitary, (woman). नाया॰ ६;

एकेकियः ति॰ (एकैकक) प्रत्येकः प्रकेकियः ति॰ (एकैकक) प्रत्येकः Every one; each taken singly.

एक्क त्रि॰ (एकैक) ओईओई; ६रेंई;

प्रत्येकः प्रत्येकः हरएक. Every one;

each taken singly भग॰ १, ६; ६,

प्र; म, १; पिं० नि० भा० म; उत्त० १०,

एकोर्णिवसीतमः त्रि॰ (एकोनविंशतिम)

એ। ग्राधिसमं. उनीसनां nineteenth;

१४, उवा० ४, १४७; १, २२४;

19th. नाया॰ पः

राय० ६१:

एग. त्रि॰ (एक) ओं ड. एक. One. भग० 9, 4; =, 2, 9; 4, 3, 9, 8, 23, 94, 9; १६, ६; १८, १०; २४, १; २४, २; ६; नाया० १; २; ४, ६; ५; ६; १०, १३; १४; १६; १८; उत्त० १, २६; पि॰ नि॰ भा॰ ४१, पिं नि० ७५; त्रेय० १, ६; १०, दस० ६, ६०; ६, १, ३; दसा० ७, १, १०, ३, पञ्च० १: ४: जं० प० १, १७, ५, १०, २०, स्॰ च० १, १०३, ठा० ७. ऋसुनो० १०; वव॰ १,३४,३६, ८,२,१४; ६,३७;४०, ४५, १०, १, २, ४, विशे० ३१; ५४; उवा० २, ६३; ११८, क॰ ग० २, २९, कध्य० ४, ७७; क० प० १, २१, (२) हे।। ओंड, हेरसा ओह. कोई एक, कुछ एक some one; some. स्य॰ १, १, १, ६, १, १, २, १; श्राया० १, १, १, १; २; १, ६, २, १८३; सू॰ प॰ २०, — श्रागिय त्रि॰ (- श्राह्मिक) सदंग, अम्भुं; अभे सारा; श्रवंड, पूरा whole; entire; undivided श्रोध॰ नि॰ ७०७, --श्रंतर. त्रि॰ (-ग्रन्तर) એક એક दिवसने आंतरे આવતા આયમ્પિલ ઉપવાસ વગેરે; એકાતર त्प. एकर दिनके अंतरसे आनेवाले आयंविल उपवास श्रादि; एकान्तर तप विशेष practice of austerity known as Ekāntara (e. g fasting etc. on alternate days). उत्त॰ ३६, २५१; (२) अनन्तर समय (अन्तर-रिंदित) येथे स्थमय अन्तररिंदत एक समय. continued one Samaya or unit of time. विशे॰ ३५५, —श्रंतरा (- श्रन्तरा) એક આંતર્-અંતરાલ अन्तराल one interval; (at) an interval of one कo पo 9, ४६, --- श्रराप्टोहा - स्री॰ (-श्रनुप्रेसा) હ એકલાે છું, મારૂ કાેઇ નથી, હું કાેઇનાે નથી Vol. 11/41.

अवा प्रक्षारती **लावना एकत्व भावना**; में अकेला हूं मेरा कोई नहीं है और न में किसी का ह इस प्रकार की भावना meditation on one's loneliness in this world taking this form " I am alone and nobody is really mine. " ठ(० ४, १; — श्रसी स्त्री॰ (-श्रशीति) ेेेें लुओ " एकसीई " शण्ह. देखो " एकसीई " शब्द. vide. " एकः सीई " प्रव० ३६७, - प्रह पुं० न० (-श्रह) એક દિવસ एक दिन. one day, a single day. भग० १२, ७. दसा॰ ६, २, वव॰ ८, ४; --- ऋहि ऋ-य. त्रि॰ (- श्रान्हिक) એક हिवसनु. एक दिन फा. pertaining to, relating to one day; diurnal ७, जा॰ प॰ ७, १३३; (२) श्रीधान्तरे। ताप. इकतरा बुखार fever on alternate days जीवा॰ ३, ३, भग॰ ३, ७; — आगार पुं॰ (- श्राकार) એકાકાર થયેલા; સરખા આકારવાલા. एका-कार; समान श्राकार वाला uniform. homogeneous भग॰ व, २, ६, -- आभरण न० (-आभरण) એકસરખા आभूष्य एक से आभूष्या a uniform ornament, राय॰ = ॰; दसा॰ १०, ३, -श्रामोसा. ली॰ (श्रामर्श) पडिलेख्याना વસ્ત્રના મધ્યમાગ પકડી ખેતરકના છેડાને એકીસાથે ધસવાથી લાગતાે દાેષ; પડિલેહણના रे।पने। ओं अधार प्रतिलेखना करने के बस्नको मध्यभाग से पकडकर दोनों श्रोर के पत्नों को एक साथ घिसनेसे जो दोष लगे वह, पडि-लेहनादोष का एक भेद a valuety of fault meuried in connection with the inspection of clothes viz holding a cloth (garment)

प० ४, ६३; --नाशि. पुं० (ज्ञानिन्) डेवसज्ञानवासी. केवलज्ञानवाला. an omniscient person. भग० =, २; — निक्ख-मरा न॰ (-निष्क्रमरा) शुर्नी भर्यादाभांथी વંદના વખતે એકવાર અવગ્રહથી પહાર नि अववुं ते. गुरु की मर्यादा में से वंदना के समय एकवार श्रवश्रह से वाहिर निकलना. going or stepping out once with Avagraha (disregard) at the time of salutation or worship; giving up propriety of conduct towards a Guiu or preceptor. सम॰ १२; —निक्खमण्पवेस. त्रि॰ (-निष्क्रमण् प्रवेश) कीमां पेसवा नोडसवाने। ओडक भार्थ छे ते. जिसमें प्रवेश होने श्रौर निकलने का एकही मार्ग हो वह. having only one door or way for exit and entrance. वव॰ ६, १४: ६, १३: —पएस पुं॰ (-प्रदेश) भें । प्रदेश-ઝીણામાં ડીણા અશ-વિભાગ. एक प्रदेश, सृद्यम से सृद्यम विभाग-श्रंश. one unit of space; the smallest indivisible atom of matter भग॰ १, ५; —पएसाहिद्य त्रि॰ (-प्रदेशाधिक) शेक्ष प्रदेशे अधिक-वधारे. एक प्रदेश से श्राधिक. exceeding by one indivisible atom of matter. भग॰ ---पर्सियाः ब्रा॰ (-प्रदेशिका) એક अंदेशनी (श्रेशि). एक प्रदेश की (श्रेशि) (a line) of indivisible atoms of matter भग॰ ६, ४; —पएसोगाढ. पुं॰ (-प्रदेशावगाढ) એક આકાશ प्रदेश ७५२ अवगादी रहेश प्रदेश त्राकारा के एक प्रदेशपर फैला हुआ पुद्रल. an indivisible atom of matter occu-

pying one unit of space. भग॰ ४, ८; —पक्याः त्रि॰ (-पत्तः) निष्प्रति-५क्ष; अति५क्ष वगरनुं. जिस का कोई विरोधी पच न हो वह: प्रतिपच रहित. without a rival; unrivalled सूत्र॰ १, १२; ४, -पिक्खय. त्रि॰(पानिक) એક गुरु ना येक्षा; એક पक्षना एक गुरु के चेला; एक पन्त का. a disciple of the same preceptor; one belonging to the same camp. वव॰ २, २३; २४; -- पज्जवसियः पुं॰ (- पर्यवसित) के સંખ્યાને ચારે ભાગતાં એક બાકી રહે તે जिस संख्या को चार से भागने पर एक बचे वह संख्या. any sum which when divided by four leaves one as remainder. मग॰ ३१, १; —पत्तय. त्रि॰ (-पत्रक-एकं पत्रं यत्र तत्तया) એક પત્ર-ષાદક વાલું; જેમાં એક પાંદકુ હાય તે. एक पत्तेवाला; ।जिसमं एक पत्ता हो वहone-leaved. "उप्पलेणभेत्तेएगपत्तणाई-एगजीवे '' भग० ११, १; --पदेसिय. त्रि॰ (-प्रदेशिक) એક **प्रदेश**वाक्षेत एक प्रदेशवाला. having one unit of space occupied by an indivisible atom of matter. भग॰ ६, ४; -पाइयाः त्रि॰ (-पादिका) એક पग केंछे **ઉ**र्थु राष्ट्रं छे ते जिसने एक पैर ऊपर रखा है वह. (one) who has lifted up one leg. वेय॰ ४, २२; —पारा. त्रि॰ (-पान) એક પાણીની (धत). एक पानी की दात One Data of water. वव॰ १०, १; —पाय. पुं॰ (-पात्र) એક પાત्र. एक पात्र: एक वरतन. one vessel or utensil. वव॰ ६, ६; --पास. पुं॰ (-पार्श्व) ओं ४ ५५ भे रहे-नार. एक भ्रोर रहनेवाला, एक तर्फ रहने

याला. one who stays (i e lies etc) on one side. परह॰ २, १: --पोग्गलिथय त्रि॰ (-पुद्गलस्थित) क्रीक पुरुवास छिपर रहेस. एक पुरुवाल पर स्थित-रहा हुआ supported on, resting on one Pudgala (substance). दसा॰ ७, ११; -फडुग पुं॰ (-स्पर्धक) धर्भरध ध समूख कर्मस्कथ समूह a group or collection of Karmic molecules. क॰ प॰ ५, ४६; -भत्त न० (-भक्त - एकं क्त भोजन यत्रतत्तथा) એકાસહ્ય , દિવસમાં એક વાર ०४भवं ते एकासनाः दिन मे एक वार जीमना the austerity known as Ekāsanā i. e. taking only one meal in 24 hours "तहएगभत्तंच" दस० ६, २३, पंचा० १२, ३५, --भव पुं॰ (-भव) એકજ सव, प्रकृत-यास ओड अव एकही भव, केवल वर्तमान भव only one birth, the present buth प्रव॰ ५३, —भवगाद्यां वि० (-भवग्राहक) ओ इ सपने अहल इरनार. एक भव की ब्रह्म करनेवाला, एक भवावतारी (one) who is to have one bith भग० २४. ६, — भविश्र त्रि॰ (- भविक) थे। इ अवने अन्तरे के रूपे **उत्पन्न धवानं** है। य તે જેમ એક ભાવ પછી શખરુપે ઉત્પન્ન થવ હાય તા તે એકલવિક શંખ કહેવાય. एक भव के श्रतर से जिस रूप में उत्पन्न होना हो वह रूप. जैसे कि एक भव के बाद शख रूप से उत्पन्न होना हो तो एक भविक शख कहलायगा. (condition) after the interval of one more birth; e. g a soul which is to be born as a conch-shell after the interval of one birth is called

Ekabhavika conch-shell श्रगाजी॰ १४६; -- मरा त्रि० (-मनस्) शेक्षा भनवाली; स्थिर शित्तवाली एकाग्र मनवाला; steady, concen-स्थिर चित्तवाला. trated in mind उत्तर ३५. १. -रार स्री॰ (-रात्रि) એક रात्रि एक रात्रि. one night दसा० ७. १, पंचा० १८, ३, (ર) ભિખની ૧૨મી પડિમા-કે જેમાં અઢમ તપ કરી કાઉસગ્ગ શ્મશાન ભૂમિમા કરવામા थावे छे भिन्नक की १२ वी प्रतिमा-जिसमे श्रदम तप कर के एक रात्रि का कायोत्सर्ग स्मशान भाम में किया जाता है. the 12th Padımā (austerity) of an ascetic in which after fasting, one night is spent in Kāusagga on -राइग्र-य. त्रि॰ (-रात्रिक) अधि रात રહેનાર. એક રાત્રિના નિવાસ કરનાર एक रात रहनेवाला (one) who stays for a single night वेय॰ ३, ४, श्रोव॰ १७; वव॰ १, २३, —राष्ट्रंदिया. स्री॰ (-रामिंदिवा) भेर रात्री अने એंट हिवसनी लिक्ष्ण पांडमा एक रात्रि और एक दिनकी भिन्न प्रतिमा an austerity practised by a Jama-layman, consisting of a day and night. " एकाराइदिय भिवस्तु पांडिम पांडिवरासा " दसा॰ ७, १, नाया॰ १, —राइया स्त्री॰ (-रात्रिकी) केमा अह्हम तप हरी शेह રાત રમશાનભૂમિમાં કાઉસગ્ગ કરવામા આવે છે તે બારમી ભિકખ પડિમાં. **चारह**वा भिन्त प्रतिभा जिसमें कि श्रष्टुम तप करते हए एक रात्रि रमशानभूमि मे कायोत्सर्ग किया जाता है the 12th vow of an ascetic viz contemplation upon the soul for one night in a

cemetery after the Atthana austerity (i. e. three fasts) वव० १, २४; दरगा० ६, २; ७, ११; भग० २, १, नाया० ८; --राय न० (-राग्र-एकाचासौ राग्निश्च) એક રાત્રિ, એક रात. एक रात्रि. one night. " गामे गामे यएग रायं'' पराह० १, ४; श्रोंव० २१; वव० १, २३; वेय० २, ४; उत्त० २, २३; —क्तव. त्रि॰ (-रूप-एकं समानं रूपं यस्य) એક रूप, એક सर्भुं एक रूप; एक समान. uniform; of the same type. "पभूष्यवर्ण एग रूवं विउन्वित्तप्" मग॰ ६, ६; ७, ६; —वगडा. स्रो (*) भे । वाडा; भे । वंडी. एक बाहा; एक चौक; एक आंगन one open compound at the back of a house; one wall enclosing an open space. वव॰ ६, १४; ६, ३; ५; — वरारा पुं॰ न॰ (-वर्ण) ओड वर्ण; ओड रंग एक रंग one colour; same colour भग॰ ७, ६; प्रव॰ ६८१; —वयगा. न॰ (-तचन) એક વચન; વસ્તુનું એકત્વ ખતાવનાર પ્રત્યય. एक वचन; वस्तुका एकत्व-श्रकलापन वताने वाला प्रत्यय. singular number; a termination of the singular number ठा॰ ३, ४; श्राया॰ २, ४, १, १३२; — वीसा. ली॰ (-विंशति) २१, એકવીસ २१, इकवीस, इक्तीस. twentyone: 21 दसा० २, १; पञ्ज॰ ४, विवा॰ २; भग० २०, ६; आव० ४, ७; —सिट्टि-भाग. पुं॰ (-पष्टिभाग) हे। ४५७। वस्तुने। એકસદમા ભાગ; કાંઇ એક વસ્તુના સરખા ६१ लाग डरीओ तेमाना ओड लाग किसी एक वस्तु का इकसदवाँ भाग. 1/61 of anything सम॰ १३, —समय पुं॰ (-समय) એક सभय. एक समय, one

Samaya (i e. unit of time); one instant भग १, ६; क॰ प॰ १, १३; —सय. न॰ (-शत) એક્સા એક; १०१. एकसो एक; १०१ one hundred and one; 101. कः गं॰ २, ३०; —साड. त्रि॰ (-शाटक-एक:शाटको यस्य स तथा) એક સાડી પછેડી રાખનાર. एक दुपद्वा रखने वाला. (one) who keeps only one scraf etc. in his possession. স্মায়া৽ ৭, ৬, ४, २१२; —साडिय. न० (-शाटिक) ऄंध-પનાવાલું-સાંધા વગરનું વસ્ત્ર; સાડી; સેલું. एक पहने का वस्न; पहने में विना जोडवाला बल्ल. a web of cloth not bearing any dividing line upon it (caused by stitching another cloth); a Sāri etc " एग साडिय उत्तरासंगं करेड् " भग॰ २, १; राय॰ २२; विवा॰ १ श्रोव॰ ३२; कप्प॰ २, १४; ज॰ प॰ ३, ४३; ४, ११४; - साला हि॰ (-शाल) એક માળવાળું (धर); એક ભાષાળા (મેડી). एक मंजिल का घर. (a house) with one floor जीवा॰ ३, ३; - सिद्धः पु॰ (-सिद्धः) એક સમયમાં એકજ છવ સિદ્ધ થાય તે. एक समय में एकही जीव का सिद्ध होना a soul liberated by himself (at a time) without the company of other souls. पन १; नंदी॰ २१; —हिय. त्रि॰ (-म्राधिक) थें। अधिक एक ज्यादा exceeding by one; one more. क॰ प॰ ७, ४८; एगश्र. त्रि॰ (एकक) ५५त એકલा; એકાકી. एकाकि; श्रकेला Alone; solitary; single उत्त॰ २, २०; एग्रम्य-य. त्रि॰ (एकैक) हार्ध भेड़ भेड

ओड; डेटला ओड. कोई एक, कुछ एक. Some one; some; one by one. च्रोव० १४; ३४, दस० ४, २, ३७; जं० प० सम० १; भग० १, १; ७, ७, नाया० २; दसा० १०, ३;.

एगन्रो. अ॰ (एकतम्) ओक तरक्थी; एक श्रोर से. On the one hand: from one side; भग॰ ३, ४; ३४, १; नाया॰ १; २; ४, ८; १६: उत्त० ३१, २; दसा० १०, १; निसी० ४, ७६; २०, १०, जं० प० ४, १२०, कप्प०४, ६७, —ख**हा**, स्री० (-ख) જેમાં છવ ડાખી તરક્થી પ્રવેશ કરી ડાખી બાજુયે જઇ ઉત્પન્ન થાય તે श्रेणि; वामश्रेणि-व्याहाश-प्रेदेश-प कित । जैस में जीव बांइ श्रोर से प्रवेश करके बांइ श्रोर जाकर उपन होता है वह श्रेगिः श्राकाशप्रदेश पाके. a line of space on the left side along which the soul enters the left side and is born २४, ३, — गंतश्च. त्रि॰ (-श्रनन्तक) એક લંખાઇમાં અનંત. एक रुवाई में अनंत. an endless line of space ठा॰ ५, ३, -वंका. र्ह्मा० (-वका) એક तरक्षी વાકી બ્રેણી; એક વાંકવાલી શ્રેણી-આકાશ भेरेश पंडित एक श्रोरसे टंडी श्रेणी, श्राकाश प्रदेश पंक्ति. a line of space curved on one side. भग २४, ३ -- सहिय पु॰ (-सिहत) એકઠા थयेल, એકત્ર કરેલ. एकत्रित. grouped; assembled: collected नाया० ५:

एगन्नोवत्त पुं॰ (एकतोवृत्त) भेधिदेयवादा छवनी भेध न्यतः दो इंन्द्रिय वाले जीवकी एक जाति A kind of two-sensed

living being पन ० १; एगंचगां अ० (१एकंचन) डार्थ એ इ कोई एक. Some one. भग० ७, १०, नाया० ५; एगंत. न॰ (एकान्त) गें।त स्थल; निर्भन स्थानः निर्जन स्थानः एकांत स्थान solitary place; solitude. " एगंते पाडेमि " नाया० ६: "एगंते एडेइ " भग० २. १; ६, २; ७, १, ६, ३३; १४, ४; नाया० १: ७. १: १२.१६: पिं० नि० २११: स्० प० २०; राय० २६; २६३; श्राया० १, १, ७, ६, २२२; उत्त० ३; २८, वव० २, २४; ७, १७: स० च० २, ४१८; दस० ४, पंचा॰ ६, ६; क०प० १, ६७; (२) नक्षी; ચાકસ. નિધિત. assuredly; certainly पिं नि भा १२; (3) शेंशंत; ६ अत' डेपस. एकान्त; सिर्फ, केवल. simply. उत्त॰ ३२, २; श्रोव॰ ३८; विशे॰ ६५; (४) निर तर; थां निरंतर, चालू. continuously: uninterruptedly. भग० ३, १, ७, ६; (५) सर्वथा; पुरेपुरु सर्वथा; पूर्णतया. completely; perfectly भग०द, ७; - छुद्रा. पुं० (-च्छ्रेक) थे। नत છેક-વિશુદ્ધ. पूर्ण विशुद्ध altogether, perfectly pure. पचा २३,३५; -दंड-पु॰ (-दरह) એકાંત-ચોક્કસ દડાય तेवे। दिसा यथेव दाएडत होनेवाला. हिंसक one fully sinful, killer murderer स्य॰ २, ४, १, —दक्ख. न० (-दुख) देवस दुः भ, એકાન્ત દુ.ખ. एकान्त दु ख; दु खही दु ख; सर्वथा दुख perfect misery, un-

mitigated misery भग॰ ६, १०;

—धारा. स्री॰ (-धारा-एकविभागाश्रया

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोर () Vide foot-note (*) p. 15th.

चासा धाराचेति) ऄशन्त-तीक्ष्णु धारा-एकान्त थारा; तीदल धारा. sharp edge. " खुरोड्व एगंध धाराए" भन० ६, ३३; नाया॰ २; —पंडियः त्रि॰ (-परिहत) એકાન્ત પંડિત; પાપથી નિવૃત્ત; સર્વ વિરતિ साधु. एकान्त पंडित; पापरहित पुरुप; सर्व विराति साधु. perfectly free from sin; (an ascetic) absolutely free from sin. " एगंत पांडिया यावि भवामो " भग० =, ७; भग० १, =; - चाल. त्रि॰ (-बाल) सर्वथा णास; अज्ञानी; भिध्या દૂર્ણ અને અવિરૃતિ. सर्वथा ग्रजानी; मिथ्या दृष्टि यौर यदिर्गत. absolutely, perfectly ignorant; beretical and sinful. মন ৽ ৭, =; =, ৬; ৭৬; २, स्य० २, ४, १; —मंत. पुं॰ (-धन्त) सर्वथा गेशंत. सर्वथा एकान्त. perfectly solitary. भग० ७, ६; नाया० १३; —यारि. त्रि॰ (-चारिन्) એકान्त-लन રહિત સ્થાનમાં વિચરનાર; એકાંતવાસી. निर्जन स्थान में विचरनेवाला; एकान्त मे रहनेवाला. (one) who moves in a solitary place; living in solitude ग्य॰२,६,१; — लुसग. त्रि॰(-लूप-क) के अंत अन्त्रती हिंसा अरनार सर्वेशा जन्तु की हिंगा करनेवाला. (one) who is completely given to the killing of insects. सूय॰ १.२,३, ६; - साया-स्री॰ (-सात) એકांत शान्ति-भुभ. एकांत मुख; सर्वया मुख. perfect, unalloyed happiness or peace. मन ६, १०;-सृत. न॰ (-सुप्त) એકांत-निश्चये सुनेद्य; ભावितिहाः भे।दभां ७धेव सर्वया सोया हुआः मोह निद्रायुक्त assuredly asleep;(metaphorically)steeped in infatuation. म्य॰ २, ४, १;—सुद्धि .(-सुविन्)

भेशंत भुभी. सर्वथा सुन्ती. perfectly happy. नाया॰ ७; —हिय. न॰ (-हित) सर्वथा ७५॥री. एकान्त हितकारी. बी-together beneficent. पंचा॰ १४, १६; —ग्रंबिल. पुं॰ (-म्राचाम्ल) भेशं-तरे आर्थिश अरवा ते. एकान्तरे ग्रायंवित करना. alternate performance of Ayambila austerity. प्रव॰ १४४=; —उचवास. पुं॰ (-उपवास) भेशंतरे ७५वास अरवा ते. एकान्तरे उपवास करना. fasting on alternate days. प्रव॰ १४६२;

एगंतिरय. त्रि॰ (एकान्तरित) એક એકને અંતरे आवेश; એકાંતર; (ઉપવાસ આયં-બિલ वगेरे). एक एक के अन्तर पर आया हुआ; एकान्तर (उपवास आयंत्रित आदि). alternate; coming at intervals of one. प्रव॰ ==२;

प्रगंतसोः श्र० (एकान्तशः) ऄशन्तथी; सर्वथा सर्वथा; प्रगंतया. Perfectly; in all raspects. भग० =, ६;

एगाखित्त. न॰ (एक चेत्र) એકજ ગામ.
एक गांव. Only one village. प्रव॰
७६४; — निचासि. ति॰ (-निचासिन्)
એકજ क्षेत्रमां—गाममां निवास इरनार (भुनि वगेरे). एकहां गांव में रहनेवाला (मुनि ब्यादि). (an ascetic etc.)
confining his residence to one
village only. प्रव॰ ७८४;

एगगुण. ति॰ (एकगुण) ओक्श्णेः; वर्ष गंध आदिनी सरभामशी करतां ले अभ्णे। त्रश्येशें। न है।य किन्तु औक्ष्यें है।य ते. एक गुना; वर्ण गंध धादि से मिलाने पर जो द्रगुना तिगुना नहीं किन्तु एक ही गुना हो वह Of one (i. e. same) amount or measure; not double treble

etc in comparison. भग॰ २४, ४; (૨) વું ૰ ન હસિલ સેબિયા અને મણસ્સ સેછિયા પરિકર્મના સાતમા બેદ અને પુક્ મેણિ આદિ પાંચ પરિકર્મના ચાથા ભેદ सिद्ध सेशिया चौर मनुष्य सेशिया परिकर्म का सातवा भेद श्रीर पुट्टसेशि श्रादि ५ परिकर्म 7th का चोथा भेद. the of the Parikarmas of Siddhasenia and Manusyasenia and the 4th division of the five Parikarmas viz. Putthasenia etc नंदी॰ ५६; सम॰ १२; —गुणकथखड पुं॰ (-गुणकर्कश) જેમા એકગણી થાડી કર્કશતા છે તે जिसम एक गुनी (थोडी) कर्कराता है वह. one having as much (less) harshness or loughness भग॰ २४, ४; - कालग. पुं॰ (-कालक) लेभां એક गणी કाલाश छे ते जिसमें एक गुनी कलास-कालापन है वह one having as much blackness (i. e double or treble etc. the amount of blackness) भग०२५, ४. एगग्ग. न॰ (एकाम्र) थित्तनी ओश्रथता, એક મુદ્દા ઉપર મનની સ્થિરતা चित्त की एकाग्रताः किसी एक वातपर मन का स्थिर होजाना. Concentration of mind. उत्त॰ ३२, १, (२) त्रि॰ यित्तनी ओशयता पाली. एकाम चित्त वाला. (one possessed of concentration of mind. उत्त॰ ३०, १; राय॰ ४०, —चित्त पुंo (चित्त) એકाथ थित्तवाणे!. एकाप्र चित्तवाला. one having concentrated mind. दस॰ ६, ४, २; ३; जं० ए० ४,, ११४; -- मग्. न० (-मनस्) लुओ। "एगमा चित्त" शण्ह Vol. 11/42.

देखो "एगग्ग चित्त" शब्द. vide. "एगग्ग चित्त" उत्त॰ २६, २; पंचा॰ १४, २६, —मण्संनिवेसण्याः ह्री॰ (-मनः सिन्नवेशन) भनने ओडाश्र णनावतुं; ओड वस्तु ७५२ भनने स्थापतुं ते. मन को एकाम करना. concentration of mind upon one object. उत्त॰ २६, २, —जंवुय पुं॰ (एकजम्बुक) ७६९३६तीर नगरनी णढारने। ओ नामने। ओड णगीये। उल्लुक तीर नगर के बाहिर के एक वर्गांचे का नाम name of a garden outside the town named Ullukatīna भग० १६, ३;

एगहाण न॰ (एकस्थान) लेभां दिवसभां ओड वेभत ओड डेडाणें भेसीने भवाय ते तें। ओडिडाण्डे एक तपका नाम; जिस तपम दिन में एक ही बार एक जगह बैठ कर खाया जाता है. An austerity consisting in taking one meal in a day confining one's seat to a single place, प्रव० २०३; १४२७,

एगाहियपय. न० (एकाधिकपद) सिक्ष सेशिक्षा अने भार्युरससेशिक्षा परिकर्मनी धीको लेह सिद्ध सेशिया श्रीर मनुष्य सेशिश्रा परिकर्म का दूसरा भेद. the 2nd division of Siddhaseniā and Manusyaseniā Parikarma. नंदी ध्रदः (२) त्रि० औड अर्थवालं, समान श्र्यवाला. synonymous सम० १२;

एगतर नि॰ (एकतर) भे के अनेक्सांने। ओक दो या अनेक में से एक. One of two or more विवा॰ ७;

एगतिय. पुं॰ (एकक) के अने अने कोई एक Some one सूय॰ २, ३, १; पन्न॰ १५; एगत्त. श्र॰ (एकत्र) ओक्त्र; ओक्त्रथाने,

ओडण हेडाओ. एकत्र; एकही स्थान पर. In one place; in one and the same place. श्रोव॰ ३२;

एगत्त. न॰ (एकन्व) એકપણं; એકલાપણં. श्रकेलापन One-ness: solitariness. भग० १, २; ५, ६; १२, ६; १७, १; १=, ९; २४, ४: नाया॰ १; ठा॰ १०, १, उत्त॰ २८, १३; प्रय०४०४; —श्राखुप्पेहा. स्री० (- त्र्यमुपेका) आ छव એકલા આવ્યા છે અતે એકલા જવાના છે એમ ચિન્તવવું ને. एकत्व भावना; यह जीव श्रकेला ही श्राया है र्यार अकेलाही जायगा, इस प्रकार बार बार चिन्तन करना contemplation upon the solitariness and loneliness of the soul. श्रीव॰ २०; भग॰ २५, ७; -- गत. त्रि॰ (-गत) એકત્વ ભાવનાવાળા; अंत ५२ श्वाणी. एकन्व भावना वाला. (one) contemplating upon the loneliness and solitatiness of the soul. त्राया॰ १, ६, १, ११; —गय. त्रि॰ (-गत) એકત્વભાવનાને પ્રાપ્ત થયેલ. एकत्व भावना को प्राप्त. (one) contemplating upon the loneliness and solitariness of the soul. श्राया० १, १, १, ११: भग० ८, ६; —वियक्क. न॰ (~fवतर्क) એક seu આશ્રી રહેલ પર્યાયાનું અબેદ રૂપે ચિન્તવવું અથવા અનેક પર્યાયામાંના એક પર્યાવને अवस्थी थिनतवन इस्तुं ते एक द्रव्य के श्राथय में रही हुई पर्यायों का श्रमेदरूप में चितवन करना श्रथवा श्रनेक पर्याया से से एक पर्याय का चिन्तवन करना contemplation of unity among the varieties or modifications ofthe same substance; also, taking up one of many such modifications and thinking upon it as a separate entity. श्रीव २०; भग० २४, ६;

एमत्तीकरणः न॰ (एकप्रीकरण) शिक्ष ४५५ वं ते एकाप्रता करना Act of concentration. भग॰ २, ४:

एगत्तीभावकरण, न॰ (एकत्रीभावकरण) भनना भावते ओक्षत्र क्षत्रा, मन के भावोंका एकत्री करण- एक स्थान पर इकट्ठा करना. Concentrating the thoughts of the mind, भग॰ ६, ३३; २४, ७;

एगत्तीभावकरण्या स्रो॰ (एकत्रीभाव-करण्) लुओ। " एगत्तीभावकरण् " शण्ट देखां " एगत्तीभावकरण् " शब्द. Vide " एगत्तीभावकरण् " भग० १३, ४;

एसत्थः थ्र॰ (एकत्र) એક २४क्षे: એક हेडाणे एक स्थान पर In one place; in one and the same place. पि॰नि॰ २८४; एसनासाः स्रो॰ (एकनासा) पश्चिम

तिनासाः स्ना॰ (एकनासा) पाश्रम दिशाना रुथः पर्य तपर वसनारी आई दिशा-दुमारिश्रामांनी पांथभी. पिथम दिशाके रुचक पर्वत पर रहने वाली ब्राट दिशाकुमारियों मे से पांचनो दिशाकुमारी. The 5th of the 8 Disäkumārīs residing on the Ruchaka mountain in the west. जं॰ प॰ १, ११४;

एगमेग. त्रि॰ (एकंक) स्रे१ेंड. प्रत्येक.

Each; taken singly. " ता एएए
 दुवे स्रिया तीसाए सुहुत्तेहिं एगमेगं श्रद्धमंडलं " चं॰ प॰ भग॰ १, ४; ३, १; ४,
३, ६; ७, ८, १०, १०, ४; १२,४; १४,८;
नाया॰ १; ८; जं॰ प॰ २.१८: उवा॰ ८,२३४:

एगयभ्रो. श्र० (क एकत्रतः) लुओ "एगय" शफ्ट. देखो " एगय " शब्द. Vide " एगय " भग० २, ५; ११, १२; १२, ४, १६, ३; नाया० १६; वर्षे० १, २२; २, १, उवा०७,१६७, कप्प०६,३६, जं०प०३,५६; एगयर त्रि० (एकतर) भेभांने। गमे ते ओक दो मे से एक; कोईभा एक. One of two or more पि० नि० १४०, ४७३; श्राया० १, २, ६, ६७; १, ६, २, १६३; उत्त० ६, २५; क० गं० २, २३; ३४;

एगया. स्नी॰ (एकता) એકत्य लायना; छ्य એક दी। आव्ये। छे अने એક दी। ज्याने। छे ओम यिन्त्ययुं ते एकत्व भावना-जिसमें चिन्त-वन किया जाता है कि जीव अकेला आया है और अकेला जायगा. The meditation that the soul has come to this world singly and alone and that it will pass away also alone, प्रव॰ ५०६;

एगया. श्र॰ (एकदा) ओक्टा अस्तावे, है। असंगे; है। अपने किसी एक प्रसंग पर.
Once upon a time; on one occasion श्राया॰ १, ६, २, २, उत्त॰ २, ६; १३; ३, ३, नाया॰ १२;

पगलया. स्नं० (एकत्तता) पहेले हिवसे ઉपवास, भीके हीवसे ओडास खं त्रीके हिवसे ओड सीथ, याथे दिवसे ओडां हुं, पांचमे हिवसे ओड हात, छड़े हिवसे नीपी, सातमे दिवसे आयिष अने आदमे हिवसे आड़ डवस ओम आह दिवस मुधी उपर उद्धा प्रमाखे तप उरवामां आवे ते ओडवता तप एक तप का नाम. जिसमे पहले दिन उपवास, दूसरे दिन एकाशन, तीसरे दिन एक सीय, चौथे दिन एकटाए, पांचवे दिन एक दात, छठे दिन नीवी; सातवें दिन आयंविल ओर आठवें दिन आठ कवल, इस तरह आट दिन में होने वाला तप विशेष. an austerity lasting for eight days in which on the first day there is a fast, on the second there is Ekāsaņā, on the third one Sitha, on the fourth Ekathāņu, on the fifth one Dāta on the sixth Nīvī, on the seventh Ayambila and on the eighth eight morsels (Kavala). प्रव॰ १४२७,

एगविह. ति० (एकविध) २३ अधारनं. एक प्रकारका. Of a certain sort; of one kind. उत्त० ३६, ७७; प्रव० १३2६; श्राव० ४, ७;

एगसेल पुं॰ (एकशेल) पुष्धवावर्त अने પુષ્કલાવતી વિજયની વચ્ચેના વખારાપવ^૧ત पुष्कलावर्त श्रीर पुष्कलावती, इन दोनों क बीच का बखारा पर्वत The Vakhārā mountain situated between the two Vijayas named Puskalavarta and Puskalāvatī. "पचित्थमेणं एगसेलस्स वक्लार पन्वतस्स" नाया० १६; जं० प० ठा० ४, २; — कूड पुं॰ (-क्ट) એક્શૈલ વખારા पर्वतना બાર કુટમાંનું ખીજું કુટ-શિખર एकशैल वखारा पवतके चार शिखरोंमें से दूसरा शिखर. the 2nd of the four summits of Ekashaila Vakhārā mountain जं॰ प॰ - वक्खार पदवय वुं॰

^{*} જુઓ પૃષ્ઠ નમ્મર ૧૫ ની પુટનાટ (૬). देखो पृष्ठ नंबर ૧૫ की फूटनाट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

(- च च स्कार पर्वत) महाविदेह क्षेत्रमां ओड शेक्ष नामने। ओड व भारा पर्वतः महाविदेह चेत्र का एक शेल नामक एक व खारा पर्वतः name of a Vakhārā mountain (called Ekasela) in Mahāvideha region नाया । १३.

एगाइ पुं० (एकादि) એ नामना ओड ५२ राडे। एक कूर राठोड का नाम. Name of a cruel Rāthoda. विवा० १; —सरीरय न० (-शरीरक) એडाઇ राडे। इनुं शरीर एकाइ नामक राठोड का शरीर. the body of the Rāthoda named Ekāi. विवा० १;

पगागि. ति १ (एकाकिन्) ओडेले:; ओडाडी अकेला; एकाकी Alone; solitary, आया॰ १, ७, ४, २१६; प्रव० ४३१; गच्छा०१०४; पगाणिय. ति० (एकाकिन्) ओडलं. अकेला. Alone; solitary. वव० ४, १; ६, २; वेय० १, ४८; ४, १४; ओघ० नि० भा० २६; पगाणी छो० (एकाकिनी) એडबी श्ली. अकेली छो. A lonely, solitary

प्रगारस. त्रि॰ (एकादशन्) शुओ "एका-रस "शण्ह देखो "एकारस " शब्द Vide "एकारस " नाया॰ ५; —वास-परियाग त्रि॰ (-वर्षपर्यायक) अशीयार वरसनी प्रश्रन्थावादी; जेने हीक्षा दीधे ११ वर्ष थ्या है।य ते. जिसे दीचा लिये हुए ग्यारह वर्ष हो जुके हो वह. (one) since whose entrance into the religious order 11 years have passed; of 11 years' standing in asceticism. वन॰ १०, २६; २७; प्रगावली स्त्री॰ (एकावली) भिष्किरित हार, अक्ष्मरी हार मिणजहित हार; एक-

लडी हार. A single string of

beads, pearls etc. भग० ६, ३३; ११, ११; नाया० १; स्० प० १०; दसा० १०; १; जं० प० ७, १४६; राय० ६५; १६६; — पविसत्ति. न० (-प्रविभक्ति) એકा-पि हारनी विशेष २२४नाथी युक्त-नाय्य विशेष; ३२ नाटक में से एक. a kind of dramatic representation arranged after the model of a single string of pearls, beads etc; one of the 32 kinds of drama राय०

एगाहज्ञ. ति॰ (एकाहत्य—एकैवाहत्याऽह-तनं प्रहारो यश्र तत्तथा) એક धार्थे भारवा थे। २५ अरे धार्थी भे डटडा डरवा थे। २५. एक घाव से मारने योग्य Worthy to be severed into two pieces by a single blow. '' एगाहज्ञं कुढा-हज्ञं जीवियाच्यो ववरो वेह '' भग० ७, ६; ११, १; राय० २४;

प्रिंगिव्य. पुं॰ (एकेन्द्रिय-एक इंडियं करणं स्पर्शनलक्तण यस्य) ६६त ओह १५१ हिंप छव-केवा है-पृथ्वीहायिह, २ अपहायिह; ३ तेक्नेहायिह, ४ वायुहायिह, प वनश्पितिहायिह, एक-स्पर्श-इंद्रियनाला जीव. यथाः १ पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक, ३ तेजोकार्मिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक. The class of one-sensed living beings sub-divided into lives of earth, water, fire, air and vegetable. भग० २, १; १०; ६, २; २४, १: ३३, १; पछ० १; जीवा० १; विशं० १०१; ४११; क० प० १, ४५; २, ५६; आव० ४, ३; —देस. पुं० (-देश) ओह धिरियनाला छनने। हैस-लाग. एकेंद्रिय

जीव का भाग. a portion or part of one-sensed living beings. भग॰ १॰, १; --- प्पएस पु॰ (-प्रदेश) जोडेन्द्रिय छवाते। अदेश-निर्विसालय अंश एकेंद्रिय जांवो का श्रविभाज्य प्रदेश. शा indivisible, atomic part of onesensed living heings. भग॰ १॰. १; ११, १०; — रूच न० (-रूप) ऄ धुद्रियवासानं रूप एकेन्द्रियवाले जीव का रूप. the form, appearance, of onesensed living beings भग॰ १२, ६; —सयः न॰ (-शत) अर्धेन्द्रय-शतः, ભગવતી સત્રના ૩૩ માં શનકના ખીજા **६ हेशानुं नाम** एकेन्द्रिय-शतकः भगवता सूत्र के ३३ वे शतक के दूसरे उद्देश का नाम Ekendiiya Sataka; name of the 2nd Uddeśa (part) of the 33rd Śataka of Bhagavatī Stitra " बितियं एगिदिय सयं सम्मत्तं " भग० ३३, २; ४;

प्रगिदियत्त. न॰ (एकेन्द्रियत्व) એક छिदिय-पर्धु. एकेन्द्रियता State of being a one-sensed living being; possession of one sense only. भग-न, ६;

पगीभूत्र ति॰ (एकीभूत) अने ५ भरीने ओ ६ थरेले। अनेक रूप सं मिटकर एक रूप का प्राप्त. Reduced to unity from multiplicity. राय॰ ६६;

पगुक्तिरय त्रि॰ (एकोक्तिरिक) अें ४ केंने।

ित्र अवयव छे ते; ओं ४ वधतुं - केंभ १९,

२१ पगेरे. जिसका 'एक ' उत्तर अवयव है

वह संख्या जैमे. ग्यारह, इकास आदि.

Having one as the latter part

(in the case of compound numerals); e. g. 11; 21, etc;

exceeding by one. भग॰ १, २, ४; विशे॰ १४२;

प्राच्या पुं॰ (प्कोरक) अक्षेत्र नामना **७५**४ अन्तरद्वीपभांना ओड, एकोहक नामक ४६ श्रंतरद्वीपमें से एक. One of the 56 Antara Dvīpas named Ekoruka. जीवा॰ ३, ३; (२) त्रि॰ ते द्वीपमां रहेनार. उस देश में रहनेवाला मनुष्य. a resident of that country. जीवा॰३, ३; एगूए त्रि॰ (एकोन) ओं ेे अधुं; ओं थे। छुं. सम० ८६, पन्न० ४; भग० ८, ५; १४, १; २४, १२; २४, ७; उत्त० ३६, १३८; श्रग्रजो० १२८; जं० प० ४, ११४. विवा॰ ६,—(गा) श्रसि. स्री॰ (श्रशीति) ७८:भाग्राभिशी.उन्यामी 79 geventynine सम॰ ७६;—गाउइ. स्री॰ (नवति) नव्यासी, इह नी संभ्याः निव्यासी की संख्या. 89; eighty-nine. सम॰ ६६; —तीसइ. ह्यां · (-विशत) जुओ। "एगूए तीस" शण्द. देखा "एगूणतीस" शब्द. vide "प्राणतीम" सम॰ २६; -तीसा. स्री॰ (- ग्रिंशत्) २६; ओ। गण्त्रीस. २६; गुनतीस. 29; twenty-nine. भग॰ २४, १२; २४,७; पन्न० ४; विवा० २; —परागा स्री॰ (-पंचाशत) श्रीगश-पथासः, ४५ उनंचामः, ४६ forty-nine; 49 "एग्रापपरासाहदियाहं" भग० २४, १२; वन० ६, ३७; जं० प० ३, ४४; ४, ११४; २, २४;—पन्ना स्रो० (-पचाशत्) भागल्पयाशः, ४६ उनंचासः, ४६. fortynine; 49. "प्राुखपन्नाराइंदिपहि" सम॰ ४६; जांबा॰ १; -पन्नास. स्रो॰ (-पचा-शत्) भागल्पयासः ४५. उनंचाम, ४६. forty nine, 49. श्रुजो॰ १२=; — वरागा. स्री॰ (-पंचाशत्) लुओ। 'प्राूण-पन्ना" १ " ६. देखो " पुग्रापक्ना " शब्द.

vide "एग्रापन्ना" भग० ८, ५; ३७, १; पन्न० ४, उत्त० ३६, १३८, —वीसति. स्री॰ ('-विशति) १६ नी संभ्या; स्रोग-शीस. उन्नीसकी संख्याः १६. 19; nineteen. जं॰ प॰ १, ११, वव॰ १०, ३३; ३६; चीसा. स्री० (-विशति) गे।गशीस; उन्नीसः १६. 19: nineteen. '' एगूणवीसणायज्भयणत्ता '' सम० १६; नंदी० ५०; भग० १५, 9; 34, 9; श्रातां १४२; नाया १, १६; श्राव ४, ७;-सद्भि. स्रो॰ (-पष्टि) भे।गश्-सा६; ४८. उनसाट; ४६. fifty-nine, 59. "पुगुणसाद्रराइदियाइं" सम० ५६; -सत्तरि. स्री० (-सप्तति) ओडेन्यन-सीतेर; भागशातेर; ६८. उनहत्तर. 69; sixty-nine. " एगुणसत्तीर वासा वास-हर पव्वया परणता " सम॰ ६६;

पगुणवीसइम. त्रि॰ (एकोनविशतितम)
भेगिष्पुसिमे। उनीसवा 19th; nineteenth. " एग्णवीसइमं सयं सम्मत्तं" भग० १६, १०; २०, १; ठा॰ ६, २; नाया॰ १; १६;

पग्रह स्त्री॰ (एकोरका) એક । ३५ द्वीपती न्त्री. एकोरक द्वीपकी स्त्री. A woman belonging to Ekōruka Dvîpa. जीवा॰ १,

पगूरुयं पु॰ (एकोस्क) ओ नाभना ओड अन्तरद्वीप, ७५न अन्तरद्वीपभाना पहेली एक श्रंतद्वीपका नाम, छुप्पन अन्तद्वीपों में से पहला द्वीप Name of an Antara Dvīpa, the first of the 56 Antara Dvīpas. सग॰ ६, ३; १०, ७, ठा॰ ४, २; (२) पुं॰ स्त्रो॰ ओ द्वीपमां रहेनार. उक्त द्वाप में रहने वाला. a resident of the above named Dvipa. भग॰ ६, ३; १०, ७; —दीच. पुं॰ (-द्वाप) ळुओ "एगूरुय" शण्ध. देखी "एगूरुय" शच्द. पांते "एगूरुय" शच्द. पांते "एगूरुय" भग॰ ६, ३; १०, ७, ठा० ४, २; —मसुस्स. पुं॰ (-मनुष्य) ओडाइड द्वीपना रहेनार मनुष्य. एकोरुक द्वीपका रहने वाला मनुष्य. व person belonging to the Ekoruka Dvīpa. भग॰ ६, ३; १०, ७; एगोरुय. पुं॰ (दकोरुक) ळुओ "एगूरुय" शण्ध. देखी "एगूरुय " शब्द Vide "एगूरुय" पण्ण १;

एज. पु॰ (एज) वायु; पवन; वायरे।. हवा; वायु; पवन. Wind; air. " पहू एजस्स दुगल्लाए " श्राया॰ १, १, ७, ४४;

पड़जा. त्रि॰ (एत्य) आववा थे। य त्राने योग्यः Worthy to come. सु॰ च॰ ७, १६६; √ एड. धा॰ II. (*) पर्दवन्तं; नाभी देव; तल्प्वं, डाल देनाः त्यागना. To discharge; to get rid of; to lay down solid excrements etc एडेइ भग० ११, ६; १५, १: १; नाया॰ ५; निर्मा॰ ३,७२;राय॰ २६३; श्रोव॰ ३६:

एडेंति. राय॰ ३४; जं॰ प॰ ४, ११२; एडेंसि. भग॰ १४, १;

प्ढेता सं० कु० भग० २, १; ११, ६; १४, १. नाया० ४,

एडय. पुं॰ (क्) द्वर क्षाभ ओऽयांग परिभित अक्ष विकाश. द्वर त्ताख एडयाग, जितना काल विमाग A period of time measuring 84 lacs of Edayāṅgas. मग॰ ६, ७;

^{*} लुओ ए४ नम्भर १५ नी पुटनीट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रणा. स्रा॰ (ए्पा) ढर्णी; भृग्सी. हारेणी; मृगी A female deer. जं॰ प॰ १३, ४७: पग्ह॰ १. १; जीवा॰ ३, ३; श्रोव॰ १०; प्राज्ज. पु॰ (एर्णेय) भिशाले पहेली श्रीड परिकार क्षेत्र था वह. The first Praudha Parihāra (a kind of austerity) practised by Gośālā. भग॰ १४, १; (२) ति॰ ८२ण संभित्र, भृगनं. हरण संवंधा; मृगका. pertaining to, belonging to a deer. विवा॰ ६; —रस. पुं॰ (-रस) હरिण संभित्ध संभित्ध भांसनी रस. हरिण के मांस का रस. taste of the flesh of a deer. " मच्छरसेय एर्णेज्जरसेय" विवा॰ ६;

एतः त्रि॰ (एतत्) आ; ओ: पहेंबु यहः
This " एतेवं जाग्यह " भग॰ ६, ३२,
सु॰ प॰ १०,

पताचंत. त्रि॰ (एतावत्) એટલું इनना This much; that much. जं॰ प॰ विवा॰ १; वेय॰ १, ४६;

पतोचम. त्रि॰ (एतदुपम) श्रेनी लरीलर; श्रेनाकेवा. इसके नमान Similar to that or this. स्य॰ १, ६, १४;

पत्तिम्र-यः त्रि॰ (इयत्) आटबुं: आ प्रभाखुनु, इतना. This much; of this measure. नाया. १७: विशे॰ १४०; पि॰ नि॰ २२३. — काल. पुं॰ (-काल) ओटबी वभत इतना समय. ६० much time: that much time. प्रव॰ ४३२:

एत्तो. घ० (इतः) आं िशी; ६वे ५छी यहां से; इसके वाद. Hence; henceforward; from this place. घ्रोव० १६: घ्रयाजो० ५६; १३०; पि० नि० १५५; भग० ६, ६; वेय० १, ४६; नाया० २; ६; १२; राय० २६२, प्रव० ३६५: क० प० १, ६, पत्तोवरं. श्र॰ (श्रतापरं) ओनापछी; ओ ६५-रांत इसके वाद; इसके उपरांत. Further than this or that; in addition to this or that. श्रग्राजी॰ १३=:

पत्थ. थ० (श्रत्र) छटां; ओ २थले यहां; इस स्थानपर, Here; in this place. भग० १, ३; ६; २, १; ७, ३; ८, ७; ६, ३३; १४, १; १६, ६; २०, ४; २१, ८; ४२, १; नाया० १; ३, ४; ७; ८; १३; १७; १८; १६; पत्र० १; जं० प० ४, ११६; २, १४२; ७, १४२; दसा० ४, ४; स्० प० १; श्रोव० विशे० ८८; उवा० ७, २०१;

पत्यंतरे. श्र॰ (श्रत्रान्तरे) એટલા વખતમાં. इतने समय में. Meanwhile; in the meanwhile; during that time. सु॰ च॰ १, ७४: २४=;

एम. २० (एवम्) २० प्रश्नारे. इस तरह मे: इस प्रकार से. Thus; in this way. " एमेण समणा वृत्ता " दस॰ १, ३;

ए.माइ. श्र॰ (एवमादि) धत्यादि; स्थे विशेरे. इत्यादि: वंगरह. This, that etc. पिं

नि० भा० १५;

एमेच. श्र॰ (एवमेव) એવીજ રીતે; એમજ. इसी प्रकार. Exactly in this way: precisely in that way. १९० नि॰ ७६; पन्न॰ १; प्रन॰ १६१; क॰ प० १, ७०; √एय. धा॰ І (एजू) ३ पर्व; धुलवुं. कपना.

To tremble; to shiver.
एयइ-ति राय० २६६; भग० ३, ३, ४, ६;

१७, ३; १८, ३;

एयति. सन० ५, ७; १७, ३;

एयस्पंति. भवि० भग० १७, ३:

एयंसु. भू० का० भग० १७, ३;

एय. त्रि॰ (एतत्) आ; साभे रहेशी यील वीगेरे यह; सन्मुख की वस्तु वगरह का टक्षेम्व करने योग्य सर्वनाम शब्द This; that. स्॰ प॰ १०;

एयकम्म ति॰ (एतत्कमंन्) એ छे ध्रै कोनुं ओवे। देशि. यह है कर्म जिसका ऐसा कोई. (one) who has thus acted. विवा॰ १: ४:

प्यगुण. त्रि॰ (एतद्गुण) એટલાએ शृहोत. इतने सं गुणा हुया. Multiplied so much or to this extent. प्रव़॰ १३६६;

एयजोग. पु॰ (एतद्योग) अनी संशंध इसका सम्बन्ध. Connection of this or that. पंचा॰ २, ३५;

एयपहारा. त्रि॰ (एतत्प्रधान) अ छ प्रधान जेभा ते. जिसमें यह प्रधान है वह. (Anything) having this as a prominent factor. विवा॰ १; —एपयार त्रि॰ (-प्रकार) अ प्रधारनुं. इस प्रकार का. of this nature; of this sort. नाया॰ १४.

एयमह न॰ (एतदर्थ) એ भाटे; એ અર્थे. इसलिये. For this purpose; for the sake of this भग॰ ७, ७, १४, १; १=, ७; नाया॰ १; ५; ६; १४; दस॰ ६, ५२;

एयविउत्तः त्रि॰ (एतद्वियुक्तम्) ऄथी २६ित इस के विना. Devoid of or free from this or that. पंचा॰ ६, ६; एयविज्ञः पुं॰ त्रि॰ (एतद्विष) એ छे विद्या

जेनी ते जिसको यह विद्या है वह. (One) possessed of this or that knowledge or learning. विवा १;

प्यसमाया^र. त्रि॰ (एतत्समाचार) ओ छे

भायार केने। ते. जिसका यह ग्रचार है वह. (One) possessed of this ascetic conduct विवा॰ १;

एयग्. न॰ (एजन) ३२५वुं; ध्रुव्यवुं. कंपना. Trembling; quaking. भग० ४, १; पत्र॰ ३६;

एयणा स्त्री॰ (एजना) धुलारी; धुल: कंप कंपी. Tremour; shivering. भग० १७, ३;

एयणुद्देसय. पुं॰ (एजनोद्देशक) स्थापती भाष्ट्रना पांचमा शतकता न्याहमा उद्देशानुं नाम. भगवता सूत्र के पाचवें शतक के आठवें उद्दश का नाम. Name of the 8th Uddeśa of the 5th Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग॰ ४, ५;

एयलई. स्त्रा० (एलको) ओक्ष्र जातनी वनस्पति.
एक जान की वनस्पति A kind of vegetation. भग० २३, १;

एयाणुद्ध्यः त्रि॰ (एनद्बुद्धप) अने अनुसरतुं. इसके अनुरूप Like, resembling or worthy of this or that. कप्प॰ ४, ६०:

एयारिस. ति॰ (एतादश) એવું; એનાજેવું. इस प्रकार का; इसके सरीखा. Of this sort; of this or that nature; similar to this. पचा॰ २, ३४; उत्त॰ ३२, १७; सम॰ ३०; दसा॰ ६, १७, दस॰ ५, १, ६६;

पयास्त्व. ांत्र० (एतद्वूप) ओ अशरनं. इस प्रकार का. Of this sort; of that sort. ग्रंत० ६, ३; राय० २४; ७७; विवा० ४; दसा० ६, २; १०, ३; नाया० ३; ४; ६; भग० २, १; ४, ४, १४, १; १८, १०; उवा० १, ८०; २, ६४; कप्प० १, ४; लं० प० २, २२;

एयावंति. अ॰ (एतावत्) એટલा. इतनाः

इतने. These many; so many. श्राया॰ १, १, १, ७, भग॰ ६, ७; एरंड.पुं॰(एरएड—ईरयित वायुंमलं वा) ओरडे। ओरडानुं वृक्ष. श्रांड, श्ररड का वृद्ध The castor-oil plant. भग॰ २, १; २१, ६; ठा॰ ४, ४; पत्र॰ १;—कहसगडिया श्री॰ (-काष्ट्रशकटिका) ओरडेना साइडानी गाडी श्ररंडकी लकडी की गाडी. a cart made of the wood of the castor-oil plant नाया॰ १; —मिजिया. श्री॰ (मिजिका) ओरडानी भीं॰. श्ररंडों की मीजी. a seed of the castor-oil plant. भग॰ ७, १; एरएएवत. न॰ (ऐरएयवत्) ओरड्यूय्य-

नामनु अक्षे भू भिनु ओक्क्षेत्र ऐरएयवय

of a region of the Akarma-

Name

नामक अकर्मभूमि का एक चेत्र

bhumi. सम॰ १;

एरएएवय-म्न. पुं॰ (ऐरएयवत्) ओ॰ शुप्राण्वय-म्न. पुं॰ (ऐरएयवत्) ओ॰ शुप्राण्वय-म्न. पुं॰ (ऐरएयवत्) ओ॰ शुप्राण्वय नामनु रमध्यास अने धिरवत क्षेत्रनी
वस्यो इर्वत चेत्र के वीचमें स्थित ऐरणवय नामक जुगलियों का एक चेत्र Name
of a region inhabited by the
Jugalias, situated between Ramakavāsa and Iravata Ksetra
जं॰ प॰ भग॰ ६, ७, २०, ६; ठा॰ २, ३,
पन्न॰ १६, जीवा॰ १, (२) जि॰ ते क्षेत्रमां पसनार. उक्क चेत्र में रहने वाला
(one) who resides in the
above mentioned region अणुजो॰
१३१;

परवश्च-यः पुं॰ (ऐरवत) भेरुथा उत्तरभा आवेक्ष क्रभ भूभिनु अरत केव्डु छेल्लु क्षेत्र. मेरु की उत्तर दिशाम स्थित कर्मभूमि का भरतत्तेत्र वरावरी का ग्रंतिम त्तेत्र. The Vol 11/43

last region of Karma Bhūmi to the north of Meru, equal in size to Bharata region. सम॰ ७; जीवा० १; सू > प० १०. त्रागुजो० १३४; पञ्च० १; नंदी० ४२; भग० २०, म, विशे० ४४६; प्रव० ३; जं० प० ६, १२५, ठा० २, ३; (२) त्रि॰ धरवत देत्रमां वसनार. ऐरावत चेत्र में उप्तन, एरावत चेत्र में रहने-वाला born in Iravata Ksetra; residing in Iravata Ksetra अगुजो॰ १३१, —कृड. पु॰ (कृट) શિખરી પર્વાતના ૧૧ ફૂટમાંનુ દશમું ફૂટ-शिभर. शिखरी पर्वत के ११ क्टों में से १० वां कूट. the 10th of the 11 peaks of the Śikharī mountain ਚੰਕ प॰ ६, ५२४;

पराचश्च पुं॰ (प्रावत) लभ्णूद्वीपने उत्तर छेडे आविक्ष सरत केवडं छेट्स क्षेत्र जंबूद्वीप की उत्तर दिशामें स्थित भरत जेन जितना श्रंतिम जेन. The last region to the North of Jambu Dvipa, equal in size to Bharata iegion. ज॰ प॰

परावर्इ. ली॰ (ऐरावती ईंशः सन्त्यस्याः)

कुणाला नगरी पासे वहेती अरावती नामनी
नही कुणाला नगरा के समीप बहने वाली
नदीका नाम. Name of a river flowing in the vicinity of the city
of Kuṇālā वेय॰ ४, २८, काप॰ ६. ५२;

एरचण. पुं॰ (ऐरावण-त) प्रथम देवले।कना
ध्रिनी हाथी; के देवता हाथीतुं रूप ला
ध्रिने पाता उपर भेसाडे ते प्रथम स्वर्ग के
इंद्र के हाथी का नाम, जो देव हाथी का रूप
धारण कर इद्र को अपने ऊपर वेटाला है
वह देव. The elephent of the
Indra of the first Devaloka,

Indeed; exactly so. भग० ७, ६; नाया० ६; ६; १०, १६; नाया० घ० एवंचेव थे० (एवंचेव) ळुओ। "एवं " शण्दं देखों "एवं " शहद. Vide "एवं" नाया० १; २; भग० १५, १, २५, २; ४१, ६; एवएहं. छ० (एवम्) ळुओ। "एवं " शण्दं येव १, १४; ४, २६; एवितय. ति० (इयत्) ळुओ। "एवह्य "

शल्ह. देखो " एकइय "शब्द Vide "एकइय" भग० १, ७; ११, १; एकपि अ० (एकमिप) એभभण इस प्रकार भी. Even thus; even so. भग०१,६; एकभूत चादि ति० (एकंभूत बादिन्) आव-सिंदत पहार्थनेक पहार्थ भाननार ओक नय सात नयभाने। सातभा नय भाव सिंहत पदार्थ को ही पदार्थ मानने वाला एक नय (One) who holds the logical standpoint that a substance should be styled by its name only so long as it actually performs the operation denoted by it; the seventh of the 7 logical beliefs स्र० २, ४, १०;

एवं भूय. पुं॰ (एवं म्त) के शण्हती के अर्थ थता है। ये ते अर्थ पुरे पुरी रीते, ते वस्तुमां कुओ त्यारेकं तेने ते वस्तु इहे, केम धट शण्ह नेष्टावाची धट् धातुंमाधी यतेक्षे। छे तो कयारे ते घडे। पाछीधी भरेक्षे। स्त्रीना भरत इ हिपर है। य त्यारेक तेने घडे। इहे अन्यथा नहि ओम भाननार ओड नय सात नयभांने। ७ भे। नय. विस शब्द का जो अर्थ होता हो उस अर्थ का पूर्ण भाव उस शब्द वाचि वस्तुमें दिखलाई पढ़े तब ही उस वस्तु को वस्तु कहे जैसे कि घट शब्द नेष्णवाची घट् धातु से बना है जब पानी से

भरा हुआ स्त्री के मस्तक पर घडा रखा हो तभी उसे घट कहना श्रन्यथा नहीं; सातनयों में से एक नय. The seventh of the seven logical standpoints, viz that a substance should be styled by its name only so long as it performs actually the operation denoted by it; e g. a pot should de styled a pot only when it is actually filled with water and "carried" by any woman upon the head. विशे॰ २२५१;ठा॰ ७, १; भग० ५, ४, पन्न० १६; प्रवः = १४; पंचा॰ ६, १२; (२) વિચ્છેદ ગયેલ ખારમા દિષ્ઠવાદ અંગના બીજા વિભાગ સૂત્રના ૧૬ भे। भेट. जिसका विच्छेद हो चुका है ऐसे वारहवें दृष्टिवाद श्रंगके दूसरे विभाग के स्त्रका १६वां भेद. name of the 16th division of the 2nd section of the 12th non-extant Anga viz. Dristivada नंदी॰ ५, ६,

एवंबिह. त्रि॰ (एवंबिघ) એવા પ્રકારનું-ના-नी इस प्रकार का-की Of that or this sort, such सु॰ च॰ ४, =२; पंचा

एवमेव अ॰ (एवमेव) अभि॰ इसी प्रकार. Exactly ९०; quite so. नाण॰ १; भग॰ १. १;

एवामेच श्र० (एवमेव) એવીજ રીતे इसी प्रकारसे. Exactly so; quite in this manner. ज॰ प॰ नाया॰ २; ३; ४, ५; =; ६; १०; १४, १६; भग॰ १, १; ६;३,३; ५,३; ६; १४, १; २५,८; उवा॰ ७, २१६;

 $\sqrt{\mathbf{u}}$ स धा॰ $\mathrm{III.}$ (\mathbf{v} ्प्) शे \mathbf{u} ंगुं; तपास

કरवी; पुष्ठ पर्छ क्ष्रवी. खोजना; ढुंढना, पुछ पाछ करना. To search; to inquire after.

एसे वि॰ श्राया॰ १, ६, ४, १०; एसिज्जा. वि॰ उत्त॰ १, ७, २. ३०; दस॰ ४, २, २६;

एसंज्जा वि॰ सूय॰ १, १, ४, ४; एसंत. व॰ कृ॰ उत्त॰ ३०, २१; एसमारा व॰ कृ॰ वव॰ १०, २;

√ एस. घा॰ I॰ (इप्) भ्र² ७ वुं; धं² छ। इरवी. इच्छा करना To wish; to desire

एयइ. पि० नि० ७५;

पस. ति॰ (एप्यत्) आयतोः अविष्यत् भविष्य काः श्रामामी Future; the future. विशे॰ ४२२, —काल पुं॰ (-काल) आयते। अस. श्रामामा काल coming time; future time दस॰ ७, ७; एसम् न॰ (एसम्) अभधीय वस्तु, निर्धेष आक्षाराहि दोषरहित श्राहारादि. A thing worthy to be used as food, unobjectionable food etc. उवा॰ १, ६६; नाया॰ १६; भग॰ २, ५,

पस्तगा. क्षी॰ (एपणा) आहाराहिनी गवेषधाभां साधु अने गृहस्थी अन्नेथी क्षागता
शंकिताहि हश है। आहाराहि की गवेषणा मे
स धु और गृहस्यों से जो दश दोष लगते हैं
वे. Any of the 10 faults (viz
Sankita etc.) incurred by a
layman as well as an ascetic
in connection with begging
food etc प्रव॰ २२; ४७१, ठा॰ ३, ४;
पि॰ नि॰ १, (२) ६५थी। पूर्वक आहाराहि की गवेषणा
समिति उपयोग पूर्वक आहाराहि की गवेषणा
करना, तीमरी समिति का नाम name of

the third Samiti, circumspection in begging food etc. বল্ত ৭. ३१; २,४, =, ११; २४,२, ३०; २५; भग० २, १, सूय० १, १, ४, ४; पराह० २, १, वव० १०, २, श्रोव० १७: सम० प॰१६८: —श्रसमिश्र त्रि॰ (-श्रसमित) આહારાદિની ગવેવણારુપ સમિતિ વિનાના: એ पणा समिति रिदेत. श्राहारादि की गवेपगा रूप समिति से रहित; एपणा ममिति से रहित. (one) devoid of circumspection in begging food etc. दसाः १, २; २१; २२, — श्रसमित. त्रि॰ (- श्रसमित) અસૂઝતાે ભાતપાણી લઈ ખીજા સાધુની સાથે કલદ કરનાર, અસમા-धिनुं वीसमं-छेल्बं स्थानः सेवनार श्रसूकता (दोपयुक्त) श्राहार पानी लेकर दूसरे साधु के साथ कलह करनेवाला-ग्रसमाधि २० वा-श्रन्तिम स्थानक का सेवन करनेवाला (one) who resorts to the last viz. 20th source or cause of Asamādhi i. e. non concentiation; (one) who quarrels with another Sādhu, after receiving food involving sin. सम॰ २०, -रय (-रत) निर्देश आदार લેવામાં સાવધાન 'निर्दोष श्राहार लेते में सावधान. one who cautiously and carefully receives only unobjectionable food दसा॰ १, ३; — वि-सोहि ह्या॰ (-विशोधि) अपणानी शुद्धि. एपणा समिति की शुद्धि. purity or faultlessness of circumspection in begging food etc ठा० ४, २; —समिह, स्री॰ (-समिति) ४२ प्रधारना દૂવણ ટાલી શુદ્ધ આહાર પાણીની ગવેષળા કરવી તે, પાંચ સમિતિમાંની ત્રીજ સમિતિ.

४२ प्रकार के दृष्णों से रहित शुद्ध प्राहार पानी की गवेपणा करना; पांच समितियों में से तीसरी समिति. the third of the 5 Samitis viz hegging of alms untainted by the 42 kinds of faults. नम० ५; ठा० ८, १; —सिमय. पु॰ (समिति-एपणायां उत्पादनग्रहणग्रास विषयाया सम्यगितः स्थितः) निर्देष आहार लेनार. निर्दोष चाहार घ्रहण करनेवाला. one who receives faultless or absolutely untainted food " एसणा समिएणिश्वं वज्जयंते श्रणेसणं '' स्य०१,११, १३, उसा० ५, ६; भग० २०, २,नाया० ५; एससिज्जः त्रि॰ (एपग्रीय) भूनिने शेपशा કરવા યાેગ્ય; લેવુ કલ્પે તેવું: દાેપ રહિત मुनि के एषणा करने योग्य; निर्दोप; लेने योग्य.Faultless; unobjectionable, worthy of being received as food by a Sadhu. भग० १, ६; २, ५; ४. ६; ७, १; ८, ६; १८, १०; उत्त० १२, १७; ३२, ४; नाया० ५; १६; १६; ठा० ४, २; उवा०१, १८, पि० नि०१६१; राय० २२५: प्सिणिय त्रि॰ (एपणीय-एप्यते गवेप्यते उभः मादिदोपविकलतया साधुभियत्तदेपणीयम्) निर्देश - हाप वगरन निर्दोष; दोष रहित. Faultless: untainted, unobjectionable (e g food). दस॰ ६, २४; एसिय त्रि॰ (एपित) गे। थरीनी विधिधी प्राप्त थयेस (व्याखाराहि) गोचरी की विधि से प्राप्त (श्राहारादि). (Food etc.) got by Gochani (1. e begging) in a particular fashion). श्राया॰ २, १, ६, ५०, सूय० २, १,५६; भग०७,५; एसिय. पुं० (एपिक) असंभ्यात ओडेन्द्रिय જીવાની હિસા થાય એવા આહાર કરતા

गेंड हाथीने भारी भावं ते श्रेय भेम भान नार गेंड तापस; हाथी तापस. श्रसंख्यात एकेंद्रिय जॉवॉकी हिंसा जिसमें हो ऐसा श्राहार करने की श्रेपेचा एक हाथी को मार कर खाना श्रेष्ट समभने वाला तापसी; हाथी तापस. An ascetic believing that it is better to kill an elephant for food instead of taking food involving killing of countless one-sensed living beings; (such a one is styled a Hathi Tāpasa). " एसिया वोसिया सुद्धा" सूग॰ १, ६, २;

उपसिय पुं॰ (=) भिशाणीया गोलां; ग्वालः A cowherd. श्राया॰ २,१,२.११; एस्स पुं॰ (एप्यत्) लिविष्य अल; लावी. भविष्य काल: भावी काल. The future; future time. विशे॰ २८३,

पहंता नि॰ (एधमान) वधतुं; वृद्धि पाभतुं-तो-ती. बढता हुआ; बढती हुई; वृद्धिगत. Increasing, growing. दस॰ ६, २, ४; पहा स्री॰ (एधा) शभी (भीकडी) ना अष्ट, धेंध्य शमीकी लकडी; उस्तरा नामक वृत्तकी लकडी. The wood of the Samī tree; fuel. उत्त॰ १२, ४४;

पहिया ति॰ (ऐहिक) आक्षी अस्पन्धी, आक्षी अनुं इस लोक सम्बन्धी: इस लोक का Belonging to, pertaining to this world. श्रोघ॰ नि॰ ६२: — एएए सिया ति॰ (-प्रदेशिक) विषम संण्या— ३, ५, ७ वगेरे ओडी संण्याना प्रदेशथी नि॰ पन्न थयेल. विषम संख्या के प्रदेश से निष्म resulting from odd numbers such as three, five, seven etc. भग॰ २५, ३;

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

ऋों.

श्रोश्रंसि पुं॰ (श्रोजस्विन्) भननी धीरल वादीः, धैर्यवान् ; धीर. धीरज वालाः धैर्य धारण करनेवालाः धीर. Courageous; brave. श्रोव॰ १६ः

श्रोइरास त्रि॰ (श्रवतीर्स) अवतरेक्ष; ઉतरी आवेक्ष श्रवतिरतः उतरा हुत्रा Born; descended, come down. श्रोव॰ २६; श्रोघ॰ नि॰ ३४, पचा॰ १५, ४२;

श्रोंकार पुं॰ (श्रोकार) ॐ धरने। ઉચ્ચार धरने। ॐ कार का उच्चार करना Pronouncing the word "Omkāra". उस॰ २६, २६;

स्रोकाच्छियाः स्री॰ (स्रवक्तिका) लुओ। "उक्कच्छिया" शण्ट देखो "उक्कच्छिया" शब्द, Vide. "उक्कच्छिया" स्रोघ॰ नि॰ ६७७; प्रव॰ ५४३;

√ घ्रोकड धा॰ I (ग्रप+कृष्) पार्शुं भें-यतुं. पीछा खीचना. To draw back; to pull back.

त्रोकदुइ. क॰ प॰ ३, ७;

श्रोकद्विय सं० कु० क० प० ४, १;

श्रोकपृत्मा स्त्री॰ (श्रपकर्पणा) अभवर्तना. श्रपवर्तना Drawing back, turning back. क॰ प॰ ३, १०,

भ्रोगाहिन्त वि॰ (श्रवगृहोत) धीरसेल; लीक्नभांथी क्षथभां लीवेश ब्रहण किया हुआ; परांस हुआ Served as food; held in the hand (sup. food). ठा॰ ३, ३.

श्रोगाढ ति॰ (श्रवगाढ) आशश अदेशते अवगाढी-२५१६६ हरीते रहेल. श्राकाश प्रदेश को व्याप्त करके रहा सुद्या Pervading or touching Akāśa Dravya i. c. space. उत्त०१८,२४; पन०२; जीवा॰ १; विशे॰ ६७४: श्राणुजी॰ १०१, १४८; ठा॰ १, १; भग॰ १३, ४; १६, ६; २०, २; २५, ३; ४; नाया॰ द; ६; १७; ज॰ प० ७, १३७; (२) कभीतमा ઉંડું. जमीन के भीतर ऊंडा. ते००० in the ground. प्रव० १४८७, — रुइ. स्री० (- रुचि) उपदेश है शास्त्रने अवगाहवाथी उत्पन्न थती धर्म इथि. उपदेश श्रयवा शास्त्र के श्रवगाहन — मनन से उत्पन्न होनेवाली धर्म हांचि. love for religion excited by & sermon or a study of scriptures. मग॰ २४. ७; ठा॰ ४, १;

श्रीगाढसेणिश्रापरिकम्म. न॰ (श्रवगाहन-श्रेणिकापरिकर्मन्) ६ष्टिवाहना परिक्षम् नी छट्डे। भेह दष्टिवाद के परिकर्म का छठवां भेद. The sixth division of the Partkarma of Dristivada नंदी॰ पह;

श्रोगाढावत्त. न॰ (श्रवगाढावर्त्त) श्रीगाढ-सेिश्यापरिक्ष्मेनी १४भे। प्रकार, श्रोगाडसे-शिश्रा परिकर्म का चौदहवां भेद. The 14th division of Ogadhasenia Parikarına नंदी॰ १६;

त्रोगास. न॰ (श्रवकारा) अवशशः भुर्स्ती लभीन. श्रवकाराः खुती जगहः खाली स्थान. Open space. " श्रोगासं फासुयं नखा " दस॰ ४, १, १६ः

√ श्रो गाह घा॰ I. II (श्रव + गाह्) अवगाद्धपुं, अन्दर पेसपुं; स्पर्श करवा. श्रवगाहन करना; भीतर प्रवेश करना; स्पर्श करना To pervade; to enter, to touch.

भोगाहइ. भग० २०, ८; प्रव० ६६८, भोगाहेइ नाया० २; ९: १६; श्रीगाहंति. श्रोव० ३६; श्रोगाहेका भग० १, ५: १८, १०; श्रागुजी • १३४: श्रोगाहह. नाया० १७, श्रोगाहिता. सं० कृ० श्रोव० ३६; जं० प० १, १४; ७, १४२; ७; १२७; भग० २, १; ८; ३, ७; पस० २; श्रोगाहेका. स० कृ० नाया० २; ६; भग० २०,

श्रोगाहित्तण, हे॰ श्र॰ श्रोव॰ ३६;
श्रोगाहित गि॰ नि॰ ४०५;
श्रोगाहित जै॰ प॰ ४, १०४; प्रव॰ १४३५;
श्रोगाह, पुं॰ (श्रवगाह) अवशादना; अवशादना; आकाश का लक्षण; मार्ला स्थान. Interpenetration; lit. entrance; giving space to other substances; this is the nature of Akāśa. जत्त॰ २६, ६;

આદિ વસ્તુ જેટલા ક્ષેત્રને અવગાદિ રહે ने अद्धं क्षेत्र जांब, शरीर खादि बस्तु जितने चेत्र मं न्याप्त होकर रहे उतना चेत्र. Space occupied by any object. भग० १, १; ४, ७; ८, १; पि॰ नि० १८६; श्रोगाहलुग. त्रि॰ (धवगाइनक) अवगाह-नार. श्रवगाइन करने वाजा। (One) that occupies a particular space; occupying space ডা- 1,1; भोगाहणुसेणियाः स्री० (भवगाहनश्रीज्का) અવગાહનશ્રેણી નામે દ્રષ્ટિવાદાંતર્ગન પરિકર્મ-ने। એક ભાગ. अवगाहन श्रेणी नामक दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक Name of a division of the Patikarma forming a part of Dristivada. समः १२;

श्रीगाहणा. स्री॰ (श्रवगाह:1-श्रवगाइन्ते-श्रामते श्रवतिष्टन्ते जीवा यस्यां सा तमा) शरीराहिनी Gयार्ध शरीर श्रादि की क्याई. Height of the body etc भग॰ ३, ५; ९६, ३; २४, २०; २४, ४; २५, ६; ३६, १; थ्रोब॰ ४४; श्रणुजी॰ १३४; उत्त॰ ३६, ६०; ३६, ६१; जीवा० १; नंदी० १२; नाया॰ थ० प्रव० ४८५: -- हागा. न॰ (-स्यान-ध्ययगाहन्तेजीवा यस्यां माऽव-गाइना तनुस्तदाधारभृतं चेत्रं वा तस्याः र्थानानि प्रदेशवृत्तां विभागाः श्रवगाहनास्या-नानि) અવગાડના-શરીરની ઉચાઇના સ્થાન-विभाभ, श्रवगाहना श्रधांत शरीर की कंचाई दा स्थान-विभाग. A (smaller) division of the height of the body. भग॰ १, ५: —नामनिहसाउय, न॰ (-नामनिषत्तायुष्क) औद्दारिकादि शरीर નામકર્મ સાથે આયુષ્ય કર્મના ળન્ધ થાય ते; आयुर्णधने। योध प्रधार, श्रीदारिक गरीर नामकर्म के साथ श्रायुष्य कर्म का बंध होना: श्रायु बंध का एक प्रकार. The linking together of Ayusya Karma with the Namakarma that builds up the physical body पन्न० ६: भग० ६, =: -संठाण. नं• (-संस्थान) अज्ञापनाना २९ भां पहतुं नाम है केमां औद्यारिक वगेरे पांच शरीरा-ना संशुख वर्गिन वर्षान धर्य छे. पजापना के २) वें पद का नाम कि जिस में श्रोदारिक श्रादि पांच शरीरों के संस्थान श्रादि का वर्णन है. Name of the 21st Pada of Prajñāpanā, dealing with the conformation of the five kinds of bodies viz. physical etc. पन्न ॰ १:

श्रोगाहिमः त्रि॰ (श्रवगाहिम) ५४वालः

भुभ्दी; भासपदुवा वगेरे. मालपुवा च्यादि पकवात्. Rich food; sweetments. पि॰ नि॰ ४४८; पचा॰ ४, ११;

श्रोगाहिमगः पुं॰ न॰ (*श्ववप्राहिमक)
पश्चानः भिक्षधं वगेरे. पक्वानः मिठाई
वगरहः Sweet-meats प्रव॰र॰३,२९८ः
√श्रोगिएडः धा॰ I,II (श्रव+गृह्)
ढाथभां क्षेत्रं; अद्ध श्र्वं हाथमं लेनाः महर्ष करनाः To hold in hand; to take. श्रोगिएडइः नाया॰ १; ठा० ३,३; भग० ६, ३३;

श्रोगिष्हेता. सं॰ कु॰ नाया०१;भग॰ ६,३३; श्रोगिषिहत्ता. सं० कु॰ भग० २, ४; उवा॰ ७, ११३; २२०; क्रद्य॰ =, ६;

श्रोगिविसय. सं • हा श्राया • २, ०,१,१४६; श्रोगिग्हण न • (श्रवप्तह) अर्थाव्यक्ष के । नाम. श्रयांवप्रह का एक नाम. A synonym for Arthavagraha i. e. vague idea or apprehension of an object. नंदी • ३ • ;

द्योग्गह. न॰ (सवप्रह) आता; संभित; २०११. श्राज्ञा; हुक्म; सम्मितः Order; permission; consent. मग॰ ९, ३३; दस॰ ४, १, १८; ८, ४ नाया॰ ४; पंचा॰ ६, १३;

भोगाहरण. की॰ (भवमहरू) धिरियाना विषय-रूप पुर्शिनों अद्मल इरवुं ते. इहियोंके विषयरूप पुर्गलों का प्रहण करना. Drawing or taking to oneself the molecules of the various objects of senses. पश्च- १४;

श्रोध. पुं॰ (भ्रोध) प्रवादः संसारने प्रवादनु रूपः आपवाभां आवे छे भाटे संसाररूप प्रवाद प्रवादः संसार को प्रवाहका रूपक देने में श्राता है वास्ते संसाररूप प्रवाह. A current; a flow; metaphorically worldly Vol. 11/44.

existence. " एते श्रांघं तरिस्संति " स्य० १, ३, ४, १८; २, ६, ४४; क० प० १, ८१; पंचा० ३, ३; (२) सभूद; राशि; क्रथी। समृह; समुदाय; ढांग a group; a heap, a collection. जं॰ प॰ ४, ११४: नाया॰ १४; सम• ७; राय॰ ३७; (३) साभान्य; शभुव्यय सामान्य; समुचय; साधारण. accumulation; general, broad nature. भग॰ २४, ३; ४: पनः =; —न्नादेस पुं॰ (-न्नादेश) सामान्य प्रકारः सामान्य व्यपेक्षा. सामान्य व्रकारः सामान्य अपेद्धा. matter of course; matter of common expectation. " श्रोषादेसेवं सियकड जुम्मा "भग० २४, ३:४;-- म्राययण्. न० (-म्रायतन) शे।ध-પ્રવાદ-પરંપરાથી મનાયલા તીર્થસ્થાન, परं-परा से माने जाने वाले तीर्थस्थान. a place traditionally regarded sacred. भाया २, १०, १६६; —सत्तता. का • (-संज्ञा) भितज्ञानायरखुक्रभेना क्षये।प-શમથી સામાન્ય બાધ થાય તે-જેમ બીજાની દેખાદેખીયી બાલક નીસરણી પર ચઢે પહા તે સમજતા નથી કે હું કેના પર ચડયાે. मतिज्ञानावरणा कर्मके चयोपरामसे जो सामान्य नोध होता है वह-जिसे दूसरेकी देखादेखी से वच्चा निसरनी पर चढता है किन्तु उसे यह नहीं सममता कि वह किमपर चढा है. ordinary knowledge arising on account of the subsidence and destruction of the Karma which obstructs Matijñana पन॰ =; --श्रोघस्सरा लो॰ (-श्रोध-स्वरा) ચમરચ ચા રાજધાનીના દેવતાને संदेशा पायाउनारी धंटा. चमर चंचा नामक राजधानी के देवों को संदेश जिससे पहुंचाया जाताहै वह घटा. a bell by which.

messages were communicated to the deities of the Chamara Chancha capital, 30 40 4, 998; श्रोचार. पुं॰ (श्रवचार) धान्यनी लीणी हाहार. धान्य का लबा कांटा. A granary or store-house of grain, somewhat elongated in shape, श्राम्त्री॰ १३२; श्रोचुलग्र. न॰ (-श्रवचूलक) संगाम; याउँ।. लगाम. A bridle; reins. "श्रोचलमुह चंटाधर चामर थापक परिमाडिय कटिए" विवा॰ २: ज॰ प॰ ३, ६१;

श्रोच्छाहिश्र. त्रि॰ (उन्माहित) ७, साद-વંત કરેલું: વખાણ કરી ઉત્સાદ ચડાવેલ. उन्साहित कियाहुआ; उपदेश देकर उत्साहित किया हुआ. Encouraged; enlivened with applause. वि॰ वि॰ ४६४; श्रोज न॰ (श्रांजम्) भक्षः ताशत बन्नः যালি. Strength; power; vigour. पग्ह० २, २;

च्चोट्ट. पुं॰ (चोष्ट) है। इ. चोंट. A. lip. श्रयाजी ० १३: १२८: १३१; नाया ० ८: जं० प० पन्न० २; राय० १६४; विवा० २: श्रीणमंत. व॰ कु॰ त्रि (श्रवनमत्) नीय नभतुं, नीचे नमाहश्रा. Bending or inclining low. श्रोष॰ नि॰ भा॰ २१२; भ्रोगय वि॰ (श्रवनत) पांड वेलेशुं : नीये नभेशं. नाचे नमा हुआ. Bent low; inclined low; curved सु॰ च॰ १. ३=२; नाया० १; श्रोघ० नि० २२३; √श्रो-तर. था॰ I.II. (श्रव+तृ) आंध-रुख नाभवं: ६भेरवं आधन रखनाः दालगा. To add to; to put or throw into boiling water. (3) धतरवृं. उतरना. to descend. भोपरई. पि॰ नि॰ ३८८;

भोयरंत. र्प० नि० ५१८:

चोयारिया. प्रे० सं० कृ० दस्र ५, १, ६३; श्रोयारमास प्रे॰व॰क्व॰श्राया०२, १:६,३४: श्रीतारः पुं॰ (ऋबतार) प्रवेश क्ष्ये। अंहर ઉत्तरपं प्रवेश करना To enter; to descend into, fazio neve:

श्रोतिएए। त्रि॰ (भवतीसं) पार उत्रेतीः भार भाभेक्षी. पार उतराहुआ. पार पाया हुआ. (One) who has crossed or reached the opposite side. उत्त**े ४. १४: १०. ३**२:

भोद्रगः पुं॰ (श्रोदन) सातः रांधेल-याणा. भात, पके हुए चामज. Cooked rice जीवा॰ ३, २; भग॰ १, २; उना॰ १, ३४; पचा॰ १०, ३७:

श्रोधारिणीः स्ना॰ (ऋवधारिशो) निश्चय-शरिशी (भाषा) निश्रय कारक भाषा. Decisive speech. इस॰ ७, ४४;

√ ख्रो-पड. धा॰ I. (श्रव+पत्) नीथे ५७वुं. नीचे गिरना. To fall down; to come down.

श्रोतयह, भग० ३, २;

श्रावयात. विशेष १४६:

श्रोदयंत श्राया० २, १५, १७६: नाया० ६; कप्प॰ ३, ३७: ५, ६६:

श्रोवयसायः व॰ कृ॰ नाया॰ १; ६; भग० ११.११: राय०७२:र्जं० प०४,११७:

अोप्पाइय. त्रि॰ (श्रोत्पानिक) ^१८थात संभेधी. इत्यात सम्बन्धा. Relating to the fall of a meteor or a conflagration etc मृय॰ १, १२, ६;

श्रोवद्धश्र. त्रि॰ (श्रवबद्क) अभुः સમય સધી કાર્દની બાંધણીમાં આવેલ: परवश्र. श्रमुक समयतक किसी के वन्धन में श्राया हुश्रा, पराधान. Bound down for a time; dependent. प्रव १६८;

मोभह. त्रि॰ (*) भागेक्षुं; यायेक्षुं. मांगा हुम्रा Asked, begged; solicited. श्रोध॰ नि॰ १४७;

श्रो-भम. घा॰ I (श्रव + श्रम्) ६२वुं, लभवुं. फरना; भटकना, भमना. To wander; to roam.

चोभामेइ प्रे॰ राय॰ २३६,

श्रोभावणाः त्री॰ (श्रवभावना) ઉपदास, देवना; भश्क्ष्री. उपहास; श्रवहेलना; हंसा. Ridicule; insulting; disrespectful joke. श्रोघ॰नि॰भा॰=१; प्रव॰१६३;

√ श्रो-भास. था॰ I,II (श्रव-भाप्) याथतुं, हातार पासे भागतुं दाता के पास से मांगना, याचना करना. To beg: to solicit a favour.

घोभासिज्ज. श्राया० २, १, ५, ३०;

√श्री-भास. धा॰ I,II (श्रव + भास्)
प्रकाश थतु, यसकार करवे। प्रकाशित होना,
चिलकाहर करना Toshine, toglitter.
श्रोमासति. राय॰ २७०,

श्रोभासइ स्० प० ३, राय०१२०; ठा०२,२, श्रोभासइ. भग० १, ६;

श्रोभासंति म्०प० १८; भग० ७, १०; ८. ८; १४, ६. ज० प० ७, १३७, राय०२७०,

ष्ठोभासः पुं॰ (श्रवभास) ६४भा भाक्षाश्रद्धनुं नाभ. ६४वें माह्यह का नाम Name of the 65th planet, सू॰ प॰ २०; ठा॰ २, ३; (२) अला; जांक प्रभा; काई light; lustre; brilliance. श्रांव॰ श्रोभासिय. त्रि॰ (श्रवभासित) यायना करेस; भागीसीयेस. मागकर त्तिया हुत्रा, याचित. Begged; solicited; got by solicitation. श्रोघ॰ नि॰ ३१३;

स्रोम त्रि॰ (प्रवम) ઉણું; शेर्छुं, न्युन; अधुर्. कम; अधुरा; न्यून. Less; falling short पंचा॰ १६, १६; उत्त॰ २६, १५; ३०, १५; ३२, १२, पि० नि० ६४३, पि० नि॰ भा॰ ४४, (२) दुधल; दुर्लिक्ष श्रकाल; दुष्काळ; दुर्भिज्ञ. famine; scarcity; dearth of food. ' जोवामु कहिव शोमे " पि॰ नि॰ २२०; (3) असार; तु२७. श्रमार; तुच्छ; सार रहिन; हीन. worthless: unsubstantial. उत्त॰ १२, ६, श्राया॰ २, २, ४, १४६, ठा० ४, ४; —(मो) उयरण न० (- - उदरण = उदर) उछाइरी तथ, नित्य भारा हथी आधुं भावुं ते उनादरी तपः नित्यके भोजन के परिमाण से कम भोजन करना. the penance consisting in eating less than one's fill " श्रोमोयरगं पचहा " उत्त॰ ३०, १४;

—(मो) उयरिस्रः न० (-उदिक) दुष्कातः दुष्कातः दुष्कातः दिशांगिः ; scarcity of food. श्रोच नि० ०,

— उयरिया स्रो॰ (-उदिका-श्रवमं न्यून-मुदरं यस्यां सा तथा) उछो। हरी तपः १० णाह्य तपभांनुं भीलुं. उनोदरा तपः इइ प्रकारके वाह्य तपों में से दूसरा तप eating less than one's fill; the 2nd of the six external penances. " श्रमासम् श्रोमोयरिया भिक्खायरिया

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने।ट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट (*) Vide

oot note (*) p 15th

ठा० ६, १; ^{भग}० ७, १; श्राया० १, ४, ४, १५६: १, ६, २, १८३; -कोठया. स्रा॰ (-कोहता) भाषी पेट. खाली पेट. emptiness of stomach. " बाहरस-एग्णा समुष्यज्ञद्व तंजहा स्रोनकोठयाए " ठा॰ ४, ४; —चेलः त्रि॰ (-चेल) प्रभा-**७११ ओन्छां वस्त्र राभनार, प्रमास से कम** वन्त्र रखनेवाला. (one) having less than the permitted number or quantity of clothes आया. १, ७४, २१२; —चेलग. पुं॰ (-चेलक-श्रवमानि श्रसाराणि चेलानि यस्य सः) टुंडा अने ज्युना वस्त्र पदेशनार. कम र्यार जूने वस्न पहनने वाला; मेले वस्नों वाला one shabbily dressed; one putting on short and old garments उत्त॰ १२, ६: - चेलिश्रः त्रि॰ (-चेलिक) প্রথী। " श्रोमचेल " શদ্দ. देखो " श्रोमवेल " शब्द vide " श्रोम-चेव " " अदवा संतद्त्तरे भदुवा भोमचे-त्रप् श्रद्वा एगसाडे " श्राया॰ २, ५,२, १४६: —रत्तः पुं० (ः) क्षय तिथि; धटेश तिथि स्नय तिथि; घटी हुई तिथि. n lunar day beginning and ending without one sunrise or between two sunrises. श्रोघ॰ नि॰ २८४: -राइशिश्च. पुं॰ (-रात्निक) दीक्षाये न्हानी (साधु). दीचा की अपेचा द्याटा (साधु). : Sādhu junior in point of Dīkṣā or entrance into the religious order. 310 4,3;

श्रोमंथिय. त्रि॰ (श्रवमस्तक) नीयुं भस्तक

डरीने शेरेश मस्तक नांचा करके वेठा हुआ. Sitting with the head bent or low "नो कपड़ निगांशीए श्रामंधियाए" वेय० ६, २६; विवा॰ २; निर० १, १;

स्रोमश्य वि॰ (श्रवमत्यय) आहारना ओह हाप श्राहार का दोप A fault connected with food, पंचा॰ १३, ८;

स्रोमत्त. न॰ (स्रवमस्त्र) ओन्छापणुं हीनत्तः; स्रोह्मापन Scantiness; paucity. राय॰ २६०: पत्र॰ १४:

√श्चो-मा. धा॰ I. (श्चव+मा) द्राथ वगेरे-थी लरबुं; लर्भ धरवी. हाथ वगैरह से रापना-मापना. To measure with the hand etc, to take measurement

श्रोमिणिजह. क॰ वा॰ श्रज्जुजो॰ १३३; श्रोमाणः न॰ (श्रवनान) क्षेत्राहिटनी लर्श. ज्ञेत्रादिकी माप. Measurement of area etc. ठा॰ २, ४:

श्रोमाणः पुं॰ (श्रपमान) अपभानः भान-भंग, अनाहरः श्रपमानः मानभंगः श्रनादरः Insult: disrespect; affront. "भि-क्लालसिएएगे एगे श्रोमाशभीरुए " उत्त॰ २७, १०:

श्रोमिण्ण न॰ (श्रवमान) पेरंभयुं. पौंखना.
A particular ceremony by
which a bridegroom and a
bride are greeted at the entrance of a house. पंचा॰ =, २४:

√श्रो-मुंच- धा॰ I, II. (धव+मुञ्च्) भुक्ष्युं; छोऽपुं. छोडना. To release; to abandon.

श्रांसुयइ. कप्प॰ ४, ११४;

^{*} जुओ। ५४ नम्भर १५ नी प्रुटनीट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

श्रोमुह्ता ऋष० ४, ११४;

श्रोमुद्धग त्रि॰ (श्रवमूर्घक) अधु भरतः क्षेत्र. श्रोधा मस्तक किया हुआ (One) with the head touching the ground and legs thrown up, on wards i e. heels over head "श्रोमुद्धगा धरियतले पडति" स्प॰ १, ४, २, १६;

श्रोमुय न॰ (उत्तमुक) ग्रांशारी, णस्ती डेश्ससी, श्रंगारा, जलता हुत्रा कोयला. A. burning charcoal, श्रोघ॰ नि॰ २७४;

√ ऋोय. घा॰ I (श्रव + लोक्) नीक्षासयुं; लोतुं देखना To observe, to qee, to mark.

श्रोयद्व विशे ॰ ७६८;

श्रीयः न० (श्रोजस्) विषय संभ्या, केवी है-भें ३, त्रश, पांच पगेरे. विषम संख्या जैसे कि एक, तीन, पाच, स्नात वगैरह. Any odd number, e. g. one, three five etc पि॰ नि॰ इ२६; भग॰ २४, ३; (२) त्रि॰ निष्धियन: निष्परिश्रही परिग्रह रहित. liaving nothing; keeping no possession of property.स्य०१, ૧૪, ૨૧; (૩) રાગ દેષથી રહિત; કર્મ भव रहित-शुद्ध राग होष से रहितः कर्म मल राहत. devoid of attachment or malice, devoid of the mud of Karma. श्राया० १, ४, ६, १७०; १, ७, ६, २२२; सूय० १, ४, २, १, (४) पु० છવ ઉત્પન્ન થતાવેત પ્રથમ આહાર પ્રહણ करे ते, भातानं रेत्स अने पितानु वीप . जीव उत्पन्न हेरिही प्रथम जो श्राहार प्रहण करता है वह, माता का रक्त श्रीर पिता का वीर्ग the first food of the soul

or sentient being immediately after becoming quick viz the semen of the parents. स्य॰ २, ३, २१; तंदु॰ १६; पन्न॰ २८; प्रव॰ १३७५; (४) ते॰; प्रश्नश्च तेज; प्रकाश luster; light स॰ प॰ १; — श्राहार नि॰ (-श्राहार) ओल आदार वाली. श्रोज श्राहार वाला (one) whose food consists of invigorating substances प्रव॰ ११६४;

श्रोयंसि. त्रि॰ (श्रोजस्विन्) भने। प्यथ्यार्थुः. मनोयत्त वाता. Powerful; possessed of great will-power. भग॰ २, ४: नाया॰ १,

श्रोयण, पुं० (श्रोदन) २ांधेक्षा थे। था; लात. मात; सिमाये हुए चामल. Cooked rice. प्रव० २०=; श्राया० १, =, ६ ४; पि० नि० भा०३; पंचा०४,२७; उना०१०,२७७, श्रोघ० नि० भा० ३०७, विशे० ३०२७; उत्त०७, १,

श्रोयरण न॰ (भवचरण) पांछुं ६२वुं; पाछुं ६८वुं. पोंछ फिरना; पोंछ हटना. Retreating, retracing one's steps विशे॰ १२१०;

श्रोयरण न॰ (श्रवतरण) ઉપરથી ઉતરવું; ६३ જવું. ऊपर से उत्तरना; नांचे जाना. Descending; getting down पि॰ नि॰ ६८, ३६३;

श्रमायनः घा॰ II. (साघ्) साधनुं; सर ४२पुं. साधना; जीतनाः To accomplish; to subdue

श्रोयवेइ. ज० प०

भ्रोयवेहि. श्रा॰ उं॰ प॰

श्रोयवेत्ता. सं० कृ० जं० प०

स्रोयस्सि. ति॰ (श्रोजस्वित्) जुओ। " श्रो-यंसि " शण्द. देखो " श्रोयंपि " शब्द. Vide " श्रोयंपि" श्राया॰ २, २, १, ७१;

श्रोयाय. त्रि॰ (श्रवयात) श्राप्त हरेस श्राप्त र्किया हुश्रा. (One) who has reached; (one) who has got or obtained. 'महास्तिताकंटयं सगामं शोयाण् पुरश्रो य से सक्के " भग० ७, ६;

स्रोयार. पुं॰ (चवतार) सभावेश; अंतरलाव. श्रंतनांव. Inclusion; state of being included. विशे॰ ४४१;

स्त्रोरस. पुं॰ (स्रीरम) अंग जात पुत्र; इत्तक्ष्म कि ते स्त्रोरम पुत्र. A son born of one's loins; a legitimate son. स्य॰ १, १, १; उत्त॰ ६, ३;

श्रोरस्स. त्रि॰ (श्रोरस्य) छाती सन्धि (दिन्भत). छाती मंबेथी (हिम्मत, धैर्य श्रादि) (Anything) connected with the brenst i. e. courage, bravery etc. पि॰ नि॰ ४६२;

श्रीराल. ति॰ (उदार) हिं। २; अधान उदार; प्रयान; बंद दिल का Generous; extensive; prominent. कष्प॰ १, ४; नाया॰ १; भग॰ २, १; १६, ६; (२) २थूं ४, २६। छुं. मोटा: बडा. bulky; large in size उत्त॰ ३६, १०७; (३) आहि। दिश्रारीर-पांच शरीरमांनु ओश्च. श्रीदारिक शरीर-पांच प्रकार के शरीरों में से एक प्रकार का शरीर. the external physical body; one of the five bodies क॰ गं॰ १, ३३, पि॰ नि॰ ६७; —सरीर-न॰ (-शरीर) हि। दिश्व शरीर; प्रधान शरीर. the external physical body; the

prominent body. श्रोष नि २३४: श्रोरालिय. पुं॰ न॰ (श्रंदारिक) ઉદાન્ધ શરીર; મનુષ્ય અને તિર્વયનું સ્ત્રલ ગરીર. श्रीदारक गरीए; मनुष्य श्रार तिर्यच का स्थून शर्रार. Audārika body; the external physical body of human and sub-human beings. (२) जि॰ ७ हारि । श्रीस्वाक्षीः श्रीवारिक रारोरवाला. possessed of Audarika body. श्रहाजी । १४५; कः वः २, ७२; श्रोव० ४२; भग० १, ७: =, १; पन्न० १२; विशे• ३७५; ३३३३; — पोग्नलपरियहः पुं॰ (-पृद्गजपरिवर्ता) श्रीधिः पुरुष પરાવત ન-લાકના તમામ પદ્રક્ષાને એક છવ જેટલા વખતમાં ઉદારિક શરીરમપે ચહણ કરી પશ્ચિમાવી પુરા કરે તેટ**લા** त्रभत. श्रीदारिक पुर्गल परावर्तन-दुनिया के तमाम पुदगलों को एक जीव जितने समय मे श्रीदारिक गरीररूप से प्रहेशा कर के परिशासित कर के पूरा करे उतना समय time taken by the soul in embodying within itself all the molecules of matter that constitute the Audārika body भग॰ १२, ४. —मीसना पुं॰ (-मिथक) विक्रिय આદિ સાથે મિશ્રિત થયેલ ઉદારિક રાગેર-थै। वैक्रिय प्रादि के साथ मिश्रित प्रोदा-रिक श्रीर-योग, connection of the Andarika body with other kinds of bodies, such as Vaikriya body etc. and its activity in that mixed condition भग• २४, १; —सरीर. न० (-शरीर) औद्या-

रिक्ष शरीरः हाड भांसवार्ध शरीर श्रीदारिक

शरीर: हाट मांस वाला शरीर the ex-

ternal physical body of flesh and blood नाया॰ २; — सरीरकाय-जोय पुं॰ (-शरीरकायबोग) भाहारिङ शरीरक्ष्य कायाकी प्रश्चित क्रीदारिक शरीरहप कायाकी प्रश्चित activity of the external physical body. भग०२५,,१,—सरीरत्ता खाँ॰ (-शरीरता) भाहारिङ शरीरपण् खाँदारिक शरीरपण state of being or having the external physical body. भग०२५, २;

√ ऋोर्रुभियाः अ०ं (भवरूष्य) व्यट्डाः पीने; गांधीने. रोक कर Having confined or pent up. having obstructed " जायतेय समार्भे बहु क्रोर्डः भिया जवा" दसा० ६, ४. सम० ३०;

श्रोरुव्भवाण व॰ कृ॰ त्रि॰ (श्रवक्ष्यमान) रे।डवामां आवते। अटडाववामां आवते। रेक्ता हुश्रा. Being obstructed or checked उत्त॰ १४, २०;

श्रोरुह्य न॰ (श्रवरोह्य) नीचे धतरपु. नीच उतरना Coming down, act of descending विशे १२०६;

श्रोरोह. पु॰ (श्रवरोध) अ तेपुर; जनान-भानुं श्रतःपुर; जनानखाना A harem. a woman's inner apartment नाया॰ =; १६; उत्त॰ ६, ४; २०, ४=; विवा॰ २, १; पि॰ नि॰ १२७; (२) हरवा-जनी अहरने। अवांतर है। देश के भीतर का कोठा an inner apartment of a house, श्रोव॰

श्रोरोडिया स्ना॰ (श्रवसेधिका) अंतपुरभां रहेनार (स्त्री). श्रंत पुर मे रहनेवालां (स्ना). A woman who stays in a harem; a woman विवा॰ ६;

श्रीलंबरादांव पु॰ (श्रदलंबनदीप) सांध्य-

थी लाधेक्षे। दीवे। लटकता हुआ दीपक, सांकल से बंधा हुआ दीपक. A hanging lamp. भग० ११, ११: ोलिविय. त्रि॰ (शवशंबित) दीरडी બાધી

श्रोलियः त्रि (धावखंबित) दे दिशी आधी स्टिश्चेस. रस्सी बाव कर उस से लटकाया हुश्चाः Kept suspended on or with a rope " इसे श्रोलिबयं करेह " सूय ॰ २, २, ६३; श्रोव ॰ ३५;

√ श्रो-लग. था॰ I. (श्रव + लग्) २थापित ३२वुं; शेऽंपवुं रचना करना; स्यापित करना. To compose; to arrange. शोकयंति, नाया॰ =.

म्रोतिस ति॰ (भ्रवित्त) छाणु वनेरेथी सिंपी भुण लंध करेस. गीवर मादिसे छाव कर मुह बंद किया हुन्ना. With the mouth (e. g. of a pot etc) stopped with cow-dung. भग॰ २, १,६,४,वेय॰ २, ३, ठा॰ ३,९;(२) सेपायेस भरुअयेन खरडाया हुन्ना Smeared; bespattered माया॰ २, १, ७, ३८॰

स्रोलुग्ग. त्रि॰ (चवरुग्य) भांहा; श्यानि पाभेश बीमार, ग्लान. Diseased, sickly; fatigued. निर॰ १, १, विवा॰ २; भग॰ ६, ३३; नाया॰ १, — सरीर. पुं॰ (-शरीर-स्रवरुग्यं ग्लान दुर्वतं गरीरं यस्य मः) हुल्या शरीश्यादी, भाही. दुनले शरीर वाला; बीमार. A man with a lean and sickly hody विवा॰ २; नाया॰ १; निर॰ १, १;

स्रोलोइस्र. त्रि॰ (स्रवत्नोक्ति) लेथेशुं. देखा हुत्रा. Seen, observed स्य॰२,६,३४:

√ श्रो-लोय. घा॰ I, II. (मव+लोक्) लीवु; नभासवु देखना, खोज करना, जाच करना. To see, to observe, to introspect श्रोलोएमागा भग॰ १०, १, नाया॰ १, श्रोलोगंत. नाया॰ १६: श्रोलोयः पुं॰ (र भवजोक) प्रशंश. टांज-याला; प्रकाश. Light. पग्द० २, १;

भोवगाहि . वि॰ (चौपप्रहिक) गुन्छ स्थारणः श्रेडसानुं निंद . जो किमा चकेंल का न हो यह, गच्छ माधारण. Belonging to a whole order or class of persons jointly श्रोष॰ नि॰ २३२ः (२) हं उ-लाइडी, श्राहि पाढीयारा साधुना डिपडरण, दंड-लकदी चादि माधुके उपकरण, जो थोट ममय के लिये किमा गृहस्थी में मांग लिये जाते हैं. (articles of use) for an ascetic brought from a householer for temporary use. e g. a stick etc. उत्त॰ २४, १३;

श्रोविचयः पुं॰ (+) त्रशु धन्द्रिययात्ता প্রথন श्रेष्ट न्यतः तीन इंद्रियों वाला जीवः A three-sensed living being. भग• १४, १;

श्रीचहुणा. स्रो॰ (भ्रपवर्तना) अभवतिना. श्रपवर्तना Turning back; drawing back. क॰ प॰ ३, १०;

श्रोबहियः त्रि॰ (भपवतित) अभवतिन धरेक्षः श्रपवर्तन किया हुश्रा; लीटाया हुश्रा Turned back; drawn back. क॰ प॰ २, २=:

श्रोबिहि. स्री॰ (अपवृद्धि) हानि. हानिः नुकसान. Loss; decrease. सू॰ प० १; श्रोबिशिहिय. त्रि॰ (श्रीपनिधिक) शृद्दथे सभीपे आखेश अलाहिनी गवेपणा धरनारः गृहस्य द्वारा समीपमें नाये हुए श्रनाटि की गवेषणा करने वाना. (One) who searches for food brought to him by a householder. श्रोव॰ १६; श्रोचतणीं श्रो॰ (भ्रवपातिनीं) ઉपस्थी नीये पाद्यानी विद्या. उत्तर में नीचे गिराने की विद्या. The art of making a thing fall down from a high place. स्य॰ २, २, २७;

स्रोवत्तिया. सं० कृ॰ श्र० (भ्रववत्यं) अशि ઉપર રહેલા પાત્રમાયી લઇને ળીજા પાત્રમાં नाभीने अप्रिपर चंद्रे हुए पात्र में ग लकर दूसरे पात्र में डालकरंक. Having taken out from a vessel which is actually on the fire and placed it in another vessel (i. e. food etc.). दस॰५, १, ६४; श्रोचिमश्र. न० (भौपिमक) ७५भांपडे हशा-वाय तेवं उपमा के द्वारा दिखलाया जा सके ऐसा. Capable of being shown or indicated by a simile or metaphor. श्रुणुजी०१३६;जं०प०२,१८; ऋोवम्मः न॰ (स्रोपम्य) ઉपभान अभाशः એક વસ્તુની સરખામણીથી થતું બીછ સદશ यस्तुनं ज्ञान. उपमान प्रमाण; एक वस्तुका उपमा से होने वाला दूसरी वस्तुका ज्ञान. Argument from analogy;know-

४५:पन्न•२:११; भग० ४, ४:श्रणुंजो०१४७; भोवम्मसम्ब एं० (भोपम्यसत्य) ઉपमा सत्य क्षेम म्हेरिं तदाव की छ छहे हे समुद्र केवं तदाव छे ते उपमा सत्य, उपमा सत्य, जैसे किसी बडे तालाव को देख कर कहना कि समुद्र के जैसा विशाज ताल है Truth of the nature of that found in similes; verisimilitude; e. g.

ledge derived from analogy.প্ৰাৰ॰

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पूटनेट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

comparing a big lake with a sea, xqc = e=;

श्रोचयत्त. न॰ (श्रवपतन) पें। भवुं; श्रीवा-रखा देवा श्रोवाग्ना तेना According welcome or reception with a particular kind of ceremony, auspicious in its nature. नाया॰ १; (२) नीचे ઉતરવું; नीचे श्राववुं नीचे उत्तरना; नीचे श्राना. coming down; falling down; descending भग॰ ३,२;

श्रीवरश्र. पुं॰ (श्रपवरक) ओरडें।. कोठडें।; कोठा. A room; an apartment in a house श्रोघ॰ नि॰ ४२१:

श्रोवसिमय न० (श्रोपश्रमिक) ६ ५११ सभहितः ६६१ मां आवेस भिण्यात्व भेरिनीय
हर्भने। नाश, अनं शेष २६६ भेरिहर्भने।
६६५ थाय ते-६५११म-ते वर्ड हरायेक्ष तेऔर्थिक इए मिश्यात्व मोहनीयकर्म का नाश
श्रीर शेष रहे हुए मोहक्षमें का उदय होना
उपश्म कहलाता है इस उपशम द्वारा होने
वाला सम्यक्त्व श्रीपश्मिक सम्यक्त्व होता है.
(Right belief) arising from
the destruction of actually
unatured right-belief-deluding
Karma and the subsidence of
that which is still dormant.
विश० ४२=:

श्रोबोह श्र. त्रि॰ (श्रोपधिक) पेताना देशिने बांकार अपने दोष को ढांकने वालार (One) who hides one's own faults. उत्त॰ ३४, २४: (२) अपायिनिभित्त कर्म. an action resulting from Kasāya or moral filth श्रोव॰ ४१:

Vol 11/45.

श्रोवाडितः ति॰ (श्रवपाटित) विधारेशुं; शीरेशु-शी-थे। चीरा हुश्रा, चीरी हुई. Rent; torn. श्रोव॰ ३८.

श्रोवात. पुं॰ (श्रवपात) पडवानु स्थान; हेस वाहे। तेवी आडा वाबी अभीन. गिरने का स्थान; खट्टे वाली जमीन. A place unsafe on account of pitfalls जं॰प॰ श्रोवाय. न॰ (श्रपपात) अभडाअअडी आडा

वाशी अभीत. ऊंची नीची-खड़े वाली जमीन. Rough, uneven ground. दस० 2,

श्रोवाय. (श्रोपाय) ઉપાય-साधन सम्यन्धी. उपाय सम्बन्धी. Relating to ways and means. उत्तः १, २८: पञ्चज्ञा. (-प्रवच्या) गुरुसेवारूप साधनथी लीधेली. दीला. गुरू की सेवा रूप साधन से ली हुई दीचा Diksā received on account of service rendered to a Guru. ठा॰ ४, ४,

श्रोवायवंत त्रि॰ (श्रवपातवत्) नभ्रः विनय वान् नम्र, विनीत Modest; humble. दस॰ ६, ३, ३;

श्रोविश्च-य. त्रि॰ (* परिकर्मित) सर्भी रीते शिक्ष्वेक्ष; सभारेक्ष, जर्डेक्ष. समान रात से जमा कर रखा हुश्चा-रखी हुई, जड़ा हुश्चा-Duly arranged; properly set right; inlaid with श्रोव॰ ३१; नाया॰ १६; श्रोवीलग. त्रि॰ (श्रपबीडक) भीजाने नि-र्क्षज्ञ ४२नार. दसरे को निर्लंड करने वाला. (One) making or causing another person to be shameless.

पगह० १, ३;

श्रोस. पुं॰ (श्रवश्याय) त्रेह; भारी जभीत-भाथी नीडणी तर्ह्या अपर क्यमेस पाधीना जिन्दु. खारी जमीन से निकल कर घांस पर जमे हुए पानीके बिन्दु Drops of water issning from salt ground and settling on grass आया १, ७,६, २२; (२) आह्स, हार. खोस. dew; fog. उत्तर १०,२; दमर ४;

श्रोसिकत्ता. मं॰ इ॰ श्र॰ (श्रवष्यप्य)
तक्ष भेक्षववाने पाछा दरीने. मोका पाने के
निये पीछे हट कर Having retraced
one's steps with a view to
secure an advantage ठा॰ ६, १;

श्रोसक्त ए. न॰ (श्रवण्वष्क ए) अभुः िश्यानी के सभय नियमित छाय ते पछेशां तेनी शरुआत अर्थी, केम के भावरीनी मध्यान्छ सभय छाय छतां राध्याने वणते भावशी कर्या किया का जो नियमित समय हो उसके पहिले उसका श्रारंभ करना, जैमे गोच्यी (भिन्ना जाने) का मध्यान्ह समय होने पर मा भोजन बनने के समय गोचरी के जिये जाना. Doing a thing before the time fixed for it; e. g. begging in the morning instead of at noon. पि॰ नि॰ २०४; श्रोध॰ नि॰ भा॰ २१६;

श्रोसिवायः सं॰ कृ॰ य़॰ (श्रवष्यस्य) नीये असेडीने नीचे हटा कर Having drawn below. श्राया॰ २, १, ७, ३=; दस॰ ४,

श्रोसिक्या सं कि शक्ष (श्रपण्डय्का) जुले। 'श्रोसिक्यि' शक्ट. देखो ''श्रोसिक्ट य' शब्द Vide ''श्रोसिक्ट्य' दसक ५, १,६३;

द्यो(सग्ण त्रि॰ (+) अवस्य ध्रवा साय धर्म क्षिया ध्रवामां आणस ध्रनारः सयममां भेद ध्रनारः द्यवस्य करने लायक

धर्मिकिया करनेमे ब्रालस्य करने वालाः संयम करने मे खेद करने वाला. Lax, fainthearted in the performance of religious ascetic duties भग॰ १॰, ४ नाया॰५;१६; १६; ग्रोघ॰ नि॰ भा॰४८; नाया॰ घ॰ (१) ખુગી ગયેલ: કસાઇ ગયેલ. गइ गया हुआ: फसा हुआ. entrapped; entangled: plunged deep (e.g in mud). पग्ह॰१,४:श्रोव॰३८; विद्यारि. त्रि॰ (विद्यारिन्) शिथिश आयार वाणा शियिल श्राचार वाला (One) lax in ascetic conduct. (२) २ गध्याय आहि न ३२नार. स्वाध्याय चादि न करने वाला.(one) neglecting scriptural study भग०१०,४,नाया०४;१६.नाया०घ० क्रोस्तग्गं, ब्र॰ (क्ष्रायशस्) प्रायेश्र्रीः धर्छं धरीने प्रायः करके: त्राधिकतर Most probably; mostly; to a great extent विशेष २२७५; ग्रोव०३=: कप्प० ह, ६१; ज॰ प• २, ३६; श्रोसन्न पु॰ (ग्रवसन) छंगे। "ग्रोसरुरा" शण्ड देखो "ग्रोसररा" शब्द. Vide "न्त्रोसरका" क० गं० १, १३; प्रव० १०३;

[े] जुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी पुटनीट (०). देखो पृष्ट नस्बर १५ की पुटनोट (०). Vide foot-note (★) p. 15th.

degeneration, equal to 10xcrore x crore Sagaropamas. भग॰ २०, दः, ग्रासुजो ०११४,१४४, नंदी ०१२; पन्न०१२; उत्त० ३४, ३३; ठा० २, ४, स्०प० ८, कष्प० १, २; पचा०१६, ६; ज०प० २, १८; —काल. पुं॰ (-काल) [©]नरते। अस, દશ કાડા કાડી સાગરાપમ પ્રમાણ કાલ विसाग, श्रवसर्पिणी काल, जिसमें दिनपरादिन हीनता है। वह काल विभाग; दश कोटा कोटी सागरीपम प्रमाण कालविभाग the era of decrease or degeneration equal to 10 x crore x crore Sagaropamas of time जं प० २, १८. $\sqrt{%}$ िसम. धा॰ I,II. (उप + शम्) शात: इरव. शांत करना. To calm; to appense.

श्रीसामेइंति प्रे॰ पि॰ नि॰ ३२६,

√ श्रो-सर. धा॰ I. (उप + सृ) पाछ।
७६५, पीछा इटना To retreat; to
1 etrace one's steps
थोसरइ. प्रव॰ ४, ८८;
श्रोसारेइ प्रे॰ निसाँ० २, ४२;
श्रोसारंत व॰ छ० निसीं० २, ४२;

श्रोसरण. न॰ (श्रव नरण) साध्नेति। सभु हाय साधुत्रो का समुदाय A group or assemblage of Sadhus पि॰ नि॰ २२८, पचा॰ ६, ३१, प्रव॰ ४४४,

श्रोसाचिया त्रि॰ (उपशामित) शांत थये : शांत दित्तपालं शान्त, शान्त दृत्तिवाला . Peaceful; calmminded पि॰ नि॰ ३२६,

श्रोसहः न० (श्रोषध) श्रीसंड, शृंह, स्वीग, भरी विगेरे ह्वा श्रोषभः साँठ, लोंगः मिर्च श्रादि दवा A medicine; a drug पचा० ६, १२; भग० २, ४, ७, १०; नाया० ४, ८, १३; १४; १६; ठा० ४, ४; श्रोव० ४१,उत्त०१६, ८०; ३२, १२, एवा० १,४८, पिं०नि०भा०४६, सु० च० ४,१००; विवा०१. श्रोसहाः ल्लां० (श्रोषभा) पुष्डसाविकथनी भुष्य राजधानी का नाम. The principal metropolis of Puskalāvijaya. ज० प० ठा० २, ३,

श्रोसिह स्री० (श्रीपधि) इस पांडे त्यांसुधी રહેનાર વનસ્પતિ, જુવાર, બાજરા વગેરે फसल श्रानतक रहनेवाली वनस्पति ज्वार, वाजरा आदि. A class of plants which live till the harvest ripens, e. g crops of grain. उत्त॰ ११, २६, २२, ६; श्राया॰ २, १, १; २. नंटी० १४, सु० च० १, २३४, दस० ७, ३४, ज॰ प॰ २, ३३; पचा॰ ६, २६; वव॰ ६, ३३, भग० ७, ६, पिं० नि० ५७, पन्न० १, नाया० १, मूय० २, २, ४६; प्रव० १४१; निसी० ४, २४, उवा० १, ४१, -गंध० पु॰ (-गन्ध) ओषधनी गंध श्रीपधी की वाम smell of a medicine नाया॰ १७, --बीय न० (-बोज) ओ।पधिना थील श्रीपधी के बीज seeds of medicinal herbs. निसी॰ १४, ४४;

श्रोसा स्त्री॰ (श्रवस्थाय) श्रीस, त्रेट; अंडल श्रोस, कुहिरा. Dew; fog, hoar-frost पत्र॰ १, श्रोव॰ ४, ३;

श्रोसाण न॰ (श्रवसान) सभीपः नर्णः. समीपः, नजदीकः In the vicinity of. near (२) अन्तः अवसानः श्रंतः, श्रवः सान, मृत्यु death, end स्य०१,१४, ४ः श्रोसारिया त्रि॰ (श्रवसारित) अवसंभित; ७५२४१ स्टेडेस. श्रवलंग्त; लटकता. Remaining suspended from above; hanging. श्रोव॰ ३०;

श्रोसास पुं॰ (उच्छ्वास) ७२ थास भु १ वे। ते. उर्द थास लेना; ऊपर की थास लेना. A sigh; a heavy sigh. श्रणुजो॰ १२=:

श्रोसिचित्तार त्रि॰ (ग्रवसेन्तृ) छांटनार छींटनेवाला; सीचनेवाला (One) who sprinkles water etc. मूय०२,२,१=:

श्रोसित्तः त्रि॰ (श्रदमिक्त) सिथेस; पत्ताणेस; भिज्ञावेस भीजा हुश्रा; गीला; सीचा हुश्रा. Wet; damp. श्राया॰ २. १, १, १;

श्रोलेइम. न॰ (उत्स्वेदिम) क्षेत्र आहि धान वानुं पाछ्ये; धावछ, खाटा वगेरह के धोन का पानी. Water with which flour, rice etc are washed. कप्प॰ १,२५;

भोसोवणी की॰ (व्यवस्वापिनी) अपस्या-पिनी निद्रा; अतिशाद निद्रा. बडी मारी गाड़ निद्रा. Very deep sleep; profound sleep. कष्प॰ २, २७;

मोह. पुं॰ (भोष) संसार समुद्रः संसारह्यी समुद्रः Ocean of worldly existence. श्राया॰ १, २, ६, ६६; दस॰ ६, २, २४; दसा॰ ६, २०; २८; स्य॰ १, १९, १; (२) असंयभ. श्रसंयम; संयम हीनता. absence of self-restraint. वव॰ २, २३; (३) संसेप. संचेप; योडासा. general statement; brief ontlines. श्रोघ॰ नि॰ २; २१३; (४) समूद्रः जरधी. समूह् समुदाय a group; an assemblage. उत्त॰ १०, ३०; २४, १३; ३२, ३३; श्रोव॰ ३४; नंदी॰ स्थ० ७; सु॰ च० १०, १६०;

र्जं॰ प॰ २, २१; (५) प्रवाद, प्रवाह. a current; a stream; a flow. उत्त॰ ४, १; विशे॰ ११४१: सम॰ प॰ २३५; (१) सभु२थमः सामान्यः समान्यः समुत्रयः general or broad mature. श्राणुजी॰ १५४; पि० नि० २११; पिं० नि० सा० ३१; श्रोघ० नि० २: विशे० १५८: क० गं० ६, १३; —श्रख्येहिः त्रि॰ (श्रनुपेदिन्) असंयभ सेववाती धंटशावादी। श्रसंयम से रहने की इच्छावाला. (one) desirone of leading a life of indulgence. वव॰ २. २३; —(हा) आदेस. साभान्य सामान्य भेदः द्रव्य समान्य. general, broad nature; general outline. विशेष ४०३: —नाण, नव (-ज्ञान) ओधिश ज्ञान श्रोषिक ज्ञान. general knowledge: knowledge of broad outlines. विशे• ४७१४; —सराणाः खी॰ (-संज्ञा-संज्ञा-यते वस्त्वनयेति) साभान्य भीध सामान्य बोब. general knowledge of an object; knowledge or broad outlines by perception etc. मगः ७, =; --सुयः न• (-भूत) अत्सर्भ श्रत-शास्त्र. उत्मर्गे शास्त्र. a scripture named Utsargasruta. नंदी॰ ३६:

मोहंजलिया. स्री॰ (#) थार छिष्याथा, छवनी ओक्ष्र अत एक चार इद्रियों वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. पन्न॰ १;

त्रोहंतर ति॰ (श्रोधन्तर-श्रोधं संसारसमुदं तरितुं शांलं यस्य स.) शिध-संसार प्रवाहते

^{*} जुओ। ५४ नभ्भर १५ नी ५८ने। (१). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

तरनार; संसार पारणाभी. संसार हपा प्रवाह सं पार जाने वाला. (one) wishing to and posse-sing capacity to cross the ocean of worldly existence; emancipating from worldly existence. स्य॰ १, १, १, २०;

श्रोहट्टतः व॰ क्र॰ त्रि॰ (श्रपसर्पत्) હક्तुं; अक्षण रहेतुं. श्रलग रहनेवाला. Getting aside; remaining apart. सु॰ च॰ ११, ४४;

स्रोहय त्रि० (अवहत) दिखेदा तिनाश हरेदा मारा हुआ, विनिष्ट Killed; destroyed खवा॰ द; २५६: नाया॰ ३: श्रोव॰ राय॰ २६३; जं॰ प॰ ३, ६६; कप्प॰ ४. ६२: विवा॰ ३; —मण् (-मनस्) छत्साद पगरनं भन. उत्साह रहित मन depressed, gloomy mind नाया॰ १; १४: १६: —मण्संकष्प त्रि० (-मनःसंकष्प-श्रव-हतो मनस संकष्पोयस्य स तथा) नष्ट थ्या छे भनना (विश्वदेपादि) संश्वदेण किना श्रेवे। सकन्य विकल्प रहित मनवाला; जिसके मन के सकल्प नष्ट हो चुके हैं वह. free from doubts and miagivings of the mind. नाया॰ १; ६; निरं० १, ९; निरं० १, ९;

√ फ्रोहर. धा॰ I (उप+ह्र) स्थापन करना; प्रतिष्टित करना. To establish; to settle.

च्चोहरइ नाया• '१४;

मोहिरिया सं कु कु क्र (उद्घृष्य) ઉद्धरीने: अक्षार अद्धीने बाहिर निकाल करके. Having taken or drawn out. (२) वा है। थर्धने. टेडा होकर. having bent low " अगियंड सिक्स्या शिसिक्स्या श्रीह-रिय श्राहट्ट दलएजा" श्राया॰ २, १,७, ३७; श्रोहरिय. ति॰ (श्रवधृत) ઉतारे धुं; हेंहे भुक्षेत्रं; नीचे रसा हुश्रा; उतारा हुश्रा Taken down; placed down. श्रोघ॰नि॰ ६०६;

√ स्रोहा था॰ I (स्रव+हा) द्रव्यक्षिंग छोडी मेथुनादि असंयभ आहरतुं. द्रव्यक्तिंग छोडकर मेथुनादि असंयमों का प्रहण करना. To indulge in sexual pleasures etc. in talk, imagination etc. without actual deed.

श्रोहायइ. वव॰ ३, १८; श्रोहायमाण वव॰ ५, १४; श्रोहायंत. श्रोघ॰ नि॰ १२४;

श्रोहाइय ति॰ (श्रवहीन) यारित्र सयमथी श्रप्त थेयेस. संयमश्रष्ट; चरित्रश्रष्ट. (One) who has fallen off or lapsed from ascetic right conduct. वन॰ ५. १४;

श्रोहाडर्गी. स्री० (श्रवघाटनी) इभाऽ थां व इरवानी टाडी द्वार बंद करने की टांकी. A. contrivance to close a door. जं० प० (२) पातसी छाछनी शृंथेसी इंभा-साइडी विशेष. पतली मलाइयों से गुषी हुइ चर्टाई वगैरह n mat made of thin strips of wood knit together राय० १००; जीवा० ३, ४;

श्रोहााडिय. त्रि॰ (श्रवधाटित) आंधेक्षं-ली-ले। वांधा हुन्ना-हुई Fastened. वेस॰ १, १४;

श्रोहामिश्रः त्रि॰ (*) तिरस्धार धरेलुं तिरस्कृतः तिरस्कार कियाहुश्रा Slighted;

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरते। (*). देखो प्रष्ठ नवर १६ की फूटने। ट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

disdamed. श्रोघ० नि० भा० ६०; ोहारः ५३ (ः) अथभे। कछवा, A

श्रोहार. पु॰ (÷) ध्रथणे। कछुवा, A. tortoise पि॰ नि॰ ३३२;

श्रोहारइत्तार ति॰ (श्रवधारियतः) निश्रयधारि लापा भीलनार. असमाधिनुं ११ मुं स्थानध्य सेवनारः निश्रय कारक भाषा योजने वाला; श्रसमाधि के ११ वे स्थानक का सेवन करने वाला (One) speaking with decisiveness or self-confidence; (one) resorting to the 11th source of Asamadhi सम॰ २०;

श्रोहारिणी. स्त्री॰ (श्रवधारिणी) निश्रयधारिणी लाणा; ' छुं आभे अ धरीश' अवी चे छिस- रूप वाणी निश्रय कारिणी भाषा; में ऐसा हा कहना ऐसे दृढ वाक्य. decisive or positive speech, e. g. " I will positively act thus." भगे २, ६; उत्त॰ १, २४; दस॰ ६, ३, ६; पन्न॰ ११,

श्रोहारेमाण ति॰ (श्रवहरत्) ८५।१ते। हिलाता हुआ। Moving, shaking.

श्रोहावण, न॰ (श्रवहापन) अपधीति; अवि सना श्रमकीति, ानदा Discopute; disrespect, dishonour पि॰ नि॰ ४८६, श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ११२.

श्रोहासिश्च त्रि॰ (अवभासित) ४२छेलुं; प्रार्थनापूर्वेक भागा हुन्ना Desired, solicited. श्रोष॰ नि॰ ५५६.

श्रोहि पुं॰ (श्रविधे) धिंद्रियानी सटाय विना आत्मप्रकाशयी कृषि पदार्थेनुं इदवालुं ज्ञानः अविद्यान, विक्रसप्रत्यक्षज्ञानना क्येक प्रकार इन्द्रियोंकी विना सहायता श्रात्म प्रकाश से

र्र्हाप पदार्थीं का होनेवाला परिमित ज्ञान; व्यवधिजानः विकलप्रत्यत्तज्ञान का एक प्रकारः Direct, limited knowledge of matter without the help of the senses, merely by the light of the soul; a variety of limited direct knowledge by occult powers. क॰ प॰ ४, ४६; कप्प॰ २, १४; उत्त॰ २८, ४; ३३, ४, भग० ३, ४, १४, १, १६, १०; नाया० =; ६; १३; नाया० घ० दमा० ५, २२; ३०. उवा० १, ७४; ५३; ५, २५५; २५६; क्र॰ गं० १, ४, १०; ४, १५; र्जं० प० ४, ११५; ४, ११२; २. ३३; (ર) પદ્મવણાના તેત્રાશમાં પદનું નામ કે केभां अवधिज्ञाननु वर्णन छे पञ्चत्रणा के तेतामबे पद का नाम जिसमें कि अविकान का वर्णन है. name of the 33rd Pada of Pannavanā dealing with Avadhijñāna पन १; (३) अपि , ५६, भर्पाः। अविधि, हद्दः, सीमा. limit, border, मु॰ च॰ २, १४८; —ाक्सिला न॰ (-क्नेत्र) अवधिज्ञानने। विष्य अविकास का विषय all object of or subject-matter of Avadhijñāna. विशे॰ ४६१; —जुत्र पु॰ (-युग) अवधिज्ञान अने अवधिहर्शन ये भे प्रकृति श्रवधिज्ञान और श्रवधिदर्शन ये दो प्रकृति the group of the two Prakritis viz. Avadhijñāna and Avadhidarsana क॰ प॰ ४, ८६; — गागा न॰ (-ज्ञान) અવધિજ્ઞાન-ઇદ્રિય अने भनना व्यापार विना भात्र आत्मक्योन તિથી અમુક હૃદમાં પ્રત્યક્ષરીતે રૂપીપદાર્થોનું

^{*} जुओ ५४ नम्भर १५ नी ५८ने।। (÷). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

જાણવું; ગ્રાનના પાંચ પ્રકારમાંના ત્રીજો બેંદ श्रविवज्ञान-इांद्रेय श्रीर मन के ज्यापार के विना केवल श्रात्मज्योति से किसी हद तक प्रत्यत्त रीति से रूपि पदार्थी का जानना, ज्ञान के पांच प्रकारों में सं तीसरा प्रकार direct knowledge of matter, within a limit, without the help of the senses and the mind, merely through the light of the soul: the third of the 5 kinds of knowledge, it is a kind of knowledge by occult powers. " गो केन्नलगागे दुविहे पन्नने तंजहा श्रोहिनाणेचेव " ठा० २, श्रगुजी॰ १२७; भग० =, २; ६, ३१; श्रोव० १६, ४०; विशे॰ ७९; — सारापज्ञवः (-ज्ञानपर्यव) अविध्ञानने। पर्याय श्रवधिज्ञान के पर्याय a modification of Avadhijñāna. भग॰ २५. ४. - गागि, पुं० (-ज्ञानिन्) अवधिज्ञानवादी १९४. श्रवविज्ञानवाला जीव a soul possessed of Avadhijñāna. भग॰ २६. १, नाया 🖛 जं० प० २, ३१; — दुरा न॰ (-द्विक) अविद्यान अने अविधिद्यान. श्रविवज्ञान श्रोर श्रविधदशेन the pair of two viz Avadhijñāna and Avadhidaránna क ग र, १८: ४. १७; -- मरण न॰ (-मरण) अविध भरणः; એક ખાર એક ગતિના આયુષ્યના દ્લિયા બાેગવી મરી કુરી તેવા દલિયા ભાેગવીને મ**રે** ते. श्रवधि मरण, एक बार एक गांत के श्रायुष्यके दिलया-समूह भोगकर मरनेपर फिर वसेही दालिया-समृह भोगकर मरना death after a repetition of the experiences of a former birth " श्रोहांमरणेंग्रंभन्ते " भग० १३, ७: सम०

१७; प्रव० १०२३. — लंभ. पुं० (- लम्भ) अविधनानने। साल-प्राप्तिः अविधनान की प्राप्ति attainment of Avadhijiāna. क० प० ४, =२; — लिझ् स्री० (-लिच्ध) जुओ। ''श्रोहिलंभ'' शण्टः देखो '' श्रोहिलंभ'' शच्द vide ''श्रोहिलंभ'' क० प० ६, ११;

श्रोहिंजिलया. श्री॰ (श्रवधिजिक्कित) थे।ईिएय छथ पिशेष चार इन्द्रयो बाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. उत्त॰ ३६, १४७.

श्रोहिंदसणः न॰ (श्रवधिद्शन) ४०५. क्षेत्र, કાલ, ભાવની મર્યાદાથી રુપિ પદાર્થીનું જોવું; જે અવધિનાનની પહેલા થાય છે તે. द्रव्य चंत्र. काल, भावकी मर्यादासे रूपि पदार्थों को देखना; जो श्रवधिज्ञान के पूर्व होता है वह Direct perception of matter limited as to subject. matter, place, time etc with the help of the senses (This state precedes Avadhijñāna.) जीवा० १, भग० २, १०; ८, २; सम० १७; दसा० ५, २२; —स्रावरण. पुं॰ (-म्राव-रण) हरीनावरशीय अभेनी ओड प्रडार के अविधिदर्शनने रेडि छे. दरीनावरणीय कर्मका एक प्रकार जो कि अविविदर्शन की रोकता है. obstruction of Avadhijñāna caused by the use of Darsanavaranīya Karma उत्त.३३,६; पत्र. २३; ठा॰ ६, १; सम॰ १७: —पज्जव. पुं (-पर्यव) अवधिदर्शनना पर्याय प्रवधि-दर्शन के पर्याय. a modification of Avadhidarsana. भग० २५. ४:

श्रोहिदंसांग नि॰ (श्रवधिदर्शनिन्) अपि दर्शनवादी छव. श्रवधि दर्शन वाला जीव. A soul possessed of Avadhi-

darśana. भग॰ ६, ३; १३, १; ठा॰४.४; श्रोहिनागा. न० (श्रवाधिज्ञान) अपधितान श्रवधिज्ञान. Avadhijñāna. भग॰ २, १०; ६, ४; ६; २: श्रगुजो० १: नंदी० १: ठा॰ २, १; दसा॰ ७; १२; विशे॰ ७९; ~(गा) आवरण. न॰ (-भ्रावरण) **અવધિ**ज्ञातावर**शः** ज्ञातावरशीय भे । प्रश्ति श्रवधिज्ञानावरणः ज्ञानावरणीय कर्मकी एक प्रकृति. Karma obscuring or obstructing Avadhijñāna; a variety of knowledge obstructing Karma. नम॰ १७, —श्रावरागिज्ञ ५० (-थावरगीय) અવધિનાનને આવરનાર – ઢાંકનાર એક પ્રકૃતિ श्रवधि ज्ञान को डाँकन वाली शार्क a variety of Karma obscuring or hindering the attainment of A.vadhijñāna. भग॰ =, ३१; ६, ३१: —लाद्धि. स्री॰ (-लाव्धि) अवधिज्ञाननी लिध-शिक्ति, श्रवीधज्ञानकी शक्ति, attainment of or faculty of having Avadhijñāna. भग० ३, ६: -ल-द्धिया. स्त्री॰ (-लव्धिका) अवधिताननी सिंध. श्रविज्ञानकी शक्कि. attainment of or faculty of having Avadhijñāna. भग॰ =, २;

श्रोहिनाणि. त्रि॰ (श्रवधिज्ञानिन्) अविधि गानवादीः श्रवधिज्ञान वाला Possessed of Avadhijñāna. भग॰ ६, ३; ८, २; श्रोहिपदः न॰ (श्रवधिपद) पत्रवशासूत्रना तेत्रीशमां पहनुं नाम. पत्रवणा सूत्र के ३३वें पद का नाम. Name of the 33rd Pada of Pannavaņā Sūtra. भग॰ १६, १०:

श्रोहिय. न॰ (श्रवधिक) अवधिद्यानः श्रवधि ज्ञान. Avadhijñāna. नाया॰ —गागा न॰ (-ज्ञान) अवधिनान श्रवाधिज्ञान. Avadhijñāna. भग०२३,१: श्रोहिय-श्र. पुं॰ (श्रोधिक) सामान्यः अविशेष: अभु²ययः मामान्यः समुरचय General; common पन्न॰ २: जीवा॰ २; भग० १, १, २: ८, ६, ४; २४, १; १२; २३; ३१, ६, ४१, ५६; श्रगुजो॰ १४५; प्रव० १९१३: — प्रांगाग (-धजा-न) र्रंभाधिक-समुच्यय अज्ञान. विशेष थनानः श्रविरोप ग्रज्ञान, absence of general knowledge; absence of broad comprehensive knowledge. भग॰ ६, ४: —गमय. पुं॰ (-गमक) જુએ। ઉપલા શબ્દ देखो ऊपर का शब्द vide adove. मग० २४: १: —गमः पुं॰ (-गम) सामान्य पारः समुऱ्यय गभा-आलावे। सामान्य पाठः समुचय वर्णन. ordinary reading of (scriptures etc.). भग॰ ३१, १; —गागा. न॰ (-ज्ञान) समुव्यय ग्रान. समुचय ज्ञान, विशेष ज्ञान. general,comprehensive knowledge: knowledge of broad ontlines भग॰६,४; श्रोहीरमाण व॰ कृ॰ त्रि॰ (श्रपिक्तयमाण) થાડી થાડી નિદા લેતા. થોહી થોહી નિદ્રા लेता हुन्रा Dozing; taking a nap; slumbering. भग॰ ११, ११; नाया॰ १; कृष्प० ३ ४:

再.

क त्रि॰ (किम्) प्रक्ष अर्थभां वपराय छै; है। शुं प्रश्नवाचक सर्वनाम; कीन; क्या. An interrogative pronoun. दस० ५, १, ६६; ८, २१; भग० २, १; १२. ४: नाया० १: विशेष १२०:

फइ. त्रि॰ (कति) हेटला. कितने How many. भग॰ १, १; २, १०; ३, ३; ६; प्र, ४; ७, ६, १३, १; १६, ३; २०, ५; नाया० २. विशे० ३७=: सु० च० ३, २१३; श्रगाजी० =७; स॰ प्र॰ १; ठा० ४, २; क० ग०६, २; जं०प०७, १४१; १४२; — - किरिया त्रि० (-किय) हेटली क्रियावाले।. कितनी किया वाला Of how many acts. भग० १६, १; — भाश्र. पुं ० (-भाग) डेटलाभे। लाग. कानमा हिस्सा what numerical portion. विशे॰ ३७=; -भाग. पुं॰ (-भाग) हेटलाभे। भाग कौनसा भाग. what numerical portion. भग॰ १, १; —संचिय त्रि॰ (-सिंचत) સંખ્યાથી ગણાય તેટલા એક सभये अत्पन्न थना नारही वर्गरे संख्या द्वारा गिने जा सकें, उत्तने एक समय में उत्पन्न होने वाले नारकी वमेंरह numericalculable number of Nāikīs etc. (hell beings etc.) born at a time. ठा०३; भग०२०, १०:

कइ. पुं॰ (कवि = कवतं नवं नवं भगानीति कविः) डाञ्य प्यनावनार, इवि. कविता वाला; कवि; शायर. A poet. सू० च० १, १३; श्रग्राजो० १२८.

कइश्र-य. पुं॰ (क्रायिक) आ८५; भास Gेनार; भरीदनार ग्राहक, माल लेने वाला: खरीदार A buyer; n cu

Vol 11/16

उत्त०३४,१४;वव० ७,१८; १६; भग०४, ६; करूतथा त्रि॰ (कातिथा) हेटलाभु; इर्ध संण्या पाणं कितवा ?; कितनी संख्या वाला. Of what number or numerical order ? विशे० ६१७:

कर्यव. न॰ (कैतव) अण; ४५८; हल; दंभ; लुच्चाई. લુ^{ગ્}યાઇ જ્ઞત. कपट; Fraud; hypocrisy. विशे॰ २६५४; सु॰ च॰ ८, ८४; प्रव॰ १६७; —परागानिः स्त्री॰ (-प्रज्ञित्त = कैतवानि कपटानि नेपथ्य-भाषामार्गगृहपरावर्तादीनि प्रज्ञाष्यन्ते याभि स्ताः) वेप लापा वगेरे अहलायीने ४५८ **ज्यायनार स्त्री मेप भाषादि वदल कर** कपर करने वाली स्त्री. (a woman) who deceives by change dress, speech etc तंदु॰

कर्या थ॰ (कटाचित्) हाध यणत. किसी समय. Sometimes. मृ० च० १, १०६; कइयाचि. थ॰ (कदाचिद्वि) शिष्ठपण् वभते. किसी भी समय. At any time, प्रवे० ४३४.

कडर पुं॰ (कदर) पृक्ष विशेष; वांशनी श्रिष्ठ व्यत मृत्त विशेष, श्रांसमी एम जानि, A kind of bamboo, 980 40; -- सार. યું (- યાર) ળાસ જાવના વૃક્ષના મધ્ય ભાગ. यांग जाति के युद्ध का मध्य भाग, the interior of a tree of the bamboo kind न० पन्न० १७:

कदलास. पुं॰ (कंलास = के जले लासी जगा दीसियस्य म कलासः) जन्मुद्रीपना भे। પર્વાતને નૈત્રકૃત ખુણું લાણ સમક્રમાં ભાષી ! દૈલાસ નામે - અતુવેત ધર તાગગળ માં H h ચાવાસ પર્વત, जबुर्ताવધ મેઠ ૫ 🕦 🖖

कोन मे जवण समुद्रके वीच में केलास नाम का एक पर्वत, जहां श्रनुवेलंधर नागराज देवता रहते हैं. Name of the mountain abode of the Anuvelandhar Nagaraja deities in the Lavana Samudra in the Southwestern quarter of Meru mountain in Jambu Dvīpa. जीवा०३, ४; (२) ईं आस नामे अनुवेलंधर देवता. कैलास नामका श्रनुवैलंधर देव. an Anuvelandhara god of the name of Kailasa. (३) देवास નામે નન્દીશ્વરદ્વીપના પૂર્વાંવ ના અધિપતિ देवता केलास नामका नन्दीश्वर द्वीपके पूर्वार्द्धका अधिपति देव. the presiding deity of the eastern half of Nandīśvara Dvīpa by name Kailūsa (૪) क्ली॰ કૈલાસ નામે નાગરાજ देवतानि राजधानि केलाम नामको नागराज देवता की राजधानी, the capital of the Nāga Rāja god, by name Kailasa. जीवा॰ ३. ४:

कहवय. त्रि॰ (कतिपय) डेटला. कितने ?
Some; several; a certain
number. नाया॰ =; १२; सु॰ च॰ ३,
१८१;१५,६०;।प॰ नि॰ २२०; उना॰ ७,१४;
कहिया स्री॰ (कैतिवका) डे।िख्यी मिखुलंध सुंधीना द्वाथना लाग. कुहनों से कलाई
तक हाथका हिस्सा. The part of the
ann from the elbow to the
wrist. नाया॰ १;

फइचिह त्रि॰ (कितिविध) डेटबा अधारनुं. कितनी तरहका? Of how many kinds? भग॰ ८, १; २०, २०; २४, ५; त्रशुजो॰ १४४; जं० प० ७, १४१;

काउद्द पुं॰ (ककुद्) लणहनी आंध. बलै की

कूबड. A hump (on the shoulder of an Indian bull). नाया॰ ६; श्रोघ नि॰ सा॰ ७७; प्रव॰ ८८७;

कडाहे. पुं॰ (ककुबात्) आंधवाणुं अणह, भृंटिया. कुवट वाला वेल; सांड. A humped bull; a humped ox; humped. अणुजाे॰ १३१;

कन्नो. य० (कृतस्) साथी; अर्थाथी. कहांसे ? tank? Whence? by what means? "कन्नोन्नासादिए" नाया० १२; "कन्नोड-वलद्धे" नाया० १२; भग० १, ६; १७, १; १६,३; २१, ६; २४, १; ३१, ४; ३४, १; ३६, १; नाया० ६; १२; स्रोघ० नि० ४७, उत्त० ६, ११; पन्न० ११६;

कन्नो प्र॰ (क) ध्यां १ कहां १ Where १ "कन्नो वयामो " नाया० १४; जीवा० ६, २; कन्नोहितो प्र० (कृतः) ध्यांथी कहां से १ Whence १ भग० २४, १३; जं० प० ७, १३४;

कंक पुं॰ (कङ्क) पाशीने आश्री रहेनार માંસાહારી એક જાતનું પક્ષી. પાની के श्राश्रय से रहने वाला एक जात का मांसाहारी पद्मी An aquatic carnivorous bird; a heron. भग॰ ७, ६; १२, ८; जीवा॰ १, ३, ३; स्य॰ १, १, ३, ३; १, ११, २७; श्रागुत्त० ३,१;श्रोव०१०; पन्न०१; — उचम. त्रि॰ (-उपम) इंडपक्षी सभानः કંકપક્ષીને જેમ ગમે તેવા દુજેર વ્યાહાર प्यालय तेम केने प्यी लय ते. कंक पत्ती जैसा; जिसे इस पत्ती के समान दुष्पाक श्राहार पच जाता है वह. Kanka bird; (one) who can digest heaviest food like Kanka bird. ठा॰ ४, ४; - मह्णी. स्री॰ पुं॰ (-प्रहणां-कङ्क पांचिवशेषस्तस्येव प्रहणो गुदाशयो यस्य स तथा) तीर्धु ६२ तथा

• लुगिक्षिया है केनी गुद्दा निष्टार्थी भर अय निर्दे ते. तीर्थं कर या जुगिलियां जिनकी कि गुदा निष्टा से खराव नहीं होती any of the Tirthankara and Jugaliyās whose anus is not bespattered with excrements. जं॰ प॰ २, २१; श्रोव॰ प्राहु॰ १, ४;

कंकड. पुं॰ (कक्कट) ६वथ; ल्लाप्तर. कवच; जिरह वर्ष्तर. An armour; mail. भग॰ ६,३३; राय॰ १३०; जं॰ प॰ ग्रोव॰३१; कंकडइय. त्रि॰ (कक्कटित) ६वथथु ६त; ६वथ ॰ डेस. जिरह वर्ष्तर से युक्त Equipped with an armour. परह॰ १,३॰

कंकडग. न० (कद्भटक) ४१२२; लफ्तर कवच. वस्तर Anarmour, mail. जं०प०१६७; कंकण. न० (कद्भण) स्त्रीओने ढाथभां पढेरवानुं ओ४ लूपलु; ४४० स्त्रियों के हाथ में पहिनने का एक आभूषण. कगन A bracelet. भग० ११, १०; ११,

कंकाच स पुं॰ (कङ्का बंस) गांह्यासी वनस्पति-नी ओह जात गांह्यासी वनस्पति की एक जात. A kind of bulbous vegetation पन्न॰ २;

कंकि सि पुं॰ (कड़े कि) अशा पृक्ष; आशा-पास्त्र तुं अ.८. अशाक दृत्त; आशापस्त्र का काड. A śoka tree (२) तीर्थं इर लयां भीराके त्यां अशा पृक्ष थि। आवे ते; आहे आतिहार्य भानुं ओड. नीर्थं कर जहा विराजत है वहां अशोक दृत्त उत्पन्न होजाता है; आठ प्रतिहार्यों में से एक. springing up of an Asoka tree where Tirthankara stays; one of the 8 Pratharyas प्रव॰ ४४६;

कंकेल्लि. पुं॰ न॰ (कङ्कंति) अशेष पृक्ष, आशापल्लव. The Aspka tree प्रव॰ १४६२:

कंकोल पु॰ (कङ्कोल) ओं अधारती वत-स्पति एक प्रकार की वनस्पति A kind of vegetation. जीवा॰ ३, ४;

√ कंख. था॰ I, II. (कांच्) धिरुश्युं; पांश्रयुं. चाहना; इच्छा करना. To wish, to desire.

कखइ. नाया॰ १६;

कंखंति, श्रोव० ११:

कंखेति दसा० १०, १;

कंखपउस. न॰ (काचाप्रदोष) लगवतीस्त्रता पहेला शतक्ता त्रीक हिशानु नाम हे लेगां कांक्षामे। हनीयना प्रश्नीत्तर करेल छे नगवती सूत्र के पहिले शतक के तीसरे उद्देश का नाम कि जिसमें आकाचामोह नीय के प्रश्नोत्तर किये गये हैं. Name of the 3rd Uddesa of the first Sataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the questions and answers regarding the deluding Karma of desire. भग॰ १, १;

कंखा स्त्रीं॰ (काड्सा) असिक्षापा; ६०थनी धन्छा; दीस्तुं शिलुं नाम प्रिमेतापा, द्रव्येच्छा, लोभ का अपर नाम Desire; desire of wealth; a synonym for greed. सु॰ च॰ ६, ६०; मम॰ ५२, भग॰ १२, ५; दसा॰ ४, ६४; स्य॰ १, १५, १४, भग॰ १, १, उवा॰ १, ४४, प्रव॰ २७४, ६४७;

कंखायदोस पुं॰ (कालाप्रदोष) भाटा भतनी ध्रव्या करवी ते, भिश्यात्व भाहनीयना अके प्रकार मिथ्यात्व करना; मिथ्यात्व मोहनीय का एक भेदः The desire for false tenets; a variety of Mithyatva Mohaniya. भग॰ १,६; कंखि त्रि॰ (कांचिन्) ध्रव्यात्व प्रविचालाः (One) who desires पि॰नि॰२१६;

कंशिय नि॰ (कांचित) ४२छे क्षें; आशित इंटिछत; श्राभेसायित; चाहा हुश्रा. Desired; longed for नाया॰ ३; ६; भग॰ १, ३; २, १, १०, ४; ठा०३, ४; दसा॰ ४, ६४; उवा॰ १, ६६;

कंगु. स्री॰ पुं॰ (कंगु) ओड ब्यतनुं धान्य; डांग. एक प्रकार का धान्य; कांग. A kind of corn (Panic seed). भग० ६, ७; २१, ३; मूय॰ २, २, ११; ठा॰ ७, १; पन्न॰ १; पिं॰ नि॰ ६२४; प्रव॰ १०१३:

कंगुलया. स्री॰ (कंगुलता) એ नाभनी એક जननी वेश. इस नामकी एक जाति की लता. A kind of creeper of this name, पन्न॰ १:

कंगुिलया. स्रो॰ (॰) सधुनीत अथवा पदीनीत क्ष्यी ते. लघुनीत-लघुरांका या बडी नीत-दीर्घशंका करना Passing of urine, stool etc. प्रव॰ ४३६;

कंचण. न॰ (काञ्चन) से।नं. सोना; सुवर्ण. Gold. विशे॰ १=१६; श्रोव॰ १७; नाया॰ १; भग॰ ६, ३३; डवा॰ २, १०१; प्रव॰ ४५३; जं॰ प॰ ५, १२२; (२) इंथन नामने। ओड पर्वत. कंचन नाम का एक पर्वत. the Kañchana mountain (३) इथन पर्वत के श्रीवर्णत देवता का नाम. name of the presiding deity of the Kañchana mountain. जीवा॰ ३, ४; —कोसी. स्त्री॰ (-कोशी) से।नानी भूर्ति सोने की मूर्ति; सुवर्णकी प्रतिमा. an idol of gold. उवा॰ २, १०१; जं॰ प॰ ७ १६६; —खंचिय. त्रि॰ (-स्वचित)

से।नाथी क्रेंब. सोनेसे जडा हुन्ना laid in with gold. नाया॰ ३; — भिगार. न॰ (--भिद्वार) से।नानी आरी. सुवर्णकी फारी. a golden kettle. नाया॰ १; --मिण-रयणथ्भियागः त्रि॰ (-मणिरत्नस्तृपि-काक-काञ्चनंच मण्यश्च रत्नानिच तेपां तनमयो वा स्तृपिका शिखरं यस्य) से।नुं મણિ રત્ન વગેરે યુક્ત જેનું શિખર છે તે. जिसका शिखर मुवर्ण, मिण, रत्न श्रादि से युक्त है. with the crest or summit full of gold, jewels etc राय॰ कंचगाउर न॰ (काबनपुर) ५ क्षिण देशनुं योध अभ्यात नगर, कालिङ्ग देश का एक प्रत्यात नगर Name of a famous town of the country of Kalinga. पञ्च० १.

कंचणकृड पुं॰ (काञ्चनकृट) इंथनहूट नामनुं त्रीन्न थेथा देवले। इनुं ओह विभान कंचनकृट नाम का तीसरे चौथे देवले। क का एक विभान Name of a heavenly abode of the 3rd and the 4th Devaloka, ठा॰ ७; सम॰ ७; (२) से। मनस वणारा पर्वतना सात हूटमांनुं ७८ ६ ६८-शिणर सोमनस वणारा पर्वत के सात कूटों में से छठा कूट-शिखर the 6th of the 7 summits af the Somenasa Vakhārā mountain. जं॰ प॰ ४, ६५:

कंचिएगे. पुं॰ (काज्यनक) नीस्तरंत आहि दश द्रह्मे पूर्व अने पश्चिम अने पासे दश दश कोळनने आंतरे ओ नामना पीश पीश पर्वत ७, ओडंदर २०० डन्यन पर्वत छे. नीलवंत ब्रादि दश हदो (ब्रगाध

^{*} જુએ। પૃष्ठ नम्भर १५ नी पुटने।ट (r). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

जलाशयों-भीलों) के पूर्व श्रोर पश्चिम-दोनों श्रोर दस २ योजन की दूरी पर इस नाम के बीस २ पर्वत हैं. एकंदर दोसी पर्वत हैं One of the 200 Kanchana mountains (situated on the eastern and western sides of the 10 lakes viz. Nīlavanta etc.) at intervals of ten Yojanas each; (each lake has got 20). जीवा॰ ३: जं॰ -पट्चय. पुं॰ (-पर्वत) **ઉत्तर કु३ क्षेत्र**मां નિલવંતાદિ દ્રહ્વની પૂર્વ પશ્ચિમ વ્યાજીએ રહેલ ५५ त. उत्तर कर सेत्रमें नीलवंतादि हदोके पूर्व पश्चिम की श्रोर का पर्वत. one of the mountains on the eastern and western sides of the Nilavanta and other lakes in Uttara Kuru region जं॰प॰ भग॰ **१४, ८, जीवा० ३; सम० ५०**;

कंचणा. स्त्री॰ (काञ्चना) એક स्त्री हे जेना भाटे युद्ध थयुं ६तुं. एक स्त्री का नाम, कि जिसके लिये युद्ध हुन्ना था. Name of a woman for whom a war was waged परहु १, ४;

कंचिण्याः श्री॰ (काचिनका) इद्राक्षनी भावाः क्राचकी माला A rosary of Rudiā-ksa beads. श्रोव॰ ३६; भग॰ २, १; (२) ५ थन पर्यतना अधिपति देवतानी राजधानिनुनाम कंचन पर्वत के श्राधपति देवताकी राजधानी name of the capital city of the Kañchana god. जीवा॰ ३, ३;

कंचीमेहला. स्नी॰ (काञ्चिमेखला) ४-हेरि। कंदोरा. An ornamental waistbelt, जीवा॰ ३, ३; कंचुत्र. पुं॰ (कंचुक) थे। ती, श्रथती. श्रांगया; चोली. A bodice (worn by women); an armour. चड० प्रव० ५३७; (२) सर्पनी श्रयती. सर्प की कांचली. a slough or skin of a snake. विशे० २५१७, चड०

कंचुइ. पुं॰ (कंचुिकन्) नालरः अंतेपुर रक्षः श्रतःपुर का रचक दर्बान. An attendant on the women's apartments. (२) सर्थ. सर्प. a serpent. विशे॰ २४१७;

कंचुइजा पुं॰ (कंचुकीय) नालर; ६।२५।४; अंतः पुरने। २६। ६. द्वारपाल: प्रतीहारी; श्रत पुरकार स्तक. A chamberlain; a door-keeper. भग॰ ६,३३;११,११; नाया॰ १; श्रोव॰ ३३; निसा॰ ६, २५; राय॰ २८६: —पुरिस पुं॰ (-पुरुष) लुओ। 'कचुइजा' शण्ट. देखी " कंचुइजा " शब्ह. vide "कंचुइजा" भग॰ ६,३३;

कंचुय पुं॰ न॰ (कंचुक) लुओ "कंचुय" श॰६. देखो "कंचुय " शब्द Vide. "कचुत्र उत्त॰६,२२;ग्रंत॰ ३, ६; मग॰ ६, ३३, नागा॰ १, (२) वाल, रे।भराछ. केश; रोमराजी, वाल. hair. भत्त॰ ३०;

कंटक. स्री॰ न॰ (कराटक) भारती भाषण वजेरेती डांटी वेर वंदूत स्रादि का कांटा. A hard thorn eg. that of Babool etc जं॰प॰१,१०;दम॰६,३,६,—वॉदिया स्रो॰ (*) કાંટાનी लाउ. कांटों की बाट. thorny fencing. मृय० २, २, ४१; कंटग. पुं० (कंटक) કांटा. कांटो A thorn. राय० २६४; मृय० १, ४, १, ११; जं० प० गु० च० ३, २१८; उत्त० १६, ५२; जं० प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —पह. पुं० (-पथ) કાંટાવાળા २२ते। कंटक मय मार्ग, कांटोंबाला रस्ता. a thorny path. श्रोध० नि० ७८४;

कंटय-श्र. पुं० (कंटक) डांटा; अतिरूपध्री. कांटा; प्रतिस्पर्धा, डाहा. A thorn; त त rival श्रोव० उत्त० २, २६; श्राया० २, १, ५, २७; पि० नि० २००; ३३२, जीवा० ३, १; ३. (२) विंकिना आंडडेत विच्छ्का टक. a seorpion's sting. नाया० १; दम० ४, १, ७३; दमा० ७, १, सम० ३४, श्राया० २, १३, १७२; उत्त० १०; ३२, भग० १, ६; प्रव० ४५२;

कंद्र. पुं॰ (कएठ) गल्ल; डे।इ; इन्हर्ड, श्रीया; गर्दन. गला; कंठ; श्रीया; गर्दन. Throat; neck. भग० ६, ३३; नाया० १; दमा० १०, १; राय० ६१; श्रणुको० १३; १२८; मम० प०२३७; एत० १२, १६; श्रोव० २७; विशे० ३३४; गच्छा० १२२; जं० प० ५, १२१; —मिएसुत्त, न० (नमिएसूत्र) इंडमां पहेरवाता हीराता हार गले में पहिनने की हीरे की माला. a diamond neckless. कप० ३, ३६; —मुर्याव. पुं० (नस्रवि) सीताती श्रेशी इही. मोने की गुंशी हुई माला-कंठी a gold string used as an ornament for the neck. राय० १६३; —मुही. स्री० (नस्रवी) इंडनी न्छा २६६नारुं

हेश्वश्वाना आश्वरनुं आलर् (भाव्ययं). कंठ के पास पिहना जानेवाला एक आभरण (मादतिया). a neck-ornament resembling a knob tied to a string. भग॰ ६, ३३: — विसुद्ध न॰ (-विशुद्ध) थे।१५५। ६६४। भान्धरनुं संदर कठ से गाना. singing in a clear voice. राय॰ — सुत्त न॰ (-सूत्र) रे।१५१। पहेरवाना से।नाना होरा. गले में पहिनने की सोने की लड़—होर. a gold necklace; a gold string used as an ornament for the neck. श्रोव॰ — सुत्तग पुं॰ (-स्त्रक) लुओ। "कंट्रसुत्त" शान्ध देसो "कंट्रसुत्त" शान्दः vide "कंट्रसुत्त" जीवा॰ ३, ३;

कंडगय त्रि॰ (कण्डगत) इष्ट्रे आवेस, गसा भुधी आवेस. कंडतक आया हुआ; गलेतक आया हुआ Come to the throat. गच्छा॰ ४१; —पाण पुं॰ (-प्राण) इष्ट्रे आवेस स्वास; भरणात कष्ट. life breath come to the throat गच्छा॰ ४५; कंडाकंडि. अ॰ (कण्डाकण्डि—कण्डे कण्डे गृहीस्वेतियोगविसागात्) इंद्रे इंद्रे भसीने. कंड से कंड मिलाकर. With necks touching each other; neck of one touching that of another नाया॰ २;

कंडिया. स्त्रीं॰ (किंग्डिका कएडोभूष्यतणऽस्य-स्या.सा) ४९६ी. कंठी. A necklace. जीवा॰ ३, ४; (२) ४९६ प्रदेश. कंठ का हिस्सा a part of a neck गच्छा॰ १२४; (३) युस्तकनुं पुंदुं पुस्तक का पुठ्ठा क

^{*} लुओ। पृष्ट नंभ्यर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

cover of a book. राय॰ १६६;

कंठगाय त्रि॰ (कपठोप्रक-कपठश्चासानुप्रक श्चोत्कंठःकपठोप्रकः) तीक्षणु स्वरवाक्षी तेज कंठवाला. One of shrill voice. ठा०७; कंठगुणा. पुं० (कपठेगुण-कपठेगुण इव कपठे-गुणा:) ४९३ पहेरवानुं द्वारा सर्भं व्याक्षरणु गले में पहिनने का दोरे जैसा गहना. a gold string used as an ornament for the neck. पन्न० ३; निवा०२;

कंट्ठेमालक आर्जि (क एटे मालकृत) ४९६ भासा पहेरी छे केछे. जिसने गले में माला पहिनी है. (One) who has put on a garland on the neck. दसा॰ १०, १;

फंड. पु॰ (कार्**ड**) धनुष्य लाखु. धनुष्य बार्सः an arrow. प्रव॰ ८२६, क॰ प॰ १, ३२; भग० ७, १; जोवा० ३,४; राय० २०४. नाया०२,८; (२) लाग; हिस्सा भाग; हिस्सा a section; a part. (૩) એક જાતની पनस्पति. एक जाति को वनस्पति. a kind of vegetation भग० २१, ४; (४) પૃથ્વી કે પર્વતનાે એક વિભાગ; જમીન કે भढ़ाउना थर पृथ्वी या पर्वत का एक हिस्सा; जमीन या पहाड का थर a section of land or mountain; a layer of rock on land or on mountain. श्रगुजो० १३४; ज० प० पत्र० २; (५) અગીઆરમાં દેવલાકનું એક વિમાત એની રિયતિ એકવીસ સાગરાપમની છે; એ દેવતા એકવીસમે પખવાડીયે ધાસાધાસ લે છે એને એકવીસ હત્તર વર્ષે ક્ષુધા ઉપજે છે. ग्यारहवें देवलोक का एक विमान इसके देवताश्री की स्थिति इकवीम सागरीपम इकवीस वी होती है. ये देवता मे शामीश्वास चेते है और इक्वीम हजार वर्ष में उन्हें भूक लगती है name of a heavenly abode of the 11th

Devaloka. Its deities enjoy a life of 21 Sāgaropamas, breathe once in 21 fortnights and become hungry once in 21 thousand years. सम॰ २१; (६) अभैनां स्थिति स्थानकां समृद् कर्म के स्थिति-स्थानक का समृद् a collection of items of the different varieties of enduring Karma. क॰प॰१,६५;

कंडत ति॰ (कण्डयत्) भांऽतुं; १०८त कृटता हुत्रा; चूर करता हुत्रा. Pounding; e. g. with a pestle. पि॰ नि॰ ५७४; श्रोव॰

कंडक. न॰ (करहक) लुओ ''कंड'' शफ्ट. देखो ''कंड'' शब्द. Vide. ''कंड'' क॰ प॰ १, ८६,

कंडर न० (कार्डक) डांड; पाघडे।, पड पर्तः यर; श्रस्तर. A layer. स्य॰ १, ६, १०; (२)णाणु वार्ण anow. राय॰२५७; (३) सण्यातीत संयभना स्थानका समृह collection of countless items of ascetic conduct. पि॰नि॰ भा॰ ६६; क॰ प॰ १, ४२; ४६; — हेट्ट. त्रि॰ (श्रधस्तन) यार समयना स्थितिस्थानड समृद रूप डंडडनी नीयेनुं. चार समय की स्थिति स्थानक समृह रूप पर्त नीचे का. situated below Kandaka and equal to the duration of 4 units in a certain stage. क॰ प॰ १, ४०;

कंडय. नं॰ (कारहक) अवनी ओक सदम लाग. समयका एक स्ट्म भाग. A. very small division of time भग० ३,२: (२) शक्षसनी सला आगवनु शैत्यवृक्ष, अंध नुं आड. राज्ञम की सभा के सामने का नत्य

वृत्त कंडक का माड. name of a Chaitya (garden) tree near the council-hall of demons. ठा॰ =, १; મૂલદેવની कंडरीय. पुं॰ (कएडरीक) સહાયથી વનમાં જતાં કાઇ પુરુષની સ્ત્રીને લઇજનાર એક લુચ્ચા માણસ કે જેની કથા ઉત્પાતકી ભુદ્ધિ ઉપર દર્શાવેલ છે. मूलदेव की मदद से बन के किसी प्रवासी पहल की स्त्री को लेजाने वाला एक लुच्चा मनुष्य, कि जिसकी कथा उत्पात की बुद्धि पर घाटत की है. Name of a scoundrel who abducted the wife of a person travelling in a forest with the help of Muladeva. This story is narrated in connection with or to illustrate the variety of Buddhi or intellect known as Utpātikī पि॰ नि॰ ६६; नंदी॰ (२) પુષ્કલાવતી વિજયની પુંડરિકિણી નગરીના મહાપદ્મરાજાની પદ્માવતી રાણીના પુત્રઃ પુંડરોકના ન્હાના ભાઇ કે જે દીલા લઇ, પાછલથી પતિત થઇ, સંસારમાં આવ્યા અને તરતજ મરણ પામી નરકે ગયા મ્હાટા ભાઇ भारतीक कंडरीक्ती अतारेल साधुवेप प्हेरी, સાધુથઇ,ત્રણ દિવસમાં જ મરણ પામી, સર્વાથ સિદ્ધ વિમાને પહેાચ્યેઃ. पुष्कतावती विजय की पुंडरीकिणी नगरी के महापद्म राजा की पद्मा-वतीरानी का श्रंगजात. पुंदरिक का लघु श्राता वो कि दीचा ले फिर पतीत होगया श्रीर संसारी वन गया किन्तु शीघ्र ही मृख्य पा नरक मे गया. वडा भाई पुंडरीक, कंटरीक के उतारे हुए साधु भेष को पहन साधु हो तीन दिन में ही मृत्यु पाकर सर्वाथ सिद्ध ाविमान में जा पहुंचा. name of the son of Padmāvatī, queen of Mahā padma king of the city of

Pundarikini belonging to the country Puskalāvatī Vijaya. He was younger brother to He had taken Pundarīka. Dīkṣā but had again sinfully taken to worldly life. He immeediately died and went to hell while Pundatika putting on the ascetic dress cast off by him became a Sādhu He too died within three days and reached the heavenly abode Sarvārtha Siddha. named नाया० १६:

कंडवा. स्री॰ (कएडवा) એક જાતનું વार्लिन.
एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument राय॰ —कंडा स्री॰
(-कएडा) એ नामनुं એક पर्वेश જાતિનુ अट.
इस नाम का एक पर्वम जाति का स्नाड. A
kind of vagetation of Parvaga
sort. पन्न॰ १;

कंडियः त्रि॰ (कार्यडत) भांडेसुं, छडेसुं. क्टा हुआ. पीसा हुआ Pounded with a pestle. पिं॰ नि॰ १ १९;

कंडियायण पुं॰ (किएडकायन) वैशासी नगरी-थी लहारनुं એક ઉद्यान वैशाली नगरी के वाहर का एक वर्गाचा Name of a garden outside the city of Vaisālī, भग॰ १५, १;

कंडिल पुं॰ (काण्डिल्य) કांडिल्य गात्र अवर्त के अह अपि. काण्डिल्य गोत्र चलाने वाले एक ऋषि. The name of the progenitor sage of Kāṇdilya Gotra (lineage). ठा॰ ७,

कंडिल्लायगा. पुं॰ (कागिडल्यायन) એ नामना એક ઋषि. इस नामके एक ऋषि. The

name of a sage. ठा॰ ७;

कंडु. पुं॰ (करहू) दीढानुं वासणु; तवा. लोहे का वरतन; तवा. An iron pan. श्रोव॰ ३८; (3) भसनी रेश. खाज की विमारी itches. नाथा॰ १३; भग॰ ७ ८;

कंड्रय. न० (कएड्सत्) भसवाणा. खनलीवाला, खान वाला. One having itches. स्य०१, ३, ३, १३; भग०७, ६; कंड्रग. पुं० (कर्डक) अंशुसना असंभ्यातमा लाग प्रमाणु आडाश प्रदेश परिभित डर्भना स्थित स्थानडानी समृद्ध कंगुल के यसख्यातम माग क बराबर ब्राव्हाश परिमित कम के स्थित स्थान का समृह. A collection of different varieties of enduring Karmas equal to the infinite part of an Angula (measure of space). क०प० ३,६; √कंड्रय था० II. (कर्रड्ड) भाग डर्नी;

कंड्डइरसामि नाया॰ २;

कहुइता. स॰ कु॰ नाया॰ १;

कडूयमाणा व० कृ० सु० च० ३, १३६; कंडूयावेइ क० वा० विवा० ६;

कंड्रयगाः न० (करडूयन) भणुतुं; भरण-यर ४२वी खोदना; खड्ढा करना Digging. पंचा० ४, २०;

फेंडू. स्नी॰ पुं॰ (करहू) थर; ખજવાળ. खाज खजाना, खजबाल. Itching sensation. नाया॰ ४, सूय० १, ३, १, १०;

केंड्रस्य न॰ (कंड्यित) भरूल, यर. खाज, खुजली. Itching sensation जं॰ प॰ स्य॰ १, ३, ३, १३;

केंड्र्यम. त्रि॰ (कंड्र्यक) भन्नवाणनार. Vol. 11/47.

खुजाने वाला One who scratches to remove an itching sensation. टा॰ १, १;

√ कंत. था॰ I. (कृत) छेह्थुं छेदना To cut. (२) धांत्युं. कांतना. to spin. कंताति. स्य॰ १, ६, १०,

कंतामि. पि० नि०भा०३१; ज०प०१, ११५; कंत. त्रि॰ (कान्त) भने।७२; धान्तियानः शालायभान. मनाहर, कातिवाला, शामित. Charming; beautiful, lustrous. " कंतिपयदंसणा " नाया० १; १, १४; भग० २, १; ११, ११; १२, ६; श्रोव० ३२; ३६; जीवा० १, दस० २, ३, स्०प० २०; सम० प॰ २३५; ठा॰ २, ३; दसा॰ १०, १, सु॰ च० १, ३५३; पन्न० १७, १६, उवा० ४, १४४; ज॰ प॰ ४, ११४; कप्प॰ १, ६; ર, રે૪; (૩) ધૂતસમુદ્રના દેવાતાનું નામ. घृत समुद्र के देवता का नाम. name of the deity of Ghruta Samudra, जीवा॰ ३, ४; — रूव. त्रि॰ (-रूप) संहर रूपवाणुं सुंदर रूपवान. beautiful; of charming appearance. विवा॰ १; २; --स्सर. त्रि० (-स्वर-कान्त स्वरोय-स्य स कान्तस्वरः) सुंहर स्वरवाणुं. सुंदर कंठवाला. of melodious पञ्च० ३;

कंना. त्रि॰ (क्रान्त-श्राक्रान्त) आक्रमण् ६रेस. श्राक्रमण् किया हुश्रा. Surmounted सु॰ च॰ १; ३४३;

कंततर. त्रि॰ (कान्ततर) अति अंहर. वहुत सुंदर Very beautiful. "एतोकंततराए चेवमगुराग्तराए चेव" राय०११; जोवा० ३; कंता. स्रंा० (कान्ता) सांध्ययाणी श्री हप-वान स्रो. (A woman) possessed of beauty भग० १४; १; नाया० १६; कंतार. पुं० (कान्तार) अरथय; अरथी; शहन

पन. वन; जंगल; गहन वन. A. deep dense forest; the world. उवा॰ १, ४८; पंचा० ११, ११; नाया० २; १६; भग० २, १; ४, ५; उत्त० १६, ४६; २७, २; नंदी० ५७; सु॰ च० १, २; सम० १३; त्रोव० ४०; ठा० २, २; महा० प० ३५; थ्रोघ० नि॰ ६-३: --भत्तः न० (भक्त= कान्तारमरएयं तत्र भितुकाणां निर्वाहार्थ यद्विहितं तत् कान्तारभक्तम्) अथवीभां મુસાકરી કરતાં ગરીબાને આપવાના ખારાક. जंगल म मुसाफिरी करते गरीबों को दी जाने-वाली खराक. food to be given in charity to the poor while travelling in a forest. भग० ५, ६; ६, ३३; नाया० ५; निसी० ६, ६; श्रोव० —वित्ति. स्री॰ (-वृत्ति) लंगसनी वृत्ति-નિર્વાહ ચલાવવા તે, જગલમાં પ્રાણઘાતક આપત્તિ આવી પડે ત્યારે પ્રાણ નિર્વાહ કરવા ते: ७ आगारभाने। ओड. जंगल में प्रवास कर वृत्ति-निर्वाह करना, जंगल में प्राणांत कष्ट त्र्या पढे तब प्राण बचाना: छः स्रागार में मे एक. maintenance in a jungle while travelling; saving one's life when met with life ending difficulty in the jungle; one of the 6 options (on the part of an asectic). प्रव ९ ५ ६३;

केति छा॰ (कान्ति) ते॰ ; शंति प्रला .तेज; कांति; शोभा; नावण्य Lustre; beauty. पण्ह॰ २, १; श्रोव॰ ३२; ३४; (२) शाला प्रभा; सुंदरता. beauty; charm सु॰ च॰ २, ३४४;

कंतिल्ल. त्रि॰ (कान्तिमत्) धान्तिवाधीः; धांतिभान्, लावरायवालाः प्रभावान् Lustrous; beautiful सु॰ च॰ ६; २४६; कंतिल्ल. पुं॰ (कान्तेल्ल) भंऽव गोत्रनी शाणाः मंदव गोत्र की शाखा. A branch of the Mandava family. ठा० ७, १; (२) मंद्रव गोत्र की शाखावाला पुरुप. a person belonging to the above branch. ठा० ७, १;

कंयन्न. पुं॰ (कन्यक) ज्ञातवान धोडा है जे तापाना व्यवाजधी पशु लड़ है नहीं. कुल-वान घोटा जो तोपोंकी न्यावाजसे भी न भड़के. A horse of noble breed not terrified even by the explosions of guns. उत्त॰ ११, १६;

कंथा. पुं० (कन्यक) लुओ। "कंयश्र " शण्ट. देखो "कंथश्र " शब्द. Víde "कंथश्र" उत्त० २३, ४८;

कंधीकय. त्रि॰ (कन्थीकृत) अन्था-भे।६८१नी

भाइ ४ ध्एा थिगडा वार्क्ष कंथा-गोददी के सहरा बहुतसे जोड (चिंवे) लगेहुए. (Anything) prepared with a good deal of patch-work विशे॰ १४३६; कंद्र था॰ I. (कन्द) आक्ष्टन कर्वा; रेडवं; ३४वं; ४४वं; भूभा भारवी. तूम मारना; रोना; आकन्द करना; शोर मचाना. To cry;

to weep; to shout. कंदइ. शाया॰ १, २, ५, ६४; कंदिसु. श्राया॰ १, ६, १, ५; कंदमार्ग. व॰ कृ॰ नाया॰ १; २; ६; १६;

भग० ६, ३३;

कंद. पुं॰ (कन्द) इन्हमूक्ष; डुंगली, क्षसण्, गाजर, रताणु वगेरे इन्हवाली साधारण् वनस्पति कृन्द मूलः; लहसन, गाजर, रतालु श्रादि कन्दवाली साधारण वनस्पति. Bulbous roots; bulbous vegetation i. e. garlic, carrot etc जं॰ प॰ २, १६, ३, ६७. श्राया॰ २, ३, ३,

१२६; पन्न० १; विवा० १; भग० ३, ४; १७,

१; २२, १; नाया० १३; १४; उत्त० ३६, ६८; निसी०४,४२; दस० ४,१,७०; चउ०२८: (ર) ડાડના મૂલ અને થડની વચ્ચેના **भाग. माड के मृल और धड के मध्य** का भाग. the part of a tree tween the roots and the trunk. जीवा० १, राय० १५५; भग० ७, ३; नाया०१५,पन्न०१;श्रोच० (३) इसझाहिइता भूय ७५२ने। गांस लाग कमलादि के मूल ऊपर का गोल भाग. the upper round portion of the lotus roots जं॰ प॰ -- श्रहिगार पुं॰ (-श्रधिकार) इंदनी अधिशर-वर्शन कंद का अधिकार-वर्शन subject-matter dealing with bulbous roots भग० ६, ३३,२१, १; -श्राहार पुं॰ (-श्राहार) इंदिना आहार धरनार तापसना ओक वर्ग. कंद का भच्या करने वाली तपस्वी की एक जाति. one who eats bulbous roots. भग॰ ११, ६, निर॰ ३, ३: —जीवफुड. पुं॰ (-जीवस्प्रप्ट) डेंहना छवथी २५७ थयेश कंद के जीगो रो हुया हुआ. one touched by the sentient beings living in bulbous roots. भग० ७, ३; —भोयण-न॰ (-भोजन) इंद्रनु लाजन, कंद का भोजन food consisting of bulbous roots. ठा॰ ७, सम॰ २१; नाया १; भग॰ ६,३३; दसा० २, १६, — मूल न० (-मूल) ४-१ भूस कंद मूल. roots and bulbous roots. भग॰ ८, ४;

कंदगाया स्त्री० (क्रन्दन) आईंटनं इरवुं; रे।वुं; इंध्रियुं आकंदन करना; रोना; शोर मचानाः Crying; weeping; lamenting ठा० ४, १; भग० २४, ७, श्रोव० २०० कंदता. स्त्री० (कंदता) इंट्युण पर्छः

पना State of being b

roots and roots, भग ० २१, १। स्थ० २, ३, ६;

कंदप्प. पुं० (कन्दर्भ) शाग व्याने भीत ઉપજાવનાર હારમ, ગબિત ચેણા વદભાષળા राग श्रोर मोह पैदा करने वाली हारयगण कोंडा; वक भाषण. Amorous sport; dalliance; humorous, love talk. गच्छा० ६२; उत्त० ३५, २५४; जीवा० ३; पन्न० २; "प्रोघ०नि०१०२; (२) अभदेव. कामदेव. Cupid. छु॰ च० ६, २१, पराह० २, २: भग० १४, ६; उवा० १, ५२; प्रव० २८३; ६४८; पंता० १, २४, (३) क्रुतूद्ध हैय. (३) कुत्तहल करने वाले देव, the god Kutühah, भग-ર, ૭, (૪) કામદેવની ભાવતા, જામને જો भावना moditation for कारमानी pleasure, गच्छा॰ वरा P14 11 (-कार) आम अपके तेची नेहाना पर तर कामदेव उटाक हो हैसी क्षेत्र कर्ना प one who spouks and aid a dille rously. श्रोव० ११। देव पं १ र रेंग कन्दर्पो—ऽहाद्वत्यानं भारतपदिरस्पशीलाः कन्दर्पाः कन्दर्पाशाते होताम कन्द्रपदेवा) ખડખડાટ હરાનારા િીા. हडहट हंमने वाला देन. n loud-bughing god तंदु॰ -भाषणाः सी॰ (-भावना-कंन्द्रपः कामस्तरप्रधाना निरन्तरं नर्मादिनिशततया विट्याया देव विशेषाः कन्दर्गस्तेपामिय कान्दर्भ सा चासीमावना च) એક પ્રકારનी કામાદીપક માહજનક ભાવના एक जाति की कामोत्पन्न करने वाली मोहमय भावना. a kind of love-exciting meditation. प्रव॰ ६४=, --रइ स्त्री॰ (राते) धामभागमां रति आसंक्ति, कामगोग में रति श्रासिक delight in amotous plesures. नायाः १:

कंदिपिश्र-यः ति॰ (कान्दिपिक-कन्दिपिस्त-व्युद्धिः प्रयोजनसस्येति) शभनेश्रा, हास्य, भश्वशी अरेनार. कामचेष्टा हास्य विनोद करने वाला. (One) doing amorous gestures श्रोव॰ ३०;भग॰१,२,पन्न॰२०; कंदर. न॰ (कन्दर) ५५ तनी शुश. पर्वत की गुफा. A cave. नाया॰ १; २; ६; नंदी॰ १४; जीवा॰ ३, ३; भग॰ ३, ७; ६, ३३; विवा॰ १, ३;

कंदरा. स्री (कन्दरा) शुक्षा. मुक्ता. A cave. स्रंत०३, १; महा० प० न्दः; जं० प० नाया० १; कंदल. न० (कन्दल) ओक जातनुं आऽ. केणे आऽ. एक जाति का साड; केले का साड. A kind of tree. नाया० १; ६; ६; कंदलग. पुं० (कन्दलक) ओक भरीवाला पशुनी ओक जात. एक खुरवाले पशुकी एक जात.

कंदली श्री० (कन्दली) એક જાતના કન્દ.
एक प्रकार का कंद. A kind of bulbous 100t. उत्त० ३६, ६७; (२) केल हैं
अाउ. केले का स्ताइ. a plaintain tree.
पन्न०१; भग०२२, १, (३) बीबी वनस्पति.
हरी वनस्पति. green vegetation.
श्राया० नि० १, १, ५, १२६;

A one-hoofed animal, তরত ৭:

कंदियः पुं॰ न॰ (क्रान्दित) विधेशिनी स्त्रीनुं इंदन वियोगिनी स्त्री का रोना. Lamentation of a woman separated from her husband. उत्तः १६, ४; स्रोव॰ २१; नाया॰ १; पंचा॰ ७, १६; (२) वाण्व्यन्तर देवतानी य्येः ब्लत. वाण्व्यंतर देवता की एक जाति. a kind of Vānavyantara (infernal) gods पन्न॰ २; परह॰ १, ४, स्रोव॰ २४, प्रव॰ ११४४;

केंद्र. ति॰ (कन्दु) क्षेत्रानुं वासणः; यणा भभरा वगेरे सुंजवानी स्तार्ध लोहे का एक बरतन; चने श्रादि भूंजने की कहाई. An iron vessel; an iron pan to bake grams etc. पग्ह॰ 1, 1; विवा॰ ३; —सोक्षिय. त्रि॰ (-पक्क) थणा भभ रानी भेडे तावडाभां भश्चेर्ध. चने, फूली की तरह घागमें पका हुआ. Cooked, baked in the heat of the sun "कंड सोक्षियं पिव कहसोक्षियं पिव श्राप्पाणं जाव करेमाणा विहरंति" भग॰ ११, ६;

कंदुकत्ता. ति॰ (कन्दुकता) इन्दुइ नामनी यनस्पतिने। भाष-स्वरूप. कंदुक नामकी वनस्पति का भाव-स्वरूप. State of, nature of a vegetation named Kanduka. स्य॰ २, ३, १६;

कंदुकुंभी स्त्री॰ (कन्दुकुम्भी) क्षेद्रानी इदाध-तावडी. लोहे की कडाई; लोहे का बरतन An iron pan used to bake bread etc. उत्तर १६, ४८;

कंदुरुक. न॰ (कन्दुरुक) स्पेक्ष ज्याती धूपती सुगी पदार्थ. एक जाति का धूप का सुगीधी पदार्थ. A kind of fragrant incense. नाया॰ १६;

कंदू. स्त्री॰ (कन्दू) नारडीने ઉपणवानी डुंभी. नाराकेयों के पैदा होनेकी कुम्भी. A potlike place where the hell beings get their birth. सूय०१,५,२ ७; कंध्र. पुं॰ (स्कन्ध) ખાંધ कन्धा; स्वन्ध.

A shoulder. श्राया० १, ६, १, २२; √कंप. था० II. (कस्प्) ध्रुજ्युं; ५२५पुं•

धूजना, कांपना; थरथराना. To tremble; to quiver.

कंपन्त. व॰ कृ॰ सु॰ च॰ १, ११०; कंपमाण. व॰ कृ॰ भग॰ ३, २;

कंप. पुं॰ (कम्प) अभारी; धुलारी, घरधराहट.

Tremour; trembling. सम॰ ११; कंपरा न॰ (कम्पन) ३२५वुं; क्षुत्रं, क्षुत्रं कांपना; धूजना; हिलना. Tremour; trembling. पि॰ नि॰ ४८०; अणुजो॰ १३०; —वाइग्र. पुं॰ (-वातिक) ४२५- थानुं ६६; केथी भरत ४४२-५४। ४२ अवे। रे। ५५ धूजने का योगारी; वह वीमारी जिससे भिर धूजा करे name of a disease causing trembling sensation in the head. अणुज्ञ ३, १;

कंपिल्ल. पु॰ न॰ (कम्पिल्ल) अभिपल्लपुर નામનું કરુખાળાદ જીલ્લાનું એક જીતું નગર કે જે દક્ષિણ પાંચાલદેશની રાજધાની હતી અને ત્યા દ્રાપદીના સ્વયંવર થયા હતા कम्पिलपुर नामक फरुखावाद जिले का एक पुराना नगर जो दक्तिए। पांचाल देश की राजधानी थी श्रीर जहां द्रीपदी का स्वयंवर रचा गया था Name of an ancient town of Farukhābād district It was the capital of southern Pāñchāla country and also the place of Draupadi's choicemarriage. पन्न १; निसी ६, २०; उत्त॰ १३, ३; (२) અન્તગડ સૂત્રના ૧ લા वर्गना सातमा अध्ययननुं नाम. श्रतगड स्त्रके पहिले वर्गके सातवें अध्यायका नाम. name of the 7th chapter of the first section of Antagada Sūtra. (ર)અન્ધકવૃષ્ણિના પુત્ર સાત્રમા દશાહ કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે ભાર વરસની પ્રવજ્યા પાળા શતુંજય ઉપર એક માસના સંથારા **५री भेक्ष गया. श्रंघकवृष्णि के पुत्र सातवें** दशाई, कि जो नेमिनाथ प्रभु के पास वारह वर्ष की प्रवज्या पास शत्रुंजय पर जाकर एक मास का संथारा कर मुक्कि पधारे. the Daśārha, son of 7th Andhaka Vrisni. He practised ascetism for twelve years under Lord Neminātha, gave up food and water for one month on Śatruñjaya and got salvation. अंत. १, ७;

कंपिल्लपुर. न० (कास्पिल्यपुर) इंपिलपुर नाभे नगर. कंपिलपुर नामका नगर. Name of a city. " पंचालेस ज्ञासप्स कंपिल्ल-पुरं एयरं तत्थ दुम्मुहारायां " नाया० १६; नाया० घ०६; भग० १४, ८, नाया० १; ८; १६; उना० ५, १६३; श्रोव० ३६;

कंबल. पुं० (कम्बल) अंभक्षः धामणाः अधिकारितः अधिकार्षितः अधिकार्ष्णः अधिकार्षितः अधिकार्ष्णः अधिकार्षितः अधिकार्षेतः अधिकार्षितः अधिकार्षेत् अधिकार्षेतः विसी० ७, १९;

कंवलग न॰ (कम्बलक) शभक्ष; शंभक्ष कामल; कम्बल. A blanket, a rug श्राया॰ २, ४, १, १४४;

कंवलय न॰ (कम्यलक) धाणशेः; ઉननुं वश्त्र. कम्यल; ऊन का वस्त्र. A. woolen blanket प्रव॰ ६६२;

कंतु. पुं॰ (कम्बु) शंभ शंख. A conchshell ज॰ प॰ जीवा॰ ३, ३; पराह॰ १, ४, घ्रोव॰ १०; (.२) अंशु नाभे पांयमा देवेदी। अंअ विभान ४ केमां वसता देवे। तुं भार सागरनु आयुष्य छे. कंतु नामक पांचवे देवलोक का एक विमान, जहां उपन होनेंचाले देवताओं की श्रायुष्य बारह सागर की होती है. name of a heavenly abode where the gods have a life of 12 Sagaras, (it is in the fifth Devaloka). सम॰ १२;

कंबुगावि. पुं॰ (कम्बुग्रांव) डंखुश्रीय नाभे पांचमा देवले।इन ओड विभान डे केमां वसता देवोनुं लाद सागरत आयुष्य छे. कंबुग्राव नामका पांचवें देवलोक का एक विमान, जहां के देवताओं की वारह सागर की दियति होती है. Name of a heavenly abode in the 5th Devaloka where the gods have a life of 12 Sagaras सम॰ १२;

कंबू. स्त्रं॰ (कम्बू) से नाभनी से ह साधा-रखु वनस्पति; इन्हभूद्यनी से इ जनतः इस नामकी एक साधारण वनस्पति; कंद मूल की एक जात Name of a kind of vegetation with bulbous roots. पन्न॰ १;

कंग्रेय पु॰ (कम्बोज) डम्मील देश; डासुब देश. कम्बोज देश; कावुल देश The country called Kamboja राय॰ २३६;

कंबोय-स्र त्रि॰ (काम्बोज) क्ष्मील देशना लन्मेश. कंबोज देश का मनुष्य. A native of Kamboja country. राय॰ २३६, "जहा से कंबोयाणं श्राहुन्ने कंथण सिया" उत्त॰ ११, १६;

कंस. पु॰ न॰ (कंस) 'इस नामने। ८८ अह-मांने। २२ भे। अह दद गृहों में से कंस नाम का २२ वां गृह. The 22nd planet of the 88. ठा॰ २, ३; सु॰ प॰ २०; (२) भथुराने। राज्य. मधुरा का राजा. name of a king of Mathurā. ठा॰ २, ३; परह॰ १,४,—कंस पुं॰(-कांस्य) डांसानी ओड धातु कांसी; एक धातु bronze ख्वा॰ द, २३४; म्य॰ २, १, ३६; उत्त॰ ६, ४६; जं॰ प॰ २, २४; पि० नि॰ ३३४; नाया॰ १, ७; भग॰ द, ५; ६, ३३; पञ॰ १३; दसा॰ ६, ५३; जीवा॰ ३, ३; गच्छा॰ ददः—पाई स्त्री॰ (-पात्री) अंसानी थाली. किसे की धाना. के bronze utensil. "कंम पाईव व सुक्ततोए" ठा॰ ६; स्रोव॰ १७; उवा॰ द, २३४, —पाय. पुं॰ (-पात्र) अंसानी क्षेम, कामे का वरतन. क bronze pot. "कंममु कंम पाएमु, कुंड मोएमु वापुणो भुंजंतो स्रमण पाणाई स्वायरो परिमस्सइ" उस॰ ६, ४३; कप्प॰ ५, ११६,

कंसणाभ पुं॰ (कंसनाभ) त्रेनीशभ। अहतुं नाभ, २३वे प्रह का नाम Name of the 231d planet स्०प॰ २०;

कंसताल. न॰ (कांस्यताल) शंसानुं ओश्व न्ततनु वार्तितः, शसीया कांसे का एक प्रकार का याजा. A kind of musical instrument made of bronze. श्राया॰ २, ११, १६८; राय॰ ८७; जीवा॰ ३, ३; — सद् पुं॰ (-अब्द) श्रीस्थाना भाषाल. कांमे के बांज की श्रावाज. the sound of cymbals निसी॰ १७३५; कंसवरणाम पुं॰ (कंसवर्णांम) अर्श्वीसमां अर्नु नाम. श्रद्धात्रीयवे प्रह का नाम. Name of the 24th planet. " दो कंस व-एणामा " टा॰ २, ३, सू॰ प २०;

कंसवभ पुं॰ (कंसवर्ष) इंस्पर्ध् नाभने। श्रक्ष कंसवर्षा नाम का श्रह. A planet so named. " दो कंस वर्ण्या ' ठा० २, ३; सू॰ प॰ २०;

कंसिय. पुं॰ (कांस्यिक) डांसानुं पाछंत्र कासे का बाजा A musical instrument of bronze सु॰ च॰ १३, ४१; कंसीय न॰ (कमीय) डासानुं पात्र कासे

का वरतन A. vessel of bronze.

पन्न० ११:

ककारपविभात्ते. पुं॰ (ककारप्रविभक्ति) કકારની રચના વાળું નાટક. ककार की रचना वाला नाटक. A drama containing a special arrangement of the letter "क." राय ॰ ६३;

ककुद. ति॰ (ककुद्) अधान. प्रधान. Any one that is prominent, principal. नाया॰ १७;

ककुह. स्री॰ (ककुद) राज्यिन्छ; जेथी राज्यनी श्रीणणाणु पडे तेवी निशानी. राज्यन्द; जिससे राजा पिहचाना जासके वह चिन्ह. Royal insignia. "राय ककुहा" टा॰ ४, १, नाया॰ १७; श्रोव॰ १२; जं॰ प॰ ७, १६६; (२) अक्षद्दनी भुंध. वैल का कंषा. a hump of a bullock (३) पर्वतनी टाय. पर्वत का श्रृंग. a summit of a mountain. जं॰ प॰ ७, १६६; कप॰ ३, ३, ४;

कक. पुं॰ (कल्क) अपट; भाया; पाप. कपट; माया, पाप. Deceit; sin. सम॰ ४२, भग॰ १२, ४; पगह॰ १, २; (२) सुग धी पहार्थ; ओड अपीय पहार्थ हिंदी हिंड हें के ने पीठी भा उपयोग थाय छे ते की झाहिड ६०थे शरीरने जिया थाय छे ते की झाहिड ६०थे शरीरने जिया थाय छे ते की झाहिड ६०थे शरीरने जिया पदार्थ की उकालकर (पीठी) मर्दन करने के लिये बनाये हुए लेप में डाला जाता है वह; सुगंथी पदार्थ का शरीर का उवटन. a fiagrant substance; a kind of tenacious paste for the body prepared from Lodhra etc. "कक्ष उच्यक्यायं" सूय॰ १, ६; १५; भग॰ १२, ५; आया॰ २, २, १, ६०; निसी॰ १, ६, दस॰ ६, ६४;

कक. पु॰ (ककं) अधारत यहपतीना ओह भड़ेशनुं नाम ब्राह्दत्त चक्रवर्ती के एक महत्त का नाम. Name of a palace of Brahmadatta Chakravartī. "उचोदए महुकक्केय वंभे " उत्तः १३, १३; कक्ककुरुयाः स्त्रीः (कर्ककुरुका) ६ सधी जी-जाने छेतरनुं ते. दंभ से दूसरों को ठगना. Deceiving others by means of false tricks. प्रवः १११.

कक्कड. त्रि॰ (कर्कश) भरभई. कर्कश; कठोर. Rough; harsh. क॰ प॰ ४, ४५;

कक्कडग. पुं॰ (कर्कटक) કાકડો; शाइनी ओड गत. इकडी. A encumber; a kind of vegetable. पंचा॰ ४, २८; — जल. न॰ (– जल) કાકડી तथा ખડખુચા વગેરેમાં थी नीडणतुं पाजी. काकडी तथा खरच्जा चगैरह में से निकलता हुआ पानी the water that comes out of cucumber etc. प्रव॰ २०६;

कक्कडय. न॰ (कर्कटक) हाउता धाउाना पेटमां ઉछ्थती वायु. दोडते घोडे के पेट में उछ-चता वायु The gases that play in the stomach of a running horse. मग॰ १०, ३;

कक्किशा. स्री॰ (कर्किटिका) डाडरी ककडी.
A cucumber. पंचा॰ ४, २३; १०, २४; कक्किडी. स्री॰ (कर्कटी) डाडरी. फाकडी. A kind of vegetable; a sort of cucumber. गिं॰ नि॰ १६६; प्रव॰ २९०, कक्कव पुं॰ (कर्कव) एडालेश शेररीने। रस स्रीटाया गर्म किया हुआ साठे का रस. Boiled juice of sugarcane गिं॰ नि॰ २६३; कक्कर. पुं॰ (कर्कर) केने यावनां डरडर याप तेवी वस्तु जिसे चवाने से करकर हो ऐसा पदार्थ. A substance which produces a cracking sound when chewed उत्त॰ ७. ६, (२) डांडरी. ककर. a small stone. दसा॰ ७, १;

राय० २६; श्राव० ४, ४; — सश्च. न० (-शत) सेंडेडे। डांडेरा. सैकटों कंकर. (with) hundreds of pebbles. विवा० २;

ककरण्या. स्ती॰ (कक्करण) शध्या ઉपधि वगेरेमां होष इद्धाडी लड्लडाट इर्वृ ते. शच्या, उपि ब्रादि में दोप निकालकर वह र करना. Loquaciously finding fault with environments such as a bed etc. ठा॰ ३, ३;

ककरय. पुं॰ (कर्करक) सुभिक्षाहिना हेतु शीणवया. सुभिक्षादि के हेतु सिखाना. Giving instructions into the reasons for proper alms-begging etc. निसी॰ १३. =:

ककरी स्त्री॰ (कर्करी) गागर गागर A round metal pot, जीवा॰ ३, ३; ककस जि॰ (कर्कश) ३६७; आ३ई कठीन; कडा Hard; severe. "विपुला ककसा पगाढाचंडा दुहाहिन्ता दुहाहियासति"

विवा॰ १, १; सु॰ च॰ २, ३८०; भग॰ ७, ६; ३३; दस॰ ८, २६; उवा॰ २, १०७; ठा॰ ६; श्राया॰ २, ४, १, ६३३,

(२) भरभरुः; ६५१. कर्कशः खुर्दरा. rough; harsh. गच्छा० ५४; राय० २८२; ककाचंस. पुं० (कर्कवंश) ओड जातनी वन-

स्पिति; यांसती श्रीक न्यत. एक जाति की वनस्पिति; वांस की एक जाति. A kind of vegetation so named; a kind of bamboo. भग० २१, ४;

कक्केयगा. पुं॰ (कर्केतन) એક જાતનું रतन; भिष्णु एक जाति का रतन; मिशा. A kind of gem; a jewel. "आगासकेसकज कक्केयगा इंदगील श्रयसि कुसुमणगासे" राय॰ जं॰ प॰ कप्प॰ ३, ४५;

ककोडई. स्री॰ (कर्कोटकी) अंडाडानी वेस.

क्कुम्बर की लत्ता; ककोठे की वेल. Name of a creeper; a species of cu-cumber. पन्न॰ १;

कक्कोडय. पुं॰ (कर्कोटक) वैक्षंधर जातना देवतानुं नाम. वेलंघर जाति के देवता का नाम. Name of a god belonging to the Velandhara kind of gods. भग० ३, ६; ७; (२) ४३/८४ हेवने रहेवाना पर्वतनुं. नामः इस पर्वत का नाम जहां कर्कोटक देव रहता है. name of the mountain abode of the Karkotaka. जीवा०३,४; (३) अनुवेसं-धर देवताना राजनुं नाम. ब्रानुवेत्तंघर देवता के राजा का नाम. name of the king of the Anuvelandhara kind of gods. जीवा॰ ३, ४; (४) सप्श समुद्र-માં પૂર્વ દિશાર્યે ખેતાલીશ હજાર જોજન ઉપર અાવેલ અણ્વેલ ધર દેવાના આવાસ **पर्वत.** लवण ससुद्र में पूर्व दिशा की श्रोर ४२००० योजन ऊपर स्थित श्रानुवेलंघर देव-ताश्रों का निवास पर्वत. name of the mountain-abode of the Anuvelandhara gods situated at n distance of 42000 Yojanas in Lavana Samudra in the east. ठा० ४, २,

कक्कोल. पुं॰ (ककोंल) ओं के जातनुं इस. एक जाति का फल. A kind of fruit. परह॰ २, ४;

कक्ख. पुं॰ (कक्क) आभ; थगक वगल; कांख.

An arm-pit. नाया॰ २; १६; भग॰ ३,
२; ४, ४; निसी॰ ४, ४१; जीवा॰ ३, ३;
प्रव॰ ६७७; कप्प॰ ६, २६; — ग्रंत्तर. न॰
(-ग्रन्तर = कक्ताया अन्तरं मध्यं कक्तान्तरम्) आभी। भध्य क्षाग. वगल का मध्य
भाग the middle part of the

arm-pit निर॰ ४, १; — देसभाग. पुं॰ (-देशभाग) स्तनपासे अभने। भूल लाग स्तन के पास बगल का मूल भाग. the part of the arm-pit near the breast नाया॰ २; — मेत्त निः॰ (-मात्र) अभ, लगल सुधी प्रभाण्यालं, लगल सुधी व्रमाल तक मापवाला; बगल तक reaching to the arm-pit प्रव॰ ६७७; — रोम. न॰ (-रोम) अभना रे। भं बगल के बाल. the hair of the arm-pit. "पहदण हकेस कक्तरोमा थ्रोति" थ्रोव॰ ३=, श्राया॰ २, १३, १७२, निसी॰ ३, ४६;

कक्खड ति॰ (कर्कश) इतेर; भरणयर्धु, इर्देश कठोर; कर्कश; खरदरा Hard, harsh, rough. " एगेकक्खडे " ठा॰ १, १; स्रोध॰ नि॰ ६२. स्रणुजो॰ १४१; पत्र॰ १, जीवा॰ १, उत्त॰ ३६, १६; स्राया॰ १, ४, ६, १७०, पि॰ नि॰ ४२६; नाया॰ ६, भग॰ १, १; १४, ७, १४, १; १८, क॰ प॰ ४, ६३; —फास॰. पुं॰ (न्स्पशे) इतिरप्धं; भरणयोतेरपर्धं कठिन स्पर्श, खरखरा स्पर्शक्षेत्रपर्थं कठिन स्पर्श, खरखरा हपर्शक्षेत्रपर्थं कठिन स्पर्श वाला feeling hard. दसा॰ ६, १; क॰ ग॰ ४, ३२; कक्खडन्तः न॰ (कर्कशस्त्व) इतेरपर्धं;

harshness. भग० १७, २;
कक्खडा. स्त्री० (कर्कशा) धरेशर वेदना;
दुःसद पीडा. कठोर वेदना, दुसह पीडा.
Hard acute pain. नाया० १;

र्भश्या के केराता; कर्कशता Hardness,

कक्खा॰ स्त्री॰ (कचा) आभ; भगस- वगल;

काख. An arm-pit. "उप्पीतिकक्खा" विवा॰ १, ३, स्य॰ १, ४, १, ३; नाया॰ १, १६; जं॰ प॰ गच्छा॰ १२२;

कच ति॰ (कृत्य) डर्न ०४; डरवानेथे।२४. कर्तट्य; करने योग्य A deed; an action, a duty, राय॰ ३१;

कचायगा पुं॰ (कात्यायन,) आत्यना पुत्र श्री प्रभवश्रना गात्तनंनाम. कात्य के पत्र श्री प्रभवजी के गोत्रका नाम, Name of the family of Śrī Prabhavajī, the son of Kātya नंदी॰ २३, (२) डै।शिक गात्रनी शाला. कोशिक गोत्र की शाखा, name of a branch of the Kauśika family. স্ত ৩, १; (২) કાૈશિક ગાત્રના શાખામાંના પુરુષ. જાંશિ-क गोत्र की शाखा का पुरूष a person belonging to the branch of the Kausika family. 210 0, 9; (४) भूध नक्षत्रन् शेत्र म्ल नक्षत्र का गोत्र the family of the Mula constellation. "जे कोसिया ते सत्त विद्वापरणाचा तंजहा ते कोसिया ते कचा-यणा" सु॰ प॰ ११, ठा॰ ७; --सगोत्त. त्रि॰ (-सगोत्र) **કાત્યાયન ગાત્રવાળ**ં. कात्यायन गोत्र वाला. Of Katyayana family. " मूलनक्खते कचायण संगोत्त पग्राग्ते'' सृ० प० १०; भग० २, १;

क्षकच्चोलय. पुं॰ (॰) 'याक्षी; इचीणी प्याला; कटोरा A cup. सु॰ च॰ ६, ६४; कच्छ पुं॰ (कच्छ) आण्डी; अ॰ छोटी. काछ, कछोटा. The end or hem of a lower garment which after being carried round the body

^{*} जुओ पृष्ठं नम्भर १५ नी पुटनीट (१). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (१). Vide foot-note (*) p. 15th.

is gathered up behind and tucked into the waist-band. सम० ११; भग० १, ६; १, ८; (२) કांहा. किनारा. a border; a margin; a bank. भग० १, म; जं० प० १, ४; દય; ર, પર; (૩) સીતા નદીની ઉત્તરે ન લવંતપવ તની દક્ષિણે ચિત્રકટ વખારા પર્વતની પશ્ચિમે અને માલવંત વખારાપર્વતની પૂર્વે મહાવિદેહક્ષેત્રમાના એક सीता नदी के उत्तर नीलवंत पर्वत के दक्षिण चित्रकट वखारा पर्वतके पश्चिम और मालवंत वखारा पर्वत के पूर्व में महाविदेह क्षेत्र का एक विजय. name of a Vijaya in the Mahavideha region, to the east of Mālavanta Vakhārā mountain, to the west of Chitrakūta Vakhārā mountain, to the south of Nilayanta mountain and to the north of the river Sitā जं•प•(૪)ચારેકાર જલથી ઢંકાયેલ પ્રદેશ वह प्रदेश जिसके चारा वाजू जलसे ढंके हों a place covered with water on all sides (५) કચ્છ વિજયના વૈતાહ્ય પર્વતના નવ કુટમાંના ખીજા અને સાતમા **भू**टनुं नाभ कच्छ विजय के वैताट्य पर्वत के नों कृटों में से दूसरे श्रीर सातवें कृट का नाम name of the 2nd and also of the 7th of the eight summits of Vaitādhya mountain of Kachchhavijaya जं प (६) थे। अ अस्तुं स्थान थोडे जलका स्थान. १ place containing scanty water. नाया॰ १; —कूड पुं॰ (-कूट) थित्रहुट વખારા પર્વ તના ચાર કૂટમાંનું ત્રીજું કૂટ-शिभर चित्रकूट वखारा पर्वतके चारों कूटों में से तीसरा कृट-शिखर. the third of the four summits ef the Chitrakūta Vakhāiā mountain.
ज॰ प॰ (२) भाधवंत पर्वतना नव इटभानां
योथा इट-शिभरनुं नाभ मालवन्त पर्वत के नों कूटों में सं चौथे कूट शिखरका नाम name of the 4th of the nine summits of Mālavanta mountain जं॰ प॰ —चत्तव्यया स्त्री॰ (-वक्तव्यता) इ०० विजयनी वक्तव्यता अधिक्षार कव्या का वर्णन a description of Kachchhavijaya.
कच्छ, पुं॰ (कच्च) क्षाभ; भगक्ष, वगल; कांख.

स्तु. पुढ (कर्ज) डान्स, निर्दा, परीता, पाता.
An arm-pit. भग ३, ७; — कोह.
पुं० (-कोथ = कत्ताणां शरीरावयवाविशेपाणां केथो दौर्गन्ध्यम्) आभानी हुर्गन्ध
वगलको दुर्गन्धो. stench proceeding
from the arm-pit. भग० ३, ७;

कच्छगावह स्री० (कच्छकावती) लुथे।
"कच्छगावती"शण्ट. देखी "कच्छगावती"
शब्द. Vide "कच्छगावती" "दोकच्छगावइ" ज० प० ठा०२,३;

कच्छुगावती. स्री॰ (कच्छुकावती) प्रस् रूट्ट पभारा पर्वतनी पश्चिमे व्यने इद्द्रवती नहीनी पूर्वे अनेनी वन्न्ये महाविद्देश-तर्गत क्षेत्र विशेष ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के पश्चिम और इह्वती नदी के पूर्व इन दोनों के मध्यमें महा-विदेहान्तर्गत च्लिन-विजय Name of a region in Mahāvideha situated between Brahmakūta Vakhārā mountain (westward) and Drahavatī river (eastward). ज० प० —क्र्इ. पुं० (-क्ट्ट) ध्वम्द्वाट्ट प्रभारा पर्वतना चार इ्टमानुं चाथु इ्ट-शिभर. ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के चार क्टों में से चौथा क्ट-शिखर. name of the last of the four smmits of Brahmakūta Vakhārā mount, जं॰ प॰

कच्छभ. पुं० (कच्छप) आछणे। कछुत्रा. A tortoise. पज्ञ० १; ज० प० पगह० १, १, विवा० १, उत्त० ३६, १७१; जीवा० १; नाया० ४; पि० नि ५६१; भग० ३, २, ७, ६; १२, ६, १४, १; (२) राष्टुनु नाभ राहुकानाम another name of Rāhu स्०प० २०,

कच्छुभरिंगियः न॰ (कच्छुपरिक्षित) क्षाय-णानी पेढे आगस के पाछस भरछप्रभाखें यासीन पदना करे ते, पदनानी ओक होपः कछुवे की तरह आगे या पीछे इच्छानुसार चलकर वंदना करना; वंदन का एक दोप A fault connected with Vandanā (bowing), one who bows by moving backward and forward like a tortoise प्रव॰ १४०;

कच्छुभाणी स्रं (५) शें अति। पाणीमां उगती वनस्पति; देशसनुं आडे एक जाति की पानी में उत्पन्न होने वाली वनस्पति, केशर का भाट. A kind of aquatic plant; a suffron tree. पन्न १:

कच्छुभी सी॰ (कच्छुपी) शेक्ष भातनुं पार्श्वः पी श्री । एक जाति का बाजित्र, बोणा । A kind of musical instrument; a kind of lute. "श्रद्धसर्य कच्छुभी शं" स्था = ==; जं॰ प॰ प्रह ॰ २, ५; नाया॰ १७; ठा॰ ४, २, निसी॰ १७, ३५;

कच्छुची स्रो॰ (कच्छपी) छेडे पातशुं अने वश्ये पहेत्यु अतुं पुस्तकः पुस्तकता पांय अक्षारमानु ओक किनारों पर पतली ख्रीर मध्य में मोटी पुस्तक; पुस्तक के पांच भेदों में से एक A book tapering at the end and bulky in the middle; one of the five varieties of books.

कच्छा. स्री॰ (कसा) हाथीने छातीमां आंध-वानी रासडी. हाथीकी द्यातीम वांधेन की रस्ती. A rope with which an elephant is tied in the middle part of its breast. स्रोव॰ ३०; भग॰ ३,६; (२) महाविदेहनी अत्रीश विजय-मांनी ओड. महाविदेहकी वर्त्तास विजय में की एक विजय. one of the 32 Vijayas of Mahavidehs. ठा० २, ३; कच्छुय. पुं० (कच्छक) अरुक्यी; असनी रीग खाजका राग; खाज A kind of disease which causes itching

sensation. निसी० ६, २२;
कच्छुरी. स्री० (कच्छुरा) धमासी; धमासानी
ध्रुष्टे। एक जातकी वनस्पति; धमासे का
गुच्छा. Name of a plant, a cluster
of the same plant, पन्न० १;

कच्छुल पुं॰ (कच्छ्र) शुक्ष जातनं ओक्ष अ. शुक्ष जाति का एक फाड. A kind of bushy plant, पत्र ॰ १;

कच्छुलनारयः पुं॰ (कच्छुलनारद) ६२ धुक्ष नाभने। नारह कच्छुल नाम का नारद Nārada bearing the name Kachchhula, नाया॰ १६:

कच्छू स्रो॰ (कच्छू) भरूल-भाल; ४९५-रे। खान; खुन्नली; सान का रोग. Itch; itching sensation जीवा॰ ३,३, नं॰ प॰ भग॰ ७,६;

^{*} जुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी पुरने। २ (+). देखो प्रग्न नंबर १६ की फूटने। ट (+) Vido foot-note (*) p 15th.

कच्छूक. पुं॰ (कच्छूक) भाज; भस. खाज; खुजली. Itching sensation. भग०७,६; कच्छूझ. त्रि॰ (कछूमत्) भुज्ञ्बीने। ६६ी. जिसे खाजकी वीमारी है वह. (One) suffering from itch, scab etc. विवा॰ ७, पगह॰ ३, ५;

कज्जा. न० (कार्य) धर्यः, प्रयेश्वरनः, धारवः, र्कत्यः क्षिया. कामः सतलवः कार्यः कर्तव्यः किया. A deed; an action; aım; a purpose, a duty. 'किकजं भएएति जतुकीरती तेएं" पि॰ नि॰ भा॰ ४७, विशे० ७१; ४२३; २११२; उत्त० २५, ३८; श्रोव० २०; राय० २१०; सू० प० ११; सु० च० १, ५७; जीवा० ३, ४; भग० ११, ६, १२, ६; १८, २; ७; नाया० १; २; ३; ५; ७, ६; श्राया० १, २, २, ७६; दस॰ ७,३६; उवा० १,४; गच्छा० २२; ५६; पंचा०४, १७, ५,३५; क०प० १,४; -- ग्रंतर. न॰ (- ग्रंतर) प्रथम કહेલा **डार्य विना धीलुं डार्य. प्रथम कहे हुए कार्य के** विना दुसरा कार्य: कार्यान्तर work other said before. than the one पंचा०१२, ३०; -- श्रभाव पुं० (-श्रभाव) धार्य ते। अलाव कार्यका श्रभाव absence of action or purpose. विशे॰ ७१; लावने प्राप्त थयेश, कार्य रूप को-उत्पति भाव को प्राप्त. (that) which has reached the stage of effect or result; (that) which has been born विशे॰ ६०; —सिंदि. स्री॰ (-सिद्धि) धार्यनी सध्वता कार्य की सफलता accomplishment of a purpose,

a deed निशे॰ ३; —हेउ. पुं॰ (-हेतु) अर्थने। हेतु-निभित्त. कार्य का हेतु-निमत्त. (with) a purpose or motive. ठा॰ ४, ४; भग॰ २४, ७;

कज्जकारि. त्रि॰ (कार्यकारिन्) सार्थः; सप्रशेल्पन. श्रथं युक्तः; मतलव सहित. Having meaning; full of meaning. गच्छा॰ ४४:

कज्जता स्त्री॰ (कार्यता) क्षर्थपाधुं. कर्तव्य पन. State of being a deed, a result etc विशे॰ ११०;

कज्जल न॰ (कज्जल) आंक्रश्; आक्रस. स्रजन; कज्जल Soot used as collyrium for the eyes. जं॰ पराय॰ ६०, पन॰ १७; श्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३, नाया॰ १; भग॰ २, १;

कज्जलंगी स्त्री॰ (कजलांगी) अल्यानी उज्यो है शीसी. काजल की शीशी या डिब्बी. A small box or vial in which eyecollyrium is kept. स्रोव॰

कज्जलप्रभा श्री॰ (कज्जलश्रमा) लंणू १६११। नैरुत्य भुणाना वनणंडनी ओड वावडी ने निर्मृत्य कोन के वनखंड की एक वावडी का नाम. Name of a forest—well to the south—west of Jambūviksa. जीवा॰३,४;जं॰प॰ कज्जसेण पु॰ (कार्यसेन) डार्थसेन नामे गर्ध- अवसर्पजीना पांचमा ड्रस्डर गत भ्रवसर्पिनी के कार्यसेन नामक पाचवें कुलकर. The 5th Kulakara (a great leader of men) of the past Avasarpinī, named Kāryasena सम॰ प॰ २२६;

* कंजलावेमाण त्रि॰ (🐣) पाणीथी

^{*} लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

लशाधित धुमतुं पानी से भरा कर इवता हुन्ना. Sinking down after being filled with water. निसी॰ १६, १६; न्याया॰ २, ३, १, ११६; —कज्जोवन्न. पु॰ (-काटगींपग) ८८भांना छोतेरभां अद्भनुं नाम. ६८ गृहों में से ७६वे ग्रह का नाम. name of the 76th planet सू॰प॰ २०; जं॰ प॰ ७, १७०; —कज्जोवम. पुं॰ (-काटगींपग) अुओ। "कज्जोवम् " शण्ट. देखी "कज्जोवम्न" शब्द vide "कज्जोवम्न" रा॰ २, ३;

कडुश्र-य. पुं० (कडुक) क्ष्ये रस कड़ रस.
Bitter taste सम० २२; भग० २, १,
कट्टर. पुं० (कट्वर) छाश, चटणी अथवा
गरम मशावा छाछ, चटनी या गरम मसाला.
Whey, a kind of sauce; spices
used to season food पिं०नि० ६२१;
कट्ट त्रि॰ (कृष्ट) ६५४ी भेडेस हल से खुदा
हुआ. Ploughed. पं० नि० भा० १२;

कह पुं० (कष्ट) इष्ट, हु:भ; भु: देशी. कष्ट, दु:ख; कठिनाई. (Anything) bad, terrible or calamitous. विवा० ७; =, नाया० ६; भत्त० १६४;

उवा० १, ३३;

कह न० (काष्ठ) सारु ; राठ लकडी Wood; stick, विवा० ७, पि० नि० भा० ७, निसीं० ३, १, सु० च० १३, १६, भग० ७, ६; ६, १८, ७, प्राया० १, १ ४, ३७, १, ४, ३६; नाया० १, ४, ३, १३४; २, १, ४, २६; नाया० १, ६; ६; १७; साय० २६, २६२ प्रायुजी० १०; १४६; दस०४, ४, १, २, ३, पज० १, पंचा० ७, ६; १८, १०; क० गं० १, १६; प्रव० २२१, जं० प० ४, ११२, ११४, — ग्रंतर. पुं० (-श्रन्तर) सारु सारु सा अन्तर-विशेषना लकडी लकडी में भेद निशेषना, the peculiality of differ-

ent kinds of wood. তা০४,१;— স্থা-हार. पु॰ (-चाहार), લાકડાને ખાઇજનાર એક જાતના ક્રીડા;ત્રણ ઇદ્રિયવાલા છવ. त्तकडी को खाजानेवाला एक जाति का कीड़ा, तीन इंद्रियनाला जान. a three-sensed living being, a worm found in wood and eating wood उत्त. ३६; १३६, पञ्च० १; नाया० १३, —कम्म. न० (-कर्मन्) साइडा है।तरवानुं हार्य लकड़ी कोरने का काम engraving of wood. नाया० १३, १७; निसी० १२, २०: श्राया० २, १२, ५७१; -कार. पुं॰ (-कार) सुतार, मुतार; वडई. a carpenter श्रणुजो॰ १३१; —खाश्र-य. त्रि॰ (-खाद --- काष्ठं खादतीति काष्टखादः) **डाष्ट्र पार्ध**ी લાકડામા રહેનાર એક જાતના કીડા. लकड़ी खाकर उसमें ही रहने वाला एक जाति का कीडा. a kind of worm tound in timber ठा०४, १; -पाउयाः स्री० (-पादुका) लाइडानी पावडी; शाभरी लकडीकी पादुका a sandal of wood "कट्टया उपातिवाजरग्ग उवाहणत्तिवा " त्रणुत्त० ३, १; —पाउयार पुं० (-पादु-काकार) पाइंडा अनायनार, पादुका बनाने and one who makes sandals of wood. पत्र॰ १, —पास पुं॰ (-पाश) क्षाइडाना पाशक्षा लक्का का पाश. a wooden die निसी॰ १२, १, -भार. पुं॰ (-भार) साम्यानी सारी लकडी का भारा. a load of wood भग॰ =, ६: --मालिया स्त्री॰ (-मालिका) साध्यानी भाशा. लकडी का पाला. a rosary of wood. निसी० ७, १; - महा स्रो॰ (-सुद्रा) લાકડાની પાટલી लकडी की पटली. a kind of wooden plank. " कद्रमुद्दाए मुह्वंधद्द वंधइता " निर॰ ३३,

—रासि. वुं० (-राशि) લાકડાના દગલા. लक्ष्मं का देर. a hosp of wood. भग॰ ८,६;१४,१;—संथारीवगयः पुं०(- संस्तार-कोवगत) लाइअना भासन ६५२ भेरेब. लकडी के श्रामन पर बठा दुश्रा. one seated upon a wooden seat. १४, १; —सगाडियाः न्या॰ (-शकटिका) લાકડાની ગાડી. लंकडांकी गाडी. a wooden cart. नाया० १; भग० १, २; २, १; विवा॰ १; —सिला. स्री॰ (-मिला-काष्टं शिलेव।यतिविस्ताराभ्यामिति काष्ट-बिला) શिक्षानीपेंद्रे લાંછ, પહેલું अने यपट लाडअनं पाटीयं. शिला का तरह लम्बा मोटा खाँर चपटा लक्डी का परिया, a slab of wood. 510 3: 221210 2, 0, 2, 959, —सिव. पु॰ (-शिव) लाइडानी घंडली शिवनी भृति लक्ष्मं की घडी हुई शिव की मृति, a wooden idol of god Siva. प्रव॰ १६६: —सेजा. लंा॰ (-राच्या) લાકડાની શય્યા-शेला. लकडी की शब्या a wooden bed. ठा॰ ३, ४; भग॰ १, ६; निर॰ ४, १; — हारश्च त्रि॰ (-हारक) लाइडा उपाउनार: इडीयारे। लकडी उठानेवालाः कठियारा. one who cuts wood and carries the pieces in bundles on his back. श्रगाजी० १३१:

कहमूद्रा ति॰ (काष्ठभूत) धारती थेडे थड़ येतन वगरती. जड; काष्ट की नाई, श्रवेतन. Life less; inanimate. उत्त १२,३०;

कट्टचर जि॰ (कप्टतर) अतिशय ४५ वहुत कप्टवाला Very hard; very calamitous. विशे॰ ३२४;

कहा. स्री॰ (काष्ठा) ६शा; अवस्था दशा; हालत Stage; condition. जं॰ प॰ ४, १९४; (२) अभाशु प्रमागा. unit " कहकट्टा पें।रियाद्याया " मृ० प० १;

कठिए. त्रि॰ (कठिन) १६६६; आ१३; १५४. कठिन; कड़ा; कर्कश्च. Hard; difficult; rough. श्रोव॰ २१;

कड. पुँ॰ (कट) साहरी चटाई. A mat. श्रमुजां॰ १३१; १३३; श्रांघ॰ नि॰ भा॰ २८८; (२) हाथीनुं अंद्रथस. हाथां का गंडस्थल. an elephant's temple. नाया॰ १; (३) भांभा, पसंग वर्गरे. पलंग; साट; हत्यादि. a cot; a bed etc. भग॰ ४, ४; ८, ६, (४) पर्वतना ओड लाग. पर्वत का एक भाग. a part of a mountain. नाया॰ १; (४) धास (डरा पन्डतणी). घांस. grass. भग॰ २३, १; ठा॰ ४;

कड ति॰ (कृत) धरेलुं; आयरेलुं; अनुष्टान धरेलुं. कृत; किया हुआ; अनुष्टान किया हुआ; आचिरत. Done; performed; practised. प्रव॰ ६, ६०; कण० ४, १२६; ६, २; राय० २६३; वव॰ ३, ६; ओव॰ ३४; स्य॰१,६,२१; उत्त॰ १, ११; वेय॰ ४, १४; नदी॰ ४४; पि॰ नि॰ १४४; नाया॰ १; भग० १, ४; ७: १०; ३, १; ४. ३; ४; १७, ४; १६, ३; ७: १०; ३, १; ४. ३; ४; १७, ४; १६, ३; (३) आर, आरनी संभ्यानी संधेत. चार २ की मंख्या का संकेत quaternion; a set of four स्य॰ १, २, २३; (३) सथिते भरेडेलुं. सचित्त सं तिम-लगा हुआ bespattered by, carved by a living being. निसी॰

कडम्र. पुं॰ (कटक) लीत. दीवाल. A. wall. जं॰ प॰

कडंगर. न॰ (कडद्वर) ६ अश्रत्य ओ ६ जातनुं धास. फल रहित एक जातिका घास. A. kind of grass. यु॰ च० ४, १४; कडंब. न॰ (*) એક જાતનું વાજિન્ત्र एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument राय॰ ==;

कडक्ख. पु॰ (कटाच) इटाक्ष कटाच, भूमंगादि हान भान A glance; a sidelong look. " सकडक्ख दिद्विश्रो "
नाया॰ ६; सु॰च॰ २,६ ६३, तंदु॰ जीना॰ ३,३;
जं॰ प॰ ७, १६६; —दिद्धि स्त्री॰ (-दृष्टि)
इटाक्षलरी नजर. कटाचभी दृष्टि a look;
sight full of glances नाया॰ ६;
राय॰ ११२,

कडिक्खिय. त्रि॰ (कटाचित) ६८१क्ष लरेख कटाच से भरा हुआ. Full of glances. प्रव॰ १३००;

कडग. पुं॰ (कटक) ढाथभां पढेरवानुं भूषण्, इंडल, इड्. हाथमे पहिनने का आभूपण, कंत्रण; कडा. A bracelet "वरकडग तुडिय थंभियभूए " श्रोव० २२, ज० प० निसी० ७, ६, राय० २७; दसा० १०, १; सू० च० १३,४६; सम० ३४, महा०प० ६२, जीवा० ३, ३, ४, भग० ६, ३३; ११, ११, नाया० १, नाया० ध० श्रोव० १२; २२, पन्न०२,कष्प०२,१४, ४, ६२; (२) समूह. समूह; फ़ुंड. a group, a collection. ज॰ प॰ (३) सैन्य; ल॰३२ फीज, सेना an army. परह. १, १, (४) सीतन् भूण, पाया, दीवाल का मूल पाया. the base of a wall. जं॰ प॰ प्रव॰ ८७९; (५) पर्वतने। तटः तजेरी पर्वत का पेंदा, तर्जा. the bottom of a mountain. नाया॰ १, (१) पर्वतने। ७५के। सागः पर्वतका अपरी हिस्सा. the brow of a mountain. नाया ॰ ५; (७) पर्वतनां भे भक्षाने। भध्यक्षांग, पर्वत का मध्यभाग, the middle part of a mountain. जं॰ प॰ — च्छेजाः न॰ (-च्छेद्य) સાનાના આભૂષણ તથા પર્વતના મધ્ય ભાગને छेटवानी इसा सुवर्ण का गहना तया पर्वत के मध्यभाग को छेदनेकी कला. the art of piercing, cutting the middle part of a mountain or a golden ornament ज॰ प॰ ३, ४५, ५, ११५; नाया० १, —तट. न० (-तट) पर्वतनु तणीयुं. पर्वतकी तली the bottom of a mountain नाया॰ १. -- पञ्चलः न॰ (-पल्वल) पर्वतनी पासेनु तक्षाय पर्वत के पासका तालाव. a lako situated near a mountain: a mountain-lake नाया॰ १, — यंध पुं॰ (-बंब) हेऽ आंधवी ते. कमर का वाधना; कमर वन्ध. girding up the waist " कडगबंधेहिं खलिए बंधेहिं ' नाया? १७, —मद्गा न० (-मर्दन) सैन्य अथवा पत्थरथी भर्दन करवं ते सैन्य हारा श्रथवा पत्थरों से मर्दन-नारा करना मारना pounding, destroying means of stones; destroying by means of an army. परह॰ १, १,

कडिंग्गिदाह पुं॰ (कटाग्निदाह) भे ६१८५। सा वांशने अग्नि वरे भागत्त ते दो फाकों वाले वास को त्राप्ति द्वारा जलाना Burning. kindling by means of the five of a bamboo split lengthwise into two (२) आगस पाछस्थी ६८ नाम-नुं धास वीटासीने ससगावी सुक्ष्तुं ते कट नामक घास को चारों और लेपेट कर जला

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

देना. setting to fire by wrapping into a kind of straw. यम > 11: कडजुम्म. पुं॰ न॰ (कृतयुग्म-कृतंमिद्धं पूर्ण-परस्य साशिसंज्ञान्तरस्याभावनः न त्र्योज प्रभृतिचदर्पृशं यन युग्मं समराणि-विशेषः तत्कृतयुग्मम्) के संभ्याने यारे ભાગતાં શન્ય શેષ રહે તે સંખ્યા: જેમ કે ૧૬. जिस संख्या में चार का भाग देने से शह्य रहता है वह गंख्या; जैंगे १६. Any multiple of four; any number which when divided by four does not leave any remainder behind; e. g. 16.—कडज़्म्म. gं॰ न॰ (-कृतयुग्म) भाज्य संभ्या अने લગ્ધ સંખ્યા એ બન્નેને ચારે ભાગતાં ગત્ય શેય રહે તે સંખ્યા: જેમ કે ૧૬ ની -સંખ્યા. वह संख्या जिस की ४ से भागने पर शहर शंप रहता है वैसे ही उसके लब्ध की भागने पर भा शेप शून्य रहता है; जैसे १६ की मल्या. any figure in which the sum divided, as also the sum obtained by division, leaves nothing behind when divided by four, e. g. 16. भग॰ ३४, १; ---कलिश्रो.ग-य. पुं॰ (-कल्योज) के સંખ્યાને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે અને લખ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાગતાં કંઇ શેષ ન રહે तेवी સંખ્યા. જેમકે સત્તરની સંખ્યા जिस संख्या को चार का भाग देने पर एक शेप रहे श्रीर लब्ध संख्या की चार का भाग देने से कुछ शेप न बचे ऐसी संख्या; जैसे १७. any number which being divided by four leaves one behind, and the sum thus got by divi-

sion when divided by four leaves no remainder; e. g. 17. भग० ३५ ९; —तेश्रोग. पृं० (-ध्योज) ले સંખ્યાને ચારે ભાગતાં ત્રણ શેષ રહે અને લબ્ધ સંખ્યાને ચારે ભાંગતાં કંઈ શેય ન રહે ત્તેવી સંખ્યા; જેમકે આગળીશની સંખ્યા. जिस संध्या की चार में भागने पर तीन बने और खिंच संख्या में चार का भाग देनें पर कछ शेष न रहे ऐसी संख्या. जैसे १६. any number which being divided by four leaves three behind and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e. g. 19. भग॰ ३४, १; —दावरजुम्म पुं॰ (-द्वापर युग्म=यो राशिः प्रतिनमयं चतुष्कापहोरणा पहियमास्रो द्विपर्यंवसानी भवति तत्सम-याश्चत्रपर्यं चासितापुर्वेति । श्वसा श्वपहिय मागापेचया द्वापरयुग्म.) के संभ्याने यारे ભાગતાં શેષ ખે રહે અને લબ્ધ સંખ્યા ને ચારે ભાગતાં શેય ન રહે તેવી સંખ્યા: જેમ અदारती संभ्या, जिम संख्या में चार का भाग देने पर शेप दो रहे छीर लब्धि संख्या मे चार का भाग देने ने रोप छुछ न रहे एनी मख्या; जैसे १८. any number which being divided, by four leaves 2 behind, and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder; e.g. 18. भग० ३५, १; कडपूयगा. स्री॰ (कटपूतना) ४५५त्तना नाभ-

नी देवी. कडपूतना नाम की देवी. Name

of a goddess. विशे॰ भा॰ २५, ४६;

अक्टरप पुं॰ (॰) अभूढ, समूह; भुंड.

^{*} लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटने। ट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

A group सु॰ च॰ २, १३१,

अ कडभू पुं० (कटभू) अने नाभने। ओं ३ ६ ६
 इस नाम का एक कंद A. kind of bulbous root, पच० १;

कडय. न॰ (कडक) शेरडी, लार, वगेरेना साक्षा; इडव. जुहार वगेरह के सांठा A stalk of sugar-cane, millet etc श्राया॰ २, १०, १६६;

* कडयडिय त्रि॰ (-) पाछुं ६रेस पीछ फिरा हुआ. Retreated, stepped back. सु॰ च॰ ८, १६;

कडसकरा स्त्री॰ (कटसर्करा) वास री भीशी-शणी. वास की सलाई कील A peg made of bamboo. विवा॰ ६,

कडाय पुं॰ (: कृतायास) संधारे। धरनार साधुनी सेवा लिक्ति धरनार साधु सवारा करने वाला करने वाले माधु की सेवा मिक करने वाला साधु An ascetic who renders services to an ascetic who is performing or practising Santharā (giving up food and water) भग॰ २, १,

कडाली. ली॰ (कटालिका) वैद्याना स्वारने पग टेक्पाने परक्षाण्नी भे मांळुओ बटकते। पागडेत घुडसवार के पाव टिकाने के लिये जीन के दोनों श्रीर लटकते हुए रकाब. A stirrup. श्रमुक्त ३, १,

कडासण् न॰ (कटासन) आसन, परथणु श्रासन; विद्योगा. A sent consisting of a mattress, carpet etc. "उग्गहण् च कडासण् एएतुजाणिज्ञा" श्राया॰ १, २, ४, ८६;

कडाह. पुं॰ (कटाह) दीवानु क्षम, इटाई

लोहे का वरतन; कडाई, An iron vessel: a cauldron. " हुप्पंसुलिए कडाहे " पि॰ वि॰ ११२; उवा॰ ३, १२६,१३२,१४७, अयुत्त॰ ३, १, जीवा॰ ३, १; भग॰ ८, ९, (२) डाछ्यानी थीर. कछुए की पीठ. the back of a tortoise. प्रयात्त॰ ३, १; (३) भांसिबना हाउडा. पसलीकी हिट्टियां. the ribs. प्रव॰ १३६३;

कडाह्य पुं॰ (कराहक) लुओ अपेश अपेश शण्ड देखों उपरका शब्द Vide above. उवा॰ ३, १२६;

कडि. र्ह्मा॰ (कटि) हैऽ, अभर. कमर The waist. " घणकडित्तडच्छायं " श्रोघ० नि॰ भा० २५६; ३१५, पिं० नि० ४२६, श्राया० १, १, २, १६, जीवा० ३, भग० १, ६; श्रोव० १०; जं० प० नाया० २, १६; निर० ३, ४; — बंध. पुं० (-वंध) हेडे णांधवानी हारी: अहारा कमर पर वायने की दौरी: कंदोरा an ornamental belt for the waist. খ্রাঘ় নি॰ भा० ३१६, -- बंधरा न० (-वंधन) हेर्ड याधवानुं वर्त्रः; यरे। टे।. कमर पर बाधने का वस्न; कमरवच a cloth for the waist " सेकपड़ कडिवंधणं धारित्तए" श्राया० १, ७, ७, २२३, —भाग पुं० (-भाग) हेउती लाग, इरी प्रदेश कमर का हिस्सा, कटिप्रदेश. the portion of the waist; the waist. प्रन. ५४9; --सुत्तः न० (-सूत्र) अभ्भरपटे।, अहीरी. **डे**ऽन् धरेख कमरपट्टा; कंदोरा, कमर का गहना; an ornamental belt for the waist " कडिपुत्त स्कयसाहे" ज॰ प॰ सम॰ प॰ २३६, श्रोव॰ २७; कृप्प॰

^{*} लुओ पृष्ठ नभ्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (·). Vide foot-note (*) p. 15th.

Vol. 11/49

४, ६२; — सुत्तग. न० (-सूत्रक) हेऽनी हेरी; इंदोरे। कमरकां दोरी कंदोरा. a thick thread worn round the waist. राय० १८६; — सुत्तयः न० (-स्वक) ळुओ। " कडिसुत्तग" शण्दः देखो " कडिसुत्तग" राज्दः पांति " कडिसुत्तग" नाया० १;

कडि. पुं॰ (कटिन्) साहडीवाक्षे। चटाई वालाः One having a mattress अणुजां॰ १३१;

कडिश्र त्रि॰ (कटित) साहरीथी दांडेक्षं. चटाईसे ढंका हुत्रा. Covered with a mat. कप्प॰ ६, २;

कडिश्रकडि त्रि॰ (किटतकिटन्) साहरीना
परानी मा६६ એક धील साथे मेणेल,
अत्यन्त निन्छिद चर्टाई के पद्यों की तरह
परस्पर एक दूसरेसे मिला हुआ; अस्तन्त निन्छिद Interlinked like the
strips of a mat; having no hole.
" व्यक्टिश्रकटिच्छाए" ओव॰ ३:

किंदिग. पुं॰ (ः) पांशमां घत्पन्न थतु
ओ के लातनुं घास के लेथी दूस शुधाय छे.
बास में उत्पन्न होने वाली एक जाति की
घांस, जिससे फूल गुथे जाते है. A kind
of grass growing in bamboos,
used to string together flowers
सूय॰ २, २, ७;

कडिय. पुं॰ (कटिक) डेऽ; डन्भर कटि, कमर The waist. प्रव॰ ५४२; —दोर पुं॰ (-दोरक) डेऽनी टीरे। डन्टीरी. कमर का दोरा; कंदोरा. a lace worn round the waist. प्रव॰ ५४२;

कडियल. त्रि॰ (कटितज्ज) अभर. कमर.

The waist. सु॰ च॰ २, ३७४;
कडिझ. पुं॰ न॰ (कटिश्व) ४५।४; १९।८।
४८।४. कढाई; वईा कढाई. A large
cauldron अणुजो॰ १३४; ओप॰ नि॰
४२; उवा॰ २, १४;

कहु. ति० (कटु) ४८वुं; ४८वारसवाणुं. कटु;
कहुत्रा Bitter. (र्२) पुं० ४८वे। २स.
कहुत्रा रस. bitter juice. श्रोघ०
नि० मा० १४२; विशे० ८६५; क० गं०
१, ४१; उत्त० ३६, १८; जं० प० ७, १४१;
—विचाग. ति० (-विपाक) ६१२७।
६सवाक्ष; ४८वुं ६स. कठोर फलदायी;
कहुत्रा फल (one) having bitter
fruit or result. पचा० १२, १७;

गहर्या स्रो॰ (कटुका) ४४पी तुण्डीनी वेश. कडवी तुम्बी की लता. A creeper of gourd bitter in taste. पन्न॰ १;

कहुग त्रि॰ (कडुक) ४४वुं कटु; कडवा. Bitter: पंचा॰ ६, २२;

कड्डुग पुं॰ (*) ध्रभो। ४८२छे। ध्रम का चिमचा, ध्रमदानी A large ladle made of iron etc used to burn incense; an incense pot. जं॰ प॰ ४, १२०;

कहुच्छुय. पुं० न० (*) १५छ।; १५छी चिमचा, कर्ज़ा. A large ladle made of iron etc. used in cooking. जं० प० ४, १२; ३, ४३; जीवा० ३, ४; राय० १७५, भग० ४, ७; ८, ६; निर० ३, ३, कहु-य. त्रि० (कटुक) १५वं. कहुत्रा. Pungent; bitter. जं० प० श्रोव० २०; ठा० १, १, श्रयुजी० १३१; दस० ४, १, ६७; सू० प० ११; श्राया० १, ४, ६, १७०

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

पन्न० १, नाया० १, १६, १७; वित्रा० १; राय० २८३; उत्त० ३४, १०, जीवा० ३, १; भग० ६, ३३; १८, ६, २०, ४; क० ग० १, ४२; कप्प० ४, ६५; ६, ५६; (२) पुं॰ ४७वे। रस. कडुआ. bitter juice. (३) অধ্যুপ. অয়ুদ inauspicious. दस॰ ४,१; —तुंबी. स्रा॰ (-तुम्बी) કડવी तुल्री कट तुम्बी. a bitter gourd. नाया १६, -भासिगी स्री० (-भाष-यी) કડવું ખાલવાવાલી, (न्त्री.) कटु वचन वोलने वाली (स्त्री) a woman speaking bitter words. তা০ ৬, ৬, -रस पुं॰ (-रस) कावे। रस. कट्ट रस. bitter juice भग॰ =, 9; —**रुक्ख. पु० (-वृत्त**) ३८पारस वार्तु अार्ड, कद्भ स वाला भाड, a tree, bitter in taste. भग० १४, १; — स्याग. न० (-वचन) ४७९ पथन. कठोर वचन bitter words. नाया॰ ११; —वर्झी. स्री० (-वज्ञी) ३८५। वेश कडवी लता a creeper, bitter in taste. भग॰ 94, 9; कड्व न॰ (*) એક જાત તું વાછ ત્ર. एक जाति का वाजा. A kind

कड्डच न॰ (*) એક જાત તું વાજી त्र.
एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument राय॰ ==;
क्षकड्डसगबधण. न॰ (*) એક ભાગ સૃत्र એક ભાગ ઉત્ત અને એક ભાગ કાથી એ ત્રણના મિશ્રણથી ખનાવેલ દેવા एक भाग स्त एक भाग ऊन और एक भाग नारियल की जटा इन तानो के मिश्रण से बनाई हुई रस्ती A string or thread made of cotton, wool and coir mixed together proportionately. निसी॰

४. ७४;

√ कड्ड घा॰ I. (कथ्) क्छे वृं. कहना. To tell, to say.

कडूंति. पिं० नि० ३१३;

√कडु धा॰ I. (कृष्) भैंथवुं. खींचना.
To draw (२) भेंऽवुं खेंडना, to till
कडुइ. पिं० नि०२००, निसी० १०, १५;
कड्डिंड सं०कृ० सु० च० ६, १७;

कड्वितुः सं० कृ० ग्राया० २, १३, १७३: कड्वतः पि० गि० ११४; मु० च० ७, १४६; कड्विजमाणः क० वा० व० कृ० राय० ७१; कड्वावेतिः प्रे० ग्रंत० ३, ८;

कद्वावितु. स० क्र॰ श्राया॰ २, १३, १७३; कद्वरा. न॰ (कर्षण) भेंथवुं खीचना. Drawing (२) भेऽवु खोदना, हलना. tilling. "कद्वहकिरसइ" पि॰ नि॰ ३८०; स० च० १४, ११६; पंचा॰ ४, ३७, किड्डित. ति॰ (कृष्ट) भेंथेबु. खीचाहुआ.

Drawn; pulled पंचा॰ ७, ४०; **कड्टियः** त्रि॰ (कृष्ट) भेथेर्दु, खीचाहुद्याः Drawn, dragged परह**०१,**९; क॰

प० ४, १;

कड्डोकड्डा स्त्री॰ (इष्टापक्टट-कर्पणापकर्पण)

भेंबाभेंब; ताखाताखु खीचाखींच, खैंचातानीः

Tugging to and fto. उत्त॰ १६,४२;
कढ्या पु॰ (काथन) ४६५, ७४।४५. उवा-

लना, श्रीटाना Boiling, पगह० १, १; किटिश्र-य ति० (क्षियत) डेढेंड्ड; उडालेंड्डं श्रीटाया हुआ; उचाला हुआ Boiled श्रीघ० नि० १४७; जीवा० ३, ३; भन्न० ४९; पि० नि० ६२४.

कढिए। त्रि॰ (कठिन) डेडी२, भण्यभुत. इढ; मजबूत Hard, strong भग॰ ११,

^{*} જુઓ પૃષ્ઠ નમ્ખર ૧૫ ની પુટનાટ (*). देखो पृष्ठ नंबर ૧૫ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

र. श्रीय॰ ३८; सु॰ २० १, १४१; (२) पांसती सहरी, यराघ, यांगर्भ चटाई, क mat, a bamboo mattroयय, " इकडं वा कटियां या जंतुमं या " व्याया॰ २, ३, ३, १००;

करण, पुं॰ (कमा) अध्यक्षी; भाषाना पाँछन धणाः संदिन नोवनः कर्णाः Broken grains of rice; broken grain. उस० १, ४: श्रायाः २, १, ८, ४८; जं० ૫૦ ૪, ૧૧૪; (૨) સાતમાં પ્રદર્નુ નામ. मातवें प्रह का नाम. name of the 7th planet मु॰ प॰ २०; ठा॰ २, ३; —कुंडम. go (- कुण्डक) शामायाया <u> इस हा. दानेवाला भूंगा; श्रद्ध गित्रित भूंगा.</u> chaff containing grain. 271/0 2, १, ८, ४८; - प्रवालियाः धी॰ (-प्र-किका) अज्ञिथीत राट्सी. कण्मिधित रेहिं। bread mixed with broken grains, आया॰ २, १, ८, ४८; -- वित्ति त्रि॰ (-पृत्ति) हामा विश्वीने तेना उपर शुक्रशन यक्षायनारः दाणे चुनग्रन उत्पार नियाँ इसने वाला one who supports oneself by picking up scattored grains, सु॰ च॰ १२, ४:

कर्णदः पुं॰ (कनन्द) धनन्द नामना सायु. कनन्द नामका माधु Name of a monk. भग॰ १४, १;

करणक. पुं॰ (कनक) णाण्. बाग An arrow. सम॰

कणकण्याः पुं॰ (कनकनक) नवभां अदुनु नाभः नाये प्रह का नामः Name of the 9th planet. स्॰ प॰ २०;

कग्रक्त भाग पुं॰ (कग्रक्षक) लुओ। "कग्र-कग्रम "शेंग्ट. देखी "कग्रक्षम " शेंग्टर. Vide "कग्रक्षम " " दो कग्रक्षमा " टा॰ २, ३; कागकपाणि पुं॰ (कनकपाणि) अनुक्र-पान् अथवा शार्श्य-धनुष्य होता दायमा छ ते वासुदेव, यराक्क-चार्ण या आरंग-धनुष्य जिसकेद्दार्थ में ई वह बागुदेद, Vāsudeva, lit, one with a bow or arrow in his hand, सम॰ प॰ ३३ ३.

कागुगा, ग॰ (कतक) भूतकों; भेजूं, मुबर्याः मीना Gold. मं० प० १: शम० २००: श्रामा २, ४, ५, ५८५: जे० प० ७, ५३०; गठ न० २ ४६३; विक निक सदः ४०६; नाया० १; ६: १८; भग० ३, १; ८, ४; ६, ३३: ११, ११; २१, ४; उसा० १, ७६; कल ३, ३६; ४४; (२) धृतद्वीपना देव-तानं नाभः एनहाप के देवता का नामः name of the doity of the Grita Island, जीपा० ३, ४; मृ० प॰ १६; (૩) રેખા-લી ટિવગરના તેજના ગાળા. रेगा गहन प्रशास वाला गोला. a ball of light without any lines upon it, श्रोव • नि • भा • ३१०; (४) शार **ध्रिक्याले। श्वेश छव. चार अन्द्रय वाना एक** जार, a kind of four-sensed living croature. पत्र- १; (४) ओंड न्यतनु थाल, एक जाति का बाग्र a kind of arrow. पगत • १,१,३; (६) ओ : नततु थाछ त्र पक जानि का बाजा, a kind of musical instrument. ज॰ प॰ -कंत. न॰ (-कान्त = कनकस्येव यान्तं कान्तिर्येषां तानि कनककान्तानि) सेलाती भार्ध अभारतुं. सोनेकी तरह चमकता. glittoring like gold. निर्सा॰ ७, ११; थ्राया॰ २, १, १, १४४; —स्वचित. त्रि॰ (-साचित) शानानातारथी क्रोब मोनेके तार से जहा हुया. fastened with, inlaid with golden wires. निर्सा॰ ७, ११: भग० ६, ३३; --चित्त न० (-वित्र)

से।नेरी यित्राभण मुनहरी चित्र-चित्राम pictures, drawings of gold निसी॰ ७, ११; --जालग पुं॰ (-जालक) સાનાની જારી; એક જાતનું આભરણ. સોને की जाली, एक जाति का गहना. a kind of gold ornament; a kind of net of gold, जीवा॰ ३, ३; — शिगर मालिया. स्री॰ (-निकरमालिका) ओ ५ लातनुं आभर्श एक जातिका गहना a kind of oinament जीवा॰ ३, ३, — तिंदुसय. न॰ (-तिंदुसक) सेताना तारथी भीयेव **ह**े। सोने के तार से बना हुआ गेंद. a ball woven with gold wires. विवा॰ १; —तिलग पुं॰ (-तिलक) सीनानुं तिक्षक, सोने का तिलक a maik made on the forehead with gold; an ornament of gold worn on the forehead. जीवा॰ ३, ३; —विचित्तः त्रि॰ (-विचित्र) સાેનેરી थित्राभश्याणुं. सुनहरी चित्राम bearing pictures or drawings of gold. निर॰ ७, ११;

कण्गक्छः पु॰ (कनकक्ट) विद्युत्प्रस्य प्रभानः पर्यंतना नव इट्टमानुं पायमं इट्ट रिए विद्युत्प्रम वखारा पर्वत के नी क्टो में से पांचवा क्ट -शिखर. The 5th of the 9 summits of the Vidyut-prabha Vakhārā mountain. जं॰प॰ कण्मकेड. पु॰ (कनककेतु) अहि॰छत्री नगरीता कवककेतु नामक राजा. Kanakakētu, the name of a king of the city of Ahichchatrī. " श्राहेच्छत्ताए ण्यरीए कण्मकें क नाम राया होत्था 'नाया॰ १४,१५:१७,(२) हिस्थनापुर नगरना इनः हेतु नाभे राजा. हिस्थनापुर नगरना इनः

केतु नामक राजा name of a king of the city of Hastināpura नाया॰ १७; करागज्यस्य पुं॰ (कनकथ्वज) तेतील नगर्ना अनुश्रालनी अध्यालनी पुत्र. तेतीलपुर नगर के कनकरथ राजाका कनकथ्वज नामक पुत्र Name of the son of Kanakaratha king of Tetilpura. नाया॰ १४, —कुमार. पुं॰ (-कुमार) लुओ। "कर्णकञ्मय" शण्ट. देखो "कर्णकञ्मय" शण्ट. देखो "कर्णकञ्मय" राज्यः परंश नाया॰ १४;

करागपुर न॰ (कनकपुर) अनअपुरनाभे नगर. कनकपुरनामक नगर. Name of a town. विवा॰ २, ६,

क लागप्पभा. स्री॰ पुं॰ (कनकप्रभा) धृतद्वीपना पति देवता का नाम. Name of a presiding deity of the Ghiitadvīpa. स्॰प॰१६;जीवा॰३,४,नाया॰ध॰५; करागमय त्रि॰ (कनकमय) से।नान् सोनेका; सुवर्ण का Golden, made of gold नाया॰ द; १४, सु॰ च॰ १, २६७, —तेंदुसयः पु॰ (-तिंदुसक) से।नाना तारथी जिथेस हु। सोने के तार से बनाया हुआ गेद a kind of ball made of gold नाया॰ १६; -पडिमा. स्त्रा॰ (-प्र-तिमा) सीनानी अतिभा-पुत्तं, सोने की प्र-तिमा-सुर्ति a golden idol. नाया • =; करागरह. पुं॰ (कनकरथ) तेती अपुर नगरने। કનકરથ નામના રાજા, કે જે આવતી ચાેવી-સીમાં પહેલા મહાપદ્મ તીર્થકર પાસે દીક્ષા **ें थे शे. तेतीलपुर नगर का कनक रथ राजा** जो श्रागामीकाल की चौवीसी में पहिले महापद्म तीर्थंकर के पास दीचा लेगा. Name of a king of Tetilapura who

will take Diksā from the first

Tirthankara in the coming Chovisi. नाया ११४; विया ००; ठा० ८, १;१०; करण मलया. र्ला० (कनकलता) इन इनामती वेश. कनक नाम की बेल-लता. Name of a croeper. भग० २०, ५; (२) यभरेन्द्रना क्षेत्रिभास सीमनी शीछ पट्टाणी. धमरेंद्र के लोकपाल सोम की द्वितीय पट्टानी. the 2nd crowned queen of Soma the Lokapala of Chamarendra ठा० ४, १;

ष्ठणगवियाणग. ९ं० (कनकवितानक) धनध-वितान नामनी अ.इ. कनकांवतान नाम का श्रष्ट. Name of a planet. ठा० २, ३; कणगसंताणग. ९ं० (कनकसन्तानक) धनध-संतानध नामे ६८ भाना ओड अ.इ. कनक-मंतानक नामका ६८ शहीं में का एक श्रष्ट. Name of one of the 88 planets. टा० २, ३:

कण्यासंताण्यः पुं॰ (कनकमन्तानक) सत्ती-त्तेरभा श्रद्धनु नामः ७० वे प्रह का नामः Name of the 77th planet. "दोक-ण्यस्ताण्य" सु॰ प॰ २०:

कण्गसत्तरि. न॰ (कनकमस्रति) सुपर्ध् नी द्विश्वेष्ठ वाणुं आगक्षता प्यतनुं ग्रेश्व द्विश्वेष्ठ शास्त्र सुवर्ण के इतिहास वाला भृत काल का एक लोकिक शास्त्र An ancient science giving a description of gold. श्रणुजो॰ ४१;

कण्गाः स्राः (कनका) धनधा हैवी. कनका देवी.

Name of a goddess. नाया॰ घ॰ ५;
(२)राक्षसना धन्द्र भीमनी त्रीक्ष पट्टरानी.

राच्चस के इंद्र भीम की तासरी पट्टरानी. the third crowned gueen of Bhima,

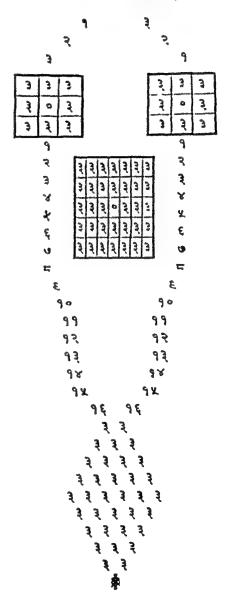
Indra of the Raksasa. ठा॰ ४,१;

भग०१०,५;(३) यभरेंद्रना क्षीधपाल सीमनी
पहेंकी पट्टरानी चमरेंद्र का लोकिंगांच सोम

का पहिला पहराना. the first crowned queen of Soma the Lokapala of Chamarendra. टा॰ ४, १;

कलगामय. वि॰ (कनकमय) अवर्ग्नुं यनेवः अवर्ग्भमः मोने का बनाहुत्रा स्वर्णमयः Golden; made up of gold. बं॰ प॰ ४, ७२;

कण्गावालि. स्रं ० (कनकावालि) ॐ ४४।२ना तपना समृद्ध केनी २थापना ४न४।वसिनदार ने आ४।रेथाय छेते आप्रभाणे—



આ કાષ્ટ્રકમાં ચાર પારિપાટી (કકડા) છે. તેમાં પહેલી પરિપાટીમાં એક ઉપવાસથી શરુ કરી છઠ અને અઠમ (ત્રણ ઉપવાસ) સધી ચહુડી આદુ અઠમ કરી વલી એક ઉપ-વાસથી સાલ ઉપવાસ સધી ચડાવવા બીછ પરિષાટીમાં ચાત્રિશ અક્ષ્મ કરવા, ત્રીજી પરિ-પાટી પહેલી પરીપાટીથી ઉલટી રીતે કરવી એટલે સાળથી ઘટાડી એક સુધી આવી આઠ અઠમકરી અઠમ, છટ અને એક ઉપવાસ કરવા, ચાથી વચ્ચેની પરિપાટીમાં ચાત્રિશ અડેમ કરવા અકેક પરિપાટીમાં એક વરસ પાંચ માંસ અને ખાર દિવસ લાગે ચારેમા पाय वरस नव भास अने अधर दिवस लागे एक प्रकार का तप समदाय जो कनकावितहार की तरह किया जाता है जैसे: - इस कोएक में चार परिपाटी (लडे है) उनमें की पहिली परिपाटी में एक उपवास से प्रारंभ कर छट्ट श्रीर श्रद्धम (तीन उपवास) तक वडकर श्राठ श्रद्रम किये जाते है, फिर एक उपवास से सोलह उपवास तक चढना पडता है. दूमरी मं पहिली परिपाटिके विरुद्ध सोलह उपवास से घटकर एक उपवास तक करके आठ श्रद्धम करते हैं और श्रद्धम छट्ट तथा एक उपवास करते है चौथा मध्य की परिपाटिमें ३४ श्रद्रम करते हैं एक एक परिपटि मे एक वर्ष पांच सास श्रीर बारह दिन लगते हैं। चारों परिपार्टिया करने में पांच वर्ष नें। मास और श्रठारह दिन लगते है. A kind of austerity which, when graphically represented by the units of fasts of which it consists, assumes the shape of a gold necklace. श्रोन १६, प्रव॰ १४४२:

फ स्पाचित्रियिभत्तिः पुं॰ (कनकावित्रिविक् भिक्ते) ओ अलतनुं नाट्य. एक जाति का नाट्य नाटक A kind of drama. स्थ० ६१. कगागावली स्री॰ (कनकावली) भांय परस નવમાસ અને અડારા દિવસમાં થતું એક તપ કે જેની આંકડામાં સ્થાપના કરતાં કનકા વલિના આકાર થાય છે કે જે કણકાવલિ शर्य दर्भादेश देश है, यांच वर्ष नी मास और श्रठराह दिनमें पूर्ण होने वाला एक तप विशेष. जिसकी श्रेको में स्यापना करने से कनकाविन हार के श्राकार के सदश होता है जो कनका-विल शब्द में दिखाया है. Name of an austerity lasting for 5 years 9 month and 18 days. It consists in a number of fasts in ascending and descending order which, when graphically represented assumes a funciful resemblance to a gold necklace. श्रंत॰ ८, २; निर॰ ७, ८; (२) डे। इमां पहेरवानी सीनानी दार, गले में पहिनने का सवर्ग का हार. a gold necklace. नाया० १. भग० ११. ११:

करायद्र पुं॰. (कनक) से।नुं, सुवर्ण, से।ना. Gold. भग० १, १, २, ४; नंदी० १३. सु० च० १, ३१; नाया० १; (२) व्याक्ष्मा अदन नाभ श्राठवें बह का नाम name of the eighth planet. स्० प० २०: -कमल न॰ (-कमल) सीनानां इभश मोने का कमल. a golden lotus प्रव. ४५३; —खचियः पुं॰ (-खचित) सेानाना तारथी अरेत. सोने के तार से जड़ा हुआ. anything inlaid with, full of wires of gold. नाया॰ १; —दंडियाः र्खा॰ (-दिगढिका) સાેનાની છડી નાની લાકડી. साने की छडी-छोटी लकडी. n small stick of gold. जं॰प॰ ३, ४८; --वन्न. त्रि॰ (-वर्ष) से।ना केया रंग वास. ाजिसका रंग सुवया जना है।. of the

eolour of gold सु० च० २, ६४.
—सेल० पुं० (-शेल) भेइपर्वतः भेलानी
पर्वत मेरु पर्वतः सुवर्ण का पर्वतः the
Meru mountain; the mountain
of gold. सु० च० २, ४६६;

करायमयः त्रि॰ (कनकमय) स्वर्णभयः नुवर्णमयः Golden: full of gold जं॰ प॰ १, १४: प्रव॰ १२४३:

करायर पुं॰ (करबीर) अधेर नामनं शुरम व्यतिनं आध क्वेर नाम का गुण्म ज्ञांत का माइ. Name of a tree. पञ्च॰ १: कराया हो॰ (कनका) अभरेन्द्रना क्षेष्ठभक्ष सेमिनी अनुश नामनी अध्य देवी चमरेड के

लोकपाल सोम की कनका नाम की मुख्य देवी.
The principal queen of Soma,
the Lokapala of Chamarendia.
भग॰ २०, ४;

कण्यार. पुं॰ (क्लेर) श्लेन्नुं आह. कनेर का भाट. Name of a tree. श्राया॰ २, १४, १७६;

कराव. पुं॰ (कगाव) अध्य नाभनुं ओश ज्यात-नृं श्रांस. कगाव नाम की एक जाति की घान. A kind of grass, भग॰ २२, ५;

कण्वित्ताण्त्र. पुं॰ (कण्वितानक) ६११ मां अटनुं नाम दशवें बह का नाम. Name of the 10th planet. मृ० प॰ २०:

कर्णवीर. पुं॰ (क्णवीर) अधेरने १८८. कनेर का काड. Name of a tree called Kanera. राय॰ ४७; जीवा॰ ३, ४; पग्ह॰ १,३; जं॰ प॰ ४, १२२; (२) अधेरने पुत्त. कनेर का फूल. a flower of the Kanera tree. पग्ह॰ १,३; करिएक्स. पुं॰ (॥) ओई जातने। भन्थ. एक जानि का सच्छ A kind of fish. पन १३;

किंग्ह. त्रि॰ (किंनष्ट) न्द्रातेः; अधु होटाः लहु. Small; young: youngest रि॰ नि॰ ४९९; गब्हा॰ ६९:

किंग्हिट प्र. जि॰ (किंग्हिक) न्यानुं; ८५६ं. इन याः द्वीटा Small; younger, द० गं॰ ४. ३=:

किंग्या-भ्रा. मी॰ (किंग्सिन) श्रेष्ट ज्यापी पीज़ा. एक जाति की बीग्मा. A kind of lute. जीवा॰ ३, ३. (२) व्यापापी क्लुप्टी॰ चायन को कर्मा. broken grains of rice. पि॰ नि॰ २४६; तंदु॰

कांग्यार. पुं॰ (कांग्कार) थिष्तिः भार देव तातुं अपेर नाभे अत्य तृक्ष स्तितिकृमार देवता का कनेर नाम का चेंग्य गृज्ञ. A garden tree of the god Thanitakumāra, named Kanera ठा॰ १०, १; नाया॰ ६; (२) अपिं शर नामता साधु. कांगिकार नाम के नाधु. name of a saint. मग॰ १४, १;

कािंगर. ति॰ (क्) वाग्याना स्वलायवाणुं. दुःखंन वाला स्वनाव वाला. Having the nature of being hurt or cut. म॰ च॰ २, ४६; ३२३;

कर्णीयस. ति॰ (कर्नायम्) न्टानीः; इतिथ-होटाः; क्तिष्ट. Young; small; younger. श्रंत॰ ३, ६; ट्वा॰ ३, ५३४; कप्प॰=; कर्मुग. न॰ (कणुक) आंभभां भदेशं इत्युं-श्रां । में गिरा हुन्या क्ल. A particle of dust etc. entering the eye. पंचा॰ १८, १०;

कत्तुयः न॰ (कतुक) ३ छ्रोः २०४ छः २०४.

^{*} लुओ पृष्ट नभ्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

कण; रजकण, रज. Particles of dust. " सुक्रखुय " श्राया० २, १, ८; ४३; कराया पुं (कर्या) धान कान An ear. विवा० २, नाया० १, ८; १४; १६; भग० ३ ७. १४, ५; घाया० १, १, २, १६; राय० ४०, श्रयाुत्त० ३, १; जं० प० ५, ११४: ११४, उवा॰ २, ६४; — श्रंतरः न० (-श्रन्तर) भे अन यच्येनुं अन्तर दोनों कानो के भीच का श्रंतर. the distance between the two ears. विवा॰ १; — ऋायय. त्रि॰ (- श्रायत) अत्सुधी अभ्यावेअ कान तक लम्बा खीचा हुआ anything long enough to reach the ears जं प॰ ३, ४४, भग० ४, ६; ७, ६; —गय पुं॰ (नात) **अ**।ने संलणायेख. कान से सुना हुआ (anything) heard "करणंगया दुम्मार्थियं जराति " दम॰ ६ ३, ६; — चिल्लक्ष त्रि॰ (- चिल्लन — ज्लिसकर्ण) કાનકટ્ટા; જેના કાન છેદાયા છે ते. कानकटा, जियका कान कटा हुआ है वह, छिन्न कर्ण. (one) with ears cut স্থায়ত ২. ४, २, १३६; — इञ्चेयग न० (-च्छंदन) धाननुं छेहन. कान का छेदना cutting off or piercing of ears नाया॰ २; —धार पु॰ (-धार) नापीक्ष. मल्लाहः नाविक. a sailor: a boat-man नाया॰ म; ६; १७, —पीठयः न० (-पीठक) धाननुं धरेख्ं. कानका गहना. an earornament, " कुंडल महगंदयल करण पीठधारी "पन २; भग । १४, १; ठा । ६; श्रोव० २२; ---पूर. पुं० (-पूर) धानभां **પહેરવા**તું આભરણ. कान मे पहिनने का श्राभु-पण, an ear-ornament नाया॰ १: ष्प्र, भ्रोव० ३ष; (२) કर्ण पूर नामे हाथी-ना धाननं आभूपण कर्णपूर नामक हाथीके Vol 11/50.

कान का आभूपण. an ear-ornament for an elephant. श्रोव॰ ३०; —वंध पुं॰ (-वध) अन आंधवा ते. कानों का बांधना. closing up, tying up of ears. नाया॰ १७; - मल न॰ (-मल) धानने। भेस. कान का मैल. wax of the ears निसी॰ १, ३४; ३, ६६; — मूल-न॰ (-मूल) કાનની નજીકના પ્રદેશ, કાનનુ भूस. कान के समीप का माग, कान का मृल. the neighbouring part of an ear- नाया॰ ३, ज॰ प॰ ५, ११४, — पाली. स्री॰ (-पाली) धानमां पहेरवानी वारी-એક આબૂપણ कान में पहिनने का वाली-एक श्राभूषण an ear-ring. जीवा॰ 3, ३; - वेयसा. स्री॰ (-वेदना) धाननी वेहना. कान का दुःख. pain in the ear नाया॰ १३: -वेहगाः न० (-वेधन) ळाणे। " कराणवेहणा " शब्द. देखो " कए खंबेह स्पा " शब्द. vide "क्र स्सा-वेहराग " मग० ११, ११; -वेहरागा. न० (-वेधनक) अन विधवानी सरअश कान वीधने का संस्कार. the ceremony of piercing or perforating the ears राय॰ २८८; —सक्कुलिया. स्री॰ (-शप्कुलिका) धांननुं विनधः कान का छेदः a hole in the ear, a perforation made in the ear. नाया॰ द: १४, —सुह. न॰ (-सुख) अनने अभरूप शण्ट. कान को सुखकारी शब्द. words sounding sweet to the ears. नाया॰ ९, —सोहराश्च. न॰ (-शोधनक) કાનને ખાતરવાની સળી; કાન ખાતરણી: याद्धी. कान साफ करने की सलाई a small thin straw etc, used to cleanse the ear of its wax. ानिसी॰ १, १६; श्राया० २, ७, १, १५७; नाया० ६;

कराराकला. स्री० (कर्णकला) सूर्य शेक भांड-सेथी णीके भांडसे के गतिओ जाय छे ते ગતિનું નામ કર્યું કલા છે. કર્યું એટલે એક માડલાના વૃદ્ધિકલ્પિત છેડાે. ત્યા આવીને સર્ય કલા એટલે એકેક અરો બહાર નિકળતા કે અંદર આવતા ખીજા માંડલાને છેડે પહેાચે ते धर्ध ध्वा शति. मूर्य एक मंडल से दूसरे मग्डल में जिस गति से जाता है उस गति का नाम " कर्णकला " है; कर्ण अर्थान् एक मग्डलका बुद्धिकल्पित सिरा, वहां श्राकर सूर्य कला अर्थात एक २ धंश में बाहर निकल कर वा श्रंदर श्राकर दूसरे महल के सिर-श्रंत तक पहुंच जाता है उसे " कर्णकला गति " कहते हें A name given to the apparent motion of the sun one point to another. स्० प० १,

करांगेते उर. पुं॰ (कन्यात पुर) कन्यानुं अन्तः-पुर, राजकन्याओने राहेवानुं स्थानः कन्या का अन्त पुर, राज कन्या के रहने का स्थानः An apartment for royal girls नाया॰ १६;

करागा स्ति (कन्यका) धुभारिका क्रमारी, कन्या A girl unmarried, a girl नाया = =,

करणितय पुं॰ (-कर्णित्रक) એક જાતના भाभवादी ઉડता वाधिदिय छव एक जाति का पंखी वाला उडता चार इंद्रेय जीव. A kind of four-sensed insect with wings पच॰ १;

करणपाउरण पुं॰ (कर्णप्रावरण) स्वश् सभुद्रभां सातसी क्लेक्टन ७५२ आवेस अर्थु आवरण नाभना ओड आंतर द्वीप. लवण समुद्रमें सातसी योजन ऊपर स्थित कर्ण प्राव-रण नाकक एक अतर द्वीप. Name of an island in Lavana Samudra at a distance of 700 Yojanas from the shore. ठा॰ ४, २; (२) ते अंतर द्वीपमां रहेनारा मनुष्ये। उस श्रंतर द्वीप में रहने वाला मनुष्य. an inhabitant of any of the islands called Antara Dvipas. पत्र॰ १;

कग्रालायण पुं॰ (कर्णलोचन) सति शिक्षः नक्षत्रता भेत्रतु नामः मति मयक नक्षत्र के गोत्र का नामः Name of the family of the constellation Satabhisaka. स्॰ प॰ १०;

कराणा स्त्री॰ (कन्या) अन्या; पुत्री कन्या, लडकी A girl; a daughter. उत्त॰ २२, २८; नाया॰ १६; पंचा॰ १, ११; करिएस्था-याः स्त्री॰ (कर्णिका) भुशे।

कोना A corner. जं॰ प॰ (॰) इभक्षनी शील है। श. इभक्षनी भध्यक्षाण कमल का मण्य भाग, कमल का बीज कोप pericarp of a lotus, the middle part of a lotus. भग॰ ११, २, पञ्च॰ १२. जं॰ प॰ श्रोव॰ ४२, जीवा॰ ३, १; कण॰ ६, ४४: (३) એક જાતની વનસ્પતિ. एक जाति की वनस्पति. a k nd of vogetation भग॰ १९, ७; (४) अनी वारी कान की वाली an ear-ring श्रोव॰ ४२. (५) छत्रनी व्यन्दरनी काम क्रवा भांतरी भाग. the inner part

कािंग्यार. पुं॰ (किंग्विकार) ध्येतनुं आऽः कतेर का भाड. Name of a tiee. (२) न॰ धर्षिधारनुं पुत्त. किंग्विकार का पुष्प. a flower of this tree. पत्त॰ १०; भग॰ १४, १०; नाया॰ ६;

of an umbrella. राय॰ १२२.

करागीरह. पुं॰ (कर्णीरथ) એક પ્રકाરના विशिष्ट २थ डे के भास ऋदिमंत भाष्सीने त्यांक देश ने एक प्रकार का प्रधान रथ, जो

प्राय. ऋदिशाली मनुष्यों के यहां ही होता है. A particular kind of chariot possessed only by wealthy people नाया॰ ३, —प्पयाय त्रि॰ (-प्रयात) श्री मताधना यिन्छ वाबा रथमां भेसो आव ज्यव इरनार श्रीमंताई के चिन्ह वाल रथ में बैठ गमना गमन करने वाला one who drives in a chariot which is a mark of prosperity ' कण्णी रहप्पयायाचि होत्था '' नाया॰ ३; कराह पुं॰ (कृष्ण) इष्ण वासुदेव कृष्ण वासुदेव. Krispa Vāsudova. पन्न ॰ १, उत्त॰ ३६, ६८, सम॰ १०, नाया॰ ५, प्रव० ५६२; (२) ५७ श् नाभना ओ ५ परि-प्रावर्ध सन्यासी, कृष्ण नामक एक परिवाजक सन्यासी name of a mendicant saint श्रोव०३८, (3) अत्यत शला२ गना કર્ષ પુર્ગલને યાેગે થતા અત્યત મલિન પરિ-थाभ. श्रत्यत काले रगके कर्म पुद्गलों के योग से होता हुन्ना महा मलिम परिणाम very consequence resulting dark from very dark Karma सम॰ ६, (૪) પાચમાં ખલદેવ -વાસુદેવના પૂર્વભવના धर्मायार्थ. पाचवें वलादेव-वासुदेव के पूर्व भव के धर्माचार्य. name of the religious preceptor of the previous birth of the 5th Baladeva -Vasudeva. सम॰ प० २३६; (४) अली २ श काला रंग black colour जीवा ३, (६) ५० श्वामनी वेश कृष्ण नाम की वेल-लता name of a creeper पत्र॰ १; (७) धार्थी तुससी. काली मुलसी. the black holy basil पत्र १, (८) भैं। नामका कंद्र. name of a kind of bulbous root पन्न १; (७) स्त्री॰ ७ क्षेश्या-

માંની કૃષ્ણ નામની પહેલી લેશ્યા. છુ: ત્તેરવા त्रों में से कृष्ण नाम की प्रथम लेखा the first (viz black) of the six kinds of Leśyā. पन्न॰ १७, (१०) निर्याविध-धाना याथा अध्ययननं नाम. निरयावलिका के चौथे अध्याय का नाम. name of the fourth chapter of Nirayavalikā निर० १, १, - कंद पुं० (-कन्द) એક જાતની કૃષ્ણકંદ નામની સાધારણ वनस्पति एक जाति की कृष्णकंद नाम एक सावारण वनस्पति. a kind of bulbous root called also Krisnakanda. उत्त. ३६, ६६, जीवा० १, पत्र ॰ १, — ज्ञीय पुं ॰ (– जीव) ५ ७ ७ पासुदेवने। छव. कृष्ण वासुदेव का जीव the life of Krisna Vāsudeo. মৰ় भण्रे, -पांक्ख अ-य पु॰ (-पाचिक = कृष्णपत्तां ऽस्यास्तीति कृष्णपात्तिकः) कीने અહ પુદ્દગલ પરાવર્તન કરતાં વધારે સસાર-મા પરિભ્રમણ કરવાનું હેાય તે છવ जिसे थर्द पुद्रल परार्वतन काल से भी श्राधिक संसार में रुलना-श्रमण करना है वह जीव a soul that has to wander in worldly existence longer than the time required for Ardha Pudgala Paravartana. इसा०६, १, भग॰ १३, १; २६, १; ३१, २४, ठा० १, १, —लेसा ब्री॰ (-लेश्या) ५०० क्षेत्रया नामनी पहुंबी देश्या ऋष्ण लेश्या नाम की अयम लेखा. the first of the Leśyās called the black Leśyā. जीवा॰ १, ४, ७; — लेस्स. त्रि॰ (-लेश्य) ५७ श क्षेत्रयावाक्षा. कृष्ण लेश्या वाला. with black Leśyā (i.e. thoughtcolour or matter colour). भग॰ २६, १, ३५, २२, ठा० २, १: - लेस्सा

स्री॰ (- तेश्या) इंध्युंबेश्या. कृप्ण लेश्या. the black Lesyā (i. e. thought -tint or matter-tint). भग० २४. ६, -- वासुदेव पुं॰ (-वासदेव) ३७०१ વાસુદેવ; ચાલુ અવસર્ષિણીના નવમાં વાસ-हैं कृष्ण वासदेव: वर्तमान श्रवसर्पिणो काल के नीवे वामुदेव. Krispa Vāsudeva, the 9th Vāsudeva of the curient Avasarpini. नाया॰ ४, १६; --सप्प. पुं॰ (-सर्प) डावी सर्प काला सर्प. a black serpent. नाया॰ =; (२) राषु देवतं नाम राह देव का नाम. name of the god Rāhu. भग-१२, ६; सू॰ प॰ १६; —सीद्वासणा न॰ (-मिहासन) कृष्णनं सिंदासन कृष्ण का सिहामन tho throne of Krisna नाया० घ० १०:

कराहदराल. पु॰ (कृष्णदराल) ओं अंतिनी वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation भग॰ २१, =,

करहद्दीवायण पुं॰ (इन्फाइंपायन) से नाभ ना से इ धाम्हण संन्यासी. इस नाम का एक ब्राम्हण संन्यासी. Name of a Biāhmana ascetic. खोव॰ ३८,

कराहपरिट्यायग. पुं॰ (कृष्णपरिवाजक)
नारायणुनी लिक्ष्ति क्षरनार परिवालक. नारा
यण की भिक्त करनेवाला परिवाजक. An
uscetic worshipping Narayana.
श्रोव॰ ३=;

कराहराइ स्त्री॰ (कृष्णराजि) पांयभां देवले। है ७५२ जभीननी धाट जेती ले। हाति है देवनान् ना विभानने ६२तो आणी रेणाओं। छेते, १०७१०७ पांचवे देवलोक के ऊपर देवताओं के विमान के आसपास पृथ्यी की दरज जैसी काली रेखाए, कृष्णराजी. The black lines (resembling the cracks in the ground)
surrounding the abodes of Lo
kāntika gods in the 5th Devaloka. श्राया॰ २, १४, १७६; भग॰
६, ५; =; ठा॰ =, १; प्रव॰ ६३, १४४५;
(श्रीने-८-ी णीक्ष पृरुखीनं नाम. द्वान
इंद्र की दिवीय प्रानी का नाम. the other
name of the principal queen
of Īŝānendra. भग॰ १०, ५;

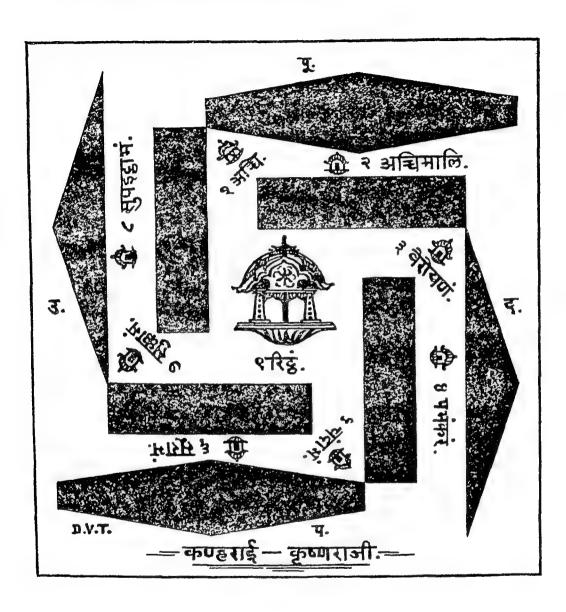
कराहराई. सं ॰ (कृष्णरात्रि) धृष्णुरात्री हेती. कृष्णरात्री देवा The goddess Kii-इत्य Ratii. नाया॰ घ॰ १०,

कराह्याडिंसय विमानः न॰ (कृष्णायतसक विमान) कृष्णायतंस नाभते। विभानः कृष्णायतंस नामक विमानः Name of a heavenly abode. नाया॰ थ॰ १०;

कराहसिरी. स्त्री॰ (कृष्णश्री) हुण्युश्री नामनी ओड स्त्री. कृष्णश्री नामकी एक स्त्री. Name of a woman. विवा॰ ६;

कराहा स्त्री॰ (कृष्णा) धशानेन्द्रनी कृष्यान नाभनी राखी इशान इंद्र की कृण्णा नाम की रानी. Name of a queen of Isanendra. তা০ ४, २, भग० १०, ५: (२) कुण्णा नामनी देवी. कृष्णा नाम की देवी. name of a goddess. नाया घ॰ ६. (૩) કુભ્શા નામની નદી. कष्णा नामकी नदा. name of a river. पि॰ नि॰ ૫૦૨, (૪) શ્રેણિક રાજાની એક રાણી કે જે મહાવીર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ, મહા-સિંહનિક્રીહિત નામનું તપ આચરી, અગો-આર વરસની પ્રવજ્યા પાળી એક માસના संथारे। इरा सिध्ध थर्छ. भ्रेणिक राजा की रानी, जिसने महावीर स्वामी के पास दीचा लेकर महासिंइनिकोडित नाम का तप किया श्रीर ग्यारह वर्ष की प्रवज्यों पाल एक मास सवारा कर मोच का प्राप्त हुई.

सचित्र अर्ध-माग्धी कोष



name of a queen of King Śrenika, who took Dīksā from Mahāvīra Swāmī and having practised the austerity known as Mahāsinha-Nikrīdita, and having practised asceticism for 11 years, became after one month's Siddha Santhārā. श्रंत०६,४,(४) अंतगरसूत्रना અાઠમા વર્ગના ચાેથા અધ્યયનનું નામ. જ્રાત-गडसूत्र के घाठवें वर्ग के चोथे अध्ययन का नाम. name of the 4th chapter of the 8th section of Antagada. श्रंत॰ =, ४; (६) છ લેશ્યામાંની પ્રથમ ५० । धेश्या. छ । तेरयात्रों में से प्रथम की कृष्ण लेखा. name of the black Leśyā. (৬) વિજયપર નગરના વાસવ-इत्त राजानी राष्ट्रीनं नाम. विजयपुर नगर के वासवदत्त राजा की रानी का नाम. name of the queen of king Vasavadatta of Vijayapura city. विवा. २, ४;

कराहादेवी स्री॰ (कृष्णादेवी) कृष्णादेवी कृष्णादेवी. Name of Krispadevi. नाया॰ घ॰ १०:

कराहुइ. श्र॰ (क्वचित्) क्ष्यांय पण्; क्विष्ठ पण् स्थाते. कही भी, किसा भी स्यानपर. Somewhere, in any place whatever. उत्त॰ १, ७; २, ४६; दसा॰ १०, ७,

-रहस्सिय. त्रि॰ (-राहस्यिक) है। धे भेड डाप भा रहस्य राभनार. किसी भी कार्य में रहस्य रखने वाला. one who keeps secrecy in some work or other स्य॰ २, २, २१;

कतर. ति॰ (कतर) भे डे ध्लामांना डेये। ? दोमेंसे अथवा बहुतोंमें से कोनसा ? Which of two or more than two. श्रापुजो॰ ८८; दस॰ ६, ४, १;

कता. घ॰ (कदा) ५थारे. कव ? When सू॰ प॰ १२;

कति ति (कृतिन्) सुकृती; स्हायारी. सकृत्य करेन वाला; सदाचारी, पुरायात्मा (One) whose actions are good. सू॰ य॰ २, १, ६०;

कति. त्रि॰ (कित) हेटला अधारनुं कितनी तरह का ? Of how many sorts. जं॰ प॰ ६, १२४; ७, १४८; ७, १४६, पण्ण॰ १४, नाया॰ १; भग॰ १, ४; २, २; —भाग.पुं॰(-भाग) हेटलाभे। लाग. कीनसा हिस्सा ? what division or part. भग॰ १, १; —संचिय. त्रि॰ (-संचित) सण्याथी अधी शधाय ते. संख्या द्वारा गिना जा सके वह numerically calculable. ठा॰ ३, १॰ भग० २०, १०;

√ कत्त था॰ I. (कृन्त्) धातरतुं. काटना
To cut. (२) भीऽपुं. पीडा देना to
afflict.

कसाहि. पराह० १, १;

किश्वह. क० वा॰ स्य॰ १, २, १, ७, १, ६; ४; उत्त॰ ४, ३;

किचंति स्य० १, ३, ४, १८;

√कत्त धा॰ I. (कन्त्) शंतमुं कातना To spin cotton.

कत्तंत. व० कृ० पि० नि० ५७४;

कत्तरण. निरु (कर्त्तन) आपनारः छेटनार. काटनेवाला, छेदनेवाला. One that cuts. श्रोव॰ ३४;

कत्तर न॰ (कर्त्तर) आतरपानुं साधन आतर कतरने का साधन; केंची. A pair of scissors. उवा॰ २, ६४;

कत्तवीरिय पुं॰ (कार्तवीर्य) लरतना यासु वेशिसीता आक्ष्मा यक्ष्यितना पितानु नाम भारत के वर्तमान चीवांसी के श्राटवे चक्रवर्ति के पिता का नाम. Name of the father of the 8th Chaktavarti of the present cycle समन्प॰२३४; कत्तार. त्रि॰ (कत्तां-कर्तृ) हरनार. हर्ना कर्ना; करने वाला (One) who does or makes भग॰ २०, २; निशे॰ १७४; २९२२, श्रगुजो॰ १२८, पं॰ नि॰ १७३, पंगा॰ ८, — स्त्रभाच पु॰ (-श्रभाच) हर्तानी अभाव कर्तांश श्रमाव क्षेत्र १३३; क्ति श्री॰ (कृति) स्र्म; साम्हें, चमडा, चर्म Leather श्रोष॰ नि॰ ३६;

कत्तिश्र-य पुं॰ (कार्निक-क्रात्तेका नच्येण युक्ता पार्णमामी कार्तिका माऽस्यिमास्तित कार्तिक) हार्तिह भास कार्तिक मास The month of Kartika. जं प ७. १४१: श्रोघ० नि० २८४; सम० २६; उत्त॰ २६, १६, कष्प॰ ४, १२३; ६, १७०; नाया० ५; भग० १८, १०; (२) ७१२तता-પુર નગરના રહેવાસી કાર્તિ'ક રોઠ કે જે**છો** મુનિસત્રત પ્રભુતી પાસે પાતાના એક હુજાર મૃતિમની સાથે દીક્ષા લીધી દીક્ષા પાલી પહેલા દેવલાકના ઇદ્રપણે ઉત્પન્ન થયા. हस्तिनापुर नगर का निवासी कार्तिक सेठ जियने मुनियवत स्वामी के पाय व्यपने एक हजार सुनीमां के साथ दीचा ली और दीचा पाल कर प्रथम देवलीक का इन्द्र बना name of a merchant of the city of Hastināpura who took Dîksā from Lord Munisuvrata ac companied with his one thousaud agents. He practised asceticism and was been as the Indra of the first Devaloka. भग॰ १८, २, निर॰ ३, १; (३) ४४ भ-

દ્વીપના ભરતખણ્ડમાં થનાર છઠ્ઠા તીર્થકરના ^{पृ}र्वभवन् नाभः जम्ब्रहांप के भरतसंड मे होनेवाले छुट्ट नीर्थकर के पूर्वभव का नाम. name of the previous birth of the future would-be 6th Turthankara of the Bharatakhan la of Jambu Dvipa मन॰ પૈ જ જ ૧૮ (૪) કાર્તિક નામના માણસ. कार्तिक नाम का मनुष्य name of a man अल्जो॰ १३१; —श्रणगार पुं॰ (- श्रनगार) धार्ति धनाभना आधु कार्तिक नाम का मान an ascetic so named. गग० १८, २: -चाउम्मासियः त्रिव (-चातुर्मासिक) धार्तिक याभासा सलन्धीः कार्तिक चानमीय संबन्धा. the monsoon season of the month of Kar tika भग० १८, १, नाया० १; -पाडि-वग्र. पुं॰ (-प्रतिपत्) इति । सुर १५ पछीने। पाउवे। ते: शतिंश वह १. कार्तिक शका ११ के पश्चान की पडवा, मगसर वदा s the first day of the dark half of the month of Margaśīisa निसी॰ १६, १२;

क्रित्तियाः स्त्री॰ (॰कर्त्तिका-कर्नरी) धातर. कैंगी A pair of scissors सु॰ च॰ १०७७;

कत्तिग्रा-याः स्वं (कृत्तिका) धृतिधा नक्षत्र कृतिका नचत्र The constellation Krittika जं प , १४४; सू प प ६, ११; सम ६; ठा २, ३;

कत्तित्रारिक्षत्र ५० (क्रांत्तकारिवत)
कृति व्यविक्षत नाभने। ५२५. क्रांत्तकारिवत
नाम का मतुष्य. A man so named.
त्रयाजो॰ १३१;

कित्तगी स्रो॰ (कार्तिकी) धार्तिक भासनी भुनेभ कार्तिक मास की पूर्णिमा. The

full-moon day of the month of Kartika. जं॰ प॰ ७, १६१;

कत्तो थ्र॰ (कुतस्) अ्थाधी कहां से ? Whence रंखा॰ ४=, स्य॰ १, १, १, १४, पन्त॰ ६; विवा॰ ६; विशे॰ १४०; कत्तोच्च त्रि॰ (कुतस्त्य) अ्थानी; अ्था स्थानी,

४॥ गाभनी कहा का ? किस स्थान का ? किस प्राम का ? Of what place or country पिं० नि० १६८,

कत्तोचय य॰ (कौतस्त्यक) ध्याथी. कहासे ? Whence विरो॰ १०१६,

√ कत्था था॰ I (कथ्) ध्ढेयु कहना To say; to tell.
कत्थइ नदी॰ ४७:

कत्थ - श्र॰ (कुन्न) ક્યાં ? કઇ ળાજીએ कहां ? किस श्रोर ? Where, on what side सु॰ च॰ १, १८; ज॰ प॰ विशे॰ १३३; सू॰ प॰ २०,

कत्था ति० (कथ्य) ध्या ये। (शास्त्र)
नाया वर्गरे कथा, इतिहामादि हो वह; जाता
ज्ञादि शास्त्र (Nāvā and other
scriptures) including stories
and historical matter ठा० ४, ४;
जीवा॰ ३, ४; ज० प० राय॰ १३१
— गेय न० (—गेय) ध्याने ये। २४ गेथ
कया के योग्य गायन क narrative
song राय॰ १३१,

कत्धइ श्र॰ (कुत्रचित्) अपायपेणुः श्रेष्ठिपणु ठेशिषु कहीं भी, किसी भी स्थान पर In any place whatever विशे॰ २६६, ३८६, ७४१, श्रोब॰ १७, भग॰ ३, २, १४, १; ४०, १; नाया॰ २, ६, १६; प्रव॰ ६७६; विवा॰ ४;

कत्थिवि श्र॰ (कुन्नापि) ध्यांयपणु कही भी² In any place whatever. भग॰ १५, १ कदंब. न॰ (कदम्ब) ४६२ थनुं अ४ कदम्ब का साइ. A kind of a tree. नाया॰ १: — पुष्पत्म. न॰ (-पुष्पक) ४६ थना अ४नुं पुत ६स कदम्ब के साइ का फल श्रोर फूल. a flower of the Kadamba tree नाया॰ १:

कद्दाल पु॰ (कदली) क्ष्णनुं आध केले का माड. The plantain tree. भग॰ २२, १; कदाइ. थ॰ (कदाचित्) क्षावित्; क्यारेक. कदाचित्, किसी समय At some time;

perhaps भग. २, १, ६, ३३,

कद्म. पुं० (कर्दम) डीयड, डाहव कीचड़.

Mud. ' श्रवइट्टनिसु भिराणकालिय पगलिय रुहिर कयभूमि कहमयचिक्खिल्लपहे "
पगह॰ १,३; १,४; श्रोव० ३८, पि० नि०
२५३, ठा० ४ २. जीवा॰ ३, ४, नाया॰ १;
भग० ६, १;७, ६, प्रव० ८५७, क० ग०
१,२०, — उद्ग्र न० (- उदक) डाहववाणु पाणी. कांचडमय पानी mud with
water in it. ठा० ४,३;

कद्दमस्र पुं॰ (कर्दमक) अनु वेश धर देवताना भीन्य राष्ट्रन्न नाम श्रमुकेलंघर देवता के दूसरे राजा का नाम Name of the 2nd king of the Annvelandhata gods. जीवा॰ ३, ४; सग॰ ३, ७, कनककंतः जि॰ (कनककान्त) सीनेरी वरभ; सीनाकेवा देभावनी पदार्थ सुनहरी वरक; सवर्ण सरीखा बनावटो पदार्थ (Anything)

of the lustre of gold. श्राया॰ २, ४, १, १४४;

कझ. पुं॰ (कर्या) जुओ। " कराया " शण्ह. देखों " कर्ण "श द. Vide " कर्ण " ११; थाया० २, ३, २, १२१; पि० नि० ५१३; ५६१; दम० म, २०; —धार. पुं॰ (-धार) लुओ। " करण-धार "शण्ड. देखो " कएणधार " शब्द. vide " करणधार. " तु० च०३, १६४; —पावरण. पुं॰ (-भावरण) गर्भराः धननुं भूष्ण. गजरा; कान का गहना an ornament for the ear; an ear-rings प्रव० १४४०; —मल. पुं॰ (-मल) लुगे। " करणमल " शल्ह देखो " करणमल " शब्द. vide "क्यण्यस्त" तंदु -- सर. पुं (-शर) अनने णाहा लेवं का ने का नों को तीर के समान लगने वाला. anything striking the ears as an arrow strikes the body (e.g. harsh words). इस॰ ६, ३, ६; —सोक्ख-न॰ (-सौख्य) धानने सुभरूप कानों को सुखदाई. anything delightful to the ears. दस॰ ८, २६;

कन्नगा. स्त्री॰ (कन्यका) क्षुमारिका. कुमारी; लडकी. A girl; a daughter. सु॰ च॰ १४, ६; ठा० ७, १; निर॰ ५, १;

कन्ना स्त्री (कन्या) लुञी "करणा" शन्द Vide "करणा" सुक्च०२, ४६५; दस० ६, ३, १३;

कन्नालीय. पुं॰ न॰ (कन्यालीक) अन्या व्याश्री लुढुं भासपुंते नव वरसनी छाय व्याश्री १५ वरसनी छे म अहेवुंते. कन्या के कारण भूंठ वोलना नो वर्षकी हो श्रीर १५ वर्षवी बताना. A ie spoken for a girl; saying that a girl is of

15 years when she is only nine years old. पग्ह- १, २;

फिरिया. स्नी॰ (किंगिका) लुओ। "किंगिया" शण्ट. देखों "किंगिया" शब्द Vide "किंगिया". नंदी॰ ७:

कन्छ. पुं॰ (कृष्ण) लुओ। "कग्ह" शण्ट. देखो "कग्ह" शब्द. Vide "कग्ह" श्रंत॰ १, १; प्रव॰ ६६०;

कपिंजल. पुं॰ (कपिन्जल) अपिंजस पक्षी. कपिंजल पत्ती. A kind of bird. दशा॰ ६, ४; श्राया॰ ६, १०, १६६;

कपित्थः न॰ (कपित्थं) हे।हुं; हे।है. कबीट, फल विशेष. The wood-apple tree. अशुजो॰ १३१;

किपिल पुँ॰ (किपिल) धात ही भ उभांना लारत भ उनी अंपा नगरीना हियस नामना वासुहेय. धातको खंडान्तर्गत भरतसंड की चम्पा नगरी के किपिल नाम के वामुदेव. Name of the Väsudeva of the city of Champā on the Dhātakīkhanda. नाया॰ १६:

किपहिस्सिय न॰ (किपहिस्तित) वांदराना दांती-यानी भेंद्रे वादणा वगर आधाशमां विकणी थाय ते. आकाश में विनाही मेघों के बंदर के दांतों (किपिहिसित) की तरह विद्युत का होना. Lightning in the sky resembling the teeth of a monkey without there being any sign of clouds भग॰ ३, ७;

कपोत. पुं॰ (कपोत) इश्रुतर; पारेवुं. कवूतर. A dove; a pigeon. दसा॰ ६, ४;

√कप्प. धा॰ II (कृत्) धापयुं; छेह्युं; णपयुं; समर्थ थयुं; उत्पन्न धरवां, काटनाः; खपनाः; समर्थ होनाः उत्पन्न करनाः To cut

कप्पइ. नाया॰ १;

कप्पेंद्र स्य० २, २, ४५; भग० ६, ३३; कप्पेंति. स्य० नि० १, ५, १, ७४; कप्पेंति स्य० ४, ११४; कप्पेंज निसी० ३, ४२; कप्पेंडि. नाया० १, कप्पेंड. भग० ६, ३३; कप्पेंचा. स० कु० ६, ११४; कप्पेंमाण. व० कु० २, ३६, कप्पेंचेंड प्रे० क० वा० स० च० १३.६५

कप्यावेइ प्रे॰ क॰ वा॰ सु॰ च॰ १३,६८; कप्प पुं॰ (कल्प) ४६५; ये। २४; ७ थित, योग्यः उचित. Anything that is worthy or proper. उत्त॰ ३२, १०४; वव० १, २२, २, २७, ४, १५; विवा० १; उवा० १, ७०; (२) भायार श्राचार ६ sacred precept or rule जं॰ प॰ ५, ११५; वेय० ४, १४; वव० ५, ११; ६, २; १६; भग० ३, ८; २४, ४, श्रोव० १७; श्राया० १, ३, ३, ११७; १, ६, ३, १५५, कृष्प० ५, ११८; पंचा० ६, २१; ११, २७; ૧૫, ૪૦; (૩) કલ્પશાસ્ત્ર; વેત્ધમ ની विधि जतावनार स्थेड धर्भ शास्त्र कल्पशास्त्रः वेदधमं की विधि बतानेवाला एक धर्म-शास्त्र Kulpa Śāstra. भग॰ २, १, ४, ४, विशे॰ ६; कप्प॰ १, ६; (४) स्थादियानी પછેડી, સાધુનુ ચેક ઉપકરણ पहेनडी; चादर, साधुका एक उपकरण a kind of searf पि॰ नि॰ भा॰ ४६; प्रव॰ २५8; ५१४, (५) **કલ્પનામના દ્વીપ અને સમુદ્ર.** कल्प नाम का समुद्र श्रोर द्वीप. an ocean and an island named Kalpa. जीवा॰ ३, ४; (६) એ નામનુ આચારની મર્યાદા ખતાવતાર अक्षिक सूत्र. इस नामका त्राचारकी मयौदा दि-खानेवाला कालिक सूत्र. a Kālika Sūtra so named explaining the scriptural rules of conduct, knowledge etc. नंदी • ૪૨; (૭) હિન્દુધર્મનું એક શાસ્ત્ર; આચાર વિચાર પ્રતિપાદક શાસ્ત્ર. ब्राह्मण समाचारी का शास्त्र, श्राचार विचार प्रतिपादक शास्त्र. name of a Brāhmana scripture dealing with ritual. पि॰ नि॰ १७२, श्रोव॰ ३८, (८) સાધર્મ્મ આદિ લોકાના નામવાલા દ્વીપ અને समुद्र, सौधम्म शादि देवलोकों के नाम वाल द्वाप और ससुद्र. any of the islands and oceans bearing the names of Devalokas, e.g. Saudharma etc. पन्न ० १४, (६) બાર દેવલાક; કલ્પ-રાજનીતિ વગેરે વ્યવહાર જે દેવલાકમાં છે તે हैन्दे। इ. वारह देवलोक, कल्प-राज नीति इत्यादि व्यवहार जिन देवलोकों मे है वे देव-लोक the 12 Devalokas, a Devaloka in which there is to be found political organisation etc जीवा॰ १, ३, ४, पन्न॰ २; उत्त॰ ३, १५; ठा० २, ४, भग० १, २; ५, २, ७, ८, १, राय० १८; प्रव० ४८७, सम० १; कप्पः ५, ११, (१०) सरणाः, भराभरः समान; वरावर equal to; similar to पन्न॰ ३६, पराह॰ १, ३; उवा॰ १, ७४; (११) ४९५५क्ष कल्पवृत्त. a desire fulfilling tree, a sacred tree सु॰ च॰ २, ६७;--ग्रांतर न॰ (-ग्रन्तर) देव देश होतर. देवलोकातर; श्रन्य देवलोक another Devaloka. विवा॰ १०, (२) જિતકલ્પ અને સ્થવિરકલ્પનું जिनकल्प और स्थविरकल्प का भेद the difference between the Jina-kalpa and Sthavirakalpa. भग॰ १, ३. - श्रंतरियः त्रि॰ (-श्रन्तरित) ४६५-५७ेऽी –ચાદરની અંદર રહેલ. कल्प-पछेवडी -चादर के श्रंदर रहा हुन्ना. remaining under the upper garment प्रव॰

६८०; — उवग. पुं॰ (-उपग) ५६५-निय મ–રાવ્ત્ય કાયદાની હૃદમાં રહેનાર દેવતા; પહેલા દેવલાેકથા ખારમા દેવલાેક સુધીના वैभानि**क्ष देवता. कल्य-नियम-राजनीति** की सीमा में रहनेवाले देवताः प्रथम देवलोक से 'वाहरवें देवलोक तक के वैमानिक देवता. a god who has not transcended the need of administrative organisation; any of the gods of the heavenly worlds from the first to the twelfth. नाया : उत्त॰ ३६, २०७; भग० २४, २०; पत्र० १५; --- **उचय. पुं॰ (-उपग**) लुओ। "कपावेग" शण्ट. देखे। "कप्पावेग" शब्द vide "कप्पा-वेग " भग० =, १०; -- उवरिम. न० (--उपरितन) पांचमां देवकीडना ७५२ना देवते। इ. पांचवें देवलोक के रूपर का देवलोक the Devaloka situated alove the 5th Devaloka. भग॰ ६, =; — उववत्तिय. पुं॰ स्त्रो॰ (-उपपत्तिक) કલ્પ-ભાર દેવલાકમાં ઉત્પન્ન થયેલ વૈમા-निक्ष देवता कल्प-१२ देवलाक में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. a deity of the heavenly worlds 12 in numbér. =: --उचचन्नगः भग० ٩, (-उपपन्नक) लुओ। " कापोवग " शऋ देखें। " कप्पोवग " शब्द. vide " कप्पो-वरा " जं॰ प॰ ७, १४०; ठा॰ २, २; —काल. पुं॰ (-काल) धर्धेः वभतः थिर अथ. बहुत समय; चिरकाल. long time. स्य० १, १, ३, १६; —गाहणा न० (- ग्रहरा) यादर वगेरे वस्त्रीनुं श्रहणु ५२वुं ते. चादर श्रादि वल्लों को प्रहण करना. accepting of clothes. ५२५; — जुद्रा. (-युक्त) पछेडी वरेते ३५५४ थुरत चादर उत्यादि वस्रों के सहित.

possessed of upper garment etc. प्रव० ५०२; - तिग. न० (- ग्रिक) त्रण पछेडी त्रधा आहर. तीन चादर; नीन पहेन्दी. three upper garments (used by ascetics) अव ० ४०३; ४२६; —दुग. न॰ (-हिक) भे **प**छेडी; भे यादर दो चादर; दो पंछवडी. two upper garments (of an ascetic). प्रवण्यवर, कर्गाव्ह,१५;—महद्दुमः (५० (- महाद्वम) ४६५ ुभनुं भेरिं वृक्ष. क्लवहुम का महान् यृत्त. the big holy tree known as Kalpadruma. प्रव॰ १०३६; — समात्त न्त्रो॰ (-समाप्ति) ५६५नी-परिदार तपनी सभातिप कल्पकी-पारिहार तपकी समाप्ति. conclusion, end of the austerity known as Parihāra, प्रव. ६१७:

कप्पष्ट. पु॰ (कल्पस्य) भासक्ष. वालक. A. child. वि॰ नि॰ २८७; पंचा॰ १४, ३१; प्रव॰ ४८८;

कप्पहिइ. ली॰ (कल्पस्थिति) साधु समा-यारीनी स्थिति-भर्थाद्य। साधु समाचारीकी स्थिति मर्थ्यादा. Practice of ascetic scriptural rules by a Sadhu. वेय॰ ६, २०;

कर्पाट्टियः पुं॰ (कल्पास्थित) इक्ष्पिश्यत सभा-यारीनी भर्याशां रहेश सुनि. क्ल्पोस्थन समाचारी की मर्यादा में रहा हुआ सुनि. An ascetic observing scriptural rules. विशे॰ १२७५; प्रव॰ ६१३; —तवः न॰ (-तपस्) इक्ष्पिश्यत-भाग्यता-यार्थ ७ भास पर्यन्त परिद्वारिङ नामनुं तप इने ते (तप). कल्पास्थित वाचनाचार्य छः माह तक परिहारक नामका तप करते हैं वह (तप). a kind of austerity named Parihārika; practised for six months by Vāchanāchārya; a kind of austerity प्रव॰६१५, कल्पड. पुं॰ (कर्षट) क्षुग्राने वण दशने अनावेश भारे। वस्र को वट देकर बनाया हुवा गंद. A cloth twisted into the shape of a ball. परह॰ १, ३; प्रव॰ ४४०;

कप्पंडिय पुं॰ (कार्पटिक) शपडी; शवड सध भिक्षा भागनार कावड लेकर भिद्धा मांगने बाला A mendicant begging alms with a balancing lath on his shoulder. वि॰ नि॰ १२७; विवा॰ ७, नाया॰ =;

कप्पण् न॰ (कल्पन) छे६वुं काटना, छेदना. Act of cutting खु॰ च॰ १३, १, सूय॰ नि॰ १, ४, १, ७४;

कप्पणाः स्त्रा॰ (कल्पना) इत्पना, संभावना स्थावना स्थावना मित्रहोतक-स्थाव, कल्पना, संभावना Imagination; act of imagining a thing as probable. विशे॰ १६, १३७, १७३२, भग० ७, ६,

करपींगाज्ज नि॰ (कल्पनीय) उद्गमाहि होपरिक्षित, क्षेत्रे चार्य प्रति, लेने योग्य Free from any fault (objection), acceptable पंचा॰ १, ३१,

करपणी खी॰ (कपनी-करुपते द्विद्यते यया सा करुपना.) क्षातर; छुरी. कैची; छुरी। ते ची; छुरी। ते ची। ते किसारि। विद्यादि कप्पणीहि या किप्यो किश्चिशिक्षां, उक्तायश्चणिनसे। अत्तर्व १६,६३; जै॰ प॰ पण्ह॰ १,१; विवा॰ ४; —किप्पर। न॰ (-किश्वत) क्षातरे क्षापेक्ष केची से क्या हुश्चा cut with scissors; विवा॰ ८,

कप्पत्र पुं॰ (कल्पतर) ३६५९%, कल्प

वृत्त A desire-yielding tree. मु॰

च० २, ३६६; प्रव० १४६३;

कप्पद्दुम. पुं॰ (कल्पद्रुम) ५०५५क्ष कल्प यृत्त. A desire-fulfilling tree, a sacred tree, भत्त॰ २; प्रव॰ ४०;

कल्पपायवः पुं॰ (कल्पपादप) ६८५४क्षः कल्पमृज A desire-yielding tree मु॰ च॰ २, ६७;

कल्परुक्त पु॰ (कल्पनृत्त) इश्पप्रक्ष, ल्युग-शिया अने देवताने विक्रित द्व आपनार आड कल्पनृत्त, युगलिया थार देवताथा का वाद्यित फल देने वाला काड. A desire—yielding tree, a tree furnishing desired objects to Jugaliyās and gode क्राप॰ ४, ६२: भत्त॰ १६७. जं॰ प॰ ३, ४३.

कल्परुक्खम पुं० (कल्परृक्त) ४१५५% कल्परृक्त A desire yielding tree. ज॰ प॰ ५, १२२, भग॰ ६, ३३,

कप्परुक्खयः पुं॰ (कल्पवृत्तक) ळुओ। "कप्परुक्खग" शण्टः देखो "कप्परूक्षग" शब्दः Vide "कप्परूक्षग" नाया॰ १,

कप्पवह पुं॰ (कल्पिति) ११४४वासी देवता-ना अधिपति- १५ कल्प्यामि देवताका अधिपति- इद The lord Indra of Kulpavāsī gods. ज॰ प॰ ४, ११४;

कण्पविश्विद्या श्री॰ (कल्पावनिषका) श्रे नाभनुं श्रेड डालिड सूत्र इम नाम का एक कालिक सूत्र. Name of a Kālıka Sūtra जं॰ प० राय॰ नदी॰ ४३;

कण्पविमाणावास पुं॰ (कल्पविमानावास)
देवले। इत्यो क्रिक्ट देशरूप विभानमा निवास
देवले के एक देशरूप विमान में निवास
Residence in a heavenly abode
named Desartipa. ठा॰ २, ४,

कण्पविमाणोववित्तया सी॰ (कल्पविमानो-पपात्तका) कथी देवले। इमां ઉत्पन्न थाय तेनी आयरणा. जिससे देवलोक में उत्पन्न हो सके ऐसा व्यवहार-श्राचार. Conduct leading to birth in Devaloka. टा॰ १२, ४,

कप्पाईय पुं॰ (कल्पातीत) राज्यव्यवस्थाना नियमने ६६वं धी गरेब देवता, नवश्रीवे इ अने पांच अनुत्तर विभानना देवता. राज्यव्यवस्था के नियम को उलांघ चुके हुए देव; नवं प्रवेचयक ग्रीर पांच अनुत्तर विभानके देवता Gods who have transcended the necessity of having administrative organisation; viz. the nine Graiveyaka and the five Anuttara gods. उत्त॰ ३६, २०७, पन्न॰ १५;

कत्पाकिष्यिय न॰ (कल्पाकिष्यक-कल्प श्रा-चार. श्रकल्पाऽविधिः श्रथवा कल्पा जिन-कल्पादिरकल्पश्ररकादिदीचा, यहा कल्प्यं श्राह्ममकल्पश्चान्यत् तत्प्रतिपादक शाखं क-ल्पाकिष्यम्) ५६५ अ५६५ ६र्शावनार शे५ लाडि५ धर्मशास्त्र. कल्प श्रीर श्रकल्प दिखाने वाला एक लेकिक धर्म शाख्न. A religious scripture showing what is Kalpa and what is not Kalpa. श्रमुजो० ४१,

कत्पाम पुं॰ (कल्स्क) એક જગ્યાના ध्या भालिहापैश એક ते भुभ्य भालिक डल्पवुं ते; सेळांतरीओ। एक स्थान के कई मालिकों में से एक को मालिक समम्म लेना, शय्यान्त-रोय. Designating one among many owners of a place as the principal owner. वेय॰ २, १२;

कप्पागः पुं॰ (कल्पाक) साधुः साधुः An ascetic. वव॰ ४, १५; — भिक्खुः पुं॰ (- भिक्कु) छेद्दे। पश्थापनीय यारित्र स्थापयान्तेश साधु होदोपस्थापनीय वारित्र में स्थापने

योग्य साधु. an ascetic deserving to re-establish another person (monk or layman) who has temporarily lapsed from right conduct. चन॰ ४, १३; १४,

कप्पातीतः पुं॰ (कल्पातीत-कल्पमतीता श्रातिकान्ताः करुपातीता.) इक्ष्पातीत देव-લાકમાં ઉત્પન્ન થયેલ; નવગ્રીવેકથી માંડી પાંચ અનુત્તરવિમાનમાંના દેવતા કે જેને કલ્પ —એટલે રાજનીતિ—વ્યવહારના કાયદાનું थ'धन नथी. कल्पातीत देवलोक मे उत्पन्न हुए देव; नवप्रेवेयक से लगाकर पांच अनुत्तर विमान के देवता, जिन्हें कल्प श्रथीत् राजनीति के न्यवहार--कायदा का बंधन नहीं होता. One born in the heavenly worlds which have transcended the necessity of having administrative organisation. भग॰ ६, १; ૧૦, ૨૪,૨૦; (૨) રિથતિકલ્પ આદિ સાધુના આચારની મર્યાદાને ઉદ્ઘંઘી ગયેલ–તીર્થંકર **क्रेय**क्षी पंशेरे स्थितिकल्प श्रादि साधके श्राचार की सीमा उलांघे हुए-तीर्थंकर, केवली श्रादिः a Tirthankara, a Kevali etc. have transcended necessity of observing scriptural rules prescribed for ascetics. भग०२, ४; ६, ७;

कप्पातीतगचेमाणियः पुं॰ (कल्पातीतकवै-मानिक) भार देवशे। इथी ७५२ना देवशे। इभां ७८५त थभेश वैभानि इस्ता चारह देवलोंकों के ऊपर के देवलोंकों में उत्पन्न हुए वैमानिक देवता. A kind of gods born in a heaven beyond the Kalpa heavens. भग॰ २४, १२;

कप्पाय. न॰ (कल्पक) ३६५ कल्प. Kalpa. (q. v.) विद्या॰ ३;

कत्पास पुं० (कार्पास) ये । अभीन बै। ि । भत. एक प्राचीन लौकिक मत. Name of an ancient creed. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ૧૨: (૨) કપાસથી ઉત્પન્ન થતું સૂત્ર. कपास से उत्पन्न होनेवाला सूत. cotton thread. अगुजो॰ ३७, -रोम. न॰ (-रामन्) अपासनी इंवारी. कपास के तार-नर्म रेशा. a fibre of cotton. भग॰ १५, १: -लोम. न० (-रामन्) ४५।स -रुनी पुन-इंवाटी. कपास-रुई का तार. a cotton fibre भग॰ =, ६; — चरा। न॰ (-वन) अधासनं वन. कपास का वन. a forest of cotton. निसी॰ ३. १६: कप्पासितथः पुं॰ (कार्पासास्थ) त्रशः धिद्रथ-વાળા એક કપાસના છવ. તાન કાંદ્રેય વાના एक कपास का जीव A kind of threesensed living being found in cotton. पन्न० १, जीवा० १;

कपासिश्च पुं॰ (कार्यासिक) अपाशनी वेपारी कपास का ब्योपारी A cotton-merchant पञ्च १, श्रायुजो॰ १३१; (२) शे नामनुं अपासनु एयान आपनार ओड शास्त्र. इस नाम का कपास का वर्णन करने वाला एक शास्त्र. name of a science describing the properties of cotton श्रयुजो॰ ४१;

कप्पासी स्ती॰ (-कार्पासो) अपाशमां रहेना इ छ व-डं कपासमें रहने वाला एक की झा. An insect living in cotton उत्त॰ ३६,१३५, किपिश्र-स्य त्रि॰ (किएपत) साधुने के तेने थे। २५; साधुने अल्पनीय. Pit for an ascetic; acceptable to a Sādhu दस॰ ६, ४८; (२) गे। ६वें खुं; रथे कुं;

श्थापेक्षं. जमाया हुन्त्रा; रचा हुन्ना, स्थापित किया हमा. arranged, established. श्रोव॰ २७, दसा॰ १०, १, ज॰ प॰ नाया॰ १; सूय० १, २, ३, १६, कप्प० ४, ६२, किपिश्र-य जि॰ (कर्तित) श्रेथें; छेदेंथु . काटा हुआ; छेदाहुआ Cut off; broken. जीवा॰ ३, ४: विवा॰ ४; उत्त॰ १६, ६३; किए अक्टिपश्च पुं (कल्पाकपा) भेशिश-त्रिश ઉત્કાલિક સત્રમાનું ખીજું. २६ उत्कालिक सत्रों में से रा सूत्र. The 2 nd of the 29 Utkālika Sūtras. नंदी॰ ४३: कादिपञ्चाः स्नां० (काहिपका) ये नामनु शिक्षिक સૂત્ર: નિરયાર્વાલકા અંતર્ગત ઉપાંગ સૂત્ર. इस नामका कालिक सूत्र, निरयावालिका के श्रंतर्गत उपाग सत्र. Name of a Kālika Sūtra; the Upānga Sūtras contained in Nirayāvalikā. नंदां० ४३: कण्पूर पुं॰ (कर्पूर) अपूर. कपूर Camphor. राय० ५६; नाया० १: १७; जीवा० कष्प॰ ३, ४३; —पुड. युं॰ (-पुट) धपूरने। પહેા–પહિંકા. कप्र का पुड़ा-पुडिया. त packet of camphor, नाया॰ १७; कृष्पोवचरास्मा. पुं० (कल्पोपपन्तक) लुओ। "कप्पोवग " शण्ट. देखो "कप्पोवग " शब्द. Vide " कप्पोवग "भग० २४, २०: -- वेमाशिय. पु॰ (-वैमानिक) लुओ। "कप्पोवग" शण्ह देखो ', कप्पोवग '' शब्द vide "कप्पोवग" भग० २४, ५२: कवंध पु॰ (कवन्ध) भाशाविनानं छवतं धः. विना सिर वाला जाता धड़. A headless trunk with life in it पगह०१,३;तंदु० **क्षकच्चाडिगा. ह्ना॰ (ा) पुत्री, दी**धरी. लड्काः

कुमारी. A daughter. पि॰ नि॰ ४७६;

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटनीट (:). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की पुरनोट (:) Vide foot-note (*) p. 15th.

क्ष कचट्टी. स्ती. (बालिका) नानी छे। इरी. छोटी लडकी. A young girl. भि॰ नि॰ २ = ४:

कव्यक्त. न० (कर्वट) नाना गढधी विटायेतुं सिंदे. छोटी दीवार से परिवेष्टित शहर. A city encircled by a low rampart प्राया० २, ७, ६, २२२; कष्प० ४, ५६; (२) ६५६ी वसनीनुं २६५७. छोटी वस्ती का स्थान. an abode of mean population. प्रशुको० १३१; वेय० १, ६; उत्त० ३० १६, ठा० २, ४;

कव्यडग. पुं॰ (कर्षटक) धर्भिटक नामना थ्रह. Name of a planet. हा॰ २, ३;

* कभन्न. न॰ (*) ખ^રપર; દીખડી खेगडी; खप्पर. The skull; a piece of a broken jar of the shape of a skull. "कभन्न संहाण संहिए" ভবা॰ २, ১४; श्रंत॰ ३, ८; श्रगुत्ति॰ ३, १;

कम. पुं० (कस) इस, अनुइस; पद्धित; नियम सर. कम, श्रनुक्रम, नियमसर; तरतांव वार. Order, method; serial order. सम॰ ७; क॰ प॰ १, १४; ६६; क॰ गं॰ २, ११; ४, ७६; स॰ च॰ १, १; पि॰ नि॰ ६०; नाया॰ १; ७; १; १६; मग॰ ४, १; ६, ३; २०, ४, २४, १; ३२, २: प्रव॰ ३७६; विरो॰ २; ११०; जं॰ प॰ ७,१४७; (२) थरछ; पग. पांव; पग; चरण. िर्छा ३६; — श्रारद्ध. त्रि॰ (-श्रारद्ध) इसे इरीने अवरं- भेतुं. कमसे प्रारंभ किया हुआ. begun in serial order. क॰ प॰४,६४; — उक्कम. पुं॰ (-उत्क्रम) इस अने उत्क्रम. कम श्रोर श्रनुक्रम. order and serial order.

प्रव॰ १०४=;—जुष्राल न० (-युगस) ६भ थुगथ भे भग. कम युगल; दो पांच two foet. गच्छा॰ ३६;—जोग. पुं॰ (-योग) अनु६भ-अनुपूर्व कोग-व्यापार प्रवृत्ति. कमानुमार जोग-व्यापार-प्रवृति. serial order; graded order. दश॰ ४,१,१; कमंडलु. न० (कमयदलु) ६भंड्सु कमडल.

A waterpot (earthen or wooden) used by ascetics. नाया॰ ७१६; भग॰ ११, ६; १४, ५;

कमकरिया. स्त्री॰ (फ्रमकरिका) એક न्यतनुं पाछंत्र. एक जातका याजा. A kind of musical instrument. निर्मा॰ १७,३५; —सह न॰ (-शब्द-फ्रमक्रिया शब्द-फ्रम कृत शब्द.) पाछंत्री। राष्ट्र. याजे का श्रावाज sound of a musical instrument. निर्मा॰ १७, ३५;

कमहरा. न० (कमहक) शंसानी अधेरीटने अश्वारे साध्वीने अश्वार अरवानुं तुंण्यानुं भात्र; अभंद्रत. कांसे के पात्र के सहश साध्वी के आहार करने का तुम्बेका पात्र-कमंडल. A dining vessel of an ascetic made of gourd and having the shape of a bronze pan; an earthen or wooden waterpot of an ascetic. श्रीष्टा ने० ३६, ६७४; वव० २, २७;

कमढयः न॰ (कमढक) लुग्गे। उपले। शण्हः. देखो उपर का शब्दः. Vide above. प्रवण्य १६६; — जुयः त्रि॰ (-युत्त) रे। गन वगेरेथी क्षेपित इरेस तुंणात्रना पात्रथी युक्तः. रोगन आदि से लेप किये हुए तुम्बी के पात्र सहितः (one) possessed of a painted vessel made of a dry gourd.

^{*} लुओ पृष्ठ नभ्यर १५ नी पुटने। ट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनेष्ट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

प्रव० ५३६:

कमणा. न॰ (क्रमण) भाक्ष्मण कर्ना. Attacking. श्रोव॰ ३, १;

कमल पुं० (कमल) अभल, कमल, A lotus. संत्था० १५; राय० २७; नाया० १: ८: ६: भग० २, १, ६, ३३: विशे० ११०६: (२) એક જાતના હરણ. एक जाति का मुग. a kind of deer. ज॰ प॰ ४, ११४; १२१; त्रगुजो० १६; त्रोव० ६३; (३) છટ્ટા તીર્યંકરનું લાંછન છુઠે तीर्थंकर का चिन्ह - लाइन. the mark (insignia) of the 6th Tirthankara. अव॰ ३=१; -- आगर पुं॰ (-- श्राकर) इमसवाणुं तक्षाय, कमलवाला तालाव, a lake with भग० २, १; श्रगुजो॰ १६; —श्रायर. पुं॰ (-न्नाकर) ध्रमलनां अत्यत्तिस्थानः तलाव सरे। ५२ वर्गरे. कमल के उत्पन्न होनेका स्थान. तालाव, सरोवर आदि. a lake etc. where lotuses grow. कप्प॰ ४, ६०; - उवम त्रि० (- उपम) अभ्रत्ना सर्णु; अभक्ष केवुं. कसल के सद्दश; कमल जैसा. lotus-like; resembling a lotus. विवा॰ ७, —हिया. त्रि॰ (-स्थित) **७**भक्ष ९५२ रहे हुं कमल पर रहा हुआ. situated on a lotus. कप्प॰ ३, ४१; —(ला)गायगा न॰ (-नयन) **इ**भसना केवी आभ. कमल जैसी ग्राख. an eye like a lotus. नाया॰ १; — दल न॰ (-दल) ४भसतुं ५त्र. कमल का पत्ता a leaf of a lotus. भत्तः ७६, -दलक्ख. त्रि॰ (-दलाच) अभसनी पांभरी केवी आंभावाणुं, कमलकी पखडी के समान श्रांखोंनाला. having eyes like lotus-buds भत्त० ७८, —वर्गाः न० (-वन) अभस्तु यन कमलो का वन

the place where lotuses grow abundantly. कप्प॰ ३, ३६; — वणालंकरण. न॰ (-वनालकरण) अभवनना आल्प्ष्युः कमल वन का प्राम्ष्य्यः. the lotus as an ornament of the forest. कप्प॰ ३, ३६; — (ला) सीद्धान्स्याः. न॰ (-सिंहासन) पिशायना धंद्र आणनी पद्रराष्ट्री-अभवादेनीनुं अभवसिंद्धासन नामनुं आसन. पिशाचों के इंद्र काल की पद्ररानी कमलादेनी का कमल सिंहासन नाम का प्रासन. name of the throne of Kamalādevī the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas. नाया॰ घ॰ ५;

कमलगाहावइ पुं॰ (कमलगाथापति) असल नाभना गृह्वपति, गृह्वस्थः कमल नाम का एक साहुकार. A merchant-prince so named. नाया॰ थ॰ ४;

कमलणभा ली॰ (कमलप्रमा) पिशायना भक्षाराज्य काणनी जीळ पृश्तानी. पिशाचों के इन्द्र काल की दूसरी पृष्टरानी. Name of the second principal queen of the sovereign king of the Pisachas. ठा० ४, १; भग० १० ४, नाया॰ ४० ४;

कमलवाडिस्यभवणः न० (कमलावतंसक-भवन) ध्रभक्षायतस्थ नामे अयनः कमला-वतंसक नाम का भवनः A celestial abode named Kamalāvatamsaka नाया॰ ४० ५;

कमलिसरी. खो॰ (कमलश्री) ३भसश्री नाभनी राष्ट्री कमलश्री नाम को रानी. Name
of a queen. नाया॰ २; =; — भारिया॰
खी॰ (-भार्या) ३भसश्री नाभनी स्त्री.
कमलश्री नाम की खो. name of a
woman नाया॰ घ॰ ४;

कमला. ह्यां० (कमला) पिशायना छेद्र आपनी पेट्रराष्ट्री; असलादेवी. पिशाच का इंद्र काल की पट्टरानी; कमलादेवी. Kamalādevī, the crowned queen of Kāla, the Indra of the Piśāchas. जं० प०३, ५७; नाया० घ० ४; ठा० ४, १; भग० १०, ५; —दारिन्त्रा. ह्यां० (—दारिका) असला नाम की लडकी. a daughter of this name. नाया० घ० ५; —रायहाणी. ह्यां० (—राजधानी) असलाहेवीनी असला नाम की राजधानी. कमलादेवी की कमला नाम की राजधानी. the capital-city named Kamalā of Kamalādevī. नाया० घ० ५;

कमलावर्द. स्रो॰ (कमजावती) ध्युधार राज्यती राष्ट्री. इपुकार राजा की राणी. Name of the queen of king Isukāra. उत्त॰ १४, ३;

कमसो. श्र० (क्रमशस्) अनुक्रभथी; क्रमेक्टी. कम से; श्रनुक्रम से. In order; in serial order. विशे० ११०; पि० नि० ७७, श्रणुजो० १२८; प्रव० १८; १३४३; क० गं० १, १४; ३०; २, ३०; ५, ८३; क० प० १, १६; ४०; उत्त० १८, ११;

कमा स्त्री॰ (कमा) अभादेशी; धरखेन्द्रनी अग्रमिद्धिश्रीनुं नाभ कमादेवी; घरखेंद्रकी अग्रमिद्दियां का नाम. Kamādevi; the principal queen of Dharanedra. नाया॰ घ॰

कमाड. न॰ (कपाट) ५२॥ किनाड A door. श्राव॰ ४, ५;

किमियव्व. त्रि॰ (क्रिमितव्य) आश्वभेषु ३२वुं. आक्रमण करना; हमला करना Attacking; overpowering. नाया॰ १; भग॰६,३३; कम्म पुं॰ (कार्मेण) क्षार्भेषु शरीर; पांथ

शरीर भानं ओड़. कार्माण शरीर; पांच शरीरों में से एक. Karmic body; one of the five sorts of bodies. भग॰ १, १, ६; २, १; ६, १; क० गं० ४, ७६; (ર) કાર્મણ યાેગ; ૧૪ યાેગમાંના એક. कामण योग: १५ योगोंमेंसे एक. Karmana Yoga: one of the 15 Yogas. क॰गं॰४, ७; २८; (३) डार्भेश शरीर येाप्य पुद्रव स्टंधनी वर्ज्ञा-सभुहाय. (३) काँमण शरीर के योग्य पहल स्कंधों का समूह-समदाय. a collection of molecules fit for the Karmana body. क॰ प० १, १६; -- उरलद्भगः न० (-श्रोदारि-कद्विक) अभ्भेश तथा ओहारिक दिक. कार्मण तथा श्रीदारिक द्विक-युग्म. a pair of Kārmana or physical bodies. क० गं० ४, ३०; —पोग्गलपरियट्ट. न० (-पुद्गचपरिवर्त) એક છવ જેટલા વખતમાં લાકનાં તમામ પુદ્રલાને કાર્મણ શરીર પણ લઇને પરિણમાવીને છોડે તેટલા વખત-**अ**क्षती ओ विलाग. एक जीव जितने समय में लोक के तमाम पुर्गलों को कार्मण शरीर द्वारा लेकर श्रीर परीणमाकर छोड़ता है उत्तना समय; काल का एक विभाग. & certain division of time. भग० १२.४: करमतपुं॰(कमन्) ७ त्से पण, अवसे पण, आ-કુંચન, પ્રસારણ, ગમન, એ પાંચ કર્મામાંનું गभेते क्षेष्ठ ५र्भ. उत्त्वेपण, श्रवद्वेपण, श्राकुः ज्ञन, प्रसारण श्रीर गमन इन पांच कर्मों में से कोई भी एक कमें. any of the five actions consisting of raising,

lowering, contracting, expan-

ding and moving. भग•१, २;१२,४; पन्न॰ २३; दसा॰ ६, १; उना॰ १,४३; (२)

કારીગરી, કારીગરીયી બનાવેલું રૂપ-આકાર

कारीगरी; करीगरी से बनाया हुआ आकार.

किम्म

र्क्षः क्षार्थः क्षियाः क्षाप्त क्षेत्रे। व्यापारः कर्मः काम किया; धंधा action; operation, trade अगाजा । १३१; ठा०१, १; सू ०प० १६; नाया० १, १७; सु०च० १, १; पिं०नि० ६३; १०१; ४३७, पिं० नि० भा० ४०; जं० प॰ ७, १४१; (४) आरंश; अवृत्ति छारंभ; प्रशृति. beginning of activity; activity. सूय० १, १२, १४; जं० प० (પ્ર) આત્માની શક્તિને દયાવનાર ગ્રાના-વરણાદિ આઠ કમ્મેં; જ્ઞાનાવરણીય, દર્શના-વરણીય, વેદનીય, માહનીય, આયુષ્ય, નામ, ગાત્ર,અને અન્તરાય, એ આઠમાંનું ગમે તે थे ३. श्रात्मशिक को दवाने वाले श्राठ कर्मा; ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोह-नीय; श्रायुष्य. नाम, गोत्र, श्रीर श्रंतराय इन आठ में से कोई भी एक. any one of the eight Karmas viz. Jñānāvaraniya, Darśanāvarnīya, Vedanīya, Mohanīya, Ayusya, Nāma, Gōtra and Antarāya भग० २, १, ५, ३, १, ५, ४, ७, ६, ३४, १; ३४, १; पन्न० १, १४; १६; दसा० ६, १; विशे० २४६, ३६३; सूय० २, १, ६०; दस० ४, २४, ६, ३३; ६६; नाया० १; ५, कप्प० ५, ११८, ग्राव० १, ५; क० गं० १, १; ३७; २, १; — श्रंत पुं॰ (-श्रन्त-कर्मणां घन्तः पर्यन्तभागो मूल कारणं यस्य) अर्भना आरख. कम्म का निमित्त-कारण, a cause of Karma. दसा॰ ६, ३१; — ग्रंस. पुं॰(-ग्रंश) ज्ञानावर-ए। हि ५भेने। अश. ज्ञानावरणादि कर्मीका त्रश. a portion of Karma, e.g. of knowledge obscuring Karma etc. श्रोव० ४२, उत्त० ३, १०; भग १४. १; १८, ७; (२) ४भे प्रकृति कर्म प्रकृतिः Vol. 11/52.

a variety of Karma. क॰ गं॰ ६, १७; -- श्रवसेस पुं० (-श्रवशेष) ४भ-માત્ર: અવશેષ-ભાષ્ટીનાં કર્મ. कर्ममात्र: श्रवः शेष-वाकीका कर्म the whole mass of Karma, the remaining Karmas. भग॰ १४, ७; —श्राजीवः त्रि॰ (-श्राजीः वक) भेती वगेरे अर्भ अरी छवनार खेती प्रभृति कर्म करके जीविका चलाने वाला one who earns livelihood by agriculture and other occupations. ठा॰ ४, १, — स्रादाण (-थादान) ५६२ प्रक्षरनां क्रमीशनः શ્રાવકને ન કરવા યાેગ્ય કર્મ-ધ ધાે. पंद्रह प्रकारके कमीदान: श्रावक के न करने योग्य कर्म-च्यापार, the fifteen sorts of actions by which Karma incurred; a business not fit to be done by a layman or a Jain. भग॰ ६, ३३; (२) अभेति आववाते। भार्भ कर्मी के श्रोन का मार्ग, a door for the coming in of Karma भग य, धः -- आयागा न॰ (- श्रादान) अर्भ तु अपाधान धारेश कर्मी का उपादान कारण. an efficient cause of Kaima. খাব ६,१४,--ग्रासीविष, त्रि॰ (-ग्राशीविष = कमेखा-क्रियया शापादिनोपघातकरखेनाशी विषाः कर्माशीविषाः) केने क्षिया अनुष्टानना <u> થલથી ખીજાના નાશ કરવાની શ્રાપ આપી</u> અનિષ્ટ કરવાની શક્તિ ઉત્પન્ન થઇ હોય તેવા तिर्थंय भनुष्य वर्गरे. जिसे किया-श्रनुष्टान के बलसे दूसरों का नाश करने-शाप देकर र्थानष्ठ करने की शाक्षि उत्पन्न होगई है वह तिर्यंच मनुष्य वगैरह. one that has developed the power of effecting evil to others by the force of some practices and by

pronouncing curses, भग॰ द, १: २; — उदय. पुं॰ (- उदय) धर्माने। ७६५. कर्मों का प्रादुर्भाव. rise of Karma; maturity of Karma. भग० ६, ३२; —उदीरणः न० (-उदीरणः) ५भेने पराष्ट्र भें भीने उदयभां क्षावतुं ते कमां को उदय माप में लाना. forcing up Karma into maturity. भग० २४, ६; —उपग. पुं॰ (-उपग) ज्ञानावराजाहि **५**भीनुं शंधन, ज्ञानावरणादि कर्मा का बंधन, bondage of Karma, e.g. that of knowledge-obscuring Karma ețc. भग० १४, ६; — उवचय. पुं० (-उपचय) अभेति। ६५२४-१६६. कर्में। की शृद्धि. increment of Karmas. भग॰ ६, ३; -- उवसम. पुं॰ (-उपरास) र्क्षेने उपस्थाववा ते. कर्मों को उपशमाना. subsidence of Karma; assuaging of Karma. भग • ६,३२; - उविहे. पुं॰ (-उपिध) अमेरूप ઉपाविः आहे **५र्भरूप परिश्रह, कर्म रूप उपाधि**; श्राठ कर्म रूप परिप्रह. obstacles, fetters in the form of the eight kinds of Karma. ठा॰ ३, ३; भग॰ ३=, ७; —क्तर. पुं॰ (-कर) धरतुं **डा**भडाक **४२**नारः अभगरेाः ने। **४२. घर** का कामकाज करने वाला: नोकर चाकर. a domestic servant: a servant. जं॰ प॰ श्रोव॰ ३१; दसा॰ ६, ४; श्राया॰ २, १, २, १२; ---करश्च. पुं॰ (-कर+क) शुंथे। " कम्म-कर " शण्ध. देखो " कम्मकर " शब्द. vide "कम्मक्र " सूय॰ २, २, ६३; -करण. नं॰ (-करण-कर्मविपगं करणं जीववीर्यं बन्धनसंक्रमादिनिभित्तभूतं कर्म कर्मकरंग) अर्भनं अर्थ, साधनः গুৰ বীৰ্থ বুগুৰ कर्मों का करण-साधन;

जीव वार्य इत्यादि. instrumental cause of Karma. भग०६, १; —करी. स्री॰ (-करी) अभ अरनारी; अभगरी; धारी. काम करने वाली; दासी; नौकरानी. a female servant, a maid-servant. श्राया॰ २, १, २, १२; -कार-पुं॰ (-कर) अभ अरनार; हास. काम करने वाला दास. a servant. नाया॰ ६: --कारश्र. go (-कारक) आभ अरतार; धास. काम करने वाला: दास. a servant. दसा० ६, ४: - क्स्वय. पुं॰ (-चय) **५भे** नि। क्षय-नाश. कर्में। का च्चय-नाश. destruction of Karma. नाया॰ **४:** प्रव∘ ४४८: ६४व: अत्त० १३६; — संघ. पुं· (-स्कन्ध) अभेना २६६-અહ્યસમૂહ. कमं के स्कंध-श्रणसमृह. collection of Karmas. क॰ गं॰ ४. ७८; --- गर. पुं॰ (-कर) क्षारी भर-लुदार पगेरे. दस्तकार (कारीगर) -लुहार इत्यादि. an artisan, e.g. a blacksmith etc. जीवा० ३, ३; जं॰ प॰ ४, ११२; — गुरु. त्रि॰ (-गुरु) १ मे १ ५री-गुरु-भारे: भारेक्ष्म[°]. कर्में से भारी; ग्रह कुर्मा (one) possessed of heavy Karmas. नाया॰ ६; —गुरुयना. स्री॰ (–गुरुकता) ध्मे ध्री शुरूपण् द्वारा भारी पना heaviness of Karmas. भग॰ ६, ३२; —गुरुवसंभारियत्ताः स्रो॰ (-गुरुकसंभारिकता) अर्भेानुं लारेपछुं; **भारे** अभिप्रां कमों का भारी पन; जिसके कर्म वडे जवरदस्त हैं. heaviness of Karmas; state of being one with heavy Karmas. भग ०६,३२; — ঘ্যা पुं॰ (- घन) કમ হ্ৰথী বাহগ. कर्म रूपी बादल. a cloud in the form of Karma. " विरायई कम्म घरामि

श्रवगषु " दस॰ ६, ६४; --वउक न॰ (-चतुष्क) दर्शनावर्श, पहेनीय, नाम, अने गेत्र, अयार अभ⁵. दर्शनावणीय, वेद-नीय, नाम श्रीर गोत्र ये चार कर्म. the four varieties of Karma, viz Darśanāvarnīya, Vedanīya, Nāma and Gotra. क॰ प॰ २, =॰; —जाइसेश्र. पुं० (-जातिभेद) ५र्भ अने जाति ने। लेह. कर्म और जाति का भेद. the distinctions of occupation and castes. प्रव १५, १५: —जुत्त. त्रि॰ (-युक्त) धर्भ युक्त; **કર્મસહિત. कर्मयुक्त-सहित; यर्म** possessed of Karmas; with Karmas. प्रव. १२८६; —हुन. न. (- अप्टक) गार्ट ५ में. त्राठ कर्म. the eight Karmas. क० प० १, १, प्रव० १२= ६; — हुगोदय. पुं॰ (- श्रष्टकोदय) अप्ट डर्भ ने। ६६४. ब्याठॉ कर्मों का उदय. the rise or maturity of eight Karmas. क॰ प॰ ७, ४४; — द्विह. स्री॰ (- स्थिति) धर्भनी स्थिति. कर्मी की स्थिति. duration of existence of Karma भग ० ६, ३; १४, ६; प्रव ० १०४४; क० प० २, ७४, ३, २; — ग्रास्वह पुं॰ (-नरपति) धर्भे३ भी राज्य. कर्म रूपी যালা. a sovereign, a king in the from of Karma, नाया॰ -- शिदाश. न० (- निदान=कर्म निदानं नारकत्विनिसं कर्मवन्धानिमित्तं वा येषां ते क्मीनदाना) ५र्भ अंधनना धरख. कर्म वयन का कारण a cause of Karmic bondage. भग॰ ४, ६; १४, ६, — शिसेश पुं · (- निपेक) लुओ। "कम्म निसेश्र" श्रण्ट. देखा "कम्मानिसेश्र" शब्द. vide. "क्रमनिसेश्र" जीवा०२; भग० ६, ३: -- दुव्यवग्रासाः पुं० (द्रव्यवर्गसा) ५५ २५ द्रव्य वर्गाः । अभूतः क्रम रूप समुदाय -कर्मों का समृह; कर्म वर्गणा. a group, collection of Karmas. भग॰ १, १; —निज्जरा. स्त्री॰ (-निर्जरा) अर्भेनी निर्ण्टरा, र्भने। क्षय. कमें। की निर्जरा; कमें। का चय destruction, wasting away of Karma, भग० ७, ३; - निव्वत्ति. स्री॰ (- निर्दृति) धर्भनी ७८५ ति.-निष्पति कर्मों की उलत्ति-उद्रम. birth of Karmas भग॰ १६, =; - निसेश्च पुं॰ (-निपेक-कर्मणो वाधोनाकमीस्थीतः कर्मदक्षिक-निपेको स्यानुभवनार्थी रचनाविशेषो वा निपेकः) અणाधा अस शिवायनी अर्भ रिथति; અળાધાકાલ પછી કર્મના અનુભવ થાય તેવી રીતે કરેલી કર્મની એક રચના વ્યવસ્થા. श्रवाधा काल रहित कर्म स्थिति: श्रयाधा काल के पश्चान् कर्मी का श्रमुभव हो ऐसी की हुइ कर्म रचना-व्यवस्था a variety of Karma which is experienced after the period of its end ''श्रवाहृणिया कम्मद्विई कम्मनिसेगोत्ति " भग० ६, ३; -- पण्स. go (-प्रदेश) धर्भना अदेश. कर्मों का प्रदेश. the atomic part of Karma. क० प० ۹. ७, ४०; क० गं० ५, ६६; —पगइ. स्री० (– प्रकृति) કर्भनी अકृति कर्मी की प्रकृति. variety of Karma. क॰ गं॰ ६, ६६,-पगिंडि ह्यी॰ (-प्रकृति) ५२ नी प्रकृति अवातर भेद. कर्मी की प्रकृति-ग्रवान्तर भेद. Karmic nature: Karmic variety भग० ६, ३; ६; ८, १०, १६, ३; २४, ६; २६, ३;३३, १; —पञार पुं॰ (-प्रभार) **કર્મના ભાર; કર્મના ખાજો कर्म का भार;** कर्मों का वोकः heavy load of Karma निर॰ १, १; --परिस्मह. पुं॰

(-परिग्रह) आठ डर्भरूप परिग्रह, ग्राठ कर्म रूप परित्रह. possession in the form of the eight kinds of Karmas. ठा० ३, १; भग० १८; ७, -परिसाति. स्री॰ (परिसाति) अर्भनुं ६व कर्मी का फल. the result of Karma पंचा०७,४८,-प्रिस.पुं०(-पुरुष) अर्भ-भ-**હारंसाहि तत्प्रधान पुरुष-वासुदेव. कर्म-महा-**रभादि में प्रधान पुरुष-वासुदेव. Vasudeva whose activities mainly consist of sinful operations. তা০ ২, ৭; --- पवाय न॰ पु॰ (-प्रवाद) धर्भ-સંખ ધી વિવેચન જેમાં છે તે; કર્મ પ્રવાદ नाभने। आहमे। पूर्व जिसमें कर्म संस्वन्धी विवेचन है वह: कर्म प्रमाद नामका आठवां पूर्व. name of the 8th Purva in which there is a discourse on Karma. नदी॰ १६; सन॰ १४; -वंध. पुं० (-वध) डेमेरिन अंध कर्मी का वंध. Karmie bondage. नाया॰ १७, प्रव॰ ११६१; - बहुत्त. न० (-बहुत्व) अभेितुं लांदे।जापानं, कर्मी का बाहुल्य. multiplicity of Kaima. भग॰ १२, ७; —वीञ्च. न॰ (-बीज) કર્મનું ખીજ રાગ देशाहि, कर्मी का वीज-राग देशादि. seed of Karma इसा॰ १,३६, -भारियताः स्रां० (-भारिकता=भारोजिस्त येपां तानि भारिकाणि तक्कवो भारिकता कर्मणो भारि. कता कमभारिकता) धर्मानुं सारेपएं heaviness of Karmas भग॰ ६. ३२; -- मइल त्रि॰ (-मिलन) धर्भ वडे भसीत. कर्मों द्वारा मर्लान. bespattered with Karma क. प. v, uo, -- मल. पुं॰ (-मल) धर्भरूपी मेक्ष. कर्म रूपी मैल. dirt in the form of Karma.क०प०१,१; —मलावेक्खा ह्यां०

(-मलापेचा) કર્મ રૂપી भेसनी અપेक्षा. कर्म-ह्मी मैल की अपेता. reference to the dirt in the form of Karma. प्रव॰ ७३४; -मूल न० (-मूल) धर्भनुं भूस કારણ; મિથ્યાત્વ, અવિરતિ, પ્રમાદ, કપાય अने थे। अर्मोका मूल कारण; मिथ्याल, श्राविरति, प्रमाद, कपाय श्रीर योग. any of the five causes of Karma, viz Mithyātva, Avirati, ṣāya and Yoga. " कम्ममूर्तंच जंद्रणं " श्राया॰ १, ३, १, —रयः न० (-रजस्) धर्भरूप २०८ वर्म ह्यी रज; कार्मिक रज. Karmic dust. नाया॰ =, १४; दस॰ ४, २०; भग० ६, ३१; २०, ८, —लेस्सा स्रो० (-लेश्या-कर्मग्र. सकाशाचा लेश्या जीवपरिग्रतिः सा कर्मक्रेश्या) नाम धर्मनी प्रभृतिरूप छ क्षेश्या. नाम कम की प्रकृति रूप छ लेखा. any of the six Lesyas resulting from the Nāma Karma of a soul. भग० १४, १; ६; — वस. त्रि॰ (-वश) ५भैने पश-आधीन. कर्माधीन; कर्मी के वश. one subject to Karma नाया॰ १८, - बसगय. त्रि॰ (-वशगत) ५र्भने वश थयेल. कर्मों के वशीभूत. one under the power of Karma. नाया॰ ६; - विदस्तगा. पुं॰ (-च्युत्सर्ग) अर्भने। त्याग अरवे। ते. कर्मों का त्याग करना. abandonment of Karma. भग० २५, ७; —विगम. पु॰ (-विगम) क्रमेनी क्षय. कर्म चय. destruction of Karma; subsidence of Karma. पंचा॰ १, २; - चिमकः त्रि॰ (विमुक्त) अभीथी भुक्त थयेश कर्मोसे मुक्त. one, free from Karma. नाया॰ ६; -वियइ. स्त्री० (-विगति) धर्भनी

विधित्र गति कर्मी की विचित्र गति. the strange course of Karma भग॰ ह,३२; — विस. न० (-विष) धर्भरूप अेर. कर्मरूगी विष-जहर. a poison in the form of Karma, पंचा॰ ४, २=; —विशुद्धि. स्त्री॰ (-ावेशुद्धि) धर्भनी शुद्धिः कर्मों की निर्मेलता-शुद्धताः purification of Karma. भग० ६, ३२; —विसोहि स्री॰ (-विश्वादि) धर्भनी शृद्धि कर्मों की शृद्धि putification of Karma. भग० ६, ३२, -वेयसा स्त्री॰ (-वेदना) अभीनी वेदना. कर्मी की वेदना-पोडा. feeling of pain due to Karma, भग० ७, ३; —समारंभ पं॰ (-समारम्भ) पापना हेतुरूप क्वियाना क्षरा पाप का हेत्र रूप किया का कारण cause of Karma which leads to sin; an action leading to sinful Karma. श्राया १,१,१,७; --सह. त्रि॰ (-सह) इर्भविपाइते सहन धरतार. कर्मविपाक को सहन करने वाला. (one) who endures the results of Kaima. "कम्मसहा कालेग जंतवो" स्य० १, २, १, ६; —हेउन्र, त्रि॰ (-हेतुक) इर्भे छे हेत केत अवं. जिसके कर्म ही निमित्त हैं वह that of which Karma is the cause " प्यत्तलाह त्तिव कम्म हेउ म्रं " दस० ७, ४२,

कम्प्रञ्ज. पुं॰ (कार्मण) आंड हर्मना कश्या-इप हार्मेखु शरीन्द्र, तेकस अने हार्मख् शरीर संसारी हरेह छवने द्वाप छे ते स्वान् तरमां पख् छवनी साथे काय छे. ब्राठ कर्मों का समूह रूप कार्मण शरीर, प्रत्येक सासारी जीव को तेजस और कार्मण शरीर होता है और भवांतर में भी जीव के साथ जाता है. Karmana Sarira i e a body made up of the combination of the eight varieties of Karma. Every earthly soul has the Kārmaṇa as well as the Tejasa Śatīra and these two accompany it even in the next birth. सम॰ प॰ २१६; जीवा॰ १; अगुजो॰ १४६;

कम्मइया. ली॰ (कमाचिता) क्षाम करतां क्ष्रतां छत्पन थयेथी शुद्धि; यार शुद्धिमानी अक्षेत्र काम करते र उत्पन्न हुई बुद्धि, चार बुद्धियों में से एक Thought excited in the mind during the course of an action, नाया॰ १.

कम्मश्रा. थ्र० (कमतः) क्ष्मी. कम से. Through, on account of Karma. भग० १२, ४; २०, ४;

कम्मग. न॰ (कर्मक=कामेण) धार्मेश् शरीरः धर्म समुद्दाय ६०थ. कामेण शरीरः कर्म समूह द्रव्य. Karmana Śarīta i e.a body made up of the combination of the eight kinds of Karma विशे॰ ६४६; भग॰ ६, ६, १२, ४; —सरीरः न॰ (-शरीरः) धार्मेश् शरीर. कामेण शरीर, Kārmana Śarīta भग॰ २४, १, —सरीरः पुं॰ (-शरीरिन्) धार्मेश् शरीरवाली जीव a soul possessed of Kārmana Śarīta जावा॰ १०; ठा॰ ६, ४, भग० १८, १;

कम्मजाय पुं॰ (कार्मणयोग) पशीक्षरणादि व्यापार. The act of making one submissive by means of some enchantment etc नाया॰ १४;

करमण न॰ (कार्मण) भननी शक्तिथी है। धेने वश हरवुं, गांडा अनाववुं वगेरे. मानसिक

शाकि से किसीको वश करनाः पागल बनाना इत्यादि. Mesmerism. पि॰ नि॰ ४६७; प्रव० १३३०; क० गं० ३, २४; ४, २७; (२) धार्भण शरीर. कार्मण शरीर. the Kārmana body. भग १, ५; कः ग० १, ३३; —जोय. पुं० (-योगं) वशी ५२ शाहि व्यापार. वशीकरणादि व्यापार. practising of enchantment नाया॰ १४: -- सरीरनाम न॰ (-शरीरनामन्) धर्भण् शरीर नाभ. कार्मेण शरीर नाम. the name or appella tion Kārmana Śarīra सम् २=; कस्मतरः न० (कर्मातर) अतिशय ५र्भ. वेहद कर्म; श्राधक कर्म. Excessive Karma. भग० ५, इ:

कम्मतरय. पुं॰ (कर्मतरक) थडु धर्म, अति-श्यध्मे. बहुत कर्म; श्रितशय कर्म. Excossive Karma. भग॰ ४, ६; ७, ३; कस्मत्थय पुं॰ (कर्मस्तव) धर्मरतयनाभे धर्म अधित। त्रीकी धर्म अंथ. कर्मस्तव नाम का श्रमें अंथ का तीसरा कर्मश्रन्थ. The third division of Karmagrantha; the

third Karmagrantha named

Karmastava. कः गं ३, २४:

कम्मधारय. पुं॰ (कम्मधारय) इमे धारय समास; समासने। ओड अडार. कर्मधारय समास; समास का एक भेद. An appositional compound; a variety of compound. अगुजो॰ १३१;

कम्मभूम ति॰ (कर्मभीम) अभिभूभिना क्षेत्रमां रहेनार; असि भसी अने असी (तस्रवार असे अने भेती) अने त्रणु अभे उपर निर्वाह असायनार. कर्मभूमि में रहने वाले; श्रास मसी और कृषी (तलवार, कलम श्रीर खेती) ये तीन कर्म करके निर्वाह चलाने वाला. (One) living in the land of Karma; (one) who earns livelihood by any of the three professions, viz. literary, military and agricultural. उत्तः ३६३;

कम्मभूमि. स्नं० (कम्भूमि=कृषिवाणिज्यतपःसंयमानुष्ठानादिक्मंप्रधानाभूमयः कर्मभूमयः) अर्भभूमि भनुष्यने रहेवाना पंदर
क्षेत्र; पांच करत, पांचधरवत्त, अने पांच
महाविदेह के पंदर क्षेत्र. कम्भूमि—मनुष्य के
रहने के पंद्रह न्नेत्र; पांच भरत, पांच इरवत
श्रीर पाच महाविदेह. The 15 regions
of the abode of men of KarmaBhūmi,viz. 5 Bharat, 5 Iravata
and 5 Mahāvideha. विशे० ४६६;
भग० २०, ६; ६; २५, ७; नंदी० १७;
पन्न० १; श्राव० ४, ८;

करमशूमिग. ति॰ (कर्नभूमिक) धर्मेश्विभां पेहा थ्येल सतुष्य; असी, मसी, अने धृषि अ तेल धर्म धरी निर्वाह अध्यवा रहनेवाला मतुष्य; असी, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करनेवाला मतुष्य; असी, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करनेवाला मतुष्य A person born in Karma-Bhūmi; a person earning his livelihood by any of the three occupations, viz military, literary, and agricultural. श्रीष नि॰ ५२६; पत्र १ १ — भूमिय ति॰ (-कर्म भूमिन) लुओ। "कम्मभूमिग" शब्द. देलो "कम्मभूमिग" राब्द. देलो भूमिन " ठा० ३, १;

कम्मयः न० (कर्मज—कर्मणो जातं कर्म-जम्) अभेषु शरीर; आर्ड अभेता सभुदायथी उत्पन्न थतुं उद्दारिशदि यार शरीरना शर्धु २५ शरीर. कार्मण शरीर; श्राठ कर्मों के समु-दाय से उत्पन्न शोदारिकादि चार शरीरों का कारणरूप शरीर. Kārmaṇa Sarīra; a body formed by the combination of the particles of the eight kinds of Karma, and a cause of the four kinds of bodies, viz. Audārika etc. जं॰ प॰ २, २४; पज॰ १२; —दञ्च. न॰ (-व्रञ्य) आर्थेश शरीरने याज्य द्रञ्य वर्भेशा कार्मण शरीर के योग्य द्रञ्य समृह. molecules of which Kārmana Saiīra is made. विशे॰ ६०४;

कम्ममासञ्चन्यः न० (कर्ममापक) पांथ ગુંજા (રતિ) ચાર કાગણી અથવા ત્રણ निष्पाप प्रभाशन वक्त-भाष पांच रत्ती चार कागणी या तीन निष्पाप के बराबर का दजन —माप A measure of weight equal to 5 Gunjas or 4 Kāganīs or 3 Nispāpas i. e. equal to about 10 grains, श्रमुजी॰ १३३; कम्मया त्रि॰ (कर्मजा) शभ अरतां अरतां ઉપજે તે છુહિ; ચાર પ્રકારમાની ત્રીજા प्रधारनी श्रद्धि ' इन्भया ', काम करते करते जो बुद्धि उत्पन्न होती है वह बुद्धि, चार प्रकार की बुद्धिश्रों में से तीसरी 'कम्मया' बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of an action; the third of the 4 varieties of thought or mental operation, नंदी॰ २६; ३२; ३६; दमा० ६, ४; ।नेर० १, १;

कम्माविवागः पुं० (कर्मविपाक) ओ नाभनुं क्ष्मिश्रंथनुं प्रथम प्रक्षर्शः प्रथम क्ष्मिश्रंथनुं नाभः इस नामका कर्मग्रंथ का प्रथम प्रकरणः; प्रथम कर्मग्रंथका नास The first Karmagrantha कः गं० १, १, ६१; (२) क्षमेनुं परिशास-६सः कर्मोका फल. the matured result of Karma.. उत्तः २, ४१; — उभायण. पुं० (- अध्ययन) क्वेविपाठ-पुष्पपापात्मक कर्मेना क्ष्णनुं प्रतिपादक शात्र, तेना व्यध्ययन — अध्ययन — अध्ययन — प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन — अध्ययन — अध्ययन करने वाले शास्त्र का अध्ययन — अध्ययन अध्याय. a scripture or a chapter of it explaining the results of good and evil Karmas सम॰ ४३;

करमेवेययः पुं॰ (कर्मवेदक) अद्यापनाना पंथीशमां पहनुं नाम, जेमां छव डमेंने डेनी रीते लांधे छे तथा डेनी रीते वेहे छे तेनुं वर्धन छे. प्रज्ञापना के २५ वें पद का नाम, जिसमें जीव, कर्म किस तरह वांधता है तथा किस तरह मोगता है इनका वर्णन है. Name of the 25th Pada of Prajñāpanā dealing with the way in which a soul incurs and experiences the Karmas. पश्च॰ १;

कम्मार. पुं॰ (कर्मार) क्षुद्धार. लुहार. A blacksmith. विशे॰ १४६८, जीवा०३,१, कम्मार. पुं॰ (कर्मकार) आम अरनार, ने।अर; काम करनेवाला; नौकर. A servant;

जं॰प॰ जीवा॰ २; ३; (२) धरीगर. मिस्रीः

a carpenter; राय॰ ३२;

कम्मानादिः पुं॰ (कमनादिन्) धर्भवादीः धर्भवे साननादः कमें बादाः कमें को मानने नाता. One who believes in the doctrine of Karma. आया॰ १, १, ५;

कम्मासरीर. न॰ (कार्मणशरीर) कार्नेख् शरीर. कार्मण शरीर Kārmana Śarīra, Kārmic body. भग॰ =, १; —कायजोय पुं॰ (-काययोग) કાર્મણ શરીર સંબંધી કાષાના વેપાર. कांमण शरीर सम्बन्धी नाया का न्यापार. physical operation connected with Kārmaņa Śarīra, भग० २४,१;

किमिया. स्त्री॰ (कार्मिका) अव्यास इरतां इरतां उत्पन्न थ्येत शुध्धि श्रम्याम करते करते उत्पन्न हुइ चुद्धि Thought or impulse excited in the mind during the course of study. भग॰ १, १; १२, १; नाया॰ १; ठा॰ ४, ४; (२) अवशेष रहेत इर्म; इर्मनीअंश याकी का वर्म; कर्मोका श्रंश. the remnant of Karma. भग॰ २, १;

कय. पुं॰ (कच) आक्ष, देश. याल; केश.

Hair. तंहु॰ जीवा॰ ३, ४; राय॰ ६५;

—ग्राभरण. न॰ (-ग्राभरण) भाधाना
आक्ष उपर पहेरवानुं आल्पाण्. मिर के
यालींपर पहिनने का श्राभ्यण. an ornament that is worn on the hair
of the head. कप्प॰ ४, ६२, —गह.
पुं॰ (-ग्रह) पांच आंगली ये दे देश अद्रष्
६२ना ते. पाची श्रंगुलीओं द्वारा केश पकउनाकचप्रह. catching of hair by means
of five fingers. "क्यगगहिंद्य करयचपट्मट विमुक्षेणं" राय॰ जं॰ प॰

कय. पुं० (क्रय) भरी ह युं; क्षेतुं. मोल लेना; तेना. Purchasing; buying जीवा. ३, ३; भग० ३, ७, दसा० ६, ४; गच्छा० १०३; दस० ७, ४६; — विद्याय पुं० (-विक्रय) भरी ह युं; आपके ३२वी. खरीदना, वेचना; श्रदला बदला करना. buying and selling; exchange. श्रामा० १, २, ५; मम; उत्त० ३६, १३; दस० १०, ९, १६;

फय∽थ्र. त्रि० (कृत) કरेस; आयरेस. किया

हुआ; आचरित. Done; performed; practised. " कवकोडयमंगजपन्दिता" धिया० १, २; सु० च० १, ४३; भग० २, ₹, १४, १; २४, ७; नाया० १; २; ३; ४; १६; १६; घगुना० १२=; १२६; १४७; पि॰ नि॰ १४७; श्रोय॰ ११; पछ॰ २; विरो॰ १; डवा०२, ६४; कप्प०३, ३६; ४०; पंचा०४, ४०; पि०नि०मा० २; दमा०६, १५; -- ग्रांतर. न० (-ग्रान्तर) अन्तर ६२७ धरेत. कार्यातर; व्यन्तर करण. Another action; change in action. क॰ प॰ ४, ४३;--कज्ज त्रि॰ (-कार्य) धरेखं छे धर्य केंग्रे ते. जिसने कार्य किया है वह. nn action performed. नाया > =; ६; १८; भग० १२, ६; —करगा. त्रि० (-करण) धर्भक्षय धरवामां अद्यत; दर्शन માહનીય આદિ ખપાવવાને યથાપ્રકત્યાદિ **કરવામાં तत्पर. कर्मचय करने में तत्पर:** दरीनमोहनीय श्रादि को उपरामाकर; यथा प्रस्यादि करण करेने में उचत; ready to destroy Karma. कः प॰ २, ४१; ४, ३२; --काउसगा. पुं॰ (-कायो-रमर्ग) क्षेथीत्सर्थ करेब. कायोत्सर्ग किया हুস্মা. one who has performed meditation Kāvotsarga or upon the soul. नाया॰ ५; —कारण. पुं॰ (-कारण) केले अरु धर्य धर्य छे, येक्युं छे ते. जिसने कारण किया है, योजना की है. one who has meditated. नाया॰ ६; —िकच्च त्रि॰ (-कृत्य) कृतार्थ; सम्ब भने।रथवादीः कृतार्यः सफल मनारथ-वाला. (one) whose desires have been accomplished or fulfilled. सु० च १, ३६६: २, ४३४; पंचा० ६, २४; प्रव॰ १४६; —कोउयमंगलपायचिञ्चत्त त्रि • (-कौतुकमंगलप्रायश्चित्त = कृतानि कौतुक

मांगल्यान्येव प्रायश्चित्तानि दुःस्वप्नादिविधा-तार्थमवश्यकरणीयत्वाश्चेस्ते तथा) ६४ સ્વપ્ત આદિતા કુલને નિવાસ્વામાટે પ્રાયશ્ચિત્ત તરીકે જેણે કાૈતુક–કપાલે તિલક તથા માંગ क्षिक्ष कृत्य क्ष्या छे ते. दुष्ट स्वप्नादि के फलको श्रफतीभूत करनेके लिये जिसने प्रायश्वित्तरूपमे कोतुक-कपाल में तिलक तथा मांगलिक कृत्य किया है वह. (one) who has made an auspicious mark on the forehead in order to avert the evil attendant upon a bad dream etc. भग०२, ४, दसा० १०, १; नाया॰ ध॰ -नास. पु॰ (-नाश) **ક**रेલ-धर्म-अधर्भने। नाश. कृत-किये हुए धर्म अधर्म का नाश. destruction of good or evil Karma performed विशे॰ ३२३१; --नासि त्रि॰ (-नाशिन्) કુત^{દ્}ત; કરેલ ગુણતે। નાશ કરનાર. कृतघ्न, किये हुए गुणोका नाश करने वाला. ungrateful, lit one who destroys what is done. श्रोघ॰ नि॰ १६६, --पडिकइ. त्रि॰ ल्ली॰ (-प्रतिकृतिक) શુષ્યુના બદલા વાલવા તે; હું દાન આપીશ તા ગુરૂ મને શાસ્ત્રજ્ઞાન આપશે એમ પ્રત્યુપ-કારના ઉદેશ મનમા રાખી ગુર્વાદિકની સેવા કરવી તે, લેહાપચાર વિનયના એક પ્રકાર. गुणोका बदला चुकाना, मै दान दूंगा तो गुरू मुभे शास्त्रज्ञान सिखावेंगे,ऐसी प्रत्युपकार की मन में आशा रख गुरु आदि की सेवा करना; लोकोपचार विनय का एक भेद rendering service (e g. to a Guru) with the expectation of getting something in return (e.g. knowledge) नाया॰ २; —पंडिकइयाः स्री॰ (-प्रतिकृतिता) ळुओ " कयपडिकइ " शण्ट. देखो " कय-Vol. 11/53.

पडिकइ " शब्द. vide " कयपाडिकइ " भग॰ २५, ७; -पडिकयय. त्रि॰ (-प्रति-कृतक = कृते उपकृते प्रतिकृतं प्रत्युपकारः कृतशीतकृतिकः) धरेल तद्यस्यास्तोति ગુણના બદલા વાળનાર. किये हुए गुणों का वदला चुकाने वाला. one who returns good for good ठा॰ ४, ४; - पुरागः त्रि॰ (-पुराय) पुरेपुरा पुष्यवाणाः पुष्य-थान् पूर्ण पुरुयवान्; पुरुयात्मा. one possessed of high religious merit. नाया० १; १३; १६; भग० ६, ३३; १५, १; पंचा० ७, २६; -बलिकम्म. त्रि॰ (- बालिकर्म) કર્યું છે খেলি કર્મ= કુલ દેવ ગૃહ-દેવતાને પલિદાનકર્મ અથવા બળ વધે તેવું કર્મ **કસરત** વગેरे જેણે ते. जिसने वित कर्म-श्रथवा वल वर्दक- शाक्ते प्रद-कसरत श्रादि किया है वह one who has given oblations to a deity or has performed strength-giving activity, physical exercise etc भग० ७, ६, ६, ३३; दसा० १०, १; नाया० घ० नाया० १; १२, १६, ज० प० ३,५०; — लक्खग्र. त्रि॰ (–जच्चण) સપુર્ણ લક્ષણવાલાે. सम्पूर्ण लक्त्रणों युक्त. one possessed of all the signs or marks. नाया॰ १: १६; भग० ६, ३३; १४, १; — विहव. त्रि॰ (-विभव) સપૂર્ણ વૈભવવાળું. संपूर्ण वैभव वाला. (one) possessed of full glory or prosperity. नाया॰ १; -- व्वयकम्म. त्रि॰ न॰ (-व्रत-कर्मन्) श्रावडनी थीळ पडिमा धरनार શ્રાવક કે જે બે માસ સુધી જ્ઞાન અને ⊌ચ્છા-પૂર્વક અહુવત આદરે અને પાળે. श्रावककी दूसरी प्रतिमा धारण करने वाला श्रावक कि जो दो मास तक ज्ञान श्रीर इच्छा से श्रगुत्रत भारण कर उन्हें पालता है, (a Jaina

layman) observing the 2nd vow of a Jaina layman i. e. practising the minor vows for two months intelligently and resolutely. सम. ६९:

क्तयंगला. स्रो॰ (कृताइसा) श्रावस्ती नगरीनी पासे आवेशी नगरीनुं नाम. श्रावस्ता नगरी के पास की नगरी का नाम. Name of a city situated near the city of Srāvastī. '' तीसेखं क्यंगलाए नग-रीप श्रद्रसामंते सावस्थी णामं नयरी होत्या' भग॰ २, १;

करंत. पुं॰ (कृतान्त) हैय; लाभ्य. भाग्य; देव; तकदार. Fate; fortune. परह॰ १, ३; (२) यभराष. यमराज. the god of death. सु॰ च॰ १, २३३; क्यंब. पुं॰ (कदम्य) ४६२७मुं आऽ; ४९म, हेयताऽना आऽ. कदम्य का यृत्त. Name of a tree. जीवा॰ ३, ४; राय॰ पच॰ १; अगुजो॰ १३१; कप्प॰ १, ५; ३. ३३; जं॰ प॰ ५, १९५; —पुष्फ न॰ (—पुष्प) ४६५मुं ४५ कदंव का फूल. a flower of a Kadamba tree. कप्प॰ १, ५; क्यंचग. न॰ (कदम्यक) ४६ अना आऽना ५५ कदंव के माड का पूल. A flower of the Kadamba tree. नाया॰ १;१३;

of the Kadamba tree. नाया॰ १;१३; कया. पु॰ (कृतक) धृतिभः धरेल. कृतिमः वनाविशे ॰ १८३०; —क्या. विशे ॰ १८३०; —क्या. ति॰ (-कृमक) भरीदेखं खरीदा हुआ bought. निर्मा॰ ६, ६; —मत्त. न॰ (-भक्त) भरीदेखं लक्ष्त-भाजन मोल लिया हुआ मोजन-भात. purchased food. निर्मा॰ ६, ६;

कयग्छ. पुं॰ (कृताई) सरतक्षेत्रना गर्ध चेापीशीना १८ भा तीर्थं ४२. भरतक्तृत्र की रात काल को चावासी के १६ वे तार्थं कर. The 19th Tirthankara of Bharata Kṣetra of the past cycle. সৰু ৭ ২২৭;

कयह. त्रि॰ (कृतार्थ) કृतार्थ; लाग्यशाली. कृतार्थ; भाग्यशाली. Prosperous; fulfilled. भत्त॰ ४२;

क्तयर्ण्य. त्रि॰ (कृतज्ञक) धरेक्ष। ७५धारने ब्लाशनार. कियेहुए उपकार को मानने वाला. (One) who is conscious of the obligations done by others. पंचा॰ ११, ३४;

कयत्य. पुं॰ (कृतार्थ) लेखे पेतानुं अर्थ सिद्ध अर्थ छे ते; कृतार्थ. जिसने श्रपना कार्य सिद्ध पर लिया है वह; कृतार्थ. One who has accomplished his object. भग॰ १, =; ६,३३, २४, १; नाया०१; १३; १९; उत्त॰ ३२, ११०; विवा० ७; विशे० १००००; सु॰ च० १, ७१; उवा० २, ११३; जं० प० ५, १९२; ११७;

कार्यन्न. त्रि॰ (कृतज्ञ) धरेक्षा ઉपधारनी। कार्णनार. किये हुए उपकार को समजनेवाला; कृतज्ञ. (One) who is conscious of the obligations done by others. प्रव॰ १३७२;

कयमास. पुं॰ (कृतमात) स्पेक्ष नेतनुं पृक्ष. एकं जाति का माड. A kind of tree. ज॰ प॰ (२) तिभिस गुक्षाने। स्पिश्य देवता. तिमिस गुका के श्रिष्टिश्यक देवता. the presiding deity of the Timisa Guphā (cave). ज॰ प॰ १, १२; ३, ४१; ३, ६४; ६, १२४;

करमालञ्ज-य. पुं॰ (कृतमालक) वैताक्ष-नीतिभिक्ष गुद्दाने। स्वाभि-देवता. वताक्य की तिमिस्न गुफा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave named Timisra of Vaitāḍhya जं॰ प॰(२)वैताक्षानी गुद्दानुं नाम. वैताव्यकी गुफा का नाम name of a cave of the Vaitāḍhya of Iravata Ksetra. ठा॰ २, ३; (३) भे३पर्वतनी पूर्वे सीतानहीनी उत्तरे आढ हिर्धवैताढयनी आढ तिभिस्र गुद्दाना अधिपति हैंयता. भेरु पर्वत के पूर्व श्रोर सीता नदी के उत्तर में श्राठ दीर्घ वैताव्य की श्राठ तिमिस्र गुफाओं के श्राधपाति देवता. the presiding deity of the eight Timisra caves of the eight Dirgha Vaitāḍhyas to the north of the river Sītā which is to the east of the Meru mount. ठा॰ ६;

कयर त्रि॰ (कतर) थे हे ध्याभांनी हायु-भेशे ओह. दोया बहुतो में से कौन एक. Which; who. "कयरे धम्मे श्रवसाए मा-हर्षेणं महमया" स्य॰१,६,१,११,११,६८० ४, १,६, २;८,१४: पिं०नि०३१०;स्०प०१०; जीवा०१;श्रयुजी०८६; उत्त०१२,६;श्रोव०४३; श्रोघ० नि० १३७६; विशे० १८०; पन्न० ३; दसा०१,३,६,१;२; नाया०१६;१७;भग०१,१; ३, १, २; ४, ४,७; १२,४;१६, ११;१८,५;

कयली. ली॰ (कदली) हेण नु आड. केले का माड A plantain tree. श्रोघ॰ नि॰ ६६७; जं॰ प॰ छु॰ च॰ २, १६५; जीवा॰ ३, २; प्रव॰ ५१९; —गट्म. पुं॰ (-गर्भ) हेण-इहलीना वृक्षना गर्भ. वेले-कदलीके वृच का गर्भ the inner part of a plantain tree. प्रव॰ ५१९: —ग्रा न॰ (-गृह) हेण नांधर, हेणीं घर केले का गृह; केली घर ॥ house of plantain trees नागा॰ ३; जीवा॰ ३, ४; —घरम पु॰ (-गृहफ) लुओ। "कयाले घर" शण्ट. देखों 'कपाले घर" शब्द. vide. "कपाले

घर" राय॰१३६; — लया. ह्रीं० (-लता) हेणनी सता- डांग वेस. केले की लता-वेल. a creeper of plantain trees. नाया॰ १३;— हर. न॰ (-गृह) हेणना धर. केले का घर. a house of plantain trees. जं॰ प॰ ४, ११४;

कयवत. त्रि॰ (कृतवत्) धरनार. करनेवाला. (One) who has done. विशे॰ १५५५. क्यवम्म. पुं॰ (कृतवर्मन्) तेरमा तीर्धंधरना पिता. तेरहवें तीर्थंकर के पिता. The father of the 13th Tirthankara. सम॰ प॰ २२६; प्रव॰ ३२४;

कयवर. पुं. (कचर) ध्येरी; पुंली, कूडा; कचरा. Dirt: refuse श्रायाः १, १, ४, ३७. जीवा ३, ३; भत्तः न्दः, नायाः १; २,६; जं॰प॰ ४, ११२; — उजिस्तया श्रीः (उजिस्ता) ध्येराते शाधी साध धरी पढार देधनार; वासीहु वाणनारी. कूडे करकट की निकाल साफ कर बहार फैकने वाली; भाड पूंछ का कार्य करनेवाली. a woman who collects refuse and throws it away. नायाः ७;

क्रया सं कृ ग्र॰ (कृत्वा) क्ष्रीने करके, Having done पि नि ननः

क्या-आ. न॰ (कदा) अ्थारे. कव. When. ठा० ३, ४; उत्त १, २१, सु० च० १, २७; दस० ७, ११; भग०५, २; ज०प०७, १५३;

कयाइ. श्र० (कदाचित्) के अवभिते, कहा थित.

किसी समय, कदार्चित् At some
time or other; perhaps भग०
२, १; ३, १; ४, ४; १४, १; नाया० १;
विवा०१; उत्त०१, १७; २, ७, राय० १४६;
जं० प० पि० नि० २०६; दसा० १०, १;
सम० १३; श्रोव० ४०. स्य० १, १, ३,
६; १, ६, २०; खवा० १, ८८;

क्षयाई. श्र॰ (कदाचित्) लुओ। "कगाइ" श्रण्ह. देखो "कयाइ" शब्द. Vide "कयाइ" विशे॰ ३०६; उत्त॰ ३२, २१; पि० नि० ३००: कयागाग. न॰ (क्रयागाक) ३रीयाणुं. किराना.

Grocery. सु॰ च॰ १, १४७;

कयार. न॰ (कचर) ५थरे। कचरा Refuse; dirt. विशे ११७०;

√कर. धा॰ I, II. (कृ) क्ष्त्रं, धनावर्बुः करना; बनाना. To do; to prepare; to make.

करेइ-ति. जं० प० ४, ११४; दसा० १०, १; निर० २, ३; नाया० १; २; ५; ६;

६; वेय० १, ३६; भग० १, २; २, 9; 3, 9; 8; 6, 9; 8, 4;

करन्ति. भग० १, ३; ३, १; ५, ४; ८, १;

दसा॰ ६, ६=; ६, २; नाया॰२, ८; करिन्ति. नाया० १, ७; ८, १४. १६; भग० २७, 9;

करेन्ति. श्रोंव॰ २७; पि॰ नि॰ २०६; नाया॰ १; २; ६; १४; भग० १, ६; १४,

१; २०, ६, जं० प० ४, ११४;

992; 993;

करेसि नाया० १६;

करोमि. नाया० १; जं० प० ५, ११५; करेमो. जं॰ प॰ ५, ११२;

किरिजा. पिं० नि० ४८६; सु० च०६, १२०;

भग० १, ७; १२, ७: ८, २१, १; २४, १; ७; नाया॰ १५:

करेंजा भग० ८,६;

करेजासि. वि॰ म॰ ए० पिं॰ नि॰ ४३२;

करेजामि. वि॰ उ० ए० नाया॰ २; करेहि श्रा॰ नाया॰ २: =; दस॰ ७, ४७;

भग० ३, १,

करेह. ग्रा॰ ग्रोव॰ २८; भग॰ १, ६; ६, ३३, ११, १९: १४, १; नाया० १; । प्र; ≈; &; १६;

करिस्सइ. भ० भग० ८, २; १५, १; दस० ७, ६; नाया० ५;

करिस्पान्ति. भ० सम० १; भग० १, ३; २६,

१; नाया॰ ५; दस॰ ७, ६;

करिहिन्ति. भ० नाया० १८; मग० २, ९;

करेहिन्ति. भ० नाया० ६; भग० १५, १;

करिस्सामिः भ० भग० १८, १०; जं० प०२, १२६; ५, १२७;

करेस्सामि. भ॰ नम॰ १८, १०; र्जं० प॰ २,

१२६; ४, ११७;

करेस्सं भ० भग० १८, १०; जं० प• २, १२६; ४, ११७;

करिस्सामा. भ॰ ग्रोव॰ २७; जं॰प॰ ५,

993;

श्रकारिस्तं. भू० श्राया० १, १, १, ५; श्रकार्सेसु. भू० ठा० ३, १; नाया० १; भग०

१, २; ८, २; १४, १; करित्ता. सं० कृ० स्रोव० २७; पन्न० ११२;

श्रोघ० नि० ३६; नाया० १६; भग०

११, ११; दुसा० १०, १:

करेत्ता. सं० कृ० श्रोव० २६: भग० ३, १;

करिय. सं॰ कृ० संत्था॰ १०४,

करेत्तए, हे० कु० मग० ३, १;४,४,४ १४, ने; जं० प०५, ११२; ११५;

करिन्त. व० कृ० विशे० ३४२०;

करेन्त. व॰ कृ॰ विशे० ३४२०:

करेमार्गः व॰ कृ॰ दस॰ २, ३; १०; ११; १६,

२०; वेय० ४, १; १०; ३६; श्रोव०

२७; नाया० १; २; १; १४; कारेंड्. प्रे॰ पिं॰ नि॰ ४२५; निसी॰ १, १२;

भग० ३, १;

कारावेंइ प्रे॰ नाया॰ १२; १६;

करावेइ प्रे॰ नाया॰ २, १३;

कारवेइ. प्रे॰ सु॰ च॰ २, ४३; भग॰ ८, ४; कारवेमि. प्रे॰ दस॰ ४;

करावे. प्रे० वि० उत्त० २, ३३; कारेह. प्रे० श्रा० श्राया० १, ७, २, २०४; कारवेह. प्रे० श्रा० श्रोव० २६; मग० ११, ११; राय० २८; कारावेह. प्रे० श्रा० नाया० १; कारवेत्ता. प्रे० सं० कृ० श्रोव० २६, जं० प० ३, ४३;

करावेत्ता प्रे॰ सं॰ कृ॰ कारवित्ता प्रें॰ स॰ कृ॰ भग॰ ११, ११: कारावेत्ता. प्रे॰ सं॰ कृ॰ कारेत्ता प्रे॰ सं॰ कृ॰ भग॰ ३, १; कारावित्ता प्रे॰ स॰ कृ॰ राय॰ २८: करावित्रण. प्रे॰ सं॰ कृ॰ कारावित्रण प्रे॰ स॰ कृ॰ सु॰ च॰ ३, १५: कारावित्तए. प्रे॰ हे॰ कृ॰ भग॰ ८. ५; कारावित्तए. प्रे॰ हे॰ कृ॰ भग॰ ८. ५; कारावित्तए. प्रे॰ हे॰ कृ॰ स्य॰ २, ४, ६; कारन्त प्रे॰ व॰ कृ॰ निसी॰ १, १२; कारन्त प्रे॰ व॰ कृ॰ निसी॰ १, १२; कारेन्त. प्रे॰ व॰ कृ॰ सम॰ ९६; भग॰ १८, २; १३, ६; एक्न॰ २; कप्प॰

२, १३, जं० प० ४, ११४; काजिस्सइ. प्रे० व० क्र० भग० २८, ६; कीरना प्रे० व० क्र० श्राया० १, ६, ४, ८; नाया० ११; सु० च० २, ३३०; पंचा० १६, ४;

कीरमागा. प्रे० व० कृ० भग । १४, १; दस० ७, ४०; सु० च० ७, १४६; वव० २, ६; पंचा० ४, २; १६, २२; किजमागा प्रे० व० कृ० ठा० २, २; कजमागा. प्रे० व० कृ० स्य० १, ६, भग । १, ६; १, १०; ६, ३२; १२, ४. पंचा० १७,

कारिजाइ. प्रे॰ व॰ कु॰ सु॰ च॰ २, ४७; किजाइ क॰ वा॰ मु॰ च॰ १, ६६, सम॰ ३४; कःजाइ क॰ वा॰ श्रगाजो॰ ७५, मः भग॰ १, ६, १, ६, २, ४; ३, ३: ४, ६; १२, ५; १७, ९; १८, ७; जं० प० ७, १३८;

कीरए. क॰ वा॰ पिं० नि॰ ५८; कीरइ. क॰ वा॰ स्य॰ १, २, ६; नाया॰ १६; भग॰ १, ९; ६, ३३; विशे॰ २६; ६६; गच्छा॰ ७४; प्रव॰ ३०: क॰ गं॰ १ १;

कज्जन्ति क॰ वा॰ पञ्च॰ १७, भगः १, २; ४, ६: ७, १०;

कीरान्ति क॰ वा॰ सु॰ च॰ २, ३२६:
किज्जन्ति क॰ वा॰भग॰१, १०; दसा॰६,४:
किज्जन्त क॰ वा॰ सु॰ च॰ १, ३४४;

कर पुं॰ (कर) क्षय हाथ A hand; an arm. नाया॰ १, ६; १६, १७; दसा॰ ६, ४; विवा ० १; भग० ८, १०; ४२, १, राय० રવ્વ; गच्छा० વર; (૨) હાથીની સુંઢ हाथी की सूंड. the trunk of an elephant. नाया॰ १; परह॰ १, ३, does; a doer उत्त॰ १ २६; भग॰ १, १; श्रोव॰; नाया॰ १, (४) पु॰ ८२ भा अह्तु नाभ = २ वे यह का नाम. name of the 82nd planet स्॰ प॰ २०; (प्) ५२. वेरे। कर, महसूल. a tax; a duty ज॰ प॰ पि॰ नि॰ न७, (६) डिर्ण किर्णा. a ray. जीवा॰ ३, ३; (७) ગજાના કરની પેટ્રે અરિહન્તના કર તરીકે માની વદના કરે તે; વદનાના ૩૨ દેાષમાના पयीशभे। देाप वंदना के ३२ दोपों में से २^५ वा होप. the 25th of the 32 faults connected with Vandanā i. e. bowing a Tīrthankara, supposing it to be a tax similar to the tax which is paid to a king. (=) કામના ચાવીશ પ્રકારમાંના એક: રતિસં-

ભાગ માટે કામના આસન વગેરે વાલવા તે. काम के २४ भेदों में से एक भेदः रित संभोगार्थ काम के श्रासनादि जगाना. any of the 24 varieties of sexual different intercourse: the postures adopted at the time of sexual intercourse. प्रव १०७६: -कमल न॰ (-कमल) द्वाथरूप इभव हाथ रूप कमल. a hand as a lotus (metaphorically). भत्त॰ -- ज्यलमज्भ पुं० (- युगलमध्य) भे હાથની વચ્ચે દીંચણરાખી વન્દના કરવી તે; पन्हनाने। ओक्ष है। य दोनों हाथों के बांच में घुटना रखकर बंदना करनाः वंदना का एक दोष. a fault connected with Vandanā (bowing) by keeping the knees between the two hands. प्रव १ ४६: - नवग. न॰ (-नवक) नय ६।थ नौ हाथ nine cubits (a measure of length). স্ব্ ৬৬:

करम्र पु॰ (करक) ३२१; व्यभेक्षुं पार्शी वर्फः; म्रोता. Ice; hall. कप्प॰ ह, ४४;

करंज. पुं॰ (करंज) धरंक नामनुं आड. एक जाति का करंज नामक क्र ड Name of a tree. पन्न॰ १; भग० २२, २;

करंड पुं॰ (करण्ड) કરંડિયे। डिच्चा, कांडिया. A small box or basket (made of bamboo). नाया॰ १; पगह १५;

करंडग पु॰ (करगडक) धरंडीया; डायला डिब्बाः कंडिया. A small box or basket (made of bamboo) ठा० ४, ४; भग०२,१, अग्रात्त०३,१,जीवा०३, ४,श्रोघ० नि० ६६०; श्राव०१६;३६, जं०प० ५,१२०,

करंडय पुं॰ (करण्डक) धरे। अनु ६। अधु ६। उधु . रीड की हहीं. The spinal cord. तंदु॰

करंडु. पुं॰ (करएड) भुंधनुं क्षाउड्ड. पीठकी इही. The back-bone. जीवा॰ ३,३;

करंच. पुं॰ (करम्ब) दृढी याणाना भिश्रष्थी जनता को ६ भाद्य पदार्थ; इरंथा. दहा, चावल के मिश्रण से बना हुआ एक खाद्य पदार्थ. A food prepared of boiled rice and curds mixed together. प्रव॰ २३०;

करंचियः त्रि॰(करम्बित) ध्राप्तिया रंगवाली. नाना रंगवाला; रंग वेरंगाः Of variegated colours. सु॰ च॰ २, ४०;

करक. पु॰ (करक) धरा. श्रोला A hailstone. परह० १, ३; (२) धरवधालेयु ओध पात्र; आरी करवे जैसा एक वर्तन (जो साध के काम म श्राता हैं) क water pot (used by ascetics) श्रासुजो०१३२;

करकंड. पु० (करकण्ड) એ नाभने। ओक्ट धालाणु संन्यासी इस नामका एक ब्राह्मण संन्यासी Name of a Brahmana ascetic. श्रोव० ३८;

करकंड़ . पुं॰ (करकराड़) धरध ६ नामना अध प्रत्येधमुद्ध है जोने भणहनी पलटानी अवस्था. जोध वैराज्य उत्पन्न थये। द्वतां. करकंड्र नाम के एक प्रत्येकगुद्ध जिसे कि वैलकी पलटती हुई श्रवस्था देखकर वैराग्य उत्पन्न हुआ था. Name of person who felt disgusted with the world upon seeing the changes in the condition of an ox. "करकंडु कांकांगेसु" उत्त॰ १८, ४६,

करकिचय. त्रि॰ (क्रकचित) ५२वत वगेरेथी ६१६ेस ६१४-पाटीयां. श्रारे श्रादि से चीरा हुश्रा काष्ट-पाटिया A board of wood cut off with a saw etc. श्रायुजो॰ १३३; करकय. पुं॰ न॰ (क्रकच) साध्या वेहेरवानुं

भरकथः पुण्याण (प्राप्ति) साउउति । वरसाउ ओल्यर, ४२वत. लकडी चीरनेका श्रीजार,श्राराः करवत. A saw. उत्त॰१६,४१;पराह०१,९;
करकर पुं॰ (कर्कर) वढाणु पाणीमां डुणती
वभते इडइर आवाल इरे छे ते, जहाजका पानी
में ड्वते समय करकर श्रावाज करना. A
croaking sound produced by a
sinking vessel. नाया॰ ६; उवा॰२,०४;
करकरसुंठ. पुं॰ (करकरशुराठ) ओड लातनी
वनस्पति एक जाति की वनस्पति. A kind
of vegetation. "एरंडे कुरूविंदे करकरसुंडे तहविभंगगुय" पत्र॰ १, भग॰२१,६;
करकरिंग. पुं॰ (करकरिंक) इरहरिंड नामनी।
अढ. करकरिंक नाम ना प्रह Name of a
planet "दोकरकरिंगा" ठा॰ २, ३;
स॰ प॰ २०;

करकुडि पु॰ (*) धांसीनी सल पामेस. डे**टीतुं** એક वस्त्र, फांसी का हक्स पाये हुए कैदी का एक वस्त्र. A. garment worn by a person sentenced to capital punishment. परह॰ १, ३; करग पु॰ (करक) इरवडे।; इइओ।; એક ज्यतनु पासण्. करवा; लोटा. A metal-pot. श्रणुत्त०२ १, स्य०१,४,२,१३; जीवा०३,३; उवा॰ ७, १६७; (२) त्रि॰ ५२नार. करनेवाज्ञा. a doer; one who does નર્વા • २८; (३) પું • વરસાદના કાચાગર્ભ: કरा. बरसात का कचागर्भ, श्रोला a hailstone. दस॰ ४; पन्न॰ १; पि॰ नि॰ भा॰ ૧૭; जीवा॰ ૧; (૪) શાલક પક્ષિની એક ond. शालक पद्मी की एक जाति a kind of bird पराह० १, १:

करगय. पुं॰ (फ्रकच) ४२५ती; ४२५त श्रारा; करवत. A ८८० उत्त॰ ३४, १८; करग न॰ (करात्र) હાथने। आग्रसाग, આંગળી. हाथ की श्रंगुलियां. Fingers. सु॰ च॰ १, ६५;

करड. पुं॰ (करट) એક જાતનું વाજિત્ર. एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument. राय॰ ==;

करांडि पुं॰ (करांटे) ओंड जातनुं पार्जित्र. एक जाति का बाजा. A kind of musical instrument. जीवा॰ ३, ३;

करहुयभत्तः न० (*) भरी गथेक्षानी पाछण जभणु थाय ते; भृतः क्षेण्यनः मनुष्यके भरने के पश्चात् जो भोजन होता है वह; मृतक भोजन; श्रीसरः Dinner for which the occasion is the death of a person. पिं नि ४६४;

कर्याः न० (करण्) साध्य क्रियाने सिष्ध इर-વામા અત્યંત સહાયક: સાધન. साध्य क्रिया को सिद्ध करने में श्रात्यंत सहायक; साधन. Anything useful in accomplishing an object; an instrument or means of an action. তা৽২,৭;=. १.म्रगुजो० २७: १२६; नाया०१; जं० प०७. १४३: ५. ११२:उवा०१. ४८: विशे०२०००: ३३०१: राय०२१५: भग०१, १०; ६,१:१६, ९; पंचा०३,२६;१४, २; (२) धि ६य इाहय. an organ of sense. To To 9, 4; ४६; जीवा॰ ३, ३, श्रोव॰ १०; पराह. १, २; (३) अथे। १ इरी भतावतं. प्रयोग करके दिखाना. actual experiment or performance. श्रोव ०४०; (४) ल्ये।तिः શાસ્ત્રમાં દર્શાવેલ ખવ ખાલવ વગેરે અગીયાર **५२**थ. ज्योति शास्त्र में दिखाये हुए 'वव ' 'वालव ' इत्यादि ग्यारह करगा. (in Astrology) any of the 11

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटते। ट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

divisions of a day. भग॰ ११, १; ११, ६; १४, १; नाया० १; ४; ५; १४; १४; १६: ग्रोव० ४०: ग्रोघ० नि० ८०: क० प० ४, १; श्राव० १, ५; जं० प० (५) ५२७। अिश्रं आि. कर्णाः श्राभिष्रह श्रादि. a certain vow. नाया॰ १; (६) ५२ थुं. करना. doing; performing. उत्त॰ २६, ६; श्रोव॰ ३१; भग॰ ३, १; १४, ४; नाया॰ १; ६; पि० नि० १६६; ४१०; पराह० १, १; (७) यारित्र धर्भः चारित्र धर्मः 1 eligion pertaining to right-conduct. नंदी॰ ३०; (=) पिंडियशुध्यि ગ્યાદિ જૈનશાસ્ત્ર પ્રસિધ્ધ ७० બાલના સમ્હ-पिंडविशुद्धादि जैन-शास्त्र प्रसिद्ध ७० बोलों का समुदाय. the collection of 70 terms of the Sastras such as Pinda Visuddhi (purity of food)etc. श्रोव॰१६,मम०२; श्रोघ०नि०१; नदी० ४४,नाया० १, भग० २, १; प्रव > १६; (દ) પૂર્વે કાઇ વખતે નથી ઉત્પન્ન થયા તેવા અધ્યવસાય વિશેષ; અપૂર્વ કરણ. ऐसે श्रध्यवसाय जो पहिले कभी भी उत्पन न हुए हो; अपूर्व भाव. peculiar thought. activity; Apūrva Karaņa. उत्त॰ રદ, દ; (૧૦) જે અધ્યવસાયથી કર્મના ળત્ધન સ કુમણુ, ઉદ્ભત[°]ના, અપવર્તના, ઉદી-રહ્યા, ઉપશમના, નિધત્તિ અને નિકાચના થાય તે; ળન્ધન આદિ કાય^લમેદથી કારણરૂપ કરણના પણ ઉપર કહ્યા પ્રમાણે વ્યાદ अक्षार छे. जिन श्रम्यवसायों से कर्मी के वंघन, संकमण, उद्दर्तना, उदीरणा, उपशमन, नि-धत्ति श्रोर निकाचना होते हैं वह; बंधन श्रादि कार्य के भेदों से कारण रूप करण के भी ऊपर कहे अनुसार श्राठ भेद हैं. the thought activity by which Karmic Bandhana, Sankramana, Udvartana, Apavertana Udirana etc. is affects.प्रव • १ १;—उचाय. पु • (-उपाय-करगंकिपाविरोपः स एवा उपायः स्थाना-न्तरप्राप्ता हेतुः करणोपायः) ४२७१-६िया३५ હેતુ; છવને એક સ્થાનેથી ખીજે સ્થાને ઉપ-જવામાં કે જવામાં કરણ-કર્મ રૂપ હેતુ છે તે. करण-क्रियारूप कारण; जीव के एक स्थान से श्रन्य स्थ,नमें उत्पन्न होने या जानेमें करण कर्म रून कारण. an action or a Karma which constitutes a cause e. g. Karma which is the acause of transmigration to the soul. '' सेजहाणामपु पवपु पत्रयमाणे श्रदक्तवसारः-णिवित्तपूर्णं करणीवाएणं सेय काले तंठाणं विष्पर्जाहत्ता " भग० २५, ८; -कयः त्रिव (-कृत) યથા પ્રવૃત્યાદિ કરણ-ક્રિયાથી કરેલું. यथा पगृत्यादि करण-िकया से किया हुआ. performed properly. ক০ ৭০ ৭, ৭; —जोग पुं॰ (-योग) **५२**७३२५ ये।ग-भन, वयन अने अयाना व्यापार, करगाहव योग-मन, वचन श्रीर काया का व्यापार. activity of mind, speech and body. दस॰ ६,२७;--जोय. पुं॰ (-योग) लुओ। ''करणजोग'' शण्द. देखों 'करणजोग"शब्द. vide "करणजाग" दस॰=,४;—नश्र. पुं॰ (-નય) કરણ-ક્રિયાનય, એટલે ક્રિયાનેજ માન-નાર; સર્વ વસ્તુ ક્રિયાને આધીન છે એમ માન-करण-कियानय प्रयात् कियाकोही मानने नाता; सब चीजें किया के श्राधीन है ऐसा मानने वाला. the doctrine that everything is the result of action or depends upon it. विशे० ३५६९; -चीरियः न० (-वीर्य) ઉत्थान મ્બાદિ ક્રિયારૂપે પરિણામપામેલું વીર્ય. **હ**ત્થાન श्रादि कियाओं के रूप मे परिगाम पाता हुया वीर्य the vital fluid which is the

cause of physical movements such as standing etc भग०१,८;— सच. न० (-सत्य) द्वियाभा हेणातु सत्य, पिडिसेट्णाहि द्विया यथाक्त रीते कर्यी ते क्रिया में दिखाइ देता सत्य,प्रतिलेखनादि क्रिया यथानित रीतिसे कर्ना correctness appearing in an action, e. g proper examination of clothes etc. भग० १७, ३, उत्त० २६, २, सम० २७;

करणुष्ट्री. अ॰ (करणतः) प्रये।गथी प्रयोग से. Through actual practice or performance. नाया॰ १, प्रव॰ १५७,

करण्या श्ली॰ (करणता) धरवु ते करना.
Doing; act of performing नाया॰
१, ५, ८; १६; नियो॰ १, ४०, भग॰
३, २; ६, ३२, उना॰ २, ११३,

करिएज त्रि॰ (करणीय) कर्तन्य; करने योग्य. (Anything) worthy to be done भग० ३,१,६, ३३; नाया० १;३; त्रयुजी० २८, वव० २,१, पंचा० १,४३; राय० १७१,

करपत्त. न॰ (करपत्र) डरवत; लाइडा वेरवातुं साधन. श्रारा, लकडो चीरने का साधन. A saw. डा॰४, ४; नाया॰१६; विवा॰ ६; करम. पुं॰ (करभ) छैंटतुं अन्धुं उट का बचा A young one of a came! पगह१,१, करमहः पुं॰ (करमई) डरभेशनु अड

हरमद्द. पु॰ (करमद्द) કरभशनु आड करोंदे का माड़. Name of a tree producing berries पत्त-१;

करयल. न० (करतल) ७थेणी; ७१थनी सपारी हथेली; पंजे का समचौरस भाग The palm of a hand. दशा० १०, १; राय० २६३; श्रोघ० नि० भा० २७३, नाया० भ० निर० ३, ४; श्रोव०११, ३०, नाया० १; २; ४; ७; द; १२; १४, १६; भग० २, १, ३, १; २; ७, ६; ६, ३३; १४, १, कप्प० Vol. 11/54

१, ४, ज०प० ४, ११२; ११४; — (ला) - आहयः त्रि॰ (-म्राहत) द्येशीयी द्लेश - ५३ थेअ. हथेली से दवायाहुवा-ढकेलाहुग्रा. pushed forward or struck with the palm of a hand. नाया॰ ६: -परिगाहिय त्रि॰ (-परिगृहीत) ખે હાથ જોડેલ. दોનોં हાથ લોકે हुए. folding both hands together. वव०१, ३७, कप्प०१, ४, —पलहत्थमुह त्रि॰ (-पर्यस्तमुख) गासपर हाथ राज्ये। छे केशे ते. जिसने गाल पर हाथ रखा हो वह. (one) who has rested his cheek on the palm of his hand. निर्मा॰ इ. ૧૧, —પુદ્ગ. પુંબ (–પુટ) કરતલ સંપુટ; ખાંખા ધોવા. the hollow cavity formed by joining the two palms जं प॰ ४, ११४; -- मलिय त्रि॰ (-मर्दित) ७थेणीमां भसणेक्षु हथेली में मसला हुआ. pressed in the palm of a hand विवा ?, - मेय निश (-मेय) મુકીમાં પકડી શકાય એવું. મુદ્દી में पकड़ा जासके ऐसा. anything that can be caught in a fist. कप॰ ३. ३६; — संपुड. पु॰ (-संपुट) હથેલીના सपुर, भागी. हथेली का संपुर. the cavity formed by joining the two palms together. कप्प०२, २१;

करच पुं॰ (करच) नाणवावाणुं पाधी पीवानु पात्र नलीदार पानी पीने का वर्तन. A water-pot resembling a kettle, सु॰ च॰ १०, ४२,

करवत्तः पु॰ (करपत्र) धरवत, लाधधा वहेरवानुं हथीयार करवत, लकडी चीरने का श्रीजारः A saw उत्त॰ १६, ४१; जीवा॰ ३, १; पगह॰ १, १,

करह. पु॰ (करम) હાથી અથવા ઉટનું બચ્યું.

हाथी प्रथवा ऊंट का बचा. A young one of an elephant or a camel. मु॰ च॰ ४, ११६;

करही. ब्री॰ (करभी) ઉટડી;सांटणी. ऊंटनी; सांठणी. A she-camel. पि॰ नि॰ १६४;

कराइ. त्रि॰ (करादि) दाथ वगेरे हाथ स्रादि

A hand etc. विशे॰ २७२; — चिट्टा॰
स्रा॰ (-चेष्टा) दाथ वगेरेनी येष्टा-प्रवृत्ति.
हाय स्रादि की चेष्टा-चनाव. movement
of the hand etc. विशे॰ १७२;

कराल. त्रि॰ (कराल) छत्रतः, थहार नीक्ष्म णतुं. उन्नतः गृद्धि पाता हुआ. Projecting; lofty; prominently coming out अणुत्त॰ ३, १; उत्त॰ ३०;

करि. ति॰ (करिन्) हाथवाला. हाथ वाला. One having a hand or hands. भग॰ =, १०; (२) पुं॰ हाथी. हाथी. का elephant. परह॰ १, ३;

करिश्च. पुं॰ (करिक) ८३ मां श्रहनुं नाम. =३ वें प्रह का नाम. Name of the 83rd planet. सु॰ प॰ २०;

करिंसुगस्यः न॰ (*) लगवती सूत्रना २७ भां शतकनुं नाभः भगवती सूत्र के २७ वें शतक का नामः Name of the 27th Sataka of Bhagavatī Sūtra. भग॰ २७, ११;

करिल्ल. न० (करील) वांशना आंध्रुर; धुंपश; पांदर्शनी अश्रक्षाण. बांस के श्रंकुर; पत्तों का श्रम्रमाग; कोंपल. The shoot of a bamboo; a shoot or sprout in general. श्रणुत्ता २, १; विशे ० २६३; करिस. पुं० (करीप) धरीपनुं आर. करीप का काड. A kind of a tree. उवा००, १६७; करिसावण. पुं॰ (कार्पापण) એક જાતના सिक्षेत. चादी का एक सिका. A silver coin. "जहाणगोकारिसावणो तहाबहवेक-रिसावणा" श्रणुजो०१४७; तंदु०विशे०५०६; करिसित वि॰ (कृशित) सुक्ष्म: ५त्णु; दुर्णा स्ट्रम; पतला; दुर्वल. Fine; thin; feeble. स्ट्र॰ १, ३, ३, १५;

करीर पुं॰ (करीर) डेरडांनुं अड. एक माट का नाम. Name of a tree. पन्न॰ १; श्राया॰ २, १=, ४३; — श्रंकुर. पुं॰ न॰ (-श्रङ्कुर) डेरडाने। अंड्रेरा. वांम का श्रंकुर. a sprout of a tree. प्रव॰ २४३;

करीरश्र. पुं॰ (करीरक) हेरडा नामे पार्डश्रं हार्धपुरुपतुं नाम. केरडा नामवाला कोई पुरुप. Name of a person. श्रणुको॰ १३१;

करीस. न॰ (करीप) અડાયું; छार्धुं. कंडा; गावर का छाना. A dry cow dung cake. पिं॰ नि॰ २७६;

करुण. त्रि॰ (करुण) ध्यालनकः ४३७,१५१त. द्याजनकः, करुणापात्र. Pitiful. भत्त०१६०ः करुणा. स्त्री॰ (करुणा) ४२७,१००न४ १८७६. दरुणा जनक शब्द. Piteous erv. नाया॰

६; (२) ६था. दया. mercy. क॰ गं॰ १, ५५; —यर. त्रि॰ (-कर) ६था ३२वावाक्षी दया करने वाला; दयालु. kind; merciful. सु॰ च॰ २, ६४;

करेखु. स्री॰ (करेखु) ६।थए।। हायेनी. A she-elephant. उत्त॰ ३२, ६६; नाया॰ १; करेखुया. स्री॰ (करेखुका) ६।थए।। हियेनी. A she-elephant. सु॰ च० २, ४०१; करोडि-ग्र-य. पुं० (करोटिक) तापस; कापालिक An ascetic; an ascetic carrying a garland

^{*} जुओ पृष्ठ तम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of human skulls विवाः ७; जं॰ प॰ नायाः ५; १३; भगः ११, ११; (२) ताम्भुक्षपृश्तां लायते विपारतार राजानी भाषास. ताम्बूल श्रादि की कोयली उठाने वाला राजाका मनुष्य. a servant of a king carrying a bag etc. of betel-leaves etc. श्रोवः ३२; (३) भाशित म्हेश भीक्षाती हुंडी; क्षा. मिही की वहे मुंह की कुंडी-इरतन an earthen basin, a cup or basin. भगः २, १; श्रोवः ३६: श्राषुजोः १३२; जीवाः ३३; जं॰ प॰ ३, ६७; (४) इत्था. कलश. a pitcher. भगः ११, ११;

कलंक. पुं॰ न॰ (कलङ्क) ध्रिथे।; सांछन. दाग; कलंक, लाछन. Spot; stain पचा॰ ६, २०; विवा॰ ३; श्रोव॰ १०;

कलंकलीभावः पुं॰ (कलङ्कलीभाव) ६ण-६णाट, हुभ्मेत गलराटः दुःखकी घवराहट Piteous lamentation or complaint पन्न॰२; श्रोव॰४३, स्य॰२,२,८१; (२)स सारभा गर्लाशय आहिने विषे पर्यटन ६२५ ते संसार में गर्भाशयादि में पर्यटन करना, जनममरण धारण करना. wandering in the cycle of birth and death e.g. remaining in the womb etc আয়াও ২, ৭২, ৭২;

कलंदः पुं॰ (कलन्द) ५९६ विशेष. कुराड विशेष. A basin of water. उवा॰२,६४; कलंब. पुं॰ (कदम्ब) ५६२ अ.६. कदम्ब का माड Name of a tree भग॰ ६, ३३; २२, ३; नाया॰ १;

कलंबचीरपत्त. न (कदम्बचीरपत्र) शस्त्र विशेष. शस्त्र विशेष A kind of weapon. विवा॰ ६;

कलंबचीरिगापत्तः न॰ (कदम्बचीरिकापत्र) तीक्ष्णु धारवाणुं शस्त्रः. तीच्रण धार वाला शस्त्र A kind of weapon with a sharp edge. नाया॰ १६;

कलंबचीरियापत्त. न॰ (कदम्बचीरिका-पत्र) એક જાતનું शस्त्र एक जाति का शह्न-A kind of weapon. ठा॰ ४, ४;

कलंबवालुया. खी॰ (कदम्बवालुका)
केनी रेती वल केवी छे अेवी वल्र वेशु डा
अथवा डहम्भवेशु डा नामनी नहीं. जिसकी
रेत वज्र के समान है ऐसी वज्र वालुका अथवा
कदम्ब वालुका नाम की नदां Name of a
river also called Vajra Veluka
on account of its sand being as
hard as adamant. उत्त॰ १६, ४०,
(२) डहम्भना पुलना केवी वेल कदम्ब के
फूल सहश जता a creeper resembling the flower of a Kadamba
tree. परह० ५, १;

कलंबुश्च पु॰ (कलम्बुक) स्ने नामनुं आऽ. इस नाम का माड A kind of tree.सू॰प॰४; कलंबुग न॰ (कलम्बुक) स्नेड ज्यतनी पाछी-नी वनस्पति. एक जाति की पानी की वनस्पति A kind of aquatic plant स्य॰ २, ३, १८; कलम्बुद्या-या. स्त्री॰ (कलम्बुका) से नामनी पानी में उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति. A kind of vegetation growing in water. पन॰ १; १५; जं॰ प॰ ७, १३४; कलकल. पुं॰ (कलकल) ६व६वा८; धणामाण्-सोनी स्थापाल. बहुत से मनुष्यों की प्रावान; कोलाहल. Humming or bustling noise. प्रोव॰ २७; जं॰ प॰ ३, ४५; राव॰ २९७; भग॰ २, १; (२) शृण्णीहिभिश्र अस. चृण्णीदे मिश्रित जल. water mixed with powder. विवा॰ ६; —रच. पुं॰ (-रव) ६व६वा८ १७६ गडबडाट; कोलाहल. humming or bustling sound. भग॰ ३, २; जं॰ प॰ ७, १४०;

कलकलंतः त्रि॰ (कलकलायमान) ६५६६॥८ ६२तुं; ६५६६ अदे। अथाल ६२तुं. कलकल ऐसी श्रावाज करता हुत्रा; गुनगुनाट करता हुत्रा, Humming; producing a bustling sound. उत्त॰१६, ६६; श्राव॰ २१; पएह॰ २, ५:

कलकलिन. त्रि॰ (कलकलित) કલકલાટ शफ्द सिंदत. कलकलाट शब्द युक्त With a bustling or humming noise. पग्द॰ १, १;

कलत्त. न० (कलत्र) स्त्री स्त्री. A wife. मु० च० १, २४५;

कलभ. पुं॰ (कलभ) क्षाधीनुं भन्युं हार्या का बच्चा. A young one of an elephant. पत्र॰ १७; राय॰ ६०; नाया १;

कलिभयाः स्रं (कलिभका) क्षाथणीः हियनीः A she-elephant नायाः १;

फलम. पुं॰ (कलम) धागर; ध्रेगेह. चांवल; रच्च जातिके चांवल. Rice which is sown in May-June and ripens in December-January. स्य॰ २, २, ६३; जीवा० ३, ३; जं०प० मग० ६, १०; स्रो॰ नि॰ मा० ३०७; उवा॰ १, ३५;

कलमल. पुं॰ (कलमल) जहरमां रहेबा इव्य समूह.
ने। सभूड. पेट में रहा हुआ इव्य समूह.
The contents of the stomach.
ठा॰३,३; — ऋहियास. पुं॰ (- श्राधवाम)
जहरना इवभव इव्यमां वसपुं ते. पेटके कलमल-इव्यमें रहना. remaining in
the contents of the stomach
भग॰ ६,३३;

कलमाय. ति॰ (कलमात्र) यणुभात्र; यणु। क्रेन्डुं. चना मात्र; चने जितना. Of the measure of a gram. निसी॰ १२, =;

कलयल. पुं॰ (कलकल) ४४४४४८ १४४६ गुन-गुनाहट. Bustling noise. जीवा॰ ३,४१ —रव. पुं॰ (-रव) ४४४४४८ १४४६. गुन-गुनाहट. Bustling noise मु॰च॰३,६२१

कलल. पुं॰(कलक) गर्भानी प्रथम सात दिवस-नी अन्तरथा. गर्भ की प्रारंभिक सात दिन की अवस्था The condition of the embryo during the seven days succeeding conception. " सत्ताहं कललंहोइ, सत्ताहं होइ बुट्युय" तंदु , १६;

कललंहोइ, सत्ताहं होइ बुच्बुय" तंदु १ १६; कलस. पुं० (कलरा) धंडो; अगरी। घडा; कलरा. A pot; a pitcher. पन्न० २; श्रोव० सत्था० १४; जं० प० नाया० १; ४; द; १४; भग० ६, ३३; राय० ३४; जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३६; (२) आर्ड भांगितिङ मानुं छहुं श्राठ मांगितिङ में में ६ ठा. the 6th of the 8 Māngalikas (auspicious signs).राय०४७; जं०प०५, १२०; नाया० १; (३) अञ्नि उभार देवातानुं थि॰६-तेना भुगटभां रहेल धडाने आडारे निशान. श्रानि कुमार देवता का विन्ह-उसके मुकुट में चित्रित घडे के श्राकार का निशान. an emblem of the Agnikumāra

kind of deities, viz. a pot-like figure in their diadem योव०२३, (४) भागणीशमां तीर्थं धरनुं साधन. १६ वें तीर्थं कर का लांछन. the mark of the 19th Tithankara प्रव० ३६२; कलमय. पुं० (कलशक) जुओ। 'कलस' शण्ट. देखों 'कलस' शब्द. Vide 'कलस' उवा० ७, १८४:

कलिसिन्नाः स्त्री० (कलिशका) नाने। ५०शिये। छोटा कलश. A small pitcher. अणुजो० १३२;

कलह पुं॰ न॰ (कलह) ध्वेश; हाध, हिशाह; લડાઇ, अगडे। क्लेश, कोघ; लढाई, मागडा. Quarrel; anger, strife. निसा॰ १२, ३३, दसा०६, ४; पञ्च०२; २२; सम० ११३; श्रगुजो १२८, जीवा० ३, ३, श्राया० २, ११, १७०; दस० ४, १, १२, श्रोव० २४: उत्त० ११, १३, महा० नि० १; नाया० १; १६: भग०१,६:१,३,६; ७; ७, ६,१२, ४; कप० ४,११७,गच्छा० १३४;--कर. पुं० (-कर) కాలిયા કરતાર क्लेश करनेवाला.one who is given to quarrel "कलह करो श्रसमाहि करें "दसा० १, १७; १८; (૧) અસમાધિતુ ૧૬મુ સ્થાનક સેવનાર. श्रसमाधि का १६वा स्थानक सेवनेवाता. one who resorts to the 16th source of Asamadhi i e lack of meditation or concentration of mind सम॰ २०; —चाडिया स्री॰ (+) इसेश निभित्ते. क्लंश के कारण on account of quarrel. निर्सा॰ ६, =;

कलहंस पुं॰ (कलह्स) राजहंस. राजहंस. A swan श्रोव॰ पन्न॰ १, जं॰ प॰ नाया॰ १; कष्प० ३, ४२:

कलहमार्गा. व॰ कृ॰ त्रि॰ (कलहायमार्ग) ५९९१। ५२-११२. लड़ाई, फिसाद करनेवाला. Quarrelsome; (one) who quarrels. सु॰ च॰ १, १४३;

कलहोयः न॰ (कलधौत) थाटी. चार्वा. Silver. पगह॰ १, ४;

कला. स्त्री॰ (कला) भाग, अश. भाग; श्रंश.

A part; a division. उत्त॰ ६, ४४, नाया॰ द; १६; जं॰ प॰ ७, १६०; (२) शाला. शोभा beauty. नाया॰ द. १६; (३) धुन्नर: अरीगरी; विद्या, अक्षा. कला, कारीगरी; विद्या, हुन्नर any praotical art नाया॰ १; राय॰ २८६; विवा॰ २; भग॰ ६, ३३, ११, ११; श्रयणुजो॰ ४१; १२८; सम॰ ७२, श्रोव॰ ४०; कप्प॰ ७, २१०, प्रव॰ ४३६; (४) यदनी अणा चंद्र की कला a digit of the moon; (these are sixteen) नाया॰ द; सू॰ प॰ १०;

कलाद. पु॰ (कलाद) सीनी सुनार. Goldsmith. नाया॰ १४,

कलाय पुं॰ (कलाद) सुवर्शकार; सेानी. सुवर्णकार, सुनार Goldsmith पगह॰ १, २, नाया॰ ०; उवा॰ १, ३६; (२) २०४ ब्लतनु धान्य. एक जातिका धान्य A kind of corn. प्रव॰ १०१०; १०१६;

कलायरिश्र-य. पु॰ (कलाचार्य) ५२ इणा शीभवजार; इणायार्थ नी पहवी नेणवेक्ष अध्यापक. ७२ कला सिखानेवाले; कलाचार्य का पद प्राप्त अध्यापक A preceptor teaching the 72 arts and entitled Kalāchārya राय०२७७. स्रोव०४०; नाया० १, ५;

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। र (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। र (*) Vide foot-note (*) p 15th.

कलाच. पुं॰ (कलाप) भे।२; देश. मयूर; मोर.

A peacock; a pea-hen. नाया॰ ३;
(२) सभूद. समूह. a collection.
नाया॰ ५; म्य॰ २, २, ५४; श्रोव॰ विशे॰
१५१४; पत्र॰ २; १५; मु॰ च॰ १, ६०;
जीवा॰ १; कष्प॰ ३, ४१; ५, ६६;
राय॰ ६६; १९०; 'शाम तोमत्तविदलव हव ग्यारिय दाम कलावा" पत्र॰ २, दवा॰
७, २०६; (३) डे।६भां पढेरवानुं आलुएत्।
गले मे पहिनने का श्राभूपण an ornament for the neck. भग॰ ६, ३३:
जीवा॰ ३,३;

कलासियितियाः जां॰ (कलागिविका) शेष्ट गततुं शींग वाणुं धान्य; वटाणाः; शेरा,यगेरेः एक जाति का फर्ला वाला धान्यः चंवगः बटना व्यादः A kind of corn growing in pods; e. g. peas etc. भग॰ १, १;

कलाच. पुं॰ (कलाय) એ नाभनुं એક अनाव. इस नाम का श्रनाज. A kind of corn. पत्त १; सग॰ ६, ७;

कलाचग. पु॰ (कलापक) डे।इमां पहेरतानुं न्याभृपण्युः गले में पहिनने का द्याभरणः An ornament for the neck. परह॰ २, ४;

कलाचि. पुं॰ (कलापिन्) भपृश् मयूर; मेराः A peacock. मु॰ च॰ २, २४२;

कित. पुं॰ (किति) એક; એકની સંખ્યा. हक; एक की संख्या. The number one. स्य॰ १, २, २, २३; उत्त॰ ६, १६; (२) ४९० थे। ४सेश. नडाई; फगडा. quarrel. पगद्द० १, २; प्रव॰ ४३६; —कत्तुस. न॰ (-कालुष्य) ४सि-४सेशनुं डेएणापछुं. किन-क्रेश की मर्नानना-मनापन. filthiness; malignity like that of quarrel. विवा॰ १; कलिऊगुः ग्रं॰ ग्र॰ थ्र॰ (कबविता) विथाः रीते. विचारकरः Having thought; thinking. ग्र॰ च० २, १४२; ३, २०७; भत्त० १७:

किलेशिश्च-यः न॰ (कस्योज) के संज्याने यारे भागतां ओड़ शेप २ हे तेवी संज्या जिम मंख्या में चार का भाग देने से एक शेप रहना है वह मंख्या. A sum which when divided by four leaves one as remainder. ठा० ४, ३; भग॰ १८, ४; २४, ३; ३३, ९;

कलियोग पुं॰ (क्ल्योज) खुओ "किन-ग्रीम्र " शुप्द, देखे। कलियोग्र " राब्द. Vide "कलियोग्र " भग०१=, ४; ३१, १; —कडज़्म्म पुं॰ (-कृतवुग्म) के शंभ्याने ચારે ભાગતાં ચાર શેય રહે અને લબ્ધાંકને ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે તે સંખ્યા: મદા-युग्म संप्यानी तेरभी प्रधार. जिम मंख्यामें ४ का भाग देने मे चार रोप बचें र्थार लविय के। ४ से भागने पर एक शेष बचे ऐसी संख्या: महायुग्म संख्या का तेरहवां भेद a sum which when divided by four leaves four as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder; the 13th variety of Mahāyugma number. मग०३१, ५; —कित्रश्रोग. पुं॰ (-कस्योज) के शशीने ચારે ભાગનાં એક શેપ રહે અને લખ્ધાંકને પણ ચારે ભાગતાં એક શેષ રહે તે સખ્યા: મહાયુગ્ય સંખ્યાના સાલમા પ્રકાર, जिस संख्या को ४ से भागने पर एक शेष रहता है श्रार लाटिय संख्या को भी चार से भागने पर एक रोप बचता है वह संख्या; महायुग्म संख्या का सोलहवां भेदः the 16th variety of Mahāyugma number;

a sum which when divided by four leaves one as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder. भग० ३४, १; — तेश्रोग. पुं॰ (-प्रयोज) के संभ्याने यारे लागता ત્રણ શેષ રહે અને લળ્ધાંકને ચારે ભાંગતાં એક શેષ રહે તે સખ્યા; મહાયુગ્મ સંખ્યાના थौंहमे। प्रधार जिस संख्या में चार का भाग देने से तीन वचते हैं श्रीर लब्धाक को चार से भागने पर एक शेष रहता है वह संख्या; गहायुग्म संख्याका चौदहवा प्रकार. the 14th variety of Mahāyugma number; a sum which when divided by four leaves three as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder भग०३४, १; —दावरज्रमा पु॰ (-हापरव्यम) के सण्याने यारे लागतां ખે શેષ રહે અને લખ્ધાકને ચારે ભાગતા એક શેષ રહે તે સંખ્યા, મહાયુગ્મ સંખ્યાના पंहरभे। प्रधार जिस सख्या को चार से भागने पर दो शेष बचते हैं श्रीर लब्धि संख्या में चार का भाग देने से एक शेष वचता है वह सख्या, महायुग्म सख्या का पदहवा भेद the 15th variety of Mahayugma number; a numetical figure which when divided by four leaves two as remainder and has a quotient which leaves one as remainder when divided by four. भग॰ ३४, १;

किन्छोगत्ता ब्री॰ (कल्योजता) के संभ्याने यारे लागतां ओड शेप रहे ते. जिस मल्या मे चार का भाग देने पर एक नाकी बचे वह संख्या. A numerical figure which when divided by four leaves one as remainder. भग० ३४, ३;

कालिंग. पुं॰ (क लिझ) आर्थ देशभांनी हिलंग नाभे याथा देश आर्यदेश का कलिंग नाम का चौंया देश. Name of an Aryan country. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ३; पन्न॰ ६; उत्त॰ १८, ४४: (२) तरसुय; हालिंगहुं. तरबूज a kind of fruit. जं॰ प॰

किंता. न० (कालिङ्ग) अर्थिंग देशमां अनेस वस्त्र.

किंतिंग देश का वस्त्र. A cloth made
in Kalinga country. जीवा० ३, ३,

—रव. पुं (-रव) असअसार शण्ट. गडवड़ाट;
कोलाहल. a humming or bustlingsound. भग० ३, २, जं० प० ७, १४०;

कर्लिज. पु (किन्धि) सुंडवे। गोल इलकी टोकरी. A round shallow basket. राय॰ ११६;

किल्द पुं॰ (किलिन्द) એક આર્ય જાત, एक आर्य जाति Name of an Aryan race or tribe. पन्न॰ १,

कालिंच. पुं॰ (किलम्प) इसिन्ध नामनुं श्रीक कातनुं साइडुं किलम्प नामकी एक जाति की लकडी A kind of wood so named. भग॰ =, ३,

कल्पिन न॰ (कटिश) के डे आंधवानुं धुधरीवाणुं भूषणुः इन्होरी. कमर पर बाबनेका खुंघरुओं वाला आभूषण,कंदोरा An ornamental waist band. श्रोव॰ नाया॰ १:

कित्य-श्र त्रि॰ (कित्ति) युक्ति सहित.
Planned; formed together, possessed of "सुद्रथणजघण वयण कर चरण णयण सावण्ण विकास कित्या" पन्न॰ २; दसा॰ १०, १; विवा॰ १, २: सय॰ ३६, ४३; जं॰ पं॰ ४, ११४; ४, १२; सम॰ प॰ २१२; श्लोव॰ जीवा॰ ३, ३; कप॰ ४, १०१; सू॰ प॰ २०; भग० १, १; ७,

६; १६, ६; नाया० १; ३; ५; १६; १५; गच्छा० ८७; ग्रोघ० नि० भा० २७६; प्रव० १२५४; कप्प०३, ३२, (२) स्थेलु . बनाया हुन्रा formed; made. जं॰ प॰ ५, ११५; ४, ६२; ३, ४३; स्० च० १, ४४; कलिसिया स्री॰ (कलाशिका) ५५२२ शियाना આકારતું એક વાછંત્ર. कत्तरा के श्राकार का एक वाजा A musical instrument of the shape of a pitcher. राय॰=६, कलुग्. त्रि॰ (करुगा) ४२७॥ ७८५॥ ६४; ६थापात्र; गरील करुलोत्पादक; दयापात्र; गरीव Exciting pity or compassion ग्रांव॰ २१; नाया॰ ६; विवा॰ ७; पिं० नि०३७१; स्य० १, ४, १, ७; नव रसमाना ओक रस कहणा रस; नौ रसा में से एक. one of the nine sentiments, viz that of compassion. ठा० ४, ४, त्र्रणुजो० १३०; —भाव. न० भाव. sentiment exciting pity or compassion नाया॰ ६; कलुणा. ह्यी॰ (करुणा) ४३्णु।; ६था. दया,

करणा. Compassion; mercy.. परह॰ १, १; नाया॰ १; दस॰ १, २, ६; कलुप) डेाणुं; भेशुं; अस्प्रथ्ः

कलुस । तर (कलुप) अणु, तसु, जारपान, शह्ववाणुं. श्रस्वच्छ, कीचढ वाला; मेला; गंदा. Muddy; turbid. भग० १, ३; ७; ७, ६; झगुजो० १३०; स्य० २, ३, २१; श्रोव० २१; विशे० १४६६; श्रोघ० नि० ४८४; तंदु० १६; नाया० १;

कलुस पु॰ न॰ (कालुप्य) પાપ કર્મ; ચित्तनी ડામાડાેળ રિથતિ. पाप कर्म; बिगडी हुई मनोग्रत्ति. Sinful action; troubled condition of mind. स्य॰ १, ५, १, २७; सम० ३०; दसा० ४, १; २१; ८, २१; भत्त० ५२; नाया० १; ६; उवा० ६, १७०; —ग्राउलचेयः त्रि॰ (-ग्राकुत्तचेतस्) દાેષ પાપાદિકે કરી જેતું ચિત્ત મલીન છે તે. दोष पापादि से जिसका मन मिलन है वह. (one) whose mind is filthy on account of sin etc. दसा॰ ६, १५; २४; २४; —किञ्चिस.त्रि० (-किल्विप) अत्यन्त भक्षिनः ग्रत्यन्त मलिनः very filthy in mind. भगः १, ७, —समा-वरागः त्रि॰ (-समापनः) डाभाडीण रियतिने पामेल. डावांडोल स्थिति को प्राप्त. one who is troubled in mind. भग० २, १; ६,३३; ११, ६; नाया॰ ३; =; —हियय. पुं॰ न॰ (-हदय) हुप्ट-मिसत ६६५. दुष्ट-मलीन हृद्य. wicked heart. नाया० १६;

कलेचर. न॰ (कलेवर) शरीर, हें धरीर; देह. Body; physical body. जीवा० ३; ४; स्०प०२०; ठा०५, १; पत्त०१; जं०प०नाया०१२;

कलेसुय. न॰ (कलेसुक) એક જાવનું धास. एक जाति की घास. A kind of grass. सूय॰ २, २, १९;

क्षकलांचाइ. स्री॰ (*) वांसती धरंडीयी. बांस की कंडिया A small box of bamboo. श्राया॰ २, १, २, १०:

करल. न॰ (कस्य) आवती अक्ष; भीकी हिवस. श्रागामी काल; दूसरा दिन. Next day. निर॰ ३, २; विवा॰ ७; दसा॰ ७, १; नाया॰ ८; १४; १६; सु॰ च॰ ७, ११२;

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (१). देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) n. 15th.

भग० २, १, ३, १; १०, ६; श्रोघ० नि० १७३; विशे० १४७३: (२) आत अस; असातना सभय प्रेमात का सभय dawn. नाया० १; २, ४; ६; १३; १६: भग० १२, १, श्रयुजो० १६; उन्न० २०. ३४, श्रोव० १३; राय० २३६; उवा० १, ६३; (३) आरीज्य. नारोग: श्रारोज्य health. विशे० ३४४०;

कल्लाकिंत. य० (कल्पाकल्पम्) िनिधिन अत्येः, ६२रे।०४, हरएक रोज, प्रति दिन Day by day; daily नाया० ८, ६, १२; १४; १६; विवा० ३; ४. यत० ३, ८; १, ३; उवा० ७, १८४,

कल्लाण न० (कल्याण = कल्योऽत्यन्तर्मारु-क्तया मोत्त्रस्तमानयति प्रापमतीति कल्याया सुभड़न; इल्याण्डारी; श्रेयरडर, सुखकारी, कल्याणप्रदः श्रेयस्कर Causing ease; giving comfort yo wo a, ye, वव० १०, १; जीवा० ३, २; विशे०३४४१, सूय० २, ४, १२; दस० ४, ११, राय०२५. उत्त० १, ३८; ठा०३, १, श्राया० १, ७, १, १६६, स्रोव० नाया० १: ७; ३; १४: १६; १६; भग० २, १, ३, १: ७, १०; ६, ३३, पराह० २, १, सू० प० १=; उवा० ७, १=७; काप॰ १, ४; (२) ओ नाभनु पर्यं ज्ञातनुं अाउ, इस नाम का पर्वेग जाति का भाष् ह tree of that name पत्र । ; (২) એঃ अधारता आयश्चित्तत नाभ एक प्रकार के प्रायिश्वत का नाम name of a kind of expiation पि॰ नि॰ भा ॰३४; (४) तीर्थं-કરના છ કલ્યાણિકમાંનું ગમે તે એક ત્રોર્ય-कर के छ. कल्याणों में से कोई भी एक one of the six precepts of Tirthankars पचा॰ ६, २०; -कर Vol. 11/55.

करनेवाला. one who accomplishes welfare. नाया॰ १५; - कारय. त्रि॰ one who confers welfare. नाया॰ १; -दियहः पुं॰ (-दिवस) जिनेश्वरता पाय इस्थाण्डनी दिवस. जिनेश्वर् के पांच कल्याण का दिन. the day of the 5 Kalyānakas of a Tīrthankara. पंचा॰ ६, २६; — परंपना. स्त्रा॰ (-परंपरा) **કલ્યા**ણની પરમ્પરा कल्याण का परम्परा. continuation or remote standing of Kalyanaka भत्त॰ -फलविवाग पुं॰ (-फलविपाक) સુત્રના સુખવિષાક ૩૫ એક विधाः भाग विपाक सूत्र का स्खविपाक रूप एक भाग, a part of a Vipāk Sūtra called Sukha Vipāka. जं॰ प॰ १, ६; सम॰ ५५; -भागि त्रि॰ (-भागिन्) भेक्षिते अञ्चार मोच्च का सेवन करने वाला. one who enjoys final bliss दस॰ ६, १, १३; —संपया ह्यी॰ (-सपत्) **ક**ૃश्याशनी स पत्ति कल्यागा की सपत्ति पंचा॰ 2, 88;

कल्लागाग पु॰ (कल्याग्यक) पिंडिलेट धुनी।
वभत वीत्या पछी पिंडिलेट धाय तेनु प्रायश्रित औड इत्याख्ड तप विशेष प्रांतलेखना
का समय बीतने के पश्चात् प्रांतलेखना
कीजाय उसका प्रायाश्चित्त-एक कल्याग्यक तप
विशेष. A kind of expiatory penance for examining clothes etc.
after the time for it has elapsed श्रोघ॰ नि॰ भा॰ १७४; (२) ति॰
इत्याखुडारी. कल्याग्य कारी. advantageons. पन्न॰ २: नाया॰ १;

त्रि॰ (-कर) ४६थाणु ४२णु।२ कल्यामा निकल्लामि पुर (कल्यामिन्) ओ ४ व्यतनी

वनस्पति एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation. भग॰ २१, ४, (२) त्रि॰ इत्यालु शरी सुस्तकारी advantageous. पंचा॰ २, ४२;

कल्लाल. पुं॰ (कल्यपाल) हारू-ताडी वेंथनार: भीक्षवाक्षी. टारू-मद्य वेचनेवाला; कलाल. A liquor merchant. प्राणुत्री॰ १३१;

क्ष कल्लुय पुं॰ (कल्लुक) भे धेरियवादी। छन। दो इंद्रियों बाला जीव A kind of twosenged living being, पण्ण॰ १,

करलोल पुं॰ (कल्लोल) तरंग; ६६२. तरंग; लहर A wave. प्रव॰ १४६४; पगह॰ १, ३, श्रोव॰ २१;

कल्हार. न॰ (कल्हार) એક ज्यतनु सहेह क्ष्मेश. एक जाति का सफेद कमल. A kind of lotus white in colour. पन्न॰ १; कविचया. स्त्री॰ (कविका) એક ज्यतनुं सम.

भवाचया हा॰ (कवाचका) એક જાતનું કામ. एक जाति का पात्र A kind of vessel or utensil. भग॰ ११, ११;

कवड न॰ (कपट) ३५८. ७६; लापा अने वेभना ५४८। ३१ भाताने अन्यथा २५२ भे अनाववुं ते. कपट, छल; भाषा ख्रार भेष को वदल कर ध्रन्य स्वरूप का दिखाना. Fraud; deceit; disguise. नाया॰ २,६; जं॰प॰ भग० ७,६; स्थ० २,२,६२; प्रव० १६७; भत्त० १२३; राय० २०७;

कविट्टिया. स्री॰ (कपिर्दिका) है। डी. कोडी; एक प्रकार का सिका. A small, shell i. e. cowrie (used as a coin). सु॰ च॰ १, १७४;

क्तवयः पुं॰ (काच) अभत्तर, ३१२ वस्तर; कवचः An armour. राय॰ ५६; श्रोव॰ ३॰, पन्न॰ २; भग० ७, ६; नाया॰ २; (२) व्यक्ष; सभ्द नमृह; समुदाय. A collection: a net work. "मरीचि क्ययं विश्विमुश्रंते" जं० प् नाया १;

कचल. पुं॰ (कवल) है।णीये।. कारः प्राम. A morsel. श्रोव॰ १६; वव॰ =, १५; नाया० १; भग० ७, १; ६, ३३; २४, ७; प्रवं १६७; पचा० १३, ४६; १६, १८: —बत्तीस. त्रि॰ (-हात्रिंशत) अत्रीश वत्तांम कीर-कवल-प्राम. morsels. प्रव० ७४२: —बुद्धि. स्री० (- मृद्धि) यान्ध्रयण् वतभा शुक्ष पक्षना પડવાથી હમેશ એકેક કાેલીયા વધારે જમે છે જેમ કે પડવાના રાજ એક પછી અનુક્રમે भूर्शिभाना राज्य १४ ते अवस दृष्टि. कवल-मृद्धि— चांदायण व्रत में शुद्ध पत्त की एकम से तुमेशा एक २ कवल श्राधिक वढाते जाना-जैसे कि एकम को एक फिर अनुक्रम से पूर्णिमा को १५ कवल जेना. increasing of one morsel daily; i. e. taking of one morsel on the first day or bright half of a month and then increasing of one morsel daily. Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. This is observed in an austerity styled

कवलिक्जंत. त्रि॰ (कवल्यमान) भवातु. खायाहुआ. Eaten; taken as food. सु॰ च॰ २, ५३२,

Chandrayana. प्रच० १५७०;

क्ष कवज्ञ पुं॰ (:) लेहानुं हाम; इदाह. ता iron vessel; a cauldron. भग॰ ३, ३; कवज्ञी. स्त्री॰ (*) शिक्ष ઉકाળવાનું हाम

* लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुर्नार (+) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

गुड उबालने का बरतन. A. vessel in which treacle is boiled. विवा॰ ३; कवाड न॰ (कपाल) भे। परी. खोपडी. The skull. नाया॰ ४;

कवाड. पुं॰ न॰ (कपाट) કપાટ; ભારણું; हरवाओ. कपाट; द्वार. A gate; a door. उवा॰ २, ६४; प्रव॰ १३२७; पिं॰ नि॰ ३४७, जीवा ३, ४; श्रोव० सम० ८; श्रग्राजी० १४६; नाया॰ ज॰ प॰ मु॰ च॰ १, ४५; श्रंत॰ ६, ३; राय १७६; नाया० १८; सम० प० २१०; ज॰ प० ३, १३, (२) કેવલ સમુદ્ર્ધાત ક્રિયા મા કેવલી ખાત્માના પ્રદેશને બહાર કાઢી પ્રસારી કપાટને આકારે ખનાવે તે केवल समुद्धात किया में केवली की श्रात्मा के प्रदेश वाहर निकालकर श्रीर फैलाकर दरवाजे के श्राकार की भांति वना देना. Universal projection of the soul by a Kevalī by expanding it in the shape of a door. पन॰ ३६; —भयत्रः पुं• (- मृतक) भे क्षाय अथवा त्रश क्षाय જમીન ખાદે તા અમુક પૈસા આપીશ, એવી सरत કरी राणेक्षे। या इर. दो हाथ या तीन हाथ जमीन खोदनेपर इतने पैसे द्ंगा, इस शते पर रक्ला हुन्ना नौकर. a labourer engaged with the contract of payment of a fixed amount of wages in return for the work of a digging ground to a fixed depth e g. two or three arms ठा० ४, १;

कवाल पुं॰ न॰ (कपाल) धरानी अधिलाग. घढे का श्राधा भाग, घडे का श्रद्ध भाग. The half of an earthen pot विशे॰१६८७, दसा॰६,४; श्राया॰१,६,३,१०,(२) भरतक, भापरी. मस्तक, खोपडी a brain सु॰च॰ ५,५३; सूय॰ २,१,४८;

किव पुं॰ (किव) अविता अरनार किवता वनानेवाला; किव. A poet. ठा॰ ७; श्रमुजो॰ १३१;

कि पुं॰ (किप) वांहरे।. वंदर; वानर. A monkey. स्य॰ ॰, २, १०; विशे॰ ६६१; श्रोध॰ नि॰ ६४३; सु॰ च॰ १, २६;

कविज्ञल पुं॰ (किपञ्जल) ओक्ष्णतनुं पक्षी. एक जात का पर्जा A kind of bird; the Chātaka bird सूय०२,२,१०; पन्न०१; उवा०७,२१७;

कविंजलग पुं॰ (किंपिञ्जलक) लुओ ''किंवि-जल '' शण्टः देखो ''किंवजल '' शब्द Vide ''किंवजल '' पग्ह॰ १,१,

किवकच्छु. पुं॰ (किपकच्छु) એક જાતનी वेस हे कोने अरतां श्रीरभा भरक ઉत्पन्न थाय छे. एक जात की वेल जिसको स्पर्श होतेही शरीर पर खुजली उत्पन्न होती है A kind of creeper producing an itching sensation in the body by touch जीवा॰ ३, १; पगह॰ २, ५;

किंविट पुं॰ (किंपिस्थ—किंपिस्तिष्टस्येत्रोति किंपिस्थः) वाहराने गभतु अधु भीवाधु ६ ६ है। इंतुं ६ ६ वहुत बीजो बाला फल जो बंदर को प्रिय-रुचिकर होता है; कबाट. The fruit of the wood-apple tree full of seeds and much liked by monkeys ज॰ प॰ श्राया॰ २, १, ६, ४३; उत्त॰ ३४, १२. सू॰ १, १६, पन्न॰ १, २, प्रव॰ २४६; भग॰ १६, ६, २२, ३; दस॰ ५, १,२३ जीवा॰ १,३,४; निर॰ ३,², किंवियाः स्त्री॰ (किंविका) सगाम. लगाम

कवियाः स्त्री॰ (कविका) क्षणाभ. लगाम (जो घोडं वगैरह के मुह में स्त्रटकाई जाती

हे) A bridle. सु॰ च॰ १०, ६२;
किंवल. पुं॰ (किंपल) अपिल नामना भिन.
अपिल डेवली डे के राज्य पासे शुं भागतु
तेना वियार अरतां, पर्श्लामनी ६२२ श्रेष्णी

ઉપર ચડતાં, સંતાપ વળ્ચા અને ત્યાં કેવલ ज्ञान ७८५ थयुं हे तरतक श.सन हेवे આપેલ સાધુના વેષ પહેની, દીક્ષા લઇ ચાલી नी ४८था. कांपल नामक सुनि; कांपल नामक केवली जी राजा से क्या मागना ? इसका विचार कर रहे थे कि विचार करते करते परिणामोंकी ऊपर की श्रेणी पर चढ गये और उस प्रवस्था में उन्हें मंतीप प्राप्त हुया तथा केवलज्ञान उत्पन्न हो गया, तव व्यापन तुरंतही शासनदेव द्वारा दिया हुआ साधु का वेप पहिन कर दीजा ली श्रीर वहां से चल निकले. Name of a sage, who while pondering upon the boon that he should ask of a king, rose to a high stage of thoughtactivity, experienced contentment, attained perfect knowledge, became an ascetic, took Diksā and set out. उत्त॰ ६, २०; स्०च० १२, ५६; (२) लुरे। रंग. भूरा रंग. tawny colour. ज॰ प॰ भग॰ ૭, ६; (३) એક જાતનું કપિલ નામનુ पक्षी. एक जाति का कार्यल नामक पत्ती.. a kind of bird. परह० १, १; ज॰ प॰ श्रोव॰ (४) કપિલ મુનિ–સાંખ્યશાસ્ત્ર પ્રણેતા अने तेना अनुयायिया कपिल मुनि श्रीर उस मत के श्रवयायि-माननेवाले. name of the founder of the Sankhya system of phylosophy also a follower of Kapıla. श्राव॰ ३८.

कविलग्रः पुं॰ (कांपेलक) राखुना पुद्दसना ५६२ प्रकारमांना ओक्ष. राहु के पृद्गल के पंद्रह प्रकार में से एक One of the 15 varieties of the molecules of which the body of Rāhu is made. सुरु पर २०:

कविस्तायण पुं॰ (किपशायन) ओं इन्ततनी भिंदि। एक जाति की दार A kind of intoxicating drink पन्न॰ ३७;

कविसीसन्त्र पुं॰ (किपशीर्षक) लुओ।
'कविसीसग ''शण्ड देगां ''कविसीसग''
शब्द. Vide 'कविसीसग '' राय॰ ॰०४,
जीवा॰ ३, ४;

किवसीसग पुं० (किपिशीपंक) केशिशा;
गढभांथी गढार लोवाने तेमां भुकेश वांदराना भाथाने स्थाक्षरे लांका कंगरा. गढ से
वाहिर देखने के लिये उसमें रखे हुए वंदर के
सिर के आकार के छेद. An indentation or hole in the wall of a
fortification resembling a head
of a monkey. श्रोव॰ जं॰ प॰ नाया॰
प्र: श्रत॰ १, १;

कविहसिय न॰ (किपहिसित) आश्राशभां अश्रमात् भक्षती भयं हर ज्याक्षा हेभाय ते. श्राकाश में श्रकस्मात दिखाई देनेवाली भयं कर ज्वाला Unexpected, sudden flames in the sky. श्रगुजो॰ १२७. जीवा॰ ३,३:

कवेस्नक. पुं॰ (-) पात्र विशेषः भ्देति इडाध. पात्र विशेषः व्ही कढाई. A utensil; a big cauldron भग॰ ३, १;

कचेल्ल्य. पु॰ (*) निक्षिया. कवेल् A tile. जीवा॰ ३, १; (२) म्हें।टी इंडाध; इंडाधें थें। वडी कडाई. a large-cauldron जं॰ प॰ २, ३८;

कवोड- ५० (कपोत) भारेवं. कबूतर A

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने।ट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

dove. पि॰ नि॰ २१७:

कवोतालि. स्री॰ (श्रक्पोतालि - कपोत पार् लंका) विटंड; पक्षीने पालवानी ज्या. पित्त्योंको पालेन की जगह. A place set apart for taming birds. जीवा॰ ३,३; कवोय. पुं॰ (कपोत्त) डणुतर; पारेवे। कवृतर

A dove, a pigeon. जीवा॰ ३; पन्न॰ १, ग्रोव॰ श्राया॰ २, १०; १६६; उवा॰ ७, २१७; जं॰ प॰ २, २१; —सरीर न॰ (-शरीर) पारेवाना शरीरना २ ग्याणुं ६६, १७ं, कबूतर के शरीर के समान रंगनाला फल, भूरा कोला. name of a fruit of the colour of a dove; a kind of pumpkin gourd. भग॰ १५, १;

कवायग. पुं॰ (कपोत्तक) भारेषु कवृतर
A dove; a pigeon. सूय॰ २, २, १०;
कवोल. पुं॰ (कपोल) भाक्ष; समधा गाल॰
A cheek; the temples. जीवा॰ ३,
३: श्रोव॰ १०; जं॰ प॰ — मूल न॰
(-मूल) भाक्षनु भूस, समधा. कनपटी
the temples. कप्प॰ ३, ३३;

कच्च. न॰ (काच्य) अव्यः, अविनी धनावेश इति. काच्यः; किंव की बनाई हुई किंवता A. poem; the work of a poet. श्रमुजो॰ १३०; ठा० ४, ४; जं० प० प्रव० १२४१; सु० च० १, १;

कव्बड. पु॰ (कर्वट) धुत्सित नगर; अशी-िशतं शहेर. शोभा रहित शहर. A city devoid of beauty. नाया॰ =, १६; भोव॰ ३२; स्य॰ २, २, १३; पगह॰ १, ३; जीवा॰ ३, ३; भग॰ १, १; ३, ७; ७, ६; जं॰ प॰ ३, ६६: कच्चर प्र पुं॰ (कर्चटक) ७६मा अहत्ं नाम. ७६ वे यह का नाम. Name of the 76th planet. सू॰ प॰ २०;

√ कस. था॰ II (क्रश) शायववुं; सुक्षी नाभवुं शोषण करना; शोखना, सुखा डालना To dry up; to cause to evaporate.

कसेहि. श्राया० १, ४, ३, १३५;

कस पुं० (कश = कस्ते शासनयात्रासजनंयित ताइयित वेति तथा) थाणेभी; है।रेडी। चाडुक A whip. पग्ह० १, १; ३; २, ५; ज० प० उत्त० १, १२; १२, १६; विवा० ६; दसा० ६, ४; विशे० २०४२; (२) ६२ थथवा अव (संसार). कमें या संसार. Karma; worldly existence विशे० १२२=; २६७=; — प्पहार. पुं० (-प्रहार) थाणेभाना प्रकार चाडुक का प्रहार, चाडुक की मार. a stroke or lash of a whip. विवा०३, नाया०२, १७; कस. पुं० (कप) धसीने ६से।टी ६२वी ते कसोटीपर लगाना. Testing on a touch-stone. पंचा० १४, ३६;

कसट्ट न॰ (*) इसतर; इयरे। कचरा Refuse; dross श्रोघ॰ नि॰ ५५७;

कसाद्धिय. पुं॰ (कशपष्ट) इसीट्टीने। पथरे।. कसोटी का पत्थर. A. touch-stone. भग॰ ५, २;

कसर पु॰ (*) भल्लुसवाथी ઉत्पन्न थयेथे। रे।गः; भस खुजाने से उत्पन्न रोगः; खाज. A skin disease caused by scratching; itches. " कच्छूकसराभि भूया" भग॰ ७, ६, जं॰ प॰ —श्रभिभूय. त्रि॰ (-श्रभिभूत) भालना रे।गथी पीऽ।-

^{*} जुओं पृष्ट नम्भर १४ नी प्रृटतेष्ट (*) देखों पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

थेले।. खाज के रोग से पीडित. (one) suffering from itches. भग० ७, ६; कसाय. पुं॰ (कपाय) अगवां वस्त्र. भगवां वल्र. A red cloth or garment. दसा॰ ६, ४; (२) इसायेक्षा रस. कमाया हुन्ना रसः उतरा हुआ रसः चितत रस. astringent taste. जीवा॰ ३, १; प्राया॰ ५, ६, १७०; उत्त० ३६, १८; पञ्च० १; नाया० १; १७; जं॰ प० निसी० २, ४४; भग० २, १; १७, ३; १⊏, ६; २०, ५; २१, ७; २४,१; दस० ४, १, ६७; सम० २२;ठा० ૧, ૧; (૩) પષ્ટ્રણયણા સ્ત્રના ત્રીજા पहनुं सातभां द्वारनुं नाभ परारावरणा (प्रज्ञा-पना) के तीसरे पद का सातवां द्वार. name of the 7th Dvara of the third Pada of Pannavanā Sūtra. पन्न॰ ३; (४) પ્રज्ञापनाना ચઉદમાં પદનું નામ જેમાં ક્રાધાદિ ચાર કપાયનું વર્ણન आंधेलुं छे. प्रज्ञापना क चौदहवें पद का नाम जिसमे कोधादि चार कपायों का वर्णन है. name of the 14th Pada of Prajñāpanā dealing with the four Kaśayās. पन ॰ १; (ч) सात સમુદ્ધાતામાંની ખીજી સમુદ્ધાત-જેમાં કષાય માહનીય કર્મની નિજ રા થાય છે. सात समुद्धातों मे से दूसरी समुद्धात जिसमें कषाय मोहनीय कर्म की निर्जरा है।ता है. the 2nd of the 'seven Samudghātas in which there is Nirjarā of Kasāya Mohaniya Karma. प्रा ३६; (६) જીવના શુદ્ધ સ્વભાવને કર્મરૂપ મેલ લગાડી મલીન કરે અને સ સારની વૃદ્ધિ કરે તે ક્રાધ, માન, માયા અને લાભ. जावके शुद्ध स्वभाव को कर्म रूपी मेल लगाकर मालन करने वाले तथा संसार भ्रमण की शृद्धि करने वाले क्रोध, मान, माया और लोभ

ह्य क्याय. the four moral impurities viz. anger, pride, deceit and greed which obscure the spotless nature of the soul and cause it to wander in the cycle of worldly existence दस॰ ८, ४०; १०, १, ६; भग० १७, ३; २४, १; क० गं० १, ४१; ४, ६३; पत्र० १४; भत्त० ४८; गच्छा १७; पंचा १०, ४२; काप० ४, ६५; जीवा० १; नाया० ५: श्राया० १. ८, ७, २; उत्त० ३१, ६; श्रयुको० १२७; श्रोव॰ १६: — ऋईय. त्रि॰ (-श्रतीत) કવાયરહિત જીવ; કપાય (કપ + આય) સંસારની પ્રાપ્તિ કરાવનાર: ફ્રાધાદિથી રહિત. कपाय रहित जीव: कपाय (कप+श्राय)-संसार की प्राप्ति-कराने वाले कोधादि भावासे रहित. (a soul) free from Kaṣāya i. e. anger etc. which are the causes of worldly existence. विशे॰ ७७७; — उदय पुं॰ (- उदय) કષાય–ક્રાેધ, લાેભ વગેરેતા આવિર્ભાવ. कषाय-कोध लोभ आदिका आविर्भाव (शृद्धि). rise, manifestation of Kasava i. e. anger greed etc. क॰ प॰ १, ४२; ६, ७४; - कलि. पुं० (-कलि) ध्याय रूपी अंक्षेश कवाय रूप क्लेश. mental agony, trouble in the form of Kasāya, such as anger etc. মন্ত १४१; —च उक्क न॰ (-चतुष्क) ३५।७५ी ચાકડી, ફ્રોધ, માન, માયા અને લાભ. कषाय की चोकडी; क्रोध, मान, माया, श्रीर लोभ. the group of the four passions viz. anger, conceit, deceit and greed क॰ गं॰६,७७;-जय. पुं॰ (-जय) ક્રોધ, માન, માયા અને લાભ એ ચાર ને જીતવ ते; ५९।य ०४५. फोघ, मान, माया श्रीर ले।भ

इन चारों को जीतना conquest over the four passions viz anger, conceit deceit and greed. प्रव॰ ५६२; —हग. न० (-श्रष्टक) ક્**षाय**नी આડ પ્રકૃતિ; અપ્રત્યાખ્યાની અને પ્રત્યાખ્યાન नी ये। इंडी. क्षाय की ब्याठ प्रकृति-भेदः श्रप्रत्याख्यानी श्रीर प्रत्याख्यानी चीकडी the eight-fold nature of Kasāya vız. four Apratyākhyānī and four Pratyākhyānī क॰ ग॰ ६, =२; — गिड्यत्ति. स्री॰ (-निर्वृत्ति) है।धाहि **५**षायनी ७८पात्त कोधादि कषायों की उत्पत्ति the rise of Kasāya viz anger. etc भग० १६, =; — पचक्खारा न० (-प्रत्याख्यान) हे।ध आहि કषायने। त्याग. को वादि कवाय का त्याग. giving up, abandoning Kasāya i e anger etc. उत्त॰ २६, २, —पडिसंली गुता स्री॰ (-प्रातिसंजीनता) अषायने। सय अर्वे। ते कषाय का लय करना-नाश वरना destruction, assuaging of Kasāya भग० २५, ७, —पिसाञ्च. पु० (-िपशाच) કપાય रूपी पिशाय कषाय रूप पिशाच. a ghost, an evil spirit in the form of Kasāy. भत्त॰ ५७, — देएमाञ्च पुं॰ (-प्रमाद) ध्यायरूप अभार. कवायरूप प्रमाद. negligence, blunder in form of Kaṣāya. ठा॰ ६. १; -मोहांग्रज्ज. न॰ (-मोहनीय) अपायरूप માહનીય કર્મની પ્રકૃતિ. मोहनीय कर्म की कषायरूप प्रकृति. a variety of Mohanīya Karma in the form of Kasāya उत्त॰ ३३, १०; —रस. त्रि॰ (-रस) ક्સાયેલા २स कशाय-कडवा रस astringent in taste भग॰ =, १; <u>--चयरा</u> न० (-चचन) हे।ध्युक्त पथन

शुस्साना शण्ह कोधयुक्त वचनः गुस्सा भरे शब्द. angry words स्य॰ १, ३, १, १४; —विउस्सग्ग पुं॰ (-ब्यु सर्ग) **કસાયના પરિત્યાગ. कषाय का परित्याग.** giving up, abandonment of Kaṣāya i. e anger etc. भग॰ २५, ण्; —विजय पुं॰ (-विजय) है।धाहिड अधायते। विजय अरवे। ते कोधादि कपाय पर विजय प्रात्प करना. conquest over Kasāyai e. anger etc. प्रव ०१५२६; —समुग्धाय. ५० (-समुद्धात-कपायै कोधादिभिईतुभूतैः समुद्धातः कपाय समु-द्धातः) ક્રેલાદિ કષાયને ઉદયે જીવના પ્રદેશ शरीर अंहर अने अक्षर विस्तरवाथी नेत्र વિકાર કે મુખવિકારનું થવું અને કષાય માહ-નીયના ભાગવટા કરી કષાયના પુદ્રલાને निक्र रेया ते कोधादि कषाय के उदय से जीव प्रदेशों का शरीर के भोतर श्रीर वाहिर विस्तृत हो जानेसे नेत्र विकार या मुखाविकार होना श्रीर कवाय मोहनीय कर्म का भोगने पर चय होजाने से कषाय पुद्रलों की निर्जरा होना. deformation in eyes and face caused by the expansion of the molecules of soul in the body due to the use of Kasāya (passions) and destruction of the molecules of Kasāya after enduring them. सम॰ ६. जीवा॰ १, ठा० ४, ४; भग० ११, १, २४, १; ३४, १; पञ्च० ३६,

कस्तायकुसील. पुं॰ (कपायकुशील = कपाये मंज्वलन क्रोधाधुदयलच्ये कुशील. कपाय-कुशील:) अधाययुक्त; साधु; ७ अक्षारता निर्श्रथभांना स्पेष्ठ. कषायवाला साधु कोषादि भावयुक्त साधु; छ प्रकारके साधुत्रों में से एक. An ascetic full of Kaṣāya, one of the six kinds of Nigrauthas i.e. ascetics. भग०२५, ६; पग्ह० ६३;

कसाय कुसीलत्तः न॰ (कपाय कुशोलत्व) इपायकुशीलपण्डाः कपाय भावते कुशीलपणः Evil conduct arising from Kasatya. भग॰ २४, ६:

कसायपद. न॰ (कपायपद) पत्रपणा अत्रता वेश्या पहतुं ताम प्रज्ञापना सृत्र के चीये पट का नाम. Name of the fourth Pada of Pannavana Sutra. भग॰ १८, ४;

कसायात. पुं॰ (कपायात्मन्) अपायवाणी आत्मा. A soul full of Kasiiya. भग॰ १२, १०,

कसाहि. पुं॰ (कशाहि) ओड ज्यतने। भुडुबित सपं. एक प्रकार का मुकुलित सपं. A kind of anake. पन्न॰ १;

कसि. पुं॰ (कृषि) भेती; કृषिक्षभे. खेती, कृषि. Agriculture. जीवा॰ ३, ३: क॰ प॰ २, ६४;

कसिंग, त्रि॰ (कृत्स्न) पुरेपुर; संपूर्ण परि-

पूर्ण: संपूर्ण. Whole; full; all; entire. दसा॰ १०, ११; निसी॰ ६, १२; श्रोव॰ ४०, श्राणुजो॰ ४०; भग॰ २, १०; ६, ३१; दस॰ ६, ४०; नाया॰ १४; जं॰ प॰ ७, १६६; (२) अ५६; १०३१थेस नहीं; ५ १६त न थरेस सगम्रः श्रखडः हकडे वगरह जिसके न हुए हों वह. unbroken; entire. कप्प॰ १, १; ५, १६, क॰ प॰ ७, ३; ४५; श्राया॰ २, १, १, २; वेय॰ ३, ४; निसो॰ ४, १६; (३) पुं॰ ५१२५६१ स्ट महास्कंघ, सवसे वडा स्कंघ. a perfect, complete Skandha or molecule. विशे॰ ६६७; — श्रद्भपुडः पुं॰ (-श्रभपुट) सम्पूर्ण अश्रभ९४स

(शाहस) ने। पड. सम्पूर्ण बादल का पटल; सम्पूर्ण अअपटल The entire vault of the sky. "किसण्डम पुडावगेगव चंदिमा" दस॰ ६, ६४; — च्रण्यः पुं॰ (-चणक) आभा अणाः अरांड चनाः chick-pea, gram. प्रव॰ १०१०; — संग्रमः पुं॰ (-संग्रम) सर्वरीते सावद्यनाः त्यागः सर्व विरतिः सावद्य का त्यागः पापानुष्टान का सर्वथा त्यागः सर्व विरतिः complete renunciation of sinful things. पचा॰ ६, ४०;

किस्सिण, त्रि॰ (कृष्ण) आणुं; आणाशवाणुं, काला, Black, "श्राणामिय चावरुइरत्तः गु किसिण मिध्धभूया" जीवा॰ ३, २, सु॰ च॰ २, २३६; पञ्च॰ २; श्रीव॰ १०; ठा॰ १०; कप्प॰ ३, ३६; क॰ गं॰ १, ४२;

किसिणा. स्री॰ (कृत्स्ना) के आयश्चित्तभां अधिक समार्ध शहे नहीं ते; आयश्चितनी अधिक आमिल न हो सके वह प्रायश्चित्त में प्रायश्चित का एक भेट.

A variety of expiation; an expiation which has reached the highest limit and which cannot admit any more. ठा॰ ४, २; सम॰ २=;

कसेरु पुं॰ (कशेरु) पाणीमां ७८५० थते। इशेरु नामने। असिद्ध इंद्र पानी में पैदा होनेवाला कशेरु नामक प्रसिद्ध कंद्र A bulbous root growing in water and named Kaseru पन्न॰ १;

कसंस्म. पुं॰ (कसेस्क) इसे३ नाभनी पाणी-मां उपती वनस्पति. पाना में उत्पन्न होने-वाली कसेरु नामक वनस्पति. Name of aquatic plant. सूय॰ २, ३, १८; श्राया॰ २, १, ८, ४७;

कस्सई. अ॰ (कस्यचित्) डेार्ध એકनुं.

किसी एक का. Of some one; belonging to some one. दस॰ ८, १०; कह. था॰ II (कथ्) કહેવું, ખાલવું. कहना; वोलना. To tell; to speak; to say. कहेड्. निसी॰ ८, २; नाया॰घ॰उवा॰१, ६०; कहंति. श्रोव० २१; कहिंति. नाया॰ १६; कहिजा वि॰ दस॰ १०, १,१०; कहिज वि० पिं० नि० ३१४; कहाहि न्या॰ सूय॰ १, ११, ३; कहसु. ष्राज्ञा० सु० च० १, ४६; कहेस्. सु० च० ५, ६; कहय. उत्त० २४, १६; कहेमार्ग. इसा० ३, २६; सम० ३३; कहमाण. गच्छा० ३२; कहिउं. सु० च० ३, ८२; क्रिक्रिज्ञ . क॰ वा॰ विशे॰ ५ = ५: कहिजाउ क॰ वा॰ सु॰ च॰ ४, २४०: कहिजाहि. क० वा० श्राज्ञा० पि० नि० ४३२; कहिजांत. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ सु॰च॰ ७,१४६; कह. घ्र॰ (कथम्) हेभ; शाभाटे, हेवी रीते. क्यों; किस्तिये; किस तरह. Why; how. नाया॰ २; ६; ७; भग० ७, ६; कहं. घ्र॰ (कथम्) हेभ ? शामाटे? हेवीरीते? किस प्रकार ? How? why? नाया॰ 9; २; ६, ७; ६; १०; १८; भग० १, ३,२, ५; ३, १; ४, ४; ६; १४, १; १६, ६; २०, ६; २४,८, दस०२,१;४,७;६,२·२४;२४,दसा०४, १०५; विशे० ३०, १२७; सु०प०१; स्य०१, १, ३; १०; १, २; ३; जं० प० ७, १४१; कहंचि. श्र॰ (कथंचित्) डेाध प्रधारे; किसी त्रकार से In some way or other; some how or other. पंचा॰ ५, ३५; $\sqrt{$ कहकह ना० घा० $ext{II}\cdot($ कहकह $\,)$ ५५५७ भेवे। आवाल धरवे। कहकह ऐसा श्रावाज करना. To make a sound resem-Vol 11/56.

bling the sound of the word Kahakaha.

कहकहति. जीवा॰ ३, ३;

कहकहंत. परह॰ १, ३; जं० प॰ ४, १२१; कहकह. पुं॰ (कहकह) धणा प्रधाने। भुशा-सीने। अथाप. कोलाहल; शोर. Bustling noise. राय॰ =६;

कहकहन्र पुं॰ (कहकहक) आनं हेनी इस-इस शण्ट. आनंद का कलकल शब्द. A. joyous bustling sound. ठा॰ ३, १; कहकहक. पुं॰ (कथकथक) इहुइहु अने। भुशासीना भाषार. 'कहकह' रूप हर्षोद्धार; खशाली की पुकार. A joyous sound resembling the pronounciation of the word Kahakaha. आया॰

२, १४, १७६;
कहकहम. पुं० (कहकहक) डे।साह्रस. कोलाहल. Bustling sound. कप्प० ४, ६६;
कहम. पुं० (कथक) डथा डरनार; डथा ७५२
आळिविडा यसायनार. कथा करनेवाला; कथा
करके आजीविका करनेवाला A professional story-teller राय० अगुजो०
६२; ओव० जं० प० निसी० ६, २२; जीवा०
३. ३; कप्प० ५, ६६; प्रव० ६३६;

कहरा. न० (कथन) ४थन; वर्शन; ४६ी जना-ववुं. कहना; कथन; वर्शन. Telling; describing; narrating. विशे० ६६४; पिं० नि० ६०; १६०; १६२; सु० च० २, ३५०; नाया० ६; नेदी० ४१;

कहराा. स्त्री॰ (कथन) ५थन. कयन. Narration विशे० ८४६; पंचा०६, १३,१२, १५; कहिन. अ॰ (कथमि) ६: ५ ५७ रीते. कोई भी रीति से. In some way or other; anyhow. गच्छा॰ ६६;

कहा. स्री॰ (कथा) કथा; वार्ताः; सभायारः કथा-वाद, જલ્પ, वितंडा, પ્रકीर्णु अने

निश्रय એ पांच प्रशस्ती ध्या. कथा; समा-चार; वार्ता-बाद, जला, वितंदा, प्रकीर्ण थीर निश्चय, ये पांच प्रकार की कथा. A story; a news; a description. '' तिविहा पग्ग्ता तंजहा कहा श्रत्थ कहा धम्मकहा कामकहा " ठा० ३, ३; गच्छा० ११५; ऋष० ३, ४६; भग० २, ४; ७, ६; ६, ३३; ११, ११; दस० म, ४२; नाया० ३; ३, ४; म, ३३, ३३; सम० ९; १२; उत्त० १६, ६; २६, २६; श्रोव० ११: ३=, दमा० ३: २६; ३९; निर्मा० =, १; डवा० २, ११७;—म्ब्रहिकरण्. न॰ (-श्रधिकरण) ३थाना अधिशरवाणुं. क्या का वर्णन करने वाला शाझ. A scripture containing stories or teaching through stories. दशः ६, २५; —समुलाय एं॰ (-मसुताप) परस्पर वार्ताक्षाप, परस्पर वार्तालाप: आपस में बानचीत. mutual conversation. नाया० ५; ६;

कहाणा. न॰ (कथानक) ५था, वातः कषाः कथानकः वर्णेन. A story; a narration. नंदा॰ ४०;

कहि. ति॰ (कथिन्) ३९ेना२. कहने वाला. (One) who tells; a teller. "महाधम्म कही" टवा॰ ७, २१८; जं॰ प॰ १, १;

कहि. य॰ (क) ध्यां; ध्ये देशाले. कहां; किय जगह. Where? at what place? जं॰ प॰ जीवा॰ ३; नाया॰ १३; पन्न॰ २; भग॰ २, १; ७; ३, २; ६, १; ६, १; १२, १; १३, ४;

कहिश्र-यः ति० (कियत) अरेक्षं. कहा हुआ।
Told; narrated. नाया० १, २; ४; ६;
१६; भग० १, १; २, १; पंत्रा० १७, ३०;
किंद्रे. अ० (क) ३५ं। ? कहाँ ? Where?

जीवा० १; राय० नाया० =; १३; १४; १६; मु० च० ३, ६२; भग० २, १; ३, १; ६, ५, ३; ६, ४: ७, ६; ६. ३३; १४, १; १५, १; ३२, १; श्रगुत्त० १, १; भि० नि० ३७६; मृ० प० १;

कर्तिः श्र॰ (करा) ४४१रे. कवः किय समय. When ? भग० २०, =;

किंदि. प्र॰ (किंदिन्) ध्यांयपणु; शिध्रथेते. वहाँ भी; किसाभी स्थान पर. In some place or other विशे०१६२०,नाया० १;श्राया०१,७,२,२०३; किंदित. ति॰ (किंयत) ध्देत. वहा हुशा Told; said; marrated. स्०प० १;

कहित्तार. ति॰ (कययितृ) अदेनारः शेक्ष-नारः कहनेवाताः योत्तने वाता. (One) who tells; a teller; a speaker. दसा॰ ३. ३१: उत्त॰ १६, ६; सम॰ २;

कहेत्तार ति॰ (कथियति) ३६नार कथन करने वाला; कहनेवाला A speaker; a teller; (one) who tells. "इत्थि-कहं भत्तकहं रायकहं कहेत्ता भवह" ठा॰ ४, २; मंग॰ २२;

कहार. न॰ (कल्हार) संध्या विश्वशी सहेंद्र श्यथ. संघ्या का फूलने वाला सफेद क्मल. A white lotus blooming in the evening. स्य॰ २, ३, १८;

१०; नाया० १४; १६; विशे० ६६=; काही. नाया० ध० ६; दस० ४, १०;

काहिंति. भग० ३, १; १४, १; नाया० १; नाया० घ० १०; श्रोव० ४०; उत्त० ६, १६; पिं० नि० २३६;

काश्रसी. भृत॰ सूय॰ १, १, ३, ८; श्राया॰

१, १, ४, ३१, उत्त॰ १, १०; काऊर्एं. जं॰ प॰ नाया॰ १८, १६; विशे० १४२: पिं० नि० ३; भग० १४, २: काउं. सं० कृ० भग० १, =; ३, ५; ६, ३३; १४. १: सु० च० १. २०७; दसा० १०, १; नाया० ध०; नाया० १६; श्रोव० ४०; पि० नि० भा० ३०: काउं. हे॰ कु॰ भग॰ ४, २; नाया॰ १८: कट्टू. सं० कु० दस० =,३१, वेय० १, ३७: ७, १७, स्० प० १; पन्न० ३६; श्रोव० ११; जं० प० ४,११५; ११२; १२२; २, ३३; ३, ४४; श्रगुजो० १३; ७१: निसी० ७,३१; १४, १२; १८, १७; श्राया० १, ५ १, १४४; २, १, ३, १४; उत्त॰ ३, २; ११, नाया० १; ४; ६; १४; भग० १, १: २, १; ४; ३, १; ४, ४; ६, ४; ७, ६,६,३१; १६,५; वेय०१,१३;४, ५; √का था॰ I. सं॰ कृ॰ श्र॰ (कृत्वा) ५रीने. करके. Having done.

किश्वा. नाया० १; ६; १४; १६; श्राया० १, ७, ६, २२१; सूय० १, १, १०; श्रोव० ३=; भग० १, १; =; २, १; ३, १; ७, ६; =, ४; १४, १; दस० ५, २, ४७; =, ४६; निर० ३, १; दसा० ६, १; ६, ११;

काइ अ॰ (काचित्) है। छै। लिति विशेष प्रधि. कोई स्त्री जाति विशेष वस्तु Somebody; someone; (said of of an object in the feminine gender) वेय॰ ४, ११; विशे॰ १२२;

काइय नि॰ (कायिक-कायेन शरीरेग नि॰ वृंत्तः कायिकः) शरीरसंभन्धीः शारीरिकः शारीरिकः शारीरिकः शारीरिकः शारीरिकः शारीरिकः शारीरिकः शारीरिकः Physical; re-lating to the body. श्राव॰ १, ४; श्रोव॰ ३२; विशे॰२३३;३४४ उत्त ३२,१६;

काइयाः स्त्री॰ (कायिकी) शरीरना व्यापारथी थती क्रिया; पांच क्रियामांनी ओक्ष. शरीर के व्यापार से होनेवाली क्रिया; पांच में से एक क्रिया. One of the five activities viz. physical activity. पन्न॰ २२; सम॰ ५; ठा॰ २, १; श्रोघ॰ नि॰ २४१; भग॰ १, ६; ३, १, २; ६, ४, ६; ६, ३;

काई. न॰ (काकी) क्षांश्री. कौवी (कौवा का स्त्री लिप्त). A female crow. विवा॰ ३; —-ग्रंडग्रा. न॰ (-ग्राएडक) क्षांश्रीता ध्रीत. कौवी का ग्रंडा. an egg of a female crow. विवा॰ ३;

काउ. स्रो॰ (कापोर्ता) धापीत क्षेत्रयाः पारे-વાના રંગ જેવા કર્મ સ્કધા કે જેના યાગે જીવને તદ્દન કાળા નહિ પણ સફેદની ઝાંઇ-વાળા પરિણામ થાય તે કાપાત લેશ્યા. कापीत लेश्या; कबूतर के रंग के समान कर्म-स्कंध, जिनके संयोग से जीव के विलक्कल काले परिगाम न होकर सफेदी की मांईवाले परि-णाम हो ऐसे परिणामो को कापोत लेखा कहते हैं. Dove coloured tint; grey colour of Karmic molecules resembling that of a 'dove. पদ্গ০ १७; उत्त० ३४, ३; ५६; क० ग० ४, १६; जं० प० ५, ११४; —लेसा. न्नी॰ (-तिश्या) छ **देश्याभांनी त्री**छ **आपीत क्षेत्र्या. छः लेश्यात्रों में से तीसरी** कापोत लेखा. the third of the six matter or thought tints viz. dove coloured tint भ्राव०४, ७; प्रव॰ १९७३; —लेस्सा स्त्रा॰ (-लेरया) કાપાત લેશ્યા: પારેવાના રંગ જેવા કે અલ-સીના પુલ જેવા કર્મ સ્કંધા કે જેના યાેગે તદ્દન કાળા નહિં પણ કંઈ સફેદની ઝ.ઇ-વાલા આત્માના ભુખરા પરિણામ થાય તે. कापोत लेश्या अर्थात् कवृतर के रंग के समान

कर्मस्कंथों के सयोग से होनेवाले जीव के ऐसे परिणाम चो विलक्षल काले नहीं किन्तु सफेदी की कांई लिये हुए हाँ. dove coloured Karmic molecules which impart a grey colour to the modifications of the soul; dove coloured tint. भग० १, १; ७, १, १६, १; ३१, ४; ३४, ४; ३४, ४; ३४, ४; जीवा० १; ठा० १, १;

काउग्रागिवराणाभ त्रि॰ (कपोताग्निवर्णाम)

क्षेपात अथवा धभेल अन्तिना वर्ण केवी

क्षेति केनी छे ते. कवृत्तर ग्रथवा धमो हुई

ग्राग्न के वर्ण समान One whose

colour is grey like that of a

dove or like that of a fire

blown with a blower. दसा॰ ६, १;

काउंचरि. पुं॰ (काकोदुम्बरि) એક જાતનું

अाउ.. एक वृक्ष का नाम. A Kadamba

tree; a kind of tree. जीवा॰ १;

काउंचरिय. पुं॰ (काकोतुम्बारिक) ११६ विशेष. एक तरह का भाड. A kind of tree. भग॰ २२, ३;

पन्न० १;

काउकाम. त्रि॰ (कर्तुकाम) કरवानी धन्छ। वाणुं. करने की इच्छा वाला. Desirous of doing or performing. स्रोध॰ नि॰ ५३७:

काउज्ज्ञ्ययाः स्त्री॰ (कायर्ज्जकता) शरीर ये।गनी सरणताः सीधापण्डं. शर्रार योगका सीधापनः शरार योग की सरत्तता. Straightforwardness of physical activities. ठा॰ ४, १; भ्री॰ ६, ६;

काउदर. पुं॰ (काकोदर) એક જાતના ફેચુવાળા સર્પ. एक प्रकारका फन वाला सर्प A kind of hooded serpant पन्न॰ १; काउरिसः पुं॰ (कापुरुप) अथर; भीअ्षु.
कायर; डरपोंक. Timid; cowardly.
गच्छा॰ २७; सु॰ च॰ ७, १६४; श्राउ॰ ६४;
काउलि श्रो॰ (काकोली) એક જાતની
पनस्पति. एक तरह की वनस्पति. A kind
of vegetation. भग॰ २३, ५;

काउसग्ग. पुं॰ (कायोत्सर्ग) अथाना व्यापारने। त्याग अधिसण अरने। ते, शारीरिक
किया का त्यागः कायोत्सर्ग करना. Act
of stopping the activities of
the body and meditating upon
the soul. श्राव॰ १, १; कप्प॰ ६, ५२;
नंदी॰ ४३, उत्त॰ २६, ३८; २६, २; वेय॰
१, १६; नाया॰ १; ५; भग॰ २, १;
(२) आदश्यक सूत्रके पांचवे श्राध्याय का
नाम name of the fifth chapter
of Avasyaka Sūtra. श्रग्रुजो॰ ५६;

काम्रोदर पुं॰ (काकोदर) એક જાતના सर्थ. एक प्रकार का सर्प. A kind of serpant. पगह॰ १, १;

कान्त्रोय. पुं॰ (कापोत) क्रुओ। "काड" शण्ह देखो "काड" शब्द Vide "काड" पन्न०२, कान्त्रोली. स्नी॰ (काकोली) એ नामनी ओड वनस्पति एक वनस्पति विशेष का नाम. Name of a kind of vegetation.

कांची स्त्री॰ (काञ्ची) डांચी नामनी ओंड नगरी। कांची नाम की नगरी. Name of a town. प्रव॰ =॰६;

पञ्च० १:

काक. पुं॰ (काक) आउँडा कौत्रा. A crow.

काकंतिश्र पुं॰ (काकन्तिक) थे। इंडी. लोमडी॰ A fox जं॰ प॰

कांकंदिया स्त्री॰ (काकंदिका) धांध्री नाभनी नगरी काकंदी नामक नगरी. A town

named Kākandī. नाया॰ ६;

काकंदी स्ती॰ (काकन्दी) जितशत्रु राजनी अधंदी नामनी नगरी देकोमां घला अख्गारने। जन्म थेथे। ढती. जितशत्रु नामक राजा की एक नगरी जिसमें कि धना अखगार का जन्म हुआ था. A town named Kākandī belonging to king Jitaśatru where the ascetic Dhannā was born. अखुन्त॰३,१; ठा०४,१; काकखी स्ती॰ (काकिखी) अध्रवतीना १४ रलभांतु ओड रल. चक्रवती के चौदह रहीं में से एक रल One of the fourteen jewels of a Chakravartī. ओव॰४०;

काकाल. पुं• श्री• (काकली) એક જાતની वनस्पति. एक प्रकार की काकली नामक वनस्पति. A kind of vegetation so named. भग• २२, ६;

काग. पुं॰ (काक) क्षागडे। कीन्रा. A crow. श्रापुजी॰ १३१; परह १, १; पत्त ० १; पिं॰ नि॰ ४४४, भग॰ ३, २; श्रीघ॰ नि॰ ४६३; (२) क्षाक नामक ग्रह. a planet so named. ठा॰ २, ३;

कागीए न॰ (राज्य) राज्य. A kingdom. (२) ओ नामनी ओड़ वेश एक प्रकार की लता का नाम. a creeper of that name. पन्न॰ १; यड़वार्तिना यादरलमानुं ओड़ है जेथी यह-वर्ती तिभिस गुद्दामां प्रकाश डरवाने मांद्रशा आशे छे चक्रवर्ति के चौदह रला में से एक कि जिससे चक्रवर्ति तिमिस गुफा मे प्रवेश करते समय प्रकाश के हेतु मंडल खीचते हैं. one of the fourteen jewels of a Chakravartī by which he draws circles to produce light in dark cavas. ठा० ७, १; पन्न॰ २०; —रयगा. न॰ (-रला) यड़वरी-

नुं अधिशी नाभनुं रतन. चक्रवर्ती का काक्स्सी नामक रत्न. a jewel named Kākiņī belonging to a Chakravartī. ठा॰ ७, १; पत्र०२०;—लक्ष्मस्मा. न॰(-लच्सा) अधिशु रतने जीवानी अमा काक्सि रत्न को देखने की कला. the art of viewing the Kākiņī jewel. नाया॰ १; श्रोन०४०; कामसी. श्री॰ (काकिसी) डाडी; सेल्नुं रुपुं भापानुं ओड वजन; सवा अश्वीडीकारनुं भाप; भासाना येथि। काम. सोना चांदी तोलने का एक प्रकार का वजन; माशे का चौथा भाग; सवा रती (गुंजा) भर वजन. A cowrie; a small measure of weight equal to about two grains used in weighing gold

कागरसर. पुं॰ (काकस्वर) डागडार्न पेंडे डहेार स्वरथी गावुं ते; गायनने। ओड हेाप कौश्रा के समान कठोर स्वर से गाना; गायन का एक दोष Singing with a harsh sound like that of a crow; a fault in singing. जं॰ प॰ ३; श्रगुजो॰ १२=;

and silver अखुजो० १३३; परहर १.

३: श्रोव० ३८:

कागिणी स्त्री (काकिणी) यहवर्तीना १४ रत्नभांतुं स्पेह रत्न है कोने छ तथा, आहे भुछा अने आर हासी हीय छे. चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न जिस के कि छ तह आठ कोने और बारह वाज होती हैं. One of the fourteen jewels of a Chakravartī, having six facets; eight angles and twelve sides. सूय० २, २, २६; सम० १४; जं० प० प्रव० १२२८; (२) हाडी; भासाना याथी हिस्सा, दो रत्ती भर वजन. a cowrie; a measure of

weight of about two grains. उत्त॰ ७, ११; --मंस. न॰ (-मंस) हाडी-ને આકારે કાેડી જેવડા માંસના કકડા શરીર भांथी डाढवा ते. शरीरमें से कीडी जैसे मांसके टुकड़े निकालना. taking off pieces of flesh of the size of a cowrie. विवा॰ २, --साइम. न॰ (-सादिम) हाडी પ્રમાણે કકડા કરી પાતાનું માંસ પાતાને ખવન अवे ते. कोडी वरावर दुकडे करके अपना मांस श्रपने को ही खिलाना. feeding oneself with one's own flesh in pieces as a cowrie दसा॰ ६, ४; —खावियंगः त्रि॰ (-सादिताङ्ग) કાડીને આકારે માંસના કકડા કરવા તે; એક પ્રકારની શારીરિક શિક્ષા, कोडी के ब्राकर वरोवर मांस के इकड़े करना; एक प्रकार का शारीरिक इंड. a kind of physical punishment viz. slicing one's flesh into pieces as small as a cowrie. स्य॰ २, २, ६३:

कागी. स्त्री॰ (काकी) अगडी. कोनी. A. female crow. (२) आइडासंअंधी विद्या. कोन्ना सम्बन्धी निद्या. a science in connection with crows. निरो॰ २४५३;

कार्गा. त्रि॰ (कार्ग) એક आंभवादीः; अणे।.
एक आंखवालाः; कानाः One-eyed.
श्रगुजो॰ १२=; परह॰ १, १; नाया॰ १४:
दस॰ ७, १२: पिँ० नि॰ ४७४; प्रव॰ =०२;
कार्गक न॰ (कार्णक) भाष्यु वाग्यः, बान. तार.

हारएक न॰ (कार्यक) थाधु वारा; बान. तीर An arrow. जं॰ प॰

कारणग न॰ (कारणक) ई। शु-शेरडीने।
ओ इरोग हे केथी तेमां छिद्र छिद्र पिंड काथ.
सांटे का एक रोग जिससे कि उसमें छेद पड़
जावें. A sugarcane with a
disease in it which makes

it full of small holes. (२) तेवा जिद्रवाणी शेर्द्री. ऐसे छेदों वाला गन्ना. a sugarcane with small pin-holes. श्राया॰ २, १, =; ४=;

काराग. त्रि॰ (काराक-मुपित) थे।रेलुं. चुराया हुत्रा. Stolen. प्रव॰ ८०३: —महिस. पुं॰ (-महिष) थे।रेले। पाठे।; थे।राव पाठे।. चुराया हुवा भेसा. a stolen buffalo. प्रव॰ ८०३;

काराणा. न॰ (कानम) शहेरनी पासेनुं वनः

अप्रीर्श अंडेांवांश वन. राहर के पास वाला वन: प्रकार्ग भाडा वाला वन. A forest in the outskirts of a town: a forest with trees lying scattered here and there. परह. 9. ४; नाया० १; भग्न० ४, ७; राय० २०१; श्रगाजी० १३४: सु० च० ७, ५: मत्त० २: कागात. न॰ (कागत्व) એક आंभपछं: शिखापिछं. काना पन. State of being one-eyed. श्राया॰ १, २, ३, ७=; काणियः न॰ (काग्य) अशापशं: रागथी के ગર્ભમાંથીજ એક આંખની ખામી રહી ગય है। य ते: १६२। ग भांते। ओक रे। ग कानापन: रोग से अयवा गभ मेंस ही एक आंख की न्यूनता होना: सोलह रागों में का एक रोग. State of being one-eyed; one of the sixteen diseases. आया॰ 9. €. 9. 907:

कार्तिय पुं॰ (कार्तिक) धार्तिक भिर्दिती. कार्तिक मास. The month Kartika. प्रव॰ १४७२;

काद्य. पुं॰ (कादम्ब) એક જાતના હંસ. एक प्रकार का हंस. A kind of goose. पराह० १, १;

कादूसिंग्या. स्री॰ (करूपिंग्यका ≈ कं श्रात्मानं दूपयति तमस्काय पारिग्रामेन परिग्रमनात्

कदूषणा सेव कदूषाणिका-दार्धनाच प्राकृ-तत्वात्) तभरक्षायना प्रलावधी भद्द थयेशी शंद्रनी अन्ति तमस्काय के प्रभाव से मंद हुई चन्द्र कान्ति. The luster of the moon dimmed on account of the power of dark bodies. भग० ६, ५; कापालिस्र. पुं॰ (कापालिक) आपालिक येाणी. कापालिक योगी; खोपिइयें रखनें वाला योगी. A Kāpālika ascetic. त्र्यगुजी०१३१; कापिसायगा. न० कापिशायन) એક જાતની भिंश एक तरह की मिद्रिश A kind of intoxicating drink. जीवा॰३, ४; कापुरिस. पुं० (कापुरुष) अथर पुरूष कायर पुरुष; डरपोक श्रादमी. A timid, worthless person. नाया॰ १; पराह॰ २, १; काम. पुं॰ (काम काम्यन्तेऽभिल्प्यन्त एव नतु विशिष्ट शरीर संस्पर्श द्वारेखोपयुज्यन्ते ये ते तथा) भने। त्र शण्ह अने भने। त रूप. मनोज शब्द श्रीर मनोज रूप Attractive sound and form: उवा० १, ४८; भ्राव० ३२; (२) शफ्धिह भां**य विषय. (२) श**ब्दादि पांच विषय. the five objects of senses such as sound etc. उत्त॰ ३, १८; ८, १४; दस० २, १; श्राया० १, ५, १, १४१;

सूय० १, १, १, ६; नाया० १; (३) ४२७।.

lust. श्रोव॰ ३८; दस॰ ६, ४, १६; सू॰

प० २०; सम० ४; भग० ७, ७; नाया० ४;

पक्ष० २; पंचा० १, १६; प्रव० ४०;क०प०

२, १४: जं०प०५, ११५; (४) आस-५ हेर्ी;

भधुन सेवा काम-कंदर्प; मैथुन सेवा. the

god of love; sexual intercourse.

पचा० १,१६; भत्त० १०७, पञ्च० २; पराह०

desire:

કામના, વાસના; અભિલાષા

कामना, वासनाः श्राभेलापा

१, ३; — श्रासंसा. स्री॰ (- श्राशंसा) डाभ-भने।६२ शण्दादिक्ष्मी अखिलापा, काम-मनोहर शब्दादिक की श्रिभेलापा, desire the enjoyment of the ससपत्रोग पु॰ (-श्राशंसाप्रयोग) विषय-वासना ७५के खेवे। अये। विषयोत्पात्त का प्रयोग an activity which excites sensual desires তা০ ४, ४; — সা-सत्त. त्रि॰ (- श्रासक) धभभां आसिका-वाध. काममे श्रासाक्षे वाला attached to sensual pleasures. मत्त॰ ११३. —**श्रासाः** स्त्री॰ (-म्राशा) क्षामनी आशा. **दे**। अनं पर्यायनाभ काम की श्राशा. लोभ का पर्याय वाची नाम. desire of sensual enjoyment; a synonym greed. सम॰ ५२; भग॰ १२, ५; --कंखिय. त्रि॰ (-काचित) **धाम**नी b²छा धरवावाला. काम की इच्छा करने वाला. desirous of sensual enjoyments भग० १, ७; -कम त्रि॰ (-क्रम) ध्रव्या प्रभाषे गति धरनार, २२% हे थालनार स्वच्छंद चलने वाला; मन मानी गती करने वाला. (one) moving wantonly at his own will उत्त॰ ૧४, ४४, (२) લાતવ નામે છઠા દેવલાકના ઇન્દ્રનું મુસાક્રરી વિમાન. लातन इंद्र का मुशाफिरी करने का विमान. the travelling baloon of the Indra of the sixth Deva-loka Lanta. ठा॰ =, १, १०, -किल पु॰ (- कालि) डाभने। डेंबेश. काम का क्लेश. the trouble or worry caused —कहा स्त्रं॰ (-कथा) કામ શાત્ર સંખધી ५था कामशाल अर्थात् कोकशास्त्र संवंधी

कथा. talk about love matters. हा॰ ३, ३;--कामञ्ज. त्रि॰ (-कासुक) धाभनी वाला. (one) desirous of sexual intercourse. भग॰ १, १; — कामि. त्रि॰ (-कामिन्) अस वासनाने। અલિલાધી: કામની ઇચ્છાવાળા. वासना का प्राभिलापी काम की इच्छा वाला (one) desirous of sexual intercourse. श्राया० १, २, ५, ६२; — किच त्रि॰ (-कृत्य) ^{ध्र}ण प्रभाणे पगर वियाये^९ धाम धरनार, इच्छा नुसार विना विचार किये काम करनेवाला. (one) acting wilfully and thoughtlessly. स्य॰ २, ६, १७; —गम. त्रि॰ (-गम) র্ঘ-ছা সমাজ গনিধ্বনার, इच्छा-नुसार गति करनेवाला. (one) who moves according to his desire. जं० प० ७, १६६; ५, ११८; —गामि. ात्रे॰ (–गामिन्) ઇચ્છા પ્રમાણે ગતિકરનાર; भर्थ भुज्रथ्याक्षनार. इच्छानुसार गतिकरने वाला; मन मुत्राफिक चलने वाला. (one) moving or acting according to his own wish. श्रोव॰ २४; —गिद्ध. ात्रे॰ (-गृद्ध) વિષયાસકત; કામભાગમાં गृद्ध थरेश विषयामक्तः काम भोग में त्रल्लीन. (one) greedy of sensual enjoyments; attached to sensual pleasures. उत्त॰ ६, ४; —गुरा. पुं॰ (-गुर्ण) કામને-विषयने ગુણ કરનાर-ઉત્તે-જન આપનાર ગુણા; શખ્દાદિ પાંચ વિષય. विषय भोग को उत्तेजन देने वाले गुण. any of the five objects of sensers e. g. sound etc. which excite desire or lust. उत्त॰ १०, २०; सम॰ ४, नाया० १५; —घत्था त्रि० (- ग्रस्त)

કામ-વિષયમાં ગ્રસ્ત-આસક્ત થયેલ. कामादि विषयोंमें ग्रस्त-ग्रासक, attached to or plunged in sensual enjoyments. भत्त॰ ११४; —तिव्वहिलास. पु॰ (-ती बाभिलाप) કામ-વિષયની અત્યન્ત ઇ^ચછા. काम-विपय की ऋत्यन्त इच्छा. excessive desire of sensual pleasures. प्रव॰ २७८; — त्थिय. त्रि॰ (- श्रर्थिक) કામ ભાગના અર્થી-ઇચ્છનાર, कामभोग का श्रर्था-इच्छाकरनेवाला. (one) who longs for sexual enjoyments.জঁ০ प॰३,६३;—पिचासिय. ज्ञि॰ (-पिपासित) क्षामनी पिपासावाली, काम की-विषयभोग की-श्राभेलाषावाला. (one) thirsting after sensual pleasure भग०१,७; - भोग. पुं॰ (- भोग-कामाः कमनीयाः भोगाशब्दादय) अभ अने ले।गः शण्टाहि पांच विषय, विशय भोग. Desire and enjoyment (of objects of senses); the five objects of senses viz. sound etc. ठा० ४,१; भग० ७,७; ६, ३३; १२, ६; २५, ७; नाया० १; २; ८; ६; १६; दशा० १०, ४, ६; उवा० १, ५७; —મોામ ત્રિ (-મોમિન્) કામી અને ભાગી; શુષ્કાદિ પાંચે વિષયમાં મશરાલા विषयी. (one) deeply plunged in sensual desires and enjoyments of the five objects of senses viz sound etc.भग०७,७;—भोय.पुं०(-भोग) ळ्ये। "कामभाग" शण्ट. देखो "कामभाग" शब्द. vide "कामभोग " नाया० १; ५; १६;—रद्दसुह. न॰ (-रातसुख) अभ रति-नुं सुभः, विषय सुभः काम रति का सुखः pleasure derived form sexual enjoyment. प्रव॰ १०७५; --रय न॰ (–रजस्–कामःशब्दादि विषयःसएव**रजःकाम**-

रजः) शभ रूपरूज-भेलः कामरूप मेलः dirt or impurity in the form of sensual desire. भग॰ ६,३३; —रागविव-द्रुगा. त्रि॰ (-रागविवर्द्धन) क्षाम रागने यधारनार काम राग की शृद्धि करने वाला. (one) that increases the passion of attachment to sensual objects. इस॰ म, ४=; — स्वि नि॰ (-रूपिन्) ४२ छानुसार रूप पनावनार इच्छा-नुसार रूप बनाने वाला. (one) that can assume various forms according to one's own desire उत्त॰६.२७: -समगुन्नः त्रि॰ (-समनुज्ञ) अभ ले।ग-વિષય વાસનાને મનાત્ર માનનાર; કામી; विषयी. विषय वासना को मनोज्ञ मानने वालाः कामी; विषयी. (one) who takes delight in sensual pleasures; sensual आया १, २, ३, ८१;

कामं - श्र॰ (कामम्) अत्यन्तः अतिशयः श्रत्यंतः श्रतीवः excessively. १९० नि॰ १९१;

कामगम. पुं॰ (कामगम) छहा देवली। इना धिर्नु विभान. छठवें देवलीक के इन्द्र का विमान. Name of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka; श्रोव॰ २६; जीवा॰ ३; (२) छट्हेहियली। इना यान-विभानने। व्यस्था-पेड देवला छठवें देव लोकके इन्द्रके विमान का व्यवस्थापक देव. the deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the sixth Devaloka. जं॰ प॰ ६; श्रोव॰

कामजल न० (कामजल) स्तान करवाते।
पाली है. स्नान करने की चोकी. A wooden
seat for taking bath. आया० २, ४,
१, १४८; निसी० १३, ४;

कामज्भया. स्री॰ (कामध्वजा) अभध्यला | Vol. 11/57. नाभनी એક वेश्या. कामध्वजा. नामकी एक वेश्या. A prostitute named Kāmadhvajā. विवा॰ १, २;

कामदुद्दा. ब्रॉ॰ (कामदुघा) की धंभे ते ८ खं ६५ पूर्ण अरनार आम हुधा भाय इच्छानुसार दूथ देन वाली गाय; काम धेनु. A cow yielding as much milk as one desires उत्त॰ २०३६;

कामदेव. पुं॰ (कामदेव) એ नामनुं એક श्रावड; महावीर स्वामिना दश श्रवडमांना એड. इस नाम का एक धावक महावीर स्वामी के दस धावकोंमें से एक. Name of one of the ten laymen-followers of Mahāvīra. उवा॰२, १००:

कामफास. पुं॰ (कामस्पर्श) ४७भा अहनु नाभ. ४७ वॅ ब्रह का नाम. Name of the 47th planet सू॰ प॰ २०;

काममहावर्ण न॰ (काममहावन) क्षारी-वर्णा-रसी ज्हारनु ओक्ष येत्य-श्रिधान काशी-वनारमी नामक नगरीके वाहिरका एक उद्यान. Name of a garden situated ontside the city of Benares. " तत्थ्यणं जेसे चउत्थे पउट परिहारे सेणं वाणारसीए णय-रीए वहिया काममहावर्णासे चेह्यंसि मंडि-यस्स सरीरं विष्पजहामि " भग० १४, १; ग्रंत॰ ६, १६, नाया॰ घ० ३;

कामयः पुं० (कामुक) क्षाभनी ध्र-छात्राज्ञीः; क्षाभीः कामकी इच्छा करने वालाः विषयेच्छः One desirous of sensual enjoyments. भग० ३, १; दस० ४, २, ३४; उवा० २, ९४;

कामि. पुं॰ (कामिन्) क्षाभनी ध्रय्थात्राणाः; क्षाभी. कामी, विषयेच्छुः विषय भीग का लोलुपी. One desirous of sensual enjoyments. भग॰ ७, ७;

कामिजुग. पुं॰ (कामियुग) એક तरदना इंवा-

नी पांभवाक्षी पक्षी. एक तरह का रुँपुदार पंखोंनाला पद्धाः A kind of bird with downy feathers. पन्न- १;

कामिद्धि. पुं॰ (कामार्थि) आर्थ सुहस्तीना थिष्य. आर्थ सुहस्ती का शिष्य. Name of the disciple of Arya. Suhastī. कप्प॰=;

कामिहियगण. पुं॰ (कामिहिकगण) ध्रामधिंध नाभने। भद्धावीर स्वामीना नव गणुभाने। श्रेध गणु. कामार्विक नामक महावार के ६ गणों में का एक गण. One of the 9 Ganus (orders of saints) of Mahāvīra, named Kāmārddhika. ठा॰ ६;

काभियः ति॰ (काभितः) धिर्थेक्षं. इच्छितः चाहा हुत्रा. Desired; longed for; wished. वि॰ नि॰ २७२; मत्त॰ १११;

कामुय. त्रि॰ (कामुक) आभनी धन्छावादी। कामेच्छु; विषयेच्छु Sensual; desirous of sexual pleasures. दस॰ ४,२,३,४;

कामेमाण, त्रि॰ (कामयमान) ध्र-७ते।; व्यक्षिक्षाया करता हुत्रा. Desiring; wishing; longing for. श्रोध॰ नि॰ ३०४;

क्ष्काय. पुं॰ (क) पाशी बाववानी शवड़. पानी जाने की कावड़. A piece of bamboo on two ends of which water-pots are hung; a contrivance to carry water from place to place with ease. पि॰ नि॰ ६६;

काश्र-य. पुं॰ (काक) धागडेा. कीश्रा. A. crow. नाया॰ २; १६; विशे॰ २०६४; फाग्र-य. न॰ (काच) धाय. कांच. A.

pane of glass; glass. श्रोघ॰ नि॰ ७७२; सू॰ च॰ ६, ४१;

काय. पुं॰ (काय = चित्र इति घाते। श्रयनं कायः चीयतेऽनेनेति वा कायः) धथाः शरीरः हें इ. शरीर; काया; देह. Body; physical body. दस॰४; =, ७; ४४; १०,१,५; पिं नि ६३: १२८: ५८३: जीवा ३, ४: स्० प० १६; इसा० ४, १=; ६, ४; पन्न० ३४; नाया० १; ४; म; भग० ३, १; ७, ४; १८, ८; ११, ३; निसी० ३, ३४; ४४; १२, ३८; उत्त॰ २, ३७; ४, २३; ३२, ६३; ७४; वव॰ ६, ३१; १०, १; त्राव॰ १, ३; अत्त॰ ३२; पिं० नि० सा० २६; (२) ये नामना એક અનાય **દે**શ. एक श्रनार्य देशका नाम. name of a country of the Noa-Aryans. प्रवः १४६७; (३) પૃથિવી આદિ છ કાય; પૃથ્વી, જલ, અગ્નિ, વાયુ,વનસ્પતિ, અને ત્રસ એ છ કાય. પૃથ્વો थादि छः कायः पृथ्वी, जल, श्राग्नि, वायु, वनस्ति और सूचम जंतु यह छः काय. the six kinds of bodies. viz. those consisting of earth, water, fire, wind, plant and minute insects स्य॰ १, १२, १३; उत्त॰ ३१, =; श्रग्रुजो॰ ૨૦૧; (૪) કાય દેશમાં રહેવાવાળા भनुष्य. काय देश में रहने वाले मनुष्य people residing in the Kāya region, पन्न १; (प्र) ओ नाभनी वन-२५ति. इस नामकी एक वनस्पति. a vegetation of that name. पत्र॰ ৭; (६) પ્રકાર; બेદ. भेद: प्रकार. mode; variety. स्य० २, ३, १; (७) કાેઇ દેશમાં ઇંડનીલ મણીના રંગનાે કપાશ થાય છે તે કપાસના

^{*} जुओ। ५४ नम्भर १५ नी ५८ने। (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

भूत्तरनं भनेलं वस्त्र. किसी देश में इन्द्रनील मणिके रंगका कपास होता है उस कपास के स्तसे बना हुआ वस्त्र. cloth made of the yarn of a variety of cotton produced in certain countries Its colour is of the colour of Indra's gem (=) ३६ मा अढनु नाभ. ३६ वें ग्रह का नाम. name of the thirty-sixth planet. स्॰ प॰ २०; (૯) પન્નવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના ચાથા દ્વારનું नाभ. पन्नवणाके ३ रे पदके चोथे द्वारका नाम. name of the 4th chapter of the third section of Pannavanā पत्र॰३;(१॰) सभूढ़. समृह. collection. श्रगुजो॰ ६७; —श्रगुत्तिः स्रो॰ (-श्रगुप्ति) पापभां अवत्त ती क्षायाने न रेक्ट्यी ते. पाप में प्रवृत्त होते हुए शरीर को न रोकना not checking the body from doing sinful deeds. ठा०३, १; सग० २०, २; -- श्रणज्ञयया स्त्री॰ (- श्रनुजुकता) કાયાના વેપારની વક્રતા-સરલતાના અમાવ काया-शरीर-के व्यापार की बकता. absence of straight-forwardness in the actions of the body. তা॰ ४, १, भग० ८, ६; —उड्डावरा. न० (-उड्डापन) शरीरनं आडर्भ छः डरव ते शरीर का श्राकपेश करना act of attracting a body towards oneself. नाया॰ १४; -- करण. पं॰ (-करण) शरीरनं साधन. शरीर का साधन instrumental to the body. তা॰ ২, ৭, भग० ६, १; - किलेस. पुं॰ (-क्लेश = कायस्य शरीरस्यविद्याः खेदः पीढा काय-क्लेश:) शरीरने ड्वेश आपवा ते; आसन વાળવા, આતાપના લેવી, ધર્મના પરિશ્રમ **ઉ**ઠाવवे। ते शरीरको क्लेश पहुचाना; श्रासन

लगाना, घाम (धूप) सहन करना. net of subjecting the body to austere penances e. g. practising unnatural postures, exposing it to sun etc. भग॰ २४. ७; श्रोव॰ १६; ठा॰ ६, १,उत्त॰ ३०, ८; सम॰ ६; प्रव॰ २७१; —िगरा. स्त्री॰ (-िगरा) કાયા અને વાણી. शर्रार श्रीर वाणी. body and speech दस॰ ६, १, १२; -गुत्त. त्रि॰ (-गुप्त=कायगुष्टया गुप्तः कायगुप्तः) **કાયાને પાપથી ગાપાવનાર, काय गु**प्ति; शर्रारको पाप अवृत्त न होने देने वाला.(one) checking the body from doing sinful deeds. '' कायगुत्तो जिहंदियो '' उत्त॰ १२, ३; भग॰ २, १; —गुत्तया. स्त्रं (-गुप्तता) કાયાને પાપથી ગાપવવી ते काया की पापसे बचाना checking the body from doing sinful deeds उत्त॰ २६, २; —गुत्तिः स्री॰ (–गुप्ति) કાય ગુપ્તિ, સત્વદ્ય પ્રવૃત્તિથી કાયાને ગાપવવી તે; પાપમાં કાયાની પ્રવૃત્તિ न ५२वी ते काय गुप्ति, पाप प्रवृत्ति से शरीर को बचाना, शरीरको पाप प्रवृत्त न करना. controlling the body and preventing it from doing sinful deeds. ग्राव॰ ४, ७; भग॰ २; ठा॰ ३, ५; सम॰ ३; —चिट्ठाः स्रो॰ (-चेष्टा) કાયાની ચેષ્ટા; दसन अक्षन वर्गेरे शरीर की चेष्टा; हलन चलन প্লাবি. movements or motions of the body. उत्त॰ ३०,१२; —छुछ. न॰ (-पट्क) पृथ्वी आहि छ आय; पृथ्वी કાય, અપકાય, તેઉકાય, વાયુકાય, વનસ્પતિ अय अने त्रसंधय ये छ अय. पृथ्वी, अप, श्रिप्ति, वापु, वनस्पति श्रीर त्रस ये ६ काय. the six kinds of bodies. viz.

those consisting of earth, water. fire, air, vegetable and insects. सम॰ १८; दस॰ ६, ८; - जोग. पुं॰ (-योग) शरीरते। व्यापार, शरीरचेष्टा. शारीरिक चेष्टा. movement or activity of the body. তা॰ ३, १; भग० १, ६; १२, ५; १७, १; २५, १; भत्त॰ ८६; -जोगत्ता. स्री॰ (-योगता) કાયયાગપહ્યું. काय योगता. condition in which there is activity of the body. भग० २५, २; -जोगि त्रि॰ (-योगिन्) ध्रय-યાેગી જીવ; કાયાની પ્રવૃત્તિમા જોડાયેલ. काय योगी जीव; शरीर प्रवृत्ति में लगा हुआ. engaged in the activity of the body. ठा० ४, ४; भग० १, ५; ६; ३; ४: =. २; ६, २१; ११, १, २४, १; २४, ६; २६, १; —हिइ. पुं॰ (-स्थिति) પૃથ્વી વગેરે કાયમાં અવિસ્થિત્રનાણે રહેવું તે. पृथ्वी श्रादि कायों में श्रावीच्छन-श्रस्खलित रूपसे रहना remaining uninter ruptedly in earth-bodies etc. (૧) પ્રજ્ઞાપના સૂત્રના અડારમા પદનું નામ 'કે જેમાં નરકાદિ **છવાતું** કાયસ્થિતિનું વર્ણન आविस छे. प्रज्ञापना सूत्र के श्रठारहवें पद का नाम जिसमें कि नरक श्रादि जीवों की कायस्थिति का वर्णन है name of the eightcenth Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the lasting period of bodies of hell-beings etc. पत्त० १; प्रव० ४३; १०४४; —तिगिच्छा. स्री॰ (-चिकिस्सा) शरीर-ના રાગ મટાડવાનું ચિકિત્સા દર્શાવનાર શાસ્ત્રઃ व्यायुर्वेदने। ओं अक्षांग. शारीर के रोग मिटाने वाला चिकित्सा शास्त्र; श्रायुर्वेद का एक भाग. a division of medical science

treating of the cure of the diseases of the body. ठा॰=,१;—तिजा. (-तीर्घ्य-तरणीय) તરવા યેાગ્ય. शरीर से तिरने योग्य. such be crossed as can the body. दस० v. —दंड. पुं॰ (-दंग्ड = काय एव दग्ढ:काय-दर्गढः) क्षया ६ंऽ; क्षायानी हुष्ट प्रवृत्ति क्रि य्यातभाने अर्भ अंधनधी हं उवे। ते. काया दंड: शरीर से दुष्ट प्रवृत्ति करके श्रात्मा को कर्मवंधन से दंडित करना. fettering the soul with Karma by engaging the body in sinful deeds. श्रोव॰ ४, ७; सम०३:ठा०३,१; — दुक्कड न० (-दुप्कृत) शरीरथी धरेक्षं पाप. शरीर से किया हुआ पाप. a sinful deed done by the body. श्रोव ३, १; —दुप्पशिहासा. न० (दु. प्रिचान) क्षायानी दुष्टताः क्षायाने। अशुभ ये। काया की-शरीर-की दुष्टता. sinful activity of the body. भग॰ १=, ७; ठा०३,१; —पन्त्रोग. पुं० (प्रयोग) क्षायानी-प्रवर्तन शरीर का प्रयोग. activity of the body ठा॰ ३, १; भग॰ ६, ३,८,१; —पश्चोगपरिशाय न० (प्रयोग परिणत) अयाना व्यापार रुपे परिशाम पा-भेक्ष पुद्रक्ष. काया के व्यापार रूप से परिणामित पदल. Material molecules shaping themselves or turning themselves into the activity of the body. भग०८, १; -पिडिसंलिशयाः स्त्री० (-प्रतिसंत्तीनता) ध्याने वश ध्रवी ते. शर्गर को वशीभूत करना Keeping the body under control. भग० २४, ७, -पिश्हागा. न॰ (-प्रशिधान) क्षयानुं એકાअपर्धः शरीर की एकामता. concentration of the body 3103,9;

४, १, भग० १८; ७; -परियारग. पुं॰ (-परिचारक) शरीरथी स्त्रीसंशोग धरनार शरीर से स्त्री से संभोग करने वाला. one who enjoys sexual intercourse by means of the body. " दासु कप्पेसुदेवा कायपरियारगापरणता) ठा०२,४; -परियारणाः स्री० (परिचारणा) शरीरथी परिवारणा = मैथुन सेववु ते शरीर से मधुन सेवन करना enjoying sexual intercourse by means of the body. 31. ५,१. -पावार न० (-प्रावार) धयदेशमां भनेश परेश काय नामक देश में बने हए वस्र cloth made in the country named Kāya. निसी०७,११, —पीडा स्रो॰ (-पीडा) શરીર વેદના, શારીરિક દુઃખ. शारिरीक कष्ट; bodily pain; physical pain. पंचा॰ १८, ३६; — पुरासा न॰ (-पुरुष) कायाओ सेवा किरवाथी थतु पुष्यः शरीर से सेवा करने पर जो पुरम हो वह. religious merit arising from rendering services with the body. ठा०६, १; —यालेश्र-त्रि॰. (-बालिक) भज्र्ष्युत शरीर वाणाः; કાયાના ખલવાળા. मजबुत शरीर वालाa man possessed of great physical strength. श्रोव॰ १६:-भवत्थः पुं॰ (−भवस्थ≕काये जनन्युदरमध्यव्यव-स्थितनिजदेह एव यो भवो जन्म स काय-भवः तत्र तिष्ठति यः स कायभवस्थः) भाताना गर्भभा रहेवुं ते माता के गर्भ मे रहना. remaining in the womb of the mother in the form of the fœtus. भग॰ २, ५; —वायामः पुं॰(- ब्यायाम = कायः शरीरं, तस्य ब्यायामो ब्यापार कायब्यायामः) क्षयथाग, क्षायानी ૦વાપાર-પ્રવૃત્તિ-ઉદારિકાદિ શરીર યુક્ત આ-

त्भानी वीर्थ परिख्ति विशेष शरीर की प्रकृति; श्रीदारिक श्रादि शरीर युक्त श्रात्मा की वीर्य परिणति विशेष the modification of the soul united with the body into vitality or the vital fluid. ठा॰ १, १; — वह. पुं॰ (-त्रध) પૃથ્વી વગૈરે જીવનિકાયની હિંસા. પૃથ્વી वगैरह जीवकायों की हिंसा. killing sentient beings such as earthbodies etc. पंचा॰ ४, ४१; — विणय. को वश करना. bringing the body under control. भग॰ २४, ७; ठा॰ ७; --विसयः न॰ (-विषय) धायाने। विषय शरीर का विषय an object fit to be seen, enjoyed etc. by the body. नाया॰ १७; —संफासः न॰ का स्पर्श. act of touching a body. वेय० ४, २१; श्राव० ३, १; —संवेहः पुं॰ (-सवेध) शरीरनी स्थिति. शरीर की स्थिति. state or existence of the body. भग॰ २४, १; २०; —समाधारगायाः स्रो० (-समाधारगा) संयभभांक अयान अवर्तन अर्वु ते संयममें ही शरीर की प्रशत्ति करना engaging the body exclusively in ascetic practices. उत्त॰ २६,२, —समाहारण-त्ताः जी॰ (-समाधारणा) धायाने पश धर-पी तें. शरीर को वशकरना. act of controlling the body भग० १७, ३; —समिइ. स्त्री॰ (-सिमाति) धायाने करत-नाथे प्रवर्ताववी तेः शयसमितिः यत्नाचार पूर्वक शरीर को प्रवृत्त करना, काय समिति. controlling carefully the activities of the body. হা॰ =, ৭;

—समिय. त्रि॰ (-समित) यत्नापूर्वेध अयाने प्रवर्तावनार, यत्नाचार पूर्वक काय योग. (one) who carefully controls the activities of the body. भग॰ २, १: — सुप्पिशिद्वारा न० (-सुप्रिशिधा ન/ કાયાનું સુત્રણિધાન; કાયાને શુભ કૃત્યમાં એ કા अताथी रे। કवुं ते शरीर की सुप्रधानता; शरीर का एकाव्रता से पुरुषकार्य में प्रवृत्त करना. engaging the body in salutary activities with a concentrated mind. भग०१=, ७; ठा० ३, १; कार्यद्ग. त्रि॰ (काकन्दक) धाः ही नगरीभां वसनार. काकंदी नामक नगरी में रहने वाला-(One) who resides in the town called Kākandī, भग॰ १०, ४; कायंदी स्त्री॰ (काकन्दी) प्राथीन समयनी **કાર્ક** है। नामनी नगरी, प्राचीन समय की काकंदी नामक नगरी. Name of an uncient town संत्या॰ ३५; भग॰ १०;४; कार्यंव न० (कदम्य) ४६२ थनुं पृक्ष कदम्ब का काड. The Kadamba tree. ठा॰ =, १;

कार्यवग. पुं॰ (कार्यवक) ६क्ष६ं स. कलहंस A species of swans. कप्प॰ ३,४२; कार्यमंत. त्रि॰ (कार्यवत्) ઉंथा शरीरवाणा ऊंचे शरीरवाला. Tall in body. स्र्य॰ २, १, १३;

कायमिण पुं॰ (काचमिण) शयभिणुः शय-ने। ४४४।. कांचमिणः कांच का उकदाः A. piece of glass. भत्त० १३=;

कायभाई स्रो॰ (काकमाची) भीहुं ६६ व्या-पनारी क्षेष्ठ पनस्पति. मीठा फल देनेवाली वनस्पति. Vegetation yielding sweet fruit पन्न॰ १;

कायय त्रि॰ (कायक) आय देशनुं भनेशुं. काय नामक देश का बना हुआ. Made

or produced in the country called Kāya. निर्मा० ७, १३;

कायर. त्रि॰ (कातर) क्षायर; निर्माक्ष्य; नादिभत. कायर; दरपोंक; कम हिम्मन. Cowardly; timid. मु॰ च॰ १४, ११; पग्ह॰
१, ३; जीवा॰ ३, ४; दत्त॰ २०, ३=; श्राया॰
१, ६. ४, २५३; नाया॰ १; =; भग॰ ६,
३३; (२) એ नाभना ओक्ष देश. इस नामका
एक देश. name of a country.
निर्मा॰ ७, ११;—पाचार. न॰ (-प्रावार)
क्षाय देशमां जनेब ओटवान वस्त्र काय देश
में बना हुत्या श्रोडने का वस्त्र. a kind of cloth used for wrapping round
the body made in the country called Kāya. निर्सा॰ ७, ११;

कायरिय. पुं॰ (कातरिक) भेशिशासाना भुण्य श्रावश्नुं नाभ. गोशाला के मुख्य श्रनुयायी का नाम. Name of the principal layman follower of Gośālā. भग॰=,४; कायरिय. पुं॰ (कातर्य) देवता विशेष.

कातर्य नामक देव. Name of a deity भग• ३, ७;

कायरिया स्रो॰ (कातरिका) भाषा; ४५८. छल; कपट; मायाचार. Deceit; fraud. स्य॰ १, २, १, १२:

कायवज्ञ पुं॰ (काकवर्ष) से नाभने। अल प्रह विशेष. A planet so named. ठा०२.३; कायव्य. त्रि॰ (कर्तव्य) ५२२१ थे। २४. करने योग्य. Worthy of being done. पिं० नि॰ ३; राय॰ ६४; सु॰ च० १, ७६; दस॰ ६, ६; ६, १; उत्त॰ २६, ९; पम० १४. ४; विशे॰ ४०६, नाया॰ १४; १६; मग० १, ४; ३, २; ६, ६; २०, ५; २२, २; २४, १; ३१, ७; ४१,२१, प्रव॰ ४०६; पंचा॰ ३,४६; ६, ७; १५, ४१;

कायारक त्रि॰ (कादाचित्क) डे। धिव भतनुं.

किसी समय का. Of some time or other विशे ० ७११;

कायोवग त्रि॰ (कायोपग) એક કાયામાંથી બીજી કાયામાં જનાર एक शरीर से दूसरे शरीर में जाने वाला. (One) passing from one body into another सूप्र॰ २, ६; १०;

कार पुं० (कार) क्षारागृह; क्षेष्टभानुं, जैल; कारागृह. A prison. परह० १, ३; ठा० १०; उवा० १, ६१: —वाहिय. त्रि० (-वाधित) क्षारागृहभां भीडित भीडा पाभेक्ष; केही जेलमें कष्ट पाया हुआ; केही a prisoner; one troubled by imprisonment, श्रोव०३२; भग०६, ३३; नाया० १,

कारंड. पुं॰ (कारण्ड) अतः ५क्षी. बदक पत्ती. A duck श्रोव॰ जं॰ प॰ पण्ह॰१,१; कारंडग. पुं॰ (कारण्डक) ळुओ। "कारंड"

शण्ड. देखें। "कारंड" शब्द. Vide "कारंड" नाया० १:

कारग नि॰ (कारक) अरनार करने वाता.
(One) who does; a doer. निशे॰
१००३; ओघ॰ नि॰ १८; ओव॰ ४१; नाया॰
१; अग्रुजो॰ १२८; प्रव० ६४६; (२) न॰
आर्अ समिति; समितिना दश प्रधारभाने।
ओक कारक समितित, समितित के दश प्रकार
में से एक one of the ten varieties
of right belief called Kāraka
Samakit. प्रव॰ ३५; —आइ. ति॰
(-आदि) अरक अशिद समितित कारक
आदि समितित right belief such as
Kāraka etc. प्रव॰ ३५;

कारण. न॰ (कारण) शरख; निभित्त; अथे।०४न, ढेतु कारण; निमित्त; हेतु Cause;
motive; reason. प्रन॰ ६५; पंपा॰ ६;
१८; ४,७; गच्छा० ८३; जं० प० विशे॰
२०६८, पन्न॰ ६; राय० ४२; २१०; दस॰

६, २, १३; वव० १, २३; २, २२; ३, २३; नाया० १; ५; ६; १२; भग० १, ३; ५, ४, ५, ७; १५, १; १६, २; सम० ६;(२) આહાર લેવાના ખતાવેલા કારણ સિવાય આહાર લેવાથકી યતિને લાગતા એક દેાપ. श्राहार लेने के बतलाये हुए कारणों के छिवाय श्राहार लेने सं यति को लग्ने वाला एक दोष. a fault incurred by an ascetic by taking food without a justifying reason. पि॰ नि॰ १; — जान्त्र त्रि॰ (-जात) કાર**્**થી ઉત્પન્न થયેલ. कारण द्वारा उत्पन्न, caused; born of a cause. प्रव॰ ६६१; १०३०; —वत्तिय. न॰ (-वृत्तिक) आरखतु वर्ततुं, निभित्तनी उपस्थिति. कारण का उत्पन्न होना. existence, presence of a cause or reason. वव॰ १, २३;

कारणञ्जो श्र॰ (कारणतस्) धरख्यी कारण से. Through or owing to a cause or reason. विशे॰ ३;

कारगढ़. न॰ (कारगार्थ) धारणुने भाटे. का-रण के लिये For some reason or cause. नाया॰ १;

कारणया. बी॰ (कारणता) धारणुपखं, कारण-पन. State of being a cause or reason विशे॰ ५६०,

कारिंग्रेश. त्रि॰ (कारिंग्येक) शंधिपणु शरण्यी निष्पत्र थेथेल. किसी भी कार्या से निष्पत्र. Born of some cause or other. श्रोध॰ नि॰ ७६;

कारभारिश्र. पुं॰ (कार्यभारिक) धारलारी; दिवान कारभारी; दिवाण. An administrator, a minister; a Dewän. जं॰ प॰

कारय-न्न. न॰ (कारक) धारक तामनुं सम-क्रितः, सह्म्यनुष्ठान अत्ये अद्धापूर्वक सारा अनुष्ठान (કार्य) पेति करे छ अने भीकाने पिछ करावे छे ते. कारक नाम का सम्यक्त्व; सद्श्रनुष्ठान के प्रति श्रद्धा रखता हुत्रा स्वयं श्रेष्ठ कार्य करने वाला और द्वरों से कराने वाला Right belief named Kāraka, by which one performs good deeds with faith and causes others also to do the same विशेष २६७६; भग ११, ११; उत्त १, २; ६, ३०; नाया ७ ७;

कारवण, न॰ (:कारणा) इशववुं ते. कराना. Causing (another) to do. पंचा॰ १, २३;

कारवाहिश्रा स्रो॰ (कार्यवाहिका) धार्यवहन धरनारी कार्यवहन करने वाली. One (woman) who discharges a work जं॰ प॰ ३, ६७;

कारावर्णः न॰ (कारणा) धरावर्युः धरवाने प्रेरेतुं. करानाः कराने के लिये प्रेरित करनाः. Causing or exhorting (another) to do. स्व॰ २, २, ६२; पर्गड॰ १,३; पिं॰ नि॰ ४१॰; पंचा॰ ६, ४४; प्रव॰ ५७०;

कारावियः त्रि॰ (कारित) ६२।वेश. कराया हुआ. Caused to be done. विशे॰

कारि. स्त्री॰ (कारिन्) धरनार करने वाली. One who does; a doer. विशे॰ ७४;

कारिश्र-यः न॰ (कार्य) अर्थः अथे। अन्त. कार्यः प्रयोजनः काम. An action; a reason; a purpose. स्य॰ १, २, ३, १०; दस॰ ६, ६४;

कारित्तगा. न॰ (कारित्व) क्षरवापां कर्तृत्व शाक्त State of being a doer. नाया॰ ७;

कारिय. त्रि॰ (कारित) ४२१वेस. कराया हुआ. Caused to be done. आउ॰,११; कारिय. त्रि॰ (कारिक-कारक) धरनार. करने वाला. (One) who does, a doer. नाया॰ १; उवा॰ ३, १३४;

कारियहाइ. ह्री॰ (कारवाही) धरेक्षानी वेत्र. करेले की वेल. A creeping plant in which the vegetable known as Karelā grows. पत्र॰ १;

कारिल्लग्न. न॰ (कारिल्लक) धारेला. करेला.
A kind of vegetable स्० प० ११;
कारीसंग. न॰ (कारीपाइ) क्रेनाथी अनि अन्यिलत धराय ते अनि प्रध्याने। धम्मे।.
श्रिष्ठ प्रज्वलित करने की धम्मन या फूकनी.
Bellows. उत्त॰ १२, ४३;

कारहजा. पुं॰ (कारक) धारीगर. कारीगर.
A. craftsman; an artist. पत्र॰१,२;
कारुगिय. त्रि॰ (कारुगिक) ध्याणु; धरुणु।
वान्, दया करने वाला. Kind; com-

passionate. सु॰ च॰ २, ४४२;

कारुगणः न॰ (कारुगय) ५३७०।; १४।. दगाः करुणाः Kindness; compassion. भत्त॰ १६; उत्त॰ ३२, १०३; नाया॰ १; चउ॰ ३८;

कारुझ. न॰ (कारुख) ५३७॥; ६४॥. करुणा; दया. Kindness; compassion. भत्त॰ १६;

कारेल्लयः न॰ (कारेल्लक) धारेश्चं करेलाः
A kind of vegetable. श्रगुत्त॰ ३,
१; श्रंत॰ ३, १;

काल. पुं० (काल-कल् संख्याने कलनं क'लः कल्यते वा परिन्छियते वस्त्वनेनेति कालः कलानां वा समयादिरूपाणां समूहः कालः) सभयः वण्तः अप्यसर. समयः व्यतः Time. श्रोव० उत्त० १, १०; २४, ४; वव० ७, १२; १३; विशे० १३४; १५३६; दसा० ६, १; सू० प० १; १६; दस० १, १; २, ७, ८, ६, ३५; ह, २, २१; नंदी० २४; जं०

प० राय० २: ७७, पि० नि० ५; १२५; श्राणुजी ० २१; १३२; श्राया० १२, १, ६२; नाया० १, ५: ६: १४, १६; १८, भग० १, 9; 4, 8; 5, 8, 99, 99, 92, 8, 94, १: प्रव० १२३२: १५८८, पि० नि० भा० २०; कप्प० १, १; भत्त० ५८; जं० प० १, १, (२) शिथति. स्थिति. condition; state. विशेष ४०६; ज० प० ५. ११३, ७, १७५; (३) प्रातः । प्रात काल; सुवह morning time. नाया॰ १; (४) प६मां अહतुं नाभ. ४६वें ग्रह का नाम. name of the 56th planet स্- प- ২০ তাত २, ३; (५) लयान्धः डाणस्वरूप भयाः नक, काल के समान; प्राण लेने वाला terrible like the god of death. उत्त॰ १२, ६, (६) विश्वभ्य तथा प्रलं-क्य धन्द्रना क्षेत्रपालनं नाम. विलव तथा प्रभजन इद्र के लोकपाल का नाम name of the two Lokapālas (guardians of the people) of Indra named Vilamba and Prabhañjana ठा० ४, ५; (७) वायुर्भार जित-ના દેવતાના ઇંદ્રનું નામ. वायुकुमार जाति के देवताओं के इन्द्र का नाम name of the Indra of the Vāyukumāra species of gods. भग॰३,=; (=) ले नार-ક્ષીને કડાયામાં રાંધે અને પાતે રગે કાળા તેઃ કાત તામે પરમાધા*મી* તી એક જાત नारका की कढाई में राधे श्रोर खुद काले रग का हा वहः काल परमाधामो की एक जाति kind a of hell-gods (Paramādhāmī,) black in colour, who cooks hellbeingsin an iron cauldron. सम॰ ૧૫; (દ) કાલ નામે આડમાં દેવલાકનું એક વિમાન; એનીસ્થિતિ અઢાર સાગરાપમની છે

એ દેવતા નવ મહિને ધાસો વ્છવાસ લે છે अने अदार हलर वर्षे सुधा लागे छे ब्राठवें देव लोक का विमान जहा के निवासी देवों की श्रायु श्रठारह सागरोपम को होती है. नैविं महिने में श्वासीच्छवास लेते है तथा उन्हे श्रठराह हजार वर्षी बाद भूख लगता है. a heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live for 18 Sāgaropamas, breathe once in 9 months and once in 18000 सम॰ १८; (१०) पूर्व हिशाभाने। अल નામના સાતમા નરકના નરકવાસા. सातवें नर्क में पूर्व दिशामे स्थित काल नामक नरका वास. an abode of the seventh hell in the east. सम प॰ २०६, ठा॰ ४, ३; सम॰ ३३, पन्न॰ २, जीवा॰३; १, (११)જીની ને નવી અને નવીને જાની બનાવનાર, પર્યાયને પલટાવનાર એક द्रव्यः ७ द्रव्यभान એક द्रव्यः पुरानो को नई श्रीर नई को पुरानी वनाने वाला-पर्याय पारिवर्तन करने वाला एक द्रव्य. & substance that transforms the old into the new and the new into the old. उत्त॰ २८. (૧૨) ચક્રવર્તિના નવ નિધાનમાન એક કે જેમાં સર્વ કારીગરી-શિલ્પકર્મના સમાવેશ थाय छे चक्रवर्ती की नौ निधियों में की १ निधि जिसमें कि संपूर्ण शिल्प कर्मका समावेश होता है one of the nine treasures of a Chakravartī including a knowledge of all fine and mechanical arts. ठा० ६, १, ज० प० (१३) त्रि॰ डाणा रंगतुं काले रंगका black भग० १, १; ३, ७; ६, ५; ७, ६; जीवा० ३,१, विशे०२०६७; पञ्च० १, श्रोव०

२२; ३०: नाया० २; (१४) पुं० ५७ शुपक्ष. कृष्णपन्न. the dark half of a month. जीवा० ३, ४; (१५) पिशाय ભાગના વ્યાંતર દેવતાના ધન્દ્ર. પિશા**च** जाति के व्यंतर देवों का इन्द्र. Indra of the Vyantara deities of the kind known as Piśācha. मग०३, ८; १०, ४; पत्र०२; ठा० २, ३; जीवा ३, ४; (१६) भरण; भृत्युः मरण; मृत्युः death. नाया० १; ८; पत्त० १६; विशे० २०६६; दसा० ६, १; भग० १, १; ३, ४; पि० नि० ५२; श्राया०१, २, ३, ८०; १,४, २, १३१; उत्त॰ ४, ६; (१७) निर्याविधाना पहेबा अध्ययननुं नाभः निर्याविलका के पहले श्रध्याय का नाम name of the first chapter of Niryāvalikā निर.१,१; भग०७,६; — श्रद्दकंत. पुं॰ (-श्रतिक्रान्त) ભુખને સમયે નહીં પણ તેને ઉલ્લંઘીને મળેલા भाराध. जुवा के समय पर न निलंकर उस समय के बाद मिला हुआ भोजन. food obtained not at the time of hunger but after it. नाया॰ ४: १६; भग॰ ७, ९; ६, ३३; (२) क्षांत्रती के મર્યાદા બાંધેલ હાય તેને 'ઉલ્લંથી ગયેલ. कालकी जो मयोदा बांधां हो उस का उलंघन किया हुन्ना. transgressing the limit of time fixed. সৰু ৩০४: ८२०; —चारि त्रि० (-चारिन्) सभय-ચતુર્માસાદિ કાલનું ઉલ્લંધન કરી ચાલનાર समय- चतुर्मासादि काल का उद्वंघन कर के चलने वाला. (one) who transgresses the rules laid down to be observed in the rainy season etc. प्रव• ७=४: —ग्रह्कमः (-म्रातिकम) धावने प्रदेश विषा; सभयने त्यान्यो। काल को डाइंपना, समय को त्यागना.

transgression of time fixed. पंचा॰ १, ३२; — श्रइयर. पुं॰ (- श्रतिचर) કાલ–આયુષ્યના પ્રમાણનું અતિચાર ઉલ્લંઘન કરવું તે; આયુષ્ય તાેડી નાખવું તે. શ્રાયુષ્ય के प्रमाण का उक्लंघन करना; श्रायुष्य का तोड़ना. cutting short one's allotted period of life. स्य॰ १, १३, २०; —श्रंतर. पुं॰ (-श्रन्तर) धांधान्तर; अन्यहा. कालान्तरः, दूसरी बार. another नाया० २; पंचा० १२, ३१; —-श्र**गुरु. पुं॰ (** -श्रगुरु) કાળું અગર; सुग धि धूपनुं द्रव्यः, कृष्णागर, काला अगरः, चुगंधित द्रव्य. a kind of black substance used as an incense. श्रोव॰ सम० प० २१०; राय० २७; सू० प० २०; नाया॰ १; १६; भग॰ ६, ३३; ११, ११; दसा० १०, १; जं० प० ४, ११३; कप्य० ३, ३२; — श्रद्वरत्तः न० (- श्रर्द्वरात्र) અન્ધારીયા પક્ષની-અમાસની અધ્ધી રાત્રિ. अंघेरे पद्म की श्रमावश्या की श्राधी रात. midnight of the 15th day of the dark half of a month. भग॰ ३, २; — प्रागुहाइ. त्रि॰ (- श्रनुष्टायिन्) વખતસર અનુષ્ટાન કરનાર; નકામા વખત नही गासनार समय पर काम करने वाला: निर्यंक समय नष्ट न करने वाला (one) who is punctual in the performance of his duties. श्राया॰ १, २. १, =८; —श्रासुपुन्दो. स्रो॰ (-ग्रानुपूर्वी डाण विषयड व्यनुपूर्वी, व्यनुक्ष्मः काल संम्बधी श्रनुपूर्वी. proper order of time. त्र्राणुजो॰ ७१; — स्त्रभिगाह. पुं॰ (-म्रामिग्रह) पहेंदे पहेंदि हे छेश्दे पहेंदि અમુક વખતે મળે તોંજ લેવું એમ કાળ अंअधी नियम धारवे। ते. पहले पहरमें या भान्तम पहरमें श्रम्क समय पर मिले तोही

लेना, ऐसा समय सम्बधा नियमका बांधना. vowing to take a thing either in the first or the last of the 8 divisions of time of a day. ग्रोव॰ —श्रवभासः पुं• (-श्रवभास) કાળી ઝાંધઃ કાળી પ્રભા. काली black tint. नाया॰ २; — श्रवहि पुं॰ (- श्रवधि) સમયની મર્યાદા; વખતની es. समय की ययादा. time-limit. पंचा॰ ५, १८; — आदेस पु॰ (-म्रादेश) કાલની અપેક્ષા. काल की श्रयेचा. relativity of time भग० ४, =; ६, ४; ११, १; १४, ४, २४, १, —श्रायसः न॰ (-श्रायस) કાળું લાહું, પાલાદ, ગજવેલ. पोलाद: गजवेल. steel: black iron राय० १२६; श्रोवं ०३१, जं॰प० -- एयगा। ছা। (-एजना) धास आश्री ঐপনা-५ ५त. काल की श्रपेचा में कंपना. trem bling with fear, having regard to time भग॰ १७, ३; — स्रोगाहणाः स्रो॰ (-श्रवगाहना) કાલની અવગાહના–क्षेत्र विस्तार-અ**दि**द्वी। प्रभाश काल की अपेचा से अढाई द्वीप त्रमाण श्रवगाहमा. localisation of time to the extent of two continents and a balf of v. a, -- श्रोभास. पुं॰ (-श्रवमास) धादी प्रला. काली प्रभा. black tint भग॰ ६, ४; ७, १०; - कंखि ति॰ (-कांचिन्) धास-पं-**डिनभर**खने यादनार पंड़ित मरण की इच्छा करने वाला. (one) who desires (natural and peaceful) death श्राया॰ १, ३, ३, १**१**१; — गग्र-यः त्रि॰ (-गत) भरण पाभेक्ष मृत; मृत्यु प्राप्त. dead. नाया॰ १;६;१६;१८, भग॰२,१; ५; ३, १; ७, ६; ६, ३३, १४, १; सम० १०००;

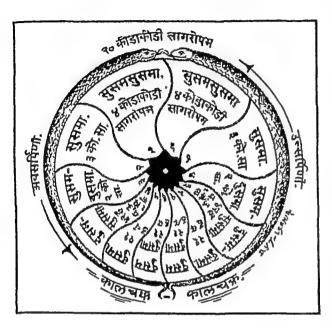
प्रव० १४७५: कप्प० ६, १८४, श्रोघ० नि० १११; विवा॰ १; —चारि, त्रि॰ (-चारिन्) **पे**।ताना **४रावे**स सभये यासे ते. श्रपने ठहराये हुए समयानुसार चले वह (one) who punctually follows his own programme. श्रोघ॰ नि॰ १०७; —हिइ स्री॰ (- स्थिति,) अक्षपरिभित रिथितः; आयुष्य. काल स्थिति, ऋायुष्य. fixed or determined period of life-time; life. भग० २४, १; — हिति. स्री॰ (– स्थिति) કাલસ્થિતિ, આયુષ્ય काल स्थिति. fixed or determined period of life-time. भग॰ १४, १; --- गागा न॰ (-ज्ञान) अस सम्पन्धी शान काल सम्बन्धी ज्ञान; श्रुभाश्रम ज्ञान; knowledge of (what is going to happen in) time. " काले काल यायां " ठा० १०; जं० प० — सासि. त्रि॰ (- ज्ञानिन्) કાલ রানী, અમુક માણ-सनं अयारे भात थशे ते काखनार. कालज्ञानीः मृत्युका समय जानने वाला (one) who knows what is going to happen in time, i.e. the time of death of a particular person "कार्ब कालगागी जागह्वेजयं वेजी " श्रगुजी॰ १४६; — तिग न० (-न्निक) भूत, ભાવી, અને વર્ત માન એ ત્રણ કાલ. મૃત, भाविष्य, और वर्तगान ये तीन काल. the triad of times, viz. past, future and present प्रव॰ १३४०; — तिय न॰ (- त्रिक) भूत, अविष्य, अने वर्तभान े त्रे अधु शंक्ष भूत, भविष्य, श्रीर वर्तमान ये तीन काल the triad of times, viz past, future and present प्रव॰ ६०३, —तुल्लय त्रि॰ (-तुल्मक) કાળની અપેક્ષાએ ખરાખર; સમાન કાળ-

पाणा. काल की श्रपेत्ता से समान-तुल्य; समकालीन. equal in point of time; same as regards time; contemporaneous. भग०१४, ७, — धम्म.पुं॰(-धर्भ-काला मरण स एव धर्मी जीवपर्यायः कालधम्मः) अस ध्रमः भर्छाः मरणाः जीवकी पर्याय का मरणा रूप स्वभाव. death; passing from one state of existence into another in due course of time विवा॰ २: ५: नाया० १: ठा० ३, ३; ४, ३; — न्नारा न० (-ज्ञान) अस सन्पनिध ज्ञान, जयोतिष આદિને આધારે ભૂત ભાવીનું જ્ઞાન થાય તે. काल सम्बन्धी ज्ञान: ज्योतिष आदिके आधार से भत भविष्य का ज्ञान का होना. knowledge of events in the past or future through astrology etc १२३८: —पाडिलेहराया. स्री॰ (-प्रतिलेखना) अस व भतनं निरिक्षणः જે વખતનુ જે કામ શાસ્ત્રમાં બતાવ્યું હોય तेना अत्ये जागृत रहेव ते समय का निरी-त्तराः जिस समय जो काम करने की शास्त्रने श्राज्ञा दी हो वही काम करने में जागृत रहना proper circumspection about doing things at the time prescribed in scriptures उत्त॰ २६, २; —परट्ट पुं॰ (-परावर्त) अस आश्री परावत न - पुद्र स परावत न काल आश्री परावर्तन-प्रद्रल परावर्तन. modifications in matter in due course of time. प्रव. १०६१; - परमाख. पुं (-परमाणु) सुक्ष्मभा सुक्ष्म आणः, समय. सूचमसे सूचम काल; समय the smallest division of time, called Samaya, भग० २०, ४, - पारियात्र. (-पर्याय) માતને વખતે કરવાના સંલેખના

विधि, अक्त परिज्ञाहि परित भरे अपने समय पर करने की सल्लेखना विधि. भक्र परीज्ञादि पंडित मरण the ceremony known as Samlekhanā to be performed at the time of death. श्राया० १. ७, ४. २१५; -मारा. पुं० (-मान) अलन अभाश समय का प्रमाण. measure of time: limit of time. पंचा॰ १, १६: —मास्तः पुं० (-मास-कालो मरणं सस्य मासः प्रक्रमादवसर काल-मासः) भर्ण सभय, मर्ण समय, time of death भग० १,१;३,१;८८,१०,नाया०१; ५:६:१४:१६: श्रोव० ३८,दसा०६,१: ''काल मासे कालं किचा " भग०७,६;उवा०१,८६; —मासिगी. स्री॰(-मासिनी) प्रसव समय-ने आप्त थयेश स्त्री प्रसव-प्रसात-समय को प्राप्त हो a woman about to give birth to a child दस॰ १, १, ४०; —मिग. पुं॰ (-मृग) કાલા भूगना यर्भनुं परेश काले हरिएा के चमडे का वर्त्र. a garment made of the skin of a black deer. जीवा॰ ३,३; निसी॰७, ११, —मियचम्मः न॰ (-सृगचर्म) **अक्षा भूग**नुं थाभडुं. काले मृग का चमडा. skin of a black deer. नाया॰ १६. —लोय पुं॰ (- लोक) કાલની અપેક્ષાએ લાક काल की अपेना से लोक. a world in its relation to time. भग०११,१०; — वरागा-पुं॰ (-वर्ण) अक्षी २ ग. काला रंग black colour. भग० ८, १; २४, ६; सम० २२, —वरागपजाच. पुं (-वर्णपर्यव) धाक्षा रंग-नी पर्थाय (६शा). काले रंग की पर्याय (श्रवस्था). a particular state or condition of black colour भग॰ २५,३;—चराखपरिखय.त्रि॰(-वर्खपरिखत) કાલ વર્ષ્યુરુપે પરિણામ પામેલ. काल वर्ण-रूप

सचित्र अर्ध-मागधी कोष

कालचक्क. न० (कालचक) ७ भारा मशी ઉत्सिर्पिधी એટલે ચડते। કाલ धाय छै;



तेभक ७ व्याश परिभित व्यवन સિપિંણી એટલે ઉતરતા કાલ થાય છે. ઉત્સિપિંણી અને અવન સપિંણી એ ખને કાલ મલી અક કાલચક્ર થાય છે તેનું પરિઞાણ ૧૦ કાડાંકાડી સાગરાપમનાં છે ते ७ ७ आरानं स्वरूप सतावे છે. સુસમસુસમાથી દુસમદુસમા સુધી ૧૦ કાડાકાડી સાગરાપમ પરિમિત અવસાંપંણી કાલ અને દુસમદુસમાથી સસમ<u>ય</u>ુસમાપર્યત જમણી બાજાના છ વિભાગ १० हाडाहाडी सागरापम परिभित ઉત્સર્પિ' શો કાલને ખતાવે છે. छः चारे (काल विभाग) मिला-कर उत्सिपियां। अयीत चढता काल

होता है. इसी प्रकार छः आरे परिमित अवसिपेगी अधीत् उत्तरता काल होता है. उत्सर्विगी और श्रवसिंगणी के दोनों कालों का एक कालचक बताते हैं जिसका परिमाण २० कोड़ाकोड़ी सागरीपम का होता है कालचक के चित्र क बीच में १२ विभाग हैं वे छ। छ। छारों का स्वरूप बतलाते हैं. सुममसुगमा से दुसमदुममा तक १० कोडाकोडी सागरीपम परिमित अवसर्पियी काल श्रीर दुसमदुसमा में सुममसुममा तक दाहिना श्रोर के छः विभाग १० कोडाकोडी भागशेषम परिभित्त उत्सर्पिणा कान को बतलाते हैं Utsarpinī time i.e. an mon of increase is equal to 6 Aras (a measure of time): and Avasarpini time i. e an son of decrease is also equal to 6 Aras. The Kalachakra measuring 20 Kodākodī (I crore × 1 crore) Sāgaropamas is made up of these two measures of time taken together. In the middle of the picture there are twelve divisions showing the extent of every 6 Ārās. The six divisions beginning from Dusamadusamā to Susama susamā on the right indicate Utsarpinī Kala which measure 10 Kodakodī, while the six divisions from Susamsusainā to Dusama dusamā to the left indicate Avasarpiņī Kāla which, is also equel to 10 Kodākodi Sāgaropamas of time. ৰাঁও বঙ



मे परिशत. modified into or developed into black colour. भग०= १; - वरारापरिसाम. पुं॰ (-वर्णपरिसाम) કાલા વર્ણ्≽ पे परि**ણામ પામ**લુ ते काले वर्ण-रूप में परिएात होना modification or development into black colour भग॰ =, १॰,--विभाग पुं॰ (-विभाग) **अबनी भेद; अबिक्सिंग काल का भेद, काल** का विभाग. a division of time. "इसी काल विभागंतु, तेसि वोच्छं चउव्विहं " टत्त॰ ३६, १९; —वासि पुं॰ (-वर्षिन्) સમયે વરસનાર, ચામાસામાં જરસનાર (મેઘ) समय पर वरसने वाला. rain falling in due season: seasonable rain. ठा० ४, ४, मग० १४, २, — विसेस पु० (-विशेष) असना विशेष विसाग (भेर) समय का विशेष विभाग a particular division of time प्रव० -विहीरा त्रि॰ (-विहीन) धास ५०थ शिवायनुं. काल द्रव्य रहित excluding, excepting the category named time. प्रव॰ ६६०, - संज्ञाग पु॰ (-संयोग) अणिने। संजीय काल का संयोग juncture of time ठा॰ ३, २; श्रयुनो॰ १३१; —संसार पुं॰ (-संसार) शत हिवस म स वर्ष पक्ष्यापम सागरापम पर्यंत सटक्षु ते-अस संसार रात, दिन, महीना, वर्ष, पल्योपम, सागरोपम, संसारमें वह कालसमार कहलाता है। wandering in worldly existence for indefinite periods of time. ठा० ४, १; —सम. त्रि० (-सम) ९६४-**अस्य अस्य अस्य काल के वरावर** simultaneously with the rise of. क॰ प॰ ५, ४२, —समय पुं॰ (-समय) शबरुपी सभय कालरूपी समय.

a point of time viewed as time. विवा॰ ३; सू॰ प॰ ८;

कालस्रो स्र॰ (कालतः) श्वथ्यशः श्वल्ती अपेक्षायेः श्वल्यास्री. काल की श्रपेद्धा से In point of time, as regards time. स्रोव० १७, भग० २, १; ५, १०; ५, ७; ६, २; ६, ६, राय० ६६; उत्त० २४, ६: प्रव० ७७६, १२०४; ज० प० ७; १७४; कालक. न० (कालक) शणा पुद्रस. काला पुद्रस Matter or substance black in colour भग० ६, ६;

कालकूट न॰ (कालकूट) विष; अरे. जहर; विष Poison. उत्त॰ २०, ४८;

कालग ति॰ (कालक) आणा रंगनुं. काले रंगका. Black. उत्त॰ २२, ४; नाया॰ ५; भग॰ १४, १, २५, ४; उत्ता॰ २, १०७; (२) पुं॰ अध्यक्ष्यार्थ कालकाचार्य A preceptor named Kālakāchārya. विशे॰ १७६६; — च्छुचि. स्री॰ (॰ ख्रवि) अध्यक्षिति, याभरीते। रंग. काली कान्ति, चमझे का रंग black colour of the skin. उत्त॰ २२, ४;

कालगाहावइ एं॰ (कालगृहपीत) ५ अ नाभना गृह्यति-शेर्ड काल नामक गृहपति-सेठ. A merchant named Kala. नाया॰ व॰

कालग्गुया स्ति॰ (कालज्ञता = कालं प्रस्ताव-मुपलच्चास्ताद् देशं च जानातीति कालज्ञ-स्तन्नावः कालज्ञता) अवसर लाख्ये। ते; देश धाणनी ओणभाखुः समयको पहिचानना; देश काल की जानने वाला. Due recognition, sense of time, place etc. श्रीव

कालत्त. न॰ (कालत्व) अणायाणुं. कालापन. Blackness. भग॰ १७, २; कालक त्रि॰ (कालज्ञ) अर्थन्य परायाणु; पणतने। ज्राष्ट्रनारः ६थित अनुथित सभयने ज्राख्तारः कर्तव्य परायणः समय को जानने वालाः उचित अनुचित समय को जानने,वालाः (One) knowing or realising opportuneness or otherwise of time in doing duties. आया॰ १, २, ४, ८०६;

कालपाल. पुं॰(कालपाल) એ नामना धरछेन्द्र अने भूतानंदना क्षेष्ठिपाल. घरणेन्द्र और भूतानंद के लोकपाल का नाम. The guardian of people (so named) of Dharapendra and Bhūtānanda. ठा॰ ४, १;

कालिपसायकुमारिंदः पुं॰ (कालिपशाच-कुमारेन्द्र) अल नामे पिशाचीना छह. पिशाचोंका काल नामक इन्द्र. Indra of the Pisachas named Kala. नाया॰ घ॰ कालमुद्द पुं॰ (कालमुख) छत्तर भरतभांनी ओड देश. उत्तर भरतका एक देश Name of a country in Uttara Bharata. जं॰ प॰

कालय. पुं॰ (कालक) धेणे। वर्ध. काला वर्षा Black colour. नाया॰ १: भग॰ ४, ७; १२, ६; १८, ६, १० ४;

कालवर्डिस्यभवण न० (कानावर्तसकभवन)

शिक्षितीनुं शिक्षावर्तश्विनाभनुं अपने. काली
देवी का कालावर्तशक नामक भवन. The
abode of Kālīdevī named
Kālāvataṃsaka. नाया॰ध॰ —वासिपुं॰ श्ली॰ (–वासिन्) शिक्षावर्त सङ्भवनभां
वसनारा. कालवर्तसक भवनमें रहने वाला.
(a person) residing in Kālāvataṃsaka abode. नाया॰ ध॰

कालवाल पुं॰ (कालपाल) धरखेन्द्रना से। धरखेन के लोकपाल का नाम Name of a guardian of people of Dharanendra. भग॰ ३, =;१०,४;

फालिसरी स्त्री॰ (कालश्री) शवशृद्धपतिनी
शवश्री नामनी धर्मपत्नी काल गृह पति की

फालश्री नामक स्त्री Name of the

wife of Kāla a householder.

नाया॰ घ॰

कालसीहासण. न॰ (कालींमहासन) अस नाभवाणुं सिंद्धासन. काल नामक सिंहासन. A throne named Kala, नाया॰ ध॰ काला. स्री॰ (काला) असेन्द्रनी असा नाभनी राजधानी. कालेन्द्र की राजधानी का नाम. Name of the capital city of Kalendra. भग॰ १०, ५;

कालालोग न॰ (काललवग) डार्थ पर्वतभां उत्पन्न थंतु डाणुं भी हु. किसी पर्वत में उत्पन्न होनेवाला काला निमक Bla k salt produced in a mountain. दस॰ ३, ५; कालासविस्थिपुन पुं॰ (कालाश वश्यपुत्र) श्री पार्श्व नाथप्रभुना शम्सनना ओह साधु; पार्श्व नाथना सतानिया है के ले थिवर साधु- ओन प्रश्नी पुरुषा हता. श्री पार्श्वनाय भग वान् के शामन के साधुका नाम जिसने थिवर साधुन्नोंको प्रश्न पूछे थे Name of an ascetic belonging to the cult of Pārsvanātha who had asked some questions to Sthavira monks. भग॰ १, ६;

कालिश्र-यः त्रि॰ (कालिक) रात अने हियसना पहेले तथा छेल्ले पहे। रे लिखाय पख्
थीको त्रीने पहे। रे न लिखाय तेवुं सत्रः
आयारांग आहि हालिह सत्रः वह सूत्र जो
रात्रि श्रोर दिन के पाईले तथा श्रोतम प्रहर
में पढा जायः श्राचारांग श्रादि कालिक सूत्र
Kālika Sūtras such as Āchārāṅga etc. which could be read
at the first and last of the

four divisions of day or of night. विशे० १२०, ठा० २, १; श्रगुजो० ४; १४६; नंदी॰ ४३; (२) धावांतरे भण वानुं; अनिश्चित. कालान्तर में मिलने वाला; श्रीनिश्चत uncertain in point of time. उत्त॰ ४, ६, (३) એ नाभने। એક દ्વीप-भेट इस नामका एक द्वीप-वेट. name of an island. नाया॰ १७; —श्रसुश्रोग. पुं॰ (-श्रनुगोग) शक्षिक श्रुतनुं ०४। ७४। त. कालिक श्रुत का व्याख्यान. a discourse on, an explanation of a Kālika scripture पंचा॰ ११, ३४; -दीच पुं० (-द्वीप) डालीय नामने। द्वीप. कालीय नामक द्वाप. an island named Kāliya. नाया॰ १७, -वाय. पुं॰ (-दात) પ્રચંડ વાયુ; પ્રતિકૃળ વાયુ. प्रचंड वायु, प्रातेकूल हवा. violent wind; adverse wind.नाया॰ ६; १७; - सुय. ન • (- શ્રુત) કાલિક સુત્ર. આચારાંગાદિ-धारे व'याय ते सूत्र कालिक सूत्र a Kālika Sūtra e. g. Achārānga etc. which could be read at particular times only. भग॰ २०, इ: निसी॰ १६, १०; विशे० ५४६,

कालिंगी. ली॰ (कालिक्की)तरणूक तरवूज; मतीरा. A kind of water-melon. पन्न॰ १; भग॰ २२, ६,

कार्लिजर. पुं॰ (कार्लिजर) એ નામના એક પર त. एक पर्वत का नाम. Name of a mountain. "दसा दसभे आसी मिया कार्लिजरे नगे " उत्त॰ १३, ६:

कालिज न॰ (कालिय) अणालुं, शरीरती अंदरती ओंद अन्यय क्लेजा: शरीर के भीतर का एक अन्यय An organ of the body viz. liver. तंदु अन ॰ १३ = ४; कालियपुत्त. पुं॰ (कालिकपुत्र) अधिअधुत्र

नाभे श्री पार्श्वनाथ अभुना शासनना ओक्ष विद्रान् थिवर साधु. श्रीपार्श्वनाथ प्रमु के शासन के कालिकपुत्र नामक एक विद्वान् साधु. Name of a learned monk of the cult of Śri Pārśvanātha. भग॰२,४; कालिया स्त्री॰ (कालिका) कासका देवी. कालिका नामक देवी The goddess Kālīkā सु॰च॰ ६,१४६;

काली. स्री । (काली) अंतगढ सूत्रना આડમા વર્ગના પહેલા અધ્યયનનું નામ. શ્રંત-गढ़ सूत्र के आठवें वर्ग के पहिले अध्याय का नाम name of the first chapter of the eighth section of Antagada Sūtra. श्रंत॰ ८, १; (२) श्रेशिक રાજાની રાણી અને કાેેેેેશિકની એારમાન માતા કે જેણે મહાવીરસ્વામી સમીપે દીક્ષા લઇ રયણાવલી = રત્નાવલિ નામનું તપ આચરી આડ વરસની પ્રવજ્યાપાળી એક માસના સંથારે। કરી પરમ પદ પ્રાપ્ત કર્યું. राजा श्रेगिक की रानी श्रीर कीणिक की सोतेली माता जिसने की महावीर स्वामी के समीप दीचा लेकर रत्नाविल नामक तप किया श्रीर श्राठ वर्षी तक दीचा पालन कर श्रंत में एक मास का संथारा किया श्रीर परमपद श्राप्त किया the queen of Srenika and step-mother of Konika, who took Dîksā from Mahavīra Svāmī, practised Ratnāvalī penance, observed asceticism for eight years and after one month's abstinence from food and water attained final bliss. श्रंत०८,१,(३) કાગડાનी જાધ, कौए की जाघ. the thigh of a crow. उत्त॰ २, ३; (४) अक्षा रंगनी स्त्री. काले रंग की स्त्री. a woman of black colour श्रामाने॰

१२६; (४) यभरेन्द्रनी भुण्य हेवी. चमरेन्द्र की सुख्य देवी. the principal goddess of Chamarendra. भग॰ १०,४; (६) व्यक्तिनंदन स्वाभिनी शासन हेवीनुं नाभः प्राभिनंदन स्वाभी की शासन देवी का नामः name of the attendant spirit of Abhinandana Svāmī. प्रव॰ ३७७; पंचा॰ १६, २४; — श्रद्धाः श्री॰ (-श्रायी) हासी व्यार्थः काली श्रायी. a nun named Kālī नाया॰ ध॰— द्रारिश्राः श्री॰ (-दारिका) हासी इभारी काली कुमारी. a girl named Kālī नाया॰ ध॰

कालीदेवित्त. न॰ (कार्बा देवीत्व) अशी देवी-पर्णं काली देवीपना. State of being the goddess Kali नाया॰ घ॰

कालीवर्डिसयभवणः न॰ (काल्यवतंसक-भवन) धार्थीदेशीनुं धार्यायतंसक नामे लवनः कालीदेवी का कालावंतसक नामक भवनः An abode of Kāli Devī, named Kālāvatamsaka नाया॰ घ॰

कालुगिय नि॰ (कारुगिक) ३२७।०४ तथ. करुगाजनक; करुगा पैदा करने वाला. Piteous. स्य॰ १, २, १, १७;

कालोछ-य. पुं॰ (कालोद) अक्षीहिंधनाभनी सभुद्र हे के धातशिष्यंत्रे इरती विंटायेव छे. कालोदिव नामक समुद्र जो कि धातकीखंडद्वीप को घेरे हुए है. An ocean named Kalodadhi, encircling Dhatakikhanda टा॰ ७; जीवा॰ ३; ४, अणुजो॰ १०३, सम॰ ४२; ६१; पन्न० १५;

कालोद. पुं॰ (कालोद) ळुओ "कालोश्र-य" शण्ट. देखो "कालोश्र-य" शब्द. Vide "कालोश्र-य" ठा॰ २,३; भग॰ ६,२; कालोदिह. पुं॰ (कालोदिध) धातशीणन्त्रनी यारे पाळुओ आठ शाण जोजन प्रभाशनी

કाले। ६िध सभुद्र, उस समुद्र का नाम जो ।

भातकीसंडकी चारों श्रांर है श्रांर जिसका प्रमाण श्राठ लाख योजन का है. An ocean so named, surrounding Dhātakīkhanda and eight lacs of Yojanas in circumference. भग० ५, १;

कालोदायि पुं॰ (कालोदायिन्) शिक्षांशी नामना ओंश्र अन्य दर्शानी गृहस्य एक जैनेतर गृहस्य का नाम Name of a house-holder belonging to a non-Jaina creed. भग॰ ७, ६; १०;१८, ७; काच पुं॰ (काव्य) शब्य अनावीने संलजायनार काव्य बनाकर मुनाने वाला. A bard; a minstrel जीवा॰ ३,०३; नाया॰ १, ८; काचिलय पुं॰ (काविलक) अवस्य आहार कीर; कवल. A mouthful. भग॰ १; ७; प्रव॰ ११६४;

कावि. श्र॰ (कापि) डे। ४५७। कोई मी. Somebody; some one or other; anybody. नाया॰ =;

काविह. पुं॰ (काविष्ट) छहा हेवलीहनुं हाविष्ट नामनुं ओह विभान; ओनी हिथति शह सागरे। पमनी छे; ओ हेवता सान मासे धानसे। धास ले छे. इंडवं देवलोक के विमान का नाम, जिसके निवासिया की आयु चौदह सागरोपम की है और जो चौदह पन्तों में एंक वार श्वासोइवास लेते हैं. Name of a heavenly abode of the sixth Devaloka, where the gods live for 14 Sagaropamas and breathe once in seven months. सम॰ १४:

काविल. न॰ (कापिल) अधिक्षास्त्र; सांभ्य ६र्शननुं शास्त्रः कापिल शास्त्रः सांख्य दर्शन शास्त्रः The tenets of the founder (Kapila) of the Sānkhya

system of philosophy. अगुनो०४१; काविलिया न० (काविलिक) धियसमतने। अ.थ कपिल मत का एक प्रथ. A book containing an exposition of the tenets of Kapila. नंदी॰ ४१; कावोय. पुं॰ (🕝) अवं हेरवी सिक्षा भांगनार ओंध पर्ग. कावड लेकर भिना सागने वाला एक वर्ग. A class of mendicants begging their food in

bags attached to the ends of

a bamboo which rests on the

shoulders. श्राजो० ६२. काचोया स्त्री॰ (कापोतिका) पारेपी वृत्ति, કળુતરની માક્ક ઘણી સભાળથી આહારાદિક क्षेवुं ते एक प्रकार की वृत्ति-कवृतर के समान वडे यत्नाचारपूर्वक श्राहारादि शहरा करने की वृत्ति. Taking food with great care, like pigeons उत्त॰ 98, 33;

 $\sqrt{}$ कास्त. था॰ I (कास्) ઉધરસ ખાવી. स्राँसना. To cough.

कासित्ता. सं० कृ० जीवा० ३, ३; ज० प० २, २४;

कासंत व० कृ० पगह० १, ३,

कास. पुं॰ (कास) ७६२स; भांसी. खासी. Cough ज॰ प॰ भग॰ ३,७, जांवा॰३,३; कास. ५० (काश) क्षारा नामना अद्ध. काश नामक यह A planet named Kāśa " दोकासा " ठा० २, ३; (२) क्षश नाभनी वनस्पतिने। अव्छे। कास नामक वनस्पति का गुच्छा. a cluster of the vegetation named Kāśa পন্ন ৭, ভবাত ३, १४⊏,

कासंकसः त्रि॰ (कासंकप-कस्मन्तेऽस्मिनिति-कासः संसारस्तं कपतीति तद्भिमुखीयातीति कासक्कष) प्रभादी; अर त्रथ, आधुणव्या-श्रस्वस्यः वीमारः श्राकुल व्याकुल. Uneasy; restless. श्राया १,२,४,६४;

कासग. पं॰ (कर्षक) भेडूत; भेती धरनार. किसान: खेती करने वाला. A farmer: a peasant. उत्त. १२, १२;

कासगः पुं॰ (काशक) ओह जातनी वनस्पति एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation जीवा॰ ३, ४;

कासगा. न॰ (कासन) ઉधरस भावी. खांसी न्नाना. Act of coughing. न्नोघ॰ नि॰ 234.

कासवः पुं॰ (कारयप) धास्यप गात्रीय-મહાવીર સ્વામી–ચાવીશમા તીર્થંકર. काश्यप गोत्र के महावार स्वामी चौचीसर्वे तीर्थकर. Lord Mahāvīra the 24th Tirthankara belonging to the family origin named Kāśyapa भग० १४, १, दस० ४, सु० च० ३, १२५; नदी॰ २३; उत्त॰ २, १; सूय० १, २, २, ७; ૧, **૨**, ૧, ૨; ज०૫૦ ૭, ૧૫૨, **(**૨) કાસ્યપ ગાત્રમા ઉત્પન્ન થયેલ–મુનિસવત અને નેમી સિવાયના બાવીશ તીર્થકર, ચક્રવર્તિ વગેરે ક્ષત્રિય, સાતમા ગર્ણધર વગેરે ધ્રાહ્મણ, જ છુ-रवाभी वर्गेरे गाथापति. कारयप गींत्र में उत्पन्न सुनि धुत्रत और नेमिनाथ के सिवाय वाईस तीर्थेकर तथा चकवर्ति वगैरह चनिय, सातवें गणधर वगैरह बाह्मण श्रीर जंवस्वामी वगैरह गाथापति. the Tirthankaras (24) excepting Muni Suviata

Vol 11/59

[·] लुओं-पृष्ट नम्भर १४ नी पुरने। (4) देखो पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (4) Vide foot-note (:) p. 15th.

and Nemi, the Ksatriyas viz the 7th Ganadhara etc. and the Gathapatis viz. Jambū Svāmī etc. all born in the Kāśyapa family. ठा० ७, १: उत्त० ૨૪, ૧૬; (રૂ) યું જોક પ્રસિદ્ધ ગાત્રનું नाभ: अभ्यप नाभे शात्र. एक प्रसिद्ध गात्र का नाम. कारयप नाम का गोत्र. name of a famous family-origin. कण॰ ४, ૧૦૩, (૪) શ્રી પાર્ધ્વનાથપ્રભુના શાસનના એક विद्रान साधु श्री पार्धनाय प्रमु के शासन के एक विद्वान साधु. a learned monk belonging to the cult of Lord Pārśvanātha. मग० २,५: (५) અંતગઢ સૂત્રના છઠા વર્ગના ચાથા અધ્યયનું नाभ. श्रंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के चौथे श्रध्याय का नाम. name of the 4th chapter of the sixth section of Antagada Sūtra. প্রন হ, ४: (६) राज्यनगर निवासी ओड गाथापनि કે જેણે મહાવીર સ્વામી પાસે વરસની પ્રવજ્યા સાળ पाणी વિયુલ પર્ગત ઉપર સંથારા કરી સિદ્ધિ. भेणवी राजगृह निवासी एक गाधापति जिसने कि महावीर स्वामी से दीचा ली श्रीर १६ वर्षीतक तप कर विपुल पर्वत पर संथारा कर सिद्धपद प्राप्त किया. name of a merchant residing in Rajagriha, who took Dīkṣā from Mahāvīra Svāmī, practised asceticism for 16 years, and attained salvation on Vipula mount giving up food and water. श्रंत॰ ६, ४; (७) ८००म नाई a barber. भग० ६, રેરેઃ (⊏) ઉત્તરા ક્લ્ગુની નક્ષત્રનું ગેત્ત્ર. रत्तरा फल्गुनी का गोत्र the family

origin of the constellation named Uttarā-Falgunī. यु॰ प॰ १॰: —गुत्त, पुं॰ (-गोत्र) सिद्धार्थ राज्य वगेरेंद्र की गोत्र. वगेरेंद्र गेत्र सिद्धार्थ राजा वगेरह का गोत्र. the family-orgin of king Siddhārtha etc ऋ॰ प॰ १, २; २, २०; श्राया॰ २, १४, १७६: —गोत्त. पुं॰ (-गोत्र) लभ्ध स्वाभी वगेरेनुं गेत्र. जम्बू स्वामी का गोत्र. the family-origin of Jambū Svāmī etc. नाय॰ १; कासवग पुं॰ (काश्यपक) नाई; डलभ नाई.

A barber सूय॰ १, ४, २, ६;
कास्यवालियाः हो॰ (काश्यपनालिका)
श्रीपर्धीनुं ६स. श्रीपर्णी का फल. The
fruit of Śrīparņī. दस॰ ४, २, २१;
श्राया॰ २, १, ८ ४८;

कासचय पुं॰ (कारयपक) अुशि "कासवग " शण्ट. देखी "कासवग " शब्द. Vide "कासवग " नाया॰ १;

कासची. हों (काश्यपी) पांयमा तीर्थ-३२नी भुण्य साध्यी. पांचवें तीर्थंकर की मुख्य साध्यी. The principal nun of the 5th Tirthankara. नम॰ प॰ २२४;

कासाइ. न॰ (कापाय) २००३। "कासाइश्र-य "शुर्ण्ड. देखो "कासाइश्र-य " शब्द. Vide "कासइश्र-य " उना॰ १, २२;

कासाइन्न-य. न॰ (कापायिक) अपाय-अगवा रंगशी रंगेलुं वस्त्र; न्हाने श्रदीर खंछवानुं वस्त्र. भगवां रंग से रंगा हुन्ना वस्त्र: स्नान करके शरीर पोंछने का वस्त्र. A saffroncoloured cloth generally worn by Hindū ascetics; a piece of cloth to dry the body after bath; a towel जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ न्नोव॰ ३१; कासिल्ल. त्रि॰ (कासमत्) ખासीवाणा. खांसी वाला One suffering from cough

कासिह पुं॰ (कासिह) अथारी मत्स्यादारी में अथारी पद्मी मद्यती खानेवाला जल-चारी पद्मी. A. sort of crane; a bird eating fish living in water. स्य॰ १, ११, २७.

कासी. स्री०(काशी) डाशीपुरी; वनारशी नगरी.
काशी नामक पुरी The town of
Benares भग० ७, ८, सुच० २, ४,
टत्त० १३, ६; कप्प० ५, १२७, (२)
डाशी देश; आर्थ देशभानी ओड काशी देश;
श्रायदेश में से एक. a country named
Kāšī. पच० १; भग० १५, १; नाया० ८;
—राय पु०(-राज) डाशीदेशनी राज्य काशी
देश का राजा a king of the country
named Kāsī उत्त० १८, ४८; नाया० ८;
काहल. त्रि० (काहल) अरु ४४, अन्यक्त.

काहल. त्रि॰ (काहल) अ२५४, अ०४५त. घन्यक; घप्रगट, घस्पष्ट Indistract; inarticulate, not manifest पएड् २,२; ठा॰ ७;

काहिलिया स्नं॰ (काहिलिका) शदिशिश नाभे ओश्व श्रीनानुं आक्षरेख इस नामका सोनेका श्राभरण A sort of gold ornament. प्रव १४३६,

काहार. पुं॰ (कहार—कं जलं हरतीति) ध्रायः. कावडः. A. contrivance to fetch water consisting of a piece of bamboo with ropes attached to its ends Pots of water are fastened to the ends of this rope, while the bamboo rests on the shoulders.

काहाचण युं॰ (कार्पापण) भुश; सिक्की मुद्रा, मिक्का, ह्याप: मुहर. A stamp

पग्ह० १, २;

काहिन्र-यः पुं॰ (काधिक = कथया चरति-काधिकः) गृह्दश्येने धेर प्यनायी प्यनायी अथा अहुनार आधु गृह्द्य के घर पर बना बना कर कथा करने वाला साधु. An ascetic telling long drawn scriptural stories at the houses of householders. सुब॰ १, २, २, २=; निसी॰ १३, ४२; गच्छा॰ १५४;

काहे थ्र० (कदा) ध्यारे कव. When थ्रंत० ६, १५; भग० २, १,

किइकम्म. न॰ (कृतिकर्मन = कृतिरेव कृतेवी कर्म किया कृतिकर्म) शुर्शिंहिक्षेत विधिपूर्व क વદના કરવી તે, એવી રીતે કે વાત વગેરે રાગથી પીહિત ન હાય તા ઉઠ ખેસ કરી અસ્ખલિત પાદાેચ્ચાર કરી વદના કરવી: ઉડવાને અશક્ત હાેય તાે અસ્ખલિત પાર્કનાે **ઉચ્ચાર કરી વદના કરવો ते ग्रह** श्रादि की विधि पूर्वक वंदना करना; यदि वात रोगसे पीटित न हो तो उठ बैठ करके धाराप्रवाह पाठोच्चार करते हुए वंदना करना श्रोर उठेन मे श्रशक हो ते। धारा प्रवाह पाठ का उच्चारण कर वंदना करना. Rendering obeisance to a preceptor etc. with observance of due forms and ceremonies प्रव ११=; ६=,पंचा । १७. ६: श्रोव० २०; भग० १४, २; सम० १२; कि. अ॰ (किम्) डे।ए।; शुं: डेथे। कीन; क्याः

त. थ० (किस्) शिषु: शु: ४या. कान; क्या; कानमा Who; what; which. भग० १, १; ७; २, १; ३; ४; ६, ३, १; ४; ५, २; ४; ६, ३३; १४, १, १६, ६; १६, १; ४१, १; ६, ३३; १४, ६; २६, १; ४१, १; नाया० १, ३; ४; ६; १६; १७; भ्राणुजो०३; ११, देय० १, ३३; वव०२, २२; भ्रोव०१६; ३६; पञ्च० १४; दसा० ३, २२; ३३; २४;४, १०; भ्राया० १, १, १, १, ३; ३, ४, ४, १४०;

स्य० १, १, १, १; दस० ४, १०; ४, २, ४७;६,६४;६,१,४;६.२,१६;जं०प०७, १४०; किंग्रंगपुर्गा. श्र० (किंग्रंपुनर्) लुओ। " किंपुर्गा " शण्ट. देत्री " किंपुर्गा " शब्द. Vide "किंपुर्णा " नाया० १; १४;

किंश्रग्णं थ्र॰ (किमन्यत्) भीलुं शुं ? दूसरा क्या ? What else ? नाया॰ प्र;

र्किकम्म. न॰(किंकर्मन्) अंतगड सूत्रना ७५। पर्भाता भीका अध्ययननुं नाम श्रंतगड सूत्र के छठवें वर्ग के दूसरे श्रध्याय का नाम. Name of the 2nd chapter of the 6th section of Antagada Sutra. (૧) રાજગૃહ નિવાસી એક ગાયા-પતિ કે જે મહાવિર સ્વામી પાસે દીક્ષા લઇ અગીઆર અંગ ભણી ગુણરયણતપ કરી સાલ वरसनी प्रव्रक्या पाणी विपुल पर्वात अपर **५२२ ५६ ५।३४। राजगृह निवासी एक गाया-**पति जिसने कि महावीर स्वामी से दीचा ली, न्यारह श्रंग पढे, गुणस्यण नामक तप किया श्रीर सोलह वर्ष तक प्रवज्या का पालन कर विपुल पर्वत पर मोज्ञ पद प्राप्त किया. name of a householder residing in Rājagriha, who took Dīkšā from Mahāvīra Svāmī, studied 11 Angas, practised Gunarayana penance, observed asceticism for 16 years and attained salvation on the Vipula mount. श्रंत॰ ६, २;

किंकर. पुं० (किङ्कर) अनुयर, सेवड; लृत्य; हास; याडर नोकर; सेवक. A servant; an attendant. नाया० १; जीवा०३, ४; पञ्च०२; श्रोव०३१ राय० ६६; भग०११,१९; किंगिरिड. पुं० (किङ्किरीट) त्रशुधिद्रियवासा छ्यनी ओड ज्यत. तेइन्द्रिय जीव; तीन इन्द्रियों वाला जीव. A kind of senti-

ent being with three senses. किंच. अ॰ (किंब) अने; वली. और. And; moreover. भग॰ १८, ८;

र्फिचण. अ॰ (किंचन) कं धेपेखु; कंधेक कुछ; कुछभी. Anything; something. सूय॰ १, १, २; १४; (२) न ॰ ४०५; परिश्रद्ध द्रव्य का प्रहण करना. wealth; worldly possessions विशे॰ १४४१, उत्त॰ ३२, ८; सूय॰ २, १, १४;

किंदि. श्र॰ (किञ्चित्) हिथितभात्रः हंधह. कुछः किचित् मात्र. A little; something; something at least. " किंचि बहुयं चयोवंच " पएह० १, ३; जं० प० ७, १३२; जं० प॰ दसा॰ ६, ३५; ७, २६, भग० २,9; द; द, ३;२०, ६;२४,७,३०,१; नाया०४;**द**; श्रोव॰ १६; ३८; उत्त॰ १, १४; पि॰ नि॰ १००; उवा०६,१७० गच्छा०१; प्रव० १४७; - काल न॰ (-काल) थाडे। आई। qwa. थोड़ा समय. a little time: some little time. सग० १,७; नाया॰ १६:-विसेसाहिय. त्रि॰ (-विशेपाधिक) जरा वधारे; थे। अधि अधि कुछ ज्यादह a little more; somewhat more. भग॰ २, ८; —साहम्म न॰ (-साधर्म्य) સહેજ સમાન પણું; કાઇક સાધમ્ય . कुछ समानता; कुछ सावम्ये भाव. a little affinity; possession of common qualities to a little extent. श्रगुजो० १४७;

किंचिम्मेत्त. ति॰ (-किंडित्मात्र) हिंथित् भात्र कुछ; किंचित्मात्र. a little; very little; only a little. विरो॰ ३११; किंतु. श्र॰ (किन्तु) पण्; विशेषता अताववाने आ अन्यव वपराय छे. भा; किन्तु; परन्तु. But; (an adversative conjunction). विरो॰ १५३; कित्थुग्ध. पुं॰ न॰ (किंस्तुन्न) ६रेड भासना शुड्स पक्षना पड़माने दिवसे व्यावतुं, बार थिरडरण्मानुं बेाथुं डरण्; ११ डरण्मानुं ११ मुं डरण्. प्रत्येक मास की शुक्क पत्त की प्रतिपदा के दिन होने वाले चार स्थिरकरणों में का चौथा करणः ग्यारह करण में का ११वां करण. The last of the eleven Karanas; the last of the four Thira Karanas falling on the first day of the bright half of each month. जं॰ प॰ ७, १५३;

किंतर पुं॰ (किन्नर) डिंशर न्यतन। ॰्यंतर हेनता किन्नर जाति के न्यंतर देन. A kind of Vyantara gods known as Kinnaras नाया॰ १; १६; भग० ३, ६; सम० ३४; श्रोव॰ २४; ठा॰ २, ३; राय॰ ४१; जीवा॰ ३, ४; श्रग्राजो॰ ४७, उत्त॰३६, २०५, (२) थभरेन्द्रना रथनी सेनाना ६५री. चमरेन्द्र की रथसेना का मुख्याधिकारी the commander of the army of chariots belonging to Chamarendra ठा॰ ५, १; —संडिय त्रि॰ (-संस्थित) डिशर हेनना आडारवाला. किन्नर देन का आकार नाला. (one) possessed of the form of a Kinnara god भग॰ ६, २;

किनरकंठ. पु॰ (किन्नरकएड) ओड जातनुं रेत्त. एक प्रकार का रक्त A kind of jewel or gem. स्थ॰ १२१;

किनरी. ली॰ (किन्नरी) એક स्त्री है जेने लीधे युद्ध थयुं ६तुं. एक ली जिसके लिये कि युद्ध हुआ था Name of a woman who was the cause of a battle. पग्ह॰ १,४;

र्किपाग. न० (किंपाक) डिंपाड वृक्षः ओड जेरी ६ ववाक्षं वृक्ष. किंपाक वृत्त, एक जहरी फल वाला हत. A kind of tree with poisonous fruits; the Kimpāka tree. उत्तः ३२, २०; तंदुः श्रोवः १४; —फल. नः (-फल) डिंपाड पृक्षनुं ६४; स्वादे भधुर पण् परिणामे अरी ओड ६४. किंपाक इन्न का फल; स्वाद में मीठा परन्तु परिणाम में जहरी फल. a fruit of a Kimpāka tree sweet in taste but poisonous.तंदुः किंपि. श्रः (किमपि) ३५; ३१५५७. कुछ भी Something; something at least; a little. पि॰ नि॰ भा॰ ३६; सु॰ च॰ १, २३४; नाया॰ १;

किंपुण, अ॰ (किंपुनर्) तेमां ते। १६वं० शुं अनी महत्तावादी। निश्चय दर्शाववामां अने। हिपये। थाय छे. इसमें तो कहना ही क्या; इस प्रकार महत्तावाला निश्चय प्रगट करने में इस शब्द का उपयोग होता है. A phrase meaning, " it goes without saying." गच्छा॰ ६५; नाया॰ १४;

किंपुणो श्र॰ (किंपुनर) अभे। "किंपुण" शण्द. देखों "किंपुण " शब्द. Vide "किंपुण " दस० ७, ४;

किंपुरिस. पुं० (किन्पुरुष) डिंपुरुष हेवता;

०थ-तरहेवतानी ओड जात व्यंतर देवों का

'किंपुरुष 'नामक एक भेद. A species

of Vyantara gods. भग० २, ५; ३,

८; १०, ५; नाया०१६; पएह०१, ४; जीवा०

३, ४; श्रमुजो० ४७, सम० ३४; श्रोव०
२४; उत्त० ३६, २०५; ठा०२, २; ३; पन०
१; २; प्रव० ११४४; (२) वैरे।यन छंद्रना
२थनी सेनाना अधिपति. वैरोचन इन्द्र के रथ
कीं सेना का अधिपति. name of the

commander of the army of

chariots of Vairochana Indra.

ठा० ५, १; —सांठिय. ति० (-संस्थित)
डिंपुरुष हेवने आडारे रहेक्ष. किंपुरुष देव

के त्राकार का having a shape of a Kimpuruṣa kind of gods. भग० 5, २;

किंपुरसकंट पु॰ (किम्पुरुपकंट) ओं १०१० नं २८१. एक जाति का रतनः A kind of gem राय॰ १२१;

किंवहुणा अ॰ (किंग्बहुना) प्रधारे शुं? ज्यादह क्या? What more? What is the use of adding more? नाया॰ १: भग॰ ६, ३३:

किमय. त्रि॰ (किग्मय) स्व३५ है आधान्य विषयक अस्तार्थभां वपरातुं; आतुं शुं स्व३५ छे हे आभां अधानपछ्डे शुं छे अवा अस्ता-र्थभां आ ३५ वपराय छे प्रश्नवाचक वाक्य मे उपयोग म श्रानेवाला शब्द. A form of interrogation meaning "What is the essential or prominent feature of this?" भग॰ १६, ७,

किंमूलय. ति॰ (किंमूलक) ४४। भूसवाणुं ? इसका मूल क्या ? Originating in what? नाया॰ =:

किंचा. थ्र॰ (किंवा) અथवा श्रथवा; या Or; an alternative conjunction. विशे॰ १२०, नाया॰ १; ५; भग॰ ३, १;

किसुश्र-य. पुं॰ (किशुक) हेशुऽानुं ठाऽ; भाभरानु वृक्ष. केश्र का वृद्ध; टेस् का माड. A kind of tree bearing red flowers. जं॰ प॰ श्रोव॰ १३; श्रगाजो॰ १६. सग॰ २, १, ३, २; नाया॰ १; ६; जाया॰ ३, १; राय॰ १३; कप्प॰ ४, ६०; किसुग्ध पु॰ न॰ (किस्तुध्न) कुश्री "किन्धुग्ध पु॰ न॰ (किस्तुध्न) कुश्री "किन्धुग्ध ए॰ न॰ (किस्तुध्न) श्राध्वर

Vide " किंखाच " विशे ३३४०: किचा. न॰ (कृत्य) इत्यः हार्य, अयोजन कृत्यः कायः काम Act: action: purpose इस० ७, ३६; ६, २, १६; भग० १, १०: ३, १; १३, म; स्य० २, ४, म; उत्त० १. ४४: नाया० ३: १४: सु० च० ३.६६: विशे ० ३४६४: क० प० २.७४. प्रव० २००: (૨) કૃતિ–વંદનાને લાયક–ગુરૂ, આચાર્ય पशेरे. कृति स्रयीन वंदना के योग्य गुह याचार्य यादि. worthy of salutation e. g. a preceptor etc. उत्त. १,१८, (३) पथन पायनाहि द्विधा पचन पाचनादि कृत्य. process such as that of digestion etc. स्य॰ १, १,४,१; - गय पुं॰ (-गत) अर्थभां तत्पर. कार्य मे तलर busily engaged in

किञ्चण. न॰ (🎋) धे। बुं. धाना. Washing. श्रोघ॰ नि॰ १६८;

work भग॰ ३, ४:

किचाकिचा न० (कृत्याकृत्य) कृत्याकृत्य () कृत्य () क

किच्छ न॰ (कृच्छ्र) ४४; भुः ४४ी. कठिनाई; कष्ट. Difficulty, trouble. जं॰ प॰ सु॰ च॰ ६, ७६; भग॰ ७, ६; नाया॰ ६; विशे॰ २२६६; —एप. पुं॰ (—ग्रात्मन्) ४४४४त आत्मा कष्ट सिंहत श्रात्मा क स्ट सिंहत श्रात्मा कि स्ट (क्रेय) भरी६वाने थे।२५. सिंहने के योग्य. Fit for purchase; worthy of being purchased दसा॰ ७, ४५; किट्ट. धा॰ I, II. (कृत्) ४१त न ४२५;

^{*} जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

पणाशुनुं कीर्तन करना, कथन करना To praise, to gloufy; to sing the praise of

किट्टेइ भग०२, १, नाया॰ १, किट्टइ, श्राया॰ १, ४, ४, १४८;

किट्टोमे. सूय ०२, १ ११;

किट्टें विवि॰ श्राया॰ १, ४. ६, १६४, सूय॰ २, १, ५७,

किष्टित्ता सं० कृ० नाया० १;

किट्टता सं० कृ० उत्त० २ ६, १; नाया० १; किट्टिया. सं० कृ० वव० ६, ३७;

किटित्तए. हे॰ कु॰ वेय॰ ३, २०;

किट्ट. पु॰ (किट्ट) सेहिती डाट. लोहे का जंग Iron-rust. श्राया॰ २, १, १, १, —रासि पुं॰ (-राशि) सेहिता डाटने दगसी लोहे के जड़ का ढेर. a heap of iron-rust "श्रट्रासिंसि वा किट्टरासिंसि वा" श्राया॰ २, १, १, १;

किट्टकरण्डा लो (किट्टकरण हा) संज्व-धन बीलनी प्रथम स्थिनिना त्रलु लाग धरीओ तेमाना भीवन त्रिलागनी सहा। डिटि धरखाद्धा छे संज्वलन लोभ की प्रथम स्थिति के तीन भाग में से दूसरे विभाग की संज्ञा किट्टिकरण्डा कहलाती है. Name of the 2nd of the three divisions of the first stage of the kind of greed known as Sañjvalana Lobha क प १, ४६;

किहि. स्री॰ (*) सदम. सूचम. Fine as opposed to gross. प्रव॰ ७१२; क॰ प॰ ३, १०;

किट्टिश्र-य. त्रि॰ (कीर्त्तित) वर्ण् वेलं, लब्ध-वेलं, कहा हुश्रा; वार्णित, वर्णन किया हुश्रा Described " एव से अद्दाकिटियमेव धम्मं " आया॰ १, ८, ४, २१७; स्य॰ २, १, ११; ठा॰ ७, १०;

किट्टिक. पुं॰ (किट्टिक) ओं अ जातनी पन-२५ति. एक प्रकार की वनस्ति A kind of vegetation भग॰ २३, १;

किन्दियाः स्त्री॰ (कीटिका) એક જાતનी साधारण वनस्पति एक प्रकार की साधारण वनस्पति. A kind of ordinary vegetation पन्न॰ १: भग॰ १, २; जीवा॰ १;

किट्टिस. न॰ (३) भेत्रष्टु ज्यतना वागना भिश्र-ष्थी भनेश्च सूत्र दो तीन जातिके वालों के मिश्रण से बनाहुत्र्या सूत्र धागा. A rope or thread formed by twisting together house-hair or hans of different kinds ऋणुजो॰ ३७; किट्टी स्त्री॰ (किट्टी) એક ज्यतनी वनस्पति एक प्रकार की बनस्पति. A kind of

किहि पु॰ न॰ (कृष्टि) કृष्टिनाभनुं त्रीला बे।था देवले। इनुं ओड विभान कृष्टि नामक तीसरे बोथे देव लोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third and fourth Devaloka सम॰४;

vegetation पन्न॰ १,

किद्विकुड. पुं॰ न॰ (कृष्टिकूट) કृष्टिडूट नामनु त्रील्य याथा देवले। इनु ओड विभान. कृष्टिकूट नामक तारसे चौथे देवलोकका विमान. A name of a heavenly abode of the third and fourth Deva-

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। र (*). देखो पृष्ठ नंतर १५ की फूटने। र (*) Vide foot-note (*) p 15th.

lokas. सम॰ ४;

किहिघोस. पुं॰ (कृष्टिघोष) કृष्टिबेष नामनं त्रीन येथा देनसेहनं येह विभान. कृष्टि घोष नामक तीसरे चौथे देवलोक का विमान. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम॰ ६;

किहिजुक्त पुं॰ (कृष्टियुक्त) એ नाभनुं त्रील अने ये।था देवले।इनुं ओड विभान तासरे श्रीर चाँथे देवलोक क विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४;

किडिज्भयः पुं॰ (कृष्टिध्वज) कृष्टिध्वज नामनु त्रील चे था देवले कि एक विमान तीसरे श्रीर चाँथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४:

किहिप्पस. पु॰ (कृष्टिप्रम) કृष्टिप्रला नामनुं त्रीन्त नेवा देवलेव्हिनुं क्षेष्ठ विभान तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas सम॰ ४;

किहियापत्त. पु॰ (कृष्टिकापत्र) કृष्टिकापत्र नामनुं त्रीन्त ने।थाहेनसे।इनुं ओक विभान. तासरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४;

किंद्विलस्स. पुं॰ (कृष्टिलेश्य) दृष्टिलेश्य नामनं त्रीका ये।धा देवले। इतुं ओड विभान. तीसरे चोथे देवलोक के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४;

किरिसिंग. पुं॰ (कृष्टिगृंग) કृष्टिशृंग नाभतुं त्रील शेषा देवले। इतुं ओड विभान तासरे चौथे देवले। क के एक विमान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४;

किहिसिन्द्र. पुं॰ (कृष्टिसिन्द्र) कृष्टिसिन्द नाभनुं त्रीका ने।धा देवले।कनुं ओक विभान तीमरे चीधे देवलोक के एक विभान का नाम. Name of a heavenly abode of the third and fourth Devalokas. सम॰ ४;

किट्ठुत्तरवार्डसग पुं॰ (इष्ट्युत्तरावर्तमक)
कृष्टिशयतंसक नामनुं त्राल्य याथा देवले।कनुं
ओक विभान तासरे चौथे देवलोक के एक
विमानका नाम. Name of a heavenly
abode of the third and fourth
Devalokas. सम॰ ४:

किडिकिडिया. ली॰ (किटिकिटिका) हुण ले शरीर वाला भाश्सना भांस विनाना ढाउ-हानी ६६नां भेसतां अवाल थाय ते. दुवंच शरीर वाले मनुष्य के मास रहित हिश्चों का उठने वेठने पर जो त्र्यावाज हो वह The cracking sound made by the bones of a fleshless weak person, as he rises up or sits down. नाया॰ १; भग॰ २, १;

किडिकिडियाभूय. त्रि॰ (किटिकिटिकाभूत = किटिकिटिकांभूतः प्राप्तो यः स किटिकिटिकांभूतः प्राप्तो यः स किटिकिटिकांभूतः प्राप्तो यः स किटिकिटिकांभूत) ३५ ३५ अथाल ३२तुं जिसकी हिंदृयों की उठते बेठते स्त्रावाज हो वह. Making a cracking sound. विवा॰ =: भग॰ २, १,

किडिभ. पु॰ (किटिम) श्रीश्री आई; राशी चिकंटीयों का घर. An ant-hill, a swaim of ants. जं॰ प॰ भग॰ ७, ६; (२) એક જાતના राग एक प्रकार का राग a kind of disease. भग० ७, ६; किंडुा. ल्री॰ (क्रीडा) क्रीडा, रभत गभत; राते, अानंद क्रीडा; खेल; आनंद; राते; विनादे. Sport; play; amusement. आया॰ १, २, १, ६४, सूय० १, १, ३, ११; भग० १३, ६, १४, २; पि० नि० ८८; ४२४;

किहुािचयाः स्री॰ (क्रोडाकारिका) ध्रीऽ। धराय॰ नारी हासी.क्रीडा कराने वाली दासी. Amaidservant who makes one sport, play or supplies with some kind of amusement नाया॰ १६;

किढिए पु॰ (४) એક जतनुं वांशनु દામ, તાપસનુ એક ઉપકરણ; કાષ્પડની બે पालुना ७। पडा एक प्रकार का बास का यर्तन, तापस का एक उपकर्ण, कावड के दोनों तरफ के छवड़े. A sort of vessel made of bamboo, a vessel used by an ascetic, the two flat baskets hanging by a rope attached to the two ends of a bamboo placed on the shoulder. मग० ७, ६; -पडिस्त्वग. त्रि॰ (-प्रतिरूपक=किठिनं वंशमयंस्तापस-भाजनविशप: तत्प्रातेरूपके किठिनाकारे उस्तुनि) डाणरना आडारनी पश्तु. कावड़ के आकार की वस्. An object having the shape of a wooden pole resting on the shoulders with two baskets hanging at each end. भग० १, ६; — संकाईयः न० (-सांद्वा-यिक = किठिनं वंशमयस्तापसभाजन

विशेष ततश्च तयोः साङ्कायिकं भारोह्रहन यन्त्रं किठिनसाङ्कायिकम्) अल्ड. कावड. A contrivance consisting of a long piece of bamboo with two vessels suspended one at each end, by means of ropes. The middle part of the bamboo rests on any or both of the shoulders. भग० ११, ६;

किराग. न॰ (ऋयण) भरीहवुं ते. खरीदना.
Act of purchasing, सु॰च॰ २,४४५:
किरिगत. न॰ (किरिगत) એક જાતત વાછંત્રएक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument. ज॰ प॰

किरिएया स्त्री॰ (किरिएका) એક જાતનું यार्जित्र एक प्रकार का बाजा. a kind of musical instrument. राय॰ ==;

किरागं अ० (किस्) इयं. शुं. कौनसा क्या What, a particle showing interrogation नाया १, २, ३, ७; ६; ६; १६; भग०३,२; १६, ४, उवा०३, १३६,

किरण ति॰ (कीर्ण) आशिशः ०४। से फेलाया हुआ; व्याप्त. Scattered over with; full of नाया॰ ५; उता॰ २, ६४; किरणमुंख. पुं॰ (कीर्णमुग्छ) એક જાતનું वार्लिश. एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument जीवा॰ ३, १; किरण्र पुं॰ (किन्नर) ०५ंतर जातना देवना की एक जाति A species of gods known as Vyantara gods. पन्न॰ १; श्रोव॰ पग्ह॰ १, ४; नाया॰ ५; भग॰

२,५;१०, ५; कप्प०३, ४४; जं०प०४,११५;

[ं] ભુઓ પૃષ્ઠ નમ્ખર ૧૫ ની પ્રુટનાટ (ஃ) देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (﴿). Vide foot-note (﴿) p. 15th

किराणाइ. थ्र० (किक्कित्) छिथित. कुछ; किंचित्मात्र. Very little; only a little. पि॰ नि॰ ६४३;

किएह. पुं॰ (कृष्ण) धानारंग, काला रंग, Black colour. (२) आणा रंगनुं: श्याम. काले रंग का; श्याम. black. भग० १२. ६; १४, ३; नाया० ५;६; १०; १३;१४;१७; राय० ४७; श्रणुजी० १३१; श्राया० १, ४, ६, १७०; ठा० १, १; उत्त०३६.१६; सू॰प॰ २०; प्योव० पत्न० १; प्रत्र० १२२६, क० गं० १, ४०; कप्प० ६, ४४; जं०प०४, ७४; २,१६:निर०३,२:(३) पुं०५७ लाभना ७ मा पासहैप कृष्ण नाम के ह वें वासदेव. the 9th Vāsudeva named Krisna. निर॰ ५, १, (४) म्रुश्यक्षः अधारीयुं. कृष्णपत्त. the dark half of a month. पंचा॰ १६, २०; — श्राभास-त्रि॰ (-श्रामास) ५००। रंग केंबुं हेभातुं: शणी प्रशा. काले रंग के समान दीखता हुआ; काली त्रभा. appearing blackish; black lustre. नाया॰ ७, ६; निर॰ ३,२; —श्रोभासः पुं॰ (-श्रवभास) धणी प्रला. काली प्रभा. black lustre. नाया॰ १: मग० १३, ६; १४, १; -केसर. पुं॰ (-केशर) आणी देशर काली केशर. black saffron. पत्र १७,रांय - पडिवक्ख. पुं॰ (-प्रतिपत्त) अधारीयं ५ भवाडीयं कृष्णवत्त. the dark half of a month dare १६, २०; मिग पुं॰ (-मृग) अक्षीयार भूग; काणा ७२७. कृष्ण मृग, काला हिरन. a black deer. श्राया॰ २, ४, १, १४४; —लेसा. स्री॰ (लेश्या) ३००। दीस्था. कृष्ण लेश्या. black thought tint or mattertint. प्रव.११७३, — तेस्सा स्ना॰(-लेश्या) कृष्ण लेश्या. कृष्ण लेश्या. black tint; black thought-tint or mattertint. भग० १, १; उत्त॰ ३४, ४; पन्न॰ १७; —सन्पः पुं॰ (-सर्प) अले। सर्प. काला सांप. a black serpent. भत्त॰ इ:—सुत्तग. न॰ (-स्यक) अधा २० छं स्त्र. काला स्त; thread of a black colour. भग॰ १६, ६;

किएहपडल. न॰ (कृष्णपटल) ओ नाभनी साधारण वनस्ति. Name of an ordinary kind of vegetation. पत्न॰ १; किएहपत्त. पुं॰ (कृष्णात्र) थार धिद्रियवाणे। ओड छन. चार इद्रियों वाला एक जीव. A four-sensed living being. पत्न॰ १; किएहसिटी. स्री॰ (कृष्णात्री) छड़ा यहवर्तीनी कृष्णुश्री नाभनी स्त्री झड़नें चकवर्ती की कृष्णभी नामक स्त्री. Name of the wife of the sixth Chakravartī. सम॰ प॰ २३४;

किएहा, ख्रां० (कृष्णा) भेइना उत्तरमां आ-વેલી રકતા નદીમાં જઇને મળતી એક નદી. मेठ की उत्तर दिशाम स्थित रक्षा नामक नदीमें जाकर मिलने वाली एक नदी. Name of a river flowing into the river Raktā in the north of Moru ૭૦ ૫, ર: ૧૦; (ર) કૃષ્ણ લેસ્યા; કાળામાં કાળા કર્મરકંધ કે જેના યાગથી છવતે ક્લિષ્ટમાં ક્લિષ્ટ પરિણામ થાય છે; ७ क्षेत्रयामांनी अथम क्षेत्रयाः कृष्ण लेख्याः अत्यंत काले वर्ण के स्कंध कि जिनके योग से जीव की श्रत्यंत दीन श्रीर कठोर परिणाम हो. blackest Karmic molecules causing the direst results to the soul; black thought-tint or mattertint. क० गं० ४,१६; उत्त०३४,३; पिं ॰नि॰मा०३०; (३) એક जतनी वनस्पति एक प्रकार की वनस्त्रति a kind

vegetation भग०२३,४,(४)आण प्रसा. काली प्रमा black lustre. नाया० ७; √ कित्त था० I (कृत्) शुख् धीर्तान धरयुं; पणाख्युं स्तुति धरपी. गुण कीर्तन करना, प्रशंसा करना; स्तुति करना To sing the merits of, to praise.

किनद्दस्तामि. श्रगुजी० ५९;

कित्तयन्त व० कृ० उत्त० २४, ६;

कित्तग् न० (कीर्तन) पणाणुः अशंसा, स्तुति Praise; eulogy. विशे० ६४०; चउ० ३; नाया० १६; उवा० ७, २१६; पचा० १६, ३७;

कित्तवी(रिश्च. पुं॰(कीर्तिवीय) लरतनी गाहीओ तेल्यीय पछी आवेल तेनी पुत्र. मरत की गादी पर तेजवीय के पोछ बैठने वाला उस का पुत्र. The son of Tejavīrya who succeeded the latter to the throne. ठा॰ =, 9;

कित्ति स्त्री॰ (कीर्स्त) दानादिश्मां उदारता ખનાવવાથી થયેલ કીર્ત, પ્રસિદ્ધિ, યશ, थ्याथः, दानादि में उदारता प्रगट करने से जो कीर्ति प्रसिद्धि, यश श्रथवा प्रतिष्टा हुई हो Fame; reputation, glory arising from charity etc. " किति वन्न सद् सिले।गट्टयाए ' दस० ६, ४, २; ३; ६, २, २, उवा० २, ६४, सूय० १, ६, २२, श्रोव० ३१, उत्त० १, ४५; भग० १४, ४, १४, १; १६, ६, पि० नि० ५०६; ६८७, नंदी० २७; श्रोघ० नि० मा० १४१; निर० ४, १; पन्न० प्रव॰ ४६६; (२) डीतिंहेवीनी प्रतिभा. कीर्तिदेवी की प्रतिमा. an image of the goddess of fame. भग०११,११; (૧૬) કિર્તિદેવી, નીલવંત પર્ગતના કેશરી દ્રહની અધિષ્ટાત્રી કેવી कीर्तिदेवी, नीलवंत पर्वत के केशरा दहका अधिष्टात्री देवी, the

goddess of fame, the presiding goddess of the lake named Keśarī in the north of Nīlavanta mount. ठा० २, ३, जं० प० ४; — कूड. पुं० (-कूट) नीक्षरंत वणारा पर्वतना नवधूटमांनुं पांचमुं ६८-शिभर नीलवंत वखारा पर्वत के नौ कूट में का पाचवां कूट. the 5th of the 9 summits of the Nīlavant Vakhārā mount. जं० प०—कर. त्रि० (-कर) डीति अगट डरनार, यश डरनार. कीर्ति प्रकट करने वाला; यश करने वाला. making famous; giving fame. कप्प० ३, ४२;

कित्ति. स्ना॰ (कृत्ति) यामधानी योणंधे धडेडे। हे के भेसवाने पाथरवाना धाममां आवे ते. चमडे का चोखटा दुकडा जो कि बैठने के काम में आता है. A rectangular piece of leather used for sitting on.

प्रव० ६८३: कित्तिस्र-य त्रि॰(कीर्तित) वभाषेक्ष. प्रशसित; कीर्तिप्राप्त. Praised: famous. श्रोव॰ प्रव० २१३, ४०६: श्राव० २,६; नाया०१६, कित्तिश्रा स्त्री॰ (कृत्तिका) इतिहा नक्षत्र. कृतिका नामक नद्धत्र Phe constellation named Krittika श्राजी०१३१, कित्तिग्रादासः पु॰ (कृत्तिकादास) ५िता । દાસ નામે કાઇ એક માણસ कृत्तिका दास. Name of a person असाजी॰ १३१, कि।त्तेत्रादिएए. पुं॰ (कृतिकादत्त) कृतिका दत्त नाभने। भाश्स कृतिकादत्त नामक मनुष्य. Name of a person त्रणुजो॰ १३१; कित्ति आदेव पु॰ (कृत्तिकादेव) कृतिका देव नाभने। भाश्स कृतिका देव. Name of a person. श्रगुजो॰ १३१;

कित्तिश्राधम्म पुं॰ (कृत्तिकाधम्मं) कृतिकाधर्म नामनी माश्रस कृतिका धर्म नामक मनुष्य A person so named. श्रणुजो॰१३१; कित्तिश्रासम्म. पुं॰ (कृत्तिकाशमम्) भृतिश शर्भा; नक्षत्र थे।१थी भाष्यसुं नाम. कृतिका शर्मा. A person so named after the constellation called Krittika श्रणुजो॰ १३१;

कित्तिम्रासेण पुं॰ (कृतिकासेन) कृतिकासेन; कृतिका नक्षत्र थे।गथी भाष्यसनुं पडेलुं नाम. कृतिका नेन. A person so named after the constellation called Krittika. प्रमुजो॰ १३१;

कित्तिकम्म न॰ (कृतिकर्मन्) पंदन. वंदन (नमस्कारादि कर्म). Salutation, obeisance to a preceptor etc. वेय॰ ३,१=;

कत्तिम त्रि॰ (कृत्रिम) अनापटी, डे१५ंगे देशेंगे वनायटी; किसी का वनाया हुआ.
Artificial; made by somebody.
स्य॰ २, १, २२; गिरि।॰ ७५; ज॰प॰१,१२;
कित्तिय त्रि॰ (कियत्) डेटलं. कितना.
How much. "कित्तिया सिद्धा" वन॰

२; तंदु० विशे० १३४६; किस्तियमित्त. त्रि० (कियन्मात्र) डेटला कितना How many; how much

सु० च० ४, २४१;

किन्नर. पुं॰ (किन्नर) िन्नर ज्याना हैयता, व्यतर हेयतानी त्रेश ज्यात किन्नर जाति के देवता; व्यंतर देवता की एक जाति. A kind of Vyantara gods. प्रव॰ ११४४, (२) धर्मनाथळा। यक्षनुं नाम. धर्मनाथजी के यन्न का नाम name of the Yaksa of Dharmanāthajī प्रव॰ ३७६;

किन्ह. पु॰ (कृष्ण) १०% पासुदेव कृष्ण वासुदेव Krispa Väsudeva. प्रव॰ १२८, (२) त्रि॰ डाणुं, डाणा रंगतुं काला; काले रंग का. black भत्त ०६१; —सप्प पुं॰ (-सर्प) क्षाणी नाग, क्षाणी सर्प. काला नाग; काला सर्प. A. black serpent मत्त०६१; किन्चिस त्रि॰(किल्विप) शीक्षत्स; शीद्धामछुं. वीभत्म; भयानक. Frightful; obscene; sinful. स्य०२, ३, २१; भग०१, ७; १२, ५; उत्त० ७, ५; (२) डिल्पिप; भाषानुं पर्याय नाम अंग; deceit. सम० ५२; परह०१, २; भग०१२, ५;

किव्यिसत्त. न॰ (किल्वियस्त) अभुरभायः अभुरपछुं अमुरभावः Devilishness; fiendishness. पग्ह॰ २, २;

किं विद्यसिश्र-य. पुं॰ (किल्विपिक) ६५। જાતના દેવતાની એક જાત. ચણ્ડાલ જેવા देवतानी ओह ब्यत नीची जाति के श्रधम देवों की एक जाति, चांडाल के समान देवों की एक जाति. A kind of lower gods performing the meanest action भग० ६, ३३; दसा० १०, १; श्रोव० ४१; स्य॰ १, १, ३, १६; २, २, २१; ठा० ३. ४; प्रव॰ ६४०; (२) ખીજાને હસાડનાર; विदूषक दूसरे को हंसानेवाला; विदूषक & baffoon; a fool ज॰ प॰ ३,६७, स्रोव॰ **૩૨; (૩) ચતુર્વિધ સંધ તથા** ગ્રાનાદિનું અવર્ણવાદ ખાલનાર (સાધુ). चतुर्विध संघ तथा ज्ञानादिका श्रवर्णवाद बोलनेवाला (साधु). (an ascetic) defaming the fourfold Sangha, and knowledge etc. भग०१,२;पच० २०;—भावगा. स्री० (–भावना) ગુરૂનિન્દા, ગુરૂદ્રેાહ વગેરે દુર્ગુણા કે જેથી કિલ્ભિષિ જાતના દેવતામાં ઉત્પન્ન थवं ५६ ते गुरुनिन्दा, गुरुद्रोह आदि भाव-नाएं जिसके कारण किल्बिषक जाति के देवों मे उत्पन्न होना पडे offences such as censure, treason etc towards a preceptor which cause a person

to take birth among the Kilbisi kind of gods. उत्त. ३६,२५४; किन्विस्यता स्त्री. (किल्बिषकना) डिल्मिष देवपण्. विल्वय देवपना. State of be-

हन्पणु. क्वाल्यप दवपना. State of being one of the Kilbisa kind of gods. भग• ε, ३३;

किमंग थ० (किमह) ' डिमंग पुल् ' स्ने विशेषार्थ भतावनार वाड्यमां सहयोगी तरीडे वपरातुं अव्यय ' किमगपुण ' यह विशेषार्थ बतलाने वाले वाक्य में सहयोगी तरीके काम में आने वाला अव्यय A kind of conjunctive phrase meaning " What else should be told?" नाया० २, १६; भग० म, ५; —पुण् अव्य (-पुनः) शुं डहेतु? तेमा ते। डहेनुंक शुं? स्थवा सामान्य आम छे विशेष वात ते। शुं डरवी? क्या कहना? उसमें तो कहनाही क्या? अथवा सामान्य बात तो यह है और विशेष बात तो क्या करना? it goes without saying, or, what more?

किमहं. श्र॰ (किमर्थम्) शा भाटे. किस लिये Why? wherefor? भग॰ १, ९;

93, 6, 94, 9;

श्रोव॰ २७, नाया॰ १; भग॰ २, ५; ६, ३३,

किमि. पुं॰ (कृमि) એક જાતના કાંડા કરમીયા. जीव, जन्तु. कीड़ा, कृमि. A kind of worm on insect. विवा॰ १, नाया॰ १, स्य॰ १, ४, १, २०, राय॰ २५४, उत्त १३६, १२७, (२) क्षाभ. लाख. lac used in dyeing etc. पन्न॰ १७; (३) ओड ज्ञाननुं डह एक प्रकार का कंद. a kind of bulbous root जीवा॰ १; — कचल न॰ (-कचल) ६२भीयाना इपस— हाजीओ. कृमि का कौर-कचल a mouthful of a worm or of worms विवा॰ द; — जालाउल. विशे (-जालाकुल)

अरिभियाना समृद्धियी व्याप्तुल कृमि-कोडों के समूह से व्याकुल. full of swarms of worms नाया॰ १२;

किमिच्छिय न॰ (किमिच्छक) "आ थीन छे? आ छे?" એમ ৮२७। प्रभाषे भांगो बेतु ते; साधुना पर अनायीर्ण भांतुं ओड़. "यह चींन है? यह है?" इस प्रकार मांग लेना, साधू के पर अनाचर्ण में से एक. Accepting as alms various things after asking such questions as "have you got this? have you got that?" etc.; one of the 52 Anachīranas of a Sādhū. इन॰ ३, ३; नाया॰ ६;

किमिणा ति० (कृमिवत्) क्ष्मि छ्य युक्त. कृमि सहित, कीडे वाला Containing worms i e. sentient beings. पर्द० ७, ३; नाया० १२;

किसियक्तवल पुं॰ (कृमिक कवल) धरभीयाने। ध्यस-धाणीओ कृमि कवल, काडों का कौर A mouthful of worms, or of a worm विवा॰ ७,

किमिया स्त्री॰ (कृमिका) જ ६२ भ। ઉत्पन्न थ ॥ जन्तुः पेटमें उत्पन्न होनेवाले कीडे-कृमि. Worms produced in the stomach. जीवा॰ १,

किमिराग न॰ (कृमिराग) िंदरभछ र गवां सूत्र, बेंद्धी पाछ छिंदेश डींडानी बाणभांथी बेंद्धीना र गवाणु भनेबं सूत्र किरमजी रंग का सूत, लोही पिला कर पाल हुए कींडों की लार से लोही के रंग का बना हुआ सूत A Crimson-coloured thread produced from the saliva of a kind of insect. आणुजा॰ २, ७, (२) िंदरभयी २ ग, એક જાતના पाँडा २ ग किरमची रंग; एक जात का पका रंग crimson colour; a kind of fast colour राय॰ ५३;

क॰ गं॰ १, २०: —कंबल. पुं॰ (-कम्बल)
धीरभछ रंगथी रंगेक्ष धामण. किंग्मर्जा रंग
से रंगा हुश्रा कंबल. a blanket of
crimson colour. नाया॰ १७; पक्ष०१७;
—रक्त. त्रि॰ (-रक्त) धिरभयना रंगथी
र गेक्ष. किर्मनी के रंग में रंगा हुआ.
crimson-coloured. ठा॰ ४, २;

किमिराय. न॰ (कृमिराग) ळुणे। 'किमि-राग " शण्ट. देखी " किमिराग " शब्द. Vide " किमिराग " पग्ह० २, ४;

किमिरासि पुं॰ (कृमिराशि) श्रे नामनी श्रेक्ष वनस्पति एक वनस्पति का नाम. Name of a kind of vegetation. पन्न॰ १; भग॰ २३, ५,

किमु. अ॰ (किमु) शुं; अक्षार्थे. क्या ? A particle showing interrogation; what. विं० वि० १२०;

कियकम्म. न॰ (कृतकमन्) कृतकर्भ वंदना. कृतकर्म वंदन. The Vandanā (salutation and prayer to a Guru) styled Kritakarma. प्रव॰ ६१५;

कियापर. त्रि॰ (कियापर) क्षार्थ करवाभां तत्पर. काम करने में तत्यार. Devoted to business; (one) busily doing his work. "मग्गणुसारि सद्वी पर्याविण्जों कियापरो चेव " पंचा॰ ३. ६:

किर घा० (कित्त) निश्रयः भरेणरः निध्रयः वास्तवम Indeed; assuredly. विं नि॰ ६४२ः विरो० १६३ः भग०६, ७ः संत्था॰ २, जंप॰ सु॰च॰ २, ११ः भत्त०१०६ः क॰ ग०४, ७६ः

किरण पुं० (किरण) डिरण्; तेज, अभा. किरण; तेज, ज्योति. A ray of light; light भग०११,११, श्रोव०१०: जीव०३,३; किराय पु० (किरात) डिरात नामनी એક अनार्थ देश. किरात नाम का एक श्रनायं देश.

Name of an uncivilised country.

किरिकिरिया श्री॰ (किरिकिरिका) वांशनी
भपारथी वशाउनानुं लांडिलेडिनुं श्रीड वार्लियः
वांस की चिंपाली से बजाने का मांड लोगों का
एक प्रकारका बाजा. A musical instrument used by bards etc. played
upon by passing a slip of bamboo across its strings. श्राया॰ २,
११, १६८;

किरिमेर पुं॰ (किरिमेर) ओड ज्यतनुं सुगंधी ६०५. एक प्रकारकी सुगंधित वस्तु A kind of fragrant substance. जीवा॰ ३,४;

किरियतर. पुं॰ (क्रियातर) भे। ि क्रिया. बढी किया A great action भग॰ ४, ६; १३, ४;

किरियाचिसाल. न॰ (कियाविशाल यग्न कियाः कायिक्यादिका विशालाः सभेदत्वेनाभिषीं यन्ते तत्) એ नामना चाँदह पूर्व में से तेरहवां पूर्व The 13th of the I4 Pürvas, so named. सम॰ १४:

किरिया. स्रंगः (किया) डर्म णंधन हेतु; डायिशी आहि पांच हिया; डर्म णंधननी नेष्टा कर्म वंधन की कारण रूप कायिकादि पांच किया, कर्म वंधन की चेष्टा. Any of the five kinds of actions which lead to bondage e. g. bodily action etc. जं॰ प॰ ७, १६८; स्रोव॰ २०; उत्त॰ १८, २३; सग॰ १, २; ६; १०; २, ५; ३, ३; ५, ६; १७, १; नाया॰ १; स्य॰ २, १, १७,२,५,१२; श्राया॰ १,६,१,१६; ठा॰सम॰ १; ५; विशे॰ ३; ४६; ६४; निमी॰ ६, ६५; राय॰ २२४, पन्न॰ १, १७; २२; पएह॰ २, २; छ॰ च॰ ६, ३; (२) प्रतापना स्त्रना वीसमा पटनुं नाम हे लेमां डायिडी आहि

पांच क्रियानं वर्शन आपेश छे प्रज्ञापना के वीसवें पद का नाम जिसमें कि कायाकी श्रादि पांच कियाओं का वर्णन है. name of the 20th Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the five kinds of actions viz. bodily etc. पत्र॰ १; (૩) આત્મા તથા પરલાક છે એમ માનવું તે. श्रात्मा श्रीर परलोक का मानना, belief in the existence of soul and unseen world प्रव० ४४७: भग० २४ ७; --- हारा. न॰ (-स्थान) क्रियानु स्थानकः; क्रियाना तेर स्थानक्षमांन अभे ते એक किया का स्थानक: किया के १३ स्थानकों में से कोई भी एक. any of the 13 varieties of Kriyā i. e. action or source of Karma प्रव॰ ५३७, -दार. न॰ (-द्वार) क्षियानुं दार-प्रकृत्व किया का द्वार-प्रकरण. the chapter on Kriyā. प्रव० ३१६; --- रुद्द स्त्री० (- रुचि) डिया-અનુષ્રાનમાં રૂચિ-ઇચ્છા: સમકિતના એક प्रश्रातः अनुष्ठान में रुचि-प्रेम; सम्यक्त का एक भेद liking for, desire for Kriyā i. e. religious performance; one of the varieties of right belief उत्त॰२=,१६; प्रव॰६७२, --वाइ. पुं० (-वादिन् -ाक्रेगां जीवाज वा-दिरथों ऽस्तीत्येवंरूपां किया वदन्ति इति किया वादिन:) क्रियाने अभेक्षसाधक भाननार, किया को मोच दायक मानन वाला: किया का श्रास्तित्व स्वीकार करने वाला. one who accepts the existence of the soul etc. as a cause of action ठा० ४, ४, सूय० १, १, २, २४; —वादि पुं० (वादिन्) ळुએ। ''किरियाबाइ'' शण्ट. देखों " किरियावाइ ' शब्द. vide " किरि-याबाह " श्राया०१,१,१, ४; भग० ३०, १;

—विवारिजयः पु॰ (-विवार्जित) हियाथी रिहत. किया से रहित. devoid of action भग॰ ३०, १; —समयः पुं॰ (-समयः) हिया हरवानी सभय किया करने का समय the time for doing an action. भग॰ १, १०;

किरियाठाण. न॰ (कियास्थान-करणं किया तस्याः स्थानानि भेदा तत् कियास्थानम्) सूथगढांगसूत्रना भील श्रुत्ररु धना भील अंश्वरु धना भील अंश्वरु धना भील अंश्वरु धना तर स्थान- है। विस्तारथी वर्धान छे सूत्र कृतांग के दूसरे श्रुव्याय का नाम जिसमें तरह स्थानकों का विस्तार पूर्वक वर्णन है Name of the 2nd chapter of the 2nd Stuta Skandha of Suyagadānga Sūtra, describing the 13 varieties of actions. सम॰ २३; सूय॰ २, २, ८५; ८६;

किरियापद न॰ (क्रियापद) पश्चवणा सूत्रतं द्वियापदतं नाम पज्चवना सूत्र के क्रियापद का नाम Name of the Kriyāpada of Pannavaņā Sūtra. भग• ८, ३٠

किरियाविसालपुरुवः पुं॰ (क्रियाविशालपूर्व)
िक्ष्याविशास नामे तेरमे। पूर्व कियाविशाल
नामक तेरहवां पूर्वः The 13th Pūiva
named Kriyāvišāla. नंदीः १६;
प्रव॰ ७२४;

किरीड न॰ (किरीट) भुगट. मुक्ट. A. crown; a diadem. सुच॰ १, १;

किल श्र॰ (किल) निश्र्य. निश्र्य. Indeed; assuredly. नाया॰ १६;

किलंजय. पुं॰ (किलिक्षक) वांसनी सुंऽदी के केमां गायने भाख आपवामां आवेछे ते. वांस की टोपली जिसमें कि गाय को भोजन दिया जाता है A basket of bamboo used for giving food to cows. राय० २७१; गवा० २, १४:

किलंत नि॰ (फ्लान्त) हु: भधी भी६त. g: खरे पीइत. Troubled; pained भग०१६, ४; १६, ३, छ० च० १०, ६४; जीवा०३, १; परह० १, ३; वैय०३, १६; नाया०१; कप०६, ६१;

√िकिलामः था॰ II. (वलम्) हुःभहेवुं; हुःणआपतुं. दुःस देनाः To afflict; to give pain; to trouble.

किलामेइ. भग० १, ६;

किलावंति, पन्न० ३६;

किलामेसि. दस॰ ५, २, ४;

किलामहा भग० =, ७;

किलाविज्जमाण. क० वा० व० कृ० स्य० २, १, ४=:

किलाम. पुं॰ (क्लम) थीं।. पीहा; दु ख. Affliction; pain; trouble. भग॰ १, १; विशे॰ २४०४; कप्प॰ ४; ७६; (२) थाइ. थकावट. exhaustion; getting tired. राय॰ २३६;

किलामणा स्त्री॰ (वत्तमना) पीडा; हुः भ पीड़ा; दु.ख. Misery; pain; affliction. भग॰ ३, ३;

किलामिन्ना नि॰ (वलान्तं) भ्यानि पाभेशुं; सुधार्ध गयेशुं. सुरक्तायाहुन्त्राः सूखाहुन्त्राः Tired; faded; dried. त्रणुजो० १३०; भग० =, ७;

किलिंच न॰ (॰) पांसनी भपाट. वासकी चिपाली A slip of bamboo. निसी॰ १, २; दस॰ ४;

किलिट त्रि॰ (क्लिप्ट) संडिसप्ट परिष्णाभी; राग देपना परिष्णाभवाणा. संवित्तष्ट परि-णाम वाला; रागयुक्त परिणामी. Troub-

led, agonised on account of attachment, hatred etc. इत्र०३२. २७; क॰ प॰ ४, १६; (२) ध्वेशयुक्तः हुःभी. क्लेशयुक्त; दुर्या. unhappy; miserable. मु॰ च॰ ३, १५६; (३) अश्ल; ६४. अश्भ; इष्ट. evil; wicked. भत्त॰ ७८; पचा॰ ३ ४१; -- कस्म. न॰ (-कमंन्) डिबप्ट डर्भ. क्लिप्ट कर्म. an action causing pain, sorrow etc. arising from anger, hatred etc. भत्त॰ ७=;-भाव. वुं॰ (-भाव) ક્લિપ્ટભાવ – પરિણામ. क्लिप्ट परिणाम. state of being full of pain, sorrow caused by attachment, hatred etc नायाः १६: - सत्त प्रं॰ न॰ (-सत्व) ध्वेती छव. क्लेशा जीव. a sentient being full of trouble or pain. पंचा॰ ३, ४१;

किलिष्टयाः स्त्री॰ (क्लिष्टता) दृष्ट्रपण्ड्ं. दुष्ट-पनाः State of being evil or wicked. पंचा॰ १६, २५;

किलिएए। त्रि॰ (क्लिन्न) आर्द्र; सीनुं. भाँजा हुन्ना; गीला. Wet; damp. नाया॰ १; उत्त॰ २; ३:

किलिन ति॰ (दिलन) लुओ। "किलिएय" शण्ह देखो "किलिएय " शब्द. Vide "किलिएय" उत्त॰ २, ३६;

√ किलिस्स. घा॰ I (क्लिश्र) ६क्षेशपाभवुं; हुभी थवुं. क्लेश पाना; दुःखी होना. To be miserable; to undergo trouble or pain.

किलिस्सइ. उत्त० २७, ३; किस्सन्ति. सूय० १, ३; २, १२;

^{*} लुओ पृष्ट नम्भर १४ नी पुटनीट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*) Vide foot-note (?) p. 15th.

किलिस्संत. व० कृ॰ पिं० नि० १८८;

किलिस्स. पुं० (क्लेश) हु-भ; क्ष्पेश. दु-ख; क्लेश. Misory; pain; trouble. नंदी० १३;

किली. स्री॰ (किली) शवाश; सवी; भीवी. सलाई; स्रोत. A small rod; a small nail, a thin blade of grass etc मत्त॰ १०२,

√ किलेस. धा॰ I. (क्लिश्) ६ थेश ६ ५००० वि।; परिताप-दुः भ ६८५ ४२ वं क्लेश-दुः ख उत्पन्न करना. To cause trouble, to give pain.

किलेसंति प्रे॰ श्राया॰ १, ६, २, १८४,

किलेस पुं० (क्लेश) अक्षेश; हुः भ क्लेश, दु ख. Trouble; pain. सू० प०२०; पिं० नि०१८८; नाया० १६; पंचा० ४, २१; —कर. त्रि० (-कर) अक्षेश अरनार क्लेश करनेवाला. causing trouble; troublesome भत्त० १२३;

किवण. ति॰ (क्रपण) ६रिद्री, २१४, लिभारी. कृपण; कंजूस; दरिद्री; निधेन Poor; indigent; miserly; beggarly ठा० ४, ३, श्रंणुत्त॰ ३, १; भग० १, ६; दस० ४, २, १०, ज० प० पि० नि० ४४६, नाया० १४; श्राया० २, १, १, ७, कप्प० २, १६; —कुल न० (-कुल) रांड ड्रेण, गरीयतु ड्रेण, दारिद्र कुल; गरीव का कुल. poor family; indigent family. ठा० ६;दसा०१०,१०; — पिंड.पुं०(-पिगड) रांडने आपनाने। भाराड. रक के लिये रखा हुआ भोजन. Food to be given to the indigent. निसी० ६, १६;

किवणाग. त्रि॰ (कृपणक) कृपण, कंजुस. कंजूस. Miserly; stingy. स्य॰ २, २, १४;

किवासा. पुं॰ (क़पासा-क़पांनुदतीति) भड्ग; । Vol. 11/61.

तक्षवार. तरवार. A sword. श्रोव॰

किविशा ।ति॰ (क्रपण) कं लुक्ष; गरीण; रांकः
निर्धन; दरिद्र. Poor; stingy; miserly

पगह॰ १, १; नाया॰ १३; सु॰ च० १, १४४;

√किस. ना॰ धा॰ I (क्रश्र) भातणुं-हुण्णुं

१ (कस्र. ना॰ धा॰ 1 (क्र्यू) पात्णु-हुन्गु ४२चुः पतला-दुवला करना To render weak, slender or emaciated.

किसए स्य० १, २, १, १४;

किस. त्रि॰ (कृश) पातणुं; हुणणुं; निर्णण.
पतला, दुवला; कमजोर. Weak, feeble;
slender उवा॰ १, ७२, ठा॰४, २; सूय॰
१, १, १, २, १, १, ६; उत्त॰ २, ३:
श्राया॰ १, ६ ३, १=६, पि॰ नि॰ २६२;
भग॰ २, १; नाया॰ १; ५; —उयर त्रि॰
(-उद्र) हुणणा-पातणा पेटवाला. दुवले
पेटवाला (опе) with a slender
belly. सु॰ च॰ २, =६;

किसत्तय पु॰ (किसत्तय) पत्रांक्षर, टीसी; कुंपस. कोपल A tendril, a sprouting leaf जं॰ प॰ श्रोव॰ राय॰ ११४; जीवा॰ ३, ४; " सब्दो वि किसत्तश्रो खलु, उगाममाणो श्रणंतश्रो माणिश्रो " पत्र॰ १, —पत्त न॰ (-पत्र) किसल्यरूप पत्र-तीक्ष्णतु है।भण पाइडु -टीसी किसल्यरूप पत्र निकल्ता हुश्रा कोमल पत्र-टहनी क sprouting, tender leaf प्रव॰ २४०; किसि. स्री॰ (कृषि) भेतीवाडी, भेतीकर्म. खेती Agriculture. ठा० ४, ४; पिं॰ नि॰ ४३६; जं॰ प॰ सु॰ च॰ १२, ६६; विशे॰ १६१५; पचा॰ ८, ४४, —कम्म.

किसोर. त्रि॰(किशोर) डिशार अवस्थावाला, किशोर अवस्था; वाल्यावस्था. Young; adolescent ओप॰ नि॰ ६६;

agriculture पंचा॰ ४, ४,

न॰ (-कर्म) भेतीनु अभ. काश्तकारी।

किह अ॰ (क) अ्यां १ अयेडेआणे. Where १

at what place ? भग० २, १; ३, २; किहं छ० (कथम्) डेभ? डेनी रीते ? क्यों ? क्या ? How; why. विशे०१३५;१४५; पि० नि० भा० ३६; नाया० ७; भग० २, १; ''से काहेवा किहंवा केवा चिरेण वा किहं वित्त'' भग० ३, २;

कीन्न. त्रि॰ (क्रोत) वेथातुं लीधेशुः. मोल लिया हुत्रा. खरोदा हुन्ना. Bought, purchased. पंचा॰ १३, ५;

कीड. पुं॰ (कीट) लंतुः धीडे। जंतुः कीड़ा.
An insect; a worm. उत्त॰ ३, ४;
३६, १४६; दस॰ ४, श्रोघ॰ नि॰ ७३५;
सूय॰ २, ६, ४८; पएह॰ १, ३:

कीड्य. न॰ (कीटज) डीडानी लाणथी छित्यत्र थतुं सूत्र कीडा की जारसे उत्पन्न सूत. A thread produced from the saliva of an insect "कीड्यं पंचिवहंपरणतं तं जहा पट्टेमलए ग्रंडुए चीणंसुए किमिरागे "श्र्युजो॰ ३७;

कीडा श्री॰ (क्रीडा) २भत गम्भत खेल; विनोद Sport; play. भग॰ ११, ६; उत्त॰ १, ६; ज्ञा॰ १; उना॰ १, ४०; (२) भाणुसती दश दशाओ। पैडी थीळ दशा मनुष्य की दस दशाओ में से दूसरी दशा. the 2nd of the ten conditions of men. तंदु॰ —कारी. स्त्री॰ (-कारिग्री) डीडा डरावनारी हासी. क्रीड़ा कराने वाली दासी. a maid-servant who causes to play or sport भग॰ ११, ११;

की गास. पुं॰ (की नाश = कुरिसतं नाश-यतीति) यभराज. यमराज The god Yama; the god of death सु॰ च॰ ४, १७१;

कीय-न॰ (क्लीव) शयर; नपुंसक; नामर्द A cowardly

fellow; an impotent person. उत्त॰ १६; ४१; सूय॰ १, ३, १, १७; जोवा०३,३; ठा०३,४; क० गं० ४, ४२; सु० च०६,११८; वेय०४, ४; नाया० १; भग० ६, ३३; प्रव० ७६७; (२) એક જાતનું પક્ષી. एक जातका पद्धा. a kind of bird. पर्गह॰ १, १; (३) ક्લीवકुभार क्लीव-कुमार. Klivakumāra, नाया॰ १६; कीय. त्रि॰ (क्रीत = क्रियते स्मार्थदानेन गृह्यते स्मेति कीतम्) भरीहेतुं, वेंथातुं सीधेसुं खरीदा हुन्ना. Bought; purchased. श्राया॰ १, ६, २, २०२; २, ४, १, १४४; दस० ६, ४६; सम० २१; दसा० २, ७; निसी॰ १४, १; १८ २; १६, १; (ર) સાધુને માટે આહારાદિ વેચાતું લઇને આપવાથી લાગતા એક દેવ; ૧૬ ઉદ્દ-गभनभानी आहेमे। हे। प. साधुकी आहारादि सरीद कर देने में जो दोष लगता है वह: १६ उद्गमनों में का न वां दोष the 8th of the 16 Udgamana faults viz. giving food etc. to a Sādhū after purchasing it. प्रव॰ ५७२; पि॰ नि॰६२; ३०६; भग॰ १, ३३; —कड. त्रि॰ (-कृत-क्रीतेन क्रयेण कृतं निष्पादितं क्रीतकृतम्) साधुने વાસ્તે અગાઉથી વેચાતું લઇ રાખેલ साघु के लिये पहले से खरीद कर रखा हुआ. purchased beforehand for a Sādhū. पराह० २, ५; —गड. त्रि० (-कृत) लुओ। "कीयकड " शण्दः देखा "कीयकड " शब्द. vide " कीयकड " भग० ४, ६; नाया० १; भ्रोव० ४०; उत्त० २०, ४७; दस॰ ३,२; ४, १, ४४; कीय. पुं॰ (कीचक) डीयडः थांस. कीचक;

बांस. A. bamboo. दस॰ ६, १, १;

कीयग पुं॰ (कोचक) धीयक नामने। राजा.

कीचक नामक राजा. Name of a king.

कीया. स्त्री॰ (:- कीका-कानीनिका) आंभनी डीडी भ्रासकी पुतली. The pupil of the eye. भ्रोव॰

√ कील. घा॰ I, II (क्रीड्) भेशवुं; धीऽ। धरनी खेलना To sport; to play कीलेइ. सु॰ च॰ २, ३८४-

कीलंत. व॰ कृ॰ जं॰,प॰ ३, ६७॰ भग॰ १३, ६; पंचा॰ ७, ३६;

कीलमाण. नाया० १४; १६; विवा० ६;

कील. पुं॰ (कील) भीटि, भीक्षे। खील; कील A nail; a peg स्य • १, ४, १, ६ दस० ४, १ ६७; उवा० ७, २७७ पंचा० ७, १०,

कीलग पुं॰ (कीलक) भीथी खीला A nail जीवा॰ ३, ४, जं॰ प॰ ४, ११६; राय॰ ४६;

कोलण न० (क्रीडन) धीऽ।; २२भत क्रीडा, खेल. Play; sport, श्रोव०२४, पन्न०२ कीला स्री० (क्रीडा) २२भन खेल, क्रीडा Play, sport. तंतु० निर०१, १, ५, ५० च०१, २४४, —पसंग पुं० (-प्रसंग) धीऽ। ४२वाने। प्रसंग. क्रीडा करने का प्रसग an occasion of sport or play. प्रव०४४=;

कीलावण न॰ (किंडन) २भाऽवं. खिलामा
Causing to sport or play नाया॰
२; १८; पि॰ नि॰ ४१०, —धाई स्री॰
(-धान्नी) क्षीऽ। क्ष्यवनारी स्त्री-धावमाता
कीडा कराने वाली स्त्री a wet-nurse
who causes a child to sport or
play नाया॰ १, १६,

कीलावण्ग ति॰ (क्रीडाकारक) डीडा ६२। प्नार कीड़ा कराने वाला. (One) who causes to sport नाया॰ ३,

कीलियः न॰ (क्रीडित) क्षीय केरेल कीडा करा हुआ, खेला हुआ Sported, (one who has) sported. उत्त॰ १६, ४; सु॰ च॰ २,४१४, नाया॰ ६; ठा॰ ६;

कीलिय त्रि॰ (कीलित) भ त्राहि अधी भीक्षी भुडेश मंत्रादिक से कीला हुत्रा Charmed, subjugated with incantations etc; hypnotised. सु॰ च॰ २, ४१४;

कीलिया स्री॰ (कीलिका) लेभां હાડકाना સાંધા ખીલીથી જડેલ હોય તે સંઘયણ; છ संधयल्मानु पांयमु स धयल्. जिसमें हिड्डियाँ के जोड चील से जोडे हों वय संघयण, ६ सघयण में से पांचवा छंघयण A valiety of physical structure in which the bones are fastened together by (two) little nails; the fifth of the six Sanghayanas পৰ २३, क० गं० १, ३६, —संघयरा न० ~संहनन = यत्रास्थीनि की लिकामात्र वद्धान्येव भवन्ति तत्कीलिकासंह्ननम्) છ સંઘયણમાનું પાંચમું કીલિકા સંઘયણ દ संघयण मे से पाचवा कीलिका सहनन the fifth of the six varieties of physical constitutions where the bones are joined together merely by two little nails जीवा॰ ৭, ঠা০ ৩, ৭;

कीलियासंघयाणे नि॰ (कीलिकासंहननिन्) शिलिश सध्यश्याणे कीलिका संहनन वाला. (One) possessed of a nailed bony frame. मग॰ २४, १;

कीस पु॰ (कोंदश) हेवु कैसा Of what sort or nature. भग॰ १, १; कीसत्ता श्ली॰ (कींदशता) हेवे। प्रधार १ शुं २०३५ किस प्रकारका; कैसा (Of)

what nature or sort. भग॰ १, १; पत्र॰ २८;

कीसत्ता. क्री॰ (किंस्वता) शुं स्परूप ? किंस प्रकार का. (Of) what sort or nature. "कीसत्ताण्" भग॰ १, १;

कु. न॰ (कु) धृत्सितः, नक्षात्रं. खराव. Bad; evil. अगुजो॰ १२=; पन्न॰ १; (२)

हुभार. कुमार; बालक. a boy. विवा॰ १, ६; कुइ्यग्ण. gं॰ (कुविकर्ण) धृशी गाये।ने।

ध्यी; गेाभंऽत्रने। अधिपति. बहुतसी गायाँ का स्त्रामी; गाँमंडलका श्रविपति. An owner of many cows विशे॰ ६३२;

कुउक्त्वमाण. पुं॰ (कुक्कूपमान) धुधुवाटा धरते।. कुक् कुक् करताहुत्रा. Bustling; noisy. विवा॰ =;

कुउच. न॰ (कुतुप) कुरखं; कुरबी. मिद्री हा होटा वर्तन. A small earthen pot. पि॰ नि॰ १५७;

कुग्रो. य॰ (कुतः) ध्यांथी. कहां से. Whence. सूत्र॰ २, ४, ३१;

कुंकरण पुं॰ (कोङ्करण) डेडिए हेश. कॉकरण देश. The country known as Końkana. (२) यार इंडिय वाली ओड छत्र. चार इंडियों बाला एक जीव. a kind of four-sensed living being. चत्त॰ २६, १४६;

क्रुंकरणुत्र. त्रि॰ (कोङ्करणक) डेांडणु देशमां जन्मेद; डेांडणु देशमां वसतार. कॉकन में जन्मा हुआ; कॉकन देशनिवासी. (One) born in the country of Konkaṇa; a resident of Konkaṇa. अराजी॰ १३१;

कुंकु म. पुं (कुंकुम) देशर. केशर. Saffron. राय० ४६; श्रोव० ३८; श्रणुजी० १३३; जं० प० टवा० १, २६; (२) ईंद्र. कृंकू. a kind of red powder. नाया० १; जीवा॰ ३, ४; कप्प॰ ४, ६०; —पुड. पुं॰ (-पुट) इंड्रमने। पटे। केशर का पुड़ा. a packet of saffron. नाया॰ १७; व. पं॰ छी॰ (क्रीज़) शेथ पक्षी, करवा

packet of safiron. नाया॰ ३७;
कुंच. पुं॰ छो॰ (क्रोंब) है। य पक्षी. चक्रना
पत्नी. A kind of bird. "ग्रह इसुम
संभवे काले, कोइला पंत्रमं सरं। टहुं च
सारसा कुंचा, ऐसायं सत्तमं गन्नो" घणुनो॰
१३=; मम॰ प॰ २३=; परह००१, १; (२)
हैं। य पत्ती; पांचमा तीर्धं धरनुं क्षांछन. क्रोंच
पत्नी; पांचनें तीर्थं कर का लांइन. a kind
of bird which was the symbol
of the 5th Tirthankara. प्रन॰३=१;
कुंच. पुं॰ (कुंब) हुंच नाभने। ओह अनार्थ
हेश. कुंच नामक एक ग्रनार्थ देश. Name
of an uncivilised country. प्रन॰
११६=;

कुंचि म. पुं॰ (कुचि ह) इंथिड नामना शेड लेशे भुनिपनि नामना साधुने पाताने त्यां राज्या हता. कुंचिक नाम का सेठ कि जिसने सुनि-पति नामक साधू को अपने यहां रखा या. Name of a merchant who had maintained at his house an ascetic named Munipati मत्त॰ १३३;

कुंचिय. ति॰ (कुञ्चित) शेण वणेश; शुंडला शिरे यथेश; वांडुं. गोल बना हुआ; कुंडल के आकार का बना हुआ; टेडा Curred; bent. उत्त॰ २२, २४; पग्ह॰ १, ४; ओव॰ १०; सु॰ च॰ २, ३६=; भग०१. १; जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ २; —केसय. पुं॰ (-केशक) वांश वणेल हेश. घुंचराते वाल. curved locks of hair. भग० १४, १; कुंचिया. ली॰ (कुञ्चिका-कुञ्चत्याच्छादयति इति कुञ्चिका) शुंथी. कूंची. A key.

पि॰ नि॰ ३५६; कुंजर. पुं॰ (कुझर-की जीर्यतीति कुंजरः यदिवा कुञ्जे वनगहने रमते रितम वध्नातीति कुंजर) अ०४, हाथी. हाथी, गजः
हस्ती. An elephant ठा० ६; भग०
११, ११; नाया० १, ६; १७, जीवा० ३, १;
राय० ४३; प्रोव० उत्त० ११, १८; कष्प०
३, ३३, जं० प० ४, ११४; — प्राणी प्रा—य
पु० (-प्रानीक) हाथीनी सेना गज सेना,
हाथी की सेना an army of
elephants. ठा० ४, १; ७, १,

कुंट. ति॰ (कुण्ट) विकृत हाथवाती; हु है। हंटा, विकृत हाथ वाला (One) with a defect in an arm पगह॰ १, १, प्रव॰ ६०२;

कुटत्त न॰ (कुएटत्व) की क्षाय है भी भीड-भांभे कुं है। ये ते. जिसके हाथ पर विकृत हों वह A defect in an arm or a leg आया॰ १, २, ३, ७=;

कुँड. न॰ (कुग्ड) ६ डे। कूडा, पानी का पात्र
A large vessel or receptable
of water. जं॰ प॰ पन्न ११, नंदी॰ ४७;
जीवा॰ १;

फुंडकोलिय पुं॰ (कुएडकोलिक) એ नाभना भढ़ावीर स्वाभीना એક श्रावड, दश श्रावड भाना એક इस नाम का महावीर स्वामी का एक श्रावक; दस श्रावक में से एक Name of layman-follower of Mahāvīraswāmī, one of the ten Śrāvakas. उवा॰ १, २;

कुंडग. पुं॰ (कुएडक) ध्र्युस्य कानखजूरा; कान में घुसने वाला एक जन्तु A kind of insect उत्त॰ १, ५;

·कुंडधार. पुं (कुएडधार) ओ क लातना हेव. एक प्रकार के देव A species of gods राय॰ १६६,

कुंडमोय पु॰ (कुएडमोद) क्षायीना यगना व्य शरनुं १ डा केवुं भ टीनुं क्षम, हाथीके पैरो जैसा मिद्योका कूडा An earthen vessel of the shape of an elephant's leg. "कंसेसु कंसपाएसु कुंडमोएसु वाषुणो" दस० ६, ५०;

कुंडय. पुं॰ (कुंडक) ओक्ष ज्ञातनुं वासण्; कुंडे। एक प्रकार का वर्तन. A kind of vessel नाया. ७;

कुंडरीय पुं॰ (कुएडरिक) ५ ऽरिक नाभने। એક રાજકુમાર કે જે વૈરાગ ભાવે દીક્ષા લઇ, એક હત્તર વર્ષ સુધી ખરાખર પાળી, આખર પતિત થઇ સંસારમાં આવ્યા, થાડાજ વખત વિષય સેવન કરી મરણ પામ્યાે. મરીને सातभा नरहे पाेेें। देंगें। कुंडरिक नाम का एक राजकमार कि जिसने वैराग्य भाव से दीचा ले, एक हजार वर्ष तक वरावर पालन करके आधिर पतित होकर समार में श्राया, थोडा समय विषय सेवन करके मृत्यु को प्राप्त होकर सातवे नर्कमें पहुंचा. Name of a prince who became a monk and closely practised asceticism for 1000 years but became degraded at last and again entered the world, he enjoyed sensual pleasures for some time and after death went to the 7th hell. नाया॰ १६, -जुबराय. (- युवराज) डुंऽरीक्ष नामना युवराल, पुंऽरीक्ष राज्यना लाध कुएडरीक युवराज a prince Kundarika नाया॰ १६; named कुंडल पुं॰ (कुएडल) धनमां पहेरवानुं **કુંડલ नामनु એક આભૂપણ कान में पहरने**

का कंडल नामक गहना An ear-ring.

जं० प० ४, १२३, ११४, ३, ४४; श्रह्माजी०

१०३, नाया० १; २, भग० ३, १; २; ११,

११; १४, १, राय० २६; जीवा० ३, ३;

श्राया० १, २, ३, ७६, सम० प० ३३१:

२३७, उत्त० ६, ५; पन्न० २; १५; श्रोव० १२; २२; निसी०७, ६; कप्प०२, १४; दसा० ૧૦૧; (૨) કુંડલનામે દશમા દ્વીપ અને **१शभा सभ्द. दस**र्वे द्वीप श्रीर समुद्र का नाम name of the 10th island and also of the 10th ocean. स्य० १६: जीवा॰ ३, ४; श्रग्रजो॰ १०३; —जुश्रलः न॰ (-युगल) કानमां पहेरवाना भे ५ंऽब कानें। में पहेरने के दो कुंडल. a pair of ear-rings. कप्प॰ ३, ३६; — जुगल न॰ (-युगल) इंडसनी क्रीड. कुंडल की जोड. a pair of ear-rings. नाया॰ =; —धर. त्रि॰ (-धर) કુંડલને ધારણ કર-नार कुडल को धारण करने वाला. (one) who has put on ear-rings नायाः ८;

कुंडलभद्दः पुं॰(कुण्डलभद्द) કુંડલद्वीपना व्यिष्टि पित देवतानुं नाम. कुंडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kundala island जीवा॰ ३, ४;

कुंडलमहाभइ. पुं॰ (कुण्डलमहाभद्र) कृंडलदीपना अधिपति देवनानुं नाम. कुंडल द्विण के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kuṇḍala island. जीवा॰ ३, ४;

कुंडलवर. पुं॰ (कुएडलवर) इंडसपर नाभने।

द्रीप तथा सभुद्र कुंडलवर नामक द्वीप और
समुद्र. Name of an ocean; also
that of an island. जीवा॰ ३, ४; (२)
इंडसद्दीपने यारे तर्द्र इरते। इंडसपर नाभने।
पर्यतः कुंडलद्वीप के चारों और स्थित कुंडलवर नामक पर्वत. name of a mountain surrounding the Kuṇḍala
island on all sides. ठा॰ ३, ४; (२)
इंडसपर समुद्रना अधिपनि हेवना. कुंडलवर

समुद्रके श्रिधिपति देवता का नाम. name of the presiding deity of the ocean named Kundalavara जीवा १, ४;

कुंडलवरभद्द पुं॰ (क्यडलवरभद्र) ५९७४१२-द्वीपना अधिपति देवतानुं नाम. कुंडलवर द्वीप के श्रिधिपति देवता का नाम. Name of the presiding deity of the island of Kundalavara. जीवा • ३,४; कुंडलवरमहाभद्द. पुं (कुंडलवरमहाभद्द) કુંડલવર દ્વીપના અધિપતિ દેવતાનું નામ. कुंडलवर द्वीपके मुख्य दैवका नाम. Name of the presiding deity of the island of Kundalavara जीवा•३,४; कुंडलवरोभास पुं॰ (कुएडलवरावभास) કું ડલવરાભાસ નામતા એક દ્વીય તથા સમુદ્રનું नाभ कुंडलवरोभास नामक द्वीप श्रथवा समुद का नाम. Name of an ocean; also that of an island. स्॰ प॰ १६; जीव • ३, ४:

भद्र) धुंउस्वरावलास द्वीपना अधिपति हेव-तानुं नाम. कुंडलवरावमास द्वीप के मुख्य देव का नाम. Name of a deity presiding over the ocean named Kuṇḍalavarāvabhāsa. जीवा॰ ३,४; कुंडलवराभासमहाभद्द. पुं॰ (कुएडलवराव-भासमहाभद्र) धुंउस्वरावलासद्वीपना अधि-पनि हेवनानुं नाम. कुंडलवरावभास द्वीप के मुख्य देवका नाम. Name of a deity presiding over the island named Kundalavarāvabhāsa.

कुंडलवराभासभइ. पुं॰ (कुंडलवरावभास-

कुंडलवरोभासमहावर पुं॰ (कुण्डलवराव-भासमहावर) धुं उक्षपराव सास समुद्रना हैव-तानुं नाम कुंडलवरावभास समुद्र के

जीवा० ३, ४;

देव का नाम. Name of a deity presiding in the Kundalavaravabhasa ocean. जीवा॰ ३, ४;

कुंडलबरोभासवर पुं॰ (कुंएडलबरावभास-वर) हुंऽसवरावसास न में समुद्रना देवतानुं नाम. कुंडलबराबभास समुद्र के देव का नाम. Name of a deity residing in the ocean named Kundalavarāvabhāsa, जीवा॰ ३, ४;

कुंडला. स्त्री॰ (कुचडला) सुवन्छ विजयनी भुष्य राजधानी सुवच्छ विजय की मुख्य राजधानी. The chief capital of Suvachchhavijaya. 'दो कुंडबाम्रो'' ठा॰ २, २; ३; जं॰ प॰

कुंडलोद. पुं॰ (कुएडलोद) इंडलेहि नाभने।
ओह समुद्र एक समुद्र का नाम. Name
of an ocean. सू॰ प॰ १६; जीवा॰३,४;
कुंडिश्रा-या. स्नी॰ (कुण्डिका) भाजन
विशेष; हुंडी; कूंडी; पात्रविशेष. A sort
of vessel. राय॰ श्रगुजो॰ १३२; भग॰
१५, १, नाया॰ १५; पगह॰ २, ५;
श्रगुत्त॰ ३, १; (२) हमंडल कमंडल क
kind of pitcher made from
gourds etc to hold water in.
भग॰ २, १, श्रोव॰ ३=,

कुंडिय. पुं॰ (कुचिडक) ४२ ५५. कमंडल A sort of pitcher made from gourds etc. to hold water in. नाया॰ ५;

कुंडियायणीय पुं० (कुरिडकायनीय) ६ डिडा-यन भित्रवाक्षा. कुडिकायन गोत्र वाला. One belonging to the family-line named Kundikāyana. भग०१४,१, कुंत. पुं० (कुन्त) लाक्षा. भाला. A spear. जीवा० ३, १: भग०६, ३३; श्रोव०३१; जं० प० ३, ६७; —गा. न० (-श्रम्र) लाक्षाती अधी भाले की नोक. the point of a spear. नाया॰ १५; — गह. ति॰ (-प्रह) लाखे। राज्यता. भाला रखने वाला. a spearman भग॰ ६,३३,निसी॰ ६,६,२४, कृंतादेंची. स्ति॰ (कुन्तीदेंची) पाएडू राज्यती राखी पांडु राजा की रानी. Name of the queen of the king Pāndu. नाया॰ १६;

कुंधु पुं॰ (कुन्धु) કુંત્રનાથ નામના ચાલુ ચોવીસીના ૧૭ મા તીર્યંકર અને ૬ દા ચક્ર-वर्तीः कुंधनाय नाम के वर्तमान चौवासी के १७ वें तीर्थंकर श्रीर ६ ठे चक्रवर्ती. Name of the 17th Tirthankura and the 6th Chakravarti of the present Chovīsī. भग० २०, इ; अगुजो०११६; सम० २४; श्राव० टी० सम० प्र० १३४; प्रव २६४; कप्प० ६, १८६; उत्त॰ १८, ३६; (२) त्रश धिद्वियवाणा स्मेक्ष ७५, इंथवे।. तीन इन्द्रियों वाला एक जीव. a kind of sentient being having three sense-organs. " पाच सुहमे ' ठा० ८; दस०४; भग०७, ८; उत्त०३, ४; ३६, १३६; राय० २७०; स्रोघ० नि॰ ३२३; पश्च० १; कप्पन ४, १३१; - जिलिंद. पुं० (-जिनेन्द्र) डुंथु नामना १७ भा तीर्थं ५२. कुन्यु नामक १७ वें तीर्थthe 17th Tirthankara named Kunthu. प्रव ४१६:

कुंद पुं० (कुन्द) भयकुन्तनुं ईक्ष; भे।गरानु ईक्ष, मनकुन्दका फूल; मोगरे का फूल A kind of flower. नाया० १; ६; १६; भग० ६, ३३; २२, ५; श्रोव० १०; पष्ठ० १; उत्त० ३४, ६; राय० ५४; जीवा० ३, ३; कप्प० ३, ३७; ४०; जं०प० ४, १२२; (२) कुन्द नाभनी वनस्पति; वेक्ष. कुंद नामक वनस्पति; बेल. a creeper bearing Kunda flowers. नाया॰ १; पन्न॰ १; —माला-ह्मा॰ (-माला) भेागराना पुष्पनी भावा. मोगरा के पुष्पों की माला. a garland of Kunda flowers. कष्प॰ ३, ३६; —लया. स्त्री॰ (-लता) भर्थान्न्दना धूव-नी वेव. मचकुंद के फूलकी बेल. a creeper bearing flowers known as Machakunda, श्रोव॰

कुंद्रस्वा. पुं॰ (कुन्द्रस्क) એક જાતની સાધારણ

वनस्पति. एक प्रकार की साधारण वनस्पति.

A kind of ordinary vegetation.

जं०प०५,१२२;भग०२३, ३; (२) थीऽ-ओड

જાતનું સુગંધી ધુપડવ્ય: સીલારસ. एक प्रकार की घुप; सिलारस. a kind of fragrant substance used as incense. सम् प०२१०; राय० २७; जीवा७३,४;सू०प०२०; थोव॰नाया॰१; भग०११,११;कप०३,३२; कुंभ. पुं॰ (कुम्म) धरे।; इसश घडा; कलश. A pot. "चतारि क्रम्भापणता । तं जहा-पुन्न नाममेरी नो पुन्ने" नाया॰ १७; राय॰ ३४; जीवा० ३, १; वेय० २, ४; ऋणुजो० १६; १३२, स्य० १, ४, १, २६; भग० ११, ११; कण० १, ४; जं० प० ७, १६६; (२) १८ मा तीर्थं ४२ना पिता. १६ वें तीर्थं कर के पिता. the father of the 19th Tirthankara. स्य ०५० २३ ०: प्रव ०३ २५; (૩) ૧૦ માં અરનાય તીર્થેકરના પ્રથમ-गण्धरतं नाभ. १= वे तार्थिकर अरहनाय के प्रथम गए। थर का नाम. name of the first Ganadhara of Aranātha, the 18th Tīrthankara सम० प० २३३; प्रच० ३०६; (४) ફુંભીમાં नारशीने पडावनार परभाधासी कुंमी मे नारकीको पकाने वाला परमाधमी. a Paramādhāmī who cooks hell-beings in a pot. सम० १४; मग० ३, ७; (४)

કુંભરવપ્ત; ચાદરવપ્ત તાર્થકર, ચક્રવર્તીની માતા જાવે છે તેમાંનું એક. જંમસાપ્ર: तीर्थंकर. चकवर्ती की माता जो स्वप्न देखता है वह; चौदह स्वप्ना में से एक. one of the 14 dreams which the mother of a Tirthankara Chakravartī sees. नाया॰ =, (६) સાર્ક આહેર, અથવા ૨૪૦ પ્રસ્થ પ્રમાણ, માન વિશેષ. કુંલ બે પ્રકારના છે જલન્ય અને ઉત્કૃષ્ટ, જવન્યનું માત ઉપર ખતાવ્યું, તે ઊત્કૃષ્ટ કુંભ સા આટક પ્રમાણ ગણાય છે. साठ श्राहक श्रयवा २४० प्रस्य प्रमागा वाट-तोलने के वजन को कुंम कहते हैं यह जयन्य श्रीर टत्क्रप्ट रूप से दो प्रकार का होता है जयन्य का प्रमाण ऊपर दिया गया है थीर टत्कृष्ट का प्रमाण सो श्राटक है. तंद्र॰ a measure of weight equal to 60 Adhakas or 240 prasthas, which is of two kinds viz. superior and inferior, the former being equal to 100 Adhakas. —जुञ्चल. (-जुगल) भे धः। दो घडा. two pots. जं॰प॰ ७, १६६; —सहस्स. न॰ (सहस्र) ६००१२ थऽ।. हजार घडा. one thousand pots. जं॰प॰३, ४;६; कुंभकार. पुं॰ (कुम्मकार) धुम्लार. कुम्भार. A potter. डवा॰ ७, २२०; भग॰ १४,9; —म्रावण. पुं॰ (-म्रापण) डुंभारनी दुधन. जुम्हार की दूकान. a potter's shop. भग० १५, १;

हुं भक्तरकड़ना. न० (कुम्सकारकटक) ओ है
प्रायीन नगरनुं नाम जयां पाल है जैधिता
पांचसी शिष्योने धालीमां पील्या दता. एक
प्राचीन नगर का नाम जहां पालक ने खंधक
के पांचसी शिष्यों की घानी में पेला था.
Name of an ancient city in
which the ruler had pressed

five hundred disciples of Khandhaka in an oil-mill. संत्था॰ ४=, क्रंभकारी. सी॰ (कुम्भकारी) ५ लारनी स्त्री; ५ भ्लारी कुम्हारनी A potter's wife; a female potter. भग॰ १४, १;

कुंभग. पुं॰ (कुंभक) भिथिला नगरीना राज्यनु नाभ मिथिला नगरी के राजा का नाम. Name of a king of the town of Mithilā. नाया॰ =;

कुंभगसो. अ॰ (कुम्भकरास्) धडा अभाषे. घडे के समान. After the size of a pot. भग॰ १४, १;

कुंभय पुं॰ (कुन्भक) दुंश्वराब्न; मिल्सिनाथना पिता कुंभराजा; मिल्लिनाथ के पिता Kumbharājā; the father of Mallinātha. नाया॰ =;

रहुंभराय. पुं॰ (कुम्भराज) दुंभराजा. हिंभराजा. Kumbharājā; the father of Mallinātha. नाया॰ =;

कुंभार. पुं (कुम्भकार) दुंलार. कुम्हार. A potter. उना० ७, १०४; पंचा० १, ३४, कुंभि पुं० (कुम्भिन्) छत्त्रेट भीखना छह्यथी लेनुं पुरुष थिन्छ तथा पृथ्छ, ५ छ लेवडा भेडीटा थता छीय ते; हीक्षाने अधीज्य पुरुषभांनी ओठ उत्कट मोह के उदय से जिसका पुरुष चिन्ह भीर शृषण, कुंभ के बगबर मोटा होता हो वह; दीचा के अधोग्य पुरुष में से एक. A person whose generative organ and testicles swell to the size of a pot through excessive lust or infatuation; one of the classes of persons unfit for Dikṣā. प्रव० ६००;

कुंभिय. न॰ (जुम्भिक) भगध देश प्रसिद्ध । अने प्रभाषा. मगवं देश प्रसिद्ध एक प्रमाण. The standard measure of | Vol 11/62.

वराबर. of the size of a put. राय॰ ६३, ठा० ४, २, (३) એક જાતની વન-२५ती एक प्रकार की क्रिक वनस्पति. a kind of vegetation, भग ११, ४; कुँभी. स्री (कुम्भी) हाथीने। इंलरथण. हाथी का कुंभस्थल. The frontal globe on the fore-head of an elephant जं० प० प्रव० ११००; (२) धुंडी कुंडी. a small water pot. परह १, १: (३) नारशीनुं ઉत्पत्ति स्थानः नारकी जीव का उत्पत्ति स्थान. the birth place of hell-beings परह० १,१; —पान. वं॰ (-पाक) इंली नाभना पात्रभां पृश्ववं. कुंभी नामक पात्र में पकाना. cooking in a vessel called Kumbhī. सम॰ ११: कुंभीसुह. न० (कुम्भीमुख) સાંકડા માહાવાળી હાંડલी. सकडे मुद्द की हंडी. A. small earthen pot with a narrow mouth. श्रायां॰ २, १, २, १०; कुंम. पु॰ (कूर्म) કाछ्णे। कछुत्रा. A. tortoise. স্নাযাত 1, ६, १, १৬২; कुकामिः त्रि॰ (कुकामिन्) धृत्सित धाम-ધ ધા કરનાર લહાર, કું ભાર વગેરે क़ुत्सित-खराब धंदा करन वाला, लुहार, कुभार वगैरह.

Magadha country. राय॰ ६३; (२)

त्रि॰ કુંભ પ્રમાણે; ધડા જેવડુ घढे के

कुकम्म. पुं॰ न॰ (कुकमंन्) भराभ क्षाम. वसाब काम. A bad or wicked action. श्रोघ॰ नि॰ भा॰६॰; निर्मा॰४,४४ कुक्कद्व न॰ (कीकुच्य) शरीराहिनी २५५ था। पुंचेश. शरीरादि की चपलता-कुचेश. Unsteadiness of the motions of the body etc regarded as a defect. वेय॰ ६, १६;

(One) engaged in a bad profes-

aion e.g. an ironsmith, a potter

etc. सूय० १, ७, १८;

कुकुइश्र. त्रि॰ (कोकुचिक = कुस्सितमप्रत्यु-पेचितत्वादिना कुचितमवस्यन्दितं यस्य स कुकुचितः कुकुचा श्रवस्यन्दनं प्रयोजनमस्येति कोकुचिकः) ध्रुथधुय अवि। अथाक धरनार. कुचकुच श्रावाज करनेवासा. (One) making a sound resembling the pronunciation of the words Kucha Kucha. श्रोव॰ ३८; उत्त॰ १७, १३; भग॰ ६, ३१;

कुकुल. पुं॰ (+) छाषा. कंडा. A. cake made of cow-dung etc. used as fuel. परह. ३, १;

कुक्कुइश्च. न॰ (कोकुच्य) भुभनेत्रना विधार वाली क्षिया—येष्टा. मुख श्चोर नेश्चोंकी विकार-वाली किया—चेशा. An action accompanied with gestures of the face and the eyes. पंचा॰ १, २४;

कृक्कुड. पुं॰ (कुक्कुंट) ५६डी. मुर्गा. A cock. निसी० ६, २३; पन्न०१; नंदी० ४६; पराह० १, १; श्रोव० श्रगुजो० १२८; श्राया० २, १, ६, ३१: उत्त॰ ३६, १४६; भग० १, १; ठा० ७, १; उवा० ७, २१९; -पंजर न॰ (-पंजर) ५४८१नुं भांकर्ः. सुर्गेका पिंजरा. a cage in which cocks are confined. प्रव १४१%: --- पोय. पुं॰ (-पोत) કુકડાનું બચ્ચું. सुर्गे का बचा a chicken. भग॰ १८, ८: दस॰ ६, ५४; — मंसय. न॰ (-मांसक) કુકડાનું માંસ. सुर्गे का मांस. the flesh of a cock. (२) डेासापाड. कोले का पाक. a preparation made of sugar, spices and a kind of pumpkin gourd. भग॰ १४, ۹;

— लक्स्तग्. न॰ (-लड्ड्य) १३८।न। सक्षण् कीवानी ४णा. मुगें के लद्मण देखने की कला. the art of testing the merits or demerits of a cock. नाया॰ १; जं॰ प॰ २; श्रोव॰ ४०; सम॰ — वसम. पुं॰ (-वृषम) भे।टे। १४८।. बहा मुगां. a big cock. भग॰ १२, ६; कुक्कुड्य. पुं॰ (कुक्कुट्क) १४८।. मुगां. A cock. भग॰ ६, ६;

कुक्कुडिया. स्नी॰ (कुक्कुटिका) भुर्गी; ५४डी. मुर्गा. A hen. नाया॰ ३;

कुक्कुडी. ली॰ (कुक्कुटी) दुंडरी मुर्गा. A hen. प्रव॰ ७४२; पंचा॰ १६, २१; नाया॰ ३; विशे॰ १=१=; भग० १, ६; ७, १; २४, ७; प्रोव॰ १६; विर॰ १, १; (२) भाषाः इपट. मायाः छल, कपट. deceit; fraud. पि॰ नि॰ २६७, —श्रंडगः न॰ (-श्रव्हक) दुंडरीना धंडा. स्र hen's egg. वव॰ =, १५; —श्रंडमेत्तः ति॰ (-श्रव्हमात्र) दुंडरीना धंडा करेखं. मुर्गा के श्रंड के श्राकार का. of the size of a hen's egg. प्रव॰ ७४२; —पिच्छुश्र. न॰ (-पिच्छुक) दुंडरीना भिछां. मुर्गा के पंख. the feathers of a hen विर॰ १, १;

कुक्कुययः न॰ (🐣) भुंभिष्णाः धुधरा. खनखुना. A toy for children giving out a jingling sound when shaken. सूय॰ १, ४, २, ७ः

कुक्कर. पुं॰ (कुक्कुर) कृतरे।. कृता. A dog. आया॰ १, ६, १, ३;

कुक्कुस पुं॰ (कुक्कुस) ओड जाततुं धान्यः कुसडा एक प्रकार का कुसका धान्य. A

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटने।ट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

kind of grain. श्राया॰ २, १, ६, ३३; निसी॰ ४, ५५; इस॰ ५, १, ३४;

कुमकुह. पु॰ (कुम्कुह) थार धिरिय वाणा গুপ. चार इन्द्रियों वाला जीन. A foursensed living being. पत्र॰ १,

कुखगइ. स्त्री॰ (कुखगित) अशुल विद्धायस गति-थालवानी गति. श्रशुभ विद्यायस गति-चलने की गति. Bad gait क॰ गं॰ २, ५; ३, ४; ५, ३२;

क्रुगाह. पुं॰ (क्रमह) भाटी आश्रह; उदाशह. Gstinacy in a wrong, false cause पंचा॰३, ४० १० ४; भत्त॰ ४३; —संका. ली॰ (-शक्का) उदाशह तथा शंका. obstinacy and doubt. प्रव॰ ६६६; —हिवरह पुं॰ (हावरह) भिथ्या अभिनिवेशने। नाश. मिथ्या श्रमिनिवेश का नाश. destruction, banishment of false attachment पंचा॰ २, ४४;

कुरगहीय. त्रि॰ (कुगृहीत) नशरी रीते अहुण् करेंद्ध. द्वरी तरह से प्रहण किया हुआ. Taken by, got by foul means. उत्त॰ २०, ४४,

कुचर. ति॰ (कुचर-कुत्सितं चरन्तीति कुचराः) नहारु आयरेण हरनार, परस्त्री गमन हर-नार पगेरे. खराब चालचलन वाला. (One) of bad character, e. g a thief, an adulterer etc शाया॰ १,६,२,=,

कुचेल ति॰ (कुचेल) भराण वस्त्रधारी; धुत्सित ४५ शं ५६ रेनार खरान कपडे पहरने वाला (One) who puts on bad clothes or garments " दुइजीवियों कुचेला, कुवितय चौरा चंदाल मुट्टिया '' श्रायुजी॰ १२८;

कुच्च. पुं॰ (क्चें) हांतीया; वाण ओणवानुं साधन. कंगवा; कंगा A comb. उत्त॰ २२, ३०; (२) એક જાતનું धास. एक तरह की घास. a kind of grass. परह० २, ३; (३) डाढी. दाढी. beard. श्रोघ० नि० सा० =३;

कुचंधर पुं॰ (कूचंधर) ऽाढीवाणा. दाढी वाला Bearded. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ६३; कुच्चग्ना न॰ (कूचंक) शर नाभना रे।पानुं पाथरणुं केना कुथा भने छे ते शर नामक पाँधे का बना हुश्रा निक्रोंना. A mat made of a plant named Sara. श्राया॰ २, ३, ३, १००,

√कुरुळ धा॰ I. (कुथ्) કહોવાડવું; पसा-ળવું. सदाना; भिंजाना. To soak in water.

कुच्छेजा. विधि॰ श्रागुजी॰ १३४; भग० ६,७; कुच्छिहिह्, पिंन नि० २३८;

√ कुच्छु. था॰ I (कुत्स्) निंदा ४२थी. निन्दा करना To censure; to cast blame on.

कुच्छामिः विशे० ३५७६;

कुच्छुग एं॰ (कुत्सक) એક જાતનું धास; वनस्पति एक प्राकार की घास A kind of grass or vegetation सूय॰ २,२,७,

कुच्छारीज. ति॰ (छरस्य) निंहा ६२वाने ये। २४; निंहा थात्र. निन्दा करने के योग्य; निंदा पात्र. Worthy of censure or reproach परह० १, ३;

कुच्छा. स्री॰ (कुत्सा) निंदा निंदा Censure; blame, reproachful words
पि॰ नि॰ १४४; क॰गं॰ १, २१; ४, २; ६२;

कुच्छि स्रो॰ (कुचि) ५ भ. कोंस; कुचि.
The interior of anything विवा॰
१; ७, नाया॰ १; ८; भग॰ ६, ७; ७, ६;
१५, १; सु॰ च॰ २, ६६६; श्रंत॰ ३, ८;
पि॰ नि॰ ६४२; जं॰ प॰ जीवा॰ ३, ३;

प्रव॰ १३६१; उवा॰ २, १०९; (२) पेट; गल रथान. पेट; गर्भस्यान. the belly; the womb. जं प २, १६; २, २०; कप्प० १, २; ३, ४७; नाया० १३; १६; श्रोव॰ १०; पिँ० नि॰ ३५२; (३) भे द्वाथ अभाश भाप; गल. दो हाथ प्रमाण नाप; गज. a measure of length equal to two cubits; a yard. जीवा॰ ३, ४; नंदी० १४; श्रणुजी० १३४; —िकिसि. पुं॰ (-कृमि) इंभभां ६८५न थते। इभि-धींडा. कोंख में उत्पन्न होने वाली लट-क्रमि. a worm generated in the belly. पत्त १; —िकिमिय. न॰ (-कृमिक) इं भने। धरभीये।. कुत्ती के कृमि. a worm in the belly निसी॰ ३, ४२; — स्ल. न॰ (-शूल) इंभभां श्रमां। आवे -श्र थाय ते. कॉख में शूल का होना shooting pain in the belly; colic. तंद्र॰नाया॰ १३; भग० ३, ७;

कुचिछ्रधार. पुं॰ (कुचिधार) नावानी निर्धान भः सुक्षानी नाव का निर्यामकः सुकानि. One who is at the helm of a ship; a helmsman. जं॰ प॰ ५, ११२; नाया॰ =; १७;

कुच्छिय. त्रि॰ (कुत्सित) भराम. खराव; बुरा Bad; evil; deserving censure. विशे॰ २१६६; पंचा॰ ७, १२; — सील. त्रि॰ (-शील) भराम आयारवाणा. बुरे चाल चलन वाला. (one) of bad conduct or character. विशे॰ ४२०;

कुच्छियत्त. न॰ (कुस्सितत्व) भराभी; निन्धता द्यापन. State of being worthy of censure; badness. विशे॰ ४२१;

मुच्छुभरिय. पुं॰ (कौस्तुम्भरिक) એક જાતનું वृक्ष. एक प्रकार का वृत्त. A kind of tree. भग॰ २२, ३;

कुजन्न. त्रि॰ (कुनय) लेने। ०१५ दुत्सित-निन्दित छे ते, ब्रुगारि. जिसकी जीत निंदित है वह; जुत्रारि. (One) whose victory or success deserves to be censured i. e. a gambler. स्य॰ १, २, २, २३;

कुज्ञ. ति॰ (कृष्टम) हुन्पडे।. कूवड़ा. Humpbacked; crooked. मु॰ च॰ १, १७; कुज्जय. पुं॰ (कृष्ट्यक) शुक्षात्म, सेवतीतुं अार. गुलाब, सेवती का वृक्त. A rosetree. पत्त०१; नाया०१,०;वं॰प०४, १२२;

√ कुज्म. था॰ I. (कृष्+य) है। ४ हर्दै।. कांप करना. To be angry. कुज्मे विधि॰ स्य॰ १, १४, ६;

क्कुटिल त्रि॰ (कुटिल) वां डुं खुडुं; वडुः टेडा तिरहा; वक्त. Crooked; tortuous तंदु॰

कुटुंब. पुं॰ (कुटुम्ब) परिवार. कुटुम्ब; परिवार.
A family; a family circle. भग॰३,
१;१८,२;—जागारिया. ली॰ (-जागरिका)
१८२भसंणंधी वियार १२वे। ते कुटुम्ब
सम्बन्वी विचार करना. thinking about

one's family. भग॰ ३, १; १४, १;

√कुट्ट. था॰ I (कुट्ट्) કुटवुं; भांऽवुं. कूटना. To pound; to grind. कुट्टंति. श्राया॰ २, १, ६, ३४; कार्टेंसु. भू॰ श्राया॰ २, १, ६, ३४; कुट्टिजमाण. क॰ वा॰ व॰ कु॰ राय॰ ५६; कृट्टिज सं॰ कु॰ भग॰ १४, ८;

कुट्टुग् न॰ (कुट्टन) इटवुं; भारवुं; कूटना; माग्ना. Beating; Pounding. "कुटी जंतीयां कच्छुभीयं चित्तीवयायं " राय॰ श्रोव॰ ४१; स्य॰ २, २, ६२; दमा॰ ६, ४; कुट्टितिया. स्री॰ (कुट्टिका) अनालने आंऽ-

नारी श्रनाज को कूटने वाली. A woman

who pounds grain. नाया॰ ७;

कुद्दिम. पुं॰ (कुद्दिम) सूमितक्ष स्रोतणीयुं. भूमि-तत्त. Ground-floor. भग॰ =, ६; श्रोव॰ ३१; कप्प॰ ४, ६२, —तत्त. न॰ (-तत्त) स्रोयतणीयु तत्त्वर. ground-floor. नाया॰ १, श्रोव॰ ३१, राय॰ १०५; जीवा॰ ३;

कुट्टिय. त्रि॰ (कुट्टित) ६ूटेक्ष कूटा हुआ Pounded. प्रव॰ ६५७;

कुद्दिल आ. पुं॰ (कुद्दिल्क) ये नाभना येक साधु. इस नामका एक साधु. Name of an ascetic. विवा॰ ६:

कुट्ट. पुं (कुष्ठ) डे१६, એક જાતના સુગંધી ६०थ एक प्रकार की सुगधित वस्तु. A kind of fragrant substance. सूय० १, ४,२,८; विशे०२६३; (२) કुष्टराग; डे१८. कुष्ट रोग; कोढ. leprosy. जीवा० ३, ३;

कुट्टम न० (कोष्ठक) क्षेष्ठक; क्षेट्री. कोष्टक; कोठा A column. दस० ४, १, २१; ६२; कुट्टाण्. न० (कुस्थान) हुष्ट स्थान. खराव स्थान An impure place, a bad place भग० ७, ६;

कुहि. त्रि॰ (कुष्टिन्) डेहरी कोढी. (One) affected by leprosy, सु॰च॰ १३,४४; कुहिन्ना. बी॰ (कोष्टिका) धान्य राभयाने

क्षाहम्मा. बा॰ (काष्ट्रका) वान्य राजवान णनावेश भाटीनी हेाही. कोठी, धान्य रखने की मिटी की कोडी. A large earthen cylindrical vessel to store grain in. आया॰ २, १, ७, ३७,

कुड. पुं॰ (कुष्ट) है। देने। रे। कोड की बोमार. Leprosy जीवा॰ ३, ३,

कुड पुं० (कूट) पर्यंत पर्वत. A mountain. जीवा० ३, ३, दसा० ६, ४; राय० ४०; १००; (२) द्ष्ट्रात; हाभकी. दष्टान्त; उदाहरण an illustration; an example. विशे० २२४०, (3) असत्य.

असत्यः भूंठ. falsehood. राय॰ २०७; મન ૰ ૭, ૬, (૪) એક પ્રકારના પાશ एक प्रकार का पाश. a kind of snare. विवा॰ २, —श्रंतर, न॰ (-श्रन्तर) थे **५८-शिभर प**न्थेनं अन्तरः दो कट-शिखर के बीच का श्रन्तर. the interval, distance, between two summits भग०१५, १; --स्साह त्रि० (-प्राह) ५८-(one) who holds a snare or a trap in the hands. विवा॰२; — सा-हिर्गी न्त्री॰ (ब्राहिर्गी) કुट- पाशने अंडल કरनार-स्त्री. कृट बाहिसो. a woman, who holds in her hands a snare or a trap विवा॰२; - तुल. न॰ (-तुल) भारा ताला. खोटा तोल. false weights. दसा०६, ४; - मागा. त्रि० (-मान) भे।८। भाप खोटा माप. false measure. दसा॰ ६, ४,

कुडन्न-य. पु॰ (कुटज) धंहर જવનુ ઝાડ. इन्द्रजब का माड A kind of tree. प्रव॰ ५१८; ज॰ प॰ जीवा॰ ३,४; ऋगुजो॰ १३१, श्रोव॰ नाया॰ १; ६; पन्न॰ १,

कुडंग. पुं॰ (कुटक्क) धरनुं ढां डांडुं छापर. A roof of a house विवा॰ ३; (२) એ नामना ऐक द्वीप इस नामका एक द्वीप name of an island श्रोध॰ नि॰ भा॰ २३६; बांशनुं बन बांस का वन a forest of bamboos नाया॰ १८;

कुडग पुं॰ (कूटक) घडे। घडा A pot विरोत १४५४, नंदी० ४४; (२) ओड जातनी सहेद पुक्षवाक्षी वनस्पति. एक प्रकार की सफेद फूल वाली वनस्पति. a kind of plant bearing white flowers. भग० २२, ३; पन्न० १७;

क कुडिंभि. स्नी॰ (*) न्हानी भ्यल्य. छोटी भ्यल्य. A small flag; a small banner. " कुइभी सहस्स परिमारिड याभिरामो इंदरुक्तको "सम॰ ३४; राय०००; जीवा॰ ३, ४; जं० प० ५, ११७;

कुडह. त्रि॰ (ं क्) ध्रह्रूपे।; भेडे।ण रूप-हेणाय. खराब रूप; वेडील रूप. Ugly appearance; repulsive in appearance. श्रोष॰ नि॰ भा॰ ३२०;

कुडागार. पुं० (कुटागार) पर्वनना शिणरभां है। तरेल धर; शिणरना आधारनुं भान शिखर के आकार का घर. A. house carved out from the summit of a mountain; a house of the shape of the summit of a mountain. निसी॰ =, ५; राय॰ १००; वि।॰ ३, ३; साला. ली॰ (-शाला) शिणर- अंध शाणा-भधान. शिलर के आकार का घर. a house with a spire at the top. दशा॰ १०, ३; राय॰ २५४; भग॰ ३, १; २; १३, ४; १६, ५;

छ कुडाल. पुं॰ (*) क्षणने। ઉपदे। लाग. हत्त के उपर का हिस्सा. The upper. part of a plough. उवा॰ २, ६४;

कुडिल. ति॰ (कुटिख) वांधुं थुधुं टेढा तिरछा। Crooked; tortuous. नाया॰ ८, ६; भोव॰ २१; भग॰ १५, १; सु॰ च॰ २, २०; स्वा॰ २, १०७;

कुडिलच न० (कुटिलख) हुष्टता; કुटिसता. दुष्टता. Wickedness; crookedness. स्॰ च० १२, ४७;

कुडिव्वयः पुं॰ (कुटिवत) धरभां रही क्वेषा-हिक क्षाय के अहं अरने। त्याग करे तेवा परि- धालक. घरमें रहकर कोषादि कपाय और अदंकार का स्थाग करने वाला परिवाजक. An ascetic getting rid of anger etc. or pride without leaving the house in which he stays. ओव॰ ३=:

कुर्डि: स्री॰ (कुर्टा) ओ(रडी; अंपडी कोठबी. A room; a hut; n cell. श्रोघ॰ नि॰ १०५; भत्त॰ १२३;

कुडीर. न॰ (कुटीर) छुंपडुं; निर्धननुं धरः काँपडा; निर्धन का घरः A hut; a cottage; a hovel. तंदु॰

कुडुंब. पुं॰ (कुटुम्ब) धुटुंग्भ परिवार. कुटुम्ब; पार्श्वार. A. family. नाया॰ १; २; ५; ७; १२; १४; पिं० नि॰ ६६; उवा॰ म, २३म; —जागरिया. स्त्री॰ (जागरिका) धुटुंग्भ संभेधी विधार धरवे। ते. कुटुम्ब सम्बन्धां विचार करना. thinking about one's family. नाया॰ २, १४; विवा॰ ७;

कुडांबिय. त्रि॰ (कांडाम्बक) धुटुम्भी; भास धुटुम्भते। भाश्चस कुडुम्बी; कुडुम्ब का मनुष्य. (A member) of a family; (one) belonging to a family. (२) ७०० री. नीकरी. an attendant e.g. on a king. श्रोव॰ कप्प॰ ३, ३६; कुडुय. पुं॰ (॰) पर्यतनी ट्राय; शिभर. पर्वत की शिखर. Summit of a mountain. भग॰ १५, १;

कुरू. न॰ (कुट्य) दीवाक्ष; लींत. भीत; दीवाल. A wall. भग० =, हः विशेष १४२६: उत्त॰ २४, ४०; पगह॰ १, १; पिं० नि । २६=; — ग्रंतर. न० (- मातर) लींत अथवा त्राटीनुं अंतर. भीत अथवा टही

^{*} जुओ एष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनीट (*). देखा प्रष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

का अन्तर. interposition; intervention of a wall. उत्तः १६; ४; प्रवः १६६; — ग्रंतिरय. तिः (-ग्रन्तिरत) भीति आंतरे रहेशः दीवाल की श्राड रहा हुत्रा. hidden by a wall. नायाः १६; कुड्डाः स्रीः (कुड्या) पाताश्चना अश्वानी हीं इरी. पाताल के घडे की ठीकरी. A broken piece of a pot in Pātāla (nether world). जीवाः २, ४; प्रवः १६६०;

कुरा धा॰ I (कृ) धरवुं; रथवुं; यताववुं. करना; रचना; चनाना. To do; to make. कुराइ. उत्त॰ ६, २६; ऋणुजो॰ १३०; विशे॰ २७२; पि॰ नि॰ ६८; प्रव॰ ६८; कवा॰ १, ४८; ५३;

कुजा. उत्त॰ २, ३३; कुण्उ. सु॰ च॰ १, १; कुण्. श्राज्ञा॰ विशे॰ ६४३; सु॰ च॰ ४, ४६; कुण्सु. भूत० भ्रास्तुजो॰१२६; पिं० नि॰४६६; कुण्ते. उत्त॰ २६, २६; कुण्या. विशे० १६५;

कुरामारा. विशेष ४६; सुष्ट चण्प, ३१५; २,११५; उत्तर्ण १४,२४; पंचार्ण १८,२६;

कुराक. पुं॰ (कुराक) કुणुक नामनी ओक्ट यनस्पति. एक वनस्पति का नाम (कुराक) Name of a kind of vegetation.

कुगाल. पुं॰ (कुणाल) कुणाल नाभनी ओक हेश. एक देश का नाम (कुणाल) Name of a country नाया॰ दः पक्ष॰ १; राय॰ २१०; (२) कुलास राज्य, जेनु थीळुं नाम संप्रति राज्य । कुतुंः भाषंवंशी चन्द्र-गुप्तना प्रपातः भिद्वसारना पात्र अने अशाक्षना पुत्र कुलाल गार्थवंशी चंद्रगृप्त का प्रपातः किन्दुसार का पोतः प्रशोक का पुत्रः

कुगाल राजा; जिसका नाम संप्रति राजा पह गया था. King Kunāla also called Samprati, the son of Asoka and grandson of Bindusāra. विशे॰ ५६१; —ऋहिवइ. पुं॰ (-ब्रधिपति) <u> कुशाल देशने। अधिपति. कुणाल देश का</u> श्रिषपति. The king of the country named Kunāla ठा० ७, १; नाया॰ =; कुणाला न्नि॰ (कुणाला) કुशासा नामे उत्तर તરફની એક નગરી; ઉજેણી નગરીનું બીજા નામ કુણાલા હતું એમ પણ કર્યાંક લખેલ छे. कुणाला नामक उत्तर प्रदेश की एक नगरी; उज्जियनी का दूसरा नाम कुणाला भी दिया गया है. Name of a city in the north; (in some works it is also stated that Ujjain was so called). वेय० १, ४६; ४, २५; संत्थागा० =; कष्प० ६, ११;

कुिण त्रि॰ (कुशिन्) हाथ अथवा पग न्हानी म्हारी होय अवा गर्भना हाथवादी. हाथ अथवा पेर छोटे हों ऐसे गर्भ दोषवाला. (One) developed from a defective embryo with one of the arms or legs smaller than the other पग्ह॰ २, ६,

कुशिम. न॰ (कुण्प) भांस. मांस Flesh.
श्रोव॰ ३४; ठा॰ ४, ४; स्य॰ १, ४, १, ६;
भग॰ १, ३३; जीवा॰३,१; पिं॰ नि॰ २६२;
(२) श्रव, सुऽहुं. शव; सुद्दों. a corpse;
a dead body. जं॰ प॰ भग॰ ७, ६;
श्रक्तुजो॰ १३०; परह॰ १, ३; —श्राहार.
पुं॰ (-श्राहार—कुण्पः शवस्तद्रसोऽपिवसादिः कुपण्स्तदाहाः) भांसने। आहार.
मांस का श्राहार. flesh-food. (२) त्रि॰
भांसाहारी. मांसाहारी a flesh-eater. जं॰
प॰ २, ३६; भग॰ ७, ६; ६, ६;

क्किंगिय. पुं॰ (कुणिक) કृष्णिक राला; श्रेषिकिनी पुत्र. कृणिक राजा; श्रेणिक का पुत्र. King Kūnika, the son of Śrenika. भग॰ ७, ६;

कुिया हो। (कुियता) केथी એક हाथ अथवा पग न्हाना म्हाटा घछ गया हाय ते; साल रागमाना ओड राग सालह रागमें से एक राग; जिससे एक हाथ अथवा एक पैर छोटा वड़ा हो जाता है. One of the sixteen diseases, in which one of the arms or legs becomes shorter than the other. आया। १, ६, १, १७२;

कुएहिरि स्री॰ (कुन्हरी) कुन्हरी नाभनुं क्रिड एक प्रकार के कंद का नाम. Name of a kind of bulbous root. (२) स्रो नामनी स्रोक्ष वनस्पति एक वनस्पति का नाम. name of a kind of vegetation पन्न॰ १;

कुतिस्थि. त्रि॰ (कुर्ताधिन्) लुओ। "कुतिस्थि य" शण्ट. देखो "कुतिस्थिय" शब्द. Vide. "कुतिस्थिय" उत्त॰ १०, १०; प्रव॰ ६५१;

कुतित्थियः त्रि॰ (कुतीधिक) भाणंडी; कुतिस्थ-असत्य तीर्थं लक्ष्मार; मिथ्यात्वीः पांखंडी; खराव धर्म का माननेवाला; मिथ्यात्वीः A person following a false, heretical creed: नाया॰ ७;

कुतुंचक. पुं० (कुस्तुम्बक) એક જાતનું वाक्तित्र. एक प्रकार का नाजा. A kind of musical instrument. जीवा॰ ३, १;

कुतुप पुं॰ (कुतुप) धी तेक्ष राभवानुं वासण्डः इंडवें। घी तेल रसनेका बर्तनः An earthen pot to keep oil, ghee etc जं॰ प॰

कुत्तार त्रि॰ (कुतार) भराल ताइ; भाते डुले

अने थीलने डुणाउँ तेवे। कचा तराकः खुद डूबे श्रीर दूसरे की डुबोब ऐसा. (One) who swims badly; (one) who drowns himself and others connected with him. गच्छा॰ ३१; कुत्तिश्च-य न० (कुत्रिक=कुरिति पृथिव्याः संज्ञा तस्यास्त्रिकं कुत्रिकम्) २५०%, भत्य અને પાતાળ એ ત્રણ લાક. स्वर्ग, मृत्यु श्राँर पाताल, ये तीन लोक. The three worlds, viz. heaven, earth and hell or nether world. श्रोव॰ १६: कुत्ति आवणः पुं॰ (कुन्निकापया-कुन्निकं स्वर्ग-मर्त्थपातालजन्नणं भूत्रयं तत्संभवि वस्त्व पि कुन्निकं कुन्निकमापणायति स्यवहरति असी कुन्निकापणः) त्रख् से। इमां निपल्रती દરેક ચીજ જ્યાંથી વેચાતી મલી શકે તેવી ेडारी हुआन ऐसी दूकान जहां तीनां लोक में उतात होने वाली प्रत्येक वस्तु मिल सके. A big shop from which any of the articles produced in the three worlds can be got by purchase. भग० ६,३३; नाया० १; श्रोव० कुत्था. अ॰ (कुत्र) ६४। कहां. Where. नाया० ३:

√ कुत्था. घा॰ I.(कुथ्) डे।ढार्थ कर्युः, भगऽी कर्युः, सडजानाः, बिगडजानाः. To spoil. कुरथेजाः, वि॰ जं० प॰ २, १६;

कुत्थिस त्रि॰ (कृत्सित) निन्ध्तः भराण. निन्दित. Bad; evil; deserving censure. श्रोध॰ नि॰ १६४;

कुत्युंभरि. स्नो॰ (कुस्तुम्बरी) धाणानी गुन्छ; डाथभरी. धनियें का पौधा. A collection of coriander plants. पन्न॰ १; कुदंड. पुं॰ (कृदगड) ओं क्र जातनुं अन्धन.

एक प्रकार का बन्धन. A kind of bondage. परहर १, १; नाया १;

कुदंडग. पुं॰ (कुद्रण्डक) अक्षार भारवाने। है। रहे। प्रहार करने का चाबुक. A whip used for flogging, पगह॰ १, ३;

कुदंडिम. न० (कुद्रगड) कृत्सित हंऽ; शुन्हा करतां आछा हऽ. थोडा दंड. Inadequate punishment. नाया॰ १; भग०१,११,

कुद्ंस्तण, न॰ (कुद्शन) विपरीत श्रद्धान;
भिष्यात्व दर्शन विपरीत श्रद्धान, मिथ्यात्व
दर्शन. False, heretical faith or
creed. पन्न॰ १, उत्त॰ २८, २८; '' इम
पिबित्तिय कुदंसणं श्रसटभाव वादिणो
पर्णविति '' पन्न॰ २:

कुदिहि स्त्री॰ (कुदृष्टि) भिध्यात्व ६ष्टि विपरीत ६ष्टि. मिथ्या दृष्टि, विपरीत दृष्टि False faith; heretical faith उत्त॰ २८, २६. प्रव॰ ६७३,

कुद्दाल पुं॰ (कुहाल) अभीन भाहवानुं कथियार, डेह्मणी जमीन खोदने का हथियार; कुदाली. A spade. पगह० १,१; ज॰ प॰ २, १६;

कुद्ध त्रि॰ (कृद्ध) द्वाधी, गुरसे थयेश. कोघी Angry; enraged. पंचा॰ १४, ३७; प्रव॰ १४=६; उत्त॰ २७, ४; मग० ७, १०; १४, ८;

कुपक्ख. ति॰ (कुपत्त) नीयेपक्षनी। नीच पत्त का. Belonging to, espousing a cause that is low or mean. आया॰ २, ४, १, १३४,

√ झुत्पा. घा॰ I. (कुम्) क्वाप करवे।, गुरसे थवुं. कोप करना, गुस्सा होना. To be angry; to get enraged कुत्पई दस॰ ६, २, ४; कुत्पिजा. उत्त०१,६;दस॰६,४६;१०,१, १८; कुत्पे. श्राया॰ १, २, ३, ७७, दस॰ ५, २, ३०; १०, १, १०;

Vol. 11/63

कुप्पत सु० च० ७, ३०३, कृप्पमाग्य. भग० ७, ६; कोवे प्रे० उत्त० १, ४०; कोवइजा. प्रे० वि० दस० ६, १, ६:

कुष्प. न॰ (कृष्य) आसन शया वगेरे राय-रथीक्षु; धरवभरी. श्रासन शय्या वगेरह. Household furniture, such as beds, chairs etc पंचा॰ १, १८, — संखा. श्री॰ (–संख्या) रायरथीक्षुं के धरवभरीनु परिभाख् लाध्युं ते. setting a limit to one's possession in the matter of household furniture. प्रव॰ २८०;

कुप्पर पु॰ (क्ष्रेर) गाडा हे रथनी पिंक्ष्षी. गाटा या रथ की पिंजणी. A part of a carriage. "से रहवरस्स कुप्परासञ्जा" जं॰ प॰ ३, ४८, (२) हे।्ष्री. कहुनी. the elbow पिं॰ नि॰ ४१८; प्रव॰ ७४,

कुष्पावयिष्य न॰ (कुप्रावचिनक) पाण डी-भोना प्रवयनने आधारे तेभोने करवानु आवश्यक हिन कृत्य पाखंडियों क शास्त्र के श्राधार के श्रनुसार उन लोगों के करने का श्रावश्यक दैनिक कृत्य A daily religious rite prescribed by false, heretical scriptures. श्रग्रुजो॰ १=;

कुवेरदत्त. पुं॰ (कुवेरदत्त) એ नाभने। એક शेंड इस नामका एक सेठ. Name of a rich merchant. भत्त॰ १९३:

कुञ्बर पुं॰ (क्बर) धोंसरी, गांडानी धुरी. गांडे को जुड़ी The yoke of a carriage. (२) भिंदानाथनी यक्ष मिल्लनाथ का यज्ञ. name of the Yaksa of Mallinātha प्रव॰ ३७६;

कुभोइ ति॰ (कुभोजिन्) हुष्ट भील्पन धरनार खराव भोजन करने वाला (One) who takes bad, unwholesome food. भग॰ ७, ६;

कुमद् . पुं॰ (कुमद्) सातभा देवलां कुमद् नाभे ओं विभान; ओना देवतानी रिधित सत्तर सागरापमनी छे; ओ देवता सांडा आं अर्थित सांदिने धासीन्ध्रमास थे छे अने सत्तर देवता रेव सांकि के विमान का नाम; इसके निवासी देवों की स्थित सत्रह सागरापम की है और साढे आठ मास बाद वे एक बार श्वासोन्छ्यास लेते हैं तथा उन्हें सत्रह हजार वर्षके बाद भूक लगती है. Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live 17 Sagaropamas, breathe once in eight and half months and take their food once in 17000 years. सम॰ १७;

कुमर. पुं॰ (कुमार) थाल का बालक. A. boy; a lad. सु॰ च॰ २, ३=४.

कुमरकः न॰ (कुमारस्व) धुभारव्ययस्थाः कुमार श्रवस्थाः, बाल्यावस्थाः Boyhood. सु॰ च॰ १३, ४१;

कुमार. पुं॰ (कुमार) आर्ड वरसंथी उपरते।
आंक्षक्ष; कुमार, बुंवर; अविवाहित; कुवारा. A boy;
क्षार, कुंवर; अविवाहित; कुवारा. A boy;
क्षा unmarried lad. उत्त॰ १२, १६;
१४, ३; सूय० १, ७, १०; नाया० २; ४;
८; १४; १६; १८; भग० ५, ४; २४, १२;
जं० प० श्रंत० ३, ८; दसा० ६, ४; निर०
३, ४; उवा० ८, २४६; (२) अराभ भरख्.
खराब मरण. bad, unfortunate kind
of death. नाया० १४; (३) असुर
३भार आहि देवता. असुर कुमार आदि देवता.
gods known Asura-Kumāra
etc. जं० प० भग० ३, ७; आवा० ३, ३;
—गाह पुं. (न्यह) असुर कुमार ध्रारिने।

प्रथा। श्रमुर कुमारादि का सम्बन्ध. state of being possessed by, under the influence of the gods known as Asurakumāra etc. র্ল০ ৭০ 3: भग० ३. ७; जीबा० ३. ३: — वास. पं० (-वास) क्यार अवस्थामां रहेवं ते. श्रह्म-२५ शिभ, कमार श्रवस्था; ब्रह्मचर्य श्राश्रम. remaining in the state of a bachelor; that stage of life in which one remains a bachelor. "कुमारवासमुज्भविसत्ता मुंहे जाव पृष्वह्या" ठा॰ ४, ३; कप्म॰ ७, २१०; जं॰ प० २. ३०; -समण्. पं॰ (-श्रमण्) ५भारा-વસ્થામાયીજ દીક્ષા લીધેલ બાલ પ્રસ્નચારી. कुमार भवस्था में ही दीचा लिया हुआ; बाल ब्रह्मचारी. (one) who has taken Dīksā (initiation) from early boyhood. श्रंत > ३, =; राय॰ २१४; उत्त० २३, २:

कुमारसा. स्नी॰ (कुमारता) क्वंपाराधार्थुं. कुंबारापन;श्रविवाहितपना. State of being a maid or a bachelor. नाया॰ =;

कुमारपुत्तिय पुं॰ (कुमारपुत्रक) એ नामना ओक्ष निश्रंथ साधु. इस नाम के निमन्य साधु. Name of a Nigrantha ascetic. स्य॰ २, ७, ६;

कुमारिश्व. पुं॰ (कुमारशृत्या—कुमारायां बालानां श्रुतौ पोषणे साधः कुमारशृत्या) व्याधुर्नेह शास्त्रनी ओड लाग डे केमा न्हानां छे। इराओना रागनी व्यिक्तिसा वतार्वी छे. प्रायुर्वेद शाल का एक भाग जिसमें कि छोटे र व्यां की चिकित्सा बतलाई है. A division of Ayurveda medical science treating of the diseases of children. ठा॰ ८, १;

कुमारिश्र. पुं॰ (कुमारक = कुरिसतो मारबीय

सत्त्रस्यातीववेदनोत्पादकरवाश्विन्दो यो मारो मारणं स विद्यते येणां ते कुमारकाः) भराय शीक्षारी. दुष्ट शिकारी; बुरा शिकारीः A bad, cruel hunter. श्रोघ० नि॰ भा॰ ६०;

कुमारियाः स्नी० (कुमारिका) अन्याः धुमा-रिधाः कन्याः कुमारीः A. girl. राय० = १: नाया० २: दस० ४. १, ४२:

कुमारेलेच्छुर. न. (कुमार लिप्सु) ३भार-सन्धीनाभनु विधाः सूत्रनुं १शमु अध्ययन विधाक सूत्र का कुमारलच्छी नामक दशवा अध्याय The tenth chapter of Vipāka Sūtia named Kumāralachchhi ठा० १०, १;

कुमुग्न-यः न० (कुमुद) यन्द्र विश्वशी अमक्ष.

चद्र देखकर फूलेनेवाला कमल. A moonlotus राय० ४८, जं० प० दस० ४, १;
१४, १६, उत्त० १०, २८, सूय० २, ३, १८,
नाया० ४; जीवा० ३, १; कप्प० ४, ११६;
(२) सहेर हूल. सफेद फूल. स white
flower. विशे० ११०५; — यण. न०
(-वन) यन्द्रविकाशी अमलने का वन. स
forest of moon-lotuses. कप्प० ३,
३८;

कुमुदः न० (कुमुद) सहेद असवः यन्द्रिशिशी असव सफेद कमल, चन्द्रिविकाशी कमल. A white lotus. पत्त १ः राय० ४८ः नाया १ः ६ः १२ः भग० ६ः १३ः (२) पश्चिम मह विदेहना दक्षिणु णांऽवानी भेइ तरक्षी छदी विजय. पश्चिम महाविदेह के दिचण खंडकी मेठकी तरफस घटनी विजय. the 6th Vijaya from Meru situated in the south of the western Mahā-Videha अ० =: जं० प० ર, ૧૬; (રૂ) પશ્ચિમ મહા વિદેહના દક્ષિણ ખાંડવાની મેરૂ તરક્થી છુટી વિજયના રાજા. पश्चिम महा विदेह के दिलाण खंड के मेर को तर्फ से छटवीं विजय का the king of the sixth Vijaya from Meru situated in the south of the western Mahā-Videha. નં ૧ (૪) આઠમા દેવલાકનું કુમુદ નામે એક વિમાન; એના દેવતાની રિયતિ અદાર સાગરાપમની છે એ દેવતા નવ મહિને શ્વાસાશ્વાસ લેછે, અને ૧૮ હજાર વર્ષે° क्षधा क्षां छे आठचें देवलोक के विमान का नाम जहां के निवासी देवों की श्राय श्रठारह सागरोपम की है खीर वे ध वें मास मे एकवार श्वासोश्वास लेते हैं तथा श्रठारह हजार वर्ष मे उन्हें भूंक लगा करती है. name of a heavenly abode of the eighth Devaloka, सम॰ १८:

इ. मुद्दक्ड. पुं॰ (इ. मुद्दक्ट) लहसाल वनना आह हिग्छिस्ति इ. भांनुं पांचमु इ. –िश भर मदसाल वन के आठ दिग्हिस्त क्टो में का पाचनां क्ट –िश खर. the 5th of the eight Dighasti summits of the forest named Bhadrasāla. जं॰ प॰

कुसुद्गा. न॰ (कुसुद्क) એક જાતનુ धास. एक प्रकार का घांस A kind of grass. स्य॰ २, २, ११;

कुमुदगुस्म. ન (कृमुदगुरुम) આકંમા દેવ-લાકતું કુમુદગુલ્મ નામે એક વિમાન; એની સ્થિતિ અઢાર સાગરાપમની છે, એ દેવતા નવ મહીને ધાસોષ્ટવાસ લે છે, અને અઢાર

देश. A country named Kuru. नाया॰ १८; पन्न॰ १; (२) ५२. नाभना द्वीप तथा सभुद्र, कह नामक द्वीप तथा समुद्र, name of an island: also that of an ocean. जीवा॰ ३ ४; पन्न॰ १५; (३) भदाविदेद क्षेत्रमां आवेत ळ्या-લિયાના ક્ષેત્રો; દેવ કુરુ અને ઉત્તર કુરુ नामक क्षेत्र महाविदेह चेत्र संबंधी जुग-लिया के चेत्र; देव कुरु खार उत्तर कुरु नामक चेत्र. the regions of abode of Jugaliyās in Mahāvideha, viz. Deva Kuru and Uttara Kuru. श्रमुजी०१०३; —जम्बय न० (-जनपद्) ५३ नाभने। देश कुह देश. a country named Kuru, नाया॰ =; १६,—राय. पु॰ (--राज) अहीनशत्रु नाभे ५३ देशने। राज्य अदीनराञ्च नामक कुरु देश का राजा a king of Kurudeśa, Adinasatiu by name नाया॰ =:

कुरुश्च पु॰ (कुरुक) भाषा ध्यायनुं पर्याय वानी वानी नाम. A synonym for Mäyä Kaṣāya i, e. deceit. सम॰ ५२,

फुरुकुन्द. न॰ (कुरुकुन्द) એક જાતનું धास. एक तरह का घांस A kind of grass. भग • २१, ६:

कुरुकुया स्त्री॰ (कुरुकुवा) स्थं डिले गया पछी आयभन लेवुं, पण धेवा वजेरे शैव डिया धरवी ते शौच जाने के बाद श्राचमन नेना, पैर धोने श्रादि शौच किया का करना Cleansing the mouth after answering the call of nature; washing the feet etc श्रोघ॰ नि॰ ३१=;

कुरुदत्तपुत्त पुं॰ (कुरुक्त पुत्र) कुरुहत्तपुत्र नामना श्रीमहावीर लगवानना श्रेक्ष शिष्य. श्रीमहावीर स्वामी का कुरुद्त्तपुत्र नामक शिप्य. Name of a disciple of Lord Mahāvīra. मग॰ ३, १:

कुरुमई. स्रं ॰ (कुरुमित) धुर्भती नाभनी १२भा अध्यतिनी स्त्री वारहवे चकवर्ता की स्रं का नाम. Name of the wife of the 12th Chakravarti. मम॰ प॰ २३४;

फ्रया. म्रां० (कुरुका) पग धीवा वगेरे शीय श्रिया. पर धीना म्रादि किया Process of cleansing e.g. washing the feet etc श्रीष० नि०१६६:

कुरुविंद. पुं॰ (कुरुविन्द) એક ज्ञातनुं धास; नाभर भेष एक प्रकार का घाम, नागर मोथा. A kind of grass श्रोव॰ १०; (२) डेल २०ंल. केल स्तंभ; केले का भाड. the trunk of a plantain tree. जीवा॰ ३,३;

कुरुविदावत्त. न॰ (कुरुविदावर्त) स्ने नाभन् स्मेड जातनुं धरेखं, इस नाम का एक प्रकार का प्राभूषण. Name of a kind of ornament. कप्प॰ ३, ३६;

कुरूच पुं॰ (कुरूप-कुत्मितं रूपं कुरूपम्)
भराण रूपः इहरूपः चुरा रपः कुरूपः
Ugly appearance " कुत्सित षथमवत्येवं रुपयति मोहयतीति कुरूपम्" जं॰प॰
१,३६ः मग॰ ७, ६ः १२,४, (२) मेहिनी३५
इभे. मोहनी रूप कर्म Mohaniya
Karma, सम॰ ४२ः

कुल पुं॰ (कुल) भूव कः भाभधादानी भर भराः वंशः ओक्षादः धुः कुलः पूर्वज, पुरस्नः बाप दादा, वंशंपरंपरा Family: ancestors; genealogy; family descent. ज॰ प॰ ४ ११२: ७, १४४: ७, १६१: श्रोव॰ पन्न॰ १: राय॰ २१४, सत्या॰ ६: वव॰ ३, ६:

नाया० १; १६; दस०४, १, १४, २४, भग० २, ५; ६, ६, २५. ७; श्राया० १, ६, २, १८४; उत्त० २४, १; स्य० १, ४, १, ११, उवा॰ १, ६६, (२) પિતાનું પક્ષ; ખાપના वडीक्षेर्ना परंपरा पिता का पत्तः पिता के पूर्वजोंकी परपरा. paternal side; continuity of paternal ancestors श्रोव॰ १६, तद् ॰ राय॰ ठा० ४, २; (3) ચાડાદિક કુલ, ગણનાે એક ભાગ चाद्रादिक कुल, गण का एक भाग. family like Chândra etc., a portion or division of a Gana ठा०३, ४, ४,९;मग॰ ६, ६; १२, २; (४) ५/०; गीत्र कुल; गीत्र. family genealogy or line of descent. श्रगुजो० १३१; गच्छा० =७; कष्प०२, १७; प्रव० ४४७, भत्त० ७४: (४) भ्रन्न गृह; घर a house. कष्प॰ ६; निर्मा ० २, ४६; वेय० १, ३१; (६) सभुराय; જ²थे।, समुद्ध नमृह; नमुदाय a collection; a multitude. राय ०२४५: श्रीव • पि॰ नि॰ =३; परह २, ३; नाया॰ ५: =; (૭) મહીનાના નામસરખા નામવાલા નક્ષત્રા, જેવા કે કિૃતિકા, મુગશિર, પુષ્ય વગેરે જાર नक्षत्रे। महिनों के नामके समान नाम वाले नज्ञ जैसे कि कृतिका, मृगियर. पुष्य, वगैरह बारह नस्त्र the twelve constellations corresponding in name to the 12 months, e.g Kritikā, Mrigasira etc. ज॰ प॰ ३, ४४; -- श्रगुरुव त्रि॰ (-श्रटुरूप) ५१ने अनुभार. कल के श्रनुसार. such as is worthy of one's family नाया॰ १६; भग०११, १९; — श्रमद पुं०(-श्रमद) **કુલના મદન કર્**વાતે कुल के सद से र**ि** absence of pride about c family. भग० ८, ६; — श्राजीव

(-म्राजीविक) इस क्लावी अहार सेवे। ते; अहारने। એક है। ५. कुल वतलाकर श्रहार लेने वाला. a fault connected with begging food; accepting food after declaring one's family. ठा०४,१;-- ऋाधार. पुं० (-श्राधार) हुसने। आधार. कुलका आधार. the prop-or support of a family. नाया॰ १; भग० ११, ११; कप्प ३, ५२, — इंगाल-पुं० (- श्रद्वार) કુલની કિર્તિને ખગાડનાર, નકારા; કુલમાં અંગારા જેવા, યથા કંડરિક कुल की कीर्तिपर भव्या लगाने वाला; कुल में श्रारिन के समान जैसे कि कंडरिक one who is a disgrace to the family; e. g. Kandarika. ठा०४,१: —पन्न. त्रि॰ (-उत्पन्त) ६ समां उत्पन्न थयेस boin in a family. कष्प॰ १, २; — उचकुल-न (उपकुत्त) थित्रा आहि दुस नक्षत्रनी પાસે રહેલ ઉપકુલ નક્ષત્ર ।चेत्रा श्रादि नज्ञ की पास का उपकुल नज्ज the constellation Upakula near जि॰ प॰ ७, १६१; Chitra etc. —कन्नयाः स्त्रा॰ (-कन्यका) <u>५</u>क्षीन ४न्या कलीन कन्या a girl belonging to a family भग०१=, १०; —कहा स्त्री० (-कथा) અમુક કુલ સારુ અમુક કુલ भराय घत्याहि इथा इरवी ते कुल सम्बन्धी कथा करना अर्थात् अमुक कुल अच्छा है श्रीर अमुक बुरा है आदि. talk about the ments or demerits of a family. ग्र॰ ४, २; - कित्तिकर त्रि॰ (-कीर्ति∙ करने वाला. one who is a source of ne to the family नाया०१, भग० ११;--केड पुं॰ (-केतु-कुलस्य केतुः पू ैं.) इसनी ध्यन्त रूप कल की

भ्वजा-पताका रूप one who is like a flag or banner in a family i. e. prominent in a family. नावा॰ १; भग० ११, ११; - क्खय. पुं (- चय) हुसने। नाश. कुल का नाश. the destruction of a family भग॰ ३, ७; जीवा॰ ३; —घर न॰ (-गृह) िपतृ शृक्षः, पितृ गृहः, मैका; पिता का घर. the home of parents; the house of the family. नाया॰ ७; भग॰ १४, १; — घरवगा. पु॰ (-गृहवर्ग) भाता पिता लाध लांडू आहि सभूद माता, पिता, भाई वंधु श्रादि का समूह. a group of the members of a family, such as mother, father, brothers etc. नाया॰ ७, -- जसकर त्रि॰ (-यशस्कर) ५ अनु ४श वधारनार कुल का यश वढाने वाला (one) who increases the reputation of the family. भग० ११, ११; नाया० १, - एंदिकर. । त० (- निदकर) धुध-(one) who is a source of increase and prosperity to the family. नाया॰ १; भग॰ ११, १९; -तिलय. न॰(-तिलक) धुंधनुं तिलधः धुंध-भां तिक्षक सभान. कुल का तिलक. one who is like an auspicious mark on the forehead in the family i. e. brings fame to the family. नाया॰ १; भग॰ ११, ११; —दीवः पुं॰ (-दीप=कुले दीप इव कुल दीप) ५%नी। धीवे। कुल का दीपक. one who is like a lamp (a source of reputation) in a family. नाया॰ १; भग॰ ११; ११; -धम्म. पुं॰ (-धर्म) धुक्षायार, कुलाचार; कुल सम्बन्धी श्राचार, rules of con-

duct which are observed in a family. ठा०१०; —धूया. स्री०(-दुहित्) इसनी पुत्रि. कुल की पुत्री. a daughter in a family. "तत्थणं जेते इत्थिकुलत्था तेतिविहा प॰तं॰कुलमाउयाइय कुलध्याइय'' नाया॰ ५: —ध्रया. स्री॰ (-वध्) धुसनी पढ़. कुल वधू a daughter-inlaw in a family. "तत्थणं जे ते तिनि-हा प॰तं॰ कुलकिएणया इवा कुलमाउया इवा कुलध्या इवा "भग० १८, १०; --नंदि-कर त्रि॰ (-निद्कर) ळागे। "कुलगं-दिकर " शंभ्रह. देखों " कुलगंदिकर " शब्द. vide " कुलगांदिकर " भग० ११, ११; ---पडिर्णाय. त्रि॰ (-प्रत्यनीक) કुसती an **ट्**श्भन. कुल का शत्रु. nent of a family भग॰ ६, ३३; --- पश्चय. पुं॰ (--पर्वत---कुले पर्वत इव कुलपर्वतः) ५०१मां पर्वत समान कुल म पर्वत के समान (one) who is like a mountain (i. e protector) in his family नाया० १; मग० ११, ૧૧, જ્ઞ૦ ૫૦ ૫, ૧૨૦; (૨) ક્ષેત્રની મર્યાદા કરનાર પર્વાત; ચૂલ હિમવત વગેરે. त्त्रंत्र की मर्यादा करनेवाला पर्वत, चूल हिमवंत श्रादि. mountains like Chūla Himavanta etc. that bound a region of plains सम॰ ३=; —पायव. पुं॰ (-पादप --छायाकात्वात् श्राश्चयत्वाच कुलस्य पादप इव वृत्त इव कुलपादपः) **बु**क्षने अल्पवृक्ष तुल्य कुल में कल्पवृत्त के समान. (one) who is like a shady tree to his family. नाया॰ १; भग॰ ११,११;—पुरिएसमा स्री०(-पूर्शिमा) हुस नक्षत्रयुक्त पूर्णिभा. कुल नक्तत्रयुक्त पूर्णिमा. the 15th bright day with all the constellations. जं॰प॰७, १६२;

--- मश्र-य. पुं॰ (-मट) કुલના भः; पिताना पक्षना भद्द क्षरवे। ते. कुल सम्बन्धी मद, पिता के पत्तका मद. pride of high descent, pride of family "दुसिंह ठागाहि श्रहमंसी तिथ भजा। तजहा-जाइ मएए वा कुल मएए वा " ठा० १०, भग० ८, ६, ४।० ८, १, —मसी. स्री० (-मपी) કુલને મેસરુપ કલક લગાડનાર. कुल को भेस रूप कलंक लगाने वाली (a woman) who blackens the fame of a family. परह॰ १, ३; - माउया र्वा॰ (-मातृका) धुक्षनी भाता, कुल की माताmother of a family. नाया॰ ४, भग॰ १८, १०, —रोग. पुं० (-रोग) धुणते। રાેગ, આખા કુલતે લાગુ પડે તેવા વ્યાધિ कुलमम्बन्धी रोग. a disease affecting the whole family; a disease from which all the members of a family suffer. भग० ३, ७, - वह gं॰ (-पति) तापस भएऽणने। ઉારી, તાપસ ગુરૂ, ઋષિયામાં શ્રેષ્ઠ तापसी लोगों का श्रिधिपति; तापसी गुरु; ऋषियों मे ਬੋਦ the head of a group of ascetics, the preceptor of ascetics; the highest among saints पि॰ नि॰ ५०३; सू॰ च॰ ७, १८१; —वंस पु॰ (-वश) ३ noble genealogy भग॰ ६, ३३; ११, १०, नाया० १ १६. — वंसतंतु. पुं० (-वंशतंतु) કુલવ શના सन्तान की संतान. off-spring of a noble descent नाया॰ १; - बर्डिसयः पु॰ (-वतसक) ५ सना भुगट २५ कुल के मुकुट रूप (one) who is like the crown of a family. भग० ११, ११. नाया॰ १, -- बहुया स्त्री॰ (- वध्का) Vol. 11/64.

કुसनी वडु. कुलवधू a daughter-inlaw belonging to a noble family नाया॰ ५;-- बहू. स्त्री॰ (-वधू) સારા કુલની વહુ. श्रच्छं कुल की वहु હ daughter in law belonging to a noble family प्रव॰ २५४, पंचा॰ ११, १८, —वित्तिकर त्रि॰ (-वृत्तिकर) કુળની આછવિકા ચલાવનાર. कुल की श्राजी-विका चलाने वाला (one) who supports a family. नाया॰ १; — विव-हु एकर हि॰ (निवर्धनकर) इसनी वृद्धिः **५२नार कुलको गृद्धि करनेवाला.** (one) who is a source of increase and prosperity to the family भग० ११, ११. नाया० १; —वेयावश्च. न० (-वैयावृत्य) કુળની સેવા કરવી તે. कुलका मेवा करना 1endering seivices to the members of a family वव ० १०, २७; भग ० २४, ७; श्रांव॰ —संतागा पु॰ (-संतान) हुणनी संतान-संतीत कुलकी सतान. progeny of a (noble) family भग॰ १३, ११, —संपरारा त्रि॰ (-संपन्न - कुल पैतृकः पत्त[ः] तत्सप**स)** केना याप हाहा श्रेष्ठ है। य ते हुण सपन्न जिसके वापदादा श्रेष्ट हो वह कलसम्पन्न कहलाता है born in a noble or high family. " जाई कुलसम्पद्धो पायमंकिचन सेवईकिचे श्रासे-विडं च पच्छा तगाुगात्रो सम्ममालोए " ठा० इ. १, १, विवा० १; नाया० घ० भग० २, ५; ६, ७, —संपन्न त्रि० (-सम्पन्न) **બુએ**। " कुत्तसंपराग्य" શબ્દ देखो "कुल-संपग्रा '' शब्द. vide '' कुलसंपर्या '' नाया० १; भग० २५, ७, ठा० ४, २; ३; —समुष्पराग त्रि॰ (-समुत्पन्न) <u></u>કुसभां ઉત્પન્न थयेस. कुल मे उत्पन्न हुन्ना. born

in a noble family. कण॰ १, २;

— सरिसः त्रि॰ (-सटरा) हुस सभानसर्भुं. सुनर्जा अपेचा मे-ममान. worthy
of the family in which one is
born, bearing family resemblance. भग॰ ११, ११; नःगा॰ १६;

फुल् श्र-यः न॰ (कुलक) स्ते। ह है गायाने।
सभुदाय; ओह सण्ध्वादी आह है तेथी
वित्तरे गायाओने। सभुदः ह्लांक या गाया का
समुदाय; एक सम्बन्ध वाली श्राठ या उसेन
श्राविक गायाश्रोका समृदः A collection
of verses eight or more in
number and grammatically
connected प्रव॰ १२६३:

कुलकाडी. पु॰ (कुलकाटि) इस्डिडि. छवती छत्पत्ति स्थानता प्रधार जांव के डत्यांन स्थान के प्रकार. Varieties of the sources of birth or origin of living beings, प्रव॰ ३६, ६, ७७;

कुलक्क पुं॰ (कुलाक) इक्षाक्ष देशना भनुष्य. कुलाक देश का मनुष्य. A man belonging to the country named Kuliksa. परह॰ १, १: पत्र॰ १;

कुलक्खरा. न॰ (कुलनग्र) अपक्षरणः भराय थिन्द्र, द्वेर चिन्हः, श्रापननग्रः, कुलनग्र. A bad sign or mark or characteristic-प्रहः १: १:

कुलगर पुं० (कुलकर) ळाग्झीयाने। राजा; जुग्झीयानी व्यवस्था धराष्ट्रार. जुर्गालयो का गजा. The king or governor of the Jugaliyas. ज॰ प॰ २, २६; सम॰ ६००; भग० ४, ४; कप्प॰ ७, २०६; कुलन्थ पु० (कुलस्य) ध्राथी; ओड जनतुं भान्य कुलर्या. A kind of pulse.
नेय॰ २, १; दमा॰ ६, ४; जं॰ प॰ भग॰
६, ७; १८, १०; २१, २; पन्न॰ १; ठा॰ ४.
३; नाया॰ ४; निर॰ ३, २; प्रव॰ १०१६;
फुलन्था पुं॰ (कुलार्य) हुआर्थ नाभे केह
अनार्थ देश कुलार्य नामक एक प्रनार्य देश
Name of an Anārya i. e. harbarous country. प्रव॰ १४६=:

फुलन्था. स्रं ॰ (कुलस्था) इक्षीन स्त्री. कुर्लान स्त्रा. A nobly born woman. नाया॰ ४; भग॰ १८, १०;

कुलय. पुं॰ (युक्तक) थार सेनिश अथवा आंधे पसित प्रभाष भाग निशेष चार मेनिका अथवा आठ पमना प्रमाण नीन विशेष. A measure of capacity equal to eight Pasalis (a Pasali = as much as is contained in two hands joined together) तंदु॰ अणुजो॰ १३२; पं० नि॰ ४: प्रव० १३६६: कुलल. पु॰ (कुक्तल) शिध पक्षी. गांध पत्ता; गांधड A vulture. टत्त॰ १४, ४६, म्य० १, १६, २७; (२) समडी. चीन. a kind of bird. टत्त० १४, ४६; पग्ह० १, १; (३) श्रीक्षाडी. चिनाव. स саt दम० = ४४;

कुललय पु॰ (॰) पाणीनी है। अती ६२वे। तें. पानीका बुझा. A gargle. प्रव॰ ४३६; कुलीबीह. पुं॰ (कुलविबि) ज्युओ। 'कुल-कंदि।, शण्द देखों "कुलकंदी" शब्द. Vide "कुलकंदी" मग० ७, ५;

कुलाल. पु॰ (कुलाट) भाग्नशः शिक्षाडे।. विलावः मार्जार. A cat स्य॰, ६, ४४: कुलाल. पुं॰ (कुलाल) डुंलार कुंभार. A

^{*} खुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (*). देखो पृष्ठ नंदर १५ की फूटने। (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

potter क॰ गं॰ १ ४२;

कुलालय पु॰ (कुबाटक—कुलानि-गृहाएय।

मिपान्वेपणाधिना नित्यं येऽटान्ति ते कुलाटा
-मार्जाराः कुलाटा इव कुलाटका ब्राह्म ाः)
ि शिक्षांत्री भेंद्रे गृद्ध थर्ध धरेष्यर ६२नार
िक्षु विल्ला के समान लोलुप होकर घरघर
िक्रने वाला भिकारी A greedy mendicant wandering from house
to house like a cat. स्य॰

कुलालयः पुं० (कुलालय—कुलानि-सित्रयादि
गृहाणी तानि नित्यं पिएडपातान्वेषिणां
परतकुकाणामालयो येषां ते बुलालयाः)
लुओ। ७५८। १००० देखी उपरका शब्दः
Vide the above word स्य०२, ६,
४४; "ने भायए शियण कुलालयाण "
स्य०२, ६, ४४,

कुलावकुल पुं॰ (कुलावकुल) अलिय, शत-भिष्ठ, आर्धा, अने अनुराधा ओ यार नक्षत्र अभिजित शतभिषक आर्द्धा, और अनुराधा ये चार नज्ञ. The four lunar constellations, viz Abhicha, Satabhisaka, Ardrā and Anurādhā. ज॰ प॰

कुलिंग. पु॰ (कुलिक्क—कुल्सित लिक्नं कुलिक्नं)
धुलिंग-शाध्य वगेरेते। वेष कुलिक्न-शाक्यादि
वगेरह का वेश Garments worn by
heretics, such ध्य Sākyas etc
सम॰ प॰ २३१; (२) धीधाती ओड जात;
भाध्य किंडकी जाति, खटमला क kind of
insect, a bug विशे॰ १७४४; श्रोघ॰
नि॰ भा॰ २४४,

कुलिंगच्छाय. पुं॰ (कुलिंगझाय) ब्यंत विशेष जंतु विशेष A kind of insect भग॰ १८, ८;

कुर्तिगि त्रि॰ (कुर्तिहिन् —कुरिसतंतिई कुर्ति हं शिवसुखवाधकं तद्विद्यते येपा ते कुर्तिहिन) કुतीथी पांभंडी. कुतीर्थी, पाखरडी; बुरे धर्म का श्रवुयायी; मिथ्यात्वी. A. follower of a false religion; a heretic श्रोव॰ परह॰ १, २;

कुलिय-श्रा ति॰ (कुलिक) हेासीयुं कीर A mouthful. नाया॰ २, ४, २, १३८, पर्ह॰ १, १; असुने।॰ ६० (२) ६ स. हल. a plough निशे ॰ ६२५; परह॰ १, १, (३) त्रायी टही त fencing. निसी॰ १३, ६; १६, २७;

कुतियः न॰ (कुड्य) सीत. दीवाल A. wall सूय॰ १, २, १ १४ आया॰ २, १, ४, १४८;

कुलियकड. ति॰ (कुलिकीकृत) ६४८१ ने आधारे देशित कियी हिभीस मिरी के लोटे के प्राकार हेर किया हुआ Heaped up in the shape of an earthen pot. नेय॰ २, २,

कुलीकोस पुं॰ (कुलीकोश) श्वेतहंस ओक ज्यतनुं पक्षि सफेद हसः एक प्रकार का पत्ती A kind of bird, a white swan. परह॰ १, १.

कुवन्न. पुं॰ (कृवय) अन्तःगड सूत्रना त्रील पर्गना अगीआरमा अध्ययननु नाम. श्रत गड सूत्र के तासरे वर्गक ११ वें श्रध्यायका नाम Name of the 11th chapter of the 3rd section of Antagada Stitra श्रत॰ ३, ११, (२) द्रारक्षा अबदेव गळानी धारणी राणीना पुत्र के लेमनाथ अभुपासे हीक्षा स्वध्र वीस वरसनी अवळ्या पाणी बाह पूर्व-ने। अभ्यास करी शत्रुळ्य ७५२ ओक मास ने। संथारे। करी, परम पह पास्थाः द्वारिका के बलदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जिन्होंने कि नेमिनाथ स्त्रामी से दीज्ञा नी, चौदह पूर्व का श्रम्यास किया वीम वर्षोनक narnal and four all and nagraquart from the son of Dharan the queen of Baladeva the king of Dwaraka city. He (the son) took Dhara from lord Neminath and after practising it for 20 years and having acquired knowledge of the 11 Parvas, accepted Santhara for a month on the mount Satinajaya and there attented

the find blica क्षा = 3, 331

कुतर, न = (क्ष्प) नामने आवित काम ।

नामनी मेह्यांन कहा, मेंद्र का ध्रमण |

दिस्मा, The front part of a ship or book, "मंत्रुण्यक कर क्षप !

नामा ह:

कुत्रसम् न = (क्षप्रम) १४७, वमन.

A lotus कला ३, ४२; धांत जा पर गंदी १३१; (२) नीपेन्स्य ५भव, मानी-स्पन कमत, माने पत्ती का कमत, क lotus with blue leaves, मामा ६; सुविश्र-य वि० (कृषित) भेषेतः भूभी

थेरल, गृष्यः, नागजः, काधितः Angiyः, enunged. "शायरियं त्रुविवंतका, पश्चिएण प्रयायष्ट्रं नायाः १. १: १६: दम १. १, ७; भग १ ३, १: १: विपाः १, ६: परहः २, ४: उपः १, ४१: उपः २, १४: पंः ग० ३, ४६; क्विश्र-यः नः (कुष्प) पासण् पगेरे परः

वणरी. गृह सामग्री. Household articles and furniture such as vessels etc. पग्ह , ४; प्रत ७२६; — सिह. पुं० (-गृह) धरवणरी शण-यानुं धर गृह सामग्री रसने का घर ॥ hours in which household articlas, functure etc are kept.
fenter, as — म्यामा ही. (-मामा)
een us used हुई तेर्य पर नहीं पर
much रहते हैं बर मा A house in
which household furniture,
who als are are kept, urre s,
i, fenter, a,
fifug. ge (पुष्टिक्) काइड, पुर्वेद्यामा
क्रियामी हार (पुष्टिक्यमी) ने बामनी
ने हु वेप, इस समया पर सेम, Nome
of a creoper, पश्च 5;

વિલાય અનિ: ઉદીવાની મામુક ખરાત સવિ.

रेट के मनाव सराव वाल, Bud topul-

sive gut like that of a camel.

प्रमुद्धिः सं (१ द्वारि - कृष्टि न कृष्टि) देशिष्पदः - वरमणः अत्विनानी वन्साहः भावः वेणा प्राप्त वर्णाः विना प्रमु का पर्याः मान्तः Rain out of season; un wholesome min जेन पर्या, वन, कृषेज्ञः प्र- (कृष्य) भगभ वेदाः द्वारी है। स्राप्त वैद्यः A bad doctor, a quack.

पंचार १४, ४; भुत्येगी, श्रीर (क्येथी) नेश्व शतनुं दिखान एक प्रकार का शत्म. A kind of we upon. पणहरू १, ३; ﴿कृदय, घार I. (कृ) ३२५ करना. To

do. बुष्यर्, उत्तर १, ४४; दमर ४, २, ४६; बुष्यंति, भगर ६, ४, नायार १,

फुम्बिकाः वि॰ उत्तर १, १४; कुम्बमायाः श्वाया॰ १, १, ३, १८, नाया० १, पस० २; कुन्वन्. स्य० १, १, १, १२, २, ४, ११; कुन्वकारिया स्त्री० (कुर्वक्रारिका) ओ नामनी वनस्पति. इस नाम की वनस्पति A kind of vegetation so named. पन्न० १; कुत्वणा. स्त्री० (> करण) धरतुं. करना Doing, act of doing. भग० ६, ४,

कस पुं० (कशा) એક જાતનુ ધાસ; દર્ભ; દાભડા. एक तरह का घांस, दाभ, कास. A kind of grass; Darbha grass. नाया॰ १, २; ६; भ्रत॰ ३, ८, श्रोव॰ १४, पन्न० १; उत्त॰ ७, २३, ६, ४४, १०, २; २६, २६, श्राया० २, २, ३, १००; भग० ६, ७; ७, १; =, ६, २१, ६, जीवा॰ ३, ३; ज॰ प॰ — ग्रंत पुं॰ (- श्रन्त) हासडाने। અथ्रलाग दाभ का श्रव्रभाग. the point of the Darbha grass. राय॰ ६२; — **गा.** न॰ (-श्रम्र) ६ल[°]ने। અગ્રભાગ; દાલડાની અણી. दाभ की ब्रना the point of the Darbha grass आया १,६, १, १४२; भग० ६, ३३; —पत्त. न० (-पत्र) हालनुं पांदरं दाभ के पत्र-पत्ते. a blade of the Darbha grass. निसी ०१=, १=;

कुसंघयण न॰ (कुसहनन) ६३ ई संघयण -शरीरने। थाधी. कमजोर सहनन-शरीर का बांधा. Bad, mean constitution of the body भग०७, ६; ज०प०

कुसंठियः त्रि॰ (कुसस्थित) भराण आधारे रहेल कुसंस्यान; बुरे त्राकार का Remaining in, being in a bad, ugly conformation भग॰ ७, ६;

कुसर्गाः न० (--) ६६६, भारसः दहा, गोरस Curds. पि० नि० ६०७,

क्रुसांगिय न॰ (💠) ६ िमां छाश वर्गेरे

भराखा नाभीने थनावेश क्रश्में। दहीं में तकादि मसाले डालकर बनाया हुन्ना पदार्थ. A food prepared of curds, butter milk, spices etc. mixed together. पि॰ नि॰ २६२;

कुसत्त. पुं॰ (कुशक्त) पथारी ७५३ भिछान-वाता वस्त्रती ओक्ष कात विछोने पर विछाने के वस्त्र की एक जाति. A kind of cloth used as a covering of a bed. " अच्छरय मलयनयतकुसत्तालियसीह केसर-पच्छत्यए" नाथा॰ १;

कुसत्त पु॰ (कुशावर्त्त) કुशावर्त्त नाभने। देश. कुशावत नामक एक देश. A country named Kuśāvaita, पन्न॰ १;

कुसमय पुं॰ (कुसमय) ५शास्त्र; पाणंऽभवना शास्त्र. बुरे शास्त्र, पाखंड मत के शास्त्र. False, heretical scriptures सम॰ २, नंदी॰ २२,

कुसल जि॰ (कुशल) निपुण, ३शस; यतुर; छे।शीयार. चतुर; पट्ट. कुशल; दत्तः Proficient; expert, clever नाया॰ १; २, ४, ६, १३, १६; भग॰ २, ४; ६, ३३; ११, ११; राय॰ ३३, १२६; २६४; जीवा॰ ३, १. सू॰ प० २०, उत्त॰ २४, १६; श्रोव॰ १६, ३१; पचा॰ ४, २४; ४. ३७, ६, ४; १२, २०, १४, १४, प्रव॰ २३७; भत्त॰ ४६; ज० प० ३, ४७; विवा॰ २, (२) शुक्ष; साइ शुभ, उत्तम. wholesome, good पंचा॰ १०, १४; प्रव॰ ६०३; — उदंन पुं॰ (-उदन्त) क्षेभ ३शझ-सभावार राजीखुशी के समाचार. happy news, good news; e. g. about one's health and happiness.

^{*} लुओं पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। () देखें। पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

नाया॰ ८; १६; —जोग. पुं॰ (-बोग) भन, वयन, धायाना शुल व्यापार, मन, वचन और काया के शुभ व्यापार. wholesome, good activity of thought speech and action. पंचा॰ १३, ४०; -धम्म. पुं॰ (-धमं) प्राधातिपात विरभ-श्राहि शुक्ष आयार प्राणातिपात विरमणादि शुभ घाचार. right, good conduct consisting in cessation from killing etc पंचा. १०,१४, -पवित्ति. स्री॰ (-प्रवृत्ति) धुशक्ष-शुक्ष भन, वयन, अने शरीरनी प्रवृत्ति कुशल-शुभ मन, वचन श्रीर शरीरकी प्रवृत्ति. wholesome, good activity of mind, speech and body. प्रव॰ ६०३; -पूत्र पु॰ (–पुत्र) વૈદ્યશાસ્ત્રમાં કુશળ એવે। પુત્ર. वैद्यशालमें कुशल पुत्र a son proficient in medical science, नाया॰ १३; — aंघ. g。 (- **ब**ન્ઘ) પુષ્યાનુષન્ધિ–પુષ્ય-क्रिनी अन्ध्र. पुराय से बंधे हुए पुराय कर्म के बंधन. bondage caused by good and meritorious actions. पंचा॰ ६, २३: -- मगाउईरगा न० (-मनउदी-रण) કુશલ–શુભ મનની′ ઉદીરણા કરવી. कुशल मन की उदीरणा करना directing the mind towards good and auspicious things दस॰ ६, १; भग॰ २५, ७: -मित. श्री॰ (-मित) यतुर भुद्धि; चतुर वुद्धि. expert proficient intellect पंचा॰ १३, ४२; --वइ-उदीरण न॰ (-वागुदीरण) ५शध-शुभ वयननी उदीरणा इरवी. कुराल वचन की उदीरणा करना uttering kind and skilful words भग० २५. ७,

कुसलया. स्री॰ (कुसलता) ध्रशसपछु; है।शी-यारी कुरालता, होशियारी Skilfulness; cleverness, proficiency. प्रव०६४६; कुसिस्स. पुं॰ (कुशिष्य) ખરાળ શિષ્ય; અ-વિનીત ચેલા सरान शिष्य. A bad disciple; a rude disciple. भग०६, ३३;

कुसील त्रि॰ (कुस्सितं शीलमाचारो यस्येति) કુત્સિત આચારી; અસદ્ગવર્ત ન વાળા; અણા-थारी; इष्टरन्याय पाणाः दुष्ट श्राचार वाला; कुत्सित व्यवहार वाला; त्रानाचार करने वाला; दुष्ट स्वभाव वाला Wicked in nature or conduct, of bad character. पिं० नि० भा० ४८: उस० १, १३; भग० २५, ६; इस० १०, १, १८; ठा० ३, २; नाया० १, वव० १, ३४; श्रोघ० नि० ३०३; ७६३; निसी० ४, ३०; गच्छा० ४८; प्रव० ૧૦३; ७३२; (२) न० અણાચાર; દુષ્ટ-भायार. अनाचार; दुष्ट आचार. bad character, wicked conduct. स्य० १, ७, ५; भग० १०, ४; —पडिसेवर्णाः स्रो॰ (-प्रातिसेवन) दृशीय सेववुं ते; બ્રહ્મચારીએ સ્ત્રીયાદિને આર્લિંગન દેવું તે. कुरील सेवन करना; ब्रह्मचारी का स्त्रीयादि को आलिगन करना. act of taking to a dishonourable course of conduct; sexual intercourse by a person professing to be a buchelor. ठा०४,४;— लिंग. न०(-निङ्ग) આર ભાદિ કુશીલ ચેષ્ટા દ્યારંમાંદ કુશીન चेष्टा. a wicked action, such as injuring, killing etc. दस॰ १०, १, २०; —बहुराठागा. न० (-वर्द्धनस्थान) **જેથી કુ**ત્તીલ - દુરાચાર વધે ते. जिससे कुशील -दुराचार बढे वह. a source or cause of enhancement in wicked practices दस॰ ६, ५६; — विहारि त्रि॰ (-विहारिन्) ३ त्सितशील वाली कुस्सित

शील वाला (one) of bad or doubtful character भग० १०, ४; नाया०४,
—िवहारिणी. स्त्री० (-विहारिणी) भराभ
व्यायारपाणी (स्त्री), द्वारायारिष्ठी खराव
चालचलन वाली स्त्रों, दुराचारिनी a woman of bad character नाया० ध०
नाया० १४, —संस्रिग त्रि० (-संसर्गिन्)
नहारानी स्रथ इरनार निठसे का साथी।
(one) who associates with
the wicked नाया० १०,

कुसीलपरिभासिय न० (कुशील परिभापित)
सुथगडाग सूत्रना सातभा अध्ययनतु नाभ
हे केभां दृशीस-असहायारी दुलिंगीनुं वर्णुन
छे. सूत्रकृताग के ७ वे अध्ययन का नाम
जिसमे कुशील-अनाचारा कुलिंगा का वर्णान
हे Name of the 7th chapter of
Sūyagadānga Sūtra dealing
with or describing persons of
bad character सूय० १, ७, ३०:
सम० १६, २३;

कुसीला स्त्री॰ (कुशीला) केनी भराय आयार छेते कुस्सित भ्राचार वाली (A woman) of bad character. नाया॰ १५; नाया॰ ४०

कुसुंभ पुं० (कुसुम्भ) दुसु अवृक्ष दुसुणानुं अ। इसुम्भ का माड, कुसुव का बृज्ञ A kind of tree called Kusumbha प्रव० २२०; श्रोघ० नि० ४४६; पञ० १. (२) ओ इ ज्यतनुं धान्य एक जाति का वान्य ब kind of corn, a kind of cereals भग० २०, ३, — चण् न० (-चन) दुसुणाना दृक्षनुं पन. कुसुभ के वृज्ञों का बन a forest of Kusumbha trees. निर्सा० ३, ७६, भग० १, १,

कुसुंभग. पुं॰ (कुसुम्भक) इसुंभी; इसुंधी रंग कुसुंवा, कुमुम्भी रंग:सुर्व रग. A kind of red dye. जं प० पगह० १, ३; (२) ओश्व ज्यातं धान्य एक जाति का धान्य. a kind of cereals. भग० ६, ७; कुसुंभय. पुं० (कुसुम्भक) धुभुंणाना राता धूसभाधी नीश्यता सास २ ग कुसुंचे के लाल फूला में से निकलताहुन्ना लाल रंग. A red dye obtained from the flowers of the Kusumbha tree. श्रगुजो० १२१;

कुसुम. न० (कुसुम) કुसुभ; पुष्प; इस. पुष्पः फूल, कुसुम A flower ज॰ प॰ ५, ११२; ११४, नाया० १,८; ११; १४; भग० १, १, ७, ६; ११, ११; दसा०१०,१; पन्न० १७; श्रांव० २२. राय० २७, ३६; सू० प० २०; उत्त॰ ३४, ८; श्रणुजो॰ ११८; नदी॰ १४, उवा० १, ३०: काप० ३, ३२, ३७, प्रव० ४४४, १११६; (२) युं• ५६४भ प्रभुता यक्षन् नाभः पद्मप्रभ प्रभु के यत्त का नाम name of the Yaksa (a kind of demi-god) of Padmaprabha the sixth Tirthankara 970 304: -- श्रासवः पुं० (-श्रासव) ५ धने। २स फूल का रस juice of flowers नाया॰ १. —कुंडल न॰ (-कुरदत्त) ६सना आन **धारनुं धाननु आलर**णु; धान धूल फूल का श्राकृति वाला कान का श्राभूषण करनफ़ल an ear-onnament of the shape of a flower. अत॰ ३, =, -- घर न॰ (-गृह) ફूલનુ धर फूला का घर. a flower-house. नाया॰ ३, ६; - घरय न॰(-गृहक) केमा इस पाथर्या नहे तेवु धर जिस घरमें फूल विखरे हुए है। वह a house carpeted with flowers नाया० ३; जं० २३६, — शिश्चर. पुं॰ (-निकर) धूसने। सभ्ट. फुलो का ममूह. a collection

flowers. जं० प० ४, १२२; — शिगर. पुं॰ (-ानिकर) ७३०। " कुसुमिशिश्चर " शण्द देखी " कुसुमणिश्रर" शन्द vide. " कुसुमिणिश्रर " जं॰ प॰ -- दाम. न॰ (-दामन्) şबनी भावा. भूलो की माला. a garland of flowers. नाया॰ १६; -पत्थर. पु॰ (-प्रस्तर) पुतनुं भी छानुं; इसुभशया. फूलोकी शय्या; कुसुम का विद्योग a bed of flowers. नाया॰ १३; -रासि. पुं॰ (-राशि) पुलने। दगले। कुसम का समृह; फुलांका हेर. a heap of flowers. कप॰ ४, ६०; -- बुट्टि स्त्री॰ (-वृष्टि) इसने। परसाह कुसुम वृष्टि; फूला का वरसना. a shower of flowers नाया॰ ६; प्रन॰ ४४६; पंचा० २, १४; -सर. पुं० (-शर) धम-हेव. कामदंव Cupid; the god of love. सु॰ च॰ १, ४०;

कुसुमनगर न॰ (कुसुमनगर) पाटलीपुत्रनुं अपर नाम. पाटलीपुत्र का दूसरा नाम. Another name for the town of Pātalīputia. प्रन॰ ६०६.

कुसुमपुर. न॰ (कुसुमपुर) ओ नाभनुं शहेर; पाटलीपुत्र (पटना). इस नाम का शहर; पाटलीपुत्र (पटना). Name of a town (also called Pāṭalīputra). पिं॰ नि॰ भा॰ ४४:

कुसुमसंभवः पुं॰ (कुसुमसंभव) वैशाभ भासनुं क्षेडितिर नामः वैशाख माह का लोकी-तर नाम The month of Vaisākha, so called in spiritual language as opposed to popular language. जं॰ प॰ ७, १४२;

कुसुमिश्र-य. त्रि॰ (कुसुमित—कुसुमानि पुष्पाचि सन्जातानि एपामिति कुसुमिताः) पुक्षवाणुं. फूल नाताः Flowery. भग॰ १, १; श्रोव॰ जीवा॰ ३, ३; नाया॰ ६: राय॰ जं॰ प॰ ७, १७७;

कुसुमित. त्रि॰ (कुसुमित) ळुओ। " कुसु-मिश्र-य " शण्ट. देखा " कुसुमिश्र-य " शब्द. Vide "कुसुमिश्र-य" भगः १६, ६; कुसेजा. स्री॰ (कुशस्या) दृष्ट शथ्या-स्थान

दुष्ट शय्या-स्थान. A vitiated dormitory. भग० ७, ६; ज० प० २;

√कुह. धा॰ I. (-कुष्) सऽवुं; डे१६वं. सडना. To rot; to decay. कहंजा. वि॰ अधाजो॰ १३६;

कुहन्न. पुं॰ (कुहक) धंऽल्यक्ष, ३तुद्रक्ष. इद्रजाल काँतुहल. An enchantment; क charm; curiosity. दस॰ १०, १, २०: कुहंड. पुं॰ (कुप्मागढ) व्यन्तर देवकाँ एक जात. A species of a Vyantara gods. पग्ह॰ १, ३; श्रोव॰ २४; पन्न॰ २;

कुदंडय. पुँ॰ (कुप्माएडक) छे। णु; शाश्नी ओर्ड कात. एक जाति का फत्त कि जिसकी भाजी (साग) बनती है; कुष्माएड. A kind of vegetable; a gourd. पञ्च० १७:

कुहंडी स्नी॰ (कुष्मायडी) हूधी; नध लोकि; तुम्बी. A kind of vegetable; a kind of large fleshy fruit of white colour. राय॰ ४४, जीवा॰ ३,४; कुहकुह पुं॰ (कुहकुह) ३७,५७ अवे। अवा॰.

हिंदुह. ५० (इहें इंड) ३६ ३६ अपा अपान. कुहु कुहु ऐसा शब्द An onomatopoetic word meaning the sound nescmbling " Kuha Kuha" नाया॰ १८;

कुह्र्सा. न॰ (कुइन) એક જાતની વનસ્પતિ; लूभिझेडा. इस नाम की एक जाति की वन-स्पति A kind of vegetation. पन्न० १; जीवा॰ १; (२) त्रि॰ કुढुण देशनी २६वासि. कुहन देश का रहने वाला. a native of the country called Kuhuna. परह॰ १, १;

कुहणा स्रो॰ (कुहुना) श्रतीना आश्वारनी वनस्पति; श्रुभिशृद्धाः स्राते के श्राकार की वनस्पति; भूमि फोडा. A kind of vegetation of the shape of an umbrella. पत्र॰ १;

फुह्रमम. पुं॰ (कुथमें) भाटा-पाभएड धर्म. मिण्या-पारंड धर्म. False religion; heretical creed. सत्तः ६०;

कुहर. न॰ (कुहर) पर्यातनी शुश्रा. गिरि कंदगः, पर्वत की गुमा A cave of a mountain. नदी॰ १४; नाया॰ १; ४; पगह॰ १, ४; गय॰ ८६;

कुद्दाह. पुं॰ (कुठार) इदारी; साध्यं आपवानुं द्धिणार. कुन्हादी; लक्ष्यं कार्यनका स्रीजार. An axe. उत्त० १६, ६७; स्य॰ १, ५, १, १४;

कुर्हिचिय. प्र॰ (कृत्रचित्) क्षांकः, क्षांत्र व्यथे. कहीं भी; किसी स्थान पर. Somewhere; in some place or other. नाया॰=;

in some place or other. नाया॰=; कुद्दिय. त्रि॰ (कुथिन) हादार्थ गर्थेर्थुः सडी

भभेक्षं गला हुया; मदा हुया. Rotten; decayed; decomposed. नंद्रु पगद्द० १, १; नाया० १; ४; १२; जीवा० ३, १;

कुहुगा, बुं॰ (कहुण) इक्षिन्ता न्तानी ओह वतस्पति; भूभि है। डॉक्स जाति की एक वनस्पति; भूमि फोडा. A kind of vegetation growing by germination. भग० १४, ३; ३३, ३;

कुहुव्यय. पुं॰ (कुहुबन) स्रेट न्यानी हो. एक प्रानि का हेट. A kind of bulbous fruit, उत्त॰ ३६, ८७;

क्रुंडेडम. पुंच नक्ष्य (४) अवर्गीत श्रजनायन. Thyme, प्रमुख्य २९९; पंचाक्ष्य, ३०;

कुश्रम्याः स्रा॰ (कृजन) पीडित २५२थी २८वृं ते. दुःस्तां स्वरं से सेना. A piteous ery. स॰ ३, ३;

मूहम्म न॰ (कृतिन) पक्षिता केवा अध्यक्ष भण्ड, पांच जिया श्रद्यक्ष मन्द्र, Indistinct sound like that of a bird, उत्तर १६, ६:

कृत्तियाः स्रो॰ (कर्षिका) पश्पाटीः सृध्युधाः A bubble. विशे॰ १४६७;

क्जियः न॰ (क्जिन) अव्यक्त ध्यति, श्रव्ययत ध्यनि, Indistinct note or sound, यगह० २, ४;

कृड. વું॰ (कृट) કૂટ નામતા દ્રીય તથા અગુદ્ર कृट नामका द्वाप थ्रीर समुद्र. A. continent of that name; an ocean of that name, जीया॰ ३, ८; पण०१८; (૦) શિખર; પર્વાતની ટુંક; ટાંચ, શિયા; पवंत का टीक: पवंत की चीटी, प्राप्त भी म mountain. अय० १, ३, नाया० १: नंशक्तर, ४०; स्व पव १६; ऋणुत्रीव १०६; १३४; श्रीयः १०; ३१; पदः २; ठाः १,४; त्रेच प्रचयः, १९४३ (३) ४२५ ५४-भाषः, साप ३८-२तेदः २११ अधिनः इध्यक्ट-याग श्रयीतः पांगा होना है और साम कुट ब्लेह अपांत भाग भाग हैं जिल्में हमें भेष होता है म suare; a trap; excessive attachment (which is a suare). नामाव १३: विक निक १०४; युम्य १, १३, *; (૪) કુટ કેપ્પ: માયાકવાળનું પૂર્ણળ તામ. कपटः सावा कपाय का प्रयोगकाचा नामः

Vol. 11/65.

[#] लुओ: भूष नम्भर * १ (*). देशी प्रय नम्बर ३१ की पुरनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15t

deceit. सम॰ ५२, पग्ह॰ १, २; (४) તાલમા–માપમાં ન્યુનાધિકતા રાખવી તે. नापतोल में ज्यादह कमती देना using false weights and measures. સ્યુવ ૧, ૧, ૬૧; (૬) પાશલા; માણસને गदाभाधी दिंधवानं यंत्र. पारा, मनुष्य को गले में टाल कर मार्न का यंत्र: फांसी. gallows स्य०१, ४, २ ६=; (७) नरह. नरक. hell. उत्त॰ ४,४; (८) द्वः भनं ७८५ित २थान, इ.ख उत्पन्न होने का स्थान, source of pain or misery. व्यन् १, ५, २, ૧=; (૯) દરવાજાનાે ઉપરતાે ભાગ; માઢ. द्वार के ऊरर का भाग. the upper part of a gate राय॰ १०७, (१०) त्रि॰ भार असत्य; हगावाणुं. फूंठ; श्रसत्य; दागावाज. falsehood, deceit. पंचा॰ २, ३६; नाया॰ २: - उचमा. स्री॰ (-उपमा) क्रेभ કાઇ શિકારીએ પાશલા રચ્યા હાય તેમાં જેમ મુગનુજ વધન થાય છે શિકારીનું નહિ તેમ ગૃહસ્ય સાધુને માટે રસોઇ નિપજાવે તેમાં સાધુનેજ બંધનદાેવ લાગે ગુડ્રથને કાર્યનહિં એ बी रीते ६ पभां आपवी ते. इस प्रकार की उपमा देना कि जिस प्रकार कोई शिकारोके फैला-ये हुए जालम मृगकाही बंधव होता है शिकारी का नहीं, जैसे कि साधु के अर्थ रसोई बनाने वाले गृहस्य को कोई दोष नहीं लगता, साधु को ही दाप लगता है. a false analogy; e. g just as in a net spread by a hunter the deer is caught and not the hunter; in the same way when food is specially prepared for a Sādhu, the Sādhu incurs sin and not the householder who has pared it पिं नि १०६; - जाल. (-जाल) पाशयुक्त গ্ৰ্থ.

फांस सहित जाल. a net that ena snare. उत्त॰ १६, ६४; traps: —तुला ब्रॉ॰ (-तुला) भारु ते। थ. मंद्रा तील. a false weight. स्य॰ २. २, ६२; भग० ८, ६; पंचा० १, १४; —पास. पुं॰ (-पारा) भृगक्षाने इसाववा **४५८ ४रीने पाश २थवे। ते. मृग** को फंसान के लिये कपट से वंध डालना. laying a snare to entrap a deer. विवा॰ फ. भग॰ १, =; — माग्रा न॰ (-मान) ખાટાં માપ રાખવા તે, શ્રાવકતા ત્રીજા વતના એક अनियार खोटे माप रखनाः शावक के तीमरे वत का एक श्रातचार. act of using false weights; a partial violation of the third vow of a Jaina layman स्व॰ २, २, ६२; परह० १, २; भग० =, ६; पंचा०१, १४; - माणतुलकरणः न॰ (-मान-तुलकरण) भेर भाष अने भेरां ताक्षा वापरवा ते. त्रील वतना ओंड अतियार. खोटा माप श्रीर खोटा तौल रखना: श्रावक क तीसरे वृत का एक आतिचार. act of using false weights and measures; partial violation of the third vow. प्रव॰ २७७; —लहकरण. न॰ (- लेखकरण) भाटा क्षेभ सभवाते; थील वतने। पायभे। अतियार. भूंठा लेख लिखनाः दसरे वृत का पांचवां श्रतिचार. fabrication of a false document; the 5th kind of partial violation of the 2nd vow पंचा॰ १, १२; प्रव॰ २७६; —सांक्खजा. न॰ (-साच्य) ખાટી સાક્ષી ભરવી मिथ्या- भूठी साद्धी देना. act of giving false evidence; false evidence. पंचा॰ १, ११; —सारिएभ त्रि॰ (-सन्निभ)

भू८ सभान; भू८ लेवुं. श्रा के समान; चोटी के सहश. resembling the top or summit. नाया॰ १३;

कुडग. त्रि॰ (कृटक) भे। दुंगलतः अशुद्ध. False; untruthful. पंचा॰ ३, ३४; कुडया स्री॰(कूटता) ते। बनु ओछावत्तापछुं. तौल की न्यूनाधिकता-कमी वेशी State of a weight being either above or below the standard परह०१,३; कुडसामालि पुं॰ (कृटशाल्मालिन्) इटशाल्मशी નામનું વૃક્ષ કે જેમાં જ છુ વૃક્ષની માક્ક અહ જોજનની ઉચાઇ છે અને જે ગરૂડ જાતના વેહ્યુક્વનામે દેવતાના આવાસ રૂપ છે. कूट शाल्मली नामका वृत्त जिसकी जम्बु वृत्त की तरह श्राठ योजन की उंचाइ है तथा जिमपर गरुड जाति के वेखा देव नाम के देवता का ानेवास स्थान है. Name of the tree which like the Jambu tree has a height of 8 Yojanas and which is the residence of the Venudeva deities belonging to the Garuda family. "डोकूड सामलाचिव" टा॰ २, ३; मम॰ ६. — पेंढ पुं॰ (-पीठ) દેવકુર ક્ષેત્ર નાપશ્ચિમાધ્ધીને મધ્યભાગે આવે-લ કુટશાલ્મલી વસતુ પીક-એાટલા देवकुर चेत्र के पश्चिमाई के मध्य भाग में कुट शाल-मली वृत्त की पीठिका श्रीटला the base of the tree called Kūta Šālmali situated in the centre of the western half of the country called Devakuru Ksetia 30 90 8, 900;

क्डागार पुं॰ (क्टागार) शिभर भध धर; शिभर ६५२तुं देवासय. शिखर चंब घर; शिखर कार का देवालय A house of a temple situated on the summit

of a mountain श्राया॰ २, ३, ३. १२७, नाया० १३; निर० ३, १; ठा० २. ४; ४, १; (२) पर्वतभा क्वेतरेल धर पर्वत में खोदाहुआ गृह a house carved out of a rock so 40 2, 23; ६, १२५; —दिहुंत. पु॰ न॰ (-द्रष्टान्त) का दशंत. an illustration of house built on mountain а summit. नाया॰ १३: —साला (-शाला) शिभरने आधारे शाक्षा-सला-थे
शिखर के सदश शाला-सभा-बठक a seat in the shape of a mountain summit भग॰ ३, १, विवा॰ स्य० २, २, ४४;

कुडाह्य. न॰ (कृटाहत्य कृटे इव तथाविध पापाणसम्प्रदादी कालाविलम्बाभावमा-धर्म्यादाहत्या हननं यत्र तत्कृटाहत्यम) એક ઘા મારવાથી પર્વાતથી શિખર પડે તેમ ધડ ઉપરથી માથુ ઉતરી નીચે પડે તેને યેત્ર્ય; એક ઘાયે શિખરતી માકુક તીચે પાડવા थे। अ जैसे एक चोटमे पर्वत पर मे शिखर नीचे गिरपडताहै वैसेही धडसे सिर का नीचे गिरपडना, एक चोटमे शिखर की तरह नीचे गिराने योग्य One whose head deserves to be severed from the body and set rolling down like a rock severed from the peak of a mountain. "तोगं तवेग तेएगं एगाहच कूडाहचं भामरामिं करेमि " भग० १४, १, राय० २४७; भग० ७, ६, १४, १; कारोज्य-य- पुं॰ (कोार्यक) श्रेशिः राजनी ચેલણા રાણીયી ઉત્પન્ન થયેલા માટા પુત્ર કৈভিঃ; য'থা নগৰীনা হালা প্ৰয়ীলক राजा की चेलना रानी से उत्पन्न कोणिक राजा चम्पानगरी का

अने भधुरस सेिधुआ परिक्रमेना पांचभा लेह अने पुट्ट सेिब्आहि पांच परिक्रमेना सातभा लेह. सिद्धश्रेणी श्रीर मनुष्य परिकर्म का पांचवां भेद श्रीर पुष्ट श्रेणि श्रादि पांच परिकर्मों का सातवां भेद. The fifth division of Siddha Seniā and Manussa Seņiā and the 7th division of the five Parikarmas viz. Puţtha Senia etc. नंदी॰ ४६; सम॰ १२!

केडमई. स्री॰ (केतुमती) क्षित्र देवताना धंद्र ि अरनी भीक पटराशी, किन्नर देवताओं के इंद्र किन्नर की दितीय पररानी. The second crowned queen of Kinnara. the Indra of Kinnara gods. भग०१०,५; ठा०४,१; नाया०घ०४; केंद्रर पुं॰ (केयुर) पाळा पंधः એક आल-२७. बाजबंध, एक श्राभ्षण. An ornsment worn on the arm. भग ६, ३३; नाया० १; राय० २७; १८६; निसी० ७, ८; क्रप्प० २, १४; जं॰ प० ५, ११५; के कई. ह्रो॰ (केंक्यी केंक्यानां राजा केंक्य: तस्येयंः) કૈકેયી-આઠમા વાસુદેવની માતા. कैकेयी-श्राटवें वासदेव की माता Name of the mother of the Vaqudeva सम्बन्ध २३४: (२) पश्चिम મહાવિદેહની સલિલાવતી વિજયની વીતસોકા नगरीनं भीकुं नाभ. पश्चिम महाविदेह सिल्लावती विजयकी वीतशीका नगरी का दूसरा नाम the other name of the city Vītaśokā of Salilāvatī Vijaya in the western Mahāvideha. सम॰

केकय. पु॰ (केकय) डेड्य नामनी ओड देश. केकय नाम का एक देश. A country of this name. (२) त्रि. ते देशना रहेवासी. उस देश का निवासी. a resident of that country पन्न॰ १; पग्ह॰ १, १; राय॰ २०४:

केक्यद्ध. पुं॰ (केक्याई) डेड्य देशने। अर्६-क्षागः, परदेशी राज्यनी देश. केक्य देश का अर्द्धभागः, परदेशी राजा का देश. The half of the Kekaya country; the dominion of the king named Pardesi राय॰ २०४;

केकाइय. न॰ (केकायित) भे।२ने। शण्ड. मयूर का शब्द. The cry of a peacock. नाया॰ ३;

केकारव. पुं॰ (केकारव) भारती शण्द मयूर का शब्द. The cry of a peacock. नाया॰ १:

केक्सय पुं० (केकरण) १५२५ नाभनी अनार्थ देश केकय नाम का अनार्य देश. Name of an uncivilised country प्रव०१४६ दः केक्सरव. पुं० (केकारव) जुओ। "केकारव" शब्द Vide "केकारव" नाया २ ३:

केस्पर अ॰ (केनचित्) डांध એ पश्च. किसी ने भी. By any body; by some body or other. दस॰ ४, १, ४३; जं॰प॰नाया॰ २; =, १६; भग॰ १५, १;

केतई. ली॰ (केतकी) डेनशी केतकी A flowering plant so named. भग॰ १४,६;—पुड. पुं॰ (-पुट) डेनडीने। पंडा. केतकी का पुड़ा. a packet of Ketakī. भग॰ १४,६;

केतु. पुं॰ (केनु) ८८भा अक्ष्तुं नाम. प्याप्ते शह का नाम Name of 88th constellation. स्॰ प॰ २०;

केतुमई झी॰ (केतुमती) डिश्नरनी थीछ राखीनुं नाभ. किंचर की दूसरी रानी का नाम. Name of the second queen of Kinnara. अग० १०, १; केदार. न०(केदार) ५थारे। क्यारी. A basin of water etc. purposely made in a field or a garden. नाया० ७; केमहालग्रा त्रि० (कियन्महत्) ६८६६ं १६६६ं.

कितना मोटा. How much big. जं

केय. न० (केतन कित निवासे-कित्यते उप्य-तेऽस्मिक्ति) गृहु; धर. गृहु; घर. A house. "केयं गिहत्ति सहतेया" प्रव०१६६; केयहश्चहु. न० (केकयाई) हे ५४ देशनी अधी लाग. केकय देश का श्चर्डभाग-श्चाधा हिस्सा. The half of the country Kekaya. " सेयांचयाय नयरी, केयहश्चर्हुं च्यारियं भागियं" पन्न० १:

केयई. स्रो॰ (केतको) हेतडीनुं आऽ. केतकी का माड. The Ketakī plant. राय॰ पत्त॰ १;जीवा॰ ३;४; भग॰ ६,२; — युड. पुं॰ (-पुट) हेतडीने। पडे।. केतकीका गट्टा-बंडल क packet of Ketakī. नाया॰ १७; केयकंदली. स्री॰ (केतकंदली) એક जातने। इंह. एक जाति का कंद. A kind of bulbous root. उत्त॰ ३६, १७;

केयगा. न॰ (केतन) धनुष्यनी क्ष्मान भ्रमुष्य की कमान. The wooden bow उत्त॰ १, २१; (२) भत्य अंधनः जाल मत्य बंधनः जाल फांस. १ net; १ snare. स्य॰१,३,१,१३; (३) भे अक्षारनुं केतनः १-५०५ केतन-यालिनी अथवा सभुद्र, २-काव केतन-चालिनी अथवा समुद्र, २-माव केतन-लोभेच्छा. १ Ketana of two sorts viz. one like that of a

sieve or a ocean and the other like that of a greed. श्राया॰ १, ३, १, ११३;

केयति. पुं॰ (केतकी) डेवडातुं वृक्ष. केवडे का माड. A Kevadā tree. भग०२ २, १; केयव्य. त्रि॰ (केतब्य) बेवुं; भरी६वुं. लेना; खरीदना. Purchasing; buying. उत्त॰ ३४, १४;

केयाघडिया. क्रा॰ (*) हारीने छेडे णाधेल धडी. रस्सी से बांघी हुई घड़ी. A clock fastened to the end of a string. भग॰ १३, ८;

केयार. पुं॰ (केदार) अनांजना क्यारा. श्रनाज का क्यारा. Plots of corn. नाया॰ ७; केयावंती. श्र॰ (केचन) हेटला अके. कितने एक. A certain number. श्राया॰ १, ४, २, १३३:

केयूर. पुंर्व (केयूर) लाजुलंध. An ornament worn on the arm. श्रोव० १२; जीवा० ३, ३; प्रव० १५८६; केरिस. त्रि० (कीटश) हेर्च; हेवा अहारनं;

हैनाले बुं. कैसा; किस तरह का; किस सरीखा.

Of what sort or nature. उत्त २३,
११; पक्ष०१७ विशे०३२६; भग०१,१;२,५;
३, १: संत्या०३१; जीवा०३, ३; " अग्रुमावे
केहिस बुत्ते " स्० प० १; जं० प० १, २१;
केरिस्त्रश्र—य. त्रि० (किंदशक) हेतुं है देश प्रधारतुं है कैसा ! किसतरह का ! Of what sort or nature. नाया० =; जं० प० निर० १, १; भग० ६, ५; ७; ७, ६; १२,

केलास. पु॰ (केबास) अंतगड सूत्रना छहा वर्गना सातभा अध्ययनतुं नाम. श्रतगढ

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (*). देखें। पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

सत्र के छटे वर्ग के मातवें श्रयायन का नाम. Name of the 7th chapter of the 6th section of Antagada Subra श्रंत० ६, ७; (२) सहितन नगर નિવાસી એક ગાયાપતિ કે જેણે મદાવીર સ્ત્રામી સમીપે દીક્ષા લઇ બાર વરસની પ્રવજ્યા પાળી વિપુલ પર્વત ઉપર સંચારા કરી સિદ્ધિ મેળવી. यांकेतन नगर के निवामि एक भायापति, दि जिसने सहाबार स्वामी के पास दीचा लेकर **पारह वर्ष तक मंयम पाल विषल पंतत पर** मंयारा कर मोच प्राप्त दिया. a merchant of Saketana city who took Diksā from Mahāvīra Swāmī, observed it for 12 years and performing Santhara on the Vipula mount, attained salvation. श्रंत॰ ६, ७; (३) शहुना नवभा अधारता अद्वक्षतुं नाभ, राह के नवें प्रकार के पदल का नाम, name of the 9th variety of the molecule of Rāhu. स॰ प॰ २०:

केलास पं० (केलास) हैशास नाभने। पर्वतः भे३ ५५त. केलास नामका पर्वतः मेरु पर्वतः Name of a mountain: the mount Meru. (२) ध्रुभेरना ताथाना पर्वत करेर के अधान पर्वत. the mountain belonging to Kubera. র प॰ (३) લવણ સમુદ્રમાં પશ્ચિમ દિશાએ ૪૨૦૦૦ लोलन ६५२ आवेस अध्वेसंधर हेवाना निवास पर्वत. लवण समुद्र में पिथम दिशा की श्रोर ४२००० योजन दूर श्रनुवेलंघर देवता का निवास स्थान पर्वत. the mountain abode of Anuvelandhara gods situated at a distance of 42000 Yojanas in the west, in Lavana ocean. 510 v, 2;

केलि खी॰ (केलि) हीआ; पेख; रभत. फीडा; चेष्टाः रयनः नेज. Play: recreation. श्रोव॰ २४: पन्न॰ २: प्रव॰ ४३ ह:

फेली छी॰ (कदली) हैगार्व युक्ष; हैगा. केंद्र ह्य युद्ध; केबा. A plantain tree. भवि १४४:

केचइन्न यः ति॰ (कियत्) हेटलुं; हेटला प्रभाशनं कितना ? कितने प्रमाण का ? How much, स्रोव०३=: पत्र० ४: श्रोप० नि०१४३:स॰प०१:ठा०३, १: प्रणाजी०१४०: नाया० १३: भग• १. १: २. ४: ३ १: ४: 4.2:=: E. X: E: E. 9: 2: E. 90; 99, 9: 92, 8: 98. 0: 4: 98, 9: 98, 3; ६: ७, २४, १: १२; २४, ६: ४१, १:नाण० ध० जंप० २, २५; ७, १३६; ७, १४६: ६, १२४; ७, १३२; १, १६; ७, १३१; केवचिंग, य॰ (कियबिंह) हेटले। सांभे। वभतः ध्यां अधी ? कितना लम्बा समय; कवतक ? How long; how far. जीवा-१; राय-१४६: भग० २. ४; ३, ३; =, २; ६; २४, इ. जंत प० ७, १७४;

केविधिरं भ्रः (कियिधरं) हेटले। यभनः कितना समय How much time. श्रकुलो॰ ८४; मग० २४, ४; एष्ठ० १८;

क्रेवकोरिण अ॰ (कियबिरेख) हेटले वभते. कितने समय में. In how much time. श्रंत • ६, १४; भग० २, १;

केचतियः त्रि॰ (किपद्) लुःशे। " कंवइश्र" शण्ह देखी " केवहूम " शन्द. Vide " केवइम्र " स्० प० १; १६; जीवा० १; भग० १, १०; ११, १;

केवल. न॰ (केवब) स पूर्ण्; परिपूर्ज् संपूर्ण; परिपूर्ण. Full; complete. दसा॰ ६, २; मग० १, ४; १ ८; ४, ४; ७, ८; E, ३१; १०, ४; १४; १; १८, ३; पि० नि॰ २११; नाया॰ ४; १६; उत्त॰ ३३. ४;

(२) એક્લું ज्ञान; डेवण ज्ञान. श्रकेला ज्ञान; केवल ज्ञान. perfect knowledge. नाया० =; पद्म० १; २०, ३६; विशे० =४; ४१८; पि० नि० ६०; भग० १६, ६; क० ग० १, ४; ६; १०; ४, १४; र्ज० प० ७, १६०; (3) डेयर्स हरीन केवल दर्शन. Kevala Darsana, perfect understanding क॰ गं॰ ४, ४५; —आलोश्र पुं• (-म्प्रालोक) डेयस ज्ञान; परिपूर्ध शान. केवल ज्ञान; परिपूर्ण ज्ञान; ब्रहाज्ञान. perfect knowledge. वि॰ वि॰ ४७६; —जुम्राल न॰ (-युगवा) हेवस युगस, डेवस ज्ञान तथा डेवस दर्शन केवल हयः केवल ज्ञान श्रीर केवल दर्शन. a pair of and Kevala Kevala Jñāna Darsana क॰ गं॰ ४, ६८; —दुग. न० (- द्विक) डेवल ज्ञान तथा डेवल हरीन केवल ज्ञान तथा केवल दर्शन. perfect knowledge and perfect vision. क मं ० ३, १६; ४, ६; २०, — दुगूरा त्रि॰ (- द्विकोन) डेन्स दि इरिंदत केवल द्विक-केवल ज्ञान थीर केवल दर्शनसे रहित devoid of a pair of Kevala %. गं॰ ४, ३४, —परियाय-ग. (-पर्याय) डेवत्रज्ञानना पर्याय केवल ज्ञान की पर्याय. molecules of Kevala Jñāna दसा० १०, ११; भग० १५, १. -मर्गा न० (-प्ररण) हेवणशान सिंदित भरेखुः केवल ज्ञान सिंदित मृत्युः death accompanied Kevala Jñāna (२) डेवस-अदितीय भरखः; पडित भरखः अनोखा मृत्युः पंडित मर्ण. good death; death in a proper way. दसा॰ ४, २६; २७; -वरणाणदेसणः न० (-वरज्ञान दर्शन-केवलमभिधानतो वरं ज्ञानान्तरापेत्तया Vol. 11/66.

प्रधानं ज्ञानं च दर्शनं च ज्ञानदर्शन) अधान हैन्यासान व्यने हैन्यहर्शन. प्रधान केवल-ज्ञान श्रीर केवलदर्शन. the chief Kevala Jñāna and Kevala Darśana. नाया॰ ४; ६; १४; भग॰ ६, ३१; २५, १, —िसरी. स्त्री॰ (-श्री) हेन्यस-सानरूप यद्देगी केवल ज्ञान रूप सम्पत्ति. wealth in the form of Kevala Jñāna. चड० १४;

केवलकण्प. त्रि॰ (केवल कल्प-केवलः संपूर्णः कल्पत इति कल्पः स्वकार्यकरणसमयों वस्तुरूप इति यावत् केवलश्वासों कल्पः श्वित केवलकल्पः श्रथवा केवलञ्चानसहरा परिपूर्णतासाधर्म्यात् सम्पूर्ण पर्यायो वा केवल कल्प शब्दः) स पूर्णः, देवस ज्ञाननी साइ परिपूर्णं Complete, perfect as Kevala Jñāna. दसा॰ १, २४; २४, नाया॰ १० ठा० ३, ४, भग० ३, ९; ६, ४; नाया॰ १३; जं॰ प० श्रोव॰ ४२; कप्प॰ २, ९४;

केवलगागा न॰ (केवलज्ञान) हेवसरानः સંપૂર્ણ – પરિપૂર્ણ જ્ઞાન: લાકના સર્વભાવને પ્રત્યક્ષ જણાવણાર જ્ઞાન; જ્ઞાનના પાચમા अक्षार. केवलजान, सम्पूर्ण- ब्रह्म ज्ञान; लोक के समस्त भावों को प्रत्यन्न जानने वाला जानः ज्ञान का पाचवा भेद. Perfect knowledge; omniscience; knowledge which reveals every thing; the fifth variety of knowledge. श्रोव॰ दसा॰ ४, २४, २४; भग॰ ६, ४, ८, २; नाया॰ १, —श्चावरणः न॰ (-श्राव-रख) डेवसज्ञाननु आवर्श्-भार्शहनः ज्ञानावरखीय कर्भनी ओक्ट प्रकृति केंद्रलज्ञान का श्राच्छादन-श्रावरण, ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति obstruction to

Kevala-Jñāna; a variety of Jñānāvāranīya Karma. सम॰१०; —श्रावरिण्जः. न॰ (-श्रावरिण्य) डेवस-द्याने द्याने द्याने द्याने द्याने द्याने पाला कर्म; भानावरिण्य कर्मे की एक प्रकृति. a Karma which obscures Kevala-Jñāna. भग॰ १, ३१; —पज्जव. पुं॰ (-पर्यंव) डेवस द्यानना पर्याय. वेवल भान की पर्याय. divisions of Kevala Jñāna. भग॰ २४, ४; —विण्य. पुं॰ (-विनय) डेवस ज्ञानने। विनय. केवल भान का विनय. modesty in relation to Kevala-Jñāna. भग॰ २४, ७;

फेचलणाणि, पुं॰ (केचलज्ञानिन्) हेवसनानी; हेवसी तीर्थं हर अने सिद्ध लगवान, केवल-ज्ञानी; केवली तीर्थं कर और सिद्ध मगवान. An omniscient being; Kevali Tirthankara and Siddha. भग॰=, २: १=, १: २६, १; नाया॰ =;

केवलदंसणा न॰ (केवलदर्शन-केवलन संपूर्ण-वस्तुतत्वमाहकवोधविशेषरूपेण सामान्यांशप्रहणं तत्केवबद्शंनम्) हेवस र्शन; संपूर्ध दर्शनः केवल दर्शन; सम्पूर्ण दर्शन. Kevala Darśana; perfect vision. दहा॰ ४, २४;२४; भग॰ २, १०; =, २; जीवा० १; कृष्प॰ १, १; — आव-रगा. न॰ (-धावरण-नेवतमुक्तस्तरूपं तघद्शंनं च, तस्यावरणं केवलदर्शनावर-राम्) दर्शनावर्शीय धर्मनी ओक प्रकृति के જેના ઉદયથી છવ કેવલદર્શન ન પામે. दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति: जिसके उदय से जीव को केवलदर्शन उत्पन्न नहीं होता. a variety of Darsanavaranīya Karma by the rise of which a soul does not acquire Kevala Darsana ठा॰ ६, १: सम॰

१७; पछ ० २३; उत्त ० २३, ६; केवलदंसिंगि. पुं ० (केवलदंगिनन्) देवस दर्शनी छव. केवल दर्शन पाली श्रारमा A soul possessed of Kevala Dar-

sens, भग ॰ ६, ३: ठा॰ ४, ४: केचलनागा. न॰ (केवलज्ञान) ल्ञेश " केवल-याण " शण्ट. देगो "केवलणाय " शब्द. Vido " केवलगागा " भग० २, १०: ८. २; नंदी॰ १; श्रागुजी॰ १; विशे•७६; दसा॰ ७, १२; करप० १, १; प्रव० ७०४; — स्त्रा-वर्गाएजः १० (- प्रावरयोग) लुथे। " केवलगाग धावरणिज " शण्ट. देखें। " केवलणाख आवर्षिज " शब्द. vide " केवलगाग भावराग्रिज " भग॰ १, ३१; —पज्जव.पु॰ (-पर्यंव) हेवश ज्ञानना अनंत पर्शव, कंवल ज्ञान के चनत पर्यव, infinite atoms of Kevala Jñāpa. भग॰ =,२;—लाद्धिः स्रो॰ (-व्हव्यि) हेवसमाननी अधि, केवलज्ञान का प्राप्त होना. acquirement of Kevala Jñāna. भग - =, २: --लिखिया, बी॰ (-बिधिका) हेवस-माननी अपी. केवल ज्ञान की प्राप्ति. attainment of Kevala Jñana. भग० ८. २:

केवलगाणि. पुं॰ (केवलज्ञानिन्) लुओ।
"केवलणाणि "शण्ट. देखी "केवलणाणी"
शब्द. Vide "केवलणाणी " मग॰ ६,
३; ८, २; ८, ६; कप्प॰ ६, १८१; (२)
अतीत जित्सिपिणी डालमां थेथेल पहेला
तीर्थंडर. अतीत जत्सिपिणी काल में उत्पष्ट
हुए प्रथम तीर्थंकर. the first Tirthankara of the past Utsarpini
time. प्रव॰ २६०;

केवालि. पुं॰ (केवांबन्) डेनसज्ञान धरनारः डेनसज्ञानीः डेनसी तीर्थंडर अने सिद्ध स्थन पान्. केवलज्ञान रखनेवालेः केवल ज्ञानीः केवली: तीर्थंकर श्रीर सिद्ध भगवान One possessed of perfect knowledge; an omniscient being; Kevalī, Tirthankara and the Siddha. भग०१,४:२,१:४,४:७,७:६, ३१: १४, १०; १८, ७; २४, १, २४, ६; ७; दस० ४, २२: पराह० २, १: पि० नि० १४८: नाया० म: १४: त्रग्रुजो० १२७, पञ्च**० २०**; ३; श्रोव॰ १०; उवा० ७, १८७; क॰ गं० १, ४७; ४, ४४; ६, ४; मत्त० १४६; श्राव० २, १; क०प० २, ४४; प्रव०६; ६६४; (२) કેવલસમૂદ્**ધાત–સાત સમુદ્દ્**ધાતમાંની સાતમી જેમાં ખે પ્રકારના વૈદનીય કર્મ ની ખે પ્રકાર-ના નામકર્મની અને બે પ્રકારના ગાત્ર કર્મની निर्जर। थाय छे. केवल समुद्घात-सात समु द्धातों में से सातवा, जिससे दो प्रकार के वद-नीय. दे। प्रकार के नाम और दो प्रकार के गांत्र कर्मी की निर्जरा होती है. one of the 7 Samudghāts; Kevala Samudghāta; which involves the process of the destruction of 2 sorts of Vedanīya, 2 sorts of Nāma Karma and 2 sorts of Gotra Karmas in a very short time. पन्न॰ ३६: — श्राराहराा. ह्यो॰ (- ग्राराधना) अवधिज्ञानी, भनभर्यवज्ञानी અને કેવલજ્ઞાનીની આરાધના. જીવધિજ્ઞાની, मनपर्यवज्ञानी श्रीर केवलज्ञानी की श्राराधना. devotion or services to the soul possessed of Avadhi Jñāna. Manaparyava : Jñāna Kevala Jñāna. তা॰ ২, ४; — उবা-सग पुं० (-उपासक-केवालनयुपास्ते यः श्रवगानाकांचीतदुपासनामात्रपर: केवस्युपासकः;) ५वशीनी ७५।सना ५२नार नत्यारी श्रावक केवली की उपासना करनेवाला

व्रत्यारी श्रावक, a householder who has taken the vows of a layman and who renders devotion to a Kevalī. भग॰ ४, ४; ६, ३१; — **उवासिया.** स्री॰ (-उपासिका) हेवः લીની ઉપાસના કરનારી શ્રાવિકા केवली की उपासना करने वाली श्राविका, a female Jaina householder who worships a Kevalī, भग॰ ६. --- परारात्त. ति॰ (-प्रज्ञ**स**) डेवणी लग-वाननं पश्पेक्षं. केवली भगवान द्वारा कथित. prescribed, extolled by the omniscient. राय॰ २३४: दसा॰ ७. 1२; भग० ६, ३१; श्राव० ४, १; — परि याग. पुं॰ (-पर्यायक) हेवसरानीनी केवसी तरीकेता अवस्था. केवलज्ञानी की केवलीपनेकी the Kevali-हालत. possessed of hood of one Kevala Jñāna. नाया॰ =; १४; श्रंत॰ ४, १, -मर्स न० (-मरस) हेवणी-पछ भरख थाय ते. केवल ज्ञान होते हुए मृत्य होना. death in the stage of Kevala Jñāna भग॰ ५, ७; सम॰ १७; —समुग्धाश्र-य. पुं॰ (-समुद्रात-केवलिन्यन्तर्मेहुर्वभाविषरमपदेभवः समुद्रातः केवाजिसमुद्धातः) डेवशी अभवानने डरेश સમુદ્ધાત; કેવલસમુદઘાત-આડે સમયમાં થતી એક પ્રકારની આત્મ પ્રદેશને વિસ્તારી કર્મ ने ખંખેરવાની કેવલિની ક્રિયા केवली भगवान द्वारा की हुई समुद्धात; केवल समु-द्वात-श्राठ समय में होने वाली एक प्रकार को श्रात्मप्रदेश को फैला कर कर्म नष्ट करने वाली केवला की किया. the Samudghāta performed by a Kevalī; Kevala Samudghāta, i e. the activity performed by a Kevalī

in eight Samayas (instants) by expanding the molecules of the soul to destroy the Kaimas भग० २, २; ८, ६; २५, ६; मम० ७; —साचग पुं० (-भावक) देविल्यवानी। श्रावध-वयनसांल्यवार केवली भगवान का श्रावक-वचन सुनने वाला का adherent of an omniscient being. भग० ६, ३६; —साचिया. स्री० (-श्राविका) देविल्यवानी श्राविधा. केवली भगवान की श्राविका. a female adherent of an omniscient being भग० ६, ३९;

केचलित्तः न॰ (केवलित्व) डेवसज्ञानीपर्छः. केवलज्ञानीपना The state of being an omniscient being. प्रदर्भ १४२१; केवलिय न॰ (केवस्य-केवलस्य भावः केव-क्यम्) डेवस स्वरूपः धातिङ्गने। विये।ग केवल स्वरूप: धाति कर्म का नाश. The perfected stage, absence of Ghāti Karmas. विशे॰ ११=०;२६=१; केवलिय नि॰ (केवलिक) हेवसनानी संभंधी केवल जानी सम्बन्धा Relating to an omniscient being. "तं सोयकारी पुढो पनेसे। संखा इमं केवलीयं समाहि " स्य० १, १४, १६; ठा० ४, २; नाया० १; फेस एं॰ (क्लेश) अ्थेश; हु:भ. क्लेश; दु:स. Misery; affliction; pain trouble. विशे० १६२१. उत्त० ५. ७:

किस पुं॰ (केश) वाण; डेश. वाल; केश.

Hair. श्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३; नाया॰
१, ६: भग॰ १, ७: ६: ३, २; ४; ७, ६;
६, ३३; पत्त॰ २; उत्त॰ १०, २१; श्राया॰
२, ६, १६३, सम॰ ३४; राय॰ स्य॰ २, १,
४२; उवा॰ १, ५१; कष्प॰ ६, ५७; प्रव॰
४११, ४३६: —श्रलंकार॰ पुं॰ (-श्रल-

ङ्वार-केशाएवालङ्काराः केशालङ्काराः) વાળ એાળવા; પટીયા પાડવા અને તેલ પૂલેલ धाक्षवुं ते बाल खोंछना; भाग पाडना चौर तेल फुलेल लगाना. combing of hair. ठा० ४, ४, भग० ६, ३३; — मा. न॰ (-ष्रप्र) डेशने। अश्रभाग, वाल का अप्रभाग. the tip, point of a hair. भग० ३, २; — भूमि. स्री० (- भूमि) डेशनी भूभिः भाषानी याभडी बाल की चमडी: सिर का चर्म. the skin of the head श्रोव॰ १०; राय॰ १६४; -- मंस् पुं॰ (-श्मश्च) भाधापरना डेश अने हाढी भु²७. सिर के वाल श्रीर डाढी मृच्छ. the hair of the head, moustache and beard. प्रव १३६४; -रोमनह. न॰ (-रोमनख) भाषाना हेश, शरीर रुवां अने नुभ सिर के बाल: शरीर के रोम और नाखन the hair of the —लोग्र पुंo (-लोच) डेशने। दीय **५**२वे।; મસ્તક તથા ડાઢીના વાળ હાથેથી ખેચી-भुंटी ५६।ऽवा ते. केश का लुंचन करना; मस्तक तथा डाढी के वाल हाथ से खींचकर उखाडना. rooting out of hair; pulling out of han of the head, beard etc. with the hand. भग० १, ६; उत्त० १६, ३३; "संतसा केस लोएगं, बंभचरपराइया " स्य० १, ३. १३: निर॰ ४. १; - चहार. पु॰ (—શ्रपहार) કેશ-વાલાગ્રનું અપહરવું **৬%।२ કা**ઢવું ते. केश-धाल आदिका परि-त्याग-बाहर निकाल देना. rooting out of very small hair क॰ गं॰ ५, ६४; —वागिज्ञ न॰ (-वागिज्य) डेशवाक्षा જીવાતા વ્યાપાર; પંદર કર્માદાનમાતા એક. केश वाले जीवें। का व्योप।रः पनद्रह कर्मा-

हानों में से एक. dealing in the animals having fur; one of the fifteen Karmādānas. भग॰ ६, ५; —हत्था पुं॰ (-हस्त) डेशना दाथ-वेणी; वाल का गूंथना. a braid of hair नाया॰ १; कप्प॰ ३, ३६;

केंसत. पुं॰ (केशान्त) हेशने। पर्यंत लागः भाधानी याभरी, केश के नीचे का मागः सिर की चमडी. The root of the hair: the skin from which the hair comes out, राय॰ १६४, जीवा॰३; तंदु॰ केसर. पुं॰ न॰ (केशर) ५ूसने। डेश२; पद्म વગેરે ડ્રુલમાં થતું કેશના આકારે તતુ. फूल का पराग-केशरः पद्मादि फूलों में उपन्न होने वाले केश सरीखे तंतु. The pollen or faims of a flower. नाया॰ ४: नदी ७: जीवा॰ ३, १: राय॰ १३३: (ર) કમ્પિલ્લપુરની બહારના એક ઉદ્યાન-णशीयानं नाभ. कषिलपुर के वहार के एक बर्गाचे का नाम. name of a garden outside the city of Kampilapura. "श्रद्ध केसरमिम उजाणे श्रणगारे तवोधयों' ज प प ३, ६१; ७, १६६; उत्त॰ १, ३, (३) पृक्षनी ओक्रलत्तः, अमुल-न अ। वृत्त की एक जाति; बकल का काड. a kind of tree राय॰ प्र9; (४) सिंदना डेरारा सिंह के केश. the mane of a lion. भग॰ ११, ११;कप्प॰ ३, ३५; --- श्राडोव. मुं० (-श्राटोप) सिंहना हेश-राने। विस्तार, ासह के केशों का फैलाव. the expanse of the mane of a lion. भग॰ ११, ११; ऋष० ३, ३४, - उन्नेय पुं॰ (- उपपेत) ४भक्ष हेशरथी-थुक्त. कमल केशर महित full of pollen or farma of a lotus, नाया । १३.

केसरि. पुं॰ (केमरिन्) डेसरी सिंह, केशरी सिंह. A lion of high breed. श्रगुजो०१३१;परह०१,४; (२) डेसरी रंगनुं ४५५. केशरी रंग का कपडा. a cloth of saffion colour नाया॰ ५; (३) કેસરિ નામના ડહુ; નિલવત પર્વત ઉપરના ओ इ द्रह. केसरी नाम का द्रहः नीलवंत पर्वत ऊपरका एक द्रह. a lake of this name; a lake situated on the Nilavanta mount. जीवा॰ ३, ४;ठा॰ २,३; (૪) કેસરી-આવતી ચાવીસીના ચાથા अतिवासदेव. केसरी-श्रागामीकाल की चौदांची के चौथे प्रति वासदेव. Kesari, the fourth Prati Vāsudeva of the coming cycle. सम० प० २४२, -- दह पु॰ (-इह) केभांथी सीतान**री** નીકળે છે તે નીલવંત પર્વત ઉપરતા એક ८६ नीलवंत पर्वत के ऊपर का एक द्रह जिस में सं सीता नदी निकलर्ता है. the lake on the mount Nilayanta from which the river Sita 1ises ठा० ३, ४, सम् ७ ४०००. जं० प० 8, 990,

केसिरिया. श्री॰ (केशिरिका) लभीन हाथ भग साइ इरवाने संन्याभीने राभवानी लुग-ग्रांनी इइंडी; लाइडीओं भांधेल इसाल. मृमि या हाथ पांव साफ करने के लिये संन्यामी के पास रखने का एक वश्र का दुकडा, लकडी पर बांधा हुआ रुमाल A piece of cloth possessed by an ascetic to brush or cleanse the ground, hands and feet मग॰ ३, २; श्रोव॰ १३; (२) ५ शा पुल्यानु साधन, पूंल्स्वी. पात्रादि पूंजने का साधन; पूंलस्ता. a small brush of threads used by an ascetic to cleanse the wooden utensils. भग० २, ९; पग्ह० २, ५; श्रोघ० नि० ६६६;

केसव. पुं॰ (केशव) धृष्णुवासुदेवनं नाम. हिष्णावासुदेव का नाम. The name of the Krispa Vāsudeva. उत्त॰ २२, २; नाया॰ १६; जीवा॰ ३, २; पग्छ॰ १,४; केसबुद्धि स्रो॰ (केशवृष्टि) देश-वासनी पृष्टि धरी पताववानी विद्या. केश-वालों की पृष्टि दिसलाने वाकी विद्या. The lore of making a shower of hair full. स्य॰ २, २, २७; (२) देश-वासनी पृष्टि केश-वालों की पृष्टि. a shower of hair. प्रव॰ १४६०:

केस्ति. पुं॰ (केशिन्) परदेशी राजने समज-વનાર પાર્શ્વ પ્રભૂતા સંતાનીયા; એ નામના એક કુમાર સમણ-કુમારાવસ્થામાં પ્રવજ્યા लीधेश भदात्भा परदेशी राजा को समकाने वाले पार्श्वत्रभु के संतानिया; इस नाम के एक कुंबार श्रमण-कुंबारावस्था में दीव्वित हुए महात्मा. A disciple of Parsvanāth who had given advice to Pardeśī king. उत्त०२३, २;राय०२१४; भग॰ ११, ११; उदा० =, २४६: निर्॰ ४. ૧: (ર) કેશીકમાર; ઉદાયન રાજાના लानेक. केशांकंबार; उदायन राजा का भानेज. the prince named Keśi; the nephew of king Udayana. भग॰ १३. ६; उवा॰ 🖙, २४६; (३) केशी-वासुदेव. Keśī Vāsudeva प्रव॰ ४२३; -सामि. पुं॰ (-स्वामिन्) रेशी ५भार-श्री પાર્ધ્વનાથ સ્ત્રામિના શિષ્યાનુશિષ્ય फेशो कुंवार-श्री पार्श्वनाय स्वामि के शिष्यानुशिष्य. Keśī Kumāra the grand-disciple of Parsvanātha. भग• २, ५; फिसि. पुं॰ (क्लेशिन्) ह्वेश वाणा; हु.ण वाणा. क्लेश वाला; हु.स्ता. Troubled; afflicted. विशे॰ ३१४४;

केसिया. छी॰ (केशिका = केशा विचन्ते यस्याः मा केशिका) भाषा ७५२ लांभा देश ५२१वः नारी स्त्री. गिर पर लम्बे केश रखने वाली स्त्री. A woman having long hair on the head. स्य॰ १, ४, ३, ३;

केसी. बी॰ (कीट्यी) डेपी; डेपा अडारनी. कर्मा; किस तरह की; (क्री). Of what sort. श्रागुजो॰ १२=;

ङ कोत्रासिन्छ। त्रि॰ (🗡) पद्मती पेडे विक्ष्मेल, पद्म-कमल की तरह विकसित. Blown as a lotus, स्रोव॰ १०; जं॰

कोई. य॰ (कश्चित्) डै।७ એક कोई भी.
Certain, some one. नाया॰ ७: छ॰
च॰ ४, १८८: दस॰ ५, १, ६६; भत्त०३८:
कोइल पु॰ को॰ (कोकिल) डे।४४: यसंत
अरुभां ५ थम स्वरे मधुर अया॰ ४२छं
ओड ५६ी कोयल; वसंत ऋतु में पंचम स्वर
से मधुर आवाज करने वाला एक पक्षी. A
cukcoo. छ॰ च॰ २, १३६; जीवा॰
३, ३: नाया॰ ४: ८: जं० प॰ निर० ४, १;
उत्त॰ ३४, ६; अणुजो॰ १२८: श्रोव॰ ठा॰
७, १:

कोइलच्छ्रय. पुं॰ (कोकिलच्छ्रद) तैस डंटड नामनी ओड यनस्पति. तैल कंटक नाम की एक वनस्पति. A kind of vegetation.

कोउन्न-य- न॰ (कोतुक) क्षुतुह्स. कुतुह्त. Cutiosity. भग॰ ७, ६; स्॰ प॰ २०;

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने।र (*) देखा पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (-) p. 15th

सु॰ च॰ १३, ४३; प्रव॰ १११; ६४१; कप्प॰ ४, ६७, (२) ગર્ભાધાનાદિ સંસ્કાર; भहे। त्सव विशेष. गर्भाषान श्रादि संस्कारः महोत्सव विशेष. ceremony relating to pregnancy. भग॰११,११;राय॰२=; (३) ઉતાર કાઢવા વગેરે કાંતુક કર્મ. भूत उतारने आदि का कौतुक कर्म. an observance to get rid of the obsession by a ghost स्य॰ २, २, uu; (४) रक्षा; रक्षण. रच्चा; रच्चण. protection. जं॰ प॰ ३, ४३; (१) भंग/। क्विया; अपाले तिलक अरव ते. मागलिक किया; कपाल पर कंकु आदिका तिलक लगाना. an auspicious action; an auspicious mark on the fore-head. जं॰ प॰ भग॰ २, ५; ६, ३३; उत्त॰ २२, ६; श्रोव० ११, २७; —कस्म. (-कर्मन्) મગલ-સૌભાગ્ય માટે કપાલે तिक्षक करवा ते. संगल-सीभाग्य के लिये कपाल पर कंकू श्रादि का तिलक लगाना. the act of making an auspicious mark on the fore-head. नाया॰ १४; निसी॰ १३, १२; -कारक. न्नि॰ (-कारक) है।तुक करनार. कीतुक-तमाशा करने वाला an enchanter; a joker. श्रोव०४ १;

कोउम. न॰ (कौतुक) जुओ। "कोउम्र-य" शण्ट. देखो "कोउम्र-य" शब्द. Vide "कोउम्र-य" सु॰च॰६, ६४; पंचा॰१३,२४, कोउय. पुं॰ (कौतुक) जुओ। "काउम्र" शण्ट. देखो "कोउम्र" शब्द. Vide 'कोउम्र" नाया॰ १;

कोउहल. न॰ (कीत्हल) औतुः; धुतुक्ष्यः; ઉत्सक्ष्याः कीतुकः; कुतुहलः, उत्सकताः. Eagerness; curiosity: श्रोव॰॰३८: भग॰ ६, ३३: निसी॰ ३, ४: जीवा॰ ३, ३; राय॰ ४०; — विड्याः ली॰ (-प्रतिला) ५ेतु६थ निभित्तेः कुतुहत्त के लिये. for the sake of curiosity. राय॰ निसी॰ १७, १;

कोउहल पुं॰ (कुत्हल) है।तुह; हुतुह्स.
कोतक भाव. कोतृहल. Curiosity भग०
१, १; (२) अलुक्त भागनी ध्र-७। अने
लुक्त भागती स्पृति. श्रमुक्त भोग की ध्राकांचा श्रीर मुक्त भोग की स्पृति. desire
for a thing that is never tasted
and remembering of things
that are tasted. ज॰ प॰ ४, ११४;
उत्त॰ १४, ६;

फोऊहिलिल. ति॰ (कैंत्हिलिक) धुतुद्धी; भशंधरेत. मस्त्ररा; हंसी करनेवाला. A. joker; a buffoon. श्रोध॰नि॰भा॰१९३; कॉकरा. पुं॰ (कोइस्य-कोइस्य एव कोइस्यः) ओ नाभनेत ओंध देश. इस नाम का एक देश. A country of this name. श्रोध॰

कोंकण्ग. ति॰ (कोंकण्क) है। इल् देशने। रेखेपासि. कोकन देश का निवासी. A resident of Kokana, पत्र॰ १; पएइ॰

कोंच. पुं॰ (क्रोंका) होंच पक्षी. क्रोंच पक्षी.

A heron. निर॰ ४, १; पक्ष॰ १;
ठा॰ ७, १; जं॰ प॰ नाया॰ ४; ६; राय॰
४४; जीवा॰ ३, ३; उत्त॰ १४, ३६;
श्रोव॰ ३४; " छुट्टंच सारसा क्रोंचा, यासायं
सत्तमं गम्मा " ठा॰ ७; (२) हें।च देशने।
२६वासी क्रोंच देश का रहनेवाला. a resident of Kroncha country. प्रह॰
१, १; पज॰ १; —श्रारच. पु॰ (-शारव)
होंच पक्षीना केवे। श्राचाल. क्रोंच पक्षी जैसा
म्वाज. a sound resembling that
of a heron. जं॰प॰३,५३;—श्रास्त्रण न॰

(-श्रासन) ओड लातनुं आसन एक प्रकारका श्रासन. a kind of bodily posture. जीवा॰ ३; भग॰ ११, ११; — स्सर. ति॰ (-स्वर-क्रोज्जस्येवाप्रयासेन विनिर्यतोऽपि दीघेदेशच्यापी स्वरो येषां ते क्रीज्जस्वरा.) हैं। य प्रीना सरभा भध्र स्वरवादी. क्रोंच पर्चा के सहश मध्र स्वर वाला. (one) having a melodious voice as the cry of a heron जीवा॰ ३; (२) विज्ञ कुमार देव की घंटा. a bell of Vijju Kumāra. जं॰ प॰ ५, १९९; २, २१;

फोटलम्रा नि॰ (कौटलक-कौटलं ज्योतिषं निमित्तं वा प्रयुक्त इति कीटलकः) है। ८८५- ज्योतिष व्यथना निभित्त शास्त्रने। ज्यश्नार कोटिल्य-ज्योतिष या निमित्त शास्त्र का ज्ञाता. One knowing astrology and science of omens. " पाणि वहोति सुगहणे पउंचणे कोटल यस्त नितियंतु" श्रोष नि॰ भा॰ २२१;

कोंडलक. पु॰ (कोग्टलक) એક જાતનું પ્રાણી एक जात का प्राणी. A kind of animal. श्रोव॰

कात पुं॰ (कुन्त) लाखा. माला. A spear. जं॰ प॰ —ग्ग. न॰ (-श्रम) लाखानी अख्री. भाला की नोक. the point of a spear. नाया॰ १६;

कोंतिय . पुं॰ (कोन्तिक) એક જાતનુ धास. एक जाति का घास. A kind of grass. भग॰ २१, ६;

कोकातियः पुं॰ (कोकन्तिक कोको इत्येवं श्रार-टतीति) के हिल्लुं. कोला. A gourd. (२) थें। क्षेत्रकी. व jackal. परह॰ १, १; श्राया. २; १, ४, २७; र्जावा॰ ३; ३; नाया॰ १; पन्न॰ १; कोकग्रय. न॰ (कोकनद-कोकान् चक्रवाकान्

नदित नादयदि वेति) क्षाय अभवः लाल कमल) A red lotus. पनः १; स्य॰ २, ३, १८;

कोकास्त्रिश्र-य त्रि॰ (*) हे। हास-सास इभवनी पेंद्रे विश्वसित; अप्रुस्सित कोकास-चाल कमल की तरह प्रफुर्ज्ञत-विकसित.

Blown as a red-lotus जांबा॰ ३.

३; जं॰ प॰

कोकिल पुं॰ स्ता॰ (कोकिल) है।यस पक्षी. कोयल पन्नी. A cuckoo bird पन्न॰ १; कोकुइग्र. पुं॰ (कोत्कुचिक) हास्यमय चेष्टा करने- वाला A joker जं॰ प॰

कोक्कुइश्र. त्रि॰ (कौक्कुचिक) लांडनी भेडे येष्टा क्ररनार. भांड की तरह चेष्टा करनेवाला. One who acts like a joker. उत्त॰ ३६, २६१; श्रोव॰ ३१; ज॰ प॰

कोच्छु पुं॰ (कीत्स) अनामना ओड देश. इस नाम का एक देश. A country of this name, भग॰ १४, १;

कोच्छुं भरि. पुं॰ (कुस्तुम्बरि) એક જાતનું धान्य. एक जानि का धान्य. A kind of corn. जं॰ प॰

कोज्ज. पुं॰ (कुब्ज) कुण्लक्ष-श्रेक न्यतनुं आह. एक जाति का साड. A kind of tree. कृष्ण॰ ३, ३७; नाया॰ ८;

कोटि पुं॰ (कोटि) અश्रलाग; अर्खी. श्रप्र-भाग; नोक. The point. जं॰ प॰ (२) કરાડ; संभ्या विशेष. करोड़; वृहद् संख्या. a crore (numerical figure).

^{*} लुओ। ५४ नभ्यर १५ नी प्रुटनीट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनीट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

विशे० ४२३;

कोटिलल. पु॰ न॰ (कोटिक्य) नाना भुदगर.
कोटा मुद्रन. A small club विवा॰ ६;
कोट धा॰ II (कुट्ट) अन्ने पगवडे अभीन
पर भुद्रवु दोनों पवि से जमीन पर कृदना.
Jumping on the ground by
lifting both the feet upwards.
(२) धुद्रवु. कृटनाः वुक्रनी करना. to
pound.

कोहिय सं कु जीवा ३, १; कोहिमाण, व कु भग १४, १, कोहिजमाण, क वा व कु जीवा ३, ४;

कोष्ट पुं॰ (*) डिश्લेत गड; किला A fortress, (२) पळाडवु; કुट हुं पछा-डना, क्टना to dash, to pound परह॰ १, १;

कोष्टिकिरिया स्त्री॰ (कोष्ट्रक्रिया) थन्डिश; हुर्गा वर्गेरे रुद्रस्थरूप देवी. चंडिका, दुर्गा स्नादि राहरूप वाली देवियां The goddoss Chandikā etc भग॰ ३, १, नाया॰ =: प्राणुजो॰ २०;

कोष्ट्रणी स्ति॰ (॰) हिस्सा अपरनी शृभिका. किले की भूमि The courtyard in a fortress. जं॰ प॰ ३, ४७,

कोष्टाग पुं॰ (*) सुतार, मुतार; वढईं. A. carpenter. " कोष्टाग कुलाणि वा गाम-रक्ल कुलाणिवा " श्राया॰ २, १, २, १९;

कोट्टिम. पुं॰ (कुट्टिम) शेंयतणीयुं जमीन के नीचे का तत्तघर; नीचे की भूमि. The underground floor; a cellar. नाया॰ ६; —कार. त्रि॰ (-कार) शेंयतणीयानी प्तावनार. भूमि में तत्तघर का बनानेवाला the architect who constructs a cellar श्रागुजो॰ १३१; — तलः न॰ (-तलः) भेांयतणीयुं. नीचे की जमीन, तलघर. a cellar. नाया॰ १; भग॰ ६, ३३; जं॰ प॰ १;

कोंद्र पुं॰ (कोष्ठ) केही; धान्य सरवानी डेाहार; डेाही, कोटा; धान्य भरने का कोठार; कोठी. A granary. ठा॰ ३, ४; भग॰ १४, १; १६, ६; नाया० १; जीवा० ३, १; पि० नि० २११, श्रोव० २६; ३८; प्रव० १००६; (२) है। है। अती. कोठा, छाती. a store room; the breast. जं॰प॰३, ४७; श्रोव० २१; नाया० १६; (३) એક व्यतने। सुगंधी ४२४, ४।६. एक जाति का मुगधी डन्य. a kind of fragrant substance. भग॰ १८, ६; राय॰ ४४; धारे थान यो इताम. धारणा का एक नाम. name of a Dhāranā. नदी॰३३; (५) શરીરની અંદર પાેેેલાણ વાલા અવયવ; એવા કાેકા પુરૂષતે પાંચ અને સ્ત્રીતે છ હેાય છે, એક ગુબના અધિક છે માટે. શરીરકે માતરકા पोला श्रवयव; एसे पाले कोठे पुरुष के पाच तया स्रो के छः होते हैं, एक गर्मका अधिक होता है. a hollow organ in the body; there are five such organs in the body of a man and 6 in the body of a woman, तंद्र॰ —श्राउत्त त्रि॰ (-श्रागुप्त) धेदीमां नाभेक्षः क्रिक्षित्म रक्षितः भद्रार में डाला हुआ; कोठे में राचित. properly stored भग॰ ६, ४: ६, ६; ठा० ३, २; निसी० १७, २२: वेय॰ २, ३; — उद्यगय. पु॰ (-उपगत) કાઠામાં પ્રવેશ કરેલ कोठे में घुसा हुआ. (one) who has entered

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १६ की फ्टने। ट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

Vol. 11/67.

into a room. भगः =, ७; — पुड. पुं॰ (-पुट-कोष्टे यःपच्यते वाससमुदायः स कोष्ट एव. तस्यपुटाःपु टेकाः પુટા:) કેાઠના-સગધી દ્રવ્યના પંકા સુંરંઘો इच्य का पुडा. a packet of a fragrant substance. नाया॰ १७; भग॰ १६, ६; जं०प० ४, ६६; —बुद्धि. खी० (-बुद्धि-कोष्टकप्रचित्रधान्यमिव यस्य सुत्रायौँ सुचि-रमपि तिष्टतःस कोछबुद्धिः) डे। हार्रास्ता लेवी છુહિ; કાેકામાં પડેલ ઘાન્ય જેમ સહે કે બગહે નહિં તેમ મેલવેલું જ્ઞાન જીવન પર્યંત નષ્ટ થાય નહિં એવા પ્રકારની અહિ-શક્તિ. कोंठे जैसी बुद्धि, कोठे में पड़ा हुआ धान्य सड़ता या विगइता नहीं वैसे ही प्राप्त हुआ ज्ञान जीवन पर्यंत नष्ट नहीं होता ऐसी बुद्धि-शाहि-(one) of great intellect; a kind of intellect which never spoils like corn which is stored in a granary. श्रोव विशे ०७६६; —सम्गा. पुं॰ (-समुद्र) है।हते। डामली. किनट का डब्बा. a box made of wood-apple. जि॰ प॰ ३. ४३:

कोहन्न-य. पुं० (कोष्टक) सायधी नगरीना ध्रानि भुजाना ध्रातन उद्याननु नाम. सावधा नगरी के ईशान कोने के प्रातन उद्यानका नाम. Name of an old garden situated to the north east of Sāvarthi city. नामा० १; भग० ६, ३३; १२, १; १४, १; राम०२११; निर०३, १; उना०६, १२६; (२) धान्यना हे। है। र. धान्य का कोन्न. a store-room for grain; a granary प्रन० १४१६; — चेद्य. न० (- चेत्य) सावधि नगरीनी पक्षारनुं उद्यान सावधी नगरी के बाहर का वर्गाचा. a garden situated out side Sāvarthī city. नामा० घ० २;

—बुद्धि. स्नि॰ (-ब्राईद) धान्यना हे। हारती १६६. धान्य के कोठों की युद्धि. increment in grain stores. प्रव॰ १४०८:

कोट्टग. पुं॰ (कोट्टक) डे।हे।; धुरण. कोठा; बुर्ज. A tower; a room. (२) श्रीरडे।. बड़ा कमरा. a large room. सम॰ प॰ २१०; जीवा॰३, ३; श्रयुजी॰ १४८; पन॰२; (३) श्रावस्ती नगरीं छारते। श्रेष्ठ थान. श्रावस्ती नगरों के बाहर का एक उद्यान. a garden outside the city of Srāvastī. उत्त॰ २३, ८;

कोहागार. पुं॰ (कोष्टागार) धान्य गृद्ध; देशिर. धान्य घर. कोठार. A room for storing grain; a granary. निर॰ १, १; स्य० २०६; २२२; २८२; निसी०८, ६; ६; विशे॰ १८२७: नाया० १; ७: १४; भग० ११, ६; उत्त० ११, २६; खोव० कप्प० ४, ६४; जं०प०२,३०; —माला. पुं० (-साला) देशिरनुं भक्षान. कोठे का मकान. a house having a granary निसी० ६, ७;

कोहिय. ति॰ (काष्टिक) डे।६ वाणा; जेनी पासे डे।६नाभे संगधी ६०५ छे ते. सुगंधि द्रश्य जिसके पास है वह; कोठ वाला. (One) having a fragrant substance known as Kotha. विवा॰ ७; उवा॰ २ ६४;

कोडंड. पुं॰ (कोदएड) धनुष्य. धनुष्य. A. bow ग्रंत॰ ४: १;

कोडंब. पुं॰ (कोजम्ब) वृक्षनी नमेदी शाणाना का अग्रभाग. मुके हुऐ इस की शाखा का अग्रभाग. The foremost portion of a bent branch of a tree " विसम गिरिकडग कोडंबसिकिविट्टा" नाया॰ १८;

कोडंबागी. स्नी॰ (कौडुम्बिनी) ये नामनी ये शाला. इस नाम की एक शाला. A

sect of this name. कप्प॰ दः; कोडग्र. च॰ (कोइन) धुटवुं ते कूटना Pounding. पग्द॰ १, ३;

को डाकोडि. स्नी॰ (कोटिकोटि) अंध है। १ है।

कोडाल. न॰ (कोडाल) है।ऽ।स नामे ओक्ट गे।त्र; ऋषभदत्त ध्राह्मशुनु गे।त्र. कोडाल नामक गोत्र; ऋषभदत्त. ब्राह्मग का गोत्र. A. lineage known as Kodāla; the lineage of the Brahmin Risabhadatta. काम०१, २; — सगोत. त्रि॰ (—सगोत्र-कोडाले:समगोत्रं यस्य सः)है।ऽ।स गे।त्रमां ०४-भेद; है।ऽ।स गे।त्र वाला कोडाल गोत्र में उत्पन्न; कोडाल गोत्र वाला (one) born in Kodāla lineage. आया॰ २, १५, १७६;

कोडि. स्री॰ (कोटि) धरेए; से। आभ (१००००००) एक करोद; सो लाख; (1000000) One hundred lacs; one crore; 10000000. भग॰ २, १: ८; ३, २; ७, १; १३, ६; सु० च०१, २१८; स्०प० १८; जीवा० १; नाया० १; म, श्रगुजो॰ ११७; उत्त॰ ६, १७; ठा॰ २, ४; स्रोव॰ ७, १८२; (२) भुछो। कोना a corner; an angle पंचा॰ २६; राय० १४६; पि० नि० २४७; ठा० म; (3) छेडे।; अंत्य अदेश. विनारा: श्रांतिम प्रदेश end; the region of the boundary जं प (४) दुर्थीयारनी धार हथियार की धार. the edge of a weapon. जीवा॰ ३; राय॰ २०४; (प्र) અधिः; अभ्रक्षाग नोक, श्रग्रमाग point;

tip (६) ध्तुष्यनी पश्छ. धनुष्य की डोरी. the string of a bow. जीवा॰ ર, ૪; (૭) પચ્ચખાણના ભાંગા; કરણ; અને જોગના સંયાગથી ઉત્પન્ન થતા વિકલ્પના प्रधार, प्रत्याख्यान के भांगे: करण श्रीर योग के संयोग से उत्पन्न विकल्प के भेद. divisions of Pachchakhānas; সৰ়ত १६१; - पहुत्त. न॰ (-पृथवस्व) भेथी भांडी नव करें।उ सुधी. दो से लगाकर नौ करोच तक. from two to nine crores प्रव॰ ६३४: —सयपुपुत्त. न॰ नवसें ३रे। अधी दोसौ करोड से लगा from two कर नौसो करोड तक. hundred crores to nine hundred crores जं॰ प॰ ६, १२५; भग॰ २५, ६; —सहस्सपुद्वतः न० (-सहस्रपृथकत्व) એ હજાર કરોડથી માંડીતે તવ હજાર કરોડ सुधी दो हजार करोड़ से लगा कर नौ इजार करोड तक from two thousand crores to nine thousand crores. भग० २४, ६: -- साहिय न० (-- प्राहित-कोटोभ्यामेकस्य चतुर्थादेरन्तार्वभागोऽपरस्य चतुर्थादेरवारम्भीवभाग इत्यंव लचए।भ्यां सहितं मिखित कोदिसहितम्) गेर भन्यः ખાણના છેડા બીજા પચ્ચખાણની શરૂ-આતને મળતા હાય તેવુ તપ, દાખલા તરીકે એક માણસે આજે આય બિલ કર્યું બીજે દિવસે સવારમાં આજનુ તપ પુરૂ થતાં ખીજું આય બિલ પચ્ચખે તા પહેલા પચ્ચખાણના છેડાે બીજા પચ્ચખાણની શરૂઆત સાથે મલ્યા માટે તે તપ દ્વારિ સહિત તપ કહેવાય. एक प्रत्याख्यान का श्रंत दूसरे प्रश्याख्यान के प्रारंभ से भिलता हो ऐसा तप, उदाहरणार्थ एक मनुष्यं ने श्राज श्रायंत्रिल किया दूसरे दिन सुबह श्राज की तपस्या पूर्ण होते ही

दूसरा आयंत्रिल कर ले तो पहिले प्रस्थाख्यान का श्रत दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारंग से मिल जाय इस लिये इस तप की कीटि सहित तप कहते हैं. a kind of austerity the end of which becomes the beginning of another austerity. भग० ७, २: ठा० १०: उत्त० ३६, २५३: प्रय० १६३:

कोडिकोडि. स्री॰ (कोटिकोटि) काॐ।
"कोडाकोडि ''शण्टा देखी "कोडाकोडि ''
शब्द. Vide "कोडाकोडि '' क॰ प॰ १,
वशु २, २६; —श्रंती. श्र॰ (-श्रन्तर्)
हे।ऽडि।डीनी व्यन्दर. कीटा काडी के स्रंदर.
less than a crore multiplied
by a crore क॰ ग॰ ४, ३३;

कोडिगार पुं॰ (कोडिकार) ओड अडारने।
डारीगर; ६थीयारनी धार सभी डरनार, एक
प्रभार वा मिस्री; हथियार की धार दुरुन करने वाला. An architect who
sharpens or grinds the edge of
a weapon, एक॰ ३;

कोडिंग्. न० (कोटिन) है।टिन नामनु श्रेष्ठ नगर. कोटिन नाम का एक नगर. Name of a city. नाया० १६;

कोडिएए. न॰ (कींडिन्य) એ नाभनुं भात. दस नाम का एक गोत्र. A lineage of this name. कप्प॰ ४, १०३,

कोडिस. पुं॰ (काँडिन्य) केडिन्यनामे महािग्दी आयार्थना शिष्य. काँडिन्य नाम का महािग्दी आचार्य का शिष्य. Koundinya, the disciple of the preceptor Mahāgirī. कप्प॰ =; विशे २३६०: (२) कुत्स गीत्रनी शाभा. कुत्स गीत्र की शाखा a branch of Kutsa lineage. टा॰ ७, १; (३) कुत्स गीत्र की शाखा में उत्पन्न भीनाे पुरुष कुत्स गीत्र की शाखा में उत्पन्न

पुरुष. a person belonging to Kutsa lineage. ठा० ७, १; (४) विस्थ गेत्रनी शाला. विस्थ गेत्र देशाचा. a branch of Vasistha lineage. ठा० ७, ६; (४) विस्थ गेत्रनी शालामांने। पुरुष. विष्य गेत्र की शालावाना पुरुष. a person of Vasistha lineage. ठा० ७, ३;

कोडिमा स्रं। (कोटिमा) अधार श्रामनी सालभी भूर्णना, गंधार श्राम की सालवी मूर्छना. The 7th note of a musical scale known as Gandhara. आगुजो अदन:

कोडियगण. पुं॰ (कोटिकगण) डिटिड नाभने। भदावीर स्वाभीने। એક गण् कांटिक नाम का महावीर स्वामी का एक गण् An order of ascetics styled as Kotika and established by Mahavir Svami. ठा॰ ६,

कोडिल्लय. न॰ (काटिल्लक) धारिस्पनं अर्थ-शास्त्र. काटिल्यका प्रयं साल. Political economy founded by Koutilya. श्रामुजी॰ ४१:

कोडी. ली॰ (कोटी) धरीधनी स प्या; सी साम. एकवरीय की संख्या, मी लाय; (१०००००००). 10000000; one erore; 100 lacq पन० २; श्रणुजी० १३३; नाया० १: -इसर पुं० (-ईश्वर) धनाक्ष्य; डे।टिपति-शांधुधार. नाट्य; कोडाधिपति—साहुकार क wealthy person; क millionaire. सु०च०१,३३; कोडीयुगमिलण, न० (कोटिद्रिकमिनन) प्रतना थे छेडानुं भिसान धरतुं ते; ओड प्रत पुरुं थयुं हे ते पाल्या-विना धीन्तनी व्यारम्स धरवे। ते-क्रेम ઉपवास पुरे। थये। है ओडडाडामां पञ्चामाल धरवा ते; पञ्च-

भाष्ति अंध अधार त्रत के दोनों किनारों का मिलान करना; एक त्रत प्रा हुन्ना कि उसके त्याग न त्यागते दूसरे का प्रारंभ करना, जैसे उपवाम पूर्ण होतेही एकलठाणे के प्रत्याख्यान कर लेना: प्रत्याख्यान का एक भेद A variety of Pachchakhāṇa; joining together of two Pachchakhāṇas (vows) i.e. to undertake another vow at the end of the first प्रव० १६१.

कोडीचरिस. न० (कोटिवर्ष) क्षाउदेशनुं ओ नाभनु ओड नगर. नाटदेश का इस नाम का एक नगर A city of this name of the country Lata पन्न० १;

कोडीवरिसिया. स्री॰ (कोटिवर्षिका) ओ नामनी ओं शाभा. इस नाम की एक शाखा A branch of a certain lineage कप्प॰ =;

कोहंबि ति॰ (क्टुम्बिन्) भहे। शा धुरु भ पाणा. वडे कुरुम्य वाला (One) of a big family ठा० ३, १, श्रामुजी ० १३ १; जीवा॰ ३, ९;

कोइंविणी स्रो॰ (कोटुम्बिनी) ६८ भनी स्त्री कृटुम्ब की स्त्री॰ A female member of a family (२) हासी. दामी a maid servant नग॰ ११, ११,

कोंडुवियः पुं॰ (कींडुम्बिक-कृटुम्बस्याधिपतिः कौंडुम्बिकः) ६ रृंणते। नायः कुटुम्ब का श्राधपति नायकः. The head of a family. श्राणुजो॰ १६; राय०२५३; पन्न० १६; भग०२, १; ७, ६; उवा०१, १२: नाया०१६; जं०प०(२) सेव५; ६००१री. (२) सेवक; हजूरी a servant, an attendant. दसा०१०,१, कप्प०४, ५७; —पुरिस पुं० (-पुरुष) ६९ णते। भाणुस; ६लुरी, सेवंश. कौटुंम्विक मनुष्य, हजुरी; सेवक. an attendant of a family. नाया॰ १; =, १४, अग॰ ६, ३३; विवा॰ ६; निर॰ १, १; दसा॰ १०, १; क्ला॰ ४, ५७:

कोड्समा पुं॰ (कोट्रपक) ओड ज्यातन धान्य; डेशन्स एक प्रकार का धान्य. A kind of corn. भग॰ ६, ७, प्रव॰ १०१३,

कोढ पुं॰ (कुष्ट) એક પ્રકाરના રાગ; કाઢ. एक प्रकार का रोग; कोढ. A kind of disease; leprosy नाया॰ १३.

कोढि त्रि॰ (कुष्टिन् —कुष्टमष्टादशमेटमस्या-स्तीति कुर्षी) दै। दे। वाणा, डे।ढीये।; कोढ रोग वाला, कोढिया (One) having leprosy पराह० २, ५; स्त्राया० १, ६, १, १७२.

कोगा. पुं॰ (कोगा) पीला प्रभावनी हाथै। बाना बनानेका दस्ता. The key note of a musical instrument राय० १३०; (२) भुला कोना. a corner; an angle प्रव० ६८२; जीवा० २, १; म० प० १, श्रोघ० नि० भा० १६२,

कोगाल पुं॰ (कोगाल) छव विशेष जीव विशेष. A kind of living creature जं॰ प॰

कोणालग ५० (कोणालक) ओ क ज्ञातनुं पही। एक जानि का पत्ती. A kind of bird परह० १, १;

कोशिय. पुं॰ (कोशिक) श्रंपा नगरीना राजा. श्रेशिक राजा का पुत्र. The king of the city of Champa; the son of the king Śrenika नाया॰ १ - ६, १६: नग॰ ७, ६,

कोतव न (कौतव) ६ हरना वाणिन भनावेक्ष भत्र चृहे के बाल का बनाया हुआ मृत. A thread made of the hair of a rat अगुजी। ३७;

कोत्तिय. पुँ॰ (कात्रिक) भूभ पर शयन डर-नार; नापसनी ओड जान. भूमि पर सोने वाला; तपस्वी की एक जाति One who sleeps on the floor. निर॰ ३, ३; भग॰ ११, ६; श्रोव॰ ३०;

कोत्था. त्रि॰ (कोत्स) इत्स गेत्रभां उत्पन्न थयेल पुरुष-शिवसूति वगेरे कुत्स गोत्र में उत्पन्न पुरुष शिवभूति ब्रादि. Sivabhūti etc. bom in Kutsa lineage. टा॰ ७, १;

कोत्था. पुं॰ (कोष्ट) हाहै।, १९६२ भहेथ. कोठा; उदर प्रदेश. The stomach; the belly. नाया॰ १; हत्था त्रि॰ (-हस्त =कोष्टे उदर भदेशे हस्तो यस्य स तथा) १९६२ ५२ ६१थ छे केने। कोवे। जिसका छाता पर हाथ है वह. (one) with his hand resting on the breast "गिष्या यार करेणु कोरथ हत्थी" नाया॰ १;

कोत्थर. पुं॰ (🌣) अहनी अभेति. फाड की कोचर. A cleft in a tree. सु॰ च॰ १४, १६;

कोत्थल पु॰ (﴿ ﴾) थेने। डे।थणा गुण; यैला. A big bag. उत्त० १६, ४०; कोत्थलगारिश्रा. स्त्रं।० (कोस्थलकारिका) डे।थसा को नुं धर करनारी अभरी मिट्टी का घर बनाने वाली भमरी A fly which builds a house of the shape of a bag. श्रोघ॰ नि॰ २६२,

कोत्थलबाहगा. स्री० (कोस्थलवाहिका) त्रण धिरियवाणा अवनी ओह जात त्रण इंदिय वाल जीव की एक जाति. A kind

of three sensed creature. पन १; कोत्युम. पु॰ (कोस्तुम) टे१६नुं आलर्ज् गने का आभूपण. An ornament for the neck. a necklace. (२) कृष्ण वासुद्देग्ना हे१२तुभ नाभनी मण्डी. कृष्ण वासुदेव की कोस्तुभ नाम की मान. a gem so named of Kiispa Vāsudeva, पन १, ४;

कोत्थुह पुं॰ (कोंस्तुम) अगीयारभा तीर्थ-धरता १ क्षा गण्धरतुंताम ग्यारहवें तार्थकर के १ ने गणवर का नाम. Name of the 1st Ganadhara of the 11th Tirthankara. प्रव० ३०६:

कोशुंभवच पुं॰ (कौस्तुम्भवसंस्) क्षेथभरी. कोथमीर A kind of vegetable. निसी॰ ३, ८ :

कोइंड न॰ (कोइएड) धनुष्य. धनुष्य A. bow "कोदंड विष्प मुक्केण उसुणा वाम पार्देविद्धे समासो।" श्रत० ५, भग० ७, १. कोदाडेय पु॰ (कुदएडक) इत्सित ६८; अथीव्य ६५. कुल्सित दराङ, श्रयाग्य दग्ङ. Inadequate punishment भग॰ ११, १९; कोदसग. पुं॰ (कोरदृषक) ओं इनतनु धान्य. '\$त्हरा एक जाति का धान्य; कोदरा. A. kind of corn. भग॰ २१, ३; पन॰ १; कोह्व पु॰ (कोड़व) डे।६रे।; એક જાતનું ६ भंद धान्य एक जाति का इलका धान्य, मोदरा. A kind of corn of inferior नि॰ भा॰ ३०७, पि॰ नि॰ १६२; मग॰ ६, ७, २३, ३; जं० प॰ सूय० २, २, ११; य० ७, १; प्रव० ६८२; १०१३; कोदाल. ९० (कोद्राल) એક જાતનું पृक्ष.

* लुओ। पृष्ट नम्पर १४ नी प्रती प्रतीत (*) देखों षृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

एक जाति का कृत्त. A kind of tree जं पर

कोद्दालग पुं॰ (कोद्दालक) अहे न्यतनुं आड. एक जाति का फाइ. A kind of tree. भग॰ ६, ७, जीवा॰ ३, ३;

कोद्दालिया. स्रं (कुहातिका) ३६।ऽ।. कल्हाडी. An axe. विवा ? ३;

कोत्पर. पुं॰ (कृपेर) हे। धी. कुहनी; कोना
The elbow. पंचा॰ ३, १६: खाँघ॰ नि॰
भा॰ २६६; विवा॰ ६, (२) नदीने। हे।तर.
नदी की गुफा-दर the cleft or
hollow in the river. खोंघ॰नि॰३॰,

कोमल त्रि॰ (कोमल) सुकाभवः भृदः सुका-मल, मृद्र Soft; delicate नंदी॰ ४२; मग० २, १; ११, ११; नाया॰ १; २; श्राणुजी ०१६; श्रोव० विवा० ७; राय० (२) भें अलन् हरेश एक जाति का हिरन, a kind of deer, राय॰ २३=: - श्रंगी. स्रो॰ (-श्रंगी) डामस अंगवाणी केामल अंगवाली a woman having a delicate body. नाया॰ =: --श्रांवि-लिया स्रो॰ (-म्राम्लिका) अथी आंवसी જેમાં આંબલીયા ન થયા હાય તેવા દાતરા. कच्ची श्रांमली. जिस में गुठला पैदा न हर्ड है। ऐसी इसली. a kind of law fruit having sour taste. 370 281; —तल. न॰ (-तल) है।भक्ष पशनु तणीयुं कामल पान की तली the sole of a

कोमिलिया श्री॰ (कोमिलिका) सुके। भेश श्री. सुकोमल स्त्री A delicate woman. नाया॰ १६:

delicate feet. भग॰ १. १:

कोमारभिञ्च. न॰ (कोमारमृत्य) इभारते क्षीरादि हेथीरीते पेएयुं तेनुं वर्षा न केमां छे अपेवुं शास्त्र कुमार का चीरादि सं किस प्रकार पोषण करना इस का साझ A

science dealing with the ways of nourishing the children with milk etc विवा ः

कोमारी. ली॰ (कीमारी) धुमार अवस्थामां दीक्षा लीघेल साध्यी; णालध्यम्ख्यारिणी. बाल्यावस्था में दीक्षित हुई आर्जिका; बाल जम्हचारिणी. A woman initiated from the very childhood. भग॰ १५, १;

कामुई स्रा॰ (कोमुदी) धर्नधी पूर्धिमा कार्तिककी पृथ्यिमा. The full-moonday of the month of Kartika. ज॰प॰ नाया॰ २: (२) ચંદ્રપ્રભા; ચંદ્ર-ल्येत्स्ना, चंद्रप्रमाः चंद्रज्योत्स्ना the moonlight. श्रोव॰ - जोगजुत्त. पुं॰ (-योगयुक्त) धार्तिक भासनी पुनभना ये।अ वादी। कार्तिक माम की पूर्णिमा के योग बाला (चंड्र) (the moon) coexistent the full moon-day of the month of Kartika, इस॰६, १, १५:- शिसा श्री॰ (-निशा) धार्ति । भासनी पुनभनी शत्रि. कार्तिक मास की पूर्णिमा की रात्रि. the night of the fullmoon-day of the month of Kārtika, नाया॰ १.

कोमुईयभेरी. बी॰ (कोमुदिकभेरी) है। भुिं अत्सवनं श्रेड वालि त्र. कीमुदी महोत्सव का एक बाजा A kind of musical instrument नाया॰ थः

कोमुदिया. स्नी॰ (कीमुदिका) डे। भुदि डा भेरी; ले। डे ने भण्यर आप्या माटे महोतस्य प्रसंगे यगाउपानी भेरी वालित्र कोमुदिका भेरी; लोगा की सूचना देने के लिये महोतस्य के समय बजाने की भेरी-बाजा. A kind of musical instrument which is played upon at the time of some ceremony for giving notice to the people विशे १४७६; कोमुदी. स्रं (कोमुदी) यान्त्रनी. घांदना. Moon-light. जोव ०३,३;

कोयच न० (कोयत) डे।यप देशना पर्अनी
ओं इ जात. कोरात देश के वस्त्र की एक जाति.
A kind of cloth of the Koyava
country. नाया०१०: श्राया०२, ६.१,१७४;
(२) डे।यन नाभने। ओड देश कोयत नाम
का एक देश. a country of this
name. प्रत्न० १६६८;

कोयिव पु॰ (कोयिव) रू-धापुसथी लरेब २०१४; शुर्टी. कपास से भरीहुई रजाई. A quilt.प्रव॰ ६=४;

√ कोर. था॰ II. (कर्) है।रहुं; है।तरहुं. स्रोदना; कुतरना. To carve. कोरेड्रे. निसी॰ १४, ४६:

कोरिय. सं० कु॰ निसी॰ १८, ४६; कोरावेड. पं॰ निसी० १४, ३०;

कोरंट. पुं॰ (कोरण्ट) है।२-८ न्यतनं ओह
अड; पुसना भुव्छावाणं ओह पृक्ष कोरंट
जानि का एक माइ, फूल के गुच्छेबाला एक
युन्न. A kind of plant bearing
flowers in clusters. पन्न॰ १: भग॰
७, ६; श्रोत्र॰ ३१; नाया॰ १: राय॰ ५४;
६६; उवा॰ १, १०; ज॰ प॰ ५, १२२;
— पन्त. न॰ (-पन्न) है।२ं८ वृक्षना पांदडां.
कारंट युन्न के पन्त. the leaves of a
Koranța tree. नाया॰ =; — वेट.
पुं॰ (वृात) है।२ं८ वृक्षनं ही हुं-भिंटडुं
कोरंटयुन्न का बाट. the stem of a
Koranța tree. मग॰ ४२, १;

कोरंटग. पुं० (कोरएटक) लुओ "कोरंट" शुण्ट. देखो "कोरंट" शब्द. Vide. "कोरंट" मग० २२, ५:

कोरणा न॰ (कोरण) है। तरवं ते नकासनाः

कोरना. Carving. निर्मा॰ १८, १४, कोरच पुं॰ (कोरक) हे।२; भंगरी. मंत्रग. Pollen. (२) हेथि. कत्नी. क bud ठा॰ ४, १;

कोरच. पुं॰ (कारच) धुरुवंश. कुहवंश. The Kuru family. (२) ते वंशमां ल्ल्भेश. उस वंश में उत्पन्न. a person boin in this family. भग॰ ६, ३३; पन्न॰ १: राय॰ २१=;

कोरिब या. स्रं (कोरिबका) पर्ण आमनी श्रीक्ष भुक्ता. शह्ल श्राम की दृस्री मूहना. The second note of the musical scale. श्रणुजी १३=;

कोरव्य पुं॰ (कौरन्य) हुइ वंशभा ७८५% थ्येश. कुठवंश में उत्पन्त. One born in a Kuru family. श्रोव॰ १४; मग॰ २०, =; जीवा॰ ३, १: भणुवी॰ १३१, प्रव॰ १२२३;

कोरिव्या. स्त्री॰ (कौरिंक्का) प्रक्र आमनी भीछ भूर्जना. पह्ज ज्ञाम की द्सरी भूईना. Known as Śadaja. ठा॰ ७, १:

कोरिंग. पुं॰ (कोरङ्ग) એક જાતનું પक्षी. एक जाति का पत्ती. A kind of biid. पगह॰ १. १;

कारिंट. पुं॰ (कोरयट) એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का माइ. A kind of tree. कप्प॰३, ३७; ४,६२; जीवा॰ ३, ४; जं॰प॰ कारिंठग. पुं॰ (कोरयटक) એક જાતનું પ્राष्ट्री. एक जाति का प्राणो. A kind of creature. जं॰ प॰

कोरिंटय- पुं• (कोरएटक) એક लातनुं आड. गेदा; हजारा. A kind of plant. पत्र०१; कोरित्लग्र. ति॰ (कोरितक) धुणा छवे। अ डेग्री भाधेलुं; तुरी पुरी छर्ण थयेलुं. बुन जोवों ने कोर वर खाया हुआ; दूरा फ्टा জার্যা. destroyed by insetes which feed themselves by carving a substance যাত ২৭৬,

कोल. पुं॰ (कोल) धुछे।, ७६५; ४१८। वर्गरे. धुन, उदई; चिउंटी इत्यादि. Insects e g white ants etc. आया॰ १, ८; ७, १७; (२) थे।२. वेर. berry. दस॰ ५, २, २१; श्राया० २, १, ८, ४३; पिं० नि० ५६१; (३) ५५५२; लुंड. सुत्रार. ११ pig. परह॰ १, १; उत्त॰१६, ४४; नाया॰ १: -- श्राद्भिग न० (- श्रास्थिक) थे। रने। हरीये। वेर की गुठली. a stone of a berry. भग॰ ६, १०, — श्राचास पुं॰ (–স্মাবাस) धुણાનું રહેઠાણ; ઉધાઇનું સ્થાન. घुन के रहने का स्थान; उदई का स्थान. residing place of insects e g. white ants etc निर्सा० ७. २१: १३. ४; - चुरारा न० (- चूर्ग) भे।रतुं शूर्धाः ખાર કુટ્રા बेर का चूर्ण; बेर कुट्टा. હ powder of berry fruits. दस॰ प्र 9, 69,

कोलंब पुं॰ (कोलम्ब-नतद्युमाप्रभाग) नभेदा अंद्रनी शाभानी अश्रक्षांग क्रुके हुए काड़ की दाली का श्रव्रभाग. The front part of a branch of a tree which is bent विवा॰ ३:

कोलघरियः त्रि॰ (कौलगृहिक) धुसधर सभ्यन्धी. कुलघर सम्बन्धाः Relating to father's house "कोलघरिए पुरिसे सहावेइ" उवा॰ =, २४२.

कोलव न॰ (कौलव) डै। अब नामनुं तीर्लुं डरणु, हरेड मासना शुड्ड पक्षमां छह अने तेरसने दिवसे तथा णीळ अने नामनी राते, नथा डृष्णु पक्षमा पांचम अने जाहमनी राते दिवसे तथा औडम अने आहमनी राते आवर्तु. सात यर डरगुमां नुं त्रीर्लुं डरणु Vol 11/68

कौलव नाम का तीसरा करण; प्रत्येक माह के शुक्ल पच की छठ श्रीर तेरम के दिन तथा बीज श्रौर नवमी की रात, तथा कृष्ण पत्त की पांचम श्रौर बारस का दिन या एकम श्रौर श्राठम की रात पर श्रानवाला, सात चर करणों में से तीसरा करण The third Karana (division of the day) called Kaulava; the third of the seven moving (changing) divisions of the day, occurring on the 6th and the 13th day and on the night of the 2nd and the 9th day of the bright fortnight of every month; as also on the 5th and the 12th day and on the night of the 1st and the 8th day of the dark fortnight. ज॰ प॰ ७, १४३; विशे० ३३४=;

कोलवाल पुं॰ (कोलपाल) धरेकुन्द्रना भीका क्षेत्रधासनु अने भूतानंद धंद्रना क्षेत्रधामनु नाम. धरेणद्र के दूसरे लोकपाल का स्रोर भूतानंद इंद्र के लोकपाल का नाम The name of a Lokapala, the second of Dharanendra and of Bhūtananda ठा० ४, १; भग० ३, ८, जं॰ प० कोलसुणश्र–य. पु॰ (कोलसुनक) भेरिट्रं सु०२२. वडा सूत्रर. A big pig श्राया॰ २, १, १, १७;

कोलसुण्ग पुं॰ (कोलशुनक) भे। दु धुडेडर.
वडा सुत्रर (भस्डा). A big pig
पन्न॰ १, जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ पग्ह॰ १ १;
कोलालिय पुं॰ (कोलालिक-कोलालानि मृद्भागडानिपण्यमस्येति कोलालिकः) भाटीना
पास्र वेयनार; डंकार मिद्रों के वरतनों का
न्यौपारा, कुमकार A potter प्रागुजो॰

१३१; पन्न० १; उचा० ७, १६४; कोलाह. पुं० (केलाम) એક न्नतनी हेखुवाशी सर्प एक जाति का फनवाला सर्प A kind of hooded serpent. पन्न० १;

कोलाहल. पुं० (कोलाहल) शार णहार; असराट कोलाहल; ह्लागुला. An uproar; bustle. नाया० १६; उत्त० ६, ४; स्रोव० २४; जं प० पन्न० २; " स्पय कोलाहलं करे " सूय० १, ६, ३१; भग० ७, ६; उना० ६, १३६; —िपय. १२० (-िप्रय) हालाहल छे प्रिय केने ते. जिम कोलाहल प्रिय है वह. (one) appre ciating bustle. नाया० १६;

कोलाहलगभूय. त्रि॰ (कोलाहलक भृत -कोलाहल एव कोलाहलकः स भूतो जातोऽ-स्मिन्तत् कोलाहलक भृतम्) डेश्याद्य भय. कोलाहल साईत Full of bustle. जं॰ प॰ २, ३६; भग• ७, ५;

कोलुएए। न॰ (कारुएए) हथा; ४२ छा। द्या; करुए। Мөгсу; pity. निर्सा॰ १२, १; —पडिया स्त्री॰ (-प्रतिज्ञा) अनु ४ पा निभित्तः ४३ छ। भाटे द्या के लिये; करुए। र्या के लिये; करुए। र्या के शिर करुए। निर्सा॰ १२, १६

क्ष कोलेजा. स्रं (श्रवोवृत्त खाता कारके िष्टका विशेष) नीचे भाटबी अने उपर भाष्ट्रना आधारनी देही नीचे बोतल श्रीर ऊपर खन्दक के श्राकर वाली कोठी A conical shaped pot श्राया॰ २, १७, ३७,

कोन्न. पुं॰ (कोल) डे। अष्टक्ष. कोलगृत्त. A Kola tree. कप्प॰ ३, ३७;

कोल्लाय. पुं॰ (कोल्लाक) डे। द्वाक्ष नामनी सिनिवेश-गाम. कौलाक नाम का संनिवेश-ग्राम A neighbouring village named Kollāka. भग॰ १४, १; उवा॰ १, ८०; कोव. पुं॰ (कोष) क्वांध, है। प कोव; कोष.
Anger; enragement. पिं॰ नि॰२१२;
सम॰ ५२; भग॰ १२, ४; —घर. न॰
(-गृइ) हे। प हरवांनुं धर, रीसाधने भेसे
ते स्थान कोष स्थान; कोवित होकर नहां जा बंठे वह नगह. resorting place
of one who is enraged विवा॰ हः
—सीलया. स्रा॰ (-शीनता) है। धी स्थलाय
कोषी स्थान. high temperament
ठा॰ ४, ४;

कोविश्र-य. त्रि॰ (काविद) ५ंडित पंडित. Learned. श्राया॰ १, ४, १;

कोस. पुं॰ (कोश) गाउ. भे इन्तर धनुष्य प्रभाश क्षेत्र, हे।स गाउ: दो हजार चनुष्य प्रमाण चेत्र; कोस. A distance of two miles; a distance equal to 2000 Dhanusyas (a measure of length) उत्त॰ ३६, ६१; श्रोव॰४२; जं॰ प॰ भग॰ २, ८, पत्त॰ ३६; जीवा॰ ३, १; प्रव॰ ४६२; (२) आ भने। डे।देग स्रांख की पुतर्ती: the pupil of the eye. श्रयात्त ३, १; (३) लघुनीत-पेशाय करवानुं क्षाम. लघुनीत-पेशाच करने का वर्तन. & pot for passing urine in. स्य॰ १, ૪, ૨, ૧૨; (૪) અધામુખ કમલને આકારે ગર્ભાશય:; गर्भ स्थान. a womb तंदु॰ =; (५) लडार; भगनीः भंडार; खजानाः छ store; a treasury. जं॰ प॰ ७. १६४; शय० १६२; २०६; २२२, २८२; नाया० १; १४; निर० १, १; भग० ११, ६; उत्त० ६, ४६, श्रोव॰ कप्प॰ ४, ५६; (६) अभसने। कमल की फर्नी. pod. पचा०३, १६; --इग न० (-दिक) भे गाउँ दो कोस. two miles प्रव॰ =१६; —श्रगार पुं॰ (-श्रगार) लंऽ।२; **ખ**જાના. भंडार: खनाना treasure;

store. जं॰प॰ — श्राकार. पुं॰ (-आकार) **५भ**य हे।शनी आहति. कमल की फली सी श्राकृति. the shape of a lotus pod. पंचा० ३, १६:

कोसंब पुं॰ (कीशम्ब) दारधाथी पांडु भथुरा જતાં વચ્ચે આવતું એ નામનું એક વન કે જેમાં જરાકુમારે કૃષ્ણુ મહારાજને હરણની श्रातिथी पाश भार्थुः द्वारका से पांड मथुरा जाते समय मार्ग में श्राने वाला एक वन जहां जराकुंवार ने कृष्ण महाराज को हिरन समक कर बान सारा था. A forest of this name situated between Dwarakā and Pandu Mathurā, where JarāKumāra had struck Krisna Mahārāja taking him to be a deer through mistake. श्रंत॰ ५, १; (२) ओ नाभनं ओड अड इस नाम का एक साइ. a kind of tree पण %: (3) डेाशाम्य अरतुं ६८० कोशाम्ब नामके माड हा फल. a fiuit of Kośāmba tree भग० २२. २: --गंडिया. श्री॰ (-गरिडका) हे।शभ्य वृक्षनी गांध्वाली લાકડी. कोशम्ब मृत्त की गांठवाली लकडी. a stick of Kośamba tree having knods भग० १६, ४;

कोसंविया. ह्या॰ (कौशाम्बिका) ओ नामनी એક શાખા. इस नाम की एक शाखा. An offshoot of this name access

कोसंबी. पुं० (कौशाम्बी) ये नामनी ओक नगरी; व्यताथी भुनिनुं भूण वतन. इस नाम की एक नगरी, श्रनाथी मुनि का मूल निवास स्थान. Name of a city, the residing city of the ascetic Anathi निसी० ६, २०; भग० १२, २; वेय० १, ४६; उत्त० २०, १८; नाया० घ० १०; पत्र० १; कोसग. पुं॰ (कोशक) એક જાતનું हाभ-

पासण. एक जाति का वर्तन. A kind of pot. " सरावं सिवा दिंदिमंसिवा कोसगं सिवा " श्राया० २, १, ११, ६२; प्रव०६८३; कोसल पुं॰ (कोशल) डे।शस देश; श्रीवृशल-દેવ ભગવાનના ચાેવીશમાં પુત્રના ભાગમાં आवेस देश. कौशल देश: श्री ऋपभदेव भगवान के चौवीसवें पुत्र के हिस्से में त्राया हुआ देश. Kośala country; name of the country which came as a part of property to the 24th son of Śrī Risabhadeva. দলত १, नाया० ६; कप्प० ५, १२७; — जागावय. पुं० (-जानपद्) डेाशस देश. कोशल देश. the Kośala country. भग १४, १; कीसलग. त्रि॰ (कोशलक-कोशला श्रयोध्या तजनपदोऽपि कोशला, तत्सम्बन्धिनः को-शलका:) डेश्शस देशवासी, कौशल देश निवासी A resident of Kosala पिं नि॰ ६१६; भग० ७, ६; १४, १: ठा० ५, २;

कोसलिश्र-यः ति॰ (कोशलिक-कुशला-विनीता श्रयोध्या, तस्या श्रधिपतिस्तत्र भवीवा कौशलिकः) डेारास देशमां जन्मेस. कौशल देश में उत्पन्न. (One) born in the country of Kośala (3) અયાષ્યા નગરીના અધિપતિ-રાજા. શ્રयोध्या नगरी का अधिपति-राजा. the king of Kyodhyā. जं प २, ३०; ३१;

कोसिश्र-य पुं॰ (कीशिक) है।शिह नाभनुं. गात्र कोशिक नाम का गोत्र. A lineage of this name. नंदी॰ २४; सू॰ प॰ ११; ટા ૰ ૭, ૧; (૨) ત્રિ કાશિક ગાત્રમાં **ઉ**त्पन्न थ्येक्ष कीशिक गोत्र में उत्पन्न. (one) born in a Kouśika lineage. ठा० ७, १; जं० प० ७, १५६;

कोसिकार पु॰ (कोशिकार) એક જાતના

रेशभने। डीडा. एक जातका रेशम का कींडा. A kind of silk-worm, प्रह॰ 9, 3;

कोसिजा. न॰ (कोशेय) रेशभी वस्त्र. रेशमी कपडा. Silken cloth. जं॰ प॰,

कोसी. स्री० (कौशी) डेाशी नामनी नहीं डे के गणामां भणे छे. कौशी नाम की नदी कि जो गंगा में मिलती है. Name of a river which joins the Ganges. ठा० ५, ३; उवा० २, १०१;

कोसी. स्त्री॰ (कोशी) तसवारनी भ्यान. तलवार का कोश; म्यान. A sheath. स्य० २, १, १४;

कोसेजा. न० (कोशेय) रेशभी वस्त्र रेशमी वल. A cloth made of silk. सम॰ प० २३=; परह० १, ४; श्रोव० जीवा० ३;

कोह. पुं॰ (क्रोध-क्रोधनं कुध्यति वा येनसः क्रोध.) हे। धः रे। षः शुरुसे।. क्रोधः गुस्साः रोष. Anger; rage. नाया॰ १; ५; सु० च० ३, १६१; भग० १, ६; ७, १; १०; १२, ५; दस० ४; ६, १२; ७, ५४; पि० नि॰ ६३; ४०६; श्राया॰ १, ४, ६, १६४; ठा० १, १; २, १; उत्त० १, १४; ४, १२; ६, ३६; दसा०४,८२;६,४; निसी०१३, ६६; श्रोव०१६,३४: विशे०१०३४, पञ्च०१४;स्य० २,४, १२;भत्त•६=;१४१; प्रव०४४७;श्रोव० ३, १; क० प० २, ६७; क० गं० १, १६; पंचा०१, १०;--- उदयशिरोहः पुं० (-उद-यनिरोध) क्रे।धना अध्यते रे।क्रेवा. क्रोध का उदय न होने देना. checking of anger. भग० २४, ७; — उवउत्तः त्रि । (-उपयुक्त) है।धना ઉપયાગવાળા; ફ્રાધી. क्रोधी उपयोग वाला; कोधी. enraged; angry. भग॰ १, ५; —कसाश्च-य पुं॰ (-कपाय) £ाध-गुस्सा ते रूप **५पाय. कोध-गुस्सा** वह रूप वाली कपाय a passion in the

form of anger. ठा० ४, १; सम० ४; भग० २४, १; क० गं० ४, १४; श्रोव० ४, ण्; —कसाइ. पुं॰ (-कपायिन्) हे।ध કपायवाली; क्रेाधी. क्रोध कषायवाला; क्रोधी. a person possessed of anger. भग० ६, ४; १६, १; १८, १; ३४, १; —जुन्नाल. न० (-युगल) हे।धतुं જોડું-યુગલ; અપ^રચખાણાવરણીય ફ્રેાધ अने पय्यभाषावरणीय है।ध. क्रोध की **अप्रत्याख्यानावर**णीय जोडी-युगल; श्रीर प्रत्याख्यानावरणीय क्रोध. a pair of Pratyākhyānāvaraņīya and Apratyākhyānāvaranīya anger. प्रव॰ ७१॰; — निग्गहः पुं॰ (-निप्रह) हे।धने। निश्रह वरवे। ते. कोध का निप्रह करना. checking of anger. प्रव॰ ५५६; —निव्वत्तित्रः त्रि॰ (-निर्वर्तित) हे। ध थी निष्पन्न थ्येस. क्रोध से निष्पन्न. produced, born of anger. তাত ধ, ধ; —पिंड पुं॰ (-पिएड-क्रोधः कोपस्त-द्धेतुकः पिराडः कोघिपर्यडः) डे। ४५७। साधु विद्या के तपने। अलाव न्शांवी राजवस्सलः પહુંકે પાતાનું ખલ જણાવી આહાર લ્યે તે; आक्षारते। ओक देश. कोईमी साधु विद्या या तप का प्रभाव दिखाकर या राजवत्नभता श्रीर श्रपना बल दिखा श्राहार ले वह श्राहार; श्राहार का एक दोष. accepting of food by exposing some miracle or superhuman power or the royal patronage; a fault connected with receiving food. पिं॰ नि॰ ४६२; — मुंड. त्रि॰ (-मुएड) है।धना निश्रह करनार. क्रोध का निग्रह करने वाला. (one) who checks anger. ठा॰ ४, ३; — वसट्ट. त्रि॰ (-वशार्त) ક્રોધથી પીડિત; ક્રેાધને વશે આર્ત-દુઃખી

थयेल. कोध से दु खित; कोध के कारण श्रार्त-दु:खी. afflicted with anger; given to anger. भग॰ १२, १; — विउस्सग्ग. पुं० (- ज्युत्सर्ग) हाधना त्याग. क्रोध का abandoning of anger. २५. ७: --विज्ञश्र-य (-विजय--क्रोधस्य विजयो दुरन्तादि परि-भावनेनोदय निराधे क्रोधविजयः) है। धने अत्वा ते. हाधते अरहाववा ते. क्रोध को जीतनाः कोध को रोकनाः conquering of anger; victory over anger. उत्त॰ २९, २, - विवेग. पुं॰ (- विवेक) क्विधिनी त्याग. कोध का त्याग. abandoning of anger. " एगें कोह विवेगे " ठा० १, १, भग० १७, ३; सम० २४; -सरागा स्त्री॰ (-संज्ञा- क्रोधोदयात्तदा वेशगभी प्ररूच मुखनयनदन्तच्छदस्फरणादि चेष्टेव संज्ञायते अनयति क्रोधसंज्ञा) क्षेष માહનીયના ઉદયથી ક્રાધિ મનુષ્યના મુખ નેત્ર દાન્ત વગેરે અગા ધ્રજે છે તે. ક્રાધ મંત્રા. कोध मोहनीय के उदय से कोबी मनण्य के सुह, नेत्र, दंत श्रादि अगी का धूजना, कोध संज्ञा trembling of face eyes, teeth etc., of a man who is enraged. भग० ७, ८; ठा० १०; पन्न० ४; कोहंगक पुं॰ (क्रोधाइक) એક जातन पक्षी एक जाति का पत्ता A kind of bird. श्रोव०

कोहंड. पुं॰ (क्ष्मागड) કહેાળું; દુધी, लौकी; तुम्बी. A white gourd.

श्रगाजी० १४३, प्रव० ११४५; कोहरा. त्रि॰ (क्रोधन) क्षारी क्षारी तभी जनार; ક્રાંધી; અસમાધિતું નવમું સ્થાનક સેવનાર. चण २ पर कोध करने वाला: कोधा: श्रस-माधि का नवां स्थानक सेवने वाला. (One) getting angry every moment; (one) undergoing the 9th stage of uneasiness due to anger. स्य० २, २, १८; उत्त० २७, ६; सम० २०; कोहि. त्रि॰ (कोधिन्) क्रेपियाली; क्रिपी. कोधी; क्रोध वाला Angry; enraged. श्रुगुजो॰ १३१; क॰ गं० ४, ४३; कोहिल्ल. त्रि॰ (कोधवत्) क्विधिने।; भारीने।; अेरी कोधी; जहरी; डाही Angry; enraged. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ १३३; √िक्किण घा॰ I, II (क्री) वैयातुं क्षेतुः भरीहवं. विकता हुआ लेना, खरीदना. To purchase; to buy किएड निसी० १४, १; १६, १, किसाइ पि० नि० ३५% कियो. वि॰ श्राया० १, २, ४, ८५; किंगा व० क्र० सूय० २, १, २४; किंग्त. उत्त० ३४, १४; सु० च० १४, १७६; किए।वेइ. प्रे॰ निसी॰ १४, १, १६, १; किखावए. प्रे॰ श्राया॰ १, २, ४, ८८, किणावेमाण प्रे॰ सूय २, १, २४;

√क्खोड. धा॰ I (ं) निषेध કरवे। त्यागना. To abandon, to reject. स्रोडिजंति. भग॰ १३, २;

किज्जन्तु प्रे० परह० १, २;

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटनीट (+). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनीट (+). Vide foot-note (*) p. 15th.

ख.

ख. न॰ (ख) व्याक्षाशः श्राकाशः श्रास्मान. The sky. " खे सोहड़ विमले श्रहम-सके "दस॰ ६, १. १५; (२) धिदिय. इंदिय. an organ:a limb विशे • ३ ४४५: खन्न-य न॰ (इत) धाः क्रभभ घावः जखम. A wound, सु० च० ७, २१४: खद्दः त्रि॰ (इस्मिन्) क्षयरे।गवादी। जद रोगी Consumptive. सु॰ च॰ १३. ५४: खद्दश्र-यः त्रि (चायिक) ४२भ अधिते। ક્ષય, સમલગા નાશ કરવાથી ઉત્પન્ન થતા भाव-डेवस जानाहि क्षायि**ड भाव. कर्म** प्रकृति का चयः समूल नाश करनेसे उत्पन्न होने वाला भाव-केवल ज्ञानादि चायिक भाव. Complete destruction of Karmic natures. पि॰ नि॰ १४८: श्रगाजी० ६८: भग० १४. ७: २४. ६: विशे० ४२८: प्रव० ६५७; १३०४; क० गं० १ १५: ३. २०: ४, १६,

खइयः त्रि॰ (चापित) भगावेक्षं, क्षय धरेक्षं. नारा कियाहुश्रा, चयकियाहुश्रा Destroyed राय॰ २८३;

स्य त्रि॰ (खचित) ॰ डे(ड्रं जडा हुन्ना, पचीकियाहुन्ना. Inlaid; studded. श्राया॰ २, ४, १, १४५; उवा० ७, २०६;

खद्दयः त्रि॰ (खादित) भवायेक्षः भाषेक्षः खायाहुद्याः Tasted; eaten. पि॰ नि॰ १६२; पं० चा० १६, १३, श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ४८८; राय० २४८; पि॰ नि॰ ७३४;

स्तद्दर. पुं॰ (खदिर) भेरनुं आऽ. खेरका साड. A kind of tree known as Khera. सु॰ च॰ ७, ६४,

खडर. न॰ (खपुर) सांभारीना लाइडामांथी थनावेस तापसनुं पात्र. मपारीकी लकडी से बनाया हुआ तापस का एक पात्र. A pot for an ascetic made of the wood of a bettle-nut. विशे०१४६५: खडरिय त्रि॰ (🏇) भेशुं; डे। जुं मैला; गन्दला. Turbid; dirty पि नि॰२६२; सन्नोवसम् पुं॰ (इयोपशम) क्ष्याेपशभ ભાવ - કર્મના કાઇક ક્ષય અને કાંઇક ઉપશમ કરવા તે, અર્થાત ઉદયમાં આવેલ કમેના ક્ષય અને ઉદયમાં ન આવેલ કર્મના ઉપશમ **५२वे। ते. च्यापशमभाव-दर्मका कल्लेक ज्ञय** श्रीर कुछेक उपराम करना श्रथीत चय करना श्रौर उदय में न श्राये हुए कर्मका उपशम करना. Destroying of Karmas and forcing the unmatured Karmas to mature. विशे० १०४: श्रोव० ४; नाया० १, १४; भग० ६, ३१; पंचा॰ १, ३; उवा॰ १, ७४.

ख आंवसिम आ. न॰ (चयोपशामिक) क्षेथे। पश्म भावसे आप्त भित्तान आहि. चयो-पशम भावसे आप्त होनेवाले मितिज्ञान आदि. Intellectual knowledge etc got by the action of destroying the matured Karmas and forcing the unmatured Karmas to mature. आयुक्तो॰ ६६; ठा॰ २, १; नंदि॰ ६; भग॰ १४, ७; २४, ६; विशे॰ ४१७; क॰ गं॰ ६, ५०; प्रव॰ ६३६;

 $\sqrt{\dot{\mathbf{e}}_{\mathbf{q}}}$ धा॰ \mathbf{I} (कृष्) भेथवुं. खेचना. To stretch.

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (*). देखे। पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

खंच आ० सु० च० २, १८;
संज्ञण पुं०(खक्षन)गांडानी उध्या-गांडाना पैंडानी भेल-पैंडां इरवाथी घरी अपर क्याते। थीन अध्या होगा भेल. गांडेकी उंघन गांडे के पहियों का मैल—पहिये फिरने से धुरे पर जमनेवाला चिकना काला मैल. The dirty black grease of wheels. श्रोघ० नि० ४०१, क० गं० १, २; भग० ६, १; १२, ६, उत्त० ३४, ४; श्रोव० सू० प० १६०, (२) ओं अपन्तुं पक्षी. एक जात का पत्नी शिंदांती of bird. जीवा० ३, ४; (३) दीयानी भेल, हाकण दीपक की मेल, काजल. the snot of a lamp ठा० ४,२; पञ्च० १७; प्रव० ६५७,

√ खंड. घा॰ II. (खगड्) आंऽतु खांडना To pound

खंडेइ. सु० च० २, ३६४; खाडित्तर् हे० छ० नाया० ५; ८,

खंडिज्जंत. क वा॰ व॰ कृ॰ सु॰ च॰४,८२, खंड. न॰ (खराड) भाग; ४८ हा. भाग, दुकडा A division; a part. जं॰ प॰ ६, १२५; विवा० ७, विशे० १४६२, नंदी० ५०. पिं नि० ५१७; भग० २, ५; १०, ६, ३१, १२, २, नाया० १६, १७, उवा० १, ३४, भत्त॰ ६७, (२) वनभएड वनखड ध part of a jungle. नाया॰ ९. (३) भाऽ शकर, sugar उत्त० ३४,१४; जीवा॰ ३, ३; श्रग्जो॰ ६४, १३३, भग॰ १८, ६, पि० नि० २८३; जं० प० पत्र० १७; — घ्र-ह्या. पुं॰ (-घटक) पुटी गयेक्षे। घडे। फूटा हुआ घडा a broken pot नाया॰ १६, —पट्ट. त्रि॰ (-पष्ट) અપૃર્ણ લગડાવાલા, गरीय श्रपूर्ण वस्त्रो वाला, गरीय (one) possessing poor clothes (3) ध्यः लुगारी ठगः जुजारी a specula tor. विवा ०३, ६; — पडह. त्रि ० (-पटह) णे। भरा ढे। स्वाणे। फूटे ढोल वाला. (one) possessed of a broken drum. विवा॰ २; —पाणा. न॰ (-पान) भांऽतुं भाणी शकर का पानी sugar water. नाया॰ १७; —मस्तय न॰ (-मस्तक) सांगी गयेस भांसी-सरावसी फूटा हुआ प्याला, सरावला. a broken cup नाया॰ १६, —महुर. ति॰ (-मधुर) भाऽता के तुं भी हुं. शकर जैसा मीठा sweet as sugar. ठा॰ ४, ३,

खंडग. पुं॰ (खरहक) ५२% विजयना वैताख ઉપરના નવ કુટમાનુ ત્રીજા કુટ-શિખર. कच्छविजय के वैताह्य पर के नव कटों में का तीसरा कुट-शिखर. The third of the nine summits of the Vaitadhya mount in Kachchha Vijaya. जं० प० ६, १२४, (२) डर्मिस्थितिना ७५. ४४८। कर्मास्थिति के खंड-दुकडे prita, divisions of Kaima क॰ प॰ ७, ४८, —मह्मग. पु॰ (-मह्मक) लागी गयेल सरावसी; सागेस सहार फुटा हुआ प्याला श्रथना सिकोरा. a broken earthen cup नाया० १६; --विच्छेय. पु॰ (-वि-च्छेद) अर्भना स्थिति भएउने। विश्वेह-अलाव कर्मको स्थिति खंड का विच्छेद-श्रभाव, absence of a division of the duration of Karma, 30 40 U, 85;

खंडगप्पवाय पुं॰ (खरडकप्रपात) लुओ। "खडप्पवायगुहा" शण्ट देखी " खडप्प-वायगुहा" शब्द. Vide " खंडप्पवायगुहा " ठा॰ २, ३,

खंडगप्पवायगुद्दा स्त्री॰ (खग्डकप्रपातगुहा) ओवा नाभनी भरतना वैताक्ष्मनी भीछ गुद्दा, उत्तर भरतभांथी यक्ष्यनी ना सरक्षरने पाछे। दक्षिणु भरतभां आवाने वैत क्ष्य पर्यातनी

प²रे भूकर भाग[†], सहबयभात गृहा **ह**म गाम पा भरत के देताहा का दूसरी मुका-उपर भरतमे में बद्धता है, तहता की पाड़ा पश्चिम भाग से खोने की कैमाद्रा प्रकृत से का गुप्तार क्यां Name of the second cave of Unitadhya in Bharats the cave which is a returning way for the army of a Chakra-Varti from the anthera Bharata to the. southern Blunkta, "महत्त्ववाग गृहाएं बहु जीव गाइ " दा॰ त, मान ४०:

संस्थान प्रमुद्धाः स्रोक्ष (स्वयद्भवासपूरा)
वित द्या पर्यत वश्ले पूर्य व्याञ्चली केट भूता
केमाधी सहत्ती जित्तर अरलेके स्वाद्धा पर्यत संस्थापूर्व साम्रुधा एक मुका, जिसमे में सक्क सर्वा उत्तर भरत देश जीवसर पेट्स द्विण करत से प्राद्धते हैं. Name of a costora erve in the midst of the mount. Vaitadhya through which Chakravarti returns to southern Bharata after con quering the countries of northern Bharata अ. १९, ६,

रंतडण्यायगुहाकुष्ठ पुं॰ (सर्ह्मपानगुफा-क्ट) वितारपपर्वन उपरना नवहूरभांनुं वान्तुं इर शिभर, वितारय पर्वत के नवकूर में का तांगरा क्ट्-शिन्यर. The third of the 9 summits of the Vaitadhya mount, जं॰ प॰

खंडरक्य. पुं॰ (सयहरू) **धणी; धण**ी

तिनार, प्राणी, दाण राज्याता A custom importor, (१) है। स्थान, कोषयात, the head of the police, यणहरू ५, १, १; कोषर नामार ५०:

रोष्ट्रस्य लाग सन् (संस्थानम्) अस्ति पास् रंगति पासा, "The state of leting broken पंताक १४, १३:

मेंद्वरिंगी छान (मान्दर्वत) विकासनामें भाव वैनाधितनी श्रीनं नाम विकास गाम के भार मेंगायीत का साथा गाम. Name of the wife of Vijaya the head of thiever विद्यान के:

रोशायंति. ६० (साहासिष्ट) फेटेफेड १९८५५७ संह संहः द्रुष्टे द्रुष्टे, शिल्ताव सिता विकास "सांसमा लहानीद करेसि" एका २, ४४: नामा ४,

गेडाभदः एँ॰ (संग्रहेभद) ६८३ ६८६ वास्युं ते भाषा ६६६१ थाय तेथी रीने केहये ते. दुकड़ दृष्टे परमाः सह-दुष्टे होशोय इस तहसे एएन परमा Breaking or piere ing into pieces, पष्त- १९:

गांडिय. पुं॰ (नंतिहक) शिष्य: विद्यार्थी शिष्य, दाव, विद्यार्थी, A pupile, a disciple, उत्तर १२, ३०: क्रीयर ३२: भगर १८, १०:

मंतिया वि॰ (भंगिष्ठत) भिष्ठितः भारेतः गिरिटतः, गंडाहुकाः Broken प्रव॰ ४८८. गंडु॰ धाव॰ १, ४, ५, १. (२) व्यक्ष हेरा-धी भंगायेत भिष्ठतः ध्येतः एक भोर में रटा हुका-भाष्टतः broken on one भोते गावा॰ ६.

संहीं स्ता॰ (+) गढ़मां पाडेशी भारी. शिडी मारी स्ता भारी हुई मारी होद. An

^{*} लुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी प्रतीट (*). देखी एम्र नंबर १५ की फूटनीट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

opening made in a fortress. नाया॰२; १८; (२) भाभा; ६६थरा. खाजा; खाद्य विशेष. a kind of eatable substance. प्रव॰ १४२७;

संदुयग. न॰ (खगडक) भांऽवा; भंऽ; विलाग. संद; विभाग. Division; part. प्रन॰ ६१७;

संडेय. पुं॰ (पगडेय) यतः; पक्षी विशेष. बतकः पन्नी विशेष. A kind of swan

स्तंत त्रि॰ (चान्त-चाम्यतिचमां करोतीति)
क्षमा थाणाः चमा वालाः (One) possessed of n tranquil mind,
patient. " खंतो श्रायरिएहिं, संभिषिश्रो
विनरूसंति " नाया॰ १४: गच्छा॰ ४३;
स्य॰ २, १२, ६, ५; ठा॰ ८; (२) पुं॰
िपताः भाष पिताः वापः father. " जामा
इपुत्त पह्मारएण खंतिणमेनिहं " पि॰ नि॰
४३०:

श्वेताइ. त्रि॰ (ज्ञान्त्यादि) क्षांति-सहन शीक्षता क्षभा परेरे ज्ञांति-सहन शीलता-ज्ञमा वगैरे. Patience; forbearance. प्रव॰ =४६;

खंति ब्रा॰ (चान्ति) सहन शीवता; क्वेषिते।
निश्रह करने। ते; क्षमा. सहन शांचता;
कोष का निम्नह करना; चमा Patience;
forbearance. परहु॰ २, १; श्रोव॰ १६;
२०; जं॰प० दस० ४, २७; नाया॰ १; भग॰
२, १; २५, ७; सु० च० ३, ४७; सम० १०;
उत्त॰ १, ६; २६, २; ठा० ४, १; गय॰
२१४; क० गं॰ १, ४४; कप्प० ४, ११६;
प्रव॰ ४६१; पंचा॰ ११, १६; १३६८;
—स्त्रमा. स्त्री॰ (-चमा) क्वेषिते रेडिने सहन
शीवता रखना. the state of being
patient by checking anger.
Vol. 11/69

भग० १२, १; ठा० ३, ३; — सूर. पुं० (- सूर) क्षमा राज्यामां शूर धीरण धारी; जेवा हे व्यरिहंत, महावीर. (one) possessing the power of checking anger, like Arihanta, Mahāvīra etc ठा० ४, ३;

खंतिया. स्री॰ (ज्ञान्तिका) जननी, भाता. जननी, माता. A. mother. " कहिजाहि खन्तियाए नुमं " पिं॰ नि॰ ४३२; ५७६; श्रोष्ठ॰ नि॰ भा॰ २४१:

खंदः पुं० (स्कन्द) अर्ति अस्वाभी. अर्ति वेय नाभे शहरने। भ्ढे। दे। पत्र. कार्तिक स्वामी, कार्तिकेय नामक शंकर का वहा पुत्र Name of a person, Kārtikaswāmī; the eldest son of Sankara Kārtikeya by name भग० ३, १, ज॰ प॰ जीवा० ३, ३; श्रग्राजी० २०; नाया० ३, -- गाह. पुं॰ (-प्रह) शर्ति ह स्वाभीने। वस-शार्थ, कार्तिक स्वामी का लगना under the influence of Kārtikaswāmī. subject to the influence of Kartikaswāmī. जीवा० ३ ३; र्ज० प० भग० ३,७; - मह न० (-महस्) धार्तिधरवाभी-ने। छत्सव कार्तिक स्वामी का उत्सव. the festival in honour of Kartika svāmī श्राया० २, १, २, १२, नाया० १; निसी० १६, १२, भग० ६, ३३; राय०२१७: खंदग्र-य. पुं॰ (स्कन्दक) भंध ! संन्यासी गृह ભાલિના શિષ્ય કે જે શ્રી ગાતમ સ્વામિના भित्रदताः केने पिंगस नियन्थे अक्षा पृथ्या હતાઃ તે પ્રશ્નાના જળાય ન આપી શકાયાથી મહાવીરસ્વામી પાસે જતા પ્રશ્નાના ખુલાસા મેળવી શ્રીમહાવીર સ્વામી પાસે દીકાા લીધી. खंधक सन्यासी गद्दभालि के शिष्य थे; जिन से पिंगल निप्रंथने प्रश्न पूछे थे, जब उन प्रश्नी

का उत्तर न दिया गम तो वे महावीर स्थामं के नमीप गये शीर हन से उत्तर पाहर दीना जी. Name of a mendicant who was a disciple of Gaddabhāli and a friend of Gotamaswami. He accepted initiation from Mahāvīra for having received answers to the questions which he could not give to the ascetic Pingala on being asked. भग० २, ५; (२) धार्ति धरवाभी कार्तिक स्त्रामी. Kārtikaswāmī, नाया॰ २: खंदिलः (स्कान्दिल) सिंद्रश्वरिना शिष्यः २६-िह्सायार्थ सिंहम्बरि के शिप्यः स्कन्दिलाdisciple of Sinha-नार्यः The Sūrī; Skandilāchārya. नंदी॰

खंधा. पुं० (स्कन्ध) शाह भनभा ऋष, वेहन, વિજ્ઞાન, સંજ્ઞા અને સંસ્કાર એ પાંચને સ્કન્ધ કહેવામાં આવેછે: તેમાં પૃથ્વી આદિ તેમજ ઋપાદિતે ઋપ શકન્ધ, સુખદુ:ખ અને અદુ:ખ સુખતે વેદના સ્કન્ધ, રૂપ રસાદિ વિજ્ઞાનતે विज्ञान २६-६, पहार्थना नामाहिने संज्ञा રકત્ધ અને પુષ્યા પુષ્યાદિ ધર્મ સમુદાયને संरुधार रक्ष्म कहे छे. बाह्य मत में रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा श्रार सस्कार इन पांचों को स्कन्ध कहने मे श्राता है उनमें से पृथ्वी श्रादि उसी तरह रूपादि को रूप स्कन्ध, सुख दु.स श्रीर श्रदु.स सुम की वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञान को विज्ञान स्कन्ध, पदार्थ के नामादि को संज्ञा स्कन्ध श्रीर पुरुषा पुरुषादि धर्म समुदाय को संस्कार स्वन्ध कहते हैं. A Skandha (group) of five terms viz. Rūpa, Vedana, Vidyana, Sanjñā and Sanskāra according to Buddhism and these terms are styled accord-

ing to their name, বাঁও ৭০ ২, ৯৯: स्य०१, १, १,१७: पगह०१,२; मग०२०,४: (২) হাঘ: খণা. কঘা. a shoulder. उत्तर ११, १६: रायव ३२: पिंव निव ६६: ३३१: नाया० =: १४: शाया० १.१.२. १६; जीया० ३, १; गु० च० २, ३६; कप्प० ३४; प्रवर ६६७; १३१५, (३) દ્વિપ્રદેશાદિક ઘણા પરમાહ્યુંએં મલીને બનેલ એક જेथी। द्वि प्रदेशादिक बहुत में परमाणु मिलकर यनाहुआ एक स्कर्ध. a collection of various particles, भग॰ ९, ४; 10: 2, 90: X, U; 99, 99; 98, 90; १८, ६; ६: २४, ३: ४; नाया० १: १६: विशे॰ ३२४; =९४; श्रमाजी॰ ४४; १४४; उत्त॰ ३ १=; ३६, १०: ठा॰ १, १; श्रीय॰ का गण जप्र; (४) आइनुं थर क्यांट का धर the trunk of a tree. श्रोव-राय-१४४: भग० ३.४. २१. ३: सय० २.३.२; ४: વજ્ઞ**૦ ૧. (૫) સમય્ર વસ્તુઃ સંપૂર્ણ** પદાર્થ-समप्र वस्तुः संपूर्ण पदार्थः a complete thing. पञ्च० १; भग० =, ६; (६) भाला विशेष. माला विशेष a kind of garland. निसो० १६, २८; (७) ४गले।. हेर. a heap. नंदी०१८; निसी०१३, ७; श्राया० ગ, પ્ર, ૧, ૧**૪૮**; (૮)એ મન્દ્રિય વાલા अ ७५ औ इन्द्रिय वाला एक जीव. ध two-sensed living being. पदा॰ १: (ह) अभेना २४ंथ. कर्म का स्कन्ध. a heap of Karma. क०प०७, ४७; —उत्तरश्रो. न्न० (-उत्तरतस) पूर्व पूर्वना अर्भ रअंध-थी उत्तरे। तर. पूर्व पूर्व के कर्म स्कन्घ से उत्तरोत्तर. the future collection of Karma as opposed to the past. क प ० ७, ४७; —देस. पुं ० (-देश) સ્કન્ધના એક આખી વસ્તુના ભાગ. स्कन्ध का -सारी बस्त का एक भाग. a part,

division of a group. भग॰ २, १०; ६, १; उत्त० ३६, १; — प्पएस. पुं० (-प्रदेश) वस्तुनी ओक भारीक-भां भारी । अश. वस्त का एक बारीक में बारीक श्रंश. the infinitisimal part of a thing. श्राष्ट्रजो ० १४४: भग०१०, १; --- प्यभवः पुं ० (-प्रभव) २५-धनी-थऽनी ઉत्पत्तिः स्कन्ध की पौधे की उत्पत्ति. origin of a tree. " म्लाग्रा संधप्पभवी दमस्त " दस॰ १, २, १. --चीजः त्रि॰ (-वाज) भ ध-धऽरूप भीक कीने छे ते; યદ વાવતાથી જે થાય તે: માગરા ચમ્પેલી-ध्रुपेडे। विशेरे. पोधे रूपी बीज जिकसा है, वह पीधा लगाने से जो होते हैं, मोगरा-चमेली वगैरा. the different flowering plants which grow not from seeds but by sowing their branches etc আ্থাত ২, ৭, =, ४=; ठा० ४, १; दस० ४;

खंद्रकरणी. स्नी॰ (स्कन्धकरणी) साध्वीते भिन्ने नाभवातुं वस्त्रः, संधारीत्रोतः साध्वी के कंघे पर डालने का वस्त्रः a garment of a female ascetic worn on the shoulder. श्रोच॰ ति॰ ६७७;

खंधग. ५ं० (स्कन्धक) ळुओ 'खंघ' शण्ट. देखो 'संघ' शब्द Vide " खंघ'' स्०प०१०;

संधगरणी श्री (स्कन्धकरणी) लुओ। 'संधकरणी' श्री देखी 'संधकरणी' श्री श्री संदक्षरणी' प्रव० ५३ मः ५४६;

संघत्ता. स्री० (स्कन्धता) अहना थहने। साव-स्वरूपः माड के पौषे का माव-स्वरूपः The state of being a trunk of a tree. 470 3, 3, 4;

संधावार पुं॰ (स्कन्धावार) लुओ।
"संधार" शण्दः देखो "संधार" शब्दः
Vide "संधार" नाया॰ =; १६; विशे॰
७४२; जं॰ प॰

संपराय. न० (०) भांपणः भडहा ७५२ नाभ-वानं वरत्र कफन; राव पर डालने का बस्न. A winding sheet. মু- খ- ৭, ৭৮২; स्त्रेम. पुं• (स्तम्म) थाभक्षाः थंल. खमाः स्तंभ. A post; a pillar. उवा॰३,१४०; र्जं० प० ५, ११५; १, ५४; ३, ६=; ४, ६०; **२१; भग० ५.७; ८,६; ९,३३; १०,** ६,९२, ६, नाया॰ १; =; १३; १६; श्रशुजो॰ १५३; जीवा॰ ३, ३; प्रव॰ २४६; राय॰ १०५: स्० प० २०; स्य० २, ७, ४; गच्छा० द; — उग्गय. त्रि॰ (-उद्गत) थां**लक्षा ७**५२ रहेल स्तंभके ऊपर रहा हुआ. resting on a post or pillar. जं॰ प॰ ४, ११४; नाया॰ १; --सयः न॰ (-शतः) से। धंलः सो स्तंम. one hundred pillars. जं॰ प॰ ५, ११२;

खकारपविभक्तिः न॰ (खदारप्रविभक्ति) भ अत्तरना आक्षरनी रयनावालु नाटकः

^{*} लुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी पुटनीट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनीट (~) Vide foot-note (*) p 15th.

खणाहिं-श्रा. स्च० १, ४, २, १३; खणह. उत्त० १२, २६; खणित्तु. मं० कृ० श्राया० २. १३, १७३; खणमाण. व० कृ० पि० नि० ५६०; विवा० १; नाया० १२;

१; नाया० १२; खियात्ता. सं० जं० प० १८ ११४; खियावइ. प्रे० दस० १०, १, २; खियावपु. दस० १०, १, २; खियावित्तुं सं० छ० नाया० १३; खियावित्तपु. हे० छ० नाया० १३; खियावित्तपु. हे० छ० नाया० १३;

√ खगु. धा॰ I. (च्यु) भारतुं; हिंसा करना. To kill. खग्रह. भा॰ श्राया॰ १, ७, २, २०४; खग्रत. श्रा॰ स्य॰ २, १, १७,

खरा. पुं॰ (चरा) अवसर; वभत. श्रवसर, समय An instant; a moment. म्य०२,४, ४; भत्त०=४; क०प०२, =२; ४, २१,गइछा० ६०: श्राया० १,२,१,७०: कप्प० પ, ૧૧૭: (૨) ન્હાનામાં ન્હાના કાળ विलाग; सभय, छोटे में छोटा काल विभाग; ਸਜ਼ਕ the shortest division of time; an instant. स्य०१,१=:भग०९, ३३,नाया० १;१६: दस० ४,१,६३: पि०नि० ७६७, तंदु० भत्त० ४०: पंचा० १, ४=; (३) સંબ્યાત પ્રાણરુપ કાલ વિભાગ; भुष्त संख्यात प्रायारूप, काल विभाग, मुहूर्त. a measure of time comprising countable breaths: a time equal to 48 minutes. जं० प० ७, १४१; ठा० २, ४; —जोइ. त्रि॰ (-योगिन् -- परं निकृष्टकालः चर्णं स विद्यते यस्य इति) अतिक्षरो नाश पामनार; क्षिश्विक्षः प्रतिक्तरण नाश पाने वाला; चिषकः च्रा भंगुर. decaying every moment; momentary. स्य॰१,१,१,

१७; -- (ऋ) द्ध. न० (- ऋषं) अर्ध क्षल. आधा चण, half a moment, गरहा॰ नार. समय को पहिचानने वाला. (one) knowing the proper time. आया॰ १, ७, ३, २०६; — यंघ. पुं० (-वन्ध) સમય રૂપે બન્ધ: સ્થિતિ બન્ધ रूप बन्धः स्थिति बन्ध. limiattion in relation to time. क॰ प॰ ७. ४२: —लय. पं॰ (-लब) क्षणभात्र के क्षमात्र વૈરાગ્યભાવથી ધ્યાન કરવું તે; તીર્થકર નામ-ગાત્ર ભાંધવાના વીશ પ્રકારમાંના એક चग-मात्र के लवमात्र वैराग्य भावसे ध्यान करनाः तीर्धकर नामगात्र बांधने के बीम प्रकार में का एक. dispassionate meditaa moment tion for one of the 20 ways of distinguishing oneself as a thankara, नाया॰ ८; प्रव॰ -संजोडयः त्रि॰ (-संयोगिक) क्षण--भातमुहुर्त पर्यंत केना स याग हाय ते श्रंतर र्मुहूर्त तक जिसका संयोग हो वह. remaining or lasting forless than 18 minutes. क॰ प॰ ७, ३६; — सेस-त्रि॰ (-शेष) क्षण्-केमां भाशी छे तेर्बुः प्तरण जिस में बाकी है ऐसा. less by !! moment. क॰ प॰ २, =२;

ख्त्यसः त्रि॰ (चयकत्त—च्यां परं निरुष्ट कालं जानातीति) यभत-अवसरते। जाधु-नारः समय-अवसर की जानने नाला (One) knowing the proper time. आया॰ १, २, ४, ६६;

खाँगाः स्नि॰ (खाने) भाषु. स्नदान; सान A minə. पि॰ नि॰ २२६; नाया० ७;

खत. न॰ (इत) धाः थों होः; ०४ भभः पानः जखम A wound. श्रगुजो• ४४७. स्रतंत्र पुं॰ (चतक) राधुना पुद्रसनी पहर गतभांनी ओं जत. राहु के पुद्रस की पंदरह जात में की एक जात. One of the 15 sorts of the molecules of Rahu. स्॰ प॰ १६;

खत्त. पुं॰ (सत्र) क्षत्रियः; यार वर्णभानी भीन्ने वर्ण स्त्रियः; चार वर्णो में से दूसरा वर्ण Ksatriya; the second of the four castes. (२) हासीपुत्रः; वर्णेंसडरः दासीपुत्रः; वर्णे संकर. one belonging to a mixed caste उत्त ॰ १२, १८,

खत्त त्रि॰ (*) छाछा केवा २सवाधुं. गोवर जैसा रस वाला. Resembling liquid cowdung. ज॰ प॰ (२) भातर भाडेस. स्नात लगाया हुआ. (a wall etc.) bored through by a thief. पि॰ नि॰ भा॰ ૧૧. (૩) ખાતર પાડવું; ભીંતમાં વાર્ક કરવું તે. खात लगाना, भींत में छेद करना boring through the wall. विवा॰ ३; नाया॰ १८. - खगुगा.न॰(-खनन-चात्रं खनतीति) ખાતર પાડવુ; ચારી કરવાને અદર દાખલ થવા ભીતમા બાંકુ પાડવુ તે. लगाना, चोरी करने को श्रंदर जानेके लिये भीत में छेद करते हैं वह. breaking into a house for the sake of comitting theft विवा० ३; नाया॰ १८; —मेह. पु॰ (-मेघ-चात्रेण करीपेण साकं सकरीपी वा मेघो यत्रीति) छाखना २स केवे। वरसाह द्याण के रस सरीखी बरसात resembling liquid cowdung. ज० प० २, ३६; भग० ७, ६:

खत्तयः पुं॰ (शत्रक) क्षत्रः; राषुदेवनु नाभ

राहु देव का नाम. Name of god Rahu भग० १२, ६:

खत्तिय-ग्र. पुं॰ (ज्ञत्रिय) क्षत्रिय क्राति; यार वर्णभाने। भीको वर्ण चित्रय जाति; चार वर्णा में का दूसरा वर्ण. The second of the four castes. र्ज. प० ४, ११२; उत्त॰ ३, ४; ६, १८; १६, ६; राय॰ २१८; २६६; विवा० १; निसी० =, १४; ६, २१; दस॰ ४, २, २, ६, २; भग० १, ६; ११, ६; सु० च०२, ३५४; श्रग्रजो०१३१; श्रोव० १४; २७; ३८; कप्प० २, १७; प्रव० ३८६; —कुमार पुं॰ (-कुमार) क्षत्रियक्षमारः राज्युत्र च्त्रियकुमार, राजपुत्र. a prince; the son of a Ksatriya. भग०६,३३; ---कुल. न॰ (-कुल) साभान्य क्षत्रिय तरी है २था पेक्षं ५क्ष सामान्य ज्ञियके तार पर स्थापित कुल a family ranked as an ordinary Ksatriya family. श्राया॰ २, १, २, ११: -- जायग्र त्रि॰ (-जातक) क्षत्रिय न्नितिभा उत्पन्न थयेल. चित्रिय जाति में उत्पन्न. (one) born in the Kṣatriya caste. सूय॰ १, १३; १०; -दारग. पुं॰ (-दारक) क्षत्रियने। पालक च्लित्रय का बालक a child of a Ksatriya. विवा॰ ४; -पूत्त. पुं॰ (-पुत्र) ક્ષત્રિય પુત્ર; ક્ષત્રિય બચ્ચા च्निय पुत्र; च्निय का वचा & son of a Ksatriya भग ६, ३३; — विज्ञा स्त्री॰ (-विद्या) क्षत्रियनी धनु-विद्यादि विद्या, ४० विद्याभानी ओक जात्रिय की धनुर्विद्यादि विद्या, ४० विद्यासे की एक the science of archery possessed by a Ksatriya; one of the 40

^{*} अ अभे। पृष्ठ नभ्भर १५ नी पुरने। 2 (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। 2 (*) Vide foot-note (*) p 15th.

lores. म्य० २, २, २७;
खिचयकुंडगाम. पुं॰ (चित्रयकुराहमाम)
क्षित्रियकुरुवामे श्राम लयां लभावि २६ेता
६ता. चित्रयकुंड नाम का गांव जहां जमालि
रहते थे. Name of a city the
residence of Jamāli. भग॰ ६, ३३;
कप्प॰ २, २०;

खित्रयकुंडपुर. न॰ (त्रियकुगढपुर) भटा-पीरस्थाभीनी जन्भलूभिनुं श्रांभ; सिद्धार्थ राजनी राजधानी. महावार स्वामा को जन्म-भाम का प्राम; निद्धार्थ राजा की राजधानी. The city which is the birth place of Mahāvīra Swāmī; the capital city of king Siddhārtha श्राया॰ २. १४. १७६;

खीत्तयाणी. न्नी॰ (इत्रियाणी) क्षत्रियनी स्त्री ज्ञीन्य की न्नी. A. wife of a Ksatriya. कप॰ ३, ४८;

खदिरसार. पुं॰ (खदिरमार) भेरसार. खेर का नार A powder prepared of Kher. पन्न॰ १७;

खद्द-द्ध. त्रि॰ (खाद्य) भने। हाः स्वाधिष्टः २सलर. मनातः स्वादिष्टः रसभर. Delicious; tasteful. सम॰ ३३; प्रव॰ ५२६;

ग्राह्म. त्रि॰ (*) प्रभूत; व्यधिः; प्रभाख्यी वधारे. प्रभूत; श्राधिकः; प्रमाण से विशेष. Abundant; much more than enough. श्राया॰ २, १, १; ५६; पि॰ नि॰ १८८; प्रस्ः प्रदेश (धिन्द्रिय). वडा प्रपचिन्ह

(इंदिय). a big organ of generation. प्रव॰ ५२६; —सद्द. पुं॰ (-राब्द) रहे। शण्द. बडा राब्द. a loud sound. प्रव॰ १३=;

खद्धं. भ्र॰ (शीव्रम्) ०४४६६ ६तावसे. जहरी; शीव्र. Quickly. श्राया॰ २, १, ४, २५; इसद्धाद्गीगुश्चः त्रि॰ (🚁) समृद्धि वार्णुः.

समृद्धिवान. Prosperous. श्रोघ॰ नि॰

स्तपुष्प. न॰ (खपुष्प) आशश्चना पुसनी भेरे शन्य. आकाश के फूल की समान शन्य. Anything impossible or nonexistent like the flower in the sky. विशे० ३२;

√स्तम. था॰ I. (इम्) क्षमा ध्रशी. चमा करना To forgive; to pardon.

स्त्रमह्-ति. श्राया॰ २, १५, १७६; श्रंत॰ ६, ३;

स्तर्भतु. भग० ३, २; नाया० १६; ३, ६; स्तमे. वि॰ वव॰ १०, १ः

स्तम. श्रा॰ नाया॰ ४; स्तमह. श्रा॰ सु॰ च॰ ४, १२३;

समाहि. नाया॰ ६; समेह. दस॰ ६, २, १=;

समिउं. हे॰ कृ॰ सु॰ च॰ ४; १२४;

स्रमंत. व॰ कृ॰ दसा॰ ४, ३; स्रमनाया. व॰ कृ॰ भग॰ १४, १; २॰, ६;

विवा॰ १; स्वामेइ-ति. श्रे॰ भग॰ २. १; ३, १; ५,

=; १४, १; नाया० १; ४; =; १४;

सु॰ च॰ ७, २०८:

कासंति. भग० ३, १; ११, १२; १=, ३;

^{*} लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुटनेट (*). देखो पृष्ट नंबर १५ की फूटनेट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

खाँमीत. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३; खाँमीम भग० ३, २; नाया० ८; १६; महा० प० ६; खाँमेमी. भग० ३, १; खाँमेसु श्रा० नाया० ८;

खामिय. स॰ कु॰ निसी॰ ४, ३२; स्नामेत्ता. सं॰ कु॰ भग॰ २, १; ४, ६; १४, १; नाया॰ १;

खाममाण नाया० ५;

खम. त्रि॰ (ज्ञम—्ज्ञमते इति ज्ञम) शिति भान्; सभर्थ ताकतदार; समर्थ. Powerful; able. श्रोघ॰ नि॰ ७६३, भग॰ १, १; ३, १; नाया॰ १; १०, छ० च॰ १, २६; ३१६; श्राया॰ १, ७, ४, २१५; दसा॰ ७, १; पि॰ नि॰ ७१; (२) शुल; હित ५२ ग्रुम; हितकारक. auspicious; beneficial उत्त॰ ३२, १३,

खमग. पुं॰ (चमक) भास भभे भा अभि अमित प्र करनार; तपर्शी साधु मास खमण करने वाला; तपस्वी साधु. One practising fasts for a month etc.; an ascetic given to austerity भि॰ नि॰ ४७६, खमण. पुं॰ (चमण) सद्धनशीलता राभनार साधु सहनशीलता रखनेवाला साधु. An ascetic of forgiving nature. श्रमुजो॰ १३१; प्रव॰ १४२७, उवा॰ १, ७७; (२) तप; छप्यास. तप; उपवास. क fast; an austerity. प्रव॰ १४३१; —स्य पुं॰ (-शत) से। छप्यास. सौ उपवास. one hundred fasts प्रव॰ १४३१;

खमिरिह त्रि॰ (चमाईं) क्षमा करवाने ये। व्य. चमा करने के योग्य. Deserving pardon. भग॰ ३, २;

खमाः स्री॰ (चमा) क्विचिती व्यक्षाय, सहन-शीवता, क्षमाः क्रोध का श्रमावः सहनशी-Vol. 11/70. लता; चमा Absence of anger; forgiveness. भग० ६, ३३; १७, ३; नाया० १०; १३; श्रोघ० नि० ५८१; सम० २७; नंदी० ३४; जं० प० राय० १७१; उवा० २, ११३, श्राव० ३, १; कप्प० ८;

स्वमावराया स्त्री॰ (चगपना) अपराधनी भाषी भागनी भभानवुं, भिन्छाभि हुड्डडं लेवुं ते अपराध की माफी मांगना; चमा-याचना, मिच्छामि दुक्कडं लेना. Begging of pardon for a fault committed; a particular way of confessing a sin भग॰ १७, ३; उत्त॰ २६, २,

खमासमण पुं॰ (चमाश्रमण) क्षभाधारी साधु. चमाधारी साधु An ascetic of a calm and quiet nature. कप्प॰ =; खय पुं॰ (चय) भूसथी ७२७६; सभूसगे। नाश. मूल से उखाड डालना; समूल नाश. Utter destruction भग० ६, ७, ६; ६, ३१, ११, ११, उत्त० ३, १७; क० गं० २, २६; भत्त० ५०; --गन्न त्रि० (-गत) क्षय पाभेल. चय पाया हुआ, हुई. destroyed, decayed दसा॰ ५; ३२; ३३; —नागि पुं॰ (-ज्ञानिन्) सर्वाथा આવરણના ક્ષયથી ઉત્પન્ન થયેલ કેવલનાન-वान हेवणी. सर्वथा आवरण के ज्ञय के जर्ये (द्वारा) ज्ञानवान् केवली one possessed of perfect knowledge due to the destruction of cover in the form of Karmas विशे॰ ५१=: —निष्कारा त्रि॰ (-निष्पञ्च) अभेना स्वय-થી પ્રાપ્ત થયેલ ભાવ; ક્ષાયકભાવે પ્રાપ્ત થતા है। बनानाहि. कर्म के च्चय से प्राप्त हुआ माव; ज्ञायक भावसे प्राप्त हुए केवलज्ञानादि. Kevala Jñāna etc. got by destroying the Karmas. श्रणजो॰ १२७, —समज. न० (-शमज—इय-

शमाभ्यां जायते तत्) हिरित भिष्यात्वने। क्षय अने अनुदीरितने। हिपशम इरवाथी हत्पन्न थतुं क्षये। पशम समित. उदीरित मिथ्यात्व का स्य श्रीर श्रनुदीरित का उपशम करने से उत्पन्न होने वाला च्रयोपशम समिकत. destruction of false belief which is forced to mature and forcing of immature false belief to mature. विशेष १२६;

खयर. पुं॰ (खिद्दर) भेरनुं आऽ. खेर का माइ.

A kind of tree known as Kher.

श्रतं • ३, ७; तं दुं० — इंगाल. पुं॰ (-श्रंगार)

भेरना લાકડાના અंगारा. खेर की लकडी
के श्रंगारे burning charcoals of a

Kher wood. राय॰ ६६:

खिश्च. ति॰ (जायिक) ळुओ। " खहम्र " शण्द देखों " खहम्र " शब्द Vide " खहम्र " श्रगुजो॰ १२;19

√खर. धा॰ I. (चर्) नाश पामदुं. नाश पाना. To be ruined.

खर्इ. विशे० ४५४;

खर. त्रि॰ (खर) इिष्णुः भरभरे।; इईशः तिद्ध्य. कठिए, खरदरा, कर्कश. तीच्ए. Harsh; rough क॰ गं॰ १, ४१; ४२; गच्छा॰ ४४; भग॰ ७, ६; १४, १; नाया॰ १; म, ६; तंदु॰ दसा॰ ३, २२; २३; २४; उत्त॰ ३६, ७१; पिं॰ नि॰ ३२७; जीवा॰ १; पज॰ १; जं॰ प॰ अएजो॰ १२मः (२) तक्षनं तेश. तिश्लोका तेल. डөडमाण ां. श्रोघ॰ नि॰ ४, ६; (३) अधेडा. गधा वा वडड. श्रोव॰ ३म; जीवा॰ ३.३; गच्छा॰ १२५; (४) राढुना अपर नाम राहुका पर्यायवाची नाम. व synonym for Rāhu. मू॰प॰१६;—आवट्ट. पुं॰ (-श्रावर्त्त) इहिनयहनी पेडे पाणीनं शिणाईडांणुं थाय ते; यमव. कठिन चक्र सरीक्षा पानी का

गोल कंडल होता है वह: वमल. a whirlpool ठा॰ ४, ४; -- कंट पं॰ (-कएट) તીક્ષ્ણ કાંટાસરખા: શીખામણદેતાર સાધૃતે દુર્ય ચનરુપ કાંટાથી વીંધનાર શ્રાવક. तोच्ए काटे सरीखाः उपदेश देनेवाले साधको दर्वचन रूपी कांट्रोंसे छेदने वाला श्रावक. sharp as a thorn; a layman who gives advice to an ascetic in severe words. হা॰ ४. -कंड. पुं॰ (-कागढ) ४६िन **साग.** कठिन हिस्सा. the hard portion. (२ पहेंसी नरक्ते। पहेंसे। क्षंड, पहले नर्क का पहला काराड the first division of the first hell, जीवा॰ ३, १: -- कहास-त्रि॰ (-कर्कश) ३५ शभां ५ ईश: अति ५ ईश. कर्कश में कर्कशः श्रविकर्कश very harsh. प्रव० १४२; —क∓म. न० (कर्म) ४हे।२ કર્મ, કત્ય. कठार कर्म; कृत्य. wicked actions. पंचा॰ १, २१; —पवरासंग. पुं (- पत्रनसंग) प्रथए । प्रवती संग. प्रचएड चायु का संग. uniting with fierce wind, प्रव॰ २५१; —पुढवी. स्रो॰ (-पृथ्वी) કहिन पृथ्वी, कठिन पृथ्वी. hard ground or earth प्रव १११२: क० प० ४, ६७: —फुरुस् नि० (-परप) धर्ध् ४रे१२ बहुत कठोर. very harsh. " खरफरुस भूतीमइला " नाया० २; भग० ७,६; -बायरपुढविकाइय. पु॰ (-बादर-पृथ्वी कायिक) ३६७। भारत पृथ्वी आयाना कठिन बादर पृथ्वीकाया के hard and visible earth-beings. जीवा॰ १; --विसारा न॰ (-विषारा) ग्धेंडानुं शीग्डुं गधेका सांग. the horn of an ass. विशे • ३५: खरश्च पुं॰ (ग्रांचर) आभगरे।; ने। ४२; धसः

कास करने वाला, नौकर, दास. A 801-

vant. श्रोघ० नि० ४३८,

ळ खरंटणा. स्री० (*) निंदा; तिरस्धार, अपभान निन्दा; तिरस्कार, अपमान. Disgrace, censure; dishonour. पंचा० १२, ६; खोघ० नि० ४०; पि० नि० २२५; खरमुह पु० (खरमुख) भरभुभ नामे ओक अनार्थ देश. खरमुख नामक एक अनार्थ देश A non-Aryan country प्रव० १६६६:

खरमुहिया. स्रो० (खरमुखिका) पाद्य विशेष; शक्षता. वाद्य विशेष, खरमुही A kind of musical instrument. भग० ४, ४, खरमुही स्रो० (खरमुखी) शक्षता; ओ ज्ञातनुं पाछ त्र खरमुही; एक प्रकार का बाजा A kind of musical instrument. श्राया० २, ११, १६८; राय० ८२, ८८; जीवा० ३, ३; श्रोव० ३१, जं० प० कप्प० ४. १०१:

खरमुहीसह. पुं॰ (खरमुखीशब्द) કाહेशानी शण्ट. खरमुदीका शब्द. The sound of a musical instrument. निसी॰ १७, ३६,

खरय. पुं॰ (खरक) २। ६६ देनुं એક नाम राहुदेवका एक नाम. A synonym of the deity Rāhu. भग॰ १२, ६, (२) त्रि॰ ३६७ कठिन. hard. नाया॰ ६;

खरसाहिया ब्री॰ (खरसाधिका-श्रह्मर-साधिका) अदार विधिमानी ओई श्रह्महारह लिपियों में की एक One of the 18 scripts सम॰ १६;

खरस्सर ५० (खरस्वर) વજ઼ જેવા કાટા વાળા શાલ્મલી વૃક્ષ ઉપર નારકીને ચઢાવીને ગધેડાના જેવા અવાજ કાઢતા નારકીને આમ તેમ ખે'ચે તે પરમાધાયી. वज्र सरीखे कांटे वाले शालमली वृद्ध पर नारकी को च्दाकर गंधे सरीखा श्रावाज निकालते हुए नारकी को इधर उधर खेंचते हैं वे परमाधामी The infernal gods known as Permādhāmīs who mount the hell-beings on a Śālnialī tree having thorns as hard as adamant and drag them hither and thither while utterning a cry like the braying of a ass. सम्ब

खारिश्रा बी॰ (५) हासी. दासी. A. maid-servant. श्रोघ॰ नि॰ ४३=;

खरिसुय पु॰ (खरिसुक) उन्ह विशेष कन्द विशेष. A kind of bulbous root प्रव॰ २४०;

खिरयत्ताः श्री॰ (खरिकता) नगर लाहेर डे लजरभा रहेनारी वेश्यानी लाव-स्वरूप. शहर के बाहर या बजार में रहने वाली वैश्या का भाव-स्वरूप. The state of being a prostitute living outside the city or in a bazar. भग॰ १४, १,

खरोडिया बी॰ (खरोष्टिका) अक्षार सिपि-भांनी ओक अटारह लिपि में की एक One of the 18 scripts. सम॰ १८;

खरोट्टी स्री॰ (सरोष्टी) लुओ "सरोट्टिश्रा" शण्द-देसी "सरोट्टिश्रा" शब्द. Vide "सरोट्टिश्रा" पत्र॰ १:

√ खल घा॰ I (स्खल्) भसवु; ह्राक्यु खिसकना; दूर जाना, To slip away; to go away. (२) पऽवुं; रूपसना पाभवुं. पड़जाना; पतन होना to fall.

^{*} अचे। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखी पृष्ठ नंबर १५ की फूटनीट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

खलइ. सु॰ च॰ २, ३६; खलहि. श्रा॰ उत्त॰ १२, ७; खलेज्ज वि॰ उत्त॰ १२, १८; खलंत व॰ कृ॰ भग॰ ७, ६; जं॰प॰

खल. पुं॰ (खल) भिंता खला A threshing floor place in a field where the corn is husked. त्रोव॰ १७;परह.२,३,जं॰प॰कप्प॰४,११७;(२) त्रि॰ धुर्य्याः हुर्भन. बदमाशः दुर्जन. a rogue; a wicked person. सूय॰ २, २, ४४;

खलगा स्त्री॰ (स्वलना) भूथ; श्रुटि. भूतः; त्रुटि. A Mistake. तंदु॰

खलय पुं॰ (खलक) लुओ "खल "शण्ट देखों "खल "शब्द- Vide "खल " नाया॰ ७;

खलबाड. पु॰ (खलबाट) भणावाड. खल-बाट. A barn yard, a place where any sort of grain is heaped for separating the husk from the corn. राय॰ २७६;

खिलिश्चः न० (स्विति) २५४४नाः भू४ः व्यतियारः पतनः श्रातचारः Degradation; mistake. (२) त्रि॰ शी४थी २५४५ना भाभेदः शीलसे पतन पाया हुश्राः (one) degraded, fallen. नाया॰ १ः चउ० १, श्रागुजो॰ ६८ः श्रोघ॰ नि॰ ५४१, विशे॰ ६०२ः ६१४ः पंचा॰ १२, ६; सु॰ च० ६, ६ः

खालिए न० (खालिन) धेराती लगाम, चेाडडुं. घोडे की लगाम, चौकडा. A bridle of a horse. प्रव० २४६; (२) तदीती लेभ्ड नदीकी मिटी. the silt of a liver. विवा० १; — चंधा. पुं० (– चन्य) न्थे। इंडिंग क्षाम का वन्द. the reins, नाया॰ १७, —मष्टिया स्री॰ (-मृत्तिका) लेभाऽनी भाटी नदी की मिर्री. the silt of a liver. विवा॰ १;

३८, निर०१, २, उवा०१, २; क० गं०१, ६; खलु आर. पुं० (खलुक) पगनी ओडी पैर की एंडी. The heel. विवा०६;

खलुंक. पुं॰ (खलुंक) अविनीतः क्षुद्र अने वांडा स्वसाववादी। शिष्य. विनयहानः श्रोछे श्रीर टेढे स्वभाव वाला शिष्य Immodest; a disciple of crooked nature. उत्त॰ २७, २; (२) गणीये। लगह डे धेरिंडा. मस्त बेल अथवा घोडा. धा unruly bull or a horse. ठा॰ ४, ३, उत्त॰ २७, २; (३) डास, भन्छर विगेरे शुद्र अन्तुं डास, मच्छर वगरह छोटे जीव. small insects, such as mosquitoes, bugs, etc. उत्त॰ २७, २;

खल्लग. पुं॰ (*) भाभराना पाहडाने। पडीये।

^{*} जुओ। १४ नभ्यर १५ नी प्रती (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

पनास के पत्तों का दोना A cup made of leaves of a Khākarā tree. पिं॰ नि॰ २०६; (२) लोडा; भेालडी: भगरेणा. जोडा, मोजडी, ज्ती. a pair of shoes प्रव॰ ६६३;

खल्लूड पुं॰ (खल्जूड) એક જાતના કન્દ-एक जात का कन्द. A. kind of bulbous root. पन्न॰ १; जीवा॰ ३, ४;

चित्र प्राचीत कर्मा कर्मा क्ष्मिक्त कर्मा प्राचीत क्षम्य कर्मा चित्र कर्मा प्राचीत कर्मा कर्मिक क्षमे क्षमे क्षमे कर्मिक क्षमे क्षमे

खिति. भग० १६, ४; स्य० १, १२,१४, खबित दस० ६, ५६; सु० च० १, १८; खबियन्ति. भग० १६, ४; १८, ७; खबवेत्ता. सं० क्र० भग० ६, ३१; १४, १; नाया० १; ६;

खिवेक्ता. सं० कृ० नाया० ५; श्रोव० ४१; उत्त०२८, ३६; दस० ३, १५;

खितु. सं० कृ० दस० ६, २, २४, खबमाण व० कृ० नाया० २; खबेमाण व० कृ० नाया० १०, खबेंत क० प० २, ६६, ४, ४१; ७, ३६; खबेंड सं० कृ० क० गं० २, ३४;

खबन्न पु॰ (चपक) डमाँना क्षय डरनार, क्षपड श्रेशियत साधुः कर्मी का च्चय करन दाचा, चपक श्रेगियत साधु One who destroys Karmas; an ascetic who has reached Ksapaka Sreni (a stage of evolution) भग॰ २४, ७, भत्त॰ १४७;

खत्रग. पुं॰ (चपक) क्षप । श्रेष्प्रिमा त्त साधु चपक श्रेषिप्राप्त साधु. An ascetic who has reached a certain spiritual stage. पिं० नि॰ २०६; भग॰ २१. ६; भत्त॰ ४३; प्रव॰ ७•६, क॰ प॰ २. १७; (२) भे। द्वनीयने भ्रेषावया रूप-क्षप । श्रेष्ट्री, मोहनीय को दवान वाली चपक श्रेष्ट्रि. ध certain stage in which Mohaniya Karma is wasted away. क॰ ग॰ २, २६; ५, ६२; — श्राउ. पु॰ (-श्रायुष्) आयुष्यने भ्रेषा

વનાર-સુદ્ધમ સંપરાય અને અપૂર્વ કરણ ગુણસ્થાન વાલા જીવ. श्रायुप्य का चय करने वाला सूचम संपराय श्रीर श्रपूर्व करण गुर्णस्थान वाला जीव. a living being possessed of Süksamasaniparāya and Apūrvakaraņa which away the period of life. क॰ ग॰ ४, ६७, — क्रम. पुं॰ (–क्रम) क्ष ५ % খি্নি। ১৮. লণক श्रीण का कम. the order of Ksapaka Sreni कप ?, ४३; —सेंढि. न्नी० (– श्रेगिषा) क्षप ४ श्रेशि चपक श्रेषि. Ksapaka Sreni; the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karma in succession प्रव०२०;—सेगि, स्री० (-श्रेगिए) क्षेपे श्रेष्टि चपक श्रेगि the spiritual evolution of a soul made by destroying the difterent Karmas in succession (૨) વ્રાતીકર્મની પ્રકૃતિએાને ખપાવવાના ક્રમને ક્ષપકશ્રેણિ કહેવામાં આવે તેમાં અનંતાનુબંધી ફ્રોધ, માન, માયા અને લાેભને ખપાવવાની શરૂઆત કરી ચિત્રમા ખતાવેલ ક્રમ પ્રમાણે માહનીયની બધી પ્રકૃતિએાને ખપાવતાં દર્શનાવરણીય, જ્ઞાના-અને અતરાયનો પ્રકૃતિઓન ખપાવી ૧૨મા ગુણકાણાને છેલ્લે સમયે કેવલજ્ઞાન અને કેવલદરોન પ્રા¹ત થાય छे घातकर्मको प्रकृतियों के चय करने के ध्रनुक्रम की च्रापकश्रीण कहते हैं. श्रनतानुवान्ध काध, मान, माचा, श्रोर लोभ इनका स्तय करने का आरभ करके चित्रमं वतलाये हुए कमके श्रनुसार मोहनीय की सपूर्ण प्रकृतियों का त्तय करने पर दर्शनावर-गोय, ज्ञानावरणीय और अतराय की प्रकृति-यो का चय करने के पश्चात १२वे गुरास्थान के ब्रान्तिम समय केवलज्ञान ब्रौर केवलद्शीन को प्राप्ति होती है the serial order of destroying the Ghāti Karmas is called Ksapaka Sreni. The course of destroying the said Karmas begins from the destruction of anger, pride,

खबग-सेणि निद्रा-प्रचला ં**ઝપ્ર.**ક્રો.મા.મા.**સા.પ્ર.ક્રો.મા.મા**.સો. ३ आय नरक आदि - क्षपकश्रेणि

deceit and greed which are of etarnal standing and after the destruction of Darśanāvarnīya, Jñānāvarnīya and Antarāya Karmas, Kevalajñāna and Kevala Darśana are obtained at the end of the 12th spiritual evolution. 930 005;

खबग्ग. पुं० (चपक) लुओ। " खबग "शाण्ट. दखो " खबग " शब्द. Vide " खबग " प्रव० ७००,

खवरण न॰ (चपर्य) इम्नी क्षय इरवे। तेः અમુક અશે કર્મની નિજેરા કરવી તે कર્મ का चय करना, श्रमुक श्रंशतक कर्मी की निजरा करना Destroying Karmas; destroying Karmas to a certain limit. विशे॰ २५१४, उत्त॰ ३३, २४; पंचा॰ १८, ४१, पि० नि० भा० १, सु० च० १, ३८४; (२) प्रकृत्य: अध्ययन. श्रध्याय; श्रध्ययन. chapter: division. विशे० મુનિ साधः मनि. (ર) સાધુ; Sadhu: an ascetic पंचा॰ १६. ३४-

खवराा श्ली (समसा) अध्ययन नुं अपर नाम. श्रध्ययन का श्रपर नाम. A synonym for a chapter श्रस्तुजा १४४; क्ष्मवज्ञ पुं (*) એક जतनु भाष्यु. एक

जातिका मत्स्य A kind of fish पन ०१:

खित त्रि॰ (ज्ञिपत) भ्रावेशः क्षय हेरेल ज्ञय किया हुआ। destroyed; wasted सम॰ २१, —सत्त्वः त्रि॰ (-सप्तक) अन तातुः ल्यान्धी यार क्षाय, भिश्यात्व भेादनीय, सभ- कित भेादनीय, अने भिश्र भेादनीय से सात प्रकृति के हो क्षीए करी हे ते अनतानुबंधा चार कवाय मिध्यात्व मोहनीय, समकित मोहनीय और मिश्र मोहनीय, इन सात प्रकृ

तियों का जिसने च्रम किया है वह. (One) who has destroyed the seven natural impurities; fourfold passions known as Anantānubandhī. सम॰ २१;

जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने।ट (*).
 देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*).
 Vide foot-note (*) p 15th

खिय-ग्र. ति॰ (चिषत) भ्रावेशुं च्रय किया हुन्ना. Destroyed; wasted. क॰ गं॰ २, १; क॰ प॰ ७,३६; ४४; — कम्म॰ पुं॰ (-कर्मन्) भ्राव्या छे ४भ ि लेखे ते. ४भी क्षय ५२ना२ (साधु). कर्मीका च्रय करने वाला (साधु); जिसने कर्मी का च्रय किया है वह. one who has destroyed, wasted the Karmas. क॰ प॰ २, ६६; ६, २०;

खस. पुं॰ (खस) भस नामने। એક અनाय देश. शिक्षा का एक अनार्य देश. Name of a non-Aryan country. (२) त्रि॰ ते देशने। रहेशनी उस देश का निवासी. a resident of this country. परह॰ १, १; प्रव॰ १४६७;

खसखासिय. पु॰ (खसखासिक) भस-भासिक नामनी श्रेक हेश. खसखासिक नाम का एक देश. Name of a country. पत्त॰ १; (२) त्रि॰ ते हेशमा रहेवावाक्षा भाष्मुसी. उस देश के निवासी मनुष्य. a resident of this country. पत्त॰ १; खसर. पुं॰ (*) भसना राग, भस. खस का राग; खस. Itch, a kind of skin disease जीवा॰ ३, ३; जं॰ प॰ खह न॰ (ख) आक्षाश. श्राकाश The sky. भग० २०, २,

खहचर. पुं॰ (खेचर-खे श्राकाशे चरतीति)
आक्षाशभा उत्पार पक्षी, तिर्थंय प्रयेन्द्रियनी
ओक्ष कातः श्राकाश में उडने वाले पद्मी
श्रादि; पंचेंद्रिय की एक जाति. A bird;
a kind of five-sensed animal.
भग॰ २४, १; उत्त॰ ३६, १७; —विहासः
न॰ (-विधान) पक्षीयाना लेह-प्रकार

पाचियों के भेद-प्रकार. varieties of birds. भग० १४. १: नाया० १६: सहचरी. जी० (खेचरी) आधाशमां ઉડनार ચકલી; કાયલ વગેરે પક્ષિણી. श्राकाश में उडने वाली चिडियां: कोयल श्रादि पची (ब्रो). Birds that fly in the sky; the cuckoo etc তা॰ ३, ৭; खहयर. पुं• (खेचर) पक्षी पत्ती A bird. (२) विद्याधर. विद्याधर. a god possessed of wonderful powers श्रागुजो० १३४; जं० प० भग० ७, ५; ८, १; उत्त० ३६, १८६; श्रोव० ४१; जीवा० १; पन ॰ १, --मंस न ॰ (--मांस) तेतर, **५**६८। वगेरे पक्षीनं भास. तीतर, सुर्गे श्रादि पिचयोंका मांस. the flesh of a cuckoo partridge etc अव॰ २२२; खहयरी स्नी॰ (सेचरी) पक्षिणी स्नीलिंग पत्ता. A female bird जीवा॰ १: √खा. I (खाद्) भावुं. खाना. To eat. खायहः भगाजी । १२ दस० ६, १, ६; पि॰ नि॰ २७४: खाइ. सु॰ च॰ १२, ४४; राय० २४०; खायह. श्रा० उत्त० १२, २६; खायमार्गा. जीवा॰ ३, विवा॰ १; खावियंत प्रे॰ व॰ कु॰ विवा॰ २: खजह क॰ वा॰राय॰ २७६; उत्त॰ १२,१०, खजत. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ भत्त॰ १६०; खजमार्गा. क० वा० व० कृ० संथा० ६६: खान्न-य. त्रि॰ (ख्यात) अभ्यात; असिद्ध. प्रख्यात, प्रसिद्ध. Famous, renowned. पंचा॰ ११, ४, उत्त० १४, २; नंदी० २७; खाश्र-य. त्रि॰ (खात) भारेंं खुदा हुआ.

Dug. कप्प॰ ६,२;श्रोव॰ (२) भाडे।; ध्वे।

लुओ। ५४ नभ्भर १५ नी पुटने। ८ (४). देखे। पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (४). Vide foot-note (३) p. 15th.

में भिंगोया हुत्रा. salt-soaked. स्य॰ २, २, ६३; श्रोव॰३=;दसा॰ ६, ४;—तंत. पु॰ (-चारतंत्र) सिंग वृद्धयादि वाळ ४२७। शास्त्र आयुर्वेदने। ओ४ लाग लिंग वृद्धि श्राद्ध आदि वाजी करण शास्त्र; श्रायुर्वेद का एक भाग. a section of Ayur Veda (medial science) dealing with the excitement of amorous desire by means of aphrodisiacs ठा॰ ६, १०;

खारायण. पुं॰ (ज्ञारायन) भंऽ५ शास्त्री शाभा. मडप गांत्र की एक शाखा. A. branch of Mandapa lineage. (२) ते शाभाना पुरुष उस शाखा का पुरुष. a man of that branch. ठा॰ ७, १;

खिरिश्र. पुं॰ (चारिक) भारी भा; मूला वगेरे-ना भांहडामा भीडुं लरावी अधाणा केवुं अनाववामां आवे छे ते. नमकोन; मूने श्रादि के पत्तों में नमक डालकर श्रवार जैसा बनाया जाता है वह. Pickles. श्रोघ॰ नि॰ मा॰ १३६;

खारी स्त्री॰ (* खारी) એક જાતનું પ્રાણી. एक जाति का प्राणी. A kind of creature. जीवा॰ १:

खारुगिया पुं॰ (त्तारुगियाक) ओ नाभने। ओड अनार्थ हैश. इस नाम का एक अनार्य देश Name of a non-Aryan country. (२) त्रि॰ ते हेशना रहेवासी. उम देश का निवासी. a resident of this country. भग॰ १,३३;

खातिय. त्रि॰ (चातित) धे।ऄॳुं धुताहुत्रा. Washed. सु॰ च॰ २, २४३९७, ६१;

स्त्राचरा. न॰ (ख्यापना) असिद्धि; भ्याति; प्रासिद्धि, ख्याति Fame; reputation पंचा॰ १०, ७;

खास. पुं॰ (कास) आंसीने। रे।ग; ७४२स. खामी का रोग; दमा. Cough. नाया॰ १३; भग॰ ३, ७;

खासिश्र. न॰ (कासित) लुओ। "स्वास" शण्ट. देखो "खास" शब्द. Vide "खास" विशे॰ ५०३; नंदी॰ ३८;

स्वासिय. पुं॰ (खासिक) स्थे नामने। स्थेड देश. इस नाम का एक देश Name of a country. (२) ते देशने। रहेवासी. उस देशका निवासी. a resident of this country. पगह॰ १, १; प्रव॰ ११६७: स्रोव॰ १, ५;

खिइ. स्रो॰ (चिति) पृथ्यी पृथ्यो. The earth; the world. क॰ प॰ १, ६२; ४, ३२,

खिलणी. स्रो॰ (किङ्किणी) धुधरी; न्हानी धटडी घुगरियां; छोटा घुगरा. A small bell नाया॰ ९; ठा० १०, १;

सिंखणीय न० (किइणोक) जुओ। "खिंखणी" शण्टा देखी "खिंखणी" शण्टा देखी "खिंखणी" शब्दा Vide "खिंखणी" नाया॰ १; उवा॰ २, ११३;

सिंखिणी स्त्री॰ (किंद्विणी) धुवरी; घंटडी. छोटा घुगरा. A small bell. जं॰ प॰ राय॰ १०६; जीवा॰ ३, ३; उत्रा॰ ६, १६६; √स्तिसः धा॰ I. (विस्) निन्दा धरवी.

√िखिसः धा॰ I. (खिस्) निन्दा करवा. निन्द्युं. निन्दा करना. To blame; to consure (२) क्षेष्ठ करेवा; तर छे।ऽवुं. कीय करना; तिरस्कार करना. to get angry; to despise.

खिसइ-ति. स्य० १; १३, १४; २, २; १७; नाया० ध० पि० नि० ३५५; उत्त० १७, ४; सम० ३०; दसा० ६, २०; २१;

खिसंति. भग २, १; मंत ०६, ३: नाया ०८; खिसप. वि॰ दस॰ ८, २६; श्राया • १, २, ४, ६४; खिसइजा. दस० ६, ३, २१; खिसह. भग० ४, ४; १२, १; खिसिस्संति. नाया० १६; खिसे (सि) त्ता. सं० कृ० भग० ५, ६; ठा० ३, १;

खिंसिजमाण. नाया॰ १६; भग० ३, १; जिंस्सण. न० (खिंसन) निन्दा; तिरस्धार; अपभान निन्दा; तिरस्कार, अपमान Censure; contempt, dishonour. पण्ह॰ १, १; श्रोव॰ २१;

िधाडा पाडी व्यवसा अस्ती. लोगों के सामने गुप्त रहस्य प्रकट कर श्रवज्ञा करना Disregarding anyone by exposing his weakness in the public श्रोव॰ ४०; राय॰ २६४;

खिंसिण्जि. त्रि॰ (खिंसनीय) तिरस्धार धरवा ये। य तिरस्कार करने योग्य. Censurable; disgraceful. नाया॰ ३;

खिंसा. स्रो॰ (खिंसा) निन्दा. निंदा. Censure. पंचा॰ १७, २४;

खिसिय नि॰ (खिसित) भर्भ लेही वयनथी तिरस्कार करेंस ममं भेदी वचन से तिरस्कृत. Disgraced with piercing words. ठा॰ ६, १; प्रव॰ १३३५; —चयण्. न॰ (-वचन) भीजनी लर्त्सना (तिरस्कार करने योग्य वचन. the words of rebuke. ठा॰ ६, १; वेय॰ ६, १;

स्तिष्मिखयंत. त्रि॰ (खिखिकुर्वेत्) भिभि शण्द ४२तुं, ती, ते। त्रिखि शब्द करता हुम्रा-हुई. (One) making a sound like 'Khi Khi.' पग्रह॰ १, ३:

खिज्जणा स्त्री॰ (अखिद्यना-खेदिकिया) भेद खेद. Pain; trouble नाया॰ १=; खिजीं ग्या ति॰ (खेदनीय) भेट अरवाने ये। २४. रंज करने योग्या Regrettable. नाया॰ १६:

खिज्जमार्गः ति॰ (विद्यमान) भीक्यते।— शीरीया स्वलाव वाला. खीजताहुन्ना चिरडी स्वभाव वालाः (One) of an irritable nature. जीवा॰ ३, ४; नाया॰ १८; राय॰ ११२;

खिज्जिय. त्रि॰ (खिन्न) भेह पाभेक्ष. खेद प्राप्त. Troubled; afflicted. नाया॰ ६; खिडुकर. त्रि॰ (कड) गिद्दगिदिया ५२ना२ गुदगुदी चलाने वाला. (One) who tickles. सु॰ च॰ २, ६४३;

खिति. स्नी॰ (चिति) पृथ्वी. पृथ्वी The earth; the world. विशे १२०=; खित्तः न॰ (चेत्र) आश्रश प्रदेश. श्राकाश प्रदेश. The firmament; the space of the sky. उत्त॰ ३३, १६; क॰ ग॰ પ્ર, ८६; (२) આર્ય અનાર્ય દેશ. श्रार्य श्रनार्य देश a country of Aryas and Anaryas. गच्छा । १४, उत्त ३, ૧૯; (૩) દ્વિપના એક ભાગ; ખડ-વિજય; केभ भरत क्षेत्र. द्वीप का एक भाग; खंड विजय; जैसे भरत च्रेत्र a part of a continent ठा॰ २, ३; (४) भुस्सी છમીન, ધાન્યવાવવાની જમીન. ख़त्ती जमीन; धान्य योने की जमीन. a field; an open plot of ground श्राया॰ १, २, ३, ७६; श्रगाजी० ८०; दस० ८, ३४; प्रव० १८; ६०४, भग० २, १; २४, ४;पञ्च० १४; उत्त॰ ३०, १८, श्रोघ० नि० भा० ८२; सु० च० १, २३; कप्य० ४, ११७; — नि-वासि त्रि॰ (-निवासिन्) એક क्षेत्रमां निवास धरनार एक चेत्र मे निवास करने वाला. residing in one country. प्रव॰ ७८४; -पुत्सगा स्त्री॰ (-स्पर्शना)

ક્ષેત્રની સ્પરા^૧ના આકાસ પ્રદેશની અવગાદના. चेन का स्पर्शः श्राकारा प्रदेश की श्रवगाहना. occupying the atmosphere or space. विशे॰ ४०६; —वाहिद्रियः त्रि॰ (- यहिः स्थित) क्षेत्रथी-वसितथी थहार रहेश. चेत्र से वाहर रहा हुआ. situated outside the inhabited region. प्रव॰६२७;--बुड़िढ स्री॰ (-वृद्धि) क्षेत्रनी पृद्धि, चेत्र की गृहि, increment in space. प्रव॰ २=१: —संदिडः स्री॰ (-संस्थिति) क्षेत्रने। आश्वर, द्वेत्र का श्राकार. the shape of the space region. जं॰ प॰ ३७, —सहावः पुं॰ (-स्वभाव) क्षेत्रने। स्वलाय, जेन्न का स्वभाव, the nature of the space. प्रव १०६=;

खित्त त्रि॰ (चिस) दें हे थुं. फैंका हुया.
Thrown. क० गं० ४, =६; नाया॰ १७;
—िचित्त त्रि॰ (-िचत्त) पुत्रशेष वगेरे
थी विक्षिप्त थयुं छे थित्त करेनुं अवेष. पुत्रशोक प्रादि से जिसका चित्त चुन्थ है वह
(one) maddened on account
of the death of a son etc. ठा०
४, १; वव॰ २, १०, १०, १८;

खित्तस्र त्रि॰ (चेत्रज) स्त्रीथी ६५०० थां छी-६२१. स्त्री से उत्पन्न नडके. Children born of a woman. ठा॰ १०;

खित्तत्रो. थ्र॰ (चेत्रतस्) क्षेत्रथडी; क्षेत्रनी अपेक्षाओ, क्षेत्रआधी. चेत्र से; चेत्र की ध्रपेत्ता; चेत्र के सम्बन्ध में In relation to space. उत्त॰ २४, ६; श्रोव॰ १७;

ग्वित्तवाल. पुं॰ (त्तत्रपाल) देव विशेष; भेत-२पाल. देव विशेष; च्तत्रपाल. A kind of deity. सु॰ च॰ ७, ७०;

खिन्न. त्रि॰ (खिन्न) भे६ पामेर्बु. दुःखी; खेट पाया हुन्ना. Troubled; afflicted. त्रोघ॰ नि॰ १२४;

खिप्प. त्रि॰ (चित्र) ०/सदी; ७तायणुं. जल्दी;
फुर्ताला. Speedy. श्राण० १, ६, ७, ६;
२, ३, २, १२६; उत्त० १, ४४; श्रोष०
नि० ७७५; भग० १, ६; २, १; ३, १; ३;
दस० ४, २८; ८, ३१; नाया० १; १६;
विशे० २८०; स्य० १, ८, १५; कप्प० २,
२५; ४, ५८; उत्रा० १, ४६; राय० २८;
३४; ३४; श्रोद० २६; क० प० २, ८८; ६,
१६; मम० ३४; दसा० ४, ३८;

खिप्पगइ पुं॰ (चिप्रगित) िशाकुमार ते लोकपाल का लेकिपालनुं नाम. दिशाकुमार के लोकपाल का नाम Name of a Lokapāla of Diśākumara. भग॰ ३, ८; (२) अभितगित तथा अभितगित तथा अभितगित तथा आगतिनाहन उन्द्र के लोकपाल का नाम. name of a Lokapāla of the Indras named Amitagati and Amitvāliana टा॰ ४, ३;

खिलीकय. त्रि॰ (किलीकृत) भीक्षी भारीने हमेंने निवड हरेब; निहास्थितलन्धने लाधेब. कील ठोककर कमें का दह किया हुन्ना; निकाचित बंध से बंधे हुए. (The Karmas) nailed or bound very tightly. भग॰ ६, १;

खिल्लुड पुं॰ (፦) इन्ह विशेष. जन्द विशेष. A kind of bulbous root. प्रव॰ २४०;

खिल्लूह. पु॰ (*) अन्ह विशेष, वनस्पति.

^{*} જુએ પૃષ્ટ નમ્બર ૧૫ ની પુટનાટ (-) देखा पृष्ट नम्बर ૧१ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

वनस्पति; कंद विशेष. A kind of bulbous root; a kind of vegetation. जीवा॰ १;

*खिल्लोडं. सं० कृ ० थ्र० (क्रीडायेत्वा) भेशीने; २भीने. खेलकर; क्रीडा करके. Having played. सु० च० ७, ११३;

खिवित्ता. सं॰ कृ॰ (जिप्त्वा) ईंग्रीने. फेंककर Having thrown. भग॰ ३, २;

खिविया त्रि ॰ (जिस) १९९७ . फेका हुआ. Thrown. मु॰ च० १, १७;

खीरा. पु॰ (ज्ञीरा) भरी गरेंंंंं नाश पामेंं नष्ट; चीपा. Wasted; destroyed नाया॰ ४; द; श्रगुजो॰ १२७; १३६; ज० प० पन्न० १; भग० १, ६; ५, ४; ६, ७; १५, १; २४, १; ७; सम० ७; ठा० २, १; क॰ प॰ ४, १८; ४, १८; प्रव॰ १३१३; कप्प० २, १८; ४, १४६; क० गं० २, २; ૨૦; ૪, ૭૬; (૨) ભારમા ક્ષીણમાહેંગુણ २थानक्ष्म दुंई नाभ बारहवे ज्ञाण मोहनीय गुण स्थानक का सन्तिप्त नाम. a short name of the 12th variety of spiritual evolution known as Ksīnamoha. क॰ गं॰ ६, ४४: — उ-द्रग. त्रि॰ (-डदक) पाधीविनानं, निर्ज्श. पानी रहित: निर्जल devoid of water; waterless. भग॰ १४, १; — उवसंत न॰ (-उपशान्त) क्षीरूभीह तथा अपरात-માહ નામે ગુણસ્થાનક; બારમું અને અગી-यारमु शुश्रयानः जीगा मोह तथा उपणात मोह नाम का गुणस्थानक: बारहवे छौर ग्यारहवें गुणस्थानक the eleventh and the twefvth spiritual stages as Ksīnamoha and Upaśāntamoha. क॰ ग॰ ४, ६१; —कसाइ. त्रिo (-कपायम्) जुओ। '' खीं एकसाचि '' शण्ड देखो '' खीं गु- कसायि " शब्द. vide " खीणकसायि " भग॰ ६, ३१; —कसाय. त्रि॰ (-कपाय) ક્ષય પામ્યા છે કામ કાધાદિ કવાય જેના તે. जिसके काम कोधादि कपाय चय होगए है. (one) whose passions i. e. anger, hatred etc. are destroyed or decayed. क॰ प॰ ७, ४=; - कसायि त्रि॰ (-कपायिन्) इपायते। નાશ-ક્ષય કર્યો છે જેણે તે; કપાયરહિત. जिसने कपाय का नाश--चय किया है वह; कपाय रहित (one) who has destroyed the passions. भग॰ २४, ६; —-दुह्न. त्रि॰ (-दुःख) क्षीश् થયું છે દુઃખ केनु, दुःभ विनानु, जिसका दु.ख चीए होगया है वह; दुख रहित. freed from pain or misery. सम॰ प॰ २४०; —भोग. त्रि॰ (-भोग) જેના બાેગ વિલાસ क्षील थया छे अवा. जिसके भाग विलाम चीए होगये हैं वह freed from wordly enjoyments नाया॰६; - भोगि त्रि॰ (-मागिन्-भागो जीवस्य यत्रास्ति तद्-भोगि, शरीरम् तत्ज्ञीण तपोरोगादिभिर्यस्य सः ज्ञीग्रभोगी) हुण्या शरीर वाण्, पतन शरीर वाला; दुर्वल. (one) of weak constitution. भग० ७, ७; -मोह. जि॰ (-मोह) भेादनी**धर्म केनुं** क्षीण् थ्यें थे ते. जिसका मोहनीय कम चय होगया है वह. (one) freed from Karma known as Mohaniya. क० ग० ४, ६३; क० प० ६, ६; ठा०३, ४; -रयः त्रि॰ (-रजस्) लेखे **५**र्भरूप रलने। नाश धर्यों छे ते. कर्म रज का नाश कीया है वह. (one) freed from dust in the form of Karmas सम॰ प॰ २४०; --राग त्रि॰ (-राग) केंगे राग देश क्षय ध्येर छे ते जिसने राग

हेश त्त्य किये हैं वह. (one) freed from passions. क॰ प॰ ४, १८; ४२; गच्छा॰ ३३; —वेद्यः त्रि॰ (-वेदक) स्त्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसड वेद, आहि जेना आम विडार नष्ट थयेस छे ते. जिसके स्त्री वेद, पुरुष वेद, आदि काम विकार नष्ट हो गए वह. (one) freed from sexual passion. भग॰ ६, ३१; २४; ६;

खी एक साय. न० (ची एक पाय) भार भुं शुल्रियान के कि अपां अपाय ने। सर्वथा क्षय करवामां अपाय का सर्वथा च्या होता है. The 12th spiritual stage where the passions are completely overcome. क॰ गं० ६, ६४; —वीतराग. पु॰ (-वीतराग) अपाय रहित वीतराग. भार भा शुल्रियान कवारी कवाय रहित वीतराग. बारहवें गुरास्थानक चारी क soul that has reached the 12th spiritual stage. भग० २५ ६;

स्तीर. न॰ (स्तीर) हुध. दूध. Milk. स्॰ प० ११; १६; पञ्च० २; आया० २, १, ४, २४; विशे॰ ७६६; निसी॰ ६, २२; निर० रे, ४; जींवा० २, २; पिं० नि० १३०<u>:</u> भग० ३, ७; ११, ११; ठा० ४, १; श्रोव० १०; ३५; पिं० नि०भा० ४०; उवा० १, २४; पंचा०५,२७;१३,१०;कष्प०३,३८; દ, ૧७; (૨) ક્ષીર નામના પાંચમા સમુદ્ર थ्पने पांयभे। **द्वीप. चांर नामका पांचवां** समुद्र श्रीर पांचवां द्वीप. Name of a continent and an ocean. श्रक्तां• १०३; पन्न० १; जीवा० ३, ४; — कुंभ. पुं॰ न॰ (-कुंभ) हुधने। धडेा. दूघ का घडा. a pot of milk. भग॰ १६, ३; —दुम. पुं॰ (-द्र्म) हु५ वाणां आऽ; थार, आक्षा वर्गरे. दूधवाले माड़; धूत्रर,

त्राकड़े त्रादि. trees that give milk e. g. the Asvattha tree. पंचा० १४, २०; पिं० नि० भा० १२; —धाई. स्त्री॰ (-धात्री) व्यासक्ते धव-रावनारी; धायभाता. बालक को दूध पिलाने वाली; धाय माता. a wet nurse. श्राया० २, १५, १७३; भग० ११, ११; नाया॰ १; १६; विवा॰ २; - भोयगा. न॰ (-भोजन) भीरतुं क्रभण्. च्रीर भोजन. a meal consisting rice boiled in milk. निर॰ ३, ४; —महुर. त्रि॰ (-मधुर) हुधना लेवुं भींदुं. दूध जैसा मिष्ट. sweet as milk. ठा॰ ४, ३; —मेह. पुं॰ (-मेघ) अरत ક્ષેત્રમાં ઉત્સાપિણીના ખીજો આરાે બેસતાં સાત દીવસ પુષ્કર સંવત્ નામના મેધ વરસ્યા પત્રી ખીજો મેધ સાત દિવસ સુધી परसे तेनुं नाभः भरत चेत्र में उत्सिर्पिशा का दूसरा त्रारा बैठता है तव सात दिन तक पुष्कर संर्वत नामका मेघ बरसता है पश्चात् दूसरा मेघ सात दिन तक वरसता है उसका नाम. name of the rain -which falls for 7 days at the commencement of the 2nd œon in Bharata after a 7 days' rain fall known as Puskara Samvarta. जं॰ प॰ - बुठि. स्री॰(-वृष्टि) દુધની વૃષ્ટિ; દુધનાે વરસાદ. दूघ की दृष्टि; दूध की बरसात. a shower of milk; a rain of milk. भग० ३, ७; —स-मुद्धः पुं॰ (-समुद्र) क्षार सागरः चीर सागर. the ocean of milk. सु॰ च॰ २, २४१; --सर. न० (-सरस्) हुध **જેવા પાણીવાળું તલાવ. दूध जैसे पानी वाला** a tank having milky water. सु॰ च॰ १४, ३२; —सागर.पुं

(-सागर) क्षीर सभुद्र. चीर समुद्र. name of an ocean. कप्प॰३, ३३; — साला. स्नां॰ (-शाला) हुंधनी शाक्षा-हुंधन दूध की शाला-दुकान a shop of milk निसी॰ ६, ७,

स्वीरकाश्चाली श्री॰ (श्रीरकाकोली) अने नाभनी साधारण वनस्पति. A kind of vegetation पत्त॰ १;

स्वीरकाकोलि. स्रं (चीरकाकोली) लुओ। "सीरकाझोली" शण्ट. देखो 'खीरकाझोली" शब्द. Vide " खीरकाझोली " भग० स्वीरगी. स्री० (चीरगी) पृक्ष विशेष; णिरनी

वृत्त विशेष; खिरनी. A kind of tiee bearing sweet fruit. भग० २२, २;

स्वीरभुस. पुं॰ (श्वीरभुष) स्थे नाभनु पर्व ग ज्यतनुं स्थेड अड इस नाम का पर्वेग जाति का एक माड़. A. kind of tree of Parvaga sort. पन्न ॰ १;

स्तीराइय. त्रि॰(सीरिकत) के भा क्षीर-२स उत्पन्न हुआ त्र यथे। छे के भु. तिसमें चीर रस उत्पन्न हुआ है वह. (A substance) in which juice has been produced "त्तर्यातेसालीश्रणुपुरुवेशं श्राययगंघा खीरा-इया बन्हेंकला" नाया॰ ७;

स्वीरासव. ति॰ (चीराश्रव) केनुं यथन हुधन ना केषु सालगनारने भधुर क्षाणे तेषा शक्ति-क्षित्राणा भाष्युस. जिसके वचन सुननवालो का दूध जैसे मिष्ट मालूम हो ऐसी शाक्ति-लिखवाला मनुष्य. (One) possessed of sweet speech like milk श्रोव॰ १६; पग्ह॰ २, १; स्वीरिशियाः स्रो॰ (स्रोशिशिका) दुधवाणीः दुअर्थी दूधवालीः दुधारू. A milch cow etc. श्राया॰ २, १, ४, २३,

खीरिगी. स्नी॰ (स्नीरिगो) थीऽवाणी आउनी वेल. चीडवाले भाड की वेल. A kind of crooper. पन्न॰ १;

खोरोदश्र. पु॰ (चीरोदक) क्षीर सभुद्र. चीर समुद्र. Name of an ocean ठा॰४,४; खोरोद्देश पुं॰ (चीरोदक) क्षीरसभुद्र क्षीरसभुद्र क्षीरसभुद्र क्षीरसभुद्र क्षीरसभुद्र क्षीरसभुद्र क्षीरसभुद्र क्षीर सागर. Name of an ocean. भग॰ ६, ६; ज॰ प॰ पत्र॰ १; —समुद्दः पुं॰ (-समुद्द) क्षीराहक समुद्र-जिसका पानी द्र्य सरीखा है ऐसा समुद्र An ocean the water of which is like milk. नाया॰ ६;

खीरोदा की॰ (चीरादा) पश्चिम महाविदेहना हिलिए। जांडवानी जील विलयनी पश्चिम सरहह अपरनी महानिदेह के दक्किण खंड की दूसरी निजय की सीमा पर बहती हुई महानदी Name of the great river flowing on the western boundary of the 2nd Vijaya of the southern part of the western Mahāvideha ज॰ प॰ ४, १०३.

खोरोय न॰ (चीरोद) क्षीर सागर. चीर सागर Name of an ocean ज॰ प॰ ४, १२०; कप्प॰ ३, ४३; —सायर पुं॰ (-सागर) क्षीर समुद्र चीर समुद्र. Name of an ocean. कप्प॰ ३, ४३;

स्त्रीरोया पु॰ (*) लुः । " स्त्रीरोदा "

^{*} जुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

शफ्ट. देखो " खीरोदा " शब्द. Vide " खीरोदा " ठा० २, ३;

खील पुं॰ न॰ (कील) भीथे। कील. A. nail. श्रोघ॰ नि॰ ६८८;

तिशा. श्राघ० नि० ६ द द;
खीलग. पुं० (कीलक) ळाओ। "खील"
शण्ट. देखो "खील" शब्द. Vide "खील" सू०प० द; श्रोघ० नि० भग० २७१; खु. श्र० (खु-खलु) वाझ्यालंकार; वाक्य शाक्षावनार व्यव्यय. A particle used to add grace to a sentence. श्राया० १, ६, ३, १ द ध;

certainly; verily. गच्छा॰ ६३; खुड. स्री॰ (चुति-चवर्ण चुतिः) श्रीं ५. छीक.
A sneeze. नाया॰ २; १६; भग॰ १४, १;

दस०२, ५; =, ५४; (२) निश्ये निश्चय.

खुक्खु. पुं॰ (खुक्खु) हेडिना धेडिने "भुक्त्युं। शक्ट थाय छे ते. दौडते हुए घोडे का खुक्खु शब्द. A sound which is produced when a horse is running.

खुजा. पुं॰ (कुड्ज) लेना क्षाय पण भरतड अने श्रीवा—डेाड बक्षख्युक्त अभाखे। पेत होय अने पेट छानी पीड वजेरे बक्षख् हीन होय ते संस्थानने नाम; छ संहाख्याने योथुं संहाख्याने जाम; छ संहाख्याने श्रीवा—गर्दन लक्ष्यायुक्त प्रमाणानुसार हों श्रीर पट, छाती पीठ श्रादि लक्ष्याहीन हो ऐसे संस्थानका नाम; छ संठाणोंमें से चौथा संठाण. Name of a bodily structure in which hands, feet, the head and the neck are in proportion while, stomach, the back, the breast etc. are disproportionate; the 4th of the 6 bodily structures

अगुजो॰ ११८; ठा॰ ६, १; पन्न॰ १, सम॰ प॰ २२७; (२) त्रि॰ कुष्पडे। कुब्जः कुब्दा. (०००) hump-backed. मु॰च॰२,३६४; पगह॰ १, १; खोष॰ नि॰ मा॰ ८२; पि॰ नि॰ ४७४; पंचा॰ १८, १७; प्रव॰ ४६३; ८०२; (३) न॰ के प्रकृतिना उद्दर्थी कुष्पडापणुं प्राप्त थाय ते नामकर्मनी ओह प्रकृति के उदय ने कुब्दापना प्राप्त हो उस नाम कर्म की एक प्रकृति. a variety of Nāma Karma by the rise of which one becomes hump-backed. क॰ गं॰ १, ४०;

खुज्जकरणी. स्ना॰ (कुब्जकरणी) रूपयती साध्वी ઉपरहे। भी हिन पामे ते सारुं हह ३५ यनाववाने भंभा जिपर राभवाना संथारी भाव वस्त्रने भ ला नीचे पी इ उपर से इ पे धी था दिन भा मुंते. रूपवती साध्वी पर कोई मोहित हो इसिलये सुंदरता को कुरूपता में परिणत करने के वास्ते कंधे के वस्त्र को पीठ से नीचे पेट पर एक पहें से बांध रखना. Wrapping of a shoulder garment round the breast and the back on the part of a female ascetic in order that nobody should be tempted by her beauty श्रोष नि॰ भा॰ ३२०; प्रव॰ ४४६;

खुज्जत्त न॰ (कुन्जत्व) कुमडा पखुं. कुमडा पन. The state of being humpbacked. भ्राया॰ १, २, ३, ७=;

खुजा. स्री० (कब्जा) धुलडी हासी. कुवडी; दासी. A hump-backed femule: a maid. श्रोव० ३३; दसा० १. १; नाया० १; ६; श्रंत० ३, ६; जं० प० भग० ६, ३३; विवा० ६; (२) धुण्लहेश नी हासी. कुब्ज देश की दासी. a maid of the country named Kubjā. निसी० ६: २५; विवा॰ ६; निर॰ १७१; (३) थुं इवानुं पात्र (थुं इहानी) धार छ इस्नारी हासी. धुंकने का पात्र (पीकदानी) उठाने वाली दासी. a female attendant who holds a spittle-pot. विशे॰ १४, १, १; विवा॰ ६;

खुिज्जियाः स्त्री० (कुब्जिता) सेास रे।गभांते। ओक रोग, भुंधापाणुं. सोखह रोगों में का एक रोग; कुबडापन. One of the 16 diseases; croockedness. श्राया॰ १, ६; १, १०२;

खुडश्रय. ति॰ (॰ नृक्षक) न्क्षानुं; वधु; ६वधु. छोटा; त्तघु, इतका Trifling; small.

खुडाग. त्रि॰ (#चुझक) न्हाना-नी-ने।. छोटा-टी. Small. निसी॰ ४, ७१; श्रंत॰ ८, ३; श्रोव॰ १६; भग० १३, ४; ३१, १; नाया॰ ७;

खुडिय ति॰ (जुझक) ळुએ। "खुडश्च" शण्ट. देखो 'खुडश्च' शब्द. Vide 'खुडश्च' वव॰ ६, ४१; १०, १८;

√खुडु था॰ I (बुट्) ते।ऽवं. तोडना To

खुड्डति. भग० १४, १: खुड्डिता. सं० कृ० १४, १;

Vol. 11/72

खुडु. त्रि॰ (जुद्र) न्हानी छोटा. Small गच्छा॰ १०६; — भच पुं॰ (- भच) क्षुद्रस्पन; न्हानीस्पन निगिदीया छन्नी २५६ व्याविद्या जीव का २५६ श्रावित्या का एक भव. a small period of life; a period of life of hell-beings lasting for 256 Avalikas (a measure of time) क॰ ग॰ ६, ३८; खुडु पुं॰ (जीद्र-) मिंदरा. दारू. Wine. जं॰ प॰ २, ३६; — श्राहार त्रि॰ (- श्राहार)

भिंदरापान करनार. दारू पीने वाला ध drunkard. जं० प० २, ३६;

खुडुखुडुग. त्रि॰ (ज्ञुद्रज्ञद्रक) न्हानाभां न्हाना; लहुल न्हाना. छोटे से छोटा; बहुत छोटा. Smallest. राय॰ १३४;

खुद्दुग नि (चुन्नक) न्हानी; क्षधु छोटा; चघु Small, short. निमा॰ १४, ६; भग॰ १३, ४; — भव. पु॰ (-भन) न्हानामां न्हानी २५६ व्याविकानी व्येष्ठ क्षव चुद्द से चुद्द २५६ त्राविका का एक भव. the shortest period of life lasting for 256 Avalikas. भग॰ न, ६; जीवा॰ न,

खुडुतर त्रि॰ (च्चद्रतर) अतिशय सधु श्राति-राय लघु-थोड़ा Shorter, smaller. ज॰ प॰ ४, ७४;

खुइ्य. त्रि॰ (चुद्रक) ६ ८ ५; थे। ५. हलका; चुद्र; थोडा. Short; trifling. १५० नि॰ भा॰ ४४; त्रिशे॰ ६१६; जं॰ प॰ प्रव॰ १२=; कप्प॰ ६, २०;

खुट्टलय पुं॰ (जुद्धालय) थाडा छ्रंपडावाणुं गाभः न्दानुं गाभ थोडी वस्ती वाला गामः छोटा त्रामः A small village. श्रोव॰ नि॰ ११;

खुडुिल अ. ति॰ (चुल्लक) नालु ६; नधानु . नाजुक, छोटा Delicate; small. श्रोघ० नि॰ २१७;

खुट्टाश्र. त्रि॰ (४ खुल्लक) लुओ। " खुडश्र " शम्प्ट. देखो " खुडश्र " शब्द Vide " खुडश्र " श्राया॰ २, १, ४, २४; श्रोव॰ ४२; नाया॰ ७,

खुडुाखुड्डिय त्रि॰ (छद्रसुडक) न्दानाभांन्दाने। छोट से छोटा. Smallest; shortest. जं॰ प॰ ४, ८८;

खुड्डाग त्रि॰ (जुझक) न्हाती-नी-नुं छोटा-टी-टे Small, short, पन्न॰ १८; नामा॰ ७; भग० ३१, १; श्रोव० १६; — जुम्मः न० (-श्युग्म) यार आठ लार विशेरे न्छानी राशिना लोडबां. चार, श्राठ, बारह श्रादि छोटी राशि के जोडे. a pair of small figures. भग० ३१, १; — भव. पुं० (-भव) क्षुल्ला लाव स्वाद आविका प्रमाण निशेष्टनी ओड लाव. जुद अव; २४६ श्रावलिका जितना निगोद का एक भव. a short period of life equal to 256 Avalikas. क० प० १, ७०; — भवग्गहण, न० (-भवग्रहण) २४६ आविकानी निशेष्टने ओड लाव डरवे। ते. २४६ श्रावलिका का निगोद का एक भव करना. a period of hell-life equal to 256 Avalikas. भग० ६, ६;

खुड्डिश्रा. स्त्री॰ (सुद्धिका) न्हानी साध्वी साध्वी साध्वी ति child-female ascetic. गच्छा॰ १०७;

खुड्डिय त्रि॰ (श्लुझक) लुओ। "खुडिय " सण्ट. देखों " खुडिय " शब्द Vide " खुडिय " भग० ७, =; सूय० १. ३, २, ३; सम० ३७; जीवा० ३, १; ४; श्राया० २, १, २, १३; २, ११, १७०; ठा० २, ३; ४, १; भग० १३, ४; निसी० १४,६;

खुद्धियामे। यपीडमा र्झा (चुद्धिकामोक-प्रतिमा) भात्राना अक्षित्रहरू यार पित्रमा भांनी पहेली. श्राहार की मात्राकी श्राभित्रहरूप चार प्रतिमाश्रों में से पिश्ली प्रतिमा. The first of the four particular vows in relation to take a limited portion of food ठा० ४, १,

खुड्डियाविमाणपविभक्तिः स्री॰ (सुदिका-विमानप्रविभक्ति) से नाभनु स्रेक्ष कार्धिक स्त्र. इस नाम का एक कालिक स्त्र. Name of a Kālika scripture. नंदी॰ ४३; वव॰ १०, २६;

खुणियः त्रि॰ (च्युणित—च्युण्ण) भृभिष्ठभर भु देशु. भूमि पर क्टा हुत्रा. Trampled; pounded. भग॰ ६, ३३;

खुत्त. ति॰ (*) भुशी गरेतः; डुणी गरेतः. लिप्तः; इवा हुत्राः; निमम Plunged. सु॰ च॰ ३, १६१, श्रोघ॰ नि॰ २३;

√ खुद्द. घा॰ I. (तुद्) अध्यवसायाहि ઉपश्चम शरेषोथी विनाश शरेषा; आयुष्य दुं हुं शरेबुं श्रध्यवसायादि उपक्रम कारणों से विनाश करना; श्रायुष्य कम करना. To shorten the life period.

खुद्दपु. हे॰ कृ॰ उत्त॰ ३२, २०;

खुइ. त्रि॰ (चुद्र) ६४; नीय. दुष्ट; नीय. Wicked.(२) ६५५; तु२७. हलका; योडा. trifling, mean. (૩) લધુ; ન્હાનું. छोटा, लघु. small; short उत्त॰ ३४, २१; ठा० ६; पराह० १, १; कष्प० ४, १२८; प्रव॰ ६९६; पंचा॰ ३, ४=; ७, ४; दसा॰ ५, ४; राय० २०७; नाया० ६; -- कहा. स्री॰ (- कथा) क्ष्र-हुए५था; आम ४था. चुद-दृष्ट कथा; काम कथा. a bad story; a talk about sinful actions प्रव॰ ६४६; --पारा पुं॰ (-प्रारा) क्षुर પ્રાણી-વિકલેન્દ્રિય અને સમુચ્છિમાતર્યંચ. चुद्र प्राणी-विकर्लेदिय श्रीर समुर्टिइमारिर्यंच. very very small insects. স০ ४, ४; —मिग. पुं॰ (-मृग) दुष्टलनरूपी भूग. दुष्ट मनुष्य रूपी मृग. a wicked deer. पंचा॰ ३, ४८; - सत्त. पुं॰ (-सत्व) क्षुद्र प्राणी an insignifi-

६ लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। ८ (५). देखा पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (३). Vide foot-note (३) p. 15th.

ciant creature. पंचा १४, २६; खुद्दग. त्रि॰ (जुद्रक) लुओ। " खुद्द " शण्ट. देखो " खुद्द " शब्द. Vide " खुद्द " स्व॰ २, ४, ६;

खुद्दात्र्य. त्रि॰ (त्तुद्रक) लुओ। " सुद्र" शण्द देखो " सुद्द" शब्द. Vide "सुद्र" जीवा॰ ३, १;

खुद्दिमा स्नी॰ (जुद्धिमा) क्षुद्रिभा नाभनी गांधार श्राभनी भीछ भूर्य्छना. जुद्धिमा नाम की गांधार प्राम की दूसरी मूर्छना. The second note named Kşudrimā of the musical scale named Gānḍhāra. ठा० ७, १;

खुधिय. त्रि॰ (चुधित) लुभेश मूखा. Hungry. स्य॰ १, ३, १, ७;

*√खुष्प. था॰ I. (मस्ज्) भुशी लथुं; धुणी लथुं. मम रहना; लिप्त रहना To be immersed; to be drowned. खुष्पेते॰ श्रोघ॰ नि॰ २३;

खुण्पिवासाः स्री० (त्तुत्पिपासा) भुभ अने तरसः भ्रव श्रीर प्यासः Hunger and thirst नाया॰ १३; —परिगयः त्रि॰ (-परिगतः) भुभ अने तरसथी धेरायेदः भूख श्रीर प्यास से प्रसितः overpowered by hunger and thirst. दस॰ ६, २, ६;

√ खुन्म. धा॰ I (खुम्) भक्षमणवुं; गल रावुं; क्षेाल पामवा. गवराना, स्रोमित होना, हक्कादका होजाना To be agitated. खुम्मइ. भग० ३, ३; खुम्माएजा वि॰ मग० ६, ४; खुम्माएज. क॰ वा॰ कप्प॰ ३, ४३;

√ खुब्म. धा॰ II. (त्तुम्) गलरावु; क्षेाल पामवेा. घवरानाः; जुब्ध होना To be agitated or disfurbed. सोभेइ. प्रे॰ नाया॰ ३; स्रोभेंति प्रे॰ नाया॰ ४; स्रोभइउं. प्रे॰ हे॰ कु॰ उत्त॰ ३२, १६; स्रोभित्तए प्रे॰ हे॰ कु॰ नाया॰ ६, ६; स्रोभंत प्रे॰ व॰ कु॰ भग० ३, ३;

खुमिय त्रि॰ (* जुड्ध) क्षेाभ पानेक्ष; डेाबा-यभान थ्येक्ष. ज्ञोभित; जुड्ध; दिगा हुआ. Agitated. भग० ६, ८; — जल. न० (-जल) क्षाल पानेक्षं पाणी जुड्ध पानी. agitated water. भग० ६, ८;

खुम्मिय. त्रि॰ (क्ष्मित) नभेक्षं; क्षाछणानी पेर्डे दली गथेलुं. कच्छप की तरह सुका हुआ; नमा हुआ Bent like a tortoise; sloping. "खुमिय संजुक्षिय धवलवलय" नाया॰ १;

खुर. पुं॰ (खुर-जुरासन) उत्तर अरतभांने। भुरासान देश उत्तर भरत का खुरासान देश. Name of Khurāsāna country in Uttara Bharata. जं॰ प॰

खुर. पुं० (खुर) भगनी भरी; गाय लेस, धीडा, गधेडा वंगेरे वांगाणनारां भरीने भगना आंगणांने भगनी हैडाओं के नभ केंवुं है।य छे ते. खुर; गाय, भेंस, घोड़े, गद्धे श्रादि वांगोलने वाले पशु के पांव की श्रंगुलियों के स्थान पर जो नाखूव जैसा होता है वह. A hoof भग० ४,२; १२, ७; स्य० २, ३,१६; जं० प० पि० नि० ३३१; पन्न० १; नाया० ३;

खुर. पुं॰ (चुर) अस्तरी; स्क्ष्ये। उस्तरा.

A razor. नग॰ ६, ३३; स्य॰ १, ४, १, ९, ८; १, १४, १४; श्राणुजो॰ १३४, नाया० १; २; उत्त॰ १६, ६३; पगह० १, १; २, ४; —धार त्रि॰ (-धार-न्तुरस्य इव धारा यस्य) सक्ष्याना केवी धारवाल उस्तरे जेसी धार वाला having an edge like the edge of a razor भग॰ ५, ७; नाया॰ ६; ६; उवा॰ २, ६४; (२) स्त्री॰

अस्तरानी धार. उस्तरे की धार. the edge of a razor. भग• १८, १; —मुंड. त्रि॰ (-मुग्ड) क्षुर-अस्थ्री भुंडेस. उस्तरे से मुंडा हुआ. shaved with a razor. पंचा॰ १०, १४; ६, ४७; प्रव॰ १००७;

खुरदुग. त्रि॰ (-खुरिंद्रक) गाय लेस वगेरेनी यामडीमां उत्पन्न थता धीट वगेरे. गाय मेंस श्रादि की चमडी में उत्पन्न होने वाले कीडे श्रादि. Insects etc. that are generated in the skin of domestic animals. स्य॰ २, ३, २६;

खुरपत्त. न० (- चुरपत्र) ७ रे।. छुरा; उस्तरा.

A dagger; a razor. ठा० ४, ४; (२)
७२५थे।. छुरा. a dagger. विवा॰ ६;
(३) ७री केवा पांद्या वार्खु. छुरी के समान
पत्ते वाला. a tree having leaves
like a dagger. जीवा० ३, १; (४)
अस्तरानी धार उस्तरे की धार. the edge
of a razor. नाया० १६;

खुरत्प. पुं॰ (जुरम) अस्तरा; धरभिता उस्तरा; छुरा. A razor; a large knife. (२) हातरकु दांयरा. a sickle. स्य॰२,३,६६; जं॰ प॰ प्रव॰ १३१६; पन्न॰ २; —संठाण-संठिय त्रि॰ (-संस्थानसंस्थित) सक्ष्या आक्षारे (रहेस). उस्तरे के श्राकार का (रहा हुआ) razor-shaped. दसा॰६,९;

खुरमुंडम्न. पुं॰ (चुरमुण्डक चुरेणमुण्डयतीति) ७०१भत ४२ना२; नावी. हजामत बनाने वाला; नाई. A barber. दसा॰ ६, २;

खुरि ति॰ (चुरिन्—चुरिन् चुरोऽस्यातीति) णरीपाक्षं जनवर खुर वाले प्राची. A hooped animal. श्रगुजी॰ १३१; श्रोव॰ ३; खुरुल. पुं० न० (- जुद्ध) थे धिन्ध्रियवाक्षा छव; नाना शंभक्षा. दो इंद्रिय वाले जीव: छोटे शंख ख्रादि. Living beings having two organs i. e. conch, shells etc. पद्म ॰ १: जीवा ॰ १:

खुझय. धुं॰ न॰ (*) हे। डी. कोडी. A. shell नाया॰ १८:

खुत्र. पुं॰ (खुवप) नाना छाउवा. छोटा माइ.

A small plant. " लया वा वर्ली वा खार्युं वा खुवेवा " नाया॰ १;

প্ত खुवग. पुঁও (*) পিণে। দম; धोना The cavity formed by joining the palms together. বৰত ২, ২৩;

खुह. पुं॰ (*) अंधुशाधार. श्रंकुरा के श्राकार का. Goad shaped. राय॰ ६१: (२) अंधुशाधार आधार अदेशनी श्रेखी श्राकारा की श्रंकुशाकार श्रेणी. a goad-shaped horizontal line of the sky. भग॰ ३४, १;

खुहा. स्री॰ (चुधा) क्षैधा; भुभ. चुधा; भूस.

Hunger. प्रव॰ ६६२; जोवा॰ ३, १;

जीवा॰ ३, १; नाया॰ १, २; श्रोव॰ ३३:

दस॰ ६, २७; भग॰ २, १; ७, ६; —सह.

ति॰ (-सह चुधां सहतेतत्) भुभने सक्ष्म क्षेत्र भूकं को सहने वाला. (one)

enduring hunger. भग॰ १५, १;

खुहिन्ना नि॰ (चुभित) क्षे। लपाभेव; ढाव क्षे। थयेव. चुन्ध; हाल बेहाल. Agitated; distracted. महा॰ प॰ ७६; श्रोध॰ नि॰ ७,

खुहिय. त्रि॰ (ज्ञाधित) श्रुभेक्ष; श्रुशुक्षित. भूका; ब्रुभुक्तित. Hungry; starving. परह॰ २, १;

^{*} लुओ १४ नम्भर १५ नी प्रुटनीट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

स्वेद्य-य. पुं॰ (खेद) भेद. श्रभ. खेद; श्रम. Exhaustion. श्रोव॰३१; गु॰च॰३,१८३; (२) ४२भेते भेद ४२११तार संथम कर्म को खेद कारने वाला संयम. self restraint which exhausts the Karmas. उत्त॰ १६, १६;

खेळाल्लगः न॰ (खाचक) भाणसां; भाणाः खाजः. A crisp thin cake. निर०३,४; खेळः पुं० (खेट) श्राम करता म्हे।टी अने शहेर करतां न्हानी वसतिनुं स्थान करेने क्रती ध्रुदेना गढ है।य ते भेडे।. श्राम का श्रपेचा वडी श्रीर शहर की श्रपेचा छोटा बस्ती; जिसके चारों श्रीर धूच का गढ हो वह खेळा A town surrounded by a wall. उत्त० ३०, १६, ठा० २, ४; भग० १, ३; ३, ७, ७, ५, श्रगुजो० १३५; पएह० १, ३; श्राया० १, ७; ६, २२२; नाया० =; १६; वेय० १, ६; श्रोव॰ ३२; जीवा० ३,३; विवा० १; सूय० २, २, १३; ावशे० २४; २५;

सेंडग. पुं॰ (सेटक) तथपारनी धा छथपानी क्षेत्र ६थीपार; दास. तस्त्रार का घाव फेलने का हथियार; हास. A shield; a defensive armour to protect oneself from the stroke of a sword पग्ह॰ १, १; ६;

खेडण. न॰ () भेऽवु. इतना Tilling. सु॰ च॰ १२, ४२;

खेड्य पु॰ (खेटक) લાકડાની નાની પ2ी. लकडी की छोटी पर्टा. A small strip of would. जं॰ प॰

खेडु न० (* क्रीडा) भेश; ६४ ક्લામાંની એક. खल, ६४ कला में की एक. Play; one of the 64 lores. श्रोव० ४०; जं० प० ३, ६७:

खेड्डा स्त्री॰ (खेला) ड्रीऽ।: ये। पाट गंळ पा यगेरे रभतः कीडा; रमतः चोपड गंजीफा श्रादी Play viz. playing of cards etc गच्छा॰ दरः

खेरावारा, पुं॰ (खवारा) आंधाशभाषा; शस्त्र विशेष. न्योम वारा; शस्त्र विशेष A kind of weapon. जीवा॰ ३; ३:

खेत. न॰ (चेत्र) आधश, क्रेमां જવાદિ पदार्थ निवास <u>क्र</u>िशंके ते. स्त्राकाश जिसमे जीवादि पदार्थ निवास कर सक्ते हैं वह. The space of the universe where living beings live. विशे॰ ४०४; १४०६; २०८८ ३३४३, दसा० ४, ५८; नाया० १६; स्० प० १; श्रयाुजी० ६०; १३२: भग० १, ६, ८, ८; उवा० १, १६, जं० प० ७, १३३; ७, १४=; (२) देश. देश. a country. वेय० १, ४९; (३) ०४२५।; स्थान जगह; स्थान. a place पन्न • १, भग० १, १; (४) ઉधाडी-भुक्सी कभीन धान्यनाभेत्तरः गरास खली जमीनः धान्य का खेत. an open plot of ground प्रव० १५३; ७२८; पं० चा० १, १७, १५, २०; सूय० २, १, ३५; श्रोव० जं० प० (५) राहुनुं नाभ राहु का नाम name of Rāhu. स्॰ प॰ १६; (६) पत्रप्राना त्रील पहना यादीसमां द्वारन नाम पन्नवणा के तीसरे पद के २४वें द्वार का नाम name of the 24th chapter of the 31d section of Pannavanā Sūtra. पन ३: -- श्रहकंत त्रि॰ (-श्रतिकात) क्षेत्रनी भर्याहा ७६व धीने सध आवेस क्षेत्र की सीमा लांघकर ले श्राया हुश्रा. (some-

^{*} लुओ। भृष्ट नम्भर १४ नी प्रृटनीट (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

thing) that is brought having transgressed the limit of space. " खत्ताइ इंते पाण भोयणे " भग० ७, १; — ऋईय. ।त्रे॰ (- श्रतीत) क्षेत्रनी भर्याध ९४४:धी अथेस. चेत्रकी सीमा लांघा हुआ. (one) who has transgressed the limit of space, sqo 30; — श्रसुपुर्वोः श्री॰ (-श्रनुपूर्वी) क्षेत्र विषयक अनुपुर्वी - अनुक्रम. चेत्र विषयकी अनुक्रमिश्वका-अनुपूर्वी. serial order of regions. श्रयाजी ०१; —श्रमिमाह. पुं० (- श्रिभग्रह) ગામમાં કે બાહર અમુક જગ્યા મલે તાજ લેવું એવી રીતે ક્ષેત્ર આશ્રી नियम धारवे। ते. ब्राम मे या वाहर ब्रमुक स्थान पर मिले तभी लेना ऐसा क्षेत्र सम्बन्ध का नियम धारण करना. a kind of vow to accept food etc. only when it is got at a certain place in a city or outside it. স্থাৰ - স্থাম-गाहचरिया. सी॰ (-म्राभिप्रहचर्या) ક્ષેત્ર આશ્રી અલિગ્રહ ધારણ કરીને ગાચરી **५२** ते. चेत्र का श्रामिप्रह धारण कर गोचरी करना begging of food only when it is got at a desired place. भग० २४, ७; — आदेस. पुं॰ (-म्रादेश) क्षेत्रनी अपेक्षा. क्षेत्र की श्रपेक्षा. relating to a place. भग॰ ४,८;१४, ४; -- एज्रां अं० (-एजना) क्षेत्रनी अपैक्षाओं ४ भ्यवं ते. चेत्रकी श्रपेचा से कांपना trembling in relation to a certain place. भग॰ १७, ३; — श्रोगाह. त्रि॰ (- प्रवगाद) क्षेत्रने अवगाही २६ेस. चेत्र का श्रवगाह कर रहा हुआ। occupying space. भग॰ ६, १०; — श्रोगाह्या. स्री॰ (-श्रवगाहना) क्षेत्र-आश्री अवगादना चेत्र संबन्धी अवगाहना.

length and breadth in relation —त्रम्नय. त्रि॰ (-तुल्यक) क्षेत्र आश्री तुस्य; क्षेत्र केवं. चेत्र तुल्य; चेत्र जैसा. resembling a place or space. भग० १४, ७; ---पएस. पुं॰ (-प्रदेश) क्षेत्र-आशा अदेश. चेत्र-श्राकाश प्रदेश. the firmament, sao 9080: -पर-मारा. पुं॰ (-परमाखु) क्षेत्र आश्री पर-માહા: આકાશ પ્રદેશને અવગાહી રહેલ पुद्रव परमाञ्च. देत्रकी अपेदा परमागुः श्राकाश प्रदेश की श्रवगाहना करनेवाले पुहल परमाया. the molecules of matter occupying space. भग॰ ४, ५; —पत्तियः न॰ (-पस्य) क्षेत्रपश्य; क्षेत्र-આશ્રી પલ્યાપમાં પલ્યાપમના એક પ્રકાર. चेत्रपल्यः चेत्रकी श्रपेचा परयोपमः पल्यो-पम का एक भेद. a measure of time in relation to a place. प्रव०१०३२; —लोय. पुं॰ (-लोक —क्षेत्रमेवलोकः) क्षेत्ररूप क्षेत्रः क्षेत्राधाः च्चेत्र रूप लोकः लोकाकाश. the space in the form of the world भग० ११, १०; - बत्यु. न० (-बास्तु) क्षेत्र ખુલ્લી જમીન અને વાસ્તુ-धर-ढाडी ०४भीन. चेत्र-खली हुई जमीन श्रौर वास्तु-घर-ढकी हुई जमीन. the open plot and the covered plot (with a house etc) प्रव. २७६; —वासि त्रि॰ (-वर्षिन्) भेतरमां वरस-नार. खेत में बरसने वाला. (rain) falling in a field. ডা॰ ४, ४; —विवागाः स्री॰ (-विपाकी) क्षेत्रविपाडी, ১भै সুકृति. चेत्र विपाकी कर्म प्रकृति. variety of Karmic nature. which maturds at a certain place. क॰ गं॰ ४, १६; -- बुहि. स्रो॰

(-मृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि-क्षेत्र परिशाममां छमेरनुं ते. चेत्रकी मृद्धि; बढता. extension of space. पंचा॰ १, २०; —संजोग. पुं॰ (-संयोग) क्षेत्रती संयोग. चेत्रका संयोग. गुंठांning of two regions. श्रगुजो॰ १३१; —संसार. पुं॰ (-संसार) वैद्याराज परिमित सूत्र; क्षेत्र३५ संसार-क्षेत्र. चांदह राज, परिमित चेत्र; चेत्र रूप ससार-क्षेत्र. the world having many divisions. ठा॰ ४, १,

खेत्तस्रो. य॰ (तेत्रतस्) क्षेत्रथी चेत्र से. From a Kṣetra. प्रव० ७७६; सग० २, १, २०; ४, ८, ८, २;

खोत्ति. ति॰ (चेत्रिन्) क्षेत्रवाक्षे। चेत्र वाला. (One) possessed of Ksetra. विशे० १४६२:

स्वद. पुं॰ (स्वद) पीऽ।; भेद. पीडा; खेद.
Affliction; trouble. भग॰ १४, १;
स्वम. पुं॰ (स्वम) इत्यालः छपद्रवती। असाव
कल्याण; उपद्रव का अभाव Welfare;
absence of trouble. भग॰ २, १,
उत्त॰ ६, २८; १०, ३४; २१, ६; श्रोव॰
दस॰ ७, ४१; ६. ४, २३; जीवा॰ ३. ४;
दसा॰ ४, ८. नाया॰ २; ४; पत्र ३ २; भत्त॰
३६; — रूव. त्रि॰ (-रूप) इत्यालः रहिन
benificial; happy, free from
trouble. ठा॰ ४, २.

खेमश्र. पु॰ (चेमक) अन्तग्रस्त्रना छहा
वर्गना पांचमा अध्ययननु नाम श्रातगढ
स्त्र के छहे वर्ग के पाचें श्रध्याय का नाम.
Name of the 5th chapter of
the 6th section of Antagada
Sutra. श्रात॰ ६. ४, (२) धाउँटी
नगरीना रहेवासी ओड गाधापनि, डे लेखे

महावीर पासे दीक्षा क्षष्ठ सेाण वर्षनी अनल्या पाणी विपुक्षपर्वत छपर संधारेंग अरी सिद्धि मेणवी. काकंदी नगरी के रहने वाले एक गाथापति, जिनने महावीर स्वामी के पास दीचा ले सोलह वर्षका प्रमण्या पाल विपुल पर्वत पर संधारा कर सिद्ध गति प्राप्त की. a merchant of the Kākandī city who was initiated by Mahāvīra. He practised asceticism for sixteen years gave up food and drink for ever and obtained final bliss on the Vipula mountain अंत० ६, ४;

खंमकर. ति॰ (चेमङ्कर-चेम करोतीति) क्षेम कुशल (रक्षा) करने वाला. A protector. स्य॰ २,६,४, श्रोव॰ (२) पुं॰ ओ नामने। अऽसक्ष्टिमे। महाश्रह इस नाम का श्रवसक्वा महाश्रह name of the 68th great constellation स्० प॰ २०; ठा॰ २; ३; (३) पायमा कुलारतां नाम. पांचवें कुलाकर का नाम. name of the 5th Kulagara ज॰ प॰ (४) अ भूदिपमां ओरावत क्षेत्रमा थनार ये।था कुलार जब्दीप में ऐरावत चेत्र में होने वाले चौथे कुलाकर. the fourth would-be Kulagara of Anāvata country in Jambudvīpa सम॰ प॰ २४०,

खेमंघर. पु॰ (च्लेमंघर-चेम धारयति श्रन्यकृतम् यः) જणूदिपना जेशवत सृत्रमां धनार पाथवा इक्षक्षर जबूद्वीप के ऐरावत चेत्र में होने वाले पाचवें कुलकर Name of the 5th would-be Kulagara of Airāvata country in Jambudvīpa सम॰ प॰ २४०; ज॰ प॰ (२) छट्डा इक्ष-क्षर्य नाम छठ्ठे कुलकर का नाम. name of the 6th Kulakara. (३) ઉप-६९ ६२ ६२-१२. उपद्रव नष्ट करने वाले. one who removes troubles. श्रोव॰ खेमकर. त्रि॰ (चेमकर) सुणक्षारी. सुखकारी. Beneficial; giving happiness. प्रह॰ २, १;

खेमपुरा. स्त्री॰ (चेमपुरी) सुक्ष्य विजयनी सुक्य नगरी; राजधानी. सुक्ष्य विजय की मुख्य नगरी; राजधानी. Name of the chief capital of Sukachchha Vijaya. जं॰ प॰ ठा॰ २, ३:

खेमा स्त्री॰ (जेमा) इन्छ पिलयना इन्छ राजानी भुण्य राजधानी. कच्छ विजय के कच्छ राजा की मुख्य राजधानी. The chief capital of the king Kachchha of Kachchha Vijaya. ठा॰ २, ३; जं॰ प॰

खेयगण, ति॰ (खेदच-खेदः श्रमः संसार पर्यटनजनितः तं जानातीति) संसारना भेदने हु. भने व्यथनार. संसार के खेद-दुःख का ज्ञाता. (One) having knowledge of the miseries of the world श्राया॰ १, १, ४, ३२;

खेयन्न. त्रि॰ (खेदन) लुओ। ' खेयरण ' शण्टः देखो ' खेयरण ' शब्द. Vide 'खेयरण 'स्य॰ १, ६, ३; श्रोघ॰ नि॰ ६४७; श्राया॰ १, २, ४, ८८; १, ७, ३, २०७;

खेयर ति॰ (खेचर) आश्रश गाभी; पही. श्राकाश विहारी; पत्ती A bird. (२) पुं॰ विद्याधर. विद्याधर. व kind of deity. सु॰ च॰ १, २६१;

खेलेज्ज विधि॰ श्रोध॰ नि॰ सा॰ ६८; उत्त॰ ८, १८;

*खेल त्रि॰ (खेलक-नट) पंशात्रे भेस ५२-

नार; नट विशेष. वांस पर खेलने वाला; नट. An actor; one who performs acrobatic feats on a rope or a bamboo. निर॰ ६. २२:

खेल. पुं॰ (श्रेप्मन्) नाइ तथा भुभभांथी थी अध्यक्षं अर्ध नी अर्थ ते. नाक श्रीर मुंह मे चिकना कफ निकलता है वह: कफ. The phlegm that comes out of the the mouth and the nose, काप ० थ. ११६;६,५६; प्रव०४३६; गच्छा० ६६; श्रोव० १, ४; ४, ७; भग० १, ७, २, १; ६, ३३; १२, ७; २०, २; नाया० १; ४; दस० ६, १८; तंदु० वेय० १, १६; प्राया० २, १, १६, २६; पन्न० १; उत्त० १४, १६; सम० ४; थोव॰ —श्रासव. पुं॰ (-श्राश्रव) ४६तुं **थ**હार नी ३ अ कुं कि का बाहर निकलना. coming out of phlegm. भग॰ ३, ३; नाया॰ १; ८; दसा॰ १०, ६; — स्रो-सहि. त्रि॰ (-भ्रोपधि) એક પ્રકારની લબ્ધિ–શક્તિ; શુંકથી દર્દીનું દર્દ મટી જાય એવી જાતની શક્તિ. एक प्रकार की लाब्ध-शिक्त; थुंक से रोग मिटजाय ऐसी शिक्त. ६ kind of attainment or spiritual power; a certain kind of power which cures diseases by the application of salina only. विशे॰ ७७६; श्रोव॰ १६; पराह० २, १; प्रव॰ १५०६: -पडिश्च त्रि॰ (-पतित) अस-ખામાં પડેલ, सदी से त्रस्त, troubled with cold. गच्छा॰ ६६; —संचाल पुं॰ (-संद्वाल) णलभानुं संयरण थनुः कफ का संचार होना. affected with cough. श्राव॰ १, ५; खेलावणधाई. स्री॰ (क्रीढाधात्री) भासःने

रभाऽवानुं अभ ४२नार धाव भाता. बालक

को रमाने का काम करने वाली धाय माता.

A nurse who makes children play. श्राया॰ २, १५, १७१;

श्खेल्ल. न० (क्रीडा) श्रीशः २भत्त. क्रीडाः स्मतः Play. उत्त॰ म, १मः

खेक्कग(क्ली॰ (क्लीडा+क) २भत गमत रमत गमत; खेलकृद. Play; recreation.

खेत्लुड पुं॰ (*) કंदनी એક જાત कंद की एक जाति. A kind of bulbous root.

खेब. पुं॰ (चेप) इंडवुं ते. फैकना. Throwing. क॰ ग॰ २, १५;

खेबिय. त्रि॰ (चेपित) ईंडावेल. फेंका हुया Thrown, उत्त॰ ९६. ४२:

खोउदश्च. पुं॰ (चोदोदक) क्षाह-शर्डीना रस रुपं पेणी छे ते, शर्डीना रस रुपं पाणीयोग ओह समुद्र चीद-साठ के रस जैस जिस जिसका पानी है वह; साठ के रस जैसे पानी वाला समुद्र An ocean the water of which is like the juice of sugar-cane स्य॰१,६,२०, खोखुटभमाण जि॰ (चोचुम्यमान) अतिशय क्षांश पामतुं; आहुस व्याहुस थनुं. श्रातशय सुद्धः भाकुल व्याहुस होता हुआ. Exceedingly agitated. श्रोव॰ २१;

क्ष्योड. पुं॰ (%) न्हे। दु लाइ हुं बडा लक्कड.
A big log of wood पगह० १, ३,
(२) प्रदेश; विलाग; स्थल, प्रदेश, विभाग;
स्थल. a division; a part; a place.
श्रोघ॰ नि॰ भा॰ ७६;

स्रोड पुं॰ (स्रोटग) વસ્ત્રાદિકનું પડિલેહણ કરતાં એક ભાગ જોયા પછી તેના ઉપરની રજ તરહું કે કાઇ જન્તુતે ખંખેરવાને તે ભાગનું પ્રમાર્જન કરવું તે, આ ક્રિયા અખાડા તરીકે એાળખાય છે, એકેક વસ્ત્રના ત્રણ ભાગ કરીને પહિલેહણ કરતાં નવ અખાડા થવા लीपेंगे गेम विधान धरेश छे. बल्लादिक की प्रतिलेखना करते समय एक भाग देखे पश्चात् उस पर की रज, तुगा या कोई जनत को हटाने के वास्ते उस भाग का प्रमार्जन करना. इस किया की अखोडा कहते हैं एक एक वस्र के तीन २ भाग कर के प्रतिलेखना करते हुए नौ श्रखोडे होने चाहिये ऐसा शास्त्र का विधान है। The cleansing of a part of a garment for the sake of getting rid of particles of dust, straw or any insect after having examined that part at the time of Pratilekhanā; this process is known as Akhodā, which, according to scriptural injunction, has to be repeated nine times, each garment being divided into three parts for Pratilekhanā তা॰ ६, ৭, ভল॰ २६. २५, श्रोघ० नि० २६५;

हस्बोडियब्ब त्रि॰ (॰) तलवा ये। २५; निषेध ६२वा ये। २५ छोडने योग्य; त्यागने योग्य Worth rejecting; worth abandoning. भग॰ १२, ६, १६, ४. २४, २४;

खोगी स्त्री॰ (क्षोणी) पृथ्वी. पृथ्वी The world; the earth सु॰ च॰ १२, ५८, खोतवर पुं॰ (क्षोइवर) क्षेक्ष्यर नामने। द्वीप क्षोदवर नाम का द्वीप. Name of a continent. सू॰ प॰ १९;

Vol 11/73

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

खोतोद. पुं॰ (चोदोद) क्षेदिह नामने। सभुऽ चोदोद नाम का समुद्र. Name of an ocean सू॰ प॰ १६;

खोदोदग. न० (चोदोदक) शेरडीना रस केंबुं पाणी. सांठे के रस जैसा पाना. Water resembling the juice of sugarcane. पन्न० १;

खोद्द. न॰ (र्ज़ांद्र) भध. मबु; शहद. Honey. भग० ७, ६; —श्राहार. ति॰ (-श्राहार) भधना भाराध्याक्षी. शहद का श्राहार वाला (one) who eats honey. भग० ७, ६;

स्रोम. पुं॰ (जोम) लय; क्षेत्रल. भय; डर. Fear; agitation. विशे॰ १४७६;

स्त्रोभण न॰ (चोभन) विन्दुवता; आहुवता. श्राकुत्तता; घवराहट. Agitation; distraction. पि॰ नि॰ ४०५;

स्रोभिय. त्रि॰ (चोभित) स्थानथी यक्षावेक्ष; क्षेत्रिक प्रभाडेक्ष. स्थान से चित्रतः चोभितः Agitated; distracted. राय॰ १२८;

Agitated; distracted. राय॰ १२=; स्तोम. न॰ (जोम) सुतरां का प्राप्तुं. सूत का कपडा; सूता कपडा. A cotton cloth जीवा॰ २, २; सू॰ प॰ २०; राय॰ १६२; निसीं॰ ७, ११; टवा॰ १, २=; ४, १२३; —जुयल. न॰ (-युगल) सुतरां वस्त्रती लोड. A pair of pieces of cotton cloth. मग॰ ११, ११;—दुग्गुल. न॰ (दुक्ल) सुतरां तथा रेशमी चस्त्र half silken cloth. नाया॰ १; स्तोमिय न॰ (ज्ञोमिक) शण् तथा सतरां उ

पश्च सन या सूत का कपडा. A cloth made of cotton or jute. प्रव॰ ६६७; श्रोष॰ नि॰ ७२४; श्राया॰ २, ४, १, १४१; १४४; भग॰ ११, ११; ठा॰ ३, ३; (२) रेशभी वस्त्र रेशमी वस्त्र silken cloth. पि॰ नि॰ भा॰ ४६;

खोय. पुं॰ (क्षोद) शेरडी. ईख; सांठा. A sugar-cane. पन्न • १४; राय० १३३; (२) सातमां द्वीप श्रोर सातवें समुद्र का नाम • name of the 7th continent and the 7th ocean. श्रगुजो० १०३; —रस. पु॰ (-रस) शेरडीने। २स. इख रस. the juice of sugar cane. सम॰ प॰ २३२; जीवा॰ ३, ३; सूय॰ २, १, १६;

खोरय. न॰ (*) એક જાતનું ગાળ વાસણ. एक जाति का गोल बरतन. A kind of round shaped pot. जीवा॰ ३;

स्रोल. पुं॰ (खोल) भाग; तस वगेरेने। कुन्ये।. खल; तिल्ली वगरह का फोक. Oil-cakes etc. श्राया॰ २, १, ८, ४६; (२) गुप्त- थ२; असुस. गुप्तचर; जासूस. a spy. पि॰ नि॰ १२७.

×लोसिय त्रि॰ (ﷺ) जुनुं કरी नाभेर्धुं, जीर्ण; पुराना कर के डाला हुझा. Old; discarded as being old. १पॅ० नि० ३२१;

स्रोह. पुं॰ (चोभ) अय; क्षे।अ. भय; **र**र; चोम. Fear; agitation of the mind. सु॰ च॰ १४, १८६;

^{*} जुओ। पृष्ट नम्पर १४ नी प्रटनीट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

ग.

गइ. स्री॰ (गति) गति; याशः, गमनः, धर्मा-रितशयनुं भास क्षर्शः गांतः चालः गमनः धर्मास्तिकाय का खास लच्चण. Gait, motion; the result; the fulcrum of motion. क॰ गं॰ २, २३; ५, ६१; कप्प० १, ५; भग० ३, २; ४, १०; ७, १०; १६, ६; नाया॰ १; १७, सम॰ १; उत्त॰ २८, ६; दस॰ ६,२, १७; सू॰ प॰ १, विशे॰ ४४७; सु० च० ४, ६; (२) એક ભવમાં-થી ખીજા ભવમા જવું તે, ગત્યંતરમાં જવું ते. एक भव से दूसरे भव में जाना; श्रन्य गति में जाना. passing from one birth to another birth. Also १, ३, ३, ११६; ज० प० पन० १६; (३) નિસ્તાર કરનાર; આશ્રય સ્થાન; શરણ યાેગ્ય निस्तारा करने वाला, आश्रय दाता: शरण के योग्य. a benefactor; a patron. श्रोत कष्प०२, १५; (४) भरीने कथां જવું તે ગતિ ચાર અથવા પાંચ; તરક, તિર્યંચ મનુષ્ય અને દેવતા. (પાંચમી માક્ષ-गित). मरकर जहा जाना होता है वे चार या पांच गति; नरक, तिर्यंच, मनुष्य श्रीर देवगति (पांचवां मोक्तगति). the four or five states of passing from one birth to another birth viz that of hell, beasts, human beings and gods. the 5th is that of Moksa (salvation) ৭ন০ ৭২; २३; उत्त० ३४, २; श्रणुजो० १२०; दस० ४, १४; ६, ३, १४; १०, १, २२; भग० १, ५; ६, ३; प्रज्ञ० ४; १२७६: कष्प० ५, ११६; क० प० २, १३; ४, ६; (५) हिता-हित भीधि सान हिताहित बोधक ज्ञान, यह जान जिससे हिन भ्रीर श्राहन का बोध हो.

the power of discrimination. उत्त॰ २०, १; (६) नाभ धर्भनी ओ ध प्रधृति કે જેના ઉદયથી છવ નરક આદિ ગતિમાં ल्य छे. नामकमेकी एक प्रकृति कि जिसके द्वारा जीव नरक श्रादि गतियों में जाना है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads a soul to hell. क॰ गं॰ १, २४; ३३; ४३; (૭) પત્રવણા સૂત્રના ત્રીજા પદના ખીજા દ્વારનું નામ કે જેમાં નરક આદિ ગતિઆશ્રી छवेतुं अस्पाभद्धत्व ५ह्युं छे. पत्रवणा-प्रज्ञा-पना सूत्रके तीमरे पद के दूसरे द्वार का नाम कि जिस में नरकादिक गतियों के सम्बन्ध में जीवें। का श्रल्पाबहुत्व-न्यूनाधिक्य कहा है name of the second section of the third Pada (chapter) of Pannavanā dealing with the duration of life in hell. पत्र ३. —कल्लाग्रावि (-कल्याग्रा) ११४१ए। ३०४ **ઉ**ચ્ચગતि पामनार-मगलरूप-कल्याणमय ऊंचा गति की प्राप्त करने नाला leading to welfare in the form of attaining to the condition of a god or heavenly being "त्रशुक्तरोववाड्याण गइकल्लागाणं ठिइकल्लागाणं " कप्प॰६; जं॰ प०२,३१; सम०८०० - तस पुं० (-न्नम) ગતિ આશ્રી त्रस, तेઉ કાય तथा वास हाय. गति का आश्रय करके त्रस तेजस्काय श्रीर वाय काय the living beings of fire and wind in relation to the state of their existence, %. गं०३,१४; ४, २२, — तुल्ल. त्रि॰ (-तुल्म) पेति पेति । भारती स्थान अपनी श्रिके के तुन्य-समान according to one's

own state of existence. To go ६, ३०; —नाम. न० (-नामन्) केता ઉદયથી નરકાદિક ગતિ પ્રાપ્ત થાય તે નામ डर्भनी ओड अड़ति. नाम कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से नरक श्रादि गतियों की प्राप्ति होती है. a variety of Nāmakarma the maturity of which leads to the condition of a hellish being. सम॰ ४२; —पंडिद्दा स्रो॰ (-प्रातिघात) शुक्षगतिने। अतिधात व्यटंशयत. शुभ गति का प्रातिघात-प्रातिचन्ध. the destruction of a blessed condition of existence by the force of Karmas. ठा० ४, १; -परिणाम. पुं॰ (-पीर-याम) गतिनुं परिणाभ-स्वलाव. गति का परिणाम-स्वभाव. the nature of dura tion of life भग॰ ७, १; — प्यवाय. पुं॰ (-प्रवाद) केभां गतिनुं विवर्ण छे ओवा એક અધ્યયનનું નામ. name of a chapter dealing with various conditions of existence. भग॰ =, ७; -विन्नाग्. न॰ (-विज्ञान) शतितुं જાણપણું. गति का ज्ञान. knowledge of the condition of existence. पंचा॰ २, २५; — विष्मम. पुं॰ (- विश्रम) गति-यासनी शाला गति-चाल की शोभा. the beauty of the gait, motion existence. गच्छा० --विसय पुं॰ (-विषय) शतिने। विषय: गति शक्ति. गति का विषय-शक्ति. the subject of a condition of existence. " श्रसुरकुमाराणं देवाणं श्रहे गइ विसये सिग्धे " भग० ३, २; भग० २०,६; —समावन्नग. त्रि॰ (-समापन्नक) वाटे વહેતા છવ; એક ભવપૂરાકરી બીજા ભવમાં गतिमां करो। छन. जनम मृत्युह्प प्रवाह में

वहाजाता हुआ जीव; एक भव पूरा करके दूसरे भव गति में जाता हुआ जीव. a soul on its way to another birth after finishing one birth. जं० प० ७, १४०; ठा० २, २:

गद्दमंतः त्रि॰ (गतिमत्) गितभान्, गतियाक्षी. गतिवाला; गमनशील; चलने वाला. Movi g; going. विशे॰ ३१५७;

गंत. पुं॰ (गङ्ग) भध्यान्हे नही उतरता परे ઠંડી અને માથે ગરમીના અનુસવ થાય છે માટે એક સમયે બે ઉપયોગ હાઇ શકે એમ સ્થાપના કરનાર ગંગ નામના પાંચમા નિન્હવ. गङ्ग नामक पांचवां निन्हव-मतप्रवर्तक, जिसे एक ही समय में दो कियाओं का ज्ञानभान हुआ था अर्थात गंगा नदी पार करते समय ऊपर से सूर्य का ताप श्रीर नीचे से जल की शीतलता का एक कालावच्छेद से ही श्रनुभव हुआ था, तथा ' एक काल में अनेक अनुभव हो सकते हैं 'इस सिद्धान्त का मत भी चलाया या. The fifth of the propounders, named Ganga, who propounded the false theory of the knowledge of two actions simultaneously, as one experiences cold at the feet and heat on the head, while crossing a river at noon time. विशेष २३०१; ठा० ७, १; गंगदत्त पुं॰ (गइदत्त) એ नाभना એક भाणस के केनं रागनेशीधे पतन थयं. इस नाम का एक मनुष्य, कि जिसका राग के कारण पतन हुआ. A man of name who got a spiritual fall on account of passion. भत्तः १३७; (૨) ગ ગદત્ત-નવમા વાસુદેવના ત્રીજા પૂર્વ **अपनु नाभ नौवें वासुदेव के तीसरे पूर्व भव** का नाम the name of the third

past birth of the ninth Vāsudeva. सम० प० २३६; (३) छट्टा असदेन-वासदेवना पूर्वलवना धर्भान्यार्थः छद्वे वलदेव-वासुदेव के पूर्व जन्म के धर्म्माचार्य. the religious preceptor of sixth Baladeva-Vāsudeva, in the previous birth. सम॰ प॰ २३६; હસ્તિનાપુરના રહેવાસી એક ગાથાપતિ हस्तिनापुर का रहने वाला एक गाथापति merchant-prince of Hastinapur. भग०१६, ४, - देख पुं॰ (-देव) એ નામના સાનામાં દેવલાકના એક મહાસામા-निक्ष देवता. सातवें देवलोक के एक महासामा-निक देवता का नाम name of a Mahāsāmānica. deity of the 7th Devaloka (heavenly abode). भग० १६, ५;

गंगदत्ता. स्त्री॰ (गङ्गदत्ता) गंगध्ता नाभे ओक्ट श्री इस नाम की एक स्त्री Name of a woman. विवा॰ ७:

गंगण्याय पु॰ (गङ्गाप्रपात) हिभवंत ५५ त ७५२थी नीडणती गणा नहींना हरेडे। ज्यां ५३ छे ते हुंड, वह कुराड जिसमें हिमवंत पर्वत से निकली हुई गणा नदी का प्रवाह गिरता है. The lake where the torrent of the Ganges starting from the Himavanta mountain falls ठा॰ २, ३;

गंगा. स्री॰ (गङ्गा) गंगानही-शृक्षित्यंत पर्वत उपरथी नीडणी वैताक्ष्यमां थे अवस् समुद्रमां पूर्व तरक्ष भणती अरत क्षेत्रनी ओड म्हेडि नही गङ्गा-हिमालय पर्वत से निकल वैताक्ष्य पर्वत के बीचों बाच होकर लवण समुद्र मे पूर्व की श्रोर मिलती हुई भारतवर्ष की एक बडी नदी A large river of Bhatata-Ksetra flowing to the east into Lavana ocean, starting from Chula-Himavanta and crossing Vaitādhya. सम॰ १४; नाया॰ १; ४; =; १६; भग० ४, ७; ७, ६; ६, ३३; १४, १; श्रोव० १०; जं० प० ५, १२८; ३, ४१; ३८; उत्त० ३२, १८; जीवा० ३, ४; सू० प० २०; श्रमुजो० १३४; कप्प० ३,३२; — आवत्तराकृड. पुं॰ (- श्रावर्तनकृट) यु िभवंत पर्वतना पद्मद्रहथी ५०० जेकन પૂર્વ તરફ ગંગાવર્ત નામે એક શિખર છે કે ज्यां भाग नहीनं आवर्तन थाय छे. हिमालय पर्वत के पद्म नामक इह से पूर्व की श्रोर ५०० योजन की दूरी पर गंगावर्त नामक एक शिखर है, कि जहां गंगा नदी का प्रावर्तन होता है. name of a summit of Chula Himayanta mountain, situated in the east of its lake named Padma, at a distance of 500 Yojanas, here the liver Gangestakesa turn जं॰प॰--कुंड पुं॰ (- इंग्ड) ५२७ विजयनी गणानहींना हुंड, ચિત્રકૃટ ળખારા પર્વતની પશ્ચિમે ઋષભક્ટ પર્વતની પૂર્વે નીલવંત પર્વતને દક્ષિણ કાં કે ઉત્તરાધ કચ્છ વિજયમાના ગ ગા નદીના કુંડ. कच्छविजय की गंगा नदी का क़गढ़: चित्रकट वखारा पर्वत के पश्चिम, ऋपभकृट पर्वत के पूर्व श्रीर नालवंत पर्वत के दक्षिण के किनारे पर उत्तराई कच्छ विजय में स्थित गंगा नदी का एक कराइ. name of a lake of the river Ganges in the northern half of Kachchha Vijaya, on the southern border of Nīlavanta mountain, in the east of Rishabhakūta mountain, and in the west of Chitrakūta Vakhāra mountain. जं॰ प॰ - क्रुड. पुं॰ (~হ્ટ) ચૂલ હિમવંત પર્વત ઉપગના ૧૧ફુટમાં-नुं पांचमु ३८-शिभर. चुज्ञ हिमवान् पर्वत के 9 १ कुटो में से पांचवां कूट शिखर. the 5th of the eleven summits of Chula Himavanta mount जं॰ प॰ - कूल. न० (-कूल) ग गा नहींना डिनारी- डाठी. गंगानदी का तीर. a bank of the river Ganges. भग०११,६,—दीच.पु०(-हीप) ગંગા પ્રપાત કુંડની વચ્ચે રહેલ દ્વીપ. गंगा प्रपात कुंड के बीच में आया हुआ एक द्वाप. an island in the lake Gangāprapata जं०प॰—पमाण पुं॰(-प्रमाण) ग गान्हीनं अभाश गगानदीका प्रमाण the extent of the Ganges. भग-१४,१; —पुलिखवालुया श्लां० (-पुलिनवालुका) श शानहीना क्षारानी वेल्-रेती गंगा के तार की बालु-रेता. the sand of the banks of the river Ganges, भग०११,११; — प्यवायः पुं (-प्रपात) सुरक्ष हिभवंत પર્વત ઉપરથી પડતા ગંગાનદીના દરેડा चुझ हिमवंत पर्वत के ऊपर से गिरने वाला गंगा-नदी का प्रपात - साना, the fill of the Gangā river from the Chula Himvanta mountain. বু ৭০ তা । २, ३; — प्पनायदह पुं॰ (-प्रपातहृद) જેમા ગ માનદીના દરેડા પર્વત ઉપરથી પડેછે તે ६६. गंगा प्रपातहृद जिसमे पर्वत पर से गगा नदी की धारा गिरती है. the lake into which the Gangā river falls from the mountain. 370 3, 3; - महानई. स्री॰ (-महानदी) ग गा नामनी भारी नहीं, गगा नाम की महानदी, the large river named Ganges. नाया॰ १६; -- महानई स्त्री॰ (-महानदी) अ्थे। "गामहासई " शण्ह देखो "गगा

महाखाई " शब्द. vide " गंगामहाणाई " निर०३,३; —वालु ग्रा-या. स्री०(-वालुका) गंगानहीनी रेती. गंगा नदी की रेती. the sands of the river Ganges. भग० १५, १; श्रमुजो० १४३;

गंगासयसहस्त. न० (-गङ्गाशतसहस्र) गेशा-साना भनानुसार गंगा-ओंड डास प्रभाण, तेनी ओंड साण संण्या. गाशाला के मतानु-सार गंगा नामक एक कालिक्माग तथा उसकी एक लाख संख्या. According to Gośālā, a division of time called Ganga also a lac of such divisions. भग० १५, १; —सलिल न० (-सलिल) गंगानदीनुं पाणी. गंगा नदी का जल; गंगाजल. water of the Ganges. नाया० =,

भंगाउल. पुं॰ (गंज्ञाकुल) अंगानहीने डाडे रहेनार तापसनी ओड ब्लात गंगानदी के तीर पर रहने वाले तपस्वी की एक जाति A class of ascetics residing on the bank of the river Ganges. निरं० ३, ३;

गंगादेवी खी॰ (गहादेवी) गगानहीती
अधिशत्री हेवी. गंगानदी की अभिष्ठात्री देवी
The persiding goddess of the
river Ganges. ज॰प॰३,६४;—भन्नणः
न॰ (-भन्न) गंगाहेवीनुं स्वतन. गगोदेवी
का भन्न. the palace of the goddess Gangā जे॰ प॰ ३,६४;

गंगावत्त पुं॰ (गङ्गावर्त) એ नामने। એક ६७. इस नाम का एक हद. Name of a lake कप्प॰ ३, ४३;

गंगेय. વું• (गाङ्गेय) પત્રધેનાથના સંતાનીયા એ નામના એક મુનિ કે જેણે મહાવીર સ્વામિને નરક આદિના ભાંગાના પ્રશ્ને પૃછ્યા છે જે ગંગીયાના ભાંગા તરીકે भीक्षणाय छे. इस नामका पार्थनाथ का वंशज एक मुनि जिसने महावीरस्वामी से नरक प्यादि के विभागों के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे थे श्रीर जो गान्नेयभांगा नामसे प्रसिद्ध हैं An ascetic of this name the descendant of Pārśvanātha, who had put certain question concerning the region of hell etc. to Mahāvīra Svāmī these questions are known as Gāṅgeyabhāṅgā. भग॰ ६, ३२; (२) गणनी पुत्र-ली॰म पितामढ. गंगा का पुत्र-भोष्म पितामढ. Bhismapitāmaha, the son of Gaṅgā नाया॰ १६;

गंज. पुं॰ (गक्ष) गांको, गुन्छ वनस्पतिनी ओड न्तत गुच्छ वनस्पति की एक जाति; गांजा A kind of intoxicating vegetation known as hemp-flower पएइ० २, ५; भग० २२, ४, पण० १, — साला खो॰ (-शाजा) गाळनी हुडान गांजे की दकान. a shop of hempflower. निसी० ६, ७,

√ गंठ था॰ I (ग्रंथ) गुधवु, रथवुं. गुंथना, रचना. To kuit; to bind; to tie, to compose

गठइ. निर्सा० १. ५३.

गठंत निसी० १, ५३;

गथिजाइ. क॰ वा॰ विशे० १३=३;

गंठि. पुं० (- प्रन्थि) गांढे. ग्रंथि; गांठ. A tie, a knot e g: that of love and hatred caused by Karma राय० १६१; जीवा० ३, ४; सु० च० ११, २२; श्रोध नि०६९३; विशे०११६४. नाया० ६; भग० १, ६, प्रच० २००; ५००, पचा० ३, ३०, (२) ३५ ०४ नित राग ०६५ वगेरेती गांढे. कर्म जनित रागतेश श्रादिकी गांठ क

knot in the form of passions born of Karma. विणे ० ११ = ४: — च्छुदम्रा. ति० (-च्छुदम्) गार्ड छिडी थारी धरनार गांठ खोल कर चोरी करनेवाला. one who cuts or looses a knot and steals. सूय० २, २, २=; — च्छुय. पुं० (-च्छुद्) लुओ। " गांठछेद् य " शम्ध. देखो " गांठछेद्य " शम्ध. देखो " गांठछेद्य " शच्द. ए ide " गांठछेद्य " नाया० १८, — मन्त्र-य ति० (-मेद्र) ६०५नी डे।थणा भेदनार, ६०५नी थेदी ताडी थारी करने वाला क cut-purse उत्त० ६, २=, स्रोव० पएइ० १, २; वा० ३; भग० १, ९;

गंडिन्त्रा स्रो॰ (अन्थिका) भे१६५भ नी राग देप रूप गांडे मोह कर्मी की राग द्वेप रूप गांठ The knot of infatuation of fascination with worldly things, the knot of delusion भग॰ ४, १.

गंडिंग नि॰ (मन्धिक) કર્મश्रेथि-हर्भनी गार्ट सिदित कर्में। की गांड युक्त. (One) having a knot of Karma. (one) in Kārmic bondage. स्य॰२, १, १,

गंडिम. त्रि॰ (प्रन्थिमत) गांडे ६५ने गुंधेश गांडे लगाकर गूंथा हुआ. Knitted after tying a knot डा॰४,भग॰ ६,३३.पन्न॰ १, नाया॰ १, (२) गुंधेश पुष्पती भाला गुंथे हुए फूलों की माला a garland knit with flowers नाया॰ १७,

गंडिमग न॰ (ब्रन्थिमक) એ नाभनु डेार्ध गुक्ष्म ब्लातनुं वृक्ष्म. इस नाम का गुल्म जाति का कोई एक ब्रन्न A. kind of flowering plant पन्न॰ १;

गंडिय त्रि॰ (प्रथित) शुथेक्ष. गांडेक्ष. गूंबा हुआ; गांठा हुआ. Knit, interwoven. निर्मा॰ १, ५१; — सन्त पं॰ (- मन्त्र)

भे। ७ ति १३ गांड वाली व्यालव्य छ १ मोह की मजबूत गांड वाला अभन्य ज व a soul incapable of untying Karmic knots and so of being liberated उत्त ३३, १७: क ० प ० ५, ४:

गंठिल. त्रि॰ (अन्थिल) गांध्वाणुं गांठ वाला Knotty; knotted. स्रोघ॰ नि॰ ७३७. गंठिल त्रि॰ (अन्थिमत्) अर्भ संभिधी गांध वाणुं. कर्म सम्बन्धी गांठ वाला. Having (Karmic) knots भग॰ १६, ४;

गंड. पुं॰ (गएड) अधाशः भाशः गालः A cheek आया० १, १, २, १६, पञ्च० २: सू॰ प॰ २०. स्रोव० प्रव० ४३६. जं० प० પ, ૧૧૫: (ર) ગડ, ગુમડુ, કષ્ડમાલ रसे। बि विशेरे. फोडा. कराठमाल वगैरहः a boil: an ulcer etc. " ज च प्रणं सुयादंगं तं गंड " निसी० ३, ३४; ६, १३; उत्त० =, १=, १०, २७, स्य० १, ३, ४, १०, २, १, १७; (३) हडे। गेदः खेलंन का एक साधन-कदुक. a ball ज॰ प॰ (૪) ગેંડું; ૧૧ મા તીર્યંકરતુ લાંછન ૧૧ વેં तीर्थंकर का लाइन-चिन्ह. a distinction sign of the 11th Tirthankara. पन्न॰ १; प्रव॰ ३=१, (५) स्तनः धाध, थाने। से. स्तन a breast, पिं नि ४१६, —आदिश्च पुं० (-धादिक) गत्स, गतिश्वां विगेरे. गाल: कपोल आदिक a cheek etc. निसी॰ ६, १२; — उन्नहाराय. न॰ (-उपधानक) गांध भसूरियुं गत्त ताकिया. a small round pillow for the cheeks. राय॰ १६१:

गंडउवहाणिय. पुं॰ (गएडोपधानिक) शास भस्रियुं सिराने लेनेका तक्या A pillow; a smill round pillow for the cheeks. जीवा॰ ३, ४; — तल.

न० (-तल) गासनी सपारी: बहेराने। भध्यभागः गालः संह का मांसल प्रदेशः a cheek; the middle fleshy part of the face स्रोव॰ २२: —देस पुं॰ (-देश) अपे.स (गास) ने। भाग, गाल प्रदेश: कपोलों का भाग that part which forms a cheek. नाया॰ ८, —यता. त्रि॰ (-तत्त) लुओ। "गंड तल" शफ्ट, देखो "गंड-तल ' शब्द Vide "गंड तल " स॰ च॰१. द०: —लेहा. हा॰ (-रेखा) गांस ઉपर **धरे**स ક×तरी वगेरेनी रेभाः क्रेशक्ष पाली कणेलों– गालों पर कस्त्री। वगैरह सुगन्धित पदार्थी की बनाइ हुई रेखा; एक प्रकार का रागार-कपोल a kind of decorative streak or mark of musk or some other fragrant substance made on the cheek. ज॰ प॰

गंड प्र पुं॰ (गएडक) टेलीओ. मुखिया. A watchman. (२) ढंढेरे। पिटनार. ज्योडी पीटने वाला. one who announces or makes a proclamation. श्रोघ॰ नि॰ ६४५;

गंडमांग्या स्त्रो॰ (गण्डमांग्यिका) देश विशेष प्रसिद्ध भाष. किसी देश का प्रसिद्ध माप. Current, well-known, mensures of weight etc. of any country; राय॰ २७१;

गंडाग पु॰ (गरहक) हम्मभ; थाणंह; नाधी. नाईं; नापित; वाल वनाने वाला. A barber. भाया॰ २, १, २, १९;

गांडि ति॰ (गांग्डन्) કંઠમાળ; म्हारा सीण रागमानी એક राग गण्डमाल. Boils, ulcers etc on the throat, (this is one of the sixteen great diseases) (२) ते रागवाली. इस रोग नाला. (one) suffering from boils, ulcers etc. on the throat. आया॰ १, ६, १, १७२; पराह॰ २, ५.

गंडिग्रा-या. स्नी॰ (गिरंडका) साभान्य अर्थना अधिकार वाली ग्रंथ पद्धति साधारण अर्थ के अधिकार वाली ग्रंथ पद्धति. Style of composition fitted for or entitled to convey ordinary thought or matter नंदी०१६; (२) सीनीनी अरुधु सुनार की ऐरण the anvil of a goldamith दस०७, २८, (३) शर्डीनी गंडेरी. गंडेरी, सांठे के छोटे २ दक्के. small bits of sugar-cane आया॰ २, ७, २, १६,

गंडियासुत्रोग. पुं॰ (गरिडकानुयोग) ६/५ વાદ સુત્રાન્તર્ગત અનુયાગના એક વિભાગ કે જેમાં એક સરખા અર્થના વાક્યની રચના રુપ ગંડિકાની વ્યાખ્યા કરવામાં આવી છે અને તેમા તીર્થંકર ગગુધર ચક્રવર્તી દશાર્દ **બલદેવ હરિવંશ વગેરેના** અવિકાર છે. दृष्टिवाद सूत्र के अन्तर्गन अनुयोग का एक विभाग, जिसमे एक जैसे अर्थ वाले वाक्यो की रचनारूप गंडिका की व्याख्या की गई है श्रोर उसमे तीर्थकर, गराधर, चकवर्ती, दशाई, बलदेव, हरिवंश भादि का आधिकार है. Name of a division of a secof Dristivāda Sūtia; here an explanation of the composition of a sentence uniform in sense, is given, it treats of Tirthankaras, Ganadharas etc सम॰ १२; नंदी॰ ४६;

गंडी. ह्री॰ (रागडी) से। नीनी अरेश भूड पानुं दाडडानु ढीभयु क्रेमा એरेश गे। हेववामां आदि छेते दाडडुं. सुनार की ऐरेश रखनेका एक लकडी का ढांचा; जिस मे ऐरेश मजबूत Vol. 11/74.

हो कर टिक जाती है वह ढांचा. A block of wood in which a goldsmith's anvil is fixed. श्राया॰ २,४. २, १३=, (२) अभवती अधिश. कमल की कती. a bud of a lotus. उत्त॰ ३६: ૧૦દ; (३) ગંડી પુસ્તક, જે પહેાલાઇમાં અને **જાડાઇમા સરખું હાય** તે ગણિક પુસ્તક गएंडा प्रस्तक जो चौड़ाई श्रीर लंबाई में बरावर हा. a book which is equal in length and breadth সৰত ६৩9; -पद त्रि॰ (-पद) अएडी-सेानीनी એરણ અથવા કમળતી કર્ણિકા જેવા પગવાળા જનાવર, હાથી, ગેડા, વગેરે. हाथी, गेंडा, वगैरह पशु, ऐरण अथवा कमल समान पांववाला पशु. कती कली के (an animal) having feet like a goldsmith's anvil; e g. an elephant, a rhinoceros भग०१४, १, ठा०४, ४, सूय०२, ३,२३, —पय. पु० (-पद) जुओ। 'गंडी-पद 'शण्ह देखां 'गडी-एद' शब्द Vide ' गंही पद ' उत्त॰ ३६, १७६; पन्न० १, जीवा०१; —पोत्थय. न॰ (-पुस्तक) क्रुओ 'गडी 'शण्ध देखो 'गही 'शब्द. vide 'गंडी 'प्रव॰ ६७२, अगंड्यलग पुं॰ (गरह्यद-गरइव प्रन्थय-स्ताभिरन्वितानि पदानि यस्य) भे धन्द्रिय વાળા જીવ-જેને સુજરાતીમા (ગંગો ડા કહે છે दो इन्द्रिया वाला एक जीव, केंचुत्रा; गडोत्रा चादिक. A sentient being with two sense-organs বসত ৭,

गंतद्य. त्रि॰(गन्तन्य) जया क्षाय जाने योग्य
Worth going to, worth approaching. भग॰ २, १, १८, २; नाया॰ १, (२)
जाशुद्धं; समज्ञयु. समस्तना, जानना. to
know, to understand. पश्चल २:
गंतार. त्रि॰ (गन्त) ज्यार; यावनार.

चलने चाला: गमन करने वाला. a goer; (one) who goes, सम ०३३; दसा ०२,२; गंतपञ्चागयाः स्रा॰(गत्वा प्रत्यागता-गत्या प्रत्यागतं यस्याम्) એક तरह गायरी हरतां છેકે જઇ ળીજી શ્રેણિ તરફ ગાયરી કરવી તે. एक श्रोर गोचरी करते श्रम्त में जाकर दूसरी श्रेणी की श्रोर गोचरी करना. Beginning to beg in the opposite line of houses after reaching the end of one line. ठा॰ ६, १; दसा॰ ७, १; गंतुमण पुं॰ (गन्तुमनस्) જવानी धन्छ। વાળા, અર્થાત્ અમુક સૂત્ર સમય જ કરા તા પછી ભણીને કે સાંભળીને જાઉ એમ બાલ-नार अपिनीत रिष्यः जाने की इच्छा वालाः श्रशीत श्रमुक सूत्र श्रर्पण करो तो बाद पढकर या सुनकर जावूं इस प्रकार बोलने वाला श्रविनीत शिष्य. A disciple desirous of going, saying to the preceptor impolitely that he would go after hearing a particular Sutra, श्रीघ शन भा ०२०६: विशे ०१४४६; गंत्र्या, सं० कृ० थ० (गत्वा) જधने, जाकर. Having gone पत्तः २; सु॰ च॰ १, १३५; गच्छा० ११५,

गंथ. पुं॰ (प्रन्थ-प्रध्यतेऽनेन श्रस्मादास्मिन् वा श्रर्थः) सूयग्डांगता १४ भा अष्यतेन ताम. हे लेभा अन्थपित्रद्वती त्याग हरतार साधु ओ हे री रीते देशना न्यापत्री हेभ भी अवुं तेनु व्याप्यान छे सूत्रक्रताह के १४ वे श्रम्याय का नाम, जिसमें प्रन्थपरिग्रह त्याग किये हुए साधुने किस प्रकार देशना देना, बोजना श्रादि का न्याख्यान है. Name of the 14th chapter of Suyagadānga explaining the mode of speech to be adopted by a monk who has given up the possession of

books. जं॰ प॰ ५, १२२; स्य॰ १, १४, १; २७; सम० १६; २३, (२) डम[े]नी णंधा क्रमेंनी गांह, कर्मो का बन्धः कर्मी की गांठ. knot of Karma, श्रायाः १,१, २, १६; (३) अंध; पुरुतक, ग्रन्थ: प्रस्तक. a book, श्रामाजी०४२:राय० १९०: विशेष १३७८; (४) पाह्य अने अवयन्तर પરિશ્રહ; યાલા ધન ધાન્યાદિ. અભ્યન્તર કપા-थाहि बाह्य ख्रीर श्रभ्यन्तर परिग्रह; बाह्य धन्य-धान्यादि तथा श्रभ्यन्तर कपायादि, external and internal pessessions, such as wealth corn etc. and attachments to worldly things. श्राया० १, ३, २, ११४; १, ७, २, २०४; म्य॰ १, ६, ५; १, १४, १; उत्त॰ ८, ३; विशे ॰ २५६१: प्रव ॰ ७२७: (५) सूत्रार्थ: शिस्त्रीती भतक्षण. सूत्रों का श्रर्थ: शास्त्रों का मतलब. the meaning of Sūtras; the purport of scriptures. स्य॰ 9, 9, 9, 8;

गंधिम. त्रि॰ (ग्रंन्धिम) है। राथी गांहीने जनावेस प्रसनी भाणा विगेरे. दोरे से गाठ कर-गूंथ कर बनाई हुई फूलमाला वगेरह. A garland of flowers etc. knit up with a thread. श्रोव॰ ३=; ठा॰ ४, ४; श्राणुजो॰ १०; श्राया॰ २, १२, १७१; जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १३; निसा॰ १२, २०; भग० ६; ३२;

गंध. पुं॰ (गन्ध) नासिक्ष (धार्षेद्रिय) ने।
विषय; सुगंध के हुर्गंध. ब्रागोदिय का विषय
—सुगंधि और दुर्गन्ध Fragrance; smell;
e g. of flower etc. which is
the subject of nose. श्रोव॰ १०;
२२; श्रगुजो॰ १६; १०३, १३०; सम॰
१; ४; राय॰ २७, निसी॰ १, ११; रंदी॰
१३; ज० प० ५, ११४; ११४; ११२.

नाया० १; =; १२; १६, १७, ठा० १, १; उत्त॰ २८, १२, ३२, ४८, ३४, २, भग॰ 9, 9, 2, 3, 0; 6, 90; 0, 0; 4, 9, २०, ४; २५, ४, विशे० २०६; दसा० ६, ४, दम० २, २, सूय० १, ९, १३; सू० प० १७, पञ्च० १, प्रव० ६४७; आव० ४, ७, क०प०१, २७; कप्प० ३, ३७, भत्त० १२१; क० ग० १, २४, (२) गध तीमते। द्वीप तथा समुद्र इस नामका द्वीप श्रीर समुद्र. an island of that name; also an ocean of that name. जीवा०३४,पन्न० ૧, (૧) આધા કર્મ આદિ દેવ; છ ઉદ્દમનના रे। प्राया कर्म आदि दोष, उद्गमनके छ दोष. a fault like that of Adhākaima etc any of the six faults of Udgamana. श्राया॰ १, २, ४, ६७, —ऋंग पुं॰ (-श्रङ्ग) गध प्रधान पस्तुना सात अक्षर छे भूस, त्वया, क.ष्ट, निर्धास, પત્ર, પુષ્પ કુલ, મૂવ-વ.લે વગેરે, ત્વચા-સુવર્ષ્યુઅલિપ્રમુખ, કાષ્ટ્ર-ચ દનાાદ, નિર્યાસ-કપૂર આદિ પત્ર-તમાલ આદિ, પુષ્પ-लप त्री पगेरे ६स-सपिंग पगेरे गन्व के श्रष्ठ; गन्ब प्रवान वस्तु के सात मेद होते है, यथा-मूल, त्वचा, काष्ट, निर्याम-कपूर, पत्र, पुष्प, श्रीर फल. the seven varieties of fragrant things viz roots back, wood, exudation etc leaves, flowers and fruits जीवा॰ ३, २, — ब्रादेस. पु॰ (-ब्रादेश) गधनी अपेक्षा. गन्ध की अपेत्ता relating to fragiance. पत्र १, —श्रारुह्तग्. न० (-ग्रारोहण्) सुग-न्धनु वधारवु ते. सुगंघि को बढाना increasing the fragrance of a substance. नाया॰ २, —उद्ग्र-य ॰न (-उदक) સુગન્ધિપાણી, સુગન્ધિ-

५०५ भिश्रपाधी. सुगन्वित जल, सुगन्ध वांन पदार्थों से मिश्रित जल. scented water. श्रोव० प्रव० ४५५, कप्प० भग० ६, ३३, १४, १; नाया० १, ज० प० ५, ११४, —उद्दर्ग. न० (-उद्दक्) लुओ। ''गन्घोदग्र '' शज्ह देखो '' गंघोदग्र '' शब्द vide ' गन्धादश्र '' भग० ७, ६, नाया० १, १६, पचा० २, १३; -उदग-दाण न॰ (-उदक दान) सुगंधी पांधीते। वर्षाः सुगिधत जल की वर्षा a ram of scented water पंचा० —उदयबुद्धि र्ह्मा॰ (-उदक वृष्टि) સુગ ધિપાણીની વૃષ્ટિ सुगन्वित जल की बृष्टि. a shower of scented rain प्रव० ४५५, - उद्ध्याभिरामः पु॰ (- उद्धुताभिराम) सुगन्धि निक्षणवाथी-भने। ६२ सुगानेव निकलने से श्रमिराम-मना-Et chaiming on account of the irradiation of fragrance 410. ११, ११, नाया० १, ज० प० ४. ११२, — उठब्रष्ट्रमा न० (-उद्दर्तन) सुगंधी पहा-र्था ७६ तीन पीडी करवी ते सुगन्ध वाले पदार्थी से उद्दर्नन करना, सुगन्वित पदार्थी को मिला कर, कुट छान कर चूर्ण-उबटना वनाना mixing, pounding etc. of fragrant substances. नापा॰ १६,-उस्सास पु॰ (-उच्छ्वास) सुगध पा हुर्रीधवाक्षी ७२७वास सुमन्ध या दुर्गन्धवाला उच्छ्वास flagrant on stinking breath. भग० ६, ३३, —करण (–करण) સુગધ કરનાર, પુપ્પાદિ सुगाध करने वाला, पुष्प वारह (anything) which imparts fiagrance, e g a flower etc नग॰ १६, ६, --कासाइयः त्रि॰ (-काषा-यिक) अग शुख्यानु सुगिध धरेस ५२३

श्रंग पूंछने का सुगान्धित वझ. a fragrant or scented cloth for drying the hody by wiping. सग॰ ε, ३३; श्राया० २, १४, १७६; नाया० १; २; १६; काप० ४, ६२ राय० १८५; जं० प० ४, १२२; —कासाई. स्त्रां० (-कापाया) ळुओ "गंपकासाइस्र" शण्ह देखो " गंध-कासाहश्र " शब्द vide " गंधकासाइश्र " '' गंधकासाईए गायाइं लुहंह '' भग० १४, २; — जुत्ति. स्री॰ (-युक्ति) सुगंधि तेव અત્તર વિગેરે ખનાવવાની યુક્તિનું વિજ્ઞાન सुगन्धित तैल, इत्र ग्रादि वनाने की युक्ति-तरकीय knowledge of the art of preparing fragrant oils, scents etc श्रोव॰ -- हय न॰ (- हक) भुगंधि यूर्ध्. सुगंधि चूर्ण. scented powder. " गन्धदर्षं उज्बहिता " ठा० ३. ५; — द्व. ति० (- प्रास्य) सुगध सरेक्ष सुगन्ध युक्त. scented; fragrant. पंचा॰ २,१४;८,२४; - (ग्रिज्यक्ति स्त्री०(-निर्वृत्ति) गधनी निष्पत्ति. गन्य की निष्पत्तिrise of fragrance प्रादुर्भाव १६, ८, — गुसिस पुं॰ (-नि.श्वास) स्भवती गध केवे। भुभने। निश्वासः कमल की सुमन्धि के समान मुखका श्वाम. fragrant breath. नाया॰ =,-द्वा न॰ (- द्विक) सुग ध अने हुर्गध स्मन्य श्रीर दुर्गन्य fragrance and stink. क॰ ग॰ २,३२, —द्झां ह्यां श्री॰ (-म्राणि) गन्धती अध्याः, गन्ध समू ६ सुगन्धका समुदाय -ममूह a collection of perfumes. श्रांव॰ नाया॰ १; दः १६, जं॰ प॰ ४, ६४०: —नाम न० (-नामन् गन्ध्यते हातिगन्धः तहेनुत्वात् -नामकर्प) गंध नाभे नाभ क्षेनी એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉદયથી છવ ગધવાલુ शरीर पामे छे. गन्ध नाम की नामकर्म

की एक प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव की गन्ध प्रधान शरीर मिनता है. the Nama. karma known as Gaudhanama. सम॰ २८: -परिणन. ति॰ (-परिणत) દુર્ગ ધિ રુપે કે સુગંધ રુપે પરિણામ પામેલ. सुगन्ध श्रथवा दुर्गन्ध रूप में परिगात होना-परिणाम पाना change of a subinto fragrance stance stench. भग॰ =, १: -परिणाम. पुं॰ (-परिचाम) भुगन्धनु दुर्शन्ध रूप ચવું તથા દુર્ગ ન્ધનું સુગન્ધી થવું તે. સુગન્ધ का दुर्गन्ध रूप होना श्रीर दुर्गन्ध का सुगन्ध हर हो जाना. change of fragrance into stench and vice versa. '' गंधवरिणामेणंभेते ' पन्न १३; ठा० ४, १; भग० =, १०; —मदवारि. न० (-मद वारि) सुग धी महऋषे अरतु पाणी सुगन्यित मदरूप से करता हुआ जन trickling like scented wine. नाया • १; - चट्टि स्रो • (-वर्ति) सुगंधनी અગરવતો, સુગત્ધમવ ध्रवतीः; श्रगरवत्ती या सुगन्य मय गुटिका. a stick of perfume; a fragrant pill श्रोव०२६: राय०२८, भग० ११, ११; जि॰ प॰ ४, १२१. (२) इस्तूरीने। गोरी. कस्त्रीका गोटा-गोला a ball of musk. नाया॰ १; --हिंदथ पुं॰ (-हिस्तन्) भेंदी-न्मत्त हाथी-गरेना अष्ट्रस्थसमाथी सुग्निधन મઃ ઝરે છે અને જેની ગન્ધથી બીજા હાથીએા नाशी जाय ते गन्ध हस्ती. गन्ब हस्तीः जिसके गराडस्थल मे से सुगन्धित मद भारता है और जिसकी सुगन्धि से दूसरे हाथी भाग जाते हैं-मदोन्मत हाथा. an intoxicated elephant with rut on its temples which by its scent frightens away other elephanst.

श्रोव॰ राय॰ २३, नाया॰ १; कप्प॰२, १४; श्राव॰ ६, ११; (२) कृष्ण वासुद्देवने। विजय नामक हाथी an elephant of Krisna Vāsudeva named Vijaya. नाया॰ ४;

गंध्रत्रो. अ० (गन्धतस्) गन्ध आश्री. गन्ध से; गन्ध का आश्रयकर. Through from fragrance. उत्त० ३६, १४; भग०८. १,१८,१०.

मंधरा. पु॰ (गंधन) गंधन क्लाने। सर्पं, हे के भुडेब छेर मत्र प्रयोगधी पाछुं युसी दे छे. गंधन जाति का एक सांप, कि जो मंत्र बल में अपने विष को वापिम ले लेता है. A kind of serpents named Gandhana which sucks the poison back again by the power of spells दस॰ २, ६; उत्त॰ २२, ४४,

गंधमंत त्रि॰ (गन्धवत्) गन्धपाणु. गंध वाला Smelling; fragrant भग॰ २, १ १०; २०, ५;

गंधमाद्रण, पु॰ (गन्धमाद्दन) अशो "गंध-मायण " शण्ड देखो " गंधमायण " शब्द. Vide "गंधमायण " सम॰ ४००, गंधमायण पुं॰ (गन्धमादन) नीक्षय न पर्य-ननी इक्षिण मेरुनी उत्तर अधीत्रनी पश्चिमे थे।ऽ।ना भधने आधारे शेन्न वभारा पर्यत शे तेनु नाम नीलवंत पर्वत के दक्षिण, मेरु पर्वत के उत्तर कि शोर गन्त्रिक्शावती विजयके पूर्व श्रीर उतर कुरुक्तत्र की पश्चिम दिशा मे घोडे के कथे जैसा वस्त्रारा पर्वत. Name of a Vakharā mountain in the shape of a horse's shoulder, it is situated to the south of Nīlavanta mount to the north of Meru, to the east of Gandhilāvatī Vijaya and to the west of Uttara Kuru Ksetia ठा०२३, पएह०२,२. जं०प० — कृड. पुं० (-कृट) गंधभाइन पर्वतना सात इट्मानु श्रीकुं इट-शिभ२ गन्धमाइन पर्वत के सात कृटों में से दूसरा कृट-शिखर. the second of the seven summits of Gandhamādana mount. ज०प०४, ६६,

गंध्य पु॰ (गन्धक) गधः सुगंध नुगधि.

Smell. fragrance सु॰ च॰ १, २६४ः
गंध्यहिभूय-म्र ति॰ (गन्धवतिभूत)
लेभा उत्तम अगि हि।य तेवी गृिटश जिस में उत्तम सुगंधि हो ऐसी गृटिका. (Apull) having high fragrance in it- सम॰ प॰ २१०, नाया॰ १, १६: काप॰ २, ३२; ज॰ प॰ ३, ४३,

गंधव्य पु॰ (गन्धर्व) शायनिश्रय व्यन्तर हेवनी अंध जात गांत प्रिय व्यन्तर देवां की एक जाति गन्धर्व. A. species of Vyantara gods fond of music सम० ३४: श्रोव० २४, भग० २, ५: २४, १२, ठा० २, २, उत्त० १, ४८, ३६, २०४, श्रगाजो ० ४२; विवा ० २, पन्न ० १. प्रत्र ० १०४४, जीवा० ३, ४. ऋप० ३, ४४, ज० ૫૦ ૭, ૧૫૨; રૂ, ૧૯; (ર) એક જાતની धिपि एक प्रकार की लिपि, गन्धवं लिपि a particular kind of script पन्न॰ १, (३) इ युनाथळना यक्षनु नाम कथनाथ स्वामी के यच का नाम name of the Yaksa of Kunthunäth Swāmī प्रव॰ ३०६; (४) गरेथे।; गान **કરનાર गवैया, गायक, गाने वाला a** singer. विवा॰ ६, भग॰ ७, ६. नाया॰ ૧૬, (પ) એક અહારાત્રિના ત્રીશ મુહ્રન

भान २२ अ अट्र एक श्रहोरात्रि के ३० सहतों से से २२ वां सहती. the 22nd of the 30 Muhūrtas of a day and a night जं॰ प॰ मम॰ ३०; म्॰ प॰ १०; (६) गधर्व विधाः नाटक, गंधर्व विद्या, नाटक, a kind of lore; drama. जीवा॰ ३, ३: नाया॰ १; १४; — ग्रांशिय-श्र. पुं॰ (-श्रनीक) ગન્ધર્ધાની સેના~નાટકના એક્ટરા; (ગાયન **५२नास**) गथर्वे की सनाः नाटक के पात्र[ी] (गायन करने वाले). a party of Gandharvas or singers and actors भग० १४, ६; ठा० ७, १; -कराणाः स्त्री॰ (-कन्या) ग'धवीनी पुत्री गन्धवं कन्या a daughter of a Gandharva. नाया॰ =: -घरम. पं॰ (-गृहक) केमां शीत नृत्य थाय तेवं धरः नाटक राह्या. नाटक-शालाः जिस में गीत न्त्य हे। वह घर. a theatre; a house for singing and dancing. राय॰ १३७, —देव. पुं॰ (-देव) गंधव हैव. गंबर्व देवता Gaudharva celestial being. भग॰ ≈, १: —नगर पुं॰ (-नगर) आशशमां गंधर्व नगरने आशरे भते। बाहणाना हेणाव गनवर्व नगर . के श्राकार में श्राकाश में बनता हुआ बादलों का बनाव-दश्य an appearance of a Gandhaiva city in the sky formed by clouds अण्जो॰ १२७; भग॰ ३, ७: — लिबि. स्री॰ (-लिपि) ગંધર્વ લિપિ; અઢાર લિપિમાની એક જાઠા-रह लिपियों में से एक लिपि, गन्वर्च लिपि one of the 18 scripts; the Gandharva script. सम॰ १८, —संदिय त्रि॰ (-संस्थित) गंधर्वने आधारे रहेब गंधर्व के सदश-ग्राकार में स्थित beauti-

ful in appearance like a Gandharva. भग॰ =, २;

गंधन्यकंट एं॰ (गन्ध्यंकण्ड) ओह जातनुं रत. एक प्रकार का रत. A kind of gem. राय॰ १२१;

गंधव्यमंडलपविभक्ति पुं॰ न॰ (गर्धव-मण्डलप्रविभक्ति) गंधव भएऽसती विषेश भ्यतायाणुं ताटक्ष विषेश गंधवंमण्डल बां विशेष रचना युक्त नाटक विशेष (A drama) with a particular arrangement of the party of actors. राय॰ ६२;

गंधहारक त्रि॰ (क्षान्धहारक —गान्धारक)
इद्धार देशभा रहेनार, कंदहार-गान्धार
देश में बमने बाला. A resident of
Kandahāra, पराह॰ १, १;

गंधहारमा पुं॰ (मन्यहारक) शन्धदार देशती। निवासी, मान्धार देश निवासी. A resident of the country of Gandhan. पन्न॰ १,

गंधारगाम पुं॰ (गन्धारम्म) नंदी आहि सात भ्रव्धनाना आश्रयकृत सुति सभूक

नन्दी श्रादि सात मूर्च्छनाश्रों का श्राधारभूत श्रुति समूह. A multitude of quarter tones which form the basis of the seven melodies, viz Nandī etc. श्रागुजो॰ १२=,

मंघारो. स्री॰ (गान्धारी) व्यंतगढ सूत्रना પાચમા વર્ગના ત્રીજા અધ્યયનનું નામ. શ્રંત-कत सत्र के पांचवें वर्ग के तीसरे ऋध्याय का नाम. Name of the third chapter of the 5th section of Antagada Sūtra. श्रंत॰ ४, ३; (२) ६० वासुदेवनी એક પટ્ટરાણી કે જે તેમનાથ પ્રભુની દેશના સાંભળી યક્ષિણી આર્યાની પાસે દીક્ષા લઇ ११ २ ग अ अ वीस वर्षनी प्रवल्या पाणी એક માસના સંથારા કરી પરમપદ પામ્યા कृष्ण बासुदेव की एक पृष्टरानी, जो नेमनाथ प्रभु के पास से देशना सुनकर-उपदेश लेकर यांचिए। श्रायांची के पास से दीचा लेकर ११ श्रहाँका श्र+यास कर २० वर्ष की प्रवज्या पाल एक मास का सथारा-म्ननशन कर परमपद को न्नास हुई. name of a queen of Krisna Vāsudeva who heard the preaching of lord Nema nātha and took Diksā from a nun of the Yaksa class She studied eleven Angas, practised asceticism for twenty years, performed Santhārā (abstained from food and water) for one month and attained final bliss श्रत०५, ३; ठा०८, १, (३) निभनाथछनी हेरीत नाम. नामनाथ स्वामी की देवी the goddess of Neminātha. प्रव ३ ७ ६; (४) ये नामनी ये । विद्या. इस नाम की एक विद्या-गाधारी विद्या a science, a branch of knowledge so named

स्य० २, २, २७,

गंधावह. पुं० (गन्धापातिन्) स्थे नाभने। હरिवर्ष क्षेत्रभाने। वाटले। वैताख्य पर्वत इस नाम का एक वैताख्य पर्वत Name of a mountain in Harrvarsa Ksetra. "गधावहवासी अरुणादेवी" ठा०२, ३, पन्न० १६;ठा० २, ३; भग० ६, ३१; जीवा० ३, ४;

गंधावाति पु॰ (गन्धापातिन) २२५४ वास क्षेत्रना मध्यक्षाणमां आवेक ओह लाट्ये। वैतास्य पर्वत रम्यकवास क्षेत्र के बीच में का एक वैतास्य पर्वत Name of a mountain in the middle of Ramyakavāsa Ksetra. ज॰ प॰ जीवा॰ ३, ४;

गंधि पु॰ (गन्धिन्) गधवाञ्च गम्य वाला. Smelling; fragrant नाया॰ १,

गैधिय ति॰ (गन्धित) सुनासित, गध्याणुं मुनासित, गन्धयुक्त. Smelling, fragrant श्रोव॰ भग॰ ११, ११; नाया॰ १, १६; ज॰ प॰ ४, १२३, (२) धरीयाधुं गंधीयाधुं किराणा groceties. वव॰ ६, २१; २४ — शाला श्ली॰ (-शाला) गंधीयाधुं वेथनानी अभ्या गन्धप्रधान पदार्थों के बेचने की शाला, इत्र श्रादि बेचने की दुकान a place for selling grocery वव॰ ६ २१. २४, २५, २६, ३०, (२) ध्वावनी दुधान कलाल की दुकान की दिवान की दिवान की दिवान की दिवान की दिवान की

गंधिल पु॰ (गान्धल) पश्चिम महाविन्छन। ઉत्तर भाष्डवानी सीताहाभुभ वन तरक्षी ७ भी विजय पश्चिम महाविद्द्दके सीतोदामुख वन की और से ७ वी विजय. The 7th Vijaya in the direction of the Sitodamukha forest, in the north of western Mahavideha. (२) स्रे विषयते। श्रांत्र. उक्त विजय का राजा. name of a king of the above Vijaya. "गंधिलेविजये श्रवज्मा रायहाग्यीदेवे वस्त्वारपञ्चए" जं॰ प॰ ६; गंधिला स्रां० (गन्धिला) गंधिसाविजय. गंधिलावती विजय. Gandhila Vijaya. " दो गंधिला " ठा० २, ३;

गंधिलावई स्री॰ (गनिवलावती) पश्चिम મહાવિદેના ઉત્તર ખાણકવાની સીતાદામુખ वनथी आहमा विजय पश्चिम महाविदेह के उत्तर खएउ म के सीतोदामुख वन ये बाठवीं The eighth Vijaya from the Sitodamukha forest in the north of western Mahavideha " गंधिलावई विजय श्रउजमा रायहाणी " जं । प० ठा० २, ३; (२) पुं० ગંધમાદન પવ^દતના સાત કુટમા<u>તું</u> ત્રિજી કુટ-शिभर, गन्वभादन पर्वत के मात कुटों में से तीसरा कृट शिखर. the third of the seven summits of Gandhamādana mount. इं॰ प॰

गंभीर. ति॰ (गम्भीर) ते।छडे। नही ते;
सागर पेटा; गंभीर. सागर के समान; गंभीर.
Grave; deep sounding; serious.
डल॰ २७, १७; श्रोव॰ १७; नंदी॰ स्थ॰
२८; नाया॰ १; १६; (२) ઉद्धं; अगाध;
धाग वितातुं. गहरा; श्रवाह. unfathom१, छील॰ २५; नाया॰ ४; राय॰ २५४; (३)
गद्धन; गीयआडीवाणुं. गहन; सघन; बहुत
मिल्लियों वाला. of dense thicket.
नाया॰ १; ४; भग॰ ३, १; २; ६, ४; ११,
११; विशे॰ ३४०४; पन्न० २; कप्प॰ ३,
३२; (४) अधारादितः अधारावाणुं
प्रकारा रहित; श्रंधकारमय. without
light. नाया॰ १; दस॰ ४, १, ६६;

— उद्दृहिः पुं॰ (- टर्डाघे) ઉડा पाणीवाक्षे। हिथे।. गहरे पानावाता द्या-समुद्र. deep sea; sea with deep water. তা০খ, ४; — ग्रांभिस ति० (-ग्रवभासिन) गं-भीर देणाय शेव. गंगीर प्रतीत होनेवाला of settled or of grave appearance. ठा॰ ४, ४; —पयत्थ. पुं॰ (-पदार्थ) ગદન પદના અર્ઘ, ન જણી શકાય એવા पहार्थ. गहन-कठिन पदों का ऋर्थ-मतलब, न जाना जामके ऐसा पदार्थ. the meaning or purport of difficult words; an incomprehensible thing. पंचा० ४: २४, —पोयपट्टण्. न० (-पोत-पत्तन) बढाखुना ठाढवानी क्या. जहान के ठहरने की जगह; पत्तन; बन्दरगाह. क place where ships are anchored. " जेणेव गंभीर पोयपहणे तेणेव डवा गच्छति " नाया॰ द; १७;

गंभीरमालिएी. स्री० (गर्मारमानिनी)
सुवक्श्विजयनी पूर्व सरद्ध ७५२नी अर्थः
अन्तरनदी मुद्दल्युविजय की पूर्वीय सीमा
करर की एक अन्तरनदी. A small
river on the eastern border of
Suvalgurijaya. " दी गंभीरमानियोद " ठा० २, ३; जं० प०

गंभारिवज्ञयः पुं॰ (गम्भीरिवज्ञय—गम्भीरम प्रकारो विजय शाश्रयः) अगाध आश्रय-अधारावाणुं स्थानः गंभीर—श्रंघकारमय वि-जा-श्राश्रय—स्थानः A dark place-दस॰ ६, ५६;

गंभीरा स्त्री॰ (गम्मीरा) यार छिष्णपासा अपनी ओड जात. चार डांद्रेयों वाला एक जीव. A living being with four senses. पन्न॰ १;

गकारपावमितः पृं॰ (गकारप्राविभक्ति) ना-८४ने। ओ४ प्रशर; ३२ प्रशरना ना८४भांत

ओ नाटक का एक मेद; ३२ प्रकारके नाटकों में से एक. A kind of drama: one of 32 kinds of drama. राय॰ ६३; बाबासा. न० (रागन) आडाशः गणन त्राकाश The aky: " गगणामिवनिरालवो " ठा॰ ६:पि०नि०१७५; श्रोव० १७, ३१, नाया०१: भग० २०, २; जीवा० ३, ४; राय० ६, क्षप्प • ३, ३८, —गसा. पुं • (-गसा) गगतरूपी गन्छ; समूढ, श्राकाशरूपी समृह a multitude in the form of the sky; sky appearing like a heap. " सिसन्त द्वार्ण गगरागणं संत " निसी॰ २०, २, -- तल न० (-तल) आशश the surface. तक्ष. श्राकाश तल. vault of the sky. " गगणतकविमल-विपुल गमण गइच चलचलियमण्पवण जहरा सिग्धवेग्गा "भग० ६, ३३; जं० प० ५, ११७; सम० प० २१३; नाया० ५, ६; ६; १६; निर० ४, १, —मंडल न० (-मंडल) आशशभएऽस. ग्राकाशमडल. the circle or sphere of the sky. कप्प० ३, ३८, ४४;

गगणवस्त्रभ. न॰ (गगनवस्त्रभ) वैताक्ष्यपर्व-तनी हित्रिणु तरक्ष्मी विद्याधर श्रेणीनुं भुण्य नगर वैताक्ष्यपर्वत के दक्षिण श्रोर का विद्या धर श्रेणी का मुख्य नगर. The principal town of the Vidyādhara Śreni to the South of Vaitāḍhya mountain जंन प॰ १, १२;

गगणत्रसह न० (गगनवस्त्रम) लुओ। "गग-यवस्रभ" शण्टा देखी "गगणवस्त्रभ" शब्दा Vide "गगणवस्त्रभ" जं० प० १, १३,

गरम પું• (गार्थ) ગાર્ગ્યગાત્રમાં ઉત્પન્ન થયેલ ગર્ગનામના આચાર્ય કે જે પાતાના અવિનીત શિષ્યોથી કટાણી જઇ છેવટે તેમના ત્યાગ કરી એકાકી સમાધિભવમાં રહ્યા અને આત્મ-Vol. 11/75

श्रेय ५५ गार्ग्य गोत्र में उत्पन्न गर्गनाम का श्राचार्य, जो अपने भ्रावेनीत शिष्यो से तंग धाकर अन्त में उनका त्याग कर अकेला ही समाधिभाव में स्थित हुआ और श्रात्मकल्याएा को प्राप्त हुन्त्रा. An ascetic of the name of Gärga, born in the Gārgya family He was disgusted with his impudent disciples and so he abandoned them and secured spiritual bliss by practising meditation in solitude. उत्त॰ २७, १; (२) ગાતમગાત્રની એક शाभा अने तेमां ६५०० स पुरुष गौतम गोत्र की एक शाखा श्रीर उसमें उत्पन्न मनुष्य. an offshoot of the Gautama line of descent; a person born in that off shoot. তা০ ৩, ৭,

शासाय ति॰ (गद्गद) गद्गद स्वर-श्रामाज A low and inarticulate sound expressing joy or grief. स॰ च॰ ३, ६८,

गम्गर. न० (गह्गद) श्वास ३घाता भी खतु ते, गद्ग इठ ठकते हुए गले से कोलना; गद्गद स्वर. Speaking with obstructed breath. भग० ३, २, ज० प० ७; १६६:

गचागइ स्त्री॰ (गत्यागीत-गतिश्चागित-श्रेति) गति अने आगति; अनुरूष गमन इरवु ते-गति-प्रतिश्च आवयु ते आगति. गति श्रीर श्रागति, गमनागमन; गति-श्रनु-कूल गमन, श्रागति-प्रतिकूल श्रागमन Coming and going; passing and repassing. विशे॰ २१५६,

गचार्गामे त्रि॰ (गत्यागमिन्) शतिपटे आय-नार; यादीने आयनार गति द्वारा त्राने वाला, चलकर श्राने वाला One coming on account of his being in a particular condition of existence. विशे॰ २१४४;

√ गच्छ. धा॰ I. (गम् गच्छ्) જવું; ચાલવું. जाना; चलना. To go; to walk; to move.

गच्छह. भग० ७, १; निसी० १६; २४; जं० प० ४, ११४; ७, १३३; वव० १, २३; २, २३; स्० प० १; स्य० १, १, २, १६; दस० ५, २, ३२; ६, ४४; राय० ३८;

गच्छेति. नाया० ४; =; १६; दस० ४, २=; र्ज० प० ७, १३७;

गच्छं, ठा० ३, ३; राय० २४२; गच्छामि. नाया० ४; =; १४; १६; भग० २, १; ५, ४; १८, १०; जं० प०

u, 994;

गच्छेजामि. क॰ वा॰ विवा॰ नाया॰ १६; राच्छामो भग॰ २, १; ५; ३, २; नाया॰ ५; ६,१३; १८; जं॰प॰ ५, ११२; १८, दस॰ ७, ६; सूय॰ २, ७, १४; श्रोव॰ २७:

गच्छेज. वि० पञ्च० ३६;

गच्छेजा. वि०भग० ३, ४, ६, ५; १३; ६;

नाया० ६, वव० १, २३; २; २३;

गच्छेजाहि. श्रा० नाया० ६; गच्छिजा. विवि० दस० ४;

गच्छंतु. नाया० १६;

गच्छ. नाया० १, २; १,

गच्छह. नाया॰ १; ३; ४; ६; १२; १३, १४; १५; १६;

गच्छेह. नाया० म;

गच्छाहि भग० ४, ४, नाया०१; म; जं०प० गच्छिहिति, भग०२, १, ७, ६; १४,म, १४,

१; १७, १; श्रोव० ४०;

गोंच्छिहिति भग० ३, १; ७, ६; नाया० १,

नाया० घ०

गच्छिता; सं० कृ० नाया० २; ३;

गच्छुंत. व॰ छ॰ श्रोव॰ २०; स्य॰ १,१,

१ २७; श्राया० २, १, ३; उत्त०४, १३; पंचा०१२, १८: भग०१४, ३:

गच्छमार्या. भग० ३, ३; ७, १; ७; १२,

६; २४, ६; ७; निसी० =, ११;

गच्छ. पुं॰ (गुच्छ) सभुहाय; सभूढ समुदाय; समूह. A group; a multitude e. g. of the followers of an Achārya श्रणुजो॰ ६७; (२) गणु; संध; साधु सभुहाय. गणा, संघ; साधु समुदाय. a collection, an assembly of Sādhus "गच्छंमि सन्वसित्ताणं" गच्छा॰ २; ७५; प्रव॰ ६२३; पंचा॰ १०, ज्वर ति॰ (-वर) सभ्य ग्रथ्थ - सभुहायमां श्रेष्ट. सब संघ गच्छ मे श्रेष्ट. the best among all groups गच्छा॰ ११७; —वास. पुं॰ (-वास) साधु सभुहायमां २ छेवुं ते. साधु समुदाय में रहना. residing amongst Sādhus. प्रव॰ ५३१;

गच्छागिच्छ अ० (गच्छागिच्छ — गच्छोन गच्छोन भूरवा) એક આચામ ते। परिवार ते गच्छ अते गच्छ गच्छता साधुओ लेगाथम टेग्णामां गिह्वाय ते गच्छागिच्छ इहेवाय. एक ब्राचर्य का परिवार-शिष्य प्रशिष्य गच्छ होता है, श्रोर कइ एक गच्छों के साधु मिल कर मण्डली रूप में हो तो गच्छाधिगच्छ होता है. A multitude of the followers of one Achārya or head of an order of saints assembling together with other similar multitudes. श्रोव० २१;

गजसुमाल ઉ॰ (गजसुक्तमार) દેવકીજીને। ન્હાના પુત્ર; કૃષ્ણ મહારાજના ન્હાના ભાઇ કે જેણે કુમારાવસ્થામાં નેમનાથપ્રશુ પાસે દીક્ષા લઇ બારમી લિખ્ખુપડિમા આદરી અગ્નિના અસહ્ય પરિષદ છતી કેવલનાન મેળવ્યું, દીક્ષા લઈ એકજ દિવસમાં માેક્ષે पढ़ें। या. देवकीजी का छोटा पुत्र; कृष्ण महाराज का छोटा भाई, जो कि कुमारावस्था में ही नेमनाथ प्रभु से दीचा लेकर, भिचु की वारहवीं प्रतिमा का पालन कर श्राप्ति का श्रमहा परिषद जीतकर केवलज्ञान को प्राप्त हुआ, दीन्तित होकर एक ही दिन में मोन को प्राप्त हुआ Name of the younger son of Devakī, and younger brother of Lord Krisna. He took Diksā from Lord Nemanātha in young age, practised the 12th ascetic vow, bore the intense pain caused by fire and attaining perfect knowledge became Siddha, (all this took place in one day). ठा० ४, १;

√गज्ज. धा॰ I (गर्ज्) भाजपु; भर्जा धरपी गर्जना; गर्जना करना To roar, to thunder.

गज्जह-ति नाया० १; भग० ३, २, गज्जंति राय० १८३, जीवा० ३, ४, जं० प० ४, १२१;

गजिता. सं० कृ० भग० ३, २;

गज्ज न॰ (गद्य) गद्यशंधः हिवता है छंद विनानुं सभाषा गद्यवन्य, छन्द विना की रचना. Prose writing. ठा० ४,४, जीवा० ३,४,राय> १३१,

गजाफल न० (गजाफल) गाजक्षासीन जेवुं गरभवस्त्र. फलालेन; एक प्रकार का कईदार गरम बन्न. Warm cloth known by the name of gauze flannel. श्रायाः २, ५, १, १४४;

गज्जर. न॰ (गृज्जन) शालर गाजर. A. turnip. प्रव॰ २३६;

गिक्कित्तार. वि॰ (गर्जिन्) भाजनार; भर्जना ३२नार. गर्जना करने वाला. Roaring, thundering. ठा॰ ४, ४;

गिजियम्र न० (गिजित) गर्जनाः गाल्यव्र ते. गर्जनाः Thundering, roaring. जीना० ३, ३; सु० च० २, २४२, भग० ३, ७; नाया० १; ६; ठा० १०, १; श्रगुजो० १२७; श्रोघ० नि० ६४३; जं० प० कप्प० ३, ३३; ४४, गच्छा० ६४; प्रव० १४६६,

महु पु॰ (गर्ते) भाडेत. खड्डा. A pit; स ditch. भग॰ ३, २, ७, ६; (२) शाउ२. भेड. a she-goat; त ewe सु॰ च॰ ४, १४७,

गहुय. पु॰ (गर्तक) ખાડા; ખાડ खड्डा. A. pit; a ditch भग॰ ६, ३१;

लगहुय न० (-) गाडु . गाडी A. cart सु० च० १२, ४८,

गड्डा. स्री० (गर्ता) भेाटी आर्ध वडी खाई A large ditch जं० प० दसा० ७, १, जीवा॰ ३; निर० ३, ३;

*गड़ी. स्रो॰ (-) गाडी. गाडी. A. cart. सु॰ च॰ १४, ६६;

गहिंदञ्ज. त्रि॰ (गृद्ध) आसंक्रित पानेश. मूर्चिंद्यत, श्रासक्त. Infatuated; deeply

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटनाट (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

uttached; greedy. दसा॰ ६, १; आया॰ १, १, २, १६;

©गड. पुं० (*) डिस्से।; गढ. किला; गड. A castle; a fort. मु॰ च० १, ३२६; ४, ४०;

गढिय त्रि॰ (गृद्ध) गृद्ध; आसक्त. श्रामक्त. Vory groody; wistful. भग॰ ७, १; पि॰ नि॰ २२६; नाया॰ २; ४; (२) अत्पंत. यहुत ज्यादह. too much. पएह॰ १, २;

गढिय. ति॰ (प्राधित) शुंधेतः लाधेत. बन्धा हुआ; बद्ध. Tied; knitted स्य॰ १, १, ३, १४; आया॰ १, ४, ६, १६४;

√गण. धा॰ J. (गण्) गण्ना ६२४ी. गिनती करना. To count. गण्डिं. हे॰ फ़॰ सु॰ च॰ ४, १६२; गणेमाण. व॰ फ़॰ भग॰ १५, १; गणिजह. क॰ वा॰ श्रणुजो॰ १३३;

गण. पुं० (गण) सभुहाप; सभूछ; टेाणु .

समूह; समुदाय. A crowd; a multitude. नग० १, १; ४, ६; ६, ४;

५,९; ६,६; १२,२; १६, ४; १६, ४;

टवा० १, ४६; जं० प० सम० ६; नाया०
१; ४; पणह० २,३; नंदी० ६; भीव० राय०
२५३; उत्त० १४,६; अणुजी० ४७; प्रव०
४५३; उत्त० १४,६; अणुजी० ४७; प्रव०
४५७; क० गं० १,३६; कप्प० ४,६२;
(२) गणुवुं; गणुना ४२वी. गिनना; गिन्ती
करना. reckoning; calculation.
अणुजी० १३३; (३) भ६स अमिती
सभुदाय. महा-पहल्वान श्रादि का समुदाय.
a party of athletes etc वि० नि०
४४१; (४) ग२७; समान हियानशाचार विचार

पाला साधु समुदाय. nu order of ascetics observing the same rules of conduct. मम॰ धः दगा॰ २, ६; वव० १, २६; २, २४; ६, २७; १०, ११: निसी० १६, १०: नाया० दः श्रीप० नि॰ ६==: पि॰ नि॰ १६३: भग० २४, ७: (પ્ર) ચાન્દ્રાદિ કુલના સમુદ્ર; કારિકાદિ गणः; संधने। ओंड भागः चाहादि कुत्त का समृद्द; कोटिकादि गए; संघ का एक भाग. a collection of families Chândra etc.; a portion or sub-division of a religious sect. श्रीव॰ २०: पराह० २, ३; ठा॰ ३, ४: — श्र**मिश्रोग**, पुं॰ (-श्रीम-योग) गण-सभुहायनी आहा. गण-समु-दाय की ग्राज्ञा: गच्छ का श्रादेश. command of a Gana or an order of saints under one head. भग॰ ७, ६; प्रव० ६५३; --- हकर पुं० (- धर्भ-कर) गश्-राभुदायतु आम अरनार. गरा--समुदाय का कार्य करने वाला. (one) who transacts the business of the brothers of the same order of saints. ठा॰ ४, ३; — खायग (-नायक) गण्नी-जनसमूदना आगे वान भाश्यः समुदाय-मनुष्य समृह का अगुआ. the leader of a multitude. नाया॰ १; —त्थकर. पुं॰ (-म्रयं-कर) जुओ। " गणहकर "शण्ह देखे। " गणहकर " शब्द. Vide "गणहकर" वव॰ १०, ४; ४; ६; ६; —धम्म पुं॰ (-ઘર્મ) મહાવીર સ્વામિએ સ્થાપેલ સાધ્વાદિ સમુદાય રૂપ ગણુનાે ધમ'–શ્રુત ચારિત્ર્ય રૂપ

^{*} जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (१) देखा पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (४). Vide foot-note (*) p. 15th.

ગ્ણતીથ ના ધર્મ –અહ્યવન મહાવતાદિ રૂપ. गगा-गच्छ का घर्म-श्राचार; महावीर स्वामी द्वारा स्थापित साध्वादि समुदाय रुप गणका धर्म-श्रत चारित्र रूप, गएा-तीर्थ का धर्म-श्रुपात्रत महाव्रतादि रूप. the religious principles of an order of saints e. g. that established by Mahāvīrasvāmī; religious principles of a sect, e. g minior vows, great vows etc. তা॰ १०, जं॰ प० २, ३५; —नायगः पुः (-नायक) প্রুঞ। '' गण्यायग '' शण्ह. देखो " गण्णायग " शब्द vide " ग इ-ग्रायग '' श्रगुजें।० १२८; श्रोव∞ नाया० १; राय० २५३; —पडिखीय ति॰ (-प्रत्यनीक) गणुने। शत्रु, गणु का शत्रु an enemy of an order of saints भग०६, ३२; — मारा. न० (-मान) गश्नुं भान प्रभाश्. गण का मान, गच्छ का प्रमाण. the limit of an order of ascetics. प्रव॰ ६३३; --राय. पुं॰ (-राज-समुत्पन्ने प्रयोजने ये गएं कुर्वनित ते)समूछते। राज्य; धर्थ वभते सर्वेने ओड्डा डरी शहे ते सामन्त ममह का कार्य पद्ने पर सबको इकट्टा कर सके ऐसा; सामन्त वगैरह. a sovereign king having feudatory princes under him भग॰ ७, ८, —विउस्सग्ग पुं॰ (ब्युस्सर्ग) गरा गन्छता परित्याग गन्छ का परित्याग. desertion, abandonment of an order of saints भग. २४, ७; --वेयावद्य पु॰ (-वेयावृत्य) गण्ती सेवा, पैयावृत्यता नवभा भेर गण की सेवा, वैयावत्य का नीवां भेट ninth variety of serviceableness, viz service to an order of monks. १०, म १०: सग० २४, ७:

--संग्रहकर. पुं॰ (-संग्रहकर) समुधाय-તા આહાર અને જ્ઞાન વગેરેથી સગ્રહ કરનાર. ब्राहार श्रीर शान श्रादि का संग्रह-संचय करने वाला. one who preserves or extends the circle of his sect by food, knowledge etc. वव॰ १०; ४; ४, ६; ७, —संगाहण पुं० (–संग्रहण) સાધુ સમુદાય એકડાે કરવાે ते. साधु समुदाय को एकत्रित करना. a multitude of assembling Sādhus or saints. गिर्गि॰ —संपया स्री॰ (-सम्पत्) गणु-ग²०-सभुद्दायनी स पद्दा. गच्छ-समुदाय सम्पत्ति. the power or authority ofascetics order an regarded as wealth. प्रव॰ ४४३; **—सामायारी**. स्नी॰ (-समाचारी) साधुना सभुदायनी सभावारी. साधुद्रों के समुदाय की समाचारी education of an order of monks in austerities etc दसा॰ ४,७०, —सोभाकर त्रि० (-शोभाकर) **सभु**हायने शाेेेेेेेे शाेेेेे समुदाय को मुशोोभित करने वाला; गच्छ की शोभा वढाने वाला. one who is an ornament or a jewel of an order of saints वद॰ १०, ८, ६, —सोहिकर त्रि० (-शोधि-कर) ગણની શુદ્ધિ કરન ર, ગચ્છની સભાળ क्षेतार गण की शुद्धि करने वाला, गच्छ की देखरेख करने वाला. one who bestows care on an order of saints, one who refines an order of saints वव० १०, ४, ५, ६; ७

गण्म पुं॰ (गण्क) गण्ड, लथातिष् शान्त्र ज्ञाल्तार, लथातिथी. गण्क, ज्योतिषी; गण्जित विद्या को जाननेवाला. An ustrologer. स्रोव॰ नाथा॰ १; कप्प॰ ४, ६२. गग्ग् न॰ (गग्गन) गण्युं; गण्त्री ६२९ी गिनती करना; गिनना. Calculation; reckoning विशे॰ ६४:

गण्णाः स्त्री॰ (गणना) गणतरी, એક દસ, મા ઇત્યાદિ ક્રમથીગણવા. गणना-गिनती; एक, दस, सौ आदि क्रमसे गिनना. Calculation; counting. श्रगुजी॰ १४६; — अइरित्तः त्रि॰ (- प्रांतरिक्त) गण्ना-सं भ्याथी जुहा. संख्या से द्यांतरिक्क; गिनती से वाहिर. beyond calculation; different from calculated amount. निसी • १६,२५ : - अर्गत अ.पं • (-अनन्तक) ગણવાની અપેક્ષાએ અનંત: સંખ્યા આશ્રી अनंत गणना की अपेकासे अनन्तः संख्या के निहाज से अनन्त. incalculable:countless; beyond calculation. তা॰ u, ३; -- श्ररापुरवी स्री॰ (-श्रतुपूर्वी) संभ्या विषयः अनुपूर्वी; अनुक्षमः संख्या विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम. serial order; order of numerical calculation. श्रयाजी० ७१:

गणहर. पुं॰ (गणधर) गण्धर; तीर्धंकर का मुख्य सिष्य. The principal disciple of Tirthankara; the Ganadhara. जं॰ प॰ २, ३३; नाया॰ दः वेय॰ ४, १५; भग॰ ४२, १; विरो॰ ४४०; भत्त॰ १०४; (२) आयार्थनी आज्ञानुसार साधु समुदाय को लेकर महीमण्डल पर विचरने वाला समर्थ साधु. the able ascetic who wanders over the world along with other ascetics by the order of the head preceptor. आया॰ २, १, १०, ४६, पत्न० १६; सम॰

द; गत्त० २७; १; नंदी० स्य० २१; — पमाण न० (-प्रमाण) ग्राध्-र-तिथं ३२। भुष्य शिष्ये। अभाष् गणयर-तीथं करों के मुख्य शिष्यों का प्रमाण. the authority of the chief disciples of Tirthankara, known as Ganadharas. प्रद० ३३२;

गणावच्छेश्रय. पुं॰ (गणावच्छेदक) भीला साधुमोने साथ राभी के महीभए असमां वियरे ते. दूसरे साधुमों को साथ लेकर पृथ्वी मएडल में विहार करने वाला. One who wanders over the world along with other ascetics. कथा॰ ६, ४६;

गणावच्छेरणी स्ति॰ (-गणावच्छेदिना)
गञ्छनी साध्तीओनी सारसंकाण करनार
साध्ती गण की साध्तीओं की देखरेख करन
वाली साध्ती. A female ascetic
who provides necessary things
to the nuns of the same order.
वव॰ ५.३:

गणाव च छे इयः पुं॰ (गणाव च छे दक) गणुना साधु गोनी सारसं सास अरनार. गण के साधु ग्री की देखरेख करने नाला. One who provides necessary things to the monks belonging to the same order आया॰ २, १, १०, ५६; नव॰ १, २६; २७; २८; २६; २, ७; ३, १५; नेय॰ ४, १५;

गणावच्छेदयत्तः न० (गणावच्छेदकत्व)
गणावच्छेदकताः, गण संचालकत्व. State of being a provider of necessary things to an order of saints वव॰ ३, १५; वेय॰ ४, १६;

गणावच्छेदयत्ता. स्री॰ (गणावच्छेदकता)

প্রতী। " गणावच्छेइयत्त " शण्ध देखो " गणावच्छेइयत्त " शब्द. Vide " गणा-वच्छेइयत्त " वव० ३, ७;

गणावच्छेद. पुं॰ (गणावच्छेदक) साधु
सभुदायनी वस्त्र पात्राहि व्यादारथी सार
संभाण धरनार साधु. साधु समुदाय की
बल्ल, पात्र प्रादि द्वारा सार संभाल देखरेख
करने वाला साधु A Sādhu who provides the monks of an order of
saints with food, clothes,
vessels etc. पन्न॰ १६;

गाि पु॰ (गाियन्-गााः साधुसमुदायोऽस्ति-यस्य) आयार्यः; सूरिः; गन्छना उपरी श्राचार्य, सरि: गच्छाधिपति. The head of an order of saints: an Achārya अगुजो॰ ४२; ठा॰ ४, ३; श्राया० २, १, १०, १६; सम॰ १; दस० ६, १; ६, १४; पि॰ नि॰ ३१४; निसी॰ १४, ४; पन ० १६: उवा० २, ११६; भत्त० २३; कप्प० ६; पंचा० १२, ४७; प्रव० १६८; ११७; गच्छा० २०; ११२; —-ग्रा-गमसंपन्नः न॰ (-न्नागमसंपन्न) गिश्-આચાર્યના શાસ્ત્રોમા કુશલ. गीण श्राचार्य के शास्त्रों में कुशल. proficient in the Sūtras dealing with numerical calculations. दस॰ ६, १: —पिडग न॰(-पिटक-गयोा गच्छोऽस्ति यस्य स गयाी त्तस्य पिटकम्) जिन अवयन जैन तत्वाना ખજાતી; આચાર્યની પેટી કે જેની અન્દર શાસ્ત્રીય તત્વા ભરવામાં આવ્યા હાય તે-श्यायारांशाहि सूत्र जिन प्रवचन; जैन तत्वों का खजाना; श्राचार्णे की पेटी-तिजोरी. जिसमें शास्त्रीय तत्व भरे हुए हों, श्राचाराङ्गादि श्रगसूत्र the treasury of Jama canonical scriptures; literally, the box of an Acharya filled with scriptures. मग॰ १६, ६; २०, ५; ४२, १; सम० ५७; संत्या० ५१; श्रोघ० नि० ७६०; — पिडय. न० (-पि-टक) लुओ " गोण-पिडग " शफ्ट. देखा " गणि--पिढग " शब्द. गणि-पिदग "भग० २४, ३; - पिढंग न॰ (-पिटक) लुओ। ' गणि-पिडग ' शण्ट. देखो ' गणि-पिडग ' शब्द. vide 'गिया पिडम 'श्रोव० १६; — भाव. पु० (-भाव) आयाय पछं; गिल-आयाय ना साथ. श्राचायेख, श्राचायंपना. status of an Achārya; Achāryahood. उत्त॰ २७, १; -- वसभ. पुं॰ (- ऋपभ) ગહા- આચાર્યામાં બ્રેષ્ઠ. ब्राचार्यो-सुरिया में the chief among the Achāryas. भनः ४२, —संपयाः स्री॰ (-संपद्) आयार्थनी ६४ स ५६।. श्राचार्य की ६४ सम्पदाएं the 64 acquisitions of an Achārya. भत्त॰ २३; दसा० ४, १०६,

गिराञ्च. त्रि॰ (गणक) गिराजित्तीः, निर्मातिपी.
गिराजित्तेताः, ज्योतिषीः A mathematician. श्रमुजो॰ १४६; जं॰ प॰ २, १६; गिराणिणीः श्रा॰ (गिर्मिनीः) गिराज्यो निर्देश साध्यी, प्रवर्षक साध्यी गण में बडी साध्यी प्रवर्तिका साध्यी The principal female ascetic of the order.
गच्छा॰ ११६;

गिएत. न॰ (गिएत-ग्रह्यते इति) शिश्तिक्सा.
गिएतकला. A numerical script.
नाया॰ १; (२) अ ४ दिथि. श्रद्धलिपि.
a particular kind of script. पच॰
१, — प्रहास. त्रि॰ (- प्रधान) शिश्त छे
अधान केमा ते गिएत प्रधान an art in
which mathematics occupies a
prominent part नाया. १;

गिंगता. स्त्री॰ (गिंगता) गिंशुपां गुणान्यां की पदवा. स्विती पदियों. गिंगिपद; गणाचार्य की पदवा. Headship of an order of saints. ठा॰ ३, ३; वव॰ ३, ७;

गारिम. त्रि॰ (गर्य) गिशुभ; स्थे । प्रेशु पगेरे संण्या थे गिशाय ते एक, दो, तीन श्रादि संख्या से जो गिना जासके. Capable of numerical calculation; capable of countable. श्रागुजो॰ १३२; नाया॰ ६; ६; १५; विवा॰ २;

गिर्णियः न॰ (गिर्णित) गिश्ति ५७॥; हिसाथ-नी ३/॥. गणित कला; हिसाव की कला Art of mathematics: numerical calculation. श्रोव॰ ४०: श्रगाजी॰ १४६; तंदु० भग० ६, ७; नाया० १: ६; परहर १. ४: ज०प० श्रोघर्शनर भार ४: (२) गणेक्षं; संभ्या धरेक्षं. गिना हन्ना. counted वेय ० ४, २=; निसी ० ६, २०; प्रव॰ १२३३; ---पद्वारा त्रि॰ (-प्रधान) केभां गिल्तिक्षा भूभ्य छे ते. गिरातप्रधानः जिसमें गणित कला मुख्य है वह; ज्योति:-शास्त्रका एक श्रंग that in which mathematics is the prominent factor; a division of astrology. कप॰ ७, २१; —लिपि. स्री॰ (-लिपि) ગહ્યિતલિયિ; ૧૮ લિપિમાંની એક. गणित लिपि, १= लिपियों में से एक लिपि one of the 18 scripts; the script of numbers. सम॰ १८;

गािंग्या-म्नाः स्त्री॰ (गािंग्का) गिंशुः।; वेश्याः वेश्याः वाजार की श्राँरतः A harlot; a public woman. भग॰ ११, १९; नाया॰ १; ३; ५; १६; विशे॰ हरम; श्रंत॰ १, १; निर॰ ४, १; कप्प॰ ४, १०१; विवा॰ २, श्रणुजो॰ ६६; —सहस्सः न॰ (त्सहस्र) ७००२ वेश्याओ। हजार वेश्याएं. a thousand harlots. विवा॰ २:

गिणि विज्ञा स्त्री॰ (गिणि विचा) २५ उत्धा-क्षिक्र सूत्रभानुं वीसभुं सूत्र २६ उत्झालिक सूत्रों में से वासवां सूत्र. The 20th of the 29 Utkālikā Sutras. नंदी॰ ४३:

गणेत्तिया. स्त्री॰ (*) क्षायते। भैरभे॥ सन्यासीनां क्षायनुं आक्षरणु संन्यासी के हाय का एक श्राभरण. A rosary for the hand; an ornament in the case of an ascetic. श्रोव॰ ३६; भग॰ २, १; नाया॰ १६;

गत त्रि॰ (गत) गथेल. गया हुन्ना; पहुंचा हुन्ना. Gone. (२) प्राप्त थय्मेल. प्राप्त.

गति स्नी॰ (गति) नरह स्थाहि गतिमा लवुं ते नरक आदि गतिमा में जाना. Passing from one state of existence into the state of hell etc. ठा० १, १; (२) नरह स्थाहि सार गतियां. the four states of existence viz. hell etc उत्त०४,१२; (३) गमन; सास; लवुं ते. गमन; सास. the act of going. भग० ३, १; २५, ३; ६; ६; ५; पन० १३; स्० प० १०; — नामनिहत्ताउ—य. त्रि॰ पुं॰ (—नामनिष्ठतायुष्) गतिने अनुसारे नामहर्भना पुद्रसनी साथ आयुष्यम्भी अध ग्रावा के अनुसार नाम कर्म के प्रद्रलों के साथ आयुष्

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १४ की फूटने। ट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

कमें का बन्ध Kārmic bondagə for the period of the life of Nāmakarma atoms, according to the condition of existence in which a soul is भग॰ ६, ६; पत्र॰ ६, —रागति स्रो॰ (- स्त्रागति) शति અને આગતિ, એક ગતિમાથી બીજી ગતિમાં જવું અને ખીજી ગતિમાથી આ ગતિમા आववं ते. गति श्रीर श्रागति-गमनागमनः एक गीतमें से दूसरी गतिमें जाना श्रीर दूसरी गतिमें से इस गतिमें श्राना coming and going back from one state of life into another. भग॰ १३,१:२१, १, २४, १, — लक्खण न॰ (-लचण) ગનिरूप धर्भास्तिअवनु अक्ष्य. गति रूप धर्मास्तिकाय का लज्जा. the nature of Dharmāstikāya in the form of motion भग॰ १३, ४; —विसय पुं॰ (-विषय) गतिने। विषय-ज्यानी शक्ति गति का विषय: चलने की शक्ति the object of motion; the power of movement भग॰ २०, ६, गत्त न० (गात्र) शरीरः शरीरः शरीर के श्रंग Body, a bodily limb. श्रोव॰ २२; भग० ३, २; ६, ३३; १६, १; १६, ३; नाया॰ १, २; ६, सु॰ च॰ २, ७७: १३, २४ पन्न० २, कप्प० ४, ६२,

गत्त पुं॰ (गर्त) भाडे। खडुा. A pit; a ditch भग॰ १४, १, जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १,

गत्तगः न॰ (गात्रक) ५वंशाहिनी ५वं अने उपवां. पर्लगादि के ईस व अन्य श्राधार रूप साधनः The logs of wood making up a bed stead etc राय॰ १६१, गत्ताः स्रो॰ (गर्ताः) १द्वाटी आर्धः वडी-गहरा

खाई A large ditch जं प

Vol 11/76

गद्दतोय. पु॰ (गर्दतोग) पायभां देवले। इनिनि निये कृष्णुराक विभानभां रहेता ले। इनिनि हेवनानी नव जाति पेशी स्पेक्ष जात. पांचवे देवलोक के नीचे कृष्णुराजि विभान में रहने वाले लोकान्तिक देवों की नी जातियों में में एक जाति. One of the nine classes of Lokantika goda residing in the Krisnarāji heavenly abode under the fifth Devaloka. "गहतोय तुसियाणं देवाण सत्त देवा सत्त देवसहस्सापण्ता " ठा० ७, प्रव० १४६२, सम० ७७; ठा० ६; भग० ६, ५, नाया० ८,

गद्दम पुं॰ (गर्दम) गर्देशे. गर्दम; गथा.
An ass; a donkey. पन्न॰ १. स्य॰ १, ३, ४, ४, २, २, ४४, दमा॰ ६, १२;
गद्दमालि. पु॰ (गर्दमालि) गर्दकाकी तामना साधु: संजित राजाने समज्ञान वाला, मर्यात राजाना गुरू An ascetic named Gardabhāli who enlightened king Sanjati उत्त॰ १८, (२) भंध सन्यासिना गुरू खंबक मंन्यासी का गुरू the preceptor of Khandhak a Sanyāsī भग॰ २, १;

गह्ह. पु॰ (गईभ) कुले। "गहभ "शण्ट देखो 'गहभ "शन्द. Vide "गहभ " सम॰ ३०, पि॰ नि॰ ४४६;

गना. श्ली॰ (गएया) संज्या; गणुना. संज्या; गणना, गिनती Calculation; reckoning. सु॰ च॰ १४, १०३;

गन्भः पुं॰ (गर्भ) गर्लाशयः गर्लाने रहेवानुं स्थानः गर्भः गर्भाशयः गर्भके रहने का स्थानः जहां शुक्र शोणित मिलकर रहते हैं वह स्थान The womb स्रोव॰ ४०: ४३:

निर॰ १, १; दसा॰ ६, १; नंदी॰ ३७; नाया०१;२; १३; १४; भग० १, ७; ५. ४;२; ११, ११; १२, ४; २०, २; पिं० नि० ३६२; पञ्च०१७; सूय० १,१, १, २२; १४४; श्राया० १,४,३; प्रव०२८०;क०प०४ १६; कप्प०१,१; (ર) રેશમના કીડાએ પાતાની લાલમાંથી **७८५** ४ रेस रेशभने। हाहाटी, रेशम के कीट ने अपनी लार में से उत्पन्न किया हुआ रेशम का कोया. silk thread produced by a silkworm. त्रपाजी॰ ३७; (३) भध्यः वयक्षे। लागः सध्यः वीच का हिस्सा. middle part; interior. राय० ५७; श्रोघ० नि० ६६७; —श्रजीगा. स्त्री॰ (-श्रयोग्या) शर्लधारख इरवाने अथे। अ स्त्री: वंध्या. गर्भ धारण करने के श्रयाग्य स्ती: बांक. a barren woman, प्रव०५७: — श्राधाणः न॰ (-श्राधान) गर्भाधान संरक्षर. गर्भाधान संस्कार. the ceremony relating to pregnancy. भग०११,११; — ग्राहाण. न० (-श्राधान) गर्काधान; गर्भनु रहेवुं ते गर्भ का रहना; गर्भाधान. pregnancy. विशे॰ २३०; -- उञ्भव ति॰ (- उद्भव) गर्भ थंडी ઉत्पन्न थयेशः गर्भाज्य-तिर्यय अने मनुष्य गर्भ से उत्पन्न; तिर्यंच श्रौर मनुष्य. fetusborn; i, e men and animals. विशे॰ ४२३; —करा. स्री॰ (-करी) लेना પ્રભાવે ગર્ભ ઉત્પન્ન થાય તેવી વિદ્યા: ४० विद्याभांनी એક जिसके प्रभाव से गर्भ रहे वह विद्या; ४० विद्यार्था में से एक विद्या. त science dealing with cure of sterility; one of the 40 sciences. स्य॰२,२, २७; —गत. त्रि॰ (-गत) गल गत-गभ भा २१६ं गर्भगत, गर्भ में स्थित. embryonic, in embryo. विवा॰ १; भग॰ १, ७; —घर.

न॰ (-गृह) साधी वस्त्रेना शारिं, अन्दर-ने। दे। स. गर्भगृह: सत्र के वीच का कमग; अन्दर का कोठा. inner room; central hall. श्रमुजी० १४=; (२) लायरा विगेरे. तहस्तानाः जमीन के श्रन्दर बनाया हुश्रा घर. a cave; an interior cavity. जीवा॰ ३, ३; नाया॰ ५; —घरग. न॰ (-गृहक) अंदरने। ओरडे। भातरका घर. a toilette chamber. राय० १३६; नाया० ५; —- घरयः न॰ (-गृहक) जुओ। ७५थे। शण्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above. नाया॰ ८; — हुम. त्रि॰ (-श्रष्टम-गर्माद-ष्टमोवर्षःगर्भाष्टमम्) ગર્ભાથી આક્રમા વર્ષ. गर्भ से आठवां वर्ष. the 8th year from conception. नाया॰ १; —हिइ॰ स्त्री॰ (-स्थिति) गर्भनी स्थिति गर्भना स्थिति. condition of embryo. प्रव॰ ५५; १३७३; — हिय. त्रि॰ (- स्थित) ગલ भां २६ेक. गर्भगत; गर्भ मे रहा हुआ. remaining in the womb. प्रव॰ ४.४; —त्य. त्रि॰ (-स्प) ગલ[િ]મા રહેલું લા-લી. गर्भ में रहा हुआ. embryonic; in the interior; in embryo. राय॰ २=७; नाया॰ १; कप्प॰ ४; ६४; —वसिंह म्री॰ (–वसित) ગભ⁵રુપે નિવાસ; ગર્ભાશયમાં रहेवुं ते. गर्भ मे रहना remaining in the womb. ठा॰ ३, ३; गच्छा॰ ६५; —वास. पुं॰ (-वास) गर्लाशयमां निवास; भाताना गर्लिमां २हेवुं ते. गर्भ में निवाम करना; माता के उदर में रहना staying. residence in the womb of one's mother. स्य॰२,२, =१: पन्न॰ २; नाया॰ १; प्रव॰ १२७५; — बुक्कंतिः स्त्रो॰ (न्ब्यु-ગર્ભાશયમા त्क्रांन्ति) शक्ष^भमां **ઉ**त्पत्तिः आवर्तुं ते गर्भ में द्याना. birth in the womb. ठा॰ २, ३; दसा॰ ६, १:

- वकंतिय. त्रि॰ (-ब्युत्कन्तिक) गर्भ ४-ગર્ભાશયમાંથી જન્મ પામનાર, મા ખાપના शुक्ष शािश्वितथी ७८५२ थतुं गर्माशय द्वारा उत्पन्न होने वालः; माता पिता के शुक्र शोशित से उत्पन्न होने वाला. born from a womb: fetus-born. अणजी॰ १३४: उत्त ० ६, १६; जीवा० १; भग० ४, ५; ५, १; ६; सम०१; —संभूइ स्री० (-सम्भूति) गर्भ नी अत्यत्ति गर्भ की उत्यत्ति. production of the embryo प्रव॰ ५६; १३७७, —साडन. न० (-शातन) गर्भानुं साउनुं- गर्भ पाउवा विगेरे गर्भ का नाश करना, गर्भ का छाटना. causing abortion etc विवा॰ १; —हरणा. न॰ (- हरण) ગર્ભ નું હરવું ते; એક ઠેકાણેથી णीले हेडा शे गर्भाने सध जवुं ते गर्भ का हरण करना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर त्रेजाना. stealing or transferring embryo from one womb to another प्रव॰ ६६२; — ग्रह्मत्ताः स्त्री॰ (-गर्भता) গর্ભ પर्छ. गर्भत्व, गर्भपन embryonic condition विवा १: नाया॰ ५; कप्प० १, २,

गड्भमुदेश. पुं॰ (गर्भोडेशक) अत्रापना सूत्र-ना ओं ६ हिदेशानु नाभ प्रज्ञापना सूत्र के एक उद्देशा का नाम Name of a chapter of Prajñāpanā Sūtra. भग॰ १६,२;

गिटिमञ्चा-याः स्त्री॰ (गिर्भिता) गर्भावती स्त्री. गर्भवती स्त्री, सगर्भा नारीः A pregnant woman दस० ७, ३५; नाया॰ ७;

गिंक्सिणी स्त्री॰ (गिंभिणी) गर्भवती स्त्री. गिंभिणी, गर्भवती स्त्री. A pregnant woman, पिं॰ नि॰ ४१०;

गिटिभय. त्रि॰ (गार्भित) गर्लित; वश्ये पेक्ष सदित. गर्भ वाला, भीतर पोल वाला Hollow. प्रव० ७६; (२) अ ६२ गर्ल- વાલુ. भीतर गर्भ वाला. hollow in the middle. पंचा॰ ३,२१,

गभीर. पुं॰ (गभीर) અ તગડ સત્રના પહેલા वर्गाना ४ था अध्ययनतुं नाम. श्रंतगड् सूत्र के पहिले वर्ग के चौथे श्रध्ययन का नाम. Name of the fourth chapter of the first section of Antagada Sūtra. (ર) અન્ધકવૃષ્ણિ રાજાના પુત્ર ચાેથા દશાર કે જે નેમનાથ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ ખાર વરસ પ્રવજ્યા પાળી શત્રુંજય ઉપર એક માસના સથારા કરી भे।क्षे गया. श्रन्धकदृष्णि राजा का चौथा पुत्र-दशाहै, कि जो रेमिनाथ प्रभु से दीचा लेकर बारह वर्ष तक प्रवध्या पाल श्रमुखय पर्वत पर एक मास का श्रनशन कर मोच्न को प्राप्त हुआ. the son of king Andhaka Vrisnī, the fourth Dāśrha, who took Diksā from Lord Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā (gave up food and drink) for one month on Satruñjaya and became Siddha. श्रंत॰ १, ४; (३) ઉंડुं. गहरा. deep. राय॰ ३७; (४) २हे। हुं. वडा. big; large प्रव॰ ४५६; —घोस. त्रि॰ (- घोष) भे। । अयाजयाशुं वडी श्रवाज वाला. deep sounding. प्रव॰ ४५६; √गम. धा॰ I. (गम्ल) જવું; गति કर्शी. जाना, गति करना. To go; to move. गमइ. श्राया० २, १, १, ४; गमिस्वद्य पि० नि > ३ १०: गमिस्संति. भ० भग० ३, १; गामस्सामि. भ० नाया० १, गमिस्सामो. भ० श्राव० ३८.

गमेजण सं० कृ० सु० च० २, ३५;

गिमित्तप्. हे० क्व० दसा० ७, १; उत्त० १०, ३४; श्रोव० ३८; सम० ३, ४; ७, ७; १६, ५; नाया० ८; ६; १४; १६; गममाण्य. व० क्व० भग० ८, ७;

गमः पुं॰ (गम) આલાષક–સૂત્રના આલાવા; એક વિષયનું પ્રતિપાદન કરનાર વાકય સમૂહ; न्धानुं प्रभरेश् श्रालाप-छोटा प्रकरणः एक ही विषय को प्रतिपादन करने वाले वाक्यों का समूह; सूत्र पाठ. A supplementary chapter. नंदी॰ ४४४; विशे॰ ४४८; जं॰ प॰ नाया॰ १; पि॰ नि॰ ४२१, भग॰ ३, १०; ६, ६; १६, ३; २४, १; (२) ध्यत, वर्शत; कथन, वर्णन. narration पन्न० १५; (३) જવું; ચાલવું. जाना; चलना; moving; going. पश्च॰ २; (४) प्रधार; लेह. प्रकार; भेद. varieties. श्रोघ॰ नि॰ २५; विशे॰ १४६२; (१) અર્થ પરિચ્છેદ, અર્થાની જીદી જીદી ભંગી; ष्यर्थं का परिच्छेद; व्यर्थ के व्यलग २ भाग. the distinctions of meaning. सम० प० १६६;

गम-य. पुं॰ (गमक- गमयतीति) आक्षावी;
सरेफा पार्टनी वाड्य समूढ, एकार्थ वाचक
वाक्यों का समूह, सूत्र पाठः Text in a
uniform style of composition.
राय॰ २३६; नाया॰ १३; भग॰ १२, ४;
१३, १; २४, १२, १७; ३२, १; नाया॰ घ॰
३; (२) वर्णुन; अधिश्वार वर्णन, श्राधिकार.
description. निर्सा॰ १, ४१; ६, १२;
पत्त॰ ४, नाया॰ घ॰ ६; (४) गमनशील.
गमन शील having the nature of
going. भग॰ २४, ३, ४, २६, १;
गमग पुं॰ (गमक) कुओ। " गमग्र "

" गमश्र " भग० २४, १, गमगत्त. न० (गमकत्व.) જણાવવાપણું.

शण्द देखो "गमग्र" शब्द Vide

स्चना करने का भाव; जाहिर करने का भाव. State of being a proper subject for information. विशे॰ ३१४; गमणः न॰ (गमन) थासवुं; ४४वुं; गति ५२९ी. गमन; जाना; गति करना. Motion; going; movement, भग॰ २, १; ४, ४; ६, ३३; १२, १; १३; ४; २५, ७, श्रोव॰ २१; उत्त॰ २६, ६; श्राया॰ १,७, ५, २१४; सम० प० १६८; नाया० १; १४; १६; १७; पि० नि० ८३; १६०; २०६; सु० च० ३, २३३; विशे० २४६२; वेय० १, ३६; ४५; राय० ४४; पंचा० १, १६; ४३; भत्तः ८०; प्रवः १४६६; कप्पः ३, ४३; उवा॰ २, ८६; —श्रागमण्. न॰ (-म्रा-गमन) જવું આવવું. जाना श्राना. pass ing and repassing; coming and going. प्रव० १३४; श्राव० ४, ३; भग० २, ५; नाया० १६; निसी० ११, २०; दस० प्र. १, ८६; —गुण. पुं० (-गुण-गमनं गातिः तद्गुरा.) ગતિરूપ ગુળુ ધર્મારિત–કાયતુ **क्ष्याः गतिरूप गुणः; धमास्तिकाय का लज्ञणः** the characteristic mark of Dharmāstikāyā, viz. motion. भग॰ २, १०; -मगां त्रि० (-मनस्) જવानी ध-छापाणुं. जाने की इच्छा वाला desirous of going. सु॰ च॰ २, १८२;

गमण्या. स्रो॰ (गमन) शति; शभन. गति; गमन. State of being in motion; state of being going. ''गमणं लोगंत गमण्याए'' ठा॰ ४; नाया॰ १;

गमिणिज्ञ. त्रि॰ (गमनीय) गभतुं; ३२तुं॰ श्रन्छा लगता हुश्रा, मन को रुचता हुश्राः Pleasant; charming श्रोन॰ ३२; जं॰ प॰ ३, ६७, (२) ઉલ્લંઘવા-પાર पाभवा थे। भ्य. उह्मंचने योग्य, पार पाने लायक worth transgressing. निसी॰ १६, १७; (३) क्लांजुवा ये। व्यः प्रधाशवा ये। व्यः जानने योग्यः प्रकाश करने लायक. worth knowing; capable of thowing light upon. भग० १, ३;

गमणी. स्री॰ (गमनी) એક જાતની (ઉડवानी) विद्या; विद्याधरानी विद्या. एक प्रकार की श्राकाश में गमन करने की विद्या; विद्याधरा की विद्या. A science of flight; (this is possessed by Vidyādharas). नाया॰ १६;

गिमश्र-यः न॰ (गिमक) केमां ओड सरभा ध्या पाढ देवि ते पारमु दक्षियाद नामे अंगसूत्र. जिसमें एक समान बहुत से पाठ हों वह बारहवा द्धित्राद नामक श्रमसूत्र. Name of the 12th Anga Sutra named Dristivada having many chapters of the same nature. नंदी॰ ४३; विशें॰ ५४६; क॰ ग॰ १, ६,

गम्म ति॰ (गम्य) भेगवी शहाय तेवुं,
पहींची शहाय तेवुं, प्राप्त हो सके ऐसा;
That which can be acquired;
that which can be reached.
पएह॰ २, २; पंचा॰ ४, १७; (२) गमन
हरवा थाण्य गमन करने योग्य. worth
going to. भत्त० ११३;

गय-श्र. ति० (गत) गथेश, अहश्य थयेश.

गया हुत्रा, श्रदश्य जो है वह. Gone;

passed out of sight भग० २, १,
३, १; ४, ४; ७, ६; ६. ३३; ११, १०;
१४, १; नाया० १; ६; ७; १३; १६;

नाया० घ० दस० ६, २, २४; उवा० १,
११; भत्त० ३=; क० प० ६, २४; कप्प०
२, २७, (२) प्राप्त थयेत. प्राप्त किया हुत्रा.

got; obtained. भग० ३, १; १=, ७,
पन्त० ३६; नाया० १; ३; ६; १६; श्रयुजो०

१६; राय० २३; विवा० ३; उत्त० १, २३; (३) गितः थाय. गित, चाल. gait; motion. श्रोव० जं० प० ४, ११४; ७, १९३; ३, ४६; (४) २६ेथ रहा हुश्रा. 10-maining; stayed. श्रोव०१०;विरो०३६; —तएह. ति० (-तृष्ण) तृष्णा विनानं. तृष्णाराहत. free from greed प्रव०४०३; —तेय ति०(-तेजस्) तेळचीन; तेळचिनानं. तेजर्राहत. lack-lustre; having no lustre; dull. भग० १४, १: —दसण. ति० (दशन) ळेना इंत पडी गणा है।य ते; इंत वगरने। जिसके दात गिर पडे हों वह; दांतरहित. (one) without teeth. गच्छा० ६२;

गय. पुं॰ (गज) હाथी. हाथी. An elephant श्रगाजी २१; १३१; ठ० ४, ३: दसा॰ १०, १; दस० ४, १, १२; ६, २, ४; सु॰ च॰ २, ६४१, काप॰ १, ४, पंचा॰ १२, २४: पिं० नि० ७६: ८२: राय० ५०, जीवा० ३, ३; पञ्च० १; नाया० १; ४; =, १६, भग० ૧૬, ૬; હ, દ; દ, રૂ૩; (૨) સુર્રેછા. गुच्छा. a cluster. पत्त १, (३) अत ગડસૂત્રના ત્રીજા વર્ગના અદેમા અધ્યયનન नाम श्रंनगडसूत्र के तीयरे वर्ग के श्राटवें अभ्याय का नाम. name of the Sth chapter of the third section of Antagada Sūtra. (૪) વસુદેવ રાજાની દેવષ્ટી રાણીના સાથી ન્હાના પુત્ર–કૃષ્ણ મહા-રાજના ન્દાના ભાઇ કે જે તેમનાથ પ્રભુપાસે દીક્ષા લઇ તુરતજ બિખ્ખુની ળારમી પહેમા આદરી સમરાત ભૂમિમા કાઉસગ્ય કરી ઉભા રહ્યા ત્યા સામલ વ્યામ્ડણે અગ્તિના પરિષદ આપ્રા તે સમભાવે સદન કરતાં તરતજ કુવળતાન પાસી માહમાં ગયા 🗀 કેવ રાજ્ઞ वी देशकी रानी के सब से छीटे पुत्र कृष्ण

महाराज के लघु श्राता कि जो नेमनाथ प्रभु से दीचा लेकर तुरन्तही भिष्ख की बारहवीं पिंडमा का श्रंगिकार कर श्मशान भूमि में काउ-सग्ग कर, खड़े रहे. वहां सोमल ब्राह्मणने श्रमि का परिषद्व दिया उसे समभाव से सहन करते हुए तुरन्तही केवल ज्ञान की प्राप्त कर मोच्गति को पहुंच गये. the youngest son of Devaki, the queen of king Vāsudeva and the younger brother of Lord Krisna. He took Diksā from Lord Nemanatha and immediately becoming a monk practised the 12th vow of a monk in a standing posture with meditation on the soul in a cemetery. A Brahmana. named Somala -burnt his body but he bore the pain calmly. Immediately he got perfect knowledge and salvation. श्रंत॰ ३, =; परहर १, ४; नायार (૪) સાતમાં દેવલાકના ઇંદ્રનું ચિન્હ-निशानी. सातवें देवलोक के इन्द्र का चिन्ह-निशान the badge of the Indra of the 7th Devaloka. श्रोव॰ २६; (પ્) દિશાકુમાર જાતના દેવતાનું ચિન્હ; તેના મુગટમાં હાથીને આકારે નિશાની હાય छे दिशाक्रमार जाति के देवता का चिह्नः उस के मुकुट में द्वार्था के श्राकार का निशान होता है. the badge, emblem of the gods of the Diśākumāra kind द्वितीय तीर्थकर का चिन्ह. the symbol second Tirthankara. भव०३६९, — ऋग्राय न० (- श्रनीक)

હाथीनुं सैन्य. हाथियों का सैन्य. an army of elephants. नाया॰ १; उत्त॰ १८, २; -- कल्म. पुं॰ (-कल्म) हाथीनुं भर्थं: नाने। **क्षायी. हाथी का वचा**; छोटा हाथी. a young elephant. नाया॰ १; -गय. त्रि॰ (-गत) ढाथी ७५२ भेडेंड. हाथी के ऊपर बैठा हुन्ना. mounted on an elephant भग० १४, १; श्रोव॰ --च∓म, न॰ (-चर्मन्) दाथीतुं यभी-थाभई, हाधी का चर्म-चमडा. skin of an elephant. नाया > =; -चलण् न॰ (-चरण) दाथीना पग. हाथी का पैर the foot or leg of an elephant. सम॰ ११; - जोहि त्रि॰ (-योधिन्) **હा**थी साथे सुद्ध કरनार, हाथी के साथ युद्ध करने वाला. (one) who wrestles with an elephant राय॰ २९२; नाया॰ १; —तालुयसमाग्राः त्रि॰ (-तालुक समान) ढाथीना तासवा सभानः हायी के ताल के समान. similar to, resembling the temple of an elephant. नाया॰ १६; —दंत. पुं॰ (-दन्त) હाथी tid. हाथी दांत tusks of an ele. phant स्०प० १०; जं०प० ७, ११६; —पंति स्त्री॰ (-पंक्ति) ढाथीओती पंडित - ७१२ हाथियों की पंक्ति. a series, line of elephants. भग॰ १६, ६, —भत्त न॰ (-भक्त) दाथीनुं भाष्टु, भलीहे।. हाथी की खुराक; मलीदा food cooked for elephants. निसी॰ ६, ६, —लक्खण न॰ (-लन्रण) હाथीना શુભાશુમ લક્ષણા જોવાની કલા. हાથો के शुभाशुभ लच्चण जानने की कला art of examining the good or bad qualities of an elephant. नाया॰ १; --लोम न॰ (-लोमन्) ७।थीन

इवाडां. हाथी के बाल. the hair of an elephant. भग० =, ६; -वर. पु॰ (-वर) श्रेष्ठ हाथी. श्रेष्ठ हाथी. an excellent elephant a noble elephant, नाया॰ ६; १६; - विक्रम. पुं॰ (-विक्रम) હाथीनी यास हाथी की चाल the gait of an elephant. प० १०: जि० प० ७, १४६; -विलंबिय. पं॰ (-विलम्बित) हाथीनी વિશેષ ગતિવાળું નાટક; નાટકના એક પ્રકાર. हाथी की विशेष गति वाला नाटक: नाटक का एक प्रकार. (a drama) having a particular gait of an elephant. राय॰ ६३; —संठिय त्रि॰ (-सांस्थत) क्षार्थीने आक्षारे रहेश. हाथी के आकार का. of the shape of an elephant, a kind of drama. भग॰ ६, २; --ससणः न० (-धसन) हाथीनु शुः. हाथी की सुड. the trunk of an elephant. श्रीवः १०: — साला स्री॰ (-शाला) दार्थी भाने हाथा शाला the place where elephants are kept. निसी० ८, १७,

गयंद. पुं॰ (गजेन्द्र) हाथीमां छन्द्रसमानः न्येशयत हाथी. हाथीग्रों में इन्द्र, ऐरावन हाथी An Indra among elephants, the Airāvata elephant. सत्था॰ १६, —माच पुं॰ (-माच) गळेन्द्रने। साव-स्वरूप State of being an Indra among elephants नाया॰ १:

गयकराए. पु॰ (गजकर्रा) अक्ट हुए नामना छट्टा अन्तर द्वीपमां रहेनार मनुष्प. गजकर्रा नामक छट्टे खंतर द्वीप में रहने वाला मनुष्य. Name of a person living in the sixth Antara Dvipa. जीवा॰ ३, ३; पत्र १. (२) ७५न अंतर दीपमांनुं ओ इ. ज्ञुणन ग्रंतर द्वीप में का एक. one of the fiftysir Antara Dvīpas. जीवा॰ ३, ३; पत्र ॰ १; ठा॰ ४, २; —दीवः पुं॰ (-द्वीप) ल्या समुद्रमां यारसी। ये। ०४ १५ १५ व्यक्ति समुद्रमां यारसी। ये। ०४ १६६ १५ व्यक्ति समुद्रमां योजन पर चूलाहिमवन्त के उपर श्राया हुआ गजकर्णा नामक अन्तरद्वीप. name of an Antara Dvīpa (an island) on the Chūlahimavanta in the Lavana Samudra at a distance of 400 Yojanas ठा॰ ४, २,

गयकन्न. पुं॰(गजकर्ण) એ नाभने। એક અनाव हिश इस नामक एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country. प्रव॰ १४६९, (२) गळ कर्ण नामने। એક अंतर द्वीप गजकर्ण नामक एक अन्तर द्वीप. name of an Antara Dvīpa प्रव॰ १४३७;

गयगा न० (गगन) आधारा श्राकाश. The sky. उत्त०२६,१६;भग०६,३३, सु०च०१, २२, जं० प० — हियः त्रि० (-स्थित) गगनभा २६३ गगनमे रहा हुआः remaining in the sky. प्रव० ४४२,

गयपुर. न॰ (गजपुर) इरुदेशभांनुं शिक्ष प्रसिद्ध नगर; हिन्तनापुर. कुरु देशमें का एक प्रसिद्ध (हास्तनापुर) नगर. A famous city in Kurudeśa; viz Hastināpura. पन्न॰ १;

गयमुह पुं॰ (गजमुक) गक्रभुभ नाभे अनार्थ देश गजमुख नामक खनार्थ देश Name of an unclvilised country, प्रव॰ १५६६;

गयवीहि स्नी॰ (गजवीधि) रे। હિણી આદિ ત્રહ્યુ નક્ષત્રમાં શુક ગતિ કરે તે ગજવીથિ

रोदिणी आदि तीन नत्तत्रों में शुक्र की गति है। यह गजवीथि The movement of Vonus in the three constellations viz Rohinī etc 310 8, 9; गयसुकुमाल पुं॰ (गजसुकुमाल) है। धी એક शालु हारते। पुत्र के केले विराण लावे દીક્ષા લીધી તે એકદા પ્રતિમાધારી થઇ કાઉ-સગ્ગા કરી ઉભા હતા-એક જણે માર્ગ પૂછ્યા જવાય ન મલતાં તેણે કાપાયમાન થઇ જમીન ઉપર પછાડી દરેક અંગે ખીલા મારી જમીન સાથે જડી દીધા તા પશ તે મુનિએ સમભાવ રાખી મરહા આરાષ્યું. कोई एक साहुकार का पुत्र कि जिसने वैराग्य भावसे दीचा ली श्रीर जर श्रीतमाधारी यन, काउसरम कर खड़े थे-एक व्यक्ति ने राहता पूछा-उत्तर न मिलने पर उसने कोपायमान हो, पृथ्वी पर पटक प्रत्येक श्रंग में खीले ठीक कर जमीन के साथ उसे मिला दिया, तदि उस मानिने सम भाव रख कर मृत्युको आराधना की. Name of merchant's son who had entered the religious order being disgusted with the world He once stood contemplating upon the soul and practising a vow when some passer by asked him about the road Not receiving a reply he knocked the ascetic down and fixed him to the ground with nails hammered over his whole body. The ascetic endured all this quietly and died संत्था॰ ६६; (२) ५० श् महाराजने। नह ने। ભાઈ કે જે નાની ઉમ્મરમાં નેમનાથપ્રમુ પાસે દીક્ષા લઈ તેજ રાત્રે સામલ વ્યામ્હણ

तरध्यी अपालेश अभिने। परिषद सभकावे सदन धरी तत्धात भेदा लागा. कृष्ण महागाज के लघु बन्धु कि जो छोटा टम्रमे नेमनाय प्रभुने दोला लेकर सोमल बाह्मणने दिये हुए अभि के परिषद को समभाव से सहन कर तत्काल मोल्को प्राप्त हुए. the younger brother of Lord Krisna. He took Dikṣā from Lord Nemanātha in young age and after quietly enduring the pain of fire at the hands of Somala Brāhmaņa became Siddha immediately on the same night अंत॰ ३. ५:

गया. स्त्री॰ (गदा) द्वीभीहशी नामे अहा; चिष्णुंनुं श्रीष्ठ आधुध्व. कामोदकी नामक गदा; विष्णु का एक आयुध्व. A mace of Vispu. named Kaumodaki. जीवा॰ ३, २; उत्त॰ ११, २१; १६, ६२; सम॰ प॰ २३७; श्रोव॰

गर. पुं॰ (गर-गरत्याहारं स्तम्भयति कार्मणं वा) अर: विध. विध. Poison. श्रोघ॰ नि॰ ४८७: पएह॰ १, १;

√गरह. धा॰ I. (गर्ह्) निन्हा ३२वी: निन्ह्युं. निन्दा करना. To censure. गरहह. स्य॰ २, २, १७; २०; भग० १, ३;

गरहए. पि॰ नि॰ ४१६;

गरहामो. सूप० २, ६, १२;

गरहाति. श्रंत॰ ६, ३;

गाहेजा. वि॰ वेय॰ ४, २५;

गरहह. श्रा० भग० १, ६; ४, ४; १२, १;

गरहंत. स्य॰ १, १, २, ३२;

गरहण्या. स्री॰ (गईणा) गु३नी साक्षिओ पेताना अनियार-देविनी निन्हा ४२वी-पश्चात्ताप ४२वे। ते गुरु के सन्मुख श्रपने श्रीतवार-दोषों की निन्दा करना-पश्चाताप करना. Censure of one's own fault in the presence of a preceptor, repentance for one's own faults भग०१७,३, उत्त०२६,२: गरहणा. स्रो० (गईणा) निन्धा निन्दा. Censure राय० २६४. स्रोव० ४०:

गरहिण्डित. पुं॰ (गर्हणाय) निन्हनीय; निन्ह्या क्षायक निन्हनीय, निन्ह्यात्र Censurable; blameworthy. भग॰ ६, ३३; पएह॰ १, २;

गरहा स्त्री॰ (गर्हा) निन्हा. निन्दा. Censure. सग॰ १, ६, उत्त॰ १, ४२;

गरिहम्र त्रि॰ (गर्द्ध) निन्हाने पात्रः निन्दनीय Gensurable. श्राया॰ २, १, २, ११,

गरिह ज्ञमाण ति॰ (गर्छ तान) क्षेष्ठिस भक्ष निन्हाने थे। २५. लोगों के समज्ञ निन्दा पात्र. Deserving public censure नाया॰ १६,

गरिहत. त्रि॰ (गिंहत) निहिंदुं. निहिंदत. Censured. पंचा॰ ६, ७:

गरिंद्य- आ. ति ० (गर्हित) नि देंबुं; गर्ढा धरेक्ष निन्दित. Censured. दस॰ ६,१३; पिं० नि० ५३२; स्य० १,१३,३६; पंचा० २,४३:

गराई. न० (गरादि) हरे ह भासना शु अ पक्ष भा सान भ अने बैं।हसने हिवसे तथा त्रील अने हसभनी राते तेमल कृष्णु पक्ष भा छ अने तेन्सने हिवसे तथा णील अने ने।मनी राते आवतुं सात बरकरण्-भातु पायमु हर्णु, १९ हर्णुभांनुं पायमु हर्णु प्रत्येक मास के शुक्ल पत्त में सप्तमी व चतुर्दशी के दिन व तृतिया व दममां की रात्रि को इसी तरह कृष्ण पत्त में पष्टी व त्रयोदशी के दिन व दितिया व नवमी के रात्रि को त्रानेवाला सात चरकरण मं का पांचवा करण; ११ करणमे से पांचवां करण. The 5th of the seven movable Karanas (divisions of a day) occurring on the 7th and the 14th day, as also on the 3rd and the 10th night of the bright half of every month, also the one occurring on the 6th and 13th day as also on the 2nd and the 7th night of the dark half of every month The 5th of the 11 Karanas के उठ ५ १४३:

गरिट्ठ वि॰ (गरिष्ठ) सौथी भे। टुं सब से बडा. Eldest मु॰ च॰ १, १२६,

√गरिह. धा॰ I. (गह्रे) तिन्दवु. निन्दा करना. To censure

गिरहंति. दम० ५, २, ४०. नाथा० ८ नाया० घ०

गरिहामि. भग० = . ६; दग०४ गरिहित्ता स० कृ० ठा० ३, १ भग० ४, ६; श्राया० २. १४, १७=,

गरिहित्तपु है। कृ ठा० २, १.

गरिहणा स्त्री॰ (गई रा) निन्छ निन्दा. Censure. भत्त० ४०;

गरिहाणिज्ञ त्रि॰ (गईग्रीय) गुरु सन्भुभ निन्द्रवा थे। गुरु के सन्मुख निन्दा करन यांग्य. Censurable in the verv presence of a preceptor नाया॰ ३.

गरिहा स्ना॰ (गर्हा) गुर्नी-साक्षीओ निन्हा अर्थात पेति करेवा पत्पनी गुरुनी साक्षीओ निन्हा क्यांत प्रति ते गुरु के सन्मुख निन्दा; अर्थात स्वतः ने किये हुए पापकर्मी की गुरु के सन्मुख निन्दा करना. Censure of one's own faults in the presence of a preceptor निशे०३४७६.

Vol 11/77

ठा० २, १; दस० ४; प्रव० १४७७;

गरम्म-य. त्रि॰ (गुरुक) लारे; वलनहार. भारी, वजनदार; वजनीं. Heavy. दसा॰ ६, ५: श्राया॰ १, ४, ६, १७०; भग॰ २, १; ५, ६: —दंड. पुं॰ (-इयद) लारे ६९७. भारी दंड. a heavy stick. दसा॰ ६, ४;

गरुई. स्नी॰ (गुर्वी) भेाटी; लारे. बडी; भारी. Big; heavy. भग॰ १, ३३; पंचा॰ ६, २६;

गरुड. पुं॰ (गरुड) शांतिनाथछना पक्षनुं नाम.
शान्तिनाथजी के यद्म का नाम. Name of
a Yakşa of Śāntinātha. प्रव॰३०६;
गरुडास्त्रा. न॰ (गरुडासन) गरुऽना आधार
लेखु आसन. गरुडाकार श्रासन. A bodily
posture resembling an eagle
in shape. भग॰ ११, १९;

गरुषत. न॰ (गुरुक्तःव) भारेपछुं भारीपन गुरुत्व. Heaviness; weightiness. मु॰ च॰ २, ६४२;

गरुडोचचाश्च पुं॰ (गरुढोपपात) ७२ सत्रभांनुं એક ७२ सूत्रोंमें से एक. One of the 72 Sūtras. वव॰ १; २८; नंदी॰ ४३; गरुल. पुं॰ (गरुड) शर्ड पक्षी. गरुड पत्ती An eagle. जीवा॰३, ३; श्रोव • १०;स्य • १, ६, २१; नाया॰ =; (२) वाख्व्यन्तर हेवतानी अभे अत्रतः वाणव्यन्तर देवता को एक जाति. a species of Vānavyantara deities. सम॰ =; ३४; नाया० =; भग० २, ५; (३) सुतर्शें धुभार દેવતાનું ચિન્હ; તેના મુગટમાં રહેલ ગરૂડાકાર निशानी. सुवर्णकुमार देवता का विन्ह; उसके सुकृट में का गरुडाकार निशान. the emblem, badge viz an eagle in the crown of Suvarnakumāra god. योव०२३; पगह०१, ४; — आसिए। न० (-बासन) अ्ओ " गरुदासण " शण्ट. देखां " गरुदासन " शब्द. vide "गरुदासन " शब्द. vide "गरुदासण " जांवा॰ ३; राय॰ १३६; —केउ. पुं॰ (-केन्नु) भइउना थिन्छवाली जेनी ध्वल छे ते; वासुदेव. गरुद के चिन्ह युक्त जिसकी ध्वला है वह; वामुदेव. Vāsudeva whose banner bears the badge of an eagle. सम॰ २३६; —वृद्ध पुं॰ (-ब्यूद) भइउने आधारे ब्यूड पुं॰ (न्यूद) भइउने आधारे ब्यूड साकार में ब्यूड (त्रारकर) की रचना करने की कता. a battle order in the shape of an eagle श्रोव ४०; निर॰ १, १; नाया॰ १;

√ गल. था॰ 1. (गज्) ० भवुं; भावुं; जिमना: भोजन करना To eat; to take meals. (२) गक्षतुं; छाधुतुं. छानना. to filter.

गर्बात. सूय० १, ४, १, २३; गर्बत. व० कृ० पि० नि० ४८०; ४८३; ६४५; नाया०८;

गालेड् प्रे॰ निसी॰ ६, ८;
गालाडेड्. प्रे॰ नाया॰१२;
गालांति. प्रे॰ पि॰ नि॰ ३६८;
गालांति. प्रे॰ पि॰ नि॰ ३६८;
गालांवेता. सं॰ छ॰ नाया॰ १२;
गालिय. प्रे॰ स छ॰ क॰ प॰ २. ६६;
गलावेसाया प्रे॰ व॰ छ॰ नाया॰ १२;
गला पुं॰ (गला) गुं; ५९६; गरहन कर्ग्छ;

ाल पु॰ (गल) गणुः इन्द्रः, लरहन करल गलाः गर्दन. Throat; neck. श्रांव॰ ३०ः ३१; श्राया॰ १, १, २, २६: स्य॰ १, ४, १, १०; जं॰ प॰ पिं॰ नि॰ ३१४: ६२३ः (२) भाछसानुं गक्षं विधनार व्यसनी अन्दर-ने। डांटी. मच्छी के गले मे छेद करने वाला जाल के श्रन्दर का कोटा. a hook in a net which pierces the throat of a fish. उस॰ १६, ६४; नाया॰ १७; — गाह. ति॰ (-प्रह) गर्तु ५६६। हाटी भूरतार; गर्दन पकडकर निकाल देने वाला. (one) who takes out seizing by the neck. कप्प॰ ३, ३६; — च्छुल्ल. पुं॰ (*) गर्तु ५६६। पाछु ६६। वृं. गर्दन पकड कर पीछे हटाना. giving a push seizing by the neck. परह॰ १, ३;

गलकंवल पु॰ (गलकम्बल) अणाने। धामकी; गाथाने गर्ले पंभा करें बटडतुं छीय छे ते गले का कम्बल; गायों के गले में पंखा सा लटकता है वह. Lit a throat blanket; a dewlap. सु॰च॰१३, ९०; गलग. पु॰ (गलक) अणु; ४९६ कराठ; गला

Throat, neck. परहर १, १, गलय. पुं॰ (गलक) लुओ। " गलग " देखा "गलग" शब्द. Vide. "गलग"नाया०१८, गलि त्रि॰ (गिल) गणीयाः नियत भाटा. त्रालसी; श्रीडयल; कुटित. A. lazy, vicious (ox. horse etc.) उत्त. १, १२, ३७, सु॰ च॰ १२, ५६; — गहह, पु॰ (- મર્વમ) ગળીયા ગધેડા; નિયત ખાટા गधेडे। अडियल गधा a lazy, vicious donkey. (२) अविनीत शिष्य. श्राविनीत शिष्य. a bad disciple. उत्त॰ १६;२७, गाति चा त्रि॰ (गलसत्क) गक्षा सम्भन्धः गणातुं गल-कंठके सम्बन्ध में. Pertain. ing to the throat पि॰ नि॰ ४२४: गलिय. त्रि॰ (गलित) भणी सर्वेस; पिग्सी ગયેલ गलितः निगला हुत्रा solved; worn out नाया॰ ६; कृष्प॰ ४, ६२, (२) यरसत्. वरसता हुआ raining, showering; falling as

rain कप ३, ३३; लंबण वित्र (-लम्बन) गणी गरेश छ आक्षम्पन (आधार) केनुं अवुं; निराधार जिम का आलम्बन (आधार) गलित हो गया है ऐसा, निराधार (that) of which the support has been worn out; supportless. नाया ६;

गलोई. स्री॰ (गहुची) शुक्षवेक्ष नामनी वन-स्पति. गुडवेल नामक वनस्पति. A kind of vegetation. प्रव॰ २३६;

गवक्स पु॰ (गवाक्) शाभः अ३भी। खिडकी. A window विशे०६२ः जं०प० १,४ः सु० च॰ ३,२२८ः जीवा० ३,३ः ४,पंचा०१३,११,

गविचित्रय त्रि॰ (﴿) आय्धाहित, दांके हाम्रा Covered ' कि एह सुत्त सिक गविच्ह्रया '' जीवा॰ ३, ४, राय॰ १२०,

गवत्त. न॰ (गवात्त) गायंती भीराक्ष, धास. घांस; गौश्रों का खुराक. Grass पिं॰ नि॰ २२६;

गवय. पुं॰ (गवय) रीलः गायकेवेः शेक्ष चे। पेशे पशु. रीकः, गाय जैसा पश A species of ox. पगह॰ १, १; जं॰ प॰ अगुजी॰ १४७: पश्च० १;

गवल. न० (गवल) लेस हे पाडानुं सिंगडु.

मेंस या पांडे का सिंग. A horn of a buffalo. उत्त० ३४, ४; श्रोव० २२; पत्त० २; १७; जं० प० ३, ४४; राय० ५०; सु० च० २, १३६; जीवा० ३, ४; श्रंत० ३. ६; नाया० ६; उवा० २, ६४; —गुलिया. श्ला० (-गुनिका) लेस हे पाडाना सिंगडानी हर्सण गांडे के सिंग की

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (*). देखा पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide font-note (*) p. 15th

कार्डन गांठ. a hard knot of a buffalo's horn. नाया० १; ५; ६; (२) नीस शुक्षिश विशेष. नील. indigo. नाया० ५: राय०

गवा. स्री० (गा) गाय. गाँ; गाय. A cow. उत्त० ६, ४; ६. ४०; दसा० ६, १२; दस० ७, २५; स्प० १, २, ३, ४; उवा० १०, २७७; (२) भूग व्यादि पशु. क deer and such other animals. स्य०१, २, ३, ४; — श्रालीय न० (-श्रालीक) गाय आश्री लाडुं भांअवुं ते. गाँ के वित्रय में श्रात्रय बोलना. telling a lie about a cow. पएइ० १, २;

गवाणी. स्री॰ (गनादनी) गायानी भाषानी तथा रहेवानी अभाषा; गमाण, गांझों को न्वाने की व रहने की जगह. A cow-pen. श्राया २, १०, १६६;

गविद्व त्रि॰ (गर्विष्ठ) अक्षिभानी श्रीभमानी. Proad: vain. भत्तः १४४:

गवेलग. पुं० (गो+एलक) गाउर; मेंद्रे। भेड. A sheep; a lamb. ठा० ७, १; भग० १, १; २, ५; ७, ६; राय० २८६; आणुजो० १२८; श्रोव० पएइ० १, ४;

गवेलय. पुं॰ (गो+एलक) ण३री; भेंढी. बकरा. A he-goat पगइ॰ १, २; दसा॰ ६, ४; जै॰ प॰

√ गवेस. धा॰ II. (गवेष्) शाधतुं; गवे-पथ्या करनी हूंडना, गवेषणा करना. To search. गवेसइ. निसी॰ १०, ४२; गवेसेजा. वि० पराह० २, २; गवेसप्. दस० ४, १, १; वव॰ ८, २; गवेसमाया. व० कृ० पि॰ नि० २०७; नाया० २: ४:

गवेसत्र पुं॰ (गवेषक) अन्वेष्णा-शिष्ठ ५२२ नार. भन्वेषणा-खोज करने वाला. One who searches after. उत्त॰ १, ४०; २६, ९: भ्रोव॰

ग्राचे सण्. न० (गवेषण्-गवेष्यते इतेन) व्यति-રેક ધર્મ નું આલેહ્યત, જેમ પાણીતી શોધ કરવી હાય ત્યારે પાણીના અસહચારી ધર્માનું અલોચન કરવું કે ઝાડી નથી સુધી દવા છે નદી કે તલાવ નધી માટે આંહી पाशी न हेावुं कोध्ये व्यतिरेक धर्म का थालाचन, जिम प्रकार जल का पता लगाना हो. तब जल के असहचारी धर्मी की भाली-चता करना कि कार्डा नहीं है, सुसी हवा है, नदा या तालाव नहीं है इस लिये यहांपर जल न होना चाहिये. Search: observing qualities or things which cannot co-exist with the object of search, e. g. deciding the absence of water from absence of trees etc. श्रोव॰ ३५; भग० ६; ३१; जं० प० ३, ७०; (२) शिध; तपास. खोत; जाच. inquiry; search. नाया॰ १; भग॰ १४. १;

गर्नेसण्ता. स्नी॰ (गर्नेषणता) भेशणवाप खुं गर्नेषणता. State of being in search after. भग॰ १२, ६;

गवेसण्याः स्नी॰ (गवेषण) शेष्धः तपासः तलाशः स्नोज, जांच. Wandering in search; searching after. भोव॰ २०: नंदी॰ ३१:

गवस्ताः सी॰ (गवष्या) लुओः "गवसण"

शण्६ देखो " गवेसमा " शब्द. Vide " गवेसमा " विशे० ३६४, जं०प० पिं० नि० ७३; श्रोघ० नि० ६३; उत्त० २४, ११. नाया० १; २, पंचा० १३, २५:

गवेसियग. त्रि॰ (गवेषितक) शेष्पी-तपासी आणेुशुं खोज किया हुआ. Searched out; searched after निसी॰ २, २७, ३१;

गठ्व. पुं॰ (गर्व) गर्व -भान, अહं क्षर. श्रहं-कार; गर्व. Pride; conceit; a kind of moral impurity सम॰ ४२; भग॰ १२, ४;

गवित्रय त्रि॰ (गर्वित) अक्षिभानी। गर्विष्ठः प्रशिमान युक्तः Proud; conceited. नाया॰ १७; कष्प॰ ३, ४२; जं॰ प॰ ७ १६६;

√ गस. घा॰ [. (प्रस्) भाय; गणा क्यु है। छना प्राण् देवाभां च्या धातना प्रयोग थाय छे गलित होना किसा के प्राण लेना इस मतलब के कियापद में इस धातु का उपयोग किया जाता है To eat, to swallow, (used often in the sense of taking another's life). गसइ. सु॰ च० १, ३५५;

गसिजाए. क० वा० सु० च० २, ५४३,

गिसियः त्रि॰ (द्रसित) गसार्थ गञ्जेञ्ज . प्रमितः निगला हुआ Swallowed. नाया॰ ४:

गह. न॰ (गृह) धर; निवास स्थान घर, निवास स्थान A house. कप्प॰ ४, ६६; गह. पुं॰ (मह) ८८ श्रक्ष-लियोतियी देवतानी श्रीक्ष लित. == प्रह ज्योतियी देवता की नृतीय जाति 88 constellations; the 3rd kind of deities known as Jyotisī deities. श्रोव॰ २६;३१, उत्त॰ २६, १७, ३६, २०४, नाया॰ १: ४; भग॰

६, ५; १८, ७; पञ्च० ६०; स्० प० १०; नदी॰ १०; दसा॰ ६, १; जीवा॰ १; सु॰च॰ न, ५८; विशे १८७८, प्रव ११४७: (२) गायनना आरं लेने। आक्षाप गाने के आरंभ का आलाप. the commencing note of singing. ज॰ प॰ ७, १६४. , १७० जीवा० ३; ४; (३) क्षेत्रः पक्ष्युः. लेना. पकडना taking; catching. क॰ गं॰ १, ३१, प्रव॰ ६१३; — प्रवसन्त्र. न॰ (- अवसम्य) अडेानी वांडी गति. प्रहों की वकगति oblique, crooked motion of planets. भग०३, ७; ११, १; -गज्जिय न॰ (-गर्जित) श्रें ચલાયમાન થવાથી ગજેના થાય ते. प्रह चलायमान होने से जो गर्जना होती है वह. thundering of clouds due to the motions of planets. भग०३ ७. —गण. पुं॰ (नगण) अह सभूह. प्रह समृह. a group of constellations ज०पः ७, १४०; भग० ३, ७, कप्प० ३, ३६: - जुद्धः न॰ (-युद्धः) भे अहे।त अे નક્ષત્રમા દક્ષિણ ઉત્તરે સમશ્રેણિમાં રહેવુ दो प्रहों का एक नक्षत्र में दक्षिण उत्तर में समश्रीण में रहना co-existence of 2 planets in one constellation. भग॰ ३, ७, —दंड. पुं० (-इराड दगडा-इच दण्डास्तियेगायताः श्रेणयः प्रहाणां मंग-बादीनां दएडः) अहै। नी हंउनी पेंडे त्रीछी श्रेशी. प्रहों की दढ के समान (टेडां) वक श्रेणी. planets ranged in oblique lines.भग०३,७;—भिन्न. न०(-भिन्न) के નક્ષત્રની વચ્ચે થઇ ગ્રહ પ્રસાર થાય તે નક્ષત્ર– કેજેમાં દીક્ષા આદિ કાર્ય કરવાથી હાનિ શાય भाटे वर्ष वा क्षेत्रके. जो नत्तत्र के मध्य में से होकर प्रह पसार हो वह नन्नत्र-कि जिसमें दीचा श्रादि कार्य करने से हानि हो इस लिये

त्याग करने को कहा हुआ है. a constellation crossed midway by a planet: under such a constellation Diksā is forbidd n. गणि. १६; -- मुसल. न॰ (-मुशल) भुशवने आधारे प्रदेशनी दियी श्रेग्री प्रहों की उच्च श्रेणी planets forming them selves into the shape of a pestle. भग०३, ७; —वह. पं॰ (-वेघ) सर्व यंद्राहि साथै अद्येग वेध सूर्य चन्द्रादि के साथ का प्रह का वेश. a particular division of time during which a planet is in conjunction with the sun, the moon etc प्रव १४३३: —सिंघाड्या. न॰(-श्रेगाटक प्रहारांगाटका इव शंगाटकफलाकारःवेन संस्थिता इत्यर्थः) शींगांजना ६લनी પेंडे अહेान रहेतुं ते. सिंघाडे के फल के समान प्रहों का रहना. a formation of planets of the shape a three-horned fruit, called Śrińghātaka. भग० ३, ७:

गहण न॰ (गहन) अडी वालुं करंगत. काडी वाला जंगल. A dense forest. स्य॰ १, ३, १, १, १, १, १८, १४; २, २, ६; नाया॰ १६, दस॰ ६, ११; भग॰ १, ६; (२) केने। भार भाभी न शडाय तेंगुं जिसकी धाह न मिल सके ऐसा. profound; inmeasurable. नंदी॰ ४; भत्त॰२; (३) निर्काल प्रदेश. विजेल प्रदेश. व waterless tract of country. श्राया॰ २, ३, १२७; (४) अन्यने छेतऱ्या भाटे धरेल वयन प्रभंय; भाया इप्रा चचन प्रपन्न; माया कपट. manipulation of words with the aim of deceiving others भग०१२,४;परह०१,२;सम०४२:

गहरा. न (प्रहरा) अद्धा ४२व ; स्वीधारवं: थे**ं. प्रह्**ण करना; स्वीकार करना; लेना. Taking; acceptance, भग २, १; ४; १०; १३, ४; नाया० ३; दस० ४, १. ६०: पन्न० ११: उत्त० २४. ११: पिं० नि० भा॰ १४; विं० नि॰ १४; मु॰ च॰१, ३१६; सम० १: भण्जा० १४७: क० प० १, ४: मत्त० ६०; पंचा० १, ३४; ४, ४; १०,४०; प्रव॰ ४७; (२) आडर्षेश डरतार; भेंचतार. भाकपंश करने वाला; खीचने वाला. (one) who attracts: an attraction थे। २५ माख; महरा करने योग्य. worthy of acceptance, acceptable. क॰प॰ १, २१: — श्रागरिसः ५० (- श्राकर्य-एकरिमन्नेव भवे ऐर्यायधिक इर्मेपुद्गलानां प्रहणरूपे य भाकर्पः सः) એर्था ५थि। નિમિત્તથી કર્માના પુદ્રલાનું અહણ કરેવું ते ऐयां पथिक निमित्तंत कर्में के पुद्गलां का प्रहण करना. attracting towards oneself and imbibing of Karmic atoms of Airyāpathika (faults connected with walking) भग• =, =; — खंध. पुं• (-स्कन्ध) छपने प्रहण करने योग्य पुहल स्कन्य. a group of molecules of matter worthy of acceptance for a soul क . प॰ १, २९; ---दब्च.न० (-द्रब्य) छ्वने शरीराहि रूपे प्रहल ५२वा ये। या ५०५ जीव को शरी-रादि रूप से प्रहण करने योग्य द्रव्य. matter worth accepting for a soul in the form of physical body. क॰प॰१,२१,—धारग्रजोग्ग. न॰ (-धा-रक्तयोग्य) ગ્રહણ કરવાને તથા ધારણ કરવાને थे। अह स करनेको या धारस करनेक योग्य.

worth accepting क॰ प॰ ४, ४६;
—िविदुगा. न॰ (-िविदुगे) पर्वतनी ओड
तर्द नुं वन पर्वत का एक तरफ का वन.
a forest on one side of a mountain. भग॰ २, ६, स्य॰ २, २, ६;
—समय. पु॰ (-समब) अद्ध्यु डरवानी सभय. प्रहस्स करने का समय. time of acceptance or taking. भग॰ १,
१: क॰ प॰ १, २६;

शहराय. न॰ (प्रहराक) आल्प्रशः धरेखः. आभूषण, गहना. An ornament. सु• च• ७, १०६;

गहण्या. सी॰ (प्रस्त) अ६७ ६२वुं; धारवुं. प्रहण करना. Putting on; acceptance. श्रोव॰ २७; भग• २, ५; ६, ३३;

गहराी. श्री० (प्रह्यी) अडानी राग; व्यति-सार राग; संग्रह्यी. श्रातसार राग; संग्रह्यी. Dysentery.श्रोष• नि• भा• ३२३; (२) शुद्दाश्य; शुद्धस्थान. गुदाशय; गुह्यस्थान. rectum श्रोव•१०; जीवा•३,३; पराह• १, ४; जं• प•

श्चनहर. पुं॰ (गृष्ठ) शीध पद्मी गीध पत्नी A vulture. पत्त • •:

गहवइ. पुं• (गृहपति) गृहपति; गृहस्थ.
गृहपति; गृहस्य A house-holder; a
merchant. भग• १६, १; — उगाह पुं• (भवमह) गृहपतिनी आजा. गृहपति
की आजा. the command of a
Grihapati. भग• १६, १;

गह्यद्रगी. बी॰ (गृहपत्री) धरधण्याण्यीः (गृदस्वामिनी) गृहस्वामिनी. The housewife. सु॰ च॰ ९०, ७:

गहिश्च-य. ति॰ (गृहीत) विधिवु: अद्ध्यु क्षरेतु. लिया हुन्ना; प्रहच किया हुन्ना. Taken accepted. न्नाव॰ २१, ३६:

विशे० ६१५. पि॰ नि० १८२: १८६: श्राया॰ १, ४, २, १३१; उत्त॰ ४, ३; ३२, पदः सग० १, १; २, १०; ७, ६; ६, ३३; ११, ११, ११, ४; १४, १; नाया० १; २; =, १६; १=, दस॰ x, १, ६; सु• च॰ २, २४१; भक्त॰ ७६; कृष्प० ४, ७२; पंचा० ७. २०; १४, १०; ३१; प्रव० ७६०: ८, १८. उवा॰७, १८१: — ब्राउह त्रि॰ (-मायुभ) ગ્રહણ કરેલ છે આયુધ જેણે એવા. प्रहरा किये है शायुध जिसने ऐसा. (one) who has taken up arms. armed. विवा• २,—श्रागमणपवित्तिय त्रि०(-श्रागमन प्रवृत्तिक) अहम् इरी छे भगवान पधारवा-नी वाते। केशे अवै। जिसने भगवान के पथारने की वार्ता प्रहण की हो ऐसा (one) who has heard or known the intelligence about the coming of the lord नाया १: - श्रायार-भंडठोनेबस्य त्रि॰ (श्राचारमंडकनेपथ्य) સ્વીકારેલ છે આચારબંડક ને પશ્ય-વેષ જેણે भेवे। जिसने आचार भंडक और पश्य-वेष का स्त्रीकार किया है ऐसा (one) who has assumed the garb of Achā rabhandaka दसा•६, २; -- ह त्रि॰ (-अर्थ-गृहीतो मोक्रूपोऽर्थो मार्गी बेन मः) જેણે માહ્મમાર્ગ સ્વીકાર્યો છે એવા વી-લું जिसने मोच्च मार्ग का स्वीकार किया हो ऐसा (one) who has accepted the path of salvation. स्या २, ७, ३; (૨) જેણે શાસ્ત્રના અર્થ જાણ્યા છે તે जिसने शास्त्र के ऋर्य को जान लिया है वह one who has understood the meaning of a scripture. भग•२,५; गहिर. त्रि॰ (गंभीर) गड़ेरु; अगाध, गहिरा. त्रगाध. Deep; unfathomable. सः न० ३. १४:

√गा. घा॰ I. (गे) शावुं, गाना To sing. गायंति जं० पा प्र. १२१: गाएज, वि॰ निर्मा० १७, ३२; गायंत. व० कृ० श्रोव० ३१; श्राया० २, ११, १००; सु० च० २, १४४; जं० प० ३, ६७; ६४३, निसी० १२, ३४; गायमाण व० फ़० भग० १५, १;

√गा. था I. (गे) शावृं गाना. To sing. गिजइ. य॰ वा॰ राय० २७६; गिजंत क॰ वा॰ मु॰ च॰ १, २७८; २,

339;

गाइर. ५० (। गायक -गायतीति) शानारः गरीयाः गानेत्राला, गरीया A singer. म्० च० २, ३२१;

गाउ. पुं॰ (गन्यूति) थे भाधतः, गा[©]. दो भाल, एक कोस. Two miles, विशेष 383:

गाउ. वुं॰ (गो) भाय; अक्षतः गी; बैल. An ox; a cow. श्राया० २, ४, १, २३; पञ्च० ११; श्रणुजो । १२६: - जुहियठाणाः न० (-यथिकस्थान) गायाना रोगाने रहेवानी **જગ્યા.** गौश्रों के भंड को रहने का स्थान. n cow-pen; a cow-fold. निसी. ५२, ३१;

गाउय. न॰ (गन्यूत) भे ७००२ धनुष्य परि-भित क्षेत्र-कभीत, गाउे. दो सहस्र धनुष्य परिमित देन नजमी।, कोस. Two miles; land measuring two thousand bows. ज॰ प॰ नंदी॰ १२; ठा॰ २, ३; त्राणुजी० १३४. भग० ६, ७; २४, १; १२; २२; २३; ३८, १, सु० च० १४, १८, विशे० ६०६; श्रोघ॰ नि० भा० ६३; पत्र० २; ३३; श्रोघ० नि० १२; प्रव० १११८: जं० प० ७, १४६, २, २४. -पुहत्त न० (-पृथक्त्व) भे गाउथी भांडी नव गाउँ सुधी दो कोस से लेकर नव कांस पर्यंत ranging from

4 miles to 18 miles, भग• ११.३: गागर. पुं॰ (गागर) એક જાતનું માહલું. एक तरह की मच्छी. A kind of fish. पन्न० १:

बागरी. स्त्री॰ (गर्गरी) पाधी भरवानी गागर. जल भरने की गागरी. A water-pot. श्रमुजां० १३२;

गाद. त्रि॰ (गाढ) भाट; ६६; भन्रशुत गाढ, मजबूत Firm; strong उत्त०१०,४,वि० नि० २०५: श्रोघ० नि० ३२४; नंदी० १२; (૧) ન અર્વાદિઝેરની તીત્ર વેદના; મરણાત ५५. सपीदि विष की तीव वेदनाः मरणात कट. excessive; e. g pain of serpe t-bite. वेय०४, ३=; नाया०१६; (३) अत्यंत; वर्धुः ऋत्यंत; बहुत. much; more; excessive. पंचा॰ ८, १०; —गिलाग् त्रि॰ (-ग्जान) गां हुः भीः अत्यंत थारेक्षं. बहुत दुःखी; श्रत्यंत. धका हुआ greatly afflicted; very, very tired. पंचा॰=, १०; —प्पहारी क्तयः त्रि॰ (-प्रहारीकृत) अत्यन्त प्रेक्षर severely हुआ. बहुत मारा punished or flogged भग॰ ७, ६. —रोगाइस्र त्रि॰ (-रोगार्तिक) अत्यन्त रे।गथी आर्त्त-हुभी थथेल. श्रत्यन्त रोग से त्रात-दुःखी greatly afflicted, very sickly, प्रव १६६;

 $\sqrt{\,}$ गाढणहारीकर. धा॰ $\,$ II. $\,$ (गांड-प्रहार+कृ) व्यत्यंत भार भारवे।, श्रत्यन्त मार मारना. To beat severely.

गाढप्यहारीकरेड्. भग० ७, ६;

गाढीकयः त्रि॰ (गाढीकृत-श्रगाढं ग ढं भव-Strengthened भग०६, १; १६,४, गार्गगारी ग्र. त्रि॰ (गार्गगणिक) ७ भासनी

भ हर એક गणु छोडी जीन गट्छमां हाणस थना? छ मास के श्रंदर एक गण छोडकर दूसरे गच्छ मे प्रवेश करने वाला (One) who changes his religious order and joins another within six months. उत्त १७, १७.

गात्त न॰ (गात्र) शरीरना अवयवे। शरीर के अवयव गात्र A limb of the body राय ३२, नाया॰ ५;

गाथा छी॰ (गाथा) आर्था वगेरे ७ ६ स्ते। अ क्लोक, श्रायी ब्रादि छद. A verse etc. सम॰ २३, भग॰ १६. ६;

गाम पुं॰(ब्राम-गम्यो गमनीयोऽष्टादशाना शास्त्रे प्रसिद्धानां कराखाम्) गाभ-केभां साधारण વસતિ રહેતી હોય અને વ્યાપારન સાધન ન है। य ते वह गाव कि जिसमें सावारण वस्ती रहती हो व न्यापार का साधन न हो. A village. ठा०२, ४; श्रगुजो०१२७, स्य० २, २, १३; दसां०६, १३, १४; दस०५, १, २, वेय० १, ६; पत्र० १६, उत्त० ३०, १४, च्योव० १७, २१, ३२; नाया० १; १४, १६, विशे०३६५: पि० नि० १६२; श्राया० १, ४, ६, १६४, प्रव० ५६२; ७६३, (२) सभू८. समृह. a group, a collection. भग॰ १, ६; राय० २६४, उत्त॰ ४, ५; ३१, १२; सम॰ ३०; विशे ॰ २८६६; श्रोव॰ (३) સંગોત શાસ્ત્ર પ્રસિદ્ધ મૂર્જનાના આશ્રય રૂપ प्रक्राहि त्रश् आम. संगीत शास्त्र प्रसिद्ध मूर्त्रना के आश्रय रूप वड्जादि तीन ग्राम & gamut; a scale of music with all the notes. श्रापुजी १२८, १३१, -- ग्रंतर नर् (- श्रन्तर) भे गाम वय्येनुं अतर-आंतई दो गावों का मध्यस्थ श्रंतर the distance between two villages or towns निसी ११४, ४७, (२) भीलुं गाभ श्रन्य गांव another vil-

lage or town. दसा०१०,५;—श्रंतिय. त्रि॰(-श्रन्तिक) गामनी पासे रहेनार गांवके पास रहने वाला (one) who resides near a village. स्य॰ २,२,२१; दसा॰ १०,७;--श्रस्पाम. य०,(-श्रनुप्राम) शेंध ગામ પછી બીજાું બીબ્તપછી ત્રીજાું એમ अनुक्ष्मे न्द्राना म्ह्रोटा हरेक गम एक गांव के बाद दूसरा, दूसर पींछ तीसरा, इस प्रकार कमश होटा बटा प्रत्येक गांव. every village in order. श्रांव॰ २१; राय॰ २३०, ना १० १, ५, १३; १६; ऋष० ६, ४७; (२) એક ગામથી બીજે ગામ एक गाव सं दूसरे गाव. from one village to another निर्सा॰ =, ५१; भग०१,१; १६, ४, १८, १०; वेय० ४, २५, उत्त० २, १४, श्राया॰ २, १, १, ४, —कंटय. पुं॰ (-कर्ण्टक) गाभ-धिर्धय सभूदने आटारूप; धिरिये।ने हु भ दायक गाव-इंदिय समृह को कटक समान, इंदियों को दु,ख दायक. one like a thorn to the senses, one intriguing; causing pain to the senses. दस॰ १०; १, ११; नाया॰ १; -कुमारियः त्रि॰ (-कौमारिक) ગામડાના છેાકરાએા સંભન્ધિ. गावडे के लड़कों के विषय में. (anything e g. play) concerning village child ren स्य०१,६,२६, — घाय. पुं॰(-घात) गाम लागवं ते गाव का इटना-नष्ट होना. destruction of a village विवा॰३, (२) गाभ लागनार-धुटनार. गांव को लूटने न ला one who plunders a village. नाया ॰ १८; —दाह पुं० (-दाह) ગામના દાહ; (બલીજવું તે) गांव का दाह जल उठना. the conflagration (being on fire) of a village भग०३,७; ानिसी०१२,२७;-- दुवार न०(-द्वार)६:वाकी.

ગામના ઝાંપા: ગામમાં નિકલવા પેસવાના દર-पाली. गांवका दरवाजा: गांवमें प्रवेश करनेका व नाहर निकलने का द्वार. a village gate. श्रोघ० नि० ४४; —धस्म. पुं० (-धर्म) ગ્રામ-ઇંદ્રિય સમહના ધર્મ-શબ્દ-રૂપ રસ ગન્ધ-અને સ્પર્શ એ પાંચ વિષય. प्राम-इंदिय समूह्का धर्म-शब्द-रूप रस गन्ध व स्पर्श ये पांच विषय. a longing, desire, for the five objects of senses viz. sound, form, taste, smell and touch, स्य-१,२,२,२५;ठा-१-,१;पग्ह-१, ४; भाया • २,१, ३, १४; (२) गामधती आयार वियार, गांवडे का श्राचार विचार. the practices and customs of villages. তা॰ ১০. ৭; न॰ (-नगर) शभक्षं अते प्राम व नगर; गांव व शहर. a village and a city. प्रव. ५६३; -पह. पुं. (-पथ) शाभनी २२ती. ब्राम का मार्ग. ह village road. निर्सा॰ १२, २६; -पहं-त्तरः न॰ (-पथान्तर) ग्राभना भे भाग^९-तुं आंतई. प्राप्त के दो मार्गे। का भन्तर. the distance between the two roads of a town. निर्सा १ १४, ४७; मारी नि (-मारी) गामनी क्षय करनार भरधी. गांव का स्तय करने वाला. plague; a kind of disease. भग• ३, ७; -रक्क. पुं० (-रच-रक्क) श्राभन रक्षश ५२नार; डे।तवाल. गाम का रच्चण करने वाला: नगर रचक कर्मचारा. one who guards a town. आया । २, १, २, ११; --रिक्खय ५० (-रिक्क) डेाटवास-गाभेति कोटवाल-नगर रचक कर्म-चारी. a village constable निसी॰ ४, ६२; -- रूब. न॰ (-रूप) गाभना केवा आधार. गांव के समान श्वाकार. the

proper form, outlines of a village. भग । ३, ६; -रोग. पं॰ (-रोग) આખા ગામમાં ફાટી નીકળેલા रे। श. सारे गांवमें फट निकला हुआ उपदव-रोग. a disease spreading over the whole village. भग॰ ३, ७; जं॰ प॰ --वह. पुं॰ (-वघ) गाभने भारवुं ते. गांवकी नष्ट करना, destruction of a village. निसी॰ १२, २४; -वाइ. पुं॰ (-बाह्) अभनुं वहेवं-तध्यवं गामका बहजाना. wiping off of a town or a village.भग-३,७;—संदियः न•(-संस्थित) आंभने आधारे रहेल. गांब के आकारसे रहा हुआ. the shape, arrangement of a village, भग॰ =, २; --सयः न॰ (-शत) से। शाभ. शत गाम; सौ प्राम. ८ hundred villages. विवा• —सामि. पु॰ (-स्वामिन्) शामने। ध्शीः भाभने। नायक, गाम का धनी; गाम का नायक. the owner of a village; a village headman. शेष-नि॰मा॰४४; गामि. त्रि॰ (गामिन्) जनार; पहें।यनार जाने वाला; पहुंचने बाला. (One) who goes or reaches. श्रोव • १७;पंचा ०६,७, गासिम् त्रि • (म्राम्य) ગામવાસી; ગામડીયા. ग्रामबासी; गंबार: Resident in a village: rustic. नंदी॰ ४७; गामेक्सयः त्रि॰ (प्राम्य) गाभडाने। रहीशः गांव का रहने वाला. A villager. भग॰ १४, १; विशे॰ १४११; विवा॰ १; गाय. पुं॰ (गो) लक्षद्द. गी, बैल. A bullock. पष• ११; —दाह-(-दाह) ज्यां भिभार असहाने डाम (हाड) देवाता ड्रीय ते स्थान. जहां विमार पशुश्रों को दाह दिये जाते हों वह स्थान. veterinary hospital. " सार दारं

सिवा गाय दाहं सिवा तुस दाह सिवा '' निसी॰ ३, ७४;

गाय. न॰ (गात्र) शरीरना अवयवी. शरीर के अवयव A limb of the body. श्रोव॰ श्राया॰ १, ६, १, २०; दस॰ ३, ५; ६, ६४, उत्त० २, ९, जीवा० ३, ३; पन्न० १७: भग० १, १, १५, १; २४, ७, नाया० १, ४; १६; वेय० ४, ४०, दसा० ७, १२; उवा॰ ३. १२६: कष्प॰ ४, ६१: — श्रद्भंग पुं॰ (- भ्रम्यंग) तेस वर्गरे सुगधि पहार्थे। शरीरे थे। ५५वा ते. तेल इत्यादि सुगाधित पदा-र्थीका शरीर पर मर्दन करना. smearing the body with fragrant oil etc. दस॰ ३, ६, — श्रद्भंगविभुस्त् । न॰ (- अध्यंगविभ्षण) अभ्यंगन-भहेन हरी શરીર શણગારતું તે, સાધના પર અનાચીણે-भांतुं शेश. अभ्यंगन-मईन कर, शरीर की सुशोभित करना; साधु के ५२ अनाचीर्या मे का एक anointing the body with ointments etc; one of the 52 minor faults of an ascetic. इस॰ ३, ६; -भेय. पुं॰ (-भेद्द) शरीरने। नाश કरी क्षटनार थार. शरीर का नाश कर के लूटने वाला चोर a thief who destroys the body and commits robbery. भग॰ १, १; —लिट्ट स्रो॰ (- यष्टि) शरीर रूपी लाइडी शरीर रूप बकडी. the body appearing like n stick. सम• ३४; भग• ६, ३३; नाया• १; राय० १६४; जीवा॰ ३, ४;

गारतथ. पुं॰ (मगारस्थः) गृहस्थाश्रभी; धर व्यारी. गृहस्थाश्रमी; घरनारवाला. A house-holder उत्त॰ ४, २०; स्य॰ २, १, ४३; २, ७, १४;

गारात्थिशी. स्ती॰ (क्रगारस्था) गृहस्थनी स्त्री. गृहस्य की स्ती. The wife of a householder. निसंा० ३, ४,

गारिधय-श्र. पुं॰ (श्रगारिश्यत) शृक्ष्यः A house-holder आया॰ २, १, १, १४; निसी॰ १, १२; ३, ४; — व-यण न॰ (-वचन) शृक्ष्यः पुंचयनः शृक्ष्यः भी भेष्ये तेवी रीते भेष्यं ते गृहस्य का वचन, गृहस्या बोले ऐसा बोलना. the manner of speech of a house-holder. ठा॰ ६, १; वेय॰ ६, १;

गारव न॰ (गौरव) अलिभानवडे आत्भाने અશુભભાવ ભારે કરવા તે. ગુરૂપણં, માટાઇ श्रिममान से श्रात्माको श्रशुभ भाव से भारी करना, बङ्ग्पन; गुरुत्व. Pride; pride of greatness; heaviness. नाया॰ १६; सम० ३; उत्त० १६, ६२; ठा० ३, ४; श्रोघ॰ नि० ४००; ८०४; श्राउ० १४; प्रव० ११६; (२) गृद्धि; आसिकत. श्रासिकत. greed; excessive attachment. उत्त० २७, ६; (३) गर्व- अक्सिमान तेना ત્રણ પ્રકાર – ઋહિતા ગર્વ; રસતા ગર્વ; અતે પાતાને મહાલ સુખશાતિના ગર્વા गर्व-र्જ્ઞામન मान उसके तीन प्रकार—ऋदि का गर्व; रस का गर्वः च स्वतः को जो सुख व शाति प्राप्त हुई है उसका गर्व. pride of three sorts e g. of prosperity, of pleasures, and of calmness acquired by one. उत्त॰ ३१, ४; श्राव॰ ४, ७; -कारणा. न० (-कारणा) भवीन धारण. गर्व का कारण. the cause of pride. प्रव॰ १४१: - एंक निवुद्ध. त्रि॰ (-प्रज्ञानिमञ्ज) ગર્વरूपी કાદવમા ડુખેલ. गर्वरूपी कीचड़ में हुवा हुआ (one) immersed in mud in the form of pride. प्रव॰ १०२४;

गाराविश्व-यः त्रि॰ (गर्वित) गर्विष्ठः, गर्वि वाणु . गर्विष्ठः, गर्वेयुक्त. Proud; con-

ceited. श्रोघ० नि० ४१३; पगह० १, २; गारहत्थिया. स्री० (गार्हास्त्रका) गृह्रथती लापा; भेटा, भाष, भामा वगेरे. गृहस्थकी भाषा; वेटा, बाष, मामा इत्यादि. The language used by a house-holder. प्रव० १३३४;

गारुडिश्रः पुं॰ (गारुडिक) गारुडीविद्या-(सर्भ उतारवानी पश्डवानी विद्या) ज्वाल् नार. गारुडीविद्या को जाननेवाला. A snake-charmer. मु॰ च॰ ६, १३,

गालण. न॰ (गालन) गाणवुं; छाखुवुं. छानना. Filtration. पएह॰ १,१; विवा॰ १;

गालितः त्रि॰ (गालित) गाणेतुं. छाना हुत्रा. Filtered. जीवा॰ ३, ४;

गाली. स्नो॰ (गाली) गाण हेवी ते गाली-कटु वचन-स्रपशब्द कहना. Abusing. प्रन॰ ४३६;

गाव. पुं॰ (गो) प्ययह. बल. An ox; a bullock श्रुगुजो॰ १२=;

गावी स्त्री॰ (गो) शाय गाय. A cow. श्राया॰ २, १, ४, २३; जं॰प॰ —श्राजिए। न॰ (-श्राजिन) शायनुं २५. गीका चर्म. the hide of a cow प्रव॰ ६८३;

गास पु॰ (ब्रास-ब्रह्यते इति) डेाणीथे।; ध्वसः निवाला; श्रास. A mouthful of food. उत्त॰ २, ३०; पि॰ नि॰ ७७, विशे॰ २४०५; —एसणा. श्री॰ (-एपणा) आहार की एपणा. seeking of food or alms. प्रव॰२२; गाह पुं॰ (ब्राह) भगरभन्छ: लक्षयर आिंधु विशेष मगरमच्छ; जलचर प्राणी विशेष. An

aquatic animal, an alligator.

उत्त० ३२, ७६; ३६, १७१; सूय० २, २,

६३; तंदु० विवा० १; दसा० ६, ४; जीवा०

१; नाया० ४; पि० नि०३३२; पन्न० १; (२)

पड्डें. पकदना. holding; catching. राय॰ ३५; (३) अहु इरी यासनार. ब्रह्ण करके चलने वाला. one who walks after having accepted. श्रीव॰ ३३; √गाह. था॰ II. (गाघ) २थापत्रं. स्थापन करना. To establish; to install. गाहेइ. दसा॰ १०, १;

√ गाह. घा॰ I. (गह)प्रवेश धरवे।; पेसवुं. प्रवेश करना. To enter.

माहइ. सूय० १, २, १, ४;

गाहग, त्रि॰ (प्राहक) २५ी ४।२०।२; देतार. स्वीकार करने वाला लेने वाला. (One) who takes or accepts. १५० नि॰ भा॰ २७; ३०; विशे॰ १४४६; (२) शुर; विद्या अ।५०।२ गुरु; विद्या देने वाला (one) who instructs like a Guru विशे॰ १४४६;

गाहरमा न॰ (गायाप्र) गाथानुं परिभाशः गाथाका परिमाणः. The limit of verses. क॰ गं॰ ६, ६३;

गाहा स्त्री॰ (गाथा) आहृत लापानुं पद्यः श्क्षीतः आर्था आहि गाथा प्राकृत भाषा का पद्य: रलोक श्रायी श्रादि गाथा. A veise; a Magadhi etc. verse; the metre known as Āryā etc. হল॰ গই, १२; भग०१, १; २; २, १०;१०; ६,४;२२ ३; ३१, १; नाया० १; ६; ८; श्रगुजो॰ १३१, १४६; वेय० ३, २०; श्राव० ४, ७; भत्त० १७२; प्रव० ६२६; जं० ए० ७, १४६; (૨) સામાન્ય પ્રાકૃત ગાથા ળનાવવાની તથા পত্যানী ৬০॥ सामान्य प्राकृत भाषा वनाने व जानने की कला the art of composing or knowing ordinary Piakṛita verses. श्रोव०४०; (३)सूय गडांग-સ્ત્રના પ્રથમ શ્રુતસ્કન્ધના ૧૬મા અધ્યયન નું નામ કે જેમાં ગાથારુપે શ્રમણ માહણ

लिभ्रे अने निश्रन्थ शण्हाना बक्षा है। हश्यां छे. सूयगडांग सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध के १६ वे श्रभ्ययन का नाम की जिसमें गाथा रूपसे श्रमण, माहण, भिक्र व निश्रन्थ शब्दों के लच्चणों का विवेचन किया है. name of the 16th chapter of the first Sruta Skandha of Suyagadānga Sūtra. Here meanings of the words Sramna Māhana, Bhikkhu and Ni grantha are given in verses स्य॰ १, १६; ६; सम॰ १६; उत्त॰ ३१, १३, पएइ॰ २, ६;

गाहावइ. पुं॰ (काथापति-गृहपति) इंटुंशने निलापनार नायकः कुलपति The head of the family कत्प॰ ४, ११६; ६, २०; श्राया॰ २, ७, २, १६२. निर॰ ३, १; (२) केहिरने। अपरी; सक्वितीन। १४ रतमानुं स्थेक कोठार का कपरी माग चक्रवर्ती के १४ रतमें से एक the part above the store, one of the 14 jewels of a Chakravantī सम॰ १४, ठा॰ ७, १; (३) स्थे नामना स्थेक सन्यासी. a wandering ascetic of this name. भग॰ ७, १०,

गाहाचइ. पुं॰ (गृहपति) धरधजी; अहस्थ गृहस्ताभी; गृहस्थ. A householder श्राया॰ १, ७, २, २०२, २, १, ३, १४, स्य॰ २, २, ४४, २, ७, २; भग॰ २, १; ३, १, ४, ६; ७, १०; ६, ६; १०, ४, नाया॰ १, श्रंत॰ ३, १, नेय॰ १,३१, राग॰ २६६; विवा॰ १; सु॰ च॰ ११, ७; प्रव॰ १२२६; — करंडश्च (-करण्डक) अह-स्थने। ५२९ऽभि। ६ लेभा २८० ६ सुनर्ज होय. गृहस्य की टांकरी कि जिसमें रत्न या मुनर्ण हो. a basket, a receptacle belonging to a householder (containing gold, jewels etc.) ठा॰ ४, ४; —कुल न॰ (-कुल-गृहपति-गृंहस्थस्तस्य कुलम्) आधापतिनु धुंद गाथापति का कुल the family of a patriarch. वन॰ ६, १, निमा॰ ३, १; ६, ७, दसा॰ ६, २, —रयण. न॰ (-रत्न) यक्ष्यनिना १४ रत्नभानुं ओक नक्षवर्ती के १४ रत्नों में से एक one of the 14 gems of a Chakravartī, named Gāthāpati. पच्च॰ २०,

गाहावइस्री ली॰ (गृहपरनी) धर धर्शीयार्थी गृह स्वामिनी A housewife श्रंत॰ ३, ६; श्राया॰ २, १, ३, १४, भग० १४, १; नाया॰ ४;

गाहावई-ती. स्नी॰ (प्राह्वती) नीसवन्त પર્વ તથી નીકળી દક્ષિણ તરફ ચાલતી ર= હજાર નદીઓના પરિવારે શીતા નદીમા મળતી સુકચ્છ અને મહાકચ્છવિજયને જાદી पारती ओड महानही नीलवंत पर्वत से निकलकर दिचए दिशा प्रति बहती हुई २= सहस्र निदयों के परिवार महित शीता नदी में , मिलती हुई सुकच्छ व महाकच्छ विजय को विभक्त करती हुई एक महानदी. Name of a large river separating Sukachchha and Mahākachehha Vijaya and flowing into the river Shita, with 28 thousand tributary rivers starts from Nilavanta mountain and flows towards the south. ठा॰ २, ३; ज॰ प॰ ३,६०; —कुड. पुं॰ (-कुएड) শুક२% বিજયની પૂર્વે મહાકચ્છ વિજયની પશ્ચિમે નીલવત

પર્વતને દક્ષિણ કાંઠે ગાહવતી નદીના દરેડા केमां पडे छेते दुएड. सुकच्छ विजय की पूर्व मे व महाकच्छ विजय की पार्श्वम में नीलवंत पर्वत के दान्निए। किनारे पर ग्राहवती नदी की थारा जिसमें गिरती है वह कुएड. name of a lake receiving the torrent of the waters of Giahavatī river. It is to the south of Nilavanta mountain, to the west of Mahākachchha Vijaya and to the east of Sukachchha Vijaya. जं॰ प॰ —दीव. पुं॰ (-हीप) ગાહાવતી કુણ્ડ વચ્ચેના દ્વીપ. ब्राहावती कुएड का मध्यस्य द्वाप. an island in the lake into which the river Grāhavatī pours down her torrent. जं॰ प॰

गाहिय-भ. त्रि॰ (प्राहित) शीभावेश;
अहणु क्रावेश. मीखाया हुआ; प्रहण कराया
हुआ. Taught; caused to accept
or take दसा॰ ६, २०; स्य॰ १, २,
१, २०; सम॰ ३०; नंदी॰ २७;

√ि गिज्म. था॰ [. (गृष्) गृह थतुं; मुंआर्थ कर्तुं. लालची होना; श्रासक होना To be greedy; to be confounded.

गिज्मह. गाया० १७; सु० च० ४, २८०; निसी० १२, ३४:

निरमेजा. वि॰ श्राया॰ २, १४, १७६; गिउमा. वि॰ श्राया॰ १, २, ३, ७७; गिउमाह. श्रा॰ नाया॰ ६; गिउमाहिति. म॰ श्रोव॰ ४०; गिउमा. सं॰ कु॰ उत्त॰ २६, ३४;

गिज्मा ति॰ (प्राह्म) अदुष्टु अरवा ये। य. प्रहण् करने योग्य. Worthy of acceptance; worthy of being taken.

विशेष २४०; २७०; उत्तर् १३, १६; — वन्न जिर् (-वचस्) केनुं वयन अदृष् अद्या थे। यथ छे ते. जिसके वचन प्रहृण करने योग्य हो वह. (one) whose words are worth accepting. कर्ण १, ४१:

गिजिसयटव त्रि॰ (गृद्धण्य) साअन्य थया साथ है. लोगी होनेके लायक. Worthy of being greedy for पएह॰ २, ४; — गिड्डियाइरमण. न॰ (-गिड्डिकादिरमण) गेडीहडा वगेरेनी २भत. गेंद व दग्हुके का खेल. (श्रेंप्रजी रमत हाँकी के समान) ह game like hockey. प्रव॰ ४४१;

√िंगगह. था॰ I, II. (गृह्) अद्रश् धर्युं; क्षेत्रुं; स्पीधारवुं. श्रहण करना; लेना; स्वीकार करना. To accept.

गिरहेइ. नाया० ५; ५; १३;

शिवहडू. उत्तव २४, २४; निर्मी० २, ४; नाया०१; १४; १६; पन्नव ११; भगव २, १; ४; राय० २६६; जंवप०४, १९७;

गेबहरू. नाया॰ =; भग॰ १२, ४; २४, २; गेएहेह. सु० च० १, २६४;

गिएहंति. विशे २०४; नाया • १; २; १४; भग० २, १; राय० ८६; दस० ६, १४; जं० प० ४, ११४;

गेगहंति. भग० १८, ३; २४, २; गिरहासि. नाया० ७: ८:

गिए**हामो.** नाया० =; श्रो**व०** ३६;

गेएहासा. भग० ८, ७;

गिरिहज्जा. वि॰ श्राया॰ २, ५४, १७६:

गिराहे. वि० पि॰ नि० २०५;

गरहेज. वि॰ विशे० २१२;

गेग्हिज्जा. वि॰ भग॰ ३, १; ४; ४, ६;

गिग्ह. श्रा॰ सुं॰ च॰ ४, १४०; दस॰ ७, ४४. भग० १, १; २, १;

गिरहाहि आ॰ नाया॰ ७, १२; १४; दस॰ ६, ३, ११; श्राया॰ २, ३, २, १२०; गियहसु. श्रा॰ सु॰ च॰ १, ३४६, गिएहह आ॰ नाया॰ १२; गिग्हेह. आ० नाया० ७; √ि गिग्ह धा॰ 1. (ब्रह) अहु ३२वुं ब्रह्ण करना To take घेटिछइ. भवि० विशे० १०२३: घेच्छामि भवि । पि नि ४८१; घेच्छ. भवि० विशे० ११२७. घेट्यो. भवि० पि० नि० २८१: वितं. सं० कृ० सु० च० २, १७०; घेत्रुण. स० कु० नाया० ६; उत्त० ७. १४; घेतुं. सं० कु० पि० नि० १६३, प्रव० १४८; गिएहेत्ता स० कृ० नाया० ८, १३; १४; गेरिहत्ता सं० कृ० भग• २, १: गिर्गिहऊस. स० कु० नाया २, विवा० ७; गिरिहय. सं० कु० नाया • ६; गिरिहत्ता. स० कृ० नाया० १, ८; २; ५; ७, ६, १२, १६; भग० २, ५; ज० प० L, 998; गेरिहत्तप् हे॰ कु॰ भग॰ ३, २; गिग्रहंत्त व॰ कृ॰ उत्त॰ २४, १३; पिं॰ नि॰ 968: गेयहमाण. व० कृ० भग० ३, २; ३; ७, १०; ७, ८, ७, नाया० १; गिएइमारा. व॰ कु० विवा॰ १; वेय॰ ६, ७; दसा० २, १४, १६, ठा० ४, ५; सम॰ २१, गिएहावइ. गि• सु॰ च॰ १३, ६३; गिगहावेद्द. गि॰ विवा॰ ४, नाया॰ ५; १२; गिएहाविजा वि० श्राया० २, १४, १७६; गिएहार्वेसु शि॰ भू॰ नाया॰ १; गिएहाविता गि० सं० कृ० नाया = =; $\sqrt{$ गिराह. धा॰ $m I.}$ (गृह् क॰ वा॰) अदुखु क्रेन् प्रहण किया हुआ. To take.

विष्पइ. क० वा॰ सु० च० ४, १६८; . घप्पद्व. क॰ वा॰ पि॰ नि॰ ३५६: घेप्पेज, कः वाः विः विशे २ ५%: घिष्पमाण क॰ वा॰ व॰ ऋ॰ भग॰ १, १; गिराहणा न॰ (प्रहरण) ५४५वं पकड़ना. Catching; holding पि॰ नि॰ ३=1; नाया॰ ६, गिरिहम्भव्यः त्रि॰ (गृहीतव्य) अद्ध्य ४२वा थे। २४; २ री धारवा थे। २४. ब्रह्ण करने योग्य, स्रीकृत करने योग्य Worth being accepted or taken अणुजी॰ १४६; गिद्धः त्रि॰ (गृद्ध) सास्य, आसक्ता. तालची, भासक. Greedy; excessively attached. दसा॰ ६. १, पराह॰ १, १; भग॰ ७, १; नाया० २; ५; ८; १७; दस० ८, २३; १•, १, १७; उत्त० ४, ४; ८, ११, प्रव० ८४०, भत्त० ११२; गिद्धः पु॰ (गृध्र) गीध, भासांकारी पक्षी विशेष गोध; मांसाहारी पत्ती विशेष. 🗛 vulture. " दक गिंद्धाई गंत सो " उत्त॰ १६, ४६; श्राया० २, १०, १६६; श्रीव० ३६; प्रव० १०३०; नाया० २: गिद्धपिट्ट. न॰ (गृथपृष्ठ) गृधपृष्ठ नामनु મરણ; કાઇ જનાવરના કલેવરમાં પડી ગિદ્ધા-हिडना सुथी भावाथी भरव ते; भार अडाम भर्भानु એક गृध्रपृष्ट नामक किसी जानवर के मृतक शरीरपर गिरकर गिद्धादिकका उसका चोंच मार मार कर खाना वह; बारह प्रकारके मृत्युमेंसे एक. Devouring (by vultures etc.) of carcass of an animal by pecking; one of the 12 kinds of deth. তা॰ २, ४; भग० २, १; निसी० ११, ४१; प्रव० १०२१; नाया०१६; —मरगा. न० (न्यरग) ગિહ વંગેરે પક્ષીના ફાલી ખાવાથી મરતું તે.

गिद्ध श्रादि पत्ती के चौंच मार मार कर खाना

वह. death caused by the piercing of the beaks of vultures etc नम॰ १७;

मिद्धि छाँ० (गृद्धि) आधांक्षाः आभक्षिः અ'તુરતા. श्राकांचा. श्रामीकः; उत्युकता. Greed; longing; attachment. श्राया॰ १, ६, २, १८३; प्रव॰ १०३०; गिम्ह पुं॰ (ब्रीप्म) गीष्म ऋतुः, गम्भीनी भे।सभ ७-८। थे।. श्राप्म ऋतु; गरमां की र्गामिम. Summer. श्रोव॰ १७; ३६; भग० प्र. १; ७, ३; १४, ६: नाया० १; म; ९; स्य॰ १, ३, १, ४; जंबप० ७, १६२; श्राया० १, ७, ४, २१२; ठा० ६, ३; विशे॰ १२७२, निर॰ १, १; सु० च० ३, २४०; दस० ३, १२; पि० नि० ६३; वेय० १, ७; स्० प० ६; कप्प० १, २; ४, ९६; गच्छा० ७७; प्रव० ४११; ६११; —उउ. पुं॰ (- ऋतु) औष्म ऋतु; ७ताला. ग्रीप्म ऋतु summer senson. नाया॰ ६; —काल. go (-काल) हनावा; वैशाप केष्ट भासने। सभय प्राप्म; वैशाख जेष्ट मासका समय. summer, नाया॰ —कालसमय. पुं॰ (-कालसमय) ઉनाणाने। वंभत. श्रीप्म का समयः time of summer. नाया॰ १३:

गिम्हश्र. ति॰ (भ्रोप्सक) श्रीष्म ऋतुमां थयेशुं. श्रीष्म ऋतुमें बना हुन्ना. belonging to the hot season. श्रगुजो॰ १३३;

गिरा. स्री॰ (गिर्) पाधी वाणी; शब्द-Speech; words. भग॰ ३, २; ६, ३३; नाया॰ १; उत्त॰ १२, १४; निसी॰११, १५: दस॰ ७, ३; ४४; चउ० १=;

गिरि. पु॰ (गिरि-गृणन्ति शब्दायन्ते जननि-नासभूतत्वेन) ५५ तः, धुंगरः, ५६। पर्वतः, पहादः, गिर्र. A mountain. भग॰ २ः,

१; ३, ७: ७, ६; नाया०१; २; १८; श्रीव० ३१; ३८; उत्त॰ ११, २६; १२, २६; श्राया० २, १, २, १२; श्रोघ० नि० ७६४; जि॰ प॰ ३, ४७, महा॰ प॰ ६५, दस॰ ६, ६, ६; भत्त॰ १६५; — ईसर. पु॰ (- हृंखर) पर्वतिनी ध्वन्, भीटी पर्वत. पर्वतों का इंश्वर, महान पर्वत. कंदर. पुं॰ (कन्दर) पर्यतनी शुधा, पर्वत की गुफा, a mountain cave, विवा॰३: नाया॰ २; १६; प्रय॰ ==४; —कडग. पुं॰ (-कटक) पर्वत पासेनी अभीन. पर्वत के पान की जमीन. the side or ridge of a mountain नायाः १=; -गृहाः स्त्री॰ (-गृहा) पर्वतनी शुधा पर्वत की गुफा. a mountain cave. श्राया॰ १, ७, २, २०२; —जत्ता. स्री॰ (-पात्रा) भर्मतनी यात्रा (ज्यत्रा) पर्वत की यात्रा. a pilgrimage to a mountain. नाया॰ १; निसी॰ ६, १६; — गायर. न॰ (-नगर) पर्वात पासेनुं नगर, शहेर पर्वत के पर्डास (निकट) का शहर-नगर. a town near a mountain. श्रत्युजाे॰ १३१; —पड्या. न॰ (-पतन) पर्वत्यी प्रधीने મરણ નિષજ્તવવું એક પ્રકારતું બાલમચ્છ. पर्वत से गिर कर मरण होना. death by fall from a mountain. ठा॰ २, ४; भग० २, १; निर्मा० ११, ४१; नाया० १६: --- पायमूल- न॰ (-पादम्ब) भव तनी तथेरी. पर्वत की तली. the bottom of a mountain. भग॰ १४, =; -- मह-पुं॰ (-मह) ५५ तेने। उत्सव पर्वत का उत्सव. a mountain festivity. राय? २१७; —राय. पुं॰(-राज) ५५ तेना राल, भे३ पर्वत. पर्वतों का राजा; मेरु पर्वत. the king of mountains i. e. the

Meru mountain. सम॰ १६; जं॰ प॰
—रेहा. ली॰ (-रेखा) पर्यंतमा पडेली ६१८. पहाड म पडा हुआ चीराटा. the crack in a mountain. क॰ ग॰ ५,६३; —सिहर. न॰ (-शिखर) पर्यंतनु शिभर टीय पर्वत का शिखर. the summit of a mountain. नाया॰ ५: ६.

गिरिकारिएया. स्नी॰ (गिरिकार्णिका) भिरि इिधिश नामनी अधि वेश गिरिकार्णिका नाम का एक बेल A kind of creeper so named पन्न॰ १;

गिरिककी स्त्री॰ (गिरिकर्णों) गिरि क्षिपुंका नामनी भेक्ष. गिरि कर्णिका नामकी एक बेल A kind of creeper प्रव॰ २४०;

गिरिकुमार पु॰ (गिरिकुमार) अुट्सिक्षियंत पर्यात संपाधी ओड शिभरना अधिष्ठाता देवना. चूल हिमवन्त पर्वत सम्बन्धा एक शिखर का अविष्ठाता देवता The presiding deity of the summit of Chulahimavanta mountain. जं॰ प॰ ४, ७४,

गिरिवर. पुं॰ (गिरिवर) श्रेष्ट पर्रत; भेइ पर्रत श्रेष्ट पर्वत; मेरु पर्वत. Meru mountain, the loftiest and the greatest of all. भत्त॰ ११६, —गुरु त्रि॰ (-गुरु) भे३-पर्यंत समान महान्-श्रेष्ट श्रुप्त के पर्वत के समान महान्-श्रेष्ट great as Meiu. भत्त॰ ११६;

गिरिसिया स्त्री॰ (गिरिसिका) એક જાતનુ વાજીત. एक प्रकार का वार्जित. A kind of musical instrument. राय॰ ८६; गिलमाण. त्रि॰ (गिलत्) गणता; पश्च पेटमा ઉतारी करोा गलित होता हुन्ना; पुनः पेट में उतारता हुन्ना. Swallowing; swallowing back again into the belly. वेय॰ ४, ९०;

Vol 11/79.

√ गिला. धा॰ I. (ग्ले) ગ્લાનિ પામવી; सुકाध જવું. ग्लानि पाना; खेदयुक्त होना To wither; to suffer mental pain. गिलाइ. श्राया॰ १, २, ६, १००, भग॰ २, १. नाया॰ १:

गिलायति. भग० ५, ८;

गिलामि. श्राया०१,७, ६, २२१, भग०२,१; गिलायमाण व० कृ० दसा०४, १०४; वव०

२, ४; ४, १३; ४,१३; वेय०६,१०; शिलाणा त्रि॰ (ग्लान) ज्यानिपामेस, व्यशस्तः रे।भी; दुर्भेक्ष ग्लानि युक्त; श्रशक्त, रोगी, दुवंत. Withered; enfeebled; sickly; afflicted in mind. उत्त॰ ४, ११, सम॰ ३०; ठा० ३, ४, सूय० १,३, ३, १२; पग्रु २, ३, पि० नि० भा० २७; विवा०७, विशे॰ ४; दसा॰ ६, २३; २४, निसी॰ १०, ४२; १६, ६; भग० ५, ८, १२, २; नाया० १३: कप्प॰ ६, १८, गच्छा॰ ११६, प्रव॰ १४५; १६२, १२५; ५७२; -पश्रोगः ५० (~प्रयोग) અશક્तने અનુકૃક્ષ પડે એવા प्रयोग-अपयार. अशक को अनुकूल हो ऐसा प्रयोग. treatment, remedy agreeable to an enfeebled person निसी॰ १०,४४, --भत्तः न० (-भक्त) રાગી-અશક્તને માટે તૈયાર કરેલું બાજન. रोगी-अशक्त के लिये तैयार किया हुआ भोजन food for an invalid. भोन॰ ४०; भग० ४, ६; ६, ३३; नाया०१; निसी० ६. ६; —वेयावश्च. न० (-वेयावृत्य-ग्ला-नस्य भक्तपानादिभिरुपष्टम्भः) रे।गीनी वेया-वय्य-सेवा रोगी की " वैयावच " सेवा tending the sick; service rendered to a sick person. 510 ५, १; वव० १, २, ७, भग० २५, ७

गिलास्त्रिणि, पु॰ (ग्लाशनि) लरभ हे रागः लरभ हु ज्याधि अस्मकरोगः, भस्मक ज्याधि. A kind of disease. श्राया॰ १, ६,

गिलिश्र त्रि॰ (गिलित) गाणी गयेक्ष; भणा नीये उतारेक्ष. गतित; गते के नीचे उतारा हुन्ना. Eaten; consumed. पि॰ े नि॰ १८३:

श्री शिल्त. क्री॰ (*) हाथीनी अंभाडी. हाथी का ओहदा. A covered wooden frame placed on the back of an elephant and used as a seat; a palanquin. जं॰ प॰ भग॰ ३,४,४, ७;६, ६: ११, ११; (२) भे भाखसीએ ઉપાડेલ अणी-डेाली दा मतुष्यों ने उठाई हुई भोली -डोली. a sort of small palanquin lifted up by two persons. दसा॰ ६, ४; स्य॰ २, २, ६२; (३) ઉटनुं ५१ साख्र उट की काठी. the saddle which is tied on the back of a camel. स्य॰ २, २, ६२; जीवा॰ ३, ३;

शिह. न० (गृह) धर; भक्षान; रहेक्षेष्णु घर; मकान. A. house; a residence. आया• १, ४, ६, १६४; २, ४, २, १३६; भोव• ११; भग• ३, ७; १२, १; १४; १६; १८; नाया• १; २; ३; ५; ६; १३; १४; १६; १८; वव॰ ६, १; निसी॰ १, ४६; ६, १२; वेय॰ १, १२; ४, २६; सु॰ च॰ २, ४००; दस॰ ७, २७; उवा॰ १, ४६; — अंगण् न॰ (—मज्ञ्य) धरनुं आंगह्यं—६णीधुं. घर का श्रांगन. a court-yard in front of a house. निसी॰ ३, ६३; — अंतर. न॰ (—मन्तर) गृह्यान्तर-णे धर वञ्चेनी साग; धरनुं आन्तरास. गृहांतर-दो घर का अध्यस्थ माग. an interval of space be-

tween two houses: the inside of a house. आया॰ १, ६, ४, १६४: —श्रंतरशिसिद्धाः ब्री० (-श्रन्तरनिप्या) બે ધરની વચ્ચે એડક કરવી તે. *દો घर* के नीचमे बैठक बनाना. a drawing room between two houses or in the inside of a house. दसा॰ ३, ४; —प्लग. न॰(-प्लक) ઉभ्भरा-पार्शाती नीयेने। भाग, देहली-दार के नांच का भाग. the threshold, श्राया २२.५, १, १४६: -एल्य. न० (-एल्क-म्राजिन्द्) धरने। उपरें। घर की देहली, the threshold. निसी॰ ३, ६३; १३, ४; -दुबार. न॰ (-द्वार) धरनु भारखं. घर का दरवाजा. a house-door, निसी० ३, ६३; —धम्म पुं• (-धर्म) ગૃહસ્થતા ધર્મ (અતિથી सत्धार वगेरे). गृहस्य का धर्म (श्रातिधि सत्कार इत्यादि) hospitality to a guest. नायाः =; १४; —मह. नः (-मुख) धरने। आश्ये। साग घर का आगे का भाग. the front of a house. ानेसो॰ ३, ६३; — लिंग. पं॰. (- लिंह) ગુહસ્યના वेप. गृहस्य का वेष. the garb of a householder. भग॰ २४, ६; ७, -- वह. पुं॰ (-पात) धरने। धर्णी. घर का मालिक, the owner of a house; the lord of a house. दस॰ ५, १, १४; १६; प्रव० ६८८; --वठव. न॰ (-वर्चस्) धरते। ध्यरे। घरका कूडा. the dirt or refuse of a house. ---वास. 3. 03: निसो ॰ (–वास) ઘરનાે વાસ; ગૃહસ્થાશ્રમમાં રહેવું ते. गृहवास: गृहस्थाश्रम में रहना. state

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of being a householder. उत्त॰ ४, २४; ३४, २; —संधि. ए॰ (-सन्धि) भे धरनी वन्धेने। प्रदेश. दो घर का संधान, दो घरों के बीच का प्रदेश. the interval of space between two houses. उत्त॰ १, २६;

गिहकोकिलिया स्त्री॰ (गृहकोकिला) गृह-गेाधिश-देढगराेडी. ख्रिपकलीः A lizard विशे॰ २४४६;

गिहत्थ. पुं॰ (गृहस्थ-गृहमगारं तत्रतिष्टति सः) ગૃહસ્थाश्रभी-गृહस्थ. गृहस्याश्रमी--गृहस्थ. A householder, তল্ ২. ৭ ছ; খ, २२; भग०३, १; नाया० ११; १५; दस० ५, २, ४५; सु० च० १५, ७०; निसी० १२, १६; गच्छा० ११०; श्राव० ६, ६; पंचा० १३, ३४; भत्तव १४; १७०; —धम्म. યું ((- ધર્મ) ગૃહસ્થતા ધર્મ; શ્રાવક ધર્મ. गृहस्य का धर्म; श्रावक धर्मे. the duties or the rules of a layman, गरका॰ ३२; --पञ्चक्ख. न० (-प्रस्यक्) गृहस्थ-ની સમ-क्षप्रत्यक्ष, ગૃહસ્થના દેખતાં. गृहस्य के समस्र-समीप-प्रत्यस्र गृहस्य की दृष्टिके सामने. in the presence of a householder. गच्छा॰ ११०; — भावः पुं• (- भाव) गृह्वस्थपशुं गृहस्थपन the status of a householder. पंचा १०, ३६; --भासा. स्री॰ (-भाषा) गृहस्थनी ભાષા; મામા, આઈ, ભાઈ વગેરે બાલવું તે. गृहस्य की भाषा; मामा, माता, भाई इत्यादि बोत्तना. the householder's mode of addressing relations गरहा॰ ११७; —संसद्घ त्रि॰ (-संस्ट) ગૃહસ્થના ઘી વગેરે પદાર્થથી ખરડાયેલ (७। थ परेरे) गृहस्य के घा इत्यादि पदार्थ से भरे हुए (हाथ इत्यादि). the hands of a householder smeared

with ghee etc. श्राव॰ ६, ६; गिहि. पुं॰ (गृहिन्-गृहसस्यास्तीति) गृद्धस्था-श्रभवर्ती; गृहस्था. गृहस्थाश्रमवर्ती; गृहस्थ. A householder. दस॰ ३, ६; ६, १६; म, प्र9; ६, ३, १२; पिं० नि॰ भा**॰** ३२, पि॰ नि॰ १४३; १४४; विशे० ३३७२; उवा॰ १, १२; पंचा॰ १, ३१; ४, ७; गच्छा० १२४; प्रव० २, --जोग. पुं० (–योग) ગૃહસ્થના યાેગ–સમાગમ. गृहस्थ का परिचय; समागम. contact with a householder. दस॰ =, २१, १०, १, ६; — शिक्षिजा. स्री० (-निषिधा) ગુહસ્થની ખેઠક પલગ આદિ गृहस्य की शय्या पलंग आदि. the seat eg. a cot etc. used by a householder. निसी॰ १२, १६; —तिगिञ्चा स्ती॰ (-चिकिस्सा) गृहस्थतुं वैदुं अरवु ते गृहस्थ का वैदिक उपाय करना medical treatment of a householder. निसी॰ १२, १७; —धम्म पु॰ (-धर्म-गृहं यस्यास्तीति तद्भी.) गृह्वस्थधभीनेज શ્રેયસ્કર માનનાર વર્ગ: ત્યાગ ધર્માતુ ઉત્થા-**पत क्षरतार. गृहस्य धर्मको ही श्रेयस्कर** भानने वाला वर्गः; त्याग धर्म का उत्थापन करने वासा. one who regards the duties of a householder as the highest duties; one opposed to asceticism. श्रागुजो॰ २०; (२) श्राव-**કના ભાર वतरूप गृ**હ⊱थ धर्म श्रावक के द्वादश वत रूप गृहस्थ धर्म. the precepts or the 12 vows of a Jaina layman. विवा॰ १, राय॰ २२३; नाया॰ १४; —निसिजाः स्री॰ (-निषदा) गृह-स्थीनी भेक्ष गृहस्थी की बैठकseat of a householder. गच्छा॰ १२६; -पडिकमण् न॰ (-प्रतिक्रमण्)

पुं॰ (-चास) धभ शुर्नी पासे निवास करवे। ते. धर्मगुरु के पास निवास करना. residing near a religious preceptor. पचा॰ ११, ६;

गुरुगः त्रि॰ (गुरुक) कारे, म्हेाटुं; वलनहारः भारी; वडा; वजनदारः Heavy; big. पंचा॰ १४, १७,

गुरुतरगः त्रि (गुरुतरक) अतिलारे; अड्ड भड़ेतिः आतिवजनी, वहुतबडा Very heavy, पचा॰ =, २८;

गुरुयन्त. न० (गुरुकत्व) लारी पछुं भारीपना.

Неaviness. भग० १, =; १२, २;
नाया० ६; राय० २६०; पन्न० १४;

गुरुयत्ता स्नी॰ (गुरुकता) लुओ "गुरुयत्त" शण्टः देखी "गुरुयत्त" शब्दः Vide. "गुरुयत्त" भग०५. ६: ७, १, १७: नाया०६०

"गुरुवन्त" भग०५, ६; ७, १, १७; नाया०६;
गुरुलहु. त्रि० (गुरुल्घु) એકાંત ભारे नही
अने એકાંત હલકું નહી કિન્તુ એક અપેક્ષાએ
ભારે અને બીજ અપેક્ષાએ હલકુ. एकांत
वजनी नहीं व एकान्त हलका नहीं किन्तु एक
अपेन्ना से वजनी व अन्य अपेन्ना से हजका.
Heavy and light from different points of views; relatively heavy and light सम० २२;
—परिणाम. पुं० (-परिणाम) अपेलिंड
હલકા ભારેપુદ્ધલનું પરિણામ; ગુરુલઘુ પ્યાંય.

light or heavy. सम० २२;

शल. पुं० (गुढ) शुः३; भाग. गुड Molasses; treacle. 'खंडगुलम च्छ्रदीमाईणं'
श्रीव० ३८; श्रयुजी० १२७; ठा० ७, १;
नाया० ८, १७; पि० नि० ५४. २१०; पष०
१७; जं० प० पंचा० ४, ११; ८, २३; प्रव०
२३४; श्रयुजी० ३८; — पार्ग. न० (-पान)
भागनुं पाश्रीपीवुं ते. गुड का पानीपीना

एक की श्रपेक्ता से वजनी व श्रन्यकी श्रपेक्ता

से हलका; गुरु लघु पर्याय relatively

drinking of water mixed with treacle. नाया । १७;

गुलइय. त्रि॰ (गुहिमत) गु॰७-अु९३३५े भेजेशां न्हाना आडा. गुच्छे के हपंत मिले हुए छोटे युत्त. A cluster of small trees. श्रोव॰ भग॰ १, १;

गुलगुल. न॰ (गुनगुल) हाथीने। शुक्षगुक्षाट शण्टः; शुक्षश्रक्ष भेने। भ्यनि. हाथी का गुल गुलाट शब्दः; गुलगुल ऐसी ध्वीन. The gurgling sound of an elephant. गुलगुलंत व॰ इ॰ त्रि॰ (गुलगुलत्) शुक्ष शुक्षाट करतीः; शुक्षशुक्ष भेने। भाषाण करती.

गुलगुलाट करता हुआ; गुलगुल जैसी भावाज Making a grunting sound like that of an elephant. श्रोव॰ ३०;

गुलगुलाइयः न॰ (गुलगुलायित) क्षांथीते। गुथ गुथ स्थायान्यः हाथी की गुलगुल स्थानाज Grunting of an elephant. राय॰

१=३; जीवा॰ ३, ४; भग॰ ३, २:
गुलगुलिय. स्री॰ (गुलगुलित) है। साह्य हिथी की हक्षा गुक्ता किया हुन्ना. Making a bustle or noise सु॰ च॰ ६, २७;
--लाविशिया स्ती॰ (-लाविश्वका) भेश पापडी गुड़ की पपडी. a cake of malacess. प्रव॰ १४२४;

गुलहाणी. स्रो॰ (गुलघाना) भेक्ष भिश्रीत धाणा गुड मिश्रित धानी. Parched grains mixed with malacess. प्रव॰ २३५; १४२८;

गुलिश्रा-या. सी॰ (गुलिका) गुटिश; ह्यानी गिणी. गुटिका; दवाई की गोली. Indigo; a medicinal pill. श्रोव॰ २२; ठा॰ ४, २; स्य॰ १, ४, २, ७; राय॰ ४०; श्रंत॰ ३, ६, विवा॰ १; जीबा॰ ३, ४; नाया॰ १३; १४; पस॰ २; १७; उवा॰ २ ६४; श्रगुत्त॰ ३, १, गुल्ल पुं० (गुढ) ळुओ। "गुल" शण्ट. देखो "गुल" शब्द Vide. "गुल" श्राया २, १, ४, २४;

√ गुव. घा॰ I. (गुष्) द्याप्ट्रश्न थतुं व्याकुल होना. To become distracted. गुवंति. भग॰ १४. १:

गुविल. त्रि॰ (गुपिल -कुटिल) કृटिस. कुटिल. Deep; crucked; intricate. सु॰ च॰ ७, २४०; (२) ०५। स. न्याप्त. pervaded परह॰ १, ३;

गुव्तिणी स्रो॰ (गुर्विणी) सगर्ला स्त्री; गर्ल-वती स्त्री. सगर्भा स्त्री; गर्भवती स्त्री. A. pregnant woman. अग० १४, १; पि॰ नि॰ ३६२; दसा॰ ७, १; वव० १०, १; दस॰ ४, १, ३६; प्रव० ७६६;

गुहा. शो॰ (गुहा) शुक्षा. युक्ता. A. cave. स्य॰ १, ४, १, १२; भग॰ ४, ७; जं॰ प० नंदी० १४; ४७,

गुहिर त्रि॰ (गहर) गंभीर; गहेरं. गंभीर; गहरा Thick; deep, profound. पत्र॰ २; कप्प॰ ३; ३८;

गुढ. त्रि॰ (गुढ) খুঃ; গুম; ভানু. गुढ; ग्रप्त. Hidden; mysterious. भ्रोव॰ १०; पि॰ नि॰ २०६; नाया॰ ५; — ऋायार. त्रि॰ (-म्राचार) धृतारे।; हगारे।; गंही छे। धूर्त, हम. (one) who cheats. स््य∘ २ २, १६; —श्रावत्त. पुं∘ (−श्रा∙ **વર્ત)** ગૂઢ-ગુપ્ત-આવત^૧ શખ વગેરેને! વળ. गूढ-गुप्त-श्रावर्त-शंख इत्यादि की मोड a curve; e. g. of a conch etc. ठा० ४, ४, —सामत्थः न॰ (-सामर्थ्य) श्रानुं पराक्रम. गुप्त पराक्रम. a secret bravery. प्रव॰ ८३८; —हिस्रय त्रि॰ (-इदय) માયાવી-કપટી હુદયવાલે।. मायानी-कपटी हृद्यवाला deceitful, fradulant. गटक्रा॰ ६५; क॰ गं॰ १,४८, Vol 11/81

गृददंत. पुं॰ (गृददन्त) अधुत्तरे।ववार्ध सूत्र-ના ખીજા વર્ગના ચાેથા અખ્યયનનું નામન श्रगुत्तरीववाइ के श्रगु द्विताय वर्ग के चतुर्थ श्रध्ययन का नाम Name of the fourth chapter of the second section of Anuyogadvara. (3) શ્રેહ્યિક રાજાની ધાંરણી રાણીના પુત્ર કે જે દીક્ષાલ ૧૧ અગ લણી ગુણ રયણ તપ કરી ૧૬ વર્ષ^દની પ્રવજયા પાળી વિપુલ**પર્વ**ત ઉપર એક માસના સંથારા કરી વૈજયંત અતુત્તરવિમાનમાં ઉત્પન્ન થયા, ત્યાંથી એક व्यवतार हरी भेक्षे करी श्रेगिक राजा की धारणी राणी का पुत्र कि जो दोचा लेकर ११ श्रंगों का पठन कर गुणस्यण तप कर, १६ वर्षकी प्रवश्या का पालन कर, विपुलपर्वत ऊरर एक मास का संधारा कर, वैजयंत श्रवृत्तर विमान में उत्पन्न हुत्रा. वहां एक श्रवतार को संपूर्ण करके मोच गति को प्राप्त करेगा. name of the son of queen Dhārinī of king Śrenika. He took Dikṣā, studied 11 Angas, practised the Gunarayana penance, observed asceticism for 16 years and was born in the Vaijayanta abode above the heavens after practising one month's Santhara (giving up food and drink) on Vipula mountain. After one more birth he will attain salvation. श्रगुत्त॰ २, ४; (३) જે મ્યૂડ્ડીયના ભરતમા આવતી ઉત્સર્પિ'ણીમાં થતાર ત્રીજા ચક્ર-वर्ती. जंबूद्वीप के भरत में श्रागामी उस्सर्पिगी में होने वाले तीसरे चक्रवर्ती. the third future Chakravarti of the coming Utsarpini in the Bharata

of Jambii Dripa सम्बंधिक रेश विश्व सम्बंधिक के प्रिकृत पर आवेश श्रुद्धन्त नामने। ओह अन्तरद्वीप. जनण समुद्र में ना सो योजन पर आया हुआ गृद्धन्त नामक एक अंतरद्वीप. name of an island in Lavana Samudra at the distance of 900 Yojanas हा॰ ४, २; ६, १; प्रव॰ १४४१; (१) २७ मा अन्तरद्वीपमां रहेनार माणुस. २७ वें प्रन्तरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य. a resident of the 27th Antara Dripa. पन्न॰ १:

गूढपय न० (गूढपद) गुप्त पह. सां डेनिड शण्ह गुप्तपद; सांकतिक शब्द. A code word. प्रव॰ ६६४, — प्रालोयणा जो॰ (-धा-लांचना) गुप्तपह-णे भागायाना सा डेतिड शण्हथी अतियारनी आक्षेत्रयता डरवी ते गुप्तपद-दो प्राचार्यों की सांकेतिक शब्द से प्रतिचार की प्रालांचना करना. expiation of faults to be performed by two preceptors by means of code words. प्रव॰ ६६४.

गूढिसिरागः न० (गूढिसिराक) कीना पांहडामां सिरा-रेस गुप्त होय अर्थात अगट न हेणाय तेनी ओड साधारखु वनस्पतिः जिसके पत्तों में रेशा गुप्त हो अर्थात् प्रगट न दिखाई देने ऐसी एक साधारण वनस्पतिः A vegetation with hidden fibres in its leaves.

गृह्ण्या स्त्रो॰ (गृह् न) पेतिना रूपने छुपापी हेवु ते, अपटनुं अपर नाम. श्वपने रूप को छिपा देना, कपट का श्रपर नाम. Hiding of one's own form; a kind of deceit. भग० १२, ५, सम०४२;

गोज्जा न॰ (गेय) गापा क्षायकः शीत गाने योग्यः गीत A song पगह॰ २, ४;

गेय-श्र. न॰ (गेय) ६ दिक्ष स-पादान्त सन्दर्भ-अने रे शिवतावसान-अ थार शीतमाने । अमे ते अप्र न्तन्तुं शीत. उत्तिप्त-पादान्त मन्दर्भ व रो चितावसान इन चार जाति के गांत में ने चाहे सो एक जाति का गांत. Any of the four kinds of song viz. Utkseipta, Pādānta Mandaka and Rochitāvasāna. राय॰ ==; ६६; अगुजो०१२=; ठा०४, ४; जं० प० ४, १२९; — इसिए. पुं० (-ध्विन) शीतने। ध्वनीश्यन्द. गांत का ध्विन-शब्द. the sound of a song. मु० च० ५, ६२: गेरिश्र. पुं० (गेरिक-गिरो भव.) गैरिश

धातु; शेइ. गिरिक धातुः गेरु. Red chalk: a mountain-born substance or metal. दस० ४, १, ३४; गिरय पुं० (गिरूक) भगवां वस्त्र पहेरतार, परित्राल्यक, संन्यासी गेरुण बस्त्र पहिनने बाला, परित्राजक, संन्यामी An ascetic with clothes dyed with red chalk आया० २, १, ६; ३३; पं० नि० ३४८; ४४४; निसी० ४, ४४; उत्त० ३६, ७६; प्रव० ७३८; (२) ओक जाति का मणि. a kind of gem पन्न ० १;

गेलएए न॰ (ग्लान्य) अश्वित थवी; भुंअशुं; अशुंगित स्वानि से व्याकुल होना; वेचैनी; अरुचि. Mental discomfort. पि॰

गेलन्त्र. न० (ग्लान्य) ळुओ। "गेलएण ' शण्द. देखो "गेलएण ' शब्द. vide "गेलएण '' पिं० नि० ४८०; विशे० ५४७; श्रोव० नि० ७२; प्रव० ८६०;

गेव त्रि॰ (प्रैव) ४४ संशंधी कंठ; गला; गरदन Neck; throat."गंबिच्छ्रगणका" श्रोव॰ ३८; मेवज्ज. न॰ (मैबेय) नव भैवेयक The nine heavenly abodes. पचा॰

गेविज्ञ. न० (प्रेवेय-प्रीवायां बद्धमलंकरगम्) डंहेनुं धरेष्णु, डेइनुं आक्षरणु कंठ
का श्राभूषणा; गले का गहना. A necklace. श्रोव० ३१; विशे० ६६७: जीवा० १;
३,३; भग० ७,६; राय० ६१, जं० प०
७,१६६, कप्प० ४,६२; (२) श्रेवेयध्यामनु विभानः प्रेवेयक नामक विमानः
क heavenly abode styled as
Graiveyaka. प्रव० ११३०; १९७०;
—विमाण. न० (-विमान) श्रेवेयध्व देवता का निवास स्थान, name of any heavenly
abode between the 12th and
the 29th Devaloka भग० १३,
२;१४,१०;

गोविज्ञग. न॰ (प्रवेषक) श्रेवेषक विभान. प्रवेषक विमान. A heavenly abode named Graiveyaka. नाया॰ १; सु॰ च॰ २, ३७, (२) नव श्रेवेषक्ष्यासी देव चौप्रवेषक वासी देव the gods residing in the nine heavenly abodes known as Graiveyaka पत॰ १, उत्त॰ ३६, २१०, ठा॰ २, ३;

गेविज्ञ न॰ (प्रेवेय) लुओ। "गोविज्ञ" शण्दः देखों "गविज्ञ " शब्दः vide "गेविज्ञ" नाया॰ १; मग॰ २, १०;५, ८; ६, ३३; श्रोव॰ ४१; राय॰ २५३; —कप्पातीयः पुं॰ (-कल्यातीत) भार देवेशे। ६ ७०२ श्रेवेयक्वासी देवे। ६ के इंद्रश्म तीत व्यवहार मर्यादा से श्रतीत है name of the gods above the

12th Devaloka. भग० =, १;
—िविमाण. न० (-िवमान) लुन्भे।
"गेविज्ञविमाण " शण्द. देखो "गेविज्ञविमाण " शब्द. vide "गेविज्ञविमाण "
श्रणुजो० १०४;

गेवेज्ञग. न॰ (प्रैवेयक) लुओ। " गेविज्जग"
शफ्द देखो " गेविज्जग" vide "गेविज्जग"
भग॰ १६, ८; २०, ६; —कप्पातीय. पुं॰
(-कस्पातीत) लुओ। " गेवेजकप्पातीय"
शफ्ट. देखो " गवेजकप्पातीय" शब्द.
vide " गेवेजकप्पातीय" भग॰ =, १,

गेवेज्ञय. पुं॰ (प्रेवेयक) श्रीतानुं; श्रीतासंशंती (शंधत), श्रीता संवंधी (बन्धन). Re lating to neck. नाया॰ २;

गेवेय न॰ (ग्रैवेय) अप्रेन भूष्णु, कंठाक भूष्णा. An ornament for the neck ओव॰ ३०;

मेह. न० (गह) धर; भशन. गृह; मकान. A. house; a building. पि॰नि॰ १६३; भग० २, ५, ६, ५, १३, ६, १८, २; नाया॰ २; ८, १६; भत्त॰ ११२; गच्छा॰ १११, —ग्रागार. पुं॰ (-श्राकार) ઘરની પેકે ટાઢ તડકા અને વરસાદથી વચા-વનાર ઘરને આકારે પરિણત થયેલ કલ્પવૃક્ષ. घर के समान ठंडी, ताप व वर्षा सं बचानेवाला; गृह की श्राकृति में परिणत कल्पवृत्तः a desire-yielding tree protecting against heat and cold like a house सम० १०, जीवा॰ ३. ३: — प्रावण. पुं॰ (-प्रापण) धरयुक्त लान्तर. गृहयुक्त बाजार. a market having a line of houses. अग॰ ६, ५; ---बास. पुं॰(-बास) धरवास; गृहस्थाश्रम. गृहस्थवना, गृह संसार; घरवास. status of a householder. सूय० २, १, ६०:

name of the gods above the | गेहंगेह. न॰ (गृहगृह) धरधर: ६रे६ धर.

घरघर; प्रत्येक घर पर. From house to house. नाया १६;

गेहसम. न॰ (गेहसम) पीजा विगेरे पाछ ते। ओ के स्वर उपाउथे। होय तेक स्वरमां गावुं ते. जिस स्वर को वीणा इत्यादि वार्जित्र में उठाया हो जसी स्वर मे गाना. Singing in the same pitch in which a song is begun on a musical instrument श्रणजो॰ १२८;

गेहि स्रो॰ (गृद्धि) आसंकित, र्घ-श स्रासितः इच्झा. Greed; desire. स्य० १, १, ४, ११: १, ६, २४; उत० ६, ४, ३४, २३, सम० ३०: ५२; स्रोघ० नि० ८७, भग० १२, ४; परह० १, ३;

गोहिएी. स्री॰ (गोहेनी) स्त्री; पत्नी गृहिएी; स्त्री; पत्नी; A wife. सू॰ च०४, ६;

गो. पुं॰ (गो-गच्छतीति) गाय, णलह. गी; बैल A bull; ox. भग १, १; २, ४; श्रोव • श्रामां १३१, सम० ४०, जीवा० ३, ९; नंदी० स्थ० ४४; पि० नि० १३२; राय० २८६; दसा० ६, ४, दस० ७, २४, सू० प० १०. उवा० १, ४, पंचा० १, १०; जं० प० 's, १९४, —कालिंज. न॰ (-कालिक्ष) ગાયાને ખાણ અ ૫વ તા વાંસના સુંડલા. गौंओं को बांटा देने के काम मे आने वालो टेाकरी a basket from which cows are fed जोवा॰ ३, ४; — खीर. न॰ (-चीर) शायनुं हुव. गाय का दव. cow's milk. नाया॰ १; १६; कृषा॰ ३, ३८; जं० प० ४, १२२; ७, १६६; -गाहण न० (-प्रहण) गायाने पक्ष्यी-संध देवी ते गौंत्रों को पकड़ना-ले जाना taking away of cows. नाया॰ १६; विवा॰ ३; —घाय म-य. पुं॰ (-वातक) ગાયોને મારનારઃ ગાવત કરનારઃ કસાઇ. गौओं को मारने वाला, गोत्र करने वाला;

कसाई. a butcher, one who kills cows. सूय० २, २, २=; -चर. न॰ (-बर) गाये। ने यरवानुं जंगल गाँत्रां को चरने का जंगल. a pasture-ground; भग॰ १२, ७; — जिन्माः स्रा॰ (-जिह्वा) ગાયની છસ. गो को जिल्हा. a cow's tongue ,उत्त॰ ३४, १८; —दोहि त्रि॰ (-दोहिन्) गायने देानार. गौको दुहनेवालाः (one) who milches a cow. সৰ় प्रहरः पंचा० १८, १७; —दोहिया श्री० (- द्रोहिका) गाय हेत्याने के आसने ले-સાય તે આસને ખેસી ધ્યાન ધરવું કે આતા-पना देवी ते गोंका दूध दुहने को जिम श्रास-नगर वैठा जाता है उस आसन पर वैठ कर च्यान धरना या त्रातापना लेना. practice of meditation or austerity on a seat used at the time of milk ing a cow श्राया॰ २, १४, १७६. ठा० ४, १; कप्न० ४, ११६; दमा० ७, १०, —पुरुक्तु, न० (-पुरुक्त्) गायनुं पुंग्हें, गाय की प्ंञ. a cow's tail. जं॰ प॰ १, ४; ४, १०३; राय० १०४; —पुरुष. न० (-पृष्टक) गायना वांसे।-अरडा गौकी पीठ a cow's back. भग॰ १४, १; — भत्त न॰ (-- भक्त) गायनुं आखु. गौत्रों का बाटा the fodder for cows प्रव ११६; —भत्ति इत्र. न॰ (-भक्तालिन्द्क) गाप-ने भाणु आपवानी भाणीये। गौत्रों को बाटा देनेका बर्तन a fodder pot. प्रव॰ ११६; -मंडवग्र-न॰ (-मएडपक) गायना भंऽप-भाउंचे। गौत्रों का महप. a house for cows. विवा॰ २; —मंस. न॰ (-मांस) ગાય અથવા ભળદનું માંસ. गौया वैल का मांस. baeि पि॰ नि॰ १६४; -मड. न॰ (-मृत) ગાય કે ખળદનું મડદું-કરીવર गौ या बैल की लोय. a carcass of a cow

or an ox. उत्त॰ ३४, १६, नाया॰ =, १२; —महिसी स्नां (-महिपी) गाय अने भें स गाँव महिंपा, गाय व भेंस. a cow and a she-buffalo. प्रव॰ २१६: —मुत्त न० (-मूत्र) गायनुं भूत्र गौमृत्र. urine of a cow. पिं॰ नि॰ मा॰ ४०: श्रोघ॰ नि॰ भा॰६४; — ह्व त्रि॰ (-रूप) शिरूप, शाय लेवुं गाँवतु; गौहप, गौं कं समान. like a cow विवा॰ २: - लेह-शिया बा॰ (- लेखनिका) गायाने यरवानी જગ્યા (ખીડ) गौश्रों का चरने की भूमि, चरा-गाह. a meadow for the grazing of cows. निसी॰ ३, ७७, -वइ. पुं॰ (-पति) भाटा अणह. वडा वैल. क big ox नाया॰ ६. --वग्गा पुं॰ (–वर्ग) દશ હજાર ગાયાનુ ટાળુ सहस्र गौत्रों वा युथ. a held of cows 10 thousand in number. " एगं च या महं सेयं गोवगां पासित्तागां पढिबुढे " ठा० १०; भग० १६, ६; —वाल. पुं० (~पाल) ગાવાલિએા; ગાયા ચારનાર. गोवाल: गीश्रों को चरानेवाला & cowherd उत्त॰ २२, ४६, —वालश्र. पुं॰ (-पालक) गायाने पालनार गावाण. गौश्रों का पालन करनेवाला, गोवाल, गवली & cowherd स्य॰ २, २, २८; पि॰ नि॰ ३६७; - व्वइ्झ. त्रि० (-व्रतिक) गायनं વત રાખનાર, ગાય ખ્હાર નિકલે ત્યારે બ્હાર જવું; ગાયના ખાયા પછી ખાવું, પાણી પીધા પછી પાણી પીવું અને ગાયના સુવા પછી सुवु से पत धरनार गीका वत रखने वाला, गी बाहर निकले नव बाहर जाना, गीकं खाने के पश्चात खाना, पानी पीने के पश्चान् जल पीना, व ग्रीके सोने के पश्चान् सोना एंसे व्रत को धारण करने वाला. (one) who has taken a vow to go out eat

drink and sleep when the cow has done all these things. अंगुजो॰ २०; श्रोव॰ ३६;

गोत्रम पुं॰ (गौतम) भट्टावीरस्वाभिना प्रथम गर्णधर-शैतिमस्याभी. महावीरस्वामी के प्रथम गणधर-गौतमस्वामी, Gautama Swāmī, the first Ganadhara of Mahāvīra Swāmī. श्रोव॰ ३=; कप्प० १, २, गच्छा० ७६; (२) ध्रद्रभूति गर्धरते। गेात्र. इद्रभृति गरावर का गोत्र. the lineage of the Ganadhara Indrabhūti. जं॰ प॰ ६, १२४, कप्प॰ પ્ર, ૧૨૫; (રૂ) વિચિત્ર ખળદતે શણગારી તેની માર્કત ભિક્ષા ઉઘાડનાર એક ભિસુકવર્ગ. वैल को विचित्र रीति से सजाकर उसके द्वारा भिन्ना एकत्र करने वाला; एक भिन्नुकवर्ग. a class of beggars who decorate an ox and beg in its name. श्रयाजी० २०:

गोग्रर. पु॰ (गोचर) आढार क्षेत्रानी विधीः गाँचरी, भधुक्ररी. श्राहार त्वेन की विशेष गाँचरी; मधुकरी. Process of begging food. नंदी॰ ४५; —भूमि. स्त्री॰ (-भूमि) गाँचरीनी आढ स्मिश गाँचरीकी श्राट भूमिका. the eight places of begging alms. गच्छा॰ ७३;

गोउर. न॰ (गोपुर-गोभि: पूर्वते इति) नगरने। ६२वाली. नगर का दरवाजा A. city-gate. सम॰ प॰ २१०;

गोक्रग्ण. पुं॰ (गोक्र्य) भे भुरीवाणा भाषना जेवा धानवाणा पशु विशेष दो खुर वाला गों क समान कान वाला पशु विशेष. A kind of animal with ears resembling those of cows and having two hoofs जं॰ प॰ पग्ह॰ १.१.पञ्च०१; (२) सातमा अंतरद्विभमां रंखनार भाखुस. सातवें श्रंतरद्वीप में रहने वाला मनुष्य a resident of the 7th Devaloka जीवा॰ ३, ३; पण्ण॰ १; —दीव. पुं॰ (-द्वीप) स्वथ्य समुद्रभां श्रारसे। ब्लेश्नन पर श्रूसिक्षंत्रनी अदा उपरे आवेस शिक्ष्यं नामने। अन्तर द्वीप. लवण समुद्रमे चारसी योजन पर च्लाह्रमवंत पर्वत के जपर श्राया हुआ गोकण नामक श्रतर द्वीप. name of an island on the Chulahimavanta mount in Lavana Samudra at the distance of 400 Yojanas. ठा॰ ४, २;

गोचर. पु॰ (गोचर) शारी ने यरवानी रीति. गोमों की चरने की रीति. The way of grazing of cows. न्नाव॰ ४, ५;

गोचरी ली॰ (गोचरी) लिक्षा; गे।थरी. मिचा; गोचरा. Begging; alms. म्राव॰ ४, ५;

गोच्छ्रम पुं॰ (गुच्छ्रक) शु॰क्षाः, पुलवातुं भेः ६ ५६२६। गुच्छाः, पूजने का एक उप-करण A kind of brush made of woollen threads used in removing dust, insects etc. भग॰ =, ६;

गोच्छ्रय-स्त्र. पुं॰ (गोच्छ्रक) वस्त्र-पात्र-लुब्छवाने। (धनने।) गोब्छा; बस्न-पात्र साफ करने की कूची. A woollen brush to cleanse clothes, vessels etc. पगह॰ २, ४; दस॰ ४; वेय॰ ३, १३; प्रव॰ ४६=:

गोि चिछ्नय त्रि॰ (गच्छित) पुत्तना शुन्छ। वाणु फूलों के गुन्छे वाला. Having clusters of flowers. श्रोव॰भग॰१, १; गोजलीया श्री॰ (गोजलीका) गेलिबीश

नामनी लेडर्रिय छत्र गोजलोका नामक दो-इन्द्रिय वाला जीव. A two-sensed being styled Gōjalōka पन्न- १, गोहामाहिल. पुं॰ (गोहामाहिल) भेशभादित) भेशभादित । स्थान सातमा निन्छ दे हे के छे छवने हम ने। स्पर्श थाय पण अन्य न थाय अभ स्थापन हर्युं. गोष्टामाहिल नामक सातं निन्ह व कि जिन्होंने जीव व कम का स्पर्श होता हे परन्तु बंधन नहीं होता ऐसे सिद्धात की स्थापन किया. Name of the 7th Ninhava who established that a soul is touched by Karmas but not bound by them ठा॰ ७, १;

गोहिश्व. पुं॰ (गोहिक) स्पेक ने।धी-भएऽसीमां रहेनार; भित्र; दोस्त. एक गोछा-मएडलांमें रहने वाला; मित्र; दोस्त. A friend; one belonging to the same circle of friends. श्रागुजा॰ १४०;

गोद्दिग. पुं• (गोदिक) भित्र; शिशिश मित्र समुदाय; साथा. A friend पंचा॰ १३,

गोहिस ति॰ (गोहीमत्) थिट् पुर्धाती गाष्टी भएडलीभां लाग लेनार; गाडीओ. विट् पुरुषों की गोष्टी-मंडली में भाग लेने बाला सभासद. A member of an assembly of evil persons. श्रत॰ ६. ३: विवा॰ २:

गोहिल्लग. पुं॰ (गोहिमरक) लुओ "गोहित" शण्ट. देखो "गोहिल " शब्द Vide "गोहिल " विवा॰ २; —पुरुष. पुं॰ (-पुरुष) व्यक्षियारी भंउलीमां रहेनार भाणुस. व्यभिचारी मंडली में रहने वाला मनुष्य. an intriguing person. नाया॰ १६:

गोही स्त्री॰ (गोही) व्यक्तियारी पुरुषीती भएउथी. व्यभिचारी पुरुषों की मडली. A circle of unchaste persons श्रंत॰ ६, ३; (२) भित्र भएउथी मित्र मंडली. a circle of friends. पि॰ १४५; सु॰ च॰ २, ३८६; नाया॰ १६; गोड. पुं॰ (गोड) गांड देशना रहेनार. गांड देश का रहने वाला. A resident of Gauda country. पगह॰ १, १; पन्न॰ १;

गोडू. त्रि॰ (गोड) शुंध संभाधी गुड.
Treacle; (anything) sweet
(२) भधुर; भीढुं मधुर; मीठा. sweet;
delicious. भग॰ १=, ६.

गोण त्रि॰ (गोण-गुणैनिवृत्तम्) शुल्धी लनेलु-यथार्थ शुल्लु निष्पन्न गुण निष्पन्न; गुणेस दना हुन्ना. Possessed of proper qualities ऋणुजो॰ १४०; स्रोत॰ ४०; नाया॰ १; १६; भग॰ ११,

गोर्ण. पुं॰ (गोर्ग) थक्षह, वृषकः आण्डी. बैल; ग्रुपभ; साढ An ox; a bull. श्राया० २, १, ५, २७; २, ३, ३, १३०; स्य० २, २, ४४, जं० प० गु० च० १२, ५७, जीवा॰ ३,३; पन्न० १; पराह० १, १; २; भग० =, ३; ६, ३३; ११, ११; १४, १; नाया॰ ३; श्रोव॰ उवा॰ ६, २४२; (२) એ नामना એક અનાય[©] देश. इस नामका एक श्रनार्य देश. name of an uncivilised country. प्रद० १४६७: —স্মাचलिया. श्ली॰ (श्लावतिका) পণ दे। ती पंडितः वैलों की पंक्ति. a herd of oxen. भग० =, ३; —शिष्ट. न॰ (-गृह) स्थान-घर. a fold for bullocks. निर्सा० ८, ६, १५, २७: - लक्खण. न० (- तत्त्रण) पदाना वक्षण लेवानी इदा वैन के लचगों को परखने की कना, an art of testing the merits of an OX नाया॰ १: —साला. र्हा॰ (-शाला) णश्रद्द शाला. वेलों का घर; वेल शाला त stable for bullocks. निर्ता॰ ८, ६, गोणत्ता. स्रा॰ (गोणता) अलद्दपण्डुं; भूर्भाता. मूर्खता, बेलपन. State of being an ox: foolishness. विवा॰ १;

गोणस पुं॰ (गोनस) ईखु विनाने। सर्थः फन रहित सर्थः A serpent without a hood (२) सर्थः, विशि वंगेरे. सर्थः, विच्छु इत्यादि. snake. scorpion etc. पन्न॰ १, जीवा॰ १; नाया॰ = प्रस्० १, १; गोणी. स्ता॰ (गो) गाय. मी; गाय. A cow श्रोष॰ नि॰ भा॰ २३; पि॰ नि॰ १५६; विशे॰ १४११;

गोग्ण. त्रि॰ (गैंगण) गुल्निः पत्र नामः प्रकृति प्रत्ययना अर्थने अनुसरतुं नामः गुण निष्पन्न नामः प्रकृति प्रत्यय के श्रर्थ के श्रन्यस्त नाम. A name according to attributes नाया॰ २; पगह॰ १, १; श्रणुलो॰ १३१; (२) गालः भुण्य निद्

गोतम पुं॰ (गोतम) अतग्रस्त्रना पहेला
वर्गना पहेला अध्ययननुं नाभ अंतगडमृत्र
के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम
Name of the first chapter of
the first section of Antagada
Sutra. (२) अध्कृष्णि राजनी अथभ
पुत्र के के जे नेमनाथअल पासे दीला लग्न
आस वरस अनक्या पाणी शत्रुंक्य उपर
ओक मासनी सथारा करी मेलि गया. अंधकगृण्णि राजा का प्रथम पुत्र कि जिसने
नेमनाथ प्रभु से दीचा लेकर वारह वर्ष
पर्यत प्रवज्या का पालन कर शत्रु अके जपर
एक मास का संथारा कर मोच्न प्राप्त किया.
the first son of king Andhakavrieni who took Diksā from

Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā for 1 month Šatrunjaya mount attained final bliss. श्रंत॰ १, १; (ર) ગાતમ ગણધર; મહાવીરસ્વામિના भुण्य शिष्य. गीतमगणधर; महावीरस्वामी के सुख्य शिष्य the Ganadhara named Gautama. भग०४२, ;नाया० १६; (३) रे।ढिखी नक्षत्रतुं गे।त्र. रोहिखी नज्ञ का गोत्र. the family name of Rohinī. स्० प० १०; (४) शैतिभ गात्रमां ७८५ल थ्येस. गीतम गोत्रमें जो उत्पन्न हुन्ना है वह (one) born in the Gautama family. स्०१० १; गोतित्थ न॰ (गोतीर्थ-गोतीर्थमिव) तथाय-भां ઉतरवाने। आरे। तालाव में उतरने का यात. A path to descend into a poud. जीवा॰ ३, ४;

गें।स न॰ (गोत्र-गृयते संशब्दाते उद्यावचैः शब्दैर्वत् तत्) वशने। भूक्ष पुर्य-के नामधी-અટકથી-વશ એાળખાતા હાય ते वंश का पुरुप-जिस नाम से-गोन से जो वंश पहिचाना जाता हो वह. The progenitor of a line of descent, from whom the surname of a family is derived स्य॰ १, २, ७, ४: श्रोव॰ ११; पिं० नि॰ ५०६: राय० २६: स्॰ प॰ १; सग॰ ३, ५; नाया॰ १६; उवा॰ १, ७६; अं० प० ७, १५५; (२) त्रि० (गा वाचं त्रायत इति गोत्रं सर्वागमाधार मृतम) सर्व व्यागमने। आधार, सर्व श्रागम का श्राधार. the source of all the scriptures. स्य॰ १, १३, ६; (३) ગાત્ર કર્મ; આઠમાનું સાતમું કર્મ, गोत्र कर्म; श्राठमें से सातवां कमें. Gotra Karma;

the 7th of the eight Karmas. भग० ८, १०; — ग्रमार. पुं० (- ग्रमार) भावनी भावेडीनुं धर. गोत्र के स्वामिल का रह. a house of the same lineage. " पहीगा गोत्तागाराइ वा" उच्छित्र गोत्तागा-राह् वा " भग० ३, ७; —कम्म. न० (-कर्मन्) लेथी তব উথ নীয নাসমা-કુલમાં ઉત્પન્ન થાય તે કર્મ. जिससे जीव उच नीच कुल में, उत्पन्न हो वह कर्म. a kind of Karma causing birth in a high or low family. তাত ২, ४; ---दुग. न० (--द्विक) नाभ अने गात्र नाम व गोत्र. name and lineage. प्रव॰ १२६२; —भेइ. पुं॰ (-भेदिन्) धन्द्र. इन्द्र. the god Indra. सु॰ च॰ 2, 14;

गोत्त. न॰ (गोत्व) आयपणुं; शित्यरूप सा भान्य न्यनि गौत्व; गोत्वरूप सामान्य जाति. Genus of a cow. विशे॰ २१६१;

गोधूम. पुं॰ (गोस्तूर-म) अवध् समुहर्भा ચારે દિશાયે જ છુદ્વીપની જગતીથી બેતાલીસ **હ**जार जोजन ७५२ आवेस वेसंधर देवेते रहेवाने। पर्वतः लवण समुद्रम चारा दिशाश्रों में जंबुद्दीप की सीमा से बयालीस सहस्र योजन के ऊपर श्राया हुआ वेलंधर देवों को रहते का पर्वत. A mountain-residence of Velandhara gods at a distance of 42 Yojanas in the east, in the Lavana Samudara. ठा॰ ४, २, सम॰ ४२; जीवा॰ ३, ४; भग॰ ૧, ૬; (૨) ૧૧ માં શ્રેયાંસનાથના પ્રથમ गर्धरतुं नाम ११वें श्रेयांसनाथ के प्रधम गगाधर का नाम. name of the first Ganadhara of the 11th Sreyānsanātha. सम॰ प॰ २३३; गोथूमा बी॰ (गोस्तूमा) पश्चिम दिशाना अंजन इपर्वतनी-पश्चिम तर्दनी वावनुं नाम पश्चिम दिशा के श्रंजनक पर्वत की पश्चिम तरफ की बावडी का नाम. Name of a well on the Añjanaka mountain in the west. ठा० ४, २; जीवा॰ ३, ४; प्रव॰ १४०२;

गोदास. पुं० (गोदास) એ नामना भुनि इस नाम के मुनि. Name of an ascetic कप्प॰ द:—गोगण पुं०(-गण) महावीरस्या-भिना नवगणभाने। એક गण्-साधु सभुदाय. महावीर स्वामी के नवगण में से एक गण्-साधु समुदाय. Oue of the nine Ganas or groups of saints founded by Mahāvīra Swāmī ठा० ६; गोधूम पुं० (गोधूम) गेधूम, धर्ड. गोधूम; गेहूं Wheat भग०१४, ७; २९; १; ठा० ३, १; जीवा० ३, ३; ज० प०

गोपुर न० (गोपुर गोभि: पूर्यते इति) शहरनी।

१२वाकी शहर का दरवाजा. A citygate. नाया० ५; १६; भग०४, ७; ८, ६;

उत्त० ६, १८; श्रोव० श्रागुजी० १३४; राय०
२०१; निसी० ८, ३; जीवा० ३, ३; जं० प०
सू० प० ३;

गोप्पयः न॰ (गोप्पदः) शायना पगक्षा केटलुं मिंप्यः न॰ (गोप्पदः) भाणेशियें, गों के पेर जितने प्रमाण का खड़ा जिसमें गाय का पेर मात्र इव सके. A puddle having the depth of the measure of a cow's foot "जहा समुद्दो तहा गोप्ययं" अणुजो॰ १४७; ठा॰४, ४; विशे॰ १४६६:

गोप्पयमित्त. ति॰ (गोप्पदमात्र) गायनी भरी के युर जितना, छोटा खरूा. Of the measure of a cow's hoof e.g. a pit. मु॰ च॰ ३, १४:

Vol 11/82

गोप्पहेलिया. की॰ (गोप्रहेल्या) शायाने यरवाभाटे थाडा धास वाणी लूभिः गीम्रों को चरने के लिये थोडे घांस वाली भूमिः A pasture-ground for cows having thinly growing grass श्राया॰२, १०, १६६;

गोफ. पुं॰ (गुल्फ) धुंटी-पगनी ओडी घुंटा-एडा. A heel. परह० १, ४;

गोवहुल. पुं॰(गोबहुल) शरवण नाभना गाभभां रहेनार ओंड धाहालुनुं नाभ. शरवण नामक प्राम में रहने वाले एक ब्राह्मण का नाम. Name of a Biāhmana living in a village named Śrvaņa. भग॰ १४, १.

गोद्यर पुं॰ (गोर्बर) भगध देशभानुं स्निक्ष गाभ. मगध देश का एक प्राम. Name of village in the Magadha country पि॰ नि॰ १६६;

गोभत्तिय. त्रि॰ (गोभितिक) शायनी पेंडे आढार इरनार. गों के समान आहार करने वाला. A person taking his food in imitation of a cow नाया॰ १५: गोमंत. त्रि॰ (गोमत्) शायवाणा गोंश्रो का रक्तक; गवली. A cowherd; (one) having cows. विशे॰ १४६=:

गोमय. न॰ (गोमय) छाष् गोबर. Cowdung.निसी॰१२,३८; भग०४,२; ग्राया॰१,३,४,३७; २,१,१,१ भत्त०१६२; दस॰४,१,७; —कीड. पुं॰ (-कीट) छाष्त्री धीडा-यतुरि दिय जीव. an insect in cowdung, a four-sensed being. मग०१४,१; जीवा॰१; पन्न०१; —रासि. पुं॰ (-राशि) छाष्त्री ढगेली. गोवर का डेर. a heap of cow-dung. भग० ६,९; १४,१; गोमाउ पुं॰ (गोमायु) शुगाल; शियाल.

शृगातः सियारः A jackal नाया ४ ४ भोमायुपुत्र . पुं (गोमायुपुत्र) गे।भायुपुत्र नाम के एक साधु . यो ताया अ १ ४ भग १ ४ , १ १

गोमाणसिश्चा-या. स्रो० (गोमानासिका)
शय्या; पथारी. श्राप्या; विद्याना. A bed.
(२) लांगे। गोटली. लंग ग्रोटला. a
long verandah. जं० प०राय ० १०६;
गोमाणसी. स्रो०(गोमानसी) शय्या.
A bed. जीवा०३.४:

गोमिश्र । त्रे॰ (गोमिक गावस्तिन भस्येति)

लुओ ' गोमंत '' शण्ट देखी '' गोमंत ''

शब्द. Vide '' गोमंत '' भणुजो॰ १३९;

पगह॰ १, २; दस॰ ७, १६; १६;

गोमिज्ञश्र. पुं॰ (गोमेदक) એક જાતના મिश्च; सिंग्त इहिन पृथ्वीना એક आग. गोभेद-एक जाति का मिशा; सिंचत्त कठिन पृथ्वी का भाग. A kind of gem. उत्त॰ ३६, ७६;

गोमिसी स्त्री॰ (गोमिनी) गायवात्री स्त्री. गायवात्ती स्त्री. A woman, possesing a cow. दम॰ ७, १६;

गोमुत्तिया स्त्री॰ (गोमुत्रिका) यासती गाय भुतरे तेने आक्षारे वांक्षी शायशी करवी ते; धरनी भे पिक्तिमा ओक वार ओक पिक्तिना ओक धरे व्हाेशी पछी रहाभी पिक्तिनां ओक धर व्हाेरे वणीपाछा पहेली पिक्तिमां ओक धर पहें। शायशी करे ओम शामुत्रिकाने आकारे धर व्हाेरे ते लिक्षानुं नाम शामुत्रिकाने आकारे धर व्हाेरे ते लिक्षानुं नाम शामुत्रिकाने शकार चलती हुई गो मूत्र करती है उसी श्राकार में वक गोचरी करना श्रर्थात घरों की दो पिक्तियों में से एक बार एक पिक्ति के एक घर में से भिन्ना लेकर समीप की पिक्ति के एक घर से भिन्ना लेना; पुनः पहिली पंक्ति

में एक घर छोड़ गोचरी करना इस प्रकार गोमत्रिका के श्राकार से घर घर भिषालेगा उसका नाम गोम्त्रिका; भिचा के अभिप्रह का एक प्रकार. A vow to beg food; a particular mode or fashion viz. in imitation of the zigzag course described when a cow moves on shedding a stream of urine as she walks; e.g. while begging food from two rows of houses the ascetic would begin with the first house of one row and then go to the first house of the opposite row then to the second house of the first row and so on. उत्त॰ ३०. १६; ठा० ४, २, ६, १; दमा॰ ७, १: प्रव॰ ७५२;

गोमुत्ती. स्री॰ (गोमूत्रिका) गाय डे लक्षक भूतरे तेने। को व्याधार थाय ते. गों वा बंत मूत्र करे उसका जो श्राकार हो वह. The zigzag shape which is formed while a cow or a bullock passes urine while it moves. के ग॰ १, २०;

गोमुह पुं॰ (गोमुख) सप्ध समुद्रमां पांथसे।
कोवन उपर ध्यान पुष्णांमां आवेस गामुम
नामने। ओड अन्तर द्वीप. लवण समुद्र में
पाचसाँ योजन पर इशान कोन में आया हुआ
गोमुख नामक एक अन्तर द्वीप. Name of
an Antara Dvipa (an island)
in the north-east in Lavana
Samudra at a distance of 500
Yojanas. ठा० ४, २; प्रव० १४३६; (२)
१२मां द्वीपमा रहेनार माणुस १२वें द्वीप में
रहने वाला मनुष्य. an inhabitant

of the 12th Dvīpa. पन्न १ (३) श्रीऋषलदेव स्वाभीना यक्षनु नाम श्रीऋषम-देव स्वामी के यन का नाम name of the Yaksa of Śrī Riṣabhadeva Swāmī. प्रन ३७४,

गोमुद्दी. स्वा॰ (गोमुखी) એनाभनु એક वाळ त्र; शायना भुभ केवु-डाइड म क्रनीया विशेरे. इस नामका एक वार्जित्र; गौके मुख के स्राकरका वाजित्र विशेष A kind of wind instrument; e. g a bugle etc. स्रक्षजो १२८; ठा० ७, १; नाया १९८, राय १८८;

गोमेज, पुं॰ (गोमेद) એક जातने। भिख्ः एक जातिका मार्था. A kind of gem. पन्न॰ १;

गोमेह पुं॰ (गोमेघ) नेभिनायछना यक्षतु नाभ नेमिनायजी के यत्त का नाम. Name of the Yakṣa of Neminātha प्रव॰ ३७६,

गोश्चि ५० (त्योदिमन्) त्रल् धिन्द्रय वाली छत्रः धान भक्तुरा. तीन इन्द्रिय वाला जाव, कान खज्रा A three-sensed being; a centiped. पद्म • १;

गोय. पुं॰ न॰ (गोत्र) सातभु गाति भी केता हि धथी छव छ य अध्या नीय गेति भामे छे. सातवां गोत्रकर्म जिसके उदयसे जीव उन्न किवा नीय गोत्र पाता है The Tth valuety of Kurma known as Gotra Karma by the rise of which a soul gets high or low lineage. पन्न॰ २०; २२; स्त्रोव॰ २०; नाया॰ =, भग॰ २६, १; विशे॰ ११८७, क॰ प॰ १, २६; २, ६, क॰ गं॰ १, ३; ४२, ४, ७९; उत्त॰ ३३, ३; प्रव॰ १२६४, (२) गोत्र; वंश; अ८६. गोत्र; वंश, कुलनाम. lineage, family

name. श्रोव० २७; सग० २, ४; (३) (गां वालीं त्रायत इति गोत्रम) भान धारण् **५२वृ ते**; वार्ड्सथम. मीन धारण करना; बाक्संयम, keeping of silence. स्य॰ १, १४, २०; -कम्मः (-कर्मम्) लुओ ग्रेथ शण्हते। भीकी अर्थ, देखो ''गोय", शब्द का द्वितीय श्रर्थ. vide the second meaning of the word "गोव" उत्त॰ ३३, १४, —दुगः न॰ (-द्विक) गात्र ६६; ७२ गात નીચ ગાત્ર એ ગાત્રક્રમ'ની ખે પ્રકૃતિ द्विक. उच्च गांत्र व नीच गोत्र कर्म की दो प्रकृति the two varieties of Gotra Karma viz. high and low lineage. क॰ ग॰ ४, १४; -- मय. पु॰ (-मद) ઉंચ गात्र भणे तेना भट **५२वे। ते. उच्च गोत्र प्रात्य हुआहो तो उसका** मद करना pride of high family. स्य० १, १३, १४:

गोयम. पु॰(गौतम-गांभिः तमो ध्वस्तं यस्य) लुओ "गोतम "शण्ध देखो "गोतम" शब्द Vide "गोतम" "गोयमीय गो-त्तेगां '' जं॰ प॰ उवा॰ १, ७६, श्रशुजो॰ ८६; १३४, श्रोव॰ ३, ८, उत्त॰ १०, १; १८, २२; २३, ६, नंदी० स्य० २४, भग० ७, ९; १८,१०; नाया०१,६,७,१०, ११; १२; १४. राय॰ ७=, (२) सुस्थिक (अप्रश्न समुद्र સ્वाभि) દેવતના ગાતમ નામે દ્રીપ सुस्थिक देवता का गौतम नामक द्वीप. name of an island of the god Susthika the lord of Lavana Samudra. जीवा॰ ३, ४, (३) गातम गेत्रमा ઉत्पन्न થયેલ–મુનિ સુવત અને નેમિ તીર્થકર નારાયણ અને પદ્મશિવાયના વાસ્દેવ, બલદેવ, ઇન્દ્રભૃતિ आहि त्रश् गश्धर वगेरे गीतम गोत्र में मुनि सुत्रत व नेमि तीर्थंकर.

नारायण व पद्मके सिवाय वामुदेव, वलदेव, इन्ह्रभृति आदि तीन गरावर इत्यादि. born in Gautama family viz. Muni Suvrata and NemiTirthankara Vāsudeva-Baladevas, excepting Nārāyana and Padma; the three Ganadharas e.g. Indrabhūti etc. ठा० ७, ६; (४) पुं० शे।-શાલાના છકા પઉટુ પરિહાર–કલ્પિત અવતારનું नाभ गोशाला का छठा पडह परिहार-काल्यन श्रवतार का नाम the immaginary sixth incarnation of Gosala. भग० १४, १; —गोत्त. न० (-गोत्र) ઇન્ડર્ભૃતિ ગણધરનું ગાતમ ગાત્ર. इन्डमृति गणधर का गातम गोत्र. the family named Gantama to which the Ganadhara Indrabhūti belonged. भग॰ १, १: ३, १; —सामि पृ॰ (-स्वामिन्) गातभश्याभी गातम स्वामी. Gautama Swāmī. नाया॰ १६:

गोयम कुमार. पुं॰ (गोतमकुमार) अधि वृष्णिराज्यनी धुभार; दश दशारभांनी ओक्ष. श्रंथकशृष्णि राजा का कुमार; दश दशार में मे एक. A son of king Andhaka Vrisni; one of the ten Dasaras. श्रंत॰ १, १;

गोयमदीच. पुं॰ (गोतमहीप) अवज समुद्रभां जीतमदीप नामना टापु छे त्यां सुस्थित नामना अवज्ञसमुद्रना व्यविपति रहे छे. जवण समुद्र में गीतमहीप नाम का हीप हैं वहां सुस्थित नामक जवण समुद्र का व्यविपति रहता है. Name of an island in Lavana Samudra where the lord of that ocean resides, मम॰ ६७;

गोयमपुत्तः ५० (गाँतमपुत्र) भातभना पुत्र

अलु नि. गातम का पुत्र त्रार्जुन. Arjuna; son of Gautama Swāmī मग॰ १५. १:

गोयर. पुं॰ (गोचर-गारिव चरात गरिमन् म.) ગાંચરી: સાધુએ ગાવૃત્તિથી,લિકા ક્ષેત્રા જું ते. गोचरी; साय का गोत्रुति से मिन्ना लेने है वास्ते जाना Begging of alms by an ascetic moving from place to place like a cow. पि॰ नि॰ १६४; राय० २३५; सम० प० १६८; उत्तः १६. ४१: ग्रोय॰ नि॰ भा॰ ६६; नया॰ १; भग० २, १; वेय० ६, १६; दसा० ७, १; (२) स्थान स्यान. a place. निशे॰ १६६; भग० ७, ६; (३) स-भुभ, प्रत्यक्ष सन्मुख; प्रन्यज्ञ. in front of; in presence. इसा॰ ८, २; (४) विपय; संभाधी विषयम, संवेयमें, relating to. जं॰ प॰ ३, ३६; पंचा॰ ५, ३; —काल पुं॰ (-काल) गे।यरीते। समय. गोवरांका नमय. time of begging food. द्वा॰ ७, १: -चरिया स्त्री॰ (-चर्या-गोड रणं गाचर इव चर्या) शेव्यरीनी यथां. गोचरी की चर्या. mode of proceeding to beg alms. दसा॰ ७, १; गोयरगा. न॰ (गोचराव्य) अथ्र-प्रे^{श्त}-

श्रेष्ट-गेश्यर-सिक्षा; आधा डमोहि हाप रहित सिका-गोयरी अत्र-प्रधान-श्रेष्ट-गोवर-मिक्षा; आवाकमीदि दोष रहित मिका-गोवरी. Begging alms of the highest kind i. e. free from the fault of Adhākarma etc. स्तः २, २६; ३०, २४; दस॰ ४, १, २: १६; ६, ४७; —गञ्च. ति॰ (-गत) सिक्षा-भाटे गथेस मिक्षाक तिये गया हुत्रा. gone to beg alms दस॰ ४, १, २;—पविहि. ति॰ (-प्रविष्ट) लुओ। "गोयरगगग्ध्र"

शण्ट. देखो " गोयरगगम् " शब्द. vide "गोयरगगम् " दम० ४, १, १६; ६, ५७;

गोयाचाय. पुं॰ (गोत्रवाद) गात्रना नाभथी डाઇने भाेेेेेेेें भाेेंें भाें के डे-डे गाेेंतम. गोत्र के नाम से किसा का पुकारना; यथा-हे गाेंतम. Addressing a person by his family-name.. स्य॰ १, ६, २७;

गोर त्रि॰ (गोर) सहेह; उल्लुः धेलुं. खेत, उज्जल; सफेद. White. श्रोव॰ २६; पत्र॰ २; उवा॰ १, ७६; —खर पु॰ (-खर) धेलि। शहेल-श्वेडे. खेत गर्दभ; सफेद गधा. a white ass. पत्र॰ १; —िमगः पुं॰ (-मृग) सहेह ६२६१ खेत मृग, सफेद हिरन. a white deer. श्राया॰ २, ४, १, १४४, —िमय न॰ (-मृग) सहेह ६२६९. खेत मृग के क्षेत मृग के भीर एर्. १३;

गोरव. न॰ (गारव) शारव; मिंहमा, में।टार्ध गोरव, मिंहमा, वडाई. जि। किंक्षित गोरव, मिंहमा, वडाई. जि। किंक्षित गोरव पिंक्षित निकार प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप

गोरस पुं॰ (गोरस-गवां रस ब्युत्पत्ति-स्त्वेवम्-प्रवृत्तिस्तु महीष्यादीनां दुग्धादि रूपे रसे) हिंदि-हुध-छाश योरे. दही-दूब-छाछ इत्यादि Milk, cuids, whey etc. पि॰ नि॰ ४४, नाया॰ ६, १७. प्रव॰ १४२४;

गोरहग. पु॰ (गोरथक) त्रज् वर्धनी-नानी वाछडी. तीन वर्ष का-कोटा वक्रडा. A. young ox three years old श्राया॰ २, ४, २, १३८, स्य॰ १, ४, २, १३; इस॰ ७, २४,

गोरी स्त्री॰ (गोरी) अंतगऽसूत्रना पांचमा पर्गना भीका अध्ययननुं नाम. श्वतगड सूत्र के पाचने वर्ग के द्वितीय श्रध्ययन का

नाम Name of the second chapter of the fifth section of Antagada Sūtra. (ર) કૃષ્ણ વાસુ-દેવની એક પડ્રાની કે જે તેમનાથ પ્રભુની દેતના સાભળી વિરક્ત થઇ યક્ષિણી આર્યાછ પામે દીક્ષા અંગીકાર કરી ૧૧ અગ ભણી વીય વર્ષની પ્રવ્રજ્યા પાળી એક માસના संधारे। इरी निर्वाख्यह पान्या. कृष्ण वासु-देव की एक पहरानी कि जो नेमनाथ प्रभु की देशना का अवण कर विरक्त हुई व यांचिणी श्रायी से दीचा श्रंगीकार की व ११ श्रगो का श्रभ्याम कर वीम वर्ष की प्रविष्या का पालन कर एक मास का सथारा कर निर्वाण पद को प्राप्त हुई. name of a principal queen of Krisna Vāsudeva. She gave up worldly attachment as a result of the preaching of Nemanatha and took Diksā from a nun named Yaksini After studying 11 Angas and practising asceticism for twenty years she attained to salvation after one month's Santhara (giving up food and water). श्रंत॰ ४, २; ठा॰ =, १, (२) भाविती पार्वती the goddess Pāivatī सूय॰ २२, २७. મું ચ ર, રૂર, (૩) ગારવર્ણવાળી સ્ત્રી. गार वर्ण वाली छी. a woman with fair skin अणुजी० १२८; ठा० ७, १: गोरोयण न॰ (गोराचम) गे।३ यहन लाल चदन The bezoar stone पचा॰ ४. १५;

गोल. त्रि॰ (गोल) भेश, अभेशि, भेणा वभेरे. गोल; गोटी, गोली इत्यादि. A. small ball etc for play. त्रसुत्त॰ ३, १; भग॰ १०, ४; १६,३; पक्ष० १; जं॰ प० ७, १७; स्० प० १८; (२) अश्यप गात्रनी ओ अशाणा अने तेमां उत्पन्न थयेल पुरुष. कारवप गोत्र की एक शासा व उसमें उत्पन्न पुरुष. a branch of the Kāśyapa family; a person born in it. ठा॰ ७, १; (३) अशे ओ इ देशमां वपरायेल अपमान स्वक संबोधन. an exclamation showing contempt (used in some dialect). नाया॰ ६; प्राया॰ २, ४, १, १३४; दस० ७, १४;

गोलगुल. पुं॰ (गोलांगृल) वानर. बंदर.
A monkey. भग• १२, =; — ससम.
पुं॰ (-वृषम) भ्देशि वानर. वहा बदर.
a big monkey. भग॰ १२, =;

गोलय. पुं॰ (गोलक) भाषा; भाषा थिएडे।, हडे।. गोला; गेंद; A ball. उत्त॰ २६, ४०; गोलवट्ट. त्रि॰ (गोलवृत्त) भाषाधारे; वर्तुं बाक्तिमें. Round; circular. सम॰ ३४; जं॰ प॰ ७. १७०;

२. ३३;

गोलब्बायणः न• (गालवायन) अनुराधा नक्षत्रनुं भेषत्र श्रनुराधा नक्तत्र का गोत्रः The family-name of Anuradha.

स्॰ प॰ १०;
गोलिंकायण. पं॰ (गोलिंकायन) है।शिक भात्रनी शाणा कीशिक गोत्र की शाखा A branch of the lineage named Kausika. (२) ते राणामांना पुरुष. उस शाखामेंका पुरुष. a person belonging to the above lineage.

ठा० ७, १; गोलियसाला. जी॰ (गोलिकशाला) गे।ण वेयवानी दुधान. गुड वेचने की दुकान. A shop for selling treacle. (२) गाथे।ने दे। द्वानुं स्थान गौद्रोंका दूध निका-लने का स्थान. a place for milking cows. वव- ६, १; ७;

गोलुकि सदः पुं॰ (गोर्सुक शब्द) शेक्षुशी नाभना वार्श्वती शम्द एक प्रकारके बार्जित्र का शब्द. Sound of a musical instrument. निसी॰ १७, ३३;

गोलोम. पुं॰ (गोलोम) भे छंदियवाणा छवः (छाछाभां थाय छे ते) दो इंद्रिय बाला जीव--गोबर में होता है वह. A two sensed being; (found in cowdung) पन्न॰ १; निसी॰ १०, ५०; (२) गायनुं ३वाडुं. गो का ह्वा. the fur of a cow. कष्प॰ ६, ४७;

√ गोव. धा॰ I,II (गुप्) णयायदुः धुभा-ववुं बचानाः छिपाना. To hide; to protect.

गोवेर्. नाया० १६;

गोवसि सु॰ च॰ १४, ६; गोवित्ताः सं॰ कृ॰ नाया॰ १६;

बाबिताः स॰ छ० नायाः १६; बोबित्तप्, हे० छ० नायाः १६;

गोव. पुं• (गोप-गां भूमि वा पाति रबति) ने।।वाण. गवली, ग्वाला. A cowherd

विशे २ २ १ ९ ; पिं- नि • ६६७; भत्त = 1,

गोवलायणः न (गोवलायन) पूर्वा ध्राक्ष्मी नक्षत्रनुं भात्र. पूर्वा फालगुनी नक्षत्र का गोत्र.

The family-name of Būrvāfālgunī constellation. सू॰ प॰ १०; उं॰

प॰ ७, १४६;

गोवालि आ की (गोपाबिका) गापाबिका नामक आर्या. Name of a nun. नाया १६;

गोयाली. जी॰ (गोवाजी) એ नामनी એક वेल. इस नाम की लता. Name of a creeper. पण १; गोबीहि. ब्री॰ (गोबीथि) शुक्रनी गति विशेष. शुक्र की गति विशेष. A particular kind of motion; the motion of Venus. ठा॰ ६, १;

गोस. पुं॰ (*) आतः क्षायः स्वारः प्रातः कालः सवेरा. Morning; dawn. सु॰ च॰ २, ११; ४, २•२; प्रव० १६१; पंचा॰ १, ४०; —करणीय. त्रि॰ (-कर्णीय) स्वारमां करेला सायक (धर्म-ध्यानादि). प्रातः काल में करेले थोग्य (धर्म-ध्यानादि). (anything) to be done in the morning; i. e religious meditation etc. सु॰ च॰ २, ७४;

meditation etc. सु॰ च॰ २, ७४;
गोसाल. पुं॰ (गोशाख) आशाली-म प्पलि
पुत्र, केतु विवरशु भगवती सूत्रना १४ मा
शतक्षां छ गोशाला-मंखलि पुत्र, जिस
का विवरण भगवती सूत्र के पंद्रहवें शतक
में हैं Gosala-the son of Mankhali, described in the 15th
Sataka of Bhagavatī Sūtra
भग॰ १४, १, नाया॰ १६, उवा॰ ७, १८६;
गोसालग. पु॰ (गोशालक) लुओ उपले।
शण्द देखों ऊपर का शब्द. Vide above.
प्रव० ७४०; —मय. न॰ (-मत) भेशशालाने। भतः गोशाला का मत. the tenet
of Gosala प्रव॰ ७४०:

गोसीस न॰ (गोशिषं) गायना भरतः भांथी निः अलुं गोरीयन गो के मस्तक में से निकलने वाला गोरीचन A yellow pigment found in the head of a cow. जं॰ प॰ ४, ११४, पष्ट॰ ; सम॰प॰ २१०; नाया॰ १; भग॰ ६, ३३: १५, १; श्रोव॰ (२) गायनु भरतः गो का मस्तक.

the head of a cow. स्॰ प॰ १०;
— आवित ली॰ (- आवित) गायना
भरतेशनी पश्चित मी के मस्तकों की पंक्ति
a line of the heads of cows.
स्॰प॰ १०:

गोह. पुं॰ (गोघ) लुओ " गोहा " शण्ट. देखो " गोहा " शब्द. Vide " गोहा " पग्ह॰ १, १; उत्त॰ ३६; १८०; जीवा॰ १; दसा॰ ६, ४;

गोहा स्नी (गोधा) थे।; सरध लेवुं એક ચપટુ પ્રાણી એને ભીંગડા અને ચાર પગ હાય છે. રાત્રે શિકાર સારુ ળહાર નીકલે છે એની છે જાત છે-ચન્દ્રનધા અને પાટલા ધા. षो जैसा एक चपटा प्राचा-उसके शरीर पर क्रिलके व चार पैर हाते हैं, रात्रि को शिकार के वास्ते निकलती है उसकी दो जाति है-चंदनधो व पारलाधो. A lizard-like animal having scales and four It moves out in search of prey at night It is of two kinds. (1) Chandanagho and (2) Pātlāgho. नाया॰ =; स्य॰ २, २, ६३, २, ३, २४; भग॰८, ३; १४,१; - आवलिया. बी॰ (-भावलिका) धैनी पंडित घो की पाकि. a row of lizardlike animals भग = ६ ३:

गोहिश्रा-या की॰ (गोधिका) लांड ले। ने ओड जातनुं वाक्षत्रः भाड लोगों का एक तरह का वाजित्र A kind of musical instrument used by tumblers etc अगुजो॰ १२८; भाया॰२, ११, १६८; ठा॰ ७, १; विवा॰ ७; (२) साभान्य थे।. सामान्य घो A kind of lizard. जीवा॰

^{*} अभी पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनेहर (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनेहर (*). Vide foot-note (*) p 15th.

१; —सद् पु॰ (-राब्द) ભાંડના વાજિ-त्रते। शण्ट. भांडों के वाजित्र का शब्द. the sound of a musical instrument of a bard. निसी॰ १०. ३४: गोही. स्री॰ (गोही) गेहिशी. गोहिशी. A female lizard-like animal. जीवा० १. गोहम. पु॰ (गोधूम) धर्ड, धान्यनी ओक ज्यत. गेहं; धान्य की एक जाति. Wheat; a kind of corn. पन ० १; वेय ० २, १; प्रव० १००६: $\sqrt{$ गाह था॰ II. (प्रह्) अदश करतुं. प्रहरण करना. To accept. गहेइ निसी० १, ५४; गहेही. भ० सु० च० ८, १६७: गहिउं. सं॰ कृ॰ सु॰ च॰ १२, १७३; गहेऊए. सं० कृ० नाया० १६:

२, १; ३, १; ४; ६, १०; ६, ३३; 99, &; 93, &; 94, 9; 96,9, नाया॰ १: २; ३; ४; ७; ८; १६; १८; दसा॰ ७, १; १०, ३; विवा॰ २: ६: ७: निसी • ३, ५२: ७, २६; १, ४; वव०७, १७; ८, ११; सय० ३३: वेय० १, ३७; निर० ३, ३; गाहेडू. प्रे॰ नाया॰ ५: श्रोव॰ ३०: गाहावढ. प्रे॰ वि॰ सु॰ च॰ १०, १२६; गाहेहिति. प्रे० भ० भग० ७, ६; जं० प० २. ३६: गाहिस्सं प्रे० भ० विशे० १४५६: गाहिता. प्रे॰ सं० ऋ० भग०७, ६; श्रोव॰ 30: गाहेता. प्रे० स० कु० नाया० ५; √ ग्या. (घा) सूंधवे। सूंघना. To smell. जिग्धह, निसी० १, =: ६, ५: जिच्छंत निसी॰ १, ६;

घ.

गंग्र ति॰ () गरीय अनाय. गरीव; श्रनाथ. Poor; destitute. पिं० नि० ३४१; —साला. स्त्री॰ (-शाला) अनाथालय; धर्मशाला. A house of charity for the helpless. श्रोव॰ नि॰ ६३६;

गहाय. उत्त० ४, २; श्रागुजी० १४८; भग०

घंट. पु० (घगट) धटडी; टीडरी. घटी. A bell. भग. ९, ३३; सु० च० २, ३०३; प्रव० १९४७; ज० प० ४, १९५; —रच. पुं० (-रव) धंटेनी व्यवाज घंटेकी ब्रावाज. घंटा का नाद. Sound of a bell नाया० =;

घंटा. स्री॰ (घंटा) घंटां; टे।इरी. घंटां. A bell. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ दह; श्रोव॰ ३०; नाया॰ १, ३; राय॰ ३७; ज॰ पं॰ ४, १९४; उवा॰ ७, २०६; —श्रावित. स्री॰ (-श्रावित) धटानी पंक्षित. घंटो की पंक्षित. ध series of bells. नाया॰ १; राय॰ श्रोव॰ घंटिश्र—य. पुं॰ (घरिटक-घर्टया चरन्ति तां वादयन्तीति घरिटकाः) घंटा वजाकर भिन्ना मागनार; २।६९६. घंटा वजाकर भिन्ना मागने वाला; राउतिक. One who begs alms by ringing a bell; a Rāulika. नाया॰ ६: कप्प॰ ४, १०७;

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। (*) देखे। पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

घंटिश्रा-या. स्ती॰ (घरिटका) धएटडी, धुश्ररी. घंटी, घुघरी A bell, a small bell. राय॰ ४४; जीवा ३, ३, नाया॰ ३; प्रय॰ १९३; (२) એક જાતનું આભરણ एक जातिका श्रामरण n kind of ornament. जं॰ प॰ ५, ११४, उवा॰ ७, २०६; नाया॰ ६, —जाल.न॰ (-जाल) धटिओती, धुगरीओती सम्ह घटियों का समृह, छंघरियों का समृह a collection, bunch of small bells भग॰ ६, ३३; घंतु त्रि॰ (घातुक) भारनार; धान इरनार.

त destroyer "रमागिद्धेण घतुणा"
 उत्त० १८, ७,
 घंलण न० (घर्षण) वसवुं घिसना, घर्षण
 Rubbing, friction, विशे० २०४३;
 नागा० १,

मारनेवाला. घात करनेवाला. A killer;

घंसिश्र-यः ति॰ (घार्षेनक) यहननी पेंडे धमेलुं, अहेलु. चन्दन की तरह घिसाहुण. Rubbed again ta hard substance, e. g Sandal wood श्रोव॰ ३८,

घकारपिनाति ए॰ (घकारप्रविभावित)
"ध" ना आडार केंद्रे ३२ नाटक माँ मे
"घ" की ब्राकृति जैसा; ३२ नाटक में मे
एक. Anything of the shape of
the letter "घ" one of the 32
dramas राय॰ ६३;

√ घट्ट 'गा॰ I, II. (घट्ट) २५श ं ४२वे।;

«अवव्यु स्पर्शकरना; हिलाना To touch,

to give motion

घट्टइ. भग॰ ३, ३, राय॰ २६६,

घट्टइ नाया॰ ३;

घट्टांत नाया॰ ४,

घट्टिजा. वि॰ दस॰ ४,

घट्टेजा. वि॰ दम॰ ४.

Vol 11/S3.

घट्टाविजा. थि॰ वि॰ दस॰ ४,
घट्टावेजा. थि॰ वि॰ दस॰ ४,
घट्टिय. सं॰ कु॰ पि॰ नि॰ २५४.
घट्टें श्रोघ॰ नि॰ ३००
घट्टंत व॰ कु॰ दस॰ ४,
घट्टा. न॰ (घट्टक) धस्तानी पाणे। घिसने का पत्थर. A hard stone used for

rubbing things against श्रोघ॰ नि॰ ४०१,
घट्टण न॰ (घट्टन) सध्दे।थवे।, अध्यात्रः सघट । होना, श्रथडाना Clash; collision. दम॰ ४, ठा॰ ४, ४, पंचा॰ १४, ३१;
घट्टणया स्त्री॰ (घट्टना) सध्दे। धरवे:

लार ६४ने धसवं. संघट्टन करना, जारस दवा

कर घिसना. Rubbing with great pressure पज्ञ १६; श्रांन १६; ध्रांन १६; ध्रांन १६; ध्रांन १६; ध्रांन १६ (घटिन) भाषा मित्र १५६० थान तेवी रीते द्वांने १६०० ५६०० ५६०० ध्रांने १६०० व्याप्त हुआ caused to callide, moved in a way to cause friction. "घटियाण फंडियाण स्रोमियाण" जं १०००

२५७ स्पृष्ट. touched. पगह० १, ३; (३) प्रेरेखा क्षेत्रेश. प्रेरेखा किया हुया; प्रेरित directed; instructed. पगह० १,३,

१; राय॰ १२८, पि॰ नि॰ ५४३, (२)

घट. त्रि॰ (घट) धर्मेलु, पार्थाश ६रेलु;
पत्थरनी पेंडे सां ६ इरेलुं घिमाहुन्ना, पत्थर
के समान साफ किया हुन्ना. Rubbed;
polished न्नांव॰ ४३; न्नाया॰ २, २,
१,६४.२,५,१,१४४; न्नाया॰ २१,
स्॰ प॰ जीवा॰ ३,४. भग॰ २, ६; ज॰
प॰ श्रोघ॰ नि॰ ६६; पन्न॰ २: वेय॰
१४४, सम॰प॰ २११; राय॰ कप्प॰ ३, ३२;
६ २.

√ घड. था॰ I, II. (घट्) धऽवुं; टीपवुं. घडना; बनाना. To hammer; to fashion. (२) धटना क्रेनी. घटना करना. to mould.

घडइ. सु० च० २, १८४; घडेमा. नाया० ५: घडित्तप्, हे॰ कृ॰ नाया॰ मः घडंत भत्त- ४७: घडेंति. भग० ११, ६, जं० प० ५, ११४; घढिसा. सं० कु० जं० प० ५, ११४;

घडः पुं॰ (घट-घटतेऽसी घटनार् वा घटः) धेरे।; क्ष्मिश घडा; कलश A pot; n pitcher विशेष ६१; भग । ४, ४; ८, १०; पश्च० २; पि० नि० मम; १३२; भ्रोव० श्रयुजो॰ १३१; सम० २४; पंषा० ६, ९१; प्रव • ६४५; —कार. पुं॰ (-कार) ધડાના બનાવનાર; કુંભાર ઘટ ચનાન ઘાના कुंभकार; कुभार. a potter. विशे ०१=१४; -दास पुं॰ (-दास) पाणी भरणार ने। ५२. पानी भरने वाला नौकर. a servant employed to fetch wat r. श्राया॰ २, ४, १, १३४, —दासी ब्री॰ (-दासी) पाछी अरुधारी हासी. पानी भरने वाली दासी. a servant-maid employed to fetch water. स्य• १, १४, ६: —मुद्द. पृ० (-मुख) ध्रशनु भे।ढुं. घटका मुरा, घडे का मुंह. the mouth of a pot. सम॰ ७४; घडक पुं॰ (घटक) धडे।. घडा; घट A

pot श्रम्जो॰ १३ः:

घडग. पुं॰ (घटक) धुडे। घडा; घट. A pot. नाया॰ १६; जं॰ प॰

घडण. न॰ (घटन) उद्यम; अयत्न उद्यम; प्रयत्न Effort; industry. पएह० २, १; घडगा. स्नी • (घटना) धटना ३२१ी; थेलियुं.

घटना करना; योजना करना Formation

विशे॰ १२०७; पंचा०१२, ४४;

घडतः न॰ (घडत्व) धराने। भावः धरपणुं. घंडे का भाव; घटरव. State of being

a pot. भग॰ ३, ३;

घडता. ब्रा॰ (घटता-घटा समुदायरचना तद्भावः तसा) सभुधय स्थनाने। आव. समुदाय रचना का भाव. Formation of group. जीवा॰ ३, २; सग॰ ४, ३; 99, 90; 94, 90;

घड्डय. पुं॰ (घटक) लुओ। " घडग " शण्ड. देखो " घडग " शब्द. Vide " घडग " नाया॰ ७: उवा॰ ७. १६४;

घडि. त्रि॰ (घटिन्) धायाणा. घडा वाला (One) having a pot. भ्रायुजी ॰ १३१; घडिग्गा. बी • (घटिका) भारीनी दुरसडी

भिशे की कलड़ी. A small earthen vessel, स्य॰ १, ४, २, १४;

घडिमत्तय न॰ (भटिमात्रक) धरीते आधरी भाटिनुं क्षाम. छोटा मिद्दीका बरतन. A small earthen pot. वेय॰ १, १६:

घडिय. त्रि (बटित) धटना करेस; भेसवेस. घटा किया हुआ. Formed; joined. जीवा॰ ३, ३:

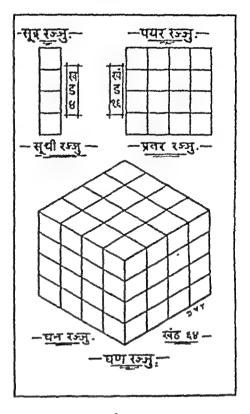
घाडियदच. त्रि (घटितब्य) धटना अरी; सांध भेणवती. संयुक्त करना; सांधा जुडाना bringing Uniting together; together. नाया॰ १; ५; भग• ६, ३३; घएा. पुं (घन) हद्दीना अभेस यडेहा, दही का जमा हुआ चका. thick curds. " दहि घरो " पन्न०१७; जं०प०४, ११२; ७, १४०,

ષ્ર, ૧૨૧; (૨) નક્કર વાજીંત્ર કાંસિયા, अंअ वरेरे ठांस बाजित्र, भाम इस्यादि. a bronze musical instrument.

जं॰ प॰ १, १२; जीवा॰ ३, ४; राय॰ ६६; भग० ४, ४; ठा० २, ३; ४, ४; (३) દઢ; કઠખુ; મજબુત; છિદ્રવગરનુ દહ, कठिन; छिद्र रहित. hard, firm; free from holes, राय॰ ३२, १०६; विशे ११३४, पि नि भा १७, पन १, २; ३६; सू० प० १६; श्रोव० ४३; सग० प्र, २; (४) ધાઢું, ગાઢ, જાકુ घट्ट, गाढा, मोदा. thick, dense. पं॰ नि॰ भा॰ ३८. श्रोघ० नि० भा० ३१३, कप्प० ३, ४४; प्रव० ४१२; ५३९, क० ग० १, २०; (५) विस्तार विस्तार extent, area विशेष ४६०१, (६) भेध मेघ. a cloud. भग० २, १; पञ्च ० २; परा**ह ० १**, ३; नाया • ६; ापं । नि । १७५, कप्प । ३, ३३; गच्छा । દપ્ત. (७) વ્યાતમાના અસંખ્યાત પ્રદેશનું धनरूप पिएंड आत्मा के असंख्यात प्रदेश का घन रूप पियद body consisting of countless atoms of the soul. मग• ५, ६: (८) સમાન જાતિના આંકડ<u>ા</u> ત્રણ વખત ગુણવાયી જે આંકડા આવે તે: જેમ કે ખેતા ધત આદે, ત્રણતા સત્તાવિમ. यारने। ये।सह पगेरे समान जाति के श्रंक तीन बार गुनने से जी अर्थ आता है वह. यथा दो का घन आठ, तीन का सत्तावीस. चार का चौसठ इत्यादि number got by cubing a numerical quantity. पन ૧૨: (દ) લ બાઇ પહેલાઇ અને जडां अभे त्रेशेन भान केमां आवे तेः धत-રુપે આલાેકનુ પરિમાણ સાનરાજ છે. लंबाई चौडाई व मोटाई इन तीना का मान जिसमें श्राता है वह, घनरूप से इस लोक का परिमाण सात राज है a cubic measure as that of this would '' सत्तरक्जुमायाघयोा ''क॰ ग॰ ४, ६७; (१०) धर्ध, अहु बहुत, श्रतिशय much: more. प्रव॰ १४८६, (११) नागरभे।य नागरमोथ a fruit of a medicinal

plant सु॰च०२,७७; (१२) असिया वर्गेरे বার্গুসনু शण्ह कांक इत्यादि वाजित्र का शब्द. a sound of a musical instrument made of bronze. ४. -- श्रायतः X. (-प्रायत) जाडार अने पहें। ए। धुना આયત સંકાણ; નક્કર વસ્તુની લાળાઇ. श्रायन संठाणः ठोस वस्तु की लंबाई, चौडाई व मोटाई. having length and breadth. भग० २५, ३, -करणः न॰ (-करशा) કર્મના વધ મજખુત કરવા. નિવ્વડ કર્મળ ધ કરવા તે को बाधना, दृढ करना, निव्वड कर्भ-बध करना. tightening the bond of Karma पि. नि. १०१: -चउरंस न•् (-बतुरह्म) नक्षर पश्तुन् सारस સંકાશ ठोस वस्तु का चौरस संठागा. હ quadrangular solid भग । २५, ३; ---तंम. न॰ (-न्यस्त) तक्षर केप त्रिहेश्य सहाय. ठोस त्रिकोण संठाण (anything) triangular. भग. २४, ३; — तब. नं॰ (-तपस्) अतरने શ્રેષ્ઠિ ગુણા કરતાં ઘન થાય, અથતા લ બાઇ પહેાળાઇ અને જ્યડાઇ સરખી હેાય તે ધન. રાખલા તરીકે ચાર કાષ્ટકની શ્રેણી હોય તો સાળ કાષ્ટકના પ્રતરને ચારે ગુણતાં ચાસક કાષ્ટ્રક થાય: પ્રતરના સાળ કાષ્ટ્રકને ચાવડા **બનાવતા. ધન કાષ્ટ્રક ચાય; તેમ લખી શકાય** નહીં, જેથી પ્રતર તમ પ્રમાણેજ ચારવાર તપ કરવાથી, ધન તપ થાય છે, તે સમજી क्षेयू प्रतर व श्रीण का गुना करन से घन है।ता है, श्रथवा लवाई, चौडाई व मेटाई समान है। वह घन; उदाहरण-चार कोष्टक की श्रेणी हो तो सोलह कोष्टक के प्रतर को चार से गुनने से चौसठ कोष्टक हो; प्रतर के सोलह कोष्टक को चार गुना करने से घन

कोष्टक हो: इस तरह जिया नहीं जा सका इस लिये प्रतर तव के ही समान चार बार तप करते से धन तप समक्र लेता. (ho cubic measure of an austerity: supposing an austerity to represent x, Ghana Tapas would represent . उत्त ३०, १०; -परि-मंडल न॰ (-परिमण्डल) नध्धर २५ વર્ષુલ આકાર: ધન પરિમાંડલ સંદાણ ટાંમ वर्तुलाकार. घन परिमंडल नठागा (anything) circular in shape भग॰ २५, ३, —माला ली॰ (-माला) भेध-भाशा मेच माला a line of clouds. भत्त० १२४, -मिशा त्रि० (-मिशा) ध्या भिष् बहुत मिरा. many gems प्रवः १४८६, -- मुद्रग पुः (- मृद्रंग) भेड़े। हु नाभारू . मुदंग, टोला वटा नक्कारा. a big drum, जं प प प, ११४: व्या २, १३, —रङ्जु. स्त्री० (-रज्ज) केनी લંબાઇ પહેાળાઇ અને જાડાઇ સરખી ચાય अभी रीते राजनं परिभाश करव ते जिसकी लंबाई, चौडाई व मोटाई समान हो इस शित से राज का परिमाण करना, a unit of measure in which length. breadth and thickness equal (२) રજળુ એટલે રાજ કે જે લાેકના ક્ષેત્રનું પરિમાણ ળતાવે છે.આખાે લાેક ઉક્તરાજથી માપતા ૧૪ રાજ પરિમિત થય છે આ માપ ત્રણ પ્રકારે ખતાવેલ છે. સૂચિ. પ્રતર અને ધન જેમાં લંજાઇ બતાવવામાં આવે પહોલાઇ નહિ. તે સચિ. જેમાં લંગાઇ અને પહેલાઇ જન્ને દર્શાવવામાં આવે તે પ્રતર જેમાં લગાઈ પહેલાઇ અને ઉચાઇ એ ત્રણે બતાવવામાં આવે તે ધન પ્રકાર આ ચિત્રમાં ખતાવવામાં આવ્યા છે रज्जु अर्थात राज कि जो लोक के चेत्र का



परिमाण बतलाता है. सारा लोक उक्त राज से मापने पर १४ राज परिमित होता है. यह माप तीन प्रकार में बतलाया गया है सार्चः प्रतर श्रोर घन, जिसमें केवल लम्बाई यत-लाई जाती है वह सचि जिसमे नंबाई श्रीर चाँडाई दोनें। यतलाई जाति है वह प्रतर. जिसमे लगाई, चीडाई श्रीर उंचाई ये तीनो वतलाई जाती हैं वह घन तीनों प्रकार इस चित्र मे यतलाये गये है. Rajju means Rāja (a measure of length breadth and thickness) which is used in measuring Loka (region), the whole world when measured with the above unit, measures 14 Rāja this measure is displayed in three ways, viz. Sūchi, Piataia and Ghana. The measure by which

length and dreadth are calculated is called Pratara and Ghana is that by which length breadth and thickness measured All these three exhibited in the are picture. प्रव • ६२१; -- बट्ट न • (-वृत्त) नक्षर गेाणाशर, क्षापुनी भाइक ठोस गोला-द्धार (anything) solid and globular or round like a ball भग०२४. ३, - वातः पुं॰ (-वात) क्राभे। " घण-वाय " शण्ह देखी " घणवाय " शब्द. vide ' घणवाय '' भग० २०, ६,—बाय पु॰ (-वात) धने।हिध अधवा विभान ર્ચાાદના આધારભૂત જામેલા બરક જેવા અયવા યીજેલા ઘી જેવા એક પ્રકારના **ક**હિન વાયુ घनोद्धि अथवा विमान आदि क व्याधार भत जमा हुव्या वरफ जैसा श्रयवा जम हुए घृत जैमा एक प्रकार का गाडा वायु. a kind of haid and thick wind resembling ice or condensed ghee (clarified butter) उत्तः ३६, ११८, भग । १, ६, २, १०, १२, ४; १७, ११, एक ० १, जीवा० ३, १, --वायवलय पुं॰ (-वातवलय) यक्षया-**धारे रहें**अ बनवायु वर्तुलाकार से रहा हुआ घनवायु; वलयाकार मे रहा हुआ tbick, condensed air remaining in a circular form मग० १७, ११; --संताराश्च पु० (-मता-नक) धरे।णीयानु ५८. मकडी का जाला a cobweb. श्रोघ॰ नि॰ २६२, --समद પુ• (–સંમર્વ) જે યેાગમા ચદ્ર અને સ્પ્^૧ ચહ તથા નક્ષત્રની વચ્ચમાં થઇ ચાલે તે थे। श जिस योगं से चद्र व सूर्य, ग्रह व नक्तत्र के मध्यस्थ होकर गति करते है वह योग

the time of circumstance of the sun and the moon passing through the midst of a planet and a constellation मू॰ प॰ १३;

सह न॰ (-सहद) तक्ष्य पाछ तथा स॰ ह नकर बाजित्र के सहद the sound of a certain musical institument निसी॰ १७, ३५;

घणसार पु॰ (घनमार-घनस्य मुस्तकस्य सार) ४५२ कर्ष्र Camphor सु॰ च॰ २, ७७,

घणाघणाइय न॰ (घनघनायित) २थने। ४०० धणु अेवे। अवाज श्राय ते रथका घण घण ऐमा आवाज होना Tinkling, jingling sound of a chariot राय॰ १८३, पगह॰ १,३, मग॰ ३,२, जीवा॰ ३,८, घणघाइ न॰ (घनघातिन्) धनधाती अमें, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व खंतराय ये चार कमें. The four Karmas viz Juanavaraniya and Antaraya; these four Karmas are known as Ghanagháti Karmas क॰ ग॰ ४,२०;

घणदंत पुं० (घनदन्त) धनहन्त नामना अन्तरद्वीपमा रहेनार भनुष्य. घनदन्त नामक अतर द्वीपमें रहने वाला मनुष्य. A resident of an island named (Thanadanta. पण० १, जीवा० २, ३; (२) अपण् समदमां नवसी कीळनपर धनहत्त नामनी अंतर द्वीप. लवण समुद्र में नवमी योजन पर घनदत्त नामक अंतर द्वीप. name of an island in Lavana Samudia at a distance of 900

(६६२)

Yojanas inside. प्रवः १४४१; ठा॰ ४, २; ६, १;

घणविज्जुया. स्रा॰ (घनविषुत) धरणेन्द्रनी लड़ी अग्रमिहिपीनं नाम. घरणेन्द्र की छठी अग्रमिहिपी का नाम. Name of the 6th queen of Dharanendra. भग॰ १०, ४; (२) अपन्न हिसाडुमारीमांनी ओड. ४६ दिशाकुमारियों में से एक. one of the 56 Diśākumāris. ठा॰ ६;

घणा.स्रं (घणा) थए। हेनी. घणा देवी. Ghapādevī. नाया० घ०३;

घणोद्धि. पु॰ (घनोद्धि-घनः स्त्याना हिम
शिलावत् उद्धिर्जलिनचयः सचासा चेति
घनोद्धिः) प्रत्येक्ष नरक्ष्मी पृथ्पी नीये
भरक्ष्मी पेढे लग्नेस धन३५ पाष्ट्री के ले
पीश हलार लोलन प्रभाष्ट्री छे. प्रस्यंक नर्क
क नीव वरफ के समान जमाहुद्या घनरूप
पानी कि जो बीस हजार योजन तक है. An
ocean with flozen water 20
thousand Yojanas in depth,
under every hell-world ठा०३,४;
" सत्तसुघणवाएसु सत्तघणोदहीणहृद्वया"
जीवा०३, १. भग० १२, १; २०, ६;
सम० ६६, ठा०७,

घणोदिह पुं॰ (धनोदिष) ळुओ। ઉपसी शण्दः देखो उपरोक्त शब्दः Vide above. (२) रत्नप्रसा पृथ्विने इरता त्रध्य वसय छे. पहेंदी धधोदिधिना, भीको धनवायुने। अने त्रीको तनुवातनाः धनेदिध थीकेदा धी केवा वायु छे तनुवात भे सूक्ष्म पवनक्ष्म छे. ओ त्रख्य वसयनी डेटसी डेटसी काडाई छे अने पृथ्वीने इरता डेवी रीते रहेत छे ते चित्रमां भतावेस छे, चित्रनी वस्थेनी काडी आडी साधना रसप्रका पृथ्वीना पायडा अने आंतरा भतावे छे रसप्रमा पृथ्वी के श्रास-

पास तीन वलय हैं. पहिला घनोद्धि का. दूमरा घनवायु का और तीसरा तनुवात का. घनोदधि गांजे हुए घी के समान होता है. घनवात पिघले घी जैसा वायु है श्रीर तनुवात यह सुच्म पवनरूप है इन तीनों वलय की कितनी कितनी मोटाई है श्रीर पृथ्वि के श्रास-पास किस प्रकार स्थित हैं यह चित्रमें बत-लाया है. चित्र के अन्दर वीचकी जो मोटी लकीरें हैं वे रत्नप्रभा शुध्व के पाथडा (प्रस्तर) श्रीर श्रान्तरा (श्रन्तर) बतलाती हैं The three curves round Ratuaprabhā world, viz Ghanodadhi, Ghanavāyu and Tanavāyu. Ghanodadhi is like a condensed clarified butter Ghanavāta is like a fluid clarified butter and Tanavāta is like thin atmosphere. The breadth and the positions of these three curves are shown in the picture. The deep black lines in the picture show the different layers and intervals of the Ratnaprabhā world भग०१.६.२.१०.१२.५; सम०२०; पन्न॰ २; - चलय पुं॰ (-वलय घनोदधि॰ रेव वलयमिव वलयकरक घनादिधवलगम्) સાતે નરકાની નીચે વીશ હજાર જોજન પ્રમાણ ઘતાદધિ-જલાયાને આકારે જામેલ पाछी सात नरकों के नीचे वीश सहस्र प्रमाण घनोदधि-वर्तुला कार से जमा हुन्ना पानी an ocean with frozen water eircular in form, and twenty thousand Yojanas in depth under each of the seven hell-worlds. ठा० ३, ४; भग० १७, ६, २०, ६; पन्न० २;

₩

मचित्र ऋर्ध-मागधी काष

	भ ६ यो अन क ४ % यो. ड १ % यो. १००० —
•	पाथडी ३००० थोजन उंची
	१ आंतरी १९५८३ /३ यो.
	2<0000
	१३ पाथडा. १२ आंतरा.
100	
1 1/2/	1000
111	
	मंत्रकार योजनः क्रान्यम् असंस्ट्यात योजनः क्रान्यम्
	भेडेकान असंख्यात चोजनः वर्षे

घत. न॰ (घत) थी घी, घत Ghee; clarified butter म्॰ प॰ १६, √ घत्त. घा॰ I. (') तपास करनी. तपास करना to search (२) यत्न करनी करना to try.

घत्तिहामि. भ० उ० ए० विवा० १, ६, घत्त. ज्ञि० (गात्य) धात ६२वा थे। २४. घात करने योग्य. Worthy to be killed; to be killed स्य० २, ७, ६;

घत्था. त्रि॰ (प्रस्त) पडडाओक्षः धेराओक्षं पकडा हुआः चिग हुआः Caught; surnounded: overpowered पि॰ नि॰ ११६, पगह॰ १, ३, भग०१२, ६. सु॰ च॰ २, ५३१: (२) धसाध गथेक्षः, भवाध गथेस चिम गया दुआः, कीट खाया हुआः worn out, rusted. गच्छा॰ १८;

घन. त्रि॰ (घन) गाढ, ग लीर. गंभीर.
Deep; sound; thick. कप्प॰३, ३=;
(२) भेध, परसाह मेघ, वर्षा. rain.
प्रव॰ १४=४; —पडलकलिय त्रि॰
(-पटलकलित) परसाहना पाहणाथी युक्त वर्षा के बादलों से युक्त full of clouds beating rain. प्रव॰ १४=७,

घम्म पुं॰ (घर्म) धाभ, गरभी ध्यः गरमा,
नाप. Heat, heat of the sun. ठा॰ ४,
४, पं॰ नि॰ ३०३;—ठाण न॰ (-स्थान) ७७७।
-तापन स्थान, ताप क्षेत्र. उपण-गरमा का
स्थान, ताप ज्ञ a region of heat.
स्य॰ १,५,१,१२, —पक्क त्रि॰ (-पक्व)
गरभी-तऽध्यी पाइत. गरमी-ध्य से पका
हुद्या. ripened by the heat of the
sun निवा॰ =;

घम्मा ला॰ (घम्माँ) पहेली नरधनु नाम.

प्रथम नरक भृमि का नाम. Name of the first hell. जीवा॰ ३, १: भग०१२, ३; प्रव॰ ६१९; १०८४;

घय-श्र पुं॰ न॰ (घृत) धी घी Ghee; clarified butter. निमी । १, ४, दम । ४, १, ६०, नाया० ६; जीवा० ३, ३; उवा० १, ३४; भग० ११, ६; १५, १; पि० नि० २१०, सु० च० २, ४४७; उत्त० ३, १२; ठा० ४, १; श्रगुजो० १६; श्राया०२, १, ४, २४; प्रव० २०६, १४३०, गच्छा० ६६; काप० ३, ४६; ५, ११, ८, २३, (२) ધૂત નામના દ્રીપ તથા સમૃદનુ નામ. घृत नामक द्वीप व नमुद्र, name of un island, also that of an ocean. जीवा० ३, ४; पन्न० १५, श्राणुजी० १०३, --- उदगः न० (उदक) धीना केंद्र धृत समुद्र पार्थी घी के समान घत समुद्र का লল. water of the Ghrita ocean resembling clarified butter पन ।; स्०प० २०, जावा० ३, — किट्टि स्रां (- किहि) धाने। भेत - धीट पा का कीट मेल the dict of ghee प्रव ०२३१. -कंभ. पुं॰ (-कुम्भ) धीने। थंडा, घी का पात्र घडा. a pot of ghee or clair. fied butter. सग १६, ६; - मह युं ॰ (-मेघ) ભરતક્ષેત્રમા ઉત્સર્પિણીના બીજો આરાે ખેસતાં ૧૪ દિવસ સુધી મેઘ વરસ્યા પછી સાત દિન સુધી ત્રીજો મેઘ વરસે તેતુ नाभ, भरत देश मे उत्मर्पिणी का दूसरा श्रारा लगतहा १४ दिन दे। मेघ के बरमने के पश्चान सात दिन पर्यत तीसरा मध बरगता है बह the name of the last of the 3 downpours of rain (each last-

^{*} लुओ ५४ नभ्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो प्रष्ट नम्बर १४ की पुरनीर (*). Vide foot-note (*) p. 15th

ing for 7 days) at the beginning of the 2nd cycle (Ara) of Utsarpini in Bharata-kṣetra তাঁত বৃত্

घयपुराण न॰ (घृतपूर्ण) धेयर. घेवर An acticle of food prepared with a great quantity of ghee. पि॰ नि॰ ४६१;

घयपूर. पुं॰ (घृतपूर) धेणर. घेवर. An article of food requiring a great quantity of ghee to be prepared. पि॰ नि॰ ४६१;

घर पु॰ न॰ (गृह) भशनः रहेवानं स्थानः धर गृह: रहनेका स्थान, मकान A house: a residence श्रोव०१७, श्रम्जो० १२७; १३१; १३४; उत्त० ६, २६; ३०, १८; राय० ४७, पि॰ नि॰ १६५; भग॰ १, ६; २, ४, ५, ७; ८, ६; नाया० १; ८, १६; सु० च० १, ३३; जं॰ प॰ ठा० ४, १; उवा॰ १, ७७; पंचा० १४, ४२: प्रव० १६७; कष्प० ४, ११७, -- श्रंतर पुं॰ न॰ (-श्रन्तर) भे धर वस्थेन आंतई दो गृह का मध्यस्य श्रंतर. the distance between the उय पुं॰ (-जामातृक) धर भभार्ध. गृह जामात घर जवांई. a son-in-law who remains under the roof of his father-in-law. नाया ०१६;—समुदाण न० (-समुदान-गृहेषु समुदानं भिचाटनं गृहसमुदानम्) साधु सामान्य प्रधारे अधि धरथी गे।यरी धरे ते. साधु सामान्य रीति में मर्व घरों से गोचरी करे वह way of begging alms i. e begging of alms by a Sādhu from all houses without distinction: indiscriminate begging of alms from all houses भग॰ २, ५; ३, १;

—समुदाणियः पुं॰ (-समुदानिक-गृहसमुदायं प्रतिगृहं भित्ता येषां प्राह्माऽहित ते
गृहसमुदानिकाः) अतिधर-६रेऽ १रे लिशा
थेनार गाशाखाना भतना व्यनुषायीः प्रतिघर
से भित्ता लेनेवाला गोशाला के मत का व्यन्
यायां one who begs alms at
each house; a follower of the
tenet of Gośālā व्योव॰ ४१:

घरक न॰(गृहक) धर गृह A house श्रोव॰ घरकोइला स्त्री॰ (गृहकोक्तिला) गरीणी; लींनगरीणी द्धिपकली. A lizard. चड॰ ३७; पि॰ नि॰ ३५५;

घरकोइलियाः स्रो॰ (गृहकोकिता) लुओ। ६ १४क्षे। शण्टः देखो उपगेक्त शब्दः Vide above. सूप॰ २, ३, २४;

घरणी स्नी॰ (गृहिणी) धर धिलुयाणी; स्त्री, लार्था गृह-स्त्रामिनी; स्त्री; भार्या. A house-wife; a wife चड॰ ३०; उत्त॰ २१४; घरयः न॰ (गृहक) धर-लयनः गृह-भवनः

A house. जीवा॰३; नाया॰ १,प्रव॰४०६, घरिणी स्त्री॰ (गृहिणी) स्त्री; धर्ध्वशीयाञ्जी स्त्री; गृहस्वामिनी. A housewife; & wife. सु॰ च॰ १, ४०;

घरोइला. ब्री॰ (गृहकोकिला) नानी गरे। शि खोटी छिनकली. A small lizard. पन॰

घस. न० (घप) लभीननी म्हेर्टी ६१८; असी लभीनने। श्रीरीये। जमीनकी वडी दरार; काली जमीनकी दरार A large erack in land. आया॰ २, १०, १६६;

ग्रसा. स्रं (घसा) क्षारवाणी भूमि ज्ञार-वाली भूमि. Saline soil. दस॰ ६, ६२;

घसिय. ति॰ (घर्षित) धसेश्चं घिसा हुआ. (Any thing) rubbed दसा॰ ६, ४; स्य॰ २, २, ६६, घिसर. त्रि॰ (घस्मर) અધરાયા; ण्यु भानार. श्रधिक श्राहार करने वाला. Voracious; gluttonous. श्रोघ॰ नि॰ भा॰ १२३;

घसी. स्री॰ (घसी) જभीनने। ढे। साव जमीन का उतार Sloping ground. (२) भांयरू तलघर a cellar जीवा॰ ३.३. घाइ त्रि॰ (घातिन्) धात करनार. घात करने वाला. (One) who kills. श्रोघ॰ नि॰ मा० २१; क०प० १, ४७, २, ४४, -कमा. न॰ (-कर्म) ज्ञानावरखीय, दर्शनावरखीय, માહનાય અને અંતરાય એ ચાર કર્મ: આ त्मिक गुणे।नी धात करनार कर्भ ज्ञानावर-णीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व श्रंतराय ये चार कर्म, श्राहिमक गुणों की घात करने वाला कर्म Karmas destructive of the qualities of the soul i. e. those which obscure knowledge, faith, and those which delude and obstruct. श्रशुजा ११०,

चाइश्व-य त्रि॰ (घातित) भारी नेभावें अं; धात कराया हुआ. Caused to be killed. नाया॰ दः भग॰ ७, ६ः पि॰ नि॰ १२७ः २७४ः चाउकाम त्रि॰ (इन्तुकाम) अंद्रेवानी धिन्छा वाली. लूटने की इच्छावालाः (One) desirous to rob, spoil. नाया॰ १८, क्ष्याण. न॰ (१०) धाणी धानी. Parched grains. पि॰ नि॰ भा॰ ४०, घाण. न॰ (प्राण) धाणी द्रियः नासिका, नाक. A nose; the sense of smell " दोघाणा" पन्न॰ १४; ठा॰ विशे॰ २०४; उत्त॰ ३२, ४८ः

ठा० ४, ३; सूय० २, १, ४२; राय० ५७, श्रोघ० नि० २८७: पन्न० २३, प्रव० ४६७: ७६४; भत्त॰ १४५; - प्रहलः ५० (-प्र-द्रल) સુગધી દ્રવ્ય; સુંધવાના પુદ્રલ. सगन्वित द्रव्य; सूघने का पुद्रल. fragrant substance पत्र॰ ३६; -पोग्गल पु॰ न० (-पुद्रल) नासिशधी क्षेत्रा थे। २५ ५६ इ. नासिकासे बहुए। करने योग्य पहल. atoms for or of the sense ofsmell भग० ६, १०: श्रोव० ४२: -- बल. न॰(-बल) ध्रालेंद्रियनु सामर्था. घ्राखेंद्रिय का सामर्थ्य, power of the sense of smell. उत्त॰ १०. २३. --- मग्निच्युइकर, त्रि॰ (-मनोनिर्वृत्ति-कर) नासिक्षा अने भनने शान्ति क्ष्माइ नासिका व मनकी शान्त करने वाला (anything) quieting the mind and the nose नागा॰ ६; -विसयः पु॰ (-विषय) नासिक्षाना विषय-सध्य ते नासिका का विषय-संघना-वास लेना smell; smelling नाया॰ १७, -स-हगय पु॰ (-सहगत) नासिधाना सद-धरी अद्भवः नामिका के महकारा प्रद्रलः atoms which are associated with the sense of smell. भगः १६, ६; १८, ७;

धारिंगोदयः न॰ (घ्रायेग्निय) नासिक्षा,
सुंधवानी शक्ति धरावनार छिद्रिय, नाक नासिका. घ्रायोदियः नाक A nose,
organ of smell पञ्च० १५; नदी० ४,
भग० =, १९ ३३, १, नाया० ४, १७;
श्रोव० १६; सम० ६; —िनग्गह पुं० (-निग्रह) ध्राष्ट्रोदिय-नासिक्षाने क्षायुभां

Vol 11/84

द जुओ। पृष्ट नन्भर १४ नी पुरते। (६) देखो पुष्ट नम्बर १४ की फुटने।ट () Vide foot-note (६) p. 15th.

राभनी ते प्रागोदिय-नासिका को वशमे रखना. one who controls the sense of smell उत्त २ २६; २;

 $\sqrt{$ घात. था॰ I,II. (हन्) ७७९९. मारना; घात-वध-करना. $To\ kill.$

घाएइ विवा० ३; घाएति. विशे० १२४=; घाएता सं० छ० नाया० १=; घाइत्तए. हे० छ० नाया० १.

घाइजमाण क० वा० व० क्र० नामा० १८, √ घात भा• I (हन्+िण) ७७।पबुं, धात ६२।पपी घात करना. To cause to be killed.

घायए प्रे॰ दस॰ ६, १॰, स्य॰ १,१, १;३, घायावह प्रे॰ श्रा॰ सु॰ च॰ ८, १८०, घायमाण प्रे॰ व॰ कृ॰ श्राया॰ १, ६, ४,

१६२, स्य० २, १, २४;

यात पुं॰ (घात) भारशुं. घात करना; वध करना. Killing, murder. भग॰ १४, १, (२) नरडः नरक. hell स्य०१,४,१,५, घातस्र त्रि॰ (ातघक) धात डरनाइ भारनाइ घातक. Destructive, (anything) that kills जं॰ प॰

घाति त्रि॰ (घातिन्) હणुनार, १६ ४२नार. घात न्वध करने वाला (One) who kills. श्रोव॰ ३८;

धाति अ-यः त्रि॰ (घातित) ६७३३ घातित, घात किया हुआः Killed, murdered. भग॰ १६, ६; नाया॰ ८,

घाय पुं० (घात) वध अरवे।; धात अरवे।.
वध करना, धात करना. Kıllıng, desbruction पॅ० नि० ४८८; नाया० १;
उना० ८, २४१ पंचा० ६, १२, क० प०
२, ४४; — उटभड पुं० (-उद्भट) धात
अरवाने विश्राल घात करने के समय
विकाल रूप भारण किया हुआ (one)

assuming a cruel and terrible appearance at the time of killing. नाया॰ =; —कर. ति॰ (-कर) नाथ धारक विनाशक destructive. क॰ गं॰ १, १=;

घायस्र. त्रि॰ (घातक) लुओ "घातम्र" श॰६. देखो "घातम्र" शब्द. Vide. "घातम्र" विशे॰ १७६३:

घायक. त्रि॰ (घातक) धात करनार घात करनत्राला (One) who kills जीवा॰ ३, ३, नाया॰ २;

घायग त्रि॰ (घातक) छप हिंसा करनार.
जीव हिंसा करनेवाला. (One) who kills living beings. पंचा > ६, २२;
घायगत्ता. स्री॰ (घातकता) धातशीपछुं;
कृरपखुं घातकीपना, कृरपन Cruelty;
destructiveness. murderous-

घायण न० (घातन) भारतुं; धात करवी. मारना, घात करना Killing; murder. स० च० म, १३६;

ness भग० १२, ७,

घायणा स्त्री॰ (बातन) धातक्ष्यी ते. घात करना. Murder; killing. परह॰ १, १; घायावण न॰ (घातना) धायक करावतुं. घात कराना Causing (another) to wound or kill विवा॰ ३;

घास पु॰ (ग्रास) क्षाणीया कौर, निवाला; ग्रास. A. morsel of food (२) भाजन भोजन food स्य॰ १, १, ४, ४; ग्रोव॰ १६, उत्त॰ ६, ११, ३, २१, पिँ० नि॰ ६२६, भग॰ ७, १, वव॰ ६, १४, श्राया॰ १, ६, ४, ६,

घासक पु॰ (घासक) अश्सिः; ६५ छि. श्ररसा. दर्पण A mirror विवा॰ २; —परिमंडिश्र त्रि॰ (-परिमारिडत) अश्सिथी शालित श्ररीसा-दर्पण से मुशो॰ ामेत. adorned with mirrors.
"चामर घासक परिमंडिश्र कडिश्र" विवा॰ २;
घित्रा. न॰ (घृत) धी. घी; घृत. Ghee;
clarified butter तंदु॰

धित्रोदित्र पुं॰ (घृतादक) घृतादिध समुद्र; धीना लेवा पाखीवाला समुद्र घृतोदिध समुद्र, धा के समान जलयुक्त समुद्र. Name of an ocean having water like clarified butter ठा॰ ४, ४,

धिंसु. पु॰ (ग्रीष्म) गरभीन भेासम, उनाणाः ग्रीष्म ऋतु Summer स्य॰ १, ४, २, १०; उत्त॰ २, ६;

धिणिल्ल. त्रि॰ (घृणावत्) ६थाशुः, ६थायान्, दयाला, दयावान Kind, compassionnte ।पै॰ नि॰ १७६;

घुघुयंत त्रि॰ (क्) धुधु श्रेवे। शक्द धरत घु घु ऐसा शब्द करता हुआ Sounding "ghu ghu" नाया क,

√ घुट धा॰ I (घुट्) पाली पीव जल पाना To diink water. (२) धुंटवुं. घुट देना to sip

घुट्टाते. नंदी० स्य० ४५;

घुट्टगः पु॰ (*) क्षिभ्पेक्ष पात्रने शुक्ष क्ष्यानी पथरी. काँचड लगे हुए पात्रकी शुद्ध करने का पत्थर A stone used to cleanse a bespattered vessel पि॰ नि॰ भा॰ १४,

घुट. त्रि॰ (घुष्ट) उथे २२२ भे। था ग्मेल; उद् धे। पणा करेत उच स्वर से बोला हुआ, उद्धो-पणा किया हुआ. Spoken aloud, proclaimed aloud. भग॰ १४, १; उत्त॰ १२, ३६; उवा॰ ६, २४१;

घुण. पु॰ (घुण) धुखे़ा; जन्तु विशेष-हे के

લાકડाने डारी नाभे छे. लक्कड खोद कांट-जन्तु विशेष. A kind of worm eating into wood. ठा॰ ४, १;

घुणा. स्नी॰ (घुण) साम्यानी प्रीक्षेः, धुण्ये. त्रक्कद का कीदा. An insect found in wood or timber. राय॰ २४६,

घुम्मंतः व॰ छ॰ त्रि॰ (घूर्णत्) सभतुं, ६२तु. श्रमण करता हुत्रा, फिरता हुत्रा. Wandering, roaming, moving. श्रोव॰ २१;

धुम्ममाण व॰ क्व॰ त्रि॰ (घूर्णत्) श्रभतु; श्रभणु ४२तुं. श्रमण करता हुआः Wandering; roaming. नाया॰ ६,

अधुमा श्री॰ (क) भे धिदियवाणा छव; श भक्षा वगेरे. दो इन्द्रिय नाला जीन, संख आदि A two sensed being. पत्त॰ १:

घुत्सिण न० (घुसृण) ३स२. केसर. Safe from सु० च० १०; २८८, प्रव० १४६८;

*घुसुलिंत व॰ क॰ त्रि॰ (सन्थत्) ६६ी विभेरेनु भन्थन करता; श्रास विदेशितं. दही इत्यादि का मथन करता हुआ. Churning curds etc. into whey etc. पि॰ नि॰ ४७३;

घूघू श्रंडश्र न॰ (घूकायडक) धुणारना धंडा । धुष्पु का श्रंडा . An egg of a sheow! . विवा॰ ३;

घूगांत व॰ कु॰ त्रि॰ (घूगामान) स्थिश विन्दुस्थित। भय से विह्नल होता हुआ Being destracted by fear of danger पगह॰ १,३;

भूयः पुं॰ (भूक) धुवः; धुः घुष्त्रः, उन्लू An owl. नाया = =, पगह० १, ३;

^{*} जुओ। पृष्ट नम्भर १५ नी पुटने। (*) देखें। पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (+). Vide foot-note (+) p 15th

घूरा. स्री॰ (घूरा) व्याध योने शरीरना अवयव जंबा इत्यादि शरीर के श्रवयव. A limb of the body such as thigh etc स्व २, २, ४५;

घेत्तब्ब. त्रि॰ (ब्रहीतब्य) अङ् करवा ये। अ ब्रह्म करने योग्य Worthy to be accepted विशे॰ १२;

घेयव्य त्रि॰ (प्रहातव्य) लुओ। " घेत्तव्य " शल्द. देखों " घेत्तव्य " शब्द. Vide " घेत्तव्य " भग॰ =, ६;

घेरोलिया ब्री॰ (मृहकोकिका) भरे।थी. ब्रिफ्कती. A lizard, a small houselizard जीना॰ १;

घोड. पु॰ (घाट-श्रम्) थे।।। श्रम्र घोडा. A horse गच्छा॰ १२५;

घोडग. पु॰ (घोटक) એક જાતના शिंडा एक जाति का श्रथ. A kind of horse. प्रव॰ २४६, पक्त॰ १; सूय॰ २, २, ४४; घोडय. पुं० (घोटक) धाडा. श्रथ; घोडा. A horse. उवा॰ २, =४; —मुद्द. न॰ (-मुख) धाडाना बक्षणा जीनानुं शास्त्र. श्रथ के चिन्हों की परिद्या करने का शाख.

science treating of the

marks by which a horse can be tested. अंगजो ॰ ४१;

घोर त्रि॰ (घोर) धे।२; लथं ४२, ६।२०थ्. घोर, भयद्वर; दारुण. Dreadful. "घोरानिउरं न कंदरचलंत बीभत्थभावाणं '' भग॰ १६,६; पण्ह॰ १,१; नाया॰ १;६;१७;अग॰ १,९६; मोव॰ ११;३८; उत्त॰ ४,६;६, ४२;२४,३८; प्रव॰ ४६१; पंचा०७, १२;१८,१४; भत्त० १९१; गच्छा॰ ४;(२) जेभां छन्याने। पणु संशय रहे तेनुं हु॰ ४२ १८५ जिसमे जीवित रहने का भी भय हो ऐसा दुष्कर कृत्य a perilous, hazardous

undertaking. श्राया॰ १, ४, ४, १३६: —श्रंसुपाय. एं॰ (-भ्रश्रुवात) आंसुनी भ्देत्रा धार. अधुओं की धारा; अधुपात. stream of tears.नाया ६; — श्रागार. पुं० (- ब्राकार) सर्थ ५२ आ । १२; आ । ति. भयंकर प्राकृति. terrible appearunce. भग॰ ३, २; —गुणः पुं॰ (-गुण घोरोऽनीर्दुरनुचरा गुणा मृतगुणा यस्य सः) सर्वे।त्तम युख्यान् सर्वे।तम गुणवान्. (one) extraordinarily virtuous; (one) possessed of insuperable qualities भग॰ १, १; —तवः न॰ (–तपस्) સેસારના સુખની ઇ²છા रिदेन तपश्रयों, संमार के मुख की इच्छा रहित तावर्षा nusterity without desire of worldly happiness. ठ०४२: - तचस्ति पुं॰ (-तपस्विन्) हुअर (भ्डें।८।) तथवाणे। भयानक, महान् तप बाला. one practising austere penance. नाया॰ १; भग• १, १; —यंभचेरवासिः त्रि॰ (-महावर्ष वासिन्) भदाधक्षयर्थ पासनारः अस्प-સત્ય વાલાને દુષ્કર એવા પ્રક્રાયર્ધનુ પાલન ५२नार. महा ब्रह्मचर्य पालने वाला (one) practising strict or austere continence. नाया॰ १: भग॰ १, १; —ह्न. न॰ (-स्त्व) धे,ररूपः भिडा-भर्ध रूप. डरौना रूप-प्राकृति- dreadful appearance उत्त॰ १२, २४; भग॰ १६, ६; — विस न० (विष) लयं ५२ ઝેર; જેની ગંધયી હત્તરા **છવા મરે** તેવું. भयंकर विषः जिसकी गंध से श्रसंख्य जीवो का नाश हो. deadly poison. भग॰ १४, १; - वेयगा, स्ना॰ (-वेदना) भक्ष दुः भं, लयं ३२ भीऽ। गहा दु.सः, भयंकर पाँडा. severe pain, affliction. भत्त॰

१६०, — क्वयः नि॰ (-ब्रत) हु⁶ ५२ भक्षात्रताने पाणनार. दुष्कर महाव्रतों को पालने वाला. (one) who observes full vows difficult to practise नाया॰ १:

घोल. पु॰ (घोल) हिंदिने अपडामां लांधी गाणी नाभवु –पाणी अही नाभवुं ते दहीं को कपडे में बांधकर छान डालना-पानी निकाल देना The process of extracting water out of curds by tying it in a cloth प्रव ॰२३०; घोलंत. त्रि॰ (घोलयत्) होसायमान खतु; ऽगतुं हिलताहुआ; डीला चलायमान होता हुआ. Swinging, shaky, खोव॰ १२; कप्प ॰ २, १४;

घोलए न० (घोलन) धे। णवु: अगूरे। अने आ-गणीवती डेरीनी पेंडे धे। णवुं-भसणवुं घोलना; श्रंगूठा व उंगली से केरी के समान घोलना; मसलकना Pressing round by means of the thumb and the fingers, e g a mango. विशेष

घोलमाण व॰ इ॰ त्रि॰ (घोलयत्) थे सना ६२तु घोलता हुन्ना. Rubbing. क॰ प॰ २. १०३:

घोलवड न॰ (घोलवटक) ६६६ धे। शीने तेमा वडा नाभे ते; ६६६वडा. दही को घोलकर उसमें बडे डालना; दहीबडे A kind of food prepared of truy cakes dipped in cuids mixed with salt etc This is known as Dahibadā प्रव॰ २३०;

घोलिश्च-यः त्रि॰ (घोजित) वर्षे वेश्वः भन्थे शुः हेरोनी भेडे वेश्वेशुः मथन किया हुत्रा, श्राम के समान धुला हुश्चा Churned, pressed round (e.g. a. mango) to take out juice. स्य॰ २. २; ६३: श्रोव॰ ३८;

घोलित. त्रि॰ (घोलित) कुओ ७५९। ११५६. देखे। ऊपर का शब्द. Vide above. दसा॰ ६, ४;

घोलिर. न॰ (घोलनशील) २४५७) ६२ चुं ते. वर्तुलाकार घूमना Circular, tortuous motion. सु॰ च॰ १, ४;

√ घोस्स धा॰ I, II. (घुष्) ઉચે स्वरे भेश्यतु उच्च स्वर से बोलना. To speak loudly.

घोसंति नाया० ५;

घोतेह नाया० ४,१३, १४; १६; सु०च० २, १८१; ज० प० ४, १२३;

घोसित्ता. सं० कृ० नाया० १२; घोसंत्त श्रोघ० नि० ६४८; घोसावेह नाया० १६;

घोसः पुं॰ (घोष) ગાકુલ, ગાયાને રહેવાનું स्थान. गीकुल, गीश्रों का स्थान. A house for keeping cows in. বল০২০, ৭৬; ठा० २, ४, सम०३२, वेय०१, ६, (२) धे।स નામનું ત્રીજા અને ચાથા દેવલાકનું વિમાન घोस नामक तीमरे व चौथे देवलीक का विमान. name of a heavenly abode of the third and the fourth Devaloka सम॰ ६; (३) २५२; अपाज. स्वर; आवाज कदी०स्थ० ६; नाया०६; भग०१४,१;सु०च० ર, પ્રવહ, લા ૧૦ (૪) ઉચ્ચું નીચુ કે સમસ્વર વિશેષ ઉચ્ચાર–ઉદાત્તાદિ भे। अब ते ऊंचा नीचा व समस्वर विशेष उच्चार-उदातादि स्वरं का उच्चारं करना. speaking in high, low or middle accent विशेष ६४१: पिवनिक ४४०; त्र्रणुजो० १३; (५) स्तिनत पुभार कातना अवन्यतिने। धन्द्र स्तानित कुमार

जाति के भवनपीत का इन्द्र. Indra of the Bhavanapati gods of the Stanitakumāra kind. नाया व द: (६) ધાસ નામતું પાંચમાં દેવલાકનું વિમાન કે જ્યાંના દેવતાનું દશ સાગરનું આયુષ્ય छे घोस नामक पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहा के देवताओं को दश सागरा का त्रायुष्य प्राप्त होता है name of a heavenly abode of the fifth Devaloka, the gods here live ten Sagaras of time सम् १०; —विसुद्धिकारश्र. त्रि॰ (-विशुद्धिः कारक) उद्यात-अनुदात्त-स्वरित आहि स्वरित श्रादि शुद्ध उचार करने वाला (one) using high, low and circumflex accents in speech. इसा॰ ४, १६; —हीगा त्रि० (-होन) सूत्र पार्टना ઉચ્ચાર કરવામાં દીર્ઘ હેાંય ત્યા -હસ્વ, બે માત્રા હાય ત્યાં એક માત્રા ખાલવી તે, જ્ઞાન-ना १४ अतियारभाने। ओं इ. सूत्र पाठ का उच्चार करने में दीर्घ हो वहां व्हस्त, दे। मात्रा हों वहां एक मात्रा वोलनाः ज्ञान के १४ अतिचार में में एक. wrong pronunciation of scriptural text; one of the 14 faults connected

with acquiring knowledge. আৰ্০ ১, ৩;

घोसण न॰ (घोषण) धंटाने। शण्ह घंटा का नाद. Sound of a bell. राय॰ ४०; घोसणा. स्त्री॰ (घोषणा) अदि भभरः ढंदेरे॰ प्रसिद्ध-पत्रिका; ढंढरा. Proclamation ज॰ प॰ ४, १२३; ११४; ग्रंत॰ ४, १; नाया॰ १३, १४;

क्ष्मिय पुं॰ (॰) आरसी; नानी अरिसी. दर्गण; ब्राईना, छोटा दर्गण. A small mirror, भग० ११, १९;

घोसाड पुं॰ न॰ (घोसातक) धीसे।ऽ।; शाः वनस्तिनी येः। जनतः तुराई, शाक वनस्ति की एक जाति A kind of vegetable. प्रव॰ २४३;

घोसाडई स्री॰ (घोषातकी) धीसे।।तुरीयानी वेश नुरई की वेल. A
cresper yielding fruit which 19
used as vegetation. पन्न॰ १; १७:
घोसाडिया. स्री॰ (घोषातकी) वनस्पति
विशेष, धीसे डी वनस्पति विशेष, टांडोरे
की वेल. A kind of vegetation

घोसिश्च. त्रि॰ (घोषित) ब्लाइर हरेतुं. साह पडावेशे. प्रसिद्ध किया हुन्ना, दूंडी पिटाईहुई. Publicly proclaimed श्रोम॰नि॰६४५;

जीवा॰ ३. ४; राय॰ ५४;

ਫ਼-

ङकारपिधभित्ति. पुं॰ (ङकारप्रविभिक्ति) ડ না আঙাৰ পेণ্ডু না১ ৬ বিধীণ ভ कार की স্মার্ক্তার के समान, না১ক विरोष (Anything) of the shape of the letter " ङ "; a kind of a drama.

^{*} जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (*). Vide foot-note (*) p 15th

च

च. अ० (च) अने; वक्षी. और; फिर. And; moreover. (२) पाहपूरे पादपूर्ति an expletive. क० ग० १, ३; २३; २६; ३७; ४२; दस० ४, १५; ५, १, १७; ५, २, ८; ६, ६; १=; भग० ३, १; नाया० १, ६, १२; १६; ध्याया० १, १, १, १२; नंदी० स्थ० २०, २१, उन्ना० १, १४;

चश्च-य. पुं॰ (चय) लथ्था. समूह. A collection (२) ध्र यगेरेन यख्तर ईंट, पत्थर श्रादिका चुनाव. piling of bricks etc पि॰ नि॰ २; १०१, उत्त॰ २८, ३३; परह॰ १, ५; स्य॰ १, १०, ३, (३) शरीर. शरीर. body. श्रोव॰ ४०; (४) शरीरनुं तल्यु शरीर का त्याग करना. giving up or abandoning one's body. श्रोव॰ ४०;

चइय त्रि॰ (त्यक्त) छ। देश्व; तर्रक्ष. छोडा हुआ; त्याग किया हुआ. Abandoned, given up. भग०७, १; पगह०२, १; श्रोध नि॰ ११४;

चइयव्यः त्रि॰ (त्यक्तव्य) त्यागवा ये। व्य त्याग ने योग्य, छोडने योग्य. Worthy of being abandoned, स्० च० ४, १८६;

चउ. ति० (बतुर्) था२; था२नी स ५॥।
चार; ४ की संख्या. Four; the
number 4. उत्त० ३, १; ३६, ६२,
श्रोव० ३१, श्रयुजो० द, भग० १, १; १;
२, १; ४, द; ६, ६; ७, ६, १६, १; १७,
१, २४, ६, नाया० १, राय० १द, दम० ७,
१: उवा० १, १८, क० गं० १, ३०; ३३;
४६, २, ४; पंचा० १७, ६; दसा० ७, १;
पन्न० १; ४; विवा० १; सु० च० १, २,
निसी० १६, ६ १२; पि० नि० ४, वेय० ३,

१४; वव० ६, ३६; जं० प० ५, ११२; - कन्न. त्रि॰ (-कर्ण) भार धाने गयेस (वार्ता). चार कानां में गई हुई (वात). (a story) known to two persons श्रोष॰ नि॰ ७६०; -कुडुश्र षुं॰ (-कुडब) ચાર કૃડવ-ધાન્યનાે માપ विशेष. एक प्रकार का धान नापने का माप. a measure of capacity equal to four Kudavas. प्रव. ५१६: —कसाय पुं• (-कपाय) हे। ध, भान, માયા અને લાેભ એ ચાર કપાય चार कपाय-कोघ, मान, माया और लोभ, the four evil passions viz anger, pride, deceit and greed স্মাৰ় १, ४, दस॰ ७, ५७, ६, ३, १४, —क्रोग त्रि॰ (-कोण-चत्वार: कोणा यस्य) थार ખુણાવાળું; ચારસ चार कांनों वाला, चतुप्-कोण quadrangular " सडतारायो मिण्सुबद्धान्नी चडक्कोणान्त्री '' राय० भग० १३, ६; —गाहा स्रो॰ (-गाथा) यार ગાયા चार गाया four verses ३.२०. —गुण त्रि० (-गुण) यारगर्ध चार गुना; चौगुना. fourfold ज॰ प॰ ४, ११६, भग० २४, १; कः ग० ३, १०; —गुगिय. त्रि॰ (-गुगित) थे।ग**्** चौगुना. fourfold भग ० २४, १; — घाइ न॰ (-धातिन्) ज्ञानायग्शीयाहि यार धाति ३२भी ज्ञानावरणीय त्रादि चार घाति कर्म. the four kinds of Karma which obstructs right knowledge etc. কo गंo ४, ৩২, — হাল্য. न॰ (-स्थान) इम ना यार ग्रांकी रस. कर्में। का चतु स्थानिक रस. the fourfold state of Karma as regards its

acuteness etc. क॰ ग॰ ५. ६४: -- गाउइ स्रो॰ (-नवति) थाशाणं. ८४. चारानवे, ६४. ninety-four: 94. मम॰ ६४, —गागोबगव त्रि॰ (-ज्ञानी-पगत) मति, श्रत, अविध अने भनपर्यंव એ **ચાર ગાનથી યુક્ત. मित, श्रुत,** श्रवाध और मन पर्यंत इन चार प्रकार के जानों से यक Possessed of four kinds of knowledge viz Mati, Śruta, Avadhi and Manahparyava. नाया॰ ; नाया॰ ध॰ - तसा पु॰ (-तनु) શરીર ચતુપ્ટ, શરીર નામકર્મ, અગાપાગ નામકર્મ સઘયણ નામકર્મ અને સંકાણ નામકર્મ[ે] એ ચાર પ્રકૃતિના સમૃદ, शर्रार चतुष्कः शरीर नामकर्मः श्रंगोपांग नामकर्मः संहनन नामकर्म श्रीर संस्थान नामकर्म इन चार प्रकृतियों दा समदाय the fourfold Śarīja Karmic matter viz Nāma Karma, Angopānga Nāma Karma, Sanghayana Nāma Karma and Santhāna Nama Kaima কo শ০ ২, ২৭; — त्तीस. त्र॰ (-विशत) चे।त्रीश: ३४ चौत्तीस. ३४, Thirty-four; 34. "चउत्तीमबुद्धवयणातिसेसेपत्त" श्रोव० १०: नाया॰ ८; —त्तीसम. न॰ (-त्रिंशत्तम) સાળ ઉપવાસ બેગા કરવા તે, તેત્રીશ ભક્ત-ટ કના ત્યાગ કરી ચાત્રીશમે ટ કકે પારહ **४२**व ते. सोलह उपनास इकट्रे करना; ३३ भक्त-भोजन का त्याग कर ३४ वें समय पारणा करना. sixteen fasts: taking food after a fast of thirtythree meals नाया॰ १, -दंसरा न० (-दर्शन) दशीनावरशीय अभीनी ંચસુદર્શનાવરણીય આદિ ચાર दर्शनावरणीय कमें को चतुदर्शनावरणीय

वगरह चार प्रकृतियाँ, the fourfold Kaimic variety of the Karma called Darśanāvaranīva ग॰ २, १२; —दंत. पुं॰ (-दन्त) थार हान्त वादी। दस्ती रत्न हस्तिरतः चार दाता वाला हाथा an elephant with four tusks, भग० १४, १: नाया० १; ठा॰ ६; कप॰ ३, ३३; —हसम. त्रि॰ (-दशतम) थैं। हभु . चौदहवाँ . fourteenth. वव ० ६. ४१. भग० १६. १४: २५, ७; नाया० १: १४: —हिस श्र॰ (- विंश्) भूव , पश्चिम, उत्तर अने हिस्स् ये यार दिशाया चार दिशाए: पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दानिण. the four quarters east west etc. नाया॰ ६. १३; —नवड. स्त्री॰ (-नवति) थे।२।७: ६४नी स ७४। ६४ की संख्या. ninetyfou; the number 94. क॰गं॰ ३, १३: १४: —नागा न॰ (-चान) भति, धृत, अविधे अने भन पर्ध व के यार ज्ञान, चार ज्ञान: मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, श्रवधिज्ञान श्रीर मनः पर्यव ज्ञान. the four kinds of knowledge viz. Mati, Śruta. Manahparyava and Avadhi. 950 १३०६; —नारिए वि० (-ज्ञानिन्) थारतान वाणे. चार ज्ञान वाला. possessed of the four kinds of knowledge. सु॰ च॰ ३, १; १६, ४७; भग॰ द, २; —नागोत्रमश्च पुं॰ स्त्री॰ (-ज्ञाना-पगत) કેવલ શાનને છેાડી અન્ય ચાર सानथी युक्त केवल ज्ञान को छोडकर शेष चारों ज्ञानों से युक्त. possessed of all (the remaining four) kinds of knowledge except Kevala Jñāna भग०१, १; — पंचग न० (-पञ्चक) यार भाय. चार पांच, four or five. दमा॰

६, १; —पज्जवासियः त्रि॰ (-पर्यवसित) ચારચારના થાેક કરતાં જેમાં ચાર શેષ રહે તે. चार २ का थोक करने पर जिसमें चार शेष रहें वह-संख्या. any sum in which the remainder is four, after it has been divided into parts each containing four. भग॰ १८, ४, ३१, १; --पज्जाय पुं॰ (-पर्वाय) નામ–સ્થાપના–દ્રવ્ય–ભાવ એ ચાર પર્યાય. चार पर्याय, नाम, स्थापना, द्रव्य श्रौर भाव. the four Paryāyas viz Nāma, Sthāpanā, Dravya and Bhāva. विशे॰ ७३; --परास्त स्त्री॰ (-पञ्चाशत्) ये। पननी संख्या. चौपन की संख्या. fiftvfour. ज॰प॰ २, ३१; —पल्लाहिय. त्रि॰ (-पच्याधिक) থাर पश्यापमे अधिक चार पल्योंपम श्राधिक. exceeding by four Palyopamas (a measure of time). क॰प॰ २, १०७; —पोरिसिय. त्रि॰ (पौक्षिक) थार पहेरतं चार पहर वाला. of or extending to four Praharas (one Prahara = 3 hours) भग॰ ११, ११; —प्पएसिश्च-य. त्रि॰ (-प्रदेशिक) जेभा यारपरभाख न्या भणेक्षा तेवा (२४-५). चतुप्रदेशिक चउप्रदेशी (खब). जिसमें चार परमाण मिले रहते हैं वह स्कन्ध. a molecule consisting of four atoms श्रणजो॰ ७४, भग०५,७; — द्वडोयार त्रि०(-प्रत्य-वतार) यार विलागभा विलक्ष्त. चार भागों में विभक्त-वंटा हुन्ना divided into four parts. भग० २५, ७, — प्यासा त्रि॰ (-पञ्चाशत्) थे। पनः ५४. चौपनः ५४. fifty-four; 54. नाया॰ ध॰ ३; ४, भग॰ २४,६;७; -- प्पदी. स्त्री० (-पदी) निर्यंथ स्त्री; थे। पशी. तिर्यम्ब जाति की स्त्री; चतुष्पद स्त्री- लिंगी पश्र a female quadruped. जीवा॰ १, —प्पदेसिश्च. त्रि॰(-प्रदेशिक) ळूओ।"चउपप्रसिश्र" शण्ध. देखो "चउपप् सिम्र"शब्द. vide"चडप्पएसिम्र"भग०१२, ४:--- प्यय-म्रा त्रि॰ (-पद-चत्वारिपदानि पादायस्य) ચેતપગા; ચારપગવાળું. ગાય-ધાેડા -क्षश्री विशेरे. चौपगा चार पैरो बाला: गाय. घोडा हाथी वगैरह. a quadruped; e. g. a cow, horse etc नाया॰=; भग॰ ७, ४; ८, १; जीवा० १; ३; ४; पिं० नि० ७६; जं० प० ७, १५३; पन्न० १; सम०३४; उत्त० १२; २४, श्राया०१, २, ३, ५०; ठा० ४. ४; श्रग्राजी० ६१; १३१; (२) ६रे५ માસની અમાવાસ્યાને દિવસે સ્માવતું ચાર સ્થિરકરણમાંનું બીજું કરણ; ૧૧ કરણમાનું नवभुं ५२७। प्रयेक मास की श्रमावस के दिन ऋाने वाले चार स्थिरकरणों में से दूसरा करणः ११ करणों में से नौवां करणा. the second of the four Sthira-Karanas, falling on the fifteenth day of the dark half of every month; the nineth of the eleven Karanas. उना॰ १. १=; जं॰ प॰ विशे॰ ३३५०; — प्पयार. पुं॰ (-प्रकार) थार अधार-नेदः चार प्रकार -भेद. four varieties. क॰ गं॰६, ६६; -- पाय. पुं॰ (-पाद) लुओ। "चडप्पय" शम्हः देखो ''चउप्पयं' शब्द. vide "चउर प्पय " शब्द भग॰ १४, १; --प्पुड्य. त्रि॰(-पुट-क) थार ५५ वार्धु. चार पुडवाला. Having four folds. " सयमेवच उप्पुडयं दाहमयं " भग० नाया १ : -फास पुं (-स्पर्श) थार २५१ चार स्पर्श. four kinds of touch. भग॰ २०, ४; क॰ गं॰ ४, ७८; -- इमाग पुं॰ (- भाग) यतुर्थाश; ये।थे।

ભાગ. चौथा हिस्सा; चतुर्थोश. one-fourth. उत्त॰ २६, ¤; ३०, २१; श्र**राजी॰ १३**२; --भंग पुं॰ (-भंग) यार विधः ५-लेट. थे। भंगी, चार विकल्य-भेद, four varieties. " मुद्रेणामं एगे सुद्रे सुद्रेणामं एगे अमुदे अमुदेणामं एगे सुदे अमुदेणामं एगे श्रसुद्धे चडभंगा '' ठा० ४, १; पंचा० ५, ६; १२, ४४; भग० ६, ६: - भंगी. स्रो० (-भद्गी--चत्वारो भंगाः समाहनाः) थे।-ભગी. चार भेदकी रचना. four varieties पन्न १०, प्रव १७१: --मास. पुं (-मास) थार भास-भरीना, चार मान. four months. To io 3. —म्मुह. त्रि॰ (-मुख—चत्वारि मुदाः न्यस्य) थार भू भवाण ; केना यारे हिशा-મા દરવાજા-દાર-હોય તેવા પ્રાસાદ-દવેલી. चार मुंह वाला श्रथीत जिसके चारों दिशाश्री में चार हार हो वसा प्रामाद-महल. fourfaced; a palace having gates facing all the four directions. कप्प० ४, ६६; भग० २, ५; ३, १; ७; ४, ७; श्रोव० २७: राय० २०१; नाया० १;१६; --- राइ. स्त्री॰ (-रात्रि) थार शत्री. चार रात्रि. four nights. क॰ प॰ ४, २३; -- राय. न० (-रात्र) थार शत्री. चार रात. four nights. निसी॰ ६, ७; — स्व. त्रि॰ (-रूप) यार भृति वार्जु. चार मूर्तियों वाला. four-shaped; having four shapes, सु॰ च॰ ३, ६१. -वर्रितः त्रि॰ (-व्यतिरिक्त) यार्थी भित्र, चारों से भिन्न different from four. विशे॰ ३०३; — वस्न. त्रि॰ (-पञ्चा-शत्) थे। ५न; ५४. चौपन; ५४. fiftyfour; 54. सम॰ ४४, — बन्न. पुं॰ (-वर्ण) વર્ષાંચતુષ્ક; વર્ષ, ગાંધ, રસ અને સ્પર્શ એ नाभ इर्भनी यार प्रकृति. वर्णचतुष्कः वर्णे,

रम, गंध; र्थार स्पर्श ये नामकर्मकी चार प्रकृतियां, the four varieties of Nāmakarma viz. colour, smell, taste and touch. क॰ गं॰ ५. ६: —वासपरियागः त्रि॰ (-वर्षपर्यायक) थार वर्ष नी दीक्षावाला. चार वर्ष की दीचा वाला; चार वर्षका द्यांचित. (one) with a Dīksā (asceticism) of four years, standing, वव॰ १०, २१; २२; २३; २४; — व्यिगप्प. पुं॰ (-विकल्प) थार विश्वरप-प्रश्वर, चार विकल्य-प्रकार four varieties, % 9 9 3.5: - HE-हुगा. स्त्री॰ (-श्रद्धान) यार सहदूखा; छवा-જીવાદિ તત્વના અભ્યાસ કરવાે. પરમાર્થ-દર્શી આચાર્યાદિની સેવા કરવી, નિન્દ્વાના સંગત કરવા અને પાખવડીના પરિચય ન કરવા એ ચાર સમકિતની સદહણા चार थहाएं. जीव खजीव खादि तत्वोंका अभ्यास करना, परमार्थदर्शी श्राचार्यों की सेवा करना, निन्हवों-कुमत प्रवर्तकों का संग न करना, श्रीर पावादियां थे परिचय तक न करना. the four varieties of right faith viz spiritual study, attendance upon a spiritually enlightened preceptor, avoidance of Ninhavas and of heretics. সৰুত ১৮০: —समइयः ति० (-सामियक) थार सभयतु . चार् समय-काल का. of four Samayas (or units of time). भग० २५, =: --समयसिद्धः पुं० (-सम-यसिद्ध) केने सिद्ध थया यार समय थया छे ते जिमे सिद्ध हुए चार समय हुए हैं बह. one after whose Siddhahood 4 Samayas have elapsed. पन्न॰ १; —सय. न॰ (-शत) એક્સા ने थार एक सौ श्रीर चार. one hundred

and four. क॰ गं॰ २, १५; —सयरि. स्री॰ (-सप्तति) अभे।तेर, ७४नी स भ्या. चौहत्तर; ७४ की संख्या. seventy four; 74. क॰ गं॰ २, ५, -सरग. न॰ (-शरण) अरिહन्त, सिद्ध, साधु अने धर्भ એ ચારનુ શરણ (આશ્રય) લેવુ તે. જ્રારે-हंत, सिद्ध; साधु श्रीर धर्म्म इन चारों की शरण लेना—आश्रय लेना. 1esigning oneself to these four viz. Arihauta, Siddha, Sādhu and Dharma. (२) દશપઇના પૈકા એક પન્ધત્રા (પુસ્તક) તુ નામ. दस पड्जाश्रॉ में से एक पड्ना-पुस्तक. name of one of the ten books known as Painnās. चड॰ ११, —सरणगमण. न॰ (-शरणगमन) यार शरणा क्षेत्रा. चार शरण-श्राश्रय लेना. resigning oneself to the four e.g. Arihanta etc. पचा॰ २, २७; —साल. त्रि॰ (-शाल) यतुःशाक्षः, यार भाणवाक्षं (धर) चार श्रटारी वाला मकान: चार मजला घर. four-storeyed. जीवा॰ ३, ३; —ासिर न० (-शिरस्--चत्वारि शिरासि यस्मिन्) વન્દનામાં ચાર વખત શુરૂને મસ્તક નમાડવું ते वन्दना करते समय चार बार गुरुके श्रांग मस्तक नमाना-देकना act of bowing one's head four times while saluting a preceptor. सम॰ १२; —हेउ. पुं॰ (-हेतु) भिष्यात्व आहि अर्भ **णन्धना यार हेतु. मिथ्यात्व श्रादि कर्मवन्य** के चार हेतु. the four causes of Karmic bondage viz heresy etc. क० ग० ४, ४३;

चउक्क पुं॰ (चतुष्क) यार रस्ता लेगा थता छे।य ते स्थक्ष-याः योषाटा. चोक, वह जगह जहा चार मार्ग श्राकर मिनते हों A square where four roads meet. श्रोव॰ २७: उत्त॰ १६, ४, श्रापुञी० १३४; भग० २, ५,३,७,५, ७, कप्प० ४, ६६; नाया० १; २; वेय० ૧, ૧૨, (૨) ચારનાે સમૂહ-જત્થાે. चारका समूह. a group of four. भग॰ =, 9, 99, 9; 92, ¥; 9=, ¥, ₹°, ¥; २४, १२; ३३, ३; पि॰ नि० ३; जीवा॰ ३, ३; पत्त० २३; राय० २०१; श्रग्रुजी० ८; प्रव० ६३७; क॰ ग॰ १, ४, — गाथा. पुं॰ (-नय) यार नयने भाननार ओं इ आछ-विक्र भत. चार नयों को मानने वाला एक खाजीविकसत-सप्रदाय, a tenet named Ājīvika believing in four standpoints सम॰ १२; -- णइय. त्रि॰ (-नायेक) ચાર નયથી વસ્તુના વિચાર કરણાર; જે નૈગમના સામાન્ય અ શને સંગ્ર-હમા અને વિશેષ અંશને વ્યવહારમા સમાવી ત્રણ શબ્દનયને એક રૂપે માની સંગ્રહ, વ્યવહાર, ઋજાસત્ર અને શબ્દ–એ ચાર नय भानता छना ते. चार नयो से वस्तु का विवार करने वाला. जो नैगम के सामान्य श्रंश का सग्रह मे श्रीर विशेष श्रश का व्यव-हार में समावेश कर तीनों शब्द नयों का एक रूप में स्वीकार कर संप्रह, व्यवहार, ऋजुसूत्र श्रीर शब्द ये चार नय मानने वाला. (0118) who looks at a thing from four standpoints: (one) who believes in the four standpoints viz. Sangraha, Vyavahāra, Rujusūtia and Sabda, including Sangraha Viśesa in Vyavahāra and taking the three Sabda Nayas to be one सम॰ २२, —संजोश्च. पु॰ (-संयोग) ચાર બાલતા જોડાણ-સયાગ. चार वोलों का संयोग. conjunction of

gives up or abandons. भग॰ २, १; इसा॰ २, २;

चाइत्त. न॰ (त्यागित्व) त्यागी पणुं. त्यागी पना Renunciation. स॰ च॰ २, १४; चाइय. त्रि॰ (शक्त) शक्तिवन्त; सभध शक्तिवंत समथ. Powerful; capable. उत्त॰ ३२, १६;

चाउकाल. पु॰ (चतुष्काल) भे संध्या अने भे भध्यान्छ अभ रान दिवसमां यार वणतः दां सध्या व दो सध्यान्ह इस प्रकार रात दिन के चार समय. The four points of day and night viz. two twilights, mid-day and midnight. निसी॰ १६, १४;

चाउक्कोण. त्रि॰ (चतुष्कोण) श्रार भुष्। पाक्षु. चार कोन वाला. Four-cornered. नाया॰ १३; राय॰ १३३;

चाउग्घंट. पुं॰ (चतुर्घगट-चतस्नोघगटायस्य स.)

केनी यारे भालुओ-यारे दिशामा निकथ
सूथक घंटडी भांधेली है।य तेने। रथ. जिसकी
चारा दिशामा में निजय सूचक घंटा चधी हुई
हो ऐसारथ A chariot with triumphal bells tied on its four
bides मग॰ ७, ६; ९, ३३; नाया॰ १,
८. १६, १६; जं॰ प० राय॰ २१३;
—आसरह. पु॰ (-म्रश्वरथ) यार टे।इरी
वाणी धे।डा-गाडी चार घटी नाला म्रश्वरथ
क chariot drawn by horses
having four bells. निर॰ १, १;
नाया॰ ६;

चाउजातक न॰ (चतुर्जातक) तथ-अक्षयी
देशर-भरी-अ यार परतुनुं भिश्रश् दालचिनी, केशर, इलायची, कालीमिच-इन चार
चस्तुश्रों का मिश्रण. A mixture of
four ingredients viz. cinnamon, aromaticum, saffron,

cardamom and pepper. जीवा॰

चाउजाम. पुं॰ (चातुर्याम) यार महावत-સર્વ પ્રાણાતિપાત વિરમણ, સર્વ **મૃ**ષાવાદ વિરમણ, સર્વ અદત્તાદાન વિરમણ સર્વ[°] પરિગ્રહ વિરમણ એ ચાર મહાવતમા શ્રમણ-પણ જેમા દર્શાવ્યુ છે તે ધર્મ; વચ્ચેના ળાવીશ તીર્થ કરાતી ધર્મ, તેમા ચાે<u>યું</u> મેહુણ વિરમણવત પાંચમામાં સમાવી દેવાથી મહાવતની સખ્યા પાચને બદલે थारनी छे. चार महाव्रत-सर्वे प्राणातिपात विरमण, सर्व मुषावाद वीरमण, सर्व श्रदत्ता-दान विरमण, सर्व परिग्रह विरमण इन चार महावत में श्रमणपना जिसमें दर्शाया है वह धर्म, मध्य के बाईस (२२) तीर्थंकरों का धर्म, उसमें चतुर्थ मेहुण विरमण वत पांचवे में समाविष्ट कर देने से महाव्रत की संख्या पांच के स्थान चार है. that religious teaching which demonstrates the asceticism in the four great vows viz. abstention from all killing, abstention from all false-hood, abstention from acceptance of things not given and abstention from stealing; the distinctive of the character middle 22 Tirthankaras; the fourth of the vows being included in the fifth, the number of the great vows is four instead of र्nve. स्य० २, ७, ४०; उत्त० २३, १२; भग० १, ६; २, ४, ५, ६; ६, ३२; २०, =; २४, ७; राय० २२१; नाया० १**६**; -- धम्म. पुं॰ (-धर्म) यार भहावतरूप धर्भः चार महावतरूप धर्मः religious

observance in the form of the four great vows. नाया॰ १६;

चाउद्दिय. त्रि॰ (चातुर्दशिक) शैं। हसने दिवसे जनभेत्र. चतुर्दशों के दिन जन्म पाया हुआ. Born on the 14th day (of the bright or dark half of a month). उना॰ २, ६५;

चाउद्सी. स्री॰ (चतुर्दशी) वै। हश. चतुर्दशी. 14th day (of the bright or dark half of a month) " वाउ इसी पन्नरसि वजेजा श्रद्धमीच नवमीच " विशे जीवा ० ३, ४; राय ० २२५; भग० २, ५; ३, २; ३; ७; नाया०२; ६; विवा०१; —चंद. पु॰ (-चन्द्र) यत्रह शीने। यंद्रभा. चतुर्देशी का चंद्र. the moon of the 14th night (of the bright or dark half of a month). नाया - १०; चाउप्पायः त्रि॰ (चतुरपाद्) थिक्षित्साना थार પાયા-વમન, વિરેચન મદુન અને સ્વેદન, चिकित्साके चार पाये-वमन, विरेचन मर्दन व स्वेदन, the four basic operations of medical treatment: vomitting, purging, rubbing and perspiring. (ર) વૈદ્ય, ઔષધી, દરદી अने सारवार धरखार भाखस वैद्य, भौषधी. दरदी व सेवा शुश्रुया करने वाला मनुष्य. the physician, medicine, the patient and who nurses. (3) अक्करन-अन्धन-लेपन अने भहेन. अजन-बन्धन, लेपन व मर्दन. application of an ointment, bandaging, smearing and rubbing. उत्त॰ २०, २३:

चाउभाइयाः स्री॰ (चतुर्भागिका) ચेथि। ભાગ. चतुर्थे भाग; चौथा भाग. The fourth part. राय॰ २७२;

चाउम्मास. न॰ (चातुर्मास्य) थे।भासुः;

यातुर्भास. वर्षो ऋतु; चातुर्मास. The rainy season; the four months (of the rainy season). प्रव॰ १८३; पंचा॰ १, १६;

चाउम्मासियः त्रि॰ (चातुर्मासिक) शातुर्भाः સિક; ચાર મહિનાતું. (પ્રતિક્રમણ વગેરે). चातर्मामिकः चारमास का (प्रतिक्रमण इत्यादि). Pertaining to the four months (of the rainy season). नाया० ४: निसी० २०, १३; १६; ४१; वव० १, २; वेय० १, ३६; २, १५; —मज्जलयः न॰ (-मजनक) यातुभांसभां यते। भन्नजन भढ़ेात्सव चातुर्मास में होनेवाला मजन महो-त्मव. the great festival of ablution occuring in the four months (of the rainy season). नाया॰ =; चाउर वि॰ (चतुर) यार; यारती संभ्या चार की मंख्या. the number four श्रोव॰ - अंग. न॰ (-ग्रंग) थार अंग. चार श्रंग. the four limbs or divisions. विवा॰ ३: चाउरगिद्धाः न॰ (चतुराद्विक) ७त्तराध्ययनना त्रील अध्ययननं नाभ. उत्तराध्ययन के ततीय अध्ययन का नाम. Name of the third Adhyayana of Uttaradhyayana. श्राणुजा॰ १३१:

चाउरंगिणीः स्त्री॰ (चतुरगिणी) लुओ। "चउरंगिणी" शम्ह. देखी "चउरंगिणी" शब्द. Vide "चउरंगिणी" स्रोव॰ २६; भग॰ १, ७, ७, ६; नाया॰ १; ४; ६; १४; १६; दसा॰ १०, १; जं॰ प०

चाउरश्रंतः त्रि॰ (चतुरम्त) नारक्षी-तिर्वय-भनुष्य अने देवता अ यार गति छे अन्त-अवयव केनी ते, यार गतिरूप यार अवयव वाला संसार. नारकी-तिर्यम-मनुष्य व देवता ये चार गति हैं श्रन्त-श्रवयव जिसकी वह, (७१३)

चार गतिरूप चार श्रवयव युक्त संसार. Worldly existence consisting of divisions which has got for its end the four conditions viz. hell beings, lower animals, man, and celestial beings. उवा० ७, २१=, उत्त० १६, ४६; स्य० २, २, =२; भग० १, १. २, १; नाया० १, २, (ર) ચાર દિશાના ચાર વિભાગ વાળ. चार दिशाश्रो के चार विभाग युक्त consisting of four divisions of the four quarters. 510 3, 9, (3) ત્રણ તરક સમુદ્ર અને ચોથા હિમાચવ એ ચાર જેના અન્ત-પર્યન્ત ભાગ છે એવા पृ²वी प्रदेश तीनों तरफ समुद्र व चौथा हिमालय ये चार जिसके ग्रन्त-पर्यंत भाग है ऐसा पृथ्वी प्रदेश. the region of the earth bounded on three sides by the sea and on the 4th by the Himālayas, मम्॰ १: उत्त॰ ११, २२: —चक्कवाहिः पुं॰ (चक्रवार्तिन्) भरतनी थारे पर्वत विकय इरनार यक्षवर्ती भरत की चारे। दिशा पर्यंत विजय करने वाला. चकवर्ती one who is victorious in the four quarters of Bharata; a sovereign whose dominion extends as far as the ocean भग० १६, ३: कप्प० २, १४:

चाउरक पुं॰ (चातुरक्य) भाउ ने।ल हुध विनेरेथी लनावेश भाद्य विशेष शकर, गुड, मिश्रो, दूध इत्यादि से बनाया हुम्रा खाद्य विशेष A kind of dainty prepared from sugar, jaggery, sugar-candy and milk जीवा॰३,३; चाउत्थय पुं॰ (चातुर्थक) ने।थिथे। जन्दरत्थाप. प्रत्येक चौथे दिन आने वाला ज्वर; चाथिया ज्वर. Fever recurring on every fourth day भग॰ ३, ७;

🕾 चाउल पुं• (+) याेेेे भा: यावस, सात चावलः भात. Cooked or boiled rice आया॰ २, १, १,३; पि॰ नि॰ भा॰ १६. इस॰ ४. १, ७४; पचा॰ १०, २३ दसा० ४, २, ६, २; वन० ६, ४; - उदग न० (- उदक) या भाना धावलानुं पाणी चावल का धोगा हुआ पाना. the water in which rice is washed. ''चाउल उद्ग बहु पसन्न''दस०४,१,७५;भि० नि० १६५, निसी० १७, ३०, कप्प० ६, २५, -- उदय न॰ (- उदक) ळुओ। ઉपले। शण्ह देखा ऊपरका शब्द vide above. श्राया॰ २, १, ७, ४१, —धोवरा. न॰ (-धावन) थे। भानुं धे। छः; केमा थे। भा धे।या है।य ते पाधी चांवल का धोया हुआ पानी. the water in which rice is washed. ठा॰ ३, ३, — पिह पुं॰ (-पिष्ट) थे। भारी। क्षीर-आहे। चावल का त्राहा. the flour of rice. दस॰ ४, ३, 55:

चाउचएण न॰ (चातुर्वण्यं) ध्वान्द्रण, क्षत्रिय, वैश्य अने शद्द-से चार वर्ण. ब्राह्मण, च्रांत्रय, वेश्य व शद्द-से चार वर्ण. The 4 casts; viz. Brahman, Ksatrīya, Vaisyaand Sūdra. भग०१४,१; (२) साधु,साध्यी,श्रायक अने श्राविका से चार स ध. साबु, साध्वी, श्रायक व श्राविका से चार

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने।ट (१) देखें पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

प्रकार के संघ. the four classes, viz. male and female ascetics and male and female disciples. ठा॰ १०; भग॰ १६, ६; २०, ६; — श्राइएए। त्रि॰ (-श्राकीर्या—चत्वारोत्रयांस्तेनाकुन्नः कीर्यः) थार वर्ण्-साधु, साध्ती, श्रावध अने श्राविधार्था ०यास (संध). चार वर्ण-साधु, साध्ती, श्रावक श्रीर श्राविका से व्याप्त (सघ). (an assembly) consisting of four classes viz. male and female ascetics and male and female disciples. "समणस्स भगवन्ना महावीरस्स चाउवना इन संघे" ठा॰ १०; भग० १६, ६; २०, ६;

चाउस्सालगः न॰ (चतुःशालक) थार भास-धार्सु अथनः चार मंजिल वाला मकानः A four-storyed mansion. जं॰ प॰ १,११४;

चाउस्सालयः न॰ (चतुःशातक) ळुओ। ६५६। १७६. देखी ऊपर का शब्दः Vide above. जं॰ प॰ ४, १९४;

चाग. पु॰ (त्याग) त्य ह्य ते; त्याग. त्याग. Abandoning, renunciation. पंचा॰ १०, १४; — रूच. न॰ (-रूप) त्यागरूप. त्याग रूप. marked by renunciation. पंचा॰ ४, १३;

चारुकर. त्रि॰ (चारुकार) प्रिय वयन भेक्ष-नार. प्रिय बचन बोलनेवाला. Speaking sweet words. श्रोव॰ ३१;

चाहुकारगः त्रि॰ (चाहुकारक) लुओ। ઉपते। शण्टः देखो ऊपरका शब्दः Vide above. जं॰ प॰ ३, ६७;

चादुयार. त्रि • (चादुकार) भी हुं-भधुरुं भे। अ-नार. मिष्ट-मधुर वोलने वाला. (One) who speaks sweet words पएह० १, २; चाराक पुं॰ (चाराक्य) भारतीपुत्रना यंद्र-ગુપ્તરાજ્તના મંત્રી કે જેના ઊપર ચંદ્રગુપ્તના પુત્ર જિન્દુસારના અભાવા થવાથી તેણે મ ત્રીપદ છેાડ્યું, માળાપની અનુત્તા લઇ સર્વ આરંભયી નિવૃત્ત થઇ સંથારા કર્યાે. पाटली-पुत्र के चन्द्रगुप्त राजा का मनी कि जिसके साथ चन्द्रगुप्त के पुत्र विन्द्रसार का वैरभाव उत्पन्न होनेसे उसने मन्त्रीपद का त्याग किया मा बाप की श्रवुजा लेकर सर्व द्यारंभ से नियत होकर संयारा किया. The minister of Chandragupta, king of Pātaliputra, who being on hostile terms with Chandragupta's son Bindusara, resigned his post and desisting from all worldly activities with the permission of his parents, practised Santhara. " पाइबियुत्तिमा पुरे चागको नाम विस्सुमा श्रासी सम्बारंमनि-यत्तो इंगिणीमर्गं श्रह निवनो " संघा॰ ७३; पि॰ नि॰ ४००: भत्त० १६२:

केने इंसनी सलामां वासुहेवे मार्था. इस नामका एक मझ जिसको कंस की नमा में वासुदेव ने मारा. Name of a wrestler who was killed by Vāsudeva in the court of Kansa. परह • १,४; चामर. न • (चामर) केनाथी पवन न भाय छे. ते शामर-यामरी गायना पाणनु भनावेशुं है।य छे ते. जिससे हवा की जाती है वह चमर-चमरी गाय के पुच्छ के बालों की बनाई जाती है वह चवर. A chawari usually made of the bushy tail of a cow and used as a fan. ज • प • ४, ७४; ४, ११४; श्रोब • १ •; ३१; उत्त • २२, ११; मग • १, १; ७, ६; १, ३३;

चाराहर, पुं॰ (चाराहर) એ नामने। એક मध्स

नाया० १; ३, ४; १६; राय० ४७; प्रव० ४४१; कप्प०४, ६२: श्रोघ० नि० भा० ८५; सू॰ प॰ १०, पन्न० ११; विवा० २; --- उक्खेव. पुं॰ (-उत्हेप) याभर ढाणवुं ते चंवर उडाना waving of Chawri. जै० प० ४, १२२, नाया० १६; -- स्माह चंवर प्रहण करने वाला (n person) who carries a chamara (chawii). जं० प० ३, ६७, निसी० ६, २४, -धार. त्रि॰ (-धार) शाभर धरतार, क्षाथमां यभरी रामनार चंबर धारण करने वाला; हाथ में चंवरी रखने वाला. (one) who holds or carries a chamara in his hand, राय॰ १६६; - बालवीय-गीया स्त्री॰ (-वालब्यजीनका) याभर अने वीक्शां-५ भे। चवर व पंखा a chawii and a fan. भग॰ ६, ३३;

चामरा स्त्री॰ (चामर-स्रोत्तच प्राकृत्वत्वात्) यभरी, याभर चनरी-चनर. A chawri, जं॰ प॰

चामीकर न॰ (चामीकर) भुवर्ध्ः, से।नुं. सुवर्धः, सोना Gold कप्प० ३, ३६. श्रत॰ १, १;

चामीयर न॰ (चामीकर) सुवर्धा; से।तं स्वर्धा, सोना. Gold. नंदां ॰ स्थ॰ १२, नाया॰ ५; सु॰ च॰ २, ६३८; जं॰ प॰ ३,४१;

३, ४४;
चाय. पुं० (त्याम) त्याग, अलाव. त्याग;
प्रभाव. Forsaking; absence. विशे०
१८४, ४८०; स० च० १, ३६१; प्रव०४४१;
चार. पुं० (चार) जामुस; छुपी पालीस.
गुप्त दूत, जासूस. A spy; a secret
emissary. पिं० नि० ३७१; सूय०१, ३,
१, १५; उवा० १, १०; (२) अन्द्राहिक्षनी
गति-याल चंद्राादेक की चाल motion

of the moon etc. जं॰ प॰ ७, १३३; १२६: श्रोव॰ २४; नाया॰ २, १६; भग॰ २, ४; १६, ४; जीवा॰ ३, ४; (३) सै॰ ४नुं भान-भाभ करनानी क्षा सैन्य का मान-श्रमुमान करने की कला the art of estimating the strength of an army. श्रोव॰ ४०; नाया॰ १; (४) श्रमण करनं, ६२वं श्रमण करना; फिरना. wandering; roaming सम॰ ६; —उवचगण्ग. ति॰ (-उपपन्नक) गति-युक्त गतियुक्त. possessed of motion. जं॰प॰७, १४०; — पुरिस्त. पुं॰ (-पुरुप) छानी भ्यार भेदावनार, जासुस. गुप्त वात मिलाने वाला, जासूम. a spy: a secret emissary; विवा॰ ३,

चारत्र न॰ (चारक) हे६भानु; हारागृद; लेद कारागृह, केदखाना. A. prison. ठा॰ ७, १;

चारण हे॰ कृ॰ श्र॰ (चान्तुम्) वियश्वाने; अवाने विचरने को, जाने को. For the purpose of wandering or going. वत्र॰ ४, ९; ९६,

चारग न० (चारक) लाइसी: गुन्डेगारने पुरवानी अधारो है। टडी, डारागृह-केल अपराधी को शिक्षा के लिये अधेरी कोठडी; कारागृह A dungeon for confining a criminal; a prison. भग०१९, ५९; नाया० १: २; सूय० २, २, ६३; श्रोव० ३८, पगह०१, १; जीवा० ३, ३; कष्प० ४, ६६. — पालश्र पुं० (-पालक) केलर. कारागृह का प्रधान अधिकारी. अ jailor, the keeper of a prison. विवा० ६; — बंधण न० (-बन्धन) केलभानांनु अन्धन; केलभा भडतु ते कारागृह का बन्धन. imprisonment. दसा० ६, ४, — भड पुं० (-भांड)

केशना (भेडीये। निगेरे) साधन कारागृह के (वेडी इत्यादि) साधन. instruments such as fetters etc. of a prison. निवा॰ ६; — चसहि स्रा॰ (-चसति) केशमां निवास करना confinement in a prison, परह० १, ३;

चारगसगह न० (चारकश्रदण) ओक्ष्र लातनुं इसवाक्षं वृक्षः एक जाति का फलवाला वृत्तः A kind of fruit tree. भग० २२, २; —सालाः स्नं० (-शाका) क्रेडणानुं; लेसनुं भक्षानः कारागृहः ॥ prison. नाया० २; १४; —सोहरण न० (-शोधन) लोसभांथी क्रेडिओने छुटा क्रवा ते. कारागृह से श्रवराधियों को मुक्त करनाः releasing criminals from imprisonment नाया० १;

चारण पु॰ (चारण -चरणं गमनं विद्यते येषाम्) थारण् सिन्धि वाणा साधु, ते ले પ્રકારના છે- જંધાચારણ અને વિદ્યાનારણ, અંદમ અંદમના તપથી ઉપજેલપહેલા પ્રકારની લિખ્ધવાળા સાધુ એકજ કુદફે તેરમે રચકવર દ્વીપે પહેાચી શકે, વળતાં મેરૂને શીખરે વિસામા લઇ બીજે ઉતપાતે મૂલ જગ્નાએ પહાચે; છકુ છકુના તપથી ઉપજેલ ખીજા પ્રકારનો લબ્ધિવાળા એ ઉત્પાત મેરૂશિખર અને આડમે નન્દીશ્વરદ્વીપે પહેાચે અને વળતાં એકજ ઉત્પાતે મૂલ જગ્યાએ પહેાચે. चारण लिंधवाला साधु वे दो प्रकार के होते हैं-जंघाचारण व दिद्याचारण, श्रठुम श्रठुम के तपसे उत्पन्न पहिले प्रकार की लाविध एक ही माडपमे तेरवे रुचकवर द्वीप तक पहुँच सके, लौटते समय मेरु के शिखर पर विश्राम लकर द्वितीय उपपात मे मूल स्थान पर पहुंचे छड छड के तपसे उत्पन द्वितीय प्रकारकी लिब्धवाला दो उत्पात से मेरु शिखर व श्रष्टम

नन्दीश्वर द्वाप को पहुंचे व लीटते समय एकही उत्पात से मूल स्थान पर पहुंचता है. An ascetic possessed of the power known asChāraņaLabdhi, which is of two sorts namely Janghachārana and Vidyāchārana. The power of the first kind is born of austerities of 3 days consecutive fasts, performed ou enables one to reach in a single jump, the 13th Ruchakavara Dvipa and come back to the starting point in the next spring after resting on the summit of Meru while returning. One who is possessed of the other power produced from austerities of 2 days consecutive fasta, performed every 6th day of a fortnight, can reach the summit of Meru and the 8th Naudiśwara Dvipa in two bounds and can come back to the starting point in a single spring while returning. प्रव. ६०५; श्रोव॰ १६; सम॰ १७; भग० २०;=; नाया०१:४,विशे० ७८०: जीवा०३,४:पन्न०१: —भावना. न॰ (-भावना) थारण् ભાવના -ચારણલબ્ધિ ઉત્પન્ન याय ते री भावनाः चारगाभावनाः, चारगा लाव्ध उत्पन्न हो ऐसी भावना. abstract meditation on the rise of Charana Labdhi. वव॰ १०, ३०; ३१; ३२; चाररागरा. पुं॰ (चाररागरा) એ नाभने। भढावीर स्वाभीने। ओक्ष श्रा इस नाम का महावीर स्वामी का एक गण. Name

of a body of followers of Mahāvīra Svāmī ठा॰ 5;

चारभड. पुं॰ (चारभट) सुलर सुभट A clever warrior. (२) त्रेशि. तस्कर; चोर a thief पगह॰ १, १;

चारि. त्रि॰ (चारिन्) यासनारुं; यासवाना स्थलाय वासु चलने वाला; चलने के स्वभाव वाला. Moving; capable of movement श्रोव॰ २६; ४०; नाया॰ ४, पि॰ नि॰ १७५;

चारि. पुं॰ (चारि—पशुभस्यविशेषः) थारे।; धास पशु भद्य विशेष; चारा; घास. Food of beasts; grass वं॰ नि॰ २२४; २३८;

चारिय. पुं॰ (चारिक) क्राभुस. जासूस, ग्रप्त द्त. A spy, a secret emissary. श्राया॰ २, ४, १, १२४; (२) सडपैयी; योद्धा, योद्धा, सुभट a warrior, a fighter. विशे॰ २३=४; (३) है२, थे।२ चोर, तस्कर. 4 thief. पगह० १, २

चारिश्राः स्त्रं। (चारिका) परिवाणिशः साध्यी परिवाजिका, साध्वी. A. female ascetic who has renounced the world श्रोषः नि॰ ४६६.

चारित्त न० (चारित्र) क्ष्मेने। नाश क्ष्मार क्षेक्ष छव परिश्वाम; निश्चय दृष्टि के आत्म स्वलाव क्ष्मे व्यवहार दृष्टि के स्वभान धान कर्म का नाश करने वाला एक जीव परिशाम; निश्चय दृष्टि सं श्चातम स्वभाव व व्यवहार दृष्टिमें स्वमानुष्टान. The nature of Jiva (soul) which destroys Karma: the nature of self from the stand-point of will and the practice of self-control from the practical, worldly stand-point - उत्त० २८, ३३; नंदी॰ स्थ० ४:

प्रवः १८: भत्तः ७; श्रावः १, १; पचाः ११, २: - गुरा पुं॰ (-गुरा) यारित्र-संजभना गुण चारित्र-संयम के गुण the characteristics of selfcontrol. गच्छा॰ १०२. - ज़ुत्त त्रि॰ (- युक्त) यारित्रथी युक्त. चारित्र से युक्त. of self-control. possessed प्रव॰ =४६: -परिगाम. पु॰ (-परिगाम) यारित्रना परिलाभ-अध्यवसाय. चारित्र के परिणाम-न्नभ्यवसाय the thoughtactivity in relation to rightself-restraint conduct or पंचा॰ १, ५०; - रक्खरा न० (-रस्या) यारित्रनुं रक्षण् ४२व ते. चारित्र का रक्तग करना the guarding of selfrestraint. गच्छा० २१;

चारिति त्रि॰ (चारितिन्) यानित्र वाणुं. चारित्र युक्त Possessed of selfcontrol. पंचा॰ ३, ६, प्रव॰ ७६५,

चारी स्त्री॰ (चारी) थारी, भार-थार, चारा, घांम Grass स्त्रोघ॰ नि॰ २३८;

चारु त्रि॰ (चारु) सुन्हर; भने।६२. सुन्दर; मने।हर Beautiful; charming ख्रोव॰ १०, भग॰ ३, १: २; नाया॰ १, २, ३; ६; दस॰ ६, ४६; जीवा॰ ३, ३, कप्प॰ ३, ३१. मु॰ प० २०, (२) ६थीयार शस्त्र. १ अध्वक्षणा. जं॰ प॰ ४, ११४, जीवा॰ ३, ४; राव॰ २०४; (३) सरा क्षेत्रना श्रायु श्रीवीसीना त्रीका तीर्थं इरना श्रथम गण्धरनु नाम. भरत चेत्र के प्रथम गण्धर का नाम. name of the first Ganadhara of the third Tithankara of the present cycle of Bhaiata Desa प्रव॰ ३०४: —गिएद्रा. स्रं।॰ (-गिएका) हासी विशेष. सुन्हर वेश्या

दासा विशेष: सुन्दर वेश्या (नाांयका गियाका), a beautiful harlot or courtezan. जं॰ प॰ — घोसः पं॰ (-घोष) सुन्दर शण्दः श्रेष्ट गर्जनाः सुंदर राब्द श्रेष्ठ गर्जना. sweet voice: loud roar. कप्प॰ ३. 33: -भासि. त्रि॰ (-भाषित्) भीक्षं भीक्षं मीठा बालने वाला. ખાલનાર. सीमा speaking sweetly. जं०प० ३,४२; —चित्ता न॰ (-चित्र) शुंहर थित्र. मंदर चित्र. a beautiful picture. कष्प॰ २,१६; — ह्यं न॰ (-रूप) शुंहर रूपः श्रेष्ट आधृति. सुंदर रूपः श्रेष्ट प्राकृति. beautiful form. sio qo 3, 40; कष्प०३, ३=; — बेसा स्त्रां० (- वेपा) भने। ६२ छे वेप लोने। ओपी (स्त्री). एवं (स्रां) जिसका पहिनाव मनौहर है. a. woman with beautiful diess. सग० १, १०; ६, ३३; ११, १०; विवा० २ -- हार पुं॰ (-हार) शुंदर दार. मुंदर हार. a beautiful garland "सहकार चारुहारो " नाया॰ ६,

चारुपच्चय. पु॰ (चारुपर्वत) એ नामना એક पढ़ाऽ इस नाम का एक पहाड. Name of a mountain. नाया॰ =,

चारु एं॰ (चारु) श्रीन्य संस्थनाथ तीर्थं धरता अधम गर्ध्यरत नाम. नृतीय मंभवनाय तीर्थं कर के प्रथम गर्ध्यर का नाम. The name of the first Ganadhara of the third Tirthankara Sambhavanātha मम॰ प॰ २३३;

चारवंस पुं॰ (चारवंश) वारुवंश नाभे वनस्पति विशेष. चारवंश नामक वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. मग॰ २१, ४;

चारेयव्यः त्रि॰ (चारवितव्य) ४थनद्वारा

सभ्यग्प्रधारे संव्यार धराववे। ते कवनहारा मम्यग् प्रकार से संचार कराना. Proper propounding by means of narration. भग॰ ६, ३२;

चारोववन्नग. त्रि॰ (चारोपपन्नक) यार अति

युक्त जयोतीश्वक्ष क्षेत्र-तेमा छत्पत्र ययेश

जयोतीयी देवता. चार-गति युक्त ज्योतिश्वन

चेत्र-उसमें उत्पन्न होनेवाले ज्योतिया देव A

region of gods known as Jyotischakra where the Jyotisi

gods live in four states. ठा॰२, २;
चालगा. न॰ (चावन) समाधान क्ष्याते शंका

चालगा. न॰ (चावन) सभाधान धरवाने शंधा धरवी ने; तर्धावितर्धाः नमाधान कर्रन की शंका करना; तर्कावितर्क. Questions and doubts.

चालश्र. पुं॰ (चालक) साक्षणी. चतनी. A sieve. वव॰ ६, ४४; विशे॰ १००७, (२) स्थानातरे की नेजाना. removal. पग्ह॰ २, ३;

चालगी स्त्री॰ (चालनी) धान्य भागवानी भागभी, धान्य की साफ करनेकी चलनी. A sieve. विरो० १४४४, वैदी० स्थ० ४४; संन्था० मधः

चालिय. त्रि॰ (चालित) यक्षायभान धरेखें याक्षेत्र. चलायमान किया हुआ; चला हुआ. Moved. राय॰ १२=,

चाली स्त्री॰ (चाली) એક अततुं पाध-पाछंत्र. एक जाति का वाय-वार्जिन-बाजा. A kind of musical instrument. राय॰ दह;

चाली. स्री॰ (चत्वारिशत्) याशीस ४०. चालीस. Forty; 40. उचा॰ १०, २७७;

चालीस. स्री॰ (चत्वारिंशत्) शांधीस. चालीस Forty. स्॰ प॰ १;

चाव. पुं॰ (चाप) धनुष. धनुष्य. A bow. श्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३; राय॰ १३०;

उवा० २, १०१; ज॰ प॰ ३, ६७;

चावित वि॰ (च्यावित) प्राण्यी अष्ट ६२-વામાં આવેલ: મારી નાખેલ. પ્રાળ સે મ્રષ્ટ किया गया हुआ; गार डाला हुआ. Destroyed; killed श्रगाजी॰ १६;

चावेयव्व. त्रि॰ (चर्वियतन्य) यर्प ७ ४२वा थे। २४ – याववा काय ह. चर्वण करने योग्यः चायने के लायक. Worthy of being chewed. उत्त॰ १६, ३=; नाया॰ १; भग० ६, ३३.

चावोरागत. पुं॰ (चापोन्नत) यापेश्वत नामे અગીયારમાં દેવલાકનું એક વિમાન, એના દેવતાની સ્થિતિ એકવીસ સાગરાેપમની છે. એ દેવતા એક્લીશમે પખવાડીયે શ્વાસાવ્છવાસ લે છે, અને એકવીસ હજાર વર્ષે ક્ષુધા લાગે छे चापोन्नत नामक ग्यारहवें देवलाक का एक विमान, इसके देवताकी स्थिति इक्कोस सागरी-पम की है, यह देवता इक्कीसवें पत्त में श्वासी-छ्वास लेता है और उसे इकीस हजार वर्प में चुधा लगती है. An abode of god in the 11th region of gods The god of this abode lives for 21 Sagaropamas, breathes once in 21 fort-nights and feels hungry after every 21 thousand years. सम० २१.

चास. पु॰ (चाप) थाप; अपेथा. चाष पत्ती. A kind of bird. उत्त॰ ३४, ५; श्रोघ॰ नि० भा० प४; परह० १, ९; जीवा० ३, ४, पञ्च० १. राय० ५१:

चिश्र त्रि॰ (चित्र) धेट पाला विशेरेथी थिं थुं. ईंट, पत्थर इत्यादि से बनाया हुआ. Piled with bricks etc. श्रामुजी॰

923;

चिश्रगा. स्री॰ (चिता) थिता; थे. चिता. A funeral pyre. जं॰ प॰

*चित्रात्तः न॰ (*) भनते। प्रेभ. मन का प्रेम. Inner love. जं० प० २, ३१: दस० ४, १, १७,

चित्राश्च. पुं॰ (स्याग) परिश्रह्ने। त्याग. परिष्रह का स्याग. Giving up of worldly possessions. (ર) સુપાત્રમાં આહારાદિક આપવા તે; દાન. सुपात्र में श्राहारादिक का दान देना वह. right charity; charity or alms to the deserving persons. समः १०:

चिइ ल्री॰ (चिति) अष्ट्रनी थिता; थेड काष्ट की चिता. A funeral pyre. (२) ચૈત્ય; ચિતા ઉપર કરેલ સ્મારક ચિન્હ. चैत्य, चिता के ऊपर किया हुआ स्मारक चिन्ह. A sign or mark erected on the spot where a person is burnt after death. पंचा 9, ४२; चिइगा. स्नो॰ (चितिका) जुओ। "चिइ"

शण्ट. देखो "चिइ" शब्द. Vide "चिइ" ज॰ प॰ २, ३३;

चि उर. पु॰ (चिकुर) के भांथी पीक्षे। रंग थाय तेवुं એક द्रव्य-पदार्थ जिस में से पीला रग निकले ऐसा एक द्रव्य-पदार्थ. A kind of substance from which vellow colour is extracted. नाया०१, जीवा०३, ४; पन्न० १७; राय०४३; 🕾 चिचइत्र त्रि॰ (😽) भदेखं; शण-गारेशुं. Adorned सु॰ च० ४, ३०८;

क्षिचिचा स्रां॰ (चिच्चा) આંખલી; આખલીનુ पृक्ष. इमली; इमली का वृत्त. A tama-

^{*} लुच्ने। पृष्ट नम्भर १ प्रती प्रुटने। (+) देखो पृष्ट नम्बर १ प्र की फुटने। (+) Vide foot-note (-) p. 15th.

rind tree. श्रायाः २, १, ४३; (२) धासनी जनावटी पुरुष; ओडि. घांस का इतिम पुरुष. an artificial man made of hay. सु॰ च॰ ४, २८४; —िछ्चिं। स्रो॰ (-िछ्चा) आंजसीनी क्षा एक प्रकार की इमली की (यंगड़ी) चूड़ी. a bangle made of tamarind wood. विवा॰ ६;

चिचिशित्रा स्रा॰ (🕝) आंपसीनुं पृक्ष इमलो का मृत्तः A tamarind tree. श्रोघ॰ नि॰ २६:

√िचित. धा॰ I, II. (चिन्त्) थिन्तवयु, आक्षीयवु; वियारवुं. चिन्तवन् करना विचार करना. To meditate; to think over.

चिंतइ. नाया० ३; चिंतेइ. दसा० ६, १५; चिंतेमि पत्र० ११;

चिंतिज. वि॰ उत्त॰ २६, ३६; चिंतिजग्र. सं॰ कृ॰ विशे॰ १६१; सु॰ च॰

चिंतिउं हे॰ कृ॰ सु॰ च॰ २, ३४४; चिंतत. व॰ कृ॰ श्रोघ॰ नि॰ ६४४; सु॰ च० १, २६४;

चिंतिज्ञह्. क॰ वा॰ सु॰ च॰ २, ४४०; चिंतिज्ञमाण्. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ नाया॰ ६; चिंतिज्ञंत. क॰ वा॰ व॰ कृ॰पंचा॰ १८;

चितग. त्रि॰ (चिन्त) थिंतपनार चिंतवन करनेवाला. (One) who meditates or thinks over. गच्छा॰ १२४; चिंतग. न॰ (चिन्तन) विधारवुं, थिंतपन

કरवुं ते. विचारना; चितवन करना. Contemplation. पंचा॰ १,४५; चिंतगा. न॰ (चिन्तन) थिंतवन करनां. Contemplation. श्रगुः;

चिंतन. न॰ (चिन्तन) भनभा विश्वार क्रेपी ते. मनमे विचार करना Contemplation. श्राव॰ १, १;

चिंतय. पुं॰ (चिन्तक) विश्वार धरनार. विचार करनेवाला. One who contemplates. नाया॰ ५; =;

चिंता. स्नां० (चिन्ता) थिता; १६६२; भननी व्यथ्रता. विता; मनकी व्यथ्रता. Distraction of mind; anxiety. श्रोव॰ २१; सूय० १, १, २, २४; श्रणुको॰ १३०; भग० ३, २; नाया० १; १२; १६; नंदी॰ ३१; पंचा॰ ७, २८; उवा०१०, २७५; राय॰ २५३; — श्राउर. त्रि॰ (-श्रातुर) थितामां गरध थेथेकी. चिताप्रस्त. anxious; distracted. स॰ च० ४, २००;

चिंताबर शि॰ (चिन्तापर-चिन्तनं चिन्ता सैंव परमा प्रधाना यस्य श्रसो चिन्तापरः) श्रीश्रमा तत्पर, थिन्ताथि। चिन्ता युक्त Anxious उत्त॰ १४, २२; —सुमिण न॰ (न्स्वप्न) थिन्ताथी २०'नुं लोवुं ते. चिन्ता से स्वप्न दर्शन करना. dieam through anxiety. भग॰ १६, ४: —सोगसागर. पुं॰ (न्शोकसागर) थिन्ता रूप शोश्रनी समुद्र, चिन्ता रूप शोक का समुद्र the ocean in the form of anxieties निसी॰ ८, ११;

चिन्तामणि. पुं (चिन्तामणि) सर्व ५२०। पूर्ण इरनार भिणु; यिन्ताभिण रत. सर्व इच्छात्रों को पूर्ण करने वाला मिण; चिन्ता-माण रत्न A wish-fulfilling gem.

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने।८ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने।ट (*). Vide foot-note (*) p 15th.

पचा० ३, ४६, भत्त० १६७;

चितिय-न्न. त्रि॰ (चिन्तित) थिन्तवेशु चिन्तन किया हुन्ना. Contemplated. ज॰ प॰ ३, ५३; त्रोव॰ ३३, भग॰ २, १, ३, २, ६, ३३, नाया॰ १, १२; १३, १४; १६, ग्रत॰ ३, ८, कप्प॰ २, १६, ४, ६६, उवा॰ १, ६६; राय॰ २४;

चिंघ न॰ (चिन्ह) थिन्द; सक्षण्, निशानी. चिन्ह, लच्चण; निशान Symbol, insigma, maik श्रोव॰ २२, नाया॰ =, १६; भग० ७, ६, सु० च० १, ३३; २, ६१२, विशे० २०६०; पंचा० १५, ४६; प्रव० १६६; पन्न० २, ज० प० ---द्धया ह्यी॰ (-ध्वजा) यिन्ध्वाणी ध्वल चिन्ह युक्त भ्वजा a flag bearing a symbol. नाया॰ १६; -पट पु॰ (- पष्ट) ચાદ, ખાસ એાળખવાની નિશાની वाणे। पट्टे। चाद; विल्ला; खास पहिचान करन के चिन्ह वाला . medal, sign; mark नाया॰ १; राय॰ २०४, पगह॰ १, ३; -पूरिस. पुं॰ (-पुरुष) हाढी-મૂછવાલા પુરુષ; પુરુષના ચિન્હવાળા પુરુષ दाढी-मूछ वाला पुरुष; पुरुष के चिन्ह वाला geq a person having the marks of a man viz. beard, mustaches etc. ठा॰ ३; १;

चिक्कण त्रि॰ (चिक्कण) थिशशयाणुं. चिक-नाई वाला. Sticky. भग० ६, १, १६, ४; दस० ६, ६६, तंडु० पगह० १, १, पि॰ नि॰ ६६,

ङ्चिक्खल्ल न० (चिखल-कईम) शिथऽ; आह्य. कीचड Mud. अगुजा० १३१, सूय० २, २, ६६, श्रोघ० नि० ७३६; पगह० १, १, %चिक्तिखल पु॰ (়) ५ग भुडे तेटसा धादववाणा भागः पर गट जाय उतने कींचड बाला मार्गः The path having some

३; पञ्च० २, दसा० ६, १

mud भग० =, ६; श्रोव० २१, सम० ११

श्रोघ॰ नि॰ भा० ३३; पएह॰ १, ३;

√ चिगिच्छु धा॰ I. (वित्) थिहित्सा क्रिपी, रेशिशी परीक्षा क्रिपी. चिकित्सा करना; रोग की परीक्षा करना To diagonise. चिगिच्छइ उत्त॰ १६, ७६;

चिचिका स्त्रं॰ (चिचिका) पाद्य पिशेष. चाच विशेष A kind of musical instrument नाया॰ ==.

 $\sqrt{$ चिट्ठी घा॰ $I,\ II.\ ($ स्था—तिष्ट) ७ ला २ હેવુ, રિથનિ કરવી खडा होना, स्थित होना $To\ stand,\ to\ stay.$

चिहुइ. भग०१, १.२, १;१०; नाया० १. ६; १४; १६; उत्त० १०, २; सूय० १, १, ४, ६, श्रोच० १६, ४२, गु० च० २, ४२५; जं० प० १, २३;

चिट्ठिति नाया० १, ४, ११; १४, १७; भग०३,७; ४, ३; १८,३, पन्न० २; सू०प०१८; ज०प०४, २१३; ११२,

चिठ्ठसि. नाया॰ १;

चिट्टामि भग० २, १;

चिट्ठामो. नाया॰ ८, १६, सूय॰ २, ७, १४;

चिट्ठे वि० उत्त**० १** १६; दस० ४, ८; श्रोघ० नि० ६,

चिद्विउजा. वि॰भग०११, १०, दस० ६, ११; चिद्रेडज वि॰ पत्त० ३६,

चिट्ठेज्जा. वि॰ भग॰ ३,४, १४, १, दस॰ ४; चिट्ठ आ॰ दस॰ ७,४७; ८, १३;

चिद्रह. श्रा० विद्या० १; नाया० ३, ६, ६:

[÷] लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी धुटने।ट (५) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटने।ट (३). Vide foot-note (३) p. 15th.

Vol 11/91

१४; १६; राय० २५१; चिट्टेह. त्र्या० नाया० दः चिट्टिस्सामि. वद्य० ४, १८; नाया० १६; चिट्टिस्सावो. नाया० ६; भग० १०, ३; चिट्टेतु. नाया० १६;

चिहित्तए है॰ कृ॰ भग॰ ५, ४; ७, ९०; १३, ४,९७, २; वेय॰९, १६; ३,९; चिह्रइत्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ ९:

चिद्रत. व॰ कृ॰ भग॰ १, १; २, १;

चिट्ठेट्टमाया. व० क्र० भग० १, ३; ३, ३: उत्त० २, २१; दस० ४, २, ४, १, २७; पंचा० १, ४०:

चिठःजाह क० वा॰ श्रा॰ नाया॰ है:

चिट्टं. श्र॰ (भृशम्) धर्षः, अत्यंतः बहुतः, श्रवतः Very; much. श्राया॰ १, ४, २, १३२:

चिद्रण. न॰ (स्थान) ६ सा २ हेवुं ते. डपस्थित होना. The act of standing. प्रव॰ १४६;

चिद्वा. स्त्री॰ (चेष्टा) હाथ वर्गरेनी बेष्टा इरवी ते. हाथ इत्यादिक से चेष्टा करना Gestures by means of hands etc. भग०७,६; पि०नि॰२२२; निशे०१७१

चिहिन्न- य. न॰ (चेष्टित) येष्टा; स्विधार स्थ १ अत्यंग भरः वा-धरवा ते चेष्टा; स्विकार श्रंग प्रत्यंग मरोड़ना इत्यादि. Gestures of the body. भग॰ ६,३३; जीवा॰ ३,३; नाया॰ १; जं॰ प॰

चिट्ठितः न॰ (चेप्टित) लुओ।" चिट्टिश्र " श़॰६. देखें। " चिट्टिश्र " शब्द. Vide " चिट्टिश्र " सू० प० २०;

चिहितव्यः न० (स्थातन्य) उत्था २६ेवुं लेशको. खंडे रहना चाहिये. Ought to stand. भग० १८, २; नाया० १;

चिट्टिय नि॰ (स्थित) श्थिर रहेश. स्थिर रहा हुवा Steady; firm. विशे ० १०६=: चिट्टितार. त्रि॰ (स्थानृ) ६भे। २६ेनार. खड़ा रहने वाला. (One) who stands. सम॰ ३३; दसा॰ २, ३; ४; ५; ६; ७; ६; ९; ३, ३२; ३३;

चिडक. पुं॰ (चटक) थ हेथे।. एक जाति का पत्ती. A kind of bird. पग्ह॰ १, १; चिडगा स्त्री॰ (चटका) थ हथी; थीडी.

चिड़िया. A. sparrow. पत्त १; √चिया. था॰ I. (चित्र्) ओक्षुं करवुं; संश्रद्ध करने। एकत्र करना; संग्रह करना. To collect.

चिणाते-इ. पि॰ नि॰ ६६; चिणइ. उत्त॰ ३२, ३३; भग॰ १, ७;

चिणंति. भग० २, ५; पन्न० १४; ठा० २,

Y: Y, 9;

चिशिस्संति. ठा०४, १;

विगसु, मु॰ च॰ ८, २२८;

चिर्णिसु. पन्न॰ १४: ठा॰ ४, १,

चिज्जन्ति. भग० ६, ३; ३६, ३; २४, २;

चिराणः त्रि॰ (चीर्ण) अक्ष्णु क्षेरेशुं; अक्षुं क्षेरेश प्रहण किया हुआ; एकत्रित किया हुआ.

Accepted; collected. नग॰ १६,

३; पंचा० १६, ४६;

चिराग्. त्रि॰ (चैन्य) थीनदेशमां भिरान्त थथेश. चीन देश में उत्पन्न जो हुआ है वह. Born or produced in China country. निसी॰ ७, ११;

चिराह. न॰ (चिन्ह) निशान; थिन्छ. निशान; चिन्ह. Mark; sign; symptom. नाया॰ १; —पट्ट. त्रि॰ (-पट्ट) थां६; भास निशानी युक्त पट्टा चाली. चांद; विशेष निशानी युक्त; पट्टे वाला. a badge bearing a special mark. नाया॰ १; चिति. ल्री॰ (चिति) थिता; थेछ. चिता.

Funeral pyre. परह॰ १, १;

रहा हुवा Steady; firm. विशे ० १०६=: चिति. स्री ० (चैत्य) थिता ७ परनुं स्मारह.

.चिता के ऊपर का स्मारक. A memorial on the funeral pyre. पचा॰ २, १६, ५, ३२;

चितिय. न॰ (चैत्य) लुओ। "चिति" शण्ह देखे। "चिति" शब्द Vide "चिति" राय॰ २१६; —मह. पुं॰ (नमह) चैत्य-भहेत्सव. चैत्य महोत्सव a ceremony concerning the memorial on a funeral pyre राय॰ २१६,

√ चित्त धा॰ I.(चित्र्) थित्र इरवा; थिता-रवुं. चित्र खींचना To picture, to portray.

चित्तेइ. नाया० ५;

चित्तेह. श्रा॰ नाया॰ ५;

चित्तेता सं कु नाया ० ८,

चित्त. न॰ (चित्त) थित्त; व्यंतः ६२७; पन चित्तः सनः श्रन्तः करणः. Mind; heart श्रग्रजो० ३७, सूय० ५, १, २, २९; सम० १०; उत्त० ८, १८, श्रोव० ११, भग० २,१, ३, १, नंदी० स्थ० १३; राय० २१; पन्न० २: इसा० ४, २६: २७: नाया० १, नाया० ध० विशे ॰ १८३, पचा० १, १७, भत्त० ૧૫૪, (ર) વું ચિત્ત નામના મુનિ કે જેણે વ્યક્ષદત્ત ચક્રવર્તી ની સાથે ભાઇ રૂપે કેટલા એક સાથે ભવ કર્યા હતા પૂર્વ ભવની પ્રીતિથી यित्तभूति थया पछी अहाहत्तते सभलववा ઘણી કાશીશ કરી પણ વિષયલુબ્ધ વ્યન્હ-हत्तने फीध न क्षाञ्याः चित्त नामक मनि जिन्होंने कि ब्रह्मदत्त चक्रवर्ति के साथ साथ श्राताके रूप में कितने ही भव धारण किये थे चित्तने मुनि हानेके पश्चात् पूर्वभवोंकी श्रीति के कारण ब्रह्मदत्त को समकानेकी बहुत कोशिश की परतु विषयलुब्ध ब्रह्मदत्त बोध को प्राप्त न हुआ. a saint of the name of Chitta who incarnated several times with the paramount

sovereign Brahmadatta in the capacity of a brother. Muni's attempts at enlightening the pleasure-loving Biahmadatta proved fruitless ত্ব-૧૩,૨; હ, (ર) પરદેશી રાજાના સારથી કે જે રાજાના મ્હાટા ભાઇ થતા હતા અને જેણે પરદેશી રાજાને કેશીસ્વામી દ્વારા ધર્મ पभाउंथे। तेनं नाभ. प्रदेशी राजा के सारथा जो कि रिश्ते में राजा के बड़े भाई थे श्रीर जिसेन प्रदेशी राजा को केशी स्वामी द्वारा धर्म दिलाया-धारण कराया the charioteer of king Pradesī and also his elder brother He initiated king Pradešī into religion through Keśiswāmi. भग० १८, २; १०; राय० २०९; निर० १, १, (४) छव; चेतन जीव; चेतन. life, soul; vitality. पञ्च० २८; (५) हान. ज्ञान. knowledge. दसा॰ ४, ४१; — श्रागुय. त्रि॰ (- श्र<u>नुग</u>) भी পান। - আথার্থ না यित्तने अनुसरी वर्तनार, स्वन्छन्द्रयारी निद ते. श्राचार्य के चित्त को श्रनुसरता हुवा जो श्राचरण करता है वह: स्वच्छदाचारी नहीं है वह. (one) who acts according to the mind or tendency of a preceptor. उत्त. १, १३; —चमकः न॰ (-चमत्कृति) थित्तने। यभ-त्धारः भनभा आश्वर्ध उपले ते चित्त का चमत्कार, चित्त में श्राधर्य उत्पन्न होना extra-ordinary things of mind गच्छा॰ ७४, —गास पु॰ (-न्यास) મનના ન્યાસ, ધ્યાન આપવું, વિચારવુ તે. चित्त का न्यास, ध्यान देना; विचार करना meditation; contemplation. पंचा १, ४६, - थेडज न० (~स्थेर्य) भननी

स्थिरता. चित्त की स्थिरता calmness or peace of mind. पंचा॰ २, ७; —बद्ध्ण त्रि॰ (-वर्धन) थित्त-शानने वधारनार. चित्त-ज्ञान में वृद्धि करनेवाला. (one) who adds to the knowledge. दसा॰ ६,३१; —विएणास पं॰ (--विन्यास) भनने। विन्यास-स्थिर थित्ते थिन्तवधुं ते. चित्त का विन्यास−स्थिर चित्त से चिन्तवन करना. meditation with calmness of mind. पंचा॰ १, ४७; —विक्सम. पुं॰ (-विश्रम) थित्तविश्रम, धेक्षा. चित्तविश्रम, पागजपन. derangement of mind; insanity; madness. श्रोघं वि ६८६, - संभूय. पुं॰ (-संभूत) थित अने स भूत-नाभना भे भुनि चित्त व संभूत-नाम के दो मुनि. two sages named Chitta and Sam bhūta. उत्त॰ १३,३; —समाहिश्र त्रि॰ (-समाहित) थित (রান) માં સાવધાન. चित्त (ज्ञान) में सावधान attentive or awake to knowledge दस॰ १०, १, १, --समाहित्थाण न० (-समा-धिस्थान) थित्तनी सभाधिनुं स्थान चित्त की समाधि का स्थान a place for abstract contemplation or devout meditation. दसा॰ ५, १; २; ३; १६,

चित्त न० (चित्र) थितराभणु; छभी; है।।;
थित्र. चित्रकाम, चित्र, तस्वीर Picture;
portrait. नाया० १, भग १४. ६,
श्रमुजी० १०, पज १२; राय० ४३; श्रोव०
स्० प० २०, विशे० ४६०; विवा० ६, निसी०
४, ३१; तंदु० (२) त्रि० थिथित्र. नाना
प्रशर्नुं. विचित्र, विविध प्रकार का. varied; wonderful, several; distinct. कप्प०३, ४२, गच्छा० ११२; पंचा०

पू, २, भग० १६, ६; उत्त० ६, ११; ३०, १०; राय० =१; विशे० ३=७; (३) ५० ચિત્તરા; એક જગલી માંસાહારી પશુ. चीता; एक जंगली मांसाहारी पशु. 100pard, a carnivorous or flesheating beast आया॰ २, १, ४, २७; नाया > =; (४) आश्वर्य धारी; नवाध केंद्र. श्राश्चर्यकारक wonderful uncommon. पञ्च० २, कष्प० ३, ३७, पचा० ५, ર, (પ્) ચિત્રનામના એક પર્વત चित्र नामक एक पर्वत a mountain called Chitra. भग॰ १४, =; (६) वेखुदेव અને વેહ્યદાલિ ઇંદ્રના લાેકપાલનું નામ वेगुदेव व वेगुदालि इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the god of Venudeva and Venudāli Indra. ডা০४; ૧; (૭) ભૂતાનેન્દ્રના પ્રથમ લાકપાલનું નામ भूतानेद्र के प्रथम लोकपाल का नाम. name of the first Lokapāla of Bhūtānendra. भग॰ २, ८,१०,४; —कम्म न॰ (-कर्मन्) ચિત્રતું (ચીતરવાતું) કામ. चित्र-काम a pictorial work. श्राया॰ २, १२, १७१; भग० ११, ११; नाया० १; १३, पि॰ नि॰ भा॰ ७; पि॰ नि॰ ४४६; निसी० १२, २०; कष्प० ३, ३२; —कार पुं॰ (-कार) थित्र धरनार; थितारा, चित्र-कार. painter; draftsman भ्रागुजी॰ १३१, —घरग. न॰ (-गृह-क) थितरेतुं धर; रंगीत धर. चित्रकाम से सुसज्जित गृह; रंगीत गृह. a house beautified or adorned with painting or pictures. उत्त॰ ३४, ४; राय॰ १३६; —ताग्। पु॰ (-तान) थित्र विथित्र ताछे।-वस्त्रने। सांभा तंतु चित्र विचित्र धागा-वस्न का लवा तंतु a variagated or parti-coloured thread; a long thread of a cloth. भग० ११, १३; -दंड. gं॰ (-दर्ग्ड) २'गेली लाइडी. रंगी हुई लकडी. a painted stick. भग० ६; ३३; - पत्तश्च. पुं॰ (-पत्रक) ચિત્રપત્રક: ચિત્રવિચિત્ર પાંખવાળા ચાઇકિય ७५ विशेष. चित्रपत्रक: विचित्र पांखवाला चत्ररिन्द्रिय जीव विशेष. a kind of foursensed living-being with particoloured wings. उत्त॰ ३६, १४७; —पयजुय. त्रि॰ (-पद्युक्त) विथित्र पद्दयक्त; विचित्र पदवाला (one) possessed of wonderful feet. पंचा॰ १६, ३६; -- प्पद्वार पुं॰ (-प्रहार) यायभा वगेरेने। विचित्र प्रहार-भार चाबुक इत्यादि का विचित्र प्रहार-मार. a wonderful stroke or blow of a lash etc नाया० १७, - फलग. न० (-फलक) यित्रनं पाटीयं. चित्र का तखता a painting-board or sheet " चित्तफलग हत्थागए '' भग० १४, १; नाया० =; -भात्त ब्रो॰ (-भित्ति) यितरेल भीत चित्र से साजित भीत. a pictured wall. दस॰ ६, ४५; -माणंदिय. त्रि॰ (-म्रान-न्दित) केनुं यित्त आनन्दवाणुं छे ते, प्रसन्न भनवाधुं. जिसका चित्त व्यानद्यकत हो ऐसा, प्रसन्न चित्त. (one) possessed of jolly or gay mind. नाया॰ १; जं॰ प॰ ३, ४३; —माला. स्त्री॰ (-माला) विचित्र भासा विचित्र माला a variagated garland. " सोहंत विकसंतचित्त-माला " दसा॰ १०, १; -रयसा. न॰ (-रत्न) थित्ररत-विविध कातना रती। चित्ररत-विविध जाति के रत्न. various kinds of jewels. भग॰ ६, ३३, -रयहरण न॰ (-रजोहरण) थित्र विश्वित्र रेलें ७२७ वित्र विचित्र रजोहरण.

a wonderful broom-stick, गच्छा॰ १२१; — ह्हव. न० (-ह्ना) विथित्र रूप. विचित्र रूप. a wonderful appearance or form. गच्छा॰ ११२; —वि-चित्तपक्खम पुं॰ (-विचित्रपत्तक) थित्र विचित्र पाभवालाः है।यदी। चित्र विचित्र पखनाला (one) possessed of particoloured wings भग॰ १६, ६; —वागाः स्त्री॰ (-वागा) विथित्र वीशा-सतार. विचित्र वीना (वीशा) सितार. a wonderful guitar with six strings. राय॰ ८८: —सभा. स्री॰ (-सभा) ચિત્રવાલી -આશ્ચર્યકારી સભા. चित्रयुक्त-श्राश्चर्यकारक सभा an extraordinary meeting. पि॰ नि॰ =o; नाया॰=, १३; —सालाः स्त्री॰ (-शाला) ચિત્રામણ શિખવાની શાલા: ચિત્રશાલા. वित्रकाम सीखने की शाला: वित्रशाला. a school of arts or painting. जीवा० ३, ३;

चित्त. पुं॰ न॰ (चैत्र) यैत्र भिंदिता. चैत्र मास. Name of a Hindoo month called Chaitra. उत्त॰२६, १३; नाया॰ ४, भग॰ ११, ११; श्रोघ॰ नि॰ २८३; जं॰ प॰ २, ३३; ४, ११४; ४, १२०; कप्प॰ ४, ६६, ७, २०८,

चित्तउत्त. पुं॰ (चित्रगुप्त) यित्रगुप्त-कभ्पू द्वीपना भरतभां उमां थनार १६मा तीर्थं ६२. चित्रगुप्त-जम्बूदीप के भरत खंड में होने वाते १६ वें तीर्थं कर The 16th would-be Tirthankara in Bharata Khanda of Jambu Dvipa. सम॰ प॰ २४१;

चित्तंग पुं॰ (चित्रांग) २ंश भेरशी प्रुल आपनार-५६५ पृक्ष. विविघ रंग के फूल देनेवाला-कल्पन्नज्ञ. (One) yielding flowers of various colours; a desire-yielding tree. सम॰ १०; ठा० ७, १; जीवा० ३, ३; प्रव०१०८१; (२) थितरानी એક ज्यत; दिसङ पशुनी એક ज्यत. एक जाति का चीता; । हसक पशु की एक जाति. a kind of leopard; a kind of flesh-eating beast. पक्ष० १;

चित्तकहर. न० (*) शुं ऽक्षानुं नीयलुं तणीयुं (यित्त-सुंऽक्षा- ६३२- ६ऽ है।). टोकरी के नीचे का तला; चित्त-टोकरी-कटर- दुकडा. Lower part of a basket. श्रयुत्त• ३, १;

चित्तकगुगा हो॰ (चित्रकनका) विदिशाना रूयक पर्वत अपर रहेनारी यार दिशाक्षमारी-क्षामांनी जीछ. विदिशा के उपर रहने वाली चार दिशाकुमारी में से दूसरी. The second of the four Disakumārīs the mountain living on called Ruchaka of Vidiśā. जं॰ प॰ ४, १९४; (२) सगवन्तना जन्म સમયે દીવી લઇને ઉભી રહેતી એક विधत्रभारी. भगवन्त के जन्म समय पर दीपिका लेकर खडी रहने वाली एक Vidyutkumārī विष्कुमारी: 8 standing or waiting with a torch at the time of Tirthankara's birth. মাত ४. ৭:

चित्तकृढ. पुं॰ (चित्रकृट) ५२% विलयनी
पूर्व सरहह अपरने। वभारा पर्वत. कच्छ विजय की पूर्व सरहद के ऊपर का वखारा पर्वत. A Vakhārā mountain on the eastern boundary of

Kachha Vijaya. जं प ६, १२४: (ર) દેવકુરુ ક્ષેત્રમાં નિષધ પર્વ તથી ૮૩૪ <u> जेजनने सातीया यार भाग ६त्तरे सीना</u> નદી ને પૂર્વ કાઠે આવેલ એક પર્યત. देवकर चेत्र में निषध पर्वत से =३४ योजन व सातीया चार भाग उत्तर में सीता नदी के पूर्व किनारे पर आया हुआ एक पर्वत a mountain on the eastern bank of the Sītā river and in the north at a distance of 834 Yojanas from the Niśadha mountain in Devakuru Kśetra. জঁ০ ৭০ (২) প স্থ દ્વીપના મેરૂથી પૂર્વ દિશામાં પહેલી સીતા મહાનદીના ઉત્તર કાંદા ઉપરના એક વખારા भवत. जम्बू द्वीप के मेह से पूर्व दिशा में पहिली सीता महानदी के उत्तर किनारे ऊपर का एक वखारा पर्वत. a Vakhārā mountain on the northern bank of the first great river in the east of Meru mountain of Jambu Dvīpa. ठा० ४, २:

चित्तग पुं॰ (चित्रक) थित्तरे।; पशु विशेष. चीता; पशु विशेष. A leopard; a kind of brute. जं॰ प॰

चित्तगर पुं॰ (चित्रकर) थितारे। थित्रधर-नार. चित्रकार A painter. नाया॰ ८; —दारय. पुं॰ (-दारक) थिताराने। पुत्र. चित्रकार का पुत्र. a painter's son. नाया॰ ६; —लिझ. स्री॰ (-लिइच) थित्र आक्षेणवानी शक्ति. चित्र का त्रालेखन करने की शक्ति. power or capacity

^{*} जुओ। ५४ नभ्यर १५ नी पुरते। (*). देखें। पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

of drawing picture. नाया॰ ८; -संग्रि. स्रो० (-श्रेग्री) थिताराओनी पंक्षित. चित्रकारों की पंक्ति. a line of painters नाया॰ =; -चित्तगुत्त पुं॰ (-चित्रगुप्त) ચિત્રગુપ્ત નામે ભરત ક્ષેત્રમાં આવતી ચાવીસીમાં થનાર ૧૬મા તીર્થંકર. चित्रगप्त नामक भरत चेत्र में श्रागामी चौर्वासी मे होने वाले १६ वें तार्थकर. Chitragupta, the 16th of the 24 would-be Tirthankaras of Bharat Ksetra, 390 २६६; ४७९; चित्तगुत्ताः स्री॰ (चित्रगुप्ता) यभरेन्द्रना क्षेत्रभावनी त्रीक्ष अभ्रम्मियी हेवी. चमरेंद्र के लोक पालकी तृतीय श्रश्माहिषी देवी. The principal queen of the 3rd Lokapāla of Chamarendra. ठा० ४, १; भग० ९०, ४; (२) ६क्षिए। દિશાના રુચક પર્વાત પર વસનારી આદે દિશાકમારીકામાંની સાતમી. दक्तिण दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली श्राठ दिशा कमारी में से सातवी. the seventh of the eight Disā Kumārīs residing on the Ruchaka mountain the southern direction. ज॰ प॰ ११४:

चित्तरागु पुं॰ (चित्तज्ञ) भनने जाणुनार. मन को जाननेवाला. (One) who reads the heart. विशे॰ ६३७:

चित्तपक्ख पुं॰ (चित्रपत्त) वेश्नुहेव अने वेश्नुहासी ४-६ना क्षेष्ठियां नाम. वेश्नुहेव व वेश्नुहाली इन्द्र के लोक पाल का नाम. Name of the Lokapala of Venudeva and Venudālī Indra ठा॰ ४, १, भग॰ ३, ८, (२) थार धन्द्रियवाक्षी ओड छव चार इन्द्रिय-वाला एक जीव a four-sensed living being. पञ ৭;

चित्तमंत. त्रि॰ (चित्तवत्-चित्तं जिवलक्षां तदस्यास्ति) सिश्तिः; स्ति वस्तुः सचित्तः; स्रजीव वस्तुः A living being or thing. उत्त॰ २४ २४; स्य॰ १, १, १, २; आया॰ १, ४, २, १४८; सम॰ २१; दसा॰ २, १८, दस॰ ४; ६, १४; निसी॰ ७, २२;

चत्तरस. पुं॰ (चित्ररस-चित्रा विचित्रा रसा
मधुराः संपद्यंते यस्मात्) विथित्र २सना
लेश्नन-भाध पदार्थ आपखार ६६पट्टत.
विचित्र रसयुक्त भोजन-खाद्य पदार्थ देनेवाला
कल्पत्रज्ञ. A tree yielding eatables
and diet of various tastes. प्रव॰
१०=१; सम॰ १०; ठा० ७, १; जीवा॰
३, ३;

चित्तल पु॰ (चित्रक) क गशी पशु, थित्तरे। जंगली पशु; चीता. A wild beast; a leopard. जीवा॰ ३, ३; (३) त्रि॰ विथित्र रंगतुः अपरिथित्रुं. विचित्र रंगताः कवरा variagated; parti-coloured. गच्छा॰ १२०; — ग्रंग. त्रि॰ (- ग्रज्जः) अपरिथित्र। अभ्याणुं. कवरे ग्रंगवाला (one) having various colours. जं॰ प॰ २, ३६, भग० ७, ६;

चित्तलय. त्रि॰ (चित्रक) २ ग थेरंगी;
अने ३ र गतुं. विविध रंगका; अने क रंगका.
Of various colours. श्रोध॰ नि॰ ७३५;
चित्ताल. पु॰ (चित्रलिन्) भुडुबि सप १
३ के -थितण- नामधी ओणण्य छे.
मुदुलिन सर्प कि जो-चितल- नाम से पहि-चाना जाता है. A kind of serpent

चित्ता स्री॰ (चित्रा) यित्रा नाभनु नक्षत्र. वित्रा नामक नज्ञत्र. A constellation of this name. "दो चित्तास्रो" ठा॰

२, ३; श्रयाजो॰ १३१: सम० १; ठा० १, १; नाया० १; सू० प० १०; कप्प०६, १६६; (૨) પહેલા દેવલાકના ઇંદ્ર-શક્રના લાકપાલ मे। भनी त्रीक पट्टराष्ट्री. पहिले देवलोक के इन्द्र-शक के लोकपाल सोम की तृतीय पट-रानी. the third principal queen of Soma, the Lokapāla of Sakra, the Indra of the first heavenly region. তা০ ४, ৭; মন ০ ৭০, ২; (३) ભગવંતના જન્મ વખતે દીવા લઇને ઉભી रहेनार ओं अधिदहुमारी देवी. मगवंत के जन्म रामय दीपक लेकर उपस्थित रहनेवाली एक विद्युत्कुमारी. a heavenly damsel who stands with a lighted lamp held in a hand at the birth time of a Tirthankara 310 ૪, ૧; (૪) વિદિશાના રૂચક પર્વાત ઉપર રહેનારી ચાર દિશા કુમારીમાંની પહેલી. विदिशा के रुचक पर्वत ऊपर रहने वाली चार दिशा कुमारी में से पहिली. the first of the four Disākumāris residing on the Ruchaka mount in an oblique direction. जं॰ प॰ ७ १४४; ४, ११४;

वित्तामूलय. पुं॰ (चित्रमूलक) तीणा रस-वाणी ओड क्यतनी वनस्पति तीच्या रस-वाली एक जाति की वनस्पति A kind of vegetation having pungent taste. पञ्च॰ १७;

निसार पु॰ (चित्रकार) थितारे। चित्रकार; चितेरा. An artist; a painter. पन्न• १;

चित्तिः त्रि॰ (चित्रिन्) यित्रधारः, यितारी

चित्रकार. An artist; a painter. कo गं० १, २३;

चित्तिश्र-यः त्रि॰ (चित्रित) थितरेखुं.
चित्र काम कियाहुश्रा. Pictured; painted. कप्प॰ ३, ३२; भत्त॰ १०६; —तलः
न॰ (–तल) थितरेकुं तथीयुं. चित्र काम किया हुश्रा तला. a painted floor कप्प॰ ३, ३२;

चिन्नः वि॰ (चीर्ण) आयरेक्षः भाषेक्षः आचरण किया हुआः पाला हुआः Adopted. स्य॰ १, ३, २, १०ः पि० नि० २६७ः (२) केमां ओड वणत कवायुं होय तेवे। भेदेशः जिसमें एक बार जाना हुआ हो वह प्रदेशः the part of a country which is once visited स्० प० १ः चिपिडः ति॰ (चिपिट) थप्टुं च्याः वैठाहुआः Flat. नाया॰ =;

चिमितः त्रि॰ (*चिपिट) २५८। नाध्याणुं वैठेहुए नाक वाला; चपटा. (One) having flat nose "चीणचिमित्रणासाम्रो" नाया॰ १; ६; पि॰ नि॰ ४१६;

चिय. त्रि॰ (चित) ७५२४-१६६ पामेस. उपचय-मृद्धिप्राप्त Increased; risen. २त्त० १, ६; पि॰ नि॰ ४०४;

चियगा स्ना॰ (चिता) थिता, थे. चिता;
A funeral pyre राय॰ श्रंत॰ ३, ८;
क्षिचियत्त. त्रि॰ (৬) प्रेभ ઉपन्तवनार;
क्षेत्रध्येथ. प्रेम उप्तत्न करनेवाला; लोकप्रिय.
Liked by the public; popular.
श्रोव॰ ४०; भग० २, ५; राय॰ २२५;
दस॰ ५, १, १७;

चियत्त त्रि॰ (त्यक्त) तलेखुं; छोडेखुं. त्याग कियाहुआ, छोडाहुआ. Abandoned.

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। र (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। र (*). Vide foot-note (*) p 15th.

त्रोव० १९, काप० ४, ११४, —देह. त्रि० (-देह-देहत्यक्तोवधबन्धाचावरणाद् देहोयेन) તજેલ છે દેહ (શરીર) નું મમત્વ (શુશ્ર-पाहि केश अंव त्याग किया है देह (शरीर) के समत्वकी (शुक्षपादि) जिसने ऐसा. (one) who has ceased from taking care of one's own body भग० १०, २, इसा० ७, १, वब० १०, ५. चिया स्नां (चिता) थिता, थें चिता, चेह A funeral pyre. তল০ ৭৪, ২৩, सु० च० १३ २४, सग० १, १, पु॰ (रयाग) त्याग. Abandonment. 510 4 9: चिया पुं॰ (स्थाग) त्यांग करवे। ते उपाधि का स्थाग करना Abandoning ४, १; नाया० १०: चिर न॰ (चिर) क्षांभी वलत. धृष्णे। अल. लवा समय; दोर्घ काल Long time. श्रोव॰ ३४, भग० १, ६. ३, ७; नाया० १, २, ४, ६; — श्रागुगदा त्रि॰ (श्रनुगत) यिर असथी अनुगतः सहयारी चिरकाल से अनुगत-सहचारी of a long standing भग० १४, ७, —श्र**गुवत्ति**. स्ना॰ (-श्रनुतृत्ति) ध्णा वभतथी अनुरुव वृत्ति. वहुत समय से अनुकूल शृति. favourable disposition from a long time. भग०१४, ७, — उञ्चलगा. न० (-उद्वलन) લાળા વખતની ઉદ્ગલના - કમેના વળ ઉખે-स्वे। ते. दार्घ काल की उद्रलना-कर्म का forcing the उल भाव सुलभाना Kaima into maturity To 90 ७, ४२ - गय त्रि० (- गत) ध्रश वभतथी अथेक्ष बहुत समय से गया हुआ। gone from a long time नाया॰ १६, —जुमिस्र त्रि॰ (-जुपित) थिर-डालथी परिसेवित चिरकाल से परिमेवित

Vol n/92

practised from a long time भग॰ १४, ७, — ठिइ स्रो॰ (-स्थिति) ध्रशा વખત સુધી મ્થિતિ, લાંભુ આયુષ बहुत समय तक स्थिति, दीर्घायुव long duration of life भग० २, ४; क० प० ४. ३८, —त्थामिश्रः त्रि॰ (-ग्रस्तीमत) ध्या वभतथी अदश्य धरेषु वहुत समय म जो श्रदश्य हुआ है वह invisible from a long time नाया॰ ४, — त्थिश्र ति॰ (-स्थित) १७। अध २६ेनु बहुत समय तक रहा हुआ long lived. दसा॰ १०, -परिचित त्रि॰ (-परिचित) **લાં**ળા વખતથી परियय वाणुं. बहुत समयंप परिचय बाला familiar from a long time भग० १४,७, - रायः न० (-रात्र) ઘણા વ મત, લામા કાળ, જાવછવ સુધી बहुत समय, दीर्घ काल for a long time, up to death. आया॰ १, ६, ३, १८४. स्य॰ १, २, ३, ६, —संधत. ात्रे॰ (-संस्तुत) क्षाणा वाभत न्तृति करा-थक्ष बहुत समय से स्तुति किया हुआ. praised from a long time. भग॰ १४, ७, —संसिट्ट त्रि॰ (-ससृष्ठ) ध्रश વખતથી મળેલું –સ વધમાં આવેલું. बहुत समय से मिला हुआ-सबब में श्राया हुआ in contact from a long time. भग० १४, ७,

चिराइग्र ।त्र॰ (चिरादिक) ध्लाक्षात्रा वणतथी केनी शरू आत होय ते चहुत दीर्घ काल से जिसका प्रारम हो वह. (Something) begun from a long time. श्रोव॰

चिराईय त्रि॰ (चिरातीत) वर्षे। पुरातनी,
णडु प्राचीन बहुत पुरातन स्रति प्राचीन
Very old, भग॰ १५, १, विवा॰ १,
चिराघोय त्रि॰ (चिरघोत) वर्षे। यभतथी

धे.थेक्षं. बहुत समय पहिले घोषा हुन्ना Washed a long time before.दस॰ ४, १, ७६;

चिलाईपुत्त. पु॰ (चिलातीपुत्र) राजगृद्ध निवासी धनाशा शेंडनी शिक्षाती नाभे
हासीने पुत्र-ज्ञाता स्त्रमां प्रसिद्ध छे राजगृह निवासी धनाशा शेठ की चिलाती नामक
दासी का पुत्र-ज्ञाता मूत्र में प्रसिद्ध है. The
name of the son of Chilati,
the maid of Dhanāśā, a resident of Rājagriha. भत्त॰ ==;
नाया॰ १=; सत्या॰ =४,

चिलातिया स्त्री० (किरातिका) दिसत देशभा ઉत्पन्न थयेश हासी चिलात-किरात देश में उपन दासी. A maid born in the country named Kirāta भग० ६, ३३; नाया० १; दसा० १०, १, चिलाती. स्त्री० (किराती) दिसन नाभना स्पनार्थ देशमां अपन थयेश हासी किरात

नामक श्रनार्थ देश में उप्तज दासी. A maid born in the Anarya country named Kirata ज॰ प॰

चिलाय. पुं॰ (किरात) धन्ना सार्था यादना

એક દાસ કે જે ઉદ્ધત થઇ ચાર બન્યા છે તટ ચાર હત્યા કરી, પૈરાગ્ય પામ્યા અને દીલા લીધી અને આત્મ શ્રેય સાષ્યું. घन्ना माथवाह का एक दास कि जो उद्धत होकर चोर वना, श्रंत में चार हत्या कर, वैराग्य को प्राप्त कर दीज्ञा धारण की व श्राहमश्रेय का साधन किया. An attendant of Dhannā Sārthawāha He became a thief, committed four munders but then realised his

selfund got initiated विशे ०२७६६ नाया • ૧८. (६) મેલે ગ્છ, બીલ્લની એક જાત. म्लेच्छ; भालकी एक जाति. A class of aborigines, sio qo queo 9. 9: (३) डिशन देशभां २ हेनार. किरात देशमें रहनेवाला one living in Kirāta country. नाया॰ १८; पन्न॰ —तक्करः पुं॰ (- तस्कर) भि६ भिति। थे। भिल्ल जातिका चार. a thief of Bhilla caste नावा॰ १८.—दास पं. (-दास) એ નામના એક ધન્નાસાય^દવાહના दास-ने। ३२ चिजात नामक एक धन्न। सार्थवाह का दास-नौकर, an attendant of Dhannā Sārthawāha, नाया॰ १८: चिलिए त्रि॰ (३) अशुभिः अपवित्र. प्रशाचिः अपवित्र Impure; unholy श्रोष॰ नि॰ १६५; जांबा० ३, १;

चिलिमिणी. स्त्री॰ (*) पडि:; ढांडवानुं वस्त्र. परदा, ढांकने का वस्त्र A curtain; a cloth used as a curtain स्रोघ॰नि॰ १६७.

चिलिमिलिगा. स्रं (*) लुओ ''चिलिमिणी'' शण्ट. देखो ''चिलिमिणी'' शण्ट. देखो ''चिलिमिणी'' स्य॰२,२,४६; चिलिमिलिया. स्रं (*) हेत्री; हेरिडी. रस्मी; डोरी. A string. वेय॰ १, १४; चिलिमिली स्रं (*) ५८हे।; यह. परदा; चक A curtain. स्राया॰ २, २,

रे, ननः श्रोघ० नि० ७नः चिल्लगः त्रि० (क) देदी प्यमानः प्रधाश-भानः देदी प्यमानः, प्रकाशमानः Lustrous; shining नाया० १६, पन्न० २;

चिल्लडयः पुं॰ (*) लें। इडी; ऄश

^{*} जुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

જ गश्री જ नावर लोमडी, एक जंगली पशु A. jackal. आया॰ २, १, १, २७,

चिल्ला. स्त्री॰ (चिल्लाना) श्रेख्रिक राज्यनी पहराधीन नाम. श्रीताक राजा की पहरानी का नाम. The name of the principal queen of the king Srenka, भग॰ १, १,

चिस्तय त्रि॰ (*) यण ३तु, हेही ५ मान चमकताहु आ; देदीं प्यमान. Shining परह॰ १, ४;

चिस्नल. पुं॰ न॰ (चिल्डल) जल भिश्र डाइयवाणु स्थान जल मिश्र कीचड नाला स्थान. A spot with mud and water mixed together. भग॰ ५, ७, पन्न॰ २, नाया॰ १; पु॰ थिल्वल देशनी रखीस चिल्वल देश का रहनेवाला. a resident of the country Chilvela. पगह॰ १, १; पन्न॰ १; (३) भे भरीवाणे। जंगली जनावर a wild animal having two hoofs पगह॰ १, १, नाया॰ १;

चिञ्चलग पुं॰ (चिञ्चलक) भे भरीयाणा ज गक्षी पशु साभर रेशज पगेरे बारहसीगा; दो खर वाला जंगली पशु A two-hoofed wild animal viz elk etc. भग॰ ६, ३४, जीवा॰३,३; पन्न॰१,११, जं॰प॰२,३६;

चिद्धित. त्रि॰ (') सुशालित. प्रदीप्त सुशोभित, प्रदीप्त Adorned, bright. सु॰ प॰ र॰;

चित्तिय त्रि॰ (*) दीप्त; दीपतु दप्ति; प्रकाशित Shining, bright. श्रोव॰ २४, भग॰ ६, ३३; जीवा॰ ३, २; —तला न॰ (–तला) हेही भ्यमान भूमिनुं तथी थु. देदी प्यमान भूमि का तल. the surface of a bright earth. नाया॰ १; भग॰ ११, ११;

चिल्ली खी॰ (चिल्ली) अ नामनी क्षीक्षी वन-स्पति इस नामकी हरी वनस्पति A kind of green vegetation पन्न॰ १;

चिहुर पुं॰ (चिक्कर) देश; वाण केश; बात. Hair. सु॰ च० १, १;

चीरा पुं॰ (चीन) थीन-देश चीन दंश China (२) त्रि॰ यीन देशने। रहीस. चीन देश का रहने वाला a resident of China. प्रव॰ १४६८, जीव॰ ३, ३; पराहर १, १; पत्र १; (३) त्रिर न्धानं; લधु छोटा. sınall नाया०=; — श्रंस ग्र-य न॰ (-श्रंशुक्त) थीन देशनी अनावटनुं रेशभी पर्म. चीन देश की बनावट का रेशमी वस्त्र China-silk. श्राया ०२, ५. १४५, भगः ६, ३३; दसा० १०, १; (४) ચીત દેશના ટીડાએાની લાળથી ઉત્પન્ન थत सूत्र; रेशम चीन देश के की हों की राल से उत्पन्न तार: रेशम. a sort of silk-thread got from the saliva of a certain insect in China श्रमाजी० ३७;

चीगि। पष्ठ पु॰ (चीनिषष्ट) सिन्हरः सिन्हरः सिन्हरः Red lead राय॰ ४३, (२) ढिंगले। हिंगलूः vermilionः पच॰ १७; चीगिविद्व पुं॰ (चीनिषष्ठ) ढी गदीः हिंगलू Vermilion. जीवा॰ ३, ३;

चीर न॰ (चीर) वस्त्र, क्षुगडुं. वस्त्र, कपडा. Clothes. उत्त॰ २६, २६; पिं॰ नि॰ मा॰ २३, (२) आऽनी छासनुं पन्त्र

^{*} लुओं पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। १ (*) देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

रूप की छाल का बस्न. a cloth mad of barks. उत्त॰ ४, २१;

चीरहा. पुं॰ (चीरहा) थीरवा; पक्षी विशेष. विशेष. A kind of bird. पएह. १, १; —पोसय पुं॰ (-पोपक) थीरवा जनावर का पोषणा-पालन करने वाला. जनावर का पोषणा-पालन करने वाला. one who keeps or tames a bird named Chirala निसा॰ ६,२३; चीरिंग. पुं॰ (चीरिक) शेरीमां हे रस्त मां पडेल थीथराने। शुरुणे। जनावी धारण् इरनार थेड वर्ग. गली में किंवा रास्ते में मार्गमें पडे हुए चीथडे का गरदा बनाकर धारण करने वाला एक वर्ग. A class of people who put on a face cover of a rag thrown on a road or street अगुजो॰ २०;

चीरिय पुं० (चीरिक) कुओ " चीरिम " शण्द देखों " चीरिम " शब्द Vide " चीरिम " नाया । १ %;

सीवर. न० (चीवर) पर्त्नः (धुग्धु कपडा.
A cloth; clothes ठा० ४, २, भग०
२, ३; श्राया० २, ३, २, १२१, निसी० १०,
५३; जं० प०

चुत्र ति० (च्युत) अष्ट थयेत, यवेतः, भरेष्य पामेल श्रष्टः मृत्यु प्राप्त.

Deceased; fallen; degraded श्राया०१, १, १, १, १, १, १, १, उत्त० ३, १७; ७, ६; १४, १, १६, ६; श्रोव० ३८; सम० ७; ज० प० ७, १४१; श्रोष० वि० ६२; कप्प० १, १, ३. ४, ६२, इसा० ६, १, नाया० ७; ६; ६, भग० ७, ३. छ० च० १४, ६६; पएह० २, ४, विशे० १६७६;

—धम्म. ति॰ (-धर्म) धर्भथी लप्ट; धभंथी पतित धर्म से भ्रष्ट, धर्म से पतित. fallen from the path of religion. दसा॰ ४, १६.

चुत्राचुत्रसंणिया स्नि॰ (च्युत्ताच्युतन्नेणिका)

च्युता च्युत श्रेशी गश्ताः प्रिश्वाद्यान्तर्भते

परिक्षभी च्येक भेट च्युत्ताच्युत श्रेणी

गणनाः द्राष्ट्रवादान्तर्गत परिकर्म का एक

भेद A division of Parikarma in

Dristivada सम॰ १२,

चु श्राचु श्रसंशियापरिकम्मः न॰ (च्युनाच्युत-भेशिक परिकर्मन्) द्रष्टिवादान्तर्गत परिकर्म क्षम ती सातभे। लेदः द्रष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का सातवां भेद The 7th division of Parikarma in Dristivādā नदी॰

चुत्राचुत्रावत्त न॰ (च्युताच्युतावर्त) युआ-युआ सेिश्या परिकर्म ने। वैदिहने। लेह चुत्राचुत्र सेिश्या परिकर्म का चौदहनां भेद. The 14th division of Parikarma in Dristivada. नंदी॰ ४६:

चुंचुत्रा. पुं॰ (चुञ्चुक) એ नाभे એક અनार्थ देश इस नामका एक अनार्थ देश. An uncivilised country of this name प्रव॰ १४६६६

चुंचुरा न॰ (चुञ्चुन) એક आर्थ शातिगति एक आर्थ जाति An Aryan
race. पन ॰ १;

चुंचुय पु॰ (चुझ्चुक) भ्रेन्थ लितिने। यो अ लेह म्लेच्छ जाति का एक भेद. A sub-division of non-Aryan race जीवा॰ ३, ३;

चुंढी स्नं॰ (*) नानी कुछ छोटी कुइया

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्पाग १५ नी पुटनाट (*) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनाट (*) Vide foot-note (*) p I5th

A small well. नाया॰ १;

चुंवरा. न॰ (चुम्बन) यु म्पन; युभी चुम्बन Kissing; a kiss प्रव॰ १०७६;

√ चुक्क धा॰ I (अज्र्) युडी જવુ. ભુલી જવું. भूल जाना To forget; to err. चुक्कति. गच्छा ३२;

গুলুকা সি॰ (*) से हेतुं; পু ক প্র মূলা हुआ. Baked; ros ated. দু॰ च॰ হ, ৭ ঘ; দুবন সি॰ (ৰাছ) থ. ৮ দু; থবিস যুদ্ধ; দ্বিল Best; pure, জঁ০ দ॰

चुचुय. पु॰ (चुचुक) युयुक्त नामने। देश चुचुक नामक देश. Name of a country. (२) त्रि॰ ते देशभां वसनार. उस देश में रहने वाला a resident of the above country. भग॰ ३, २; पगह॰ १, १;

चुच्या. ब्री॰ (चुचुका) स्तानी। अथ्रक्षण. धीरी. स्तन का व्यवभाग-चुएडी The nipple or test of a breast जीवा॰ ३, ३;

चुच्चुय पुं॰ (चचुक) २तननी टीटी. स्तन का घुएडी. The nipple of a breast. राय॰ १६४;

क्ष चुडरण न॰ (*) लुर्नु थवु, ६। शि लवुं पुराना-जीर्ष होना; फट जाना. Wearing out. पिं० नि० मा० २५.

and there while paying respects to an elderly ascetic.

चुडिली. का॰ (्*) ઉंपाडीयु श्रमि का प्रकाशना व निस्तज होना. Gleaming of fire. प्रन॰ १७६,

चुद्दुिल स्नी॰ (🏃) सणगते। भारते। पूणाः जलताहुत्रा घाम का पूला A burning bunch of hay. भग॰ ३, ३३.

√ चुराण. धा॰ I (चूर्ण) हणवुं, पीसवुं. थूर्ष ३२वं. पोसना; चूर्णकरना. To pound; to grind.

चुिरागुऊणा. सं ॰ कृ ॰ सु ॰ च ॰ २, ४०७, चारियाय. सं ० कृ ० भग ० १४, ५; जीवा ० ३: चुग्ण पुं॰ न॰ (चूर्ण) लुध्धाः रेत. चूर्ण. Powder. पंचा॰ १३, १५; काप॰ ३, ३२; पञ्च० १; १७; सू० प० २०, निसी० १३, પ્ર**દ્ર (૨) એ નામના** ગુચ્છા-ગુચ્છ, वनस्पति. इस नाम का गुच्छा-गुच्छ, वनस्पति a kind of vegetation in the form of cluster. पन १ (३) કેશર કરતૂરી વગેરે સુગધિ દ્રવ્યતુ ચૂર્ણ. केशर कम्तूरं। इत्यादि सुगंधिमय दण्यो का चूर्ण. a powder prepared of and other scented substances परह० २, ४; जीवा०३, ३: भग० ३, ७; ११, ११; (४) यसत्धरी ચર્હા; ભુકડી. चमत्कारी चूरण, मंत्रित चूरण. a miracled powder निसी० १३, ४=; ६१; (५) य्ने।. चूना lime. विवा • २; — झारुह्या न० (-श्रारोह्या) अधीर -- हेशर वगेरे यढाववा ते अबीर-केशर

इत्यादिका चढाना, offering of scented

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १ १ नी पुरने। (*) देखो पृष्ट नम्बर १ १ की फुटने। ट(*) Vide foo-note (*) p 15th.

ingredients viz. saffron etc. नाया॰ २; —गुडियगात्तः ांत्र॰ (-गुडित-गात्र) ચુનાથી ખરડાયલા શરીર વાળું चुने से विगढ़ हुए शरीर वाला; चूना लगे हुए शरीर वाला (one) with a body smeared with lime. विवा॰ ?; — जुत्ति जी॰ (-युक्ति) अणीर-गुलास વગેરે ચર્ણ બનાવવાની ધુક્તિ-વિજ્ઞાન; ૬૪ કલામાંની એક. श्रवार-गुलाल इत्यादि चूर्ण वानने का याहि-विज्ञान; ६४ कलाश्रों से की एक कला. a method of preparing red powder known Gulāla. श्रोव॰ ४०; नाया॰ १: - जोय. पुं॰ (योग) સ્તંભનાદિ કર્મ; ચૂર્ણયાગ. स्तंभनादि योग. wedicine etc which leugthen the period of sexual intercourse. नाया॰ १४: — वास पं॰ (-वर्षा) यूल् - डेशर विशेर सुश्घि प्रव्यती वृष्टि चूण-इत्यादि सुगाधत द्रव्य की वृष्टि shower of scented things as saffron etc. नाया॰ ६; जं॰प॰५, १२१.

चुराणय पु॰ (चूर्णक) युने। चूना Lime निवा॰२:—पेसिया ली॰ (-पिका) यूर्ण् पीसध्यारी द्यासी. चूर्ण पीसने वाली दासी. क maid who works as a pounder. भग॰ ११, ११;

चुिराण्य-य. त्रि॰ (चूिर्णित) युरे युरे। ६रेक्ष; यूर्ण् थ्येक्ष चूर्रा किया हुआ, चूर्ण चूरत. Poundered; reduced to atoms. उत्त॰ १६, ६८; नाया॰ १;

चुरिएएगाभाग पुं॰ (चूर्णिकाभाग) लागनी पण लाग; अंशनी अश. भागका भी भाग A division of a division जं० प० ७, ११४; १३३;

चुारिएयाभेदः पुं॰ (चूर्यिकाभेद) लुओ। ઉपदी शण्ट देखी ऊपर का शब्द. Vide nbove, पण्ण ११:

चुत. त्रि॰ (च्युत) ६श प्रधारना प्राख्यी श्रष्ट थयेतुं; प्राख्यित थनेतुं दश प्रमार के प्रायो से श्रष्ट; प्रायारीहत बना हुआ Life-less. श्रयुजी॰ १६, भग॰ १, १;

चुन्न. पुं॰ (चूर्ण) आहु अ्शुं है के भाष्यस ઉपर नाणवाथी हर्ण-शिक्षने वश थायः जादूई चूर्ण कि जिसको मनुष्य पर डालेन से हर्ष-शांक के वश हो A miraculus powder which subjugates a man when thrown upon him. वि॰ नि॰ ४०६; (२) आहे। दीह. आहाः निण्या. सु॰च० ३, २०७; प्रव० ५७५; (३) यूर्श्; भुभेका. चूर्ण powder. प्रव० २४५; चुन्नग. पु॰ (चूर्णक) सीयई-सुरम. हिंड युष्णुः

सुरया, स्रमा द चूर्ण. Colirium etc. in a powdered form. निर० ३, ४; चुन्नी सी० (चूर्णां) यूर्ण्; लुक्की; क्षेट. चूर्ण, श्राटा. Powder. पि० नि० २४०; चुन्पालय पुं०(*) विजय नामना देवनुं व्य युधा- क्षय-शक्ते। २ भवानं धर विजय नामके देवका

श्रायुधालय-शन्न रखेन का गृह. A place for keeping weapons belonging to the god Vijaya. जीवा॰ ३, ४:

चुलगी स्नी॰ (चुलनी) हे पिसपुरना राग्ननी राष्ट्री; ध्वन्द्वहत्त नामना धारभां यहवती नी भाता. कम्पिलपुरके राजा की रानी; ब्रह्मदत्त नामक बारहनें चकवर्ती की माता. The name of the queen of the king of Kampilapura. उवा॰ १, २;

^{*} जुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (*) देखी पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनीट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

क्ष चुत्त. ति॰ (÷) न्हानु लघु छोटा; लघु Small; tiny. पन्न १६; ज प ० उवा॰ १, २, --कप्पसुत्रा. न॰ (-कल्प-सुत्र) २૯ ઉત્કાલિકમાનુ ત્રીજી. २६ उत्कालिक में से तीसरा the third of the 29 Utkālika (Sūtras). नंदी॰ ४३; — पिउन्न पुं॰ (- पितृक) पिताने। नाने। भार्र, आहे। पिता का छोटा भाई, काका uncle; the younger brother of a father. " श्रज्जप् पजाप् वावि बप्पे चुन्निपिडित्ति य " दस० ७, १८; - माउ स्त्री॰ (- मातृ) कारो। " चल्ल-माडवा " राफ्ट देखें। " चुल्लमाडवा " शब्द. vide " चुल्लमाउया " नाया॰ १; —माउया स्त्री॰ (-मात्का) स्रोश्मान भाता सैंतिली माता step-mother " कृणियस्सरएगो चुल्लमाउया " श्रतः =, १, निर॰ १, १, विवा॰ ३:

चुन्नग पुं० (🍝) खात, भाराधः सात, खुराक. Food पि० नि० म४; चुन्नगीदेवी ब्री० (चुन्नगीदेवी) ९५६ राज्यनी युविश्वी नामनी देव! (राश्वी). द्रुपट राजा की जुलार्शा नामकी देवी (रानी) Name of the queen of the king Diupada. नाया॰ १६:

चुक्तसपगः न० (चुक्तशतक) शुश्वशतक नामने। भदातीर स्वाभिने। ओड श्रावड, दश श्रावडमांने। ओड चुक्तशतक नाम का महावीर स्वामी एक का श्रावक, दस श्रावकमेसे एक. One of the 10 layman followers of Mabāvīra डवा॰ १, २,

चुल्ल हिमचंत. पु॰ (चुल्ल (लघु) हिमवत्) ભરત ક્ષેત્રની મર્યાદા બાધનાર પર્વત; ભરત અને હેમવયને જુદું પાડનાર (ખેની વચ્ચે आवेस) पर्नत भरत सेत्र की मर्यादा वाधने वाला पर्वत. A mountain bounding the limit of Bharata Kșetra. जीवा॰ ३, ३, सम॰ ७; भग॰ ६, ३, जं० प० ४, १२०; ११४; १; १०; पञ्च० १६; उवा०१,७४; —कुड. (-कूट) युस्स હિમવંત પર્વત ઉપરના અગીયાર કુટમાન બીજુ કૃટ, શિખર चल्ल हिमवत पर्वत के स्थारह कूटमें से द्वितीय कूट-शिखर. the second out of 11 summits of the mountain Chullahimavanta हा॰ २, ३,

चुल्ल हिमवंता श्ली॰ (चुल्ल हिमवती)
युक्ष दिभवंत गिरि हुमार देवतानी राजन
धानानु नाम चूल्ल हिमवन्त गिरि कुमार
देवताकी राजवानी का नाम Name of
the capital city of the god
Chulla Himavantagirikumüra

चुन्नी स्ना॰ (चुन्नी) यूसरी, यूसी; न्हानी

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। १ (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। 2 (*) Vide foot-note (*) p 15th.

थूंबे। चूल्हा, छोटा चूल्हा. A small stove. पि॰ नि॰ २४६; जीवा॰ ३ १; उवा॰ २, ६४;

चूत्र-यः पुं० (चूत) आंभानुं पृक्षः श्राम का रुच A mango tree विशे. १७२४, सु० च० ६, ६४, तंडु० ६; (२) સૂર્યાભના આમ્રવનના રક્ષક દેવતા. सूर्णम के आम्रवन का रत्तक देवता. the guardian deity of the mango forest of Sūryābha. जं०प० ५, १२२; राय० १४०; जोवा॰ ३, ४; (३) એ नामनी सता इस नाम की लता. a name of a creeper. पन्न॰ १; — लया. स्रो॰ (-लता) आणानी सता-अंण श्रामकताः (श्राम की लता). a mango creeper. श्रोव॰ - वर्ण न॰ (-वन) सूर्वाल विभानना ઉત્તર દરવાજેથી ५०० જોજન ઉપર આવેલ આળાનું એક વન કે જે સાડાળાર હજાર જોજન લાસું અને પાચસા જોજન पिं। णुं छे सूर्यांभ विमान के उत्तर दग्वाजे से ४०० योजन पर श्राया हुत्रा श्राम का एक वन कि जो साडे बारह योजन लम्बा व पाच सौ योजन विस्तृत है a mango forest 12500 Yojanas in length and 500 Yojnas in breadth, situated at a distance of 500 Yojanas from the northern gate of the heavenly abode named Sūryābha. ठा० ४, २; निसी० ३, =१, राय० १२६; भग० १, १; श्रग्रुजो० १३१;

चूडामिंग पु॰ (चूडामिंग) यूडामिंग; सुकुट. Crown; diadem. उत्त॰ २२, १०; नाया॰ १, पन्न॰ २, जीवा॰ ३, ३;

चूरासकोस. पु॰(चूर्णकेश) भावाना पहार्थ. खाद्य पदार्थ. Eatable परह॰ २, ४,

चूयगवाडिंस. न० (चूतकावतंसक) भे नाभनुं भें ४ ४४ मुं विभान इस नामका एक इन्द्रका विमान A Name of an abode of Indra. राय० १०३: भग० ३, ७;

चूयविंद्सा स्री॰ (चूतावतसा) सौधर्भे न्द्रनी अश्रमाह्यी देवी नी राज्यानी. सौधर्मेन्द्र की अत्रमाह्यी देवी की राजधानी. The capital city of the principal queen of Saudharmendra. ठा०४, २: चूया. स्री० (चूता) साधर्मेन्द्र की अत्रमहिषी का पाटनगर. Vide above ठा० २, ४; √ चूर, धा० I. (चूर्) शूरे। इरवे।; लांगवं. चूराकरना; तोंदना. To pound; to reduce to atoms. चूरेइ. नाया० १६; चूरेता. सं० कु० नाया० १६;

चूलणी छी॰ (चूलनी) ध्रम्धदत्त यहवतीं नी भाषाः ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती नी माताः The mother of Brahmadatta Chakiavarti. जीवा ३; १;

चूला ब्री॰ (चूडा) थे। टी; शिभा; थे। टेशी. शिखा, चुटियां. Summit; peak नदी॰ १७;—डचएायए। न॰ (-डपनयन) थे। टेशी डितारवाने। सुन्डन कराने का संस्कार the ceremony concerning shaving. राय॰ २८८:

चूलामार्ग पुं॰ (चूडामार्ग) भुगट. मुकुट. Crown; diadem. श्रोव॰ २२; राय॰ १८६;

स्तूलिश्रंग. न॰ (चूलिकाङ्ग) थे।राशी क्षाभ प्रयुत परिभित धांक्षीतिकाग चोरासी लच प्रयुत परिभित काल विभाग A measure of time equal to 84 lacs of Piayuta भग॰ ४, ९ २४, ४; श्रगुजो॰

११४; ठा० २, ४, जं । प० चृतिस्रा स्ना॰ (चृतिका) दिष्टियाः अगना પાચવિભાગમાંના પાંચમા-છેલ્લા વિભાગ दृष्टि बाद श्रंग के पांच विभाग में से पांचवा--श्रातिम विभाग. The fifth or the of Dristivāda last division Anga, नंदी॰ ४६; (२) भूससूत्रमां न ળતાવેલ હુપાકન સંત્રહ કરી અંતમાં णताववी ते मूलसूत्र में श्रप्रकाशित का संप्रह कर श्रंत में प्रकट करना a commentary which exposes that description which 19 given in the original નંદ્યી૰ પ્રદ્ર. (૩) ચાેેેેેેેેેેે લાખ अग प्रभाश्नी। धण विलाग. चौरासी लच चृति श्रग प्रमाण का काल विभाग measure of time equal to 84 lacs of Chūlianga भग॰ ४, १; ७; ११, १०; २४, ४; जीवा० ३, ४; ऋगु-जो॰ ११५; ठा० २, ४; जं॰ प० (४) यूक्षि का-ये। 2क्षी; शिभर. चूलिका-चाटी; शिखर summit; peak. सम॰ नंदी० स्थ० १७. जं० प०

चृत्तिय पुं० (चृत्तिक) य्विक हेश. चृत्तिक देश Name of a country. (२) त्रि॰ ते हेशभा वसनार उस देश में रहने बाला. a resident of the above country. परह० १, ३,

चूितया. स्त्री॰ (चूिक्का) यदी, सग्री. च्रहा, सिगडी A stove; a fire place.

चेश्रयणाः स्री० (चेतना) ज्ञानाहि चेतना; चैतन्य Consciousness विशे० ४३,

चेइग्र-यः नि॰ (-चेतितः) ४२ेक्ष, श्रनावेक्षं, । यश्रवेक्षः किया हुग्रा; वनाया हुग्रा Per- । Vol 11/99

formed; prepared. " श्रमासिह श्रमासहं चेह्याइं भवंति" श्राया॰ २, २, २, ८१; २, २, २, ६३; वेय॰ २, १६; चेहत्तप हे॰ कृ॰ (चेतितुं) २६९वानीः सहने को For the sake of living or residing. वव॰ १, २२:

चेद्य. न॰ (चैत्य-चितेरिदं भाव कर्म वा चैत्यम्) यक्ष वगेरे व्यांतर देवतानुं आयतन-સ્થાન: દેવસ્થાન કે જે ભાગમા અથવા તેના પૂર્વશરીરના અગ્નિકાહ-ચિતાને સ્થાને, ચાતરા રૂપે કે દેરી રૂપે, ચણાવવામાં આવતા, અને લેહા સકામવૃત્તિથી આ ભવની લાલસાથી તેની પર્યુ પાસના કરતા તેની ઉપમા સાધુ વગેરેની પશુપાસનામાટે આપવામા આવી छे. यक्त वैगरह व्यंतरदेवताके आयतन-स्थान; विता के ऊपर मंदिर या श्रन्य रूप में बनाया हुत्रा स्मारक चिन्ह. ससारी लोग इनकी इस लोक के मुखों की इच्छासे उपासना करते हैं। The abode of ghosts or infernal gods; the memorial or temple which was erected in olden times on the funeral pyre or in a garden and people used to worship these with a view to get their worldly desires fulfilled. श्राया॰ २, १४, १७६; सम० ६; नाया० १; भग० १, १; सृ० प० १, श्राव० निर० १, २; काप० ६, ६३, क० ग० १, ४६; श्रोघ० नि० ६५; "कल्लागं मंगल देवयं चेइयं परज्वासित " स्य० २, ७, ८१; " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइय पज्जु-वास्सामो " दसा० १०, १; " कल्ला एं मगल देवयं चेइय पज्जुवासेजा " वव० १०, १, ''कल्लागां मंगल देवयं चेइयं परजवासेता'' (दैवतं चैत्यमिव-टी) ठा० ३, १; भग० २, १, "करागां मगलं देवयं चेहगं परज्ञवा-

सामि " ठा० ३, ३, " कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पञ्जुवासिंगुजे " नाया॰ १६; उवा॰ ७, १८७; " कल्लाएं मंगर्ल देवयं चेइय पञ्जवासांगिजायो भवंति " भग १०, ५: ' कल्लाएं मंगलं देवयं चेड्यं पज्जवासइ " भग० १५, १; " थूममहेसुवा चेइयमहेसुवा रुक्खमहेमुवा " श्राया॰ २, १, २, १२; " रुक्लमहेइवा चेइयमहेइवा थूममहेइवा " भग॰ ६, ३३, '' भवण घरसरण लेण या वर्ण चेतिय देवकुल '' परह० १, ५; "तव-स्सिकुलगणसंव चेइयट्ठे " पगह० २, ३; (२) व्यन्तरना आयतनपाणा अथवा तेना विनाने। पाग, उद्यान; आराभपगीये। ज्यतर के श्रायतन वाला किंवा उसके रहित वाग, उचान; श्राराम-वाग a garden having or not having a temple of an infernal god;a pleasure garden. दसा॰ ५, ६; नदी॰ ४०; जं॰ प॰ राय० ४; २११; अत०१,१,नाया०६; "पुरासामे चेहए" नाया०१;१५;१६; नाया०घ०१; श्रंत०१, १: विवा० १, १; पराह० १, १; उवा० १, १; २, ६२; ११६; भग० ५, १; ९, ३३; १३, ६; "कोट्टए चेइए" नाया० ध० १; ३: **ख्वा॰ ३, १२६; ४, १४५; ६, २६७, १०,** २७२: भग० ६, ३३; १२ १; १४, १, "यायाणं णागराइं उजाणाइ चेह्याइं" सम॰ प॰ १७६; " उत्रासयाणं ग्राराह उजाणाइ चेइग्राई " सम॰ प॰ १८४. " श्रंनगडाणं खगराई उज्जाखाई चेइग्राई ' सम० प० १८६; '' श्रणुत्तरोववाइयाग् ग्ग-राइ उजाणाइं चेइग्राइ " सम॰ प॰ १८७; " सुहविवागाणं ग्रागाइ उजाणाइं चेइ-म्राइं " सम**० प० १६२;** " दुहाविवागास णगराइं उजाणाइं चेइग्राइं" सम॰ प॰ १६२; (चेत्यं व्यतसायतनम् टी०) " चंदी-यरणसि चेइए '' भग० ११, १; " मार्चिड-

कुच्छिमि चेइए " भग० १४, १; " कारिड-यायणांसि चेइए'' भग० १५, १; " एगजबुए चेइषु'' भग० १६, ४; ''सालकोट्टयषु चेइषु'' भग० १५, १; " छत्तपलासण् चेहण् " भग० २, १; "पुष्फवईणु चेह्णु" भग० २, ४; ६; ६, ३३; " माशिभद्दे चेहुए" भग० ६, १; "संखवरों चेह्ए" भग० ११, १२; " नंदगो चेइए " भग० ३, १; " बहसालए चंद्रपु " भग० ६, ३३; " चंदोतरायेण चेड्णु '' भग० १२, २; '' दृण्पलासणु चेहए " उवा० १, ३, १०; ४८, ७८; ८६; भग॰ =, ३२; ५०, ४; ११, ११; १=, १०; '' ग्रंबसालवणे चेइए " नाया॰ ध० १; " काममहावर्षे नेइए " नाया० घ०३;श्रंत० ६, १६; " गुणिसलए चेइए " नाया॰ १; २; १८; नाया० थ० १; ३; श्चंत० ६, १; ३, ७,१, श्रणुत० ३, १; २, १;३:१; विदा० २, १; उवा० =, २३३; भग० २, १; ५; ६; ७, १०; =, ७; १६, ३; १=, ३; ७, =; (३) तीर्थं ४२नुं ज्ञान - डेवस ज्ञान तीर्थं कर का ज्ञान-केवल ज्ञान. the knowledge of a Tirthankara. " ए एसिए चडवीसाए तित्थगराण चडब्बीसं चेइय-रुक्खां होत्था" सम॰ प॰ २३३; 'ताहें चेइ-याई वन्दइ " (वन्दते स्ताति) भग० २०, ६; नाया॰ १६; (४) ^अभणु; साधु. श्रमण, माधु. an ascetic ' देवपं चेइयं पज्जुवा-सेत्ता " (दैवतं चैत्यामिव चैत्य श्रमण पर्यु-पास्य टी॰) ठा॰ ३, १; " श्रन्नडोत्यय देवपाणि वा अन्नउत्थिय परिगाहियाणि वा (चेड्याइं) वंदित्तए नमसित्तए वा" उवा॰ १, १८, भग० ३, २; (५) व्यंतर आहि हेवता च्यतर छादि देवता infernal god etc " रुक्लं वा चेइयकड यूभ वा चेइयकड " (वृत्तस्याघो व्यन्तरादिस्थलक स्तृष वा व्यन्तरादिकृतं टी०) ग्राया० २, ३,

ર, ૧૨૭, (૬) જ્ઞિં ચિત્તને આનદ ઉપ-लावनार चित्त को आनंद देनेवाला. delightful, pleasant " तेसिणं चेति-तथुभागं पुरतां चत्तारिमणि पंढियात्रों ' (चित्ताल्हादकत्वाद्वा चैत्याः स्तूपाः प्रसि-द्धाश्चेत्यस्तूपाः) ठा० ४, २; सम० ३५; दसा० १०, १; वव० १०, १, (७) डे। ध મહાપુરૂષની ચેહ ઉપરના સમારક અવસેસા-राण आंश्य डाढा वरेरे. किसी महापुरुष की चिता ऊपर के स्मारक खबरोप-राख, छस्थि इत्यादि. the memorial on the funeral pyre of a man of im portance. " श्ररहते वा श्ररहत चेइयाणि वा श्रग्गारे वा भावियप्पाणो ग्रीसाए उडु उप्पयइ" भग॰ ३, २, (=) જत्तरी, उतावणां. तरंत, शोघ्र, उतावलाः speedy. " सिग्ध चएडं चवलं तुरियं चेइयं " नाया॰ ६; — खंभ. पुं॰ (-स्तंभ) सुधर्भा सञ्जानी વચ્ચે મણિપીડિકા ઉપર જે સાઠ જોજન ઉંચા માણવક નામના સ્ત ભ છે તે; ચિત્તને व्याल्डाह उपकारनार थ ल सबर्मी सभाकी मध्य में मिशापीठिका के ऊपर जो साठ योजन ऊंचा माणवक नामक स्तम है वह: चित्त की श्राल्हादित करनेवाला स्तभ a pillar named Māņavaka 60 Yojanas in height situated on Manipi thikā in the Council-hall of Sudharmā. " सुहम्माणु सभाणु माण-वए चेइयखम्भे "सम० ३५, राय० १५६, —श्रूम पु॰ (-स्तूप) चैत्य पृक्ष अने પ્રક્ષા ઘરની વચ્ચે મહિપીઠિકા ઉપરન્ थित्तने आલ्दाह જનક स्तूप, चैत्य वृत्त व प्रेचागृह के मध्य में मिएपीठिका के ऊपर का चित्त को आनंद दायी स्तूप a beautiful pillar situated on Mani-Pīthikā and in the middle of

a memorial tree and a particular house. 'चत्तारि चत्तारिचेइयथूमा' जं॰ प॰ २, ३३, ठा॰ ४, २; जीवा॰ ३, ४; —मह. पु॰ (-मह) ચૈત્યના મહાત્સવ. चैत्य का महोत्मव a ceremony concerning a memorial on funeral pyre. श्राया॰ २, १, २, १२, भग० ६, ३३; नाया० १, -- रुक्ख. पुं॰ (– त्रृत्त) વાણવ્ય તરની સુધર્માદિસભાની આગળ મહિપીઠિકા ઉપર રનમય વૃક્ષ કે केनी आहे को अननी ઉंथा छे. वाराव्यतर की सधर्म दि सभा के सन्मुख मिण्पीठिका के ऊपर रत्नमय वृद्ध कि जिसकी श्राठ योजन की ऊचाई है. a tree 8 Yojanas in height, made of gem and situated on the Mani Pithika in front of the council-hall of Sudharma. सम॰ ८, ठा॰३,१; (२) જેતી નીચે તીર્થંકરને કેવલત્તાન है। ते वृक्ष जिसके नीचे तीर्थंकर को केवल ज्ञान प्राप्त हुवा हो वह युद्ध a tree under which Tirthanobtained supreme or perfect knowledge. सम॰ प॰ રરૂર; (૩) દેવતાએાની સભાના દરેક દરવાજા આગલ મહાધ્વજા અને ચૈત્ય थुभनी वश्येन दक्ष देवतात्रों की सभा के प्रत्येक दरवाजे के सामने महाभ्वजा के व चैत्य स्तंभ के मध्यस्थ का बृत्त a tree situated in the middle of a flag and a memorial tree which is in front of the doors of the council-balls of gods ठा० ३, १, जीवा० ३, ४; राय० १५४, -- वराणात्र न॰ (-वरणक) चैत्यतुं वर्णन चैत्य का वर्णन the description of a memorial on a funeral pyre. दसा॰ ४, ६;

चेहा. स्री॰ (चेष्टा) हिया किया. Gestures, movements. पचा॰ ४, २;

चेहिय. त्रि॰ (चंष्टित) येष्ट्रा ६रेल चेष्टित. Gestured. पचा॰ १, ४=; नाया॰ १; राय॰ २६१,

राय॰ २६१,
चेड पुं॰ (चेट) भगभासे रहेना॰ ने। ६२.
परों के पास रहने वाला नौकर A close attendant. कप्प॰ ४, ६२; पि॰ नि॰ ३६८; श्रोव॰ राय॰ १५३; नाया॰ १; (२) थालं । वालंक baby. पि॰नि॰ भा॰१२६; चेड्य. पुं॰ (चेटक) विशासा नगरीने। येटं नाभने। राज्य हे जे भहावीर प्रश्नने। परभ लहत हते। विशाला नगरी का चेट । नाम का राजा कि जो महावीर प्रभु का परम भक्त था. Chetaka, the king of Visala and a great devotee of Mahāvīra. भग०१२, २;निर०१, ९; चेड्य. पुं॰ (चेटक) हुभार; छे। ६रे। कुमार; लडका. An unmarried boy; ॥ boy. नाया॰ २; (२) ६।स, ने। ६२ दास;

नाया॰ २; सु॰ च॰ १४, १३४;
चेडिया-ग्रा. की॰ (चेटिका) हासी; आनडी
दासी A maid. भग॰ ६, ३३; ११, ११,
श्रोव॰ ३३; नाया॰ १; द; १६, राय॰ २८६,
टवा॰ ७, २०६; —सक्कवाल. न॰ (-चक्र-वाल) हासीने। समूह. दासी का ममूह. क group of maids निर॰ ३, ४: नाया॰ १४; नाया॰ ध॰

नौकर. a servant; an attendant.

चेतिय न० (चैत्य) लुओ। " चेइम " शण्टः देखो " चेइय " शब्दः Vide " चेइय " पगह० १, १;

चेत्त पुं॰ (चेत्र) थैत्रभास. चैत्रमास The

१८, १०; — सुद्ध. पुं॰ (-शुद्ध-शुक्त)
येत्रभासनु शुक्ष पक्ष. चेत्र मास का शुक्ल
पक्ष. the bright-half of the
month of Chaitra नाया॰ दः;
चेन्ही. स्री॰ (चेन्नी) येत्रभासनी पुनेभ चेत्र
मास की पूर्णिमा. The fifteenth

bright day of the Chaitra month. ज॰ प॰ ७, १६१;

चेदि पु॰ (चेदि) येदि नाभने। हेश. चेदि नामक देश. A country of this name. पन्न॰ १;

√ चेय. था॰ II (दा) आपनु; हान अन्तुं. देना, दान करना. To give; to give as charity.

चेएइ. प्राया० २, १, १, ६; चेएसि. श्राया० १, ७, २, २०२;

√ चेय. था॰ II. (चेत्) सं ३६५ ६२वे। संकल्पकरना. To resolve. (२) तिप-ल्पवयुं; उत्पन्न करना. to produce (३) थ्एथुं. वनाना. to pile, to construct.

चेपुइ. सम० ३०; निसी० ५, २; १३. १; नाया० १६;

चेप्सि. नाया॰ १६;

चेह्स्सामो. श्राया॰ २, १, ६. ४६;

चेयंत. निसी० ५, २;

चेतमाण. सम० २१;

चेह्जमार्ग. क॰ वा॰ दसा॰ २, १६; १७; चेय-ग्र. न॰ (चेतस्) थितः चित्त, The

mind. चेयसा. तृ० ए० भग० ७, १०; दस० ४, १, २; नाया० १; भग० ६, ३३; दसा० ६, ५; दम० ६, ६७; (२) विज्ञान.

विज्ञान science. विशे १९६२; (३)

७५, आत्मा. जीव; श्रात्मा soul. सग०

२०, २; — कड त्रि॰ (- कृत) भनथी

formed. भग॰ १६, २;
चेय श्र॰ (एव) એभ॰ भेगिहा;
निश्चित. Verily; certainly. विशे॰
१४९;

चेयर्गा. न० (चेतन्य) छवत्यः छवपछुं जीवत्व, जीवितता. Life; vitality. विशे० ४७५: १६४१: ३१३८. छ० च० १, २६०: — जुत्त. त्रि॰ (-युक्त) येतना वाखं चेतना वाजा vital, living. प्रव० १२४६: — भाच पुं० (-भाच) छवने। त्रान परिखाम जीव का ज्ञान परिगाम intellecuality विशे० ४५५: चेया. स्री० (चेतना) येतना, त्रानशिक्त

१६५७;
चेल न० (चेल) वस्त्र; क्षुगडुं नहा; कपडा.
Cloth. निसी० १८, १४; आया० २, ६,
१, १४२; जीवा० ३, ४, वव० ८, ५; दस०
४; प्रव० ६६२; — हु. न० (- मर्थ)
लुगडानुं प्रयोजन. the
cause for keeping a cloth. वेय०
३, १२; — उक्सेव. पुं० (- उत्तेष)
वस्त्रनु हॅं इन्नु, वस्त्रनी पुष्टि. वस्त्री का फेकना,

चेतना; ज्ञानशाक्ति. Intellect विशेष

विवा , १, ठा० ३, १; भग० १४, १, — कर्ण - च्च. न० (-कर्ण) धुगडानी धीनारी. वस्र की किनार. the border

वस्रकी दृष्टि. the shower of clothes.

of a cloth निर्मा॰ १८, १=; दस॰ ४, —गोल पुं॰ (-गोख) शुगडानी गोल हो। वह्न का गोलाकार गोला a ball of

cloth स्य० १, ४,२,१४; —स्त्रिलि-मिलिया. स्रा० (*) वस्त्रती हारी.

वस्य की रस्ती. a string of cloth.

वेय॰ १, १८; — पेडा-ला स्री॰ (-पेटा) लुग्डानी पेटी, पेटिशी. वस्र की पेटी, गठरी a box for clothes, a bundle of clothes भग॰ १५, १; दसा॰ १०, ३;

चेलग्र. न॰ (चेलक) लुओ। "चेल " शम्ह. देखो "चेल" शब्द Vide "चेल" जं॰ प॰

चेलग. न॰ (चेलक) संन्यासीओतुं ओक ६५६२७. सन्यासियों का एक उपकरण. An implement of an ascetic. स्य॰ २, २, ४८:

चेरलणा स्री॰ (चेरलणा) श्रेशिक राजानी राशी; येडा राजानी पुत्री श्रेणिक राजा की रानी; चेडा राजा की पुत्री. The queen of the king Śrenika, the daughter of the king Chedā श्रंत॰ ६.३: नाथा॰ ध॰

*चेला. ली॰ (*) श्वित्रात (हिरात भ्लेच्छ) देशभां ७८५२ थ्येल दासी चितात (किरातम्लेच्छ) देश में उत्पन्न दासी. A maid born in Kirāta country. श्रोव॰ ३३;

चेव. य० (च+एव-चेव) निश्चय. निश्चय. Certainly; verily. ज० प० ४, ११४, भग० १, १; २; द; ४, ४; ६, ४; नाया० १; १४, १६; दस० ६, १, १; उवा० १, ८१, विशे० ७०, विय० १, ३३; नाया० ध० ३; १०,

चोश्रश्र पुं॰ (चोयक) એક ભાતનું ફલ. एक प्रकार का फत्त. A. kind of fruit प्रशासी॰ १३३;

चोन्नाण. न॰ (चोदन) प्रेरश्या. प्रेरणा Instigation. गच्छा॰ ४१,

^{*} જુઓ પૃષ્ક નમ્યર ૧૫ ની પુરનાટ (+) देखो पृष्ट नम्बर ૧૫ दी फुटनोट (+) Vide foot-note (-) p I5th.

चोश्रणा. स्त्री॰ (चोदना) प्रेरणा करना. Instigation गच्छा॰ ३८; १२७,

चोत्रालाया स्त्री॰(चतुश्रत्वारिशत्)युभ्मासीस. चुम्मालीस. Forty-four. जं॰ प॰ ७, १४८, विशे॰ २३०४;

चोइस्र त्रि॰ (चोदित) प्रेरायेक्षुं, प्रेर्ध्या धरेक्षः, पुछेक्षः प्रेरित, प्रेरित कियाहुत्र्याः, पूछा हुत्र्या. Instigated. उत्त॰ ६, ८; ६१, स्य॰ १, ३, २, २०; दस॰ ६, २, ४; १६ पि॰ नि॰ ११४. २२२; जं० प॰ ३, ६४;

चोक्ख. त्रि॰ (चोच) स्वन्छ, पवित्र, साइ॰ स्वच्छ, पवित्र, साफ Cleau, cleau; pure; spotless " द्यायंतेचोक्खेपरम-इभूए" जं॰ प॰ ७, १४६; स्रोव॰ १२; ३८; भग॰ ३, १; ६, ३३; ११, ६; नाया॰ १; ७; १६; पएह० २, १; जीवा॰ ३, ४; विवा॰ ३;

चोक्खाल. ति॰ (चोक्कशीक) ये। भवे।; शरीर वस्त्राधिकेने साक्ष्युक्ष राजनेवाला.(One) who keeps the body and the clothes clean. पि॰ वि॰ ६०२,

चोक्खाः स्त्री॰ (चोत्ता) येक्षा नामनी परित्रालिका-सन्यासल् चोत्ता नामकपरित्रा-जिका; संन्यासिनीः A nun of this name. नाया॰ =;

चोज्ञ न॰ (~) आश्र्य, विस्मय. श्राक्षर्यं; विस्मय. Wonder; surprise. सु॰ च॰ १, १२२;

चोज्ञ. न॰ (चौर्य) थारी, तरक्षर पर्धुः चौरी; तस्करता. Theft; stealing उत्त॰ ३४, ३;

चोरि ति० (*) गंहु; सुगामणुं गदला: घृगा पैदा हो ऐसा. Dirty; turbid. पिं० नि० ४८७,

चोत्तीस स्ना॰ (चतुन्निमत्) ये।त्रीश चाँतीस. Thirty-four. भग॰ ३, १; १; १; सम॰ ३४;

चोहसः ति॰ (चतुर्दश) थौहः चौदहः Fourteen. भग॰ ४, १; ६, ५, ८,८; नदी० ३७; उवा० १, ६६, ज० प० ३, ४१, --- पुट्य. न॰ (- पूर्व) थै। ६ भूप -शास्त्र. चौदह पूर्व-शास्त्र. the scriptures known as fourteen Pūrvas. नाया॰ ४; १४; १६,—पुटवधर पु॰ (-पूर्वधर) थै.६ पूर्वना धरनार चौदह प्रवेथारी. one having knowledge of fourteen Purvas. विशे॰ १४२; —**पुव्चि.** पुं॰ (-पूर्विन्) ७८५।६५ूव^९ विगेरे यौद पूर्वना अक्यासी. उत्पादपूर्व इत्यादि चोदह पूर्व के श्रभ्यासी one having the knowledge of fourteen Pūrvas e. g. Utpāda Pūrva etc विशे॰ ५३६; भग॰ ५, ४; नाया॰ १; ५; नाया॰ ८, —भाग पुं॰(-भाग) ચૌદ ભાગ; ચૌદ રાજ (રજજી). चौद ह भाग; चौदह राज-भाग. the fourteen divisions, the fourteen Rajas (a measure of length) विशे॰ ४३०; चोद्दसम त्रि॰ (चतुर्दशतम) थौ६भुं चौदहवां. Fourteenth. भग०२, १,जं०प०२,३३;

भग॰ २, ९; नाया॰ ८, छचोष्पद्ध. पुं॰ (*) तेल विगेरे ये। ५८ वुं ते तेल इस्यादि का मर्दन Smearing

(२) ७ ઉपवास छ- उपवास. six fasts.

> जुओ। पृथ नम्पर १५ नी धुटने। (१-) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (४). Vide foot-note (*) p. 15th

of oil etc. श्रोघ० नि० ४०१,

चोप्पाल. पुं॰ (चोप्पाल) सुर्याक्ष हेवना आयुधागार, द्धियार शाक्षानं नाम. सूर्याभ देव का आयुधागार; शस्त्र शाला का नाम. Name of the house for weapons of the deity Suryābha. राय॰ १६२;

चोप्पालग. न० (½) भत्तवारणु-हाथी हाथी. An elephant ज० प० ४, वद, चोभंग पुं० (चतुर्भद्ग) जेभां यार विकल्प पडे ते, ये। भगी जिसमें चार विकल्प पडते हैं वह; चतुर्भद्ग. That which can be classified in four different ways प्रव० १६४,

√चोय. था॰ I, II (चद) प्रेरणा करना. To instigate.
चोएइ. गच्छा॰ २०, चोययंति नाया॰ १;
चोइञ्जमाण क॰ वा॰ व॰ कु॰ नाया॰
१६;

चोय. पुं॰ (*) त्वया; छाल. छाल. Bark; skin. जीवा॰ ३, ४; राय॰ ४६; पन्न॰ १७;

चे । प्रत्न पुं॰ (चोयक) એક ज्यतनु ६३. एक जाति का फल A kind of fuut. जं॰ प॰

चोयग त्रि॰(चोदक) श का करने वाला, प्रश्न प्छने नार शिष्प शका करने वाला, प्रश्न प्छने वाला-शिष्य One who questions and doubts. सूय॰ २, ४, २, वि॰ नि॰ २९४; राय॰ १२३; (२) खो॰ प्रसनी छाण फूलकी छत्रडी a flower-backet. श्राया॰ २, ७, २, १६०,

चोयणाः ह्या॰ (चोदना) प्रेग्णा, चेतवजीः

प्रेरणा,चेतावनी.Instruction; caution. प्रव॰ १४४; पिँ॰ नि॰ ४८३;

चोयाल पुं॰ (॰) गढ़ अपर भेसर्वानुं स्थान. किले के ऊपर बैठने का स्थान. A. seat on a fort. जीवा॰ ३, ३, क॰ ग॰ ६, १६;

चोयाल. श्री॰ (चनुश्रत्वारिशत्) युभावीस. चुम्मालीस मिंorty four पन्न॰ २; चो (श्रा) यालीस श्री॰ (चतुश्रत्वारिशत्) युभावीस चुम्मालीस मिंorty-four. जं॰ प॰ ७, १४६; १४६; भग॰ ३, १, २४, १२; सम॰ ४४;

चोर पुं० (चार) थे।२; ऐरु; तरधर, चोर तस्कर. A thiet. भग० २, १: श्रोद ० ३८, श्रागुजां० १२८; नाया० १; १८, दस० ७, १२, भत् ० १०५; परह० १, १; राय० २६०, -- श्रामसंकी पुं० (-श्रमिशह्विन्) ચારથા શક રાખનાર, ચારની શકા વાલાે. चोरसे शक रखनेवाला; चोर की शङ्कावाला. suspicious of a thief नाया॰ १६; - श्राणीयः त्रि॰ (- श्रानीत) थे।रे।ये। क्षावेशं चोरों का लाया हुआ brought by thieves প্ৰৰু ২৩৩; — আ্যায়ন. पुं (-नायक) थे।रे।ते। तायक चोराँका नायक the head of thieves. नाया॰ १८: -- शिगडि स्री० (-निकृति) थे।रे।नी भाषा-१५८. चोरो कं। माया-कपट. the deceit or tricks of thieves नाया॰ १८: -- परली. स्त्रां॰ (-परली) चे।रे।ने रहेवानी अभ्या चोरो के रहने का स्यान. the residing place of thieves. विवा॰ ३, — प्यसंति हि॰ (-प्रसंगिन्) यारनी साथत अरनार, चार

^{*} लुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ट नम्बर १६ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

का संग करने वाला. (one) who keeps company with a thief. नाया॰ १८; -मंत्तु, पं॰ (-मंत्र) थे।रने। विथार. चोर का विचार. the thoughts of a thief. नाया॰ १८: -महिला स्रो॰ (-महिला) थे।रती स्त्री चोर की स्त्री. a wife of a thief विवा ३ - माया आं॰ (-माया) थारती भाषा. चोर की माया. the deceits or tricks of a thief, state १८;—विज्ञाः स्री० (-विद्या) थे।२ (भाः तर पाउवानी) विद्या, चोरी करने की विद्या. the art of breaking the house by thieves. नायाः १=; —सय नः (-शत) से। थे।र शत चोर. सो चोर one hundred thieves. विवा॰ ३: —सा-हिय. पुं॰(-साधिक)ચારના સાધારણ ભાગ. चोरका साधारण भाग, a common division of thieves भग॰ ६. ३२: -- खेगावह पुं॰(-सेनापति) थे।रे।ते। सेता पितः थाराना अधिसर चाराँ का नेताः चोराँ का सेनापात, the head of thieves विवा० ३: न.या० ८:

खोरडा. पुं॰ (चोरक) स्थे नामनी सेक्ष्म सुगंधि वनस्पति कोने नेपालमां लेटेविर के हे है. इस नामकी एक सुगन्वमय वनस्पति जिसको नेपाल में ' भटेउर ' कहते हैं. A kind of fragrant vegetation known as Bhateura in Nepāl. पन्न॰ १; भग॰ २१, ८;

चोरिकः न॰ (चौरिक्य) थे।री. चोरी. Theft. भत्त० १०६; १३२; श्लोघ० नि० ७८७; महा० नि० १; पगह० १, ३; —करमा. न० (-करमा) थे।री ४२वी ते. चोरी करना

the act of stealing. सम. ११: चोरिय त्रि॰ (चोरित) थे।रेशुं; थे।री बींबेंबं. चराया हत्रा: चोरी से लिया हत्रा. Stolen, विशे. ८४७: पि॰ नि॰ ४७६: चोटियः पं॰ (चारिक) माश्रसीने भारी येशि **४२ना२ सनव्यों को सारकर चोरी करने वाला.** A looter; a burgler; one who murders and steals. परह० १. २: वित्रा॰ ६: चोरी. स्ना॰ (चौर्य) थे।री; थे।रतुं ते. चोरी; करना, Theft, प्रव॰ ४४७: चोलक न॰ (चोलक) युडे। पनयन; आवडे। तुं-भथभ शिरोभुंडन **अराव**वं ते. चूडोपनयनः वालकों का प्रथम शिरों मुंडन (चालकर्म) कराना वह. The ceremony held in connection of shaving a child for the first time. परह०१,२;२, ४; चोलगपट्ट. पुं॰ (चोलपट) भुनिने नीथे। **५डेरवानं वक्षः यक्षेत्रा. मुनि को नाचे** पहिनने का बक्त. चोलपट. The waist cloth of an ascetic. प्रव॰ २५६: चोलपट्ट. पुं॰ (चोलपट्ट) साधुओतुं ३८ वस्त्रः थरे।टे।. साधुष्रां का कटिवल्न चोलपट. The waist cloth of ascetics श्रोघ॰ नि॰ ३४; ६७०; पराह० २, १. प्रव० २५५;५०६; चोलपट्टग. पुं॰ (चोलपट्टक) लुओ ઉपेे। शण्ट. देखे। ऊपर का शन्द. Vide above. अग० ८, ६; चोलापस्यः न॰ (चूलोपनय) लुओ। " चो-लक " शण्ट. देखों " घोलक " शब्द. Vide " चोलक " नाया॰ १; भग॰ ११, ११: जीवा० ३, ३; चौत्तग. न॰ (*) लेलन; भाष्टुं भोजन;

^{*} लुणे। पुष्ट नन्पर १४ नी पुरते। (*) देखें। क्षण नम्बर १४ की फ़टनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th

खाना, Food, diet. पि॰ नि॰ चोल्लिय. त्रि॰ (-) देशियमान. देदी प्यमान. Bright, lustrous dazzling. राय० १२२;

चोवत्तरि स्री॰ (चतुःसप्तति) सुभ्भे।त्तर चुम्मोत्तर. Seventy-four. सम॰ ७४, चोड्वीस. स्त्री॰ (चतुर्विशति) ये।वीस चेवाास. Twenty-four. उवा०१०,२०७, चोसिंड ली॰ (चतु.पष्टि) थे।सर् चोंमठ Sixty-four भग॰ १, ४;

√श्चय धा॰ I,II. (त्यज्) तल्युं; छे।ऽतुं छोडना; स्थाग करना. To leave; to abandon.

चएइ. दस० ६, ४, २, ३; चयइ उत्त० ३१, ४; सु० च०४, १३६; सत्था० ६६; भग० ७, १; दस०

8, 90,

चर्यति. सूय० १, २, १, २;

चल. वि॰ दस॰ २, ५; ६, ३, १२; १०, 9, 90.

चह्रसंति. सूय० १, ८, १२;

चहुउ हे० कृ० सु० च० ४, २५१, उत्त०

१३, ३२;

चइऊण. सं० कु॰ उत्त॰ ६, ६३;

चहत्ता. स० कृ० श्रोव० १४; ४०, उत्त०

१, २१; ४८; भग०११, ११,नाया० १; ४, ८, दसा० १०, ३;

चिचा. सं० कृ० उत्त० १०; २८, प्राया० १,

६, २, १६४, १, ७, ६, २२२; दसा० ४, ४०.

चयंत. व० कृ० पन्न० २,

चत्रमाण. व० कृ० भग० १, ७,

चइज्जह. क० वा० सु० १०, २७,

√ જ્ઞાવ વા∘ I.(च्य) મરવું, શરીર છાડવું. मरना: शरीर का त्याग करना To die.

चर्वति. जीवा० ३, १,

चित्रण सं॰ कृ॰ मु॰ च॰ १, ११५;

चिवय सु० च० २, ३७:

√ उचुय धा॰ I. (च्युत्) थववुं; भतन पाभव. पतन होना. To die, to full; to degrade.

चुए. सूय० १, १, २, १२;

√ च्छुण घा॰ I. (च्राण) छेहबुं, भारवु, **હિંસા કરવી छेदना; मारना; हिसा करना.**

To cut, to kill; to injure. छंनंति. क॰वा॰ ''जाइंछंनंति भूयाई' दस॰

६, ५२;

ভিন্তায়. ঘা॰ $\mathbf{I},\,\mathbf{II}.$ (ভুর $_{ au}$ িয়ে) ভা $_{ au 3}$; **છુપાવવું; ધરની છત કરવું. ढाकना; मकान**

की छत बनाना. To cover; to conceal; to have a cloth ceiling

below the roof. छाएइ स्य० २, २, २०;

छायए वि० दसा० ९, ८; मूय० १, १४,

१६: श्रोघ० नि० सा० ३१५:

छाएजा विं० स्य० १, १०, १५;

छाइत्तप्. हे० कृ० दसा० ७, १,

छायंत. प्रदः ४४, श्रोघ० निः भाः ३१४;

√ि च्छिद्द. घा॰ I, II. (ार्छेद्) छेहवुं; आपवुं; सेह्य. छेदना; काटना. To cut; to

break; to pierce.

छिंदइ. भग० ३, २; १६, ६; नाया० १४;

१८, उत्त० २७, ७;

क्रेदेई. **भग० ६, ३३; १६, ५;** नाया० घ०

खिंद्णु. १६, द७,

छिदन्ति. जं० प० **५, १२**१,

Vol 11/94

^{*} ळाओ। पृष्ट नम्भर १४ नी पुरने।र (") देखो पृष्ट नम्बर १४ की फुटने।र (*) Vide foo-note (*) p 15th.

छोरीन्त. श्रोव०३६: छिदे. उत्त॰ २, २; ार्छेंदेजा. वि॰ भग० १६, ३; दस॰ ८, १०; चिंदेज. वि० श्राया० १, ३, २, ११५; छिद. उत्त॰ ६, ४; राय॰२०८; दसा॰६, ४_६ छिंदाहि या॰ दस॰२, ४; छिंदह. या० याया० १, ७, २, २०४; छिदिस्सामि. भ० निसी ० १, ३३; छिन्दिश्रण सं० कृ० सु० च० २, ६६६; छिन्दित्तु. सं० कृ० दस० ५०, १, २१; छिन्देत्ता. सं० कृ० ठा० ३, २; भग० ८, ६; १४, ८; नाया० १८; ह्यिन्दिय. क॰ वा॰ श्राया॰ २, १, २, १३; भग० १४, द; २२, ६; छित्ता क० वा० नाया० १४; दसा ५; ४१; छिन्दमार्ग. भग० १६, ६; नाया**०** १; छि^{न्}दंत्त. व० कु० निसी० १,३३; पि० नि० ५८०: भग० १, ६; छिन्दावेडू. खि॰ नाया॰ मः छिदावष्. उत्त० २, २; **ब्रें**दित्ता. भग० २, १; ३, १; नाया०१, १४; द्सा० ४, ६४; छेदेता भग० ६, ३३; १०, ४; १८, २; छेदिता. सं० कृ० सम० ७; हेप्ता. सं० कृ० नाया० १५: बेता. सं० कु० भग० =, ४; श्राया० १, २, ४, = ६; भग० ६, ४; जं० प० ७ १२३; ७, १४८; सूय० २, २, ६; सु० प० १०; द्वेत्त्रग्त. सं० कृ० भग० २४, ७; उत्त०७, ३; छेतुं. हे॰ कु॰ भग॰ ६, ७, जं॰ प॰ छिज्ञाहु. क० वा० भग० १६, ३; राय० २७६; श्रगुजो० १३८; श्राया० १; ३, ३, ११६; द्यिज्ञति. क०वा०भग०६, ३; सु०च०२,३३३;

हिलेज वि॰ भग० ५, ७; १८, १०, अगुजी० १३४: छिजिही भवि॰ सु॰ च॰ ८, १६८; द्धिज्ञत व॰ कृ॰ जीवा॰ ३, १; छिज्ञमार्ग भग० १, १; ८, ६; ११, ११; विवा ०२; छिजंत. प्रव० १६१; $\sqrt{\,$ च्ळिळुब- घा॰ $\,\,{
m I.}\,\,(\,\,$ हुप् $\,)\,\,$ સ્પર્શ કરવેા. २५८ वृं. स्पर्श करना; छूना. To touch; to come in contact with. छिवति. पगह० २, २; द्विष्पे. वि॰ गच्छा॰६०; √च्छुभ धा॰I. (द्विष्) ईें ३ नुं. फेंकना. To throw. छभेज, पि॰ नि॰ ५८२; छोडुं. स॰ कु॰ पि॰ नि॰ ३६८; छोद्गा स० कु० विशे० ३०१; √च्छुभ. या॰ II. (जुम्) भणभणवुः; ગભરાવું. इगमगाना; घवडाना. To totte1; to be agitated or flightened. छोभावेइ. विवा॰ ६: $\sqrt{$ च्छुह. था॰ m I. (द्विप्) हें ध्युं; नार्भीहेतुं. फेक देना. To throw, to cast away. छहइ. पि॰ नि॰ २२१; छाहिजण. सं० कृ० सु० च० १३, ३४; छहिता. सं॰ कृ॰ उत्त॰ १८, ३; $\sqrt{$ च्छुह. वा॰m I. (छुप्) २५श $^{\circ}$ ४२वे।; અऽ४तुंm .स्पर्शे करना; छूना. To touch; to be in contact with. छुहइ. पं० नि० २५५; क०गं० ६,८२;८३; $\sqrt{$ च्छोल. घा॰ ${
m I.}($ छुर्) छे।सवुं छ।स-**डे।तश ઉतारया. छीलना; छिलका निकलना.** To chop off outer bark, husk etc. of anything. छोलेइ. नाया॰ ७;

छ

छु. त्रि॰ (पट्) ७; ६ नी स ७ थ। छ, ६ की संख्या. Six; 6. ठा० १, १; उत्त॰ १६; आया० १, २, ६, ६७, सम० २9: प्रयुजो० १४८, सग० १, १, २, १, १०, ४, ४, ६; १३, ६; १७, १, २०, १०, २४, १, २; ४, ४, ३२, २, ४३, १, नाया० १६, दस० ४; ७, ४६, पञ्च० १, ४; विशे० ३८४, विवा० ४, नंदी० ७, सू० प० १; नाया० घ० ३: छुगहं. ष० ब० भग० १, ४; प, २, १; १५, १, नाया० ८, दसा० २, ८; ६, क० गं० ९, ३०; २, १६; —श्चंगुल न॰ (-श्रंगुल) ७ भागस छ त्रंगुल BIX fingers मग॰ ६, ७, — ऋहि अवतः त्रि॰ (श्रधिकचःवारिंशत्) छेतासीश. ४६. छियालीस, ४६ forty-six; 46 क॰गं॰ ४, ५७, -कह्य न० (-काष्टक) ६२५१ м-ના ખ્હારના ભાગમા છ કાઇનાે સમૂડ दरवाजे के बाहर के हिस्से में छः काष्टों का समूह. a collection of six logs in the outside part of a gate or doon नाया॰ १; -क्सम न॰(-कर्मन्) યજન-યાજન-પક્ત-પાઠન વગેરે વ્યાસ્દ્રણનાં ७ अभी बाह्यणों के छः कर्म-कर्तव्य, यजन, याजन, पठन, पाठन, दान, श्रीर श्रादान the six duties of a Biahmana such as worship, sacrifice, study, teaching, etc. पि॰ नि॰ ४४=; —खंड पुं॰ (-खग्ड) ७ भार सरत આદિ ક્ષેત્રના ગગા સિધુ અને વૈનાહ્ય पर्वतथी पडेक्षा छ विलाग छः खएडः मरत श्रादि चेत्रों के गगा, सिन्बु श्रीर वैताट्य पर्वत द्वारा पडे हुए छ भाग six parts or divisions, the six divisions of such regions as Bharataksetra

etc demarkated by the Ganga, Sindhu and the Vaitadhya mountain. प्रव॰ ६=६; —गामन. पु॰ (-गमक) ७ गमा-पाई-अलावा छ: पाठ six (scriptural) studies. भग० १३, २; — जिल्ला पुं० (-जीव) ७ ४।५ छ । छ: काय-षट्काय जीव hving beings in zizrent forms. क० ग० —जीविशकाय. पु॰ (-जीविनकाय) છ કાય જીવાના સમૂહ પૃથ્વી-અપ-તેજસ્-वायु-वनस्पति अने त्रसंध्य छ जीवों का समूह: पृथ्वी, श्राप्ति, वायु, वनस्पति, श्रीर collection of six त्रसकाय a sentient beings viz those with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and those that are termed Trasakāyas. (moving animals) नाया ०३,--क्स्य पुं॰ (-पट्काय-पराणा कायाना समाहार:) પૃથ્તીકાય - અપકાય - તેઉકાય - વાઉકાય –વનસ્પતિકાય અને ત્રસકાય-એ છ પ્રકારના જ્વાના સમુદાય. the group of the six kinds of sentient beings bodies of earth, with water, fire, air, vegetable and minute insects श्रामा॰ स्य० १, ११; =, क० गं० ४, १३, पंचा १४, ४२, --हासा. न० (-स्थान) ळुओ। "ब्रुहाण्ग" शण्६ देखो "ब्रुहाण्ग" शब्द. vide " छुट्टाण्ग " क० गं० ४ ३: --- ग्रागुउइ स्त्री॰ (-नवाति) ७०-नु; ७१. ६६ की संख्या ninety-six; 96 भग॰ सम० ६६, १, ४, ६, ७,७,६;२०,४,२४,१२:

८;४१, १८; पञ्च०४;१२; जं॰प०६,२,१८;७, १३३; --एगाउइसम्र न॰ (-नवतिशत) એકસા ७-नुं. एकमा छ्यानवः, १६६. one hudered ninety-six; 196 वन्ह. ३७; —त्तल त्रि॰ (-तल पटतनार्ग यत्र तत्) જેના છ તલિયાં છે એવું. (७ તવવાલું). छ तलो वाला. six bottomed ठा॰ =. १; ज॰ प॰ — सीस छो॰ (-ार्त्रेशन्) ७त्रीश, ३६. छत्तीम, ३६. thirty-six; 36. उत्त॰ ३६, ७२; नदी॰ ४६; भग॰ १; १०, ४; २०, ४; नाया० १६; विशे०३०७, सम० ३६; -- इंत पुं॰ (-द्रन्त-पड्दन्ता-परप) छ हांतवादी। दाथी छः दात वाला हाथी. having six teeth; an phant with six tusks, नाया॰ —िद्दिसि थ॰ (-िदश्) ७ दिशा-पूर्व, પશ્ચિમ, ઉત્તર, દક્ષિણ, ઉર્ધ્વ અને અવઃ એ ७ ६िशा. छ. दिशाएं, पूर्व, पांबम, उत्तर, रिचिण, उर्ध, श्रीर श्रव: six quarters or cardinal points viz. east, west, north, south, upward and downward विशे ०३५२; भग ०१, ६; १६, ३; २५; २; जं० प० ७; १३७; —हमात्र. पुं॰ (-माग) ७८३। लाग. छट्टा हिस्सा. sixth part. जं॰ प॰ १, १०; उत्त॰ ३६, ६१; —(मा) ममास पुं॰ (–मास) ७ મહिનा; ७ भास. छ मास. six months जं॰ प॰ ७, १३४, सु॰ च॰ ७, १६४, सम॰ ८८, भग॰ ८, ५; वव॰ १, ४; दसा॰ ६, २, निसी॰ २०, २१; भग० २, ५; ३,९; ४, ८; ६, ४, २४, १२; २४, १; ६; ३८, १; —मासतवः न॰ (-मासतपस्) ७भासी । तप परमासिक त्रप. austerity or penance lasting six months. प्रव०६१४; —स्मासिश्र. त्रि॰ (-मासिक) ७भासी तप, ७ भिंद-

नाना ३ पवास ३२वा ते. परामासिक तपः छः मान तक उपवास कर्ना, penance lacting for six months. श्रोव • १६; निमी० २०, ११; वव० १, ३; प्रव० १७६; —म्मासियभत्तः न॰ (-मामिकभक्त) छ भायना अपवासनु वन छ माम का उपवास रूप बत. a vow to fast for six months नग॰ २४, ७; —म्मा-सिया स्त्री॰ (-मासिकी) लि॰ भुनी છૂકી પહિમા કે જેમાં એક માસ પર્ય ન્ત છ દાત અન્ન અને છ દાત પાણી ઉપરાન્ત **ક**લ્પે નહि भिद्ध की छठी प्रतिमा, जिस मे एक मास तक छः दात श्रम श्रीर इतना ही पानी लिया जाता है. eixth vow (Padimā) of a Sadhu requiring him to take not more than six Datas of food and six of water for one month सम॰ १२: नाया॰ १; वव॰ १, १७, दसा०७, १, —लेसा स्री०(-लेश्या) કુષ્ણ, નીલ, કાપોત, તેઝુ, પદ્મ અને શુક્લ એ ७ क्षेत्र्या. छः लेरयाएं; कृष्ण, नील, कारे।त, तज्, पद्म श्रीर शुक्त 6 Lesyās viz. thought or matter tmts of black, blue, grey, red, pink and white colour. क॰गं॰४,१०.—वीसा स्रो॰ (-विंशाति) ७३ तिः २६ स्वन्त्रीसः २६. twenty-six; 26 क गं ० २, १०; —व्वीसा. स्रां॰ (-विंशति) ७वीस, २६. छन्त्रीस; २६. twenty-six, 26 सम॰ २६; ऋगुजो ं १०१; भग० २, १; ८, =; १७, १; २०, ४, पन्न० २; ४; सु० च० द, २४; ज० प० विवा० १; क० गं० ६, ३३: — ब्बीही स्ना॰ (-वीधी) ७ शेरी--थत्ता. छ गलियाँ, छ रास्ते. six streets " छुन्दीहीउय गामे or equares

कुत्वंति " प्रव॰ ६२४: —सिंह. स्त्री॰ (-पिष्ठ) छासदेनी स ण्या छांमठ; ६६ की सल्या डांप्रपु डांप्र, 66 क॰ग॰२,१८; ४,८४; —सयार स्त्री॰ (-सप्तीत) छोते२,७६ नी स ण्या. छियोत्तर; ७६ की सल्या seventy-six; 76. क॰ गं॰ २,९७; छइ. पुं॰ (छ्वि) द्रदायुना लापनु नाम. हृदायु के पिता का नाम. Name of the father of Dridhāyu. जीवा॰ ३,९;

छुइय. त्रि॰ (च्छादित) ढाँ१ेशुं ढंका हुन्ना. Covered. नागा॰ १; छुडम न॰ (छुद्रम्-छाद्यति ज्ञानादिकं गुण-

उप्रम न॰ (ख्राम्-छादयति ज्ञानादिकं गुण-मात्मन इति) श्र्यस्थ व्यवस्था; सराग दशा. सराग दशा; छ्रास्थ व्यवस्था Condition in which one is not free from attachment. (२) व्यात्मानं व्याव्यश्वादन ६२७१२ त्यात्मारखीय व्यादि व्यादे ५४. व्यात्मा को श्राच्छादन करने वाले ज्ञानावर-णियादि त्राठ कर्म. the eight varieties of Karma such as Jñānāvaraṇīya etc. which obscure the qualities of the soul. उत्त० २,४३; सम॰ १; व्योव० भग० ५, १, जं० प० ४, ११५; क० प० २, ४०;

छुउसत्थ ति॰ (छुद्रस्थ-छुप्रनि तिष्टतीति)

अभूर्षु त्रानवान भाष्यः हैवसतानी निहः
रागद्वेष सिहत प्रध्रे ज्ञानवाला मनुष्यः
रागद्वेष सिहत One, possessed of
imperfect knowledge, one not
omniscient " छुउमस्थे चेव कालं
किरस्सीति" भग० १५, १; श्राया० १, ६: ४,
१५; श्रोव० ४२; उत्त० २८, १६; ठा०२,१;
३, ४; श्राणुजो० १२७; पन्न० १, भग० १,
४; ३, २; ५, ४, १४, १०; १५, १, २४.
७, विशे० ८७, १६६, ज० प० जीवा० १,
पि० नि० २२२; कप्प० ५, १३१, पंचा०

=, ११; क॰ प० ४, ४; प्रव० ७०; ६६६; ---श्रवक्रमण्. न० (-श्रपक्रमण्) ७६१४-પણે નીકળવું. જુદ્મસ્થવન સે निकलनाः छद्मस्यदशामें बाहर श्राना the act of coming out in the condition of a Chhadmastha भग ० ६, ३३; --कालिया. ह्रा॰ (-कालिका) ७६२४ असनी छेटसी रात्री. छद्मस्य काल की र्यान्तम रात the last night of the period during which one Chhadmastha. भग० ٩٤. —परियाय. पं॰ (-पर्याय) ७ प्रस्थपरी रीक्षा खद्मस्य अवस्या में दीचा. entering religious order in the condition of a Chhadmastha सम॰ ४४: -- मरगाः न॰ (-मरगा) श्रद्मस्थपणे भृत्यु, भरव ते इदास्य श्रवस्था में मरण, मृत्य death in the condition of a Chhadmasthe, भग०५, ७: सम० १७: छुउमरियय त्रि॰ (छुद्यास्थिक) ७६१२४ अप-स्थाभा रहेनार छद्मस्य दशामें रहने वार्ला One living in the condition of

a Chhadmustha. भग• २, १, √ च्छंद. धा॰ I. (छन्द्) भेशावाव्युं; निभं, त्रल् हेवु. बुलाना. To call; to invite. छंदिश्च. सं॰ कु॰ दस॰ १०, १, ६;

√ च्छंद. था॰ II. (क्छ्रई-स्यज्) छांऽवं; भुक्ष्यु; तल्य्यं छोड्ना, त्यागना. To abandon; to leave off.

छुडेहि राय० २७४,

छंडेत्ता राय० २७४;

कुंद. पुं॰ न॰ (छन्दस्) छाहे।; भरछ; अभि-अाय अभिप्राय; मरजी Will; opinion; pleasure. प्रव॰ १०१, स्य॰ १, २, २, २२, २, २, ६०; श्राया॰ १, २, ४, ६४; उत्त॰ ४, ८, १६, ३०, नाया॰ २; भग॰

१२, १; १४, १; पग्ह० १, २; दस० ४, १, ३७, ८, ३, १; राय० २३७; विशे० १४५१; पि॰ नि॰ ३१०; ६४१; (२) વિષયાભિલાયા. विषयों की श्रमिलापा. desire of sensual pleasure. स्य० १, १०, १०; (३) छंह धृतीनं રતરુપ ખતાવનાર શાસ્ત્ર, પિંગલશાસ્ત્ર: छन्द यूत्ताका स्वरूप बतलाने वाला शास्त्र: पिञ्चलशास्त्र. science of prosody; science. कप॰ १, ६; metrical श्रोव०३६, भग० २, १;(४) গুরুনী অলিমাথ भर्थः ग्रह का श्रानित्रायः the will or pleasure of a preceptor. विशे॰ १४४१; — श्रयावत्तगः त्रि० (-धनुवत्तंक) અલિપ્રાયને અનુસરનાર: પાતાની મરછ પ્રમાણે ન ચાલતાં ગુરુની મરછ પ્રમાણે पर्तानार गुरू की इच्छानुमार चलने वाला (one) who acts according to the will of a preceptor. स्य॰ १, २, २, ३२; नाया॰ ३; — श्रयाः चित्ति स्त्री॰ (-श्रनुकृति) है। धना छाँहाने-अक्षिप्रायने अनुसरी वर्त नं ते. किसीके मजी श्रनुसार चलना. acting according to the will of another. गच्छा॰ ४२: --- उवयारः पुं॰ (-उपचार) भायार^९ વિગેરેની ઇચ્છાનુસાર વર્તનાર તથા તેમની **लिक्ति ५२**नार श्राचार्य श्रादि की इच्छानुसार चलने वाला तथा उन की सेवा करने वाला one who obeys and serves a preceptor etc दय॰ ६, २, २१;

छुंदरा. न० (छन्दन) भरीयानुं ढाइछुं. दवात--मसीपात्र का टकना Lid or cover of an ink stand. राय० १७०; छुंदराा. स्री० (छन्दना) साधुये डांधपण् परतु शृद्धस्थने त्याथी ब्ढेरिसाञ्या पछी श्रमीहिक्कने ते परनुनुं आभंत्रण् इस्तुं ते; समायारीना पांथमे। प्रधार. कार्ड भी वस्तु गृहस्थ के यहां से लाने के बाद उस वस्तु के लिये गुर्वादिक का साधुने आमंत्रण करना; समायारिका पायवा भेद. The 5th variety of Samāchārī; inviting a preceptor etc. to partake of a thing received as alms by a Sādhu. प्रय॰ १६०, भग॰ २४, ७; उत्त॰ २६, ३; पंचा॰ १२, २;

छक न॰ (पर्क) ७ ६ ने। समुहाय. छः वा ममुदाय. A group of six पि॰ नि॰ ३. भग० २०, १०; उत्त० ३३, ६; क॰ मं० १, २६; १, ३०; २, ३३; (२) ढास्यादि ६० दास्य रित अरित शोध-लय लुशुरेसा. हास्यादि छ. नहास्य, गीत, खरीत, शोक, भय खार जुगुन्सा. the group of six viz laughter, attachment, discontent, grief, fear and disgust. विशे०१२८४; —समाज्ञिय वि० (-समर्जित) ७ ७ना थाध्यी केनु श्रुढ्य थर्ध शहे अेनुं. छःछः क योक ने जिसका महण्य हो सके वह capable of being taken into groups of six. मग० २०, १०;

छुक्ताय. पुं॰ (पट्काय) पृथ्यी, अप, तेख, वाख, वनर कि अने अस के छ अधना छत्र. पृथ्वी काय, प्रवक्ताय, तेजस्ताय, वायुकाय, वनस्पितकाय और अमकाय इन ६ प्रकारके जीवोका समूह-पट्काय. A group of living beings in the form of earth, water, fire, wind, vegetable and moving animals. अणुजो०१२, स्य०१,११,६; —रक्त्वण. न० (-रच्ण) पृथिती आहि छ अध छवीनुं रक्षण अर्थ करना protection of the six kinds of sentient beings. प्रव०

uncertain क्री (-र सा) १७ आय अवेति २४६ थ्. पटकाय जीवों की रस्ना protection of the six kinds of sentient beings प्रव १३६८,

छुग. न॰ (*) विधा. विष्ठा, मल. Dung; feces परह० १, ३;

छुगण न॰ (६) छाखु. गोवर Dung पंचा॰ १३, १३, —पीडय पुं॰ (-पीडक) छाखुने। भार्न्से गोवरका ख्रोटला, चैठने का ख्रासन विशेष. a square seat made of dung. निसी॰ १२, ६,

छुगिएया स्त्री॰ (*) छाषे।. उपलः गोवर के झार्णे A dung-cake त्रागुत्त०३,१; छुगल पुं॰ (छुगल) थे। ४८।. वकरा. A

young of a goat. पगहर १, १; जीवार ३, ४. (२) ये। था देवले। इना छन्द्रने यिन्छ. चौथे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह्र the mark of the India of the fourth Devaloka. स्रोवर २६: (३) सत्तरमा तीर्थं इरनुं सांध्रन १७ वे तीर्थं कर का चिन्ह्र. the mark of the 17th Tirthankara. प्रवर ३६२,

छुगलग पुं॰ (छुगलग) जुओ। " छुगल " शण्टः देखो " छुगल " शब्दः Vide " छुगल" वि० ३१४,

छुगलपुर. न॰ (छुगलपुर) ओ नाभनु शहेर इस नाम का एक नगर. Name of a town विवा॰ ४;

छुच. त्रि॰ (पट्) ७, ६; छः, ६; Six, 6 भग० १, ४, १४, १; पत्त० २, क० गं० २, ७; ज० प० ५, ११८, — श्रंगुल न० (-श्रंगुल) প্রতী। " छुश्रंगुल " शण्ट. देखो "छुश्रगुल" शब्द. vide "छुश्रंगुल" भग॰ २४, २०; — चत्ताल. स्त्री॰ (-चत्वा-रिशत्) छेताविसनी स प्या ह्ययांनास की सरुगा. fourty-six. जं॰ प॰ ७, १४७, — मास. पुं॰ (-मास) ७ भदीना. हः मास. six months. उत्त॰ ३६, १५०; — सह स्त्री॰ (-पिष्ट) छासहेनी स प्या. ह्यामट की मंख्या. sixty-six. जं॰ प॰ ७, १४७;

√ छुज्ज था॰ I (राजेरग्घछज्ञसहरीहरेहा इति सूत्रेण राजते छुजादेशः) शालायु. शोभना. To appear beautiful; to shine.

छुजाति. जं० प० ३, ४५;

छाजि श्रा. स्त्री॰ (६) छाणडी, पुस पगेरे राणवानी छाण. छावडी, फूल वगैरह रखने का टाकरी. A shallow basket for flowers etc. राय॰ ३४,

छज्जीविशिया स्त्री॰ (*पट्जीवानेका-जीव-निकाय) क्रेभा छक्षाय छत्रनी रक्षाने। अधि-કાર છે એવા દશતૈકાલિક સત્રના ચાેથા अध्ययननुं नाभ. दशवैकालिक भूत्र के चौथे श्रध्याय का नाम, जिसमें षटकाय जीवांकी रचा का अधिकार है. Name of the fourth chapter of Daśavaikālıka Sūtra dealing with the subject of protection of the six kinds of sentient beings दस॰ ४; --नामज्भयणः न॰ (-नामा-ध्ययन) ७७७विन हाय नाभे दशवैहासिहसूत्र-ना ये।था अध्ययननुं नामः षटजीवनिकाय नाम का दशवैकालिक सूत्र का चौथा श्रध्याय. the fourth chapter of Daśavaikālika Sūtra named Chha-

^{*} जुओ। पृष्ट नम्भर १६ नी पुटनीट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*) Vide toot-note (*) p 15th

jīvanikāya. दस॰ ४;

छुट्ट्याः न० (*) सी यथुं; छाट्युं. सींचना; छांटनाः To sprinkle. स० च० ६, ११;

ন্তুষ্ট সি॰ (पष्ठ) છટ્ઠું, છની પૂરણ સંખ્યા. छठा. Sixtli. कप्प० =; पद्या० १६, १२; कप्प॰ ४; ११४; (२) भे ઉपवास लेगा કરવા ते दो उपवास एक साथ करना two consecutive fasts भग॰ २. १: ३, १; ४, ७; ७, ७; २४, २०; नाया० १; ६, ७, ८; १६; १६; दस० ४; स्य० १, १, १, १४, सम० ८; सु० च० २, ३४८: पञ० ४, दस० ४; वन० ६, ४०; विशे० ६४९; र्षि० नि० ५६०; नाया० ध० ६; दसा० २; ७, ११; — अट्डम. पुं॰ (-श्रप्टम) भे અથવા ત્રણ ઉપવાસ કરવાતે-છક્રમ-અદ્ભમ. दो अथवा तीन उपवास करनाः षष्ट-श्रष्टम वप. the (Chhattha) or (atthama) consecutive fasts. नाया॰ १६; --खमण. न० (-चमण) ७६ तपः भे **ઉप**यास सुर्थे ५२वा ते. षष्ट तपः दो उपवास एक साथ करना. two consecutive fasts. नाया॰ १६; श्रत० ३, ८; भग० २, ५; -- भत्त. न० (- भक्त) पांय टंड ઉલ્લંઘી છેકે ટ કે ભાજન કરવું; ખે ઉપવાસ भेगा ३२५। ते. पाँच भोजन वेलाश्रों का त्याग कर के छठे वक्त भोजन करना: दो उपवास एक साथ करना. taking food after two consecutive fasts. श्रोव॰ भग॰ १, १; पन्न॰ २८; —भात्तेयः त्रि॰ (-भक्तिक) भे भे अपवास अरवा वाली. दो दो उपवास करने वाला. (one) observing two consecutive fasts. भग० ७, ६; १४, ७; १६, ४;

छुट्ट छुट्टेग. श्र० (पष्ठं पष्टन) ७१७१ने ५१२०) ७१ तम ६२५ ते छः २ के पारने से पष्ट तप करना. Practising an austerity in which fast is to be broken every third day. "छुट छुट्टेगं तबों कम्मेगं " श्रगुत्त० ३, १; नाया० १३, १६; भग० ९, ३१,

छुट्टग. न॰ (पष्टक) ७८६ ं. इडा. Sixth. भग॰ ६, ५;

छहारा. न० (पटस्थान) अनत लाग હીનાવિક, અસંખ્યાત ભાગ હીનાધિક, સખ્યાત ભાગ હીનાધિક, સંખ્યાત ગુણ હીનાધિક, અસ ખ્યાત ગુણ હીનાધિક, અને અનંત ગુણ હીનાધિક, એ હાતિ વૃદ્ધિના છ स्थाननी स प्या. अनत भाग हीनाधिक, श्रसख्यात भाग हीनाविक, संख्यात गुण हीनात्रिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, व श्रनत गुण हीनाधिक, इन हानि वृद्धि के छ स्थानक की सज्ञा. Name of the six stages of rice and foll namely more or less or than infinite parts or divisions; more or less than immeasurable pasts or divisions; more or less measurable or limited vir. tues or pua lities, more or less than illimit able virtues and more or less than infinite virtnes. पि॰नि॰भा॰ २**६;—गय.**ांत्रे०(∽गत) છ સ્થાનકમાં પ્રા¹ત થયેલ, ૧ અનન્ત ભાગ, ૨ અસ ખ્ય ભાગ, રૂ સંખ્ય ભાગ, ૪ અનન્ત ગુણ, ५ અસખ્ય ગુણુ, દ્ સ ખ્ય ગુણુ એ છ સ્થાનક સાથે

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। (*). देखो पृष्ठ नवर १५ की फूटने। ट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

હીનાધિક રૂપે પ્રાપ્ત થયેલ. छ स्थानको मे पहंचा हश्राः १ श्रनंत माग, २ श्रमंख्य भाग, ३ सख्य भाग, ४ श्रानंत गुरा, ५ श्रासंख्य गुरा, ६ मंख्य गुरा, इन छ स्थानकों के साथ न्यूनाधिक प्रमाण से संबंध रखने वाला One who has reached or ob tained the 6 stages (1) Infinite divisions,(2) immeasurable parts, (3)measurable or limited parts. (4) infinite virtues (5) virtues by and measure. (6) vir tues that can be counted or reekoned. One who keeps conwith the above six cern forms of stages in a more or less measure त्रिशे० १४२.—पद्धियः সি॰ (-पतित) ७ स्थान हमां पतित छ स्थानकोंमें पतित. one resorting to six stages भग० २४, ६:

छुटियाः स्री० (पष्टिका) ७८६ी ७८५ति, ७६। १८-भ खुडा जन्मः Sixth birth. "इमा-यो छुट्टिया जाई" उत्तः १३, ७.

छुडी. स्नी॰ (पष्टी) ७८६; पक्षनी ७८६। तिथि.
पष्टी, पस्न की छुठी तिथि. The sixth day of a fortnight. कं॰ प॰७, १४३;
(२) ७६ निलिन्त. छुठी विभाक्ते. the genitive case. कं॰ प॰ पत्न॰ २; ३; श्रणुको॰ १२९; विशे॰ ६६७, (३) ७६ नर्द्ध; भन्ना नामे छुठी नर्द्ध भूमि. क्षे हा नर्द्ध; मन्ना नामक छुठी नर्द्ध भूमि. the sixth hell; the sixth world named Maghā. नाया॰ १६; —पुढ्यी. ह्में।० (-प्रभी) भन्ना नामे छुठी नर्द्ध मन्ना

नामक छठी नरक भामि. the sixth hell named Magha. जीवा०२, नाया०१६; छुडिय. ति० (*) भाँउत्त. छंउत्तं. (शाल-अभेद वगेरे) मूनले सं पीट कर दाना को भूसा से अलग करना. Thrashed with a flail; pounded " तिछ्डिय सालि " राय० ११०; तंदु० जीवा० ३, ४,

√ छड़ था॰ I, II. (छई्) छ।ऽपु'; तलपु'. छोड़ना; त्याग करना To abaudon; to leave; to release.

छड्डह. भग० १, ६; छड्डसि उवा॰ २, ६५;

छुंहुज्ज. वि॰ विशे॰ १४१३; छुंहुज्जा नाया॰ २;

खुडूण् वि॰ दस॰ ४, १, **५५**;

छुडुहस्मामिः राय०

क्हेंडं. सं॰ कृ॰ निशे॰ १४७१; कुड़ावेह णि॰ सु॰ च॰ १४, १४७;

√ छुड्ड धा॰ 1, II. (छुद्) ઉध्धरी ६२वीः यभन ६२वुं वसन करना. To vomit

कृष्टिकाः आया॰ २, १, ३, १४; इब्रुह्मुहुः पु॰ (ब्रुह्मुहु) सुपडे सेती वभने धान्यता के अवाक थाय ते, ७३ ७३ जेने।

अनुक्ष्य शुभ्द-अवाज. छ**डू छ**डू ऐसी स्रावास. An onomatopoetic word expressive of its sound. नाया॰७;

छुडुण, न॰ (छईन) भरध्यतुं; तल्युं. त्याग देना. Getting rid of (e g. feces);

abandoning पि॰ नि॰ ४२७; ४४६;

श्राया॰ २, १, ६, ३२; कराक्षण २० (कर्नेन) छे। धर

छुड़ावरा न॰ (छईन) छ।ऽ।२वुं; तेल्प२वुं. खुडाना; स्थाग कराना. Causing to abandon. श्रोघ० नि॰ भा॰ २१८;

^{*} જુએ। पृथ नम्भर १५ नी प्रदेनीट (१) देखी पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*) Vide font-note (*) p. 15th.

Vol. 11/95

छिट्टिय. त्रि॰ (छिटित) ६ अटी धरेख; यभन धरेख वमन; वमन कियाहुआ. Vomitted. (२) वभन धरनारने छाथे ब्छारनाथी साधुने खागता छेक शेपणानी हाप. वमन किये हुऐ के हाथ से भिन्ना लेने से माधु को लगाता हुआ एक एपणा का दोप. a fault connected with alms—begging viz. accepting food at the hands of one who has vomitted. पंचा॰ १३, २६; प्रव॰ १७६; वि॰ ५२०;

√ च्छाण था॰ I. (चण्) 6िसा अर्थी; वध अरवे। हिंसा करना; वध करना. To kill.

छ्या. वि॰ श्राया॰ १, ३, २, ११४; १, ८, ७, ६;

छुल्ह. श्रा० स्य० २, १, १७;

स्त्रुगा. पुं॰ (चण) वण्नाः व्यवसर. समयः अवसर. Time; moment. (२) हिंसाः हिंसाः killing. (३) छत्सनः उत्सवः क festivity. श्रोष॰ नि॰ ==: —ऊमिविश्रः त्रि॰ (-श्रोतमविक) ओछ्न भहेाः छने पहेरवा ओह्नानं. उत्सव महोत्सव के प्रसंग पर भोडने व पहिनने का. holiday apparel. निर्मा॰ १४, २५: —एश्रः न॰ (-पद) हिंसान्पदः हिंसानुं स्थानः हिंदा का स्थान. an abode of the sin of killing. श्राया॰ १, २, ६, १०२;

छिणियः त्रि॰ (चिणिक) छ्छा गुर जण भंगुर. Transitory; transient. (२) भद्रेतस्य महोत्मव a great festivity. नाया॰ ४:

छुग्ण. ति० (छुन्न) दा डेशु; संतारेशु; छातुं डका हुआ, छिनाया हुआ; गुप्त Covered, concealed; hidden. निमी० १२, ६; ओघ० नि० १६८; (२) જન સમુદાયે

भशी भाजन धरवुं ते भोजन सम्मेलन. feasting; a feast; a dinner-party. नाया॰ २; (३) धन्द्राहिने। भहे। त्यव इन्द्रादि का महोत्सव a festivity of Indra etc. भग॰ ६, ३३; नाया॰ १; छुग्णालञ्च. न॰ (पर्णालक) त्रिधिष्ट, संन्यासी का एक उपकरण. A wooden implement used by a Sannāvyāsī (an ascetic). भग॰ २, १, नाया॰ ५; श्रोव॰ ३६;

छुित्तिस्त्र. पुं॰ (छात्रिक) शे नाभने। शेक्ष क्ष्माध इस नाम का एक कसाई. Name of a butcher. विवा॰ ४.

छुत्त न॰ (छुत्र-श्रातपं छादयति तत्) **७**५; ७तर छत्र; छाता. An umbrella. काप० ४, ६२, प्रव० ४४९; १२२८, स्रोव० १०; २७; श्रणु ते० १३१; सृय० १, ४, २, ६; ठा० ५, १; सम० १४; ३४, नाया० १; ३; ४; ८; १२; भग० १, १; २, १०; ४, ४, ७, ६; ६, १०; दसा० १; १; ३; वय० म, प्र; पत्र० २; नियी० ६, २२; श्रोघ०नि० भा॰ ८५; जीवा॰ ३, ३, राय॰ ६८; सु॰ च॰ १५; २६; जं॰ प॰ ५, ११७; विवा॰ २; नाया० ध , दस० ३, ४, उवा० १, १:; (૨) ચદ્ર વગેરેતા છત્રાકારે થતા નસ્ત્ર साधेता यागः ७ त्रयाग चंदादि का नत्तत्र के साथ छत्रकी भारतिके श्रनुसार होता हुआ योग; छत्रयोग the conjunction of the moon etc. with a constellation presenting the appearance of an umbrella स्॰ प॰१२, —अतिवृत्तः न॰ (-श्रतिदृत्र) सगवानीः એક અતિશય; ભગવાનના માથે છત્રઉપર %त्र धार**्**याय ते. छन्न गर छन्न धार्ण करना; भगवान का एक अतिशय holding one

umbrella above another as in the case of a Tirthankara etc नाया० १, ४, भग० १६, सू॰ प॰ १२, --कार. पुं॰ (;-कार) अत्र लनावतार. छत्र बनाने वाला. a maker of umbrellas. श्रामां १३१: --गाह पुं॰ (-ग्राह) छत्रने धारण धरनार. छत्र को धारण करने वाला one who holds an umbrella. निसी? E, २४, — त्तय न० (- त्रय) अपरा ઉપરિ ત્રહા છત્રા, છત્ર ઉપર છત્ર તેના ઉપર ७त्र. ऊपरा ऊपरी तीन छत्र: छत्र के ऊपर छत्र व उसपरभी छत्र. three umbrellas: one held over the other 330 ४४१,-धारि त्रि०(-धारिन्) ७त्र धरनार. छत्र धारण करने वाला. (one) who holds an umbrella. भग० ११, ११, -रयग न॰ (-रत्न) यक्वती ना चैाह रतमानु नवसुं रतन चक्रवर्नी के चौद्रह रानों में से नवमा रान. the minth of the fourteen jewels of a Chakravartī ठा० ७. १, जं० प० पन्न०२०; **—लक्खणः न० (-ल**चण) ७त्रना सक्षण परिचा करनेकी एक कला. the art of examining the qualities of an umbrella नाया॰ १, —सींडय त्रि॰ (-संस्थित) ७त्र सस्थितः ७त्रने आक्षरि २६९ छत्र की आकृति वाता having the form of an umbiella. उत्तः 3 E, y.v.;

छत्तम न॰ (छत्रक) ७७४; ७८२ छत्र, छाता An umbrella आया॰ २, ३, २, १२०, (२) संन्यासीतुं ओक्ष अपकरण् संन्यासी का एक उपकरणः an implement used by an ascetic स्य॰ २,२,४८, छुत्तगत्ताः स्त्रां (छत्रकता) छत्रने आश्चारे ओश्चर्यनस्पतिपण्डः छत्र के आकार में एक प्रकार का वनस्पतिपना. State of a kind of vegetation having the shape of an umbrella. म्य ० २, ३, १६,

छत्तपत्नासय. पुं॰ (छत्रपत्नाशक) ६५गक्षा नगरती एक्षारंता की नाभती को६ प्रश्रीची। कयंगता नगरी के बाहर का इस नाम का एक बगीचा. Name of a garden outside the town named Kayangalā " छत्तपत्नासण् नामं चेइण् होत्था " भग॰ २, १:

छत्तय न॰ (इत्रक) लुओ। "इत्तग" शण्ट. देश " इत्तग " शब्द. Vide " इत्तग " भग॰ २, १,

छुत्तरि स्री॰ (पट्चति) छोतेनः णःती सभ्याः ब्रह्तर, ७६. Seventy-पंर, 76. क० गं० ६, ३१.

छुत्ता. स्रं (छत्रा) असन्तकाय विशेष अनन्तकाय विशेष A variety of Anantakāya. भग० २३, ३,

स्त्रतार पु॰ (अन्नकार) छत्री णनायनार धारीभर स्त्राता बनानेवाला कारागीर. A. maker of umbi ellas, पन्न॰ १:

छत्ताह पुं॰ (छत्राभ) ओड १४८-हे की दिहें छहा श्रीपदाप्रभ तीर्यहरने हेवसजान थयु ६तुं एक वृत्त्व कि जिसके नीचे छठे थ्रा पदाप्रभ तीर्थंकर को केवलजान प्राप्त हुआ था. The tree under which the 6th Tirthankara Éti Padmaptabha attained to omniscience, सम॰ प॰ २३३;

छात्ते ति॰ (छत्रिन्-छत्रमस्यास्तीति) ७२॥ पाणा, ७२ पाणा. छत्रवाला; छातेवाला. Having an umbrella: po sessed of an umbrella. भत्तः ८, १०; श्रगुजीः १३१;

छत्तोश्च. न॰ (छत्रीक) श्रताहार वर्षात पर्छी तरत उगती ओह वनस्पित है कीने क्षेष्ठिन भी हडानी लगी हडे छे ते. छत्र की आकृति के अनुसार वर्षा के बाद तुरन्त ही उगनेवाली एक प्रकार की वनस्पति कि जिसकी लोग कहते हैं A kind of umbrollashaped vegetation sprouting up immediately after the setting in of monsoon; mushrooms; fungi. पन्न ९;

छत्तीव ग. पुं० (खुबोषग) ओक ज्यतनुं पृक्ष-एक प्रकार का क्ताइ. A kind of tree, श्रोव • जीवा • ३, ४;

छत्तोह. पुं॰ (छत्रोघ) स्ने नाभनुं आऽ; वृक्ष निशेष. इस नाम का युद्ध; युद्ध निशेष. Name of a particular kind of tree. पत्र॰ १; भग॰ २२, ३; — चणु. न॰(-वन) छत्रोद्ध ज्ञातना वृक्षनुं पन. छत्रोह जात के युद्धों का बन. a forest of the trees of the Chhatroha kind. भग॰ १, १;

छुद. न॰ (चुद्र) पांभ्भ; पिन्धुं. पंत्त; पर. A. wing, a feather. उत्त॰ ३४, ६; छुधा. भ्र॰ (पोढा-चइभिःप्रकारैः) ७ प्रधारे.

छः प्रकारसे. In six ways or modes.

छन्न त्रि॰ (छन्न) ગુપ્ત રાખેલ; કપડથી આશ-યતે ગાપવી અન્યથા ખાલેત ग्रप्त, भेदयुक्त. Hidden; secret; dissimulated. सूय०१,६,२६; भग०२४,७;(२) स्त्री॰ખીજ ન જાણે તેરી રીતે ગ્રુપ્ત સન્દેશા પહાચાડનાર भे ह द्वी. खाँरे। की जात न हो उम प्रशास्त संदेशा पहुंचानेवाली दामी-दर्ना a female sorvant who convoys a mossage without letting others know it कप्प के, रह; पं कि कि ४२०; — अस. पुं के (-श्रके) याहणाथी दंशपेंद्र सर्थ. बादल में ढका हुआ मुर्थ. पीछ अधा hidden behind clouds. विशे ४४०; — पश्च-य. न क (-पद्) १५८; भाषा. करह; मापा. deceit; fraud; foul play. मूग १, ४, १, २, — पद्. न क (-पद्) भाषास्थान; इपट deceit; fraud; foul play. मूग २, ६, ३४;

छुन्ना स्वी॰ (छना) ब्युओ। "छन्नपद्म" शण्ट. देसी " सन्नपद्म " शब्दः Vide " छन्न-पद्म" सृय॰ १, २, २, २६;

छुष्यद्य. पुं॰ (*) यांसनी धीधरधी; श्वासधी. बांसकी चत्तनी. A sieve of bumboo. थ्याया॰ २, १, ८, ४३: श्रोघ॰ नि॰ १४८; पिं॰ नि॰ १६१;

क्क इयग. स्रं (-) रे। ट्रेसी वश्चवानी पाटली; आभरीओ. रे।टी चनानेका पाटा.
A wooden board on which brend is made. विश्व नि २०६;

छुन्भंग. पु॰ (पद्भक्ष) ७ वांग. छ भंग. Six classifications. भग॰ ६, ४; छुन्भामरी. स्रो॰ (पद्श्रामरी) पीणा; सनान. सितार; बीन. A. harp, a flute. नाया॰

छुम्मुद्द. पुं॰ (पग्मुख) विभक्षनाथछना यक्षने नाभ. विमलनाथजी के यत्त का नाम. Name of a Yaksa of Vimala-

^{*} जुओ ५४ नम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

nāthajī. प्रव॰ ३७६;

छुह. पुं॰ (त्सह) तथ्यारनी भु!. तलवार की मूठ The handle of a sword.श्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३; पएह०१, ४;—प्पवाय-पुं॰ (-प्रवाद) तथ्यारनी भु! पडडी देश्ययानी ड्या. पटेवाजी. the art of fencing. श्रोव॰ ४०; नाया॰ १;

छल. ति॰ (पट्) छ छ: Six. विशे॰ ६०१;
—श्रंस. पुं॰ (-श्रंश) छमंश छ, ग्रंश. अंध
parts. भग० ६,५; पगह० १४४७, जं०प०
३,४४, (२)छी लाग छठा हिस्सा. sixth
part. 'श्रगुरुलहु चउ चलंसि तीसंतो''
क० गं० २, १०; —श्रंसा स्री॰ (-श्रंश)
छ प्रशृतिनी सत्ता. छः प्रकृतियों की सत्ता.
the existence of six Prakritis.
क० गं० ६, ६;—ई. ति॰ (-श्रुषं-सार्ध्यपंचकम्)ः सत्तापांच साडे पांच. five
and a half विशे०१४०१;—सीइ स्त्री॰
(-श्रशीत) छत्सी; ८६ छियामी eightysix; 86 क० गं० ६, ३१: सम० ६६;
भग० २, ६;

छला। ह्री॰ (इतना) छेरतवृं: ७३भेट.

ठगना; छलनेद. Deceit; fraud. प्रोघ॰ नि॰७=५: पि॰ नि॰ १६०:

छुलि छ. त्रि॰ (छुलित) ३५८ विगेरेथी हेगा-येल. काट इत्यादिसे ठगाया हुआ. Deceived; cheated; imposed upon.नाया॰ ६; विशं॰ १६०७; पि॰ नि॰६३४;

छुलुश्र पु॰ (षडुलूक) लुओ।" छुलुग "शण्ध देखो "छुलुग" शब्द. Vide "छुलुग" ठा॰ ७, १;

छुल्ग पुं॰ (पडुल्क) वैशेशिक मतना स्था-पतार क्ष्याद भुनि वैशेषिक मन के स्थापक कणद मुनि Kanada, the founder of the Vaisesika tenet. विशे॰

छुलूयः पुं॰ (छुलूय) आर्थ भदागिरिना थिप्यनुं नाम आर्थ महागिरी के शिष्य का नाम. Name of a disciple of Arya Mahagiri कप्प॰ द,

छुल्ली स्तं (छुल्ली) त्यथा. छासटा; छास. स्वचा, छाल Skin; bark. विवा १; नाया १३;१४;अणुजो ११; पन ११ राय १४३, — खाद्य निर्म निर्म निर्म हिंदी छाल को खाने चाला एक प्रकार का कीडा. an insect or worm eating the bark of trees टा॰ ४, १;

छुनि स्रो॰ (छुनि-छुयति स्रामारं छिनति वा तमः) थाभडी; छाल. स्वचा, चमडी, छाल Skin; bark. ठा॰ २, ३; ज॰ प॰ प्रव॰ ४३६; (२) शरीर. शरीर. क body. भग॰ ४, ४; ७, ६; (३) डाति; तेश्य. मीन्द्र्य lustre; beauty. कष्प॰ ३, ३४; जोवा॰ ३, १: (४) वास थाला पशेरे धान्य चोले वगरह धान्य क variety of pulse. दम॰ ७, ३४; — म्वाय. ९० (-स्वाद) सुवर प्रमुणनी याभडी जाता?

मुत्रर वगैरह की चमड़ी को खाने वाला one who eats the skin of pigs etc निर्मी०६,१०; —त्ता्या न०(-त्राया) ચામડીનું રક્ષણ કરતાર વસ્ત્ર કાંબલી વિગેરે. खचाका रचण करने वाला वस्र कम्बल वगैरह any kind of cloth (e.g. a blanket etc.) protecting the skin. उत्त॰ २, ७, —छेद. पुं॰ (-च्छेद) ळुओ। छविच्छेप) शण्ह देखें "छविच्छेय" शब्द vide " छ्विच्छ्रेय " ठा० ७,1; भग० ८, ३, ११, १०; १४, ६; १४, १; —च्छेय. पु॰ (च्छेद) क्षाथ, पग, नाड, डान વગેરે કાપવા તે, એકજાતની દરડ નીતિ हाथ, पैर, कान, नाक, इत्यादि को काटना: इस नामकी दड नीति. punishment by mutilation of limbs जीवा॰ ३,३; राय०२६०; जं०प०नाया०४; पंचा० १, १०,-पठव.न०(-पर्वन्) क्रेभां हाउना सांधा અને ચામડી વગેરેછે તેવું શરીર, ઉદારિક શરીર ऐसा शरीर जिसमें हडियो की जोड व त्वचा वगैरह है the physical body consisting of bones, skin etc उत्त॰ 4. 38:

छुवि स्त्री॰ (चिष) নাথ, क्षथ नाश, च्रय.

Destruction; ruin भग २५, ७,

— कर त्रि॰ (— कर) গুণীনা ক্ষথ

१२নাই জীবা কা ভ্रय करने वाला. (one)

who destroys or kills living

beings. भग ॰ २४, ७;

छुविसि स्रो॰ (पड्विंशति) छवीस छुन्त्रीस Twtnty-six. विवा॰ १;

छ्विह. त्रि॰ (पड्विघ) ७ अधारतुं. छ प्रकार का. Of six kinds or modes.

सम० ६, भग० १२, ४; दसा० ४, ३८, ४४, ४६; ७, १;

ख्वीइयः त्रि॰ (छ्विमत्) श्रान्तियाणुं तेत्रस्त्रीः; कान्तिवानः Beautiful; lustrous. श्रोव॰ १०; श्राया॰२, ४, २,१३६; छ्राव्यह त्रि॰ (पह्निय) ७ प्रशारनं छ प्रकार का Of six kinds or modes. वेय॰६,२०; पि॰नि॰ ५; भग॰६,७; १६, ६; २५, ६; ७, विशे॰ ३००; —यंध्रय त्रि॰ (—यन्ध्रक) भेष्ट अने आयुपश्माने छाडी णाशीना ७ धर्मनं अन्य अन्ध्रमाने छाडी श्रार श्रायुप्यकर्म को छोडेकर शेष छ कर्मो का वन्ध्रम करने वाला one who incurs Karma of six kinds i. e. all save those called Moha and Ayus. भग॰ ६, ६;

छुहा. श्र॰ (पोढा) ७ प्रश्वारे. छः प्रकार से. In six ways or modes. क॰ गं॰

শুন্তা প্র কিং (*) পুর্ণু. মুরো; जिसकी जुधा লগা हो वह Hungry পি ত নি ६६३; স্ত্যাস্থা ক্রা (ন্তাযা) তাথা; ৭১তাথা. স্তাব Shade; shadow প্রাবৃত বরাত ৬, ৭; স্তাহ্য সি (জ্বাবির) ৫টিপ্র ভারান্তপ্রা.

Covered नाया॰ १;
छाउमस्थ ति॰ (छाज्ञस्य) छर्भस्य संभैधी.
छज्ञस्य सम्बन्धी Pertaining to a
Chhadmastha (i. e one not
free from attachment रायु॰ २४३;
छाउमस्थिय. पुं॰ (छाज्ञास्थिय) छभस्थ
अनस्थामां रहेनार. छज्ञस्य अवस्था में रहने
नाला One in the stage of being
Chhadmastha. (i e. one not

^{*} लुओ पृथ नम्भर १५ नी पुर्नार (क) देखो पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट(*). Vide foot-note (-)p. I5th

free from attachment. भगः १३,

छागलि ग्र. पुं० (छागलिक) णे। इश भारतार इसार्ध कमाई. A butcher. विवा॰ ४; अञ्चाण. पुं० न० (छाउन) साम्राहिस्ते। ५३; १७१. दर्भादिक का छन. A cover of grassetc. "छागोक्सियाइ" मग० ६, ६; अञ्चाण न० (६) शाण् गोवर. Dung प्रव॰ ४४०; — उन्धिप्तपा. स्त्री॰ (-डाइम्हा) छाण् वासीहुं वागनारी, शाण् छपाउनारी गांवर इन्यादि साफ करने वाली स्त्री: गोवर उठाने वाला a female servant who clears off dung, refuse etc नाया॰ ७.

छादण न० (छ। १न) क्षाव्युं. श्राच्छादित करना. Act of covering भग० ११, ११; जोवा० ३, ४; पंचा० १२, १२; पग्ह० २, ३;

छायः त्रि॰ (छात) કशाधातथी व्रज्ञुभुक्त कज्ञाघात में व्रणमुक्त Not wounded by blow etc. दस॰ ६, २, ७;

छायंसि त्रि॰ (॰ छायावत) छाया-शरीश्ती शिक्षायाणु शारीरिक मान्दर्य वाला; दर्शनीय Beautiful; possessed of physical heauty सम॰ प॰ २३५:

छायणः न० (छादन) हभे विशेरेथी ढां ५ मुं:

भारणादनः दर्भ वगेरह में डाक देना-प्राच्छादन कर देना Act of covering with
anything o g. Darbha grass

etc. श्राया॰ २, २, ३, ६ ३; पंचा॰ १२,
१२; प्रव॰ ८७६: (२) धर छपरनं वांस

प्रपाट विशेरेनु भाणान्यणा पर का

छन a roof of a house. 17॰ नि॰

३०३: (३) यन्त्रः ४५५. वज्ञः कपदा. cloth; a garment, नाया॰ १; तंद्० छाया ह्यां (द्वाया) छांयडे: छाया हांया: छान Shade; shadow. इत• २८, १२; ठा० २, ४; १४० नि० भा० ३४; १४ नि॰ १'१२; अण्जो॰ १२७; इमा॰ ७, १, स्यक के १, ४२, पत्रक १६: भगव १, ६; १४, ६, १४, १, नाया० १४; काय० ४, १०७, प्रव० ७६५; (३) अनि; दीपि. कांति, दाप्ति. lustre; brightness. श्रोव॰ १०; २२; राय॰ ४६, पत्र॰ २; जं॰ प० नाया० १०, भग० १, ६; २, ६; (३) लाका सेवा (करतवा) ने भेडेन चंडित-पंत भोजन करने के लिये वैठी हुई पंक्ति ध row of persons sitting at dinner. जं॰ प॰ ७. १६२:

छायाल. स्ना॰ (पट्चन्यारशत्) लुओ। 'छायालीस'' शम्द. देखे. ''छायालीस'' शम्द. देखे. ''छायालीस'' शब्द, Vide, 'छायालीस'' पत्र ॰ २; क॰ गं॰ ६, २७,

छायात्तीस स्री॰ (पर्वस्वारिशत्) छैतासीसः ४६ छिपांतीमः ४६ छिपांतीमः ४६. छि०ए४-४४: ४६.

छायोवश्र. पृ० (छायोपग) ध्रशी छापा योणं अध गहरी छापा वाला वृत A densely shady tree. ठा० ४, २; निसी० ३, ८१: छार. न॰ (सार) राणः भरभः यानी राखः भरम. Ashes. पि० नि० ३१४; विशे॰ १२५६; (२) आय. कांच glass. विशे॰ १४०४. (३) भारे। नंत्रीरा any kind of salt. जं० प० नाया० २: - उभिया छो० (-उभिका) राण पालनारी स्था. राम माटने वाली छो. क lemnle

^{*} लुओ। पुष्ट नभ्यर १४ नी पुरते। (*) देखां द्वष्ट नम्बर १५ की फ़टनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th

who sweeps off ashes. जं॰ प॰
छारिश्र-य न॰ (चारिक) लश्म. राख;
मस्म. Ashes. मग॰ १, २; —राशि
पुं॰ (-राशि) लश्मने। दग्ने। रायका
देर. a heap of ashes. दम॰ १,९;
छारियभूय ति॰ (चारीभूत-श्रद्धारं श्रमसम
चारं मस्म भवतीति) राभ केवं ध्येतं.
राख जसा बना हश्रा. Reduced to

छारिया. स्रं।॰ (चारिका) शभ राख. Ashes. भग॰ ५, २; १८, ६;

धरी। १५ भग० ४, ६; ७, ६;

छारीभूय ति॰ (चारीभूय) ळुले। " छारि-यभृय " शल्दः देखे। " छारियभूय " शब्दः Vide. " छारियभृय " भग॰ ३, १;

छाचिद्दिः स्री० (पर्पष्ठि) छ्यासिः, ६६. स्राह्म हास्रुठ, ६६. Sixty-six, ६६. जं• प० ७, १३४, विशे० ४३४; ७१८; सम० ६६; मग० २४, २०; पन्न० ४;

छाच पु॰ (शाव) अन्यु; आक्षक्त. बालक; बचा A young one, a baby. नंदी॰ स्य॰ ४६; स्य॰ १, १४, ३;

छिंडी स्ना॰ (·) छी डी-नाने। भागें; णारी बारी; छोटी खिंडकी. A small back-door, a small window or gate. नाया॰ २; *छिक्क. त्रि॰ (छोत्कृत) छी-छी धेरेसुं तिरस्कृत. Dispised; condemned. विशे॰ ३३७; १७५४; पि॰ नि॰ १८६; १९४; पि॰ नि॰ ना॰ ३७;

छिक्कंत. ति॰ (ंा) श्री शतुं. छीकता हुआ. Sneezing. सु० च= ४,२२६;

छ्यि छे छुकार. पुं॰ (छि। छिकार) इतश पंगरेते हां अपनि छि छि-हत हत पंगरे शण्द इहेवे। ते. छत्ता पंगरह को निकालने के लिये छि छि हत-हत पंगरह शब्दों का कहना, Uttering the sound Chhi-Chhi or any similar sound to drive away dogs etc. पिं० नि॰ ४५१; पं॰

छिडू. न॰ (छिद्र) छिः; आधुं; लां हे। रुं. छिद्र.

A hole; an opening. विशे॰ १४६२;
(२) हे। प. दोष; अपराध. a blemish;
a fault राय॰ २=३; (३) आश्रश्र.
आकाश. the sky. भग० २०, २;

छिडिया. स्री॰ (सिदिका-सिदािस विसन्तेऽ-स्यामिति) यालणी चनती. A sieve. नाया॰ =:

छिएए. त्रि॰ (दिस) छेहेतुं; कापेलुं. काटा हुआ. Broken; cut off. उत्तः १४, २६; १४,७; श्रोव॰ ३८; सम॰ १२; श्राया॰ १,१,४,४६; मग॰ ८,३; ६,६,६,३३; १३,४; १६,६; नाया॰ १; १६; १८; पत्र॰ १४; — श्राचाय त्रि॰ (-श्रायात — छित्र अपगत आयातोल्यां न्यत आगमनम् यस्मिन्) लेभां लत्नुं आववुं न भने ओतुं स्थान – पर्वत लंगल वगरह. (anything) inaccessible e. g. a

[.] लुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (-) देखो प्रष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (×). Vide foot-note (∗) p. 15th

mountain, a forest etc. नाया॰ १५; भग० १५, १, वेय० ४, २६; -- जाला. स्रो॰ (-जवाला) છેદાયેલ અગ્નિની શિખા; केनी जास-जवासा छेहाध ग्रंध छे ते छिदी हुई श्रश्निकी शिखा; जिसकी ज्वाला छिद गई हो a broken slame of fire: (fire) with broken flame. नाया॰ १; — भिराण त्रि॰ (-भिन्न) छित्र लिन्न थार्शियेश छित्र भिन्न बना हुआ. scattered; at sixes and sevens; in a condition of disorder. " श्चिरण भिराण बाहिरियाहिय " विवा॰ ३; -- रुहा. स्री॰ (-रुहा-सत्यपिछिन्ना पुनरारोहतीति) કાપી નાખી હેાય તાજ ઉગે એવી એક **जातनी वनम्पति (ग**णुथी). काट डाली जावे तब ही उगे ऐसी एक प्रकार की बन-स्पति a species of vegetation which grows only if it is pruned. (Galuchī). पत्र॰ विवा॰ ३: भग॰ २३, १: —सेलग ।त्रे॰ (-शिकक) क्रेमां पर्वात छेदछने पडी ગયેલ છે એવા માર્ગ વગેરે. ऐसा मार्ग जिस में पर्वत छिद कर गिर गया हो. a road etc obstructed by a mountain which has broken and collapsed. नाया॰ १८; —सोयः त्रि॰ (स्रोतस्) कोंना स सार प्रवाद छेहाच गये। छे ते जिस का ससार प्रवाह छेदा गया है वह. one whose worldly relations are cut off. जं० प० २, ३१;

*िछुत्त त्रि॰ (*)२५श ६देखुं; २५४६ेखु. स्पर्श किया हुआ; छुत्रा हुआ. Touched; in contact with पि॰ नि॰ ५३९; छित्तरा. स्री॰ (६) छ। ५३; १४ते. छत A roof; a ceiling " छित्तरा जिसवाद " भग॰ ८. ६;

छितार. त्रि॰ (छेतृ) छेट धरनार; नाश धर-नार नाश करने वाला One who cuts off or destroys. आया॰ १, ७, ३, २०६; प्रव॰ १३१;

छिद्द न० (छिद्र) ळुओ। " छिट्ठ " शण्ट. देखो " छिट्ठ " शब्द. Vide " छिट्ठ " भग० ३, ३; नाया० २; ८; राय० २५४, पन्न० २; — पोहि त्रि० (- मेन्निन्) छिद्र लोनार. छिद्र को देखने वाला. (One) who looks to the weak points of others ठा०५, १; — ग्रंत पुं० (- ग्रंत) छिद्रने। अत-छेडे। छिद्र का अन्त-किनारा end of a hole. " छिट्टते इसंते " भग० १, ६;

क्रिका त्रि॰ (क्रिका) लुगेत '' क्रिग्गा ''शण्ट देखो " छिएण " शब्द Vide 'छिएण' उत्त० २, ४; पि० नि० ४८४, दस० ४; मत्त॰ ३२; (२) નિયમિત રીતે ભુદું પાડેલું; विभाग धरेला नियमित रीति से विभक्ता divided; separated. पि॰ नि॰ २३१; ३८४, --कहंकह. त्रि । (-कथंकथ-छिना-द्वेचीकृ ॥ कथकथा रागद्वेषादियंन श्रसौ) દુર કરી છે રાગવિલાસાદિક કથા જેણે. जिस ने राग विलासादिक कथा दर करदी है वह. (one) who has banished talk involving passion, hatred 9, ७, ६, २२२, স্থায়া ৽ --गंथ. ति॰ (-प्रस्थ) अंध-परि-ગ્રહની ગાઠ–આસક્તિ જે**ણે છેદી નાખી** છે ते. ग्रंथ-परिग्रह की श्रासिक जिसने हटा

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने।ट (*). देखो पृष्ठ नंबर १६ की फूटने।ट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

Vol. 11/96

दी हो वह. (one) who has cut off the knot of attachment to worldly possessions. कप्प॰४, ११६; — पक्ख. ति॰ (-पच) ध्रायेश छे पांणी लेनी ते. कटे पंख वाला. having the wings cut off. मत्त॰ १४१;

छिन्नछुयणाइयः ति॰(छिन्नछुदनियक) ले सूत्र हे गाथा २५तंत्र अर्था ६शा वे णीछ सूत्र हे गाथानी अपेक्षा न राणे ते छिन्न छेदनयवालु इहेवाय लेभ-धम्मे।मंगत मुझिदहम जो सूत्र या गाथा स्वतंत्र अर्थ बता सके, दूसरे सूत्र या गाथा की अपेक्षा न रखता हो. (An aphorism or a verse) which is complete in sense without dependence on any other aphorism or verse; e. g. "religion is the highest good" सम॰ २२;

छिन्नाल पुं॰ (୬) ६ ३ डी व्यवनी अदह हे है। डी जाति का वैल या घोडा An or or a horse of a low breed. उत्त॰ २७, ७;

छिप्प. न॰ (चिप्र) ०४६ी; ७तावथे. जल्दी, शीव्रता से Soon; quickly विना॰ १; नाया॰ १=; —त्र. न॰ (-त्र्यं) उतावश्च वागनार वार्जु. जोर से बजने वाला ।जा a musical instrument which gives out tunes in rapid succession. ''झिप्पतूरेणं वज्ञमार्णणं'' विवा॰ १; नाया॰ १८;

छिप्पतरः त्रि॰ (छिप्रतर) ६तीवशुं. उतावला. Hasty; very quick. विवा॰ ३;

छिरा. स्नी॰ (शिरा) नाडी; नस. नार्टा. An artery. जाना॰ १; स्य॰ २, २, १८; भग० १, ४; ६, ३३;

छितिया. स्ना॰ (चीतिका) श्रेश यनस्पती; ५-६ विशेष एक वनस्पति; कन्द विशेष. A kind of vegetable with bulbous root. जीवा॰ १;

ह्य हिंदिय. न॰ (🕫) सीत्धारे। धरवे। ते. सी २ की श्रावाज करना. Act of uttering a sibilant sound. पगह॰ १, ३; हिंद्रबट्ट. त्रि॰ (सेवात्तं) छेत्रट्ट संघष्णः छ संघष्णभानं छट्टां संघष्ण छः सघयणम

से छटा संघवण. The last of the six kinds of Sanghayanas (i e. physical structures of bones

etc.). क॰ गं॰ २, ४: ४, ४४;

* छिता. ह्री॰ (॰) याभागी ताल्छी; याभभी चमडे का चातुक. A leathern whip. परह॰ १, ३; — प्पहार. पुं॰ (-प्रहार) याभभागी भार. चातुक की मार. a lash of a whip. नाया॰ २, १७;

३६ छिचाडियाः स्त्री॰ (~) स्निंयसी गः;
भग६्वीः सुमफत्तीः A ground-nut.
पन्न॰ १७; (२) अडनी छाल स्नाड की
छाल. bark of a tree दसा॰ ६, ४;
छिचाडी स्त्री॰ (॰) सी गः; ६णीः फलीः
A pod श्राया॰ २, १, १, २, दस॰ ४,
२, २०; जीवा॰ ३, ४; राय॰ ४४; प्रव॰ ६७१;
— पोत्थः न॰ (- पुस्तक) पुस्तकना पाय

[÷] ळाओ। पृष्ट नम्भर १५ नी पुरतीर (≈) देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (~) Vide foo-note (≈) p. 15th.

अशरमानी ओई; के पुस्तईनी पहेलाधि तथारे अने काडाई शिक्षी है। ये ते पुस्तक की चीटाई श्राविक व मोटाई कम हो ऐसा पुस्तक one of the five varieties of the shapes of books; viz. a book which is very thin but of which the breadth is very great प्रवर्ग ६०६, — मित्त निर्ण्ण (नमात्र) सि ग-६ थी अमाध्. फली के परिमाण का of the size of a pod प्रवर्ग ६७६,

छीत्र न॰ (चुत) श्री ४. র্ফাক. A গাওল্ডে। আব০ ৭, ४, ४, ४,

ह्योइसा. सं० कृ० य० (*) धी ४ भाधने, धी धीने ह्यांक्कर. Having sneezed. जंग प० २, २५; जीवा० ३, ३;

छीय न॰ (त्तुत) धी ध्वु ते; छि ध छॉकना, छीक Sneezing; ॥ sneeze. विशे॰ १०१; नेदी॰ ३=,

छीया स्रो॰ (सुता) छी ५ भाषी. छांक भागा; छोंक. Act of sneezing; a sneeze. श्रोष॰ नि॰ ६४२;

छोर. न॰ (चीर) थीड, हुधवाली એક साधारण पनस्पति दूध जैसे रस वाली एक सामान्य वनस्पति. A common vegetation containing milky juice. मग॰ २२, १; पम॰ १:

छीरल. पुं॰ (चीरल) भुज्रपर सर्भ विशेष. भुज पर सर्प विशेष. A particular kind of serpent. पगह॰ १, १;

छीरविरालिया. स्रं (श्रीतविदारिका) ५-६ विशेष कन्द विशेष. A particular kind of bulbous root भग० ७, ३; पञ्च० १, जीवा० १;

बुच्छुकार पुं॰ (बच्छकार) इतराने छ छ -ओ प्रभाषे शण्द करना ते. क्रते से बु-छ इस माफिक शब्द करना Calling a dog by the sound chhu-chhu. श्राया॰ १, ६, ३, ४,

छुडियचर न॰ (+) आलरछ विशेष श्राभरण विशेष A particular kind of ornament. जीवा॰ ३, ३;

ল্পুর সি॰(বরুएए) নিমু सङ नपुंसक; नामर्द. Impotent. পি॰ নি॰ ४२५;

ह्युयायार त्रि॰ (ज़ुताचार) भाभी अरेक्ष, आयार पार्क्ष दोप युक्त श्राचार वाला Faulty or defective in right conduct. वव॰ ६, २०,

खुर पुं॰ (जुर) अस्त्रा; सक्षार्थभे। उसतरा. A. razor. पचा॰ 10, ३२: -- धर. न॰ (-गृह) वास हती अस्त्रा वगेरे र भवानी है. थंदी. नाई की उसतरा वगैरह रखने की थेली. a barber's bag for keeping in razors etc मृ० प॰ १०; जं० प० ७, १५६; --मुंड. त्रि० (-現एड) અસ્ત્રાથી માધુ મુડાવનાર. उसतरे से सिर मुडाने वाला (one) who gets his head shaved by means of a razor. पंचा॰ १०, ३२, छुरय पुं॰ (ज़ुरक) तिवधनुं आउ है कीना કુલ સુગ ધી અને તલના કુલ જેવા થાય છે તથા કુલ મીડાં અને પિપલાંના જેવા ધાય છે. तिलक का वृत्त, जिसके फूल सुगन्वयुक्त य तिलके फुल जैसे होते है व फत मीठे व पीपल के फल जैसे होते हैं. A variety

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटनीट (*). देखो पृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

of tiee with small fragrant flowers and sweet berry like finits; the Tilaka tree. पन भ; छुरिया स्रो॰ (हारिका) ७री. छुरी. A small knife. उत्त॰ १६, ६३; छुटा. स्रो॰ (जुवा) थुंने।; ४णीथुंने।. चुना.

Lime; chunam. श्रोघ० नि॰ ३२४: ब्रुद्दा स्त्री॰ (चुधा) भूभः भूख; नुधाः Hunger." छहासमावेयगानारेथ" गच्छा • २; पि॰ नि॰ ६६३; नाया॰ १; १२, १८, पञ्च० २; राय० २४=; सु० च॰ ३, १=३; धाह्मश्चेते रसे. ઇ निपल्यवपानं स्थान ज्ञुधा परिकर्म; ब्राह्मणुको रसेाई बनाने का स्थान a place for a Brāhmana to cook food; a kitchen. इसा॰ १०. १: -परसिंह. पुं॰ (-परिपह) भूभने। परिपद; भूभसद्धन ३२१ ते ज्ञाया सहन करना bearing the affliction caused by hunger. भग॰ ८, =; -वेयि एउज न॰ (-वेदनीय) क्षुधा वेहनीय કર્મ; જેના ઉદયથી ભૂખ લાગે છે તે કર્મ. वेदनीय कम: जिसके उदयसे जुवा लगती है वह कर्म. the Kaima by the maturity of which one feels hungry. ਹਾ॰ ਖ, ਖ;

छुद्दियः ति॰ (न्तुधित) भूण्युं; भूणेशः न्तुधित; न्तुधानुरः Hungryः नाया॰ १४; छठूढः ति॰ (-) नाणेशुं; १ ४थुं. फॅकाहुआ; डालाहुआ. Thrown; flung. पि॰ नि॰ ६८, २४४; ४४२; उत्त॰ २४, ४०; छेश्र-यः ति॰ (हेक) अवसरने। जाशुः।रः

કુશલ, दें।शीयार. समय को पहिचानने वाला;

कुराल; समय स्चक. Clever, (one) who knows what to do at a particular time, स्य॰ १, १४, १; श्रोव॰ ३०; ३१; जीवा॰ ३, १; श्राया॰ १, ४, ९, १४४; भग० ३, १; ७,६; नाया० १; १६; पग्ह० १, ३; विश० ११४४; ऋष० ४, ६२; दम० ४, ११; राय० १२६, २६४; (२) विन्छेद, अटशयत, विच्छेद; श्रदका-यत. intercuption; hindcance. वेय० २, ४; ४, ४; श्रोव० २०; उत्त० ३०, ३; (३) विनाश; नुध्शानी विनाश, नुक-सानी; हरजा. destruction; loss. उत्त॰ ৩, १६; (४) ખંડ; ১১টা. खंड; दुकडा. a piece; a fragment राय॰ १३, — ऋायरियः पुं॰ (-श्वाचार्य) निपुश् अेवा शिल्पना आयार शिलाके निप्रण श्राचार्य. व proficient teacher of aits "छ्याय रियउवण्ममइकप्पणाविगप्पेहिं" भग॰ ७,६; -कर. त्रि॰ (-कर) नाश **ક**રનार, छेटी नाभनार. नाश करने वाला (one) who destroys; destructive. पंचा॰३,१५; -पिल्माग. पुं॰ (-प्रतिमाग) भागने। लाग: विलाग. हिस्सेका हिस्सा. a subdivision. क॰ गं॰ ४, ८४;

छुत्रोवहावण. न॰ (छेदोपस्थापन) એ नाभनुं भी लु यारित्र; पूर्व पर्यापने छेटी महावतानं आरेगलं अरोपण करना. Name of the right-conduct in which an a-cetic is degraded from his position due to faults and again initiated with the five great vows. निशे॰१२६०;

^{*} जुओ पृष्ट नम्भर १५ नी प्रुटनाट (--) देखो पृष्ट नम्बंर १५ की पुरनाट(*). Vide foot-note (:-)p. 15th.

छुंत्रोवद्वाविष्य त्रि॰ (छुद्रापस्थापनिक) છેદાપસ્થાનીય નામે ખીજું ચારિત્ર छेदो-पस्थापनीय नामक दूसरा चारित्र. Name of the right conduct in which an ascetic is degraded from his position due to faults and again initiated with the श्रोव० five great vows. भग० २४, ६ ७; वेय० ६, २०; पञ्च० १; -- सजम. पुं॰ (-संयम) लुओ। ઉपक्षे। शण्ट. देखो जपरका शब्द. vide above. भग• २५, ६, —संजय त्रि॰ (-संयत) छेट्टापस्थापनीय यारित्रवार्तुः बेदोपस्थापनीय चारित्रवाला. un ascetic possessed of the right-conduct as stated above वेय॰ ६, २०;

छेज जि॰ (छेष) छेद्या लाय । (यारित्रनी छेद) छेदनके योग्य, चरित्रका छेद Worthy of being cut off; degraded from right-conduct. विशेष १२४६;

छेत्तः न॰ (केन्न) स्थान; स्थतः स्थान, स्थलः

A place; a region. श्रोव॰

छेत्तार त्रिः (छेत्) छेत्तार, क्षापनार छेदने-काटने वाला (One) who cuts off. श्राया॰ १, २, १, ६६; सूय० १, ८,५;

छेद पुं॰ (छैर) भ ८; ४४ डे। विच्छंद; विनाश Destruction, ruin, स्रोव॰ २०;

भग० ४, ४, बव० २, २!

छेदोवहावणः न॰ (छेदोपस्थापन) लुओ। " छेथ्रोवहावणः " शण्ट देखां " छेश्रोवहा-वणः " शब्द Vide. " छेश्रोवहावणः " उत्त॰ २८, ३२, ठा० ३, ४; ४, २;

छेदीवहाबी एय न॰ (छेदी पस्थापनिक) कुओ " छेश्रोवहाबि एय या सम्ह देखी " छेश्रोव-हावि एय या शब्द. Vide " छेश्रो वहा-नि एय ये भग० =, २.

छेय पुं॰ (छेद) નિશીય આદિ છેદસત્ર निशीय श्रादि छेदसूत्र Nisitha and other Chheda Sütra प्रव. ७६६: - गंथ पुं॰ (- ग्रन्थ) व्यवहार निशीय वर्गेरे छेहसूत्र. व्यवहार निशीथ वगैरह छेद सूत्र. Chheda Sūtras such as Vyavahāra, Niśitha etc.प्रव ०७६६, — स्य. न॰ (-श्रुत) छेह-प्रायश्चित्त विधि भतावनार સત્રે!-નિસીય, દશાબુત સ્કધ, વેદકલ્પ અને **०**थवदार सूत्र छेद-प्रायिश्वत्त विधि बताने वाले सूत्र निर्माथ, दशाश्रुत स्कन्ध, वेदकलप श्रौर व्यवहार सत्र Sutras which deal with modes of expiation viz. Nišītha, Dašāši uta Skaudha, Ve dakalpa and Vyavahāra. वन १; क्षेयगभाव पुं०(ब्रेदकभाव)छेदवापखं छिन्नत्व. The state of being cut विशे०२१३.

होयगा. न॰ (छेदन) भाग विशेरेथी आपतुं ते. खडग वगैरहसे काटना. Act of cutting with a sword etc उत्त॰२९ ३, सम॰ ११, ठा॰ ४,३; (२) अभीनी स्थितिनी श्रात अर्था ते कर्म की स्थितिका चात करना. cutting off the existence of Karma. ठा॰१,१; (३) केनाथी वस्तुना अश्व-छेट-पाडी शक्षय ते, शन्त्र. शहा. an instrument for cutting. क॰ प॰१,६:

हेप्रयाग न॰ (छेदनक) भे ६८६। ६२२। ते दो दुकडे करना Cutting into two पत्न॰ १२, (२) थामधाने छेद्दानु शस्त्र. चमड़े को छेदनेका शस्त्र. a tool or instrument to cut leather स्य॰ २, २, ४८,

छेप्रण्य न० (* छेदनक) लुओ "छेप्रण्य" शण्द. देखो " छेप्रण्या ' शब्द. Vide ' छेप्रण्य " स्य० २, २, ४८;

छेयपरिहार पुं॰ (छेदपरिहार) यित्रिते। छेट व्यति परिहार-तथा चारित्र का छेद ग्रीर

श्रनधारी उत्पत्ति होती है ऐसा बाद करनेवाला. a person holding that the things of the world (i. e. the world) are produced fortuitously by more accident. नंदी॰

जहरा। त्र (जैन) किन तीर्थ हरे हर्शावेश: िरत सण थी जिन तीर्यंकरने चताया हुआ। जिन मंबधी. Portnining to, revealed by Jina i. e. Tirthankara. पंचा० ३, ४२; विशे० ३८३; १०३८, १०४१; जइरा. वि॰ (जिथेन्) जयवान्; छत भेवव-नारः, कितवाना स्वलाववाणुं, जीन प्राप्त करनेवाला, जीतने के स्वभाव वाला. Victorious; conquering. श्रीव॰ ३०: राय० ३३: तं० प० ५,११४: उवा० २,१०२: (२) ध्रश्री ७तावणी शति. बहुत शांच गति. great velocity; great speed. " लंघणपवणजङ्गपमहणसमत्थे " राय॰ जीवा॰ ३, १:

जङ्गा त्रि॰ (जिवन्) वेशवानः; वेशवाणुं. वेग-वान्; वेगवाला; तेज. Fast; speedy. '' लंघणवग्गणधावणधारेणतिवर्द् जङ्णित-क्खिश्र गर्हण " श्रोव॰ भग० ३, २; जीवा॰ 3, 9; --वायाम. पुं॰ (-व्यायाम) उता-वर्धी इसरत तेज कसरत. fast or quick physical exercise. " लंघणपवणजइ-णवायामसमत्ये " उत्त॰ टी॰ ६: —वेग. पुं॰ (-वेग) साथी वधारे वेग; गतिभान सर्व पहार्थी छपर जित भेसवनार वेग. नव में श्रविक गति: गतिमान: सर्व पदार्थों को जीतने वाला वेग. highest speed; all-conquering speed. भग॰ ३, २;

जइ्णा. र्ह्मा॰ (यत्ना) એક બતની गति एक वकार की गति. A kind of Gati or movement नाया॰ ४:

जइस्मी स्त्री॰ (जिवनां) वेशवाशी (स्त्री) गाति

वाली (क्री) (A woman) with speedy guit or movement. श्रांत्र॰ जहना मा॰ (यनिता) साधु पछं. साधुपः Monkhood, state of माध्यन being an accetic. भत्त॰ =७;

जरूतार, पुं॰ (जेतृ) शत्रुना शैन्यने छतनार, शत्र के मन्य की जीतने वाला. One that conquers hostile army. ठा० ४. २:

जङ्ताः मं॰ फृ॰ घ॰ (याजीयम्वा) पर्यत क्ष्रापीने: यह करापीने यज्ञ कराकरः Having caused a sacrifice to be performed. " जहत्ता विडले जन्ने " उत्त॰ €. 34:

जदय. त्रि॰ (जियक) लय धरतार; लित-नार, जय करने वाला: जीतने Conquering; victorious. १, =; (२) ९८५ ९८५ श्रफ्ट. जय जय शब्द. the voice of victory. नाग॰ =:

जरूय पुं॰ (यद्र) यालकः यम करनार. यज कर्ता: यज करनेवाला. A sacrificer; one who performs a sacrifice. उत्त० २४, ३६;

जह्वा. थ्र॰ (यदिवा) अथवा. या. Or; or else. उत्त॰ १, १७, २५, २४,

जहित अ॰ (यद्यपि) लेकि ले पश्. जोकिः जोमी. Although; even though. सु॰ च॰ १, १२४; स्य॰ १, २, १, ६; नाया० द. विशेष ४०१; गच्छा १६;

जउ. न॰ (जतुर्) લાખ; লগখ়ী. লাব, जोगना. A resinous substance called lac used in dyeing etc. पि॰ नि॰ ३४०; क॰ गं॰ १, ३४; —गोल. पुं॰ (-गोब) साभनी गिथी लाख का गोला. a ball of lac. ठा० ४, ४;

जउणा स्नी॰ (यमुना) यभुना; जभना नही.

यमुना, जमुना नदी. The river

Yamunā. विवा॰ =, ठा॰ १, २; १, २;

जउणावंक न॰ (यमुनावक) जभुना नहीने

शंदे को नाभनु क्षेत्र नगर यमुना नदी के

तट का इस नामका एक नगर. Name of

a city on the banks of the

livel Yamunā संत्था॰

ज उट्वेय पु॰ (यजुर्वेद) थार वेहभाने। ओक्ष वेह. चार वेदों में से एक. One of the four Vedas so named सग० ह, ३३; विवा॰ १, ४; कप्प॰ १, ह,

जश्रों म॰ (यत) केथी; केथी डरी; केभाथी जिससे, जिसमे से From which, since; because. उत्त॰ १, ७; खाया॰ १, ४, १, १४१, भग॰ २, १, १५, १, विशे॰ ३, विवा॰ १; नाया॰ २, १३, दस॰ ७, ११, क॰ गं॰ ३, १३;

जन्नो य॰ (गन्न) लथां जहा. Where, in which, सम॰ ३४:

जं. श्र० (यत्) केथी क्रीने, के क्षारण भारे. जिस कारण से; जिस वास्ते. So that; reason for which; that for which. नाया० ५; १२, १४; १७; भग० २, १; १८, ६, क० गं० १, ६; १, ३५; २, ६, जं० प० ४, ११२;

जांकि।चे. श्र॰ (यहिंकचित्) की डांछे. जो कुछ Any extent to which, anything which नाया॰ ६;

जगम. त्रि॰ (जङ्गम) हासतु नासतुं क्रंगम भिक्षत चलती फिरती जंगम मालियत. Movemble; movemble property. परह॰ १, १; उत० ६, ६; (२) पु॰ हासता यासता छन; त्रसछन चलते फिरते जीव; त्रम जीव ज॰ प॰ —िवस पुं॰ (-िवप) सर्भ आहिनु जेर सर्प वगैरह का विष Vol 11/97 venom of a serpent etc. ठा॰ ६; जंगल पुं॰ (जहल) એ नामना એક आर्थ देश इस नामका एक आर्थ देश. Name of an Arya country. पत्र॰ १.

जंगिश्र-य. न॰ (जाङ्गमिक) हे। शेटा पगेरे त्रस छ्वना अवयवधी उत्पन्न थयेस वन्त्र; उन रेशभी विगेरे कोरोटा इत्यादि त्रम जीव के श्रवयव से उत्पन्न ऊन रेशम Silk, wool etc. produced from the lumbs of moving sentient beings such as silkwoins etc "जंगमजायनंगियनंपुणीवगीं जिदियचपंचेदि" ठा॰ ३, ३; ४, ३; वेय॰ २, २२; श्राया॰ २, ५, १, १४१;

जंगोल न॰ (जाङ्गुल) जेर हितारवाना हिपाय पतावनारू शास्त्र; आयुर्वे हेने। ओड लाग विष उतारने का इलाज विताने वाला शास्त्र; आयुर्वेद का एक भाग. That part of medical science which deals with the cure of evil effects caused by the poison of serpents etc. विवा॰ १, ७;

जंगोली स्त्री॰ (जाङ्गुली) अरे ઉतारवाना उपाय दशा वनार शास्त्र शास्त्र शास्त्र शिवधा विष उतारने का इलाज दिखानेवाला शास्त्र, मंत्र विद्या. Science dealing with antidotes to snake bites etc ठा॰ =, २. जंद्या स्त्री॰ (जद्या) ०० ध, साथल जांद्या जद्या A thigh जं० प० जीवा॰ ३. ३; स्त्रोघ॰ नि॰ भा॰ ५; ३१६; स्रगुत्त॰ ३, १; स्त्राया॰ १, १, २, १६; पि० नि॰ ३३०; स्रोव॰ १०; उवा॰ १, ६४, प्रव॰ १६, ६४ ६; — द्विया स्त्री॰ (-म्रास्थिका) साथलना उपरना लागनुं हाउ है जांच के उत्तर के दिस्से की दृष्टी the bone of the part above the thigh तदु॰

--चर, त्रि॰ (-चर) व्यंपयी-पगयी, यासनारः पाते। जांगा गे-परसे नजनेवालाः प्यादा. pedostrian. श्रमुजो॰ १२८ः

जंघाचारण पं॰(जहाचारण) तप विशेषधी ત્રાપ્ત થયેલી શક્તિવાળા ચારણમૃતિ કે જેના ભાવથી જાલને શહેપડી આકાશમાં અધ્ય ९८८ शहे तप विशेष की एक लॉब म्हाउन-वाला बारण सुनि कि जो धापनी विवा के प्रभावमे वंघा का भवनवाहर चाह जवर प्याकाश में श्रापर जा सकता है A class of ascetics who through the force of their spiritual power can move in the sky simply by patting the thighs. And se, ६: प्रव॰ ६०७; —चार्गालाद्धि थां। (-चारगालाच्य) जधायाराम् विद्यानी अधि जघा-चारण विद्या की प्राप्ति, तट quirement of the knowledge which enables one to move in the sky simply by patting the thighs भग० २०. ६;

जंघाचारणा ह्रां॰ (जंघाचारणा) शे नाभनी विधा हे केना अलावधी आहाशमां अये डिडी शहाय छे इस नामकी विधा कि जिसके प्रभाव ने प्राकाश में उदा जा सकता है A science of that name enabling a person to soar in the sky. भग॰ २०, ६; —परिजिय. पुं॰ (-जङ्घापरिजित) शे नाभनी साधु हे केंछे वशीहरखनी अथे। हरी भूव होप सगाउथे। हता. इस नाम का साधु कि जिसने वशीकरण का प्रयोग कर के मूल दोप लगाया था name of an ascetic who had incurred a blemish by making use of fascination. पि॰ नि॰ ५००, —चल. न॰ (-बल) कांधनु

णाय. जांघ का मल hordiness, strength of the thighs जांवा का निर्मा जांवा का निर्मा जांवा का कांवा का मिर्मा प्राप्त कांचा पर के नरम नरम याना. soft hair growing on the thight, निर्मा का प्रथी तरी शहाय नेटलं (पाणी). जहां में तम जामके इतना पानी (water) reaching the thight. " संनमा में जंबा मंतारिमें उद्देग मिया" आया का, 3, 2, 12% जेवा अ (पर्मप्त) क्या. जहां. Where, at which place. अंत 2, 4;

जंत. न (यन्त्र) वशीहरुलाहि अये।गर्भा वप-राते। यंत्र, वशाहरमादि प्रयोग मे श्रांत वाला यंत्र A diagram of some mystical nature used in winning over a certain person, परहरू १,३; (३) नियभनः नियंत्रण नियमनः नियंत्रण. control.राय॰(३) એક अधारत २थन ઉपहरेख एक अकारका रथना उपकरण one of the parts of a chariot नाया । १: ર્ત્તે ૧૦ ૪, ૧૧૪; (૪) ઘાણી, ચિંચાેડા, शेष्ट्य वरीरे. घाणा, पालने के साधन विशेष. oil mill; juice extractors etc. पग्ह-१.२: -पत्थर पुं- (-प्रस्तर) पाधा है हवानुं यंत्र, शेहिश् आहि. पत्थर फेकन का गंत्र: गिलोल श्रादिः a weapon (e g. a sling) to discharge or shoot stones परहर १, २; -पीलराकम्म न॰ (-पाउनकर्म) धाली नियोश वर्गरे કેરવવાના ધર્ધા કરવા તે; શ્રાવકના પંદર કર્માદાનમાંનું બારમ કર્માદાન; સાતમા વતના એક अतियार, तेल निकालने की चकी चलाने का उद्योग करना वह: जैनियो के १४ कर्मादानों में से १२ वा कर्मादान. सातवे व्रत का एक श्रतिचार. occupation

turning an oil-mill etc.; the 12th of the 15 Karmadanas (sources of incurring Karma) of a Jaina layman; a partial violation of the 7th vow. भग॰ ८, ४:--लिटिड स्त्रीं० (-यष्टि) यंत्रना ઉપયોગમાં આવતું લાકડ; ચીચાડાનું લાકડું. यत्र के उपयोग में प्याता हुआ लक्ट. wood used in constructing a mill s g. for pressing out juice from sugar-cane. दम॰ ७, २=; -वाडय. पुं॰ (-पाटक) शेरडी पीक्षवानु स्थवः शेरडीते। पाड गन्ने का रस निकालने का स्वत a place where juice is pressed out of sugar-cane. जीवा. रे, १; —वाडयचुङ्गी, स्त्री॰ (-पाटक-चुही) शेरडीने। रस पशववानी यूत. गर्ने का रस पकान की भट्टी, an oven where the juice of sugar cane is heated. जावा॰ ३,१; —वाह्या. न॰ (-वाहन) यंत्र यक्षाववुं ते. यंत्र चलाना. working a mill e. g. an oil-. mill etc. प्रव २६=:

जंतिय. ति । (यंत्रित) नियंत्रित, नियमित; ध्यके धरेल नियंत्रित; नियमित; वश क्या हुआ. Kept under restraint. उत्त । ३२, १२:

जंतु. पुं॰ (जन्तु) प्राष्ट्री; छव. प्राण्छी; जीव.

A living being. उन॰ ३, १: भग॰
६, ७; २॰, २; (२) छवारितमाय नामनु
नानादि गुज्याक्षे द्रन्यः द्रन्यने। भेः
प्रश्चार. जीवारितकाय नामक ज्ञानादि गुण्
नाला द्रव्यः द्रव्य का एक प्रकार. ॥
variety of substance possessed
of the attributes of knowledge
etc and named Jivastikaya.

इत्त॰ २८, ७; जंतुग. पुं॰ (जन्तुक) ओड ज्वतनुं धास है किथी इस श्रंथाय छे. एक प्रकार का घांस कि जिय से फूल गुंथा जाता है. A kind of grass used in knitting to gether flowers. सय॰ २, २, ७; पग्ह॰ २,३;

जंतुयः न० (जनतुक) ०/तुः नामना धासनु पाथरखूं. जन्तुक नाम के घांस का विद्रांना Bed made of the grass called Jantuka आया० २, २, ३; १००; √जंद. या० I. (जल्र) भासनुं: १९ेनुं. बोलना, कहना. To speak; to say. जंदह. सु० च० १, १०३;

जाए सु॰ च॰ १, ३७६; जंपंति. विशे॰ ५६४:

जप्तानेत स्प्र० १, १, १, १०; जीपेस्तामि. सु० च० १, २२४, जीपेसा. मं० कृ० दमा० ६, १२;

जंगता व क क स्या १, १, २, ४; श्रोव व नि व व व क क स्या १, १, २, ४; श्रोव व नि व व व क क क क क क क क क २, ३; सु व च व ०१, ३१३; २, ४०६; पचा ० १४, ४:७:

जंपमाण. व॰ कृ॰ नाया॰ ६; पगह॰ १, १, विशे॰ २,८२०; जं॰ प॰ ३, ४२ जंपम. त्रि॰ (जल्पक) भेशतार बोलने वाला (One) who speaks. पएह॰ १, ३; जंपाण न॰(जम्पान)એક પ્રકારનુ વાહન.पालभी विशेष एक प्रकार का बाहन, पालकी विशेष. A kind of vehicle; a particular kind of palanquin. मु॰ च॰ १०,

११३: ठा॰ ४, ३, जंपिय. त्रि॰ (जिल्पत) शे क्षेत्र, हिंद बोला हुआ. कहा हुआ. Uttered; spoken. उत॰ ३२, १४; मग॰ ११, ११: जंपिय. त्रि॰ (जिल्पिन्) शिल्पार. बोलने V. 554.

तियाम पंट (कामाम) घार, धार, rest Mud, mice we at a fil जब एक (जान) का भाग, लामन के विकास of a tree of died dumber green. \$ \$, \$ \$, \$, appp \$ \$, (5) entragent sort THE RE A LIES OF LEASE MITTER A MENANCE SERVICE SERVICE MATERIAL MATERI First Junion Syams are year falanticia, promo the conti nout known we Jamba D. por.

दोब्ब पुर (जाबुक) मिला प्रतिकार A ं दोष् पुर (जाब र स्टार्स) माना विराह Include with the others. (1) ज्यापने ६५, जानुन का फल के विकास की the Jimba tree quart 34, 34; जैबहीय नव (जन्दरीय) लुर्नेश "जेप्रीय" २००१ देखां ' लेब्सीय ' शबद Vido े जबुरीय " रीक्यक्य,१९२, १,३१६ १२४, प, ११४, स्व एक १: शाय २०: स्व यक २, ८: नाया • १, १३: भग- ४, १, ४: ६. 1; 3c, 5, 50, 6: \$ 40 9, 335, 3, 3. उपा॰ २. ११३: २[.]४० १. २. २. १८. प्रा॰ १८१२: --पदानि वी० (प्रशीत) रेंग नामन पायस दियाय सुर इस नाम का पानवा उपांग मूझ the fifth Upling i Sutin so named ans c. 1. नदीं बरा; जंब पर ७, १४०, --प्रमाग्य नि॰ (-प्रमासक) कुशुरीप प्रमास् पार्थ, जन्मूद्रांग के प्रमादा चाला of the measure of Jambüdvipa. क॰ मं. 8. 04:

जंयुफलकालिया सं। (जम्यूफलकालिका) शिक्ष व्यवनी हाक, एक प्रकार की महिसा A kind of liquor, পদ ১৩;

बाहा. (11no) who speaks, मन्यन | जीवपत्री, धीर (जापुर्वते) स्ट्रा र स्टब्स Notes white sate webernet gen क मह मुख ने पार्चर मांग ने सीर कराइन Stan Name of the alle there the of the 5th Vant Survivan of Antonito Section - second होचापटेखणा धार (अनुमहर्गना) र ४४० of orthography to the other of the कराई वर्ष का सम्बद्ध कर कर है। रमा पर में हुए हैं है का राम पर (दीव reid it were it to the it is the after which dambahrar, re ar and Are t. e.

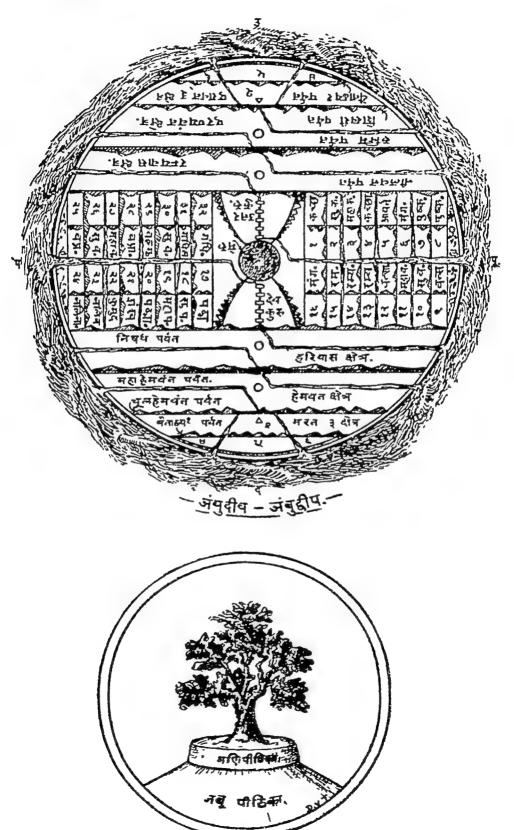
> कुल क्यांसी जन सम्बद्ध सुर्वाण कराई। a mry The disciple of Sediese my Sylmic Jambu Sylmin सारा - १: ---यागामा प्र (कारमाम) रत्य अवसी अध्य स्वयं, तैनापित Swim विशः १, —शल वः (४७) न्तरमात् ५० जामन का भाग क विवास of the Joulan tree nas wire वसक १२, लेवाक ३, ज्यासम पुर (- ग्रह्म) का लान अर्थ, जामन का साथ, Jambu tion, A. T. 1, 200, --- चारा, स- (-यम) अध्युर्देशन जामने m na. a forest of Jambu trees. एक प्रकाशका -- याग्रामह पुर (-मन-मंद्र) अ अर्थ न्द्र वन सामुने का छैदा ge a small forest of Jambu trees 3. 7. 2. 307:

ज्ञंबूगुद्, न॰ (जाम्यूनद्) भे.कुं, स रह[ं] गुलाः गुरणं, मानन Gold सं. प.

जंबूनाय. पुं• (जाम्बूनव) न्तुन्ति अपेती २००६. देगी जगर का शब्द Vide above. राव॰ ६१; जीवा॰ ३, ४: जे॰ प॰ उवा॰७, २०६;

•		

मचित्र अर्ध मागर्धा के।प



जंबृ्ण्यास्य. त्रि॰ (जाम्बृनदमय) शुत्रः भय सुवर्ण मय. Full of gold; golden भग० ६, ३३;

जंबृद्दीप पुं (जम्बृद्धीप) ये नाभने। असं-ખ્યાત દ્રીપ સમુદ્રમાના પ્રથમ દ્રીપ. इस नाम का असंख्यात द्वीप का प्रथम द्वीप. Name of the first Dvipa of innumerable Dvīpas in ocean. ' कही एमंते जंबू होव द्वीव महालए ए मंते '' सम० १, नाया० १; =; १६, १६; नदी० १२; पन्न० १४, श्रोव० ४३, श्रगुजो० १०३: १४५, भग० २, ५, १०,३,१,७; ठा० १: १: निर॰ ३. १. — श्रहिवड. યું (- શ્રધિ રાતિ) જ ણ દ્રીપના અધિ-पति अतादत नाभते। देवता. जम्बृहीप का श्रिपित अनाहत नाम का देवता. a god named Anadrita, the lord of Jambūdvīpa ज. प. -- प्राणितः র্জা০(-प्रज्ञिति) लेभा જ শুর্বী দুর্ন সহ্পত্য হর্ষ্ છે તે,જ ક્ષદ્રીપ યજ્ઞનિ નામે એક કાલિક સૂત્ર कालिक सूत्र कि जिस में जम्बूद्वीप का वर्णन किया है. name of a Kalıka Sütia describing Jambūdvīpa नाया॰ दः टा०४,१, --- दपमाणः त्रि॰ (-प्रमाण) প প্রর্থাণ সমাত্ত্র; ক প্রর্থাণ কবিકু जम्बूद्वीय के पारेमाण का. of the size of Jambūdvīpa. भगः ३, ७;

जंबूदीयग नि० (जम्बृद्धीपक) જ णुद्धीपमां ९८५२ थनार भनुष्य जम्बूद्धीय में उत्पन्न होने वाला मनुष्य A person born in Jambūdvīpa. ठा०४, २,

जंबूपस्रवयिक्षितिः न० (जम्बूपस्रवप्रविभाक्ति)
णत्रीस प्रधारना नाटकभानु २० भु केभा
का भुना पाइडाने। विकाग दर्शाव गाम व्यावे
छे ते ३२ प्रकार की नाटक की विधि में
से २० वी विधि कि जिस में जामुन की

पतियों का विभाग प्रदर्शित किया जाता है The 20th of the 32 varieties of dramatic representations characterised by a scene of the leaves of Jambu tree. राय० ६४.

जंबूफलकालिया स्त्री॰ (जम्बूफलकालिका)
ज्य भुडाना की शिक्षा २ गनी भिहरा. जावुन
की सा काले रग की मिदरा Liquor as
black as Jāmbu fruit जीवा॰ ३:

जंबूय पुं॰ (जम्बूक) शृगाक्षः शिषाल सियार A jackal पग्ह॰ १, ३:

जबुलय पु॰ (जनूलक) थ थु; थायवाधु पाखीनु हाम सुराई; सकडे मुंह का पाना का पात्र A pot of water with ध narrow neck उना॰ ७, १८४;

जंबूर्वर हों। (जम्ब्वती) कृष्ण वासुदेवनी
कृति पटराणी के के नेभनाथ प्रसु पासे दीसा
स्तृत्री भिक्ष पदार्था कृष्ण वासुदेव की हुठी
पटरानी कि जिन्होंने नेमनाथ प्रभु से दीचा
ले कर मांच प्राप्त किया. The sixth
crowned queen of Krisna
Vāsudeva who got religious
initiation (Dīksā) from Lord
Nemanātha and attained to
final bliss ठा० =, १, ग्रंत० ४, ७

जंबुसुदंसणाः श्री॰ (जम्बुसुदर्शना) सुरर्शन नाभे क्लंभुतृ आड केना ઉपरथी क्रभुद्रीप नाभ प्रसिद्ध थयेख छे सुदर्शन नाम का एक जामुनका बच्च जिस परमे जम्बू द्वीप का नाम प्रमिद्ध हुआ है. The Jambu tree named Sudarsana from which the name Jambudvipa is derived ज॰ प॰

√ जंभ घा॰ I. (जुम्म) भगासु भावुं । वघात्ती खाना To yawn, to gape. जंभाट्ता सं० कृ० जं० प० २, २४; जंभायन्त य० कृ० भग० ११, ११;

जंभग पुं॰ (जूम्भक) त्रिन्छा लोक वासी देवता तानी शेठ अत. त्रिन्छा लोक वासी देवता की एक जाति. A class of deities residing in the region known as Trichchhā. " श्रारेथं एं भंते जभया देवा" भग॰ १४, ८; नाया॰ ८; सु॰ च॰ २, ३०८, पएह० २, २;

जंभणी स्त्री॰ (जूम्भणी) એ नामनी એક विद्या. इस नाम की एक विद्या. A science of that name. स्य॰ २, २, २०;

जंभय. पुं॰ (जूम्भक) छुओ। "जंभग " शण्ड देखो "जंभग "शब्द. Vide "जंभग" नाया॰ =; भग॰ १४, =; —देव. पुं॰ (-देव) छुओ। "जंभग" शण्ड देखो "जभग" शब्द. vide "जभग" नाया॰ १; =;

जंभाइयः न॰ (ज़ामित) শगार्स भार्तुः वघासी खाना. A yawning; a gaping म्राव॰ १. ४; ४, ४;

जंभायमारा. ति॰ (जृम्भमारा) ळुओ। ઉपदे। शण्ट. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. नाया॰ १:

जंभिय. पुं॰ (जृंभिक) એ नाभनुं गाभ. इस नाम का एक गांव. Name of a village कप्प॰ ४, ११६;

जंभिय गाम. पुं० (जृम्भिकप्राम) लंगालामां आवेल ओह गाम है कोनी पासे महापीर स्वामीने हेवलज्ञान प्राप्त हुआ था Name of a village in Bengal in the vicinity of which Mahāvīra Svāmī attained to omniscience नाया॰ दे; आवा॰ २, १५, १५६; कप्प॰ ५, ११६;

जंभइष्ठा. न॰ (यदतीत) स्थाग्डांग स्त्रना१५भा स्थानतुं नाभ. मृयगटांग सूत्र के १४ वें अध्ययन का नाम. Name of the 15th chapter of Süyagadanga Sütia. सय॰ १, १४; २४; अगुजी० १३५;

जक्त पुं॰ (यस्) कक्ष; व्यंतर देवनी ओक् न्तत जन्न; यन्न; व्यन्तर देव की एक जाति. A kind of demi-gods known as Yaksas; a class of Vyantara gods. सम॰ ३०; उत्त॰ ३, १४, १२, ६; ३६, २०७; भ्राणां० २०: १०३, श्रोव० २४; आया॰ २, १, २, १२; नाया॰ १; २; ८; ६; ठा० ४, १; घोष० नि० ४६७, सु० च० १, ३४७, ४, ३९; विवा॰ १, २; ४; दसा॰ ६, २४; जीवां॰ ३, ३; पश्च॰ १; प्रवर्ष, २६३; भत्तर ७८; भगर २, ४; ४२, १; दस० ६, २, १०; (२) એ નામના એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર, इस नाम का एक द्वीप व एक समुद्र. name of an island and also that of an ocean स्॰ प॰ २०; पत्र॰ १४; जीवा॰ ३, ४; — आइट्ट. त्रि॰ (-माविष्ट) यक्षना आवेशवादी। यत्त का आवेश जिसमें है वह. possessed by a Yaksa बन ३, १०; १०, १८; ठा० ४, १; —श्राएस. पुं॰ (-मावेश) यक्षती आवेश यस का आवेश. state of being possessed or influenced by Yaksa. भग-१४; २: १८, ७: — श्रादित्तय-श्र. न॰ (-म्रा-दीसक) એક દિશામાં થાડે થાડે આંતરે વીજલીના જેવા ભડકા દેખાય તે; ભૂત પિશાચ पगेरेना याक्षा. एकही दिशा में योडे योडे अंतर मे विजली की सी चमक का दिखाई देना, भूत पिशाच इत्यादि का चमत्कार flashes of light seen at interval in the dark regarded as

the gambols of ghosts etc; Jack with a lantern. अण्डां॰ १२७, — प्रावेश पुं॰ (-भावेश) यक्षती आवेश-प्रवेश यत्त का आवेश-प्रवेश state of being possessed or haunted by a Yaksu, भग. १=. ७. — श्रायतन. न० (-श्रायतन) लुओ। ७५के। शण्ह देखो कार का शब्द. vide above. निर. ५, १, — ग्राययण, न. (-म्रायतन) यक्षत् आयतत-स्थात-हहे यत्र मंदिर, यत्त स्थान. a temple consecrated to a Yaksa. স্থান 1, 1; ६, ३, नाया॰ ४. ६; — त्रालिस. न॰ (- चादीस) એક દિશામાં થાડે થાડે આતર यिक्सी केवा अश्रश हेणाय ते. एकही दिशा में कुछ २ अतर से विद्युत जैसे प्रकाश का दिखाई दंना. a flash of light seen at intervals in the dark; jack with a lantern, 230 984E, -- 31-लित्तग्र-य न॰ (-मादीसक) लुओ। ७ पत्नी शण्ट देखों जगर का शब्द vide &bove. ठा॰ १०, १; जीवा॰ ३, भग० ३, o, —इंद go (-इन्द्र) यक्षते। छन्द यहाँ का इंद्र. the Indra of the Yaksas, भग० १०, ५, (२) अरनाथ-छता यक्षतुं नाम. श्ररनायजी के यक्त का नाम. name of the Yaksa of Atanāthajī प्रव॰ ३७६. — आवेस पुं॰ (~म्रावेश) यक्षती व्यावेश, वस्त्राः यत्त का आवेश-शरार प्रवेश. state of being possessed by on under the influence of a Yaksa zro २, १, भग०१४, २, —(क्ख्) उत्तमः पु॰ (-उत्तम) યક્ષના ૧૩ પ્રકારમાંના છેલાે प्रशर यत्त के १३ प्रकारों में से प्रान्तिम प्रकार. the last of the thirteen

varieties of Yaksas. पन ः. —गाह. go (-प्रह) यक्षती आवेश; ०४क्षेत्री वस्त्रगाऽ. यत्त का आवेश, यत्त का शरीर प्रवेश. state of being possessed by a Yaksa. Ano 3, 0. जं०प०३,४४, जीवा०३, ३; -देउल न० (-रेबल) यक्षन भ हिर. यत्त का मादिर a temple consecrated to a Yaksa. नाया॰ २; -पिडिमा स्त्रो॰ (-प्रतिमा) यक्ष हेरतानी अनिभा यत्त देवता की प्रतिमा an idol of a Yaksa (a kind of demi-god) राय॰ १६६, --पाय पुं॰ (-पाद) यक्षना पग यक्तके चरण a foot of a Yakşa.नाया ०९, -- मंडलपविभक्ति. स्री॰ (-मंडलप्रविभक्ति), ३२ ना८ अभातु १० भू नायक इर नाटकोमेंस १० वा नाटक. the 10th of the 32 varieties of dramatic representation. राय॰ ६२, --मह. पुं॰ (-मह) यक्षने। भहेत्सप यस का महोत्सव. a fostival in honour of a Yaksa. भग॰ ३३, राय० २१७, निसी० १६, १२: जक्लकहम पुं॰ (यचकर्षम) ये नामना णे वाधीआ इस नाम के दे। वैश्य. Two Banıyas named Yakşa and Kardama (ર) એ નામના એક દ્રોપ અને એક સમુદ્ર, इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक समह, name of an island and also that of an ocean. चं० प॰ २०:

जक्खिद्भा. स्रो॰ (यचदत्ता) णापीसभा तीर्थं इरती भुण्य साध्यीन नाम वार्वामवे तोर्थं कर की प्रधान साध्यों का नाम Name of the principal nun of the 22nd Tirthankara प्रव॰ ३०६; जक्सभद्द पु॰ (यचभद्र) यक्ष द्वीपनी

जनसम् ५० (यत्तमद्गः) यक्ष ६।पना अधिपति देवता यत्तद्वीप का अविपती Run The presiding deity of S Yakça Dupa (i.e. island of the Yakasa), 48 48 20;

जनगमहाभए पुर्व (महमहाभद्गे) पर द्वी जी स्वधित्र वा देग्यः यनतेत का कार्य ए। मेरेना, The providing doing of Yaksa Despa (i e island of the Yak as) पुरुष १४%

जाभगवर, १० (यह तर) वस तमने भाभगित रेना एस तन् ना अवसान देवा The providing delay of Yakes Sounder (i. e. the even of the Yakese,) मुन्दन्तर जाभगिति हार (यह के) काशी नामनी देश भारतनी, बाल जामने एक अवसान तमने हार अवसान कामने एक अवसान कामने काम

जक्ना कः (यदा) भ्युत्तव्यी भरेत स्थानम्ह कः नामने, The molec of Sthulablades so named, क्षान्तः जिल्लामि कान (यद्या) २२ भ तिर्वेद्धती भूभ्य स्था, यादेनां नीर्वेद्धा देश मुख्य सार्था, The principal num of the 23nd Tuthankara, द्यान ६, ५७२, समन्य २३४:

जक्रमोद् पुं॰ (पद्माद) गोतह नाभने। सभव यज्ञेद नामहा समुद्र Nome of an ocean, स्॰ प॰ १९;

जग पुं• (>) प्राणी प्राणा. A living being, मूग• ५, ११, ३३;

जग. पुं॰ (जगत) व्यथत: दुनिया; क्षेत्रः, संभार, जगत, दुनिया, लेक्कः, ममार. The world, worldly oxistence मृत्र॰

5, 5, 5, 4; 5, 54, 9, 374, 57, 65; gree b. hi che e. hit he he h १) : - न्याण्यः पे (सामान-प्रवर्ध मेक्ष्रवेषारस्वाको विभिन्नान्त्रसारस भारतिकारतिक अभाग्यक्षात्र केहिना भूरितक्षतिहरूपाद्यापात् जनकृत्या है સત્તરને જાર્વાત પર્માણે કરાયા ઉપ additional on me are in an inweit weige. Hefriebe, mett लहा कर और कीत एकर एमंद्र भीतह छात्रर इस धर है देस खर का भागत है। बामध w idane Sir Transport or evaluate lancourses for german delight to weelly beings in th's world out the next by intigious instruction which where we was the more for their wanter of spicitust evalution, its hi उत्तम (१० (उत्तम) उर्द्याम उत्तम he' vas a rna, his boar in the world say ver; - mr. पुंच (च्युक्त) क्लावनः शुरू-तीर्थंदरः ungur - diger a worldtoucher, a liethnikain, nr. ४६७: ंदी• १. —तीयज्ञामीयियालयः पुंच (-लीरवामांप्रसायक) जनवाक्षीरा भग स्वरूपने 'ल भूनपर देवसत नी जनहर्के यों के संघे रास्य का जानो बानाः केता MAG, an oraniscient knowing the real nature or essence of the beings on the earth, after —जीवण पं॰ (-जोरन = गर्गान्त जह मानि शाहिमकाचैन जीवपनाति जगकीवनः)

द लुओ। पृष्ट नभ्यर १४ नी पुरनीर (*) देखा वृष्ट नम्बर १४ की फुटनीर (*) Vide foot-note (*) p. 15th

છકાય છવના રક્ષક, જિનેશ્વર ભગવાન, જ્ઞ काय जीवों का रत्तक: जिनेश्वर भगवान в protector of the 6 kinds of living beings; lord Jinesvara मम॰ ३०, -हमासि पुं • (-धर्यमापिन्-जगत्यर्था जगदर्था ये यथा व्यवास्थिताः पदार्थाः, तानाभाषितं शीलमस्येति जगदर्थ-મા**વા)** લાેક પ્રસિદ્ધ અર્થ –વાત કહેનાર જેમકે શદ્રને આભિર, દેટને ચાંડાલ, આંધલા-ને આધલાે. પ<u>ગ</u>ને પાગલાે વગેરે કહેનાર. નિષ્દુર વચન બાલનાર; સત્ય પણ અપ્રિય णेलनार लोक-प्रसिद्ध अर्थ-बात कहने वाला, जैसे कि चुद्र को चुद्र, भंगी को चाडाल, श्रंध को श्रया, लूने का लूला इत्यादि कहने वाला, निष्ठुर यचन बोलने वाला, सत्य पर्तु श्रिय बोलने वाला one who speaks harsh and unpleasant truths plainly and without using euphemisms; e g calls a blind man a blind man, an untouchable a Chandala etc. " जे काहरा होइ जगट्टभासी '' सूय० १, १३, ४, — णाहः पुं॰ (-नाथ) જગતના नाथ; ि नेश्वर अभवान. जगत का स्वामी, जिने-श्वर भगवान. lord of the world: lord Jineśvara. नंदा॰ १: — णिस्सिय त्रि॰ (-निश्चित) क्षेत्रभां रहेल, जगतने शाश्री रहेश. संसार में रहा हुआ; जगत के भाश्रित रहा हुआ। residing in the world; having an abode in the world '' जगियणस्सिएहिं भूएहि " उत्त॰ ८, १०; दस॰ ८, २४; — **पागड** त्रि॰ (-प्रकट) ०४२। व्याहेर, जग जाहिर. public, known to the world पग्ह॰ १, १; —िदिपयामद्व. पुं॰ (-विता-मह) જગતના–દાદા, કુગતિ જતા છવને Vol 11/98

ળયાવનાર: જગતના પિતારુપ જિનેશ્વર भगवान् जगत के पितामहः दूर्गति जाते जांवो को बचाने वाला: जगत के पितारूप जिनेश्वर भगवान. the grand-fatiner of the world: lord Jinesvara so called because he is a saviour of the world नंदी॰ १: --वन्ध पु॰ (-वन्धु -- जगतः सकत्रप्राणिसमुदायरूप-स्याव्यापादनोपदेशप्रग्रायनेन सुखस्थापक-त्वाद् बन्धरिव-बन्धु) જગતના ખधु-लाध સમાન, જગતના ળધા છવાને ભાઇ સમાન भाननारः श्रीळिनेश्वर ભગવાन, जगत के पंधु समान; जगतेक सब जीनेंको भ्राता तस्य माननेवाला: श्री जिनेश्वर भगवान Jineśwara, the brother of the would because he bears fiaternal affection to the beings of the world. नंदी॰ १: --सञ्ब-दसि. पु॰ (-सर्वदार्शन्) જગતને સ પૃણ સ્વરુપે જોનાર શ્રી જિનભગવાન: શ્રી તાતપત્ર भहावीर जगत के सपूर्ण स्वरूप का देखन वाला श्री जिन भगवान, श्री ज्ञातपत्र महावीर. Lord Mahāvīra who sees and knows fully the real nature of the world "नाप्ण जगसन्वद-मिया '' सूय० १,२,२, ३१, —सिहर न॰ (-।शिखर) જગતના शिખररूप भेक्ष जगत का शिखर रूप मोच. the summit or chmax of the worldie final bliss. क॰ गं॰ ६, ६०, —हित (-हित) જગતનું હિત-ભલું કરનાર जगत का हित करनेवाला (one) who is a benefactor of the world. सम॰ ३२, -- हिय त्रि॰ (- हित) लुओ। ઉपले। शण्ह देखो ऊपर का शब्द. vida above. सम॰ ३२,

जगन्न. न॰ (जगन्क) जगत्. जगत्. The world; the universe. विशे॰ १६६६; जगद्द. ब्रो॰ (जगत्ती) पृथ्वी. पृथ्वा. The earth. "भूयाण जगद्दे जहा" उत्त॰ १,४१. प्रव॰ १४१२; जं॰प॰ १,४, (२) ज भ्लुद्दीपने ६२ते। हे।८. जंवृद्दांप के चारो ध्योर का काट. a fortification encircling Jambudvipa सेणं एगाए बहरामईए जगईए सन्वन्नो " जं॰ प॰ मम॰ ६; —पव्चयग. पुं॰ (-पवेतक) पर्नत विशेष; स्पांभ वनखड में का एक पर्वत क particular mountain in Suryābha forest स्य० १३५,

जगडिजांत त्रि॰ (कलहायमान) ४४६ ४२ते। क्लेश करता हुम्मा Quarrelling, entering into strife जगडिजांता विपरकमाणुहिं " गच्छा॰ ६७;

जगतण न॰ (जगनृषा) ये नामनी ये ।

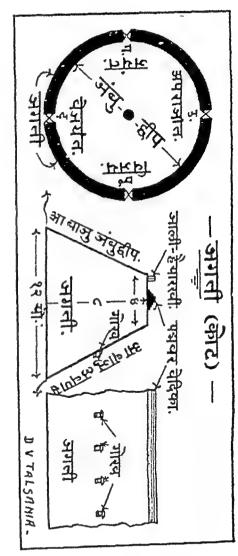
गतनी बीबी वनस्पति इस नामकी एक

प्रकार की हरी वनस्पति A kind of

green vegetation पन्न॰ १;

जगती. ली॰ (जगती) भृथ्वी पृथ्वी The earth. म्य० १, ११, ३६; (२) ०४ भ् દ્રીય આદિ ક્ષેત્રના કાટ: કિલ્લાે આ કાટ ૯ યાજનતા ઉંચા છે. એની ઉપરની પહાલાઈ જ યાજનની અને નીચેની ૧૨ યાજનની छे जेना उपर पदायर वेहिश छे अने વચમા કેટલાક ઝરાેખા છે, એના વર્ણન વિસ્તારથી છવાલિગમ સ્ત્રમાં આપેલ છે, ચિત્રમાં કાટના આકાર, ઉચાઇ. પહેલાંઈ, ઇત્યાદિ ખતાવેલ છે जबुद्धीप श्रादि चेत्रका कोर्ट, किल्ला. यह कोट ऊचा है. इस के योजन का ऊपर के भाग का चौडाई ४ योजन की श्रीर नीचे (पाये) की चौडाई १२ योजन की है

इस के ऊपर पद्मावर वेदिका श्रीर बीचमें कई भारोखे हैं. इस का विस्तार से वर्णन जीवा-भिगम स्त्रमें दिया गया है. the fortification surrounding Jambudvipa and other regions. This wall



is 8 Yojanas in hight. The breadth at the bottom is 12 Yojanas and at the top 4 Yojanas. There are many lattice windows in the wall. full particulars can be had

from Jīvābhigami Sūtra. जीवा॰ ३, ४,

जगती(ति)पव्ययः पुं॰ (जगति पर्वत्) लुओ। "जगइ पव्ययग "शण्ट देखो "जगइ पट्ययग "शब्दः Vide "जगइ पव्ययग "जीवा॰ ३, ४;

जगण्पद्द. पुं॰ (जगत्यति) जगतस्याभी The lord of the universe. जं॰ प॰ ४, ११२;

जगय. न० (यकृत्) अधेलुं कलेजा; हृदय The liver. (२) ते लागना राग क्लेजे की बिमारी; हृदय का रोग. & disease of liver भग० १०, ३;

जगारी ह्वां (<) राजगरी; ओड जातनुं धान्य. राजगरा, एक प्रकार का धान्य. A. kind of corn. " असर्य श्रीयण सतुग सुगा जगारीइ" पंचा प्र, २७;

√ जगा. था॰ I (जागू) लागनं; @लागरी करवें।. जागना; जाग्रस करना. To remain awake; to wake जगाइ. बोघ॰ नि॰ ८६; जगान्त. विशे॰ १६६; जगानंद्र. श्राया॰ १, ६, २, ६;

जग्गण. न॰ (जागरण) लगरणः निदा न सेवी ते, जलगरे। करवे। ते जागरण, निदा न लेना वह, जागृत रहना. Remaining awake; a vigil पगह॰ १,१; भोष॰ नि॰ १०६.

जग्मुण. त्रि॰ (यद्गुण) केटसा गण्ड. जितना गुना. Multiplied as many times; taken as many times. प्रव॰ ३२; जध्य न॰ (जधन) डेडनी नीचेनी भाग; साथस कमर से नीचे का भाग. The

fleshy part below the waist.

जधरंगा. ति॰ (जघन्य) थे।ऽ।भां थे।ऽ; शे।छ।भां थे।ऽ; कम से कम. Minimum; least स्॰ प॰ १८;

जघिरिएयः त्रि- (जघन्य) लुओ। ઉपदेश शण्टः देखो ऊपर का शब्दः Vide above. स्॰ प॰ १;

जन्म त्रि॰ (जास्य) स्वासाविक स्वाभाविक. Natural; innate. पग्ह॰ १, ४; (२) જાતવાનુ; જાતિલું: પ્રધાન; શ્રેષ્ઠ, ઉત્તમ जातवान्; प्रधान; श्रेष्ठ; उत्तम. prominent: excellent of its kind. कप॰ ३,३५; ज० प०२,३१; नंदी०३१; श्रीव०१०; १७; ३१; विशे० १४७०; सु० च० २, ६; ६३८; भग० ११, ११; १५, १; नाया० १२; - ग्रंजन न॰ (- भ्रजन) शुद्र २५ ०५ त शुद्ध श्रंजन. pure collyrium (for the eye) " जचतया भिंगभेय रिट्टग भमरावितवल गुलिय कजल समप्पभेसु " नाया॰ १; कप्प॰ ३, ३६; --कंच्या न॰ (-कांचन) જાતીલું સાનુ; શુદ્ધ સુવર્ણ. शुद्ध सुवर्ण. pure gold कप १, ३६: -- तिराय त्रि॰ (-म्रान्वत) उथ, न्ति-यानः ४:शीन कुलीनः उच जातिका. nooly born; born in a high family. स्य॰ १, १३, ७; - स्निग्र. त्रि॰ (अन्वित) लुंगे। ઉपली शण्ट. देखो ऊपरका शब्द. vide above स्य॰ 8, 93, 0,

जजुन्वेय पुं॰ (यजुर्वेद) यार वेहमांने। णीको वेद; धाह्मण धर्मानु भूस पुस्तकः चारों वेद में का द्वितीय वेद; बाह्मण धर्म

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). दे बो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

की मूल पुस्तक The second of the four Vedas held sacred by the Brahmanas. भग० २, ३; नाया॰ ४; १६; ठा॰ ३, ३; श्राव॰ ३=; विवा॰ ४: जजर नि॰ (जजर) छण्ं जुनुं-पुराण्युः जांग, पुरानाः Old; tottering; भग०६, ३३. — घर न॰ (-गृह) छण्ं धर जांग घर tottering house. भग० ६, ३३;

जलारिश्र-य. त्रि॰ (जजीरत) लालरी, भे।भरी।; छर्ण् थयेश्व: स्वध्यं गयेश्व. जजीरत, जीर्ण, लघडा हुझा; भारी, वैठा हुझा Worn out; tottering. ठा॰ ४. ४: परह॰ १, १: राय॰ २४=: नाया॰ १: भग॰ १६, ३. —सद् पुं॰ (-शब्द) भे।भरी। अवाल भारी या वेठी हुई आवाज; रूखा स्वर hoarse and feeble sound ठा॰ १०:

जजोच. न॰ (यावजीव) છपतां सुधी. जीवन पर्यंत. As long as life lasts. पि॰ नि॰ ४०६;

जहा. सं॰ कृ॰ श्र॰ (इपट्वा) यह हरीने; द्वाभ हरीने यज्ञ कर के, होम कर के. Having performed a sacrifice. उत्त॰ ६, ३८;

जड त्रि॰ (जड) જડના વાલા: विवेध रहितः भूभ जडः विवेक्क्ष्तानः मूर्ज. Devoid of common sense; foolish. राय॰ २४०:

जडा. हो॰ (जटा) भाषाना देशने। सभूदः, जटा. शिर के केशां का समूह, जटा. The hair on the head twisted together. नाया॰ १६; —मउड न॰ (-मुकुट) जटा रूपी भुदुर जटा हुणां

मुद्ध a crown in the form of hair twisted together, नाया १६; जिंडि. पुं॰ (जिंडिन्) જટાધારી; थे। शी. जटाधारा; यागी A person with matted hair on the head; an ascetic; a Yogi. भग॰ ६, १३; प्रॉव॰ ३१; जं॰ प॰ ३६७; भत्त० १००,

जिंडिण. न॰ (जिंटिखा) જટા ધારીના ભાવ; જટા. जटाधारी पनः जटा. State of being an ascetic with matted hair on the head: matted hair on the head. जं॰ प॰ ३, ६७; उत्त॰ ४, २१;

जांडियाइलग. पुं॰ (जाटितालक) ८८ ३६-भाने। १६ भे। अढ == प्रहों में भे ५३ वा बह. The 53rd of the 88 planets "वो जांडियाइलगा" ठा॰ २, ३:

जिडियाल पुं॰ (जटाल ८८ अद्यानी पड भे। अद्ध. == अहों म से १३ वां प्रह. The 53rd of the 88 planets स्॰प॰२०; जिडिल त्रि॰ (जिटिल) जटाधारी; जटावार्धं. जटाबारी; जटावाला. Having matted hair on the head. "एगं महं कोसं गंडिय सुकं जिडिलं गिठिलं" प्रव॰ ७३६; (२) पुं॰ राष्ट्र. राहु Rāhu (a planet that causes lunar and solar eclipse. स्॰ प॰ २०;

जिंडिलय. पुं॰ (जिंदिलक) राहुनुं भी लुं नाभ. राहु का दूमरा नाम. A synonym of Rāhu (a planet which causes lunar or solar eclipse). सू॰ प॰ २०; भग॰ १२, ६;

जहल. पुं॰ (जिंटल) डेशरी सिंदनी भाइड जुड़ाधारी એક जतना साप केरारी मिंह - जैसा जटाधारी; एक प्रकार का सर्प A. kind of serpent having a mane like that of a lion. "उक्कड फुडकु- विकास हुलकक्लड विकडफडाडोवकरणदच्छं" भग० १४, १; नाया । ६;

जह. पुं॰ (क) हाथी हत्ती. An elephant श्रोघ॰ नि॰ २३८, वि॰ नि॰ ३८६,

जह त्रि॰ (जह) भेशियामा हे प्यामां अने अर्थ में जिड-मूर्ण-हे के हीक्षा हैया थे। ये नथी बोलने में, दिखने में व कार्य करने में जह-मूर्ख कि जो दीजा देने योग्य न हो। (One) who is stupid in speech, appearance and actions and so unfit to enter the religious order " याजे बुड़े नपुँसेय की बे जड़े प्रवाहिए" प्रवाह ७६३,

जढ त्रि॰ (हीन) तक्ष हीधेश, छे।डेल, भूडेश.
स्याग किया हुवा, त्यक्त Abandoned;
left. दस॰ ६, ६१, सत्था॰ श्रोघ॰ नि॰
१८७, ४२१,

१८७, ४२१,

√ जिला. धा॰ I, II (जन्) જण्णुं; ઉत्पन्न करेतु. जन्म दना, पैदा करना. To give birth to, to produce जणेह सु० च०२, ३७६, जणाति. दम० ६, ३८. जणाहस्सइ श्राया॰ १, २, १, ६३; जणाहस्सइ श्राया॰ २, ३, ६, जणिता. सं० कृ० श्रोव० ३२; जणितं हे० कृ० सु० च०२, २२६: जणेमाण व० कृ० पि० नि० १८६, आण पुं० (जन-जायते इति जन.) थे।६; भाणुस: भनुष्य. मनुष्य, श्रादमी A man;

a person; people नागा॰ १; २; ७, १४, १७; १८, भग० १, १, २, ५; ७, ६, पिं नि १२४; १६४; स् प प १; राय । श्रगुजो॰ १३०, उत्त॰ १०, १९; श्रोव॰ सु॰ च०४, १४२; वव० १, २३; नंदी० मः पचा० ७, १६; कप्प० ३, ४०; क० ग० १, ५०, (२) જन -सगावहासा, जन-सम्बन्धी relatives श्राया॰ १, ६, ४, १६३; --- आगंद. पुं० (-धानन्द) जन समाजने आनन्द आपनार, जन समाज को ग्रानद दाता one that pleases or delights mankind or human society. प्रवः ३६६; — उम्मि पुं॰ (- कार्म) तर गमाथी तर ग छि तेवी रीते भाशसीना टालेटावा नीक्षे ते. जिस प्रकार तरंग में से तरंग निकलती है उसी प्रकार मनुष्यो के समृह के समृह निकलना surging crowds of men राय॰ श्रोव॰ २७; —(गा) उवयार ५॰ (-डपचार) क्षेत्रभूल स्वकृताहिङ्यी थती पूर्व उपचार, स्वजनों में होता हुइ पूजा worship or honour paid by relatives or other people पंचा० २, ३६; ८, ४७, —कलकल पुं० (-कत्तकत्त) માણસાના 'કલ કલ 'એવા अवाज मन्द्रों का कलकल ऐसा श्रावाज bustling sound made by a concourse of men. राय॰ --क्लय पुं॰ (- चय) भाश्सने। क्षय, भरश गन्त्य का त्त्व, मर्ण death of a man. भग -३, ७, ७ ६, —क्खयकर. त्रि० (-चय-कर) क्षेत्रिनी क्षय करनार लोगों का स्वय करने वाला (one) that destroys

^{*} अंभे। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने। (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p .15th.

men. "वहू जगक्लय करा संगामा " ण्यह॰ १, ४, —जंपग्रयः न॰ (-जल्पनक) क्षेत्रिमा अपवाद. लोगों में श्रपवाद. consure among people. गच्छा॰ ६४; -- प्पमद्दः न॰ (-प्रमर्द) क्षेत्रिनुं सूर्ध नाश. लोगों का नाश. destruction or annihilation of people. अग॰ ७, ६, -पूर्यागुज्जः त्रि० (-पूजनीय) क्षीक्ष-માં પૂજનીય; લેહિમાન્ય. लोगों में पूजनीय; त्रोकमान्य. deserving of honour or worship among people. पंचा॰ २ =;--वृह. पुं०(-व्यृह) भाष्युसीनी सभूद. मनुष्यों का समूह. a concourse or crowd of men. भग॰२, १; १९, १९; —वोल. पुं॰ (-शब्द) भाशसाना अव्यक्त अथाक. मनुष्यों का श्रव्यक्त श्रावाज. indistinct noise made by men. विवा॰ १, १; —मणोहर. त्रि॰ (-मनोहर) લे। है। नां थित्तने आड्य नार. लोंगों के वित्त कां श्राकर्यंग करने वाला. (one) that attracts the minds of men: charming. पंचा॰६, १८; —बह. पुं॰ (-वध) भाश्सीनी धात. मनुष्यों का वध. killing or slaughter of men. भग॰ ७, ६; —वहा. स्री॰ (-व्यथा) পন খীয়া; ধীয়ে খীয়া, जन पीड़ा, लोक पीड़ा. affliction of people; giving pain to men. भग॰ ७, ६; —वाय. पुं• (-बाद) भाणुसे। साथे परस्पर वार्ताक्षाप **ક**रवे। ते. वात्यित **ક**रवी ते. मनुष्यों के साय परस्पर वार्तालाप करना. mutual conversation among men अवि॰ (ર) લાેકા સાથે વાર્તાલાય–સંવાદ કર-વાની કલા; વાતચીતથી માણમાને પસંદ **કરવાની કલા. लोगों के साथ बार्तालाय** — मंवाद करनेकी कला; वाक्चातुर्य.the art of

pleasing men by conversation; adroitness in conversation जं॰ प॰ घोव॰ ४०; नाया॰ ३; —संबट्टकप्प. त्रि॰ (-संवर्तकरूप) भाश्सीना संदार केवु. मनुष्यों के संहार समान. like the annihilation of men or people. भग॰ ७, ६; —सहः पुं॰ (-शब्द) भाश्सीनी –अवाजः हेप्साद्यः मनुष्यां का स्नावाजः कोलाहल. bustling sound of a concourse of men. नाया॰ १:विवा॰ १: भग० १९, १३; —सम्मद्द पुं॰ (न्संमर्द) લાકાના પરસ્પર અવાજ; કાલાહલ. ત્રાેળાં का परस्पर आवाज; कोलाइल. bustling sound made by a concourse of men. ठा० ४, १; भग० २, १; —सया-उल त्रि॰(-शताकुल) सें इंडे। भाशुसे।थी न्याप्त मैंकडों मनुष्यों से व्याप्त. full of, containing hundreds of men. भग० ११, १०:

जगुइत्तार. पुं॰ (जनियतृ) अत्पादकः अत्पन्न क्ष्मार. उत्पादकः उत्पन्नकर्ताः, A. generator; a producer. ठा॰ ४, ४;

जोगा पुं॰ सी॰ (जनक) જનક;
भातापिता वगेरे. जनक; माता-पिता वगेरह.
One who begets; e.g. a father,
a mother etc. आया॰ १, ६, १,

जगण पुं० न० (जनन) अत्पत्ति. उत्गति.

Production; creation. "गंभीर
रेम इरिस जगण" भग० ६, १; नाया०
१; उता० ८, २४६, पंचा०३, ४४; ६, १२;
जगणी. स्री० (जननी) भाता. माता. A
mother पि० नि० ४८७; उवा०३, १३५;
ज० प० ५, ११२; पंचा० ५, ३६;
—कुञ्झिमज्भ न० (-कुचिमध्य) माताः
नी दुक्षिमां माना की कुचिमें. in the

womb of a mother तंदुः — गटम पुं॰ (-गर्भ) भाताना गर्भाशय. माता का गर्भाशय. the womb of a mother. प्रव॰ १३८१;

ज्ञण्पयः पुं॰ (जनपद) देश. देश. A. country. उत्त॰ ६, भ;

जगाय. पु॰ (जनक) पिता. पिता. A father. प्रव॰ ४, —नाम. पु॰ (-नामन्) पितातुं नाम पिता का नाम. name of one's father. प्रय॰ ४;

जगावश्र-य. पं॰ (जनपद) देश, २१६८ देश, राष्ट्र. A country. उत्त॰ २६, २६, श्राया० १, ३, २, ११३; १, ६, ४, १६४; नाया० १; ५; ८, १२; १५; १६; १८, परह० १, ३, राय० २८२; निर० १, १; पञ्च० ११, ज० प० २, ३६, सु० च० २, ४; भग० २, 9, 4; 6, 4, 90, 8, 33; 93, 4; 94, 9; प्रव॰ ८६८; कप॰ ४, ८१; —कल्लागिश्रा स्रो॰ (-कल्याणिका) यक्ष्यती नी राष्ट्रीओ।. चक्रवर्ती की रानिया any of the queens of a Chakravartī जिंग्न --पाल पुं॰ (-पाल-जनपद पालयति इति जनपद्रपालः) देशने। पास्रशास, रक्षक, राज. देश का पालने नाला; रक्तक, राजा. the protector of a country; a king भोव -- पिया. प (- पित्) देशने। पिता, पाधनार, देश का पिता: पालने वाला the father i. e. the protector of a country ठा॰ ६; -प्रोहिय पुं ० (-पुरोहित जनपदस्य शान्तिकारितया-पुरोहित इव जनपदपुरोहितः) देशभां शांनि **४२नार**; धुरेादित. देश में शान्ति करनेवाला, प्रोहित. one who gives peace of mind to people, a religious pre-देशमां प्रधानश्रेष्ठ देशमें प्रधान, ध्रेष्ठ pro-

minent, renowned in a country ''भिज्ञहय जणवयप्पहाणाहिं लालियंता '' पराह० १, ४; - चगा पुं० (- वर्ग) देशने। समुद्ध, देशों का समृह, a collection or group of countries. नग॰ ३, ६; — सञ्च न॰ (-सत्य-जनपदेषु देशेषु यद यदर्थवाचकतया रूढं देशान्तरेऽपि तत् तद्धेवाचकतया प्रयुज्यमान सत्यमवितथ-मिति जनपद्सत्यम्) दश अधारना सत्यने। पेढें थे। प्रधार, दश प्रकार के सत्य का पहिला प्रकार, the first of the ten kinds of truth ठा० १०. —सञ्चा बी० (-सत्या-जनगदमधिकृत्येष्ठार्थप्रातेपत्ति-जनकतया व्यवहार हेतुत्वात् सःया जनपद सत्या) सत्य भाषाना दश प्रधारभाने। पहेले। प्रधार, सत्य भाषा के दश प्रकारी मे से पहिला प्रकार. the first of the IO kinds truthful speech पन्न १२, जिशासा-य त्रि॰ (जिनत) अत्पन्न धरेल. Boin, produced २६, नाया० १; भग० ६, ३३, सु० च० १, १६; --पमाश्र. पुं॰ (-प्रमाद) પ્રમાદ ઉત્પન્ન થયેલ. जिसको प्रमाद उत्पन्न हमा हो वह one who has committed an act of negligence. नाया० १०, -मोह त्रि० (-मोह) उत्पन्न डर्थी छे भे। के के ले ते. जिसने मोह उत्पन किया वह (one) that has caused or produced infatuation भत्त॰ १२०, — संवेग वि० (-संवेग) भे क्षा-भिक्षापा ७८५० थयेत जिसकी मोज्ञाभिलापा उत्पन्न हुई हो. (one) in whom a desire for salvation has been generated. नाया॰ १०, -हास पु॰ (-हास) द्वारप अत्पन्न थयेश्व. जिसकी हर्ष उत्पन्न हुआ हो (one) in whom joy

has been produced. नाया॰ इः जर्गा. पुं॰ (यज्ञ) यरा-नागाहिनी पूल-हाभ. यज्ञ-नागादिकी पूजा- होम हवन A sacrifice, worship of serpents etc. भग० ६, ३३, उत्त० ६, ३८; नागा० १; २; (२) २४ २५ ४४ हेवनी पूजा. श्रपने श्रपने इष्ट देव की पूजा. worship of one's own special or family-deity. ज॰प॰ जीवा॰३, --जाइ पुं॰ (-याजिन्) यह करने वाला. one who performs a sacrifice or worship श्रोव - ल्ह पु॰ (- श्रर्थ) यसना प्रयोजन वाली यज्ञ के प्रयोजनवाला (one) having sacrifice or worship as a motive or end "जनहा य जे दिया " उत्त॰ २५, ७; —द्रि पुं॰ (न्ध-थिंम्) साव यत्तने। अर्थी, धेर्कनार भाव यह करने को उत्युक्त. (one) destrous of a sacrifice in a spiritual sense "जन्नठी वेयसा सहं" र्उंत्तं० २५, १६; जग्णदत्तः पु॰ (यज्ञदत्त) ये नामना साधु

जरणद्तः पु॰ (यज्ञदत्त) अ नामना साधु इस नाम का साधु. Name of an ascetic कप्प॰ द, —वाड. पु॰ (-वाट) यत्र पाठे।; ज्यां यत्रथाय छे ते बत्ता-ज्ञ्या. यज्ञ का वाडा; जहां पर यज्ञ होता हो वह स्थान. a place where a sacrifice is performed उत्तः १२, ३; — महु. पुं॰ (-श्रेष्ठ-यज्ञेषु श्रेष्टा यज्ञ श्रेष्टः) उत्तम यत्र उत्तम यज्ञ. the highest kind of sacrifice. "वोसट्ट काया सुइचत्तदेहा महाजयं जयइ जय्यसेट्टं " उत्त॰ १२, ४२; जर्गण्ड पुं॰ (यज्ञिन्) यत्र ४२ना२ तापसनी अेड ज्यत. यज्ञ करने वाले तापसकी एक जानि One who performs a sacrifice, a kind of an ascetic.

श्रोव० ३६; भग० ११, ह;

जारणहज्ज न॰ (यज्ञीय) એ नाभनुं ઉतरा-ध्ययन स्त्रनुं प्यांसभुं अध्ययन. इस नाम का उत्तराध्ययन स्त्र का पर्चासनां प्रध्ययन. Name of the 25th chapter of Uttaradhyayana Sutra. सम॰ ३३; श्रयाुजो॰ १३९;

जाएएं. श्र॰ (यच) के श्रंध जो कुछ Anything; whatever श्रोव॰ ३८; ४०;
नाया॰ १; भग॰ ३, १; ४, ४; (२) केथी.
केथी श्रीने; के भाटे जिसके कारण; जिस
वास्ते. by which; so that. भग॰ ३,
१; ४, ४; वव॰ १, २३; नाया॰ १४,

जरणावईय. न॰ (यज्ञोपवीत) જेनी।।
यज्ञोपवित् A sacred thread worn
on the body. भग०१३, ६; नाया०१६;
जर्गहं. २४० (यसमात्) केथी; के भाटे. जिस
से. जिस लिये. For which; from

जागहवी. स्त्री॰ (जान्हवी) गणा नही गन्ना नदी. The river Ganges, प्रव॰१२४२;

which, नाया॰ ५:

जतमाण ति॰ (यतमानः) यत्नवानः यत्न-वानः Carefully trying or attempting; making efforts to accomplish an object श्राया॰ १, ६, २, ४; १, ४, १, १२६;

जिति श्र॰ (यदि) जुओ "जइ" शण्ट. देखा "जइ" शब्द, Vide "जइ" भग॰ १४, १;

जति. पुं॰ (यति) साधु; भुनि साधु; मुनि.
An ascetic; a saint पंत्रा॰ ५, ३३;

जितयञ्च त्रि॰ (यतितज्य) यत्न करना थे। २४. यत्न करने के योग्य. Worthy of being accomplished by efforts; worth attempting. पंचा॰ १४, ४०;

जतु. न० (जतुप्) क्षाणः लेगणी लाखः चपडी. Lac; a dark-red transparent resin. भग० १६, २; सूय० १, ४, १, २६; —कुंभ. पुं० (-कुम्भ) क्षाण ने। चडी. लाख का घडा a pot of lac. स्य० १, ४, १,२६; —गोल पु० (-गोल) क्षाण-लेगणीने। गोक्षी. लाख-चपडी का गोला a globe of lac; a ball of lac भग० १५, ३; —गोलासमाण त्रि० (-गोलसमान) क्षाणना गे। क्षाणे तु लाख के गोले जैसा resembling a ball of lac. भग० १९; ३;

जत्त. त्रि॰ (यत्तत्) के ते जा; वह; जो, सो That-which; anybody. उत्त॰ १, २१;

जतः त्रि॰ (यावत्) क्रेटबुं. जितना. As much; to the extent to which गच्छा॰ ११=;

जत्त. पुं॰ (यस्त) यत्त; भ्रयास; भेढ्नत यस्त; प्रयास, मिहनत. Effort, attempt; labour. दस॰ ६, ३, १३, भग॰ ६, ३३; पचा॰ १, २६, (२) त्रि॰ यत्नवत यस्त-चन्त. full of effort, carefully attempting. श्राया॰ १, १, ४, ३३;

जत्ता. स्त्री॰ (यात्रा) अथाण, ल्युं प्रयाण, निकलना, रवाना होना. Going; setting out. श्रोव॰ २६; नाया॰ ६; ६; (२) संपम निर्वाह, संपम पालन, तप नियम संपम; स्वाष्याय श्रादिमां थित्तने लगाना. observance of ascetic rules and practices; applying the mind to the study of scriptures etc. "कित मंत्रे जता? सो मिला?" भग० १६. १०; नाया॰ १, उत्त॰ २३, ३२; Vol 11/99

पंचा॰ ६, ३; प्रव॰ ६६; — ऋभिमुह्. त्रि॰ (-प्रामिमुख) ज्वा-गमन इरवाने तैयार थयेक्षे।-सन्भुष थयेक्ष. यात्रा-गमन करने को तैयार, सन्मुख आया हुआ prepared, ready to set out or start योत. २६, -पिडिशियत्तः त्रि॰ (-प्रतिनिवृत्त) यात्रा हरी पाछा वंशेल यात्रा करके वापस लौटा हुआ. returned from travel, pilgrimage etc निर्मा॰ ६, २४; —भयत्र पुं॰ (-भृतक - भ्रियत इति भृतक सहायो यात्राया भृतको यात्राभृतकः) દેશાન્તરમા મુસાક્રી કરતી વખતે સાથેના नी। इर देशान्तर में यात्रा करते समय सग रहने वाला नौकर. a servant engaged to serve during a foreign travel. ठा० ४, १; --भयग. पु॰ (-भृतक) लुओ। ઉपने। शण्ट देखो ऊपरका शब्द vide above ठा॰ ४, १; —संप-रिथयः त्रि॰ (-संप्रस्थित) कात्राओं जवाने तैयार थये अयात्रा करने को (के लिये) जाने का तत्वर bound for, prepared for starting on a travel or a pilgrimage. निर्सा॰ ६, १३; —सिद्ध. पु॰ (-सिद्ध्) के भार व भत समुद्रनी યાત્રા કરી ક્ષેમ કુશલ-સહીસલામત ઘરે आवे ते यात्रा सिद्ध ४डेवाय बारह बार समुद्रयात्रा च्रेम-कुशल-सहीसलामत करके घर पर आवे उसे यात्रा मिद्ध कहा जाता है one returning safely after twelve sea voyages. 1140

जित्यः त्रि॰ (यावत्) केटला; केटला प्रभा-णुनीः जितना; जितने प्रमाण का. As much, of as much extent or proportion उत्त॰ ३०; २०; तद्द० ३, भग० ३, ६, ६, १, १३, २, १९, ७, । १० नि॰ — काल पु॰ (-काल) केटले। २ भत जितना समय. as much time; as much extent of time. क॰ गं॰ ५, ८७; जत्तोः अ॰ (यतस्) केथी; के पासेथी जिससे; जिसमें से; From which; whence; पं॰ नि॰ ८७;

जत्थ. श्र० (यत्र) ज्यां; जेभां, जे स्थले.
जे जग्या थी. जिसमे; जहां, जिस स्थान पर
Where; in which; at which
place. श्रमुजी० =, उत्त० ६, २६,
नाया० घ० निर० ४, १; पै० नि० ७६;
वव० १, ३७, दस० ४, १, २१; ७, ६,
नाया० १३, १६, भग० ३, १, =, १; १२,
४; १६, ७, वेय० १, ४६; ४, १=; गच्छा०
७६; प्रव० ७४, ४८७;

जत्थेव अ॰ (*यप्रव-यत्र) ॰ थी. जहां, जिस स्थान पर. Where, at which place. भग॰ =, ६; १५, ३;

जदा. श्र॰ (यदा) ल्यारे, ले व भते. जब; जिस समय. When; at the time when. भग० १२, ६;

जिदि. श्र॰ (यदि) कुओ। " जह " शफ्ट. देखे। " जह " शब्द. Vide " जह " भग० १४, १; २०, ५; २४, २०;

जदिन्छित्र. त्रि॰ (याद्दन्छिक) यथेिछ इ, अध्रुप्तात अतेर्लुं. दैत्रयोग से बना हुआ. Accidental, fortuitous. विशे॰ ११५;

जदुर्णदर्ग पु॰(यदुनन्दन) श्रीकृष्ण श्रीकृष्ण. The god Krishna ठा• =;

जन. पुं॰ (जन) भनुष्य मनुष्य. A. man. भग॰ ६, ३३; विशे॰ ४६;

जनयः पुं०(जनय) ळु. " जणय " शण्टः देखो " जणय " शब्दः Vide " जणय " सु० च० १, इदः

जनवद्रा. पुं॰ (जनपद्र) हेश, २१७८ू. देश; राष्ट्र | A. country. निगी॰ १४, १७; जन्म पुं॰ (यज्ञ) ळुओ। '' जएए '' शम्ह.

देखो " जगण " Vide " जगण " विशे॰ उत्त॰ २४, ४; १८५२; जीवा॰ ३, ३; सु॰ च॰ ४. १०१, —ह. त्रि॰ (-प्रर्थ) यज्ञ छ अये। जन केनुं कीवा; यज्ञमां कीऽ।-थेश. जिसका प्रयोजन यज्ञ है वहः यज्ञ में साम्मालेत having a sacrifice for an end; engaged in a sacrifice. उत्त० २५, ७; — बाइ. पुं० (-वादिन्) यज्ञ वाहिः अलभेधाहि द्रव्य यज्ञनी स्थापना **५२-११.** यज्ञवादि: श्रजामेघादि द्रव्य यज्ञ की स्थापना करने वाला one who believes in the efficacy of sacrificing goats, horses etc for religious purpose . उंस॰ २४, १८; जप. न॰ (जर) भ त्राहिने। लप. मंत्रादि का जर Repeating or telling on beads of a rosary a religious formula of prayer etc श्रणुजी० २६; जप्प. स्त्री॰ (जपा) ચીનાઈ ગુલાયના છાડવા. चिनाई गुलाब का पौधा. A. plant of

जल्प पुं॰ (जल्म) अथ्य पुते, भी श्रंषु ते. वहनहाइट करना; वोलना. Prattle; act of speaking at random. ठा॰ ६; जल्पभिद्धः श्र॰ (यत्ममृति) के श्रंथी, के प्रभारी; क्यारथी. जिस काल से; जिस समय से, जन से. From the time when; since the time when. "जल्पभिद्धं च गं श्रद्धा एस दारएं "क्ष्य॰ ४, ६०; भग० १०, ४; नाया॰ घ॰ जं॰ प॰ २, ३१;

China rose. राय॰ ५३,

√जम. घा॰ II (यम्) विषमता टावी सेभु ५२ नुं विषमता मिटा कर योग्य स्थिति मे रखना To make even; to place in order by removing inequalit e ३ (२) निपृत्त थनुं निवृत्त होना. to retire; to cease from. जमाबेह प्रे॰ निसी॰ १, ४०;

जम. पुं॰ (यम) प्राणानि पातिवरिन आहि पाय महावत् प्राणातियातविरति आदि पाच महावत The five major vows such as abstaining from killing etc. " जायह जमजन्नामि " उत्त० २५, ीः ठा०२,३: (२) શક તથા ઇશાન ઇંદ્રના દક્ષિણ हिशाना क्षेत्रपायन नाम, शक व इशान इंद्र के दक्षिण दिशा के लोकपाल का नाम. a name of the guardian deity of the southern quarter of Sakra and Īśānendra. 310 v. 1; विशेष १८६३; सूरु पर १०; भगर ३, ७; जं॰ प॰ पराहर १, १; (३) लारखी नक्षत्रते। अधिष्ठाता देवताः भरणी नज्ञत्र का श्राधिष्ठाता देवता. the presiding deity of the constellation Bha l'ani श्रणुजाे॰ १३१; स्॰ प॰ १०; जं॰ प० ७, १५%; ठा० २, १; —काहय. पु० (-कायिक) हिंदा तरहना यम जनना हैव दिवाण दिशाके यम जातिके देव. a deity of the south belonging to the kind known as Yama. पग्ह. १,१; भग०३,७; -- जद्म पुं० (-यज्) अदि सा, સત્ય, અસ્તૈય ભ્રમ્હુચર્ય અને અપ રેપ્રહ એ प्र यम-संयम रूप यहा; खाव यहा. आहिंगा, सत्य, श्रह्तेय, ब्रह्मचर्य, व श्रपरिग्रह इन पाच यम-संयम रूप यज्ञ. भाव यज्ञ ६ sacrifice taken in a spiritual sense consisting of the observance of five rules or vows viz. abstaining from killing, truthfulness, abstaining from theft, abstaining from sexual intercourse

effects. उत्त॰ २४, ३: - देवकाइय. पुं॰ (-देवकायिक) यम देवताओानी ओं उपत. यम देवताथा की एक जाति a group of the gods known as Yama Devatas भग ३. ७. —पुरिससंकृत त्रि॰ (-पुरपमकुल यमस्य दक्षिणदिक्षालस्य पुरुषा श्रम्बादया सरविशेषास्तैः संकुला थे ते तथा) भरभा-ધ.ર્મી કથી વ્યાપ્ત. ०४मधुउप. ધામીએાવી श्रधमिया વ્યાકુલ परम से व्याप्त; यम पुरुष परम श्रधम मनुष्य से च्याकल full of demons known Paramādhāmīs. पग्ह॰ १, १; -पुरिससंनिमः त्रि॰ (-पुरुपमंत्रिम) परभाधाभीना केवं परमाधामी के समान (cruel) like a demon known as Paramādhāmī, que. १, ३; --लोइय पु॰ (-लाकिक) परमाः ધામી વગેરે યમલે કવાસી દેવતા. પરમાનામા श्रादि यम लोक वामी देवता. a god living in Yamaloka, è. g a Paramādhāmī etc सूत्र॰ १,१२,१३; जमइश्र न॰ (यदतीन) ये नाभनु सूपगडाग सुत्रनं १५ भं अध्ययन इस नाम का सूय-

जमइस्र न॰ (यदतान) २४ नामनु सूर्याशय स्त्रनुं १५ भुं व्याध्ययन इस नाम का सूय-गडांग सूत्र का १६ वां घ्रध्ययन. Name of the 15th chapter of Silyagadanga. सम॰ १६; २३,

जमइत्ता. स॰ कृं॰ श्र॰ (नियम्य) लभावीनेः लभावर करीने अनिपरिश्विन करीने; वार -व र आइती करी भाषीनगार धर्मने जमा कर; श्रांति परिचित्त करके चारचार श्राग्रांत कर के; माहितगार होकर. Having fixed or settled; having become thoroughly familiar with श्रांत॰ १६;

and non possession of worldly जिमग. पुं॰ (यमक) देवहुरु अवरहुर क्षेत्र-

भांना के नाभना पर्वत. 'काहिएं भेत उत्तर क्रराए कुराए जमगा नामं दवे पठयया पग्राता ?" जीवा॰ ३, ४, जं॰ प॰ भग॰ **१**४, ≖, (૧) જમગ પર્યાતવાસી દેવતાનું नाभ जमग पर्वतवासी देवता का नाम. Name of the god residing on the Jamaga mountain जं प प , ११४; श्रोव० ३१; जीवा०३, ४; -पञ्चय-ઉ॰ (-पर्वत) જુએ। ઉપલા શખ્દના ળીજા न भरते। अर्थः देखो ऊगर के शब्द का दूसरे नंबर का अर्थ. vide above. ज० प० ४, ८८; ६, १२४; सम० १०००; जमगसमगं. अ॰ (यमकसमकं) शेरीसाथै; थुगभत्; अंती वभते. एक साथ, युगनत्; एकही समय पर At one and the same time; simultaneously বঁ০ प० ४. ८८, ४, ५७; जीवा० ३, ४; श्रोव० ३१, विवा० १; ७, नाया० ४,८, भग० ११, १०; उवा० ४, १४=,१५३; कप्प० ४, १०१; जमगा स्त्री॰ (यमका) अभः देवतानी २ अ-धानी. जमक देवताकी राजधानी, जमक देवता का पाटनगर The capital of the gods known as Jamaka. जीवा॰ ३, ४, जं॰ प॰ ४, ६६; जमिल्या. स्त्री॰ (यमनिका) लभ्या डांभभां રા ખવાનુ સાધુનુ એક ઉપકરણ दाहिनी वगलमें रखनेका साधुका • एक उपकरणा. An article used by a Sādhu and kept in the right arm-pit. 37. 8, जमद्गि पुं॰ (जमद्ग्नि) ये नामना येक तापस, परशुराभने। पिता इम नाम का एक तापस, परशुराम का पिता. Name of a saint who was the father of

Parasurama जीवा॰ ३, १, -पुत्त

पुं॰ (-पुत्र) જमहिनने। पुत्र, परशुराम

परशुराम, जमद्गिन पुत्र. the son of

Jamadagni; Parasurāma. जीवा॰ ३, १;

जमप्पम पुं॰ (यनप्रम) यभहेवना ध्र यभ-रेन्द्रने। यो नाभने। उत्पात परित यमदेव के इन्द्र चमरेन्द्र का इस नाम का उत्पात पर्वत. Name of a mountain which was the abode of Chamarendra, the Indra of the Yama gods. ठा॰ ३०;

जमल त्रि॰ (यमल) समश्रेशिये रहेंद्रं; सरणे सरणुं, कोऽाकाऽ रहेशुं समश्रेणी में रहा हुआ; एक सरीखा; लगोलग रहा हुआ। Remaining in a straight line; in juxtaposition उवा॰ २, ६४, श्रोव॰ ३०; राय॰ ३३; नाया॰ १, ६; ६; जीवा० ३, १, ४, जं० प० भग० १४, १; ૧૬, ३. (૨) ન અગે નામનું વૃક્ષ કે જેતું રુપ કૃષ્ણાસુદેવના વૈરી વિદ્યાર્થરે ધારણ र्क्षु ७ तुं इस नाम का मृत्त कि जिसका रूप कृष्ण वासुदेव के शत्रु विद्याधरने धारण किया था. name of a tree into which a Vidyādhara who was enemy of Krisna Vāsudeva hid metamorphosed himself. पणह॰ १, ४, —जुयल न॰ (-युगल) સરખે સરખી જોડ, સમશ્રેણિયે રહેલ જોડું. युगल, समश्रेणी से रहा हुआ. a pair, a couple with its two members juxtaposition. राय॰ ११२; —पय न॰ (-पद्) आहे आहे आंडडानी क्रेमडे उरप४८६३५; એકેક જ^{શ્}યાઃ **૨૪**૬૫૩૫૫૦, આમાં પહેલા આઠ આકડાતું એક જમલ પદ અને ખીજા આઠ આંકડાનું ખીજાં જમલ ૫૬. ગ્રાટ ગ્રાટ श्રंक का एक समूह, जेमा कि, ३२५४⊏६३४, २६३४३५४० इसमें पहिले आठ अक का एक जमल पद;

व दूसरे आठ श्रंकों का दूसरा जमल पद. a numerical sum containing 8 figures; e. g. 32548635 आणुजो॰ १४५; पत्र॰ १२, —पाणि पुं॰ (-पाणि) भुट्टि. मुंद्रो. the fiet of a hand भग॰ १६, ३;

जमलत्ता. स्त्री. (यमलता) ब्लेड्झापणु. युग लता. State of being a pair. विवा• ४;

जमिल्य त्रि॰ (यमिलत-यमनं नाम सजातो ययोर्युग्मं तन् संजातमेषा ते यमिलताः) दिशा-मां सभश्रेष्रीओ रहेश. एकही दिशा में सम-श्रेणी में स्थित. Remaining in juxtaposition; remaining in a straight line श्रोव॰ भग॰ १, १,

जमा स्त्री॰ (याग्या-यमो देवता यस्याः सा याग्या) दक्षिणु दिशा. दक्किण दिशा. The southern direction भग॰ १०, १, (२) यभनेतिक्षाक्षती राजधानी यददेव का पाटनगर. the capital of god Yama भग० १०, ४;

जमालि पु॰ (जमालि) ओ नाभना क्षत्रिय રાજકુમાર, મહાવીરસ્વામિના જમાઈ કે જેણે પ્રભુંપાસે દીપ્તા લીધી અને પાછલથી ओ ४ पंथ यक्षाच्ये। इस नाम का चित्रय राजकुमार, महाबीर स्वामी का जवांई कि जिन्होंने प्रभु के समीप दीचा ली श्रीर फिर एक पंय की स्थापना की A Ksatriya prince, the son in law of Mahavīra Svāmī who received Diksā him and afterwards founded a sect " तत्थणं खत्तिपकंड-गामे खपरे जमालिखामे खातिय कुमारे परि-वमह " भगु० ६, ३३, नागा० म; निर० ४, १; ठा० ७, १: -- प्रस्मियगा न० (-श्र-ध्ययन) आंतपर हशानं ६३ अध्ययन हे के दास अपसण्य नथी अन्तगडदशा का छुठा अध्ययन कि जो किलहाल उपलब्ध नहीं है. name of the 6th chapter of Antagadadasā (it is no longer extant). ठा॰ १०,

जिमिगा. ली॰ (यमिका) लभ पर्पत्ना हेनतानी राज्यानी. जमक पर्वत के देवता का पाटनगर. The capital of the gods esiding on the Jamaka. ज॰ प॰ ४, ८८,

जिमिय त्रि॰ (यमित) नियन्त्रित ६रेख. दिशा दिखाया हुन्ना. Guided, governed. सु॰ च॰ १, २६;

जमुणा स्त्री॰ (यमुना) अभना नही यमुना नदी The Jamuna river. सु॰ च॰ ५ ६;

जम्म पु॰ न॰ (जन्मन्) ०४०४, ७८५ति उत्पत्तिः जन्म Production; birth नाया० १, २: १३: १६, १६, नाया० ध० भग० ६, ३३; १४, १, सु० च० १, १५७, ३०६; ३, १८३, विशे० ७२४; दमा० ६, १; निर० १, १, श्रोव० ४३; सुय० १, १, २३; पि॰ नि॰ ७४: उवा॰ २, ११३, ऋष॰ २, १८; प्रव० ४; भत्त० १६४, -- जरा-मर्या. न॰ (-जरामर्या) जन्म-जरा अने भरू जन्म जरामरण. birth, old age and death परह ०१,३, - जीवियफल न॰ (-जीवितफल) जन्मरूप छिषतनुं ४२. जीवित फल the fruit of life. भग० १५, १; नाया० १३, ---सागर्. न० (-नगर) ज्या जन्म थये। हे।य ते नगर जिस जगह जन्म हुआ हो वह नगर. the town where one is born. नं॰ प॰ ४, १२२, ४, ११७; — ग्यूयर. न० (-नगर यस्मिन् नगरे यस्य जनम भवति तत्तस्य जन्मनगरम्) ०८-भ नगर, ७८५ि २४।तः

के आभभां जन्म थये। हाय ते आभ. जन्म नगर; उत्पत्ति स्थान. the town where one is born; birth-place. नं प॰ ५,१२३; —दंसि.।त्रे०(-दार्शेन्) જन्मना भरास्वरूपने कीनार जन्म के बास्तिविक स्वरूप को देखने वाला (one) who understands the real nature of birth (life). " जे गटभदंसि से जम्म-दंसि जेजम्मदंसि से मारदंसि" श्राया० १,३, ४,१२५; --दोस पुं॰ (-देाप) जन्म सह-ભાવી દेહ-જન્મનी भाड. जन्म दोष. the defect from the very birth 50030; -- नक्खत्त न०(-नचत्र) ०/-भनं नक्षत्र. जन्म नवत्र the natal star. कप् प्र, १२८, —पक्क. त्रि०(-पक्व) जन्मधीज भेातानी भे**से ५.**६स जन्म से ही-स्वयं परिपक्त वना हुआ fully developed mature from the very or birth विवा १, =; -फल. न॰ (-फल) গুৰনৰু ধ্ৰ মুখীজন, জীবন কা फল-प्रयो-जन. the aim or object of life. पंचा॰ ८, ३; — भूमि. छो॰ (-भूमि) જन्म स्मि; भातृ स्मि. जन्म भूमि; मातृ भूमि birth-place; mother-land. " श्रवसेसा तित्थयरा निक्बता जन्म भूमिसु " सम॰ प॰ २३१; —समग्र. पुं॰ (-समय) જन्भने। ५७५ जन्म समय. the hour of birth sao u;

जम्मंतर. न० (जन्मान्तर-श्रन्यजनम जन्मा-न्तरम्) अन्य अन्भः पूर्व अन्भः पूर्व जन्म. Previous birth गच्छा। ६; भत्त० १६६, —क्रम्न त्रि॰ (-क्रत) अन्भांतरभां ५रेश. पूर्व जन्म मे किया हुया. done in the previous life गच्छा। ६,

जम्मण न० (जन्मन्) अन्भ, अत्यत्ति, अपूर्य-

वं; अवतार. जन्म; उत्पत्ति; श्रवतार. Birth; production; incarnation. " जम्मण जरामरण करण गभीर दुक्ख पक्लुभिश्र "पगह० १, ३; नाया०१; ४, ८; भग० ११, ११; १२, ७, १=, २: २५, ६; जीवा॰ १; श्रोव॰ २१; श्रोव॰ ३१; श्रोघ॰ नि० ११६; र्जं० प०४, ११२; श्रगुजी० १७; १६४;निर०२,१, —चरिय. न॰ (-चरित्र) लन्भ शरित्रः छवन यरित्र. जन्म चरित्रः जीवन चरित्र. account of one's life: biography. राय॰ ६५; -चारिय-शिवह न॰ (- चरित्रनिवद) तीर्थं ५२ना જન્માભિષેકના દેખાવવાલું ३૨ નાટકમાંતું थे। तीर्थं कर के जन्माभिषेक के दश्य वाला नाटक, ३२ नाटकों में से एक. a dramatic performance showing the birth of a Tirthankara; one of the 32 dramas, रायः — भव्या न॰ (-भवन) असूनि धर प्रसृति घर. a lying-in chamber. जं॰ प॰ ५; ११२; - मह. पुं॰ (-मह) जन्म भड़े।त्सव. जन्म महोत्स्त्र. festivity in conncetion with birth. भग०३, —महिमा- पुं० (-महिमन्) अन्भेत्सव. जन्मोत्सव festivity in connection with birth. मग० १४, २; जं० प० ४, 992: 993:

जम्मा. स्री॰ (याम्या) हित्राणु हिशा. दक्तिण दिशा. The South. प्रव॰ ७६४;

√ जय. घा॰ I. (जी) छतवुं; लथ भेशववे।; ६ते छ पाभवी जय प्राप्त करना, सफलता पाना. To conquer, to succeed जयइ-ति. सु॰च॰१,१; उत्त॰७,३१,नंदी॰९; जयंति. जं॰ प॰ ७, १५२;

जहत्था भग० ७, ६, जियत्ता ठा० ३, २; जयंत. उत्त० ४,९१; जं०प० पि० नि०१६०; जइतए. हे० कृ० भग० ७, ६;

√ जय धा॰ I. (यत्) भहेनत करवी; यत्न करना, जय्था करवी. मिहनत करना; यत्न करना. To exert oneself, to endeavour.

जयइ. उत्त० ३१, ७; जये वि० स्य० १, २, ३, १५; जयसु पि० नि० ४४; जयंत व०क्ठ०उत्त० २४, १२; पि०नि०१६०; जयंतन्त स्य० १, २, १, ११. जयमाण. १,४,१, १२६; १,६, २, १=३; १,६,१,२१;

जय-म्र पु॰(जय) शत्रुओ।ने छतवा ते, विजय विजयः शत्रश्रोंको जीतना Victory श्रोव॰ ११;दस० ७, ४०; नंदी० ५; कप्प० १, ५; ४, ६७, नाया० १, ३, १६; भग ३, १; २; ७, ६, ६, ३३; राय० ३७; पन्न० २; (२) એ નામના વર્ત માન અવસ પિંશીના ૧૧ મા य क्ष्यती इस नाम का वर्तमान श्रवसींपणी का ११ वा चकवर्ती, name of the 11th Chakıawartī (sovereign) of the present cycle, जं॰ प॰ ३, ४४, उत्त॰ १८, ४३; सम॰ प॰ २३४, (३) એ નામની ત્રીજ आर्रेभ थाने तेरस थे त्रश तिथिथे। इस नाम की तृतिया श्रष्टमी व तुयोदशी ये तीन तिथियां name of the 3rd, 8th and 13th day of a fortnight. ज॰ प॰ १; (४) એ नामना એક देवता इस नाम का एक देवता. name of a god भग॰ રૂ, હ, (પ) ૧૨ મા તીર્થ કરને પ્રથમ **लिक्षा आपनार गृह्य १३ वें तीर्थंकर को** प्रथम भिन्ता देनेवाले गृहस्थ. a householder who was the first to give alms to the 13th Tirthankara. सम ॰ पं॰ २४२;---गाम पुं॰ (-नामन्) ज्य नाभे १३ भा यहवर्ती, जय नाम का ११ वा चकवर्ती. name of the 11th Chakravartī. 210 90; 3770 95, 83; -सद पुं॰ (-शब्द) જય थाओ शेवे। शण्ट. जय हो ऐसा शब्द. the exclamation 'victory! victory!'. " जय-सहम्बोसएस " भग० ६, ३३; श्रोव० ३१; कप्प॰ ४, ६२,--ज्ञय. पुं॰ (-जगत्) संसार, क्षेत्र, हुनिया, संसार, लोक worldly existence; the world भग० २०, २; ३; -- गुरु, पुं० (-गुरु) लगतना शुरु श्रीजिनेश्वर, जगत के गुरु, श्री जिवेश्वर, the world-teacher; Jineśwara स॰ च॰ २, ३६१, पंचा॰ ४, ३३,—पसिद्धः त्रि॰ (-प्रसिद्ध) प्रभ क्षिर, जग जाहिर, लोक श्रीसद्धः त्रख्यात. famous: well-known. सु॰ च॰ १, २८; — पहु, पु॰ (-प्रमु) જગતના પ્રભु. परमेश्वर. the loid of the world; the supreme being. सु॰ च॰ १, ३८०, —पुंगव त्रि॰ (-पुन्नव) ज्यातमां श्रेष्ट जगत मे Reg the greatest or the best in the world. go 2, ६७७;

जयंत पुं॰ (जयन्त) ज शु द्वीपना यार द्वारभांतु पश्चिम तर्द्वनु द्वार. जम्बूद्वीप के चार
द्वारों में से पश्चिम दिशा के तरफ का द्वार.
The western gate of the four
gates of Jambū Dvīpa. "कहिण
भते जंबू दीवस्स जयत खाम दारे पराखते"
जीवा॰ ३, ४, जं॰ प॰ (२) जपत नामे
पाय अध्युत्तर विमानमानु त्रीळु विमान
ओनी स्थिति ३२ सागरे।पमनी छे ओ देवता
१६ मिद्धने श्वासी श्वास से छे ओने ३२
६ जर वर्षे क्षुधा सागे छे जयत नाम के
पाच श्राग्रुत्तर विमान में से तीसरा विमान;

इस देवता की स्थिति ३२ सागरोपम की होती है. १६ महिने मे ये देवता श्वासीच्छ्वास लेते हें और इन्हें ३२ हजार वर्ष से चुधा लगतां है the third of the five principal celestial abodes known as Jayanta. The lifeperiod of the gods of this abode is 32 Sāgaras. They breathe once in 16 months and feel hungry once after every 32 thousand years. "विजये विजयंते जयंते श्रपरााजए सवहासिद्धे" ठा॰ ४, ३; ४; सम॰ ३२, भग ०४, 🖙 २४, २४; नाया॰ =; प्रव॰ (३) ते विभानवासी देवता. उस विमान मे रहने वाले देवता. gods residing in celestial palaces or abodes. सम॰ उत्त॰ ३६, २१३; पञ्च॰ १; (४) મેરુ પર્વાની ઉત્તર દિશાએ આવેલા રુચકવર भव^रतना आहे इटमांनुं ७ मुं इट मेरू पर्वत की उत्तर दिशा के तरफ आये हुए रूचकवर पर्वत के त्राठ कूट में से सातवां कूट. the 7th of the eight summits of Ruchakavara mountain situated to the north of Meru. ਹਾ ૪; (૫) આવતી ચાવીસીમાં થનાર પ્રથમ भक्षहेत. आगामी चोवासी मे होने वाले प्रथम वलदेव. the first Baladeva of the coming cycle. सम० प्र॰ २४२; (૬) વજ્સેન સૂરીના ચાર શિષ્યમાંના ત્રીજા શિષ્યનું નામ અને તેનાથી નીકલેલ शाभानुं नाभ. वज्रसेनसूरी के चार शिष्यों में से तीसरे शिष्य का नाम व उनसे निकली हुई शाखा का नाम. name of the third of the four disciples of Vajrasena Sūrī as also the

school that sprang from him. वष्प॰ =; --पवर. पुं॰ (-प्रवर) त्रीलुं अतुत्तर विभानः तीसरा श्रनुत्तर विमानः the third chief celestial abode known as Anut ara नाया॰ इ: जयती. स्री॰ (जयन्ती) आशांभी नगरी નિવાસી જયાંની નામે મહાવીર સ્વામીની भेाटी श्रःविधाः कौशाम्बी नगरी निवासी जयन्ती नाम की महावार स्वामी का वहां -श्राविका. Name of the great female disciple of Mahāvīra Svāmī living at Kaośāmbī. भातानुं नाभ ७वे वलदेव की माताका नाम. name of the mother of the seventh Baladeva, सनः प॰ २३४: (३) सातभी हिशाइभारी सातवी दिशा-क्रमारी the seventh Disakumārī. (૪) સર્વ ગ્રહની ચાર અગ્રમદિવીમાંની त्रीछ अश्रमिद्धितां नाम सर्वे प्रह्रों की चार श्रमितियां में से तीसरी श्रममहिषी का नाम. name of the third of the four principal queens of the planets. जं॰ प॰ ५, ११४; जीवा॰ ४, ठा० ४, १; भग० १०, ५; (५) भद्वावप्रविक्यवती भुभ्य राजधानी. महावप्र विजय का मुख्य पाटनगर. the chief capital of Mahavipra Vijaya. জ ৭ তা २, ३; (६) उत्तर हिशाना व्यंजन पर्वतनी એક પश्चिमनी वावनं नाम. उत्तर दिशा के श्रंजन पर्वत की पश्चिम तरफ की एक बावडी का नाम. name of a well situated to the west of the northern mountain, Anjana. जीवा॰ ३, ४; प्रव॰ १५०३; (७) ५ भवाडी आनी ५६२ रात्रिभांनी ७ भी रात्रिनं नाभ. पत्त की १५

रात्रियों में से ६ वी रात्रि का नाम. name of the ninth of the fifteen nights of a fortnight. जं॰ प॰ स्॰ प॰ ૧૦: (૮) સાતમાં તીર્થકરની પ્રવજ્યા-पाक्ष भीनं नाम सातवे तीर्थंकर की प्रवच्या पालकी का नाम, name of the palanquin used by the seventh Tirthankara while accepting asceticism. सम॰ प॰ २३१; (६) ये नामनी એક शाफा, इस नाम की एक शाखा. a school of this name. कप्प॰ =: जयघोस पं॰ (जयघोप) ये नामना येड મુનિ કે જે કાશીમાં વ્યાહ્મણ કુલમાં જન્મેલ હતા પ્રથમ વેદ ધર્મના સારી રીતે અભ્યાસ કર્યો હતા. પાછતથી ગંગા નદીને કાંદ્રે એકેક ખીજ પ્રતિપક્ષી પ્રાણીએાથી, પ્રાણી ગલાતા જોઇ વૈરાગ્ય પામી જૈન દીક્ષા અંગી-કાર કરી, મહા જ્ઞાની અને તપસ્ત્રી બન્યા માસ ખમણને પારણે પાતાના ભાઇ વિજય ધાેપને અતરંબેલ યત્રમાં બિક્ષા લેવા આવતાં ષ્મ હાણાએ તિરસ્કાર કર્યાં. તથાપિ તેની દરકાર ન કરતાં ધ્યામ્હણ ધર્મ અને **ધામ્હણ શખ્દનુ ખરુ રહસ્ય પ્રકાશી જેણે** विजय धे. पते पश ही शा आपी इस नामके एक सनि जो कि काशीमे बाम्हण कुलमे जन्मे थे. प्रथम वेद धर्मका श्रव्छ। अभ्याम किया था, पीछे से गंगा नदीके तटपर एक २ प्राणी श्चन्य प्रतिपत्ती प्राणी द्वारा निगला जाता . हुआ देख वैराग्य प्राप्त हो गया जैना दीचा श्रागिकार करके वडे जानी श्रीर तपस्त्री वने मास खमण (एक मासका उपवास) के पार्ण के दिन अपने वन्धु विजयघोषने प्रारंभ किये हए यज्ञमे भिज्ञा लेनेको गये किन्तु ब्राह्मणोने तिरस्कार किया, परंतु उस की परवाह न करते नाम्हण धर्म व नाम्हण शब्द का यथार्थ रहस्य का प्रकाशन कर विजयघोष को भी

Vol. 11/100

दीचा दी. Name of an ascetic of and boin in Benares Brahman family. First he had studied Vedism well, but afterwards when he saw on the bank of the Ganges every acquatic creature being devoured by the other rival creature, got disgusted of the worldly life, became a Jaina ascetic and acquired a vast knowledge and practised an austerity. Once on the day of breaking a fast of one month he went to beg alms to the place of sacrifice which his brother Vijaya Ghosa had begun but without any regard for being rebuked by the Brahmans explained vividly the meaning of the Vedic religion and of the word Brahmana winned his brother and initiated him in his order. उत्तः २१, १:

जयजय पुं॰ (जयजय) જય थाओ! જય थाओ। ओवे। ध्विन जय हो जय हो ऐसी ध्विन. The exclamation Jaya! Jaya! (victory) भग॰ ६, ३३; —रव. पु॰(-रव) જય थाओ। ओवे। अधी। धिंद वायक शम्द. जय हो ऐसा आसोवीदवा-चक शन्द. the benedictory exclamation Jaya, Jaya (victory) अग॰६,३३; —सइ. पुं॰ (-शन्द) જય જય એवे। आशीर्वाद शम्द जयजय ऐसा आशीर्वाद शन्द. The benedictory exclanation Jaya Jaya (victory).

श्रोव ॰ जं प॰ ५, १२२,

जयणः न॰ (यजन) अल्प देवु ते श्रमय दान देना. Giving assurance of safety. परह० २; १;

जयगा. न॰ (यत्न) आणीनुं रक्षणु करतु.
प्राणी का रक्षण करना Protection of
living beings. पग्ह॰ २, १; (२)
यत्न करवे। ते; ઉद्यम करवे। ते यत्न करना.
effort; exertion. नाया॰ १; पग्ह॰ २,
१,—(गा) श्रावरिणुडज न॰(-श्रावरणीय)
केथी अयत्न- उद्यममां अंतराय पढे तेवी
क्रभीनी ओक अकृती. जिस से प्रयत्नउद्यम में विष्न हो ऐसी कर्म की एक प्रकृति.
a kind of Karma which
hinders efforts भग॰ ६, ३१;

जगणा स्त्री॰ (यतना) करतनाः, स साथ सर्थे वर्तानः, हार्याभा हिपये। या भवे। ते सावधानतायुक्त स्त्राचरणः हरेक कार्य में उपयोग रखना
Cautious behaviour, making every action useful; proper circumspection. उत्त॰ २४, स्रोव॰ २१; पिं॰ ति॰ मा॰ २६; नाया॰ ५; भग॰ १८, १०; पंचा॰ ४, १०; ७, २६; गच्छा॰ ८०;

जय गा. श्री॰ (जयना) भंधी गति उपर छत-भेक्षेव अभी देवतानी गति सर्व गतियों के जगर सफलता प्राप्त करे ऐसी देवता की गति The gait or the speed of gods which is the highest of all "जयगाए गइए" कष्प॰ २, २७: नाया॰ १; भग॰ ३, १, राय॰ २६;

जयगा. ली॰ (यत्ना) समिक्तमां छ प्रधारनी यतना-विवेध. सम्यक्त में छ. प्रकार का विशेक The six forms of discrimination in Samyaktva. प्रव॰ ६४१; जयद्द. पुं॰ (जयद्रथ) ओ नामना ओड राज-

कुभार. इस नाम का एक राजकुमार. Name of a prince "गंगेयाविदूरहोण जयदहं" नाया॰ १६;

जयमाण त्रि॰ (यतमान) यत्न ४२तुं. यत्न करता हुआ Endeavouring; striving पंचा॰ १५, ११;

जया. अ० (यदा) लथारे; ले वभते जब; जिस समय. When. नाया १, ७, ११; १६; नाया ७ ध० भग० ४, १; दसा० ४, ३२; १०, १, दस० ४,४, श्रोव० १२; उत्त० २४, १६, विशे ० ६२, क० गं०२, ७,

ज्ञयाः स्त्री॰ (जया) भारमा तीर्थं धर वासु-पूल्यनी भातानुं नाम. वारहवे तीर्थंकर वासु-पूज्य की माता का नाम. Name of the mother of the twelth Tirthankara, Vāsupnijya. सम॰ प॰ २३०; प्रव॰ ११; (२) त्रीक, आहेम अते तेरसनी गत्रिना नाम. तृतीया, श्रष्टमी और त्रयोदशी की रात्रियों के नाम vame of the 3rd, 5th and 13th night of a fortnight स्० प० १०; (३) ये।था ચક્રવતી ની સ્ત્રી (રત્ન). चौथे चक्रवर्ती की at. the wife of the fourth Chakıavartī सम॰ प॰ २३४, (४) એક જ્યતની મિકાઇ. एक प्रकार की मिठाई. હ kind of sweet-meat ज॰ प॰ ४, 993:

जयाग्मयार. पुं॰ (जकारमकार) लक्षारभक्षार रूप अपशब्द अकार मकार रूप अपशब्द A corrupted word having the sound 'ja' and 'ma'. गच्छा॰१९०; √जर घा॰ I, II. (जू) જાણું કરવુ.

जीर्ण करना To grow old; to decay. जरेहि आया॰ १, ४, ३; १३४;

जर. पुं॰ (ज्वर) ताय; ओंड ब्यतने। रेाश. बुखार; ताप; एक प्रकारको विमारी. A. kind of disease; fever. जीवा॰ ३, ३; विशे॰ १२०४, नाया॰ १; ४; १३; भग॰ ७, ६; (२) न॰ संताप. सताप. छतः । व्हालकारं. जीवा॰ ३, १; —समण् न॰ (-शमन) तायने शांत अरवे।, बुखार को शान्त करना. cessation of fever पंत्रा॰ ४, २६,

जरगा त्रि॰ (जरक) ७७ जागी; पुराना Old; worn out "जरग ग्रोवाहणे तिवा" श्रगुत्त॰ ३, १;

जरगा पुं॰ (जरहन) घरडे। णक्षह. बृद्ध वैल An old ox. (२) जरड-भ नामनुं जनावर. जरक-ख नाम का जानवर. a kind of animal. श्रमुक्त॰ ३, १,

जरगाव पुं॰ (जाद्भव) धरहे। ललह. रुद्ध वेल An old ox. " जरगावपाए " अणुत्त॰ ३, १; सूय॰ १, ३, २, २१;

जरढ जि॰ (जरठ) धर्धु ज्युनुं; छर्धु त्रुद्ध, पुरातन; जीर्थं Old, aged, decayed श्रोध॰ नि॰ ७३७; श्रोव॰

जरय पुं॰ (जरक) पहेबी नरकते। मेरूथी हिक्षेण तरकते। भेक नरकावासे। पहिली नरक का मेरु से दिलिए तरफ का एक नरकावास. An internal abode to the south of Meru of the first hell ठा॰ ६, १;

जरयमस्मः पुं॰ (जरकमध्य) पहेली नरकने। उत्तर हिसा तरक्षने। ओड नरकावासे। पहिली नरक का उत्तर तरफ का एक नरकावासः The northern internal abode of the first hell. ठा॰ ६, १;

जरयावत्त. पुं॰ (जरकावत) पहेबी नरहने। पश्चिम दिशा तरहने। ओह नरहावासे। पहिली नर्क का पश्चिम दिशा का एक नरकावास. The western hell-abode of the first hell region. ठा॰ ६, १; जरयादसिष्टुः पुं॰ (जरकावशिष्ट) पहेली तरहती हिस्छ हिशा तरहती ओह रहे। दे तरहती ओह रहे। दे तरहावासी. पहिली नरक की दक्षिण दिशाके श्रोर का इस नामका वडा नरकावास. A big hell abode of the first hell region situated in the south ठा० ६, १;

जरसः पुं॰ (जरच) ओड ज्यतनुं ज गली पशु. एक जातिका पशु. A kind of brute. जीवा॰ ३, ३;

जरा . ली॰ (जरा) धरपणु, एडानस्था. रहावस्था Old age, decline of age.
" जीवाणं भते किं जरा सोगे?" मग० १६,
२, भग० २, १; ३, ७, ७, ६; ६, ३३,
नाया॰ १, ८, १७; विशे० ३१७६; पत्र॰
२, दस० ६; ६०, ८, २६; सत्था० ३२;
श्रोव० २१; भत्त० १५, १६४; श्राव० २,
५, उत्त० ४, १; १३, २६; श्राया० १, ३,
१, १०८, स्य० १, १, १, २६; जं० प०
७, १५३, स्० प० २०; स० च० १, २३५,
— जजिरिय. त्रि॰ (-जजिरित) जराधी
छण् थयेश जरासे जांगे old, infirm;
decayed. भग० १६, ४, — मरण्. न०
(-मरण्) जरा अने भरणु जरा व मरण्.
old age and death श्राव० २, ५;

जराउश्र ति॰ (जरायुज) જર યુ-એ र साथे જન્મ પામણાર; ગર્ભાશયથી જન્મ પામતા भनुष्य अने पशु जरायु- साथ में जन्म लेने वाला, गर्भाशय से जन्म पाते हुए मनुष्य वपशु Born from the womb, viviparous. स्य॰ १, ७, १, प्रव॰ १२४०; श्राया॰ १, १, ६, ४=, दस॰ ४; जीवा॰ ३, २,

जराउज त्रि॰ (जरायुज) लुओ "जरा-उम्र" श॰६ देखो "जराउत्र "शब्द. Vide "जराउम्र" ठा०७, १: जराउयः ति॰ (जरायुज) लुओ। " जरा-डब्र "शण्ट. देखो " जराडक्र " शब्दः Vide "जराडक्र " ब्र.या॰ १, १, ६, ४८; दस॰ ४; जीवा॰ ३;

जराकुमार पुं॰ (जराकुमार) यादव वंशना એક કુમાર કે જેને હાથે કુષ્ણ મહારાજનું માત થશે એમ તેમનાય ભગવાને પ્રકાશવાથી તે પાતકમૌથી ળચવાને જે કાસંબી વનમાં રહેતા હતા છતા દેવ ચાેગે કૃષ્ણ મદારાજ ત્યાં આવીચડ્યા અને જરાકમારને હાથેજ भेरत थथु. यादव वंश का एक क़मार कि जिसके हाथ से कृष्ण महाराज की मृत्यु होने वाली थी. नेमनाय भगवानने यह भविष्य प्रगट किया था श्रीर पातक से बचने की जिस कोसंबी बन में वे रहने लगे थे वहां भी कृष्ण महाराज जा चडे श्रीर जराकुमार के हाथ से मृत्यु हुई. A Yādava prince at whose hands Kiispa was to meet his death. Owing to the manifestation of Nemanātha, he used to reside in the forest of Kosumbī for saving himself from sin, where too Krisna happened to come and was killed at the hands of Jara Kumāra. श्रंत॰ ४, १;

जरासंध पुं॰ (जरासध) राज्याद नगरने। राज्या; नवभा अति वासुदेव। राजगृह नगर का राजा; नव में प्रति वासुदेव. The king of Rajagriha; the ninth Prati-Vāsudeva. परह॰ १,४,

जरासिंघु पुं॰ (जरासिन्धु) की नाभने। राज्य जरा सिन्धु नामका राजा A king so named; the ninth Prati Vāsudeva. नामा॰ १६; प्रव० १२२७, जारे त्रि॰ (ज्वरिन्) ताय व दी। ज्वर वालाः Attacked with fever. নৃ৹ ন৹

जरिष्ठा. त्रि॰ (यरित) ०/१२-/१। पगेरे रेशियार्थ ज्वा. ताप श्रादि रोगवाला. Attacked with fever. 140 fa. ५७२; ४=२; स्ग० १, ७, ११; प्रन० ११२; हजरूला हों। (जरूला) यार छंडिए याली એક છव. चार इंदिय वाला एक जीव. A four-sensed creature. पन्न॰ जल न॰ (जल) पाणी, लक्ष. जल; पानी. Water, नाया॰ १; २; ४; ६; १६; मग॰ २, १; ४, ७, ४२, ५; नंदी० ७; विशे० २०६; श्रोय० २१; उत्त० ३६, ४०; क० गं० १, १६; मत्त० १२६; प्रव० ४७७; (२) જલકાન્ત તથા જલપ્રભ ઈંદ્રના પ્રથમ લાક-पावनं नाम. जलभानत व जलप्रम इंडके प्रथम लोकराल का नाम name of the first Lokapāla of Jalakānta and Jalaprabha Indra. जं॰ प॰ ४, ७४; ठा०४, १; भग० ३, ८; (३) पाधीता छत्र. जल के जीव. an aquatic animal क॰ गं॰ ४, १३: (४) प्रस्वेः; पसीने।. पसीना, प्रस्तेद. sweat; perspiration. नाया॰ १; (१) असस्यानः तक्षाय वगेरे. जलस्यान वगैरह n store of water; n pond etc. दत्ता॰ ७, १; -श्रंत. पुं॰ (–श्रन्त) પાણીના અંત-છેડાે. जल वा ग्रंत-भाग. depth of water. भग॰ ६, ४; — श्रभिसंयः न॰ (-श्रभिषेक) પાણીથી નહાવું તે. जल से स्नान फरना. bathing with water. ११, ६; नाया॰ ४; निरः ३, ३; — स्रभि-सेयकढिगागायः पुं॰ (-म्राभिषेककीठनः गात्र) વાનપ્રસ્થ તાપસની એક જાત જેનું શરીર પાણીના વાર વાર સિ ચનથી કહિન થઇ **ગયેલ હै।य ते वानप्रस्य तापस की ए**क

जाति कि जिसका शरीर जल के वारवार सिंचन से कठिन हो गया हो. an order of hermits; one whose body has been hardened by the frequent sprinkling of water. भग॰ ११, ११: - उत्तार, पुं॰ (- उत्तार) पाशीमां अतर्थ ते जलमें उत्तरना. descending or getting into water प्रव ६७=, -- उवरिद्राइ त्रि॰ (- उपरिस्थायिन्) ल्य अपर रहेनार, जलके ऊपर रहने वाला. (one) living above water. नाया॰ ६, -काय न० (-काय) अपुश्राय; पाणी. श्रप्काय; जल water क॰ गं॰ ४, १३; —िकाइ. न० (-किट) पाणीना मेश, से यान: शिश जल का मेन; कजी durt in the water, moss राय १७३;—कीडा स्री • (- क्रीडा) पाणीनी आंहर तरवु, डुलडी भारती वरोरे गम्भत जल के भीतर तैरनाः कूदना इत्यादि खेल sporting or gambolling in water. राय॰ १७३; भग० ११, ६; विवा॰ ७. -कीला स्त्री॰ (-क्रीडा) जुओ उपने शक्द देखा कार का शब्द vide above. भग॰ ११, ६, -कुंम. पुं॰ (-कुंम) पाणीता घडा. जल का घडा-पात्र a pot of water. पंचा॰ १४, ११, —गय त्रि॰ (-गत) पालीमा रहें डें जल में रहा हुआ living in water. निसी० १=, २०, (२) पु॰ पाणीनी व्यांदर रहेवा छत्र जल के भातर रहा हुन्ना जीव. a creature living in water, an aquatic animal पएह० १, १; — धरियः त्रि॰ (-गृहिक) પાણીની વ્યવસ્થા કરનાર, પાણો પાનાર. जल वाला (one) looking पिलाने after water arrangements नाया॰ १२, —चक्कवाल न॰ (-चक्रवाल)

पाशीना गेक्ष भुंअक्षा. जन्न का गोल चक्कर. a ring, a circle of water. परह. १, ३; - चार. न॰ (-चार) नापाहिनुं પાણીમાં ચાલવું તે, વહાણનું જવું. નાવ वगरह का जल में चलना; जहाज का जाना, moving of a boat or vessel in the water. श्राया॰ नि॰ १, ४, १, २४६; --चारिया. श्री० (-चारिका) ચાર ઇદ્રિયવાલા એક જતના છવ चार इंद्रिय वाला एक जाति का जीव. a kind of four-sensed creature, पत्र. १, —च्छाग्राम. न० (-गालन) पार्शी गक्षत् ते. जल का टिपकना oozing or trickling of water पंचा॰ ४, ११, —हारा. न॰ (-स्थान) જલાશય, **પા**ણીનાં स्थान. जलाशय; जल का स्थान. a pond; a reservoir of water पत्र : -रधलय. त्रि॰ (-स्थलज) **१४ अ**ने રથલમા ઉત્પન્ન થયેલ; કમલ ગુલાળ વગેરે. जज व स्थल में उत्पन्न; कमल,गुलाव इत्यादि produced in water and on earth; the lotus, the rose etc. सम॰ ३४; -दोरा पुं॰ (-दोरा) द्रेष्य प्रभास पाधी द्रोण के प्रमाण से जल a cupful of water. प्रव० १४२४, — घारा. ह्मी॰ (-धारा) पालीनी धार जल-धाराः पानी की धार. a stream or current or flow of water. भग॰ ६, ३३: -पक्खंद. न॰ (-प्रस्कन्द) पाणीमां કુળી મરોજવું તે, બાલ મરણનાે એક પ્રકાર. जलमे ह्व मरजाना, वाल-मृत्युका एक प्रकार. drowning in water, premature death निसी०११,४१; -पदःखदण न० (-प्रस्कन्दन) लुओ अपने। शण्ह देखो जपर का शब्द vide above निसी० ११. ४१; -पवेसः न० (-प्रवेण) श्रुशे। "जनः

पक्खंद '' शण्ह. देखो ''जलपक्खंद '' शब्द. vide " जलपक्यंद " ।निसी० ११, ४१: -पवेसिक वि॰ (-प्रवेशिक) जसमां अवैश धरनार, जल से प्रवेश करने वाला. (one) who enters into the water भोवः ३८: -- एपचेस. नः लुओ। " जनपम्यंद " शण्ह. देयो " जन-पन्खंद " शब्द vide "जलपनखंद" ठा० २, ४; भग० २, १; नाया० १६; — चिंदुः पुं॰ (-बिन्दु) पाल्यीनुं टी पुं. जल का बूटं a drop of water, नाया॰ १: कप्प॰ ३, ४३; —वासि पुं॰ (-प्रामिन्) लक्षनी र्थां हर वसनार तापसनी ओक जात. जन के भीतर रहने वाले तापस की एक जाति an order of ascetics living in water. "जनवासियों ति " भग॰ ११, ६; निर॰ ३, ३; — बुब्ब्छ्य. न॰ (-ब्रट्बर्) पाणीना परपेटा. जल का युलयुला. A bubble of water. "विसय सुद्दं जलबुच्यु प्रममार्गं" श्रोव॰ --- बुद्युद. पुं॰(-बुद्युद्) ऋओ। ઉपके। शण्ह देखे। जपर का शब्द vide above भग० ६; ३३;--भय. न० (-भय) पाशी d अप जल का भय fear of water प्रवर ६८०; —भूमिश्रा. स्त्री० (भूमिका) पाणी वासी कभीन जल वाली धरता. land having water. पत्र २; -मज्ज्ञण न॰ (मञ्जन) १४३ स्नात जल स्नान. bathing or ablution in water. नाया॰ २; =; ९, भग॰ ११, ६; विवा॰ ७; —मज्भा. न॰ (-मध्य) पाणीनी वन्ये; ल्यमां जल के वीच में, जल में. the midst part of water अव. —माला स्री॰ (-माला) धर्धु **पा**शी. बहुत जल. plenty of water. सूय॰नि॰२,१, १६१; --रक्खस्त, पुं॰ (-राज्ञस) राक्षस

ने। पांथने। प्रधार राज्य का पांचवां प्रज्ञार. the fifth variety of demons. पन्न १, --रमगु. न ॰ (-रमग) १/४ ही ।। जनकीरा sporting in water. नायाः १३; - महः पुं॰ (- रह) व्यवसा भेहा थनार वनस्पति, इभव, शेवाब वर्गरे, जलमें पैटा होनेवाली ननम्पति, यमन, इत्यादि, vegetation growing in water; the lotus etc 'सेकिन जलरहा !; जन रहा श्रगोगाविहा पराणता'' पञ्च०१, जीवा०१: -रेहा स्ना॰ (-रेखा) पाधीमा बाहरी यगेरेथी धरेबी बीटी जलमे लफ्टा वगैरह सं की हुई रेगा a line made by means of a stick etc in the water. wo गं०५,६३;—चिच्छ्य पुं०(-वृश्चिक) १४३-ने। विधी जल का विच्यु u prawn पन्न • १; —विमुद्ध. वि॰ (-विग्रुद्ध) १४४४। शुद्र थपेत्र, जल मे शुद्ध purified by means of water अव॰ ७३४, —सित्तः त्रि॰(-विक्त) पाछीथी सियन धरेक्ष जल से मियन किया हुआ. sprin kled or moistened with water. दस॰ ६, २, १२, —सिद्धिः र्जा॰ (- मिद्धि) १८२मां न्दाना न्दाना सिद्धि भागे ते जल में स्नान करते करते सिद्धि पावे वह. perfection attained while bathing in water. " मुसं वयंते जलसिद्धिमाह "म्य॰ १, ७, १७; —सोयवाइ. पुं॰ (-शोचवादित्) પાણીથી શુદ્ધિ માનનાર તાપસની એક જાત. जल से शुद्धि मानने वाले तापस की एक जाति. an order of ascetics who believe in purity by means of water. स्य॰ नि॰ १, ७, ९०;

जलश्र-य पु॰ (जलद) भेधः परसाह. वर्षाः मेघ A cloud विशे॰ ४६८ः १७१७; कप्प० ३, ३४;

जलकंत पुं॰ (जलकान्त) यहधानत भिधाः; स्थित इहिन पृथ्वीना ओड प्रधर चद्रकांत-माणा. सचित्त कठिन पृथ्वी का एक प्रकार The moon gem; a variety of hard animate earth उत्त. ३६. ७६, पन ० १; सम० ३२, (२) ६क्षिए तर-इते। ઉદ્દધिद्वभारता ध्रद्रत नाम दक्षिण तरफ के उदधिकमार के इंद्र का नाम. name of Indra of Udadhi Kumāra (son of the ocean) of the south. ठा॰ २, २; पत्र॰ २; (ર) જલકાંત ઇંદ્રના ત્રીજ લાકપાલનુ નામ जलकांत इन्द्र के तीसरे लोकपाल का नाम. name of the third Lokapāla of Jalakanta Indra 210 8, 9, भग० ३, ८,

जलकारि पुं॰ (जजकारिन्) नै। छिदिय छ व विशेष. जलकारि नामक चोहांद्रेय जीव विशव. A kind of four-sensed creature of this name. उत्त॰ ३६, १४७,

जलचर पुं॰ (नलचर) पाणीभा उत्पन्न थर्ध पाणीभां रहेनार प येन्द्रिय निर्धय जल में उपन्न हो जलहीं में रहने नाला पंचेन्द्रिय तिर्धय A five sensed aquatic animal, श्रोबर ४१; मग॰ ६, १, १४; १, २४, १; प्रव॰ ६७६,—विद्वाण, न॰ (-विधान) अक्षयर निर्धय प येदियना प्रधार जलचर तिर्धय पंचेन्द्रिय का प्रकार a kind of five sensed aquatic animal भग॰ १४, १;

जलचरी स्त्रं॰ (जलचरी) पाणीमा रहेनार भाण्डी, भधरी वगेरे, જ शेयर तिर्थं यनी स्त्री जल में रहने वाला मछली मगरी, जलचर तिर्थंच की मादा. A fish living in watar, the female of an aquatic animal. ठा॰ ३, १;

जलज. न॰ (जलज) पार्श्वीमां अप्तन थयेत्र, अभवादि. जल में उप्तच कमलादि. The lotus etc. produced in water. राग॰ २७;

जलजित. त्रि॰(जाजूल्यमान) क्य ६४ता; धीपता. प्रज्वलित; ज्वलंत. Blazing, burning. कप्प॰ ३, ३६;

जलणा त्रि॰ (ज्वलन) हेहि ध्यमान अभि, आग, हेवता देदिप्यमान, श्रमिन: श्राम Blazing fire; fire प्रव १०७३; क गं े १, ४५; गच्छा े ७६; पंचा े २, २६; ४, ४४; विशे० २७, २१४; अणुजी० १३१, १५४; नाया० १, १७; दस० ६, १, ११; सु० च० ४, २१०, श्रोव० ३८, भग० २, १, (२) पुं॰ (श्रात्मानं चारित्र वा ज्वालयति दहतीति ज्वलनः) हे। ध. शुरसी कोध, गुस्सा anger, rage स्य॰ १, १, ૪, ૧૨, (३) સલગાવલુ; બાલલું. जलाना. barning; kindling पएइ॰ १, १: (૪) જ્ઞાનાદિ ગુણના પ્રકાશ કરવા તે ज्ञानादि गुण का प्रकाशन. enlightenment in the form of knowledge प्रव॰ १४८, (१) अग्निः इभार देवता धारिनकुमार देवता the Agnikumāra deity. पगह॰ 9. -काय न॰ (-काय) तेजरधायः अधित. तेजस्काय, अपिन. one having a lustrous form; fire क॰ गं॰ ४, १३; -पक्लंदग्र. न॰ (प्रस्तन्दन) अशिभां પડી મરી જતું તે; બાલ મરણના એક પ્રકાર. श्रामि में गिरकर जल मरना; वालमुख्यका एक प्रकार burning to death by falling into the fire; a form of premature death निसी॰ ११, ४१; --- पवेस न॰ (-प्रवेश) अगिननी आहर

पेडी णंसी भरेषुं ते; णांस भरेषाने। ओं के भेडार श्राग्न के भीतर गिर कर जल मरना; वालमृत्यु का एक प्रकार. burning to death by falling into the fire, a form of pre-mature death निसी ११, ४१; भग २, १; नाया १६; ठा०२,४;

जलन. पुं० (ज्वलन) लुओ। " जलगा " शम्द देखो " जलगा " शब्द Vide "जलगा " पं० नि० मा० १;

जलिनिहि. पुं॰ (जलिनिधि) सभुद्र. समुद्र. The sea प्रव० १४६२,

जलपभ. पु॰ (जलपभ) हिस्छ तरह्ना छत्तर पालुना छहिंधि हुमार लितना स्वनपित हेवताना छन्द्र दिखा दिशाके उत्तर तरफ का उदाधिकुमार जाति के भवनपित देवता का इंद्र Indra of the Bhavanapati deities of the northern Udadhi Kumāra class of the south. ठा॰ २, ३, पज्ञ॰ २; (२) ल्या डान्त तथा ल्या अया अया अया अया अया वाका वाम. जला कानत व जलप्रभ इंद्र के चौथे लोकपाल का नाम. name of the fourth Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalkānta and Jalaprabha Indra. ठा॰ ४, १; भग॰ ३, ६;

जलप्परः पु॰ (जलप्रभ) लुओ। "जलप्पभ' शब्दः Vide. "जलप्पभ " सन्दः Vide.

जलमय त्रि॰ (जलमय) पाष्ट्रीभय, पाष्ट्रीरूप. जलमय; पानीस्त्रह्म. Abounding in water. पणह० १, १,

जलय. न॰ (जलज) ६भथ. कमल A lotus. पन्न॰ १, राय॰ ४७, नाया॰ ६; जीवा॰ ३, ४; —श्रमलगंधिय. पु॰

(-श्रमलगन्धिक — जलजानामिव जलज-कुसुमानामिवामलो न तु कुद्दव्यसिमिश्रो यो गन्धः स विद्यते येषां ते जलजामलग-न्धिका.) ४भक्षता केवी गन्धवाक्षा कमल की सी गन्धवाला. fragrant like a lotus जीवा०३,४; राय०४७, जं०प० ४,७४,

जलयर. त्रि॰ (जलचर-जले चराते पर्यटतीति जलचरः) पालीमा ७८५२ थर्छ पालीमां २६-नार पंचेन्द्रिय तिर्थय जल मे उत्पन्न होकर जल में रहनेवाला पंचेन्द्रिय तिर्थंच. A five-sensed creature and living in water. " से किंतं जलपरवाचिन्दियातीरिकत जोशिया '' पन्न० १, जीवा० १; सम० १३; सू० प० १०; उत्त॰ ३६, १७०; भत॰ १३०; —निकर पुं॰ (-निकर) अध्यर प्राशीना समूह. जलचर प्राणियों का समूह a collection of aquatic animals. प्रव॰ २२२; -मंस न॰(-मांस) भाष्ट्यां वगेरे लक्षयर সাত্রীনু **মা**ম. मत्स्य স্মাदि जलचर সাणियोका मांस the flesh of aquatic creatures such as fish etc. प्रव० २२२: जलयरी स्रो॰ (जलचरी) अक्षयर तिर्थय-पंथे दियनी स्त्री, जलचर तिर्यस पंचेन्द्रिय की हो. The female of a five-sensed aquatic animal. " से किं तं जलच-

जलरत्र. पुं॰ (जलरत) প्रधात तथा प्रधान प्रभाव प्रधान प्या प्रधान प्रधान

रीयो " जीवा० १;

जलरूप-च पुं॰ (जलरूप) ७६धि ५ भारना

धन्द्र अक्षडांतना धीन्य क्षेष्ठियावनुं नाम. उदिविकुमार के इन्द्र जलकात के दूसरे लोक-पाल का नाम Name of the second Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Indra Jalakānta of Udadhikumāra. भग०

जलवीरिय पुं॰ (जलवीर्य) यार धन्द्रियवाली छन विशेष. चार इन्द्रिय वाला जीव विशेष. A kind of four-sensed creature जीवा॰ १, (२) ऋशलदेव स्वाभीथी तेमना वंशमां थयेंदी। सातमी राज्य ऋषभेदेव स्वामी से जन के वश का मानवा राजा name of a king born in the race of Risabhadeva Swāmī and seventh from him हा॰ इ;

जलस्ग. पुं॰ (जलस्क) ज्यात धन्द्रना जलस्ग. पुं॰ (जलस्क) ज्यात धन्द्रना जलकान्त इंद्रके दूसरे लोकपाल का नाम Name of the second Lokapāla (regent of a quarter of the world) of Jalakānta Indra. ठा॰ ४, १;

जलहर पुं॰ (जलधर) भेध, वर्धांट. मेघ, वर्षा; वारिश A cloud, rains. कष्प॰ ३,३३,४४;

जलिह पुं॰ (जलिथि) सभूद्र. जल-पानी-धि -भंडार-समुद्र The sea. सु॰च॰ १, १, नाय। ॰ ११,

जलाय पु॰ (जल्पाक) राज्यना शुण् भेशन नारः राजा के गुण् बोलने वाला One who extols the merits of a king. निसी॰ ६, २२;

जलावरा न॰ (ज्वालन) संबगावयु. अशि भगट धरवे। जलाना, श्राप्त प्रकट करना Burning; kindling of fire. "जलरा जलावरा त्रिवंसरोहि" परह॰ १, १,

Vol 11/101

जलासय पुं• (जलाशय) जशाशय, जसना हेशाला-तलाव वर्गरे, जलाशय; जल के स्थल-तालाव इत्यादि ${f A}$ pond; ${f a}$ reservoir. पन ० २, — ज. त्रि॰ (-ज) જલારાય–તલાવ–સમદ્ર વગેરેમા थयेत. जलाशय-तालाव समुद्र इत्यादि म उत्पन हुआ. produced in a pond, sea etc. प्रव॰ १९१४, —सोस्रण न॰ (-शोषण्) अक्षागय-तक्षाव वगेरे सीस-વવા તે, શ્રાવકના સાતમા ત્રતના અતિચાર-રૂપ ૧૫ કર્માદાનમાનુ વાદમુ કર્માદાન जलाशय-तालाव इत्यादि की सकाना, श्रावक के सातवें व्रत के श्रांतिचार रूप १५ कमीदान में से चौदहवा कमीदान the suction or absorption of a pond etc the fourteenth of the Karmādāns (sinful operations) forming part of the partial violation of the seventh vow of a lay man. प्रव॰ २६=,

जिलय त्रि॰ (ज्विलित) थिलेलु. जला हुन्ना

Burnt "पक्खदे जिलिय जोइ ' दम॰
२, ६, ६, ३३. ६, १, ६, नाया॰ १, भग॰
४, ६, नाया १, भग॰ ५, ६, स्य॰ १, ४,
१,७, श्रोव॰ १०, पगह॰२,४; — चुिडली
स्री॰ (*-चुिटली) भड़नी सलगती पुली.
घास का जलता हुन्ना पूला क burning
bunch of grass "जिलिय चुिडलंगिव श्रमुचम ,ह-हग्गसिलाश्रो" तदु॰

जिलर. त्रि॰ (व्वित्रि-ज्वलनशील) प्रक्ष-नार, प्रक्षवाना स्वलाव वाली जननेक स्वभाव वाला Of a burning nature. सु॰ च॰ २, ४१;

जलूगा स्त्री॰ (जलीकस्-जलमेको वर्मात-रस्येति) पगरेक्ष क्षेत्रि पीनारः अक्षेत्र, भे धदिगळेष विशेष विगडे हुए रक्त को पीने वाला; द्विइंदियजीय विशेष. One that sucks impure blood; a kind of two sensed creature. उत्त॰ ३६, १२८; नंदी॰ ४४;

जलोया. सी॰ (जलां हस्) लुओ। "जल्मा" शण्टा देतो " जल्मा " शब्द Vido " जल्मा " पन्न॰ १, अणुत्त॰ ३, १; भग॰ १३, ६; (२) २५ भर्दा शिली और जात में पन्नी की एक जात में kind of bird पन्न॰ १;

जल्ल. पुं॰ (यस याति च लगति चेति यहः) શરીર ઉપર જામેલ કડણ મેલ; પરમેત आहिने। धट्ट भेत्र शरीर के ऊपर का जमा विदिन सल: पसीना त्यादि वा पह Hard dirt or impure matter of the body, thick dirt of perspiration etc. सम० ५; श्रोय॰ ३=; जीवा॰ ३, ३: नाया॰ १३; भग० १, १; ८, ८, २०, २; उत्त० २, ३७, निसी ३३,७०; पिल नि०२६२; काप०४, ૧૧૬; (ર) દારડી વાધર ઉત્તર ચડી ખેલ કરતાર; નટ ખગ્નખુી મા. (२)रहेम पर चढ कर खेल करने वाला; नट. an aerobat; n rope-dancer. जं०प० नाया०१; ऋगुजी० ६२, श्रोव० पग्ह० २, ४; कप्प० ४, ६६; (३) त्रि॰ थे।ऽ। प्रयत्नधी इर थाय नेतुं थांडे प्रयस्न से दूर हो ऐसा (that) which ean be got rid of with little effort (૪) મ્લેચ્છની એક બન; જત देशवासी. म्लेच्छका एक जातिः जन्नदेशवासाः a class of outcasts residing in Jalla country, पग्ह ०१, १:(१) आप सर्ध अनार. कायड से जाने वाला (one) who carries bamboo lath provided with slings at each end जीवा०३,३; —श्रोसिंह जी॰ (-श्रीपधि) એક પ્રકારની લિગ્ધ: મેલના સ્પર્શ્યા દર્દ મટે अवा प्रधारती शक्ति, एह प्रकार यो लिखः मत के रवर्श में रोग धानाश हो। इस प्रकार की शक्ति. a kind of acquisition; the power by which a disease is destroyed by means with dirt, wirt. contact पगढ : २, १: विशेष १०८: - श्रीमिटि-पत्त. शि॰ (-र्थापधिप्राप्त-यहाँ मसं स एवंगिपिर्वेद्यीपिधन्यां प्राप्तां यद्यापिप्राप्तः) મેલ માત્રતા સ્પર્ધાથી રાત મટી જાય એવી लिधिने प्राप्त धंयेश, मन मात्र के राशे मे रेगम नए हो चुंसी लाउच जिसकी प्राप्त हुई है TE. (one) possessed of the power of getting rid of a disease by more contact with dirt "ज्ञानिहिषत्री" पमह - २, १; पु॰ (-परिषद्---पस-—परिसह इतिमन्नः स एव परिषहा यहपरिषदः) રારીરના મેલને, પરિષદ્ધ ૧૧ માના ૧૦ મા परिषद शरारके मन का परिषद्द, २२ में में १८ वो परिषठ, uffliction or trouble due to durt of the body due to perspiration, the 18th of the 22 afflictions that a Jain ascotic has to bear calmly नम॰ २३, भग॰ =, =; -पेद्वा स्त्रां॰ (-प्रेज्ञा-वर-त्राखेलकारा. स्तोत्रपाठका द्रत्यपरे तेषां प्रेचा जल्लमेचा) द्देशियर यडी भेसनारना भेस ब्लेवा ते. रस्पेपर चटकर तमारो नरनेवान नट का तमाशा देखना witnessing the exhibition of skill of perfomers in the streets जीवा॰ ३, ३. —मल पुं॰ (-मल —याति च लगति चेति मजः सचासी मजः यह्ममजः) शरी-

रने। भेक्ष. शरीर का गेल. dirt or im-

purity of the body. "जल मल-कलंक सेयरय दो सर्वाज्ञिय सरीर निक्त्व लेवा" तंदु॰ श्रोव॰ नाया॰ १३; — सिंघाण. न॰ (-शिद्धाण) शरीरते। भेक्ष अने नाध्नी भेक्ष शरीर व नाक का मेल. bodily dirt and snot. श्राव॰ ४, ७;

जलत्ता. न० (जल्लता—मल) ४८ीन भेद. कटिन मेल Hard dirt. दसा० ७, १; जल्लरी स्री० (मल्लरी) अध्वर. मालर. A frill. ज० प०

जाह्मिय. न० (१ जल्लक) शरीरने। मेन. शरीर का मेल. Dirt or impurity of the body. " उचारं पासवर्ण खेलं सिघाणं जाह्मियं" उत्त० २४, १५; भग०६, ३;

ज्ञव. पुं॰ (यव) જવ, એક જાતનું ધાન્ય. जो, एक प्रकार का धान्य. Barley: a kind of corn. भग॰ १, १; ६, १, ६, ३३; १४, ७, २१, १, नाया० १: श्रोव० उत्त॰ १, ४६; टा॰ ३, १, पन्न॰ १, जीवा॰ ३, ३; वेय० २, १; नदी० १४, पचा० ५. २८, (२) એક પ્રકારની औषधी एक प्रकार की स्रोपधी a kind of medicine. पत्त १, (३) आई लु अभाणः जपनी દાણા; અંગુલના આઠમા ભાગ. ત્રાઠ જ प्रमाण जनका दाना, श्रंगुलका श्राठवां हिस्सा. the eighth part of a finger which is equal to a baileycorn श्रमुजी॰ १३४, ठा० ८; (४) ओड જાતની કન્યાને પહેરવાની ચાલી प्रकार की कन्या को पहिनने की चौली. a sort of breast-coat for a girl. विशे॰ ७०६: (५) એ नामना એક माणस इस नाम का एक मनुष्य name of a person भत्तः नः, -उद्श्र नः (-उदक) अथन पाशी. जो का जल-पानी water mixed with barley-corn.

ठा॰ ३, ३,—उद्दशः पुं॰ (-उदक) ळुओ। ઉपक्षे। शम्ह. देखो ऊपरका शब्द. vide above. " सीयं च सोविरं च जवेदगं च" उत्तर १४; १३; निसी ०१७, ३०; प्रवर २०६: पंचा० ४, २८: कप्प० ६, २५; - श्रोदणा न॰ (-श्रोदन) जवने। रे।८क्षे। पगेरे. जो की रोटी वगैरह # barlevcake. " श्रायामगं चेव जवोद्ण च " उत्त॰ १४, १३; — रागा. न॰ (- श्रक्ष) એક जतन ज्वन जनावेस अन्न. एक प्रकार का जो से बनाया हुआ अज an article of food consisting of barely स॰प॰ २०. - वारय. (-बारक) જવના અકુર; જવારા जवारा. a sprout of barley-corn. " जववार वराण्यसित्थ गादि महारम्मं " पंचा॰ ५, २३;

ज्ञव. पु॰ (जव) गति; वेग, जीस. गति; वेग; जोश Speed, swiftness. उत्त॰११,१६: जवजव पं॰ (यवयव) भे नाभतुं भेक्ष धान्य. इस नाम का एक धान्य. A kind of corn of this name भग॰ ६, ४; १४, ७; वेग॰ २, १; ज॰ प॰ ठा॰ ३, १; दसा॰ ६, ४; पन्न॰ १; -- जवजवग. वुं॰ (-यव यवक) ऋथे। " प्य प्य " शण्ह देखे। " जब जब " शब्द. vide ' जब जब ' भग०२१, १, - जचण पुं० (- जवन) वेग; शीध्रगति वेग, शांघ्रगांत. swiftness; velocity. भग॰ १४, १; - जवण पुं॰ (-यवन) भ्दे²७, यवन देशवासी म्लेच्छ, यवनदेश वासी an out cast, one residing in a foreign country परहरु १, १; पञ्चरु १; सूरु परु २०; (२) ये नामना ये अनार्थ देश इस नामका एक a non-Aryan श्रनार्थ देश country of this name

१४६४: —दिव पुं॰ (-द्वीप) यवननी पसति वाली देश यवनों से वसाहुत्रमा देश. a country inhabited by non-Aryans जं प॰ —जवणाः ब्रां॰ (-यापना) शरीर निर्वाद; छवन निर्वाह शरीर निर्वाह, जीवन-निर्वाह. live lihood, maintenance. उत्त॰=, १२; (२) संयभने। निलाव. संयम का निमाव. maintenance of asceticism उत्त॰ ६, १२, ३५, १७; प्रव॰ ६६; —(रा) ह. पुं॰ (- श्रर्थ) संयमरूप लार अपाडवाने। अर्थ. संयमरूप वॉक उठाने का अर्थ. utility of bearing the burden in the shape of restraint. " जवणहाए निसेवए मंथु " उत्त॰ ८, १२; दस॰ ६, ३, ४,

जनगाणियाः स्री॰ (यनगानिका) એક ज्यतनी लिपि एक प्रकार की लिपि. A kind of script or character. पन १;

जवस्मालिया. ब्री॰ (गवनालिका) इन्याने पहेरवानी ओई जातनं शेवी. कन्या को पहिनने की एक प्रकार की चोलों. A kind of breast-coat for a girl. नंदी॰ (२) यवन देशनी विधि, १८ विधि-भानी ओई. यवन देशकी लिपि, १८ लिपियों में से एक one of the 18 scripts. सम॰ १८;

जवारोजा त्रि॰ (यापनीय) २ भत शुक्तरवा थे। २थ. समय व्यतीत करने योग्य. Fit for being a pastime. (२) छिद्रिथे। २५ने भनने જીनवा ते. इद्रिय व मन को जीतना. conquering the senses and the mind "जविश्व अव्वावाहं फासुय विहारं" भग० १, १०; १८, १०: नाया० ५; भ्राव० ३, १; जविशियाः स्रो॰ (यवनिका) अनात कनात.

A curtain. नाया० १: भग॰ ११, ११;
प्रव॰ ६७६: — (यं) श्रेतिरियः न॰
(-श्रन्तिरत) अनातने आंतरे रहेल:
अनातनी आंदर. कनात के श्रन्दर रहा हुश्रा.
screened or protected by a
curtain. "पभावात देवि जविश्यंतिरियं
ठावेइ" नाया० १: =;

जवनालियाः स्त्री० (यवनाजिका) लुभे। "जवणालियां अष्टः देखां "जवणानियां क्षेत्रणः पंजन्यानियां पंजन्यानियां पंजन्य ३३;

जवमङ्भाः पुं॰ (यवमध्य) ०४२ना भध्य लाग परिभित ओ इ भाष जो के भध्य भाग के प्रमाण का एक नाप. A measure of length equal to the middle part of a barley-corn. जं० प० २, १६: भग० २४, २; ३; प्रव० १४७२; (२) ०४२ना भध्य लाग. जो का मध्य भाग. the interior of a barley-corn. भग० ६, ७; क० प० ३, ४०: (३) जि॰ ४४ना भध्य लागना आधरनुं जो के मध्य भाग के ब्राकार का having the form of the middle part of a barly-corn. भग० ६, ७; २४, ३;

जवमज्मचंदपिडमा. ली॰ (यवमध्यचन्द्रप्रतिमा) जवना मध्य लाग जेरी पिडमा એटले
के ले छेडे पातती अने वन्ये पुष्ट, जेम केष्ठे साधु शुक्त पक्षने पडवेथी ओक केलियो अ ढार लि पिडिमा शक् करे; युनमे पत्र केलीआ सुधी पहेल्यी, पछी दररोज ओक्कि केलिया सुधी पहेल्यी, पछी दररोज ओक्कि केलिया सुधी पहेल्या, पछी दररोज ओक्कि केलिया सुधी पहेल्या, पछी दररोज ओक्कि केलिया स्टाउता पद ०)) ओक केलिया आहार लि पर्डिमा पुरी करे ते जवमध्य य'द्रपिडमा. साबु की एक प्रतिमा (तप विशेष) जिसे जब के मध्य भाग की उपमा दी जाती है. जैसे जब दोनों तरफ से पतला

श्रीर बीच में मोटा होता है इसी प्रकार इस वत में शुक्ल पक्त की प्रतिपदा को एक त्रास लिया जाता है और प्रतिदिन एक एक श्रास बडाकर पूर्णिमा को १५ श्रास लिये जाते है, फिर एक एक ग्रास घटा कर अमा-वस्या को एक ग्राम लेकर यह शतिमा पूर्ण की जाती है, इस प्रतिमाको जनमध्यचन्द्रपोडमा कहते है. An austerity performed by an ascetic. This is known as Javamadhya Chandra Padimā (an austerity of the shape of the middle part of a barley-This austerity corn). begun from the 1st day of the bright-half of the month and on that day only one morsel is taken as food and then every day one morsel is increased. Thus on the 15th day 15 morsels are to be taken. In a similar way one morsel is decreased every day till on the 15th day of the dark half of the month one morsel is taken. वव० २, २, १०,१, ठा०२,३:३,३: जवमज्ञा खी॰ (यवमध्या) એક પ્રકारनी पडिमा; जुणे। उपने। श्रन्ट. एक प्रकार की पिंडमा; देखो ऊपर का शब्द A kind of Padimā; vide above. স্থাৰ॰ १५. ४० २, ३; ४, १; उत्तर ३६. ५४, वव० १०, १,

जनसः न० (यवस) भग अड६ वगेरे क्षेत्र धान्यः मूंग, उडद इत्यादि धान्यः A kind of corn " श्रोयणं जनसं देजा " उत्त० ७, १;

जवा ब्रो॰ (जवा) એક જાતની વનસ્પતિ

एक प्रकार की वनस्पति. A kind of vegetation. पन १; नग २३, १,

जवासय. पुं॰ (यवासक) वनस्पति विशेष; ज्यासी. वनस्पति विशेष; जवामा. A kind of vegetation. पत्र॰ १;

जवासा स्त्री॰ (यवासा) राता धूसवार्सुं क्षेत्र कातनुं आह लाग पुन्य वाला एक प्रकारका वृत्त्त. A. kind of tree bearing red flowers. ' यवामाकृषुमेइ " पन्न॰ १७.

जावि. त्रि॰ (ज्विन्) वेश वाक्षी. वेगवान्: गति वाला Swift; fleet (२) पुं॰ वेदि। अश्वः घाँडा. a horse सूप॰१,१,२,६; जञ्चस. त्रि॰ (यद्वश) की वश थेपेस. जिसके आधीन वना हुआ. Subdued by which; submissive to which. क॰ गं॰ १,२२.

जस न॰ (यशस्) यशः शिति, आभरु यशः, कीर्ति. Fame: Leuown भग० ३,६, १४, ४, १२, १, ४१, १; नाया० =, १=, श्रोव० ३=, सूय० १, ६, २२; सू० प० १६; नंदीं ३३, पन्न २३; उतः ३, १३, कः ग॰ ४, ६९; (२) सयम, अरित्र सयम, चारित्र. asceticism. 'जसं संचिष्ण खातिए' उत्त॰ ३, १३, दम॰ ४, २, ३६, (३) શ્રી પાર્શ્વનાથના આદેમાં ગણધરત નામ श्री पार्श्वनाथ के < वें गगाबर का नाम. name of the 8th Ganadhaia of Śrī Pārśwanātha सम० प० २३३, (४) ચાદમાં તીર્ધકર બી અનતનાયછના પ્રથમ ગરાધરનું **નામ चादह**वें तीर्थकर श्री अनंत-नाथजी के प्रथम गणधर का नाम. name of the 1st Ganadhara of the 14th Tirthankara Śri Anantanāthajī. सम॰ प॰ २३३; प्रव॰ ३०६; —कर. त्रि॰ (-कर—यश सर्व दिगामि

प्रतिद्धियोगः तत्करो यशस्कर.) सर्व हिशामां यश भेदानार सर्व दिशामों मे यश प्राप्त करने वाला. (one) attaining fame or glory everywhere. नामा॰ १, तंदु० (२) ऋपसहेव स्वाभीते। भे नामते। ४२भे। री६रे। ऋप्रमदेव स्वामी का इस नाम का ४१ वां पुत्र name of the 41st son of Risabhadava Svāmī. कष्प॰ ३, ४२; —चंस. पुं॰ (-वंश —यशसां वंश इव पर्वप्रवाह इव यशेवंशः) यशवान वरा व glorious family. 'जसबंसो नामहत्थीण' नंदी॰ —वाय. पु॰ (-वाद) धन्यताः धन्यवाद thanks-giving; thanks '' जसवंपुणं चिह्नता '' कष्प० ४, ६०;

जसंस पुं॰ (यशहिवन्) महानीरस्वाभिता पितानु ओड नाम. महावीर स्वामी के पिता का एक नाम One of the names of the father of Mahāvīra Svāmī, कप्प॰ ४, १०३;

जसंसि ति॰ (यशस्तिन्) अण्यातः यशस्तीः केनी शुक्त धीरिं चीतर्द्द प्रसरेती है। य ते प्रख्यात, यशस्त्री, जिनकी सुकीर्ति चहुं श्रोर फेली हुई हो नह Famous, glorious; (one) whose fame has spreadeverywhere. "श्रणुतरे एएएघरे जमंसि" उत्त॰ ४, २६, सम॰ प॰ २३४ः श्रोव॰ १६, नाया॰ १. दम॰ ६, ६६; राय॰ २१४, भग० २, ४, (२) महानीर स्त्रामी के पिता का श्रार नाम another name of the father of Mahāvīra Swāmī. श्राया॰ २, १४, १७७, कप्प॰ ४, १०३,

जसाकीति ह्या॰ (यशःकीति) अश, शीति ;

आयरू, प्रभ्यानि यश, कीर्तिः विख्यातिः

Fame: reputation; glory তা॰

३, ३; क० गं० १, ११; क० प० १, ७६: प्रव० १२=०; — णाम न० (-नामन) नाभक्षीनी ओह प्रकृति के जेना उदयी छन जयां ज्यय त्यां शुभ हीति भेत्रवे. नामकीको एक प्रकृति कि जिसके उदय में जीव जहां जावे वहां गुभ कीर्तिको प्राप्त करे. a variety of Namakarına by the rise of which a Jiva (a soul) attains fair fame whereever he goes. प्रव० १२=०;

जस बोस. पुं॰ (यगोबोप) श्रेशनत क्षेत्रमां लागि त्रील तीर्थंडर ऐरावत स्त्र के भावी तासरे तीर्थंकर. The third wouldbe Tirthankara of Airāvata Ksetia. प्रव॰ ३०१;

जसबद् ९० (यशश्चन्द्र) એ नामना ओड गंशी इस नामका एक गणां. An ascatic of this name. भग० ४२, १;

जसद् पुं॰ (जसद्) जसत जसत. Zinc. श्रोव॰ ३८, —पाय. न॰ (-पात्र) जसतत्तु वासण् जमत का बरतन (पात्र). a zink pot. " जसद्वायाणि वा " श्रोव॰ ३८;

जलवण पुं॰ (यरोधन) से नामभे। सेक्ष राज्य इस नाम का एक राजा. A king of this name. तदु॰

ज तथर पुं॰ (यशोधर) ५ भवाडी स्थाना भायभां दिवसतु नाभ पत्त के पाचने दिन का नाम Name of the fifth day of a fortnight जं॰ प॰ ७,१४२;

जसमदः पुं॰ (यगोभद) शध्य लाव सूरीता न्में शिष्य शव्यम्भव सूरी के एक शिष्य का नाम Name of a disciple of Sayyambhava Suri नदी २२४; (२) એ नामना न्में आयार्थ हे के मार्डस गोजना आर्थ संसूतविक्यमना शिष्य छता इस नामके एक आचार्य कि जो माठरम गोत्र के आर्थ सभूतीवजय के शिष्य à name of a teacher who was a disciple of Ayra Sambhūtavijaya of Mātharasa race ऋष्य॰ ८, (३) ૫ખવાડીઆના ૫ દર हिवसभाना ये। थ.हिवसन् नाभ. पत्त के पंद्रह दिवय में से चौथे दिन का नाम. name of the fourth day of a fortuight. सु० प॰ १०; जं॰ प० ७, १४२, (४) न० यशेत्सध्यी ती भ्रेंबेल व्ये गामन इस यशोभद्र से उपन इस नाम का कुल, a family of this name sprang from Yasobhadia. कप • =, (प्र) पु॰ ओ नामना श्रीपार्श्वनाथना ओड गण्धर इस नाम का श्रीपार्श्वनाथ का एक गणधर. a Ganadhara of this name of Sil Pāisvanātha सम॰ =:

जसमंत पुं॰ (यशोमत्) शे नाभना शिक्ष क्ष्मार इस नामका एक कुलगर (कुलकर) A. Kulagura so named सम॰ प॰ २२६, ठा॰ ६,

जसर्वर्ध ली॰ (यशोमीत) थील सगर व्यव्वती भी भाता. The mother of the 2nd Sagara Chakravarth सम॰ प॰ २३४, (२) श्र्यश्र लग्यान् श्रीभदावीश्वी पुत्रीती पुत्रीतु नामः श्रमण मगवात श्री महावीर की पुत्री की पुत्री को पुत्री का नाम name of the daughter of the daughter of the daughter of the ascetic Mahāvīra कव्प॰ ४, १०३; (३) त्रील व्याउभ व्यति तिरक्ष के त्रश् राजिनी तिथि तृतीया व्यव्यो विश्व ने राविद्यी, इन तीन राजिया, मृति विश्व ने राविद्यी,

nights viz of the 3rd, 8th, and 13th day of a fortnight. स्०५० १०: ज० ५० ७, १५२:

जसवती स्त्री॰ (यशेमती) लुओ। ઉपसे। शम्द. देखे। ऊपर का शब्द. Vide above. मम॰ प॰ २३४; जं॰ प॰ ७, १४२:

जसिस ति॰ (यशस्त्रिन्) यशपान्, न्यापत् पातीः; डीर्नियत यशवान्; कीर्तिवतः Famous, glorious, श्राया॰ २, २, १, ७१,

जसहर पु॰ (यशोधर) व लुद्रीपना लरतण उमा थनार १७भा तीर्थं ५२. जंबुद्वीप के भरतखड में होने वाले १६वे तीर्थकर The 19th would-be Tirthankara who is to appear in Bharata Khanda of Jambūdvīpa समन्पन २४१, (२) પખવાડીઆના પદર દિવસમાના પાયમા हिन्स पन्न का पाववा दिन the fitth day of a fornight जं॰ प॰ (રૂ) શ્રૈવેષક વિમાનના પાથડા श्रैवेयक तिमान का प्रस्तर (थर) & layer of the dividing matter of Giniveyaka abode 2108; (8) स्त्री० दक्षिण रूयक पर्यंत अपरती आड દિશાકુમારીમાંની ચોથી દિશાકુમારી दिन्तिण रुचर पर्वत पर की भ्राठ दिशा-कुमारी मे की चौथी दिशा-कुमारी the fourth of the eight Diśäkumä. is living on the southern Ruchaka mountain ठा०८,ज॰प॰ (૫) પક્ષની ૫ દર રાત્રિમાની ચાર્યી રાત્રિન नाम पत्त की पद्रह रात्रि में में चौधा रात्रि कानाम. name of the fourth night of a fortnight जं प॰ (६) ण' भु सुदर्श ना नाभे पृक्ष जबू सुदर्शन नाम का बृत्त. a tree nam

Sudarsana जीवा॰ ३; जं॰ प॰
जसाः श्री॰ (यशा) है। शिना रहीश हास्यपनी स्त्री अने हिपतनी भानाः कें। शांची का
रहीस कास्यप की स्त्रीं व किंपल की मानाः
The mother of Kapila and
wife of Kāsyapa, the resident
of Kausāmbī उत्त॰ ६, (२) अगु
पुराहिननी स्त्रीः भगु पुरोहित की स्त्री

उत्त० ३, १४, ३, जसी पुं० (यगस) यश; आणरू; डीर्ति. यश, कीर्ति. Fame, reputation. सु० च०२, १३८; —कामि. पु० (⊸का-मिन्) यशनी धन्छ। ५२नार, यश की इच्छा करने वाला. one aspuring to fame or reputation. " धिरखु ते जमो कामी " दस०२, ७, ५, २, ३४; —िकित्ति. ली॰ (- कीर्ति) लुगे। " जसिकात्ति " शण्ट. देखो " जसिकत्ति" शब्द. vide " जसकिति " पत्र॰ २३, -कितिनाम न॰ (- कीर्तिनासन्) लुओ। " जमिक-तिणाम " शण्ट देखो " जसकित्तिणाम " शब्द. vide. " जमिकत्तिणाम " सम् १०. —नाम न० (-नामन्) नाभ **ड**भीनी એક પ્રકૃતિ કે જેતા ઉદયથી છવ જશ પામે छे. नामकर्म की एक प्रक्रिति कि जिसके उदय से जीत यश प्राप्त करता है. a variety of Nāma Karma by the rise of which a soul attains glory सग॰ २८,

जिसोचंदः पुं० (यशरचन्द्र) लुओ 'जसचंद' शक्त देखो ''जपचद्र' शब्दः Vide ''जमचंद' भग० ४२, १,

जसोद. पुं॰ (जसद) जुगे। "जसद" शण्ट. देखां "जनद" शब्द V de "जसद" श्रोव॰ ३८, —पाय न० (-पात्र जुगे। "जसदपाय" शण्ट देखां "जसदपाय"

गब्द. vido. "जसद्पाय" श्रोव॰ ३=; जसोधरा. पुं॰ (यशोधन) शे नामना शेष्ट राज्य इस नाम का एक राजा A king of this name. तंद्र॰

जसोधर पुं॰ (यगोनर) लुओ। "जमहर" शण्टा देयो। "जसहर "शब्द. Vide "जसहर" ठा॰ ४, १; सु॰ प॰ १०;

जसोधरा स्त्री॰ (यशोधरा) पंत्रद शितिः भांनी थे।थी शितिनु नाभ. पंद्रह रात्रिमे से चीधी गात्रि का नाम Name of the fourth of the lifteen nights. स॰ प॰ १०; ज॰ प॰

जसामेत. पुं॰ (यशामन्) शुक्री। 'जामंत' शक्ट. देखी 'जसमंत' शब्द. Vide 'जसमंत' ठा॰ ७;

जसोयाः स्री० (यशोदा) भद्धावीर स्वाभीवी स्त्री. मदाबीर स्वामी की स्त्री The wife of Mahāvīra Swāmī. (२) कृष्ण वासुदेव की माता. चण्ण वासुदेव की माता. the mother of Kṛīsna Vāsudeva 'सम्मणस्त्रणं भगवत्री महा-वीरस्ममज्ञानसीयागोत्तेणकांडिएणा' श्राया॰ २, १४, १७७; कप्पः ५, १०३; स॰ च॰ १२, ४;

जसीवई. स्त्री॰ (यरोमती) लुओ। "जस-वई" शल्म. देखी "जसवई " शब्द. Vide "जसवई" सम॰

जसोहर पुं॰ (यशेष्ठर) भरतसेत्रना गर्भ ये। श्रीसीना १८ मां तीर्थं इर मस्तक्त्रके गत चीर्यामी के १८ वें तीर्थं कर The 18th Tirthankara of the past cycle of Bharata Ksetia प्रव॰ २६१. (२) आवती ये। श्रीसीना भरत स्त्रना १६ मा तीर्थं इरतुं नाम ग्रागामी चीर्वास के भरतक्तेत्र के १६ वें तीर्थं कर का नाम name of the 19th Tirthankara of the coming cycle of Bharat Ksetra जं॰ प॰ ४, ११४; प्रव॰ २६७; ४७३;

जसोहरा, स्री॰ (यशोधरा) दक्षिणु दिशाना રૂચક પર્વાતપરની આઠ દિશા-કુમારીમાંની यीथी दिशा-धुभारी. दाचिण दिशा के रुचक पर्वत पर की आठ दिशा-क्रमारी में से चौथी दिशा-क्रमारी. The fourth of the eight Diśa Kumārīs the southern Ruchaka mountain. जं॰ प॰ ७, १५२; (२) or भु सुदर्शनेतु अपर नामः जबु सुदर्शन का अपरनाम. another name of Jambu Sudarsana. जीवा॰ ३. ४: जह घर (यथा) लेभ; लेनी रीते. यथा, ाजेस तरह. In which manner; just ८४. नाया० १; ६; ७, ឝ; ६:१३, १४; १६, १६; विशे० २२: २७: पिं० नि० ७१: उवा० २, ६४, गच्छा० ३०;

जहक्तमः न॰ (यथाक्रमः) इस अनुसार, इससर. अनुक्ष्मे क्रमानुसार; पद्धित पूर्वकः In
due succession; regularly. उत्त॰
३४. १; चड॰६; दस॰५, १, ८६; प्रव॰८३;
जहक्ष्वायः न॰ (यथाख्यातः) ध्याय रिद्धत,
यथाभ्यात नामनु भांथमुं स्वरित्र क्याय
रिद्धत; यथाख्यात नाम का पाचवा चारित्रः
Free from passion, attachment,
the fifth observance known as
Yathakhyäta विशे॰ १२७६.

जहाँचितिय त्रि॰ (यथाचिन्तित) शित्या प्रभाषे, केम शित्युं है। येतेम. चिन्तवन के श्रनुसार, जैसा सोचा हो वैसा As contemplated or meditated सु॰ च॰ १, १६३;

जहाद्वियः नव (यथास्थित) पथास्थित क्रेम द्वेष तेमः यथास्थित, है क्रे Vol 11/102 cording to circumstances सु॰ च॰ १. ३५३: गच्छा॰ २६:

जहगा न॰ (जघन) दंतधः जांघ, जद्या The thigh जांवा॰ ३, ३, (२) स्त्रीती अभरती। तिथेती लाग स्त्री की कमर का नीचे का भाग the lower part of the loins of a female ज॰ प॰ नाया॰ ६, १७: जीवा॰ ३, ३:

जहरावर. न॰ (वरजघन) श्रेष्ट साथल श्रेष्ट जाघ Big heavy thigh. जीवा॰३,३; जहरागुज्ज त्रि॰ (हेय) त्यागवा थे।२५ स्याग करने योग्य. Fit to be abandoned. नाया॰ १:

जहराण, त्रि॰ (जबन्य) ओछाभां ओछुं; ન્હાનામા ન્હાનું; થાડામાં થાડુ. छोटेमे छोटा थोडा, थोडेंमे घोडा. Smallest, little, least जं॰ प॰ ७, १३४; २, २४; भग॰ 9, 9; 9, 90; 4, 9; 5, 5; 3; 90; वव० ३, ४; श्रयुजी० ८६; उत्त० ३०, १४; ३६, ४०, ठा० १, १, ४, २, भत्त १६६, पचा०३,२; -- उक्कांसग. त्रि॰ (- उत्कर्षक-जघन्यो नि कृष्ट काञ्चिद्व्यक्तिमाबिश्य स एव च ब्यक्त्यान्तरापेच्योत्कर्प उन्क्रष्टो जघ-न्योत्कर्षक) अभु वस्तुनी अपेक्षाओं वरवन्य जयारे जीकानी अपेक्षाओं ६८६५ अमुक वस्त्र की अपंत्रासे जबन्य व दुमरे की अपेका inferior to one thing से उक्कर्प and superior to something else. भग० २४, १, २४, १; —उगाह्याग त्रि॰ (-श्रवगाहनक -श्रवगाहन्ते श्रासत-यस्या साऽवगाहना चेत्रप्रदेशरूपा साजघन्या-येपाते) जधन्य क्षेत्र प्रदेशने-अवगाहीने रहेब, लधन्य अवगाहना वाक्षे जवन्य क्तेत्र को अवगाइन करके रहाहुआ (one) residing or occupying the smallest region ठा०१ १;--काल पु॰ (-काल)

वैशिमां विशि वर्णत घोडेमें घोडा समय. shortest space of time. भग॰ २४, १; २१; -गुणकालग. पृं० (-गुणकाल-क-जघन्येम जघनयसंख्याविशेषेशीकेनेत्यर्था-गुणा गुणम ताडनंयस्य स तथाविधःकालो वर्णी येषति वधन्यगुणकालकाः) ओ।छ।-માં એાજાગણા કાલા; એકગણા કાલા. कमसे कम काला; एक गुना काला. of least black colour. তা॰ ৭, ৭; —हिइ. स्री॰ (-स्थिति) अधन्य-ओाशामां ओाछी श्थिति. जघन्य-कमसे कम स्थिति shortest period. क. प. ४, ८६; —ठिइय. त्रि॰ (-स्थितिक जघन्या जघन्य संख्यासमयापेचया स्थितियेषां ते जवन्ध स्थितिकाः) જधन्म-थे।।भां थे।ऽ। स्थिति पाथे।. जयन्य-घोडेमें थोडी स्थितिवाला. of the shortest period. ਹা॰१,१;—ए-पस्तिय. पुं॰ (-प्रदेशिक-जवन्या सर्वाच्याः प्रदेशाः परमाणवः सन्ति येषां ते जवन्य-प्रदेशिकाः) स्रोधार्मा स्रोधा प्रदेश वादी. कमसे कम प्रदेशवाला. consisting of small number of atoms ठा॰ १, १; —पद् न॰ (-पद्—पद्यते गम्यते इति पदं पइसंख्यास्थानं तचानेक-वेति जवन्यं सर्वहीनं पदं जवन्यपदम्) ન્હાનામાં ન્હાની સંખ્યા; ન્હાનામાં ન્હાનું ५६. छोटेमें छोटी संख्या-पद. lowest number. भग॰ १८, ४; —प्य. न॰ (-पद) जुञे। ६५के। शम्ह. देखो ऊपर का शब्द. vide above. ठा० ४, २; भग० ११, १०; जं० प० ७, १७३; —पुरि-स. पुं॰ (-पुरुष) लधन्य पुरुष; ६ क्षेत्रा भाष्युस. जवन्य पुरुष; नीच मनुष्य. a low, vile person. ठा॰३,१; —सामि. पुं॰ (-स्वामिन्) अनुभाग-धर्भा ना रसनी

रस की जघन्य उदीरणा करने नाला. one who forces into maturity a small number of Karmas into maturity. क॰ प॰ ४, =२;

जहरागाग. त्रि॰ (जबन्यक) स्थाशाभां स्थाधुं; न्दानाभा न्दानुं. कम से कम; थोडे से घोडा Least; slightest. भग॰ २४, २१; २५, ६;

जहराग्य. त्रि॰ (जघन्यक) लुओ। "जहराग्" शण्ट. देखो " जहराग् " शब्द. Vide " जहराग् " भग० ८, ६; २४, ९;

जहिरिण्य. ति० (जघन्य) कुओ ''जहरण'' श़ष्ट. देखों '' जहरण्य " शन्द. Vide '' जहरण्य " भग० ४, १; ६, ६; १०; ११, ११; १६, ३; २४, १; जं० प० ७, १३४; जहतह. १०० (यथातथा) केम तेम; आई अवधं. यथा तथा: जैना वैमा; बांका देढा. Somehow; somehow or other. क० गं० ४, ६८;

जहत्थ. त्रि॰ (यवार्थ) यथार्थ; भरेभरः **थराभर; सायेसाय यथार्थ; सचमुच;** ठीक ठीक. Infact; actual; real. "बोच्छा-मि पंचतंगह-मेयसहत्थं जहत्थंवा " पिं० नि॰ भा॰ १; पिं॰ नि॰ ४६३; नाया॰ ७; विशे० ६४८; पगह० २, २; मु० च० १, २८; जहत्याम. न॰ (ययास्याम) यथाशिका. As far as possible; to the utmost of one's power. " जुंजह य जहत्थामं " पंचा॰ १४, २७; जहन्न वि॰ (जवन्य) लुओ ''जहराण " राभ्धः देखो " जहरारा " शब्दः Vide :' जहरारा '' भग० २, ५; विशे० ३३४; नंदी० १२; दमा० ६, २; क० प० २, ३२; १, ६; १३; पंचा० १६, ४३; —म्राहत्तः त्रि॰ (-म्यारव्य) सर्व लबन्य अदेश पांध २थानथी आरं लेखुं. सर्व जघन्य प्रदेशवंध स्थान से आरंभ किया हुआ. commenced from the lowest place. क० प० ७, ४७, -इयर त्रि॰ (- इतर) लुओ। " जहन्नग-इयर " शफ्ट. देखी "जहन्नग-इसर" शब्द vide 'जहन्नग-इयर " क॰ प॰ १, १४; -काल पुं॰ (–काल) જધન્ય–એોછામાં એોછે। કાલ जबन्य-क्रम के कम समय shortest space of time সৰ় ৭৩৭; — গছ स्रां (-गति) अधन्य गति जघन्य गति shortest condition or position. कः पः ४, ७२; -- द्वाराः नः (-स्थान) જધન્યસ્યાન. जघन्यस्थान. lowest place. क॰ प॰ १, ४६; — हिइ. स्रा॰ (- स्थिति) लुओ। " जहराषाद्विह " शण्ह. देखे। " जहराणद्विह " शब्द. vide " जह-राणहिइ " क॰ प॰ १, ९१, ६, २०, —हिइबंध. पुं० (-स्थितिबन्ध) लबन्य रिथित रूपे थते। अभेष अवन्य स्थिति रूपम होता हुआ कर्मबंध Karmic bondage lasting for a very short period. क. प. १, ४७, —हिइसकम. पु॰ (-हिथतिसकम) કર્મની જવન્ય રિયતિનું સંક્રમણ જર્મ જાં जयन्य स्थिति का सकत्या transition of the shortest period of Karma. क॰ प॰ २, ५७; —देवोहुई. स्री॰ (-देवास्थिति) देव गतिनी ज्यान्य स्थिति देव गति की जबन्य स्थिति. the shortest period of the state of being a god. क॰ प॰ २, ८६; ६, २०, -- निक्खेंच पु॰ (-निक्तेष) लधन्य निक्षेप थां अभ दिसिया नाणा ते. जघन्य -थोडे कर्मी के समुह को डालना discarding or destroying the sins in the form of a few Karmas

क॰प॰३, मः —बंधा पुं० (-बन्ध) ०४४-४ ४भे भन्ध जघन्य कम वन्ध incurring the karma of the lowest kind.क॰प॰ २, ३२, —जहस्त्रश्र—यः त्रि॰ (-जघन्यक) जुन्भा "जहराणग" शम्ह देखो "जहराणग" शम्ह अग्राजो० १३२;

जहन्त्रश्रो. श्र॰ (जघन्यतम्) જધન્યથી. जघन्य से. From the shortest state प्रव॰ ६६८,

जहन्नग नि० (जवन्यक) जुन्भा "जहर्ण्णग" शण्दः देखो " जहर्ण्णग " शब्दः Vide. " जहर्ण्णग "क० प० १, १४; — इयर नि० (- इतर) ज्य-पथी धतर- िक्त, ઉत्कृष्ट जवन्य से इतर-भिन्न; उत्कृष्ट. other than the shortest, logn. क० प० १, १४,

जहांत्रय ति॰ (जघन्यक) প্রঐ। "जहएसा" शण्ट देखों "जहएसा" शब्द vide "जहएसा" उत्त०३३,१६, सम० १२ वद० १०, १७,

जहर्त. न॰ (याधातम्य) यथातत्य. यथातत्य Reality, truth; real nature ठा॰ ४, १,

जहरिह् न॰ (यथाई) यथार्थ; लरालर, भरेणर यथार्थ; सचमुच. As deserving; appropriate; actual. सु॰ च॰

जहवहि न॰ (यथावधि) ज्यासुधी. जन तक, जहा तक. As long as, so logn as. सू॰ च॰ १, १६३;

जहवाय न॰ (यथावाद) अधा प्रभाषे कथ-नानुमार कहने के माफिक According to narration, as related. पि॰ नि॰ १८६,

जहसंभव न॰ (यथा सम्भव) ४थ। थे।०४,

थे। २५ रीते. यथा योग्य. योग्य राति से. Proper; right; properly, पि॰ नि॰ ११३;

जहसत्ति स्त्री॰ न॰ (यथाशक्ति) यथाशक्ति; शक्ति अभाषे. यथा शाक्ति; शक्ति के श्रनुमार. As far as possible; to the utmost of one's power. पि॰ नि॰ ३६४;

√ जहा. धा॰ I. (६७) तळ्युं; छाऽयुं. त्याग करना. छे।च देना. To abandon; to give up.

जहइ-ति. वय० १०, ६; ९; भग० २५. ६; ३;

जहाइ श्राया॰ १, २; ६, ६८, जहासि. उत्त॰ ६, ४१;

जहाय. सं० कृ० उत्त॰ १४, २;

जहित्ता. सं० छ० उत्त० १, ५; पि० नि० ४१७; श्राया० १,४,४,१३७;

जहमाण. भग० २४, ६; ७;

जहा. श्र० (यथा) जेती रीते; जेभ; जेभभाणे;
भ्रत्नेसार. जिस रीति से; यथा; जिस प्रकार.
In which manner; just as. भग०
१, १, ३; २, १; ३, १, २, ४, ४; ४; ६,
३; १२, ९०; १४, २; १०; १५, १; १८,
४, ४१, ४; नाया० १; २; ४, द, ६; १०;
१४, १६, वव० २, २१; २४, दम० १, २;
द, १, दसा० ६, १: पि० नि० १४६; १६१;
ज० प० श्रयाजी० १, उत्त० १, ४४;
श्राया० १, ६; ३, १८४, स्य० १, १, १,
६, उवा० १, २, ६; १२, ६६, २, ६२; द,
२५६; क० गं० १, १६, ५३, जं० प० ४,
११६; ५, ११२,

जहाकाल न॰ (यथाकाल) यथावसर; अव सर भक्षे त्यारे यथावसर, मौका मिले तव. When proper time comes. भत्त॰ ४६; जहागदियः न॰ (यथागृहीन) केंनी रीते अद्भु हरेन छे ते प्रभाषे) जिस प्रभार प्रहण किया हुआ है उम प्रकारः As accepted or taken. दम॰ ४, १, ६०; नाया॰ १६; जहाच्छुंदः पुं॰ (यथाच्छंद) २५२७६ स्य-च्छंदः self-willed; unre-tricted. ठा॰ ६, ३;

जद्दाजाय. त्रि॰ (यधाजात) अन्भवी वण् तनी रिथित केंबुं; नभः जन्म के समय की स्विती के जमा; नमः As born; nuked. उत्त॰ २२, ३४; श्रोध॰ नि॰ भा॰ ४५; गम॰

जहाजोग. न॰ (यथायोग्य) यथाये। यः, जेम धटे तेम. यथा गोग्यः । जिस प्रकार उचित हो उम प्रकार. Proper; appropriate. विशे॰ २३: ४०:

जदाहास्म, न॰ (यथास्थान) भेत भेताना स्वतृक्षानने स्वतृक्ष्म-द्वित स्थान;-ध्वादि भद्दः प्रदेश स्थानः द्वादि वर Appropriate position suited to one's occupations; the position of India etc. उत्त॰ ३, १७,

जहाणामय. ति० (यथानामक) केने। नाभ निर्देश ध्यें। नथी ते; केडि ओक त्रिसका नाम निर्देश न किया हो; कोइ एक. Certain; some; any. भग० २४, १९; पछ० १६:

जहािंगिसत. न॰ (यथानिशान्त) अवधार्या प्रभाणे; केम धार्य है। तेम. श्रतुमान के श्रतुमार; जैमा सांचा हो वेसा. As guessed; as anticipated स्य॰ १, ६, २;

जहारापुरिव. न॰ (यथानुपूर्वी) क्ष्मसर व्य-नुक्ष्म प्रभाषे कमरा; अनुक्षम के अनुसार. Successively; in regular order. भग० ३, १०; ⊏, १;

जहातचा न॰ (याथातथ्य) वास्तिविकः सत्यः भरेभर वास्तिविक, सत्यः सचमुच True; real; actual सूय० १, ६, १;

जहातह. न० (याथातध्य) स्थारांग स्त्रतु तेरमु न्यध्ययन है जिमा धर्म समाधि वेगेरे जराणर रीते हहेलां छे. स्यगहांग स्त्र का तेरवां अध्ययन कि जिस में धर्म समाधि हत्यादे का ठीक ठीक वर्णन किया है. The 13th chapter of Sūyagadānga Sūtra dealing fully with religion, meditation (Samādhi). etc along with similies "जाणा- सिणं भिक्ख कहा तहेणं" स्य० १, ६, २, १, ४, २, १;

जहातहरुभयणा. न॰ (याथातध्याध्ययन) स्थगाशंगस्त्रतु १३ सु अध्ययन. स्यगडाग स्त्र का १३ वां अध्ययन. The 13th chapter of Sūyagadānga Sūtra. स्य० १, १३;

जहात्थियः न॰ (यथास्थित) क्रेम है। य तेम. जिस प्रकार हो उस प्रकार. Somehow of other. भग॰ १२, ६;

जहानाम. त्रि॰ (यथानाम) यथानाभ, संला-पनाः है। अ. यथा नाम, सभावना Possibility, certain, some. सम॰ २, ४; नाया॰ १०,

जहानामय. ति॰ (यथानामक) क्रेभ है। डिटात उपान्यास. कैसा कोई; दशत उपान्यास. As for example (२) वाध्यथ्यदं-धरः वाक्यअलंकार. a word used to add grace to a sentence. नाया॰ १, ४; ६; ८,

जहानाय न॰ (यथान्याय) यथाये। २४; रीत-सरतुं, ०४। १४णी न्याय की रीत से; यथा-योग्य. According to justice; rightly, properly. उत्त॰ २३, ३८; जहाफुड. न॰ (यथास्फुट) २५४; भरेभर. स्पष्ट; सचमुच Clear; distinct; true. उत्त॰ १६, ४५;

जहाभाग. न॰ (यथाभाग) लाग प्रभाणे; भराभर. समान विभाग से; भागानुसार. According to share; proportionately. दस॰ ४, १, १३;

जहाभूत नि॰ (यथाभूत) की रीते जने सं हे। यते दीते; सत्यवात जिस रीति सं वनाव बना हो जस रीति से; सत्य वार्ता. According to what has happened; fact. "जहाभूयमवितहमसंगिद्दं " नाया १;

जहाभूय न० (यथाभृत) ळुओ। 'जहाभूत' शण्द. देखो " जहाभूत " शब्द. Vide " जहाभूत " नाया ० ६;

जहामालिय न॰ (यथामालित) क्रेभ धारण् क्रिया हो उस प्रकार धारण किया हो उस प्रकार अरु क्रिया क्रिया हो लिय श्रोमोधं दलह ' भग० ११, ११;

जहायरिय-म्न. (यथाचरित) के प्रभाशे आयर्थ होय ते प्रभाशे जिस प्रकार आच-रण किया हो उस प्रकार As practised भत्त॰ २२,

जहारिह. न० (यथाई) यथाये, २५, क्रेम धेर तेम. यथायोग्य, जिस प्रकार डाचेत हा. Proper, suitable. जं० प० २, ३३, दस०७,१७, नाया० १,८;१६; उवा०८,२५६;

जढालद्ध ति॰ (गथालन्ध) भस्या अभाषी. प्राप्ति कं समान, मिलने के बराबर According to gain or acquisition. equal to attainment भग॰ ७, १,

जहावाइ पु॰ (यथावादिन्) भ३ं भीक्षनारः योग्य कछेनारः सत्य भीक्षनार सत्यवक्रताः योग्य कथन करने वालाः, सत्य भाषण करने

चाला. One who is truthful in speech; (one) who is plain-spoken. "जो जहाबाइ तहाकारीयाऽवि भवइ" ठा॰ ७;

जहाविभव न॰(यथाविभव) येभव अभाणे; शक्ति अभाषे. वैभव के अनुमार; शांक के प्रमाण में. In proportion to wealth, according to means, भग॰ ६, ३६;

जहांसंख न॰ (यथासंख्य) संभ्या प्रभागे; क्षभवार. कमश; संख्या के श्रनुसार. Successively; respectively. सु॰ च॰ ५, ४९;

जद्दासंभव न॰ (यथासम्भव) क्रेभ संभवे तेभ. यथासम्भवः जैसा सम्भव द्दो उसी प्रकार Possiblo; possibly. क॰ गं॰ ६, ३२;

जहासित की॰ न॰ (यथासिक) शक्ति अभाषे; यथा शक्ति, शक्ति के अनुसार; यथा शक्ति, त्रिक के अनुसार; यथा शक्ति, As far as possible; to the utmost of one's power, पंचा॰ २, ३६;

जहासमाहि न॰ (यथासमाधि) सभ धि भ्रभाषे. समाधि के श्रनुसार. According to agreement or promise. पंचा॰ १, ४;

जहासुय. न॰ (यथाश्वत) की सालार्थुं होय तेम, सांलार्था प्रभाष्ट्रे जिस प्रकार श्रवणा किया हो उस प्रकार; श्रवणा तुसार.

As heard of or listened to उत्त॰ १, २३, श्राया॰ १, ६, १, १;

जहासुद्द न॰ (यथासुख) केम सुभ पड़े तेम जिस प्रकार सुख हो उस प्रकार At ease, according to happiness. विवा॰ १,

जाहीं श्र॰ (यत्र) ज्यां, के स्थाने; ज्यांपर

जहां, जिस स्थान पर; जहांपर. Where; at which place. भग॰ ३, ४; ७; ६, ६; ११, ११; १४, १; १६, ४; दस॰४, १; ७७; नाया॰ १७; गण्द्वा॰ १७;

जिंद च्हा ने (यथेन्छ) ध्रव्ध प्रभाणे.

ग्रेंग्ट, इच्छा के अनुतार. Agroodbly
to desire. नाया ० ७; मु ॰ न ० १, १७१;
जिंदि च्छियकामकामि. पुं० (गर्थि व्यवसामकामि
कामिन्-गर्था व्यवसाम मनावाध्यितान् कामान्
राज्दादीन-कामयन्त इस्पेवंशीला यथे व्यितः
कामकामिनः) भने:वांध्यित सुण ले।गवतार.
मनोवान्दित सुण कां भोगने नाना One
who enjoys pleasure according
to the desire of one's heart.
" चिंदिन्द्वय काम कांभियों '' जं० प०

ज्ञाहुत्त. न॰ (यथोरत) इत्य त्रभागे. कथना-नुसार: कहने के श्रातुमार. As said or told proviously. पंचा॰ १०, १२:

जीवा॰ ३;

जहेह. न॰ (यथेष्ट) भन गमतुः ध्रय्छातुः भन नित्त रोनमः दिनपमंदः यथेष्ट. As desired; ng wished for; pleasing to the heart (पं॰ नि॰ ४०६)

जहेच. य॰ (यथेव) लेभः लेभी रीते. जिन प्रकार; जिन रीति से. As; in which munner. नाया॰ १; भग॰ ३, ७; ७, २; १६, १; १८, ७; २४, १८; २४, १; ३३,२;

जहोइय. न॰ (यथोचित) यथे।थितः यथा-गेत्र्य यथायोग्यः यथोनित. Proper, suitable. निवा॰ २, पंचा॰ ३, ३८;

जहोंचित्त. न॰ (यधोचित) लेभ धटे तेभ. उचित रीति से. Suitably; properly. पंचा॰ ७, ३७,

जहोचियः न॰ (ययोचित) क्षेभ धटे तेभ; यथा थात्र्यः उचित रित से; यथायोग्यः Properly; suitably निर॰ १, १; नाया० १:

जहोबहटु. न॰ (यथापदिष्ट) केवी रीते डिंड-वाभा ઉपदेशवामां आव्युं होय ते अभाषे. जिस गिति सं कहने में-उपदेश में श्राया हो उस गिति से. According to advice or orders. "जहोबहट्टं श्रभिकंसमाण " दस॰ ६, ३, २; उत्त० १, ४४;

' जह्नवीं. स्री॰ (जान्हवीं) ગ ग। नहीं. गंगा नदीं. The river Ganges. जं॰ प॰ √जा घा॰ I (जन्) भेहा थवुं; ઉत्पन्न थवुं. पैदा होना; उत्पन्न होना. To be born or produced.

> जायह. नाया॰ ७; १०; विशे॰ ४१८; उत्त॰ १६, ७६;

जायउ. विशे० ४१८,

√जा. घा॰ I (या) જવું; गति કरवी जाना; गति करना. To go; to walk. जाइ. उत्त॰ ३, १२, विशे॰ ६४४, १६०८; नाया॰ ६, ६,

जंति. श्राया०१,३,४,१२३, छ० च०१,६३३; जायमाया. व० क्र० भग० ३,३;

√ जा. धा॰ I. (या+िषा) निर्णमन करवुं; निर्वाह करने। निर्वामन करना; निर्वाह करना.

To go out; to support oneself.
(२) आत्मानी सयममं प्रवृत्त करना. to urge the soul in self-restraint.

जवित. प्रे॰ पि॰ नि॰ ६१६; जिन्ति, हे॰ कु॰ स्य॰ ३, ३, २, १; जिन्ति. व॰ कु॰ जं॰ प॰

√ जा. घा॰ I. (या+िष) पीताऽवुं; गासवुं व्यक्तीत करना To cause to go; to pass. जार्विति. प्रे॰ प्रे॰ दि॰ ६९६;

जावए. वि॰ स्य॰ १, १, ४, २; जावेत व॰ कृ॰ जं॰ प॰ ३, ६७; जा. श्र॰ (यावत्) ज्यांसुधी. जवलग; जवतक, जहांतक. So long; as long as; as far as. प्रव॰ =२; क॰ गं॰ २,२६; उवा॰ १, =१;

जाइ. स्त्री॰ (जाति-जननं जातिः) ०४-भ; ઉत्पत्ति. जन्म; उत्पत्ति Birth; production. श्राया॰ १, १, १, ११; उत्त॰ ६, १; ३२, ७, क॰ प० ६, ३; प्रव॰ १२७६; १०७०; क० गं० १, ३३; ४, ६१; (२) એક દિય ખેઇ દિય આદિ પાંચ જાતિ एकेंद्रिय, द्विइंदिय श्रादि पाच जाति. five kinds (of creatures) viz. one sensed two-sensed etc. क॰ प॰ ४, ६; भग॰ ६, म; ७, ५; ६, ३३; उत्त० ३, २; ६, २; श्राणुजो । १२७; ठा० ६, ४६; सम० १; क० गं॰ १, (३) जाति; ज्ञाती; वर्षा; क्षत्रिय थाहि लित जाति; ज्ञाति; वर्णः; ज्ञातिय श्रादि जाति. kind, caste; Ksatriya etc. उत्त॰ ३, २, १२, ४; १३, १, विशे॰ १६३; पन्न० १; सु० च० ३, १९४; दम० ७, २१; ८, ३०; पि० नि० ३१२; जीवा० ३, ३; नाया॰ ५; विवा॰ १; राय॰ २१५; (४) भाता पक्ष. माता पक्ष. maternal side. श्रोव॰ स्य॰ १, ६, १३; (१) পার্চনু ধুর, জুহুদা দুল, the jasmine flower. राय० १६; जं० प० - श्रंघ. યું (- શ્રાન્ધ) જન્મ અધ: જન્મયીજ आंधिता. जन्म से ही श्रध; जन्माध blind from the very birth; born-blind. " केंद्र पुरिसे जाइश्रंध जाइश्रवारूवे " विवा॰ १; स्य॰ी, १, २, ३१; —श्राजीव. त्रि॰ (- ग्राजीवक) लित क्लापी आहार थेनार. जाति वतलाकर श्राहार लेने वाला. (one) who accepts food having exposed one's caste. 21. 21. — त्राजीवश्र-य पुं॰ (-भाजीवक)

ळुओ " जाइग्राजीव " शण्ह, देखी "जाइ-श्राजीव " शब्द. vide "जाइश्राजीव " ठा० १, १; — ग्रारिय. पुं ० (-प्यार्य) लिये हरी आर्थ, हिन्य लितनी स्त्रीयी ઉत्पन्न थयेत ज्यति, अभ्यष्ट, इति ह, विहेद, વિદેહકા, દરિતા અને ચુચુગા એ છ આવે न्तति जाति से कर के व्यायः; इस्य जाति का स्री से उत्पन्न हुद्द जाति; श्रम्बष्ट, कलिंद, विदेह, विदेहठा, हरिना व चुंचुणा ये छः आर्य जातिया Arya by birth; the caste sprung from a woman of Ibhya easte; the six Aryan castes viz Ambasta, Kalinda, Videha, Videhathā, Haritā and Chuñchunā. ठा॰ ६, १; — ग्रासीविस. १ं॰ (- श्राशीविय - श्रारयो दंष्ट्राः ताम विपं येपां ते श्राशीविषाः) जन्भथीक अेरी; सर्भ पि छि आहि. जन्म ही से विवेला: सर्ग. विच्छु वैगरह venomous from the very birth, a snake, a scorpion etc. भग॰ ८, १, — क्रम्म न॰ (-कर्म) लन्भ स स्थार, जन्म-संस्कार ceremony connected with birth भग- ११, ११, - कहा स्रो॰ (- कथा) अभुः जाति સારી અમુક ખરાળ ઇત્યાદિ કથા કરવી તે. श्रमुक जानि श्रद्धी या बुरी इत्यादि कथन करना मो. speaking of the superiouty of a certain caste and inferiority of some other easte. ठा० ४, २; —क्तल. न० (-कुल) व्यति अने ५५ जाति व कुल caste and lineage "तेसिएं भते जीवाएं कह जाइ कुलकोडि जेशिप्पमुह सयसहस्सा परणत्ता" जीवा॰ ३; -गोय. न॰ (-गोत्र) लिति अने शेश्न. जाति व गोत्र. caste and family. भग॰ ६ =; -गोयनि- उत्त. त्रि॰ (गोत्रानियुक्त) निधयित जीन भाववाणे। निकाचित जाति गोत्र वाला. one of a settled caste and family. भग॰ ६, =; —गोयनिहत्त. त्रि॰ (-गांत्र-निधत्त) लिति जे।त्रते ये।व्य धर्भ पुहव श्यापन ६रेथ जानि गोत्र के योग्य कर्म पुरल म्यापन किया हुन्ना. one having Karma-atoms established according to caste and lineage. भग॰ ६, =; —गोयनिडत्ताउय न॰ (-गोन्ननियुक्तायुष्क) लित गे।त्रती साधे નિકાચિત ળાયેલ આયુષ્ય. जाति गोत्र के साथ निर्माचत गंधा हुया श्रायुष्य life-period appointed or fixed along with casto and lineage. भग॰ ६, ८; —जरामरणः न॰ (-जरामरण) १४०५ जरा अने भरणु. जन्म जराव मरण. oldage and death. जं॰ प॰ ३, ७०; --- गाम. न॰ (-नामन्) नामक्षेती એક પ્રકૃતિ કે જેથા છવ जुदी जुदी जित-भा उत्पन्न थायः नामकर्मका एक प्रकृति कि जिसमे जीव मित्र भित्र जाति में उत्तन हो. a variety of Nāmakarma causing the birth of a soul in different eastes or classes " जाति नामेणं भंते कम्मे पुच्छा "पन्न॰ २३; —गामगायनिउत्तः त्रि॰ (-नामगात्र नियुक्त) निકायित काति नाम गात्र वासे।; नारडी थाहि. निभाचित जाति नाम गोत्र वाला; नारको आदि. (one) having an appointed class or caste, name and family; a hell-being etc भग॰ ६, ८; —णामगोयनिउत्ताउय त्रि॰ (-नामगोर्त्रानयुक्तायुष्क) लति नाभ गात्र સહિत. નિકાચિત્ત આયુષ્ય વાલા. जाति नाम गोत्र सहित निकाचित्त श्रायुप्यवाला. (one)

having the duration of life fixed along with name and family. भग॰ ६, =, —गामगोयानिहत्तः त्रि॰ (-नामगोत्र निधत्त -जाति बाम गोत्रं च निधत्तं यैस्ते तथा) जाति नाभ अने गात्रनी प्रकृति ६८-पण आंधी छे केणे ते जिसने जात नाम व गोत्र की प्रकृति दढता के साथ बांधी है वह (one) who has firmly united the characteristics of caste. name, and lineage भग , =, गोत्रनिधत्तायुष्क-जाति नाम्ना गोत्रेण च सह निधत्तमायुँवंस्ते तथा) अति नाभ भात्र साथे स्थापन धरेक्ष आयुप वाक्षेत जाति नाम गोत्र सहित स्थापन किया हुत्रा श्रायुष्यवालाः (one) who has the duration of life fixed along with caste, name and family. भग॰ ६, इ. -- णामनिउत्त त्रिः (-नामनियकत---जातिनामनियुक्तं नितरां युक्तं सबद्ध निका-चितं वेदने वा नियुक्त यस्ते तथा) निध-थित जाति नाम इभ वासा छन. निकाचित जाति नाम-कर्म वाला जीव a being or soul with a fixed caste, name and Karma. नग॰ ६, =; - णाम-निउत्ताउय. त्रि॰ (-नामनियुक्तायुष्क--जातिनाम्ना सह नियुक्त निकाचितं वेदयितु-मारव्द वाऽऽयुर्वेस्ते तथा) जातिनाभसदित निधायित सायुष्यवादी जातिनाम साहित निकाचित श्रायुप्य वाला. (one) having the duration of life fixed along with caste and name. भग > ६, =; —गामिनिहत्ताउयः न॰ (-नामनिधज्ञायुष्क-जातिरेकेद्वियजात्यादिः पद्यधा सेव नाम इति नामकर्मण उत्तरप्रकृति-

Vol. 11/103

विषेशो जीवपरिणामो वा तेन सह निधत्तं निपिक्त यदायुस्तज्जातिनाम निधत्तायुः) न्तिरूप नामधर्मसाथै સ્થાપત आशुष्य, जाति रूप नाम कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य. life impregnated with kind or class, form, name and Karma, भग॰ ६, (ર) જાતિ રૂપ નામ કર્મ સાથે સ્થાપન કરેલ આયુષ્ય વાલા છવા जाति, हव, नाम, कर्म के साहित स्थापन किया हुया श्रायुष्य व ला जीव a being with his life impregnated with kind or class, form, name and Karma भग॰ ६, म्:—िग्रियद्धः न० (-िनयद्धः) सूत्र स्थताने। એક પ્રકાર: ગદ્યપદાદિ સત્ર રચના. સત્ર रचना का एक प्रकार; गद्यपद्यादि सृत्र रचना a method of the composition of Sūtras (any work containing aphoristic rules), the composition of Sūtras in plose or metre. म्य॰ नि॰ १,१, १,३; — तिग न॰ (- न्रिक) पाय ज्यति, यार गति अने **ળે વિહાયાેગતિ, એ ત્રિપુ**ટીની અગ્યાર પ્રકૃ तीने। सभुदाय, पांच जाति, चार गति व दो विहायोगित, इस त्रिपटी की स्वारह प्रकृति का समदाय. a collection of eleven varieties of Triputi consisting of five kinds, four conditions and two Vihāyogatis. क॰ गं॰ ४, २०; -थेर. पुं॰ (-स्थविर) साध અથવા વધારે વરસની ઉમરના સાધ साठ या श्रविक वर्ष की उम्र का साध. a Sadhu of sixty or more than sixty years of age. " सहिवासजाए समग्रे शिगांथे जाइ थेरे "ठा० ३, २: ववन १०, १६; -दोस. पुं० (-दोप) जाति

है। ५, ०४ - भने। है। ५. जाति दोपः जन्म का दोप. deficiency or evil connected with birth, तंदुः — धम्मयः वि॰ (-धर्मक) ઉत्पत्ति स्वलाववादीः. उप्तात्ति स्वभाव वाला. possessed of natural or inherent characteristics. " इस वि जाइधन्मयं " श्राया॰ १, १, ४, ४६; —नामः न० (-नामन्) लुओ। " जाइगाम " शफ्ट, देयो। "जाइ-णाम " शब्द. vide. " जाइणाम " भग० ४, =; —नामगोयनिउत्त त्रि॰ (-नाम-गोत्रनियुक्त) लुओ। 'जाइगामगोयानिउत्त' शण्टः देखो "जा त्यामगोयनिउत्त" शब्दः vide "जाइगामगात्रनिडन" भग॰ ६, ८; —नामगोयनिउत्ताउय त्रि॰ (-नाम-गोत्रनियुक्तायुष्म) लुओ। " जाइणामगोय-निउत्ताउव " शफ्ट. देखो " जाइणामगोग-निउताउप " शब्द. vide. " जाइणामातेः यनिउत्ताउव " भग॰ ६, ८, —नामगोय-निहत्त त्रि॰ (-नामगोत्रानधत्त) लुगो। " जाइणासगोयनिहत्त '' शल्टः देखां 'जाइ-णामगोयानिहत्त' शब्द vide "जाइणाम गोयानिहत्त " भग० ६, ८; --नामगोयिन-हत्ताउय. त्रि॰ (-नामगोत्रनियतायुष्क) जु^ओ। '' जाइणामगोयनिहताउव '' शफ्ट. देसो " जाइणामनिहत्ताउय " शब्द. vide ''जाइणामगोयनिहत्ताउय''भग • ६,८; —नामनिउत्त त्रि॰(-नामनियुक्त) Mंशो " जाति सामानिउत्त " शण्ट. देखी " जाति-णाम निउत्त '' शब्द. vide " जातिणाम ानिउत्त " भग०६, ६, —नामनिउत्ताउय. त्रि॰ (-नामानियुक्तायुष्क) लुओ '' जाइ-णामनिउत्ताउय " शण्ट. देखो " जाइणाम निउत्ताखय " शब्द. vide " जाइ्याम निउत्ताउय '' भग० ६, =; —नामनिहत. त्रि॰ (-नामानिधत्त) लुओ। " जाइसाम

निदत्त " शण्ट. देखी " जाइयाम निद्वत " शब्द. vide " जाइगाम निहत्त " भग-६, =; —नामानिहत्ताउयः त्रि॰ (-नामः निधत्तायुष्क) लुशे। "जाइणामानिहत्ताउष" २. १६. देगो " जाइणामनिहत्ताउय " शब्द. vido " जाद्गामनिहत्ताउय " भग॰ ६,=: —पंगुल वि॰(-पंगुक) १४-भधीन भागे थी; थुवे। जन्मही में लंगडा, लूना, lame from the very birth; crippled. विवा॰ १; —पद्द. पु॰ (-पथ—नातीनामे-केन्द्रियादीनां पंथाजाति पंथः) ९८-५ भरण्नी भागी; स सार. जनममरणका मार्ग, नमार माने. the way of birth and death; the way of worldly existence. " जाईवहं प्रणुतिबहमाणे " सूय० १, ७, रे; दम० ६, १, ४; १०, १, १४, — पुड. न॰ (-पुर--जातिः पुष्यजाति विशेषः पुट पत्रादिमयं तदाजनं जातिपुटं) लध्तुं પત્રાદિમય ભાજન; ન્તઇના પુડા. जुई का पत्रादिमय भाजन; जुई का दोना. u cup made of jasmine leaves. "जाह-पुडाण्या " नागा० १, ९७; —प्पसर्णा स्री॰ (-प्रमत्ता --जातिः पुष्पवासिता तया प्रमत्ता जातिप्रमता) એક જાતના દાર-एक जात का दाह a kind of wine. " जाइप्रसग्रहाइ वा " जीवा॰ ३; — य. हिर त्रि॰ (-बिधर) अन्मधील अहेरे. जन्महासे बहिसा. deaf from the very birth. विवा॰१; —मंडच पुं॰(-मरहप) न्मधनी भएउप-भाउवी. जूई का मराडप. a bower of jasmine plant. राय॰ १३७;—मंडवग. पुं॰ (-मंग्रडपक—जाते-र्मालती तन्मयो मग्डपका जातिमग्डपकः) ज्नधने। साउवे। जुई का मराडा. a bower of jasmine plant जं॰प॰१, -मत्त.

जाइ

भ६ ४२-११२. जाति का श्राभमान करने वाला. (one) who is proud of his birth or caste, दस॰ १०, १, १६; - मदः पुं (- मद्) जतिनुं अिस्मानः जाति का श्राभेमान. pirde of caste. ठा॰ =,१:-मय. पुं॰ (-मद-जात्या मदो जातिमदः) लुओः " जाइमद 'शण्ह देखो " जाइमद " शब्द vide "जाइमद" " जाइमएणवा " ठा० १०; सम० ७; —मयपंडित्थद्ध पुं॰ (-मदप्रतिस्तब्ध) कातिना अर्द कारथी ६६त. जातिमदसे उद्धतः जातिके श्रहंकार से उच्छंखल. haughty or rude in consequence of the pride of caste "जाइमयपादित्य हिंसगा श्रजिइंदिया" उत्त॰ १२, ४; - मर-रा. पुं॰ (-मरण) अन्भ भरख. जन्म मरणः पैदा होना श्रीर मरना birth and death. दस॰ ६, ४, २; ३, १०, १, १४; २१; दसा०६, ३२; —मुश्र त्रि॰ (-मूक) जन्मने। भु भा. जन्मसे ही मूक-गूंगा dumb from the very birth विवा०१,- म्यन्त. न० (-मृक्क्त्व) ०४-भथी भु गापा . जन्मसे ही गूगापन. dumbness from the very birth स्य॰ २, २, २१, — लिंग न॰ (- लिइ) अति स्थड िक्ष भ-शरीर व्यवयव जाति सूचक लिंग-शरीर अवयव a caste mark, a limb of the body. सम॰ ३; -वंसाः हो। (-वन्ध्या-जातेर्जनमत श्रार्भ्य वन्ध्या निर्बीजा जातिवन्ध्या) लन्म्थील वध्याः વાंअणी. जन्म से ही वन्ध्या ballen or sterile from birth. अ॰ ५, २; -- वर पुं॰ (-वर) उत्तम लित. उत्तम जाति, श्रेष्ट जाति. highest caste. " जाइवरसाररक्खिय " पराह० २, ४; —संपरारा पुं॰ (-संपन्न) संपूर्ण गुश्- વાલી જેની માતા હાય તે: માતાના પક્ષ केना सारा है। व ते. जिसकी माता गुरावती हो वह; मातृपत्त जिसका श्रेष्ठ हो वह. one having a mother endowed with talents; one having excellent maternal side. भग ० २, ४: ६, ७; १०, ४; नाया० १, ठा० ४, २; ३; विवा० १; नाया० ध० -- स्तर. त्रि० (-स्मर) भूवी लन्मनु समरश् क्षरतार पूर्व जनमका स्मर्या करने वाला. (one) who remembers his past life. সাৰ ০ ১৭; -स्वर्गाः न० (-स्मरण) गत जन्भाना યનાવાનું સ્મરણ, મતિ જ્ઞતના એક બેદ; कीताथी वधारेमां वधारे संजीता ८०० अव-नी वात ज्यशी शहाय-स लारी शहाय तेवं नान, गत जन्मों की हकीकत का स्मरण: मति ज्ञान का एक भेद; जिसके द्वारा श्राधिक से श्रधिक ९०० भवों-जन्मा की बात जानी जा सकती है, एक प्रकार का ज्ञान memory of past lives; a kind of power of remembrance or knowledge which enables a person to recall the memory of events of past lives numbering up to the maximum of nine hundred lives or births. " जाइ सरण समु-प्परारा 'उत्त० १६, ७; श्रोव० ४१; प्रव० प्रच, नाया० १, मः, १३; दसा० ५, १६; —सरगा वरागिङजः न॰ (-स्मरगावर-गीय) ज्ञानावरशीय धर्म नी ओंध प्रकृति; જાતિ સ્મરણને આવરનાર કર્મ પ્રકૃતિ. ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति, जाति स्मरण-पूर्व जन्मां की स्मृति को श्रावृत करने वाली कर्म प्रकृति. a variety of knowledge obstructing Karma; a variety of knowledge obstructing Karma; a variety of Karma screening the memory of past lives or births नाया॰१; —स्सर पुं॰ (-स्मर) ळुओ। " जाइसर " शण्ड देखो "जाइसर" शब्द vide " जाइसर " विशे॰ १६७१; —हिंगुलुय पुं॰ (-हिंगुलुक) सारे। छी गक्षी अच्छा—उत्तम हिंगुलक superior vermillion नाया॰ १; पन्न॰ १;

जाइचिछु ग्र-य. त्रि॰ (याद्यच्छिक) धन्छ। भमाषे ४२ता२. इच्छानुसार वर्ताव करने वाला. (One) acting to one's wish विशे॰ २५;

जाइजंत त्रि॰ (यात्यमान) पर्शाऽवाभां आवते। पींछे डाला जाता हुत्रा. (One) made to retreat पराह॰ १, १;

जाइमंतः त्रि॰ (जातिमत्) अत्यानः सारी अत्यो उत्तम जातिका. Belonging to a high caste. नाया॰ ३,

जाइमेत्त न॰ (जातिमात्र) लातिल, એકલી लात जाति मात्र, केवल जाति ही. Mere caste. " जे आसला ए जाइमेतेण " पंचा॰ ३, ४७;

जाइय त्रि॰ (याचित) જાયેલું, भांगेतुं. मांगा हुत्र्या, याचित Begged, asked for नाया॰ ४; १८, उत्त॰ २, २८;

जाइस्ववंडसयः पुं॰ (जातिस्तावतंसक) ओ
नाभनु ध्रशान ध्रेद्रनु थे। युं विभानः ईशानेंद्र
का चौथा विमानः The 4th celestial
abode of Tsānendra. भग॰ ४, १;
जाई स्त्री॰ (जाती) लुओ। "जाइ" श॰६
देखों "जाइ" शब्द Vide "जाइ"
पन्न० १, जं॰ प॰ ४, ११२; कप्प० ३, ३७;
—मंडवगः पुं॰ (-मरहपक) लुओ।

" जाइमंडवग " देखो " जाइमंडवग "

शब्द. vide " जाइमंड्वग " जं० प०

सरणा. न० (-स्मरणा) लुओ। " जाइ-सरणा " शफ्ट. देखो " जाइसरणा " शब्द. vide " जाइसरणा " नाया० १; १४; मग० ११, ११; — सरणावरणिजा. न० (-स्मरणावरणीय) लुओ। " जाइसरणावरणिजा" शब्द " vide " जाइसरणावरणिजा" राब्द " vide " जाइसरणावरणिजा" नाया० १,— हिंगुलुय. पुं०(— हिंगुलुक) लुओ। " जाइहिंगुलुय " शफ्ट. देखो 'जाइ-हिंगुलुय' शब्द vide जाइहिंगुलुय'नाया० १; जाउ. पु० (जायु) ह्या, ओसऽ द्वा, श्रोषध.

जाउ. पु॰ (जायु) ६२१, स्थासंड दवा, आपयः A medicine पि॰ नि॰ ६२५; जाउया. स्त्री॰ (यातृ) देशख्री देवरानी;

देवर-पति के छोटे भाई की स्त्री. Brotherin law's wife, wife of husband's brother. ''मम जाउयास्रो'' नाया॰ १६;

जाडल पुं॰ (जातुल) એક પ્રકારની ગુરજ वनस्पति एक तरह की गुच्छ वनस्पति. A kind of vegetation growing

in clusters. দল ৭;

जाउकराएा. नं (जात्कर्ए) अनाभत अक भात्र एक गोत्र. Name of a family. जं प ७, १४९;

जाऊकराणीय. न॰ (जातूकर्णीय) ये नामना गात्र वालुं इस गोत्र का One belonging to this family. स्॰ प॰ १०;

जांबूणय. न०(जाम्बनद) शेक प्रधारत से।तं. इक तरह का सुवर्ण A kind of gold.

जाग पुं॰ (याग) यरा; અश्वभेधादि यरा यज्ञ, अश्वभेध प्रमुख यज्ञ. A sacrifice such as Asvamedha (horsesacrifice) etc भ्रोव॰ पि॰ नि॰ ४४०; जं॰ प॰ ४, ११४;

√ जागर. धा॰ I. (जागृ) જાગવું. जगना; जागृत होना. To be awake; to be

sleepless.

जागरे. सम० ३३;

जागरित्तए. हे० कु० वेय० १, १६;

जागरमाण. व॰ कृ॰ भग॰ १, १६, १; नाया॰ १, ५; १४, १६; दसा॰ ३, १४; सम॰ ३३; ठा॰ ३, ४; चवा॰ १, ६६; ७३; ८, २४२;

जागर व॰ कु॰ प्रव॰ १३४, कण् ॰ १, ६; जागर. पुं॰ (जागर) असंयम३५ निश्रात्रगरनी, लगतो; निश्राता अलाव वाली. असंयमरूप निश्रा से रहित, जगता हुआ, निश्रा के अमाव वाला; प्रबुद्ध. One who is free from sleep of want of self-restraint; one who is wakeful or wide awake " सुत्ता अमुखो उसया मुखी उसुत्ता विजागरा होति" आया॰ १, ३, १, १०६, ठा॰ ५, २; पञ्च॰ ३; २३; भग॰ ११, ११; १६, १६,

जागरहत्तार त्रि॰ (जागरियतृ) ळागति । जगते वाला. Wakeful भग॰ १२, २, जागरण न॰ (जागरण) ळागरेणुः तिद्रांती क्षेत्र. जगता, निद्रां का श्रभाव. Wakefulness; sleeplessness नाया॰ १. २;

जागरितार त्रि॰ (जागरितृ) कागनार, जगने वाला, उनिद्र Wakeful: sleepless. ठा॰ ४, २:

जागीरयः त्रि॰ (जागृत) જागेश जगा हुन्ना. (One) who has kept a-wake. भग॰ १२, १; उवा॰ १, ७३; ८, २५२,

जागरियत्त. न० (जागरिकत्व) न्यथ्रतपेखु; न्यारेखु. जागरण; निद्रा का श्रभाव Wakefulness; sleeplessness भग०१२,२,

जागरियाः स्री० (जागरिका) पालक्ष्ता अन्म

पछी छद्दी रात्रे धरना भाष् से। रात्रे जागरण् करे ते वालक के जन्म के वाद छटा रात्रि में परिवार का जागरण करना A vigil kept by the relatives on the sixth night after the birth of a child "कइ विहाणं भंते जागरिया परणाता?" भग० ११, ११; श्रोव० ४०; नाया० १; राय० २०६, कष्प० ३, १६;

जागरिया. स्रो॰ (जागर्या) थितवनः विया-रेष्या. चिन्तनः विचारणा. Contemplation; thought उचा॰१, ७३; =, २५२; जाजीवं. श्र॰ (यावजीवम्) छंहगी पर्यंत. जीवन पर्यन्त. जिदगी तक. Throughout life. क॰ गं॰ १, १८;

√ जारा धा॰ I (ज्ञा) काशुवुं. जानना. To know.

जागाइ भग० १, १, २, १, ३, ६; ४, ४; ६, ४, ८, २, १८, ८, नाया० १; ५, ४, ५, ५, ५, ५, भाया० १, १, ७, ५६; १, ७, १, १६६; ठा० २, २; वव० २, ३३; विवा० ६, दस० ४, २३,

जागाति भग० ४, ४; ६, ४; १४, ५; १८, ३; विशे० ६१, नाया० १६;

जायासि नाया० १४, १६; भग० २, १; १४, १; उत्त० २४, ११;

जागामि नाया॰ १, ७; ८; भग॰ ३, ६; ५, ४; १७, २;

जागामी भग०१ ६; २, १, ३, २; ४, ८;

जागो. उत्त० १८, २९,

जािख-खे-जा. दस० ७ ८, मग० २४, १; १२, वेय० २, २; ४, ६; पन्न० १७, श्रयुजो० ८; १३१, श्राया० १, १, १, ४, १; ६, ४, १६१; दस० ४, १,४६; दसा० ६,३१; निसी०६,१२; यागाइ. श्रोघ०नि०१७,विशे०४२; नाया०१७; यागांति. सु० च० ४, ६८; भग० १, ६; यागामि. सु० च० ७, १११; जागाउ. विवा० १; भग० ३, २; जागातु. दस० ५, २, ३६; जागासु. पि०नि० भा० २५; पि०नि० १०७; नंदी० ४५;

जायाहि. श्राया०१, २,१, ७०; गच्छा० ७६; जायाह. सु० च०४, ५२; नाया० ६; १६; राय० ७३; भग० १, ६;

जाणिस्संति. नाया १९; जाणिम्र. सं० क्व० दस० १०, १, १८; जाणिम्र. सं० क्व० दस० १०, १, १८; जाणिकण. सं० क्व० द्य० च० १, १०१; नाया० ६:

जािंगत्ता. सं० कृ० नाया० ४; ४; ७, ६; ६; १२; १६; १८; भग० २, १; ७, ६, ६, ३२; १४, १; श्रोव० ४०; उत्त० १४३,

जाििया. सं० कृ० नाया० १६; दस०७,५६; जािितु. हे० कृ० श्राया० १, २, १, ६८; दस० ८,१३;

जािित्तरा. हे० क्व० दसा० ४, १८; २३; सम० १०; नाया० ४, भग० ४, ८; जांग्रेत्ता. सं० क्व० भग० २, १; ३, १; जाग्रमाग्र व० क्व० उत्त० १३, २६; सम०

२०; निसी० १, ४०; जं०प०२,३१; विशे० २३६, विवा० १; दसा० ६, १०; सु० च० १, १३८; ऋष० ६, १४८,

जार्यात. व० छ० स्य० १, १, १, १; दसा० ६, २; दस० ६, १०; ८, ३४; पि० नि० भा० ३१; नाया० १४; विशे० ४२; पन्न० ११; पि० नि० १११;

जारा न॰ (यान) गाडी, गाडां, २थ, स्थाम वगेरे, २वारी. यान-गाडी, रथ आदि सवारी योग्य साधन. A vehicle, carriage

chariot etc. उत्तर ४, १४; २४, ११; २७, =; श्राया॰ २, ४, २, १३=; स्य॰ २, २, ६२; सु० च० २, २०८; श्रोव० भग० २, ५; ३, ३; ४, ७; ८, १; ११, ११; नाया॰ ३; ७; उवा॰ १, ६९; ७, २०६; दस० ७, २६; जीवा० ३, ३; र्जं० प० दसा॰ ६,४;१०,१; प्रव०७२६; पग्रह॰ २,४; ठा०४, ३; सम० १; (२) विभान, विमान. aeroplane. नाया॰ घ॰ (३) यानपात्र; पहाणु नौका; जहाज वगैरह. a boat; a vessel etc. भत्त॰ १६५; गच्छा॰ ८; —गय. त्रि॰ (-गत) गाडीमां गथेस. यान-गत; गाडी में गया हुआ driven in a carriage. श्रोव॰ --शिह. न॰(-गृह)१थ भुध्यानुं धर. रथशाला; गाडी ब्रादि के रखेन का घर. a coach-house; a carriageshed. " जागागिहाणिवा " श्राया॰ २, २, २, ५०; निसी० ८, ७; १४,२१; — एवर. न॰ (-प्रवर) अधान २थ; उत्तभ वाहन. उत्तम रथ: प्रधान गाडी. an excellent chariot; an excellent vehicle. दसा० १०, १; भग० ६, ३३; —रह पुं० (-रय) ओ अधारते। २थ. एक प्रकार का रथ. a kind of chariot जीवा॰ ३,३; — ह्व. त्रि॰ (-ह्प) पासभी आहिना रूप-अधार. यान-पालका वगैरह आकार the shape of a pulsuquin etc. "समाहयजाणरूवेणं" भग॰ ३,४; —विमाग्। त्रि॰ (-विमान— यानाय गमनाय विमान यानाविमानम्) हेन-તાને ગમન કરવા--મુસાફરી કરવાનું વિમાન. देवताओंका मुसाफरी विमान; देवताओंके यात्रा करनेका विमान a celestial car of the gods " दसग्रहं इंदागं दस परियाणिया जागाविमाकापरणत्ता '' टा० १०; ४, ३; राय॰ ६७, जे॰ प॰ ५, ११२; ११४; ११६;

भग०१६, २; —साला. स्री॰ (-शाला) ગાડી રથ વહેલ વગેરેને રાખવાની જગ્યા रथ शाला: गाडी खाना a coach-house; a carriage shed "जाग्साजाश्रोवा" श्राया० २, २, २, ८०, श्रोव० ३०; नाया० प्र: १६, दसा० १०, १; पराह० २, ३, निसी॰=, ७. -सालिझ. पुं॰ (-शालिक) ગાડાં રથે વગેરે રાખવાની યાનશાલાના ઉपरी क्षांग, रथशाला के ऊपर की श्रदारी the upper floor of a coachor carriage house shed. श्रोव॰ ३०; दमा॰ १०, १; — जारास्रय त्रि॰ (-ज्ञायक) जाश्नारः, समजः नार; शाता जानने वाला, सममाने वाला, समभ्तदार; ज्ञाता. (one) who knows, comprehends or understands श्रामा १४; ४२, श्रोव • उवा • ७, १८७; विशे० ४४, ४६; (२) पुं० थे।ते જાણે નહિ છતા પાતાને જાણકાર માનનાર थै। ६। ६ स्वय कुछ भी न जानते हुए अपने को जानकार मानने वाला वैद्धि वगरह & tollower of Buddha etc who pretends to know without knowing anything himself. स्य० १, १, १, १८, ऋणुजी० १४६: जै० प॰ ३, ४७, —सरीर न॰ (-शरीर) આવશ્યક આદિ શાસ્ત્ર જાણનારનું પડ્યું रहें अनेतन्य शत्य शरीर. भावस्यक सूत्र श्रादि शास्त्रों के जानकार का पड़ा हुया मृत -चैतन्य श्रन्य शरीर the lifeless body of one who knows scriptures such as Avasyaka etc. अणुजी॰ १४,

जाणग. पुं॰ (यानक) २थ रथ A chariot दसा॰ १॰, १;

जाएग त्रि॰ (ज्ञानक) প्राध्यार, समलनार

सममने वाला. (One) who knows or understands. पि॰ नि॰ भा॰ ३१; श्रोंघ॰ नि॰ ११=; पंचा॰ ४, ६;

जाराण्. न॰ (ज्ञान) सान; व्यश्यु ते. जानना; ज्ञान, समम्म Knowing; knowledge; comprehension. प्रन॰ १; — निमित्त. न॰ (– निभित्त) सानना धारण् रूप ज्ञान का कारण-हेतु. cause or motive of knowledge. प्रन॰ १;

जाण्णा ह्यां (ज्ञान) जेनाथी पश्तुने।
निर्ध्य थाय ते जिससे वस्तुका सचा स्वरूप
प्रतीत-जाना जा सके वह, ज्ञान That by
which the real nature of a
thing can be known, knowledge. ऋणुजो १४६;

जाग्या ही॰ (ज्ञान) श्रान ज्ञान Know-ledge भग॰ १, ६;

जाणवत्तः न॰ (यानपात्र) पहाणु नौका, नावः A boat पंचा • ६, १=

जाण्वयः त्रि॰ (जानपद) देशभा वसता अथवा आवेदा के.हा. देश में सदा से वसते हुए या आये हुए लोग People habitually residing in a country or emigrants. "वहवे जाण्वया लूसिसु" विवार, भग०१,११,११,सू॰प०१; श्रोव॰

जािश्य. त्रि॰ (ज्ञात) व्यक्षेत्र. जाना हुन्ना Known नदी॰ ४४,

जािश्यट्य त्रि॰ (ज्ञातन्य) क्राश्वा थे। अ जानने योग्य. Worth being known. भग० १, ४,५, १, १२, ४; १६, १, १६, ७, २०, ७, ११, २४, १२; २०, २६, १, क्राय॰ ६, ४५;

जाग्रु न० (जानु) गेहिल्, धुटन, टीयल् घुटने. The knee नाया० १; २; स्रोद० १०, २१, भग० =, ७, जं० प० ४, ११५; जीवा० ३, ३ स्राया० २, २, २, १६, वि०

नि० ४६६; राय० २२; १६४; उचा० २, ८४; विवा० ६; प्रव० ७३, पंचा० ३, १८; कण॰ २, १४: — उस्सेहप्पमाणामित्त त्रि॰ (-उत्सेधप्रमाणमात्र) ढी यश सुधी; ટિંચણની ઉંચાઇ પ્રમાણે. घुटनो तक; जानु प्रमाण reaching as far as the knees; equal to the knees in height. सम॰ ३४; —कोप्पर (-कूर्पर) ढी गए अने ३ छी. जान-घुटने श्रौर इहनी-भुजाश्रों के बीच की ग्रंथी--गाउ the knee and the elbow. नाया॰ २; --कोप्परमाया स्त्री॰ (कूर्पर-मातृ) व ध्या स्त्री; वां उखी वन्ध्या, वां का ब्री a barren or sterile woman नाया॰ २, --पमाण त्रि॰ (-प्रमाण) धुटण सुधीता प्रमाण वालुं. घुटने तक का, जानु तक प्रमाण वाला. reaching the knees प्रव॰ ४४१. —पायपहिया त्रि॰ (-पादपतित) ढीय श्रीये पडेस घुटनों पर पडा हुआ, पेरोंपर गिरा हुआ. knelt down विवा०७; — मित्त त्रि० (-मात्र) ढीं यन प्रभास. पुरनों ना प्रमाण. 1eaching the knees, knee-deep 940 २५५; —हिट्ट. अ॰ (-श्रधः) ढी यश्नी नीथे. घटना के नीचे below knees प्रद० १६०;

#जागु स्त्री॰ (ज्ञायक) समक्ष क्राधीने हरेबी पापनी निवृत्ति समक वृक्तकर की हुई पाप की निवृत्ति Deliberate abstinence from sin ठा॰ ३,४,

जागुन्न. र्पु॰ (जानुक) ब्युओः 'जाग्रु' शण्ट देखो 'जाग्रु' शब्द. Vide. 'जाग्रु' उवा॰ २, ६४,

जासुय त्रि॰ (ज्ञायक) शास्त्रने। જાણુનાર शास्त्र का जानकार. Conversant with the scriptures.'जासुयाय जासुयपुत्ताय' नाया॰ १३; —पुत्त. पुं॰ (-पुत्र) शास्त्रना ભાગનારના પુત્ર. शास्त्रज्ञ का पुत्र. the son of one who is conversant with the Scriptures. ।या॰ १३; जाराहई. स्री॰ (जान्हवी) गंगानदी. गगा नदी. The Ganges. ठा॰ ६;

जात. ति॰ (जात) जन्मेक्ष; अप्त थ्येथ. जन्मा हुया; पैदा हुया. Born; produced. नाया॰ १;६;भग॰ १४, १; (२) न॰ भश्यः प्रकार, नेद variety; species पग्ह॰ २, ३; —कम्म. न॰ (-कर्मन्) जन्म सरकार. जन्म सरकार. ceremony in connection with birth नाया॰ १; —सङ्घ ति॰ (-श्रद्ध) जेने श्रद्धा-ध्र्या ६८५८ थ्य थ्य छे स्रेया. जिसे श्रद्धात्रभिलापा उत्पन्न हुई हो वह. ००० in whom faith has been inspired निर॰ १, १;

जातग. त्रि॰ (जातक) পन्भेक्ष. उत्पन्न; जन्मा हुआ. Produced; born नाया॰ १;

जातगा स्त्री॰ (यातना) पीश पीटा; बेदना; दर्द. Pain; agony. पगह॰ १, १;

जातरूव. त्रि॰ (जातरूप) सुदर; यक्षडेर्तुं सुन्दर, चमकताहुत्रा Shining; ghttering. (२) न॰ सीनुं. सुवर्ण. gold. त्रोव॰ १७, (३) पुं॰ क्यतरूप-सीनानी डाएड; भरडाएडनी १३ मे। विशाग. जातरूप-सुवर्ण का काएड; खरकाएड का १३ वं हिस्सा a lump of gold; the 13th portion of Khara-kāṇḍa. जीवा॰ ३, १;

जाति. स्त्री॰ (जाति) लुओ। "जाइ" शण्ह. देखो "जाइ" शब्द. Vide. "जाइ" स्रोव॰ १६, पच० २; १७, ३६; जीवा० ३, ४; जं० प० (२) એક ળતના દારુ. एक

जाति की दारू-मदा a kind of intoxicating drink or wine. विवा॰ २: — ग्रमद. त्रि॰ (-श्रमद) लित-भह रिदेत जाति के मद से रहित. free from the pride of caste. भग = , ६; ---क्रमा न॰ (-क्रमंन्) " जाइकम्म '' शम्ह देखो " जाइकम्म '' शब्द. vide " जाइकस्म " नाया॰ २; ---नामानेहत्ताउयः त्रि॰ (-नामनिधत्ताः युप्) क्रुओ " जाइणामनिहत्ताउय" शण्ह. देखे। " जाइगामनिहत्ताउय " शब्द. vide " जाइगामनिहत्ताउय " पत्र॰ ६. —प-सन्नः पुं॰ (-प्रसन्न) थे। इ जातने। हाउ एक प्रकार का मदा. a kind of intoxicating drink जीवा॰ ३, ३; -पूड न॰ (-पुर) जुओ। " जाइपुड" श्रः देखे। " जाइपुड " शब्द. vide "जाइपुड" नाया॰ १७, --- प्यसन्नाः स्त्री॰ (-प्रसन्नाः) क्ये अध्यात के प्रकार की मदिरा a kind of wine. जीवा॰ ३, - मश्र. पुं॰ (-मद) व्यतिने। अखंशर जाति का श्रहंकार. pride or egotism due to one's lineage or caste. सम् =, —मद. पुं॰ (-मद) लुओ। ઉपसे। शण्ह. देखो जार का शब्द vide above. भगः ८, ६; —संपन्न त्रि॰ (नसंपन्न) जुओ। " जाइसम्पर्या" शण्ट देखो "जाइसंपर्या" शब्द v.de "जाइसंपर्गा " भग ० २४, ७; नाया० २; —सरम् न० (-स्मरम्) व्युओ। " जाइसरमा " शफ्ट. देखो " जाइ-सरण'' शब्द vide "जाइसरण" नाया • =; जानिमंत. त्रि॰ (जातिमत्) जात्यान्. जातिवान् Of a high rank or Cayte. दस॰ ७, ३१; जातियः त्रि॰ (याचित) भांगेक्ष; यायेक्ष

हुआ; याचित

Vol 11/104

Begged;

entreated. भग॰ १=, १०; जाम. पुं॰ (याम) भढावत; सव थ। आणा-निपातवेरभ् ज्याहि म्हारां प्रत महात्रतः प्राणातिपातिवरमण श्र दि बडे व्रत. Any of the great vows; e. g plete abstention from killing etc श्राया० १, ७, १, २००; (२) पहे।२, हिवस हे रात्रिनी ये।थे। लाग, प्रहर, दिन या रात्रि का चौथा हिस्सा. any of the eight periods into which a day (24 hours) is divided "तन्त्रो जामा पन्नता । तं जहा-पढमे जामे मजिममे-जामे पच्छिमे जामे ' ठा॰ ३ २, श्रोघ॰ नि० ६६०, गच्छा० ३; जामाउय-त्र, पुं॰ (जामातृक) જમાઇ; दामाद: जामात. A son-in-law. विवा॰ ३, ऋणुजा० १३१, जामिल्लय. पुं॰ (यामिक) पहेरादार, सिपाध रचक, पहरेवाला, सिपाईा. A guard, a watchman. মু০ ব০ ৩, ३৩; जामुण्कुसुम न॰ (जवाकुसुम) राता ५स वाबा कर्या नाभे आउनुं इब. जवा नामक बृज् দা দল. A flower of the China rose. " जामुण कुसुमेई वा " राय॰ जाय धा॰ I, II. (याच्) यात्रवृं; માગવુ; માગણી કરવી ચાચના જમ્ના. मांगना. To beg. जायह. निसी० १, २०, १४, ४७, जाएइ नाया० ७, जाइजा, वि० नाया० ७: जायाहि ग्रा॰ उत॰ २४, ६; जायसु, या॰ पि॰ नि॰ ४७२; जाइस्सामिः श्राया० १, ६, ३, १८४; जाइता. सं० कृ० श्राया० १, ७, ६, २२२; निसी० १, २८, ३, ८२; ४, १५; दस० ८, ४;

जाइत्तप् हे॰ छ॰ नाया॰ ७; १४; जापंत. व॰ छ॰ निसी॰ १,२३, परह॰ १,३; जाय. पुं॰ (याग) यतः, पूला यत्तः, पूजा. A sacrifice; worship. नाया॰ १; २; भग॰ ११, १३, कष्प॰ ४, १०१;

जाय-ग्रा त्रि॰ (जात) ઉत्पन्न थथेस, उप-**क्रेक्ष**; क्रन्मेश. जन्म पाया हुआ; जन्म प्राप्त. Born, produced. नाया॰ १; २; ३; ४; ६, ७, न, १२; १३; १४; १६; १न; सग० २, १; २, २; ६, ३२; १२, ६; १४, १; । २४, १; २; पिं० नि॰ १६६; १८०; दस०२, ६, ४, दसा०५,२७,६, १; ८, १; वव० ६, ४१; मु॰ व़॰ १, १८, श्रोव॰ ३८; उत्त॰ ७, २; विवा० ४; भत्त० ८३; कण्य० १, १; (२) पुत्र, दीक्षरी. पुत्र; लडका a son. नाया० १; ५; ६; भग० ६, ३३; ११, ११; स्य० १, ४, २, १३; सु० च० ४, ३१२; पंचा॰ ८, ३; (३) त्रि॰ प्राप्त थथेश; भेश वेश. प्राप्त किया हुआ. obtained; got. " सुद्धे सिया जाए न दूसएजा " स्य० १, १०; २३; (४) अधर; लेह प्रकार; भेद ध variety, a division. Jo 8, 9; ૧૦; (૫) ત્રિ૦ શુદ્ધ; જતિસા रहित; शुद्ध. pure; of a high caste. " जायिहगुलेति " रायः ५३; (६) भ ५२. श्रेइर. sprout दस॰ ४, (७) शास्त्रिवि ज्वज्यारः शीवार्थः शास्त्रविदि को जानने वाला. one knowing the precepts of scriptures, a learned. प्रव•७=७; —श्रंबस्तवग पुं॰ (-श्रंध-रूपक-जातं उत्पन्नं ग्रन्यकं नयनयो रादित एव श्रनिष्पते कुत्सितं श्रह्मरूपं यस्यासौ) આંધલા અને કૃત્સિત અંગનાલા; ખેડાલ शरीर पाने। श्रंव व कुतिसत श्रंग वाजा; कुद्धा शरीर वाला. one who is blind and deformed in body. विवा. १;

—कप्प. पुं॰ (-कल्प) शीताथ ने। ६६५. गोतार्थका कल्प. a resolution of Gitartha. प्रव०२४: -- करम. न० (-कर्म) જન્મ સંસ્કાર; નાડિ છેદન વિગેરે जन्म संस्कार, नाडि छेदन इत्यादि. ceremonies like cutting of the umbilical cord (navel cord) etc. after the birth of a child. " गिन्देत श्रमुई जाय कम्म करणे " ठा॰ ९; श्रोव॰ ४०; नाया॰ =; —कोऊहल. त्रि॰ (-कुत्हल-जातं कुत्हलं यस्य स जात-कुतूहत्तः) જેને કુતૂહલ ઉત્પન્ન થયેલ હાય ते वह जिसको कुत्रहत्त उतान हुआ हो. (one) in whom curiosity is roused or excited. नाया॰ १; थयेत: पत्तवान् थयेत. बल-प्राप्त grown strong. "वसभो इव जायत्थामे " ठा॰६; —निदुया स्री॰ (-निदुता—जातान्यपत्या-नि निद्वुताीन मृतानि यस्याःसा) कीता જન્મેલ ળાલક તત્કાલ મરણ પામે છે અથવા મુવેલા અવતરે છે તે માતા. जिसके जन्म पाये हुऐ वालक दुरन्त मर जाते हैं अयवा मृतक पैदा होते हैं वह माता. a woman whose children die immediately after birth or are born dead. "सुमहा नामं भारिया जायनिंद्रुया यावि होत्था " विवा॰ २; ७; —पइडू. न० (-प्रतिष्ठ) अंधुर ७५२ रहेशुं. श्रंकुर पर रहा हुआ. anything resting upon or supported by a sprout. दस॰ ४; —पन्ख. त्रि॰ (-पज्ञ) જેને માંખ ઉત્પન્ન થયેલ છે ते. जितको पंख आ गये हैं वह (a bird) having wings. " जायपक्ला जहा हंसा " उत्त॰ २७, १४; — सूक

(-मक) अन्भथीअ भूगे। जनम ही से सक. dumb from birth. विवा॰ १; --विस्हय. त्रि॰ (-विस्मय) विस्मय पामेल विस्मितः चितत. astonished, surprised. नाया॰ १२; —संवेग. त्रि॰ (-संवेग) જેતે સંવેગ-મુમુસુતા ઉત્પન્ન था। छे ते. जिसमें मंबेग-मुमृद्धाता उत्तक हुई हो वह. one seeking emancipation. भत्त॰ १३; -संसय त्रि॰ (-संशय---जातःसंशयो यस्य सजात संशयः) सशय अप्रेश थयेखा. संशय प्रसित thrown into doubt; (one) in whom doubt or suspicion is engendered भग॰ १, १; १०, ४; नाया॰ १; -- सङ्घात्रि । (-श्राद्ध-श्रद्धया यत्-क्रियते तत् श्राहं जात उत्पन्न श्राहं इच्छा-विशेषो यस्यासी जातश्राद्धः) श्रद्धा वित्पन्न थ्येथ. श्रद्धावान् (one) in whom faith is born, having faith नाया॰ १, ६, भग॰ १, १; १०, ५; १४, ६,

जायग. त्रि॰ (याजक) थाल्पकः, यहा करनार. याजकः, यहा करनेत्राला. (One) performing a sacrifice; a sacrificer "सो नत्थ एव पांडिसिद्धो, जायगेया महा-सुयी।" उत्त॰ २४, ५:

जायण, न० (याचन) भागवुं ते; याथवुं
ते. मांगना; याचना Begging; soliciting उत्त० १२, १०; पंचा० १८, १;
— जीवण, त्रि० (-जीवन-याचनेन जीवनं
प्रायाधारणमस्येति याचनजीवनः) केता
छातती आधार भागवा छपर छे ते;
क्षिक्ष भित्तुक, जिसकी प्राजीविका भिन्ना
बात्तार निर्भर है वह (one) who
lives by begging, a beggar.
"जाणाहि मे जायण जी ग्लोति" उत्त०
१२, १०;

जायगा न॰ (यातन) भी । । । । । । ते. दु.सी करना, सताना Giving pain or trouble १ गह ॰ १, २;

जायणा स्त्री॰ (याचना) यायना; भांभधी; **लि** भागवी ते. भीख मांगनाः याचना करना. Begging; solicitation. स्य॰ १, ३, १, ६; भग॰ ८, ८; प्रव॰ ६६२; -पारिसह. पुं॰ (-परिपह-याचनं-याञ्चा प्रार्थना सैव पार्पहो याञ्चापरिपह.) બિક્ષાના પરિષહ: પરિશહના એક પ્રકાર भिचा का परिषद्द, परिषद्द का एक प्रकार. bearing the affliction or trouble caused by having to beg. सम-२२, --वत्थः न॰ (-वस्र) ज्ययातुं पर्व अधी. मिला का वल्र; मोली. a piece of cloth (like a swinging bag) to keep alms in. निसी ०१४,३४; जायणा स्त्री॰ (यातना) पीश. दुःख, पीडा, Pain; trouble, affliction ''जायाणाकरणसयाणि'' पराह० १, १; १, ३; जायणी. स्री० (याचनी) आक्षारादिश्नी भागशी धरवानी भाषा आहारादिक के लिये याचना करनेकी भाषा. Words used in soliciting or begging food etc. ठा० ४, १, पन्न० ११; भग० १०, ३; दसा० १, १; प्रव ० ६८ १;

जायतेश्च-य. पुं० (जाततंजस्) अभि श्वाप्ति.
Fire "जायतेय समारव्य बहन्नो रुभिन्ना
जगा "सम० ३०; दस० ६, ३३; भग० ३,
३; ६, १; स्ग० २, ६, २८; दमा० ६, ४;
जं० प० २, ३४;

जायामित्त न॰ (जातमात्र) लन्म थताल जन्म होते ही, जन्म ही से Immediately upon being born; from the very birth. विवा॰ २;

जायमेत्त. त्रि॰ (जातमात्र) ७४% थतां वेत.

उत्पन्न होते ही. From the very birth, immediately after birth. विशे॰ २६=; विवा॰४;

जायस्व. न० (जातस्व) ओड ज्वतनं सीतं सुवर्ण का एक प्रकार. A kind of gold. "जायस्वमई ग्रें। ग्रें।हारणी ग्रें। " जीवा० ३, ४, उत्त० २५, २१; राय० २६; २६६; नाया० १; भग०२, ५; ठा०६; ग्रोव० कष्प० २, २६, जं० प० २, ३२; (२) त्रि० रूप पाश्चं सुन्दरः, स्वस्तावान् beautiful. कष्प० ५, ११६, —कंड. पुं० (-काएड) रलप्रक्षा पृथ्वीना १६ अष्ट्रभाना १३ मे। अष्ट रलप्रका पृथ्वी के १६ काष्ट में से १३ वां काएड. the 13th of the 16 Kāndas of the Ratnaprabhā world ठा० १०;

जायव पुं॰ (यादव) यहुन राजः; नाह्यः यहुनंशजः; यादव One born in the Yadu family; a Yadıva. नाया॰ १६; पग्ह॰ १, ४;

जायवेष पुं॰ (जातवेदस्) अशि आशि जिल्हा के भिक्छं अवमत्तह "उत्त॰ १२, २६;

जायाः स्री॰ (यात्रा) यात्राः शरीर निर्याद्ध यात्राः शरीर निर्वाद्घ Livelihood. स्य॰ १, ७, २६, पि॰ नि॰ ६४६ः (२) स्यम यात्राः संयम निर्वाद्ध संयम यात्राः संयम निर्वाद्ध, पंत्रमहात्रताद्दि संयम यात्राः संयम क्षात्राः, पंत्रमहात्रताद्दि संयम यात्राः maintenance of self restraint; observance of the five great vows etc आया॰ १, ३, ३, ११६ः नाया॰ १, भग॰ २, १, ७, १ः नंदीः ४५ः (३) विद्धार, प्रमृति विद्धार, प्रमृति peregrination; sport; activity परह॰ २, १, — माया स्त्री॰ (-मात्रा — यात्रा संयमयात्रातस्यां मात्रा यात्रामात्राः)

संयम निर्वादनी भर्याहा. संयम निर्वाह की मर्यादा. a limit fixed in the matter of observance of ascetic practices " श्रायमुक्ते स्वाधिके जायामायाए" श्राया॰ १, ३, १, १९६; —मायाचिक्ति. स्त्री॰ (-मात्रावृत्ति) संयम निर्वाह की मर्यादामय जीवन. life of self-control guided by fixed principles of asceticism. " जायामायाचिक्ति होत्या" स्य॰ २, २, ३६; भग॰ २४, ३, नंदी॰

जाया. स्त्री॰ (जाया) स्त्री; स्त्री; स्त्री; भार्या. A wife. "वाहिं जाया " जीवा॰ ३: भग॰ ८, ४; ठा॰ ३, २;

जायाः ली॰ (जाता) णाख-यभरेन्द्र यगेरेती णश्राती सभा है जेता सभासंद्यगर भील ० थे आचे. चमरेन्द्र इत्यादि की बाहाकी समा कि तिसके सदस्यगण, विना निमंतणं आते हैं. The outer council of Chamarendra etc. the members of which attend without invitation. ठा॰ ३, २; जीवा॰ ३, ४; ४, २; भग॰ ३, १०;

जायाइ. पुं॰ (यायाजिन्-यायजतीत्येवंशीलो यायाजी) अन्तस्य यहा इत्नार श्रवस्य यहा करने वाला. One who performs a sacrifice positively or without fail "जायाई जमजजिम्म" उत्त० २५, १; जार. पुं॰ (जार) भिष्तुं ओह सद्राष्ट्र माणे का एक लक्त्य A characteristic mark of a gem. राय० ४६; जं० प० जारा. स्री॰ (जारा) अक्षयर प्राष्ट्रीनी ओह अत. जलचर प्राणी की एक जाति. A

class of aquatic animals. जीवा॰

३, ४; राय॰ ६३;

जारापविभात्त. पुं॰ (जाराप्रविभिन्त) ओड प्रधारनी नाटड विधि; लारा-ओड लातनुं लक्ष्यर प्राणी तेनी ओड प्रधारनी रचना वाक्ष नाटड. एक प्रकार की नाटक विधि; जारा-एक जाति का जलचर प्राणी उसकी एक प्रकार की रचना युक्त नाटक. A kind of dramatic representation, having an arrangement resembling a Jārā i. e a kind of aquatic animal. राय॰ ६३;

जारामार पुं॰ (जारामार) अथयर प्राणीनी ओड अत. जलचर प्राणी की एक जाति. A kind of aquatic animal जीवा॰ ३; ४;

जारामारापविभक्ति. स्नां॰ (जारामारप्रिकिन भक्ति) जाराभार-ज्ञस्य प्रास्ति ओड जात-तेनी रयना पार्सु ३२ नाटडभानुं ओड नाटड जारामार-ज्ञलस्य प्रास्ति की एक जाति उसकी रचना युक्त ३२ नाटक में से एक नाटक One of the 32 kinds of dramas, whith a scenic representation of Jaiamara i e. a kind of aquatic animal राय० ६३,

जारिस ति॰ (यादश) क्यें; क्याप्रश्रस्तुं. जैसा; जिस प्रकार का As, of the nature of which. " जारिसन्नो ज नामा जहयकन्नो जारिसं फलदंति " पगह॰ १, १, १५० नि॰ ५२६, भग० ३, १, उत्त॰ २७, ६, सूय० १, ५, २, २३,

जारिसय त्रि॰ (यादशक) लेवुं; लेवा अधारतुं. जैसा, जिस प्रकार का. As; of the nature or quality of which नाया॰ =; १६; भग॰ ३, २; १४, १;

जारु पुं॰ (न्जारू) ये नामनी येड साधारण यनस्पति; इदनी येड काति. इस नाम की साधारण चनस्पति, कंद की एक जाति A kind of plant; a kind of bulbous root. पत्र॰ १;

जारकराह पुं॰ (जारूकृष्ण) विशिष्ठ भात्रनी એક शापा. विशिष्ठ गोत्र की एक शाखा. An offshoot of the Vasistha family-origin. (२) ते भात्रने। पुरुष उस गोत्र का पुरुष. a person belonging to the above family-origin. टा॰ ७, १;

जाल. पु॰ (जाल) માછલાં પકડવાની જાલ. मच्छी पकडेन की जाल A net to eatch fish. पन्न ११, नाया १: ३, पिं नि॰ ६२३; विवा ॰ ६, उत्त ॰ १४, ३५, (ર) મુગ આદિ પશુને પકડવાના પાશ. मुग आदि पशु को पकड़ने का फन्दा. 2 snare to catch deer etc ज॰ प॰ (३) भुरताक्ष्यती। ग्रन्थे। म्हाफल का गुच्छा. a cluster of pearls. कप-ર, રદ, (૪) ન એક જાતનુ પગનુ धरेख एक प्रकार का पैरोंमें पहिनने का जेबर. a kind of ornament for the feet. त्रोव॰ (४) अक्षी, न्हाना ન્હાના કાણાવાલી ખારી. जाली; छोटे छोटे छेद वाली खिडकी. a barred window; a window made up of small apertures पन २, नाया १, जीवा॰ ३, ४, श्रोव० ३१, सम० प० २१३; (५) सभूद, समृह, a group; a collection शय० ४४: १०६, जीवा० ३, २; ज० प० श्रोव॰ १०; उवा॰ ७, २०६, —श्रंतर. न॰ (-म्रन्तर) जली-णारी वश्येनं जाली-खिडकी के अन्तर. an interval between the apertures or open spaces of a barred etc window. नाया॰ १; =; --श्रंतररयणः त्रि॰ (-श्रंतररत्न) जेना

મધ્ય ભાગમાં રત છે એવી જાલી (-ખારી) जाली (खिडकी) कि जिसके मध्य भाग में रत है a barred etc window bearing a gem in the middle. सम॰ राय॰ —उजालः त्रि॰ (-उज्वल) મુક્તાક્લના ગુ² છાથી ઉજવલ. मुक्ताफल के गुच्छ से उजवल. shining on account of a cluster of pearls. ^{करप}० ३, ३६;—कडम्र पुं॰ (-कटक) ज्यस्ती सभूढ़. जाल का समूह. a collection of nets etc जांवा०३,४, — कडग पु॰ (- कटक) केमां २मण्डि आकृति કાતરી હાય એવા નલીવાલા પ્રદેશ जिसमे रमिंगक आकातिका नकशांका काम हो ऐसा जातिदार प्रदेश a wall etc. in which windows are beautifully carved or engraved. जीवा॰ ३, ४, ज॰ प॰ राय॰ ११३; —गंडिया. स्रो॰ (-प्रन्थिका-जाल मत्स्य बधनं, तस्येव प्रन्थया यस्यां सा जालग्रन्थिका) व्यवनी भार जानकी गाठ. a knot of a net. " जाल गाँठियाइवा -श्राणुपृथ्वि गिंडियावा " भग॰ ५, ३: — घर न॰ (-गृह) ज्यसीयाशु धर जाली दार घर a house having barred windows नाया॰ ३, — घरग. न॰ (-गृहक) প্র-শাरीবার धर जालीदार घर, मकान. a house with barred windows or windows नाया ०२; ३; राय ० १३ %; श्रोव॰ - घरय. ग॰ (- गृहक) लुः थे। शण्ह देखो ऊपर का शब्द. ઉપલેા vide above. नायाः ८; —विद. न॰ (-वृन्द) ગાખના સમૃહ; ખારી-જાલીના सभूढ़ जाली का समूह. a group of windows or barred windows জीवा" ३; —हरश्र. न॰ (–गृहक) প্রধী

वाक्षं धरः जालीदार घर, मकान. a house with windows or barred windows अरोव॰

जाल. पुं॰ (ज्वाल) ज्याक्षा; अञ्नि शिणा. ज्वाला; माल. Fire; a flame of fire. जीवा॰ १; —उज्जल. ति॰ (-उज्वल) धर्धुं ज ज्यान्यद्यमान. श्रायंत प्रकाशमान् very bright; flashing. श्रोव॰

जालं घर. पुं॰ (जालंघर) देवानं दाळ धान्हणी के गोत्र. the family-origin of Devānandā Brāhmaṇā (wife of a Brāhmaṇa). 'देवणदाएमाहणीए जालंघरसगुताए' श्राया॰ २,१४,१७६; —सगुत्त ति॰ (-सगोत्र) ज्या 'धर गेरात्रमां उत्पन्न हुआ हो one born in the family of Jālandhara. कप्प॰ १,२;

जालग पुं॰ (जालक) જાલી, ખારી. जाली;
ंखडका. A window; a barred window. नाया॰ १; श्रोव॰ (२) पगनु अें के लिये एक प्रकार
का श्राभूषण. a kind of ornament
for the feet. " संखिखणी जाज परिविखत्ताणं " श्रोव॰ (३) भे धिरिय अस् निशेष. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष क्ष kind of two-senged living being.

जालद्ध न० (जालाई) नमध यं द्राक्षारे निम-रखी ऋषंचंद्राकार सीढी. A semicircular ladder. नाया १;

जालपंजर पुं॰ (जालपक्षर) गाभ गोख. A cage-like window; a window jutting out from the main building जीवा॰ ३, ४, राय॰ १०७; जालय. पुं॰ (जालक) लुग्ने। 'जालग' शण्ट. देखे। 'जालग' शब्द. Vide 'ज लग' जीवा॰ ३, ३;

जाला. स्री॰ (ब्वाजा) ल्यासा-अस; अभिनी शिभा, आप्रे की ब्वाला. A flame of fire "जालातुरं घन खिका" नाया॰ १, १६; भग० ३, २; १४, ७; पञ्च० १; सु० च० १, ३०; दस० ४; ठा० ४, ३; उत्त० ३६, १०६; पंचा० ३, २२; (२) ૯મા ચક્રવર્નીની માતા. ६ वें चक्रवर्ता की war, the mother of the 9th Chakravartī. सन॰ प॰ २३४, (३) यन्द्रप्रभ रवाभीती शासनदेवी चन्द्रव्रभ स्वासी की शासन देवी. the tutelary goddess of Chandraprabha Svāmī. प्रव॰ ३७७; —उज्जल त्रि॰ '(-उजल) जवासाथी उजवस. ज्वाला से उज्बल brightened with flame कप्प॰ ३, ४६; —पयर पुं॰ (-प्रकर) ज्याशाना समूह. ज्वालाश्रों का समूह. व collection of flames काप ३ ३, ४६. --माला. छी॰ (-माला) जवासानी भाक्षा; ५ क्ति. ज्वाला की माला; पाक्ति. त row of flames. भग० ३, २,

जालाउ पुं॰ (जाबायुष्) श्रेष्ठ प्रधारते। भे धिद्रिय १९४१. एक प्रकार का दे। इन्द्रिय वाला जीव. A kind of two-sensed liv ing being पन्न॰ १;

जालाउय पुं॰ (जालायुष्क) लुओ। उपेक्षी शण्ह देखे। ऊपरका शब्द Vide above. पन॰ १, जालि पु॰ (जालि) अंतगऽसूत्रना ये।था पर्गना प्रथम अध्ययन नामा स्त्र के चै।ये वर्ग के प्रथम श्राध्ययन का नाम Name of the first chapter of the 4th section of Antagada

Sūtra. श्रंत० ४, १; (२) वासुदेव राजनी धारणी राणीना पुत्र, के के नेमनाथ પ્રભુ પાસે દીક્ષા લઇ ળાર અંગના અભ્યાસ કરી સાેલ વરસની પ્રત્રજ્યા પાલી શત્રુંજય પર્વાત ઉપર એક માસતા સંથારા કરી સિદ્ધ थया वासुदेव राजा की धारणी राणी के पत्र कि जो नेमनाथ प्रभु से दीचा लेकर द्वादश ग्रंगों का श्रभ्यास कर सोलह वर्ष प्रवज्या का पालन कर, शत्रुंजय पर्वत के जगर एक मास का संथारा कर सिद्ध हुए. name of the son of queen Dhāranī, wife of the king Väsudeva. He took Diksa Nemanātha Prabhu (lord), studied the 12 Angas, practised asceticism for years and after a month's Santhāiā (giving up food and water) on Satrunjaya, became a Siddha. श्रंत॰ ४, 1; (३) અહ્યત્તરા ત્વાઇસ્ત્રના પ્રથમ વર્ગના પ્રથમ अध्ययनम् नामः श्राष्ट्रत्तरीववाई सूत्र के प्रथम वर्ग के प्रथम अभ्ययन का नाम. name of the 1st chapter of the 1st section of Anuttarovavāī Sūtra अणुत्त॰ १, १, (४) શ્રેણિક રાજાની ધારણી રાણીના પુત્ર કે જે મહાવીર સમીપે દીક્ષા લઇ ગુણરયણ તપ તપી સાલ વરસની પ્રવજયા પાલી વિપુલ પર્વાત ઉપર એક માસના સંથારા કરી કાલ-धर्म पानी विजय नामना अनत्तर विभान-भ। अत्पन्न थमा श्रेगिक राजा की धारगी। राखी के पुत्र कि जो महावीर स्वामी समीप दीचा ल गुणरयण तप कर के सो तह वर्ष की प्रवज्या पालनकर विवृत्त पर्वत के पऊर एक मासका मंथारा कर काल धर्मकी प्राप्त कर

अनुत्तर विमानमें उप्तत्र हुए. name of the son of queen Dhāraṇī, wife of king Śrenika. He took Dīkṣā from Mabāvīra Svāmī, practised Gunarayana austerity, led an ascetic life for 16 years, performed a month's Santhārā (giving up of food and water) on Vipula mountain and after death was born in the heavenly abode Vijaya अगुत्त १, १; जालिया ब्रा॰ (जाजिका) लाखी, दीहानी

"(१री जार्ला; लोहे की खिडकी. A latticed window. पगह० १, ३; जाय श्र० (यावत्) ज्या सुधी, ज्यां लगी, जेटलुं. जहा तक, जयतक; जितना As long as; as far as; as much as. जं० प० ४, ११३; ११४; ११२, २, ३३; नाया० १, ६, १०; १४; १६; भग० १, १, ४; २, १; २४, १२; श्रोव० श्रगुजो० ३, स्य० १, ३, १, १; श्राया० १, २, १, ७१; उत्त० ४, १३; वेय० १, ४६; पि० नि० ४३; पन्न० १; निसी० २०, १०; नंदी० १२; विया० ४; दमा० ६, १, दस० ७, २१, ६, ३६; निर० १, १; उवा० १, ७४; ६, २५३; क्ष्य० १, १०; प्रव० १२;

जाव. पुं॰ (जाप) आप; भन्त्राहिक्ष्त्रं ड्या-रण. जाप, मत्रादिक का उचारण. Telling bends upon a rosary; repetition of Mantras i. e sacred charms etc. पगह॰ २, २;

जावश्र पुं॰ (यापक) अस व्यतीत हरा-यनार हेतु. काल न्यतीत कराने वाला हेतु The cause to pass time. ठा०४,३; जायद्य त्रि॰ (यावत्) क्टेश्च. जितना. as far as. " श्रहवा जो जस्स जावह श्रो"
पंचा॰ ४, ५; भग॰ १, ६; ७; ३, २; ४;
६, १; ७; ८; ८, १०; १४, ७; १४,, १;
१६, ४; वव॰ ६, ४३; जं॰ प॰ २, १६;
जावई. स्रा॰ (यावती) गु॰७ वनस्पतिने।
ओड प्रडार. गुच्छ वनस्पति का एक प्रकार.
A kind of vegetation growing
in clusters पन्न॰ १; (२) ओड लाती।
डं६ एक जाति का कंद. म kind of bulbous root. उत्त॰ ३६, ६७;

जावं घर (यावत्) अयां सुधी यावत्, जहा तक, जवलग. As long as; till; up to भग०३, १;

जावंचर्ण. श्र॰ (यावच) केटलाभां. समय कि जिस दरम्यान. Time etc. during which. स्य॰ २, १,६;

जायंतः त्रि॰ (यावत्) केटला. जितने, जितने. As many; as much. "जा-वंति विज्ञा पुरिसा" उत्त॰ ६, १; पि॰ नि॰ १४२; भग॰ ३, १; दस॰ ६, १०; (२) लगपती सूत्रना अथभ शतकता छेट उद्देश का नाम name of the 6th Uddeśa of the 1st Śataka of Bhagavatī Sūtra. भग॰ १, १;

जावंतिम. श्र॰ (याव रंतिम) छेस्थे सुधी. श्रम्त पर्यंत Up to the last. विशे॰

जांचताच. थ्र॰ (यावत्तावत्) ओह अहारत् गिख्तः; संभ्याना ओह अहार. एक प्रकार का गिखतः; संख्या का एक प्रकार A kind of arithmetical calculation; a mode of numerical calculation टा॰ १०;

(Lasting) as long as; (going) जावग. पुं॰ (यापक) अक्षेप धरनार हेतुः

हेतुने। ओड प्रधार हेतु का एक प्रकार. A variety of causes. ठा०४,३;

जावचर्ण. श्र० (यावच) जुओ। "जावंचर्ण" शण्ह देखो " जावंचर्ण " शब्द. Vide " आवंचर्ण " भग० २, १; ३, ३, ५, ६; जावज्जीव. श्र० (यावजीव) छवे त्यां सुधी; छंहणी पर्य त. जीवन पर्यंत; जीता रहे उस समय तक. Till death, as long as life endures. ठा० ३, १; श्राया० १, ७, ६, २२; भग० ३, १; वव० ३, २७; नाया० १, १३; १६, दसा० ६, ४; दस० ६, २६; गच्छा० १०५; — वंधरा. न० (-बंधन) छवे त्यां सुधी, ण धन. जीवन पर्यंत बंधन. life-long bondage. दसा० ६, ४,

जावज्जीवियं. श्र॰ (यावजीवितम्) ज्यां सुधी छव रहे त्यां सुधी जीवन पर्यत. As long as life lasts. भग॰ ७, ६;

जावरा न॰ (यापन) निर्वाह करना. Supporting (life); spending; passing; (e. g time) पि॰ नि॰ २१०:

जावतिन्ना. त्रि॰ (यावत्) केट ध जितना; जिस हद तक As much as, as many as; to the extent to which प्रि॰ नि॰ २४२; पश्र॰ १४, ज॰ प॰

जावती स्री॰ (जातिपत्री) काय त्री; ओ नामनु ओं इक्षतनु दक्ष जायपत्री; इस नाम का एक प्रकार का वृत्त. The outer skin of the nutmeg, name of a tree. पत्र ० १,

जावद्द्य. न॰ (यावद्द्व्य) पश्तु रहे त्यां-सुधी रहे ते. वस्तु के श्रस्तित्व पर्यंत रहे वह. Anything which endures or lasts till the substance of which it is made lasts. विशे॰ २४: Vol. 11/105. जावय पुं॰ (यापयतीति यापकः) २१२ देपने भता ६२न१३. राग देप का त्याग करने वाला One who abandons, renounces passion and hatred. नाया॰ १; जं० प० ४, ११५; सम॰ १; श्रोव॰ १२; कप्प॰ २, १५;

जावय. पुं॰ (जापक) राग देप अनावनार. रागद्वेष जितानेवाला One that causes to conquer pas ion and hatred श्रोव॰ १२: सम॰ १:

जावसिश्च. पुं॰ (कावसिक) भारता लारा लावनार. घास के गठ्ठे लाने वाला. One who fetches bundles of grass (for selling) श्रोघ॰ नि॰ २३=; जास. पुं॰ (जाप) रिशायनी ओड प्रडार पिशाच का एक प्रकार. A kind of ghost or fiend. पन्न॰ १,

जासुग्रः न॰ (जास्द) ब्लभुतां प्रुक्ष जासु कं पुष्प. A. Jāsu flower. कप्प॰४,६०; जासुगा. पु॰ (जपासुमनस्) लुओ। ७५थे। शण्ट देखो जपरका शब्द Vide above. नाया॰ १,

जासुमण न॰ (जपासुमनस्) लभुनां पुत्तः जपा कुसुमः; जासु के फूलः A flower of the China-rose "जासुमण कुसुमेइवा" पत्तः १; नायाः १, राय॰६६; श्रंतः २, ६; भगः १४, ६; जं॰ प॰

जासुयण पुं॰ (जपासुमनस्) જાસુનાં પુલ. जासु के फूल. A flower of the China-rose. जीवा॰ ३, ३; ४;

जिन्नत. न॰ (जीवत्व) अथप्यू. जीवितता; जीवत्व. Life; the state of life क॰ ग॰ ४, ६६,

जाहत्था. न॰ (याथार्थ्य) ४४।६ पणुं यथार्थ-ता. Real or correct nature; true character. विशे ॰ १२७६; जाहे. श्र० (यदा) ल्यारे. जव. When (relative adv.). ''जाहेणं सके देविंदे देवराया '' भग० १६, १; २, ६, ३३; १४, ६; १५, १; २४, १६; २४; नाया० १; ६; १८; श्रोध० नि० ४६०; विवा० ५; ज० प० ७, १४१; विशे० २३२४;

जिया पुं॰ (जीव) छव; आखी जीव; प्राणी A soul; a life; a living being. विशे॰ १४००; १६८४; चउ० १६; सूय० १, १, २, १; क० गं० १, १; १६; ४६, ४, १, ४, ७६; २१, ४४; नाया०१४; — श्रुंग. न॰ (- श्रह) જ वनुं अ ग-शरीर, जीव का श्रंग-शरीर. the physical body in which life exists. क॰ गं॰ १, ४६; —हागा न० (-स्थान) छवना स्थान-भेहः સક્ષ્મ એક દ્રિયાદિ જીવના ૧૪ ભેદ-પ્રકાર जीव के स्थान-भेद; सूच्म एकेंद्रियादि जीव के १४ भेद-प्रकार. the different varieties of lives: the 14 diviof one-sensed minute sions lives etc. क॰ गं॰ ४, ५; —लक्खण. न॰ (-लच्या) छवनुं असाधारण स्वर्ष जीव का श्रसाधारण स्वरूप. the distinguishing quality of a living being. क॰ गं॰ ४; ३३; - लक्खणुव-श्रोग. पुं॰ (-लक्त्रणेपयोग) त्रल् अतान, માચ જ્ઞાન અને ચાર દર્શન એ-ખાર જીવના सक्षण रूप ઉपयोग तीन श्रज्ञान, पांच ज्ञान व चार दर्शन ये जीव के द्वादश लक्त्रण रूप खपयोग. the 12 characteristics of life viz. three Ajñānas, five Jñanas and four Darsanas क॰ गं॰ ४, ३३; —विवागा स्त्री॰ (-वि-पाका) छव आश्री विपाड पामनारी डम^९ अर्कृति जीवके संवंधम विपाक पाने वाली कर्म সহূবি a variety of Karma showing maturity to soul. क॰ग॰४,२०; जिन्नसन्तु, पुं॰ (जितशत्रु) भक्षावीर स्वाभीना वणनमां भिथिक्षा नगरीना राजा. महावीर स्वामी के समय में मिथिला नगरी का राजा. The king of Mithilā city in the time of Mahāvīra Swāmī. जं॰ प॰ ५, ११४:

जाहग. पुं॰ (जाहक) सेढाध; डांटावाक्ष ओड आब्ही. सेही. Porcupine. भग०१४, १; पराह० १, १; नंदी० ४४; विशे० १४७२;

जिदंदिश्र-य. त्रि॰ (जितेद्विय जितानि स्व-विषय प्रवृतिनिषेधेन द्रंद्वियाणि येन स जितेन्द्रिय:) धेदिथेनि वश ६२ना२; लिते-न्द्रिय. इंद्रिया को वश करने वाला. One who has subdued or conquered his senses. दस॰ ३, १३; ८, ३२; ६४; ६, ३, ८; नाया॰ १; १४; भग॰ २, १; पंचा॰ ११, ४०; गच्छा॰ ४२,

जिन्नगा. स्त्री॰ (प्राण्) सुंधर्यु ते. स्ंघनाः
Act of smelling, स्रोघ० नि० ३७६;
जिष्टः, त्रि॰ (उपेष्ठ) न्द्रे।टाः, उपेष्ठः, वडितः
Elder: गच्छा॰ ६०; कष्प॰ ४, १२६;

८; प्रव॰ १६ दः (२) ઉत्कृष्ट, श्रेष्ठ उत्कृष्टः श्रेष्ठ. best विरो॰ ३३२६; क॰ गं॰ ६, ७७; ४, ६६; —िट्ठिइ स्रो॰ (—िस्थिते) छत्कृष्ट स्थिति उत्कृष्ट स्थिति. best condition. क॰ प॰ २, १०४; —पुत्त. पुं॰ (—पुत्र) भाटा ही हरो। ज्येष्ठ पुत्र the eldest son. निर॰ ३, १, —वयसा. न॰ (—वचन) • हाटानु वयन विहलका यचन. words of an elderly person.

गच्छा॰ ६०; जिष्ठा) भे। शि ण्डेन. ज्येष्ठ भिग्नी; बडी बहिन. Eldest or elder sister. (२) केश्रे। शि. जेठानी. wife of the husband's elder

brother जं प ७ ७, १४६:

जिहासूल. पुं॰ (ज्येष्ठासूल) केनी पुनभे
कथेश भूसनक्षत्रनी साथे यंद्रभा कीग कीडे
ते भिक्षिता; के हैं भ से जिसकी पूर्णिमा के
दिन ज्येष्ठासूलनक्षत्र के साथ चंद्रमा योग
साधन करता है वह मास; ज्येष्ठ मास.
Name of a lunar month in
which the full moon stands in
the constellation Jyestha (corresponding to May-June)
उत्त॰ २६, १६,

जिडुह न॰ (%) ओड जातनी २२भतः एक प्रकार का खेल A kind of game प्रव० ४४९;

√ जिया था॰ I. (जि) छत्तवु. जीतना; परा-जित करना To win, to conquer जिसं. क॰ वा॰ वि॰ उत्त॰ ७, २२; जिया. वि॰ उत्त॰ ६, ३४; दस॰ ६, ३६; जय. आ॰ श्रोव॰ ३२;

जिसाण क० वा॰ व॰ क॰ उत्त॰ ७, २२;
जिसा पुं॰ (जिन-जयित निराकरेगित रागद्देपादिरूपानरातिगितिजिनः) रागद्देपने सर्पथा
छत्नार,तीर्थंडर, डेयक्षी आहि,जिनलग्यान्
रागद्देष का सर्वथा जीतनेवाला; तीर्थंकर,
केवली आदि, जिनभगवान्. One who
has completely subdued pas
sion and hate, a Tirthankana,
a Kevali etc "असुत्तरं धम्मामिसं
जिसास " स्य॰ १, ६, ७; "जिसास जावयासं" जीवा॰ ३; कप्प॰ नाया॰ १;
३; १५; भग० १, १, ३; २, १; ७, १;
१४, १; २४, ६, ७; दस॰ ४, २२, ४, १,

नंदी० ३: पि॰ नि॰ १८४: ऋगाजी॰ १६; १२७; सम० १: ३०; श्रोव० उत्त० २, ४५; १०, ३१; श्रागा० १, ४, ४, १६२; उवा० १, ७३; ७, १७८, कप्प० २, १६; क० गं० १, १; १, ५६, ६०; ६१; ४, ५६; श्राव० २, ४; प्रव० ३; जं० प० ४, ११२; ११४; ---श्रंतरः न॰ (-श्रन्तर) तीर्थध्रना અતરના કાલ; ખે તીર્ધકર વચ્ચેનું કાલ परत्वे य्यतर. तीर्थंकर के स्नतर का काल, दो तीर्थंकरों के काल का मध्यस्थ श्रन्तर the interval of time between two Tirthankaras भग २०. ८. प्रव० ४३४, --- श्रारामय. त्रि॰ (-श्रनुमत) જિન ભગવાનને અનુમત સંમત भगवान से अनुमत संमत. acceptable to, permitted by a Tirthan. kara etc जीवा॰ १: — श्राभिहिय त्रि॰ (-भ्राभिहित) तीर्थं धरे **डेंड्ड** तीर्थं करने कहा हुआ said by Tirthankara. प्रव॰ ६७४; — आहिय. त्रि॰ (- आहित) लिने प्रतिपादन **धरेश.** जिन भगवानने प्रति-पादन किया हुआ. established by, propounded by a Tirthankara. " चरे भिक्ल जिलाहियं " सूय० १, ६, ६; -- इक्कार, न० (-एकादशक) िं जननाभ-કર્મ. દેવત્રિક, વૈક્રિયદ્ધિક, આહારકદ્ધિક અને નરકત્રિક એ ૧૧ પ્રકૃતિઓના સમૃહ जिन-नामकर्म, देवित्रक, वैिकयद्विक, श्राहारकद्विक च नरक त्रिक इन ११ प्रकृतियों का समृह. a group of the eleven Prakittis viz. Jinanāmakarma, Devatrika, Vaikriyakadvika, Ahārakadvika and Narakatrika

^{*} जुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (+) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनीट (*) Vide toot-note (+) p 15th

क॰ गं॰ ३, १४; --इक्कारस. न॰ (-एका-दशक) ळुओ। ६५क्षे। शण्ह देखी ऊपर का शब्द. vide above. क॰ गं॰ ३, १०; —ईसर. gं॰ (-ईश्वर) तीर्थं धर. तीर्थं कर. Tirthankara. अव॰ ४०६; —उत्तमः पुं॰ (-उत्तम) तीर्थं ३२. तीर्थं कर. Tirthankara. 'मगां विराहितु जिणुत्तमाणं' उत्त॰ २॰, ४०; —उदिष्ट. त्रि॰ (-उदिष्ट) आप्त पुरुषे दर्शावेल. श्राप्त पुरुषने दर्शाया हुआ. shown by relatives. गच्छा॰ २६: — उचएस एं॰ (-उपदेश) तीर्थ-करते। अपहेश. तीर्थकर का उपदेश. teachings of Tirthankarn. "एवि तचाश्रो जियो।वपुसिम्म " सम॰ ३; भत्त॰ ८४; —कप्प. पुं॰ (-कल्प—जिनाः गच्छनि-र्गताः साधुविशेषाः तेषां कल्पः समाचार) ઉત્કૃષ્ટ આચાર પાલનાર સાધુના-જિનકલ્પી-ने। ४१५-व्यवटारविधि, उत्कृष्ट श्राचार ना पालन करनेवाले साधु का-जिनकर्त्याका करा-च्यवहार विधि the ascetic-conduct or mode of life of a Jaina monk. पंचा १७, ४०; भग० २४, ६; प्रव० ४०४, ६२२; —कप्पट्टिइ. स्री० (-कल्परियांत) ગચ્છથી ત્રહાર નીકલી જિનકલ્પીપણું સ્વી-કારનાર સાધુના આચારનું સ્વરૂપ गच्छ से बाहर निकलकर जिनकल्पीपना स्वीकार करन वाले साधु के श्राचार का स्वरूप. the mode of ascetic life of a Jaina monk who leaves his order but follows the conduct prescribed for Jaina monks वेय॰ ६, २°; —क्राप्पि. पुं॰ (-क्राह्यम्) जिन કલ્પી સાધુ जिन कल्पी साधु a Jaina ascetic. चट० २३; प्रद० ४=४; — क-िप्य. पुं॰ (-काल्पिक-जिनानां कल्प श्राचारो जिनकल्पः स विद्यते येषां ते) जिन

કલ્પી સાધુ; ઉત્કૃષ્ટ આચારી સાધુ. જિન क्ट्रेंग साधु, उत्कृष्ट प्राचारी साधु, a Jaina monk; a Sādhu following the conduct prescribed for monks in Jaina Šāstias. 940 v, 29, प्रवः १४; ४६६; ४४७; ६३०; —कालग. त्रि॰ (-कालक) लिन-तीर्थं धरना धासमा-તેની હયાનિમાં જેની હવાતી હાય તે. जिन-तीर्थकरके कालमें - उनके श्रास्तावमें जो जीवित हो नह. contemporary to a Jaina Titthankara. " जिए कालगी म-गुस्सो " क० प० ५, ३२; —गुगा. वुं० (-गुग्) तीर्थं इरना शुःश्. तीर्थं कर के गुण्. the attributes of a Tirthankara. भनः १६=: -- घरः नः (-गृहः) जिनः पुद; हेनभंहिर. जिनगृह, देनमादेर a Jaina temple. नाया॰ १६; पंचा॰ ७, १ ; —चंद् पुं॰ (-चन्द्र) २६ लेस सीतव जिन जगपान, चंद्र जैमे शांतल जिन भगवान. a Tirthankara, cool and cooling like the moon. परह०२, १: क॰ग॰ २, १; —चिर्ण त्रि॰ (-चीर्ए) िं भी थाथरेश जिन द्वारा साच-रिन--श्राचरगा किया हुआ, practised by a Tirthankara " श्रक्तो मा होइ जिसाचिरसो।" पंत्रा० ४, २=; -जह-पु॰ (-याते) लैन भूनि. जन मुनि. & Jaina ascetic. प्रवः ६६२: —जनसः पुं॰ (-यच) તીર્ધકરની લક્તિ કરવામા इसब એવા गामुण व्याहि यक्ष. तीर्घकर की भिन्त करने में कुशल ऐसे गोमुख श्रादि यजः a Yaksa (e. g. Gaumukha etc.) devoted to the worship of a Tirthankara प्रव०णः - जराणी. स्रो॰ (-जननी) तीर्थं धरनी भाता. तीर्यंकर की गाता. the mother of Tirthankara. प्रव०४; —दिक्सा स्री० (-दीज्ञा) જૈનધમ ની રીત પ્રમાણે દીક્ષા−પ્રવજ્યા લેવી ते. जैन धर्म की रीति के श्रनुसार दीचा-प्रवरुया लेना entering into order according to the prescribed rules. पंचा॰२, १; —देसियः त्रि॰ (-देशित) िलन सगवाने કહेस. जिन भगवानने कहा हुआ. said by, propounded by a Tirthankara. " धम्मोय जिगादे।सिम्रो " तंदु॰ जीवा॰ १; —धम्म. पुं॰ (-धर्म) लैन धर्म. जैन धर्भ. Jainism. ठा० ४, २, क० गं० १, १६; —नाह पुं॰ (-नाथ) जिन-સામાન્ય કેવલીના નાથ–સ્વામી; તીર્થકર. जिन-सामान्य केवलांके नाथ-स्वामी. तीर्थंकर the lord of the omniscients of the ordinary type; a Tirthankara. प्रव॰ १४, —पडिमा स्त्री॰ (-प्र॰ तिमा) वृष्त, वह भान, यद्रानन अने वारि-સેહ્યુ એ નામથી એાલખાતી શાધની પ્રતિમા वृष्म, वर्धमान, चंद्रानन व वारिसेन इन नामो मबोघित शाश्वती प्रतिमाए eternal idols called by the names Vrisabha. Vardhamān. Chandranana like the statute of Jina राय० १४४: नाया० १६, विशे० ५७ —पर्गा, न० (-यञ्चक) ळुओ ''जिगाः पण्म " शण्ट. देखो " जिण्पण्म " शब्द. vide " जिखापसारा " क॰ म॰ ३, १४; —प्रण्**ग. न० (-पज्रक**) कित नामक्ष्म^९, દેવિદ્ધ અને વૈક્રિયદ્ધિક એ પાચ પ્રકૃતિ-भाता सम्ह जिन नामकर्म, देवद्विक व वैकियद्विक इन पाच प्रकृतियों का सम्रूर् group of the five varie+ Jinanāmakaima, Deva and Vaikiiyadvika. क॰गं॰

-- पराण्त. त्रि॰ (- प्रज्ञस) पीतशी प्ररूपेલ-इढेस. वीतरागने कहा गुणा. propounded by a Tirthankara etc सम १९०, नाया ११; --पारियाय. વું (-पर्याय) કેવલીના પર્યાય, કેવલી का पर्याय: केवली a Kevalī ascetic. भग॰ २०, ६; —पसत्थ त्रि० (-प्रशरत) तीर्थं करे पणाणेस तीर्थं कर द्वारा प्रशंशिन. praised by a Tirthankara, "बहुन् ठाग्रेस् जिख्यसत्थेस् "पगह० २, ५; जीगा० १; —पायमूल न॰ (-पादमूल) તીર્થ-કરના ચરણ કમલની આગલ. तीर्थंकर के चरण कमल के ममीप. near the lotusfeet of a Tirthunkara प्रन १५६६: —पुत्तः पु॰ (-पुत्र) જિનના તીર્ય કરના शिष्य, जिनका -तीर्थंकर का शिष्य ॥ तीत्रciple of a Tirthankara, 77% 3: -प्यद्धि. पुं॰ (-पूनार्थिन) -- त्रिनरंयश पुजामर्थयते य स जिन पुनार्थी) शिक्षाहार्विती પેડ્રે જિનતરીકે પૂજાની મુચ્છા કળ્યનાક, गोशालादिकके समान जिन गगवानदी पुत्रा द्वा इच्छा रखने वाला. one who तहनामुह to be worshipped like a finn; e g Gośālā etc. गमन्द्र नामान्द्र हैं के —पाणीय त्रिः (-प्रमंतः र्वे दिन क्ष्रतः ने ४६ेश्व. जिन गगवान ने इंग्रह्मा क्रिक pounded by, ntreasing a T thankara. " fares farmes जीवा॰ १; -१४२:उट १५० (-== त) जित्न अध्यान प्रमाधिक हिल्ला न 椰蓉. 产吃少年 Staught Line To the Line भेवाः । - जानां है। हैं। المرتبع يزيم المات * To your series

one who poses himself as a Jipa or Tīrthankara; e. g. Gośālā etc. " एवं सो म्राजिएो जिएप्य-लावी विहरह " मग॰ १४, १; -भात्ते र्ह्मा॰ (-भिनत) जिन -तीथ करनी अधित. जिन तीर्थंकरकी मानित. devotion paid to a Tirthankara. जं प ०४. ११४: भत्त॰ ७१; --भात्तराग. पुं॰ (-भक्ति-राग) जिन तीर्थ इरने। लिंडत पूर्व इ थ्यनुराग जिन तीर्थंकर का भक्ति पूर्वक श्रनुराग. pious or devotional love for a Tirthankara. " जिए भारे रागेणं " राय॰ —भासिश्चः त्रि॰ (-सा-पित) जिने-तीर्थं इरे लाणेशुं. जिन-तीर्थं-कर द्वारा कहा हुआ. described by a Jina Tirthankara. " स्पेह जिए भाक्षियं " गच्छा० ३३; -- मय. न० (-मत) श्रीतीर्थ કરના માર્ગ ; જૈન દર્શન. श्री तीर्थंकरका मार्ग; जैन-दर्शन the path, creed shown by Śrī Tirthankara विशे० ७२; गच्छा० २७; प्रव० १०३; पचा॰ ३, ३२, -- मयद्वियः त्रि॰ (-मतः स्थित) र्रेन दर्शनभां स्थिर थ्येत. सर्वज के न्नागम में स्थिर. steadied in, having deep faith in the scriptures of the Tirthankaras or omniscients"विसेसम्रो जिएमय द्वियाणं"जीवा॰=; —मयनिऊण. त्रि॰ (-मतानिप्रण्) कैन-भतभां प्रवीश् थयेत. जैन ज्यागम में प्रवीण वना हुन्ना. well-versed or proficient in the Jaina scriptures or religion. दस॰ ६, ३, १४; —मुद्दा. ब्री॰ (-मुद्रा) भे पग वस्ये यार आंगवन અંતર રાખી સરખા ઉસા રહીને કાઉસગા **५२वे। ते. दे पैरों के मध्यमे चार श्रं**गुल का श्रेतर रखकर काउमेरी करना.

standing bodily posture, at the time of meditaton, in which the two feet are kept at an angle of 45 degrees. 'पायाणं-उस्सग्गो पुसा पुरा होइ जिस्मुद्दा" प्रव॰ ७१; ७६; -वस. पुं॰ (-वंश) लिनने। परिवार. जिन का परिवार. a family of a Jina, "वंसाणं जिणवंसी" संधा॰ --- वयगा. न॰ (--वदन) जिन-तीर्थ हरतुं भूभ, जिन- तीर्थंकर का मुख. the face of a Tirthankara. wigo —वयणः न॰ (-वचन) तीथ^९ ४२नां वयन, तीर्धकर के बचन, words of a Tīrthankara. पंचा॰ १. २; नाया॰ १२; ३; ५१; —वयरारतः त्रि॰ (-वचनरक्क) लिनवयनमां अनुरक्त-रागी. जिनवचन में अनुरक्त-रागी. (one) who is a lover of the words of a Jina or Tirthankara. दम॰ ६, ४, ३, ३; —वयग्रसुः स्री॰ (-वचनश्रुति) लिनवयननुं श्रवणुः. जिनवचन का श्रवण. hearing or listening to the words of a Jina i. e. scriptures. 'बिण्वयण सुइ जए दुव्रहा' ठा० ६; —वर. पुं॰ Tirthankara, नाया॰ २: भग॰ ३३; श्राव० २, ५; प्रव० ४७६; पंचा० १०, २; —बसह. पुं॰ (-बृषम) थिन સામાન્ય કેવલીએામાં વૃષભ-શ્રેષ્ઠ जिनthe मामान्य केवतियोंम चपम-श्रेष्ठ. best of Kevalis i e. omniscients. 'ग्रस्संजलं जिणवसंह' सम॰ प॰ २४०; —वार्गीः ह्री॰ (-वार्गी) तीय -કરની વાણી तीर्थकर की वाणी. speech of a Tīrthankara. जं॰ प॰

--वार. पुं॰ (-वार) महावीर सगवान् महावीर भगवान, the lord Mahavira भत्त॰ १७१; —संकास पुं॰ (-सङ्काश) सर्प रा करेवा; किनतुस्य सर्वज्ञजैसा; जिन-तत्व. one who is like or similar to an omniscient i e. a Tirthankara etc. 'अजिणाणं जिणसंकासाण' ठा० ४,४; ३, २; कप० ६, १६४; -संथव. पुं॰ (-संस्तव) शिन स्तुति जिनस्तुति. praise in honour of Tirthankara, इस॰ ६३; --सकहा. स्री० (-सिकथ) जिन ભगवाननी हाढ जिनभगवान की डाड. the molar of a Tirthankara. भग० १०. प्रः जं० प० ४. हहः —सद्द पुं॰ (-शब्द) જिन पथन. जिन वचन. words of a Jina भग० १४, १; --सासगा न० (-शासन) र्णेन दर्शनः कैन धर्भः जैन दर्शनः जैनवर्म Jainism 'णि∓वता जिल्सासले' उत्त∘ १८, १६. दस० ८, २४, स्य० १, ३. ४, ६, भत्त० २; ६४, प्रव॰ १४६: —सासग्परंमुह. त्रि॰ (-शासन परांद्रमुख) कैन शासनथी विभुभ जैन शामन से विमुख. opposed to or averse to the tenets of Jainism "जण सासण परंमुहा" सूय० १. ३, ४, ६, —सीस. पु॰ (-शिष्य) जिनना शिष्य, गण्धराहि जिनके शिष्य; गणवसादि a disciple of a Jina, a Ganadhara etc. " जिण्सीसाण चेत्र " सम॰ —हर न॰ (-गृह) देव भंदर देव मदार ध temple. विशेष ३४०४:

जिंग्रंत त्रि॰ (जयत्) परियदने જીननार. परिपद को जीतने वाला. (One) who bears afflictions (Parisahas) without feeling mentally troubled are v. 20:

जिसदत्तः पुं॰ (जिनदत्त) यंपा नगरी निवासी स्थेष्ट सार्थवाद नुं नाम. चंपा नगरी निवासी एक सार्थवाद का नाम. Name of a merchant, a resident of the city Champā नाया॰ १६; —पुत्तः पुं॰ (—पुत्र) यंपानगरीना जिनदत्त सार्थवाद का पुत्रः क्षेपानगरी के जिनदत्त सार्थवाद का पुत्रः the son of the merchant Jinadatta of the city of Champā. नाया॰ १, ३;

जिएपालय. पुं॰ (जिनपालक) अ नामने। ओक्ट साथ वाद पुत्र इस नामका एक साथैवाह पुत्र Name of a merchant's son. नाया॰ ९;

जिसादिखय पुं॰ (जिन(चित) शिनरक्षित નામે સાર્થ વાહ: ચ પા નગરીના માક દી શેઠના પુત્ર કે જેતે સમદની ખારમી વાર મુસાકરી કરતાં તાેકાન નડયાે હતાે. વ્હાસ ભાગ્યા અને २४७॥ देवीना हासामा इसाया जिन रित्तन सार्ववाह, चा। नगरी के मार्केंदा शेठ का प्रत्र कि जिसको बारहवीं बार मुसाफरी करते समय तुफान ने हैरान किया था श्रीर रप्रणा देवी के फन्दे में फपा. Name of a Jaina layman who was trading merchant His father was Mākandī by name. He (Junaraksita) in his twelfth sea-voyage was troubled by a storm His vessels were wrecked and was caught in the trap of the goddess Rayanā. नाया॰ ६;

जिगापालियः पुं॰ (जिनपालित) यंभा नगरीने। रहेनासी भाइन्ही-सार्थावाहने। (२) इपट; भाषा. कपट; माया. fraud; deceit. सम॰ ५२;

जिम्म श्र. पुं॰ (जिह्मक) लिन्छ नाभने। भेध;
ओ वरसे त्यारे आये ओड वरस त्रेष्ट याले.
जिम्ह नामक मेघ. Name of a particular description of rain ठा०४,४;
जिम्ह. त्रि॰ (जिह्म) क्युओ। "जिम्म"
शण्ट. देखो " जिम्म" शब्द. Vide
" जिम्म" जं॰ प॰

जिम्हय पुं॰ (जिह्मक) ळाओ। " जिम्मय " शण्ह देखे। " जिम्मय " शब्द. Vide " जिम्मय " ठा० ४, ४;

जिय-म्र. न॰ (जित) लित; लथ. जीत; जय. Victory; conquest. स्य॰ १, १, ४, १; (२) त्रि॰ छतेत्र; वश हरेस; રાગદ્વેષથી છતાયેલ. जीता हुत्या; जिसने राग हेप वश किये हैं वह. conquerd; subdued (passion and hatred). स्य॰ १, १, ४, १; उत्त॰ ५, १६; ६, ३६; नाया०१, ३; भग० ६,३३;४२, १; पिं०नि० ८०;पंचा० १७,५२,स्रोव० १६,ठा०५,२;दस० म,४६;ज०प०३,६७; (३) त्रि॰ क्रस्टी भासी शध्य तेवु; क्रस्टी त्र्यायडे तेवुं तुरन्त बोला जासके ऐसा; तुरन्त सीखा जाय ऐसा. capable of being easily learnt or mastered reproduced विशे = = ११; (૪) ઉં∘ છત આચાર – વ્યવહાર. जीत - श्राचार - न्यवहार. conduct; usago. नाया॰ मः - इंदियः त्रि॰ (-हान्द्रिय) लितेन्द्रियः, धन्द्रियाने वश **४२-११२. जितेन्द्रिय; इन्ट्रियों** को वश में करने वाला. (one) who has conquered or subdued his senses; selfrestrained. भग॰ २, ५, —कसाय त्रि॰ (-कपाय) द्वे।धादि કपायने গুননাर. फोधादि कपाय को जीतने वाला (one)

who has subdued evil passions such as anger etc. " तिलोग पुज्ते जियो जियकसाए " पंचा० १०, १६; प्रव० १००१; -कोह नि० (-क्रोध) है।धने अतनार. कोष को जीतने वाला. (one) who has subdued anger. भग॰ २, ५; नाया० १; — शिह्न. त्रि० (-निद्न — जिता निदा येन स जितानेद्वः) निधाने छत नारः अध्रभादी, निद्रा -ग्रालस्य को जीतने वाला; व्यप्रमादी. (one) who has acquired mastery over sleep i. e. idleness; (one) who is not lazy or idle. नाया॰ १; भग॰ २, ५; · —परिसम्मः त्रि॰ (-परिमम) परिश्रभने ि तनार. परिश्रम-थकावट रहित. (one) who has conquered fatigue i. e. does not feel fatigued. नायाः १; ऋषः ४, ६१; —परीसहः ात्रि॰ (-पारिपह) परिषढ्-४४-<u>६</u>:भने अतनार. परिषह-कष्ट-दु.ख को जीतने वाला. (one) who has acquired victory over affliction i. e. does feel troubled by them, नाया॰ १; भग॰ २, ५; गच्छा॰ ५२; -भय. त्रि॰ (-भय) स्थने छतनार. भय को जीतने वाला. (one) who has triumphed over fear; fearless. " जिय सयांग " श्राव॰ ६, ११; कष्प॰ २, १५; —मागा. त्रि॰ (-मान) માન-અહંકારને છત્યાે છે જેણે એવા. मान, जिसने ऋहंकार को जीता है वह. (one) who has triumphed over pride or self-conceit i. e. never feels proud. नाया॰ १; भग॰ २, १; —मायः त्रि॰ (-माय) भाषाने छतनार माया को जीतने वाला. (one) who has tri-

umphed over deceit i. e. never practises it. नाया॰ १; भग॰ २, ५; —राग. त्रि॰ (-राग) रागने छतनार. राग को जीतने वाला. (one) who has triumphed over passion or attachment i. e. does not feel it. सम् प० २४०: प्रव० ६८२: —रागदोस. त्रि॰ (-रागद्वेष) रागद्वेषने છतनार, रागद्वेषका जीतने वाला. (one who has subdued love passion and hatred, 'जियोहि जिय-रागदोसोहिं' पंचा • १, ३६; प्रव० ११८; —लोभ ति॰ (-लोभ) दीलने छतनार. लोभ को जीतनेवाला. (one) who has subdued greed or avarice. भग० २, ५; — लोय. त्रि॰ (- लोक) स सार ने छतनार, संसार को जीतनेवाला. (one) who has triumphed over the world i. e. worldly exis ence; (one) not fettered by the bonds of worldly existence मु॰ च॰ १, २३४, —लोह. त्रि॰ (- लोम) दीलाने छतनार. लोम को जीतनेवाला. (one) who has conquered greed or avarice i e. subdued it. नायाः भः — विग्ध त्रिः (-विघ्न) वि^{ध्}न-अंतरायने छतनार विध्नों को जीतनेवाला (one) who has triumphed over or who triumphs over obstacles. नाया॰ १; जियंतग. पुं॰ (जीवान्तक) એ नामनी એક પ્રકારની વનસ્પતિ. इस नामकी एक प्रकार की वनस्पति. Name of a kind of vegetation, भग० २, ७, जियंतयः न॰ (जोवान्तक) क्षीक्षी वनस्पतिनी એક જાત. हरी वनस्पति की एक जाति. A kind of green vegetation.
্বৰ- ৭;

जियंती स्री॰ (जीवन्ती) એક જાતની वेस. एक जाति की जता. A kind of creeper. पन्न॰ १;

जियवंत. त्रि॰ (जितवत्) ०४४ भेसवेस. विजय-प्राप्त; जिसने जय पाया है वह. (One) who has acquired victory. पराह॰ १, १;

जियसन्तु. पुं॰ (जितशत्रु) शत्रुने छतनार. शत्रु को जीतनेवाला. A conqueror of enemies. परह॰ २, ४; (२) अिंदिनाथ स्वाभिना पितान नाभ. श्राजेत-नाथ स्वामी के पिता का नाम. name of father of Ajitanātha Swāmī सम॰ प॰ २२६; प्रव॰ ३२३; (३) वाखिल्त्य गामना राज्न. वाखिड्य गाव का राजा. name of a king of Vānijy city 'तत्थर्णं वायणिग्गामे जियसत्तराया' उवा० १, ३; (४) २। ५। नगरीने। राजा, चंपानगरी का राजा, name of a king of the city of Champā 'चंपानाम नयरी होतथा, पुणभद्दे चेद्द्ण जियसत्तूराया' उवा॰ २, ६२; श्राव॰ टी॰ नाया॰ १२; १४; (५.) उक्क थिनी नगरी ने। राज्य, उज्जयनी नगरी का राजा. name of a king of the city of Ujjain उत्त री॰ २; (६) सर्व तालद्र नगरना राज्यनु नाम. सर्वतोमद्र नगर् के राजा का नाम. name of a king of the city of Sarvatobhadra 'सन्वश्रो भंद खयरे जियसत्त गामंरायाहात्या' विवा ० ५; (७) भिथिला नगरीने। राज्य. मिथिला नगरी का राजा. name of a king of the city of Mithila. सू॰ प॰ १; जं॰ प॰१, १; (६)

પાચાલ દેશના રાજા કે જેણે મલ્લીનાથની साथे हीक्षा बीधी हती. पांचालदेश का राजा कि जिसने मर्लानाथ के साथ दीचा ली थी name of a king of the country of Pānchāla. He had taken Dīkṣā along Mallinātha. नाया॰ ६; ठा० ७, १; उवा॰ ६, १६३; (१) आभक्ष५६५। नगरीने। राज्य. श्रामलकल्पा नगरी का राजा. name of a king of the city of Amalakalpā. नाया॰ ध॰ (९०) सावधी नगरीने। राष्प. सावधीं नगरी का राजा. name of a king of the Savarthī city. उवा॰ ६, २६७, २७२; नाया॰ घ॰ (११) વાણારસી નગરીના રાજા वाणारसी नगरी का राजा name of a king of Vānārasī city. उवा० ३, ૧३૬; ૪, ૧૪५, (૧૨) અલભિયા નગરીના श्रालीभया नगरी का name of a king of the city of Alabhiyā ভবাত ৬, ৭৮৮; (৭২) भे।क्षासपुर नगरने। राज्यः पोलासपुर नगर का राजा. name of a king of the eity of Polasapura. ভবাত ৬, ৭=0; -रायरिसिः पुं॰ (-राजर्षि) जितशत्रु राजिष. जितशतु राजिष. the Rajarsi (a royal saint) named Jitaśatru. नाया०१२; -राय पु० (-राज) िलतशत्रु राजा. नितशत्रु राजा. king Jitasatıu. नाया॰ १२:

जियसेण. पुं॰ (जितसेण) भरत क्षेत्रना त्रीका કुલકरनुं नाम. भरत चेत्र के तीसरे कुलकर का नाम.Name of the third Kulakara of Bharat Kṣetra. सम॰ प॰ २२६;

जियारि. पुं॰ (जितारि) त्रील तीर्थं इर संसव

नाथना पिता. तीसरे ताथ कर संभवनाथ के पिता. The father of the 3rd Tirthankara Sambhavanātha. "सनाण जियारि तरायस्स" सम॰ प॰ २२६; प्रव॰ २२३;

जीमूश-य पुं॰ (जीमूत) छभूत नामने।
भेध हे के ओहवार वरसे ते। इस वरस सुधि
पृथ्वीमां तेने। त्रेढ रहे. जीमूत नामक मेघ
कि जो एक बार बरस जाय तो दस वर्ष तक
पृथ्वी में उसका गीलापन रहे. Name of
a particular cloud which keeps
the soil wet for ten years as
a result of one downpour only.

ঠা০ ४,४;

जिस्त. पुं॰ (जीम्त) लुओ। ઉपदी। शण्टः देखो जगरका शब्दः Vide above उत्त॰ ३४, ४, जीवा॰ ३, ४; राय॰४०; पन्न॰१७; जीय. पुं॰ (जीव) छ्यः जीवः Soul; a living being भत्त॰ १०३; जीवा॰ १; (२) छ्यनः छन्ह्गी. जीवनः life. सु॰च॰ ३,२४३; पग्ह॰१,१:—ग्रह ति॰ (-अर्थ) लियितने अर्थे जीवन के लिये; जीवित के ग्रथं for the sake of life. सु॰ च॰ ४, २८७.

जीय-न्ना. न॰ (जीत) पर पराथी याध्ये। स्थापते। व्यवहार. वंशपरंपरा से प्रचितित व्यवहार. Traditional usage or convention. न्नाया॰ २, १५, १७६; वव॰ १०, ३; जं॰ प॰ ३, ४५; भग॰ ६, ६, प्रव॰ ८६१; (२) ६२००; ५० व्यवहार. duty; that which ought to be done. जं॰ प॰ ५, ११४; (३) भूत श्रुत. a scripture. नंदी॰ (४) भर्याहा. मर्यादा. limit. नंदी॰ २६;

जीयकप्प. વું॰ (ज़ीतकल्प) પૂર્વાચાર્યાની પર પરાથી ચાલ્યા આવતા આચાર. पूर्वाचार्यो की परंपरा से प्रचित श्राचार. Practice or usage handed down from one generation to another. पंचा ६, ३७.

जीयकिष्पन्न. त्रि॰ (जीतकिष्टिक) छत्रक्ष-दिपक-पर परानुसारी व्याचारवासी. जीत किष्यक-परंपरानुसारी घाचार वाला. One following the usage according to one's predecessors. ठा॰ १०, कप्प॰ ५, १०४:

जीवधर. पुं॰ (जीतधर) स्ने नामना आर्थ गात्रभां थयेक आयार्थ; शाष्ट्रिक्षना शिष्य. इस नाम के आर्य गोत्रोत्पन्न आचार्य; शाचिडल्य के शिष्य name of a preceptor born in an Arya family and a disciple of Sandilya "संदिश्चं अजजीयधर" नदीं।

जीरयः न० (जीरक) ७२. जीरा cumin
898तः प्रव०१४२=: (२) ओड जातनी यन२५ित एक प्रकार की वनस्पति a kind of

vegetation. भग० २१,=: —वज्र न०
(-वज्रक्) ७२।-वनस्पति विशेषने। ड्यरे।
पाद्या वगेरेने। दग्रे।. जीरा-वनस्पति विशेष

का कृडा-पत्ति इत्यादि का देर refuse of

the Jiraki vegetation (cumin

-seed) निसी० ३, =०,

जीरुयः पुं॰ (जीरुक) એક જાતની વનસ્પતિ. एक प्रकार की वनस्पति .A. kind of vegetation. भग॰ २३; १;

√ जीव. था॰ I. (जीव्) छ्ववुं, आण् धारण् ६२वा जीनः; प्राण् धारण् करना To live, to breathe, to have hfe जीव ति भग॰ २, १; ६, १०; उत्त॰ ७,३, जीवामो. उत्त॰ ६, १४;

जीविस्मामो. श्राया॰ १, ६, ४, १८८;

जीविउं हे॰ कृ॰ दस. ६, ११; जीवंत. राय० २४३: विवा० ४. जीव. पुं॰ (जीव) आत्मा यैतन्य, छवतत्य; નવતત્વામાંનુ પ્રથમ તત્વ; છ દ્રવ્યમાંનું એક ८०थ. श्रात्मा, चैतन्य; जीवतत्व; नवतत्वो मे से प्रथम तत्व, छ द्रव्य में का एक द्रव्य. Soul: consciousness; the first of the nine categories; one of the six substances. হল ০২,২৩; २=, १४, ३६, १, ६५, श्रोव॰ १७, ३४; ४०, नाया० १: १, ६; म, १; १०; ११, १६; १७, भग० १, १; २, १; २; ५; ३,३; ५, ६; ६, ४; १०; ७, १०, ५, २; १०; १७, २, २०, २; २६, १; पत्र० १, ३; ३६; दस॰ ८, २; पिं० नि० ६३४; राय० २२४; श्रगुजो॰ ६; दसा॰ १०, ७; सू॰ प॰ १६; विशे० ५४२; २१४६, ३५०८; जीवा० ३, १; उवा॰ १, ४४; (२) १९५५ जीवन. life. सम॰ १; श्रोव॰ जं॰ प॰ २, ३१; क॰ गं० १, ४७, ५३, भत्त० ६१; प्रव० २३; पंचा॰ २, ६; क॰ प॰ १, २६; गच्छा॰ ७६; — ऋसुकंपा श्री॰ (-য়नुकम्पा) গুণনী દયા; જીવની રક્ષા કરવાની લાગણી. जीव-दया; जीवों की रक्ता करने की शक्ति. kindness to living beings; compassion for living beings. नाया॰ १, भग० ७, ६; — श्रायासासन. न० (- श्रनुशासन) छवनी-शिक्षा - सभक्र. जीव के संवय में शिचा (समना). ७ १. planation, exposition of the nature of the soul. (ર) એ નામને એક अन्थ. इस नाम का एक प्रन्थ. name of a book जीवा॰ १, —(चा) श्रमिगम. पुं॰ (-श्रभिगम) छवनी समल, छवतुं लखवं. जीव की समक. ર; (ર) રદ ઉત્કાલિક સૂત્રમાંનું જીવાભિ गभ नाभत सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे जीवाभिगम नाम का सूत्र. name of one of the 29 Utkālika Sūtras, जं॰ प॰ ५, ११=; " सेकिते जीवाभिगमें? जीवा-भिगमे दुविहे परणते ' जीवा॰ १; भग॰ ع, ع; ك; د; ع, ع: د; لا, د; ٩٥, ك; १६, ६; २४, ४; नंदी० ४३; — आरं-भित्रा न्ना॰ (-म्रारम्भिको) छवना આરમ્ભથી કર્મ બધાય તેઃ ક્રિયાના એક प्रशर, जीव के आरंभ से कर्ती का बंधन होता है वह; कियाका एक प्रकार. Karma incurred by killing or injuring a living being. "तंजहा जीवआरंभिया चेव श्रजीव श्रारांभिया चेव ''ठा० २. १: —उद्धरण न॰ (-उद्धरण) भंत्र शास्त्रने। એક પ્રકાर मन्त्र शास्त्र का एक प्रकार. a varietyof Mantra Śāstra. 310 8: -काय. पुं॰ -काय - जीवनं जीवो ज्ञाना ऽऽचपयोगस्तनप्रधानः कायो जीवकायः) গ্ৰবধীঃ; গ্ৰবংধি৷ জীৰ লীক; জীৰ राशी. the aggregate of lives or living beings; the world of living beings. सूय > २, १, २३; भग० ७, १०; त्राव॰ ४, ७; —िकिरियाः स्त्रां॰ (–िक-या) छवते। व्यापार, जीव का व्यापार an operation or activity of a living being. "जानकिरिया दानेहा पन्नता' ठा॰२,१;--रगाह. त्रि॰ (-प्राह) छवताने अदुध् ४२नार. जीवित को प्रहरा करनेवाला. (one) who takes or catches alive. " जीवगाहं गिएएंति " नाया॰ १; २; विवा॰ ३: — घरा. पुं॰ (-धन) જીવધન-અસંખ્યાત પ્રદેશના ાર્પેકરુપ जीव्यन-श्रशंख्यात प्रदेश के पिडहरा, an aggregate of innumerable soul-

particles. " श्रह्मवियो जीव्यया " उत्त॰ ३६, ६४; भग॰ ४, ६; — छङ्ग. न॰ (-पटक) भृध्वीशय आहि ७ प्रशरता **्रवे। वे।** पृथ्वीकाय श्रादि द्वः प्रशार के जीवों का समृह. a group of six living beings viz. earth, bodies etc, प्रव॰ ६=६; —जोग. पुं॰ (-योग) જીવના વ્યાપાર; (કેવલી સમુદ્રધાત) जोवों का व्यापार: (केवली समुद्वात). operation or activity of the soul; (Kevalī Samudghāta). विशे०३६३; —हारा. न॰ (-स्थान) छवस्थान-गुशु-સ्थान. जीवस्थान-गुएस्थान. life stage; spiritual stage. इ॰ गं॰ ६, ४; —्णास. पुं॰ (-नाश) छत्युः छवनने। नाश. मृत्यु; जीवन का नाश. death; distruction of life. " कि जीवनासाउ परं न कुजा'' दस॰ ६, १; ५; — णिकायः पुं॰ (-निकाय --जोवानां निकाया राशिजीविनि-कायः) छवराशी. जीवराशि. an aggregate of living beings. ছ जिवनी काया पत्तता । ठा० ६; २, ५; — गिजाणमग्ग. पुं॰ (-निर्याणमार्ग --जीवस्य निर्याणं मरणकाले शरीरिणः शरी-राज्ञिगेमः शरीरनिगेमः तस्य मागो जोव-निर्याणमांगः) छव निक्षवाने। अर्गः जीव का निक्लेन का मार्ग. the path or way by which the soul goes out of the body. ठा॰ ४, ३; —िए ब्वात्तिः स्ना॰ (-निर्वृत्ति-निर्वर्तनं निर्वृत्तिः निष्पत्तिः जीवस्यैकेन्द्रियाऽऽदितया निर्वृत्ति-र्जीवनिर्वृत्तिः) છવની એકેન્દ્રિય આંદરપે निर्वृत्ति-निष्पत्ति जीवको एकेंद्रिय श्रादि रूपमें निर्शत्ति-निष्पत्ति. functioning of the soul as one-sensed etc. ''कइ विहा-णं भंते जीवािणव्यत्ती" भग०१६,८; —िण-

स्सिय त्रि॰ (-निधित) छन्ने आश्रितः जीव के आश्रित. depending upon, associated with the soul. 210 0: —श्विास्तयः त्रि॰ (-निःसृत-जीवेम्यो नि सृतो निर्गतो जीवनिःसृतः) ७५४ी नीश्लेश, जीवसे निकला हुआ; जिवसे उत्पन्नissued out of a soul or a living being. ठा॰ ७, —तत्त. न० (-तत्त्व) છवतत्व, येतन पहार्थ. जीवतत्व, चेतन पदार्थ. the soul regarded as an element. प्रवः १२११; —हिथकायः पुं (-म्रस्ति-काय) यैत-य-अपयेश्य सक्ष्याणुं; ७ ६०य-भांनुं એક ५०५. चैतन्य-उपयोग लच्चणवालाः छ द्रव्य में से एक द्रव्य. one of the six substances having consciousness for its connotation. " जीवाधिकाएणं भते । जीवाणं कि पवत्तह" भग० १३,४;२, १०,७,१•;२०,२; सम०५; त्रयुजो०६७, १३१; --दय पुं० (-दद) स यमरूपी अवना हाता संयम रूपी जीवके दाता the giver of a life in the form of self restraint. 75903.94: श्राव०६,११; --द्य. त्रि० (-द्य - जीवेपु दया यस्य जीवदय) छवर्या पासनारः ध्याञ्च. जीवदया पालनेवालाः दयालु. One who is kind to living beings. सम॰ १; ज॰ प॰ ४, ११४; —दया स्त्री॰ (-दया) छवनी हया. जीव-दया. compassion towards living beings भत्त॰ ६३; १०४; —दृब्व. न॰ (-दृब्व) १९ वहरूपः ७ ६०५मानु यो ३. जीवद्रव्य छः द्रव्य में से एक. soul; the element known as soul भग॰ ११,१०;१=, ४; २५, २, -दिद्विया स्री०(-हाप्टेका) छवते જોવા જતાં રાગદ્વેષાદિ કરવાથી લાગતી ફ્રિયા. जींत को देखने में राग द्वेपादि करने में जी किया लगती है वह. Karma incuried by love or hatred arising in the mind in the act of seeing a living being. 300 2, १; -देस. पं॰ (-देश) छवने। देश-अं ५ विसाग, जीव का देश-एक विभाग a portion of the soul. भग०१०,१,१६६, २०, २; क० प० १, २१, —नास पु० (-नाश) छवननी नाश जीवन का नाश. death: destruction of life दस॰ ह. १, ४: --निव्यत्ति. श्री० (-निर्वृत्ति) જીવનની નિર્વૃત્તિ–નિષ્પત્તિ; એકેન્દ્રિયાદિરૂપે ઉत्पत्तिः जीवनकी निर्वृत्ति-निष्यत्तिः एकेन्द्रि-याहि रूपसे उत्पत्ति, birth of the soul in the form of one-sensed etc. living baings. भग॰ १६, 🖘 —पइ-द्विय त्रि॰ (-प्रतिष्टिन) छ । नी अ १२ रहेक जीव के भीतर रहा हुया. residing in a living being " अजीवा जावपङ्द्विया " भग० १, ६, निसी० ७,२१; -प्रम पुं० (-प्रदेश) छवना प्रहेश, अविलाज्य अंश. जीव का प्रदेश-प्रविमाज्य श्रश. an indivisible particle of the soul. भग॰ २, १०, =, ३; ---पत्-सिय. पु॰ (-प्रदेशिक-जीव प्रदेशाएव जीव प्रादेशिकाः) छवना असं भ्यात प्रदेशमां છેલ્લા પ્રદેશમાજ છવ માનનાર તિષ્યગ્રપ્ત આચાર્ય ના અનુયાયી जीवके श्रसंख्यात प्रदेशमे से श्रन्तिम प्रदेशमें ही जीव माननेवाले तिप्य-गुप्त आचार्य का अनुयायी. a follower of the preceptor Tisyagupta who believed that of the innumerable particles of the soul only the last had life or conscious-11099 in it ठा००;त्रोव०४१;-एस्रोग-त्रंध पुं॰(-प्रयोगबन्ध) छवता प्रयेश-२४१-

पारथी थते। जन्ध जीवके प्रयोग-व्यापार मे होता हुआ बंध. bondage caused by activities of the soul. भग० २०, ७: —पञ्चकखाराकिरियाः र्खा॰ (-प्रत्याख्यानिकया) छव **५२**तवे ५२-थ-भारा न क्ष्याथी थती क्रिया जीवके संबंध में प्रत्याख्यान न करने से जो किया लगती है वह. Karma incurred by neglecting Pachchkhāņa relating to living beings তা০২,৭; — पञ्चव. पुं॰ (-पर्यव) छवना पर्याय, जीवके पर्याय, any of the modifications of the soul. भग० २४, ४: —परारावसा. स्री॰ (-प्रज्ञापना---जीवानां प्रज्ञापना जीवप्रज्ञा-पना) छवनी अरूपणाः जीवकी प्रस्पणाः exposition of the nature of living beings or souls. "से किंतं जीवपग्णवणा'' पन्न०१;-पद्- न० (-पद्) छवतुं पह-स्थान जीवका पद-स्थान condition or, stage of a living being. भग० १८, १; २४, १; २६, १; — पदेस पुं॰ (-मदेश) छवना प्रदेश जीव-प्रदेश. an indivisible particle of a soul.भग॰ २४, ४, —पारिएाम. पुं॰ (-परिएाम) જીવના પરિણામ. जीवके परिणाम modification, development of the soul भग० ६, ५, १४, ४; जं० प० ७, १७६; —पाउ-स्रो-सिया ह्यो॰ (– प्राद्वेषिकी) કાઇપણ છात्र ওিদ্ তথৈ **કરવા**थी લાગતી क्षिया कोई मी जीव से द्वेप करने से जो किया लगती है वह. Karma incurred by showing hatred towards and living being. भग॰ ३, ३; ठा० २, १, -पाइचिया स्त्री॰ (-प्रातीतिका-जीवं प्रतीत्य यः कर्मवन्धः सा तथा) છવને આશ્રી લાગર્ની ક્રિયા.

जीव के मंबंधमें जो किया लगती है वह. Karma incurred in connection with a living being or a soul সত २.१;--- एपएस.पुं०(-प्रदेश) छवने। प्रदेश-भंश. जीव-प्रदेश जीव का श्रंग. a portion, a particle of the soulsubstance. भग॰ =, ६; १०, १; -- एपदेश. पुं॰ (-प्रदेश) छवते। प्रदेश-अंश. जीव का प्रदेश-श्रंश. n portion, a particle of the soul-substance भग० १६, ६: —प्पायहुत्त. न० (-श्रल्प-बहुत्व) छवानुं अक्षायहुत्य. जीवों का श्रत्याबहुत्व. scantiness or the profusion of life. क॰ प॰ १, त्रि॰ (-स्पृष्ट) छवे ४१; --फुड जीवने स्पर्श किया કરેલ. हुन्ना. touched by, in contact with a soul or living being তা॰ ४, ३; —**भाव. पुं॰ (-भाव**) છવ. પણું. जीवत्वः, जीवपना. ntate of being a living being. " परक्कमे श्राय-भावेणं जीवभाव उवदंसेह " भग० २, १०; १=, १: —भावकरण. न॰ (-भावकरण) **છ**त्र पर्थायनुं क्षरत्तुं ते जीव पर्यायका करना. soul. the modification of विशे॰ ३३४४: —मज्सद्यएस (-मध्यप्रदेश) છવન। મધ્યપ્રદેશ. जीव का मध्यप्रदेश. the middle portion of the particles of the soul. भग॰ ८,६; —मिस्सिया. स्रो॰(-मिश्रिता) સત્યામૃષા ભાષાના એક પ્રકાર; જયા ચાૈડા મરાંગયા હેાય અને થાેડા જીવતા હાેય ત્યાં ળધા મરીગયા છે એમ કહેવું તે. सत्या मृषा भाषा का एक प्रकार; जहां थोडे मर गये हों व थोडे जीवित हों वहां सव मर गये है ऐसा कहना. a variety of speech

partly true and partly false declaring that all are dead when some are yet alive पन्न०१; -रासि. पुं॰ (-राशि) छवने। सभूढ़-अधी जीवों का समृह a group of a collection of living beings. सम० २; भ्राव० ७, १; -लोय पुं० (- लोक) छव क्षेत्रः, संसार, जीव-लोकः, ससार. the world of living beings. नाया० १; कप्प० ४, ६०; क० प० ३, ४४; ज० प० ३, ६१; — वह. पुं० (-वध) ७१नी वर्ष धात, जीवों का वध-घात. slaughter of animals भत्त॰ ६३: —वाचार. पुं॰ (-ब्यापार) छवने। ०या पार-िक्षया. जीवों का **ब्यापार** किया. any of the functions or processes of the soul or principle of life. विशं ० ३६३; — विजय. पुं ० (-विचय) छपना स्वरूपन चिंतन करत ते जीव के स्वरूप का चितवन करना meditation upon the nature of the soul सम॰ ३: -- त्रिष्पज्ञ हं. त्रि॰ (-त्रि-प्रहीन) પ્रासुक्त, છવ रહीत. जीव रहित, प्रामुक deprvied of life, faultless " देवदिरागस्स दारगस्स सरीरं शिष्पागं णिचिंह जीवविष्पजढं कृत्रए पत्रखतेति " नाया ० २; १६; १=; निर० १, १; --वि-भात्ति स्त्री॰ (-विभिनत) छत्रनी विलिस्ति-વિસાગ, જીવનુ પૃથક્કરણ વિવેચન. જાંવ की विभिक्त-विभाग, जीव का प्रथहरण-विवेचन. discu-sion upon, exposition of the nature of the soul. उत्त : ३६, ४७; - विवागा स्रं। ॰ (-वि-पाका--जीव एव विपाकः स्वराक्तिदर्शन-लच्छो विद्यते यासां ता जीवविषाका) Vol 11/107

विपाक दिखलाने वाली कर्म प्रकृति Karmic nature which displays its maturity to the soul क॰गं॰- सं-खा. स्ना॰ (-सरवा) छवे।नी संभ्या जीवों की संख्या. a number of living beurgs प्रव॰ ४=; —संखेव. पुं॰ (-सं चेष-जीवानां संज्ञेषा जीवसंज्ञेषाः) अप-ર્યાપ્ત એક દિય આદિ જવતાં સ્થાન કે જયાં છવને સક્ષેપ-સ કાચમાં રહેવું પડે છે श्रपर्याप्त एकेन्द्रिय श्रादि जीव के स्थान कि जहांपर जीव को संचेप-संकुचित स्थितिमे रहना पडता है any of the places in which an undeveloped living being (one) sensed etc has to remain in a contracted condition. क॰ गं॰ ६. —संगहियः त्रि॰ (-संगृहीत — जीवैः संगृहीतः स्वीकृतो जीवसंगृहित) छवथी रवीशरायेल, जीव ने स्वीकृत किया हुआ. accepted by, possessed by a soul or a living being. " श्रजीवा जीव सगिहया " ठा॰ २, १, —साहित्य-या श्री॰ (-स्वाहांस्तका - यत्स्वहस्तेन गृहीतेन जीवं मारयति सा जीवस्वाहास्तका) એક પ્રકારની ક્રિયા: પાતાના હાથથી છવને भारताथी क्षागती क्विया एक प्रकार की किया: अपने हाथ से जीव की मारने से जो किया लगती है वह Kalmaincurred by taking life i. e. killing with one's own hand. 310 3, १: -हिंसा स्रं। (-हिंसा) छन्ती िक्षा. जीव-हिंसा. destruction of life or living beings भत्त॰ ६३: -हिय न०(-हित) छत्रने हित. जीव का हित. welfare of the life भत्तः हम: গুবন বিধাঃ হর্शাবনাर ১ম সুঠুলি, জীব को । जीवतं त्रि॰ (জीवत्) গুবনা, जावित.

living; existing. विशे ॰ २२५६;
जीवंजीव. पुं॰ (जीवजीव) छनने। आधार
जीवन का श्राधार support of
life; subsistence. श्रागुत्त॰ ३, १;
नाया॰ १; (२) छन्नी शक्ति जीवकी
शक्ति the vital power of the
soul भग॰ २, १; (३) એક ज्ञानं
पक्षी एक जाति का पद्धा ॥ kind of
bird. ज॰ प॰ पत्त॰ १:

जीवंजीवक. पु॰ (जीवजीवक) એક न्नतनुं पक्षी; यहार. एक जातिका पर्चा, चकार. A kind of bird; the Chakora bird. पराह॰ १, १, श्रोव॰

जीयंजीयग. पुं॰ (जिवक्ष वक) शहार पक्षी. चकार पन्नी. The Chakora bird. भग॰ १३, ६; (२) એક जातनी वनस्पति. एक प्रकार की वनस्पति. a kind of vegetation भग॰ २३, ५;

जीवण न॰ (जीवन) छ्यतः प्राण् धार-ण् जीवनः प्राण धारण. Life; living. उत्त॰ १२, १०;

जीविश् ज्ञि (जीवनीय) छत्रवा थे। भ जीने के योग्य Worthy to live; fit to live. मूग्र० २, २, ५६;

जीवत्त. न॰ (जीवत्व) ७५५७ जीवत्तः; जीव पना. State of being a soul or living being. भग॰२,१;विशे॰४४४;

जीवमुत्तिः स्री॰ (जीवन्मुक्ति) छवता छतां भे।सने। व्यनुभव क्षेत्रे। ते जीतेजी मोत्त का श्रमुमव लेनाः Experiencing of sulvation in this life. पंचा॰ २, ४३:

जीववतः त्रि॰ (जीवितत्रत्) प्राणीः प्राणीः Living; possessed of life. पर्द॰ १, १;

जीवा स्त्री॰ (जीवा-जीवनं जीवा) धनुष्यनी प्रश्चय, हारी. धनुष्य की डोर. A bow-

atring. (२) धनुष्पाद्यार क्षेत्रने। पण्चण्ण्यानीय प्रदेश; लारत व्यादि क्षेत्रना आंणा छेडानी पहे! साम प्रदेश; भरत त्र्यादि चेत्रके लेंब सिरे की चेंद्राई. space between the two ends of a region which is bow shaped; lengthwise space between the two ends of Bharataksetra etc. म्य॰ २, ४, १२; राय॰ २,५७; स्॰ प॰ १: (३) એક णालुधी णील लालु सुधीनी सीष्धी कींटी. एक वगल से दूसरा वगल तक की सीबी रेखालकीर. a straight line from one end to another. मम॰ ६०००;

जीवाजीव पुं॰ (जीवाजीव) গ্রেথ અને અগ্রেথ पदार्थ. जीवाजीव; जीव श्रीर श्रजीव पदार्थ. The categories viz. living and non-living beings. नाया॰ १२, १८, दय॰४,१२; (ગ) ન૰છવ અછવની સમજણ ઉત્તરાધ્યયનનું ૩૬ મું અધ્યયન जीव श्रजीव का समक्त देने वाला उत्तराध्य-यन का ३६ वा भ्रप्ययन, the 36th chapter of Uttaradhyayana explaining (the nature of) living aud non-living beings. उत्त॰ ३६; —ग्राहिगमः पु॰ (-ग्राभगम) ७४ અછવના પરિચ્છેદ –સમજણ जीव ग्रजीव का परिच्छेद समझ. exposition or explanation of (the nature of) living and non-living beings. " से किंतं जीवाजीवाहिगमे " जीवा॰ १; दस॰ ४; —समाउत्त. (-समायुक्त) গুৰ અগুৰ বাৰ্ধ্ৰ, জীৰ श्रजीव वाला possessed of soul or non-soul " जीवाजीव समाउत्ते सुह दुक्ख समार्गणए "सूय १, १,३ ६;

जीवि त्रि॰ (जीविन्) छत्रन वासी; छत्रवा वासी. जीवन वाला; जीनेवाला. living; possessed of life. श्रणुजी॰ १२=; (२) पुं॰ प्राण्धारक; छव. प्राण् धारक; जीव. & soul; a living being. सूय॰ १,३,१,६;

जीविश्र-य न० (जीवित) छवन श्रसयम जीवितब्य; जीवन; श्रसंयम जीवितव्य. Life; livelihood; absence of asceticism. " जीवियं शामिकंखिजा " श्राया॰ 9, 4, 4, 8; 9, 9, 9, 99; 9, 8, 8, १६१; नाया० १, २; ४; १४; १४; १६; १८; दम० ८, ३४; १०, १, १०; भग० ७, १; १४, १; पन्न० १: २२; राय० २१४: श्रोव॰ १४; स्य॰ १, १, १, ५, १, २, १, १; उत्तर ४, १; 🖙, १४; १०, १: ३२, २०; विशेष १३८, वित्राव ६: निरं १, १, उवा० १, ४७, २, १०२; ४, १४७, भत्ताः १३; १०३; काप० ६, ११=; श्रह्म० ४, ३. —श्चंत. पुं॰ (-श्चन्त) જીવનનे। व्यंतः भृत्युः भर्षाः जीव का श्रेतः मृत्युः मर्गाः termination of life: death जं॰ प॰ २, ३१, उत्त॰ २२,१५. — अंतक एस. पुं॰ (-श्रन्तकरण) छ हगीने। अन करवे। ते जानन का श्रंत करना. putting an end to life नागा॰ भ: पणह॰ १, ३; जं० प० ३, ४५; — प्राट्टे. त्रि० (-प्रार्थेन्) ७५५।ती ४२७।त्र क्षेत्र जीते की इच्छा वाला, जीवित रहने की उत्पक desirous of living or continuing to live "जोवा विमं खायइ जीवियद्वि "दस॰ ६, १, ६; — ग्रारिह त्रि॰ (- ग्रई) छवयाने ઉચિત યાગ્ય; અ છવડા ચાલે તેટલું. जीने के याग्य. जोवन निर्वाह के याग्य sufficient to maintain life " वित्रलं जीवि यारिहं पोइदाणं दलइ '' नाया । भग ।

११, ११; राय० २३३; दसा० १०, १; जं० प॰ ३, ४३; — आआ. पुं॰ (- प्रात्मन्) छत्र स्वरूप जीवन स्वहप, nature of life नाया॰ १५; — आउ. न॰ (-श्रायुप्) છ દ[ા] रूप आयुप जीवन रूप श्रायुष्य. the duration of life नाया॰ ४; —স্বারস্ব पुं॰ (-স্বায়ুক্র) গুণন্সঃ व्यायुष्य. जीवनप्रद आयुष्य. duration of life. नायाः =; - आसंसा. स्रीः (-म्राशसा) अववानी आशा. जीने की त्राशा hope of life. उदा०१, ४७; प्रव०२६६; —आसा. स्त्री॰ (-श्राशा) छित्रतव्यती b²-श-आशा जीवितव्य की इच्छा-श्राशा; लोन का पर्याय नाम desire to live long, hope of long life; a synonym of greed सम॰ ४२; भग॰ २, ४. = ७; १२, ४ नाया० १; श्रोव २६; निर• ३, ४, ─उस्सवियः त्रि॰ (-उत्स-विक-जीवितस्योत्सवइव जीविनोत्सव स एव जीवितोत्सविकः) छपवाना छत्साढ यात्रीः जीने के उत्साह नाला. (one) eager to live " जी विश्रोहसविष् " भग॰ ६, ३३, - उस्सासिय त्रि॰ (- उच्छ्वासिक) જીવનને વધારનાર, જીવનની વૃદ્ધિ કરતાર. जीवन बृद्धि करिन बाला. जीवन को दीर्घ बनान बाला. (anything) which prolongs life. नाया • १; - असासिय. ति ॰ (उच्छ्वासिक जीवितमु च्छ्वासयति वर्ध-यतीति जीवितोच्छ्वासः स एव जीवितो-च्छ्रासिकः) छात यधारतारः जीवत को दीर्घ बनाने नाला life, prolonging; giving longevity. भग॰ ६, ३३; -कारण. पु॰ (-कारण) छववाने। **खेतु** जीवन का हेतु motive of remaining alive or maintaining life. दस॰ २, ७; -फल न॰ (-फल) छ य-

ननु ६स जीवन का फल accomplished aim or object of life. नाया॰ द; १३; १९; निर॰ ३, ४; — भावणाः क्षी॰ (-भावना) छ्यतनुं सभाधान करने वाली भावनाः meditation which reconciles one to (his or her) life. स्य॰ १, १४, ४, — वसाणः न॰ (-भ्रवसान) छ्यत-आयुष्यता छेडा जीवन-न्नायुष्य का श्रन्त. the end of life. क॰ प॰ २, ७७;

पृति आजीविका; तृति. Livelihcod; maintenance of life. स्य २, ६. २,नाण० ७, आणुजो० १३१; कष्प०४, ६२; जिवितं. हे० छ० अ० (जीवितं) छत्रवा भारे जीवन के लिये. In order to live or maintain life आया० १, ५, ५, ५०,

जीवित्रा-याः स्री॰ (जीविका) आछवधः;

जीविडकाम. ति॰ (जीवितकाम) छ्ययाती ७०थाती: जीवित रहने को उत्तुक Desnous of continuing to live ''जीविडकामें लालप्यमाण '' आया॰ १, २,३,१६;

जीवित स्र वि॰ (जीवितक) अनुधित्रत ७१ ।; ६४। पात्र कि ६२० स्रतु हाँपेत जीवन, दयापात्र जीवन. Pitiable life, life deserving compassion. उत्त०१०.३;

जीवियरसम. पुं॰ (जीविकरसम) साधारश

लाहर वनस्पतिशयने। क्षेत्र प्रश्वार साधारण बादर वनस्पति काय का एक प्रकार. A variety of ordinary gross vege table life पन्न १:

जीहा स्री॰ (जिहा) छत्त, रसेन्द्रिप जिन्हा, रसेन्द्रिय The tongue, the sense of taste नाया॰ १, ८, ६, भग॰ ११,

११; १४, १; जं प० पन० २; १४; सु० च० ४, २०४; श्रोव० १; श्रागुजो० १२८, उत्त० ३२, ६२, ठा० ४, ४; राय० १६४; जीवा० ३, ३; उवा० २, ६४; १०७; भत्त० १०६, १४६; काप० ३, ३६; गच्छा० १६; —गार. पुं० (-कार) लुओ। " जिन्मागार" शल्द. पंति " जिन्मागार" शल्द. पंति " जिन्मागार" पन्न० १; जीहामयदुक्ख. न० (जिन्हामयदुःख) लुओ। " जिन्मागयदुक्ख. रू. (जिन्हामयदुःख) लुओ। " जिन्मागयदुक्ख. रू. (जिन्हामयदुक्ख. पंति किन्मागयदुक्ख. रू. (जिन्हामयदुक्ख. पंति किन्मागयदुक्ख.

ठा० ४, २; जीहामयसोक्ख. न० (जिन्हामयसोख्य) जुओ। " जिन्भामयसोक्ख " शम्ह. देखे। " जिन्भामयसोक्ख " शन्द Vide " जिन् नभामयसोक्ख " ठा० ४, २; जीहिंदिय न० (जिन्होंद्रिय) છल, रसेन्द्रिय.

हिंदिय न० (जिन्हादय) छल, रसार्थाः जिन्हा, रसना, रमेन्द्रियः The tongue, the sense of tiste. परह० १, १; — निग्गहः पु० (- निग्रहः) लुओ। " जिन्हानियनिगाहः " शण्दः देखो "जिन्हिमिदय-निगाहं " शण्दः देखो "जिन्हिमिदय-निगाहं " शण्दः रातेष "जिन्हिमिदयनिगाहं उत्त० २६, ६५; — संवरः पु० (-संवर) लुओ। " जिन्हिमिदियसवरः " शण्दः देखो " जिन्हिमिदियसंवरः " शण्दः देखो " जिन्हिमिदियसंवरः " शण्दः रातेषः " जिन्हिमिदियसंवरः " शण्दः रातेषः " जिन्हिमिदियसंवरः " एएइ० २, ४,

जुत्रा त्रि॰ (युत) युक्तः; सिंहत युक्तः, सिंहत Accompanied with क॰गं॰ ३, ६; प्रव॰ १२०६ १४२७, भत्त० १०६; जं॰ प॰ ७, १४१;

जुत्रणद्व पुं॰ (युगनद्व) એક પ્રકારતા ચક

नस्त्रती थे।गः यह अने नक्षत्रना थे।गती स्थित भवह अपरना धे।सगने आधारे थाय ते एक प्रकार का चन्द्र नस्त्र का योगः चंद्रमा व नच्चत्र के योग की स्थिति जो कि वैलपर की जुडी की आकृति सी होती है A par-

ticular mode of the conjunction of the moon with the constellation presenting the appearance of the yoke.

जुञ्चल. न॰ (युगल) लोई; भेनी लोडी युगल; दोका जोडा. A couple; a pair. जं॰ प० ५, १२३; श्रोव ३०: प्रव० १०६६; क० गं० ४, ६१, कप्प० ३, ३६; पंचा० ३, २; -- दुग. न० (- द्विक) भे थुगल दो युगल two pairs क॰ ग॰ प्र, ४, -धरम पुं॰ (-धर्म) लुगशीयानी धर्म-लुगअपो उत्पन्न थवुं वरेरे. युगलियोका धर्म, युगल श्रवस्था मे उत्पन्न होना इत्यादि tuking of birth in the form of a pair i. e. Jugaliyas प्रतः १०६६; जुइ. खी. (द्यति) sidl; तेज्य, हीप्ति. कांति, तेन; दोति Lustre, light; splendour नाया॰ १; =; १०, सम०३०, भग॰ १४; १, विशे ० ३४४७: श्रोव० ३८; उत्त० १, ४०, ४, २६. ठा० ४,३; (२) ओ नामतु નિરયાવલિકા સૂત્રના પાચમા વર્ગનુ દ& अध्ययन, इस नाम का निरयावलिका सूक के पांचवें वर्ग का ६ठा श्रध्ययन name of the 6th chapter of the 5th section of Nuayāvalıkā Sūtra. सम्प० ४, १८१:

जुइ. स्त्री॰ (युति) युद्धितः, क्रीडाणः स्थितः, युक्ति, सयोग Joining together, union; contact ठा॰ ३, ३: नाया॰ १: प्रव॰ ६, उवा॰ ६, १६७:

जुइमेत त्रि॰ (द्युतिमत् द्युतिदींसिरतिशायिनी विद्येत यस्य सः) धान्तियान् ; तेलस्यी कान्तिवान् ,तेजस्वी Lustrous, bright; powerful. उत्त॰ ४, १८, (२) स्थम संयम asceticism, monkhood. आया॰ १, ७, ३, २०७; (३) भेक्षि. मोत्तः final emancipation आया॰ १, ७, ३, २०७;

जुंगिस्र ति॰ (जुंदिन) लाति, हर्म अने शरीरथी हिषत हो वह. (One) of a low nature in caste, action and body. प्रव॰ ७६८, — अंग. ति॰ (-स्रग) अप गः जेना हाथपग वगेरे अवय । इत्यदि स्रवयव कट गये हो ऐसा mutilated or disabled in any of the limbs of the body e. g a hand, a leg etc पि॰ नि॰ ४४६, ठा॰ ४, ३;

√ जुंज था॰ I. (युज्) लोऽपुं. जोडना.
To join together (२) स्थ्रेरा
क्रेसे संगठन करना to unite. (३)
७थित क्रस्यु उचित करना; योग्य करना
to fit; to harmonise, to make
fit for.

जुजह. पज ० ३६, जुंजंति स्य० १, ३, १, १०, जुजेवि. उत्त० १, १८, दस० ८, ४३; जुंजंत. पंचा० १२, ४६; जुजाइ क० वा० पि० नि० ४६, १६३, सु० च० ४, ६४,

जुजाए विशे० १०२, १४=; पि० नि० ७६; सु० च० २, ५४७;

जुंजरण न॰ (योजन) ये। পयु, क्षेऽयु, व्यापार કरवे। ते योजना; जोडना, व्यापार करना. Joining together, uniting; conducting a business or an operation. "इंदियाण य जुजरेण" उत्त॰ २४, २४, विशे॰ ३३४८,

जुंजगाया स्री॰ (' योजन) लुओ। ઉपसे।

शण्ह देखी जगर का शब्द. Vide above. श्रोद० २०;

जुंम. न॰ (युग्म) राशि विशेष; भेशी सेण्या; सभ संण्या राणि विशेष; सम संख्या. A. particular sign of the zodiac (Gemini) even number. ठा॰ ४, ३;

जुग, न॰ (द्युग) यार द्राय परिभित को ध अर्थ. चार हाथ परिमित एक माप. A measure of length equal to four arms सम॰ ६६; भग॰ ६, ७; श्रणुजो॰ १३३, जं॰ प॰ (२) धें सरू, ગાંસરી. નુદ્રો. a yoke of a carriage. उन ०२७, ७; जीवा० ३, ३: पि० नि० २६२; स्य० १, ४, २, ४; जं० प०७,१४१; पराह० २, १; श्रोघ० नि० ३२४; दमा० ६, ४; उत्रा० ७, २०६; (३) ग्र० धे।सराना આકારનું પુરુષના દાથ પગનું લક્ષણ, पुरुष के हा। पैर में धृंपरी की श्राकृति वाला लजग a mark of the shape of a yoke of a carriage in the hand or foot of a male human being (૮) સત્ય, દ્વાપર, ત્રેતા અને કલિ, એ અ.ર थुग. मस्य, द्वापर, त्रेता, कलि ये चार युग-ফাল. any of the four ages viz Satya, Dwapara, Treta, and Kali. विशे २२==; (ч) भांअवर्ष अभाज्ती अब विकाग, पांच वर्ष प्रमाख का काल विभाग. a period of time equal to five years. भग॰ ६, ७; २४, ४; श्रगुजो० १४४; नाया० १६; मृ० प० ८; पराह० १, ३: ठा० २, ४; सम० ६१; जं० प० जीवा० ३, ४; साउ० ३२; (६) એક જાતના भ² ३. एक जाति का मन्द्रप. a. kind of fish. पन्न- 1; (७) ने। देश પ્રસિદ્ધ એક જાતનું એ દાય પ્રમાણનું વાદન

-पाश्रभी. गोल देश प्रसिद्ध एक जाति का दो हाय प्रमाख का वाहन-पालकी. a kind of palanquin of the size of two arms length made in the country named Gola. जीवा ३, ३: —ग्रंनर. न॰ (-ग्रंतर) धेांसरा प्रभाशे आंत्रभं. जुडो के प्रमाखमें ग्रंतर. an interval (in point of space) of the measure of a yoke of a carriage. भग॰ २, ४; — श्राइजिण-पुं॰ (-श्राद्दिजिन) युगना पहेला तीर्ध्दर थी ऋपलदेव स्वाभी चुग के प्रथम तीर्घकर भी ऋषमदेव स्वामी Risabhadera the first Tirthankara of the nge. प्रव॰ १; —गिह न॰ (-गृह) પાલખી રાખવાનું ધર. पातकी-ग्रह. હ house or hall in which palanquins are kept नित्री ०८,७; —िन्द्र-ट्ट न॰ (-च्छिद) धें सरीमांनुं िक जुड़ी में का छिड़, a hole in the yoke of a carriage. उत्त॰ टी॰ ३; —पहाग ५० (-प्रधान) युग प्रधान પુરૃષ; યુગમાં થયેવ પ્રધાત મહાત પુરુષ: (लड़ लाहु स्वामी वर्गरे) ग्रुग प्रयन युग का प्रयान-महापुरुप-भद्रवाहु स्त्रामी इत्यादिः a prominent person of an age (Yuga); e. g. Bhadrabāhu Swāmī etc. विशे १४२३; - व्यहाल. न॰ (-प्रधान) જુએ। ઉપકે। શબ્દ. देखा कारका शहर, vide above, प्रवर ६२; २६४; —सूरि. gं॰ (-सूरि) युग प्रधान સુરિ-આચાર્ય'. युग प्रवान मृरि-घ्राचार्य. в preceptor etc. renowned in a certain age, प्रव॰ ६२; —माण. न॰ (-मान) पांच वर्ष अथवा आसह मास પ્રમાણ યુગનું માન. पांच वर्ष किंवा बांसठ

मास प्रमाण युग का मान. a measure of time equal to five years or 62 months प्रव ६०५;

-संनिभ त्रि॰ (-सन्निभ) यार ढाथ प्रभाशना केतं. चार हाथ प्रमाण के जैसा. similar to, analogous to a measure of the length of four arms. " जुगसरिएएभ पी.साइय पीवर-पऊड संठिय " जीवा॰ ३; —संवच्छर. go (-- संवत्सर) भांथ स वत्सर अभाख सभय; १८३० हिनस प्रभाश युग संवत्सर पाच संवत्सर प्रमाण समय; १८३० दिवस प्रमागा युग संवत्सर. a Yuga Samvatsara equal to 1830 days, स्॰प॰ १०; जं०प०७:१४१; ठा०४,३; —साला स्री॰ (-शाला) पाक्षणी राभवानी शाक्षा पालका रखने की शाला a room, a hall in which palanquins are kept. निसी॰ =, ७;

जुगंतक इभूमिः स्रा० (युगान्तकृतभूमि--युगानि-कालमानविशेषाः तानि च क्रमव-तीनि तस्पाधम्यांचे क्रमवातिना गुरु-शिष्य प्रशिष्याडऽदिरुपाः पुरुपाः तेऽपि युगानि तैः प्रमितान्तकरभृमिर्युगान्तकृतभूमि) શિષ્ય પર પરાએ અવિચ્છિત્રપણે સંસારના અંત કરનાર જવાનો પર પરા गुरु परम्परा स श्रविच्छितता ससार का श्रन्त करने वाले जीते। की परपरा. The successive generations of men such as preceptors and disciples forming as it were a chain of an era, who attain salvation. ठा० ३, ४; नाया॰ जं० प० २, ३१;

जुगंतकरभूमि स्रा॰ (युगान्तकृतभूमि) পুञी ઉपेेेे। शण्ट. देखो ऊपरका शब्द Vide above, नाया॰ =:

जुगंतगडभूमी. स्री॰ (युगान्तकृतभूमि)
थुगनी अंत करनारी स्र्मि युग का स्रंत
करने वाली भूमि A land or region
finishing a Yuga (a period of
time.). कप्प॰ ४, १४४;

जुगंधर. पुं॰ (युगन्धर) २थ णनाववाना ७५थे। थे। भां आवतु ओं ६ जतनु साइं . रथ
बनाने के उपयोग में त्राता हुत्रा एक प्रकार
का लक्कड. A kind of timber used
in making chariots ज॰ प॰ १;
जुगवाहु. पुं॰ (युगवाहु) ६ मा नीर्थ ४२नु
त्रील पूर्व भव का नाम. Name of the
third previous birth of the 9th
Tirthankara. सम॰ प॰ २३०; विवा॰
२, (२) सांना काथ, आहु लंबे हाथ, बाहु
त long arm. ठा॰ ६,

जुगण्द पुं० (युगनद) लुओ। " जुझण्द " शण्द देखी " जुझण्द " शब्द. Vide " जुझण्द " स्० प० १२;

जुगमच्छ पु॰ (युगमत्स्य) ओड जाती। भ²७. एक प्रकार का मत्स्य. A kind of fish. विवा॰ =; पन्न॰ १. चीवा॰

जुगमायः त्रि॰ (युगमात्र) धे। सरा प्रभाखानुं. जुडी के प्रमाण का Measuring a yoke. श्राया॰ २, ३, ७, ११४; दसा॰ ६, २; दस॰ ४, १, ३,

जुगिमत्त त्रि॰ (युगमात्र) लुओ " जुग-माय "शे॰ ६ देखो " जुगमाय " शब्द Vide " जुगमाय" उत्त॰ २४, ७;

जुगमेत्त. न॰ (युगमात्र)युग-धे। सन प्रभाष्टे. यार ढाथ प्रभाष्. युग-जुड़ी के श्रतुसार; चार हाथ प्रमाण. A particular measure equal to four aims. प्रव॰ ७०८,

जुगल. न॰ (युगल) लेडी; लेडुं. जोडा, युगत. A couple; a pair. (२) पुं॰ स्री॰ जुगसीया. जुगलिया. Jugalia. भग० ६, ५; १४, १; — धमा पुं० (-धर्म) જીગલીયાના ધર્મ; યુગલ ધર્મ स्री पुरुप दोनों का धर्म; युगल धर्म. त combination of the characteristic functions or qualities of both a male and female. तंद्र॰ —धिमय. पुं॰ (-धार्मिक) श्री पुरुप ३५ युंगक्षना धर्म वाली. स्ना पुरुषरुष युगल के धर्म वाला. one who combines within him the characteristic functions or qualities of both viz a male and female. तंद्र॰ जुगलग न॰ (युगलक) क्रेड्वं; भेनी क्रेड. जोडला; दो की जोड A pair; a couple. ज॰ प॰

जुगलयं न॰ (युगलक) जुगक्ष; लेडुं युगल; जोडा A couple; n pair. सम॰

जुगलिय त्रि॰ (युगलित) लेडी युड्त. युगल युक्त; सजीड Coupled together; consisting of a pair. " निचं जुगलिया" नाया॰ १;

जुगयं ति० (युगवत्) डाझना ७५६वथी रिहतः त्रीक तथा थे।था आराना जन्मेस. काल के उपद्रव से रिहत तृतीय व चतुर्थं आरेमें जन्म प्राप्त. Free from molestation caused by time; born in the third and the fourth Arās (a part of a cycle of time). जीवा॰ ३, १, भग॰ १४, १, १६, ३, राय॰ ३, २, जवा॰ ७, २१६, जुगवं अ० (युगपत्) ओडी वभते; ओड

अंदे; गों असाथे. एक्ही समय पर; एकही

कालमें; एक साथ. Simultaneously. उत्त॰ २८, २६; ३६, ४४; गु॰ च॰ ४, ६; २, ३६१; ठा॰ ३, ४; विशे॰ १६६; प्रव॰ ६६८; श्रोव॰ ४३;

जुग्ग त्रि॰ (योग्य)क्षायक्ष. योग्य. Proper. भत्त॰ १२; प्रय॰ १३७०;

जुरम न॰ (युग्य) शेल्स देशमां असिद ओड જ્તતની પાલખી કે જેને કરતી ચાપ્યુણી ખે दाथ प्रभाणे विहिधा-इडे। डे। थे छे. गोल्ल देश मे प्रसिद्ध एक प्रकार की पालकी कि जिसके चारो श्रोर फिरती चौरम दे। हाथ प्रमाण की वेदिका (कठहरा) होती है A kind of palanquin with a square railing of the height of two arm's length. It is made in the country named Golla. भग० ३, ४; ४, ७, ६, ६; विशे० २६६२; जंन पन ४, १४७; छोवन घ्रमुजीन १३४; (२) घोंसरी जडा. a yoke, that part of the pole of a carriage which is fastened to the shoulder of an ox, a horse etc. 210 ४, ३; भग० ६, ३३; (३) युग-धींसरी वर्षेनार धेरा अभव वरोरे युग-ज्ही को उठानेनाला-घोडा, बेल इत्यादि. सा ox, a horse etc. harnessed to a carriage, 'चत्तारि जुग्गा पर्णता' ઠા ૦ ૪, રૂ. (૪) પુરૂષથી ઉડાય એવું विभान, पुरूष से उडा जा सके ऐसा आकाश विमान a kind of balloon. सूय॰ २, २, ६२, —श्रायरियाः स्री० (-श्राचर्या-युगस्याऽऽवहनं गमन युग्याचर्या) थुग-વાહનમાં જવું તે. युग-बाहन में जाना. going in, moving in a carriage or conveyance. 310 %, जुग्गत्रारिया. स्री॰ (युग्याचर्या) लुओ।

७५९ी शण्ट. देखी ऊपरका शब्द. Vide above. ठा० ४, ३; — गय. त्रि० (-गत) पाइन ७५२ भेडेस. वाहन के ऊपर आरूड. seated in a vehicle or carriage. भोव॰

जुगाय. त्रि॰ (युग्यक) लुओ 'जुगा' शण्ट. देखो 'जुगा' शब्द. Vide 'जुगा' ठा० ४, ३;

जुज्ज त्रि॰ (योज्य) थे। जना घटना करवा थे। अ. योजना-घटना करने योग्य. Worthy of being united or joined together उत्त॰ २७, =;

√ जुज्म. था॰ I. (युघ्) युद्ध ३२५; लढा छ-३२९ी. युद्ध करना; लढाईकरना To fight; to battle; to wage war.

जुन्मामि. नाया॰ १६; जुन्मामी. नाया॰ १६;

जुजमाहि. श्राया० १, ४, ३, १४३; उत्त० ६, ३४;

जुडमहे. नाया० १६;

जुडमंत. स्य॰ १, ३, १, १; सु॰ च॰ ७, ७=:

जुजिमता. ठा० ३, २:

जुड़म न० (युद्ध) युद्ध. सदाध. युद्ध; लडाई. Battle; war. उत्त० ६, ३५; श्राया० १, ५, ३, १५३; नाया० ६; —िकित्तपु-रिस. पु० (-कीर्तिपुरुप-युद्धर्जानता या कीर्तिः तत्प्रधानः पुरुषो युद्धकीर्तिपुरुप.) युद्ध थी शीर्ति वंत थयेस पु३ष. युद्ध से कीर्तिप्राप्त मनुष्य. one who has acquired renown in a battle. सम० — उम्माण. न० (-ध्यान) सदाधनं ध्यान; ध्यानने। ओड अडारः लढाई का ध्यान; ध्यान का एक प्रकार. concentration or meditation upon battle; a variety of meditation श्राड०

Val viling

—सज्ज. पुं० (-सज्ज) युद्धभां तैयार,
युद्धभां तत्पर युद्धमें तत्पर. one who
is prepared for battle, one who
is ready to fight. नाया० =, १६;
निर० १, १; —सङ्ह. ति० (-श्रद्ध-समामस्तत्र संजाताश्रद्धा यस्य सः) युद्धभां श्रद्धायान; युद्धने याद्धनार. युद्ध में श्रद्धावान;
युद्ध को चाइनेवाला. militarist, warlike. पग्ह० १, ३, —स्र. पु० (-श्रर)
युद्धभां श्रर युद्ध में श्रूर (one) who is
brave in battle; a warrior.
" जुङ्फ स्रे वासुदेवे " ठा० ४, ३;

जुज्माइजुज्म न॰ (युद्धातियुद्ध) ६८६ युद्धः ७२ ४८। मांनी ओड ४८। द्वंद्व युद्धः ७२ कलाओं में से एक कला. A single combat; a duel, one of the 72 arts. जं॰ प॰ श्रोव॰ सम॰

जुरागाः त्रि॰ (जीर्षे) छर्छ्; लुनु; वृद्ध जीर्षा. प्रातन; वृद्ध. Old, worn out. antiquated नाया॰ १, ११; भग० १६, ४, १६, ३; श्रगुजो॰ १२७; श्रगुत्त॰ १; श्रोघ० नि । १३६; राय० २५८; -- उ-ज्ञारण न॰ (-उद्यान) लुओ। " निराणु-जारा " शण्ह देखो " जिरासुरजारा " शब्द. vide " जिएगुरजाम " नाया॰ १; —कुमारी स्रो॰ (-कुमारी) **लु**ओ। " जिएणकुमारी " शण्ह देखी " जिएण-कुमारी " vide " जिएणकुमारी " नाया । १; नाया॰ घ॰ —गुल पुं॰ (-गुड) लुने। शिल. पुराना गुड़ old treacle भग॰ =, ६;—तंडुल. न• (-तगडुल) ळुना थे।भा. पुराने चावल. old rice. भग , ६; —सुरा स्री॰ (-सुरा) ळुने। धरु. पुराना दारू-मदिरा-मदा. old wine. भग॰ ८,६; जुिंग्य हि॰ (जींगिंत) छर्ध्, जींगें. Old.

worn out नाया । १;

ज़ाति स्त्री (युति) अन्ति कान्ति. Light; lustre. नाया० १; भग० ३, ६; श्रोव० २२; स्०प० १६; सम० १०;

जुत्त त्रि॰ (युक्त) युक्त; सिंहत. सिंहत; युक्त; संयुक्त. Accompanied with. (२) लोडेस जुडा हुआ. joined; united. जं॰ प॰ ७, १६१; ३, ६४; २, २०; नाया॰ १; ३; ४; ५, ६; १४; १६; भग० ७, ८; ६, ३३; दस० ३, १०; ८, ४३; ६४; ६,२, १४; ६, ४, २, ३; पिं० नि० १६४; नंदी० ६; उत्त० १, ६; ६, २२; राय० २२९; दमा० ४, १२; १०, १; पंचा० ६, ४२; ३, ३%; क॰ गं० १, ३७; ४४; क॰ गं० ४, प्रव॰ ८१२; गच्छा॰ १२८; कप्प॰ ३, ३६; श्रोवः १०; २६; श्रग्रुजोः १३२; ठा० ४, ३; उवा० २, १०१; ७, २०६; (३) थे। २५. योग्य. proper; fit, worthy. विशे ०९: १३३; सु० च॰ १, १४४; २, ४४१; निर० १, १; नाया० =; (३) असंभ्यात अने अनंतने। ओ अधार असंख्यात व अनंत का एक प्रकार a variety of the innumerable and infinite. প্রয়ুরী• १४६; — श्रसंखेज द्य. पुं॰ (- श्रसंख्येयक) असं भ्यानने। ओड प्रडार. श्रसंख्यात का एक সকাৰ. a kind of innumerable श्रग्रजो॰ १४६; क॰ गं॰ — श्रिहिगरण्. म॰ (-श्रिधकरण्) अधि-કરણ-હિંસાના ઉપકરણ અધિક અધિક યાજવા તે, આઠમાં ત્રતના પાચમા અતિયાર. श्राधिकरण-हिंसा के उपकरण श्राधिक श्राधिक योजना; श्राठवें व्रत का पाचवा श्रातिचार. using more and more the means of injury; the fifth Atichara of the eighth vow. प्रव॰२=३;—जीग. त्रि॰ (-योग) शरीर विगेरेनी ये। २४ येष्टा पाक्षा शरीर इत्यादि की योग्य चेष्टा वाला

(one) possessing proper activity of the body etc. पंचा॰ १२, २१: -परिग्रय. त्रि॰ (-परिखत) सारी સામગ્રીધી યુક્ત-પાલખી આદિ. શુમ सामग्री से युक्त -पालका श्रादि. possessed of, furnished with good materials (e g. a palanquin etc). य॰ ४, ३; —पालिय. त्रि॰ (-पालिक --- युक्ता परस्परसंबद्धा न तु वृष्ट्दन्तराला-पालिः सेतुर्यस्य स युक्तपालिकः) पासे पासे-सड६- पूत्रवातुं. पासपास-लगोलग-सदक-पूल वाला. having bridges situated near one another. राय॰ —फुसिय. न० (-स्पर्श) अथित लिन्ह्-पार्श्वीना शांटानुं पडवुं. डिचत बिन्दु-जल के चूंद का गिरना. a shower of proper (desirable) drops of water. " जुतफुसिय निहयरयरेगुय " सम० ३४; —দ্ধব: त्रि॰ (-হুণ) সংহংশ ২৭পান वादी। प्रशस्त स्वभाव वाला. possessed of praiseworthy temperament. ठा॰ ४, ३; —सोह. त्रि॰ (-शोभ—युक्तं शोभते युक्तस्य वा शोभा यस्य तद्यक्तशो-मम्) ये १ शालावार्डं योग्य शोभायुक्त. possessed of just or proper beauty. 310 8,3;

जुत्तः न॰ (योक्र) भेति ते जीत का रस्मा a rope with which an animal is tied to the pole of a carriage. उत्त॰ १६, ४६;

जुत्तिः स्री॰ (युक्ति) युक्तिः; क्ष्माः रीतिः युक्तिः; कत्ता, रीतिः Skill; art; mode; pio cess. विशे॰ १४४; स्रोघ॰ नि॰ ४४६; नाया॰ १०; स्रगुजो॰१२८; (२) भेश्वपश्चीः मिश्रण joining together; mixtuie; union. जीवा॰ ३, ३; पंचा॰४,१;

(3) એ नाभना એક કુમાર इस नामका एक कुमार. name of a Kumāra (a boy). निर॰ ४, १; (४) ओ नाभनु विन्दिशासूत्रन् ओक अध्ययन. इस नामका वर्निहदशा सूत्र का एक अध्ययन. name of a chapter of Vanhidaśā Sutra निर. ४, १; -क्सम. त्रि॰(-चम) युक्तिनु सहन करवुं ते. यक्ति का सहन करना. remaining unrefuted by logical reasoning " नागमजुत्ति क्लम होइ " विशे॰ ३६५; — खम त्रि॰ (-चम) युक्ति सहितः, युक्तिवार्धः, युक्तित सहित; युक्ति वाला. logical; possessing reason. पंचा॰ १२, १६, — ग्ला (-ज्ञ-युर्वित जानातीति) युडितने ग्नश्नार, **४अ।अ.अ. युक्ति को जानने वाला;** कलाबाज (one) well-versed or skilful in any art. " गंधारे गीयजुतिएणा " ठा॰ णः —वाहियः त्रि॰ (-वाधित) युक्तिशी णाधित-भाषित थयेल बाक्क से बावित-वारेडत, refuted by logical argument. " जन्हाण जुत्तिबाहिय-विसन्नो विसदागमी होइ " पचा० १८, ४४; —सुवग्ण. पुं॰ (-सुवर्ण) यनावटी सेानु कृत्रिम सुवर्ण, बनावटी सुना autificial gold. पचा० १४, ३६,

श्रुतिसेश. पुं॰ (युक्तिसेन) लभ्भुद्रीयमाना कैरवतसेत्रमा यालु अवसर्पि श्रीमा धरेल आहमा तीर्धं इर. जंबूद्वीय मे ऐरवत तेत्र के वर्तमान श्रवसर्विशी में उत्पन्न श्राठवें तोर्थं कर. The eight's Tirthankara of the current Avasarpini in the Ausvata region of the Jambu Dvipa. सम॰ प॰ २४०; (२) अरवत सेत्रना वर्तमान ११ वें तीर्थं कर. the

present 11th Tirthankara of the Airavata Kșetra प्रव. २६६: जुद्ध. વું• (युद्ध) યુદ્ધ; લડાઇ, લડવાની કલા. युद्ध; विश्रह; लढने की कला. Battle; engagement, art of fighting a battle, श्रोव॰ ३०: ४०; नाया० १; २; १६; जीवा० ३, ३; श्रोघ० नि० २२४, दम० ४, १, १२; -- ऋइजद्ध न० (-श्रतियुद्ध) FI३७ युद्ध; युद्धभा युद्ध दारुण युद्ध, युद्ध मे युद्ध. terrible battle; thick of the fight नाया॰ १; श्रोव॰ ४७; — श्ररिह ન ૰ (– શ્રફ્રે) કર્મની સાથે યુદ્ધ કરવામાં ઉપયેત્પી; ભાવ યુદ્ધમાં કામ લાગે તેવું**.** कर्मी के साथ युद्ध करने में उपयोगी; भाव युद्ध में उपयोगी हो ऐसा. useful in fighting against Karma, useful in moral war e.g against passions आया १, ४,३, १४४, - कि ति-पुरिस पुं॰ (-कीतिंग्रहप) लुग्रे। "जुम्भ-कित्तिपुरिस " शण्ट देखो " जुडमकित्ति-पुरिस " शब्द. vide " जुझ्मकित्तिपुरिस " सग० - गीनि स्री० (-नीति) अपनी नीति-व्यवस्था युद्धनीति-व्यवस्था. military tactics or strategy जं॰ प॰ —नीई स्त्री॰ (-नीति) युद्ध **धरवा**नी नीति. युद्ध करने की नीति the tactics of fighting. प्रव॰ १२४०; —सज त्रि॰ (-सज) लुओ " जुज्मसज " शम्ह. देखो " जुज्मपज " शब्द vide " जुम्म सज " राग॰ —सइंड. त्रि॰ (-श्रद्ध) ळुओ। " जुङममहु " सण्द देखो " जुङम संदु " शब्द. vide " जुज्मसदू" पगह०१, ३; —सूर. पुं॰ (-श्रूर) सऽवैया; भुभट मैनिक, लडवेया, सुभट, a warrior, a combatant ठा॰ ४, ३;

जुन्न त्रि॰ (जीर्स) जुन्ने। " जुग्स " शण्ट.

देखो "जुरास " शब्द. Vide " जुरास " श्रोघ० नि० ३७७; सु० च० ७, २७६; श्राया० १, ४, ३, १३४;

जुन्हा. स्रो॰ (ज्योत्स्ना) थांद्रनी रात चांद्रनी रात Moonlight. सु॰ च० ७, १४४;

जुम्म. न० (युग्म) लुगक्ष; लोडी; भेनुं लोडुं.
युगल. जोडा. A. pair; a couple.
"कई यां भेते जुम्मा पर्याता ? गोयमा।
चत्तारि जुम्मा पर्याता "ठा० ४, ३, भग०
१८, ४; २५, ४, ३१, ७, ४१, ३; पि० नि०
२, —पप्सिय. त्रि० (-प्रादेशिक) सम
संख्या भेडी प्रदेशथी ઉत्पन्न थ्येस. सम
संख्या से उत्पन्न. produced from,
resulting from an even number.
भग० २५, ३;

जुय. पुं॰ (युग) युग; पांच संवत्सर प्रभाशे हाल विलाग. युग, पाच संवत्सर के प्रमाण काल विभाग. A Yuga; a period of time measuring five Samvatsuras. भग० ४, १. (२) भे (स ७-५। वायक) दो; (संख्यावाचक). an expression for the number 2. सु॰ च० १, २७२;

जुय पुं॰ (यूप) यह्मस्थिम्ल यह्मतंम A sacrificial post पिं॰ नि॰ ६६;

जुयग पुं॰ (युत्तक) स्वर्ण समुद्रभांना व्यार म्हें। यातासक्षशाभांना ओक लवण समुद्र में के चार वडे पातासक्तरामें का एक. One of the four nether world pots of the Lavana ocean. प्रव॰१४८६; जुयल न॰ (युगल) लोडी; लोडुं. जोडा; यगल. A pair a comple नाम १००

यल न॰ (युगल) ओडी; ओडुं. जोडा; युगल. A pair, a couple. नाया॰ १; ८; ९: जीवा॰ ३, १; ३; सु॰ च॰ १२, ६, राय॰ १२२; उवा॰ २, १०७; —धिमयः पुं॰ (-धार्मिक) अुस्रे। '' जुगलधाम्मय '' थण्ट. देखो '' जुगलधाम्मय '' शब्द. vide " जुगलधामीय " तंदु०

जुव. पुं॰ (युवन्) स्यानः ज्यान. युवकः जवान. A young man; a youth. दस॰ ७, २४; विशे॰ १६१४; श्राया॰ २, ४, २; १३८; भग॰ १६, ३;

जुवइ. स्रो॰ (युवति) युवती; युवान स्त्री.
युवति, युवा (स्रों) A youthful woman भग० १, १; ३, ४; ४, ६; नाया॰
८, विशे॰ २३०; ४४७२; श्रोव॰ सु॰ च॰४,
१६८;—जण. पुं॰ (-जन) युवती; स्त्री॰४०.
युवती; स्त्री-जन. a youthful woman;
a woman. पन्न॰ १;

जुवग . पुं॰ (युवक) शुक्ष पक्षनी भीक अने त्रीकिनी अन्द्रभा. शुक्ल पक्ष की द्वितीया व तृतीया का चंद्र The moon of the 2nd and 3rd days of the bright half of a month जीवा॰ ३, ३;

जुवतिः स्त्री॰ (युवति) युवतिः क्युवान स्त्री॰ युवतोः युवा स्त्रीः A youthful lady॰ स्य॰ १, ४, १: १४: भग॰ ३. १:

जुबरज्ज. न० (यौबराज्य) युवराज तरी हे व्यक्तिपिक्षन थयेथान राज्य युवराज के समान श्रानिपिक्षत जो है उसका राज्य. Kingdom of one who is crowned while he is still an heir-apparent. श्राया ० २, ३, १, ११६;

जुबराय पुं॰(युवराज) वतिभान रालपछी
राजने। ६ = हार वारसहार, सिविष्यने। राला;
पाटनी कुभार वर्तमान राजा के पश्चात् राज्य
का हकदार-वारस; भिवष्य का राजा;
पाटवी कुमार. A crown-prince; an
heir-apparent उत्त० १६, २; पन्न०
१६; विवा० ६; जं० प० नाया० १२; पिं०
नि० ५११;

जुवरायत्ता स्त्री॰ (युवराजता) युवराल-पर्धुं. युवराजपना, युवराज पद. Status of a clown-prince; state of being an heir-apparent. मग० १२,७; जुयल. न० (युगल) जोडी युगल; जोडा. A couple; a pair. भग० १, ५; ११,

जुवलग. पुं॰ (युगलक) लुओ। ઉपसे। शण्ट. देखें। ऊपर का शब्द. Vide above. निर॰ ३, ४;

जुवलय. न॰ (यगलक) ळुओ। ' जुवल' शम्हः देखो '' जुवल '' शब्द Vide " जुवल " सु॰ च॰ १, ४७; पन्न॰ २;

जुविलय नि॰ (युगलित) कीडी रूपे रहेंब. युगल रूप से रहा हुआ. Forming a pair; joined together into a couple. श्रोव॰ भग॰ १, १;

जुवारा. पुं० (युवन्) लुवात-युवावस्थाने प्राप्त थयेल. युवकः युवावस्था का प्राप्त Youthful, attaining puberty. नाया०१: ३, भग० ३, १: ४, ५. ६: श्रोघ० नि० ७२१: श्रयाजो० १३०: ठा० ४,२: प्रव० ४२०:

जुवारामा त्रि॰ (युवक) ज्यानः थुनः युवकः Young; youthful. स्य॰ १, ७, १०; जुवाराय त्रि॰ (युवक) जुओ। ઉपदी शण्द देखो जगर का शब्द. Vide above. भग॰ ६, ३३: उवा॰ ७, २०६;

जुब्बर्गा, न० (याँवन) युवावस्था, युवावस्था, Youth; puberty, नाया० ६, मु० च० १, ३१६; जं० प० ५, १२३, — अर्गुपत्त. त्रि० (-अनुप्राप्त) युवावस्थाने प्राप्त थ्येश. युवावस्था को प्राप्त. attaining puberty; youthful. दसा० १०, ३, — तथी स्त्री० (-स्त्री) युवान स्त्री युवती. a youthful lady. "सकडक्लं सवि-यारं तरलांदेव जुन्वसारथीए" तंदु०

जुदचण्मः न॰ (योवनक) युवायस्थापांषुः

જ્વાનપાં युवावस्था. Youth; youngage. कप्प॰ ३, ४३;

जुन्वरात्तः न० (योवनस्व) युवापस्थापणुं. युवावस्या की स्थितिः Condition of youth or puberty. स० च० १३,४१; जिस्स्या वि० (जष्ट) प्रसन्तः प्रीतः संतष्टः स्वराः

जुसिय. त्रि॰ (जुप्ट) प्रसन्न; प्रीत. संतुष्ट; खुश. Pleased; propitiated. " पाएण देइ लोगो उपगारिसु परिचिए व जुसिए वा" अ॰ ४, ४,

जुहिहिल. पुं॰ (युधिष्ठिर) हिस्तनापुर नगरना पांडुराकाना भ्हें। युत्र-धर्भ राकः हिस्तना-पुर के पाण्डुराजाके ज्येष्ठ पुत्र-धर्मराज. Dharmarāja i.e. the eldest son of the king Papdu of Hastināpura " जुहिहिल पामोक्खाणं पंचगहं पद्याणं" श्रंत॰ १. १. नाया॰ १६;

ज्या-या स्नि॰ (यूका) लु; भाधाभां थते।
ओड वरतु. जू; सिर में पैदा होनेवाला एक
जन्तु. A louse जं॰ प॰ २, १६; नंदी॰
१४; श्राया॰ २, १३, १७२; पच॰ १, भग॰
६, ५; १४, १; प्रव॰ ४४२; १४४५, (२)
ओसंद वाक्षात्र अध्या आहं लिए प्रभाख् ओड सर्प. ६४ वालांग श्रयवा = लिख प्रमाण का एक नाप. क measure of length equal to 64 hair-points or 8 nits श्रयाजो॰ १३४; — सेजायर.
पुं॰ (-शस्यातर) ब्लूने स्थान आपनार जुं को स्थान देनेवाला। one who gives क place of resort to a louse or lice. भग० १५, १;

जूय पुं॰ (यूप) यत स्त ल. यज्ञ स्तंभ. A. sacrificial post निर॰ ३, ४; (२) की नाभनुं पुरुपना क्षाय व्यथना पगनुं लक्ष्ण. इस नाम का पुरुष के हाथ वा पैर का चिन्ह. a characteristic mark of a leg or hand of a male human

being. जं॰ प॰ (३) ये नामने।
पश्चिम दिशाने। पाताब इवशे। इस नाम
का पश्चिम दिशा का पाताल कलश. a
pot of this name of the
nether world of the western
direction प्रग॰ १४=६; (४) धेंसरी
जुड़ी. that part of the yoke
which rests on the shoulder;
a yoke पएह॰ १. १; —िचेइ स्री॰
(-चिति) यहानी यन्दर सामग्री येइडी
इरपी ते. यह में सामग्री एकत्रित करना
collecting together materials
required in a sacrifice स्रोव॰

जूयः न॰ (धूत) लुगटुं. जुत्रा. Gamblıng; playing at dice. প্ৰ-; (२) ७२ ४क्षाभानी ओ ४ ४क्षा ७२ कलाओं में से एक कला one of the 72 ants नाया० १; श्रोव० ४०; क्षाप० ५, ६६; --- कर पु॰ (-कर) जुगारी ज्यारी. a gambler. पग्ह॰ १, १, ३. — कार. पुं॰ (-कार) जुगार २भनार. जुया खेलने याला a gambler नाया॰ १८, —ख लयः न॰ (-खलक) जुगार भेसवानुं धरः जुआ खेलने का गृह, जुआख ना. a gambling house. नाया॰ २, १८, —िचर् स्त्री॰ (-चिति) लुगार भेसवे। ते जुग्रा चेतना. gambling, playing at dice श्रोव॰ --पमायः पुं॰ (-प्रमादः) जुगटा रूप प्रभा६. जुब्राह्मी प्रमाद neg ligence, error in the form of gambling. ठा॰ ६, १; -पसंगि त्रि॰ (-प्रसंगिन्) ज्यारमां आसन्त. जुत्रा मे श्रामक addicted to gambling or playing at dice. नाया॰ २: - पसंगि ति॰ (-प्रसिन्) लुओ। ઉપલे। शખદ. देग्तो ऊवर का शब्द vide above. नाया॰ १८;

ज्यन्त्र- न॰ (यूपक) शुक्ष पक्षना प्रथम त्रश्च हिनसनी स ध्या; यंद्र अने संध्यानी प्रभा भिश्चित थाय ते. शुक्ल पक्के प्रथम ३ दिन की सन्ध्या; चन्द्र व सन्ध्या की प्रमा का मिश्चित होना Blending of the twilight with the lustre of the rising moon during the first three days of the bright half of a month. ठा॰ १०, १,

ज्यग. पुं॰ (यूपक) शुक्ष पक्षना प्रथम त्रश् દિવસની ચન્દ્રની કલા અને સન્ધ્યાના પ્રકાશ भिश्र थाय ते शक्त पत्त के प्रथम ३ दिन की चन्द्रकी कला व संध्या के प्रकाश का मिश्रित होना. Blending of the light of the setting sun with that of the rising moon on the first three days of the bright half of a month. भग॰ ७, ३, श्रांव॰ (૨) પશ્ચિમ દિશાના એ નામના પાતાલ ક्લशे। पश्चिम दिसा का इस नाम का पाताल कजरा a pot of this name the nether world the western direction. सम॰ ४२; ज्यामायः न॰ (यूहामात्र) मृतं भातः लुं कीय ई में मात्र, जू के प्रमाण का. Morely a louse; of the size of a louse ' जूपामायमवि लिक्लामायमवि श्राभिनिवट्टेता '' भग० ६, १०;

√ जूर. घा॰ I. (जूर्) अुरुष्। इरी, पस्तावे। इरवे। पश्चाताप करना. To pine away; to repent, to waste away; जूरा-र-इ. सूय॰ २, १, ३१; श्राया॰ १, २,

४, ५.२;

ज्रंति स्य० २, २, ५५;

जूरामि. स्य० २, १, ३१; जूरह. सूय० १, ३, ७, ७;

जूरणत्ता. श्री॰ (जूरणता) न्तूरणा क्रशी; अर्थु. भूरना. Pining away; wasting away. स्य॰ २, ४, ९;

जूरावरा. ग॰ (जूरण) शरीरनी જીર્ણ ता थाय ते. शरीर का जीर्ण होना. Wearing or wasting away of the body. भग॰ ३, ३,

ज़ूरिश्च. त्रि॰ (जीर्यं) છર્ણુ થયેલ जीर्या. Worn out; decayed; grown old श्रमुजो॰ १४६;

जूब. पुं॰ (यूप) यत स्तंभ यज्ञ स्तंभ. A sacrificial post to which the victim is fastened. निर॰ ३, ३; उत्त॰ १२, ३६; भग॰ ३, ७; ११, १९; जं॰ प॰ (२) पश्चिम दिशाना पाताल कलश. a pot of the nether world in the western direction. जीवा॰ ३, ४; प्रव॰ १४६६; —िवइ. स्री॰ (-चिति) लुओ। "जूयचिट्ट" शण्ट. देखो "जूयचिट्ट" शण्ट. देखो "जूयचिट्ट" शण्ट. रेखो "जूयचिट्ट" शण्ट. रेखो "जूयचिट्ट"

जूवग पुं॰ (यूपक) ज्युओ। "जूयग " शण्ट. देखो "जूयग " शब्द Vide. "जूयग " शब्द Vide. "जूयग "

ज्वय. पुं॰ (यूपक) शुक्ष पक्षना प्रथम त्रण् दिवसमां संभानी प्रला अने यंद्रनी प्रला ओक थाई काय ते. शुक्लपच के प्रथम ३ दिन में सन्ध्या की प्रभा व चन्द्र की प्रभा का एकत्र होना Blending together of the light of the setting sun and the rising moon on the first three days of the bright half of a month. श्रणुजो॰ १२०; ठा॰ ४, २, जूस. पुं॰ (यूप) કહી; श्रीसाभणुः कढी. Soup; broth. श्रोघ॰ नि॰ १४७; प्रव॰ १४२४;

जूसगा. स्त्री॰ (ध्वंसना) विनाश. विनाश. Destruction. कप्प॰ ६, ४१;

जूसणा. खी॰ (जोसणा) सेवा; सेवन. सेवन. Service; worship. ठा॰ ४, ३; श्रोन॰ ३४;

जूसिय. त्रि॰ (जुष्ट) सेवन करेब. सेवन किया हुआ. Served; worshipped; resorted to. नाया॰ १; ठा० ४, ३;

ज्ह. पुं॰ (यूथ) लूथ; टे(लं; सभूल; ल्रध्ये।.
समृह; फ़ुंड. A crowd; a band; a
herd. नाया॰ १; ४; पिं॰ नि॰ ४१६;
उत्त॰ ११, १६; पएह॰ १, १; सु॰ च॰ ६,
२२, विवा॰ ४; — ग्राहिवइ पुं॰ (- प्रिप्पाते) टे(लाले। स्त्रामी फुंड-समृहका स्वामी.
the head of a group or a band.
उत्त॰ ११, १६; — वइ. पुं॰ (-पित)
टे(लाले। मालिक्ष-ध्धी समृह का स्वामी. a
owner of, a lord of crowds; the
leader of a group. नाया॰ १, सु॰
च॰ ६, २६; पि॰ नि॰ ६१७;

जुहिश्र-य. न॰ (य्थिक) ळाधना ५५. जुई का फूल. A jasmine flower.

जूहिया. ल्ली॰ (यूथिका) लूध जूई. A. kind of jasmine राय॰ ४६; पन्न॰ १; जीवा॰ ३, ४; —पुडः न॰ (-पुट) लुध्ने। पडे।. जूई का पुडाः a packet of jasmine flowers. नाया॰ १७; —मंडप पुं॰ (-मराडप) लुध्ने। मांऽवे।. जूई का मराडपः व bowbr of jasmine. राय॰ १३७, —मंडवगः पुं॰ (-मराडपक) लुध्ने। मांऽवे।. जूई का

मएडप. a bower of jasmine. जीवा॰ ३; जं॰ प॰

जूही स्ना॰ (युधिका) लुधने। वेदे। जूई की वेज A jasmine creeper. (२) लुधनु पुद्ध. जूई का फूल. a jasmine flower. कदप॰ ३, ३७;

जो. घ्र॰ (जे) पाहपूरण तथा वाड्याल डारमां वपरातुं अन्यय पादपूरण व वाक्यालंकार में उपयोगी घ्रव्यय. An indeclinable used expletively. नाया॰ ६;

जेह. त्रि॰ (ज्येष्ठ) कथेष्ठ; म्हे। टुं; प्रथम Gत्पन्न थ्येस. ज्येष्ठ-वडील; प्रथम जो उत्पन्न हुआ हो वह. Senior; eldest; firstborn. भग० १, १; २, १; ५; ३, १; ४, १; ७, १०, १६, ४; १८, २; नाया० १: ५: ६; सु० च० २, ६६६; जं० प० सू० प० १; राय० २०६; श्रोव० ३=; विशे० ६४३; उवा० १, ६६; ६, १७८; ७, २३०: १०, २७४; क० प० ६, ३७; ४, ६०; प्रव० २२६; क० प० ५, १०३; पंचा० १७, ६; -पुत्त पुं॰ (-पुत्र) भ्ढेति। पुत्र, जेष्ठ पुत्र the eldest son नाया॰ ५, ६; १२; १४; १८; —भातु पुं॰ (-श्रातृ) २हे।टे। ભાઇ जेष्ठ भ्राताः वडील वंधु the eldest or senior brother नायाः — लाद्धि. त्रि॰ (–लाडेघ) ઉત્કૃષ્ટ લબ્ધિ-पादी।. ८त्कृष्ट लिब्ध युक्त. (one) possessing good powers क प॰ ७, २३: —सुरहा. स्री॰ (-स्तुपा) भेाटी वि ज्येष्ठ वधु wife of the eldest son; senior daughter-in-law. नाया॰ ७:

जेहग. ति॰ (ज्येष्ठक) २६।८ं. ज्येष्ट-वडील. Elder or eldest. पंचा॰ ४, ७, जेहा. स्री॰ (ज्येष्ठा) २६।८। ७६० ज्येष्ठ भगिनी. Elder or eldest sister. नाया॰ ८; (२) केंक्ष्णी. जेठानी. wife of husband's elder brother. सम• १; (३) कथें हा नाम का नक्त्र. name of a constellation. आगुजो॰ १३१; सम॰ ३; ठा॰ २,३;

जेहामूल. पुं॰ (ज्येष्टामूल) क्रिंभास; क्रेंहे भिंदिते. ज्येष्ट मास. The month of Jyestha "गिम्हकाल समयिम जेहा-मूलिम मासिम "श्रांव॰ ३६; श्रोघ॰ वि॰ २६६; भग॰ १६, १०; नाया१; —मास. पुं॰ (-मास) क्रेंहेभास. ज्येष्ट मास the month of Jyestha. नाया॰ १३; जेहामूली. श्री॰ (ज्येष्टामूली) क्रेहे भिंदीनारी पुनभ ज्येष्ट मास की पूर्णिमा. The full -moon day of the month of Jyestha. जं॰ प॰ ७, १६१;

जेगामेव. श्र॰ (२येनैव-यत्र) ज्यांक्री जिस स्थान पर. Place where. उवा॰ १, १०; नाया॰ १; १४; भग॰ ४, ७, जं॰ प॰ ३, ४३;

जेगाव अ० (यवैव) लथा; ले भागभां. जहां

-जिस स्थान में Where; place
where. स्थान ०११ श्रंत०१,१; नाया०
१; ४; ५; ६; १२; १४; १६; भग०१,
१; ६;२,१; ४.३,१,५,४;७,६; उवा०
१,१०; ५६;२,६४; जं० प० ४,११२;

√ जोम. घा॰ II. (जिस्) જમવું; બेल्प्त करवुं. भोजन करना, जीमना. To dine; to take food.

जेमेइ. उत्त॰ १७, १६;

जेमिय. भग० ३, १;

जेमण. न॰ (जेमन) भिष्ठ भीजन मिष्ट भोजन. Sweet food; dinner consisting of sweet or delicious food श्रोघ॰नि॰ ==; उना॰ १, ४०; १०, २७७; प्रव० ४४२;

जेमग्रग. न॰ (जिमन) आवड आतांशीणे ते प्रसंगे सरधार धरवामां आवे ते. बालक का श्रज प्राशन संस्कार. Rites or ceremony performed at the time when a child first learns to take food. राय॰ २०८;

जेमाचर्णः न॰ (जेमन) भील्यन करावर्तुं ते. भोजन कराना Giving food, dinner. भग॰ ११, १९;

जिमिणि पुं॰ (जिमिनि) भीभांसा दशनात स्थापम भुनि मोमांसा दर्शन के स्थापक मुनि Name of a saint who was the founder of the Mimānsā school of philosophy. नंदी॰

जेयार. त्रि॰ (जेतृ) छतनार; ल'य इरनार जीतने वाला-विजयी. (One) who conquers; a victor. "जेया-तिवा" भग॰ २०, २; नाया॰ १; स्य॰ १, ३, ९,९; जेहिल पुं॰ (जेहिल) अ नाभना विस्थ गेत्रभा उत्पन्न थ्येल-आर्थनागना शिष्य थिवर मुनि. एक श्रीकाग के शिष्य थिवर मुनि. Name of a Sthavira ascetic born in the Vasis ha family-origin and disciple of Aryanaga कप्प॰ इ,

जोन्न पु॰ (योग) संयभ ०थापार; क्षिया.
संयम व्यापार; किया. ascetic practice
viz. contemplation upon the
soul; activity of the mind,
speech or body. उत्त०२७, २; विशे॰
३५६;प्रव०=४७;दसा०९,२६; (२) अंद्रभानी
थे।ग चंद्र का योग. conjunction of
the moon with a constellation
etc श्रोव० ३१; सू० प० १२; (३) थे।ग
-भन वयन क्षायानी ०थापार योग-मन
Vol. 11/109

वचन काया का ज्यापार. the activity of the mind, speech and body. नाया॰ ४; भग॰ १८, ८; प्रव॰ ७४८; जोन्नाण. न॰ (योजन) लोलंन; यार गांड अथवा यार हल्तर गांड प्रभाष् ओड क्षेत्रनुं भाष. जोजन; चार कोश प्रमाण प्रथवा ४००० कोस प्रमाण चेत्र का माप विशेष. A. Yojana (equal to 8 miles or (the larger one) equal to 800 miles). नंदी॰ १०; जं॰ प॰ ४, ११२; ६, १२५;

जोइ. पुं॰ (ज्योतिष्) अिन; प्रशश, तेण; ज्ये।ति श्रम, प्रकाश, तेज, ज्योति Fire; light; lustre. दस॰ २, ६; =, ६२; भग० ३, १; सूय० १, १६, ६; श्रोघ• नि० ६४२; राय० २४, ६; नंदी० १०; दसा०१०, ३; ठा० ४, ३; भग० ८, ६; (२) ज्ञान यक्षुवाधीः ज्ञानचतुत्रुक. possessed of the vision of knowledge. 51. ૪, ર; (ર) ગ્રહ, નક્ષત્ર, તારા આદિ. प्रह, नचत्र, तारे आदि. a heavenly body such as a planet, star etc. सम०३; क०ग०३, ११; (४) ज्ये।तिप सक्षान् विभान विशेष. ज्योतिष सच्चण का विमान विशेष. name of a particular lustrons heavenly abode. (4) ज्ये।तिप सण धी ज्ञानवार्व शास्त्र, ज्योतिष विषयका ज्ञान देनेवाला शाख्न. the science of the astronomy or astrology. निसी०३,३;(६) न•दीवानी ज्येत. दीपक की ज्योति. lamp night प्रव २००; (७) त्रि॰ सत्हाय^९ हरवाथी बिलवस स्वलाववासी सत्कार्थ करने से उज्वल स्वभाव वाला. possessed of cheerfulness of spirit or nature imparted by performance of good deeds. 310

૪, ર, (=) જેમાંથી અગ્તિ ઉત્પન્ન થાય तेपी जातनां इस्पष्टक्ष. उस जाति के कल्पश्च जिनमें से श्राप्ति उत्पन्न हो. a variety of Kalpavriksa (desire-yielding tree) emitting or supplying with fire. प्रव. १०=१; सम. १०; —श्रंग पुं॰ (-श्रंग) क्रेभां क्रये।ति-प्र-કાશ જણાય તેવા-કલ્પ વૃક્ષની એક જાત. जिस मे ज्योति-प्रकाश दृष्टिगोचर हो ऐसे कल्पवृत्त की एक जाति. a variety of Kalpavriksa (desire-yielding tree) emitting light. তা০ ৭০; तंदु॰ —हारा. न॰ (-स्थान) अशिनु २थान; अभिनु हैं। छे स्रिप्त का स्थान place or abode of fire. " केते जोई के य ते जोइट्राग्'' उत्त०१२, ४३; ---बल-त्रि॰ (-बल --ज्योतिर्ज्ञांन वलं यस्य स तथा) सदायार वासी; ज्ञान वासी. सदा-चारी,ज्ञानी possessed of the power of knowledge or right-conduct. ठा० ४, ३; — भंड, न० (— भागड) अभिनु क्षेम अप्रिका पात्र. a vessel containing fire; a receptacle of fire. " जोइमंडोव रागा विव मुहराग विरागाश्री '' तंदु०

जोइ पु॰ (योगिन्) ये। भनते। अनुयायी; ये। दर्शनतेल भाननार. योग मत का अनुयायी-योग दर्शन को ही मानने वाला. a follower of the tenets of the Yoga school of philosophy श्रोव॰ ३=;

क्षजोइक्ख. पुं॰ (ज्यातिष्क) दीवानी ज्येत दीपक की ज्योत. The light of a lamp. प्रव॰ २००;

जोइभूय. त्रि॰ (ज्योतिभूत) ल्योतिभ्य थ्येस ज्योतिर्मय जो है वह. (That which has) become full of light and illumination. " वर्त समजोइम्यं" विवा॰ १, ४; स्य॰ १, १,२, १६;

जोइय ति॰ (योगिक) यै। शिक्ष शण्दः जेना प्रकृति प्रत्ययंना व्यर्थ शण्दमां घटे तेः योः गिक शब्द जिस के प्रकृति प्रत्ययं काः श्रर्थ शब्द में योग्य सूचित हो वहः. A word bearing out its etymological sense. पराह० २, २; (२) ये। गवाला. योग वाला. possessed of Yoga. भग॰ ६, ३३;

जोइय. त्रि॰ (योजित) ये। केश: की डेस. योजना किया हुआ; जुड़ा हुआ. Joined; united; planned. भत्त॰ २७, ८; उवा॰ ७, २०६;

जोइरस. न० (ज्योतिरस) એક જાતનુ रत एक जाति का रत्न. A. kind of gem. नाया॰ १; राय॰ २६; जीवा॰ ३, ४; कण्प॰ २, २६;

जोइसः न॰ (ज्योतिष) लथे।तिष यहे. ज्योतिष चक्र. The system or group of heavenly bodies so to 2, ११७; पन्न**० ३**; श्रोव० २५.(२) प्रं० જ્યાતિષ ચક્રની અદર રહેલા દેવા; સુપ[°] यद्र वगेरे. ज्योतिष चक्र में रहे हुए देव-सूर्य चन्द्र वगैरह any of the deities forming a part of the group of heavenly bodies; e. g. the sun, the moon etc. कप्प॰ ३, ३४; उत्त० ३४, ५१; ३६, २०२; विशे० ७०१; १८७०; पि० नि० ८७; भग० २, ७; पत्त० २; (३) ज्ये।तिष शास्त्र. ज्योतिष शास्त्र. science of Astronomy. भग०२, १; सु०च० ४, ६; —ग्रंग-जविउः त्रि॰ (-श्रंगविद्—इगोतिषं उपोतिषक ज्योतिः शास्त्रमङ्गानि च विदन्ति ये ते ज्यो-तिपहाविदः) ल्योतिःशात्र वर्गरे वेहनां अ गर्ने अर्धनार, ज्यांतिष शास्त्र वगैरह वंद के श्रेगो को जानने वाला. (one) proficient in the Angas (subsidiary or auxiliary branches) of Veda such as astronomy etc. उत्त॰ २१, ७; —श्रंत. पुं॰ (-श्रत) क्योतिष यक्ष्ते। अंत छेडे।, ज्योतिष चक्र का श्रन्त. the boundary-line of the system of heavenly orbs. सम॰ ११, -- श्रालय पुं० (-श्रावय-ज्यो-तिराजयो गृहं येषां ते ज्योतिराजयाः) ल्ये।तिषना हेव ज्यातिष के देव n heavenly body regarded as a deity; e. g. the sun, the moon etc. " पंचहा जोइसाजया " उत्त॰ ३६; २०६; ज्येतिष गण-तारे नज्ञ इत्यादि का समूह उस का राजा चन्द्र वा सूर्य king of the heavenly bodies such as stars, constellations etc. the sun or the moon. जं॰ प॰ १, — बक्क न॰ (-चक्र) लये।तिष यक्ष, सूर्य यह तारा नक्षत्र परोरेते। सभूद, ज्योतिष चक्र, सूर्य चन्द्र तारे नज्ञन वंगरह का समूह. the system or the group of the heavenly bodies such as the sun, moon and stars etc. --इंद. पु॰ (-इंद) क्योतिधीना ध्र, भूर्थ थंद्र उपोतिष के इन्द्र, सूर्य, चन्द्र the Indra of the heavenly bodies: the sun or the moon '' चिद्रमसुरियाय एत्थ दुवे जोड्।सिंदा जोड्-ासियरायाणा परिवसति " चं० प० १; भग० ३, १; १०, ४; १२, ६; १८, ७; निर० ३, १; पंचा० २, १४; प्रव० ४८७; -- गरा-

राय पुं॰ (-गगराज) ज्ये।तिपग्श-तारा નક્ષત્ર વગેરેના સમુહ, તેના રાજ્ય ચંદ્ર સૂર્ય. king of the planetary system viz. the sun or moon. सम० ११; क० गं० १, ४६; --पह. पुं॰ (-पथ) સૂર્ય ચન્દ્ર આદિ જયાતિષ ચક્રના भागी. सूर्य चंद्र श्रादि ज्योतिष चक्र का मार्ग. the path of the heavenly bodies such as the sun, the moon etc. सम०-पह त्रि॰ (-प्रभ) कथे।ति ६ देवना केवी **अंतिवाक्षी. ज्यो**िष्क देवक समान कान्तिवान. posses ed of a lustre like that of a heavenly body. सम॰ (२) अग्निना केनी धान्तिवाक्षी. श्रारिन के समान कान्तिवान्. possessed of a lustre like that or fire. सम - - पहा ब्रा॰ (- प्रभा) जये।तिष-देव सभान धान्ति अला ज्योतिष देव समान कान्ति, प्रभा lustre or brightness like that of a heavenly body. दसा॰६,१; —राय पु॰ (-राज) यंद्र,सूर्थ. चन्द्र, सूर्य. the sun and moon. "जोड्स्मरायस्य पद्मत्ति" चं०प०१; भग०३, १, १८, ७; —विमाग्रः नः (-विमान) क्रयातिषी देवना विभान ज्योतिषा देवा के विमान. a heavenly abode of the neavenly bodies such as the sun, moon etc. मग॰१,५; —िप हरा (-विहान) अथे।तिष रिदेत ज्योतिष राहेत devoid of heavenly bodies. भग॰ २, ६, —संचाल (-संचाल) ल्ये।तिप यक्ष्तुं ६२वु. ज्योतिप चक का फिरना motions of the heavenly bodies सम॰ ३;

जोइसमंडिउद्सग पुं॰ (ज्योतिर्मिष्डतोद्दे-शक) જ્यासिगम सूत्रती अ नामती अह इसे. जांवाभिगम स्त्र का इस नाम वा एक उद्देशा. Name of an Uddeśñ (a section) of Jīvābhigama Sūtra. भग० १ε, ६;

जोइसामयण. न॰ (ज्यातिःशास्त्र) ज्ये।तिप शास्त्र. ज्योतिष शास्त्र. Astrology, astronomy. कप्प॰ १, ६;

जोइसिया. स्री० (ज्योत्स्ना) जथेत्रत्ना; क्षेमुदी; चांदनीः क्षेमुदी; चांदनीः Moonlight. "जोइ सियाइ "ठा०२,४; —पक्ख पुं० (-पच) शुक्त पक्ष. शुक्त पक्ष; the bright half of a month. च० प० १४; सू० प०

जोइसियाभा ह्या॰ (जोस्त्राभ) यदंनी णीछ अश्र मिंधुपीनुं नाभ चन्द्र की दूसरी श्रद्र मिंद्रियी का नाम. Name of the 2nd principal queen of the moon. भग० १०, ५.

जोइ।सियः पु॰ (ज्योतिष्क) सूर्या, याँद्र, यह, નક્ષત્ર અનેતારા એ પાંચ જાતના દેવતા. સૂર્ય चन्द्र, मह, नज्ञन व तारे इन पांच जाति के देवता The five kinds of deities viz. the sun, moon, planets, constellations and stars. भग॰ २, 9; ₹, 9; ₹, ४; ५; ७, ६; ६, ३; ₹, ३२; १४, १; १६, ६; १८, ७; जीवा॰ नाया॰ मः; सु॰ च॰ ४, १मः; पन्न॰१; श्रोव॰ २४, ३८, श्रगुजो० १४२; सम० १; प्रव० ११२६, ४५; ठा० १, १, —देव पुं॰ (-देव) ज्ये।तिषी हेव; य ६, सूर्य वजेरे; ज्योतिष के देव; चन्द्र सूर्य वगैरह. & heavenly body regarded as a deity; e. g the sun, moon etc. भग० २४, १२; —देवितथी. स्री० (-देवस्त्री) જયેાતિષના દેવતાની સ્ત્રી. ज्योतिष के देवता की स्त्री. a wife of a

heavenly body (regarded as a deity). " से किंतं जोइसियदेविाध-श्राश्रो " जीवा० १; -- मंडल न० (-मं-डल) ચંદ્ર, સુર્ય', ગ્રહ, નક્ષત્ર, તારા આદિનું भएउस. चन्द्र, सूर्य, प्रह, नक्त्रत, तारे श्रादि का मर्डल. the circle or system of the heavenly bodies such as the sun, moon, planets etc. जं॰प॰ २, ३३;—राय पुं॰ (-राय) यंद्र सूर्य. चन्द्र, सूर्य. the sun or moon. " जोइसिय रायाग्रो परिवसंति " पन्न० २; भग० १०, ४; निर० ३, १; —विमागा. न० (-विमान) यंद्र सुर्थ तारा न्याहिनां विभानः चन्द्र, सूर्यं, तारे श्रादि के विमान. a heavenly abode of the sun, moon, stars etc. पत्र ३;

जोई पु॰ (ज्यातिप) ळुओ "जोइ" शण्टः देखा 'जोइ 'शब्द. Vide 'जोइ' वेय॰ २, ६; ;ापे॰ नि॰ २६६;

जोईरस. न॰ (ज्योतीरस) ओक्ष्णतनुं २तनः एक प्रकार का रतन. A. kind of gem. राय॰ जीवा॰ ३:

जोउ ऋिएण्छ पुं॰ (योगकार्णिक) पूर्व-भाद्रपद्दा नक्षत्रनु भात्र, पूर्वा भाद्रपद्दा नक्षत्र का गोत्र. The family-origin of the constellation Purva Bhadrapada. सू॰ प॰ १०;

जाएयव्य त्रि॰ (योजितव्य) कोऽवा थे। अ. जोडने के योग्य; योजनीय. Worthy of

being united or joined with. पत्र १०; नाया = ६;

जोग. पुं॰ (योग) संभाध; भिलाप; ब्लेडाए. सम्बन्धः मिलाप. Union: contact: combination. विशेष २; नाया॰ ११; पिं नि॰ ४८ सम० ६; सू॰ प॰ ६; पन्न० ११: कप्प० १, २; (२) यंद्रभा ने नक्षत्रना संभंध, चन्द्र व नक्तत्र का सम्बन्ध. conjunction of the moon with a constellation. नाया॰ =; (३) अप्राप्त वस्तुनी प्राप्ति. श्रप्राप्त वस्तु की प्राप्ति. acquisition of an unacquired object जं॰ प॰ ७, १२६: १४१; १४४; नाया० ४; (४) युक्ति, Eula, यक्ति; उपाय, plan; means to accomplish an object पि॰ नि॰ ५००; (५) पत्रवणा स्त्रना त्रील **प**त्ना पांचमा द्वारानं नाम. पञ्चवणा-सूत्र के तामरे पद के पांचव द्वार का नाम. name of the 5th Dyara of the third Pada of Pannavana Stitra. पन्न॰ ३; (६) वशीक्ष्रश आहि-थे। वशीकरण आदि योग the art of fascination etc. परह॰ २, २: निसा॰ १३, १२; दस० म, ४१; पि० नि० ४०६; (७) यित्तनी वृत्तिने। निरे। चित्तवृत्ति का निरोध control of the vibratory activity of the mind. उत्त॰ = **૧૪, (=) પ**ડિલેડ્ણ વગેરે શુભવ્યાપાર--**४२ति पडिलेह्ण श्रादि शुभव्यापार-प्रवृत्ति**. salutary physical activity such as Padilehana (mepection of clothes) etc. ভ্ৰন জ; ૧૪; (६) મન વચન અને કાયાના **८५।५।२. मन वचन व काया का व्यापार.** vibratory activity of the mind

speech and body. भग० ३, ३: ७, ५; =, ७; १७; ३; २४, १; २२, १; सूय० १, १, ४, ६; श्रयुजो २१; क० प० १, ४: १४, पंचा॰ १, ४५: २४. प्रव॰ २६२: दस० ४, २६; ७, ४०; ८, ४३; नाया० १: उत्त॰ ३१, २०; सू॰ प॰ १; श्रोव॰ निसी॰ **६३, १८; २१, नदी० ११: विशे० ३५६**: संत्था॰ ३२; (१०) स्थम self-restraint so no 9, xx; --क्लेम. न॰ (-देम) ये।गक्षम; अप्रा-भनी प्राप्ती व्यने प्राप्तन् रक्षण्. योगचेम; श्रशप्त वस्तु की प्राप्ति व प्राप्त का रचिया acquisition of a desired object and safe protection of what is already acquired नायान ५; ---श्रायार. पुं॰ (-श्राचार) ये।गायार. योगाचार the conduct of Yoga. सम॰ १; -- चल्लाः स्री॰ (-चलन) भन वयताहि ये।गे।तु यसवियसपा . मनवचन श्रादि योगोंका चलविचलपना unsta blitiy of the mind, speech and body भग॰ १७, ३; -- जहरागा. न॰ (-जघन्य) २/धन्य थे।ग. जघन्य थे।ग the lowest, shortest Yoga क. प० २, ७५, --- जवमज्भ न० (-यव-मध्य) અન્દ સમયવાલા યાગસ્થાનકા आठ समय वाले योगस्थानक, the Yoga stages lasting for eight Samayas क॰ प॰ २, ७७, — जुंजरा न॰ (-योजन) સ્વાધ્યાય આદિમાં પારકાને थे।जब ते स्वाभ्याय आदि मे अन्य को योजना. setting (i. e helping) another to study the scriptures etc सम॰ प॰ १६=; -- ज्रंजिएया स्ती॰ (-योजन) लुओ छ ५से। शण्ह जारका शब्द vide above भग०३५,७:

—जुत्त. त्रि॰ (-युक्त) ये।ग -मन वयन अने डायाना व्यापारथी युक्त-सदित यांग-मन वचन व कायाके ज्यापार से युक्त-साहित possessed of the activity of the mind, speech and body. प्रव॰ २७०; —हाग्।. न० (-स्थान-योगो वीर्य तस्य स्थानं-योगस्थानम्) थे। १ वीर्थन स्थान योग-वीर्य का स्थान the sack or repository of the seminal fluid or heroic power. क॰ प॰ ७, ४४; क॰ गं॰ ४, ६४; — गि-श्रोग पुं॰ (-नियोग) पशीक्षरख्याहि थे।गतुं क्रीऽवुं ते. वशीकरण आदि योग का जोडना. directing the activity of mind etc. towards fascination etc तंद्र - शिव्यत्तिः स्री॰ (-निर्वृत्ति) थे। शनी निष्पत्ति. योग की निष्पत्ति. accomplishment of Yoga. भग०१६,८;—(गा)स्योग पुं०(-श्रनुयोग) વશીકરણાદિ ઉપાય વતાવનારું હરમે ખલાદિ शास्त्र. वशीकरण श्रादि उपाय वताने वाला हरमेखलादि शात्र A science such ns Haramekhalā etc dealing with the ways and means of fascination etc. सम० २६: —नि-मित्त त्रि॰ (-निमित्त) भन वयन धयाना ये।गने निभिते थयेथं. मन वचन काया के योग के निमित्त जो हुआ हो वह. caused by the activities of the mind, speech and body. भग॰ १, ३; -पद्मकातामा न॰ (-प्रत्याख्यान) યાેગ-મન વચન અને કાયાના વ્યાપાર-તેના परिदार-त्याग, योग-मन वचन व काया का व्यापार-उम का परिहार-त्याग. abandonment of, giving up of the activities of the mind, speech and body. उत्त॰ २६,२; -पार्डकमण. न० (-प्रतिक्रमण्) थे। गभन वयन अने કાયાના યાેગનું પ્રતિક્રમણ કરવું ते. योग-सन वचन व काया के योग का प्रतिक्रमण करना. self-analysis and repentance for the faults connected with the activity of the mind, speech and body. य॰ ५, ३; —पंडिसं-लीगुता स्त्री॰ (-प्रतिसंज्ञीनता) भन, વચન અને કાયાને વશ રાખવા ते मन वचन व काया को वशीभूत करना. ए०॥trol over mind, speech and body भग० २४, ७, —परिणामः न० (-परिगाम) छवता परिणाभते। ये ध પ્રકાર. जीव के पारिसाम का एक प्रकार a kind of thought-activity of a soul or living being. 310 5; —परिव्वाइयाः स्री॰ (-परिवाजिका) પરિવાજિકા~સન્યાસિની. સમાધિવાલી समाविस्थ परित्राजिकाः सन्यासिनीः nun practising Samādhi or contemplation नाया॰ ६; — भवि यमइ त्रि॰ (-भवितमति) धर्भ ०यापारथी વિશેષ ભાવિત છુદ્ધિવાલું ધર્મ व्यापार से विशेष भावित बुद्धिवाला. one whose knowledge is especially impressed by religions activities वंचा०३,२४,—मग्ग. पुं०(-मार्ग) अध्यात्म शास्त्रने। भाग े अध्यात्म शात्रका मार्ग. the path of philosophy. पंचा॰१६, ४२; —वस. त्रि॰ (—वश) थे।गर्ने पश. योग के आधीन. (one) dependent on Yoga क॰ प॰ ४, ६; -विसुद्ध-त्रि॰ (-ाविश्वद्ध) निरवद्य व्यापार-विशुद्ध **०**यापारवान्. निरवद्य व्यापारनविशुद्ध ध्यापार बान्. (one) of pure, sinless

activity. "उमश्रो जोगविसुद्धा" पंचा॰ १८, ४६; —बाहि. त्रि॰ (-बाहिन्) સાંભલેલાને યાદ રાખનાર-મનન કરનાર. श्रवण किये हुवे की स्मरण से रखने वाला, मनन करने वाला. (one) who reflects upon what he has heard ठा॰ १०; —संगाह. पुं॰ (-सप्रह) भन वयन-कायाना व्यापाररूप प्रशस्त ये।गने। संश्रेष्ठ मन वचन काया के व्यापाररूप प्रशस्त योग का संप्रह. bringing together, accepting the salutary activity of the mind, speech and body. सम॰ ३२; श्राव॰ ४, ७; —सुद्धिः स्त्री॰ (-श्रुद्धि) ये।गनी शुद्धि-विशुद्धि योग का शाद्धि-विद्यादि purity of the activities of the mind, speech and body. प्रव • १५२४;--संपया. स्री • (-सप्पत्) थे।-गनी स पहा-वि शष्ट्रऋद्धिः योगकी सम्पदा-वि-शिष्ट ऋदि. the special power of the activity of the mind, speech and body. प्रव॰ ५१३; —सञ्च. न॰ (-सत्य) भन वयन अने अयाना व्यापारने सत्य अवर्ताववे। ते मन वचन व काया के च्यापारको सत्य में प्रवृत्त करना, directing the processes of the mind, speech and body towards the right path. उत्त०२६,२;सम०२७;भग० १७, ३; -सत्थः न० (-शास्त्र) ये।गना शास्त्र, व्याप्यातम अथ. योग के शास्त्र; श्रध्यात्म प्रथ. the scriptures dealing with metaphysics.पंचा॰३,२७; —हीरा न॰ (- हीन) थे।ग-सयभ ०यापार हीत. योग-संयम व्यापार हीत. devoid of self-control or asceticism. श्रोव॰ ४, ७;

जोगमुद्दा स्त्री॰ (योगमुद्दा) क्षाथनी व्यांगन

લિએ પરસ્પર અન્તરિત કરી-સ પુટ ખનાવી કાેેે હાના લાગ ઉદરપાસે રાખી વંદનાના પાક ઉચ્ચારતાં પાંચઅ ગ (બે ઢીચણ, બે હाथ अने भस्तक) नभाउवा ते. हाथ की उंगलियों को परस्पर अन्तरित करके संपट वनाकर कुहुनी का हिस्सा उदर के निकट रख कर वंदना के पाठ का उचार करते हुए पांच श्रंग (दो घुंटने, दो हाथ व मस्तक) फाकाना. Bending the five parts of the body (viz two knees, two hands and head) while paying respects or salutation, having kept the elbow near the abdomen and foldidg hands leaving some interval amongst the fingers पंचा॰ ३, १७, प्रव॰ ७१;

जोगंतिया. छी॰ (योग्यन्तिका—योगिनि सयोगिकेविताने सक्तममाश्रित्यान्तः पर्यन्तो यासां ता.तथा) जे अधृतिओनी तेरमे शुणुधि अत आवे छे तेवी धर्म अधृतिओ। जिन प्रकृतियों का तैरहवें गुणस्थान पर अन्त आता है ऐसी कर्म प्रकृतिया. Such varieties of Karmic matter which end at the 13th spiritual stage.

जोगवंत. त्रि॰ (जोगवत्) स यभ थे। श्र थु । संयम यो। युक्त. Possessed or practising self-control or asceticism. स्य॰ १, २, १, ११; उत्त॰ ११, १४; जोगि त्रि॰ (योगिन्) थे। मिस्ति; सथे। थी। योग सिहत; सयोगी. With concentration; an ascetic सम॰ २; क॰ गं॰ ३, १६, क॰ प॰ ४, १, — णाण, न॰ (-इन) ळुओ। "जोइणाण " शण्द देखों "जोइणाण " शण्द पांति (योगिक) ळुओ। "जोइय"

शण्ट. देखा " जोइय " शब्द. Vide " जोइय " पग्ह॰ २, २;

जोरग. त्रि॰ (योग्य) थे।ग्य; धटित; उथित; भरोग्य; धटित; उथित; भरोग्य; उचित; लायक.

Proper; fit; worthy. विशे॰४;३३१;
३६०३; श्रोत्र॰ ३१; पि॰ नि॰ ६६; राय॰
२६; निर॰ ३, १; क॰ प॰ ४, ३६; प्रव॰
४४२; जं॰ प॰ ४, ११३;

जोग्गया स्त्री॰ (योग्यता) वे। २४ता; सायकात. योग्यता. Worthiness; fitness; propriety. सु॰ च॰ १, ३६०; पंचा॰ ३, ७, पंचा॰ १८, ४७; ६, १०;

जोगगा स्त्री॰ (योग्या) शुखाशार श्रवेश ते.
गुणाकरना. Multiplication. भग॰ ११,
११; स्रोव॰ (२) अभ्यास. स्त्रभ्यास.
study. (३) गर्ला धारख श्रवाने लायश्र योनि गर्भ धारण करने के योग्य योनि. क
womb fit for conception. तंदु॰
जोजित त्रि॰ (योजित) कोरेशुं; लगारेशुं.
जुडाहुमा; लगाहुस्रा. Joined, united;
धttached. पंचा॰ १६, ७;

जोडिडं. सं॰ कु॰ श्र॰ (योजित्वा) लेडीने. जोड्कर. Having joined or united. स॰ च॰ १०, १४४:

जोडिय. त्रि॰ (योजित) कोडेस. जोडा हुआ। Joined; united. सु॰ च॰ ७, ३४:

जोरा पुं॰ (योन) अनार्य देशभांना क्षेत्र. अनार्य देश में का एक. One of the Anarya countries. नाया॰ १:

जोराश्र. पुं॰ (योनक) उत्तर अरतमांना ओड देश. उत्तर भरत का एक देश. Name of a country in Uttara Bharata.

जोिंग स्नी॰ (योनि) थे।नि; ઉत्पत्ति स्थान; स्त्रीने। गुद्ध क्षाग. योनि, उत्पत्ति स्थान; स्नीका गुद्ध भाग. The womb; the

origin; the female generative organ, भग॰ २, ४,४,३,४,६, ४,१०, १; २०, २;नाया० ७, तंदु० १०;पन्न०६;पि॰नि० भा॰ १३: पि॰ नि॰ ४०७; जीवा॰ ३, ३; थ्राया॰ १, १, १, ६; उत्त॰ ३, ४; कप॰ २, १८; श्रासुजो० १७; प्रव० १३७६; (२) પત્રવણા સૃત્રના નવમા પદતું નામ. पन्नवग्रा सूत्र के नववें पद का नाम. name of the 9th Pada of the Pannavaņā Sūtra. पत्र॰ १; (३) ગીતની એક જાત. गीत की एक जाति. a variety of. song. श्रगुाजो॰ १२८; (४) आधार. आधार. a support; a prop. " इहे-र्गातया मत्ता पुठवी जोणिया '' स्य॰ २, ३, ૧; (પ્ર) એ નામના ભગ અપર નામધારી हेय. इस नाम का भग अपर नामधारी देव. name of a god, also styled Bhaga. ठा॰ २, ३; (६) केती देवता ભગ છે એવું પૂર્વાફલ્યુની નક્ષત્ર. जिस का स्वामी भग है ऐसा पूर्वाफालगुनी नद्दत्र. the constellation Pūrvāfālgunī having Bhaga as its lord. ठा॰ २, ३; (७) धारेखु. कारण. chuse; reason. पंचा॰ ३, २१; —पमुद्दः त्रि॰ (-प्रमुख) येानि आहि-यगेरे. योानं आदि. a womb etc. विवा॰ १; — प्पमुह. त्रि॰ (-प्रनुख) थे।निनुं ६।२. योनिद्वार. a mouth or entrance of the womb. विवा॰ १; सम॰ ८४; जीवा॰ ३; —मुद्दिणिष्फाडियः त्रि॰ (-मुखनिष्पतित) યાનિના મુખમાંથી નીકલેલ. योनि के मुख में से निकला हुआ. come out of, issued from the mouth of a womb. तंदु॰ —लक्सचुलसी स्रो॰ (-लक्चतुरशीति) चे।राशी सक्ष ये।नि. =४ लच्च योनि. 84 lacs of lives प्रव॰

३६; — विहासा. न० (- विधान) ये। निना प्रधार. योनि के प्रकार any of the varieties of a birth. विवा॰ 1, -संगाह पु (-सग्रह-योनिस्त्पत्ति हेतु, जीवस्य तथा संप्रहोऽनेकेपामेकशब्दाभि-लाप्यत्वं योनिसंग्रहः) ये।नि-अत्पत्तिस्था-नीनी स अंधु योनि-उत्पत्ति-स्थानों का संप्रह the word "birth" taken in the abstract or collective sense. भग० ७, ५; ठा० ७, १; ८, जीवा० ३; —समुच्छ्रेय. पुं॰ (-समुच्छ्रेद) थे।निने। नाश. योनिका नाश. destruction of " एस जोखी जगायां दिट्टा न कष्पद्द जोशिममुच्छेश्रो " परह० २, ४, —सूल पुं॰ (-शूल) ये।निने। रे।ग. योनि in a disease of the womb विवा० २: भग० ३, ७:

जोगिभूय त्रि॰ (योनीभूत) थे।नि अवस्थाने प्राप्त थयेक्ष; (जिल्ल आहि) योनि अवस्थानों प्राप्त (वीज आदि) Developed into a womb or origin पन्न १, भग०२, ४, जोगिय त्रि॰ (यौनिक) थे।निभां उत्पन्न थयेक्ष योनि में उत्पन्त. Boin in a womb उना॰ २, ११६, भग॰ २४, १; (२) थे।न देशमां उत्पन्त. produced or born in the country named Yona न या॰ १;

जोििया स्त्री॰ (योनिका) ये।नि-७८५ित स्थान योनि-उत्पत्ति स्थान A womb, origin भग० १४, ६,

जोशिया. स्त्री॰ (यौनिका) थीन नामना अनाय देशमां जन्मेशी हासी योन नाम के स्त्रनार्य देशमें जन्म प्राप्त दासी. A maid servant born in the Anāi ya country named Yona. स्रोव॰ ३३; जं॰ प॰ नाया॰ १; सग॰ १, ३३,

Vol u/110

जोणिपद. न० (योनिपद) येतिना अधिक्षार यालुं भन्नवाह्या भूत्रनुं अके भन्न योनिके श्राधिकार वाला पत्रवाणा सूत्र का एक पद Name of a Pada of Pannavanā, Sūtra dealing with the subject of births. भग० १०, २;

जोराहा. स्री॰ (जात्स्ना) थांदनी; है।भुदी. चांदनी Moonlight. नंदी॰ ६; जीवा॰ ३, ३; सु॰ च॰ २, ३२;

जोति न॰ (ज्योतिष्) लुओ ''जोइ'' शण्टः देखो ''जोइ '' शब्द Vide '' जोइ '' सूय॰ १ १२, म.

जोतिय त्रि॰ (योजित) लेतरेक्षं. जोता हुआ Yoked to a cart, plough etc. नाया॰ ३:

जोतिरस पुं॰ (ज्योतीरस) लथे।तिरस ४।एऽ;
भर४।ऽने। नवभे। आग ज्योतिरस काएड;
खर काएड का ध्वां भाग Jyotirasa
Kānda 1. e. the 9th division
of Khara Kānda जीवा॰ ३. १;

जोतिसः न॰ (ज्योतिष) જયોતिष शास्त्र.
ज्योतिष शास्त्र. Astronomy and
nstrology; the science of the
course of the heavenly hodies.
श्रोव॰ ३=,

जोतिसिय. पुं॰ (ज्योतिपिक) कुओ। "जोइ-पिय "शण्द देखों " जोइसिय " शब्द. Vide "जोइसिश्च" राय॰ ३७;

जोतिसिह पुं॰ (ज्योतिशिक्ष्य) डस्पृक्षनी
गोड जान डे के भांथी युग्धीयाने सूर्य के दे।
प्रडाश भर्त छे. कल्पद्य की एक जाति कि
जिम में से युगलियों को सूर्य समान प्रकाश
मिलता है. A species of Kalpa
Vilksha (desire-yielding tree)
from which the Jugaliyas get
light like that of the sun

जीवा० ३, ३;

जोत्त. न॰ (योक्त्र) कोतरूं. जोत. A rope by which animal is tied to the pole of a carriage; halter. "सुकिरण तविण्य जोत्तकितयं" पण्द्द॰ २, ५;उवा॰७,२०६;स्य॰२,२, १८, दसा॰६,४;

वव॰ १०, १; जं॰प॰ ७, १६६; √ जोय. था॰ I, II. (युज्) लोऽवुं; थे।४ वृं लोतरवुं. जोडना; योजना; जोतना. To join; to unite; to yoke.' जोएति. जं॰ प॰ ७, १५१;

जोएइ. श्रोव० ३०; उत्त० २७, ३; सम० १; नाया० १७;

जोयंति. स्० प० १०, नाया० =; जं०प० जोएंति. ७, १४६,

जीएजा वि० विशे० ६, १२; पि० नि० ७६;

जोश्रंति जं०प० ७, १४१;

जोएता. नाया॰ १५; १७, जोएमास. जं० प॰ ७, १६१;

जोयावेइ नाया॰ १४:

जीयावेत्ता. नाया० १५:

√ जोय धा॰ I, II. (धोत्) प्रधाश धरवे।. प्रकाश करना To shine; to emit light

जोयंति. जीवा॰ ३, ४;

√ जोय. था॰ I. (युत्) लियाति भुःषी; अश्राश्युं. प्रकाशित होना; चमकना. To shine; to emit light.

जोइंति सम० ४२;

जोइंसु. भू० जं० प० ७, १२६;

जायइ सु० च० १५, १००;

जाद्जंत मु॰ च॰ २, ३६५;

जोय न॰ (योक्त्र) जीतरु; जीतर, जोत. The rope by which an animal is tied to the pole of a carri-

जोयग. न॰ (धोतक) द्यातक पद; प्र, पर, दिगेरे ઉपसर्ग. योतक पद; प्र, पर, इरवादि उपसर्ग. A suggestive word; a preposition such as Pra, Para, etc. modifying in some way the sense of the verb or noun before which it is placed. विशेष

जोयगा. न॰ (योजन) थार गाउ; थार गाउ সমাত] क्षेत्र. चार कीम; चार कीस के प्रमाण का जेन A Yojana (8 miles); area covering eight miles. जं॰ प॰ प, ११२; ११४; १, १२; सम० १; उत्त॰ ३६, ४७; श्रीव॰ ३४; श्र**ग्र**को॰ १३४; नाया० ५; मृ० प० १८, पंचा० १, १८; १४, ४०; प्रव० ८६१; कप्प० २, १६; भग० २, १; ६, ७; १४, १; १६, ५; ३६, १; नाया॰ १, ८; १६; विशे॰ ३८१; ३४६८; राग० २६; ्स० च० ३, ७०; श्रोव० ४२; उवा० १, ८३; ८, २५३; (२) ब्लेडवुं ते. जोडना. joining; uniting. पग्ह॰ १, १; —निहारि वि॰ (- निहारिन्) थार गांઉमां विस्तार पामनार. चार कोम में विस्तृत. extending, stretching over 8 miles. "जोयण निहारिणा मरेण्" सम० ३४; -परिमंडलः नि॰ (-परिमग्डल-योजन योजनप्रमाण परिमगडलं गुगाप्रधानोऽतं निर्देशःपरि-माग्डल्य यस्य स योजनपरिमएडलः) એક યાજન ત્રમાણે મડલ-વર્તુલ. एक योजन के प्रमाण का मग्डल-वर्तुल. of the circumference of a Yojana (8 miles)'जोयखपरिमंडल' सुस्सरं घंटं' राय॰ --- द्यमाग् न॰ (-प्रमाग्) ये।जन- थार गाउप्रभाख . योजन-चार कोस प्रमाण. measure of a Yojana (8 miles). भग० ६, ७; जं० प० २, १६०, -ामेत्त. ति॰ (-मात्र) यार गाउभात्र; लेकन प्रभाश. केवल चारकीस; जीजन प्रमाण measuring 8 miles only. प्रव०४४८; —विचिद्यन ति॰ (~विस्तीर्ण) जोअनना विस्तारवार्ध जोजन के विस्तार extending 8 miles. प्रव॰ १०३२; —वेला. स्री०(-वेला) એક येाजन यासतां न्ये देशे व भन क्षां तेये थे। एक योजन चलने में जितना समय लगता है उतना. the time required in walking one Yojana (8 miles) निसी०१८, १२; --स्यविचित्रक्ष त्रि॰(-शतविस्तांर्ण)ऄ**४**-से लोजनमा विस्तार पामेश एक सौ योजन में विस्तृत. extended as far as one hundred Yojanas प्रव १४६०; --सयसहस्स. न॰ (-शतसहस्र) थे। इ साथ नेक्य. एक जन योजन. hundred thousand Yojanas (8 miles). भग० ३, ७; —सहस्त. न॰ (-सहस्र) थे। ७००२ लेलन एक हजार योजन: एक सहस्र योजन. 1000 Yojanas जं प॰ ६; क॰ गं० ४, ७६;

जोचण. न॰ (योवन) युवावस्था; लुवानी. युवावस्था. Youth, puberty. जीवा॰ ३, ३; नाया॰ १६; राय॰ ८०;

जोवणगः न० (गौवनक) युवान पाधु युवकत्वः युवावस्याः Youth; puberty विवा॰ १: नाया॰ १:

जोट्यण न॰ (योवन) ये।वन; युवावस्था र्यावन; युवावस्था Youth, puberty पत्र ० १४, निर० १, ४; स्रोव० २२; स्य० १, २, ४, १४, श्राया० १, २, १, ६४; नाया० १; ३; ६; १४, १६; स्० प० २०,

भग॰ ११, ११; भत्तः १२६; —गुण. पुं॰ (—गुण) युवावस्थाना गुण, युवावस्थाने गुण any of the characteristic qualities of puberty. नाया॰ १; —हाण. न॰ (—स्थान) युवावस्थानं स्थान युवावस्था का स्थान. condition, stage, of puberty. भग॰ १२, ६; —त्था त्रि॰ (—स्थ) युवायस्था वाला. युवक. in the prime of life; attaining puberty. भग॰ ६, ३३;

जोब्बएम न॰ (यौवनक) युवावस्था युवावस्थाः Youth; puberty नाया॰ १; १३; १४, मग॰ १४, १, कप्र॰ १, ६;

जोड्यिशिया स्त्री॰ (यौवनिका) युवावस्था. युवावस्था. Youth, राय॰

√ जोस्त. घा॰ 1. (जुष्) शापण करता; सुक्षावतुं, क्षय-नाश करना. То dry up; to destroy.

जोसइ. श्राया० १, ३, २, ११२;

जोसयंत नि॰ (जुपत्) सेवा धरती। सेवन करता हुन्ना. Serving; rendering service. खाया॰ १, ६, ४, १८८;

जोसणा स्रो॰ (जोषणा) भीत प्रीत Affection; love (२) सेना सेवा service; devotion to स्रोव॰ सम॰ जोसिया-या स्रो॰ (योपित्) स्री. स्रा

A woman. तंदु॰

जोिलिय त्रि॰ (जुष्ट) सेनेश्व. सेवन किया हुम्रा Accepted, resorted to: served. सूय० १, २, ३, २;

जोह. पु॰ (योघ) ये। हो, लड्येये।; सुभट्ट. योद्धा, सुभट्ट, सैनिक. A watriot, स combatant श्रोव॰ १३; दसा॰ १॰, १; सूय॰ १, ६, २२; जीवा॰ ३, ४; नाया॰ ८; जं०प० भग०७, है। प्रव० १२४०; — हागा. न० (-स्थान) सडाईनं स्थान. युद्ध स्थान. a battle-field ठा० १; — चल. न० (-चल) थे। द्वानुं भ्यं सैनिक का चल. strength, might of a combatant. विवा० ३,

जोहार पुं॰ (योष्ट) ये। हा; युद्ध ५२नार. योद्धा, युद्ध करने वाला. A warrior; a combatant. नाया॰ १; भग०३, २; सृय॰ २, ३, २५,

जोहार. पुं॰ (=) सत्धर धरवाने हाथ देवा हे सामसामे भेटनुं ते सत्कार करने के लिये कर श्र्यण करना व परस्पर मिलना. shaking of hands or embracing each other as a sign of hospitality. प्रव॰ ४४१;

जोहि त्रि॰ (योधिन्) युद्ध ३२ना२. युद्ध करने वाला. A wallior; a combatant. श्रोव॰ ४०,

जोहिया स्त्री॰ (योधिका) यंदन थे।; ओक्ट ल्पननुं प्राज्यी घोयरा; एक प्रकार का विपेता-प्राण्यी A kind of poisonous reptile. जीवा॰ १, २;

जोहुत्तः न॰ (योध्दरव) ये। ६। पणुं श्र्यीर्-पणुं श्र्वीरता; वीरत्व. Waılıka quality; valour नायाः १६;

√ उज्जल था॰ I. (ब्वल्) यक्षतुं; अक्षशतुं, जलना; प्रकाशित होना To burn; to shine.

जलइ अगुजो० १३१;

जलंति. जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ ४, १२१:
नाया॰ १७; डवा॰ १, ६६;
जले वि॰ दस॰ १०, १, २;
जलंत. नाया॰ १; २; ४; भग॰ २, १; ६,
४; १६, ६; कप्प॰ ३, ४२; ४६;
श्रोव॰ १३; १७; नाया॰थ० ४,६०;
४, ११६; उत्त॰ ६१, २४; १६,४६;
श्राणुजो॰ १६; नंदी॰ १३; विवा॰
१; ७; दसा॰ ७, १;

जलमाणा पि॰ नि॰ ६४६; जलावण् क० वा॰ वि॰ दस॰ १०, १, २;

√ ज्ञा. घा॰ I. (ध्ये) ध्यान धरवुं; श्मरू

भ्रत्नुं. घ्यान घरना; स्मरण करना. To meditate upon; to recollect. साम्रइ. थ्राया० १,६,४, १५; उत्त० १८,५; सायंति. श्रोघ० नि० ६६३; साइज्ञ. वि० उत्त० १, १०, भाएज्ञ. वि० सु० च० ४, २६२; सायमाण. व० क्र० नाया० ६; सायंत व० क्र० पि० नि० ६३१; सु० च० ६, २२;

√ उसाम. था॰ I. (ध्मा) ध्मवुं. फूंकना; धोंकना. To blow, e. g. a bellows. (२) श्राक्ष्यं, जलाना. to burn. सामेह. नाया०१;भग०१५,१ स्य०२,२,४४; सामेन्ति. जं॰ प॰ २, ३३; सामेन्ता. वि॰ दमा॰ ७, १; सामावेह प्रे॰ स्य० २, २, ४४, सामेत. व० कृ॰ स्य० २, २, ४४; सामिन्नह क० वा० राय० २६६;

[#] लुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (*) देखी पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनीट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

#.

भंख पुं॰ (*) वार वार भे। अतुं; જ भना करवी. बार बार बोलना; भारी लालसा करना. To speak frequently; to long ardently. १५० नि॰ २०६;

भाभा. पुं॰ (भाज्या) घंध; ५ थ थ; ८ टी. कल ह; फिसाद; भागडा. Quarrel, contest; turmoil श्रोव॰ १६; (२) लेह. भेद difference; division; altercation. पएह॰ २, ३;

मंभा स्त्री॰ (ममा) व्याद्वता; विव्ह्रवता. व्याद्वलताः विह्वलताः Distraction: agitatlon. श्राया॰ १, ३, ३, १२०; (२) ४८६; ४७थे।; ते। इ।न. कलहः क्तगडा, तोफान. quartel; strife; disturbance. स्य॰ २, १, ४१; —कर. पुं॰ (-कर) केथा संप्रधायमां ભેદ પડે તેવી ખટપટ કરનાર; અસમાધિન १८मुं स्थानक सेवनारः जिससे संप्रदाय में भेद पडे ऐसी खटवट करने वाला: श्रसमाधि-के १ - वें स्थान को सेवन करने वाला. a person who resorts to the 18th cause or source of Asmadhi (lack of mind-control) i. e. causes divisions in a sect by intrigues सम॰ २०; —वाय. gं॰ (-वात) वर्षा सिद्धत निष्कुर वायु वर्षा सहित तेज वाय. violent wind accompanied with rain. पत्र १; भंपित्ता सं॰ कु॰ श्र॰ (जिह्परवा) अनिष्ट पथन भासीने श्रीनष्ट बचन बोलकर. Having spoken harsh words.

सम० ३०;

भागि थ॰ (भागिति) शीध; जलादी; शीघ्र, सत्वर. Quickly; at once. भग०३,२, भित्ति. थ॰ (भादिति) जुओ। "भगि" शब्द. Vide "भगि" भग०३,२; सु० च०३,७४; —वेग. (-वेग) शीध वेग. शीघ वेग. Rapid, quick movement; rapid progress. नाया॰ १६;

भाश्र (य). पुं॰ (ध्वज) ध्वल, धताहा. ध्वजा; पताका A flag; a banner. भग॰ ७, ६, ११, ११; राय॰ ४७; १२३; विवा॰ २; श्रोव॰ १०; जं॰ प॰ ४, ७४; —गा न॰ (-श्रम) ध्वलती यथलाय. व्वजा का अप्रभाग. the fore-part of a flag or banner. नाया॰ ८, —दंड. त्रि॰ (-दंड) ध्वलती हं. ध्वजा का दड. flag-staff. नाया॰ ६;

भाषा. स्ती॰ (ध्वजा) ध्वला ध्वजा. A flag; a banner. ज॰ प॰ ४, ७४; जीवा॰ ३, २; नाया॰ १; ६; (२) औह स्वध्नाभांतु आहेम स्वध्न ६००तु हे के तीर्थ हर यह-वर्तिनी भाताने शर्लाधान सभये कोवामा आवे छे. चोदह स्वध्न में से प्राठवा ध्वजा का स्वध्न कि जो तीर्थकर चक्रवर्ति की माता को गर्भाधानके समय देखनेमें प्राता है. the 8th of the 14 dreams which a Tirthankara or Chakravarti's mother witnesses during her pregnancy; (in this dream she sees a flag) नाया॰ ६;

^{*} જુઓ પૃષ્ઠ નમ્બર ૧૫ ની પુરનાર (*). देखो पृष्ठ नम्बर ૧૫ की फुडनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

√ सत् था॰ I. (त्तर) अरवुं; ઉपरथी सरुक्तं-पड्वं. सरना; ऊपरसे गिरना. To drop down; to fall in drops सरइ. सु॰ च॰ २, ४८७; सरंति. पिं० नि॰ ८४;

भरग. पुं• (*) २भ२७, ६२०, स्मरण करने-वाला. (One) who remembers. नंदा॰ स्थ॰ २८;

√ भत्तहल. धा॰ I. (उवल्) सथगवुं. जनना. To burn; to be kindled. भत्तहलइ. सु॰ च॰ ६, २१२;

भारती स्त्री॰ (महारी) अक्षर मालर A fringe. जीवा॰ ३, १; निसी॰ १७, ३३; ठा० ७, १; स्रोय० ३१; राय० ८८; कप्प० ४, १०१; (२) भंकरी; ओक् পাतनुं থাপি'त्र. एक प्रकार का वाजिन्त्र; खंजरा. a kind of musical instrument played with the hand श्रयुजी० १२८; भग० ५, ४; पन्न० प्रव० १४००; (३) ७५३; अक्षुं; स्थेवा આકારે જયે।તિષતું અવધિતાન છે वाद्य विशेष कि जिसके आकारका उयोतियोका अवधि ज्ञान होता है. a sort of musical instrument narrow in the middle part and flat and round at the two ends with leather fastened on to them; (the Avadhijñāna of astrologers bears this shape). विशे॰ ७०६; (४) છમછમીયાં; ઝાંઝર. फांफ. a sort of musical apparatus consisting of two mettalic dishes which when struck together make a jingling

sound. श्राया॰ २, ११, १६८; — संहाणाट्टिय. ति॰ (-संस्थानास्थित) अवरते
व्याधारे रहेत. मांलर के श्राकार के
समान रहा हुश्रा. of the shape of a
fringe. प्रव॰ १५००; — संठियः ति॰
(-संस्थित — श्रल्पोच्छायत्वान्महा विस्तार
त्वाच्च तिर्यग्लोकचेत्र खोको मज्जरीसंस्थितः)
अवरते संस्थाने-व्याधारे रहेत. मांलर की
श्राकृति में रहा हुश्रा. of the shape of
a fringe. भग० ११, १०;

भवियः त्रि॰ (ज्ञापित) निभूष धरेश; भपापी नाभेश निर्मुल कियाहुआ; जड से हटा दियाहुआ. Destroyed; eradicated. उत्त॰ १८, ५;

मल पुं॰ (कप) भाछशुं. मच्छीं. A. fish. विशे॰ ४६६, १८५४; जीवा॰ १; जं॰ प॰ नाया॰ ६; श्रोव॰ १०; उत्त॰ २२; ६; प्रव॰ १५६; (२) नानी भाछशी. छोटी मच्छी. small fish. पराह॰ १, १; माइ त्रि॰ (ध्यायिन्) ध्यान करनेवाला; ध्यान वाली; स्तुतिवाला. (One) who meditates upon; (one) who praises or extols. श्रोघ॰ नि॰ ६; श्राया॰ १, ६, ४, ३;

भागः न॰ (ध्यान-ध्यायते चिन्यतेऽनेन)
धभ ध्यान वगेरे; अल्यंतर तपते। ओक्ष
प्रकार धर्मध्यान वगेरह, अभ्यन्तर तप का
एक प्रकार. A kind of inner austerity such as religious meditation etc नाया० १, १६; भग० ६,
७; १८, १०; २४, ७; उता० २, ६६;
प्रव० २७२; भत्त० १६०; (२)

^{*} लुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। (*). दे लो पृष्ठ नंबर १५ की फूटने। ट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

थितनं शेशअप चित्त की एकाप्रता. concentration of the mind. सम ४.६: ३२: श्रोव० २०: ३८: उत्त०२६. १२: पिं नि ५६०: स्य १, ६, १६; विशे० ३०७; कप्प० ५, ११६; (3) भतनः २भित: मननः स्मृति. meditation: recollection. मु॰ च॰ १, १; भग॰ २, ४; ३, २; दसा० ४, २७: —श्रंत-रिया. स्री॰ (- अन्तारिका-अन्तरस्य विच्छे-करणमन्तारेका ध्यानस्यान्तरिका दस्य ध्यानान्तरिका) आर भेस ध्याननी समाप्ति અને અપૂર્વ ધ્યાનના અનાર લ, ખે ધ્યાનની भध्यभ्यतस्था. ब्रारम्म कियेहुए ध्यान का समाप्ति श्रीर श्रपूर्वेध्यान का श्रनारंभ; ध्यान की सध्यायस्था, the state between the end of one meditation and the beginning of another, a temporary break in meditation. भग० ४, ४; १४, १; (२) શુકલ ખ્યાન વિશેષ. शुक्कध्यान विशेष. ત particular kind of purifying meditation e g. upon the soul etc जं॰ प॰ २, ३१; —कोइ पुं (-कोष्ट) ध्यानरूप अ अर. ध्यान रूप भंडार. a. treasure in the form of meditation. विग॰ १; - कोंद्रो-चगत्र पुं॰ (-क्रोष्टोपगत) के ध्यान-रूपी डाष्ट्रमां निमझ है। य ते जो ध्यान रूपी कोष्ट में निमन हो वह. (one) who in immersed in the treasure of meditation जं०प० २, ३१; भगः १, १; --सेवण. न० (-सेवन) ध्यानन सेनन करवं ते; ध्यान धरव ते. ध्यान का

सेवन करना; ध्यान धरना. act of practising meditation. प्रव॰ ३१=;

भागाविभात्ते. स्री॰ (ध्यानविभाक्ते-ध्यानानां विभजनं यस्यांसा) २६ छत्त्राक्षित्रसुत्रभातुं २१ भुं. २६ उक्नालिक सूत्र में से २१ वां सूत्र. The 21st of the 29 Utkālika Sūtras नंदी॰ ४३;

भाम त्रि॰ (ध्मात-दम्घ) भणेलुं, हाउेलुं, जला हुआ. Burnt; scalded आया॰ २, १, १, १; जीवा॰ ३, १; पगह॰ १, २; — वग्गः न॰ (–वर्षः) डिल्यलताथी रिह्त वर्षः, भलीगयेलते। रंग-शामता. उज्व-लता से हीन वर्षः, जले हुए का रंग-कालापन. black clour like that of an object burnt. भग० ७, ६;

भामियः न॰ (ध्मापित) ओक्षत्रायेक्षं; शुज्रा-येक्ष वुभाया हुत्रा. Extinguished. भग॰ ४, २; स्य॰ २, १, १४;

भारी स्त्री॰ (-) ४१८ विशेष. कीट. विशेष. A kind of insect. सु॰ च॰ १२, ४६;

भिंगिरा छो॰ (भिंगिरा) ते हं दिय छवती ओड जात. जिसकी ३ इंन्द्रियां हो ऐसा एक जीव. A kind of three-sensed living being. पन्न॰ १;

*भिंभियः त्रि॰ (*) भुष्ये। भूखाः Hungry. वेय॰ ४, २६;

√ भिभ धा॰ I (चि) क्षयपाभनुं; द्वीख्-थनु चय को प्राप्त होना, चीए होना. To be destroyed, to waste away; to decay

भिभइ विशे० १२०६,

भिभिरी स्त्री॰ (मामिरी) गीं अत्ती

^{*} जुओ पृष्ठ नभ्यर १५ नी पुरनीर (१) देखी पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*). Vide foot-note (१)p. 15th.

वेसडी. एक जाति की छोटी बेल. A kind of small creeper. आया • २,१, 5, ¥X;

क्तिमिया स्त्री॰ (*) जडता; शरीरना અવયવા જડાઈ જાયતે: સાલરાગમાંના એક रे। ग. जडता; शरीर के श्रवयको का श्रकड़ जाना; १६ रोग में से १ रोग. One of the 16 diseases viz. paralysis of the limbs of the body. आया॰ 9, 4, 9, 902:

√ भिया. धा I. (ध्ये) भ्यान धरवुं; चिंत-त ४२वु ध्यान धरना; चिंतन करना. To contemplate; to meditate upon. क्तियाइ. सूय० १, ६, १६; भग० ३, २;

नाया० १: १६; उना० १, ७७, क्तियायइ. नाया० १; ३; ६; १४;

किन्नायंति. जं० प० ३, ४६;

क्तियायंति. सूय० १, ११, १६; नाया० १६;

क्तियायांसे नाया॰ १;

क्तियामि, नाया० १; =; १६;

क्तियाए. वि• भग० २, ५;

मियाहि, नाया॰ १६;

क्तियायह. नाया॰ १; ८;

कियाइता. सं० कु० भग० ३, २;

√ सित्या. घा॰ I. (ध्मा) अबर्बु; ही स थवुं. जलना; दीप्त होना. To burn; to be ignited. (२) खुआयवुं. बुमाना. to extinguish.

कियापुजा, भग० ४, ७;

सियाएजा. भग० १४, ५; वेय० २, ६;

क्तियायमायाः नायाः १; १४; १६; भगः

२, १; ३, २: ८, ६; दमा० १०,

३; ४, २४;

भितिल्लयाः स्त्री॰ (भितिल्ला) त्रश धन्द्रिय વાલા છવની એક જાત. તીન इन्द्रिय वाला एक जीव. A kind of three-sensed living being, पমত 1;

िक्कां मिल्रा (किश्वका) ये नाभनी अर्ध वनस्पति. इस नाम की कोई बनस्पति. Name of a kind of vegetation. पञ्च० १:

भीगा. ति॰ (श्रीमा) क्षय पानेक्ष, नष्ट धयेवुं. च्रयको प्राप्त, नष्ट. Destroyed; wasted away; consumed श्रीव॰ ३६:

भंगभितः पुं॰ (बुम्चित) क्षुधायी पीऽतः ભુખ્યા. चुवा से पीड़ित; भूखा. Hungry; troubled by hunger. भग॰ १६, ४; मंभिय त्रि॰ (ब्रमुक्ति) क्षुधातुर; सुप्धाः; हुन ब. चुधातुर; भूखा; दुर्बन. Hungry;

नाया० १;

भुजाती. स्त्री॰ (सूचि) अवाल, स्नावाज.

weak on account of hunger.

Sound. क. गं. १, ४१,

 $\sqrt{25}$ र. घा॰ I. (25र) अुर्ा्। ५२वी. ३६न ४२वुं. फ़ुरना; हदन करना. 'ि cry, to weep, to pine away.

ऋरंति, दसा॰ ६, १; ४;

अहरणः पुं॰ (ऋरण) अुरवः, परताववः. पश्चाताप करना; भूरना. To pine away;

to repent. दमा॰ ६, १;

भुसदाह पुं॰ (भुसदाह) भुसाने भागवानु स्थान भूमा को जलानेका स्थान. The place for burning chaff or

husk. निसी०३, ६४,

मुसिर. त्रि॰ (शुपिर) छिदवाबु; पाेबुं. छिद वाना: पोला. Having leaks or

^{*} लुओ। ५४ नभ्यर १५ नी प्रुटने।ट (२). देखो पृष्ट नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

holes; hollow. (ર) ન જિલ્લા પાલ छेद, पोलाई. hole hollowness. परह॰ १, २; स्० प०१, ३; निसी० १७,३६; इस० ५,१,६६;जे० प० उवा० २, ६४; नाया० =; गच्छा • == ,(૩)વાંસલી સ્માદિ સછિદ્ર વાજિ त्र. बांसरी आदि सांछेद बाजिन्न. a musica) instrument with holes e.g. a जीवा० flute etc. ३, ४: राय० हप्र; (३) आक्षाश श्राकाश. aky. भग० ૨૦,૨; (૪) વાંસલી આદિ સછિદ્ર વાજિ ત્રને शफ्ट. बोसुरी आदि सिद्धिद वाजिन्नकी आवाज. sound of a flute etc नग थ. थ. (प) भुस्ती अभीन खुली जमीन open space. नाया॰ १; —गोलसंडियः त्रि॰ (-गोन्नसंस्थित) भासी गोसाने आधारे रहेश. खानी गोले के आकार से स्थित of the shape of a hollow globe भग० ११, १०;

√ भूस. घा॰ II. (जुन्) सेववु; व्यराधवु. छेवन करना. To resort to; to worship. (२) क्षप करना; कृश करना. to destroy; चय करना; कृश करना. to destroy; to reduce.

मूसेइ. नाया० ध०

मूलंति. भग० १०, ४;

मूसित्ता. भग०३,१, नाया०१, उवा०१, इहः; भूसित्ता. नाया० ध०

भूसणा. ब्री॰ (जोपणा) क्रमीनी क्षय करवी कर्मी का चय करना Act of destroying Karmas. भग॰ २, १, नाया॰ १, (२) सेवा करवी, श्रद्धशु करवे. सेवा करना; श्रद्धण करना. act of worshipping; act of accepting. नाया॰ १; ठा॰ २, २; भूसिश्र-य. ति॰ (जुष्ट) क्षीण करेल; शेषपेलेल. चीया कियाहुश्रा; शोषणा कियाहुश्रा. Dried up; enfeebled; sucked up उवा॰ =, २४२; जीवा॰ ३, १; मग॰ २, १; (२) सेवा करेल; आराधेल. सेवन किया हुश्रा, आराधन किया हुश्रा. worshipped; served. नाया॰ १; ठा॰ २, २;

भूसित. पुं॰ (जुष्ट) सेवेश्व. सेवित. Worshipped; served. (२) इभ ने। क्षय इरेश. कर्मका चय कियाहुआ. (one) who has destroyed the Karmas. भग॰ २, १;

मोड पुं॰ (॰) आडमाथी पत्राहित भणेरतुं इच्च में से पत्रादिक नीचे गिराना. Felling of leaves etc. froma tree. (२) पत्र रिक्षत दक्ष. पत्रों से रहित इच्च क bare tree. नाया॰ ११,

मोडिए. न॰ (*) दक्षािंद्धने भंभेन्युं; ६क्षािंदिने भाऽतु बृज्ञादिक की खंखेरना; फलादिकों की गिराना. Causing the fruits, leaves etc. to drop down from a tree by shaking it or thrashing it. परह॰ ३, १;

√ भ्रोस. धा॰ II. (दि जुष्) क्षय थवे। इय होना, करना To waste away; to be destroyed; (२) सेवबु सेवन करना. to resort to; to serve.

मोसेइ. भग० १८, २;

स्रोसित्ताः सं०क्त०भग०१८,२;नाया०१४;१६; स्रोसमाणः व०क्त०सु० च० १, ३८४, आया० १, ६, २, १८४;

स्रोस्तणाः स्त्री॰ (जीपणा) सेयनः सेवनः Act

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरनेार (६) देखे। पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (*) Vide foo-note (*) p. 15th

Vol 11/111

of resorting to; serving. सम॰ ७; भोसिय. त्रि॰ (जुष्ट) भ्रावेक्ष; क्षय ५रेक्ष. त्त्रय किया हुआ Destroyed; caused to waste away. श्राया॰ १,५;३,१११;

ट.

टंक. पुं० (टक्क) केना अंक्ष तुटीगया है।य तेवुं तिया जिसका किनारा हट गया हो वैसा तलाव. A pond or a lake with its embankments broken. नंदी॰ ४७; (२) पर्वतनी टे।य-८ु३. पर्वत का सिरा-शिखर. the summit of a mountain. अयुजो॰ १३४; (३) એક तर्भ्यी तुटेल पर्वत. एक तरफ से हटा हुआ पर्वत. a mountain broken on one side. नाया॰ १; भग० ४, ७; पज० २; (४) न० छापेतुं नाछुं, सिक्का; छाप सिक्का ठप्पा दिया हुआ सिक्का. a coin; a stamped cnin. पचा॰ ३, ३४;

टंकरा. पुं॰ (टङ्करा) ५२ तिवासी न्सेन्छनी ओड गत. म्लेच्छ की एक जाति; पर्वत का आश्रम करने वाली एक म्लेच्छ जाति A race of barbarians living in hilly districts स्म॰ १, ३, ३, १८; विशे॰ १४४४; (२) 2 डण् नामने। देश टंकरा नाम का देश. a country of that name. भग० ३, २,

टकारवग्गपविभक्ति पुं॰ न॰ (टकारवर्ग-प्रविभाक्ति) ८ । १ वर्ग ना आ । १ विशेषथी यु । १ ३ १ १ । १ । ना ८ । भा ने। ओ । १ । १ । टकार वर्ग के आकार विशेष से युक्त; ३२ प्रकार के नाटक म से एक. Bearing the shape of any of the letters of the lingual class; one of the 32 varieties of dramas राय • ६४; टाल. न • (टाल) के भां भाटली है ६ दिया पंधाया न हो वह फल. A fruit with its stone unformed. श्राया • २, ४, २, १३=; दस • ७, ३२;

√िटिहियान था॰ II. (*) ખખડાવीने शण्द अरेवा. खडखडाकर शब्द करना. To make a sound by shaking an object close to an ear.

टि:हियाबेइ. नाया॰ ३; टिटिश्राविन्ति. जं॰ प० ५. ११४:

टिटियाविजमास् नाया० ३;

टिट्टिभी स्त्री॰ (टिट्टिभी) टिटाडी; अधिमाथे स्टिडनार ओड पक्षीनी ज्यत टिटोडी; नीचे की स्त्रोर सिरकरके लटक ने वाला एक पत्ती. A kind of birds hanging head downwards, from trees. विवा॰ ३; — संख्या न॰ (-स्रएडक) टिटाडीना धडा. टिटोडी-पत्तीविशेष का श्रएडा. an egg of a kind of bird. विवा॰ ३;

टोपिन्ना. पुं॰ (*) पाधरी, टापी. पगडी; टोपी A turban, a cap. स॰ च॰ १४, १३४;

टोल पुं॰ (*शलभ) પત ગીએ. Moth. भग॰ ७, ६; (२) तीऽ टिट्टी, तीड. Locust. प्रव॰ १४०; —गति. स्त्री॰ (-गति) पतंशीयाना केवी गति. पंत-

^{*} लुओ। पुष्ट नम्भर १४ नी पुरने। (*) देखों द्वष्ट नम्बर १५ की फ़टनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th.

of a moth. भग० ७, ६; टोलगइ. स्रा॰ (ठोलगति) टेाय-पीधनी પેટે કુદતા કુદતા વંદન કરે તે; વંદનાના ળત્રીશ દાપમાંના પાંચમા દાષ. શ્રંखफुडव जैसे कुद्ते हुए वंदना करने वांला; वन्दना के ३२ दोवों में से ५ वां दोष. One of the 32 faults of salutation to a Guru viz. hopping in the act like a grasshopper. प्रव १५०; √दठव. धा॰ I,II. (स्था+िष) स्थापतु; स्थापना करना स्थापना; स्थापना करना To fix; to place; to set. ठवह. जं० प० ४, ११७; ठवेह. जं० प० ४, ११७; वेय० १, ३७; श्रोव० ३२, निसी० ४. ३०; राय० ७३; नाया० १; २; ७; १६; नाया० ध०भग० ७, ६; २४, ७; उवा० १, ६४; ६, १६४; ठवंति. श्रोव० ३३: ठविति, जं० प० ४, ११२: ठवेंति. ज॰ प॰ ५, ११४; २, ३३; ठश्रयंति. स्य॰ २, ७, १०; ठवेभि. नाया॰ १२: ठविजा, वि० उत्त० १, ६; ठबंडि, आ० पन ० १: ठवस आ० पु० च० ४, १३६; ठवित्तु सं० कु० उत्त॰ ६, २; ठविता. सं० कृ० जं० प० ४, ११२; ११४; नाया० ५; वव० ८, ५; वेय० २, १२; उवा० १, ६६; ववः २, १; टवेत्ता नाया॰ १; २; १६; नाया॰ ध॰ भग० ७, हः ठविज्ञह. क॰ वा॰ नंदी० ४६; श्रशुनो॰ १०; पिं० नि० ४०६:

ठावेजाति. सु० च० २, ३१९;

गिया की सी गति. Gait like that

ठवेउं. गच्छा० २०: √ हा. घा॰ I. (स्था) ઉભा २ हेवुं; स्थिर थवुं. खडा रहना; स्थिर होना. To stand. नंदी॰ ४६: ठाइ. भग०५, ६; ७, ६; विशे०४७०; ६०४; ठाइऊग. सं॰ कु० जं० प० ३, ४५: ठाइत्तए. हे॰ कु॰ वेय॰ १, १६; श्राया॰ १, ६, २, १४; ठाइसा. भग० १८, ३; ठिचा. सं० कु० भग० ३, १; ५, ६; ७, ६; ६, ३१; ३३; १०, १; ११, १०; १४, १; १६, ६; १८, १०, राय० २४१; नाया० ३; १४; निसी०५, १; पञ्च०१७; वेय०५,२२; उत्त०३, १७; √द्वा घा॰ I, II. (स्था) ઉભા રહેવું; श्यिर थवं खंडे रहनाः हियर रहनाः To stand; to be steady. ठावेइ, प्रे॰ भग॰ ६, ६; ११, ११; नाया॰ ४, ७; १६; दस० ६, ४, २; ठावयइ. प्रे॰ " ठियो परं ठावयइ परंपि " द्स॰ १०, १, २०; ठावहति. प्रे० श्रोव० २७; ठावेंति. प्रे॰ विवा॰ ४, भग॰ १८, २; ठावेमि. प्रे॰ नाया॰ ४; =; भग॰ १३, ६; 98, 4; 95, 2; ठावेसो. प्रे॰ नाया॰ १६; ठावेहि श्रा॰ नाया॰ १२: ठावेह. आ० नाया० =; भग० १= २: ठावइस्साभि प्रे॰ दस॰ ६, ४, २; ठावित्ता. सं० कृ० ठा० ३, १; भग० ३, १; नाया० १६: ठावेत्ता. सं० कृ० नाया० ४; ७; ८; ६; १५; भग० ११, ६; १३, ६; ६; उत्त० **१,३२; सग०९,३३;११,११;१८,२;** ठार्चित व० कृ० सु० च० ३, ५७;

ठाविजांति. क० वा० सम० ३;

ठ.

उइत्त त्रि॰ (स्थापित) साधु आवशे त्यारे आपशु अभ धारी स्थापी राणेक्षं; साधु अ टाणवा थे। अथ देवला नामना होष वाणुं. साधु आवेगे तब देंगे ऐसा सोच कर रक्खा हुआ; साधु को टालने योग्य ठवणा नामक दोष वाला Kept, reserved with a view to be given to an ascetic when he might come; (this sort of food etc. is to be avoided by a Sādhu). श्रोव॰ ४;

ठइयः त्रि॰ (स्थगित) ढाँ डेक्षं. ढाँका हुम्रा; Covered. " पिहियंतु फलादिया ठइय" पंचा॰ १३, २७;

ठंडिल न० (स्थंडिल) थंडिले-हिशाओं ज्यानी सूभि. यांडिल तही जाने की भूमि. A ground for answering a call of nature on. नाया॰ १६;

क्ष्ठिंगियः त्रि॰ (क) छेतरायेक्षाः ढेगायेक्षः ठगाया हुत्राः धौका खाया हुन्ना Deceived; cheated. सु॰ च॰ ४, २८८;

उवकः पुं॰ (स्थापक) स्थापन करने वाला. (One) who fixes, sets or places. नाया॰ १=;

ठवण. न॰ (स्थापन) स्थापन करतुं; भुक्तुं स्थापन करना; रखना. Setting; placing; fixing. १९० नि॰ भा॰ २४; — कुल. न॰ (-कुत) लीक्षायरने भाटे व्याखाराहिक थापी भुक्ते तेवुं कुस. भिज्ञाचर लिये आहारादिक रख छोडे वह. reserving food etc. for Sādhus begging alms. निसी०४,२८; —ाजिए. पुं॰ (-जिन) डेाઇ वस्तुमां जिननी इल्पना **५२** ते. किसी वस्तुमें जिन की कल्पना करना. imagining Jina in any particular object. प्रव. =७; --पु-रिस. पुं॰ (-पुरुष) पुरुषती स्थापताः पुरुष की स्थापना setting or establishment by or of a person. ठा० ६, १; -लोग. पुं० (-लोक) थै।ह राज्ये। इसी स्थापना चौदह राजलोक की स्थापना. establishment of the 14 Rājalokas ठा॰ ३, २;

टचणा स्नी॰ (स्थापना) छवनाथी हे निर्छाय वस्तुमां तेना केवा आहारवाथी थीछ वस्तुनी हरूपना हर्यो ते; स्थापना निर्देशे। जीववाली या निर्जीव वस्तु में उन्ते जैसी भिन्न आकार वाली अन्य वम् कि करनाका करना; स्थापना निन्नेप. Imagining of one thing in another, animate or inanimate which is similar in form imagining one thing to

^{*} जुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रुटनीट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनीट (*) Vide foot-note (*) p. 15th.

another thing, Sthapauā Niksepa. पन ११; विशे॰ २६; ५४; पि० नि०५; श्रासुजो० =; पंचा० ર,૧૭; (૨) સાધુને માટે અમુક કાલપર્યન્ત સ્થાપીને રાખેલ આહારાદિ આપવાથી લાગતા એક દેવા, ૧૫ ઉદ્દમનમાંના પામા દેવા. साधु के उद्देश से किसी समय तक रख छोडा हुश्रा आहार आदि देनेसे लगनेवाला दोष; १६ उहमनों में से प्रवां दोष. the 5th of the 16 Udgamana faults connected with food viz. giving to a Sadhu after specially reserving it for him for some time. प्रव॰ ४७२; पंचा॰ १३, ४; पि॰ नि॰ ६४; (३) धारशातुं ओ । नाम धारणा का एक नाम. another name for Dharana. नंदी॰ ३३: -अणंतय. त्रि॰ (-श्रनन्तक) स्थापनाथी अनन्त **छेडे। निर्ध आ**वे ते. स्यापना से अनंत-ग्रत नहीं आता वह. endless in the matter of Sthapana ठा॰ ४, ३; --- अरापु पूर्वित सी॰ (-अनुपूर्वी) स्थापेती -કલ્પેલી અનુપૂરી^૧-અનુક્રમ સ્થાપત-क-ल्पित अनुपूर्वा-अनुकम. imagined serial order; imagined graded order. अणुजो॰ ७१; —(णि) इंद વું (-इन्द्र) કાઇ પણ વસ્તુમાં ઇદ્રની **५६५ना ५२नी ते. किमी भी वस्तु में इन्द्र की** कल्पना करना imagining a particular object to be Indra. 310 ३, १; विशे॰ ५३; --कम्म न॰ (-कर्मन्) પરમતનું ઉત્થાપન કરી સ્વમતનું સ્થાપન **३२वुं ते. श्रन्य मत का उत्यापन कर स्वमत** का स्थापन करना. establishing one's own creed or tenet by refuting another's tenet or creed. 31.

४, ३; —करण. न॰ (-करण) हातरडा तबवार वगेरे डरणुनी लाडडा है भत्थर वगेरेमां डरेली आडार. दरांता, तलवार आदि हथियार का लक्कड या पत्थर में किया हुआ आकार. a shape or figure of a sword or a scythe carved in a piece of wood or stone. विशे॰ ३३०२:

ठवािणुजा. त्रि॰ (स्थापनीय) स्थापता थै। २५; त्रेड पाळु भूडी हेना थे। २५. स्थापित कर रखने के योग्य; एक ख्रोर रख छोड़ने के योग्य. Worthy of being kept or fixed; worthy of being set aside. श्रगुजो॰ २; वव॰ २, १;

ठिविश्र-य. त्रि॰ (स्थापित) साधु साध्वीते भाटे स्थापी राणेल (आहार वगेरे). साधु साध्वी के लिये स्थापित कर रक्खा हुआ. Kept, reserved for a monk or nun; e g. food etc. पगह॰ २, ४; दस॰ ४, १, ६४; वव॰ १, १६; नाया॰ १, २; भग॰ ५, ६;

टिवियम त्रि॰ (स्थापितक) लुओ "ठिविश्र" शण्ट देखा " ठिविश्र " शब्द. Vide " ठिविश्र " शब्द. Vide " ठिविश्र " प्रव॰ १०६: —भोइ. त्रि॰ (-भोगिन्) साधुने भाटे स्थापी राण्धुं हो। तेने ले। अपनार: स्थापना हो। सेपनार (साधु). साधु के वास्ते स्थापित कर रक्खा हो उसे भंगनेवाला, स्थापना दोष का सेवन करनेवाला (साधु) (one) who enjoys food etc specially reserved for a Sādhu and thus incuring the fault known as Sthāpanā. प्रव॰ १०६;

ठिवया. की॰ (स्थापिता) भेंसेस आयश्चित्त स्थापी भुंडे ते, व्याव्यार्थाहिङ्गी वेयावस्थ्यमां व्याचान पडे तेथी इरवानुं प्र.यश्चित्त वर्तः भानमां न इरतां आगल ७५२ इरवानुं राणे ते. मिला हुआ प्रायिश्वत स्थापन कर रखना; आचार्यादिक की वैयावच में ज्याघात पडे इसलिये करनेका प्रायाश्वित वर्तमान में न करते हुए भविष्य के नास्ते रख छोडना. Act of reserving an expiatory austerity for a future date in order to avoid disturbance in the service of a Guru etc. ठा०

ठाइ त्रि॰ (स्थायिन्) स्थायी; स्थिर रहेनार स्थायी; बहुत समय स्थिर रहनेवाला Standing; stationary. क॰प॰४,२३; ठाइयव्य. त्रि॰ (स्थायितव्य) स्थापवा थे।०५; स्थापवुं. स्थापन करना; स्थापने योग्य.

Act of fixing or establishing, worthy of being fixed or esta-

blished वव॰ ६, ४३;

डाया. न॰ (स्थान) स्थान; हेडाएं; જગ્યા; भक्षत स्थान; ठिकाना; स्थल; मकान A place; a house; an abode. भग॰ 9, 9; 2, 6; 3, 8; 4, 6; 93, 8; 93, ४: १४, १०; १६, ४; २४, १२; २५, ६; नाया॰ १; =; १६; दस॰ ४, १, १६; ६, ७; ६, २, १७; निसी० ५, २; १३, १; श्रोव० १०; सम॰ १; १०; राय० २३; वत्र० ७, ३; पिंग्नि॰ भा॰ ४७; नंदी॰ ११; उत्त॰ ४, २; श्राया॰ २, २, १६३; सु॰ च॰ ४, ६१; प्रत्र १८७; कप्प० २, १५; गच्छा० १२४: क॰ प॰ १, ३१; (२) કाઉसभ्यः, कायाने करीपण् ६ क्षावयी नहीं ते. काउसमा; काया को जरा भी न हिलाना. giving up attachment to the body and practising self-contemplation. -जं०प० ४, ११४; श्रोव० १६; सूय० १, २, २, १२; नाया० १६; नाया० ध० सम० प०

१६=; वेय० १, १६; (३) लेश्या के अध्य-वसायानुं स्थान, जेरया या श्रध्यवसायों का स्यान, an abode or source of matter or thought-tint or of thought activity. उत्त॰ ३४, २; भग॰ ४, १०; (४) धर्य. कार्य. an act; a deed. भग॰ =, ६; (१) श्थिति કરવી તે; અધર્માસ્તિકાયનું લક્ષણ. સ્થિતિ करनाः श्रधर्माास्तिकाय का लज्ञणः of remaining stationary; the characteristic (fulcrum of rest) of Adharmastikāya उत्त. २८, ६; (६) आध्यानुं स्थान, श्रंक का स्थान. the place of figure. अगुजो॰ ૧૪૫; (७) ઉત્પત્તિસ્થાન; ઉપજવાતું हेशां उत्पत्तिस्थान; उत्पन्न होनेका ठिकाना. source of birth; origin श्रशुजो॰ १२८; (८) अवशाय-लूभिप्रदेश. अवकाश-भूमित्रदेश. space of land; ground. नाया॰ २; (६) शरीरने अभु स्थितिमां राभव ते: आसन. शरीर को श्रमुक स्थिति में रखना; ग्रासन. a particular posture of the body. कप॰ १, ५२; उत्त॰ ३०, २६; (१०) પત્તવણાના ധીજા **प**धनुं नाभ. पन्नवणा के द्वितीय पद का नाम. name of the second Pada of Pannavaņā. पन १ (११) त्रीलं આંગસૂત્ર કે જેમાં એકથી દશ પ્રકારતી वस्तुओतुं वर्श्व छे. तीसरा श्रंगस्त्र कि जिसमें एक से दश प्रकार की वस्तुओं का वर्णन है the third Anga Sutra containing an account of substances ranging from 1 to 10 kinds. नंदी॰ ४४; श्रगुजी॰ ४२; सम॰ १; (१२) स्थिति परिष्णाम. स्थिति परिणाम. state of being motionless ৰি॰

नि० ४४०; विशे० ५४७; (१३) स्थान-रिथति३५ गुल्. स्थान-स्थितिरूप गुण्. the quality of being stationary. ठा॰ २,१: (.१४) યાગ-મન, વચન, કાયાના व्यापारना स्थानक योग-मन, वचन, काया के व्यापार का स्थानक. an abode or source of the activity of the mind, speech or body. क॰प॰१,४; (१५) ઉભા रहेवुं ते खडा act of standing. प्रव॰ -- श्रंतर. न॰ (-श्रंतर) स्थानान्तर; યાગના એક સ્થાનથી ખીજું સ્થાન સ્થાના-न्तर: योग के एक स्थान से दूसरा स्थान another place; change stage e. g. from one sort of activity to another. कःप॰ १, ४८, -- उक्कडियासि णिया स्रो॰ (- उत्करि-कासनिका) ७५५ भासने भेसनार स्त्री. उकड श्रासन से बैठनवाली female sitting in a knee-chest posture. वेय॰ ४, २४;-उक्क्रह्य. पुं॰ स्ती॰ (-उत्कुट्क) धार्थीत्सर्भ કરીને ઉકુક આસને ઉભખડીયે ખેસનાર. कार्योत्सर्ग करके उकड ग्रासनसे-उभखडिये बैठनेवाला. one who sits on his legs after performing Karyotsarga (meditation upon the soul). नार्या० १; वेय० ४, २४; परह०२, १; भग० २,१; --कम. पुं॰ (-क्रम) स्थान ये।गाहि स्थानको अनुक्ष्म. स्थान-योगादि स्थानकका अनुक्रम a graded order or order of the sources of the activity of the mind, speech and body etc क०प० ४, २६: - गुण पुं० (-गुण-स्थान स्थितिर्गुणः कार्ये यस्य सः) अधर्भास्तिश्यः શ્ધિતિમાં રહાય કરવાના જેના ગુણ છે તે.

श्रथमांस्तिकाय: स्थिति में सहाय करने का जिस का गुण है वह, one that has the property of helping stationary condition; Adharmāstikāya; sulcrum of rest. भग॰ २, १०; -- हाइत्ता स्रो०(-स्थायिता) अे ४ स्थाने **ઉભા २**હेवुं ते. एक स्थान पर खड़े रहना. act of remaining stationary. प्रव॰ ४६१, -- नवग. न॰ (-नवक) नेप ચુલ્કાલા. नौ गुस्यान. nineGunastbānas (stages of spiritual development). " नियमा ठाणनवगम्म भय-खिल " क॰ प॰ ७, ५; - ठिश्र-य. त्रि॰ (- स्थित) संयभना स्थानहने विशे स्थिति पाभेश. संयम के स्थानक के विषयमें स्थिति-प्राप्त. (one) who has reached the stage of asceticism. स्य॰ १, २. १, १६; जं० प० ७, १४१; —पहिमा. स्त्रा॰ (-प्रातिमा) स्थाननी प्रतिभा, आसन કે કાઉસગસંગ ધી અભિગ્રહ નિશેષ स्थान की प्रतिमा, ज्ञासन या काउसगा के संबंध में श्राभिग्रह विशेष. a particular vow in connection with bodily posture or Kāyotsarga (contemplation upon the soul) ठा०४, ३;--भइ. पुं॰ (-મ્રષ્ટ) સ્થાનથી-સ યમસ્થાનકથી ભ્રષ્ટ-**५**डेवे। स्थान से सयम-स्थानक से भ्रष्ट-गिरा हन्ना. degraded, fallen down from asceticism नाया॰ ६: -म-गाणा स्री॰ (-मार्गणा-मृग्यते इति मार्गणा स्थानस्य मार्गणा) स्थाननी भाग शा; अवतर्श स्थान की सार्गणा; अवतर्ग the search for a way; descending of incarnation. जीवा॰ १; --लक्खण. त्रि॰ (-लदण) रियति बक्षण युक्त (अधर्भारित हाय).

स्थिति लक्त्या युक्क (अधर्मास्तिकाय). with the characteristic of Adharmāstikāya(fulcrum of rest).भग॰ १३;४, —िविणिश्रोग. पु॰ (-िविनेयोग-स्थाने विनियोग.) ठी १ हे १ छो १ तेऽ वुं; थे। अ वुं योग्य स्थान में जोडना; योजना करना apt or proper application; proper use. विशे॰ १३२; —समवायधर. पुं॰ (-समवायधर) हां छांग श्रीर समवायधर हां अति। धर्छार-अछ्नः ठाणांग श्रीर समवागाग सूत्र को धारण करने वाला-जानेनवाला. one who knows the two Sūtras viz Thānāṅga and Samvāyāṅga वव॰ १०, १६;

टाणुश्रो श्र॰ (स्यानतः) श्रेष्ठ हेशां श्रेष्ठी. एक ठिकाने से. From one place. स्य॰ १, १, २, १;

ठाणपदः न॰ (स्थानपद-स्थानस्य पदम्)
प्रतापना सूत्रना दितीय पदनुं नामः प्रज्ञानमा सूत्र के द्वितीय पद का नामः Name
of the 2nd Pada of Prajñāpanā Sūtra मग॰२, ७; १७,४;३४,१;
ठाणाइयः त्रि॰ (स्थानायत) अर्थित्सर्थः, अडि-

सगाने आसने भेडेल. कार्योत्सर्ग-काउसग्वेक ध्यासन से बैठा हुआ. (One) seated in the Kāusagga (meditatvie) posture वेय॰ ४, २३; ठा॰ ४, १; भग॰ २४, ७,

ठायव्यः त्रि॰ (स्थातव्य) स्थिर रेहेवुं स्थिर रहना. Remaining stationary; state of being at rest. प्रव॰ १४=१;

ठाव ग्र. पुं॰ (स्थापक) पक्षने स्थापन करने वाला नार हेतु. पत्त को स्थापन करने वाला हेतु. A logical reason which establishes one's own tenet. ठा॰ ४, ३;

ठावहत्तार. त्रि॰ (स्थापीयतृ) स्थापनार स्थापन करने नाला. (One) who places or establishes. दसा॰४,७६; डावण. न॰ (स्थापन) स्थापन ८२वुं ते स्थापन करना. Act of placing or establishing. पंचा॰ ६,३;

डािबयः त्रि॰ (स्थापित) स्थापन अरेक्ष. स्थापन कियाहुत्रा. Placed; established. मम॰३४;

डावेयव्यः त्रि॰ (स्थापितस्य) स्थापन हरवा थे। त्र्यः स्थापन करने योग्त्रः. Worthy of being established; fit to be placed or established. भग॰ =, १०; १२, ७;

ठिम्र-य. त्रि॰ (स्थित) स्थिर रहेक्ष; व्या-स्थित ५रेक्ष; उलु राणेक्ष. स्थिर रहा हुआ; व्यवस्थित किया हुआ; खडा किया हुआ. Steady; kept in order; kept standing. भग॰ ६, ३३; १४, ३; १७, २: २५, २; नाया० १६; श्रोव० २०; २६; उत्त॰ ३२, १७; दस॰ ६, ४, २: १०, १, २०; विशे॰ ४; ८४१; दसा॰ ४, १४; वव• ३, ९३; पि० नि• भा० ३२; सु• च• १, ३८; क॰ गं॰ १, ११; प्रद॰ २६३; कप्प॰ ४, १३१; प्रव॰ ४६१; —कप्प પહેલા અને છેલ્લા તીર્થ કરના શાસનના સાધુઓને માટે નિયત કરેલ આચાર વ્યવ-२था भर्थांश भरत श्रौर इरवत द्वंत्र में प्रधम श्रीर मन्तिम तीर्थंकर के शासन के साधुश्री के लिये नियत की हुई श्राचार व्यवस्था-मर्यादा. the course of conduct prescribed for Sadhus of the cult of the first and last Tirthankaras of Bharata and

Iravata Ksetras. भग• २४, ६; ७; विशे॰ १२६६; पंचा॰ १७, २; प्रव॰ १६; ४४६; —एपा. पुं॰ (-म्रात्मन्) जेतुं भन धर्म में स्थिर हो। वह. one whose mind is steady in the matter of religion. दस॰ ६, ४०; १०, १, १७; (२) भेक्षिमार्शमा २डेश व्यात्मा मोष मार्ग में रही हुई आत्मा. a soul steady in the path of salvation. आया॰ १, ६, ४; १६४;

ঠিइ. ল্লা॰ (स्थिति) અ.ধুખ্યমান; গ্রহন धात. श्रायुष्यमान; जीवन काल. Period of life; life time. नंदी॰ ११४: भग । १, १, ४, २, १, ३, २, ६, ५, १४, 9; २४, १२, ३६, २: नाया॰ २: =. ६: १६, १६; नाया० घ० २: जीवा० १; जं॰ प॰ श्रोव॰ ३८; पत्त॰ ४, श्रमाजी॰ १४०; क०प० १, १४०; उवा १२, १२५; (२) पत्रविशाना वेश्या पहनु नाम, पत्रवणा के चौथे पदका नाम name of the 4th Pada of Pannavana 4909. (३) ज्ञानावरखीयाहि ५भ नी स्थिति-अव-स्थान अल. ज्ञानावरणीयादि कर्म की स्थितिः अवस्थान काल, the duration of Karma such as Jñānāvaranīya etc क॰ ग॰ १, २; ४, ९६; सम॰ ४; भग० २, १; नाया० १; पि० नि०६६, उत्तव **૨૪, ૨; (૪) બેસવું; સ્થિર થવું.** वैठनाः स्थिर होनाः remaining steady; act of sitting पन २३; नाया॰ १: पि॰ नि॰ ५१; सु॰ च॰२, ३१३; - कंडग (-काएडक) अभेना रिथनि भ रते। सभू कमें के स्थिति खंडों का समृह a collection of the various durations of Karmas ऋष्व०५,१३; Vol. 11/112

३६; -- कम्म न॰ (-कर्मन्) स्थिति रूपे ળ ધાયેલ કર્મ : કર્મની સ્થિતિ સ્થિતિ હવ से बंधा हुआ कर्म; कर्म की स्थिति. duration of Karmas. 310 8, 8; (3) स्थिति इभी: अन्म संरक्षार स्थिति कर्मः जन्म संस्कार. Karmus causing birth in a particular condition. नाया०१४, -कल्लाण. त्रि० (-कल्याण-स्थितिः त्रवस्त्रिंशस्तागरे।पम-लच्या कल्यामां येषांतेः) इत्याखरू, प उत्प्रप्ट-भां जित्रष्ट रिथनि वाक्षा. स्थिति कत्राणः उरकृष्ट में उरकृष्ट स्थिति वाला possessed of the highest duration, सन. ६००; जं० प॰ २, ३१; -काल पुं० (-काल) સ્થિતિ - કર્મ સ્થિતિની ઉદ્દીરણાના **४। अ-वभत. स्विति-कर्म स्विति की उदीरणा** का काल-समय time of forcing up hastening the maturity of Karmis क॰ प॰४,४२; —क्लय. पुं (- इव) स्थितिने। क्षय; आयुष्यनी सभाप्ति. स्थिति का ज्ञयः आयुव्य की समाप्ति. end of life-period; end of fixed duration. नाया॰ १; =; १४; १६: भग० २ १; ६, ३३; २५, ५; कप० १, २; क०प०६,४; — खंड. पुं॰ (-खयह) કर्भनी रिथतिना भड- ११८। कर्म की स्यिति के खंड-टकड़े. a division or detachment of the duration of Karma. क • न ० २, ६२; - इाल. न ० (-स्यान) इम रिथितिना स्थान इ. कर्म स्थिति के स्थानक. different conditions of Karmas. क॰ग॰ ४, ४४; -नामानिह-त्ताउ. न॰ (-नामनिधत्तायुः) गति जाति આદિ નામ કર્મની પ્રકૃતિની સ્થિતિને અનુ-सार आयुक्तभेता अध थाय ते. गति जाति आदि नाम कर्म की प्रकृति के श्रवुसार

श्रायुकर्म का वंध होना. the formation of Ayukarma determined by the nature of the duration of Nāmakarma such as Gati. Jāti etc भग० ६, ७; - निसेग पुं॰ (-निपेक) अभेनी स्थितिमां अभेना दिलया नाभवा ते. इसे की स्थिति में कर्मों के समृह को डालना. incurring, adding more Karmas during the continuance of the same kind of Karma. 50 90 3, 94; 6, 94; —पाडिहास्र. पुं॰ (-प्रतिघात) ७२२ रिथतिने। नाश थाय ते. उच्च (स्थति का नाश होना. destruction of maximum duration (of Karma) as such. ठा॰५,१;--भेग्र. पुं०(-भेद्र) रिथतिना लेइ-प्रधार स्थिति के भेद-प्रकार. a variety or mode of duration of Karma. क॰गं॰५,६४; --रस. पुं॰ (-रस) ४भी रिथित अने रस. कर्म की स्थिति श्री। रम the duration and intensity of Karma. क॰ प॰ ३, १०; — रसद्याय. पुं॰ (-रसघात) अभेनी स्थिति अने रसनी धान धरवी ते. कर्म की स्थिति और रम की घात करना. destruction of the duration and intensity of Karma, क॰ प॰ ५, १२; —विसेस पुं (- विशेष) अभी नी स्थिति विशेषः विशेष प्रधारती रिथति. कर्मकी स्थिति विशेषः विशेष प्रकार की स्थिति a particular duration of Karma. To To 3, ४, क॰ गं॰ गं॰ ४, ६०: —संक्रम पु॰ (-संक्रम) ४भ नी ओ ४ रिथित भे।गवानी હાય તેમાં બીજી સ્થિતિ નાખવી ते. कर्म की एक स्थिति भोगते हुए उसमें दूसरी स्थिति ढालनाः mixing up

duration of one Karma which is bearing fruit with the duration of another Karma of the same class. कः प॰ २, २८; ४, ३२; —संतठाण. न॰ (–सत्थान) ४भ संभि दिश्रतिना स्थान कर्म संबंधी स्थिति के स्थानक. the sources which determine the duration of Karmas. क॰ प॰ ७, २०;

डिइपद् न॰ (स्थितिपद्) भ्रह्मापना स्त्रना व्युर्थ पदनुं नाम. प्रज्ञापना स्त्र के चतुर्थ पद का नाम Name of the 4th Pada of Prajñāpanā Sūtra. मग॰ ११, १९;

ठिइवंध्र. पुं॰ (स्थितिबन्ध-- श्रध्यवसाय-विशेषगृहीतस्य कर्मरालिकस्य स्थितिःकाल-नियमनम्) ५५ ती रिथतिने। लन्धः ५५ तुं आसभान, कर्म की स्थिति का बन्धः कर्म का कालमान. Duration of the attachment of Karmic matter to the soul. क॰ गं॰ ४, व्यः, प्र, २१; ६५; क॰ प॰ ४, १२; ठा॰ ४, २; — भावसायः पुं॰ (- प्रध्यवसाय) रिथति ण धना छेतु-भूत अध्यवसाथे।. स्थिति वंध के हेतुमूत श्रध्यवसाय. thought-activity causing Karmic matter to remain the soul for a attached to certain fixed duration. क॰ गं॰ ४, ८५; ५, ६५; —हागा. न० (-स्थान) रिथित अधना स्थानक स्थिति वंध के स्था-नक. a source of or cause of the duration of Karina. क॰प॰१, ४२;

ठिइवाडिया. स्त्री॰ (स्थितिपतिता-स्थितौ कु-लस्य मर्यादायां पतिता प्रत्रज्ञन्मादिकिया) कुस वा सेकिती स्थिति, मर्थादा; कुसनी पर-२ !राथी यासी व्यावती अन्म महीतसवादि ि अथा कुल वा लोककी स्थिति, मर्प्यादाः, कुल परंपरासे चली आती जन्म महोत्सवादि क्रिथा. A practice handed down from one generation to another e.g. the birth of a gon श्रोव॰ ४०; नाया॰ १; १४; भग॰ celebrating ११, ११;राय० २५६; कद्म० ५, १०१; हिद्द्य त्रि॰ (स्थितिक) छिनु रहेतुं; स्थिर थयेथुं. खडा रहा हुस्रा; स्थिर. come steady; standing. उदा० १, ७४, श्रोव॰ ३३, (२) हिथतिनाक्षी स्थितिवाला. steady; standing. भगः हिह्या. स्त्री॰ (स्थितिका) श्थिति स्थिति Condition; state; state of lasting उवा॰ ७, २०८; भग॰ १४, ६; ित त्रि॰ (स्थित) यित्तभां रिथर रहेर्लुं॰ चित्त में स्थिर रहा हुआ Steadily remaining in the mind श्रगुजा०१३, डिति. पुं॰ (हिंचति) शतिने। अभाव. गति का श्रभाव. Absence of motion. जीवा॰ ३, ४; (२) (२५५ति; आयुष्पधांस श्रायुष्यकाल existence; duration of life. भग० २०, १; २४, २०; जं० प० जीवा॰ १; राय० २९३; सूण प० १८, (३) भर्यां मर्योदा. limit. वंचा० २, २६; —नामनिहत्ताउयः पुं॰ (-नामनिघताः युष्क) ओ ५ प्रशरते। आयु ५ भेता लन्ध. તરકાદિ ચાર ગતિ એકન્દ્રિયાદિ પાંચ જાતિ અને અવગાહનાદિર્પ જે નામકર્મની પ્રકૃતિ तिनी साथै आयुर्धभेनु निधत्त थतु नरकादि ४ गति एकेंद्रियादि पाच जाति श्रीर श्रवगाहनादि हुए जो नम्मकर्म की प्रकृति उसके साथ श्रायु-कर्म का निधत्त होना. determination of Ayukarma in relation to

the various kinds of Namakarma such as the four Gatis e g. hell etc, the five Jatis e. g. possession of one-sense etc; a sort of Karmic bondage in relation to the duration of life. पत्र॰ ६; —भेश्र. पुं॰ (- मेद) इमें नी के विगति आंधेख होय તેમાં અધ્યવસાયાદિ ખલશી ન્યૂનાધિકતા _{डर्}यी ते कर्म की जो स्थिति बन्धी हुई हो उसमें अभ्यवसायादि वत से न्यूनाधिकता करना. act of changing the fixed duration of Karına by the strength of thought-activity etc श्रंत॰ ३, ६; —वीडया. ह्री॰ (-पातिता) कुंशक्षमागतः कुंशमा आविशी સ્થિત પ્રમાણે, જન્માત્સવાદિ ક્રિયા. इत्तं क्रमागतः कुल में आई हुई स्थितिके अनुसार traditionally जन्मोत्सवादि किया handed down from one geneanother family. निरं १, १, —साहण नं ration (-साधन) स्थिति-भायार भर्योध साधी णतावती-दर्शावती ते. स्थिति-स्त्राचार मर्यादा की सावना कर दिखना. net of point ing out rule of conduct by practising them पंचा॰ २, २८; ठितिय पुं (स्थितिक) छिभे। रहेनार खडा रहने वाला. One who stands. भग॰ २४, २०; (२) त्रि॰ स्थितियासे।. स्थिति बाला. standing; steady; lasting. िय त्रि॰ (स्थित) २६९४ रहा हुआ Remaining, posted; standing प्रव॰

७८२,

ਫ.

इंड. पुं॰ (दगढ) हंं. दंड; दंडा. A thick short stick. पक॰ ३:

डींड. पुं॰ (दारिडन्) ६९.४।री. दग्डधारा; दग्डका धारण करने वाला. (One) with a stick in his hand. श्रोव॰ ६१;

डंडिखंड पुं॰ (दिएडसएड) ४६६। ४६६। सीपीने कोरेस पन्न. दुकडे दुकडे मॉक्र जोडा हुम्रा बन्न. A garment made up of fragments stitched together. परह॰ १, ३;

डंभण, न॰ (दंभन) इंसडारी थीलाने हमबुं ते. दंभ करके श्रीरों को ठगना Act of deceiving another by hypocritical show, प्रत्न॰ ११४:

√डंस. घा॰ I. (दश्) उसर्युः इरऽयुः. नाटनाः इंक मारनाः To bite; to sting. इसइ. उच० २७, ४; मु॰ च० १, ३४४; इंसावेइ. मु॰ च० १३, ४४;

डंसण. न॰ (दंरान) ऽसवुं; ६२७वुं. ढंक मारना; काटना. Act of biting. पि॰ नि॰३४=;

डक. न॰ (दृष्ट) लंगभ सर्पाहिनुं हेर. जंगम सर्गादिका निप. Poisonous effect due to serpent bite etc. ठा॰६, १; (२) त्रि॰ ८ ६ ६ धेस. इंक दिया हुआ. bitten; stung. परह० १, १; २, ४;

डक्का ज़ी॰ (उक्का) शिवनु वाल्यु; उभई, शिव का बार्जित्र; डमह. A sort of small hand drum of the god Siva. छ॰ च॰ १३, ४६;

डगलग. पुं॰ (*) नाना नाना ५थन: अंक्रि. होटे होटे पत्यर; कंक्रर. Small

stones; a pebble. 170 नि॰ सा॰ १४; डब्ह- त्रि॰ (द्राय) भक्षी अथेतुं; भरम थ्येश्वं जला हुन्ना; भस्मित. Burnt to ashes; burnt. মু॰ ব॰ পু. ২২২: डमर. पुं॰ (दमर) भे शक्त्रीता है शक्त्रभा-रे।ना परस्पर विरे।धंथी धतेः ७५८व. हो राज्ये श्रयवा राजकुमारी के परसार विरोध मे होता हुन्ना टाइव. Trouble caused by quarrel among princes of the same royal family. জীবাত ই, ই; भग०३,७; निसी० १२,३३; पगह०१,२;ई० प०१,९;भ्रोव० ३१; सूय०२, १, १३; (२) દુલ્લક; તાેકાન; ખલવાે. हह्नड; बखेडा. rebellion: commotion: riot. श्राया २, ११: १७०: उत्त० ११, १३: प्रद० ४४०; -कर त्रि० (-कर) अधिवे। **५२ना२**; ते। इति । ६२ना२, बत्तवा करने वाताः तुफान करने वाला. a rebel; (one) who incites others to a rebellion. स्रोव॰ ३१:

डमहर्यः न॰ (डमस्क) ८भ३ नामना वाछत्रः डमह नाम का वाजित्रः A kind of drum. निसी॰ १७,३३;

√ उद्द. था • I,II. (द्र्) अध्यं; धाअ्युं. जतना; दश्य होना. To burn; to get burnt.

दहइ. विवा० ७;

डहेइ. नाया॰ २;

दहिहेजा. वि॰ दस॰ ९. १, ७; उस॰ १२, २८; इं॰ प॰ प्रसुत्रो॰ १३६;

ढह्ह. आ॰स्य॰२,१,१७; छ॰च॰ १०,११४;

^{*} लुओ पृष्ट नम्भर १५ नी पुरनेत (*). दे लो पृष्ट नंदर ११ की क्टनेत (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

डहिस्संति. सु० च० १०, ११३; डज्मइ-ति. क० वा० उत्त०६, १४; श्राया० १, २, ४, ६३; १, ३, ३, ११६; पि० नि० ११४; २००;

हमंति. सु० व० ४, २११;

- डडमेज क० वा० वि० विशे० २१०; डाउमही. क०वा०भ० प्र० ए०सु० च०६,४७; डउमेत क० वा० व० कृ० नाया० १; सम० प० २१०; सु०च०२, ५६६; कप्र० ३, ३२;

डरममाण. क॰ वा॰व॰ कृ॰स्य॰ १, ४, १, ७; उत्त॰ ६, १४, मु॰ व॰ ३, ३६;

डहण. त्रि॰ (दहन) श्रास्तुं. जलाना. Act of burning; setting fire to. पि॰ नि॰ ४७९:

स्डहर. ति० (*) ह्यक्टं; तु२७; नानं. हलका; तुच्छ; छोटा. Mean, trivial; insignificant. श्रोघ० नि० १०८; ७१४; श्रोघ० नि० भा० २६०; निसी० १२, ३४: क० प० १, ८०; (२) भासक्ष. वालक a child. स्य० १, २, १, २; २, ३, २३; श्राया० २, ११, १००; श्रंत० ६, ३; इस० ६, ३, १२; (३) तइछ, यु१ तहण; युवक young; youthful इसा० ५, २, २६;

डांहगी. ली॰ (ढाकिनी) अध्य. डाकिन. डाकनी. A female ghost; a wench. पग्ह॰ १, ३;

हाग. पुंज (डाक) पृक्षनी असभी; नानी अस यूचकी डाली; छोटी शाखा. A tender twig of a tree आया॰ २, १०;१६६; (२) अंभी राध पगेरेनी साछ. माजीके भिन्न २ प्रकार. varieties of vegetables used as salads. प्रव०१४२५; डामरिश्र. त्रि॰ (डामरिक) विश्रक्ष ६२२।२. विश्रक्ष करनेवाला. (One) who wages a war. पएह॰ १,२;

डाय. पुं॰ (*) डांभी वत्युक्ष राध वगेरेनी भाछ. भाजी के भिन्न र प्रकार. A variety of vegetables used as salads. दमा॰ ३, १६; पिं॰ नि॰ २५०; प्रव॰ १४२६; आया॰ २, १, ४, २६; (२) ति॰ सारूं. श्रद्धा. good. सम॰ ३३;

डायहिई. ली॰ (डायहियति) के रिथितियी मांडीने ते प्रकृतिनी कित्कृष्ट रिथितिनी अध थाय त्यां सुधीनी अधी रिथितिओनी डाय-रिथिति अभी संज्ञा छे. जिस हियति से लगाकर प्रकृति की उन्कृष्ट स्थिति का वंय-न हो उस तक की सर्व स्थितियों की डायहियति ऐसी संज्ञा है. A term denoting all the intermediate stages from a particular stage of duration to the highest stage of duration of a particular kind of Karma. क॰ प॰ १; ६६; ३, ६;

*डाल. न॰ (*) शाभा; आउनी अस शाखा; फाड की डाली. A. branch of a tree; a bough of a tree. महा॰ प॰ १००; पंचा॰ १८३६;

श्रुडालग. पुं० (=) शाभानी ओड लाग; अक्षभी शाखा का एक माग; छोटी डाली.

A small branch of a tree, an
offshoot of a tree. श्राया॰ ', १, १०,

प=; (२) इसनां पितडां; न्हानी इडडी. फल
का छोटासा दुकडा-चोर. a small slice

^{*} अओं पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरने।र (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*) Vide foot-note (*)p 15th

e g. of fruit. श्राया॰ २, ७, २, १६०; इडाला. स्री॰ (*) शाभा; अस शाखा: डाली. A branch of a tree; an offshoot of a tree. सु॰ च॰ ६, ३०; डाह. पुं॰ (दाह) भक्षत्रुं; धअतुं. जलना; दग्ध होना. Act of burning; act of catching fire. पि॰ नि॰ ५००;

डिंग्डिम. न॰ (-िंग्डिंग्डिम) वाद्य विशेषः, नानी देश्व. वाद्य विशेष. A kind of drum. राय॰ ==, जीवा॰ ३, १;

डिंडिमय. पुं॰ (डिधिडमक) छ। इराने रभवाने।
नान्छे। ढोक्ष वालकों को खेतने का छोटा
ढोल. A small drum used as a
toy by children. सूय०१, ४, १, १४,
डिंच पुं० (डिम्ब) छ। ६२१, अक्षेत्रे। उगद्रव;
वलवा. Trouble; rebellion. (२)
६२६त, विध्न. विध्न; तुफान. obstruction; riot. जीवा० ३, ३; श्रोव० स्य०
२, १, १३; श्राया० २, ११, १७०; भग०
३, ७, निसी० १२, ३३; जं० प० १, १०;
डिंभ पुं० (डिंभ) आव्य वालक A
child. श्रोघ० नि० भा० २००; पं० नि०
२१०;

डिंभ श्र-य. पुं॰ (डिंभक) श्रांतिक वालक A child. श्रंति॰ ६, १४, निर्॰ ३, ४, नाया॰ २; ४; १=;

डिंभिया स्त्री॰ (डिंभिका) शालिश; अन्या वालिका, कन्या. A young girl नाया॰ १८;

इंगर पुं० (*) डुगर, पर्वत पर्वत;
 पहाडी. A mountain; a hill. जं०प०
 इंग्र पुं० (*) भावत मानत. An elephant-driver पि० नि० ३८७,

(२) यांअस (भर्छेन२) चांडाज (महेतर).
a person belonging to the untouchable class. मु॰ च॰ ६, ८२;
इह त्रि॰ (दुष्ट) हुष्ट. हुर्ल्यन. दुष्ट; हुर्जन.
Wicked; bad; evil. दमा॰ ४, ६४;
इतिपलासम्र. पुं॰ (दृतिपजाश ह) हुतिपक्षाय नामे का उद्यान. A garden named Dūtipalāśa दसा॰ ४, ६;

& डेबिग्. न॰ (-) ઉલ્લંધન; भी लंगतुं. उत्तंघन, उत्तांपना Act of trunsgressing or going beyond; crossing. श्रोष• नि॰ ३९; गच्छा॰ ५२;

डेवेमाण ति (*) अति क्ष्मश् करता. श्रातिकमण करता हुआ. (One) who transgresses, crosses or goes beyond. भगः १३, ६;

#डोग्र. पु॰ (*) लाइडाने। याटवे।; लकडी का चादः दाल खीचडी हिलानेके काम में श्राने वाली वस्तु का नाम. A sort of ladle used for stirring broth etc. पि॰ नि॰ २४०;

डेंगर. पुं॰ (इंगाःशिलावृन्दा श्रोरवृन्दाश्च सन्ति यत्र) पर्भतः थे। रे। ने रहेवानु स्थान. पर्वत, चारों के रहने का स्थान. A mountain; a place or abode of thieves "पन्त्रयगिरिडोंगर इच्छलभट्टि-मादीए "भग॰ ७, ६; — डॉच. पुं॰ (डॉब) डांभ देश डॉब देश. Domba country. (२) त्रि॰ डांभदेश निवासी. डोम्ब देश निवासी. an inhabitant of the country called Domba. पराह॰ १,

^{*} जुओ। ५४ नम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th

डॉबिलग. त्रि॰ (डोम्बिलक) डिणिसहैश निवासी. डोबिल देश निवासी. An inhabitant of the country called Dombile. परह ॰ १, १; पन ॰ १;

डोडिगी स्री॰ (*) धाहाणी, धान्हण जितनी श्री. ज्ञाम्हण जाति की स्त्री. A. female Brāhmaņa; a female of the Brāhmaņa caste आगुने।॰ ६, ६६;

डोल. पुं॰ (*) भडुशना ६क्ष. महुवा का फत्त. A fruit of a Mahuā tree. " विगईस्रो सेसाणं डोलाईगं न विगईस्रो " प्रव॰ २२०; डोहल न॰ (दोहद) त्रील मिहिना हरम्यान गर्भावती स्त्रीने गर्भाना छवना साथि अनुसार जुडी जुडी ध्रम्यान यामवती स्त्री को गर्भ के जीव के भागी के अनुसार भिन्न भिन्न इच्छाएं हो वह. A variety of desires experienced by a woman in the third month of her pregnancy, these desires foreshadowing the future of the child in the womb. नाया॰१, =; विवा॰७; तंदु॰ १६; सु॰ च॰ १, ३०६;

ह.

स्टंकुण. पुं॰ (१) भाइड. खटमल A bug. जं॰ प॰ (२) ओड ज्यनतुं वािज त्र. एक जाति का वार्जित्र त kind of musical instrument. श्रापा॰ २,११, १६८; —सद् न॰ (-शब्द) ढांडणु नाभना वािज त्रना शण्ड ढाकण नाम के वािज्ञ का शब्द. sound of a musical ins-

trument named Dhāṅkaṇa. निसी॰ १७, ३४;

तिनी ओड जात है जो उनतां अनन्ताशिक है। ये छे जाते है जो उन्नित्ताशिक है। ये छे अते छेद्या पछी अत्येक धाय छे. शाक वनस्पति की एक जाति कि जो उननेपर अनंत कायिक है।ती है और काट डालने के बाद प्रत्येक है।ती है A sort of vegetable which contains infinite lives during growth but which becomes Pratyeka (having one life) after it is cut off प्रवन्दर,

हड्हर. पुं० (हड्हर) अनुधरेश सण्ड, के स्वर-आवाजमा ढरेढर थान ते, आंलरी अनाज अनुकरण शब्द, जिस स्वर की आवाज हर हर मी होती है वह A sound resembling that produced by the pronunciation of Dhara-

^{*} जुओ। पृष्ट नम्भर १४ नी प्रतीय (*) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p. 15th

र्छार्ढिकण्. पुं० (।). भाइड, भटभक्ष. खटमल. A bug. उत्त• ३६, १४५;

ढेििख्यालग. पुं॰ (ढेिख्यकालक) पक्षि विशेष;
देव विशेष. पद्मा विशेष; मोरनी; मयुरी.
A particular kind of bird resembling a pea-hen. पर्ह॰ १, १;
ढेिख्यालिया. श्री॰ (ढेिक्कालिका) पक्षि;
देव विशेष मोरनी; मयुरी. A kind of bird, a bird resembling a peahen. श्रगुत्त॰ ३, १;
ढोल. पुं॰ (१) ઉट. कंट. A camel. जं०प॰

ण.

र्ण घ्र॰ (न) तक्षार; ना; निंढ, निर्पेध नकार; ना, नहीं, निषेध. A negative, not; ११०. नाया० १: २; ५; ५; १४, १५; १६; १८, भग० १, ६; २, १; ३, ७; २६, १; उत्त० १, १४, सूय० १,१, १, २०; राई. स्त्री॰ (नदी) नदी. नदी. A. river नाया० १; योव० ३८; ज० प० १, १०; - कच्छ. ४० (-कच्छ) नदीनी **पासेनी** भीय अही, नदी के नजदीक की घनी काडी. a dense thicket of trees in the vicinity of a river नाया॰ १; एउ-ग्र-या नि॰ (नवत) ८०; तेव ६०: नव्व 90, ninety. " सत्तगाउप जीयणसप् श्रवाहाए श्रंतरे पराणते " भग० १४, ६, जं॰ प॰ ६, १२५; ग्उञ्च-यः न॰ (नियुत्त) ८४ साभ नियुतांग अभाख अब विशेष =४लच्च नियुताग प्रमाण काल विशेष. A period of time measuring 84 lacs of Niyutāngas ठा० २, ४, भग० २५, ५; ग्राउत्रा(यं)ग. न॰ (नियुताङ्ग) ८४ क्षाभ

प्रमाण काल विशेष. A period of time measuring 84 lacs of Ayuctas. ठा० २, ४; भग०२४,५; एउइ. स्री० (नवात) नेवृं; ८०. नव्वे; ६०. Ninety; 90. जं० प० भग० २०, ५; एउल. पुं० (नकुल) नेक्षिष्ठं. नेवला; नकुल. A weasel. नाया० ६; १६, पन्न० १; उना० २, ६४; भग० १४, १; (२) न० वाद्य विशेष. वाद्य विशेष a particular kind of musical instrument राय० ६६; (३) पुं० पाएडुगळानी दीडरी; पाय पाउवभानी साथी नानी लाछ. पाएडु राजा का पुत्र; पांच पाएड्वों में से सब से खेंद्रा भाई. one of the five sons of the king Pāṇdu, so named.

અયુત પ્રમાણ કાલ વિશેષ. 🖙 लत्त श्रयुत

णाउली स्त्रीक (नकुली) सर्भने वश करवावी विद्या. सर्प को वश करने की विद्या. The art of charming serpents. जीवा० १, कप्प०

नाया० १६:

^{*} जुओ पृष्ठ नम्भर १५ नी पुरनीर (४). देखों पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (४) p. 15th

गां. श्र॰ (*) वाक्ष्याशं कार; वाक्ष्या अलंकार ३५ ओक शण्दः वाक्यालंकार; वाक्य के श्रलंकार रूप एक शब्दः A particle used as an expletive. " ते गां कालेगां तेगां समये गां " नाया०१; श्राणुजी०६; भग०१, १, ४, २, ६, ४; दस० ४, १, १३; ६, ११; वव०१, २२; जं० प० वेय०१, ३७; पन्न०९;

रांगर. पुं॰ (क) क्षंधर; वहाखुने राष्ट्री राज्यवानी होत्स्त्री के सांक्ष्य लगर; जहाज को रोकने की सांकल आदि Anchor विवा॰ ६:

गंगल. न० (लाइल) ६४ हल A. plough. परह० १, १;

र्णंगलई. स्नी० (नद्गलकी) એ नामनी એક साधारण वनस्पति. इस नाम की एक साधारण वनस्पति. A sort of vegetable containing infinite lives पन्न० १: भग० २३, ४:

णंगलिश्र-य पुं॰ (लाइलिक) सीनानी ६व क्षथमां वह स्वारीमा आगव यावनार सुक्षक्ष, सुवर्ण का हल हाथमें लेकर मवारी में श्रागे चलनेवाला सुमह A warrior who moves in the van of a procession with a golden plough in the hand. जं॰ प॰३, ६७; कष्प॰ श्रोव॰ ६२, ३, ६७;

गुंगोलिय. पु॰ (लाङ्गोलिक) लांगुलिङ नामनी अतरदीप ५६ अंतरदीपमानी ओड. लांगुलिक नाम का श्रतरद्वीप, ४६ श्रंतरद्वीप में से एक Name of one of the 56 Antara Dvipas (islands). ठा॰ ४, २, (२) पुं॰ स्री॰ ते अंतरद्वीपमां वसनार मनुष्य. उस श्रंतरद्वीपमें रहनेवाला मनुष्य. a person residing in the above island. पत्र॰ १,

गांद. पुं॰ (नन्द) समृद्ध. समृद्ध. Prosperous. " जय जय ग्रंदा " कप्प॰ ४, १०=; नाया० १; (२) राजगृह नगरीते। न इश्रमणीयार नामने। शेर्ड राजगृही नगरी का नंदनमनीयार नामका सेठ name of a meichant of the town of Rājagrihī, also styled Naudanamaniyara नाया॰ १३; (३) १२मां તીર્ધકરને પ્રથમ ભિક્ષા આપનાર ૧૧વેં तीर्थंकर को प्रथम भिद्धा देने वाला. name of the person who first gave alms to the 11th Tithankara. सम० प० २३२; (४) आवती डित्सिपि-ણીમાં થનાર પ્રથમ વાસુદેવ. જ્રામામી उत्सर्पिणी में होने वाला प्रथम वासुदेव the first would-be Vāsudeva in the coming Utsarpin सम॰ (४) એક જાતનું લાહાનું આસન. एक जाति का लोहे का श्रासन. a sort of iron seat. नाया॰ १; (६) સાતમા દેવલાકત એક વિમાન -એની સ્થિતિ ૧૫ સાગરે પમની છે, એ દેવતા પન્દર પખવાડીએ ક્ષાસોછવાસ લે છે, અને भ हर ७ लार वर्षे क्षुवा अपने छे सातवें देव-लोक का एक विमान-उसकी हिथति १५ सागरोपम की होती है, ये देवता १५ पक्त में श्वासोल्वास लेते हैं; श्रीर उन्हें १४००० वर्षी में जुधा लगती है. a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live for 15 Sagaro-

^{*} लुओ पृष्ठ नभ्भर १४ नी पुरनीर (*) देखी पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (*) Vide for-note (*) p 15th.

Vol 11/113

pamas, breathe once in fifteen fortnights and feel hungry once in 15000 years सम॰ १५; (છ) યાર જાતના વાર્જ ત્રના સાથે શબ્દ **५२**पे। ते बारह जाति के बाजिलें। का एक साथ शब्द करना. a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once पचा" ७, १६; (=) की नामनी को इ राज-क्षेत्रार. इस नाम का एक राजकमार name of a royal prince. नाया॰ =; (६) પડવા, છાં અને અગીયારસ એ ત્રગુ તિચિતુ नाम जुल्ली " गंदा " शण्ह प्रतिपदा पष्टि श्रीर ग्यारस इन तीन तिथियों का गाम देखे। " गांदा " शब्द. a term denoting the first, sixth & eleventh days of a fortnight. vide. 'गंदा' ज॰ प॰

णंदकंत पुं॰ (नन्दकन्त) सातमां देवले। इनु
ओड विभान डे केनी रिथिति १५ सागरे। पभनी छे, अना देवता १५ ५७० वर्षे क्षुधा
थाने। छ्वास थे छे अने १५००० वर्षे क्षुधा
थाने छे सातवें देवले। क का एक विमान कि
जिसकी स्थिति १५ सागरे। पमकी होती है उनके
देवता १५ पच्चमें खासे। ख्वास लेते हैं और उन्हें
१५००० वर्षे में चुधा लगती है Name
of a heavenly abode of the 7th
Devaloka the gods in which
live for fifteen Sagaropamas,
breathe once in 15 fortnights
and feel hungry once in 15000
years. सम० १५;

र्णंदकूड पु॰ (नन्दक्ट) सातमां देवशे। इनुं ओ इ विभान येनी स्थिति वगेरे स्टइन्त विभान अभाषे ४ छे. सातवें देवलोक का एक विभान; उसकी स्थिति इत्यादि संदर्कत विभान के समान ही है. Name of a heavenly abode in the 7th Devaloka similar to " णंदकंत" in point of duration of the life of its gods etc. सम॰ १५;

रंग्द्रग पुं॰ (नन्द्रक) ओ नामनी कृष्णुवासुन्दिन की तसवार हम नामकी कृष्ण वामुदेन की तलवार. Name of the sword of Krisna Vāsudeva पण्ड॰ १, ४; णंद्रक्तय. पुं॰ (नन्द्रध्यज) सातमां देखीक्ष्रं ओड विमान, ओनी स्थिति वगेरे ' णंद्रकंत' विमान अभाषो छे. सानवें देवतोक का एक विमान, उपकी स्थिति इत्यादि ' णंद्रकंत' विमान के समान है. A heavenly abode of the seventh Devaloka similar to " णंद्रकंत' in the duration of the life of its gods etc. सम॰ १४;

र्एंद्र्या. पुं॰ (नन्दन) समृद्धि समृद्धि. Prosperity; wealth नंदी॰ (२) पुत्र-पुत्र; लडका a son. पराह॰ १, १; (३) भरतक्षेत्रना सातभा अक्षदेव. भरत चेत्र के सातवें बलदेव का नाग. the 7th Baladeva of Bharataksetra. प्रव १२२४: सम॰ " दिसिभाषु गंदणनामं चेइए होत्था" भग॰ ३, १; (४) भे३पर्यंत अपरतं देव-तांग्रीने श्रीश अरवातुं वन. मेरु पर्वत पर का देवताओं के कींडा करने का वन the forest of sport for gods on the Meru " वणेसु वा णंदण माहु mountain सेठ्ठं "सुय० १ ६, १८, ठा० २, ३; (१) भ दिसनाथ स्वाभिना पूर्व लव मिल्ल-नाथ स्वामी का पूर्व भव. the previous birth of Mallinatha Svami. सम॰ (६) भे। अया नगरीनी पढ़ारनु **ઉद्यात मोकाया नगरी के बाहिर का उद्यान.**

रीए बहिया उत्तर पुराच्छिमे " -कर त्रि॰ (-कर) आनंद धरनार, समृद्धि **४२**नार. श्रानंद करनेवाला, समृद्धि करनेवाला. (one) that delights; (one) that makes prosperous पग्ह॰ १, ४; गांदगाकू इ पुं॰ (नन्दनक्ट) न ६न पनता नव इटमांनुं. ओ इ नंदनवन के नौ शिखरा में से एक. One of the nine summits of Nandanavana सम् ४००: गांदग्रभद्ग. पुं॰ (नन्दनभद्ग) भारत्य शिवता व्यार्थ संभृतिविजयना पहेला शिष्यः माठरम गोत्र के आर्थ संभृति विजय के पहिने शिष्य. The first disciple of Arya Sambhūti Vijaya of Mātharasa family-origin कप =; गांदगावगा न० (नन्दनवन) जभीनती સપાર્ટીથી પાંચસા યાજન હવે મેરુ પર્વાત ६५२ गावेस ओक वत. जमीन के तल से पांचमी योजन पर मेरू पर्वत के ऊपर का एक बन. A forest on Meru mount 500 Yojanas above the level of the plain. " दो गंद्रण चणा " ठा० २, ३; नाया० ३; जं० प० भग०११, ६; २०, ६, श्रंत० १,१.१ १; (૧) તિજયપુર નગરની પાસેનુ ઉદ્યાન विजय नगर के निकट का उद्यान. a garden in the vicinity of the town of Vijayapura, विवा २, ४; - कूड वि० (-कूट) न हनवनना नव કુટમાનુ પહેલુ કૃર શિખર નંદનવન के नौ कूट में से पाई ला कूट शिखा the 1st of the nine summits of Nan-

danavana, जं॰ प॰ --- द्वास. त्रि॰

(-प्रकाश) तन्द्रतान सभान. नन्द्रनवन

the garden outside the city

of Mokaya " तीयेश मोयाए नय-

समान. similar to, equal to Nan-danavana. नाया । प्रः

णंदणवत. न० (नन्दनवन) ळुओ " णंदण-चण " शण्द. देखो " गंदणवण " शब्द Vide " गंदणवण " जं० प० ५, १२०; नाया० ५:

गंदणम पुं॰ (नन्दमभ) सातमा देवलां को की विभान, अना देवला १५ ५ ५ ५ ५ १ १ ५००० वर्षे भारते हुन सात की छे. सात वें देवलां क का एक विभान, उसके देवला १५ पद्म में खासो छुवास लेते हैं और उन्हें ११००० वर्ष में खुआ जगती है. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम॰ १५; गंदमिण्यार पुं॰ (नंदमिण्कार) अनाभना अक शेर्ड-स हुआर. इन नाम का एक सेठ-साहूकार Name of a merchant. नामा॰ १३,

णंदमाण त्रि॰ (नन्दत्) सुभ भागवता सुख भागता हुआ Rejoicing तंदुः

णंदलेस्स पु॰ (नन्दलेश्य) सातमां हेन्देशिक्तु ओक विभान-नधारे भाटे का की ''णंदकंत'' शब्द मातनें देनलोक का एक विभान-निशेष खनासे के लिये देखी '' णंदकत'' शब्द.
A heavenly abode of the 7th Devaloka For further information vide ''णंदकंत'' सम॰ १५,

गंदवर्ण पु॰ (नन्दवर्ण) सातमां हे स्तिक्ष्युं ओक विभान. सातवे देवलोक्ष का विमान A heavenly abode of the 7th Devaloka. सम॰ १४;

र्णंदविद्याः स्त्री॰ (नन्दविद्याना) पूर्वि हिशाना रुये ४ पर्वत ६ पर वसनारी आहमानी ये।धी हिशाहुभारी. पूर्व दिशा के रूचक पर्वत के कपर वसने वाली घाठमें में चाँथी दिशा-कुमार्ग. The fourth of the eight Disākumārīs residing on the Ruchaka mountain in the east. जं० प०

ग्रेंद्सिंग. पुं॰ (नन्द्रशृंग) सातभां देवेंशेहनुं ओ ह विभान; जुओ। " ग्रंद्कंत " राष्ट्रः मानवे देवतोष का एक विमान; देखों " ग्रंद् कत " राष्ट्र. A heavenly abode of the 7th Devaloka; vide " ग्रंद्कंन" सम॰ १४;

र्णद्भिद्ध. पुं॰ (नन्द्रसिष्ट) सातभां देवेंबे। हर्ने ओड विभान; जुन्मा " ग्रंदकंत " शण्द. सातवें देवलोक का एक विमान; देखों " ग्रंद-कंन ' शब्द. A heavenly abode of the seventh Devaloka; vide " ग्रंदकंत" सम॰ १५:

र्गदा. र्ह्चा० (नन्दा) भःवी, ७३ अने अभी-यारस ये त्रध् तिथीतुं नाम. प्रतिपदा, पिष्ट श्रीर ग्यारम इन तीन तिथियों का नाम A term denoting the 1st 6th and 11th dates of a fortnight. (२) शीवस नाथनी भावानुं नाभ, शांतल नाथ की साता का नाम, name of the mother of Sitalanātha. प्रवृद्दरः सम॰ (३) पूर्व २२३ पर्व तपर वसनारी आरंभांनी णीछ हिशा धुभारी पूर्व रुचक पर्वत के छपर वसने वाला श्राट में से इसरा दिशा इसारी the 2nd of the 8 Diśākumārīs residing on the Ruchaka mount in the east. जं॰ ૫૦ (૪) રતિકર ધર્વત ઉપર ઇશાન **ઇ**ઠની अश्रमिद्धिनी राज्यानी. गतिकर पर्वत के ऊपर इशान इंद्र की अप्रमहिषी का पाट-नगर. the capital city of the

principal queen of Isana India on the mount Ratikara. ठा०४.२: (ફ) અંજન પર્વત ઉપરની એક વાવનું નામ કે જે એક લાખ જોજનની લાંખી પહાલી अने २० क्लेक्सनी अंडी छे. श्रंजन पर्वत के ऊपर की एक बावड़ी का नाम कि जो एक लच योजन लंबी चौड़ा थीर दस योजन गहरी है. name of a well on the mount Añjana having length and breadth of one lac Yojanas and 10 Yojanas in depth. जीवा॰ ३,४; ठा०४,२; नाया० १, निसी० १, ૧; ग्रंत॰ ७, ૧; (६) श्रेण्डि राजनी એક રાણી. श्रेणिक राजा की एक रानी. a queen of the king Śrenika. जं॰ प० ५, ११४: १२३; नेया० ६; गुंदापुक्खारेगी ब्रा॰ (नन्दापुकारेगी)

મેર્થી વાયવ્ય ખુણે ૫૦ યાજન ઉપર લઠ-

સાલ વનમાંની ગાર બાવડીએા. मेरु से नाय-

व्य कीने में ४० योजन पर भद्रसाल बन की चार बावड़ी. The 4 wells in Bhadrasāla forest at a distance of 50 Yojanas in the north-west of Meru. जं॰प॰ ४, १०३; नाया॰ १२; (ર) સ્યભિતા વનખંડમાંના મહેન્દ્રધ્વઃ આગલની એક વાવ કે જે ૧૦૦ જોજન લાંખી ૪૦ જોજન પહેાલી અને દશ જોજન © डी छे. मूर्यामके वनखंड में के महेन्द्रवज के आगे की एक वावड़ी कि जो १०० योजन लंबी ५० योजन चौड़ी ग्रीर दश योजन गहर्श है. a well 100 Yojanas in length, 50 Yojanas in breadth and 10 Yojanas in depth in the vicinity of Mahendradhvaja in a forest of Sūryābha বাৰত ৭২৩; (૩) ચંપા નગરીની ળહારની એક પાવડીનું नाभ. चंपा नगरी के बाहर की एक वावडी का नाम. name of a well outside the town named Champa नाया॰ २;

गुंदापोक्खरिगी. स्री॰ (नन्दापुष्करिगी)
ळुओ। " गंदापुक्खरिगी " शण्६ देखो
" गंदापुक्खरिगी " शब्द. Vide " गंदा
पुक्खरिगी " नाया॰ १३;

र्णदावत्त पु॰ (नन्दावर्त) भांयभां देवले।।।।। धन्द्रना विभानना व्यवस्थापक हेवता. पांचवें देवलोकके इंडके विमानका व्यवस्थापक देवता. The deity in charge of the heavenly abode of the Indra of the 5th Devaloka. जं॰ प॰ ४; (२) સાતમા દેવલાકનું એક વિમાન; એની સ્થિતિ ૧૫ સાગરાપમની છે. એ પંદર પખવાડીએ ધાસાત્વાસ લે છે. એને ૧૫૦૦૦ વર્ષે ભૂખ क्षांशेष्ठे. सातवें देवलोकका एक विमान. इस की स्थिति १५ सागरीपम की है. यहां के देवता १५ पत्त से श्वासोच्छवास लेते हैं व १५००० वर्ष में उन्हें भूख लगती है. name of a heavenly abode of the 7th Devaloka similar to Nandakanta in the matter of life of its gods etc. सम॰ १५; (३) नवभुषा वादी साथीणे. नौ कोने वाला साथिया. a kind of auspicious mark with nine angles. 30 902, १२२; राय० पन्न० (४) यार छन्द्रिय वाली ९ व विशेष चार इंडिय वाला जीव विशेष a kind of four-sensed sentient being. जीवा॰ 1;

र्णिदिः पुं॰ (निन्द-नन्दनं निन्दः, नन्दिन्त प्राणिनोऽनेनास्मिन् चेति नान्देः) आन्दः; अभेदः प्रानन्दः प्रमोदः Joy, rejoicing. ठा॰ ४, २; प्राया॰ १, ३, २, ३; नाया॰ १;

(3) गै। भो धेनीय धर्म. गौरा मोहनीय कर्म. secondary or subordinate Mohaniya karmas. सम॰ ४१; (४) ખાર પ્રકારનાં વાછ ત્રોના સમુદાય. वारह प्रकारके वाजिनोंका समुदाय, a collection or set of twelve kinds of musical instruments. राय०११४,उत्त०११, १७; (५) એક જાતનું ઝાડ. एक जाति का बृत्त. a kind of tree. नाया॰ १; (६) એ નામના એક દ્વીપ અને એક સમુદ્ર, इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island; also of an ocean. पन्न० १४; -- गर. त्रि॰ (-कर) १६६ કरनार. गृद्धि करनेवाला (one) that causes prosperity. नाया॰ १; — घोस-पुं॰ (- घोस) णार प्रधारना जाछ त्रनी थ्ययाजः बारह प्रकार के नाजित्री न्नावाज. a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once. ज॰ प॰ ४,११६; राय०११४, (२) नन्हिना केवी अवाक **५२नार. नंदीके समान** श्रावाज करने वाला. (one) who produces the above kind of sound, श्रोव॰ ३०; तंदु० — चुरागाग. पुं० (-चूर्णक) ચામુક દ્રવ્યના સંયોગથી ખનાવેલું ચૂર્ણ. श्रमुक द्रव्यके संयोग से वनाया हुत्रा चूर्ण. powder prepared by mixing together particular ingredients. स्य० १, ४, २, ६; —राय. पुं॰ (–राग) સમૃદ્ધિથી ઉત્પન્નથયેલ હર્ષ. समृद्धि से उत्पन्न. हर्ष. joy arising from prosperity. भग॰ २ —स्सरः पुं॰ (-स्वर) भार प्रधारना वाछ त्राना अवाकः बारह प्रकार के बार्जित्रां श्रावाज. chorus of

produced by 12 kinds of musical instruments. जीवा॰ ३, तंदु॰ राय॰ ११४;

गंदिपावत्त पुं॰ (नन्दावर्त) नवभुशावासी साथीओ। नौ कोने वाला साथिया. An auspicious mark with nine angles. श्रोव॰ जं॰ प॰ ४, ११८; (२) पांथमा देवसीडना धंद्रनुं विमान पायवें देवलोक के इंद्र का विमान the heavenly car of the Indra of the 5th Devaloka. श्रोव॰ २४,

णंदिघोसा स्रो॰ (नंदिघोषा) थिएत हुभार देवतानी धटा थिएत कुमार देवताका घंटा The bell of the deity named Thanita Kumāra. जं॰ प॰

णंदिज्ञ न॰ (नदेय) २थिवर आर्थिशिश्वी नीडिलेस हिद्देशश्नं पांचभुं धुस स्थावर आर्य रोहण से निकलाहुआ उद्देहगण का पाचवांकुल The 5th family off shoot of Uddehagana originating from Sthavira Aryarohana कप्प० ≈,

र्णंदिज्जमाण त्रि॰ (नन्यमान) सभृद्धि वधा २ते। समृद्धि बढताहुम्रा Causing growth or advance in prosperity. न्नोव॰

णंदिणीपिय पुं॰ (निद्देनीपितृ) स वथी नगरीते। रहेवाशी के नामना गाथापित सावधी नगरी का रहनेवाला इस नामका गाधापित. Name of a Gāthāpati (merchant)residing in the town of Sāvarthī. 'तत्थणं सावत्थीण गंदिणी पिया णामं गाहावई' उवा॰ ६, २६८,

गांदिपुर. न॰ (निन्दपुर) शाष्ट्रिश्व देशनी शार्थिनी शाग्डिल देश का पाटनगर. The capital of the country called Śāndila. प्रव १६०३;

र्णंदिफल. न० (नंदिफल) ओ नाभनुं १क्ष इम नाम का १त्त. Name of a tree. नाय ० ५; (२) ओनुं प्रतिपादन ६२नार शाता सूत्रनुं ती जुं अ ७४४न. इसका प्रति पादन करनेवाला ज्ञाता सूत्र का तामरा श्रष्ययन the 3rd chapter of Jñātāsūtra describing the above. नाया ० १,

र्णदिमित्त. पु॰ (नांदिमित्र) भिंदिनाथ साथे दीक्षा क्षेतार नांदिभित्र धुभार. मांह्यनाथ के साथ दीन्ना लेनेवाला नंदिमित्र कुमार. Nandimitra prince or a young boy who took Diksā (entered the order of monks) along with Mallilnātha नाया॰=;

र्णिदिमुद्दंग न॰ (नन्दिमृदंग) शेक्ष प्रधारतं पार्जित्र. एक प्रकार का नार्जित्र. A. sort of musical instrument. राय॰

गंदिमुह पुं०(निन्दमुख) भे आगशी प्रभाध शरीरधारी पक्षी विशेष. दो उंगालियों के प्रमाण का शरीरधारी पद्मी विशेष A kind of bird with a body of the size of two fingers. पगह॰ १, १. श्रोव॰ जं॰ प॰

गांदियाः स्त्री॰ (निन्दिता) न हिता नामनी गांधार श्रामनी पहेंदी भूर्छना नांदिता नाम की गांधार श्राम की प्रथम मूर्छना The primary tune of the Gandhara pitch in music ठा॰ ७, १;

गंदियात्रत्त पुं॰ (नन्धार्वत) नवभुणात्राक्षे।
स.थीओ नव कैंाने वाला साथिया. An
auspicious mark with nine
angles जीवा॰ ३, ३; राय॰ (२) ध्रक्षदेवें देने । धेरनुं भुसाइरी विभान. ब्रह्म देवलोक के इन्द्र का विमान the heavenly

car of the Indra of Brahma Devaloka. ठा॰ =, १; (२) भे छिद्रिय वाला ज्याविशेष. दो इंद्रिय वाला जीव विशेष. a kind of two sensed sentient being. पत्र॰ १; (४) धे।५ अने महाधीष छद्रना क्षे।३५॥वनुं नाम. घोष और महाघोष इन्द्र के लोकपाल का नाम. name of the protector of the quarters owing allegiance to the Indras named Ghosa and Mahāghosa. ठा॰ ४, १;

गंदिरुक्ख. पुं॰ (नंन्दिवृत्त — नृत्वात्तां भूमिं तिष्टतीति) धीपक्षी; ओड लातनुं आड पीपल; एक प्रकार का वृत्त A kind of tree; the Pipala tree, ficus religiosa ग्रोव॰ जीवा॰ भग॰ २२, ३; पत्र॰ १; सम॰ प॰ २३३;

गादिपद्धण पुं० (निश्वईन) એ नामने। એક राજ क्ष्मार. इस नाम का एक राजकुमार A prince of this name. विवा॰ ६; शादिवद्धशा श्री० (निन्दवर्द्धना) अंग्रन પર્વત ઉપરતી એક વાવડી જે એક લાખ જોજનની લાંખી પહેાલી અને દસ જોજનની एंडी छे श्रंजन पर्वत के उत्तार की एक बावडी का नाम, जो एक लच्च यांजन लंबी चौडी है श्रीर दश योजन गहरी है Name of a well on the mount Anjana, one lac of Yojanas in length and breadth and ten Yojanas in depth. जीवा॰ ३, ४; ठा॰ ४, २: (२) રૂચક પર્વાત ઉપરતી એક દિલા કુમારી रुचक पर्वत के ऊपर की एक दिशा-कमारी a Disākumārī on the mountain Ruchaka ठा० =, जं० प० ४, ११४, गंदिसिगा, स्री०(नदिपेगा) पश्चिम अंजन

पर्वत ३ परती એક ભોવડી, पश्चिम शंजन

पर्वन के ऊपर की एक बावडी. A well on the western Añjana mount. जीवा॰ ३. ४:

ग्रांदिसेगा. पुं॰ (निन्दिषेण) भयुरा नगरीना दाम राजा के कुंवर का नाम Name of the son of the king Dāma of the town of Mathurā. ठा॰१, (°) गातमना पुत्र; निद्दर्भनिम शिष्य गौतम का पुत्र, निद्दर्भनिम शिष्य गौतम का पुत्र, निद्दर्भनिम शिष्य के son of Gautama and disciple of Nandivardhana. तंद

रंगिद्सेगा. स्ना॰ (निदिवेगा) पूर्व अलन पर्वत अपरती ओड वावनुं नाम. पूर्व श्रंजन पर्वत के ऊपर की एक बाउडी का नाम Name of a well on the eastern Añjana mount जीवा॰ ३, ४; (२) पूर्व इयड पर्वत अपर रहेनारी दिशाडुमारी पूर्व इयज पर्वत के ऊपर रहने वाली दिशाडुमारी. the Disäkumäri residing on the eastern Ruchaka mountain ठा॰ ६;

गंदिसेगिया हो॰ (नान्द्रपेशिका) श्रेण्डि राजनी राष्ट्री है कोनी अधिकार अन्तरक दशा सत्त्रना सातमां वर्णना ने। याथा अध्ययन मा छे. श्रीणिक राजा की रानी कि जिसका श्राविकार श्रंतगडदशा सूत्र के सातेंव वर्ण के वीथे अध्ययन में है The queen of the king Srenika mentioned in the 4th chapter of the 7th section of Antagadadasā Sūtra श्रंत॰ ७, ४,

गंदिस्सर पुं॰ (नन्दोश्वर) आडमे। नंदीश्वर नाम का द्वाप Name of the 8th island or continent named Nandīśyāra. टा॰

४, २;—दीन पुं॰(-द्वीप) नन्धीश्वर नामनी आहेमे। द्वीप. नन्दिश्वर नाम का श्राठनां द्वीप. the 8th island or continent named Nandisvara. भग॰ २०, ६; गंदिस्सरा स्त्री॰ (नन्दिस्वरा) वायुकुमार देवता का घंटा. The bell of the deity named Vāyukumāra जं॰ प॰

ग्रेदी स्त्रा॰ (नंदा) लुओ " ग्रांदि " शण्ट. देखो " ग्रांदि " शब्द Vide " ग्रांदि " जीवा॰ ३, ४, — चुगग्रा न॰ (-चूर्णंक् क) लुओ " ग्रांदिचुग्ग्रा " शण्ट. देखो ग्रांदिचुग्ग्रा " शब्द vide " ग्रांदिचुग्ग्रा-ग " सूय ॰ १, ४, २, ६;

णदीसर. पुं० (नन्देश्वर) लुओ। "गांदिस्सर" शण्डः देखो " गांदिस्सर" शब्दः Vide " गांदिस्सर" नाया० म, जं० प० ५, ११७; गांदिस्सर " नाया० म, जं० प० ५, ११७; गांदिसुहः पु० (निन्द्रसुख) पक्षि विशेषः पृक्षा विशेषः प्रका प्रका प्रका श्रिष्टः देखो जपर का शब्दः vide above. नाया० म;

णंदीसरवर पुं० (नन्दीश्वरवर) એ नामनी ओड दीप इस नाम का एक द्वीर. Name of an island ठा० ४, २, ७, जीवा० ३, णंदीसरवरोद पुं० (नन्दीश्वरवरोद) એ नामनी ओड समुद्र इस नाम का एक समुद्र. Name of an ocean. जीवा० ३;

गंदुत्तर. पुं॰ (नन्दोत्तर) अवन पतिना ७ ६ना २थने। अधिपति. भवन पति के इंद्र के रथ का आधिपति. The person in charge of the chariot of the Indra of Bhavanapati gods. ठा॰ ५, १;

गांदुत्तराः स्त्री॰ (नन्दोत्तरा) रिनि । पर्वत । अप्रभिती राजियानी । रितकर पर्वत के ऊपर का इशान ईंद्र की

अप्रमहिषी का पाटनगर. The capital of the principal queen of Isana Indra, on the mount Ratikara. जीवा० ३; (२) પૂર્વ અંજનપર્વત ઉપર-ની એક બાવડીનું નામ. पूर्व श्रंजन पर्वत के ऊपर की बावडी का नाम. name of a well on the eastern Anjana mount. ठा० ४, २; जीवा० ३; (३) મત્દર પર્વાતના રિષ્ટકૃટ ઉપર વસનારી દિશા इमारीमानी ओह. मन्दर पर्वत के ऊपर रिष्ट शिखर पर रहनेवाली दिशाकमारियोंम से एक. one of the Disakumaris residing on the summit Rista of the Mandara mount. जं॰प॰४,११४,(४) પૂર્વ દિશાના રૂચક પર્વ લ ઉપરની એક દિશા ५भारी पूर्व दिशा के रुचक पर्वत ऊपर की एक दिशाकुमारी. a Diśākumātī residing on the eastern Rucha ka mount जं•प॰ (પ્ર) એ નામની શ્રેણિક મહારાજની રાણી કે જેના અધિકાર અંતગડસૂત્રના સાતમાં વગ^રના ત્રીજા અધ્ય-यनभा छे. इस नाम की श्रीणिक महाराजा की रानी कि जिसका वर्णन श्रंतगड सूत्र के सातवें वर्ग के तीसरे अध्ययन में है. & queen of the king Śrenika, so named, who is mentioned in the 3rd chapter of the 7th section of Autagada Sūtra. श्रंत॰ v. 9;

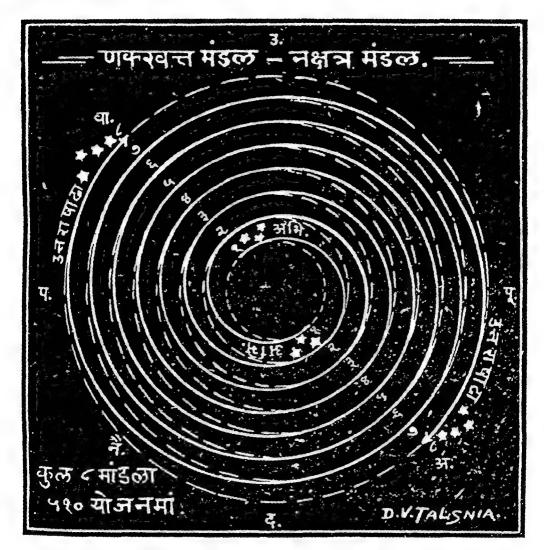
गंदुत्तरावार्डसगः पुं० (नन्दोत्तरावतंसक)
सातभा देवले। इनुं ओ इ विभानः ओनी स्थिति
पदर सागरे। पभनी छे ओ देनता पंदर पभ
वाडीओ श्वासी न्यास ले छे, ओने १५००० वर्षे
धुधा लागे छे. सातवें देवलोकका एक विमानः
उसकी स्थिति पंदह सागरोपम की है; ये
देवता पंदह पद्ममें श्वासोच्छावस लेते हैं; उन्हें

सचित्र अर्ध-मागधी कोष

-- णक्खन - नक्षत्र. ---

<u> — णुक्स्यत्त – नक्षत्र. — </u>		
अभिनित् नारा ३ 🔏 अवण	३ 💥 धनिष्टा ५	शनिमयक् र∞
		THE RESERVE THE PARTY OF THE PA
· Manual C		
ARCHIT STREET		
पायना मस्तकाकारे कावः पुर्वी माह्रपद २ उत्तरा मा		अध्यनी ३
	and the second	
		Com
अर्थ पायः अर्थ य		घोडानुं स्कंध.
भरणी ३ कृतिका	६ \chi रीहिणा ५	मृगशिर ३
	E CONTROL OF THE PERSON OF THE	THE SAME
भग - योनी. नाविनी व	लेथळी. माहानी उप.	हारणनुं मस्तक.
आर्ता १ पुनर्वसु	५ पुष्प ३	अम्लेषा ६
		33
रुधिरनुंबिन्दुः 🚶 आजा	दु 🔪 वर्धमान - मराव	लं. भनाका-धना
मधा ७ 🙀 पूर्वी फाल्स्		र हस्त ५
भागेल गढ अधै पत	न्यंक अर्ध पञ्चेक	हाथना फी.
िचित्रा १ 🔏 स्याति	१ 🙀 विशारया ५	अनुराधा ४
人会是人员	强人自己的	
ma e		0
विकस्यं फुल. रवी	ली. ् दामणीः	पुकावली हार.
उचेवमा ३ 🗸 मन्य	११ पूर्वी वाठा ४	इत्तराषादा ४
इस्नि देत. विच	होस्तनी चाल	. ४ बेठेल गिह
All the second s	47	THE CANIA.

साचित्र अर्ध-मागधी कोष





१२००० वर्ष में जुधा लगती है. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live for 15 Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years. सम॰ १५;

ग्रंदोत्तरा. स्री० (नंदोत्तरा) लुओ 'ग्रंदुत्तरा' शण्द देखी 'ग्रादुत्तरा' शब्द. Vide. ''ग्रंदुत्तरा'' जीवा० ३; ४, जं० प०

एक पु॰ (०) नाः नासिः नातः नासिकाः The nose. जीवा॰ ३, ३; श्रोव॰ ३८, विवा॰ १, १,

ण्क. पु॰ (नक्र) એક जातना भर्ष्ण. एक जातिका मगर. A kind of alligator. पन्न॰ १; जीवा॰ १,

एक्ख. पु॰ (नख) तथ. नख; नाखून.
A nail on a finger or a toe
स्रोव॰ १०; जीवा॰ ३, ३; सू॰ प॰ १०;

एक्खत्त. न॰ (नचत्र) अिलिश्त पगेरे २८ नक्षत्रः आक्षश्या अंद्र तथा सूर्य नी साथे अितिश्ता ल्ये तिथी हेवतानी ओक कात (आ अधा नक्षत्रीना आक्षार अने नाम श्रित्रमा हशांवेश छे). श्राभिजित इत्यादि २८ नच्चत्रः आकाशमें चंद्र और सूर्य के साथ गतिकरनेवाल अयोतिया हेवता की एक जाति (इन २८ नच्चेत्रों के श्राकार और उनके नाम चित्र में बतलाये गये हैं) Any of the 28 constellations such as Abhijita etc a closs of planetery derties associated in motion with the sun and moon (the shapes and names of these constellations

are given in the picture) नाया॰ १: ४;८; भग०१४, १;१८, ७, जीवा०३, ४; पत्र० १५; श्रोव० २५, ४०; श्रागुजी० १३१; १४३; सम० २७; सू० प० १०: १४; जं० प० ७, १४०; १४६; -- मंडल. पुं० (-मगडल) नक्षत्रोने। आधाशमां याल-વાના રસ્તા: નક્ષત્રના માડલા: અશ્વિની આદિ ૨૮ નક્ષત્રા આકાશમાં જે લાઇન ઉપર કરે છે તે લાઇનને નક્ષત્ર મડલ કહેવામાં આવે છે તેવા નક્ષત્રના માડલા ૮ છે જેટલા ભાગમાં સૂર્વના ૧૬૩ માડલા છે ચન્દના ૧૫ માંડલા છે એટલા ભાગમા नक्षत्रना ८ भाउषा छे. नत्तत्रों का फिरने का मार्ग, नत्त्रत्र का मएडल; श्रश्विनी श्रादि २० नक्तत्र श्वाकाश में जिस प्रदेश पर फिरते हैं उस प्रदेश का नचत्र मएडल कहते हैं. एमे नक्तत्र मएडल = हैं जितने प्रदेश में सूर्य के १८३ मएडल हैं खोर चन्द्र के १४ मएडल हैं उतने ही प्रदेश में नत्तत्र के - मएडल हैं. the paths on which the constellations move; the region of the sky consisting of the paths of Abhijita and other constellations 28 in number. There are such 8 orbits of the constellations and occupy as much region as is occupied by 183 circles described by the sun and 15 by the moon. जं ०५० ७,१४६; —मास पुं॰ (-मास) नक्षत्र भासः २= નક્ષત્ર ચદ્રમાં સાથે જોગ જોડીલ્યે તેટલા वभत नज्जन मासः २८ नज्जन चंद्रके साथ योग करले उतना समय the lunar

^{*} लुओ। पुष्ट नम्भर १४ नी पुरने। (:) देखें। द्वष्ट नम्बर १५ की फ़टनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th

Vol 11/114

month, the time during which 28 constellations complete their conjunction with the moon. सम॰ २७; -विचय. पुं॰ (-विचय-विचयनं विचयः नत्तत्राणा विचयः स्वरूपनिर्णयः) नक्षत्रना स्वरूपनी निर्ण्यः नज्ञ के स्वरूपका निर्णय, determination of the form or nature of a constellation. स॰ प॰ १; - विमाण. न॰ (-विमान) नक्षत्रन विभान. नज्ञ का विमान. a celestial abode of a constellation. ज॰ प॰ ७, १७०; —संवच्छरः पुं॰ (-संवत्सर) केट्या વખતમા સર્વ નક્ષત્રા સૂર્યની સાથે જોગ જોડી રહે તેટલા વખત: ૩૨૭ અહારાત્ર અને એક अहीरात्रता ६७ लाग हरीओ तेवा ४१ लाग अभाश नक्षत्र सपत्सर जितने समय में सर्व नक्तत्र सूर्थ के साथ योग जोडकर रहत हैं उतना समय; ३२७ अहोरात्र और एक श्रहा-रात्र के ६७ भाग करें ऐसा ४१ भाग प्रमाण नजत्र संवरसर the time taken by the sun to finish its round of conjunction with all the constellations viz. 327 days and nights and 51/67 of a day and night ठा० ५, ३: ज॰ प॰ ७, १४१; स्० प० ५०;

ग्राख पुं॰ (नख) नण. नख. A nail on a finger जं॰ प॰ — छ्रेयग्ग. न॰ (- छेदनक) नण दम्शी नेपशी. नख इरगी; नेयगी. barber's instrument used in paring finger-nails निमी॰ ५, १६;

ण्या. पुं० (नग-गच्छतीति गः न गः नगः)
भवित. पर्वत A mountain. " जहासे
ग्रागणं पत्ररे सुमहं मंदरो गिरी" उत्त॰ ११,

२६; स्य० १, ६, ६, नाया०१; — इंद. पुं० (-इन्द्र) भे३. मेरु. the mount Meru. स्य० १, ६, १३; — राय. पुं० (-राज) भव तेना राजा; नडा पर्वत मेरु. king of mountains i. e. Meru. ठा० ६;

ग्रागर न॰ (नगर-नास्मिन् करोऽस्तीति नगरम) १८ अक्षरना कर रिदेत शहेर. १= प्रकार के कर रहित शहर. A town not subject to any of the 18 varieties of taxes, পল ৭; তা০ ২, ४. पराह० १. ३; श्रायुजी० १२७; १३१; थ्यायाः १, ६, ५, १६४; वेय० १, ६; र्जं० प० ३, ४०; नाया० १; २; —ग्रावास पु॰ (-म्रावास) नगरना लेकिता व्याचास-भडेक्ष. नगर के लोगों का त्रावास-महेत्त. an urban mansion. सम० -गावी. झी॰ (-गी) शहरेती गाये। शहर की गायें. an urban cow " स-ग्रहा य प्राग्राहा य ग्रागर गाविश्रो " विवा॰ २; —गुत्तिय पुं॰ (-गुतिक) नगरनुं २४७ ७ ७२नार है।तवास. नगर का रचाण करने वाला कोटवाल. a protector or guard of a town; a Kotwāla 'ततेगं ते गुगर गुतिया सुभद्दं सःथवाहं कालगय जागित्ता '' विवा० २; नाया० १८: पग्ह॰ १, २; —गोरूव. पुं॰ (-गोरूव) નગરના ચેત્પગા-ગાય વ્યલદ વગેરે. नगर के इत्यादिः चीपाये-गाय वैल cattle e. g. a cow, ox etc. विवा॰ २; —ग्राय. पुं॰ (-यात) नगरने क्षुटनार नगर को लूटने वाला. one who pillages a town. नाया॰१=; —हासा. न० (-स्थान) नगरना भंडेर. नगर के खंडहर; हटे फूटे मकान. or devastated building in a

city. कप्प॰ ४, ६६; — शिवसे. पुं॰ (-निवेश) नगरमां निवास धरवे। ते. नगर में निवास करना residence in a town. सम॰ ७२;--दाह. पुं॰ (-दाह) શહેરમાં આગ લાગવી તે. शहर में આग लगना, outbreak of fire in a city or town जीवा॰ २; -धम्म. पु॰ (-धर्म) शहेरते। आयार. शहर का श्राचार. custom or usage of a city. ठा० १०; — निद्धमणः न० (-नि-र्थमन) नगर-शहेरतं पाणी नीडसवाने। भागी; भास नगर-शहर का पानी निकलने का मार्ग: गटर: मोशी. an outlet for the water accumulating in a city; a main gutter. भग॰ ३, ७, नाया० २; -पडिया स्री० (*) नगरनी पाडी नगर की पाडी (महीशी). nn urban young buffalo. तिवा॰ २, -माणा. न॰ (-मान) नगर वसाववानी विधि: ७२ इक्षाभानी ४५ भी इक्षा. नगर वसाने की विधि: ७२ कलाओं में से ४५ वी कला, the 45th of the 72 arts viz. the art of populating a town, नाया॰ १: जं॰ प॰ सम॰-मारी र्ह्मा॰ (-मारी) नगरना क्षेत्रिना भरडीथी થતા ક્ષય: નગરની અદર મરકા આવે તે नगर के लोगों का महामारी से होता हुआ च्चय, नगर के भीतर महामारी का प्रवेश होना havoc caused by plague in a town; outbreak of plague जीवा॰ ३, —राविखय in a town पुं॰ (-रक्तक -- नगरं रक्तति य म नगर रत्तकः) નગરનું રક્ષણ કરનાર કાેદ્વાલ.

नगर का रच्चण करने वाला; कोटवाल. क्ष protector or guard of a town; a Kotwāla. निसी॰ ४, ६; —वसम. पुं॰ (-वृषम) नगरना लक्षद्र. नगर के वेल. an urban ox. विवा॰ २; —वह पुं॰ (-वध) नगरना लधां भाखुसीने भारी नालगा ते नगर के सर्व मनुष्यां को मार डालना. the massacre of the whole people of a town. "से सुचई नगर वहे व सद्दे" स्प॰ १, ४, १, १६;

शागरी. लो॰ (नगरी) नगरी, पुरी नगरी; पुरी; बडा शहर A city, a town. श्रोव॰ नाया॰ १६;

ग्रिगिग् त्रि॰ (नग्न) नि॰परिश्रही; निश्रेथ नि॰परिग्रही: निर्भेथ Possessionless (monk), nude in the sense of not possessed of worldly effects त्राया॰ १, ६, २, ९८४;

गामा. त्रि॰ (नम्न) नम्न, पश्च रिहत. दिगं-वर, नम्न Naked, unclad नंदी॰ — भाव. न॰ (-भाव) नम्नपर्धुः साधु-पर्धुं नम्नताः साधुपन. state of being an ascetic; nakedness. "समणाणं निगाथाणं नग्गभावे मुद्दभोव" ठा॰ ६ः नाया॰ १६ः

सामइ. पुं॰ (नग्नजित्) गधार (इन्ह्दार) देश का राजा. Name of a king of Kandahāra " निम्ताया विदेहेसु गधारेसु य सम्मई" उत्तर १८, १६, (२) भे नाभना भे इ क्षित्रय राजर्षि-सन्यासी. प्रभाव of a royal

^{*} जुर्की पृष्ट नम्पर १६ नी प्रुटनीट (क) देखी पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

saint belonging to the Ksatriya caste. স্থাৰ হ=;

रागोह पुं॰ (न्यमोध) वर्तुं आर. वडका वृत्तः A. banyan tree. जं ० प ० ७, १६२: पच ० १; भग०२२,३,(२) वर्रना आहत्रनुं सहार्य, वड के श्राकार का संठाण. a type of physical constitution resembling the shape of a banyan tree. भग० २४, १, --परिमडल नि॰ (-परि मराउन न्ययोधवत्परिमंडनं यस्य स तथा) વડના ઝાડ જેવા આકાર હોય જેના તે न्यश्रेष परिभंडस संक्षण वासी। जिसका श्राकार वड के बृद्ध जैसा हो वह; न्यप्रोध परिमंडल संठाण वाला. (one) possessed of a type of physical constitution rsembling banyan tree in shape. जं॰ ७, १६२; तंदु॰ जीवा॰ १; — वरपायवः पुं॰ (-वरपादप-पादैर्भूम्यन्तरवितमूलविशेष. पिबतीति) यड, म्हे। यड चड; बडा बड. a banyan tree; a large banyan tree श्रंत॰ १, ५, १,

ण्यः थ्र॰ (नच) निक्षः निर्देशः No; not. नाया॰ १७,

णम्ब. न॰ (नृत्य) नायनुं ते; नाय. नाचना; नाच Dancing, a dance. ठा॰ ६; पन्न॰ २;

ण्डोतिय नि॰ (नात्यन्तिक) अत्यंत-अति-शय निक्ष ते श्रात्यंत-श्रातिशय नहीं वह. Not excessive; short of excessive. सूय॰ २, ६, २४;

ण्डाण. न० (नर्तन) नाय; नायवुं ते. नाय; नायना. A. dance; act of dancing. स्रोव० २४; —सीलय पुं० (-शीबक) नायवाना स्वभाव वादी; भार. नायने के स्वभाव वाला, मोर. one given to dancing; a pencock, नाया॰ ३; राज्ञा. सं॰ छ॰ घर (ज्ञात्वा) अधिने; सभ-छने. जानकर; सममकर Having known or understood. " सन्वं राज्ञा घाहिट्टए " स्य॰ १, २, ३, १४; १, १,१,२०, घाया॰ १,३,१,१०६; १,३,२,

ण्ड्याविश्र-य. न॰ (नर्तित) नथावयुं; ६क्षापयुं ते. नचाना; हिलाना. Act of causing to dance or move. अ॰ ६; श्रोघ॰ नि॰ २६५;

णच्चासग्ग त्रि॰(नारयासम्) अधुपासे निष् ते बहुत निकट नहीं वह. Not close to; not very near. नाया॰ १, १४; भग॰ १, १; राय॰ ७४; जं॰ प॰ ४, १२२; णाच्ययः त्रि॰ (नार्तेत) नार्थेक नाचाहुत्रा Danced: (one) that has danced. नाया॰ १:

राष्ट्र. न॰ (नाट्य) नाट्य; नाटड; आगिड, વાચિક, આહાર્ય અને સાત્વિક એ ચાર પ્રકારના અભિનય સાથે રસ અને ભાવની અભિવ્યક્તિ કરાવનાર નત⁶ન. नाट्य, नाटकः नाच; श्रागिक, वाचिक, श्राहार्य श्रीर सालिक ये चार प्रकार के श्राभिनय सहित रस व भाव की श्राभिन्याही कराने वाला नाच. A drima; a play; a dance accompanied with the four kinds of representations viz. of move. ment, speech etc which display various kinds of sentiments. नाया० १, मः स्रोव०३२, जं० प० ७,१४०; सू० प० १८; निसी० १२, ३२; ठा० ४, ४; (૨) નાશ્યકલા; નાટક સંસ્થધી વિજ્ઞાન. नाटय क्ला; नाटक के संबंद का विज्ञान. dramaturgy श्रोव॰ सम॰ ३३; —श्र-र्णीय पुं॰ (-श्रनीक) ना८५ ४२नार भाष्मिति। सभू६ नाट्यकारी का समूह.

п group of actors or dramatists. ज॰ प॰ प्र, ११७, भग॰
१४,६;—विहि. पुं॰ (-विधि)नाट्यक्षा;
नाटक करने की विधि-रीति. नाट्यकला,
नाटक करने की विधि-रीति. the
nt of dramatic representation
भग॰ ११,६; जीवा॰ ३; जं॰ प॰ प्र, १२१;
णहुग. त्रि॰ (नर्तक) नृत्य करने
वाला A dancer. स्रोव॰

णहमाल. पुं॰ (नक्तमाल) पृक्ष विशेष. मृत्त विशेष. A. particular_kınd of tree जीवा॰ ३, ३. जं॰ प॰ १, १४;

ण्डमालश्र-य. पुं॰ (मृत्यमालय) वैतास्य पर्वतनी अप्रध्यपत ग्रुक्षां स्वाभी-हेवता. विताद्य पर्वत की खण्डप्रपात ग्रह्म का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave Khanda Prapāta of the Vaitādhya mount. ठा॰ २, ३; ण्डवत्यु न॰ (नाद्यवस्तु) नाय, नाटक्षिन् अतिपादन करनार शास्त्र, २६ पापश्रुतमानु ओक्ष नाच, नाटक श्रादि का प्रतिपादन करने वाला शास्त्र, २६ पापश्रुत में में एक One of the 29 Pāpa Śrutas (secular sciences) viz. the science of dramatic representation. पगह॰ २, ४;

साह त्रि॰ (नष्ट) नाश पाभेश; नष्ट थयेश.
नाश पाया हुआ; नष्ट. Destroyed
" सहस्रप्ष्ट सन्भावे" स्य॰ १, ३, ३, १०;
नाया॰ १०; १३; जीवा॰ ३, ४, राय॰ २७;
भग॰ १४, १, (२) शतिध्यसनुं १७५
भुदुर्भ रात्र दिन का १७ वा मुहूर्त the
17th Muhurta of a day and
night जं॰ प० ५, १२१, सम॰ ३०;
— तेय त्रि॰ (-तेजस्) नेज-अशश नाश

पाभेक्ष छे केतुं ते जिसका तेज-प्रकाश नष्ट-होगया है वह. (one) whose lustie or brightness is destroyed; lack-lustre भग० १५, १; -- मइय. ात्रि॰ (-मतिक) **नाश** पामेस छे শুদ্ধি (one) नष्ट बुद्धि वाला. whose intellect is destroyed; a block head. नाया॰ -रज त्रि॰ (रजस्-नष्टं सर्वथाऽदृश्यी-भूतं रजो यत्र स तथा) २०४ वगरनु रज राहित, स्वच्छ clean, free from dust or passion जीवा॰३;--रय वि॰(-रजस्) ळाओ। ઉपसी शण्ट. देखा जगर का शब्द. vide above. जं॰ प॰४,११३; —सर्ग त्रि॰ (-मंज्ञ) મનની ભ્રાતિવાલા; જેના स ता नाश पानेश छे ते मन की झांतिवाला: संज्ञा बाला deluded mind, (one) whose intelli gence has faded away. नाया ११६; १७; —सुइय. पुं० (-ुतिक) श्रुत केनी નાશ પામી છે એવા. શાસ્ત્ર અશાસ્ત્રના વિ-यार ५२वाने अशक्त जिसकी श्रृति नष्ट होगई है ऐसा, शास्त्र अशास्त्र का विचार करने की श्रशक (one) incapable of distinguishing between true and false scriptures नाया॰ १; १७:

ण्डुवंत पु॰ (नष्टवत्) अहे।रात्रन् १६भु भुढूर्वः श्रहोरात्र का २६ ना मुहूर्न The 26th Muhurta of a day and night. सम॰ ३०;

गुड पुं० स्री० (नट) नाटक करनेवाला, नट An actor in a drama स्रोव० जं० प० २, २४; ठा० ६; — खाइता. स्री० (-खाटना — नरस्येव संवेगांवकलधर्मकथाकरणो-पार्जितभोजनादीनो खादिनं भन्नणं यस्या सा

नटखादिता) ओड जातनी प्रवल्या; नाट-हनी भाइड धर्भश्रत्य हथा हरीने आछविडा यक्षावर्षी ते. एक प्रकार की प्रवज्या; नाटक के समान धर्मश्र्रत्य कथा कर के श्राजीविका चलाना. a sort of asceticism, earning one's bread by empty talk like that of an actor in a drama, devoid of true religion. ठा॰ ४, ४; — पेन्छा. स्रो॰ (-प्रेचा) नटने जोवुं. नट को देखना. seeing a Nata-a dancer जं॰ प॰ ३, २४:

णांडिश्र-यः ति॰ (॰) पीरितः पोटितः Afflicted; distressed, नायाः ६:

ण्णंदा. ब्री॰ (ननान्द) नख् ६, पतिनी ण्छेन. नणदः पति की बहिन A husband's sister. भग॰ १२, २;

ण्राण्त. प्र॰ (नाडन्यत्र) लुओ ' ण्राण्यात्य' शण्ट. देखो " ण्राण्यत्य" शब्द. Vide " ण्राण्यत्थ" नाया ० ६:

ण्ण्णस्थ. अ० (नान्यत्र) એટલું વિશेष; आ निक्ष हे ते निक्ष पण्ण એटलुं इतना विशेष; ये नहीं कि वह नहीं परन्तु इतना. So much in particular; not this or that but this much श्रोव० ३८; नाया० १; २; १८; भग० ३, २, ६, ५; २६, ३; दसा० ७, १;

णागणहा. श्र॰ (नान्यथा) भीछरीते निह्य श्रन्यरीतिसे नहीं. Not otherwise. पत्त-१:

ण्ण्णहाचाइ. पुं॰ (नान्यथावादिन्) अन्यथा वादि निष्के. भ्रान्यथा वादी नहीं. (One) who doos not speak or

helieve otherwise नाया॰ २;

णत. ति॰ (नत) नभेत. मुका हुआ. Bent; bowed down. स्॰ प॰ २०; (२) पुं॰ नत नामे ओड विभान; ओनी. स्थित १६ सागरे। पमनी छे; ओ देवता साडा नव मिंदी धासे। स्थास से छे ओने १६००० वर्षे क्षुष्ण सागे छे. नत नाम का विमान; उसकी स्थिति १६ सागरे। पम की है; ये देवता हा। मास में आसोच्छ्वास लेते हैं और उन्हें १६००० वर्षमें सुना लगती है. name of a heavenly abode, the gods in which live for 19 Sagaropamus, breathe once in nine and half months and feel hungry once in 19000 years. सम॰ १६;

ण्स न० (.नक) रात्रि. सात्रि. A. night.

णित्तश्रा. स्नी॰ (नष्तृका) दीक्ष्यां दीक्ष्यी स्मित्री अने दीक्ष्यीं दीक्ष्यी. पुत्र की पुत्री स्मीर पुत्री की पुत

णस्तुम्रा. बी॰ (नष्तृका) लुओ ''यसिया' शण्ट. देखो '' यसिम्रा '' शब्द. Vide ''यातिम्रा'' विवा॰ ३;—बह. पुं॰ (-बर) पेत्रीना वर; ही श्रीनी ही श्रीने। ध्युरि. पेत्रीका पति; पुत्री की पुत्री का धनी. a grand daughter's husband विवा॰

ण्त्तुइणी. स्ती॰ (नष्तृकिनी) दी इराना दी इरा हे दी इरीना दी इरानी वडु. पुत्र के पुत्र की स्रथवा पुत्री के पुत्र की स्त्री Wife of a grandson. विवा॰ रे;

ग्रास्तर्इं. स्ती॰ (नप्तृकी) दीक्षरा हे दीक्षरीनी

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी प्रुटने। हेको पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

धेश्री. पुत्र वा पुत्री की पुत्री. A grand daughter. विवा॰ ३,

णत्तुिश्चित्र पुं॰ (नप्तृक) पुत्रनी पुत्र,पौत्र. पुत्र का पुत्र. पात्र. A. son's son; a grandson. दस॰ ७, १६;

ण्तुाणिश्रा-याः स्त्री० (नप्तृका) दीक-रीती दीक्षरी. पुत्री की पुत्री. A. daughter's daughter. दस० ७, १४;

रात्था. त्रि॰ (न्यस्त) साधुने वास्ते स्थापी राभेक्ष. साधु के वास्ते रख छोडा हुआ. Reserved for an ascetic. स्य॰ १, ४; १, १४ (२) (नाध्यन्ते वर्शाक्रियन्ते वृषभादयः दु खीक्रियन्ते वाडनेनेति) नथ; प्रवहनी नाथ. नथनी, वैल की नाथ a nose string by which an ox is led. नाया॰ ३, भग॰ ६ ३३;

ण्हिंथ. २४० (नास्ति) नथी. है नहीं. Is not श्रणुजो० १३६; नाया० २, ३; ६, १६, भग० ३४, १२; निसी० ४, ६५.

णिश्यश्च. पुं॰(नास्तिक नास्ति जीव परलोको वा इत्येवं मानिर्यस्य) नास्तिक; अफ्रियावादी. नास्तिक, श्रीक्रयावादी. An atheist ठा॰ ४, ४;

णित्यत्त. न॰ (नास्तित्व) नास्तित्व; आस्त-त्वनी अक्षाव नास्तित्व, श्रास्तित्व का श्रभाव. Absence of existence, nihiliam भग॰ १, ३;

णही. स्री॰ (नदी) नही, नदी A river क॰ प॰ ठा॰ २, ४, (२) એ नामनी એક द्वीप अने એક समुद्र. इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक समुद्र. name of an island, also that of an ocean जीवा॰ ३,४; —मह. पुं॰ (-मह) नहीने। महीत्सव नदी का महोत्सव festivity in honour of a river. राय॰ २१७,

णाद्दिय न॰ (एव्हिंत) अक्षद्र वर्गेरेने। अवाक

वैल इत्यादि का आवाज. Bellowing as that of an ox etc. नाया॰ १.

ण्द्ध. त्रि॰ (नद्ध) आधेस वंधा हुत्रा. Bound tied तदु॰

रापंसगः न॰ (नपुसक) नपु सकः; नामहः; પુરુષ નહિ તેમ સ્ત્રી પણ નહિ नपुंसक; ना-मर्द; पुरुष भी नहीं श्रीर स्त्री भी नहीं. An impotent; hermaphrodite ' ति-विहा राषुंमगा पराराता 'ठा० ३, १; मग० द. द: -- परागावणी. स्त्री०(-प्रज्ञापनी) નપુ સકના લક્ષણ ખતાવનારી ભાષા. नपुमक के लक्त्रण वताने वाली भाषा language bearing the marks of unpo tence. पत्र॰ ११; -- लिंगसिद्ध १ं॰ (-ांलर्झासन्द्र) न्पुस्रक पर्शे सिद्ध थाय ते नपुंसक पन से सिद्ध हो नह. getting of salvation in the state of im potency. नंदी॰ --वयण न॰ (-वचन) नान्यतर कातिना शण्हा नान्यतर जाति क য়হু ম word in the neuter gender जीवा॰ १, -- वेद पु॰(-वेद --वेद्यत इति वेदः नपुंसकस्य वेदः नपुसक-वेद) न भु सक्ष वेह, त्रश्य वेहमानी श्रीक. नपुसक वेद, तीन वेद में से एक. one of the three kinds of sex-feelings viz that of an impotent. नग॰ २०,७; सम० २१; - चेदग पुं०(- चेदक) न पुस इवेहवादी। छव न वुंसक वेद वाला जीव a soul with the sex-feeling of impotence भग॰ ११, १, १=, १; २४, १, ३४, १; —बेदय पु० (-वेदक) જીએ। ઉપલા યળ્દ देखां ऊपरका शब्द. vide above. भग० २६. १; — वेय. पु॰(-वेद) लुओ। ''ग्पुमगः वेद" शम्ह देखा ' गापुंसगवेद ' शब्द. vide ' स्पंत्रावेद "पन्न २१, २३,

ठा॰ ६; सम॰ — चेयग. पुं॰ (-वेदक)
लुओ। " सपुसगवेदग " शण्ट. देखे।
' सपुसगवेदग 'शब्द. vide ' नपुंसग-वेदग " ठा० ४, ४;

ण्णुंसय. न॰ (नपुसक) लुओ " ण्युंसग " शक्द. Vide " ण्युंसग " सम॰ २०; — चेयिणिज्ञः न॰ (-चेदनीय) लेथी नपु सक्ष्यणुं वेद्दः वाभा आवे तेथी ओक भेहिनीय कर्मनी प्रकृति जिस से नपुसकत्व-नामर्दाई का अनुभव हो ऐसी एक मोहनीय कर्म की प्रकृति. a variety of Mohaniya Karma by which a soul experiences the sex-feeling of an impotent. सम॰ २०,

णभ. न०(नभस्) आक्षाश. श्राकाश. Sky स्य० १, ६, ११; श्रोव० — स्र्र. पु० (-स्र्) राषु, यद्र या भूर्य ने श्रद्धणु इरते। ओक्ष ज्वाती का स्व को प्रहण करने वाला एक जाति का काला प्रहल. the demon Rahu, causing an eclipse of the sun or moon. स्० प० २०,

णमसण. न॰ (नमस्यन) नभरधार धरवे। ते. नमस्कार करना Act of bowing to, act of saluting. भग॰ ६, ३३; णमसण्या. स्त्री॰ (नमस्यन) नभरधार धरवे। ते. नमस्कार करना. Act of bowing to; act of saluting. श्रोव॰२७,

णमंस्ति एजा. त्रि॰ (नमस्यनीय) नभरहार हरवा थे। ज्या नमस्कार करने योग्य. Worthy of being bowed to; worthy of being saluted. भग॰

ण्मंसिय ति॰ (∻नमस्यित) नभस्कार क्षेत्र, नभेक्ष नमस्कार किया हुआ; मुका हुआ. (One) who has bowed to; (one) who has saluted. भग॰ ४२, १;

णमण. न॰ (नमन) नभन; प्रश्नाभ. नमन; प्रणाम. A bow; a salutation. स्य॰ २, २, ७;

र्णमर्गी स्त्री॰ (नमनी) त्रील नैश्व आता. तीमरी गैग्ग स्त्राज्ञा. The third of the secondary commands, नंदी॰

रामि. पुं॰ (निम) तिम नाभना ओड राजिषि કે જે અનેક કંકણ ખડખડે છે અને એકના ખડખડાટ થતા નથી એટલા ઉપરથી વરાગ્ય પામી દીક્ષા લઇ માેક્ષે પહેાંચ્યાઃ ચાર પ્રત્યેક-યુદ્ધમાંના એક પ્રત્યેક્યુદ્ધ, નામ નામ राजा कि जो श्रनेक कंकरा का राडखडाहट होता है परन्तु एक की श्रवाज नहीं होनेसे वराग्य प्राप्त कर दीचा ले मोच को पहुंचे; चार प्रश्येक बुद्ध में से एक प्रत्येक बुद्ध. King Nami who marked that more bangles than one collide against each other (when the hand that wears them is in motion) and make a sound. He also marked that one bangle does not produce that sort of sound. So he became ascetic and got salvation, he is one of the four Pratyeka Buddhan उत्त॰ १८, ४४; (२) એકવીશમા तीर्थं इरन् नाम. एकवीसर्वे तीर्थंकर का नाम. name of the 21 st Tirthankara. श्रणुजो॰ सम० ૧૫; (३) વૈતાહ્યની ઉત્તર બ્રેણિમાના विद्याधरने। राजा वैताब्य की उत्तर श्रोणिमें - के विद्याधरों का राजा. name of a king of the Vidyadharas residing

in the northern part of Vaitā-dhya. जं॰ प॰ (४) अत्यादशा सूत्रना पहेला अध्ययनमां केनी अधिशार छे अदा क्षेत्र साधु श्रंतगढ दशा सूत्र के पाहेले अध्ययन में जिसका आधिकार हैं ऐसा एक लाधु name of an ascetic described or mentioned in the first chapter of Antagadadasā Sūtra. हा॰ १०;

णिमपञ्चज्ञा स्त्री॰ (नामेप्रवच्या) ओ नाभनुं उत्तराध्ययन के च आध्ययन इप नामका उत्तराध्ययन का च वा अध्ययन Name of the 8th chapter of Ut.arādhyayana. सम॰

णिमया त्रि॰ (नत) नन्न. नन्न. Bent; low; humble; bowed down 'कुसुम फलभार णिमयसाला' जीवा॰ ३; ज॰ प॰

णमुकार पुं॰ (नमस्कार) तमन्धार नमस्कार A bow; a sulutation दस॰ ४, १, ६३;

णमुद्य पुं॰ (नमुद्य) એ नाभने। गेशासाने। ओक श्रावक इम नामका गोशाला का एक उपायक-श्रावक. A layman-follower of Gosala. भग० ७, १०;

णामी. थ० (नमस्) तभरकार करवे। ते नमस्कार करवा Act of howing or saluting; salutation. नाया० १; ६; १३; १६; नाया० ध० भग० १५, १, २३, १; २४, १३; २६, १; जीवा० ३, ४; श्रोव० १२; श्रणुजो० १२६; जं० प० ५, ११४; ११४; ११२,११७, ११५;

णामोकार. पुं॰ (नमस्कार) नभरकार. नमस्कार. A bow or salutation. ग्राव॰ १, ४;

खमोकार पुं॰ (नमस्कार) नभरकार। Vol. 11/115 नमस्दार A bow, a salutation. नाया १;

स्यायः थ॰ (नच) निक्षं नहीं. No; not. सम॰ प॰ २३१;

ण्य. त्रि॰ (नत) तम्र ध्येक्ष; तमेल नम्र; सुमा हुम्रा Bent low; modest; humble, (one) who has bowed. जं॰ प॰ ३, ४७; स्यु॰ १, २, २, २७,

राय. पुं० (नय - नयत्यनेकांशात्मकं वस्त्वेकां-शा वलम्बनेन प्रतीति प्रध्यारीप्यति नीयन Sनेनास्मिन् वंति न रः) अने धर्भ वासी વસ્તુના એક ધર્મના બાધ કરાવનાર અભિ-પ્રાય, નૈગમ આદિ સાત તયમાતા ગમેતે એક श्रनेक धर्मावलंबी वस्तु के एक धर्म का बांध कराने वाला श्राभिप्राय, नैगम श्रादि सात नय में से कोई भी एक Any of the seven stand-points viz Naigama etc; a stand-point showing oue of many aspects of a thing. पञ्च० १; १६; नाया० १; भग० ७, ३; १८, ६; (२) भत, दृष्टी, अभेक्षा. मत; दृष्टि, श्रोत्ता. view, point of view मू॰ प॰ २०, --ग्रंतरः त्रि॰ (-श्रन्तर) भे नयनी વચ્ચેના તકાવત, દ્દષ્ટિ-મત ભેંદ नय के गः प्रस्य का श्रंतर: हाये-मन भेद difference between two points of view or stand-points. भग. १, ३; —गइ. ह्यी॰ (-गति) નૈગમ આદિ નયોએ પાત પાતાના મતનુ પાષ્યશ-સ્થાપન કરવ તે, પરસ્પર સાપેક્ષ સર્વ નયાથા પ્રમાણને ખાધ ન આવે તેની રીતે વસ્તુનું વ્યવસ્થાપન **इरव**ं ते नैगम आदि नयों से अपने अपने मत का पोपण स्थापन करना, परस्पर सावेच सर्व नयों से प्रसाण का याव न ऋवि इस रीति मे बस्त का व्यवस्थापन करना. establishing or proving a thing by

various stand-points without involving contradiction with any पन्न॰ १६; —निउसा नि॰ (-नि पुण) તૈગમ આદિ તયમાં તિપુણ ~કશલ. नैगम श्रादि नयमें निषुगु कुशल. proficient, well versed in the standpoints viz. Naigama etc. सम॰ १; —प्यहासा. त्रि॰ (-प्रधान) नयनी आंहर प्रधान, नय के खंदर प्रवान, the chief or principal among the standpoints राय॰ —विद्धि पुं॰ (-विधि) नायना प्रधार. नय के प्रकार. varieties of stand-points; various modes of stand-points, नाया । ; -चि-हिएगुः त्रि॰ (-विधिज्ञः) नयना प्रधारने जास्तार नय के प्रकार की जानने वाला (one) who knows well the various modes of stand-points नाया० १:

ण्यण न॰ (नयन) आंभः, नेत्रः, यक्ष थांख; नेत्र; चतु An eye. नायाः १; प्त; ६; १७; भग० ३, २; ६, ३३; १**१**, ११; जीवा० ३, ३; राय॰ २७; श्रोव॰ —म्राणंद पुं० (-म्रानन्द) आंभने। भान-६. श्रांख का श्रानन्द. delight of the eyes. नाया॰ १; — विस. न॰ (-विष) व्यां ततुं अर-रेष-शुरसी. श्रांख का विष-रोष-कीच, resentment or anger expressed in the eyes. नाया॰ ६; — चग्रा पुं॰ (-चर्ष) आं भने। २ ग. श्रास का रंग. colour of the eyes. नाया॰ =; -माला स्त्री॰ (-माला) હારળધ ઉસેલા માન્યુમાની आणे नी पंडित आंशी में सहे हुए मतुष्यों श्रांक्षो की पंक्षित a line or series of the eyes of persons standing in rows. भगः ६, ३३;
— कीयाः खीः (-कीका-कर्नानिका)
नेत्र-आंभनी डीडी. नेत्र-श्रांख की पुनली.
the pupil of an eye. रायः २८;
श्रोवः

रायर न॰ (नगा) नगर; जयां दलशी पस्तु **७५२ '५२ न है। य तेवुं शहेर. नगर. जहा** हलकी वस्तु के ऊरर कर न हां ऐसा शहर. A town; a city; a town in which taxes are not levied on trivial articles. नाया॰ १: =: १३; १४; १६; भग० ३, १; ४, ६; १६, ७; श्रोव॰ १७; ३२; —गुतिश्र-य र्षं• (–गोप्तृक) तगर रक्ष ४; ४।८५।ख. नगर रच्क; कोटबाल. a protector or guard of a city; a Kotawāla. श्रोव. ३०; नाया॰ २; — शिगम पुं॰ (-निगम) नगरना निगम-वाखीया-व्याप री नगर के निगम-महाजन-व्यापारी a trader residing in a city. नाया॰ २; - बली चह्र. पुं॰ (-बलीवदं) नगरते। फुंटीओ। धणु णुंट. नगर का सांड. a bull roaming a city. विवा० २; —म दिला. स्रो॰ (-महिला) नगरनी श्री-नारी. नगर की स्त्री-नारी. a woman residing in a city. नाया॰ २;

गायरी. छी॰ (नगरी) नगरी. राजधानीनुं शहर. नगरी; पाटनगर. A. city, & capital-city. नाया॰ १, २; ४; ५; ६; भग॰ ३, ५; जं॰ प॰ ७, १००; १, १; राय॰ ४:

गार. पुं॰ (नर) नर; भनुष्प, पुरुष नर; मनुष्य; पुरुष. A man; a person; a human being नाया॰ १; ३; ६; राय॰ ४३; जं॰ प॰ ५, १३५; —ग्राहिन पु॰ (-ग्राधिय) राजा. राजा. a king.

" कुंथूनामणरहिवो " उत्त॰ १८, ३६; -(री) ईसर. पुं॰ (-ईश्वर) राल. राजा. a king. " इक्ला गुराय वसहो कुंथनाम नरीसरो " उत्त॰ १८,३६; —देव. पुं (-देव-नरेषु देवा नरदेवाः) यहवर्ती. नक्तर्ता. a Chakravartī; a lord of men. তা॰ ४, १; (২) એ નામના ऋष्सदेव स्वामिती ओक पुत्र, इस नाम का ऋषभदेव स्वाभी का एक पुत्र name of a son of Risabhadeva Swami. कप॰ ७; —गारीसंपरिवुड-त्रि॰ (-नारीसंपरिवृत) नरनारीथी धेरा-थेल. नरनारी से घिरा हुआ. surrounded by men and women, पग्ह॰ १, ३, - दुग न॰ (हिक) भनुभ्य गति अने भनुष्यानुपूरी ओ भे प्रकृति मनुष्य गति श्रीर मनुष्यानुपूर्वी ये दो प्रकृति two Karmic varieties named Manusya Gatı and Manusya nupūrvī क॰ गं॰ ३, ८; -- रुहिर न॰ (-हधिर) भाशसनं क्षेत्रि मनुष्य का रुधिर human blood. राय॰ -वरीसर पुं॰ (-वरेश्वर) श्रेष्टराला श्रेष्ठ राजा. the best among kings; an excellent king. " सगरंतं चइ-त्तायां भरह नरवरीयरो " उत्त॰ १८, ४०, - वसह. पुं॰ (-वृषभ) नरनी अहर प्रधान शुख्याक्षीः उत्तम पुरुष नरीं मे प्रधान गुण वाला, उत्तम पुरुष the highest or best among men; an excellent person. पग्ह॰ १, ४, — वि-ग्रहगइ. स्त्री॰ (-विग्रहगति) भनुष्यती વિશ્રહ ગતિ, કાેકપણ ગતિમાંથી ચવી છવ वाड भार्ध मनुष्यनी यतिमां आवे ते मनुष्य की विश्रह गति, कोई भी गति में से चवंकर-चलायम'न होकर जीव आनियामित रीति से

मनुष्य गतिमें श्राता है वह. passing of a soul into the state of a human being from any of the other states by an irregular process ठा॰ १०;—संघाडग. न॰ (-सघाटक) नर-भनुष्यता समूह. व multitude of men. जं॰ प॰—सिरमाला॰ श्रो॰ (-शिरोमाला) पुरुषाना भाधानी भावा पुरुषों की खोपडियों की माला. a garland of human skulls. नाया॰ ६;—सीह पुं॰ (-सिंह) पुरुषमां सिंह समान. पुरुषों में सिंह के समान as a lion among men नाया॰ १६:

स्परश्च य पुं॰ (नरक) नरक नरक Hell.
श्चाया० १, १, २, १६; दसा० ६, १; ४;
नाया० २, १६; भग० १४, १;

एएकेतज्यवाय न० (नरकान्ताप्रपात)

अधुद्रीयना भन्दर पर्वतनी उत्तरभा नरधान्ता नदीने। दरेति। जंबूद्रीप के मन्दर
प्रित के उत्तर की नरकान्ता नदी की धारा.
The fall of the river Narakānta in the north of the
mount Mandara of Jambū
Dvīpa ठा० २, ३;

णरकंता ब्रॉ॰ (नरकान्ता) रुडिम पर्यतना
महापुडरीड इह्माथी हित्रिणु तरइ नीडिसेडी
महानहीं. रुक्मि पर्वन के महानहीं. A
great river rising from lake
Mahāpundarıka on mount
Rukmi and flowing in the
south. ठा॰ २, ३; जं॰ प॰ ४, ११२;
—कुड न॰ (-कूट) ३डिम पर्यन उपरेना आह इ्टमानु येथु इ्टिशिपर हिन्म
पर्वन के उपर के ब्राठ कुट में से चौथा कूट

शिखर. the fourth of the eight summits of mount Rukmi, stoye णरगः gं॰ (नरक-नरान् कायंन्ति शब्द्यन्ति क्रमेगाऽऽकारयान्त योग्यताया प्रानियत जनतृन् स्वस्वस्थाने इति नरकाः) नरधा-વાસા: નારકીના છવાને રહેવાના સ્થાન को रहने नरकावासाः नारकी जीवां का स्थान. A hell abode for sinners ठा० ४, १; पञ्च० २; — ग्रावास-पुं॰ (-म्यावास) नरधावासा; नारशीना २थानः नरकावासाः नारकी का स्थान ह hell-abode. ठा॰ =; — इंद् पुं॰(-इन्द्र) भ्डेरामा भ्डेरिं। नरक्षायासी. वडे से वडा नरकावामा. the largest hell-rbode. ठा॰ ६; -तल न॰ (-तल) नरधनुं तशुं. नरक का तल the bottom of hell. टस॰ ६, १; — बाल पुं॰ (-पाल) નરકતા રક્ષક પદર જાતના પરમા-धाभि है. नरक के रक्तक; पन्द्रह जाति के परमाधानिक. any of the kinds of the torteurers guards of hell called paramā. dhārmikas. स्य० नि॰ १, ४, १, ७४; —विमत्ति स्रं (-विमित्रतर्गवभाजिनं विभावतः नरकाणां विभावतः नरक विभावितः) नरक्ष्मा विलाग. नरक के विभाग. subdivisions of hell. (?) तेनु अति-પાદન કરનાર સ્યગડાંગ સ્ત્રનું પાંચમું अ^६ययन उसका प्रतिपादन करने वाला स्य-गडांग सूत्र का ध्वा श्रध्ययन. the 5th chapter of Sūyagadanga dealing whih the above म्य॰ १,४,१; सम॰

ग्रान्त न॰ (नरकत्व) नारडी पशुं नार की पन. State of a hell-being. भग । १२, ७;

ग्रारवह. पुं॰ (नरपति) भाग्सने। स्याभि-नायकः राज्यः सनुष्यं का स्वामी-नायकः राजा. A lord of men; a king. नाया॰ १; ६; १६; श्रोव॰ ३१; पराह० २. ४; जं॰ प॰ ३, ४३; -- दत्तपयार. पुं॰ (-दत्तप्रचार) शुलाये आधेल सत्ता, राजा की दी हुई सत्ता-श्रिधकार. power conferred by a king. नाया १६; -दि-रागपयार. पुं॰ (-दत्तप्रचार) लुओ। अपने। शण्ह देखां ऊपर का शब्द. vide above. नाया॰ १६:

णारिंदः पुं॰ (नरेन्द्र नरंदिन्द्रो नरेंद्र) शलः य इयती रिशाहित राजा; चकवर्ती श्रादित A king; a Chakravartī etc. परह ॰ १, ४; श्रोव नाया १; ५; -वसह पुं॰ (-वृषभ) न्हे।टे। राला बडा राजा. a great king; a sovereign prince. " एवं नरिंद्वसहा निक्लंता जिणसामणे " उत्त॰ १८, ४७;

ग्रासिरत्तग्र. न॰ (-नरेश्वरत्व) नरेश्वरपछं शानपर्धं राजाानः चात्व. Kingship; royalty. " मामग्रो मणुवते धम्माग्री ग्रशसात्तगंग्रंयं '' पंचा० ६, १७;

रात पुं॰ (नत्त) એક જાતની વનસ્પતિ: नक्ष. एक जाति की वनस्त्रति. A kind of vegetation. जीवा॰ ३, १; ठा॰ ४, २. एलदाम. न॰ (नलदामन्) એ नाभने। એક वणु ५२. इस नाम का एक कपडा बुनने वाला; जुलाहा. Name of a weaver. ठा० ४, ३,

णालिण न॰ (निलिन) थे।धुं रातुं अभस. कमल; थोड़ा लाल कमल. A lotus; a reddish lotus. जीवा॰ ३, १; राय॰ ४८; नाया० ६; पन्न० १; (२) ८४ साभ निस-નાગ પ્રમાણના કાલ વિભાગ 🖙 तत्त्व नार्ति-नांग प्रमाण का काल विभाग A period

of time measuring 84 lacs of Nalinagnas, श्रमाजी । ११५; जीवा॰ ३, ४; ठा० २, ४; भग० ४, १; २५, ४; (३) નિલન વિમાન; સાતમા દેવલાકનું એક વિમાન એની સ્થિત સત્તર સાગરાપમની છે: એ દેવતા સાડાઆકે માસે ધાસોધાસ લે છે એને सत्तर ढुकार वर्षे क्षया क्षांने छे. नलिन वि-मानः सातवे देवलोक का एक विमानः उसकी स्थिति सतरह सागरोपम की है; ये देवता साडे श्राठ मास में श्वासीश्वास लेते हैं श्रीर उन्हें सतरह सहस्य वर्षी में सुधा लगती है. a heavenly abode of the 7th Devaloka where the gods live for 17 Sāgaropamas breathe every eight and half months and feel hungry once in 17000 years. सम० १७; (४) पश्चिम भटा विदेखना दक्षिण भांउवानी भे३ तर्ध्यी सान-भी विजय पाश्चिम महाविदेह के दिल्गा खंड की मेरु के तरफोस सातनी विजय. the 7th Vijaya of the southern part of western Mahavideha, from the side of Meru जं॰ प॰ (x) सानभी विजयने। राज्य सातवी विजय का राजा the king of the 7th Vijaya. ज. प॰ (६) જમ્ણુસુદ શતની પૂર્વમાં આવેલી में अर्थ वाय. जम्बू सुदर्शन के पूर्व में आई हुई एक बावही. a well in the east of Jambū Sudarsana. 30 90

प्रिलेगंग. न॰ (निजनाङ्ग) वह आभ पद्म प्रभाखने। इस विशाग ८४ निज पद्म प्रमाण का काल विभाग A period of time measuring 84 lace of Padmas. श्रणजो० ११४: ठा० २, ४; भग० ४, १; २४, ४;

णालिणकुड. पुं॰ (निजनकुट) सीता महानदीने

ઉત્તર કિનારે અને આવર્ત વિજયની પૂર્વ सरदृह अपरने। वणारा पर्वत. सीता महानदी के उत्तर किनारे पर छोर छावर्त विजय की पूर्व सरहद के जपर त्राया हुत्रा वखारा पर्वत. A. Vakhārā mount on the eastern border of Avarta Vijaya and on the northern bank of the great river Sītā. जं० प० ४, ६५. ठा० २, ३; ३, ३; ४, २; गालिगापुम्म पुं॰ (नालेनगुल्म) श्रेशिक राજાની સ્ત્રી નલિનગુકમાના પુત્ર, श्रेशिक राजा की स्त्री निलनगुल्मा का पुत्र. A son of Nalinagulmā the wife of king Srenika. (२) महापद्म स्वाभीना वणतने। राज्य महापद्म स्वामा के समय का राजा a king contentporaneous with Mahapadma Svāmī. ठा॰ =; (३) आहमा देवले। इनु એ नासुन એક विभान आठवें देवलीक का इस नाम का एक विमान. name of a heavenly abode in the 8th Devaloka, सम॰ १८:

णिलिण अण न० (निलनवन) पुष्डिसावती विजयभां पुष्ऽदीक नगरीनी उत्तर-पश्चिम हिशामां आविश्व ओक उद्यान पुष्कलावती विजय में पुण्डरीक नगरी की उत्तर-पश्चिम दिशामें आया हुआ एक उद्यान A garden in the north-west of the town named Pundarika in Puskalāvatī Vijaya. नाया०१८;१६; णिलिणा खी० (निलिता) ओक वावतु नाम. एक बावडी का नाम Name of a well. जीवा०३, ४;

ण्लिण्विण न॰ (निलिनीवन) भधासतानुं पन पद्मलता का वन. A forest of lotus creepers. नाया॰ १, णिलिणीः स्त्री॰ (नोजनी) अभक्षिनी; पद्म-क्षता. कमलिनी; पद्मलता. A lotuscreepers. स्त्रोव॰ नाया॰ १३;

णिलिणीबिंगा. न॰ (निलिनीवन) ओ नाभनुं ओं अधान. इस नाम का एक उद्यान-वर्गीचा. Name of a garden. नाया॰ १६,

ण्य पि॰ (नवन्) नय; १. नी; १. Nine; 9 "ग्वण्हंमासाण्" नाया ० १४; भग० १२,६; १४,६;२०,४;२४,१; २५, ६; २४, ७; ३१, १; नाया॰ १; १४, १६; १६; निसी॰ १४, १२; मृ०प० १; जं०प० ७, १४६;— स्त्रायय. पुं॰ (-त्रायत) नग्रहाथ स्थाप्त. ना हाथ की तम्बाई. length measuring nine arms (an arm from the tip of the middle finger the elbow). नाया भ; —कोडि-परिसुद्धः त्रि॰ (-कोटिपरिशुद्ध) नव પ્રકારથી શુદ્ધ-નિર્દોષ नौ प्रकार से शुद्ध-निदोंप. faultless or pure in nine modes or ways. " नवकोडि परिसुद्धे भिक्षे परायते " ठा० ६; — चिछह. त्रिन (- विद्व) तय, ह विष्ठ वालुं. नी ब्रिट वाला. having nine holes. तंदु॰ —जोयणः पुं॰ (-योजन) नव थे। ४ त. नौ योजन. nine Yojanas (1 Yojana = 8 miles). नागा॰ =, —जीयरा-विचिन्नुएए। त्रि॰ (-योजनविस्तीर्गी) नव थे. अन विस्तृत नौ योजन विस्तृत. having an extent of 9 Yojanas नाया क; -जोयिगिय त्रि॰ (-योजनिक) तव યાજનની લંભાઇ વાલું. નૌ योजनको लम्बाई बाला. of the length of nine Yojanas (1 Yojana = 8 miles). " जंबूदीवेर्ण दीवे नवजीयिष्या मच्छा " ठा॰ ६; —गाउइ. स्त्री॰ (-नवति) ५५;

नवाखं निन्यानवे. ninety-nine. सम॰ ६६; जं० प० ७, १३२; १४७; -- लाब-मिया. स्रो॰ (-नवीमका-नव नवमानि दिनानि यस्यां सा नवनविमका) नव नव -૮૧ દિવસનું એક અભિત્રહ-તપ, જેમાં એકેક દિવસે અથા નવતવ દિવસે એકેક દાત અત્ર પાણીની વધારતાં નવ દાત સુધિ વધારી શકાય છે; નવ દાત ઉપરાંત કાઇપણ દિવસે અત્ર પાણી લે વાય નહિ એવી રીતે ८१ दिवस सुधि इरवानं तथ नव नवक = 9 दिन का श्रामिश्रह-तप, जिसमें एक एक दिन को अथवा नौ नौ दिन को एक एक दात श्रज जल की बढ़ात बढ़ाते नी दात पर्यन्त वढाई जा सक्ती हैं. नव दात के सिवाय श्रन्य कोई भी दिन को अन पानी लिया न जाय इस प्रकार = १ दिन तक करने का तप. 811 austerity, so named, lasting for 81 days, in this austerity food and water are limited to the maximum amount of 9 Dāta (a measure). Starting with the minimum of one performer of The this austerity may increase one Data every day or every nine days. ठा॰ ९; श्रोव॰ ५; मम॰ —પય. વું (-पद) ચલમાણે; ચલિએ धत्याहि नव पह. चलमाणि; चालिए इत्यादि नौ पद nine verbal forms suchi as Chalamāņe, Chalie etc. भग॰ १, १; —पुन्न. न० (-पूर्व) नव पूर्व -शास्त्र. नौ पूर्व-शास्त्र. nine Pūrvas scriptures. भग० २४, ६; —वंभचेर. न॰ (-ब्रह्मचर्य) नव अशरतुं ષ્યદ્મચર્યનું પ્રતિપાદન કરનાર આચારાંગ સત્રના પ્રથમ શ્રુત સ્કંધઃ આચારાંગના પહેલાં

नव अध्ययन नी प्रकार के ब्रह्मचर्य का प्रति-पादन करनेवाला आचाराङ्ग मूत्र का प्रथम श्रत-स्कंध; आचारांग के प्रथम नी अध्ययन The first nine chapters of Achā rānga explaining the nine modes of continence निर्दा॰ १६, १=; — विगइ. स्रो॰ (-विकृति) ६५ ६६ ધો તેલ વગેરે નવ પ્રકારની વિકૃતિ -વિગય दूध, दही, घी, तल इत्यादि नौ प्रकारकी विकृति विगय, nine kinds of transformations e. g. mik, cuids, ghee, oil etc. " खब विगइत्रो पग्ण-त्ताश्रो " ठा० ६; —हत्थ्रस्तेह पुं॰ (-हस्तोत्सेघ) नव હाथनी ઉंथार्ध नौ हाथ की ऊचाई height measuring nine arms-length नाया॰ ध॰

रात्र त्रि॰ (नव) नवीन; नवु, तालुं, नवीन, नया, ताजा New; fresh; novel नाया० ९; १२; सम० २०, श्रोव० सु० च० १, ३१=: -- गिम्हकालसमय पं॰ (-प्रोप्तकालसमय) नृतन आष्म अध. नया प्रीध्म काल opening summer. नाया॰ १; -- रगह. पुं॰ (-प्रह) नवुं अ७७ ६२५ ते नया प्रहण करना. new or fresh acceptance. स्य॰ १, ३, . २, ११; -- घडय पु॰ (- घटक) नवे। धडे।. नया घडा. a new pot, a new-made pot. नाया ०१२; -पुर ज-यण. न॰ (-पायन) क्षेप्ति तापमां નાખી તીક્ષ્ણ કરી પાર્શુ પાણીમાં નાખવ ते; नवु पाशी यडाववु ते लोहे को ताप में डाल तीद्दश कर के पुनः पानी से डालना, भया पानी चढाना. act of dipping heated and sharpened iron again into water, with a view to make it stronger. ''आवपजा-

णएगां श्रासिगएगा पाडसाहरिया "भग० १४, ७; नाया० ७; —सादुल. न० (-शा-द्रल) तुरतनुं ६ थेलु धास. ताना उगा हुत्रा घास fresh-grown grass. नाया० १; —सुत्त त्रि० (-सूत्र) नवा स्तर वालुं. नये स्त वाला. having or consisting of new-spun thread. " श्रासंदिय च नवसुत्तं पाडहाई संकम्म्ट्राए" स्य० १, ४, २, १५; —सुरमि. पुं० (-सुरभि) न्तन सुगन्ध नया सुगन्य fresh, new perfume नाया० १;

ण्यइ. स्री० (नवति) नेतुनी संभ्याः ८० नव्ये की संख्या, ६०. Ninety: 90. जं० प०२,३३:

गार्त्रग. न० (नवाह्न) भे अन, भे आण, भे નાસિકા (ફાણા) છસ, સ્પર્શ અને મન એ તવ અગ જાગૃત થતાં જુવાની પ્રગટે छे. दो कान, दो श्राख, दो नासिका, जिन्हा, स्वर्श और मन ये नौ अग जागृत होने पर युवावस्था प्रकट होता है. The nine organs or senses viz. two ears, two eyes, two nostrils, tongue. touch and mind (which in their bloom cause puberty). राय॰ २६१; नाया॰ ३; —सुत्तपडिबो॰ हिया स्री॰ (-सुप्तप्रतियोधिता-नवाद्गानि कर्णादि लच्छानि सन्ति प्रतिवोधितानि यौवनेन यस्या सा तथा) नव यै।वना स्त्री. नव यौवना स्त्री. a woman in her prime. विवा॰ २, १, वव॰ १०;

ण्वणिद्वा स्री० (नवनीतिका) ओ ४ प्रधारती वतस्पति. एक प्रकार का वनस्पति. A kind of vegetation. " खत्रणीया गुम्मा" ज० प० पन्न० १,

ण्यणिश्र-यः न०(नवनीत)भाभणु मक्खन.

Butter: भग० ११, १९; १८, ६; नाया॰ १; पत्र ० ११; निसी० १, ५; श्रोव २ ३८; ठा० ४. १:

ग्वनीतः न॰ (नवनीत) भाष्णः सक्खनः Butter. मृ॰ प॰ १०; जीवा॰ ३, ४; खोव ॰

ग्यमः त्रि॰ (नवम) नवभे।-भी-भुं. नावां-१२; २०; नाया० घ० ६:

रावमालियाः श्रं० (नवमालिका) शे नाभनी अध वेश. इस नामकी एक वेल. A kind of creeper. कप्प॰ ३, ३७,

ग्रविमया, स्रो॰ (नविमका) हिं पुरुषता धन्द्र सुधुर्पनी जीक्ष पहुराखी किंपुरुप के इन्द्र सुपुरुप की दूसगी प्रधान रानी, The 2nd crowned queen of Supurusa the Indra of the Kunpurusa kind of gods. সাত খ, १, (२) देवेन्द्र । छडी परशाली; देवेन्द्र की छुठी प्रधान रानी. the 6th among the crowned queens of Devendra (३) મન્દર પર્વાતની પશ્ચિમે अविश रूथ । पर्वतना रूथेशत्तम नामना **ક્ટ−શિખર−**ઉપર વસનારી એક દિશા-क्षभारी मन्दर पर्वत के पश्चिम और आये हुए इनक पर्वत के इनकोत्तम नाम के कुट-शिखर के ऊगर वसने वाली एक दिशा-कमारी. a Diśākumārī residing on the summit of Ruchaka mount named Ruchakottama in the west of themount Mandara. ठा० म; र्जं० प० १, १२२; (४) नविभिधा हेवी. नवमिका देवी. the goddess Navamikā. नाया॰ घ॰ ५: ६: जं ॰ प॰ 4, 958:

रावमी. हीं (नवमी) ने। भ गामि. The

9th day of a fortnight र्ज॰ प॰ २, ३०; -पक्ख पुं० (-पत्त-नवस्था-स्तिथे. पन्नां प्रहो यस्य तिथिमेलपातादिष तथा दर्शनासिथि पाते तत्कृत्यस्याष्टमे किय-माण्यात्सनवमीपचः) लेभां ने।भने। समावेरा धता हाय तेवी आहम जिम में नामि का ममावेश होता है। ऐनी श्रष्टमी। the 8th day of a fortuight which includes also the 9th. "चित्त बहुत्तस्स नवमी बक्ते " जं॰ प॰ ३; गुवय पुं॰(नवत) એક ખતનું ઉતનું કપડું.

एक जाति का ऊनी कपडा. A kind of woolen cloth, नाया॰ १:

रावरं. श्र॰ (नवरम्) पण् आटशुं विशेष परन्तु इतना श्राधिक But this much in addition: but this much besides, श्रोव॰ नाया॰ १: ८: १२; १६; भग० १, १; ३, १; ३, २; ६, ४; ७, ३: १४, १; २४, १२, जं०प००, १३४.४,११६; एवरि. अ॰ (नंबर) अतरः, पूर्वना अति-

हेश धरतां अंध्रध विशेषना द्योतधः स्रंतरः पूर्व के खातदेश की खोचा इछ विशेषता चांतक.

Moreover, besides. जं॰ प॰ ख्यलग. पुं॰ (नवलक) ग्नथ. जाल A

net नंदी॰ ण्यसिरीसः पुं॰ (नवशिशिष) थे। अ M1नुं १क्ष. एक जाति का दृत. A kind of tree. नाया॰ १:

णुबहा. अ॰ (नवधा) नव प्रश्नरे. नौ प्रकार से. In nine modes or ways. भग॰ 92, 8;

ण्वियः त्रि॰ (नन्य) त्युं. नया. New; novel. नाया॰ १८;

ग्रासग् न० (न्यसन) भुधनुं; आरे।पण् ४२वुं ते. रखना; श्रारोपण करना Act of leav. ing; act of attributing. जीवा॰ १;

ण्स्समाण् त्रि॰ (नश्यत्) सन्भार्णथी यक्षायभान धता-त्रिभुभ थता. सन्मार्ग से चलाययान होता हुआ Sliding back, falling off from the right path. उवा॰ ७, २१८:

गृह. न॰ (नभस्) आधाश. आकाश Sky. firmamant दस॰ ७, ४२;

गाह पुं॰ (नख) ने भ. नख; नाखुन. A. finger-nail, नाया॰ १; ४; =; भग० २, १; ग्राया० १, १, २, १६; १, १, ६, ५३; जीवा० ३, ३: राय० २२; स्य० २, २, ६; (२) ५२०४, देखे. कर्जा; ऋण a debt. तंदु सम - च्छेद स्याय न (- च्छेद-नक) नण उतारवानुं द्वथीआरः, नरेखी नाख्य उतारने का श्रीजार, नेरनी का for pairing instrument finger-nails. श्राया॰ २, १, ७, १, --- च्छेयसा. न॰ (-च्छेदन) नभ छेहन ध्युं ते. नख छदन करना. act of pairing the finger-nails विवा॰ ६; —सिर. न॰ (—शिरस्) नभने। अश्र-भाग नख का अप्रभाग the fore-part or tip of a finger-nail. भग॰ प्र, ४; —सिद्धाः स्त्री॰ (-शिखा) नभने। अध्यक्षात्र नख का श्रयमाग. the forepart of a finger-nail. निसी॰३, ४१; गाहयल. न० (नभस्तल) आधाश. श्राकाश. Sky, firmament. नाया॰ १; गाहु. थ्र॰ (नहि) नि नहीं. No; not नाया० ६.

साम्रा. त्रि॰ (ज्ञात) প्रश्लेखं जाना हुआ. Known श्रोव॰ (२) न॰ ६४ांत दछात. illustration. वेय॰ ३, २०;

र्णाई श्र॰ (नज्) निह्य निर्ह्य No,not. नाया॰ ४;७, - पुज्जः त्रि॰ (-पूज्य) अपूजनीय; पूज्यके श्रयोग्य. not Vol 11/116

deserving worship or reverence. नाया॰ ७;

साह. की॰ (ज्ञांत) ज्ञाति; ल्याति; नात.

ज्ञाति; जाति. A community; a caste; kin. (२) सल्यतीय; मातापितादि संवंधी. हि संभधी सजातीय; मातापितादि संवंधी. of the same class. relatives. नाया॰ १; २; ४; ५, ७; ६; १४; १४; १८; भग॰ १६,४; १८, २; श्रोव॰ ४०; उत्त॰ १३, २३; म्य॰ १, २, १, २२; २, १, ३४; नाया॰ ध॰ —संग. पुं॰ (—संग) भाता, पिता, पुत्र, स्त्री श्रादिता संग-साथ माता, पिता, पुत्र, स्त्री श्रादि का संग. a family consisting of mother, father, wife, son etc. स्य॰; १, ३, २, ९;

णाइ. ति॰ (ज्ञातिन्) की सर्व पराधी।

ग्रात-लाखेशा छे ते; सर्वग्र. जिसकी सर्व
पदार्थ ज्ञात-विदित हैं वह; सर्वज्ञ. Omniscient; (one) to whom all
things are known. सूय॰ २, ६,
२४; ठा॰ ४, ३;

णाइ. श्र॰ (नाति) थे। हुं, अक्ष्य थोडा; श्रह्म. Not much; a little. भग॰ न, १०; —कदुय. ति॰ (-कदुक) थे। हु ४५ हुं. थोडा कडवा. not very bitter. नाया॰ १; —विगद्घ. ति॰ (-विकृष्ट) अत्यन्त दीर्घ न हा वह. not very long or far off; not excessively long विवा॰ ३:

णाइय-श्रंत्रि॰ (नादित) नाह ४रेअ; ५५७ हे। ७३४ नादित, नादसे गूंज रही हुई; गूजाहुआ Sounded; reverberated, ringing with a loud sound. नाया॰ १; जं॰ प॰ ५, ११७; श्रोव॰ ३१:

णाइल. पुं॰ (नागिल) आर्थ पळसेनना अतेवासी, हे केना ७५२थी आर्थ नागिला शाणा निक्षी श्रार्थ वज्रसेन का शिष्य कि जिसके जगरसे श्रार्थनागिला शाखा निक्ली.
Name of the disciple of Arya Vajrasena from whom the offshoot named Arya Nāgilā originated. कण्य॰ ६;

णाइवंतः त्रि॰ (ज्ञातिमत्) स्थलतीय; नातिथे।. स्वजातीय, श्रपनी ज्ञातिवाला Of one's own caste or community. 'मित्तवं खाइवं होइ' उत्त॰ ३, १८;

णाऊग्। पुं॰ (ज्ञाःवा) পण्रीने; सभ्रश्ने. जान कर; समक्त कर. Having known or understood. श्रोव०१४; पंचा०६,४०; णांग. पुं० (नाग-गच्छतीति गः, न गः श्रमः गतिहीनः न श्रमः नागः, चलन धर्म-सयुक्तः) ભવનપતિ દેવાની નાગકુમાર નામે એક જાત; જેના મુગુટમાં સર્પની ફેલનું ચિન્હ છે તેવી એક દેવતાની જાત; નાગકુમાર भवनपति देवों की नागकुमार नाम की एक जाति; जिसके मुकुटमें सर्थ के फगा एक चिन्ह है ऐसी एक देवता की जाति; नागक्रमार. A class of Bhavanapatı gods called Nāgakumāra gods; a class of gods whose diadem bears a sign of the hood of a serpent. नाया॰ २; ५; श्रोव०२३, जीवा०३, ३; (२) नाग व शभां ७८५२ थयेल नाग वंशमें उत्पन्न in the family of born Nāgakumāra gods siogo 3, vx, (३) હाथी हाथी an elephant. श्रोव॰ ३१, भग० ६, ३३; १२, ६, जीवा० ३, ३;

(४) नागक्षभार देवतानी भद्धातसव, नाग-कुमार देवता का महोत्सव. a festivity of the Nagakumara gods. नायाः १; (४) सप[°]. सपै. a snake; a serpent. ষ্মীব॰ (६) আর্থ रक्षितना शिष्यः એ नामना आशाय: आर्थ रचित के शिष्य: इस नाम के श्राचार्य. a preceptor so named; a disciple of Aryaraksita कप. =; (७) નાગ કેસર; એક જતનું ઝાડ. नागकेसर; एक जाति का युन्न a kind of tree. (८) ८ मा तीथ धरतं यैत्य वृक्ष. वर्षे तार्थंकर का चैत्य बन. a sacred tree in memory of the 8th Tirthankara. सम॰ प॰ २३३; (६, अभावस्थानी राते આવાનું ચાર (ધ્રુવ) સ્થિરકરણમાંનું ત્રી જું ५२७। श्रमावास्या को रात्रि को श्राने वाला चार (ध्रव) स्थिर करण में से तीमरा करण. the third of the four Dhruva Karanas falling on the night of the dark-half of a month. जं० प० ५, ११६; (१०) यो नामनी योध दीप अने ओ समुद्र, इस नाम का एक द्वीप श्रीर एक समुद्द. name of an island; also name of an ocean প্ৰত্থঃ सु॰ प० १६, जीवा० ३, ४; (११) ५६३: વિજયની પૂર્વ સરહદ પરતાે વખારા પર્વત वलगुविजय की पूर्व सीमा पर श्राया हुत्रा बखारा पर्वत, a Vakhārā mount on eastern boundary of Valguvijaya. जं॰ प॰ 🗕 इंदः पं॰ (–इंद्र) नागर्भारना र्धर नाग-कुमार का इन्द्र. the Indra the Nāgakumāra gods. 'श्रसुरिंद सुरिंदणागिंदा' सम॰ कष्प॰ ८; नाया॰ ८; —गाह. पुं॰ (-ग्रह) नागदेवताना आवेशथी थयेल रेाग; जयर वर्गरे. नाग

देवता के श्रावेश से उत्पन्न रोगः ज्वर इत्यादि. a disease resulting from one's being possessed by a Nagakumāra god e g. fever etc. जीग॰ ३, ३; -- घर. न० (-गृह) नागदेवतानुं धर. नागदेवता का घर. a house belonging to a Nagakumāra नाया॰ =; --जित्छ. पुं॰ (-यज्ञ) नाय हेवतानी पून्न, (भड़ात्सव). नाग देवता की पुजा: (महोत्सव). n festivity held in honour of Nagakumāta gods नाया॰ द: -जत्ता. स्त्री॰ (-यात्रा) नागदेवतानी यात्रा. नागदेवता a pilgrimage को यात्रा propitiate Nāgakumāra gods नाया॰ =; -धर पु॰ (-धर) क्षाथीने **५५५**ना२ भाण्य. हाथी को पकडनेवाला मतुन्त्र. a person who catches un elephant. श्रीव॰ -पहिमा. स्री॰ (-प्रतिमा) नागद्देवतानी प्रतिमा देवता की प्रतिमा. an image of a Nāgakumāra god. 'तातिणं जिए पहिमाण पुरश्रो दो दो यागराडिश्रो पर्ण त्ताओ' जीवा० ३, ३; —परियावणियाः स्री॰(-परिज्ञा- नागा नागकुमारस्तेपां परिज्ञा यस्यां प्रयपद्धती सा नागपरिज्ञा) नाभनुं शेक अति ॥ श्रुत इस नाम का एक कालिक श्रुत. name of a Kālika scripture नंदी॰ -पुष्फ. (-पुष्प) नाग डेसरनुं ६व. नाग केसर का कल a flower of the tree named Nagakeśara, अं॰ -फडा. स्री॰ (-फग्रा) सप⁶ता हेश. सर्प का फण the hood of a serpent. (ર) નાગકુમાર દેવતાનું મુગુટમાં रहेशु थिन्छ, नाग कुमार देवता का मुगुट

में रहा हुआ चिन्ह. the sign of serpent's hood in the diadem of Nāgakumāra gods. श्रोन॰ २३; -- महः पुं॰ (-मह) नागद्देवताने। भहे। त्सव. नाग देवता का महोत्सव. a fostivity held in honour of Nagakumāra gods. श्राया॰ २, १, २, १२; राय॰ २१७, भग॰ ६, ३३; --वर. पुं॰ (-वर) अधान हाथी; उत्तम हिस्ता प्रधान हाथी; उत्तम हास्ति an excellent elephant श्रोव व जं प तद् भग દ, ३३; (२) નાગસમુદ્રના અધિપતિ देवता नागसमुद का श्रविपात देवता. blie presiding deity of Nagasamudra (ocean). स्॰ प॰ १६; -विही. स्त्री॰ (-वीथी) शुक्रनी नव वीथीमानी ओक्त. शुक्र के नौ मार्ग में से एक one of the 9 orbits of the planet Venus. ठा॰ ६; --साहस्सी स्री॰ (-साहस्री) એકહજાર नाग६भार देवता. एक सहस्र नागकुमार देवता. thousand 8 deities of the Nagakumara class. सम० ७२:

णागकुमार. पुं॰ (नःगकुमार) नागधुभार देवता, अवनपतिनी ओड जात नाग छुमार देवता; अवनपति की एक जाति A class of Bhavanapati gods; a deity of the Nagakumāra class of gods. भग०१, १, २४, २०; ठा००,२; —(दिं) इंद. पुं॰ (-इन्द्र) नागधुभारना धन्द्र; धरेणेन्द्र. Dharapendra, the king of Nāgakumāras भग० १०, ४; —राय पुं॰ (-राज) नागधुभारना शालाधरेणेन्द्र. नागकुमार का राजाधरेणेन्द्र. Dharapendra, the king of Nā-

gakumāras, भग॰ १०, ४;

णागडजुणा पु॰ (नागार्जन) दिभवंत आया-र्थना शिष्य हिमनंत श्राचार्य का शिष्य. Name of a disciple of the preceptor named Himvanta. नदी॰ ३४; ४०;

णागणियः न॰ (नाम्न्य) नस ला ।; निर्श्न । लाव; संयम अनुष्ठानः Nudity; possession-lessness asceticism म्य॰१,७,३१; णागदंतः पुं॰ (नागदंत) अधुं८५; भींशिः चंद्रा; गुंटीः A pog attached to a

wall. जीवा॰ ३४; राग॰

सागदत्तः पुं० (नागदत्त) ये नामना ये शक्पपुत्र, इस नाम का एक राजपुत्र, Name of a royal prince. 31. 3, ૪, (૨) બલરાજની સ્ત્રી સુભકાના પુત મહાષ્યકાજ કમારના પૂર્વ ભવ કે જેમાં તે મહિપ્પુર નગરમાં એ નામ ધરાવતા હતા. वलराज की स्री सुभद्रा का पुत्र महावलराज कुमार का पूर्व भव कि जिसमें वह मणिपुर नगर में इस नाम की धारण करता था. the provious birth of prince Mahā bala son of Subhadra queen of Balaraja. In that birth he bore the name given and lived in the town of Manipura. विवा॰ ७: गागदत्ता हो। (नागदत्ता) १६ मां तीथ धरी પ્રવજ્યા પાલ^ખીનું નામ. ૧६ वें तीर्यंकर की प्रवच्या पालकी का नाम. Name of a palanquin of the 16th Tir-

order. सम॰ प॰ २३१; शागदार न॰ (नागद्वार) सिद्धापतननी पश्चिम दिशामां नागधुमारना व्यावासनुं द्वार.

thankara at the time of his

initiation into the ascotic

भिद्धायतन की पश्चिम दिशा में नामकमार के आवाग का हार. The gate of the abode of Nagakumara in the west of Siddhayatana, তা০ ৮,২; गामपब्चयः पुं॰ (नामपर्वत) ल'लुद्रीपना મંદર પર્વતની પશ્ચિમે શીનાદા નદીની ઉત્તર भाषेती भे ५ ५ वत. जंबद्वार के मंदर पर्वत के पधिम में श्रातीया नदीश उत्तर में श्रामा हुआ एक पर्वेत. Name of a mountain in the north of the river Sitoda in the west of the mount Mandara of Jambüdvipa. ठा०२,३; गागपूर. न॰ (नागपुर) दस्तिनापुर; इइदेशनुं भुभ्य नगर हस्तिनापुर; कुठ देश का मुख्य नगर The capital city of the country called Kuru, 510 90; नाया० घ० ५:

शागयाम. पु॰ (नागमाण) ओं क्र काती। हिन्म (ईवी) घोषा. A kind of colostial horse. जीवा॰ ३:

णागभद्गः पुं॰ (नागभद्ग) नागद्गीपने। व्यथि-पनि देवता, नाग होत का श्राविपति देवता. The presiding doity of Nagadvipa. मु॰ प॰ १६;

णागभूय. न॰ (नागभून) आर्थ रेहिए स्थितिस्थी तीइक्षेत्र उद्देहराणुनुं अथम इल. आर्थरोहण स्थानर से निकता हुआ उद्देहराणुका प्रथम कुल. The first brother-hood of saints of Uddeha Gana originating from Alyaro-hana. कप्य॰ =;

णागमहाभद् पुं॰ (नागमहाभद्र) नागद्वीपनी अधिपति देवताः नाग द्वीप का श्राधिपति देवताः The presiding deity of Nagadvipa. स्॰ प॰ १६; रिक. A citizen; a person residing in a city. कप्प ३; स्य २ २, २, १३; — जगा, पुं० (-जन) नगरना थे। ६. नगर के लोक A citizen; citizens. गामहावर पुं० (नामहावर) नागसपुर का आधि पति देवता. The presiding deity of Nāgasamudra स्० प०१६;

णागिमत्त. पुं॰ (नागिमत्र) अ य महागिरी ना एक शिष्य. Name of a disciple of Arya Mahagiri. ठा॰ ३, ४,

खागर. युं (नागर) नगरभां रहेनार भनुष्यः नागरिक. नगर में रहने वाला मनुष्यः नाग नाया १:

णागराज. पुं॰ (नागराज) नागधुभार देवतानी राज्य. नागकुमार देवता का राजा. A. king of the Nāgakumāra deities "वेजंधर नागराईणं" सम॰ १७; णागरुक्ख. पुं॰ (नागहुक) नाग पृक्ष नागहुक. A kind of tree. " जाग रुक्षे भूषंगाणं "ठा॰ ६; भग॰ २२, २; णागलया. स्त्री॰ (नागलता) नागदात;

नागर वेश. नागलता; नागर बेल; पान की बेल. A creeper of betel-leaves. श्रोव॰ राय॰ १३७: — मंडल न॰ (-म- एडल) नागर वेल का मएडप. a bower of a creeping plant named Nagaravela. राय॰ १३७; जीवा॰ ३, ३;

णामितिरी. स्ती॰ (नामश्री) अतिष्ठानपुर नगरना नागतभु शेर्डनी स्त्री व्यने नागदत्त री भाता. प्रतिष्ठानपुर नगर के नागवसु शांत की स्त्री त्योर नागदत्त की माता. The wife of Nagavasu a merchant of the town of Pratisthanpura, and mother of Nāgadatta. नाया॰ १४; (२) यंपा नगरीना से। म ध्याह्मणुनी स्त्री हे लेखीं धर्म इिय नामना तपस्ती मुनीने डऽपी तुणीनुं शाङ व्हे।राव्युं हतुं. चंपानगरी के सोम बाम्हण की स्त्री कि जिसने धर्मशिच नामक तपस्त्री मुने को कह तुंबी का शाक बहराया था. the wife of Soma, a Brāhmaņa of Champānagarī who served an ascetic named Dharmaruchi with cooked vegetables prepared from a bitter gourd नाया॰ १६;

णागसुदुमः न॰ (नागस्पम) स्ने नाभतुं स्नेड देशिङ शास्त्रः, इस नाम का एक लौकिक शास्त्रः. Name of a secular science. प्रणुजो॰ ४१;

णागहात्य. पुं॰ (नागहात्तिन्) आर्थनित्ह क्षभणुता शिष्य. प्रार्थनित्ह त्तन्मण के शिष्य. Name of a disciple of Arya-Nandi Lakṣamana.कष्प॰=; णागोद पुं॰ (नागोद) ओ ताभता सभुद. इस नाम का समुद्र Name of an осеан. स्॰ प॰ १६;

णाडअ-य. न॰ (नाटक) त'८६ नाटक A drama; a play. जं॰ प॰ ४, ११४; विश• ३;

णाडर्जा ति॰ (नाट हीय) नाट हनां पात्र,
ओहटर. नाट ह के पात्र, एक्टर (One)
acting in a drama; an actor
in a drama. नाया॰ १; जं॰ प॰ (२)
नटी. नटी. an actress. ठा॰ ९; जं॰प॰
णाडय पुं॰ (नाटक) नाटक हरनार; नाथ
हरनार. नाटक करने वाला; नाचने वाला.
A player in a drama; a dance
er. नाया॰ १, ६;

गाग न॰ (ज्ञान) ज्ञान; समक्ष्यः भीध.

ज्ञान; समक्क; बोध. Knowledge; un derstanding. भग॰ २, १; ४, ४; २४, १२; २४, ६; २६, १; नाया० १; २; ५; वेय० १, ४६; श्राणुजी० १४७; पन्न० १; स्० प० २०; श्राव० १, १; प्रव० ५५७; (૧) આસિનિબાધિક જ્ઞાન, શ્રુવજ્ઞન, अविधितान, भनः।यींय ज्ञान, स्रे पांस પ્રકારમાંનું ગમે તે એક. શ્રામિતિચોવિक ज्ञान, श्रुनज्ञान, श्रवायिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान के बल ज्ञान इन पांच प्रकार में से चोहें सी एक any of the five varieties of knowledge viz Abhinibodhika, Śruta, Avadhi, Manahparyāya, and Kevala. राय॰ (३) पन्नरश् સૂત્રના ત્રીજ પદના દશમા દ્રાંરનું નામ पनवणा सूत्र के तृतीय पद के द्वार का नाम. name of 10th Dvāra of the 3rd Pada of Pannavaņā Sūtra. पत्र ३; — प्रतरायः पुं॰ (- प्रन्तराय) ज्ञानभां अंतराय-वि^इत पाऽवुं ते. ज्ञान में श्रन्तराय-विध्न डालना obstruction in the acquirement of knowledge. भग॰ ८, ६; — अभिगम पुं॰ (-श्राभे-गम) ज्ञाननी अपि ज्ञान की प्राप्ति acquirement of knowledge তা॰ ३, २; — ग्रायार पुं॰ (-ग्राचार) કાલે-અવસરે ભગ્વં, વિનય સહિત ભગ્ 1ં, ળહુમાન પૂર્ધક ભણ્<u>યુ</u>; ઉપધાન તર સહિત ભણવું, અનિન્દ્વપરો ભગવું, શબ્દ; અપ અને 'તદુભય' (શબ્દ અને અર્થ પત્રે) ને ગાપવ્યા શિવાય ભણવું એ આઠ જ્ઞાંતા-त्तेक्ट अनुष्ठान ते ज्ञानायार नियम मे सीखना, विनय के साथ साखना, बहुमान प्रक मीयना; उपवान तर सहित सीखना, श्रनिन्हवतासे सीसनाः शब्द अर्थ आरं

'तदुभय' (शन्द व श्रर्थ) को विना गुप्त रक्खे सखिना ये आठ ज्ञानोत्तेजक अनुप्रान अयीत् due observance of शानाचार. the eight points regarded as requisite in acquiring sound knowledge, viz (1) regularity; (2) modesty (3) reverence (4) attentive repetition (5) nonconcealment (6) non-suppression of senses (7) non-suppression of words and (8) non suppression of both words and senses. ठा०.२.३: ४, २: सम० २३; — प्राराहण न॰ (-प्राराधन) जनती अ राधना करती ते. ज्ञान की श्राराधना करना. devotion to, worship of knowledge. ठा॰ ३, ४; — श्राराहणाः स्री॰ (-ग्राराधना) साननी आराधना. ज्ञान की आराबता. devotion to, worship of knowledge. भग•=,१•; —-स्रारियः पुं॰ (-म्रार्य) नानेश्री आर्थ ज्ञान के कारण आर्थ. civilised (Arya) by reason of the possession of knowledge. एक॰ १; —इंद. पुं• डेवसनाती ज्ञान श्रयवा ज्ञानी में इन्द्र-श्रेष्ठः केरलगानी. highest among those who are possessed of knowledge; one possessed of perfect knowledge ठा॰२,४,३,१; —उप्रायम-हिमाः स्त्रो॰(-उत्पादमहिमा-नहिमन्)तीर्थ-કરતે કે કે હ્લીને કેવલજ્ઞાન ઉપજે ત્યારે કરવા -માં આવતા ત્રાનના મહિમા-મહાત્સવ. तार्यं हर या केव तीको जब केवलजान प्राप्त होता है तब ज्ञानकी महिमा-महोत्पत्र. की जानेवाली a festivity celebrated at the

time when a Tirthankara or Kevali attains perfect knowledge. भग॰ ३, १; १४, २; ठा॰ ३. १; - उवझोग. पुं॰ (- उपयोग) ત્રાનના વ્યાપાર; જ્ઞાનમાં લક્ષ જોડવું તે. ज्ञान का व्यापार, ज्ञान में लक्त जोडना. application use of knowledge; study. प्रव॰ application to ३१२, -- उवद्याय पुं॰ (-उपदात) व्याक्षस्थी ज्ञानने। नाश. च्रालस्य से ज्ञान का नाश. destruction, decay of knowledge caused by idleness ठा०१०; - कसायक्रसील. पु० (-कषाय-कुशील) ज्ञान आश्रित ४पाय ५शील. ज्ञान श्राधित नैतिक विगाड. motal impurity tainting knowledge भग०२५, ६; -कुसील त्रि॰ (-कुशील) ज्ञानने ६पित थनावनार. ज्ञान को द्षित वनाने वाला. (any thing) that taints knowledge. 310 4, 3; -(S) च्चासायणा स्री॰ (-श्रात्या-शातना) ज्ञाननी अशातना-ढीवणा. ज्ञान के प्रति दिखलाई जाती घृषा-तिरस्कार वृति. contempt or hatred shown towards knowledge. भग॰ =, ६; - इया स्री॰ (- श्रर्थता ज्ञानमेवार्थोयस्या-सीज्ञानार्थस्तद्भावस्तत्तया) ज्ञानार्थे ५७० : ज्ञाननी अप्यर्थना ६२वी ते. ज्ञानार्थपन, ज्ञान की श्रम्यर्थना करना, solicitation for knowledge, request for knowledge भग॰ १८, १०, ठा० ४, २; -- शिगहवयाः स्त्री॰ (-निहव) शास्त्रनी તથા શાસ્ત્ર ભણાવનારના ઉપકાર એાલવવા ते. शास्त्र का श्रीर शास्त्र को पढाने वाले मानना non-ack-वपकार न nowledgment of the debt of gratitude due to scriptures and to one who teaches them भग०८, ६: — शिव्यत्ति, स्री० (-निर्वृत्ति) પાંચ પ્રકારનાં ज्ञाननी निष्पत्ति-सिद्धि. पांच प्रकार के ज्ञान की निष्यति-सिद्धि acquisition or attainment of the five kinds of knowledge भगः १९, ६; २०, ४, —(ऽऽ) त्त. पु॰ (-श्रात्मन्) ज्ञानी व्यात्मा; सभ्यगृहष्टि भारमा ज्ञानी त्रातमा. सम्यग दृष्टि श्रातमा soul possessed of right knowledge and faith. भग० १२, १०; - दंसगा. पु॰ न० (-दर्शन) ज्ञान अने इश्रीत. ज्ञान और दर्शन. right knowledge and right faith. 310 0; नाया॰ ४, -दंसग्रहाय स्त्री॰ (-दर्शना-र्थता) ज्ञान अनेहर्शननी अपेक्षा ज्ञान श्रीर दर्शन की अपेत्ता. desire for or expectation of right knowledge and faith. नाया॰ ४, - दक्षराधर. पुं॰ (-दर्शनधर) जान अने ६शीनने धरनारः हेनसमान ज्ञान श्रोर दर्शन को धारण करने व ला. केवलज्ञानी (one) possessed of knowledge and faith, right omniscient. नाया० —दंसणलक्खण ति॰ (-दर्शनलक्षण-ज्ञानंच दर्शनंच लच्चण स्वरूपं यस्पतत्तथा) સમ્યક્તાન અને સમ્યકદર્શન **अक्ष्यान्य के अन्य के अन** सम्यक्टशेन जिसका लज्ञण-स्वरूप वह (one) having as essential quality right knowledge and right faith. "चडकरण-संजुतं नाणदंसणः लक्षणं" उत्तः २८, १; -दंसग्समग्गः त्रि॰ (-दर्शनसमप्र) सानदर्शनथी पूर्ण ज्ञानदर्शन से पूर्ण

perfect in the possession of right knowledge and right faith. "तत्ते णाणदंमण सम्मागे" उत्त॰ प्ति पुं॰ (-दर्शिन्) ज्ञान दर्शन वासी (छव). ज्ञान दर्शन वाला (जीव). a soul possessed of right knowledge and right faith. भग॰ ४२. १; —पज्जव पुं॰ (-पर्याय) रानना पर्याय. ज्ञान के पर्याय modifications of knowledge. भग॰ २, १; —पंडिणीयया स्रो॰ (-प्रत्यनीकता) रानमां प्रतिहूसता-वैरलाव. ज्ञानमें प्रति-कुलता-वैरभाव opposition hostility towards knowledge. भग० =, =; —पाडिसेवणाकुसीलः पुं॰ (-प्रतिसेवनाकुशाल) रामनी प्रिनि-सेवामां दूषशु ४२नार. ज्ञानकी प्रतिसेवा में दूषण करनेवाला. one who taints acqirement of right the knowledge. भगः २४, ६; —पारे णाम. पु∙ (-पारेगाम) ज्ञानक्षस्र्णु-अवना परिखाभ ज्ञान लक्त्रण जीव के परि-णाम. a stage of development of the soul marked by possession of knowledge বল ৭২; —परीसह. युं॰(-परीषह —परीषहणं परी-पहः ज्ञानस्य मत्यादेः परिषदः) ज्ञाननी પરિષહ; જ્ઞાન ન આવડવાથી થતું કષ્ટ. ज्ञान का परिषह, ज्ञान भ आनेसे होता हुआ कष्ट.affliction of the mind caused by the consciousness that one is ignorant. भग॰ ६, ६; —पायाच्छुत्त. न॰ (-प्रायश्चित्त) आन અતિચારની આક્ષાચના; ગ્રાનની शुद्धि अधे आयश्वित इरवुं ते ज्ञान के श्रातिचार की आलोचना; ज्ञान की शुद्धिके

लिये प्रायाश्चेत करनाः expiation undergone for the purification of one's knowledge. তা০ ২, ४: ४, १; -पुरिसः पु॰ (-पुरुष) शानः वान पुरुप; ज्ञानअधान पुरुष, ज्ञानवान पुरुप; ज्ञानप्रधान पुरुष a person possessed of knowledge; an educated person. ठा॰ ३, १; भग॰ २, --पुलाञ्च. पुं॰ (-पुलाक) ज्ञानने नि.सार थनावनार पुत्राध्विधिवादी। साधु, ज्ञान को बनानेवाला प्रलाकलाविधवाला साधु. an ascetic who renders his right knowledge useless by lapse in the observance of primary vows. তা॰ খ, ই; भग० २५. ६: — प्रश्लोस (-प्रदेश्य) अत आहिशानमां अथवा ગાનીમા અત્રીતિ દ્રેષ કરવા તે; ગ્રાનાવરણીય **५भ भाधवानी એક હेतु श्रुत श्रादि ज्ञानमे** श्रथवा ज्ञानीमें श्रशीत-द्वेष करना;ज्ञानावरणीय कर्म बांधनेका हेत. showing disrespect or hatred towards the five kinds of knowledge or the persons possessed of them, a fault which leads to knowledge. obscuring Karma. भग॰ =, ६; --- प्यात्राः न॰ (प्रवाद) भतिग्रान आहि भांय ज्ञान संभांधी भ३भ्छ। ५२वी ते मात ज्ञान ऋदि पांच ज्ञान के संबंध में प्रह्मणा करना. act of explaining the five kinds of knowledge such as Matijñāna etc. सम॰ -फल-न॰ (-फल) साननुं ६५ ज्ञान का फत. fruit of (right) knowledge भग० २, ५; —बल पुं॰ (-**बल**) सात-रूपी थक्ष. ज्ञान रूपी बल. power,

strength in the form of knowledge. ঠা॰ १०; —বুব্ধ. নি॰ (-বুব্ধ) જ્ઞાતાવરણીયતા ક્ષયોપશમ આદિથી થયેલ तानवडे भाध पानेश्व, ज्ञानावरणीय के चयो-पशम भादि से उत्पन्न हुए ज्ञान से बोध पाया हुआ. (one) who has be enlightened by come knowledge attained through the destruction, subsidence etc. of knowledge-obscuring Karına ठा०२,४;—बोहि स्री०(-बोधि) જ્ઞાનાવરહીયના ક્ષયાપશમથી ધર્મની પ્રાપ્તિ थवी ते ज्ञानावरणीय के चयोपशम से धर्म की प्राप्ति होना attainment of true religion by the dest uction, subsidence etc. of knowledge -obscuring Karma. 510 3, 3: — भह. त्रि॰ (−म्रष्ठ) ज्ञानथी अष्ट ज्ञान से भ्रष्ट ધયેલ. degraded from right knowledge. श्रायाः १,६,४, १६+; --भावगाः स्री॰ (-सावना) शाननी भावना. जान भावना. meditation upon right knowledge. थाया॰ २, ३, १, १;--मूदः त्रि॰(-मूद) शानावरखीय इम्दा उद्दयथी ज्ञानमां भूद-भूभ शानावरखीय कर्मके उदयसे शानमें मूढ मूर्व. foolish, ignorant on account of the matutrity of knowledge obscuring Karma 51. 2, 4; —मोद्द. पुं॰ (-मोह) ज्ञान सणधी भे। हान के संबंध में मोह infatu ation, delusion in point of right knowledge. তা॰ ২, ४, —रासि पु॰ (-राशि) ज्ञानने। सभूद. ज्ञान का समृह. mass of knowledge. पंचा १४, ४५: - लोग पुं (- लोक) Vol. 11/117

हैवस ज्ञानाहि से। इ. केवल ज्ञानादि लोक. the world of omniscience etc. ठा॰ ३, २; — विराय. पुं॰ (-विनय) પાચ પ્રકારના જ્ઞાનના વિનય કરવા તે पचि प्रकार के जान का विनय करना, showreverence towards the five kinds, of knowledge. २५, ७; — विणयपरिहीण. त्रि॰ (-वि-नयपरिहीन) ज्ञान आयारथी रिहत. ज्ञान आचार से रहित. devoid of the observance of the eight points (rules) requisite for the attainment of right knowledge चं॰प॰ २०,--विराहणा स्री०(-विराधना) शाननी વિરાધના કરવી તે, જ્ઞાનનું ખંડન કરવું તે. ज्ञान की विराधना करना: ज्ञान का खंडन करना act of offending against right knowledge i. e. refuting it. सम०१,—विसंवायणाजोग पुं०(-वि-संवादना योग) ज्ञानी साथै भाटा अध्या મિથ્યા વિવાદ કરવા તે; જ્ઞાનાવર્ગ્શીય-કમ⁶ ખાંધવાતા એક હેતુ. ज्ञाना के साथ भं हे भारे-मिथ्या विवाद; ज्ञानावरणीय कर्म बांधने का एक हेतु. act of entering into false and vexations discussions and disputes with persons possessed of right knowledge; this is a source of Jñānāvalanīya Karma भगः E. 8: —विसोहि स्री० (-विशोधि) ત્રાનના આચારનું પાલન કરવું તે; **ઝા**નની शुद्धि ५२वी ते. ज्ञान के आचार का पालन, शाहि करना. putting into practice the rules prescribed by right knowledge; purification of knowledge by practice. 212 90;

— संका. स्री॰ (-शङ्कां) हातना विषयमां शं ध धरवी ते. ज्ञान के विषय में शंका or misgiving doubt of knowin the matter ledge. सूय॰ १, १३, ३; —संपरणः त्रि॰ (-सम्पन्न) ज्ञान संपन्न; ज्ञानमां પृथ्. ज्ञान संपन्न; ज्ञान में पूर्ण. possessed of knowledge; perfect in knowledge. भग॰ २, ५; २५, ७; --संपरारायाः ब्री॰ (-सम्पन्नता) ज्ञाननुं सपादन. ज्ञान का संपादन. acquirement of knowledge. " गाग संपर्णयाए यां भंते ! जीवे किं जण्यह " उत्त० २६, ४६; भग० १७, ३;

णाणत्त. पुं॰ न॰ (नानात्व) नाना अक्षार; नीनिध नानाक्षाय; नानापण्डं. विविध प्रकार; विविध भाव; विविधता. Variety, difference; state of being different or having difference. भग॰ १, १; ५; ३, १; १२, ७; १८, ३; १६, ३; २०, १; २४, १; २६, २; नाया॰ ५; पन्न॰ १५; जं॰ प॰ ५, ११८; २, २६, ७, ७, १३५;

णागण्यकार. त्रि॰ (नानाप्रकार) नाना प्रधारतुं; विश्वित्र निनिध प्रकारका; निनित्रका Of various modes; of different kinds; strange सूत्र०१, १३, १;

णागाः श्र० (नाना) नाना प्रधार, अनेकः विधि से. विविधि विविध प्रकारः श्रमेक विधि से. Various; of various modes or forms. नाया० १; ७; ६; भग० ३, ३; ६, २; २४, ६; राय० ४५; श्रोव० २५; ३३; उत्त० ३, २; श्रगुजो० २८; जं० प० ४, ११४;

गागागार. त्रि॰ (नानाकार) विविध आधारतुं निविध आकार का Of various shapes; bearing various shapes or forms. प्रव॰ ११२०;

णाणाघोस. पुं॰ (नानाघोस) नाना प्रधारना आवाल-स्वर. विविध प्रकार की श्रावाल-स्वर. Various kinds of sounds or tunes. भग॰ १, १;

णागाच्छुंद. ति० (नानाच्छुंद-नाना भिमः:
च्छुन्दोऽभिप्रायो येषां ते तथा) नाना प्रधारना
लिश लिश २७ ६-अलिप्रायवाला; लुहा
लुहा अलिप्रायवाला निनिष प्रकार के
भिष्ठ २ च्छुंद-श्रभिप्राय नाला; भिष्ठ भिष्ठ
श्राभिष्राय नाला. of various, differing opinions or likes and
dislikes. सूय० २, २, ३०;

णाणाह. त्रि॰ (नानार्थ) नाना प्रधारना अधि छे जेना ते; अने ध्र अधि वालां. प्रनेक अर्थ वालां. Possessed of, bearing various meanings; homonymous. भग॰ १, १; णाणादिष्टि. त्रि॰ (नानादृष्टि—नानारुपा दृष्टि-देशनं येपां ते तथा) लिश्र लिश्र दृष्टिन वाला. Possessed of, various creeds; possessed of various points of view. स्य॰ २, २, ३०;

गागादेस. त्रि॰ (नानादेश) नाना अक्षर-जुदा जुदा देशना वननी नानाप्रकार-भिन्न भिन्न देश के वतनी. (Persons) residing in various countries. भग॰ ९, ३३;

गागापन्न ति॰ (नानापन्न—मानाप्रकारा विचित्रचयोपश्यमात् प्रज्ञायतेऽश्रनयेति प्रज्ञा सा विचित्रा येषां ते तथा) नाना अधारनी भित वाला. विविध प्रकार की मित वाला. Possessed of various moods of intellect स्य॰२,२,३०, गाणापिंडरय ति॰ (नानापिंदरत) अनेध

प्रधारना आहाराहि पिएडमां आसकत. श्रमेक प्रकार के श्राहारादि पिएड में श्रासक Attached to, parsionately fond of various kinds of food etc. "नानापिडरया दंता तेण बुद्धांति साहुणो " दस० १, ५;

णागामिणि. पुं॰ (नानामिणि) नाना प्रधारनां भणी. नाना प्रकार के रत्न. Various kinds of gems " णागामिणि कणग-रयण विमन्त " राय॰

णाणामिणरयण. न० (नानामिणरस्त) नाना अक्षरनां मिण्रिल. निविध प्रकार के माणिरस्न Various kinds of excellent gems. निवा॰ २;

णाणामञ्च न॰ (नानामाल्य) नाना प्रधारनां प्रस. नाना प्रकार के फूल Various kinds of flowers ''गाणामञ्जिपगद्धा'' राय॰ जीवा॰ ३,

णाणारंभ त्रि॰ (नानारम्भ) नाना प्रधारना धर्मानुष्टान वाला. नाना प्रकार के धर्मानुष्टान वाला. Performing various kinds of religious practices. सूय॰ २; २,३०;

खाखारुइ. ति॰ (नानाइनि) नाना प्रधारनी इचि-व्यक्तिप्राय वासा निविध प्रकार की इनि श्रामिप्राय नाता Possessed of, having various kinds of opinions or likes and dislikes. स्य॰ २, २, ३०,

णाणांचेजन न० (नानान्यञ्जन) नाना प्रधा-रना १ । १६। २१६ व्यं ०४न व्यक्षर. नाना प्रकार के ककारादि व्यज्जन श्रद्धर. Various consonants such as Ka etc. भग० १, १;

यागावरण. पुं॰ (ज्ञानावरण) ज्ञानावरण; ज्ञान प्राप्त ४२वामां आहे आवर्त आहे भ- भांनु पहेशु ४भ ज्ञानावरणः ज्ञान प्राप्त करने में विष्नकर्ता त्राठ कर्में। में से पहिला कर्म. The first of the eight divisions of Karmas called knowledge-obscuring Karma. दसा॰ ४, ३२: ३३: नाया॰ ३;

णाणाचरणिजा. न० (ज्ञानावरणीय) ज्ञान शिक्तिने हणावनार आर्ड हमें भातु पहें क्षेत्र हें हणावनार आर्ड हमें मातु पहें के भें. ज्ञान शिक्त को दवाने वाला श्राठ कमों में से पिहला कमें. The first of the eight kinds of Karmas viz. that which obscures or checks the power of acquiring knowledge श्रोव॰ २०; ठा० ४, १; भग॰ ६, ३, ८, ८; २०, ७; २४, १; ७; पत्र ० २२; णाणाविहः ति० (नानाविध) नाना प्रकार का, श्रमेक प्रकार का. Of various kinds; of different kinds; नाया॰ १; ४; ८; ६; १६; जं॰ प० ४, ११६; श्रोव॰ पत्र॰ १; जीवा॰ ३;

णाणासंहिय त्रि॰ (गानासंस्थित) नाना
प्रधारना स स्थानवाक्ष; लुद्दा लुद्दा व्याधारतु नाना प्रकार के संस्थान नाला, भिन्न
भिन्न त्राकार का. Beating various
shapes or conformations. भग॰
२४, १२;

णाणासील त्रि॰ (नानाशील – नानाप्रकारं शीलमनुष्ठानं येषां ते तथा) नाना अधारना अनुष्ठानवाला. जानाप्रकार के अनुष्ठानवाला. Given to various kinds of (religious) practices or performances. स्य॰ २, २, ३०;

स्पासि. पु॰ (ज्ञानिन्) ज्ञानिः; यथार्थे तत्व-स्वरूपनी व्याजनीतः ज्ञानीः; यथार्थे तत्व-स्वरूप को जाननेवाला. A person the name "Valiant. सू॰ प॰ २;
—सच्च. न॰ (–सत्य-नाम श्रिभधानं
तरसत्यं नामसत्यम्) सत्य क्षेतुं नाभ छे ते
नाभनुं सत्य. सत्य जिसका नाम है वह; नाम
का सत्य. truth in name only; that
which is named truth. ठा॰
१०; —सच्च. न॰(-सर्व—नाम च तत्सर्व
च नामसर्वम्) नाभे ४रोसवः. नाम से ही
सर्व. everything by reason of
the name or so far as the name
goes. ठा॰ ४, २;

णामधिज्जा. न॰ (नामधेय) नाभ; अलिधान. नाम, श्रिभधान. A name; denomination. श्रोव॰ २६; नाया॰ १;

णामधेजा. न॰ (नामधेय) नाभ; अलिधान. नाम, श्रामधान A name; denomination. नाया॰ १; १६; पन्न॰ २; भग॰ १४, १; विवा॰ ४; ज॰ प॰ ७, १७८; ठा॰ ४, २, श्रोव॰ ४०; श्रणुजो॰ २८;

णामधेज्ञवई. स्त्री॰ (नामधेयवती) अशस्त नाभवासी प्रशस्त नाम नानी Bearing a famous name. नाया॰ १;

णामधेय. न॰ (नामधेय) लुओ। "णाम-धेज "शण्ड देखी" णामधेज "शब्द. Vide "णामधेज "जं० प० ५, ११५, श्रोत॰

णामय पुं॰ (नामक) ताभ; संभावना A name; possibility भग॰ १६, ३, नाया॰ १;

णाय. त्रि॰ (ज्ञात) लिशुनुं; सभलेक्षुं- ज्ञात; सममा हुत्रा. Known; understood. भग॰ १, ४; ७, ६; ६, ३१; १७, २; नाया॰ ७; राय॰ ३१; त्राया॰ १, १, १, २; (२) न॰ ४६२१५ व शनुं ओक अवांतर ५६, भहावीर स्वाभिनुं ६६ इच्लाकु वंश का एक कुल; महावीर स्वामी का कुल the fa-

mily of the Lord Mahāvīra; a branch of the Ikşvāku family. श्रोव॰ १४; पराह॰ १, १; भग॰ ६, ३३: (३) त्रि॰ ते वशमां जन्म पामेश. उस वंश में जन्म प्राप्त. born in the above family. भग० २०, ८; श्रोव० १४; (४) न० ६ष्टांत. हष्टांत. an illustration. सम् ६; (५) जाता सूत्रने। अथ - भतस्य. ज्ञाता-स्त्र का अर्थ. the purport or sense of Jñātā Sūtra. नाया॰ ध॰ -विहि. पुं॰ (-विधि) स्वल्यनी। योक प्रकार. स्वजन का एक प्रकार. a particular kind of relationship. वदः ६, १; दसा॰ ६, २;—संग. पुं॰ (-सङ्ग) परि-थित क्रेनीनी संग. परिचित जनांका संग. company of acquainted persons. स्य॰ १, ३, २, १२;

णाय. पुं॰ (नाद) ना६; અवाक; सुभ. नाद; श्रावाज; शोरगुल Sound; loud sound नाया॰ १;

गायत्र्यः पुं॰ (ज्ञातक) लातीक्षेः; ह्यातिलन स्वजातीय, ज्ञातिजन. A caste-fellow. ज॰ प॰ सूय॰ १, ८, १२; २, १, ३४; वव॰ ६, ६, नाया॰ १;

णाय श्र-य. पुं॰ (नायक) नायक; नेता. नायक, नेता. A leader; a head. स्य॰ १, १४, १; नाया॰ १; २;

गायक. पु॰ (नायक) नायक; नेता नायक;

नेता. A leader; a head पगह० १,४; णायकुमार पुं०(ज्ञातकुमार) ळुओ। "णातकुमार " शण्ट. देखो " णातकुमार " शायक १; णायखडं न० (ज्ञातखगड) ळुओ। " णातकं थंड " शण्ट. देखो " णातखड " शब्द.

Vide " णातखंड " ठा० १०; णायग. पुं॰ (ज्ञातक) लुओ। " णायम " शफ्ट. देखो " शायभ " शब्द. Vide " गायभ " निसी० =, १२;

गायग पुं॰ (नायक) नायक; नेता; राला; व्यविपति. व्यक्त; नेता, राजा; व्यविपति. A leader; a king; a lord सम॰ १; ३०; दसा॰ ६, १६; पराह॰ २, ५; (२) प्र३५७॥ ४२७॥२. प्रह्रपणा करने वाला. one who explains e. g. a religious text स्य॰ १, ११, १;

प्रायज्भवणः न॰ (ज्ञाताध्ययन) स्रोती सूत्रनुं अध्ययन ज्ञाता स्त्र का अध्ययन A chapter of Jñātā Sūtra.

णायपुत्त. पुं॰ (ज्ञानपुत्र) सात व शभां हित्पन्न थयेक्ष; सात-प्रभ्यात-सिद्धार्थ राज्यता पुत्र भढ़ानीर स्वाभी. ज्ञात वंश में उत्पन्न, ज्ञात-प्रख्यात-सिद्धार्थ राजा के पुत्र महावीर स्वामी. The Lord Mahāvīna, the son of the famous king Siddhārtha; born in the family named Jñāta. उत्त॰ ६, १८; भग॰ १८, ७; स्यु॰ १, ६, २४; — वयण्. न॰ (-वचन) भढ़ावीर स्वाभिना वयन. महावीर स्वाभी के बचन. words of Mahāvīra Svāmī. दस॰ १०, ६,

णायय त्रि॰ (ज्ञातक) लाखानी जानने वाला (One) who knows नाया॰ २, णायच्य त्रि॰ (ज्ञातच्य) लाखाने थे। २५; अवधेधन करना Worthy of being known; net of knowing अयुजो॰ १२८, १३०; निर्सा॰ २०, १०; भग॰ १६, ६; नाया॰ ध०६;

णायसंड. न॰ (ज्ञातखरह) क्षत्रिय કુएऽ-પુરતી ળહારનું ઉદ્યાન, જ્યાં મહાવીર સ્વામી- मे हीक्षा लीधी. ज्ञात्रिय कुराहपुर के बाहर का उद्यान जहां महावीर स्वामी ने दीज्ञा लीथी. The garden outside Ksatriya Kundapura where Mahāvīra Svāmī was initiated into the order of monks. श्राया॰ २, ३, १४; — वर्ण. न॰ (–वन) शातभं अत्यान श्रातखंड नाम का उद्यान. a garden named Jñātakhanda. कप्प॰ ४, ११३;

णायाः स्री॰ (ज्ञात) केमां ६ष्टांत सिंहत अधिकार छे अेवु ज्ञाता नामनुं छहुं अ ग सूत्र. जिसमें दशत सिंहत अधिकार है ऐसा ज्ञाता नाम का छठा अंग सूत्र. The 6th Anga Sūtra so named abound ing in illustrations of the subject-matter. नाया॰ १; —(ऽ) णायाउम्सयणः न॰ (-ज्ञाताध्ययन) ज्ञाता सूत्रनं अध्ययन क chapter of Jñātā Sūtra. नाया॰ १; ६;

णायाधम्मकहा स्त्री॰ (ज्ञाताधमंकथा-ज्ञाताने व उदाहरणानि तत्प्रधाना धर्मकथा ज्ञाताधमं था) जेभा ६ष्टांत सद्धित अधिकार छे अेशु अे नाभनु छटुं अ गस्त्र जिसमें दृष्टात सहित श्रिष्टकार हे ऐसा इस नामें का इंग्रा श्रीकार हे ऐसा इस Anga Sutra so named abounding in illustrations of the subject-matter. नाया॰ १; नाया॰ घ॰

गारश्र-य पुं॰ (नारद) नारह ऋषि ऋषि; नारद The saint Nārada श्रोव॰३८, (२) सार्थपुर नगरना राज्य समुद्रियिन्यनी दीडरी सौर्यपुर नगर का राजा समुद्र विजय का पुत्र. name of the son of Samudravijaya the king of Souryapura. श्रोव० (३) गन्धर्यना संस्थरने। अधिपति गंधर्य. गन्धर्व के लस्करका श्राधिपति गंधर्व. the Gandharva commander-in-chief of the army of Gandharvas. ठा० ७;

णारयपुत्त पुं॰ (नारदपुत्र) लगवान् भढावीर स्वाभीना को नाभना कोड शिष्य भगवान् महावीर स्वामी का इस नाम का एक शिष्य Name of a disciple of lord Mahāvīra. भग० ४, =;

णारायः न॰ (नाराच) साम सामे णे वस्तुने। મકંટ વ્ય ધ, છ સ ઘયણમાંનં ત્રીજાં સ ઘયણ. श्रामने सामने दो बरतुक्रों का मर्कट बंब; छः संघयण में से तृतीय संघयण The third of the six kinds of physical constitutions in which the bones are loosely tied together by the sinews जं॰प॰ जीवा॰ १ णारायण. पुं॰ (नारायण) दशस्य राजना પુત્ર રામના લાઇ લક્ષમણનું અપર નામ; ભરત ક્ષેત્રના આ અવસર્પિણીના અહમાં पासुदेव. दशरथ राजा के पुत्र राम के भाई लज्ञमण का श्रन्य नाम; भरत चेत्र की इस भवसर्पिणी का आठवां वासुदेव. Another name of Laxamana, son of Daśaratha and brother of Rāma the 8th Väsudeva of Bharataksetra in the current Avasar. pini. प्रव० १२२६; सम०

णारिकंत्ता स्त्री॰ (नारीकान्ता) नीक्षयंत पर्वतथी नीक्ष्मी उत्तर तरक्ष रम्भक्ष्यास क्षेत्रमां ब्हेती श्रेक्ष भक्षानही. नीलवंत पर्वत से निकलकर उत्तर तरफ रम्मक्ष्यास देत्र में बहतीं हुई एक महानदी. Name of a great river issuing from the Nilavanta mountain and flowing in the north into Rammakavāsa Ksetra. जं०प०६,१२४, राय० सम० टा० २, ३;

णारिकंताकूड. न॰ (नारीकान्ताकृट) नीस-यंत पर्यंतनुं छड्डं हूट. नीलवंत पर्वत का छट्टा कृट The sixth summit of the Nilavanta mount. ठा॰ ६; णारी. छी॰ (नारी) नारी, स्त्री व्यति नारी; स्त्री जाति. A. woman, womankind.

णारीकेता. स्त्री॰ (नारीकान्ता) ळुळी।
" गारिकंता" शक्ट देखो " गारिकंता"
शब्द. Vide " गारिकंता" जं॰ प॰

म्य० १, ३, ४, १६;

णाल न० (नाल) इभक्ष आहिनी हांडे।; इह ઉपरनी लाग कमत आदि का दंदा; कद के ऊरस्का भाग. A stalk of a lotus plant etc आया० २, १, १, ६; (२) नाभ; ५ दे. नाल; हुंडी the navel. जं० प० ४, ११४;

णालंदइउज्ञः न॰ (नालन्दीय) स्थारांग स्थार पीर्त्र श्रुत्तरः धना छहा अध्ययनं नाभः स्याडाम स्त्र के द्वितीय श्रुत्तरुष के छेट्ठ सध्ययन का नाम Name of the 6th chapter of the 2nd Srutaskandha of Suyagadanga Sutra. स्य॰ २, ६;

णालंदा. स्त्री॰ (नालन्दा) ओ नामने। राजगृद्ध नगरने। ओड सत्ता. राजगृह नगर
का एक मार्गः इस नाम का एक मोहला।
Name of a street of the
city of Rajagriha सूय॰ र, ७, १ः
णालंदिज्ज न॰ (नालंदीय) नास दीय नामे
सूयगडांग सूत्रनुं २३ भुं अध्ययन
नाम का स्यगडाग सूत्र का २३ वां प्रध्ययन
The 23rd chapter of the Sūyagadānga Sūtra so named. सम॰ २३;

णालिएर. पुं० (नारिकेल) नाली गेरी; नाक्षीओरन् अा. नारियत्त का युत्तः A. cocoanut tree. पन १; श्राया ०२, १, १, ६; जं॰ प॰ नाया॰ ६; (२) न॰ तेना ६५; (नासी भेर). उस के फल, (नारियल) cocounut नंदी॰ नाया॰ —तिम्नः न॰ (-तैल) नाक्षि**गे**रनुं तेश, टापेरानं तेश, नारियल का तैल cocoanut oil, नाया॰ १; - मत्थय. न॰ (-मस्तक) नाक्षिओरना आउनी उपक्षी क्षांग. नारियल के वृत्त का ऊपरका हिस्सा. the top of a cocoanut tree. श्राया० २, १, १, ८;

नालियद्ध न॰ (नालवद्ध) नाथ १५ ५ नाशी વાલા કુલ; જાઇ જાઈ માગરાદિ હાઠ-હંહા वाले फल, जाइ जुइ मोगरादि. A flower growing on a stalk पन .

णालिया. स्री॰ (नालिका) अभव आहिनी हाडी; नालिशा कमल आदि की ढडी. A stalk of a lotus etc तंद्र॰ =. विवा॰ १; (२) धृत श्रीध. यूत कीड़ा. gambling. भग॰ ६, ૧, દ, ૧૦; (રૂ) કલ મ્પુકા નામનું ઝાડ. कलम्ब्रका नाम का बृत्त. a tree named Kalambukā, सू॰ प॰ ४: (४) शे नाभनी वेश. इस नाम की बेल name of u creeper. पत्त • १;-- वद्ध. न • (-बद्ध) નાલિકા–ડાંડી વાલાં કુલ. દંદોવાને फूल. ક flower growing on a stalk. पन ०१, णालियाखेड-इ. न॰ (नानिकाखेट) ध्रत **डी**डा विशेष; એક પ્રકારના જાગાર. **ए**त फीड़ा विशेप; एक प्रकार का जुआ. A. kind of gambling नाया॰ (२) श्रद्धानी गति समजवाने भाटे ધડી જેવી નલી - ળનાવ નામાં આવે ते. ग्रहों Vol 11/118.

trivance by which in ancient times the motions and positions of planets were known. श्रोव॰ ४०; (४) इमस आहिनी नासिहा छेध्वानी अक्षा, कमल ब्यादि की ढंडी कारनेकी कता. the art of cutting stalka of lotuses etc. नायाः 1:

गाली स्त्री॰ (नाली) वणत भाषवानी धडी. समय मापनेकी घडी. A. chronometre जीवा॰ ३: (२) એક જાતની वेस. एक प्रकार की बेल. a sort of creeper. पद्म० १:

गावा. स्रो॰ (नौ) नाव; वदाख; जदाजः नाव; जहाज. A ship; a boat नाया ० =, ६; १६; भग० ३, ३; ४, ४; पन्न० १६; स्० प० १०; स्य०१,१, २.३१, नियी० १८, १; १७, २०; वेय० ६, ६, जं० प० ७, १४६, ३, ६४; ४२; — डार्स्सिचग्र. न॰ (- डात्सचक) नावानी आंहर पाधी ભરાઇજાય તે ઉલેચવાનાં દામ ડાલ વગેરે. जहाज में पानी एकत्र हुन्ना हो उसे बाहर निकाल कर फेंकनेका बरतन बालटी इत्यादि. a bucket etc. used for pumping out the water that accumulates in a ship. विसी० १८, १५: —गय. त्रि॰ (-गत) नै।।भां भेडेल. नीका में वैठा हुआ. seated in a boat: on board a ship ानेसी० १८, २०; -- त्रांस्यग. पुं॰ (-वागिज्यक) ने।। द्वारा व्यापार ।र-नार. नीका द्वारा व्यापार करने वाला. त naval merchant, नाया =: १७: -संतारिम न॰ (-संतायं) जयां पदाण ચાલી શકે તેટલું પાણી. जहा जहाज चल सके उतना पानी. a navigable river, stream etc আया०१,१,३,१; की गति जाननेकी घडी जैमी नली. a con- गाविय पुं॰ (नाविक -नावा जीवित

नाविक:) नाविक; नाका यक्षायनार; वढाणु यक्षायनार, नाविक; नाका चलानेवाला; जहा-जा; मझाह. A sailor; a boatsman नाया ह; भग ५, ४;

णाविया. छी० (नौका) नै। ।; वहाणु. नौका; जहाज. A. boat; a ship. भग० ४, ४;

णास. पुं॰ (नासा) नाड. नाक The nose. सम॰ १९:

णासः पुं॰ (न्यास) स्थापन; थापणु स्थापन; धरोत. Putting down; laying down; a deposit. सम॰

णासाः ब्री॰ (नासा) नासा; नाः नासिः। नाकः नासिका. The nose श्रोव॰ १०: नाया०१, १, २, १६; जं०प० जीवा० ३, ३; निसी॰ ४, ४०; — च्छेयगा. न॰ (-च्छेदन) नाधनुं छेहन धरतुं ते. नाक का छेदन. act of piercing, cutting off the nose. नाया॰ २;--- शिस्सासवाज्माः त्रि॰ (-नि-श्वासवाद्य) नाइना धीमा श्वासथी पण् ७८ी लाय तेवुं ७ अ ६ . नाक के धीमे श्वास से भी उडजाय ऐसा इलका. (anything) so light that even a gentle breath from the nose would cause it to move. भग. ६, ३३; जीवा॰ ३, ३; —निस्सासः न॰ (-निः श्वास) नासिक्षानी पायु नासिका की वायु breath exhaled from the nose. नाया॰ १; —पुड. पुं॰ (-पुट) नासा पुट; नाधना देविणा-नसंधारा. नाकके पुट. the nostril. नाया०१४; —वंघ. पुं॰ (-बंध) नाइतुं आंधवुं ते. नाक की दाबना. act of closing up the nose. नायाः १७; —भेय. पुं॰ (-भेद) नासिक्षामां छिद्रकरवुं ते. नासिका से छिद्र करना. act of perforating the nose. परह. १,१;

णासिकपुर. न॰ (नासिक्यपुर) गेहावरी नहीनी हक्षिणे आवेक्षं ये नाभनुं नगर. गोदावरी नदी के दालिए में श्राया हुश्रा इस नाम का नगर. Name of a town in the south of the river Godāvarī. नंदी॰

णासियपुड. न॰ (नासिकापुट) ळुऄ। "चा-सापुद '' शण्ट. देखो " चासापुट '' शब्द. Vide " चासापुट '' नाया॰ म;

णासियासिंघाण्म. न॰ (नासिकासिङ्काणक) नाइने। भेक्ष; सीट, गुंगा वगेरे. नाम का मल. Dirt of the nose. तंदु॰

णाह. पुं॰ (नाथ) नाथ; घणी; रक्षण करन नार; आश्रय आपनार; येागक्षेम करनार. नाथ; स्वामी; रक्षक; आश्रय दाता; योगचेम करने वाला. A lord; n master; a husband; a protector; a supporter. नाया॰ ६; उत्त॰ २०, ११; सम॰ १; णि स॰ (नि) वधाराना अर्थभां; निश्चय. विशेष के अर्थ में; निश्चय. An inde-

विशेष के अर्थ में; निश्चय. An indeclinable used to express the sense of "In addition to " 'Indeed' विना• ६;

िष्म. त्रि॰ (निज) स्वशिष; पेतानुं. निज का; ध्रपना One's own; belonging to oneself. स्॰ प॰ २०;

शिश्रम. त्रि॰ (निजक) पेतानुः स्वधीय. श्रापनाः स्वकीय. One's own; belonging to oneself. श्रोव॰ ३३; जं॰ प॰ ५, ११४; २, ३३;

णिश्राद्दिचादर. त्रि॰ (निवृत्तिबादर) आहेमा गुज्रियानक्षमां पर्तानार. श्राटवें गुणस्यानक में रहने वाला. One who has attained the 8th Guṇāsthānaka, or stage of spiritual evolution. सम॰ २७; णिश्रीडल्लया. स्री॰ (निकृति) ध्याध, भाया. ठगाई; नीचता; माया. Deceit; meanness. स्रोव॰ ३४,

शिश्रल. न॰ (निगड) पगनी भेडी; दीदानी साइस पैर की बेडिया, लोहे की सांकल. Iron chains; fetters श्रोव॰ ३८; शिइय. त्रि॰ (नित्य) नित्य; स्थिर स्वभाव वाला; श्रीवनाशी. निस्य; स्थिर स्वभाव वाला; श्रीवनाशी. Permanent; steady; everlasting. सूय॰ १, १, ४, ६; जं० प॰ ७, ९७४;

शिउण त्रि॰ (निगुण) नियत-निश्चित गुज्जाक्ष नियत-निश्चित गुणवाला Possessed of effective merits or virtues. पंचा॰ ११, २०,

शिउण. त्रि॰ (निपुण) निपुण; हे।शियार; **५श**स, यतुर, यासाड, निपुण, होशियार, कुशल, चतुर, चालाक Clever; efficient, skilful " खंतिणिडण पागारं तिगुत्त दुष्प धंसवं ' उत्त॰ ६, २०; नाया० १; ३; ६, श्रोव० २४; ३०; राय० ४४, ८०; सू॰ प॰ १, २०; — उच्चिय. ারি । (– उचित) নিমুত্। शिक्षीथी धना-वेक्ष निपुण शिल्पी से बनाया हुआ। Made by a skilful artist. नाया॰ —कुसल ति॰ (-कुशल) ध्रो। यतुर-निपुल, श्रति चतुर-निपुग very clever. very skilful. राय॰ =o; — एवज्रव त्रि॰ (-नययुत) सुक्ष्म नीतिना विधार **५२**ना२ स्ट्म नीति का विचार करने वाला (one) devoting attention to fine or minute points of ethics पंचा॰ २, १, — बुद्धि स्रो॰ (-बुद्धि) सुदम सुद्धि सूच्म बुद्धि sharp intel lect पंचा॰ ११, २०, —सिप्पोवगय (-शिल्पोपगत) शिल्पक्ता आहिमां दशक थथेब. शिल्पकला श्रादि में छशत. (one) trained or skilful in a handicraft etc नाया॰ १;

शिउशिय ति॰ (नैपुशिक — निपुशं सूरमं ज्ञानं तेन चरन्तांति नैपुशिका) स्क्ष्म हान वाक्षा सूदम ज्ञानवाला. (One) possessed of expert knowledge.

"नव खिउ शिया वत्थु पराणता" ठा० ६;

णिउत्त त्रि॰ (नियुक्त) भवत धरेखुं, ये जेश भवत कियाहुत्रा, गोजित. Set about; started; planned नाया॰ ६;

शिउदजीय. पु॰ (निगोदजीय) निगोहना छ । निगोद के जीव A sentient being residing in the Nigoda class of vegetation. जीवा॰ ६,

शिउर पुं॰ (निक्रर) એક जातनु आऽ. एक प्रकारका वृत्त. A kind of tree नाया॰ =; शिउरंच न॰ (निक्ररम्ब) समूह A group, a collection "रम्मेम्हामह निउदंब भूए" नाया॰ १, १३; (२) पुं॰ वृक्ष निशेष वृत्त विशेष क particular kind of tree. नाया॰ ६, शिक्रोध्य. पुं॰ (नियोग) ०थापार; क्षिया. च्यापार, किया Process; action.

शित्रोग पु॰ (नियोग) आहा, ६४भ-श्राज्ञा, हुक्म Order; command. ज॰ प॰ ४, १९७, पंचा॰ ६, २८,

शिश्रोदः पुं॰ (निगोद) એક शरीरमां अन-न छव होय ओनी ववस्पति साधारण् वनस्पति एक शरीर मे अनन्त जीव हों ऐसी वनस्पति A vegetation with unfinite lives in its body मन॰ २५, ५;

शिक्रोय-म्र पुं॰ (निगोद) लुओ। ઉपक्षे। शण्ह देखो जगरका शब्द Vide above.

पत्त १; ३; जीवा॰ ६; (२) १९६ंण. कुटुंब. a family. जं॰ प॰

र्णिद्र्या. न॰ (निन्द्र) निन्ध ४२वी; हेक्ष्णा ४२वी. निन्दा. Act of censuring. नाया॰ ६; भग॰ १७, ३; (२) पश्चानाप. पश्चात्ताप. act of repenting, penitence. नाया १६;

णिंदग्या स्त्री॰ (अनिन्दन) पीताना अभी हे दीपनी निन्दा करनी ते. श्रवने दोष या कर्म की निन्दा करना. Act of censuring or adversely criticising one's own Karmas or faults. भग० १७, ३;

णिंदगा. स्री॰ (निन्दना) निन्दा; निंद्धुं; ६ेंदना ४२पी. निन्दा; निन्दा करना. श्रवगणना करना, Censure; act of censuring; speaking ill of. श्रोव॰ ४०;

शिंदिशिङ्झ. त्रि॰ (निन्दनीय) तिन्द्दा थे।२४, तिन्दा करने योग्य. Deserving censure; censurable. नाया॰ ३, १५;

र्णिदिया. स्त्री॰ (निन्दिता) क्रेभां ओड पार धास पगेरे नि द्वाभां आवे ते कृषि जिसमें एक वार घास इत्यादि नीदनेमें स्त्राता है वह कृषि. Cultivation of land requiring weeding out of grass etc. once ठा॰ ४, ४;

र्णिषु. स्त्री॰ (निन्दु) भृतव आ स्त्री; भुवा पाक्ष हेनी। प्रन्म आपनार भाता मृत संत्रति जन्म दात्री; मृत बालक को जन्म देने बाली माता. A woman who gives birth to dead children श्रंत॰३,८; र्णिय. पु॰ (निम्य) बी प्रदेश. निम्य का बन्त. A Nimba tree. प्रव॰ १; मग॰ १८.

૬; २२, ૨; (૨) ન૰ લી ળાેલા; લીંબહાતા

५५. निम्बेाली, निम्ब के फल. n seed of

a Nimba tree. पत्र॰

ार्गिबोलिया. स्त्री॰ (निम्बगुर्जिका) सी भेशि;
सी'भेशना ६स. निम्बोली; निम्ब के फल.
A seed of the Nimba tree.
नाया॰ १६:

िर्णिकर पुं॰ (निकर) सभू ७. समूह. A collection; a group नाया॰ ६;

णिकिरिय. त्रि॰ (निकृत) ज तरडाना सार-भांथी भे येशुं जंत्री के छेद में से खाँचा हुआ. Drawn out like a wire from a die. श्रोव॰ १०;

णिकाइयः त्रि॰ (निकाचित-निर्युक्तिसंप्रहः णोहेत्दाहरण ऽऽदिभिः श्रनेकघा व्यवस्थापितम्) छेत् उदाहरण आदि से सिद्ध किया हुन्याः हेतु उदाहरण आदि से सिद्ध किया हुन्याः
Established or proved with the help of logical reason, illustration etc. सम॰ प॰ १६६; (२) निश्चितः हुट निष्ठां तेतुं निकाचितः न दृटे ऐसा. firmly fastened, such as would not break "चडिनहे णिका-इए परणते "ठा० ४, २;

शिकाय- पुं॰ (निकाय-निर्मतः काय भीदारिका
SSदिर्यस्माद् यास्मिन् वा सित स निकायः)

भेक्षि. मोच. Salvation. श्राया॰
१, १, १, १८; (२) पृथ्नीक्ष्यः, अपक्षयः

तेष्ठिक्षयः, वाक्षित्रयः, वनस्पतिक्षयः, अपे अस् क्षायं भे ७ प्रधारना छ्यने। समूदः प्रध्यो काय, श्राद त्रसकाय इन छः प्रकार के जीवा का समूह a collection of the six kinds of sentient beings viz. those with bodies of earth, water, fire, wind, vegetable, and mobile sentient beings (Trasakāya). श्रोव॰ २४; म्य॰ २, ४, ३; पक्र० २२; दस० ४; — पिडविस्स् त्रि० (-प्रतिपक्ष - निर्मतः काय श्रोदारिका ऽऽदियंस्माद् यास्मन् वा सित सानिकायो मोत्तः तं प्रतिपक्षो निकायप्रतिपन्नः) भे।क्षने प्राप्त थ्येश मोत्त को प्राप्तः (one) who has attained salvation श्राया० १, १, ३, १८,

शिकुज्जिय सं॰ हु॰ श्र॰ (निकुड्डय) शरीर नीचु ४रीते. शरीर को कुकाकर. Having bent or lowered the body. निसी॰ १७, २३:

णिकुरव. न० (निकुरम्य) सभूछ, समूह.
A group; a collection. स्रोव० भग०
१, १; नाया० ७; (२) आदी भेधनटा
काली मेघघटा. स series of black clouds. जीवा० ३, ३;

गिके आ - य. पुं॰ (निकेत) अवास, धर आवास; घर. A. house; an abode. नाया॰ १६; गिक त्रि॰ (६) शुद्ध; भेसवगरनुं गुद्ध; निर्मत्त. Pure; free from dire नाया॰ १:

णिकंकड नि॰ (निष्कंटक) निरापरणः आवरण रहितः आवरण् रिक्षत निरापरणः आवरण रहितः Uninterrupted; free from any obstacle. सम॰ जीवा॰ ३, ४; — च्छायः ।त्रे॰ (-च्छाय) निरावरण्-श्रावरण् रिक्षत अधारावालु निरावरण्-श्रावरण् रहित प्रकारा युक्त. having uninterrupted light. राय॰ जं॰ प॰ १, १२;

शिकाखियः त्रि॰ (निष्काङ्चित) अन्य दर्शनिनी आडांक्षा रिद्धत श्रन्य दर्शनिकी श्राकाचा रिद्धतः (One) free from a desire of knowing or practising another creed. सूय॰ २, ७, ६६;

िष्कह ति॰ (निष्कृष्ट) हुमक्षा शरीरवाली। दुर्वेल शरीरवाला. Lean; reduced. ठा०४,४, (२) ण्ढार भे येक्ष. वाहर खांचा हुआ drawn out नाया॰ १८;

णिकेतार. ।त्रि॰ (निष्कान्तार-कान्तारमरएय निर्मतः कान्ताराद् निष्कान्तारम्) जंशक्षी ७६१२ ६१देश जंगल से बाहर निकाला हु श्रा. Taken out from a forest, led out of a forest. ''कतारास्रो गिकतारं करेजा'' ठा॰ ३, १,

णिक्रम्म पुं॰ (निष्कर्मन्-निष्कान्तः कर्मणे निष्कर्मा) भेदि मोच्च. Salvation. (२) संवर. सवर coassation of the influx of Karma. ''णिक्रम्मद्मी इह मचिएहिं '' श्राया॰ १, ४, ४, १३८, —दंसि त्रि॰ (–दर्शिन् –निष्कर्मा मोच सवरो वा त द्रष्टुं शील्मस्येति निष्कर्मदर्भी मोच सवरो वा त द्रष्टुं शील्मस्येति निष्कर्मदर्भीन्) भेदि भागं ने ज्याप्नार, उभे णधन्थी भुक्त मोच्च मार्ग को जानने वाला; कर्मवंधन से सुक्त. (one) who knows the path of salvation; freed from Karmie bondage. श्राया॰ १, ३, ४, १३६;

^{*} जुओ। पुष्टे नम्यर १४ नी पुरनीर (*) देखों पृष्ट नम्बर १५ की फ़दनोट (*) Vide foot-note (-) P 15th.

णिकल त्रि॰ (निष्कल) ४७ ४ २ ६० त. निष्कलंक, कलंकराहत. Spotless: stainless. भग॰ १४, १,

णिक्कलुणा त्रि॰ (निष्करुण) ६था २६७त. दया रहित; निर्देय. Unkind; merciless परह० १, १;

णिक्रवयः त्रि॰ (निष्कवच) आवरे ए रिहत; इवय विनानाः श्रावरणः रहित; काच रहितः Devoid of a covering; devoid of an armour. ठा॰ ४, २;

णिकासिय त्रि॰ (निष्कासित) नीक्षेत्र, काढी भुक्ति । निकला हुआ, निकाल दिया हुआ Turned out; got out; driven out. श्रोव॰

णिकिचण त्रि॰ (निष्किञ्चन) নি৽परিশ্रঙী निष्परिम्रঙी Not possessed of anything; possession-less. सूय॰ १, १३, १२;

खिकिय त्रि॰ (निष्किय) क्षियारिहत कियारिहत. Devoid of action, inert. पगह॰ १, २; नाया॰ ६;

णिकियः नि॰ (निष्कृष) कृपारिदितः कृपा रहितः Devoid of compassion; unkind. नाया॰ ६;

णिकोडणा न॰ (निष्कोटन) अन्धन विशेष. बन्बन विशेष A particular kind of bondage. पगह॰ १, ३,

णिक्खंत. त्रि॰ (निष्कान्त) नीक्ष्तेल. निकलाहुआ Come out, got out; gone out नाया॰ १, नाया॰ घ॰ २; (२) स सारमांथी नीक्ष्तीने दीक्षा लीयेल. संसार में से निकलाहुआ; दीला लियाहुआ. (one) who has freed himself from the world and has become a monk सूय॰ १, ६, २४: उत्त॰ १६, १६;

शिक्खम न॰ (निष्क्रम) ઉપाधि छोडी नीक्ष्युं दीक्षाबेनी ते; सुणने। ओक प्रकार. उपाधि को त्याग कर निकलना, दीचा लेना; सुख का एक प्रकार. Act of stepping out of worldly troubles and cares, entrance into the ascetic order ठा० १०:

श्चिक्खमण, न॰ (निष्क्रमण) सूर्य य द्रनुं तेना માડલમાથી ખહાર નીકલવુ તે सूर्य चंद्र का उसके मंडल में से वाहर निकलना. The coming out of the sun and moon out of their orbits or circles सू॰प॰१३;(२) दीक्षा क्षेत्री. दीचा लेना entrance into the ascetic orders नाया०१,४,=;(३) धरमाथी अहार नी अस्युं ते. घर में से बाहर निकलना act of coming out of the house, coming out of the house. श्रायावनिव १, १, ६, १५८; वेयव १, १०; —श्रभिमुह त्रि॰ (-श्रभिमुख) **दीक्षानी सन्भुभ, दीक्षा क्षेत्रा तत्पर दी** ज्ञाके सन्मुख: दीचा लेन को तत्पर. ready for or bent on initiation into the ascetic order, नाया॰ फ -- अभिसेय-अ पुं॰ (-श्रभिषेक) धिशाने। अिलपेंड; दीक्षानी डिया दीचा का श्रामिन पेक, दीचा की किया. the ceremony of unitiation into the ascetic order भग० ६, ३३; नाया० ४, १६; —चरियागिवद्ध न॰ (-चारिनानिषद्ध) મહાવીર સ્વામી આદિ તીથ[°]કરની દીક્ષા મહાત્સવ વગેરે દશ્ય ખતાવનાર ન ટય વિધિ, **३२ ना**८४भांनु એ**४ महावीर स्वामी** श्रादि तीर्थंकरके दीचा महोत्सव इत्यादि दृश्य दिखाने वाली नाट्य विधि, ३२ नाटको में से एक. one of the 32 kinds of a drama:

a dramatic representation exhibiting scenes of festivity celebrating the Diksā of the lord Mahāvīra etc. राय॰—महिमा. पुं॰ स्त्री॰ (-माहिमन्) दीक्षा भंडीत्सव. दीचा महोत्सव. festivity of Dīksā i. e. initiation into the ascetic order. नाया॰ =; —सकार. पुं॰ (-स-स्कार) दीक्षाने। सत्धार दीचा का सत्कारः honour paid to Dīkṣā or initiation into an ascetic order. नाया॰ भ: शाकिखता त्रि॰ (निक्तिस) छ।डेस; भूडेस छोड़ दिया हुआ; रक्खा हुआ. Kept; placed; put down; left. नाया॰ १; भग०१२,१; पर्गह०१,३; (२) व्यवस्थापन **५रे**अ; राणेअ. व्यवस्थापन किया हुआ; रक्खा () हुन्ना. arranged; put into order. श्राया॰ २, १, १, ७; —चरश्र. ति॰ (-चरक) रसीर्धना वास्र्यांथी ज्हार કહાડયું ન હોય તેવા આહારની ગવેષણા કર-नार रसोई के पात्र में से बाहर निकाला न हो उस श्राहार की गवेषणा करने वाला. (one) who seeks only that food which is not taken out of cooking-vessel. তা॰ ম. ৭; श्रोव॰ --दंह. त्रि॰ (-द्यंड -निद्धिः। निश्चयेन चितास्त्यक्ताकायरूपाः प्राग्युपमर्द-कारिणो दएडा यस्ते तथा) भन वयन अने धायाना ६ ६ने त्यल्यनार. सन. बचन, और कायाके दराडकी त्थागने वाला. (one) who avoids sins connected with the mind, body and speech. श्राया॰ १, ४, ३, १३४; — पुठवः त्रि॰ (-પૂર્વ) પહેલાં પાતાને માટે બનાવેલ. पहिले निज-स्वतः के लिये बनाया हुन्ना. prepared in the first instance

for oneself. श्राया॰ २, २, ३, ८७;
— सत्यमुसल. ति॰ (- शस्त्रमुशल)

लेखे भड़ग आदि शस्त्र त्यक्ष हीधा छै। य ते.
जिसने खड्ग श्रादि शस्त्रों को त्याग दिया हो.
(one) who has left off or abandoned weapons such as a sword etc. भग॰ ७, ९;

णिक्खिप्पमाण्. त्रि॰ (निक्षिप्यमाण्) पेतिति स्थाने भुक्ती योग्य स्थान में रखता हुआ. Putting (anything) in its proper place; keeping in the proper place, "श्रग्गापढं उक्खिप्पमाणं पेहाप श्रग्गापढं णिक्खिप्पमाणं " श्राया॰ २, १, ४, २५;

√िंगिक्खन था॰ I,II (नि+न्त्र्) हें क्षुं; नाभवु फॅकना; डालना. To throw; to east out

णिक्खिवइ. नाया १४;

श्चितिस्त्रविस्ताः नाया० १४; भग० १६, १; वद्य १, १५;

श्चित्रिवसाण भग० १६, १;

शिक्खिवश्रद्ध. त्रि॰ (निक्तिप्तस्य) भुक्ष्या थे। २५. रखने योग्य. Worth being put or kept परह० २, १;

णिक्खुड. पुं० (निष्कुट) पर्वत विशेष.
पर्वत विशेष. A certain mountain.
(२) निष्कम्प; स्थिर निष्कम्प; स्थिर.
stoady; firm. जं० प० ३, ४२;

गिक्सेव. पुं॰ (निकेष) राभवुं ते. रखना.
Act of putting or keeping.
नाया॰ ८; (२) नाम स्थापनाहिरूपे
निक्षेप अरवे। ते नामस्यापनादि रूप मे निकेष
करना. attribution of a name
without reference to its connotation. आया॰ नि॰ १, २, १, १६४;
गिक्सेविका. पुं॰ (निकेषक) आक्षाप अ.

यालापक. A depositor; a speaker नायाव्यव्यः(२) राष्यवुं ते. रखना. act of keeping or putting. सन २०, ६; िएक्खोम । वि॰ (नि चोम) क्षेाल रहित. चोन राहत. Free from agitation; free from disturbance. सम॰ २; √ि गिगच्छ धा॰ I. (निर+गम्) नीक्ष्यतुं निकलना. To come out; to get out. खिगच्छद्द, नाया० १; ४; १४; विवा० ७; । श्रीराच्छाते. नाया० १; स्मिगच्छामि नाया० १४; १६; भग०१४,९; णिगच्छाहि, आ० नाया० १६; ियागञ्जिता सं० कृ० नाया० २; ५; =; १३; १४; भग० ११, ११; विवा० ७; खिगच्छमत्या. व०क्ट०नाया० १; भग०९,३३; िषाम. पुं॰ (निगम) व्यापारीकातुं निवास સ્થાન; જ્યાં ધણા વાણિઆએા વસતા હેાય ते २थान. व्यापारियों का निवास स्थान; जहां पर बहुत से वैश्य रहते हों वह स्थान. A. place of abode for merchants or traders; a place where many traders reside. ठा॰ २, ४; उत्त॰ २, १८, नाया० १; दसा० ६, १६; पग्ह० १, રે; મગ૦ ૧, ૧; (૨) વાણીઆના સમૃદ્ધ. वैश्य समृह. a group of traders or merchants. ठा०३, ३; (३) અભિગ્રહ विशेष. श्राभेयह विशेष. a particular kind of vow. राय॰ (४) व्यापार. च्यापार; वपार trade; commerce. सम॰ ३०; (५) निश्चित अर्थना भाध. निश्चित अर्थ का चोध knowledge of settled principles. भग० ७, ९; —राविखय त्रि॰ (रचित) लेखे व्यापा-રીઓની રક્ષા કરી હેાય તે; વ્યાપારીઓમાં प्रधान-व्यागेवान. जिसने व्यापारियों की रत्ता की हो वह; व्यापारियों मे प्रधान-

मुखिया. (one) who has protected merchants; a leading, prominent merchant. निसी॰ ४, ६: खिगर. पुं॰ (निकर) सभूद; कथी; ढगदी. समृह; देर. A collection; a pile; a heap. नाया० म; ६; भग० १५,१: जीवा० ३, ३; विवा० ६: शिगीरतः त्रि॰ (निगरित) शाधन धरेल. शोधन किया हुआ. Refined; purified. जीवा० ३, ३; णिगलिय. त्रि॰ (निगरित) शासीने शुद्ध क्रेरेस. छानकर शद्ध किया हुआ. Purified by filteration. जं॰ प॰ तंदु॰ िणगसः पुं॰ (निकप) रेभा. रेखा. A line. पगह. १,४: िण्गाम. कि॰ वि॰ (निकाम) अतिशय; पहु. श्रति; बहुत. Too much; excessive. ठा० ४,२; —पडिसेविगी। ही॰ (-प्रात सेविनी-निकामयत्यर्थं विजयातं यावत् पुर रुपं प्रतिसेवते इत्यवंशीला निकामप्रतिसे-विनी) र्धव्छा पुरता पतिना संग धरनार स्त्री. इच्छाके प्रमाणसे पतिका संग करनेवाली हीं. a woman who cohabits with her husband not longer than the time of natural gratification. ठा॰ ४, २;—साइ. पुं॰ (-शा-यिन्) ६६ अपरांत सुनार. हदसे श्राधिक सोनेवालाः प्रमाणसे श्राविक निद्रा लेनेवालाः (one) who sleeps too much. दस० ४: णिगास. पुं॰ (निर्कष) परस्पर भेक्षाप करने।

ते. श्रापस में मिलाना. Mutual union

or intercourse. भग० २४, ७;

clothes. स्य॰ १, २, १, ६;

शिशिशा त्रि॰ (नग्न) वस्त्र रहित. वात्र

रहित; नंगा; नग्न. Naked; without

णिगािगाण्ण. न॰ (नाग्न्य) ना्नताः; ना्नपाः । ना्नताः; नंगापन. Nakedness; nudity उत्त॰ ४, २१;

√िश्च-शिग्ह. था॰ I, II. (नि+गृह) पड-ऽतुं; निश्च डरवे। पकड़ना; निगृह करना. To catch hold of; to control; to subdue.

शिगिगहेइ. भग० ६, ३३;

श्चिगिरिहत्तार. त्रि॰ (निगृहीतृ) निश्र ६२नार. निग्रह करने वाला. (One) who controls, checks or prevents. दसा॰ ४, ६४;

खिगुंजमार्ग. त्रि॰ (निर्गुन्जत) भें।भारती; भें।भारा करती (धेडि). हिनाहिनाता; हिन-हिनाता हुआ घोड़ा. Neighing (e. g. a horse) नाया॰ ६;

शिगूड. त्रि॰ (निग्ह) श्रुप्त गुप्त. Hidden; secret. (२) भान २६६. मीन रहा हुन्ना; शान्त. silent. स्य॰ २, ७, ८१,

णिगोय. पुं॰ (निगोद) એક शरीरमां अनन्त গুণ होय ते, अनन्त अय. एक शरीर में अनन्त जीव हों वह, अनन्तकाय. A physical body with infinite lives or souls. जं॰ प॰ ३, ३६;

शिगाम्म. त्रि॰ (निर्गत) नीट्वेश. निकला हुन्ना. Come out; gone out; got out. नाया॰ १; ४; ६;

िष्यमंथ. न॰ (नैभेन्थ्य) निभ्रंथना सिद्धांत-भवयन निर्मय के सिद्धान्त-प्रवचन. The religious creed of the Nirgranthas (ascetics). सूय॰ २, ६, ४२;

शिरगंथ. पुं॰ (निर्मन्थ-निर्गतो बाह्याभ्यन्तरो | प्रन्थो यस्मात् स निर्मन्थः) लाख-धन व्यादि परिग्रह अन्यन्तर-व्यादि परिग्रह अन्यन्तर-व्यादि । प्राथिद अव्यी रहित, लाखान्यन्तर परिग्रह रहित-निःस्पृही कैन साधु (साध्यी). वाह्य-धन | Vol 11/119

श्रादि परिग्रह, श्रभ्यन्तर-श्रंदर के कपायादि प्रंथ से रहित: बाह्याभ्यन्तर परिष्रह रहित नि स्पृही जैन साधु (साध्वी). A Jaina monk (or a nun) free from the tie or fetter of internal impurity due to passions from that also and worldly possessions. नाया॰ १; ३; रु; १; १०; १५; भग० १, ३; ६, १; १६, ४, निसी० १७, २०; श्रोव० १६; ३४; जं० प॰ श्राव॰ ४, ८, —धःम. पुं॰ (-धर्म) निर्शन्य धर्भः कैन धर्भः सर्वज्ञ का धर्मः जैन ਬੰਪ the creed of omniscients: Jainism. सय० २, ६, ४२; —पात्रयगाः न० (-प्रव-चन) केंन सिद्धांत: केन आगम. जैन सिद्धा-न्त -शास्त्र; जैन श्रागम. The Jaina scriptures. नाया॰ १; १२; १३; १४; नाया० ध०

णिगांथी. स्त्री॰ (निर्मन्धी) साध्यी. साध्यी. A nun. " चत्तारि णिगांधीस्रो पराणतास्रो " ठा॰ ४, ३, ४, २, ५, २; नाया० २; ५; ६; १०; १४; १४; १६; नाया० ध०

शिगाच्छुमारा. व॰ कृ॰ त्रि॰ (निर्गच्छ्त्) नीक्षतुं; ७६१२०४तुं. निकतता हुआ; बाहर जाता हुआ. Coming out; going out. ओव॰ ३२;

िंग्गम. पुं॰ (निर्गम) निश्वश्वं ते. निकलना. Act of coming out, coming out. नाया॰ =; १=;

शिगमगा न॰ (निर्ममन) निक्षवानी भागी निकलने का मार्ग. A way out; an exit नाया॰ २;

शिग्गय. त्र॰ त्रि॰ (निर्गत) निक्षेक्षं. निकलाहुआ Come out; got out नाया॰ १; ५; ९; १२, १३; १४; १६; १८; १६; भग० १, १; १४, १; जं० प० १, १; (२) रिटत; अविद्यमान. रहित; अविद्यमान. devoid of; not possessed of. ठा० १; —श्चरगदंत. त्रि० (-श्चप्रदन्त) आश्वा हांत णदार नीडियेश छे जेना ओवा. जिसके आगे के दांत दाहर निकले हुए हैं ऐसा. (one) whose fore-teeth are come out. नाया॰ ६;

शिगाह, पुं० (निप्रह) निश्रद; इपन्नमां રાખતું; નિરાધ કરવાે; અનાચારની પ્રવૃત્તિનું अटक्षावतं. निप्रहः वश में रखनाः निरोध करना; श्रनाचार की प्रश्नति की रोकना. Act of keeping under control; act of preventing or checking; act of checking sinful activity. नाया० १; ५; राय० २१५; दस० ३, ११; थोव० १४; निसी० १, १; भग० ७, ६; —हारा. न॰ (-स्थान) **वा**हमा પ્રતિવાદી જેનાથી પકડાય તે નિગ્રહ સ્થાન. वाद में प्रतिवादी जिससे एकड़ में घाता है वह निम्नह स्थान. the weak point by which an adversary is defeated in argument তা॰ 1; —दोस. पुं॰ (-दोष) पश्यय स्थान ३प है। पराजय स्थान रूप दोष. faultiness e. g. of an argument, which leads to a defeat, ठा०१०;—च्यहारा त्रि॰ (-प्रधान) अनायार प्रवृतिने। निषेध **ध्रतामां अधान श्रनाचार प्रवृतिका नि**षेष करनेमें प्रधान. (one) who is foremost in preventing sinful activities. निसी ० १, १; श्रोव ०

गिग्गाहि. ति॰ (निप्राहिन्) निश्रद अरनार. निप्रह करनेवाला. (One) who controls or subdues. उत्त॰ २४, २; णिग्गुंडि. स्रो॰ (निर्गुणिक) એક પ્રકारनी शुन्छ वनस्पति. एक प्रकारको गुन्छ बनस्पति.

A kind of vegetation. पन्न• १;

गिरगुणा. ति॰ (निगुण) शुण्दित. गुणरहित.
(One) not possessed of merits.
ठा॰ ३, १; राय॰ २०=; जं॰ प॰ (२)
शुण्त्रतथी रिद्धन. गुणत्रतोंसे रिहत. (one)
devoid of the three Gupavratas. नाया॰ =; भग० 1२, =;

श्चिमोहि. पुं॰ (न्यय्रोघ) वरतुं अर. बहकां युत्त. A banyan tree. सम०प० २३३; जीवा॰ १; (२) પહેલા તીર્થકરતું ચૈન્ય वक्ष. पहिले तीर्थंकरका चैत्य इन्. tho Chaitya tree of the first Tirthankara. सम॰ प॰ २३३; (२) नासि ઉપરના અવયવા સુંદર હાય અને તેની ની-ચેના સાધારણ હેાય તેવું શરીરનું એન સંઠાણ. नाभिके ऊपरके प्रवयव सुंदर हो धीर उसके नीचेके साधारण हों ऐसा शरीरका एक मंठाण-वांचा. a type of physical constitution in which the parts above the navel are graceful while those below it are plain. सम॰ प॰२२७; -परिमंडल. न॰ (-परिमंडल) વડના વૃક્ષની પેંડે નાલિ ઉપરના અવયવા સુંદર અને નીચેના ખેડાલ હાય તેવી જાતનું शरीरनुं ओक संक्षालु बढ़ के बृक्त के समान नाभि के ऊपर के अवयव सुंदर और नीचे के कुरूप हों ऐसा शरीरका एक संठाण-बांधा. A type of physical constitution in which the parts above the navel are graceful while those below are ugly as in the case of a banyan tree. ठा॰६, १; पञ्च० १४;

गिग्धंदु. वं॰ (निष्यंदु) वैहिं हे। पः निध्यंद्र शास्त्र. वैदिक कोष ः निष्यंद शास्त्र. The

lexicon of Vedic words त्रोव • ३ = ; गिग्धाइयः त्रि • (निर्धातित) लढार नी ध्वेथः बाहर निकला हुन्याः Come out; got out. नाया • १२;

खिग्वाय. पुं० (निर्मात) वैिंड ४ डरेश प्रज्नुं भेऽनुं नेकिय से किया हुआ वस्रका गिरना. Falling of a thunderbolt created by Vaikriya process. जीवा० १; पत्र० १; (२) विज्ञीनुं ५ऽनु विज्ञीन्ता गिरना a lightning stoke. जीवा० १; पत्र० १, (३) गर्जनीना इडाडा. गर्जवाका घोर शब्द. a peal of thunder. ठा० १०, असुने ० १२०; (४) अरानुं पहेनु ते. अरनेका बहना flowing of a stream. " सिग्यायाय पवत्तनं" सूय० १, १४, २२;

णिग्झायणाः न॰ (निर्धातन) ६७१वं, भारपु; नाश ६२वे। हनना,मारना; नाशकरना. Act of killing or destroying. श्रे व॰ १७; जं॰ प॰

खिन्धिस त्रि॰ (निर्धृय-न नियते घृसा पाप-खगुप्साल इसा यन्न स निघृषाः) धृषा, ६या अनुकंपा रहित; निर्देय Unkind; cruel; खगुकंपा रहित; निर्देय Unkind; cruel; without compassion परह॰ १, १, नाया॰ ९; —मर्. त्रि॰ (-मित) पार्धुं ६२य सेवानी केनी मिति छे ते. जिसकी पराया धन जैनेकी मिति है वह. (one) who is greedy, covetous of another's wealth परह० १, ३;

शिग्दोस. पुं॰ (निर्धोप) अताभः स्तरः शम्हः भक्षांध्विति. श्रवाज, स्वरः शब्दः महा-ध्विन Sound; a loud sound; voice श्रोव॰ ३१; ३४; नाया०१; ८; जं॰ प॰ ४, ११६, ११७, भग॰ ६, ३३, पगह॰ १; १, राय॰ गिघंदु पुं॰ (निघग्ड) से नाभनी वैहिड डे१५, इस नामका नैदिक कोष A Vedic dictionary of this name. " निघंडु छाणं संगोवंगाणं चउएहं नेयाणं" भग०२,१; गिचय. पुं॰ (निचय) सभूड़; जत्था. A collection; a group. श्रोव॰ १३; (२) ४५ संस्थः ६५ भ भ ध. कर्मसंचय; कर्मवंध. a collection; of Karmas; Karmic bondage. सूय० १, १०, ६;

शिश्चिय त्रि॰ (निचित) निवड, धर्ट; शाहुं निवड; घट, गाहा, Dense; thick. राय॰ ३२; जीवा॰ ३, १; भग० १६; ३;

णिश्च. त्रि॰ (निस्य) नित्य; ह्रभेशनुं; सहानुं; शाश्वत, नाशरिद्धतः नित्यः हमेशाकाः सदाकाः शाश्वत, नाशराहित Permanent, everlasting " जे भिक्लं रंभइ णिचं से न श्रात्यइ मंडले " उत्त० ३१, ६; नाया० १; २; ४; ९; भग० ६, ३३, १=, ७, ४२, १; सम॰ १३; श्रोव॰ -- ब्राणिखः त्रि० (ऋ-नित्य) नित्यानित्य. नित्यानिस्य permanent and impermanent.ठा० १; —उउग्राः लो॰ (-ऋतुका) नित्य २०४२ व લાવાલી સ્ત્રી કે જે ગર્ભા ધારણ કરી શકતી नथी. नित्य रजस्वलावाली स्नी कि जो गर्भ धारण न कर सकती हो. a woman having daily menstrual discharge and so incapable of conceiving a child. ठा॰ ४, २: - उऊग. त्रि॰ (-ऋतुक) जेनी अपर लारेमास इसपूस आवतां है। यते जिसके ऊपर वारह माम फलफूल लगते हों वह. (a tree) that puts forth flowers fruits in all the seasons. सम॰ प॰ २३३, — उद्भिग. त्रि॰ (उद्-विग्न) सहा पहासीत; ६भेश णित्र सदा

उदासीन; हमेशा खिन्न. (one) who is ever gloomy or moody. दस० ४, २,३६; — च्छासियः त्रि० (-स-ग्णिक-नित्यं सर्वदा चगा उत्सवा यत्राइसी निस्यत्तिकः) सर्वधा भाज धावनार-भाननार. सर्वदा चैनवाजी उडानेवाला; श्रानन्द मनानेवाला. (one) who is always enjoying pleasure. नाया ०४; —तालिच्छः त्रि॰ (-तिधिप्स) सदैव तत्पर सदैव तत्पर. (one) who is always ready पंचा॰ १७, ४१; —दुक्खिय-त्रि॰ (-दुःखित) हमेशाना हुणी थयेस निरंतर दु खी (one) who is permanently miserable तंदुः—दोस युं॰ (-दोप) नाश न पाने तेवा हाप. नष्ट न हो ऐसा दोष a permanent or constant fault. ठा० १०; — भाव. पुं॰ (-भाव) नित्य लाय. नित्य भाव constant; permanent existence भग॰ १२, ७; — स्ति. स्रो॰ स्मरण करना. constant remembrance, पंचा॰ १, ३६;

णिच्छकारतमसः त्रि॰ (नित्यान्धकारतमस-नित्यमेव श्रंधकारतमसं येषु ते तथा) ६भेशां ज्यां अंधकार छे ते; नरक विशेरे. जहां हमेशा श्रंधकार है वह; नरक इत्यादि. (A place) permanently dark e. g: hell etc. दसा॰ ६, १;

णिचभत्तः न॰ (नित्यभक्त) ६२ राज भाजन क्षेत्रं ते. प्रतिदिनका माजन. Daily meal. सम॰ प॰ २३२;

णिचयः पुं॰ (निश्चय) निश्चय, ये। छस धरेन ६२१व निश्चय, निर्णय, यथार्थता Determination; decision; certainty. राय॰ २१०, गिचल ति (निश्चल) रिथर; व्ययस. स्थिर; श्रवल. Steady; permanent; motionless नाया॰ २; ६; १७; —पय. पुं॰ (-पद) निश्चसप्ट; भेक्षि. निश्चल पद मोच. absolution, salvation. राय॰

शिश्वालांग. पुं॰ (नित्यालोक) ६२ भे। भक्षाअद्ध स्पं अग्रिसिनी भण्त्री अभाण्डे अने
क्षण्यांग सूत्रनी गण्त्री अभाण्डे ६४ भे। ६२
वां महाप्रह (स्ये प्रजाप्तिकी गिनतीके अनुसार)
और ठाणांग सूत्र की गिनतीके हिसाबसे ६४
वा. The 62nd great planet according to the calculation of
Surya Prajuapti and 64th according to that of Thananga
Sutra. "दो णिश्वालोगा" ठा० २, ३;

शिकालाय पुं॰ (तित्यालोक) लुओ।
"शिकालोग" शण्ट. देखी "शिकालोग"
शब्द. Vide "शिकालोग" सू॰ प०२०;
शिव्युक्तोत्तय. (तित्योद्योत) ६३ मे।
मधाश्रद्ध सूर्य प्रतिप्तिनी गण्त्री प्रभाष्ट्री स्थानी गण्त्री प्रभाष्ट्री देखांग सूत्रनी गण्त्री प्रभाष्ट्री देखांग सूत्रनी गण्त्री प्रभाष्ट्री देखांग सूत्र की गिनतींक अनुमार और ठाणांग सूत्र की गिनतींक अनुसार देश दां. The 63rd great planet according to the calculation of Sūrya Prajūpti and 65th according to that of Thāṇāṅga

णिचेट त्रि॰ (निश्रेष्ठ) थेष्टा रहित चेष्टा रहित. Motionless; actionless.

नाया० २, १६,

Sutra. " दोणिच्चजीया " ठा० २, ३;

गिद्ययग्रयः न॰ (ानिश्चेतनक) शैतन्य पगरनुं शरीर; भृतदे६ चैतन्य राहित शरीर; मृतदेह. A cropse; a dead body तंदु• *िण्डिक्क. त्रि॰ (*) अवसरते। अल्लाश् योग्य प्रसंग वा समय से श्रज्ञात (One) not knowing the proper or opportune time नाया॰ ६;

ग्णिच्छ्य पुं॰ (निश्चय) निर्णु^९य, निश्चय. निर्णय: निश्चय. Resolve: determinaton: decision. नाया॰ १; राय॰ २१५; भग० २, ५; १८, २; (२) व्यव्य-िल्यारी नियम व्यक्तिचार रहित नियम a vow free from any sin; discrepancy सम र ३; (३) निः निगत-निध्सी ગયેલ છે ચય કર્મ સમૂહ જેમાધી કર્મના सभूद ती इसी गयेस छे भेवे। भेक्ष जिसमसे नि निर्गति-निकल गया है चय-कर्मसमूहः कर्मका समृह निकलगया हो वह मोच. that from which the collection of Karmas has passed away i. e salvation or final bliss que 9, १; (४) वास्तिविक पहार्थानेक भागनार ६०५। थि क्षेत्र न्य वास्तांवक पर्दाथको हा मानेन वाला द्रव्याधिक नय, a real or essential point of view e. g calling a thinn mits reality सम॰ ३, -- ग्राय पुं० (-नय) ५०५।थि । नय, निश्रय नय द्रव्यार्थिक नय; निश्चय नय & real or essential point of view, e.g. calling a pitcher of clay a pitcher of clay. पंचा ०७, ४६;सम ०३: गिञ्छ्यन । त्रि॰ (निश्चवज्ञ) निश्चवार्थ পাথানার, । নপ্রযার্থ जाननेवाला (One) whose knowledge is certain or positive सूय॰ २, ६, १३ शिच्छाय त्रि॰ (निरद्याय) शाला वगरनाः इहरूपे। शोभा राहत, कुरूप. Ugly; deformed. नायाः १; ३; पएह० १, २; गिच्छारिय. त्रि॰ (निस्तारित) पार पहाया- देश. वाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out. नाया॰ १,

गिच्छिरणा ति॰ (निस्तीर्ण) पार गयेस. किनारे को पहुचा हुआ. (One) who lias gone to the opposite shore; crossed. पत्र॰ ३६,

णिच्छिद् । ति॰ (निश्चिद) छिदरिक्षत. ज्ञिदरिहत Free from holes.नाया॰६; णिच्छिय. ति॰ (निश्चित) निश्चित; नक्षी क्षेया हुआ Certain, assured, undoubted. नाया॰ १; ७, भग॰ ६, ३३, सम॰ १९;

गिन्छुट ति॰ (निःचिप्त) ५६।२ तीः थेस. बाहर निकला हुआ. Come out; taken out. नाया॰ =; १६;

णिच्छुभणा स्त्री॰ (निच्चोभणा) अत्स ना, तिरस्धा २. भर्सना; तिरस्थार. Act of rebuking, scolding or insulting नाया॰ १६; णिच्छुभावियः त्रि॰ (निच्चोभित) अक्षार धाढी भुष्टेश. बाहर निकाल दिया हुम्या Driven out; pushed out नया॰ =; णिच्छूढः न॰ (निष्ठ्यूत) थु ध्रुते थ्रंकना. Act of spitting "सो परिच्यायगो होलिजंतो णिच्छुढो" श्राव॰ १, २;

गिन्छूह. त्रि॰ (नि चिप्त) अक्षार आही भुदेश. बाहर निकाल दिया हुन्ना. Pushed out; driven out. नाय ॰ १६;१८;

णिच्छोडण स्त्री॰ (निरछोटना) लत्स नाः तिरस्थार. मर्त्सनाः तिरस्कार. Act of rebuking, scolding or insulting.

^{*} लुओ। पृष्ठ नन्भर १४ नी पुरनीर (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की पुरनोट (*) Vide foot-note (*) P 15th.

भग० १४, १; नाया० १६;

√ि शिज्ञम. था॰ I, II. (नि+गम् (यच्छ)=
यम्) निश्चषथी प्राप्त करना;वांधना,वंधनकरना
कर्षाः निश्चयसे प्राप्त करना;वांधना,वंधनकरना
То acquire; to tie; to fasten.
थियच्छति. पण• २३; स्य॰ २, ६, ३६;
थियच्छति. स्य॰ १, ८, ८;

रिएजुत्त. त्रि॰ (नियुक्त) निभेक्षं; लोधे त्यां शिक्षेत्रं नियत किया हुत्रा; योग्य स्थान पर जमाया हुत्रा. Appointed; airanged in proper place. श्रोत्र २४;

ाणिजुद्धः न॰ (नियुद्धः) डेग्डं पण् जातनी सक्षाह सि स्तीक्षारतामां न आवे तेत्रं युद्धः कोई भी प्रकार की सुत्तह-संधि स्वीकृत न की जाय ऐसा युद्धः. A battle in which the opposing hosts are not prepared to accept any terms of peace. श्रोव॰ नाया॰ १;

णिज्ञप्प. त्रि॰ (निर्याप्य) सत्य रिहत (ले।लन). सत्व रिहत (भोजन). (Food)
devoid of substance. परह॰ २,
४; —पार्णभोयरण न॰ (-पानभोजन)
सत्य रिहत ले।लन पाष्ट्री. सत्व रिहत
भाजन पानी. food and drink devoid of substance or nutriment.
परह॰ २, ४;

णिज्ञरणः न० (निर्जरण) निर्जरा; धर्म नुं भरतुं; निरस थ्येश-भागनाओश धर्म नुं अरीने हर थवुं. निर्जरा, कर्म का गिर पहना; निरस भोगे जा चुके हैं ऐसे कर्म का गिर के दूर होना. Falling off, frittering away of Karmas from the soul after bearing fruit ओव० २१;

िष्ठजरा. स्री॰ (निर्जरा) डमीनु ओड देशथी अरतुं-भरतुं ते; आत्माथी डमीनुं धिटा थतुं; नव तत्वमानुं ओड एक देश से कर्मका

भारना-गिरना; श्रातमा से कर्म का पृथक होना. Falling off of Karmas from the soul; e. g. after bearing their fruit. 310 9, 9; 7, 9; 7, 8; ४, ४; भग॰ ६, १; १८, ३; पत्र० १४: सम॰ १; श्रोव॰ ३४, ४२; पंचा॰ ६, १४; --पेहि वि॰(-प्रेचिन्-निर्नरां प्रेचितं शाब-मस्येतिनिर्जरा प्रेची) निर्वश्वतत्व जाखनार. निर्जरातत्व जाननेवाला. (one) who has knowledge of the category called Nirjara. " मज्कत्यो शिजतापेही सयाहिमणुपालपु " श्राया०१,८,८,४; उत्त० २,३६:--पोग्यल. पुं०(-पुद्गक्त) आत्भाथी छुटा थयेत अभीता पुरुगत. श्रातमा से भिन्न हए कमें के प्रवाल. Karmic matter separated from the soul by Nicjara. भग॰ १८, ३; —हेउ पुं॰ (-हेतु) निकर्कशनं धर्णः धर्भक्षयनी हेतु. निर्जरा का कारण; कम च्चय का हेतु. cause of Nirjarā or destruction of Karma. पंचा॰ १२, २६; णिज्जरिज्जमाणः त्रि॰ (निर्जीर्थमान) क्रभीता पुरुगक्षती क्षय क्रती. कर्म के पुरुगलों का त्त्वय करता हुआ. (One) who is destroying Karmic matter. भग० १, १, २; ६, ३३;

गिज्जरियः त्रि॰ (निजीरेत) क्ष्य धरेल; निर्काश धरेश. निजीरेत; चय किया हुआ. (One) who has destroyed or caused to be wasted away. " गिजरिय जरामरणं वंदिताजिणवरं महावीर " तंदु॰

णिज्ञवश्चः त्रि॰ (निर्यापक) न्हे। अःय-श्चित्तने। निर्वाह अरनार. नडे प्रायश्चित्त का निर्वाह करने वाला. (One) who goes through a great expiation. ठा॰ ६, १;

शिज्जवग. पुं॰ (निर्यापक-निर्यापयित तथा करोति गुर्वाप प्रायाश्चित्तं शिष्यो निर्वाहयतीति निर्यापकः) भे। आयश्चित्तं निर्वाह कराने नाला (गुरु). (A preceptor) who causes his disciple to go through a hard expiatory penance. ठा॰ ६, १; १०; मग॰ २५, ७;

णिज्जवणा की॰ (निर्यापना) अाि शेशना अाि अश्वेन अश्वेन अश्वेन अश्वेन अश्वेन अश्वेन अश्वेन अश्वेन अश्वेन आणि के प्राणि की प्रयाण कराने का कृत्य; हिंसाका एक नाम. Act of causing life to depart from sentient beings, a sort of Hinsā. परह॰ १, १;

शिज्जास्त न॰ (निर्यास) ज्यांथी पार्धु આવવુ ન હાય તેવું ગમન; માક્ષ ગમન. जहां से वापिस श्राना न हो ऐसा गमन: मोच गमन. Going with retreat; salvation. श्रोव० ३४: जं॰ प॰ ५, ११=; (२) स्वतंत्र गभन. स्वतंत्र गमन. uncontrolled or independent movement. श्रोव॰ (३) भरण्डां से શરોરમાંથી આત્માનું ખહાર નીકલવું તે. मृत्यु के समय शरीर में से श्रात्मा का बाहर निकलना. the soul's getting out from the body at death. To ર, ૪; (૪) નગરથી ખહાર નીકલવ તે. नगर से वाहर निकलना. act of going out of a town 510 3, 8; (8) नगरभांथी नी अबवाने। रस्ता नगर में से निकलनेका रास्ता a road leading out of a town. " वाइंदियाणं णिगामद्राणं र यिजायिया सगरगमे वा जंपिय तं शिजास"

निसी० चू० ६; सू॰ प० ४; चं० प० (५) निस्तार: छेडे।. निस्तार: श्रन्त. end; decision. स्य॰ २, २, ५७; -- कहा. स्री॰ (-कथा) राज्यनी स्वारी नी इंदे તેની વાત કરવી તેઃ રાજકથાના એક प्रधार राजा की सवारी निकलने की बात करना; राजकथा का एक प्रकार. a story describing the procession of a king. ठा०४, २; — भूमि स्री० (-भूमि) જે ઠેકાણે નિર્વાણપદ મલ્યું હાય તે ભૂમિ जिस स्थान पर निर्वाणपद मिला हो वह भूमि a place where one has attained salvation जं॰प॰ ४, ११=; -- मरग. पुं॰ न॰ (-मार्ग-निर्याणस्य मोच-पदस्य सार्गी निर्याणमार्गः) भेक्षिभार्गः. मोत्तमार्ग. the path of salvation. મग • દ, રૂર; (ર) જીવતે નીક્લવાના માર્ગ जीवको निकलने का मार्ग. a way for the soul to get out (of the body) " पंचविहे जीवस्त खिजायमगो परायते " ठा० ४, ३; भग० १६, १; २६, २; दसा॰ १; ३; (३) नीक्षवानेः २२तेः; णढार जवाने। भाग निकलने का रास्ता; बाहर जाने का मार्ग. a road or path leading out; an exit. जं॰ प॰

णिज्जाणियलेण. न॰ (नैर्याणिकलयन)
नगरभाथी निश्ववाना भाग परनु भश्वान.
नगर में से निकलने के मार्गपरका मकान. A
house on a road leading out of
a town भग० १३, ६;

ाणिउजामश्र-यः पुं॰ (निर्यामक) भ्रसासी; सुधानी. नौका नाहक A sailor; a helmsman. श्रोव॰ २१; नाया॰ १७, णिउजामगः पुं॰ (निर्यामक) भ्रसासी. नाविक, मल्लाह A sailor; a mariner; श्रोव॰ विशे॰ स्रय॰ शिज्जाय. ति॰ (निर्यात) नी क्षेत. निकला हुआ. Come out; got out. नाया॰ १; ६; — स्त्वरयय. ति॰ (-रूपरजत) तल्थुं छे से। नुं ३५ं लेखे ते. जिसने सोना चांदी त्याग किया है वह. (one) who has abandoned or given up gold and silver. " यिजायरूवरयए गिहिजोगंपरिवज्जए जे से भिक्खू " दस॰ १०,६;

णिज्जास. पुं० (निर्यास) आउने। २स; शुंहर वंगेरे थी अणे। पहार्थ. गृज्ञ का रस; गोंद इत्यादि चिकना पदार्थ. Exudation of trees; gum etc. श्रोध० नि०मा०१४२; णिज्जिएण त्रि० (निर्जीर्था) क्षीणु; क्षय करेल. जीएा, ज्ञय किया हुश्रा. Destroyed; wasted away. भग० १, १; ६, ३३; १२, ४; १४, ४; पज्ञ० ३६;

णिजिय. त्रि॰ (निर्जित) छतेलु . जीता हुन्ना. Conquered जं॰ प॰ — सत्तु. त्रि॰ (-शञ्ज) शत्रुने लित्या छे लेखे ते. जिसने शञ्ज को पराजित किया है वह (one) who has conquered enemies. राय॰

খিজাৰি. ন॰ (নির্জাৰ) মানু আহি धातु মান্বা ते; ঙ৭ भी ১লা. सोना আदি घातु को मारना; ৬৭ বা कंला. The 71st art viz. rendering metals like gold etc. fit to be used as medicines by chemical processes. जं॰ प॰ श्रोव॰ सम॰

णिज्जुत्त. त्रि॰ (निर्युक्त) भयीत. निश्चित; श्रवश्य Certain; assured. नाया १; श्रोव॰

गिउजुत्तिः भी॰ (निर्युक्ति — निश्चयेनार्थ-प्रतिपादिका युक्तिर्निर्युक्ति) युक्ति सिर्वत सूत्रना अर्थे अतावनार अथ. युक्ति सिहत स्त्र के श्रर्थ बताने वाला श्रंथ. A. work fully and logically explaining the meaning of Sūtras. — भार. पुं॰ (-कार) निर्धु दित रथनार लड़णाड़ स्वामि वगेरे. निर्युक्ति के रचियता भद्रवाह स्वामी इत्यादि. an author of Niryuktis; e. g. Bhadrabāhu etc. श्राया॰ नि॰ १, १, १;

शिज्जूढ. त्रि॰ (नियुंद) अक्षार आदी मुंडेस. वाहर निकाल दिया हुआ. Driven out; pushed out. नाया॰ १;

pushed out. नाया॰ ५;

रिएज्जूह. न॰ (नियूंह) णारसाण पासे
णहार डाढेर्सु लाइडु; धीडली. किंवाड के
नजदीक बाहर निकाला हुआ लक्षड; चीखटा.
A bent piece of wood projecting out from the upper part
of a door-frame. नाया॰ ५; (२)
भेष्ण. मरोखा. a balcony; a gallery.
(३) भेष्ण वार्सु धर. मरोखावाला मकान.
a house having a balcony or
a gallery. जीवा॰ ३, ३;

गिज्जूहरा. पुं॰ (निर्यूहक) धाउता; टाउता. चोलटा. A quadrangular piece of wood at the upper corner of the frame in which a door of u house or window is set; (this is often used as a sort of shelf) परह॰ १, १;

णिजूहित्तए. हे॰ कृ॰ श्र॰ (*निर्यूहितुम्)
०५।२ ६।४५।ने. बाहर निकालने को. In
order to push out or drive
away. वव॰ २,७;

णिज्जूहित्ता. सं॰ कृ॰ घ॰ (अनिर्यूहित्वा)
पाछावासीते; क्षाढीभुशते. पीछे हटा कर;
निकाल कर Having driven back;
pushing out. दसा॰ ७, १;

शिज्जोग पुं॰ (नियोंग) सेवड. सेवक, च कर A servant; an attendant. नाया॰ १; शिजोय. पुं॰ (नियोंग) सेवड. चाकर. सेवक. An attendant; a servant नाया॰ १, (२) वस्त्र, पात्राहि उपडरण. वस्त्र, पात्राहि उपकरण. articles of use for an ascetic such as clothes, vessels etc राय॰ ६०;

ारीज्ञार पुं॰ (निज्फीर) પહાડમાંથી ઝરતું पाणी, और। पहाड में से महता हम्रा पानी, माता. A stream of water. a brook issuing from a mountain. पन्न २; जीवा० ३, ३, नाया० १, खिउभाइता. सं० कृ० अ० (निर्धार्य) थारी-કીથી અવલાકન કરીને. બારીકાથી ચિતવન **५री**ने सूचम रीति से श्रवलोकन करके; लक्त पूर्वक चितवन करके Having closely minutely or. observed thought upon श्राया०१, १, ६, ५०, शिज्भाइतार त्रि॰ (निर्धातृ) अति थिता ५२ना२ श्राति चिंता करने वाला. (One) given to excessive worry and anxiety 510 E,

णिडमोसिदत्तार ति॰ (ः निडमोपियत्) पूर्वना करेशां क्रभीने भागवनारः पूर्व के किये हुए कर्मों का त्त्रय करने वालाः (One) who causes a destruction of the Karmas done by him in his past lives. श्राया॰ १, ३, ३, ११६;

√ शि-हच धा॰ I, II. (नि+स्था+िश) सभाप्त कर्ता.

To complete; to bring to a close.

णिट्ठविंसु. भू० भग० २६, १, २; णिट्टवण न० (निष्ठापन) निपन्नवर्वुः पैदा करना; उत्पन्न करना. To produce; to Vol 11/120 cause to be produced. पगह०१,1; गिट्ठा लो॰ (निष्ठा) કાર્ય સિદ્ધિ; કાર્ય સમાપ્તિ कार्य सिद्धि; कार्य की समाप्ति Successful termination of work; completion of work स्व०१, १४, २१; भग० १६, ४;

गिहागा. न० (निष्ठान) सारा शुणुपाशुं—
संरुधरेश ले। जन. प्रचेत्रं गुण वाला भोजन.
Wholesome food " गिहाण्रस निरुज्दं" दस० म, २२; — कहा स्री० (कथा) ले। जनता रस अने भर्य स स धी स तथीत कर्यी ते भोजन के स्वाह स्रीर खर्च संबंधो वार्तालाप. a talk about taste and cost of food. ठा० ४,२; गिहिक नि० (नैष्ठिक) धर्भभां श्रद्धापूर्य के भश्न रहेन याला; धर्म निष्ठ. (One) who devotes himself faithfully to religion पण्ह० २,३;

खिद्विय त्रि॰ (निष्ठित्) स्वशव^६ सिद्ध इरेस, पूर्ण किया हुआ। (One) who has fulfilled his duties. पन ३६: दस॰ ७, ४०, नाया १, (२) पुं भे।क्ष, परि-सभाप्ति मोन, सिद्धि final liberation; completion श्राया॰ १, ५, ६, १६८; (३) त्रि॰ सत्तावावुं; निष्ठावाबुं, सत्तावान्; श्रद्धावान्. potent, steadfast. भग॰ ६, १, (४) भात्री, श्रद्धाः भरोसा, श्रद्धा, विश्वास. conviction; assurance: faith " गिहियंभवइ " भग० १४, १, —ट्र त्रि॰ (-प्रर्थ) કતકત્ય; જેના અર્થ મતલબ સિદ થયે છે એવા. कृतकृत्य. जिसकी कार्य-सिद्धि होगई हो वह. (one) whose object is fulfilled सूय॰ १, १४, १६; श्राया० १, ४, ६, १६५; पग्ह॰ २, १;

(२) विषय सुणनी पिपासा-साससाथी रिहित; मुभुशु. विषय मुख की इच्छा से रिहत (one) free from attachment to the pleasures of the senses. "पंडिए नेहावी णिट्टियट्टे वीरे", श्राया॰ १, ६, ४, १६३; — टि शि॰ (-श्रार्थन्) मुभुशु-भेक्षिनी ध्रम्था राणनार. मुमुन्तु-मोन्न प्राप्ति की इच्छा रखने वाला. (one) longing for deliverance. श्राया॰ १, ४, ६, १६६; णिद्रुभय ति॰ (निष्टीवन) थुं धनार. ध्रंकने वाला. A spitter, one who spits.

खिट्दुर. नि॰ (निष्दुर) निष्हुर; धेरे।२;

धिन दुष्ट, कठोर; कदेदिलवाना. Cruel; unfeeling, harsh श्रोव॰ २०; नाया॰ द; ॰; भग॰ ४, ४; जीवा॰ ३, १; —िगरा। ही॰ (निगर्) निष्टुर लाषा। क्र्र भाषा। harsh speech. गच्छा॰ ४४; जिस्टुचण.न॰ (निष्टीवन) थुँ ६; णलेभा. थुँ क; कक, वलगम. Saliva, cough etc. from the mouth. (२) त्रि॰ थुँ ६नार; णल भा आहि १ ६नार. थूँ कनेवाला, मुँहसे कफ फॅकने वाला. (०००) who spits or ejects cough etc. from the mouth. ठा॰ ४, १; जिडाल न॰ (ललाट) ललाट; ६भाल. ललाट;

ejects cough etc. from the mouth. त्रा॰ ४, १;
गुडाल न॰ (ललाट) ससाट; ५पास. ललाट;
कपाल. Forehend. श्राया॰ २, १, २, १६, श्रोव॰ १०, नाया॰ ६; जीवा॰ ३, ३;
तदु॰ जं॰ प॰ ३, ४५;
गिणाश्र–य. पु॰ (निनाद) અनाल; ध्वित.
श्रावाज; ध्वित. Loud sound; noise.

णिगण. त्रि॰ (निम्न) नीथुं. नीचा. Low. (२) न॰ नीथे; ऐहे. नीचे.below; downward दसा०७, १; भग० १४, १; जं०प॰ ७, १४१; जि॰ (*) धारी सुध्युं ते. निमान देना. Casting out; निमान देना.

ान लाण दना. Oasong out; नुन्छः tion; driving out " बहिहा वा गिराणकमु " श्राया॰ २, ३, १, ६५; गिराणगा. स्ता॰ (निन्मगा) नही. नदी A river. पन्न॰ १; गिराणायर. त्रि॰ (निन्मता) नधीर नीशुं.

श्रिथक नीचा. Lower; at a lower level. भग॰ ३, १; चिएलार. त्रि॰ (इनिनंगर) नगर फ्ट्रार शिट्स. शहर बाहर निकाला हुश्रा, निर्वासित. Driven out from a town. " झप्ये- गह्रप थिग्योर करेहिंति " भग० १४, १; चिएिएएमेस. त्रि॰ (निनंमेष) आंभना

पश्चारा रिहत. जिसकी श्रांस के पलक नहीं लगत हैं नह; निमेप हीत. (One) with a fixed, stony guze. ठा॰ ४, २; गिएहइया. श्री॰ (नहिंदिकी) એક પ્રકारनी क्षिप. एक मकार की लिपि. A kind of script. पन्न॰ १; गिएहग पुं॰ (निह्व) सिद्धांतना सत्य अर्थने शिपनार; सत्य सिद्धांतना कि सत्य श्र्यं को जिपनार वाला; सत्य सिद्धान्त के विरोधी जमाली श्रादि. (One) who con-

शिषवनारः सत्य सिद्धान्त जिल्ला उत्पापः अभावी व्याहि. सिद्धान्त के सत्य द्वर्ष को छिपाने वाला; सत्य सिद्धान्त के विरोधी जमाली द्यादि. (One) who conceals the true meaning of scriptures; (one) who refutes the true scriptures, e.g. Jamālī etc. श्रोव॰ ४१, ठा॰ ७;

शिगहव. पुं॰ (निह्नव) लुओ। " निगहग " शम्म. देखो " शिगहग " शब्द. Vide " निगहग " ठा० ७;

शिएह्वगा. पुं॰ (निह्नवन) छुपावयुं ते. छिपाना. Act of concealing विवा॰२;

शिताना. Act of conceaning नियां रहें, स्थितनी हैं इं, स्थितनी भ्रांत लाश. पर्वत के मध्य या आसपास का भाग. The lower or middle part of a mountain. (२) स्त्रीनी हें डेने। पाछले। लाग स्त्री की कमर का पिछला भाग. a hip of a woman behind her waist " खीलवंतस्स बासहरूष-वयस्स दाहि खिल्ले शितंत्रे "ज०प० १, १०,

णितिउमाण न० (नित्यावमान-नित्यमवमानं प्रवेशः स्वपचपरपचयोर्येषु तानि तथा) जयां साधु नित्य पढेरवा ज्यय ते ६ अ जहां साधु नित्य गोचरी को जाने वह कुल. A family where Jaina monks go for food every day. आया॰ २, १, १, ६;

शितिय त्रि॰ (नैतिक) नियत; नियमित.
कायम; नियमित Regular, fixed.
भग॰ ६, ३३; (२) नित्य पिंड लेनार.
प्रतिदिन पिड-दान लेने वाला. a Jaina monk who receives his food at one and the same house every day. निसी॰ ४, ३२,

णितियः त्रि॰ (नित्य) ७भेशनुं, सदानुं हमेशा का; नित्य का; सतत. Daily; every day; always नित्ति २, ३२; — (या) वाइ त्रि॰ (वादिन्) पदार्थनुं ओडांतपे नित्यपणुं स्थापनार एकान्ततया पदार्थ की स्थिरता स्थापन करने वाला. (one) who affirms the existence of a thing in absolute and unqualified terms दसा॰ ६,

३; —(या) वास. पुं॰ (-वास) दुभेश ओक्ष हेक्षा विवास करवे।, श्थिरवास. हमेशा एक जगह रहना; स्थिरवास. permanent stay; living in one place only. निसी॰ २, ३७;

णितिया स्त्री (नित्या) लभ्भुसुदर्शनतुं अभरनाभ जम्बूसुदर्शन (मृज्ञ) का दूसरा नाम-पर्याय. A kind of tree also named the Jambū tree. जीवा ३, ४;

शितः न॰ (नेत्र) तेत्र; आभ भांख, नेत्र चतु An eye ठा॰ १, १;

णित्तलः त्रि॰ (निस्नल) शराख्यी न उतारेक्ष; अनिष्पत्र श्रव्या, श्रसमाप्त. Unfinished; incomplete. ''तेण णित्तलं मणिरवणं श्रस्तादेंति'' भग०१५;१,

गितुस त्रि॰ (निस्तुष) है।तरा रिहत; विशुद्ध छिलके रिहत; विशुद्ध विना छिलके केका Free from husk; clean. परह॰ २, ४;

शित्तय त्रि॰ (निस्तेजस्) ते॰ २७८त. निस्तेज; प्रभाविद्दीन, तेजरिहत. Without lustre; having no lustre. नाया॰ १, (२) पीय २७८त वीर्य रिहत weak; impotent भग॰ ६, ३३;

शित्थरण न॰ (निस्तरण) पार पाभवुं.
पार होजाना; उसपार पहुंचजाना. Act of crossing or reaching the other end; a successful performance. जं॰ प॰ नावा॰ १४; १८; शित्थरियट्व. त्रि॰ (निस्तरितच्य) पार पाभवा थाग्य; अन्त आने जैमा Worthy

or capable of being successfully performed; fit to be crossed नाया॰ ३ द;

शित्थाश. त्रि॰ (निःस्थान) स्थान श्रष्ट.
स्थानश्रष्ट; (अपने) स्थान से गिराहुआ;
स्खातित. Fallen from one's place;
degraded. नाया॰ १८; विचा॰ ३;
शित्थार. पुं॰ (निस्तार) पार, छेडा.
अन्त; पार, छोर. End; completion
e. g. of a journey. नाया॰ ६;

णित्थारणा स्री॰ (निस्तारणा) भार भाभवुं ते. पारपानाः निस्तारहोना. Act of successfully going to the other end; act of finishing, जं०प॰

णिदंसण. न॰ (निदर्शन) उदाहरण; उदाहरण; नम्ना. Example. (२) निरंतर कीवुं ते. नार २ देखना; सतत श्रवलेकन. seeing repeatedly. ठा॰ १, १;

खिदा ली (निदा - निदानं निदा) वेहना; भीडा. वेदना; पीडा, त्रास. Pain; oppression.; affliction. भग १६,५; खिदाघ. पुं॰ (निदाघ) केहेभिडिनानुं केहिन त्तर नाम. ज्येष्ठ मासका लोकोत्तर नाम.

The summer mouth of Jyestha so named जं प । शिदाय. पुं॰ (निदाक) लान पूर्व ह वेहना.

ज्ञान-श्रतुभवपूर्ण वेदना Couscious

pain. भग॰ १६, ५;

. शिदाह. पुं॰ (निदाघ) ल्येष्ट भासतुं क्षेत्रित्तर नाभ. ज्येष्ट मासका विशिष्टनाम. The month of Jyestha so named. स्॰ प॰ १;

सिद्दुः पुं॰ (निर्देग्घ) सीमन्तक्ष्रभनामे नरेडेंद्रथी पूर्वनी व्यावशीक्षामांना २१ मे। नरेडावासी. सीमन्तकप्रम नामक नरकेन्द्रसे पूर्व की व्यावलिका का २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the eastern line of the region of hell called Simant-

akaprbha Narakendra. ठा॰ ४,२; गिद्दुमण्स. पुं॰ (निर्देग्धमध्य) सीभन्तक्ष्म भूभ नरक्ष्मती उत्तर आविश्वाभाना २१ भे। नरक्षायांसी. सीमन्तकप्रभ नरकेन्द्रकां उत्तर भावतिकाका २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the northern line of the region of hell called Simantaka Prabha Narakendra. ठा॰ ६.

शिद्दावत्त. पुं॰ (निर्देग्बडडवर्त) सीमन्तक नरकेन्द्रनी पश्चिम व्यापिक्षश्मांने। २९भे। नरकावासे। सीमन्तक नरकेन्द्रकी पश्चिम श्चावलीका का २१ वां नरकावास. The 21st abode of the hell of the northern line of the region of hell called Simantaka Narakendra. २१० ६;

णिद्दृोसिट्ट. पुं॰ (निर्देग्धावशिष्ट) सीभन्तड नर्डेन्द्रनी हक्षिण व्यावसीडाने। २६ भे। नर-डावासी. सीमन्तक नरकेन्द्रकी दक्षिण त्रावली-काका २१ वां नरकावास. The 21st abode of hell of the northern line of Simantaka Narakendra region of hell. ठा॰ ६;

शिह्य. त्रि॰ (निर्देय) निर्ध्यः ६३७।रिहत. निर्देयः कठोरः पापाणहृदय. Cruel; piti-

√ स्पिद् . घा॰ II. (नि+द्रा) ६ धवुं; सुवुं. छेवुं, छेविन, छेविन, पिद्दाएज्ज. जीवा॰ ३;

खिद्गा. स्री॰ (निद्रा) निद्रा; ઉंध; निद्रा; नींद; कंघ sleep. श्रीव॰ १६; श्राया॰ १, ६, २, ५; नाया॰ १३; पत्र॰ २३; दसा॰ ६, १; राय॰ २१४; —कखय. पुं॰ (-च्चय) निद्रानी क्ष्या. निद्राका च्चय, निद्राका न श्राना; एक राग. loss of sleep; insomnis.

ठा॰ ४, २; — शिह्या. स्री॰ (-निद्रा) शाद निद्रा गहरी नीद profound sleep. पन्न॰ २३; ठा॰ ६; सम॰ — पमास्त्र पुं॰ (-प्रमाद) निद्राथी अभाद. निद्राके कारण उत्पन्न प्रमाद, स्रमावधानी; निद्राप्रमाद. inadvertence or negligence through sleep. ठा॰ ६, १;

णिद्वारिय त्रि॰ (निर्दारित) ६।डेश. फाडा-हुआ; विदारित. Torn; rent. पग्रह॰१,३; णिद्दिह. त्रि॰ (निर्दिष्ट) ६डेश; ६श्विस. कहाहुआ; बतलायाहुआ Stid pointed out: mentioned. पंचा ३,१२;

णिदुद्धिया स्त्री॰ (निर्दुंग्धिका) हुध रहित (शय (य) रे). दूध विहीन (गाय ख्रादि). (A cow etc) not giving milk ते दृ॰ णिद्देस पुं॰ (निर्देश) आता. ख्राज्ञा; हुक्म; ख्रतमति Command, order. नाया॰ ६, १६; —चिति. त्रि॰ (वर्तिन्) आता प्रभाष्ट्रे यत्तीर ख्राज्ञाधारक; हुक्मके मुता किक काम करनेवाला. obedient to a command "णिद्देस वत्ती पुण जे गुरूण" दस॰ ६, २, २३;

शिहोस. त्रि॰ (निर्दोष) निर्दोप; दे।परहित निर्दोष, दे।परहित, निर्मेत्त. Blameless; innocent; free from fault or defect. ठा॰ ७, पंचा॰ ७; ३४;

शिद्धः त्रि॰ (स्निग्ध) थी आसपार्थः; थिगहुः. चिकना, स्निग्व Oily; greasy. नाया॰ १; ४; द; भग॰ १; ६, ६; १०, ६, २०, ५, २०, ५, श्रोव॰ पण्ण॰ १; (२) स्तेष्ठपार्थः. स्नेहवाला; स्नेही. affectionate; loving. सम॰ नाया॰ द, (३) सुवार्थः सुवाला. smooth; soft. जं॰ प॰ ७, १६६; २, २०; ३, ४४; (४) आन्त; तेजस्त्री; दिन्य. lovely, lustrous पएह॰ १, ४; श्रोव॰ जीवा॰३;

— श्रोभास नि॰ (- भवभास) थी ७ था।

लेखु कासतुं - हे भातुं. चिकना दिखाई
देता हुन्ना. oily in appearance.

नाया॰ १; राय॰ — पोरगल्तः न॰ (- पुद्रल) थी ७ था। पुद्रश्व. चिकने पुद्रल पदार्थ.

oily, sticky substance भग•७, ६;

— फास. पुं॰ (- स्पर्श) रिन० ५ २ ५ १ १ थी । शिना है; स्निग्ध स्पर्श; छूने में चि॰

कना. oily; greasy in touch. सम॰
२२;

गिद्धंत. ति॰ (निध्मीत) अग्निमां नाभी धमेक्ष; तथावेक्ष; विशुद्ध धरेक्ष. अनिपूत; अग्निमें तपाकर शुद्ध किया हुना. Passed through the fire and purified; heated in a furnace. पन ० २; जीना० ३; श्रोन० १०; तंदु०

शिद्धणाः त्रि॰ (निधन) निधिनः; गरीणः निधैनः; भार्त्वनः;दीनः, गरीवः. Without wealth; indigent; poor. नाया॰ १=; विवा॰३, शिद्धारण्यः त्रि॰ (निधान्यकः) धान्य अनाल रिक्षाः श्रमरहितः धान्यविद्दीनः Without food-grain, barren of corn or food stuffs. तंदु॰

णिद्धमण. न॰ (निर्धमन) भाक्ष; भारी. मोरी; नाली; गटर A duct or outlet of water. ठा॰ ४, १; तंइ॰

णिद्धमा ति॰ (निर्धर्म-निर्गतो धर्मात् पुत-बारित्रलचणादिति) धर्भ २ ६६त. बिना धर्मका; अधर्म पूर्व. Irreligious; unrighteous. परह- १, १;

ांशह्यूय. त्रि॰ (निर्ध्त) हुर धरेश. द्रिक्तया हुआ; निष्कातित. Thrown away; shaken off; removed राय॰

खिध्या. न॰ (निधन) नाश; ५४ वसान; छेडेा. नाश; पर्यवमान; श्रन्तकाल,श्रन्त. Death; termination; end पण्ड॰ ३, ९; णिधत्त न॰ (।निधत्त) એક પ્રકારના કમ ना બ ધ. कर्मका एक बन्धन. A particu lar kind of Karmic bondage. ''चडविद्दे णिधत्ते पराणत्ते तंजहा पगइ णिधत्ते ठिद्दणिधत्ते '' ठा॰ ४, २; भग॰ १, १;

गिधि. पुं॰ (निधि) अंऽ।२; भलाने।. काँप; निवि; भंडार; श्रागार. Trousure; store. सम॰ ३;

णिन्हइया. स्ना॰ (निन्हिषका) अक्षर क्षिपि-भांनी ओक्ष. श्रष्ठरह लिपियों में से एक. One of the eighteen kinds of scripts, सम॰ १८;

√ि खि-पड था॰ I (नि+पत्) નीचे ५७वुं. नीचे गिरना; ग्रधःपात. To fall down चिवडइ नाया॰ ९; णिवयन्ति जीवा॰ ३, ४;

णिपतंतः ति॰ (निश्तत्) नीये पडते। नीये की त्रोर गिरता हुया. Falling down. परह० १, १;

खिषुण त्रि॰ (निषुण) निपुण्; हे।शियारः न्युरः चतुरः कशतः, निषुणः निष्णातः Skilful; clever; ingenious भग॰ १६, ४:

शिष्पंक त्रि॰ (ानिष्पक्क) गारा यगरतुं; धीयः रिक्षितः कीचड या कीच रहित; पंकितिहीन Without mud; free from mud. जै॰ प॰ १, १२;

णिप्पकंपः त्रि॰ (निष्प्रकम्प) अति निश्वतः नितान्तः निश्वतः जडवतः निश्वत-श्रटत-स्थिरः Quite motionless; steady. सम॰ २;

णिष्पचक्खाणाः त्रि॰ (निष्पत्याख्यान) अत्याष्यान रिक्ताः प्रत्याख्यान (संक्रहाः) रहितः (One) who does not practise the vow called Pachchalthāṇa i. e. abstaining

from doing particular things for a fixed period. भग॰ १२, =;
—पोसहोचवास. ति॰ (-पोपघोपवास)
ले पेरिसी आहि पश्यभाषु तथा पर्वे हिवसे पणु पेथा डिपवास वर्गरे न हरे ते. परचखाण तथा पर्वे अवसर पर भी डपवास पंपध आदि न करने वाला. (one) who does not observe any vow or fast even on sacred days.
भग॰ ७, ६;

णिष्पिच्छम. त्रि॰ (निष्पश्चिम) पाळ्था. विद्याता. Backward; latter.मग॰४.७; णिष्पद्व त्रि॰ (निष्पृष्ट) क्षेभां पुळ्युं न पडे तेयुं: २५७: अशंहिज्ध. स्प्रष्ट; जिन में पूछ्ने का काम न पडे. शंकारिहत; प्रसंदिग्ध. Evident; manifest; doubtless. नाया॰ ४; भग॰ १०, १०; —पसिण्चागरण. त्रि॰ (-प्रभव्याकरण) क्षेभां पळी पुळ्युं न पडे ओवा क्याण; छेश्वी क्याण प्रान्तिम उत्तर; एक बात; जिसके पूछने की पुनः जहरत न हो. (an answer) which leaves no scope for further questions; final answer. " शिष्पट्टपरिसं वागरणं करेह" भग॰ १४, १;

शिद्यांडियार. त्रि॰ (निष्प्रतिकार) थिकित्सा रिदेत. श्रसाध्य; निष्पाय; चिकित्सा-रिहत. Irremediable; devoid of semedy. प्राह० २, ४;

गिप्पगण. त्रि॰ (निप्पन) सिद्ध; निष्पन्न थेपेश. सिद्ध; निष्पन्न. Fully accomplished; final नाया॰ न,

शिष्पत्ति. स्री॰ (निष्पत्ति) सिद्धिः सिद्धिः सफलताः Liberation; deliverance; fulfilment. ठा॰ १;

शिष्यभः त्रि॰ (निष्प्रभ) अला रहित. पमा

रहित, निराभ Gloomy; dark. " देवे चह्स्सामीति ज ग्रह विसागा भरगाइं गिज्यभाइं पासिता " ठा० ३, ३;

शिष्परिगाहरूइ पुं॰ (निष्परिमहरूचि-निर्गता परिमहरूचिर्यस्य सः) परिम्रह्नी धन्छा वगरता. जिसको परिमह की इच्छा न हो Free from the desire of worldly belongings परह ॰ २, ५;

गिष्पाण, त्रि (निष्प्राण) प्राण् २६८०. निष्प्राण; गतप्राण; प्राण विद्दीन. Lifeless, dead नाया २: १६: १८:

शिष्पाच. पुं॰ (निष्पाच) वाक्ष; ओड न्यतनुं धान्य. एक धान्य विशेष. A. kind of corn. "शिष्पा ई धएणा गंघे वाइगपलं-इससुगा SS ई" ठा॰ ४, ३, जं॰ प॰

शिष्पिवास त्रि॰ (निष्पपास) पिपासा-साथसा-रिंदत, लाजसा-इच्छा रहित, निरि-च्छ, उदासीन. Free from greed नाया॰ ५; १६; पगह॰ १, २; (२) २नेंद्र रिंदत, स्नेह रहित devoid of love. पगह॰ १, १;

शिष्पुलाय. पुं॰ (निष्पुलाक) आवती ઉत्स-पिष्णीमां भरतक्षेत्रमां थनार १४ मा तीर्थं इर श्रागामी उत्सर्पिणी में भरत क्षेत्र में होने वाले १४ वें तीर्थं कर. Name of the 14th would be Tirthankara in the coming Utsarpini cycle सम॰

शिएफंद त्रि॰ (निष्पन्द) थयन आहि क्रिया रिहत; स्थिर गति हीन; स्थिर. Motionless; steady. नाया॰ २; ६; १७;

शिष्फरास त्रि॰ (निष्यज्ञ) पूर्ण्ः करपूर; करपूर; करपूर; भरा हुमा Completed; full; perfect (२) पेहा थयेक्षः ७५००क्षं उपजा हुम्रा. emerged, created; pr duced. म्रोव॰४०; पंचा॰

E, 98;

शिष्फाइऊग्। सं॰ कृ॰ श्र॰ (निष्पाद्य) ઉत्पन्न धरीने पैदा करके; उत्पन्न करके Having produced पंचा॰ ७, ४३;

शिष्फाच. पुं॰ (निष्पाव) पास; अके ज्यातनुं धान्य. एक धान्य विशेष. A kind of corn. पन्न॰ १; जं॰ प॰

णिष्फेडिय. त्रि॰ (निष्फेटित) ६२ण ६रेस; स्थ सीधेस. हरण किया हुआ; छाना हुआ; लिया हुआ. Taken away; seized. ठा॰ ३, ४;

√ गिवंघ धा॰ I॰ (नि + बंघ्) णाधवुं. बांधना; फांसना. To bind; to fasten गिबंधइ सम २ २८,

शिवंधर्यं. न॰ (निबन्धन) हेतु हेतु;ब्हेरय; लद्द्य Cause; motive. नाया॰ १५;

णियद्ध त्रि॰ (निबद्ध) शुंधेक्ष; लांधेक्ष प्रधित;
गूथा हुआ; बाधा हुआ. Knitted;
bound together नाया॰ १, सम॰ १;
भग॰ १४, १; —आउय न॰ (-आयुष्क)
लांधेक आयुष्य. निश्चित आयुष्य lifeperiod pre-determined by
Karma. नाया॰ १३;

णिच्चल त्रि॰ (निर्मल) भक्ष धीन अशक्त;
कमजोर; निर्मल. Weak; feeble;
lacking in strength, श्राया॰ १, ४,
४, १४९; —श्रासय. पुं॰ (-श्राशक)
निर्माक -सत्य रिदेल भेरिश क्षेत्रानी अभिश्रेद्ध
धरनार साधु जिस साधुने सत्व-हीन श्रापेष्टिक
अन्न प्रहण करने का संकल्प किया हो वह.
a Sādhu who has made up
his mind to take only such
food as is lacking strength giving or invigorating ingredients.
आया॰ १, ४, ४, १४६;

विक्रमच्छुग् न॰ (निर्भर्त्सन) આફ્રોશથી

કटुवयन કહेवा; ६५६। देवे। ते. आवेशमें श्राकर ऊंचेसे कदवचन कहना, उलाहना देना. Act of reproaching or rebuking in loud and threatening words भग० १४, १; पराह० १, ३; शिव्मच्छगा. स्री॰ (निर्भर्सना) ४५%हेवे। उलाहना देना. Reproach; harsh words. भग॰ १४, १: नाया॰ १६: शिब्भाचिख्या त्रि॰ (निर्भार्तित) ४५४। आपेत. उपालाम्भतः उलाह्ना दिया हुयाः भर्त्सना कियाहुआ. Reproached; rebuked नाया० १८: शिब्भय. त्रि॰ (निभय-निर्गतो भयात्) अप रिदेत. निर्भय; भयराहित; निडर. Fearless नाया० १; ४; =; १७, पराह० २, ३; शिविभाजनाशा त्रि॰ (निर्मिषमान) अतिशय भेटातुं. खूब भेदा हम्रा. Excessively pierced; excessively torn, "नाव केतर पुराणं वा अण्वायंसि डाव्सिजमाणाणं गिविभजमा गागं वा " भग० १८, २: जं० प० जीवा० ३: णिमः त्रि॰ (निम) सदश; सर्भुः; तुल्यः समान; सरीखा, तुल्य. Like; similar; resembling; equal श्रोव॰ च्याजो० १३०, जं० प० ३; णिभग पुं॰ (निभन्न) लांगवुं; तूरवं ते. भूटना; ट्रना. Act of breaking or being broken. परह॰ १, १, √िशा-भत्थ. घा॰ II (नि+भश्मे) निरश्डार **५२वे।** तिरस्कार करना To reproach; to insult. ग्रिभत्थन्ति. नाया० १६; शिभत्थेहिन्ति भग १५, १; णिभिदिय सं॰ कृ॰ घ० (निभिद्य) अति भेटीने. श्रतिभेदन करके, बहुत खूव छेदकर

Having broken or

too much. निसी॰ १७. २३; √िख-मंत. धा॰ II. (ान + मन्त्) ओंशंत (यथार करवे। ते. एकांत विचार करना, गुप्त मंत्रण करना. To think or consult in a private, retired place. शिमंतयति. स्य॰ १, ३, २, १४; गिमनति. स्य॰ १, ३, २, १६; गिमंतमाण श्राया० २, २, ३, ६०; णिमंतणाः सी॰ (निमंत्रणा) आभंत्रश् કरवुं. आमंत्रणकरना. Act of inviting. (२) प्राथ^रना धरवी प्रार्थना करना. not of requesting. भग॰ २४, ७; स्य॰ १, ३, २, २२; पंचा० १२; शिमरगः प्रि॰ (विमप्त) ५ भेशः भुयेशः तक्षीन. ङ्याहुत्राः, मप्त, तक्कोनः, Drowned; sunk in mud; plunged or absorbed in भोव॰ १०; जीवा० ३, ३; पराह० १, ३; श्णिमग्गजला स्नी॰ (निमन्नजला) तिभिश्न ગુકાની અંદર વહેતી નદી. तिमिस्र गुफा के भीतर यहनेवाली नदी. A river a cave named flowing in Timisra. जं॰ प॰३, ४४; √िंग्ग-मन्ज्ञ. धा॰ I. (नि+मस्त्र) श्नान કरवुं. नहाना, स्नान करना. To bathe; to take bath. श्चिमजावेइ प्रे॰ जं॰ प॰ ३, १५; श्चिमज्जग. पुं॰ (निमजक) ५ुलप्टी भारी स्तात **५२नार तापसनी ओ**ं कात. डुबकी लगाकर स्मान करनेवाले तपास्त्रयों की एक जाति

विशेष. A class of ascetics whose

characteristic is to remain

submerged in water for some

time while bathing. निर॰ ४, १;

सग० ११, ६;

pierced

शिमज्जर्णा. न॰ (निमज्जन) જલમાં अवेश ४२वे।; ५ अश्री भारवी. जलमे घुसना, पानीमें इवकी लगाना Act of plunging oneself into water, act of diving into water. परह॰ १, १;

णिमि पु॰ (निमि) परिध, वर्तु स. चकः; गोलाकारः, परिधि, वर्तुन A. curcle; a. circumference जीवा॰ ३, ४;

शिमित्तः पुं॰ (निमित्त) धारणः छेतु कारणः, हेतु. उद्देश्यः मशा Cause; immediate cause. नाया १; १४, पंचा॰७, २६; (२) ओड प्रधारनु नानः, निभित्त शास्त्रश्री सूतः, सिमित्त शास्त्र से भूतः, मिनच्य जानना a branch of knowledge, knowing past and future events by the help of omens etc.प्रव॰१३,—पिंडः पु॰ (-पिएड) साधुने निभित्त णनावेक्षे। पि ५-व्याहार साधु के लिए तयार किया हुआ भाजन food prepared for a Sādhu श्राया॰ ठा॰ २, १, ६, ४०,

शिमिस पु॰ (निमिष) आ भीत प्रकारी श्रील का इशारा, पलक मारना A twin-kling of an eye. श्रीत॰ ६, ३;

णिमिसिस्र पुं॰ (नैमेषिक) आ भना प्रविधारा केटली यभत. पत्तक मारने इतना समय; निमिष Time required for the twinkling of an eye. जीवा॰ ३;

शिमेस्त पुं॰ (निमेष) आंभिता प्रवादी; आभ ઉधाउ वी य करवी ते आख खोलना व मीचना, परुक मारना A twinkling of an eye: act of winking भग॰ ने४, १,

शिक्मेंस त्रि॰ (निर्मास) भास रिहित मांस हीन, विना मांस का Without flesh; fleshless नाया॰ १;

Vol 11/121

शिम्मह्म. पुं॰ (निर्मर्दक) आगशाने भारीने ये.री धरनार; क्षुटारा. हत्या करके चोरी करने वाला; लुटेरा One who commits theft with murder; त robber. पग्रह॰ १,३;

णिम्मिद्दिय त्रि॰ (निर्मिद्ति) भ६ न ६रेस; ६सेस. मर्दित, पीसा हुआ; दलन किया हुआ; चूरचूर किया हुआ Pressed, ground. परह॰ १, ३;

गिम्मल. ति॰ (निर्मल) निर्मल; स्वच्छ. मलरहित, साफ; स्वच्छ. Pure; pellucid; stainless. नाया० १; भग० २, ६, १४, १, सम॰ प० २११, जावा० ३. तंदु० पन्न० २; (२) पुं० ४भ रूपी मेलथी विशुद्ध थयेश; सिद्ध लगवान. क्रमह्मी मेल से शुद्ध, सिद्ध भगवान. free from the impurities of Karmas; a perfected soul श्रोव० (३) ध्रम्द्धी। ना छ विभानभांनुं थे। शुं विभान ब्रम्म लाक क छ विभानभांनुं ये। शुं विभान ब्रम्म लाक क छ विभानभांनुं सिद्ध स्वानोंमेंसे ४ था विमान the 4th of the 6 heavenly abodes of Brahmaloka ठा० ६;

शिम्मवद्तार. त्रि॰ (निर्मापयितृ) सक्षता पर्यं त अर्थं अरनार; अर्थं सिद्धि मेश्र नार. सफलता प्राप्ति तक कार्यं करने नाला, दढ निश्चयी, कार्यमें सफलता पानेनाला. (One) who works on till success is attained, (one) who accomplishes the work undertaken (by him). ठा॰ ४, ४;

णिम्मिहियरागरोसः त्रि॰(निमिधितरागरेाप)
के थे राग देप भथी नाण्या छे ते जिसने
राग द्वेप पर निजय पाया है नहः राग द्वेप
रहित (One) who has subdued
or crushed out attachment
and hatred जीना॰ १:

ाणिम्माद्य. त्रि॰ (निर्मात) निर्माणु धरेल. वनाया हुन्ना; निर्मित. Produced or created. श्रोव॰ ३१:

शिम्माय. पुं॰ (निर्मात) निर्माणु धरेल. बनाया हुआ. Made or created. नाया॰ ५; जं॰ प॰ ३, ४१;

णिम्माचितः त्रि॰ (निर्मापित) णनावेक्षः रेथेक्षः वनायाहुत्राः रचितः Made; constructed; caused to be made. "पंचमहब्भूया श्राणिम्मया श्रणिम्मावित्ताश्रकडाणोकित्तिमा "स्य॰ २, १, १०;

श्णिमियः त्रि॰ (निर्मित) निर्माणु धरेशः वनाया हुत्रा; रचितः निर्मितः Created; produced. स्य॰ २, १, २२; नाया॰ १; ठा॰ ६; श्रोव॰ — चाहः त्रि॰ (-वादिन्) ॰ ०००त धश्वरे थनावेश छे स्रेभ भासनार. संसार परमात्मा का बनाया हुत्राहै यों कहने वाला. (one) who affirms that the universe is created by God ठा॰ ६;

णिमिसिय. त्रि॰ (निर्मिषित) आंभ पी येस;
आंभिने। पस्तारी भारेस श्रांस बन्द किया
हुआ; पत्तक मारा हुआ; निर्मिषित नेत्र
(One) with eyes closed; (one)
who has winked (his) eyes.
भग॰ १४, १;

णिम्मूल त्रि॰ (निर्मूल) भूध पगरनुं. मूल राहत. Having no root; baseless. "निम्मूलुल्लुण कण्णाट्ट नासिका च्छित्र हत्थ पाया "पगह॰ १, १, ३;

णिम्मेर. १त्रे॰ (निर्मर्थाद) भर्याद रिहत. निर्सीम, श्रवार, मर्यादा रिहत; बेहद. Disrespectful; immodest, unlimited. राय॰२०=; ठा॰ ३, १; भग॰ १२, =; ज॰ प॰ २;

श्चिम्मोयशी. स्री॰ (निर्मोचनी) सर्भनी

डांयली. सांप की केंचली. The slough of a serpent. "जहाय भोई तख्यं भुवंगी विक्रीयणी दिश्व पलेइ मुती " उत्तर १४, ३४;

णिय. त्रि॰ (निज) भेतातुं; अंगत. निज; श्रपना; निजका. One's own; pertain. ing to one's self; personal. " यां। लटभंति। यायं परिगाहं " श्रीव॰ १, २, २, ६; श्रोव॰ ४०; —कुक्क्लिस. स्री॰ (- কুবি) પાતાની કું ખ. निजकी कॉख; कुत्ती. one's own womb. नाया॰ ३; —जोगपवितिः स्री॰ (-योगप्रवृत्ति) पे:ताना थे:गनी अवृत्ति व्यपनी निजकी कार्य -योग प्रवृत्ति. one's own physical, mental or moral activity.पंचा ंर, ३६; — लिंगि. त्रि॰ (-विद्धित्) पेताना भतवादी. निजकी संप्रदाय-मतवाला. (one) devoted to or holding one's own creed. जीवा॰ ३;—समय पुं॰ (-समय) पेतानी सभयः अवसर. निजका-भ्रपना-खुद का श्रवसर. one's own time or opportunity. पंचा॰ :35.3

शियइ. जी? (नियति-नियमनं नियतिः) हैं व; लाग्य. दैवः भाग्य. िम्सं हं destiny; providence. स्य॰ टी॰ १, १, २, ३; ठा॰ ४; (२) लाबी लाव होनहार, नियति. destined or fated event. — कड तिं ० (-कृत) हैं वे ३रेक्ष; लावि लावधी जनेक्ष. दैव सम्पादित, होनहार द्वारा घटित-किया हुआ. fated; decreed by fate; destined. स्य॰ १, १, २, ३; —चाइ. पुं० (-वादिन) लावी लावने भाननार होनहार-भावी पर अद्धा रखने वाला. a fatalist; (one) who believes in the power of destiny

or fate. नंदी॰

गियइ. स्नी॰ (निकृति) भाषा; अपट माया;
कपट; छत्त. Dishonesty; cheating,
deceit. पगह॰ १, २; सम॰ —कम्म.
न॰ (-कमन्) भाषा अरवी ते; २६ भी
गांध् योदी. कपट कार्य; प्रपंच; २६ वां गोंग
चोती. deceit; a deceitful act;
29th species of minor or secondary thefts पगह॰ १, ३;
—पग्गाण. त्रि॰ (-प्रज्ञान-निकृतिमाया
ताद्विषये प्रज्ञानं यस्य स तथा) अपट
ग्राधुनार. कपटी; मायावी; छत्ती. deceit
ful, (one) conscious of deceit.
सम॰ ३०,

णियइपञ्चयः पुं॰ (नियतिपर्यंत) એ नाभने।

ओ पर्वत हे ज्यां वाख्यंतर हेवे। हीडार्थ
वैद्विष शरीरनां जिल जिल किन रूपे। धारख्य

धरे छे एक पर्वत विशेष कि नहां वाख्यव्यंतर
देवता कीड़ा के लिए वैकिय शरीर के मिन्न
भिन्न रूप धारण करते हैं. Name of a
mountain where the gods of
the Vānavyantara class
change their bodies into various shapes by the Vaikriya
process for sport. जीवा॰ ३; राय॰

णियइय. न॰ (नैयितक) निश्चयः अवस्थपे शुं निश्चितताः स्थिरता, श्चनिवार्यता, नियति से सम्बद्ध. Certainty: state of being absolutely certain पन्न॰ १७; णियंटिय. ति॰ (नियन्त्रित) प्रताप्यान्ती। એક પ્રકाર, गमे तेवी मुसीयन होय छतां पन्यपाण् न छोडवां ते एक प्रकार का प्रत्याख्यान, चाहे जैसी कठिनाई में भी प्रत्याख्यान-पचलान का न तोडना A mode of the vow of abstinence viz. maintaining it under any circumstance. তা ৭৭;

शियंड. पुं॰ (निर्मन्थ) णाह्य अने अस्यन्तर अन्य-परिश्रह रहित; साधु अन्तर्नाह्य प्रन्थ-प्रारम्बह रहित; साधु. One not possessed of worldly wealth nor internally attached to it; an ascetic. भग॰ ४, १; २४, ६; ठा॰ ३, २; ४, ३;

णियंठत्तः न० (निर्धन्यस्त) निधिन्य । छुं; भभत्परिक्षतः साधुपछुं । निर्धन्यता, ममत्व-विहीन-साधुता Asceticism; monkhood bereft of all attachments. भग० २५, ६;

णियंडिय. त्रि॰ (नैप्रीन्थक) निभेन्य स लंधी. निर्भन्य विषयक Pertaining to an ascetic; pertaining to a Tirtha nkara. स्प॰ १, ६, २६;

√ शि-यंस- था॰ II (नि + वस्) ५ ६२ वृं; धारण करना. To wear; to put on.

थियंसेह. जीवा०३, ४, राय०१८६, नाया०१; थिश्रंमह. जं० प०

गियंसिता. जीवा० ३, ४; राय • १८६;

णियंसण. न॰ (निवसन) पत्त्र; पे.शाक वह्न; पोशाक Dress, garment, attire श्रोव॰२४; पगह॰ १, ३; नाया॰ ८, पन्न॰२; निसी॰ १४, ३४;

णियम त्रि॰ (निजरु) पेतितनुः २२ क्षीयः अपना, निजरु । स्वीयः One's own. नाया॰ १;२;४,७;६;६, भग॰ ६,३३; १२,६,१४,१; १६, ४;६; विवा॰७, आया०१,२,१,६४, —परिचाल पुं॰ (-परिचार) पेतिति। परिचार निज परिचार; अपना कुटुंब. one's own attendants, family. 'पियगपारवोलण साद्धं सपरिवुडे''राय॰ श्रोव॰ णियांड स्रा॰ (निकृति) ए४ दृति, एशक्षानी

पेंद्रे धर्म ना द लथी लेकिन ध्या ते, भाषा अपट अरलुं ते चगुला भारतः; चक्केष्टाः; चगुलंके समान मिथ्या धार्मिक ढोंग फैलाफर-कपटपूर्वक-लोगोंको टगना Hypocrisy; nct of deluding others by affection of holiness. स्य० २, २; ६२; नाया० २; १८, पगह० १, ३; भग० १२, ५; —पगणाण. त्र० (-प्रज्ञान) भाषा अपट ज्ञाल्या. मायावी, कपटी. familiar with fraudulent and deceitful practices दमा० ६, २४, २४;

णियडिल्लया स्त्री॰ (निकृति) भाषा; ४५८; माया; कपट; छल. Deceit; fraud. भग• ८, ६, ठा० ४, २;

रियाणियः ति॰ (निजनिज) भानभानानुं अपना खुदका; अपना अपना One's own (the use of this is rather peculiar to Indian vernaculars; in English it can be conveyed by the following example—They went to their houses each to his own). पंचा॰ २, १२;—तित्थः न॰ (-तिथं) भातभाता सिद्धांत-अपथन अपने २ सिद्धान्त प्रतचन each one's religious creed. पंचा॰ ६, ३६; शियत. ति॰ (नियत) शाक्षत शाक्षत; निरं-

शियत. त्रि॰ (नियत) शाश्वत शाश्वत; निरं-तर; सतत Everlasting; eternal. ठा॰ १, ३;

णियति. स्री॰ (नियति) लुओ। "शियह्" शण्दः देखो 'शियइ' शब्दः Vide 'शियइ' स्य॰ २, १, २६; — वाइस्रः ।त्रे॰ (न्वादिकः) लाविलाव हाय तेल लने पुरुपार्थं अहिं थितः र छे ओम भावनार. दैववादी; मावी श्रद्धा रखने वाला; जो होनहार हो, वही होता है, शादमी कुछ नहीं कर सकता, श्रादि यात कहनेवाला. त fatalist, (one)

who does not believe in the power of human effort. सूब॰ २, १; २६;

शियतिपद्ययः पुं॰ (नियतिपर्वतक) शे नाभने। शेक्ष पर्वतः इम नाम का एक पर्वतः Name of a mountain. जीवा॰३,४; शियतः त्रि॰ (निवृत्त) निवृत्तः, निवृत्ति पत्भेतः निवृत्तः, छूशहुन्नाः. Retired; free; (one) who has abstained from. "परिमाहारंम नियत्त दोसा" उत्त॰

ष्मित्त. त्रि॰ (निष्ठत) छेटन इरेस; धारेस. छेदाहुआ; काटाहुआ. Cut; mowed. नाया॰ १; २; १८;

खियत्तिग्यः न॰ (निवर्तनिक) क्षेत्रतुं भाप विशेषः जेत्रका एक विशिष्ट मापः A kind of mensure of space. भग• ३, १: —मंडल पुं॰ (—मग्डल) शरीर प्रभाशे भूभि शरीरके प्रमाणातुसार भूमि space measured by the length of the body. भग• ३०, १;

णियत्थः त्रि॰ (निवसित) पहेरेक्षः, धारध् क्षेत्रः पहिनाहुका धारण कियाद्वमाः Worn; put on. नाया॰ १: १६:

शियम. पुं॰ (नियम) नियम, अलिशह, नियम; आभिग्रह; संकल्प. A vow; क species of vow called Abhigraha. भग॰ ६, ३४; १८, १०; २०, ८; ४२, १; नाया॰ १; १६; राय॰ २१४; संत्या ॰ (२) पिंड विशुद्धी आहि उत्तर गुण, गिंड विशुद्धी आहि उत्तर गुण, गांवा प्रवासिक such as purity relating to food etc. सम॰ प॰ १६८; पएह०२,४; भग०२०,८; (३) निश्चय; निश्चय; वीडिश्स निश्चय; ठीकठीक. टिंडा स्वारम्, अपार्थ, भग०

१२, १०; १६, ६; श्रगुजो॰ ६१; (४) અ५१५ सावना. प्रवश्य भावना. unavoid able necessity. सम॰ ६; सूय॰ १३; १२३; — ग्रंतर पं॰ (-मन्तर) नियम वन्ये भांतर-शांधा-भेद. नियम विषयक अन्तर-भेद-शंकाः ference between one rule and another. " ग्रायंतरेहिं ग्रियमंतरेहिं " भग० १, ३; -- खिष्पकंष्प. त्रि॰ (-नि-ष्प्रकम्प) अपवाद विना नियम पासनार, नियम पालवामां युस्त-४८४. ऋडक नियम पालक; दढ सिद्धान्त वाला. unfailing in the observance of yows. पराहर १, १, -- द्वहारा. त्रि॰ (-प्रधान) उत्तम नियम-वत अक्षित्रह वादी। शद संकल्प: उत्तम नियम बाला. (one) practising hard and austers vows. राय०

शियम श्रो थ्र॰ (नियमतस्) नियमधी. नियम से; नियमातुपार. From a yow; through a vow, as a rule or vow. पचा॰ ३०, ४०;

णियमण न॰ (नियमन) सथम संयम, श्राहम दृत्ति निरोध Act of controlling, e. g the sense; self-restraing. " उद्देश्तिम चउत्थे समास वयणेणियमणं भणिषं " श्राया नि॰ १, ४, १, २१६;

शियय. त्रि॰ (नियत) शाश्वत. नित्य २६नार हमेशा रहने वाला, शाश्वत-स्थिर-स्थायी Eternal; everlasting स्य॰ १, ६, १२; जीवा॰ ३, १; - चारि त्रि॰ (-चारिन्) अतियध प्रश्वर विद्वार क्रमार स्वतंत्रचारी, यथेच्छाचारी. (one) roam ing or moving unobstructed from one place to another " श्राखिले श्रागिद्दे श्रागिएयचारी" स्य॰ १, ७, २८; — पिंड. पुं॰ (-िगरड) ६भेशां એક धरथी देतीमां आवते। पिंड आढार. सदैव एक ही घर से लिया जाने वाला भोजन. food daily received as alms from one and the same house. ठा० १०:

शियय. त्रि॰ (निजक) धातानं निजी; श्रपना; ख़द का. One's own. नाया॰ १; २; १८; भग०१२,६; --वयाणिजाः त्रि॰ (-वचनीः य) પાતાની દષ્ટિએ વિવેચન કરવા–નિરૂપગ ५२वा थे।२४. अपनी हाइसे विवेचन करनेयोग्य. व्यास्म दृष्टि से निरूपमा करने योग्य fit to be explained from a particular accepted standpoint " शिपयवय शिजसन्ता सन्द्रमया दियानको मोहा 'सम॰ १, - कज्ज न॰ (-कार्य) पात्न नर्धी **≗रैं**स क्रत्रिय. अपना-निजी-ानिश्चित कर्तव्य. one's own prescribed or settled duty. नाया॰ १६; —घर न॰ (-गृह) पे।तातुं धर निज गृह; घर का घर. one's own house नाया॰ ६, -प-रिखामः न॰ (-परिखाम) स्वालिप्रायः भाताना भतः स्वाभिष्राय, भ्रपनी राय,निजकी सम्मति. one's own view or opiuion; " शिययपरिशामा" जीवा॰ १: -- बल. पुं॰ (-बल) पेतानु णश, आत्म-णस त्रात्मवत्तः स्वशक्तिः त्रात्मपौरुषः one's own strength of the mind or body नाया॰ १६:

णियर पु॰ (निकर) सभू८; जर्थे। समूह; कुड A multitude, a collection. नाया॰ १; ६, १७,

णियल ति॰ (निगड) अधनः भेडी. वेडीः; वंधनः कैदी की जंजीर Fetters. श्रोध॰ नि॰ ४६७, शियल्ल. पुं॰ (निगड) ८८ महाश्रहमांनी ५३ भे। भुदाश्रद्ध == महाग्रहोमें से १३ वां महा-ब्रह The 53rd of the 88 great planets. " दो खियल्ला "ठा॰ २, ३; शियाग पुं॰ (नियाग) भे। स मोत्तः मुक्तिः निर्वाण. Final beatitude; salvation. सूय॰ १, १६, ४; —पडिवन्नः त्रि॰(-प्रतिपन्न) मेक्ष भाग'ने प्राप्त थयेल. मोच मार्ग को प्राप्त; मोच मार्गा. (one) secured the path who has leading to salvation. धम्मविक-शियागपहिचन्ने "सूय॰ १, १६, ४; शियाणः न० (निदान) नियाधं क्रयंः तपस्या વગેરે કરણીના કલની વાંછા કરવી, કરણીનું અમુકક્લ મલે એવી આશા રાખાી તે. निदान लगाना, तरस्या आदि कर्मी की फता-कांचा करना, अमुक कार्य से अमुक फत मिलने की आशा रखना. Desire for future sense-pleasures as neward for austerities; hope of fruit for actions done नाया॰ १२; १६; श्रोव॰ १६; ३८; ठा॰ १०; --करगा. न॰ स्य० २, ३, १, (-करण) नियाध् भाधवु ते, धरशीना કુલ તરીકે ચક્રવર્તિ-ઇંદ્ર વગેરે થયાની પ્રાય[ે]ના **४२** ते निदान लगानाः कर्म फलानुसार इन्द्रादि पद की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करना. act of praying that as a result of one's actions one might be an Indra, a Chakravartī etc তা॰ २, ४; -दोस. पुं॰ (-दोष) नियाखं णांधवाथी बागता हाप. (कर्म फल) करने के कारण लगने वाला दोष. sin incurred by desire for reward of actions (religious etc.) नाया॰१६; -मयगः पुं॰ (-मृतक) नियाणुं णांधीने भरनार.

(कर्म फल) की इच्छा रखकर-मरने वाला. (one) undergoing death with a heart full of desire for the reward of good actions done by him. श्रोव॰ -- मरण. न॰ (-मरण) નિયાણું બાધીને મરવું તે; બાલ મરણના ओ अधार. कम फल की इच्छा सहित मरणः; वालमृश्यु निशेष. an ignorant, non-religious mode of death; death in a state in which the heart is full of desire for the reward of meritorious deeds done. ठा॰ ६; —सञ्ज. न॰ (-शस्य) સ પત્તિ પામવાને નિયાણું કગ્લું તે; ત્રણ शस्य मांतु व्येक घन प्राप्ति के अर्थ नियाणा करना; फलाकांचा रखना; तीन शस्यों में से एक. one of the three thorns in the spiritual path; Niyānā for getting wealth etc डा॰३,३;नम॰३; णियाणुद्रो अ॰ (निदानतस्) धारखुथी. कारणतः; कारण से. Owing to; on account of. श्राया॰ १, ६, १, १७२; श्चियायः पुं॰ (नियाग — नितरां यजनं यागः पूजा यस्मिन् सः) भेक्ष मोन्तः मुक्ति Salvation स्य॰ १, १, २, २०; —हि. ।त्रि॰ (- । धिन्) भे। क्षती। अर्थ मोन प्रापि का इच्छुक, मोचार्याः मुमुचु (one) desiring or aiming at salvation. " एवमेगं खियायठी धम्ममाराहगावंय " स्य॰ १, १, २, २०; —पडिचरण. त्रि॰ (-प्रतिपन्न) भेक्षिने प्राप्तथयेश मोत्त प्राप्तःमुक्तः (one) who has attained salvation; liberated."नियायपडिवन्ने श्रमायं कुन्यमाणे वियाहिए" श्राया०१, १, ३, १८; **णियावादि** त्रि॰ (नियतवादिन्) ५६१थी એકાન્તે નિત્ય છે એવા મતવાલા. સારે

पदार्थ एकान्त नित्य हैं ऐसे मत वाला A believer in the doctrine that the things are everlasting श॰ ६, १;

णियुत्त. त्रि॰ (नियुक्त) नियुक्त ६रेक्ष; लोडेक्ष. नियुक्त किया हुन्ना; स्थापित; जुडा हुन्ना; लगाया हुन्ना. Employed; appointed; joined. नाया॰ ६,

शियुद्ध. न० (नियुद्ध) भ६ तन् युद्ध पहल-वानों की कुरनी, मल्लयुद्ध. Wrestling. जं०प०

णियोग पुं॰ (नियोग — नियतो निश्चितो वा योगः सम्बंध इति नियोगः) अनुये। ग, ०४। पार. श्रमुयोगः च्यापार Employment, application; activity (२) निश्च 4; ये। छत्त. निश्चयः चोक्कत. certainty; surety. पंचा॰ ६, १७,

णिरस्र त्रि॰ (निस्त) धीन, व्यासक्त मझ; इवा हुन्ना; अ.सक्त; लीन. Attached to; absorbed in. पएह॰ २, १;

णिरइ स्रो॰ (निकाति) राक्षसः राज्ञसः A kind of demon. (२) भूभ नक्षत्रने। अधिष्ठाता देवताः presiding denty of the constellation Müla. "दो णिरइ" टा॰ २, ३; जं॰ प॰ ७, १५२;

णिरइयार पुं॰ (निरातिचार) पहेशा अने छेश्ता तीर्थं इरना वणतमां अतियार काणा विना के सामायिक यारित्र छेडी जीलुं यारित्र आरे। पामां आने छे ते; छेहे। परथा पनीय यारित्रने। जीको लेह पहिले और अन्तिम तीर्थं के समय में विना आति चार लगाये सामायिक चारित्र के सिवाय दूसेर चारित्र का जारोपनः छेहे। स्वापनीय चारित्र का दूसरा प्रकार. The 2nd variety of Chhedopasth pa

niya Chāritra; (during the times of the first and the last Tirthankaras) the practice of taking the second step of accetic discipline passing over the 1st viz. Samāyıka chāritra (this did not involve in those days the sin of Atichāra) भग०२४, ७; (२) ति॰ अतियार रहित. प्रतियार रहित. free from the sin of partial transgression. नाया॰ ७;

शिरंगण. त्रि॰ (: निरङ्गण) राग रहित. रागरहित, विरागी. Free from passion पन्न॰ १९;

णिरंज्ञण. त्रि॰ (निरञ्जन-निर्मतो रञ्जनो यस्मात् सः) रागथी रहित; भुक्त राग रहित, मुक्त. Devoid of attachment, liberated; free from worldly attachment " संख इव णिरंज्यो" ठा॰ १, १;

णिरंतर न॰ (निरन्तर) निरतर; ७नेशां. हमेशा; सदैव Constantly, incessantly भग॰ १३, ६; १६, १, २, ७; ४१, १; राय॰ ३४; श्रोव॰ ठा॰ २, ३,

खिरंतरिय त्रि॰ (निरन्तिक-निर्गताड न्तिरिका लध्वन्तररूपा येपा ते निरन्तिरका) ०४११५७ अंतर रिक्षत स्नतर-स्रवधि रहित; भेद श्रन्य Without any interval. जीवा॰ ३; राय॰ जं॰ प॰

णिरगुडकंप ति॰ (निरचुकम्म) अनुध्या रिक्षित, निर्ध्यः अनुक्रमा विहीन, कठारः निर्देयः Merciless, unsympathetic, cruel पगह॰ १, ३; नाया॰ २;

गिरसुक्रोस ति॰ (ानरनुक्रोश) ध्या शिद्रत. द्यारहित, निर्दय Callous; ruthless

नाया॰ २:

िष्रिं गुताबः त्रि॰ (निरनुताप) पश्चाताप रिंत. Unrepented; remorseless. नाया॰ २;

गिरत्थम. थ्र॰ (निरर्थक) है। ३८; निरर्थं ३. सुक्त, निरर्थं क; इयर्थ; तृथा. Useless; in vain, परह० १, २;

णिरभिस्तंगः त्रि॰ (निराभिष्दञ्ज) संग रिक्षतः, भासाभ्यन्तर द्रव्य परिश्रद्ध रिदेतः; नि २५६. संग रिहतः, बाह्याभ्यन्तर द्रव्य परिश्रद्द द्दीनः; निरिच्छः; निस्पृद्द. Free from attachment to worldly objects; free from desire. पंचा॰ २, ३४;

गिरयः त्रि॰ (निरत) श्रासकः; मोहमयः मन Attached to. सम॰ शिरय पुं॰ (निरय) नरु नरुक (२) तरकता छव; नारकी. नरक के जीवः नारकी. hell-beings पन ० २; पगह॰ १,१; दसा॰ ६, ४; —श्रावलिया स्री॰ (-श्रावित्र हा) निरय-नरक्षनी आवितिहा-श्रेण्शी-पक्ति બન્ધ નરકાવાસ. नरक की श्रावालिका-श्रेषि: पाँकेतबद्ध नरकावास. व row of abodes in hell; a series of abodes of hellish beings. पन्न०२; (२) એ नामनुं ओक सूत्र सूत्र विशेष. name of a Sutra. जं॰ प॰ १; निर॰ १, ४; — स्रावासः पु॰ (-भावास--ग्रावसन्ति येपु ते ग्रावासाः निरयाश्च ते श्रावासाश्चेति) नरशवासी. नरक वास. नरकस्थिति. an abode of hellish beings. "इमीसे गं भंते रयगप्पभाए पुढर्वाए कह निरयावाससय सहस्सा पराणाता' भग०१, ४; पम०२५ ३०, ३४, ४०; ४२; ५९; ४४; ७४; ६४, —गर् स्रो॰ (-गात) नरक गति; यार गतिमांनी

थे। नरकगतिः चार गतियां में से एक. existence in hell; one of the 4 conditions of existence. হা॰ ५.३. १०:-गामि. त्रि० (गामिन्) तरक्षां जनार. नरक गामी: नरक में जाने वाला. (one) destined to hellish life. जं॰ प॰ २, २७; —गायरः पुं॰ (-गाचर) नरक्षमां रहेनार छवः, नारही. नरक में रहने वाला जीव, नारकी. an inmate of hell; a hellish being. पग्ह॰१, २, —पाडिस्तवयः त्रि॰ (-प्रति-रूरक) नरक सभानः नरक्ती नस्तीः नरकवत्; नरक समान प्रमाण. hellish; like bell नायाः ३: -पत्यहः प्र॰ (-प्रस्वर) नरक्षेत्रा पश्चित्रा नरक का प्रस्तर -यर. A stratum of hell. पत्र॰ ३; —परिसामैत ५॰ (-पश्सिमंत) नर्ध-**વાસની ક્**રતી બાજુ नरकवासकी सीमा. the boundary-line of a hellish abode. भग॰ १३, ४; १३; ६; —पाल. पु॰ (-पाल) नरक्षे पासनारः परमाधा**भी नर**क पालक, परमाधामी a custodian or sentinel of hell called Paramādhāmī. য় • ४; १; —बास. पुं॰ (-वास) नर४३५ यास नरकरूप वास; नरकवास. residence in hell. " शिरयवास गमणानिव ो " पगह० १, १; - विभक्तिः स्नी॰ (-विभाक्ते) नरक्ता विलाग नरक के विभागः नरकप्रदेश. divisions of hell (>) એ નામતુ સૂયગડાંગ સૂત્રતું પાંચમું २५६५४त. सूयगडांग सूह के पांचवे प्रध्याof the fifth यका नाम name Sūyagadānga of chapter Sūtra. परहर १,२; - विग्गहगइ. स्रं।॰ (-विग्रहगति — निरयाणां नरकाणां विग्र

हात् चेत्रविभागान अतिक्रम्य गतिर्गमनं निरय-विग्रहगितः) नरक्षमं वक्ष्णितिथे ज्यवुं ते. नरकमें टेढी गतिसे जाना. passing of the soul to hell by an irregular motion or progress. ठा० १०; —वेयिणिज्ज. न० (-वेदनीय) नरक्षमं वेदवा थे।२५ ४५. नरकमें अनुभन्न लेनेयोग्य कम. Karma bearing fruit in hell. " खेरद्द् खिरय वेयिणिज्जांसि कम्मेंसि." ठा० ४, १;

णिरवकंखिः स्रा॰ (निरवकांचिन्) अंक्षा-७२७।२७ निरिच्छ; स्राकाचाईनः Having no desire; free from desire. नाया॰ ६;

णिरवज्ज. ति॰ (निश्वच) निर्दोष निर्दोष, श्रनवद्य. Innocent; harmless. "से संजए समक्लाए णिरवज्जाहारे जे विक " दस॰ नि॰ ४, १;

शिरवयक्त. त्रि॰ (निरपेच) पर प्राण् वयाव-वामा भेररधार. पर प्राण्यस्तामें प्रसावधान. Careless as regards the safety of the lives of others पगह॰ १, १; नाया॰ १; ६:

णिरवलंब. त्रि॰ (निरवलम्ब) अपक्षभ्यत रिहेत; आधार-टेश पगरतीः निराधार; निर-वलम्ब, आवाराविद्यान Without any support to rest on पग्रह॰ 1, ३,

णिरवलाच जि॰ (निरवलाप) डेांग्रेनी वात णीलते न डंडी हेनार. दूसराको किसोको बात न कहनेवाता (One) not communicating to others a secret confided to (him or her). सम॰ ३२; णिरवसेस जि॰ (निरवशेष) संपूर्ण; समग्र सम्पूर्ण, समग्र, सारा Full, complete, whole. भग॰ २, १; १२, ३; १४, १; १६,

प. १६, प; २४, २०; २४, ३; ३४, १**१**;

Vol 11/122

नाया० १;

णिरहिगरण. ति॰ (निरधिकरण) भे। श आन् रं अ३५ शक्ष वगरते।. वडे आरंगरूप शस्त्रों से रहित Not possessed of weapons used for inflicting injury. पंचा॰ १६, २२;

गिरहिगरींग. त्रि॰ (निरधिकरांगिन्) अधि-५२७ २७तः, शस्त्र २७त. श्रधिकरण शस्त्र-विद्यानः, नि.शस्त्र. Not possessed of offensive weapons. भग० १६, १;

णिराकिञ्चाः सं० कृ० त्रा० (निराकृत्य) हुर क्रेरीने; त्यागीने. दूर करेक; त्यागकर; छोडकर Having repudiated; having given up 'ततोवायं णिराकिच्चा"सूय० १, ३, ३, १७;

शिरासंद त्रि॰ (निरानन्द) व्यान ६ रिदेत. निरानन्द, त्रानन्द रहित. Devoid of the feeling of joy. जं॰ प॰ २, ३३; नाया॰ १;

शिरांतकः ति॰ (निरातंक-निर्गतः श्रातक्को रोगविशेषो यस्मात्) रेश रिक्षितः निरोगः निरामयः स्वस्थ्यः, Healthy: free from disease. पराह॰ १, ४; श्रोव॰ तंद्

शिराभिमान जि॰ (निराभिराम-नितरां श्रभि-रामो निराभिराम) अति शुंदर श्रति छंदर; बहुत रम्य. Surpassingly beautiful. परह॰ १, २,

णिरामगंघ त्रि॰ (निरामगन्व) आभगंधि भुशेत्तर शुचुण उना ३५ देव तेथी रिहत. श्रामगन्व म्लोत्तर गुणखडरूपी दोगोंसे रिहत. Free from the guilt of a breach of fundamental or secondary virtues "से सत्रदंभी श्रमिभय नाणी णिरामगंबे धिइमं ठित्तपा" सूय॰ १, ६, ५; णिरायक. त्रि॰ (निरातक) क्रोणे। "णिरा- तंक " शण्द. देखो " गिरातंक" शब्द. Vide 'गिरांतंक' जीवा • ३, ३;

णिरायास ति॰ (निरायास) भेदना क्षारख्यी रिदेत खेदरहित; कष्टरहित; सग्तः सहज. (One) having no cause for sorrow परह॰ २, ४;

णिरालंबन त्रि॰ (निरालम्बन) आसम्भन आधार रिहत. निराधार; श्राधार-सहाय रिहत. Having no support to rest on. "गयणिमव णिरालंबयण" ठा॰ ६; नाया॰ ६;

णिरावकांकि त्रि॰ (निरवकांचिन्) आशंक्षा रिहत; निरपृढी. श्राकांचा रिहत; निरिच्छ; निरपृह Having no desire; unselfish. "निवसम गहाउ णिरावकंकी कार्य विक सेज्ज नियाणि छोते" सुय० १, १०, २६; णिरावयक्त त्रि॰ (णिरपेच) अपेदा रिहत जिसे श्रपेचा न हो वह; निरपेच. Having no desire; unselfish. नाया० ६; पगह० १, ३:

णिरावरण. त्रि॰ (निरावरण) आवरण रहित. Free from obstruction; unhindered. नाया॰ १४; णिरास त्रि॰ (निराश) निराश थेथेत. हतास्साहित; निराशित Hopeless पर्ह॰ १,३;—वहुल त्रि॰ (-वहुल) अति निराश वाले।. श्रत्यविक निराशापूर्ण. extremely despondent. परह० १,३;

णिरासव. त्रि॰ (निराध्रव) आश्रव रहित. श्राथ्रव रहित; पाप रहित. Not incurring sin; free from inflow of Karmic matter. पग्रह॰ २, ३;

शिरिध्याया स्त्री॰ (निरिन्धनना) ध्रधन-थसता भ्रमाय क्षेत्रन की कमी; जलाक लकडी का स्रभाय Absence of fuel भग॰ ७, १; ि रिक्खण. न॰ (निरीचण) भारीडीधी ब्रेचु; व्यवधी इन डर्चु ते. बारीकी से देखनाः निरीच्चण करना. Minute examination; minute, careful observation, श्रोब॰

शिरिक्खियः त्रि॰ (निरीचित) अविधेशन क्रेस; निरीक्षण् क्रेस निरीचितः श्रवलोकितः देखाहुश्रा. Observed: scrutinized. नंदी॰

√ शि-रंभ. घा॰ I, II. (नि-रंघ्) व्यटकानः रोकनः व्यः रे। इतुं; रूं धतुं प्रटकानः रोकनः निरोध करना To obstruct; to detain; to hinder (२) सन्भागे व्यवस्था करना. to devote to some good purpose. शिरुभंति स्य॰ १, ४, १, ५६; शिरुभंति स्य॰ १, ४, १, ५;

णिरुंभित्ता. श्रोव॰४३; स्य०१, ४, २, २०; णिरुंभण. न॰ (निरोधन-निर्गतं रोधनं निरोधनं) अ८४।यत, रे।४'णु; रू'धवुं. श्रटकाव, रोक; निरोध, विघ्न; श्रन्तराय. Detention; obstruction; hindrance. पगह० १, १;

णिहंभा स्त्री॰ (निहंभा) शे नामनी शेंध देवी. इस नाम की एक देवी. Name of a goddess. नाया॰ ध॰

शिहरुवार. न॰ (निहरचार) शै।य क्षिणाने वास्ते पण गाम ज्हार ज्याने। प्रतिणध श्रीचिक्रियार्थ भी प्राम बाहर जाने का प्रतिबद्ध मनाई Prohibition to go out of the city even for answering calls of nature. नाया॰ म;

णिरुच्छाह त्रि॰ (निरुत्साह) अत्याद रिखन. उत्पाह रहित; निरुत्साह. Devoid of energy; not industrious; inactive. जं॰ प॰ २, ३६:

णिरुजः न॰ (नीहक्-रुजामभावी नहिक्)
रेशिनी व्यक्षायः निरोगता, रोगका अभाव
Absence of disease; health
पंचा॰ १६, २८;

शिहत्त. न० (निहक्त) निइक्त; वेहमां व्यावेक्षां शण्दीनी निरुक्ति-व्युत्पत्ति दर्शा पनार शास्त्र. निहक्त; वेदो मे आये हुए शब्दों की ब्युत्पत्ति वतलाने वाला शास्त्र A Vedic etymological lexicon. स्त्रोव०३६;

शिहवक्रम. त्रि॰ (निहपक्रम) इंध्रेप् નિમિત્તથી જેનુ આયુષ્ય ત્રુટે નહી તે, જેટલુ બાંધ્યું હેત્ય તેટલંજ આયુષ્ય भागवे ते किसी भी कारण से जिसकी श्रायुष्य च्रय न हो; नियत त्रायुका भोक्ता. (One) who is not liable to death by any accidental circum stances before the life-period fixed by Karma, is over. नाया॰ ર૦; ૧૦; (૨) મનના શે ક આદિથી રહિત. मानासिक शोक आदि से रहित, free from mental trouble or sorrow. भग॰ २४, ७; —स्राउय. त्रि॰ (-न्नायुष्ह) નિકાચિત અ યુષ્ય વાલા; ગમે તે નિમિત્ત થાય તા પશ જેટલું આયુષ્ય ખાંધેલ હાેવ तेटसु पुरे पुरं से। गते ते. निकाचित आय वाला, चाहे जिस कारण के रहते हुए भी निश्चित आयु का पूर्ण मोक्ता. (one) who does not die before the life-period fixed by Karma in spite of any kind of accidental circumstances whatever their nature भग. २0, १0; —भाव. पुं॰ (-भाव) अभिनी अवस्य ભાગવટા; નિરુપક્રમપહોુ; કર્મ ના ઉપક્રમનાે | अशाय कमों का श्रानिवार्य भोग-निरुपक्रमता; कमें के उपक्रम का श्रभाव. inevitable unavoidable bearing of the fruits of Karma. पंचा ० ३. १४;

णिरुवािकहः ति॰ (निरुपिक्तप्ट) २५२०त शे। आदि ५ थेश रिद्धनः श्रन्तः शोक क्लेश श्रादि से रिहतः Free from mental or internal sorrow, untroubled in mind. "हदस्स ण्वगहस्स णिरुविहरुस जंतुणो " श्रणुजो॰ भग॰ २५, ७, ७० प॰ २, १६,

शिह्यक्केस त्रि॰ (निह्पक्लेश) शिष्ट आहि भाषा रिहेत शोक आदि वाबाओं ने राहित Free from worry and sorrow ठा॰ ७:

शिह्मचरियः त्रि॰ (निह्पचरित) छपयार निह्न धरेश शिद्धाचार रहित, उनचार रहित (One) who has not observed proper forms of respect. नाया॰ ५; शिह्मबद्दाः त्रि॰ (निह्मब्दा) छपद्रम रहितः निह्मब्दाः उनद्दा राहतः Free from troubles or obstacles. मग॰ १, १;

णिहवम. त्रि॰ (निह्पम) ७५भ। २६त. निह्नम; उन्मा-तुलना रहिन, श्रतुन, श्रतु-पम. Matchless; incomparable. जीवा॰ ३, ३;

गिहिन्यरियः त्रि॰ (निहाचरित) लुले। " शिहन्वरिय " शल्दः देखे। " शिहन्वरिय " प " शब्द Vide " शिहन्वरिय " नाया॰ ४;

शिहबलेब त्रि॰ (निपरुलेप) इमें देप रिक्षित. कमें बन्धन से रिहेत. Unsmeared by Karma, untouched by Karma. जीवा॰ ३; (२) रनेंद्र वगरने!. स्नेह हीन. free from attachment. पगह० २, ४;

शिह्यसमा. पुं॰ (निहपसर्ग) अन्म भरख् आहि ६५सर्ग रिहत; मे।स्. जनममरणार्द उपसर्गों से रिहत; मोच Freedom from such troubles as birth, death, etc.; salvation नाया॰ =;

शिह्यह्त. त्रि॰ (निरुपहत) जुणे। "शि-रुवहय" शण्दः देखो "शिरुवहय" शब्द. Vide "शिरुवहय" नाया॰ १;

णिरुवह्य नि॰ (निरुपहत) रे।गाहिथी निंद्ध द्वांथेस. रोगादि से मुक्त. Unharmed by unaffected with disease etc. भग॰ ७, १; ६, २३; नाया॰ १; ३; ४, ६; ७, परह० १, ४; (२) विश्वार रेदित स्राविकारी, विकार होन. free from transformation or modification. स्रोव॰ राय॰ (३) ल्पराहि ६५६५ रिदित. ज्वरादि उपद्रव रहित free from such troubles as fever etc. जीवा॰ ३; शिखविंगा नि॰ (निरुद्धित) ६८० रिदित

णिखविग्ग त्रि॰ (निरुद्धिग्न) उद्देश रिद्धतः भनती व्याद्वसता वगरनी. विकलता विहानः प्रव्याकुनः श्रतुद्देगः Free from mental distress; unworried. नाया॰ १, १७;

ाणिहस्साद्व ति (निहःसाह) ઉत्साद-उद्यम् रिदेत उत्साह-जाश द्दीन Devoid of zeal or enthusiasm; lazy. "णहु धम्मणिहस्साहा" स्य िनि १, ४, १, ६२; णिरूविऊण सं ॰ छ ॰ अ ॰ (निरूष्य) आ-

दी।यना करके. Having made a full confession; having seen or

perceived. पंचा॰ =; १०;

िष्किचियद्यः त्रि॰ (निरूपियतन्य) आक्षीयवा थे।२४. ह्यालोचनाः कं योग्य Worthy of being confessed; worthy of being seen or perceived. पंचा॰ ११, २०;

िण्ह्रह. पुं॰ (निरूह) नाडीमांथी क्षेष्टी धादवुं ते. नसमें से रक्त निकानना. Act of letting out blood by opening n vein. " श्रग्रुवासणेहिय बरिय कम्मेहिय निरूहेहिय सिरावेहिहय" नावा॰ १३;

णिरेय त्रि॰ (निरेज) निष्प्रक्षम्प, निश्रसः निष्प्रक्षम्पः निश्रमः श्रद्धल Firm; stendy; motionless भग॰ ४,७;२४,४; णिरोद्र त्रि॰ (निरूटर—निर्गता उद्देविकारा येम्पस्ते) नानां पेटवातीः उद्देविकाविनाने सामान्य पेटवालाः पेट सम्बन्धी वीमारी ने रहित. (One) with a small belly; (one) free from any disease of the belly जीवा॰ ३: पग्ह॰ १, ४:

गिरोह. पुं॰ (निरोध) निरोध; व्यटकार निरोध, श्रटकार Obstruction; check; prohibition. नाया॰ २; भग॰ २४, ७; (२) ઇटियाहिना निग्रह करने। ते. इन्द्रिय निम्रह. act of subduing the senses etc उत्त॰ ४, ८;

√ शिर्-इक्ख. घा॰ I (निर्+ईंच्) लेवुं; निरीक्षण करवां. देखना; निरीक्षण करना. To see; to observe carefully.

णिरिक्खइ. नाया० ८; णिरिक्खित्ति नाया० ८; णिरिक्खमाण नाया०८;

√िंगर्-तर था॰ I,II. (निर्+तृ) पा२ पाभवुं; छेडे। आख्वे। पारपाना; समाप्त करना. To complete; to bring to an end.

गित्थारयामि प्रे॰ नाया॰ ६; गित्थरहः नाया॰ ५; गित्थरेजामो. वि॰ नाया॰ १५; णित्थरिहिह. भग० व० नाया० १८; शित्थारेजंत. क० वा० व० कृ० संत्था०

 $\sqrt{$ िण् $oldsymbol{ ilde{\eta}}$ ्धाव \cdot घा $^{\circ}$ $^{\circ}$ $^{\circ}$ $^{\circ}$ हे। उनुः हरी आदी दोडनाः, तेजीसे भागनाः. To run; to move swiftly.

शिद्धावहे. नाया॰ ८; १७;

√िंखर्-धुण धा॰ I. (निर्+धू) भंभे-फेंकना; खंखर डालना. To shake off; to remove by shaking.

णिद्धुणे "सणिद्धुणे धुन्नमर्लं पुरेकडं" दस॰

७, ५७; विद्विचाया उत्त॰ १९, ६८;

 $\sqrt{\hat{}$ ाण् ζ -नम. घा॰ $\mathrm{I.}$ (निर्+नम्+णिच्) निश्चयथी नभाऽयुं; ६२ **५२**वुं. निश्चयपूर्वक नमाना; दूर करना. To subdue entirely; to remove.

णिक्रामण प्रे॰ वि॰ स्य॰१, ११, १५; $\sqrt{$ िण् $ilde{ ilde{ ilde{\eta}}}$ ्म था॰ II (निर्+नी) $^{oldsymbol{
u}}$ ७।३

લાવવુं; **કહાડવું. वाहर ल**ाना, निकालना To take out; to bring out णीं ग्रेहित. श्रोव० ३०; निसी० २, ५३,

नाया० ४, ६, दसा० १०, १;

गीगता. सं० कृ० श्रोव० ३०;

√ि श्रिर्-पज्ज. धा॰ I. (निर्+पद्) निपल्युं, अत्पन्नथ्युं पैदाहोनाः, उत्पन्नहो ।

To be produced; to be born. णिप्पज्ञइ जं० प० ?, १६,

''ार्याप्याजिस्सइ. भग० १४, १;

 $\sqrt{$ शिर्-भच्छु. धा॰ II (निर्+भर्त्स) तिरस्धार धरवे। तिरस्कार, श्रामान या घृणा करना. To show contempt towards; to scold.

णिडभच्छेइ. भग० १४, १; नाया० १८;

√िण्र्-भत्थ वा॰ II (।नेर्+भर्स) तिरस्धार धरवाः; लत्स ना धरवी. भत्मंना

करना; तिरस्कार करना. To scold; to threaten; to reproach.

ागीटभरथेइ ठा० ५, १;

√ शिर्-मिस धा॰ I. (निर+मिप्) आंभ खोलना ઉધાડમીચ કરવી. ત્ર્રાख मीचना; पलक मारना. To wink.

शिक्मिसेजा. वि॰ भग॰ १४, १,

 $\sqrt{\hat{}$ ाग्र्-बहु. धा॰ I,II. (निर्+गृढ्)टुं ५ ४२वुं; संकायवुं संकृचित करना; छोटा करना. To shorten; to contract.

णिवुड्टित्ता.सं०कृ० ''दिवसखेत्तस्स णिवुड्दित्ता रतिणक्षेत्रस्स श्राभीणवुड्टिता चार चरति" सू० प० १;

णिवुंहुमाण व॰ कृ॰ सू॰ प॰ २, जं प०७, १३२,

िण्र-चत्त था॰ I,II. (निर+वृत्) **७८५**२ ४२वुं; थनाववु उत्पन्नकरना, बनाना.

To make; to produce (3 પુરુ થવુ; નિવૃત્તિ પામવી. पूर्णहेाना, निवृत्ति पाना to complete; to retire

from; to be free from. शिटवत्तेइ. नाया० ८,

गिज्वत्तयंति प्रे॰ भग॰ २५, २;

शिव्वतेह. श्रा० नाया० ५, शिव्यत्तिज्ञह् क० वा० भग० १२, ४;

णिब्बत्तमाण व॰कृ॰ भग॰ १६, १,१७, १; शिव्वत्तित्तए हे० कृ० नाया० ८,

 $\sqrt{$ शिर्-वह धा॰ I,II. (निर्+वह)

આજિતિકા કરવાઃ નિર્વાહ श्राजीविका चलाना निवाई करना;

maintain, to maintain livelihood

गिब्बहेजा वि॰ स्य॰ १, ६, १३;

णिन्बहे सूय० १, १४, २०;

ग्रिब्बाहित्तणु नाया॰ १८; $\sqrt{\mathfrak{h}}$ र्-चा धा॰ $\mathrm{I.}$ (निर्+वानांगि) श्री अध्ययुं, क्षरी ना भवुं गुकाना. थंडाकरना. To extinguish; to put out.

णिन्त्रावेति. जं॰ प॰ २, ३६; णिन्त्रावेजा चि॰ दस॰ ४, ६; णिन्त्राविचा. दस॰ ४, १, ६३;

णिव्वाविस्प्रति. भग० २, ३६;

√ि िस्-विडज. धा॰ I. (निर्+ विद्) निर्नेंद्द वैश्वेश्व पामे थे।, वैशाग्य पाना, उदासीन होना. To be disgusted with and to be indifferent to the world and its ways; to renounce, (२) सु यु सोना to he down. चिक्विज्ञांत उत्त॰ २७, ४;

√ि िए्-विस धा॰ I. (निर्+विश्) शढी भुक्ष्युं; देशपार क्षर्युं निर्वासित करना, निकाल देना To drive out, to deport or transport.

ियाब्विसेडजा. वि॰ '' एगंत छुकप्पा गंठव-इत्ता एगं गिडिपसेडजा '' वव॰२,२;

खिब्बिसमाण व० कृ० निसी० २०. १०, भग० २४, ७; ठा० ३, ४;

ाचि विसंत. व॰ कु॰ ठा॰ ४, १;

√ शिर्-सर. धा॰ I.(निर्+मृ) ईें ड्वं. फेकरेना.
To throw (२) निडंबंद्र निकलना,
त्यागना. To abandon, to leave.
थिस्परइति नाया॰ १; ६, १६; भग॰

१५, १; राय० २५३;

√ ि एर्-हर था॰ I,II. (नी+ह) शै।य भाटे जंगस जर्नु. शौचके लिये जंगलमे जाना To go to a forest for answering calls of nature णीहोरति. प्रे॰ श्रत॰ ३.४;

ि तिलय न॰ (निलय) धर घर. गृह, सदन. | A house; an abode. तंदु॰ नाया॰ १६;

णिलाड न॰ (ललाट) ४५।६; भरत अस्तकः; कपालः; ललाट. The forehead; the head. परह० १, २; नाया॰ १६; —पिट्टेया. स्री॰ (-पिट्टेका) ४५।६ ६५२ ४२३।भां व्यावती अंडुनी ५८); भीड. भाल तितकः; भालकंकुमः; भालावेंडी. an auspicious mark on the forehead made with a sort of red powder. राय॰ १६४;

णिलित. व॰ छ॰ त्रि॰ (निलीयमान) भैसतुं. वैठाहुआ; वैठता हुत्रा. Sitting श्रोव॰ राय॰

√ शिलिङज था॰ II. (नि+ली) आउध्युं. भटकना. To give a sudden jerky motion e.g. to a carpet etc.; to get rid of dust and refuse.

शिलिजेजना विभि॰ सूप० १, ४, २, २०; शिल्कः त्रि० (निलेक्प) श्रेष्त. ग्रप्त; छिपा

हुआ Hidden; secret. नाया॰ =,

णिल्लं छुण न॰ (निर्लाण्छन) तपुसक्ष करतुं ते; भुटीया याहिने सभारया ते. नार्मद-नपुंसक बनाना; खस्ता करना. Emasculating castrating. पगह ॰ १, २;

श्लिक्ज त्रि॰ (निर्लेक्ज) लन्न-शरभ रिदेत. निर्लेक्ज, बेशरम. Shameless; devoid of sense of shame पराह॰ १, २; नाया॰ ६;

शिक्षायंत व॰ कृ॰ त्रि॰ (निर्धयत्-निरन्तरं लयित गच्छतीति) लागते।. भागताहुआ, Running away; өзсаргод नाया॰

१, शिक्षालिय त्रि॰ (निर्णाणित) पसरेक्ष; नीड॰ देश. फेलाहुआ; फ्टाहुआ. Spread; extended, projected out नाया॰ १, ८, —अग्रग एं॰ (-थ्यम्र) ઉथाडा भेडा-भांथी क्षपक्षेप थता; लदार निडणता छ- भिना भागेश भाग-टेरवा खुले मुंह में से लगलपाती जीमका अप्रमाग; जिन्हाप्र. the tip of the tongue issuing repeatedly out of the opened mouth नाया॰ ८; — अग्गजीहा स्रि॰ (-अप्राजिन्हा) भेढामांथी सपसप थता पढार नीडसती अभने भागेश साम मह में से लगलपातीहुई जीमका अप्र माग the tip of tongue repeatedly issuing out of the mouth. नाया॰ =;

िंग्सिय त्रि॰ (निर्नेष) क्षेप रहित. निर्नेष, नेपहान. Free from smearing, dirt. भग॰ ६. ७:

णिल्लेचगा. न॰ (निर्लेपन) क्षेपनी अलाव; भेक्षनी अलाव. लेपका द्यभाव, निर्मेल. Absence of smearing; absence of dut भग० ७, ४;

शिव पुं॰ (नृप) राज्य, नरपति नृप, राजा.

A king; a lord of men पचा॰ १८,
२७, —कर. पु॰ (-कर) राज्यता दाथ
राजा का हाथ an aim of a king.
पंचा॰ १८, २७;

णिवडण्यः पु॰ (निपातात्पात) कीमां उसे
यद्यु पाछु नीसे पड्युं थाय तेया अक्षारनु
ओक नाटक, उद नाटकमानु ओक एक नाटक
विशेष जिस में पहिले कचे चढकर फिर नीचे
गिरना हो, दर नाटकों में से एक. One

of the 32 varieties of dramas involving rising up and falling down जं प्र

णियडण. न॰ (भिपतन) नीये पऽतुं. नांचे भिरना Act of falling down पगह॰ १, २;

िंग्विडियः त्रि॰ (निपतित) नीथे परेंस. निपतित, नीचे गिरा हुश्रा Fallen down भग•१४, १;

√ िंग्वित्त. घा॰ I,II. (नि+वृत्) नियत वु; अटक्ष्यु, निवर्त होना; अटकना; दूर होना To return; to desist from, to stop.

शियदृति. उत्त० २, ४३;

शियत्तइ नाया० ९;

चियद्रमाण श्राया॰ १, ६, ४, १६०;

शिवत्तः त्रि॰ (निवृत्त) वीती अथेक्ष; पसार थेथेक्ष बीता हुआ, भूत, गतः Past; elapsed; gone. विवा॰ ५,—चारसगः त्रि॰ (-द्वादशक) जार दिवस विती अथेक्ष- पसार थेथेक्ष. जिस के बाद वारह दिन बीत गये हां वहः (that) since the happening of which twelve days have passed विवा॰ ४;

शिवत्ति हो॰ (निवृत्ति) लंध थतुं; व्यटकत्तं बंद होना; श्रटकना, रुकना. Act of coming to a close, act of stoping अ॰ ४, १, (२) निष्पत्ति निष्पत्ति. production; result; coming into existence अ॰ ४, ४,

√ि ित्तरः था॰ II (नि+चृ) निवारण् ५२वं. रे। ४वु. निवारण करना, रोकना To check, to stop; to restrain. णिवारेइ प्रे॰ नाया॰ १६, १६; नाया॰ घ॰ णिवारेसि. नाया॰ ४;

शिवारेमि नाया॰ १;

शिवारित्तए. हे॰ कृ॰ नाया॰ ४; शिवारिज्जइ. क॰ वा॰ भग॰ ६, ३३; शिवारिज्जमाण. क॰ वा॰ व॰ कृ॰ भग॰ १४, १;

शिवसणा. न० (निवसन) वस्त्र. वस्त्र; कपडा. A cloth; a garment. नाया० १६; शिवाइय. त्रि० (निपातित) नीचे पाडेस. नीचे गिराया हुआ; अधःपातित. Thrown down; caused to full down. नाया० १४;

नाया॰ १४;

िचाएमाए। व॰ कृ॰ ति॰ (निपातयत्)
नीचे पाउता. नीचे गिराता हुआ (One)
causing to fall down. नाया॰ २;

िचाडेता सं॰ कृ॰ अ॰ (निपात्य)
लगाडीते, नीचे पाडीते. लगाकर; नीचे गिरा
कर. Having caused to fall down;
having attached or applied.
'जाणुं धरिएतकंसि णिहहु णिवाडेहता'
जीवा॰ ३;

णिवातितः त्रि॰ (निपातित) नीये पाउेस. नीचे गिरायाहुआ. Fallen down. भग॰ १५, १;

णिवातिय त्रि॰ (निपातित) लुओ। ઉपसे। शफ्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. विवा॰ १:

गिवायः पुं॰ (निपात-निपतनं-निपातः)
नीने पडवुं नीचे गिरना; श्रध:पतन; निपातः
Act of falling down; downfall.
" श्रायवस्स गिवाएगं" उत्त॰ २, ३०; (२)
भेसवुंते. वैठना act of sitting पगह॰
१, २; (३) निपात; व्याधरख् शास्त्र असिद्ध
य, वा आहि अव्यय निपात, व्याकरण शास्त्र
प्रसिद्ध च, वा श्राद् श्रव्यय an indeclinable particle such as च वा
etc. पगह॰ २, २; नाया॰ (४) यपटी
वगाऽवी ते जुकटी बजाना act of

snapping the thumb with the middle finger. पत्र । ২६;

शिवाय. त्रि॰ (निवात-निर्गतो वाते। यस्मासः) वायु संयार रिक्षत. निवात; वायुमचार होन. Tree from deputable of wind

Free from draughts of wind.
" तंसिप्पेगे श्रणगारा हिमवाए णिवापेम
संति " श्राया॰ १, ६, २, १३; भग॰ ३,
१; ७, ८; ११,११,नाया॰ १६; —गंभीर.
ति॰ (-गम्भीर) वायु श्लाहिना अवेश
रिहत; गंभीर. वायु श्लादि के प्रवेश से श्रत्य;
गंभीर. free from draughts of
wind; calm. भग० ७, ६;

णिवायण. न॰ (निपातन) भाडाभां है इतुं. खड्डे-गढे में फेंकना; गिराना. Act of throwing into a ditch or pit. पगह॰ १, २;

शिवारण. न॰ (निवारण) अटडाववु ते. निवारण; रोक; अटकाव. Act of restraining or checking. भग॰ ६, ३३; (२) टाढ तापने राडनार धर, ढवेडी प्रारे थंड ताप से बचाने वा रोकने वाला घर, हवेली आदि a house, a mansion etc which checks the rigour of cold and heat उत्त॰ २. ७;

गिवास पुं॰ (निवास-निरन्तरं वसन्ति जना-येपु ते) निवास; रहेंडाणा निवास; रहने की जगह A place of residence; an abode निसी॰ १, १;

गिविहः त्रि॰ (निविष्ट) भेशवेशः प्राप्त ४रेश. जिया हुआः, प्राप्त किया हुआः. Got;

acquired. "थोवं यह गिविट्रम्मि" ठा॰ ४, २: (२) आसंत्रत. श्रासक. attached; passionate. स्य. १, ६, ३; વિશદ્ધ તપ પૂર્ણ કરેલની કલ્પસ્થિતિઃ સાધુ सभायारी विशेष. पिहार विशुद्ध तप पूर्ण कियेहुए की कल्पस्थिति;साधु समाचारी विशेष. a particular stage of asceticconduct to which a monk has lisen ठा० ४, २; —काइयक पठिइ. स्री॰ (-कार्यिककल्पस्थिति) प्रि**डा**र વિશુદ્ધ તપ કરી ખહાર નીકલેલ સાધુની **५६५६िथति परिहार विशुद्ध तप के बाद** वाहर निकले हुए साध की कल्पिस्थित. state of an ascetic who has completed the austerity known as Parihāra Viśuddha. चेय०६, २०: णिविति स्री । (निवृत्ति -विषये भयो निवत्तेन निवृत्ति) आरंस वर्गरे भाषथी निवृत्त थवं ते श्रारभ श्रादि पापों से निवृत्ति. abstinance from actions which involve injury to or killing of living beings e. g. from flesh eating, drinking etc पंचा ०७,३२; -पहाण. त्रि॰(-प्रधान) आर सथी निवृत थवाभा प्रधान-श्रेष्ट. आरंभ स निवृत होने मे प्रधान-श्रेष्ठ. prominent or excellent in abstaining from injury or act which involves injury to living being . पंचा॰ ७, ३२; $\sqrt{$ गि-विस धा॰ Π .(नि+विश्) प्रवेश ५२वे। प्रवेश करना, भीतर द्यसना. To enter. ।शिविसेजा वि० वेय० २, १२; शिविसित्ता सं कृ कि नाया कः णिविसमार्गा. व० कृ० वव० १, १६; २४;

Vol. 11/123

णिवेसं इ. प्र० नाया० =, १६; गिवेसंति. नाया० १६. णिवेसंतु. नाया॰ १६; णिवेसेहि. श्रा० विवा० ६: श्चित्रेसेह. श्रा० नाया० ८; १६; गिवेमित्ता. सं० कृ० नाया० १६, राय २२; णिवेसिय निसी० ३. ४: शिविसमाग्रकपठिइ स्री॰ (निर्विशमान-कल्पास्थिति) परिदार विश्रुद्ध ५६५ आयारी-परिहार विशुद्ध कल्पा-ની કુકપૃત્રિથૃતિ चारी की कल्पास्थित State of one who is going through the aus terity known as Parihāraviśuddha. वेय० ६, २०; शिवेइय. त्रि॰ (निवेदित) निवेदन धरेक्ष. निवे-ादेत, प्राधित Made known, declared नाया॰ २: √िंग-चेद. धा॰ I. II. (नि+विट्+िंग) निवेदन ४२५, ४७। १५५; अहेर ४२५ निवेदन करना प्रकट करना To declare or make known. शिवेदेइ. नाया० =, १६; शिवेदंति. नाया० २. शिवेदोमे. श्रोव० ११, नाया० १; शिवेदेसो. भग० ११, ११; दसा० १०, १; शिवेदज्जा. वि॰ दस। ॰ १०, १, शिवेदेह. श्रा० १०, १; शिवंपुइ. ग्रीव॰ नाया॰ ६; १६, १८; खिवयह. नाया० १४. शिवेयंति. नाया० =, १=; शिवेएमा जं॰ प॰ नाया॰ ३; ५३; शिवेणीहे आ॰ नाया॰ १६; गिवेयगा. न॰ (निवेदन) निवेदन, लार्डेर १२वं ते निवेदन; प्रकाशन. Act of declaring; act of making known.

नाया० रः

Abstinence from, giving up of, such substances as milk and its transformations भग॰ २४, ७: खिविबद्धः पुं० (निर्विष्ट) পेটা परिदार्शवशुक्ष यारित्र सेवेक छे ते साध्र, जिसने परिहार विश्रद्ध चारित्रको पाला है वह साध. An ascetic who has practised the austerity known as Parihāravisuddhi. ठा० ३, ४; नाया॰ १६; ---कप्पीठइ स्री॰ (-कल्पास्थाति.) परिदार વિશુદ્ધ ચારિત્રને પૂર્ણ કરનાર સાધુની કલ્પ-परिहार विश्रद्ध चारित्रको पूर्ण करनेवाले साधुका कल्पस्थिति. stage reached by an ascetic after the performance of the austerity known as Parihāra viśuddhi ठा॰ ३, ४; काइय. पुं• (-कायिक) परिदार विशुद्ध यारित्रने पूर्व કરીને એ ચારિત્રથી ખહાર નીકલનાર સાધુ. परिहार विशब्द चारित्रको समाप्तकर, इस चारि-त्रसे वाहर निकालाहुआ, श्रागे वढाइश्रा साधु. an ascetic who has duly performed the austerity known as Parihāraviśuddhi and has stepped into the next higher stage, भग० २४, ७;

णिव्चिग्ण त्रि॰ (निविंग्ण) भिन्नः भेद्धुक्ष्त खिन्न, दुःखितः खंदपूर्णः Fatigued or afflicted in mind; sorrowful.
" जो एत्तियंपिचित्ते दच्छद्द सो को न गिवण्णो" श्राया॰ १, ३, ३, १४४; नाया॰ ८; (२) निवृत्तः निवृत्त थथेल. retired from; turned back from; ab staining from. नाया॰ ४, ६, १८, १६ः —चारि.ति॰ (-चारिन्) भिन्न थर्ध ६०नार खिन्न-दुखी होकर फिरनेवाला विtigued

or troubled in mind; afflicted in mind "मेणिविण्णचरी श्ररते प्यासु" श्राया॰ १, ४, ३, १४४; —चरा. छी॰ (-चरा निर्विण्णा चराः परिणेतारो यागां ता निर्विण्णाचराः) विश्वतपतिवाली स्त्री. विरक्त पतिवाली ह्यी; वह स्त्रा जिसका पती विश्रणा हो स woman whose hushand is disgusted with the world and its ways and is ascetic in spirit नाया॰ घ॰ १. णिव्वित्त. ति॰ (निर्वृत्त) निवृति पामेशः

पुइं थ्येक्ष. निमृति प्राप्त, पूर्णः समाप्त.
Finished: completed श्रोव० ४०:
गिविद्यातिश्र ति० (निर्विकृतिक) क्रेभां
६५ दी वगेरे विश्वतिने। त्याग श्रवामां आवि
छे ते तप नीवी. यह तप जिसमें दूघ श्रोव उसके विविध विकृतिश्रो का स्थाग किया जाता है. नीवी. A kind of austerity requiring abstinence from milk, ghee and its products:

called Nivi.

श्पिट्चिस त्रि॰ (निर्धिप) निष - छेरथी-रिंटन विष हीन जहर राहत Free from poison. "श्पिट्चिसं पंदुरं मोसे" श्रोव॰ श्पिट्चिसय. त्रि॰ (निर्धिपय) निषय अलि॰ ल पा रिंदत. विषय वासना काम वासना राहित; विरक्तः सयमी. Free from sensual lust. उत्त॰ १४. ४६; (२) देश अदार क्रादेश; देश हो। आपेस निर्वासित;

also

this is

ग्रोव० १६:

नाया॰ १६: गिडियासिय त्रि॰ (निर्वामित) देशधी लटार ६रेल देश बाहर किया हुन्ना. Banished; exiled; turned out of a

देश से निकाला हुन्ना. extled; banish-

ed from a country. परह॰ १, ३;

country. नाया॰ ८; १६; सग॰ १४, १; श्विञ्चिसेस. त्रि॰ (निविशेष) विशेषता रिहत; साधारणु विशेषता रिहत,सामान्य; साधारण. Common; free from peculiarity or particularity तदु॰

शिव्युत्र, त्रि॰ (निर्वृत) शीतक्ष थथेक शान्त. थडा, निर्वृत्त, Cooled; cool. श्राया॰ १, =, १, २००; (२) निर्वाख-भेक्ष गयेस मोत्त का प्राप्त: निर्वाख प्राप्त free from the cycle of birth and death; finally liberated प्रव० ३३; (३) स्वरथ्य व्यात्मा स्वस्थ्य-सवल-निरोग a calm, peaceful soul नाया॰ ५; शिःचुइ स्रा॰ (निवृति) भननु स्वस्थपश्. सभाधि मानासेक स्वस्थता, समाधि Calmness or tranquillity of mind; peace of mind. परहर १, २. (२) क्षील भेवतस्था. जीण मोहानस्था happiness: freedom from delusion. सुय० नि० १, ११, ११४. (३) श्रे नामनां એક આચાર્ય કે જેના ઉપરથી નિર્વૃતિ शाभा नीड्सी. इस नाम के एक श्राचार्य कि जिनके ऊपर से एक शाखा निकली, name of a lineage styled after the preceptor of this name कर्षे द: **४२**नार सर्व कर्मों का स्तय करने वाला. (one) that destroys all Kaimas पत्र १, तंदु ज प २. ३ : (२) સુખકર; શાતા ઉપજાવનાર:

सुखकर giving peace and happi-

11088. राय० १११, नाया० १७, -- पह

पुं॰ (-पथ) भेक्षि भाग मांच मार्ग, सक्ति

पन्य. path of salvation. नंदी॰
—यार त्रि॰ (-कार) शाला धरनार.
शान्तिदाता; निश्चतिकार. peace giving;
happiness giving. नाया॰ १;

गिट्युक्कचिछुन्न. त्रि॰ (*) निर्भू ध देश; ०८ भूथ्यी छेहेश्व. निर्मू जित; वे जड किया हुआ; जडमूल से छेदा हुआ; समूल नष्ट Rooted out; eradicated. पग्ह॰ १, ३;

शिव्युड. त्रि॰ (निर्वृत) शीतल-६ंडु थयेल. शांतल-थंडा किया हुआ Cooled; cool. श्राया॰ १, ४, ३; १३६, (२) निर्वाख् पामेल मेत्स पामेल. निर्वाख पाया हुआ, मोत्त पायाहुआ free from the cycle of birth and death; (one) who has attained final absolution. "जिक्चा खिच्युडा एगे" स्य०१,१५२१: खिच्युडु । त्रि॰ (निर्माडित) डुणी गयेल. ख्वाहुआ; निमाजित. Drowned; sunk. नाया॰ ६;

शिद्युत्ति स्त्री॰ (निर्वृति) निर्वाश्वभुष. निर्वाश सुख; मोत्तसुख. Happiness of salvation. जीवा॰ ३, ४;

शिब्बुय त्रि॰ (निर्वृत) सुणी; सन्तेषी. सुसी; संतोषी. Happy; contented. त्रोव॰ (२) क्रेष वगेरे द्वर थवाथी शात थेयल. कोधादि द्वर होने से शान्त tranquil on account of the banishment of anger etc. from the mind. "जे शिशुया पावेदि कम्मोद्धि" त्राया॰ १, ७, १, २००;

गिड्यूह. पु॰ (निर्च्यूह) द्वारते। ओक लाग; टेाउली. द्वारका एक भाग; घोडला; टरवाजे

^{*} लुओ। पृष्ठ नम्भर १४ नी पुरनेतर (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (-) P. 15th

की जगरी बारसाख की दोनों बाजू ऊगर निकलाहुआ भाग. A particular part of a door; a wooden block projecting from each of the upper ends of the door of a house. जीवा. ३. ४:

णिब्नेत्रणी हो। (निर्वेदिनी) संसारथी-पिरक्षा पनायनार वैराज्यनी ध्या. संसार से निरक्ति उत्पन्न करने वाली वैराग्य कथा. A story which produces diagust with the world and its ways, in the mind of the heater. "णिधेयणी कहाचड विहापगणत्ता" टा॰ ४, २; श्रोव॰ २१;

ग्णिब्वेग. पुं० (निर्वेग-निर्वेद) संसारथी विरक्षित. संसारसे विरक्षित; ससार से उदासीनता. Disgust with, repulsion from the world भग० १७, ३; णिब्वेगणी. स्त्री० (श्रीवेंगनी-निर्वेदनी)

न्तुओ। " णिड्वेश्रणी " शण्द देखा "णिड्वेश्रणी" राज्द. Vide. 'णिड्वेश्रणी'

ठा॰ ४, २;

णिञ्चेय. पु॰ (निर्वेद) वैराग्य; स सार थी विरक्षता. वैराग्य; संसार से विरावेत. Dislike for or disgust with the world and its ways; renunciation. श्राया॰ १, ४, १, १२७; उत्त॰ १८, १८; २६, २; (२) मेक्षिनी अिल्लाधा. मोनेच्छा; मुक्तिकी श्राभिनाषा. desire for salvation or final liberation. प्रव॰ १४:

णिञ्चेस. पुं॰ (निर्वेश) क्षाल. लाम, फायदा. Benefit; gain ठा॰ ४, २;

शिसंत. न॰ (निशान्त) विश्व भ निश्राम; श्राराम. Shelter; rest नाया॰ १६; (२) धर घर a house यि ०४;१३; शिसंत. त्रि॰ (निशान्त-नितरां शान्ते। र्निशान्तः) अत्यंत शांत अःतिवाक्षीः ग्रत्यंत शांत प्रकृतियाता, श्रमप्रप्रस्य; थंटे मिनाजका. Extremely calm; serene. उत्त॰ १, ८; (२) सांभदेल. मुनाहत्रां. heard. थाया २ १, २, ५०: नाया० १; ४; १३: १४, १६, नाया० घ० भग० ६, ३३; १०, २; (३) (निशाया श्रन्तमवसानं निशान्तम्) रात्रिने। अंत. प्रात:-પ્રમાતના વખત: उप राल: प्रातःकालीन संध्या dawn; time of day-break. इस॰ ६, १; नाया॰ ८; (४) अवधारख् ३रेस स्मृतियथ में श्राकेत; याद किया हुश्रा. fixed or retained in the mind. "यहासुतं वृहिजहां शियंतं" स्व० १, ६, २:

शिसंस. त्रि॰ (नृशंस नृज्ञरान् शंमित हिन-स्तोति) धूरधर्भ धरनार क्रूर कर्न करनेवाला. कठार कर्मी: Wicked; cruel. पगह॰ २, १; नाया॰ २;

शिसाग पुं॰ (निसंग) स्वभावः प्रदेति स्त-भाव, प्रकृति, मिजाज Nature. श्रोव॰ र॰ःठा॰र,१ः — स्ट स्त्री॰ (-स्त्रि) ઉपदेश सांकक्ष्या वगर दृद्दती रीते यती धर्म पर-नी श्रदा-इथि. उपदेश के न सुनते हुए मी स्त्राभाविकतया उत्पन्न होने वाली धार्मिक स्त्रि. Intuitive liking for or faith in religion; inborn love of religion ठा॰ ४, १; १०, भग॰ २५, ७ पन्न॰ १; नाया॰ घ॰ २;

णिसाउजन्नाः त्रि॰ (नैयचिक) ५६५ ६ भासने भेसनार पत्यक-एक न्नामन विशेषसे वैठनेवाला (One) sitting in a squatting posture पाह॰ २, १;

गिसह ति॰ (निसृष्ट) निक्ष्येश निकताहुआ। निसृत; प्रस्फुटित. Come out; got out (२) आधेश. दियाहुआ; प्रदत्त. given; presented. राय॰ आया॰ १, ६, २, २०२; नाया० १; नय० २, १६; (३) भुडत; छुटा, मुक्त; छूटाहुआ; स्वतंत्र. free; liberated. सम॰ ६; आया० २, २, १, ६४, (४) ६ डेस. फेकाहुआ. thrown, flung. भग० १५, १;

णिलढ. पुं० (निवध-नितरां सहते -स्कंध समा-रोपितं भारामिति निषध) थश्रद्ध बेलः वृषभ. An ox चं० प० ४, (२) निषध नीगे शेक्ष यादव क्षमार निषय नामक एक यादव कुमार.a Yādavakumāta so named નાયા ૧૧, (૩) મહાવિદેહની મર્યાદા બાધનાર મેરૂથી દક્ષિણ તરફના નિષધ નામે पर्यंत महाविदेहका पांग्सामित-प्रस्तेवाला सहसा दालिया श्रीरका निषय पर्वत the mountain named Nisadha in the south of Meru, forming the bound ay-line of Mahavideha "कहिए। भंते जंबूहीवे दीव गिसहे गाम वासहरपन्त्रए पर्ग्यते '' जं॰ प॰ ४, " देा णिसदा " ठा ० २, ३, जीवा० ३, ४, ---कृड न॰ (-कृट) शिसद पर्यतन भी ला ६८-शि भर निषध पर्वतकी दमरी चौटा शिखर. the 2nd summit of the mount Nisadha टा॰ २, ३, ज॰ प॰ -- इह षुं॰ (-द्रह) મન્દર પર્વાતની દક્ષિણ हेवधुरुभाना भाटा ५७-अरे। मन्दर पर्वतकी र्दाचण दिशाके देवकुरका बढा-विशाल खोत-मारना a large stream of water in Devakuiu in the south of the Mandaia mount कहिए भंते देव-कुराए णिसददहे गान दहेपराण्ते ज॰ प॰ ४, ६६; ठा० ४, २; —वासहर (-वर्षघर) शो नामनी शेक पर्वात इस नामका एक पर्वत name of mountain. नाया॰ कः

शिस्तरा ति० (निपरण) भेडेलुं; वैठाहुन्ना. Seated. नाया० १, ४; १, १२; भग० ७, ६, नाया० घ० श्रोघ० नि० ६; श्रोव० ३१; ठा० ४, २,

शिसम्म स॰ कृ० अ० (निशम्य) वियारीने, ६६४थी अवधारीने. विचारकर; हृदयसे
निश्चित करके Having thought;
having thought or decided in
the mind नागा॰ १, ४,८; ६;१२, १४;
१६, १९, भग० ६, ३३; ११, ११; १५, १;
जीवा॰ ३, ४, श्रीव॰ १२, श्रीया॰ २, १,
३, १६; २, १, ६, ४९, ठा॰ ३, ३;
—भासि त्रि॰ (-म पिन्) वियारीने भे।सनार विचारपूर्वक बोलनेवाला. (one)
who speaks thoughtfully, considerate in speech आया॰ २, ४,
२, १४०; सुग० १, १०, १०,

√िश्य-सर. था॰ [(नि+सृ) पढार निध-सन् नाहर निक्तना. To get out; to come out

शिसरइ पन्न० ११,

शिसरंति राय० २०,

शिसरण न॰ (निसरण) नी अक्षत्र ते. निस्त-रण, बाहर निकत्तो हा कार्य. Act of getting out; moving out. नाया॰ १६,

गिसस्न ति० (नि.सहप) भाषा, निपाल अने भिन्छाह सल् को त्रला शहप रित माया, नियाण और मिन्छाइंसण इन तीन शहपोंसे रहित Devoid of, free from the thorns in the form of decert desire for the fruit of actions and heresy. महा० नि० १; गिसह. पुं० (निपध) अको। "गिमह "

सड " मूय० २, ६, २२, जं० प० पत्र० १६:

चं॰ प॰ ४ —क्ड पुं॰ (क्ट) लुणे।
'णिपड हूड'' १०६ देखे। "णिपड कूड"
राते "णिपड हूड'' ठा॰ ६, जं॰ प॰
—ह्ड पुं॰ (इद) हेन दुइनो चित्र निधित्र
दूर पर्वतथी ८३४ लोलने सातीया बार
साग उत्तरे सीता नहीनी वर्ण्य आवेस
को ६६ देव इरुके चित्र विचित्र कूट पर्वतसे
क्रिथ योजनके (अनुमानतः) चार माग
उत्तरकी श्रीर सीता नदीके बीचमें श्रानेवाला
एक भरना a lake, stream in the
middle of the river Sitā to the
north of Chitravichitra peak
of Devakuru at an approximate distance of 834 Yojanas. ठा॰ ४, २, जं॰ प॰

णिसा. श्री॰ (निशा) रात्रीना कीवा अध-धारवाशी नरक्षिम. तामिल्ल नामक नरक; रात जैसे श्रेधरेवाला नरक. Hell which is as dark as night. स्य०२, ६,४६; √णिसाम. या॰ I,II. (नि+राम्+ाणिच्)

साअक्षयुं; लाख्युः सुनना, जाननाः To hear, to know.

ग्यिसामेइ. नाया० १६; भग० १४, १, णिसामिज्जा. वि० स्य० १, १, ४, ४; णिसामेहि. श्रा० भग० १४, १, णिसामेत्ता. सं० कृ० स्य० १, १४, २४,

श्राया॰ १, ८, ३, २०७, यिसामित्तए हे॰ क्व० नाया॰ ५; १२, १४;

ाणिसोमत्तप्. हे० क्र॰ नाया॰ १४,

णिसिज्जा स्त्री॰ (निषद्या) आयत; भेंदेड. स्त्रासन; वैठक. A seat; posture. ठा॰ १, १; सूय॰ १, ६, २१;

णिसिय्य-यः त्रि॰ (निशित) तीक्ष्ण, पाणी-हार; तीणी धारवातुं तीच्णः पानीदार, तेज धारवालाः Sharp; sharp edged; spirited. स्य॰ १, ४, १, ५; १, ६, १; गिसिंह- त्रि॰ (निःसृष्ठ) हे हेश. फैका हुआ. Thrown: flung. भग॰ १४, १; (२) भुक्त, स्वतंत्र released. सम॰ ६:

मुक्त, स्वतंत्र released. सम् ६:
गिसिद्ध त्रि॰ (-निषिद्ध) निषेध करेश; अ॰
८क्षवेश. मनाकियाहुत्रा; निषिद्ध. Checked, restrained. prohibited. पंचा॰
१२,२२;—जोग पुं॰ (योग) सह्व्यापारनी।
अ८क्षाय निषेध करेश. सद्व्यापार का निषेध
किया हुन्ना (One) prohibited from,
checked in salutary activity.
पचा॰ १२; २२;

√िश्निस्तरः था॰ I- (निम्स्ज्) नाभवुः ११वुं; छोऽवुं डालना, फेंकना, छोडनाः To give; to hand over, to present; to throw; to fling, to leave. शिक्षिरहः नाया॰ १६,

शिसिरिति. मूय० २, २, ५; शिसिरामि. नाया० १६; भग० १५, १;

णिसिरामे. श्राया॰ २, २, ६, ४६, िणिसिरिता. सं॰ हु॰ भग॰ १४, १;

णितिरंत्त. व॰ क्व॰ सूय० २, २, ५; णित्सिरावेति सूय० २, २, ६;

णिसिरण न॰ (निसर्जन) नी अवधु ते निस्तरण-नाहर त्याना, बहिरागमन. Act of getting out; starting out.

णिसिरणा स्त्री॰ (निसर्जन) धन. दान.
Act of giving away in charity.
(२) त्याग. त्याग. abandoning.
स्राया॰२, १, १७, १९;

णिसिरिज्ञमाण त्रिः (नि:स्ज्यमान) हें अति। फेंकाजाता हुआः फेंकता हुआ Throwing; being flung भग॰ ८, ७,

गिसिरिय. त्रि॰ (निसृष्ट) तलेश, भुदेश. त्यागा हुआ. छोड़ा हुआ Left; aban-doned. भग॰ १२, ४;

णिसीइयन्त्रः त्रि॰ (श्रीनपीदितन्य) भेसप। सायक (भूमि) वैडने योग्य भूमि-स्थलः (Place) worthy of, fit for, being a seat भग २. १,

√ शि-सीय. धा॰ I. (नि+पद्) भेसवुं. बैठना. To sit.

णिसीयइ नाया॰ १, =; १६, १६;

श्चिसज्जह् नाया० १६;

श्यिसीदंति जीवा॰ ३;

णिसीयंति. नाया॰ १, ६; १६; जं॰ प॰ ४, ११७,

थिसियामो. स्य॰ २, ७, १५;

शिसीयह. नाया० १६:

शिसीह्ता. स० कृ० नाया० १६, भग० ११,

शिसीइत्तए है॰ कु॰ भग॰ १३, ४; वेय॰ १, १६, ३, १;

शिसीयावेंति प्रे० जं० प० ५, ११४;

श्यिसीत्रावित्ता. प्रे॰ सं॰ कु॰ ज॰ प॰ ५,

998;

णिसीयण. (निषीदन) भेसतुं ते. बैठने का कार्य, बैठना. Act of sitting. भग०१३, ४; २४, ७; ठा० ७;

शिसीयट्य ति॰ (निषीदितव्य) भैसवा थे। थ. बैठने योग्य. Worth sitting upon; worthy of being a seat or sitting place. नाया॰ १;

शिसीहिया. क्षी॰ (नैपेधिकी) स्वाध्याय करने की भूमि-स्यत्त. A place for the study of scriptures (२) पाप क्रियानी त्याग. पाप कर्म का स्याग giving up o sinful activities. नाया॰ १६, भग॰ १६, ४; जीवा॰ ३, ४; निसी॰ ४, २; (३) सामाथारीना ओड प्रडार. सामाचारी का एक प्रवार. a particular mode of Vol. 11/124.

ascetic-conduct पंचा॰ १२, २; णिसीदिया. स्रो॰ (निशीयिका) स्वाध्याय लूभि. स्वाध्याय-भूमि. A place for the study of scriptures or

for meditation भग०१४,१०; नाया०

घ॰ राय॰ १०६; निसी॰ १३, १;

णिसुंभा की॰ (निशुम्भा) वैरे।यन धंद्रती पायभी अश्रमिद्धपी बैरोचन इन्द्र की पांचवी श्रग्रमिद्धिपी पहरानी. The 5th of the principal queens of Vairochana Indra. ठा० ४, २. नाया॰ ध०२, सग० १०, ४;

शिसुशिक्षण सं क क अ (निश्चरय) साल-बीने सुनकरके. Having heard. जीवा १;

शिसेय. पुं॰ (निषेक) इभे पुद्रसनी
प्रति सभय व्यनुसाग रवना कर्म पुद्रसों
की प्रति सामयिक श्रनुभाग रचना The
intensity (of Karmic results)
caused by a number of Karmic
atoms operating in a particular instant ठा॰ ६;

(णिसंचगः त्रि॰ (निषेषक) सेननार, आराध-नार. सेवक; आराधकः (One) who worships or propitiates; (one) who resorts to; (one) who serves. सूरा॰ २, ६, ५;

णिसेवियः ति० (निपेवित) आश्रय ६रेस. आश्रय किया हुआ; आश्रित. Resorted to, depended upon. उत्त० २०, २; णिसेहिया ह्री० (नैपेधिकी-निपिध्यन्ते

निराक्रियन्तेऽस्या कमोणीति नैपंधिकी) भेक्षिणति, मोचदशा, मुक्ति State of

salvation; final bliss. जीवा॰ ३; शिस्संक. न॰ (नि शंक) निश्च ६; थे। ध्रुस

निःशंकः, शंका रहित Certain; un-

doubted; free from doubt.

णिस्संचार ति॰ (निस्संचार) संयार रिंदी;
को नगरमां भाष्मीने व्य तथा कथानुं अंधदेश ते सत्रार ब्रागामन-राहत वह नगर
जिसमें ब्यामद रफ्त का बंबन हा. (A
town etc.) where movement
of men etc. is prohibited; free
from movement of men etc;
still नाया॰ =;

णिस्संत. निः (निःशान्त-वितरामितशयेन शान्त.) अतिशय शात थयेत. श्रातशय शान्त Extremely tranquil on account of control of anger etc उत्त १, ५: राय॰

णिस्संदिद्ध ति॰ (निःसदिग्व) स दे ६६ रित संदेह रहित, निस्सन्देह. Pree from doubt; clear of doubt. भग॰ १४,१; णिस्संदेह ति॰ (निस्सन्देह) संदे राहत.

निस्तन्देह, रांका रहित. Free from doubt; clear of doubt नाया॰ ३,

णिरसंधिः ति॰ (निस्संधि) साध-छित्र रिष्टित छिद्रश्रह्य, संधि रिहतः Having no joint or hole. "गिरसंधिवाराविराहिया" परह० १, १;

णिस्संस. त्रि॰ (निःशंस) श्रशंसा रिहत. प्रशंसा र्राहत Free from praise; devoid of praise. पगह॰ १, २,

णिस्संस्र त्रि॰ (नृशंस) धातशी; १२. घातकी; हत्यारा, कूर. Cruel. wicked. परह॰ १, १; नाया॰ ९;

णिस्सग्णा त्रि॰ (निः सञ्ज्ञ) सन्ना २ दित. सज्ञा रहित; वेनाम. Devoid of name, consciousness etc. स्य॰ नि॰ १, ४, १, ७१,

ग्णिस्सयर त्रि॰ (निःस्वकर) धर्भ ने अतुहा

पाउतार. कर्म की पृथक करने वाला. (One) who gets rid of Karmas; (one) who seperates himself from Karma. श्राया॰ २, ४, १, ६;

णिस्सरण न० (निसरण) गढार नीध्ययु
वाहर निकलना; बहिरागमन. Act of coming out or getting out; exit
ठा०४,२: —णेदि. त्रि० (जादिन) गढार
नीध्यामां आनंद पामनार. बाहर निकलने
में पुष्प मानने बाला (one) who takes
delight in getting out ठा०४,०.
णिस्सम त्रि० (निःशल्प) भाषा निषाण्
अने भिम्छाद स्छा थे त्रस् शब्द रितन
मात्रा, नियाण और मिच्छादंगण इन तीन
शल्यों से शून्य. Free from the three
thorns in the form of deceit,
attachment to the fruit of ac
tions and heresy. सम० ६; आउ०

णिम्सिस्यः न॰ (निश्वसित) नीचे श्रास भुश्वाः सास छोडनाः दम लेना Act of breathing out; act of exhaling. नायाः ६:

णिस्सह त्रि॰ (निसह) अति अश्रेत बहुत कमजोर Extremely weak or feeble. सम॰ ६:

णिट्सइप. त्रि. (नि सहक) अतिशय अशक्त बहुत कम नोर, श्रातिशय अग्रक्त Extremely weak or feeble सम. ६:

गिस्सा स्नी० (निश्रा) अभिष्यः आस धन भाश्रयः श्रालम्बन. Shelter: resort. भग० ३, २; निसी० १४, ४६, पश्र• १: —हाग्. न० (-स्थान) आसम्धन-आ-श्रयना स्थान. भालम्बन या स्राश्रय का स्थान. a place of resort; an object which serves as a support or resting place ठा॰ ५, ३;
—वयण, न॰ (-वचन) डे। छेने अतिभेष पभाउवाने डे। छे तेवा शुख्याबार्न
हथांत आपवुं ते. किसी को सममाने के
लिए किसी समान गुणवाले का उदाहरण
देकर सममाना an illustration or an
example given to teach a
moral or spiritual lesson. ठा॰ ४, ३,

शिस्साप. सं॰ कृ॰ थ॰ (निश्चित्य) नेश-आश्रय अधने. श्राध्रय लेकर Having resorted to; having rested on; depending on. स्य॰ २, २, २; शिस्साय सं॰ कृ॰ श्र॰ (निश्चित्य) आश्रिने श्राधित होकर Resting on; having resorted to, having connection with. भग० १५, १;

णिस्सासः पुं॰ (निःश्वास) निश्वास; अधीशाभी श्वासः नीचे की श्रोर श्वास छोड़नाः Sigh; downward breath. भग० १६, ११;

शिस्तिचिया सं॰ कृ॰ थ्र॰ (निगिष्च्य)
ओध वासलुभांथी भीका वासलुमा नाभीने
एक पात्र से दूसरे पात्र में डालकर Having
poured from one vessel into
another. दस॰ ५, १, ६३;

णिस्सिय. त्रि॰ (निः श्रित निश्चयेन श्रितः संबद्धो निःश्रित) भेस्वेस. मिलाया हुआ Got; obtained, joined, mixed. स्य॰१,२३,६; (२) निश्चये लांधेस. निश्चय से वाधा हुआ. securely fastened; firmly bound स्य॰१,१,१,९०;२,६,२३;(३)िस ग; प्रितित. लिइ a characteristic (४) आश्रित आश्रित, आश्रय लिया हुआ resting on; resorting to, depending on ठा०१०; सम॰ स्व॰

१, १, २, ३०; श्रगुजो० १२६; (१) स्थासक्रेत थयेश श्रासक्त. attached to; passionately fond of. स्य० १, १, १०; ठा० १, २; (६) पुं० राग, व्याद्धार स्थादिनी क्षेश्वपता राग, श्राहार श्रादि की इच्छा; ले.लुपता. passion for, greed of food etc. ठा० ६:

णिस्सिय त्रि॰ (निःसृत) निः सेश. निकला हुत्रा; निःसृत. Come out; got out; started " तंच सरूवन्नो जं न्नाणि-स्थियामि" विशे॰ पन्न॰ १:

शिस्सील त्रि॰ (निःशील) सारा स्वलावथी २७ितः; ६ शील. सद्भावश्रन्यः, दुःशीलः; द्रराचारी. Of an evil nature or disposition. ठा० ३, १; २; नाया० १८; राय० २०८; (२) आथार रहित. श्राचार रहित. devoid of ascetic conduct. ર્જા∘ ૫૦ ૨, ३६, (३) સમાધિ–શાન્તિ रिदेत समाधि-शान्ति रहित devoid of concentration calmness or of mind. भग॰ १२, =; (**v**) વ્યક્ષચર્ય વત રહિત. વગરનાઃ शील हीन; ब्रह्मचर्य शून्य; श्रब्रह्मचारी incontinent; unchaste. 310 3, 9; २; राय॰ २०८; (१) भढावत अने अध्-नत रिंदतः महावत और श्राणुवत रहित. not observing the major and the minor vows. भग॰ ७, ६,

ग्रिस्सिगि. स्नो॰ (नि.श्रेगि) निसर्शी निसैनी. A ladder. परह० १, १,

शिस्सेयसः न॰ (निःश्रेयस्) ४६४। थु. कत्याग्, भना Welfare; bliss. ठा॰ ३, ४; ६; —कर त्रि॰ (-कर) ४६४। थु. ४२-११२. कत्याग्य करने वाला. (one) causing or giving welfare नाया॰ ६;

गिस्तेयसिय. त्रि॰ (नै: प्रेयसिक—नि श्रेयसं मोस्तमिच्छतीति ने श्रेयासिकः) भेाक्षालिक्षापी; भुभुक्षु. मोच्न की इच्छा वाला; मुमुच्नु. One desirous of or longing for final liberation. भगः 94. 9: शिस्सेस. पुं० (निःश्रेयस्) भेक्षः मोत्तः Salvation: final libera-मक्ति " शिस्सेसाए श्रग्रागामित्ताए " tion नाया॰ १: १३: शिस्सेस ति॰ (नि शेष) सभ्पूर्ण सम्पूर्ण, समय Complete; full; perfect. दस०६, २, २; —कम्ममुद्याः त्रि॰ (-कर्भ-मुक्त) સકલ કમ[ે]થી મુકાયેલ; કમ[ે] ળન્ધનથી छटेल सर्व कर्मों से सकतः कर्म बन्ध रहित entirely freed from Karma; rid of Karmic bondage. पंचा॰ २, ४३, शिह त्रि॰ (निह-निहन्यते निह.) भाषायी. मायावी Deceitful श्राया १, २, ३, =१; (२) ક્રાધ આદિયી પંડિત क्रोंध श्रादि से पीडित. t oubled or afflicted on account of anger. स्य॰ १,२,१, १३; (३) (निहन्यन्ते प्राणिनःकर्मवशगा यस्मिन तन्निहम्) आधातन् हेडाएं; यातना २थान. वेदना स्थल; यातना स्थान; वह स्थान जहा से पीडा होती हो. source of punishment or affliction स्य० १, ४, २, ११; शिह त्रि॰ (स्निह-स्निह्येत श्लिप्यते श्रष्टप्रका-रेण कर्मणा इति हिनंह.) रागी; भभत्यवादी.

रागी: ममता वाला Full of attachment and hatred; full of egotism. भ्राया॰ १, ४, ३, १३५; सूय॰ १, २, २, ३०, (२) न० तेस तैल. oil. जीवा० ३, ३: $\sqrt{\mathrm{i}}$ एा-हुर्ण. धा॰ I (नि+हन्) नाश કरवे।; હણ્युं. नाश करना; मारना To kill;

to destroy. शिहर्गाति. जं॰ प॰ ४, ११४; गिहगाहि आ॰ नाया॰ १; शिहांशिता. सं॰ कृ॰ जं॰ प॰ ५, ११४;

(गिह्या पुं॰ (निधन) विनाश; छेडेा. विनाश; अन्त Destruction: end. नाया॰ ६; गिहन्त. न॰ (निधत्त) ५२२५२ भेदेश अर्भ

પુદ્રતાને દઢપણે ધારણ કરવા તે, કમ[°] ण-धने। ओंड प्रडार परस्पर मिश्र कर्म पुहलों को दढता पूर्वक धारण करने का कार्य; कर्म बन्दन विशेष. Firm adherence or holding together of Karmic molecules in mutual combina-Kaimic mode of tion: a bondage ठा॰ ४, २; भग॰ १, १;

शिह्य. त्रि॰ (निहत्त) ७ छोतः भारेल. मारा हुन्ना; नष्ट. Killed; destroyed " जक्ला हुवेयावदियं करेंति तम्हा उएए गिहयाकुमारा '' उत्त॰ १२, ३२; दसा॰ ^५, ३६; —कंटय त्रि॰ (-कण्टक) केरी કાંટા જેવા પ્રતિપક્ષીને મારેલ છે ते. जिसने कंटक रूप शतिपद्धी का नाश किया है (बह). (one) who has des-

troublesom like thorns. বা॰ ६; —रयः त्रि॰ (-रजस्) केभां २०४-भेल हर थयेत छे ते. जिसमें रज-मैल नहीं है वह निर्मेत्त; रज राहेत; सात्विक. freed from dirt or dust; clean '' ऋष्पेग-निया देवा शिहयरयं शहूरयं भट्टरयं' जीवा॰ ३; राय॰ —सत्तु, त्रि॰ (-शत्रु) शत्रुने भार्था छे केछे शत्रुहन्ता, रिपुघातक (one) who has destroyed enemies.

troyed adversaries who were

सन्तु " राय॰ $\sqrt{\hat{\mathfrak{N}}}$ -हर. था॰ $\mathrm{I,\,II.\,}$ (नि+ह) भेंःश

'' ब्रोहमसत्तु शिह र सत्तु मालिय सत्तु निाजीय

धादवुं. खीच निकालना To extract; to pull out.

णिहरइ. निसी॰ ३, ४२; सूय॰ २, २, २०; णिहरेइ. निसी॰ १, ३५;

शिहरिस्सामि. निसी० १, ३५;

शिहरित्तए हे॰ कु॰ विवा॰ ५;

णिहर्तत. व॰ कृ॰ निसी॰ १, १४;

शिहरावेति. प्रे॰ सूय॰ २; २, २=;

शिहस्त. पुं॰ (निघर्ष) ध्से। टी, ध्से। टी धादवाने। भत्थर. कसौटाः परीक्षापापाशाः निकपत्रावाः

A touch-stone. ৭ন০ ৭৬;

शिहा. क्री॰ (निहा-निहन्यन्ते प्राणिन. यस्यां सा निहा) भाषा. माया; छल; कपट. Deceit; fraud. "उवसंते णिहे चरे" स्य १, ८, १८;

शिहाश न॰ (निधान) २४ इवर्तीना नव निधान नः भारतीत चक्रवर्ति के नौनिधान कोष, नव-निधि. A treasure, the nine treasures of a Chakravartī. ठा॰ ४, १, श्राष्ट्रजो "

शिहाय. सं॰ कृ॰ श्र॰ (निधाय) स्थापीने स्थापना करके Having placed or established स्य॰ १, ७, २१; (२) तक्ष्मे झोइकरके; त्यागकर. having left or abandoned. स्य॰ १, १३, २३,

णिहार न॰ (निहार) निहार; शैन्यिक्षिता.
शौच किया; दिशा, जंगल को जाना. Act
of answering calls of nature;
getting rid of excrements ठा०=;
णिहि. पुं॰ (निधि) क्षंधर; फल्पना. मंडार;
कोष, खजाना A treasure; a store.
" पंच णिही पर्याता" ठा० ४, ३; नाया॰
३; जीना॰ ३, ३; निसी॰ १३, २६;
(२) એ नामना એક द्वीप और एक समुद
name of an island; also that of

an ocean पण १५; जीवा॰ ३, ४;
—पइ. पुं॰ (-पति) लंडारी; धानने।
धणी. खजांची; कोपाध्यत्त. a treasurer भग॰ १२; ९; —रयण न॰
(-रल) अध्वती नुं निधान-भग्नने।.
चकवर्ती का कोप. a treasure belonging to a Chakravartī. जं॰प॰

शिही स्री॰ (निही) अनत छववाली वन-स्पितिनी ओंध जात. स्रमन्त जीववाली वन-स्पिति की एक जाति A species of vegetation with infinite living beings in it पन्न॰ १;

शिहु पुं॰ (स्निहु) એ नामनी એક वनस्पति क्र विशेष इस नाम की एक वनस्पति; कद विशेष A kind of vegetation; a particular sort of bulbous root. जीवा॰ १, पन्न० १;

गिहुय त्रि॰ (निमृत) निवृत थयेस; अवृत्ति रिहतः निवृत्तः प्रवृत्ति श्रह्यः. Retired; free from activity. स्य॰ १,६, ६६; (२) अशात वृत्ति वाली. प्रशान्त वृत्ति वाला. calm and quiet in mind. श्रोव॰ २१; (३) निश्चय; अथस. निश्चल, श्रवतः; स्थिर. firm; steady; motionless उत्त॰ १९, ४१, पग्ह॰ १, २;

गिहो श्र॰ (न्यक्) नीये. नीचे; श्रध.
Low; below; down " गिहोगि
संगरछित श्रंतकाले " स्य॰ १, ४, १, ४;
गित्रागोयः न॰ (नीचगोत्र) नेत्र धर्भनी
अशुभ प्रकृति गोत्र कर्म की श्रशुभ प्रकृति
An evil variety or class of
Gotra-Kaima, श्रगुजो॰ १२०;

गोइ स्त्री॰ (नीति) नैनम आहि नय. नैगम ग्रादि न्याय-नय. A logical standpoint such as Naiganna etc. ठा॰ २, २; (२) नीति-न्याय; राजनीति;

सभाजनीति वर्गरे नाति-न्यायः राजनीतिः समाज नीति वगैरह. morals; justice; politics. " तिविहा गीई परागता सामे दं हे भेए "ठा० ३, ३; नाया० १; र्णीच नि॰(नीच) नीये।;६५३। नीचा; घटिया; उत्तरता हुआ. Low; mean. ठा॰४, ३; णीक्ट. न॰ (निष्टयूत) थुं हेक्षं. थूंका हुग्रा. (Saliva) spit out or ejected from the mouth. नंदी॰ ग्रीजूदग. न॰ (नियुंहक) पारणाना टाउदी; धे। उदे। दरवाजे का घोडला A block of wood jutting out from each of the two upper ends of a gate or door of a house. नाया॰ १; णीजुह्यंतरः न॰ (निर्यृहकान्तर) टेरिडसा व²येतुं भंतर २ घोडलॉ बीच का अन्तर. The distance space between two blocks of wood each projecting from the upper end of a gate or door of a house. नाया॰ १: गीतिय. त्रि॰ (निणित) ण्ढार अदेश वहार

गागिय । त्र (नियात) ण्डार अद्या वहार निकाला हुआ Brought out. नाया । श्रिं शिक्षया श्री (नीनिका) એક જાતના ચાર ઇંદ્રिયવાલા છે . चार इंद्रिय नाला जीव विशेष. A kind of four-sensed living being. जीना । १: पष्ट १; गािति जी (नीति) नीति - न्याय नीति: न्याय; कायदा; इन्साफ; Politics;

justice. नाया॰ १;

णीम पुं॰ (नीप) ४६ अनुं आऽ. कदम्ब का वृत्त. The Kadamba tree. पत्त॰ १; शीय. त्रि॰ (नीत) कावेक्ष; आधेक्ष. लाया हुआ. Brought; carried. नाया॰ १; १६; १७; शिय. त्रि॰ (नित्य) नित्य; हुमेश रहेनार.

नित्य; सदा रहने वाला. Constant;
permanent; eternal. ठा० १०;
गीय-श्रा त्रि॰ (नीच) नीयुं; नानुं;
ही शिखुं. नीचा; ठिंगना; छोटा. Low;
dwarfish; small. भग० ३, १; २;

१४, १; (२) नीय; ह्रक्षेश; नीया दुसनी. नीच कुल का. mean; low-born. ठा॰ ३, ४; भग॰ ३, १; श्रक्तजो॰ १४७. —जगा नि॰ (-अन) नीय क्रांतिनी भाणुस. नीच जाति का मनुष्य. a person of a low family or caste. "गीय-जगा गिसेविगो लोगगरहांग्रजा" पण्ह॰ १,२; —दुवार- त्रि॰ (-द्वार) नीया भारणायां

' नीचे या छोटे दरवाजे वाला. having

low gates or doors दस॰५, १, २०;

णीयत्तणः न० (नीचस्व) नीय पर्छं, जुद्रताः नीचताः Lowness; meanness. "नियत्तणे वटह सण्डवाई "दस• ५,३,३; णीययरः त्रि० (नीचतर) अति नीयुं. बहुत नीचा. Very low. भग० ३, १ः णीयागोयः न० (नीचगोत्र) गात्रध्भेनी अशुक्ष प्रधृति. गोत्र कर्म की त्रशुभ प्रकृति

Evil Gotra-Karma causing birth in a low family. "उच्चागोया वेगे गीयागोयावेगे" स्य॰ २, १, १३; —कम्म. न॰ (-कमंन्) गित्रक्षभीनी अशुक्ष प्रकृति, के जीना उद्दर्थी छन नीय गात्र प्राप्त कर्म की अशुभ प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव की नीच गोत्र प्राप्त हो. a variety of Gotra-Karmas

(family-determining Karmas) evil in its effects because by its rise or maturity a man is born in a low family. Ano a, &;

गोरयः ति॰ (नीरजस्) २०४२ हितः ५२ ६ क्रें क्रियः विकास

रहित. Free from dust or dist; free from dirt in the form of Karmas जं०प० सय० १, १, ३, १२; १४, १;

गीरिति. पुं॰ (नर्ऋति) भूस नक्षत्रने। व्यथिष्ठाता देवता The presiding deity of a constellation bearing the same name. सु॰ प॰ १;

णीरूदिवरगा. त्रि॰ (निरुद्धिम) उन्वेश रहित; थिंता निश्चिन्त; उद्देग विद्यान, वेफिक. Careless, free from worry नाया॰ द:

णिरोग. ति॰ (नारोग) रेश रिक्षत निराग. स्वस्थ्य. Free from disease, healthy. ठा॰ १०, नाया॰ १. (२) भ्यानि रिक्षत प्रम्लानः, निरालस्यः, ग्लानि रिहत free from mental distress or worry. श्रोतः

गोरागय जि॰ (निरागक) रे। गरितः, ०थाधि वगरते। रोग रहितः, ज्याधि विहीन. Free from disease; healthy जीता॰ ३ः गील ति॰ (नील) स्थाभः नील स्थामः नीला काला Dark; black; blue. ठा॰ १०; (२) पुं॰ नीक्षे। २ ग नीला रंग blue colour. पत्र॰ १ः राय॰ ४०; (३) नीक्षभः, ओक्ष जनती। मिश्रः, नीलमः, एक जाति का माग्रः क kind of gem, a sort of blue gem जीवा॰ ३; (४) २५ भा अक्षनं नाम. २५ वे प्रह का नाम. प्रक्षण of the 25th planet. ''दोणिला'' जि॰ २, ३, सू॰ प॰ २०; (४) ली॰ नील वेश्याः छ वेश्याः छ वेश्याः । शिथा छ वेश्याः नीललेश्याः,

छ लश्यात्रा में से दूसरी. the 2nd of the six kinds of thought or mattertints, viz. blue tint. पत्र. 90; (६) पाश समुढ वाणों का समूह; शर-समूह. collection of arrows -पत्त. त्रि॰ (-पत्र) शीशा पाइडा वार् हरे पत्तां वाला. having green leaves. १; —पाणि त्रि॰ (-पाणि -नीलः कारडकलाप पासौ येषां ते नील पाराय) जेना क्षायमा भाशना समुद्ध छे ते शर समूह का धारण करने वाला: शरवारी (one) holding a number of arrows in the hand, vivo - con त्रि॰ (-प्रम) शीली प्रभावालु. हरी कान्ति नाला possessed of green lustre. नाया ं १; — बग्ण न० (-वर्ण) કૃष्ણ वर्णा; नीक्षे। २ भः कालारंग, नीलारंग. black colour, blue colour द, १, २, ४; — वर्णप ज्ञव पु॰ (-वर्ण पर्यव) अला पर्श-२ गना पर्याय काले रंग का पर्याय. A modification of black colour, भग॰२४,३. —सालगांखयत्थ त्रि॰(%)तीशार गती साडी पड़ेरेल. नजिरग की साडी पहिने हए (one) who has put on a Sari or garment of blue colour. विवा॰ १०:

णीलकंड पु॰ (नीलकंड) शक्षेन्द्रनी महिप सेनानी अनिपति देवता शकेन्द्र की महिप सेना का नायक देवता The commanding deity of the army of buffaloes belonging to Sakrendra. ठा॰४,२; णीलकंडय पु॰ (नीलकंडक) भीर; भयूर. मीर; मयूर. A peacock नाया॰ ३;

^{*} जुओ। पृष्ठ नम्भर १५ नी पुटने। ८ (*). देख़ी पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide font-note (*) p. 15th

णीलकणवीर. पुं॰ (नीलकरवार) नीश रंगनी क्षेत्र; पृक्षनी ओक जात. नीले रग की कनेर; वृत्त विशेष. A kind of tree blue in colour. राय॰ णीलकूड. पुं॰ (नीलकूट) नीश्चय त वर्षध्वर

णीलक्रुड. पुं॰ (नीलक्ट) नीस्वत वर्षध्य पर्वतनुं ओक्ष्रिभर ने लवंत वर्षवर पर्वत का एक शिखर. A summit of the mountain named Nilavanta Varşadhara, ठा॰ २, ३;

णीलगुलिया. स्त्री॰ (नीलगुटिका)ओड ज्यतनुं २० एक रत्न विशेष; एक प्रकार का रत्न. A kind of gem. " गीलगुलियागवलप्प • गामा" जीवा॰ ३, ४; राय॰ नाया॰ १;

णीलवंधुजीव. पुं॰ (नीलवंधुजीव) नीक्षा २ गना पुष्प वार्क्ष क्षेत्र कातनुं आऽ. नीले रंग कें फूल वाला एक इस्त विशेष. A kind of tree putting forth blue flowers नायक

णीलय. पुं॰ (नीजक) सीक्षे। २ श. इसा रंग.

Green colour भग॰ १=, ६; २०,५;

णीललेस्स नि॰ (नीललेश्य) नीस क्षेत्रपायां अत. नील लेश्या वाला जीव. (A soul) having blue thought—tint (Leśyā). ठा॰ १, १; मग० १८, ३; २४, १; — भवसिन्द्रिय. पुं॰ (-भविमन्द्रिक) नीस क्षेत्रपायां सन्यजीव. A soul having blue tint and destined to attain salvation, eventually. भग० ३५,७;

णीललेस्सा. स्री० (नीललेखा) ६ क्षेत्र्या-भांनी जी केश्या ६ लेखायों में की दूमरी केश्या. The 2nd of the six kinds of thought or matter-tints (Lesyās). पन्न० १, १७; मग० १, २; णीलवंत. पुं० (नीलवन्द) जभग पर्वत्थी

દક્ષિણ દિશાએ ૮૩૪ જોજન અને ૪ સાવીયા

ભાગ ઉપર સીતા નદીને વચ્ચગાલે આવેલ એ નામના એક દ્રહ કે જેને બે પાસે વીશ કંચનક પર્વત છે. जमग पर्वत की दाजिला दिशा में =३४ योजन श्रार चार मातीया भाग जपर श्रीर सीता नदी के मध्य में श्राने वाला एक जलाशय जिसके दोनों श्रोर वीस कंचनक पर्वत हैं Name of a great lake in the south of Jamaga mount in the middle of the course of the river Sītā on two of its sides it is bounded by twenty Kanchanaka mountains. नं॰ प॰ (२) तेना वासी नागक्ष र देव. उस (इह) के निवासी नागकुमार देव. u Nāgaku māra kind of deities residing in the above lake, जं॰ प॰ (२) भन्दर पर्वातनुं शीकुं शिभर, मन्दर पर्वत का दूसरा शिखर. the second peak of Mandara mount जं॰ प॰ (४) नीक्षवांत पर्वातः सहाविदेदनी कत्तर तरहती सीमा लांधनार पर्नत नीलवंत पर्वतः महाविदेह की उत्तरी सीमा बनान वाला पर्वत. the Nīlavanta mount forming the northern boundary of Mahavideha. " कहिण भंते जंब्रहीये णाजवंते गामं वासहरपन्वए पराणते " जं० प० ठा० २, ३; पन्न० १६; जीवा॰ ३, ४; — क्रड. पुं॰ (-क्ट) નીલવંત વર્ષ ધર પર્વતનું બાજું શિખર. नीलवत वर्षधर पर्वत का दूसरा शिखर कूट. the second peak of the Nilavanta Varsadhara mountain.

" दो नीलवंत कूड़ा " ठा० २, ३; जं० प०

—दहकुमारः पुं॰ (-द्रहकुंमार) नीअ-

વંત દ્રહના અધિપતિ નાગકુમાર દેવ. नीत

वंत द्रह का श्रधिपति नागकुमार देव. 2

Nāgakumāra kind of deity presiding over the lake named Nīlavanta. जीवा॰ ३, ४; —पव्चय. पुं (-पर्वत) नीसवंत पर्वत नीलवत पर्वत. the mount Nilavanta. नाया॰ १६: शीला. श्री॰ (नीला) नीक्ष क्षेत्रया. नील त्तेश्या. Blue thought-tint or matter-tint. सम॰ (२) अं भुद्रीपना મેરની ઉત્તરે રક્તા મહાનદીને મલતી ेंगे नाभनी ओं अ अक्षानहीं, जंबूद्वीय के मेर की उत्तर तरफ रक्ता महानदी से मिलती हुई इस नाम की एक शहानदी. nan e of a great river flowing into another great river named Raktā in the north of the Meru wount of Jambūdvīpa. ठा० १०.

णीलाभास. gं॰ (नीलाभास्) २६भा भटा थें पहां महामह The 26th of the great planets 'दो गीलाभासा' टा॰ २, ३, च० प० सू॰ प०

णीलासीम पुं॰ (नीलाशीक) नीया र गर्नु अशाः वृक्ष नीले रग का ऋशोक वृक्त An Aśoka tree blue in colour. राय॰ (२) એ नामतुं सुहश न शेंद्रतुं ⁹धान इस नाम का सुदरीन सेठ का उद्यान name of a park owned by the merchant named Sudarsana. नाया॰ ५; —उज्माश न॰ (-उद्यान) ये नामनु ओं । उद्यान इस नाम का एक उद्यान -वगीचा name of a park or garden. विवा॰ ४:

णीलासीय न॰ (नीलासोक) सागिधिश नगरीनी अहारनुं क्येड उद्यान सौगविका नगरी के बाहर का एक उद्यान. Name Vol 11/125

the city of Saugandhikā. नाया॰ 9: 4:

णीली र्ञा॰ (नीली) नीली-गली नील. Indigo. नाया॰ १६; जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ ३, ४४; (२) गुन्ध वनस्पतिने। अेड प्रधार गुच्छेदार वनस्पति विशेष. a sort of vegetation with clusters of leaves, पञ্च ।:

गीलपत न॰ (नीलोत्पल) नीक्षेत्पक, કમલ. नीलोत्पल, नील कमल. A blue lotus नाया॰ १; ३, ४, =. ६; १४; भग॰ E.33; —मसि पुंo (-श्रसि) नीसीत्पस डमश केवी तशवार, नील कमल जैसी तलवार a sword like a blue lotus. नाया = ; -- चरा न = (-वन) नीक्षेत्रिय धमसनं वत. नीलात्यल कमल का वन. ध forest of blue lotuses 730

गोलोभास त्रि॰ (नीलावभाम) भथुरना गुला की प्रकाश भाग मोर के कठ के समान प्रकाशमान Shining, bright like the neck of a peacock. श्रोव॰ राय॰ (२) २६मा अहतु नाम. २६ वें यह का नाम. name of the 26th planet. स्० प० २०;

गाीब पुं॰ (नीप) इदंभनुं अह वज्. A Kadamba tree श्रोव॰ नाया ० ६: (२) न० तेना ६ थ. उस (कदंव) के फल. a fluit of a Kadamba tiee. नाया॰ १; भग॰ २२. ३;

गीवार पुं॰ न॰ (नीवार) भेऽया वगरनी જમીનમાં ઉગેલ ધાન્ય વિશેષ, સામા ચાેખા अभृति विना हल की हुई भूमिमे उत्पन्न धान्य विशेष; सावा, चावल श्रादि. Rice etc. growing in uncultivated land स्य॰ १, ३, २, १८; १, १४, १२; of a garden or park outside | ग्रीसंक त्रि॰ (निःशङ्क) शक्ष रहित शंका-

रहित; निःशंक. Free from doubt.

णीसह. त्रि॰ (निःसृष्ट) हे डेस; सुडेस. फेका हुआ; त्यक्त, छोडा हुआ Left; abandoned; given up; freed; given out. पग्ह॰ १, १;

णीससिउच्छिसियसम. न॰ (निःश्वामितो-च्छ्वसितमम) ७ था नीथा स्वस्वालुं शान-ऊंच नीथे स्वर वाला गान. A musical tune with rising and falling accents. ठा॰ ७;

णीससिय. न॰ (नि.म्बसिन) न नेश्वास भुडवे।. निश्वासटालना Act of breathing out or exhaling; a sigh. नाया॰ ६; णीसा स्रो॰ (क) धंटी. घटी; नकी A

mill to grind corn etc. "द्म-चारापुणं पीहियं गीमापु पीठपुण्या "द्म-४, १, ४४;

णीसास. पुं॰ न॰ (निःश्वास) नीये श्वास भुक्ष्ये। ते. श्वास छोडना. Act of evhaling or breathing out. श्रोव॰ ३६, नाया॰ १; =; भग॰ १, १; १७, १२; णीसासमाण. त्रि॰ (निःश्वसम्) श्वासभुकी।

सास लेताहुआ; दम भरता हुआ. Breathing out; exhaling. नाया • ६;

णीसेयस. न० (निःश्रेयस्) निश्रित हस्याणुः भेक्ष निश्चित कल्याणः मोच Final, certain bliss; salvation. जीवा॰३,४;

णहिंदिया. ली॰ (निहंतिका) पिरसर्छ.
परेक्षा, कार्यवश श्रानेमें श्रसमये किसी
मित्र श्रादिके यहा भेजीहुई भोजन की थाली.
A dish of food etc. sent to a
relative or friend who has not

been able to partake of a general feast. वेय० २, ३७;

ग्णिहरण न॰ (निष्ठरण) भरेष संरक्षरे मृत्युगंस्कार; श्रम्येष्ठि किया. Funeral rite or ceremony. विसा ४, ५; नाया॰ १४; भग० १४, १; (१) निक्ष्युं ने निकलना. getting out; starting out. नाया॰ ५;

णाहरमाण ति॰ (नाहरत्) निदार करो। मुक्त होता हुआ; फारिंग होता हुआ Expelling; getting rid of; unswering calls of nature वेय॰ ६, ३: णीहरिक्तर. हे॰ कृ॰ य॰ (निर्हर्तुम्) निदार करवाने. मुक्त होनेक जिए, यहर निकालने के लिए In order to expel; in order

to clear or get iid of e. g. excrements. वेय० ६, ३:

णीहार. पुं॰ (निहार) दिग्राओ-शैव्यक्ष्यिओं व्यां दिता-शीच क्रियांक लिए जाना. Act of easing oneself; answering calls of nature, सम• ३४;

गीडा ग. न॰ (निहारण) अदी अध्यं नियाल देना, श्रक्ता देकर नियाल देना. Act of driving away; pushing out ठा॰ २, ४;

शीहारि. त्रि॰ (निर्हारिन्) व्यापी कतार; विश्तार पामतारे. फेल जानेवाला; विस्तार पानेवाला. Extending; pervading; having the property of extension. सम॰ ३४, श्रोन॰ ३४; (२) धे।प-अवाक वाक्षं. घोष-शब्दवाला. full of sound; possessed of aound ठा॰ १०; शीहारिम न० (×) केता शवतुं तिहन

^{*} जुओ ५४ नम्भर १५ नी पुरनीर (*). देखो पृष्ठ नम्बर ११ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p. 15th.

रण्-अभिसंस्धार वगेरे भरण संस्थार थर्ध श्रे तेवा स्थेण संथारे। धरवे। ते. ऐसे स्थानगर संथारा करना कि जिससे मृत्युक्तवाद शानकी अन्त्येष्टि कियादि आसानी से होसकें. Act of giving up food and water in such a place so that after death the corpse can be removed for the purpose of funeral rites such as cremation etc. ठा०२,४; भग०२,२४,७,१; १३,७; (२) ध्ये ह्र सुधी पश्चेये तेवुं. बहुत दूरतक पहुचनेवाला. (one) reaching a long distant श्रोव०

बीहू ह्यी॰ (नीहू) इन्ह्रनी એક जात. एक कन्द विशेष. A species of bulbous roots, सग० ७,३;२३,२; उत्त० ३६,६८;

यु अ॰ (तु) प्रश्न. प्रश्न, श्रह्मय-प्रश्नचिन्ह

An indeclinable marking question. दस॰ ७, ४१; (२) वितर्ध. वितर्फ: श्राक्ष्यं चिन्ह. an indeclinable marking imagination or supposition. विशे॰ ३०:

√ खुरू-कर. था॰ II (न्यक्+क्) विश्वारवुं. धिकारना; दुराभला कहना. To reproach to show contempt towards. खकारेति. राय॰ १८२;

युक्तार. पु (न्यकार) नुक्षर शण्ट करवे। ते. ष्ट्यान्यजक शब्द. A sound expressive of contempt राय॰

राएँ अ॰ (जूनम्) नाडी; ये। इंडसः ठीकठीक; निश्चित; स्पर्श Indeed; assuredly नाया॰ १; ४, ६; १६, भग०१, १;
२, १; ४; १, १; १५, १; उत्त॰ २, ४०;
स्रोव॰ ४०; पहा॰ ११; (२) तार्ड, प्रश्न,
देतु धत्यादि अर्थभा यपरातु अञ्यय का

indeclinable used to mark supposition, question, reason etc. भग॰ २, ४; ६;

स्पूम. न० (नूम) गाढ अंधाइं. प्रगाढ श्रेधेरा;

घनघोर श्रंधकार. Dense darkness.

भग० १, ६; (२) पर्यंतनी शुक्ष वगेरै;

शुर्त स्थल. a mountain-cave etc.

निसी॰ १२, १२; स्य० १, ३, ३, १: २,

२, ६; (३) ढांक्युं ढाकना. covering;

act of covering. परह० १, २; (४)

भाषा; ४५८. माया, कपट; छल. deceit;

fraud. भग० १२, ४; सम० ४२; स्य०
१, १, ४, १२; (५) ४में. कर्म action;

Karma. श्राया०१, ६, ६, २४; — गिह.

न० (-गृह) गीथ आडीभा व्यावेर्स धर.

कुंज नाला घर a house surrounded
by trees. श्राया० २, ३, ३, १२७;

यो श्र॰ (ये) पाद पूरक्ष. पाद पूरक या. An expletive; an indeclinable used as an expletive. जीवा॰ ३.

गो. त्रि॰ (नः) अभे-अभारी-री-ई. हम, हमारा-री-रे We; our. भग॰ १, ६; २, ४; १४, १; दस० १, ६;

रोधाउश्र-य. ति॰ (नैयायिक) न्याय युक्त; युक्ति प्रयुक्ति सिहत. अधित सिहत. न्याययुक्त; युक्ति प्रयुक्ति सिहत. Based on sound logical reasoning. श्रोव॰ ३४; स्य॰ १, २, १, २१; (२) केमां निश्रय मुक्ति भिन्ने तेवा भार्गः ऐसा मार्ग कि जिसके द्वारा निश्चित रूप से मेन्स प्राप्त हो सके. a path surely and invariably leading to salvation. उत्त॰ ५०, ३१; (३) न्यायशास्त्र अव्यानार. न्यायाचार्य; न्यायाविद् (one) proficient. in logic श्रोव॰ ३४;

गाउगिष्ठाः न॰ (नेषुणिक) निपुश्. यतुर.

नियुगा, चतुर; कुशल. Expert; wise; skilful. दस॰ ६, २, १३;

रोउर. न॰ (न्पुर) भगनुं आक्षरण, अंअर. पैर का भूषणः तोडा A leg-ornament; an anklet. नाया॰ १; ६; १६; जीवा॰ ३, ३, (२) भ धिद्रिय वाले। छव विशेष. दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a species of living beings with two senses पन्न १; (३) यार धिद्रय वाले। छव. चार इन्द्रिय वाला जीव a living being with four senses. पन्न ॰ १;

रोगम. पुं॰ (नैगम-निगमा विश्वजस्तेपां स्थानं नैगमम्) वाशिया-व्यापारीश्रीनुं तिवास-स्थान.च्यापारिश्रोका निवासस्थान A quarter of a town etc. where traders or merchants reside भग॰ १=.२;; (२) शास्त्रना अर्थभां ५शस. शास्त्रो के श्रर्थमें कुशल proficient in scriptural texts and their meaning. **ટા** ૧, ૧; (૧) સાત નયમાંના પહેલા न्थ. सात नय में से प्रथम न्याय-नय. the first of the seven logical standpoints of Jaina philosophy ठा॰ १, पत्त ० १६, -- नय. पुं॰ (-नय) कैन दर्शन-अक्षिमत सात नयमाना प्रथम न्य जैन दर्शन के सात नयों में मे पहिला नय the first of the seven logi cal standpoints in the Jaina philosophy विशे ११; -पहमा-स्रिणियः त्रि॰ (-प्रथमासनिक) व्यापारी-એોમાં પ્રથમ આસન ધરાવનાર. ન્યાવારિયોં मे श्रेष्ट-पहिले आसन का आधिकारी. (one) occupying the highest position among merchants भग. १८, २; रोाच्छइय पुं॰ (नैश्चयिक) निश्चय नय. निश्चय नामक नय. A standpoint by which a thing is named after the substance of which it is evidently made. भग० १८, ६:

र्णेट्टूर. पुं० (नेट्टूर) એ नाभनुं એક અનાર્ય देश. एक अनार्य देश. Name of a Antirya country. (२) तेना वासी भनुष्य. उस के निवासी लोग a person residing in the above country. परह० १, १:

ग्रेतब्ब. न॰ (नेतब्य) सम्छ क्षेत्रं. समक लेना; जानजानाः Grasping the meaning of; understanding; comprehending. स्॰ प॰ २०;

रोतन्त्र. त्रि॰ (ज्ञातन्य) अध्या ये। व्य. जानने योग्य; ज्ञातन्य. Worthy to be known. भग० १, १; २४, २;

गोतार. त्रि॰ (नेतृ) नायक. श्राधिपति; नेता; नायक (One) who leads; a lead. er. जं॰ प॰

गोत्त. न॰ (नेत्र) आंभ. श्रांख; नयन; चत्तु
An eye. पण॰ १८, २२; (२) नेतइ.
रस्ती. a rope or cord to tie
the legs of a cow at the
time of milking. उना॰ २, ६४;
(३) नेतरनी छडी; सीटी. चेत, चेत इत्त
की छडी. a cane; a birch rod.
स्य॰ २, २, १८, —स्ता. न॰ (-यात)
नेन १९६; आंभिने। इढापे।. नेत्र पीडा, मांख
का दर्द pain in the eye; sore in
eye. नाया॰ १३,

रोम पुं॰ स्नां॰ (नेम) कभीनथी उँथे। नीड-सते। प्रदेश, लिंतनी डिनारी जमीन से ऊंचा उठा हुआ भाग, दिवाल का किनारा. Region or portion protruding from ground level जं॰ प॰ राय॰ सोमि. पुं॰ (नेमि) पैडानी घेरावा; पैडानी धार.
पहिंचेका घेराव; चककी परिधि. Circumference of a wheel श्रोव॰ ३१,
जं॰ प॰ ३, ४७, ठा॰ ३, ३; स्य॰ १, ४,
१, ६, —पडिस्त्वगः न॰ (-प्रतिरूपक)
यक्ष्यारा समान, वृत्तसस्थान. चक्रधारा
समान; गेलाकार. (any thing) circular in shape like a wheel
भग॰ १४, ६;

णेमित्तिय. न॰ (निमित्त) নিমিন্নথাইন. २६ पाप থাইগমানু ओड निमित्तशास्त्र; २६ पापशाओं में से एक The science of omens, one of the 29 Pāpa Śās tras (secular sciences) ঠা॰ દ,

शेम्मा स्त्री॰ (ः) लभीनथी नीडसते। भदेश जमान से ऊचा उठा हुआ भाग-प्रदेश Region higher in level than the ground, राय॰ ४४;

रोय. ति॰ (ज्ञेष) लाख्या ये।०५. ज्ञेष; जानने यं। ग्य. Worthy to be known. राय॰ २१४; पज्ञ॰ २१, नाया॰ ११, १८;

रोयितिय त्रि॰ (नैयितिक) नित्य नित्य; शाश्वत Constant, permanent, eternal भग॰ १, २;

गोयडच त्रि॰ (ज्ञातब्य) ज्ञालुवा थे। व्य जानने योग्य, ज्ञातब्य Worthy to be known; worth being known. ठा०२,३; भग०२,२; ५,४;१२,१०; २५,४;२८,११,नाया०१६, निसा०६, ५,११,१६,१८,२,दसा०१०,१; ज०

ग्रीयब्ब. त्रि॰ (नेतन्य) इहेवा वर्षा ववा

ये। अ कहने या वर्णन करने योग्य. Worthy to be told or described; worthy to be conveyed or communicated. श्रोव॰ २०; जं० प॰ ४, ११६,

णेयाउय. ति॰ (नैयायिक-न्यायेन चाति नियायिकः) न्याय युक्ता. न्याययुक्तः कायदे से चलने वाला. Logically sound; just, in accordance with justice. उत्त॰ ३, ६; दसा॰ १०, ३; ६, १८; (३) न्यायदर्शन न्याय स्थान गीतम शास्त्र की जानने वाला. (one) proficient in the system of logic propounded by Guutama. स्य॰ टी॰ १, १, १, ६, (३) भेक्षिमार्ग अतावनार न्याययुक्त शास्त्र मोक्तमार्गको वतलाने वाला न्यायशास्त्र. a scripture based on logic and guiding one on the path to salvation. नाया॰ १;

पोयाह त्रि॰ (नेतृ) तेता; नाथक नेता; नायक, अध्यक्त. (One) who leads; a leader सूय॰ १, १, २, १८; १,६,७; पोरइय पुं॰ (नेरियक) नरक्षी रहेनार छनः नारकी A liell-being, a soul born in hell. ठा॰ १, १; २, ४; ३, १, उत्त॰ १०, १४; श्रोव॰ २०; ३४; अगुजो॰ १४०; भग॰ २, १, ६, ४, ८, ५, १; १६, ४; २०, १०, २४, १ ३२, १; नाया॰ २; दसा॰ ६, १, ४, पन्न॰ १; जीवा॰ १, (२) नरक गित, नरक का भव-जन्म-श्रवतार.

[.] लुओ पृष्ठ नम्भर १४ नी भुर्नार (*). देखे पृष्ट नम्बर १४ की फुटनोट (*). Vide foo-note (*) p 15th.

Birth in the infernal regions; state of existence in hell. श्रोव०३८; —श्राउश्र-य. न० (-श्रायुप्) नारकीनुं आयुष्य. नारकीका श्रायुष्य lifeperiod of a denizen of hell. भग० ८, ६; ३०, १; ठा० ४, २; — आ-वासः पुं॰ (-श्रावास) नरधायासे।. नरकावास; नरक में निवास र ान. abode in hell. भग०१२, प्रः ५८, प्रः ठा० २,४; —िडिति स्री॰ (-िस्थिति) नारधीनी स्थिति. नारकी की स्थिति-दशा condition of a hellish being. भग. २४, १; —दुग्गइ स्री० (-दुर्गति) नरकरूप दुर्गाति. नरकरूप दुर्गति. bad plight in the form of birth in hell. ठा० ४, १: -पवेसण न॰ (-प्रवेशन) नर्डमां प्रवेश. नर्क में प्रवेश. entrunce into hell भग॰ ६, ३२; —भव पुं॰ (-भव) नारधीना ला. नारको का जन्म. birth a denizen of hell. ठा॰ ४, २; —सं-सार. पुं॰ (-संसार) नरक गतिरूप संसार. नाक गतिरूप संसार, नारकी ससार. worldly existence akin to an abode in hell. ठा०४,२; भग०२५,७; चेरष्यतः न॰ (नैरियकत्व) नारेडीपछुं. नारकी पन State of being a deni-

zen of hell. भग. १२, ४; चेरहयत्ता ह्री॰ (नैरियकता) नारधीपछुं नारकी पन. State of being a denizen of hell नाया०२;१६; १६; भग० १२, ७; १४, १; १७, १; ठा० ४, ४,

दसा० १०, ३;

रोरई. स्री० (नैर्ऋती) नैऋति-राक्षस केना દેવતા છે એવું નક્ષત્ર; મૂલ નક્ષત્ર. नैऋति-राज्ञस के श्राधिपत्य वाजा मूल-नज्ञन. A

constellation named Müla having for its presiding deity a demon. भग॰ ७, १:

ेंगुल. न॰ (नैल) गक्षीते। विधार. नील का निकार. A product of indigo. बग॰ 9, 9;

खेलवंत. पुं॰ (नीलवत्) भक्षाविहेदनी **७त्त**र सर्द अपरने। पर्वत, महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला पर्वत. A mountain on the northern boundary Mahāvideha. (२) नीववंत पर्वत રહેનાર તેના અધિષ્ઠાતા દેવતા. नीलवंत पर्वत पर रहने वाला उसका श्रधि-ष्टाता देवता. the presiding deity of the Nilavanta mount, resid ing upon that mount. जं॰ प॰

रेशवत्थाः न० (मेपथ्य) वे ।; भेशशाः वेपः पोशाक Dress; e g. in a drama. श्रोति २४; पन्न २; पगह ०१, ४; ठा०४, २; नाया॰ १; १६; (२) ५८हे। परदा a curtain; e g. in a diamu. नाया॰ १; (३) अस हार; आभूष्णु ष्यलंकार; श्राभूषण, जेवर; गहने. &।। ornament; a decoration पंचा॰ ८, २४; जं॰ प॰ ७, १५०;

रोडवास. न॰ (निर्वा) भुदितः भेक्ष मुक्ति, मोत्त; मुगात Salvation; final blise. " एतीए फर्ज खेयं परमं खेब्बायनेय

णियमेण "पंचा० द, ३४;

गोसज्जि पुं॰ (नैपचिन्) निविद्या पत्राधी आसने भेसनार. श्रालखी पालखी भारकर भ्रासन से बैठने वाला.(One) who sits with his legs crossed. पंचा॰ १८, १४; प्रवः ४६१;

रोसिजिया स्नी॰ (नैपियकी) निषिद्या पक्षांडी भासने भेसनार (स्त्री). पत्तांठी मारऋ

[गोश्राउज्ज

बैठने वाली(स्त्री). (A woman) sitting with her legs crossed. ठा० ५, १; वेय० ५, २६;

ऐसित्थिया. क्री॰ (नैसृष्टिकी) पत्थर वगेरे ईं क्रवाथी क्षागती क्रिया पत्थर म्रादि फेकने से होने वाला कर्भ बंब. Karma incurred by throwing a stone etc. ठा॰ २, १;

रोसिष्प पुं॰ (नैसर्ष) नय निधानभाने। ओड़;
केभां गाभ नगर व्याहिनु वर्ष्णुन छे ते
नव निधान में का एक निवान, जिस में प्राम
नगर प्राहि का वर्णान है One of the
nine Nidhānas जं॰ प॰ ठा॰ ९;

ऐसाय पुं॰ (निषाद) निषाद नामना स्वर, सात भंडभानी ओक्ष निषाद नामका संगात का एक स्वर; सात प्रकार के स्वर में में एक. One of the seven musical notes so named. ठा॰ ७, १.

र्णेह. पुं॰ (स्नेह) स्तेष्ठ; अनुराग; प्रति स्नेह, अनुसाग, श्रीति; प्रेम. Affection: love: attuchment १; श्राउ॰ नाया० (२) थिं।श. चिकनापन stickiness नाया॰ १६; — श्रवगादः त्रिं (-श्रव-गाढ) स्ते ७थी ०था स. स्तेह से परिपूर्श full of, absorbed in the emotion of love. नाया॰ १६; —उत्तिष्यगत्त. नि॰ (- उत्त्रोपितगात्र) स्तेक वासं शरीर. स्नंहपूर्ण शरीर,स्नेहमय गात्र. a body full of the feeling of love. विवा॰ २; - यखयः पुं॰ (-चप) थिक्षशने। नाश चिकनाई का स्यानाश. destruction of stickiness or viscosity. नाया॰ १६, -- भाग न० (-ध्यान) पुत्र आहिना સ્તેડનુ ધ્યાન, દુષ્યાંતના એક પ્રકાર पुत्र श्रादि के स्तेह का ध्यान, दृष्यान विशेष. a sort of undesirable contem

plation, viz. that upon filial affection, conjugal bliss etc.

खो. त्रि॰ (नः) अभाइं. हमारा. Our; ours. भग॰ ६, ३३;

णो. अ॰ (नो) निष्क, निष्के. नहीं; निषेध.
No; not भग॰ १, १; ३, ६; २, १;
१, ४, २; ६, ४; १६, ३; २०, १०; २२,
२; २४, २; ६, नाया॰ १; ४, ७, ८; १४,
१४; १६; आया॰ १, १, १, १; १; १, १,
२; अगुनो॰ २; भ्रोव ३८;

गोश्रक्खरसंबद्धः त्रि॰ (नोश्रह्मसम्बद्ध— श्रह्मसम्बद्धादितरा नोऽह्मसम्बद्धः) अक्षर संभध्यी लिश्रः श्रह्म सम्बन्ध से भिन्नः Bearing a relation different from that due to or caused by letters. रा॰ २, ३:

णोत्रमण न॰ (नेाडमनम्) भन भात्रः केवल एक मन; मन मात्रः Mind alone; nothing except mind ठा० ३, ३; णोत्रययण न॰ (नेाडवचन) पथन भात्रः केवत वचन ही, एक बचन मात्रः Speech alone; nothing except speech. ठा० ३, ३;

गोत्राउक्त पु॰ (नोन्नातोच) ताऽन धर्या वगर के शण्ह थाय ते; लास वगेरे श्रीरता के शण्ह थाय ते ताडन विना उत्पन्न होने वाला शब्द; वास श्रादि को चीरते समय उत्पन्न होने वाला शब्द. Sound producted by anything else than beating or striking; e.g. that produced by tearing or 1 anding. ठा॰ २, ३, — सह. पु॰ (-शब्द) लुओ। ઉपदी शण्ह देखो उत्पर का शब्द. vide above '' गो श्राडजसहे दुविहे पर्णाते '' ठा॰ २, ३;

खोद्रागसः पुं॰ (नोद्याकाश) आधार ભિન્ન; આકાશ સદૃશ ધર્માસ્તિકાયાદિ. ष्याकाश भिन्न; श्राकाश सदृश धर्मास्तिकायादि. Dharmāstikāya etc. as differentiated from Akāśa etc or 3,9; णोइंदिय न॰ (नोइन्द्रिय) धन्द्रिय भिन्न च्यो धीद्रेयसद्दश, भन. इन्द्रिय भिन्न एवं इन्द्रिय सदश; मन. Mind ठा॰ ६; भग• १८, १०; —जविशक्तिः पु॰ (-यापनीय) भन पश ४२वु ते मन का संयम निरोध. control of mind. अग॰ १८, १०; नाया० १; —त्यः पु॰ (-श्रर्थ) भनने। विषय. मन का तिषय. an object of, perception for the mind. 310 8; णोउस्सासगः पुं॰(नोउष्ड्वासक) ७२७वास પર્યાપ્તિ જેણે નથી પૂર્ણ કરી ते. ।जसने उच्छवास पर्याप्ति पूर्ण न की हो. (One) that has not fully developed power of respiration. ''ग्रेरइया दुविहा पराणता तंजदा उस्सासगा-चेव गोउस्सामगाचेव '' ठा० २, २;

णोकसाय पुं॰ (नोकपाय) छार्य, रति, अरित, लय, शांड, ल्युपेसा, स्त्रीवेह, पुरुपवेह, नपुंसडवेह से नव भाजनीय डर्भनी प्रकृति, डपाय लिल-डपायसहश उपयुक्ति स्पृहाय. हास्य,राति,श्रयति, भय, शोंक, जुगुप्सा, स्त्रीवेद, पुरुपवेद, नपुसकवेद य मोहनीय कर्म की नी प्रकृति, कपाय भिन्न नकपाय सहश उपयुक्ति नी प्रकृति का समुदाय. The aggregate of the nine varieties of Mohaniya Karma not classed under Kasāya though akin to it; viz. laughter, pleasure, disgust, fear, grief, dismay, male sex feeling, female sex-feeling, and neuter

rex-feeling. पन्न १३; — वेयाण्जा. न (- वेदनीय) भेदिनीय अर्भ नी द्वारयादि नय अर्थति. मोहनीय कर्म की द्वारयादि नी प्रकृति. the nine varieties of Mohaniya Karma e. g. laughter etc. " नविन्हें नोकसाय वेयाण्डिन करमे प्रणाते" ठा॰ ६;

णोकेचलणाण. न॰ (नोकेचलज्ञान) हेवश जान भिन्न हेवश्रज्ञान सहश, अवधि अने भनपर्यवज्ञान. केचलज्ञान भिन्न-केचलज्ञान रुद्दश; अवधि और मनपर्यवज्ञान. Avadhi J ñ ā n a and Manaparyava J ñāna as differentiated from Kevala J nāna " यो केचलणाणे दुविहे परणते तं जहा श्रोहिणाणे चेव मण-ज्जव णाणे " ठा॰ २; १;

णोणाणायार पुं॰ (नोज्ञानाचार) ज्ञानावार भिन्न; दर्शनावार प्रादि. Right faith etc. ns differentiated from right knowledge. " णोणाणायारे दुविहें परणाते दंसणायारे चेत्र णो दंसणायारे चत्र' ठा. २, ३;

गोतसणोयाबर पुं॰ (नोत्रसनोस्थावर)
तस निक्ष अने स्थानर नहीं ते; सिद्ध लगपान् जो त्रस और स्थावर दोनों नहीं है
वह; मिद्ध भगवान् . A being neither
mobile or immobile, a liberated
soul. जीवा॰ १०;

गोदंसणायार पुं॰ (नोदर्शनाचार) १श नी-यार भिन्न; शानायार पगेरे. दर्शनाचार भिन्न, ज्ञानाचार आदि Right knowledge etc as differentiated from right faith "द्विहे गोरंसण यारे परणाते विश्व रहे ।

गादियः त्रि॰ (नोदित) प्रेन्छा धरेक्षः अव ने

सन्भुभ धरेश. प्रेरणा किया हुआ: प्रारित, प्रचोदित; उत्साहित. Inspired; urged onward नाया • ६;

णोपरमासुपोग्गल. पुं॰ (नोपरमासुपुद्रल)
अभरभाध् पुद्रश्न, द्विप्रदेशी आदि २५५.
अपरमासु पुद्रल; द्विप्रदेशी आदि स्कंघ An
aggregation of atoms in any
number beyond a single indivisible atom ठा॰ २, ३;

णोबद्धपास पुट्ट. पु॰ (नोबद्धपार्श्वस्पृष्ट) एड नदी डितु એક पडणेधी २५४-१००६. रुका हुआ नहीं वरन एक श्रोरसे स्पष्ट नया निकलता हुआ शब्द A sound not altogether restrained but emerging from one side only. ठा॰ २, ३;

णीमासासद् पुं॰ (नोभासाशब्द) अ०थ५त शम्द्र; लाषा पर्याप्ति वभरने। शम्द्र अव्यक्त शब्द; निर्यक शब्द. An indistinct or inarticulate sound. " खोभा-सासद्दे दुविद्दे परायाते" ठा॰ २, ३;

णोभिउरधम्म ५० (नोभिदुरधम-स्वत ए-व नो भिद्यते इति नोभिदुरधमः) सु६८-धर्भः धर्मश्राणः धर्म मे दृढ. One steadfast in religion. ठा०२,३,

णोभूसणसद्. पु॰ (नोभूषणशब्द) भूषण् शम्म, लिन्न भूषण् शम्मद्दः सदश शम्मद भूषण शब्दः भिन्न भूषण शब्दः सदश शब्दः A sound rising from anything but an ornament. "णोभूमणसदे दुविहे पराणित" ठा॰ २, ३;

णोमिल्लिया. स्री० (नवमिल्लिका) जुओ। "खोमालिया" शम्ह. देखो "खोमालिया" शब्द Vide "खोमालिया" जीवा॰ ३, खोमालिया स्त्री० (नवमालिका) नवभावित नामनु ओक वृक्ष नवमालिनी नामक एक Vol. 11/126

रुच. A plant of the jasmine species. पच॰ १; राय॰ ५६; जीवा॰ ३, ४; जं॰ प॰ ४, ६२;

णोक्तियः त्रि • (नोदित) प्रेरेश्या ४रेशः प्रेरित प्रचादित. Inspired; impelled. पर्ह • १, ३;

णोसंजयासंजय. पुं॰ (नोसंयतासंयत)
स यत निष्ड अने असयत पण निष्ड; सिष्ड
सग्दान. संयत व श्रमयत दोनोंसे परे;
सिद्ध भगवान. One who is neither
self-controlled nor otherwise,
a perfected soul of a Siddha
ठा॰ ४, ४;

णोसरणोवउत्त त्रि॰ (नोसंज्ञोपयुक्त) आहा-राहि संज्ञा-अपयेगथी रहित. श्राहारश्रादि. संज्ञा के उपयोगसे रहित. Devoid of any instinct for taking food etc; a being whose consciousness of hunger etc. has not developed भग॰ २६, १;

एहवरण. न० (स्नपन) स्नान. स्नान, मण्जन. Bath; act of bathing. परह० १, २; सु० च० ४, १४०,

गृहविश्च-य त्रि॰ (स्तिपित) स्तान धरेक्ष; नाहेक्ष. स्तान किया हुआ; नहाया हुआ. Bathed; (one) who has bathed. उत्त॰ २२, ६; सु॰ च॰ २, १२;

राहाविऊर्णा. सं॰क्ट॰ श्र॰ (स्नापियत्वा) स्तान करावीने स्नान कराकर Having caused to be bathed सु॰ च॰ २, ६०२, राहाविज्ञत. त्रि॰ (स्नप्यमान) स्तान कराता स्नान कराता हुआ. Bathing; (one) causing other to be bathed. स॰ च॰ २, ४१;

राहाश्र-यः त्रि॰ (स्नात) नाहेक्ष; स्तान ३रेक्ष नहाया हुआ; स्नान किया हुआ. Bathed; (one) who has bathed.
नाया॰ १; २; ५; ६; १२; १३; १४; १६;
भग॰ २, ४; ६, ३३; १५, ७; दसा॰ १०,
१; श्रोव॰ ११; उत्त॰ १२, ४४;

एहाएए. न॰ (स्नान) स्नान; नहावं ते. स्नान; नहाना. Bath; bathing. मु॰ च॰ १, ३१२; भग० ११, ११; १०; विशे० १०२६; दसा॰ ६, ४; निसी॰ १, ६; -- उदयः न॰ (- उदक) नहायानुं पाणी. स्नान करनेका पानी water for bathing. नाया ०१३; —पीठः न० (-पीठ) स्नान पीऽ; नक्षायाने। पाल्नेड. स्नान पीठ; नहानेका वाजोट, पाट श्रादि. a seat for taking bath. नाया॰ १: जं॰ प॰ ३, ४३: -मंडच पुं॰ (-मगदप) स्तान करवानी भाउवा. स्नान मंडप. a bower used as a bath room. जं प ३, ४३; ---मिल्लया. त्रि॰ (-मिल्लिका) स्तानभां ७५-યાગી એક જાતતું સુગંધી વૃક્ષ; માટી भासती. स्नानोपयोगी एक सुगन्धित वृत्त विशेष; मोटी मालती jasmine; a plant bearing fragrant flowers. जीवा० ३; जंब प० राय० ५६:

गहारु न॰ (स्नायु) स्तायु; तथ. स्नायु; नम; नाडी. A muscle; a nerve; a sinew. भग० १, ५; ४, ६; १, ६; जीवा॰ १; —जाल. पुं॰ (-जाल) स्तायुती जाल-सभूद, तंतुजाल; स्नायु समूह. a net-work of muscles or sinews. भग० ६, ३३;

ग्रहारुगी. स्नी॰ (स्नायु) स्नायु-भांस तांतु. स्नायु-मांस तांतु. A tendon; a musole; a sinew. ध्याया॰ १, १, ६, ५३; स्य॰ २, २, ६; र्जं० प०

गृहाविया. स्त्री॰ (स्नापिका) स्नान अराय-नारो धासी. स्नापिका; स्नानकरांन वाली दासी. A maid-servant whose duty is to bathe her master or mistress. भग॰ ११, ११;

इति श्रीजीम्बद्धासम्प्रदायतिलकायमानपूज्यपाद श्री १००८ श्री गुलावचन्द्रः जित्स्वामिशिष्य श्रीजिनशासनसुघाकर-शतावधानि-पण्डित प्रवरमुनिराज श्री १०८ श्री रत्नचन्द्रजित्स्वामी विरचिते बृहदर्धमागधीकोषे सप्रमाणम् णकाशादिशब्दसङ्कलनं

समाप्तम् । इति द्वितीयो भागः